

प्रकाशक-बाबू रामलाल जैन नाबब तहसीलमन्दा  
मन्त्रा श्रीसूत्रागमप्रकाशकमन्त्रि  
जैनस्थानक, रेल्वे रोड, गडगोंब लाबनी  
(पुणव ७७७)

मन्त्राधिकार मन्त्रि डाग मन्त्र-११

## समप्पण

ज्ञाय विज्याय मम मन्त्रस्त चरकया गह्वा जेसिसुचपुसेन मन्त्रावच्छरेणे संमिसंचारो  
 हुओ ज्ञायमधुनचरितजोगेन संपदद्वाराबाबंननुमूकनमिच्छं पत्ते जेसि  
 बोहवचयेई नर्चद्वचमुहसमो कदो जेसिमपारननुगद्वचननुपुत्ता-  
 हदायन मह छेदनकाय पडती जाया, जेसि श्री चरक्यचद्वारागुत्तरं  
 पदासकमिने नद्वच, जेसिमन्त्रापसत्तागुरद्वचपद्विचद्विहारिक-  
 बह्मिन्मपरोनचारिसंननुद्वचद्वारागुत्तराहिसिपचरचविरपच  
 विपुसिचनचपुत्तराहिरद्वचनर्चानुचाद्वचसप्यपरम-  
 पुत्र १ ८ निरिचद्वचमुत्तराहिरचंनद्वचद्वाराबाबं  
 पुत्तवसमरणे द्विचनमिन्नुद्वचमिन्नुत्तरं वृत्ता-  
 रत्नार्चद्वचमेवं पुत्तागमपद्वच  
 ज्ञंम समप्पिचोमि ।  
 पुत्तमिचननु



## णमोऽस्तु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त महावीरस्स

### कृतज्ञताप्रकाश

जिसप्रकार स्थापत्यकलाज्ञोविद अपनी मन्त्रिण शक्तिका उपयोग करके मालिकके आदेश-निर्देशमें तत्पर होकर एक सुन्दर भ्रामादका निर्माण करता है उसी भाँति मेरे अन्तेयासी प्रशिष्य आयुष्मान 'जिणचदमिक्खू' ने अपनी विनयता, मृदुता, भक्ति-वैयावृत्त्य-सेवातत्परता, दक्षता और प्राकृतपिज्ञानकलामर्मज्ञता आदि मद्भा-वनाओंमें तन्मय होकर 'सुत्तागमे' के प्रकाशन सम्बन्धी कार्य त-  
थै प्रफुल्लसोधनादिकी सेवाका सहयोग देकर ज्ञातपुत्र महावीर भगवानकी शासनसेवा, और जिनवाणीकी भक्तितत्परता द्वारा खूब ही साध दिया है। भला इस कीमती सेवा के मृदु सम्स्मरणोंको कैसे भुलाया जासकता है। मैं इस मूल्यवान् सेवाकी बड़ी कदर करता हूँ। आखिर मनुष्य दो प्रकारके ही तो होते हैं एक उपकार करनेवाला और दूसरा उपकारज्ञ ।

पुण्णभिवक्खू

## प्रकाशनीय

२. जात्रके इस वैज्ञानिक युगमें जहां मनुष्यने विज्ञानके द्वारा नई २ व्यवहारो-  
न्मोही वस्तुओंका आविष्कार किया है वहां महान् से महान् संहारक अशुक्ल  
से सज्जोद्य भी । यह सब किसलिए ? मेरी सत्ता समस्त संसार पर छत्र काए,  
इसी सबका प्रभु हो जाऊँ, एक ओर तो सज्जोद्य होइये एक देश हमारे देखते  
उत्ते निष्कल बाधता है तब दूसरी ओर आधुनिक जनता का अधिक भाग  
मुझे न चाहकर सतिनी संयत्ता करता है परन्तु सति सज्जोद्ये वस्तुते पर  
सि मए मुझसे नहीं सिद्ध सज्जोद्य बाध तो आध्यात्मिकतामें है भौतिक-  
तामें नहीं और आध्यात्मिक महारथीर संग्रहणके द्वारा प्रतिपादित आत्म  
आध्यात्मिकतासे मरपूर है, इस आध्यात्मिकताके प्रचारके लिए साधुपुत्र महारथीर  
संघालुवाही उपनिषद्वाही जैन मुनि १ श्रीकृष्णजी महाराज की विमुक्त  
सेवासे समितिने आगमोंके प्रकाशनका कार्य अपने हाथमें लिया है जिसका  
क्रम फल आपके सम्मुख है । २२ सूत्रोंको 'सुखागम' के रूपमें एक ही  
ग्रन्थमें देनेकी उत्कट इच्छा होते हुए भी प्रकाशक देख-सुन नष्ट जानेसे  
११ संश्लेष प्रथम संश्लेष अलग बनाला पड़ा । इसके प्रकाशनमें जिन २ महत्तु-  
मोंने प्रकाशक का फलक रूपमें किसी भी प्रकारकी विषयवाचीय सेवा की है  
उत्कल हम हार्दिक आभार मानते हैं, एव ही सूत्रोंके लिखते हुए अत्यन्त २  
प्रकाशनों पर जिन २ मुनिकोंने अपनी २ सुम सम्मतिएँ मित्रवाई हैं हम उनके  
कृतज्ञता है और सहचरनी महालुमाओंसे निवेदन है कि वे इस पवित्र कार्यमें  
सहयोग देकर हमारे उत्साह को बढ़ाएँ ।

हम हैं विज्ञानीके सेवाकर्मी

प्रधान—मास्टर कुर्गप्रसाद जैन B A B T

मंत्री—मास्टर रामकाक जैन गवर्नर सहचरकार

## णमोऽस्तु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त महावीरस्स

### कृतज्ञताप्रकाश

जिसप्रकार स्थापत्यकलाकोविद अपनी मस्तिष्क शक्तिका उपयोग करके मालिकके आदेश-निर्देशमें तत्पर होकर एक सुन्दर प्रासादका निर्माण करता है उसी भाँति मेरे अन्तेयासी प्रशिष्य आयुष्मान् 'जिणचदभिवखू' ने अपनी विनयता, मृदुता, भक्ति-वैराग्य-सेवातत्परता, दक्षता और प्राकृतविज्ञानकलामर्मज्ञता आदि सम्भावनाओंमें तन्मय होकर 'सुत्तागमे' के प्रकाशन सम्बन्धी कार्य तत्पूफसशोधनादिकी सेवाका सहयोग देकर ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्की शासनसेवा, और जिनवाणीकी भक्तितत्परता द्वारा खूब ही साथ दिया है। भला इस कीमती सेवा के मृदु सस्पर्शोंको कैसे भुलाया जा सकता है। मैं इस मूल्यवान् सेवाकी बड़ी कदर करता हूँ। आखिर मनुष्य दो प्रकारके ही तो होते हैं एक उपकार करनेवाला और दूसरा उपकारह्व।

पुष्पभिवखू

(नं ५) "जैनबर्मोपदेश्य उपनिहारी पं. मुनिभी पूसखंजी महाराज से  
 सेपावित होकर प्रचलित मूल आचाराय सूनके प्रथम पुनर्स्वकी देखकर मुझे  
 बहुतही हर्ष हुआ इस संस्करणके मूलपाठ बहुत सुदृढ़ हैं, अपने परिधममें मुनिभी  
 बहुत सफल बने हैं।"

जैन न्याय साहित्यतीर्थ तर्कमनीषी पं मुनिभी मिश्रीमलजी  
 म (मधुकर) प्रेषक पूसखंजी महाराज प्यावर

(नं ६) दत्तात्रेय (आचार्य) पुस्तक पढ़ने गई, यह उनकी बहुत हवा  
 [उनको महाराज साहिब कोटि कोटि बन्कबाह करते हैं और बर्न करते हैं  
 के बार कोई पुस्तक अगर आपने छपाई हो तो हवा करके भेजें।"

गणायच्छेदक मुनिभी रघुपरायलजी महाराज  
 प्रेषक सेतूराम जैन र्वसेभाऊम आळंभर-छावनी (पू पंजाब)

(नं ७) "आचाराय सून" जैसी पूर्ण कृतीही समझते निम्नो लाभ्य  
 करनेवालोंके लिए बड़ी उच्छेदीकी बसा होपी ऐसा श्रीमुनि हीराकासजी म.  
 वे प्रमाणा है।"

आळंभयन जयपुर

(नं ८) "तुम्हारा तरफकी दत्तात्रेय पं नाथन पवित्र आत्म आचारायजी  
 को प्रथम भाग मूलपाठे सम्पादक भिक्षु पूसखंजी महाराज। सबकु पुस्तक  
 समीप रचाय करीब ते जमीने गई अके मन्त्रो के बने ते महाराज  
 श्रीशामजीस्वामी वे आपेक के पुस्तकी मुक्ति जमे अस्तिव छोई महाराजभी  
 क्या कृती क्या के।"

शा मोहनकाक रतनजी कच्छ मांडवी

## सुत्तागमे पर लोकमत

(न १) “श्रीपुष्कभिक्षु द्वारा सम्पादित ‘आचाराग’ का मैंने अपनी भक्ति अवलोकन किया है, धर्मोपदेष्टाजीका यह प्रयाग प्रगमनीय है, संपादन का ही सुंदर बना है, विशेषतः स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए यह धर्मसे अन्य मर्थोंका संपादन हो। मुद्रणकलाकी दृष्टिसे भी रमणीय रहा है, आत्मप्रेमी गज्वन इस प्रयासमें अधिकसे अधिक सहयोग देकर जिनवाणीका प्रचार करेंगे।”

**पूज्य श्रीपृथ्वीचंद्रजी महाराज, आगरा (लोहामंडी)**

(न २) “श्रीधर्मोपदेष्टाजी द्वारा संपादित ‘आचारागसूत्र’ मने ध्यानपूर्वक देखा है, संपादनकी शैली सुंदर और युगानुकूल है, स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए और साधु-साध्वियोंके लिए यह संस्करण बहुत ही उपयुक्त सिद्ध होगा। मुद्रणकलाकी दृष्टिसे भी प्रस्तुत प्रथम बड़ा रमणीय दीख पड़ता है, शुद्धिपर काफी ध्यान रखा गया है, आचाराग का प्रस्तुत संस्करण समाजमें अधिकाधिक ध्यान ग्रहण में, यही हार्दिक अभिलाषा है, पुस्तक मुझे पसंद है।”

**काविरत्न, उपाध्याय श्रीअमरचंद्रजी महाराज, जैनमुनि  
कुठनभवन व्यावर**

(न ३) “यह लघुपुस्तिका लघु होते हुए भी परमोपयोगी है, निरूपण करनेवालोंके लिए यह नित्यकी सहायिका है, इसका प्रकाशन भी बहुत सुंदर हुआ है। इस प्रेमोपहारके लिए जैनमुनि प श्रीहेमचंद्रजी महाराजों आपका और गायपुत्तमहावीरजइणसंघाणुआई लहुअम पुष्कभिक्षु का अतः धन्यवाद किया है और हार्दिक कृतज्ञता प्रगट की है, तथा मुनिश्रीने सनेह सुखसाता पूरी है।”

**समाना मंडी पटियाला (पंजाब)**

**भगवानदास ब्रजलाल जैन बजाज**

(न ४) “मैंने अद्वेय मुनि श्रीकूलचंद्रजी महाराज द्वारा संपादित आचारागसूत्रके प्रथमश्रुतस्कंध के मूल संस्करण को देखा, इसे पढ़कर मैं अत्यधिक आनंदित हुआ, इस प्रकार के सुंदर प्रकाशन के लिए मुनिश्री धन्यवाद के पात्र हैं।”

**श्रीमान् अद्वेय प्रवर्तक स्वामीजी  
श्री श्री हजारीमलजी म जैन स्थानक व्यावर**

है, बात साप्ताय प्रेमियोंके लिए विशेष उपयोगी है। संपादक सतत धर्म-  
वादके पात्र हैं, क्योंकि सुतागम प्रकाशनरूप विनवाणीकी अनवरत रूपसे आप  
संपादन कर रहे हैं। मुझे यह भी आशा है कि आगे इसी प्रकार निरंतरता  
रखते रहेंगे।”  
मुनि प्रेमचंद मामसा (E. P)

(नं. ११) “श्रीसुत पंडितरत्न सुतागम संपादक, वैभवमोपदेष्टा ‘पुष्प-  
मिन्दु’ द्वारा संपादित छायांग सत रेखा विषयमें पाठश्रुति, मार्गमें हस्त  
और सुंदर कपाई आदिभ्य प्यान संपादक बन रहा है। इस नई छेडीके  
प्रकाशनको देखकर प्रत्येक व्यक्ति यह पूछे विचले कर सकता है कि माममें  
सागरकी लवि साठ बरिताई है। मुझे दूर संतोष ठन ही होगा जब पूरे  
आगम बस्तीसी सुतागमरूपेण प्रकाशित होगी। संपादक और सहायक सतत  
धर्मवाद हैं।”  
निवेदक मुनि प्रेमचंद मामसा (E. P)

(नं. ११) श्रीमान् पूज्यवर वैभवमोपदेष्टा श्रीरत्नरत्न प्रसाद विद्यावारिधि  
धर्मशास्त्र पुष्पमिन्दु सागर लेख्यवाचिक अनेक वंदन। और अस्मत्पा  
विचारद समित मिन्दुको उद्योगाति पुष्पा। आपकी कर सुतागमे सुत्रोंके मू-  
पाठ्य संपादनका सुंदर कार्य बिन समाप्त पर विशेषकर मुनि और छायांग पर  
महान उपकार है। आपने समाजके लिए यह कर्तव्य अवसर दिया है। आपका यह  
संगठन महान उत्साह है। मेरी निरन्तर अमितावा साधर हो रही। क्योंकि  
मेरी यह प्रबल इच्छा थी कि जिस प्रकार बार बार है इसी प्रकार हमारे २९  
सुत्रोंका बार माममें प्रकाशन हो। पहला कृष्णालके रूपमें सुत्र साप्ताहिक  
रूपमें छिपरा भागवतके रूपमें और चौथा संस्कृतभाषा तथा नई विषयोंके  
रूपमें। मूल्यांक सुंदर अवसरोंमें प्रकाशकर हो। जैसे सुत्र बाईबल मंगलाह  
आदि पाए जाते हैं। इसके उपरांत अग्रेजी भाषा की नीनी और फेंक आदि  
पाठ्यभाषाओंमें भी अनुवाद हों। आपने तो मेरी ईच्छाओं कीकरी कर रही  
माननाको आपका यह संगठन बंदी नगरमें रह कर जारी रखा है, मुझे तो  
ठीक बही मास हो गया है। ठीक भी है क्योंकि मन्तो मन्तो राहत होती है।

हे प्रोतिवर्त! जैसे तो आपके जीवनका प्रत्येक क्षण धर्मशास्त्रके हित  
और वैभवमात्रके उत्थानमें व्यतीत हुआ है। आपने मंगलाह कातपुत्र महावीर  
प्रमुख पवित्र भाषाओंको भारतवर्षके कोने कोनेमें पहुंचाकर धर्म जनसमाज की  
उत्थाना है। अपनी सफुल और अनेककी भाषा द्वारा प्रचार दिवोंकी दवाके

(न ९) जैन जगतके सुप्रसिद्ध पर्याटक एवं जैन धर्माचार्य श्री पुष्पभिक्षु द्वारा संपादित सूत्ररुतागमसूत्रा मूलग्रन्थ जैन धर्म की मूल पाठ्य शिखर उगम संपादन और जयनाभिमन प्रकाश, १९१३ आदि युगमें सर्वतोभावेन आदरणीय है।

स्वाध्याय प्रेमी विद्वानोंके लिए यह ग्रन्थ बहुत ही मूल्यवान् है। इस दिशामें श्रीपुष्पभिक्षुस्य यह मत्प्रयत्न निश्चयात्कीय रहेगा। मूल पाठ्यों के प्रकाशनकी उनकी योजनानी मैं हृदयसे मन्त्रणा करता हूँ। मन्त्रणाभावात् जनताके लिए बड़े काम ही बन्तु है।

शंकरलाल चाटिका }  
१६ मई १९५१  
व्याचर

मुनि 'अमर'

(नोट) आपका पूरा नाम जगद्विख्यात कीर्तन, उपाध्याय, मुनि श्री १०८ श्री अमरचंद्रजी महाराज हैं।

(न १०) श्रीमान् श्रद्धेय मुनिश्री हजारीमलजी महाराज तथा पंडित मुनिश्री मिश्रीमलजी (मधुकर) महाराज की सम्मति

“आचाराग” की तरह ‘सूत्ररुताग’ का प्रकाशन भी बहुत जरूर हुआ है। स्वाध्याय रत्निकोंके लिए यह प्रकाशन बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

जैनधर्मोपदेष्टा उपनिहारी पंडित मुनिश्री फूलचंद (पुष्पभिक्षु) का आगम-साहित्यकी दिशामें यह मत्प्रयत्न हृदयसे अभिनदनीय है। आशा है जैनधर्माज मुनिश्री की इस विराट् आगमसंपादन योजनाका उदार हृदयसे न्याय करेगा। हम मुनिश्रीके इस स्तुत्य प्रयासकी हार्दिक सफलता चाहते हैं।

प्रेमक श्रीधूलचंद्रजी महता व्याचर

(न ११) “मैंने पंडितरत्न, मधुर व्याख्याता उपनिहारी अनयक प्रचारक जैन धर्मोपदेष्टा मुनिश्रीफूलचंद्रजी महाराज द्वारा संपादित सूत्ररुताग सूत्र सत्तागमरूप पुस्तकाकार देखा। संपादकने इसमें पाठोंकी शुद्धि, उपकरणम हलका तथा मुद्रणकलाकी दृष्टिसे सुंदर व्यवस्थित छपाई आदिका विशेष ध्यान रक्खा

( नं १५ ) ता २०-९-५१ श्रीमान् बाबू रामसाहजी साहब !

जन मित्र ! आपका इरादा करण ही आजादीग सूत्र तथा सुव्यवस्था  
सूत्र मोक्ष हुए । मुझसे भी १००८ धीयदुसरी पंडितरत्न भीमुनि  
मरपतरायजी महाराजने अमन्त प्रवचता प्रगट की । नीचे मुनि धी फू-  
नरबीके इस प्रवचने की प्रवृत्ता करते हैं और फर्माते हैं कि वह श्रम जो  
उन्होंने भारंम किया है मगवान् उनके सफलता के ।

संघ सेवक

मदमसाह जीम

फर्म-बैसीछाछ बनारसीवास जैन

होशियारपुर E. P

( नं १६ ) मेधाबमूषण पूज्य भी १००८ श्रीमोतीसाहजी  
महाराज फर्माते हैं कि "आपकी तरफसे 'सुसागमे' सुवगडे नामसे  
मिनाम मिली । पूज्यभीके भवर(भेट)करणी पड़े । पूज्यभीने फर्माया है कि पुस्तक  
बड़ी ही सराहनीय है । आपने बड़े परिश्रमसे साब भगमोहार करना भारंम  
किया है । आपरो हार्दिक धन्यवाद है ।"

कालूराम हरकछाछ जैन

कपासम (मेषाङ्ग)

( नं १७ ) "आपका मित्रबाया हुआ ( ठाण्ण-समबाबा-मूक सूत्र जो  
प्रतिरै ) बुक-पौछ कम्मा परचरम जैन काली द्वारा हयें प्राप्त हुआ है । एतदर्थ  
उमदात धन्यवाद । मे महान् भगमोह रज मित्रबाकर हमें कृतार्थ किया है और  
ममिष्यके किए जाया करते हैं कि इसी प्रकार अन्य भगमोह रज भी मित्रबाकर  
अनुवर्तित करते रहेंगे । पुस्तकमें छपाई-मुद्रणा-सुंदरता-अनुता-आकार-अक्षर  
सब कुछ बैसा ही है जैसा मैं चाहता था मानो मेरे मित्रारोंसे समझकर ही आपने  
प्रकाशित करानेका प्रयत्न किया हो । यह संस्करण त्याग्यारपरायण अनुविहारी  
मुनिराजोंके किए परमोपयोगी है ।"

रोपक १-९-१९५२ }

मधुरीय  
मुनि फूकण्ड (धमज)

( नं १८ ) "अधेय बर्मोपदेशी जो आगमोद्य संशोधित मूकपाठ प्रकाशित  
करवा रहे हैं इसकी परमावश्यकता की इस दिशाकी ओर बहुत कम विज्ञान



पानीसे पिघला दिया है। कितने ही पशुओंकी उल्लिखित अश्लीलता उगाड़ फेंका है। हजारों मूक प्राणिओंके प्राणोंको मौतके घाट उतरनेसे बचाया है। धन्य है आपके विश्व वत्सल जीवन को, इस क्रूर हिंसाकी भयावह अधिगारी निशामें आप जैसे भिक्षु ही दयाके प्रकाशमान उद्भुत हैं तथा लाट ऑफ मिनार हैं। आपने अहिंसाके ऊँचे ध्वजको फहराया है यानी देशके बड़े बड़े नगरोंमें दयाधर्मके झंडेको हाथमें लेकर भ्रमण किया है। जैसे रुढ़ीर, कराची, कलकत्ता, क्षरिया, कानपुर आदि २ और अचकी घार विभवपूर्ण और गार्दर्य-सम्पन्न कुवेरनगरीके समान बड़े नगरमें जैनधर्मकी विजयपताका लहरा रहे हैं।

इतनी दूर जाकर वीरशासनकी सेवा करना अपनी उपमा आपही है। अस्तु।

मेरी तो शासनदेवसे यही प्रार्थना है कि आप दीर्घायु हों। और आपने जो जैनागम प्रचारका शुभसकल किया है उस भगीरथ कार्यमें आपको महान सफलता मिले और तीर्थकर पदके भागी बन। यद्यपि आपके पावन दर्शनका अवसर मुझे नहीं मिला तब क्या मैं यह आशा कर सकता हूँ कि चतुर्मासके बाद इधर पधार कर दर्शनाभिलाषा पूरी करेंगे? क्योंकि आपके मनोहर और क्रांतिकारी उपदेश सुनने को दिल बहुत चाहता है और जो २ सूत्र प्रकाशित हों उन्हें भिजवानेकी कृपा करें आपकी बड़ी महरबानी होगी। भूलके लिए क्षमा।

प्रेषक  
सेक्रेटरी S S जैन सभा }  
मूनक (पेप्सू)

आपका प्यारा दास  
मुनि भागचंद

(न १४) श्री १००८ श्री गणावच्छेदक श्रीरघुवरदयालजी महाराज के पास अपना भेजा हुआ सूत्रकृतांग सूत्र मिला "सपादन" सुंदर है। धर्मोपदेष्टा श्रीफूलचंदजी महाराजके परिश्रमका यह फल है। आपकी परिश्रमशीलताको देखकर कौनसा मानव है जो आपकी स्तुति न करे। आप जैन साहित्यका कार्य करके अपने जीवनका चरमलक्ष्य पूरा करेंगे। जिसके लिए आपने कदम उठाया है। महाराज श्री आपको धन्यवाद देते हैं।

निवेदक

५१०५१ लाला अछरूमल जैन रहैसेआज़म

चौक कसेरान

पटियाला ( E P )

(नं २१) जैन मुनि श्रीश्री हजारीमसजी महाराज व पं मुनिश्री सिध्दीमसजी (मधुकर) महाराज की सम्मति

“स्वार्णायस्त्रये दोनों गंध और समवायंगसूत्र हमने पढ़े । आचारार्ण और सूत्रहृतांगमि तरह ये प्रत्यक्ष भी बहुत सुंदर निकले हैं । इन आगमोंके सम्पादनमें जैनधर्मोपदेशा समिहायी मैत्री मुनि श्रीकृष्णचंद्रजी महाराजमें जो परिभ्रम उठवा है वह असन्त प्रशंसाके योग्य है । स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए मुनिश्रीका यह प्रकाश बहुत सफल सिद्ध हो रहा है ।

माधना तो यह है कि आगेके प्रकाशनभी बहुत शीघ्र हमारे हाथोंमें आ जाएँ ।”  
प्रेषक—राक्षसल विरपीचंद सातेइ सु पो बिजयनगर (बनमेर)

(नं २२) मुनि श्रीकृष्णचंद्रजी म द्वारा सेवारित ‘सुतागम’ अंतर्गत आचारार्ण सूत्रहृतांग-अपार्यप और समवायंग पुस्तक संग ४ भेद मिलीं । ‘सुतागम’ की अपरोक्ष पुस्तक स्वाध्याय योग्य होनेसे स्वाध्याय करके अतिप्रमोद प्राप्त हुआ है । विज्ञात और स्वाध्याय करदेवाकों ने लिए यह बहुत उपयुक्ती साधन है । निजब बादरी पढ़नेसे मन्त्रम हुआ है कि ‘सुतागमप्रकाशकसमिति’ (शुभमार्ग पं.बाबू)ने अतामप्रचारविपक बीजना निष्ठाका रक्खी है । यदि सुतागमकी तरह सौ १ मापाज्जामे धीमन्त्र समवाय महावीरस्वामी द्वारा निर्दिष्ट अयस्कृतकस्वायक अनेकान्त साक्षादगमित जैनसिद्धान्त का प्रतिरक्ष प्रसिद्धान्त और प्रतिवरमें प्रचार हो ये स्वक विवास दूसरा पुष्पकर्म क्या हो सकता है । यह वर्मप्रचारकी सर्वोपरि बीजना है, यह अद्वैत हुए हमें हर्ष होता है । कैमलमावके भीमान् निदानोंका और भीमाद तस्वीर्ननाका इसमें पूरा साथ हो तो अल्प अल्पी सुवात्सल्यसे ही सञ्जा है अत दोनों सदा रहें ।

आमजोधपुर ता ३१-८-५९ छमेचक जैन मिन्तु राधुकाळजी म०

(नं २४) आपकी ओरसे सुत्रोच्च कुनपोरत मिना मेधाइ मूपप्य चतुर्मास-विहारमंजी श्री १००८ मोतीकाळजी म की सेवानें प्रस्तुत किमल त्तरामे फर्माया है कि आपकी हार्दिक बन्धुव्य है, आप बड़े परिभ्रमपूर्वक धानोदार कर रहे हैं आपका धानोदार सराजनीन है । ऐसा परिभ्रम करके

મુનિઓના ધ્યાન ગયા છે. હવે ભગીરથ કાર્યકે લીધે શ્રી ઝમોંપટેષ્ટાજીના જૈનસમાજ સદૈવ હી આભારી રહેગા ।”

કવિરાજ શ્રીચદનમુનિ,  
મુ० ગીદહવહા મહી E P

( ન ૧૯ ) શ્રી ૧૦૦૮ શ્રીરઘુવરદયાલજી મ૦ ઠા० ૬ મુલ્કશાંતિસે વિરાજમાન હૈ, આપકે મેજે દો સૂત્ર પ્રાપ્ત હુણ, વે અતિ સુદર છપાઈ મફાઈ કાગજાદિ સવ દષ્ટિસે વિદ્વાનોકે લીધે મહતોપયોગી હૈ । આપકા કાર્ય કેવલ પ્રશસાકે યોગ્ય હી નહીં બલ્કિ આદર્શ ઔર આચરણકે યોગ્ય હૈ ઔર નિ શુલ્ક મિજવાકર તો અપને સમાજ પર અપની અતિ ઉદારતાકા પારેચય દિયા હૈ અત હસકે લીધે કોટિ ૨ ધન્યવાદ ।

તા ૧-૨-૫૨ } મત્રી S S જૈનસમા  
માલેરકોટલા E P

( ન ૨૦ ) શ્રી માવાજી સ્વામીએ આપને વહુમાનથી વદના કરી મુલ્ક-શાતા પુછાવેલ છે આપે ભગવતી સહિત સાત સૂત્રો છુટક છુટક કરી મોકલ્યા તે સાતે પુષ્પો મલ્યા છે તે સહર્ષ સ્વીકારી ઊંધા છે । તમો શાસ્ત્રોદ્ધારનુ કામ કરી જૈનસમાજની સેવા વજાવી રચ્યા છો તે ઘણુ હચ્છવા યોગ્ય કામ છે તમોએ તથા ત્યાંની સમિતિના કાર્યકર્તાઓએ સૂત્રાનુવાદ ગુજરાતી અને હિંદી તથા કાવ્યોમા વનાવવાની માવના પ્રદર્શિત કીધી છે એ અતિસ્તુત્ય છે

પોરવંદર તા० ૧૦-૧-૧૯૫૨

( ન ૨૧ ) તમારા તરફ થી માગધીમાષામા આપના શાસ્ત્રની પુસ્તિકાઓ મોકલી તે મળી છે ‘સુત્રાગમે’ તેની વે જુવી ૨ મળી છે આપ આ જ્ઞાનોદ્ધારક શાસ્ત્રોદ્ધારને માટે કાર્ય કરો છો તે માટે અમના મત્રીશ્રીને સ્ત્રેસ્ત્ર ધન્યવાદ છે- એ પ્રકાશન જગત્પયોગી છે એ આપની પરોપકારી માવનાને ધન્યવાદ ઘટે છે

પોરવંદર તા ૩૧-૮-૫૨

મુનિશ્રી આંધાજી સ્વામી

## सूचना

[illegible]

शास्त्रोद्धार करनेवाले विरले मुनि हैं। आपको जितनी उपमा दी जायें थोड़ी ह। आपथी चतुर्विध सघके लिए बड़ा ही सराहनीय कार्य कर रहे हो। ऐसा कार्य करने ही से समाजमें ज्ञानप्रचार व शास्त्रोद्धार हो सकता है, थोड़ेसेमें बहुत समझें। श्रीमान्-श्रावक सघका पैसा भी सदुपयोगमें लग रहा है। श्रावकसघको चाहिए कि ऐसे कार्यमें कजूसी न करते हुए द्रव्यका इसके प्रचारमें सदुपयोग करें जिसमें सबका कल्याण समाया हुआ है।

ता० ३१-७-१९५२

आपका भवरलाल जैन, खमनौर

(नोट) इनके अतिरिक्त और बहुतसी सम्मतिएँ ग्रथ बढनेके भयसे नहीं दे रहे। आपने इन पृष्ठपटोंपर अकित सम्मतिओंसे यह तो जान ही लिया होगा कि ये प्रकाशन कैसे हैं। वैसे तो सब सप्रदायोंके मुनिओं और महासतिओंकी ओरसे सूत्रोंकी मांगें धडाधड आती रहती हैं, अर्थात् सूत्रोंका प्रचार आशासे अधिक हो रहा है। इसी प्रकार ३२ आगमोंको यथासमय मुनिओं और महासतिओंके करकमलोंमें पहुँचाकर समिति अपना ध्येय पूरा करनेका प्रयत्न करेगी। समिति यही चाहती है कि हमारे मुनिगण प्रकाण्ड विद्वान् बन कर जिनशासनका उत्थान करें।

मंत्री

## सूयणा

इष्टारसंगात्तमिमाहम्भह पम्भगुम्भ परिमधिबमेरुन एाहुकुम्भस्यमभीम लक्षि-  
 तमुनकपीय चतुर्धत्तकञ्चतुतामिताण परंतविताण अगिम्भ उम्भतवतेवदिष्ण  
 योम्भ व अक्षिताय पायम्भजण्युम्भजविहाननियानमिचनयामनिराण पंचविहारा  
 निरह्यारचरमनिराण मभोवक्षितारचतरेण्य अण्णाचतमोहपर्ववमार्ज्वाण मोहेम-  
 निवारपर्वराण पासंदिमाचसेकमाहनवजर्वराण वातरीय अपविचराच तवधिरिच-  
 मिह्याय उम्भजवम्भजियमम्भसम्भसुम्भवरविारचयत्तमवधिसिचन्मेवक्षिन्मम्भमाय  
 उर्वजयपर्वचपमिचरकचरकचरुंरपमाय हुज्जयचपंगमाव्यममपचरंगपुंमससिचम्भ  
 अमुम्भ उम्भजुम्भजोहवअम्भापमोहविमिरमरहरयवम्भजोवकरमिह्यतमिह्याण हुह  
 तवउम्भजमेह्वारपवचाच वरितयापर्वसचपम्भजुम्भजिह्यतवमेह्वराण चारकव  
 किम्भ व उम्भमाय पाविचप्येहुवाचन्याय संसारम्भजमज्जबीचनमतारनतमत्तवो  
 हित्वाण अक्षिन् श्रीरिमापक्षित्वाच विचपवचययचनिसत्तवत्त मेराचामचरमाह  
 निम्भजगुनवरनवरनवरान निम्भजुम्भजपसदेसचामिन्वाविचमम्भजन्नुवामवीमियमू-  
 नसम्भजपवचासचपवचमिन्वावसत्तुगगरकाण हुज्जयहुम्भजचपवचपाए वि अतर  
 काच मित्सुम्भजिपिचमत्ताण मुहविहवाचपचाण वृपरेचतविहियिन्वावरह्वमीह  
 हाचाण मित्सुम्भजचम्भसमानमचोविचमत्ताण नवविह्वमचोएतिसम्भजचपवचप-  
 राचन्या हुम्भजवचनिसहविह्वसचपाचन्याण सुत्तत्यविचारयाच विचमम्भ  
 पचारवाच मरुम्भ पएणवीरागाहनरोसेहुम्भजचपवचन्याण कवचवत्तवर  
 कचन्याय च व अचम्भजिचपवचपवचन्याण वीतिमुदिचजवमवचन्यावत्तपुम्भज  
 चरानवचम्भ उम्भजहाण मवकुम्भजववसत्तपविचसिचन्यावत्तहाण चंदयवर्च व  
 उदीचम्भ अतम्भजवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्त  
 मवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्त  
 तेवत्ता पुंरवाच वम्भज सुतिमिताय विचसिचवचपवचपमत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्त  
 वचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्त  
 वाईण परविचपियविचमिह्यज्जभापीय चयज्जगुनरापीय मानावमानपसंविचम-  
 अह्वारवत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्त  
 विचमिह्यतव वीज्ज अचविह्वराईय विचपवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्त  
 स्तेमवत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्त  
 वात्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्तवचन्यावत्त

विविहमहायकसमुलसतल्लक्षणक्कचक्कअणवरयविसप्पिररोगसोगमयराइभीमभवण-  
 वाउ भव्वे धम्मदोणीतारणसमट्ठकुसलकणधारण धीरधुरधवल्लुव उव्वहिय-  
 दुव्वहपचमहव्वयगुरुभाराण उदहिविव गहीराण मोहमल्लिकवीराण पावदावगि-  
 नीराण दुरियरयसमीराण जिणधम्मरहसुसारहीण धम्मकहीण तिगुत्तिवग्गावसीक्क-  
 यदुट्ठमणस्साण अवगयदुग्गमसिद्धतरहस्साण अपसत्थासवदारनिरोहगाण वहुभव्व  
 जणसमाजवोहगाण जिइदियाण धम्मपियाण पचविहसज्झायविहिविहाणविहावण-  
 सावहाणाण अहिलजगज्जंतुजायवियरंतअभयदाणाण भवजलहिवुत्तजतुसतरण-  
 अणहवरजाणाण भवभयचारयवधणविच्छेयनिमित्तसत्ताणाण समतिणमणिलेद्ध-  
 कचणाण छट्ठियमयतण्हावचणाण अण्णाणतिमिरावरियमन्तरणयणजणताविइण-  
 तदुग्घाडणारिहतव्विमलयाहेउपरमणाणजणाण सखुव्व निरंजणाण कम्ममहीरुद्धकु-  
 मइलउप्पाडणगइदाण परतित्थियमियमइदाण कासकुसुमालिनिम्मलजसभरपरिभरिय-  
 भुवणयलाण दारिद्दुमदवानलाण सोमुव्व सोम्मयागुणगरिट्ठाण सव्वसाहुजणपगिट्ठाण  
 सीहुव्व असखोहाण आहिवाहिउवाहिकसायगिगउल्लहवणमेहसदोहाण वज्जियलोह-  
 नियडिमयकोहाण पणट्ठसपदायपक्खवायमोहाण अण्णाणधयारावडियदावियमुत्ति-  
 मग्गाण गयसग्गाण कि बहुणा सव्वसाहुगुणोवमाजुत्ताण ससहरुव्व विवुहजणम  
 णचओरामंदाणददायगभव्वहिययकेरववियासगनियसियसुजसजुण्हाधवल्लियदियतर-  
 अण्णउत्थियचक्कविहडणपयडमहप्पपावकलकवंकत्तणमुत्ताण अज्जपरमपुज्जाण वदणि-  
 ज्जाण ४ सिरि १०८ सिरिफकीरचंदमहारायाण धारणाववहाराणु  
 सारं वट्ठंति जइ मे पयासेण कस्स वि किंचि वि लाहो होहिइ तो सपयत्ताहल्ल  
 मणिस्स, दिट्ठिसुट्ठणक्खरजोजगदोसा कहिंपि कावि असुद्धी होउ सोहिज्जउ, पेसि-  
 ज्जउ ससम्मई, इमाण सज्झाय कट्ठु वुहा निरावाह सुह पाउणतु ति ।

गुरुपयबुरुहदुरेहो-पुप्फभिक्षू

### सूचना

यह प्रकाशन मेरे धर्मगुरु धर्माचार्य साधुकुलशिरोमणि १०८ श्रीफकीर-  
 चंद्रजीमहाराज (स्वर्गीय) के धारणाव्यवहारानुसार है, यदि कोई दृष्टि  
 मुद्रणादि दोष हो तो स्वाध्याय प्रेमी सज्जन सुधारकर पढ़ें । यदि इस प्रयत्नसे  
 मुमुक्षुओंको ज्ञानसाधनाका लाभ मिला तो परिश्रम सफल समझकर सन्तोष  
 होगा । इन अगसूत्रोंका अहर्निश स्वाध्याय करते हुए वे निराबाध सुख प्राप्त करें ।  
 मुनिगण अपनी सम्मति समितिको भेजें ।

गुरुचरणचचरीक

पुप्फभिक्षू

## प्रस्तावना

इस जगति सर्वत्र संसारमें आत्माने अनन्त बार जन्म मरण किए हैं परन्तु अपने संकल्पों मूककर विभाव-परपरिणतिमें एक पत्रकर कर्मबन्ध होकर अनन्ता-मन्त बुद्ध सहन करता रहा है। यद्यपि छत्रको पानेके लिए अनेक प्रकारके पापद्वैतका है लेकिन अन्ततः उसे वह सच्चा और दिव्य छत्र नहीं मिल सकता है कि जिसके द्वारा संसारीके सब दुःखोंसे निराला छुटकारा पावेता परन्तु ब्रह्म पुण्याधिके बिना वह छत्र कहाँ? 'धर्मास्तुतः' ब्रह्मसे छत्र मिलता है, छत्रके पानेमें ब्रह्म कारणभूत है, तब कारणके बिना कार्य कैसे संभव हो सकता है। साथ ही वह भी स्मरण रहे कि धर्मपुण्यार्थ ही मोक्षका वास्तविक मार्ग है जिसके मुख्य तीन प्रकार धर्मों द्वारा प्रतिपादित हैं, वे हैं सम्बन्धान सम्बन्धन और सम्बन्धन। धर्म और मनके दुःखोंसे छुटकारा दिव्यने प्राप्त की छत्रय समर्थ साधन है। इस रत्नमयमें पहले नाम छत्रों के अनुसार सम्बन्धानधि प्रकाशता है। मोक्षरूपी महा अर्थकारके समुद्रको नष्ट करनेमें ज्ञान सम्यके समान है। इस वस्तुको प्राप्त करनेमें ज्ञान अत्यन्त है। दुर्लभ कर्मरूपी हाथीको पछाड़नेमें ज्ञान सिंह कैसा है। ज्ञानके अभावमें सुहृद को बाधों होनेपर भी वह अन्धके समान है। ज्ञानके भी पांच प्रकार हैं जिनमें 'भुतज्ञान' बड़े ही महत्वकी वस्तु और परीपश्य है। केवली समानता केवलज्ञान उनके सम्यके लिए ज्ञान आवश्यक है औरोंके लिए नहीं वे भी भुतज्ञानके द्वारा ही अपने-के अंतस्त्व भव्य जीवोंको प्रतिरोध देकर महान् उपकार करते हैं। लेकिन भुतज्ञानकी भी दो सीधियाँ हैं जिनमें सम्बन्धन और मिथ्याभूत कहते हैं। सम्बन्धनके भी अनेक भेद हैं जिनमें वर्तमान समयमें केवल ३९ आगम ही उपलब्ध हैं और वो १४ पूर्ण भुतज्ञान महान् समुद्रके समान वा उसका काज बोसे इस समन निष्पत्ति हो चुका है। वह हमारे मेहमान ही का कारण है, तो भी वे वास्तविक आगम आकाशके सत्ताद्विषयके मूल ओतके समान हैं। इन्हीं ओतों द्वारा हमारा साक्षि अमर निमित्त प्राप्त है। साक्षि वह वस्तु है जो प्रत्येक ब्रह्म और राष्ट्र प्राणभूत होता है। जिसका अपना निजीसाक्षि न हो वह ब्रह्म सम्यके समान है।

जिससाक्षिमें आगमोंका स्थान—जो तो वैकसाक्षि अन्य साक्षिओंमें अपेक्षा अत्यन्त निम्न है। कोई ऐसा नियम नहीं है जिसपर वैकसाक्षिओं की केवली न पड़ी हो परन्तु उसमें भी आगमोंका स्थान सर्वोच्च है। या भी कहिए



कि ये आगमसूत्र जैनसाहित्यके लिए प्राणभूत है। इन आगमों का सहारा लेकर बड़े २ विद्वानोंने नाना प्रकारकी उत्तमोत्तम रचनाएँ की हैं। इससे यह पाया पड़ता है कि ये हमारे पवित्र आगम जिनशासनरूपी कल्पवृक्षके दृढतम मूल हैं।

**आगम रचयिता**—जिस समय तीर्थंकर भगवान् चारों तीर्थोंकी स्थापना करते हैं उस समय द्वादशांगीके वीजभूत महत्त्वपूर्ण तीन वचनोंका प्रकाश गण धरोंके सन्मुख करते हैं, उस उत्पाद व्यय और धौव्यरूप त्रिपवीके द्वारा गण धरदेव द्वादशांगीकी रचना करते हैं ५ वर्तमानसमयमें जो ३२ आगम उपलब्ध हैं वे सब ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्के सदुपदेशोंसे भरपूर होनेके कारण हमारे लिए अक्षय कोपके समान हैं।

**वर्तमान आगमोंका इतिहास**—भगवान् महावीर प्रभुके निर्वाणसे ९८० वर्ष तक उस समयके साधु साध्वियों सम्पूर्ण सिद्धान्त-आगमोंको अपनी तीक्ष्ण-बुद्धिके कारण कण्ठस्थ रखते रहे। वे दिन रातमें १२ घण्टे तक उनका स्वाध्यायके रूपमें परावर्तन किया करते थे † इसके पश्चात् कालदोषसे स्मरणशक्तिमें कमी आ जानेके कारण जहाँ तहाँ स्थलना पडने लगी। कहा जाता है कि उस समयके विद्यमान आचार्य देवर्द्धिगणि क्षमा-श्रमणने इस कमीको महसूस किया 'जिन-शासनकी रक्षा प्रत्येक प्रकारसे करनी चाहिए और शासनकी रक्षा सिद्धान्तकी रक्षा करनेसे ही हो सकती है, इस उद्देश्यसे उन्होंने आगामी भव्यलोकोंके उपकारके लिए वीरसवत् ९८० विक्रमसवत् ५११, तदनुसार ई सन् ४५४ में वल्लभी नगरीमें तत्कालीन समस्त जैनमुनियोंको एकत्रित किया ‡ जिसे जितना याद था सुना और फिर उस महान् ज्ञानको यथाक्रम पुस्तकारूढ किया। उस सम्मेलनके बाद मूलरूपसे गणधर भाषित होनेपर भी सब आगमोंके सकलयिता देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमण ही समझे जाने लगे, उदाहरणके लिए श्रीभगवतीसूत्र श्रीसुधर्माचार्य प्रणीत है और प्रज्ञापनासूत्र भगवान् महावीर प्रभुके निर्वाणके ३३५ वर्ष बाद श्रीश्यामाचार्य द्वारा सकलित किया गया पर भगवती में कई स्थलोंपर 'जहा पण्णवणाए' ऐसा पाठ

\* अथ भासइ अरिहा, सुत्त गथति गणहरा निवण । † पडिक्कमामि चउक्काल सञ्ज्ञा-यस्स अकरणयाए, अथ च उत्तराध्ययने समाचारी नाम षड्विंशतितमे अध्ययने प्रथमा समाचारी स्वाध्यायरूपा स्थापिता येन ज्ञानस्य विस्मरण न भवेत् । ‡ इतना और स्मरण रहे कि इससे पहले पाटलीपुत्र का सम्मेलन और नागार्जुनक्षमाश्रमणके तत्त्वावधानमें माथुरीवाचना हो चुकी थी। देखो 'आगमोंकी भाषा' का प्रकरण।

मिळता है। इसी भाँति और जंगमों में भी उपायोंकी साक्षियाँ पाई जाती हैं, जयन्त अमुक उपागोंसे समस्त केना जादिए। इससे यह लक्ष्य है कि देवर्दिगमि समाप्तमान वर्तमान आयुओंके संकलमिता वे उन्होंने विविक्त करत धर्म पाठोंमें धर्म्य देखकर समस्त अयस्क न हो इसलिये ऐसा किया। आगमोंमें पुस्तक-रूप करके उन्होंने जैन समाज पर जो महान् उपकार किया है उसे कभी भी नहीं गुणना जा सकता।

एक आगमका उसी आगममें निर्वेश—आगमोंमें प्रस्तुत आत्मका प्रस्तुत आधर्ममें भी निर्वेश पाया जाता है, जैसे समवासापद्धतिमें ११ जंगोंके वर्णन में समवासापद्धति भी वर्णन है, यही कम और आगमोंमें भी मिळता है, इसका कारण आत्मोंकी प्राचीन शैली है, यही प्राचीन प्रवृत्ति जैसों में पाई जाती है। जैसे “सुप्तोऽसि गच्छसी क्षितो सिरी गायत्रं चक्षुर्ब्रह्मचर्ये प्रसी त्योने आत्मा ह्य्वाहस्वतानि अहोवि नाम।”

जैनसाहित्यपर भाँ १ आपत्तियों—विशेषमें बीड़ों और कैमोंके साथ हिन्दुओंका महान् संबंध का उस समय बर्मोंके नाम पर बने से बड़ असाधारण है, उस अर्थमें साक्षिकोंमें भी भारी बड़ा कष्ट फिर भी जैनसमाजका धर्म उपव समस्त या आगमोंका माहात्म्य। जिससे आगम बाह्य १ वर्ष और दुर्युक्त रहे। परन्तु बड़ों पर आपत्तियों जाया ही करती है। इसके अन्तर वैश्वनाथोंका कुल जाया उन्होंने वैश्वनाथोंके ओर ओरसे जायेका किया और अपनी मान्यताको मजबूत करनेके लिए नई २ बातें कही छुट की जैसे कि मंगलें जितनी प्रतिमा बनवा केनेसे जहाँकी प्राप्ति होती है, जो पञ्च मंदिरकी ईंटें होते हैं वे भी देखकोक जात है, आदि २। वे यहाँ तक ही नहीं रुके बल्कि उन्होंने आगमोंमें भी अनेक कथावटी पठ कुसेक लिए। जिस प्रकार रामायणमें कोपकोंकी मरमार है उसी प्रकार आगमोंमें भी। इसके बाद गुप्तोंके करबत बदली और उसी कथावटीके समय बर्मोंका आकाशवाह जैसे काण्ठिकरी पुरा प्रगट हुए। उन्होंने अन्ताओं धन्यार्थ छामा और उत्तर पर जगमोंकी प्रेरणा दी। वैश्वनाथोंने तो हमको अनेक कष्ट दिए पर वे कदा उससे मत्त होनेवाले थे। ‘धम्मो रंगसमुत्तिष्ठं०’ पाया पढ़कर और वैश्वनाथियोंमें जाकार विचार संबंधी विविधता देखकर उन्होंने यह आत्मा कटाई कि जिससे जोगोंमें क्षति और जाण्टे बल्य हुरं तथा जगमों बर्मोंकी बर्मोंकी जीवराजकी जैसे मध्य-माजुनोंने बर्मोंकी वास्तविकताकी अपव्या और उससे सहज प्रचार आरंभ

किया । परिणाम स्वरूप आज भी उनकी प्रेरणाओंको जीवित रखनेवालोंकी संख्या ५ लाखसे कहीं अधिक पाई जाती है । लोंकाशाह सहित इन चारों महापुरुषोंने चैत्यवासी मान्य अन्य आगमोंमें परस्पर विरोध एवं मन घडन्त बातें देखकर ३२ आगमोंको ही मान्य किया ।

**आगमोंकी भाषा**—समवायाग सूत्र तथा औपपातिकसूत्रमें क्रमशः पाठ आते हैं “भगवं च णं अद्धमागहीए भासाए धम्ममाइक्खइ” “तए ण समणे भगवं महावीरे कूणियस्स रण्णो भिंसिसारपुत्तस्स अद्धमागहाए भासाए भासइ । सा वि य णं अद्धमागहा भासा तेसि सव्वेसि आरियमणारियाणं अप्पणो सभासाए परिणामेण परिणमइ” अर्थात् ज्ञातपुत्र-महावीर भगवान् अर्धमागधी भाषामें उपदेश करते थे और वह भाषा सब जीवोंकी अपनी २ भाषामें परिणत होती थी । उनके पांचवें गणधर श्रीसुधर्मा स्वामीने द्वादशांगीकी रचना भी अर्धमागधीमें ही की । दिग्वरोंके मतसे ये १२ अग विच्छिन्न हो चुके हैं परन्तु अपने मतानुसार जैसा कि पहले लिखा जा चुका है देवर्दिगणि क्षमाश्रमणने आगमोंको लिपिवद्ध किया । इतने समयके बाद लिखे जानेपर भी भाषाकी प्राचीनतामें कमी नहीं आई । क्योंकि सैकड़ों वर्षोंतक जैसे ब्राह्मणोंने मुखपाठके द्वारा वेदोंकी रक्षा की उसी प्रकार जैन मुनिओंने भी लगभग १००० वर्ष पर्यन्त शिष्य परम्परासे इन पवित्र आगमोंको स्मृतिपथमें रक्खा । दूसरा कारण यह है कि जैन धर्ममें शुद्धपाठोच्चारण पर खूब जोर दिया गया है, और ‘हीणक्खर’ आदि अतिचार बताए गए हैं । फिर भी बारीकीसे देखनेपर यह अवश्य मानना पड़ेगा कि चाहे जैसे भाषामें परिवर्तन जरूर हुआ है । इसका होना असम्भव भी नहीं कहा जा सकता, क्योंकि आगम वेदोंकी भान्ति शब्द-प्रधान न होकर अर्थ-प्रधान हैं । ये सूत्र उस समयकी जनसाधारणकी कथ्यभाषामें निर्मित हुए और समयानुसार बोलीमें ( लोकभाषामें ) होनेवाले परिवर्तनका प्रभाव लोगोंके समझानेके लिए आगमोंपर भी होना आश्चर्यजनक नहीं । इसका एक मुख्यकारण यह भी है कि ज्ञातपुत्र-महावीर भगवान् के मोक्ष जानेके लगभग २०० वर्ष पीछे, ई स पू ३१० चंद्रगुप्तके समयमें मगधमें १२ वर्षका भयानक अकाल पड़नेके कारण मुनिओंको सयम निभानेके लिए दक्षिण देशमें जाना पड़ा और परावर्तन

१ देखो ‘एनुअल रिपोर्ट ऑफ एशियाटिक सोसायटी बेंगाल’ १८५८ डॉ हॉर्नली का लेख ।

म कर सकनेके कारण उन्हें मूल से गए। उसके बाद पाटलीपुत्रमें ही एकत्र हुआ और जिसे बित्ता नाम का पुनकर ११ अंगोंका संस्करण किया गया। अर्धमागधीमें समयके आसपासके प्रदेशोंकी भाषाओंकी अपेक्षा बुरुस महाराष्ट्रकी भाषाओं को अधिक साम्य देया जाता है। उसका कारण भी नहीं है। इतिहास द्वारा यह भी सिद्ध है कि पुराने समयमें वैजयंकरा स्थितमें भली भाँति प्रचार हुआ था। तब यह अनुमान असंभव नहीं हो सकता कि बुद्धिजन्यमें सुनिर्वाह स्थितमें न गया हो। तोहीय भाषाशास्त्रके बिना प्रचार सम्भवना नहीं हो सकता। अतः उसका प्रभाव ब्रह्म आत्म्योंकी भाषा पर भी पड़ा। इसके द्वारा प्रभावित बहुतसे सुनि पूर्वोक्त सम्मेकनमें पवारे। इसकी अंगोंके संस्करणमें भी इसका बोधा बहुत बसर पड़ा। उससे लगभग ८ वर्ष बाद बोके १ अंतरसे मनुष्य और आत्मीयों भाषाओंको पुनश्चरु करके लिए। साधुसम्मेलन हुए, जिनमें सब मान्योसे सुनि आए, जिनके मुख्य सुनोपर तत्त्ववेत्तोंमें बहुत समय तक विचारलेसे उस देखी भाषा उच्चारण और व्याकरणका कुछ न कुछ प्रभाव अंकित था। यही कारण है कि अंगोंमें एक ही अंगके सिद्ध २ भाषोंमें और यही २ एक ही वाक्यमें भाषामेव उद्दिष्टोत्तर होता है। इस प्रकार मत्पापरिर्वाक्यके बहुतसे कारणोंके उपस्थित होमपर भी पाटलीपुत्रके सम्मेकनके बाद विशुद्ध अवस्था अधिक परिपूर्ण न होकर मान बोधा बहुत भाषा-मेव ही हुआ और अर्धमागधीके संकटों प्राचीन रूप अपने अस्मत्में सुरक्षित रह सके। इसका भेद अत्यन्त उच्चारणके लिए पापरीयके वार्तिक निबन्धों है जो कि सम्मेकनके पीछे और भी भ्रमरुत किया गया। वर्तमान भाषाओंमें यही १ को पाठ-मेव प्रियतम है। इनका कारण उपरोक्त कारणों हैं। समवाय्यीय औपपत्तिक व्याख्या प्रवृत्ति और प्रेक्षापन्न तथा बहुतसे प्राचीन ग्रंथोंमें जिसे अर्धमागधी कहा

१ देखो कर्मिष्ठसिंहरीय तर्ग १ को ५५ से ५८ तक। २ देवा न अती। कबराय माताय वसति। कबरा वा माता मासिज्जमान्ने विधिरुत्ति। ३ देवा न अत-माग्राय माताय वसति। सा मि व न अतयान्ना असा मासिज्जमान्ने विधिरुत्ति। ४ से कि तं मातायैवा। मातायैवा के न अतयान्नाय असाय वसति। ५। अतिस-नयने सिद्धे, देवाने अतयान्ना यानी। (वाल्मीकीयविरचिते रामायणे १। १२) ॥ सर्वार्थसम्पत्ति सर्वमायानु परित्यागिनीम्। सर्वार्थ सर्वतोऽप्य सावर्धी प्रविरज्ज्महे ॥ (वाल्मीकीयविरचिते रामायणे १। १२) ॥ अतिसिद्धायानु परित्यागिनीम्। सर्व मातृपरीक्षा वेदी वाचतुषण्णे ॥ (लोप्य वाचतुषण्णस्य द्विपरीपार्थ)

गया । म्यानींगसूत्र तथा अनुयोगद्वारमें जिसे 'इतिभासिया' कहा गया है और इसीके आधारपर हेमचन्द्राचार्य आदिने इसका नाम 'आर्ष' रक्खा अर्थात् अर्धमागधी ऋषिभाषिता और आर्ष तीनों एक ही बात हैं । पहला नाम उक्त स्थान तथा अन्य उस भाषाको गर्वप्रथम साहित्यमें म्यान दायकोंसे सवधित हैं । हेमचन्द्राचार्यने अपने बनाए हुए प्राकृत व्याकरणमें आर्षके जो लक्षण तब उदाहरण बताए हैं उनसे और 'अत एत् सौ पुसि मागध्यां' (हे प्रा ४-२८७) इस सूत्रकी व्याख्यामें जो "यदपि पोरणमद्धमागहभासानिययं हव सुत्तं" इत्यादिना आर्षस्यार्धमागधभाषानियतत्वमाप्नायि वृद्धैस्तदपि प्रायोऽस्यैव विधानात् न चक्ष्यमाणलक्षणस्य" ऐसा कहकर उसके अनन्तर जो 'कयरे आगच्छइ' 'से तारिसे जिइदिए' के उदाहरण दिए हैं उनसे उक्त बात भली भाँति सिद्ध हो जाती है, डॉक्टर हर्मन जेकोबीने जैनागमोंकी भाषाको प्राचीन महाराष्ट्री कहकर 'जैन महाराष्ट्री' नाम दिया है । जिसका डॉ पिशलने अपने विख्यात प्राकृत व्याकरणमें खडन करके सप्रमाण सिद्ध किया है कि अर्धमागधीमें बहुलतासे ऐसी अनेक विशेषताएँ हैं जो महाराष्ट्रा आदि किसी प्राकृतमें ढूँढनेसे भी नहीं मिलती । इसलिए उपरोक्त नाम नहीं दिया जा सकता । नाटकोंमें जो अर्धमागधी पाई जाती है उसमें और सूत्रोंकी अर्ध मागधीमें समानताकी अपेक्षा अत्यधिक भेद है । भरत मार्कण्डेय और क्रमदीश्वरने अर्धमागधीके भिन्न २ लक्षण बताए हैं, लेकिन वे केवल नाटकीय अर्धमागधीके लिए हैं । हेमचन्द्राचार्यने अपने व्याकरणमें अर्धमागधीको 'आर्ष प्राकृत' और अर्वाचीन रूपको महाराष्ट्री माना है । इससे यह सिद्ध होता है कि महाराष्ट्रीसे अर्धमागधी बहुत प्राचीन है । अथवा यों कहिए कि अर्धमागधी ही महाराष्ट्रीका मूल है ।

१ सकृता पागता चैव, दुहा मणितीओ आहिया । सरमडलम्मि गिज्जवे, पसत्था इतिभासिता । २ सक्काया पायया चैव, मणिईओ होति दोण्णिवा । सरमडलम्मि गिज्जवे, पसत्था इतिभासिया ॥ ३ देखो हेमचन्द्राचार्यका प्राकृतव्याकरण सूत्र १-३ । आर्षो-त्यमार्षतुल्य च द्विविधं प्राकृतं विदुः । (काव्यादर्श टीका १-३३ में हेमचन्द्र तत्क-वागीशद्वारा उद्धृत पद्यांश) ॥ ४ डॉ हॉर्नलीने चहूँ कृत प्राकृत लक्षणके इन्ट्रोडक्शन पृ १८-१९ में हेमाचार्यके मतमें पोरण आर्ष प्राकृतका नाम लिखा परंतु वह विस्तुल गलत है, कारण यह सूत्रका विशेषण है भाषाका नहीं । ५ इंट्रोडक्शन डू प्राकृत लक्षण ऑफ चहूँ पृ १९ डॉ हॉर्नली ।

॥ अर्धमागधीकी संगत व्युत्पत्ति—बहुते लोग इसकी व्युत्पत्ति 'अर्ध-मागध्या' करते हैं अर्थात् जिसका भाषा अर्ध मागधी भाषा हो वह अर्ध-मागधी है, क्योंकि नाटकीय अर्धमागधीमें मागधीके कथन बहुश्रुतसे पाए जाते हैं इसलिये वह अर्धमागधी है और बैजसूत्रोंमें मागधीके कथन बहुत कम मिलते हैं इसलिये वह अर्धमागधी नहीं। परन्तु इनमें वह व्युत्पत्ति प्रमात्तक एवं असंगत है। इसकी वास्तविक व्युत्पत्ति है 'अर्धमागधोर्ध्व' अर्थात् मगधदेशके अर्धमागधी को मागधी हो वह भाषा अर्धमागधी है। इसकी उत्पत्ति पश्चिम मगध अथवा मगध और छोरसेमका मध्यप्रदेश (अयोध्या) होनेपर भी इसमें मागधी और छोरसेमीके इतने सम्बन्ध नहीं दिखत जितने महाराष्ट्रीके। इसका कारण पहले सिद्धा जा चुका है, बुद्धका और मुनिश्वरका पश्चिम घगन एवं तथेष्टीय भाषाका प्रभाव।

अर्धमागधी और महाराष्ट्रीमें ये—(१) अर्धमागधीमें दो स्रोतोंके मध्यवर्ती असंयुक्त 'क' के स्थानमें प्रायः सर्वत्र 'य' और बहुतसी जगह 'त' और 'व' होता है। जैसे—बोव=बोय भाव=भाव भाषा=भाषा आदि। 'त' सामान्य=सामान्य इत्यादि। 'व' शोक=शोक कवि=कवि आदि।

(२) दो स्रोतोंके बीचके असंयुक्त 'य' प्रायः कायम रहता है, जैसे मय=मय अत्युपम=अत्युपम कौरव=कौरव। 'त' अति=अति 'व' साम्य=साम्य आदि।

(३) दो स्रोतोंके बीचके असंयुक्त 'व' और 'व' के स्थानमें 'त' और 'व' दोनों होते हैं। जैसे वनि=वति वन=वति क्षेत्र=क्षेत्र आदि। 'व' के स्थानमें 'त' जैसे बोज=बोव राजेवर=राजीवर इत्यादि। 'व' के स्थानमें 'य' अत्यव=अत्यव अमन्य=अमन्य आदि।

(४) दो स्रोतोंके मध्यवर्ती 'त' प्रायः कायम रहता है और कहीं १ 'व' भी होता है, जैसे नि=वति वर=वर वर=वर प्रपति।

(५) स्रोतोंके बीचमें स्थित 'य' का 'व' और 'त' ही अधिप्राप्त देखा जाता है, कहीं २ 'य' भी होता है, जैसे प्रविष्ट=प्रविष्टो मेव=मेव आदि। 'त' यति=यति मुदावद=मुदावद आदि। 'व' अत्युपम=अत्युपम पाद=पाद आदि।

(६) दो स्रोतोंके मध्यमें स्थित 'य' के स्थानमें प्रायः सर्वत्र 'व' ही होता है जैसे अत्युपम=अत्युपम आधिपत्य=आधिपत्य कौरव=कौरव।

(७) स्रोतोंके मध्यवर्ती 'व' प्रायः कायम रहता है जैसे निरव=निरव इति=इति आदि। अनेक स्थानोंमें इसके स्थानपर 'त' भी देखा जाता है, जैसे पर्याय=पर्याय इत्यादि।

(८) दो स्वरोंके बीचके 'व' के स्थानमें 'घ' 'त' और 'य' होते हैं, जैसे गौरव=गारव, 'त' कवि=कति, 'य' परिवर्तना=परियट्टणा इत्यादि ।

(९) महाराष्ट्रीमें स्वरोंके मध्यवर्ती असंयुक्त 'क ग च-ज त-द प-य व' घ प्रायः सर्वत्र लोप होता है और कई व्याकरणोंके अनुसार इनके स्थानमें कोई अन्य वर्ण नहीं होता । हेमचंद्राचार्यके प्राकृतव्याकरणानुसार उक्त लुप्तव्यजनके दोनों ओर 'अ' या 'आ' होनेपर उनके स्थानमें 'य' होता है, किन्तु जैन अर्धमागधीमें जैसा कि ऊपरके नियमोंसे घटित है, प्रायः उनके स्थानमें अन्य व्यजन होते हैं, और कहीं २ तो वही कायम रहता है । कहीं २ दोनों बातें न होकर महाराष्ट्रीकी तरह लोप भी होता है परन्तु वहीं जहां उक्त व्यजनके बाद अवर्णसे भिन्न कोई स्वर हो । जैसे-आतुर=आउर, लोक=लोओ प्रभृति ।

(१०) शब्दके आदि मध्य और सयोगमें सर्वत्र 'ण' की तरह 'न' भी होता है । जैसे-ज्ञातपुत्र=नायपुत्र, अनल=अनल, अन्योन्य=अनमन, सर्वज्ञ=सर्वज्ञ इत्यादि ।

(११) एव से पूर्वके 'अम्' के स्थानमें 'आम्' होता है, जैसे यामेव=जामेव, क्षिप्रमेव=क्षिप्पामेव, एवमेव=एवामेव वगैरह ।

(१२) दीर्घ स्वरके बादके 'इति वा' के स्थानमें 'ति वा' और 'इ वा' होता है, जैसे-इन्द्रमह इति वा=इंदमहे ति वा-इदमहे इ वा इत्यादि ।

(१३) 'यथा' और 'यावत्' शब्दके 'य' का लोप और 'ज' दोनों ही देखे जाते हैं जैसे-यथाख्यात=अहक्खाय, यथानामक=जहानामए, यावत्कथा=आव कहा, यावज्जीव=जावज्जीव ।

**वर्णागम**—अर्धमागधीमें गद्यमें भी अनेक जगह पर समासके उत्तर शब्दके पहले 'म्' का आगम होता है, जैसे-अजहन्नमणुकोस, अदुक्खमसुहा, गोणमाइ, णिरयगामी, सामाइयमाइयाइ, उद्धगारव आदि । महाराष्ट्रीमें पद्यमें ही पादपूर्तिके लिए कहीं २ 'म्' का आगम देखा जाता है गद्यमें नहीं ।

**शब्दभेद**—(१) अर्धमागधीमें ऐसे बहुतसे शब्द हैं जिनका प्रयोग महाराष्ट्रीमें प्रायः उपलब्ध नहीं होता, जैसे-अज्झत्थिय, अज्झोववज, अणुवीति, आघवणा, आघवेत्तग, आणापाण, आवीकम्म, कणहुइ, केमहालए, दुल्लुड, पच्चत्थि-मिल्ल, पाउकुव्व, पुरत्थिमिल्ल, पोरेवच्च, महतिमहालिया, वक्क, विउस इत्यादि ।

(२) ऐसे शब्द भी प्रचुर संख्यामें पाए जाते हैं जिनके रूप अर्धमागधी और महाराष्ट्रीमें भिन्न २ प्रकारके होते हैं । जैसे कि-

अर्धमागधी	महाराष्ट्री	अर्धमागधी	महाराष्ट्री
अभिमाय्य	अभमाय्य	नितिव	निव
आठव	आठव	मिपुव	मिजव
अवरव	ठमावरव	पुपुपव	पपुपव
हपि	हवरि-अवरि	पठेकम्म	पठकम्म
किमा	किरेमा	पव (पाव)	पव
केस-केस	केरि	पुणे (पुणह)	पुई-पिई
केवविर	किवविर	पुरेकम्म	पुरकम्म
गेहि	मिहि	पुमि	पुम
विमव	वहम	माव (मात्र)	मव-मेव
उव	उव	माहव	वहव
वावा	वावा	मिळव-मेळ	मिळिळ
विप-विपि(नम)	वम	वमू	वामा
विमिनि (नाम)	वगव	वववा (वपव)	ववववा
उव (कृतीव)	तव	सवेव	सवाम
उव (तपव)	उव	सीवाम-सुवाम	मसाम
तेमिळव	विहळव	हमि	मिमि
हुवमवेम	वारवेम	हम-हम	वम
वेव	हुव	छेहि	छेहि

और कुवाळस तेरस अठजबीसह, वतीस पयलीस इत्यादि तेमाळीस पयसक अठमाक एगहि, वामहि, तेवहि, उवहि, अठसहि, अठमतीरे वाव तारे पयसतीरे सताहतीरे तेमाळी छमसीह, वावम प्रभृति संख्या वाध्दोके रूप जैसे अर्धमागधीमें पाए जाते हैं जैसे महाराष्ट्रीमें नहीं ।

मामविमळि-(१) अर्धमागधीमें पुमिग अचारीत राध्दके प्रकमाके एक-वचनमें माव सबैज ए' और वमि ए' होता है जब कि महाराष्ट्रीमें केवक ओ' ही होता है ।

(२) सप्तमीका एक वचन 'सि' होता है किन्तु महाराष्ट्रीमें 'मि' ।

(३) चतुर्थीके एकवचनमें जाए' वा जास' होता है, जैसे-जडाए, मम जाए, वेजाए, सववजाए, अक्षितारते इत्यादि । महाराष्ट्रीमें ऐसा नहीं ।

(४) अनेक सप्तोके कृतीकाके एकवचनमें 'वा' होता है, जैसे-ममवा



वयसा, कायसा, जोगसा, वलसा, चक्खुसा । महाराष्ट्रीमें अनुक्रमसे इनके स्थानमें मणेण, वएण, काएण, जोगेण, वलेण, चक्खुणा होते हैं ।

( ५ ) 'कम्म' और 'धम्म' शब्दके तृतीयाके एकवचनमें 'कम्मुणा' और 'धम्मुणा' होता है, जिसका अनुकरण पाली भाषा भी करती है, जबकि महाराष्ट्रीमें 'कम्मेण' और 'धम्मेण' होता है ।

( ६ ) अर्धमागधीमें 'तत्' शब्दके पचमीके बहुवचनमें 'तेव्भो' रूप भी देखा जाता है, जब कि महाराष्ट्रीमें इसका 'अदर्शन लोप' है ।

( ७ ) 'युष्मत्' शब्दका पष्ठीका एकवचन 'तव' और 'अस्मत्' का पष्ठीका बहुवचन 'अस्माकम्' जिसका अनुकरण संस्कृतभाषा भी करती है, अर्धमागधीमें है महाराष्ट्रीमें नहीं ।

**आख्यात-विभक्ति**—अर्धमागधीमें भूतकालके बहुवचनमें 'इसु' प्रत्ययका प्रयोग होता है, जैसे 'आभासिंसु' 'गच्छिंसु' 'पुच्छिंसु' आदि । महाराष्ट्रीमें यह प्रयोग लुप्त है ।

**धातुरूप**—अर्धमागधीमें अकासी-अव्वी आइक्खइ-आघ आहसु-उव्वइ घेच्छिइ तिउट्टइ-तिउट्टिजा-तिवायए दुरुहइ-पडिसधयाति-पहारेत्था भूया-भुवि-विगि-चए-समुच्छिहिति-सारयती हुत्था होक्खती होत्था-प्रमृति प्रभूत प्रयोगोंमें धातुकी प्रकृति प्रत्यय अथवा दोनों जिस आकारमें पाए जाते हैं महाराष्ट्रीमें वे अलग २ प्रकारके देखे जाते हैं ।

**धातुप्रत्यय**—अर्धमागधीमें 'त्वा' प्रत्यय के रूप अनेक तरहके होते हैं ।

( १ ) (अ) टु, जैसे-अवहट्टु, रुट्टु, साहट्टु आदि ।

(आ) इत्ता, एत्ता, इत्ताण और एत्ताण, यथा-चइत्ता, पासित्ता, विउट्टित्ता, करेत्ता, पासित्ताण, करेत्ताण इत्यादि ।

(इ) इत्तु, जैसे-जाणित्तु, दुरुहित्तु, वधिन्तु वगैरह ।

(ई) ष्वा, यथा-किष्वा, चेष्वा, णष्वा, भोष्वा, सोष्वा प्रमृति ।

(उ) इया, जैसे-दुरुहिया, परिजाणिया आदि ।

इनके अतिरिक्त अणुवीति, निसम्म, विउक्कम्म, लद्धु, लद्धूण, समिच्च, सखाए, दिस्सा आदि प्रयोगोंमें 'त्वा' के रूप भिन्न २ प्रकारके पाए जाते हैं ।

( २ ) 'तुम्' प्रत्ययके स्थानमें 'इत्तए' या 'इत्तते' प्रायः देखा जाता है । जैसे-करित्तए, गच्छित्तए, विहरित्तए, सभुजित्तए, उवसामित्तते आदि ।

( ३ ) ऋकारात धातुके 'त' प्रत्ययके स्थानमें 'ड' होता है, जैसे-कड, मड, अभिहड, वावड, सवुड, वियड, वित्यड प्रमृति ।

## तद्विषय

(१) अथमागधीमें 'तर' प्रत्ययका 'तराव' रूप होता है, जैसे—अभिदुतराए, अप्पतराए, बहुतराए, केतराए इत्यादि ।

(२) आठले आठसले सोमी बुझिम मगकीतो पुरस्मिण पचस्मिण ओवसि होसियो पोरेक्य आदि प्रयोगोंमें 'मनुप्' और अन्य तद्विषय प्रत्ययोंके जैसे हय जैन अथमागधीमें ऐसे पाते हैं महाराष्ट्रीमें ये मिथ प्रचलित होते हैं ।

महाराष्ट्री और अथमागधीमें इनके अतिरिक्त बहुतसे सूक्ष्म भेद हैं जिनका उल्लेख केवल देखसुन बड़नेके भवसे नहीं किया ।

## आगमोद्धार

जैनादि हम ऊपर आगमोंके इतिहास प्रकरणमें लिख चुके हैं स्वामिन्नाची समाजमें उत्तरोत्तर वृद्धि होती चली गई, अतः ज्ञानमें वृद्धि होनी ही थी । सबसे पहले भीषमजी स्वामीने मूलसूत्रोंपर 'उपदेश' लिखे जो कि साधारण भक्त्यासीके लिए अत्यंत उपयोगी हैं । कथ्य ही अष्टम होता यदि उन्हें प्रकाशित किया जाता । इसके बाद पूज्य भीमसेनका कल्पिणी म ने कर्त्तव्यों सूत्रोंका अनुवाद किया । जिसका प्रकाशन हजारों रुपया खर्च करके भीमसेन रावो बहादुर सेठ बागवीर लखदेवसहाय जालापसाद बीहरीने किया । इनके लिए वे अविश्वस्यक्त बन्धुवाहके पात्र हैं । केवल पाठोंकी वृद्धि कागुबकी पुराणी और मिथित हिन्दी होनेके कारण समाजको इतना लाभ न मिल सका जितना मिलना चाहिए था । इसके अनन्तर जैनाचार्य पूज्य श्रीमत्पारमजी महाराज और पूज्य श्री-हर्षनाथजी म ने भी कई सूत्रोंके अनुवाद किए और वाणीअष्टमुनि जी कर रहे हैं ।

इसके अतिरिक्त राजबहादुर बलपतसिंह (मन्त्रसूत्राचार्यका) और आपमोदक-समिति आदिने भी आपमोदक प्रकाशन किया है पर ये भी अष्टविंशति प्राची नहीं । कई प्राध्यापकों ने भी इच्छित अनुवाद सहित कुछ सूत्र प्रकाशित किए, परंतु अतिसंक्षिप्त और महाराष्ट्री प्रभाव होनेके कारण छात्रापी के लिए अधिक उपयोगी नहीं ।

## सूत्रागमप्रकाशकसमिति

वैदिक प्रेस अम्मेरकी कपी हुई चारों मूल वेदोंकी पुस्तक एक किताबने पुन महाराजकी सेवामें पेश की और पूछा कि आपके आगम भी एक विषयमें मिल

सकते ह, गुरु महाराज क्या उत्तर देते ? अत उन्होंने गुड़गाँव म्यानकावाँ जैन सघको प्रेरणा दी और श्रीसूत्रागमप्रकाशकममितिकी स्थापना हुई । जिसका विस्तृत वर्णन 'विजय डायरी', 'मोहन डायरी', 'सामायिकसूत्र' हिन्दी 'शक्ति प्रकाश' और 'नेमराजुल वारहमासा' गुजरातीमें पढ सकते हैं । विस्तारभयसे उसका उल्लेख यहाँ नहीं किया गया । सूत्रागमप्रकाशकसमितिका पहला ध्येय ३० आगमोंको आगमत्रयकी पद्धतिसे प्रकाशित करना है ।

## मूलसूत्रोंका प्रकाशन

मूलसूत्रोंका प्रकाशन छुटक २ रुई सस्थाओंने किया है परन्तु पूरे सूत्र किसीने अब तक मूल रूपमें प्रकाशित नहीं किए । आज तक उत्तराध्ययन दशवैकालिक मुखविपाकनवी बहुतसे और स्यगडाग-आचाराग-अनुयोगद्वार न्यून सख्यामें मूलरूपमें छपे हैं । परन्तु अनुक्रमसे सबके सब आगम नहीं । सूत्रागमप्रकाशक समितिकी योजना बत्तीसों सूत्रोंको 'सुत्तागमे' के रूपमें एकही पुस्तकमें प्रकाशित करनेकी थी, परन्तु ग्रन्थकी देहयष्टी बहुत बढ जानेसे वैसा न हो सका । इसलिए ११ अगोंका प्रथम खंड बनाना पडा जिसमें लगभग १४०० पृष्ठोंमें ३५००० श्लोक हैं यह जानकर किसे प्रसन्नता न होगी ।

**आगमोंमें ११ अगोंका महत्व**—यों तो सारे ही आगम अत्यन्त उप योगी और ज्ञानके अगाध समुद्र रूप हे, परन्तु उनमें भी ११ अगोंका अनेखा स्थान है । आचारागमे साधु-भाध्वियोंके आचार, भगवान् महावीरकी परिपह-सहिष्णुता, एषणा, पाच महाव्रतोंकी २५ भावना आदिका वर्णन है । जो 'आचारः प्रथमो धर्म' की उक्तिको चरितार्थ करता है । सूत्रकृतागमें अन्यमतोंका दिग्दर्शन, उनका खडन और स्वसमयका मडन किया गया है । स्थानागसूत्रमें १ से लेकर १० पर्यंत सख्याकी वस्तुओंका वर्णन है । विशेष नोवें ठाणेमें श्रेणिक राजाके आगामी भव पर प्रकाश डाला है । समवायागसूत्रमें १ से लगाकर कोडाकोड़ी सख्यातकके विषय वर्णित हे । इसके अतिरिक्त द्वादशांगी स्वरूप भूत-भविष्यत्-वर्तमान त्रिपष्टिशलाका पुरुषोंके माता पिताओंके नाम एवं उनके नाम, पूर्वभव और आगामी भवके नामोंका वर्णन है । ठाणाग और समवायांगकी यही विशेषता है कि कोई भी विषय इनसे अद्व्यता नहीं । भगवतीमें भगवान् गोतम द्वारा पूछे गए ३६००० प्रश्नोंके उत्तर है । इसके अतर्गत रोहा अणगार, स्कंदक, तामली तापस, शिवराजर्षि, महाबल, ऋषभदत्त-देवानदा, जमालि, गांगेय अणगार, अतिमुक्तकुमारश्रमण, गोशालक, उदायन, मृगावती, जयती

धार्मिक सोमस मासक आदिके चरित्र भी हैं। आठाधर्मकथांगमें प्रथम-  
मुत्तस्केवमें १९ कथाएँ उपलब्ध सन्निहित हैं। जो कि रोचक होनेके साथ ९ बोधप्रद  
भी हैं, मेघदूतारकी याकर कंडरीक-मुंडरीकरी : दूसरे मुत्तस्केवमें विविधवार  
द्वारा होनवाले रोचक विवरण कथनेवाली कथाएँ हैं। उपासकदृष्टांगमें  
आठपुत्र महावीर मयबान् के १ मुख्य भाषकोष वर्णन है। उनमें भी आनेव  
और कमरेष का मुख्य स्थान है। अंतर्दृष्टांगमें उन ९ महापुरुषोंका चरित्र  
है जिन्होंने कर्मोक्त निर्वहन करके मोक्ष प्राप्त किया है। इसमें यजुस्तुमाक  
पञ्चवती राणी बहुत मात्मी अमरन्तात्तुमारकी कथाएँ विशेष उल्लेखनीय  
हैं। अनुत्तपोपपातिकसूत्रमें अनुत्तरमिमानमें उत्पन्न होनेवाले महापुरुषोंका  
वर्णन है। जिसमें महात्तपोषन बड़ा अचंगार का वर्णन मुख्य है। प्रथम  
व्याकरणमें भाष्यकारमें हिंसा-असह-स्तेय-अश्रद्धा और परिग्रह इन पाँचोंका  
रूप समझाया है। इनके कर्तव्यों और इनके फलका वर्णन भी है। संवरणमें  
अहिंसा-उप-अचौर-अश्रद्धा-अपरिग्रह, उनका फल और साथ ही उनका माकनाएँ  
वर्णित हैं। विपाकसूत्रके प्रथम मुत्तस्केवमें १ जीवोंका वर्णन है। जिन्होंने  
असीम पाप करके महान् कष्ट उत्पन्न, मृगपुत्रका याकर अर्चक। दूसरे मुत्तस्के-  
वमें उन १ जीवोंका वर्णन है जिन्होंने सुपान बान लेकर सुख प्राप्त किया।  
एवाहुत्तुमारका अमर बरवात्तुमारका।

इन ११ अर्थोंमें वर्गीकृतानुयोग (प्रथमानुयोग) वसितानुयोग इत्यादिबीन  
और चरित्रकृतानुयोगके प्रत्येक सभी विषय वर्णित हैं। इनका अध्ययन विस्तृत  
मनन करके अनेक मन्त्र आत्माओंमें उत्तरोत्तर संचारका अन्त करके सुक्तिसे  
पाया है। इनकी अधिक महत्ता बताता धुंको दीपक विज्ञानके समान है। वे  
सुभाषितोंके महामंदार हैं।

प्रस्तुत प्रकाशनाकी विशेषता—(१) पाठ्यविशेष पूरा ९ खंडों रचना  
पया है।

(२) इसके संपादनमें कुछ प्रसिद्धीका उपयोग किया है।

(३) संक्षिप्त आर्चमागकी व्याकरण गी किया गया है ताकि समझनेमें  
सरलता हो सके।

(४) पाठ्यतर नवीन पद्धतिसे लिए हैं।

कार्यविचारक-इसका आरंभ पूरा आठवर्षमें हुआ। वहाँ केन्द्र आया-

राग का प्रथम श्रुतस्कंध ही अलग रूपमें प्रगट हो सका, जो कि बहुतसे साधु-साध्वियोंके करकमलोंमें पहुँचाया गया। इसके अनन्तर गुरुदेव घोड़नदी अहमद नगर आदि क्षेत्रोंमें विचरते हुए नासिक पधारे। वहा तक केवल स्थानागसूत्र तक छप सका। तदनन्तर घाटकोपर चातुर्मासमें समवायांग और भगवतीसूत्र तैयार हुए। पूर्वोक्त सूत्र भी कई साधु-साध्वियोंके पास पहुँचाए गए। शुद्धपाठका निर्णय करनेमें काफी से ज्यादा परिश्रम उठाना पड़ा है। इसके बाद सादबी सम्मेलनमें जाना पड़ा। अतः लगभग पाँच मास तक कार्य बंद रहा। **दौंडायचा** चातुर्मासमें फिर कार्य आरंभ हुआ। जहाँ से लगभग १००० सूत्र साधु-साध्वियोंके हाथोंमें पहुँचाए गए। शनैः २ कार्य चलता रहा और **सिरपुर** में ११ अगोंके कार्यकी पूर्णहुति हुई।

**स्पष्टीकरण—(१)** जिनका ११ अगोंमें वर्णन है उन्होंने भी ११ अगोंका अध्ययन किया, इसका कारण यह कि इनके प्रणेता श्रीसुधर्मा स्वामी हैं। भगवान् महावीरके पश्चात् वे ही पट्टपर आए, और शासनकी बागडोर संभाली। जैसे अनुत्तरोपपातिकसूत्रमें धन्ना अणगारका वर्णन है। कई प्रतियोंके आरम्भमें पाठ मिलता है **सेणिओ राया** लेकिन श्रेणिक तो पहले ही मर चुके थे। अतः वह पाठ अशुद्ध है ऐसा जानना चाहिए।

(२) शब्दकोष गाथाबद्ध सानुवाद तैयार किया जा रहा है, अतः शब्दकोष नहीं दिया गया।

(३) अन्य उपयुक्त विषय जो कि ग्रंथके देहसूत्र बढ जानेके कारण नहीं दिए जा सके, वे अन्य पुस्तकमें दिए जायेंगे।

जिणचदभिक्खु

ता० ७-२-१९५३

शांतिभवन  
अवरनाथ C R }

## संक्षिप्त-अर्धमागधी व्याकरण

### स्मरौका प्रयोग

- (१) अर्धमागधीमें 'अ' 'इ' 'उ' औ' का प्रयोग नहीं होता ।  
 (२) संयुक्त व्यंजनसे पूर्वके धीरे लरके स्थानमें इसलिय प्रयोग होता है, जैसे—प्राज=मेव इत्यादि ।

(३) 'ह' के स्थानमें 'अ' और 'इ' १ 'ह' और 'रि' भी होता है । जैसे—  
 हत=अव; हुता=किता; सृष्ट=पुष्ट, ऋषि=रिषि ।

(४) 'ख' के स्थानमें 'इति' होता है, जैसे—कुत=किन्ति ।

(५) संयुक्त व्यंजनसे पूर्वके 'ह' और 'उ' के स्थानमें 'ए' और 'ओ' का प्रयोग प्रायः होता है, जैसे—विष्य=वेद्य पुष्करिणी=पोषकरिणी ।

(६) 'ऐ' और 'औ' के स्थानमें 'ए' और 'ओ' होता है, जैसे—  
 वैद्य=वेद्य वैद्या=वेद्या; वीर्य=वीर्य; वीर=वीर, विद्येय=सौम्यवम्=दुष्टिरे  
 वीरारिह=दुष्टारिह; वीरवम्=मारव=गठरव; गौ=गाया इत्यादि ।

व्यंजनमौका प्रयोग—(१) 'म्ह' 'म्' और 'म्ह' के अतिरिक्त मित्रादीन्  
 संयुक्त व्यंजन प्रयुक्त नहीं होत जैसे—पह=पह ।

(२) सर रक्षित केवळ व्यंजनमौका प्रयोग नहीं होता जैसे—उक्त्=उक्त्  
 तमप्=तम ।

संयुक्त व्यंजनमौके परिवर्तन—(१) क-ख क ङ क-ख-क-ख के स्थानमें  
 'क' होता है । जैसे—पुक्=मुक् साकम=सक; सङ्क=सङ्क; सिङ्क=सिङ्क; पङ्क=  
 पङ्क, उर्यङ्क=उर्यङ्क अङ्क=अङ्क; कङ्कङ्क=अङ्क ।

(२) ख-ख-ख-ख-ख-ख-ख-ख के स्थानमें 'क' होता है । जैसे—  
 कु-ख=कुक्क; मक्षिक=मक्षिकया मुरव=मुक्क मक्क=मक्क उद्विक्त=उद्विक्त  
 उर्यङ्क=उर्यङ्क, पुष्कर=पोषकर, प्रसङ्क=पक्षङ्क, प्रसङ्कित=पक्षङ्कित ।

(३) म-म-म-म-म-म-म-म के स्थानमें 'म' होता है । जैसे—संविम=  
 संविम कुमा=कुमा; आरोम=आरोम्य समम=समम; क्त=उर्य; सुम=सुम्य;  
 मार्ग=मम्य वक्क=वक्क ।

(४) म-म-म-म-म-म-म-म के स्थानमें 'म' होता है । जैसे—इम=इम; सीम=  
 सिम उर्यङ्क=उर्यङ्क धीरे=धीरे ।

(५) म-म-म-म-म-म-म-म के स्थानमें 'म' होता है । जैसे—वाक्क=वक्क;  
 अपक्क=अक्क; हुक्क=किता तप्क=तक्क; मक्क=मक्क ।

( ६ ) ध्य क्ष-क्ष-म-म-त्स्य-स्य-व्य-व्य-उ-उ-ध-ध-न-न-के स्थानमें 'च्छ' होता है । जैसे-दक्ष=दच्छ, लक्ष्मी=लच्छी, रुच्छु=विच्छ, बल्लल=वच्छल, मत्स्य=मच्छ, नेपथ्य=नेवच्छ, अप्सरा=अच्छरा, मूर्त्ती=मुच्छा पश्चान्=पच्छा, विस्तीर्ण=विच्छिन्न ।

( ७ ) ज्य-ज-ज-ज-य-य-द्व-द्व-ज-ज-य-य-ज-ज-के स्थानमें 'ज' होता है, जैसे-विभाज्य=विभज, वज्र=वज, प्रज्वलित=पज्जलिय, अनवय=अणवज, विद्वान्=विज्ज, अज्ज=अज, श्रग्व्या=श्रिज्जा, आर्या=अज्जा, तर्जनी=तजणी, वर्ज्य=वज ।

( ८ ) ध्य ध्व-ध्व-के स्थानमें 'ज्ज' होता है, जैसे-उपाध्याय=उवज्जाय, मुध्वा=वुज्जा, प्राण्य=गेज्ज ।

( ९ ) त-त-त-के स्थानमें 'ट्ट' होता है । जैसे-वर्त्ता=वट्टी, पत्तन=पट्टण; नर्त्तन=नट्टन ।

( १० ) ट्ट-ट्ट-थ-के स्थानमें 'ट्ट' होता है, जैसे-सतुष्ट=सतुट्ट, निष्टुर=निट्टुर; समर्थ=समट्ट । त-र्-र्-के स्थानमें 'ट्ट' होता है, जैसे-गर्ता=गट्टा, विच्छर्द्द=विच्छट्ट । व्य-द्ध-र्ध-के स्थानमें 'ट्ट' होता है, जैसे-धनाढ्य=धणट्ट, वृद्धि=वुट्टि, वर्धमान=वट्टमाण ।

( ११ ) ज-ज्य-न्य-न्व-त्र-ण-के स्थानमें 'ण्ण' होता है, जैसे-विज्ञान=विण्णान; हिरण्य=हिरण्ण, धन्य=धण्ण, अन्वर्थ=अण्णत्थ, निम्न=निण्ण, सुवर्ण=सुवण्ण ।

( १२ ) क्षण-क्ष-ण्ण-त्र-ह-ह-के स्थानमें 'ण्ह' होता है, जैसे-क्षण=मण्ह; प्रश्न=पण्ह, पृष्णि=पण्हि, स्नान=ण्हाण, पूर्वाह्न=पुव्वण्ह, वह्नि=वण्हि ।

( १३ ) क्त-ल-त्त-त्र-त्व-त-के स्थानमें 'त्त' होता है, जैसे-भुक्त=भुत्त, प्रयत्न=पयत्त, आत्मा=अत्ता, पत्र=पत्त, तत्त्व=नत्त प्राप्त=पत्त, कर्ता=कत्ता ।

( १४ ) कथ-त्र-य-स्त-म्य-के स्थानमें 'त्थ' होता है, जैसे-सिक्थ=सित्थ, तत्र=तत्थ, समर्थ=समत्थ, विस्तार=वित्थार, इन्द्रप्रम्य=इंदपत्थ । द्र-द्व-ब्द-र्द-के स्थानमें 'द्ध' होता है । जैसे-समुद्र=समुद्ध, प्रदेप=पदेस, शब्द=मद्ध, कर्दम=रुद्धम । गघ-ध्व-ब्ध-र्ध-के स्थानमें 'द्ध' होता है, जैसे-दुग्ध=दुद्ध, अध्वन्=अद्ध, लब्धि=लद्धि, वर्धमान=वद्धमाण ।

( १५ ) क्म-त्प-त्त-प्य-प्र-प्ल-र्ष-ल्प-के स्थानमें 'प्प' होता है, जैसे-रुक्मिणी=रुप्पिणी, उत्पल=उप्पल, परमात्मन्=परमप्प, क्षिप्र=सिप्प, विप्लव=विप्पव, सर्प=सप्प, जल्प=जप्प, कल्प=कप्प । त्फ-ष्प-ष्फ-स्फ-स्फ-के स्थानमें 'प्फ' होता है, जैसे-उत्फुल्ल=उप्फुल्ल, पुष्प=पुप्फ, निष्फल=निप्फल, बृहस्पति=विहप्फइ, प्रस्फो-





स्थान-ठाण, स्थावर=थावर, स्पर्श=फास, ज्ञान=णाण-नाण, आदिके 'क' आदि के स्थानमें 'क' आदि होते हैं जैसे-कम=कम, प्रसित=गसिय, घ्राण=घाण, द्रह=दह, प्रहार=पहार, भ्रम=भम, म्रक्षण=मक्खण, व्रण=वण, श्रम=सम, हास=हास, त्रस=तस ।

( २ ) उष्ट्र, इष्टा, सदष्ट के 'ष्ट्र' और 'ष्ट' को 'ट्ट' न होकर 'ट्र' होता है, 'समस्त' और 'स्तव' के 'स्त' को 'त्थ' और 'थ' नहीं होता, समस्त=समत्त, स्तव=तव । 'ष्य' और 'स्प' को कहीं २ 'फ' नहीं होता । जैसे-निष्प्रभ=निष्पह, परस्पर=परोप्पर । 'झ' को 'प्प' होता है, जैसे-कुञ्जाल=कुप्पल । 'ज्ञ' के 'अ' का लोप भी विकल्पसे होता है, मनोज्ञ=मणोज्ञ-मणोण्ण ।

( ३ ) द्विरुक्तिको पाए हुए ख्व छ्ठ ठ्ठ-थ्य फ्फ-घ-झ-झ-ध-भ के स्थानमें अनुक्रमसे क्ख-च्छ-ट्ट-त्थ-प्फ-ग्घ-ज्झ-ट्ठ-द्ध-म्भ होते हैं ।

( ४ ) शब्दवर्ती 'र्य' का 'रिय' और 'ह' का 'रिह' होता है, इसी प्रकार श्री-ही-कृत्त्र-क्रिया इन शब्दोंमें सयुक्त अन्त्याक्षरके पूर्व 'इ' होता है, जैसे-भार्या=भारिया, गर्हा=गरिहा, श्री=सिरी, ही=हिरी, कृत्त्र=कसिण, क्रिया=किरिया ।

( ५ ) सयुक्त 'ल'के पहले 'इ' होता है, जैसे-क्लेश=किलेस, श्लोक=सिलोग ।

( ६ ) 'री' अथवा 'रि' को 'रिस' विकल्पसे होता है, और 'तप्त' 'वज्र' शब्दमें भी सयुक्त अन्त्याक्षर के पहले 'इ' का आगम विकल्पसे होता है, जैसे-दर्शन=दरिसण-दसण, वर्षा=वरिसा-वासा, तप्त=तविय-तत्त, वज्र=वइरं-वज्ज ।

( ७ ) स्याद् भव्य और चौर्य तथा उसके समान शब्दोंके सयुक्त व्यजनोके अन्त्याक्षरके पूर्व 'इ' होता है, जैसे-स्यात्=सिया, भव्य=भविओ, सूर्य=सूरिओ ।

( ८ ) जिनके अन्तमें 'वी' सयुक्त व्यजन हो ऐसे स्त्रीलिंग नामोंमें उससे पूर्व 'उ' होता है, जैसे-तन्वी=तणुवी, पृथ्वी=पुहुवी ।

( ९ ) जिस अव्ययके अन्तमें 'त्र' हो उसके स्थानमें 'दि ह-त्थ' होता है जैसे-तत्र=तहि-तह-तत्थ ।

( १० ) य-र-व-श-य-स ये श-ष-स-के साथ पहले या पीछे जुड़े हुए हों तो नियमानुसार लोप होनेपर श-ष-स-को द्वित्व नहीं होता, परन्तु उसके पूर्वका स्वर प्रायः दीर्घ होता है, जैसे-पश्यति=पासइ, वर्ष=वासो, कस्यचित्=कासइ आदि ।

( ११ ) अव्ययोंमें तथा 'उत्खात' आदि शब्दोंमें और 'घञ्' प्रत्ययके निमित्तसे वृद्धि पाए हुए 'आ' को 'अ' होता है, जैसे-यथा=जह जहा । उत्खातं=उक्खय-उक्खाय । प्रवाह=पवाहो-पवाहो आदि ।

(१२) 'उरसाह' और 'उरसज' को छोड़कर जिन सन्धियोंमें 'स' और 'अ' हो तो उनके पूर्वके 'उ' को 'अ' होता है, जैसे-उरसाह=असुआ; उरसज=असुज।

(१३) 'रस' के 'र' को 'रि' होता है एवं सप्त-सप्त-सप्तम-सप्त-सप्ति इनमें 'र' को 'रि' निश्चयसे होता है, जैसे-सप्त=सप्ति; सप्त=सप्ति; सप्त=रिप-अप; सप्त=रिप-उप; सप्तम=रिसह-उसह, सप्त=रिउ-उठ; सप्ति=रिसि-रुसि।

(१४) संस्काराक्षर सन्ध्यामें अर्धसुख 'र' को 'र' होता है और दस-पापाव सन्ध्यामें स-बच्चे 'ह' निश्चयसे होता है, जैसे-एकदस=एकदह-एकदस; दस=दह-दस; पापाव=पापाव-पापाव।

(१५) ध्वनिक अन्य स्वरबन्ध कोप होता है। सामासिक सन्ध्यामें प्रयोगके अनुसार (निरा अवका निश्चयसे) कोप होता है, जैसे-दाक्ष=दाव; सजज=सजज-सजज।

(१६) कौर्मिणी सन्ध्याके अन्य स्वरबन्धके स्थानमें वा अवका 'मा' होता है जैसे-सरित=सरिता-सरिया अपवाद—मिथुन=मिथु कुम्भ=कुम्भ विष्=विष्ठा; अपसरस=अपसरसा-अपसरस; प्राप्=प्राप्त; कम्प=कम्पहा। स्वरान्त कौर्मिणीमें अन्य 'र' को 'र' होता है, जैसे-पुर=पुर। सरप् आदि सन्ध्यामें अन्य स्वरबन्धों 'ज' होता है जैसे-सरप्=सरजो; मिथप्=मिथजो विशेष—आतुप्=आतजो-आत; वतुप्=वतज-वत।

(१७) शीर्ष कर और अनुकारके पीछे केव स्वरबन्ध और आदेशभूत स्वरबन्धों द्वित्व नहीं होता एवं र ह-यो भी द्वित्व नहीं होता जैसे—स्वप्=स्वप्; सन्धा=सन्धा प्रत्ययबन्ध=वर्तमान, कर्णोपवन्ध=कर्मवन्ध। समासमें द्वित्व निश्चय से होता है, जैसे-वेकस्तुति=वेकस्तुति-वेकस्तुति।

(१८) संयुक्त स्वरबन्ध अन्तमें व-न-य-न-व-न-र हो तो उरस्य और संयुक्त स्वरबन्ध पढ़ा स्वरबन्ध व-न-न-र हो तो कोप होता है। अरु दोनोंको कोप होता हो वही प्रयोगानुसार हो यैसी एक का कोप होता है, जैसे-सर=सर, स्वाम=स्वाम स्वप्न=स्वप्न-स्वप्न आदि।

## संधि स्वरसंधि

( १ ) अर्धमागधीमें यदि एक ही पदमें दो स्वर साथमें आवें तो संधि नहीं होती, जैसे-कुणइ, करेइत्या, जिणाओ। अपवाद रूपसे कहीं २ एक पदमें भी संधि होती है, जैसे-होहिइ=होही, विइओ=वीओ। मित्र २ दो पदोंके स्वरोंकी संधि सस्कृतके समान विकल्पसे होती है और ये दोनों पद सामासिक होने चाहिएँ, जैसे-मगह+अहिवो=मगहाहिवो, सुर+ईसो=सुरेसो इत्यादि। कहीं २ असामासिक दो पदोंमें भी संधि होती है, जैसे-तत्थ+आगओ=तत्थागओ।

( २ ) समासमें ह्रस्व स्वरको दीर्घ और दीर्घको ह्रस्व प्रयोगानुसार होता है, जैसे-सत्त+वीसा=सत्तावीसा, नई+कूल=नइकूल।

( ३ ) इ ई अथवा उ ऊ के पीछे विजातीय स्वर आवे तो संधि नहीं होती, इसी प्रकार ए और ओ के बाद कोई भी स्वर हो तो संधि नहीं होती, जैसे-वदामि अज्जवइरं=वदामि अज्जवइरं, नई एत्य=,, माऊ एइ=,, वणे अइइ=,, अहो अच्छरिय=,, ।

( ४ ) स्वर परे हो तो पहले स्वरका प्रयोगानुसार प्राय लोप होता है, जैसे-नीसास+ऊसासा=नीसासूसासा।

( ५ ) 'ल्यट्' आदि सर्वनाम तथा अव्ययके पीछे आए हुए 'ल्यट्' आदि सर्वनाम अथवा अव्ययके प्रथम स्वरका प्राय लोप होता है, जैसे-अम्हे+एत्य=अम्हेत्य, को+इमो=कोमो, जइ+अह=जइह।

( ६ ) 'इ' आदि पुरुषबोधक प्रत्ययके पीछे स्वर आवे तो संधि नहीं होती, जैसे-होइ+इह=होइ इह।

( ७ ) व्यजन सहित स्वरमें से व्यजनका लोप होने पर शेष स्वरकी पूर्वके स्वरके साथ संधि नहीं होती, जैसे-पयावई=पयावई। कहीं २ संधि भी देखी जाती है जैसे-कुंमआरो=कुमारो।

## व्यंजनसंधि

( १ ) अकारसे परे विसर्ग होनेपर पूर्वके स्वर सहित ओ होता है, जैसे-अग्रत =अगगओ, इसी प्रकार तस् प्रत्ययके स्थानमें त्तो, दो विकल्पसे होते हैं, जैसे-तत =तओ, तत्तो, तदो इत्यादि।

( २ ) पदान्त 'म्' के पूर्वके अक्षरके ऊपर अनुस्वार होता है, यदि 'म्' के

पीछे कर हो तो अनुस्वार निष्पत्ति होता है, जब अनुस्वार न हो तो 'म्' में निष्पत्ति कर दिख जाता है। जैसे-विष्णु=विष; असमम् अस्मिन्=उत्तमं अस्मिन्, वसुधैवकुटुम्बकम् वही २ अन्त्य व्यंजनको भी अनुस्वार हो जाता है, जैसे-साक्षात्=सकृत्; मय=मं मयः; सम्यक्=सम्मं।

(१) चन्द्रवर्ती 'च-न्-व-न्' को अनुस्वार होता है, जैसे-परावसुक्=परसुक्, चन्द्रवर्त्त=चन्द्रवर्त्त; उत्तरवर्त्त=उत्तरवर्त्त; चन्द्रवर्त्त=चन्द्रवर्त्त।

(४) अनुस्वारको सवर्गी व्यंजन पर हो तो अनुनासिक निष्पत्ति होता है, जैसे-गङ्गा मेंगा गङ्गावे गङ्गावे; कटप, कटप, काकम्, काकम्; चम्पा=चम्पा।

(५) वक्रान्ति स्थितिमें पहले सुन्दरे या छीसरे कर पर प्रयोगानुसार अनुस्वार होता है, जैसे-वक्रम्=वर्क; मन्त्री=मन्त्री उपरि=उपरि।

(६) वहाँ उत्पत्ति पतौष्टि विहित हो वहाँ निष्पत्ति 'म्' का जापन होता है, जैसे-एक+एक=एकमेक, एकैक।

(७) वहाँ चन्द्रान्ति प्रयोगानुसार अनुस्वार का जोप होता है, जैसे-विष्णु=वीष्णु; विष्णु=वीष्णु।

### अव्ययसंधि

(१) अपि (अभि) अव्यय किसी भी पहले परे हो तो उसके आदिमें 'अ' का जोप निष्पत्ति होता है, जैसे-तु+अपि=तुपि-तुमहि केन+अभि=केमहि केनाभि।

(२) परान्तमें सस्ते परे 'इति' के स्थानमें 'ति' होता है यही परान्तमें कर व हो तो 'ति' होता है, जैसे-तथा+इति=तथाति तुता+इति=तुताति।

### कारक

(१) अव्ययमाग्यीमें विवचन नहीं होता बल्कि उसके स्थानमें बहुवचन का ही प्रयोग होता है, जैसे-इत्थी=इत्था।

(२) बहुव्री निमित्त के स्थानमें बहुव्रीका प्रयोग होता है जैसे-प्रमोद=प्रमोद=प्रमोद=प्रमोद।

(३) एक निमित्तके स्थानमें अन्य निमित्तका प्रयोग भी देखा जाता है, जैसे-तुतीनाके स्थानमें छट्टी-तैरैतद्व्याप्य=तेरि एकमप्यद्व्यम्; सप्तमीके स्थानमें छट्टी-सप्तमे भेद=बापान सप्त, सप्तमीके स्थानमें तुतीना-तस्मिन् वरके तस्मिन् समये=तेरं वरके तेरं समर्थ इत्यादि।

# शब्दोंके रूप

## अकारान्त पुलिग

### वद्धमाण

#### एकवचन

पठमा-वद्धमाणे, वद्धमाणो

विइया-वद्धमाण

तइया-वद्धमाणेण, वद्धमाणेणं

चउत्थी-वद्धमाणस्स, वद्धमाणाए-ते

पंचमी-वद्धमाणा, वद्धमाणत्तो, वद्ध-  
माणओ-तो-उ-उ-हि-हितो

छट्ठी-वद्धमाणस्स

सत्तमी-वद्धमाणे, वद्धमाणसि, वद्ध-  
माणम्मि

संवोहण-वद्धमाणे, वद्धमाणो, वद्ध-  
माण, वद्धमाणा

#### बहुवचन

वद्धमाणा

वद्धमाणे, वद्धमाणा

वद्धमाणेहि, वद्धमाणेहिं-हिं

वद्धमाणाण, वद्धमाणाण

वद्धमाणत्तो, वद्धमाणाओ-तो-उ-उ हि  
हितो-सुतो, वद्धमाणेहि हितो सुतो

वद्धमाणाण, वद्धमाणाण

वद्धमाणेसु, वद्धमाणेसु

वद्धमाणा

### अकारान्त नपुसक लिग

#### जल

प०-जल

वि०-,,

जलाणि, जलाइ-ई-इ

,, ,, ,, ,,

तृतीयासे सप्तमी तक 'वद्धमाण' की तरह जानें ।

सं०-जल

|( प्रथमाके अनुसार )

( नोट ) पुलिगके प्रथमाके एक वचन 'वद्धमाणे' की तरह नपुसक-लिगमें भी 'णयरे'  
'वज्जाणे' आदि प्रथमाके एकवचनके रूप अर्द्धमागधीमें पाए जाते हैं ।

## इक्ष्वाक्यस्त पुलिङ्ग मुनि

प०-मुनी	मुनिञ्च-उ मुनिभो मुनी	।
वि०-मुनि	मुनिभो मुनी	
त०-मुनिना	मुनीहि-ई-ई	
स०-मुनिभो मुनिस्त	मुनीच मुनीच	
प०-मुनिभो मुनीभो-उ-ईतो मुनिभो	मुनिभो मुनीभो-उ-ईतो-मुतो	
छ०-मुनिभो मुनिस्त	मुनीच मुनीच	
स०-मुनिहि मुनिमि	मुनीस्त, मुनीई	
सौ०-मुनी मुनि	( प्रथमाके अनुसार )	

## उक्ष्वाक्यस्त पुलिङ्ग

### साहु

प०-साहु	साह्वो साह्वे, साह्वो उ साहु,
वि०-साहु	साहुवो
	साहुवो साहु साह्वे

इससे जागेके हम इक्ष्वाक्य 'मुनि' शब्दके समान जानने पाविये ।

## इक्ष्वाक्यस्त वरुणसक-विम

### रदि

प०-रदि	रदीमि रदीरे-ई
वि०- <sub>२२</sub>	<sub>२२</sub> <sub>२२</sub> <sub>२२</sub>
	रदीरासे समीप तकके हम 'मुनि' के समान समर्थ ।
सौ०-रदि	( प्रथमाके अनुसार )

## उक्ष्वाक्यस्त वरुणसक-विम

### महु

प०-महु	महूमि-ई-ई
वि०- <sub>२२</sub>	<sub>२२</sub> <sub>२२</sub> <sub>२२</sub>
	रदीरासे समीप तक 'साहु' शब्दके समान जानें ।
सौ०-महु	( प्रथमाके अनुसार )

## ऋकारान्त पुल्लिङ्ग पियर=पिउ (पितृ)

प०-पिया, पियरो

पियओ, पियवो, पियउ, पिऊ, पियरा,  
पिउणो

वि०-पियर

पियरे, पियरा, पिउणो, पिऊ

तृतीयासे सप्तमी तक 'साहु' शब्दके समान जानें। 'पियर' के रूप 'वद्धमाण' के समान होते हैं।

विशेष-ठठी विभक्तिके एकवचनमें 'पिउए' भी होता है।

सं०-हे पिय! पियर, पियरो | (प्रथमाके अनुसार)

(नोट) पितृ आदि शब्द विशेष्यवाची हैं, विशेष्यवाचक शब्दके अन्त्य 'ऋ' के स्थानमें 'उ' और 'अर' होता है, जैसे-पितृ=पिउ, पियर, जामातृ=जामाउ, जामायर। दातृ आदि शब्द विशेषणवाचक हैं, इनके स्थानमें 'उ' और 'आर' होता है, जैसे-दातृ=दाउ, दायार, कर्तृ=कर्तु, कतार।

### व्यंजनान्तनाम

(१) जिन नामोंके अतमें मत्-वत् और अत् हो उनके अतके अत्के स्थानमें अन्तका प्रयोग होता है और उनके रूप अकारान्त 'वद्धमाण' के समान चलते हैं। जैसे-भगवत्=भगवत, भवत्=भवत, धीमत्=धीमत। भगवत् शब्दका प्रथमाका एकवचन 'भगव' होता है जो कि शौरसेनीके समान है।

(२) जिन नामोंके अन्तमें 'अन्' है उन नामोंके अन्तके 'अन्' को 'आण' विकल्पसे होता है और उसके रूप अकारान्त पुल्लिङ्गके समान होते हैं। यथा-राजन्=रायाण, राय, आत्मन्=अप्पाण, अप्प।

'अन्' अत वाले शब्दोंके और भी रूप होते हैं जो नीचे दिए जाते हैं।

### अप्या-अप्याज

ए०-अप्या अप्यो अप्यायो  
 वि०-अप्य अप्याय अप्यायि  
 त०-अप्येय-य अप्यायेय-य अप्याया  
 स्व०-अप्यस् अप्यायस् अप्यायो  
 प०-अप्यतो अप्यातो-उ-हि-ह्यतो  
 अप्या अप्याता अप्यायतो  
 अप्यापातो-उ-हि-ह्यतो अप्याया

अप्या अप्याय अप्यायो  
 अप्ये अप्या अप्याये अप्याया-यो  
 अप्येहि-हि-हिं, अप्यायेहि-हिं हिं  
 अप्याय-य अप्यायाय-य अप्यायि  
 अप्यातो अप्यातो-उ-हि-ह्यतो-ह्यतो  
 अप्येहि ह्यतो ह्यतो अप्यायतो अप्या-  
 यातो-उ-हि-ह्यतो-ह्यतो अप्यायेहि-ह्यतो  
 ह्यतो

छ०-अप्यस् अप्यायस् अप्यायो  
 स०-अप्ये अप्यायि अप्याये अप्या  
 यमि  
 सं०-ह्ये अप्य अप्ये अप्या अप्याय  
 अप्यायो ह्ये अप्याया

अप्याय-य अप्यायाय-य अप्यायि  
 अप्येह-ह्य, अप्यायेह-ह्य  
 अप्या अप्याता अप्यायी

इस प्रकार 'अप्य' शब्द सब नामोंके रूप आता है।

विशेषण—'राज-राजा' शब्दके रूपमें जो विशेषण है वह इस प्रकार है  
 (१) बा, ना मि मे छील प्रत्यय आते समय पूर्वके 'व' को निष्कर्षते 'ह' होता है, जैसे—राज्यो राज्यो; राज्या राज्या एवमि एवमि।

(२) छिटीवाके एकवचन और छट्टीके बहुवचनमें प्रत्यय छहित 'एव' शब्दके 'व' का 'ह' आदेश निष्कर्षते होता है। जैसे—हि ए. राज्ये अन्ना एवं क. ए. राज्ये अन्ना रायाने।

(३) छट्टीया पंचमी और छट्टीके एकवचनमें ना जो प्रत्ययके पहले 'एव' शब्दके 'भाव' को 'अव' निष्कर्षते होता है

ए. ए.	राज्या	अन्ना	राज्या	राज्या
प. ए.	राज्यो	अन्ना	राज्यो	राज्यो
क. ए.	राज्यो	अन्ना	राज्यो	राज्यो

(४) छट्टीया बहुमी पंचमी बड़ी और सप्तमीके बहुवचनमें प्रत्ययोंके पहले 'एव' शब्दके 'व' को निष्कर्षते 'ह' होता है

ए. ए.	राज्येहि	अन्ना	राज्येहि	
क. छ. व.	राज्ये	अन्ना	राज्ये	रायाने
प. ए. राज्यो	राज्यो	अन्ना	रायाने,	रायानो
छ. व.	राज्ये	अन्ना	राज्ये	



## आकारान्त स्त्रीलिंग

### कहा

प०-कहा	कहाओ, कहाउ, कहा
वीया-कह	” ” ”
त०-कहाय, कहाइ, कहा(ते)ए	कहाहि, कहाहिं, कहाहिं
च० छ०-” ” ”	कहाण, कहाण
पं०-कहाय, कहाइ, कहाए, कहतो,	कहतो, कहाओ-उ-हितो-सुतो
कहाओ-उ-हितो	
स०-कहाय, कहाइ, कहाए	कहानु सु
सं०-कहे, कहा	( प्रथमाके अनुसार )

## इकारान्त स्त्रीलिंग

### मइ

प०-मई	मईओ, मईउ, मई
वी०-मई	” ” ”
त०-मईय, मईइ, मईए	मईहि हिं-हिं
च० छ०-” ” ”	मईण, मईण
प०-” ” ” मइतो, मईओ-उ हितो	मइतो, मईओ-उ हितो सुतो
स०-मईय, मईइ, मईए	मईसु, मईसु
सं०-मइ, मई	( प्रथमाके अनुसार )

दीर्घ ईकारान्त ह्रस्व उकारान्त और दीर्घ ऊकारान्तके रूप भी 'मइ'के समान जानें ।

## ऋकारान्त स्त्रीलिंग

'मातृ' शब्दके स्थानमें 'माया' और 'मायरा' प्रयुक्त होते हैं, इसके सब रूप 'कहा' के समान हैं । केवल सवोधन प्रथमाकी तरह ही होता है ।

### सर्वनाम

अकारान्त पुल्लिंग सर्वनामके रूप 'वदभाण' शब्दकी तरह जानें, विशेषता निम्नलिखित है ।

## संख्य

प०-	संख्ये
ख० छ०-	संख्येति
प०-संख्यम्हा	
ख०-संख्यस्य संख्यसि संख्यसि, संख्यसि	

(नोट) 'एय' और 'इय' को 'ई' प्रत्यय नहीं लगता ।

आन्तरगत औचित्य सर्वनाम के रूप 'अहा' की तरह होते हैं । विशेष लट्टिक बहुवचनमें 'ति' प्रत्यय होता है ।

अन्तरगत न्युसंख्यसि के रूप 'अह' के समान आते ।

## तुम्ह-अम्ह के उपयोगी रूप

## तुम्ह

प०-तू तू	तुम्हे, तुम्हे तुम्हे मे
खी०-तू तू	तुम्हे, तुम्हे तुम्हे मे
त०-तए, तुमए, तुमे	तुम्हेही, तुम्हेही, मे
ख० छ०-ते तुह, तुज्ज	तुम्हास्य तुम्हास्य मे, ता
प०-तुमत्तो तुमम्हो	तुम्हात्तो तुम्हात्तो तुम्हात्तो तुम्हात्तो
ख०-तुमए, तए, तह	तुम्हेसु, तुम्हेस-सु

## अम्ह

प०-हूँ, अहूँ, अहम्	अम्हे, यो कर्
खी०-मी मर्	अम्हे, मे
त०-मह, मए	अम्हेही, मे
ख० छ०-मे मय मज्ज मज्ज, मज्ज	अम्हूँ, अम्हास्य मे यो
प०-ममत्तो ममम्हो	अम्हात्तो अम्हात्तो
ख०-मह, मज्जे गयीति ममिह	अम्हेसु

## संख्यावाचक शब्द

एक-एक-दस शब्दों के रूप तीनों किंगों में प्रयुक्त होते हैं, उनके रूप शब्दों के समान आते हैं ।

‘दो’ से ‘अट्ठास्ह’ तकके रूप बहुवचनमें प्रयुक्त होते हैं और तीनों किन्हीं समान रहते हैं। ‘अट्ठास्ह’ तकके संख्यावाचक शब्दोंके छद्मीके अन्तरामें ‘श’ और ‘ण’ प्रत्यय लगता है।

### दु दो वे

प० वी०-दुवे, दोगिग, दुगिग, वेगिग, तिगिग, दो, वे  
 त०-दोहि-हिं-हिं, वेहि-हिं हिं  
 च० छ०-दोह, दोह, दुण्ह, दुण्ह, वेण्ह, वेण्ह, तिण्ह, गिग  
 प०-दुत्तो, दोओ उ हितो मुनो, गिनो, वेओ-उ हितो गतो  
 स०-दोस्र-मु, वेस्र-मु

### ति

प० वी०-तिगिग  
 च० छ०-तिण्ह, तिण्ह  
 शेष रूप ‘मुणि’ शब्दके बहुवचनानुसार जान।

### चउ

प० वी०-चत्तारो, चउरो, चत्तारि  
 त०-चउहि-हिं-हिं, चऊहि-हिं हिं  
 च० छ०-चउण्ह, चउण्ह  
 शेष ‘साहु’ के बहुवचनानुसार जान।

### पंच

प० वी०-पंच  
 त०-पंचहि-हिं-हिं  
 च० छ०-पंचण्ह, पंचण्ह  
 शेष ‘बद्धमाण’ के बहुवचनानुसार।

### क्रियापद

जैसे सस्कृतमें दश गण और उनमें परस्मैपदी, आत्मनेपदी, उभयपदी धातु और उनके भिन्न ० प्रत्यय होते हैं, वैसे अर्धभागधीमें नहीं। अर्धभागधीमें वर्तमानकाल, भूतकाल (अस्तन परोक्ष अथवा भूतके स्थानमें) आशार्थ, विध्यर्थ, भविष्यकाल (अस्तन भविष्य और सामान्य भविष्यके स्थानमें) और क्रियाति-प्रत्यय इतने कालोंका प्रयोग होता है।

## संरान्त और व्यंजनान्त धातुमें मेघ

संरान्त धातुके अन्तमें 'ज' वगैरह क्यता है और संरान्त धातुके निरन्तर ।

### वर्तमान काल

#### इत्

एकवचन	बहुवचन
प्र० पु०—इसह, हसेह इसए	इसन्ति इसन्ते इसिरे
	इसिंति इसिंते इसेहरे
	इसिंति इसिंते इसहरे
म० पु०—इससि हसेसि इससे	इसह इसिंता हसेह इसेह्ता इस-
	इता हसेता
व० पु०—इससि हससि हसेसि	इसिमो इसमो इसमो इसेमो

(नोट) वृत्त पुस्तके बहुवचनमें 'मो-सु-म' के तीन प्रत्यय क्यते हैं जहाँ केवल 'मो' के रूप लिए हैं 'सु' और 'म' के रूप भी इसी प्रकार जान्यें ।

#### सर्ववचन सर्वपुदप

इसेज इसेजा इसिज इसिजा

#### 'अस' धातुके रूप

प्र पु०—असि	अस्ति
म० पु०—सि	ह
व० पु०—सि अस्ति	स्य

#### संरान्तधातु 'हो'

जब कर्पोर निरमानुसार 'अ' क्यता है तो इसके रूप 'हम्' की तरह होते हैं जैसे—होमह, होमसि होमसि दसासि ।

जब 'अ' नहीं क्यता तो इसके रूप इस प्रकार होते हैं ।

प्र० पु०—हो	होति हुंति होते होहरे
म० पु०—होसि	होह होह्ता
व० पु०—होमि	होमो होमु होम

**विशेष**—खरान्त धातुओंमें 'दा' धातुको पुरुषबोधक प्रत्यय लगाते समय अन्य 'आ' को कहीं २ 'ए' होता है, जैसे-देइ, दति, दिन्ति, देसि, देमि, देमु इत्यादि ।

## भूतकाल

व्यजनान्त धातुओंके सर्ववचन और सर्वपुरुषमें 'ईअ' प्रत्यय लगता है जैसे-वस्+ईअ=वसीअ ।

खरान्त धातुओंको 'सी' 'ही' 'हीअ' प्रत्यय लगते हैं, जैसे-कासी-काही-काहीअ ।

## अस्

**सर्ववचन सर्वपुरुष**—आसि, अहेसि

**परिवर्तनसे होनेवाले रूप**—अवोच, अभू, आसी, आसिमो-मु, अदक्छ, अकासि ।

(२) सर्ववचन और सर्वपुरुषमें धातुको 'त्या' और 'इस्' प्रत्यय होता है जैसे-होत्या, पलाइत्या । 'इस्' प्रत्ययके लिए देखो आख्यात-विभक्ति प्रकरण ।

**विशेष**-(१) कहीं २ 'इस्' को गुण भी होता है, जैसे—परिफहँसु ।

(२) धातुके पूर्व कहीं २ 'अ' का आगम भी होता है, जैसे—अफहँसु ।

## भविष्यकाल

## हस्

**प्र० पु०**—हसिहिइ-हिए-स्सइ-स्सए

हसेहिइ-,,-,,-,,

**म० पु०**—हसिहिसि हिसे-स्ससि-स्ससे-

हसेहिसि-,,-,,-,,

**उत्तम पु०**—हसिस्सं-स्सामि-हामि-हिमि

हसेस्सं-स्सामि-हामि-हिमि

हसिहिंति-ते-हिरे

हसेहिंति ,,-,,

हसिस्सति ते, हसेस्संति-ते

हसिहिइ-स्सह हित्या

हसेहिइ-,,-,,

हसिस्सामो मु-म हामो मु-म हिमो-मु-म

हिस्सा-हित्या

हसेस्सामो-मु-म हामो मु-म हिमो-मु-म-

हिस्सा हित्या

**सर्वपुरुष-सर्ववचन**—हसेज्ज-ज्जा, हसिज्ज-ज्जा

हो

उपर्युक्त नियमानुसार हो' और 'होम' दोनोंको इसके समान प्रत्यय समझें।

विशेष—हर वाद्यको मसिध्वाक्षरमें 'ह' आनेका निश्चयसे होता है, और उत्तम पुष्पके एक वचनमें 'ह' निश्चयसे होता है। ऐसे ही 'ह' वाद्यके वचनमें भी आने।

## आज्ञार्य और विध्यर्थ

हन्

प्र० पु०—इसठ इसेठ इसप्, इसे	इसेत्तु, इसेत्तु, इसित्तु
म० पु०—इसवि इसत्तु, इसित्तु-आदि ये-आति-आति-आदि, इसेवि- स-जस-जसि ये-आति-आति आदि इस इसे इसादि	इसह, इसेह, इसिआह, इसेआह
उ० पु०—इसत्तु, इसत्तु, इसित्तु इसेत्तु	इसमो इसामो इसिमो इसेमो
सर्वपुदप-सर्ववचन-इसेज आ, इसिज-आ	

हो

(१) 'होम' में इसके समान प्रत्यय जुड़ते हैं।

(२) केवल हो' के रूप जीने किये अनुसार हैं।

प्र०पु०—होउ	होउ
म०पु०—होवि, होवि	होह
उ०पु०—होमु	होमो

## क्रियातिपत्यर्थ

'क्रियातिपत्यर्थ' क्रियाकी निष्पत्त्याका सूचक है जैसे—'ऐसा हुआ होता तो ऐसा होता' पर पदार्थ कार्य व होने से वृत्तार्थ कार्य भी न बना।

प्रत्यय-विशेष के नियमानुसार प्रथमा के एकवचन और बहुवचनके उत्तर २ क्रियाके प्रत्यय 'न्त' लगाकर तेनार निप् याप् प्रत्यय और सर्ववचन सर्वपुदपमें ज-आ प्रत्यय लगानेसे क्रियातिपत्यर्थके रूप होता है।

पुल्लिङ्ग-हस-हसन्ते, हसन्तो  
हो-होन्ते, हुन्ते, होंतो,  
हुतो

हसन्ता  
होन्ता, हुन्ता

स्त्रीलिङ्ग-हस-हसन्ती, हसन्ता  
हो-होन्ती, हुन्ती, होंता,  
हुन्ता

‘ओ और जो’ होने पर हसनादि रूप  
न जाते हैं।

नपुंसकलिङ्ग-हस-हसत  
हो-होन्त, हुन्त

हसन्ताः  
होन्ताः, हुन्ताः

### ‘होअ’ अगके रूप

पुल्लिङ्ग  
होअन्तो {होअन्ता

स्त्रीलिङ्ग  
होअन्ती {होअन्ता

नपुंसकलिङ्ग  
होअन्त {होअन्ता

### सर्ववचन सर्वपुरुष

हस-हसेज, हसेजा

हो-होज, होजा, होएज, होएजा

### कर्मणि

जो धातु सकर्मक हो उसका कर्मणि प्रयोग होता है। कर्मणि तृतीया विभक्ति और कर्ममें प्रथमा विभक्ति होती है तथा कर्मके आधार पर क्रियापद होता है जैसे-वालो पुत्यय पढइ—गालेण पुत्यय पढिजइ इत्यादि। भाव प्रयोगमें कर्ताके स्थानमें तृतीया विभक्ति का प्रयोग होता है और कर्म न होनेके कारण क्रियापद प्रथम पुरुषके एकवचनमें प्रयुक्त होता है, जैसे-सो गच्छउ-तेण गम्मइ आदि।

धातुसे कर्म और भावमें रूप बनानेके लिए ‘ईअ’ अथवा ‘इअ’ प्रत्यय प्रयुक्त होता है, इसके बाद काल के पुरुषबोधक प्रत्यय लगते हैं।

भविष्यकाल क्रियातिपत्यर्थ आदिके रूप भाव और कर्ममें कर्ताके समान होते हैं।





## भूत-कृदन्त

धातुको 'य' अथवा 'त' प्रत्यय लगानेसे कर्मणि भूत कृदन्त होता है । प्रत्यय लगाते समय 'अ' को 'इ' होता है और यह कृदन्त विशेषण होता है । तथा स्त्रीलिंग करना हो तो 'आ' लगानेसे वैमा हो जाता है । जैसे-हसिय-हसिर्न, हसिए ते, हसिओ-तो, हमिया ता, हृ+अ=हृअ-हृउअ-हृउत, हृ=हृअ, हृत ।

## हेत्वर्थ कृदन्त

धातुके अगको उ-उ-उ-इत्तए प्रत्यय लगानेसे हेत्वर्थ कृदन्त होता है, पूर्वमें यदि 'अ' हो तो उसे 'इ' अथवा 'ए' होता है, जैसे-हसिउ, हसेउ, हसितु, हसेतु, हसित्तु, हसेत्तु । 'इत्तए' के लिए देखो धातु प्रत्यय नियम न० २ ।

## संबंधक भूत कृदन्त

धातुके अगको तु-उ-य तूण-ऊण-तुआण-तूण-ऊण-तुआण-उआण-उआण प्रत्यय लगानेसे संबंधक भूत कृदन्त होता है तथा पूर्वके 'अ' को 'इ' अथवा 'ए' होता है । जैसे-हसितु-उ-य-तूण-ऊण-तुआण-तूण-ऊण-तुआण उआण-उआण, हसेतु-उ-तूण यावत् उआण । विशेषताके लिए देखो धातु-प्रत्यय नियम न० १ ।

## समास

संस्कृतके समान अर्धमागधीमें भी सात समास होते हैं ।

गाहा-दंदे य बहुव्रीही, कम्मधारयए दिगुयए चेव ।

तप्पुरिसे अब्बईभावे, एगसेसे य सत्तमे ॥ १ ॥ ( अनुयोगद्वारसूत्र )

विशेषता यह है कि संस्कृतके स्थानमें अर्धमागधी शब्दोंका प्रयोग होता है ।

# सुत्ताणुक्रमणिपा

सुत्तपामं	पिट्ठसंख्या
आन्दरे	१
सूक्का	१ १
ठाणे	१८३
उयवाए	३१६
मपयई-विषादपण्यती	३८४
वात्थवम्मच्छान्ति	९४१
उवासयवसान्ति	११२७
अंतपवसान्ति	११९१
अनुत्तरोववाएवसान्ति	११९१
पम्हावागरमं	११९९
विवायपुत्तं	१२४१



चमोऽत्यु जं समप्यस्स भगवणो णात्यपुत्त महावीर्य

# सुत्तागमे

तत्त्व ण

आयारे

सुत्तं मं आउपे । तेनं मयवया एवमप्युत्तं ॥ १ ॥ इहमिगेसिं मे भवइ,  
 संवहा—पुरस्सिमाओ वा विसाओ आगओ अहमंसि । गोहिपाओ वा विसाओ  
 आगओ अहमंसि पणस्सिमाओ वा विसाओ आगओ अहमंसि सत्तराओ वा  
 विसाओ आगओ अहमंसि उह्वाओ वा विसाओ आगओ अहमंसि । अओ विसाओ  
 वा आगओ अहमंसि । अण्णवरीओ वा विसाओ अपुविसाओ वा आपओ अहमंसि ।  
 एवमेवेसिं वो वारं भवइ अत्थि मे आवा उववाइए, वरिं मे आवा उववाइए के  
 वरं वासि । के वा इओ पुओ इह पेवा मविसिमां ॥ १ ॥ से जं पुव वावेअ  
 सहस्रमए परागएवेअं अण्णंसि अत्थि वा सोअ संवहा—पुरस्सिमाओ वा  
 विसाओ आगओ अहमंसि वाव अण्णवरीओ विसाओ अपुविसाओ वा आपओ  
 अहमंसि एवमेवेसिं वं वारं भवइ अत्थि मे आवा उववाइए वो इमाओ-विसाओ  
 अपुविसाओ वा अपुसंवरं सोअं, सव्वाओ विसाओ-अपुविसाओ वो अताओ  
 अपुसंवरं, सोअं । से आवावाइ, सोयावाइ, कम्मावाइ, किरियावाइ ॥ १ ॥  
 अण्णरिस्सं वरं करवेइं वरं करओ वाणि समुत्थे मविसिमां, एवावंति सव्वा-  
 वंसि कोपंसि कम्मसमारंभा परिआमिबन्ना भवंति ॥ ४ ॥ अपरिआमयअये अणु अवं  
 पुरिसे वो इमाओ विसाओ अपुविसाओ अपुसंवरं, सव्वाओ विसाओ सव्वाओ  
 अपुविसाओ साहेइ, अवेयकवाओ जाणीओ संवेइ, विम्वरवे पयसे पडिउवेइ  
 ॥ ५ ॥ तत्त्व एत्तु भगववा परिण्णा पण्डवा ॥ ५ ॥ इमस्स पेव जीविस्स परि  
 संवहाअण्णववाए, जारंमरणओववाए, हुण्णपडिवाइवे ॥ ७ ॥ एवावंति सव्वा-  
 वंसि कोपंसि कम्मसमारंभा परिआमिबन्ना भवंति ॥ ८ ॥ अस्सेउ नोयंसि कम्म-  
 समारंभा परिण्णावा भवंति से ह्नु सुणी परिण्णावअये ति वेमि ॥ ॥ पइमो  
 उहेसो ॥

अदि कोए वरिठ्ठो पुसंभोइे अविआणए अत्थि कोए पण्णइए तत्त्व तत्त्व पुओ  
 पत्त अणुए अत्थि परिण्णवे ॥ १ ॥ संति पाणा पुओहिवा मज्झाणा पुओ

पास ॥ १३ ॥ अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा, जमिणं विस्वस्वेहिं सत्थेहिं पुढ-  
 विक्रम्मसेमारंभेण पुढविसत्थं समारंभमाणे अणेगह्वे पाणे विहिंसइ ॥ १० ॥ तत्थ  
 खलु भगवया परिण्णा पवेइआ । इमस्स चेव जीवियस्स परिवदण-भाणण-पूयणाए,  
 जाइसरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव पुटविसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं  
 वा पुढविसत्थं समारंभावेइ । अण्णेवा पुढविसत्थं समारंभते समणुजाणइ । तं  
 अहियाए, तं से अवोहिए ॥ १३ ॥ से तं सवुज्झमाणे आयाणीय समुट्ठाय सोच्चा  
 खलु भगवओ, अणगाराण अतिए, इहमेगेसिं णात भवति-एस खलु, गथे एम खलु  
 मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गच्छिए लोए जमिणं विस्वस्वेहिं  
 सत्थेहिं पुढविक्रम्मसमारंभेण पुढविसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगह्वे पाणे  
 विहिंसइ ॥ १४ ॥ से वेमि-अप्पेगे अधमब्भे, अप्पेगे अधमच्छे, अप्पेगे पाय-  
 मब्भे, अप्पेगे पायमच्छे, अप्पेगे गुप्फमब्भे, २ अप्पेगे जघमब्भे, २ अप्पेगे  
 जाणुमब्भे, २ अप्पेगे ऊल्लमब्भे, २ अप्पेगे कडिमब्भे, २ अप्पेगे णाभिमब्भे,  
 २ अप्पेगे उयरमब्भे, २ अप्पेगे पासमब्भे, २ अप्पेगे पिट्ठिमब्भे, २ अप्पेगे  
 उरमब्भे, २ अप्पेगे हिययमब्भे, २ अप्पेगे थणमब्भे, २ अप्पेगे स्रधमब्भे,  
 २ अप्पेगे बाहुमब्भे, २ अप्पेगे हत्थमब्भे, २ अप्पेगे अगुल्लिमब्भे, २ अप्पेगे  
 णहमब्भे, २ अप्पेगे गीवमब्भे, २ अप्पेगे हणुमब्भे, २ अप्पेगे होठ्ठमब्भे,  
 २ अप्पेगे दतमब्भे, २ अप्पेगे जिब्भमब्भे, २ अप्पेगे तालुमब्भे, २ अप्पेगे  
 गल्लमब्भे, २ अप्पेगे गंडमब्भे, २ अप्पेगे कण्णमब्भे, २ अप्पेगे णाममब्भे,  
 २ अप्पेगे अच्छिमब्भे, २ अप्पेगे भमुहमब्भे, २ अप्पेगे णिडाल्लमब्भे, २ अप्पेगे  
 सीसमब्भे, २ अप्पेगे सपमारए, अप्पेगे उह्वए ॥ १५ ॥ इत्थं मत्थं समारंभमा-  
 णस्स इच्चेते आरमा अपरिण्णाता भवति । एत्थं सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते  
 आरमा परिण्णाता भवति ॥ १६ ॥ तं परिण्णाय मेहावी नेव सयं पुढवि सत्थं  
 समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं पुढविसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे पुढविसत्थं समारंभते  
 समणुजाणेज्जा । जस्सेते पुढविक्रम्मसमारंभा परिण्णाता भवति से हु मुणी परि-  
 ण्णातकम्मेत्ति वेमि ॥ १७ ॥ **बीयो उहेसो ॥**

से वेमि, जहावि अणगारे उज्जुक्खे, णियायपडिक्खणे अमाय कुब्बमाणे विया-  
 हिते, जाए सद्धाए णिक्खंतो तमेवअणुपालिया वियहितु विसोत्तिय- ॥ १८ ॥  
 पणया वीरा महावीहिं, लोगं च आणाए अभिसमेच्चा अकुओभयं ॥ १९ ॥ से  
 वेमि णेव सयं लोगं अब्भाइक्खज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खज्जा । जे लोगं  
 अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ, जे अत्ताणं अब्भाइक्खइ, से लोगं अब्भा-



णीय समुट्ठाए सोच्चा भगवओ अणगाराण इहमेगेसिं णाय भवति-एस खलु गथे  
 एस खलु मोहे एस खलु मारे एस खलु णरए । इच्चत्यं गट्ठिए लोए जमिग विम्ब-  
 रुवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारभमाणे अण्णे अणेगरुवे पाणे विहिंसति ॥ ३४ ॥  
 से वेमि, सति पाणा, पुढविणिस्सिया, तणणिस्मिया, पत्तणिस्मिया, कट्ठणिस्सिया,  
 गोमयणिस्सिया, कयवरणिस्सिया, सन्ति सपातिमा पाणा, आहच्च सपयति ।  
 अगणिं च खलु पुट्ठा, एगे सघायमावज्जति । जे तत्थ सघायमावज्जति, ते तत्थ  
 परियावज्जति, जे तत्थ परियावज्जति ते तत्थ उद्दयति ॥ ३५ ॥ एत्थ सत्थं अन्न  
 मारभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णया भवति ॥ ३६ ॥ त परिण्णाय मेहावी नेव  
 सय अगणिसत्थ समारमेज्जा, नेवनेहिं अगणिसत्थ समारभावेज्जा, अगणिसत्थ समा  
 रभमाणे अन्ने न समणुजाणेज्जा । जस्सेते अगणिकम्मसमारभा परिण्णया भवति,  
 से हु मुणी परिण्णायकम्मे ति वेमि ॥ ३७ ॥ चउत्थोद्देसो ॥

त णो करिस्सामि समुट्ठाए मत्ता मतिम, अभय विदिता, त जे णो करए, एसो  
 वरए, एत्थोवरए, एस अणगारे ति पवुच्चइ ॥ ३८ ॥ जे गुण्णसे आवट्ठे जे आवट्ठे  
 से गुण्णे ॥ ३९ ॥ उट्ठ-अहं-तिरियं-पाईण पासमाणे रुवाइ पासइ, सुणमाणे सद्दाई  
 सुणइ, उट्ठ-अहं-तिरिय पाईण मुच्छमाणे रुवेसु मुच्छति, सद्देसु यावि एस लोए  
 वियाहिए । एत्थ अगुत्ते अणाणाए पुणो पुणो गुणासाते वक्कमायारे पमत्तेऽगार-  
 मावसे ॥ ४० ॥ लज्जमाणा पुढो पास, अणगारा मोत्ति एगे पवदमाणा, जमिग  
 विरुवरुवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारमेग वणस्सइसत्थं समारभमाणा अण्णे  
 अणेगरुवे पाणे विहिंसति ॥ ४१ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेदिता । इमस्स  
 चेव जीवियस्स परिवदण, माणण, पूयणाए, जातिमरण मोयणाए दुक्खपडिघायहेउ  
 से सयमेव वणस्सइसत्थं समारभइ, अण्णेहिं वा वणस्सइसत्थ समारंभावेइ, अण्णे  
 वा वणस्सइसत्थं समारभमाणे समणुजाणइ, त से अहियाए, त से अवोहीए ॥ ४२ ॥  
 से त सवुज्झमाणे आयाणीय समुट्ठाए सोच्चा भगवओ, अणगाराण वा अतिए इह  
 मेगेसिं णायं भवति-एस खलु गथे एस खलु मोहे एस खलु मारे एस खलु णरए ।  
 इच्चत्यं गट्ठिए लोए, जमिगं विरुवरुवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारमेगं वणस्सइसत्थं  
 समारंभमाणे अन्ने अणेगरुवे पाणे विहिंसति ॥ ४३ ॥ से वेमि, इमं पि जाइघम्मयं,  
 एयपि जाइघम्मयं, इमं पि बुद्धिघम्मयं एयपि बुद्धिघम्मयं, इमपि चित्तमतयं एयं पि  
 चित्तमतयं, इमपि छिन्नं मिलाति, एयपि छिन्नं मिलाति, इमपि आहारगं, एयपि  
 आहारगं, इमपि अणिच्चयं, एयपि अणिच्चयं, इमपि असासयं, एयं पि असासयं,  
 इमं पि चओवचइयं, एयपि चओवचइयं, इमपि विपरिणामघम्मयं, एयपि





पहू एजस्स दुगच्छणाए, आयकदसी अहियति नया । जे अज्जत्य जाणइ, ते वहिया जाणइ, जे वहिया जाणइ, से अज्जत्य जाणइ । एय तुल्लममेमि । इह सतिगया दविया पावकखति जीविउ ॥ ५५ ॥ लज्जमाणा पुढो, पास, अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा, जमिण विरुवरुवेहिं सत्थेहिं, वाउकम्मसमारमेण वाउसत्थ समारभमाणे अण्णे अण गरुवे पाणे विहिंसड ॥ ५६ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चंव जीवियस्स परिचदण, माणण, पूयणाए, जाइमरणमोयणाए दुक्कापडिघायहेउ, से सयमेव वाउसत्थ समारभति, अजेहिं वा वाउसत्थ समारंभावेति, अजे वा वाउमत्थ समारभंते समणुजाणति, त से अहियाए त से अगेहीए ॥ ५७ ॥ से तं संवुज्जमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ अणगाराण अतिए इहमेगेमि णाय भवति-एत खलु गथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एम खलु णरए । इच्चत्य गट्ठिए लोए, जमिण विरुवरुवेहिं सत्थेहिं वाउकम्मसमारमेण वाउमत्थ समारंभमाणे अण्णे अण गरुवे पाणे विहिंसति ॥ ५८ ॥ से वेमि, सति सपाइमा पाणा, आहच्च सपर्यति य फरिस च खलु पुट्ठा एगे सघायमावज्जति । जे तत्थ सघायमावज्जंति, ते तत्थ परि यावज्जंति, जे तत्थ परियावज्जंति, ते तत्थ उहायति ॥ ५९ ॥ एत्थ मत्थ समारभ माणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवति । एत्थ सत्थ असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवति ॥ ६० ॥ तं परिण्णाय मेहावी नेव सय वाउसत्थं समारंमेज्जा, नेवजेहिं वाउसत्थं समारंभावेज्जा, नेवजे वाउमत्थ समारंभते समणु जाणेज्जा । जस्सेते वाउसत्थसमारंभा परिण्णाया भवति से हु मुणी परिण्णायकम्मे ति वेमि ॥ ६१ ॥ एत्थ पि जाणे उवादीयमाणा जे आयारे न रमति, आरंभमाणा विणय वयंति, छंदोवणीया, अज्झोववण्णा, आरभसत्ता पकरंति सग ॥ ६२ ॥ से वसुम सव्वसमण्णागयपण्णाणेण अप्पाणेण अकरणिज्ज पावकम्म णो अण्णसिं ॥ ६३ ॥ त परिण्णाय मेहावी नेव सय छज्जीवणिकायसत्थं समारंमेज्जा, नेवजेहिं छज्जीवणि कायसत्थं समारंभावेज्जा, नेवजे छज्जीवणिकायसत्थं समारंभते समणुजाणेज्जा । जस्सेते छज्जीवणिकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवति, से हु मुणी परिण्णायक म्मेसि वेमि ॥ ६४ ॥ सत्तमोहेसो ॥

॥ सत्थपरिण्णा णाम पढमज्झयण समत्त ॥

जे गुणे से मूलठ्ठाणे, जे मूलठ्ठाणे से गुणे, इति से गुणठ्ठी महता परियावेर्ण पुणे  
 ७ वसे पमत्ते, तंजहा-माया मे, पिया मे, भाया मे, भइणी मे, भज्जा मे, पुत्त  
 , धूया मे, णुसा मे, सहि-सयण-संगय-सथुया मे, विविचुवगरण-परिवट्ठण-भोयण

अथान्नं मे इक्ष्वरं यद्विष्णोः कथं पश्यते ॥ १५ ॥ अहोब राजो परिवर्णमात्रे  
 अक्षयप्रमाणमुद्राई, संशोयद्वी अक्षयप्रमाणे आक्षयपे गहसाक्षरे, विविविष्टुमिति  
 एव मत्ते पुनो पुनो ॥ १६ ॥ अथ न एव जायते इहमेवेति मायवार्ध; तजहा यो-  
 नपरिष्कारेहि, परिहायमात्रेहि, अक्षयपरिष्कारेहि परिहायमात्रेहि, वाचपरिष्कारेहि  
 परिहायमात्रेहि, रक्षायपरिष्कारेहि परिहायमात्रेहि, अक्षयपरिष्कारेहि परिहायमा-  
 त्रेहि, अक्षयैतं न कष्ट कथं संवेदाए ततो से एवम गृह्यमात्रं कथयति ॥ १७ ॥  
 जेहि वा सखि संवसति तन्निवे एवम विवम पुम्वि परिष्कारेति । सो वि ते निवमो  
 पक्षय परिवर्णमात्रे वाकं से तत्र तापाए वा सरपाए वा । तुमं पि तेहि नाकं  
 तापाए वा सरपाए वा । से न हस्ताए, न विष्ठाए, न रक्षीए, न विमूखाए, ॥ १८ ॥  
 इक्ष्वरं समुद्रिण अहोविहाराए अंतरं न कष्ट इमं संवेदाए बीरो मुद्रात्मनि नो पमा-  
 नए । बभो अवेदं ओष्मन् न ॥ १९ ॥ इह जीविए जे पमता । से इटा छेता  
 मेता हृषिता विहृषिता उन्मिता उतासिता अक्षयं अस्मितामिति मन्म-  
 मात्रे ॥ २० ॥ जेहि वा सखि संवसति ते वा न एवम विवम तं पुम्वि पेशेति  
 नो वा ते निवमो पक्षय परिहृषिता । नाकं से तत्र तापाए वा सरपाए वा । तुमं पि  
 तंति नाकं तापाए वा सरपाए वा ॥ २१ ॥ उवाहयसेवेन वा संविहृषितविबभो-  
 जति इहमेवेति अक्षयमात्रं मीयमाए । ततो से एवम रोगसमुत्पादा समुत्प-  
 जति ॥ २२ ॥ जेहि वा सखि संवसति तं वा न एवम विवम तं पुम्वि परिहृषति  
 नो वा ते निवमो पक्षय परिहृषिता । नाकं तं तत्र तापाए वा सरपाए वा तुमं पि  
 तंति नाकं तापाए वा सरपाए वा ॥ २३ ॥ एवं आनिष्ठु कुन्धं पतेनं सारं अक्षमि-  
 श्रंतं न कष्ट कथं संवेदाए अत्रं आणाहि पंडिए ॥ २४ ॥ आन सौमपरिष्कारा  
 अपरिष्कारा आन दौतपरिष्कारा अपरिष्कारा आन वाचपरिष्कारा अपरिष्कारा आन  
 जीहपरिष्कारा अपरिष्कारा आन पाणपरिष्कारा अपरिष्कारा इमेतेहि विम्वस्वैहि  
 पमात्रेहि अपरिष्कारेहि आनष्टं समं समपुत्रासिद्धासिद्धि जेति ॥ २५ ॥ पदमो-  
 देसो समस्तो ॥

अथं नाष्टं से म्हावी पत्रंति मुद्रे ॥ २६ ॥ अथान्नं मुद्राणि एव विवद्वति  
 मंदा मोहेन पादवा ॥ २७ ॥ “अपरिष्कारा अविस्वामो” समुद्राय अवे कथं  
 अमिमतेहि अक्षयमात्रं मुम्विरो पडिजेहि एव मोहे पुनो पुनो तन्मा नो हृष्वाए  
 वा पाराए ॥ २८ ॥ विमुता हृष्ट जना जे अना पारगामिनो कोमं अतोमेन  
 पुनं प्रमात्रे अवे कामे नागिगाह, निगामि कोमे निवक्ष्य एव अक्षमे जायति  
 पामति । पडिजेहाए नाकं नति, एव अक्षयवर्णितपुत्राणि ॥ २९ ॥ अहोब राजो

परितप्पमाणे कालाकालसमुद्वाइ, सजोगट्टी, अठालोमी, आलुपे, महमाकारे, विणि  
विठ्ठचित्ते एत्थ, सत्थे पुणो पुणो ॥ ८० ॥ से आयवले, से णाडवले, से सयणवले,  
से मित्तवले, से पिच्चवले, से देववले, से रायवले, से चोरवले, से अतिहिंयले, से  
किविणवले, से समणवले, इच्चेतेहिं विरुवरुवेहिं कज्जेहिं दडसमायाण सपेहाए भया  
कज्जति । पावमुक्खुत्ति मण्णमाणे अदुवा आसगाए ॥ ८१ ॥ त परिण्णाय मेहावी,  
णेव सय एएहिं कज्जेहिं दंड समारभिज्जा, णेवण एएहिं कज्जेहिं दंड समारभाविज्जा,  
एएहिं कज्जेहिं दंड समारंभतेवि अण्णे णो ममणुजाणिज्जा ॥ ८२ ॥ एस मग्गे  
आयरिएहिं पवेदिए, जहेत्थ कुसले णोवलिंप्पिज्जासि-त्ति वेमि ॥ ८३ ॥ वीओ-  
हेसो समत्तो ॥

से असइ उच्चागोए, असइ णीयागोए । णो हीणे, णो अइरित्ते, णोऽपीहए, इय  
सखाय को गोयावादी, को माणावादी, कसि वा एगे गिज्झा ॥ ८४ ॥ तम्हा पंडिए  
णो हरिसे, णो कुप्पे, भूएहिं जाण पडिलेह सात, समिते एयाणुपस्सी, तंजहा-  
अधत्त, बहिरत्तं, मूयत्त, काणत्त, कुट्त, खुजत्त, वडभत्त, सामत्तं, सबलत्त, सहप-  
माण, अणेगस्वाओ जोणीओ, सधायति, विरुवत्ते फासे परिसवेदेइ ॥ ८५ ॥  
से अबुज्झमाणे हतोवहते जाइमरणमणुपरियट्ठमाणे ॥ ८६ ॥ जीविय पुढो पिय  
इहमेगेसिं माणवाण खित्तवत्थुममायमाण ॥ ८७ ॥ आरत्तं विरत्त मणिकुडल, सह  
हिरण्णेण इत्थियाओ परिगिज्झति तत्थेव रत्ता ॥ ८८ ॥ “ण इत्थ तवो वा, दमो  
वा, णियमो वा, दिस्सति,” सपुण्ण बाले जीविउकामे लालप्पमाणे मूढे विप्परियास-  
मुवेति ॥ ८९ ॥ इणमेव णावक्खति, जे जणा धुवचारिणो, जातीमरणं परिज्जाय,  
चरे सकम्पणे दढे ॥ ९० ॥ णत्थि कालस्स णागमो ॥ ९१ ॥ सव्वे पाणा पिया-  
उया, सुहसाया, दुक्खपडिक्कला, अप्पियवहा, पियजीविणो, जीविउकामा, ॥ ९२ ॥  
सव्वेसिं जीविय पिय ॥ ९३ ॥ त परिगिज्झ दुपय चउप्पयं अभिजुजिया ण,  
ससिंचियाण, तिबिधेण जावि से तत्थ मत्ता भवइ अप्पा वा बहुगा वा से तत्थ  
गट्ठिए चिट्ठइ, भोयणाए ॥ ९४ ॥ तवो से एगया विविह परिसिट्ठं संभूय महोवगरण  
भवति । तपि से एगया दायाया वा विभयति, अदत्तहारो वा से अवहरति, रायाणो  
वा से विलुपंति, णस्सति वा से, विणस्सति वा से, अगारदाहेण वा से डज्झइ ॥ ९५ ॥  
इय से परस्सट्ठाए कूराई कम्माई बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण समूढे विप्परिया-  
समुवेति ॥ ९६ ॥ मुणिणा हु एयं पवेइयं ॥ ९७ ॥ अणोहतारा एते, णय ओहं  
तरित्तए, अतीरंगमा एते, णयतीरं गमित्तए । अपारंगमा एते णय पारं गमि-  
त्तए ॥ ९८ ॥ आयाणिज्जं च आयाय, तंमि ठाणे ण चिट्ठइ । वित्तं पप्पऽखेयञ्जे

तस्मि ठावमि विदुः ॥ १९ ॥ सर्वेसो पाद्यगस्त वरिष ॥ १ ॥ वाळे पुन विहे  
कम्मसमुत्तये असन्तिदुक्खे सुखवी सुखवाणमेव आपाई अणुपरिवह्ति ति वेमि ॥ १ ॥  
तद्वमोहेसो समत्तो ॥

ततो ये एयया रोगसमुत्पन्नाया समुत्पन्नंति ॥ १ २ ॥ वेहिं वा सविं संवसति  
तं वा न एयया निम्बवा पुम्पि परिवर्ति ॥ सो वा सं निम्बो पच्छ परिक्ख  
वाळे तं त्व ताया वा सरणाए वा सुम्पि तेति नाळं तायाए वा सरणाए  
वा ॥ १ ३ ॥ जामिपु दुक्खं पत्तेयं सार्यं ॥ १ ४ ॥ मोया मेव अणुतोमंति-  
इमेगेति माणवान् विमिहेण वावि से तत्त्वं मत्ता मवह, अप्पा वा अणुया वा  
से तत्त्वं गद्विप विद्वति मोक्खाए ॥ १ ५ ॥ ततो ये एयया विपरिसिद्धं संमूर्तं  
महोत्तारणं मवति तंपि से एयया वायावा निम्बंति अद्वत्तातो वा से इति  
रत्तातो वा से विहंपति वस्तव वा सं निवस्तव वा से अवारवाहेन वा से वस्तव  
॥ १ ६ ॥ इव से वाळे परस्स अणुए दुराणि कम्मामि पदुम्पमाये तेन दुक्खेण  
मूळे विपरिवास्तमुवेति ॥ १ ७ ॥ आसं व उरं व विमिच वीरे ॥ १ ८ ॥ सुम्प  
वेव तं सक्काह्म ॥ १ ९ ॥ जेनमिया तेय वो सिवा ॥ ११ ॥ इवमेव वाक्-  
कुम्पंति के अप्पा मोहपाठवा ॥ १११ ॥ वीमोएप्पव्हिए तं मो वरंति  
“एवाई आक्कवाई” ॥ ११२ ॥ से दुक्खाए-मोहाए-मारुए-वरपाए-वरगतिरे  
वपाए ॥ ११३ ॥ सत्तं मूळे वम्मं जामिवात्ताति ॥ ११४ ॥ उद्वह्म वीरे, अप्प-  
माणो महामोहे ॥ ११५ ॥ जळं दुसकस्स प्पादेवं संति मरुं संपेहाए, मेडरवम्मं  
संपेहाए ॥ ११६ ॥ नाळं पाद्य वम्मं से एएहि, एवं पस्स सुवी ॥ महावम्मं ॥ ११७ ॥  
वादिवात्तव वंषणं ॥ ११८ ॥ एय वीरे पसंतिए-वे व विमिचति आदत्ताए  
॥ ११९ ॥ “य म वेति” व पुप्पिअ वीरं मण्डु व विहाए, पडिसेवियो परिच  
मिवा पडिक्कामिधो परिचमेअ ॥ १२ ॥ एवं मोरं समनुवातिअमिति वेमि  
॥ १२१ ॥ तद्वमोहेसो समत्तो ॥

जमिर्न निरक्कमेहिं वत्तेहिं जोगत्त कम्मसमारंभा कम्मंति तंमह-अप्पमो सं  
पुण्यं वृत्तं सुखं वात्तीरं वात्तीरं राईरं दासाणं वात्तीरं कम्मवत्तं  
कम्मवत्तीरं आत्ताए, पुडोपेहवाए, सामात्ताए, पावरत्ताए, संविहि-संविचवो  
कम्मं, इह मगेति माणवान् मोयणाए ॥ १२२ ॥ समुत्तिष्ठं अणगारे वारिए वारि  
वरंती मारिवरन्ने अवसंतिपि अद्वत्त, से वारिए, वारिवात्तए, वारिवत्तं  
समनुवात्त ॥ १२३ ॥ तत्त्वामर्गं परिज्जाव निरामर्गो परिचव ॥ १२४ ॥  
अरिस्समाये वरविदए ॥ से व विमि व विवाए, विमत्तं व समनुवात्त ॥ १२५ ॥

से भिक्खु कालण्णे-बालण्णे-मायण्णे-खेयण्णे-खणयण्णे-विणयण्णे-ससमयण्णे-परसम-  
 यण्णे-भावण्णे-परिग्गह अममायमाणे, कालाणुठाई, अपडिन्ने दुहओ छेता,  
 नियाइ ॥ १२६ ॥ वत्थ-पडिग्गहं-क्वलं-पायपुंछण-उग्गाह च कडासणं, एतेषु  
 चेव जाणिज्जा ॥ १२७ ॥ लद्धे आहारे, अणगारो माय जाणिज्जा, से जहेय भगवसा  
 पवेइय ॥ १२८ ॥ लाभुत्ति ण मज्जिज्जा, अलाभुत्ति ण सोइज्जा, बहुपि लदु ण  
 णिहे, परिग्गहाओ अप्पाण अवसक्किज्जा, अण्णहा ण पासए परिहरिज्जा ॥ १२९ ॥  
 एम मग्गे आयरिएहिं पवेदिते, जहित्य कुसले णोवलिंप्पिज्जासित्ति बेमि ॥ १३० ॥  
 कामा दुरतिक्रमा, जीविय दुप्पडिवूहण, कामकामी खलु अय पुरिसे, से सोयति,  
 जूरति, तिप्पति, पिट्ठति, परितप्पति ॥ १३१ ॥ आययचक्खु लोगविपासी लोगस्स  
 अहो भागं जाणति, उट्ठु भाग जाणति, तिरियंमाण जाणति ॥ १३२ ॥ गद्धि  
 लोए अणुपरियट्ठमाणे, सधिं विदिता इह मच्चिएहिं, एस वीरे पससिए जे बद्धे  
 पडिमोयए ॥ १३३ ॥ जहा अतो तहा बाहिं जहा बाहिं तहा अतो ॥ १३४ ॥  
 अतो पूतिट्ठेहतराणि पासति पुढोवि सवताइ पडिए पडिलेहाए ॥ १३५ ॥ से मइमं  
 परिणाय माय हु लाल पचासी, मा तेसु तिरिच्छमप्पाणमावायए ॥ १३६ ॥ कास  
 कासे खलु अय पुरिसे, बहुमाई, कड्ढेण मूढे, पुणो त करेइ लोमं, वेरं वट्ठेति  
 अप्पणो ॥ १३७ ॥ जमिण परिकहिज्जइ इमस्स चेव पडिवूहणयाए अमराय महा  
 मद्धी अट्ठमेत तु पेहाए ॥ १३८ ॥ अपरिचाय कंदति, से त जाणह जमह बेमि  
 ॥ १३९ ॥ ते इच्छ पडिते पवयमाणे, से हंता, छित्ता भित्ता, लुपइत्ता, विलुपइत्ता  
 उद्दवइत्ता, अकड करिस्सामित्ति मण्णमाणे, जस्सवि य ण करेइ, अल बालस्स  
 सगेणं, जे वा से कारइ वाले, ण एव अणगारस्स जायतित्ति बेमि ॥ १४० ॥  
**पचमोइसो समत्तो ॥**

से त सवुज्जमाणे आयाणीयं समुठ्ठाय तम्हा पावकम्मं णेव कुज्जा, ण कार  
 वेज्जा ॥ १४१ ॥ सिया तत्थएगयरं विप्परासुसति, छुमु अण्णयरंमि, कप्पति ॥ १४२ ॥  
 सहट्ठी लालप्पमाणो सएण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुचेति । सएण विप्पमाएण पुढे  
 वय पकुव्वति, जं सि मे पाणा पव्वहिया, पडिलेहाए णो णिकरणयाए एस परिण  
 पनुचति, कम्मोवसंती ॥ १४३ ॥ जे ममाइयमतिं जहाति, से चयइ ममाइयं से  
 दिट्ठपदे मुणी जस्स, णत्थि ममाइत ॥ १४४ ॥ त परिणाय मेहावी विदिता लो  
 वता लोगसणं से मतिम परिषमिज्जासित्ति बेमि ॥ १४५ ॥ णारतिं सहते वी  
 रीरे णो सहते रतिं । जम्हा अविमणे वीरे, तम्हा वीरे ण रज्जति ॥ १४६ ॥  
 फासे अट्ठियासमाणे, णिद्विन्द णट्ठि इह जीवियस्स ॥ १४७ ॥ मुणी मोग समाया

तुने कम्मसरीरमे; पंनं कर्हं न संवेति वीरा संमत्तंविचो ॥ १४८ ॥ एह बोवंगरे  
 मुणी निव मुणं मिठ मियाद्वितेति वेमि ॥ १४९ ॥ हुम्ममुमुणी अभापाए  
 पुच्छए मिठह वपाए ॥ १५० ॥ एह वीरे पंतिए, अवेह सोवसंजोवं ॥ १५१ ॥  
 एह नाए एवुवत्तं वं हुम्मं पवेमिं इह मात्तवां तस्स हुम्मत्तस्स हुम्मा परिण-  
 मुदाहरेति ॥ १५२ ॥ इति कम्मं परिण्णाय सम्मो ॥ १५३ ॥ जे अजज्जंही छ  
 अजज्जारास जे अजज्जारासे से अजज्जंही ॥ १५४ ॥ जहा पुम्मस्स कत्थति  
 तहा पुम्मस्स कत्थति जहा पुम्मस्स कत्थति तहा पुम्मस्स कत्थति ॥ १५५ ॥  
 अविम हवो अजासियमाजे । एत्थंपि जाण सेवेति जत्थि ॥ १५६ ॥ केवं पुमिं  
 कंन नए । एह वीरे पंतिए, अ वदं पडिमोवए, उहुं कर्हं तिरिपं विमासु ॥ १५७ ॥  
 से सम्मो सम्मपरिण्णायारि न छिप्पति छनपएव वीरे ॥ १ ॥ से मेह्मो  
 अज्जवागवेदं जे न वंयप्पुक्कम्मसेही ॥ १५८ ॥ उवसे पुव वो वदं, जो  
 पुवे ॥ १५९ ॥ से वं न आरमे जे न वारमे । अणारदं न न आरमे ॥ १६० ॥  
 उवं उवं परिण्णाय सोमसवं न सम्मो ॥ १६१ ॥ उवो पपगस्स जत्थि  
 ॥ १६२ ॥ वाके पुमे मिहे नामसम्पुजे वसमिन्नुक्कमे हुम्मी हुम्मावमेव अत्तहं  
 अजुपरिवदति वेमि ॥ १६४ ॥ उवोदेसो समसो ॥

छोगविजय नाम बीममज्जुयं समसं ॥

पुगा वमुणी मुक्खो सवा आगरेति ॥ १६५ ॥ जेवेति जाण अहिक्क  
 पुक्कं ॥ १६६ ॥ समं छोगस्स जालिता दत्त सत्तोवरए ॥ १६७ ॥ वस्तिमं  
 सए व-व्जाक-गंवा व-रसा व-व्सा व-अहिक्कमवागवा मवति से आत्त-व-व-व-  
 वैक्क-व-  
 व-  
 व-  
 व-  
 व-  
 व-  
 व-  
 व-  
 व-  
 व-  
 व-  
 व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-व-  
 व-व-व-व-  
 व-व-व-  
 व-व-  
 व-  
 व-

दोहिं अतेहिं अदिस्समाणे ॥ १७७ ॥ त परिण्णाय मेहावी विदिता लोगं, वंता  
लोगमन्न से मइम परक्खमिजासिति वेमि ॥ १७८ ॥ पढमोद्देसो समत्तो ॥

जातिं च दुक्खिं च इहज्ज पासे, भूतेहिं जाणे पडिलेह सात । तम्हाऽतिविज्जो  
परमति णच्चा, समत्तदसी ण करेति पाव ॥ १७९ ॥ उम्मुंच पास इह मच्चिएहिं,  
आरंभजीवी उभयाणुपस्सी । कामेसु गिद्धा णिचय करेति । ससिच्चमाणा पुणरिति  
गच्चं ॥ १८० ॥ अवि से हासमासज्ज, हता णवीति मन्नति । अल चालस्स सगे  
वेर वक्केति अप्पणो ॥ १८१ ॥ तम्हा-तिविज्जो परमति णच्चा, आयरुदसी ण करेति पाव  
॥ १८२ ॥ अगं च मूलं च विगिंच घीरे, पल्लिच्छिदिया ण णिक्कम्मदसी ॥ १८३ ॥  
एस मरणा पमुच्चति, से हु दिठ्ठभए मुणी, लोयसी परमदसी विवित्तजीवी उवसव  
समिते सहिते सयाजए कालक्खी परिव्वए ॥ १८४ ॥ बहु च खलु पावक्कं  
पगड, सच्चंमि धिई कुव्वहा, एत्थोवरए मेहावी मव्व पावक्कम्म झोसति ॥ १८५ ॥  
अणेगचित्ते खलु अयं पुरिसे, से केयण अरिहए पूरिण्णए से अन्नवहाए, अण्णपरियावा  
ए अण्णपरिग्गहाए, जणवयवहाए, जणवयपरियावाए, जणवयपरिग्गहाए ॥ १८६ ॥  
आसेविता एतमट्ठं इच्चेवेगे समुट्ठिया, तम्हा त विइय नो सेवे निस्सारं पात्थिय  
णाणी ॥ १८७ ॥ उववायं चवण णच्चा, अण्ण चर माहणे ॥ १८८ ॥ से ण छणे  
ण छणावए, छणत णाणुजाणइ ॥ १८९ ॥ णिव्विद णदिं अरत्ते पयासु, अणोमदसी  
णिसच्चे पावेहिं कम्मोहिं ॥ १९० ॥ कोहाइमाण हणिया य वीरे, लोभस्स पासे  
णिरयं महत्तं । तम्हाय वीरे विरत्ते बहाओ, छिदिज्ज सोय लहुभूयगामी ॥ १९१ ॥  
गय परिज्जाय इहज्ज वीरे, सोम परिण्णाय चरिज्ज दत्ते । उम्मज्ज लहु इह माणवेहिं  
णो पाणिण पाणे समारभिजासि-ति वेमि ॥ १९२ ॥ वीओद्देसो समत्तो ॥

सधिं लोगस्स जाणिता ॥ १९३ ॥ आययो बहिया पास, तम्हा ण हताण  
विधायये ॥ १९४ ॥ जमिणं अन्नमन्नवितिगिच्छाए पडिलेहाए ण करेइ पावं कम्मं,  
किं तत्थ मुणी कारण सिया? समय तत्थवेहाए अप्पाण विप्पसायए ॥ १९५ ॥  
अण्णपरमे नाणी, णो पमाए कयाइवि । आयगुत्ते सया घीरे, जायामायाइ  
जावए ॥ १९६ ॥ विरागं रुवेहिं गच्छिज्जा महता खड्गएहिं य ॥ १९७ ॥ आगतिं  
गतिं परिण्णाय दोहिंवि अतेहिं अदिस्समाणेहिं से ण छिज्जइ, ण भिज्जइ, ण डज्जइ,  
ण हम्मइ कच्चं सव्वलोए ॥ १९८ ॥ अवरेण पुव्वि ण सरति एगे, किमस्सतीत  
किंवाऽऽगमिस्स । भासंति एगे इह माणवाओ, जमस्सतीत तं आगमिस्स ॥ १९९ ॥  
णातीतमट्ठं णय आगमिस्सं, अट्ठं निअच्छंति तहागया उ, विधूतकप्पे एताणुपस्सी,  
णिज्जोसइता खवगे महेसी ॥ २०० ॥ का अरइं । के आणदे? एत्थंपि अगगहे





परितावेयव्वा, ण उद्देयव्वा, ॥ २२१ ॥ एस धम्मो सुद्धे, णिडएन्नासएन्नामिच्च  
 खेयन्नेहिं पवेइए, तजहा-उठ्ठिएसु वा, अणुठ्ठिएसु वा, उवठ्ठिय-अणुवठ्ठिएसु वा,  
 रयट्ठेसु वा, अणुवरयट्ठेसु वा, सोवहिएसु वा, अणोवहिएसु वा, सजोगरएसु वा,  
 असजोगरएसु वा ॥ २२२ ॥ तच्च चेय तहा चेय अस्मि चेय पवुच्चइ ॥ २२३ ॥  
 त आइत्तु ण णिहे ण णिक्खिवे, जाणित्तु धम्म जहा तहा ॥ २२४ ॥ दिट्ठेहिं णिव्वे  
 गच्छिज्जा ॥ २२५ ॥ णो लोगस्सेसण चरे ॥ २२६ ॥ जस्म णत्थि इमा जाई अण  
 तस्स कओ सिया ! ॥ २२७ ॥ दिट्ठ सुय मय विज्ञाय, जमेय परिकहिज्जइ ॥ २२८ ॥  
 समेमाणा पळेमाणा पुणो पुणो जार्ति पकप्पति ॥ २२९ ॥ अहोय राओय जयमाण  
 धीरे सया आगयपत्ताणे, पमत्ते वहिया पास अप्पमत्ते सया परिक्खमिज्जासिति  
 वेमि ॥ २३० ॥ पढमोद्देसो समत्तो ॥

जे आसवा ते परिस्सवा, जे परिस्सवा ते आसवा ॥ २३१ ॥ जे अणासवा  
 ते अपरिस्सवा, जे अपरिस्सवा ते अणासवा ॥ २३२ ॥ एए पए सनुज्झमाणे लोभ  
 च आणाए अभिसमिच्चा पुढो पवेइय ॥ २३३ ॥ आघाइ णाणी इह माणवान  
 ससारपडिक्काण सवुज्झमाणण विज्ञापत्ताण, अट्ठावि सत्ता अदुवा पमत्ता, अह  
 मच्च भिगति-वेमि ॥ २३४ ॥ नाणागमो मच्चमुहस्स अत्थि । इच्छापणीया वक्क-  
 णिकेया कालगहीआ णिचयणिविट्ठा पुढो पुढो जाइ पकप्पयति, ॥ २३५ ॥ इह  
 मेगेसिं तत्थ तत्थ सयवो भवति । अहोववाइए फासे पडिस्सेयति ॥ २३६ ॥ चिट्ठ  
 कूरेहिं कम्महिं, चिट्ठ परिचिट्ठति, अचिट्ठ कूरेहिं कम्महिं णो चिट्ठ परिचिट्ठति ॥ २३७ ॥  
 एगे वयति अदुवावि णाणी, णाणी वयति अदुवावि एगे ॥ २३८ ॥ आवती केयावता  
 लोयसिं समणा य माहणाय पुढो विवार्यं वदति, “से दिट्ठ च णे, सुयं च णे, मयं च  
 णे, विज्जायं च णे, उट्ठ अह तिरिय दिसासु सव्वतो सुपडिलेहिय च णे सव्वे पाणा,  
 सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता-हंतव्वा-अज्जावेयव्वा-परिघेतव्वा-परियावेयव्वा  
 उद्देयव्वा । एत्थ पि जाणह, णत्थित्थ दोसो ।” अणारियवयणमेय ॥ २३९ ॥ तत्थ  
 जे ते आरिया, ते एव वयासी—“से दुद्धि च मे, दुस्सुय च मे, दुम्मय च मे,  
 दुव्विज्ञाय च मे, उट्ठ, अह, तिरियं दिसासु सव्वतो दुप्पडिलेहिय च मे, ज ण तुव्वे  
 एवमाइक्खह, एव भासह, एव परूवेह-एवं पणवेह-सव्वे पाणा-सव्वे भूया-सव्वे जीवा  
 सव्वेसत्ता, हंतव्वा, अज्जावेयव्वा, परिघेतव्वा-परियावेयव्वा-उद्देयव्वा-एत्थ पि  
 जाणह नत्थित्थ दोसो ।” अणारियवयणमेयं ॥ २४० ॥ वयं पुण एवमाइक्खामो,  
 एव भासामो, एवं परूवेमो, एवं पणवेमो, “सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा,  
 सव्वे सत्ता, ण हंतव्वा, ण अज्जावेतव्वा, ण परिघेतव्वा, ण परियावेयव्वा, ण उद्दे

नैवन्मा एतन्मि ज्ञानाद्, नस्त्वित्थं होतो ।" आरिभयभयमेव ॥ २४१ ॥ पुनर्  
 त्तिष्ठत्यसमं पतेत् पतेत् पुनश्चिन्तयामो हं भो पनादिना किं मे सारं कुतश्च जगद्  
 मस्यार्थं । समिप्य पक्षिणे यावि एवं ब्रूया — सन्नेति पापार्थं सन्नेति भूतार्थं  
 सन्नेति बीजार्थं सन्नेति सत्तायं अस्यार्थं अपरिनिष्कार्यं महम्मर्त्यं कुतश्च ति  
 नेति ॥ २४२ ॥ बीजोद्देशो समस्तो ॥

उद्विग्नं न वदिया न सारं से सम्बन्धमिति अं कश्च निरू ॥ २४३ ॥ अस्तुवीद्  
 त्म निमित्ततदंदा ये केच सत्ता पक्षिणं चरन्ति नरे पुनश्चा भम्ममिदुति अं  
 तारंभवं कुतश्चिन्तयामि कथा एवमाहु संमतवसिष्ठो ॥ २४४ ॥ से सन्ने पापादना  
 ज्ञस्तस्य कुतश्चा परिच्छुद्धान्ति, इति कर्म परिचाय सन्नेतो ॥ २४५ ॥ इह  
 नायाहंसी पक्षिणं अस्मिहे, एवमप्यार्थं संपेहाए कुले सरीरं ॥ २४६ ॥ कसेहि  
 इत्यर्थं जरेहि अप्यार्थं ॥ २४७ ॥ जहा कुतार्थं कृतार्थं इत्यर्थो फलस्य इति एवं  
 वात्समाहि एवमिहे ॥ २४८ ॥ निमित्तं कोहं अस्मिन्म्याने इमं निरुद्धत्वं संपेहाए  
 ॥ २४९ ॥ कुतश्च न ज्ञानं अस्माकमेव पुनो पदसार्थं न पदसे कोमं न पास निव  
 सार्थं ॥ २५० ॥ ये निष्पुत्रा पाषेहि कस्मेहि अस्मिन्पापा ते निष्पुत्रिणा ॥ २५१ ॥  
 अन्धाऽस्तिमितो यो पक्षिर्वास्मिन्मासिति निति ॥ २५२ ॥ तद्वन्मोद्देशो समस्तो ॥

आवीक्य पक्षीक्य निष्पीक्य, अहिता पुनर्वासेनो हिता वदस्य ॥ २३ ॥  
 उम्हा अस्मिन् बीरे, सारं समिपं सन्नेते सवा जप ॥ २५४ ॥ अस्तुचरो मनो  
 बीरत्वं अस्मिन्मासीय ॥ २५५ ॥ निमित्तं मंससामिन् एव पुनरेव बीरे  
 मात्मानिमे निवाहिप, ये पुनाद् समुत्सयं वसिता वंसचरमि ॥ २५६ ॥ मितेहि  
 पक्षिणिनेहि मात्मानसोमयिपि बाळे अन्धोऽस्मिन्मासने अचमिन्तसंज्ञो ॥ २५७ ॥  
 अविवापको आयाए कर्मो अस्ति-ति नेति ॥ २५८ ॥ अस्तु नस्ति पुर पच्छा  
 मस्ये तस्स कुलो मिया ॥ २५९ ॥ स हु पनामरते कुहि आरंभोत्तरं, सम्ममेवति  
 पावाद्, येन वंधं क्व बीरं परितार्थं न दार्ढ्यं ॥ २६० ॥ पक्षिर्वास्मिन् माहिप  
 न कोमं निदम्मासी इह मविर्हि ॥ २६१ ॥ कस्मात्वं सपत्नं बहून् तयो निज  
 पुन्यवी ॥ २६२ ॥ ये वस्तु मो । बीरं तं समिता सहिता सवावता संवद्वंतिभो  
 आतोत्तरा महात्मा कोप्युत्तुमाणा पाहं पटीनं दार्ढ्यं कटीनं इति सन्नेति परि  
 चिष्टिम् ॥ २६३ ॥ साहिस्सामो नानं बीरार्थं समियार्थं सद्दिवार्थं सवावता  
 संवद्वंतिनं आतोत्तरार्थं महात्मा कोप्युत्तुमाणा निमस्ति जवापी । अस्तस्य  
 न निजति वसिति नेति ॥ २६४ ॥ अद्वैतोद्देशो समस्तो ॥

सम्मर्त्यं ज्ञानं अद्वैतसंग्रहस्यार्थं समस्तं

आवती केयावती लोयसि विप्परामुसति अट्टाए अणट्टाए वा । एएसु १  
 विप्परामुसति, गुरु से कामा, तओ से मारते, जओ से मारते, तओ से दूरे, २  
 से अतो णेव से दूरे ॥ २६४ ॥ से पामति फुसियमिव कुसग्गे पणुन्न णिवइतं वात  
 रित, एव वालस्स जीविय मदस्स अविजाणओ ॥ २६५ ॥ कूराइ कम्माइ बाट  
 पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विपरियासमुवेति, मोहेण गम्भ मरणाइ एति, एव  
 मोहे पुणो पुणो ॥ २६६ ॥ समय परियाणतो ससारे परिण्णाते भवति, सत्त  
 अपरिजाणओ ससारे अपरिण्णाते भवति ॥ २६७ ॥ जे छेए मे सागारिय प  
 सेवइ ॥ २६८ ॥ कट्टु एव अविजाणओ वितिया मदस्स वालया ॥ २६९ ॥ लद्ध  
 हुरत्था पडिलेहाए आगमिन्ता आणविज्जा अणासेवणयत्ति वेमि ॥ २७० ॥ पासह  
 एगे ह्वेसु गिद्धे परिणिज्जमाणे, इत्य फासे पुणो पुणो, आवती केयावती लोयसि  
 आरंभजीवी ॥ २७१ ॥ एएसु चेव आरमजीवी, इत्यवि वाले परिपच्चमाणे रमति  
 पावेहिं कम्मेहिं असरणे मरणात्ति मण्णमाणे ॥ २७२ ॥ एहमेगेसि एगचरिया भवति,  
 से बहुकोहे-बहुमाणे-बहुमाए-बहुलोहे-बहुरए-बहुनडे-बहुसडे-बहुसकप्पे, आसवसत्ता  
 पलिउच्छन्ने उट्ठियवाय पवयमाणे “मा मे केइ अदक्ख” अण्णाणपमायदोसेण,  
 मयय मूढे धम्म णाभिजाणाइ ॥ २७३ ॥ अट्टा पया माणव? कम्मकोविया जे  
 अणुवरया अविज्जाए पलिमुक्खमाहु आवट्टमेव अणुपरियट्ठित्ति वेमि ॥ २७४ ॥  
 पढमोहेसो समत्तो ॥

आवती केयावती लोए अणारमजीविगो तेसु ॥ २७५ ॥ एत्योवरए त झोसमाणे  
 “अय सधीति” अदक्ख, जे इमस्स विग्गहस्स अय खणेत्ति अच्चेसी ॥ २७६ ॥  
 एस मग्गे आरिएहिं पवेदिते, उट्ठिए णो पमायए, जाणि तु दुक्ख पत्तेव  
 साय ॥ २७७ ॥ पुटो छदा इह माणवा, पुढो दुक्खं पवेदित, से अविहिंसमाणे  
 अणवयमाणे, पुट्टो फासे विप्पणुअए । एम समिया परियाए वियाहिंते ॥ २७८ ॥  
 जे असत्ता पावेहिं कम्मेहिं उदाहु ते आयका फुसति इति उदाहु धीरे ते फासे  
 पुट्टो अहियासइ ॥ २७९ ॥ से पुव्वं पेय, पच्छापेय भित्तरधम्म विद्धसणधम्म-अधुवं  
 अणितिय असासय चयावचइय विप्परिण्णामधम्मं, पासह एय ह्वसधि ॥ २८० ॥  
 समुप्पेहमाणस्स इक्कायणरयस्स इह विप्पमुक्खस्स णत्थि मग्गे विरयस्सति  
 वेमि ॥ २८१ ॥ आवती केयावती लोगसि परिग्गहावती, -से अण्यं वा, बहुय वा,  
 अणु वा, थूल वा, चित्तमंत वा, अचित्तमत वा, एतेसु चेव परिग्गहावती ॥ २८२ ॥  
 एवमेवेगेसि महम्मय भवति, लोगवित्त च ण उवेहाए ॥ २८३ ॥ एए सगे अवि  
 जाणतो से सुपडिवद्ध सूवणीयति णच्चा, पुरिमा ! परमचक्ख विप्परिक्खमा, एतेड

येन ब्रह्मणेन हि वेति ॥ १८४ ॥ से मुने च मे अजस्रत्वेन च मे ब्रह्मपुत्रयो  
अजस्रत्वेन ॥ १८५ ॥ इत्य मिरतं अजगारे वीहरत्वं तितिक्षात् ॥ १८६ ॥ ममते  
बहिर्वा पास अजस्रतो परिष्वात् ॥ १८७ ॥ एवं मोर्त्वं सर्म्यं अजस्रसिद्धातिरिति  
वेति ॥ १८८ ॥ बीयोद्देशो समस्तो ॥

आर्त्तं के सार्त्तं कोर्त्तं अपरिम्यहर्त्तं एषु येन अपरिम्यहर्त्तं पुत्रा वई  
मेहावी पंडितान् मिशामिवा ॥ १८९ ॥ समिवात् चम्ये भारिएष्टि पवैरिते  
चक्षित्वा मय संवी सोसिए एवमजस्रत्वं संवी दुज्जोसए मवति तन्मा वेति को  
मिहमिज वीर्यं ॥ १९० ॥ जे पुम्मुत्ताई को पञ्चामिवाई, जे पुम्मुत्ताई पञ्चामि-  
वाई, जे को पुम्मुत्ताई को पञ्चामिवाई, सेज्जि तासिए सिया जे परिष्वाव अने-  
मनेसर्वति एवं मिशान् मुमिया पवैरितं ॥ १९१ ॥ इह जगामेची पंडिए  
अमिहो, पुम्मावरत्वं अजगारे सया सीधे मुपेहाए ॥ १९२ ॥ मुमिया मने अजगारे  
वर्त्तते ॥ १९३ ॥ इमेव येन दुज्जसि, किं ते दुज्जसं वज्जमो ! दुज्जसई अज  
दुज्जं ॥ १९४ ॥ अक्षित्वा दुज्जसई परिष्वावितेन मासिए, पुए ह्वाके गम्मासु  
रज्जइ ॥ १९५ ॥ अस्ति येन पञ्चुवति स्वंति वा कर्त्तंति वा ॥ १९६ ॥ से ह्वा  
एते संमिदपहो मुनी अजगारे कोप्पमुपेहमावे ॥ १९७ ॥ इति कर्म परिष्वाव  
सम्पत्तो से न हिंसति संकमति को मगम्मति अविद्यानो पतेर्त्वं सार्त्तं ॥ १९८ ॥  
अथाएवी भारते कंचनं सन्धकोए, एगप्पमुहो विविधप्पहो निम्बिज्जवाटी अरए  
पवत्तु ॥ १९९ ॥ से सार्त्तं सन्धसम्यक्पञ्चामिने अजगारे अजस्रत्वं पानकर्म  
तं को अवेसी ॥ २०० ॥ अं सर्म्यं हि पासहा तं मोर्त्वं हि पासहा अं मोर्त्वं हि  
पासहा तं सर्म्यं हि पासहा ॥ २०१ ॥ अ इमं सार्त्तं सिद्धिं अहिक्कापेहि  
शुभासाएहि ब्रह्ममावारेहि ममतेहि वारमावर्त्तं ॥ २०२ ॥ मुनी मोर्त्वं समात्ताए,  
मुने कम्मसरीरमं फंतं कर्त्तं सेवति, वीरा संमार्त्तं विधो ॥ एव मोर्त्वं तरे मुनी  
इतिने मुते मिरए निमिदिएति वेति ॥ २०३ ॥ अहमोद्देशो समस्तो ॥

१०१ गामात्तुपामं दृष्ट्वा मावत्स्य दुज्जतं दुज्जतं मवति अमिदत्तस्य मिदत्तयो  
॥ २०४ ॥ अ वक्तव्य एते दुज्जा कर्त्तंति माग्गा अजगामावे अ नरे बहता मोरेव  
॥ मुज्जति संवाहा बहवे मुज्जो १ दुरिदमा अजगामो अपासतो एवं से मा होठ  
॥ एवं दुज्जसस्य वीर्यं ॥ २०५ ॥ अहिद्वीए तम्मुचीए तप्पुत्तारे तस्यची तन्निवेउवे  
॥ अचं मिहाटी नितामिवाटी वंविज्जवाटी वंविज्जवाई, अक्षित्वा पाने मणिज्जा । से  
॥ अमिदत्तमावे वंविज्जमावे संदुज्जमावे पतारेमावे निम्बिज्जमावे संविज्जमावे  
॥ २०६ ॥ एवमा गुणसमिदस्य वीर्यो वाकसंपासं समस्तुविद्या एवमिवा पाया  
१ अज

उद्धारयति, इहलोगवेयणविज्जावडिय, ज आउट्टिकय कम्म त परिन्नाय विवेगमेति,  
 एव से अप्पमाएण विवेग किट्ठति पुव्ववी ॥ ३०७ ॥ से पभूयदसी पभूयपरिन्नाये  
 उवसते समिए सहिते सयाजए, दट्ठु विप्पडिवेदेति अप्पाण, “किमेस जगो करे  
 स्सति । एस से परमारामो जाओ लोगमि इत्थीओ”, मुणिणा हु एत पवेदितं  
 ॥ ३०८ ॥ उव्वाहिज्जमाणे गामधम्मोहिं अवि णिव्वलासए, अवि ओमोयरियं कुज्जा,  
 अवि उद्ध ठाण ठाज्जा, अवि गामाणुगाम द्दज्जिज्जा, अवि आहारं वुच्छिदिज्जा,  
 अवि चए इत्थिसु मण ॥ ३०९ ॥ पुव्व दडा पच्छा फासा, पुव्व फासा पच्छा  
 दंडा, इच्चेते कलहासगकरा भवति । पडिलेहाए आगमिता आणविज्जा अणासेवणाए  
 ति बेमि ॥ ३१० ॥ से णो काहिए, णो पासणिए, णो मामए, णो कयकिरिए,  
 वइगुत्ते, अज्झप्पसवुडे, परिवज्जइ सदा पावं, एय मोण समणुवासिज्जाति-ति  
 बेमि ॥ ३११ ॥ चउत्थोद्देसो समत्तो ॥

से बेमि—तजहा, अवि हरए पडिपुजे समसि भोमे चिट्ठइ उवसतरए सारक्ख  
 माणे, से चिट्ठति सोयमज्जगए, से पास, सव्वतो गुत्ते, पास, लोए महेसिणो, जे य  
 पन्नाणमता पवुद्धा आरंभोवरया सम्ममेयति पासह, कालस्स कखाए परिव्वर्यति  
 ति बेमि ॥ ३१२ ॥ वित्तिगिच्छसमावजेण अप्पाणेण णो लभति समार्धिं ॥ ३१३ ॥  
 सिया वेगे अणुगच्छति, असिया वेगे अणुगच्छति, अणुगच्छमाणेहिं अणुगच्छ-  
 माणे कद्धं ण णिव्विजे, तमेव सव्व णीसकं जं जिणेहिं पवेइय ॥ ३१४ ॥ सट्ठिस्स  
 ण समणुजस्स सपव्वयमाणस्स समियति मण्णमाणस्स एगया समिया होति, समियति  
 मण्णमाणस्स एगया असमिया होति, असमयति मण्णमाणस्स एगया समिया होति,  
 असमियति मण्णमाणस्स एगया असमिया होति ॥ ३१५ ॥ समियति मण्णमाणस्स  
 समिया वा, असमिया वा, समिया होति उवेहाए ॥ ३१६ ॥ असमियति मण्णमाणस्स  
 समिया वा, असमिया वा, असमिया होति उवेहाए ॥ ३१७ ॥ उवेहमाणो अणुवेहमाण  
 वूया—“उवेहाहिं समियाए इच्चेवं तत्थ सघी क्षोसितो भवति” ॥ ३१८ ॥ से  
 उट्ठियस्स ठियस्स गतिं समणुपासह, एत्यवि वालभावे अप्पाण णो उवदसेज्जा  
 ॥ ३१९ ॥ तुमसि ~~एव, जं हतव्वति मज्जसि, तुमसि~~ ~~एव, जं अज्जा~~  
 वेयव्वति मज्जसि, ~~एव, जं परितावेयव्वति म~~ ~~एव, जं अज्जा~~  
 मज्जसि, जं उदवेर ~~एव, जं अज्जा~~ ~~एव, जं अज्जा~~

अथान्ताए एते सोकृष्णा आन्ताए एते निरुद्धाणा पूर्तं तं मा होत एतं कुत-  
 मस्तु संसर्ग ॥ ११२ ॥ तद्विष्टीए तम्भुतीए तथुरद्वारे तस्तन्वी तन्निषेसने  
 अमिन्त्र नदकन्, अपमिन्त्रे पम् निराकम्बवाए ॥ ११३ ॥  
 प्वाएन प्वाएन आमिन्त्रा, स्रहसम्मन्त्रवाए, परागारयेन अनेति ना अंतिए सोवा ॥ ११४ ॥  
 निरिं नातिपेन्ना महावी सुपकिहेद्विया सम्भतो सम्भप्पना सम्भमेव सममिन्त्राम  
 ॥ ११५ ॥ इह आरम्भ परिष्वाव अस्तीन्त्रुतो आरम्भो परिष्वाए, निद्रिपट्टी बीरे  
 आपनेव सदा परिष्वावेनाति ति वेमि ॥ ११६ ॥ स्रं सोता नहे सोता तिरियं सोता  
 निम्माद्विवा; एते सोवा निम्बन्नाया जेह्ं स्रंति पासहा ॥ ११७ ॥ आनई दु  
 ठपेहाए, एतन् निरुमिन्त्र पुन्ववी ॥ ११८ ॥ निम्बइनु सोनं निम्बइम्म एतन्ई अकम्मा  
 आनति पासति एकिहेहाए नाकंठति इह आगति गतिं परिष्वाव अनेद् नाति-  
 मरत्तस्व वृत्तम्भं निम्बन्नावरण ॥ ११९ ॥ स्रन्वे स्रण निम्बइति, तदा करव न  
 निम्बइ, मई तत्त न गाद्विवा ओए अपातिन्त्रुत्तस्व जेम्मे ॥ १२० ॥ से न पीहे  
 न इस्से न पेहे न तंसे न नठरंसे न परिमंठति न निम्मे, न पीठे न कोद्विए, न  
 हातिने न सुमिने न सुरद्विने न सुरद्विपि न तिरे न कट्टए, न कट्टाए न अंतिहे न  
 मट्टरे न कम्बइहे न मट्टए न गम्भ न म्भुपु न बीपु न कम्मे न निहे न कुम्मे न  
 कम्भ न स्रं न स्रं न इस्वी न पुरिसे न अन्ना परिष्वा स्रन्वे ॥ १२१ ॥ उक्का  
 न निम्बए, अस्ती सदा अपकत्त पम् नन्वि ॥ १२२ ॥ से न स्रं न इस्से न गम्भे  
 न रंसे न प्पेहे इवेवति वेमि ॥ १२३ ॥ उन्तोहेसो समत्तो ॥

॥ कोकसारणाम पेचमन्त्रायर्चनं समत्तं ॥

ओन्नुत्तमाये इह मातयेनु आपाह से नरे, अस्तिमाओ आइओ स्रन्वओ सुप-  
 किहेद्विवाओ मरंति आवाइ से नाकमयेमिं ॥ १२४ ॥ से निद्रिपि तसि स्रं  
 द्विवां निम्बिन्नाईवार्न समान्निवां पन्नावनेतार्न इह सुत्तिमयं एवं एते महावीर  
 निम्पेहेद्वेति पासह एते अमिन्त्रीकमाने अन्ताए ॥ १२५ ॥ से वेमि से अहानि  
 इम्मे इहए निम्बिन्निद्रिपे पन्नावपमासे उम्भरं से नो अहइ ॥ १२६ ॥ मंत्रपा  
 इव स्रिपेसं नो नरंति एवं एते अमिन्त्रयेह्ं पुम्मेह्ं काया इपेह्ं स्रं कम्भं  
 कंति निवावओ तं न कम्भति मुक्खं ॥ १२७ ॥ नह पास तह्ं पुम्मेह्ं आवाताए  
 आवा ॥ १२८ ॥ वंम अहुवा इहुवी एवंवी अन्ताए ॥ अमियं सिमियं नेव,  
 इमियं सुमियं तदा ॥ उक्कं पास मूलं न सुमियं न सिमियं निवेयं पीडसपि  
 न सिमियं महुमेह्ं सोम्भ एते रीया अन्नाया अन्नुपन्ने अह न पुसेति

आर्यका, फासाय असर्मजसा ॥ मरण तेमि सपेहाए, उचवायं चवगं णत्ता, पत्तं  
 च सपेहाए, तं सुणेह जहा तहा ॥ ३३९ ॥ सति पाणा अधा तमंति वियाहिह  
 तामेव सइ अरइ अइ अय उचावयफासे पडिसवेंदनि, सुनेहिं एवं पवेदिन ॥ ३४० ॥  
 सति पाणा वासगा, रसगा उदए उदएचरा आगातगामिगे पाणा पाणे किलेवद  
 ॥ ३४१ ॥ पास लोए महच्चमयं ॥ ३४२ ॥ बहुदुग्गाहु जतयो ॥ ३४३ ॥ स  
 कामेसु माणवा, अवलेण वह गच्छति सरीरेण पगशुरेण ॥ ३४४ ॥ अट्टे मे बहुदुग्गे  
 इति बाले पकुव्वइ, एते रोगा बहु णत्ता, आउरा परितावए ॥ ३४५ ॥ णाल पाड,  
 अलं तवेएहिं । एय पास मुणी । महच्चमय, णातिवाएज्ज वंचग ॥ ३४६ ॥ आया  
 भो ! सुस्सुस ! भो धूयवादं पवेदइस्सामि इह गल्ल अत्ताए तेहिं तेहिं कुलेहिं अभि  
 सेएण, अभिसभूता, अभिसजाता, अभिणिच्चुटा, अभिसट्टुत्ता, अविस्सुद्धा अभि  
 क्कता अणुपुव्वेण महामुणी ॥ ३४७ ॥ त परिषमंत परिदेवमाणा मा चयाहि इह  
 ते वदति, “छदोवणीया अज्झोववत्ता,” अक्कदकारी जणगा खंति । अतारिसे मुणी ने  
 ओहंतरए, जणगा जेण विप्पजडा ॥ ३४८ ॥ मरण तत्थ णो रामेति कइं नु णाम से तत्  
 रमति ? एवं णाण सया समणुवासिज्जासि ति वेमि ॥ ३४९ ॥ पढमोहेसो समत्तो ।

आतुरं लोयमायाए चइत्ता पुव्वसजोग, हिंया उवसमं, वसित्ता वभचेरंमि,  
 वसु वा अणुवसु वा जाणिन्तु धम्म अहा तहा, अहेगे तमचाइ कुसीला, वत्थ पडिगाई  
 कंवलं पायपुंछणं विउसिज्जा, अणुपुव्वेण अणहियासेमाणा परीसहे दुरहियासए, कामे  
 ममायमाणस्स, इयाणि मुहुत्तेण वा अपरिमाणाए मेए, एव से अतराएहिं का  
 आक्केवलिएहिं अवइजाचेए ॥ ३५० ॥ अहेगे धम्ममादाय आयाणप्पभिइसु पणिहिं  
 चरे अप्पलीयमाणे दढे ॥ ३५१ ॥ सव्व गिद्धि परिण्णाय एस पणए महामु ॥  
 ॥ ३५२ ॥ अइअच्च सव्वतो सग “णमह अत्थिति इति एगोहमसि” जयमा  
 एत्थ विरते, अणगारे, सव्वओ मुडे, रीयते, जे अचेले परिवुसिए सचिक्खति  
 ओमोयरियाए ॥ ३५३ ॥ से आकुट्ठो वा, हए वा, लुंविए वा, पलियं पकत्थ, अदुक्  
 पकत्थ, अतहेहिं सइफासेहिं, इति सखाए एगतरे अजयरे अभिजाय तितिवसमा  
 परिव्वए, जे य हिरी जे य अहिरीमाणा, चिच्चा सव्व विसोत्तिय सफासे फलं  
 समियदसणे ॥ ३५४ ॥ एते भो णणिगा वुत्ता, जे लोगसि अणागमणधम्मिगे  
 ॥ ३५५ ॥ “आणाए मामयं धम्मं” एस उत्तरवादे इह माणवाणं वियाहिते ॥ ३५६ ॥  
 एत्थोवरए त झोसमाणे, आयाणिज्ज परिण्णाय परियाएण विगिंचइ ॥ ३५७ ॥  
 मेगेसि एगचरिया होति, तत्थियरा इयरेहिं कुलेहिं सुद्धेसणाए सव्वेसणाए से मे  
 परिव्वए, सुब्भि अदुवा दुब्भि अदुवा तत्थ मेरवा पाणापाणे किलेसंति ते का  
 पुट्ठो धीरो अहियासेज्जासिति वेमि ॥ ३५८ ॥ वीओहेसो समत्तो ॥





परिगहं, वीरायमाणा समुठाए, अविहिंसा सुव्वया दत्ता, पस्स दीणे उप्पइए पडि-  
यमाणे ॥ ३७८ ॥ वसट्ठा कायरा य जणा लसगा भवति ॥ ३७९ ॥ अहमेगेति  
सिलोए पावए भवइ, से समणो भवित्ता विव्वंते ॥ ३८० ॥ पासहेगे स-  
न्नागएहिं सह असमण्णागए, णममाणेहिं अणममाणे विरतेहिं अविरते दविएहिं अ-  
विए ॥ ३८१ ॥ अभिसमेच्चा पडिए मेहावी णिठ्ठियट्ठे वीरे आगमेण सया पर-  
मेज्जासि ति बेमि ॥ ३८२ ॥ चउत्थोद्देसो समत्तो ॥

से गिहेसु वा, गिहतरेसु वा, गामेसु वा, गामतरेसु वा, नगरेसु वा, नगरंतरे-  
सु वा, जणवएसु वा, जणवयंतरेसु वा, गामजणवयतरे वा गामणयरंतरे वा,  
णगरजणवयतरे वा, सतेगतिया जणा लसगा भवति, अदुवा फासा फुसति, ते  
फासे पुट्ठो धीरो अहियासए ओए समियदसणे ॥ ३८३ ॥ दय लोगस्स, जाणि-  
पायीण पढीण, दाहीण उदीण, आइक्खे, विभये, विट्ठे, पुव्ववी ॥ ३८४ ॥  
से उट्ठिएसु वा, अणुट्ठिएसु वा सुस्ससमाणेसु पवेदए, सतिं, विरतिं, उवसम, णिव्वानं  
सोरं अज्जवियं मइवियं लाघविय अणइवत्तियं ॥ ३८५ ॥ सव्वेसिं पाणाण सव्वेसिं  
भूयाण सव्वेसिं जीवाण सव्वेसिं सत्तागं अणुवीइ भिक्खु धम्ममाइक्खेज्जा ॥ ३८६ ॥  
अणुवीइ भिक्खु धम्ममाइक्खमाणे णो अत्ताण आसाइज्जा, णो परं आसाइज्जा, णो  
अन्नाइ पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं आसाएज्जा ॥ ३८७ ॥ से अणासादए अणास-  
दमाणे वज्झमाणणं पाणाण भूयाणं जीवाण सत्तागं, जहा से वीवे असदीणे एवं से  
भवति सरणं महामुणी ॥ ३८८ ॥ एवं से उट्ठिए ठियप्पा अणिहे अचले चरे  
अबहिंसेस्से परिव्वए ॥ ३८९ ॥ सखाय पेसल धम्म, दिट्ठिमं परिणिव्वुडे ॥ ३९० ॥  
तम्हा सगं ति पासह, गयेहिं गढिया णरा विसण्णा कामकता, तम्हा लह्हाओ णो  
परिवित्तसेज्जा ॥ ३९१ ॥ जस्सिमे आरंभा सव्वतो सव्वप्पयाए सुपरिण्णाया भवति  
तेसिमे लसिणो णो परिवित्तसंति से वंता कोह च माण च माय च लोभ च, ए-  
सु वुट्ठे वियाहिते ति बेमि ॥ ३९२ ॥ कायस्स वियाघाए सगामसीसे वियाहिए, से  
हु पारंगमे मुणी, अविहम्ममाणे फलगावयट्ठि कालोवणीते कखेज्जकाल जाव सरी-  
मेउत्ति बेमि ॥ ३९३ ॥ पचमोद्देसो समत्तो ॥

॥ धूताक्ख छट्ठमज्झयणं समत्तं ॥

महापरिण्णा णामं सत्तमज्झयणं वोच्छिण्णं

से बेमि समणुजस्स वा असमणुजस्स वा असणं वा, पाण वा, खाइमं वा, साइ-  
वा, वत्थं वा, पडिगहं वा, कबलं वा, पायपुच्छणं वा णो पाएज्जा, णो णिमतिज्ज

नो बुद्ध्या वेदादितरे परं आत्मामपेति चेति ॥ ३९४ ॥ कुर्वं येन आधेया  
 अक्षरं वा चाप पादपुच्छं वा कमिना नो कमिना मुञ्चिया नो मुञ्चिना परं  
 निहता मिठश्च मिमर्षं नम्यं बोधेमाणि सममाने चक्रेमावे पाण्ड्या वा मिमर्षिजा  
 वा बुद्ध्या वेदादितरे परं अप्यात्मामपेति चेति ॥ ३९५ ॥ इहमेवेति आचार  
 गोदरे नो लभितेते मयति तं इह आरंभतुं अनुबन्धमाणा "ह्यप पाणा" नाममाणा  
 ह्यतो मामि समनुवाचमाणा अनुवा अत्रिचमाकर्षति अनुवा बानाभो मिठश्चति,  
 तंजहा-मतिव कोए पत्वि ओए हुवे कोए अनुवे कोए चापिए कोए जनापिए कोए  
 सपजवतिवे कोए अस्मजवतिव कोए हुक्केति वा हुक्केति वा क्कपेति वा पावैति  
 वा छाहुति वा असाहुति वा तिहीति वा अतिहीति वा मिरएति वा अमिरएति  
 वा ॥ ३९६ ॥ अमिर् निप्यडिबण्णा "ममयं वम्यं" पक्खेमाणा ह्यपमि वापह  
 अकम्हा । एवं तसि नो सुजवखाए लुपत्ते वम्ये मयति से जहेयं मपयमा पवेरिं  
 आमुपम्येव आममा पासय अनुवा गुती बभोगोयरसं ति चेति ॥ ३९७ ॥ सम्भत्त  
 समं पारं समेव उवापुच्छम एत मई विवेगे निमाहितं ॥ ३९८ ॥ नामे अनुवा  
 रण्णे वेन घामे वैव रण्णे वम्ममायवह पवेरिं माहमिन् मईमवा ॥ ३९९ ॥ आमा  
 तिभि उवादिक्क वेदु इमे आयरिय संनुजसमाणा समुत्तिवा ॥ ४०० ॥ वे निम्मुया  
 पावैहिं कम्मेहिं अमिवावा ते निमाहिवा ॥ ४०१ ॥ तं अहे विरियं विसत्तु सम्पत्तो  
 पप्पायंति च ये पाकिण्णं पीवैहिं कम्मसमारंसे च ॥ ४०२ ॥ तं परिज्जाय मेहवी  
 वेव सयं एतंहिं कम्मेहिं इदं समारमिजा वेवण्णे एतेहिं कयेहिं इदं समारंभावेजा  
 नेवणे एएहिं कएहिं इदं समारंमंतमि समनुवायेजा ॥ ४०३ ॥ वेवणे एतेहिं कएहिं  
 इदं समारंमेति वेसिदि वरं क्कामो ॥ ४०४ ॥ तं परिज्जाय मेहवी तं वा इदं कम्मे  
 वा नो इदंहिं इदं समारंमिजाति ति चेति ॥ ४०५ ॥ पक्कमेहेत्तो समत्तो ॥

सं मिक्ख परहयेव वा चिट्ठेव वा मिषीएव वा तुप्पेव वा लुत्तापेति वा  
 लुत्तागारंति वा गिरिण्णंति वा क्कम्पण्णंति वा उंभाराकयंति वा कुरएवा वा  
 वहिं चि मिहरमार्त्तं तं मिक्खं उवसेकमिणु गाहावतीं वृया आउसेतो समया । अहं  
 क्कह उव अहुए अक्षरं वा पारं वा काप्पमं वा साप्पमं वा वत्तं वा पविग्गं वा  
 र्ज्जं वा पादपुच्छं वा पाणाई, मूनाई, जीवाई, सत्ताई, समारम्म समुत्तिस्स  
 पीमं पाप्पिं अण्णिकं अणिसत्तु, अमिहं आहहु चेतेमि जावणं वा समुत्ति-  
 येमि से मुंयह, वसह ॥ ४०६ ॥ आउसेतो समया । मिक्ख तं गाहावति समपसं  
 सवत्तं संपविवाह्मणे आउसेतो गाहावति । नो क्कह तं वत्तं आवापि नो क्कह  
 ते वत्तं परिवाचामि चो तुमं मम अहुए अक्षरं वा (४) वत्तं वा (४) पाणाई





च सातिजिस्सामि ( ३ ) आहट्टु परिणणो आणय्येस्सामि, आहट्टं च णो गतिं जिस्सामि ( ४ ) एवं से अहाकिट्ठियमेव, धम्म समहिजाणमाणे संते विरुत्तुसमाहितत्थे तत्थवि तस्स कालपरियाए, से तत्थ विअतिकारए, इथेत तिमोहायतत्तं हितं सुह खमं णिस्सेस आणुगामिय ति वेमि ॥ ४२८ ॥ पच्चमोद्देशो समत्तो ॥

जे भिक्खु एणेण वत्थेण परिवुसिते पायवितिण्ण, तस्सण णो एणं भवइ, “मितिं वत्थं जाइस्सामि” से अहेसणिज्ज वत्थ जाएज्जा, अहापरिग्गहियं वा वत्थ धारेज्जा, जाव गिम्हे पडिवण्णे अहा परिजुज्जं वत्थं परिठ्ठवेज्जा २ अदुवा एग राठे अदुवा अचेळे लाघविय आगममाणे, जाव सम्मतमेव समभिजाणिया, जस्स ण भिक्खुस्स एवं भवइ एणे अहमंसि न मे अत्थि कोइ न याहमनि कस्स वि, एव से एगाणि मेव अप्पाण समभिजाणिज्जा लाघविय आगममाणे तवे से अभिसमन्नागए भवइ जाव समभिजाणिया ॥ ४२९ ॥ से भिक्खु वा भिक्खुणी वा असण वा ( ४ ) आहारमाणे णो वामाओ हणुयाओ दाहिण हणुय सचारेज्जा आसाएमाणे, दाहिणाओ वा हणुयाओ वाम हणुय णो सचारेज्जा आसाएमाणे, से अणासायमाणे लाघविय आगममाणे, तवेसे अभिसमन्नागए भवइ । जहेय भगवता पवेइयं तमेव अभिसमेव सव्वतो सव्वत्ताए सम्मतमेव समभिजाणिया ॥ ४३० ॥ जस्सण भिक्खुस्स एवं भवति, से गिलामि च खलु अह इममि समए णो सचाएमि इम सरीरग अणुपुव्वेग परिवहिताए, से अणुपुव्वेग आहारं सवट्ठेज्जा, आहारं अणुपुव्वेग सवट्ठिता, कसाए पयणुए किच्चा, समाहियच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खु अभिनिव्वुड्ढच्चे अणुपविसित्ता गाम वा, गगरं वा, खेड वा, कव्वड वा, मडव वा, पट्टग वा, दोगमुह वा, आगर वा, आसम वा, सणिवेस वा, णिगम वा, रायहाणि वा, तणाई जाएज्जा, तणाई जाइता से तमायाए एगतमवक्कमिज्जा, एगतमवक्कमित्ता, अप्पण्डे-अप्पपाणे-अप्पवीए-अप्पह-रिए-अप्पोसे-अप्पोदए-अप्पुत्तिग-पणय-दग-मट्ठियमकडासताणए पडिलेहिय २ पम जिय २ तणाइ सयरेज्जा, तणाई सयरेत्ता एत्थवि समए इत्तरिय कुज्जा ॥ ४३१ ॥ तं सच्चं सच्चवादी ओए तिण्णे, छिण्णकह कहे, आतीतट्ठे अणातीते चिच्चाण भित्तं कार्यं सविट्ठय विरुवरुवे परिसहोवसग्गे अस्सिं विसभणयाए मेरवमणुचिण्णे, तत्थवि तस्स कालपरियाए, जाव आणुगामिय ति वेमि ॥ ४३२ ॥ छट्ठोद्देशो समत्तो ॥

जे भिक्खु अचेळे परिवुसिते, तस्स ण एव भवति, चाएमि अह तणकास अहियासित्तए, सीयकास अहियासित्तए, तेउकास अहियासित्तए, दंसमसगकास अहियासित्तए, एगतरे अजतरे विरुवरुवे फासे अहियासित्तए हिरिपडिच्छादण चइइ

ये संवापमि अक्षिवापिताए, एवं से कप्यति कश्चिर्बन्धनं वापिताए ॥ ४३३ ॥ अनुवा  
 तत्त पराधर्मं मुञ्जी अनेसं तत्तपसा पुच्छति सौवपसा पुच्छति तेषपसा  
 पुच्छति इत्तमसपसा पुच्छति एवमेव अत्रमेव निरवहये पासे अक्षिवापेति  
 अनेके वापमिर्न आगममाये वाप सममिवाभिवा ॥ ४३४ ॥ अस्तु  
 मिश्रस्तु एवं भवति, आई न कस्तु अनेसि मिश्रस्तुं अर्घ्यं वा (४) आहु  
 दस्तुमि आहुते न सातिजिस्तुमि [ १ ] अस्तुं मिश्रस्तु एवं भवति आई  
 न कस्तु अनेसि मिश्रस्तुं अर्घ्यं वा (४) आहु दस्तुमि आहुते न वो  
 सातिजिस्तुमि ( १ ) अस्तुं मिश्रस्तु एवं भवति, आई न कस्तु अर्घ्यं वा (४)  
 आहु नो दस्तुमि आहुते न सातिजिस्तुमि ( १ ) अस्तुं मिश्रस्तु एवं  
 भवति आई न कस्तु अनेसि मिश्रस्तुं अर्घ्यं वा (४) आहु नो दस्तुमि  
 आहुते न वो सातिजिस्तुमि ॥ ४ ॥ आई न कस्तु संव अहारीतेन अहेसमिजेम  
 अहापरिग्राहिणं असेनं वा (४) अमिर्न साहमिस्तुं कृत्वा वेवावधिर्न  
 करवाए, आई वापि तेन अहारीतेन अहेसमिजेम अहापरिग्राहिणं असेनं वा  
 (४) अमिर्न साहमिस्तुं कीप्याय वेवावधिर्न सातिजिस्तुमि अमिर्न आग-  
 ममाये वाप सममामेव सममिवाभिवा ॥ ४३५ ॥ अस्तुं मिश्रस्तु एवं भवति  
 से मिश्रमि पस्तु आई इममि सममे इमं सरीरं अनुपुष्पेनं परिष्विताए, से  
 अनुपुष्पेनं आहारं संवेष्ट्वा संकृता कसाए पयसुए मिश्रा समाक्षिमेव पञ्चा-  
 न्वष्टी लुप्तम मिश्रं अमिमिस्तुमे अनुपविशिता यामं वा वाप रामहामि वा  
 तपाई आप्ता तपाई आप्ता से तमावाए एतमकदेवा अर्पये वाप तपाई  
 संवेष्ट्वा इदमि समए कर्त्तं न बोधं न इतिर्न न पक्कसाए ॥ ४३६ ॥  
 से सत्वं संवावापीयोए तिमे किचकईकई आपीतौ अवापीसे वेवाव मिठरं कर्त्तं  
 संमिष्टमि निरवहये परिष्वोषणम अस्ति मिश्रमवाए मेरममिमे तत्तमि  
 तत्तममपरिवाए से तत्त मिश्रतिअरए इमेनं मिमोहावर्त्तं द्विं द्वं कर्म मिस्ते-  
 दत्तं आनुयामिर्न ति मेमि ॥ ४३७ ॥ सप्तमोहेस्तो समस्तो ॥

अनुपुष्पेन मिमोहाई, आई बीरु समाधुज; वपुर्मतो मर्मतो सत्वं नवा अनेसिरे  
 ॥ १०४३ ॥ दुष्टिपि मिश्रितं जिना वम्मस्त पारमा; अनुपुष्पीर संवाए, कस्तु  
 वाज तिस्तुति ॥ १०४४ ॥ कसाए पक्क मिश्रा अप्पाहारो तिस्तिनए; आई मिश्र  
 मिश्राएवा आहारसेव अतिर्न ॥ १०४५ ॥ पीमिर्न यामिर्नमेवा मरनं गोमि  
 पक्क; हुहोमि न संवेष्ट्वा पीमिते मरने तदा ॥ १०४६ ॥ मज्झतो मिश्रपपीही समा-

हिमणुपालए, अतो बहिं विउस्सिज, अज्झत्थं मुद्धमेगए ॥५॥४४१॥ जं किंचुवक्कं  
जाणे, आउक्खेमस्त अप्पणो, तस्सेव अतरज्जाए, निष्पं सिग्गमेज पडि  
॥६॥४४२॥ गामे वा अदुवा रण्णे, थडिलं पडिलेहिया, अप्पपार्णं तु पिप्पाय, नगारं  
संयरे मुणी ॥७॥४४३॥ अणाहारो तुअट्टेज्जा, पुट्ठो तत्थ हियागए, णातिवेल उव्वरे,  
माणुस्सेहिं विपुट्ठव ॥८॥४४४॥ ससप्पगा य जे पाणा, जे उ उद्धमहाचरा, भुज्जि  
मससोणितं, ण छणे ण पमज्जए ॥ ९ ॥ ४४५ ॥ पाणा देहं त्रिहिसंति, ठाणासे  
ण वि उब्भमे, आसवेहिं त्रिवित्तेहिं, तिप्पमाणोऽहियासए ॥ १० ॥ गंधेहिं विविधेहिं,  
आउकालस्स पारए ॥४४६॥ पग्गहियतरग चेय, दयियस्स वियाणतो ॥११॥४४७॥  
अय से अवरे धम्मे, णायपुत्तेण साहिए, आयवज्ज पटीयारं, विज्जहिज्जा तिहा  
तिहा ॥ १२ ॥ ४४८ ॥ हुरिएसु ण णिवज्जेज्जा, थडिलं मुणिआ मए, विउस्सिमज्ज  
अणाहारो, पुट्ठो तत्थ हियासए ॥ १३ ॥ ४४९ ॥ इदिएहिं गिलायते, समिबं  
आहरे मुणी, तहावि से अगारिहे, अचले जे समाहिए ॥ १४ ॥ ४५० ॥ अमिक्कमे  
पडिक्कमे, सकुच्चए पमारए, कायसाहारणट्ठाए, इत्थं वा वि अचेयणे ॥१५॥४५१॥  
परिक्कमे परिकिलत्ते, अदुवा चिट्ठे अहायते, ठाणेण परिकिलत्ते, णिसिद्धिज्जाय अतसो  
॥ १६ ॥ ४५२ ॥ आसीणे गेलिस्स मरण, इदियाणि समीरए, फोलावास समासज्ज,  
वित्थं पादुरेसए ॥ १७ ॥ ४५३ ॥ जओ वज्ज समुप्पज्जे, ण तत्थ अवलबए,  
ततो उक्खसे अप्पाग, सव्वे फासे अहियासए ॥ १८ ॥ ४५४ ॥ अयं चायततरं  
सिया, जो एव अणुपालए, सव्वगायणिरोधेवि, ठाणातो णवि उब्भमे ॥१९॥४५५॥  
अयं से उत्तमे धम्मे, पुव्वठाणस्स पग्गहे, अचिरं पडिलेहिता, विहरे चिट्ठ माहणो  
॥ २० ॥ ४५६ ॥ अचित्तं तु समासज्ज, ठावए तत्थ अप्पगं, वोसिरे सव्वसो  
कायं, ण मे देहे परीसहा ॥ २१ ॥ ४५७ ॥ जावज्जीवं परीसहा, उव्वमग्गा इति  
संखया, सवुड्ढे देहमेयाए, इति पण्णे हियासए ॥२२॥४५८॥ भेउरैस्स न रज्जेज्जा,  
कामेस्स बहुतरेस्स वि, इच्छा लोमं ण सेवेज्जा, धुव वल्ल सपेहिया ॥ २३ ॥ ४५९ ॥  
सासएहिं णिमतेज्जा, दिव्वमायं ण सद्दे, त पडिवुज्ज माहणे, सव्वं नूढ विधूणिमा  
॥ २४ ॥ ४६० ॥ सव्वट्ठेहिं अमुच्छिण्ण, आउकालस्स पारए, तितिवक्खं परम  
णद्धा, विमोहजतरं हितं ति वेप्पि ॥ २५ ॥ ४६१ ॥ अट्ठमोद्देसो समत्तो ॥

॥ विमोक्खणाममट्ठमज्झयणं समत्तं ॥

अथात्मं वदिस्वामि अथा से समये मयं बहुयः, संज्ञाय तंति हेमंत बहुया  
 पन्नाए पियत्ता ॥ ४६२ ॥ वो वेमिमेय वत्थेय पिदिस्वामि तंति हेमंते, से पारए  
 जावन्हाए, एवं व बहुपमिमेय तस्म ॥ ४६३ ॥ अतामि साधिए मासे बहमे  
 पावन्हाएया आगम्म; अमिदम्भकम्भं निहरिण, आरहियानं तत्त विसिण ॥ ४६४ ॥  
 संवत्थरं साधिं मासे वं व रिहाति वत्थनं भगवं, अनेसए ततो चाई, तं नोसिरिज  
 वत्थमयगारे ॥ ४६५ ॥ अतु पोमिति तिमिर्वमिति वनन्नासत्तव अंततो साममि;  
 अह वनन्नामीना सद्धिवा से इता बहमे वंविण ॥ ४६६ ॥ समयेहि मितिमिस्सेहि,  
 इत्थीभो तत्तसे परिण्णाव; सायामिं व सेके, व इति से समं पवेसिवा हाति ॥ ४६७ ॥  
 से केइ इमे अमारत्ता मीसीमावं प्हाव तं हाति; पुढो मि वामिमासिण, गच्छति  
 वावत्त वं ॥ ४६८ ॥ वो अवरयेतमेोसि वामिभासे अमिवावमाये; इवपुण्यो  
 तत्त वंविहि, वसियपुण्यो अप्पपुणेहि ॥ ४६९ ॥ पम्मात्तं वुत्तिजिक्काई, अतिम्व  
 मुनी परहम्ममाये आवायवइयीताई, वंउत्तुत्ताई सुद्धिउत्ताई ॥ ४७० ॥ मधिए  
 म्मिओ वत्तु, समंमि प्पायसुए निछेगे अवक्क; एताई से उरत्ताई, पच्छ  
 वावपुते अवरत्ताए ॥ ४७१ ॥ अमिसाधिए दुवे वासे सीतोई अमोवा निक्कंति;  
 एवत्तनए पिद्धिवे से अद्धिजात्तंसमे सेते ॥ ४७२ ॥ पुढवि व आत्तहम्मं  
 सेक्कत्तं व वत्तत्तं व; पम्मात्तं वीयहरिवाई, तत्तत्तं व सक्कत्ते व्वा "एताई  
 संति" पविछेहे, वितामंताई से अमिवाव परिवजिय निहरित्ता इति संज्ञाय से  
 प्हावीरे ॥ ४७३ ॥ अतु वावरा तत्ताए, तत्तवीयय वावराए; अतुवा सम्भ-  
 थोमीना सत्ता कम्मणा अपिवा पुढो वावा ॥ ४७४ ॥ मयं व एवमवेसि,  
 सेवधिए ह हप्पयी वावे कम्मे व सक्कत्तो व्वा तं पविवाक्कत्ते पावयं  
 भगवं ॥ ४७५ ॥ वुमिई सत्तिव मेहावी किरियमक्कत्तममैमिं वानी; आत्ताव-  
 सेवमसिवात्तसेवं वोगं व सक्कत्तोपत्ता ॥ ४७६ ॥ अत्तत्तिरं अत्तावहिं सक्कत्तेसि  
 अवरत्ताए; अत्तिरिजो परिण्णावा सक्कत्तमावत्तासे अरक्क ॥ ४७७ ॥  
 अहाक्कं न से सेवे, सक्कत्तो कम्मणा वं व अरक्क; वं विवि पावयं भगवं, तं  
 अत्तमं मियं मुत्तिता ॥ ४७८ ॥ वो वेवली व परत्तं परपाएणि से व मुत्तिता;  
 परिवजिमान ओमात्तं गच्छति सेवहि अवरत्ताए ॥ ४७९ ॥ मान्ने अत्तम-  
 पावत्त वत्तमिहे रसिण अपविमि; अत्तिमि वो पयजिक्का वोमि व वंक्कवे  
 मुनी वयं ॥ ४ ॥ अयं तित्तिं पेहाए, अयं पिद्धो व पेहाए; अयं वुरए  
 पविमावी पंवेही वरे वयमाये ॥ ४ १ ॥ तिमिरंति अरपविमवे तं नोसिज  
 वत्थमयगारे; पत्ताहिण वाई परत्तमं वे वक्कंमिना व वंविमि ॥ ४ २ ॥ एव



विही अणुफ्तो, माहणेण मइमया, बहुगो अप्पटिजेण, भगवया एव रियति नि  
वेमि ॥ ४८३ ॥ पढमोद्देशो समत्तो ॥

चरियासणाईं सेजाओ, एगतियाओ जाओ बुझाओ, आठ्ठगताईं सयणास  
णाईं, जाइ सेवित्था से महावीरो ॥ ४८४ ॥ आवेगणमभापवायु, पणियसालाहु,  
एगदा वासो, अदुवा पलियठ्ठाणेमु, पलात्पुजेमु एगदा वागो ॥ ४८५ ॥ आगतारे  
आरामागारे तह य णगरे वि एगदा वासो, मुणाणे मुणागारे वा, रुत्तामूढे वि  
एगदा वासो ॥ ४८६ ॥ एतेहिं मुणी मयणेहिं, रामणे आसी पत्तेरगवासे, राईं  
दिव पि जयमाणे, अप्पमत्ते समाहिए ज्ञाति ॥ ४८७ ॥ णिदपि जो पगामए,  
सेवइ य भगवं उठ्ठाए, जग्गावती य अप्पाग, ईसिं साति य अपडिजे ॥ ४८८ ॥  
संबुज्झमाणे पुणरवि, आसिंसु भगव उठ्ठाए, णिक्खम्म एगदा राओ, चाहि चंक्मिता  
मुहुत्ताग ॥ ४८९ ॥ सयणेहिं तत्थुवमग्गा, मीमा आसी अणेगरुवाय, समप्पगाय  
जे पाणा, अदुवा जे पक्खिणो उवचरति ॥ ४९० ॥ अदुवा पुचरा उवचरति,  
गामरक्खाय तत्तिहत्थाय, अदुगामिया उवसग्गा इत्थी एगतिया पुरिसा य  
॥ ४९१ ॥ इहलोइयाइ परलोइयाईं, मीमाईं अणेगरुवाईं, अवि मुब्भिदु  
ब्भिमधाइ, सहाइ अणेगरुवाईं अहियासए सया समिए, फासाईं विस्वल्वाईं  
॥ ४९२ ॥ अरईं रईं अभिभूय, रीयईं माहणे अवहुवाईं ॥ ४९३ ॥ स जणेहिं  
तत्थ पुच्छिदु, एगचरा वि एगदा राओ, अव्वाहिए क्ताइत्था, पेहमाणे समाहिं  
अपडिजे ॥ ४९४ ॥ अयमतरसि को एत्थ, अहमसिति भिक्खू आहुदु, अयमुत्तमे  
से धम्मे तुत्तिणीए सक्काइए ज्ञाति ॥ ४९५ ॥ जत्तिप्पेगे पवेयति, तिसिरे माइए  
पवायते, तत्तिप्पेगे अणगारा, हिमवाए णिवायमेसति ॥ सघाडिओ पवेविस्सामो,  
एहा य समादहमाणा, पिहिया वा सक्खामो, अतिदुक्खे हिमगसफामा ॥ तंसि  
भगव अपडिजे, अहे वियडे अहियासए दविए, णिक्खम्म एगदा राओ, ठाइए  
भगव समियाए ॥ ४९६ ॥ एस विही अणुफ्तो माहणेण मइमया, बहुसो अपडि-  
ज्जेण, भगवया एवं रीयति ति वेमि ॥ ४९७ ॥ वित्तिओद्देशो समत्तो ॥

तणफासे, सीयफासे, तेवफासे य, दंसमसगे य, अहियासए सया समिए, फासाईं  
विस्वल्वाईं ॥ ४९८ ॥ अह दुघरलाठमचारी, वज्जभूमिं च सुब्भभूमिं च, पत  
सेजं सेविंसु, आसणगाईं चेव पंताईं ॥ ४९९ ॥ लादेसु तस्सुवसग्गा, वहवे जाणवया  
ल्लसिंसु, अह ल्हदेसिए भत्ते, कुक्कुरा तत्थ हिंसिंसु णिवत्तिंसु ॥ ५०० ॥ अप्पे जणे  
णिवारेइ, ल्लसणए सुणए ढसमाणे, छुल्लुकारंति आहंसु 'समग कुक्कुरा ढसतु'ति  
॥ ५०१ ॥ एल्लिक्खए जगा भुज्जो, वहवे वज्जभूमिं फत्तासी, लल्लिं गहाय णालीय,

संभवा तत्त्वं न विदितम् ॥ ५. २ ॥ एवं पि तत्त्वं निहरता पुद्गल्या अवेति  
 एतद्विः संसृजमत्ता एतद्विः, सुखरागाणि तत्त्वं जायेति ॥ विद्याय ईदं पायेति, तं  
 कर्म बोधिममप्यारे ॥ अहं गाम्भीर्यं मगर्भं ते अद्विवासाय अमिसमेत्ता ॥ ५. २२  
 बायो संगममसीधे वा पारम् तत्त्वं धे महावीरे ॥ ५. ३ ॥ एवं पि तत्त्वं अवेति,  
 अकल्पुण्यो मि एकावा घामे एतदेकममपदिधं गाम्भीर्यमि अप्यतः, पदिमिप्य-  
 मितु अस्ति, एतातो परं पवेति ॥ ५. ४ ॥ इत्युण्यो तत्त्वं इति अमुवा  
 सुष्ठिना अमु कुंटाइप्येयः, अमु येमुवा कमाकेनं ईता ईता कहुने ईति ॥ ५. ५३  
 मत्तामि विदुष्यवा, सुष्ठिमिया एयमा कर्मः, पदिमहाई इति, अमुवा कत्ता  
 उवधति ॥ उवाक्यमि विदुमि, अमुवा आसनामो कर्मईति, बोधद्वयमे पनजाधी  
 इत्युत्तरे मगर्भं अपदिधे ॥ ५. ६ ॥ एतो संगममसीधे वा संसृजे तत्त्वं धे महा-  
 वीरे, पदिमेकमामे पमसाई, अकळे मगर्भं पीड्य ॥ ५. ७ ॥ एत म्मि अमुईतो  
 माहमेन मईमवा अमुओ अपदिधेयं मगकवा एवं ईयति ति वेमि ॥ ५. ८ ॥  
 तद्वोदेतो समतो ॥

बोमेदेतिरं वापुति अमुमि मगर्भं रोगेति, पुद्गे वा धे अमुद्गे वा बो धे साति-  
 अति तेहत्ता ॥ ५. ९ ॥ संसृजेयं न कर्म न गाम्भीर्यं न विद्याय न; संवा  
 इतं न धे कल्पे इतपककाक्य परिण्या ॥ ५. १० ॥ निरम् न यानवामेति, पीयति  
 माह्यो अमुवाई ॥ ५. ११ ॥ विदितमि एयवा मगर्भं कमाय साई आसीवा ॥  
 आवादी न गिम्हातं अक्यति अमुहुम् अमिताये ॥ ५. १२ ॥ अमु वाक्य-  
 अवेतं बोधकर्मसुम्मासेनं ॥ एवामि विधि पदिधेये अमुमते न वाक्यं मगर्भं  
 ॥ ५. १३ ॥ अमि इत्य एयमा मगर्भं अक्यमते अमुवा मत्तपि ॥ अमिताद्विपु  
 हुने माते अमिमते अमुवा विदित्या ॥ एवमेवमं अपदिधे अक्यममममवा  
 मुने; अवेत एयमा मुने अमुवा अमुमेनं वसमेनं; सुवाक्यमेन एयमा मुने देह  
 माते समाई अपदिधे ॥ ५. १४ ॥ नवा नं धे महावीरे बोमि न पाक्यं एयममसी ॥  
 अवेति वा न वादित्या कर्मतापि वाकुवामित्या ॥ ५. १५ ॥ गाम्भीर्यं पमिस्त कर्म  
 वा वासमेधे कर्म पट्टापु; एमिद्वयेतिवा मगर्भं आसतमोययाय सेमित्या  
 ॥ ५. १६ ॥ अमु वाक्यमि विदित्या के अवे रसेधियो सता; वासेधनाय विदुति  
 सकर्म विदित्वा न वेहाय ॥ ५. १७ ॥ अमु माह्यं न कर्म वा गाम्भीर्यं न  
 अतिवि वा; सोमामं सुधियारे वा कमुरे वा विदितं पुरतो ॥ विदित्वा कर्मतो  
 तेधिमप्यतिवं पदिहृतो; मई पममे मगर्भं अद्विवासाय वासमेधित्या ॥ ५. १८ ॥  
 ममिपुत्रं वा उने वा धीवर्तिवं पुराण्यमाये; अमु कुदये पुकर्म वा कवे ति

अलद्धए दविए ॥ ५१९ ॥ अवि क्षाति से महावीरे, आसणत्ये अकुक्कुए क्षाणं,  
 उद्धमहेयं तिरियं च, पेहमाणे समाहिमपडिन्ने ॥ ५२० ॥ अक्खायी विग  
 गेही य, सहल्लवेसु अमुच्छिष्टए क्षाति, छउमत्थो वि परक्कममाणो, ण पमाय सईपि  
 कुव्वित्था ॥ ५२१ ॥ सयमेव अभिसमागम्म, आयतजोगमायसोहीए । अभिणिज्जु  
 अमाइल्ले आवक्ह भगवं समिआसी ॥ एस विधी अणुक्कतो माहणेण मईमया, बहुसे  
 अपडिन्नेणं भगवया एव रीयति ति वेमि ॥ ५२२ ॥ चउत्थोदेसो समत्तो ॥

॥ उवहाणसुय नवमज्झयणं समत्तं ॥

॥ बंभचेरणाम पढमे सुयक्खंधे संपुण्णे ॥







संस्कारिं यथा संस्कारिपठियाए नो अभिसंधारिमाणे गमनाए से भवन्ते

( २ ) पार्श्वं संस्कारिं यथा पक्षीं गच्छे आनन्दोपमाणे

गच्छे अनाहायमाणे दाहिन् संस्कारिं यथा उदीयं गच्छे अनाहायमाणे,

यथा दाहिन् पच्छे अनाहायमाणे ॥ ५४६ ॥ अतएव सा

गार्मसि वा, नवरसि वा, केडंसि वा, कज्जरेसि वा, कंठपंसि वा,

वा, होणमुहंसि वा, भिममंसि वा, आकलंसि वा, राखहांसि वा

वा, संस्कारिं संस्कारिपठियाए नो अभिसंधारिमाणे गमनाए, केडलीं वृक्ष

॥ ५४७ ॥ संस्कारिं संस्कारिपठियाए अभिसंधारिमाणे आहाकमिज्जं वा

जावं वा, कीवणवं वा पामिन् वा, अण्डेजं वा, अमिहं वा,

दिज्जमावं मुज्जिजा, अंसंजए मिक्खपठियाए, छुट्ठिमदुवारिमाणे

कुज्जा, महत्थियदुवारिमाणे छुट्ठिमदुवारिमाणे कुज्जा, समान्ते

कुज्जा, निसमान्ते सिज्जान्ते समान्ते कुज्जा, पत्तावान्ते सिज्जान्ते

मिवायान्ते सिज्जान्ते पत्तावान्ते कुज्जा, अंतो वा, वरिं

२ दाहिय २ संचारणं संचारिजा एस मिहंगवान्ते सिज्जाए तम्हा

अण्णवरं वा तहप्पगारं पुरे संस्कारिं वा कच्छनसंस्कारिं वा संस्कारिं

अभिसंधारिज्ज गमनाए ॥ ५४८ ॥ एवं क्खु तस्स भिक्खुस्स

गिरयं जं सण्णठेहिं समिए सविए समानए ति वेमि ॥ ५४९ ॥

से एगया अण्णतरं संस्कारिं आसिता पिपिता क्खुज्ज वा कणेज्ज वा,

नो सम्मं परिणमिज्जा अण्णतरे वा से दुक्खे रोयातंके समुपमिज्जा,

आयाणमेयं ॥ ५५० ॥ इह क्खु भिक्खु गाहावइहिं वा,

अएहिं वा, परिवाइमाहिं वा, एगज्जं सदिं सोंडं पावं नो वतिमिस्सं

उक्खससं पठिछेहेमाणे नो क्कमिज्जा, तमेव उवस्सयं

मण्णे वा से मत्ते विप्परियासियभूए इत्थिभिग्गहे वा किलीये वा तं

मिच्चु वृथा 'आउसंतो समणा अहे आरामंसि वा, अहे उक्खससंसि

वियाळे वा, गामधम्मभिर्यसियं कहु, रहस्सियंयेहुणधम्मपरियारणाए

चेवेगइओ साइजिज्जा, अकरमिज्जं चेयं संसाए । एते आबतजामि संसि

पञ्चवाया भवंति, तम्हा से संजए गिबंठे तहप्पगारं पुरेसंस्कारिं वा

संस्कारिं संस्कारिसपठियाए नो अभिसंधारिज्जा गमनाए ॥ ५५१ ॥ से भिक्खु

अजयारिं संस्कारिं वा सोवा निसम्मं संपरिहावइ उस्सुयभूयेण अप्पाजेण

नो संचाएइ, तत्थ इयरेयरेहिं कुळेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिडवायं





**संस्कृत-संग्रहः**

\_\_\_\_\_

**कालावतारः कालावतारः**

[illegible]

संशोधन मन्त्रालय ४५६-१३ वे मिनट का (३)

**समझने से बंध पुनः जमानेका, कानूनी का कानून**

अपनी बात अपनोतना जो बात बड़े अन्यायपूर्ण

अन्तर्गतानिती कन्तु निरन्तरानिती, कन्तु

अथानुसंगविताह सेव नवा तद्वनारं पुरेक्षति क

प्रतिवाए अमिहंकारेण ममताए ॥ ५६२ ॥ हे मित्रवत्

आप परिश्रित्तममे व पुन आपेया, हीरिनिपानो वहीनो

असमं वा (४) उपसंख्यिक्यानां पेहाए पुरा अप्पचरिह के

इदं पितृदायपठियाए निवृत्तिय वा पपिठिय वा से

अनायासमस्तोऽपि विद्विषा, अहं पुन एषं ज्ञायेत्

पेहाए, असणं वा ( ४ ) सबससिबं पेहाए पुराए करिह

संयत्नामेव गाहावद्भुक्तं पिंडवायवर्द्धिवाए कर्मविष्णवः

भिक्षागाणामेते एवमाहं सु समाजा वा कसमाणा वा

कहते हैं कि गाँवों में भी बहुत से लोग हैं जो महात्माजी से मिलने के लिए आते हैं।

मिथ्यावरिवाए बबह ॥ ५६४ ॥ शक्ति तत्त्वमयस्य मिथ्यास्य पुनः

कञ्जसयुया वा परवसति, तन्महा-गाहादि वा, वासनाद्वयम्

वा० गाहाविष्णुयामो वा० गाहाविष्णुद्वयो वा० बाह्ये वा० सत्यः वा०

कर्मकरा वा, कर्मकराणां वा, तद्व्यंग्यादि इत्येव पुन  
माणि वा प्राकारोऽयं शिखरादीनाम् अन्तर्निहितान्ति

पिंङ्गं वा स्फेयं वा कस्यपीं वा एषां न इति न इति न इति

॥ साङ्गर्हिं फाणिरं ॥ परं ॥ शिखीरिं ॥ नं ॥ गण्डादेन ॥

संविदिय संमजिय तन्नो परब्रह्म सिग्यारि मक्ति मायसग्यस्यं

प्रवृत्तिस्सामि गिक्कमिस्सामि वा. माह्वणं संक्रासे. तं नो प

भिवन्तहिं सदिं काणेण अणुपमिसिता, तत्तिवरेवरेहिं कणेहिं सायसाय

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

वेत्तिं विद्वान् पठित्वा जाहारे जाहारेजा ॥ ५९९ ॥ एवं कृतं तस्य  
मित्रहस्तं वा मित्रहनीयं वा सामगिर्यं ॥ ५९९ ॥ कृतत्पोद्देशो समस्तो ॥  
सै मित्रहं वा (१) जात्र पठित्वा समाप्ते सै न पुन जात्रेजा अमापितं  
वकिञ्चप्यमात्रं पेहाए, अमापितं विविक्तप्यमात्रं पेहाए, अमापितं हीरमात्रं पेहाए,  
अमापितं परिमात्रप्यमात्रं पेहाए, परिणुज्जमात्रं पेहाए, अमापितं परिणुज्जमात्रं  
पेहाए, पुन अतिवाद वा जवहारद वा पुन अत्यन्तं समप्यमात्रपठित्वा विविक्त-  
वर्णमया कर्त्तं कर्त्तं कृतत्पोद्देशं सै हंता कृतमि कर्त्तं १ कृतत्पोद्देशमि मातृकुलं  
पुत्रसे नो एवं कर्त्तजा ॥ ५९७ ॥ सै मित्रहं वा (१) जात्र पठित्वा समाप्ते  
अंतरा सै कृतमि वा पठित्वा मि वा पापारामि वा तोरणमि वा अम्यारामि वा  
अम्याराम्यमामि वा सृ परकमे संवसामे परकमेजा नो कृतुं वकिञ्चजा  
केवली कृता आत्रावमेवं ॥ ५९८ ॥ सै तत्र परकमेजा पवकिञ्च वा पवकि-  
ञ्च वा पवकिञ्च वा सै तत्र पवकेमात्रे वा पवकेमात्रे पवकेमात्रे वा तत्र सै  
कमे कृतारेन वा पवकेमात्रे वा केवले वा सिवापेन वा वंतेन वा पितेन वा  
पूरन वा सुमेन वा सोमिण वा अकमेतो विवा तहप्यवार कर्त्तं नो अकंतरहि  
वाए पुत्रनीए नो सतिमिवाए पुत्रनीए, नो सचरकवाए पुत्रनीए, नो वितामंताए  
विवाए, नो वितामंताए केवली, कीजवापठि वा वास्य नीचपठि सचरं सपानि  
जात्र सचरापए, नो अम्यमि वा पममि वा उकिञ्चि वा विकिञ्चि वा अम्य  
मि वा अम्यमि वा आत्रामि वा पममि वा सै पुत्रामेन अप्यसचरकं तत्र  
वा पतं वा कृतं वा सचरं वा वादजा वादजा सेतमावाव एवंतमकमिजा १  
अहे सामर्त्तिकंति वा जात्र अम्यमरंति वा तहप्यवारंति वकिञ्चि १ पममि  
१ तत्र संवसामेन अम्यमि वा जात्र पवमि वा ॥ ५९९ ॥ सै मित्रहं वा  
(१) जात्र पठित्वा समाप्ते सै न पुन जात्रेजा गोवं विवाकं पठित्वा पेहाए, मविं  
वेवाकं पठित्वा पेहाए एवं मनुस्सं जात्र हति सीई कर्त्तं मिं सीमिं अर्त्तं तरपं  
परितरं विवाकं विवाकं कृतं नो कृतुं कर्त्तं विवाकेमरं विवाकं पठित्वा  
पेहाए सृपरकमे संवसामेन परकमेजा नो कृतुं कर्त्तजा ॥ ५९७ ॥ सै  
मित्रहं वा (१) जात्र समाप्ते अंतरा सै अवेनामो वा वाद वा कृतं वा वती  
वा मिह्रा वा मिहमे वा मिहमे वा परिवात्रमिजा सति परकमे संवसामेन  
परकमेजा नो कृतुं पठित्वा ॥ ५९७ ॥ सै मित्रहं वा (१) जात्रावद्वस्तं कृतं  
वा कृतं कृतमिवाए पठित्वा पेहाए सै पुत्रामेन कर्त्तं अम्यमि अमि  
केवि अप्यमि नो अवेमि वा, पठित्वा वा मिहमि वा सै पुत्रामेन



विष्टिञ्च नो गाहावस्तुञ्चस्व चंदमिठवए विष्टिञ्च नो सिनापस्व वा क्वस्व वा  
 सेवेए सपविष्टिद्वारे विष्टिञ्च नो पाहावस्तुञ्चस्व आचोर्न वा विष्टिञ्च वा संधि वा  
 स्वमवर्न वा वाहव पविष्टिञ्च १ अंगुष्ठिनाए वा उरिस्थि १ उष्ममि १ अवन  
 मि १ विष्टिनाए नो पाहावर्न अंगुष्ठिनाए उरिस्थि १ वाहव नो गाहावर्न  
 अंगुष्ठिनाए वाहि १ वाहव नो गाहावर्न अंगुष्ठिनाए तमि १ वाहव नो  
 गाहावर्न अंगुष्ठिनाए स्वमवर्न १ वाहव नो गाहावर्न वरि १ वाहव नो  
 वरन फल वरन ॥ ५८ ॥ अह तत्त चंदि मुक्कमान पेहाए, वरवहा-गाहावर्न  
 वा वाव कम्मवर्न वा से पुष्पायेन आचोएन "आवसो ति वा मव्वि ति वा  
 उरिस्थि से एते अव्वर मोक्कमान" से एव वरवहास्व परो हत्त वा मत्त वा वरि  
 वा मायन वा वीजोदममिनेन वा उरिस्थोदममिनेन वा उष्ममेनेन वा परोएन  
 वा से पुष्पायेन आचोएन "आवसो ति वा मव्वि ति वा मा एव हुम हत्त  
 वा मत्त वा वरि वा मायन वा वीजोदममिनेन वा उरिस्थोदममिनेन वा  
 उष्ममेनेन वा परोएन वा अमिनेन से वरव एतेन वरवहा" से एव वरवहास्व  
 परो हत्त वा (४) वीजोदममिनेन वा १ उष्ममेनेन परोहता वाहव वरवहा  
 तहप्पमारेण पुरे कम्मकए हत्तेन वा (४) वरन वा (४) अफसुम अवेत-  
 विज वाव नो पविष्टिना अह पुन एव वाहिना नो पुरेकम्मए वरवहा  
 तहप्पमारेण वा उरिस्थिना वा हत्तेन वा (४) वरन वा (४) अफसुम वाव  
 नो पविष्टिना अह पुन एव वाहिना नो वरवहा उरिस्थिनेन से ए वर  
 एव सवरवहे महिना, एते हरिवाडे विष्टिना, मयोसिना अजने कोने गेह  
 वरि वरि वरि वरि विष्टि पुष्प उरि वरि वरि ॥ ५८१ ॥ अह पुन एव  
 वाहिना नो वरवहा, वरवहा तहप्पमारेण वरवहा हत्तेन वा (४) वरन वा  
 (४) फसुम वाव पविष्टिना ॥ ५८२ ॥ से मिक्क वा (१) से व पुन  
 वाहिना विष्टि वा वरवहा वा वाव वावकम्मए वा वरवहा मिक्कपविष्टिनाए  
 विष्टिनाए विष्टिना वाव वरवहावेतानाए उरिस्थि वा उरिस्थि वा उरिस्थि वा,  
 उरिस्थि वा (१) तहप्पमारे विष्टिना वा वाव वावकम्मए वा अफसुम वाव  
 नो पविष्टिना ॥ ५८३ ॥ से मिक्क वा (१) वाव समासे से व पुन वाहिना  
 विष्टि वा वरवहा उरिस्थि वा वरवहा मिक्कपविष्टिनाए विष्टिनाए विष्टिना  
 वाव वेतानाए विष्टिना वा विष्टिना वा विष्टिना वा विष्टिना वा (१) विष्टि  
 वा वरवहा उरिस्थि वा वरवहा अफसुम वाव नो पविष्टिना ॥ ५८४ ॥ से मिक्क  
 वा वाव समासे से व पुन वाहिना वरवहा वा (४) अगविष्टिनाए तहप्पमारे

असर्गं वा (४) अक्षय्यं जाने संते नो  
 येन" अर्धं वा मिक्कपडियाए उन्निवज्जाने वा,  
 वा, पमज्जमाने वा, ओवारेवाने वा, उज्जवज्जाने वा,  
 मिक्कपडि पुम्बोवसिक्क एस पडिवा, इत्थं हेतु, एवमज्जाने,  
 असर्गं वा, (४) अगमिनिनिवृत्तं अक्षय्यं  
 ॥ ५८५ ॥ एवं बहु तस्स मिक्कपडिस्स वा मिक्कपडिस्स वा  
 उन्निवज्जाने समत्तो ॥

से मिक्क वा (२) जाव समाने से जं पुन जानेवा  
 वा बंधंसि वा, मंथंसि वा, माळंसि वा, पासमंसि वा,  
 रंसि वा, तहप्पगारंसि अंतस्सिक्कज्जानंसि उन्निवज्जाने  
 असर्गं वा (४) जाव अक्षय्यं नो पडिवाहिजा, केवली  
 अर्धं वा मिक्कपडियाए पीळं वा फज्जं वा, मिस्सेनि वा,  
 उत्सविज्ज दुक्खेवा, से तरव दुक्खमाने, पक्खेवा वा पक्खेवा  
 माने वा पक्खेमाने वा, इत्थं वा, पामं वा, वाहु वा, कर्णं वा,  
 अज्जवरं वा कर्णंसि इद्विज्जानं वसिज्ज वा, पान्नानि वा,  
 वा, सत्तानि वा, अमिहन्निज्ज वा, नितासिज्ज वा, केसिज्ज वा,  
 द्विज्ज वा, परिवामिज्ज वा, निळाभिज्ज वा, ठाणाओ ठाणं  
 गारं मालोहडं असर्गं वा, (४) जाने संते नो पडिवाहिजा  
 वा, (२) जाव समाने से जं पुन जानेवा, असर्गं वा (४),  
 कोळेवाओ वा, अर्धं वा मिक्कपडियाए, उन्निवज्जाने अक्षय्यं  
 दल्लेवा, तहप्पगारं असर्गं वा, (४) मालोहडंति नया जाने  
 हिजा ॥ ५८८ ॥ से मिक्क वा (२) जाव समाने से जं पुन  
 वा (४) मट्ठियाओळितं तहप्पगारं असर्गं वा (४) जाव जाने  
 हिजा । केवली वूवा 'आयाज, मेवं' अर्धं वा मिक्कपडियाए  
 वा (४) उन्निवज्जमाने पुडवीकानं समारंभिजा, तहा  
 समारंभिजा पुनरवि ओळिप्पमाने पच्छाक्रमं करिजा । अह  
 जाव जं तहप्पगारं मट्ठिओळितं असर्गं वा, (४) जाने संते नो  
 ॥ ५८९ ॥ से मिक्क वा (२) जाव पडिठे समाने से जं पुन  
 वा (४) पुडविक्रमपडिठिं तहप्पगारं असर्गं वा (४) अक्षय्यं जाने  
 माहिजा ॥ ५९० ॥ से मिक्क वा मिक्कपडि वा से जं पुन जानेवा,

(४) आउअमपद्विर्त्तं येन एवं अगमिअमपद्विर्त्तं समे संते वो पडिमाहिजा  
 “वेमठ्ठिआ” “आवाअमेम” असंअए मिअएअडिआए अगमि उत्तरादि १ मिअ-  
 दिअ २ ओहरिअ २ आहहु, दमएआ अह मिअए पुअमोअदिआ आअ वो पडिमा-  
 हिजा ॥ ५९१ ॥ ॥ ये मिअए वा (२) आअ पमिठ्ठे समाने से अं पुअ पाणिआ,  
 असंअ वा (४) अमुठ्ठिअ असंअए मिअएअडिआए, सुअयेअ वा, मिअयेअ वा  
 पाणिअदिअ वा पयेअ वा साहाए वा उअममेअ वा पिअयेअ वा, पिअमहाअयेअ  
 वा येअयेअ वा येअमयेअ वा इअयेअ वा, सुअयेअ वा पुमिअ वा वीएअ वा,  
 से पुअमयेअ आउओएआ “आउओ ति वा, मगिमि ति वा मा एवं तुअं अउअं  
 वा (४) अमुठ्ठिअ सुअयेअ वा आअ पुमाहि वा वीवाहि वा, अमिअउठ्ठि मे वाठं  
 एअयेअ इअवाहि” से सेअं वरंअराअ परो मुअयेअ वा आअ वीहता आहहु दमएआ  
 उअएआरं अउअं वा (४) अअमुअं आअ वो पडिमाहिजा ॥ ५९२ ॥ ॥ मिअए  
 वा (२) आअ समाने से अं पुअ पाणिआ, असंअ वा (४) वनसुअमपद्विर्त्तं  
 उअएआरं अउअं वा (४) वनसुअमपद्विर्त्तं अअमुअं अमिअमिअं समे संते  
 वो पडिमाहिजा एवं उअअएअ ॥ ५९३ ॥ ॥ ये मिअए वा (२) आअ पमिठ्ठे  
 समाने से अं पुअ पाणिआरं अमिआ रंअहा-उअोअं वा संअोअं वा आउओअं  
 वा अअअरं वा उअएआरं पाणिआरं अउआपोअं अमपिअं अओअंअं अपरिअं  
 अरिअंअं अअमुअं अमममिअं मअमममि वो पडिमाहिजा ॥ ५९४ ॥ ॥ अह पुअ  
 एवं पाणिआ निरापोअं अमिअं कुअंअं परिअं मिअंअं अमुअं आअ पडिमा-  
 हिजा ॥ ५९५ ॥ ॥ ये मिअए वा (२) आअ पमिठ्ठे समाने से अं पुअ पाणिआरं  
 आयेआ रंअहा-उअोअं वा सुओअं वा अओअं वा आअमं वा संअोअं वा  
 सुअमिअं वा अअअरं वा उअएआरं पाणिआरं पुअमयेअ आउओएआ “आउओ  
 ति वा मगिमि ति वा वाहिमि मे एअो अअअरं पाणिआरं ॥” से सेअं वरंअं परो  
 वएआ “आउओओ समाने तुअं अमंअं पाणिआरं पडिमाहिअ वा ठरिमिअं १  
 ओअमिअं मिअहि” उअएआरं पाणिआरं एवं वा मिअिअ परो वा से मिआ  
 अमुअं समे संते पडिमाहिजा ॥ ५९६ ॥ ॥ ये मिअए वा (२) अं पुअ पाणि  
 आयेआ अमंअडिआए उअोअं आअ संताए ओअहु मिअिअो ति वा असंअए  
 मिअएअडिआए, उअउअयेअ वा संअिअिअ वा उअआएअ वा मयेअ वा वीओअ  
 एअ वा संओआ आहहु इअएआ उअएआरं पाणिआरं अअमुअं समे संत वो  
 पडिमाहिजा ॥ ५९७ ॥ ॥ एवं अह उअ मिअमुअ मिअमुअो वा साममिअं  
 ॥ ५९८ ॥ ॥ सउओओओ समओओ ॥

से भिक्खु वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से ज पुण पाणगजाय जाणिजा,  
तजहा-अवपाणग वा, अवाडगपाणग वा, कविट्ठपाणग वा, भाउलिगपाणग वा,  
मुहियापाणग वा, दाडिमपाणग वा, खजूरपाणग वा, णालिणरपाणग वा, करीर-  
पाणग वा, कोलपाणग वा, आमलगपाणग वा, चिचापाणग वा, अण्णयर वा  
तहप्पगारं पाणगजायं सकण्णयं सवीयग असजए भिक्खुपडियाए छम्मेण वा  
दूसेण वा, वालगेण वा, आवीलियाण वा, पवीलियाण परिसादयाण आहट्ठु दलएजा,  
तहप्पगारं पाणगजाय अफासुय लाभे सते णो पडिगाहिजा ॥ ५९९ ॥ से भिक्खु  
वा (२) जाव पविट्ठे समाणे, से आगंतारेसु वा, आरामागारेसु वा, गाहावडुलेसु  
वा, परियावसहेसु वा, अन्नगंधाणि वा, पाणगंधाणि वा, सुरभिगंधाणि वा,  
अगघाय २ से तत्थ आसायवडियाए मुच्छिए, गिदे, गढिए, अज्जोववत्ते 'अहो  
गंधो २' णो गधमाघाड्जा ॥ ६०० ॥ से भिक्खु वा (२) जाव समाणे, से ज  
पुण जाणेजा, सालुय वा, विरालियं वा, सासवणालिय वा, अण्णतरं वा तहप्पगारं  
आमग असत्थपरिणयं अफासुय जाव णो पडिगाहिजा ॥ ६०१ ॥ से भिक्खु  
वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से ज पुण जाणेजा, पिप्पलिं वा, पिप्पलि-  
चुण्ण वा, मिरिय वा, मिरियचुण्णं वा, सिंगवेरं वा, सिंगवेरचुण्णं वा, अण्णतरं वा  
तहप्पगारं आमग असत्थपरिणय अफासुय जाव णो पडिगाहिजा ॥ ६०२ ॥  
से भिक्खु वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से ज पुण जाणेजा, पलवजायं तंजहा-  
अवपलव वा, अवाडगपलव वा, तालपलव वा, झिज्झिरिपलव वा, सुरभिपलव वा,  
सल्लइपलव वा, अन्नयरं वा तहप्पगारं पलवजायं आमग असत्थपरिणय अफासुयं  
अणेसणिज्जं जाव लाभे सते णो पडिगाहिजा ॥ ६०३ ॥ से भिक्खु वा (२) जाव  
पविट्ठे समाणे से ज पुण पवालजाय जाणिजा, तजहा-आसोत्थपवाल वा, णग्गोह-  
पवालं वा, पिल्लुपवालं वा, णीपूरपवालं वा, सल्लइपवाल वा, अन्नयरं तहप्पगार  
पवालजाय आमग असत्थपरिणय अफासुय अणेसणिज्ज जाव णो पडिगाहिजा  
॥ ६०४ ॥ से भिक्खु वा (२) जाव समाणे से ज पुण सरद्धयजायं जाणिजा,  
तंजहा-अवसरद्धयं वा, कविट्ठसरद्धय वा, दाडिमसरद्धयं वा, विट्ठसरद्धय वा, अण्ण-  
यरं वा तहप्पगारं सरद्धयजायं आमं असत्थपरिणय अफासुयं णो पडिगाहिजा  
॥ ६०५ ॥ से भिक्खु वा (२) जाव पविट्ठे समाणे, से ज पुण मंथुजायं  
जाणिजा, तंजहा-उवरमथु वा, णग्गोहमथु वा, आसोत्थमंथु वा,  
अण्णयरं वा तहप्प- जाय आमयं थु- अफासुयं णो पडिगा-  
हिजा ॥ ६०६ ॥ (२) जाव जाणिजा, अण्णगारं

वा पुपिण्याय वा सपि वा पेयं वा केयं वा चायं वा चायं वा पुरात  
 एव यथा अनुपपन्ना एव पावा सेवुषा एव पावा वाया एव पावा अनुपता  
 एव पावा अपरिपवा एव पावा अनिष्टपा यो पविगाहिजा ॥ ६ ७ ॥ से मिक्ख  
 वा (१) चाव समये से ञ पुप चापिजा उपपुमेरय वा अककरोहुरं वा कसेरयं  
 वा सिंवाइयं वा पृतिजल्लुरे वा अन्नवरं वा तहप्पमारं आगमं अत्तत्तपरिचरं  
 चाव को पविगाहिजा ॥ ६ ८ ॥ से मिक्ख वा (२) से ञ पुप चापिजा उप्पडं  
 वा, उप्पड गळं वा मिधं वा मिधमुत्तलं वा पोक्खलं वा पोक्खलमिमेयं वा  
 अन्नवरं वा तहप्पमारं, चाव को पविगाहिजा ॥ ६ ९ ॥ से मिक्ख वा (२) चाव  
 समये से ञ पुप चापिजा अगणीयानि वा मूळीयानि वा लंबणीयानि वा  
 पोरणीयानि वा अम्मजायानि वा मूलजायानि वा लंबजायानि वा पोरजायानि  
 वा अन्नत्तं तद्वत्तिमत्तएव वा तद्वत्तिवीसेव वा पाळिएत्तत्तएव वा कज्जरमत्त-  
 एव वा दात्तमत्तएव वा अन्नवरं वा तहप्पमारं आगं अत्तत्तपरिचरं चाव को पवि  
 गाहिजा ॥ ६१ ॥ से मिक्ख वा (२) चाव समये से ञ पुप चापिजा कच्छं  
 वा चावये अपरिचरं सेमिसे जिगदुत्तिरं केत्तयं वा कंछीकसयं वा अन्नमरं  
 वा तहप्पमारं आगं अत्तत्त परिचरं चाव को पविगाहिजा ॥ ६११ ॥ से मिक्ख  
 वा (२) चाव समये से ञ पुप चापिजा समुरं वा अनुपपत्तं वा अनुपपत्तं  
 वा कत्तपत्तं वा अनुपपत्तं वा अन्नवरं वा तहप्पमारं कंज्जावं को पविगा-  
 हिजा ॥ ६१२ ॥ से मिक्ख वा (२) चाव समये से ञ पुप चापिजा अनिष्ठं  
 वा इमिपत्तं तिहुयं वा तिहयं वा तिहुवे वा पक्खे वा अत्तत्तत्तानि वा अन्न-  
 वरं वा आगं अत्तत्तपरिचरं चाव को पविगाहिजा ॥ ६१३ ॥ से मिक्ख वा (२)  
 चाव समये से ञ पुप चापिजा कनं वा कनत्तं वये वा कनत्तत्तिरं वा चाव  
 वा चावपिठं वा तिष्ठं वा तिष्ठपिठं वा तिष्ठपत्तं वा अन्नवरं वा तहप्प-  
 मारं आगं अत्तत्तपरिचरं चाव आगे संते को पविगाहिजा ॥ ६१४ ॥ एव कत्त  
 वत्त मिक्खत्त मिक्खत्तए वा सममिचनं ॥ ६१५ ॥ अज्जमोहेसो समत्तो ॥

इह कत्त पारेन वा पवीनं वा वाहिंनं वा लवीनं वा संतपयवा सहा मवंति  
 गहात्तइ वा चाव कम्मकरी वा। तेसि च यं एवं सुत्तपुण्यं मक्खं वे इमे मवंति  
 समवा मयवेत्तो वीरम्मत्ता वरम्मत्ता पुक्कम्मत्ता संवया सेवुषा नमवाटो कवरवा  
 मेवुवाओ वम्मत्तो को कत्त एएसि कप्पइ आहाकम्मिअ अत्तं वा (४) मोहत्तए  
 वा पाहत्तए वा। से ञ पुप इमं अगं अप्पये अज्जाए मिद्धिं संवहा-अत्तं वा  
 (४) अन्नयेनं समवयं मिधिरत्तो अनिवाइ वत्त पप्पत्ता अप्पयो अज्जाए अत्तं



नमट्टे, पुटविकाइयाण पत्तेनाहाण पत्तेयपरिणामा पत्तेय नरीर वधति ५० २ सा  
 सओ पच्छा आहारति वा परिगमेति वा सरीरं वा वधति १, तेसि ण भते !  
 जीवाण कड लेस्साओ ५० १ गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ ५०, त०-कट्टेस्सा,  
 नीललेस्सा, काउलेस्सा, तेउलेस्सा २, ते ण भते ! जीवा किं सम्महिट्ठी मिच्छादिट्ठी  
 मन्नामिच्छादिट्ठी १ गोयमा ! मिच्छादिट्ठी नो सम्महिट्ठी नो मन्नामिच्छादिट्ठी ३,  
 ते ण भते ! जीवा किं नाणी अनाणी १ गोयमा ! नो नाणी अनाणी, नियमा  
 दुअनाणी, त०-मइअनाणी य नुयअनाणी च ४, ते ण भते ! जीवा किं मज्जेगी  
 वइजोगी कायजोगी १ गोयमा ! नो मज्जेगी, नो वइजोगी, कायजोगी ५, ते ण  
 भते ! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता १ गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणा-  
 गागेवउत्तावि ६, ते ण भते ! जीवा किमाहारमाहारंति १ गोयमा ! दब्बओ ण  
 अगतपणित्तिवाइ दब्बाइ एव जहा पन्वगाए पटमे आहारहेसए जाव सव्वप्पगयाए  
 आहारमाहारंति ७, ते ण भन्ते ! जीवा जमाहारंति त चिज्जति, ज नो आहारंति  
 त नो चिज्जति, चित्ते वा से उहाइ पलिसप्पइ वा १ हता गोयमा ! ते ण जीवा  
 जमाहारंति त चिज्जति, ज नो जाव पलिसप्पइ वा ८, तेसि ण भते ! जीवाण एव  
 मन्नाइ वा पन्नाइ वा मणोइ वा वइइ वा अम्हे ण आहारमाहारेमो १ णो इणट्ठे  
 नमट्टे, आहारंति पुण ते ९, तेसि ण भते ! जीवाण एव मन्नाइ वा जाव वइइ वा  
 अम्हे ण इट्ठाणिट्ठे फासेयरे वेडेमो पडिसवेडेमो १ णो इणट्ठे समट्टे, पडिसवेदंति पुण  
 ते १०, ते ण भते ! जीवा किं पाणाडवाए उवक्खाइज्जति, मुत्तावाए अदिन्नादाने  
 जाव मिच्छादमणसहे उवक्खाइज्जति १ गोयमा ! पाणाडवाएवि उवक्खाइज्जति जाव  
 मिच्छादमणसहेवि उवक्खाइज्जति, जेसिपिय ण जीवाण ते जीवा एवमाहिज्जति  
 तेसिपिय ण जीवाण नो वि(णा)जाए नाणते ११ ॥ ते ण भते ! जीवा कओहिंतो  
 उववज्जति किं नेइएहिंतो उववज्जति १ एव जहा वक्कतीए पुटविकाइयाण उववाओ तहा  
 नाणियव्वो १२ । तेसि ण भते ! जीवाण केवइय काल ठिइं ५० १ गोयमा ! जह-  
 केण अतोमुहुत्त उक्कोसेण त्रावीस वाससहस्साइ १३ ॥ तेसि ण भते ! जीवाण कइ  
 सनुग्घाया ५० १ गोयमा ! तओ सनुग्घाया ५०, त०-वेयगानमुग्घाए, कसायसमु-  
 ग्घाए, मारणतियसनुग्घाए । ते ण भते ! जीवा मारणतियसनुग्घाएण किं समोहया  
 न्नरति असमोहया मरंति १ गोयमा ! समोहयावि मरति, असमोहयावि मरंति ॥ ते  
 ण भते ! जीवा अणनर उव्वट्ठिता कहिं गच्छति कहिं उववज्जति १ एवं उव्वट्ठणा  
 जहा वक्कतीए १४ । तिय भते ! जाव चत्तारि पच आट्ठाइया एगयओ साहा-  
 न्ण सरीरं वधति २ सा तओ पच्छा आहारंति एव जो पुटविकाइयाण गमो

ये येव मापिकम्भो चाव सम्भूति नरं ठिई सत्तवात्तहत्थाई ज्जोसेने सेव तं  
 येव । शिव मंते । चाव नत्तारि पंथ तेज्जइया एवं येव नरं सत्तवात्तो ठिई  
 सम्भूत्ता य जहा पक्कवाए सेव तं येव । वातच्छइयाए एवं येव नत्तारि नरं  
 नत्तारि समुत्तावा । शिव मंते । चाव नत्तारि पंथ वत्तस्सइयाए पुच्छइ, म्मेत्ता ।  
 वो इच्छे सम्भूते, अर्थात्ता वत्तस्सइयाए एवम्भो साहारवत्तरी वंत्तसि एव १  
 ता एवो पक्कवा आहारंति वा परिभारंति वा सेव जहा तेज्जइयाए वाव सम्भू-  
 ईति नरं जज्जो निर्बन्धे छइसि ठिई जह्वेणं अंतोमुत्तुत्तं ज्जोसेनमि अंतोमुत्तुत्तं,  
 सेव तं येव ॥ १५५ ॥ एएति नं मंते । पुट्ठमिच्छइयाए वाव तेज्जवात्तवत्तस्सइ-  
 यइयाए सुत्ताए वावत्तं पक्कवाए अपक्कवाए चाव जह्वुत्तसिवाए ओगाह  
 वाए एवरे १ चाव निसेछइया वा । गोत्ता । सम्भत्तेवा सुत्तमिगोवत्त अपक्क-  
 तवत्तस्स जह्विवा ओयाहवा १ सुत्तवात्तवात्तस्स अपक्कतवत्तस्स जह्विवा ओया-  
 हवा अर्धेत्तज्जुत्ता २ सुत्तवेत्तवत्तवत्तस्स जह्विवा ओयाहवा अर्धेत्तज्जुत्ता ३,  
 सुत्तवात्तवत्तवत्तवत्तस्स जह्विवा ओयाहवा अर्धेत्तज्जुत्ता ४ सुत्तपुट्ठमिच्छइयाए  
 तवत्तस्स जह्विवा ओयाहवा अर्धेत्तज्जुत्ता ५, वावत्तवत्तवत्तवत्तस्स अपक्कतवत्तस्स जह्वि-  
 वा ओयाहवा अर्धेत्तज्जुत्ता ६, वावत्तवत्तवत्तवत्तवत्तस्स जह्विवा ओयाहवा  
 अर्धेत्तज्जुत्ता ७ वावत्तवत्तवत्तवत्तवत्तस्स जह्विवा ओयाहवा अर्धेत्तज्जुत्ता ८  
 वावत्तवत्तवत्तवत्तवत्तवत्तस्स जह्विवा ओयाहवा अर्धेत्तज्जुत्ता ९ एतेवत्तरी  
 वावत्तवत्तवत्तवत्तवत्तस्स वावत्तमिगोवत्त एएति नं पक्कवाए एएति नं अपक्क-  
 वाए जह्विवा ओयाहवा ओयाहवा सुत्त अर्धेत्तज्जुत्ता १ - ११ सुत्तमिगोवत्त  
 पक्कतवत्तस्स जह्विवा ओयाहवा अर्धेत्तज्जुत्ता १२ तस्स येव अपक्कतवत्तस्स ज्जो-  
 सिवा ओयाहवा निसेछइया १३, तस्स येव पक्कतवत्तस्स ज्जोसिवा ओयाहवा  
 निसेछइया १४ सुत्तवात्तवत्तवत्तस्स पक्कतवत्तस्स जह्विवा ओयाहवा अर्धेत्तज्जु-  
 तुत्ता १५, तस्स येव अपक्कतवत्तस्स ज्जोसिवा ओयाहवा निसेछइया १६ तस्स  
 येव पक्कतवत्तस्स ज्जोसिवा ओयाहवा निसेछइया १७ एवं सुत्तवेत्तवात्तस्स  
 तिसे १८१५३ । एवं सुत्तवात्तवत्तवत्तस्स २११२२१२३ । एवं सुत्तपुट्ठमि-  
 च्छइयास्स निसेछइया २४१२ ३२६ । एवं वावत्तवत्तवत्तवत्तस्स निसेछइया २४१२ ।  
 २५ । एवं वावत्तवेत्तवत्तवत्तस्स निसेछइया ३ ३३१३५ । एवं वावत्तवत्तवत्तवत्तस्स  
 निसेछइया ३३३३५३५ । एवं वावत्तपुट्ठमिच्छइयास्स निसेछइया ३६३३३३३३  
 तस्सि तिदिहेणं म्मेव मापिकम्भं वावत्तमिगोवत्त पक्कतवत्तस्स जह्विवा ओया-  
 हवा अर्धेत्तज्जुत्ता ३९ तस्स येव अपक्कतवत्तस्स ज्जोसिवा ओयाहवा निसेछइ-

हिया १०, तस्म चैव पञ्चमगस्म उक्तीत्या ओगाहणा असंखेज्जगुता ४१, पञ्च-  
 यसरीरावायरवगस्मट्ठादयस्म पञ्चतगस्म जहगिया ओगाहणा असंखेज्जगुता ४२,  
 तस्म चैव अपञ्चतगस्म उक्तीत्या ओगाहणा असंखेज्जगुता ४३, तस्म चैव  
 पञ्चतास्म उक्तीत्या ओगाहणा असंखेज्जगुता ४४ ॥ ६५० ॥ एयस्म ण भते !  
 पुढविकादयस्म आउक्कादयस्म तेउक्कादयस्म वाउक्कादयस्म वणस्सउक्कादयस्म  
 कयरे काए मव्वसुहुमे कयरे काए मव्वसुहुमताराए ? गोयमा ! वगस्सउक्कादए  
 सव्वसुहुमे वणस्सउक्कादए मव्वसुहुमताराए १, एयस्म ण भते ! पुढविकादयस्म  
 आउक्कादयस्म तेउक्कादयस्म वाउक्कादयस्म कयरे काए मव्वसुहुमे कयरे काए  
 सव्वसुहुमताराए ? गोयमा ! वाउक्कादए मव्वसुहुमे वाउक्कादए सव्वसुहुमताराए  
 २, एयस्म ण भते ! पुढविकादयस्म आउक्कादयस्म तेउक्कादयस्म कयरे काए  
 सव्वसुहुमे कयरे काए मव्वसुहुमताराए ? गोयमा ! तेउक्काए सव्वसुहुमे तेउक्काए  
 सव्वसुहुमताराए ३, एयस्म ण भते ! पुढविकादयस्म आउक्कादयस्म कयरे काए  
 सव्वसुहुमे कयरे काए मव्वसुहुमताराए ? गोयमा ! आउक्काए सव्वसुहुमे आउक्काए  
 सव्वसुहुमताराए ४ ॥ एयस्म ण भते ! पुढविकादयस्म आउक्कादयस्म तेउक्कादयस्म  
 वाउक्कादयस्म वगस्मउक्कादयस्म कयरे काए मव्वनादरे कयरे काए सव्वनादरत-  
 राए ? गोयमा ! वणस्सउक्कादए सव्वनादरे वगस्मउक्कादए सव्वनादरतराए १, एयस्म  
 ण भते ! पुढविकादयस्म आउक्कादयस्म तेउक्कादयस्म वाउक्कादयस्म कयरे काए  
 सव्वनादरे कयरे काए सव्वनादरतराए ? गोयमा ! पुढविकाए मव्वनादरे पुढविकाए  
 सव्वनादरतराए २, एयस्म ण भते ! आउक्कादयस्म तेउक्कादयस्म वाउक्कादयस्म  
 कयरे काए सव्वनादरे कयरे काए मव्वनादरतराए ? गोयमा ! आउक्काए सव्वनादरे  
 आउक्काए सव्वनादरतराए ३, एयस्म ण भते ! तेउक्कादयस्म वाउक्कादयस्म कयरे  
 काए सव्वनादरे कयरे काए सव्वनादरतराए ? गोयमा ! तेउक्काए सव्वनादरे तेउक्काए  
 सव्वनादरतराए ४ ॥ केमहालए ण भते ! पुढविसरीरे पप्पत्ते ? गोयमा ! अणताणं  
 सुहुमवणस्सउक्कादयाण जावइया सरीरा से एगे सुहुमवाउसरीरे, असंखेज्जाण सुहुम-  
 वाउसरीराण जावइया सरीरा से एगे सुहुमतेउसरीरे, असंखेज्जाण सुहुमतेउक्कादय-  
 सरीराण जावइया सरीरा से एगे सुहुमआउसरीरे, असंखेज्जाण सुहुमआउक्कादय-  
 सरीराण जावइया सरीरा से एगे सुहुमपुढविसरीरे, असंखेज्जाण सुहुमपुढविकादय-  
 सरीराण जावइया सरीरा से एगे वायरवाउसरीरे, असंखेज्जाण वायरवाउक्कादयाण  
 जावइया सरीरा से एगे वायरतेउसरीरे, असंखेज्जाण वायरतेउक्कादयाण जावइया  
 सरीरा से एगे वायरआउसरीरे, असंखेज्जाण वायरआउक्कादयाण जावइया सरीरा



अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? णो इण्ठे समट्ठे ८, सिय भते । नेरइया अप्पासवा  
 महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? नो इण्ठे समट्ठे ९, सिय भते । नेरइया  
 अप्पासवा महाकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? नो इण्ठे समट्ठे १०, सिय भते ।  
 नेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? नो इण्ठे समट्ठे ११,  
 सिय भते । नेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? णो इण्ठे  
 समट्ठे १२, सिय भते । नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ?  
 नो इण्ठे समट्ठे १३, सिय भते । नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा  
 अप्पनिज्जरा ? नो इण्ठे समट्ठे १४, सिय भते । नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया  
 अप्पवेयणा महानिज्जरा ? नो इण्ठे समट्ठे १५, सिय भते । नेरइया अप्पासवा  
 अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? णो इण्ठे समट्ठे १६, एए सोत्तम भंगा ।  
 सिय भते । असुरकुमारा महासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? णो  
 इण्ठे समट्ठे, एवं चउत्थो भगो भाणियच्चो, सेसा पजरस भगा खोटेयच्चा, एव  
 जाव यणियकुमारा, सिय भते । पुढविकाइया महासवा महाकिरिया महावेयणा  
 महानिज्जरा ? हता सिया, एवं जाव सिय भते । पुढविकाइया अप्पासवा अप्पकिरिया  
 अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? हता सिया, एवं जाव मणुस्ता, वाणमतर्जोइसिय-  
 वेमाणिया जहा असुरकुमारा, सेव भते । सेव भते । ति ॥ ६५३ ॥ ण्गूणवी  
 सइमस्स सयस्स चउत्थो उहेसो समत्तो ॥

अत्थि ण भते । चरिमावि नेरइया परमावि नेरइया ? हता अत्थि, से नूण भते ।  
 चरिमेहिंतो नेरइएहिंतो परमा नेरइया महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव  
 महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव, परमेहिंतो वा नेरइएहिंतो चरमा नेरइया  
 अप्पकम्मतराए चेव अप्पकिरियतराए चेव अप्पासवतराए चेव अप्पवेयणतराए  
 चेव ? हता गोयमा ! चरमेहिंतो नेरइएहिंतो परमा जाव महावेयणतराए चेव,  
 परमेहिंतो नेरइएहिंतो चरमा नेरइया जाव अप्पवेयणतरा चेव, से केणट्ठेग भते । एव  
 बुच्चइ जाव अप्पवेयणतरा चेव ? गोयमा ! ठिइ पडुच्च, से तेणट्ठेग गोयमा ! एवं  
 बुच्चइ जाव अप्पवेयणतरा चेव । अत्थि ण भते । चरमावि असुरकुमारा परमावि  
 असुरकुमारा ? एव चेव, नवरं विवरीय भाणियच्चं, परमा अप्पकम्मा, चरमा  
 महाकम्मा, सेस त चेव जाव यणियकुमारा ताव एवमेव, पुढविकाइया जाव  
 मणुस्ता एए जहा नेरइया, वाणमतर्जोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ ६५४ ॥  
 कइविहा ण भते । वेयणा प० ? गोयमा । दुविहा वेयणा प०, तं०-निदा य अनिदा  
 य । नेरइया ण भते । किं निदार्यं वेयण वेदंति अनिदाय वेयण वेदंति ? जहा पन्न-

से एनो बामरपुडमिसरीरे एम्माळपु के गोयमा । पुडमिसरीरे पञ्चते ॥ १५१ ॥  
 पुडमिसरमस्स के मंते । बम्माळमिवा सरीरोमाहवा प । गोयमा । से बहानामए  
 रओ चातरंरवडवडिरस बजयपेठिवा तवनी बजयं जुगलं सुवाणी अप्पायंन  
 बजमो बाव निडवठिण्णोवगया मवरं बम्मेळुगुहममुट्टियसमाहवमिनिवगताकावा न  
 मन्नाइ सेठं तं बव बाव निडवठिण्णोवगया ठिक्काए वडमईए सन्धवरणीए  
 तिनवेवं वडमएणं वडमएणं एवं मई पुडमिचइवं अठमोम्मसमानं गाहव पडि  
 साहमिव २ पडिसेविलिय १ बाव इयामेवठिक्कु तिवतव्वतो कप्पीसेजा तत्व के  
 गोयना । अत्तेयव्वा पुडमिवाइया आळिवा अत्तेयव्वा पुडमिवाइया गो आळिवा  
 अत्तेयव्वा संवडि(डि)वा अत्तेयव्वा गो संवडि(डि)वा अत्तेयव्वा परिवाविवा  
 अत्तेयव्वा गो परिवाविवा अत्तेयव्वा उळमिवा अत्तेयव्वा गो उळमिवा अत्तेयव्वा  
 पिड्डा अत्तेयव्वा गो पिड्डा पुडमिवाइयस्स के गोयमा । एम्माळमिवा सरीरोमाहवा  
 प ॥ पुडमिचइए के मंते । अळ्ळेते समाये कैरिठियं वैकलं पञ्चपुम्मवमामे निह  
 रइ । गोयमा । से बहानामए-वैए पुरिसे तस्ये बजयं बाव निडवठिण्णोवपए एवं  
 पुरिसें जुवं अठवजरेववेवं बाव इण्णलं निळवं वमत्तयामिवा मुळमंति अमिह  
 मिजा, से न गोयमा । पुरिसे तेनं पुरिसेवं वमत्तयामिवा मुळमंति अमिहए समाये  
 कैरिठियं वैकलं पञ्चपुम्मवमामे निहरइ । अमिहं सपवाउळ्ळे । तस्स के गोयमा ।  
 पुरिसेस्स वैववाहंतो पुडमिचइए अळ्ळेत समाये एवो अमिपुठारेवं वेव अळ्ळेततरिं  
 वेव बाव अमवामतरिं वेव वैकलं पञ्चपुम्मवमामे निहरइ । अमवामए के मंते ।  
 संवडिए समाये कैरिठियं वैकलं पञ्चपुम्मवमामे निहरइ । गोयमा । बहा पुडमिचइए  
 एवं आउमएणि एवं तउमएणि एवं वातमएणि एवं वमत्तयमएणि बाव निहरइ,  
 सेवं मंते । १ ति ॥ १५१ ॥ पण्णवीसहमे सय तहवो उहेसो समचो ॥

सिख मंत । मरुत्ता महासवा महाकिरिवा महावैकवा महानिजरा । गोयमा ।  
 वो इमडे समडे १ सिख मंते । मेरुत्ता महासवा महाकिरिवा महावैकवा अप्प-  
 निजरा । ईता थिया १ सिख मंते । मेरुत्ता महासवा महाकिरिवा अप्पवैकवा  
 महानिजरा । गोयमा । वो इमडे समडे २ सिख मंते । मेरुत्ता महासवा महा-  
 किरिवा अप्पवैकवा अप्पनिजरा । गोयमा । वो इमडे समडे ४ सिख मंते ।  
 मेरुत्ता महासवा अप्पकिरिवा महावैकवा महानिजरा । गोयमा । वो इमडे समडे  
 ५, सिख मंते । मेरुत्ता महासवा अप्पकिरिवा महावैकवा अप्पनिजरा । गोयमा ।  
 वो इमडे समडे ६ सिख मंते । मेरुत्ता महासवा अप्पकिरिवा अप्पवैकवा  
 महानिजरा । वो इमडे समडे ७ सिख मंते । मेरुत्ता महासवा अप्पकिरिवा

अष्टविहा कम्मनिव्वत्ती प०, तं०-नाणावरणिज्जकम्मनिव्वत्ती जाव अतराज्यक-  
 म्मनिव्वत्ती, नेरइयाण भते । कइविहा कम्मनिव्वत्ती प० ? गोयमा । अष्टविहा  
 कम्मनिव्वत्ती प०, तं०-नाणावरणिज्जकम्मनिव्वत्ती जाव अतराज्यकम्मनिव्वत्ती,  
 एवं जाव वेमाणियाण । कइविहा ण भते । मरीरनिव्वत्ती प० ? गोयमा । पंच  
 विहा मरीरनिव्वत्ती प०, तं०-ओरालियमरीरनिव्वत्ती जाव कम्ममरीरनिव्वत्ती ।  
 नेरइयाण भते । एवं चेव, एव जाव वेमाणियाण, नवरं नाचव्व जस्म जइ मरी-  
 राणि । कइविहा ण भते । सव्विदियनिव्वत्ती प० ? गोयमा । पंचविहा सव्वि-  
 दियनिव्वत्ती प०, तं०-गोइदियनिव्वत्ती जाव फागिंदियनिव्वत्ती, एवं (जाव) नेरइया  
 जाव थणियकुमारारणं, पुढविहाइयाण पुच्छा, गोयमा । एगा फागिंदियनिव्वत्ती  
 प०, एव जस्म जइ इदियाणि जाव वेमाणियाण । कइविहा ण भते । भागानि-  
 व्वत्ती प० ? गोयमा । चउव्विहा भासानिव्वत्ती प०, तं०-मगाभामानिव्वत्ती,  
 मोसाभासानिव्वत्ती, सधामोसभासानिव्वत्ती, असयामोगभासानिव्वत्ती, एव एगिं-  
 दियवज्जं जस्स जा भासा जाव वेमाणियाण, कइविहा ण भते । मणनिव्वत्ती प० ?  
 गोयमा । चउव्विहा मणनिव्वत्ती प०, तं०-राचमणनिव्वत्ती जाव अगच्चाभोरम-  
 णनिव्वत्ती, एव एगिंदियविगल्लिंदियवज्ज जाव वेमाणियाण । कइविहा ण भते ।  
 कसायनिव्वत्ती प० ? गोयमा । चउव्विहा कसायनिव्वत्ती प०, तं०-कोहकसाय-  
 निव्वत्ती जाव लोभकसायनिव्वत्ती, एव जाव वेमाणियाण । कइविहा ण भते ।  
 वज्जननिव्वत्ती प० ? गोयमा । पंचविहा वज्जननिव्वत्ती प०, तं०-काल्पवज्जननिव्वत्ती  
 जाव सुक्किल्लवज्जननिव्वत्ती, एव निरयसेस जाव वेमाणियाण, एवं गधनिव्वत्ती दुविहा  
 जाव वेमाणियाण, रसनिव्वत्ती पंचविहा जाव वेमाणियाण, फासनिव्वत्ती अष्टविहा  
 जाव वेमाणियाण । कइविहा ण भते । सठाणनिव्वत्ती प० ? गोयमा । छव्विहा  
 सठाणनिव्वत्ती प०, तं०-समचउरंससठाणनिव्वत्ती जाव हुडसठाणनिव्वत्ती, नेर-  
 इयाण पुच्छा, गोयमा । एगा हुडसठाणनिव्वत्ती प०, असुरकुमारण पुच्छा,  
 गोयमा । एगा समचउरंससठाणनिव्वत्ती प०, एव जाव थणियकुमारारणं, पुढवि-  
 हाइयाण पुच्छा, गोयमा । एगा मसूरचदसठाणनिव्वत्ती प०, एव जस्म जं सठाणं  
 जाव वेमाणियाण, कइविहा ण भते । सन्नानिव्वत्ती प० ? गोयमा । चउव्विहा  
 सन्ना निव्वत्ती प०, तं०-आहारसन्नानिव्वत्ती जाव परिग्गहसन्नानिव्वत्ती, एव जाव  
 वेमाणियाण, कइविहा ण भते । लेस्सानिव्वत्ती प० ? गोयमा । छव्विहा लेस्सा-  
 निव्वत्ती प०, तं०-कण्हलेस्सानिव्वत्ती जाव सुक्कलेस्सानिव्वत्ती, एव जाव वेमाणि-  
 याण जस्स जइ लेस्साओ तस्स तत्तिथा भाणियव्वा । कइविहा ण भते । दिट्ठिनिव्वत्ती

व्याप् बाव वेमाविबति । सेवं मते । सेवं मति । ति ॥ १५५ ॥ एगूणबीसह-  
मस्त सयस्त पंचमो ढोहो सो समस्तो ॥

कहिं भं मते । वीचस्युहा केवहा न मते । वीचस्युहा किरंठिवा न मते ।  
वीचस्युहा । एवं कहा बीचामियमे वीचस्युहोसे सो वेव इमि ओइठिक्मंति  
सोहगावमे मामिम्यो बाव परिकामो बीचउवामो बाव अमंतहोते सेवं मते ।  
२ ति ॥ १५६ ॥ एगूणबीसहमस्त सयस्त ढोहो ढोहो सो समस्तो ॥

केवहा न मते । अउरुमारमक्कावात्तसकहस्ता प । योयमा । वउचहिं  
अउरुमारमक्कावात्तसकहस्ता प ते न मते । निमवा प । योयमा ।  
सम्बरयाममा अक्कम सक्का बाव पकिहवा तत्त वं कहने बीवा न योयमा न  
कहंति निक्कमंति चरंति कववअंति सत्तवा न ते मक्का इक्कउवाए, वउचहिं  
बाव पउचहिंवेहिं अउरुमार एव बाव वमिक्कमारवात्ता केवहा न मते ।  
वाक्कमंतरमोमेअववउचसकहस्ता प । योयमा । अउरुमार वाक्कमंतरमो  
अववउचसकहस्ता प ते न मते । निमवा प । सेवं तं वेव केवहा न  
मते । ओइठिक्मिमावात्तसकहस्ता पुक्का योयमा । अउरुमार ओइठिक्-  
मिमावात्तसकहस्ता व ते न मते । निमवा प । योयमा । सम्बरयाममा  
मवा अक्कम सेवं तं नव, सोहम्ये न मते । कप्ये केवहा मिमावात्तसकहस्ता  
प । योयमा । वटीवे मिमावात्तसकहस्ता प ते न मते । निमवा प ।  
योयमा । सम्बरयाममा अक्कम सेवं तं वेव एवं बाव अउरुमारमा नवरं  
आमिमवा कत्त अतिमा मक्का मिमावा वा । सेवं मते । १ ति ॥ १५७ ॥  
एगूणबीसहमस्त सयस्त सत्तमो ढोहो सो समस्तो ॥

कहिं न मते । वीचमिक्कटी प । योयमा । पंचमिहा वीचमिक्कटी प  
तं—एगिठिक्कमिक्कटी बाव पंठिठिक्कमिक्कटी, एगिठिक्कमिक्कटी न मते ।  
कहिं न मते । योयमा । पंचमिहा प तं—पुठिठिक्कमिक्कटी बाव  
मक्कहवाइएगिठिक्कमिक्कटी पुठिठिक्कमिक्कटी न मते । कहिं  
न मते । योयमा । पुठिठिक्कमिक्कटी प तं—एगिठिक्कमिक्कटी बाव  
एगिठिक्कमिक्कटी न मते । योयमा । पुठिठिक्कमिक्कटी प तं—पउचहिं  
वउचहिंवेहिं अउरुमार एव बाव वमिक्कमारवात्ता केवहा न मते ।  
ओइठिक्कमिमावात्तसकहस्ता पुक्का योयमा । अउरुमार ओइठिक्क-  
मिमावात्तसकहस्ता व ते न मते । निमवा प । योयमा । सम्बरयाममा  
मवा अक्कम सेवं तं नव, सोहम्ये न मते । कप्ये केवहा मिमावात्तसकहस्ता  
प । योयमा । वटीवे मिमावात्तसकहस्ता प ते न मते । निमवा प ।  
योयमा । सम्बरयाममा अक्कम सेवं तं वेव एवं बाव अउरुमारमा नवरं  
आमिमवा कत्त अतिमा मक्का मिमावा वा । सेवं मते । १ ति ॥ १५७ ॥  
एगूणबीसहमस्त सयस्त सत्तमो ढोहो सो समस्तो ॥



रसकरणे, फासकरणे, सठाणकरणे, वज्रकरणे ण भते । रुइविहे प० २ गोयमा ! पचविहे प०, तजहा-कालवज्रकरणे जाव मुक्खिवज्रकरणे, एव भेटो, गधकरणे दुविहे, रसकरणे पचविहे, फासकरणे अट्टविहे, सठाणकरणे ण भते । कइविहे प० २ गोयमा ! पचविहे प०, तजहा-परिमडलसठाणकरणे जाव आययसठाणकरणे, सेव भते । सेव भते । ति जाव विहरइ ॥ ६५९ ॥ एगूणवीसइमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो ॥

वाणमताराण भंते । सव्वे समाहारा एव जहा सोलसमसए वीवकुमारुद्देमए जाव अप्पिद्धियत्ति, सेव भते । २ ति ॥ ६६० ॥ एगूणवीसइमे सए दसमो उद्देसो समत्तो ॥ एगूणवीसइमं सयं समत्त ॥ १९ ॥

वेइदिय १ मागासे २ पाणवहे ३ उवचए ४ य परमाणू ५ । अतर ६ वधे ७ भूमी ८ चारण ९ सोवधमा जीवा १० ॥ १॥ रायगिहे जाव एव वयासी-सिय भते । जाव चत्तारि पच वेइदिया एगयओ साहारणसरीर वधति २ ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेति वा सरीरं वा वधति ? णो इणट्ठे समट्ठे, वेइदिया ण पत्तेयाहारा पत्तेयपरिणामा पत्तेयसरीरं वधति प० २ ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेति वा सरीरं वा वधति, तेसि ण भंते । जीवाण कइ लेस्साओ प० १ गोयमा ! तओ लेस्साओ प०, त०-कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा, एव जहा एगूणवीसइमे सए तेउकाइयाण जाव उव्वट्ठति, नवर सम्महिट्ठीवि मिच्छदिट्ठीवि, नो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो नाणा दो अन्नाणा नियम, नो मणजोगी, वइजोगीवि कायजोगीवि, आहारो नियम छइसिं, तेसि ण भंते । जीवाण एव सन्नाइ वा पन्नाइ वा मणेइ वा वईइ वा अम्हे ण इट्ठाणिट्ठे रसे इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसवेदेमो ? णो इणट्ठे समट्ठे, पडिसवेदेति पुण ते, ठिई जहजेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण वारस-संवच्छराइं, सेस त चेव, एव तेइदिया(ण)वि, एव चउरिंदियावि, नाणत्त इदिएउ ठिईए य सेस त चेव ठिई जहा पन्नवणाए । सिय भते ! जाव चत्तारि पच पचिंदिया एगयओ साहारणसरीरं एव जहा वेइदियाण नवर छलेस्साओ, दिट्ठी तिविहावि, चत्तारि नाणा, तिज्जि अन्नाणा भयणाए, तिविहा जोगा, तेसि ण भते । जीवाण एव सन्नाइ वा पन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे ण आहारमाहारेमो ? गोयमा ! अत्थेगइयाण एव सन्नाइ वा पन्नाइ वा मणेइ वा वईइ वा अम्हे ण आहारमाहारेमो, अत्थेगइयाण नो एव सन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे ण आहारमाहारेमो, आहारेंति पुण ते, तेसि ण भते ! जीवाण एव सन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे ण इट्ठाणिट्ठे सहे, इट्ठाणिट्ठे रुवे, इट्ठाणिट्ठे गधे, इट्ठाणिट्ठे रसे, इट्ठाणिट्ठे फासे पडिस-

प १ योयमा । तिभिहा तिष्ठिमिन्वती प तंवहा-सम्मातिष्ठिमिन्वती, मिन्वतिष्ठिमिन्वती सम्मामिच्छमिष्ठिमिन्वती एवं वाच केमामिन्वती अस्स जइमिहा तिष्ठी । अइमिहा नं भंति । अत्तमिन्वती पञ्चत्थ १ गोयमा । पंचमिहा ज्ञानमिन्वती प तं-आमिन्विरोहिदवापमिन्वती वाच केवज्जनाममिन्वती एवं एमिन्विदवज्जं वाच केमामिन्वती अस्स जइ ज्ञानमार्त्तं । अइमिहा नं भंति । ज्ञानममिन्वती प १ गोयमा । तिभिहा ज्ञानममिन्वती प तं-सुखमज्ञानमिन्वती, सुखमज्ञानमिन्वती निर्ममज्ञानमिन्वती एवं अस्स जइ ज्ञानात्ता वाच केमामिन्वती । अइमिहा नं भंति । ज्ञेयमिन्वती प १ योयमा । तिभिहा ज्ञेयमिन्वती प तं-सुखज्ञेयमिन्वती अइमिहा नं भंति । ज्ञेयज्ञेयमिन्वती एवं ज्ञान केमामिन्वती अस्स जइमिहा ज्ञेयमिहा । अइमिहा नं भंति । ज्ञेयज्ञेयमिन्वती प १ गोयमा । इतिहा ज्ञेयज्ञेयमिन्वती प तं-ज्ञानज्ञेयज्ञेयमिन्वती ज्ञानज्ञेयज्ञेयमिन्वती एवं वाच केमामिन्वती एकाहपाहु-बीवाचं मिन्वती अस्सप्पत्तये सरीरमिन्वती । अमिन्विदमिन्वती भासा न मये कथावा प ११॥ कथे गये रते पत्ते संवत्तमिहा नं ज्ञेयं बोद्धव्यं । केत्ता तिष्ठी वाचे ज्ञेयं ज्ञेयं ज्ञेयं प ११॥ एवं भंते । ति ११५ ॥ पण्डितवीसदमस्स सयस्स अह्मो ज्ञेयो समतो ॥

अइमिहे नं भंते । करणे पण्यते १ योयमा । पंचमिहे करणे पण्यते तंवहा-अण्णकरणे अण्णकरणे अण्णकरणे अण्णकरणे नेत्तवार्त्तं भंते । अइमिहे करणे प १ योयमा । पंचमिहे करणे प तं-अण्णकरणे वाच माण्णकरणे एवं वाच केमामिन्वती अइमिहे नं भंते । सरीरकरणे प १ योयमा । पंचमिहे सरीरकरणे पञ्चत्थ तंवहा-अण्णमिन्वतीकरणे वाच अण्णमिन्वतीकरणे एवं वाच केमामिन्वती अस्स जइ सरीरमि । अइमिहे नं भंते । इत्थिक्करणे प १ योयमा । पंचमिहे इत्थिक्करणे प तंवहा-अण्णमिन्वतीकरणे वाच अण्णमिन्वतीकरणे एवं वाच केमामिन्वती अस्स जइ इत्थिक्करणे, एवं एण्णं कमेयं गात्ताकरणे अण्णमिहे, मण्णकरणे अण्णमिहे, कथावाकरणे अण्णमिहे, सुगुणवाकरणे अण्णमिहे, सण्णकरणे अण्णमिहे, केत्ताकरणे अण्णमिहे, तिष्ठिक्करणे तिष्ठिक्करणे, वेवक्करणे तिष्ठिक्करणे पञ्चत्थ तंवहा-अण्णमिहे करणे पुत्तिवक्करणे अण्णमिहेकरणे एण्णं ज्ञेयमिन्वतीकरणे वाच केमामिन्वती अस्स नं भंति तं तस्स अण्णं माण्णमिन्वती । अइमिहे नं भंते । पाणाण्णमिहे प १ योयमा । पंचमिहे पाणाण्णमिहे प तं-एण्णमिन्वतीपाणाण्णमिहे एवं पंचमिन्वतीपाणाण्णमिहे एवं मिरवसेणं वाच केमामिन्वती । अइमिहे नं भंते । योयमाकरणे प १ योयमा । पंचमिहे योयमाकरणे प तं-अण्णकरणे पंचकरणे,

वा (४) चेइस्सामो एयप्पगारं णिग्घोस सोच्चा णिसम्म तहप्पगारं असण वा (४) अफासुय अणेसणिज्ज लाभे सते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१६ ॥ से भिक्खु वा (२) जाव समाणे वसमाणे वा गामाणुगाम दइज्जमाणे से जं पुण जाणिज्जा, गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमसि खलु गामसि वा जाव रायहाणिंसि वा सतेगइयस्स भिक्खुस्स पुरे सथुया वा पच्छासथुया वा परिवसति, तज्जहा-गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा तहप्पगाराइ कुलाइं णो पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, केवली बूया, 'आयाणमेय' । पुरा पेहाए तस्स परो अट्ठाए असण वा (४) उवकरेज्ज वा, उवक्खडेज्ज वा, अह भिक्खुं पुव्वोवदिट्ठा (४) जं णो तहप्पगाराइ कुलाइं पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा । से तमायाय एतंमवक्कमिज्जा अणावायमसलोए चिट्ठेज्जा, से तत्थ काळेणं अणुपवि सिज्जा (२) तत्थियरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसिय पिंढवायं एसित्ता आहार आहारिज्जा ॥ ६१७ ॥ सिया से परो कालेण अणुपविट्ठस्स आहाकम्मियं असण वा (४) उवकरेज्ज वा उवक्खडेज्ज वा, तं चेगइओ तूसणीओ उवेहेज्जा, 'आहइमेव पच्चाइक्खिस्सामि' माइट्ठाण सफासे, णो एवं करेज्जा, से पुव्वामेव आलोएज्जा 'आउसो ति वा मगिणि ति वा, णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मिय असणं वा (४) भोत्तए वा पायए वा । मा उवकरेहि, मा उवक्खडेहि, से सेव वयतस्स परो आहाकम्मिय असणं वा (४) उवक्खडावित्ता आइट्ठु दलएज्जा, तहप्पगारं असण वा (४) अफासुय लाभे सते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१८ ॥ से भिक्खु वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असण वा ४ आएसाए उवक्खडिज्जमाण पेहाए णो खड्दं उवसकमित्तु ओभासेज्जा णनत्य गिलाणणीसाए ॥ ६१९ ॥ से भिक्खु वा जाव समाणे अण्णतरं भोयणजायं पडिगाहिता सुब्बिं सुब्बिं भोच्चा दुब्बिं दुब्बिं परिट्ठेवेइ, माइट्ठाणं सफासे, णो एवं करेज्जा, सुब्बिं वा दुब्बिं वा सव्वं भुंजे न छट्ठए ॥ ६२० ॥ से भिक्खु वा (२) जाव समाणे अण्णतरं वा पाणयजायं पडिगाहिता पुप्फं २ आसाइत्ता कसायं २ परिट्ठेवेइ, माइट्ठाण सफासे णो एवं करिज्जा, पुप्फं पुप्फेति वा कसायं कसाएति वा सव्वमेयं भुंजिज्जा णो किंविधि परिट्ठेवेज्जा ॥ ६२१ ॥ से भिक्खु वा (२) बहुपरियावणं भोयणजायं पडिगाहिता बहवे साहम्मिया तत्थ वसति संभोइया, समणुण्णा अपरिहारिया, अवूरगया तेसिं अणालोइया अणा-मतिय परिट्ठेवेइ, माइट्ठाणं सफासे णो एवं करेज्जा से तमादाय तत्थ गच्छेज्जा (२) से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसतो समणा इमे मे असण वा (४) बहुपरियावणो, त मुजह च णं" से सेव वयंतं परो वएज्जा "आउसतो समणा आहारमेय असणं वा



ગોયમા ! અળેગા અભિવયગા ૫૦, ત૦-અગ્નિદેવા અધર્મતિગાણ્ડ વા પાણ્ડ-  
 ચાણ્ડ વા જાવ મિચ્છાદમણગણેદ વા શ્રમિયાઅગ્નિદેવા જાવ ઉગરપાસવગ  
 જાવ પારિટ્ટાપિયાઅસમિદેદ વા નળઅગ્નિદેવા વા અગ્નિદેવા વા નાયઅગ્નિદેવા  
 જે યાવજે તદ્દપ્પગારા સવ્વે તે અધર્મતિગાણ્ડ અભિવયગા, આગામિતિગાણ્ડ  
 ણ પુચ્છા, ગોયમા ! અળેગા અભિવયગા ૫૦, ત૦-આગાણ્ડ વા આગામિતિગાણ્ડ  
 વા ગગણેદ વા નગેદ વા સગેદ વા વિગેદ વા ગગેદ વા ગિદેદ વા વીદેદ વા  
 વિવરેદ વા અવરેદ વા અવરસેદ વા ટિદેદ વા છુસિરેદ વા મગેદ વા વિમુદ્દેદ વા  
 અ(ટ્ટિ)દેદ વા નિય(દિ)દેદ વા આધારેદ વા યોનેદ વા નાયણેદ વા અતિગિદેદ વા મામેદ  
 વા ઉવાસંતરેદ વા અગ્ગેદ વા અગ્નિદેદ વા અળેદ વા જે યાવજે તદ્દપ્પગારા મધ્વે  
 તે આગામિતિગાણ્ડ અભિવયગા ૫૦ । જીવતિગાણ્ડ ણ મતે । કેવલ્લગા અભિવયગા  
 ૫૦ ? ગોયમા ! અળેગા અભિવયગા ૫૦, ત૦-જીવેદ વા જીવતિગાણ્ડ વા પાણેદ  
 વા ભૂણેદ વા સત્તેદ વા વિસૂદ વા ચેયાદ વા જેયાદ વા આયાદ વા રંગેદ વા  
 હિંદુણેદ વા પોગ્ગલેદ વા માણવેદ વા કતાદ વા વિકતાદ વા જણ્ડ વા જત્તદ વા  
 જોળીદ વા મયભૂદ વા સસગીરીદ વા નાયણ્ડ વા અનરણ્ડ વા જે યાવજે તદ્દપ્પ-  
 ગારા સવ્વે તે જીવઅભિવયગા ૫૦ । પોગ્ગલતિગાણ્ડ ણ મતે । પુચ્છા, ગોયમા !  
 અળેગા અભિવયગા ૫૦, ત૦-પોગ્ગલેદ વા પોગ્ગલતિગાણ્ડ વા પગ્માણુપોગ્ગલેદ  
 વા દુપણ્ણિદ વા તિપણ્ણિદ વા જાવ અસચ્ચેજ્જપણ્ણિદ વા અગતપણ્ણિદ વા  
 ( રાંધે ) જે યાવજે તદ્દપ્પગારા સવ્વે તે પોગ્ગલતિગાણ્ડ અભિવયગા ૫૦ । સેવ  
 મતે । ૨ તિ ॥ ૬૬૩ ॥ વીસદ્દમસ્સ સયસ્સ વીઓ ઉદ્દેસો સમત્તો ॥

અહ મતે ! પાણાહવાણ મુસાવાણ જાવ મિચ્છાદમણગણે, પાણાહવાયનેરમણે જાવ  
 મિચ્છાદસણસણવિવેગે, ઉપ્પતિયા જાવ પારિણમિયા, ઉગ્ગહે જાવ ધારણા, ઉટ્ટાણે  
 કમ્મે વલે વીરિણ પુરિસધારપરકમ્મે, નેરદ્વયત્તે અમુરકુમારત્તે જાવ વેમાણિયત્તે, નાણા-  
 વરણિજે જાવ અતરાદ્દ, કણ્ઠલેસ્સા જાવ સુપ્પલેસ્સા, સમ્મહિટ્ઠી ૩, ચક્કવુડસણે ૪,  
 આભિણિવોહિયણાણે જાવ વિમગ્ગનાણે, આહારસન્ના ૮, ઓરાલિયસરીરે ૫, મળજોગે  
 ૩, સાગારોવઓગે અણાગારોવઓગે જે યાવજે તદ્દપ્પગારા સવ્વે તે ણણત્ય આયાણ  
 પરિણમતિ ? હતા ગોયમા ! પાણાહવાણ જાવ સવ્વે તે ણણત્ય આયાણ પરિણમતિ  
 ॥ ૬૬૪ ॥ જીવે ણ મતે ! ગમ્મ વક્કમમાણે કડ્ઢવં કડ્ઢવં એવ જહા વારસમણ  
 પચમુદ્દેસણ જાવ કમ્મઓ ણ જણ ણો અકમ્મઓ વિમત્તિમાવં પરિણમદ્દ । સેવ મતે !  
 ૨ તિ જાવ વિહરદ્દ ॥ ૬૬૫ ॥ વીસદ્દમે સણ તદ્દઓ ઉદ્દેસો સમત્તો ॥

કહ્વિદ્દે ણ મતે ! હિદિયડવચણ પજ્જતે ? ગોયમા ! પચવિદ્દે હિદિયડવચણ ૫૦,

त-छेदितमवयवम् एवं निह्नो ह्यित्यनेस्यो निरवसेसी मायिकस्यो अहा पञ्च  
 वाप । सेव मति । सेव मति । ति मयव गोममे जाव निहर ॥ ५५५ ॥  
 बीसहमस्त सयस्तु अठस्यो अहेसा समसो ॥

परमाप्तुप्रेम्येवं वं मति । अहमे अहमे अहमे अहमे पञ्चते । योम्या ।  
 एवावे एवावे एवावे एवावे पञ्चते । तमहा-अह एवावे सिय अहमे सिय नौकम्  
 सिय कोहिए सिय हाकिए सिय छत्रिए, अह एवावे सिय छत्रिए सिय बुम्मि-  
 यवे अह एवावे सिय सिते सिय अहमे सिय कयाए सिय अविने सिय अहमे अह  
 बुम्मते सिय सीए व निहे व १ सिय सीए व अहमे व २ सिय उचिते व निहे  
 व ३ सिय उचिते व अहमे व ४ ॥ बुम्मिए वं मति । एवे अहमे । एवं अहा  
 अहमेसमसए अहमेसए जाव सिय अठस्ये पञ्चते । अह एवावे सिय अहमे जाव  
 सिय छत्रिए, अह बुम्मे सिय कालए व नीकए व १ सिय अहमे व अहमे व २,  
 सिय अहमे व हाकिए व ३ सिय अहमे व छत्रिए व ४ सिय नीकए व अहमे व  
 व ५, सिय नीकए व हाकिए व ६ सिय नीकए व छत्रिए व ७ सिय अहमे व  
 हाकिए व ८ सिय अहमे व छत्रिए व ९, सिय हाकिए व छत्रिए व १ । एवं  
 एव बुम्मतेममे अह मया । अह एवावे सिय छत्रिए सिय बुम्मते । अह  
 बुम्मे छत्रिए व बुम्मते व उचिते अहा अहेस, अह बुम्मते सिय सीए व  
 निहे व एवं अहेस परमाप्तुप्रेम्येवं ४ अह उचिते छत्रिए सीए वेसे निहे वेसे अहमे  
 १ छत्रिए उचिते वेसे निहे वेसे अहमे २ छत्रिए निहे वेसे सीए वेसे उचिते ३ छत्रिए  
 अहमे वेसे सीए वेसे उचिते ४ अह अठस्ये वेसे सीए वेसे उचिते वेसे निहे वेसे  
 अहमे १ एव अह मया अहेस ॥ उचितिए वं मति । एवे अहमे अहा अहमे  
 समसए अहमेसए जाव अठस्ये व अह एवावे सिय अहमे जाव छत्रिए ५, अह  
 बुम्मे सिय अहमे व सिय नीकए व १ सिय अहमे व नीकए व २ सिय अहमे  
 व नीकए व ३, सिय अहमे व अहमे व १ सिय अहमे व अहमे व २ सिय  
 अहमे व अहमे व ३ एवं हाकिएवमि सम मया १, एवं छत्रिएवमि सम ३  
 सिय नीकए व अहमे व एवावे मया १, एवं हाकिएवमि सम मया २, एवं  
 छत्रिएवमि सम मया ३ सिय अहमे व हाकिए व मया १, एवं छत्रिएवमि सम  
 मया ३ सिय हाकिए व छत्रिए व मया ३ एवं अहमेस अह बुम्मतेममे मया  
 सीए मयति, अह उचिते सिय अहमे व नीकए व अहमे व १ सिय अहमे व  
 नीकए व हाकिए व २ सिय अहमे व नीकए व छत्रिए व ३ सिय अहमे व  
 अहमे व हाकिए व ४ सिय अहमे व अहमे व छत्रिए व ५, सिय अहमे

य हालिद्दए य सुक्खिद्दए य ६, सिय नीलए य लोहियए य हालिद्दए य ७, सिय नीलए य लोहियए य सुक्खिद्दए य ८, सिय नीलए य हालिद्दए य सुक्खिद्दए य ९, सिय लोहियए य हालिद्दए य सुक्खिद्दए य १०, एव एए दस तियासजोगा । जइ एगगधे सिय सुब्बिगधे सिय दुब्बिगधे, जइ दुगधे सुब्बिगधे य दुब्बिगधे य भगा ३ । रसा जहा वना । जइ दुफासे सिय सीए य निद्धे य एव जहेव दुपएसियस्म तहेव चत्तारि भगा, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे सीए देसे निद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे सीए देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, सव्वे उत्तिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एत्थवि भगा तिज्जि ६, सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उत्तिणे भगा तिज्जि ९, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उत्तिणे भगा तिज्जि एव १२, जइ चउफासे देसे सीए देसे उत्तिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, देसे सीए देसे उत्तिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा २, देसे सीए देसे उत्तिणे देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, देसे सीए देसा उत्तिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे सीए देसा उत्तिणा देसे निद्धे देसा लुक्खा ५, देसे सीए देसा उत्तिणा देसा निद्धा देसे लुक्खे ६, देसा सीया देसे उत्तिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ७, देसा सीया देसे उत्तिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा ८, देसा सीया देसे उत्तिणे देसा निद्धा देसे लुक्खे ९, एव एए तिपएसिए फासेसु पणवीसं भगा ॥ चउप्पएसिए ण भते । खंधे कइवन्ने ० जहा अट्टारसमसए जाव सिय चउफासे पनत्ते, जइ एगवन्ने सिय कालए य जाव सुक्खिद्दए य ५, जइ दुवन्ने सिय कालए य नीलए य १, सिय कालए य नीलगा य २, सिय कालगा य नीलए य ३, सिय कालगा य नीलगा य ४, सिय कालए य लोहियए य एत्थवि चत्तारि भगा ४, सिय कालए य हालिद्दए य ४, सिय कालए य सुक्खिद्दए य ४, सिय नीलए य लोहियए य ४, सिय नीलए य हालिद्दए य ४, सिय नीलए य सुक्खिद्दए य ४, सिय लोहियए य हालिद्दए य ४, सिय लोहियए य सुक्खिद्दए य ४, सिय हालिद्दए य सुक्खिद्दए य ४, एव एए दस दुयासजोगा भगा पुण चत्तालीसं ४०, जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य २, सिय काल(ए)गा य नीलगा य लोहियए य ३, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य, एए ण चत्तारि भगा, एवं कालनीलहालिद्दएहिं भगा ४, कालनील-सुक्खिद्द ४, काललोहियहालिद्द ४, काललोहियसुक्खिद्द ४, कालहालिद्दसुक्खिद्द ४, नीललोहियहालिद्दगाण भगा ४, नीललोहियसुक्खिद्द ४, नीलहालिद्दसुक्खिद्द ४, लोहिय-हालिद्दसुक्खिद्दगाण भगा ४, एव एए दसतियासंजोगा एक्केक्के संजोए चत्तारि भंगा सव्वे ते चत्तालीसं भंगा ४०, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए

न १ सिव काकए न नीकए न कोद्वियए न हाकिरए न १ सिव काकए न नीकए न  
 हाकिरए न हाकिरए न २ सिव काकए न कोद्वियए न हाकिरए न हाकिरए न ४ सिव  
 नीकए न कोद्वियए न हाकिरए न हाकिरए न ५ एवमेव चठफरसेबीए पंच भंगा, एए  
 सन्धे गडफरसेबी एव एवमेव सिव सुधियमये सिव सुधियमये कइ सुगने सुधियमये  
 न सुधियमये न । एसा जहा बहा । कइ सुफरसेबीव परमापुपेम्पडे ४ कइ  
 सिफरसे सन्धे सीए देसे निदे देसे हुक्को १ सन्धे सीए देसे निदे देसा हुक्का १,  
 सन्धे सीए देसा निदा देसे हुक्को १ सन्धे सीए देसा निदा देसा हुक्का ४ सन्धे  
 सन्धे देसे निदे देसे हुक्को एव भंगा ४ सन्धे निदे देसे सीए देसे उठिने ४  
 सन्धे हुक्को देसे सीए देसे उठिने ४ एए सिफरसे सोकस भंगा कइ चठफरसे देसे  
 सीए देसे उठिने देसे निदे देसे हुक्को १ देसे सीए देसे उठिने देसे निदे देसा  
 हुक्का १ देसे सीए देसे उठिने देसा निदा देसे हुक्को १ देसे सीए देसे उठिने  
 देसा निदा देसा हुक्का ४ देसे सीए देसा उठिना देसे निदे देसे हुक्को ५ देसे  
 सीए देसा उठिना देसे निदे देसा हुक्का १, देसे सीए देसा उठिना देसा निदा  
 देसे हुक्को ७ देसे सीए देसा उठिना देसा निदा देसा हुक्का ८ देसा बीवा  
 देसे उठिने देसे निदे देसे हुक्को ९ एव एए चठफरसे सोकस भंगा माविकम्पा  
 जाव देसा बीवा देसा उठिना देसा निदा देसा हुक्का सन्धे एए फरेतु कट्टीय  
 भंगा १ पंचपएवि ए भं भं । कवि कवनसे कइ कइरसमए जाव सिव चठफरसे  
 ५ कइ एवमेव एवमेवकुवा कइव चठफरसे, कइ सिफरसे सिव काकए न नीकए  
 न कोद्वियए न १ सिव काकए न नीकए न कोद्वियए न २ सिव काकए न नीकए न  
 कोद्वियए न ३ सिव काकए न नीकए न कोद्वियए न ४ सिव काकए न नीकए न  
 कोद्वियए न ५ सिव काकए न नीकए न कोद्वियए न ६ सिव काकए न नीकए  
 न कोद्वियए न ७ सिव काकए न नीकए न हाकिरए न एवमेव सच भंगा ७ एव काक-  
 यनीकमहाकिरए सच भंगा ७ काकयनीकमहाकिरए ७ काकयनीकमहाकिरए ७  
 काकयनीकमहाकिरए ७ नीकयनीकमहाकिरए ७ नीकयनीकमहाकिरए सच भंगा  
 ७ नीकयनीकमहाकिरए ७ कोद्वियनीकमहाकिरए सच भंगा ७ एवमेव सिवा-  
 बीए सच भंगा कइ चठफरसे सिव काकए न नीकए न कोद्वियए न हाकिरए न  
 १ सिव काकए न नीकए न कोद्वियए न हाकिरए न २, सिव काकए न नीकए  
 न कोद्वियए न हाकिरए न ३ सिव काकए न नीकए न कोद्वियए न हाकिरए न  
 ४ सिव काकए न नीकए न कोद्वियए न हाकिरए न ५ एए पंच भंगा, सिव  
 काकए न नीकए न कोद्वियए न हाकिरए न एवमेव पंच भंगा, एव काकयनीक-



हालिद्दुष्टिः पञ्च भगा, कालगलोहियहालिद्दुष्टिः पञ्च भगा ५, नीलग-  
लोहियहालिद्दुष्टिः पञ्च भगा, एवमेव चउक्कगसजोएण पण्णस भगा, जइ पञ्च-  
चने कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किए य मव्वमेए एक्कगदुयगतिय-  
गचउक्कपचगसजोगेण डैयाल भगसय भवइ । गधा जहा चउप्पएसियस्स । रसा जहा  
चना । फासा जहा चउप्पएसियस्स ॥ छप्पएसिए ण भते ! खंधे कडवने ० ? एव  
जहा पचपएसिए जाव सिय चउफासे पज्जेते, जइ एगवने एगवन्नदुवन्ना जहा  
पचपएसियस्स, जइ तिवज्जे सिय कालए य नीलए य लोहियए य एन जहेव  
पचपएसियस्स मत्त भगा जाव मिय कालगा य नीलगा य लोहियए य ७, सिय  
कालगा य नीलगा य लोहियगा य ८, एए अट्ट भगा, एवमेए दस तियासजोगा  
एक्केए सजोगे अट्ट भगा, एन मव्वेवि तियगसजोगे असीइ भगा, जइ चउवने  
सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य नीलए य  
लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य ३,  
सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दगा य ४, सिय कालए य नीलगा य  
लोहियए य हालिद्दए य ५, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दगा य ६,  
सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य ७, सिय कालगा य नीलए य  
लोहियए य हालिद्दए य ८, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य ९,  
सिय कालगा य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य १०, सिय कालगा य नीलगा य  
लोहियए य हालिद्दए य ११, एए एक्कारम भगा, एवमेए पचचउक्कासजोगा कायव्वा,  
एक्केससजोए एक्कारस भगा, सव्वेते चउक्कगसजोगेण पणपन्न भगा, जइ पचवने  
सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किए य १, सिय कालए य  
नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगे  
य हालिद्दगा य सुक्किगे य ३, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य  
सुक्किए य ४, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य ५,  
सिय कालगा य नीलए य लोहि  
भाणियव्वा सव्वेवि एक्क  
भवइ । एसिय  
प्पएसिए ण  
चउफा एव  
चने सि य  
य लो ०



१७, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्गा य सुक्लिङ्गे य १८, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगे य हालिद्गा य सुक्लिङ्गा य १९, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्ए य सुक्लिङ्ए य २०, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्ए य सुक्लिङ्गा य २१, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्गा य सुक्लिङ्गे य २२, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य हालिद्ए य सुक्लिङ्ए य २३, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगे य हालिद्ए य सुक्लिङ्गा य २४, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगे य हालिद्गा य सुक्लिङ्ए य २५, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्ए य सुक्लिङ्ए य २६, एए पचसजोएणं छव्वीस भगा भवति, एवामेव सपुव्वावरेण एक्कगदुयगतियगचउक्कगपचगसजोगेहिं दो एक्कतीस भगसया भवति, गधा जहा सत्तपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चैव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स ॥ नवपएसियस्स पुच्छा, गोयमा ! सिय एगवन्ने जहा अट्ठपएसिए जाव सिय चउफासे ५०, जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्नतिवन्नचउवन्ना जहेव अट्ठपएसियस्स, जइ पचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्ए य सुक्लिङ्ए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्ए य सुक्लिङ्गा य २, एव परिवाहीए एक्कतीस भंगा भाणियव्वा जाव सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्गा य सुक्लिङ्ए य ३१, एव एक्कगदुयगतियगचउक्कगपचगसजोगेहिं दो छत्तीसा भगसया भवति, गधा जहा अट्ठपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चैव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स । दसपएसिए ण भंते ! खवे० पुच्छा, गोयमा ! सिय एगवन्ने जहा नवपएसिए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते, जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्नतिवन्नचउवन्ना जहेव नवपएसियस्स, पंचवन्नेवि तहेव नवरं वत्तीसइमोवि भगो भन्नइ, एवमेए एक्कगदुयगतियगचउक्कगपचगसजोएसु दोन्नि सत्तती(स)सा भगसया भवति, गधा जहा नवपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चैव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स । जहा दसपएसिओ एवं सखेज्जपएसिओवि, एव असखेज्जपएसिओवि, सुहुमपरिणओवि अणतपएसिओवि एव चैव ॥ ६६७ ॥ वायरपरिणए ण भंते ! अणतपएसिए खवे कइवन्ने० १ एव जहा अट्ठारसमसए जाव सिय अट्ठफासे पन्नत्ते, वन्नगधरसा जहा दसपएसियस्स, जइ चउफासे सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे निद्धे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे २, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे निद्धे ३, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे ५, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे ६, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे



१६, एए चउसट्ठि भगा, सव्वे गुरुए गव्वे सीए ढेमे कक्खडे देमे मउए देसे निद्धे देसे लुक्खे एए जाव गव्वे लहुए सव्वे उत्तिणे देमा कक्खडा देमा निद्धा देमा मउया देसा लुक्खा, एए चउसट्ठि भगा, गव्वे गुरुए गव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए ढेमे उत्तिणे जाव गव्वे लहुए सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा मउया देमा सीया देमा उत्तिणा, एए चउसट्ठि भगा, गव्वे सीए गव्वे निद्धे देसे कक्खडे देमे मउए देसे गुरुए देसे लहुए जाव सव्वे उत्तिणे सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा मउया देमा गुरुया देसा लहुया, एवमेए चउसट्ठि भगा, गव्वे ते छप्पासे तिन्निचउरासीया भगगया भवति ३८४ । जइ सत्तप्पासे सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देमे लहुए देसे सीए देमे उत्तिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उत्तिणे देमा निद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देमा उत्तिणा देसे निद्धे दे(से)सा लुक्खा ४, सव्वे कक्खडे देमे गुरुए देमे लहुए देसा सीया देसा उत्तिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया देसा उत्तिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे, सव्वेए गोलस भगा भाणियव्वा, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देमा लहुया देसे सीए देसे उत्तिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे, एए गुरुएए एगत्तेग लहुएण पुहुत्तेण एएवि सोलस भगा, सव्वे कक्खडे देसा गुरुया देसे लहुए देसे सीए देसे उत्तिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भगा भाणियव्वा, सव्वे कक्खडे देसा गुरुया देसा लहुया देसे सीए देसे उत्तिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भगा भाणियव्वा, एवमेए चउसट्ठि भगा कक्खडेण समं, सव्वे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उत्तिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे । एव मउएणवि सम चउसट्ठि भगा भाणियव्वा, सव्वे गुरुए देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उत्तिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एव गुरुएणवि सम चउसट्ठि भगा कायव्वा, सव्वे लहुए देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उत्तिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एव लहुएणवि सम चउसट्ठि भगा कायव्वा, सव्वे सीए देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे निद्धे देसे लुक्खे एव सीएणवि सम चउसट्ठि भगा कायव्वा, सव्वे उत्तिणे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे निद्धे देसे लुक्खे एव उत्तिणेणवि सम चउसट्ठि भगा कायव्वा, सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उत्तिणे एव लुक्खेणवि सम चउसट्ठि भगा कायव्वा जाव सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा



एवं वुचइ पुंवि वा जाव उववज्जेजा नवरं तहिं सपाउणेजा इमेहिं आहारो भन्नइ  
 सेस त चेव । पुढविकाइए ण भते । इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सप्परप्पभाए पुढवीए  
 अतरा समोहए जे भविए इमाणे कप्पे पुढविकाइयत्ताए उववज्जितए एव चेव, एव  
 जाव ईसिप्पन्भाराए उववाएयव्वो । पुढविकाइए ण भते । सप्परप्पभाए पुढवीए  
 घालुयप्पभाए पुढवीए अतरा समोहए २ ता जे भविए सोहम्मे जाव ईसिप्पन्भाराए,  
 एव एएणं कमेण जाव तमाए अहेसत्तमाए य पुढवीए अतरा समोहए २ ता जे  
 भविए सोहम्मे कप्पे जाव ईसिप्पन्भाराए उववाएयव्वो । पुढविकाइए ण भते ।  
 सोहम्मीसाणाण सणकुमारमार्हिदाण य कप्पाण अतरा समोहए २ ता जे भविए  
 इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जितए से ण भते । पुंवि उव  
 वज्जिता पच्छा आहारेजा सेस त चेव जाव से तेणट्ठेण जाव णिम्मेवओ । पुढ  
 विकाइए ण भते । सोहम्मीसाणाण सणकुमारमार्हिदाण य कप्पाण अतरा समोहए  
 २ ता जे भविए सप्परप्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जितए एव चेव, एव  
 जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो, एव सणकुमारमार्हिदाण वभलोगस्स कप्पस्स  
 अतरा समोहए समोहणित्ता पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो, एव वभलो  
 गस्स लतगस्स य कप्पस्स अतरा समोहए पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एव लत-  
 गस्स महासुक्कस्स कप्पस्स य अतरा समोहए पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एव सह-  
 स्तारस्स आणयपाणयकप्पाण अतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एव आणयपाण  
 याण आरणवञ्जुयाण य कप्पाण अतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एव आरणवञ्जु-  
 याण गेवेज्जविमाणण य अतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं गेवेज्जविमाणण  
 अणुत्तरविमाणण य अतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एव अणुत्तरविमाणण ईसि-  
 प्पन्भाराए य पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो ॥ ६७० ॥ आउक्काइए ण  
 भते । इमीसे रयणप्पभाए य सप्परप्पभाए य पुढवीए अतरा समोहए समोहणित्ता  
 जे भविए सोहम्मे कप्पे आउक्काइयत्ताए उववज्जितए सेस जहा पुढविकाइयस्स  
 जाव से तेणट्ठेण, एव पढमादोच्चाण अतरा समोहओ जाव ईसिप्पन्भाराए उववाए-  
 यव्वो, एव एएणं कमेण जाव तमाए अहेसत्तमाए य पुढवीए अतरा समोहए २  
 ता जाव ईसिप्पन्भाराए उववाएयव्वो आउक्काइयत्ताए, आउक्काइए ण भते । सोह-  
 म्मीसाणाण सणकुमारमार्हिदाण य कप्पाण अतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए  
 इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहि(२)-वलएस्स आउक्काइयत्ताए उववज्जितए सेस  
 तं चेव एवं एएहिं चेव अतरा समोहए जाव अहेसत्तमाए पुढवीए घणोदहिवलएस्स





कइ ण भते । कम्मभूमीओ प० १ गोयमा । पजरस कम्मभूमीओ प०, तं०-पच  
 भरहाई, पच एरवयाइ, पच महाविदेहेइ, कइ ण भते । अकम्मभूमीओ प० १  
 गोयमा । तीस अकम्मभूमीओ प०, तं०-पंच हेमवयाइ, पंच हे(ए)रत्तययाइ, पच हरि-  
 वासाइ, पच रम्मगवासाइ, पच देवपुराइ, पंच उताखुराई, एयासु णं भते । तीसासु  
 अकम्मभूमीसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ? णो इण्ठे ममठ्ठे, एएसु  
 ण भते । पचसु भरहेसु पचसु एरवएसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ?  
 हता अत्थि, एएसु ण पचसु महाविदेहेसु, णेत्थि उस्सप्पिणी नेवत्थि ओस  
 प्पिणी अवट्ठिए ण तत्थ काले प० गमणाउमो । ॥ ६७४ ॥ एएसु ण भते । पचसु  
 महाविदेहेसु 'अरिहता भगवतो पंचमहव्वइय सपट्ठिमण धम्म पन्नवयति' णो  
 इण्ठे समठ्ठे, एएसु ण पचसु भरहेसु पचसु एरवएसु पु(रिम)रच्छिमप(द्य)च्छिमगा  
 दुवे अरिहता भगवतो पंचमहव्वइय पंचाणव्वइय सपट्ठिमण धम्मं पन्न(वे)वयति,  
 अवसेसा ण अरिहता भगवतो चाउज्जाम धम्म पन्नवयति, एएसु णं पंचसु महावि  
 देहेसु अरहता भगवतो चाउज्जाम धम्म पन्नवयति । जंबुद्वीवे ण भंते । धीवे भारहे  
 वासे इमीसे ओसप्पिणीए कइ तित्थगरा पन्नत्ता ? गोयमा । चउव्वीस तित्थगरा  
 पन्नत्ता, तजहा-उसभअजियसभवअभिनदणमुमइसुप्पभत्तपासमसिपुप्फदत्तसीयलसे-  
 ज्जसवासुपुज्जविमलअणंतधम्मसतिरुंअरमल्लिमुणिमुव्वयनमिनेमिपासवद्धमाणा २४  
 ॥ ६७५ ॥ एएसि ण भंते । चउवीसाए तित्थगराण कइ जिणंतरा प० १ गोयमा ।  
 तेवीस जिणंतरा प० । एएसु ण भते । तेवीसाए जिणतरेसु कस्स कहिं कालिय-  
 सुयस्स वोच्छेदे प० १ गोयमा । एएसु ण तेवीसाए जिणतरेसु पुरिमपच्छिमएसु  
 अट्ठसु २ जिणतरेसु एत्थ ण कालियसुयस्स अवोच्छेदे प०, मज्झिमएसु सत्तसु  
 जिणतरेसु एत्थ ण कालियसुयस्स वोच्छेदे प०, सव्वत्थवि ण वोच्छिजे दिट्ठिवाए  
 ॥ ६७६ ॥ जंबुद्वीवे ण भते । धीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाण  
 केवइय काल पुव्वगए अणु(सि)सज्जिस्सइ ? गोयमा । जंबुद्वीवे णं धीवे भारहे वासे  
 इमीसे ओसप्पिणीए मम एग वाससहस्सं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ, जहा ण भते ।  
 जंबुद्वीवे धीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाण एग वाससहस्सं पुव्वगए  
 अणुसज्जिस्सइ तहा ण भते । जंबुद्वीवे धीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए अवसे-  
 साण तित्थगराण केवइय काल पुव्वगए अणुसज्जित्था ? गोयमा । अत्थेगइयाणं  
 सखेज्ज काल अत्थेगइयाण असखेज्ज काल ॥ ६७७ ॥ जंबुद्वीवे णं भंते । धीवे  
 भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाण केवइय काल तित्थे अणुसज्जिस्सइ ?  
 गोयमा । जंबुद्वीवे धीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए मम एगवीस वाससहस्साइ



विजाचारणस्स ण गोयमा ! उद्धं एवइए गइविसए पण्णत्ते, से ण तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से ण तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा ॥६८२॥ से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ जंघाचार(णे)णा २ ? गोयमा ! तस्म ण अट्ठमंअट्ठमेण अनिक्खित्तेण तवोकम्मेण अप्पाण भावेमाणस्स जंघाचारणलद्धी नाम लद्धी समुप्पज्जइ, से तेणट्ठेण जाव जघाचारणा २, जघाचारणस्स ण भते ! कह सीहा गई कह सीहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! अयन्नं जवुद्धीवे दीवे एव जहेव विजाचारणस्स नवरं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्ठित्ताण 'हव्वमागच्छेज्जा, जघाचारणस्स ण गोयमा ! तद्वा सीहा गई तद्वा सीहे गइविसए पण्णत्ते सेसं त चेव । जघाचारणस्स ण भते ! तिरियं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से ण इओ एगेण उप्पाएण ख्यगवरे दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता तवो पडिनियत्तमाणे विइएण उप्पाएण नदीसरवर-दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता इह(हव्व)मागच्छइ । जघाचारणस्स ण गोयमा ! तिरियं एवइए गइविसए पण्णत्ते, 'जघाचारणस्स ण भते ! उद्धं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेण उप्पाएण पढगवणे समोसरणं करेइ करेत्ता तवो पडिनियत्तमाणे विइएण उप्पाएण नदणवणे समोसरणं करेइ २ ता इहमागच्छइ, जघाचारणस्स ण गोयमा ! उद्धं एवइए गइविसए पण्णत्ते, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से ण तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा, सेव भते ! सेवं भते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ६८३ ॥ वीसइमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥

जीवा ण भते ! किं सोवक्कमाउया निरुवक्कमाउया ? गोयमा ! जीवा सोवक्कमाउयावि निरुवक्कमाउयावि, नेरइयाण पुच्छा, गोयमा ! नेरइया नो सोवक्कमाउया निरुवक्कमाउया, एव जाव थणियकुमारा, पुढविकाइया जहा जीवा, एव जाव मणुस्सा, वाणमतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥६८४॥ नेरइया ण भते ! किं आओवक्कमेण उववज्जति, परोवक्कमेण उववज्जति, निरुवक्कमेण उववज्जति ? गोयमा ! आओवक्कमेणवि उववज्जति, परोवक्कमेणवि उववज्जति, निरुवक्कमेणवि उववज्जति, एव जाव वेमाणिया ण । नेरइया ण भते ! किं आओवक्कमेण उववट्ठति, परोवक्कमेण उववट्ठति, निरुवक्कमेण उववट्ठति ? गोयमा ! नो आओवक्कमेण उव्वट्ठति, नो परोवक्कमेण उववट्ठति, निरुवक्कमेण उव्वट्ठति, एव जाव थणियकुमारा, पुढविकाइया जाव मणुस्सा तिस्र उव्वट्ठति, सेसा जहा नेरइया नवरं जोइसियवेमाणिया चयति ॥ नेरइया ण भते ! किं आ(य)इद्धीए उववज्जति परिद्धीए उववज्जति ? गोयमा ! आइद्धीए

तित्थे अनुष्ठित्सह ॥ १७८ ॥ अहा नं मते । अनुष्ठित्थे वीथे मारहे वासे इमीते  
 जोसुपिणीए देवापुप्पिमानं एकादशं वाससहस्रहं तित्थे अनुष्ठित्सह ॥ अहा नं  
 मते । अनुष्ठित्थे वीथे मारहे वासे आयमेस्वानं वरिमित्थवरस्स केवर्म्म कम्मं तित्थे  
 अनुष्ठित्सह । योक्का । आवाए नं उद्यमस्स अरह्मो कोसमित्सह विवपरिवाए  
 एवद्वदं सेवेमादं आयमेस्वानं वरिमित्थवरस्स तित्थे अनुष्ठित्सह ॥ १७९ ॥  
 तित्थं मते । तित्थे)त्थे तित्थगरे तित्थे । योक्का । अरहा ताव निम्मं तित्थमरे, तित्थं  
 पुत्र वासववाये समवधये तं -सयमा समवीओ सावगा सामिमाओ ॥ १८० ॥  
 पवन्नं मते । पवन्नं पावन्नवी पवन्नं । योक्का । अरहा ताव निम्मं पावन्नवी  
 पवन्नं पुत्र बुवाअये यमिपिको तं -आनातो वाव विट्ठिमाओ ॥ १८१ ॥ इमे मते ।  
 सम्य भोगा दाहा इववाया यावा कोरन्ना एए नं अस्सि वम्मे ज्येय्हाति अस्सि  
 १ ॥ अनुष्ठित्थं कम्मवज्जं पवर्हेति पवाहिता तन्ने पवन्नं सिज्जेति वाव अंतं करेति ।  
 इता योक्का । से इमे वम्मा मोय्य तं वेव वाव अंतं करेति वरनेमह्ना अजवरेसु  
 वेक्कोएसु देवताए उवववाते मवन्ति । अस्सिहा नं मते । देवकोव ५ । योक्का ।  
 वरन्निहा देवकोव ५ तं -अवववावी वावमववा कोरहिवा वैमाविया । सेव  
 मते । १ ति ॥ १८१ ॥ वीसहमे सए मट्ठो सहेसो सयसो ॥

अस्सिहा नं मते । वारवा ५ । योक्का । वुविहा वारवा ५ तं अहा-विजा-  
 वारवा न वंवावारवा न से केवट्ठेवं मति । एवं पुत्तं विजावारवा विजावारवा ।  
 योक्का । तस्स नं अनुष्ठित्थे वरिमित्थवेने एवोस्समेवं विजाए उतपुववहि  
 कम्ममास्स विजावारवववी नानं ववी सुपुववव, से तेवट्ठेवं वाव विजावार-  
 रवा १ विजावारवस्स नं मति । वरं वीहा वरं वरं वीहे गव्वितए पव्वते ।  
 योक्का । अवववं अनुष्ठित्थे वीथे वाव विविमिसेताहिए परिक्केवेवं देवे नं अहिट्टिए  
 वाव मरेसक्के वाव इवायेवतिअट्ट केवलव्वं अनुष्ठित्थं वीथं वीहि अनुष्ठित्थिवाएहि  
 तिववतो अनुपरिवट्ठित्तानं इव्वमायव्वेमा विजावारवस्स नं योक्का । तहा  
 वीहा वरं तहा वीहे गव्वितए पव्वते । विजावारवस्स नं मति । तिरिवं केवए  
 गव्वितए पव्वते । योक्का । से नं इवो एवोवं वप्पाएवं मालुववरे पव्वए वमो-  
 वरवं करेइ करेता विइएवं उप्पाएवं वीसहमे वीथे वमोवरवं करेइ करेता  
 तन्ने पविमिवव १ ॥ इवमायव्व १, विजावारवस्स नं योक्का । तिरिवं एवए  
 पव्वितए पव्वते विजावारवस्स नं मति । वरं केवए गव्वितए पव्वते ।  
 योक्का । से नं इवा एवोवं वप्पाएवं वरववने वमोवरवं करेइ करेता विइएवं  
 उप्पाएवं वरववने वमोवरवं करेइ करेता तन्ने पविमिवव १ ॥ इवमायव्व १

छक्केहिं समजियावि ४, छक्केहि य नोछक्केण य समजियावि ५, से केणट्टेणं भते ! एवं बुचइ नेरइया छक्कसमजियावि जाव छक्केहि य नोछक्केण य समजियावि १ गोयमा । जे ण नेरइया छक्कएणं पवेसणएण पविसति ते ण नेरइया छक्कसमजिया १, जे ण नेरइया जहजेण एक्केण वा दोहिं वा ति(ती)हिं वा उक्कोसेण पचएण पवेसणएण पविसति ते ण नेरइया नोछक्कसमजिया २, जे ण नेरइया एगेण छक्कएण अजेण य जहजेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेण पचएण पवेसणएण पविसति ते ण नेरइया छक्केण य नोछक्केण य समजिया ३, जे ण नेरइया अणेगेहिं छक्केहिं पवेसणएण पविसति ते ण नेरइया छक्केहिं समजिया ४, जे ण नेरइया अणेगेहिं छक्केहिं अजेण य जहजेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेण पचएण पवेसणएण पविसति ते ण नेरइया छक्केहि य नोछक्केण य समजिया ५, से तेणट्टेण त चेव जाव समजियावि, एव जाव थणियकुमारा । पुढविकाइयाण पुच्छा, गोयमा । पुढविकाइया नो छक्कसमजिया १, नो नोछक्कसमजिया २, नो छक्केण य नोछक्केण य समजिया ३, छक्केहिं समजियावि ४, छक्केहि य नोछक्केण य समजियावि ५, से केणट्टेणं भते ! जाव समजियावि १ गोयमा । जे ण पुढविकाइया नेगेहिं छक्कएहिं पवेसणएण पविसति ते ण पुढविकाइया छक्केहिं समजिया, जे ण पुढविकाइया नेगेहिं छक्कएहिं अजेण य जहजेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेण पचएण पवेसणएण पविसति ते ण पुढविकाइया छक्केहि य नोछक्केण य समजिया, से तेणट्टेण जाव समजियावि, एव जाव वणस्सइकाइया, बेइदिया जाव वेमाणिया सिद्धा एए जहां नेरइया । एएसि ण भते ! नेरइयाणं छक्कसमजियाण नोछक्कसमजियाण छक्केण य नोछक्केण य समजियाण छक्केहिं य समजियाणं छक्केहि य नोछक्केण य समजियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा १ गोयमा । सेव्वत्योवा नेरइया छक्कसमजिया, नोछक्कसमजिया सखेज्जगुणा, छक्केण य नोछक्केण य समजिया सखेज्जगुणा, छक्केहि य समजिया असखेज्जगुणा, छक्केहि य नोछक्केण य समजिया सखेज्जगुणा, एवं जाव थणियकुमारा । एएसि ण भते ! पुढविकाइयाण छक्केहिं समजियाण छक्केहि य नोछक्केण य समजियाण कयरे २ जाव विसेसाहिया वा १ गोयमा । सेव्वत्योवा पुढविकाइया छक्केहिं समजिया, छक्केहि य नोछक्केण य समजिया सखेज्जगुणा, एव जाव वणस्सइकाइयाण, बेइदियाण जाव वेमाणियाणं जहा नेरइयाणं । एएसि ण भते ! सिद्धाण छक्कसमजियाण नोछक्कसमजियाणं जाव छक्केहि य समजियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा १ गोयमा । सेव्वत्योवा छक्केहि य नोछक्केण य समजिया, छक्केहि य नोछक्केण य समजिया सखेज्जगुणा, छक्केहि य सम-

उपपन्नमिति नो परिणीतं उपपन्नमिति एवं चात्र वैमर्शिका न । येरुद्वयं न मते । किं  
 व्याख्यातं उपपन्नमिति परिणीतं उपपन्नमिति । योजमा । व्याख्यातं उपपन्नमिति नो परिणीतं  
 उपपन्नमिति एवं चात्र वैमर्शिका नवरं बोधयितुमिच्छामि । नवरंतीति अमिच्छामि ।  
 येरुद्वयं न मते । किं व्याख्यातमुपा उपपन्नमिति परकमुपा उपपन्नमिति । योजमा ।  
 व्याख्यातमुपा उपपन्नमिति नो परकमुपा उपपन्नमिति एवं चात्र वैमर्शिका एवं उप-  
 पन्नमिति । येरुद्वयं न मते । किं व्याख्यातयोगेन उपपन्नमिति परपन्नयोगेन  
 उपपन्नमिति । योजमा । व्याख्यातयोगेन उपपन्नमिति नो परपन्नयोगेन उपपन्नमिति एवं  
 चात्र वैमर्शिका एवं व्याख्यातयोगेन । १५८५ । येरुद्वयं न मते । किं कर्तृत्विका  
 अकर्तृत्विका अन्तर्गत(व्य)मर्शिका । योजमा । येरुद्वयं कर्तृत्विकाणि अकर्तृत्विकाणि  
 अन्तर्गतमर्शिकाणि । ये केचनैवं चात्र अन्तर्गतमर्शिकाणि । योजमा । ये न येरुद्वयं  
 संवेदनेन पदैस्तत्पदै पमिच्छति ते न येरुद्वयं कर्तृत्विका ये न येरुद्वयं अकर्तृत्विका  
 पदैस्तत्पदै पमिच्छति ते न येरुद्वयं अकर्तृत्विका ये न येरुद्वयं एवमेव पदैस्तत्पदै  
 पमिच्छति ते न येरुद्वयं अन्तर्गतमर्शिका । ये केचनैवं योजमा । चात्र अन्तर्गतमर्श-  
 काणि एवं चात्र पमिच्छमात्रं पुनश्चात्रात्रं पुनश्च योजमा । पुनश्चात्रात्रं नो  
 कर्तृत्विका अकर्तृत्विका नो अन्तर्गतमर्शिका, ये केचनैवं मते । एवं पुनश्च चात्र  
 नो अन्तर्गतमर्शिका । योजमा । पुनश्चात्रात्रं अकर्तृत्विका पदैस्तत्पदै पमिच्छति ते  
 केचनैवं चात्र नो अन्तर्गतमर्शिका एवं चात्र उपपन्नमिति । येरुद्वयं चात्र वैमर्श-  
 काणि नो येरुद्वयं, सिद्धाणि पुनश्च योजमा । सिद्धा कर्तृत्विका नो अकर्तृत्विका  
 अन्तर्गत(व्य)मर्शिकाणि । ये केचनैवं मते । चात्र अन्तर्गतमर्शिकाणि । योजमा । ये न  
 सिद्धा संवेदनेन पदैस्तत्पदै पमिच्छति ते न सिद्धा कर्तृत्विका ये न सिद्धा एवमेव  
 पदैस्तत्पदै पमिच्छति ते न सिद्धा अन्तर्गतमर्शिका । ये केचनैवं योजमा । चात्र अन्त-  
 र्गतमर्शिकाणि । १५८६ । येरुद्वयं न मते । येरुद्वयं कर्तृत्विकाणि अकर्तृत्विकाणि अन्तर्गतम-  
 र्शिका न कर्तृ १ चात्र सिद्धादिवा वा । योजमा । सन्ततोवा येरुद्वयं अन्तर्गत-  
 मर्शिका कर्तृत्विका संवेदनेन अकर्तृत्विका अन्तर्गतमुपा, एवं पृथिविवत्त्वानं  
 चात्र वैमर्शिका नो अन्तर्गतमुपा पृथिविवानं नति अन्तर्गतमुपा । एवमिति न मते ।  
 सिद्धा कर्तृत्विकाणि अन्तर्गतमर्शिका न कर्तृ २ चात्र सिद्धादिवा वा ।  
 योजमा । सन्ततोवा सिद्धा कर्तृत्विका अन्तर्गतमर्शिका संवेदनेन । येरुद्वयं न  
 मते । किं अन्तर्गतमर्शिका १ नो अन्तर्गतमर्शिका २ अन्तर्गत नो अन्तर्गतं न सममर्शिका  
 १ अन्तर्गत न सममर्शिका २ अन्तर्गत न नो अन्तर्गत न सममर्शिका ३ । योजमा । येरुद्वयं  
 अन्तर्गतमर्शिकाणि १, नो अन्तर्गतमर्शिकाणि २, अन्तर्गत न नो अन्तर्गत न सममर्शिकाणि ३,

छोहि समजियावि ४, छोहि य नोछोगे य समजियावि ५, से केणट्टेण भंते । एव पुनर नेरइया छणममजियावि जाव छोहि य नोछोगे य समजियावि ? गोयमा । जे णं नेरइया छणएणं पवेगणणं पविसति ते णं नेरइया छणममजिया १, जे णं नेरइया जहणेण एगेण वा दोहि वा तिहि वा उणोसेण पचएण पवेगण एण पविसति ते ण नेरइया नोछणममजिया २, जे ण नेरइया एणेण छणएणं अणेण य जहणेण एगेण वा दोहि वा तिहि वा उणोसेण पचएण पवेगणएणं पविसति ते ण नेरइया छोण य नोछणेण य समजिया ३, जे ण नेरइया अणेणेहि छोहि पवेगण पविसति ते ण नेरइया छणहि समजिया ४, जे ण नेरइया अणेणेहि छोहि अणेण य जहणेण एगेण वा दोहि वा तिहि वा उणोसेण पचएण पवेगणएणं पविसति ते ण नेरइया छोहि य नोछोगे य समजिया ५, से तेणट्टेणं स नर जाव समजियावि, एव जाव धणियकुमारा । पुढविकाइयाण पुच्छा, गोयमा । पुढविकाइया नो छणममजिया १, नो नोछणममजिया २, णो छोणेण य नोछणेण य समजिया ३, छोहि समजियावि ४, छोहि य नोछोगे य समजियावि ५, से केणट्टेण भंते । जाव समजियावि ? गोयमा । जे ण पुढविकाइया नेणेहि छणएणं पवेगण पविसति ते ण पुढविकाइया छोहि समजिया, जे णं पुढविकाइया नेणेहि छणएणं अणेण य जहणेण एगेण वा दोहि वा तिहि वा उणोसेण पचएण पवेगण पविसति ते ण पुढविकाइया छोहि य नोछोगे य समजिया, से तेणट्टेणं जाव समजियावि, एव जाव वणस्सइकाइया, वेइदिया जाव वेमाणिया सिद्धा एए जहा नेरइया । एएति ण भंते । नेरइयाण छणममजियाण नोछणममजियाण छोणेण य नोछणेण य समजियाण छोहि य समजियाणं छोहि य नोछोगे य समजियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा । सच्चत्योवा नेरइया छणसमजिया, नोछणसमजिया सखेज्जगुणा, छोणेण य नोछणेण य समजिया संखेज्जगुणा, छोहि य समजिया असखेज्जगुणा, छोहि य नोछणेण य समजिया संखेज्जगुणा, एव जाव धणियकुमारा । एएति ण भंते । पुढविकाइयाणं छोहि समजियाण छोहि य नोछणेण य समजियाण कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा । सच्चत्योवा पुढविकाइया छोहि समजिया, छोहि य नोछणेण य समजिया सखेज्जगुणा, एवं जाव वणस्सइकाइयाण, वेइदियाण जाव वेमाणियाण जहा नेरइयाणं । एएति ण भंते । सिद्धाण छणसमजियाण नोछणसमजियाण जाव छोहि य नोछणेण य समजियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा । सच्चत्योवा सिद्धा छोहि य नोछणेण य समजिया, छोहि समजिया सखेज्जगुणा, छोणेण य नोछणेण य सम-

जिवा संवेज्जुणा क्खसमज्जिना संवेज्जुणा मोक्खसमज्जिना संवेज्जुणा । वेर  
इमा मे मते । किं वारससमज्जिना १, मोवारससमज्जिना २, वारसएव मे मोवारस-  
एव मे समज्जिना ३, वारसएहिं समज्जिना ४, वारसएहिं मे मोवारसएव मे सम-  
ज्जिना ५, १ योवमा । वेरुणा वारससमज्जिनाणि जाय वारसएहिं मे मोवारसएव मे सम-  
ज्जिनाणि से केवट्ठेनं मते । एवं जाय समज्जिनाणि १ योवमा । किं मे वेरुणा वार-  
सएव पवैसवएव पविंसति ते मे वेरुणा वारससमज्जिना १, किं मे वेरुणा वार-  
सेव एवेण वा सोहिं वा तिहिं वा क्खोसेव एवारसएव पवैसवएव पविंसति ते मे  
वेरुणा मोवारससमज्जिना २, किं मे वेरुणा वारसएव पवैसवएव जजेण मे वार-  
सेव एवेण वा सोहिं वा तिहिं वा क्खोसेव एवारसएव पवैसवएव पविंसति ते मे  
वेरुणा वारसएव मे मोवारसएव मे समज्जिना ३, किं मे वेरुणा वेगेहिं वारसएहिं  
पवैसवएव पविंसति ते मे वेरुणा वारसएहिं समज्जिना ४, किं मे वेरुणा वेगेहिं  
वारसएहिं जजेण मे वारसेव एवेण वा सोहिं वा तिहिं वा क्खोसेव एवारसएव  
पवैसवएव पविंसति ते मे वेरुणा वारसएहिं मे मोवारसएव मे समज्जिना ५, १  
येवट्ठेनं जाय समज्जिनाणि एवं जाय वल्लिक्खुमारो पुडमिक्खुमारो पुडम-  
योवमा । पुडमिक्खुमारो मो वारससमज्जिना १, मो मोवारससमज्जिना २, मो वारस-  
एव मे मोवारसएव मे समज्जिना ३, वारसएहिं समज्जिना ४, वारसएहिं मे मो वार-  
सएव मे समज्जिना ५, १ से केवट्ठेनं मते । जाय समज्जिनाणि १ योवमा । किं मे पुड-  
मिक्खुमारो वेगेहिं वारसएहिं पवैसवएव पविंसति ते मे पुडमिक्खुमारो वारसएहिं सम-  
ज्जिना ४, किं मे पुडमिक्खुमारो वेगेहिं वारसएहिं जजेण मे वारसेव एवेण वा सोहिं वा  
तिहिं वा क्खोसेव एवारसएव पवैसवएव पविंसति ते मे पुडमिक्खुमारो वारसएहिं मे  
मोवारसएव मे समज्जिना ३, १ येवट्ठेनं जाय समज्जिनाणि एवं जाय वल्लिक्खुमारो  
वेरुणा जाय तिक्खु क्खो वेरुणा । एहिं मे मते । वेरुणानं वारससमज्जिनाणं  
संवेसिं अप्पासुये जाहा क्खसमज्जिनाणे नवरं वारसामिक्खुमे सेसे ते वेव । वेर-  
इमा मे मते । किं पुक्खीइसमज्जिना १, मोपुक्खीइसमज्जिना २, पुक्खीइए मे  
मोपुक्खीइए मे समज्जिना ३, पुक्खीइहिं समज्जिना ४, पुक्खीइहिं मे मोपुक्खीइए  
मे समज्जिना ५, १ गेयमा । वेरुणा पुक्खीइसमज्जिनाणि जाय पुक्खीइहिं मे  
मोपुक्खीइए मे समज्जिनाणि ३ केवट्ठेनं मते । एवं पुक्खी जाय समज्जिनाणि १  
योवमा । किं मे वेरुणा पुक्खी(हिं)इएव पवैसवएव पविंसति ते मे वेरुणा पुक्खीइ-  
समज्जिना १, किं मे वेरुणा वारसेव एवेण वा सोहिं वा तिहिं वा क्खोसेव वेरुणा  
पवैसवएव पविंसति ते मे वेरुणा मोपुक्खीइसमज्जिना २, किं मे वेरुणा पुक्खी-



चीयअ फल पडिगाहित्थए, अभिक्खमि मे दाउ, जावउयं तावउयं फलस्स साए भागं दलयाहि, मा य चीयाई “से सेय वयतस्स परो अभिहट्ठु अतो पडिग्गह गंसि बहुवीयअ २ फल परिभाएत्ता णिहट्ठु दलएज्जा, तदप्पगारं पडिग्गहं परहत्थसि वा परपायसि वा अफासुयं अणेसणिज्ज लामे मते णो पडिगाहिज्जा, से आहच्च पडिगाहिए सिया त णो हि ति वएज्जा, णो अणाहेति वएज्जा, से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा ( १ ) अहे आरामसि वा, अहे वयस्सयंमि वा, अप्पउए जाव अप्पसताणए, फलस्स सारभाग भुच्चा चीयाइ कट्टए गहाय से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, अहे ज्झामथडिल्लंमि वा, जाव पमज्जिय २ परिकुविज्जा ॥ ६३० ॥ से भिक्खु वा ( २ ) जाव समाणे सिया परो अभिहट्ठु अतो पडिग्गहए विलं वा लोग, उब्बिभय वा लोग, परिभाएत्ता णीहट्ठु दलएज्जा, तदप्पगारं पडिग्गहं परहत्थंसि वा, परपायंमि वा अफासुय जाव णो पडिगाहिज्जा से आहच्च पडिग्गहिए सिया त च णाइदूरगए जाणिज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छिज्जा ( २ ) पुच्चामेव आलोएज्जा “आउसो ति वा, भइणि ति वा, इम ते कि जाणया दिन्न उदाहु अजाणया ? सो य भजेज्जा, णो खलु मे जाणया दिन्न अजाणया दिन्न, काम खलु आउसो इदणि णिसिरामि त भुंजह च ण परिभाएह च णं, त परेहिं समणुत्ताय समणुसिद्ध तओ सजयामेव, भुजेज वा पीएज वा, ज च णो सचाएति भोतए वा पायए वा साहम्मिया तत्थ वसति संभोइया नमणुजा अपरिहारिया अदरगया तेसि अणुपयायव्व, सिया णो जत्थ साहम्मिया जहेव बहुपरियावन्ने कीरति तहेव कायव्व सिया ॥ ६३१ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गिं ॥ ६३२ ॥ दसमोद्देशो समत्तो ॥

भिक्खागा णामेगे एवमाहसु समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगाम वा दूइज्जमाणे मणुणं भोयणजाय लभित्ता “से य भिक्खु गिलाइं से हदह ण तस्साहरह से य भिक्खु णो भुंजिज्जा आहरेज्जा तुम चेव ण भुजिज्जासि” से एगइओ भोक्खामिति कट्ठु पलिउंचिय २ आलोएज्जा, तजहा-इमे पिंडे इमे लोए इमे तित्तए इमे कट्टए इमे कसाए इमे अबिले इमे महुरे णो खलु एत्तो किंचि गिलाणस्स सयइति माइट्ठणं सफासे, णो एव करेज्जा, तहेव त आलोएज्जा, जहेव तं गिलाणस्स सयइति, तजहा-तित्तयं तित्तएति वा, कट्ठयं कट्टएति वा, कसाय कसाएति वा, अबिल अबिलेति वा, महुरं महुरेति वा ॥ ६३३ ॥ भिक्खागा णामेगे एवमाहसु, समाणे वा वसमाणे वा, गामाणुगामं दूइज्जमाणे मणुज भोयणजाय लभित्ता से भिक्खु गिलाइ से हंदह णं तस्साहरह सेय भिक्खु णो भुंजिज्जा, आहरेज्जा, से ण

जिवा संवेज्जुना कण्ठसमजिवा संवेज्जुना गोलकसमजिवा संवेज्जुना । मेर-  
इत्येवं मते । किं वारससमजिवा १ भोवारससमजिवा २, वारसएव न भोवारस-  
एव न समजिवा ३, वारसएहि समजिवा ४ वारसएहि न भोवारसएव न समजिवा  
५ । योजमा । नेरुवा वारससमजिवानि ज्ञाय वारसएहि न भोवारसएव न सम-  
जिवानि से केवहेम मते । एवं ज्ञाय समजिवानि १ योजमा । से न मेरुवा वार-  
सएव पवैसणएवं पविंसति ते न नेरुवा वारससमजिवा १ । से न नेरुवा वार-  
सेवं एवेन वा दोहि वा तिहि वा कण्ठसेवं एवारसएवं पवैसणएवं पविंसति ते न  
नेरुवा भोवारससमजिवा २, से न नेरुवा वारसएवं पवैसणएवं ज्ञेय न कण्ठ-  
सेवं एवेन वा दोहि वा तिहि वा कण्ठसेवं एवारसएवं पवैसणएवं पविंसति ते न  
नेरुवा वारसएव न भोवारसएव न समजिवा ३, से न नेरुवा केनेहि वारसएहि  
पवैसणएवं पविंसति ते न नेरुवा वारसएहि समजिवा ४ । से न नेरुवा केनेहि  
वारसएहि ज्ञेय न कण्ठसेवं एवेन वा दोहि वा तिहि वा कण्ठसेवं एवारसएवं  
पवैसणएवं पविंसति ते न नेरुवा वारसएहि न भोवारसएव न समजिवा ५, से  
सेवहेम ज्ञाय समजिवानि एवं ज्ञाय वल्लिक्कमाए पुडगिक्कमाए पुच्छा  
योजमा । पुडगिक्कमा भो वारससमजिवा १ भोभोवारससमजिवा २ न वारस-  
एव न भोवारसएव न समजिवा ३ वारसएहि समजिवा ४ वारसएहि न भो वार-  
सएव न समजिवानि ५, से केवहेम मते । ज्ञाय समजिवानि १ योजमा । से न पुड-  
गिक्कमा केनेहि वारसएहि पवैसणएवं पविंसति ते न पुडगिक्कमा वारसएहि सम-  
जिवा । से न पुडगिक्कमा केनेहि वारसएहि ज्ञेय न कण्ठसेवं एवेन वा दोहि वा  
तिहि वा कण्ठसेवं एवारसएवं पवैसणएवं पविंसति ते न पुडगिक्कमा वारसएहि न  
भोवारसएव न समजिवा । से तेवहेम ज्ञाय समजिवानि एवं ज्ञाय वल्लिक्कमाए  
पुडगिक्कमा ज्ञेय न कण्ठसेवं एवेन वा दोहि वा तिहि वा कण्ठसेवं एवारसएवं  
पवैसणएवं पविंसति ते न नेरुवा भोपुच्छीइसमजिवा १ भोपुच्छीइसमजिवा २, पुच्छीइए न  
भोपुच्छीइए न समजिवा ३, पुच्छीइहि समजिवा ४ पुच्छीइहि न भोपुच्छीइए  
न समजिवा ५ । योजमा । नेरुवा पुच्छीइसमजिवानि ज्ञाय पुच्छीइहि न भोपुच्छीइए  
न समजिवानि से केवहेम मते । एवं ज्ञाय ज्ञाय समजिवानि १ योजमा । से न नेरुवा  
पुच्छी(हि)इएवं पवैसणएवं पविंसति ते न नेरुवा पुच्छीइ-  
समजिवा १ । से न नेरुवा कण्ठसेवं एवेन वा दोहि वा तिहि वा कण्ठसेवं एवारस-  
एवं पवैसणएवं पविंसति ते न नेरुवा भोपुच्छीइसमजिवा २, से न नेरुवा पुच्छी-

इएण अजेण य जहन्नेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेण तेसीइएण पवे-  
 सणएण पविसति ते ण नेरइया चुलसीईए य नोचुलसीईए य समजिया ३, जे ण  
 नेरइया नेगेहिं चुलसीइएहिं पवेसणग पविसति ते ण नेरइया चुलसीई(ए)हिं सम-  
 जिया ४, जे ण नेरइया नेगेहिं चुलसीइएहिं अजेण य जहन्नेण एक्केण वा जाव  
 उक्कोसेण तेसीइएण जाव पविसति ते ण नेरइया चुलसीईहिं य नोचुलसीईए य  
 समजिया ५, से तेणट्टेण जाव समजियावि, एव जाव थणियंकुमारा, पुढविकाइया  
 तहेव पच्छिळएहिं दोहिं २ नवरं अभिलावो चुलसीइओ भगो एव जाव वणस्सइ-  
 काइया, वेइदिया जाव वेमाणिया जहा नेरइया । सिद्धाण पुच्छा, गोयमा ! सिद्धा  
 चुलसीइसमजियावि १, नोचुलसीइसमजियावि २, चुलसीईए य नोचुलसीईए य  
 समजियावि ३, नो चुलसीईहिं समजिया ४, नो चुलसीईहिं य नोचुलसीईए य सम-  
 जिया ५, से केणट्टेण भते । जाव समजिया १ गोयमा । जे ण सिद्धा चुलसीइएण  
 पवेसणएण पविसति ते ण सिद्धा चुलसीइसमजिया, जे ण सिद्धा जहन्नेण एक्केण वा  
 दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेण तेसीइएण पवेसणएण पविसति ते ण सिद्धा नोचुलसी-  
 इसमजिया, जे ण सिद्धा चुलसीइएण अजेण य जहन्नेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं  
 वा उक्कोसेण तेसीइएण पवेसणएण पविसति ते ण सिद्धा चुलसीईए य नोचुलसीईए  
 य समजिया, से तेणट्टेण जाव समजिया । एएसि णं भते । नेरइयाणं, चुलसीइस-  
 मजियाण नोचुलसीइसमजियाण० सव्वेसिं अप्पावहुग जहा छक्कसमजियाण जाव  
 वेमाणियाणं, नवरं अभिलावो चुलसीइओ । एएसि ण भते । सिद्धाण चुलसीइसम-  
 जियाणं नोचुलसीइसमजियाण चुलसीईए य नोचुलसीईए य समजियाण कयरे २  
 जाव विसेसाहिया वा १ गोयमा ! सव्वत्योवा सिद्धा चुलसीईए य नोचुलसीईए य  
 समजिया, चुलसीइसमजिया अणतगुणा, नोचुलसीइसमजिया अणतगुणा । सेवं  
 भते । २ ति जाव विहरइ ॥ ६८६ ॥ वीसइमस्स सयस्स दसमो उद्देसो  
 समत्तो ॥ वीसइम सयं समत्तं ॥ २० ॥

सालि कल अयसि वसे इक्खु दब्भे य अब्भ तुलसी य । अट्टेए दस वग्गा  
 असीइ पुण होंति उद्देसा ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एव वयासी-अह भते ! साली वीही  
 गोधूम जाव जवजवाण एएसि ण भते ! जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते ण भते ! जीवा  
 कओहितो उववज्जति किं नेरइएहितो उववज्जति तिरि० मणु० देवेहितो० जहा  
 वक्कतीए तहेव उववाओ नवरं देववज्ज, ते ण भते ! जीवा एगसमएण केवइया उव-  
 वज्जति १ गोयमा ! जहन्नेण एको वा दो वा तिज्जि वा उक्कोसेण सखेज्जा वा असंखेज्जा  
 वा उववज्जति, अवहारो जहा उप्पल्लुदेसए, तेसि ण भते ! जीवाण केमहालिया सरी-



यच्च ॥ तद्भो वग्गो समत्तो ॥ २१-३ ॥ अह भते । धसवेणुरणगकक्कावंसवास्व-  
दडाकुटायिमाचटावेणुयाक्काणीण एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमति एव एत्यवि  
मूलादीया दस उद्देसगा जहेव सालीण, णवरं देवो गच्चत्यवि न उववज्जइ, तिणि  
लेस्साओ, सच्चत्यवि छब्बीस भगा सेस त चेव ॥ चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २१-४ ॥  
अह भते । उक्कुद्धुत्ताविलियावीरणाइयभमासमुठिसत्तवेत्ततिमिरसयपोरगनलाण  
एएसि ण जे जीवा मूलत्ताए वक्कमति एव जहेव वग्गो तहेव एत्यवि मूलादीया  
दस उद्देसगा, णवर खधुद्देसे देवा उववज्जति, चत्तारि लेस्साओ ५०, सेस त चेव ॥ पचमो  
वग्गो समत्तो ॥ २१-५ ॥ अह भते । सेटियमडियदब्भकोतियदब्भउमदब्भगयो-  
इदलअजुलआसाढगरोहियसमुत्तवखीरभुगएरिडकुम्भुं दकरवरसुठविभुमहुवयणु-  
रगसिपियसुं कलितणाण एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमति एव एत्यवि दस उद्दे-  
सगा निरवसेस जहेव वस (वग्गो) स्स ॥ छट्ठो वग्गो समत्तो ॥ २१-६ ॥ अह भते । अब्भ  
रुहवोयाणहरितगतदुलेजगतणवत्थुलचोरगमज्जारयाईचिच्छियाल्लदगपिप्पलियदव्वि  
सोत्थिकसायमडुक्खिमूलगसरिसवअमिलसागजिर्वतगाण एएसि ण जे जीवा मूलत्ताए  
वक्कमति एव एत्यवि दस उद्देसगा जहेव वसस्स ॥ सत्तमो वग्गो समत्तो ॥ २१-७ ॥  
अह भते । तुलसीकण्हदलफणेज्जाअज्जाचूयणाचोराजीरादमणामरुयाइदीवरसय-  
पुप्फाण एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमति एत्यवि दस उद्देसगा निरवसेस जहा  
वसाण ॥ अट्ठमो वग्गो समत्तो ॥ २१-८ ॥ एव एएसु अट्ठसु वग्गेषु असीइ उद्देसगा  
भवति ॥ ६८८ ॥ एकंवीसइम सयं समत्त ॥

तालेगट्ठियवहुवीयगा य गुच्छा य गुम्म वाली य । छइस वग्गा एए सट्ठि पुण  
होति उद्देसा ॥ १ ॥ रायणिहे जाव एव वयासी-अह भते । तालत्तमालत्तकलिते-  
तलिसालसरलासारगलाण जाव केयतिकदलचम्मस्सस्सगुत्तस्सस्सहिगुत्तस्सलवगस्सस्स  
पूयफलखज्जूरिनालिएरीण एएसि ण जे जीवा मूलत्ताए वक्कमति ते णं भते । जीवा  
कओहिंतो उववज्जति १ एव एत्यवि मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा जहेव सालीण  
णवरं इम णाणस्स मूले कदे खधे तयाए साले य एएसु पचसु उद्देसएसु देवो न उव-  
वज्जइ, तिणि लेस्साओ, ठिई जहण्णेण अतोमुहुत्तं उक्कोसेण दसवाससहस्साई, उव,  
रिक्खेसु पंचसु उद्देसएसु देवो उववज्जइ, चत्तारि लेस्साओ, ठिई जहण्णेण अतोमुहुत्तं  
उक्कोसेण वासपुहुत्त, ओगाहणा मूले कदे धण्हपुहुत्त, खधे तयाय साले य गाउय-  
पुहुत्त, पवाले पत्ते धण्हपुहुत्त, पुप्फे हत्थपुहुत्त, फले वीए य अगुलपुहुत्त, सव्वेसिं  
जहण्णेण अगुलस्स असखेज्जइभाग सेस जहा सालीण, एव एए दस उद्देसगा ॥  
पठमो वग्गो समत्तो ॥ २२-१ ॥ अह भते । निवबज्जुकोसवतालअकोलपीलुसेल्लुत्त-



ठिई जहण्णेणवि उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्त, सेस त चेव ॥ पढमो वग्गो समत्तो ॥  
 २३-१ ॥ अह भते ! लोहीणीद्वयीद्वयिवगाअस्सकण्णीसीहकण्णीसीउंढीमुसढीण  
 एएसि ण जे जीवा मूलत्ताए वक्कमति एवं, एत्थवि दस उद्देसगा जहेव आल्लयवग्गे,  
 णवरं ओगाहणा तालवग्गसरिसा, सेस त चेव, सेव भते ! २ ति, ॥ विइओ वग्गो  
 समत्तो ॥ २३-२ ॥ अह भते ! आयकायकुहुणकुदुक्कउन्वेहलियासफासज्जाछत्ताव  
 साणियकुमाराण एएसि ण जे जीवा मूलत्ताए एव एत्थवि मूलावीया दस उद्देसगा  
 निरवसेस जहा आल्लयवग्गो, णवरं ओगाहणा तालवग्गसरिसा, सेस त चेव, सेव  
 भते ! २ ति ॥ तइओ वग्गो समत्तो ॥ २३-३ ॥ अह भते ! पाढामियवाल्लकि  
 महुँररसारावल्लिपउमामोँडरिद्धितचढीण एएसि ण जे जीवा, मूल०, एव एत्थवि मूला  
 वीया दस उद्देसगा आल्लयवग्गसरिसा णवरं ओगाहणा जहा वल्लीण, सेस त चेव,  
 सेव भते ! २ ति ॥ चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २३-४ ॥ अह भते ! मासपणीमु-  
 ग्गपणीजीवसरिसवकएणुयकाओलिखीरकाकोलिभंगिणहिंकिमिरासिमइमुच्छणगल्ल  
 पओयकिंणापउलपाढेइरेणुयालोहीण, एएसि ण जे जीवा मूल० एव, एत्थवि  
 दस उद्देसगा निरवसेस आल्लयवग्गसरिसा ॥ पंचमो वग्गो, समत्तो ॥ २३-५ ॥  
 एव एत्थ पचसुवि वग्गेसु, पन्नास उद्देसगा, माणियव्वा सव्वत्थ देवा ण उववज्जति,  
 तिज्जि लेस्सामो । सेव भते ! २ ति ॥ ६९० ॥ तेवीसइमं सयं समत्त ॥

उववायपरीमाण संघयणुच्चतमेव सठाणं । लेस्सा दिट्ठी णाणे, अन्नाणे जोग उव-  
 ओगे ॥ १ ॥ सन्नाकसायईदियसमुग्घाया वेयणा य वेदे य ॥ आउ, अज्झवसाणा  
 अणुवघो कायसंवेहो ॥ २ ॥ जीवपदे जीवपदे जीवाणं दंडगमि उद्देसो । चउवीस-  
 इममि सए चउवीस होंति उद्देसा ॥ ३ ॥ रायगिहे जाव एव, वयासी-णेइया ण भते ।  
 कओहिंतो उववज्जति, किं नेरइएहिंतो उववज्जति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति,  
 मणुस्सेहिंतो उववज्जति, देवेहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! णो नेरइएहिंतो उववज्जति,  
 तिरिक्खजोणिएहिंतोवि उववज्जति, मणुस्सेहिंतोवि उववज्जति, णो देवेहिंतो उववज्जति,  
 जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति, बेइ-  
 दियतिरिक्खजोणिएहिंतो० तेइदियतिरिक्खजोणिएहिंतो० चउरिंदियतिरिक्खजोणिए-  
 हिंतो० पचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! नो एगिंदियतिरिक्खजो-  
 णिएहिंतो उववज्जति, णो बेइदिय० णो तेइदिय० णो चउरिंदिय० पचिंदियतिरिक्ख-  
 जोणिएहिंतो उववज्जति, जइ पचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं सण्णिपचिं-  
 णिनिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति असण्णिपचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति ?





ते ण भते ! जीवा किं सायावेयगा आसायावेयगा ? गोयमा ! सायावेयगावि  
असायावेयगावि १६, ते ण भते ! जीवा किं इत्थीवेयगा पुरिसवेयगा नपुसग-  
वेयगा ? गोयमा ! णो इत्थीवेयगा णो पुरिगवेयगा नपुसगवेयगा १७, तेसि ण  
भते ! जीवाण केवइय कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण  
पुव्वकोढी १८, तेसि ण भते ! जीवाण केवइया अज्झवसाणा प० ? गोयमा !  
असखेज्जा अज्झवसाणा प०, ते ण भते ! किं पसत्या अप्पसत्या ? गोयमा !  
पसत्यावि अप्पसत्यावि १९, से ण भते ! पज्जतअसन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिएति  
कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण पुव्वकोढी २०,  
से ण भते ! पज्जतअसन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिए रयणप्पभापुढविणेरइए  
पुणरवि पज्जतअसन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिएति केवइय कालं सेवेज्जा केवइयं कालं  
गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेण दो भवग्गहणाइ, कालादेसेण जहन्नेण दस-  
वाससहस्साइ अतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण पलिओवमस्स असखेज्जइभागं  
पुव्वकोढिमब्भहिय एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २१ ।  
पज्जतअसन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिए ण भते ! जे भविए जहन्नकालट्ठिईएस्स रयण-  
प्पभापुढविणेरइएस्स उववज्जितए से ण भते ! केवइयकालट्ठिईएस्स उववज्जेज्जा ?  
गोयमा ! जहन्नेण दसवाससहस्सट्ठिईएस्स उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएस्स उवव-  
ज्जेज्जा, ते ण भते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जति ? एव, सधेव वत्तव्वया  
निरवसेसा भाणियच्चा जाव अणुवधोत्ति, से ण भते ! पज्जतअसन्निपचिंदियति-  
रिक्खजोणिए जहन्नकालट्ठिईयरयणप्पभापुढविणेरइए जहन्नकाल० २ पुणरवि  
पज्जतअसन्नि जाव गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेण दो भवग्गहणाइ, काला-  
देसेण जहन्नेण दसवाससहस्साइ अतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण पुव्वकोढी दसहिं  
वाससहस्सेहिं अब्भहिया एवइय कालं सेवेज्जा एवइय कालं गइरागइं करेज्जा २ ।  
पज्जतअसन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिए ण भते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएस्स रयणप्प  
भापुढविणेरइएस्स उववज्जितए से ण भते ! केवइयकालट्ठिईएस्स उववज्जेज्जा ? गोयमा !  
जहन्नेण पलिओवमस्स असखेज्जइभागट्ठिईएस्स उववज्जेज्जा, उक्कोसेणवि पलिओवमस्स  
असखेज्जइभागट्ठिईएस्स उववज्जेज्जा, ते ण भते ! जीवा अवसेसं त चेव जाव अणु-  
वधो । से ण भते ! पज्जतअसन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयण-  
प्पभापुढविणेरइए उक्कोस पुणरवि पज्जत जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेण दो भव-  
ग्गहणाइ, कालादेसेण जहन्नेण पलिओवमस्स असखेज्जइभाग अतोमुहुत्तमब्भहिय  
उक्कोसेण पलिओवमस्स असखेज्जइभाग पुव्वकोढिमब्भहिय एवइयं कालं सेवेज्जा

एवम् कर्म गङ्गागर्ह करेया ३ । अह्नश्चक्रद्विर्द्वयज्जातमसन्निधिर्यसि विरिक्क-  
 बोमि ए नं मते । के मणि ए रयवप्यभापुडमिनेरूपुष्ट उववजित ए से नं मते ।  
 केन्द्रश्चक्रद्विर्द्वय उववज्जेया । योक्मा । अह्नेर्न दसवाचसहस्रद्विर्द्वय उवोसेनं  
 पस्मिन्नोक्तमस्य असेवेज्जमापिद्विर्द्वय उववज्जेया से नं मते । यीवा एमसमर्ण  
 केन्द्रना असेवेर्न तं नव पवरे इमाई तिथि नापताई माई अजसवसाणा अचुर्वचो  
 व अह्नेर्न द्विर्द्वय अतोमुहुत्तं उवोसेनमि अतोमुहुत्तं तेति नं मते । जीवां केन्द्रना  
 अजसवसाणा प १ योक्मा । असेवेज्जा अजसवसाणा प से नं मते । किं  
 पसता अप्यसत्ता । योक्मा । नो पसता अप्यसत्ता अचुर्वचो अतोमुहुत्तं सेर्न  
 तं नव । से नं मते । अह्नश्चक्रद्विर्द्वयज्जातमसन्निधिर्यसि रयवप्यभा वाव  
 करेया । योक्मा । मवारसेर्न हो मवगाहनाई, काकादेर्न अह्नेर्न दसवाचसह-  
 स्रताई अतोमुहुत्तममम्विवाई उवोसेनं पस्मिन्नोक्तमस्य असेवेज्जमापि अतोमुहु-  
 तममम्विर्न एवम् कर्म सेवेजा वाव गङ्गागर्ह करेया ४ । अह्नश्चक्रद्विर्द्वयज-  
 ज्जातमसन्निधिर्यसि विरिक्कबोमि ए नं मते । के मणि ए अह्नश्चक्रद्विर्द्वय रयव-  
 प्यभापुडमिनेरूपुष्ट उववजित ए से नं मते । केन्द्रश्चक्रद्विर्द्वय उववज्जेया ।  
 योक्मा । अह्नेर्न दसवाचसहस्रद्विर्द्वय उवोसेनमि दसवाचसहस्रद्विर्द्वय उव-  
 वज्जेया से नं मते । यीवा सेर्न तं नव ताई नव तिथि नापताई वाव से नं  
 मते । अह्नश्चक्रद्विर्द्वयज्जात वाव बोमि ए अह्नश्चक्रद्विर्द्वय रयवप्यभा पुपरमि  
 वाव योक्मा । मवारसेर्न हो मवगाहनाई, काकादेर्न अह्नेर्न दसवाचसहस्रताई  
 अतोमुहुत्तममम्विवाई उवोसेनमि दसवाचसहस्रताई अतोमुहुत्तममम्विवाई एवम्  
 कर्म सेवेजा वाव करेया ५ । अह्नश्चक्रद्विर्द्वयज्जात वाव विरिक्कबोमिवां  
 मते । के मणि ए अह्नश्चक्रद्विर्द्वय रयवप्यभापुडमिनेरूपुष्ट उववजित ए ॥ नं मते ।  
 केन्द्रश्चक्रद्विर्द्वय उववज्जेया । योक्मा । अह्नेर्न पस्मिन्नोक्तमस्य असेवेज्जमापि-  
 मद्विर्द्वय उवोसेनमि पस्मिन्नोक्तमस्य असेवेज्जमापिद्विर्द्वय उववज्जेया से नं  
 मते । यीवा असेवेर्न तं नव ताई नव तिथि नापताई वाव से नं मते । अह-  
 न्श्चक्रद्विर्द्वयज्जात वाव विरिक्कबोमि ए उवोसेनामद्विर्द्वय रयवप्यभा वाव करेया ।  
 योक्मा । मवारसेर्न हो मवगाहनाई, काकादेर्न अह्नेर्न पस्मिन्नोक्तमस्य असेवे-  
 ज्जमापि अतोमुहुत्तममम्विर्न उवोसेनमि पस्मिन्नोक्तमस्य असेवेज्जमापि अतोमुहुत्त-  
 ममम्विर्न एवम् कर्म वाव करेया ६ । उवोसेनामद्विर्द्वयज्जातमसन्निधिर्यसि विरिक्क-  
 बोमि ए नं मते । के मणि ए रयवप्यभापुडमिनेरूपुष्ट उववजित ए से नं  
 मते । केन्द्रश्चक्रद्विर्द्वय वाव उववज्जेया । योक्मा । अह्नेर्न दसवाचसहस्रद्वि-

इएसु उयोसेण, पलिओवमस्स असखेज्जइभागट्ठिइएसु उववज्जेजा, ते ण भते ! जीवा एगसमएण अवसेस जहेव ओहियगमएण तहेव अणुगतत्त्व, नवर (जान) इमाई दोन्नि नाणत्ताइ-ठिई जहन्नेण पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, एव अणुयधोवि, अवसेसं त चेव, से ण भते ! उक्कोसकालट्ठिइयपज्जत्तअसन्नि जाव तिरिक्खजोणिए रयणप्पभा जाव गोयमा ! भवादेसेण दो भवग्गहणाइ, कालादेसेण जहन्नेण पुव्वकोडी दमहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेण पलिओवमस्स असखेज्ज इभाग पुव्वकोडीए अब्भहिय एवइय जाव करेज्जा ७ । उक्कोसकालट्ठिइयपज्जत्त तिरिक्खजोणिए ण भते ! जे भविए जहन्नकालट्ठिइएसु रयणप्पभा जाव उववज्जितए से ण भते ! केवइ जाव उववज्जेजा ? गोयमा ! जहन्नेण दसवाससहस्सट्ठिइएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिइएसु उववज्जेजा, ते ण भते ! सेस तं चेव जहा सत्तमगमए जाव से णं भते ! उक्कोसकालट्ठिइ जाव तिरिक्खजोणिए जहन्नकालट्ठिइयरयणप्पभा जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेण दो भवग्गहणाइ, कालादेसेण जहन्नेण पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणवि पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया एवइय जाव करेज्जा ८ । उक्कोसकालट्ठिइयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए ण भते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिइएसु रयणप्पभा जाव उववज्जितए से ण भते ! केवइयकाल जाव उववज्जेजा ? गोयमा ! जहन्नेण पलिओवमस्स असखेज्जइभागट्ठिइएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असखेज्जइभागट्ठिइएसु उववज्जेजा, ते ण भते ! जीवा एगसमएण सेसं जहा सत्तमगमए जाव से ण भते ! उक्कोसकालट्ठिइयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिइयरयणप्पभा जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेण दो भवग्गहणाइ, कालादेसेण जहन्नेण पलिओवमस्स असखेज्जइभाग पुव्वकोडीए अब्भहिय उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असखेज्जइभाग पुव्वकोडीए अब्भहिय एवइय काल सेवेज्जा जाव गइरागइ करेज्जा ९ । एवं एए ओहिया तिन्नि गमगा ३, जहन्नकालट्ठिइएसु तिन्नि गमगा ६, उक्कोसकालट्ठिइएसु तिन्नि गमगा ९, सव्वेते णव गमगा भवति ॥ ६९१-२ ॥ जइ सन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सखेज्जवासाउयसन्निपचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असखेज्जवासाउयसन्निपचिंदियतिरिक्ख जाव उववज्जति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउयसन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति णो असंखेज्जवासाउयसन्निपचिंदिय जाव उववज्जति, जइ संखेज्जवासाउयसन्निपचिंदिय जाव उववज्जति किं जलचरेहिंतो उववज्जति पुच्छा, गोयमा ! जलचरेहिंतो उववज्जति जहा असन्नी जाव पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति णो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जति,

नो कसु मे अंतराप आहरिस्वामि इत्येयार्थं जायतमार्थं उपाश्रम्य ॥ ११४ ॥ अह  
 मिन्व वाभिजा सप्त पिंडेस्वाम्यो सप्त पानेस्वाम्यो तत्तु कसु इमा पञ्चमा पिंडेस्वाम्य  
 अर्धसद्वे इत्ये अर्धसद्वे मते, तदह्यगारेण अर्धसद्वेण इत्येन वा मतेन वा अर्धस  
 वा पतेन वा आत्मे वा सत्त्वेन वा सर्वे वा नै वाएज्या परो वा से विजा फासुर्न  
 वाज पडियाद्विजा इति पञ्चमा पिंडेस्वाम्य ॥ ११५ ॥ अहावर्य बोध्या  
 पिंडेस्वाम्य सद्वे इत्ये सद्वे मत्तप तदेव बोध्या पिंडेस्वाम्य इति बोध्या पिंडे  
 स्वाम्य ॥ ११६ ॥ अहावर्य तच्चा पिंडेस्वाम्य इह कसु पार्थिव वा ४ संतेगप्या  
 सहा मर्त्ति पाहजन् वा जाय कम्मजरी वा तंति न न अन्तरेसु निरुत्तरस्ये  
 मान्यवापसु उदमिनि-उदपुज्ये सिवा तंजहा बार्त्ति वा पिडरंति वा सरंगंति वा  
 परंगंति वा बरपंति वा अह पुन एव वाभिजा अर्धसद्वे इत्ये सद्वे मते सद्वे  
 इत्ये अर्धसद्वे मते से न पडिमाहवापि सिवा पाविपडिग्यद्विप् वा से पुष्पायेन  
 आमाप्या "आम्भोति वा नमिभि ति वा एएव तुम् अर्धसद्वेण इत्येन संसद्वेन  
 मतेन संसद्वेन वा इत्येन अर्धसद्वेन मतेन अर्त्ति पडिग्यद्विप्ति वा प्यमिति वा  
 निष्टु उक्तिषु द्वायार्त्ति" तदह्यगारं मोक्षनार्थं सर्वं वा नै वाएज्या परो वा से  
 विजा फासुर्न वाज पडियाद्विजा तच्चा पिंडेस्वाम्य ॥ ११७ ॥ अहावर्य अद्विज्या  
 पिंडेस्वाम्य ॥ से मिन्व वा (१) से न पुन जाभिजा पिडुर्न वा जाय वाह  
 कम्मर्त्त वा अर्त्ति कसु पडिग्यद्विप्ति नप्ये पञ्चाकम्मे नप्ये पञ्चवाप, तदह्य-  
 गारं पिडुर्न वा जाय वाहकम्मर्त्त वा सर्वं वा वाएज्या जाय पडियाद्विज्या । इति  
 अद्विज्या पिंडेस्वाम्य ॥ ११८ ॥ अहावर्य पंचमा पिंडेस्वाम्य से मिन्व वा  
 मिन्वुनी वा जाय समाने उम्यद्विज्येन मोक्षनार्थं जाभिजा तंजहा-सरंगंति  
 वा विडिर्त्ति वा जेसयंति वा अह पुन एव जाभिजा बहुपरिवाकसे पार्त्ति  
 उदपयने तदह्यगारं अर्धसं वा (४) सर्वं वा नै वाएज्या जाय पडियाद्विज्या ॥  
 पंचमा पिंडेस्वाम्य ॥ ११९ ॥ अहावर्य छद्मा पिंडेस्वाम्य से मिन्व वा (१)  
 पमाद्विज्येन मोक्षनार्थं जाभिजा नै न सकृदाप पमद्विर्त्त नै न परादाप पमद्विर्त्त  
 तं पायपरिवाकसे तं पाविपरिवाकस्य फासुर्न वाज पडियाद्विजा छद्मा पिंडेस्वाम्य  
 ॥ १२० ॥ अहावर्य सप्तमा पिंडेस्वाम्य से मिन्व वा (१) जाय समाने बहु  
 उमिन्ववमिन्व मोक्षनार्थं जाभिजा नै न उदे बहुवे पुपक-वद्वय-छाग-माहव-  
 अद्विज्या-विद्वय-वनीमगा जायवर्त्तंति तदह्यगारं उमिन्ववमिन्व मोक्षनार्थं सर्वं वा  
 नै वाएज्या परो वा से विजा जाय फासुर्न पडियाद्विज्या ॥ सप्तमा पिंडेस्वाम्य ॥  
 इत्येयामो सप्त पिंडेस्वाम्यो ॥ १२१ ॥ अहावर्यो सप्त अनेस्वाम्यो तत्तु  
 ४ सुपा











पुव्वकोढी उक्कोसेणवि पुव्वकोढी, एव अणुवधोवि, कालादेसेण जहन्नेणं पुव्वकोढी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेण चत्तारि सागरोवमाई चउहिं पुव्वकोढीहिं अब्भहियाइ एवइय काल जाव करेज्जा ७ । सो चेव जहन्नकालट्टिईएण उववन्नो सधेव सत्तमगमगवत्तव्वया नवरं कालादेसेण जहन्नेण पुव्वकोढी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोढीओ चत्तालीसाए वागसहरसेहिं अब्भहियाओ एवइय काल जाव करेज्जा ८ । सो चेव उक्कोमकालट्टिईएण उववन्नो सा चेव सत्तमगमगवत्तव्वया नवरं कालादेसेण जहन्नेण एग सागरोवम पुव्वकोढीए अब्भहियं उक्कोसेण चत्तारि सागरोवमाई चउहिं पुव्वकोढीहिं अब्भहियाइ एवइय काल जाव करेज्जा ९ ॥ ६९५ ॥ पज्जत्तसखेज्जासाउयसज्जिमणुस्से ण भते । जे भविए सक्करप्प भाए पुढवीए नेरइएण जाव उववज्जितए से ण भते । केवइयकाल जाव उववजेज्जा ? गोयमा । जहन्नेण सागरोवमट्टिईएण उक्कोसेण तिसागरोवमट्टिईएण उववजेज्जा, ते ण भते ! एण सो चेव रयणप्पभापुढविगमओ णेयव्वो नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेण रयणिपुहुत्त उक्कोसेण पंचधणुहसयाई, ठिई जहन्नेण वासपुहुत्त उक्कोसेण पुव्वकोढी, एव अणुवधोवि, सेस त चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेण जहन्नेण सागरोवम वासपुहुत्त मव्वहिय उक्कोसेण बारस सागरोवमाइ चउहिं पुव्वकोढीहिं अब्भहियाइ एवइय जाव करेज्जा १, एव एसा ओहिएण तिसु गमएण मणूमस्स लद्धी नाणत्त नेरइयट्टिई कालादेसेण सवेह च जाणेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्टिईओ जाओ तिसुवि गमएण एस चेव लद्धी नवर सरीरोगाहणा जहन्नेण रयणिपुहुत्त उक्कोसेणवि रयणिपुहुत्त, ठिई जहन्नेण वासपुहुत्त उक्कोसेणवि वासपुहुत्त एवं अणुवधोवि, सेस जहा ओहियाण संवेहो सव्वो उव(जुज्जि)जुज्जिण भाणियव्वो ४-५-६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्टिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएण इम नाणत्त-सरीरोगाहणा जहन्नेण पच धणुहसयाइ उक्कोसेणवि पचधणुहसयाई, ठिई जहन्नेण पुव्वकोढी उक्कोसेणवि पुव्वकोढी एव अणुवधोवि, सेस जहा पढमगमए नवरं नेरइयठि(ई) इ कायसवेह च जाणेज्जा ९, एव जाव छट्ठपुढवी नवर तच्चाए आढवेत्ता एक्केक्क सघयण परिहायइ जहेव तिरिक्खजोणियाण कालादेसोवि तहेव नवरं मणुस्सट्टिई भाणियव्वो ॥ पज्जत्तसखेज्जा साउयसज्जिमणुस्से ण भते । जे भविए अहेसत्तमापुढविनेरइएण उववज्जितए से ण भते । केवइयकालट्टिईएण उववजेज्जा ? गोयमा । जहन्नेण चावीस सागरोवमट्टिईएण उक्कोसेणं तेत्तीस सागरोवमट्टिईएण उववजेज्जा, ते ण भते । जीवा एगसमएण अवसेसो सो चेव सक्करप्पभापुढविगमओ णेयव्वो नवरं पढम सघयण इत्थिवेयगा न उववज्जति सेस तं चेव जाव अणुवधोत्ति, भवादेसेण दो भवग्गहणाइ



उववज्जति, चद्रोगभनारायसघयणी, ओगाहणा जहणेण भणुहपुहुत उयोसेण ॥  
गाउयाई, ममचउरंससंठागसंठिया ५०, चत्तारि छेस्माओ आग्राओ, णो सम्मदिट्ठी  
मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णो णाणी अत्ताणी नियम दुअत्ताणी मदअत्ताणी न  
सुयअत्ताणी य, जोगो तिप्पिहोवि, उवओगो दुप्पिहोवि, चत्तारि मत्ताओ, चत्तारि  
कसाया, पच इदिया, तिप्पि समुत्पाया आग्राया, ममोदयावि मरंति असमोदयावि  
मरंति, वेयणा दुप्पिहावि सागावेयगावि अगायावेयगावि, चेदो दुप्पिहोवि रथिवंगगावि  
पुरिसवेयगावि णो नपुसगवेयगा, ठिइ जहणेण साइरेगा पुव्वकोटी उयोसेण तिप्पि  
पलिओवमाइ, अज्जवमाणा पसत्यावि अप्पमत्थाणि, अणुबधो जहेव ठिइ, वायसवेदो  
भवादेसेण दो भयगहणाई, कालादेसेण जहणेण साइरेगा पुव्वकोटी दसहिं वास-  
सहस्सेहिं अब्भहिया उयोसेण छप्पलिओवमाइ एवइय जाव फरेज्जा १, सो चेव  
जहणकालट्ठिइएसु उववओ एम चेव वत्तव्वया नवरं असुरकुमारट्ठि(ई)इ संवेह च  
जाणेज्जा २, सो चेव उयोसकालट्ठिइएसु उववओ जहणेण तिप्पिओवमट्ठिइएसु  
उयोसेणवि तिप्पलिओवमट्ठिइएसु उववजेज्जा एम चेव वत्तव्वया नवरं ठिइं से  
जहणेण तिप्पि पलिओवमाइ उयोसेणवि तिप्पि पलिओवमाइ एव अणुबधोवि,  
कालादेसेण जहणेण छप्पलिओवमाइ उयोसेणवि छप्पलिओवमाइ एवइय सेस त  
चेव ३, सो चेव अप्पणा जहणकालट्ठिइओ जाओ जहणेण दसवारगहस्सट्ठिइएसु  
उयोसेण साइरेग पुव्वकोटीआउएसु उववजेज्जा, ते ण भते ! अयसेस तं  
चेव जाव भवादेसोत्ति, नवरं ओगाहणा जहणेण धणुहपुहुत उयोसेण साइरेगं  
धणुहसहस्सं, ठिइं जहणेण साइरेगा पुव्वकोटी उयोसेणवि साइरेगा पुव्वकोटी एवं  
अणुबधोवि, कालादेसेण जहणेण साइरेगा पुव्वकोटी दसहिं वासगहस्सेहिं अब्भहिया  
उयोसेण साइरेगाओ दो पुव्वकोटीओ एवइय ४, सो चेव अप्पणा जहणकालट्ठिइ-  
एसु उववणो एस चेव वत्तव्वया नवरं असुरकुमारट्ठिइ संवेह च जाणेज्जा ५, सो चेव  
उयोसकालट्ठिइएसु उववणो जहणेण साइरेगपुव्वकोटीआउएसु उयोसेणवि साइरे-  
गपुव्वकोटीआउएसु उववजेज्जा सेस त चेव, नवरं कालादेसेण जहणेण साइरेगाओ दो  
पुव्वकोटीओ उयोसेणवि साइरेगाओ दो पुव्वकोटीओ एवइय काल सेवेज्जा ६, सो  
चेव अप्पणा उयोसकालट्ठिइओ जाओ सो चेव पढमगमगो भाणियव्वो नवरं ठिइं  
जहणेण तिप्पि पलिओवमाइ उयोसेणवि तिप्पि पलिओवमाइ एव अणुबधोवि,  
कालादेसेण जहणेण तिप्पि पलिओवमाइ दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उयो-  
सेण छ पलिओवमाइ एवइय ७, सो चेव जहणकालट्ठिइएसु उववओ एस चेव वत्त-  
व्वया नवरं असुरकुमारट्ठिइ संवेह च जाणेज्जा ८, सो चेव उयोसकालट्ठिइएसु उववओ



एएसिं रयणप्पभाए उववज्जमाणण णव गमगा तहेव इहवि णव गमगा भाणियव्वा  
 णवरं सवेहो साइरेणेण सागरोवमेण कायव्वो सेसं त चेव ९, सेवं भते । २ ति  
 ॥ ६९७ ॥ चउवीसइमे सए वीओ उदेसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एव वयासी-नागकुमारा ण भते । कओहिंतो उववज्जति किं  
 नेरइएहिंतो उववज्जति तिरि० मणु० देवेहिंतो उववज्जति ? गोयमा । णो नेरइएहिंतो  
 उववज्जति तिरिक्खजोणिएहिंतो उ० मणुस्सेहिंतो उववज्जति नो देवेहिंतो उववज्जति,  
 जइ तिरिक्खजोणि० एव जहा असुरकुमाराण वत्तव्वया तहा एएसिंपि जाव अस-  
 ण्णित्ति, जइ सन्निपच्चिदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उ० किं सखेज्जवासाउय० असखेज्जवा-  
 साउय० ? गोयमा । सखेज्जवासाउय० असखेज्जवासाउय जाव उववज्जति, असखे-  
 ज्जवासाउयसन्निपच्चिदियतिरिक्खजोणिए ण भते । जे भविए नागकुमारेसु उववज्जि-  
 त्तए से णं भते । केवइकालट्ठिई० ? गोयमा । जहन्नेणदस वाससहस्सट्ठिईएसु उक्को  
 सेण देसूणदुपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेजा, ते ण भते । जीवा अवसेसो सो चेव अस-  
 रकुमारेसु उववज्जमाणस्स गमगो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेण जहन्नेण  
 साइरेगा पुव्वकोढी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेण देसूणाइ पंच पलि-  
 ओवमाइ एवइय जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववज्जो एस चेव वत्त  
 व्वया नवरं णागकुमारट्ठिइ सवेह च जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववज्जो  
 तस्सवि एम चेव वत्तव्वया नवरं ठिई जहन्नेण देसूणाइ दो पलिओवमाइ उक्कोसेण  
 तिन्नि पलिओवमाइ सेस त चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेण जहन्नेण देसूणाइ  
 चत्तारि पलिओवमाइ उक्कोसेण देसूणाइ पंच पलिओवमाइ एवइय काल० ३, सो चेव  
 अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु जहेव असुरकुमारेसु उव-  
 वज्जमाणस्स जहन्नकालट्ठिईयस्स तहेव निरवसेस ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकाल-  
 ट्ठिईओ जाओ तस्सवि तहेव तिन्नि गमगा जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स नवरं  
 नागकुमारट्ठिइ सवेह च जाणेज्जा सेस त चेव ९ ॥ जइ सखेज्जवासाउयसन्निपच्चिदिय  
 जाव किं पज्जत्तसखेज्जवासाउय० अपज्जत्तसखेज्ज० ? गोयमा । पज्जत्तसखेज्जवासाउय०  
 णो अपज्जत्तसखेज्जवामाउय०, पज्जत्तसखेज्जवासाउय जाव जे भविए नागकुमारेसु  
 उववज्जित्तए से ण भते । केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेजा ? गोयमा । जहन्नेण दसवा-  
 ससहस्सट्ठि० उक्कोसेण देसूणदोपलिओवमट्ठि० एव जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स  
 वत्तव्वया तहेव इहवि णवमुवि गमएसु, णवरं नागकुमारट्ठिइ सवेह च जाणेज्जा, सेस  
 त चेव ९ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जति किं सन्निमणु० असण्णिमणु० ? गोयमा ।  
 सन्निमणु० णो असन्निमणुस्से० जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स जाव असखेज्जवा-



खलु इमा पडमा पाणेमणा, अससद्धे हत्थे २ त चेव भाणियत्थ, णवरं चउत्ताए  
 णाणत्तं, से भिक्खू वा ( ० ) जाव गमाणे से ज पुण पाणगजायं जाणिज्जा, तत्रहा-  
 तिलोदग वा, तुमोदग वा, जवोदग वा, आयाम गा, सोवीरं वा, मुदवियड वा,  
 अस्मि खलु पडिग्गाहियसि अप्पे पच्छाक्रम्मे, तद्देव पडिग्गाहिज्जा ॥ ६४२ ॥  
 इच्चेयासिं गत्तप्पह पिट्ठेमणाग मत्तप्पह पाणेमणाण अण्णतर पडिम पडिवज्जमाणे णो एव  
 वएज्जा “मिच्छापडिवण्णा गलु एते भयतारो अहमेगे गम्म पडिवज्जे, जे एते भय-  
 तारो एयाओ पडिमाओ पडिवज्जिताण विहरति, जो य अहममि एय पडिम पडिक्-  
 ज्जिताण विहरामि खन्वेऽवि ते उ जिणाणाए उवट्ठिया अन्नोन्नममाहीए एव च  
 विहरति ॥ ६४३ ॥ एय खलु तस्म भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा मामग्गिय ॥ ६४४ ॥  
 पिट्ठेसणा णामज्जयणस्स एगारसमोद्देशो, विइयसुयस्स खथस्स पिट्ठे-  
 सणा णामं पढमज्जयण समत्त ॥

से भिक्खू वा ( ० ) अभिक्कमेज्जा, उवस्सयं एमित्तए, से अणुपविसं गाम वा  
 जाव रायहागिं वा ॥ ६४५ ॥ से ज पुण उवस्सयं जाणिज्जा, सखड जाव मस-  
 ताणय तहप्पगारे उवस्सए णो ठाण वा सेज्ज वा निसीहिय वा चेतेज्जा ॥ ६४६ ॥  
 से भिक्खू वा ( ० ) से ज पुण उवस्सयं जाणिज्जा, अप्पड अप्पपाण जाव अप्प-  
 सताणय तहप्पगारे उवस्सए पडिलेहिता पमज्जिता, तओ सजयामेव ठाण वा सेज्ज  
 वा निसीहिय वा चेतेज्जा ॥ ६४७ ॥ से ज पुण उवस्सयं जाणिज्जा अस्मिपडियाए  
 एग साहम्मिय समुद्दिस्स पाणाइ भूयाई जीवाइ सत्ताइ समारब्भ समुद्दिस्स कीयं  
 पामिच्चं अच्छिज्ज अणिसद्ध अभिहड आहट्ठु चेएति तहप्पगारे उवस्सए पुरिसत-  
 रगडे वा अपुरिसतरगडे वा जाव अणासेविते वा णो ठाण वा सेज्ज वा निसीहिय  
 वा चेतेज्जा । एव बहवे साहम्मिया एगा साहम्मिणी बहवे साहम्मिणीओ ॥ ६४८ ॥  
 से भिक्खू वा ( ० ) से ज पुण उवस्सयं जाणिज्जा असजए भिक्खुपडियाए बहवे  
 समणमाहणवतिहिकिवणवणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स पाणाइ भूयाई जीवाई  
 सत्ताई जाव चेएइ तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसतरगडे जाव अणासेविए णो ठाण  
 वा सेज्ज वा निसीहिय वा चेतेज्जा, अह पुण एव जाणिज्जा पुरिसतरगडे जाव आसे-  
 विए पडिलेहिता पमज्जिता तओ सजयामेव ठाण वा सेज्ज वा निसीहिय वा चेतेज्जा  
 ॥ ६४९ ॥ से भिक्खू वा ( २ ) से ज पुण उवस्सयं जाणिज्जा, असजए भिक्खु  
 पडियाए कडिए वा, उक्कविए वा, छन्ने वा, लिप्पे वा, घट्ठे वा, मट्ठे वा, समट्ठे वा,  
 सपधूमिए वा, तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसतरगडे जाव अणासेविए, णो ठाण वा,  
 सेज्ज वा, निसीहियं वा, चेतेज्जा, अह पुण एव जाणिज्जा पुरिसतरगडे जाव आसे-





सम्मदिट्ठी मिन्नादिट्ठी णो सम्मानिन्नादिट्ठी, णो णाणी अजाणी दो अजाणा निदनें,  
 णो मणजोगी णो वडजोगी वायजोगी, उवओगो दुमिहोरी, चत्तारि गम्माओ, चत्तारि  
 कसाया, एगे फासिदिण पसासे, तिणि गमुग्गया, पैयगा दुमिहा, णो इत्थिचेदगा  
 णो पुरिमचेदगा नपुग्गचेदगा, ठिइ जह्मेणं अतोमुहुत्ता उओसेणं वावीसं वास-  
 सहस्साइ, अज्जावगाणा पसत्थाणि अप्पगत्थावि अणुवधो जहा ठिइ १, सो चेव  
 भते । पुडविकाइए पुणरवि पुडविकाइएणि केवइय काल संवेज्जा चउअं काल  
 गइरागइ करेज्जा २ गोयमा । भवादेसेणं जह्मेण दो भवग्गहणाइं उओसेण अस  
 सेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेण जह्मेण दो अतोमुहुत्ता उओसेण असंवेज्ज काल  
 एवइय जाव करेज्जा १, सो चेव जह्मकालट्ठिइंएस उवओ जह्मेण अतोमुहुत्त-  
 ट्ठिइंएस उओसेणवि अतोमुहुत्ताट्ठिइंएस एव चंय वत्तव्वया निरवसेगा २, सो चेव  
 उओसकालट्ठिइंएस उवओ जह्मेण वावीसवाससहस्सट्ठिइंएस उओसेणवि वावीस  
 वाससहस्सट्ठिइंएस सेसं तं चेव जाव अणुवधोसि, णवरं जह्मेण एओ वा दो वा  
 तिणि वा उओसेण सवेज्जा वा असंवेज्जा वा उववजेज्जा, भवादेसेण जह्मेण दो  
 भवग्गहणाइं उओसेण अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेण जह्मेण वावीस वाससह-  
 स्साइ अतोमुहुत्तमब्भहियाइं उओसेण छावत्तारि वागमहस्सुत्तरं मयराहस्सं एवइय  
 काल जाव करेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जह्मकालट्ठिइंओ जाओ सो चेव पडमि-  
 हओ गमओ भाणियव्वो नवरं टेस्ताओ तिणि, ठिइं जह्मेणं अतोमुहुत्ता उओसेणवि  
 अतोमुहुत्तं, अप्पसत्था अज्जावसाणा, अणुवधो जहा ठिइं सेस तं चेव ४, सो चेव  
 जह्मकालट्ठिइंएस उवओ संवेव चउत्थगमगवत्तव्वया भाणियव्वया ५, सो  
 चेव उओसकालट्ठिइंएस उवओ एस चेव वत्तव्वया नवरं जह्मेण एओ वा दो वा  
 तिणि वा उओसेण सवेज्जा वा असवेज्जा वा जाव भवादेसेण जह्मेण दो भवग्गहणाइं  
 उओसेण अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेण जह्मेण वावीस वाससहस्साइं अतोमुहुत्त-  
 मब्भहियाइं उओसेण अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अतोमुहुत्तेहिं अम्भहियाइं  
 एवइय ० ६, सो चेव अप्पणा उओसकालट्ठिइंओ जाओ एव तइयगमगसरिसो  
 निरवसेसो भाणियव्वो नवरं अप्पणा से ठिइं जह्मेण वावीस वाससहस्साइं उओसे-  
 णवि वावीस वाससहस्साइं ७, सो चेव जह्मकालट्ठिइंएस उवओ जह्मेणं अतो-  
 मुहुत्ता उओसेणवि अतोमुहुत्ता, एव जहा सत्तमगमगो जाव भवादेसो, कालादेसेण  
 जह्मेण वावीसं वाससहस्साइं अतोमुहुत्तमब्भहियाइं उओसेण अट्ठासीइं वाससह-  
 स्साइं चउहिं अतोमुहुत्तेहिं अम्भहियाइं एवइय ० ८, सो चेव उओसकालट्ठिइंएस  
 उवओ जह्मेणं वावीसं वाससहस्सट्ठिइंएस उओसेणवि वावीस वाससहस्सट्ठिइंएस एस



य तिसु गमएसु जहण्णेण अगुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण साइरेग जोयणसहस्स मज्झिअएसु तिसु तहेव जहा पुढविकाइयाणं सवेहो ठिई य जाणियव्वा तइयगमए कालादेसेण जह्णेण वावीस वाससहस्साई अतोमुहुत्तमब्भहियाई उक्कोसेण अट्ठावीसुत्तरं वाससयसहस्स एवइय एव संवेहो उवजुजिऊण भाणियव्वो ॥ ७०० ॥

जइ वेइदिएहिंतो उववज्जति किं पज्जतवेइदिएहिंतो उववज्जति अपज्जतवेइदिएहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! पज्जतवेइदिएहिंतो उववज्जति अपज्जतवेइदिएहिंतोवि उववज्जति, वेइदिए ण भते । जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जितए से ण भते । केवइ-काल० ? गोयमा ! जहण्णेण अतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेण वावीस वाससहस्सट्ठिईएसु, ते ण भंते ! जीवा एगसमएण० ? गोयमा ! जह्णेण एको वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा वा असखेज्जा वा उववज्जति, छेवट्ठसघयणी, ओगाहणा जह्णेण अगुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण बारस जोयणाइ, हुडसठिया, तिन्नि लेस्साओ, सम्मदिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि नो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो णाणा दो अजाणा नियमं, णो मणजोगी वइजोगीवि कायजोगीवि, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सत्ताओ, चत्तारि क्साया, दो इदिया ५०, त०-जिब्भदिए य फासिदिए य, तिन्नि समुग्घाया सेसं जहा पुढविकाइयाण नवरं ठिई जह्णेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण बारस सवच्छराई एव अणुवघोवि, सेस त चेव, भवादेसेण जह्णेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेण सखेज्जाई भवग्गहणाइ, कालादेसेणं जह्णेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेणं सखेज्ज काल एवइयं० १, सो चेव जह्णकालट्ठिईएसु उववओ एस चेव वत्तव्वया सव्वा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववओ एसा चेव वेइदियस्स लद्धी नवरं भवादेसेण जह्ण्णेणं दो भवग्गहणाइ उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाई, कालादेसेण जह्णेणं वावीसं वाससहस्साई अतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण अट्ठासीई वाससहस्साई अट्ठयालीसाए संवच्छरेहिं अब्भहियाइ एवइय० ३, सो चेव अप्पणा जह्णकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि एस चेव वत्तव्वया तिसुवि गमएसु नवरं इमाइ सत्त णाणत्ताई सरीरोगाहणा जहा पुढविकाइयाणं, णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो अजाणा नियमं, णो मणजोगी णो वइजोगी कायजोगी, ठिई जह्णेण अतोमुहुत्त उक्कोसेणवि अतोमुहुत्त, अज्झवसाणा अप्पसत्त्या, अणुवंधो जहा ठिई, सवेहो तहेव आइल्लेसु दोसु गमएसु तइयगमए भवादेसो तहेव अट्ठ भवग्गहणाइ कालादेसेण जह्णेण वावीस वाससहस्साई अतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण अट्ठासीई वाससहस्साई चउहिं अतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाई ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एयस्सवि ओहियगमगसरिसा तिन्नि गमगा भाणियव्वा नवरं तिसुवि गमएसु ठिई जह्णेण



मज्झिमएसु तिसु गमएसु पच्छिन्नएसु तिसु गमएसु जहा एयस्स चेव पढमगमए,  
नवरं ठिई अणुवधो जह्वेण पुव्वकोढी उक्कोसेणवि पुव्वकोढी, सेस त चेव जाव  
नवम गमए जह्वणेण पुव्वकोढी वावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेण चत्तारि  
पुव्वकोढीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइय काल सेवेजा ० ९ ॥ जइ  
सन्निपंचिदियतिरिक्खजोणि जाव उ० किं सखेज्जवासाउय० असखेज्जवासाउय० ?  
गोयमा ! सखेज्जवासाउय० णो असखेज्जवासाउय जाव उ०, जइ सखेज्जवासाउय जाव  
उ० किं जलचरेहिंतो सेस जहा असञ्चीण जाव ते ण भते ! जीवा एगसमएण केवइया  
उववज्जति एव जहा रयणप्पमाए उववज्जमाणस्स सन्निपंचिदियस्स तहेव इहवि, नवरं  
ओगाहणा जह्वेण अगुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण जोयणसहस्स सेस तहेव  
जाव कालादेसेण जह्वेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण चत्तारि पुव्वकोढीओ अट्ठासीईए  
वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइय०, एव सवेहो णवसुवि गमएसु जहा असञ्चीण  
तहेव निरवसेस लद्धी से आइल्लएसु तिसुवि गमएसु एस चेव मज्झिमएसुवि तिसु गम  
एसु एस चेव नवरं इमाइ नव णाणत्ताइ ओगाहणा जह्वेण अगुलस्स असखेज्जइभागं  
उक्कोसेणवि अगुलस्स असखेज्जइभागं, तिञ्चि लेस्साओ, मिच्छादिट्ठी, दो अन्नाणा,  
कायजोगी, तिञ्चि समुन्धाया, ठिई जह्वेण अतोमुहुत्ता उक्कोसेणवि अतोमुहुत्ता,  
अप्पसत्था अज्झवसाणा, अणुवधो जहा ठिई सेस त चेव, पच्छिन्नएसु तिसुवि गम  
एसु जहेव पढमगमए णवरं ठिई अणुवधो जह्वेण पुव्वकोढी उक्कोसेणवि पुव्वकोढी,  
सेस त चेव ९ ॥ ७०१ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जति किं सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जति  
असण्णिमणुस्सेहिंतो उ० ? गोयमा ! सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जति असण्णिमणुस्से-  
हिंतोवि उववज्जति, असण्णिमणुस्से ण भते ! जे भविए पुढविकाइएसु० से णं भते !  
केवइयकालट्ठिईएसु एव जहा असण्णिपंचिदियतिरिक्खजोणियस्स जह्वकालट्ठिई-  
यस्स तिञ्चि गमगा तहा एयस्सवि ओहिया तिञ्चि गमगा भाणियव्वा तहेव निरवसेसा  
सेसा छ न भण्णंति १ ॥ जइ सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जति किं सखेज्जवासाउय०  
असखेज्जवासाउय जाव उ० ? गोयमा ! सखेज्जवासाउय० णो असखेज्जवासाउय  
जाव उ०, जइ सखेज्जवासाउय जाव उ० किं पज्जत० अपज्जत० ? गोयमा !  
पज्जतसंखेज्जवासाउय० अपज्जतसखेज्जवासा जाव उ०, सण्णिमणुस्से णं भते ! जे  
भविए पुढविकाइएसु उववज्जितए से ण भते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जह्वणेण  
अतोमुहुत्ता उक्कोसेण वावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु, ते ण भते ! जीवा एव जहेव  
रयणप्पमाए उववज्जमाणस्स तहेव तिसुवि गमएसु लद्धी नवरं ओगाहणा जह्वणेण  
अगुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण पंचघणुहसयाइ, ठिई जह्वणेण अतोमुहुत्ता उक्को-

सेनं पुष्पकोटी पूर्णं अक्षुर्बनोति संवेष्टो नवमः समस्तः अष्टौ सविधिविधस्तु मज्जि-  
 त्तु सितं पमस्तु कटी अष्टौ सविधिविधस्तु म संतं तं येन निरनसेतं पच्छिमा  
 तिधिं धमया कदा पुरस येन ओद्धिवा यमगा नवरं ओगाहवा अहन्नेन पंचव  
 क्तुसयात् उद्धेसेनमि पंच वसुहसवात्, ठिई अक्षुर्बनो अहन्नेन पुष्पकोटी उद्धेसेनमि  
 पुष्पकोटी सेतं तद्धेन मवरं पच्छिमात्तु समस्तु संवेष्टा उक्त्वञ्चति मो असेवेया  
 उक्त्वञ्चति य अह देवेष्टितो उक्त्वञ्चति णि मयनवातिदेवेष्टितो उक्त्वञ्चति वाचम-  
 तर ओद्धिवादेवेष्टितो उक्त्वञ्चति वेमाभिवदेवेष्टितो उक्त्वञ्चति । योक्त्वा । मयन-  
 वातिदेवेष्टितोमि उक्त्वञ्चति वाच वेमाभिवदेवेष्टितोमि उक्त्वञ्चति अह मयनवातिदे-  
 वेष्टितो उक्त्वञ्चति णि अतत्तुमारमयनवातिदेवेष्टितो उक्त्वञ्चति वाच वमिस्तुमा-  
 रमयनवातिदेवेष्टितो च । योक्त्वा । अतत्तुमारमयनवातिदेवेष्टितो उक्त्वञ्चति वाच  
 वमिस्तुमारमयनवातिदेवेष्टितो उक्त्वञ्चति अतत्तुमारं च मंत । के मणिप पुच्छि-  
 क्तुसु उक्त्वञ्चतिपु छे ये मंते । केन । योक्त्वा । अह्नेन अंतोमुहूर्तं उद्धेसेनं  
 वाटीनं वसुहसवात् ठिई, से च मंते । योक्त्वा पुच्छा योक्त्वा । अहन्नेन एद्धे  
 वा हो वा तिधि वा उद्धेसेनं संवेष्टा वा असेवेष्टा वा उक्त्वञ्चति तेसि च मंते ।  
 बीवानं सरीरया निरुंनवात् प । योक्त्वा । अहं संवेष्टानां असेववपी वाच  
 परिभमेति तेसि च मंते । बीवानं केमवात्तिना सरीरोपाहवा । योक्त्वा । दुमिहा  
 प । तं -मयवातिना वा अतत्तुमिना वा एव च वा सा मयवातिना सा  
 अह्नेन अक्षुस्तु असेवेष्टमात् उद्धेसेनं सत रवपीओ एव च वा सा अतत्तु  
 केदमिना सा अह्नेन अक्षुस्तु असेवेष्टमात् उद्धेसेनं ओक्त्वसक्तुहस्तं  
 तेसि च मंते । बीवानं सरीरया निरुंनवात् प । योक्त्वा । दुमिहा प । तं -  
 मयवातिना वा अतत्तुमिना वा एव च के ते मयवातिना ते धम्यवरं स-  
 सेठनवेतिना वा एव च के ते अतत्तुमिना ते वाचासंठनवेतिना वा केदमात्ते  
 वाचति, वेष्टि तिदिहामि तिधिवाचा निरुंन तिधिवाचा मयवात्, ओगी तिदिहोमि  
 उद्धेसेनो दुमिहोमि वाचति सजाओ वाचात् कदावा पंच इतिवा पंच समुत्तमा  
 केनवा दुमिहाति इतिवेष्टाति पुरिसवेष्टामि ओ अक्षुचवेष्टा ठिई अह्नेन  
 वसुहसवात् उद्धेसेनं वाटीनं वाचरोचनं अयनवात् असेवेष्टा पतराति  
 अयनवात् अक्षुर्बनो जहा ठिई, मयवेष्टेनं हो मयम्यवात्, वाचावेष्टेनं अह्नेन  
 वसुहसवात् उद्धेसेनं अंतोमुहूर्तमम्याह्वात् उद्धेसेनं वाटीनं वाचरोचनं वाटीचात्  
 वाचसवात् अयनवेष्टं एवार्त्त एव वाचति धमा केनवा नवरं मज्जिस्तु  
 पच्छिमात्तु सितं पमस्तु अतत्तुमारं ठिईमिसेनं वाचिकमते सेठा ओद्धिवा येन

लक्ष्मी कायसंवेह च जाणेज्जा, सञ्चत्य दो भवगहणाइ जाव णवमगमए कालादेसेण जहण्णेण साइरेग सागरोवम बावीसाए वाससहस्सेहिं अञ्भहियं उक्कोसेणवि साइरेग सागरोवम बावीसाए वाससहस्सेहिं अञ्भहिय एवइय० ९ ॥ णागकुमारा ण भते । जे भविए पुढविकाइए एम चेव वत्तव्वया जाव भवादेसोत्ति, णवरं ठिई जहण्णेण दसवाससहस्साइ उक्कोसेणं देसूणाइ दो पलिओवमाइ, एव अणुवंधोवि, कालादे-  
सेण जहण्णेण दसवाससहस्साइ अतोमुहुत्तमञ्भहियाइ उक्कोसेण देसूणाइ दो पलि ओवमाइ बावीसाए वाससहस्सेहिं अञ्भहियाइ, एव णववि गमगा असुरकुमारगमग-  
सरिसा नवरं ठिइ कालादेस च जाणेज्जा, एव जाव यणियकुमारणं ॥ जइ वाणमतरदे-  
वेहिंतो उववज्जति किं पिसायवाणमतर० जाव गधव्ववाणमतर० ? गोयमा । पिसाय  
वाणमतर० जाव गधव्ववाणमतर०, वाणमतरदेवे ण भते । जे भविए पुढविकाइए  
एएसिपि असुरकुमारगमगसरिसा नव गमगा भाणियव्वा, नवरं ठिई कालादेस च  
जाणेज्जा, ठिई जहणेण दसवाससहस्साइ उक्कोसेण पलिओवम सेस तहेव ॥ जइ  
जोइसियदेवेहिंतो उववज्जति किं चदविमाणजोइसियदेवेहिंतो उववज्जति जाव तारा  
विमाणजोइसियदेवेहिंतो उ० ? गोयमा । चदविमाण जाव उ० जाव ताराविमाण जाव  
उ०, जोइसियदेवे ण भते । जे भविए पुढविकाइए लक्ष्मी जहा असुरकुमाराण णवर एगा  
तेउलेस्सा ५०, तिज्जि णाणा तिज्जि अन्नाणा णियमं, ठिई जहणेण अट्ठभागपलिओवम  
उक्कोसेणं पलिओवम वाससयसहस्समञ्भहिय एव अणुवंधोवि, कालादेसेण जहण्णेण  
अट्ठभागपलिओवम अतोमुहुत्तमञ्भहिय उक्कोसेण पलिओवम वाससयसहस्सेण बावी-  
साए वाससहस्सेहिं अञ्भहिय एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा नवरं ठिई  
कालादेसं च जाणेज्जा ॥ जइ वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जति किं कप्पोववण्णगवेमाणिय०  
कप्पातीयवेमाणिएहिंतो उ० ? गोयमा । कप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ० णो कप्पाती-  
तवेमाणिय जाव उ०, जइ कप्पोववण्ण जाव उ० किं सोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणिय०  
जाव अञ्चुयकप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ० ? गोयमा । सोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणिय०  
ईसाणकप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ०, णो सणकुमार जाव णो अञ्चुयकप्पोववण्णगवे  
माणिय जाव उ०, सोहम्मगदेवे ण भते । जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जितए से णं  
भते । केवइय० एवं जहा जोइसियस्स गमगो णवरं ठिई अणुवंधो य जहणेणं पलि-  
ओवम उक्कोसेण दो सागरोवमाइ, कालादेसेण जहण्णेण पलिओवम अतोमुहुत्तमञ्भ-  
हियं उक्कोसेण दो सागरोवमाइ बावीसाए वाससहस्सेहिं अञ्भहियाइ एवइय कालं०,  
एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा, णवरं ठिई कालादेस च जाणेज्जा । ईसाणदेवे ण  
भते । जे भविए एव ईसाणदेवेणवि णव गमगा भाणियव्वा नवरं ठिई अणुवंधो जहणेणं

सादरेण पञ्चमोऽयं लोकेन सादरेण यो सादरेणयाई सेरं तं येन । सेरं मते । १  
ति वाच मिहय ॥ ७ १ ॥ चतुर्वीसहस्रे सय चारुहमो उहेसो समसो ॥  
आववाह्यं न मते । कयोहीतो जयजति । एवं बहेन पुत्रमिहयस्तरैयय् वाच  
पुत्रमिहयय् न मते । नै मनिह् वाचवाह्यय् चयनजितय् ये न मते । केन १  
योमया । बहेनं बंतेमुहुते जयोसेनं सतयासहस्रसिंहिएय् चयनजितय् एवं  
पुत्रमिहयय् उहेसयसिंहे मनिह्ययो नवरं सिंहं संवेई न बावेजा सेरं तहेन  
सेरं मते । १ ति ॥ ७ १ ॥ चतुर्वीसहस्रे सय तेरहमा उहेसो समसो ॥  
तेरहाह्यं न मते । कयोहीतो जयजति । एवं (नवरं) पुत्रमिहयय् उहेसयसिंहे  
येसे मनिह्ययो नवरं सिंहं संवेई न बावेजा येसेहीतो न जयजति सेरं तं  
येन । सेरं मते । १ ति वाच मिहय ॥ ७ ४ ॥ चतुर्वीसहस्रस्य सयस्य  
चतुहस्रमो उहेसो समसो ॥  
वाचवाह्यं न मते । कयोहीतो जयजति । एवं बहेन तेरहाह्यस्तरैयये  
तहेन नवरं सिंहं संवेई न बावेजा । ॥ १ ॥ मते । १ ति ॥ ७ ५ ॥ चतुर्वीसहस्रे  
सय पञ्चवहस्रमो उहेसो समसो ॥  
चयसहस्रह्यं न मते । कयोहीतो जयजति । एवं पुत्रमिहयय् उहेसो नवरं  
वाहे चयसहस्रह्यं चयजति ताहे पञ्चमविजयचयनजितय् चयसह  
यमएय् पय्यायं चयसहस्रं चयजति नवरं तहेन जयजति यतारेसेनं चयजेनं यो  
मयमह्यं तहेसेनं नवरं तहं ययमह्यं, चयजतिसेनं चयजेनं यो बंतेमुहुते  
जयोसेनं नवरं चयं एवयं सेरा येन मया चयमयमह्यं तहेन नवरं  
सिंहं संवेई न बावेजा । सेरं मते । १ ति ॥ ७ ६ ॥ चतुर्वीसहस्रस्य सयस्य  
सौवहस्रमो उहेसो समसो ॥  
नैदिवा न मते । कयोहीतो जयजति वाच पुत्रमिहयय् न मते । नै मनिह्  
नैदिह्यय् जयजितय् ये न मते । केन १ चयन पुत्रमिहयय् चतुर्वीसहस्र  
चयजतिसेनं बहेनं यो बंतेमुहुते जयोसेनं संवेजाई मयमह्यं एवयं  
एवं तेन नय चयय् यमएय् संवेहो सेरं येन यमएय् तहेन चय मया । एवं वाच  
चयजति एनं चयं चयय् संवेजा मया येन यमएय् चय मया येन चयजति रिनचयमि-  
मयसहस्रेय् चयं तहेन चय मया येन येन न जयजति सिंहं संवेई न बावेजा ।  
सेरं मते । १ ति ॥ ७ ७ ॥ १४-१७ ॥ तेदिवा न मते । कयोहीतो जयजति ।  
एवं तेदिवाच बहेन तेदिवाच येसो नवरं सिंहं संवेई न बावेजा येन  
एय् तहं तहं जयजति चयुताई तेदिवाचयं तेदिह्यय् चयं तहं तहं



उक्कोसेणं अढयालीसं संवच्छराई छन्नउयराईदियसयमम्भहियाई तेईदिएहिं सम  
तइयगमे उक्कोसेण वाणउयाइ तिन्नि राईदियमयाइ एवं सव्वत्थ जाणेज्जा जाव  
सन्निमणुस्सत्ति, सेवं भते ! २ त्ति ॥ ७०८ ॥ २४-१८ ॥ चउरिंदिया णं भते !  
कओहिंतो उव्वज्जंति ? जहा तेईदियाणं उद्देसओ तहेव चउरिंदियाणावि नवरं ठिई  
सवेह च जाणेज्जा । सेवं भंते ! सेव भंते ! त्ति ॥ ७०९ ॥ २४-१९ ॥ पच्चिदिम-  
तिरिक्खजोणिया ण भते ! कओहिंतो उव्वज्जति किं नेरइ० तिरिक्ख० मणु०  
देवेहिंतो उव्वज्जति ? गोयमा ! नेरइएहिंतोवि उव्वज्जति तिरिक्ख० मणुस्सेहिंतोवि  
उ० देवेहिंतोवि उव्वज्जति, जइ नेरइएहिंतो उव्वज्जति किं रयणप्पभापुडविनेरइएहिंतो  
उव्वज्जंति जाव अहेसत्तमापुडविनेरइएहिंतो उव्वज्जति ? गोयमा ! रयणप्पभा-  
पुडविनेरइएहिंतो उव्वज्जंति जाव अहेसत्तमापुडविनेरइएहिंतोवि उव्वज्जति,  
रयणप्पभापुडविनेरइए णं भते ! जे भविए पच्चिदियतिरिक्खजोणिएसु उव्वज्जतिए  
से णं भंते ! केवइकालट्ठिईएसु उव्वजेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेण अतोमुहुत्तट्ठिईएसु  
उक्कोसेण पुव्वकोडिआउएसु उव्वजेज्जा, ते ण भंते ! जीवा एगसमएण केवइया उव-  
वज्जंति ? एवं जहा असुरकुमाराण वत्तव्वया नवरं सघयणे पोगगला अणिट्ठा अक्ता  
जाव परिणमंति, ओगाहणा दुविहा प०, त०-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ  
णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेण अगुलस्स असंखेज्जइभाग उक्कोसेण सत्त धणूइ  
तिन्नि रयणीओ छच्चगुलाइ, तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहन्नेण अगुलस्स  
संखेज्जइभाग उक्कोसेणं पन्नरस धणूइ अट्ठाइज्जाओ रयणीओ, तेसि ण भते !  
जीवाणं सरीरगा किंसठिया प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-भवधारणिज्जा य  
उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुडसंठिया प०, तत्थ णं जे  
ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंडसठिया प०, एगा काउलेस्सा प०, समुग्घाया चत्तारि,  
णो इत्थिवेदगा णो पुरिसवेदगा णपुंसगवेदगा, ठिई जहन्नेणं दसवाससहस्साई  
उक्कोसेणं सागरोवर्म एवं अणुवघोवि, सेसं तहेव, भवादेसेण जहण्णेण दो भवग्ग-  
हणाई उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाई, कालादेसेण जहन्नेणं दसवाससहस्साइ अतो  
मुहुत्तमम्भहियाइ उक्कोसेण चत्तारि सागरोवमाइ चउहिं पुव्वकोडीहिं अम्भहियाइ  
एवइय०, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उव्ववो जहन्नेणं अतोमुहुत्तट्ठिईएसु उव्वजेज्जा,  
उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु अवसेस तहेव, नवरं कालादेसेण जहन्नेणं तहेव  
उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अम्भहियाइ एवइय काल० २,  
एवं सेसावि सत्त गमगा भाणियव्वा जहेव नेरइयउद्देसए सन्निपच्चिदिए(ण)हिं सम  
णेरइयाण मज्झिमएसु य तिसुवि गमएसु पच्छिमएसु तिसुवि गमएसु ठिइणाणत्तं

निष्, पश्चिमोक्षित पश्चिमोक्षिता ततो संवसामेव आब चेतेज्य ॥ ६५ ॥ से मिकन्  
 वा (१) से जं पुन उवस्सयं आभिज्ज असेवए मिकन्पुत्तिवाए ऋषिमाभो  
 बुभारिवाभो महर्षिवाभो कृज्ज बहा विवेसनाए आब संवारणं संवारिज्ज बहिया  
 वा विज्जकन्तु तहप्पगारे उवस्सयं अपुरिसंतरगडे आब अणोसेमिसे नो ठमं वा  
 सेजं वा निसीक्षिं वा चेतेज्जा अह पुन एणं आभिज्ज पुरिसंतरगडे आब आसेमिए  
 पश्चिमोक्षिता पश्चिमोक्षिता ततो संवसामेव आब चेतेज्य ॥ ६५१ ॥ से मिकन् वा (१)  
 से जं पुन उवस्सयं आभिज्ज असेवए मिकन्पुत्तिवाए उवप्पसुत्तामि वा  
 केवलि वा मूकलि वा पत्तामि वा पुप्फमि वा फलमि वा बीजमि वा इरे  
 वाणि वा ठनामो ठमं छाहरति बहिया वा विज्जकन्तु तहप्पगारे उवस्सयं  
 अपुरिसंतरगडे आब नो ठमं वा सेजं वा निसीक्षिं वा चेतेज्जा । अह पुन एणं  
 आभिज्जा पुरिसंतरगडे आब चेतेज्जा ॥ ६५२ ॥ से मिकन् वा मिकन्पुत्ति वा  
 से जं पुन आभिज्जा असेवए मिकन्पुत्तिवाए पीठं वा फलं वा विस्सेमि वा ठस्स  
 हलं वा ठनामो ठमं छाहरत्त बहिया वा विज्जकन्तु तहप्पगारे उवस्सयं अपु-  
 रिसंतरगडे आब नो ठमं वा सेजं वा निसीक्षिं वा चेतेज्जा अह पुन एणं आभिज्जा  
 पुरिसंतरगडे आब चेतेज्जा ॥ ६५३ ॥ से मिकन् वा (१) से जं पुन उवस्सयं  
 आभिज्जा संवहा संवसि वा संवसि वा मासंति वा पासवसि वा हम्मिसवसि वा  
 अन्नतरंति वा तहप्पगारेति अंतस्सिन्नज्जंति वज्जत्थ आत्तावाभायादेहिं कर  
 वेहिं, ठमं वा सेजं वा निसीक्षिं वा नो चेतेज्य ॥ ६५४ ॥ से आहव चेतिसे  
 सिना नो तत्थ वीमोदगमिन्वहेन वा उप्पिमोदगमिन्वहेन वा हत्तामि वा पाराणि  
 वा अज्जमि वा इतामि वा सुहं वा उज्जोकेज्ज वा प्पोएज्ज वा नो तत्थ अत्तं  
 पारेज्ज संजहा-उत्तारं वा पासवर्णं वा केठं वा सिंथारं वा वंत्तं वा पिठं वा  
 पूयं वा छेविं वा अन्नवरं वा सप्पिटावर्णं केवली बूया "आत्ताव मेव" से तत्थ  
 अत्तं पारेमासे पक्खेज्ज वा पक्खेज्ज वा से तत्थ पयमेमाने पक्खेमासे वा हत्तं  
 वा आब हीरं वा अन्नतरं वा अयंति इतिवत्तां वत्तेज्जा पाणादि वा ४ अमिह  
 मेज्ज वा आब वररोवेज्ज वा अह मिकन्पुत्तं पुप्पीत्तिवाए एत्त पक्खा अत्थ जं तह  
 प्पगारे उवस्सयं अंतस्सिन्नज्जंति नो ठमं वा सेजं वा निसीक्षिं वा चेतेज्जा  
 ॥ ६५५ ॥ से मिकन् वा (१) से जं पुन उवस्सयं आभिज्ज सत्तविमं उत्तं  
 सप्पुमात्तायं तहप्पगारे आवाणिए उवस्सयं नो ठमं वा सेजं वा निसीक्षिं वा  
 चेतेज्जा आवाणमेव मिकन्पुत्तं गहप्पपुत्तेज्ज सद्धि संवसामेव अन्नसए वा  
 मिकन्पुत्त वा पट्टी वा उज्जादिज्ज अन्नतरं वा से पुनके रोवावके समुप्पजेज्ज असे-

भाणियन्वा णवरं णवसुवि गमएसु परिमाणो जहन्नेण एक्को वा दो वा तिज्जि वा उक्कोसेणं सखेज्जा वा असखेज्जा वा उववज्जति, भवादेसेणवि णवसुवि गमएसु जहन्नेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइ, सेस त चेव, कालादेसेणं उभओ ठि(ई)ई पकरेज्जा । जइ आउक्काइएहिंतो उववज्जन्ति एव आउक्काइ(ए)याणवि एवं जाव चउरिदिया उववाएयन्वा, नवरं सव्वत्थ अप्पणो लद्धी भाणियन्वा, णवसुवि गमएसु भवादेसेण जहन्नेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेण अट्ठ भवग्गहणाइ, कालादेसेणं उभओ ठिई करेज्जा सव्वेसिं सव्वगमएसु, जहेव पुढविकाइएसु उववज्जमाणण लद्धी तहेव सव्वत्थ ठिइ सवेह च जाणेज्जा ॥ जइ पच्चिदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं सन्निपच्चिदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति असन्निपच्चिदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति ? गोयमा । सन्निपच्चिदिय० असन्निपच्चिदिय०, भेदो जहेव पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स जाव असन्निपच्चिदियतिरिक्खजोणि ए ण भंते । जे भवि ए पच्चिदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित ए से ण भते ! केवइकाल० ? गोयमा । जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण पल्लिओवमस्स असखेज्जइभागट्ठिईएसु उवव०, ते ण भते ! अवसेस जहेव पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स असन्निस्स तहेव निरवसेस जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण पल्लिओवमस्स असखेज्ज इभाग पुव्वकोट्ठिपुहुत्तमब्भहिय एवइय० १, विइयगम ए एस चेव लद्धी नवरं कालादेसेण जहन्नेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण चत्तारि पुव्वकोटीओ चउहिं अतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ एवइय० २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववज्जो जहन्नेण पल्लिओ वमस्स असखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पल्लिओवमस्स असखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जइ, ते ण भते ! जीवा एव जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स असन्निस्स तहेव निरवसेस जाव कालादेसोत्ति, नवरं परिमाणं जहन्नेण एक्को वा दो वा तिज्जि वा उक्कोसेण सखेज्जा उववज्जति, सेस त चेव ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहन्नेण अतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेण पुव्वकोट्ठिआउएसु उववज्जेज्जा, ते ण भते ! अवसेस जहा एयस्स पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहा इहवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु जाव अणुवघोत्ति, भवादेसेण जहन्नेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेण अट्ठ भवग्गहणाइ, कालादेसेण जहन्नेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण चत्तारि पुव्वकोटीओ चउहिं अतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ४, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववज्जो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण अट्ठ अतोमुहुत्ता एवइय० ५, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववज्जो जहन्नेण पुव्वकोट्ठिआउएसु उक्कोसेणवि पुव्वकोट्ठिआउएसु उववज्जेज्जा, एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेण जाणेज्जा ६, सो चेव

मवह, सेवे तं येव सव्यस्य ठिई सेवेई न चापिजा ९ ॥ सधरप्यमापुवमिनेएएई  
 अति । के ममिए एवं बहा रयवप्यमाए नव यमया तदेव सव्यस्यमाएणि नवरं सपि-  
 रोगाहना बहा ब्येगाहमाईठये तिजि बाबा तिजि बवाबा मिवमै ठिई जमुवेवे न  
 पुव्यममिजा एवं नवमि यमया उवहुंजिज्जम मामियम्या, एवं चाप उवहुंजि  
 नवरं बोयाहना केसा ठिई जमुवेवे सेवेई न चापियम्या जहेसप्यमापुवमि-  
 नेएए ई मंते । के ममिए एवं येव नव यमया नवरं बोयाहना केसा ठिई  
 जमुवेबा यमियम्या, सेवेई मवावेवेवे बहवेवे से मवगयहवाई उवोसेवे जम्म-  
 मयवाई, काकावेवेवे बहवेवे बावीसे सागरोवमाई अंतोमुहुतमममहिवाई उवोसेवे  
 जम्महि सागरोवमाई तिहि पुव्यवेवेई जम्महिवाई एवई चापप्यउ जम्मि यम-  
 एउ बहवेवे हो मवमयवाई उवोसेवे ज मवगयहवाई, पविज्जप्यउ तिसु मयप्यउ बह  
 वेवे हो मवगयहवाई जहेसेवे यतारि मवगयहवाई, उवो नवमुमि यमप्यउ बहा  
 पवमयमाए नवरं जिमिउसे काकावेवेवे)मे न धियवगमए बहवेवे बावीसे  
 सागरोवमाई अंतोमुहुतमममहिवाई उवोसेवे जम्महि सागरोवमाई तिहि अंतोमुहुतेई  
 जम्महिवाई एवई जठं तप्यवगमए बहवेवे बावीसे सागरोवमाई पुव्यवेवेई  
 जम्महिवाई उवोसेवे जम्महि सागरोवमाई तिहि पुव्यवेवेई जम्महिवाई, नठ-  
 स्वममए बहवेवे बावीसे सागरोवमाई अंतोमुहुतमममहिवाई उवोसेवे जम्महि  
 सागरोवमाई तिहि पुव्यवेवेई जम्महिवाई, पवमयमाए बहवेवे बावीसे सागरोव-  
 माई अंतोमुहुतमममहिवाई उवोसेवे जम्महि सागरोवमाई तिहि अंतोमुहुतेई  
 जम्महिवाई, जम्मप्यउ बहवेवे बावीसे सागरोवमाई पुव्यवेवेई जम्महिवाई  
 उवोसेवे जम्महि सागरोवमाई तिहि पुव्यवेवेई जम्महिवाई, सतमयमाए बहवेवे  
 वेवेसे सागरोवमाई अंतोमुहुतमममहिवाई उवोसेवे जम्महि सागरोवमाई रोहि  
 (अंतोमुहुतेई) पुव्यवेवेई जम्महिवाई, जम्मप्यमाए बहवेवे वेवेसे सागरोवमाई  
 अंतोमुहुतमममहिवाई उवोसेवे जम्महि सागरोवमाई रोहि अंतोमुहुतेई जम्महिवाई,  
 मवमयमाए बहवेवे वेवेसे सागरोवमाई पुव्यवेवेई जम्महिवाई उवोसेवे जम्महि  
 सागरोवमाई रोहि पुव्यवेवेई जम्महिवाई एवई ९ ॥ नर तिरेकव्योमिपूतो  
 उववज्जति नि एमिजिबतिरेकव्योमिपूतो ८ एवं उववावो बहा पुवमिअमठोएए  
 चाप पुवमिअमठ ई मंते । के ममिए पविजिबतिरेकव्योमिपूउ उववजिउए ॥  
 ई मंते । केव ॥ योमया । बहवेवे अंतोमुहुतपिरेप्यउ उवोसेवे पुव्यवेवेमाव  
 एउ उववजेमा से ई मंते । बोया एवं वरिमाबावीया जमुवेवमववववव्यो ववेव  
 जप्यवो सप्यमे यतमववा सवेव पविजिबतिरेकव्योमिपूतो तववमयाववव

ठिई अणुयधो जह्मेण पुव्वकोटी उणोमेणवि पुव्वकोटी, कालादेसेण जह्मेण  
 पुव्वकोटी अतोमुहुत्तमम्महिया उणोसेण तिञ्चि पत्तिओवमाइ पुव्वकोटीपुहुत्तमम्म-  
 हियाइ ७, सो चेव जह्मकालट्ठिईएसु उववन्नो एण चेव उणाव्वया नवरं कालादेसेण  
 जह्मेण पुव्वकोटी अतोमुहुत्तमम्महिया उणोसेण चत्तारि पुव्वकोटीओ वट्ठि  
 अतोमुहुत्तेहि अम्महियाओ ८, सो चेव उणोमकालट्ठिईएसु उववन्नो जह्मेण  
 तिपलिओवमट्ठिईएसु उणोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु अवसेसं त चेव, नवरं परिणाण  
 ओगाहणा य जहा एयस्सेव तदयगमए, भवादेसेण दो भवगहणाइ, कालादेसेण  
 जह्मेण तिञ्चि पलिओवमाइ पुव्वकोटीए अम्महियाइ उणोसेणवि तिञ्चि पलिओवमाइ  
 पुव्वकोटीए अम्महियाइ एवइय० ९॥ जइ मणुस्सेहिंनो उववज्जति किं सज्जिमणु०  
 असज्जिमणु० ? गोयमा । सज्जिमणु० असज्जिमणु०, अगग्गिमणुस्से ण भते । जे  
 भविए पंचिदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जितए से ण भते । केउइयाल० ? गोयमा ।  
 जह्मेण अतोमुहुत्त उणोसेण पुव्वकोटीआउएसु उववज्जति, लद्धी से तिसुवि गमएसु  
 जहा पुटविक्काइएसु उववज्जमाणस्स सवेहं जहा एय चेव अगग्गिपंचिदियस्स  
 मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहेव निरवसेमो भाणियव्वो, जइ सज्जिमणुस्स० किं सखेज्ज  
 चासाउयसज्जिमणुस्स० असखेज्जवासाउयसज्जिमणुस्स० ? गोयमा । सखेज्जवासाउय०  
 नो असखेज्जवासाउय०, जइ संगेज्ज० किं पज्जत० अपज्जत० ? गोयमा । पज्जत० अप-  
 ज्जतसखेज्जवासाउय०, सज्जिमणुस्से ण भते । जे भविए पंचिदियतिरिक्खजोणिएसु  
 उववज्जितए से ण भते । केउइ० ? गोयमा । जह्मेण अतोमुहुत्त उणोसेण  
 तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते ण भते । लद्धी से जहा एयस्सेव सज्जिमणुस्सस्स  
 पुटविकाइएसु उववज्जमाणस्स पढमगमए जाव भवादेनोत्ति, कालादेसेण जह्मेण  
 दो अतोमुहुत्ता उणोसेण तिञ्चि पलिओवमाइ पुव्वकोटीपुहुत्तमम्महियाइ ९, सो  
 चेव जह्मकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेण जह्मेण दो  
 अतोमुहुत्ता उणोसेण चत्तारि पुव्वकोटीओ चउहि अतोमुहुत्तेहि अम्महियाओ २, सो  
 चेव उणोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जह्मेण ति(ण्णि)पलिओवमट्ठिईएसु उणोसेणवि तिप-  
 लिओवमट्ठिईएसु सचेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणा जह्मेण अणुलपुहुत्त उणोसेण पच-  
 घणुहसयाइ, ठिई जह्मेण मासपुहुत्त उणोसेण पुव्वकोटी एव अणुयधोवि, भवादेसेण  
 दो भवगहणाइ, कालादेसेण जह्मेण तिञ्चि पलिओवमाइ मासपुहुत्तमम्महियाइ  
 उणोसेण तिञ्चि पलिओवमाइ पुव्वकोटीए अम्महियाइ एवइय० ३, सो चेव  
 अप्पणा जह्मकालट्ठिईओ जाओ जहा सज्जिपंचिदियतिरिक्खजोणियस्स पंचिदिय  
 तिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु वत्तव्वया भाणिया सखेव

अप्यथा उद्धोसकाच्छिदैर्यो आसो सवेव पडमममपत्तमया नवरं ठिई जहन्नेनं  
 पुम्बकोटी उद्धोसेनमि पुम्बकोटी सेतं तं चेव आकावेसेनं जहन्नेनं पुम्बकोटी  
 अंतोमुहुत्तमममहिवा उद्धोसेनं पत्तिओकमस्त अंतोवेज्जमायं पुम्बकोटिपुहुत्तममम-  
 हिनं एवम् ५ सो चेव जहन्नाकाच्छिदैर्यु उक्कवो एव चेव नत्तमया जहा  
 सत्तमममपु नवरं आकावेसेनं जहन्नेनं पुम्बकोटी अंतोमुहुत्तमममहिवा उद्धोसेनं  
 जत्तारि पुम्बकोटीयो वरुहिं अंतोमुहुत्तेहिं जम्महिवायो एवम् ६ सो चेव  
 उद्धोसकाच्छिदैर्यु उक्कवो जहन्नेनं पत्तिओकमस्त अंतोवेज्जमायं उद्धोसेनमि  
 पत्तिओकमस्त अंतोवेज्जमायं एवं जहा रत्तमममपु उक्कवज्जमायस्त अंतमिस्त  
 नक्कममपु उद्धोस निरक्केसें ज्ञाव आत्मवेसेति, नवरं परिमार्जं जहा एवस्सेव उद्धममे  
 सेतं तं चेव ५३ जहं सन्निपत्तिविबुधिरिक्ककोमिण्णितो उक्कवज्जति किं संवेज्जवासा  
 अंतोवेज्जवासा ! पोसमा ! संवेज्ज वो अंतोवेज्ज जहं संवेज्जवासाउम ज्ञाव  
 किं पज्जसंवेज्ज अपज्जसंवेज्ज ! दोसुमि संवेज्जवासाउमसन्निपत्तिविबुधिरिक्क-  
 कोमिण्णं मेवे ! मे मणिपु पत्तिविबुधिरिक्ककोमिण्ण उक्कवज्जिण्णु से मे मेवे !  
 वेज्ज ! पोसमा ! जहन्नेनं अंतोमुहुत्तं उद्धोसेनं तिपत्तिओकमहिदैर्यु उक्कवज्ज-  
 तेवं मेवे ! जहन्नेनं जहा एवस्त चेव सन्निस्त रत्तमममपु उक्कवज्जमायस्त  
 पडमममपु, नवरं जोयाहवा जहन्नेनं अंतुस्त अंतोवेज्जमायं उद्धोसेनं जोज्जमस्त  
 सेतं तं चेव ज्ञाव मवावेसेति आकावेसेनं जहन्नेनं वो अंतोमुहुत्ता उद्धोसेनं तिभि  
 पत्तिओकममहिं पुम्बकोटीपुहुत्तमममहिवायं एवम् १ सो चेव जहन्नाकाच्छिदैर्यु  
 उक्कवो एव चेव नत्तमया नवरं आकावेसेनं जहन्नेनं वो अंतोमुहुत्ता उद्धोसेनं  
 जत्तारि पुम्बकोटीयो वरुहिं अंतोमुहुत्तेहिं जम्महिवायो २ सो चेव उद्धोसकाच्छि-  
 द्दिदैर्यु उक्कवो जहन्नेनं तिपत्तिओकमहिदैर्यु उद्धोसेनमि तिपत्तिओकमहिदैर्यु  
 उक्कवज्जमा एव चेव नत्तमया नवरं परिमार्जं जहन्नेनं एवो वा सो वा तिभि वा  
 उद्धोसेनं संवेज्जा उक्कवज्जति ओयाहवा जहन्नेनं अंतुस्त अंतोवेज्जमायं उद्धोसेनं  
 जोज्जमस्त सेतं तं चेव ज्ञाव अनुवोति मवावेसेनं वो मवममममहिं, आकावेसेनं  
 जहन्नेनं तिभि पत्तिओकममहिं अंतोमुहुत्तमममहिवायं उद्धोसेनं तिभि पत्तिओकममहिं  
 पुम्बकोटीपु अम्महिवायं ३, सो चेव अप्यथा जहन्नाकाच्छिदैर्यो आसो जहन्नेनं  
 अंतोमुहुत्तं उद्धोसेनं पुम्बकोटिआउपु उक्कवज्जमा जही से जहा एवस्त चेव  
 सन्निपत्तिविबुधस्त पुबन्निदाउपु उक्कवज्जमायनरत्त मग्गिआउपु तिसु ममपु सवेव  
 इहमि मग्गिमेत्त तित्त ममपु अक्कवा संवेहो जहेव एव चेव अक्कविस्त मग्गि  
 वेत्त तित्त ममपु, सो चेव अप्यथा उद्धोसकाच्छिदैर्यो आसो जहा पडमममपु नवरं

अधुयकप्पोववण्णगवेमाणिय०, सोहम्मगढेवे ण भत्ते ! जे भविए पच्चिदियतिरिक्ख-  
जोणिएसु उववज्जितए से ण भत्ते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेण अतोमुहुत्त०  
उक्कोसेण पुव्वकोढिआउएसु सेस जहेव पुढविकाइयउइसए नवसुवि गमएसु नवर  
नवसुवि गमएसु जहन्नेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेण अट्ठ भवग्गहणाइ, ठिइ काला  
देस च जाणेज्जा, एव ईसाणदेवेवि, एव एएण कमेण अवसेसावि जाव सहस्सार  
देवेसु उववाएयव्वा नवर ओगाहणा जहा ओगाहणासठाणे, लेस्सा सणकुमार-  
माहिंदवभलोएसु एगा पम्हलेस्सा सेसाण एगा सुक्खेस्सा, वेढे नो इत्थिवेदगा  
पुरिसवेदगा णो नपुसगवेदगा, आउअणुवघा जहा ठिइपदे सेस जहेव ईसाणगाण  
कायसवेह च जाणेज्जा । सेव भत्ते ! सेव भत्ते ! त्ति ॥ ७१० ॥ चउवीसइमे सए  
वीसइमो उहेसो समत्तो ॥

मणुस्सा ण भत्ते ! कओहिंतो उववज्जति किं नेरइएहिंतो उववज्जति जाव  
देवेहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! नेरइएहिंतोवि उववज्जति जाव देवेहिंतोवि उवव-  
ज्जति, एव उववाओ जहा पच्चिदियतिरिक्खजोणियउहेसए जाव तमापुढविनेरइएहिं  
तोवि उववज्जति णो अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जति, रयणप्पमापुढविनेरइए  
ण भत्ते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जितए से ण भत्ते ! केवइकाल० ? गोयमा !  
जहण्णेण मासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेण पुव्वकोढीआउएसु अवसेसा वत्तव्वया जहा  
पच्चिदियतिरिक्खजोणिए उववज्जितस्स तहेव नवरं परिमाणे जहण्णेण एक्को वा दो  
वा तिप्पि वा उक्कोसेण संखेज्जा उववज्जति, जहा तहिं अतोमुहुत्तेहिं तहा इह मास  
पुहुत्तेहिं संवेह करेज्जा सेस त चेव ९ ॥ जहा रयणप्पमाए वत्तव्वया तहा सक्क-  
प्पमाएवि वत्तव्वया नवर जहन्नेण वासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेण पुव्वकोढि०, ओगा  
हणास्सेसाणाणट्ठिइअणुवघसंवेह णाणत्त च जाणेज्जा जहेव तिरिक्खजोणियउहेसए  
एवं जाव तमापुढविनेरइए ९ ॥ जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं एगिदि  
यतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति जाव पच्चिदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति ?  
गोयमा ! एगिदियतिरिक्खजोणिए० मेदो जहा पच्चिदियतिरिक्खजोणियउहेसए नवर  
तेउवारु पडिसेहेयव्वा, सेस त चेव जाव पुढविकाइए ण भत्ते ! जे भविए  
मणुस्सेसु उववज्जितए से ण भत्ते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेण अतोमुहुत्तट्ठिईएसु  
उक्कोसेण पुव्वकोढीआउएसु उववज्जेज्जा, ते ण भत्ते ! जीवा एव जखेव पच्चिदियति-  
रिक्खजोणिएसु उववज्जमाणस्स पुढविकाइयस्स वत्तव्वया सा चेव इहवि उववज्ज  
माणस्स भाणियव्वा णवसुवि गमएसु, नवरं तइयच्छट्ठणवमेसु गमएसु परिमाण  
जहन्नेण एक्को वा दो वा तिप्पि वा उक्कोसेण संखेज्जा उववज्जति, जाहे अप्पणा

एवस्वनि मन्त्रिभेदु शिषु गमयन्ति निरुक्तेषा गामियन्ता, नवरं परिमाणं तद्धोतेन  
संकेता उच्यतेति, ऐतं तं चेव १, सो चेव अप्यत्रा ककोत्तकच्छिर्द्वयो जातो  
सचेव पद्मममगलत्पन्ना नवरं ओवाहना बह्वन्नेन पंच बभूवसवाई ककोत्तकनि  
पंच बभूवसवाई, त्रिं अपुनरो बह्वन्नेन पुष्परोषी ककोत्तकनि पुष्परोषी ऐतं  
तद्देव जात मवादेतेति, ककरोत्तकेन बह्वन्नेन पुष्परोषी अतोस्तुष्टमममहिना तद्धोतेन  
तिथि पक्षिओवमाई पुष्परोषिपुष्टमममहिनाई एवम् ७ सो चेव बह्वन्नेन  
छिर्द्वय उच्यते एव चेव जात्यत्रा नवरं ककरोत्तकेन बह्वन्नेन पुष्परोषी अतोस्तु  
ष्टमममहिना ककोत्तकेन जातिर पुष्परोषीयो बभूव अतोस्तुष्टिं अममहिना ८ सो  
चेव तद्धोत्तकच्छिर्द्वय उच्यते बह्वन्नेन तिथि पक्षिओवमाई ककोत्तकनि तिथि पक्षि-  
ओवमाई, एव चेव कवी तद्देव सप्तममम, मवादेतेन सो भस्वगहनार्त्त, ककरोत्तकेन  
बह्वन्नेन तिथि पक्षिओवमाई पुष्परोषी अममहिनाई ककोत्तकनि तिथि पक्षिओवमाई  
पुष्परोषी अममहिनाई एवम् ९ ॥ अत्र वेचक्षितो उच्यतेति किं मन्त्रवापिदे-  
वेक्षितो उच्यतेति वाचमतर कोट्टिय वैमानिकवेचक्षितो च १ प्येवमा । मन्त्र  
वापिदेवेक्षितो च वाच वैमानिकवेचक्षितो च । अत्र मन्त्रवापि वाच उ किं अत्र  
कुमारमन्त्र वाच बन्धितुमारमन्त्र १ प्येवमा । अत्रकुमार वाच बन्धितुमार  
मन्त्र अत्रकुमारो न भवे । के मन्त्रि पंचिद्विजतिरिक्ताज्योतिष्ठा उच्यतेति एव न  
मति । केवम् १ प्येवमा । बह्वन्नेन अतोस्तुष्टिर्द्वय सन्नेनेन पुष्परोषिभातपुष्ट  
उच्यतेति अत्रकुमारानं कवी बभूवनि प्येवमा अत्रा पुष्टिद्वयपुष्ट उच्यतेति अत्र  
एवं वाच ईसावदेवस्त तद्देव कवी मवादेतेन सन्नेन अत्र मन्त्रवापि ककोत्तकेन  
बह्वन्नेन होषि, मवादिर्द्वय सैवै न सन्नेन जातेजा १० नागकुमारो न भवे । के  
मन्त्रि एव चेव बभूवना नवरं त्रिं सैवै न जातेजा एवं वाच बन्धितुमारो ११  
अत्र वाचमतरक्षितो च किं पिताम तद्देव वाच वाचमतर न भवे । के मन्त्रि  
पंचिद्विजतिरिक्ता एवं चेव नवरं त्रिं सैवै न जातेजा १२ अत्र कोट्टिय उच्यते  
तद्देव वाच कोट्टिय न भवे । के मन्त्रि पंचिद्विजतिरिक्ता एव चेव बभूवना अत्रा  
पुष्टिद्वयपुष्टिप मन्त्रवापि अत्राति ममपुष्ट अत्र वाच ककरोत्तकेन बह्वन्नेन अत्र-  
जायपक्षिओवमाई अतोस्तुष्टमममहिना उच्यतेति जातिर पक्षिओवमाई बभूव पुष्परो-  
षी बभूव वाचममममहिनाई अममहिनाई एवम् एवं बभूवनि ममपुष्ट नवरं त्रिं  
सैवै न जातेजा १३ अत्र वैमानिकवेचक्षितो च ककोत्तकमन्त्र कपाटीतवैमानिक १  
प्येवमा । ककोत्तकमन्त्रवैमानिक नो कपाटीतवैमानिक अत्र ककोत्तकमन्त्र  
वाच अत्रसारककोत्तकमन्त्रवैमानिकवेचक्षितोति उच्यतेति नो वाचन वाच नो



वमाई ॥ जइ कप्पातीतवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जति किं गेवेज्जकप्पातीत० अणुत्त-  
 रोववाइयकप्पातीत जाव उ० १ गोयमा ! गेवेज्ज० अणुत्तरोववाइय०, जइ गेवेज्ज० किं  
 हेट्ठिमे २ गेविज्जगकप्पातीत० जाव उवरिम २ गेवेज्ज० १ गोयमा ! हेट्ठिमे ० गेवेज्ज०  
 जाव उवरिम २ गेवेज्ज०, गेवेज्जगदेवे ण भते । जे भविए मणुस्सेसु उववज्जितए से ण  
 भंते ! केवइकाल० १ गोयमा ! जहण्णेण वासपुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण पुव्वकोडिआउएसु  
 उ० अवसेस जहा आणयदेवस्स वत्तव्वया नवरं ओगाहणा० गोयमा ! एगे भवधा-  
 रणिज्जे सरीरए से जहण्णेण अणुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण दो रयणीओ, सठाण,  
 गोयमा ! एगे भवधारणिज्जे सरीरए से समच्चउरंससठाणसठिए प०, पंच समुग्घाया  
 प०, त०- वेयणासमुग्घाए जाव तेयगसमुग्घाए णो चेव ण वेडव्वियतेयगसमुग्घा  
 एहिंतो समोहणिसु वा समोहणति वा समोहणिस्सति वा, ठिई अणुवधो जहण्णेण  
 वावीस सागरोवमाइ उक्कोसेण एकतीस सागरोवमाइ, सेसं त चेव, कालादेसेण जहण्णेण  
 वावीसं सागरोवमाइ वासपुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण तेणउइ सागरोवमाइ तिहिं पुव्व-  
 कोडीहिं अब्भहियाइ एवइय०, एव सेसेसुवि अट्ठगमएसु नवरं ठिइ संवेहं च जाणेज्जा  
 ९॥ जइ अणुत्तरोववाइयकप्पातीतवेमाणिय जाव उ० किं विजयअणुत्तरोववाइय०  
 वेजयतअणुत्तरोववाइय० जाव सव्वट्ठसिद्ध० १ गोयमा ! विजयअणुत्तरोववाइय०  
 जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय०, विजयवेजयतजयंतअपराजियदेवे ण भंते । जे  
 भविए मणुस्सेसु उववज्जितए से ण भते ! केवइ० १ एव जहेव गेवेज्जगदेवाण नवरं  
 ओगाहणा जहण्णेण अणुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण एगा रयणी, सम्महिट्ठी  
 णो मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णाणी णो अजाणी नियम तिक्काणी त०-  
 आभिणिबोहियनाणी झयनाणी ओहिणाणी, ठिई जहण्णेण एकतीस सागरोवमाइ  
 उक्कोसेण तेत्तीसं सागरोवमाइ, सेस तहेव, भवादेसेण जहण्णेण दो भवग्गहणाइ  
 उक्कोसेण चत्तारि भवग्गहणाइ, कालादेसेण जहण्णेण एकतीस सागरोवमाइ वास-  
 पुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण छावट्ठिं सागरोवमाइ दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइ  
 एवइय०, एव सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा नवरं ठिइ अणुवध सवेह च जाणेज्जा  
 सेस त चेव ॥ सव्वट्ठसिद्धगदेवे ण भते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जितए सा  
 चेव विजयादिदेववत्तव्वया भाणियव्वा णवरं ठिई अजहण्णमणुक्कोसेण तेत्तीस साग-  
 रोवमाइ एव अणुवधोवि, सेस त चेव, भवादेसेण दो भवग्गहणाइ, कालादेसेण  
 जहण्णेण तेत्तीस सागरोवमाइ वासपुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाइ  
 पुव्वकोडीए अब्भहियाइ एवइय० १। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववज्जो एस चेव  
 वत्तव्वया नवरं कालादेसेण जहण्णेण तेत्तीसं सागरोवमाइ वासपुहुत्तमब्भहियाइ



तहेव, नवरं कालादेसेण जहण्णेणं दो अट्टभागपलिओवमाइ उक्कोसेण चत्तारि पलिओ  
चमाइ वाससयसहस्समम्भहियाइ एवइयं० १, सो चेव जहज्जकालट्ठिइएसु उववज्जो  
जहण्णेण अट्टभागपलिओवमट्ठिइएसु उक्कोसेणवि अट्टभागपलिओवमट्ठिइएसु उ०, एस  
चेव वत्तव्वया नवरं कालादेस जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिइएसु उववज्जो एस  
चेव वत्तव्वया नवरं ठिइं जहण्णेण पलिओवम वाससयसहस्समम्भहिय उक्कोसेणं  
तिज्जि पलिओवमाइ, एव अणुवधोवि, कालादेसेण जहण्णेण दो पलिओवमाइ दोहिं वास  
सयसहस्सेहिं अम्भहियाइ उक्कोसेण चत्तारि पलिओवमाइ वामसयसहस्समम्भहियाइ  
३, सो चेव अप्पणा जहज्जकालट्ठिइओ जाओ जहज्जेण अट्टभागपलिओवमट्ठिइएसु  
उववज्जेज्जा उक्कोसेणवि अट्टभागपलिओवमट्ठिइएसु उववज्जेज्जा, ते ण भते । जीवा  
एगसमए एस चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहज्जेण धणुहपुहुत्त उक्कोसेण साइरेगाइ  
अट्टारसधणुहसयाइ, ठिइं जहज्जेण अट्टभागपलिओवम उक्कोसेणवि अट्टभागपलि  
ओवम, एव अणुवधोवि सेसं तहेव, कालादेसेण जहण्णेण दो अट्टभागपलिओवमाइ  
उक्कोसेणवि दो अट्टभागपलिओवमाइ एवइयं० जहज्जकालट्ठिइयस्स एम चेव एको गमो  
६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिइओ जाओ सा चेव ओहिया वत्तव्वया नवरं ठिइं  
जहज्जेण तिज्जि पलिओवमाइ उक्कोसेणवि तिज्जि पलिओवमाइ एव अणुवधोवि, सेसं  
त चेव, एव पच्छिमा तिज्जि गमगा णेयव्वा नवरं ठिइं सवेह च जाणेज्जा, एए सत्त  
गमगा । जइ सखेज्जवासाउयसज्जिपचिंदियं० सखेज्जवासाउयाण जहेव असुरकुमा-  
रेसु उववज्जमाणाण तहेव नववि गमा भाणियव्वा नवरं जोइसियठिइं सवेह च  
जाणेज्जा, सेसं तहेव निरवसेस भाणियव्व जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जति भेदो तहेव  
जाव असखेज्जवासाउयसज्जिमणुस्से ण भते । जे भविए जोइसिएसु उववज्जितए से  
ण भते ! एव जहा असखेज्जवासाउयसज्जिपचिंदियस्स जोइसिएसु चेव उववज्ज  
माणस्स सत्त गमगा तहेव मणुस्साणवि नवरं ओगाहणाविसेसो पढमेसु तिसु गमएसु  
ओगाहणा जहज्जेण साइरेगाइ नव धणुहसयाइ उक्कोसेण तिज्जि गाउयाइ, मज्झिमग-  
मए जहण्णेण साइरेगाइ नव धणुहसयाइ उक्कोसेणवि साइरेगाइ नव धणुहसयाइ,  
पच्छिमेसु तिसुवि गमएसु जहण्णेण तिज्जि गाउयाइ उक्कोसेणवि तिज्जि गाउयाइ, सेसं  
तहेव निरवसेस जाव सवेहोति, जइ सखेज्जवासाउयसज्जिमणुस्से० सखेज्जवासा-  
उयाण जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणाण तहेव नव गमगा भाणियव्वा, नवरं  
जोइसियठिइं सवेह च जाणेज्जा, सेसं त चेव निरवसेसं । सेव भते । २ ति ॥ ७१३ ॥

चउवीसइमे सए तेवीसइमो उहेसो समत्तो ॥

सोहम्मगदेवा ण भते ! कओहिंतो उववज्जति किं नेरइएहिंतो उववज्जति० ? भेदो



जए कलुणपडियाए त भिक्खुस्स गान तेहेण वा, घएण वा, उच्चष्टेण वा अन्म  
 नेज्ज भक्खिज्ज वा, सिणाणेण वा, ययेण वा, लोहेण वा, वज्जेण वा चुत्तेण वा,  
 पउमेण वा, आपसेज्ज वा, पप्पमेज्ज वा, उच्चलेज्ज वा, उव्वेज्ज वा सीओदगवेज्ज  
 डेण वा, उत्तिगोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पच्छोलेज्ज वा, पद्दोएज्ज वा, जिण-  
 विज्ज वा, मिच्चिज्ज वा, दासणा वा दासपरिणाम कट्ठ, आगिकाय उज्जालेज्ज वा,  
 पज्जालिज्ज वा, उज्जालिता २ कार्यं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा अह भिक्खु पुब्बो-  
 वदिट्ठा एम पइत्ता ज तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाण वा सेज्ज वा निसी-  
 हिय वा चेतेज्जा ॥ ६५६ ॥ आयाणमेय भिक्खुस्स सागारिए उवस्सए वनम-  
 णस्स इह खलु गाहावड् वा जाव कम्मकरी वा अन्नमम अणोत्तनि वा, पवनि वा  
 रुमति वा उद्विविति वा अह भिक्खु उच्चावय मण गियछेज्जा एते खलु अन्नम-  
 उक्कोसतु वा मा वा उक्कोसतु जाव मा वा उद्विवितु । अह भिक्खु पुब्बोवदिट्ठा  
 एम पइत्ता जाव ज तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाण वा सेज्ज वा  
 निसीहिय वा चेतेज्जा ॥ ६५७ ॥ आयाणमेय भिक्खुस्स गाहावड्हिं नदि  
 सबसमाणस्स इह खलु गाहावड अप्पगो सअट्ठाए अगणिकाय उज्जालेज्ज वा, पज-  
 लेज्ज वा विज्जावेज्ज वा, अह भिक्खु उच्चावय मण गियछेज्जा, एते खलु अगणि-  
 काय उज्जालेत्तु वा जाव मा वा विज्जावेत्तु अह भिक्खु पुब्बोवदिट्ठा जाव जं  
 तहप्पगारे उवस्सए नो ठाण वा सेज्ज वा, निसीहिय वा चेतेज्जा ॥ ६५८ ॥ आया-  
 णमेय भिक्खुस्स गाहावड्हिं सद्धिं सबसमाणस्स इह खलु गाहावड्हिं कुड्डे वा,  
 गुणे वा, मणी वा, मोत्तिए वा, हिरण्णे वा, सुवण्णे वा, कडगाणि वा, तुड्डियाणि वा,  
 तिसरगाणि वा, पालवाणि वा, हारे वा, अद्धहारे वा, एगावली वा, मुत्तावली वा,  
 कणगावली वा, रयणावली वा, तरुणिय वा कुमारिं अलकियविभूत्तिय पेहाए,  
 अह भिक्खु उच्चावय मण, गियछेज्जा, “एरिसिया वा सा णो वा एरिसिया” इति वा  
 ण वूया, इति वा ण मण साएज्जा, अह भिक्खु पुब्बोवदिट्ठा ४ जाव ज तहप्पगारे  
 उवस्सए णो ठाण वा जाव चेतेज्जा ॥ ६५९ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहाव-  
 ड्हिं सद्धिं सबसमाणस्स इह खलु गाहावड्णीओ वा, गाहावड्धूयाओ वा, गाहावड्-  
 सुण्हाओ वा, गाहावड्घाईओ वा, गाहावड्दासीओ वा, गाहावड्कम्मकरीओ वा,  
 तासिं च ण एव सुत्तापुब्ब भवइ, “जे इमे भवन्ति समणा भगवतो जाव उवरया  
 मेहुणवम्माओ णो खलु एतेसिं कप्पइ मेहुणवम्म परियारणाए आउट्ठिए, जा च  
 खलु एएहिं सद्धिं मेहुणवम्म परियारणाए आउट्ठाविज्जा पुत्त खलु मा लमेज्जा,  
 ओयस्सिं तेयस्सिं वच्चस्सिं जसस्सिं सपराइय आलोयणदरिसिणिज्ज,” एयप्पगारे



उववज्जति० ईसाणदेवाणं एस चेव सोहम्मगदेवमरिमा वत्तव्वया नवर असखेज्जवा  
 साउयसन्निपंचिदियतिरिक्खजोणियस्स जेसु ठाणेषु सोहम्मे उववज्जमाणस्स पलिओ-  
 व्मट्ठिं तेसु ठाणेषु इह साइरेग पलिओवम कायव्व, चउत्थगमे ओगाहणा जहणेण  
 धणुहुत्त उक्कोसेण साइरेगाइ दो गाउयाइ सेस त चेव ९ ॥ असखेज्जवासाउयस  
 निमणुस्सस्सवि तहेव ठिइं जहा पंचिदियतिरिक्खजोणियस्स असखेज्जवागाउयस्स  
 ओगाहणावि जेसु ठाणेषु गाउय तेसु ठाणेषु इह साइरेग गाउयं सेस तहेव ९ ॥  
 सखेज्जवासाउयाण तिरिक्खजोणियाण मणुस्साण य जहेव सोहम्मेसु उववज्जमाणान्  
 तहेव निरवसेस णववि गमगा नवरं ईसाणट्ठिइ संवेह च जाणेज्जा ९ ॥ सणकुमार  
 गदेवा ण भते ! कओहिंतो उववज्जति० उववाओ जहा सक्करप्पभापुडविनेरइयाण जाव  
 पज्जत्तसखेज्जवासाउयसन्निपंचिदियतिरिक्खजोणि ए ण भते ! जे भवि ए सणकुमारग  
 देवेसु उववज्जित ए अवसेसा परिमाणादीया भवादेसपज्जवसाणा सचेव वत्तव्वया  
 भाणियव्वा जहा सोहम्मे उववज्जमाणस्स नवरं सणकुमारट्ठिइं सवेहं च जाणेज्जा,  
 जाहे य अप्पणा जहन्नकालट्ठिइंओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु पच छेस्साओ आइ  
 छाओ कायव्वाओ सेस त चेव ९ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जति मणुस्साण जहेव  
 सक्करप्पमा ए उववज्जमाणान् तहेव णववि गमा भाणियव्वा नवरं सणकुमारट्ठिइं सवेह  
 च जाणेज्जा ९ ॥ माहिंदगदेवा ण भते ! कओहिंतो उववज्जति० जहा सणकुमार-  
 देवाण वत्तव्वया तहा माहिंदगदेवाणवि भाणियव्वा, नवर माहिंदगदेवाण ठिइं साइ  
 रेगा जा(भा)णियव्वा सा चेव, एव वमलोगदेवाणवि वत्तव्वया नवर वमलोगट्ठिइं  
 सवेह च जाणेज्जा, एव जाव सहस्सारो, णवरं ठिइं सवेहं च जाणेज्जा, लतगाईण  
 जहन्नकालट्ठिइंयस्स तिरिक्खजोणियस्स तिसुवि गमएसु छप्पि छेस्साओ कायव्वाओ,  
 संघयणाइ वमलोगलतएसु पंच आइल्लगाणि, महासुक्कसहस्सारेसु चत्तारि, तिरिक्ख  
 जोणियाणवि मणुस्साणवि, सेस त चेव ९ ॥ आणयदेवा ण भते ! कओहिंतो उव  
 वज्जति० उववाओ जहा सहस्सारे देवाणं णवरं तिरिक्खजोणिया खोडेयव्वा जाव  
 पज्जत्तसखेज्जवासाउयसन्निमणु(स्सा)स्से ण भते ! जे भवि ए आणयदेवेसु उववज्जित ए  
 मणुस्साण वत्तव्वया जहेव सहस्सारेसु उववज्जमाणानं णवरं तिप्पि सघयणाणि सेसं  
 तहेव जाव अणुवघो भवादेसेण जहणेण तिप्पि भवग्गहणाइ उक्कोसेण सत्त भवग्ग  
 हणाइ, कालादेसेण जहणेण अट्ठारस सागरोवमाई दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाई  
 उक्कोसेणं सत्तावन्न सागरोवमाई चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइ एवइयं०, एवं  
 सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा नवरं ठिइं सवेह च जाणेज्जा, सेसं तहेव ९ ॥  
 एवं जाव अश्वयदेवा, नवरं ठिइं सवेह च जाणेज्जा ९ ॥ चउत्तुवि संघयणा तिप्पि

वाचसायन । तेनैवगरेवा न भति । अतोऽहोतो उच्यतेति एत चेव वाचसायना नवरं  
 दो संवयथा हिं संवेदं न वाचसा । निवयवेवयवतजवतजपपञ्चमिवदेवा न भति ।  
 अतोऽहोतो उच्यतेति एत चेव वाचसायना निवयवेवा वाच अपुर्वोति नवरं पञ्चमं  
 संवयनं संव तद्वेव मवादेवेनं अहोतेनं तिभि मवयवहवाइ अतोतेनं पंच मवयव-  
 हवाइ, अहोतेनं अहोतेनं एतद्वेव सागरोवमार्त्तं रोहि वाचपुहुतद्वि अम्महिवाइ  
 अतोतेनं अहोति सामरोवमार्त्तं तिभि पुम्भरोवीहि अम्महिवाइ एवम् एनं सेसाभि  
 अहु पमगा भावियम्या नवरं हिं संवेदं न वाचसा मवसे अतो नवतमि यमएत  
 अहा गवेजेत उच्यतेवाचसायनस नवरं पञ्चमं संवयनं । अतोऽहोतोऽहोतेनं न भति ।  
 अतोऽहोतो उच्यतेति उचवायो अहो निववाइये वाच से न भति । केवदमवयव-  
 हिं एत उच्यतेन । येनया । अहोतेनं संवयं सागरोवमार्त्तं एत उतोतेनमि तेत्तं  
 सागरोवमार्त्तं उच्यतेन । अहोतेनं अहा निववाइत उच्यतेनानं नवरं मवादे  
 तेनं तिभि मवयवहवाइ, अहोतेनं अहोतेनं तेत्तं सागरोवमार्त्तं रोहि वाचपुहु-  
 तेहि अम्महिवाइ अहोतिमि तेत्तं सागरोवमार्त्तं रोहि पुम्भरोवीहि अम्महिवाइ  
 एवम् १ ॥ सो नव अयथा अहोअहोतिमो जातो एत चेव वाचसायना नवरं  
 ओपाहवातिमो एवमिपुहुतवाचपुहुतमि संव तद्वेव संवेदं न वाचसा १ ॥ सो चेव  
 अयथा अतोअहोतिमो जातो एत चेव वाचसायना नवरं ओपाहवा अहोतेनं पंच  
 अहोमवाइ अतोतेनमि पंच अहोमवाइ, हिं अहोतेनं पुम्भरोवी उतोतेनमि पुम्भ  
 अयो सेव तद्वेव वाच मवादेवेति अहोतेनं अहोतेनं तेत्तं सागरोवमार्त्तं रोहि  
 पुम्भरोवीहि अम्महिवाइ अहोतेनमि तेत्तं सागरोवमार्त्तं रोहि पुम्भरोवीहि अम्महि  
 अइ एवम् अहो सेवेन एवम् अहो मवयव करेन, एत तिभि गमगा अतोऽहो-  
 तवदेवाय । तिभि भति । १ ति मवयं गेवमे वाच निहत् ००१४३ अहोवीसहमस्त  
 सयस्त अहोवीसहमो उहोतो समतो ॥ अहोवीसहमे सयं समतं ॥  
 केस्ता न १ दम् २ संवय ३ अम् ४ पञ्च ५ निवय ६ उचवा न ७ ओहो  
 मविवा मविप १ अम् ११ मिनी न १२ रोहि ११० तेनं अहोतेनं तेनं  
 समयं एवमिहि वाच एवं ववाती-अहो न भति । केस्तामो प १ ओवना । केस्तामो  
 प १ तं-अहोकेस्ता अहा पञ्चमय विहत् रोहि एतद्वेव केस्तामिमापो अयथायुयं  
 न वाच अहोमिहत् वैवायं अहोमिहत् वैवायं गीतयं अयथायुयंति ॥ ०१५ ॥  
 अहोति न भति । संसारसमावयवा जीवा एवता । गोमया । अहोमिहत् संसारस-  
 मावयवा जीवा प १ तं-अहोमवयवता १ अहोमवयवता २, अहोमवयवता  
 ३ वाचपञ्चता ४ वैवायवा अयथायुय ५ वैवायवा पञ्चता ६ एवं तेद-



[illegible]



त्ताए हव्वमागच्छति अजीवदव्वाण नेरइया परिभोगत्ताए हव्वमागच्छति ? गोयमा !  
 नेरइयाण अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छति नो अजीवदव्वाण नेरइया जाव  
 हव्वमागच्छति, से केणट्ठेण ॥ १ गोयमा ! नेरइया ण अजीवदव्वे परियादियंति अ० २  
 ता वेउव्विय तेयगं कम्मग सोइदिय जाव फासिंदियं आणापाणुत्त च निव्वत्तियति, से  
 तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ०, एव जाव वेमाणिआ नवरं सरीरइदियजोगा भाणियव्वा  
 जस्स जे अत्थि ॥ ७२० ॥ से नूणं भते ! असखेज्जे लोए अणंताई दव्वाइ आगासे  
 भइयव्वाइ ? हुता गोयमा ! असखेज्जे लोए जाव भइयव्वाइ ॥ लोगस्स  
 ण भते ! एगमि आगासपएसे कइदिसिं पोग्गला चिज्जति ? गोयमा ! निव्वाघाएण  
 छइसिं वाघाय पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पचदिसिं, लोगस्स  
 ण भते ! एगमि आगासपएसे कइदिसिं पोग्गला छिज्जंति ? एवं चेव, एव उवचिज्जति  
 एव अवचिज्जति ॥ ७२१ ॥ जीवे ण भते ! जाइ दव्वाइ ओरालियसरीरत्ताए  
 गेण्हइ ताइ किं ठियाइ गेण्हइ अठियाई गेण्हइ ? गोयमा ! ठियाइपि गेण्हइ अठि-  
 याइपि गेण्हइ, ताइ भंते ! किं दव्वओ गेण्हइ खेत्तओ गेण्हइ कालओ गेण्हइ  
 भावओ गेण्हइ ? गोयमा ! दव्वओवि गेण्हइ खेत्तओवि गेण्हइ कालओवि गेण्हइ  
 भावओवि गेण्हइ, ताइ दव्वओ अणतपएसियाई दव्वाई खेत्तओ असखेज्जपएसोगा  
 डाई एवं जहा पन्नवणाए पढमे आहारुइसए जाव निव्वाघाएण छइसिं वाघाय पडुच्च  
 सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पचदिसिं ॥ जीवे ण भंते ! जाइ दव्वाइ वेउ  
 व्वियसरीरत्ताए गेण्हइ ताइ किं ठियाइ गेण्हइ अठियाइ गेण्हइ ? एव चेव नवरं  
 नियम छइसिं, एव आहारगसरीरत्ताएवि ॥ जीवे ण भंते ! जाइ दव्वाइ तेयग  
 सरीरत्ताए गिण्हइ पुच्छा, गोयमा ! ठियाइ गेण्हइ नो अठियाइ गेण्हइ सेसं जहा  
 ओरालियसरीरस्स कम्मगसरीरे एवं चेव एव जाव भावओवि गेण्हइ, जाइ दव्वाइ  
 दव्वओ गेण्हइ ताइ किं एगपएसियाई गेण्हइ दुपएसियाइ गेण्हइ ? एव जहा  
 भासापए जाव आणुपुव्वि गेण्हइ नो अणाणुपुव्वि गेण्हइ, ताइ भते ! कइदिसिं  
 गेण्हइ ? गोयमा ! निव्वाघाएण जहा ओरालियस्स ॥ जीवे ण भते ! जाइ दव्वाइ  
 सोइदियत्ताए गेण्हइ जहा वेउव्वियसरीर एवं जाव जिर्णिमदियत्ताए फासिंदियत्ताए  
 जहा ओरालियसरीरं मणजोगत्ताए जहा कम्मगसरीरं नवरं नियम छइसिं एवं  
 वइजोगत्ताएवि कायजोगत्ताएवि जहा ओरालियसरीरस्स । जीवे ण भते ! जाइ  
 दव्वाइ आणापाणुत्ताए गेण्हइ जहेव ओरालियसरीरत्ताए जाव सिय पचदिसिं । सेवं  
 भते ! २ ति । केइ चउवीसदहएण एयाणि पयाणि भज्जति जस्स ज अत्थि ॥ ७२२ ॥  
 पणवीसइमस्स सयस्स बीओ उहेसो समत्तो ॥

क्त्वं भेदे । संज्ञाया ५ । योऽस्मा । छ संज्ञाया ५ । तं—परिमंडले चै तं चि चर  
 रंते वावए अमित्त्वं परिमंडलं भेदे । संज्ञाया द्वापुनाए कि संज्ञेया असंज्ञेया  
 अर्था । योऽस्मा । यो संज्ञेया यो असंज्ञेया अर्था वा ५ भेदे । संज्ञाया एवैव  
 एव वाव अमित्त्वं, एवं पदसंज्ञाएणि एवं द्वापुनाएणि, एतौ च भेदे ।  
 परिमंडलं इत्येतत्तरं सजादव्यमित्त्वं च संज्ञाया द्वापुनाए पदसंज्ञाए द्वापु-  
 पदसंज्ञाए कपरे २ इति वाव त्रिंशत्तुति वा । योऽस्मा । सम्प्रत्योरा परिमंडलं  
 संज्ञाया द्वापुनाए, वा संज्ञाया द्वापुनाए संज्ञेयाया चरं संज्ञाया द्वापुनाए  
 संज्ञेयाया संज्ञाया द्वापुनाए संज्ञेयाया वासवसंज्ञाया द्वापुनाए संज्ञेया-  
 गुणा अमित्त्वं संज्ञाया द्वापुनाए असंज्ञेयाया पदसंज्ञाए—सम्प्रत्योरा परि-  
 मंडला संज्ञाया पदसंज्ञाए, वा संज्ञाया पदसंज्ञाए संज्ञेयाया वा द्वापुनाए  
 वा पदसंज्ञाएणि वाव अमित्त्वं संज्ञाया पदसंज्ञाए असंज्ञेयाया, द्वापुनाए-  
 पदसंज्ञाए सम्प्रत्योरा परिमंडलं संज्ञाया द्वापुनाए छे चैव यम्यो मास्मिन्मो वाव  
 अमित्त्वं संज्ञाया द्वापुनाए असंज्ञेयाया अमित्त्वं इति संज्ञेयाया द्वापुनाए  
 (इति) परिमंडलं संज्ञाया पदसंज्ञाए असंज्ञेयाया वा संज्ञाया पदसंज्ञाए  
 संज्ञेयाया छे चैव पदसंज्ञाए यम्यो मास्मिन्मो वाव अमित्त्वं संज्ञाया पदसं-  
 ज्ञाए असंज्ञेयाया ३०९३ क्त्वं भेदे । संज्ञाया पञ्चा । योऽस्मा । पंच संज्ञाया  
 ५ । तं—परिमंडले वाव आसए । परिमंडलं भेदे । संज्ञाया कि संज्ञेया असंज्ञेया  
 अर्था । योऽस्मा । यो संज्ञेया यो असंज्ञेया अर्था वा ५ भेदे । संज्ञाया कि  
 संज्ञेया । एवं चैव एवं वाव आसए । इति च भेदे । रज्ज्वप्यमाए पुत्रवीए परि-  
 मंडला संज्ञाया कि संज्ञेया असंज्ञेया अर्था । योऽस्मा । यो संज्ञेया यो असंज्ञेया  
 अर्था, वा ५ भेदे । संज्ञाया कि संज्ञेया असंज्ञेया । एवं चैव एवं वाव आसए ।  
 रज्ज्वप्यमाए भेदे । पुत्रवीए परिमंडलं संज्ञाया एवं चैव एवं वाव आसए  
 एवं वाव अत्रिंशत्तुति । छे चैव भेदे । कपे परिमंडलं संज्ञाया एवं चैव एवं वाव  
 अनुए, त्रिंशत्तुति च भेदे । परिमंडलं संज्ञाया एवं चैव एवं अनुए त्रिंशत्तुति, एवं  
 त्रिंशत्तुति च भेदे । एते परिमंडलं संज्ञेया अस्मिन्मो तत् परिमंडलं  
 संज्ञाया कि संज्ञेया असंज्ञेया अर्था । योऽस्मा । यो संज्ञेया यो असंज्ञेया अर्था ।  
 वा ५ भेदे । संज्ञाया कि संज्ञेया असंज्ञेया अर्था । एवं चैव एवं वाव  
 आसए । तत् भेदे । एते चैव संज्ञेया अस्मिन्मो तत् परिमंडलं संज्ञाया एवं चैव  
 वा संज्ञाया एवं चैव एवं वाव आसए, एवं एते चैव संज्ञेया पंच नि वारिंशत्तुति  
 तत् भेदे । इति रज्ज्वप्यमाए पुत्रवीए एते परिमंडले संज्ञेया अस्मिन्मो तत्

ण परिमडलसठाणां किं सखेज्जां पुच्छा, गोयमा ! नो सखेज्जा नो असखेज्जा अणता, वट्ठा णं भंते ! सठाणां किं सखेज्जां पुच्छा, गोयमा ! नो सखेज्जा नो असखेज्जा अणता, एव (चेव) जाव आयया, जत्थ ण भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एगे वट्ठे सठाणे जवमंज्जे तत्थ ण परिमडला सठाणां किं सखेज्जां पुच्छा, गोयमा ! नो सखेज्जा नो असखेज्जा अणता, वट्ठा सठाणा एव चेव, एव जाव आयया, एवं पुणरवि एक्केकेण सठाणेण पचवि चारेयव्वा जहेव हेट्ठिआ जाव आय(ए)याण, एवं जाव अहेसत्तमाए, एव कप्पेसुवि जाव ईसिप्पव्भाराए पुढवीए ॥ ७२४ ॥ वट्ठे ण भंते ! सठाणे कइपएसिए कइपएसोगाडे प० ? गोयमा ! वट्ठे सठाणे दुविहे प०, त०-घणवट्ठे य पयरवट्ठे य, तत्थ ण जे से पयरवट्ठे से दुविहे प०, त०-ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ ण जे से ओयपएसिए पयरवट्ठे से जहजेण पचपएसिए पंचपएसोगाडे उक्कोसेण अणतपएसिए असखेज्जपएसोगाडे, तत्थ ण जे से जुम्मपएसिए से जहजेण बारसपएसिए बारसपएसोगाडे उक्कोसेण अणतपएसिए असखेज्जपएसोगाडे, तत्थ ण जे से घणवट्ठे से दुविहे प०, त०-ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ ण जे से ओयपएसिए से जहजेण सत्तपएसिए सत्तपएसोगाडे प०, उक्कोसेण अणतपएसिए असखेज्जपएसोगाडे प०, तत्थ ण जे से जुम्मपएसिए से जहजेण बत्तीसपएसिए बत्तीसपएसोगाडे प०, उक्कोसेण अणतपएसिए असखेज्जपएसोगाडे प० ॥ तसे णं भंते ! सठाणे कइपएसिए कइपएसोगाडे प० ? गोयमा ! तंसे ण सठाणे दुविहे प०, त०-घणतसे य पयरतंसे य, तत्थ ण जे से पयरतसे से दुविहे प०, त०-ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ ण जे से ओयपएसिए से जहजेण तिपएसिए तिपएसोगाडे प०, उक्कोसेण अणतपएसिए असखेज्जपएसोगाडे प०, तत्थ ण जे से जुम्मपएसिए से जहजेण छप्पएसिए छप्पएसोगाडे प०, उक्कोसेण अणतपएसिए असखेज्जपएसोगाडे प०, तत्थ ण जे से घणतसे से दुविहे प०, त०-ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ ण जे से ओयपएसिए से जहजेण पणतीसपएसिए पणतीसपएसोगाडे प०, उक्कोसेण अणतपएसिए त चेव, तत्थ ण जे से जुम्मपएसिए से जहजेण चउप्पएसिए चउप्पएसोगाडे प०, उक्कोसेण अणतपएसिए तं चेव ॥ चउरंसे णं भंते ! सठाणे कइपएसिए पुच्छा, गोयमा ! चउरंसे सठाणे दुविहे प०, भेदो जहेव वट्ठस्स जाव तत्थ ण जे से ओयपएसिए से जहजेण नवपएसिए नवपएसोगाडे प०, उक्कोसेण अणतपएसिए असखेज्जपएसोगाडे प०, तत्थ ण जे से जुम्मपएसिए से जहजेण चउप्पएसिए चउप्पएसोगाडे प०, उक्कोसेण अणतपएसिए तं चेव, तत्थ ण जे से घणचउरंसे से दुविहे प०, तजहा-ओयपएसिए

यं शुम्भपण्डित् यं तत्त्व यं ज्ञे से ओदपण्डित् से बह्वेर्न सत्तावीसपण्डित् सत्ता  
वीसपण्डित्वादे उहोतेर्न अर्नतपण्डित् तद्देव तत्त्व यं ज्ञे से शुम्भपण्डित् से बह  
वेर्न अहपण्डित् अहपण्डित्वादे यं उहोतेर्न अर्नतपण्डित् तद्देव ॥ आनर् यं  
मते । संताने कपण्डित् कपण्डित्वादे यं । ओदमा । आनर् यं संताने तिभिदे  
यं । तं—सिद्धिमाय पञ्चपण्डित्वादे, तत्त्व यं ज्ञे से सिद्धिमाय से दुभिदे यं  
तं—ओदपण्डित् यं शुम्भपण्डित् यं तत्त्व यं ज्ञे से ओदपण्डित् से बह्वेर्न सिक्  
ण्डित् सिक्ण्डित्वादे उहोतेर्न अर्नतपण्डित् तं ज्ञेय तत्त्व यं ज्ञे से शुम्भपण्डित् से  
बह्वेर्न दुपण्डित् दुपण्डित्वादे उहोतेर्न अर्नतपण्डित् तं ज्ञेय तत्त्व यं ज्ञे से पञ्च  
पण्डित् से दुभिदे यं । तं—ओदपण्डित् यं शुम्भपण्डित् यं तत्त्व यं ज्ञे से ओदपण्डित्  
से बह्वेर्न पञ्चपण्डित् पञ्चपण्डित्वादे उहोतेर्न अर्नत तद्देव तत्त्व यं ज्ञे से  
शुम्भपण्डित् से बह्वेर्न कपण्डित् कपण्डित्वादे उहोतेर्न अर्नत तद्देव, तत्त्व यं  
ज्ञे से कपण्डित् से दुभिदे यं । तं—ओदपण्डित् यं शुम्भपण्डित् यं तत्त्व यं ज्ञे से  
ओदपण्डित् से बह्वेर्न पञ्चपण्डित् पञ्चपण्डित्वादे यं उहोतेर्न अर्न-  
त तद्देव तत्त्व यं ज्ञे से शुम्भपण्डित् से बह्वेर्न बारपण्डित् बारपण्डित्वादे  
यं उहोतेर्न अर्नत तद्देव ॥ परिमंडके यं मते । संताने कपण्डित् पुच्छा  
भोक्ता । परिमंडके यं संताने दुभिदे यं । तं—पञ्चपरिमंडके यं पञ्चपरिमंडके यं  
तत्त्व यं ज्ञे से पञ्चपरिमंडके से बह्वेर्न वीसपण्डित् वीसपण्डित्वादे उहोतेर्न  
अर्नतपण्डित् तद्देव तत्त्व यं ज्ञे से पञ्चपरिमंडके से बह्वेर्न वीसपण्डित्  
वीसपण्डित्वादे यं उहोतेर्न अर्नतपण्डित् अर्नतपण्डित्वादे पञ्चपण्डित्  
॥ ७१५ ॥ परिमंडके यं मते । संताने दम्भपण्डित् किं कञ्जुम्मे तेजोए बावर  
कुम्मे कञ्जिओए । द्येयमा । ओ कञ्जुम्मे ओ तेजोए ओ बावरकुम्मे कञ्जिओए,  
मते यं मते । संताने दम्भपण्डित् पूर्ण ज्ञेय पूर्ण ज्ञान आनर् ॥ परिमंडका यं मते ।  
संताना दम्भपण्डित् किं कञ्जुम्मा तेजोया बावरकुम्मा कञ्जिओया पुच्छा भोक्ता ।  
ओदपण्डित् सिक् कञ्जुम्मा सिक् तेजोया सिक् बावरकुम्मा सिक् कञ्जिओया  
विहानादेतेर्न ओ कञ्जुम्मा ओ तेजोया ओ बावरकुम्मा कञ्जिओया पूर्ण ज्ञान  
आनर् ॥ परिमंडके यं मते । संताने पण्डित्वाए किं कञ्जुम्मे पुच्छा  
भोक्ता । सिक् कञ्जुम्मे सिक् तेजोया सिक् बावरकुम्मे सिक् कञ्जिओया पूर्ण ज्ञान  
आनर्, परिमंडका यं मते । संताना पण्डित्वाए किं कञ्जुम्मा पुच्छा भोक्ता ।  
ओदपण्डित् सिक् कञ्जुम्मा ज्ञान सिक् कञ्जिओया विहानादेतेर्न कञ्जुम्मा  
तेजोयानि बावरकुम्मानि कञ्जिओयानि पूर्ण ज्ञान आनर् ॥ परिमंडके यं

भंते ! सठाणे कि कडजुम्मपएसोगाडे जाव कलिओगपएसोगाडे ? गोयमा !- कड-  
 जुम्मपएसोगाडे णो तेओगपएसोगाडे नो दावरजुम्मपएसोगाडे नो कलिओगपए-  
 सोगाडे ॥ वट्टे णं भंते ! सठाणे किं कडजुम्म० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्म  
 पएसोगाडे सिय तेओगपएसोगाडे नो दावरजुम्मपएसोगाडे सिय कलिओगपएसो-  
 गाडे ॥ तसे णं भंते ! सठाणे पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाडे सिय  
 एसोगाडे सिय दावरजुम्मपएसोगाडे नो कलिओगपएसोगाडे । चउरसे ण  
 सठाणे जहा वट्टे तहा चउरसेवि । आयए ण भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिय  
 पएसोगाडे-जाव सिय कलिओगपएसोगाडे । परिमडला ण भंते ! सठाणा  
 जुम्मपएसोगाडा तेओगपएसोगाडा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहा-  
 णादेसेणवि कडजुम्मपएसोगाडा णो तेओगपएसोगाडा नो दावरजुम्मपएसोगाडा  
 नो कलिओगपएसोगाडा । वट्टा ण भंते ! सठाणा किं कडजुम्मपएसोगाडा० पुच्छा,  
 गोयमा ! ओघादेसेण कडजुम्मपएसोगाडा नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलि-  
 ओग०, विहाणादेसेण कडजुम्मपएसोगाडावि तेओगपएसोगाडावि णो दावरजुम्म-  
 पएसोगाडा कलिओगपएसोगाडावि, तसा ण भंते ! सठाणा किं कडजुम्मा० पुच्छा,  
 गोयमा ! ओघादेसेण कडजुम्मपएसोगाडा नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलि-  
 ओगपएसोगाडा, विहाणादेसेण कडजुम्मपएसोगाडावि तेओगपएसोगाडावि (नो)  
 दावरजुम्मपएसोगाडा नो कलिओगपएसोगाडा । चउरसा जहा वट्टा, आयया ण  
 भंते ! सठाणा पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेण कडजुम्मपएसोगाडा नो तेओगपए-  
 सोगाडा नो दावरजुम्मपएसोगाडा नो कलिओगपएसोगाडा, विहाणादेसेण कड-  
 जुम्मपएसोगाडावि जाव कलिओगपएसोगाडावि ॥ परिमडले ण भंते ! सठाणे किं  
 कडजुम्मसमयठिईए तेओगसमयठिईए दावरजुम्मसमयठिईए कलिओगसमयठि-  
 ईए ? गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयठिईए जाव सिय कलिओगसमयठिईए, एव जाव  
 आयए । परिमडला ण भंते ! सठाणा किं कडजुम्मसमयठिईया० पुच्छा, गोयमा !  
 ओघादेसेण सिय कडजुम्मसमयठिईया जाव सिय कलिओगसमयठिईया, विहाणादेसेण  
 कडजुम्मसमयठिईयावि जाव कलिओगसमयठिईयावि, एव जाव आयया ॥  
 परिमडले ण भंते ! सठाणे कालवन्नपज्जवेहिं किं कडजुम्मे जाव कलिओगे ?  
 गोयमा ! सिय कडजुम्मे एव एएण अभिलावेण जहेव ठिईए एव नीलवन्नपज्जवेहिं,  
 एव पचहिं वनेहिं, दोहिं गंधेहिं, पंचहिं रसेहिं, अट्ठहिं फासेहिं जाव लुक्खफासपज्जवेहिं  
 ॥ ७२६ ॥ सेढीओ णं भंते ! दन्वट्टयाए किं सखेज्जाओ असखेज्जाओ अणंताओ ?  
 गोयमा ! नो सखेज्जाओ नो असखेज्जाओ अणताओ, पाईणपडीणाययाओ ण भंते !

मित्रेयं सोमा मित्रम् तसि न न अप्यवरी सङ्गी तं तवसि मित्रं मेधुन-  
धम्मपरिवारणाय आद्यस्यैवा अह मित्रं पुण्योवदिता आन न तदप्यमारे  
सागारिण उवस्सए वो ठरं वा सेजं वा मिरीद्विं वा येतेज्जा ॥ ६९ ॥ एवं  
अह तस्म मित्रहस्स मित्रहणीए वा सामरिगवं ॥ ६९१ ॥ सेज्जाज्जस्यपस्स  
पहमोदेसो समसो ॥

याहावद् नामेगे सुखमाकारा मरुति से मित्रं अ अविवाणाए से तस्मिं दुम्मे  
पडिक्के पडिक्कोमे यामि मरुद्, अं पुण्यकम्मं तं पण्यकम्मं अं पण्यकम्मं तं  
पुण्यकम्मं तं मित्रहणीवाए वसामे करेज्जा वा नो करेज्जा वा अह मित्रं  
पुण्योवदिता आन अं तदप्यमारे उवस्सए वो ठरं वा वाह येतज्जा ॥ ६९२ ॥  
आवाणमेवं मित्रहस्स याहावद् सङ्गी संवसमापस्स इह अह याहावत्स  
अप्यो उवद्वाए मित्रहस्सै ओवक्काए उवक्काए सिंया अह पण्य मित्रहणीवाए  
असने वा (४) उवक्काजेज्जा वा उवकरेज्जा वा तं अ मित्रं अनिक्कजेज्जा मोताए वा  
पावए वा निवहिताए वा अह मित्रं पुण्योवदिता आन अं नो तदप्यमारे  
उवस्सए ठरं येतेज्ज ॥ ६९३ ॥ आवाणमेवं मित्रहस्स याहावद् सङ्गी संवस-  
मापस्स इह अह याहावत्स अप्यो उवद्वाए मित्रहस्साई वाक्काई मित्रपुण्यई  
मरुति अह पण्य मित्रहणीवाए मित्रहस्साई वाक्काई मित्रेज्जा वा निवेज्जा वा  
पान्निवेज्जा वा वाक्का वा वाक्कापरिवारं कहु अमस्सिअनं उज्जाकेज्जा वा पण्यकेज्जा वा  
तत्त मित्रं अनिक्कजेज्जा वा आतावेए वा प्वावेए वा निवहिताए वा  
अह मित्रं पुण्योवदिता आन अं तदप्यमारे उवस्सए वो ठरं येतेज्ज  
॥ ६९४ ॥ से मित्रं वा (१) उवापपत्तवने उवाविज्जामाये एमो वा मिधाके  
वा याहावत्सपस्स पुवारवाई अरंजुनेज्जा तमे अ तस्मिन्वारी अनुपमिसेज्जा  
तस्म मित्रहस्स वो कप्पए एवं वसिताए “अवं सेमे पमिउद् वा वो वा वमिउद्,  
ववमिउद् वा वो वा उवमिउद्, आववति वा वो वा आववति वरुति वा वो वा  
वरुति तं इहं अन्धेन इहं तस्स इहं अन्धस्स इहं अवं सेमे अवं उववरए,  
अवं इहा अवं एत्थमवरी” तं तवसि मित्रं अतेनं तेवं त्ति संखु, अह  
मित्रं पुण्योवदिता आन नो येतेज्जा ॥ ६९५ ॥ से मित्रं वा (१) से अं पुण्य  
उवस्सए वा मिज्जा तत्तुंजेमु पण्यत्तुंजेमु वा सङ्गी वाव संघंताए तदप्य-  
मारे उवस्सए वो ठरं वा सेज्जा वा मिरीद्विं वा येएज्जा ॥ ६९६ ॥ से मित्रं  
वा (१) से अं पुण्य उवस्सए वा मिज्जा तत्तुंजेमु वा पण्यत्तुंजेमु वा अन्धि  
वाव येएज्जा ॥ ६९७ ॥ से आर्यापरेठ वा आरमापरेठ वा याहावत्सुं वा



एवं चेव, एव अलोगागाससेदीओवि । सेदीओ णं भंते । पएसद्वयाए किं कडुजुम्माओ०  
 पुच्छा, एव चेव, एव जाव उट्टमहाययाओ । लोगागाससेदीओ ण भते । पएसद्व  
 याए पुच्छा, गोयमा । सिय कडुजुम्माओ नो तेओगाओ सिय दावरजुम्माओ नो  
 कलिओगाओ, एव पाईणपदीगाययाओवि दाहिणुतराययाओवि, उट्टमहाययाओ ण  
 पुच्छा, गोयमा । कडुजुम्माओ नो तेओगाओ नो दावरजुम्माओ नो कलिओगाओ ।  
 अलोगागाससेदीओ ण भंते । पएसद्वयाए पुच्छा, गोयमा । त्रिय कडुजुम्माओ  
 जाव सिय कलिओगाओ, एव पाईणपदीगाययाओवि, एवं दाहिणुतराययाओवि,  
 उट्टमहाययाओवि एव चेव, नवरं नो कलिओगाओ मेस त चेव ॥ ७२८ ॥ कइ  
 णं भते । सेदीओ प० १ गोयमा । सत्त सेदीओ पन्नत्ताओ, तजहा-उज्जुआयया  
 एगओवका दुहओवका एगओसहा दुहओसहा चववाला अद्वचववाला ॥ परमाणु-  
 पोग्गलाण भते । किं अणुसेदिं(र्ही) गइं पवत्तइ विसेदिं गइं पवत्तइ १ गोयमा । अणु-  
 सेदिं गइं पवत्तइ नो विसेदिं गइं पवत्तइ । दुपएसियाण भते । खंधाण अणुसेदिं गइं  
 पवत्तइ विसेदिं गइं पवत्तइ १ एव चेव, एव जाव अगतपएसियाण चंधाण । नेरइयाण  
 भंते । किं अणुसेदिं गइं पवत्तइ विसेदिं गइं पवत्तइ १ एव चेव, एवं जाव चेमाणियणं  
 ॥ ७२९ ॥ इमीसे ण भते । रयणप्पभाए पुठवीए केवइया निरयावाससयसहस्ता  
 प० १ गोयमा । तीस निरयावाससयसहस्ता प०, एव जहा पटमसए पचमुइसए  
 जाव अणुत्तरविमाणत्ति ॥ ७३० ॥ कइविहे णं भंते । गणिपिडए प० १ गोयमा ।  
 दुवालसगे गणिपिडए प०, तं०-आयारो जाव दिट्ठिवाओ, से किं त आयारो १  
 आयारो ण समणारं निगंधाण आयारगोयर० एवं अगपरुवणा भाणियन्वा जहा  
 नदीए जाव सुत्तयो खलु पढमो वीओ निज्जुत्तिमीसिओ भणिओ । तइओ य निर-  
 वसेसो एस विही होइ अणुओगे ॥ १ ॥ ७३१ ॥ एएसि ण भते । नेरइयाण जाव  
 देवाण सिद्धाण य पंचगइसमासेण कयरे २ हिंतो० पुच्छा, गोयमा । अप्पावहुयं जहा  
 बहुवत्तव्वयाए अट्टगइसमासअप्पावहुग च । एएसि ण भते । सइदियाणं एणि-  
 दियाणं जाव अणिदियाण य कयरे० १ एयपि जहा बहुवत्तव्वयाए तहेव ओहिय  
 पय भाणियन्व, सकाइयअप्पावहुगं तहेव ओहिय भाणियन्व ॥ एएसि णं भते ।  
 जीवाण पोग्गलाण जाव सव्वपज्जवाण य कयरे २ जाव बहुवत्तव्वयाए एएसि णं  
 भते । जीवाण आउयस्स कम्मस्स वधगाण अवधगाणं जहा बहुवत्तव्वयाए जाव  
 आउयस्स कम्मस्स अवधगा विसेसाहिया । सेवं भंते । सेवं भंते । ति ॥ ७३२ ॥  
 पणवीसइमस्स सयस्स तइओ उहेसो समत्तो ॥

कइ णं भते । जुम्मा पन्नत्ता १ गोयमा । चत्तारि जुम्मा प०, त०-कडुजुम्मे जाव

છેદીઓ વચ્ચેના આ કિં સંકેતોનો ૧. અને એવું અને શાસ્ત્રિયુત્તરના આનો ૧ અને વચ્ચેના આનો ૧. કોયાપાસે છેદીઓ ને મંત્રે । વચ્ચેના આ કિં સંકેતોનો અસંકેતોનો અર્થતાનો । ગોચર । નો સંકેતોનો અસંકેતોનો નો અર્થતાનો પાઈનપદીના આનો ૧ મંત્રે । કોયાપાસે છેદીઓ વચ્ચેના આ કિં સંકેતોનો અને એવું અને શાસ્ત્રિયુત્તરના આનો ૧ અને વચ્ચેના આનો ૧. અકોયાપાસે છેદીઓ ને મંત્રે । વચ્ચેના આ કિં સંકેતોનો અસંકેતોનો અર્થતાનો । ગોચર । નો સંકેતોનો નો અસંકેતોનો અર્થતાનો અને પાઈનપદીના આનો ૧ અને શાસ્ત્રિયુત્તરના આનો ૧ અને વચ્ચેના આનો ૧. છેદીઓ ને મંત્રે । વચ્ચેના આ કિં સંકેતોનો અર્થતાનો । કોયાપાસે છેદીઓ ને મંત્રે । વચ્ચેના આ કિં સંકેતોનો પુષ્કા ગોચર । સિવ સંકેતોનો સિવ અસંકેતોનો નો અર્થતાનો, અને પાઈનપદીના આનો ૧ અને શાસ્ત્રિયુત્તરના આનો ૧ અને એવું વચ્ચેના આનો નો સંકેતોનો અસંકેતોનો નો અર્થતાનો । અકોયાપાસે છેદીઓ ને મંત્રે । વચ્ચેના આ પુષ્કા ગોચર । સિવ સંકેતોનો સિવ અસંકેતોનો સિવ અર્થતાનો, પાઈનપદીના આનો ૧ મંત્રે । અકોયા પુષ્કા ગોચર । નો સંકેતોનો નો અસંકેતોનો અર્થતાનો અને શાસ્ત્રિયુત્તરના આનો ૧ વચ્ચેના આનો પુષ્કા ગોચર । સિવ સંકેતોનો સિવ અસંકેતોનો સિવ અર્થતાનો ૪ ૭૧૭ ૪ છેદીઓ ને મંત્રે । કિં સાદવાનો સપજવસિવાનો ૧. સાદવાનો અપજવસિવાનો ૨, અપાદવાનો સપજવસિવાનો ૩, અપાદવાનો અપજવસિવાનો ૪ । ગોચર । નો સાદવાનો સપજવસિવાનો નો સાદવાનો અપજવસિવાનો નો અપાદવાનો સપજવસિવાનો અપાદવાનો અપજવસિવાનો, અને વચ્ચેના આનો કોયાપાસે છેદીઓ ને મંત્રે । કિં સાદવાનો સપજવસિવાનો પુષ્કા ગોચર । સાદવાનો સપજવસિવાનો નો સાદવાનો અપજવસિવાનો નો અપાદવાનો સપજવસિવાનો નો અપાદવાનો અપજવસિવાનો અને વચ્ચેના આનો । અકોયાપાસે છેદીઓ ને મંત્રે । કિં સાદવાનો સપજવસિવાનો પુષ્કા, ગોચર । સિવ સાદવાનો અપજવસિવાનો ૧ સિવ અપાદવાનો સપજવસિવાનો ૨ સિવ અપાદવાનો અપજવસિવાનો ૪ પાઈનપદીના આનો શાસ્ત્રિયુત્તરના આનો ૧ અને એવું નવર નો સાદવાનો સપજવસિવાનો સિવ સાદવાનો અપજવસિવાનો સેડ તે એવું વચ્ચેના આનો અર્થતાનો સેડ નવરનો । છેદીઓ ને મંત્રે । વચ્ચેના આ કિં વચ્ચેના આનો સેડોનાનો પુષ્કા ગોચર । વચ્ચેના આનો નો સેડોનાનો નો શાસ્ત્રિયુત્તરના આનો ૧ અને વચ્ચેના આનો સેડોનાનો

द्वययाए पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेण सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेण णो कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा कलिओगा, एव जाव सिद्धा ॥ जीवे ण भंते । पएसद्वयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा । जीवपएसे पडुब कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे नो कलिओगे, सरीरपएसे पडुब सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एव जाव वेमाणिए । त्रिद्वे ण भंते । पएसद्वयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा । कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे नो कलिओगे । जीवा ण भते । पएसद्वयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा । जीवपएसे पडुब ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, सरीरपएसे पडुब ओघादेसेण सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेण कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एव नेरइयावि, एव जाव वेमाणिया । सिद्धा ण भते । पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा ॥ ७३४ ॥ जीवे ण भते । किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा । सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे, एव जाव सिद्धे । जीवा ण भते । किं कडजुम्मपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेण कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेण कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि, नेरइया ण भते । पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेण सिय कडजुम्मपएसोगाढा जाव सिय कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेण कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि, एव एगिंदियसिद्धवज्जा ( जाव वेमाणिया ) सन्वेवि, सिद्धा एगिंदिया य जहा जीवा । जीवे ण भते । किं कडजुम्मसमयट्ठिईए० पुच्छा, गोयमा । कडजुम्मसमयट्ठिईए नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगसमयट्ठिईए । नेरइए ण भंते । पुच्छा, गोयमा । सिय कडजुम्मसमयट्ठिईए जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईए, एव जाव वेमाणिए, सिद्धे जहा जीवे । जीवा ण भते । पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मसमयट्ठिईया नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलिओगसमयट्ठिईया, नेरइयाण पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेण सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया, विहाणादेसेण कडजुम्मसमयट्ठिईयावि जाव कलिओगसमयट्ठिईयावि, एव जाव वेमाणिया, सिद्धा जहा जीवा ॥ ७३५ ॥ जीवे ण भते । कालवन्नपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा । जीवपएसे पडुब णो कडजुम्मे जाव णो कलिओगे, सरीरपएसे पडुब सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एव जाव वेमाणिए, सिद्धो चेव न पुच्छिज्जइ ।



यात्रि सन्वेयावि, से कैगट्टेणं जाव मन्वेयावि ? गोयमा । नेरदया दुविहा प०  
त०-विग्गहगइग्गमावजगा य अविग्गहगइग्गमावजगा य, तत्थ ण जे ते किग्ग  
गइग्गमावजगा ते णं सन्वेया, तत्थ ण जे ते अविग्गहगइग्गमावजगा ते ण देसया  
से तेणट्टेण जाव सन्वेयावि, एव जाव चेमाणिया ॥ ७३८ ॥ परमाणुपोगला  
भते । किं सग्गेज्जा असग्गेज्जा अणता ? गोयमा । नो सग्गेज्जा नो असग्गेज्जा अणता  
एवं जाव अणतपएतिया राधा । एगपएसोगाढा ण भते । पोगला किं सग्गेज्जा  
असग्गेज्जा अणता ? एव चेव, एवं जाव असग्गेज्जपएसोगाढा । एगममयट्ठिइया ।  
भते । पोगला किं सग्गेज्जा० ? एवं चेव, एव जाव असग्गेज्जममयट्ठिइया । एगए  
कालगा ण भते । पोगला किं सग्गेज्जा० ? एव चेव, एवं जाव अणतगुणकाला  
एव अवसेसावि वज्जगधरगफामा गेयव्वा जाव अणतगुणलक्खत्ति । एएसि ण भते  
परमाणुपोगलाण दुपएतियाण य राधाण दब्बट्टयाए कयरे २ हिंता अप्पा वा बहुया  
तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा । दुपएतिएहिंता गधेहिंता परमाणुपोगला दब्बट्टया  
बहुया, एएसि ण भते । दुपएतियाण तिपएतियाण य राधाण दब्बट्टयाए कयरे २ हिं  
बहुया ? गोयमा । तिपएतिएहिंता खधेहिंता दुपएतिया राधा दब्बट्टयाए बहुया,  
एएण गमएण जाव दसपएसिएहिंता खधेहिंता नवपएतिया राधा दब्बट्टयाए बहुय  
एएसि ण भते । दसपएसि० पुच्छा, गोयमा । दगपएसिएहिंता खधेहिंता सग्गेज्जप  
तिया राधा दब्बट्टयाए बहुया, एएसि ण भते । सग्गेज्ज० पुच्छा, गोयमा । सग्गेज्ज  
पएसिएहिंता खधेहिंता असग्गेज्जपएतिया राधा दब्बट्टयाए बहुया, एएसि ण भते  
असग्गेज्जपएसि० पुच्छा, गोयमा । अ(सग्गेज्ज)णतपएसिएहिंता खधेहिंता अ(णं)  
सग्गेज्जपएतिया राधा दब्बट्टयाए बहुया, एएसि ण भते । परमाणुपोगलाणं दुप  
तियाण य राधाण पएसट्टयाए कयरे २ हिंता बहुया ? गोयमा । परमाणुपोगलेहिं  
दुपएतिया राधा पएसट्टयाए बहुया, एवं एएण गमएण जाव नवपएसिएहिंता खधेहिं  
दसपएतिया राधा पएसट्टयाए बहुया, एव सच्चत्थ पुच्छियन्व, दसप  
सिएहिंता खधेहिंता सग्गेज्जपएतिया राधा पएसट्टयाए बहुया, सग्गेज्जपएसिएहिं  
खधेहिंता असग्गेज्जपएतिया राधा पएसट्टयाए बहुया, एएसि ण भते । असग्गे  
पएतियाणं पुच्छा, गोयमा । अणतपएसिएहिंता खधेहिंता असग्गेज्जपएतिया ख  
पएसट्टयाए बहुया ॥ एएसि ण भते । एगपएसोगाढाण दुपएसोगाढाण य पोगला  
दब्बट्टयाए कयरे २ हिंता जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा । दुपएसोगाढेहिंता पोग  
हिंता एगपएसोगाढा पोगला दब्बट्टयाए विसेसाहिया, एवं एएण गमएण तिपए  
गाढेहिंता पोगलेहिंता दुपएसोगाढा पोगला दब्बट्टयाए विसेसाहिया जाव दसप

जीवा न मते । कञ्जकपपजवेहिं पुच्छा गोवमा । जीवपएसे पञ्च ज्येष्ठदेसेममि  
 मिहावादेसेममि नो कञ्जकुम्मा जाव नो कञ्जिओगा सरीरपएसे पञ्च ज्येष्ठदेसेम  
 सिय कञ्जकुम्मा जाव सिव कञ्जिओगा मिहावादेसेम कञ्जकुम्माणि जाव कञ्जिओपाणि  
 एवं जाव वेमामिवा एवं जीवकपपजवेहिं रंजओ मामिदण्णो एवपुहतेनं एवं  
 जाव कञ्जकपपजवेहिं ॥ जीवे न मते । जामिमिओद्विज्जकपपजवेहिं कि  
 कञ्जकुम्मे पुच्छा गोवमा । सिव कञ्जकुम्मे जाव सिव कञ्जिओगे एवं पुमिसिवजं  
 जाव वेमामिद । जीवा न मते । जामिमिओद्विज्जकपपजवेहिं पुच्छा गोवमा ।  
 ज्येष्ठदेसेम सिय कञ्जकुम्मा जाव सिव कञ्जिओगा मिहावादेसेम कञ्जकुम्माणि जाव  
 कञ्जिओपाणि एवं एणिसियजं जाव वेमामिवा एवं सुपचावपजवेहिंमि ओहि  
 वावपजवेहिं एवं येव कवरं निरुद्धिरियारं वरिण ओद्विज्जकं मवपजवनामपि  
 एवं येव कवरं जीवावं मसुस्साव म सेसावं वरिण जीवे न मते । केवकपपज-  
 जवेहिं कि कञ्जकुम्मे पुच्छा गोवमा । कञ्जकुम्मे नो सेओगे नो वररकुम्मे नो  
 कञ्जिओगे एवं मसुस्सेमि एवं सिओमि जीवा न मते । केवकपप पुच्छा गोवमा ।  
 ज्येष्ठदेसेममि मिहावादेसेममि कञ्जकुम्मा नो सेओगा नो वररकुम्मा नो कञ्जिओपा  
 एवं मसुस्साणि एवं सिओमि । जीवे न मते । पदमवावपजवेहिं कि कञ्जकुम्मे ।  
 जहा जामिमिओद्विज्जकपपजवेहिं एहेव नो रंजपा एवं सुवज्जकपपजवेहिंमि एवं  
 मिमंगनावपजवेहिंमि । ववकपपजवमवकपपजवमोद्विज्जकपपजवेहिंमि एवं येव  
 कवरं कसु नं वरिण कसु तं मामिदण्णं केवकपपजवेहिंमि जहा केवकपपजवेहिं  
 ॥ ७१६ ॥ क्व न मते । सरीरपा प । गोवमा । येव सरीरपा प । तं—ओराणिद  
 जाव कम्मए, एवं सरीरपं निरुद्धिं मामिममं जहा पवववाए ॥ ७१७ ॥  
 जीवा न मते । कि सेवा निरेवा । गोवमा । जीवा सेवामि निरेवामि से केवकेनं  
 मते । एवं पुच्छा जीवा सेवामि निरेवामि । गोवमा । जीवा दुमिहा प । तं जहा—  
 संसारसमानवगा न असेसारसमानवगा न एतव न के से असेसारसमानवगा  
 ते न सिद्धा सिद्धा नं दुमिहा प । तं जहा—अनेतरसिद्धा न परंपरसिद्धा न एतव  
 न के से परंपरसिद्धा ते न निरेवा एतव न के से अनेतरसिद्धा ते न सेवा ते न  
 मते । कि देसेवा सध्वेवा । गोवमा । नो देसेवा सध्वेवा एतव न के से संसार-  
 समानवगा ते दुमिहा प । तं जहा—सेकेसिणविवज्जया न असेकेसिणविवज्जया न  
 एतव न के से सेकेसिणविवज्जया ते न निरेवा एतव न के से असेकेसिणविवज्जया  
 ते न सेवा ते न मते । कि देसेवा सध्वेवा । गोवमा । देसेवामि सध्वेवामि से  
 सेवकेनं जाव निरेवामि । वेएवा न मते । कि देसेवा सध्वेवा । गोवमा । देसे

यावि सन्वेयावि, से केणट्टेण जाव सन्वेयावि ? गोयमा । नेरइया दुविहा ५०,  
 तं०-विग्गहगइसमावजगा य अविग्गहगइसमावजगा य, तत्थ ण जे ते विग्गह  
 गइसमावजगा ते णं सन्वेया, तत्थ ण जे ते अविग्गहगइसमावजगा ते ण देसेया,  
 से त्रेणट्टेण जाव सन्वेयावि, एव जाव वेमाणिया ॥ ७३८ ॥ परमाणुपोगगला णं  
 भते । किं सखेज्जा असखेज्जा अणता ? गोयमा । नो सखेज्जा नो असखेज्जा अणता,  
 एवं जाव अणतपएसिया खधा । एगपएसोगाढा ण भंते । पोगगला किं सखेज्जा  
 असखेज्जा अणता ? एव चेव, एव जाव असखेज्जपएसोगाढा । एगसमयट्ठिइया णं  
 भते । पोगगला किं सखेज्जा० ? एव चेव, एव जाव असखेज्जसमयट्ठिइया । एगगुण  
 कालगा ण भते । पोगगला किं सखेज्जा० ? एव चेव, एव जाव अणतगुणकालगा,  
 एवं अवसेसावि वण्णगधरसफासा णेयव्वा जाव अणतगुणलुक्खत्ति । एसि ण भते ।  
 परमाणुपोगगलाण दुपएसियाण य खधाण दब्बट्ठयाए कयरे २ हिंतो अप्पा वा बहुया वा  
 वुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा । दुपएसिएहिंतो खधेहिंतो परमाणुपोगगला दब्बट्ठयाए  
 बहुया, एसि ण भते । दुपएसियाण तिपएसियाण य खधाण दब्बट्ठयाए कयरे २ हिंतो  
 बहुया ? गोयमा । तिपएसिएहिंतो खधेहिंतो दुपएसिया खधा दब्बट्ठयाए बहुया, एव  
 एण गमएण जाव दसपएसिएहिंतो खधेहिंतो नवपएसिया खधा दब्बट्ठयाए बहुया ।  
 एसि ण भते । दसपएसि० पुच्छा, गोयमा । दसपएसिएहिंतो खधेहिंतो सखेज्जपए-  
 सिया खधा दब्बट्ठयाए बहुया, एसि ण भते । सखेज्ज० पुच्छा, गोयमा । सखेज्ज  
 पएसिएहिंतो खधेहिंतो असखेज्जपएसिया खधा दब्बट्ठयाए बहुया, एसि ण भते ।  
 असखेज्जपएसि० पुच्छा, गोयमा । असखेज्जपएसिएहिंतो खधेहिंतो अणत  
 संखेज्जपएसिया खधा दब्बट्ठयाए बहुया, एसि ण भते । परमाणुपोगगलाणं दुपए-  
 सियाण य खधाणं पएसट्ठयाए कयरे २ हिंतो बहुया ? गोयमा । परमाणुपोगगलेहिंतो  
 दुपएसिया खधा पएसट्ठयाए बहुया, एव एण गमएण जाव नवपएसिएहिंतो खधेहिंतो  
 दसपएसिया खधा पएसट्ठयाए बहुया, एवं सन्वत्थ पुच्छियव्व, दसपए-  
 सिएहिंतो खधेहिंतो सखेज्जपएसिया खधा पएसट्ठयाए बहुया, संखेज्जपएसिएहिंतो  
 खधेहिंतो असखेज्जपएसिया खधा पएसट्ठयाए बहुया, एसि ण भते । असखेज्ज  
 पएसियाण पुच्छा, गोयमा । अणतपएसिएहिंतो खधेहिंतो असखेज्जपएसिया खधा  
 पएसट्ठयाए बहुया ॥ एसि णं भंते- । एगपएसोगाढाणं दुपएसोगाढाण य पोगगलाणं  
 दब्बट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा । दुपएसोगाढेहिंतो पोगगले  
 हिंतो एगपएसोगाढा पोगगला दब्बट्ठयाए विसेसाहिया, एवं एण गमएण तिपएसो-  
 गाढेहिंतो पोगगलेहिंतो दुपएसोगाढा पोगगला दब्बट्ठयाए विसेसाहिया जाव दसपए





अणतगुणा, सखेज्जपएसिया खधा दब्बट्टयाए सखेज्जगुणा ते चेव पएसट्टयाए  
 संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खधा दब्बट्टयाए असखेज्जगुणा ते चेव पएसट्टयाए  
 असखेज्जगुणा । एएसि ण भते ! एगपएसोगाढाण सखेज्जपएसोगाढाण असखेज्ज  
 पएसोगाढाण य पोग्गलाण दब्बट्टयाए पएसट्टयाए दब्बट्टपएसट्टयाए कयरे २  
 जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दब्बट्टयाए  
 सखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दब्बट्टयाए सखेज्जगुणा, असखेज्जपएसोगाढा पोग्गला  
 दब्बट्टयाए असखेज्जगुणा, पएसट्टयाए-सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला(अ)प-  
 सट्टयाए, सखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्टयाए(अ)सखेज्जगुणा, असखेज्जपएसोगाढा  
 पोग्गला पएसट्टयाए असखेज्जगुणा, दब्बट्टपएसट्टयाए-सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा  
 पोग्गला दब्बट्टपएसट्टयाए, सखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दब्बट्टयाए सखेज्जगुणा  
 ते चेव पएसट्टयाए संखेज्जगुणा, असखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दब्बट्टयाए अ-  
 संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्टयाए असखेज्जगुणा । एएसि ण भते ! एगसमयट्ठिईयाण  
 सखेज्जसमयट्ठिईयाण असखेज्जसमयट्ठिईयाण य पोग्गलाण जहा ओगाहणाए तहा  
 ठिईएवि भाणियव्व अप्पाबहुग । एएसि ण भते ! एगगुणकालगाण सखेज्जगुण  
 कालगाण असंखेज्जगुणकालगाणं अणतगुणकालगाण य पोग्गलाण दब्बट्टयाए प-  
 सट्टयाए दब्बट्टपएसट्टयाए एएसि ण जहा परमाणुपोग्गलाण अप्पाबहुग तहा  
 एएसिपि अप्पाबहुग, एव सेसाणवि वन्नगधरसाण । एएसि ण भते ! एगगुण  
 कक्खडाण सखेज्जगुणकक्खडाण असखेज्जगुणकक्खडाण अणतगुणकक्खडाण य  
 पोग्गलाण दब्बट्टयाए पएसट्टयाए दब्बट्टपएसट्टयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?  
 गोयमा ! सव्वत्थोवा एगगुणकक्खडा पोग्गला दब्बट्टयाए, सखेज्जगुणकक्खडा  
 पोग्गला दब्बट्टयाए सखेज्जगुणा, असखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दब्बट्टयाए असखेज्ज  
 गुणा, अणतगुणकक्खडा पोग्गला दब्बट्टयाए अणतगुणा, पएसट्टयाए एवं चेव नव  
 सखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला पएसट्टयाए असखेज्जगुणा सेस त चेव, दब्बट्टपएसट्टयाए  
 सव्वत्थोवा एगगुणकक्खडा पोग्गला दब्बट्टपएसट्टयाए, सखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला  
 दब्बट्टयाए सखेज्जगुणा ते चेव पएसट्टयाए सखेज्जगुणा, असखेज्जगुणकक्खडा पो  
 दब्बट्टयाए असखेज्जगुणा ते चेव पएसट्टयाए असखेज्जगुणा, अणतगुणकक्खडा पो  
 दब्बट्टयाए अणतगुणा ते चेव पएसट्टयाए अ(सखेज्ज) णतगुणा, एवं मउयगुल्ल  
 लहुयाणवि अप्पाबहुग, सीयउसिणनिद्वल्लुक्खाण जहा वन्नाणं तहेव ॥ ७४० ।  
 परमाणुपोग्गले ण भते ! दब्बट्टयाए किं कडजुम्मे तेओए दावरजुम्मे कलिओए  
 गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे कलिओए, एव जाव अणतपएसि

येति । परमात्मवेत्तात्वं न मेते । एतद्व्याप्यं हि कञ्चुम्मा पुच्छा योयमा ।  
 ओषादेतेनं त्रिय कञ्चुम्मा वाच त्रिय कञ्चिओया निहावादेतेनं नो कञ्चुम्मा नो  
 तेओया नो वाचरुम्मा कञ्चिओया एवं वाच अरितपण्डित्या खंवा । परमात्मा-  
 योयमके न मेते । पण्डित्याप्यं हि कञ्चुम्मे पुच्छा योयमा । नो कञ्चुम्मे नो  
 तेओय नो वाचरुम्मे कञ्चिओय, रुपण्डित्य पुच्छा योयमा । नो कञ्चुम्मे नो  
 तेओय वाचरुम्मे नो कञ्चिओय, त्रियण्डित्य पुच्छा योयमा । नो कञ्चुम्मे तेओय  
 नो वाचरुम्मे नो कञ्चिओय, कञ्चपण्डित्य पुच्छा योयमा । कञ्चुम्मे नो तेओय  
 नो वाचरुम्मे नो कञ्चिओय, रंयण्डित्य जहा परमात्मवेत्तात्वं कञ्चपण्डित्य जहा  
 रुपण्डित्य, सचण्डित्य जहा त्रियण्डित्य, अरुण्डित्य जहा कञ्चपण्डित्य, कञ्चपण्डित्य  
 जहा परमात्मवेत्तात्वं, वचण्डित्य जहा रुपण्डित्य, रंयोजण्डित्य नं मेते । योयमके  
 पुच्छा योयमा । त्रिय कञ्चुम्मे वाच त्रिय कञ्चिओया एवं अरितपण्डित्याप्यं एवं  
 अरितपण्डित्याप्यं । परमात्मवेत्तात्वं न मेते । पण्डित्याप्यं हि कञ्चुम्मा पुच्छा  
 योयमा । ओषादेतेनं त्रिय कञ्चुम्मा वाच त्रिय कञ्चिओया निहावादेतेनं नो  
 कञ्चुम्मा नो तेओया नो वाचरुम्मा कञ्चिओया रुपण्डित्याप्यं पुच्छा योयमा ।  
 ओषादेतेनं त्रिय कञ्चुम्मा नो तेओया त्रिय वाचरुम्मा नो कञ्चिओया निहावा-  
 देतेनं नो कञ्चुम्मा नो तेओया वाचरुम्मा नो कञ्चिओया त्रियण्डित्याप्यं पुच्छा  
 योयमा । ओषादेतेनं त्रिय कञ्चुम्मा वाच त्रिय कञ्चिओया निहावादेतेनं नो  
 कञ्चुम्मा तओया नो वाचरुम्मा नो कञ्चिओया कञ्चपण्डित्याप्यं पुच्छा योयमा ।  
 ओषादेतेनं निहावादेतेनं कञ्चुम्मा नो तेओया नो वाचरुम्मा नो कञ्चिओया  
 रंयण्डित्याप्यं जहा परमात्मवेत्तात्वं कञ्चपण्डित्याप्यं जहा रुपण्डित्याप्यं सचण्डित्याप्यं  
 जहा त्रियण्डित्याप्यं अरुण्डित्याप्यं कञ्चपण्डित्याप्यं जहा परमात्मा-  
 योयमा वचण्डित्याप्यं जहा रुपण्डित्याप्यं रंयोजण्डित्याप्यं पुच्छा योयमा ।  
 ओषादेतेनं त्रिय कञ्चुम्मा वाच त्रिय कञ्चिओया निहावादेतेनं कञ्चुम्माप्यं वाच  
 कञ्चिओयाप्यं एवं अरितपण्डित्याप्यं अरितपण्डित्याप्यं ॥ परमात्मवेत्तात्वं न मेते ।  
 हि कञ्चुम्मापण्डित्याप्यं पुच्छा योयमा । (नो) कञ्चुम्मापण्डित्याप्यं नो तेओय नो  
 वाचरुम्मा कञ्चिओयापण्डित्याप्यं । रुपण्डित्य नं पुच्छा योयमा । नो कञ्चुम्मा-  
 पण्डित्याप्यं नो तेओय त्रिय वाचरुम्मापण्डित्याप्यं त्रिय कञ्चिओयापण्डित्याप्यं ।  
 त्रियण्डित्य नं पुच्छा योयमा । नो कञ्चुम्मापण्डित्याप्यं त्रिय तओयापण्डित्याप्यं  
 त्रिय वाचरुम्मापण्डित्याप्यं त्रिय कञ्चिओयापण्डित्याप्यं २ । कञ्चपण्डित्य नं पुच्छा  
 योयमा । त्रिय कञ्चुम्मापण्डित्याप्यं वाच त्रिय कञ्चिओयापण्डित्याप्यं ४ एवं वाच

परियावसहेसु वा अभिप्पराण अभिप्पण साहम्मिएहि ओवयमाणेहि णो ओवएअ  
 ॥ ६६८ ॥ से आगतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा, जे भयंतारो उदुवद्विय वास-  
 वासिय वा कप्प उवातिणिता तत्थेव भुज्जो भुज्जो सवसति, अयमाउसो कालाकंद  
 किरिया भवइ ॥ ६६९ ॥ से आगतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा, जे भयंतारो  
 उदुवद्विय वा, वासावासिय वा, कप्प उवातिणाविता त दुग्गुणा दुग्गुणेण अपरिहरिता  
 तत्थेव भुज्जो भुज्जो सवसति, अयमाउसो इतरा उवठ्ठाणकिरिया यावि भवइ ॥ ६७० ॥  
 इह खलु पाईण वा पढीण वा दाहीण वा उदीण वा संतेगइया सद्धा भवति  
 तजहा गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा तेसिं च ण आयारगोयरे णो तुजिसवे  
 भवइ त सद्धमाणेहि, तं पत्तियमाणेहि, त रोयमाणेहि वहवे समणमाहणअतिहि  
 क्विणवणीमए समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहि अगाराइ चेतिआइ भवति, तजहा-  
 आएसणाणि वा आयतणाणि वा देवकुलाणि वा सहाओ वा पवाणि वा पण्ड-  
 गिहाणि वा पणियसालाओ वा जाणगिहाणि वा जाणसालाओ वा सहाकम्मताणि  
 वा दब्भकम्मताणि वा बद्धकम्मताणि वा, वधयकम्मताणि वा, वणकम्मताणि वा  
 ईगालकम्मताणि वा कट्ठकम्मताणि वा सुसाणकम्मताणि वा सति कम्मताणि वा  
 सुण्णागारकम्मताणि वा गिरिकम्मताणि वा कंदराकम्मताणि वा सेलोवठ्ठाणकम्मताणि  
 वा भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइ आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि  
 वा तेहि ओवयमाणेहि ओवयंति, अयमाउसो अभिक्कतकिरिया या वि भवइ ॥ ६७१ ॥  
 इह खलु पाईण वा पढीण वा दाहिण वा उदीण वा संतेगइया सद्धा भवति जाव  
 त रोयमाणेहि वहवे समण जाव वणीमए समुद्दिस्स, तत्थ २ अगारीहि अगाराइ  
 चेतिआइ भवति, तजहा-आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो  
 तहप्पगाराइ आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तेहि अणोवयमाणेहि  
 ओवयति अयमाउसो । अणभिक्कतकिरिया या वि भवति ॥ ६७२ ॥ इह खलु पाईण वा  
 पढीण वा दाहिण वा उदीण वा संतेगइया सद्धा भवति, तजहा-गाहावइ वा जाव  
 कम्मकरी वा, तेसिं च ण एवं वुत्तपुब्ब भवइ, “जे इमे भवति समणा भगवतो  
 सीलमता जाव उवरया मेहुणधम्माओ, णो खलु एएसिं भयताराण कप्पइ  
 आहाकम्मिए उवस्सए वत्थए, से जाणि इमाणि अम्हं अप्पणो सअट्ठाए  
 चेतिताई भवति, तजहा आएसणाणि वा, जाव भवणगिहाणि वा, सव्वाणि ताणि  
 समणाण णिसिरामो अवियाइ वयं पच्छा अप्पणो सअट्ठाए चेतिस्सामो तजहा-  
 आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, एयप्पगारं णिग्घोस सोच्चा णिसम्म जे  
 भयंतारो तहप्पगाराइ आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति उवा



अणतपएसिए ॥ परमाणुपोगला ण भते । किं कडजुम्मपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेण कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० नो दावर० नो कलिओग०, विहाणादेसेण नो कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० नो दावर० कलिओगपएसोगाढा । दुपएसियाणं पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेण कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेण नो कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओगपएसोगाढा दावरजुम्मपएसोगाढावि कलिओगपएसोगाढावि । तिपएसियाण पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेण कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेण नो कडजुम्मपएसोगाढा तेओगपएसोगाढावि दावरजुम्मपएसोगाढावि कलिओगपएसोगाढावि ३ । चउप्पएसियाणं पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेण कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेण कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि, एव जाव अणतपएसिया ॥ परमाणुपोगले ण भते । किं कडजुम्मसमयट्ठिईए० पुच्छा, गोयमा । सिय कडजुम्मसमयट्ठिईए जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईए, एव जाव अणतपएसिए । परमाणुपोगला ण भते । किं कडजुम्मसमयठिईया० पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेण सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया ४, विहाणादेसेण कडजुम्मसमयट्ठिईयावि जाव कलिओगसमयट्ठिईयावि ४, एव जाव अणतपएसिया । परमाणुपोगले ण भते । कालवन्न पज्जवेहिं किं कडजुम्मे तेओगे० जहा ठिईए वतव्वया एव वनेसुवि सव्वेसु गंधेसुवि एव चैव रसेसुवि जाव मडुरो रमोति, अणतपएसिए ण भते । ख्वे कक्खडफास पज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा । सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे । अणतपएसिया ण भते । खवा कक्खडफासपज्जवेहिं किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा । ओघादेसेण सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा ४, विहाणादेसेण कडजुम्मावि जाव कलिओगावि ४, एव मठयगुरुयलहुयावि भाणियव्वा, - सीयउत्तिणनिदलुक्खा जहा वन्ना ॥ ७४१ ॥ परमाणुपोगले ण भते । किं स(अ)हे अणहे ? गोयमा । नो सहे अणहे । दुपएसिए ण पुच्छा, गोयमा । सहे नो अणहे, तिपएसिए जहा परमाणुपोगले, चउप्पएसिए जहा दुपएसिए, पंचपएसिए जहा तिपएसिए, छप्पएसिए जहा दुपएसिए सप्तपएसिए जहा तिपएसिए, अट्ठपएसिए जहा दुपएसिए, नवपएसिए जहा तिपएसिए, दसपएसिए जहा दुपएसिए, सखेज्जपएसिए ण भते । ख्वे पुच्छा, गोयमा । सिय सहे सिय अणहे, एव असखेज्जपएसिएवि, एव अणतपएसिएवि । परमाणुपोगला ण भते । किं सहा अणहा ?



द्वयाए अणतगुणा ३, सखेजपएसिया खधा सेया दब्बद्वयाए असखेजगुणा ४, असखेजपएसिया खधा सेया दब्बद्वयाए असंखेजगुणा ५, परमाणुपोगला निरेया दब्बद्वयाए असखेजगुणा ६, सखेजपएसिया खधा निरेया दब्बद्वयाए सखेजगुणा ७, असंखेजपएसिया खधा निरेया दब्बद्वयाए असखेजगुणा ८, पएसद्वयाए एव चेव नयरं परमाणुपोगला अपएसद्वयाए भाणियव्वा, संखेजपएसिया खधा निरेया पएसद्वयाए असखेजगुणा सेस त चेव, दब्बद्वपएसद्वयाए-सब्बत्ते अणतपएसिया खधा निरेया दब्बद्वयाए १, ते चेव पएसद्वयाए अणतगुणा २, अणतपएसिया खधा सेया दब्बद्वयाए अणतगुणा ३, ते चेव पएसद्वयाए अणतगुणा ४, परमाणुपोगला सेया दब्बद्वयाए अपएसद्वयाए अणतगुणा ५, सखेजपएसिया खधा सेया दब्बद्वयाए असखेजगुणा ६, ते चेव पएसद्वयाए (अ)सखेजगुणा ७, असखेजपएसिया खधा सेया दब्बद्वयाए असखेजगुणा ८, ते चेव पएसद्वयाए असखेजगुणा ९, परमाणुपोगला निरेया दब्बद्वयाए अपएसद्वयाए असखेजगुणा १०, संखेजपएसिया खधा निरेया दब्बद्वयाए असखेजगुणा ११, ते चेव पएसद्वयाए (अ)सखेजगुणा १२, असखेजपएसिया खधा निरेया दब्बद्वयाए असखेजगुणा १३, ते चेव पएसद्वयाए असखेजगुणा १४ । परमाणुपोगले ण भते ! किं देसेए सब्बे निरेए ? गोयमा ! नो देसेए सिय सब्बेए सिय निरेए, दुपएसिए ण भते ! खवे पुच्छा, गोयमा ! सिय देसेए सिय सब्बेए सिय निरेए, एव जाव अणतपएसिए । परमाणुपोगला ण भते ! किं देसेया सब्बेया निरेया ? गोयमा ! नो देसेया सब्बेयावि निरेयावि, दुपएसिया ण भते ! खधा पुच्छा, गोयमा ! देसेयावि सब्बेयावि निरेयावि, एवं जाव अणतपएसिया । परमाणुपोगले ण भते ! सब्बेए कालओ केवधिरं होइ ? गोयमा ! जहणेण एक्कं समयं उक्कोसेण आवलियाए असंखेजइभाग, निरेए कालओ केवधिरं होइ ? गोयमा ! जहणेण एक्कं समयं उक्कोसेण असंखेज काल । दुपएसिए ण भते ! खवे देसेए कालओ केव(चि)धिरं होइ ? गोयमा ! जहणेण एक्कं समयं उक्कोसेण आवलियाए असंखेजइभाग, सब्बेए कालओ केवधिरं होइ ? गोयमा ! जहणेण एक्कं समयं उक्कोसेण आवलियाए असखेजइभाग, निरेए कालओ केवधिरं होइ ? गोयमा ! जहणेण एक्कं समयं उक्कोसेण असंखेज काल, एव जाव अणतपएसिए । परमाणुपोगला ण भते ! सब्बेया कालओ केवधिरं होति ? गोयमा ! सब्बदं, निरेया कालओ केवधिरं हो(न्ति)इ ? गोयमा ! सब्बदं । दुपएसिया ण भते ! खधा देसेया कालओ केवधिरं होति ? गोयमा ! सब्बदं, सब्बेया कालओ केवधिरं होति ? सब्बदं, निरेया कालओ केवधिरं होति ? सब्बदं, एव जाव अणतपएसिया । परमाणुपोग





द्वयाए सखेज्जगुणा १०, असखेज्जपएसिया खंधा निरेया दब्बद्वयाए असखेज्जगुणा ११, पएसद्वयाए-सब्बत्थोवा अणतपएसिया खंधा पएसद्वयाए एव पएसद्वयाए निवरं परमाणुपोगला अपएसद्वयाए भाणियन्वा, सखेज्जपएसिया खंधा निरेया पएसद्वयाए असखेज्जगुणा सेस त चेव, दब्बद्वपएसद्वयाए सब्बत्थोवा अणतपएसिया खंधा सव्वेया दब्बद्वयाए १, ते चेव पएसद्वयाए अणतगुणा २, अणतपएसिया खंधा निरेया दब्बद्वयाए अणतगुणा ३, ते चेव पएसद्वयाए अणतगुणा ४, अणतपएसिया खंधा देसेया दब्बद्वयाए अणतगुणा ५, ते चेव पएसद्वयाए अणतगुणा ६, असखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दब्बद्वयाए अणतगुणा ७, ते चेव पएसद्वयाए असखेज्जगुणा ८, सखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दब्बद्वयाए असखेज्जगुणा ९, ते चेव पएसद्वयाए (अ)सखेज्जगुणा १०, परमाणुपोगला सव्वेया दब्बद्वपएसद्वयाए असखेज्जगुणा ११, सखेज्जपएसिया खंधा देसेया दब्बद्वयाए असखेज्जगुणा १२, ते चेव पएसद्वयाए (अ)सखेज्जगुणा १३, असखेज्जपएसिया खंधा देसेया दब्बद्वयाए असखेज्जगुणा १४, ते चेव पएसद्वयाए असखेज्जगुणा १५, परमाणुपोगला निरेया दब्बद्वपएसद्वयाए असखेज्जगुणा १६, सखेज्जपएसिया खंधा निरेया दब्बद्वयाए सखेज्जगुणा १७, ते चेव पएसद्वयाए सखेज्जगुणा १८, असखेज्जपएसिया निरेया दब्बद्वयाए असखेज्जगुणा १९, ते चेव पएसद्वयाए असखेज्जगुणा २० ॥ ७४३ ॥ कइ ण भते ! धम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! अट्ठ धम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० । कइ ण भते ! अहम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! एव चेव, कइ ण भते ! आगासत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? एव चेव । कइ णं भंते ! जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा प०, एए ण भंते ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा कइसु आगासपएसेसु ओगा-हंति ? गोयमा ! जह्मेण एकस्मिं वा दोहिं वा तिहिं वा चउहिं वा पचहिं वा छहिं वा उक्कोसेण अट्ठसु, नो चेव ण सत्तसु । सेव भते ! २ स्ति ॥ ७४४ ॥ पणवी-सइमस्स सयस्स चउत्थो उहेसो समत्तो ॥

कइविहा णं भते ! पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पज्जवा प०, त०-जीव पज्जवा य अजीवपज्जवा य, पज्जवपय निरवसेस भाणियन्व जहा पन्नवणाए ॥ ७४५ ॥ आवलियाण भते ! किं सखेज्जा समया असखेज्जा समया अणता समया ? गोयमा ! नो सखेज्जा समया असखेज्जा समया नो अणता समया, आणापाणूण भते ! किं सखेज्जा० ? एव चेव, थोवे ण भते ! किं सखेज्जा० ? एव चेव, एव लवेवि सुहुत्तेवि, एव अहीरत्तेवि, एव पक्खे मासे उ(ऊ)इ अयणे सवच्छरे जुगे वामसए



पलिओवमा सिय असखेज्जा पलिओवमा सिय अणता पलिओवमा, एव जाव  
 ओसप्पिणी(ओ)वि उस्सप्पिणीवि । पोग्गलपरियट्ठाणं पुच्छा, गोयमा । गो संखेज्जा  
 पलिओवमा गो असखेज्जा पलिओवमा अणता पलिओवमा । ओसप्पिणी ण भंते ।  
 किं सखेज्जा सागरोवमा जहा पलिओवमस्स वत्तव्वया तहा सागरोवमस्सवि,  
 पोग्गलपरियट्ठे णं भंते । किं सखेज्जाओ ओसप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा । गो संखे-  
 ज्जाओ ओसप्पिणीओ गो असखेज्जाओ अणताओ ओसप्पिणीओ, पोग्गलपरियट्ठाणं  
 भंते । किं सखेज्जाओ ओसप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा । गो सखेज्जाओ गो असखे-  
 ज्जाओ अणताओ, पोग्गलपरियट्ठे ण भंते । किं सखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ०  
 पुच्छा, गोयमा । गो सखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ गो असखेज्जाओ अण-  
 ताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ, एव जाव सव्वद्धा, पोग्गलपरियट्ठाणं भंते । किं  
 सखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा । गो सखेज्जाओ ओसप्पिणि-  
 उस्सप्पिणीओ गो असखेज्जाओ अणताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ । तीतद्धा  
 भंते । किं सखेज्जा पोग्गलपरियट्ठा० पुच्छा, गोयमा । गो सखेज्जा पोग्गलपरियट्ठा  
 गो असखेज्जा अणता पोग्गलपरियट्ठा, एव अणागयद्धावि, एव सव्वद्धावि ॥ ७४६ ॥  
 अणागयद्धाण भंते । किं सखेज्जाओ तीतद्धाओ असखेज्जाओ० अणताओ० ? गोयमा  
 गो सखेज्जाओ तीतद्धाओ गो असखेज्जाओ तीतद्धाओ गो अणताओ तीतद्धाओ  
 अणागयद्धा ण तीतद्धाओ समयाहिया, तीतद्धा ण अणागयद्धाओ समयज्जा ।  
 सव्वद्धाण भंते । किं सखेज्जाओ तीतद्धाओ० पुच्छा, गोयमा । गो सखेज्जाओ तीत-  
 द्धाओ गो असखेज्जाओ तीतद्धाओ गो अणताओ तीतद्धाओ, सव्वद्धा ण तीतद्धाओ  
 साइरेगदुगुणा तीतद्धा ण सव्वद्धाओ योवूणए अद्धे, सव्वद्धाण भन्ते । किं संखे-  
 ज्जाओ अणागयद्धाओ० पुच्छा, गोयमा । गो सखेज्जाओ अणागयद्धाओ गो अस-  
 खेज्जाओ अणागयद्धाओ गो अणताओ अणागयद्धाओ, सव्वद्धा ण अणागयद्धाओ  
 योवूणगदुगुणा अणागयद्धा ण सव्वद्धाओ साइरेगे अद्धे ॥ ७४७ ॥ कइविहा णं  
 भंते ! णिओदा प० २ गोयमा । दुविहा णिओदा प०, त०-णिओ(य)गा य णिओ-  
 यजीवा य, णिओदा ण भंते । कइविहा प० २ गोयमा । दुविहा प०, तंजहा-सुहं  
 मनिओदा य बायरनिओ(दा)गा य, एवं निओदा भाणियव्वा जहा जीवाभिगमे  
 तहेव निरवसेस ॥ ७४८ ॥ कइविहे ण भंते । णामे पणत्ते ? गोयमा । छव्विहे  
 णामे पणत्ते, तंजहा-उदइए जाव सन्निवाइए । से किं त उदइए णामे ? उदइए णामे  
 दुविहे प०, त०-उद(इ)ए य उदयनिप्फले य, एव जहा सत्तरसमसए पढमे उइसए  
 भावो तहेव इहवि, नवरं इम नामणाणत्त, सेस तहेव जाव सन्निवाइए । सेव भंते ।  
 २ ति ॥ ७४९ ॥ पणवीसइमे सए पंचमो उइसो समत्तो ॥

पञ्चम १ विम १ रागे ३ कल्प ४ वरित ५ पवित्रेवपा ६ गामि ७ । विपे  
 ८ मिम ९ मरीरे १ । नेतो ११ काळे १२ गड १३ वंजम १४ निगसे १५  
 ० १ ० जेतु १६ वजेय १७ कमाए १८ किता १९ परिनाम २ । वंज २१ वेदे  
 २२ । कम्पेरीटम २३ ववसंपमहा २४ सता २५ व्याहारे २६ ॥ २ ॥  
 अथ २७ आयसिहे २८ काल २९ लरे व ३ । समुग्गवा ३१ गत ३२ पुसवा ३  
 ३३ । मदि ३४ पसे(मासे)गामे ३५ (समु)मिप अण्णवपुम ३६ विवडम् ३७ ॥ ३ ॥  
 राजमिहे पय एवं ववाही-वड मं भंत । विवड पवता । मोवमा । पं व विवड  
 पवता तंमहा-पुकाए वडसे कुसीके विवडि विवाए ॥ पुमए मं भंत । कम्पिहे  
 पवते । मोवमा । पं वमिहे प तं -मावपुकाए ईमवपुकाए वरितपुकाए विमपु-  
 काए अहासुमपुकाए वाम पं वमे । वडसे मं भंत । कम्पिहे प । मोवमा ।  
 पं वमिहे प तं -आवांगवडसे अवागोववडसे वंमुडवडसे अवंमुडवडसे अहा-  
 सुमवडसे वाम पं वमे । कुसीके मं भंत । कम्पिहे प । मोवमा । पुमिहे प  
 तं-पवित्रेवपावडीके व कमावपुडीके व पवित्रवपावडीके मं भंत । कम्पिहे  
 ववते । मोवमा । पं वमिहे प तंमहा-मावपवित्रेवपावडीके ईमवपवित्रेवपा-  
 वडीके वरितपवित्रेवपावडीके विमपवित्रेवपावडीके अहासुमपवित्रेवपावडीके  
 वाम पं वमे, कमावपुडीके मं भंत । कम्पिहे ववते । मोवमा । पं वमिहे प तं-  
 मावपवपावडीके ईमवपवपावडीके वरितवपावडीके विमवपावडीके अहास-  
 मवपावडीके वाम पं वमे । विवडि मं भंत । कम्पिहे प । मोवमा । पं वमिहे  
 प तंमहा-वडममवविवडि अपडममवविवडि वरिममवविवडि अवरिममव  
 विवडि अहासुमविवडि वाम पं वमे । विवाए मं भंत । कम्पिहे प । मोवमा ।  
 पं वमिहे प तं-अवपटी १ अववडे २ अवमसे ३, वंमुडवावतंमवरे अरडा  
 जिने केवडी ४ अवपेस्पवी ११ । पुमए मं भंत । कि लवेवए होआ अववए  
 होआ । मोवमा । लवेवए होआ वो अववए हाआ अइ लवेवए होआ कि  
 इविवेवए होआ पुमिवेवए होआ पुमिवपुमिववेवए होआ । मोवमा । वो  
 इविवेवए हाआ पुमिवेवए होआ पुमिवपुमिववेवए वा होआ । वडसे मं भंत ।  
 कि लवेवए होआ अववए होआ । मोवमा । लवेवए हाआ वो अववए हाआ अइ  
 लवेवए होआ कि इविवेवए होआ पुमिववए होआ पुमिवपुमिववेवए होआ ।  
 मोवमा । इविवेवए वा होआ पुमिववेवए वा होआ पुमिवपुमिववेवए वा होआ  
 एवं पवित्रेवपावडीके व कमावपुडीके मं भंत । कि लवेवए होआ पुपडा गाम्मा ।  
 लवेवए वा होआ अववए वा होआ अइ अववए होआ नि उवम-लवेवए हाआ

रीणवेदए होजा ? गोयमा ! उवसतवेदए वा होजा रीणवेदए वा होजा, जइ  
 मवेदए होजा कि द्धिवेदए होजा ० पुच्छा, गोयमा ! तिगुनि जहा वउसे । गियठे न  
 भते । कि मवेदए ० पुच्छा, गोयमा ! णो मवेदए होजा अवेदए होजा, जइ अवेदए  
 होजा कि उवसत ० पुच्छा, गोयमा ! उवसतवेदए वा होजा रीणवेदए वा होजा ।  
 सिणाए ण भते । कि मवेदए होजा ० ? जहा नियंठे तहा सिणाएवि, नवरं  
 णो उवसतवेदए होजा रीणवेदए होजा २ ॥ ७५० ॥ पुलाए ण भते ! कि  
 सरागे होजा वीयराने होजा ? गोयमा ! सरागे होजा णो वीयराने होजा, एव  
 जाव क्सायकुसीले । गियंठे न भते । कि सरागे होजा ० पुच्छा, गोयमा ! णो सरागे  
 होजा वीयराने होजा, जइ वीयराने होजा कि उवसतक्सायवीयराने होजा रीण  
 क्सायवीयराने होजा ? गोयमा ! उवसतक्सायवीयराने वा होजा रीणक्सायवीयराने  
 वा होजा, सिणाए एव चेव, नवरं णो उवसतक्सायवीयराने होजा रीणक्सायवीयराने  
 होजा ३ ॥ ७५१ ॥ पुलाए ण भते ! कि ठियकप्पे होजा अट्टियकप्पे होजा ?  
 गोयमा ! ठियकप्पे वा होजा अट्टियकप्पे वा होजा, एव जाव सिणाए । पुलाए न  
 भते ! कि जिणकप्पे होजा थेरकप्पे होजा कप्पातीते होजा ? गोयमा ! नो जिणकप्पे  
 होजा थेरकप्पे होजा णो कप्पातीते होजा । वउसे णं भते ! पुच्छा, गोयमा !  
 जिणकप्पे वा होजा थेरकप्पे वा होजा नो कप्पातीते होजा, एव पडिसेवणाकु-  
 सीलेवि । क्सायकुसीले ण पुच्छा, गोयमा ! जिणकप्पे वा होजा थेरकप्पे वा होजा  
 कप्पातीते वा होजा । नियंठे न पुच्छा, गोयमा ! नो जिणकप्पे होजा नो थेरकप्पे  
 होजा कप्पातीते होजा, एव सिणाएवि ४ ॥ ७५२ ॥ पुलाए ण भते ! कि सामाइय-  
 सजमे होजा छेओवट्ठावणियसजमे होजा परिहारविमुद्धियसजमे होजा सुहुमसंपराय-  
 सजमे होजा अहक्खायसजमे होजा ? गोयमा ! सामाइयसजमे वा होजा  
 छेओवट्ठावणियसजमे वा होजा णो परिहारविमुद्धियसजमे होजा णो सुहुमसंपराय-  
 सजमे होजा णो अहक्खायसजमे होजा, एव वउसेवि, एव पडिसेवणाकुसीलेवि,  
 क्सायकुसीले ण पुच्छा, गोयमा ! सामाइयसजमे वा होजा जाव सुहुमसंपराय-  
 सजमे वा होजा णो अहक्खायसजमे होजा । नियंठे न पुच्छा, गोयमा ! णो  
 सामाइयसजमे होजा जाव णो सुहुमसंपरायसजमे होजा अहक्खायसजमे होजा,  
 एव सिणाएवि ५ ॥ ७५३ ॥ पुलाए ण भते ! कि पडिसेव होजा अपडिसेव  
 होजा ? गोयमा ! पडिसेव होजा णो अपडिसेव होजा, जइ पडिसेव होजा  
 कि मूलगुणपडिसेव होजा उत्तरगुणपडिसेव होजा ? गोयमा ! मूलगुणपडिसेव  
 वा होजा उत्तरगुणपडिसेव वा होजा, मूलगुणपडिसेवमाणे पचन्ह अणासवाण

यच्छिता इतराद्वरेहि पाण्डुवेहि वडिंति अयमात्तसो वज्जकिरिवा वा मि मव्व ॥ ६७२ ॥  
 इह कल्ल पाईने वा पयौने वा दाहीने वा उदीने वा संतेय्दवा सद्धा मव्वंति तसि  
 थ मं आचारगोवरे थो छमिसंते मव्व, आथ तं रोक्कमानेहिं बहवे समन आथ  
 वणीमए पयमिय २ समुत्तिस्स तत्थ २ अगारीहिं अगाराई येतिताई मव्वंति तंअहा-  
 व्याप्तमामि वा आथ मव्वमिहामि वा ये मव्वंतारो तहप्पगाराई आप्समामि  
 वा आथ मव्वमिहामि वा उवायच्छंति इतराद्वरेहिं पाण्डुवेहिं वडिंति अयमात्तसो  
 महावज्जकिरिवा वा मि मव्व ॥ ६७४ ॥ इह कल्ल पाईने वा पयौने दाहीने वा उदीने  
 वा संतेय्दवा सद्धा मव्वंति आथ तं रोक्कमानेहिं बहवे समन आथ समुत्तिस्स तत्थ  
 तत्थ अगारीहिं अपाराई येतिताई मव्वंति-तंअहा व्याप्तमामि वा आथ मव्वम-  
 मिहामि वा ये मव्वंतारो तहप्पगाराई आप्समामि वा आथ मव्वमिहामि वा  
 उवायच्छंति इतराद्वरेहिं पाण्डुवेहिं वडिंति अयमात्तसो आथवज्जकिरिवा वा मि मव्व  
 ॥ ६७५ ॥ इह कल्ल पाईने वा आथ उदीने वा संतेय्दवा सद्धा मव्वंति तंअहा-  
 माहाव्व वा आथ कम्मकरी वा तेसि थ थं आचारगोवरे थो छमिसंते मव्व आथ  
 तं रोक्कमानेहिं एहं समनजानं समुत्तिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराई येतिताई  
 मव्वंति तंअहा व्याप्तमामि वा आथ मव्वमिहामि वा महया पुड्ढिच्चवममारंनेयं  
 एवं महया आठ-तेज-वाठ-ववस्स-तत्थअयस्समारंनेयं महया सेरंमेयं महया आरं-  
 मेयं महया मिस्सस्सेहिं पावक्कमेहिं तंअहा उवायच्छो केवय्यो संवात्तुवारपिह  
 यानो वीतोदए वा परिक्खिज्जपुब्बे मव्व, अगमिच्चए वा उवायच्छिज्जपुब्बे मव्व, ये  
 मव्वंतारो तहप्पगाराई आप्समामि वा आथ मव्वमिहामि वा उवायच्छंति इत-  
 राद्वरेहिं पाण्डुवेहिं वडिंति दुपक्कं ते कम्मं सेव्वंति अयमात्तसो महावज्जकिरिवा वा  
 मि मव्व ॥ ६७६ ॥ इह कल्ल पाईने वा आथ तं रोक्कमानेहिं अप्पमो चअट्टाए  
 तत्थ २ अगारीहिं आथ मव्वमिहामि वा महया पुड्ढिच्चवममारंनेयं आथ अग-  
 मिच्चए वा उवायच्छिज्जपुब्बे मव्व ये मव्वंतारो तहप्पगाराई आप्समामि वा आथ  
 मव्वमिहामि वा उवायच्छंति इतराद्वरेहिं पाण्डुवेहिं वडिंति एवक्कं ते कम्मं सेव्वंति  
 अयमात्तसो अप्पचावजा किरिवा वा मि मव्व ॥ ६७७ ॥ एव कल्ल तत्थ मिक्खस्स  
 मिक्खणीए वा साममिवं ॥ ६७८ ॥ सेत्ताज्जयणस्स वीथोदेत्तो समत्तो ॥

“ते व नो छममे प्पाए उंछे जहेसमिजे थो व कल्ल मुदे इमेहिं पाण्डुवेहिं,  
 तंअहा-उवायच्छो केवय्यो संवात्तुवारपिहय्यो पिड्ढाएवमाथो से व मिक्ख  
 वरिदारए ठवरए मिटीहिंवारए सेत्तापंवारपिड्ढाएवमारए” संति मिक्खणे एव  
 मव्वत्ताइयो उज्जुवा विवागपटिक्का अमानं पुब्बमाणा विवाहिया ॥ ६७९ ॥ संते

वेठव्वित्तयाक्कम्मएणु होजा, एव पडिसेवणाकुसीलेवि । क्सायकुसीले पुच्छा,  
 गोयमा ! तिसु वा चउसु वा पचसु वा होजा, तिसु होजमाणे तिसु ओरालियतेया  
 कम्मएणु होजा, चउसु होजमाणे चउसु ओरालियवेउव्वियतेयाक्कम्मएणु होजा, पचसु  
 होजमाणे पचसु ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाक्कम्मएणु होजा, गियटो सिणाओ  
 य जहा पुलाओ ॥ १० ॥ ७५९ ॥ पुलाए ण भते ! किं कम्मभूनी(सु)ए होजा अक्कम्म-  
 भूनीए होजा ? गोयमा ! जम्मणसतिभाव पडुच्च कम्मभूनीए होजा णो अक्कम्मभूनीए  
 होजा, बउसे ण पुच्छा, गोयमा ! जम्मणसतिभाव पडुच्च कम्मभूनीए होजा  
 णो अक्कम्मभूनीए होजा, साहरण पडुच्च कम्मभूनीए वा होजा अक्कम्मभूनीए वा  
 होजा, एव जाव तिणाए ॥ ११ ॥ ७६० ॥ पुलाए ण भते ! किं ओसप्पिणिकाले  
 होजा उस्सप्पिणिकाले होजा णोओमप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले होजा ? गोयमा !  
 ओसप्पिणिकाले वा होजा उस्सप्पिणिकाले वा होजा नोओसप्पिणिनोउस्स-  
 प्पिणिकाले वा होजा, जइ ओसप्पिणिकाले होजा किं सुसमवुसमाकाले होजा  
 १, वुसमाकाले होजा २, सुसमदूसमाकाले होजा ३, दूसमवुसमाकाले होजा  
 ४, दूसमाकाले होजा ५, दूसमदूसमाकाले होजा ६ ? गोयमा ! जम्मण पडुच्च णो  
 सुसमवुसमाकाले होजा १, णो सुसमाकाले होजा २, वुसमदूसमाकाले वा होजा ३,  
 दूसमवुसमाकाले वा होजा ४, णो दूसमाकाले होजा ५, णो दूसमदूसमाकाले होजा ६,  
 संतिभाव पडुच्च णो सुसमवुसमाकाले होजा णो सुसमाकाले होजा सुसमदूसमाकाले  
 वा होजा दूसमवुसमाकाले वा होजा दूसमाकाले वा होजा णो दूसमदूसमाकाले  
 होजा, जइ उस्सप्पिणिकाले होजा किं दूसमदूसमाकाले होजा दूसमाकाले होजा  
 दूसमवुसमाकाले होजा सुसमदूसमाकाले होजा सुसमाकाले होजा सुसमवुसमाकाले  
 होजा ? गोयमा ! जम्मण पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होजा १, दूसमाकाले वा  
 होजा २, दूसमवुसमाकाले वा होजा ३, सुसमदूसमाकाले वा होजा ४, णो सुसमा-  
 काले होजा ५, णो सुसमवुसमाकाले होजा ६, सतिभावं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले  
 होजा १, (नो)दूसमाकाले होजा २, दूसमवुसमाकाले वा होजा ३, सुसमदूसमाकाले  
 वा होजा ४, णो सुसमाकाले होजा ५, णो सुसमवुसमाकाले होजा ६ । जइ णोओस  
 प्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले होजा किं सुसमवुसमापलिभागे होजा सुसमापलिभागे  
 होजा सुसमदूसमापलिभागे होजा दूसमवुसमापलिभागे होजा ? गोयमा ! जम्मण  
 संतिभाव च पडुच्च णो सुसमवुसमापलिभागे होजा णो सुसमापलिभागे होजा णो दू(सु)  
 समदूसमापलिभागे होजा दूसमवुसमापलिभागे होजा । बउसे ण भते ! पुच्छा,  
 गोयमा ! ओमप्पिणिकाले वा होजा उस्सप्पिणिकाले वा होजा नोओसप्पिणिनोउस्स-

अक्षरं पक्षिसेवेज्ज उत्तरगुणपक्षिसेवमाणि वृक्षनिहस्त पक्षकवापस्त अक्षरं  
 पक्षिसेवेज्ज । वडसे च पुच्छा गोवमा । पक्षिसेव् होज्जा चो अपक्षिसेव् होज्जा  
 च्च पक्षिसेव् होज्जा किं मूम्मुणपक्षिसेव् होज्जा उत्तरगुणपक्षिसेव् होज्जा ।  
 गोवमा । चो मूम्मुणपक्षिसेव् होज्जा उत्तरगुणपक्षिसेव् होज्जा उत्तरगुणपक्षिसे  
 वमाणि वृक्षनिहस्त पक्षकवापस्त अक्षरं पक्षिसेवेज्जा पक्षिसेववाट्टहीके च्छा  
 पुष्पा । च्छावट्टहीके च पुच्छा गोवमा । चो पक्षिसेव् होज्जा अपक्षिसेव्  
 होज्जा एवं निर्वट्टेति एवं सिवाएत्ति ६ त ७५४ ॥ पुष्पा च मते । च्छा  
 नात्ते होज्जा । गोवमा । रोह वा सिउ वा होज्जा रोह होज्जमाणि रोह आमिनि  
 बोद्धिक्काये पुष्पाणि होज्जा सिउ होज्जमाणि सिउ आमिनिबोद्धिक्काये पुष्पाणि  
 ष्ठेद्धिक्काये होज्जा एवं वडसेति एवं पक्षिसेववाट्टहीकेति च्छावट्टहीके च पुच्छा  
 गोवमा । रोह वा सिउ वा च्छा वा होज्जा रोह होज्जमाणि रोह आमिनिबोद्धिक्काये  
 पुष्पाणि होज्जा सिउ होज्जमाणि सिउ आमिनिबोद्धिक्कायपुष्पाणि च्छावट्टहीके होज्जा  
 अह्वा सिउ होज्जमाणि आमिनिबोद्धिक्कायपुष्पाणि च्छावट्टहीके होज्जा च्छा  
 होज्जमाणि च्छा आमिनिबोद्धिक्कायपुष्पाणि च्छावट्टहीके होज्जा च्छा  
 एवं निर्वट्टेति । सिवाए च पुच्छा गोवमा । एवं च्छावट्टहीके होज्जा ७ ७५५ ॥ पुष्पा  
 च मते । च्छावट्ट हीके अह्वेज्जा । गोवमा । अह्वेज्जं नवमस्त पुष्पस्त च्छा  
 आवापस्त, च्छावट्ट हीके नव पुष्पाई अह्वेज्जा । वडसे च पुच्छा गोवमा । अह्वेज्जं  
 च्छा पक्षकवापस्तो च्छावट्ट हीके वृक्ष पुष्पाई अह्वेज्जा । एवं पक्षिसेववाट्टहीकेति ।  
 च्छावट्टहीके च पुच्छा गोवमा । अह्वेज्जं च्छा पक्षकवापस्तो च्छावट्ट हीके वडसे  
 पुष्पाई अह्वेज्जा एवं निर्वट्टेति । सिवाए च पुच्छा गोवमा । च्छावट्ट हीके होज्जा  
 ७ ७५६ ॥ पुष्पा च मते । किं सित्ते होज्जा असित्ते होज्जा । गोवमा । सित्ते होज्जा  
 चो असित्ते होज्जा एवं वडसेति एवं पक्षिसेववाट्टहीकेति । च्छावट्ट हीके पुच्छा  
 गोवमा । सित्ते वा होज्जा असित्ते वा होज्जा च्छा असित्ते होज्जा किं सित्तवरे होज्जा  
 पक्षकवापस्त होज्जा । गोवमा । सित्तवरे वा होज्जा पक्षकवापस्त होज्जा एवं निर्वट्टेति एवं  
 सिवाएत्ति ८ ७५७ ॥ पुष्पा च मते । किं सत्ति होज्जा अक्षरं होज्जा सिद्धिंति  
 होज्जा । गोवमा । सत्ति च्छा सत्ति वा होज्जा अक्षरं होज्जा सिद्धिंति  
 वा होज्जा आक्षरं च्छा सत्ति च्छा सत्ति वा होज्जा एवं च्छा सिवाए ७ ७५८ ॥  
 पुष्पा च मते । च्छा सत्ति होज्जा । गोवमा । सिउ ओहसिद्धिक्कायपुष्पा  
 होज्जा वडसे च मते । पुच्छा गोवमा । सिउ वा च्छा वा होज्जा सिउ  
 होज्जमाणि सिउ आमिनिबोद्धिक्कायपुष्पा होज्जा च्छा होज्जमाणि च्छा आमिनिबोद्धिक्कायपुष्पा



केवइय फाल ठिई प० १ गोयमा ! जहजेण पलिओवमपुहुत्त उफोसेण अट्टारस  
 सागरोवमाइ, घटसस्स ण पुच्छा, गोयमा ! जहजेण पलिओवमपुहुत्त उफोसेण  
 धावीस सागरोवमाइ, एव पडिसेवणाकुसीलस्सवि, कसायकुसीलस्स पुच्छा, गोयमा !  
 जहजेण पलिओवमपुहुत्त उफोसेण तेत्तीस सागरोवमाइ, णियठस्स पुच्छा, गोयमा !  
 अजहम्मणुफोसेण तेत्तीस सागरोवमाइ १३ ॥ ७६२ ॥ पुलागस्स ण भंते !  
 केवइया सजमट्टाणा प० १ गोयमा ! असखेज्जा सजमट्टाणा प०, एव जाव कसाय  
 कुसीलस्स । नियठस्स ण भंते ! केवइया सजमट्टाणा प० १ गोयमा ! एगे अजहम्म  
 णुफोमए सजमट्टाणे प०, एव सिणायस्सवि, एएत्ति ण भंते ! पुलागवटसपडिसेवणाक  
 सायकुसीलनियठसिणायान सजमट्टाणाण कयरे ० जाव विसेसाहिया वा १ गोयमा !  
 सच्चत्थोवे नियठस्स सिणायस्स य एगे अजहम्मणुफोसए सजमट्टाणे, पुलागस्स  
 सजमट्टाणा असखेज्जगुणा, घटसस्स सजमट्टाणा असखेज्जगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स  
 सजमट्टाणा असखेज्जगुणा, कसायकुसीलस्स सजमट्टाणा असखेज्जगुणा १४ ॥ ७६३ ॥  
 पुलागस्स ण भंते ! केवइया चरित्तपज्जवा प० १ गोयमा ! अणता चरित्तपज्जवा  
 प०, एवं जाव सिणायस्स । पुलाए ण भंते ! पुलागस्स सट्टाणसन्निगासेण  
 चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए १ गोयमा ! सिय हीणे १, सिय तुल्ले २, सिय  
 अब्भहिए ३, जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असखेज्जइभागहीणे वा सखेज्जइभागहीणे  
 वा सखेज्जगुणहीणे वा असखेज्जगुणहीणे वा अणतगुणहीणे वा, अह अब्भहिए अणत-  
 भागमब्भहिए वा असखेज्जइभागमब्भहिए वा सखेज्जइभागमब्भहिए वा सखेज्जगुण  
 मब्भहिए वा असखेज्जगुणमब्भहिए वा अणतगुणमब्भहिए वा ॥ पुलाए ण भंते !  
 वटसस्स परट्ठाणसन्निगासेण चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए १ गोयमा ! हीणे  
 नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणतगुणहीणे, एव पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीलेण सम  
 छट्ठाणवडिए जहेव सट्टाणे, नियठस्स जहा वटसस्स, एव सिणायस्सवि ॥ वटसे ण  
 भंते ! पुलागस्स परट्ठाणसन्निगासेण चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए १  
 गोयमा ! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणतगुणमब्भहिए । वटसे ण भंते ! वटसस्स  
 सट्टाणसन्निगासेण चरित्तपज्जवेहिं ० पुच्छा, गोयमा ! सिय हीणे सिय तुल्ले सिय  
 अब्भहिए, जइ हीणे छट्ठाणवडिए । वटसे ण भंते ! पडिसेवणाकुसीलस्स परट्ठाणस  
 न्निगासेण चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे ० १ छट्ठाणवडिए, एव कसायकुसीलस्सवि ॥  
 वटसे ण भंते ! नियठस्स परट्ठाणसन्निगासेण चरित्तपज्जवेहिं ० पुच्छा, गोयमा !  
 हीणे णो तुल्ले णो अब्भहिए, अणतगुणहीणे, एव सिणायस्सवि, पडिसेवणाकुसीलस्स  
 एस चेव घटसवत्तव्वया भाणियव्वा, कसायकुसीलस्स सन्निगासेण एस चेव

पिबिच्छके वा होजा अइ ओसपिबिच्छके होजा कि सुसमत्प्रमात्रके पुच्छ  
 गोक्का । अम्मनं छेतिमार्गं च पटुच वो सुसमत्प्रमात्रके होजा वो सुसमात्रके होजा  
 सुसमत्प्रमात्रके वा होजा दुससमत्प्रमात्रके वा होजा वृत्तमात्रके वा होजा वो  
 वृत्तमत्प्रमात्रके होजा साहरनं पटुच अन्नवरे समात्रके होजा । अइ उस्वपि-  
 बिच्छके होजा कि वृत्तमत्प्रमात्रके होजा ६ पुच्छ गोक्का । अम्मनं पटुच  
 वो वृत्तमत्प्रमात्रके होजा अइव पुच्छए, छेतिमार्गं पटुच वो वृत्तमत्प्रमात्रके  
 होजा वो वृत्तमात्रके होजा एवं छेतिमार्गं चिह्नं पुच्छए वाच वो सुसमत्प्रमा-  
 त्रके होजा साहरनं पटुच अन्नवरे समात्रके होजा । अइ ओसपिबिच्छ-  
 मोत्तस्वपिबिच्छके होजा पुच्छ येक्का । अम्मनं छेतिमार्गं पटुच वो सुसमत्प्र-  
 मात्रके होजा अइव पुच्छए वाच वृत्तमत्प्रमात्रके होजा, साहरनं पटुच  
 अन्नवरे पञ्चमागे होजा अइ वरुणे एवं पवित्रेकवत्तुसीकेनि एवं कत्तावत्तुसीकेनि  
 निर्वर्त्ये विष्णो व अइ पुच्छओ नवरं एतं अम्मद्विं साहरनं नावियम् सेव तं  
 येन १२.११. ७६१ त पुच्छए न मंते । अम्मए समाने (किं) कं तं पच्छ १ योक्का ।  
 देवदं यच्छ, देवदं यच्छयावे कि यवववासीत उववजेजा वावर्मतरीत उववजेजा  
 ओदितियेमाणिपु उववजेजा । योक्का । वो यवववासीत उ वो वावर्मतरीत उ  
 वो ओदितियु उ केमाणिपु उववजेजा केमाणिपु उववज्जावे अइयेनं ओदितिये  
 कम्मे उओसेनं सहसारे कम्मे उववजेजा वरुणे न एवं येन नवरं उओसेनं अतुए  
 कम्मे पवित्रेकवत्तुसीके अइ वरुणे कत्तावत्तुसीके अइ पुच्छए, नवरं उओसेनं अतु-  
 एतिमार्गेत उववजेजा निर्वर्त्ये न मंते । एवं येन एवं वाच केमाणिपु उववज्जावे  
 अइयमत्तुसेनं अतुएतिमायेत उववजेजा विष्णु न मंते । अम्मए समाने  
 कं तं पच्छ १ योक्का । विदिगं यच्छ, पुच्छए न मंते । देवेत उववज्जावे  
 कि ईरताए उववजेजा सामानियताए उववजेजा वावर्तीसताए उववजेजा  
 ओवपाकताए उववजेजा अइमिहताए उववजेजा । योक्का । अमिहार्हं पटुच  
 ईरताए उववजेजा सामानियताए उववजेजा ओवपाकताए वा उववजेजा वावर्ती-  
 सताए वा उववजेजा वो अइमिहताए उववजेजा निरार्हं पञ्च अन्नवरेत  
 उववजेजा एवं वरुणेनि एवं पवित्रेकवत्तुसीकेनि वसावत्तुसीके पुच्छ गोक्का ।  
 अमिहार्हं पटुच ईरताए वा उववजेजा वाच अइमिहताए उववजेजा निरार्हं  
 पटुच अन्नवरेत उववजेजा निर्वर्त्ये पुच्छ गोक्का अमिहार्हं पटुच वो ईरताए  
 उववजेजा अइ वो ओवपाकताए उववजेजा अइमिहताए उववजेजा निरार्हं  
 पटुच अन्नवरेत उववजेजा ॥ प्रजायस्व न मंते । देवतोणेन उववज्जावत्तु

केवइय काल ठिई प० ? गोयमा ! जहजेण पलिओवमपुहुत्त उक्कोसेण अट्टारस  
 सागरोवमाइ, वटसस्स ण पुच्छा, गोयमा ! जहजेण पलिओवमपुहुत्त उक्कोसेण  
 बावीस सागरोवमाइ, एव पडिसेवणाकुसीलस्सवि, कसायकुसीलस्स पुच्छा, गोयमा !  
 जहजेण पलिओवमपुहुत्त उक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाइ, णियठस्स पुच्छा, गोयमा !  
 अजहजमणुक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाइ १३ ॥ ७६० ॥ पुलागस्स ण भते !  
 केवइया सजमट्टाणा प० ? गोयमा ! असखेज्जा सजमट्टाणा प०, एव जाव कसाय  
 कुसीलस्स । नियठस्स ण भंते ! केवइया सजमट्टाणा प० ? गोयमा ! एगे अजहजम  
 णुक्कोसए सजमट्टाणे प०, एव सिणायस्सवि, एएसि ण भते ! पुलागवटसपडिसेवणाक-  
 सायकुसीलनियठसिणायान सजमट्टाणाण कयरं ० जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा !  
 सच्चत्योवे नियठस्स सिणायस्स य एगे अजहजमणुक्कोमए सजमट्टाणे, पुलागस्स  
 सजमट्टाणा असखेज्जगुणा, वटसस्स सजमट्टाणा असखेज्जगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स  
 सजमट्टाणा असखेज्जगुणा, कसायकुसीलस्स सजमट्टाणा असखेज्जगुणा १४ ॥ ७६१ ॥  
 पुलागस्स ण भते ! केवइया चरित्तपज्जवा प० ? गोयमा ! अणता चरित्तपज्जवा  
 प०, एव जाव सिणायस्स । पुलाए ण भते ! पुलागस्स सट्टाणसज्जिगासेण  
 चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! सिय हीणे १, सिय तुल्ले २, सिय  
 अब्भहिए ३, जइ हीणे अणतभागहीणे वा असखेज्जइभागहीणे वा सखेज्जइभागहीणे  
 वा सखेज्जगुणहीणे वा असखेज्जगुणहीणे वा अणतगुणहीणे वा, अह अब्भहिए अणत-  
 भागमब्भहिए वा असखेज्जइभागमब्भहिए वा सखेज्जइभागमब्भहिए वा सखेज्जगुण-  
 मब्भहिए वा असखेज्जगुणमब्भहिए वा अणतगुणमब्भहिए वा ॥ पुलाए ण भते !  
 वटसस्स परट्टाणसज्जिगासेण चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! हीणे  
 नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणतगुणहीणे, एव पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीलेण सम  
 छट्टाणवडिए जहेव सट्टाणे, नियठस्स जहा वटसस्स, एव सिणायस्सवि ॥ वटसे ण  
 भते ! पुलागस्स परट्टाणसज्जिगासेण चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ?  
 गोयमा ! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणतगुणमब्भहिए । वटसे ण भंते ! वटसस्स  
 सट्टाणसज्जिगासेण चरित्तपज्जवेहिं ० पुच्छा, गोयमा ! सिय हीणे सिय तुल्ले सिय  
 अब्भहिए, जइ हीणे छट्टाणवडिए । वटसे ण भते ! पडिसेवणाकुसीलस्स परट्टाणस-  
 ज्जिगासेण चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे ० ? छट्टाणवडिए, एव कसायकुसीलस्सवि ॥  
 वटसे ण भते ! नियठस्स परट्टाणसज्जिगासेण चरित्तपज्जवेहिं ० पुच्छा, गोयमा !  
 हीणे णो तुल्ले णो अब्भहिए, अणतगुणहीणे, एव सिणायस्सवि, पडिसेवणाकुसीलस्स  
 एस चेव वटसवत्तव्वया भाणियव्वा, कसायकुसीलस्स सज्जिगासेण एस चेव



कुसीलं वा सिणाय वा अस्सजमं वा उवसपज्जइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा । सिणा-  
यत्तं जहइ सिद्धिगइ उवसंपज्जइ २४ ॥ ७७३ ॥ पुलाए णं भंते ! किं सन्नोवउते  
होज्जा नोसन्नोवउते होज्जा ? गोयमा । णो सन्नोवउते होज्जा नोसन्नोवउते होज्जा ।  
वउसे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा । सन्नोवउते वा होज्जा नोसन्नोवउते वा होज्जा,  
एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एवं कसायकुसीलेवि, नियठे सिणाए य जहा पुलाए  
२५ ॥ ७७४ ॥ पुलाए णं भंते ! किं आहारए होज्जा अणाहारए होज्जा ? गोयमा ।  
आहारए होज्जा णो अणाहारए होज्जा, एवं जाव नियठे । सिणाए णं पुच्छा,  
गोयमा । आहारए वा होज्जा अणाहारए वा होज्जा २६ ॥ ७७५ ॥ पुलाए णं  
भंते ! कइ भवग्गहणइ होज्जा ? गोयमा । जह्जेण एक्क उक्कोसेणं तिप्पि । वउसे णं  
पुच्छा, गोयमा । जह्जेणं एक्क उक्कोसेण अट्ठ, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एवं कसा-  
यकुसीलेवि, नियठे जहा पुलाए । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा । एक्कं २७ ॥ ७७६ ॥  
पुलागस्स णं भते ! एगभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा । जह्जेणं  
एक्को उक्कोसेणं तिप्पि । वउसस्स णं पुच्छा, गोयमा । जह्जेण एक्को उक्कोसेण सयग्गसो,  
एव पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले एवं चेव । णियठस्स णं पुच्छा, गोयमा ।  
जह्जेणं एक्को उक्कोसेणं दोज्जि । सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा । एक्को ॥ पुलागस्स  
णं भते ! नाणाभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा । जह्जेणं दोज्जि  
उक्कोसेण सत्त । वउसस्स णं पुच्छा, गोयमा । जह्जेण दोज्जि उक्कोसेण सहस्सग्गसो,  
एवं जाव कसायकुसीलस्स । नियठस्स णं पुच्छा, गोयमा । जह्जेण दोज्जि उक्कोसेण  
पंच । सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा । नत्थि एक्कोवि २८ ॥ ७७७ ॥ पुलाए णं भंते !  
कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा । जह्जेण अतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अतोमुहुत्त । वउसे  
णं पुच्छा, गोयमा । जह्जेण एक्कं समयं उक्कोसेण देसूणा पुव्वकोढी, एव पडिसेवणा-  
कुसीलेवि, कसायकुसीलेवि एवं चेव । नियठे णं पुच्छा, गोयमा । जह्जेण एक्कं समयं  
उक्कोसेण अतोमुहुत्त । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा । जह्जेण अतोमुहुत्त उक्कोसेणं देसूणा  
पुव्वकोढी ॥ पुलागा णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा । जह्जेणं एक्कं समयं  
उक्कोसेण अतोमुहुत्त । वउसा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा । सम्बद्ध, एवं जाव कसाय  
कुसीला, नियठा जहा पुलागा, सिणाया जहा वउसा २९ ॥ ७७८ ॥ पुलागस्स  
णं भंते ! केवइयं काल अतरं होइ ? गोयमा । जह्जेण अतोमुहुत्तं उक्कोसेण अणंतं  
एक्कं अणताओ ओसप्पिणितस्सप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवञ्चं पोग्गलपरियट्ठं  
देसं, एवं जाव नियठस्स । सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा । नत्थि अतरं ॥ पुलागार्प  
णं भंते । केवइयं काल अतरं होइ ? गोयमा । जह्जेण एक्कं समयं उक्कोसेण सखे-



होजा अकसाई होजा, जइ अकसाई होजा किं उवसतकसाई होजा खीणकसाई होजा ? गोयमा । उवसतकसाई वा होजा खीणकसाई वा होजा, सिणाए एव चैव, नवरं णो उवसंतकसाई होजा, खीणकसाई होजा १८ ॥ ७६७ ॥ पुलाए णं भते । किं सलेस्से होजा अलेस्से होजा ? गोयमा । सलेस्से होजा णो अलेस्से होजा, जइ सलेस्से होजा से ण भंते । कइसु लेस्सासु होजा ? गोयमा । तिस्र विमुद्धलेस्सासु होजा, तं०-तेउलेस्साए पम्हलेस्साए सुक्कलेस्साए, एवं वउसस्सवि, एव पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा । सलेस्से होजा णो अलेस्से होजा, जइ सलेस्से होजा से ण भते । कइसु लेस्सासु होजा ? गोयमा । छसु लेस्सासु होजा, तं०-कम्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, नियठे ण भंते । पुच्छा, गोयमा । सलेस्से होजा णो अलेस्से होजा, जइ सलेस्से होजा से ण भते । कइसु लेस्सासु होजा ? गोयमा । एगाए सुक्कलेस्साए होजा, सिणाए पुच्छा, गोयमा । सलेस्से वा होजा अलेस्से वा होजा, जइ सलेस्से होजा से ण भते । कइसु लेस्सासु होजा ? गोयमा । एगाए परमसुक्कलेस्साए होजा १९ ॥ ७६८ ॥ पुलाए ण भते । किं बहुमाणपरिणामे होजा ही(हा)यमाणपरिणामे होजा अवट्टियपरिणामे होजा ? गोयमा । बहुमाणपरिणामे वा होजा हीयमाणपरिणामे वा होजा अवट्टियपरिणामे वा होजा, एव जाव कसायकुसीले । नियठे ण पुच्छा, गोयमा । बहुमाणपरिणामे होजा, णो हीयमाणपरिणामे होजा, अवट्टियपरिणामे वा होजा, एव सिणाएवि ॥ पुलाए णं भंते । केवइयं काल बहुमाणपरिणामे होजा ? गोयमा । जहन्नेणं एक्कं समय उक्कोसेण अतोमुहुत्तं, केवइय काल हीयमाणपरिणामे होजा ? गोयमा । जहन्णेण एक्कं समय उक्कोसेण अतोमुहुत्तं, केवइय काल अवट्टियपरिणामे होजा ? गोयमा । जहन्नेणं एक्कं समय उक्कोसेण सत्तं समय, एव जाव कसायकुसीले । नियठे ण भते । केवइय काल बहुमाणपरिणामे होजा ? गोयमा । जहन्नेण अतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अतोमुहुत्तं, केवइय काल अवट्टियपरिणामे होजा ? गोयमा । जहन्नेण एक्कं समय उक्कोसेण अतोमुहुत्तं । सिणाए ण भंते । केवइय काल बहुमाणपरिणामे होजा ? गोयमा । जहन्नेण अतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अतोमुहुत्तं, केवइय काल अवट्टियपरिणामे होजा ? गोयमा । जहन्नेणं अतोमुहुत्तं उक्कोसेण देसूणा पुव्वकोडी २० ॥ ७६९ ॥ पुलाए णं भंते । कइ कम्मप्पगहीओ वधइ ? गोयमा । आउयवज्जाओ सत्तं कम्मप्पगहीओ बंधइ । वउसे पुच्छा, गोयमा । सत्तविहवंधए वा अट्टविहवंधए वा, सत्त वधमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगहीओ वधइ, अट्ट वधमाणे पडिपुज्जाओ अट्ट कम्मप्पगहीओ वंधइ, एव पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ।

सप्तमिहर्षणं वा अष्टमिहर्षणं वा छविहर्षणं वा सप्त पंचमायै आतन्वजाभ्यो  
सप्त कम्पप्ययीभ्यो ष्वङ्, अङ् पंचमायै पठिपुत्राभ्यो अङ् कम्पप्ययीभ्यो ष्वङ्,  
छ पंचमायै आतन्वजाभ्यो छकम्पप्ययीभ्यो ष्वङ् । निर्वर्ति षं पुच्छ, योयमा ।  
एवं वैवर्तिभ्यो कम्प्यं ष्वङ् । सिष्ठाए षं पुच्छा योयमा । एवमिहर्षणं वा  
अर्षणं वा एव पंचमायै एव वैवर्तिभ्यो कम्प्यं ष्वङ् ११ ॥ ७७ ॥ पुच्छए षं  
मति । अङ् कम्पप्ययीभ्यो वैरेह । योयमा । नियमं अङ् कम्पप्ययीभ्यो वैरेह, एवं  
अन्व कदाच्युतीके निर्वर्ति षं पुच्छा योयमा । मोहनिजवजाभ्यो सप्त कम्पप्य-  
यीभ्यो वैरेह । सिष्ठाए षं पुच्छा योयमा । वैवर्तिजजातवनामगोत्राभ्यो षाच्यदि  
कम्पप्ययीभ्यो वैरेह ११ ॥ ७७१ ॥ पुच्छए षं मति । अङ् कम्पप्ययीभ्यो उरीरेह ।  
योयमा । आतन्वयेवनिजवजाभ्यो छ कम्पप्ययीभ्यो उरीरेह । वजसे षं पुच्छा  
योयमा । सप्तमिहर्षणं वा अष्टमिहर्षणं वा छविहर्षणं वा, सप्त उरीरेमायै  
आतन्वजाभ्यो सप्त कम्पप्ययीभ्यो उरीरेह, अङ् उरीरेमायै पठिपुत्राभ्यो अङ्  
कम्पप्ययीभ्यो उरीरेह, छ उरीरेमायै आतन्वयेवनिजवजाभ्यो छ कम्पप्ययीभ्यो  
उरीरेह, पठिसेवनाच्युतीके एवं षेव कदाच्युतीके षं पुच्छा योयमा । सप्तमिह-  
र्षणं वा अष्टमिहर्षणं वा छविहर्षणं वा पंचमिहर्षणं वा, सप्त उरीरे-  
मायै आतन्वजाभ्यो सप्त कम्पप्ययीभ्यो उरीरेह, अङ् उरीरेमायै पठिपुत्राभ्यो  
अङ् कम्पप्ययीभ्यो उरीरेह, छ उरीरेमायै आतन्वयेवनिजवजाभ्यो छ कम्पप्य-  
यीभ्यो उरीरेह, एवं उरीरेमायै आतन्वयेवनिजमोहनिजवजाभ्यो एवं कम्पप्ययीभ्यो  
उरीरेह । निर्वर्ति षं पुच्छा योयमा । पंचमिहर्षणं वा छविहर्षणं वा पंच  
उरीरेमायै आतन्वयेवनिजमोहनिजवजाभ्यो पंच कम्पप्ययीभ्यो उरीरेह, यो उरी-  
रेमायै वार्मं षं गोत्रं षं उरीरेह । सिष्ठाए षं पुच्छा योयमा । छविहर्षणं वा  
अष्टमिहर्षणं वा यो उरीरेमायै वार्मं षं गोत्रं षं उरीरेह ११ ॥ ७७२ ॥ पुच्छए  
षं मति । पुच्छवर्तं अहमायै किं अहम् किं उच्यते अहम् । योयमा । पुच्छवर्तं अहम्  
अवाच्युतीके वा अस्तेजसं वा उच्यते अहम्, वजसे षं मति । वजसे अहमायै किं  
अहम् किं उच्यते अहम् । योयमा । वजसे अहम् पठिसेवनाच्युतीके वा अवाच्युतीके  
वा अस्तेजसं वा उच्यते अहम् वा उच्यते अहम्, पठिसेवनाच्युतीके षं मति । पठि-  
सेवनाच्युतीकरी पुच्छा योयमा । पठिसेवनाच्युतीकरी अहम् वजसे वा अवाच्युतीके  
वा अस्तेजसं वा उच्यते अहम् वा उच्यते अहम्, अवाच्युतीके पुच्छा योयमा ।  
अवाच्युतीकरी अहम् पुच्छं वा वजसे वा पठिसेवनाच्युतीके वा निर्वर्ति वा अस्तेजसं  
वा उच्यते अहम् वा उच्यते अहम्, निर्वर्ति षं पुच्छा, योयमा । निर्वर्तते अहम् अवाच्य-



गइआ पाहुडिया उक्खित्तपुव्वा भवइ एवं णिक्खित्तपुव्वा भवइ परिभाइयपुव्वा  
भवइ परिभुत्तपुव्वा भवइ परिठुवियपुव्वा भवइ एव वियागरेमाणे समियाए  
वियागरेति <sup>१</sup> हता भवइ ॥ ६८० ॥ से भिक्खू वा ( २ ) से ज पुण उवस्सय  
जाणिज्जा खुड्डियाओ खुड्डुवारियाओ नीयाओ सनिरुद्धाओ भवति, तहप्पगारे उव  
स्सए राओ वा विआले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पुरा हत्थेण वा पच्छा  
पाएण वा तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, केवली बूया, 'आयाणमेय'  
जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा छत्ताए वा मत्ताए वा दडए वा लट्ठिआ वा  
भिसिया वा नालिया वा चेले वा चिलिमिली वा चम्मए वा चम्मकोसए वा चम्म  
छेदणए वा दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले भिक्खू य राओ वा वियाले  
वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पयलिज्ज वा पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे  
वा पवडेमाणे वा, हत्थं वा पायं वा जाव इदियजाय वा ल्लसेज्ज वा, पाणाणि जाव  
सत्ताणि वा, अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूण पुव्वोवदिट्ठा जाव  
जं तहप्पगारे उवस्सए पुरा हत्थेण पच्छा पाएण तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज  
वा पविसेज्ज वा ॥ ६८१ ॥ से आगंतारेसु वा अणुवीइ उवस्सयं जाएज्जा, जे  
तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए, ते उवस्सयं अणुणवेज्जा, काम खल्ल आउसो  
अहालद अहापरिण्णातं वसिस्सामो जाव आउसतो जाव आउसतस्स उवस्सए  
जाव साहम्मियाए तओ उवस्सयं णिहिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ६८२ ॥  
से भिक्खू वा ( २ ) जस्सुवस्सए सवसिज्जा तस्स णामगोयं पुव्वामेव जाणिज्जा  
तओ पच्छा तस्स गिहे णिमतेमाणस्स अणिमतेमाणस्स वा असण वा ( ४ )  
अफासुर्यं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ६८३ ॥ से भिक्खू वा ( २ ) से ज पुण उव-  
स्सय जाणिज्जा ससागारिय सागणियं सउदयं णो पण्णस्स निक्खमणपवेसणाए,  
णो पण्णस्स वायण जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाण वा सेज्जं वा  
निसीहिय वा चेतेज्जा ॥ ६८४ ॥ से भिक्खू वा ( २ ) से ज पुण उवस्सय  
जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झं मज्झेणं गतु पथए पएपएपडिबद्ध णो पण्णस्स  
णिक्खमण जाव चिंताए तहप्पगारे उवस्सए णो ठाण वा सेज्ज वा निसीहियं वा  
चेतेज्जा ॥ ६८५ ॥ से भिक्खू वा ( २ ) से ज पुण उवस्सय जाणिज्जा इह खल्ल  
गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णमक्खोसंति वा जाव उद्वेति वा णो  
पण्णस्स जाव चिंताए सेव णच्चा तहप्पगारे उवस्सए णो ठाण वा जाव चेतेज्जा  
॥ ६८६ ॥ से भिक्खू वा ( २ ) से ज पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खल्ल गाहावइ  
वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गाय तेत्थेण वा घएण वा अब्भगेति वा

जाई वासाई । बरघाने मति । पुच्छा, मोयमा । नलि अंतर, एवं वाच कसाव-  
 झुडीकार्ण । निर्वैद्यर्ण पुच्छा मोयमा । बहर्णैर्ण एवै समर्ण बहर्णैर्ण कम्मासा,  
 विधानार्ण बहर्ण बहर्णार्ण १ ॥ ५०९ ॥ पुच्छापरस्य न मति । बहर्ण समुत्पन्ना  
 प । मोयमा । विधि समुत्पन्ना प । तं—विधानासमुत्पन्ना कसावसमुत्पन्ना मास्व-  
 विधानसमुत्पन्ना, बहर्णस्य न मति । पुच्छा मोयमा । पंच समुत्पन्ना प । तं—  
 विधानासमुत्पन्ना वाच वेयासमुत्पन्ना, एवं पवित्रेणासुधीकेने कसावसुधीकेने  
 पुच्छा, मोयमा । छ समुत्पन्ना प । तं—विधानासमुत्पन्ना वाच बाह्यारम्भसमुत्पन्ना,  
 निर्वैद्यस्य न पुच्छा मोयमा । नलि एवैने विधानस्य न पुच्छा मोयमा । एते  
 वेयासमुत्पन्ना प ११ ॥ ५०८ ॥ पुच्छा न मति । कोयस्य किं संवेज्जमाने  
 होजा १ अर्धवेज्जमाने होजा २, संवेज्जमाने होजा ३, अर्धवेज्जमाने  
 होजा ४ सम्भवेत् होजा ५ । मोयमा । नो संवेज्जमाने होजा, अर्धवेज्जमाने  
 होजा नो संवेज्जमाने होजा (नो) अर्धवेज्जमाने होजा नो सम्भवेत्  
 होजा एवं वाच निर्वैदि । विद्या न पुच्छा मोयमा । नो संवेज्जमाने होजा  
 अर्धवेज्जमाने होजा नो संवेज्जमाने होजा अर्धवेज्जमाने होजा सम्भ-  
 वेत् वा होजा १२ ॥ ५०७ ॥ पुच्छा न मति । कोयस्य किं संवेज्जमाने पुच्छा  
 अर्धवेज्जमाने पुच्छा । एवं बहर्ण कोयाहर्ण मतिना तहा पुच्छानि मायिकम्प  
 वाच विद्या ११ ॥ ५०६ ॥ पुच्छा न मति । कवरमिन् भावे होजा । मोयमा ।  
 कवेनसमिन् भावे होजा एवं वाच कसावझुडीके । निर्वैदि पुच्छा मोयमा ।  
 कवरसमिन् वा भावे होजा कवर वा भावे होजा । विद्या पुच्छा मोयमा । कवर  
 भावे होजा १४ ॥ ५०५ ॥ पुच्छा न मति । एषसमर्ण वेयासा होजा ।  
 मोयमा । पवित्रजमाना पञ्च सिव अस्ति सिव पस्ति बहर्ण अहर्ण एवै  
 वा हो वा विधि वा उक्तेने सवपुत्रुर्ण पुम्पपवित्रा पञ्च सिव अस्ति सिव  
 अस्ति बहर्ण अहर्ण एवै वा हो वा विधि वा उक्तेने सहस्यपुत्रुर्ण । बहर्ण  
 न मति । एवसमर्ण पुच्छा मोयमा । पवित्रजमाना पञ्च सिव अस्ति सिव  
 नलि बहर्ण अहर्ण एवै वा हो वा विधि वा उक्तेने सवपुत्रुर्ण पुम्पपवि-  
 त्रा पञ्च अहर्ण कोविश्वपुत्रुर्ण उक्तेने कोविश्वपुत्रुर्ण एवं पवित्रेणा-  
 झुडीकेने । कसावझुडीकार्ण पुच्छा मोयमा । पवित्रजमाना पञ्च सिव अस्ति सिव  
 अस्ति बहर्ण अहर्ण एवै वा हो वा विधि वा उक्तेने (कोवि)सहस्यपुत्रुर्ण  
 पुम्पपवित्रा पञ्च अहर्ण कोविश्वस्यपुत्रुर्ण उक्तेने कोविश्वस्यपुत्रुर्ण ।  
 निर्वैद्यर्ण पुच्छा मोयमा । पवित्रजमाना पञ्च सिव अस्ति सिव नलि बहर्ण

कुसीलं वा सिणाय वा अस्सजमं वा उवसपज्जइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा । सिणा-  
यत्तं जहइ सिद्धिगइ उवसपज्जइ २४ ॥ ७७३ ॥ पुलाए ण भंते ! किं सन्नोवउत्ते  
होज्जा नोसन्नोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! णो सन्नोवउत्ते होज्जा नोसन्नोवउत्ते होज्जा ।  
वउत्ते णं भते ! पुच्छा, गोयमा ! सन्नोवउत्ते वा होज्जा नोसन्नोवउत्ते वा होज्जा,  
एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एव कसायकुसीलेवि, नियठे सिणाए य जहा पुलाए  
२५ ॥ ७७४ ॥ पुलाए ण भते ! किं आहारए होज्जा अणाहारए होज्जा ? गोयमा !  
आहारए होज्जा णो अणाहारए होज्जा, एव जाव नियठे । सिणाए ण पुच्छा,  
गोयमा ! आहारए वा होज्जा अणाहारए वा होज्जा २६ ॥ ७७५ ॥ पुलाए णं  
भते ! कइ भवग्गहणाई होज्जा ? गोयमा ! जहजेण एक्क उक्कोसेण तिप्पि । वउत्ते णं  
पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेण एक्क उक्कोसेण अट्ठ, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एव कसा-  
यकुसीलेवि, नियठे जहा पुलाए । सिणाए ण पुच्छा, गोयमा ! एक्क २७ ॥ ७७६ ॥  
पुलागस्स ण भते ! एगभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहजेण  
एक्को उक्कोसेण तिप्पि । वउत्तस्स ण पुच्छा, गोयमा ! जहजेण एक्को उक्कोसेणं सयग्गसो,  
एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले एव चेव । णियठस्स ण पुच्छा, गोयमा !  
जहजेणं एक्को उक्कोसेण दोप्पि । सिणायस्स ण पुच्छा, गोयमा ! एक्को ॥ पुलागस्स  
णं भते ! नाणाभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहजेणं दोप्पि  
उक्कोसेण सत्त । वउत्तस्स ण पुच्छा, गोयमा ! जहजेण दोप्पि उक्कोसेण सहस्सग्गसो,  
एव जाव कसायकुसीलस्स । नियठस्स ण पुच्छा, गोयमा ! जहजेण दोप्पि उक्कोसेण  
मंच । सिणायस्स ण पुच्छा, गोयमा ! नत्थि एक्कोवि २८ ॥ ७७७ ॥ पुलाए णं भते !  
कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहजेणं अतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अतोमुहुत्त । वउत्ते  
ण पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेण एक्क समय उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी, एव पडिसेवणा-  
कुसीलेवि, कसायकुसीलेवि एवं चेव । नियठे णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेण एक्क समय  
उक्कोसेण अतोमुहुत्त । सिणाए ण पुच्छा, गोयमा ! जहजेण अतोमुहुत्त उक्कोसेणं देसूणा  
पुव्वकोडी ॥ पुलागा ण भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहजेण एक्क समय  
उक्कोसेण अतोमुहुत्त । वउत्ता ण भते ! पुच्छा, गोयमा ! सव्वद्ध, एव जाव कसाय-  
कुसीला, नियठा जहा पुलागा, सिणाया जहा वउत्ता २९ ॥ ७७८ ॥ पुलागस्स  
णं भते ! केवइयं काल अंतर होइ ? गोयमा ! जहण्णेण अतोमुहुत्त उक्कोसेणं अणत  
कालं अणताओ ओसप्पिणिउत्तप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवद्ध पोग्गलपरियट्ठं  
देसूण, एव जाव नियठस्स । सिणायस्स ण पुच्छा, गोयमा ! नत्थि अत्तरं ॥ पुलागाणं  
भंते ! केवइयं काल अंतर होइ ? गोयमा ! जहण्णेण एक्क समय उक्कोसेण सद्धे-

ठियकप्ये होजा अद्रियकप्ये होजा । गोयमा । ठियकप्ये वा होजा अद्रियकप्ये  
 वा होजा ऐरोवद्रुममिक्कसंजए पुच्छा गोयमा । ठियकप्ये होजा नो अद्रियकप्ये  
 होजा एवं परिहारमिद्रियसंजएणि सेसा जहा सामाद्वसंजए । सामाद्वसंजए  
 न मंते । किं त्रियकप्ये होजा वेरकप्ये होजा कप्यात्तीते होजा । मोयमा ।  
 त्रियकप्ये वा होजा जहा कप्यावद्रुसीके तद्देव निरवसीते ऐरोवद्रुममिद्रो परिहार  
 मिद्रियसे न जहा वडछे सेसा जहा मिद्रि ३ ४ ५ ६ ७ सामाद्वसंजए न  
 मंते । किं पुमए होजा वडछे ज्ञान सिचाए होजा । मोयमा । पुमए वा होजा  
 वडछे ज्ञान कप्यावद्रुसीके वा होजा नो मिद्रि होजा नो सिचाए होजा एवं ऐरो-  
 वद्रुममिद्रि परिहारमिद्रियसंजए न मंते । पुच्छा गोयमा । नो पुमए नो  
 वडछे नो पडिसेवपावद्रुसीके होजा कप्यावद्रुसीके होजा नो मिद्रि होजा नो सिचाए  
 होजा एवं छुमसंपराएणि अहन्त्यावसंजए पुच्छा गोयमा । नो पुमए होजा  
 ज्ञान नो कप्यावद्रुसीके होजा निद्रि वा होजा सिचाए वा होजा ५ ६ सामाद्व-  
 संजए न मंते । किं पडिसेवए होजा अपडिसेवए होजा । गोयमा । पडिसेवए वा  
 होजा अपडिसेवए वा होजा, जए पडिसेवए होजा किं मूळपुनपडिसेवए होजा  
 सेसं जहा पुममस्स जहा सामाद्वसंजए एवं ऐरोवद्रुममिद्रि परिहारमिद्रिय-  
 संजए पुच्छा गोयमा । नो पडिसेवए होजा अपडिसेवए होजा एवं ज्ञान जह  
 कप्यावसंजए ५ ६ सामाद्वसंजए न मंते । कप्यु नावेत्त होजा । गोयमा । सेत्त  
 वा सिप्प वा वडछ वा नावेत्त होजा एवं जहा कप्यावद्रुसीकेस्स तद्देव ज्ञानि  
 नाचाई मयचाए, एवं ज्ञान छुमसंपरा(इ)ए, अहन्त्यावसंजवस्स पंच नाचाई मय-  
 चाए जहा नाचुरेए । सामाद्वसंजए न मंते । केयस्सं एवं अद्रिजेजा । गोयमा ।  
 अहत्तेवं अद्र पववक्कमावाओ जहा कप्यावद्रुसीके एवं ऐरोवद्रुममिद्रि परिहार  
 मिद्रियसंजए पुच्छा गोयमा । अहत्तेवं ज्ञानमस्स पुममस्स तद्वं नाचारवत्तं उटोसेवं  
 जवंपुचाई दस पुममाई अद्रिजेजा छुमसंपरावसंजए जहा सामाद्वसंजए,  
 अहन्त्यावसंजए पुच्छा गोयमा । अहत्तेवं अद्र पववक्कमावाओ तदोत्तेवं जवंपु  
 पुममाई अद्रिजेजा छवज्जिते वा होजा ७ । सामाद्वसंजए न मंते । किं त्रिये  
 होजा अद्रिये होजा । गोयमा । त्रिये वा होजा अत्रिये वा होजा जहा कप्या-  
 वद्रुसीके ऐरोवद्रुममिद्रि परिहारमिद्रिय (छुमसंपराए) न जहा पुमए, सेसा जहा  
 सामाद्वसंजए । सामाद्वसंजए न मंते । किं सत्तिने होजा अचत्तिने होजा निद्रि  
 किं होजा । जहा पुमए, एवं ऐरोवद्रुममिद्रि परिहारमिद्रियसंजए न मंते ।  
 किं पुच्छ, गोयमा । दम्भकिंमपि मावकिंमपि पट्टव सत्तिने होजा नो अचत्तिने

अतिथि जहमेण एणो वा दो वा तिप्पि वा उणोसेण वाचट्ठं सयं, अट्ठमय गवगाणं चउप्पमं उव(स)सामगाणं, पुच्चपट्ठियजए पट्ठुच सिय अतिथि सिय नतिथि, जइ अतिथि जहमेण एणो वा दो वा तिप्पि वा उणोसेण सयपुट्ठं । सिणायाण पुच्छा, गोयमा । पट्ठिवज्जमाणए पट्ठुच सिय अतिथि णिय नतिथि, जइ अतिथि जहमेण एणो वा दो वा तिप्पि वा उणोसेण अट्ठमयं, पुच्चपट्ठियजए पट्ठुच जहमेण कोट्ठिपुट्ठुत्त उणोसेगमि कोट्ठिपुट्ठुत्त ॥ एएयि णं भंते । पुलागवउरापट्ठिगेयणाउसीलकमायउसीलनियठ्ठं सिणायाण कयरे २ जाव विसेगाहिया वा १ गोयमा । सज्यत्योवा नियठा, पुलाणा सज्येज्जगुणा, सिणाया सज्येज्जगुणा, बउरा सज्येज्जगुणा, पट्ठिसेज्जगुणाउसीला सज्येज्जगुणा, कसायउसीला सज्येज्जगुणा । सेव भते । सेव भंते । ति जाव मिहरइ ॥ ७८४ ॥ पणवीसइमस्स सयस्स छट्ठो उहेसो समत्तो ॥

कइ णं भंते । सजया प० १ गोयमा । पंच संजया प०, तं०—सामाइयसंजए छेओवट्ठावणियसजए परिहारविमुद्धियसजए सुहुमसंपरायसजए अहक्खायसजए, सामाइयसंजए ण भते । कइविहे पणत्ते १ गोयमा । दुविहे पणत्ते, तजहा—साराए य आवकहिए य, छेओवट्ठावणियसजए ण पुच्छा, गोयमा । दुविहे प०, तं०—साइयारे य निरइयारे य, परिहारविमुद्धियसजए पुच्छा, गोयमा । दुविहे प०, तं०—णिच्चिसमाणए य निच्चिट्ठकाइए य, सुहुमसंपराय० पुच्छा, गोयमा । दुविहे प०, तं०—सकिलिस्समाणए य विमुद्धमाणए य, अहक्खायसजए पुच्छा, गोयमा । दुविहे प०, तं०—छउमत्ये य केवली य ॥ गाहाओ—सामाइयमि उ कए चाउज्जाम अणुत्तरं धम्मं । तिविहेण फासयतो सामाइयसजओ स खलु ॥ १ ॥ छेत्तण उ परियाण पोराण जो ठवेइ अप्पाण । धम्ममि पचजामे छेओवट्ठावणो स खलु ॥ २ ॥ परिहरइ जो विमुद्ध तु पचजाम अणुत्तरं धम्म । तिविहेण फासयतो परिहारियसजओ स खलु ॥ ३ ॥ लोभाणु वेययतो जो खलु उवसामओ व खवओ वा । सो सुहुमसंपराओ अहक्खाया ऊणओ किंचि ॥ ४ ॥ उवसते खीणमि व जो खलु कम्ममि मोहणिज्जमि । छउमत्यो व जिणो वा अहक्खाओ सजओ स खलु ॥ ५ ॥ ७८५ ॥ सामाइयसजए ण भंते । किं सवेदए होज्जा अवेदए होज्जा १ गोयमा । सवेदए वा होज्जा अवेदए वा होज्जा, जइ सवेदए होज्जा० एव जहा कसायउसीले तहेव निरवसेस, एव छेओवट्ठावणियसजएवि, परिहारविमुद्धियसजओ जहा पुलाओ, सुहुमसंपरायसजओ अहक्खायसजओ य जहा निर्यठो २ । सामाइयसजए ण भंते । किं सरागे होज्जा वीयरगे होज्जा १ गोयमा । सरागे होज्जा नो वीयरगे होज्जा, एव जाव सुहुमसंपरायसंजए, अहक्खायसजए जहा नियठे ३ ॥ सामाइयसजए ण भते । किं

अनरे २ वाच निवेगाक्षिवा वा । योक्ता । सत्त्वलोभे अहङ्कारसंभवस्त एवे  
 न्नब्रह्मन्तुतोत्त ए संयमद्वये, सुमर्षपरमर्षवस्त अतोत्तुत्तिमा संयमद्वया  
 नर्षवेत्तुना परीहारनिप्रदिवसंयस्त संयमद्वया अर्षवेत्तुना सामात्यसंयस्त  
 ऐरोवद्वान्विवर्षवस्त न एएति न संयमद्वया रोन्नि तुम् अर्षवेत्तुना १४  
 ॥ ७९ ॥ सामात्यसंयस्त न भति । येनना भरितपञ्चवा ५ । योक्ता ।  
 नर्षवेत्तु भरितपञ्चवा ५ एवं वाच अहङ्कारसंभवस्त ॥ सामात्यसंयस्त न भति ।  
 सामात्यसंयस्त सत्त्वब्रह्मिमासेन भरितपञ्चवेत्ति किं हीमे तुमे अम्मद्विष्ट ।  
 योक्ता । सिय हीमे सत्त्वब्रह्मिष्ट, सामात्यसंयस्त न भति । ऐरोवद्वान्विवर्षवस्त  
 ब्रह्मब्रह्मिमासेन भरितपञ्चवेत्ति पुच्छ, मोक्षमा । सिय हीमे सत्त्वब्रह्मिष्ट, एवं  
 परीहारनिप्रदिवस्त न सामात्यसंयस्त न भति । सुमर्षपरमर्षवस्त परात्म-  
 सत्त्वमासेन भरितपञ्चवेत्ति पुच्छा योक्षमा । हीमे नो तुमे नो अम्मद्विष्ट, अनंतपुन-  
 हीमे एवं अहङ्कारसंभवस्त न एवं ऐरोवद्वान्विवर्षवेत्ति हेत्वेष्ट सिद्धि सनं  
 सत्त्वब्रह्मिष्ट, उररीष्ट रोन्नि तदेव हीमे वाह ऐरोवद्वान्विवर्ष तदा परीहारनिप्रदिव-  
 एवं सुमर्षपरमर्षवस्त न भति । सामात्यसंयस्त परात्म पुच्छ, मोक्षमा । नो  
 हीमे नो तुमे अम्मद्विष्ट अनंतपुनमम्मद्विष्ट एवं ऐरोवद्वान्विवर्षपरिहारनिप्रदिवस्त  
 सनं सत्त्वमे सिद्ध हीमे नो (सिद्ध) तुमे सिय अम्मद्विष्ट, वाह हीमे अनंतपुनहीमे अह  
 (३०) अम्मद्विष्ट अनंतपुनमम्मद्विष्ट, सुमर्षपरमर्षवस्त अहङ्कारसंभवस्त पर-  
 क्तुच पुच्छ योक्ता । हीमे नो तुमे नो अम्मद्विष्ट, अनंतपुनहीमे अहङ्कार हेत्ति-  
 मां नर्षवेत्ति नो हीमे नो तुमे अम्मद्विष्ट अनंतपुनमम्मद्विष्ट, सत्त्वमे नो हीमे तुमे  
 नो अम्मद्विष्ट । एएति न भति । सामात्यऐरोवद्वान्विवर्षपरिहारनिप्रदिवस्तुमर्षपरक-  
 अहङ्कारसंभवान्न अहङ्कारोत्तगान्न भरितपञ्चवाय अनरे २ वाच निवेगाक्षिवा  
 वा । योक्ता । सामात्यसंयस्त ऐरोवद्वान्विवर्षवस्त न एएति न अहङ्कार  
 भरितपञ्चवा रोन्नि तुम् सामात्योवा, परीहारनिप्रदिवसंयस्त अहङ्कारा भरित-  
 पञ्चवा अनंतपुना तस्त येन उदीनया भरितपञ्चवा अनंतपुना सामात्यसंयस्त  
 ऐरोवद्वान्विवर्षवस्त न एएति न उदीनया भरितपञ्चवा रोन्नि तुम् अनंत-  
 पुना सुमर्षपरमर्षवस्त अहङ्कारा भरितपञ्चवा अनंतपुना तस्त येन उदीनया  
 भरितपञ्चवा अनंतपुना अहङ्कारसंभवस्त अनहङ्कारोत्तगान्न भरितपञ्चवा  
 अनंतपुना १५ ॥ सामात्यसंयस्त न भति । किं तयोपी होजा अयोपी होजा ।  
 योक्ता । तयोपी अह पुच्छ, एवं वाच सुमर्षपरमर्षवस्त, अहङ्कारा अह  
 सिवा १६ ॥ सामात्यसंयस्त न भति । किं सामात्योत्त होजा अनाम्योत्तवे

होज्जा नो गिहिलिगे होज्जा, सेसा जहा सामाइयसजए ९ । सामाइयसजए ण भते ।  
 कइसु सरीरेसु होज्जा ? गोयमा ! तिसु वा चउसु वा पचसु वा होज्जा जहा क्साय-  
 कुसीले, एव छेओवट्ठावणिएवि, सेसा जहा पुलाए १० । सामाइयसजए णं भते ।  
 किं कम्मभूमीए होज्जा अकम्मभूमीए होज्जा ? गोयमा ! जम्मणं सतिभावं च पडुष  
 कम्मभूमीए होज्जा नो अकम्मभूमीए जहा वउसे, एवं छेओवट्ठावणिएवि, परिहारवि-  
 सुद्धिए य जहा पुलाए, सेसा जहा सामाइयसजए ११ ॥ ७८७ ॥ सामाइयसजए  
 णं भते ! किं ओसप्पिणीकाले होज्जा उस्सप्पिणीकाले होज्जा नोओसप्पिणिनोउस्सप्पि-  
 णिकाले होज्जा ? गोयमा ! ओसप्पिणीकाले जहा वउसे, एवं छेओवट्ठावणिएवि,  
 नवरं जम्मण सतिभाव ( च ) पडुच्च चउसुवि पलिभागेसु नत्थि, साहरण पडुष  
 अन्नयरे पलिभागे होज्जा, सेस त चेव, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा ! ओस-  
 प्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा नोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले  
 वा होज्जा, जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा जहा पुलाओ, उस्सप्पिणिकालेवि जहा  
 पुलाओ, सुहुमसपरा(इ)ओ जहा नियंठो, एव अहक्खाओवि १२ ॥ ७८८ ॥ सामा-  
 इयसजए णं भते ! कालगए समाणे किं गई गच्छइ ? गोयमा ! देवगई गच्छइ,  
 देवगई गच्छमाणे किं भवणवासीसु उववज्जेज्जा वाणमतरेसु उववज्जेज्जा जोइसिएसु  
 उववज्जेज्जा वेमाणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो भवणवासीसु उववज्जेज्जा जहा  
 कसायकुसीले, एवं छेओवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसपराए  
 जहा नियंठो, अहक्खाए पुच्छा, गोयमा ! एवं अहक्खायसजएवि जाव अजहन्नम-  
 णुक्कोसेण अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा, अत्थेगइ(या)ए सिज्झ(न्ति)इ जाव अतं करे  
 (न्ति)इ ॥ सामाइयसजए णं भते ! देवलोगेसु उववज्जमाणे किं इदत्ताए उववज्जइ  
 पुच्छा, गोयमा ! अविराहणं पडुष एवं जहा कसायकुसीले, एव छेओवट्ठावणिएवि,  
 परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सेसा जहा नियंठो । सामाइयसंजयस्स णं भते ! देव-  
 लोगेसु उववज्जमाणस्स केवइय काल ठिई प० ? गोयमा ! जहत्तेण दो पलिओवमाई  
 उक्कोसेण तेत्तीसं सागरोवमाई, एवं छेओवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा,  
 गोयमा ! जहत्तेण दो पलिओवमाई उक्कोसेण अट्ठारस सागरोवमाई, सेसाणं जहा  
 नियठस्स १३ ॥ ७८९ ॥ सामाइयसंजयस्स णं भते ! केवइया सजमट्ठाणा प० ?  
 गोयमा ! असंखेज्जा सजमट्ठाणा प०, एवं जाव परिहारविसुद्धियस्स, सुहुमसंपराय-  
 सजयस्स पुच्छा, गोयमा ! असंखेज्जा अतोमुहुत्तिया सजमट्ठाणा प०, अहक्खाय  
 सजयस्स पुच्छा, गोयमा ! एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे प० । एएसि णं भते ।  
 सामाइयछेओवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसुहुमसंपरायअहक्खायसजयाण संजमट्ठाणाणं

आमो ७ अम्यप्यगदीमो उरीरे, पंच उरीरेमने आत्तयवेवपिअमोहमिअमआमो  
 नेव अम्यप्यगदीमो उरीरे, अहकआवसेजए पुच्छा गोयमा । पंचमिहउरीए वा  
 पुमिहउरीए वा अउरीए वा पंच उरीरेमने आत्तय सेसं अहा मिअत्तस २१  
 ॥ ७५२ ॥ सामाद्वसंजए नं मति । सामाद्वसंजमयी अहमने किं अह किं उवसे  
 पजइ । येयमा । सामाद्वसंजमयी अह केरोपद्वसमियसंज(री)म वा छुमसंपराज-  
 संज(री)म वा असंजम वा सेवमासंजम वा उवसेपजइ, केरोपद्वसमिय पुच्छा  
 गोयमा । केरोपद्वसमियसंजमये अह सामाद्वसंजम वा परिहारमिअद्विजसंजम वा  
 छुमसंपराजसंजम वा असंजम वा सेवमासंजम वा उवसेपजइ, परिहारमिअद्विए  
 पुच्छा गोयमा । परिहारमिअद्विजसंजमये अह केरोपद्वसमियसंज(री)म वा असंजम  
 वा उवसेपजइ, छुमसंपराज पुच्छा गोयमा । छुमसंपराजसंजमये अह सामाद्व-  
 संज(री)म वा केरोपद्वसमियसंज(री)म वा अहकआवसेज(री)म वा असंजम वा उवसे  
 पजइ, अहकआवसेजए नं पुच्छा गोयमा । अहकआवसेजमये अह छुमसंपराजसं-  
 ज(री)म वा असंजम वा सिमिगई वा उवसेपजइ २४ ॥ ७५४ ॥ सामाद्वसंजए नं  
 मति । किं उवसेजते होजा गोसवेकउते होजा । गोयमा । उवसेजतो होजा अहा  
 कउते एवं आव परिहारमिअद्विए, छुमसंपराज अहकआए व अहा पुकाए २५ ॥  
 सामाद्वसंजए नं मति । किं आहारए होजा अवाहारए होजा । अहा पुकाए, एवं आव  
 छुमसंपराज, अहकआवसेजए अहा सिपाए २६ ॥ सामाद्वसंजए नं मति । अह मकम-  
 इजई होजा । येयमा । अहमेनं एवं (समनं) उवसेजं अह, एवं केरोपद्वसमिअदि  
 परिहारमिअद्विए पुच्छा गोयमा । अहमेनं एवं उवसेजं सिमि एवं आव अहकआए  
 २७ ॥ ७५५ ॥ सामाद्वसंजमस्त नं मति । एवमवमहमिवा केवइवा आगरीसा  
 प । येयमा । अहमेनं अहा कउतसस केरोपद्वसमिअस्त पुच्छा गोयमा । अहमेनं  
 एवं उवसेजं गोसपुहुतं परिहारमिअद्विअस्त पुच्छा गोयमा । अहमेनं एवं उवसे-  
 जं सिमि छुमसंपराजस्त पुच्छा गोयमा । अहमेनं ए(को)नं उवसेजं नपारि,  
 अहकआवस्त पुच्छा गोयमा । अहमेनं एवं उवसेजं येयि । सामाद्वसंजमस्त  
 नं मति । नापमवमहमिवा केवइवा आगरीसा प । गोयमा । अहा कउते केरो  
 पद्वसमिअस्त पुच्छा गोयमा । अहमेनं गोसि उवसेजं कउरिं नपारिं सयानं अतो  
 उहससस परिहारमिअद्विअस्त अहमेनं गोसि उवसेजं उत छुमसंपराजस्त अह-  
 मेनं गोसि उवसेजं नव अहकआवस्त अहमेनं गोसि उवसेजं पंच २८ ॥ ७५६ ॥  
 सामाद्वसंजए नं मति । नापमो केवकिं होइ । गोयमा । अहमेनं एवं समनं  
 उवसेजं ईसएहिं नवहिं वासहिं उमिया पुष्पकोठी एवं केरोपद्वसमिअदि,



होज्जा ? गोयमा । सागारोवउते जहा पुलाए, एण जाव अहक्काए, नारं सुहुमस-  
 पराए सागारोवउते होज्जा नो अगागारोवउते होज्जा १७ ॥ सामाइयसंजए ण भंते ।  
 किं सकनार्इ होज्जा अकनार्इ होज्जा ? गोयमा ! सकनार्इ होज्जा नो अकनार्इ होज्जा,  
 जहा कमायकुसीटे, एवं छेदोवट्ठाणीएवि, परिहारविमुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंजए  
 यसंजए पुच्छा, गोयमा । कनार्इ होज्जा नो अकनार्इ होज्जा, जउ सकनार्इ होज्जा  
 से ण भंते । कउनु कमाएनु होज्जा ? गोयमा । एगम्मि संजत्तगलोभे होज्जा, अह-  
 क्कसायसजए जहा नियंटे १८ ॥ सामाइयसंजए ण भंते । किं मल्लेस्से होज्जा  
 अल्लेस्से होज्जा ? गोयमा । मल्लेस्से होज्जा जहा म्मायकुसीटे, एव छेदोवट्ठाणीएवि,  
 परिहारविमुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपराए जहा नियंटे, अहक्काए जहा जिगाए,  
 नवरं जइ मल्लेस्से होज्जा एगाए न्णल्लेस्माए होज्जा १९ ॥ ७९१ ॥ सामाइयसंजए  
 ण भंते । किं वट्ठमाणपरिणामे होज्जा हीयमाणपरिणामे होज्जा अवट्ठियपरिणामे होज्जा ?  
 गोयमा । वट्ठमाणपरिणामे होज्जा जहा पुलाए, एण जाव परिहारविमुद्धिए, सुहुमसं-  
 पराय० पुच्छा, गोयमा । वट्ठमाणपरिणामे वा होज्जा हीयमाणपरिणामे वा होज्जा नो  
 अवट्ठियपरिणामे होज्जा, अहक्काए जहा नियंटे । सामाइयसजए ण भंते । केवइय  
 काल वट्ठमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा । जहण्णेण एणं नमय जहा पुलाए, एव जाव  
 परिहारविमुद्धिए, सुहुमसंपरायसजए ण भंते । केवइय काल वट्ठमाणपरिणामे होज्जा ?  
 गोयमा । जहण्णेण एणं समयं उक्कोसेण अतोमुहुत्त, केवइय काल हीयमाणपरिणामे  
 होज्जा एव चेव, अहक्कसायसजए ण भंते । केवइय काल वट्ठमाणपरिणामे होज्जा ?  
 गोयमा । जहण्णेण अतोमुहुत्त उक्कोसेणवि अतोमुहुत्त, केवइय काल अवट्ठियपरिणामे  
 होज्जा ? गोयमा । जहण्णेण एणं समयं उक्कोसेण देसणा पुच्चकोढी २० ॥ ७९२ ॥  
 सामाइयसजए ण भंते । कइ कम्मप्पगहीओ वंघइ ? गोयमा । सत्तविहवघए वा  
 अट्ठविहवघए वा एव जहा वउसे, एव जाव परिहारविमुद्धिए, सुहुमसंपरायसजए  
 पुच्छा, गोयमा । आउयमोहणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगहीओ वघइ, अहक्कसायसजए  
 जहा तिगाए २१ ॥ सामाइयसंजए ण भंते । कइ कम्मप्पगहीओ वेदेइ ? गोयमा ।  
 नियम अट्ठ कम्मप्पगहीओ वेदेइ, एव जाव सुहुमसंपराए, अहक्काए पुच्छा,  
 गोयमा । सत्तविहवेदए वा चउव्विहवेदए वा, सत्त वेदेमाणे मोहणिज्जवज्जाओ  
 सत्त कम्मप्पगहीओ वेदेइ, चत्तारि वेदेमाणे वेयणिज्जआउयनामगोयाओ चत्तारि  
 कम्मप्पगहीओ वेदेइ २२ ॥ सामाइयसजए ण भंते । कइ कम्मप्पगहीओ उदीरेइ ?  
 गोयमा । सत्तविह० जहा वउसे, एव जाव परिहारविमुद्धिए, सुहुमसंपराए पुच्छा,  
 गोयमा । छव्विहउदीरेए वा पचविहउदीरेए वा, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जव-

आत्मे च अमप्ययीतो उरीरे, पंच उरीरेमाने आउययेयमिजमोहमिजममो  
 पंच अमप्ययीतो उरीरे, अहकान्तसंख पुच्छ गोममा । पंचमिहउरीए वा  
 इमिहउरीए वा अउरीए वा पंच उरीरेमाने आउय येसं अहा मिहउस्व २३  
 ॥ ७५१ ॥ सामाद्वयसंख न मते । सामाद्वयसंखयतं अहमाये किं अहं किं लसं-  
 खयतं । गोममा । सामाद्वयसंखयतं अहं ऐरोवद्वयमिहसंख(य)मे वा अमुमसंपरज-  
 संख(य)मे वा असंखमे वा संखमासंखमे वा उवसंपज्ज, ऐरोवद्वयमिह पुच्छ  
 गोममा । ऐरोवद्वयमिहसंखयतं अहं सामाद्वयसंख वा परिहारमिहसंखमे वा  
 अमुमसंपरजसंखमे वा असंखमे वा संखमासंखमे वा लसंपज्ज, परिहारमिहसंख  
 पुच्छ गोममा । परिहारमिहसंखयतं अहं ऐरोवद्वयमिहसंख(य)मे वा असंखमे  
 वा उवसंपज्ज, अमुमसंपरज पुच्छ गोममा । अमुमसंपरजसंखयतं अहं सामाद्व-  
 संख(य)मे वा ऐरोवद्वयमिहसंख(य)मे वा अहकान्तसंख(य)मे वा असंखमे वा उवसं-  
 पज्ज, अहकान्तसंख पुच्छ गोममा । अहकान्तसंखयतं अहं अमुमसंपरजसं-  
 ख(य)मे वा असंखमे वा मिहियई वा लसंपज्ज २४ ॥ ७५४ ॥ सामाद्वयसंख न  
 मते । किं सन्नोत्तरे होजा मोसन्नोत्तरे होजा । गोममा । सन्नोत्तरे होजा अहा  
 वस्से एवं जाव परिहारमिहसंख, अमुमसंपरज अहन्नाए व अहा पुज्जए २५ उ  
 सामाद्वयसंख न मते । किं आहारए होजा अणहारए होजा । अहा पुज्जए, एवं जाव  
 अमुमसंपरज, अहकान्तसंख अहा सिप्पए २६ उ सामाद्वयसंख न मते । अहं अमप्य-  
 हप्य होजा । गोममा । अहमेवं एव (समं) उदोसेवं अहं, एवं ऐरोवद्वयमिहसंख  
 परिहारमिहसंख पुच्छ गोममा । अहमेवं एव उदोसेवं सिधि, एवं जाव अहन्नाए  
 २७ ॥ ७५५ ॥ सामाद्वयसंखयतं न मते । एवमवसाहमिह केवद्वया अतादिषा  
 प । गोममा । अहमेवं अहा वजसस ऐरोवद्वयमिहसंख पुच्छ गोममा । अहमेवं  
 एव उदोसेवं वीधपुहतां परिहारमिहसंखयतं पुच्छ गोममा । अहमेवं एव उदो-  
 सेवं सिधि अमुमसंपरजयतं पुच्छ गोममा । अहमेवं एव(उदो)सं उदोसेवं वपारि,  
 अहकान्तयतं पुच्छ गोममा । अहमेवं एव उदोसेवं दोषि । सामाद्वयसंखयतं  
 न मते । एवमवसाहमिह केवद्वया अतादिषा प । गोममा । अहा वजस ऐरो  
 वद्वयमिहसंख पुच्छ गोममा । अहमेवं दोषि उदोसेवं वपारि वपारं सवार्थं अतो  
 सहाससं परिहारमिहसंखयतं अहमेवं दोषि उदोसेवं सहा अमुमसंपरजयतं अह-  
 मेवं दोषि उदोसेवं नव अहकान्तयतं अहमेवं दोषि उदोसेवं पंच २८ ॥ ७५९ ॥  
 सामाद्वयसंख न मते । वजसो केवधिरे हो । गोममा । अहमेवं एव समं  
 उदोसेवं देवपण्डि वपारि वपारि अतादिषा पुच्छगोम एव ऐरोवद्वयमिहसंख,

परिहारविमुद्धिए जहजेण एक्कं समयं उक्कोसेण देसूणएहिं एगूणतीसाए वासेहिं  
ऊणिया पुव्वकोडी, सुहुमसंपराए जहा नियंठे, अहक्खाए जहा सामाइयसजए ।  
सामाइयसजया ण भंते । कालओ केवधिरं होइ ? गोयमा । सव्व(द्ध)द्धा, छेदोवद्धा  
चणिय० पुच्छा, गोयमा । जहजेण अट्टाइज्जाई वाससयाइ उक्कोसेण पन्नास सागरो-  
चमकोडिसयसहस्साइ, परिहारविमुद्धिए पुच्छा, गोयमा । जहजेण देसूणाई दो वास  
सयाई उक्कोसेण देसूणाओ दो पुव्वकोडीओ, सुहुमसपरायसजया ण भंते । पुच्छा,  
गोयमा । जहजेण एक्कं समय उक्कोसेण अतोमुहुत्त, अहक्खायसजया जहा सामाइ  
यसजया २९ ॥ सामाइयसजयस्स ण भते । केवइय कालं अतरं होइ ? गोयमा ।  
जहजेण जहा पुलागस्स एवं जाव अहक्खायसजयस्स, सामाइयसजयाण भंते ।  
पुच्छा, गोयमा । नत्थि अंतरं, छेदोवद्धावणिय० पुच्छा, गोयमा । जहजेण तेवद्धि  
वाससहस्साई उक्कोसेण अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीओ, परिहारविमुद्धियस्स पुच्छा,  
गोयमा । जहजेण चउरासीइ वाससहस्साइ उक्कोसेण अट्टारस सागरोवमकोडाके-  
डीओ, सुहुमसंपरायाणं जहा नियठाणं, अहक्खायाणं जहा सामाइयसजयाणं ३० ॥  
सामाइयसजयस्स ण भते । कइ समुग्घाया पन्नता ? गोयमा । छ समुग्घाया  
पन्नता, जहा कसायकुसीलस्स, एवं छेदोवद्धावणियस्सवि, परिहारविमुद्धियस्स  
जहा पुलागस्स, सुहुमसंपरायस्स जहा नियठस्स, अहक्खायस्स जहा सिणायस्स  
३१ ॥ सामाइयसजए ण भते । लोगस्स किं सखेज्जइभागे होज्जा असखेज्जइभागे०  
पुच्छा, गोयमा । नो संखेज्जइ० जहा पुलाए, एव जाव सुहुमसंपराए । अहक्खाय-  
सजए जहा सिणाए ३२ ॥ सामाइयसजए ण भंते । लोगस्स किं संखेज्जइभाग  
फुसइ जहेव होज्जा तहेव फुसइ ३३ ॥ सामाइयसजए ण भंते । कयरम्मि भावे  
होज्जा ? गोयमा । उ(खओ)वसमिए भावे होज्जा, एवं जाव सुहुमसंपराए, अहक्खाय-  
सजए पुच्छा, गोयमा । उवसमिए वा खइए वा भावे होज्जा ३४ । सामाइय-  
सजया ण भते । एगसमएण केवइया होज्जा ? गोयमा । पडिवज्जमाणए पडुच्च जहा  
कसायकुसीला तहेव निरवसेस, छेदोवद्धावणिया पुच्छा, गोयमा । पडिवज्जमाणए  
पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहजेण एक्को वा दो वा तिप्पि वा उक्कोसेणं  
सयपुहुत्त, पुव्वपडिवज्जए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहजेण कोडि-  
सयपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसयपुहुत्त, परिहारविमुद्धिया जहा पुलागा, सुहुमसंपराया  
जहा नियठा, अहक्खायसजयाणं पुच्छा, गोयमा । पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि  
सिय नत्थि, जइ अत्थि जहजेण एक्को वा दो वा तिप्पि वा उक्कोसेण वावट्ठसय अट्ठ-  
त्तरसयं खवगाण चउप्पन्न उवसामगाण, पुव्वपडिवज्जए पडुच्च जहजेण कोडिपुहुत्तं

मकसैति वा नो पप्पस्स चाव विंताए, तहप्पगारे उवस्सए नो ठानं वा चाव  
 चेतेजा ॥ ९८० ॥ से मिकख् वा (२) से नं पुन उवस्सए चाविजा इह क्ख  
 पाहावद् वा चाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गानं सिवावैय वा भवेय वा  
 कोरेण वा वप्पेय वा पुप्पेय वा पप्पेय वा आरुसैति वा पक्कसैति वा उक्कसैति  
 वा उक्कसैति वा नो पप्पस्स मिक्कसमव चाव विंताए तहप्पगारे उवस्सए नो  
 ठानं वा चाव चेतेजा ॥ ९८१ ॥ से मिकख् वा (२) से नं पुन उवस्सए  
 चाविजा इह क्ख पाहावद् वा चाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गानं सीओद्  
 पविज्जेण वा उक्कियोदपविज्जेण वा उक्कियेवैति वा पक्कियेवैति वा सिवैति वा  
 सिवावैति वा नो पप्पस्स चाव नो ठानं वा चाव चेतेजा ॥ ९८२ ॥ से मिकख्  
 वा (२) से नं पुन उवस्सए चाविजा इह क्ख पाहावद् वा चाव कम्मकरीओ  
 वा विणिजा ठिजा विणिजा ज्जीवा मेहुणवम्मं विण्णवैति उहस्सियं वा मंतं मंतैति  
 नो पप्पस्स चाव नो ठानं वा चाव चेतेजा ॥ ९८३ ॥ से मिकख् वा (२) से  
 नं पुन उवस्सए चाविजा आहणवैतिवत् नो पप्पस्स चाव विंताए चाव नो  
 ठानं वा चेजं वा निसीहियं वा चेतेजा ॥ ९८४ ॥ से मिकख् वा (२) अमिक-  
 खेजा संचारं एतिए ॥ ९८५ ॥ से नं पुन संचारं चाविजा सव्वं वा सव्वं-  
 तावमं तहप्पगारं संचारणं कामे संते नो पडिगाहिजा ॥ ९८६ ॥ से मिकख् वा  
 (२) से नं पुन संचारं चाविजा अप्पं वा सव्वं तावमं वस्सं तहप्पगारं कामे  
 संते नो पडिगाहिजा ॥ ९८७ ॥ से मिकख् वा (२) से नं पुन संचारं  
 चाविजा, अप्पं वा सव्वं तावमं क्खुयं अपाविहारियं तहप्पगारं चेजा संचारं  
 कामे संते नो पडिगाहिजा ॥ ९८८ ॥ से मिकख् वा (२) से नं पुन संचारं  
 चाविजा अप्पं वा सव्वं तावमं क्खुयं पाविहारियं नो अहावद् तहप्पगारं कामे  
 संते नो पडिगाहिजा ॥ ९८९ ॥ से मिकख् वा (२) से नं पुन संचारं  
 चाविजा अप्पं वा सव्वं तावमं क्खुयं पाविहारियं अहावद् तहप्पगारं संचारं  
 वाव कामे संते पडिगाहिजा ॥ ९९० ॥ इवेवाहं आवत्ताहं उवाहम्म अह  
 मिकख् चाविजा इमाहिं वत्ताहिं पडिमाहिं संचारं एतिए तत्थ क्ख इमा पडमा  
 पडिमा,—से मिकख् वा (२) उरिणिव उरिणिव संचारं आप्पा उवहा-इव  
 वा वडिं वा वडुं वा परं वा मोरं वा ठं वा खेरं वा कुं वा इव्वं वा  
 पप्पं वा पिप्पलं वा वप्पलं वा से पुप्पामं वा आलोएजा आलो ति वा  
 मणिनी ति वा वाहिनिं मे एतो अण्णवरं संचारं ॥ तहप्पगारं सवं वा नं आप्पा  
 परो वा से देजा पत्तं एतमिजं कामे संते पडिगाहिजा पडमा पडिमा

अणसणे । से किं तं ओमोयरिया ? ओमोयरिया दुविहा प०, त०—द्वोमोयरिया य  
भावोमोयरिया य, से किं तं द्वोमोयरिया ? द्वोमोयरिया दुविहा प०, त०—  
उवगरणद्वोमोयरिया य भत्तपाणद्वोमोयरिया य, से किं तं उवगरणद्वोमो  
रिया ? उवगरणद्वोमोयरिया एगे वत्थे एगे पाए चियत्तोवगरणसाइज्जगया, सेत  
उवगरणद्वोमोयरिया, से किं तं भत्तपाणद्वोमोयरिया ? भत्तपाणद्वोमोयरिया  
अट्ठकवले आहार आहारेमा(णे)णस्स अप्पाहारे दुवालम० जहा सत्तमसए पडमोरे-  
सए जाव नो पकामरसभोईति वत्तव्व सिया, सेत भत्तपाणद्वोमोयरिया, सेत द्वो-  
मोयरिया, से किं तं भावोमोयरिया ? भावोमोयरिया अणेगविहा प०, त०—अप्पक्रेहे  
जाव अप्पलोभे अप्पमहे अप्पझञ्जे अप्पतुमत्तुमे, सेत भावोमोयरिया, सेत ओमोय-  
रिया । से किं तं भिक्खायरिया ? भिक्खायरिया अणेगविहा प०, त०—द्वामि-  
ग्गहचरणे जहा उववाइए जाव मुदेसणिए सखादत्तिए, सेत भिक्खायरिया । से किं  
तं रसपरिच्चाए ? रसपरिच्चाए अणेगविहे प०, त०—निव्विगइए पणीयरसविज्जए जहा  
उववाइए जाव ल्हहाहारे, सेत रसपरिच्चाए । से किं तं कायकिलेसे ? कायकिलेसे अणेग-  
विहे प०, त०—ठाणाइए उक्कुडुयासणिए जहा उववाइए जाव सव्वगायपडिक्कम्मवि-  
प्पमुक्के, सेत कायकिलेसे । से किं तं पडिसलीणया ? पडिसलीणया चउव्विहा प०, त०—  
इंदियपडिसलीणया कसायपडिसलीणया जोगपडिसलीणया विवित्तसयणासणसेव-  
णया । से किं तं इंदियपडिसलीणया ? इंदियपडिसलीणया पंचविहा प०, त०—सोइदिय-  
विसयप्पयारणिरोहो वा सोइदियविसयप्पत्तेसु वा अत्थेद्व रागदोसविणिग्गहो चर्क्खिदि-  
यविसय० एव जाव फासिंदियविसयप्पयारणिरोहो वा फासिंदियविसयप्पत्तेसु वा अत्थेसु  
रागदोसविणिग्गहो, सेत इंदियपडिसलीणया, से किं तं कसायपडिसलीणया ? कसाय-  
पडिसलीणया चउव्विहा प०, तजहा—कोहोदयनिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा कोहस्स  
विफलीकरण एव जाव लोभोदयनिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा लोमस्स विफलीकरणं,  
सेत कसायपडिसलीणया, से किं तं जोगपडिसलीणया ? जोगपडिसलीणया तिविहा  
प०, त०—मणजोगप० वइजोगप० कायजोगपडिसलीणया, से किं तं मणजोगपडि-  
सलीणया ? २ तिविहा प०, तं०—अकुसलमणनिरोहो वा कुसलमणउदीरण वा मणस्स  
वा एगत्तीभावकरण, से किं तं वइजोगपडिसलीणया ? २ तिविहा प०, त०—अकुसल-  
चइनिरोहो वा कुसलवइउदीरण वा वईए वा एगत्तीभावकरण, से किं तं कायपडि-  
सलीणया ? कायपडिसलीणया जञ्ज सुसमाहियपसतसाहरियपाणिपाए कुम्मो इव  
गुत्तिदिए अहीणे पहीणे चिद्धइ, सेत कायपडिसलीणया, सेत जोगपडिसलीणया,  
से किं तं विवित्तसयणसणसेवणया ? विवित्तसयणासणसेवणया जञ्ज आरामेसु



य, से किं तं पसत्थकायविणए ? पसत्थकायविणए सत्तविहे प०, तजहा-आउत्तं  
 गमण आउत्तं ठाणं आउत्तं निसीयण आउत्तं तुयट्ठणं आउत्तं उद्धघण आउत्तं पल्लं  
 घणं आउत्तं सव्विदियजोगजुजणया, सेत्तं पसत्थकायविणए, से किं तं अप्पसत्थ-  
 कायविणए ? अप्पसत्थकायविणए सत्तविहे पन्नत्ते, तजहा-अणाउत्तं गमण जाव  
 अणाउत्तं सव्विदियजोगजुजणया, सेत्तं अप्पसत्थकायविणए, सेत्तं कायविणए, से किं  
 तं लोगोवयारविणए ? लोगोवयारविणए सत्तविहे प०, तं०-अव्भासवत्तिय परच्छ-  
 दाणुवत्तिय कज्जहेळं कयपडिकिइया अत्तगवेसणया देसकालणया सव्वत्थेसु  
 अप्पडिलोमया, सेत्तं लोगोवयारविणए, सेत्तं विणए । से किं तं वेयावच्चे ? वेयावच्चे  
 दसविहे प०, तं०-आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे थेरवेयावच्चे तवस्सिवेयावच्चे  
 गिलाणवेयावच्चे सेहवेयावच्चे कुलवेयावच्चे गणवेयावच्चे सघवेयावच्चे साहम्मियवे  
 यावच्चे, सेत्तं वेयावच्चे । से किं तं सज्झाए ? सज्झाए पंचविहे पन्नत्ते, तं०-वायणा  
 पडिपुच्छणा परियट्ठणा अणुप्पेहा धम्मकहा, सेत्तं सज्झाए ॥ ८०१ ॥ से किं तं  
 ज्ञाणे ? ज्ञाणे चउव्विहे पन्नत्ते, तजहा-अट्ठे ज्ञाणे रोहे ज्ञाणे धम्मे ज्ञाणे सुक्के ज्ञाणे,  
 अट्ठे ज्ञाणे चउव्विहे पन्नत्ते, तजहा-अमणुजसंपओगसपउत्ते तस्स विप्पओगसइ  
 समन्नागए यावि भवइ १, मणुजसंपओगसपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमन्नागए  
 यावि भवइ २, आयकसपओगसपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमन्नागए यावि भवइ ३,  
 परिज्जुसियकामभोगसंपओगसपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमन्नागए यावि भवइ ४,  
 अट्ठस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०-कदणया सोयणया तिप्पणया  
 परिदेवणया १ । रोहज्झाणे चउव्विहे प०, तं०-हिंसाणुवंधी मोसाणुवंधी तेयाणु  
 वंधी सारक्खणाणुवंधी, रोहस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०-ओसन्न  
 दोसे बहुलदोसे अण्णाणदोसे आमरणातदोसे २ । धम्मं ज्ञाणे चउव्विहे चउप्पडो  
 यारे प०, तं०-आणाविजए अवायविजए विवागविजए सठाणविजए, धम्मस्स ण  
 ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०-आणारुई निसग्गरुई सुत्तरुई ओगाठरुई,  
 धम्मस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारि आलवणा प०, तं०-वायणा पडिपुच्छणा परियट्ठणा  
 धम्मकहा, धम्मस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प०, तं०-एगत्ताणुप्पेहा  
 अणिच्चाणुप्पेहा असरणाणुप्पेहा ससाराणुप्पेहा ३ । सुक्के ज्ञाणे चउव्विहे चउप्प-  
 डोयारे प०, तं०-पुहुत्तवियक्के सवियारी १, एगतवियक्के अवियारी २, सुहुमकिरिए  
 अनियट्ठी ३, समुच्छिन्नकिरिए अप्पडिवाई ४, सुक्कस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारि  
 लक्खणा प०, तं०-खती मुत्ती अज्जवे मद्दे, सुक्कस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारि  
 आलवणा प०, तं०-अव्वहे असमोहे विवेगे विउसग्गे, सुक्कस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारि

वा उवाचैव वा ब्रह्मा छेभिस्तैरेव वाव सेवार्थं वास्यं त्वत्तत्त्वमित्याह निरुद्ध, ऐतं  
 निमित्तसंबन्धसंवेदकत्वा ऐतं परिचयं विना ऐतं वाहिए त्वमे १ ॥ ऐ किं तं  
 अस्मिन्तरए त्वमे ? अस्मिन्तरए त्वमे छविहे प तं—पावच्छित्तं निवन्तो वेनायं  
 त्वमेव सज्जानो । ज्ञानं निरुद्धम्भो । ऐ किं तं पावच्छित्तं ? पावच्छित्तं इत्यपिहे प  
 तं—आत्मैक्यपरिहे वाव पारंपर्यापरिहे, ऐतं पावच्छित्तं । ऐ किं तं निवए ? निवए  
 सत्त्वमिहे पञ्चते, तं ब्रह्मा—अवनिवए ईशाननिवए वरिचनिवए मयनिवए वरुनिवए  
 वायनिवए त्वेयोववायनिवए, ऐ किं तं माननिवए ? माननिवए ईशनिवए प तं—  
 आभिमिषोद्भिद्यवायनिवए वाव वेवत्त्वान्मयनिवए, ऐतं माननिवए, ऐ किं तं ईश-  
 वनिवए ? ईशाननिवए इतिहे प तं—सुस्तुष्टानातिवए न अयथासाधनानातिवए न  
 ऐ किं तं सुस्तुष्टानातिवए ? सुस्तुष्टानातिवए अयेवमिहे प तं—सकारेण वा सम्य-  
 चेण वा ब्रह्मा वरुत्तमसए तसए त्वेवए वाव पारिचसाह(१)नवा, ऐतं सुस्तुष्ट-  
 निवए, ऐ किं तं अयथासाधनानातिवए ? अयथासाधनानातिवए पञ्चवाच्यैरुतिहे प  
 तं—अरिहतायै अयथासाधनाना अरिहतायवत्तस्य धम्मस्य अयथासाधनाना अय-  
 रिकामं अयथासाधनाना सज्जानायां अयथासाधनाना वैराग्यं अयथासाधनाना  
 सुत्तस्य अयथासाधनाना पञ्चस्य अयथासाधनाना संवत्स अयथासाधनाना निरिदए  
 अयथासाधनाना संस्सेयस्य अयथासाधनाना आभिमिषोद्भिद्यवायस्य अयथासाधनाना  
 वाव वेवत्त्वान्मस्य अयथासाधनाना १५, एएहि वेव मत्तिरुमादैनं एएहि वेव  
 मत्तसंबन्धना ऐतं अयथासाधनानातिवए, ऐतं ईशाननिवए, ऐ किं तं वरिचनिवए ?  
 वरिचनिवए ईशनिवए प तं—साम्पाद्वरिचनिवए वाव अहन्तानवरिचनिवए,  
 ऐतं वरिचनिवए, ऐ किं तं मयनिवए ? मयनिवए इतिहे प तं—पसरत्तमम-  
 यए न अयत्तत्त्वमयनिवए न ऐ किं तं पसरत्तममयनिवए ? पसरत्तममयनिवए सत्त्वमिहे  
 प तं ब्रह्मा—अपावए असावजे अतिरिए मिद्वहेणं अयत्तत्त्वमये अयत्तत्त्वमये अय-  
 तामिद्वहेणं ऐतं पसरत्तममयनिवए, ऐ किं तं अयत्तत्त्वमयनिवए ? अयत्तत्त्वमयनि-  
 वए सत्त्वमिहे प तं—पावए सावजे सत्तिरिए सत्त्वमयेणं अयत्तत्त्वमये छविहे मू-  
 मिद्वहेणं ऐतं अयत्तत्त्वमयनिवए, ऐतं मयनिवए, ऐ किं तं वरुनिवए ? वरुनिवए  
 इतिहे प तं—पसरत्तममयनिवए न अयत्तत्त्वमयनिवए न, ऐ किं तं पसरत्तममयनिवए ?  
 पसरत्तममयनिवए सत्त्वमिहे प तं—अपावए वाव अमूयामिद्वहेणं ऐतं पसरत्तम-  
 निवए, ऐ किं तं अयत्तत्त्वमयनिवए ? अयत्तत्त्वमयनिवए सत्त्वमिहे प तं—वावए  
 सावजे वाव मूयामिद्वहेणं ऐतं अयत्तत्त्वमयनिवए, ऐतं वरुनिवए, ऐ किं तं  
 वरुनिवए ? वरुनिवए इतिहे प तं—अयत्तत्त्वमयनिवए न अयत्तत्त्वमयनिवए



एगिंदियवजा जाव वेमाणिया, एगिंदिया तं (एवं) चेव नवरं चउसमइओ विगगहो,  
 सेसं त चेव, सेव भते । २ ति जाव विहरइ ॥ ८०४ ॥ २५ । ८ ॥ भवसिद्धि-  
 नेरइया ण भते । कह उववज्जति ? गोयमा । से जहानामए पवए पवमाणे अवसें  
 तं चेव जाव वेमाणिए, सेव भते । २ ति ॥ ८०५ ॥ २५ । ९ ॥ अभवसिद्धि-  
 नेरइया ण भते । कह उववज्जति ? गोयमा । से जहानामए पवए पवमाणे अवसें  
 तं चेव एवं जाव वेमाणि(ए)या, सेव भते । २ ति ॥ ८०६ ॥ २५ । १० ॥ सम्महिद्धि-  
 नेरइया ण भते । कह उववज्जति ? गोयमा । से जहानामए पवए पवमाणे अवसें  
 तं चेव एव एगिंदियवज्जं जाव वेमाणि(ए)या, सेव भते । २ ति ॥ ८०७ ॥ २५ । ११ ॥  
 मिच्छादिद्धिनेरइया ण भते । कह उववज्जति ? गोयमा । से जहानामए-पवए पवमाणे  
 अवसेस त चेव एव जाव वेमाणिए, सेव भते । २ ति जाव विहरइ ॥ ८०८ ॥  
 २५ । १२ ॥ पणवीसइमस्स सयस्स वारहमो उहेसो समत्तो ॥ पण-  
 वीसइमं सयं समत्तं ॥

नमो सुयदेवयाए भगवईए । जीवा १ य लेस्स २ पक्खिय ३ दिट्ठी ४ अन्नाण ५ नाण  
 ६ सन्नाओ ७ । वेयं ८ कसा(य)ए ९ उवओ(गे)ग १० जोग ११ एकार(स)वि ठाणा  
 ॥ १ ॥ तेणं कालेण तेणं समएण रायगिहे जाव एव वयासी-जीवे ण भते । पावं  
 कम्मं किं वधी वधइ वधिस्सइ १, वंधी वंधइ ण वधिस्सइ २, वंधी न वधइ  
 वंधिस्सइ ३, वंधी न वधइ न वधिस्सइ ४ ? गोयमा । अत्येगइए (जीवे) वधी वधइ  
 वधिस्सइ १, अत्येगइए वंधी वधइ ण वधिस्सइ २, अत्येगइए वधी ण वंधइ  
 वंधिस्सइ ३, अत्येगइए वंधी ण वधइ ण वधिस्सइ ४-१ ॥ सलेस्से ण भते ।  
 जीवे पाव कम्मं किं वधी वधइ वंधिस्सइ, वधी वधइ ण वधिस्सइ ० पुच्छा,  
 गोयमा । अत्येगइए वधी वधइ वधिस्सइ, अत्येगइए एव चउभगो । कण्हलेस्से  
 ण भते । जीवे पाव कम्म किं वंधी ० पुच्छा, गोयमा । अत्येगइए वधी वधइ वधि-  
 स्सइ अत्येगइए वधी वधइ न वधिस्सइ एव जाव पण्हलेस्से सव्वत्थ पढमविइया  
 भंगा, सुक्कलेस्से जहा सलेस्से तहेव चउभगो । अलेस्से ण भते । जीवे पाव कम्मं  
 किं वधी ० पुच्छा, गोयमा । वधी न वधइ न वधिस्सइ २ ॥ कण्हपक्खिए ण  
 भते । जीवे पाव कम्म ० पुच्छा, गोयमा । अत्येगइए वधी पढमविइया भंगा ।  
 सुक्कपक्खिए ण भते । जीवे पुच्छा, गोयमा । चउभगो भाणियव्वो ॥ ८०९ ॥  
 सम्महिद्धीणं चत्तारि भगा, मिच्छादिद्धीणं पढमविइया भगा, सम्मामिच्छादिद्धीणं  
 एवं चेव । नाणीण चत्तारि भंगा, आभिणिवोदियणाणीण जाव मणपज्जवणाणीणं  
 चत्तारि भंगा, केवलनाणीणं चरिमो भगो जहा अलेस्साणं ५, अन्नाणीण पढमविइया,



विद्या भंगा, सुकलेस्ते तद्विविहणा भंगा, अलेस्ते चरिमो भगो, कण्हपक्खिण्ण पढमविद्या भंगा, सुकपक्खिया तद्विविहणा, एवं सम्मदिट्ठिस्सवि, मिच्छादिट्ठिस्स सम्मामिच्छादिट्ठिस्स य पढमविद्या, णा(ण)णिस्स तद्विविहणा, आभिणिबोहियनाणे जाव मणपज्जवणाणी पढमविद्या, केवलनाणी तद्विविहणा, एवं नोसन्नोवउत्ते अवे दए अकसाई सागारोवउत्ते अणागारोवउत्ते एएसु तद्विविहणा, अजोगिम्मि य चरिमो, सेसेसु पढमविद्या । नेरइए ण भंते । वेयणिज्ज कम्म किं वधी वंधइ वंधिस्सइ० एवं नेरइया(धीया) जाव वेमाणियत्ति जस्स जं अत्थि सव्वत्यवि पढमविद्या, नवरं मणुस्से(सु) जहा जीवे, जीवे ण भंते । मोहणिज्जं कम्म किं वधी वंधइ० जहेव पावं कम्म तहेव मोहणिज्जंपि निरवसेस जाव वेमाणिए ॥ ८१२ ॥ जीवे णं भंते । आउय कम्म किं वधी वंधइ० पुच्छा, गोयमा । अत्येगइए वधी चउभंगो, सलेस्ते जाव सुकलेस्ते चत्तारि भंगा, अलेस्ते चरिमो भंगो । कण्हपक्खिण्ण ण पुच्छा, गोयमा । अत्येगइए वधी वंधइ वंधिस्सइ अत्येगइए वधी न वंधइ वंधिस्सइ, सुकपक्खिण्ण सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी चत्तारि भंगा, सम्मामिच्छादिट्ठी पुच्छा, गोयमा । अत्येगइए वधी न वंधइ वंधिस्सइ अत्येगइए वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ, नाणी जाव ओहिनाणी चत्तारि भंगा, मणपज्जवनाणी पुच्छा, गोयमा । अत्येगइए वधी वंधइ वंधिस्सइ, अत्येगइए वधी न वंधइ वंधिस्सइ, अत्येगइए वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ केवलना(णी)णे चरिमो भगो, एव एएण कमेणं नोसन्नोवउत्ते विद्यविहणा जहेव मणपज्जवनाणे, अवेदए अकसाई य तद्विचउत्था जहेव सम्मामिच्छते, अजोगिम्मि चरिमो, सेसेसु पदेसु चत्तारि भंगा जाव अणागारोवउत्ते ॥ नेरइए णं भंते । आउय कम्म किं वधी० पुच्छा, गोयमा । अत्येगइए चत्तारि भंगा एव सव्वत्यवि नेरइयाणं चत्तारि भंगा नवरं कण्हलेस्ते कण्हपक्खिण्ण य पढमतइया भंगा, सम्मामिच्छते तद्विचउत्था, असुरकुमारो एवं चेव, नवरं कण्हलेस्ते(सु)वि चत्तारि भंगा भाणियव्वा सेसं जहा नेरइयाणं एवं जाव थणियकुमाराण, पुढविक्काइयाण सव्वत्यवि चत्तारि भंगा, नवरं कण्हपक्खिण्ण पढमतइया भंगा, तेउलेस्ते पुच्छा, गोयमा । वंधी न वंधइ वंधिस्सइ, सेसेसु सव्वत्य चत्तारि भंगा, एवं आउक्काइयवणस्सइकाइयाणवि निरवसेसं, तेउक्काइयवाउक्काइयाणं सव्वत्यवि पढमतइया भंगा, बेइदियतेईदियच उरिदियाणंपि सव्वत्यवि पढमतइया भंगा, नवरं सम्मत्ते नाणे आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे तइओ भंगो । पंविदियतिरिक्खजोणियाणं कण्हपक्खिण्ण पढमतइया भंगा, सम्मामिच्छते तद्विचउत्था भंगा, सम्मत्ते नाणे आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे ओहिनाणे एएसु पंचसुवि पदेसु विद्यविहणा भंगा, सेसेसु चत्तारि भंगा, मणुस्साणं



परंपरोवन्नएहिं उद्देसो सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो । सेव भते । २ ति ॥ २६-५ ॥  
अणंतराहारए णं भंते । नेरइए पाव कम्म किं वधी० पुच्छा, गोयमा । एवं जहेव  
अणंतरोवन्नएहिं उद्देसो तहेव निरवसे(सो)स । सेवं भते । २ ति ॥ २६-६ ॥  
परंपराहारए णं भते । नेरइए पाव कम्म किं वधी० पुच्छा, गोयमा । एव जहेव  
परंपरोवन्नएहिं उद्देसो तहेव निरवसेसो भाणियव्वो । सेव भते । सेव भते । ति  
॥ २६-७ ॥ अणतरपज्जत्तए ण भते । नेरइए पाव कम्म किं वधी० पुच्छा,  
गोयमा । एव जहेव अणंतरोवन्नएहिं उद्देसो तहेव निरवसेस । सेव भते । २ ति  
॥ २६-८ ॥ परंपरपज्जत्तए ण भते । नेरइए पाव कम्म किं वधी० पुच्छा,  
गोयमा । एव जहेव परंपरोवन्नएहिं उद्देसो तहेव निरवसेसो भाणियव्वो । सेवं  
भंते । २ ति जाव विहरइ ॥ २६-९ ॥ चरिमे ण भते । नेरइए पाव कम्म किं  
वधी० पुच्छा, गोयमा । एव जहेव परंपरोवन्नएहिं उद्देसो तहेव चरिमेहिं निरव-  
से(सं)सो । सेव भते । २ ति जाव विहरइ ॥ २६-१० ॥ अचरिमे ण भते । नेरइए  
पावं कम्म किं वधी० पुच्छा, गोयमा । अत्येगइए एव जहेव पढमोद्देसए तहेव पढ  
मविइया भगा भाणियव्वा सव्वत्थ जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण । अचरिमे ण  
भते । मणुस्से पाव कम्म किं वधी० पुच्छा, गोयमा । अत्येगइए वधी वधइ वधि  
स्सइ, अत्येगइए वधी वधइ न वधिस्सइ, अत्येगइए वधी न वंधइ(न) वधिस्सइ ।  
सळेस्से ण भते । अचरिमे मणुस्से पाव कम्म किं वधी० १ एव चेव तिन्नि भगा चरि  
मविट्ठणा भाणियव्वा एव जहेव पढमुद्देसे, नवरं जेसु तत्थ वीससु पदेसु चत्तारि भगा  
तेसु इह आदिल्ला तिन्नि भगा भाणियव्वा चरिमभगवज्जा, अळेस्से केवलनाणी य  
अजोगी य एए तिन्निवि न पुच्छिज्जाति, सेस तहेव, वाणमंतरजोइसियवेमाणि(ए)या  
जहा नेरइए । अचरिमे ण भंते । नेरइए नाणावरणिज्ज कम्म किं वधी० पुच्छा,  
गोयमा । एवं जहेव पावं नवरं मणुस्सेसु सकसाईसु लोभकसाईसु य पढमविइया  
भगा, सेसा अट्टारस चरिमविट्ठणा सेसं तहेव जाव वेमाणियाण, दरिसणावरणिज्जंपि  
एव चेव निरवसेसं, वेयणिजे सव्वत्थवि पढमविइया भंगा जाव वेमाणियाणं नवरं  
मणुस्सेसु अळेस्से केवली अजोगी य नत्थि । अचरिमे णं भते । नेरइए मोहणिज्जं  
कम्म किं वधी० पुच्छा, गोयमा । जहेव पावं तहेव निरवसेसं जाव वेमाणिए ॥  
अचरिमे ण भते । नेरइए आउय कम्म किं वधी० पुच्छा, गोयमा । पढमवि(त)  
इया भगा, एवं सव्वपदेसुवि, नेरइयाणं पढमतइया भंगा नवरं सम्मामिच्छते तइओ  
भंगो, एवं जाव थणियकुमारारणं, पुढविकाइयआउकाइयवणस्सइकाइयाणं तेउळेस्ताए  
पइओ भंगो सेसेसु पदेसु सव्वत्थ पढमतइया भंगा, तेउकाइयवाउकाइयाण सव्वत्थ

अथा श्रीवार्ध नवर सम्मते श्रीविष्णु नावे आदिमिषोद्विषात्तौ पुष्पागले श्रीविष्णुके  
 वृष्ट विष्णुविष्णुना मंगा सेरं रं नैव वाचमंतराचोद्विषावैमात्रिना अथा अष्ट  
 कुमारा नाम पोर्न अंतप(६)वं न प्यामि अथा नावावरमित्रं । ईवं मति । १ ति  
 वाच मिष्ट ॥ ८१३ ॥ वैधिसयस्स पठमो उद्देशो समप्तो ॥

अर्धतरोवचपु न मते । वैरपु पार्ध कर्म किं वंशी पुष्पागले गेयया ।  
 अत्येवपु वंशी पठ्यविष्णुना मंगा । सकेस्ते न मते । अर्धतरोवचपु वैरपु पार्ध  
 कर्म किं वंशी पुष्पागले योक्त्वा । पठ्यविष्णुना मंगा एवं कस्तु सम्मत्त पठ्यविष्णुना  
 मंगा नवर सम्मामिष्णुतं यन्त्रोयो वदयोगो न न पुष्पागले, एवं वाच वमित्र-  
 कुमाराय वैद्विषाचोद्विषावैमात्रिना वदयोगो न मगा, वैधिसयस्तिरेकवायोमि-  
 शानपि सम्मामिष्णुतं श्रीवार्ध निर्मपना न मगायो वदयोगो एवमि पंच पद्यानि  
 न मगाति । अतस्त्वा अर्धतरोवचपुसम्मतपठ्यविष्णुना वदयोगो निर्मपना-  
 बोसचोवतपठ्यविष्णुना वदयोगो (वि)गद्विषावैमात्रिना एवमि एवमि पद्यानि  
 न मगाति वाचमंतराचोद्विषावैमात्रिना अथा वैरपुना उद्देशे से शिधि न मगाति  
 सकेस्ते, वाचि सेसावि उवाचि सम्मत पठ्यविष्णुना मंगा पुमिष्टिना सम्मत  
 पठ्यविष्णुना मंगा अथा पावे एवं नावावरमित्रोवमि ईवं एवं वाचकवैमा-  
 वाच अंतपपु ईवं ॥ अर्धतरोवचपु न मते । वैरपु वाचनं कर्म किं वंशी  
 पुष्पागले योक्त्वा । वंशी न वंशी वैधिसय । सकेस्ते न मते । अर्धतरोवचपु  
 वैरपु वाचनं कर्म किं वंशी । एवं नैव तद्वो मंगो एवं कस्तु अर्धतरोवचपु  
 सम्मतपि तद्वो मंगो, एवं मकुसुमं वाच वैमात्रिना मकुसुमं सम्मत  
 तद्वचस्तम मंगा नवर कस्तुपमिष्णु तद्वो मंगो सकेस्ते नावतर्ध ताई नैव ।  
 ईवं मति । १ ति ॥ ८१४ ॥ वैधिसयस्स विष्टो उद्देशो समप्तो ॥

परंपरोवचपु न मते । वैरपु पार्ध कर्म किं वंशी पुष्पागले गेयया । अत्येव  
 पु पठ्यविष्णुना एवं उद्देश पठमो उद्देशो तद्देश परंपरोवचपुद्विषा श्रीवार्धो  
 मात्रिकवो वैरपुद्विषा उद्देश नवरवचपुद्विषा अष्टमि कर्मपगायनं वा अस्त  
 कर्मस्त वचनं छा तस्त अष्टमिष्णुता वैमगा वाच वैमात्रिना वाचापारे-  
 वचन । ईवं मति । १ ति ॥ १५ ॥ वैधिसयस्स तद्वो उद्देशो समप्तो ॥

अर्धतरोवचपु न मते । वैरपु पार्ध कर्म किं वंशी पुष्पागले योक्त्वा । अत्ये-  
 वपु एवं उद्देश अर्धतरोवचपुद्विषा नवरवचपुद्विषा श्रीवार्धो अष्टमि उद्देश  
 अर्धतरोवचपुद्विषा अष्टमिष्णुता मात्रिकवो वैरपुद्विषा वाच वैमात्रि । ईवं  
 मति । १ ति ॥ १५-४ ॥ परंपरोवचपु न मते । वैरपु पार्ध कर्म किं वंशी उद्देश

पट्टिमा ॥ ६९९ ॥ अहावरा तथा पट्टिमा, मे निगण वा ( २ ) जम्मसु  
 रसण सवसेजा जे तत्थ अहागमणागा तज्जा-डांइ वा जाव पांइता गरा  
 लामे सवसेजा तस्स अलामे ट्ठण्ण वा निगण वा निगण तथा पट्टिमा  
 ॥ ७०० ॥ अहावरा चउत्था पट्टिमा, मे निगण वा ( २ ) अहा मंइमे  
 सधारग जाइजा तज्जा-पुर्तामिलं ट्ठण्ण वा, अहा मंइमे सधार लामे सव  
 सवसेजा, अलामे उण्ण वा निगण वा निगण, चउत्था पट्टिमा, ॥ ७०१ ॥  
 इधेयाग चउत्था पट्टिमा अण्णयर पट्टिमा पट्टिमाणे तं चो जाव अण्णमम-  
 हीए एण चण निहत्ति ॥ ७०२ ॥ से निगण वा ( २ ) अण्णमेजा सधार प  
 पिणित्तए से ज पुण सधारग जाणिजा मअइ जाव मतागम तहप्पारं मंइमे  
 णो पचपिणित्तए ॥ ७०३ ॥ से निगण वा ( २ ) अण्णमेजा सधार प  
 पिणित्तए, से ज पुण सधारग जाणिजा अण्ण जाव मतागम तहप्पारं सधार  
 पट्टिलेहिय २ पमजिय २ आयागिय २ निधूणिय २ तओ सजयामेव पचपिणित्तए  
 ॥ ७०४ ॥ से निगण वा ( २ ) ममाणे वा ममाणे वा ममाणे वा ममाणे  
 पुव्वामेव ण पण्णस्स उचारपासवणभूमि पट्टिलेहिय केवली मया 'आगा'मेव  
 अपट्टिलेहियाए उचारपासवणभूमि निगण वा निगणणी वा मओ वा विपले वा  
 उचारपासवण परित्ठेमाणे, पयलेज वा पवडेज वा से तत्थ पयलेमाणे पवडमाणे  
 वा हत्थ वा पाय वा जाव लसिजा पाणाणि वा ४ जाव ववरोवजा, अह निगण  
 पुव्वोवदिठा जाव ज पुव्वामेव पण्णस्स उचारपासवणभूमि पट्टिलेहिय ॥ ७०५ ॥  
 से निगण वा ( २ ) अण्णमेजा सेजासधारगभूमि पट्टिलेहिय णणत्थ आय  
 रिण वा उवज्जाएण वा जाव गणावच्छेएण वा वालेण वा सुमुग वा सेहेण वा  
 गिलाणेण वा आएसेण वा अतेण वा मज्जेण वा समेण वा निगमेण वा पवाएण  
 वा निवाएण वा तओ सजयामेव पट्टिलेहिय २ पमजिय २ तओ सजयामेव बहु  
 फासुय सिजासधारग सधारिजा ॥ ७०६ ॥ से निगण वा ( २ ) बहुफासुय सेजा  
 सधारग सधारिता अभिखेजा, बहुफासुय सेजासधारण दुरुहत्ति ॥ ७०७ ॥ से  
 निगण वा ( २ ) बहुफासुय सेजासधारण दुरुहमाणे से पुव्वामेव ससीतोवरियं काय  
 पाए य पमजिय २ तओ सजयामेव बहुफासुय सिजासधारणे दुरुहत्ति तओ सज

पञ्चमस्तथा मय्य, वेद्विपत्येद्विद्वत्तरिद्विमानं एवं येन क्वरं सम्मते ओहिनामे  
 अग्निमिबोहिनामे सुवगाये एषु चतुर्भि ठायेषु तद्व्यो मंगो पवित्रैवतिरिक्ता-  
 बोहिनामं सम्मामिच्छते तद्व्यो मंगो सेषेषु पदेषु सम्मत्त पञ्चमस्तथा मया,  
 मनुस्तथा सम्मामिच्छते अथैव अफवाद्यमि य तद्व्यो मंगो अथैव वेदव्यक्तान  
 अयोगी य न पुच्छिजेति सेतपदेषु सम्मत्त पञ्चमस्तथा मया वाचमंतरयोद्विष-  
 वेमाभिना अहा वेद्व्या । गार्ग गोत्रं अंतरात्वं य अहोव गवातरमिजं तद्वेव  
 निरस्तेषु । सेवं मति । २ ति वाच निहृत् ॥ ८१९ ॥ छम्बीसहमे वेधिस्य  
 पञ्चात्तमो उदेसो समतो ॥ छम्बीसहमे वेधिस्य समर्त्त ॥

जीवा न मेते । पार्थ कर्म किं करिषु करेन्ति करिस्तेषु १ करिषु कर्तेति न  
 करिस्तेषु २ करिषु न कर्तेति करिस्तेषु ३, करिषु न कर्तेति न करिस्तेषु ४ ।  
 योक्ता । अथैवयं करिषु कर्तेति करिस्तेषु १ अथैवयं करिषु कर्तेति न करि  
 स्तेषु २ अथैवयं करिषु न कर्तेति करिस्तेषु ३, अथैवयं करिषु न कर्तेति न  
 करिस्तेषु ४ । सदैस्ते न मेते । जीवे पार्थ कर्म एवं पूर्णं अमिजमेवं अथैव  
 वेधिस्य वाच्यता सथैव निरवसेता मामिच्छता तद्वेव नकर्तव्यं ब्रह्मा एवतत्त  
 लोचना मामिच्छता ॥ ८१७ ॥ छम्बीसहमे करिषुगस्य समर्त्त ॥

जीवा न मेते । पार्थ कर्म कर्हि सम्यग्निह कर्हि समानरिह । योक्ता ।  
 सत्येति ताव तिरिक्ताबोधिषु होजा १ अहवा तिरिक्ताबोधिषु य वेद्व्युत्त व  
 होजा २ अहवा तिरिक्ताबोधिषु न मनुस्तेषु व होजा ३ अहवा तिरिक्ताबोधि  
 षु य वेद्व्युत्त व होजा ४ अहवा तिरिक्ताबोधिषु न वेद्व्युत्त व मनुस्तेषु य होजा  
 ५ अहवा तिरिक्ताबोधिषु न वेद्व्युत्त य वेद्व्युत्त व होजा ६ अहवा तिरिक्ताबो-  
 धिषु न मनुस्तेषु य वेद्व्युत्त य होजा ७ अहवा तिरिक्ताबोधिषु न वेद्व्युत्त न  
 मनुस्तेषु य वेद्व्युत्त व होजा । सदैस्ते न मेते । जीवा पार्थ कर्म कर्हि सम्यग्निह  
 कर्हि समानरिह । एवं येन एवं कर्ह्येस्ता वाच अथैस्ता कर्ह्यपतिन्त्या कर्ह्य-  
 निन्त्या एवं वाच अवापायेवता । वेद्व्युत्त न मेते । पार्थ कर्म कर्हि सम्यग्निह  
 कर्हि समानरिह । योक्ता । सत्येति ताव तिरिक्ताबोधिषु होजाति एवं येन अह  
 मया मामिच्छता एवं सम्मत्त अह मया एवं वाच अवापायेवताति एवं वाच  
 वेमाभिना एवं नापावतिमेवति ईद्व्यो एवं वाच अंतरात्वं एवं एषु  
 जीवातीवा वेमाभिपज्जवतावा नव ईद्व्यो मर्त्ति । सेवं मेते । २ ति वाच निह  
 र्त्त ॥ १८ ॥ २८११ ॥ अथैवतोरिक्तावया न मेते । वेद्व्युत्त पार्थ कर्म कर्हि  
 सम्यग्निह कर्हि समानरिह । योक्ता । सत्येति ताव तिरिक्ताबोधिषु होजा



एव एत्यवि अट्ट भंगा, एवं अणंतरोवज्जगणं नेरइयाइणं जस्स जं अत्थि लेस्सा  
 क्षीयं अणागारोवओगपज्जवसाणं तं सर्व्व एयाए भयणाए भाणियव्वं जाव वेमा-  
 णियाण, नवरं अगंतरेसु जे परिहरियव्वा ते जहा चधिसए तहा इहपि, एवं  
 नाणाचरणज्जेणवि दइओ एवं जाव अंतराइएणं निरवसेसं एसोवि नवदट्ठगसग  
 हिओ उद्देसओ भाणियव्वो । सेवं भंते । २ ति ॥ ८१९ ॥ २८।२ ॥ एवं एएण  
 कमेणं जहेव चधिसए उद्देसगाणं परिवाणी तहेव इहपि अट्टसु भंगेसु नेयव्वा नवरं  
 जाणियव्वं ज जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं जाव (अ)चरिमुद्देसो । सव्वेवि एए  
 एकारस उद्देसगा । सेवं भंते । २ ति जाव विहरइ ॥ ८२० ॥ अट्ठावीसइमं  
 कम्मसमज्जणणसयं समत्त ॥

जीवा ण भंते । पाव कम्म किं समाय पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु १, समायं  
 पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु २, विसमायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु ३, विसमायं  
 पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु ४ ? गोयमा । अत्येगइया समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु  
 जाव अत्येगइया विसमायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, से केणट्ठेण भंते । एवं बुद्ध  
 अत्येगइया समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु ? त चेव, गोयमा । जीवा चउब्बिहा  
 पज्जता, तंजहा-अत्येगइया समाउया समोववज्जगा १, अत्येगइया समाउया  
 विसमोववज्जगा २, अत्येगइया विसमाउया समोववज्जगा ३, अत्येगइया विसमाउया  
 विसमोववज्जगा ४, तत्थ ण जे ते समाउया समोववज्जगा ते णं पावं कम्म समायं  
 पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु, तत्थ ण जे ते समाउया विसमोववज्जगा ते ण पाव कम्म  
 समायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, तत्थ ण जे ते विसमाउया समोववज्जगा ते णं  
 पावं कम्म विसमायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु, तत्थ ण जे ते विसमाउया विसमो  
 ववज्जगा ते ण पाव कम्म विसमायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, से तेणट्ठेणं गोयमा ।  
 त चेव । सळेस्सा ण भंते । जीवा पावं कम्म एवं चेव, एव सव्वट्ठाणेसुवि जाव  
 अणागारोवउत्ता, एए सव्वेवि पया एयाए वृत्तव्वयाए भाणियव्वा । नेरइया णं  
 भंते । पावं कम्मं किं समाय पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु० पुच्छा, गोयमा । अत्येगइया  
 समायं पट्ठविंसु एवं जहेव जीवाणं तहेव भाणियव्वं जाव अणागारोवउत्ता, एवं जाव  
 वेमाणियाणं जस्स जं अत्थि त एएण चेव कमेणं भाणियव्वं जहा पाचेण कम्मेण  
 दइओ, एव एएणं कमेणं अट्ठसुवि कम्मप्पगढीसु अट्ठ दंढगा भाणियव्वा जीवावीया  
 वेमाणियपज्जवसाणा एसो नवदट्ठगसंगहिओ पढमो उद्देसओ भाणियव्वो । सेवं भंते ।  
 २ ति ॥ ८२१ ॥ एगूणतीसइमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

अणंतरोवज्जगा णं भंते । नेरइया पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु समायं





નિહિતિ પુષ્પ યોગ્યા । અત્યેયદ્વા સમાર્થ પદ્મિત સમાર્થ નિહિતિ અત્યેય-  
દ્વા સમાર્થ પદ્મિત વિસમાર્થ નિહિતિ, એ કેષદ્યુર્થ મતિ । एवं पुष्प अत्येयद्वया  
समर्थ पद्वित्त तं येन योग्या । अर्जतरोववक्ष्यम मेरुद्वया कुमिहा प तं—  
अत्येयद्वया समाद्वया समोववक्ष्यम अत्येयद्वया समाद्वया विद्यमोववक्ष्यम तत्त्व न  
ये ते समाद्वया समोववक्ष्यम ते न पार्थ कर्म समार्थ पद्वित्त समार्थ नિहिवित्त, तत्त्व  
न ये ते समाद्वया विद्यमोववक्ष्यम ते न पार्थ कर्म समार्थ पद्वित्त विद्यमार्थ निह-  
वित्त, ये तेकेदुर्થ तं येन । सकेस्त्वा न मते । अर्जतरोववक्ष्यम मेरुद्वया पार्थ कर्म  
एवं येन, एवं ज्ञान अत्येयद्वया, एवं अद्वयमारुति एवं ज्ञान कैमाधिया मर  
नं जस्त अस्ति तं तत्त्व भावियर्थ एवं भावत्यरिजेनमि रंजयो एवं निरवसे  
ज्ञान अद्वयएवं । किं मते । २ ति ज्ञान विहृत ॥ २५२ ॥ एवं एवमं ममएवं  
अवेद वंविषय ज्ञेयवपरिवादी सवेद इति भाविकया ज्ञान अचरिगेति, अर्ज-  
तरोववक्ष्यम वदन्ति एता वाक्यवा धीसार्थ सत्तर्था एता वदन्त्यवा ॥ ८९२ ॥  
एवमप्युपनिषत्सु कर्मपद्वयजस्तु स समर्थ ॥

અર્થ ને મતિ । સમોસરણ પ ૧ યોગ્યા । અત્યારે (વડખિયા) સમોસરણ પ  
૧૪—કિરિવાદાઈ અકિરિવાદાઈ અભાવિવવાઈ વેનપ્તવાઈ, બીજા ન મતિ । કિ  
કિરિવાદાઈ અકિરિવાદાઈ અભાવિવવાઈ વેનપ્તવાઈ ॥ યોગ્યા । બીજા કિરિવાદાઈનિ  
અકિરિવાદાઈનિ અભાવિવવાઈનિ વેનપ્તવાઈનિ સકેસ્ત્રા ન મતિ । બીજા કિ  
કિરિવાદાઈ પુષ્પા યોગ્યા । કિરિવાદાઈનિ અકિરિવાદાઈનિ અભાવિવવાઈનિ  
વેનપ્તવાઈનિ એ જાણ સકેસ્ત્રા અકેસ્ત્રા ને મતિ । બીજા પુષ્પા યોગ્યા ।  
કિરિવાદાઈ નો અકિરિવાદાઈ નો અભાવિવવાઈ નો વેનપ્તવાઈ । કમ્પનિકવા  
ન મતિ । બીજા કિ કિરિવાદાઈ પુષ્પા યોગ્યા । નો કિરિવાદાઈ અકિરિવાદાઈ  
અભાવિવવાઈનિ વેનપ્તવાઈનિ કમ્પનિકવા જાણ સકેસ્ત્રા સમ્પાદિત્રી જાણ  
અકેસ્ત્રા રિષ્ઠાનિત્રી જાણ કમ્પનિકવા સમ્પાવિષ્ઠાનિત્રી પુષ્પા, યોગ્યા ।  
નો કિરિવાદાઈ નો અકિરિવાદાઈ અભાવિવવાઈનિ વેનપ્તવાઈનિ, યાત્રી જાણ  
કેવલગાથી જાણ અકેસ્ત્રા અભાવી જાણ નિર્મલગાથી જાણ કમ્પનિકવા જાણ-  
રસજોવડા જાણ પરિમ્લહસજોવડા જાણ સકેસ્ત્રા નોજોવડા જાણ અકેસ્ત્રા  
જોવડા જાણ ન્તુસમ્પાદિત્રી જાણ સકેસ્ત્રા અવેરથ જાણ અકેસ્ત્રા, સમ્પાદિ  
જાણ યોગ્યાઈ જાણ સકેસ્ત્રા અભાવી જાણ અકેસ્ત્રા, સમ્પાદિ જાણ અવેરથ  
જાણ સકેસ્ત્રા અવેરથ જાણ અકેસ્ત્રા જાણરોવડા અભાવરોવડા જાણ  
સકેસ્ત્રા । મેરુદ્વા ને મતિ । કિ કિરિવાદાઈ પુષ્પા યોગ્યા । કિરિવાદાઈનિ

एव एत्यवि अट्ट भंगा, एवं अर्णतरोववन्नगणं नेरइयाईण जस्स जं अत्थि टेस्ता-  
वीयं अणागारोवओगपज्जवसाणं त सव्वं एयाए भयणाए भाणियव्व जाव वेमा-  
णियाणं, नवरं अगतरेसु जे परिहरियव्वा ते जहा वधिसए तहा इहंपि, एवं  
नाणावरणिज्जेणवि दट्ठो एव जाव अतराइएण निरयसेसं एसोवि नवदट्ठगसग  
हिओ उहेसओ भाणियव्वो । सेव भते । २ ति ॥ ८१९ ॥ २८।२ ॥ एवं एएण  
कमेण जहेव वधिसए उहेसगाण् परिवाणी तहेव इहंपि अट्टसु भंगेसु नेयव्वा नवरं  
जाणियव्व ज जस्स अत्थि त तस्स भाणियव्वं जाव (अ)चरिमुहेसो । सव्वेवि एए  
एफारस उहेसगा । सेव भंते । २ ति जाव विहरइ ॥ ८२० ॥ अट्ठावीसइमे  
कम्मसमज्जणणसयं समत्तं ॥

जीवा ण भंते । पाव कम्म किं समाय पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु १, समाय  
पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु २, विसमायं पट्ठविंसु समाय निट्ठविंसु ३, विसमायं  
पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु ४ ? गोयमा । अत्येगइया समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु  
जाव अत्येगइया विसमाय पट्ठविंसु विसमाय निट्ठविंसु, से केणट्ठेण भते । एव चुचइ  
अत्येगइया समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु ? त चेव, गोयमा । जीवा चउव्विहा  
पज्जता, तंजहा-अत्येगइया समाउया समोववन्नगा १, अत्येगइया समाउया  
विसमोववन्नगा २, अत्येगइया विसमाउया समोववन्नगा ३, अत्येगइया विसमाउया  
विसमोववन्नगा ४, तत्थ ण जे ते समाउया समोववन्नगा ते णं पावं कम्म समायं  
पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववन्नगा ते ण पाव कम्म  
समायं पट्ठविंसु विसमाय निट्ठविंसु, तत्थ ण जे ते विसमाउया समोववन्नगा ते णं  
पावं कम्म विसमायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु, तत्थ णं जे ते विसमाउया विसमो-  
ववन्नगा ते णं पावं कम्म विसमाय पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, से तेणट्ठेण गोयमा ।  
त चेव । सळेस्सा ण भंते । जीवा पाव कम्म एवं चेव, एव सव्वट्ठाणेषुवि जाव  
अणागारोवउत्ता, एए सव्वेवि पया एयाए वत्तव्वयाए भाणियव्वा । नेरइया णं  
भंते । पावं कम्म किं समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु० पुच्छा, गोयमा । अत्येगइया  
समाय पट्ठविंसु एव जहेव जीवाणं तहेव भाणियव्व जाव अणागारोवउत्ता, एव जाव  
वेमाणियाणं जस्स ज अत्थि त एएण चेव कमेण भाणियव्व जहा पावेण कमेण  
दट्ठो, एवं एएणं कमेण अट्टसुवि कम्मप्पगडीसु अट्ट दट्ठगा भाणियव्वा जीवादीया  
वेमाणियपज्जवसाणा एसो नवदट्ठगसंगहिओ पढमो उहेसओ भाणियव्वो । सेवं भते ।  
२ ति ॥ ८२१ ॥ एगूणतीसइमे सए पढमो उहेसो समत्तो ॥

अर्णतरोववन्नगा ण भंते । नेरइया पाव कम्म किं समायं पट्ठविंसु समाय

रोचति समोत्तरयेत्तु ममवाए, एवंपनिबन्धा चतुष्टयि समोत्तरयेत्तु ममवतिद्विधा नो  
 अमवतिद्विधा, सम्मतिद्विधा चहा अकेस्ता निष्ठातिद्विधा चहा कम्पनिबन्धा सम्मा-  
 निष्ठातिद्विधा रोचति समोत्तरयेत्तु चहा अकेस्ता नाणी वाच केमकम्पनी ममवति-  
 दिवा नो अमवतिद्विधा अजानी वाच निमगाणाणी चहा कम्पनिबन्धा सचत्त  
 चतुष्टयि चहा सकेस्ता मोत्तजोवत्तथा चहा सम्मतिद्विधा सवैदगा वाच म्मुत्तम-  
 वैदगा चहा सकेस्ता अवैदगा चहा सम्मतिद्विधा सचत्ताई वाच अमेवत्ताई चहा  
 सकेस्ता, अचत्ताई चहा सम्मतिद्विधा सचत्तेणी वाच अमचत्तेणी चहा सकेस्ता,  
 अचत्तेणी चहा सम्मतिद्विधा साधरोत्तवत्ता अवावारोत्तवत्ता चहा सकेस्ता, एवं वैद-  
 गाणि मात्तिवत्ता नवरं नयत्तं च अस्ति एवं अचत्तुत्तात्ताणि वाच अमिचत्तात्ता,  
 पुच्छनिबन्धा सम्मत्तयेत्तु मन्त्रिद्विधा रोचति समोत्तरयेत्तु ममवतिद्विधाणि अमव-  
 तिद्विधाणि एवं वाच वत्तसचत्तवत्ता चेद्विद्वतेद्विद्वत्तवत्तवत्ता एवं चेव नवरं  
 सम्मते अवेद्विद्वते अममिचत्तवत्तवत्ताचे द्यवत्ताचे एवत्त चेव रोचु मन्त्रिद्विधा सम्मते-  
 त्वेत्त ममवतिद्विधा नो अमवतिद्विधा रोचु तं चेव एविविद्वतिरिक्तावेत्तवत्ता चहा  
 वैदगा नवरं नयत्तं च अस्ति मन्त्रिद्विधा चहा अवेद्विधा वाचा वाचमन्त्ररोत्तवत्त-  
 केमात्तिवा चहा अचत्तुत्तात्ता । रोचं मते । १ ति ॥ ८१४ ॥ सीत्तइमस्स  
 सयस्स पदम्ये उहेत्तो समत्तो ॥

अर्जतरोत्तवत्ता च मते । वैदगा किं किरीवाचाई पुच्छ गोवमा । किरी-  
 वाचाईणि वाच वेत्तवत्ताईणि सकेस्ता च मते । अर्जतरोत्तवत्ता वैदगा किं  
 किरीवाचाई एवं चेव एवं अवेत्त पदमुहेत्त वैदगाचं वत्तवत्ता उहेत्त इति मात्ति-  
 वत्ता, नवरं च वत्त अस्ति अर्जतरोत्तवत्ताचं वैदगाचं तं वत्त मात्तिवत्तं  
 एवं सम्मतीवत्तं वाच केमात्तिवाचं नवरं अर्जतरोत्तवत्ताचं च वत्त अस्ति तं  
 तत्त मात्तिवत्तं । किरीवाचाई च मते । अर्जतरोत्तवत्ता वैदगा किं वैदगाचं  
 पदरेत्ति पुच्छ, गोवमा । नो वैदगाचं पदरेत्ति नो किरी नो मत्तु नो वैद-  
 गाचं पदरेत्ति एवं अकिरीवाचाईणि अजानिवत्ताईणि वेत्तवत्ताईणि । सकेस्ता च  
 मते । किरीवाचाई अर्जतरोत्तवत्ता वैदगा किं वैदगाचं पुच्छा प्येक्ता । नो  
 वैदगाचं पदरेत्ति वाच नो वैदगाचं पदरेत्ति एवं वाच केमात्तिवा एवं सम्मत्तये-  
 द्विधा अर्जतरोत्तवत्ता वैदगा न किंचिदि वाचचं पदरेत्ति वाच अवावारोत्तवत्ता,  
 एवं वाच केमात्तिवा नवरं च वत्त अस्ति तं वत्त मात्तिवत्तं । किरीवाचाई च  
 मते । अर्जतरोत्तवत्ता वैदगा किं ममवतिद्विधा अमवतिद्विधा । गोवमा । मम-  
 विद्विधा नो अमवतिद्विधा । अकिरीवाचाईचं पुच्छ गोवमा । ममवतिद्विधाणि

एवं आउतादयाणवि, एव वणस्सइकादयाणवि, तेउकादया वाउकादया सव्वट्ठाणेषु  
मज्झिमेसु दोसु ममोसरणेणो नो नेरइयाउय पकरे(इ)न्ति तिरिक्खजोणियाउय पकरेन्ति  
नो मणुस्साउयं पकरेन्ति नो देवाउयं पकरेन्ति, चेइदियतेइदिमचउरिदियाणं जहा  
पुठविकादयाण नवरं सम्मत्तनाणेषु न एएपि आउय पकरेन्ति ॥ किरियावाई णं भंते !  
पंचिदियतिरिक्खजोणिया किं नेरइयाउयं पकरेन्ति० पुच्छा, गोयमा ! जहा मणपज-  
वनाणी, अकिरियावाई अजाणियवाई वेणइयवाई य चउव्विहंपि पकरेन्ति, जहा  
ओहिया तहा सलेस्सावि । कण्हलेस्सा ण भंते ! किरियावाई पंचिदियतिरिक्खजो-  
णिया किं नेरइयाउय० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउय पकरेन्ति णो तिरिक्ख० नो  
मणुस्साउय पकरेन्ति नो देवाउय पकरेन्ति, अकिरियावाई अजाणियवाई वेणइयवाई  
चउव्विहंपि पकरेन्ति, जहा कण्हलेस्सा एव नीललेस्सावि काउलेस्सावि, तेउलेस्सा  
जहा सलेस्सा, नवरं अकिरियावाई अजाणियवाई वेणइयवाई य णो नेरइयाउय  
पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति देवाउयंपि पक-  
रेन्ति, एव पण्हलेस्सावि, एव सुण्णलेस्सावि भाणियव्वा, कण्हपक्खिया तिहिं समोस-  
रणेहिं चउव्विहंपि आउयं पकरेन्ति, सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा, सम्महिट्ठी जहा  
मणपजवनाणी तहेव वेमाणियाउय पकरेन्ति, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया,  
सम्मामिच्छादिट्ठी ण य एएपि आउय पकरेन्ति जहेव नेरइया, णाणी जाव ओहि-  
नाणी जहा सम्महिट्ठी, अजाणी जाव विभंगनाणी जहा कण्हपक्खिया, सेसा जाव  
अणागारोवउत्ता सव्वे जहा सलेस्सा तहा चेव भाणियव्वा, जहा पंचिदियतिरिक्ख-  
जोणियाण वतव्वया भणिया एव मणुस्साणवि वतव्वया भाणियव्वा, नवरं मणप-  
जवनाणी नोसजोवउत्ता य जहा सम्महिट्ठी तिरिक्खजोणिया तहेव भाणियव्वा,  
अलेस्सा केवलनाणी अवेदगा अक्खाई अजोगी य एए एएपि आउयं न पकरेन्ति  
जहा ओहिया जीवा सेस त चेव, वाणमतरजोइसियवेमाणिया जहा अमुक्कुमारा ॥  
किरियावाई ण भंते ! जीवा किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया ? गोयमा ! भवसिद्धिया  
नो अभवसिद्धिया । अकिरियावाई णं भंते ! जीवा किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा !  
भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि, एवं अजाणियवाईवि, वेणइयवाईवि । सलेस्सा ण  
भंते ! जीवा किरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा ! भवसिद्धिया नो अभव-  
सिद्धिया । सलेस्सा ण भंते ! जीवा अकिरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा !  
भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि, एवं अजाणियवाईवि वेणइयवाईवि जहा सलेस्सा,  
एव जाव सुक्कलेस्सा, अलेस्सा ण भंते ! जीवा किरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा,  
अलेस्सा । भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, एव एएणं अभिलावेणं कण्हपक्खिया





जाव वेणइयवाईवि, सलेस्सा णं भंते । नेरइया किं किरियावाई० ? एवं चेव, एवं जाव काउलेस्सा, कण्हपक्खिया किरियानिवज्जिया, एव एएण कमेणं जचेव जीवाणं वत्तव्वया सचेव नेरइयाणवि वत्तव्वया जाव अणागारोवउत्ता नवरं जं अत्थि तं भाणियव्व सेस न भण्णइ, जहा नेरइया एव जाव थणियकुमारा ॥ पुढविमइया ण भते । किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा । नो किरियावाई अकिरियावाईवि अन्नाणियवाईवि नो वेणइयवाई, एव पुढविकाइयाण ज अत्थि तत्थ सव्वत्थवि एयाइ दो मज्झिह्मगाइ समोसरणाइ जाव अणागारोवउत्तावि, एव जाव चउरिदियाण सव्वट्ठणेषु एयाइ चेव मज्झिह्मगाइ दो समोसरणाइ, सम्मत्तनाणेहिवि एयाणि चेव मज्झिह्मगाइ दो समोसरणाइ, पच्चिदियतिरिक्खजोणिया जहा जीवा नवरं जं अत्थि त भाणियव्व, मणुस्सा जहा जीवा तहेव निरवसेस, वाणमतरजोइसिय-वेमाणिया जहा अमुरकुमारा ॥ किरियावाई ण भते । जीवा किं नेरइयाउयं पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउय पकरेन्ति मणुस्साउय पकरेन्ति देवाउय पकरेन्ति ? गोयमा । नो नेरइयाउय पकरेन्ति नो तिरिक्खजोणियाउय पकरेन्ति मणुस्साउयपि पकरेन्ति देवा-उयपि पकरेन्ति, जइ देवाउय पकरेन्ति किं भवणवासिदेवाउयं पकरेन्ति जाव वेमाणि-यदेवाउय पकरेन्ति ? गोयमा । नो भवणवासिदेवाउय पकरेन्ति नो वाणमतरदेवाउयं पकरेन्ति नो जोइसियदेवाउय पकरेन्ति वेमाणियदेवाउय पकरेन्ति । अकिरियावाई ण भते । जीवा किं नेरइयाउयं पकरेन्ति तिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा । नेरइयाउयंपि पकरेन्ति जाव देवाउयपि पकरेन्ति, एव अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि । सलेस्सा ण भंते । जीवा किरियावाई किं नेरइयाउय पकरेन्ति० पुच्छा, गोयमा । नो नेरइयाउय एव जहेव जीवा तहेव सलेस्सावि चउहिवि समोसरणेहिं भाणियव्वा, कण्हलेस्सा णं भते । जीवा किरियावाई किं नेरइयाउयं पकरेन्ति० पुच्छा, गोयमा । नो नेरइया-उय पकरेन्ति नो तिरिक्खजोणियाउय पकरेन्ति मणुस्साउय पकरेन्ति नो देवाउय पक-रेन्ति, अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई य चत्तारिवि आउयाइ पकरेन्ति, एवं नीललेस्सावि काउलेस्सावि, तेउलेस्सा ण भंते । जीवा किरियावाई किं नेरइयाउय पकरेन्ति० पुच्छा, गोयमा । नो नेरइयाउय पकरेन्ति नो तिरिक्खजोणियाउय पकरेन्ति मणुस्साउयपि पकरेन्ति देवाउयंपि पकरेन्ति, जइ देवाउयं पकरेन्ति तहेव, तेउलेस्सा ण भते । जीवा अकिरियावाई किं नेरइयाउय० पुच्छा, गोयमा । नो नेरइयाउय पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेन्ति मणुस्साउयपि पकरेन्ति देवाउयपि पकरेन्ति, एव अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, जहा तेउलेस्सा एवं पण्डलेस्सावि कुक्कलेस्सावि नेयव्वा ॥ अलेस्सा णं भंते । जीवा किरियावाई किं

यामेव वहुपयस्य सेज्जासंवारणं सपुञ्जा ॥ ७ ८ ॥ से मिक्खु वा (२) वहुपयस्य  
 सेज्जा संवारणं सयमाने नो जन्ममज्झस्स हत्थेन हत्थं पाएण पार्श्वं काएण कर्म  
 आत्ताएज्जा से ज्जासायमानि तन्नो संजयामेव वहुपयस्य सेज्जासंवारणं सपुञ्जा  
 ॥ ७ ९ ॥ से मिक्खु वा (२) उस्सासमाने वा जीसासमाने वा कसमाने वा  
 छीयमाने वा जमत्तमाने वा उवुए वा वायमिसम्भो वा करेमानि पुष्पामेव आसुर्यं  
 वा पेसुमं वा पाप्पिना परिपिड्दिता तन्नो संजयायेव पयसेज्जा वा जाव वायमिसम्भं  
 वा करेज्जा ॥ ७१ ॥ से मिक्खु वा (२) समाधिगवा सेज्जा भवेज्जा सिंसमा  
 वैय्या सेज्जा मवेज्जा पवाता वैय्या सेज्जा मवेज्जा मिवाता वेगवा सेज्जा मवेज्जा  
 ससरक्खा वैय्या सेज्जा मवेज्जा अप्पससरक्खा वेगवा सेज्जा मवेज्जा सईसम-  
 सगा वैय्या सेज्जा मवेज्जा अप्पईसमसगा वैय्या सेज्जा मवेज्जा उपरिसावा वेगवा  
 सेज्जा मवेज्जा उपरिसावा वेगवा सेज्जा मवेज्जा सत्तसम्भ्या वेगवा सेज्जा मवेज्जा  
 मिस्ससम्भ्या वैय्या सेज्जा मवेज्जा उहप्पगारुणं सेज्जां संविज्जमानां पयड्दि-  
 त्तारं निहारं निहरेज्जा नो विविदि मिक्खएज्जा ॥ ७११ ॥ एव कहु तस्स  
 मिक्खस्स मिक्खणीए वा सामगिगं व सप्पट्ठेहिं सद्धिए धवा वपुज्जासि ति वेदि  
 ॥ ७१२ ॥ सेज्जागमसयणस्स ताहोदेसो समत्तो ॥

॥ सेज्जागमविहयममसयणं समत्तं ॥

“अमुवाए कहु वात्तावासे अमिपुत्ते व्हवे पाणा अमिस्तभूया व्हवं बीवा-  
 अमुवमिन्ना अतरु से मग्गा वहुपाणा वहुबीया जाव संतापया अचमिन्नेता  
 पंथा नो विन्नाया मग्गा” सेवं नत्था नो गामावुपामं वुज्जेज्जा तन्नो संजयामेव  
 वात्तावासे उवमिएज्जा ॥ ७१३ ॥ से मिक्खु वा (२) से पं पुव आमिज्जा गामं  
 वा जाव राक्खामि वा इमंति कहु गामंति राक्खामिंति वा नो म्हाटी निहारमूची  
 नो म्हाटी विचारमूची नो तुक्कमे पीडप्पमसेज्जासंवारणं नो तुक्कमे पाठए उण्ठे  
 अहेसमिजे व्हवे वत्थ समन्नाहणअतिविक्कमणपीमगा उवाववा उवागमिस्सति  
 व अवाएणा विती नो पणस्स मिक्खमणपवेषाए जाव अम्मामुम्भेगमिदाए से  
 नत्था ताहप्पगारं गामं वा वावरं वा जाव राक्खामि वा नो वात्तावासे उवमिएज्जा  
 ॥ ७१४ ॥ से मिक्खु वा (२) से जं पुव आमिज्जा गामं वा जाव राक्खामि वा  
 इमंति कहु गामंति वा राक्खामिंति वा म्हाटी निहारमूची म्हाटी विचारमूची तन्नो  
 वत्थ पीडप्पमसेज्जासंवारणं तन्नो पाठए उण्ठे अहेसमिजे नो वत्थ व्हवे सम

एव आउफाइयाणवि, एव वणस्सइफाइयाणवि, तेउफाइया याउफाइया सव्वट्ठाणेषु  
 मज्झिमेसु दोसु समोसरणेसु नो नेरइयाउय पकरे(इ)न्ति तिरिक्खजोणियाउय पकरेन्ति  
 नो मणुस्साउयं पकरेन्ति नो देवाउयं पकरेन्ति, चेइदियतेइदियचउरिदियाणं जहा  
 पुठविकाइयाण नवरं सम्मत्तनाणेषु न एएपि आउय पकरेन्ति ॥ किरियावाइं ण भंते ।  
 पंचिदियतिरिक्खजोणिया किं नेरइयाउय पकरेन्ति० पुच्छा, गोयमा । जहा मणपज-  
 वनाणी, अकिरियावाइं अभाणियवाइं वेणइयवाइं य चउव्विहपि पकरेन्ति, जहा  
 ओहिया तहा सलेस्सावि । कण्हलेस्सा ण भंते । किरियावाइं पंचिदियतिरिक्खजो-  
 णिया किं नेरइयाउय० पुच्छा, गोयमा । नो नेरइयाउय पकरेन्ति नो तिरिक्ख० नो  
 मणुस्साउय पकरेन्ति नो देवाउय पकरेन्ति, अकिरियावाइं अभाणियवाइं वेणइयवाइं  
 चउव्विहपि पकरेन्ति, जहा कण्हलेस्सा एव नीललेस्सावि काउलेस्सावि, तेउलेस्सा  
 जहा सलेस्सा, नवरं अकिरियावाइं अभाणियवाइं वेणइयवाइं य नो नेरइयाउयं  
 पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेन्ति मणुस्साउयपि पकरेन्ति देवाउयंपि पक-  
 रेन्ति, एव पण्हलेस्सावि, एव सुणलेस्सावि भाणियव्वा, कण्हपक्खिया तिहिं समोस-  
 रणेहिं चउव्विहपि आउय पकरेन्ति, सुकपक्खिया जहा सलेस्सा, सम्मदिट्ठी जहा  
 मणपजवनाणी तहेव वेमाणियाउय पकरेन्ति, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया,  
 सम्मामिच्छादिट्ठी ण य एएपि आउय पकरेन्ति जहेव नेरइया, णाणी जाव ओहि-  
 नाणी जहा सम्मदिट्ठी, अभाणी जाव विभगनाणी जहा कण्हपक्खिया, सेसा जाव  
 अणागारोवउत्ता सव्वे जहा सलेस्सा तहा चेव भाणियव्वा, जहा पंचिदियतिरिक्ख-  
 जोणियाण वत्तव्वया भाणिया एव मणुस्साणवि वत्तव्वया भाणियव्वा, नवरं मणप-  
 जवनाणी नोसन्नोवउत्ता य जहा सम्मदिट्ठी तिरिक्खजोणिया तहेव भाणियव्वा,  
 अलेस्सा केवलनाणी अवेदगा अकसाइं अजोगी य एए एएपि आउय न पकरेन्ति  
 जहा ओहिया जीवा सेस त चेव, वाणमतरजोइसियवेमाणिया जहा अमुरकुमारा ॥  
 किरियावाइं ण भंते । जीवा किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया ? गोयमा । भवसिद्धिया  
 नो अभवसिद्धिया । अकिरियावाइं ण भंते । जीवा किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा ।  
 भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि, एवं अभाणियवाइंवि, वेणइयवाइंवि । सलेस्सा ण  
 भंते । जीवा किरियावाइं किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा । भवसिद्धिया नो अभव-  
 सिद्धिया । सलेस्सा ण भंते । जीवा अकिरियावाइं किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा ।  
 भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि, एवं अभाणियवाइंवि वेणइयवाइंवि जहा सलेस्सा,  
 एवं जाव सुकलेस्सा, अलेस्सा ण भंते । जीवा किरियावाइं किं भवसिद्धिया पुच्छा,  
 गोयमा । भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, एवं एएणं अभिलावेण कण्हपक्खिया



अभवसिद्धिमावि, एवं अभाणियवाइवि येणइयवाइवि । सुत्थेमा ण भंते । तिरिया-  
चाइ अणतरोववज्जगा नेरइया किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया ? गोयमा । भव-  
सिद्धिया नो अभवसिद्धिया, एव एएण अभित्तावेण जहेव ओहिए उदेसए नेरइयाण  
चत्तव्वया भणिया तहेव इहवि भाणियव्वा जाव अजागारोवटतति, एव जाव  
वेमाणियाण नवरं ज जस्त थप्पि त तस्म भाणियव्व, इमं से एएण-जे  
तिरियाचाइ सुमपक्खिया सम्माभिच्छादित्ठिया एए सव्वे भवसिद्धिया नो अभव-  
सिद्धिया, सेता सव्वे भवसिद्धियाणि अभवसिद्धिमावि । सेण भंते ! ० ति ॥ ८२५ ॥  
॥ ३०१० ॥ परंपरोववज्जगा ण भंते । नेरइया किं तिरियाचाइ० एण जहेव ओहिओ  
उदेसओ तहेव परंपरोववज्जएजवि नेरइयाचाइओ तहेव तिरियेस भाणियव्व तहेव  
तियदजासगहिओ । सेवं भंते । ० ति जाव विहरइ ॥ ८२६ ॥ ३०१३ ॥ एवं  
एएण कमेण जचेव धधितए उदेसगाण परिवारी सवेव इहपि जाव अचरिओ  
उदेसओ, नवर अणतरा चत्तारिणि एएणमगा, परंपरा चत्तारिणि एएणमगा, एव  
चरिमावि, अचरिमावि एवं चेव नवरं अलेसो केवली अजोती न भणइ, सेसं  
तहेव । सेव भंते । ० ति । एए एमारस्तावि उदेसगा ॥ ८२७ ॥ तीसइमं समो-  
सरणसयं समत्तं ॥

रायणिहे जाव एव वयासी-इइ ण भंते । उद्दा(ग) जुम्मा ५० ! गोयमा ।  
चत्तारि उद्दा(ग) जुम्मा ५०, त०-इइजुम्मे १, तेओगे ०, दावरजुम्मे ३, कलिओगे  
४, से केगट्टेण भंते । एव सुयइ चत्तारि उद्दा(ग) जुम्मा ५० त०-इइजुम्मे जाव  
कलिओगे ? गोयमा । जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे चउक्कवत्तिए  
सेत उद्दाकडजुम्मे, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे तिपक्कवत्तिए सेत  
खुद्दागतेओगे, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे दुपक्कवत्तिए सेत खुद्दाग-  
दावरजुम्मे, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे एएणवत्तिए सेत  
खुद्दागकलिओगे, से तेणट्टेण जाव कलिओगे । खुद्दागकडजुम्मेनेरइया ण भंते !  
अओ उववज्जति किं नेरइएहिंतो उववज्जति तिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइए-  
हिंतो उववज्जति एव नेरइयाण उववाओ जहा वक्कीए तहा भाणियव्वो । ते ण  
भंते ! जीवा एगसमएण केवइया उववज्जति ? गोयमा । चत्तारि वा अट्ठ वा बारस  
वा सोल्स वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा उववज्जति । ते ण भंते ! जीवा कइ  
उववज्जति ? गोयमा । से जहानानए पवए पवमाणे अज्जवसाण० एवं जहा पच-  
वीसइमे सए अट्ठमुदेसए नेरइयाण वत्तव्वया तहेव इहवि भाणियव्वा जाव आय-  
प्पओणेण उववज्जति नो परप्पओणेण उववज्जति । रयगप्पमापुढविखुद्दागकडजुम्मे-

सिद्धिं समोत्तरयैत्तु मयवाए, छान्दपनिष्कया चतुष्टयि समोत्तरयैत्तु मयसिद्धिवा नो  
 अमयसिद्धिवा, सम्मरिद्धिं बह्वा अकेस्ता निष्कानिद्धिं बह्वा कन्धपनिष्कया सम्म-  
 निष्कानिद्धिं रोत्तमि समोत्तरयैत्तु बह्वा अकेस्ता नाणी चाव केवकनाणी मयसि-  
 धिवा नो अमयसिद्धिवा अवाणी चाव निमयनाणी बह्वा कन्धपनिष्कया उवात्त  
 चतुष्टयि बह्वा सकेस्ता मोसजोषडता बह्वा सम्मरिद्धिं सवैद्या चाव न्युत्तम-  
 वैद्या बह्वा सकेस्ता अवैद्या बह्वा सम्मरिद्धिं सफसाई चाव ओमफसाई बह्वा  
 सकेस्ता, अफसाई बह्वा सम्मरिद्धिं सजोणी चाव वायजोणी बह्वा सकेस्ता  
 अजोणी बह्वा सम्मरिद्धिं सावापोषडता अवापापोषडता बह्वा सकेस्ता एवं नेछ-  
 ण्णमि माभिवन्ना नवरं नवरत्तं च अस्ति एवं अष्टछन्माएणि चाव वमिच्छन्माए,  
 पुचमिच्छन्मा सम्मरिद्धिं मज्झिमेत्तु रोत्तमि समोत्तरयैत्तु मयसिद्धिवाणि अमय-  
 सिद्धिवाणि एवं चाव वयत्तइच्छन्मा वेद्वियतेद्वियचतुष्टयिवा एवं वेद नवरं  
 सम्मते वेद्विनामि माभिमिच्छेद्विनामि छन्मायै एत्तु वैव रोत्त मज्झिमेत्तु समोत्-  
 रयैत्तु मयसिद्धिवा नो अमयसिद्धिवा सेत्तं तं वैव पविद्वियतिरेकवयोमिवा बह्वा  
 वेत्तवा नवरं नावत्तं च अस्ति मत्तुस्ता बह्वा ओद्विवा बीवा वाचमंतरावेद्वि-  
 यमिवा बह्वा अष्टछन्माए । एवं धेत्ते । १ ति ॥ ८९४ ॥ टीसइमस्त  
 सचस्त पदमे उहेत्तो समत्तो ॥

अर्जतरोषवचया चं भति । वेत्तवा किं निरिवाचाई पुच्छ गोयमा । निरि-  
 वाचाईमि चाव वेत्तवाचाईमि सकेस्ता चं भति । अर्जतरोषवचया वेत्तवा किं  
 निरिवाचाई एवं वेव एवं अहेव पदमुत्ते वेत्तवाचं वत्तववा तहेव इमि माभिव-  
 न्ना नवरं चं वत्त अस्ति अर्जतरोषवचयाचं वेत्तवाचं तं तत्त माभिवन्तं  
 एवं सच्यवीचलं चाव वेत्तवाचं नवरं अर्जतरोषवचयाचं चं चद्वि अस्ति तं  
 तद्वि माभिवन्तं । निरिवाचाई चं भति । अर्जतरोषवचया वेत्तवा किं वेत्तवाचं  
 पद्वेत्ति पुच्छ गोयमा । नो वेत्तवाचं पद्वेत्ति नो निरि नो मत्त नो वेत्त-  
 वं पद्वेत्ति एवं अनिरिवाचाईमि अवाभिववाईमि वेत्तववाचंमि । सकेस्ता चं  
 भति । निरिवाचाई अर्जतरोषवचया वेत्तवा किं वेत्तवाचं पुच्छ गोयमा । नो  
 वेत्तवाचं पद्वेत्ति चाव नो वेत्तवाचं पद्वेत्ति एवं चाव वेत्तवाचं एवं सच्यवी-  
 चमि अर्जतरोषवचया वेत्तवा चं निरिवाचं पद्वेत्ति चाव अवापापोषडताति,  
 एवं चाव वेत्तवाचं नवरं चं वत्त अस्ति तं तत्त माभिवन्तं । निरिवाचाई चं  
 भति । अर्जतरोषवचया वेत्तवा किं मयसिद्धिवा अमयसिद्धिवा । गोयमा । मय-  
 सिद्धिवा नो अमयसिद्धिवा । अनिरिवाचाईचं पुच्छ गोयमा । मयसिद्धिवाचि

एवं जहेव कण्हेस्सखुङ्गागकडजुम्मनेरइया नवरं उववाओ जो रयणप्पभाए सेस  
 तहेव । रयणप्पभापुढविकाउलेस्सखुङ्गागकडजुम्मनेरइया णं भंते । कओ उवव-  
 ज्जति० १ एवं चेव, एव सकरप्पभाएवि, एव थालुयप्पभाएवि, एवं चउसुवि जुम्मेसु,  
 नवरं परिमाणं जाणियव्वं, परिमाणं जहा कण्हेस्सउद्देसए सेसं त चेव, सेव भंते ।  
 २ ति ॥ ८३१ ॥ ३१।४ ॥ भवसिद्धियखुङ्गागकडजुम्मनेरइया ण भंते । कओ उवव-  
 ज्जति किं नेरइए० १ एव जहेव ओहिओ गमओ तहेव निरवसेस जाव नो परप्प-  
 ओगेण उववज्जति । रयणप्पभापुढविभवसिद्धियखुङ्गागकडजुम्मनेरइया ण भते । एवं  
 चेव निरवसेसं, एवं जाव अहेसत्तमाए, एव भवसिद्धियखुङ्गागतेओगेनेरइयावि एवं  
 जाव कलिओगति, नवरं परिमाणं जाणियव्वं, परिमाणं पुव्वभणिय जहा पढसुद्देसए ।  
 सेव भंते । २ ति ॥ ८३२ ॥ ३१।५ ॥ कण्हेस्सभवसिद्धियखुङ्गागकडजुम्म-  
 नेरइया णं भते । कओ उववज्जति० १ एवं जहेव ओहिओ कण्हेस्सउद्देसओ  
 तहेव निरवसेसं चउसुवि जुम्मेसु भाणियव्वो जाव अहेसत्तमपुढविकण्हेस्स-  
 भवसिद्धियखुङ्गागकलिओगेनेरइया ण भते । कओ उववज्जति० १ तहेव । सेव भंते । २  
 ति ॥ ८३३ ॥ ३१।६ ॥ नीललेस्सभवसिद्धिया चउसुवि जुम्मेसु तहेव भाणियव्वा  
 जहा ओहिए नीललेस्सउद्देसए । सेव भते । सेव भंते । ति जाव विहरइ  
 ॥ ८३४ ॥ ३१।७ ॥ काउलेस्सभवसिद्धिया चउसुवि जुम्मेसु तहेव उववाएयव्वा  
 जहेव ओहिए काउलेस्सउद्देसए । सेव भते । २ ति जाव विहरइ ॥ ८३५ ॥  
 ॥ ३१।८ ॥ जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि उद्देसगा भणिया एवं भवसिद्धिएहिवि  
 चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा जाव काउलेस्साउद्देसओति । सेव भंते । २ ति ॥ ८३६ ॥  
 ॥ ३१।९ ॥ एव सम्महिट्ठीहिवि लेस्सासजुतेहिं चत्तारि उद्देसगा कायव्वा, नवरं  
 सम्महिट्ठी पढमविइएसु दोसुवि उद्देसएसु अहेसत्तमापुढवीए न उववाएयव्वो,  
 सेसं तं चेव । सेव भते । सेव भंते । ति ॥ ८३७ ॥ ३१।१६ ॥ मिच्छादिट्ठीहिवि  
 चत्तारि उद्देसगा कायव्वा जहा भवसिद्धियाणं । सेव भंते । २ ति ॥ ८३८ ॥  
 ॥ ३१।२० ॥ एव कण्हपक्खिएहिवि लेस्सासजुतेहिं चत्तारि उद्देसगा कायव्वा  
 जहेव भवसिद्धिएहिं । सेव भते । सेव भंते । ति ॥ ८३९ ॥ ३१।२४ ॥ सुक्कप-  
 पक्खिएहिं एवं चेव चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा जाव थालुयप्पमापुढविकाउलेस्स-  
 सुक्कपक्खियखुङ्गागकलिओगेनेरइया ण भते । कओ उववज्जति० १ तहेव जाव नो  
 परप्पओगेण उववज्जति । सेव भते । २ ति ॥ ८४० ॥ ३१ ॥ २८ ॥ सव्वेवि  
 एए अट्ठावीसं उद्देसगा ॥ एकतीसइमं उववायसयं समत्तं ॥

खुङ्गागकडजुम्मनेरइया णं भंते । अणंतरं उव्वट्ठिता कहिं गच्छति कहिं उवव-





दियवज्ज घाणिदियवज्ज जिणिंदियाज्ज इत्थिवेयवज्ज पुरिसवेयवज्ज, एव चउक्कएण भेदेण जाव पज्जतवायरवणस्सइकाइया ण भंते । कइ कम्मप्पगहीओ वेदंति ? गोयमा । एव चेव चउद्दम कम्मप्पगहीओ वेदंति । सेव भते । २ ति ॥ ८४३ ॥ ३३-१-१ ॥ कइविहा ण भते । अणतरोववन्नगा एगिंदिया प० ? गोयमा । पचविहा अणतरोववन्नगा एगिंदिया प०, त०-पुडविकाइया जाव वणस्सइकाइया, अणतरोववन्नगा ण भते । पुडविकाइया कइविहा प० ? गोयमा । दुविहा पत्ता, तजहा-सुहुमपुडविकाइया य वायरपुडविकाइया य, एव दुपएण भेदेण जाव वण स्सइकाइया । अणतरोववन्नगसुहुमपुडविकाइयाण भते । कइ कम्मप्पगहीओ प० ? गोयमा । अट्ठ कम्मप्पगहीओ प०, त०-नाणावरणिज्ज जाव अतराइय, अणतरोववन्नगवायरपुडविकाइयाण भते । कइ कम्मप्पगहीओ प० ? गोयमा । अट्ठ कम्मप्पगहीओ प०, त०-नाणावरणिज्ज जाव अतराइय, एव(चेव) जाव अणतरोववन्नगवायरवणस्सइकाइयाणति, अणतरोववन्नगसुहुमपुडविकाइया ण भते । कइ कम्मप्पगहीओ वधति ? गोयमा । आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगहीओ वधति, एव जाव अणतरोववन्नगवायरवणस्सइकाइयति । अणतरोववन्नगसुहुमपुडविकाइया ण भते । कइ कम्मप्पगहीओ वेदंति ? गोयमा । चउद्दस कम्मप्पगहीओ वेदंति, त०-नाणावरणिज्ज तहेव जाव पुरिसवेयवज्ज, एव जाव अणतरोववन्नगवायरवणस्सइकाइयति । सेव भंते । सेव भते । ति ॥ ८४४ ॥ ३३-१-२ ॥ कइविहा ण भते । परंपरोववन्नगा एगिंदिया प० ? गोयमा । पंचविहा परंपरोववन्नगा एगिंदिया प०, त०-पुडविकाइया एवं चउक्कओ भेदो जहा ओहि(य)उद्देसए । परंपरोववन्नगअपज्जत्तसुहुमपुडविकाइयाण भते । कइ कम्मप्पगहीओ प० ? एव एएण अभिलावेण जहा ओहि(य)उद्देसए तहेव निरवसेस भाणियव्व जाव चउद्दस वेदंति । सेव भते । २ ति ॥ ८४५ ॥ ३३-१-३ ॥ अणतरोगाढा जहा अणतरोववन्नगा ४ ॥ परंपरोगाढा जहा परंपरोववन्नगा ५ ॥ अणतराहारगा जहा अणतरोववन्नगा ६ ॥ परंपराहारगा जहा परंपरोववन्नगा ७ ॥ अणतरपज्जत्तगा जहा अणतरोववन्नगा ८ ॥ परंपरपज्जत्तगा जहा परंपरोववन्नगा ९ ॥ चरिमावि जहा परंपरोववन्नगा तहेव १० ॥ एव अचरिमावि ११ ॥ एव एए एक्कारम उद्देसगा । सेव भते । २ ति जाव विहरइ ॥ ८४६ ॥ पढम एगिंदियसय समत्त ॥ १ ॥ कइविहा ण भते । कण्हलेस्सा एगिंदिया प० ? गोयमा । पचविहा कण्हलेस्सा एगिंदिया प०, त०-पुडविकाइया जाव वणस्सइकाइया । कण्हलेस्सा ण भंते । पुडविकाइया कइविहा प० ? गोयमा । दुविहा प०, त०-सुहुमपुडविकाइया य वायरपुडविकाइया य, कण्हलेस्सा ण भंते । सुहुमपुडविकाइया कइविहा



यणो, कण्ठस्मभयनिद्रियभयजलमुद्रमपुड्विषादया भंते । कण्ठस्मभयनीभो  
 प० ? ए एण अभित्ताग जहेन आतिउदेगण गहेन जाय चेदति । कण्ठिहा न  
 भते । अणतरोवज्जना जाय वणस्मदकाइया, अणतरोवज्जनागण्ठस्मभयनिद्रियपुड्वि-  
 काइया न भते । कण्ठिहा प० ? गोयमा । पुड्विहा प०, १०-मुद्रमपुड्विषादया (ग  
 वायपुड्विषादया ग) एण दुपणो भेणे । अणतरोवज्जनागण्ठस्मभयनिद्रियमुद्रमपुड्वि-  
 विषादया न भते । कण्ठस्मभयनीभो प० ? एण एण अभित्ताग जहेन आतिउदे  
 गण तदेव भानियव्वा जहा आतिउदेगण जाय अन्नरिगोणि ॥ एट्ट एणिद्रियमयं मनस  
 ॥ ६ ॥ जहा कण्ठस्मभयनिद्रियं मयं भानिय एण तीउत्स्मभयनिद्रियमयं मयं  
 भानियव्वा ॥ तत्तम एणिद्रियमयं मनस ॥ ७ ॥ एण कण्ठस्मभयनिद्रियमयं मयं ॥  
 अट्टम एणिद्रियमयं मनस ॥ ८ ॥ कण्ठिहा न भते । अभातिद्रिया एणिद्रिया प० ?  
 गोयमा । पंचविहा अभयतिद्रिया एणिद्रिया प०, १०-पुड्विषादया जाय वणस्मद-  
 काइया एण जहेन भयनिद्रियमय भानिय नवरं नव उदेगण चान्मभयनिद्रियमय-  
 वज्जा सेस तदेव ॥ नवम एणिद्रियमयं मनस ॥ ९ ॥ एण कण्ठस्मभयनिद्रिय-  
 यणिद्रियमयपि ॥ दमम एणिद्रियमयं मनस ॥ १० ॥ तीउत्स्मभयनिद्रियमय-  
 गिद्रिएहि वि मयं ॥ ११ ॥ कण्ठस्मभयनिद्रियमय, एण चत्तारिणि अभयतिद्रि-  
 यमयाणि ण २ उदेगणा भवति, एण एयाणि चारम एणिद्रियसयाणि भवति  
 ॥ ८४८ ॥ तेत्तीसइम सय समत्त ॥

कण्ठिहा न भंते । एणिद्रिया प० ? गोयमा । पंचविहा एणिद्रिया प०, १०-  
 पुड्विषादया जाय वणस्मदकाइया, एण एण चैव चउएण भेदेग भानियव्वा  
 जाय वणस्मदकाइया, अपज्जत्तमुद्रमपुड्विषादया न भते । इहासे रयणप्पभाए पुड-  
 वीए पुरच्छिम्मिहे चरिमते समोहए समोहइत्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुड-  
 वीए पच्चच्छिम्मिहे चरिमते अपज्जत्तमुद्रमपुड्विषादयाइत्ताए उववज्जिगए से नं भते ।  
 कउममइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा ? गोयमा । एगममइएण वा दुसमइएण वा तिम-  
 मइएण वा विग्गहेण उववज्जेज्जा, से केणट्टेण भते । एव धुचइ एगसमइएण वा  
 दुसमइएण वा जाय उववज्जेज्जा ? एव रालु गोयमा । मए सत्त सेदीओ प०, १०-  
 उज्जुआयया सेदी एगओवका दुहओवका एगओसहा दुहओसहा चक्कवाला अद्ध-  
 चक्कवाला ७, उज्जुआययाए सेदीए उववज्जमाणे एगसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा,  
 एगओवकाए सेदीए उववज्जमाणे दुसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा, दुहओवकाए

प १ गोमया । एवं एणं अमिन्नवैरं नतकमैरो जहेव ओहिणं उरुणं वाव वव  
स्मइअस्मपि (अनंतरोववववव) कण्हकेस्सअपजजत्तुमुपुडनिअइवानं भंते । कइ  
कम्मप्पमयीओ प १ एवं वेव एणं अमिन्नवैरं जहेव ओहि (ओ अर्धतरोववववव)  
उरुणं(ओ)ए तहेव पज्जातो तहेव वेवंति तहेव वेवंति । सेवं भंतं । २ ति ॥ कइमिहा  
वं भंते । अनंतरोववववव कण्हकेस्सा एमिनिवा पज्जाता १ गोमया । पंचमिहा अनंतरो-  
ववववव कण्हकेस्सा एमिनिवा एवं एणं अमिन्नवैरं तहेव कुपमो भेदो वाव  
ववस्सइअस्मपि, अनंतरोववववव कण्हकेस्सत्तुमुपुडनिअइवानं भंते । कइ कम्मप्प-  
मयीओ प १ एवं एणं अमिन्नवैरं जहा ओहिओ अनंतरोववववववव उरुणं  
तहेव वाव वेवंति । सेवं भंते । सेवं भंते । ति ॥ कइमिहा वं भंते । परंपरोवव  
ववव कण्हकेस्सा एमिनिवा प १ वेवमा । पंचमिहा परंपरोववववव कण्हकेस्सा  
एमिनिवा पज्जाता तंवहा-पुडनिअइवा एवं एणं अमिन्नवैरं तहेव वडहमो  
भेदो वाव ववस्सइअस्मपि परंपरोववववव कण्हकेस्सअपजजत्तुमुपुडनिअइवानं  
भंते । कइ कम्मप्पमयीओ प १ एवं एणं अमिन्नवैरं जहेव ओहिओ परंपरो-  
ववववववववव तहेव वाव वेवंति एवं एणं अमिन्नवैरं जहेव ओहिणमिस्सए  
एवारास उरुणं ममिवा तहेव कण्हकेस्सएणि माम्मिवन्वा वाव अवरिमवरिम  
कण्हकेस्सा एमिनिवा ॥ ८४० ॥ विइवं एमिनिवसवं समत्तं ॥ ९ ॥ जहा कण्हके-  
स्सेहं ममिवं एवं मीककेस्सेहिमि सवं माम्मिवन्वं । सेवं भंते । २ ति ॥ उरुवं एमि  
निवसवं समत्तं ॥ १ ॥ एवं वासकेस्सेहिमि सवं माम्मिवन्वं नवरं कण्हकेस्सेति  
अमिन्नवैरं माम्मिवन्वं ॥ वज्जवं एमिनिवसवं समत्तं ॥ ४ ॥ कइमिहा वं भंते ।  
मवसिद्धिवा एमिनिवा प १ गोमया । पंचमिहा मवसिद्धिवा एमिनिवा प तं-  
पुडनिअइवा वाव ववस्मइअइया भेदो वडहमो वाव ववस्सइअइयति ।  
मवसिद्धिवमवज्जत्तुमुपुडनिअइवानं भंतं । कइ कम्मप्पमयीओ प १ एवं एणं  
अमिन्नवैरं जहेव पडमिका एमिनिवसवं तहेव मवसिद्धिवसदंमि माम्मिवन्वं  
उरुणंपरिवायी तहेव वाव वापरिमोति । सेवं भंतं । २ ति ॥ पंचमं एमिनिवसवं  
समत्तं ॥ ५ ॥ कइमिहा वं भंते । कण्हकेस्सा मवसिद्धिवा एमिनिवा प १ गोमया ।  
पंचमिहा कण्हकेस्सा मवसिद्धिवा एमिनिवा प तं -पुडनिअइवा वाव ववस्सइ-  
अइया कण्हकेस्समवसिद्धिवपुडनिअइवा वं भंतं । कइमिहा प १ गोमया ।  
कुमिहा प तं -सत्तुमुपुडनिअइवा व वावपुडनिअइवा व कण्हकेस्समवसिद्धि-  
वपुडनिअइवा वं भंतं । कइमिहा प १ गोमया । कुमिहा प तंवहा-पज्जाता  
व अपज्जाता २, एवं वावपुडनि एवं एणं अमिन्नवैरं तहेव वडहमो भेदो माम्मि-

जाव उवागया उवागमिस्सति य अप्पाइण्णा वित्ती जाव रायहाणिंसि वा तओ संज-  
यामेव वासावास उवळिएज्जा ॥ ७१५ ॥ अह पुण एव जाणिज्जा चत्तारि मासा  
वासावासाण वीइक्कता हेमताण य पच्चदसरायकप्पे परिवुत्तिए अतरा से मग्गा  
वहुपाणा जाव सताणगा णो जत्थ वहवे समण जाव उवागया उवागमिस्सति य  
सेवं णच्चा णो गामाणुगाम दूइज्जेज्जा ॥ ७१६ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा  
वासा वासाण वीइक्कता हेमताण य पच्च दस रायकप्पे परिवुत्तिए, अतरा से मग्गा  
अप्पढा जाव असताणगा वहवे जत्थ समण जाव उवागमिस्सति य सेवं णच्चा तओ  
सजयामेव गामाणुगाम दूइज्जेज्जा ॥ ७१७ ॥ से भिक्खु वा (२) गामाणुगामं  
दूइज्जमाणे पुरओ जुगमाय पेहमाणे दट्ठूण तसे पाणे उद्धट्ठु पाय रीएज्जा साहट्ठु  
पाय रीएज्जा उक्खिप्पपाय रीएज्जा तिरिच्छ वा कट्ठु पायं रीएज्जा सति परक्कमे संज-  
तामेव परिक्कमेज्जा णो उज्जुय गच्छेज्जा, तओ सजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा  
॥ ७१८ ॥ से भिक्खु वा (२) गामाणुगाम दूइज्जमाणे अतरा से पाणाणि वा  
वीयाणि वा हरियाणि वा उदए वा मट्ठिया वा अविद्धत्ये सइ परक्कमे जाव णो उज्जुय  
गच्छेज्जा, तओ सजयामेव गामाणुगाम दूइज्जेज्जा ॥ ७१९ ॥ से भिक्खु वा (२)  
गामाणुगाम दूइज्जमाणे अतरा से विरुवत्वाणि पच्चतिकाणि दस्सुगायतणाणि मिल-  
क्खणि अणायरियाणि दुस्सन्नप्पाणि दुप्पण्णवणिज्जाणि अकालपडिबोहीणि अकाल-  
परिभोईणि सति लाढे विहाराए सथरमाणेहिं जाणवएहिं णो विहारवत्तियाए पव-  
जेज्जा गमणाए केवली बूया 'आयाणमेयं' ते ण बाला "अय तेणे अयं उवचए  
अय तओ आगए" ति कट्ठु त भिक्खु अक्कोसेज वा जाव उद्वेज वा वत्थं पडि-  
ग्गहं कवलं पायपुच्छण अर्च्छिदेज वा अभिदेज वा अवहरिज वा, परिट्ठविज वा,  
अह भिक्खुणं पुव्वोवदिट्ठा पइण्णा जाव जं णो तहप्पगाराणि विरुवत्त्वाणि पच्चति-  
याणि दस्सुगायतणाणि जाव विहारवत्तियाए णो पवजेज्जा गमणाए, तओ सजयामेव  
गामाणुगाम दूइज्जेज्जा ॥ ७२० ॥ से भिक्खु वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे  
अतरा से अरायाणि वा, गणरायाणि वा, जुवरायाणि वा, दोरज्जाणि वा, वेरज्जाणि  
वा, विरुद्धरज्जाणि वा, सइ लाढे विहाराए सथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्तियाए  
पवजेज्जगमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला 'अयं तेणे' त चेव जाव  
णो विहारवत्तियाए पवजेज्ज गमणाए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२१ ॥  
से भिक्खु वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अतरा से विहं सिया से जं पुण विहं  
जाणिज्जा, एगाहेण वा, दुयाहेण वा, तियाहेण वा, चउयाहेण वा, पचाहेण वा,  
पाउणिज्ज वा, नो पाउणिज्ज वा, तहप्पगारं विहं अणेगाहगमणिज्ज सति लाढे जाव

सेवीए उववज्जमाने विममएएणं निग्गहेणं उववज्जमा से तेज्जुणं गोयमा । आब-  
उववज्जमा । अपज्जत्तसुमुपुडविच्छाए न भव । इमीसे रववप्पमाए पुडवीए  
पुरच्छिम्भे नरिमते समोहए १ ता जे मणिए इमीसे रववप्पमाए पुडवीए पव-  
च्छिम्भे नरिमते पज्जत्तसुमुपुडविच्छाए उववज्जिताए से न भवते । कस्समएएणं  
विममहेणं उववज्जमा । गोयमा । एगसमएएणं वा सुसमएएणं वा सेसं तं चेव आब से  
तेपेडुणं आब निग्गहेणं उववज्जमा एणं अपज्जत्तसुमुपुडविच्छाओ पुर(वि)च्छिम्भे  
नरिमते समोहणवैत्ता पवच्छिम्भे नरिमते वावरपुडविच्छाए अपज्जत्ताए उवव-  
एण्णो ताहे तेस चेव पज्जत्ताए ४ एणं आउडाएएणं नत्तादि आत्मवया छुमेहि  
अपज्जत्ताए ताहे पज्जत्ताए वावरहे अपज्जत्ताए ताहे पज्जत्ताए उववाएण्णो  
४ एणं चेव छुमतेउववज्जिताए अपज्जत्ताए १ ताहे पज्जत्ताए उववाएण्णो २  
अपज्जत्तसुमुपुडविच्छाए न भवते । इमीसे रववप्पमाए पुडवीए पुरच्छिम्भे नरि-  
मते समोहए समोहणं जे मणिए मनुस्सजेते अपज्जत्तवावरतेउववज्जिताए उवव-  
ज्जिताए से न भवते । कस्समएएणं निग्गहेणं उववज्जमा । सेसं तं चेव एणं पज्जत्त-  
वावरतेउववज्जिताए उववाएण्णो ४ वाउडाए(स) छुमवावरहे वहा आउडाएएणं  
उववाएण्णो उहा उववाएण्णो ४ एणं ववत्तएएणं १ पज्जत्तसुमुपुडवि-  
च्छाए न भवते । इमीसे रववप्पमाए पुडवीए एणं पज्जत्तसुमुपुडविच्छाओमि  
पुरच्छिम्भे नरिमते समोहणवैत्ता एएणं चेव ज्जेणं एएणं चेव बी(वाए)ससु ठायेसु  
उववाएण्णो आब वावरववत्तएएणं पज्जत्ताए ४ एणं अपज्जत्तवावरपु-  
डविच्छाओमि ६ एणं पज्जत्तवावरपुडविच्छाओमि ८ एणं आउडाओमि वउ-  
समि वमएणं पुरच्छिम्भे नरिमते समोहए एवाए चेव वत्तववाए एएणं चेव  
बीससु ठायेसु उववाएण्णो १६ छुमतेउववज्जिताए अपज्जत्ताए पज्जत्ताए ३  
एएणं चेव बीससु ठायेसु उववाएण्णो अपज्जत्तवावरतेउववज्जिताए न भवते । मनुस्स-  
जते समोहए १ ता जे मणिए इमीसे रववप्पमाए पुडवीए पवच्छिम्भे नरिमते  
अपज्जत्तसुमुपुडविच्छाए उववज्जिताए से न भवते । कस्समएएणं विममहेणं  
उववज्जमा सेसं तहेव आब से तेज्जुणं एणं पुडविच्छाएणं वउविहेणं उववा-  
एण्णो एणं आउडाएणं वउविहेणं तेउववज्जिताए छुमिमु अपज्जत्ताए पज्जत्ताए  
३ एणं चेव उववाएण्णो अपज्जत्तवावरतेउववज्जिताए न भवते । मनुस्सजते समोहए  
१ ता जे मणिए मनुस्सजेते अपज्जत्तवावरतेउववज्जिताए उववज्जिताए से न भवते ।  
कस्समएएणं सेसं तं चेव एणं पज्जत्तवावरतेउववज्जिताए उववाएण्णो वाउ-  
वज्जिताए ३ ववत्तएएणं व वहा पुडविच्छाएणं तहेव वउएणं मेहेव

उत्वाप्यवो, ०। पञ्चतयायरतेउताइओ। समययेते समोहणावेता एणु चैव  
 चीनाए ठाणेषु उताप्यवो जहेप अपज्जतओ उताइओ, ए। गव्वत्परि वावर-  
 तेउताइया अपज्जतगा य पज्जतगा य समययेते उत्वाप्यवो समोहणावेयव्यापि  
 २१०, ताउताइया वणस्सइकाइया य जाहा पुडविकाइया तां चउत्तएण मेत्तए  
 उत्वाप्यवो जाव पज्जता ८०० ॥ वायरवणस्सइकाइए ण भंते । इमीसे रय-  
 णप्पभाए पुडवीए पुरच्छिमिणे चरिमते समोहण गमोइएता जे भविए इमीसे रय-  
 णप्पभाए पुडवीए पञ्चच्छिमिणे चरिमते पञ्चतयायरवणस्सइकाइयाए उत्वाज्जितए  
 से ण भंते । कइमइएण० सेसं तहेव जाव मे तेणट्टेण०, आज्जतमुहुमपुडविका-  
 इए ण भंते । इमीसे रयणप्पभाए पुडवीए पञ्चच्छिमिणे चरिमते गमोइए २ ता  
 जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुडवीए पुरच्छिमिणे चरिमते अपज्जतमुहुमपुडविका-  
 गताए उत्वाज्जितए ने ण भंते । कइम(इ)एण० सेसं तहेव निरवसेसं, ए। जहेव  
 पुरच्छिमिणे चरिमते गव्वपएमुनि समोहया पञ्चच्छिमिणे चरिमते समययेते य  
 उत्वाइया जे य समययेते गमोहया पञ्चच्छिमिणे चरिमते समययेते य उत्वाइया  
 एव एएण चैव कमेण पञ्चच्छिमिणे चरिमते समययेते य गमोहया पुरच्छिमिणे  
 चरिमते समययेते य उत्वाइया तणेव गमएण, एव एएण गमएण दाहिणिणे  
 चरिमते (समययेते य) गमोहयाए उत्तरिणे चरिमते समययेते य उत्वाओ एव चैव  
 उत्तरिणे चरिमते समययेते य गमोहया दाहिणिणे चरिमते समययेते य उत्वाइया  
 तणेव गमएण, अपज्जतमुहुमपुडविकाइए ण भंते । सक्करप्पभाए पुडवीए पुरच्छि-  
 मिण चरिमते समोइए २ ता जे भविए सक्करप्पभाए पुडवीए पञ्चच्छिमिणे  
 चरिमते अपज्जतमुहुमपुडविकाइयाए उत्वाज्जितए एव जहेव रयणप्पभाए जाव से  
 तेणट्टेण० एव एएण कमेण जाव पज्जतएसु मुहुमतेउकाइएसु, अपज्जतमुहुमपुडवि-  
 काइए ण भंते । सक्करप्पभाए पुडवीए पुरच्छिमिणे चरिमते समोइए समोइइता जे  
 भविए समययेते अपज्जतवायरतेउकाइयाए उत्वाज्जितए से ण भंते । कइसम-  
 ट्टेण भंते । ०पुच्छा, एव खलु गोयमा । मए सत्त सेदीओ ५०, त०-उज्जुआयया जाव  
 अद्धचक्कवाला, एगओवकाए सेदीए उववज्जमाणे दुसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा  
 दुहओवकाए सेदीए उववज्जमाणे तिसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा  
 एव पज्जतएसुवि वायरतेउकाइएसु, सेसं जहा रयणप्पभाए, जेऽवि वायरतेउकाइया  
 अपज्जतगा य पज्जतगा य समययेते समोहणित्ता दोचाए पुडवीए पञ्चच्छिमिणे  
 चरिमते पुडविकाइएसु चउज्जिहेसु आउकाइएसु चउज्जिहेसु तेउकाइएसु दुविहेसु

वातच्छरप्य वातमिहेष्ट वयस्सहस्रप्य वातमिहेष्ट उववज्जति तच्छमि एवं पञ्च  
 दुसमस्य वा तिसमस्य वा विम्यहेष्ट उववज्जति वातमिहेष्ट वातमिहेष्ट अपज्जत्ता  
 य पज्जत्ता य वाहे तेष्ट येन उववज्जति ताहे वाहे वयस्यप्यमाए तहेव एवसमस्य-  
 दुसमस्यतिसमस्यविम्यहा माविम्यहा सेष्ट वाहा वयस्यप्यमाए तहेव निरवसेष्ट वाहा  
 सहरप्यमाए वातम्यहा मविम्यहा एवं वाव वाहेसत्तामाए माविम्यहा ॥ ८४९ ॥  
 अपज्जत्तुमुपुडमिच्छाप्य वे मते । अहोमेवमेवतागणीए वाहिमिहेष्ट केते समोहए १  
 ता वे मविप उवुमेवमेवतागणीए वाहिमिहेष्ट केते अपज्जत्तुमुपुडमिच्छाप्य  
 उववज्जितए से वे मते । वयस्यप्यम्य विम्यहेष्ट उववज्जिता । गोवना । तिसमस्य  
 वा वयस्यप्यम्य वा विम्यहेष्ट उववज्जिता से केवहुने मते । एवं पुण्य तिसमस्य  
 वा वयस्यप्यम्य वा विम्यहेष्ट उववज्जिता । गोवना । अपज्जत्तुमुपुडमिच्छाप्य वे  
 अहोमेवमेवतागणीए वाहिमिहेष्ट केते समोहए २ ता वे मविप उवुमेवमेवतागणीए  
 वाहिमिहेष्ट केते अपज्जत्तुमुपुडमिच्छाप्यमाए एवप्यपरिणि म्मुपेदीए उववज्जितए  
 से वे तिसमस्य विम्यहेष्ट उववज्जिता वे मविप विसेदीए उववज्जितए से वे  
 वयस्यप्यम्य विम्यहेष्ट उववज्जिता से तच्छेष्ट वाव उववज्जिता एवं पज्जत्तुमु-  
 पुडमिच्छाप्यमाए एवं वाव पज्जत्तुमुपुडमिच्छाप्यमाए, अपज्जत्तुमुपुडमिच्छाप्य  
 वे मते । अहोमेव वाव समोहमिता वे मविप सममेवमेव अपज्जत्तावावतेज्जप्य  
 प्य उववज्जितए से वे मते । वयस्यप्यम्य विम्यहेष्ट उववज्जिता । गोवना ।  
 दुसमस्य वा तिसमस्य वा विम्यहेष्ट उववज्जिता से केवहुने । एवं वहु  
 गोवना । मए शाग सेदीयो ५ तं-उमुवावया वाव अद्वयववाव एवमेव-  
 प्य सेदीए उववज्जिताये पुसमस्य विम्यहेष्ट उववज्जिता दुसमस्यप्य सेदीए  
 उववज्जिताये तिसमस्य विम्यहेष्ट उववज्जिता से तच्छेष्ट एवं पज्जत्तुमि  
 वावतेज्जप्यमि उववज्जिताये वातम्यवयस्यप्यम्य वातम्यवयस्यप्यम्य वातम्यवयस्यप्यम्य मेवेष्ट  
 वाहा वातम्यवयस्यप्यम्य तहेव उववज्जिता १ एवं वाहा अपज्जत्तुमुपुडमिच्छाप्यम्य  
 गममो मविम्य एवं पज्जत्तुमुपुडमिच्छाप्यम्य माविम्यम्य तहेव वीसाए तमेष्ट  
 उववज्जिता ४ अहोमेवमेवतागणीए वाहिमिहेष्ट केते समोहए समोहएता एवं  
 वावपुडमिच्छाप्यम्य अपज्जत्तायस्य पज्जत्तायस्य वे माविम्य ८ एवं वात-  
 म्यवयस्य वातमिहेष्टमि माविम्य १९ उमुमतेज्जप्यम्य दुमिहेष्टमि एवं  
 वेव २ अपज्जत्तावावतेज्जप्य वे मते । सममेवमेव समोहए २ ता वे मविप  
 उवुमेवमेवतागणीए वाहिमिहेष्ट केते अपज्जत्तुमुपुडमिच्छाप्यम्य उववज्जितए से वे  
 मते । वयस्यप्यम्य विम्यहेष्ट उववज्जिता । गोवना । दुसमस्य वा तिसमस्य



વા ચત્તસમ્મણ વા વિગ્ગહેણ ઉવવજ્જેજ્ઞા, સે કેળટ્ટેણં અટ્ઠો જહેવ રયણપ્પમાણ તહેવ સત્ત સેઢીઓ એવ જાવ અપ્પજત્તવાયરતેઝકાણ્ણ ન ભત્તે ! ગમયસેત્તે સમોહણ ૨ ત્તા જે ભવિણ્ણ ઉપ્પલોચ્છેત્તનાલીણ્ણ વાહિરિલ્લે સેત્તે (અ) પ્પજ્જત્તસુહુમતેઝકાણ્ણયત્તાણ્ણ ઉવવજ્જિત્તણ્ણ સે ન ભત્તે ! સેસ ત ચેવ, અપ્પજત્તવાયરતેઝકાણ્ણ ન ભત્તે ! સમયસેત્તે સમોહણ ૨ ત્તા જે ભવિણ્ણ સમયસેત્તે અપ્પજત્તવાયરતેઝકાણ્ણયત્તાણ્ણ ઉવવજ્જિત્તણ્ણ સે ન ભત્તે ! કહ્મસમ્મણ વિગ્ગહેણ ઉવવજ્જેજ્ઞા ૨ ગોયમા ! એગમ્મણ વા દુસમ્મણ વા તિસમ્મણ વા વિગ્ગહેણ ઉવવજ્જેજ્ઞા, સે કેળટ્ટેણં અટ્ઠો જહેવ રયણપ્પમાણ તહેવ સત્ત સેઢીઓ, એવ પ્પજ્જત્તવાયરતેઝકાણ્ણયત્તાણ્ણ, વાઝકાણ્ણ વળસ્સઙ્કાણ્ણ સુ ય જહા પુઢવિકાણ્ણ ઉવવાણ્ણો તહેવ ચત્તકણ્ણ ભેદેણ ઉચ્ચાણ્ણવ્વો, એવ પ્પજ્જત્તવાયરતેઝકાણ્ણોવિણ્ણ ચેવ ઠાણેણ ઉવવાણ્ણવ્વો, વાઝકાણ્ણયવળસ્સઙ્કાણ્ણયાણ જહેવ પુઢવિકાણ્ણ(ઓ)યત્તે ઉવવાણ્ણ(ઓ) તહેવ માણિયવ્વો ! અપ્પજત્તસુહુમપુઢવિકાણ્ણ ન ભત્તે ! ઉપ્પલોચ્છેત્તનાલીણ્ણ વાહિરિલ્લે સેત્તે સમોહણ સમોહણિત્તા જે ભવિણ્ણ અહે લોચ્છેત્તનાલીણ્ણ વાહિરિલ્લે સેત્તે અપ્પજત્તસુહુમપુઢવિકાણ્ણયત્તાણ્ણ ઉવવજ્જિત્તણ્ણ સે ન ભત્તે ! કહ્મસમ્મણં ૨ એવ ઉપ્પલોચ્છેત્તનાલીણ્ણ વાહિરિલ્લે સેત્તે સમોહયાણ અહેલોચ્છેત્તનાલીણ્ણ વાહિરિલ્લે સેત્તે ઉવવજ્જયાણ્ણ સો ચેવ ગમઓ નિરવસેસો માણિયવ્વો જાવ વાયરવળસ્પ્પઙ્કાણ્ણો પ્પજ્જત્તઓ વાયરવળસ્સઙ્કાણ્ણસુ પ્પજ્જત્તણ્ણ ઉવવાણ્ણો ! અપ્પજ્જત્તસુહુમપુઢવિકાણ્ણ ન ભત્તે ! લોચ્છસ્સ પુરચ્છિમિલ્લે ચરિમતે સમોહણ ૨ ત્તા જે ભવિણ્ણ લોચ્છસ્સ પુરચ્છિમિલ્લે ચેવ ચરિમતે અપ્પજ્જત્તસુહુમપુઢવિકાણ્ણયત્તાણ્ણ ઉવવજ્જિત્તણ્ણ સે ન ભત્તે ! કહ્મસમ્મણ વિગ્ગહેણ ઉવવજ્જેજ્ઞા ૨ ગોયમા ! એગસમ્મણ વા દુસમ્મણ વા તિસમ્મણ વા ચત્તસમ્મણ વા વિગ્ગહેણ ઉવવજ્જેજ્ઞા, સે કેળટ્ટેણં ભત્તે ! એવ વુચ્છઈ એગસમ્મણ વા જાવ ઉવવજ્જેજ્ઞા ૨ એવ સલ્લુ ગોયમા ! મણ સત્ત સેઢીઓ ૫૦, તંજહા—ઉચ્છુઆયયા જાવ અદ્ધચક્કવાલા, ઉચ્છુઆયયાણ સેઢીણ ઉવવજ્જમાણે એગસમ્મણ વિગ્ગહેણ ઉવવજ્જેજ્ઞા, એગઓર્વકાણ્ણ સેઢીણ ઉવવજ્જમાણે દુસમ્મણ વિગ્ગહેણ ઉવવજ્જેજ્ઞા, દુહઓવકાણ્ણ સેઢીણ ઉવવજ્જમાણે જે ભવિણ્ણ એગપ્પયરંસિ અણ્ણસેઢી(એ) ઉવવજ્જિત્તણ્ણ સે ન તિસમ્મણ વિગ્ગહેણ ઉવવજ્જેજ્ઞા જે ભવિણ્ણ વિસે(ઢી)ણિ ઉવવજ્જિત્તણ્ણ સે ન ચત્તસમ્મણ વિગ્ગહેણ ઉવવજ્જેજ્ઞા, સે તેગટ્ટેણં જાવ ઉવવજ્જેજ્ઞા, એવ અપ્પજ્જત્તસુહુમપુઢવિકાણ્ણો લોચ્છસ્સ પુરચ્છિમિલ્લે ચરિમતે સમોહણ ૨ ત્તા લોચ્છસ્સ પુરચ્છિમિલ્લે ચેવ ચરિમતે અપ્પજ્જત્તણ્ણ પ્પજ્જત્તણ્ણ ય સુહુમપુઢવિકાણ્ણસુ સુહુમઆઝકાણ્ણસુ અપ્પજ્જત્તણ્ણ પ્પજ્જત્તણ્ણ ય સુહુમતેઝકાણ્ણસુ અપ્પજ્જત્તણ્ણ પ્પજ્જત્તણ્ણ ય સુહુમવાઝકાણ્ણસુ અપ્પજ્જત્તણ્ણ પ્પજ્જત્તણ્ણ ય વાયરવાઝકાણ્ણસુ અપ્પજ્જત્તણ્ણ

पञ्चातपस्य व द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय पञ्चातपस्य व पञ्चातपस्य व वारसस्य वि ठायेत एष्यं  
 येन क्रमेण मायिकान्तो द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय (अ)पञ्चातपस्य एवं च निरवसेसो वारस  
 स्य वि ठायेत तत्राप्येकान्तो १४ एवं एष्यं यमएष्यं वाच द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय पञ्चा  
 तपस्यो द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय पञ्चातपस्य येन मायिकान्तो ॥ अपञ्चातपस्य द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय  
 च मते । ओगस्त्य पुरच्छिमिन्ने चरिमते समोहए १ ता ये मयि ए ओगस्त्य दक्षिमिन्ने  
 चरिमते अपञ्चातपस्य द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय तत्रचरितए से च मते । अक्षमइष्यं निगमहेन  
 उक्कजेया । गोय्या । दुसमइष्यं वा तिसमइष्यं वा चरसमइष्यं वा निगमहेन  
 उक्कजेया से येनहेन मते । एव कुचइ १ एवं यस्त गोय्या । मए सप्त सेदीयो  
 पञ्चातपस्यो तत्रहा—उज्जुमाय्या वाच अक्षमइष्यं एष्यमोवचए सेदीए तत्रचर-  
 माये दुसमइष्यं निगमहेन उक्कजेया दुसमोवचए सेदीए उक्कजमाये ये मयि ए  
 एष्यम्वरसि अक्षमइष्यं (ए)यो तत्रचरितए से च तिसमइष्यं निगमहेन उक्कजेया ये  
 मयि ए सिदे (दी)हि उक्कजितए से च चरसमइष्यं निगमहेन उक्कजेया से तत्रहेन  
 गोय्या । एवं एष्यं यमएष्यं पुरच्छिमिन्ने चरिमते समोहए दक्षिमिन्ने चरिमते  
 तत्राप्येकान्तो वाच द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय पञ्चातपस्यो द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय पञ्चातपस्य  
 येन सम्येसि दुसमइष्यो तिसमइष्यो चरसमइष्यो निगमहेन मायिकान्तो । अपञ्चात  
 द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय च मते । ओगस्त्य पुरच्छिमिन्ने चरिमते समोहए १ ता ये मयि ए  
 ओगस्त्य पञ्छिमिन्ने चरिमते अपञ्चातपस्य द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय तत्रचरितए से च मते ।  
 अक्षमइष्यं निगमहेन उक्कजेया । गोय्या । एष्यमइष्यं वा दुसमइष्यं  
 वा तिसमइष्यं वा चरसमइष्यं वा निगमहेन उक्कजेया ॥ येनहेन १ एवं  
 चहेन पुरच्छिमिन्ने चरिमते समोहया पुरच्छिमिन्ने येन चरिमते तत्राप्येकान्तो तत्र  
 पुरच्छिमिन्ने चरिमते समोहया पञ्छिमिन्ने चरिमते तत्राप्येकान्तो सम्ये अपञ्चात-  
 द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय च मते । ओगस्त्य पुरच्छिमिन्ने चरिमते समोहए १ ता ये मयि ए  
 ओगस्त्य वारसि चरिमते अपञ्चातपस्य द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय तत्रचरितए से च मते ।  
 एवं चहा पुरच्छिमिन्ने चरिमते समोहयो दक्षिमिन्ने चरिमते तत्राप्येकान्तो तत्र  
 पुरच्छिमिन्ने चरिमते समोहयो उत्तरि चरिमते तत्राप्येकान्तो अपञ्चातपस्य द्युमन्वन्तस्य  
 इन्द्राय च मते । ओगस्त्य दक्षिमिन्ने चरिमते समोहए समोहमित्र ये मयि ए  
 ओगस्त्य दक्षिमिन्ने येन चरिमते अपञ्चातपस्य द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय तत्रचरितए एवं  
 चहा पुरच्छिमिन्ने समोहयो पुरच्छिमिन्ने येन तत्राप्येकान्तो तत्र दक्षिमिन्ने समोहयो  
 दक्षिमिन्ने येन तत्राप्येकान्तो तत्र निरवसेस वाच द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय पञ्चातपस्यो  
 द्युमन्वन्तस्य इन्द्राय येन पञ्चातपस्य दक्षिमिन्ने चरिमते तत्राप्येकान्तो एवं दक्षिमिन्ने

समोहओ पच्चच्छिमिल्ले चरिमते उववाएयव्वो नवरं दुसमइयतिसमइयचउसमइय विग्गहो सेस तहेव, दाहिणिल्ले समोहओ उत्तरिल्ले चरिमते उववाएयव्वो जहेव मट्ठाणे तहेव एगसमइयदुसमइयतिसमइयचउसमइयविग्गहो, पुरच्छिमिल्ले जहा पच्चच्छिमिल्ले तहेव दुसमइयतिसमइयचउसमइयविग्गहो, पच्चच्छिमिल्ले चरिमते समोहयाण पच्चच्छिमिल्ले चेव उववज्जमाणाण जहा मट्ठाणे, उत्तरिल्ले उववज्जमाणाण एगसमइओ विग्गहो नत्थि, सेस तहेव, पुरच्छिमिल्ले जहा सट्ठाणे, दाहिणिल्ले एगसमइओ विग्गहो नत्थि, सेस तहेव, उत्तरिल्ले समोहयाण उत्तरिल्ले चेव उववज्जमाणाण जहेव सट्ठाणे, उत्तरिल्ले समोहयाण पुरच्छिमिल्ले उववज्जमाणाण एव चेव, नवर एगसमइओ विग्गहो नत्थि, उत्तरिल्ले समोहयाण दाहिणिल्ले उववज्जमाणाण जहा सट्ठाणे, उत्तरिल्ले समोहयाण पच्चच्छिमिल्ले उववज्जमाणाण एगसमइओ विग्गहो नत्थि, सेस तहेव जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइ एसु पज्जत्तएसु चेव ॥ कहिन्न भते । वायरपुढविकाइयाण पज्जत्तगाण ठाणा प० ? गोयमा । सट्ठाणेण अट्ठसु पुढवीसु जहा ठाणपए जाव सुहुमवणस्सइकाइया जे य पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसमगाणत्ता सव्वलोगपरियावन्ना प० समगाउसो । । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाण भंते । कइ कम्मप्पगढीओ पज्जत्ताओ ? गोयमा । अट्ठ कम्मप्पगढीओ प०, त०—नाणावरणिज्ज जाव अतराइय, एव चउक्कएण भेदेण जहेव एगिंदियसएसु जाव वायरवणस्सइकाइयाण पज्जत्तगाण, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया ण भते । कइ कम्मप्पगढीओ वधति ? गोयमा । सत्तविहवधगावि अट्ठविहवधगावि जहा एगिंदियमएसु जाव पज्जत्ता वायरवणस्सइकाइया । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया ण भते । कइ कम्मप्पगढीओ वेदंति ? गोयमा । चउहस कम्मप्पगढीओ वेदंति, तजहा—नाणावरणिज्ज जहा एगिंदियसएसु जाव पुरिमवेयवज्ज एव जाव वायरवणस्सइकाइयाण पज्जत्तगाण, एगिंदिया ण भते । कओ उववज्जति किं नेरइएहिंतो उववज्जति० ? जहा वक्कतीए पुढविकाइयाण उववाओ, एगिंदियाण भते । कइ समुग्घाया प० ? गोयमा । चत्तारि समुग्घाया प०, तजहा—वेयणासमुग्घाए जाव वेउव्वियसमुग्घाए ॥ एगिंदिया ण भते । किं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहिय कम्म पकरेंति तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? गोयमा । अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहिय कम्म पकरेंति अत्थेगइया वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहिय कम्मं पकरेंति अत्थेगइया वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहिय कम्मं पकरेंति



दिया दुविहा प०, त०-अत्येगङ्गा समाङ्गा मनोराज्या अत्येगङ्गा समाङ्गा  
 विमोषवज्जगा, तत्त्व १ जे ते समाङ्गा मनोराज्या ते ण कुण्डिङ्गा कुण्डि-  
 साहिय कम्म पक्कंति, तत्त्व १ जे ते समाङ्गा विमोराज्या ते ण कुण्डिङ्गा  
 वेमायविमोराज्या कम्म पक्कंति, ते नेणट्टेण जाय वेमायविमोराज्या कम्म पक्कंति ।  
 सेव भते । ० ति ॥ ८५१ ॥ ३४-१-२ ॥ कङ्कविहा ण भते । परंपरोववज्जगा एगि-  
 दिया प० ? गोयमा । पङ्कविहा परंपरोववज्जगा एगिदिया प०, त०-पुण्ड्रिङ्गा  
 भेदो चउणओ जाव वगम्म ताडयति । परंपरोववज्जगापञ्चतमुहुमपुण्ड्रिङ्गा ण  
 भते । इमीसे रयणप्पभाए पुण्ड्रीए पुरच्छिन्ने चरिमते मनोराज्या ० ता जे भाए  
 इमीसे रयणप्पभाए पुण्ड्रीए जाय पञ्चिङ्गे चरिमते अपञ्चतमुहुमपुण्ड्रिङ्गा  
 ताए उवचज्जितए एव एण अभिलावेण जहव पडमो उद्देसओ जाव लोचनारिम-  
 तोति । कहिअ भते । परंपरोववज्जगापञ्चतवायरपुण्ड्रिङ्गा ण ठाणा प० ? गोयमा ।  
 सट्ठाणेण अट्ठसु पुण्ड्रीसु एवं एण अभिलावेण जहव पडमे उद्देसओ जाव कुण्डि-  
 यति । सेव भते । ० ति ॥ ३४-१-३ ॥ एवं सेवति अट्ठ उद्देसगा जाय अनारिमोति,  
 नवर अणतरा अणतरमरिगा परंपरा परंपरारिगा चारगा य अनारिगा य ता चैव,  
 एव एण एणारम उद्देसगा ॥ ८५२ ॥ ३४-१-११ ॥ पडम एगिदियसेट्ठिमय समत्त ॥  
 कङ्कविहा ण भते । कण्डलेस्सा एगिदिया प० ? गोयमा । पञ्चविहा कण्डलेस्सा  
 एगिदिया प० भेदो चउणओ जहा कण्डलेस्साएगिदियमए जाय वगम्म ताडयति ।  
 कण्डलेस्सापञ्चतमुहुमपुण्ड्रिङ्गा ण भते । इमीसे रयणप्पभाए पुण्ड्रीए पुरच्छि-  
 न्नि एव एण अभिलावेण जहव ओहिउद्देसओ जाय लोचनारिमतेति सव्वत्थ कण्ड-  
 लेस्सेसु चैव उववाएयव्वो । कहिअ भते । कण्डलेस्सापञ्चतवायरपुण्ड्रिङ्गा ण ठाणा  
 प० ? गोयमा । एव एण अभिलावेण जहा ओहि(य)उद्देसओ जाव कुण्डिङ्गयति ।  
 सेव भते । ० ति ॥ एव एण अभिलावेण जहव पडम सेट्ठिसय तहेव एणारम उद्दे-  
 सगा भाणियव्व्या ॥ ३४-२-११ ॥ विड्य एगिदियसेट्ठिमय समत्त ॥ एवं नीललेस्सेहिवि-  
 तइय सय । काउलेस्सेहिवि सय, एवं चैव चउत्थ सय । भविसिद्धियएगिदिहिवि-  
 सय पचम समत्त ॥ कङ्कविहा ण भते । कण्डलेस्सभवसिद्धियएगिदिया प० ? एव  
 जहेव ओहियउद्देसओ, कङ्कविहा ण भते । अणतरोववज्जगा कण्डलेस्सा भवसिद्धिया  
 एगिदिया प० जहेव अणतरोववज्जगाउद्देसओ ओहिओ तहेव ॥ कङ्कविहा ण भते । परं-  
 परोववज्जगाकण्डलेस्सभवसिद्धिया एगिदिया प० ? गोयमा । पञ्चविहा परंपरोववज्जगा  
 कण्डलेस्सभवसिद्धियएगिदिया प० ओहिओ भेदो चउणओ जाव वणस्मइकाडयति ।  
 परंपरोववज्जगाकण्डलेस्सभवसिद्धियपञ्चतमुहुमपुण्ड्रिङ्गा ण भते । इमीसे रयणप्प

माए बुद्धीए एवं एएनं अभिज्जयेयं ज्ञेयं ओहिओ खोसओ वाय लोवचरिमंतेति  
 एम्बरव कण्ठेस्तेनु भवसिद्धिएणु उववाएयम्भो । कदिभं मति । परंस्तेववववकण्ठ  
 केस्समभसिद्धिवज्जत्ताववरपुव्वकण्ठवानं ठाणा प एवं एएनं अभिज्जयेयं ज्ञेयं  
 ओहिओ खोसओ वाय बुद्धीइयति एव एएनं अभिज्जयेयं कण्ठेस्समभसिद्धिव  
 एणिदिएहिणि तहेव एववरसत्तवगसंतुत धवं छट्ठं सर्वं समती ॥ नीमकेस्समभ  
 सिद्धिवएणिदिएणु सत्तमं सर्वं समती । एवं कण्ठेस्समभसिद्धिवएणिदिएहिणि सर्वं  
 जट्ठमं सव । बहा मभसिद्धिएहिं जत्तादि सवाप्ति मयियापि एव अभवसिद्धिएहिनि  
 जत्तादि मवाप्ति माम्भिय्याप्ति नवरं वरिमवचरिमवज्जा नव ओखया माम्भिय्या  
 तेयं तं नव एवं एवाइं वारस एणिदियसेवीसवाइं माम्भिय्याइं । ॥३॥ मति । २  
 ति वाव निहार ॥ ८५॥ ॥ एणिदियसहीसयाइं समत्ताइं ॥ एणिदिय  
 सेहिमयं वड्ढीसहमं समत्तं ॥

५० वं भंते । महाकुम्मा पज्जा १ योयमा । सोकस महाकुम्मा प तं—  
 कण्ठकुम्माकण्ठकुम्मे १ कण्ठकुम्मातेभगे २ कण्ठकुम्मादावरकुम्मे १ कण्ठकुम्मावहिभगे  
 ४ तभोगकण्ठकुम्मे ५ तेभोगतभोगे ६ तेभोगदावरकुम्मे ७ तभोगरभिभगे  
 दावरकुम्माकण्ठकुम्मे ८ दावरकुम्मातेभगे ९ दावरकुम्मादावरकुम्मे ११ दावर  
 कुम्मावहिभगे १२ वसिभोगकण्ठकुम्मे १३ वसिभोगतभोगे १४ वसिभोगदावर  
 कुम्मे १५ वसिभोगवहिभगे १६ । ते कण्ठेयं मति । एवं बुद्धं सोकस महाकुम्मा  
 ५ तं—कण्ठकुम्माकण्ठकुम्मे वाय वसिभोगकण्ठिभोग । गोयमा । जे वं एही  
 वड्डएवं अवहारोव अवहीरमाय वड्डवज्जएणु जे वं तस्स रात्रिस्स अवहार  
 समवा तज्जि कण्ठकुम्मा तेत कण्ठकुम्माकण्ठकुम्मे १ जे वं एही वड्डएवं अवहारोव  
 अवहीरमाय वड्डवज्जएणु जे वं तस्स रात्रिस्स अवहारसमवा वड्डकुम्मा तेत  
 कण्ठकुम्मातभोगे २ जे वं एही वड्डएवं अवहारोव अवहीरमाय वड्डवज्जएणु जे  
 वं तस्स रात्रिस्स अवहारसमवा कण्ठकुम्मा तेत कण्ठकुम्मादावरकुम्मे २ जे वं  
 एही वड्डएवं अवहारोव अवहीरमाय वड्डवज्जएणु जे वं तस्स रात्रिस्स अव  
 हारसमवा कण्ठकुम्मा तेत कण्ठकुम्मावहिभगे ४ जे वं एही वड्डएवं अवहारोव  
 अवहीरमाय वड्डवज्जएणु जे वं तस्स रात्रिस्स अवहारसमवा तभोगा तेत  
 तेभोगकण्ठकुम्मे ५ जे वं एही वड्डएवं अवहारोव अवहीरमाय वड्डवज्जएणु जे  
 वं तस्स रात्रिस्स अवहारसमवा तेभोगा तेत तेभोगतभोगे ६ जे वं एही  
 वड्डएवं अवहारोव अवहीरमाय वड्डवज्जएणु जे वं तस्स रात्रिस्स अवहारसमवा  
 तेभोगा तेत तेभोगदावरकुम्मे ७ जे वं एही वड्डएवं अवहारोव अवहीरमाय

एगपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्त तेओगकलिओगे  
 ८, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे ण तस्स  
 रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्त दावरजुम्मकडजुम्मे ९, जे ण रासी चउ-  
 क्कएण अवहारेण अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स अवहारसमया  
 दावरजुम्मा सेत्त दावरजुम्मतेओगे १०, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीर-  
 माणे दुपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्त दावरजु-  
 म्मदावरजुम्मे ११, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे  
 ण तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्त दावरजुम्मकलिओगे १२, जे ण  
 रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स  
 अवहारसमया कलिओगा सेत्त कलिओगकडजुम्मे १३, जे ण रासी चउक्कएण अव-  
 हारेण अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा  
 सेत्त कलिओगतेओगे १४, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे दुपज्जवसिए  
 जे ण तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्त कलिओगदावरजुम्मे १५, जे ण  
 रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स अव-  
 हारसमया कलिओगा सेत्त कलिओगकलिओगे १६ । से तेणट्ठेण जाव कलिओगकलि-  
 ओगे ॥८५४॥ कडजुम्मकडजुम्मएगिदिया ण भते । कओ उववज्जति किं नेरइएहिंतो  
 जहा उप्पलुद्देसए तहा उववाओ । ते ण भते । जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जति ?  
 गोयमा ! सोलस वा सखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणता वा उववज्जति, ते ण भते !  
 जीवा समए समए० पुच्छा, गोयमा ! ते ण अणता समए समए अवहीरमाणा २  
 अणताहिं ओमप्पिणीउस्सप्पिणीहिं अवहीरति णो चेव ण अवहिरिया सिया,  
 उच्चत्त जहा उप्पलुद्देसए, ते ण भते ! जीवा नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बधगा  
 अबधगा ? गोयमा ! बधगा नो अबधगा, एवं सव्वेसिं आउयवज्जाण, आउयस्स  
 बधगा वा अबधगा वा, ते ण भते ! जीवा नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स वेदगा  
 पुच्छा, गोयमा ! वेदगा नो अवेदगा, एव सव्वेसिं, ते ण भते ! जीवा किं  
 सायावेदगा असायावेदगा पुच्छा, गोयमा ! सायावेदगा वा असायावेदगा वा,  
 एव ( खलु ) उप्पलुद्देसगपरिवाडी, सव्वेसिं कम्माणं उदई नो अणुदई, छण्ह कम्माणं  
 उधीरगा नो अणुधीरगा, वेयणिज्जाउयाण उधीरगा वा अणुधीरगा वा, ते ण भते !  
 जीवा किं कण्हलेस्सा पुच्छा, गोयमा ! कण्हलेस्सा वा नीललेस्सा वा काउलेस्सा वा  
 तेउलेस्सा वा, नो सम्मादिट्ठी नो सम्मामिच्छादिट्ठी मिच्छादिट्ठी, नो नाणी अन्नाणी  
 निय(मा)म दुअन्नाणी त०-मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, नो मणजोगी नो वइजोगी

नो निहारवतिवाए पबजेअ धम्मणाए, केअपी इया आवाणमेअ' अंतए से वसि  
 सिवा पबिहवा वा पबएणु वा बीएणु वा हरिणु वा उवएणु वा मडिआए वा  
 अमिहएणु, अह मिकएणं पुअणेअमिहसु जाअ अं तहएणारं अवेमाहगममिअं जाअ  
 ये गमणाए, तअये संअवामेअ धम्मालुणार्मं बुअजेआ धम्मणाए ॥ ७११ ॥ से मिकए  
 वा (१) धम्मालुणार्मं बुअजमाणे अंतए से वावा संतारिमे उएए सिवा से अं  
 पुअ नार्मं आमिआ अउंअए मिकएणपडिमाए डिमेअ वा धामिमेअ वा वावाए  
 वा नार्मं परिणार्मं कहु, बअमओ वा नार्मं अउंसि अगेगाहेआ अअमओ वा नार्मं  
 कउंसि उअसेआ पुअं वा नार्मं उरंसिअजेआ उअं वा नार्मं उअपीअजेअ तह  
 पएधारे नार्मं उअपामिअि वा अहेअमिअि वा विरिअगामिअि वा परं अवेअमएणए  
 अउअवेअमएणए अएअरो वा अउअरो वा नो दुअजेअ धम्मणाए ॥ ७१२ ॥ से  
 मिकए वा (२) पुअआमेअ विरिअअउंअपासिअं नार्मं आमिआ आमिअ से उमावाए  
 एणंअमकअमिआ मंडअं पडिअेअिआ पडिअेअिअ एअओ मोअअमंडअं अरेआ २  
 उअंअवेअरिअं अर्यं पाए अ धम्मजेआ धम्मजिअ सापारिअमत्तं पअअआएआ पअ  
 कअाएअ एअं एअं अउे अिआ एअं पाअं अउे अिआ तअये संअवामेअ नार्मं दुअजेआ  
 ॥ ७१४ ॥ से मिकए वा (१) नार्मं बुअजमाणे नो वावाए पुरओ दुअजेआ नो  
 वावाए अमपओ दुअजेआ नो वावाए मअअओ दुअजेआ नो वावाओ पडिअिअिअ पडि-  
 अिअिअ अंअुअिए उअरंसिअ १ ओअमिअ १ उअममिअ २ मियअाएआ ॥ ७१५ ॥ से अं  
 परो वावाअओ वावाअं अएआ "आउअंओ समअा । एअं ता तुअं नार्मं अउअाहि  
 वा ओअअाहि वा अिआहि वा उअूअ वा गहाअ आअअाहि" नो से तं परिअं परं  
 आअेआ तुअिअीओ अवेहेआ ॥ ७१६ ॥ से अं परो वावाअओ वावाअं अएआ  
 "आउअंओ समअा अे संअाएअि नार्मं अउअिअए वा ओअअिअए वा अिअिअए वा  
 उअुअाए वा गहाअ आअअिअए आअर एअं वावाए उअूअं अरं अेअ अं अरं नार्मं  
 अउअिअिअमो वा वाअ उअूअ वा गहाअ आअअिअिअमो" नो से तं परिअं परिअ-  
 मेआ तुअिअीओ अवेहेआ ॥ ७१७ ॥ से अं परो वावाअओ वावाअं अएआ  
 आउअंओ समअा एअं ता तुअं नार्मं आअिअेअ वा पीअेअ वा अंअेअ वा अअएअ वा  
 अअअएअ वा वाहेअि नो से तं परिअं परिअमिअ तुअिअीओ अवेहेअ ॥ ७१ ॥  
 से अं परो वावाअओ वावाअं अवेआ आउअंओ समअा एअं ता तुअं वावाए  
 उअरं अुअेअ वा पाएअ वा मतेअ वा पडिअमहेअ वा वावा उरंसिअजेअ वा उरंसि-  
 आहि" नो से तं परिअं परिअमिअ तुअिअीओ अवेहेआ ॥ ७१९ ॥ से अं परो  
 वावाअओ वावाअं अएआ आउअंओ समअा एअं तो तुअं वावाए अतिअं अुअेअ



अणता वा उववज्जति, दावरजुम्मतेओगेसु एक्कारस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा  
 अणता वा उववज्जति, दावरजुम्मदावरजुम्मेसु दस वा मनेज्जा वा असखेज्जा वा  
 अणता वा उववज्जति, दावरजुम्मकलिओगेसु नव वा संगेज्जा वा असखेज्जा वा  
 अणता वा उववज्जति, कलिओगकडजुम्मेसु चत्तारि वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा  
 अणता वा उववज्जति, कलिओगतेओगेसु सत्त वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा अणता  
 वा उववज्जति, कलिओगदावरजुम्मेसु छ वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा अणता  
 वा उववज्जति, कलिओगकलिओगएगिंदिया ण भते । कओ उववज्जति० ? उववाओ  
 तहेव परिमाण पच वा संगेज्जा वा असखेज्जा वा अणता वा उववज्जति सेस  
 तहेव जाव अणतखुत्तो । सेव भते । सेव भते । ति ॥ ८५५ ॥ ३५-१-१ ॥  
 पढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया ण भते । कओ उववज्जति० ? गोयमा ।  
 तहेव एव जहेव पढमो उद्देसओ तहेव सोलसरुत्तो विइओवि भाणियव्वो, तहेव  
 सव्व, नवरं इमाणि दस नाणत्ताणि-ओगाहणा जह्जेण अगुलस्स असखेज्जइ  
 भाग उक्कोसेणवि अगुलस्स असखेज्जइभाग, आउयक्म्मस्स नो वधगा अवधगा  
 आउयस्स नो उदीरगा अणुदीरगा, नो उस्सासगा नो निस्सासगा नो उस्मास-  
 निस्सासगा, सत्तविह्वधगा नो अट्ठविह्वधगा । ते ण भते । पढमसमयकडजुम्म २-  
 एगिंदियत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा । एक्क समय, एव ठिईएवि,  
 समुग्घाया आइल्ला दोन्नि, समोहया न पुच्छिज्जति उव्वट्ठणा न पुच्छिज्जइ, सेस  
 तहेव सव्व निरवसेसं, सोलससुवि गमएसु जाव अणतखुत्तो । सेव भते । २ ति  
 ॥ ८५६ ॥ ३५-१-२ ॥ अपढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया ण भते । कओ  
 उववज्जति० ? एसो जहा पढमुद्देसो सोलसहिवि जुम्मेसु तहेव नेयव्वो जाव कलिओ-  
 गकलिओगत्ताए जाव अणतखुत्तो । सेव भते । २ ति ॥ ३५-१-३ ॥ चरिमसमयकड-  
 जुम्म २ एगिंदिया ण भते । कओ उववज्जति० ? एवं जहेव पढमसम-  
 यउद्देसओ नवरं देवा न उववज्जति तेउलेस्सा न पुच्छिज्जति, सेसं तहेव । सेव  
 भते । सेव भते । ति ॥ ३५-१-४ ॥ अचरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया ण  
 भते । कओ उववज्जति० ? जहा (अ)पढमसमयउद्देसो तहेव निरवसेसो भाणियव्वो ।  
 सेव भते । २ ति ॥ ३५-१-५ ॥ पढमपढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया ण भते ।  
 कओ उववज्जति० ? जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव निरवसेस । सेव भते । २  
 ति जाव विहरइ ॥ ३५-१-६ ॥ पढमअपढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया ण  
 भते । कओ उववज्जति० ? जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव भाणियव्वो । सेव भते ।  
 २ ति ॥ ३५-१-७ ॥ पढमचरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया ण भते । कओ

अथमेव सागारोदयता वा अथागारोदयता वा तसि च मते । जीवान् सरीरा  
 कथम्वा ब्रह्म उप्पत्तुं स ए सत्त्वत्वं पुच्छा योवमा । अथा उप्पत्तुं स ए उप्पत्तुं  
 वा योवमा वा नो उप्पत्तुं नीलासया वा आहारता वा अथाहारता वा नो  
 मिरता अमिरता नो मिरतामिरता सकिरिता नो अकिरिता सत्तमिहवर्गता वा  
 अदुमिहवर्गता वा आहारसत्त्वोदयता वा आभ परिणामसत्त्वोदयता वा अथोदयता  
 वा आभ अमदयता वा नो इतिवदेवता नो पुरितवदेवता नुपुंसपदेवता इतिवदे  
 वता वा पुरितवदेवता वा नुपुंसपदेवता वा नो सत्ती असत्ती सत्तिता  
 नो अतिता ते च मते । कथमुत्तमकथमुत्तमपुमिदित्ति कथमो केवचित् होह ।  
 पोत्तमा । अथोत्तम एव सम्यं उप्पत्तेन अनेतं अथ अनेताथो अनेतपिभित्तसपिनीये  
 ननसत्तुत्तमत्तमत्तमे सत्तेन न मत्त आहारो अथा उप्पत्तुं स ए अनेतं निम्माणाएव  
 उप्पत्तिं कथमं पुच्छा तिव तिवित्ति तिव अतित्ति तिव पंचवित्ति सेतं तदेव  
 त्ति अथोत्तम (एव सम्यं) मत्तोमुत्तम उप्पत्तेन वापीतं वात्तसत्तुत्तम, समुत्तमा  
 आत्त वात्तारि मत्तारित्तवत्तुत्तमाएव समोदयानि मत्ति अनेतमत्तवानि मत्ति  
 उप्पत्तुं अथा उप्पत्तुं स ए, अह मति । सत्त्वता आभ सत्त्वता कथमुत्तम १-  
 पुमिदित्तिताएव उवत्तपुत्तमा । इत्ता योवमा । असत् अत्तुता अनेतत्तुतो कथमुत्तमे  
 अनेतपुमिदित्ति च मति । कथो उवत्तमत्ति । उवत्तमो तदेव ते च मति । जीवा  
 एवत्तम ए पुच्छा योवमा । एवत्तमत्ता वा सत्त्वता वा असत्त्वता वा अनेता वा  
 उवत्तमत्ति सेतं अथा कथमुत्तमकथमुत्तमान् आभ अनेतत्तुतो कथमुत्तमवात्तमुत्तम-  
 पुमिदित्ति च मति । कथो उवत्तमत्ति । उवत्तमो तदेव ते च मति । जीवा  
 एवत्तमएव पुच्छा योवमा । अत्तुत्त वा सत्त्वता वा असत्त्वता वा अनेता वा  
 उवत्तमत्ति सेतं तदेव आभ अनेतत्तुतो कथमुत्तमकथमुत्तमपुमिदित्ति च मति ।  
 कथो उवत्तमत्ति । उवत्तमो तदेव परिमाणं सत्तत्त वा सत्त्वता वा असत्त्वता वा  
 अनेता वा सेतं तदेव आभ अनेतत्तुतो तेवोयकथमुत्तमपुमिदित्ति च मति । कथो  
 उवत्तमत्ति । उवत्तमो तदेव परिमाणं आरत्त वा सत्त्वता वा असत्त्वता वा अनेता  
 वा उवत्तमत्ति सेतं तदेव आभ अनेतत्तुतो ततोयतेवोयपुमिदित्ति च मति । कथो  
 उवत्तमत्ति । उवत्तमो तदेव परिमाणं पत्तत्त वा सत्त्वता वा असत्त्वता वा अनेता  
 वा सेतं तदेव आभ अनेतत्तुतो एव एवत्त सोत्तसत्त महात्तमेव एवो यमत्तं मत्तं  
 परिमाणं नावता ततोयत्तवत्तमुत्तमेव परिमाणं अत्तत्त वा सत्त्वता वा असत्त्वता वा  
 अनेता वा उवत्तमत्ति तेवोयत्तवत्तमुत्तमेव तेवत्त वा सत्त्वता वा असत्त्वता वा  
 अनेता वा उवत्तमत्ति वात्तमुत्तमकथमुत्तमेव अत्त वा सत्त्वता वा असत्त्वता वा

एगिंदियमहाजुम्मसय समत्तं ॥ ६ ॥ एव नीललेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिंवि सय ।  
 सेव भते । सेव भते । ति ॥ सत्तम एगिंदियमहाजुम्मसय समत्तं ॥ ७ ॥ एव  
 काउलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिंवि तहेव एक्कारसउद्दसगसजुत्त सय, एव एयाणि  
 चत्तारि भवसिद्धियसयाणि, चउसुवि सएसु सव्वपाणा जाव उववन्नपुव्वा २ नो  
 इण्टे समट्ठे । सेव भते । सेव भते । ति ॥ अट्ठमं एगिंदियमहाजुम्मसय समत्तं  
 ॥ ८ ॥ जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि सयाइ भणियाइ एव अभवसिद्धिएहिंवि  
 चत्तारि सयाणि लेस्सासजुत्ताणि भाणियव्वाणि, सव्वपाणा तहेव नो इण्टे समट्ठे,  
 एव एयाइ वारस एगिंदियमहाजुम्मसयाइ भवति । सेव भते । सेव भते । ति  
 ॥ ८५८ ॥ पणत्तीसइम सय समत्तं ॥

कडजुम्म२बेइदिया ण भते । कओ उववज्जति० २ उववाओ जहा वक्कीए, परिमाणं  
 सोलस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा उववज्जति, अवहारो जहा उप्प-  
 लुहेसए, ओगाहणा जहन्नेण अगुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण वारस जोयणाइ,  
 एव जहा एगिंदियमहाजुम्माण पढमुद्देसए तहेव नवरं तिन्नि लेस्साओ देवा न  
 उववज्जति सम्महिट्ठी वा मिच्छादिट्ठी वा नो सम्मामिच्छादिट्ठी नाणी वा अन्नाणी  
 वा नो मणजोगी वइजोगी वा कायजोगी वा, ते ण भते । कडजुम्म२बेइदिया  
 कालओ केवचिरं होइ २ गोयमा । जहन्नेण एक समय उक्कोसेण सखेज्ज काल, ठिई  
 जहन्नेण एक समय उक्कोसेण वारस सवच्छराइ, आहारो नियम छहिसिं, तिन्नि  
 समुग्घाया सेस तहेव जाव अणतखुत्तो, एव सोलससुवि जुम्मेसु । सेव भते । २  
 ति ॥ बेइदियमहाजुम्मसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥ ३६-१-१॥ पढमसमयकडजुम्म२-  
 बेइदिया ण भते । कओ उववज्जति० २ एव जहा एगिंदियमहाजुम्माणं पढमसमय-  
 उद्देसए दस नाणत्ताइ ताई चेव दस इहवि, एक्कारसम इम नाणत्त-नो मणजोगी नो  
 वइजोगी कायजोगी सेस जहा बेइदियाण चेव पढमुद्देसए । सेव भते । २ ति ॥ एवं  
 एएवि जहा एगिंदियमहाजुम्मेसु एक्कारस उद्देसगा तहेव भाणियव्वा नवरं चउत्थछट्ठ-  
 अट्ठमदसमेसु सम्मत्तनाणाणि न भण्णति, जहेव एगिंदिएसु पढमो तइओ पचमो य  
 एकगमा सेसा अट्ठ एकगमा ॥ ३६ इमे सए पढम बेइदियमहाजुम्मसय समत्तं ॥ १॥  
 कण्हलेस्सकडजुम्म२बेइदिया ण भते । कओ उववज्जति० २ एव चेव कण्हलेस्सेसुवि  
 एक्कारसउद्देसगसजुत्त सय, नवरं लेस्सा सचिट्ठणा ठिई जहा एगिंदियकण्हलेस्साण ॥  
 चिइय बेइदियसय समत्तं ॥ २॥ एव नीललेस्सेहिंवि सय ॥ तइय सयं समत्तं ॥ ३॥  
 एवं काउलेस्सेहिंवि, सय चउत्थ समत्तं ॥ ४॥ भवसिद्धियकडजुम्म२बेइदिया ण भते ।  
 एव भवसिद्धियसयावि चत्तारि तेणेव पुव्वगमएण नेयव्वा नवरं सव्वे पाणा० णो



(जा नीमासगा वा) आहारगा य जहा एगिदियाग, मिरया य अविरगा य मिरयाविरया य, सफिरिया नो अफिरिया । ते ण भते । जीवा किं गत्तविहवधगा अट्ठविहवधगा(वा) छव्विहवधगा एगविहवधगा ? गोयमा । सत्तविहवधगा वा जाव एगविहवधगा वा, ते ण भते । जीवा किं आहारगघोवउत्ता जाव परिग्गहसघोवउत्ता नोसघो वउत्ता ? गोयमा । आहारगघोवउत्ता वा जाव नोमघोवउत्ता वा, सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा योहकमाई वा जाव लोभकमाई वा अरुमाउ वा, इत्थीवेदगा वा पुरिसवेदगा वा नपुसगवेदगा वा अवेदगा वा, इत्थीवेदवधगा वा पुरिसवेदवधगा वा नपुसवेदवधगा वा अवधगा वा, सर्त्ता नो असघी, गइदिया नो अणिदिया, सच्चिट्ठणा जहन्नेण एक्कं समयं उक्कोसेण सागरोवमसयपुहुत्त माइरेग, आहारो तहेव जाव नियमं छइसि, ठिई जहन्नेण एक्कं समयं उक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाइ, छ समुग्घाया आइन्ना मारणतियसमुग्घाएग समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति, उव्वट्ठणा जहेव उववाओ न कत्थइ पटिसेहो जाव अणुत्तरविमाणत्ति, अह भते । सव्वपाणा जाव अणत्तरुत्तो, एव सोलससुवि जुम्मेसु भाणियव्वं जाव अणत्तरुत्तो, नवरं परिमाण जहा वेइदियाण सेसं तहेव । सेव भते । ० त्ति ॥ ४०-१-१ ॥ पढमसमयकडजुम्म२सन्निपचिदिया ण भते । कओ उववज्जन्ति० ? उववाओ परिमाण आहारो जहा एएसिं चेव पढमोइसए ओगाहणा वधो वेदो वेयणा उदई उदीरगा य जहा वेइन्दियाण पढमसमइयाण तहेव कण्हलेस्सा वा जाव सुक्कलेस्सा वा, सेसं जहा वेइन्दियाण पढमसमइयाण जाव अणत्तरुत्तो नवरं इत्थिवेदगा वा पुरिसवेदगा वा नपुसगवेदगा वा सन्निणो असन्निणो सेसं तहेव एव सोलससुवि जुम्मेसु परिमाण तहेव सव्व । सेव भते । २ त्ति ॥ ४०-१-२ ॥ एवं एववि एक्कारस उइसगा तहेव, पढमो तइओ पचमो य मरिसगमगा सेसा अट्ठवि मरिसगमगा, चउत्थछट्ठअट्ठमदसमेसु नत्थि विसेसो (मोइवि) कायव्वो । सेवं भते । २ त्ति ॥ ८६३ ॥ चत्तालीसइमे सए पढम सन्निपचिदियमहाजुम्मसय समत्त ॥ १ ॥

कण्हलेस्सकडजुम्म २ सन्निपचिदिया ण भते । कओ उववज्जन्ति० ? तहेव जहा पढमुइमओ सघीण, नवरं बन्धा वेओ उदई उदीरणा लेस्सा वन्धगसन्ना कम्माय वेयवग्गा य एयाणि जहा वेइदियाण, कण्हलेस्साण वेदो तिविहो अवेदगा नत्थि संचिट्ठणा जहन्नेण एक्कं समयं उक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाइ अतोमुहुत्तमब्भहियाई एव ठिईएवि नवरं ठिईए अतोमुहुत्तमब्भहियाई न भज्जति सेसं जहा एएसिं चेव पढमे उइमए जाव अणत्तरुत्तो । एव सोलससुवि जुम्मेसु । सेव भते । २ त्ति ॥ पढमसमयकण्हलेस्सकडजुम्म२सन्निपचिदिया ण भते । कओ उववज्जन्ति० ? जहा

इष्टे समष्टे, सेष्टं तद्वेन व्येष्टिवसवामि चत्तारि । सेष्टं मति । सेष्टं मते । ति ॥  
 कृतीसहस्रे सप्त अष्टमं सर्वं समष्टं ॥ ८ ॥ अष्टा मन्त्रिद्विवसवामि चत्तारि एवं  
 मन्त्रिद्विवसवामि चत्तारि मानियव्यामि नवरं सम्मत्तनामामि (सम्बद्धा)  
 नस्ति सेष्टं तं चर एवं एवामि बारस वैष्टिवमहाह्मसवामि भवति । सेष्टं  
 मते । मते । ति ॥ ८५९ ॥ वैष्टिवमहाह्मसवामि समष्टा ॥ १२ ॥  
 छत्तीसहस्रे सप्तं समष्टं ॥

अष्टमस्य वैष्टिवान् भवति । कयो उच्यतेति । एवं वैष्टिविष्टमि बारस सप्त  
 अष्टमस्य वैष्टिवसवामि नवरं ओगाह्या बह्वेष्टं अष्टमस्य असवेष्टमार्क  
 उच्येतेन सिद्धि प्यव्याह, इष्टं बह्वेष्टं एवं समष्टं उच्येतेन एवमप्यं वैष्टिवान्  
 सेष्टं तद्वेन । सेष्टं मति । सेष्टं मते । ति ॥ ८६ ॥ वैष्टिवमहाह्मसवामि समष्टा  
 ॥ १२ ॥ छत्तीसहस्रे सप्तं समष्टं ॥

चत्तारिविष्टमि एवं चैव बारस सप्त अष्टमस्य नवरं ओगाह्या बह्वेष्टं अष्ट-  
 मस्य असवेष्टमार्क उच्येतेन चत्तारि याव्याह, इष्टं बह्वेष्टं एवं समष्टं उच्येतेन  
 सम्मत्ता संस बह्वा वैष्टिवान् । मते । ति ॥ ८७ ॥ चत्तारिविष्टमहा-  
 ह्मसवामि समष्टा ॥ १२ ॥ अष्टमस्य सप्तं समष्टं ॥

अष्टमस्य असवेष्टमिष्टिया न मते । कयो उच्यतेति । अष्टा वैष्टिवान् तद्वेन  
 असवेष्टमि बारस सप्त अष्टमस्य नवरं ओगाह्या बह्वेष्टं अष्टमस्य असवेष्टम-  
 मार्क उच्येतेन व्येष्टिवसवामि मन्त्रिद्विना बह्वेष्टं एवं समष्टं उच्येतेन पुष्पकोटिपुष्टं  
 इष्टं बह्वेष्टं एवं समष्टं उच्येतेन पुष्पकोटी सेष्टं बह्वा वैष्टिवान् । सेष्टं मति । २  
 ति ॥ ८८ ॥ मन्त्रिद्विविष्टमहाह्मसवामि समष्टा ॥ १२ ॥ अष्टमस्य छत्तीस-  
 हस्रे सप्तं समष्टं ॥ अष्टमस्य चत्तारिविष्टमिना भवति । कयो उच्यतेति । उच्य-  
 नाभ्ये चत्तारि गीत, सवेष्टमार्क उच्येतेन असवेष्टमार्क उच्यतेन असवेष्टमार्क उच्यतेन  
 कयोमि पठितो वाच अनुतरमिमावति परिमाणं नवरारो ओगाह्या न बह्वा  
 असवेष्टमिष्टिद्वान् वैष्टिविष्टमार्क सप्तमं कम्मपयसी न वचया वा वचयगा वा वैष्टि-  
 विष्टम वचया नो वचयगा ओष्टिविष्टम वैष्टम वा अवैष्टम वा सेमार्क सप्त-  
 ममि वैष्टम नो अवैष्टम सप्तमवैष्टम वा असप्तमवैष्टम वा ओष्टिविष्टम उच्यते  
 वा अनुवर्तते वा सेमार्क सप्तममि उच्यते नो अनुवर्तते, अष्टमस्य ओष्टम न उच्यते  
 नो अनुवर्तते वा सेमार्क सप्तममि उच्यते नो अनुवर्तते वा अनुवर्तते वा अनुवर्तते वा अनुवर्तते  
 उच्यते वा, सम्मत्ति वा मिष्टमिष्टि वा सम्मत्तिमिष्टि वा नान्नी वा  
 नान्नी वा मन्त्रिद्विना (वा) मन्त्रिद्विना वचयगा वचयगा वचयगा वचयगा

शुण्णलेस्सा ता नो गम्मादिट्ठी मिन्त्रादिट्ठी नो गम्मामिन्त्रादिट्ठी नो नाणी भत्ताणी  
 एव जहा कण्डलेस्ससाणं नवरं नो विरया अविरया नो विरयाविरया मचिट्ठणा ठिई  
 य जहा ओहियउद्देगए समुग्गाया आग्गाया पंच उव्वट्ठणा तद्देव अणुत्तराणिमागवज्जं  
 सव्वपाणा० णो इण्टे समट्ठे मेम जहा कण्डलेस्ससाणं जाव अणत्तासो, एव गोयमा  
 सुवि जुम्मेसु । सेव भंते । २ ति ॥ पटमगमयअभाविदियकउजुम्म २ मणिपि  
 दिया ण भंते ! कओ उव्वज्जन्ति० ? जहा मर्माण पटमगमयउद्देगए तद्देव नवरं  
 सम्मत मम्मामिन्त्रत्त नाणं च गव्वत्थं नत्थि सेस तद्दए । सेव भंते । २ ति ॥  
 एव एववि एणारत्ता उद्देगसा कायव्वा पउमउयपामा एणामा सेमा अट्ठवि  
 एणगमा । सेव भंते । २ ति ॥ पउम अभावविदियमहाजुम्ममय समत्त ॥ चत्ता-  
 लीसइमे सए पणरगम मय समत्त ॥ १५ ॥ कण्डलेस्सअभाविदियकउजुम्म-  
 सचिपिचिदिया ण भंते ! कओ उव्वज्जन्ति० ? जहा एएणि चेव ओहियत्तव तद्द  
 कण्डलेस्समयपि नवरं ते ण भंते ! जीवा कण्डलेस्सा ? इहा कण्डलेस्सा, ठिई  
 सचिट्ठणा य जहा कण्डलेस्ससए सेस त चेव । सेव भंते । २ ति ॥ विश्यं अभाव  
 सिद्धियमहाजुम्ममय ॥ चत्तालीसइमे सए सोलसम मय समत्त ॥ १६ ॥ एव छट्ठवि  
 लेस्साहिं छ सया कायव्वा जहा कण्डलेस्समय नवरं सचिट्ठणा ठिई य जद्देव  
 ओहियए तद्देव भाणियव्वा, नवरं शुण्णलेस्साए उव्वोसेण एक्कतीसं तागोवमाई  
 अतोमुहुत्तमव्वमहियाई, ठिई एव चेव नवरं अतोमुहुत्तं नत्थि जद्दस्य तद्देव सव्वत्थं  
 सम्मतनाणाणि नत्थि विरइ विरयाविरइ अणुत्तरविमाणोववत्ति एयाणि नत्थि,  
 सव्वपाणा० णो इण्टे समट्ठे । सेव भंते ! सेव भंते ! ति ॥ एव एयाणि सत्तं अभाव  
 सिद्धियमहाजुम्ममयाणि भवन्ति । सेव भंते । २ ति ॥ एव एयाणि एक्कतीसं  
 सन्निमहाजुम्मसयाणि । सव्वाणिवि एक्कासीइमहाजुम्मसया समत्ता ॥ ८६४ ॥  
 चत्तालीसइम सय समत्त ॥

कइ ण भंते । रासीजुम्मा पजत्ता ? गोयमा । चत्तारि रासीजुम्मा पजत्ता,  
 तजहा—कडजुम्मे जाव कलिओगे, से केणट्ठेण भंते । एव चुवइ चत्तारि  
 रासीजुम्मा पजत्ता तजहा—कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा । जे ण रासी  
 चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे चउपज्जवसिए सेस रासीजुम्मकडजुम्मे,  
 एवं जाव जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे एगपज्जवसिए  
 सेस रासीजुम्मकलिओगे, से तेणट्ठेण जाव कलिओगे । रासीजुम्मकड  
 जुम्मनेरइया णं भंते । कओ उव्वज्जन्ति० ? उववाओ जहा वक्कतीए, ते ण  
 भंते । जीवा एगसमएण केवइया उव्वज्जन्ति ? गोयमा । चत्तारि वा अट्ठ वा

सन्निविदिनपडमधमवठोसए तहेव निरवसेसं नवरं से न मंते ! बीषा कम्ह  
 केस्ता ! ईता कम्हकेस्ता सेसं तहेव एव सोकछुमि छुमोसु । सेसं मंते । सेसं  
 मंते ! ति ॥ एवं एएमि एएरस अजेनवा कम्हकेस्तासए, पडमतइनरंनमा  
 तरैसयमय सेवा बडुमि एए(सरिस)ममगा । सेसं मंते । २ ति ॥ विहमं सर्वं समतं  
 ॥ १ ॥ एवं योज्जेस्सेसुमि सयं नवरं सेविडुना जइजेवं एव समवं उओसेवं  
 इस साम्पोकमाई पडिओकमास्स असेजेजइमागमम्महिवाई, एवं ठिईएमि एवं तिह  
 सेसएसु, सेसं तहेव । सेसं मंते ! सेसं मंते ! ति ॥ तइमं सर्वं समतं ॥ २ ॥  
 एवं कम्हकेस्तासवंपि नवरं सेविडुना जइजेवं एव समवं उओसेवं तिभि साम-  
 पोक्माई पडिओकमास्स असेजेजइमागमम्महिवाई, एवं ठिईएमि एवं तिहमि  
 जेसएसु, सेसं तहेव । सेसं मंते ! २ ति ॥ बडुमं सयं ॥ ४ ॥ एवं तेउजेस्सेसुमि  
 सयं नवरं सेविडुना जइजेवं एव समवं उओसेवं हो साम्पोकमाई पडिओकमास्स  
 असेजेजइमागमम्महिवाई एवं ठिईएमि नवरं नोसचोवडना वा एवं तिहमि(ममएसु)  
 जेनएसु सेसं तं नेव । सेसं मंते ! २ ति ॥ पंचमं सयं ॥ ५ ॥ बहा सेउजेस्ता-  
 सवं तहा पम्हकेस्तासवंपि नवरं सेविडुना जइजेवं एव समवं उओसेवं इस  
 साम्पोक्माई अंओमुहुतमम्महिवाई, एवं ठिईएमि नवरं अंओमुहुतं न नजइ सेसं  
 तहेव एवं एएसु पंचम सएसु बहा कम्हकेस्तासए नमयो तहा मेयवो जल  
 जनेतइतो । सेसं मंते ! २ ति ॥ छट्ठं सयं समतं ॥ ६ ॥ छजेस्ससयं बहा  
 ओहिकसवं नवरं सेविडुना ठिई न बहा कम्हकेस्तासए सेसं तहेव जाव जनेतइतो ।  
 सेसं मंते ! २ ति ॥ सप्तमं सव समतं ॥ ७ ॥ मवसिदिक्कइत्तुम्म २ सन्निप-  
 दिदिवा न मंते । कम्मे उववज्जन्ति । बहा पडमं सन्निचवं तहा नेवणं मवसिदि  
 वामिक्कवेई नवरं सम्मपाणा । नो इण्डे समडे, सेसं तं नेव सेसं मंते ! २ ति ॥  
 अट्ठमं सर्वं समतं ॥ ८ ॥ कम्हकेस्तामवसिदिक्कइत्तुम्म २ सन्निपदिदिवा न मंते !  
 कम्मे उववज्जन्ति । एवं एएवं ममिक्कवेई बहा ओहियकम्हकेस्तासयं । सेसं मंते !  
 २ ति ॥ नवमं सर्वं ॥ ९ ॥ एवं बीजेस्समवसिदिदिमि सयं । ॥ १० ॥ मंते ! २ ति ॥  
 दसमं सर्वं ॥ ११ ॥ एवं बहा ओहियाणि सन्निपदिदिवाणं सग सवामि नमिवाणि एवं  
 मवसिदिदिमि सग सवामि काक्काणि नवरं सगत्तुमि सएसु सम्मपाणा जाव  
 नो इण्डे समडे, सेसं तं नेव । सेसं मंते ! २ ति ॥ मवसिदिक्कइत्तुम्म २  
 बडुमं सयं समतं ॥ १४ ॥ अमवसिदिक्कइत्तुम्म २ सन्निपदिदिवा न मंते !  
 कम्मे उववज्जन्ति । उववाओ तहेव अनुगएमिमावज्जो परियावं अव(वा)वारी  
 उवतं वंचो वैरो वैहणं उववा उवरीणा न बहा कम्हकेस्तासए कम्हकेस्ता वा जाव



किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा । मकिरिया नो अकिरिया, जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झति जाव अनं करेति ? गोयमा । नो इण्ठे ममट्ठे । वागमतर्जोइयि वेमाणिया जहा नेरइया । सेव भंते । सेव भंते । ति ॥ ४१११ ॥ रासीजुम्मनेओगनेरइया णं भते । कओ उववज्जति० ? एवं चेव उद्देमओ भाणियव्वो नवरं परिमाणं तिञ्चि वा मत्त वा एणारस वा पजरम वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा उववज्जति संतरं तद्देव, ते ण भते । जीवा जसमय तेओगा तममय कडजुम्मा जगमय कडजुम्मा तसमयं तेओगा ? गोयमा । णो इण्ठे ममट्ठे, जगमय तेओगा तसमयं दावरजुम्मा जममय दावरजुम्मा तममय तेओगा ? गोयमा । णो इण्ठे ममट्ठे, एव कलिओगेणवि सम, सेसं त चेव जाव वेमाणिया नवरं उववाओ सव्वेसिं जहा वक्कतीए । सेव भते । सेव भते । ति ॥ ४११२ ॥ रासीजुम्मदावरजुम्मनेरइया ण भते । कओ उववज्जन्ति० ? एवं चेव उद्देमओ नवरं परिमाणं दो वा छ वा दस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा उववज्जति संवेहो, ते ण भते । जीवा जंसमय दावरजुम्मा तसमय कडजुम्मा जसमय कडजुम्मा तसमय दावरजुम्मा ? णो इण्ठे ममट्ठे, एव तेओएणवि सम, एव कलिओगेणवि सम, सेसं जहा पडमुद्देसए जाव वेमाणिया । सेव भते । २ ति ॥ ४११३ ॥ रासीजुम्मकलिओगनेरइया ण भते । कओ उववज्जन्ति० ? एवं चेव नवरं परिमाणं एव्वो वा पच वा नव वा तेरम वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा उववज्जन्ति संवेहो, ते ण भते । जीवा जसमय कलिओगा तसमय कडजुम्मा जसमय कडजुम्मा तसमयं कलिओगा ? नो इण्ठे ममट्ठे, एव तेओगेणवि सम, एव दावरजुम्मेणवि सम, सेसं जहा पडमुद्देसए एवं जाव वेमाणिया । सेव भते । २ ति ॥ ४११४ ॥ कण्हलेस्सरसीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भते । कओ उववज्जन्ति० ? उववाओ जहा धूमप्पभाए सेसं जहा पडमुद्देसए, असुरकुमाराण तद्देव एवं जाव वागमताराण मणुस्साणवि जद्देव नेरइयाण आय-अजस उवजीवति अलेस्सा अकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झति एव (न) भाणियव्वं सेसं जहा पडमुद्देसए । सेव भंते । सेव भते । ति ॥ ४११५ ॥ कण्हलेस्सतेओगेहिं एवं चेव उद्देमओ, सेव भते । २ ति ॥ ४११६ ॥ कण्हलेस्सदावरजुम्मेहिं एवं चेव उद्देमओ । सेव भते । २ ति ॥ ४११७ ॥ कण्हलेस्सकलिओगेहिं एवं चेव उद्देसओ परिमाणं संवेहो य जहा ओहिणसु उद्देसएसु । सेव भते । २ ति ॥ ४११८ ॥ जहा कण्हलेस्सेहिं एवं नीललेस्सेहिं चत्तारि उद्देमगा भाणियव्वा निरवसेसा, नवरं नेरइयाणं उववाओ जहा वाळुयप्पभाए सेसं तं चेव । सेव भंते ।

कारम वा सोमस वा संखेया वा अरुखेया वा उपवर्जति ते न मते । जीवा  
 हि संतरं उपवर्जन्ति निरंतरं उपवर्जन्ति । गोयमा । संतरंपि उपवर्जन्ति निरं  
 तरंपि उपवर्जन्ति संतरं उपवर्जमाना बह्वेते एव समसं अनेतेन अरुखेया  
 समया अंतरं वदु उपवर्जन्ति, निरंतरं उपवर्जमाना बह्वेतेन वो समया उहोतेन  
 अरुखेया समया अनुममसं अभिरक्षिं निरंतरं उपवर्जन्ति ते न मते । जीवा  
 नममसं कङ्कटुम्मा तंसमसं तेओगा नममसं तेओगा तंसमसं कङ्कटुम्मा । गोयमा । वो  
 इण्डे समड्ढे, वंसमसं कङ्कटुम्मा तंसमसं दावरुम्मा वंसमसं दावरुम्मा तंसमसं  
 कङ्कटुम्मा । नो इण्डे समड्ढे, वंसमसं कङ्कटुम्मा तंसमसं कळिओगा नंसमसं  
 कळिओगा तंसमसं कङ्कटुम्मा । नो इण्डे समड्ढे । ते न मते । जीवा कइं उपव  
 र्जन्ति । गोयमा । से बड्ढामए पवए पवयामि एवं बडा उपवायए वाव नो  
 परप्पओगेन उपवर्जन्ति । ते न मते । जीवा हि आयवसेन उपवर्जन्ति आन  
 वसेन उपवर्जन्ति । गोयमा । नो आयवसेन उपवर्जन्ति आयवसेन उपव  
 र्जन्ति अरु आनवसेन उपवर्जन्ति हि आनवसेन उपवीरंति आनवसेन उप  
 वीरंति । गोयमा । नो आनवसेन उपवीरंति आयवसेन उपवीरंति अरु आन  
 वसेन उपवीरंति हि उहेया अहेया । गोयमा । उहेया नो अहेया अरु  
 उहेया हि उकिरिया अकिरिया । गोयमा । उकिरिया नो अकिरिया अरु उकि  
 रिया तेनैव मयगह्वेनं तिज्जंति वाव अंतं करेति । नो इण्डे समड्ढे । एटीह  
 मकङ्कटुम्मासुडुमाए न मते । कसो उपवर्जन्ति । अहेव वेएया उहेव निरव  
 सेन एवं वाव पकिरियातिरिक्खओमिया नवरं वनस्सएएया वाव अरुखेया वा  
 अरुता वा उपवर्जन्ति सेनं तं येन मलुस्सामि एवं येन वाव नो आनवसेनं  
 उपवर्जन्ति आयवसेनं उपवर्जन्ति अरु आनवसेनं उपवर्जन्ति हि आनवसेनं  
 उपवीरंति आनवसेन उपवीरंति । गोयमा । आयवसेनपि उपवीरंति आनवसेनपि  
 उपवीरंति अरु आनवसेन उपवीरंति हि उहेया अहेया । गोयमा । उहेया  
 अहेया अरु अहेया हि उकिरिया अकिरिया । गोयमा । नो उकिरिया  
 अकिरिया अरु अकिरिया तेनैव मयगह्वेनं तिज्जंति वाव अंतं करेति । इता  
 तिज्जंति वाव अंतं करेति अरु उहेया हि उकिरिया अकिरिया । गोयमा ।  
 उकिरिया नो अकिरिया अरु उकिरिया तेनैव मयगह्वेनं तिज्जंति वाव अंतं  
 करेति । गोयमा । अत्थेयया तेनैव मयगह्वेनं तिज्जंति वाव अंतं करेति  
 अत्थेयया नो तेनैव मयगह्वेनं तिज्जंति वाव अंतं करेति अरु आनवसेनं  
 उपवीरंति हि उहेया अहेया । गोयमा । उहेया नो अहेया अरु उहेया

वा पाएण वा बाहुणा वा उरुणा वा उदरेण वा सीसेण वा काएण वा णावा उस्सि-  
चणेण चेलेण वा मट्ठियाए वा कुसपत्तएण वा कुट्टविदेण वा पिहेहि” णो से तं  
परिण्ण परिजाणिज्जा ॥ ७३० ॥ से भिक्खू वा ( २ ) णावाए उत्तिगेणं उदय आस  
वमाग पेहाए उवस्वरिं णाव कज्जलावेमाणिं पेहाए णो परं उवसरुमित्तु एवं ब्रूया,  
“आउसतो गाहावइ एय ते णावाए उदय उत्तिगेण आगवति, उवस्वरिं वा णावा  
कज्जलावेति” एतप्पगारं मण वा वाय वा णो पुरओ कट्टु विहरेज्जा, अप्पुस्सए  
अवहिट्ठेस्से एगतगएणं अप्पाग विउसेज्ज समाहीए, तओ सजयामेव णावासतामिमे  
उदए अहारिय रीएज्जा ॥ ७३१ ॥ एय खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा  
सामग्गिय ज सव्वट्ठेहिं सहिए सदा जएज्जासि त्ति वेमि ॥ ७३२ ॥ इरिया  
ज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥

से ण परो णावागओ णावागय वदेज्जा, “आउसतो समणा एयं ता तुम छत्ता  
वा जाव चम्मछेयणग वा गिण्हाहि, एयाणि तुम विरुवरुवाणि सत्यजायाणि  
धारेहि, एय ता तुमं दारग वा, पजेहि” णो से तं परिण्ण परिजाणिज्जा, तुत्तिणीओ  
उवेहेज्जा ॥ ७३३ ॥ से ण परो णावागए णावागय वदेज्जा एसण समणे णावाए  
भडभारिए भवइ से णं वाहाए गहाय णावाओ उदगसि पक्खिवह” एतप्पगारं  
णिग्घोस सोच्चा णिसम्म से य चीवरधारी सिया खिप्पामेव चीवराणि उव्वेद्धिज्ज वा  
णिव्वेद्धिज्ज वा उप्पेस वा करिज्जा ॥ ७३४ ॥ अह पुण एव जाणिज्जा अभिक्कत-  
कूरकम्मा खलु वाला बाहाहिं गहाय नावाओ उदगसि पक्खिविज्जा से पुव्वामेव  
वएज्जा ‘आउसतो ! गाहावइ ! मा मेत्तो वाहाए गहाय णावाओ उदगसि पक्खिवह  
सयं चेव ण अहं णावातो उदगसि ओगाहिस्सामि,’ से णेव वयतं परो सहसा बलत्ता  
बाहाहिं गहाय उदगसि पक्खिविज्जा तं णो सुमणे सिया णो दुम्मणे सिया णो उच्चा-  
वयं मण णियच्छिज्जा, णो तेसिं वालाणं घातए वहाए समुट्ठिज्जा, अप्पुस्सए जाव  
समाहिए तओ सजयामेव उदगसि पविज्जा ॥ ७३५ ॥ से भिक्खू वा ( २ ) उद-  
गासि पवमाणे णो हत्थेण हत्थ पाएण पार्य काएण काय आसाएज्जा, से अणासाय-  
णाए अणासायमाणे तओ सजयामेव उदगसि पविज्जा ॥ ७३६ ॥ से भिक्खू वा  
( २ ) उदगसि पवमाणे णो उम्मुग्गणिम्मुग्गिय करिज्जा, मामेयं उदगं कण्णेसु वा  
अच्छीसु वा णक्कसि वा मुहसि वा परियावज्जिज्जा, तओ सजयामेव उदगसि पविज्जा  
॥ ७३७ ॥ से भिक्खू वा ( २ ) उदगसि पवमाणे दोव्वलिय पाठणिज्जा खिप्पामेव  
उवहिं विगिंचिज्ज वा विसोहिज्ज वा, णो चेव णं सातिज्जिज्जा अह पुण एवं जाणिज्जा  
पारए सिया उदगाओ तीरं पाठणित्तए तओ सजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण

ऐवं मते । ति ॥ ४१११२ ॥ अथ केस्तेहिनि एवं चेव जगारि जेसया अथवा  
 नवर नेरुवावं उववावो जहा रमणप्यगाए, सेवं तं चेव । ऐवं मते । ति ॥ ४१११३ ॥  
 ति ॥ ४१११५ ॥ तेउकेस्तरासीहुम्मअहुम्मअणुमाय न मते । कयो उव-  
 वजन्ति । एवं चेव नवर केउ तेउकेस्सा अरिण तेउ माविजन् एवं एएणि  
 कम्हकेस्सरिसा जगारि जहगगा अथवा । ऐवं मते । १ ति ॥ ४११२ ॥ एवं  
 पम्हकेस्साएणि जगारि जेसया अथवा पविदियतिरिक्कअयेमिअनं मनुस्सावं  
 केमविज न एएणि पम्हकेस्सा ऐसाव नरिण । ऐवं मते । १ ति ॥ ४११२४ ॥  
 जहा पम्हकेस्साए एवं उम्हकेस्साएणि जगारि जहगगा अथवा नवर मनुस्सावं  
 पम्हो जहा ओडिक्कतेमएणु सेवं तं चेव एव एए उम्ह केस्सायु अथवा जेसया  
 ओडिक्का जगारि, सम्वेते अहुवीसं जेसया मवति । ऐवं मते । १ ति ॥ ४११२ ॥  
 मवतिदिवरासीहुम्मअहुम्मनेरुवा न मते । कयो उववजन्ति । जहा ओडिक्क  
 पडमगा जगारि जेसया तहेव विरक्केवं एए जगारि जेसया । ऐवं मते । १  
 ति ॥ ४११२२ ॥ कम्हकेस्समवतिदिवरासीहुम्मअहुम्मनेरुवा न मते । कयो  
 उववजन्ति । जहा कम्हकेस्साए जगारि जेसया मवति तहा जयेमि मवतिदिवक्क  
 केस्तेहि जगारि जेसया अथवा ॥ ४११२५ ॥ एवं पीअकेस्समवतिदिएहिनि  
 जगारि जेसया अथवा ॥ ४११२४ ॥ एवं अथ केस्तेहिनि जगारि जेसया ॥ ४११२४ ॥  
 तेउकेस्तेहिनि जगारि जेसया ओडिक्करिसा ॥ ४११४ ॥ पम्हकेस्तेहिनि जगारि  
 जेसया ॥ ४११२२ ॥ उम्हकेस्तेहिनि जगारि जेसया ओडिक्करिसा एवं एएणि  
 मवतिदिएहिनि अहुवीस जेसया मवति । ऐवं मते । ऐवं मते । ति ॥ ४११२५ ॥  
 अमवतिदिवरासीहुम्मअहुम्मनेरुवा न मते । कयो उववजन्ति । जहा पडमो  
 जेसयो नवर मनुस्सा केरुवा अरिसा माविजन् सेवं तहेव । ऐवं मते । १ ति ।  
 एवं अथहि सुमेह जगारि जेसया । कम्हकेस्समवतिदिवरासीहुम्मअहुम्म-  
 नेरुवा न मते । कयो उववजन्ति । एवं चेव जगारि जेसया एवं पीअकेस्समव-  
 तिदिएहिनि जगारि जेसया एवं अथ केस्तेहिनि जगारि जेसया एवं तेउकेस्ते-  
 हिनि जगारि जेसया पम्हकेस्तेहिनि जगारि जेसया उम्हकेस्समवतिदिएहिनि  
 जगारि जेसया एवं एएणु अहुवीसाएणि अमवतिदिवजेसएणु मनुस्सा नेरुवा  
 गमेवं नेरुवा । ऐवं मते । १ ति । एवं एएणि अहु वीसं जेसया ॥ ४११२४ ॥  
 सम्मदिटीएसीहुम्मअहुम्मनेरुवा न मते । कयो उववजन्ति । एवं जहा पडमो  
 जेसयो एवं अथहि सुमेह जगारि जेसया मवतिदिवकरिसा अथवा । ऐवं  
 मते । १ ति ॥ कम्हकेस्सम्मदिटीएसीहुम्मअहुम्मनेरुवा न मते । कयो

उववज्जति० १ एएवि कण्हलेस्ममरिसा चत्तारिवि उद्देसगा कायव्वा, एव सम्महिटी-  
 सुवि भवसिद्धियसरिसा अट्ठावीस उद्देसगा कायव्वा । सेव भते । सेव भते । ति जाव  
 विहरइ ॥ ४१।११२ ॥ मिच्छादिट्ठीरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया ण भते । कओ  
 उववज्जति० १ एव एत्यवि मिच्छादिट्ठिअभिलावेण अभवसिद्धियमरिसा अट्ठावीस  
 उद्देसगा कायव्वा । सेव भते । सेव भते । ति ॥ ४१।१४० ॥ कण्हपक्खियरासीजुम्म  
 कडजुम्मनेरइया ण भते । कओ उववज्जति० १ एव एत्यवि अभवसिद्धियसरिसा  
 अट्ठावीस उद्देसगा कायव्वा । सेव भते । २ ति ॥ ४१।१६८ ॥ सुक्कपक्खियरासी  
 जुम्मकडजुम्मनेरइया ण भते । कओ उववज्जति० १ एव एत्यवि भवसिद्धियसरिसा  
 अट्ठावीस उद्देसगा भवति, एव एए सव्वेवि छन्नउय उद्देसगसय भवन्ति रासीजुम्म  
 सय ॥ ४१।१९६ ॥ जाव सुक्कलेस्सा सुक्कपक्खियरासीजुम्मकलिओगवेमाणिया  
 जाव जइ सकिरिया तेणेव भवरगहणेण सिज्जति जाव अत करेति १ णो इण्ठे  
 समट्ठे, सेव भते । २ ति ॥ ८६५ ॥ भगव गोयमे समण भगव महावीरं तिकब्बुत्तो  
 आयाहिण पयाहिण करेइ २ ता वंदइ नममइ वदिता नमसिता एव वयासी-एवमेय  
 भते । तहमेय भते । अवितहमेय भते । असदिद्धमेयं भते । इच्छियमेय भते ।  
 पडिच्छियमेयं भते । इच्छियपडिच्छियमेय भते । सच्चे ण एसमट्ठे जे ण तुब्भे  
 वदढत्तिकइहु अपूडवयणा खलु अरिहता भगवतो, समण भगव महावीरं वदइ नमसइ  
 वंदिता नमसिता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ ॥ ८६६ ॥ इक्कचत्ता-  
 लीसइमं रासीजुम्मसयं समत्तं ॥ सव्वाए भगवईए अट्ठावीस सय सयाणं  
 १३८ उद्देसगाण १९२५ ॥ चुलसीयसयसइस्सा पयाण पवरवरणाणदसीहिं । भावा-  
 भावमणता पज्जता एत्यमगमि ॥ १ ॥ तवनियमविणयवेलो जयइ सया नाणविमल  
 विउलजलो । हेउसयविउलवेगो सघसमुद्दो गुणविसालो ॥ २ ॥ णमो गोयमाईण  
 गणहराण, णमो भगवईए विवाहपज्जतीए, णमो दुवालसगस्स गणिपिडगस्स ॥ गाहा-  
 [ कुसुम ] कुम्मसुसठियचलणा, अमलियकोरेंटवेट्संकासा । सुयदेवया भगवई मम  
 मइतिमिरं पणासेउ ॥ १ ॥ पज्जतीए आइमाणं अट्ठण्ह सयाण दो दो उद्देसगा उद्दि-  
 सिज्जन्ति णवरं चउत्थे सए पढमदिवसे अट्ठ बिइयदिवसे दो उद्देसगा उद्दिसिज्जति,  
 (नवरं) नवमाओ सयाओ आरद्धं जावइयं जावइय एइ तावइयं तावइय एगदिवसेण  
 उद्दिसिज्जइ उक्कोसेण सयपि एगदिवसेण मज्झिमेण दोहिं दिवसेहिं सयं जहणेण  
 तिहिं दिवसेहिं सयं एव जाव वीसइमं सय, णवरं गोसालो एगदिवसेण उद्दिसिज्जइ जइ  
 ठिओ एगेण चेव आयविलेण अणुज्ज(विज्जइ)ज्जिहीइ अह ण ठिओ आयविलेण छट्ठेण  
 अणुणवइ, एक्कवीसवावीसतेवीसइमाई सयाई एक्केकदिवसेण उद्दिसिज्जन्ति, चउ-

सौम्यं स्यं दोहिं दिक्तेहिं ७ ७ उौसया पंचवीराहं दोहिं दिक्तेहिं ७ ७ छे  
 सया वधिसवाहं वधुसवाहं एगेन विवसेनं सेदिसवाहं वारस एगेन एगिदिमहा-  
 न्मसवाहं वारस एगेन एनं वेईदिवाहं वारस सेईदिवाहं वारस वडरिदिवाहं  
 वारस एगेन वसविदिदिवाहं वारस सविर्पिदिदिमहाहन्मसवाहं एगवीसं एग-  
 विवसेनं वदिदिजन्ति एसीहन्मसवं एगविवसेनं वदिदिजन्ति ॥ ग्राहामो विवसि  
 न्वरविद्वज्ज नासिद्विमिरा ववादि(वा)या वेयी । मज्झपि वेठ मेह नुहविनुह-  
 र्मसिवा विव ॥ १ ॥ वववेववाए एगमिमो वीए पसाएग विमिज्जवं नाप । अज्जं  
 पववव(वि)वी संतिज्ज(रि)वी तं (ई)नर्मसामि ॥ २ ॥ वववेववा व वज्जो वुंमवरो  
 वंमवरो वरोह । विजा य वंमवरो वेठ वविनं विहउत्त ॥ ३ ॥ ८५७ ॥  
 तिदिदिवाहपवती समता पंचमं वंमं समत्तं ॥









नचासन्ने नाददूरे सुस्सूममाणे नमसमाणे अभिमुहे पजलिउडे विणएण पज्जुवाममाणे एव  
 वयासी-जइ ण भते । समणेण भगवया महावीरेण आइगरेण नित्यगरेण मयसवुद्धेण  
 पुरिसुत्तमेण पुरिससीहेण पुरिस(वरपुडरीएण)वग्घेण पुरिमवरगधहन्विणा लोगुत्तमेण  
 लोगनाहेण लोगहिण्ण लोगपडंवेण लोगपज्जोयगरेण अभयदएण सरणदण्ण चक्खुद-  
 एण मग्गदएण रोहिदएण धम्मदएण धम्मदेमएण धम्मनायगेण धम्ममारहिणा धम्म  
 वरचाउरंतचक्खयट्ठिणा अप्पडिहयवरनानाणदमणधरेण प्रियट्ठउमेण जिणेण जा(व)ण-  
 एण तिण्णेण तारएण बुद्धेण बोहएण मुत्तेण मोयगेण सव्वण्णेण सव्वदरिसिणा सिवमय-  
 लमह्यमगतमक्खयमन्त्रावाहमपुणरावित्ति य सामय ठाणसुवगएण पचमस्स अगस्स  
 अयमट्ठे पन्नत्ते, छट्ठस्स ण अगस्स भते । नायाधम्मकहाण के अट्ठे पन्नत्ते ? जवु-  
 त्ति अज्जसुहम्मे धेरे अज्जजवूनाम अणगारं एव वयासी-एव खलु जवू । समणेण  
 भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण छट्ठस्स अगस्स दो सुयक्खंधा पन्नत्ता, तजहा-  
 नायाणि य धम्मकहाओ य । जइ ण भते । समणेण भगवया महावीरेण जाव  
 सपत्तेण छट्ठस्स अगस्स दो सुयक्खंधा पन्नत्ता तजहा-नायाणि य धम्मकहाओ  
 य, पढमस्स ण भते । सुयक्खंधस्स समणेण जाव सपत्तेण नायाण कइ अज्झ-  
 यणा पन्नत्ता ? एव खलु जवू । समणेण जाव सपत्तेण नायाण एगूणवीस अज्झयणा  
 पन्नत्ता, तजहा-उक्खित्तणाए सधाडे अडे कुम्मे य सेल्ले । तुवे य रोहिणी मल्ली  
 मायदी चदिमाडय ॥ १ ॥ दावद्वे उदगणाए मडुक्के तेयली वि य । नदीफळे  
 अवग्गक्का आड्ढे सुमुमाडय ॥ २ ॥ अवरे य पुडरीए नायए एगूणवीसदमे ॥ ५ ॥  
 जइ ण भते । समणेण जाव सपत्तेण नायाण एगूणवीस अज्झयणा पन्नत्ता तजहा-  
 उक्खित्तणाए जाव पुडरीए (त्ति) य, पढमस्स ण भते । अज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ?  
 एव खलु जवू । तेण कालेण तेणं समएण दहेव जउहीवे दीवे भारहे वासे दाहिणद्धमरहे  
 रायगिहे नाम नयरे होत्या । वण्णओ । गुणत्तिलए उज्जाणे । वण्णओ । तत्तय ण रायगिहे  
 नयरे सेणिए नाम राया होत्या । महया हिमवत० वण्णओ । तस्स ण सेणियस्स रत्तो  
 नदा नाम देवी होत्या सुक्ख्मात्तपाणिपाया वण्णओ ॥ ६ ॥ तस्स ण सेणियस्स पुत्ते  
 नदाए देवीए अत्तए अमए नाम कुमारे होत्या अर्हाणपाचिंदियसरीरे जाव सुहवे  
 सामदउभेयउवप्पयाणनीइसुप्पटत्तनयविहिन्नु ईहापोहमग्गणगवेसणअत्यसत्यमडवि  
 सारए उप्पत्तियाए वेणइयाए कम्मियाए पारिणामियाए चउव्विहाए बुद्धीए उववेए  
 सेणियस्स रत्तो बहुसु कज्जेसु य कुडुंवेसु य मतेसु य गुज्जेसु य रहस्सेसु य निच्छ-  
 एसु य आपुच्छणिज्जे पडिपुच्छणिज्जे मेढी पमाणं आहारे आलवण चक्खु मेढीभूए  
 पमाणभूए आहारभूए आलवणभूए चक्खुभूए सव्वकज्जेसु सव्वभूमियासु लद्धपन्नए



सालिगगवट्टिए जात्र नियगवयगमद्वयंत गयं मुमिणे पामित्ता णं पट्टिपुत्ता । ते  
एगस्स ण देवाणुप्पिया । उरालम्भ जात्र मुमिगम्भ कं मणे यत्राणे पल्लिभिरिसे  
भविस्सइ ॥ ९ ॥ तए ण से सेणिए राया धारिणीए द्वाए आए एयमद्व गोवा  
निगम्म इद्वुद्व जात्र हियए धारादयनी । मुग्गिमुग्गच पुमालदयता क्कम(मि)मियसो  
मएवे त मुमिण उरिगण्डइ २ ता इए पमिगइ २ ता अप्पणो साभापिएण मत्तुप्पए ।  
बुद्धिविज्ञाणेण तस्स मुमिगस्स अत्तोग्गइ करेइ २ ता धारिणि म्भिरि ताहि जाव  
हिययपल्दागणिजाहि मि(उ)यमहुग्गिभियगंभीरग्गस्मिमीयाहि वग्गए अणुवूहेमाणे २  
एव वयासी-उराणे ण तुमे देवाणुप्पिए । मुमिणे दिट्ठे, यत्राणे ण तुमे द्वाणु  
प्पिए । मुमिणे दिट्ठे, तिचे धम्म मग्गे मस्सिरीए ण तुमे देवाणुप्पिए । मुमिणे  
दिट्ठे, आरोग्गतुट्ठिरीहाउग्गणमग्गरए ण तुमे देवी । मुमिणे दिट्ठे, अत्थलाभो  
ते देवाणुप्पिए । पुत्तलाभो ते देवाणुप्पिए । रज्जलाभो भोगलाभो गोमालाभो ते  
देवाणुप्पिए । एव तल्ल तुम देवाणुप्पिए । नवग्ग मायाण चतुपट्ठिपुग्गाण अद्वद्वमाण  
य राइदियाण वीइयताण अम्हं कुलकेउ कुलबीव पुउपवयय कुलवडिसय कुलत्रि-  
ल्लय कुलत्रित्ति कर कुलवित्ति कर कुलनंदि कर कुलजस कर कुलाधारं कुलपायय कुल-  
विवद्वण करं मुकुमालपाणिपाय जात्र दारय पग्गहिस्ति । से वि य ण दारए उम्मुए-  
चालभावे विज्ञायपरिणयमेत्ते जोव्वगगमणुप्पत्ते सग्गे गीरे तिक्कत्ते वित्तिपणविउल-  
चलवाहणे रज्जवइ राया भविस्सइ । त उराळे ण तुमे देवी । मुमिणे दिट्ठ जाव  
आरोग्गतुट्ठिरीहाउग्गणमग्गरए ण तुमे देवी । मुमिणे दिट्ठे त्ति कट्ट भुज्जो २ अणुवूहइ  
॥ १० ॥ तए ण सा धारिणी देवी सेणिएण रत्ता एउ वुत्ता समाणी इद्वुद्व जात्र हियया  
करयलपरिगहिय जाव अजलि कट्टु एव वयासी-एवमेय देवाणुप्पिया । तहमेय  
देवाणुप्पिया । अवितहमेय असदिद्वमेय इच्छियमेय (देवाणुप्पिया ।) पडिच्छियमेयं  
इच्छियपडिच्छियमेय सच्चं ण एसमट्ठे ज ण तुब्भे वयह त्ति कट्टु त मुमिण सम्म  
पडिच्छइ २ ता सेणिएण रत्ता अब्भणुजाया ममाणी नाणामणिक्कणगरयणभत्ति  
चित्ताओ भद्दासणाओ अब्भुट्ठेइ २ ता जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ ता  
सयसि मयणिज्जसि निसीयइ २ ता एव वयासी मा मे से उत्तमे पहाणे मग्गहे मुमिणे  
अग्गेहिं पावमुमिणेहिं पडिहम्महिस्ति कट्टु देवयगुरुजणसवद्धाहिं पमत्थाहिं धम्मि  
याहिं क्कहाहिं मुमिणजागरियं पडिजागरमाणी (२) विहरइ ॥ ११ ॥ तए ण से सेणिए  
राया पच्चूसकालसमयंसि कोडुविग्रपुरिसे सद्दावेइ २ ता एव वयासी-खिप्पामेव भो  
देवाणुप्पिया । वाहिरिय उवट्ठाणसाल अज्ज सविसेस परमरम्म गधोदगसित्तमुइय-  
सम्मज्जिओवलित्त पचवण्णसरससुरभिमुक्कपुप्फपुजोवयारकलिय कालागरुपवरकुंदुरुक्क-



कोटुत्रियमनिमहाभनिगमगोराणिभममने पीतमदागमिगमसेट्टिमेगावत्तत्पवा-  
 हदयसभिवालमदि संगमिने भवत्तदाभेदविगम विर गदगादिष्य तिरुगतागम  
 णाण मन्दो मति च पियममे नगर्दे मज्जतागओ पट्टिातामद २ ता जेनेव  
 चाहिरिया उट्टाणमाला तेणेव उवागच्छति २ ता गीहामणाग्मण पुत्थाभिमुदे  
 मक्षिगणे । ता ण से सेणिए राया अपणो अत्तमागतं उत्तरपुरन्निग्गे रिखीभाए  
 अट्ट भद्दामणां मेयत्तपत्तुयाई विद्ध तमन्तोत्तारात्तयसुत्तिस्माई स्वावत् २ ता  
 (अप्पगो अत्तमागतं) नागामनिगयणमंदिह्य अहियपेत्तविज्जन्ता महत्तरपत्तुगय  
 गणद्वदुभित्तयचित्त(ट्टा)ठाण देवामियउगभतुरयनममार्गाहमयात्तमत्तिगग्गस-  
 रभनमरुजरयणत्तयपत्तमत्तयभित्तित्त शुभित्तयत्तममपत्तपेत्तदेवमाग अज्जि-  
 तारिय जवणिय अट्टावेत्त २ ता अ(च्छ)यग्गमउअममग्गमउत्तय धत्तत्तयप-  
 पात्तुग तिसिट्ट अगउत्तपागय मुमउय भारिणीए डेहीए भद्दामण स्वावेत्त २ ता  
 कोटुत्रियपुरिमे सद्दावेत्त २ ता एव वयासी-गिप्पामेव नो देवाणुप्पिया ! अट्टम  
 हानिमित्तउत्तत्तपाटण तिसिट्तत्तयमुगने सुमिणपाटण सद्दावेत्त २ ता तयमागत्तिय  
 त्तिप्पामेव पत्तप्पिगह । तए ण ते कोटुत्रियपुरिना सेणिएण रत्ता एव बुत्ता समाणा  
 हट्टुत्त जाव हियया तयत्तपरिगहिय दमनत्त तिरत्तावत्त मत्तय अजत्ति वट्टु एव  
 देवो तदत्ति आगाए विणएण वयग पट्टिउण्णेति २ ता सेणियरत्त रत्तो अतिवाओ  
 पट्टिनिक्कमति २ ता रायगिहस्स नयरस्स मज्जमज्जेग जेणेव सुमिणपाटगिहानि  
 तेणेव उवागच्छति २ ता सुमिणपाटए सद्दावेत्ति । तए ण ते सुमिणपाटगा सेनि-  
 यस्स रत्तो कोटुत्रियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्टुत्त जाव हियया प्हाया अप्पमह-  
 ग्धाभरणालत्तियसगीरा हरियात्तियसिद्धत्तयकयमुद्धाना सएहिं सएहिं गिहेहिंत्तो पट्टि-  
 निक्कमति २ ता रायगिहस्स नयरस्स मज्जमज्जेण जेणेव सेणियस्स रण्णो भवण-  
 व(डें)टिसगदुवारे तेणेव उवागच्छति २ ता एगयओ मि(ल)त्तायति २ ता सेणियस्स  
 रत्तो भवणवटिसगदुवारेण अणुपविसंति २ ता जेणेव चाहिरिया उवट्टागसाला  
 जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छति २ ता सेणिय राय जएण विजएण वद्दावेत्ति,  
 सेणिएण रत्ता अच्चियवदियपूड्यमाणियमफारियसम्माणिया समाणा पत्तेय २ पुव्वज-  
 त्थेसु भद्दामणेषु निसीयति । तए ण सेणिए राया जवणियतरिय धारिणि देवि ठवेइ  
 २ ता पुप्फफलपडिपुण्णहत्थे परेण विणएण ते सुमिणपाटए एव वयासी-एव खलु  
 देवाणुप्पिया ! धारिणी देवी अज्ज तसि तारिसगसि सयणिज्जसि जाव महासुमिण  
 पासित्ता ण पडिबुद्धा, त एयस्स ण देवाणुप्पिया ! उरालस्स जाव सत्तिसरीयस्स  
 महासुमिणस्स के मत्ते क्खण्णे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ २ । तए ण ते सुमिणपाटगा

वा काएन उवपटीरे विठुजा ॥ ७१८ ॥ से मिक्खु वा (२) उवउळं वा ससि-  
 मिळं वा कप्प वो अम्मज्जिज वा फम्मज्जिज वा ससिद्धिज वा विविद्धिज वा उम्प-  
 जिज वा उम्पट्टिज वा आवाभिज पमाभिज वा अह पु विगमोदग्गे मे कए  
 ठिक्खतिवैहे कए ठ आ पमाभिज वा ततो संवसामेव यम्मालुगामं बुद्धेजा  
 ॥ ७१९ ॥ से मिक्खु वा (२) यम्मालुगामं बुद्धमामे वो परेहिं उद्धि परिज-  
 निज परिजन्निज यम्मालुगामे बुद्धिजा तम्मे संवसामेव यम्मालुगामं बुद्धिजा  
 ॥ ७२० ॥ से मिक्खु वा (२) यम्मालुगामं बुद्धमामे अंतउ से अंवासंतारिमे  
 उवए तिया से पुब्बामेव सचीसोवसिने कर्म्म पादे व फम्मजेजा से पुब्बामेव फम-  
 जिज एव पारं कळे जिजा एव पारं कळे जिजा ततो संवसामेव अंवासंतारिमे  
 उवए अहारिं पीएजा ॥ ७२१ ॥ से मिक्खु वा (२) अंवासंतारिमे उवगे अहा-  
 रिं पीयमाये वो हत्थेव वा हत्थं पाएव वा पारं कएव वा कर्म्म आसाएजा, से  
 अत्तात्ताए अत्तात्तात्तामे तम्मे संवसामेव अंवासंतारिमे उवए अहारिं पीएजा  
 ॥ ७२२ ॥ से मिक्खु वा (२) अंवासंतारिमे उवए अहारिं पीयमाये वो सत्ता-  
 वजिजाए वो परिदाहवजिजाए महइ महात्थमि उवर्षमि कर्म्म मिउत्तिजा तम्मे  
 संवसामेव अंवासंतारिमे उवए अहारिं पीएजा अह पुव एव आभिज पारए  
 जिजा उवगाओ छीरे पाउत्तिजए ततो संवसामेव उवउळं वा ससिमिद्धेव वा  
 काएन उवपटीरे विठुजा ॥ ७२३ ॥ से मिक्खु वा (२) उवउळं वा कर्म्म ससि-  
 मिळं वा कर्म्म वो अम्मजेज वा फम्मजेज वा अह पुव एव आभिजा विगमोदग्गे मे  
 कए ठिक्खतिवैहे उवपकारं कर्म्म अम्मजेज वा जाव वसामेज वा ततो संवस-  
 मेव यम्मालुगामं बुद्धेजा ॥ ७२४ ॥ से मिक्खु वा (२) यम्मालुगामं बुद्धमामे  
 वो मत्तिवामएहिं पाएहिं हरियाणि छिन्निज २ निवृत्तिज २ निउत्तिज २ उम्पमोर्ण  
 हरिवहाए मच्छेजा “उवगे पाएहिं यत्तिं विप्पामेव हरियाणि अवाहरए” माउट्ठनी  
 संघसे वो एवं करेजा से पुब्बामेव अप्पाहरिं मग्गं पकिद्धेजा ततो संवसामेव  
 यम्मालुगामं बुद्धेजा ॥ ७२५ ॥ से मिक्खु वा (२) यम्मालुगामं बुद्धमामे  
 अंतउ सं वप्पामि वा, पम्पिहामि वा, पागापामि वा तोरणामि वा अम्मत्तामि वा  
 अम्मत्ताम्यामि वा यत्ताओ वा वपीओ वा उह परउमे संवसामेव परउमंजा  
 वो उज्जुं गच्छेजा वेवली वृवा “आवागमेव” से तरव परउममामी पम्पेज वा  
 पम्पेज वा ॥ ७२६ ॥ से तरव कम्ममाले वा पक्कमाले वा क्कमाणि वा  
 गुच्छामि वा, गुम्माणि वा क्कामो वा वल्लीओ वा, सत्तामि वा गहपामि वा  
 हरियाणि वा अक्केन्निज २ ठाररेजा से तरव पाउत्तिजिजा उवाक्कमिंति सं पाणी

त सुमिण सम्म पडिच्छइ २ ता जेणेव सए वासघरे तेणेव उवागच्छइ २ ता ण्हाया  
 अप्पमहग्घाभरणालकियसरीरा विपुलाई जाव विहरइ ॥ १२ ॥ तए ण तीसे धारि-  
 णीए देवीए दोसु मासेसु वीइक्कतेसु तइए मासे वट्टमाणे तस्स गव्वमस्स दोहलकाल-  
 समयसि अयमेयारूवे अकालमेहेसु दोहले पाउव्वमवित्था-धन्नाओ ण ताओ अम्म  
 याओ सपुण्णाओ ण ताओ अम्मयाओ कयत्थाओ (णं ताओ०) कयपुण्णाओ कय  
 लक्खणाओ कयविहवाओ सुलद्धे ण तारिं माणुस्सए जम्मजीवियफले जाओ ण मेहेसु  
 अब्भुगएसु अब्भुजएसु अब्भुजएसु अब्भुद्विएसु सगज्जिएसु सविज्जुएसु सफुसिएसु  
 सथणिएसु धतधोयरूपपट्टअकसखचदकुदसालिपिट्टरासिसमप्पमेसु च्चिउरहरियालभे  
 यचंपगसणकोरटसरिस(य)वपउमरयसमप्पमेसु लक्खारससरसरत्तकिंसुयजासुमणरत्त  
 चधुजीवगजाइहिंसुल्लयसरसकुल्लमउरव्वमससरुहिरइदगोवगसमप्पमेसु वरहिणील्लु  
 लियासुगच्चासपिच्छभिगपत्तसासगनील्लुप्पलनियरनवसिरीसकुसुमनवसइलसमप्पमेसु  
 जच्चजणभिगमेयरिट्ठगभमरावल्लिगवल्लुल्लियकज्जलसमप्पमेसु फुरंतविज्जुयसगज्जिएसु  
 वायवसविपुलगगणचवलपरिसक्किरेसु निम्मलवरवारिधाराप(ग)यल्लियपर्यंढमारुयस-  
 माह्यसमोत्थरंतउवरिउवरितुरियवास पवासिएसु धारापहकरनिवायनिव्वावि(य)य  
 मेइणितले हरिय(ग)गणकचुए पल्लविय पायवगणेसु वल्लिवियाणेसु पसरिएसु उन्नएसु  
 सोहग्गमुवागएसु (नगेसु नएसु वा) वेमारगिरिप्पवायतढकढगविमुक्केसु उज्झरेसु  
 तुरियपहावियपल्लोद्वेफेणाउलं सकल्लस जल वहतीसु गिरिनईसु सज्जज्जुणनीवकुडय  
 कदलसिलिंधकल्लिएसु उववणेसु मेहरसियहट्टतुट्टचिद्वियहरिसवसपमुक्ककठैकारव  
 सुयतेसु चरहिणेसु उउवसमयजणियतरुणसहयरिपणच्चिएसु नवसुरभिसिलिंधकुडय-  
 कदलकलवगधद्धणिं सुयतेसु उववणेसु परहुयस्यरिभियसकुलेसु उद्वा(य)इतरत्त-  
 इदगोवयथोवयकारुण्णविलविएसु उन्न(ओण)यतणमडिएसु दहुरपर्यपिएसु सर्पिडिय  
 दरियममरमहुयरिपहकरपरिलित्तमत्तल्लप्पयकुसुमासवलोलमहुरगुंजतदेसभाएसु उवव  
 णेसु परिसामियचदसूरगहगणपणट्टनक्खत्ततारगपहे इदाउहबद्धचिंधपट्टंसि अवरतळे  
 उड्डीणबलागपतिसोहतमेहविन्दे कारंढगचक्कवायकलहसउस्सुयकरे सपत्ते पाउसमि  
 काले ण्हायाओ किं ते चरपायपत्तनेउरमणिमेहलहारइयउ(क्)चियकढगखुडय  
 वित्तितवरवल्लयथभियभुयाओ कुडलउज्जोवियाणणाओ रयणभूसियं(गा)गीओ  
 नासानीसासवायवोज्झं चक्खुहरं वण्णफरिससज्जुत्त ह्यलालापेलवाइरेय धवलकण-  
 यखच्चियंतकम्म आगासफलिहसरिसप्पर्मं असुयं पवरपरिहियाओ दुग्गल्लसुकुमाल-  
 उत्तरिजाओ सव्वोउयसुरभिकुसुमपधरमल्लसोहियसिराओ कालागरु(पवर)धूवधूवियाओ  
 सिरीसमाणवेसाओ सेयणयगधहत्थिरयण दुरुडाओ समाणीओ सकोरंटमल्लदामेणं





चवल वेइय जेणेव धारिणी देवी तेणेव उवागच्छइ २ ता धारिणिं देवि ओलुग्ग ओलुग्गसरीरं जाव अट्टज्झाणोवगय झियायमाणि पासइ २ ता एव वयासी-किं तु(मे)म देवाणुप्पिए ! ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायसि १, तए ण सा धारिणी देवी सेणिएण रत्ता एव चुत्ता समाणी नो आढाइ जाव तुसिणीया सच्चिद्वइ । तए ण से सेणिए राया धारि(णीं)णिं दे(वीं)विं दोच्चपि तच्चपि एव वयासी-किं तुम देवाणुप्पिए ! ओलुग्गा जाव झियायसि १, तए ण सा धारिणी देवी सेणिएण रत्ता दोच्चपि तच्चपि एव चुत्ता समाणी नो आढाइ नो परिजाणाइ तुसिणीया सच्चिद्वइ । तए ण से सेणिए राया धारिणिं देविं सवहसाविय करेइ २ ता एव वयासी-किं तुम देवाणुप्पिए ! अहमेयस्स अट्टस्स अणरिहे सवणयाए ता ण तुम मम अयमेयारुव मणोमाणसियं दुक्ख रहस्सीकरेसि १ । तए ण सा धारिणी देवी सेणिएण रत्ता सवहसाविया समाणी सेणिय राय एव वयासी-एवं खलु सामी ! मम तस्स उरालस्स जाव महासुमिणस्स तिण्ह मासाण बहुपडिपुण्णाण अयमेयारुवे अकालमेहेइ ढोहले पाउब्भूए—धन्नाओ ण ताओ अम्मयाओ कयत्थाओ ण ताओ अम्मयाओ जाव वैभारगिरिपायमूल आहिंढमाणीओ दोहल विणिति, तै जइ णं अहमवि जाव दोहल विणिज्जामि । तए ण ह सामी ! अयमेयारुवसि अकालदोहलसि अविणिज्जमाणसि ओलुग्गा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायामि । एएण अह कारणेण सामी ! ओलुग्गा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायामि । तए ण से सेणिए राया धारिणीए देवीए अतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म धारिणिं देविं एव वयासी-मा ण तुमं देवाणुप्पिए ! ओलुग्गा जाव झियाहि, अह णं तहा करिस्सामि जहा णं तुब्भ अयमेयारुवस्स अकाल-दोहलस्स मणोरहसपत्ती भविस्सइ-त्तिकट्टु धारिणिं देविं इट्ठाहिं कताहिं पियाहिं मणुच्चाहिं मणामाहिं वग्गूहिं समासासेइ २ ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणामेव उवागच्छइ २ ता सीद्दासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे धारिणीए देवीए एय अकालदोहल बट्टूहिं आएहिं य उवाएहिं य उप्पत्तियाहिं य वेणइयाहिं य कम्मियाहिं य पा(प)रिणामियाहिं य चउच्चिह्वाहिं बुद्धीहिं अणुचितेमाणे २ तस्स दोहलस्स आय वा उवाय वा ठिइ वा उप्पत्तिं वा अविंदमाणे ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ ॥ १४ ॥ तयाणतरं च ण अभए कुमारे ण्हाए सव्वालकारविभूसिए पायवदए पहारेत्य गमणाए । तए ण से अमयकुमारे जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ २ ता सेणिय राय ओहयमणसकप्पं जाव झियायमाण पासइ २ ता अयमेयारुवे अ(ब्भ)ज्झत्थिए चित्तिए पत्थिए मणोगए सकप्पे समुप्पज्जित्था-अजया(य)मम सेणिए राया एजमाण पासइ पासित्ता आढाइ परिजाणाइ सक्कारेइ सम्माणेइ आलव्ह सलव्ह अद्दासणेण



मज्झ सोहम्मरूपवासी पुव्वसंगदए देवे महिद्विए जाव महासोऽन्ये । त सेयं  
 खलु मम पोसहमालाए पोसहियस्स चभयारिस्स उम्मुक्कमणिसुवण्णस्स ववगय-  
 मालावण्णगविडेवणस्स निक्खित्तगत्यमुगल्हस्स एगस्स अवीयस्स दब्भसयारोवण  
 यस्स अट्टमभत्त प(रि)णिण्हिता पुव्वसगइय देव मण(ि)सीकरेमाणस्स विहरिताए ।  
 तए ण पुव्वसगइए देवे मम चुम्माउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारू(वे)अ अकाल-  
 मेहेनु डोह्ल विणेहिइ । एव सपेहेइ २ ता जेणेव पोसहसाला तेणामेव उवागच्छइ  
 २ ता पोसहसाल पमज्जइ २ ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ २ ता दब्भसयारग  
 पडिलेहेइ २ ता दब्भसयारग दुरूहइ २ ता अट्टमभत्त पणिण्हइ २ ता  
 पोसहमालाए पोसहिए चभयारी जाव पुव्वसंगइय देव मणसीकरेमाणे २ चिट्ठइ ।  
 तए ण तस्स अभयकुमारस्स अट्टमभत्ते परिणममाणे पुव्वसगइयस्स देवस्स आसणं  
 चलइ । तए ण पुव्वसगइए सोहम्मरूपवासी देवे आसणं चलिय पासइ २ ता  
 ओहिं पउजइ । तए ण तस्स पुव्वसगइयस्स देवस्स अयमेयारूवे अज्झत्तिए जाव  
 समुप्पजित्था-एव खलु मम पुव्वसगइए जवुहीवे २ भारहे वासे दाहिणद्धभरहे  
 रायगिहे नयरे पोसहसालाए पोसहिए अभए नाम कुमारे अट्टमभत्त पणिण्हिता  
 ण मम मणसीकरेमाणे २ चिट्ठइ । त सेयं खलु मम अभयस्स कुमारस्स अतिए  
 पाउब्भवित्तए । एव सपेहेइ २ ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ ता  
 वेउव्वियसमुग्घाएण समोहणइ २ ता संखेज्जाइ जोयणाइं दडं निसिरइ । तजहा-  
 रयणाणं वयरणां वैरुलियाणं लोहियक्खणाणं मसारगात्राणं हसगब्भाणं पुलगाणं  
 सोगधियाणं जोइरसाणं अकाणं अजणाणं रयणाणं जायहूयाणं अजणपुलगाणं फलि-  
 हाणं रिट्ठाणं अहावायरे पोग्गले परिसाढेइ २ ता अहाम्मुहुमे पोग्गले परिणिण्हइ २  
 ता अभयकुमारमणुकपमाणे देवे पुव्वभवजणियनेहपीइयहुमाणजायसोणे तओ विमा-  
 णवरपुडरीयाओ रयणुत्तमाओ धरणियलगमणतुरियसजणियगमणपया(रो)रे वाघुणि-  
 यविमलकणगपयरगवडिसगमउडउक्कडाडोवदसणि(ज्जो)जे अणेगमणिकणगरयणपह-  
 करपरिमडियभत्तिचित्तविणिउत्त(मणुगुण)गमणगजणियहरिसे पेंखोलमाणवरललियकुं-  
 डल्लुज्जलियवयणगुणजणियसोमरूवे उदिओ विव कोमुदीनिसाए सणिच्छरगारक्कुज्ज-  
 लियमज्झभागत्थे नयणाण(दो)दे सरयचदे दिव्वोसहिपज्जलुज्जलियदसणाभिरा(मो)मे  
 उउलच्छिसमत्तजायसोहे पइट्ठगधुद्धयाभिरामे मेरुरिव नगव(रो)रे विउव्वियविचित्त  
 वेसे वीवसमुद्धानं असस्सपरिमाणनामधेज्जाणं मज्झयारेण वीइवयमा(णो)णे उज्जोयतो  
 पमाए विमलाए जीवलोय रायगिह पुरवरं च अभयस्स (य तस्स) पास ओवयइ  
 दिव्वरूवधारी ॥ १६ ॥ तए ण से देवे अतलिवक्खपडिवजे दसद्धवण्णाइं सखि-

उचमिमतेह मत्स्यसि अग्नाह । इयाभि मम सेमिप राया नो आवाह नो परिवागह  
नो सखारेह नो सम्मायेह नो इडाहि केताहि पिमाहि मनुवाहि ओराम्माहि वन्नाहि  
आकनह संव्वह नो अग्नासयेन उचमिमतेह नो मत्स्यसि अग्नाह(व)ह(य) किपि  
ओहवमनसंअये मिवावह । तं मन्वियम् न एत्थ करणेन । तं हंनं एस्स(मे) मम  
सेमिन् राव एवमहं पुच्छिताए । एवं संपेहेह २ ता जेवामेव सेमिप राया तेवामेव  
ववापण्णह २ ता अयस्सपरिमाहिन् विरसावत्तं मत्सप अंमन्ति कहु अप्पं विजएणं  
कव्वयेह २ ता एवं ववासी-तुप्पे नं ताओ । अजवा मम एज्जमायं पासिता आवाह  
परिवागह वाव मत्स्यसि अग्नायह वासणेन उचमिमतेह, इवाभि ताओ । तुप्पे  
मम नो आवाह वाव नो आसणेन उचमिमतेह किपि ओहवमनसंअया वाव  
विवावह, तं मन्वियम् ताओ । एत्थ करणेन तज्जोतुप्पे म(म)मं ताओ । एवं करणं  
अग्नेनाया असंवेमाजा अमिन्हेमाया अपण्णएमाया अहामूकमहितहमसंदिहं  
एवमहं आहस्सह । तए नं हं तस्स करणस्स अंतगमयं यमिस्सामि । तए नं  
से सेमिप राया अमएणं कुमारेणं एवं कुते समये अमयजुमारं एवं ववासी-एवं  
कहु पुत्ता । तव पुज्जमाठवाए चारिणीए देवीए तस्स गम्मस्स वेत्त मासेत्त अहंतेत्त  
तस्समासे वज्जमासे रोहवमनसययंति अजयेमाक्ये रोहके पाठम्मविरा-वज्जमाओ  
नं ताओ अम्मवाओ तहेव निरवसेत्तं माणियम् वाव विमिति । तए नं अहं पुत्ता ।  
चारिणीए देवीए तस्स अज्जमरोहम्मस्स वहुहि आपहि य उवाएहि वाव उप्पत्ति  
अन्दिमाये ओहवमनसंअये वाव विवायामि तुमे आगवंपि न अजामि तं एएणं  
करणेन अहं पुत्ता । ओहवमनसंअये वाव विवामि । तए नं से अमए कुमारे  
सेमिवस्स रण्णो अतिए एवमहं सोचा निस्सम हह वाव विवए सेमिवं एव एवं  
ववासी-मा नं तुप्पे ताओ । ओहवमनसंअया वाव विवावह । अहं नं तहा  
करिस्सामि अहा नं मम पुज्जमाठवाए चारिणीए देवीए अजयेमाहवस्स अजाकओ  
हवस्स मगोएउसंपत्ति भविस्सह-तिहं पुं सेमिवं राव ताहि इडाहि केताहि वाव  
समासासीह । तए नं सेमिप राया अमएणं कुमारेणं एवं कुते समये वहुत्त  
वाव अममं कुमार उवाहेह सम्मायेह उवाहिता सम्मानिता पडिमिउजेह ॥ १५४  
तए नं से अमए कुमारे उवाहिए सम्मानिए पडिमिउजिए समये सेमिवस्स रण्णे  
अतिवाओ पडिमिउजमह २ ता जेवामेव तए मममे सव्वमेव ववापण्णह २ ता  
वीहत्तने विजम्पे । तए नं तस्स अमयजुमारस्स अजयेमाक्ये अज्जस्सिए वाव  
समुप्पविरा-ओ कहु सक्का मात्तुस्सएणं उवाएणं मम पुज्जमाठवाए चारिणीए  
देवीए अजाकओहवमनोएउसंपत्ति करिउए गजत्थ विज्जेनं उवाएण । अरिह नं



विविधा पदवत्पद परिहृय । एते ताव एते यमो । अतोऽपि यमो-ताप  
 उरिहाप उरिहाप चवत्तप चैवाप धीहाप उमुवाप अ(इ)मपाप केवाप रिम्बाप  
 रेवयीप केनामेव कमुदीपे २ मारहे ताते केनामेव वाहिवदमरहे राममिहे मयरे  
 पोसहसताप अमप हुमारे तेनामेव उवागच्छ २ ता अंत(रि)क्षिपपक्षिपक्षि  
 वसवत्तपदं विविधिविधा पदवत्पद परिहृय अमव हुमारे एवं ववासी-मई  
 नं रेवापुपिया । पुष्पसंयत्तप छोहम्मकप्पवासी रेवे महत्तिप नं नं तुर्न  
 पोसहसताप अमुममते पणिमिहा यं ममी मवसीकरेमावे विहृति तं एव नं  
 रेवापुपिया । मई रई हम्ममापप । संविधादि नं रेवापुपिया । किं करेमि किं  
 हम्ममि किं पदवत्तपि किं वा ते विपक्षिपक्षि १ । तप नं से अमप हुमारे तं पुष्प  
 संयत्तप रेवे अंतक्षिपपक्षिपक्षि पासह २ ता हृत्तुति पोसहं पारह २ ता करदक वाव  
 अंतलि कहु एवं ववासी-एवं कहु रेवापुपिया । मम पुम्माठयाप वारिणीप रेवीप  
 अयमेवात्तं अवाकरोहं निवेदि । तप नं से रेवे अमप हुमारे एवं कुते  
 समये हृत्तुति अमव हुमारे एवं ववासी-तुर्न नं रेवापुपिया । सुमियुवपीसपे  
 वत्तपि, मई नं तव पुम्माठयाप वारिणीप रेवीप अयमेवात्तं उहं विवेमि-  
 तिहं अमवत्त हुमारत्त अंतिवायो पक्षिपक्षिपक्षि २ ता उतरपुपिपक्षि नं वमारप  
 तप वैठमिवसमुम्मापनं समोहम्म २ ता सवेजाई ओम्माई इहं निस्तर वाव  
 ओम्मापि वैठमिवसमुम्मापनं समोहम्म २ ता विप्यामेव सयज्जत्तं सविज्जत्तं सपुत्तिव  
 (तं) पंचवत्तमेव विवायोक्खेविहं विहं पावसपिदि विहम्म २ ता जेमेव अमप  
 हुमारे तेमेव उवागच्छ २ ता अमव हुमारे एवं ववासी-एवं कहु रेवापुपिया । मप  
 तव पिम्माप सपज्जत्त सपुत्तिवा सविज्जत्त विम्मा पावसपिदि निठमिवा तं निवेद  
 नं रेवापुपिया । तव पुम्माठया वारिणी रेवी अयमेवात्तं अवाकरोहं ।  
 तप नं से अमप हुमारे तत्त पुष्पसंयत्तप छोहम्मकप्पवासिस्त रेवस्त अंतिप  
 एवमई ओवा विहम्म हृत्तुति सवायो मवपायो पक्षिपक्षिपक्षि २ ता ववामेव सेमिप  
 एव तेनामेव उवागच्छ २ ता करदक वाव अंतलि कहु एवं ववासी-एवं कहु  
 तामो । मम पुष्पसंयत्तप छोहम्मकप्पवासिना रेवेन विप्यामेव सपज्जत्तसविज्जत्त-  
 (सपुत्तिव) पंचवत्तमेव विवायोक्खेविहं विहं पावसपिदि निठमिया । तं निवेद  
 नं मम पुम्माठया वारिणी रेवी अवाकरोहं । तप नं से सेमिप एव अमवत्त  
 हुमारत्त अंतिप एवमई ओवा विहम्म हृत्तुति वाव ओम्मापिदि सपारिह

उवट्ठाणसालाए सीहासणवरगए पुरत्याभिमुहे सन्निसण्णे स(य)इएहि य साहस्सिएहि  
य सयसाहस्सिएहि य जाए(हिं)हिं य दाएहि य भाएहि य दलयमाणे २ पडिच्छेमाणे  
' २ एव च ण विहरइ । तए ण तस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे जायकम्मं करेंति २ ता  
विइयदिवसे जागरिय करेंति २ ता तइए दिवसे चदसूरदसणिय करेंति २ ता एवामेव  
निव्वत्ते असुइजायकम्मकरणे सपत्ते वारसाहदिवसे विपुल असणं पाण खाइम साइमं  
उवक्खवावेंति २ ता मित्तनाइनियगसयणसवधिपरिजण वलं च बहवे गणनायगदढ-  
नायग जाव आमत्तेति तओ पच्छा ण्हाया सव्वालकारविभूसिया महइमहालयसि  
भोयणमढवसि त विपुल असण पाण खाइम साइम मित्तनाइ० गणनायग जाव सद्धिं  
आसाएमाणा विसाएमाणा परिभाएमाणा परिभुजेमाणा एव च ण विहरति जिमिय  
भुत्तुत्तरागयावि य ण समाणा आयता चोक्खा परमसुइभूया त मित्तनाइनियगसयण-  
सवधिपरियण बल च बहवे गणनायग जाव विपुलेण पुप्फवत्थगधमल्लालकारेण सक्का-  
रेंति सम्माणेंति स० २ ता एव वयासी-जम्हा ण अम्ह इमस्स दारगस्स गब्भत्थस्स  
चेव समाणस्स अकालमेहेसु डोहले पाउब्भूए तं होउ ण अम्ह दारए मेहे नामेणं  
मे(हुकुमारे)हे । तस्स दारगस्स अम्मापियरो अयमेयाख्व गोणं गुणनिप्पण्ण नामधेज्ज  
करेंति मेहेइ । तए ण से मेहे कुमारे पचघाईपरिग्गहिंए तजहा-खीरघाईए मडण-  
घाईए मज्जणघाईए कीलावणघाईए अकघाईए अजाहिं य बहूहिं खुजाहिं चिलाइयाहिं  
वामणिवडभिवब्बरिबठसिजोणि(याहिं)यपल्हवियईसिणि(य)धोर(णि)गिणिलासियल-  
उसियदमिलिसिंहलिआरविपुलिदिपक्कणिबहलिमुठ्ठिसबरिपारसीहिं नानादेसीहिं विदे-  
सपरिमडियाहिं इगियचितियपत्तियवियाणियाहिं सदेसनेवत्थगहियवेसाहिं निउण  
कुसलाहिं विणीयाहिं चेडियाचक्कवालवरिसधरकचुइज्जमहयरगवदपरिक्खत्ते हत्थाओ  
हत्थं सा(स)हरिज्जमाणे अकाओ अक परिभुज्जमाणे परिगिज्जमाणे उवला(चा)लिज्जमाणे  
रम्मसि मणिकोट्टिमतलसि परिमिज्जमाणे २ निव्वायनिव्वाघायसि गिरिकदरमल्लीणेव  
चपगपायवे सुहसुहेण वसुइ । तए ण तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो  
अणुपुव्वेण नामकरणं च पजेमणगं च एव चैकमणगं च चोलोवणयं च महया २  
इद्धीसक्कारसमुदएण करिंसु । तए णं त मेह कुमारं अम्मापियरो साइरेगट्ठवासजायग  
चेव गब्भट्टमे वासे सोहणसि तिहिकरणमुहुत्तसि कलायरियस्स उवर्णेति । तए ण  
से कलायरिए मेहं कुमारं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउणख्यपज्जवसाणाओ  
चावत्तरिं कलाओ सुत्तओ य अत्थओ य करणओ य सेहावेइ सिक्खावेइ तजहा-लेहं  
गणियं ख्व नट्ट गीयं वाइय सरगय पोक्खरगय समताल जूर्यं जणवायं पासय  
अट्ठावयं पोरेकच्च दगमट्ठिय अन्नविहिं पाणविहिं वत्थविहिं विलेवणविहिं सयणविहिं









लावण्णरूपजोव्वणगुणोव्वेयाणं सरिसएहिंतो रायवुलेहितो आणि(अ)णियाण पम  
 णट्ठगअविहचवहुओवयणमगलसुजपिएहिं अट्ठहिं रायवरम्भाहिं सद्धिं एगदिव  
 पाणिं गिण्हाविंसु । तए ण तस्स मेहस्स अम्मापियरो इम एयास्व पीइदाण दलय  
 अट्ठ हिरण्णकोडीओ अट्ठ सुवण्णकोडीओ गाहाणुगारेण भा(वि)णियव्व जाव पेसणक  
 याओ अन्न च विपुल धणकणगरयणमणिमोत्तियसखमिलप्पवालरत्तरयणसतसार  
 एज अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवसाओ पक्काम दाउ पक्काम भोत्तु पक्काम ।  
 भाएउ । तए ण से मेहे कुमारे एगमेगाए भारियाए एगमेग हिरण्णकोडिं दल  
 एगमेग सुवण्णकोडिं दलयइ जाव एगमेग पेसणकारिं दलयइ अन्न च विउलं  
 कणग जाव परिभाएउ दलयइ । तए ण से मेहे कुमारे उप्पि पासायवरगए फुट्ठ  
 णेहिं मुइगमत्यएहिं वरतरुणिसपउत्तेहिं वत्तीसइवदएहिं नाडएहिं उवगिज्जमाणे  
 उवलालिज्जमाणे २ सद्धारिसखस्सुवगधविउले माणुस्सए कामभोगे पच्चणुभव  
 विहरइ ॥ २४ ॥ तेण काळेण तेण समएण समणे भगव महावीरे पुव्वाणुपु  
 चरमाणे गामाणुगाम दइज्जमाणे सुहसहेण विहरमाणे जेणामेव रायगिहे  
 गुणसिलए उज्जाणे जाव विहरइ । तए ण (से)रायगिहे नयरे सिंघाडगतिगचउक्कच  
 महया बहुजणसदेइ वा जाव बह्वे उग्गा भोगा जाव रायगिहस्स नय  
 मज्झमज्झेण एगदिसिं एगाभिमुहा निग्गच्छति, इम च ण मेहे कुमारे  
 पासायवरगए फुट्ठमाणेहिं मुयगमत्यएहिं जाव माणुस्सए कामभोगे भुंज  
 रायमग्ग च आलोएमाणे २ एव च ण विहरइ । तए ण (से)मेहे कुमारे ते बह्वे  
 भोगे जाव एगदिसाभिमुहे निग्गच्छमाणे पासइ २ ता कचुइज्जपुरिस सहावे  
 ता एव वयासी-किन्न भो देवाणुप्पिया ! अज्ज रायगिहे नयरे इदमहेइ  
 खदमहेइ वा एवं रुहसिववेसमणनागजक्खभूयनईतलायरुक्खपव्वयउज्जाणगिरिज  
 वा जओ ण बह्वे उग्गा भोगा जाव एगदिसिं एगाभिमुहा निग्गच्छति । ता  
 से कचुइज्जपुरिसे समणस्स भगवओ महावीरस्स गहियागमणपवितीए मेह हु  
 एवं वयासी-नो खलु देवाणुप्पिया ! अज्ज रायगिहे नयरे इदमहेइ वा  
 गिरिजत्ताइ वा ज ण एए उग्गा जाव एगदिसिं एगाभिमुहा निग्गच्छति,  
 खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे इहमागए  
 सपत्ते इह समोसढे इह चेव रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे अहापडिरुव  
 विहरइ ॥ २५ ॥ तए ण से मेहे कुमारे कचुइज्जपुरिसस्स अतिए एयमट्ठ  
 निसम्म दट्ठतुट्ठे कोट्टुबियपुरिसे सहावेइ २ ता एव वयासी-खिप्पामेव भो दे  
 प्पिया ! चाउग्घंट आसरह जुत्तामेव उवट्ठवेह (तहत्ति) जाव उवणेति । तए ण

मेहे ऋषिः सम्बतर्जुनः भूषिणः चातुर्गन्धः आसुरः दुष्टः समाये सकोरः समाये  
 कतेन वरिजमायेन महाया मन्त्रचक्रगणितपरिवासात्परिबुद्धे राजपिहस्त  
 मन्त्रमन्त्रोत्तरे निरप्यच्छ १ ता जेनामेव गुणसिद्धिः उज्जामे तेनामेव उवागच्छ १  
 १ ता समन्तम् भगवतो महावीरस्त उवागच्छतं पञ्चाङ्गपर्यायं निज्वाहरचारये  
 र्धमः य देवैः भोक्तव्याये सप्यव्याये पासः १ ता चातुर्गन्धः आसुरः दुष्टः  
 पञ्चोच्छ १ ता समन्तं भगवत् महावीरं पञ्चभिर्देवैः अभिगम्य अभिगच्छ १  
 तं ब्रह्मा—सवितायै दद्यात् सितसरस्वनाय, अवितायै दद्यात् अमितसरस्वनाय,  
 एगसाविर्ब्रह्मसत्पञ्चरत्नेन चक्षुष्पासे अक्षिप्यगहेन मन्त्रो एवमिच्छयेत् ।  
 जेनामेव समन्तं भगवत् महावीरे तेनामेव उवागच्छ १ ता समन्तं भगवत्  
 महावीरं त्रिकुण्डले आवाह्यं पञ्चद्विंशं करे १ ता वंद्य नमस्तु १ १ ता  
 समन्तस्त भगवतो महावीरस्त नवास्तवे नवाहुरे दुस्तुतमाये नमस्तमाये पं(अ)-  
 चत्ति(ब)उते अमिमुहे निरप्यं पञ्चाङ्गः । तए न समन्तं भगवत् महावीरे मेहस्त  
 कुमरस्त टीसे न महश्महाशिवाय (महन्)परिचाए मन्त्राए निमित्तं ब्रह्ममाह  
 करः ब्रह्मा बीजा ब्रह्मसि मुनेति ब्रह्म न सत्किञ्चित्सति ब्रह्मन्वा भान्तिव्या  
 च्यव परिचा पञ्चिमा ॥ १५ ॥ तए न से मेहे कुमारैः समन्तं भगवतो महा-  
 वीरस्त अतिए ब्रह्मं सोऽयं मिश्रम् ब्रह्मणे समन्तं भगवत् महावीरं त्रिकुण्डले आवा  
 ह्यं पञ्चद्विंशं करे १ ता वंद्य नमस्तु १ १ ता एवं ब्रह्मासी—सद्ब्रह्मं मे  
 मंत । निर्मलं पादवत् एवं पतियामि न रोएमि न अन्मुद्रेमि न मति । निर्मलं  
 पादवत् एवमेव मंत । तद्ब्रह्मं अमितहमेव इच्छिम्येव पञ्चिच्छिम्येव मति ।  
 इच्छिच्छिम्येव मंत । से ब्रह्मं तं तुभ्ये वन्द्य न भवरे ब्रह्मपुत्रिणा । अम्मा  
 पित्रो मापुत्रममि तस्ये पञ्चा मुने अमिता न पञ्चस्तमि । अवाह्यं देवापुत्रिणा ।  
 मा परिषं करे १ तए न से मेहे कुमारैः समन्तं भगवत् महावीरं वंद्य नमस्तु १ १  
 ता जेनामेव चातुर्गन्धः आसुरः तेनामेव उवागच्छ १ ता चातुर्गन्धः आसुरः दुष्टः  
 १ ता महाया मन्त्रचक्रगणितपरिवासात्परिबुद्धे राजपिहस्त नमस्त मन्त्रमन्त्रोत्तरे जेनामेव सए  
 मन्त्रे तेनामेव उवागच्छ १ ता चातुर्गन्धः आसुरः दुष्टः पञ्चोच्छ १ ता जेनामेव  
 अम्मापित्रो तेनामेव उवागच्छ १ ता अम्मापित्रं पादवत् करे १ ता एवं  
 ब्रह्मासी एवं ससु अम्मावो । मए समन्तम् भगवतो महावीरस्त अतिए ब्रह्मं  
 निर्मते से नि न मे वन्द्य इच्छिच्छिम्येव अमिच्छिच्छिम्येव । तए न तस्त मेहस्त अम्मा  
 पित्रो एवं ब्रह्मासी—अतोऽसि तुमे आवा । अपुत्रोऽसि कलत्थेऽसि कलत्थपुत्रोऽसि  
 तुमे आवा । एवं तुमे समन्तं भगवतो महावीरस्त अतिए ब्रह्मं निर्मते से नि

य ते धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिच्छिए । तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरो  
 दोयपि तयपि एव वयासी-एवं रालु अम्मयाओ । मए ममणस्स भगवओ महा  
 वीरस्स अतिए धम्मे निसते, से वि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिच्छिए,  
 त उच्छासि ण अम्मयाओ । तुम्मेहिं अब्भणुजाए समाणे समणस्स भगवओ  
 महावीरस्स अतिए मुडे भविता ण अगाराओ अणगारिय पव्वइत्तए । तए ण सा  
 धारिणी देवी त अणिट्ठ अरुन अपिय अमणुज अमणाम असुयपुव्व फट्ठस गिरं  
 सोचा निसम्म इमेण एयारुवेणं मणोमाणसिएण महया पुत्तदुस्सो गं अभिभूया समानी  
 सेयागयरोमकूवपगलतविलीणगाया सोयभरपवेवियगी नित्तेया दीणमिमणवयणा करय  
 लमलियव्व कमलमाला तत्तएणओलुगगदुव्वलसरीरा लावणगमुत्तनिच्छायगयसिरीया  
 पसिडिलभूसणपडतगुम्मियसच्चुणियधवत्तलवयपव्वभट्टउत्तरिजा समालनिकिण्णकेन  
 हट्ठया मुच्छावसनट्ठचेयगरुई परमुनियत्तव्वचपगलया निव्वत्तम(हिमव्व)हे च इंदल्ल  
 विमुक्कसधिवधणा कोट्टिमतलमि सव्वगेहिं धसत्ति पडिया । तए ण सा धारिणी  
 देवी ससभमोवतियाए तुरिय कच्चगभिगारमुहविणिग्गयसीयलजलविमलधाराए  
 परिमिच्चमाणा निव्वावियगायलट्ठी उक्खेवणतालविट्ठीयणगजणियवाएण सकुसिएण  
 अतेउरपरियणेण आसासिया समानी मुत्तावलिसज्जिगासपवडतअमुधाराहिं सिंच  
 माणी पओहरे कल्लणविमणदीणा रोयमाणी कदमाणी तिप्पमाणी सोयमाणी विलव  
 माणी मेह कुमारं एव वयासी-तुम सि ण जाया । अम्ह एगे पुत्ते इट्ठे कते पिए मणुने  
 मणामे येजे वेसासिए सम्मए बहुमए अणुमए भउकरंडगसमाणे रयणे रयणभूए  
 जीवियउत्सासए हिययाणदजणणे उवरपुप्फ पिव दुल्लहे सवणयाए किमग पुण पास  
 णयाए, नो खलु जाया । अम्हे इच्छामो खणमवि विप्पओग सहित्तए, त भुजाहि  
 ताव जाया । विपुळे माणुस्सए कामभोगे जाव ताव वय जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं  
 कालगएहिं परिणयवए वट्ठियकुलवंसततुकज्जमि निरावयक्खे समणस्स भगवओ  
 महावीरस्स अतिए मुडे भविता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्ससि ॥ २७ ॥ तए  
 णं से मेहे कुमारे अम्मापिऊहिं एव पुत्ते समाणे अम्मापियरो एव वयासी-तहेव  
 ण त अ(म्मो)ममताओ । जहेव ण तुम्हे ममं एवं वयह-तुम सि ण जाया । अम्ह  
 एगे पुत्ते त चेव जाव निरावयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि,  
 एवं खलु अम्मयाओ । माणुस्सए भवे अबुवे अणियए असासए वसणसउवद्दामि  
 भूए विजुलयाचचळे अणिच्चे जलवुव्वुयसमाणे कुसग्गजलविंदुसज्जिमे सल्लव्वभराग-  
 सरिसे सुविणदसणोवमे सडणपडणविद्धसणधम्मे पच्छा पुरं च ण अवस्सविप्प  
 जहणिजे, से के ण जाणइ अम्मयाओ । के पुर्व्वि गमणाए के पच्छा गमणाए ?



य ते धम्मो इच्छिए पडिच्छिए अभिद्दिए । तए ण से मेहे कुमारे अम्मापियरो दोच्चं पित्तपि एव वयासीं-एवं खलु अम्मयाओ । मए समणस्स भगवओ महा वीरस्स अतिए धम्मो निसते, से वि य मे धम्मो इच्छिए पडिच्छिए अभिद्दिए, त इच्छामि ण अम्मयाओ । तुम्हेहिं अब्भणुजाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुढे भवित्ता ण अगाराओ अणगारिय पव्वइत्तए । तए ण सा धारिणी देवी त अणिट्ठ अकत अप्पियं अमणुअ अमणार्म असुयपुव्व फरुस गिरं सोच्चा निसम्म इमेण एयारुवेण मणोमाणसिएणं महया पुत्तदुक्खेण अभिभूया समाणी सेयागयरोमकूवपगलतविलीणगाया सोयभरपवेवियगी नित्तेया दीणविमणवयणा करय लमलियव्व कमलमाला तक्खणओलुगगदुब्बलसरीरा लावणणुअनिच्छायगयसिरीया पसिडिलभूसणपडतखुम्मियसच्चुणियधवलवलयपव्वमट्टउत्तरिज्जा सूमालविकिण्णकेस हत्था मुच्छावसनट्टचेयगरुई परसुनियत्तव्व चपगलया निव्वतम(हिमव्व)हे व इंदलट्ठी विमुक्कसधिवधणा कोट्टिमतलसि सव्वगेहिं धसति पडिया । तए ण सा धारिणी देवी ससभमोवत्तियाए तुरिय कचगर्भिगारमुहविणिग्गयसीयलजलविमलधाराए परिसिंचमाणा निव्वावियगायलट्ठी उक्खेवणतालविटवीयणगजणियवाएण सफुसिएण अतेउरपरियणेण आसासिया समाणी मुत्तावलिसस्सिगासपवडतअसुधाराहिं सिंच-माणी पओहरे कल्लुणविमणवीणा रोयमाणी कदमाणी तिप्पमाणी सोयमाणी विलव माणी मेह कुमारं एव वयासी-तुम सि णं जाया । अम्ह एगे पुत्ते इट्ठे कते पिए मणुने मणामे थेजे वेसासिए सम्मए बहुमए अणुमए भडकरंडगसमाणे रयणे र्यणभूए जीवियउस्सासए हिययाणदजणणे उवरपुप्फ पिव दुल्लहे सवणयाए किमंग पुण पास णयाए, नो खलु जाया । अम्हे इच्छामो खणमवि विप्पओग सहित्तए, त भुजाहिं ताव जाया । विपुळे माणुस्सए कामभोगे जाव ताव वय जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहिं परिणयवए वड्ढियकुलवसततुक्कजमि निरावयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुढे भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइस्ससि ॥ २७ ॥ तए ण से मेहे कुमारे अम्मापिऊहिं एव वुत्ते समाणे अम्मापियरो एव वयासी-तहेव ण त अ(म्मो!)म्मताओ । जहेव ण तुम्हे ममं एवं वयह-तुम सि ण जाया । अम्ह एगे पुत्ते त चेव जाव निरावयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि, एव खलु अम्मयाओ । माणुस्सए भवे अधुवे अणियए असासए वसणसउवद्वाभि भूए विजुलयाचचळे अणिच्चे जलवुब्बुयसमाणे कुसग्गजलविंदुसन्निमे सज्जव्वभराग-सारिसे सुविणदसणोवमे सडणपडणविद्धसणधम्मो पच्छा पुरं च ण अवस्सविप्प जहणिजे, से के ण जाणइ अम्मयाओ । के पुर्व्वि गमणाए के पच्छा गमणाए ?





ट्टीए खुरो इव एगतधाराए लोहमया इव जवा चावेयव्वा वालुयाम्बले इव निर  
 म्माए गगा इव महानई पडिसोयगमणाए महासमुदो इव भुयाहिं दुतरे तिस्सव चक्र  
 मियव्व गरुअ लवेयव्व असिधारव्वय (स)चरियव्व । नो (य)नल कप्पइ जाया ।  
 समणाण निग्गथाण आहारम्मिए वा उद्देसिए वा कीयगढे वा ठयियए वा रदयए  
 वा दुब्बिम्भसभत्ते वा कतारभत्ते वा वद्दियाभत्ते वा गिलाणभत्त वा मूलभोयणे  
 वा कदभोयणे वा फलभोयणे वा वीयभोयणे वा हरियभोयणे वा भोत्तए वा पायए  
 वा । तुम च ण जाया ! सुहममुच्चिए नो चेव ण दुहसमुच्चिए नाल सीय नाल उण्ह  
 नाल सुह नाल पिवास नाल वाइयपिसियसिंभियमन्निवाइयविधिहे रोगाय के उच्चावए  
 गामकटए वावीस पगीसहोवसग्गे उदिग्गे सम्म अहियासितए । भुजाहि ताव जाया ।  
 माणुस्मए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगी समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव  
 पव्वइस्ससि । तए ण से मेहे कुमारं अम्मापिऊहि एउ युत्ते समाणे अम्मापियरं एव  
 वयासी-तहेव ण त अम्मयाओ । ज ण तुम्मे मम एव वयह-एस ण जाया ! निग्गथे  
 पावयणे सच्चे अणुतरे पुणरवि त चेव जाव तओ पच्छा भुत्तभोगी समणस्स भगवओ  
 महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि, एव खलु अम्मयाओ । निग्गथे पावयणे की(वा)वाण  
 कायराण ऋपुरिसाण इहलोगपडिवद्दाण परलोगनिप्पिवासमाण दुरणुचरे पाययजणस्स  
 नो चेव ण धीरस्स निच्छियस्म ववसियस्स एत्थ किं दुक्कं करणयाए ? त इच्छामि ण  
 अम्मयाओ । तुम्मेहिं अब्भणुत्ताए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्व  
 इत्तए ॥ २८ ॥ तए ण त मेह कुमारं अम्मापियरो जाहे नो सचाइति बहूहि विसया-  
 णुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहि य विन्नव  
 णाहि य आघवित्तए वा पन्नवित्तए वा सन्नवित्तए वा विन्नवित्तए वा ताहे अका(मए)  
 माइ चेव मेह कुमारं एव वयासी-इच्छामो ताव जाया । एगदिवसमवि ते रायसिरिं  
 पासित्तए । तए ण से मेहे कुमारं अम्मापियरमणुवत्तमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ । तए  
 ण से सेणिए राया कोडुवियपुरिसे सद्देवेइ २ ता एव वयासी-खिप्पामेव भो देवा-  
 णुप्पिया ! मेहस्स कुमारस्स महत्थं महग्घ महरिह विउल रायाभिसेय उवट्ठवेह ।  
 तए ण ते कोडुवियपुरिसा जाव तेवि तहेव उवट्ठवेति । तए ण से सेणिए राया  
 बहूहि गणनायगदहनायगेहि य जाव संपरिवुडे मेह कुमारं अट्ठसएण सोवण्णिमाण  
 कलसाण एवं रूपमयाण कलसाण सुवण्णरूपमयाण कलसाण मणिमयाण कलसाण  
 सुवण्णमणिमयाण कलसाण रूपमणिमयाण कलसाण सुवण्णरूपमणिमयाण कलसाण  
 भोमेजाण कलसाण सव्वोदएहिं सव्वमट्ठियाहिं सव्वपुप्फेहिं सव्वगंधेहिं सव्वमल्लेहिं  
 सव्वोसहीहिं य सिद्धत्थएहिं य सव्विन्दीए सव्वजुईए सव्ववलेण जाव दुंदुभिनिग्घो-



ट्टीए खुरो इव एगतधाराए लोहमया इव जवा चावेयव्वा वालुयास्वले इव निर-  
 म्साए गगा इव महानई पडिसोयगमणाए महाममुहो इव भुयार्हि दुतरे तिक्क च-  
 मियव्व गरुअ लवेयव्व अतिधारव्वय (स)चरियव्व । नो (य)गलु कप्पड जाया ।  
 समणाण निग्गथाण आहाकम्मिए वा उद्देमिए वा कीयगडे वा ठवियए वा रइयए  
 वा दुव्विमम्भत्ते वा कतारभत्ते वा वहलियाभत्ते वा गिलाणभत्ते वा मूलभोयणे  
 वा कदभोयणे वा फलभोयणे वा वीथभोयणे वा हरियभोयणे वा भोत्तए वा पायए  
 वा । तुम च णं जाया । नुहममुच्चिए नो चेंव ण दुहसमुच्चिए नाल सीय नाल उम्ह  
 नाल उम्ह नाल पिवास नाल वाइयपित्तिथमिभियमन्निवाइयविविहे रोगायके उच्चावए  
 गामकटए वावीस पगीसहोत्रमग्गे उदिग्गे सम्म अहियामितए । भुजाहि ताव जाया ।  
 माणुस्मए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगी समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव  
 पव्वइस्ससि । तए ण से मेहे कुमारे अम्मापिऊर्हि एव दुत्ते समणे अम्मापियरं एव  
 वयासी-तहेव ण त अम्मयाओ । ज ण तुब्भे मम एव वयह-एम ण जाया । निग्गथे  
 पावयणे मच्च अणुतरे पुणरवि त चेव जाव तओ पच्छा भुत्तभोगी समणस्स भगवओ  
 महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि, एव खलु अम्मयाओ । निग्गथे पावयणे की(वा)वाय  
 कायराण कापुरिसाण इहलोगपडिवद्दाण परलोगनिप्पिवामाण दुरणुचरे पाययजणस्स  
 नो चेव ण धीरस्स निच्छिठयस्म ववसियस्स एत्थ किं दुक्करं करणयाए ? त इच्छामि ण  
 अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुत्ताए समणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्व-  
 इत्तए ॥ २८ ॥ तए ण तं मेह कुमार अम्मापियरो जाहे नो सचाइति बहूहिं विसया  
 णुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहि य विन्नव  
 णाहि य आघवित्तए वा पन्नवित्तए वा सन्नवित्तए वा विन्नवित्तए वा ताहे अका(मए)  
 माइ चेव मेह कुमारं एव वयासी-इच्छामो ताव जाया । एगदिवसमवि ते रायसिर्हि  
 पासित्तए । तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरमणुवत्तमाणे तुसिणीए सच्चिद्धइ । तए  
 ण से सेणिए राया कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ ता एव वयासी-खिप्पामेव भो देवा-  
 णुप्पिया ! मेहस्स कुमारस्स महत्थ महग्घ महरेह विउल रायाभिसेय उवट्ठवेह ।  
 तए ण ते कोडुवियपुरिसे जाव तेवि तहेव उवट्ठवेंति । तए ण से सेणिए राया  
 बहूहिं गणनायगदढनायगेहि य जाव सपरिवुडे मेह कुमारं अट्ठसएण सोवण्णियाण  
 कलसाण एव रूपमयाण कलसाण सुवण्णरूपमयाण कलसाण मणिमयाण कलसाण  
 सुवण्णमणिमयाण कलसाण रूपमणिमयाण कलसाण सुवण्णरूपमणिमयाण कलसाण  
 भोमेजाण कलसाण सव्वोदएहिं सव्वमट्ठियाहिं सव्वपुप्फेहिं सव्वगंधेहिं सव्वमल्लेहिं  
 सव्वोसहीहिं य सिद्धत्यएहिं य सव्विद्धीए सव्वजुईए सव्वयलेण जाव दुदुभिनिग्घो-

विज्या ॥ ७५४ ॥ से मिकव्वा वा (१) आनरियरवज्जाएणि सन्निं बुद्धज्जाणे  
 अंतरा से पाणिपट्ठिवा क्वाण्ठेज्जा से न पाणिपट्ठिवा से एवं वएज्जा "आउरुंठो  
 समवा के तुम्मे ! कज्जो वा एह ! कहिं वा गच्छिहि" से तत्थ आनरियरवज्जाए  
 से मासेज्जा वा निवागरेज्जा वा आनरियोवज्जायस्स मासमाजस्स वा निवागरे  
 माजस्स वा वो अंतरामासं करेज्जा तथो संवज्जामेव अहारादिमिण्ण वा बुद्धेज्जा  
 ॥ ७५५ ॥ से मिकव्वा वा (१) अहारादिमिण्णं गामाणुगामं बुद्धज्जाणे वो अहारा-  
 दिमिणस्स हस्येव हस्ये वाव ज्जासाकमाये तथो संवज्जामेव अहारादिमिण्णं गामा-  
 णुगामं बुद्धेज्जा ॥ ७५६ ॥ से मिकव्वा वा (१) अहारादिमिण्णं बुद्धज्जाणे अंतरा  
 से पाणिपट्ठिवा क्वाण्ठेज्जा से न पाणिपट्ठिवा एवं वरेज्जा आउरुंठो समवा के  
 तुम्मे ! कज्जो वा एह ! कहिं वा गच्छिहि ! से तत्थ सम्मरादिमिण्ण से मासेज्जा  
 वा वामरेज्जा वा अहारादिमिणस्स मासमाजस्स निवागरेमाजस्स वा वो अंतरामासं  
 मासेज्जा तथो संवज्जामेव अहारादिमिण्णं गामाणुगामं बुद्धेज्जा ॥ ७५७ ॥ से  
 मिकव्वा वा (१) गामाणुगामं बुद्धज्जाणे अंतरा से पाणिपट्ठिवा क्वाण्ठेज्जा से न  
 पाणिपट्ठिवा एवं वरेज्जा "आउरुंठो समवा ! अनिवाइ एत्थे पडिपहे पत्तह तंज्हा-  
 मत्तुस्स वा मोरं वा मद्धिं वा पट्ठु वा पण्णिं वा विट्ठिं वा जज्जमरे वा से  
 आइक्कह इहि" तं वो आइक्कजेज्जा वो इत्थि वो संति तं परिणं परिवाप्तिज्जा  
 इत्थिणीज्जो ज्वहेज्जा जाये वा, वो ज्ञापति वएज्जा तथो संवज्जामेव गामा-  
 णुगामं बुद्धेज्जा ॥ ७५८ ॥ से मिकव्वा वा (१) गामाणुगामं बुद्धज्जाणे अंतरा  
 से पाणिपट्ठिवा क्वाण्ठेज्जा से न पाणिपट्ठिवा एवं वएज्जा "आउरुंठो समवा  
 अनिवाइ एत्थे पडिपहे पत्तह उइरपत्त्यामि केज्जामि वा सूज्जामि वा त्थामि वा  
 पत्थामि वा पुण्णामि वा पज्जामि वा वीज्जामि वा इरिज्जामि वा उइरी वा संमिद्धिं  
 जपमि वा संमिद्धिं से सं सं जेव से आइक्कह, वाव बुद्धेज्जा ॥ ७५९ ॥ से  
 मिकव्वा वा (१) गामाणुगामं बुद्धज्जाणे अंतरा से पाणिपट्ठिवा क्वाण्ठेज्जा  
 से न पाणिपट्ठिवा एवं वएज्जा आउरुंठो समवा अनिवाइ एत्थे पडिपहे पत्तह,  
 अइसामि वा जाव से न वा निक्कमरं संमिद्धिं, तं आइक्कह वाव बुद्धेज्जा  
 ॥ ७६० ॥ से मिकव्वा वा (१) गामाणुगामं बुद्धज्जाणे अंतरा से पाणिपट्ठिवा  
 वाव "आउरुंठो समवा ! निक्कए एत्थे गाये वा वाव उज्जहाणी वा से आइक्कह  
 वाव बुद्धेज्जा ॥ ७६१ ॥ से मिकव्वा वा (१) गामाणुगामं बुद्धज्जाणे अंतरा से  
 पाणिपट्ठिवा वाव "आउरुंठो समवा निक्कए एत्थे पायस्स जगरस्स वा वाव उज्ज-  
 हाणी वा ममो से आइक्कह तथैव वाव बुद्धेज्जा ॥ ७६२ ॥ से मिकव्वा वा

ट्टीए गुरो इव एगत्तधाराए लोहमगा इव जप्ता चावेगच्चा वाट्याक्खत्ते इव निर  
 स्माए गगा इव महानई पडिसोयगमणाए महासमुदो इव भुयाहिं दुत्तरे निग्ग चरु  
 मियच्च गच्छा तप्पेयच्च अतिधारव्वय (स)चरियच्च । नो (य)गल्लु कप्पइ जाना ।  
 समणाण निग्गयाण आत्ताकम्मिए वा उद्देसिए वा कीयगटे वा ठविए वा रउयए  
 वा दुट्ठिभग्गाभत्ते वा कत्तारभत्ते वा चट्ठियाभत्ते वा गिलाणभत्ते वा मूलभोयो  
 वा रुद्धभोयणे वा फलभोयणे वा वीथभोयणे वा हूरियभोयणे वा भोगए वा पावए  
 वा । तुम च ण जाया । गृहममुच्चिए नो चेव ण दुहसमुच्चिए नाल सीय नाल उह  
 नाल उह नाल पिवास नाल वाइयपित्तियग्गिभियगत्तिवाइयविरिहे रोगागके उयावए  
 गामरुट्टए वावीस पगीसतोयमग्गे उदिग्गे गम्म अहिंयात्तिए । भुजाहि ताव जाया ।  
 माणुस्मए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगी गमणस्स भगवओ महावीरस्स जाव  
 पव्वस्ससि । तए ण से मेहे कुमारे अम्मापियरो एव वुत्ते समाणे अम्मापियरं एवं  
 वयासी-तहेव ण त अम्मयाओ । ज ण तुव्वे मम एव वयह-एग ण जाया । निग्गये  
 पावयणे सच्चे अणुत्तरे पुणरवि त चेव जाव तओ पच्छा भुत्तभोगी समणस्स भगवओ  
 महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि, एव खल्ल अम्मयाओ । निग्गये पावयणे की(वा)याण  
 कायराण कापुरिसाण इहलोगपडिउद्धाण परलोगनिष्पिवामाण दुरणुचरे पाययजगस्स  
 नो चेव ण धीरस्स निच्छियस्स ववमियम्म एत्थ किं दुष्परं करणयाए ? त इच्छामि ण  
 अम्मयाओ । तुव्वेहिं अब्भणुज्जाए समाणे गमणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्व-  
 इत्तए ॥ २८ ॥ तए ण त मेह कुमारं अम्मापियरो जाहे नो सच्चाइति चट्ठहि विमया  
 णुलोमाहि य विसयपडिक्कूलाहि य आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहि य विन्न  
 णाहि य आघवित्तए वा पन्नवित्तए वा सन्नवित्तए वा विन्नवित्तए वा ताहे अक्का(मए)  
 माइं चेव मेह कुमार एव वयासी-इच्छामो ताव जाया । एगदिवसमवि ते रायतिरिं  
 पासित्तए । तए ण से मेहे कुमारे अम्मापियरमणुवत्तमाणे तुत्तिणीए सच्चिट्ठइ । तए  
 ण से सेणिए राया कोडुत्तियपुरिसे सहावेइ २ ता एवं वयासी-सिप्पामेव भो देवा  
 णुप्पिया । मेहस्स कुमारस्स महत्थं महग्घ महरिह विउल रायाभिसेय उवट्ठवेह ।  
 तए ण ते कोडुवियपुरिसा जाव तेवि तहेव उवट्ठवेंति । तए ण से सेणिए राया  
 चट्ठहिं गणनायगदढनायगेहि य जाव सपरिवुडे मेह कुमार अट्टसएण सोवण्णियाणं  
 कलसाण एव रूपमयाण कलसाणं सुवण्णरूपमयाण कलसाण मणिमयाण कलसाण  
 सुवण्णमणिमयाण कलसाण रूपमणिमयाण कलसाण सुवण्णरूपमणिमयाण कलसाण  
 भोमेज्जाण कलसाणं सब्बोदएहिं सब्बमट्ठियाहिं सब्बपुप्फेहिं सब्बगघेहिं सब्बमलेहिं  
 सब्बोसहीहि य सिद्धत्यएहि य सब्बिद्धीए सब्बजुईए सब्बवलेण जाव दुदुभिनिग्घो-

समाहरणैर्दं महा २ रागाभिसेष्टं अभिसिद्धं २ ता करमळ बाण कङ्क एवं  
 वनासी-अव २ मंहा । अव २ मंहा । अव नंहा । भई ते अखियं जि(ने)नाहि तियं  
 अम्माहि तियमये वसाहि अजियं जिनेहि उणुपक्कं तियं न पाकेहि मितापक्कं  
 बाण भरहे इह मनुवाने रागविहसु नगरसु अजसि न वहुनं सामायनगर बाण  
 सज्जितेरां माहेवर्षं जाल मिहराहि तिहू कवकवसाई पठेवसि । तए नं से मेहे  
 रत्ता बाए महा बाण मिहर । तए नं तस्स मेहस्स रत्तो अम्मापिबरो एवं वनासी-  
 मय बाण । किं वक्कामो किं पक्कामो किं वा ते हियं न्हिए सामत्ये(मेठ) ।  
 तए नं से मेहे रत्ता अम्मापिबरो एवं वनासी-इच्छामि र्थं अम्मवाओ । इतिवा  
 वक्कामो रत्तरत्तं पडिम्म(रत्त)ई न (मानियं) उक्केह अस्सवर्षं न सदा(मिठ) वैह । तए  
 नं से सेविए रत्ता कोट्टिविपुसिसे सहावेह २ ता एवं वनासी-गच्छह ग तुम्मे  
 वेवालुप्पिमा । तिरिपराओ तिसि सवसहस्साई गहाय रोहिं सवसहस्सेहि  
 इतिवावक्कामो रत्तरत्तं पडिम्मई न उक्केह सवसहस्सेर्षं अस्सवर्षं सहावेह । तए  
 नं से कोट्टिविपुसिसे सेविए रत्ता एवं जुता समाभा हट्टुत्त तिरिपराओ तिसि  
 सवसहस्साई गहाय इतिवावक्कामो रोहिं सवसहस्सेहि रत्तरत्तं पडिग्गई न उक्केहि  
 सवसहस्सेर्षं कस्सवर्षं सहावेहि । तए नं से अस्सवर्षं तेहि कोट्टिविपुसिसेहि सहाविए  
 समाभा हट्टुत्त जाल (हय)हियए न्हाए उट्ठप्पावेसाई (मंगळाई)वन्हाई पवरपरैहिए  
 अण्णमहस्समराभांअण्णवत्तरे जेणैव सेविए रत्ता सेवेव उवापक्कह २ ता सेवियं  
 रत्तं करकमवत्ते कहु एवं वनासी-सविसह नं वेवालुप्पिमा । नं मए करमिळ ।  
 तए नं से सेविए रत्ता अस्सवर्षं एवं वनासी-गच्छह नं तुमं वेवालुप्पिमा । इतिवा  
 पंथोदएणं तिउ हत्थाए पक्कामेहि संवाए अट्ठप्पमए पात्तीए मुई वविट्ठ  
 मेहस्स इमारस्स अट्ठगुळवत्ते निक्कममपाउओ अमाकेसे कप्पेहि । तए नं से  
 अस्सवर्षं सेविए रत्ता एवं जुते समाभा हट्टुत्त बाण हियए जाल पडिउमैह २ ता इर  
 म्मा पंथोदएणं हरवपाए पक्कामेह २ ता उट्ठवत्तेणं मुह नंवह २ ता परेणं अत्तं  
 मेहस्स इमारस्स अट्ठगुळवत्ते निक्कममपाउओ अमाकेसे कप्पेह । तए नं तस्स  
 मेहस्स इमारस्स मावा महरिहेण ईसक्ककलोर्षं पडसाउएणं अमाकेसे पडिउउह २  
 ता इतिवा पंथोदएणं पक्कामेह २ ता सरसेर्षं गोतीसर्षंवेणं नक्कामो वम्मह २ ता  
 सेवाए पोत्तीए वंवह २ ता रक्कसमुदगमंति पडिउवह २ ता मज्झपाए पडिउवह २ ता  
 हारपरिवात्तिवुवारत्तिवमुतावविप्पगासाई जंउह निम्मिमुवमाथी २ रोक्कमाथी  
 २ कम्माथी २ निक्कमाथी २ एवं वनासी-एव नं अम्ह मेहस्स इमारस्स अण्णु  
 एव न उस्सवत्तं न पक्कामेह न तिहीह न उक्केह न असेह न पक्कामिह न अपक्कामे

दरिसणे भविस्सइ-तिकट्ट उस्सीसामूले ठवेइ । तए ण तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मा-  
 पियरो उत्तरावक्कमणं सीहासण रयावेंति मेह कुमार दोचपि तच्चपि सेयापीयए  
 कलसेहिं ण्हावेंति २ ता पम्हलसुकुमालाए गधकासादयाए गायाइ ल्हेंति २ ता  
 सरसेण गोसीसचदणेण गायाइ अणुलिपति २ ता नासानीसासवायवोज्ज जा  
 हसलक्कण पड(ग)साडग नियसेति २ ता हारं पिण्हेति २ ता अद्धहारं पिण्हेति  
 २ ता (एवं) एगावलिं (२) मुत्तावलिं (२) कणगावलिं (२) रयणावलिं (२) पालव(२)  
 पायपलव कडगाइ (२) तुडिगाइ (२) केळराइ (२) अगयाइ (२) दसमुदिषाणव  
 कडिसुत्तय (२) कुडलाइ चूडामणिं रयणुक्कड मउड पिण्हेति २ ता दिव्वं सुमणदामं  
 पिण्हेति २ ता दहरमलयसुगंधिए गंधे पिण्हेति । तए ण त मेह कुमारं  
 गठिमवेढिमपूरिमसघाइमेण चउव्विहेण महेणं कप्पक्कखग पिव अलकियविभूतिव  
 करेंति । तए ण से सेणिए राया कोडुनियपुरिसे सहावेइ २ ता एव वयासी-  
 खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया । अणेगरभसयसन्निविट्ठ लीलट्टियसालमजियाण  
 ईहामियउसभतुरयनरमगरविहगवालगकिअररुसरभचमरकुजरवणलयपडमलयभ-  
 त्तिचित्त घटावलिमहुरमणहरसर सुभकतदरिसणिज्ज निउणो(चि)वियमितिमिसित्तम  
 णिरयणघटियाजालपरिक्खित्त ख (अब)भुग्गयवहरवेइयापरिगयाभिराम विज्जाहर-  
 जमलजतजुत्त पिव अच्चीसहस्समालणीयं रुवगसहस्सकलिय भिसमाण भिन्निमसमा  
 चक्खुल्लोयणलेस्स सुहफास सस्सिरीयरुव सिग्घ तुरियं चवल वेइय पुरिसमहस्स  
 वाहि(णीयं)णीं सीय उवट्ठवेइ । तए ण ते कोडुवियपुरिसा हट्टुट्ट जाव उवट्ठवेंति ।  
 तए ण से मेहे कुमारे सीय दुरुहइ २ ता सीहासणवरगए पुरत्ताभिमुहे  
 सन्निसण्णे । तए ण तस्स मेहस्स कुमारस्स माया ण्हाया अप्पमहग्घाभरणालं  
 कियसरीरा सीय दुरुहइ २ ता मेहस्स कुमारस्स दाहिणे पासे भद्दासणसि निसीयइ ।  
 तए ण तस्स मेहस्स कुमारस्स अवधाइ रयहरण च पडिग्गहग च गहाय सीय  
 दु(र)रुहइ २ ता मेहस्स कुमारस्स वामे पासे भद्दासणसि निसीयइ । तए ण तस्स  
 मेहस्स कुमारस्स पिट्ठओ एगा वरतरुणी सिंगारागारचारुवेसा सगयगयहसिय-  
 भणियचेट्ठियविलाससंलावुल्लवनिउणजुत्तोवयारकुसला आमेलगजमलजुयलवट्ठिय,  
 अब्भुत्तयपीणरइयसठ्ठियपओहरा हिमरययकुंदेंदुपगास सकोरेंटमल्लदामधवलं  
 आयवत्तं गहाय सलीलं ओहारेमाणी २ चिट्ठइ । तए ण तस्स मेहस्स कुमारस्स  
 दुवे वरतरुणीओ सिंगारागारचारुवेसाओ जाव कुसलाओ सीय दुरुहंति २ ता मेहस्स  
 कुमारस्स उभओ पा(सिं)सं नानामणिकणगरयणमहरिहतवणिज्ज उज्जलविचित्तदंडाओ  
 चिल्लियाओ सुहुमवरदीहवालाओ संखकुददगरयअमयमहियफेणपुंजसन्निगासाओ





पुत्ते इद्वे कते जाव जीवियऊसासए हिययनदिजणए उवरपुण्फ पिव दुल्लहे सवणयाए  
 किमग पुण दरिसणयाए ? से जहानामए उप्पलेइ वा पउमेइ वा कुमुदेइ वा पणे  
 जाए जले सबद्धिए नोवलिप्पइ पकरएण नोवलिप्पइ जलरएण एवामेव मेहे कुमारे  
 कामेअ जाए भोगेसु संवुद्धे नोवलिप्पइ कामरएण नोवलिप्पइ भोगरएण, एस णं  
 देवाणुप्पिया ! ससारभउव्विग्गे भीए जम्मण(जर)मरणाण इच्छइ देवाणुप्पियाणं  
 अतिए सुद्धे भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइत्तए । अम्हे ण देवाणुप्पियाणं  
 सिस्सभिक्ख दलयामो । पडिच्छतु ण देवाणुप्पिया ! सिस्सभिक्ख । तए ण से  
 समणे भगव महावीरे मेहस्स कुमारस्स अम्मापिऊहिं एव वुत्ते समणे एयमद्वं  
 सम्म पडिमुणेइ । तए ण से मेहे कुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अतियाओ  
 उत्तरपुरच्छिम दिसीभाग अवक्कमइ २ ता सयमेव आभरणमल्लालकारं ओमुयइ ।  
 तए ण (से) तस्स मेहकुमारस्स माया हसलक्खणेण पडसाडएण आभरणमल्ल-  
 लकारं पडिच्छइ २ ता हारवारिधारसिंदुवारलिन्नमुत्तावलिप्पगासाइ असूणि विणिम्मु  
 यमाणी २ रोयमाणी २ कदमाणी २ विलवमाणी २ एव वयासी-जइयव्व जाया ।  
 घडियव्व जाया । परक्कमियव्व जाया । अस्सि च णं अद्वे नो पमाएयव्व, अम्हंपि  
 ण ए(मे)सेव मग्गे भवउ-त्तिकड्डु मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो समण भगवं  
 महावीर वदति नमसति व० २ ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया  
 ॥ ३० ॥ तए ण से मेहे कुमारे सयमेव पंचमुट्टिय लोय करेइ २ ता जेणामेव  
 समणे भगवं महावीरे तेगामेव उवागच्छइ २ ता समण भगव महावीरं तिक्खुत्तो  
 आयाहिणं पयाहिण करेइ २ ता वदइ नमसइ व० २ ता एव वयासी-आलित्ते ण  
 भंते ! लोए, पलित्ते ण भंते ! लोए, आलित्तपलित्ते ण भंते ! लोए जराए मरणेण  
 य । से जहानामए केइ गाहावइ अगारंसि श्रियायमाणसि जे तत्थ भद्वे भवइ  
 अप्पभारे मोल्लुरुए त गहाय आयाए एगत अवक्कमइ-एस मे नित्त्यारिए समाणे  
 पच्छा पुरा (लोए)हियाए उद्दाए खे(ख)माए निस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ-  
 एवामेव ममवि एगे आयाभद्वे इद्वे कते पिए मणुक्खे मणामे एस मे नित्त्यारिए  
 समाणे ससारवोच्छेयकरे भविस्सइ, त इच्छामि ण देवाणुप्पि(या)एहिं सयमेव  
 पव्वाविय सयमेव मुडाविय सेहाविय सिक्खाविय सयमेव आयारगोयरविणयवेणइय  
 चरणकरणजायामायावत्तिर्यं धम्ममाइक्खिर्यं । तए णं समणे भगव महावीरे  
 मेह कुमार सयमेव पव्वावेइ सयमेव आयार जाव धम्ममाइक्खइ-एव देवाणुप्पिया ।  
 गंतव्व चिट्ठियव्व निसीयव्व तुयट्ठियव्व भुंजियव्व भासियव्व एव उद्दाए  
 उद्दाय पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं सजमेण सजमियव्वं अस्सि च ण अद्वे नो

नामराजो गह्वर सखीकं ओहारेमाजीओ १ विट्ठलि । तए नं तस्स मेहकुमारस्स  
 एवा वरतस्सी सिंगरा जाव कुसळा चीनं जाव कुसळा १ ता मेहस्स कुमारस्स  
 पुण्णो पुरिस्सिमेनं वेदप्पमवररैयस्सिम्मिमम्मं तां (अवि)स्सिंयं वहाम विट्ठल । तए  
 नं तस्स मेहस्स कुमारस्स एवा वरतस्सी जाव कुसळा चीनं कुसळा १ ता मेहस्स  
 कुमारस्स पुण्णवस्सिमेनं सेयं रत्तवामयं निमम्मवस्सि पुण्णं मत्तयम्महमुहास्सिस्समां  
 निमारं वहाव विट्ठल । तए नं तस्स मेहस्स कुमारस्स पिवा ओहुंविक्कपुरिसे सहास्सि  
 १ ता एनं ववासी विप्पामेव यो देवात्तुप्पिवा । उरिस्सवायं उरि(स)ग्गामं उरि(स)-  
 म्मवायं एवामरत्तवस्सिम्मिम्मोवा ओहुंविक्कवरतस्सामं सहस्सं सहावेह जाव सहा-  
 वेहि । तए नं (वे) ओहुंविक्कवरतस्सपुरिसा सेमिस्स रत्तो ओहुंविक्कपुरिसेहि सहा-  
 विक्क समावा हउ न्हावा एवामरत्तवस्सिम्मिम्मोवा ओवामेव सेमि एवा तेवामेव  
 सहागम्भस्सि १ ता सेमि रत्तं एनं ववासी-उरिस्सह नं देवात्तुप्पिवा । नं नं अम्मेहि  
 करम्मि । तए नं से सेमि एवा तं ओहुंविक्कवरतस्ससहस्सं एनं ववासी-मम्मह  
 नं (दुष्म)देवात्तुप्पिवा । मेहस्स कुमारस्स पुरिस्सहस्सवाहिनिं चीनं परिक्क(हे)-  
 हह । तए नं तं ओहुंविक्कवरतस्ससहस्सं सेमिएव रत्ता एनं पुणं सेतं हउं हउं तस्स  
 मेहस्स कुमारस्स पुरिस्सहस्सवाहिनिं चीनं परिक्कहह । तए नं तस्स मेहस्स कुमारस्स  
 पुरिस्सहस्सवाहिनिं चीनं कुसळस्स समाक्कस्स इये अत्तुम्मगम्मा तप्पम्मवाए  
 पुण्णो वहात्तुप्पिवा एवप्पिवा । तंजहा-उरिस्सिक्क उरिस्सिक्क उरिस्सिक्क वक्कम्मव  
 महात्तव कत्तव मम्मह इप्पम जाव वहावे अत्तुप्पिवा जाव ताहिं हउहिं जाव अक्क-  
 वरयं अयिक्कंता व अयिक्कंता व एनं ववासी-जव १ वेवा । अय १ महा ।  
 ववासा । मरं ते अयि(व)वाहिं विवाहिं इविवाहिं विवो न पावेहि समववम्मं  
 विवमिम्मोस्सिव ववाहिं तं देव । विविमज्जे विहवाहिं रागरोक्कम्मे तवेव विह  
 वविक्कवक्कम्मे मएहि व अत्तुप्पमसत्तु जायिक्कं उतामेनं हउेनं अप्पमारे पाक्क  
 निस्सिमिस्सपुरि केक्कं नाव वक्क व म्मेक्कं परमं पवं सासयं नं अक्कं इवा  
 पपीमहव(सु)मूले अमीओ पपीमहोवसगामं अम्मे ते अविम्म मक्क-तिक्क पुणो  
 १ मग्गवक्कवक्क पक्कंति । तए नं से मेह कुमारो उरविहस्स नवरस्स  
 मज्जंमज्जेव निगक्कह १ ता ओवेव पुणसिक्क ए सज्जावे तवेव ववागक्कह १ ता  
 पुरिस्सहस्सवाहिणीओ सीवाओ पक्कहह ॥ १५ ॥ तए नं तस्स मेहस्स कुमारस्स  
 अम्मापिक्को मेह कुमारं पुण्णो कटु ओवामेव समवे अग्गं महावीरे तेवामेव  
 सहागम्भस्सि १ ता सयव अग्गं महावीरे विक्कत्तं जावाहिं पवाहिं करंते १ ता  
 वेहिं नन्नेहि नं १ ता एनं ववासी-एव नं देवात्तुप्पिवा । मेह कुमारो अम्हं एवे

पटिपुग्गुत्ताग्गुम्भन्तवणे पदुरणीउत्तोज्जित्तवाहोतिनिमहे छरते सुमेस्सणे नाम  
हृषिराग होरा । तए न तुम मेहा । बह्वे हर्मीहि य हा तिदाहि य लोहएहि य  
लोहिसहि य कम्मैहि य कम्मियाहि य मदि सपरिबुडे हृषिमहम्मनाया देणए  
पाट्टी पट्टए चूचवे वदपरिबुडे अर्थे न बह्व एक्कए हृषिरग्गा आदेवक  
जाव विहरति । तए न तुम मेहा । नियप्पनत्त नट पल्लिए रद्धप्पइ मोक्ष-  
सीले अविनहे सामभोगतिणिए बह्वे हर्मीहि य जाव सपरिबुडे वेवहृगिरिपायट्टे  
गिरिनु य दरीउ य कुइरेनु य रुद्रगमु य उच्चरेउ य निजारेनु य गियराएनु य गद्दामु  
य पळ्ळेनु य चिळ्ळेनु य कटोनेनु य रुड्यग्गएनु य तटीनु य विनीनु य टकेनु य  
कूटेनु य सिहरेनु य पम्भारेनु य मचेनु य माळेनु य रागणेनु य षोऽनु य चान्सेनु  
य वाराईनु य नईनु य नईकुच्छेनु य जूहेनु य सगमेनु य बावीनु य पोन्नारिणीनु  
य दीहियानु य गुजालियानु य सरेनु य सरपतियानु य गरसरपतियानु य वाधरेहि  
दिनवियारे बह्वे हि हर्मीहि य जाव सदि सपरिबुडे बहुविहनरूपवपउरपाणियनणे  
निब्भए निर्ध्वरो मुहुमुहेणं विहरति । तए न तुम मेहा । अजया रुयाइ पाउस  
वरिनारत्तनरयहेमतवसतेसु क्रमेण पचनु उल्लसु समदङ्ग तेनु गिन्दहात्तनमयाउ जेट्टाम्  
लमात्ते पायवधमसमुट्टिए। सुक्कनगपत्तक्यवरमाद्यसत्तोतीविण महाभयरुणे  
हुयवहेण वगदव नालासंपत्तिसेनु वणतेनु धूमाउलासु दिमासु मदावायवेगे सघट्टिएनु  
छिन्नजाळेनु आवयमाणेसु पोअक्खजेसु अनो अतो श्रियायमाणेसु मयकुहियवे(तिवि)-  
णट्टकिमित्तकम्भनईविप्रग(जिण)ज्जीगपाणीयतेनु वणतेनु भिंगार्करीगकदियर-  
चेनु खरफूसअदीठारिट्टवाहित(त)पविहुमग्गेसु दुनेसु तग्हावसमुक्कपक्खपयडियजिम्भ-

पमाप्यम् । तए नं से मेहे कुमारे समगस्त मगवन्तो महावीरस्त अंतिए इमे  
 एवास्मं वमिमं उचएसं मिसम्म सम्यं पडिबज्जइ तमाणाए तह मज्जइ तह भिन्ना  
 णव उज्जए उज्जय पत्तेहि मूएहि जीवेहिं सत्तेहिं संजमइ ॥ ३१ ॥ नं दिवसं न नं  
 मेहे कुमारे सुहे ममिता अ(भा)गाराओ अणगारियं पम्भइए तस्त नं दिवसस्त  
 पवावरण्णामसमंतिं समवाणं निर्ममाणं अहाराग्मिवाए सेआसंवारएण  
 विमज्जमानेण मेहकुमारस्त बारमुळे सेआसंवारए आए नाति होरेण । तए  
 नं समया निर्ममाण पुम्बरतावरताअसमंतिं वायणाए पुच्छवाए परिवह्णवाए  
 वम्मालुओपविताए न उचारस्त न पासवयस्त न अण्णमज्जमाणा न निगण्टज्जमाणा  
 न अप्पेक्खन्ता मेहं कुमारं इत्थेहिं संज्वेहिं एवं पाएहिं सीसे पाडे कावंति अप्पेगइया  
 ओज्जेहिंति अप्पेक्खन्ता षोड्ढेहिंति अप्पेक्खन्ता पावरवरेण्णुदियं करेति । एवं  
 महात्थिनं न नं रत्ति मेहे कुमारे नो संचारइ खनमति अ(च्छि)च्छी निमीळितए ।  
 तए नं तस्त मेहस्त कुमारस्त अयसंयास्सै अज्जस्सिणए जाज समुप्यज्जिण-एवं  
 कसु कइं सेविकस्त रत्तो पुत्ते वारिणीए वेणीए अत्तए मेहे जाज खनवाए, तं  
 जया नं कइं अणारमज्जे वसामि तवा नं मम समया निर्ममा आडावंति परिवचंति  
 सज्जहेति सम्माजेति अज्जइ हेज्जइ पठिचइं अणपाइं वामरणाइं माइक्खंति इज्जहिं  
 कंथाहिं वप्पहिं आसमेति संज्वेति अप्पमिइं न नं कइं सुहे ममिता अगाराओ  
 अणगारियं पम्भइए तप्पमिइं न नं म(म)मं समया नो आडावंति जाज नो संज्वेति  
 अत्तए नं नं ममं समया निर्ममा राओ पुम्बरतावरताअसमंतिं वायणाए पुच्छ  
 वाए जाज महात्थिनं न नं रति नो संचारमि अत्थि निमि(स)ज्जवैत्तए, तं सेवं कसु  
 मज्ज कइं पउप्यमाणाए रत्तणीए जाज तेवसा जलंते समये ममं महावीरं  
 आपुत्थिता पुनरमि अणारमज्जे वसितए-तिअहु एवं सेवेहेर १ ता अज्जइअवसइ-  
 मावसमए निरयपविह्णंति न नं तं रत्ति खवेइ १ ता कइं पाउप्यमाणाए  
 उथिमज्जए रत्तणीए जाज तेवसा जलंते जेवाथेव समये ममं महावीरं तजामेव  
 उचमज्जइ १ ता तिक्खतो जायात्थिनं पवात्थिनं करेइ १ ता वंदइ ममंछइ नं  
 १ ता जाज पज्जुवाणइ ॥ ३२ ॥ तए नं मेहाइ समये मगवं महावीरं मेहं  
 कुमारं एवं वयासी-से नूनं तुमे मेहा । राओ पुम्बरतावरताअसमंतिं समजेहिं  
 निर्ममेहिं वायणाए पुच्छवाए जाज महात्थिनं न नं राइं नो संचार(मि)ति मुहुत्तममि  
 अत्थि निमिअवैत्तए, तए नं तु(व्य)व्जे मेहा । इमे एवास्सै अज्जस्सिणए जाज समुप्य  
 ज्जिण-जया नं कइं अणारमज्जे वसामि तवा नं मम समया निर्ममा आडावंति  
 जाज संज्वेति अप्पमिइं न नं सुहे ममिता अगाराओ अणगारियं पम्भवामि

लक्खारमसरसकुमसझम्भरागवण्णे इट्ठे नियगस्स जूहवइणो गणि(या)यारकणेल्ल  
कोत्थहत्थी अणेगहत्थिसयसपरिवुडे रम्मेषु गिरिकाणणेषु सुहसुहेण विहरसि ।  
तए ण तुम मेहा । उम्मुक्खवालमावे जोव्वगगमणुप्पत्ते जूहवइणा कालधम्मणा  
संजुत्तेण त जूह सयमेव पडिवज्जसि । तए णं तुम मेहा । वणयरेहिं  
निव्वत्तिथनामधेजे जाव चउदते मेरुप्पभे हत्थिरयणे होत्था । तत्थ ण तुम मेहा ।  
सत्तगपइट्ठिए तहेव जाव पडिरुवे । तत्थ ण तुम मेहा । सत्तसइयस्स जूहस्स  
आहेवच्च जाव अभिरमेत्था । तए ण तुम अनया कयाइ गिम्हकालसमयसि जेट्टामूले  
वणदवजालापलित्तेषु वगतेसु(सु)धूमाउलासु दिमासु जाव मडलवाएव्व परिब्भ  
मते भीए तत्थे जाव सजायभए वह्हिं हत्थीहि य जाव कलभियाहि य सद्धिं  
सपरिवुडे सव्वओ समना दिसोदिसिं विप्पलाइत्था । तए ण तव मेहा । त वणदव  
पासित्ता अयमेयारुवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-कहिं ण मजे मए अयमेयारुवे  
अग्गिसभवे अणुभूयपुव्वे १, तए ण तव मेहा । लेस्साहिं विस्सज्जमाणीहिं अज्झ  
वसाणेण सोहणेण सुभेण परिणामेग तयावरणिज्जाण कम्माण खओवसमेग ईहा  
पोहमग्गणगवेसण करेमाणस्स सन्निपुव्वे जा(ई)इसरणे समुप्पज्जित्था । तए ण तुम  
मेहा । एयमट्ठ सम्म अभिसमेसि-एवं खलु मया अईए दोच्चे भवग्गहणे इहेव  
जंजुहीवे २ भारहे वासे वेयइगिरिपायमूले जाव (सुहसुहेण विहरइ)तत्थ ण  
महया अयमेयारुवे अग्गिसभवे ममणुभूए । तए ण तुम मेहा । तस्सेव दिवमस्स  
पच्चावरण्हकालसमयसि नियएण जूहेण सद्धिं समज्जागए यावि होत्था । तए ण  
तुम मेहा । सत्तुस्सेहे जाव सन्निजाइस्सरणे चउदते मेरुप्पभे नाम हत्थी (राया)  
होत्था । तए ण तुज्झ मेहा । अयमेयारुवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-(त)सेय  
खलु मम इयाणि गगाए महानईए दाहिणिण्णसि कूलसि विज्झगिरिपायमूले  
दवग्गिस(ताण)जायकारणट्ठा सएण जूहेण (महइ)महालय मडल घाइत्तए-त्तिकट्ठ  
एव संपेहेसि ३ ता सुहसुहेण विहरसि । तए ण तुम मेहा । अनया कयाइ  
पढमपाउससि महावुट्ठिकायसि सन्निवइयसि गगाए महानईए अदूरसामते वह्हिं  
हत्थीहिं जाव कलभियाहि य सत्तहिं य हत्थिसएहिं सपरिवुडे एग महं  
जोयणपरिमडल महइमहालय मडल घाएसि जं तत्थ -त्तण वा पत्त वा कट्ठं वा  
कटए वा लया वा वल्ली वा खाणु वा रुक्खे वा खु वे)व वा त सव्व तिकखुत्तो आहु-  
णिय २ पाएणं उ(ट्ठवे)द्धरेसि हत्थेण गेण्हसि एगते ए(पा)डेसि । तए ण तुम मेहा ।  
तस्सेव मडलस्स अदूरसामते गगाए महानईए दाहिणिण्णे कूले विज्झगिरिपायमूले  
गिरीसु य जाव विहरसि । तए ण तुम मेहा । अनया कयाइ मज्झिमए वरिसारत्तसि



(३.)-आमापुगामे वृद्धावस्थे संतरा से मीन  
 त्तं मिकल पडिजे केहाए के केहि जेने  
 संकमिजा, गो वरुन-वा वरुन  
 महम्महात्मसि उर्वसि-कर्म मिकलेजा, गो कर्म क  
 कलेजा, अपुस्तुए जेव सवाहीए  
 से मिकल वा (२) गमापुगामे वृद्धावस्थे संतरा से मीन  
 जाणिजा, इंसि वरुन विहि-वने  
 गो तेसि मीनो उमरमेव मिकलेजा, जाव कलहीए  
 वृद्धावस्था ॥ ७६४ ॥ से मिकल वा (२) गमापुगामे  
 सया संपिडिवा मिकलेजा से नं आमोसवा एवं वरेजा,  
 एवं वरुन वा पारुन वा कर्म वा पामपुडन वा देहि विहि-वने  
 मिकलेजा, गो वरुन २ जाएजा, गो जंजलि वरुन जाएजा, गो  
 जाएजा, धम्मिवाए जाएजा, दुसिनीवनावेन वा उवेहिजा, गो नं  
 करमिजं ति कहु, अकोसंति वा जाव उवसंति वा कर्म क  
 पायपुडन अटिठेजा वा, जाव पडिठेजा वा, तं नं को  
 रावसंसारिं कुजा, गो परं उवसंकरिनु वृवा, जाउउतो  
 आमोसगा उवमरणपडियाए सवं करमिजं ति कहु अकोसंति  
 वा, एयप्यगारं मणं वा वरुन वा गो पुरजो कहु मिहरेजा,  
 तओ संजयामेव गमापुगामे वृद्धावस्था ॥ ७६५ ॥ एवं वरुन  
 मिकलणीए वा सप्पमिजं, जं सप्पट्टेहिं सहिए सया जएजाति ति  
 इरियाज्जयणस्स तइयोहेसो समत्तो ॥ तइयं इतिवावृत्तं

से मिकल वा (२) इमाई बयायाराई सोवा मिसम्म इमाई,  
 अणायरियपुव्वाई जाणिजा, जे कोहा वा माणा वा मायाए वा कोहा  
 जाणओ वा फलसं बयंसि, अजाणओ वा फलसं बयंसि, सम्ममेव सप्पमिजं  
 विवेगमायाए ॥ ७६७ ॥ पुनं येयं जाणिजा, अजुयं येयं जाणिजा, अजुयं  
 कमिज गो लमिय, मुंजिय गो मुंजिय, अजुवा आगए गो आगए,  
 गो एइ, अजुवा एहिति गो एहिति, एत्थवि आगए गो आगए, एत्थवि  
 एत्थवि एहिति गो एहिति ॥ ७६८ ॥ अजुनीइ मिठ्ठाभासी, समियाए  
 भासेजा, तंजहा-एगवणं, कुवणं, बहुवणं, इत्थिवणं, पुरिसवणं,

महाभुट्टिभर्त्ति सच्चिदर्शति ज्येष्ठे से मंडके तेवैव उवागच्छति १ ता शोर्त्तपि मंडलं  
 वापति एव चरैमवाचाररति महाभुट्टिभर्त्ति सच्चि(इ)यमापति ज्येष्ठे से मंडके  
 तेवैव उवागच्छति २ ता तर्त्तपि मंडकचार्त्तं करेति नंतरं तर्त्तं वा जाय तर्त्तुहेत्तं निह  
 रति । अह मेहा । तुमे गार्त्तमावर्त्ति वहुमा(वे)पो कमेत्तं नक्षिन्निवर्त्ति(वह)इत्यप्यरे  
 हेमते कंडर्योद्वदु बभुमारवतर्त्ति अर्त्तुहेत्तं अहिन्ने विम्हसमर्त्ति पौ निवहुमा(वे)-  
 पो कपोतु ववदरेतुविहिद्विचकवसवनाओ तुमे उतयत्तुमक्यचामरक्यत्तुपरिमेहि  
 अमिउमो मवरमवियर्त्तकउतउहिचिचयवमर्त्तारिवा तुमिचमिचमर्त्तं करेत्तुपरि  
 वारिजे उतनमगवमिचमर्त्तं कळे दिचवरक्यर्त्तं परिचायितयत्तम(मि)हरीमि  
 उरत्तंविजे मिपारर्त्तंमेरवरवे नावाविहपगक्यत्तंनचव(व)दुववमाउवाउदगह  
 यक्युमाग्ये वाउकि(वा)वाउवतरे उवावमयोमर्त्तिवमर्त्तमिचिहसावयमाउके मी-  
 मर्त्तसमिजे वउते वाउम्यि विम्हे माउववसपसरपसमिचिचिनिपुर्त्तं अचमिचमर्त्तं  
 मेरवरवप्यर्त्तं म्मुवापकिचयितउवावमाव(वच)वयवर्त्तंउत्तु(व)उत्तुर्त्तं विप-  
 तरसपुर्त्तिगेव पुममावाउके सवावसर्त्तंउत्तुर्त्तं (अचमिच)वववर्त्तं वाउम्यो-  
 निचमिहउत्तुर्त्तंवाउमीओ आउवाओवमर्त्तुत्तुववपुणवक्यो आउविचमोर्त्तपीवरउते  
 मक्यममर्त्तंविपनयओ हेगेवे महामेहेम्य वाव(वच)पोविमहम्यो जे(वेव)व  
 कळे ते(व) पुप इवमिचमर्त्तमीयविचर्त्तं अवाववतवप्यपसवत्तं उचम्योहेते ववमि-  
 चतावक्यत्तु (ए) ज्येष्ठे मंडके संवेव प्हारेव पमवाए । एवो ताव एव गमो ।  
 एव न तुमे मेहा । अचवा कवाई कमेत्तं वचपु उउत्तु उमर्त्तंतेव विम्हक्यत्तं  
 मर्त्ति केकुम्हे मते वाववसर्त्तंम्यमुक्तिर्त्तं वाव संवदिएतु मिचपुपकिचमर्त्तंमिचि(व)  
 विमोर्त्तं निपम्यमावेत्तं तेहि वहुहि हरीहि व चहि ज्येष्ठे (सि) मंडके तेवैव  
 प्हारेव गमवाए । तव न अवे वहुवे सीहा य वरवा व विगा व पीविवा अचवा  
 व तरववा य पारसव य चरमा य सिवावा निराव्य एवहा कळे सवा कोरनिवा  
 विगा विचम्य पुणवमिचु अमिगमयमिहुवा एवम्यो विचम्येत्तं विहुति । एव  
 न तुमे मेहा । ज्येष्ठे से मंडके तेवैव उवागच्छति २ ता तेहि वहुहि सीहेहि वाव  
 विचम्येहि व एवम्ये विचम्येत्तं विहुति । ताए न तुमे मेहा । पाएन एते  
 कंडर्यसापीतिहु पाए उचिचत्तं, तंति च न अंगरति अवेहि वचर्त्तंतेहि सचेहि  
 पमो(कि)उचिमावे २ सचए अलुप्यमिहु । ताए न तुमे मेहा । पयं कंडर्य पुचरति  
 पयं पविदि(कचमि)कळेविहसामि-तिवहु तं सचर्त्तं अलुप्यमिहु पाचति २ ता पाचपु-  
 र्त्तंपाए भूवापुर्त्तंपाए औवापुर्त्तंपाए सचपुर्त्तंपाए सी पाए अंतद एव संवारीए  
 ओ ज्येष्ठं विचिचते । ताए न तुमे मेहा । ताए पाचपुर्त्तंपाए वाव सचपुर्त्तंपाए



ससारे परिक्कीए माणुस्साउए निवद्धे । तए ण से वणदवे अट्टाइज्जाइ राइदियाइ  
त वणं क्षामेइ २ ता निट्टिए उवरए उवसते विज्झाए यावि होत्या । तए ण ते  
वहवे सीहा य जाव चिल्ला य त वणदवं निट्टिय जाव विज्झाय पासंति २ ता  
अरिगभयविप्पमुक्का तण्हाए य छुहाए य परब्भाहया समाणा तओ)मडलाओ  
पडिनिक्खमति २ ता सव्वओ समता विप्पसरित्था । तए ण ते वहवे हत्थी जाव  
छुहाए य परब्भाहया समाणा तओ मडलाओ पडिनिक्खमति २ ता दिओदिस्सिं  
विप्पसरित्था । तए ण तुम मेहा ! जुण्णे जराजज्जरियदेहे सिट्ठिलवलितयापिणिद्ध  
गत्ते दुब्बले किलत्ते जुजिए पिवासिए अत्यामे अवले अपरक्कमे अचक्रमणो वा  
ठाणुखडे वेगेण विप्पसरिस्सामि-त्तिकट्ठु पाए पसारेमाणे विज्जुहए विव रययगिरि  
पब्भारे धरणितलसि सव्वगेहिं सच्चिवइए । तए ण तव मेहा ! सरीरगसि वेयणा  
पाउब्भूया उज्जला जाव दाहवक्कतिए यावि विहरसि । तए ण तुम मेहा ! तं उज्जल  
जाव दुरहियासं तिन्नि राइदियाइ वेयण वेएमाणे विहरित्ता एग वाससयं परमाउ  
पालइत्ता इहेव जंबुदीवे २ भारहे वासे रायगिहे नयरे सेणियस्स रत्तो धारिणीए  
देवीए कुच्छिसि कुमारत्ताए पच्चायाए ॥ ३३ ॥ तए ण तुम मेहा ! आ(अ)णुपुब्बेणं  
गम्भवासाओ निक्खत्ते समाणे उम्मुक्कवालभावे जोव्वणगमणुप्पत्ते मम अतिए मुडे  
भविता अगाराओ अणगारिय पव्वइए । त जइ ता(जा)व तुमे मेहा ! तिरिक्ख-  
जोणियभावमुवगएणं अपडिलद्धसम्मत्तरयणलभेण से पाए पाणाणुकपयाए जाव  
अतरा चेव सगारिए नो चेव ण निक्खत्ते किमग पुण तुम मेहा ! इयाणि विपुल  
कुलसमुब्भवेण निरुवहयसरीर(दत्त)गल्लद्धपच्चिदिएण एव उट्ठाणवलवीरियपुरिस-  
(क्का)गारपरक्कमसजुत्तेण म(म)म अतिए मुडे भविता अगाराओ अणगारियं पव्वइए  
समाणे समणाण निग्गथाण राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि वायणाए जाव धम्माण  
ओगचिंताए य उच्चारस्स वा पासवणस्स वा अइगच्छमाणाण य निग्गच्छमाणाण  
य हत्थसंघट्टणाणि य पायसंघट्टणाणि य जाव रयरेणुगुंडणाणि य नो सम्मं सहसि  
खमसि तितिक्खसि अहियासेसि १, तए ण तस्स मेहस्स अणगारस्स समणस्स  
भगवओ महावीरस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म सुभेहिं परिणामेहिं पसत्थेहिं  
अज्झवमाणेहिं लेस्सहिं विमुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माण खओवसमेण  
ईहापोहमग्गणगवेसण करेमाणस्स सज्जिपुब्बे जाईसरणे समुप्पजे एयमट्ठ सम्म  
अभिसमेइ । तए ण से मेहे कुमारे समणेण भगवया महावीरेण संभारियपुव्वजाई-  
सरणे दुग्गुणाणीयसंवेगे आगदयसुपुण्णमुहे हरिसवसेण धाराहयक्यवक पिब  
समूससियरोमकूवे समणं भगव महावीरं वदइ नमसइ व० २ ता एवं वयासी-

अजप्यमिहं न मति । मम हो अज्जमि मोलूने अजसेसे अप्प समणान् निम्नवान्  
 निघट्टे-तिक्कट्ट पुनरपि समण भगवन् महावीरं वंदह नमस्स वं १ ता एवं  
 ववासी-इच्छामि न मति । इदमपि दानेपि सकमेव पण्णाभियं सवमेव मुंदाभियं वात्त  
 सवमेव आवारगोवरं जावाम्मावावधियं धम्ममाइक्कह(इ)म्हु । तए नं समणे भगवन्  
 महावीरे मेहं कुमारे सवमेव पण्णावेइ वात्त जावाम्मावावधियं धम्ममाइक्कह-एवं  
 देवाणुप्पिमा । पंतव्वं एवं निट्ठियव्वं एवं निसीयव्वं एवं तुवहिजव्वं एवं मुंजिवव्वं  
 एवं मासिकव्वं उट्ठव १ पाणान् मूलात्तं जीवात्तं सत्तात्तं संजमेत्तं संत्रमिवव्वं । तए  
 नं से मेहे समणस्स मयव्वो महावीरस्स अजमेवात्तं वम्मिन्नं ठवएत्तं सम्मं पत्ति  
 (एक्क)वज्ज २ तए तह (निट्ठ) पण्णइ वात्त संजमेत्तं संजमइ । तए नं से मेहे  
 अजगारे अप्प इतिवात्तमिप्प अजवात्तवक्कव्वो भावियव्वो । तए नं से मेहे अजगारे  
 समणस्स भगव्वो महावीरस्स वंठिप्प तहा(एवा)स्वान् वेरात्तं सामाइक्कमाइवान्  
 प्फरत्त वंयाइ अजिज्ज १ ता वहुत्तिं चउत्तवक्कउत्तमइसमुवात्तसेहिं मात्तव्वमात्तव्व-  
 मनेहिं अप्पव्वं मात्तमात्तं विहरइ । तए नं समणे भगवन् महावीरे एवविहाम्मो नव  
 रामो पुनविहाम्मो इज्जावाम्मो पवि निक्कमइ १ ता वहुत्तिं जज्जवव्विहारं विहरइ  
 ॥ ३४ ॥ तए नं से मेहे अजगारे अजया कयाइ समर्थं भगवन् महावीरं वंदह नमं  
 सइ वं १ ता एवं ववासी-इच्छामि न मति । तुम्हेहिं अज्जमुत्ताए समात्ते मात्तिव्वं  
 मिक्कहपविमं उवसेपत्तितात्तं विहरइत्तए । अहात्तं देवाणुप्पिमा । मा पडिबंनं करेइ ।  
 तए नं से मेहे अजगारे समवेज्ज भगववा महावीरेत्तं अज्जमुत्ताए समात्ते मात्तिव्वं  
 मिक्कहपविमं उवसेपत्तितात्तं विहरइ मात्तिव्वं मिक्कहपविमं अहात्तं अहात्तं अहा-  
 मम्मं सम्मं काएत्तं प्फरइ पात्तेइ सोमेइ तीरेइ विहेइ सम्मं अप्पत्तं असेत्ता पात्तिता  
 सोमेत्तं तीरेत्तं विहेत्ता पुनरपि समवे भगवन् महावीरं वंदह नमोसइ वं १ ता एवं  
 ववासी-इच्छामि न मति । तुम्हेहिं अज्जमुत्ताए समात्ते सोमात्तिव्वं मिक्कहपविमं उव  
 सेपत्तितात्तं विहरइत्तए । अहात्तं देवाणुप्पिमा । मा पडिबंनं करेइ । यहा पडयाए  
 अमिक्कव्वो तहा सोत्ताए तण्णए चउत्तवक्कए पंजमाए सम्मात्तिवाए सत्तमात्तिवाए पक्क-  
 मसत्त(वी)इमियाए सोत्तं सत्तमात्तिवाए तहम् सत्तराईमियाए अहोराईमियाएणि एण-  
 राईमियाएणि । तए नं से मेहे अजगारे वारत्त मिक्कहपविमो सम्मं अप्पत्तं असेत्ता  
 पात्तिता सोमिता तीरेत्ता विहेत्ता पुनरपि वंदह नमोसइ वं १ ता एवं ववासी-इच्छामि  
 न मति । तुम्हेहिं अज्जमुत्ताए समात्ते पुनरवक्कवक्कव्वं उवसेक्कम् उवसेपत्तितात्तं  
 विहरइत्तए । अहात्तं देवाणुप्पिमा । मा पडिबंनं करेइ । तए नं से मेहे अजगारे  
 पक्कं मात्तं चउत्तवक्कव्वेत्तं अमिक्कव्वेत्तं तपोक्कम्मेत्तं विवा उट्ठवक्कए सुत्तामिमुहे

ससारे परिक्कीए माणुस्साउए निवद्धे । तए णं से वणदवे अम्हाइजाइ राइदियाइ  
त वण क्षामेइ २ ता निट्टिए उवरए उवसते विज्झाए यावि होत्या । तए ण ते  
वहवे सीहा य जाव चिल्ला य त वणदव निट्टिय जाव विज्झाय पासति २ ता  
अरिगभयविप्पमुक्का तण्हाए य छुहाए य परब्भाहया समाणा तओ)मडलाओ  
पडिनिक्खमति २ ता सव्वओ समता विप्पसरित्या । तए ण ते वहवे हत्थी जाव  
छुहाए य परब्भाहया समाणा तओ मडलाओ पडिनिक्खमति २ ता दिसोदिसिं  
विप्पसरित्या । तए ण तुम मेहा । जुण्णे जराजज्जरियदेहे सिट्ठिलवलितयापिणिद्ध  
गते दुब्बले किलते जुजिए पिवासिए अत्यामे अवले अपरक्कमे अचक्रमणो वा  
ठाणुखडे वेगेण विप्पसरिस्सामि-त्तिकट्ठु पाए पसारेमाणे विज्जुहए विव रययगिरि  
पव्वभारे धरणितलंसि सव्वगेहिं सज्जिवइए । तए ण तव मेहा । सरीरगसि वेयणा  
पाउब्भूया उज्जला जाव दाहवक्कतिए यावि विहरसि । तए ण तुम मेहा । त उज्जलं  
जाव दुरहियास तिन्नि राइदियाइ वेयण वेएमाणे विहरित्ता एग वाससयं परमाउ  
पालइत्ता इहेव जंबुदीवे २ भारहे वासे रायगिहे नयरे सेणियस्स रत्तो धारिणीए  
देवीए कुच्छिसि कुमारत्ताए पच्चायाए ॥ ३३ ॥ तए ण तुम मेहा । आ(अ)णुपुव्वेण  
गव्वभासाओ निक्खते समाणे उम्मुक्कवालभावे जोव्वणगमणुप्पत्ते मम अतिए मुढे  
भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइए । त जइ ता(जा)व तुमे मेहा । तिरिक्ख-  
जोणियभावमुवगएण अपडिलद्धसम्मत्तरयणलभेण से पाए पाणाणुकपयाए जाव  
अतरा चेव सधारिए नो चेव ण निक्खते किमग पुण तुम मेहा । इयाणिं विपुल  
कुलसमुव्वभेणं निरुव्वहयसरीर(दत्त)तललद्धपंचिदिएण एव उट्ठाणवलत्रीरियपुरिस-  
(क्का)गारपरक्कमसजुत्तेण म(म)म अतिए मुढे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए  
समाणे समणाण निग्गथाण राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि वायणाए जाव धम्माणु  
ओगचिंताए य उच्चारस्स वा पासवणस्स वा अइगच्छमाणाण य निग्गच्छमाणाण  
य हत्थसंघट्ठणाणि य पायसंघट्ठणाणि य जाव रयरेणुगुंडणाणि य नो सम्म सहसि  
खमसि तितिक्खसि आहियासेसि १, तए ण तस्स मेहस्स अणगारस्स समणस्स  
भगवओ महावीरस्स अंतिए एयमट्ठ सोक्खा निसम्म सुमेहिं परिणामेहिं पसत्थेहिं  
अज्झवमाणेहिं लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाण कम्माण खओवसमेण  
ईहापोहमग्गणगवेसण करेमाणस्स सज्जिपुव्वे जाईसरणे समुप्पत्ते एयमट्ठ सम्मं  
अभिसमेइ । तए णं से मेहे कुमारे समणेण भगवया महावीरेणं सभारियपुव्वजाई-  
सरणे दुग्गुणाणीयसंवेगे आगदयसुपुण्णमुहे हरिसवसेण धाराहयक्यवकं पिव  
समूससियरोमकूवे समणं भगव महावीरं वदइ नमसइ व० २ ता एव वयासी-

ता मे अस्मि चहुणे कम्म्ये बडे बीरिए पुरिचङ्गरपरङ्गमं सखा विई संवेगे जाव य मे  
 बम्मावरिए बम्मीवएसए समणे मयसं महावीरे विणे सुहत्ती विहरइ ताव(ताव)मे  
 सेव बन्न पाठप्पमावाए रवणीए जाव तेमसा बळंते (सुरे)समसं मयसं महावीरे  
 वरिणा न्नेसिण्ण समणेव भगवया महावीरेणं अम्मपुच्चायस्स समानस्स सबमेव  
 पंथ महम्मवाइ आ(इ)राद्धिणा गोवमाइए समणे निग्गये निग्गयीओ व कामेता  
 तहास्सहि क्काईहि वेरेहि उद्धि मिठसं पम्भयं समियं १ पुक्खित्त सवमेव मेहक-  
 कसविपास पुडविसिछापइव पळिकेहिणा सखेइवात्तमा(एत्त)धियस्स भगपावप-  
 डिवात्तिवस्स पामोवपयस्स काळं अक्कवज्जयावस्स विहरिणए । एवं सपेहेइ १  
 ता कां पाठप्पमावाए रवणीए जाव अलठं जेयैव समणे भगवं महावीरे तेमेव  
 उवागएव १ ता समसं मयसं महावीरे तिक्खतो आवाद्धियं पवाद्धिं करेइ २ ता  
 वंइ कम्मसइ वं २ ता मवात्तवे नाइरुं सुस्सुसमाये मसंसमाये अम्मिमुहे निवएवं  
 पंथकिउठे पमुवावइ । अ(हेति)हाइ समणे भगवं महावीरे मेहं कवपारं एवं  
 ववासी-से नूयं एव मेहा । रामो पुम्भरताकरतक्कसमसंवि बम्मवागएय कामर  
 वापस्स जमयेवासवै अज्जसिणए जाव समुप्पज्जिवा-एवं कहु कइ इमेयं उरात्तेयं  
 जाव जेयैव अ(इ)हं तेमेव इम्ममायए । से नूयं मेहा । अठ्ठे समठ्ठे । इता मरिब ।  
 सुहात्त वैवात्तुप्पिवा । मा पळिकं करेइ । तए वं से मेहे अजपारे समसं भग-  
 वदा महावीरे अम्मपुच्चाए समणे इत्त जाव हियए उट्ठाए उठेइ १ ता समसं  
 मयसं महावीरे तिक्खतो आवाद्धियं पवाद्धिं करेइ २ ता वंइ कम्मसइ वं २ ता  
 सबमेव पंथ महम्मवाइ आरहेइ १ ता गोवमाइ समणे निग्गये निग्गयीओ य  
 पायेइ २ ता तहास्सहि क्काईहि वेरेहि उद्धि मिठुं पम्भयं समियं २ पुक्खइ २  
 ता सबमेव मेहकपमविपास पुडविसिछापइव पळिकेहेइ १ ता उवागएवसवममूनि  
 पळिकेहेइ १ ता बम्मसवारगे सक्कइ २ ता वम्मसवारगे पुक्खइ २ ता पुक्खमि-  
 सुहे सपळिकंमिसज्जे कववमपरिग्गद्धिं सिरतावतं मत्तए अवळि कहु एवं ववासी-  
 न्मोलु व वरिइतानं मगवीतानं जाव सपणानं न्मोलु व समवस्स मगवन्ने  
 महावीरस्स जाव सपानितक्कयस्स मम बम्मावरिक्कस्स । वंवापि वं मगवतं तर-  
 यमं इहए पत्तउ ये मवसं उत्तएव इहगयं-तिक्खु वंइ कम्मसइ वं १ ता एवं  
 ववासी-पुण्णि पि(व) वं यए समवस्स मगवन्ने महावीरस्स अटिए सव्वी पावइ-  
 वाए वक्कवाए मुसावाए अविवादागो येहुणे परिग्गहे कोहं मयै माया सोहे पेजे होसे  
 कम्म्ये अम्मनञ्जल पेहुणे परपरीवाए अरएत्त मायामोये निक्कमईसवउठे पक्कवाए ।  
 इयपि पि वं अहं तरयेव वीत्तए सुणं पावाइवायं पक्कवामि जाव मिच्छा-

आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरामणेण अवाउडेण । दोच मास छट्ठछट्टेण० । तच्च मास अट्ठमअट्ठमेण० । चउत्थ मास दममदममेण अणिकिखत्तण तवोकम्मणेण दिया ठाणकुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेण अवाउडेण । पचम मास दुवालममदुवालममेण अणिकिखत्तेण तवोकम्मणेण दिया ठाणकुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेण अवाउडेण । एव खलु एएण अभिलावेण छट्ठे चोदसम २ सत्तमे सोलसम २ अट्ठमे अट्ठासम २ नवमे वीसइम २ दसमे बावीसइम २ एकारममे चउन्वीसइम २ चारसमे छन्वीसइम २ तेरसमे अट्ठावीसइम २ चोदसमे तीसइम २ पन्नर(पचद)ममे वत्तीसइम २ सोलसमे(मासे) चउत्तीसइम २ अणिकिखत्तण तवोकम्मणेण दिया ठाणकुडुए (ण) सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेण य अवाउडेण य । तए ण से मेहे अणगारे गुणरयणसवच्छर तवोकम्म अहासुत्त जाव सम्म काएण फासेइ पालेइ सोभेइ तीरेइ किट्टेइ अहासुत्त अहाकण जाव किट्टेत्ता समण भगवं महावीरं वदइ नममइ व० २ ता वहुहिं छट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं विचि तेहिं तवोकम्मैहिं अप्पाण भावेमाणे विहरइ ॥ ३५ ॥ तए ण से मेहे अणगारे तेण उरालेण विपुलेण सत्तिरीएण पयत्तण परगहिएण कल्लणेण सिवेण धन्नण मगत्थिं उदरगेण उदारएण उत्तमेण महाणुभावेण तवोकम्मणेण सुक्क भुक्खे लुक्खे निम्मसे निस्सोणिए किडिकिडियाभूए अट्टिचम्मावणद्धे किसे धमणिसतए जाए यावि होत्या, जीवजीवेण गच्छइ जीवजीवेण चिट्ठइ भास भासित्ता गिला(य)इ भास भासमाणे गिलायइ भास भासित्तामिति गिलायइ । से जहानामए इंगालसगडियाइ वा कट्ट-सगडियाइ वा पत्तसगडियाइ वा तिलसगडियाइ वा एरडकट्टमगडियाइ वा उण्हे दिन्ना सुक्का समाणी ससइ गच्छइ ससइ चिट्ठइ एवामेव मेहे अणगारे ससइ गच्छइ ससइ चिट्ठइ उवचिए तवेण अवचिए मससोणिएण हुयासणे इव भासरासिपरिच्छे तवेण तेएण तवतेयसिरीए अईव २ उवसोभमाणे २ चिट्ठइ । तेण कालेण तेणं समएण समणे भगव महावीरे आइगरे तित्थगरे जाव पुव्वाणुपुव्वि चरमाणे गामा-णुगाम दूइज्जमाणे सुहसुहेण विहरमाणे जेणामेव रायगिहे नयरे जेणामेव गुणसिलए उज्जाणे तेणामेव उवागच्छइ २ ता अहापडिरुव उग्गह ओगिण्हित्ता संजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ । तए ण तस्स मेहस्स अणगारस्स राओ पुव्वरत्तावरत्त कालसमयसि धम्मजागरिय जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्प-जित्था-एवं खलु अह इमेण उरालेण तहेव जाव भासं भासित्तामिति गिलामि, त अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे वले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे सद्धा धिई सवेगे त जाव

ता मे अस्मि उद्यमे कमे बडे बीरिए पुरिउकारपरकमे सखा थिई समगे जाव य मे  
 बम्मावरिए बम्मोवरिए समने मगर्न महावीरे जिमे सुहली निहरए ताव(ताव)मे  
 सेयं कर्न पाठप्पमावाए रयणीए जाव तेयसा बर्मते (सुरे)समर्न मय्यं महावीर  
 वरिता नमसिता समनेय मययवा महावीरेयं बम्भणुजायस्स समाजस्स सबमेय  
 पंच म्मम्मायं बर(ब)राहित गोयमाए समने निग्गमे निर्माणीओ य यामेत्ता  
 उहास्सेहि क्काईहि बेरेहि छडि निठरं पम्पयं समिर् २ बुद्धिआ सबमेय मेहव-  
 कसलियास पुबमिठिसापुय पडिबेहिता संकेहनाइयण(ए)वसियस्स भतपाण-  
 निवा-निबस्स पाप्मेकायस्स कर्न अजवकत्तमाजस्स निहरिए । एवं संपेहेइ १  
 त्ता कर्न पाठप्पमावाए रयणीए जाव जकठं जेमेय समने मगर्न महावीरे तेमेय  
 उवाण्णइ १ ता समर्न मगर्न महावीर सिक्खत्ते जावाहिणं पयाहिणं करेइ २ ता  
 वरइ नमंसइ वं २ ता नवासणे नगररे सुस्सुसमानं नमंसमाने अमिमुहे निष्पणं  
 पंडिउहे पण्णपण्ण । मे(हेति)हाइ समने मय्यं महावीरे मेहं अजगारं एवं  
 क्काटी-से नूच उव मेहा । उओ पुण्णरत्तावरतककसमर्नसि बम्भवापरिए जागर  
 माजस्स अजमेवाए अण्णत्तिवए जाव समुप्पज्जिवा-एवं उल्लु क्कं इमेयं उराकेयं  
 जाव जेमेय अ(इ)हं तेमेय इव्वमामए । से नूचं मेहा । अट्टे समट्टे । इंता अस्मि ।  
 सुहाउह वेवाउपिप्पा । मा पडिबेयं करेइ । तए वं से मेहे अजगारे समर्नं मग-  
 क्का महावीरेयं बम्भजुवाए समाने हउ जाव जियए उट्टाए उट्टइ १ ता समर्न  
 मय्यं महावीर सिक्खत्ते जावाहिणं पयाहिणं करेइ १ ता वरइ नमंसइ वं २ ता  
 सबमेय पंच म्मम्मायं बर(ब)राहित १ ता योयमाइ समने निग्गमे निर्माणीओ व  
 यामेइ २ ता उहास्सेहि क्काईहि बेरेहि छडि निठरं पम्पयं समिर् बुद्धइ २  
 ता सबमेय मेहवक्कमजियास पुबमिठिसापुय पडिबेहेइ २ ता उवाण्णसवपमूमि  
 पडिबेहेइ २ ता दम्मसवारणं उवरइ २ ता दम्मसवारणं बुवइइ २ ता पुरवामि  
 मुहे पडिबेयं कम्मिण्णे कनकपपरिगद्धियं विरसाम्भतं मरवए अजकिं कट्टु एवं ववासी-  
 न्मोलु व मरिहत्ताणं मगर्नतायं जाव सपताणं पमोलु व समजस्स मगक्को  
 महावीरस्स जाव सपानिउज्जगस्स मम बम्भावरिवस्स । वरामि वं मय्यं तट्टव  
 एवं इहाए पासठ मे मय्यं उल्लपप इहगर्न-सिक्खं वरइ नमंसइ वं २ ता एवं  
 ववासी पुप्पि पि(व) वं मए समजस्स मययओ महावीरस्स अतिए सय्ये पाणाइ-  
 वाए पण्णवाए सुसावाए अविवावामि येहुमे परिग्गहे वीहं मायि मावा कोहे पेजे शेठे  
 क्कडे मय्यकवाण पिहुमे परपरिवाए अउरइ मायाओसे मिच्छावज्जसस पण्णवाए ।  
 इवामि पि वं अहं तस्सेय अउए समं पाणाइवायं पण्णवायि जाव मिच्छा-

दसणसल्ल पचक्कामि सच्च अणणपाणगाडमसाइम चउत्तिहपि आहारं पचक्कामि  
जावजीवाए । जंपि य इम सरीरं इदं फत्तं पियं जात्र विविदा रोगायण परीमहो-  
वमग्गा फुसतीति ह्दु एय पि य ण चरमेहिं ऊगागनीमासेहिं वोत्तिरामि-त्तिह्दु  
सलेहणाद्धमणाद्धसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए काल अणवक्कमाणे विह  
रइ । तए ण ते थेरा भगवतो मेहस्स अणगारस्स अगिलाए वेयावटिय ररेति ।  
तए ण से मेहे अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तद्दाम्माण थेराण अतिए  
सामाइयमाइयाइ एक्काए अगाइ अहिज्झिता बहुपडिपुण्णाइ दुवालमवारिसाइ साम  
णपरियाग पाउणिता मासियाए सलेहणाए अप्पाण शोसेगा सट्ठि भत्ताइ अणसणाए  
छेएत्ता आलोइयपडिक्कते उद्वियसल्ले समाहिपत्ते आणुपुब्बेण कालगए । तए ण(ते)  
थेरा भगवतो मेह अणगारं आणुपुब्बेण कालगय पासंति ० ता परिनिव्वाणवनिव  
काउस्सग्ग करंति ० ता मेहस्स आयारभट्ठग मेह्दति ० ता विउलाओ पच्चयाओ  
सणिय २ पचोह्दति २ ता जेणामेव गुणसिलए उज्जाणे जेणामेव समणे भगव महा  
वीरे तेणामेव उवागच्छति ० ता समण भगवं महावीर वदति नमसति वं० २ ता  
एव वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाण अतेवासी मेहे नाम अणगारे पगइभए जाव  
विणीए । से ण देवाणुप्पिएहिं अब्भणुत्ताए समाणे गोयमाइए समणे निग्गधे निग्ग-  
थीओ य खामेत्ता अम्हेहिं सट्ठि विपुल पच्चय सणिय २ दुरुहइ २ ता सयमेव मेघ  
वणसन्निगास पुढाविसिल (पट्टय)पडिलेहेइ २ ता भत्तपाणपडियाइक्खिए अणुपुब्बेण  
कालगए । एस ण देवाणुप्पिया । मेहस्स अणगारस्स आयारभट्टए ॥ ३६ ॥ भते ।  
त्ति भगव गोयमे समण भगवं महावीरं वदइ नमसइ वं० २ ता एव वयासी-एवं  
खलु देवाणुप्पियाण अतेवासी मेहे नाम अणगारे, से ण भते । मेहे अणगारे  
कालमासे काल किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने ? गोयमाइ समणे भगव महावीरे  
भगव गोयम एव वयासी-एवं खलु गोयमा । मम अतेवासी मेहे नाम अणगारे  
पगइभए जाव विणीए, से ण तहारूवाण थेराण अतिए सामाइयमाइयाइ एक्का-  
रस अगाइ अहिज्झइ २ ता वारस भिक्खुपडिमाओ गुणरयणसवच्छरं तवोक्कम्म  
काएणं फासेत्ता जाव किट्ठेत्ता मए अब्भणुत्ताए समाणे गोयमाइ थेरे खामेइ २  
ता तहारूवेहिं जाव विउल पच्चय दुरुहइ २ ता दब्भसथारग सधरइ २ ता  
दब्भसथारोवगए सयमेव पचमहव्वए उच्चारइ वारस वासाइं सामणपरियाग  
पाउणिता मासियाए सलेहणाए अप्पाण श्लसिता सट्ठि भत्ताइ अणसणाए छेदेत्ता  
आलोइयपडिक्कते उद्वियसल्ले समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उद्ध चदिमसूरग  
हणनक्खत्ततारारूवाण वहुइ जोयणाइ वहुइ जोयणसयाइं वहुइ जोयणसहस्साइ

बहूँ बोधनसवद्यस्तथाई बहूँ(ई)इ बोधनकोटीको बहूँ बोधनकोटीकोटीको उहूँ  
 वृत्तं तप्पहात्त चौहम्मीसापसर्पणुमारमाईर्धर्ममर्कतगमहाउत्तसहस्तारान्नमपन्नमार  
 ननुए तिग्गि न बहुरात्तारे नेवैज्जिमा(न)भावाससए वीइवइता निवए महानिमित्ते  
 वेवताए उक्कणे । तत्त वं जत्तेमइवान् वेवार्थं ते(व)टींछं साम्भरोवमाईं ठिईं  
 पक्खा । तत्त वं मेइस्समि वेवस्स तेपीछं साम्भरोवमाईं ठिईं पक्खा । एव वं  
 मंते । मेइ वेवै तम्मो वेवस्सेमाओ जाउक्कएणं ठिइक्कएणं मवक्कएणं जनेत्तं  
 वरं वइता कइं नत्तिहिइ कइं उक्कवहिइ ? गोममा । महानिदेइ वाते तिग्गि-  
 हिइ पुग्गिहिइ मुत्तिहिइ परिनिम्माहिइ उक्कपुक्कालमंत्तं कहिइ । एवं कइ वं ।  
 समयेवं समवा यत्तवीरेवं आहारेवं तिक्कपरेवं पाव संपत्तेवं अप्पेपाकम-  
 निमित्तं पक्कस्स वाक्कज्जवस्स जक्कम्हे पक्कते तिक्केमि ॥ १७ ॥ गाहा-महुरेहिं  
 निजवेहिं वववेहिं बोक्कंछीं जावरीवा । छींते कइंनि कहिंए कइ मेइमुत्तिं महान्नीरो  
 ॥ १ ॥ पद्धमं जक्कपणं समत्तं ॥

कइ वं मंते । समयेवं समवा यत्तवीरेवं पाव संपत्तेवं पक्कस्स वाक्कज्जवस्स  
 जक्कम्हे पक्कते तिक्कस्स वं मंते । वाक्कज्जवस्स के अहे पक्कते । एवं कइ वं ।  
 तेवं जक्केवं तेवं समएणं उक्कयिहे नामं नयरे होत्वा वण्णओ । [तत्त वं उक्कयिहे  
 नयरे तेविएणं नामं रावा होत्वा महवा वण्णओ] त(त्त)स्स वं रावयिहस्स नमस्स  
 वडिवा उक्कएणिकमे विसीमाए पुनसिक्कए नामं उक्कयि होत्वा वण्णओ । तस्स  
 वं पुनसिक्कस्स उक्कवस्स अत्तुसामंते एत्त वं मई एगे (पडिक्क) जिक्कुजावे वानि  
 होत्वा निमहुरेक्कके परिसिक्कितोरनवरे वापाणिउक्कएणुम्मक्कावडिक्कएणुक्कए  
 जवेमवाक्कवसंछमिजे वानि होत्वा । तस्स वं जिक्कुजावस्स बहुमज्जवेधमाए  
 एत्त वं मई एगे मक्कवस्स वानि होत्वा । तस्स वं मक्कवस्स अत्तुसामंते एत्त वं  
 मई एगे मक्कवस्स वानि होत्वा किन्हे किन्हेमासे वाव रम्मे महामेइनिक्कवमए  
 बहूँ कवेहिं व पुक्केहिं व गुम्मेहिं व क्काहिं व क्कीहिं व (तवेहिं व) कुप्पेहिं  
 व क्कापुप्पेहिं व संउवे पक्किक्कवे मंते सुत्तिरे वानि वंवीरे जवेपक्कवसकंछमिजे  
 वानि होत्वा ॥ १ ॥ तत्त वं रावयिहे नयरे व(वि)न्ने नामं उक्कवाहे अहे म्हे  
 वाव निठक्कमवपावे । तस्स वं वण्णस्स उक्कवाहस्स महा नामं मारीवा होत्वा  
 एत्तमाक्कपानिपाक्का अहीवपडिक्कएणिकसिक्करीय उक्कवस्स वं वण्णोवईवा माउ  
 म्मावप्पमावपडिक्कएणुक्कवस्स म्मावप्पमंत्तं वं वण्णोवईवा वं वण्णोवईवा वं वण्णोवईवा  
 क्कवस्सपरिनिवसिक्कवस्स वं वण्णोवईवा वं वण्णोवईवा वं वण्णोवईवा वं वण्णोवईवा  
 उक्कवस्स वं वण्णोवईवा वं वण्णोवईवा वं वण्णोवईवा वं वण्णोवईवा वं वण्णोवईवा



यावि होत्था ॥३९॥ तस्स ण धण्णस्स सत्थवाहस्स पयए ना(म)मं दासचेवे होत्था  
 सव्वगसुदरंगे मसोवचिए बालकीलावणकुमळे यावि होत्था । तए ण से धण्णे सत्थ  
 वाहे रायगिहे नयरे वहूण नगरनिगमसेट्टिसत्थवाहाण अट्टारसण्ह य सेणिप्पसेणी  
 व(हु)ट्टसु कज्जेसु य कुहुवेसु य (मतेसु य) जाव चक्खुभूए यावि होत्था नियगस्स  
 वि य ण कुहुवस्स वट्टसु(य) कज्जसु जाव चक्खुभूए यावि होत्था ॥४०॥ तत्थ ण  
 रायगिहे नयरे विजए नाम तक्करे होत्था पावे चहालरूवे भीमतररुद्धकम्मे आरुसिय  
 दित्तरत्तनयणे खरफरुसमहलविगयबीम(त्थ)च्छदाट्टिए असपुडियउट्टे उट्टुयपइणल-  
 वतमुद्धए भमरराहुवण्णे निरणुक्कोसे निरणुतावे दाहणे पइमए निससइए निरणुकपे  
 अ(हिक्ख)हीव एगतदि(ट्टि)ट्टीए खुरेव एगतधाराए गिद्धेव आमिसतल्लिच्छे अगिमिव  
 सव्वभ(क्खे)क्खी जलमिव सव्व(गा)ग्गाही उक्कचणवचणमायानियडिकूडकवडसाई  
 संपओगबहुळे चिरनगरविणट्टुट्टुसीलायारचरित्ते जूय(प)प्पसगी मज्जप्पसंगी भोजप्प-  
 संगी ससप्पसगी दाहणे हिययदारए साहसिए सधिच्छेयए उवहिए विस्सभघाई आली  
 यगतित्थभेयलहुद्धत्थसपउत्ते परस्स दव्वहरणमि निच्च अणुवद्धे तिक्खवेरे रायगिहस्स  
 नगरस्स वहूणि अइगमणाणि य निगमणाणि य वा(दा)राणि य अवघाराणि य  
 छिं(डि)डीओ य खढीओ य नगरनिद्धमणाणि य सवट्टणाणि य निव्वट्टणाणि य जू(व)  
 यखलयाणि य पाणागाराणि य वेसागाराणि य (तट्टारट्टाणाणि य) तक्करट्टाणाणि य  
 तक्करघराणि य सिं(गा)घाहगाणि य ति(या)गाणि य चउक्काणि य चच्चराणि य नागघ-  
 राणि य भूयघराणि य जक्खदेउलाणि य सभाणि य पवाणि य पणियसालाणि य सुअ  
 घराणि य आओएमाणे (२) मग्गमाणे गवेसमाणे बहुजणस्स छिहेसु य विसमेसु य विहु  
 रेसु य वसणेसु य अन्धुदएसु य उस्सवेसु य पसवेसु य तिहीसु य छणेसु य जन्नेसु य  
 पव्वणीसु य मत्तपमतस्स य वक्खित्तस्स य बाउलस्स य सुहियस्स य दु(क्खि)हियस्स  
 य विदेसत्थस्स य विप्पवसियस्स य मग्ग च छिह च विरह च अतरं च मग्गमाणे  
 गवेसमाणे एव च ण विहरइ, वहिया वि य ण रायगिहस्स नगरस्स आरामेसु य उज्जा  
 नेसु य वाविपोक्खरणीवीहियागुजालिया(सरेसु य)सरपत्ति(सु य)यसरसरपत्तियासु य  
 जिणुज्जाणेसु य भग्गकूवएसु य मालुयाक्कच्छएसु य सुसाणेसु य गिरिकदरलेणउवट्टा-  
 नेसु य बहुजणस्स छिहेसु य जाव एव च ण विहरइ ॥ ४१ ॥ तए ण तीसे भदाए  
 भारियाए अअया कयाई पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि कुहुवजागरियं जागरमाणीए  
 अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पजित्था-अह धण्णेणं सत्थवाहेण सद्धिं वहूणि  
 वासाणि सद्धफरिसरस(गंध)रूवाणि माणुस्सगाई काममोगाइ पक्खणुब्भवमाणी  
 विहरामि नो चेव णं अह दारणं वा दारि(ग)य वा प(या)यामि । तं धम्माओ ण ताओ

अमृतवचनं वृद्धवचनं अमृतवचनं वृद्धवचनं अमृतवचनं वृद्धवचनं  
 वचनं वृद्धवचनं वृद्धवचनं वृद्धवचनं वृद्धवचनं वृद्धवचनं  
 ॥ ७६९ ॥ से एवमर्थं वदित्वापीति एवमर्थं वदित्वा, काच परोक्षवचनं वद  
 स्तापीति परोक्षवचनं वदित्वा इत्थी भेदं पुरिषो भेदं गर्तुर्धनं भेदं एवं वा चेत्  
 अर्थं वा चेत् अन्तर्द्वयं निष्ठायासीति समिवाप्यैवम् मासं मासिजा इत्येवार्थं  
 आगत्यार्थं उवाचिष्म ॥ ७७० ॥ अहं भित्तिं जामिजा अचारी मासजावार्थं,  
 तज्ज्ञा-सचयेयं पदम् मासजायं नीरं मोसं तज्ज्ञं सचामोसं न मेव सचं मेव  
 मोसं मेव सचामोसं "अचारीमोसं" जाम्यं तं अचर्यं मासजायं ॥ ७७१ ॥ से भेदि  
 के अर्थात्ता के न पद्व्यवा के न अचारात्ता अर्थात्ता अगर्तुर्धनं सचये ते एवमि  
 चेव अचारी मासजावार्थं मासिजु वा मासंति वा मासिस्तंति वा पञ्चमिषु वा  
 पञ्चमिषु वा पञ्चमिस्तंति वा सचामं न न एवार्थं अचिन्त्यानि इत्यनेतामि पञ्च  
 मेषामि एवमेवमि पञ्चमेषामि अचारीमोसं निपरिणामवन्माह अर्थात्ति उम-  
 कजावार्थं ॥ ७७२ ॥ से भित्तिं वा (२) पुमि मासा अमासा अस्तमासा मासा  
 मासा मासासमवर्तितात्वा न न मासिजा मासा अमासा ॥ ७७३ ॥ से भित्तिं वा (२)  
 वाय मासा सचा अत्र मासा मोसा अत्र मासा सचामोसा जाम्यं मासा अस्तमा-  
 मोसा उद्व्यप्यार्थं मासं सचामं सचामिषं पञ्चमं सचामं निष्ठुरं पञ्चमं अचारी  
 अचारीमोसवचरि परितत्त्ववचरि उद्वचरि भूतोवचर्यं अमिर्कञ्च मासं नो मासेजा  
 ॥ ७७४ ॥ से भित्तिं वा (२) वा न मासा सचा सुदुमा अत्र मासा अस्तमा-  
 मोसा उद्व्यप्यार्थं मासं अचारीमोसं अचारीमोसं अत्र अमृतोवचर्यं अमिर्कञ्च मासं  
 मासेजा अनुवा न पुमं अमृतेमामि अमृतिते वा अपचिष्टुमेमाम् नो एवं वदित्वा  
 होईति वा मोसेति वा वदित्वाति वा कुप्यवेति वा वदित्वाति वा सचयेति  
 वा सेवेति वा चारिषुति वा माईति वा सुसावार्थंति वा एवार्थं दुये से अचमा  
 वा एतव्यप्यार्थं मासं सचामं सचामिषं अत्र अमिर्कञ्च नो मासेजा ॥ ७७५ ॥ से  
 भित्तिं वा (२) पुमं अमृतेमामि अमृतिषु वा अपचिष्टुमेमाम् एवं वदित्वा अनुगे  
 ति वा आग्र्योति वा अग्र्योति वा सचामेति वा अग्र्योति वा अग्र्योति वा  
 अग्र्योति वा एवव्यप्यार्थं मासं अचारीमोसं अत्र अमृतोवचर्यं अमिर्कञ्च मासेजा  
 ॥ ७७६ ॥ से भित्तिं वा (२) इति अमृतेमामि अमृतिषु न अपचिष्टुमेमाम्  
 नो एवं वदित्वा होईति वा मोसेति वा वदित्वाति वा इत्थीमोसं वदित्वा ॥ ७७७ ॥ से भित्तिं  
 वा (२) इति अमृतेमामि अमृतिषु न अपचिष्टुमेमाम् एवं वदित्वा आठति  
 ति वा ममिषि ति वा मयवति ति वा सचामेति ति वा उवाचिषु ति वा अमिषु ति

२ ता लोमहृत्त्येण परामुसद् २ ता नागपटिमाओ य जाव येमनामो न वे  
लोमहृत्त्येण पमज्जद् उदगधाराए अन्धुस्सोद् २ ता पम्भलमुत्तामाए गधम  
गायाइं उद्देइ २ ता मदरिहं यथासुद्धं च मागसुद्धं च गंधासुद्धं च पुण्णसुद्धं  
यण्णासुद्धं च करेइ २ ता (जाय) भूत उद्देइ २ ता जमुपायपटिया पत्रिज्ज  
ययासी-जड ण अहं दारग वा दारियं वा प(या)यामि तो ण अहं जाय च जाव  
वहेमि तिरुट्टु उवाद्यं करेइ २ ता जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ ता  
असणं ४ आसाएमाणी जाव विहरइ जिमि(या)य जाव मुडभूया जेणेव सए तिहे  
उवागया । अदुत्तरं च णं भद्दा सत्यवाही चाउद्दसट्टमुद्धिपुण्णमाजिणीमु विपुल  
४ उवक्खटेइ २ ता बह्वे नागा (यणे) य जाव चंगमणा य उवायमाणी नमं  
जाव एव च ण विहरइ ॥ ४२ ॥ तए णं सा भद्दा सत्यवाही अयया क्ताइ  
कालतरेण आवन्नसत्ता जाया यावि होत्या । तए णं तीसे भद्दाए सत्यवाहीए दोह  
वीइक्खेत्त त(इ)इए मासे वट्ठमाणे इमेयान्ने दोहले पाउब्भूए-धन्नाओ ण ताओ  
याओ जाव कयलक्खणाओ (ण) ताओ अम्मयाओ जाओ णं विट्ठलं असण ४ उद्द  
पुप्फ(वत्य)गधमालंकारं गहाय मित्तनाइनियगसयणसंवधिपरियणमहिडिवाहि  
सद्धिं सपरिवुडाओ रायगिह नयरं मज्जमज्जेणं निग्गच्छति २ ता जेणेव पुस्सरि  
तेणेव उवागच्छति २ ता पोक्खरिणी ओगाहंति २ ता ण्हायाओ सत्वालकर  
विभूसियाओ विपुल असणं ४ आसाएमाणीओ जाव पडिभुजेमाणीओ दोह  
विणेति । एव संपेहेइ २ ता क्क जाव जलते जेणेव धण्णे सत्यवाहे तेने  
उवागच्छइ २ ता धण्ण सत्यवाह एव वयासी-एव मल्ल देवाणुप्पिया । मम तस्स  
गम्भस्स जाव विणेति, त इच्छामि ण देवाणुप्पिया । तुम्भेहिं अब्भणुणाव  
समाणी जाव विहरितए । अहासुहं देवाणुप्पि(ए)या । मा पडिबघ करेइ । तए  
सा भद्दा सत्यवाही धण्णेण सत्यवाहेण अब्भणुजाया समाणी ह(ट्टु) द्वा जाव विपुल  
असण ४ जाव ण्हाया उल्लपडसाडगा जेणेव नागधरए जाव धूव ड(द)हइ २ ता  
पणाम करेइ २ ता जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ । तए णं ताओ मित्तनाइ  
जाव नगरमहिलाओ भद्दा सत्यवाहिं सत्वालकारविभूसिय करेति । तए ण सा भद्दा  
सत्यवाही ताहिं मित्तनाइनियगसयणसंवधिपरिजनगरमहिलियाहिं सद्धिं त विपुल  
असण ४ जाव परिमुं(ज)जेमाणी (य) दोहल विणेइ २ ता जामेव दिसिं पाउब्भूया  
तामेव दिसिं पडिगया । तए ण सा भद्दा सत्यवाही सपुण्ण(डो)दोहला जाव त  
गम्भं सुहंसुहेण परिवहइ । तए णं सा भद्दा सत्यवाही नवण्हं मासाण बहुपडिपुण्णाण  
अद्वट्टमाण य राइदियणं सुकुमालपाणिपायं जाव दारगं पयाया । तए ण तस्स

अम्यबाभो वाव सुम्मे न मल्लस्सए अम्यगीमिवाप्पे तासि अम्यमां वासि म्मे  
 निमल्लस्सएम्माई कल्लसुम्माइ मल्लस्सएम्माई अम्यमपनीपिम्यं कल्ल(क)म  
 कल्लस्सएम्माई अमिसरम्माइ सुम्माइ कल्ल पि(प)मिति उम्मे व अमेकअम्यमेव-  
 मेहि इत्येहि गिण्हित्तं कल्लमे निवेदिताई इति सुम्मावए पिए सुम्माई पुनो १  
 मंहुकप्पमणिए । (४) अई न अक्का अणुप्पा अ[कम]अक्काया (अकमपुप्पा) एत्ते  
 एवमणि न पत्ता । तं सेव मम कल्ल पाठप्पमावाए वाव अत्ते वक्कं सत्तवाइ  
 अणुप्पिता वक्केव सत्तवाहेव अक्कपुप्पाया समानी सुम्मां निपुळं अत्तं ४  
 उक्कवाइएत्त सुम्मां पुप्प(वत्त)मेवमल्लस्सएम्माई मल्लस्स वक्कं मित्तन्तमिवापसद-  
 कंमिपरिक्कमहिताई इति संपरिबुद्धा वाई इमाई रावणिहस्स मयस्स वक्कं  
 मावाणि व म्मावाणि व अक्काणि व इवाणि व क्काणि व द्वाणि व ति(से)वाणि  
 व वैसम्माणि व उत्तं न वक्कं मागपिमाव व वाव वैसममपिमाव व मल्लस्स  
 पुप्पवमिं करोत्ता अणु(वाव)पावपडियाए एवं वल्लए-अई न अई वेवात्तुप्पिमा ।  
 वारं वा वारिं वा पमावाणि तो न अई सुक्कं वावं व वारं व मल्लं व अक्क-  
 वमिहिं व अणुप्पेहि तिप्पु उक्काव उक्कावए । एवं संपेहेइ २ एत्तं कल्ल वाव  
 कल्ले वेवामेव वक्के सत्तवाहे सेवामेव उक्कावए २ एत्ता एवं वक्काई-एवं कल्ल  
 अई वेवात्तुप्पिमा । सुम्मेहिं सति वक्कं वावाइ वाव इति सुम्मावए सुम्माई पुनो  
 २ मंहुकप्पमणिए तं न अई अक्का अणुप्पा अक्कमपनीपिम्यं एत्ते एवमणि न पत्ता  
 तं इक्कमणि न वेवात्तुप्पिमा । सुम्मेहिं अक्कपुप्पाया समानी निपुळं अत्तं ४ वाव  
 अणुप्पेहिं क्कावमं करोतिएत्त । तए न वक्के सत्तवाहे अई मारिं एवं वक्काई-  
 मं पि न न (क्क)वेवात्तुप्पिमा । एत्तमेव मक्कैरहे-अई न सुवं वारं वा वारिं वा  
 पयाए(व)जाति (५) मल्लए सत्तवाहीए एवमं अणुप्पाव । तए न ता मल्ल  
 सत्तवाही वक्केव सत्तवाहेव अक्कपुप्पाया समानी सुम्मां निपुळं  
 अत्तं ४ उक्कवाइएत्त २ एत्ता सुम्मां पुप्पमेव(वत्त)मल्लस्सएम्माई २ एत्ता समानी  
 पिप्पाओ निगच्छ २ एत्ता रावणिहं मयस्स मल्लमज्जीव मिमल्ल २ एत्ता वेविव  
 सेवकारीणी सेवेव उक्कावए २ एत्ता पुप्पकारीणीए तीरे सुम्मां पुप्प वाव मल्लस्सएम्माई  
 उक्क २ एत्ता पुप्पकारीणि ओक्काइ २ एत्ता अक्कमज्जीवं करोइ अक्क(वीर)किं करोइ  
 २ एत्ता वावा उक्कवाइएत्ता वाई उत्तं कप्पमाई वाव सत्तमपत्ताई ताई मिक्क २  
 एत्ता पुप्पकारीणीओ क्कावए २ एत्ता तं सुम्मां पुप्प(वत्त)मेवमल्लस्सएम्माई २ एत्ता  
 वेवामेव वावपए (६) वाव वैसममपिमाव व सेवामेव उक्कावए २ एत्ता उत्तं न  
 वावपडियाव व वाव वैसममपिमाव व वावोए पमावं करोइ इति पणुक्कम

उवागच्छइ २ ता धणं सत्यवाहे एव वयासी-एवं गलु सागी ! भद्दा सत्यवाही  
 देवदिन्न दारयं ण्हाय स० मम ह(त्थं)सि)न्थे दलयइ । तए ण अह देवदिन्न दारय कीए  
 गिण्ढामि जाव मग्गणगवेसण करेमि । तं न नज्जइ ण सा(मि)मी ! देवदिन्ने दारए  
 केणइ ह(णी)ए वा अवहिए वा अ(यसि)न्निगत्ते वा पायवटिए धण्णस्स सत्यवाहस्स  
 एयमट्ठ निवेदेइ । तए ण से धण्णे सत्यवाहे पंथयस्स दासचेट्ठयस्स एयमट्ठ सोच्चा  
 निसम्म तेण य महया पुत्तसोएणाभिभूए समाणे फ(प)रत्तुणियत्ते व चपगपायवे धरति  
 धरणीयलसि सब्वगेहिं सग्गिइए । तए ण से धण्णे सत्यवाहे तओ मुहुत्ततरस्स  
 आसत्थे प(च्छा)यागयपाणे देवदिन्नस्स दारगस्स सत्त्वओ समंता मग्गणगवेसणं  
 करेइ देवदिन्नस्स दारगस्स कयइ सुइ वा रुइ वा प(उ)वत्ति वा अलभमाणे जेणेव  
 सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ ता महत्थं पाहुट्ठ गेण्हइ २ ता जेणेव नगरगुत्तिया  
 तेणेव उवागच्छइ २ ता तं महत्थं पाहुट्ठ उवणेइ २ ता एव वयासी-एवं सलु  
 देवाणुप्पिया ! मम पुत्ते भद्दाए भारियाए अत्ताए देवदिन्ने नाम दारए इहे जाव  
 उंवरपुप्फंपि व दुह्हे सवणयाए किमग पुण पासणयाए (?) । तए ण सा भद्दा [भारिया]  
 देवदिन्न [दारग] ण्हायं सव्वालकारविभूसिय पंथगस्स हत्थे दलाइ जाव पायवटिए तं  
 मम निवेदेइ । त इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! देवदिन्नस्स दारगस्स सत्त्वओ समंता  
 मग्गणगवेसण कय । तए ण ते नगरगुत्तिया धण्णेण सत्यवाहेण एवं वुत्ता समाणा  
 सन्नद्धवद्ध(वम्मिय)कवया उप्पीलियसरासण(व)पट्टिया जाव गहियाउहपहरणा  
 धण्णेणं सत्यवाहेण सद्धिं रायगिहस्स नगरस्स बहूणि अइग्गमणाणि य जाव पवास  
 य मग्गणगवेसणं करेमाणा रायगिहाओ नगराओ पट्टिनिक्खमति २ ता जेणेव  
 जिण्णुज्जाणे जेणेव मग्गकूवए तेणेव उवागच्छंति २ ता देवदिन्नस्स दारगस्स सरीरग  
 निप्पाण निवेद्व जीवविप्पजड पासंति २ ता हा हा अहो अकज्जमितिकट्ठ देवदिन्नं  
 दारगं भग्गकूवाओ उत्तारंति २ ता धण्णस्स सत्यवाहस्स हत्थे(ण) दलयंति ॥४५॥  
 तए ण ते नगरगुत्तिया विजयस्स तक्करस्स पयमग्गमणुगच्छमाणा (२) जेणेव  
 मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छति २ ता मालुयाकच्छ(य)ग अणुप्पविसंति २ ता  
 विजय तक्करं ससक्खं सहोढ सगेवेज्जं जीवग्गाह गेण्हंति २ ता अट्ठिसुट्ठिजाण-  
 कोप्परपहारसभग्गमहियगतं करेंति २ ता अव(उढा)ओढगवधणं करेंति २ ता  
 देवदिन्न(ग)स्स दारगस्स [सव्व] आभरण गेण्हति २ ता विजयस्स तक्करस्स गीवाए  
 वंधंति २ ता मालुयाकच्छगाओ पट्टिनिक्खमति २ ता जेणेव रायगिहे नयरे  
 तेणेव उवागच्छति २ ता रायगिह नयरं अणुप्पविसंति २ ता रायगिहे नयरे  
 सिंघाढगतिगच्चउक्कच्चरमहापहपहेसु कसप्पहारे य लयापहारे य छिवापहारे य



ते त भोयणपिटग गिण्हइ २ ता जामेव दिमि पाउन्भूण तामेव दिमि पडिगए ।  
 तए ण तस्स धण्णस्स सत्यवाहस्स तं विपुल असण ४ आहारियस्स समाजस्स  
 उच्चारपासवणे णं उव्वाहित्या । तए ण से धण्णे सत्यवाहे विजयं तफरं एवं  
 वयासी-एहि ताव विजया । एगतमवक्कमामो जेण अह उच्चारपासवण परिट्टवेमि ।  
 तए ण से विजए तफरे धण्ण सत्यवाह एवं वयासी-तुन्म देवाणुप्पिया । विपुल  
 असण ४ आहारियस्स अत्थि उच्चारे वा पासवणे वा, मम ण देवाणुप्पिया । इमेहिं  
 बह्वहिं कसप्पहारेहि य जाव लयापहारेहि य तण्हाए य ह्युहाए य परच्चमवमाणस्स  
 नत्थि केइ उच्चारे वा पासवणे वा, त छदेण तुम देवाणुप्पिया । एगते अवक्कमिता  
 उच्चारपासवण परिट्टवेहि । तए ण से धण्णे सत्यवाहे विजएण तफरेण एव सुते  
 समाणे तुसिणीए सच्चिट्ठइ । तए ण से धण्णे सत्यवाहे मुहुत्ततरस्स बलियतराण  
 उच्चारपासवणेण उव्वाहिज्जमाणे विजयं तफरं एवं वयासी-एहि ताव विजया ।  
 जाव अवक्कमामो । तए ण से विजए धण्णं सत्यवाह एव वयासी-जइ ण तुम  
 देवाणुप्पिया । ता(त)ओ विपुलाओ असणाओ ४ सविभाग करेहि तओ ह तु(मे)न्नेहिं  
 सद्धिं एगत अवक्कमामि । तए ण से धण्णे सत्यवाहे विजय एव वयासी-अह ण  
 तुन्म ताओ विपुलाओ असणाओ ४ सविभाग करिस्सामि । तए णं से विजए  
 धण्णस्स सत्यवाहस्स एयमट्ठ पडिमुणेइ । तए ण से विजए धण्णेण सद्धिं एगते  
 अवक्क(मे)मइ उच्चारपासवण परिट्टवेइ आयते चोक्खे परममुइभूए तमेव ठाण उव-  
 सकमित्तार्णं विहरइ । तए ण सा भद्दा कळ जाव जलते विपुल असण ४ जाव  
 परिवेसेइ । तए ण से धण्णे सत्यवाहे विजयस्स तफरस्स ताओ विपुलाओ  
 असणाओ ४ सविभाग करेइ । तए णं से धण्णे सत्यवाहे पथग दासचेड विसज्जेइ ।  
 तए ण से पथए भोयणपिट्ठयं गहाय चार(गा)गसालाओ पडिनिक्खमइ २ ता राय-  
 गिह नयरं मज्झमज्झेण जेणेव मए गि(गे)हे जेणेव भद्दा (भारिया) सत्यवाही तेणेव  
 उवागच्छइ २ ता भद्द सत्यवाहिणिं एवं वयासी-एवं खल्ल देवाणुप्पिए । धण्णे सत्यवाहे  
 तव पुत्तघायगस्स जाव पञ्चामित्तस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभाग  
 करेइ ॥ ४७ ॥ तए ण सा भद्दा सत्यवाही पथगस्स दासचेडगस्स अतिए  
 एयमट्ठ सोच्चा आसुत्ता रुट्ठा जाव मिसिमिसेमा(णा)णी धण्णस्स सत्यवाहस्स  
 पओसमावज्जइ । तए ण से धण्णे सत्यवाहे अन्नया कयाइ मित्तनाइनियगसयण-  
 संवधिपरियणेणं सएण य अत्थसारेणं रायकज्जाओ अप्पार्णं मोयावेइ २ ता  
 चारगसालाओ पडिनिक्खमइ २ ता जेणेव अलकारियसमा तेणेव उवागच्छइ  
 २ ता धर्लकारियकम्म क(रे)रावेइ २ ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ ता

मित्र(पु)ममाया २ छरं च भूति च कवचं च उचरि पश्चिमाया २ महाया २  
 एतेन उच्यतेमाया एवं वर्यति-एत न देवाण्यपिमा । मित्रं नाम उचरे वाय मित्रे  
 मित्र नामिदमकवी वाक्यामप वाक्यमारप, तं गो वक्तु देवाण्यपिमा । एवरस केर  
 उच्य वा (एवमुते वा) एवमने वा अवरणम् (एवम्) नक्त्य वाप्ययो उचर्यं वम्माई  
 अवरणंति-पिङ्गु वैषामेव वारगसाया सेषामेव उच्यमाण्यंति २ एव हविर्बर्च  
 करोति २ एव मत्तपावनिरोहं करोति २ एव तिस्रो अरण्यहारे च वाय मित्राण्याया  
 २ मिहंति । एव न से वन्ने सत्यवाहे प्रिगनाइमिमसकनकंविपरियकेन  
 सति रोयमाये वाय मित्रमाये वैषमिचस्त वारगस्त सपरस्त मन्वा इहृतिहृर  
 सुमुरएवं मो(मि)हृरं करोति २ एव वहुई कदेवई मव(ग)किचई करोइ  
 २ एव केन्द्र अर्धतरेण अवयवसोए वाए यामि होत्वा ॥ ४५ ॥ एव न से वन्ने  
 सत्यवाहे कवचा कयाई क(ह)हुसर्वंति राजावरहंति संपक्ते वाए यामि होत्वा ।  
 एव न से वरापुतिवा वन्ने सत्यवाई गेव्यंति २ एव केनेव वार(मि)ए तेनेव  
 उच्यमाण्यंति २ एव वारवं अनुपवेसंति २ एव मित्रएवं उचरेवं सति एयवयो  
 हविर्बर्च करोति । एव न एा महा मारिवा कळ वाच कळते निपुळं वचनं ४  
 उच्यमाण्यंति २ एव मोक्षपिङ्गु करोइ २ एव मो(मा)वनाई पमिचवइ २ एव संज्ञि-  
 मुनिं करोइ २ एव एवं च सुप्रमिवापिपिपुण्यं वगवारवं करोइ २ एव पंचं वासवैह  
 सयवैइ २ एव एवं ववाही-अन्क(ह) ने तुम देवापुपिमा । इमं निपुळं वचनं ४  
 एव वारगसाया वच्यस्त सत्यवाइस्त उच्येहि । एव न से पंचए महाए  
 सत्यवाइए एवं पुते सयावे हृष्टोहे तं मोक्षपिङ्ग(वी)ग व च सुप्रमिवापिपिपुण्यं  
 वगवारवं नेवइ २ एव सवालो गिहाओ पविनिचकमइ २ एव रावयिई नमरं  
 मर्जामज्जेन केनेव वारगसाया केनेव वन्ने सत्यवाइ तेनेव उच्यमाण्यंति २ एव  
 मोक्षपि(डि)वर्च उच्येइ २ एव सखिइ २ एव (मायवाइ) मोक्षं गेवइ २ एव  
 नायवाइ बोधिइ २ एव हृत्पसोर्न वक्ताइ २ एव वन्ने सत्यवाइ तेनं निपुळैव वसनेनं  
 ४ परिचैइ । एव न से मित्रए उचरे वन्ने सत्यवाइ एवं ववाही-तु(मं)व्ये  
 नं देवापुपिमा । म(म)मं एवाओ निपुळायो वसनायो ४ संमिमार्न करोहि ।  
 एव न से वन्ने सत्यवाहे मित्रं उचरं एवं ववाही-अभियाई कळ मित्रया । एवं  
 निपुळं वचनं ४ अ(वा)गावें वा हृत्पयार्न वा वक्ताया उच्युच्येयए वा न क्तेया मो  
 केन न एव पुतावायपस्त पुतामारगस्त अरिस्त वैरियस्त पविनीमस्त पनामिचस्त  
 एते निपुळयो वसनायो ४ संमिमार्न करेयामि । एव न से वन्ने सत्यवाहे तं  
 निपुळं वचनं ४ आहारेइ २ एव तं पंचा पविमिचयइ । एव न से पंचए वासवे-





अह भोक्मस्ति मेव २ ता पोषयिषीं ओषाह २ ता वप्यमज्यं करे २ ता  
 चार रायमिहं नयं अनुप्यसिह २ ता रायमिहस नयस्य मज्जामज्जेयं  
 जनेव सए मिहे सेनेव पदारेव नयनाए । तए अं (तं) धम्मे सरवसाई एज्जमार्त्तं  
 पणित्त रावमिहे नयरे बहवे निवमसेट्ठिमारवसाहपभि(त)इओ आइति परिजालंति  
 एवारेणि म्मयापेति अय्मुट्ठेणि सरीरुत्त(सं)मोर्त्तं सं-पुण्यति । तए अं से बन्ध  
 [सरवसाहे] जेरेव तए मिहे तनेव उवाचच्छ ॥ पारि व से तए बाधिरिया  
 परिवा मरु तंजहा-वासाइ वा पेसाइ वा मियपाइ वा भाइमपाइ वा (से) ता  
 ति व अं धम्मे सरवसाई एज्ज(मर्त्त)मावे वासइ २ ता पामवडिया(ए) सेमपुसां  
 पुण्य(मि)इ । पारि व से तए अग्निमरिया परिवा मरु तंजहा-मावाइ वा पियाइ  
 वा जावाइ वा मन्थीइ वा सारि व अं धम्मे सरवसाई एज्जमावे वासइ २ ता  
 आत्तवाओ अय्मुट्ठे २ ता वंडांरंठिवे अचवाठिव व इप्पमोत्तयं करे ॥ तए अं  
 से बन्धे सापसाहे जेनेव मरा मारिवा संनेव उवाचच्छ ॥ तए अं सा मरा धम्मे  
 सरवसाई एज्जमार्त्तं पावइ २ ता ना आडाइ नो वरिवायाइ अनामववापी अपरि  
 माज्जापी तुमिपीया परम्मुट्ठी संविहइ । तए अं से धम्मे सरवसाहे भई मारियं  
 एवं ववासी-ई व तुम्मे देवाउप्पि । व तुट्ठी वा व हरिसे वा वावेदे वा अं मए  
 एवे आत्तारेवे एवज्जाओ अण्णं मिारए । तए अं ता मरा धम्मे सापसाई  
 एवं ववासी-वर्त्तं वे देवाउप्पि । मम तुट्ठी वा वाव आचरे वा मरिस्सइ जेव  
 तुं मम पुत्तगगरस वा ववाठिगस गाभ विगुत्ताओ अण्णमाओ ४ संनिमायं  
 करेति । तए अं से धम्मे मां [मारियं] एवं ववासी-व गउ देवाउप्पि । धम्मोति  
 वा मधति वा कयट्ठिकयइ वा जोगज्जाइ वा मयए वा [सं]रादिइ वा महा-  
 ए वा इति वा तामो विगुत्ता अण्णमाओ ४ संनिमागे कइ मरुव सरीरविगए ।  
 तए अं सा मरा धम्मेवं सावसाहेवं एवं पुण तमापी इ(इ)इ वाव आत्त  
 वाओ अय्मुट्ठे २ ता वंडांरंठिवे अचवाओ सेमपुसां पुण्य २ ता मरा मि  
 तां ओममोमं भुज्जपी मिहइ । तए अं से मिह मरुव वारममायए उट्ठि  
 वेदि वेदे कण्णारोदि व वाव मचाए व तुट्ठा व वरज्जमय्य धम्ममाओ  
 कयं ठिवा नात्त मेरुवणाए उववणे । वे वं तए वेगइ एए कये कम्मोम  
 जव वेदं ववाज्जमय्य मिहइ । वे वं तामो उम्भित्त मयापीवं अण्णमं  
 देवदं वागं वंमार्त्तं गारं अण्णदिदीरइ । एवमेव अं । वे अं आइ मिगरो  
 वा मिमंरी वा आदरेवज्जमय्यं अंतिइ तुं वे मणि अण्णमाओ अण्णमिं  
 म्मवाइ उववणे विगुत्तामि(मु)ट्ठे-इवज्जमय्यमय्यकारेवं इअइ वे मि(व) एवं वव

वोक्तरिणी० अदृश्याममे नृतामद्वय आहृद - ता आनिदगम्मज्जिपोरिता ह्येष  
 जाय कलिय करेह - ता अ(म्हे)म्ह पठियत्तेमाता - तिहृद जाय विट्ठनि । तए न  
 [१] सत्यवाहदारगा मेवपि पोद्विमर्षा मगराणे । ता एव ययासी-तिप्पानेव  
 लङ्कणजुतजोदयं समसुरसाविहारा ममत्तिविस्तिरत्तमार्गमएहि रदयामयपंत्तुल  
 ज्जुपारखं चगगनियनत्यसगहोत्तमहिहि नीत्तुपलत्तमार्गमएहि पारगोत्तुवाएहि  
 नानामनिर्यगत्तचणपटियाजात्तमिन्निता पवरत्तमार्गमएहि जु(त्त)तामेव पारखं  
 उवणेह । ते नि तदेय उवणे । तए न ते मत्थवाहदारगा पहाया अपमद्वयान  
 नालत्तय मरीरा पवरत्तम एवत्ति - ता जेणेव देवदत्ताए गणियाए गिहे तेणे  
 उवागच्छति - ता पवरणाओ पगोरुत्ति - ता देवदत्ताए गणियाए गिहे अज्ज  
 विसति । तए न ता देवदत्ता गणिया [१] मत्थवाहदारगा एवत्तमाने पागद २ ता  
 एहत्तुत्ता आरागाओ अन्धुत्तेह - ता सत्तट्टपयाटं अणुगच्छ - ता ते मत्थवाहदारगा  
 एवं ययासी-उत्तिसु न देवाणुप्पिया । तिमिहाममगप्पओवण । तए न ते सत्यवा  
 दारगा देवदत्त गणिय एव ययासी-इच्छामो न देवाणुप्पिए । तु(म्हे)म्मोहि सद्धि  
 शुभूमिभागस्त (उज्जाणस्स) उज्जाणत्तिरि पणुत्तवमाणा विहरितए । तए न सा  
 देवदत्ता तेनि मत्थवाहदारगाणं एवमद्व पठिगुणेह - ता पहाया हि ते पवर जाय  
 स्तिरितमाणयेसा जेणेव सत्यवाहदारगा तेणेव उवा(समा)गया । तए न ते मत्थ  
 वाहदारगा देवदत्ताए गणियाए सद्धि जाण हुम्हति - ता चपाए नयरीए मज्ज  
 मज्जेगं जेणेव शुभूमिभागे उज्जाणे जेणेव नदापोक्करिणी तेणेव उवागच्छति - ता  
 पवरणाओ पगोरुत्ति - ता नदापोक्करिणी ओगाहेति - ता जलमज्जण करति जल  
 किट्टं करंति पहाया देवदत्ताए सद्धि पशुत्तरंति जेणेव धूणामउवे तेणेव उवागच्छति  
 २ ता धूणामउव अणुप्पविसति - ता सज्वाल्लकार(वि)भूतिया आसत्त्या वीसत्त्या  
 शुद्धासणवरगया देवदत्ताए सद्धि त विपुल असण ४ धूवपुप्फगधवत्य आसाएमाणा  
 वि(वी)साएमाणा (परिभाएमाणा) परिभुंजेमाणा एव च न विहरति जिमियभुत्तरा  
 गया वि य न समाणा (आयता) देवदत्ताए सद्धि विपुलाह माणुत्तगाई काममोगाई  
 भुजमाणा विहरति ॥५३॥ तए न ते सत्यवाहदारगा पुज्जावरणकालसमयसि देव-  
 दत्ताए गणियाए सद्धि धूणामउवाओ पठिनिक्खमति २ ता हत्थसगोलीए शुभूमिभागे  
 वहसु आलिघरएसु य कयलीघरएसु य लयाघरएसु य अच्छणघरएसु य पेच्छणघर-  
 एसु य पसाहणघरएसु य मोहणघरएसु य सालघरएसु य जालघरएसु य कुसुमघरएसु  
 य उज्जाणत्तिरि पणुत्तवमाणा विहरति ॥ ५४ ॥ तए न ते सत्यवाहदारगा जेणेव  
 से मालुयाकच्छए तेणेव पहारेत्य गमणाए । तए न सा वणमऊरी ते सत्यवाहदारगा





एकमात्रे पाठ्य २ ता मीवा तत्त्वा मह्या २ सौर्ष केदारर्ष निमिम्मुयमाणी २  
 माह्नुवाकम्भमो पविनिक्कमाह २ ता एषंति कम्पडाकर्मसि ठिवा से सत्त्ववाह्वारए  
 माह्नुवाकम्भं च मविमिहाए मिट्टीए पेहमाणी २ निह्नुह २ तए च से सत्त्ववाह्वारया  
 अचमर्षं सार्वेति २ ता एवं बवासी-बहा च वेवातुपिमा । एसा वप्पमज्जी अम्हे  
 एज्जा(वा)ने पाठिअ मीवा तत्त्वा तत्तिया उच्चिग्गा पत्ताया मह्या २ सौर्षं वाव  
 अ(म्हे)म्हं माह्नुवाकम्भं च पेप्पमाणी २ निह्नुह तं मविमम्भमेत्थ वारमेण-तिअहु  
 माह्नुवाकम्भं अतो अणुप्यविसेति २ ता तत्थ च सो पुट्ठे परियागए वाव पाठिअ  
 अचमर्षं सार्वेति २ ता एवं बवासी-सैयं कहु वेवातुपिमा । अम्हं इमे वचमज्जी-  
 अहए सार्वं जाइमंतां कुहुविवाचं अहएत्त (अ)पविमवामितए । तए च तांओ जाइमं-  
 तांओ कुहुविवाचो (स)ए अहए सए च अहए सएचं पक्कवाएणं सारवत्तमाणीओ  
 संयोकेमाणीओ विहरिसेति । तए च अम्हं ए(त्वं)त्थ सो कीकम्भममा मत्तरपोक्खा  
 मविसेति-तिअहु अचमत्तस्स एक्कहं पविसेति २ ता सए सए दाघवेहए सार्वेति  
 २ ता एवं बवासी-जप्पह च तुप्पे वेवातुपिमा । इमे अहए महाव समाचं जाइमंताचं  
 कुहुसैणं अहएत्त पविमवह वाव से (मि) पविमवेति । तए च से सत्त्ववाह्वारया वेवह  
 पाए पविवाए सदिं उग्गमिमागस्स(उज्जायस्स)अज्जावसिदिं पक्कम्भममावा विहरिता  
 तमेव चानं इहडा समाना केनेव चपा मज्जी केनेव वेवहताए वज्जियाए पिहे तेमेव  
 सवाम्भंति २ ता वेवहताए गिहं अणुप्यविसेति २ ता वेवहताए गमिवाए मिठळं  
 बीजिवादिं पीइमं हवर्षति २ ता सवार्वेति सम्मार्वेति च २ तए वेवहताए मिहाओ  
 पविनिक्कमेति २ ता केनेव सवाई २ गिहाइं तेमेव सवागम्भंति २ ता सम्भमसंपत्ता  
 वावा मामि होत्वा ३५५ त(ए)त्थ च के से सागरवत्तपुसे सत्त्ववाह्वारए से च कळं  
 चम चवंते केमेव से वचमज्जीअहए तेमेव उवापक्कह २ ता तंति मज्जीअहवर्षति  
 संकिए चंकिए निश्चिन्तसमागमे भेयसमागमे कहुसधमागमे रिचं मयं एत्थ  
 कीकम्भमए मज्ज(री)रोवए मविस्सह उवाहु मो मविस्सह-तिअहु तं मज्जीअहवर्षं  
 अमिक्कणं २ उम्भतेइ परिजोइ आसारोइ संसारोइ वाहेइ चंदेइ प्येइ कोयेइ  
 अमिक्कणं २ कक्कहंति टिडिवायेइ । तए च से वच-मज्जीअहए अमिक्कणं २  
 सम्पत्तिज्जमाणे वाव टिडिवायेज्जमाणे पोवडे जाए मामि होत्वा । तए च से सागर  
 वत्तपुसे सत्त्ववाह्वारए अज्जा कवाई केनेव से वचमज्जीअहए तेमेव उवापक्कह  
 २ तए तं मज्जीअहवर्षं पोवडेमेव पाठ्य २ ता अहो नं मयं (एत्त) एत्थ कीकम्भमए  
 मज्ज(री)रोवए च जाए-तिअहु ओइवमव वाव सिवायइ । एवमेव समानाओ । ओ  
 अम्हं मिमंओ वा २ आवरिवक्कम्भमावाचं अंतिए पक्कहए समाने पंचमहम्मएत्त वाव

छज्जीवनिकाएसु निग्गथे पावयणे संकिए जाव कल्लससमावजे से ण इह-भवे चेव  
 चहूण समणाण बहूण समणीणं बहूण सावगाण साविगाण हीलणिज्जे निंदणिज्जे  
 खिसिणिज्जे गरहणिज्जे परिभवणिज्जे परलोए विय ण आगच्छइ बहूणि दडणाणि य  
 जाव अणुपरियट्ट(ए)इ ॥५६॥ तए ण से जिणदत्तपुत्ते जेणेव से मऊरीअडए तेणेव  
 उवागच्छइ २ ता तसि मऊरीअडयसि निस्सकिए सुव्वत्तए ण मम एत्थ कीलावणए  
 मऊ(री)रपोयए भविस्सइ-त्तिकट्टु त मऊरीअडय अभिक्खण २ नो उव्वत्तेइ जाव  
 नो टिट्ठियावेइ । तए ण से मऊरीअडए अणुव्वत्तिज्जमाणे जाव अटिट्ठियाविज्जमाणे  
 (तेण) कालेण (तेग) समएण उच्चिम्भणे मऊ(री)रपोयए एत्थ जाए । तए ण से  
 जिणदत्तपुत्ते(त) मऊरपोयय पासइ २ ता हट्टतुट्ठे मऊरपोसए सहावेइ २ ता एव  
 चयासी-तुब्भे ण देवाणुप्पिया । इम मऊरपोयग बहूहिं मऊरपोसणपा(उ)ओगेहिं  
 दव्वेहिं अणुपुव्वेण सारक्खमाणा सगोवेमाणा सवट्ठेह नहुल्लग च सिक्खावेइ । तए ण  
 ते मऊरपोसगा जिणदत्तस्स पुत्तस्स एयमट्ट पडिप्पुणेंति २ ता त मऊरपोयग गेण्हति  
 २ ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छति २ ता त मऊरपोयगं जाव नहुल्लग सिक्खा-  
 वेंति । तए ण से (वण)मऊरपोयए उम्मुक्कबालभावे विच्चायपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणु-  
 पत्ते लक्खणवंजणगुणोववेए माणुम्माणप्पमाणपडिपुण्णपक्खपेहुणकलावे विचित्तिपि-  
 च्छस(त्त)तच्चदए नीलकठए नच्चणसीलए एगाए चप्पुडियाए कयाए समाणीए अणेगाई  
 नहुल्लगसयाइ केकारवसयाणि य करेमाणे विहरइ । तए ण ते मऊरपोसगा त मऊर-  
 पोयगं उम्मुक्क जाव करेमाण पासित्ता (२) ण त मऊरपोयग गेण्हति २ ता जिणदत्तस्स  
 पुत्तस्स उवणोत । तए ण से जिणदत्तपुत्ते सत्थवाहदारए मऊरपोयग उम्मुक्क जाव  
 करेमाण पासित्ता हट्टतुट्ठे तेसिं विमुल जीवियारिह पीइदाण जाव पडिविस्सजेइ । तए ण  
 से मऊरपोयगे जिणदत्तपुत्तेण एगाए चप्पुडियाए कयाए समाणीए नंगोलाभगसिरोधरे  
 सेयावगे ओरालि(अवयारि)यपहण्णपक्खे उक्खित्तचदकाइयकलावे केकाइयसयाणि  
 विमु(क्ख)भमाणे नच्चइ । तए ण से जिणदत्तपुत्ते तेण मऊरपोयएणं चपाए नयरीए  
 पसिंघाडग जाव पहेसु स(इ)एहिं य साहस्तिएहिं य सयसाहस्तिएहिं य पणिएहिं य  
 जयं करेमाणे विहरइ । एवामेव समणाउसो ! जो अम्ह निग्गयो वा २ पव्वइए  
 समाणे पच(सु)महव्वएसु छज्जीवनिकाएसु निग्गथे पावयणे निस्सकिए निक्खिए  
 निव्विइगिच्छे से ण इहभवे चेव बहूण समणाण जाव वीइवइस्सइ । एवं खल्ल जवू ।  
 समणेण ३ जाव सपत्तेण नायारणं तच्चस्स अज्झयणस्स अयमट्टे पणत्तेति बेमि ॥ ५७॥  
 गाहाओ-जिणवरभासियभावेसु भावसच्चेसु भावओ मइम । नो कुज्जा संदेह  
 संदेहोऽणत्थहेउत्ति ॥ १ ॥ निस्सदेहत्त पुण गुणहेउ ज तयो तयं कज्ज । एत्थ दो

तिष्ठिष्ठक बंभववाही उवाहरत्तं ॥ १ ॥ कस्यह मस्तुम्भान्न तन्निहायस्मिन्नैव  
 वा मि । देवयहवात्तेन मावावरजोवर्णं च ॥ १ ॥ हेउवाहरवात्तंमने न सह  
 एतु के न मुञ्जिता । सम्बन्धुमवमवितर्हं तहामि इह मितए मर्म ॥ ४ ॥  
 अनुभवपणुपुम्भहपणवा के जिवा जगण्वरा । विवरापणोसमोहा व मन्-  
 हापण्ये तेव ॥ ५ ॥ तर्ह्य मायज्जवर्णं समत्तं ॥

अर् १ मते । समये १ मावाये तवस्त मायज्जवणस्त अयमस्त पण्ते वडावस्त  
 के मन्वर्ण के अट्टे पण्ते । एवं उक्तं जन्तु । तेनं काकेनं तेनं समएनं वावावरी मर्म  
 मरुटी छेरा वण्णओ । एते के वावावरीए मरुटीए (बहिया) उतरपुरच्छिमे सिटीमाए  
 वीएए महावरीए मरुवटीरहरे भावे बहे होराका अतुपुम्भहवावण्यमीरलीसमजके  
 अण्णमिवावण्णमिन्नमिन्नके संछत्तपणुपुण्णवरी बहुहण्णवण्णमस्तुवण्णमिन्नम-  
 मन्वेयंविबुद्धीवमहत्तुवरीवसपणसहस्तपणकेमपुण्णोवविए वडाईए ४ । तव  
 के बहूने मण्ण, व व कण्णमाव व याव्वाव व मण्णव व सुंजुमाव व स(ह)वा(व)मि  
 व (वाइस्मिमाव) वहस्वामि व सव(वाइस्मिमाव) वहस्वामि व जुडाई विवमवाई  
 निवमिमावई उरुहरेनं अमिरममवाई १ विहरंति । तस्त के मरुवटीरहस्त  
 जाउवामे एव के मई एगे मस्तुवाकण्णए होराका वण्णओ । तव के बुधे  
 पण्णिवाम्म वरिचंति वावा वडा इ(ते)हा उडिण्णा वडिण्णा ओडिण्णा  
 आमिवावी आमिवाहाउ आमिवापिवा आमिवावेम आमिवां मवेसमाया एति  
 निवमवाविओ विवा पण्णव(वा) मि विडुति । तए के ताओ मरुवटीरहरेओ  
 अववा क्माई उरिचंति विरुवमिचंति सुडिवाए संघाए पमिरममावुत्तंति  
 निवउपडिनिवउत्तंति समारंति बुधे कुम्भया आहाववी आहारं पवेसमाया समिचं  
 १ उचंति तस्सेव मरुवटीरहस्त पवेवेरंत्तं सम्बओ समंता वरिचोकेमावा १  
 गिति कप्येमावा मिहंति । त(व)वान्तरे व के से पावणिवान्ण आहारवी  
 वाव आहारं पवेसमावा मातुवाकण्ण(वा)गाओ वडिनिवममि १ ता जेनेव  
 मरुवटीरहरे तेनेव उवावण्णंति १ ता तस्सेव मरुवटीरहस्त पवेवेरंत्तं  
 पवेचोकेमावा १ गिति कप्येमावा मिहंति । तए के से पावणिवान्ण ते कुम्भए  
 पण्णंति १ ता जेनेव त कुम्भए जेनेव वहाउव मममाए । तए के से कुम्भए(ते) पावणि-  
 वावए एवमावे वाचंति १ ता मीया तरवा तडिवा उडिण्णा संवावमवा इवे व  
 पाए व मीवाए म उएई १ वाएई वाहंति १ ता निवम मिचंहा उरुमिच  
 उरुमिचंति । तए के से पावणिवान्ण(वा)वा जेनेव त कुम्भया तस्सेव उवावण्णंति १ ता  
 से कुम्भया सम्बओ समंता उचंते वि वरिचतेति आपारेति संघांति वाचंति चंति



फंदेति खोभेति नहेहिं आलुपति दतेहिं य अक्खोडेति नो चेव ण सचाएति तेसि कुम्मगाण सरीरस्स आवाह वा पवाह वा वावाहं वा उप्पा(ए)इतए छविच्छेय वा क(रे)रितए । तए ण ते पावसियालगा (एए) ते कुम्मए दोच्चपि तच्चपि सव्वओ समता उव्वत्तेति जाव नो चेव ण सचाएति करितए ताहे सता तता परितता निव्विण्णा समाणा सणियं २ पच्चोस(क्खि)कंति एगतमवक्कमंति २ ता निचला निप्फदा तुसिणीया सच्चिट्ठति । ततए ण एगे कुम्म(गे)ए ते पावसियालए चि(रे)रगए दूरंगए जाणित्ता सणियं २ एग पाय निच्छुभइ । तए ण ते पावसियालगा तेणं कुम्मएण सणियं २ एग पाय नीणिय पासति २ ता (ताए उक्किट्ठाए गईए) सिग्घ चवलं तुरियं चड जइणं वेगियं जेणेव से कुम्मए तेणेव उवागच्छंति २ ता तस्स णं कुम्मगस्स त पाय नखेहिं आलुपति दतेहिं अक्खोडेति तओ पच्छा मस च सोणियं च आहारंति २ ता त कुम्मग सव्वओ समता उव्वत्तेति जाव नो चेव णं सचा(इ)एति करितए ताहे दोच्चपि अवक्कमति एव चत्तारि वि पाया जाव सणियं २ गीवं नीणेइ । तए ण ते पावसियालगा तेण कुम्मएणं गीवं नीणियं पासति २ ता सिग्घ चवल ४ नहेहिं दतेहिं (य) क्वाल विहाडेति २ ता त कुम्मग जीवियाओ ववरोवेति २ ता मस च सोणियं च आहारंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं निग्गथो वा २ आयरियउवज्झायाण अंतिए पव्वइए समाणे पंच य से इंदिया (इ) अगुत्ता भवति से ण इहभवे चेव बहूण समणाण ४ हीलणिज्जे परलो(गे)ए वि य ण आगच्छइ बहूणं दडणाण जाव अणुपरियइइ जहा (व) से कुम्मए अगुत्तिदिए । तए णं ते पावसियालगा जेणेव से दोच्चे कुम्मए तेणेव उवागच्छति २ ता त कुम्मग सव्वओ समता उव्वत्तेति जाव दतेहिं अक्खोडेति जाव करितए । तए ण ते पावसियालगा दोच्चपि तच्चपि जाव नो संचाएति तस्स कुम्मगस्स विंचि आवाह वा विवाह वा जाव छविच्छेय वा करितए ताहे सता तंता परितता निव्विण्णा समाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । तए ण से कुम्मए ते पावसियालए चिरगए दूरंगए जाणित्ता सणियं २ गीवं नेणेइ २ ता दिसावलोयं करेइ २ ता जमगसमग चत्तारि वि पाए नीणेइ २ ता ताए उक्किट्ठाए कुम्मगईए वीईवयमाणे २ जेणेव मयगतीरइहे तेणेव उवागच्छइ २ ता मित्तनाइ-नियगसयणसंवधिपरियणेण सद्धिं अभिसमन्नागए यावि होत्था । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं समणो वा समणी वा पच (य) से (महव्वयाइ) इंदियाइ गुत्ताइ भवंति जाव जहा(उ) व से कुम्मए गुत्तिदिए । एव खलु जवू ! समणेण भगवया महावीरेण चउत्थस्स नायज्जयणस्स अयमट्ठे पन्नत्तेसि वेसि ॥ ५८ ॥ शाहाउ-विसएइ

इतिभार्द ईमता एण्णोसनिमुखा । पार्थसि निम्बुराई शुम्भुध्व मयमरहसोत्तं  
 ० १ ॥ अथरे उ अन्तपपरंपरा उ पार्थसि पञ्चममवसा । ईसारसागरगया  
 पोमाउगगिबुम्भोम्भ ॥ २ ॥ अठत्तय नापञ्चपयर्थं समर्थं ॥

अथ के मते । सुमये ३ । आव संपत्तेन चट्टवस्तु नावञ्चवस्तुन अन्तरे पञ्चते  
 पञ्चमस्तु के मते । नावञ्चवस्तु के अन्ते पत्ते १ पूर्वं कलु मं । तेन कायेन तने  
 समर्थं बारवई नामे नकरी होत्वा पाईचपदीयाना उदीचवादिमविनिष्ठा मवजे-  
 जवविनिष्ठा बुधाम्भुशोक्यामाया वपवइम्भुनि (म्भु) म्मावा कामीवरपवरपाया  
 नापञ्चमविनिष्ठावपञ्चमिस्तीसस्तोद्विना अन्तपपुरिस्त्तसा समुद्रवपदीयिना पञ्चमं  
 वपजे (व) यम्वा । एते के बारवईप नकरीप वद्विना उचरपुरिधिमं विस्तीमाए रेवना  
 ना (म) मं पम्पए होरेवा तुगे यमवतछम्भुकिईतविहरे नाप्याविमुत्तमुम्भुमवनादि-  
 पविपए ईसमि (ग) म्भुवपदीयसारसचवाकम्भुवसाछोरेम्भुमवेवरेप अन्तगतछ-  
 वयमिवरउत्तर (व) नावपम्मारविहरेपठरे अन्तरगपवचसंचारमिज्जद्वरमिदुन  
 संमिनिष्ठा निवपञ्चमए इसारवपदीयपुरिस्तेनोद्ववपमार्थं सोमे सुमने विवर्त्तने  
 सुमने पासाईए ४ । तस्म के रेववमस्तु अचुमाम्भवे एव के नंदववने नामे  
 उज्जामे होरेवा सम्भुवपुण्ड्रकम्भुमिदे रम्भे नंदववपयपासे पासाईए ४ ।  
 तस्य च उज्जामस्य बहुमज्जवसमाए छरपिप नामे वसवाम्भवे होरेवा वम्भमा ।  
 तस्य के बारवईप नकरीप कहे नामे कम्भुवेने एवा परिचमइ । ते के तस्य  
 समुद्रवपदीयामोत्तानं वपवई इमारपदी वपवेवपामोत्तानं पंचमं महावीरपं  
 उज्जामपमोत्तानं एवमन्व एईसहस्तां पञ्चवपमोत्तानं अन्तुत्तानं  
 इमारपदीयं संवपामोत्तानं छट्टिप इन्द्रमाहस्तीये वीरसेवाम्भवे त्नां एववीमाए  
 वीरमाहस्तीये महासेवामोत्तानं छप्पवाए वज्जवपमाहस्तीये वपि (वी) मिप्पा  
 मोत्तानं वपदीयाए वद्विनासहस्तीये अथेपि च वद्विने [१] विरतम्भर आव  
 सरवाहमिईनं वैवद्विनिष्ठा (व) मरपेरंतस्त व वादिचवपदीयस्म व बारवईप  
 नकरीप आहवच आव पाळेमाथि विहरे ॥ ५९ ॥ त (स्म) स्म च बारवईप नकरीप  
 अथवा नम पाहावइली परिचमइ अन्तु आव अपविम्भुया । तीसे के वाचवाए  
 गम्भुवपदीय पुच वाचवापुन नामे गम्भुवाहस्मए होरेवा छम्भुमाम्भुमिनाए  
 वाच छम्भु । तए के सा पाववा पाहावइली त बार (वी) यं साइरेवमदुवाधमा (व) यं  
 वामिना महावई विदिचरवमवसातमुत्तुने वि वपवमिस्म उवपेइ आव भावामत्तं  
 वामिना वपदीयाए इम्भुवपदीयानं एगदिवपेने पावि गम्भुवई वपदीयानो वामो  
 आव वपदीयाए इम्भुवपदीयानि तदि विद्वि नरपैवरसववपपि आव

भुंजमाणे विहरइ । तेण कालेण तेण समएण अरहा अरिट्टनेमी सो चेव  
वण्णओ दसधणुस्सेहे नीलुप्पलगवलगुलियअयसिकुसुमप्पगासे अट्टारसहिं समणसा  
हस्सीहिं चत्तालीमाए अज्जियासाहस्सीहिं सद्धिं सपरिवुडे पुव्वाणुपुर्वि चरमाणे जाव  
जेणेव बारवई नगरी जेणेव रेवयगपव्वए जेणेव नदणवणे उज्जाणे जेणेव  
सुरप्पियस्स जक्खस्स जक्खाययणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ  
० ता अहापडिख्व उग्गह ओगिण्हित्ता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ ।  
परिसा निग्गया वम्मो कहिओ । तए ण से कण्हे वासुदेवे इमीसे कहाए लद्धे  
समाणे कोडुंवियपुरिसे सद्दावेइ ० ता एव वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ।  
सभाए सुहम्माए मेघोघरसिय गभी(रं)रमहुरसद् कोमुइय मेरिं तालेह । तए णं ते  
कोडुवियपुरिसा कण्हेण वासुदेवेण एव वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव मत्थए अजलिं कहुं  
एव सामी ! तह त्ति जाव पडिमुणेंति ० ता कण्हस्स वासुदेवस्स अतियाओ पडिनि  
क्खमति २ ता जेणेव स(हा)भा सुहम्मा जेणेव कोमुइया मेरी तेणेव उवागच्छति  
२ ता त मेघोघरसि(य)यगभीरमहुरसद् कोमुइय मेरिं तालेति । तओ निद्धमहुर  
गभीरपडिमुएण पिव सारइएण वलाहएण (पिव) अणुरसिय मेरीए । तए ण तीरे  
कोमुइयाए मे(रिया)रीए तालियाए समाणीए बारवईए नयरीए नवजोयणवित्थिण्णाए  
दुवालसजोयणायामाए सिंघाडगतियचउक्कचच्चरकदरदरी (य) विवरकुहरगिरिसिहरन  
गरगोजरपासायदुवारभवणदेउलपडि(सु)स्सयासयसहस्ससंकुल(सद्) करमाणे बारव  
(इ)ईए नय(रिं)रीए सन्भितरबाहिरिय सव्वओ समता(से)सद्दे विप्पसरित्था । तए  
ण बारवईए नयरीए नवजोयणवित्थिण्णाए बारसजोयणायामाए समुहविजयपा-  
मोक्खा दस दसारा जाव कोमुईयाए मेरीए सद् सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा जाव ण्हाया  
आविद्धवग्घारियमल्लदामकलावा अहयवत्थचदणो(क्कि)क्खिन्नगायसरीरा अप्पेगइया  
हयगया एव गयगया रहसीयासदमाणीगया अप्पेगइया पायविहारच्चारेणं पुरिस  
वग्गुरापरिक्खित्ता कण्हस्स वासुदेवस्स अति(य)ए पाउब्भवित्था । तए ण से कण्हे  
वासुदेवे समुहविजयपामोक्खे दस दसारे जाव अतिय पाउब्भवमाणे (पासइ)  
पासित्ता हट्ठतुट्ठ जाव कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ ता एव वयासी-खिप्पामेव भो  
देवाणुप्पिया ! चाउरंगिणिं सेणं सज्जेह विजयं च गंधहत्थि उवट्ठवेह । तेवि (तहत्ति)  
तहेव उवट्ठवेंति जाव पज्जुवासति ॥६०॥ थावच्चापुत्ते वि निग्गए जहा मेहे तहेव  
वम्म सोच्चा निसम्म जेणेव थावच्चा गाहावइणी तेणेव उवागच्छइ २ ता पायग्गहण  
करेइ जहा मेहस्स तहा चेव निवेयणा जाहे नो सच्चाएइ विसयाणुलोमाहि य विसय-  
पडिकूलाहि य वट्ठहिं आघवणाहि य पल्लवणाहि य सल्लवणाहि य विन्नवणाहि य

बाधयित्वा वा ४ ताहे अक्षमिया चेव यावचापुत(वारप)स्स निक्खममपु-  
 मयित्वा (बदरे निक्खममामिसेव पासामो तए वं से बाधचापुते तुत्तिणीए  
 सेविइइ) । तए वं छा बाधचा आसनाओ अम्पुइइ १ ता महत्वं महत्वं महत्तिई  
 ए(ब)यरीई पाहुई गेवइ १ ता मित्त बाध संपरिपुडा केवैव कम्हस्स वातुदेवस्स  
 मयववरपडिदुवारदेसभाए तेयेव उवागच्छइ १ ता पडिहारवेसिएवं मग्गेवं केवैव  
 कम्हे वातुदेवे एवेव उवागच्छइ १ ता करककजाव मज्झावेइ १ ता तं महत्वं ४ पाहुई  
 उक्केइ १ ता एवं वयासी-एवं कम्ह देवाणुप्पिमा । मय एणं पुत्ते वावचापुते न्यामं  
 वरए इहे जाव (पिं)संसारमउत्थिग्गे (सीए) इच्छइ अरइओ अरिइनेमिस्स बाध  
 पम्भइताए । अई वं निक्खममउत्तारं करेमि । इच्छामि वं देवाणुप्पिमा । बाधचा-  
 पुतस्स निक्खममपुतस्स उतामउत्तवामराम्भे व विविचाओ । तए वं कम्हे वातुदेवे  
 बाधचापुतहावणि एवं वयासी-अच्छाहि वं तुम्ह देवाणुप्पिमा । तुम्ह(अ)यरी-  
 सत्ता । अई वं उक्केव बाधचापुतस्स वारगस्स निक्खममउत्तारं करिस्तामि । तए  
 वं से कम्हे वातुदेवे चाठरंविणीए रीवाए विअवं इमिबरवणं तुस्से समाने केवैव  
 बाधचापु महत्तइणीए मयके एवेव उवागच्छइ १ ता वावचापुतं एवं वयासी-मा  
 वं तु(मि)मं देवाणुप्पिमा । तुहे भविता पम्भयाहि मुंवाहि वं वयाणुप्पिमा । विउठे  
 मातुस्सए कम्भे(ए)ने मय बाहुउत्तावापरिम्यहिए, वेवत्तं देवाणुप्पिवस्स (अई)  
 ओ संचाएमि वातुच्छवं उवसिमेवं गच्छमावं निवारितए, असे व देवाणुप्पिवस्स वं  
 डिंवि(वि) आवाइ वा वि(वा)वाइ वा उप्पाएइ त उक्कं विवारेमि । तए वं से बाधचा-  
 पुते कम्हेवं वातुदेवेवं एवं पुत्ते समाने कम्ह वातुदेवं एवं वयासी-अइ वं (तुम्ह)देवाणु  
 पिमा । मय यीविवंतकरं मयं एअमावं निवारंति वरं वा गरीरस्सविवा(वि)ममि  
 सपिरे अइवमामि निवारंति तए वं अई एव बाहुउत्तावापरिम्यहिए विउठे मातुस्सए  
 वामग्गेगे मुंयमाये विहरामि । तए वं से कम्ह वातुदेवे वावचापुतेवं एवं पुत्ते  
 समाने वावचापुतं एवं वयासी-एवं वं देवाणुप्पिमा । वुरइममिआ ओ वउ  
 सया एअणिण्माणि देवैव वा दानवेव वा निवारितए मत्तव अप्पओ कम्मकम-  
 वणं । तए वं से बाधचापुते कम्ह वातुदेवं एवं वयासी-अइ वं एव वुरइममिआ  
 ओ वउ सया एअणिण्माणि देवैव वा दानवेव वा निवारितए मत्तव अप्पओ  
 कम्मकमएवं तं इच्छमि वं देवाणुप्पिमा । अज्जावमिउत्तवामराम्भेवसंविदमम  
 जगमा कम्मकमं करितए । तए वं से कम्हे वातुदेवे वावचापुतेवं एवं पुत्ते समाने  
 बोन्निवउत्तमं महत्तेइ १ ता एवं वयासी-अच्छाहि वं देवाणुप्पिमा । वारवाइ मवपीए  
 सिवाएयं(व)य जाव वहेणु(व) दन्निवववरममा महवा १ गत्वं उवागेमावा



होत्वा उपपत्तिना ४ (बन्धविहाय बुद्धीय) बन्धनेना (रज्जुपुरविषयानि होत्वा)  
 रज्जुरं विनयति । (तए नं) बाधबाधुते (नामं अथगारे सहस्तेनं अथगारेनं सद्धि  
 केनेन) सेकनपुरे (शेनेन सुममिमणे नामं उज्जाये तेनेन) समोसद्धि । एवा निम्मा  
 (बन्धो बद्धिना) बन्धनद्धा । बन्धो सोचा अहा नं देवापुण्यिनायं अतिए बह्वे  
 उरया मोया बाध बद्धा हिरन्ने बाध पम्पइया तद्धा यं अहं मो संचाएमि  
 पम्पइयाए । अहं नं देवापुण्यिनायं अतिए पंचापुण्यइयं बाध समनोवासरए आ(ब)ए  
 बद्धिपवशीरासीवे बाध अप्पानं भावेमाणे निहरइ । पंचगपामोक्कहा पंच मंसिसवा  
 व समनोवासरवा बाध । बाधबाधुते बद्धिना अथवबन्धिवारं निहरइ । तेनं क्कळेनं  
 तनं समएनं सेनंविवा नामं मयरी होत्वा बन्धनद्धे । नीकसोए उज्जाये बन्धनद्धो ।  
 तत्त नं सोमंविवाए मयरीए दुर्गसये नामं नगरसेट्ठी परिवसइ अण्णे बाध अपरिमूए ।  
 तेनं क्कळेनं तनं समएनं सुए नामं परिष्कायए होत्वा रिठम्भेयव(ठ)सुम्भेयसम्मवे  
 बन्धनद्धवदेवसद्धिउत्तत्तसुसके सेकसमए क्कळेनं पंच(वा)बन्धनंविक्कमत्तुं सोक्कु  
 (बन्ध)उत्तं इत्तप्पवारं परिष्कायवक्कमं बाधवक्कमं व सोयवक्कमं व तित्तामित्तेव व  
 बाधवेमाणे पक्कवेमाणे (पक्कवेमाणे) पाठरत्तक्कवपरपरिहिए सिंउत्तुंविक्कत्तत्तत्तत्त-  
 (वि)क्कमत्तुमपत्तिवक्कवदेवसद्धिउत्तत्तसुसके परिष्कायवक्कसद्धिनेनं सद्धि सपरिक्कवे केनेन  
 सेनंविवा मयरी केनेन परिष्कायवक्कसद्धि तेनेन उवागक्कइ १ ता परिष्कायवक्क-  
 सद्धि मंडपविक्कलेनं करेइ ता संकसमएनं अप्पानं भावेमाणे निहरइ । तए यं  
 सेनंविवाए मयरीए सिवाउव बाध बहुवक्को अक्कमवत्तस एक्कमाक्कवत्त-एनं क्कत्त  
 एए परिष्कायए इह(इक्क)भागए बाध निहरइ । परिहा निम्पवा । दुर्गसयोक्कि  
 विनए । तए नं ये एए परिष्कायए तीसे परिहाए दुर्गसवत्त(व) अक्कसि व बहुनं  
 संकानं (बन्धो) परिष्काय-एनं क्कत्त दुर्गसवा । अन्धं सोक्कुम्भए बन्धो पक्कते । से  
 नि व सोए (बन्धो) बुद्धिहे पक्कते तं अहा-इक्कसोए व मावसोए व । इक्कसोए व  
 उरएनं मयरीए व । मावसोए इक्कमेहि व मीतेहि व । अ नं अन्धं देवापुण्यिना ।  
 निनि अत्तं मयरी तं सन्धं स(ज्जे) उपुद्धवीए आत्ति(प्प)म्पइ ततो पक्कहा एदेय  
 वारिवा पक्कहात्तिम्पइ ततो तं अत्तं इत्तं मयरी । एनं क्कत्त पीवा अक्कामित्तेक्कुप्पप्पान्धो  
 अक्कमेनेन सनं पक्कत्तसि । तए नं ये दुर्गसने उक्कस अतिए बन्धो सोचा इत्ते  
 उक्कस अतिनेनं सोक्कुम्भं बन्धो नेक्कइ १ ता परिष्कायए विक्कलेनं अक्कवेनेनं ४ इक्क  
 पक्कमेनेमाणे बाध निहरइ । तए नं ये एए परिष्काय(मवत्तहाक्क)ने सेनंविवाक्क  
 मयरीक्को निम्माक्कइ १ ता बद्धिना अथवबन्धिवारं निहरइ । तनं क्कळेनं तेनं समएनं  
 (बाधबाधुते नामं अथगारे सहस्तेनं अथगारेनं सद्धि पुम्पापुण्यिनायं उरयाये पामात्त-

गाम दडज्जमाणे मुहमुहेण विहरमाणे जेणेव सोगधिया णयरी जेणेव णीलासोए उज्जाने तेणेव समोसदे) थायचापुत्तस्स गमोगरण । परिता निग्गया । सुदसणो वि निग्ग(ए)ओ थायचापुत्त (नाम अणगारं आ०) वदइ नमसइ व० २ ता एव वयासी-तुम्हाण किमूलए धम्मे पज्जते ? । तए ण [से] थायचापुत्ते सुदसणेण एव वुत्ते समाणे सुत्तएण एव वयासी-सुदसणा । विणयमूले धम्मे पज्जते । से विय निणए दुविहे पज्जते तजहा-अगारविणए(य) अणगारविणए य । तत्थ ण जे से अगारविणए से णं पंच अणुव्वयाइ सत्त सिक्खवावयाइ एफास्स उचामगपडिमाओ । तत्थ णं जे से अणगारविणए से ण पंच महव्वयाइ तजहा-सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमण सव्वाओ मुत्तावायाओ वेरमण सव्वाओ अदिप्पादाणाओ वेरमण सव्वाओ मेहुणाओ वेरमण सव्वाओ पार गगहाओ वेरमण सव्वाओ राइभोयणाओ वेरमण जाव मिच्छादसणसल्लओ वेरम दसविहे पक्खत्वाणे चारस भिक्खुपडिमाओ इचेएण दुविहेण विणयमूलएण धम्मणे आणुपुव्वेण अट्ठकम्मपगसीओ गवेत्ता लोयग्गपडट्ठा(णे)णा भवति । तए ण थावचा पुत्ते सुदसण एव वयासी-तु(ब्भे)ब्भ ण सुदसणा । किमूलए धम्मे पज्जते ? अम्हाण देवाणुप्पिया । सोयमू(ले)लए धम्मे पज्जते जाव सग्ग गच्छति । तए ण थावचापुत्ते सुदसण एव वयासी-सुदसणा । से जहानामए केइ पुरिसे एण मह रुहिरकय वत्थ रुहिरेण चेव धोवेज्जा तए ण सुदमगा । तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेण (चेव) पक्खालिज्जमाणस्स अत्थि काइ सोही ? नो इणट्ठे समट्ठे । एवामेव सुदसणा । तुब्भपि पाणाइवाएणं जाव मिच्छादसणसल्लेण नत्थि सोही जहा तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेण चेव पक्खालिज्जमाणस्स नत्थि सोही । सुदसणा । से जहानामए केइ पुरिसे एण मह रुहिरकय वत्थ सज्जियाखारेण अणुलिपइ २ ता पयण आ(रु)रोहेइ २ ता उण्ह गाहेइ २ ता तओ पच्छा सुद्धेण वारिणा धोवेज्जा से नूण सुदसणा । तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स सज्जियाखारेण अणुलित्तस्स पयण आरोहियस्स उण्ह गाहि यस्स सुद्धेण वारिणा पक्खालिज्जमाणस्स सोही भवइ ? हता भवइ । एवामेव सुद सणा । अम्हपि पाणाइवायवेरमणेण जाव मिच्छादसणसल्लवेरमणेण अत्थि सोही जहा(वि) वा तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स जाव सुद्धेण वारिणा पक्खालिज्जमाणस्स अत्थि सोही । तत्थ ण (से) सुदसणे सयुद्धे थावचापुत्त वदइ नमसइ व० २ ता एव वयासी-इच्छामि णं भते । धम्मं सोच्चा जाणित्तए जाव समणोवासए जाए अभि-गयजीवाजीवे जाव पडिलामेमाणे विहरइ । तए ण तस्स सुयस्स परिव्वायगस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समागस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-एव खलु सुदसणेण सोयधम्म विप्पजहाय विणयमूले धम्मे पडिविजे । त सेय खलु मम

पेहाए एवं वएजा तंजहा-आरंभकडे ति वा सावजकडे ति वा यवाकडेति वा  
भएये भए ति वा अउरं अउरडे ति वा एविरे एविए ति वा मनुष्यं मनुष्ये ति  
वा एयप्पगारं भासं जसज्जं वाव भासिजा ॥ ७८७ ॥ से मिकख वा (१)  
मनुस्सं वा गोवं वा मज्झिं वा मिवं वा पयं वा पणिं वा सपिं वा अकवरं  
वा से ते परिपुट्ठकडे पेहाए नो एवं वएजा बूलेइ वा पयेयेइ वा बट्टेइ वा  
बय्येइ वा पाइयेइ वा एयप्पगारं भासं सावजं वाव नो भासिजा ॥ ७८८ ॥  
से मिकख वा (१) मनुस्सं वाव अकवरं वा से तं परिपुट्ठकडे पेहाए एवं  
वएजा परिपुट्ठकएति वा, कवनिक्कए ति वा विरसंयमेति वा उवनिवमेत  
सोमिपुति वा बभुपडिपुप्पइमिपुति वा एयप्पगारं भासं जसज्जं वाव भासिजा  
॥ ७८९ ॥ से मिकख वा (१) निक्कसमाओ माओ पेहाए नो एवं वएजा,  
तंजहा-माओ होज्जाओ ति वा हम्मोति वा गोपुति वा बहिंमति वा छज्जेगति  
वा एयप्पगारं भासं सावजं वाव नो भासिजा ॥ ७९० ॥ से मिकख वा (१)  
निक्कसमाओ माओ पेहाए एवं वएजा तंजहा-सुपगपेति वा नेडु ति वा  
एवव ति वा हस्सेइ वा महुअएइ वा महुअएइ वा संधुमि ति वा  
एयप्पगारं भासं जसज्जं वाव अविरेव भासिजा ॥ ७९१ ॥ से मिकख वा  
(१) उहेव तंमुज्जापारं पन्नवर्धं वनामि वा सक्का मज्झं पेहाए नो एवं  
वएजा, तंजहा-पासावजोम्या ति वा पोरवजोम्याति वा मिहजोम्याइ वा  
अविरेवोम्याइ वा अम्याक-भावा-उपगपोवि-पीड-वैयधेर-वैयक-मुत्ति-वैयक-वै-  
वापि-वै-वाप-उवव-वाव-उवस्सव-ओम्याइ वा एयप्पगारं भासं सावजं  
वाव नो भासिजा ॥ ७९२ ॥ से मिकख वा (१) उहेव तंमुज्जापारं पन्न  
वामि वनामि व सक्का मज्झं पेहाए एवं वएजा तंजहा-वातिमंताइ वा  
वीहवताइ वा महुअम्याइ वा ववाक्कावाइ वा मिहिमसावाइ वा  
पासावजाइ वा वाव पडिक्काइ वा एयप्पगारं भासं जसज्जं वाव अविरेव  
भासिजा ॥ ७९३ ॥ से मिकख वा (१) वतुसंभूवा वक्कज्जं पेहाए उहामि  
से नो एवं वएजा तंजहा-पक्का ति वा पाक्कज्जाइ वा वैजोवति वा अक्काइ  
वा वैहिवाइ वा एयप्पगारं भासं सावजं वाव नो भासिजा ॥ ७९४ ॥ से  
मिकख वा (१) वतुसंभूवाक्का वंवा पेहाए एवं वएजा तंजहा-असंवाइ वा  
वतुसंभूवाक्काइ वा वतुसंभूवाइ वा भूवस्सति वा एयप्पगारं भासं जसज्जं  
वाव भासिजा ॥ ७९५ ॥ से मिकख वा (१) वतुसंभूवाओ ओत्तहीओ पेहाए  
उहामि ताओ नो एवं वएजा तंजहा-पक्काइ वा नीहिवाइ वा अवीइ वा



अव्वाचाहं<sup>१</sup> सुया । ज णं मम चाइयपित्तियमिभियमञ्जिवाइया विविद्धा रोगायका नो  
उदीरति से तं अव्वाचाह । से किं त भते । फामुयविहारं<sup>२</sup> सुया । ज ण आरामेनु  
उज्जाणेषु दे(व)उल्लेसु सभानु प(व्वा)घामु इत्थीपउपट्ठगविज्जियाउ वसहीनु  
पाडिहारिय पीढफलगसेज्जामयारय ओगिण्हित्ताण विहरामि से त फामुयविहार ।  
सरिसवया(ते) भते । किं भक्खेया अभक्खेया<sup>३</sup> सुया । सरिमवया भक्खेयावि  
अभक्खेयावि । से केणट्ठेण भते । एव वुचइ सरिसवया भक्खेयामि अभक्खेयावि<sup>४</sup>  
सुया । सरिमवया दुविहा पन्नत्ता तजहा-मित्तसरिसवया य धम्मसरिमवया य । तत्थ  
ण जे ते मित्तसरिमवया ते तिविहा पन्नत्ता तजहा-महजायया सहवट्ठियया सहप-  
नुकीलि(य)या य, ते ण समणाण निग्गथाण अभक्खेया । तत्थ ण जे ते धम्म  
रिमवया ते दुविहा पन्नत्ता तजहा-सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य । तत्थ ण जे  
ते असत्थपरिणया ते समणाण निग्गथाग अभक्खेया । तत्थ ण जे ते सत्थपरिणया  
ते दुविहा पन्नत्ता तजहा-फामु(गा)या य अफामुया य । अफामुया ण सुया । नो  
भक्खेया । तत्थ ण जे ते फामुया ते दुविहा पन्नत्ता तजहा-जाइया य अजाइया  
य । तत्थ ण जे ते अजाइया ते अभक्खेया । तत्थ ण जे ते जाइया ते दुविहा  
पन्नत्ता तजहा-एसणिज्जा य अणेसणिज्जा य । तत्थ ण जे ते अणेसणिज्जा ते (ण)  
अभक्खेया । तत्थ ण जे ते एसणिज्जा ते दुविहा पन्नत्ता तजहा-लद्धा य अलद्धा य ।  
तत्थ ण जे ते अलद्धा ते अभक्खेया । तत्थ ण जे ते लद्धा ते निग्गथाग भक्खेया ।  
एएण अट्ठेण सुया । एव वुचइ सरिसवया भक्खेयावि अभक्खेयावि । एव कुन्त्यावि  
भाणियव्वा नव(रि)र इम नाणत्त-इत्थिकुलत्था य धञ्जकुलत्था य । इत्थिकुलत्था  
तिविहा पन्नत्ता तजहा-कुलव(हु)ट्ठया य कुलमाउया इय कुलधूया इ य । धञ्जकुलत्था  
तहेव । एव मामा वि नवर इम नाणत्त-मासा तिविहा पन्नत्ता तजहा-कालमासा य  
अत्थमासा य धञ्जमासा य । तत्थ ण जे ते कालमामा ते ण दुवालसविहा पन्नत्ता तजहा-  
सावणे जाव आसाढे, ते ण [समणाण २] अभक्खेया । अत्थमासा दुविहा प०  
त०-रुप्प(हिरण्ण)मासा य सुवण्णमासा य, ते ण अभक्खेया । धञ्जमासा तहेव । एगे  
भव दुवे भव अणेगे भव अक्खए भवं अव्वए भव अवट्ठिए भव अणेगभूयभाव-  
भविएवि भव<sup>५</sup> सुया । एगेवि अहं दुवेवि अह जाव अणेगभूयभावभविएवि  
अह । से केणट्ठेण भते । एगेवि अह जाव सुया । दन्वट्ठयाए, एगे[वि] अह नाण-  
दसणट्ठयाए दुवेवि अहं पएयट्ठयाए अक्खएवि अह अव्वएवि अह अवट्ठिएवि अह  
उवओगट्ठयाए अणेगभूयभावभविएवि अह । एत्थ ण से सुए सवुद्धे थावच्चापुत्त वंदइ  
नमंसइ वं० २ ता एवं वयासी-इच्छामि ण भते । तु(ब्भे)ब्भ अतिए केवलपन्नत्त

छर्चमस्तु विद्धि बायेतए पुनरपि सोमसूयए बम्मे जावणिताए-तिष्ठु एवं संपेहेह  
 १ ता परिम्बायपसहस्तेनं सद्धि जेमेव सोमसूयिया नयरी जेमेव परिम्बायपावसहे  
 तेमेव उवापच्छह १ ता परिम्बायपावसहसि संवन्निनयेनं करह १ ता वाडरताव  
 त्वा[पवर]परिद्धिए पविरकपरिम्बायगेनं सद्धि संपरिबुद्धे परिम्बायगावसहामो पविनि-  
 नकमस १ ता छोर्यविताए नयरीए मज्जापज्जेने जेमेव छर्चमस्तु यिहे जेमेव  
 छर्चमसै तेमेव उवापच्छह । तए नं से छर्चमसै तं छर्च एवमार्थ पासह १ ता नो  
 बम्मुद्धे नो प्लुम्पच्छह नो जाडाह नो परिजाताह नो बरह दुसिणीए संविद्धह ।  
 तए नं से छए परिम्बायए छर्चमसं अ(प)लुम्मुद्धिं पासिता एवं बवाही-सु(म)म्मे  
 नं छर्चमा । बबवा ममे एवमार्थ पासिता बम्मुद्धेति जाव कंसि इयानि छर्चमा ।  
 दुने ममे एवमार्थ पासिता जाव नो कंसि तं कस्त वं दुने छर्चमा । इमेयास्सै  
 निवक्कु(७)ठे बम्मे पडिस्से । तए नं से छर्चमसै छएनं परिम्बाय(ए)गेनं एवं कुत  
 समाने वासवामो बम्मुद्धे १ ता करक जाव छर्च परिम्बायए एवं बवाही-एवं  
 चह देवापुप्पिमा । बरहको जणिज्जेमिस्सं अंतेवाही वाडवापुत्ते नामं जगयारे जाव  
 जगयामए इह वेव नीलस्सेए उजावे निहर, तस्स वं अंतिए निवक्कुठे बम्मे पडिस्से ।  
 तए नं से छए (परिम्बायए) छर्चमसं एवं बवाही-तं पक्कमो नं छर्चमा । तव  
 बम्मावरिस्स वाववापुत्तस्स अंतिमं पाडम्मबामो इमाहं व वं एवाववाहं अट्ठहं  
 हेज्जं पडिवाहं करवाहं वावरवाहं पुच्छामो । तं अह(वे) मे से इमाहं अट्ठहं जाव  
 वावर त(ए)वो नं (अह) वंहामि नमंमामि । बह मे से इमाहं अट्ठहं जाव नो से  
 वायर तजो नं अहं एएहं वेव अट्ठहं हेज्जं निप्पहपडिवावरनं करिस्सामि । तए  
 नं से छए परिम्बायपसहस्तेनं छर्चमेव व सैट्ठिमा सद्धि जेमेव भीमसोए उजावे  
 जेमेव वाववापुत्ते जगयारे तेमेव उवापच्छह १ ता वाववापुत्तं एवं बवाही-वता से  
 मंते । बवमिजं से अम्मावाहं(पि ते) प्पाह(व)विहारं(ते) । तए नं से वाववापुत्ते  
 छएनं (परिम्बायगेनं) एवं कुते समाने छर्च परिम्बायए एवं बवाही-सुमा । वावमि मे  
 बवमिजंपि मे अम्मावाहंपि मे प्पाह(व)विहारंपि मे । तए नं (से) छए वाववापुत्तं एवं  
 बवाही-कि मंते । वता । सुमा । वं नं मम मावर्चमपरिक्कमसं वममारएहं ओएहं  
 ओ(व)वता से तं वता । से कि तं मंत । बवमिजं । सुमा । बवमिजे बुद्धे पज्जे  
 तं बहा-इदियववमिजे न गोइदियववमिजे य । से कि तं इदियववमिजं । छया ।  
 वं नं य(म)मी छेइदियववमिजं इदियवमिजं इदियवमिजं इदियवमिजं इदियवमिजं इदियवमिजं  
 इदियवमिजे तं इदियववमिजं(ज)जे । से कि तं गोइदियववमिजे । सुमा । वं नं गोइमाव  
 मावाग्गेमा जीवा उवत्ता नो उवत्ति से तं गोइदियववमिजे । से कि तं मंते ।

पुरिसमहस्सवाहिणी[या]ओ सीयाओ दुरूडा समाना मम अतिय पाउब्भवह(त्ति)। तेति  
तहेव पाउब्भवन्ति । तए णं से सेलए राया पंच मतिगयाइ पाउब्भवमाणाइ पासइ  
० ता हट्टतुट्ट मोडुवियपुरिसे सदावेइ ० ता एव वयासी-गिप्पामेव भो देवाणुप्पिया !  
मडुयस्स कुमारस्स महत्थ जाव रायाभिसेय उचट्टवेइ जाव अभिभिचइ जाव राया  
जाए (जाव) विहरइ । तए ण से सेलए मडुय राय आपुच्छइ । तए ण (से) मडुए राया  
कोडुवियपुरिसे सदावेइ ० ता एव वयासी-गिप्पामेव सेलगपुर नयर आरिय जाव गव  
वट्ठिभूय करेह(य) कारवेइ य क० २ ता ए(य)त्रमाणत्तिय पयप्पिणह । तए ण से मंडुए  
दोघपि कोडुवियपुरिसे सदावेइ ० ता एव वयासी-गिप्पामेव सेलगस्स रत्तो महत्थ  
जाव निम्बमणाभिसेय जहेव मेहस्स तहेव नवरं पउमावइ-देवी अगगकेत्ते पडिच्छइ  
सव्वेवि पडिग्गह गहाय सीय दुरूहति अवसेस तहेव जाव मामाइयमाइयाइ एका  
रस अगाइ अहिज्जइ ० ता वट्ठि चउत्थ जाव विहरइ । तए ण से सुए सेल(य)गस्स  
अणगारस्स ताइ पथगपामोक्खाइ पच अणगारसयाइ सीसत्ताए वियरइ । तए ण न  
सुए अन्नया कयाइ सेलगपुराओ नगराओ सुभूमिभागाओ उज्जाणाओ पडिनिक्कतमइ  
० ता वहिया जणवयविहारं विहरइ । तए ण से सुए अणगारे अन्नया कयाइ तेण  
अणगारसहस्सेण सद्धि सपरिवुडे पुव्वाणुपुव्वि चरमाणे गामाणुगाम विहरमाणे जेणेव  
पुं(पों)डरीयपव्वए तेणेव उवागच्छइ जाव सिद्धे ॥ ६३ ॥ तए ण तस्स सेलगस्स  
रायरिसिस्स तेहि अतेहि य पतेहि य तुच्छेहि य लहेहि य अरसेहि य विरसेहि य  
सीएहि य उण्हेहि य कालाइक्कतेहि य पमाणाइक्कतेहि य निच्च पाणभोयणेहि य पमइ  
सुकुमाल(य)स्स य सुद्धोच्चियस्स सरीरगसि वेयणा पाठब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा  
क्कड्ड(य)दाहपित्तज्वरपरिगयसरीरे यावि विहरइ । तए ण से सेलए तेण गे(गा)याय-  
केण सु(क्के)क्खे जाए यावि होत्था । तए ण [से] सेलए अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्वि  
चरमाणे जाव जेणेव सुभूमिभागे जाव विहरइ । परिता निग्गया मडुओइवि निग्गओ  
सेल(य)ग अणगार (जाव) वदइ जाव पज्जुवासइ । तए ण से मडुए राया सेलगस्स  
अणगारस्स सरीर(य)ग सुक्क जाव सव्वावाह सरोग पासइ २ ता एव वयासी-अह  
ण भते ! तुब्भं अहाप(वि)वत्तेहिं तिगिच्छिइहिं अहापवत्तेण ओसहमेस(जेण)ज्जभ  
त्तपाणेण तिगिच्छ आउटावेमि । तुब्भे णं भते ! मम जाणसालासु समोसरइ फासु  
(अ)एसणिज्जं पीढफलगसेज्जासथारग ओगिण्हित्तान विहरइ । तए ण से सेलए  
अणगारे मडुयस्स रत्तो एयमडु तहत्ति पडिमुणेइ । तए ण से मडुए सेलग वदइ  
नमंसइ वं० २ ता जामेव दिस्सि पाउब्भूए तामेव दिस्सि पडिगए । तए ण से सेलए  
क्कं जाव जलते सर्मडमतोवगरणमायाए पंथगपामोक्खेहिं पचहिं अणगारसएहिं

बम्मे मिसामित् । बम्मेन्ना मामिन्ना । तए न्ने से हए परिन्नायए बाववा-  
 पुत्तस्स अत्तिए बम्मे खेन्ना निस्सम्मे एव्वं बवासी-इच्छामि न्ने मत्त । परिन्नाय  
 पत्तहरसें सद्धिं संपत्तिभूते देवाणुपियां अत्तिए सुद्धे भविता पम्भइत्तए । अहात्तई  
 देवाणुपिया ! जाव तत्तएपुरिक्कमे सिंसीभाए सि(ङ्ग)ईव्वं जाव वाठरत्ताम्मे व एत्ति  
 एव्वे १ तए उक्कमेव सिंई छप्पाईह १ तए जेजेव पाववापुत्ते १ तेजेव उवायप्पह  
 जाव मुवि भविता जाव पम्भइए सामाइवमाइवाई (इक्करस जंयाइ) बोहसपुम्माई  
 बद्धिअह । तए न्ने बाववापुत्ते सुवस्स अन्नगार (स्म) मइस्सं तीसत्ताए नियत्त ।  
 तए न्ने बाववापुत्ते सोमंभिकामो (नवरीम्मे) लीकाखेनाम्मे पडिन्निक्कम्मह २ ता बद्धिवा  
 बन्नवन्निहारं विहरह । तए न्ने से बाववापुत्ते अन्नगारसइस्सेव सद्धिं संपत्तिभूते जेजेव  
 पुंडरी(ए)अप्पए तेजेव उवायप्पह १ ता पुंडरीयं पम्भयं सन्नियं १ बुस्सह १ तए  
 जेजन्नसत्तिगासं देवसत्तिवाई पुडुमिस्सिक्कपुत्तं जाव पावोन्नममं (अ)मुक्कये ।  
 तए न्ने से बाववापुत्ते कहुमि दासामि सामन्नापरियारं पाठमिता मात्तिवाए सत्तेहवाए  
 सद्धि मत्तई अन्नसवाए जाव केन्नन्नरत्तावईमं संपुप्पाडैता उम्मे पम्मा सिद्धे जाव  
 प्पत्तिमे १६२० तए न्ने से हए अन्नया कयाई जेजेव सेक्कपुरे नयरे अन्नैव सुमूमिमो  
 उज्जावे (समोसरं) तेजेव समोसरिए परिता विम्ववा सेक्कमो निम्माप्पह बम्मे  
 खेन्ना न्ने न्वरं देवाणुपिया । पंथवपामोक्कवाई पंथ मत्तिचवाई जापुक्कमि म्हुयं  
 व हुमारं रत्ते ठावेमि उम्मे पम्मा देवाणुपियां अत्तिए सुद्धे भविता अमाराओ  
 अन्नमार्त्तं पम्भवामि । अहात्तई । तए न्ने से सेक्कए रात्ता सेक्कपुरं नयरे अत्तुप्पमिस्सह  
 १ ता जेजेव सए पिद्धे जेजेव बाद्धिवा उप्पट्ठावत्ता तेजेव उवायप्पह १ ता तीह-  
 स(न)वै सत्तिचम्मे । तए न्ने से सेक्कए रात्ता पंथ(य)वपामोक्कये पंथ मत्तिचए सएवै  
 १ ता एव्वं बवासी-एव्वं कहु देवाणुपिया । मए सुवस्स अत्तिए बम्मे मिसंते से नि  
 व मे बम्मे इच्छिए पडिन्निक्क अमिरइए, आई न्ने देवाणुपिया । संसारम(व)इच्छिम्मे  
 जाव पम्भवामि तुम्मे न्ने देवाणुपिया । कि करेह कि व(पे)वत्तह कि वा (ते) मे  
 विवत्तिइए धामत्ते । । तए न्ने से पंथवपामोक्कया सेक्कं रत्तं एव्वं बवासी-अह न्ने  
 तुम्मे देवाणुपिया । संसार जाव पम्भवह अम्मायं देवाणुपिया । (किन्नरी)ये अन्नि  
 माचारे वा वात्तेवे वा अम्मे नि व न्ने देवाणुपिया । संसारमत्तिम्मा  
 जाव पम्भवामो अहा न्ने देवाणुपिया । अम्मे वहुत्त कम्मेत्त व चरमेत्त व  
 जाव तया न्ने पम्भइवाव नि समानां वहुत्त जाव पम्भइए । तए न्ने से सेक्कमे  
 पंथवपामोक्कये पंथ मत्तिचए एव्वं बवासी-अह न्ने तुम्मे देवाणुपिया । संसार जाव  
 पम्भवह तं पम्भह न्ने देवाणुपिया । सएत्त १ उद्धंथित जे(हि)इपुत्ते उद्धंथिते ठावेत्त

पडिक्कते) चाउम्मासियं रामेमाणे देवाणुप्पियं उदमाणे सीमेण पाएणु सचट्ठी ।  
 त रामेमि णं तुब्बे देवाणुप्पिया । गमन्तु मे अवराहं तुमं ण देवाणुप्पिया ।  
 नाउभुज्जो एव करणयाए—तिरुट्टु सेल्यं अणगारं एयमट्ठं गम्म विगएण भुज्जो २  
 खामेइ । तए ण तस्स सेलगस्स रायरिसिस्स पयएण एव पुणस्स अयभेयान्वे  
 जाव समुप्पज्जित्या—एवं गलु अहं रज्ज च जाव ओगम्भो जाव उउयद्वपीडं  
 विहरामि । त नो गलु कप्पइ गमगाण २ पारात्थाण जाव विहरितए । त सेय  
 गलु मे कळ मडुय राय आपुच्छिता पाडिहारिय पीडकलगसेज्जासथारण पण्णि  
 णित्ता पयएण अणगारेण सद्धिं वहिया अब्भुज्जणण जाव जगवयविहारेण विहरितए ।  
 एव सपेहेइ २ ता कळ जाव विहरइ ॥ ६६ ॥ एवामेव समगाउसो ! जाव  
 निग्गयो वा २ ओमन्ने जाव सथारए पमत्ते विहरइ से ण इहलोए चैव बहूण  
 समगाण ४ हीलणिज्ज समारो भाणियव्वो । तए ण ते पयगवज्जा पच अणगारसया  
 इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा अन्नमन्न सदावैत्ति २ ता एव वयासी—[एव खलु]  
 सेलए रायरिसी पयएण वहिया जाव विहरइ । त सेय गलु देवाणुप्पिया । अहं  
 सेलग [रायरिसिं] उवसपज्जिताण विहरितए । एव सपेहेत्ति २ ता सेलग रायरिसिं  
 उवसपज्जिताण विहरति ॥ ६७ ॥ तए ण (ते सेलयपामोम्भा) से सेलए रायरिसी  
 पयगपामोक्खा पच अणगारसया बहूणि वामाणि नामणपरियाग पाउणित्ता जेणेव  
 पुडरीयपवए तेणेव उवागच्छति २ ता जहेव थावचापुत्ते तहेव सिद्धा ४ । एवामेव  
 समगाउसो ! जो निग्गयो वा २ जाव विहरिस्सइ । एव खलु जवू ! समणेण  
 भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण पचमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पज्जते तिवेमि  
 ॥ ६८ ॥ गाहा—सिडिलियसजमकज्जावि होइउ उज्जमति जइ पच्छा । सवेगाओ तो  
 सेलउव्व आराहया होंति ॥ १ ॥ पचम नायज्झयणं समत्त ॥

जइ णं भते ! समणेण ३ जाव सपत्तेण पचमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पज्जते  
 छट्ठस्स ण भते ! नायज्झयणस्स समणेणं जाव सपत्तेणं के अट्ठे पज्जते ? एव खलु  
 जवू ! तेणं कालेण तेण समएण रायगिहे (णाम णयरे होत्या, तत्थ ण रायगिहे  
 णयरे सेणिए नाम राया होत्या, तस्स ण रायगिहस्स वहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसी  
 माए एत्थ ण गुणसिलए णाम उज्जाणे होत्या, तेणं कालेण तेण समएण समणे  
 भगव महावीरे पुब्बाणुपुर्व्वि चरमाणे जाव जेणेव रायगिहे णयरे जेणेव गुणसिलए  
 उज्जाणे तेणेव समोसढे अहापडिह्व उग्गह उग्गिण्हिता संजमेण तवसा अप्पाण  
 भावेमाणे विहरइ) समोसरण परिसा निग्गया (सेणिओ वि णिग्गओ धम्मो कहिओ  
 परिसा पडिगया) । तेणं कालेण तेण समएण समणस्स भगवओ महावीरस्स

सन्ति सेलमपुरमुप्यमिषह १ ता केनेन मंडुवस्तु जापताता सेनेन तवागच्छ  
 १ ता फासुन पीड बाब मिहरह । तए न से मंडुए (रावा) ति(नि)थिथिहए उहावेह  
 २ ता एवं बबसी-दुग्गे न देवापुमिषा । सेलमस्त फासुनमिजेन बाब  
 ति(ते)मिषह जा(दे)देह । तए न तिमिच्छता मंडुएन रवा एवं गुता समाया  
 सेलमस्त (रायमिस्सि) अहापवतेहि ओसहमेसजमतपायेहि तिमिषह  
 आनेहि । तए न तस्य सेलमस्त अहापवतेहि ओसहमेसजमतपायेहि ॥ रोगावके  
 जवसते बाए बाबि होस्स हहे (बाब) बडिमसरीरे बाए बबमसुरोगावके । तए न से  
 संकए संति रोगावकेसि कजसतेसि समावेसि तसि निपुनसि असवेसि ४ सुन्किए  
 बडिए मिडे अज्जोबवेह ओसवे ओसजमिषाए एवं पासत्वे १ कुटीक १ पमते १  
 संसते १ उज्जवपीडफज्जसेजासवारए पमते बाबि मिहरह नो संचाएए फासुन-  
 सन्ति पीड फापिमिषा मंडुवे न राव बापुमिषा बडिवा बाब मिहरहए ॥ ५४  
 तए न सेसि पंक्कवावे पंक्क अजगारसवावे अजवा कमाए एगमवे सडिवावे  
 बाब पुमरतावरतफज्जसमवेसि जम्मवायवे बागरयावावे जवमेवास्से अज्ज  
 रिए बाब समुपमिषा-एवं कज्ज सेकए उवरिसी बहता एवे बाब पमए मिडे  
 (न) कसवे ४ सुन्किए ४ नो संचाएए बहवे बाब मिहरहए । नो कज्ज कप्प  
 देवापुमिषा । सपवावे बाब पमतावे मिहरहए । तं हि कज्ज देवापुमिषा । अम्व  
 कं सेकए उवरिसि बापुमिषा पाडिहारिय पीडफज्जसेजासवार(वे)न फापिमिषा  
 सेलमस्त अजवारस्त पंक्क अजगार वैयक्कवकर ठ(ठ)वेता बडिवा अज्जुएन बाब  
 मिहरहए । एवं सपेहेसि १ ता कं केनेन सेक(ए)परवरिसी बापुमिषा पाडि-  
 हारिव पीडफज्ज बाब फापिमिषा १ ता पंक्क अजगार वैयक्कवकर ठवेसि १ ता  
 बडिवा बाब मिहरह ॥ ५५ तए न से पंक्क सेलमस्त सेजासवारजवापासवक्के-  
 तिवावमज्जवे ओसहमेसजमतपायएन अजिअए निअएन वैयक्कविव करेह । तए  
 न से सेकए अजवा कमाए कटियवाठम्यासिवेसि मिडे जसने ४ आहारमाहारिए  
 पुमवारतफज्जसमवेसि उहपहते । तए न से पंक्क कटियवाठम्यासिवेसि कज-  
 कजस्तमो देवसिने पडिहमने पडिहते वाठम्यासिय पडिहमि(स)डवाये सेकए  
 उवरिसि सामाज्जुवाए सीसेन फएट सवेह । तए न से सेकए पंक्क सीसेन पाएट  
 सवतिए समाने आसते बाब मिसिमिसैमाने सहेह १ ता एवं बबसी-सि केव न मो  
 एव अपतिवपडिवा बाब बजिए के न मम उहपहते फएट सवेह । तए न से  
 पंक्क सेकए एवं कुटी समाने मीए तत्वे तसिए करवक बाब कहु एवं बबसी-  
 अई न मति । पंक्क कज्जजस्तमो देवसिने पडिहमने पडिहते (वाठम्यासिय

सुभूमिभागे उज्जाणे (होत्या) । तत्थ ण रायगिहे नयरे ध(णे)ण्णे नाम सत्यवाहे  
परिवसइ अट्टे जाव अपरिभूए । (तस्स ण धण्णस्म सत्यवाहस्म) भद्दा (नाम)  
भारिया (होत्या) अहीणपचिंदियसरीरा जाव मुरूवा । तस्स णं धण्णस्म सत्यवा-  
हस्स पुत्ता भद्दाए भारियाए अत्तया चत्तारि सत्यवाहदारगा होत्या तजहा-धणपाले  
धणदेवे धणगोवे धणरक्खिए । तस्म ण धण्णस्म सत्यवाहस्म चउण्ह पुत्ताण  
भारियाओ चत्तारि सुण्हाओ होत्या तजहा-उज्झिया भोगवइया रक्खइया  
रोहिणिया । तए ण तस्म धण्णस्स सत्यवाहस्स अन्नया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकाल  
समयसि इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पजित्वा-एव खलु अह रायगिहे नयरे  
वहूण राईसरतलवर जाव पभिइंण सयस्स सुडुयस्स वहसु कज्जेसु य कारणे(करणि  
जे)सु य कोडुवेसु य मतणेसु य गुज्जेसु रहस्सेसु निच्छएसु ववहारेसु य आपुच्छ  
णिज्जे पडिपुच्छणिज्जे मेढी पमा(णे)ण आहारे आत्थणे चक्ख मेढी-पमाणभूए  
सव्वकज्जव(ट्ठा)भ्वाए । त न नज्जइ(जं) ण मए गयंसि वा जुयसि वा मयंसि वा  
भग्गसि वा लुग्गसि वा सडियसि वा पडियसि वा विडेस(त्थसि)गयसि व विप्प  
वसियंसि वा इमस्स कुडुवस्स(किं) के मणे आहारे वा आलवे वा पडिवधे वा  
भविस्सइ । त सेय खलु मम कल्ल जाव जलते विपुल असण ४ उवक्खडावेत्ता  
मित्तनाइ० चउण्ह य सुण्हाण कुलघरवग्ग आमंतेत्ता त मित्तनाइनियगसयण०  
चउण्ह य सुण्हाण कुलघरवग्ग विपुलेग असणेण ४ धूवपुप्फवत्थगघ जाव सक्कारेत्ता  
सम्माणेत्ता तस्सेव मित्तनाइ चउण्ह य सुण्हाण कुलघरवग्गस्स (य) पुरओ चउण्ह  
सुण्हाण परिक्खणट्ठयाए पच्च २ सालिअक्खए दलइत्ता जाणामि ताव का कि(ह)इ  
वा सारक्खेइ वा सगोवेइ वा सवहेइ वा । एव सपेहेइ २ ता कल्ल जाव मित्तनाइ०  
चउण्ह सुण्हाण कुलघरवग्ग आमतेइ २ ता विपुल असण ४ उवक्खडावेइ तओ  
पच्छा ण्हाए भोयणमडवसि सुहासणवरगए (त) मित्तनाइ० चउण्ह य सुण्हाण कुल  
घरवग्गेण सद्धिं त विपुल असणं ४ जाव सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ ता तस्सेव  
मित्तनाइ० चउण्ह य सुण्हाण कुलघरवग्गस्स (य) पुरओ पच्च सालिअक्खए गेण्हइ  
२ ता जे(ट्ठा)ट्ठ सु(ण्हा)ण्ह उज्झिइ(या)यं (त) सद्दावेइ २ ता एव घयासी-तुम ण  
पुत्ता । मम हत्थाओ इमे पच्च सालिअक्खए गेण्हाहि २ ता अणुपुव्वेण सारक्ख-  
माणी संगोवेमाणी विहराहि । जया ण अहं पुत्ता । तुम इमे पंच सालिअक्खए  
जाएज्जा तया ण तुम मम इमे पंच सालिअक्खए पडि(दि)नि जाएज्जासि-त्तिकट्ठु  
सुण्हाए हत्थे दलयइ २ ता पडिविसज्जेइ । तए ण सा उज्झिया धण्णस्स तह ति  
एयमट्ठ पडिसुणेइ २ ता धण्णस्स सत्यवाहस्स हत्थाओ ते पंच सालिअक्खए







गच्छ १ ता एतन्मन्त्रमाह एतन्मन्त्रमिमांसा इमेवास्ते अण्डस्थिश्च बाह्य समुष्ण-  
 शिवा-एवं कस्तु तावन्तं योऽप्यारोति बह्वै पञ्च सात्त्विकं पवित्रं च विदुः ॥ तं  
 ब्रह्म नं म(मं)म तावन्तं इमे पञ्च सात्त्विककण्डू बाह्य(ह)माह तत्रा नं बह्वै पञ्चरात्रो  
 अथे पञ्च सात्त्विककण्डू गङ्गाय द्वाहामि-ति कहु एवं संपेदेह १ ता ते पञ्च सात्त्विक-  
 कण्डू एतदे स्वेह १ ता सत्त्वमसंस्तुता आत्मा यावि होत्वा । एवं योग्यत्वाए वि  
 नवरं सा को(ह)माह १ ता अनुमिह १ ता सत्त्वमसंस्तुता आत्मा यावि होत्वा ।  
 एवं उन्मिहना वि नवरं गेह १ ता इमेवास्ते अण्डस्थिश्च-एवं कस्तु ममं तावन्तं  
 इमत्स मित्वाह बह्वै य तन्मन्त्रं ब्रह्मकर्मस्व य पुरतो सहायेता एवं ब्रह्मासी-  
 दुमं नं पुत्र । मम इत्यामो बाह्य पवित्रिजाएवास्ति-ति कहु मम इत्यस्ति पञ्च  
 सात्त्विककण्डू ब्रह्म, तं मयि कर्त्तव्यं एतत् कारणेन-ति कहु एवं संपेदेह १ ता ते पञ्च  
 सात्त्विककण्डू एते कस्ते नं बह्वै १ ता रयन्करं विद्याए पवित्र(वि)माह १ ता उ(क)-  
 टीयामूले ठावे १ ता तिस्रो पवित्रायमाप्ती १ विहर ॥ तए नं ते ब्रह्मे  
 सत्त्वमाह उ(स्ते)हे मित्वाह बाह्य कस्तुवि रोहिणीयं शुभं सहायेह १ ता बाह्य तं  
 भक्तिमन् एतत् कारणेन (तं) ति कहु सैव कस्तु मम एए पञ्च सात्त्विककण्डू सारक-  
 माणीए संयोगेमाणीए सत्त्वमाणीए-ति कहु एवं संपेदेह १ ता कुतश्चपुरिसे सहायेह  
 ता एवं ब्रह्मासी-दुम्मे नं ब्रह्मास्ति ॥ एए पञ्च सात्त्विककण्डू गेह १ ता  
 पञ्चमासंति महातुष्टिर्भवति निवर्त्तति समानंति पुत्राय केदारं उपरिधम्मिर्न करेह  
 ता इमे पञ्च सात्त्विककण्डू बाह्येह १ ता दोषंति तत्रपि ब्रह्मवनि(क)हए करेह  
 १ ता वाटिपकटोर्न करेह १ ता सारकमाणा संयोगेमाणा अलुप्यैव संवेदेह ।  
 तए नं तं कोटुविह रोहिणीए एवमनु पवित्रमैति (१ ता) ते पञ्च सात्त्विककण्डू  
 गच्छति १ ता अनुपुन्यैः सारकंति संयोगिनि (विहति) । तए नं तं कोटुविह  
 पञ्चमासंति महातुष्टिर्भवति निवर्त्तति समानंति पुत्राय केदारं उपरिधम्मिर्न  
 करेति १ ता ते पञ्च सात्त्विककण्डू बह्वै १ ता दोषंति तत्रपि ब्रह्मवनिहए  
 करेति ता वाटिपरिकटोर्न करेति १ ता अनुपुन्यैः सारकयेमाणा संयोगेमाणा  
 सत्त्वमाणा विहति । तए नं ते सत्ती (अकण्डू) अनुपुन्यैः सारकयेमाणा  
 संयोगेमाणा संवाह्यमाणा सत्त्व आत्मा शिवा शिवात्मा बाह्य निठरं बभूवा  
 पत्नार्हता ४ । तए नं ते सत्ती कतिवा बलिया गच्छिवा कर्[ह]वा आम्बयया  
 लीलाहवा ब्रह्मका ब्रह्म ब्रह्मायवा सत्त्वा सत्त्वा हरिबन्धनं वावा यावि  
 होत्वा । तए नं ते कोटुविह तं सार्वि(ए) पतिए बाह्य सत्त्व(ए)पताहए आम्बिना  
 निवेदेह नवपञ्चपट्टि अणि(य)पट्टि उन्मि १ ता करकमयिह करेति १ ता

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा

॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥

से भिन्न वा (१) अभिप्रेतवा कर्त्तव्य इतिहास, से से पुन

तैवहा-अभिप्रेतवा कर्त्तव्य-अभिप्रेत वा कर्त्तव्य वा

जे भिन्नवा तैवहा कर्त्तव्य कर्त्तव्य कर्त्तव्यके विरसकवा से

विधि, वा भिन्नवा सा कर्त्तव्य कर्त्तव्यवा धारवा, कर्त्तव्य

विधाराजो, कर्त्तव्य कर्त्तव्यविधारा, एहि कर्त्तव्य

संवीविवा ॥ ८०३ ॥ से भिन्न वा (२) परं

अभिप्रेतवा गमनाए ॥ ८०४ ॥ से भिन्न वा (२) से

अभिप्रेतवाए एगं साहमिमं समुहिस्स पाणाई (अहा विधिगमनाई)

एगं बहवे साहमिमवा, एगं साहमिमि, बहवे साहमिमिजी,

तहवे पुनिस्तरकई (अहा विधिगमनाए) ॥ ८०५ ॥ से भिन्न वा

पुन कर्त्तव्य अभिवा, असंजए भिन्नपुष्टियाए कीम वा कर्त्तव्य रती

वा संसर्ग वा संपधूमिं वा तहप्पगारं कर्त्तव्य अपुनिस्तरकई कर्त्तव्य

अह पुन एगं अभिवा पुनिस्तरकई कर्त्तव्य पडिगाहेवा ॥ ८०६ ॥ से

(२) से जाई पुन कर्त्तव्य अभिवा, निस्सुवाई महदपयोत्तमई

धिणानि वा, सहिणानि वा, सहिणकत्तानानि वा, आमानि वा,  
अभियानि वा, दुग्गानि वा, पट्टानि वा, मन्थानि वा, पट्टणानि वा,

ताम्बो । इमो अईए पंचमे संवत्सरे इमस्त मित्राद्वा चत्तम् न वाच मिह्रादि ।  
 तए ये अई इत्थं एवमाहुं पवित्रमि १ ता ते पंच साक्षिजनकए गेष्वाभि  
 एपत्तमन्त्रमामि । तए ये मम इमेवास्तौ अण्डात्विए वाच समुत्पज्जिवा-एवं वत्त  
 तायां कोट्टापारंति वाच सत्तमपेत्तुता तं नो वत्त ता(ब्बे)मा । ते येन पंच  
 साक्षिजनकए एए ये अजे । तए ये से वन्ने उज्झि[इ]वाए अंतिए एवमाहुं सोवा  
 मिसम्म आमुत्तो वाच मिथिमिसेमाने उज्झित्तुं तस्स मित्राद्वा चत्तम् इत्थाने  
 कुम्भवरस्तस्य य पुरतो तस्स कुम्भवरस्त ऊरुत्तित्तुं न ऊरुत्तित्तुं न ऊरुत्तित्तुं  
 न सेतु(सु)त्तित्तुं न सम्मज्जित्तुं न पावकवा(ई)त्तुं न आनोववा(ई)त्तुं न वाहि  
 रपेत्तववा(रि)त्तुं [च] ठावेइ । एवामेव समवात्तयो । वो अम्हं मिम्हो वा १ वाच  
 पञ्चए पंच न से महम्मवाइ उज्झित्तुं अवेत्ति ॥ ये इहमये येन वत्तुं समपापं  
 ४ हीउत्तित्तुं वाच वत्तुपरिक्कत्तुइ अहा सा उज्झित्तुवा । एवं मोय्मइवामि मवरं  
 तस्स कुम्भवरस्त उज्झित्तुं न कोट्टित्तुं न पीत्तित्तुं न एवं उज्झित्तुं (च) रंत्तित्तुं (च)  
 परिक्कत्तित्तुं न परिमात्तित्तुं न अत्तित्तुं न पैत्तवत्तित्तुं महम्मत्तित्तुं ठावेइ ।  
 एवामेव समवात्तयो । वो अम्हं समनो वा १ पंच न से महम्मवाइ पीत्तित्तुं अवेत्ति  
 से न इहमये येन वत्तुं समपापं ४ हीउत्तित्तुं ४ वाच अहा न सा मोय्मइवा । एवं  
 उज्झित्तुवामि मवरं येनेव वाचवरे तेनेव उवागत्तुइ १ ता संवत्सं मिह्रावेइ १ तए  
 एववत्तववाग्गे ते पंच साक्षिजनकए गेष्वाइ १ ता येनेव वन्ने सत्तववाहे तेनेव  
 उवागत्तुइ १ तए पंच साक्षिजनकए वत्तवत्त इत्थे वत्तवत्त । तए ये से वन्ने (च )  
 उज्झित्तुं एवं ववाटी-त्ति न पुता । ते येन एए पंच साक्षिजनकए उवाहु अजे  
 (ति) । तए न उज्झित्तुवा वन्ने (सत्तववात्त) एवं ववाटी-ते येन तात्ता । एए पंच  
 साक्षिजनकवा नो अजे । अई न पुता । १ एवं वत्त ताम्बो । इत्थमे इमो पंचममि  
 (संवत्सरे) वाच ममिक्कम् एत्त ऊरुत्तित्तुं-त्तिक्कं ते पंच साक्षिजनकए त्ते  
 इत्थे वाच तिक्कं पवित्रापरमाणी वामि मिह्रादि । तम्बो एए ये ऊरुत्तित्तुं  
 ताम्बो । ते येन (से) पंच साक्षिजनकए नो अजे । तए ये सं वन्ने उज्झित्तुवाए  
 अंति(ए)वं एवमाहुं सोवा इत्तुत्ते तस्स कुम्भवरस्त हिरण्यस्त न ऊरुत्तित्तुं  
 वाच उवाएत्तस्त न मंडागारिणि ठावेइ । एवामेव समवात्तयो । वाच पंच न से  
 महम्मवाइ उज्झित्तुं अवेत्ति से ये इहमये येन वत्तुं समपापं ४ अत्तित्तुं वाच  
 अहा सा उज्झित्तुवा । रोहि(वि)त्तुवामि एवं येन मवरं इत्थमे ताम्बो । मम उज्झ  
 इत्तुं उवाटीसागटं वत्त(हि)त्तु वा(त्ते)न अई इत्थमे ते पंच साक्षिजनकए  
 पवित्रिजाएमि । तए ये से वन्ने (सत्तववाहे) रोहि(वि) एवं ववाटी-अई न इत्थं मय

पुत्ता ! ते पच सालिअक्खए सगट्मागडेण निज्जा(इ)एस्ससि ? । तए ण सा रोहिणी  
धण्ण (सत्थवाहे) एवं वयासी-एव खलु ताओ । इओ तुब्भे पचमे सवच्छरे इमस्स  
मित्त जाव वहवे कुभसया जाया तेणेव कमेणं, एव रालु ताओ । तुब्भे ते पंच  
सालिअक्खए सग(ड)धीमागडेण निज्जाएमि । तए ण से धण्णे सत्थवाहे रोहिणीयाए  
सुवहुय सगडीसागड दलयइ । तए ण रोहिणी सुवहु सगधीमागट गहाय जेणेव सए  
कुलघरे तेणेव उवागच्छइ (० ता) कोट्टागा(रे)रं विहाटेइ ० ता पले उब्भिदइ ० ता  
सगडीसागड भरेइ ० ता रायगिह नगरं मज्झमज्जेण जेणेव सए गिहे जेणेव धण्णे  
सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ । तए ण रायगिहे नयरे सिंघाडग जाव धहुजणो अजमन्न  
एवमाइक्खइ ४-धजे ण देवाणुप्पिया ! धण्णे सत्थवाहे जस्स णं रोहिणीया सुण्हा  
(जीए ण) पच सालिअक्खए सगड्मागडिएण निज्जाएइ । तए ण से धण्णे  
सत्थवाहे ते पच सालिअक्खए सगट्मागडेण निज्जा(ए)इए पासइ २ ता हट्ठ जाव  
पडिच्छइ २ ता तस्सेव मित्तनाइ ० चउण्ह य सुण्हाण कुलघर(वग्गस्स)पुरओ रोहि  
णीय सुण्ह तस्स कुलघरस्स वहसु कज्जेसु य जाव रहस्सेसु य आपुच्छणिज्ज जाव  
वट्ठावियं पमाणभूयं ठावेइ । एवामेव ममणाउसो । जाव पंच [से] महव्वयाइ सवट्ठियाइ  
भवति से ण इहभवे चेव वहण समणाण जाव वीईवइस्सइ जहा व सा रोहिणीया ।  
एव खलु जंबू ! समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण सत्तमस्स  
नायज्झयणस्स अयमट्ठे पज्जते त्तिवेमि ॥ ७० ॥ गाहाओ-जह सेट्ठी तह गुरुणो  
जह णाइजणो तहा समणसघो । जह वहुया तह भव्वा जह सालिकणा तह वयाइ  
॥ १ ॥ जह सा उज्झियनामा उज्झियसाली जहत्यमभिहाणा । पेसणगारितेण  
असखदुक्खक्खणी जाया ॥ २ ॥ तह भव्वो जो कोई सघसमक्ख गुरुविदिण्णाइ ।  
पडिवज्जिउ समुज्झइ महव्वयाइ महामोहा ॥ ३ ॥ सो इह चेव भव्वी जणाण  
धिकारभायण होइ । परलोए उ दुहत्तो णाणाजोणीसु सचरइ ॥ ४ ॥ जह वा सा  
भोगवई जहत्यनामोवभुत्तसालिकणा । पेसणविसेसकारित्तेण पत्ता दुह चेव ॥ ५ ॥  
तह जो महव्वयाइ उवभुजइ जीवियत्ति पालितो । आहाराइसु सत्तो चत्तो सिव  
साहणिच्छाए ॥ ६ ॥ सो एत्थ जहिच्छाए पावइ आहारमाइ लिगित्ति । विउसाण  
नाइपुज्जो परलोयम्मी दुही चेव ॥ ७ ॥ जह वा रक्खियवहुया रक्खियसालीकणा  
जहत्यक्खा । परिजणमण्णा जाया भोगसुहाइ च सपत्ता ॥ ८ ॥ तह जो जीवो  
सम्मं पडिवज्जित्ता महव्वए पच । पालेइ निरइयारे पमायत्तेसपि वज्जेतो ॥ ९ ॥  
सो अप्पहिएक्करई इहलोयमिवि विऊहिं पणयपओ । एगंतसुही जायइ परम्म  
मोक्खंपि पावेइ ॥ १० ॥ जह रोहिणी उ सुण्हा रोवियसाली जहत्यमभिहाणा ।



उज्जाणे थेरा समोसढा । परिसा निग्गया । (महब्बलोवि राया निग्गओ धम्मो कहिओ ) महब्बले ण धम्म सोच्चा ज नवरं ( देवाणुप्पिया । ) छप्पियवालवयसए आपुच्छामि वलभद् च कुमारं रज्जे ठावेमि जाव छप्पियवालवयसए आपुच्छइ । तए णं ते छप्पिय० महब्बल राय एव वयासी-जइ ण देवाणुप्पिया । तुब्भे पव्व यह अम्ह के अने आहारे वा जाव पव्वयामो । तए णं से महब्बले राया ते छप्पिय० एव वयासी-जइ ण (देवाणुप्पिया ।) तुब्भे मए सद्धिं जाव पव्वयह तो ण गच्छह जेठ्ठे पुत्ते सएहिं २ रज्जेहिं ठावेह पुरिससइस्सवाहिणीओ सीयाओ दुल्ला जाव पाउब्भवति । तए ण से महब्बले राया छप्पियवालवयसए पाउब्भूए पासइ २ ता हट्ठ जाव कोड्डवियपुरिसे (सद्दावेइ २ ता एवं वयासी-गच्छह ण तुब्भे देवा णुप्पिया । बलभद्स्स कुमारस्स जाव तेवि तहेव जाव अभिसिंचइ०, तए णं से महब्बले बलभद्० आपुच्छइ)० बलभद्स्स रायाभिसेओ जाव आपुच्छइ । तए णं से महब्बले जाव महया इट्ठीए (छ० स०) पव्वइए एक्कारसअ(गाइं०)गवी बट्ठहिं चउत्थ जाव भावेमाणे विहरइ । तए ण तेसिं महब्बलपामोक्खानं सत्तण्हं अणगारा अन्नया कयाइ एगयओ सहियाण इमेयारूवे मिहो-कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-ज ण अम्ह देवाणुप्पिया । ए(ग)गे तवोक्कम्म उवसपज्जित्ताणं विहरइ त णं अम्हेहिं सव्वेहिं (सद्धिं) तवोक्कम्म उवसपज्जित्ताणं विहरित्तए-त्तिकट्ठु अन्नमज्जस्स एयमट्ठं पड्डिस्सुणेंति २ ता बट्ठहिं चउत्थ जाव विहरंति । तए णं से महब्बले अणगारे इमेणं कारणेण इत्थिनामगोय कम्म निव्वर्त्तिसु-जइ णं ते महब्बलवज्जा छ अणगारा चउत्थ उवसपज्जित्ताण विहरंति तओ से महब्बले अणगारे छट्ठ उवसपज्जित्ताण विहरइ । जइ ण ते महब्बलवज्जा [छ] अणगारा छट्ठ उवसपज्जित्ताण विहरंति तओ से महब्बले अणगारे अट्ठम उवसपज्जित्ताण विहरइ । एव [अह] अट्ठम तो दसम अह दसम तो दुवाल(स)सम । इमेहि य ण वीसाएहि य कारणेहिं आसेवियवहुलीक एहिं तित्थयरनामगोय कम्म निव्वर्त्तिसु तज्जहा-अरइतसिद्धपवयणगुरुरेवरबहुसुए तवस्सीसुं । वच्छल्लया य तेसिं अभिक्ख नाणोवओ(गे)गा य ॥ १ ॥ दसणविणए आवस्सए य सीलव्वए निरइया(रं)रो । खणलवतव(ञ्चि, चियाए वेयावच्चे समाही य ॥ २ ॥ अ(पु)व्वनाणगहणे सुयमत्ती पवयणे प(मा)द्दावणया । एएहिं कारणेहिं तित्थयरत्त लहइ (जीओ) सो उ ॥ ३ ॥ तए ण ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा मासिय भिक्खुपड्डिमं उवसपज्जित्ताण विहरंति जाव एगराइय (भि० उव०) । तए ण ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा खुट्ठाग सीहनिक्खीलियं तवोक्कम्म उवसपज्जित्ताण विहरंति तंजहा-चउत्थ करेंति २ ता सव्वकामगुणिय पारेंति २ ता





महब्बल(देव)वज्जा छप्पि(य) देवा (जयं)ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव  
अणतरं चय चइत्ता इहेव जंबुद्वीवे २ भारहे वासे विमुद्धपिइमाइवसेसु रायकुल्लेसु  
पत्तेयं २ कुमारत्ताए पच्चायाया(सी) तजहा-पडिबुद्धी इक्खागराया, चंदच्छाए अग  
राया, सखे कासिराया, रुप्पी कुणालाहिवई, अदीणसत्तु कुरराया, जियसत्तु पचाला  
हिवई । तए णं से महब्बले देवे तिहिं नाणेहिं समग्गे उच्चट्ठाण(ट्टि)गएसु गहेसु  
सोमासु दिसासु वित्तिमिरासु विमुद्धासु जइएसु सउणेसु पयाहिणाणुकूलसि भूमिसप्पिसि  
मास्यसि पवायसि निप्फन्नसस्समेइणीयसि कालसि पमुइयपक्कीलिएसु जणवएसु  
अद्धरत्तकालसमयसि अस्सिणीनक्खत्तेण जोगमुवागएण जे से हेमताण चउत्ते  
मासे अट्ठमे पक्खे फग्गुणसुद्धे तस्स ण फग्गुणसुद्धस्स चउत्थिपक्खेण जयताओ  
विमाणाओ वत्तीस सागरोवमट्ठि(ई)इयाओ अणतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्वीवे २  
भारहे वासे मिहिलाए रायहाणीए कुंभगस्स रत्तो पभावईए देवीए कुच्छिसि आहा  
रवक्कतीए भववक्कतीए सरीरवक्कतीए गम्भत्ताए वक्कते । त रयणिं च ण चोइस  
महासुमिणा वण्णओ । भत्तारकहण सुमिणपाडगपुच्छा जाव विहरइ । तए णं तीसे  
पभावईए देवीए तिण्ह मासाणं बहुपडिपुण्णाण इमेयारूवे डोहले पाउब्भूए-  
धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ जाओ ण जलथलयभासुरप्पभूएण दसद्धवण्णेण मल्लेण  
अत्थुयपच्चत्थुयसि सयणिज्जंसि सज्जिसण्णाओ संनिवन्नाओ य विहरंति एग च महं  
सि(री)रिदामगढं पाडलमल्लियचंप(य)गवसोगपुच्चागनागमरुयगदमणगअणोजकोज  
य(कोरेंटपत्तवर)पउरं परमसुह(फास)दरिसणिज्ज महया गंधद्वणिं सुयंत अग्घायमा  
णीओ डोहलं विणेंति । तए ण ती(से)ए पभावईए देवीए इम ए(इमे)यारूवं डोहलं  
पाउब्भूय पासित्ता अहासन्निहिया घाणमतटा देवा खिप्पामेव जलथलय जाव दस  
द्धवण्णमल्लं कुंभगसो य भारगसो य कुभगस्स रत्तो भवणसि साहरंति एग च णं महं  
सिरिदामगढ जाव (गंधद्वणिं) सुयत उवणेंति । तए णं सा पभावई देवी जलथलय  
जाव मल्लेण दोहलं विणेइ । तए णं सा पभावई देवी पसत्थदोहला जाव विहरइ । तए  
ण सा पभावई देवी नवण्ह मासाणं अद्धमाण य राय(रत्तिं)दियाण जे से हेमता-  
णं पढमे मासे दोब्बे पक्खे मग्गसिरसुद्धे तस्स ण (मग्गसिरसुद्धस्स) एक्कारसीए पुब्ब  
रत्तावरत्तकालसमयंसि अस्सिणीनक्खत्तेण (जोगमुवागएणं) उच्चट्ठाण जाव पमुइयप  
क्कीलिएसु जणवएसु आरोगारोगं एग्गुणवीसइम तित्थयर पयाया ॥ ७२ ॥ तेण कालेण  
तेणं समएणं अ(हो)हेलोगवत्थव्वाओ अट्ठ दिमाकुमारी(ओ)मयह(री)रियाओ जहा  
जंबुद्वीवपत्तनीए जम्मणं सव्व (भाणियव्वं) नवरं मिहिलाए (नयरीए) कुंभ(राय)  
— (अन्नादि) पभावईए (देवी)ए अस्सिणीनक्खत्तेण जे से हेमताओ जाव नदीसरव(रे)र-

दीये मदिमा । तथा च ईमए एवा बहुई भवनवईई ५ तिरवयए (अम्मणमिसेन)-  
 जत्तम्म जाव नामकरा-अम्हा ये अ(म्ह)म्ह ईमीए वारिवाए (माउगम्मंति  
 वडममार्त्तंति) माउए मग्गयणीयंति वाइये निमीए तं होइ ये मयेन मदी (नामं  
 ठवेर) जहा मएप्पे (नाम) जाव वरिवाइवा-सा अ(इ)हुई भवनवई रिममोववुवा  
 अमोवमंतिदीवा । वावीदाउपविबुवा परिक्खिवा पीउमरेई ॥१॥ अविजविरया सुम्भ-  
 यमा विवोटी एववईगंतीवा । वरअम्भअमोमंती पुज्जुप्पअमंतीममा ॥ २॥ ७३ ॥  
 तए ये सा मदी निरेइएववरअवा समुज्जवाल्पावा जाव वरेव [६] ओम्भयं व  
 म्भयमेव व वरैव २ उडिड्डा उडिड्डमगीरा वावा(वा)वि होइवा । तए ये मा मदी  
 (१) हेम्भम्मसववावा उ उप्पि(य) रायाओ निउसेन ओइइवा आमाएमादी  
 २ रिदए तंमहा-वडिडुडि जाव जियमनु पंचात्तमईवई । तए ये सा मदी (२)  
 ओपेविबुमैम वरैव २ ना एव ववाली-जच्छइ ये तुम्भ वैवात्तुप्पिवा । अग्गेण  
 वनिवाए एव मई ओइववई वरेइ अमेगमममवमिक्खिडु । तस्म ये ओइवपरस्स  
 वमम्यदेमवाए उ मज्जवए करेइ । तेहि ये मज्जपरगाव वडुमग्गदेममाए  
 जालदवई करेइ । तस्मा ये जालपरसस वडुमग्गदेममाए मनिपेडिपं करेइ  
 (तिरि उदेव) जाव पवपिक्खंति । तए ये [सा] मदी मनिपेडिपाए उवरि अणवो  
 मरिगई वरैव मग्गवई मग्गिमावणओम्भवणुमोववेव कप्पम(ई) मरप  
 पिण्ड वडमपपविदानं पडिम करेइ २ ना जे निउतं जगव ५ आहारै मग्ग  
 मग्गओ अममाओ ५ कणवडि एगमेने रिउं मदाव टीसे वज(य)मामरेण मए  
 वग्गाए जाव वडिमाए मयवईति प्पिण्डममादी २ रिदए । तए ये टीसे क्यग-  
 वईर जाव मग्गवडिगुए वडिमाए एगमगीति रिदि वरिवात्तमामे २ (वडुमप-  
 रिदानं रिदेइ) मग्गे मग्ग वडुमवडि से जहाममए अद्दिमवई वा जाव एवो  
 अग्गिडुवणु अमममवणु [वैव] ७ ५ ७ तवे कालेने सेवे मग्गवई ओवत्त  
 मग्गे वववणु (रीत्ता) । तए ये मागए मग्गे मग्गे । तस्म ये उण्णपुरविउमे  
 रिवावण एव व (मई एगे) मग्गे मागपरए होइवा । तए ये मागए मग्गे वडि  
 हुई मग्गे माग(गु)मग्गावा वरिवाव पामवई देवी वुड्डी अमवे मागई ।  
 तए ये वडुमवईर देवीर अज्जा वडुई मागवज्जए याति होइवा । तए ये मा वड  
 मग्गे मागवज्जवुत्तुमं जालिन्ना जेनेव वडिडुटी वरवज जाव एव ववणी-  
 कउ मग्गे । मग्ग वडि मागवज्जए (मग्गे) अग्गिमाव मग्गिमाव ये मग्गे ।  
 मग्गे अग्गिमाव मग्गाव मागवज्जव मग्गिमाव, मुग्गेति ये मग्गे । मग्ग माग-  
 वज्जव मग्गेमग्ग । तए ये वडिडुटी पामवईए (देवीए) एववडि पडिमेइ ।

तए ण पउमावई पडिवुद्धिणा रजा अब्भणुजाया समाणी ह(ट्टु)ट्ठा जाव कोइं  
 धियपुरिसे सद्दवेइ २ ता एवं वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया । मम कळ नागज्जए  
 भविस्सइ । त तुब्भे मालागारे सद्दवेइ २ ता एव वयह-एवं खलु पउमावईए  
 देवीए कळ नागज्जए भविस्सइ । त तुब्भे ण देवाणुप्पिया । जलधलय(०)दसद्धवण  
 मल्लं नागघरयसि साहरह एग च ण मह सिरिदामगड उवणेह । तए ण जलधल-  
 यदसद्धवणेण मल्लेण नाणाविहभत्तिविरइय (करेह तसि भत्तिंसि) हसमियमयूर  
 कौंचसारसचक्रवायमयणसालकोइलकुलोववेय ईहामिय जाव भत्तिचित्त महग्घ मह  
 रिह विउल पुप्फमडव विरएह । तस्स ण धुमज्जदेमभाए एग मह सिरिदामगडं  
 जाव गधद्धणिं मुयंत उलोयसि आ(ओ)लवेह २ ता पउमावई देविं पडिवाल्लेमाणा  
 २ चिट्ठह । तए ण ते कोडुविया जाव चिट्ठंति । तए ण सा पउमावई देवी कळ  
 कोडुवि(यपुरिसे)ए (सद्दवेइ २ ता) एव वयासी-रिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ।  
 सागेय नयरं सत्तिभतरवाहिरिय आसियसम्मज्जिओवल्लित्त जाव पच्चप्पिणति । तए  
 ण सा पउमावई (देवी) दोच्चपि कोडुविय जाव विप्पामेव लहुकरणजुत्तं जाव  
 जुत्तामेव (उवट्टवेह, तए ण तेवि तहेव) उव(ट्ठा)ट्टवेति । तए ण सा पउमावई  
 अंतो अतेउरंसि ण्हाया सव्वालकारविभूसिया धम्मिय जाण दुल्लडा । तए ण सा  
 पउमावई नियगपरि(वा)यालसपरिवुडा सागेय नयर मज्झमज्झेण नि(ज्ज)जाइ २  
 ता जेणेव पुक्खरणी तेणेव उवागच्छइ २ ता पो(पु)क्खरणिं ओगा(ह)हेइ २ ता  
 जलमज्जण जाव परमसुइभूया उल्लपडसाडया जाईं तत्थ उप्पलाइ जाव गेण्हइ २  
 ता जेणेव नागघरए तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए ण पउमावईए दासचेडीओ  
 बहूओ पुप्फपडलगहत्यगयाओ धूवक(ड)डच्छु(ग)यहत्यगयाओ पिट्ठओ समणुग  
 च्छति । तए ण पउमावई सव्विहीए जेणेव नागघ(रे)रए तेणेव उवागच्छइ २  
 ता नागघ(रयं)र अणुप्पविसइ २ ता लोमहत्यग जाव धूव उहइ २ ता पडिवुद्धिं  
 (राय) पडिवाल्लेमाणी २ चिट्ठइ । तए ण पडिवुद्धी(राया) ण्हाए हत्थिस्वधवरगए  
 सकोरंट जाव सेयवरचामरा(हिं)हि य (महया)हयगयरह(जोह)महयाभडचडगर  
 पहकरेहिं सागेय नगरं मज्झमज्झेण निग्गच्छइ २ ता जेणेव नागघरए तेणेव  
 उवागच्छइ २ ता हत्थिस्वधाओ पच्चोरुहइ २ ता आलोए पणामं करेइ २ ता  
 पुप्फमडव अणुपविसइ २ ता पासइ त एग मह सिरिदामगड । तए ण पडिवुद्धी  
 त सिरिदामगडं सु(इ)चिरं काल निरिक्खइ २ ता तसि सिरिदामगडसि जायविम्हए  
 सुवुद्धिं अमर्षं एव वयासी-तुम(ण) देवाणुप्पिया । मम दोच्चेण बहूणि गामागर  
 जाव सधिवेसाईं आहिंढसि बहू(णि)ण य रा(य)ईसर जाव गिहाईं अणुपविससि,

तं जतिव नं दुमे कर्हिनि एरिसए सिरिदामगंठे मिहुपुम्मे जारिसए नं इमे पडमा  
 वी(ए)देवीए सिरिदामगंठे । तए नं छुवुडी पविबुद्धि रायं एवं ववासी-एवं कल्ल  
 चामी । नई जज्जना कज्जई दुप्पे सोमेनं मिद्धिं रायहाणि गए । तए नं मए  
 कुंमपस्स रओ कूराए पमावईए देवीए जामाए म्मीए (मिदेहराकवरकजाए)सं  
 क्कएपविदेहवर्गंति सिद्धं सिरिदामगंठे मिहुपुम्मे । तस्स नं सिरिदामगंठस्स इमे  
 पडमावईए [देवीए] सिरिदामगंठे समसहस्सह्मपि कलं न जग्गइ । तए नं पवि  
 बुद्धि(रामा) छुद्धि जमनं एवं ववासी केरिसिया नं देवालुप्पिमा । म्मी २ वस्स  
 नं संक्कएपविदेहवर्गंति सिरिदामगंठस्स पडमावईए देवीए सिरिदामगंठे समस  
 हस्सह्मपि कलं न जग्गइ । तए नं छुवुडी (जमने) पविबुद्धि इक्कायउरं एवं  
 ववासी-(एवं कल्ल चामी) म्मी मिदेहराकवरकजाए छपद्धिबुद्धिमुक्कवावराणा  
 जग्गओ । तए नं पविबुद्धि (उवा) छुद्धिस्स जमवस्स वंतिए एक्कहं सोष  
 मित्तम सिरिदामगंठजमिक्कहंते पूरं सहावई २ ता एवं ववासी-एक्कवद्धि नं दुमं  
 देवालुप्पिमा । मिद्धिं रायहाणि तए नं कुंमगस्स रओ पूरं पमावईए (देवीए)  
 ज(त)तिरं म्मी २ मम मारियताए वरेद्धि नई मि व नं चा सवं रज्जुंका । तए  
 नं से इए पविबुद्धिमा रवा एवं बुते समाने छुद्धि चाव पविबुद्धि २ ता जेवेव सए  
 मिहे जेवेव वाउग्गंति वाउरहे तेवेव उवायक्कइ २ ता वाउग्गंति वाउरई पवि  
 कप्पावई २ ता इस्से चाव हक्कायमहयामवक्कवपरेवं साएवाओ मिग्गक्कइ २ ता  
 जेवेव मिदेहवक्कइ जेवेव मिद्धिं रायहाणी तेवेव ज्जाएव गमवाए (१)  
 ॥ ७५ ॥ तेवं क्कमेवं तेवं समएणी जम नाम जज्जवए होत्वा । तए नं नंपा न्ममं  
 नवरी होत्वा । तए नं नंपाए नवरीए नंक्कवक्कए जंपराया होत्वा । तए नं नंपाए  
 नवरीए अरहज्जपामोक्कवा न्ममे संजताणावावामिवया पतिवसंति अन्हा चाव  
 जपरिमुवा । तए नं से अरहज्जणे समणीवासए जामि होत्वा अग्निगवजीवाजीवे  
 जग्गओ । तए नं तेहि अरहज्जपामोक्कवानं संजताणावावामिवयानं जज्जना क्काइ  
 एक्कओ सद्धिवावं इमे(ए)वाक्कमे मिहोक्कासमुज्ज(धक्क)वै सधुप्पज्जिक्क-उरं कल्ल  
 जग्गं गमिमं(व) वरिदे न जेवं न प(पा)रिच्छेज्जं न मवरी यहाव जज्जसमुहं  
 पेववहवैवं ज्जेवाहितए-तिउहु जज्जम(व)वस्स एक्कहं पविबुद्धेति २ ता यमिदं  
 न ४ जेवंति २ ता समं(वि)वीसागं(वि)उरं (व) सज्जेति २ ता जमिमस्स ४  
 मंडवस्स समवसावज्जिं मरंति २ ता सोहंति विद्धिक्कवक्कवागमुहुंति विउरं  
 अचवं ४ उक्कवक्कवैति मितागइ मोक्कवैवाए मुंवावैति चाव वापुक्कंति २ ता  
 सयवीसागज्जिं जेवंति २ ता नंपाए नवरीए मज्जीमज्जीवं मिग्गक्कंति २ ता जेवेव

गभीरए पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति ० ता रागधीगागट्टियं मोयंति ० ता पोयवहण  
सज्जेति ० ता गणिमस्स(य) जाव चउत्तिह(स्स)भउगस्स भरेति तदुलाण य समियस्स  
य तेहस्स य घयस्स य गुलस्स य गोरसस्स य उदगस्स य उदयभायणाण य ओग  
हाण य भेसज्जाण य तणस्स य कट्टस्स य आवरणाण य पहरणाण य असेमि न  
चट्टण पोयवहणपाठग्गाण दव्याण पोयवहण भरेति (० ता) रोहणसि निहिक्खण  
नक्खत्तमुहुत्तांसि विउल अमण ४ उवक्खणवेति ० ता मित्ताइ० आपुच्छंति ०  
ता जेणेव पोयट्टाणे तेणेव उवागच्छति । तए ण तेसिं अरहणंग जाव वाणियगाण  
परियणो जाव ता(रिसे)हिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं अभिनदता य अभिसंयुणमाणा य  
एव वयासी-अज्ज । ताय । भाय । माउल । भादणेज्ज । भगवया समुदेण अभिर  
क्खित्तज्जमाणा ० चिरं जीवह भद्द च भे पुणरवि लद्धे कयकजे अणहसमग्गे नियग  
घरं हव्वमागए पासामो-त्तिरुद्ध ताहिं सोमाहिं निद्धाहिं धीहाहिं सप्पिवात्ताहिं पप्पु  
याहिं दिट्ठीहिं नि(री)रिक्खमाणा मुहुत्तमेत्त सच्चिट्ठति । तओ समाणिएसु पुप्फवत्ति-  
कम्मेसु दिनेसु सरसरत्तचदणदहरपचगुलितलेसु अणुक्खित्तांसि धूवसि पूडएसु समुद्  
वाएसु ससारियासु वलयवाहासु ऊसिएसु सिएसु क्षयग्गेसु पडुप्पवाडएसु तूरेसु जइएसु  
सव्वसउणेसु गहिएसु रायवरमासणेसु महया उक्खिट्ठसीहनाय जाव रवेण पक्खुभिय  
महासमुद्दरवभूयपिव मेइणिं करेमाणा एगदिमिं जाव वाणियगा ना(व)वाए दुल्ला ।  
तओ पुस्समाणवो वक्खमुदाहु-ह भो । सव्वेसिमवि अत्यसिद्धी उवट्ठियाइ वट्ठणाई  
पडिहयाइ सव्वपावाइ जुत्तो पूसो विजओ मुहुत्तो अय देसकालो । तओ पुस्समा  
णएण व(क्खे)क्खमुदा(हि)हरिए हट्ठुट्ठे कुच्छिधारकणधारगब्भि(ज)जसजत्तानावा  
वाणियगा वावारिंसु त नाव पुण्णुच्छग पुण्णमुहिं वधणेहितो मुचति । तए ण सा  
नावा विमुक्खवधणा पवणवलसमाहया ऊसि(उत्ति)यसिया विततप(पक्)खा इव गरु-  
(ड)लजुवई गगासलिलतिक्खसोयवेगेहिं सखुब्भमाणी २ उम्मीतरगमालासहस्साइ  
समइच्छमाणी २ कइवएहिं अहोरेत्तेहिं लवणसमुद्द अणेगाइ जोयणसयाई ओगाडा ।  
तए ण तेसिं अरहजगपामोक्खण संजत्तानावावाणियगाण लवणसमुद्द अणेगाइ  
जोयणसयाइ ओगाडाण समाणाण वट्ठइ उप्पाइयसयाइ पाठब्भूयाइ तंजहा-अकाले  
गजिए अकाले विज्जुए अकाले अणियसइ अभिक्खणं २ आगासे देवयाओ नच्चति  
एग च ण महं पिसायरूव पासंति तालजघ दिव-गयाहिं वाहाहिं मसिमूसगमहिंस-  
कालग भरियमेहवण्ण लंबोट्ट निग्गयग्गदत्त निल्लालियजमलजुयलजीह आऊसियव-  
यणगढदेस चीणत्ति(पिट)मिठनासियं विगयभुग्गभग्गभुमय खज्जोयगदित्तचक्खुराग  
उत्तासणगं विसालवच्छं विसालकुच्छिं पलवकुच्छिं पहसियपयलियपयडियगत पण-



सो(मे)गित्तए वा गडित्तए वा भंजित्तए वा उज्झित्तए वा परिशुद्धित्तए वा । त उ  
 ण तुम सीलव्वय जाव न परिशयसि तो ते अह एय पोयवहण दोहिं अंगुलियाहिं  
 गेण्हामि २ ता सत्तट्ठनल्लप्पमाणमेत्ताइं उह्व वेहास उच्चिहामि (२ ता) अतो-  
 जलसि निच्छोलेमि जा(जे)ण तुम अट्ठदुह्वसट्ठे अगमाहिपसे अकाले चेव नीति  
 याओ धवरोविज्जसि । तए ण से अरहन्नगे समणोवासए त देव मगगा चेव एव  
 वयासी-अह ण देवाणुप्पिया । अरहन्नए नाम समणोवासए अहिगयजीवाजीवे, नो  
 खलु अह सक्का केणइ देवेण वा जाव निग्गयाओ पावयणाओ चालित्तए वा गोभि  
 त्तए वा विपरिणा(मे)मित्तए वा, तुम ण जा सत्ता त करोहि-त्तिकहु अर्भाए जाव  
 अभिन्नमुहरागनयणवण्णे अदीगविमणमाणने णियले निष्फंदे तुत्तिणीए धम्मज्झाणो-  
 वगए विहरइ । तए ण से दिव्वे पिसायरूवे अरहन्नग ममणोवासगं दोशपि तन्नपि  
 एव वयासी-ह भो अरहन्नगा । जाव (अधीणविमणमाणसे निचले निष्फंदे तुत्तिणीए)  
 धम्मज्झाणोवगए विहरइ । तए ण से दिव्वे पिसायरूवे अरहन्नग धम्मज्झाणोवगं  
 पासइ २ ता वलियतराग आसुस्ते त पोयवहण दोहिं अंगुलियाहिं गिण्हइ २ ता  
 सत्तट्ठतलाइ जाव अरहन्नग एव वयासी-ह भो अरहन्नगा । अपत्थियपत्थिया । नो  
 खलु कप्पइ तव सीलव्वय तहेव जाव धम्मज्झाणोवगए विहरइ । तए ण से पिसा-  
 यरूवे अरहन्नग जाहे नो सचाएइ निगंथाओ० चालित्तए वा (०ताहे)नहेव (उव)-  
 सत्ते जाव निव्विण्णे तं पोयवहण मणिय २ उवरिं जलस्स ठवेइ २ ता त दिव्व  
 पिसायरूव पडिसाह(र)रेइ २ ता दिव्व देवस्स विउव्वइ २ ता अतलिक्खतपडिव्वे  
 सखिखि(णि)णीयाइ जाव परिहिए अरहन्नग समणोवासग एव वयासी-ह भो अर-  
 हन्नगा ! धन्नोसि ण तुम देवाणुप्पिया । जाव जीवियफले जस्स ण तव निग्गंघे  
 पावयणे इमेयारूवा पडिवत्ती लद्धा पत्ता अभिममज्जागया, एवं खलु देवाणुप्पिया ।  
 सक्के देविंदे देवराया सोहम्मो कप्पे सोहम्मवडिसए विमाणे सभाए सुहम्मए यहुणं  
 देवाण मज्झगए महया [२] सहेण [एवं] आइक्खइ ४-एव खलु जवुहीवे २ भारहे वासे  
 चपाए नयरीए अरहन्नए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे नो खलु सक्का केणइ देवेण  
 वा (दाणवेण वा) ६ निग्गयाओ पावयणाओ चालित्तए वा जाव विपरिणामित्तए वा ।  
 तए ण अह देवाणुप्पिया । सक्कस्म (देविंदस्स) नो एयमह्व सद्दहामि(०) । तए ण मम  
 इमेयारूवे अज्झत्थिए०-गच्छामि ण [अह] अरहन्न(य)गस्स अतिय पाउब्भवामि  
 जानामि ताव अह अरहन्नग किं पियधम्मो नो पियधम्मो, दढधम्मो नो दढधम्मो,  
 सीलव्वयगुणे किं चालेइ जाव परिश्वयइ नो परिश्वयइ-त्तिकहु एवं सपेहेमि २ ता  
 ओहिं पज्जामि २ ता देवाणुप्पिय ओहिणा आभोएमि २ ता उत्तरपुरच्छिम २





वयासी-एव खलु सामी ! अम्हे इहेव चपाए नयरीए-अरहन्गपामोक्खा बह्वे सजत्तगानावावाणियगा परिवसामी । तए ण अम्हे अन्नया कयाइ गणिम च ४ तहेव अहीण(म)अइरित्त जाव कुभगस्स रज्जो उवणेमो । तए ण से कुंभए महीए २ त दिव्वं कुडलजुयलं पिण्ढेइ २ ता पडिविसजेइ । त एस ण सामी ! अम्हेहिं कुंभ[ग]रायभवणसि मल्ली २ अच्छेरए दिट्ठे । त नो खलु अन्ना कावि तारिसिया देवकन्ना वा जाव जारिसिया ण मल्ली २- । तए ण चदच्छाए(ते)अरहन्गपामोक्खे सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ ता [उस्सुकं वियरइ] पडिविसजेइ । तए ण चदच्छाए वाणियगजणियहासे दूय सद्दावेइ जाव जइ वि य ण सा सय रज्जसुक्का । तए ण से दूए हट्ठ जाव पहारेत्य गमणाए (२) ॥ ७७ ॥ तेण कालेण तेण समएण कुणाला नामं जणवए होत्या । तत्थ ण सावत्थी नाम नयरी होत्या । तत्थ ण रुप्पी कुन्ना लाहिवई नाम राया होत्या । तस्स ण रुप्पिस्स धूया धारिणीए देवीए अत्तमा सुवा(हु)ट्ठ नाम दारिया होत्या सुकुमाल जाव रुवेण य जोव्वणे(ण)ण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्या । तीसे ण सुवाट्ठए दारियाए अन्नमा चाउम्मासियमज्जणए जाए यावि होत्या । तए ण से रुप्पी कुणालाहिवई सुवाट्ठए दारियाए चाउम्मासियमज्जणय उवट्ठियं जाणइ २ ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ ता एवं वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया ! सुवाट्ठ(ए)दारियाए कल्ल चाउम्मासियमज्जणए भविस्सइ । त(क्ल्ल)तुम्भे ण रायमग्गमोगाढसि(चउक्कसि)मंडवंसि जलयलयदसं द्ववण्णमल्लं साह(रे)रह जाव सिरिदामग(डे)ड ओलइति । तए ण से रुप्पी कुणाला-हिवई सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ २ ता एव वयासी-खिप्पामेव भो- देवाणुप्पिया ! रायमग्गमोगाढसि पुप्फमडवसि नाणाविहपंचवण्णेहिं तदुलेहिं नयरं आलिहइ तस्स बहुमज्जदेसभाए पट्ठय रएह जाव पच्चप्पिणति । तए ण से रुप्पी कुणालाहिवई हत्थि खधवरगए चाउरंगिणीए सेणाए महया भट्ठचडगर जाव अंतेउरपरियालसपरिवुडे सुवाट्ठ दारियं पुरवो कट्ठु जेणेव रायमग्गे जेणेव पुप्फमडवे तेणेव उवागच्छइ २ ता हत्थिखधाओ पम्भोरुहइ २ ता पुप्फमड(व)वे अणुप्पविसइ २ ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे । तए ण ताओ अतेउरियाओ सुवाट्ठ दारियं पट्ठयसि दुरुहेति २ ता से(य)यापीयएहिं कलसेहिं ण्हारिणति २ ता सव्वालकारविभूसियं करेति २ ता पिउणो पा(य)यवदि(उ)यं उवणेति । तए ण सुवाट्ठ दारिया जेणेव रुप्पी राया तेणेव उवागच्छइ २ ता पायग्गहण करेइ । तए ण से रुप्पी राया सुवाट्ठ दारियं अक्के निवेसेइ २ ता सुवाट्ठ(ए)दारियाए रुवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य (जाव विम्हिए) जायविम्हए वरिसधरं सद्दावेइ २ ता एवं वयासी-तुमं

उत्तरवेदमित्रं ताप सविद्यापु(बाप)जेयैव जगन्समुद्रे जेयैव देवातुप्पिया तेयैव  
सवात्तममि २ ता देवातुप्पि(पार्श्व)मं उक्कसम्मी करेमि नो जेय नं देवातुप्पिया  
मीना वरं ) तं वं नं उक्क २ [एवं] वनह सवै नं एउमग्गे, तं दिट्ठे नं देवा-  
तुप्पियानं इट्ठी बाव परक्कमे ल्ळे पतो जमिसमवायए । तं जामेमि नं देवातु-  
प्पिया । कम्मं मरुत्तं नं देवातुप्पिया । वात्तुज्जो (२) एवंपरववाए-सिक्खु पंज-  
सिक्खे पाक्कसिए एउमग्गे निजएने मुज्जो २ जामेइ (२ ता) अरहजप्पस [३] दुवे  
कुंडळकुत्तं इउमग्गे २ ता जामेव विंति पाठक्कए तागैव(विंति)पविणए ॥ ७९ ॥  
तए नं से अरहजए विउक्कसम्पविंतिक्खु पविमं पारेइ । तए नं से अरहजपपा-  
मोक्कवा बाव वाक्किवया इमिजवात्तुज्जेनं वाएवं जेयैव गंभीरए पोव(एउमे)दुवै  
उमेव उवागच्छंति २ ता पोवं जेयंति २ ता उयविंसागं उयंति (२ ता) तं  
पविमं [३] ४ उयविं उयंति २ ता उयविं जो(ए)विंति २ ता जेयैव मिहि  
ज ( ) उमेव उवागच्छंति २ ता मिहिवाए उयवाणीए वज्जिवा अन्तुज्जानंति उय  
उयवाणं मोरंति २ ता (मिहिजए उयवाणीए तं)महत्वं ( महत्वं महत्ति ) निजं  
उयवाणं पाहुवं कुंडळकुत्तं न जेयंति २ ता (मिहिजए उयवाणीए) अन्तुप्पवि-  
संति २ ता जेयैव कुंमए(रावा) तेयैव उवाव-उंति २ ता कयज बाव महत्वं  
विज्ज कुंडळकुत्तं उयवेति । तए नं कुंमए(रावा) तेवि संजतपार्श्व बाव पवि  
उय २ ता मज्जि २ उयवेइ २ ता तं विज्ज कुंडळकुत्तं मज्जि २ विज्जवेइ २ ता  
पविमिउयवेइ । तए नं से कुंमए रावा ते अरहजपपासोक्कवे बाव वाक्किजो विपु  
जेनं (अउ) कयजपमज्जवेउरं बाव उरुत्तं विपय २ ता उयममसोयाड-  
(इ)व जावासे विपय [२ ता] पविमिउयवेइ । तए नं अरहजपपासंजतपा जेयैव  
उयममसोयाड बावासे तेयैव उवागच्छंति २ ता मंडववहरं करंति (२ ता)  
पविमं(इ)वे जेयंति २ ता उयविं मरंति जेयैव गंभीरए पोवपहने उमेव उवा-  
वच्छंति २ ता पोवपहने उयंति २ ता मंडं उयंति इमिजवात्तु जेयैव नंवा  
पोवपहने तेयैव पोवं जेयंति २ ता उयविं उयंति २ ता तं पविमं ४ उयविं  
उयंति बाव महत्वं [महत्वं] पाहुवं विज्ज न कुंडळकुत्तं जेयंति २ ता जेयैव  
नंरहजए अयराया तेयैव उवागच्छंति २ ता तं महत्वं बाव उयवेति । तए नं  
नंरहजए जंगउवा तं विज्ज महत्वं(व) कुंडळकुत्तं पविच्छ २ ता तं अरह  
जपपासोक्कवे एवं ववाणी-दुक्खे नं देवातुप्पिया । वात्ति वायापर बाव अरिइइ  
उयवउत्तं नं जमिक्कनं २ पोवपहनेइ वीयावेइ, तं जमिपार्श्व मे केइ कंवि  
अउरए दिउउयै । तए नं से अरहजपपासोक्कवा नंरहजपपां अयउवं एवं

२ ता वाणारसीए नयरीए मज्जमज्जेण जेणेव सगे कामीराया तेणेव उवागच्छति  
 २ ता करयल जाव चद्धावेति २ ता (पाहुण पुरओ ठांति २ ता संवरथे) एवं  
 वयासी-अम्हे ण सामी ! मिहिलाओ (नयरीओ) कुभएण रत्ता निव्विसया आणत्ता  
 समाणा इ(ह)ह हव्वमागया, त इच्छामो णं सामी ! तुव्वं पाहुच्छायापरिगहिया  
 निव्वमया निरुव्विग्गा सुहंघुहेण परिवसित । तए ण सगे कासीराया ते सुवण्णगारे  
 एव वयासी-किं ण तुव्वे देवाणुप्पिया ! कुंभएण रत्ता निव्विसया आणत्ता १ तए  
 ण ते सुवण्णगारा सव एव वयासी-एव उल्लु सामी ! कुभगस्स रत्तो धूयाए पभा  
 वईए देवीए अत्तयाए मलीए कुडलजुयलस्स सधी विसवडिए । तए ण से कुभए  
 सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ जाव निव्विसया आणत्ता । त एएण कारणेण सामी ! अहं  
 कुभएण निव्विसया आणत्ता । तए ण से सगे सुवण्णगारे एव वयासी-केरिसिया  
 ण देवाणुप्पिया ! कुभ(ग)स्स [रत्तो] धूया पभावईदेवीए अत्तया मली विदेहराप्प  
 वररुत्ता १ तए ण ते सुवण्णगारा स(स)स राय एव वयासी-नो खलु सामी ! सत्ता  
 का(ई)वि तारिसिया देवरुत्ता वा गधव्वरुत्ता वा जाव जारिसिया ण मली २ तए ण  
 से सखे कुंडल(जुअल)जणियहासे दय सद्दावेइ जाव तहेव पहारेत्थ गमणाए (४)  
 ॥ ७९ ॥ तेण कालेण तेण समएण कुरुजणवए होत्था । हत्थिणाउरे नयरे । अदी  
 णसत्तु नाम राया होत्था जाव विहरइ । तत्थ णं मिहिलाए [तस्स ण] कुंभगस्स पुते  
 पभावईए अत्तए मलीए अणु[मग्ग]जायए मल्लदि(ण्ण)एत्तं नाम कुमारे जाव जुवराया  
 यावि होत्था । तए णं मल्लदिजे कुमारे अन्नया कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ ता एवं  
 वयासी-गच्छह ण तुव्वे मम पमदवणसि एग मह चित्तसभं करेह अणेग जाव  
 पच्चप्पिणंति । तए णं से मल्लदिजे चित्तगरसेणिं सद्दावेइ २ ता एव वयासी-तुव्वे ण  
 देवाणुप्पिया ! चित्तसभ हावभावविलासविव्वोयकलिएहिं रुवेहिं चित्तेह जाव पच्च-  
 प्पिणह । तए ण सा चित्तगरसेणी तहत्ति पडिमुणेइ २ ता जेणेव सयाइ गिहाई  
 तेणेव उवागच्छइ २ ता तलियाओ वण्णए य गेण्हइ २ ता जेणेव चित्तसभा तेणेव  
 (उवागच्छइ २ ता) अणुप्पविसइ २ ता भूमिभागे विरयइ २ ता भूमिं सज्जेइ २  
 ता चित्तमभं हावभाव जाव चित्तेउ पयत्ता यावि होत्था । तए णं एगस्स चित्तग-  
 रस्स इमेयारूवा चित्तगरलद्धी लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया-जस्स ण दुपयस्स वा  
 चउ(प)प्पयस्स वा अपयस्स वा एगदेसमवि पासइ तस्स ण देसाणुसारेण तयाणु-  
 रूव [रूव] नि(व्व)वत्तेइ । तए ण से चित्तगर(दार)ए मलीए जवणियतरियाए जाल  
 तरेण पार्यगुट्ठ पासइ । तए णं तस्स(ण) चित्तगरस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव  
 समुप्पज्जित्था-सेय खलु मम मलीए २ पार्यगुट्ठाणुसारेण सरिसगं जाव गुणोववेयं

न वेवापुमिवा । मम कोवेन बहुणि यामागरनगरविहाणि अनुपमिउति तं  
 अतिवार्त्ते ते कस्मिन् रथो वा ईसरस्त वा कस्मिन् एवारिउप मज्जपु विदुपुम्मे  
 वारिउप न इमिसे सुवापुवारिवाए मज्जपु । तए नं से वरिसवरे एधि करनक  
 वाव वडावेत्ता एनं वडासी-एनं कम्पु सामी । जई अजया तु(म्मे)म्मे कोवेन  
 मिहिने यए, तए नं मए कुंभगस्त रथो धूवाए पमावईए बेवीए वाताए मज्जए  
 १ मज्जपु मिहे, तस्य नं मज्जगस्त इ(मे)मीए सुवाटु(ए)वारिवाए मज्जपु  
 सयमहस्सइमि कम्पे न अ(म्मे)म्मे । तए नं से इमी एया वरिसवरस्त अंति  
 (ए)मं एम्मा सुवा मिउम्मा(से) तहेव) मज्जपुवमिवासे इत्तं सहावैह वाव  
 वेव मिहिवा ववरी तेवेव पहारेत्त पम्माए (३) ॥ ७ ॥ तेनं काठेयं तेनं  
 समएनं काठी म्मे जम्माए होत्ता । उत्त नं वाचारसी नामं ववरी होत्ता । तए  
 नं संवे नामं वावीरया होत्ता । तए नं तीसे मज्जए १ अजया कवाह तस्य  
 दिव्वत्त इंडककुम्पस्स संवी मिउंवाटिए वामि होत्ता । तए नं ॥ इमए एया  
 सुवग्गपारसेमि सहावेह १ ता एनं वडासी-तुम्मे नं वेवापुमिवा । इमस्स दिव्वत्त  
 इंडककुम्पस्स संवि संवाटिह । तए नं सा सुवग्गपारसेमी एवमत्तं तइति पठित्तेह  
 १ ता तं दिव्वं इंडककुम्पस्स गेव्हइ १ ता वेवेव सुवग्गपारमिउिवाओ तेवेव सवा-  
 म्पछइ १ ता सुवग्गपारमिउिवाओ विवेसेइ १ ता बहुईं आपुइि व वाव परिणामे  
 मावा इच्छ(मि)इ तस्य दिव्वत्त इंडककुम्पस्स संवि वडितए नो वेव नं संवा  
 एह (से)वडितए । तए नं सा सुवग्गपारसेमी वेवेव कुंभए एवेव सवाम्पछइ १ ता  
 करनक वाव वडावेत्ता एनं वडासी-एनं कम्पु सामी । अज तु(म्मे)म्मे अम्मे सहावैह  
 वाव संवि संवाटिह ए(व)वमा(ने)मतिनं पवप्पिह । तए नं अम्मे तं दिव्वं इंड  
 ककुम्पस्स गेव्हमो वेवेव सुवग्गपारमिउिवाओ वाव नो संवाएमो संवाडितए । तए  
 नं अम्मे सामी । एवस्स दिव्वत्त इंडककुम्पस्स अज सरिसवं इंडककुम्पस्स वडिमो । तए  
 नं से इमए एया तीसं सुवग्गपारसेमी अंतिए एवमत्तं सोवा मितम्मा वाटुइते ४  
 तिनिमं मिउि मिडाके साहावु एनं वडासी-(से)के)केस नं तुम्मे कम्मयाव म्मह (१)  
 जे नं तुम्मे इमस्स [दिव्वत्त] इंडककुम्पस्स नो संवाएह संवि संवाडितए । त  
 सुवग्गपारे मिउिउए वाववैह । तए नं सं सुवग्गपारा कुं(मे)मयेव रथा मिउिउमया  
 वावाता समावा वेवेव सवाई १ मिहाई तेवेव उवापपडंति १ ता समंडमत्तेवपर  
 वमाम्प(ओ)ए मिहिवाए रावहाणीए मज्जावज्जीनं मिउममि १ ता विरेइस्स  
 अजवरत्त मज्जावज्जीनं वेवेव काठी अजवए वेवेव वाचारसी ववरी तेवेव उवा  
 पपडंति १ ता अजुवावेति सवमीसापई मोएणि १ ता महत्तं वाव वाटुइ गेव्हइ

गच्छइ २ ता त रुयल जाव धत्तावेइ २ ता पाहुई उवणेइ २ ता एवं वयासी-  
एव खलु अहं सामी ! मिहिलाओ रायहाणीओ कुभगस्स रत्तो पुत्तेणं पभावरं  
देवीए अत्तएण मत्तदिग्गे कुमारेणं निव्विसए आणत्ते गमाणे ३(ह)ह हव्वमाणए  
त इच्छामि ण सामी ! तुब्भं माहुच्छायापरिरगहिए जाव परिवसितए । तए णं  
से अदीगसत्तू राया त चित्तगरदाग्य एव वयासी-किञ्च तुमं देवाणुप्पिया !  
मादिग्गेण निव्विसए आणत्ते ? । तए णं से चित्त(य)गरदारए अदीगम(त्तु)त्तुं रा  
एवं वयासी-एवं खलु मामी ! मत्तदिग्गे कुमारे अजया कया(इ)इ चित्तगरसेणि गदावे  
२ ता एव वयासी-तुब्भे ण देवाणुप्पिया । मम चित्तमभं त चेव मव्व भाणिदम  
जाव मम संडासगं छिदावेइ २ ता निव्विसय आणवेइ, त एव खलु [अहं] सामी !  
मत्तदिग्गेण कुमारेण निव्विसए आणत्ते । तए णं अदीगसत्तू राया त चित्तगरं ए  
वयासी-से केरिसए ण देवाणुप्पिया ! तुमे महीए त(दा)हाणुरूवे (रूवे) निव्व  
त्तिए ? । तए णं से चित्तगरे कक्खतराओ चित्तफल(य)गं नीणेइ २ ता अदीगमत्तुस्स  
उवणेइ २ ता एव वयासी-एस णं मामी ! महीए २ तयाणुरूवस्स रूवस्स के  
आगारभावपडोयारे निव्वत्तिए, नो खलु सप्पा केणइ देवेण वा जाव महीए :  
तयाणुरूवे रूवे निव्वत्तिए । तए णं [से] अदीगसत्तू (राया) पडिस्वजणियहासे द  
सद्दावेइ २ ता एव वयासी तहेव जाव पहारेत्तय गम(ण्या)णाए (५) ॥८०॥ तेण  
कालेण तेण समएण पञ्चाले जणवए कपि(त्ते)ळपुरे (नाम) नयरे (होत्था) । जिव  
सत्तू नाम राया पञ्चालाहिबई । तस्स ण जियसत्तुस्स धारिणीपामोक्ख दे(वि)वीस-  
हस्स ओरोहे होत्था । तत्तय णं मिहिलाए चोक्खा नाम परिव्वाइया रिठव्वेय जाव [सु]प-  
रिणिट्ठिया यावि होत्था । तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मिहिलाए बहूण राईसर  
जाव सत्तवाहपभिईण पुरओ दाणधम्मं च सोयधम्मं च तित्थाभिसेयं च आघवे-  
माणी पन्नवेमाणी परुवेमाणी उवदसेमाणी विहरइ । तए णं सा चोक्खा (परिव्वा-  
इया) अजया कयाई तिदंढ च कुंडियं च जाव धाउरत्ताओ (य) ४ गेण्हइ २ ता  
परिव्वाइगावसहाओ पडिनिक्खमइ २ ता पविरलपरिव्वाइयासद्धिं संपरिवुडा  
मिहिल रायहाणिं मज्झमज्झेण जेणेव कुभगस्स रत्तो भवणे जेणेव कप्पतेउरे जेणेव  
मही २ तेणेव उवागच्छइ २ ता उदयपरि(फा)फोसियाए दब्भोवरि पच्चत्तुयाए  
भिसियाए नि(सि)सीयइ २ ता महीए २ पुरओ दाणधम्मं च जाव विहरइ । तए  
णं मही २ चोक्ख परिव्वाइय एव वयासी-तुब्भे णं चोक्खे । किमूलए धम्मे  
पन्नत्ते ? । तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मल्लि २ एवं वयासी-अम्ह णं देताणु-  
प्पिए ! सोयमूलए धम्मे पन्न(वेमि)त्ते, जं णं अम्हं किञ्चि अस्सई भवइ तं णं उद-

स्मर्त्तुं निम्बतिष्ठत् । एवं संप्रति २ ता मृगिमागं सज्जेत् (२ ता) मनीए २ पायंगु-  
 सुतारेणं वाव निम्बतेत् । तत्वं स विगतपरसेवी विगतसं वाव हावमा(वे)र्त्तु  
 विद्येत् २ ता जेनेव मरिचिसे कुमारे तेनेव उवायगच्छत् वाव ए(व)वनावतिर्यं वव  
 निम्बत् । तत्वं स मरिचिसे विगतपरसेवि सज्जेत् २ ( ) विपुल जीविवातिर्त्तु पीरुवा  
 व(वे)वच्छत् २ ता एविमिचज्जेत् । तत्वं स मरिचिसे (कुमारे) जज्जेत् वाव अंतेव  
 एविवावच्छत् २ ता जज्जेत् । तत्वं जेनेव विगतसं ता तेनेव उवायगच्छत् २ ता  
 विगतसं अनुपपत्तिवत् २ ता हावमावतिर्यस(वि)विम्बोवच्छत् २ ता हाव पासमाने  
 (२) जेनेव मनीए २ तावज्जुस(वे)र्त्तु निम्बतिष्ठत् तेनेव पहारेव वममाए । तत्वं स  
 से मरिचिसे (कुमारे) मनीए २ तावज्जुसं निम्बतिष्ठत् पासत् २ ता इमेवास्मै अज्जेत्तिष्ठत्  
 वाव अनुपपत्तिवत्-एव स मनी २ विच्छत् जज्जेत् पीरुए वि(अंते)व सज्जेत् २  
 पवोचत् । तत्वं स [२] मरिचिसे जज्जेत् वाव [सज्जेत् २] पवोचत् पासत् एवं  
 वच्छत्-विच्छत् पुता । जज्जेत् पीरुए विच्छत् सज्जेत् २ पवोचत् । तत्वं स  
 मरिचिसे जज्जेत् वाव ववासी-हुत्तं स जज्जेत् । मम जेज्जेत् मतिनीए पुच्छेवव-  
 मच्छत् जज्जेत् वाव मम विगतपरसेवि सज्जेत् अनुपपत्तिवत् । तत्वं स जज्जेत्  
 वाव मरिचिसे कुमारे एवं ववासी-मो वच्छत् पुता । एव मनी एव स मनीए २  
 विगतपरसेव तावज्जुसं निम्बतिष्ठत् । तत्वं स [३] मरिचिसे जज्जेत् वाव एवमच्छत् सोवा  
 निम्बत् वाव [४] एवं ववासी-वेव स मो (१) [३] विगत(व)परए अपविचवपविच  
 वाव पविचवपविच स स मम जेज्जेत् मतिनीए पुच्छेववमच्छत् वाव निम्बतिष्ठत्-विच्छत्  
 तं विगतं वच्छत् वाववेत् । तत्वं स विगत(२)वेवी इमीसे क्काए वच्छत् समाना  
 जेनेव मरिचिसे कुमारे तेनेव उवायगच्छत् २ ता कववच्छत्तिष्ठत् वाव वच्छत्ता  
 एवं ववासी-एवं वच्छत् सामी । तत्वं विगतपरसेव इमेवास्मा विगत(२)परच्छत् मच्छत्  
 पाव जमिचमवाववा-वच्छत् स पुववच्छत् वा वाव निम्बत्, तं वा स सामी । पुच्छे तं  
 विगतं वच्छत् वाववेत्, तं पुच्छे स सामी । तत्वं विगतपरसेव जज्जेत् तावज्जुसं दं  
 निम्बत् । तत्वं स से मरिचिसे तत्वं विगतपरसेव ववावच्छत् विच्छत् २ ता निम्ब  
 सज्जेत् वाववेत् । तत्वं स विगतपरसेव मरिचिसे विच्छत् जज्जेत् (समावे) सज्जेत्-  
 माविवरवमच्छत् निम्बत् जज्जेत् नयरीमो निम्बत् २ ता निवेत् वनवव मज्जेत्-  
 ज्जेत् जेनेव इच्छववव जेनेव इच्छववव नयरी (जेनेव जरीवसगू एवा) तेनेव  
 उवायगच्छत् २ ता मज्जेत्तिष्ठत् जेनेव २ ता विगतसं सज्जेत् २ ता मनीए २  
 पायंगुसुतारेणं वव निम्बत् २ ता वववच्छत् जज्जेत् २ ता मरिचिसे वाव पावुव  
 वेव २ ता इच्छववव नयरी मज्जेत्तिष्ठत् जेनेव जरीवसगू एवा तेनेव उवा-

द्विए असं अगच्छ वा तलाग वा दहं वा मरं वा मागं वा अपासमाणे (मयं) मर-  
 अय चेव अगच्छे वा जाव मागं वा । तए ण ते इत्थं भवे मागुरए दहुरे इत्यमागए । तए  
 ण से इत्थदहुरे त त्त(गा)मुरदहुरं एवं वयासी-स केव नं तुमं देवाणुप्पिया । को  
 वा इह इत्यमागए । तए ण से मागुरए दहुरे त इत्थदहुरं एव वयासी-एवं  
 देवाणुप्पिया । अह मागुरए दहुरे । तए ण से मुरदहुरं त मागुरं दहुरं  
 वयासी-केमदालए ण देवाणुप्पिया । से ममुदे । तए ण से मागुरए दहुरे त इत्थ  
 दहुरं एव वयासी-महालए ण देवाणुप्पिया । ममुदे । तए ण से मुरदहुरे पाणं तं  
 वहेइ २ ता एव वयासी-एवमहालए ण देवाणुप्पिया । से ममुदे । ना इण्ठे समे  
 महालए ण से ममुदे । तए ण से मुरदहुरे पुर(च्छि)त्तमिणओ तीराओ उरि  
 ताण[पचत्थिमि तीरे]गच्छ २ ता एवं वयासी-एवमहालए ण देवाणुप्पिया । से  
 ममुदे । नो इण्ठे(ममत्ते)तदेव । एवमेव तुमपि जियससू अजेमि वृद्ध राईगर जव  
 सत्यवाह(प)प्पभिईण भज्जवा भणिणि वा धूरं वा मुर, वा अपासमाणे जा(ने)त्ते  
 जारिसए मम चेव ण ओरोहे तारिमए नो अपस्य । त एव गल्लु जियसस । मिहे  
 लाए नयरीए कुभगस्स धूया पभावईए असिया मानीनाम(ति) २ एव न(जुवणे)।  
 जाव नो गल्लु अजा काइ देवपप्पा वा जारिसिया मगी । विदेहवररायक्काए छिस्स  
 वि पायगुट्ठगस्स इमे तव ओरोहे रायसहस्सइमपि कल्ल न अग्घइ-तिरुद्ध जामेव  
 दिसं पाउब्भूया तामेव दिस पडिगया । तए ण से जियमसू परिव्याइयाजिदहमे  
 दूरं सहावेइ जाव पहारेत्थ गमणाए(६)॥ ८१ ॥ तए ण तेसि जियस(तु)त्तुपामो  
 क्ख्वाग छग्घ राईण दूया जेणेव मिहिला तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए ण छप्पि  
 (य)दू(तका)यगा जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छति २ ता मिहिलाए अगुज्जांसि  
 पत्तेयं २ सधावारनिवेस करंति २ ता मिहिल रायहाणि अणुप्पविसति २ ता  
 जेणेव कुभए तेणेव उवागच्छति २ ता पत्तय(२)करयल जाव साणं २ राईण वय  
 णाई निवेदंति । तए ण से कुभए(राया)तेसि दूयाण(अतिए)एयमट्ट सोया आमुत्ते  
 जाव तिवलिय भिउडिं(णिडाले साहट्ट)एव वयासी-न देमि ण अह तुब्भ मत्ति २  
 तिकट्ट ते छप्पि दूए असक्कारिय असम्माणिय अवदारेण निच्छुभावेइ । तए ण  
 जियसत्तुपामोक्ख्वाग छण्हं राईण दूया कुभएण रजा असक्कारिया असम्माणिया  
 अवदारेण निच्छुभाविया समाणा जेणेव सगा २ ज(जा)णवया जेणेव सयाई २  
 नगराई जेणेव स(गा)या २ रायाणो तेणेव उवागच्छति २ ता करयल जाव एव  
 वयासी-एव खल्लु सामी । अम्हे जियस(तु)त्तुपामोक्ख्वाग छग्घ रा(ई)याण दूया  
 जमगसमग चेव जेणेव मिहिला जाव अवदारेण निच्छुभावेइ । त न देइ ण

एष न मस्मिन् एष न मस्मिन् एष न मस्मिन् एष न मस्मिन् एष न मस्मिन्  
 एवं एवं ववाटी-बोकका । से बहामामए के(ई)इ पुरिष्ठं बहिरकम् बत्तं बहिरे(न)नं  
 येन बोवेजा बस्ति नं बोकका । तस्स बहिरकम्सत्त बत्तस्स बहिरेनं बोम्ममावत्त  
 का(ई)इ सोही । नो इहए समोहे । एवामेव बोम्मका । तुम्मे नं पाण्डुवाएवं जाव  
 मिच्छासम्पत्तेनं नत्ति काइ सोही बहा (न) वा तस्स बहिरकम्सत्त बत्तस्स बहि-  
 रेनं येन बोम्ममावत्त । तए नं सा बोम्मका परिम्मात्तना ममीए १ एवं बुता धमा  
 (ना)नी संमिमा बंकिमा निग्गिच्छिमा मेवसमावत्ता जायए(वा)मि होरेवा ममीए  
 यो संवाएए निविमि पाम्मेयकमाइनिजणए तुमिनीमा संविद्ध । तए नं तं बोम्मकं  
 कवीए ] ब(इ)हुवो दासकेवीवो हीकेति निवति विवति व(र)रीति अप्पेगइव  
 [बो] हेस्स(व)येति अप्पेयइवा सुहमवडिवावो करेति अप्पेगइवा ववावीमे करेति  
 अप्पेयइवा त(ज)येमावीवो (क क ) ताकेमा(मि)पीवो (क०न ) निच्छु(मं)  
 इति । तए नं सा बोम्मका ममीए १ दासकेविवाहि हीकिज्जमावी जाव मस्मिज्जमावी  
 जाइरता जाव मिमिस्सेमावी ममीए १ पम्मेसमावत्त [२] मिमिं मेवइ १ तए  
 कर्त्तव्यतामे पत्तिनिकम्मइ १ ता मिमिज्जमो निगच्छइ १ ता परिम्माइवसंपरिबुडा  
 येमेव पंवाज्जववए येमेव बंकिपुरे तेमेव उवावच्छइ १ ता बहून् उईसरं जाव  
 पस्सेमावी निहरइ । तए नं से विवसणुं अक्खा क्खाइ बंतेतरपरिवात्तमदि संप-  
 रिबुके एवं जाव निहरइ । तए नं सा बोम्मका परिम्माइवसंपरिबुडा येमेव विव  
 सणुस्स रब्बो मक्खे केदिय विवसणुं तेमेव उवावच्छइ १ ता) अनुपमिच्छइ १ ता  
 विवसणुं कएवं विवएवं बहावेइ । तए नं से विवसणुं बोम्मकं परिम्माइवं एज्जमानं  
 वावइ १ ता हीहावत्तामे अक्खुइ १ ता बोम्मकं (परिम्माइवं) तटारेइ १ ( ) जास  
 केनं उवनिर्मतेइ । तए नं सा बोम्मका उववपरिपोत्तिवाए जाव मिमिवाए निमिच्छइ  
 विवसणुं रावं ग्गे व जाव बंतेडरे व तुमसीरतं पुण्णइ । तए नं सा बोम्मका  
 विवसणुस्स रब्बो दाववम्मे व जाव निहरइ । तए नं से विवसणुं अप्पवो ओरो-  
 ईति (याव निमिहए) जावमिहए बोम्मकं (परिम्माइवं) एवं ववाटी-तुमं नं वेवा-  
 तुग्गिम्मा । बहूनि यामामर जाव (अवइ) जाहिइति बहूव व उईसरमिहाइ अनु-  
 प्पमिच्छ(मि)हि, तं बस्तिवाइं ते कस्स(मि)इ रब्बो वा जाव एरितए ओरोहे रिड-  
 पुम्मे वारितए नं इमे म(इ)म ओ(उव)रोहे । तए नं सा बोम्मका परिम्माइवा  
 विवसणुं (उवं) एवं (ववाटी-)इति अवहसिवं करेइ १ ता एवं ववाटी-(एवं न)  
 सरीएवं नं तुमं वेवातुप्पिवा । तस्स अवववहुंस्स । केम नं वेवातुप्पिए । से अक्-  
 वरहुरे । विवसणुं । से बहामामए अणववहुरे सिवा से नं तत्त जए तत्तेव बु(हि)-





तामी । कुंमए मज्झि १ । छात्र १ राईयं एयमहुं निवेदिंति । तए नं ते विवमनु  
 एमोक्खा अपि रात्राणो तेहिं वृत्तायं अंतिए एयमहुं छेवा(निधम्म)भासता  
 अयमवस्स वृत्तपेयसं करोति ( ) एवं ववाटी-एवं महुं वेवावुप्पिया । अम्हं ऊर्हं  
 राईयं वृत्ता अयमवस्सो वेव जाव निधुत्ता । तं सेवं महुं वेवावुप्पिया । (अम्हं)  
 कुंमगस्स वती मेहिहण्-निधुत्ता अयमवस्स एयमहुं पविष्ठवेति १ या व्हाया  
 सचखा इतिवत्तवरणया सचो(रे)रिटमग्गामा जाव सेववरवाभराहिं ( ) महवा-  
 इवपवत्तपरयोहकट्ठियाए वाउरंयिनीए सेवाए सद्धिं संपरिपुवा सम्मिणीए जाव  
 रवेणं सएहिं[नो] १ नगरेहिंनो जाव मिगच्छंति १ ता एगवत्तो मिग्गवंति (१त्ता)  
 केनेव मिद्धिक्क तेनेव पहारेत्त यमवाए । तए नं कुंमए रात्रा इमंते क्खए  
 क्खत्ते समाने वक्काद्वं सहावेइ १ ता एवं ववाटी-विष्णामेव(मो वेवावुप्पिया ।)  
 इव जाव सेवं सचोदेइ जाव पवप्पिवंति । तए नं कुंमए(रात्रा)व्हाए सचोदेइ इति-  
 वत्तवरणए जाव सेक्करवामा(राहिं)एव महवा ( ) मिद्धिक्क(उक्कहाणि)मज्झमज्जेणं  
 नि(एयक्का)ज्जइ १ ता त्वे(हं)इववव मज्झमज्जेणं केनेव वेत्तवंतं तेनेव  
 (ववावच्छइ १ ता)वत्तवाउनिवेत्त करोइ १ ता विवसत्तुपामोक्खा अपि न रात्राणो  
 पविवाहेमात्ते कुंमसत्ते पविप्पिक्क । तए नं ते विवसत्तुपामोक्खा अपि(न)  
 एयमो केनेव कुंमए तेनेव उवायच्छंति १ ता कुंमएवं रत्ता सद्धिं संपज्जगा  
 वानि होरता । तए नं (नि) विवमनुपामोक्खा अपि रात्राणो कुंमएवं एवं इयमहिं-  
 पवरणी(रात्रा)वि(नि)विवसत्तुपामोक्खा(उ)वव(उत्त) पहायं विष्णुत्तागोवप्यं विच्छेति(सं)-  
 सं पविसे(हिं)इति । तए नं ते कुंमए (रात्रा)विवसत्तुपामोक्खेहिं कद्धिं रात्रेहिं इव-  
 महिं जाव पविसेहिं समाने अ-वामे अवक्के वनीरिए जाव अवारमिअमिठिक्कु  
 विव्यं दुरिव जाव वेत्त केनेव मिद्धिक्क तेनेव उवायच्छइ १ या मिद्धिक्क अनुपमि  
 छइ १ ता मिद्धिक्कए इव रत्तं पिठेइ १ ता रोहत्तये पिठइ । तए नं ते विव  
 सत्तुपामोक्खा अपि रात्राणो केनेव मिद्धिक्क तेनेव उवायच्छंति १ या मिद्धिक्क  
 रात्राणो निस्संचारं निस्संचारं सज्जये समता भोइमितायं निठ्ठंति । तए नं ते  
 कुंमए(रात्रा)मिद्धिक्क रात्राणि इहं जाणिता अ(व्यं)विमतरिवाए उवत्तुपसत्तपए  
 वीहायक्करणए तेहिं विवसत्तुपामोक्खानं ऊर्हं राईयं विराणि न विवराणि य  
 मम्मामि न अक्कममात्ते वहुहिं जाएहे न उवाएहिं न उप्पतिवाहिं न ४ कुटीहिं  
 परिणामेमात्ते १ हिंनि जावं वा उवावं वा अक्कममात्ते ओहवमपसंछये जाव  
 मिवायइ । इमं न नं मयी १ व्हाया सज्जालंअरमिमुत्तिवा वहुहिं व्हायाहिं परि-  
 पुवा केनेव कुंमए तेनेव उवायच्छइ १ ता कुंमगस्स पावगपहं करोइ । तए नं

कुंभए(राया)महिं २ नो आळाइ नो परिचागाइ तुविणीए संनिट्टइ । तए ण मली  
 २ कुंभग(राय)ए पयासी-तुब्बे ण ताओ । अजया मम एजमाण जाव निवेसेइ  
 किं तुब्बे अन्न ओहए जाव झियायइ ? । तए ण कुंभए महिं २ एव वयासी-  
 एव मल्ल पुत्ता । तव कजे जियसत्तुपामोक्खेहि छाहि राईहि दूया संपेत्तिया । ते  
 ण मए अमपरिया जाव निच्छट्ठा । तए ण(ते)जियसत्तुपामोक्खेहि तेहि दूया  
 अतिए एयमट्ठ सोया परिकुटिया समाणा मिहिल गयहाणि निस्सचारं जव  
 चिट्ठति । तए ण अह पुत्ता(१)तेहि जियसत्तुपामोक्खेहि छाहि राईण अतराणि  
 अलभमाणे जाव झियामि । तए ण सा मली २ कुंभ(य)ग राय एव वयासी-ना  
 ण तुब्बे ताओ । ओहयमणसरुप्पा जाव झियायइ, तुब्बे ण ताओ । तेहि  
 जियसत्तुपामोक्खेहि छाहि राईण पत्तेय २ रइ(तिथि)रिहए दूयसपेसे करेइ एनेय  
 एव वयइ-तव देमि महिं २ तिरुइ चत्ताकालसमयंसि पविरलमणुस्सत्ति निस्स  
 पडिनिस्सत्ति पत्तेय २ मिहिल रायहाणि अणुप्प(वे)विसेइ २ ता णमपरए  
 अणुप्पविसेइ मिहिलाए रायहाणीए दुवाराइ पिहेइ २ ता रोहसजे चिट्ठइ । तए  
 ण कुंभए(राया)एवं त चेव जाव पवेसेइ रोहमजे चिट्ठइ । तए ण ते जियसत्तु  
 पामोक्खा छप्पि(य)रायाणो कज्ज(पाउब्भया)जाव [जलंते] जालंतरेहि कणगनव  
 मत्तयछिइ पउमुप्पलपिहाण पडिम पासंति एस ण मली २ तिरुइ मलीए २ स्वे  
 य जोव्वणे य लाव्वणे य मुन्डिया गिद्धा जाव अज्झोववना अणिमिसाए दिट्ठीए  
 पेहमाणा २ चिट्ठति । तए ण सा मली २ ण्हाया सच्चावकारविभूत्तिया बहूहि  
 खुजाहि जाव परिक्खत्ता जेणेव जालघरए जेणेव कण(य)गपडिमा तेणेव उवागच्छइ  
 २ ता तीसे कण पडिमाए मत्तयाओ त पउमं अवणेइ । तए ण गंधे निद्धा(व)वेइ  
 से जहानामए अहिमडेइ वा जाव असुभतराए चेव । तए ण ते जियसत्तुपामोक्खा  
 तेण अल्लभेण गंधेण अभिभूया समाणा सएहिं २ उत्तरि(जए)जेहिं आसाइ पिहेति  
 २ ता परम्मुहा चिट्ठति । तए ण सा मली २ ते जियसत्तुपामोक्खे एव वयासी-  
 किं ण तु(ब्ब)ब्बे देवाणुप्पिया । सएहिं २ उत्तरिजेहिं जाव परम्मुहा चिट्ठइ ? ।  
 तए ण ते जियसत्तुपामोक्खा महिं २ एव वयंति-एवं खलु देवाणुप्पिए ! अम्हे  
 इमेण असुभेण गंधेण अभिभूया समाणा सएहिं २ जाव चिट्ठामो । तए ण मली  
 २ ते जियसत्तुपामोक्खे एवं वयासी-जइ ताव देवाणुप्पिया । इमीसे कणग जाव  
 पडिमाए कलकलिं ताओ मणुजाओ असणाओ ४ एगमेगे पिंढे पक्खिप्पमाणे २  
 इमेयारूवे असुभे पोग्ग(ल)ले परिणामे इमस्स पुण ओरालियसरीस्स खेलासवस्स  
 वतासवस्स पितासवस्स सु(क्क)कासवस्स सोणियपूयासवस्स दु(स्व)स्वउसासनीसा-

सस्य दुष्पुत्रात्(प्र)दुष्पुत्रीसपुत्रस्त सवत्त जाय बम्मस्य केरिउत्त[म]परिणामे मणि  
 रुद्धः । तं मा नं तुभ्ये देवानुप्पिवा । मानुस्सपुत्र कम्ममोगेत्त सज्जह रज्जह पिग्गह  
 सुप्पह जग्गेयकज्जह । एवं कल्ल देवानुप्पिवा । (तुम्हे)अम्हे इ(माथो मे ल्हे  
 मवग्गह्वे अन्नमिरेहवासे सत्तिवात्तैमिजए बीय्थेगाए रावहाणीए महम्मक-  
 पमोत्तया सत्त(मि)पियवकम्मसंत्तवा रावत्तो होत्था सहजाया जाय पम्पहवा । तए  
 नं जह देवानुप्पिवा । इयेनं अरत्तेयं इत्थीनामगोवं कम्मं मिज्जतेमि-अहं नं  
 तु(म्हो)अम्हे जठ(भो)अहं जवत्तपजित्तात्तं मिहरह त(ए)ओ नं जहं जठं जवत्तपजि-  
 त्तात्तं मिहरमि सेत्तं तहैव सत्तं । तए नं तुभ्ये देवानुप्पिवा । काकम्मसे कम्मं किन्ना  
 ज्वत्ते मिज्जते उवत्तवा । तत्त नं तु(म्हो)अम्हे देवत्ताई जटीछाई साप्पेत्तमाई  
 तिई । तए नं तुभ्ये सत्तो देवत्ते(वा)पात्तो जवत्तरं जवं जहता इहेव जंजुरीवै  
 २ (जत्त)छाई २ रज्जहं जवत्तपजित्तात्तं मिहरह । तए नं जहं(देवत्तुप्पिवा )ताओ  
 देवत्तेयत्तो जाठकज्जएवं जाय वात्तिवात्तए पप्पवावा । कि(त्त)एत्तं तव पम्पुहं नं  
 न तवा म्हे ज्वत्तपम्पमि । सुत्ता सम्मज्जिज्जं देवा तं संमरह जाई ॥ १ ॥ तए  
 नं सेत्ति जिवत्तपुपामोक्कवात्तं कम्मं रा(वा)ईत्तं म्हाए २ अंतिए एम्मत्तं सेत्ता २  
 इमेनं परिज्जनेनं पत्तत्तेनं जग्गज्जवात्तेनं केसात्तिं मिहग्गमाप्पीहं तवावत्तिजात्तं  
 कम्मत्तं जग्गेयत्तेनं ईहा(ह)पुह्ज जाय सत्तिवात्तैरत्ते सत्तुप्पत्ते एयमहं सम्मं  
 जमिस्समात्तच्छेत्ति । तए नं म्हा अरहा जिवत्तपुपामोक्कत्ते कम्मि एक्कत्तो सत्तु  
 प्पज्ज(इ)ईत्तरत्ते जामित्ता गम्मज्जरात्तं वात्ताई मिहा(वात्ते)वैह । तए नं(त्ति)  
 जिवत्तपुपामोक्कत्ता केत्तेन म्हा अरहा तेत्तेन उवत्तगच्छेत्ति । तए नं महम्मक-  
 पामोक्कत्ता सत्त पिक्कत्ताज्जवत्तत्ता एक्कज्जो जमिस्समत्ताप्पत्ता(क)मि होत्था । तए नं  
 म्हा अरहा से जिवत्तपुपामोक्कत्ते कम्मि(व)रायत्तो एवं जवात्ती-एवं कल्ल जहं  
 देवानुप्पिवा । संत्तारम(व)उम्मिज्जत्ता जाय पम्पवात्ति तं तुभ्ये नं किं करेह किं  
 जवत्तह(वात्त)मि मे जिवत्तपुपामोक्कत्ते । तए नं जिवत्तपुपामोक्कत्ता(क) ए (म)मि  
 जहं एवं जज्जती-अहं क तुभ्ये देवानुप्पिवा । संत्तार जाय पम्पमह अम्हात्तं  
 देवानुप्पिवा । के जत्ते जाक्कत्ते वा जाहारे वा पत्तिवत्ते वा । जह जेद नं देवानु-  
 प्पिवा । तुभ्यो ज(म्हो)अम्हे इम्हे तत्ते मवग्गह्वे जग्गत्त कम्मत्तं न मेदी पम्मात्तं जाय  
 बम्मसुत्त होत्था त(हा)ह जेव नं देवानुप्पिवा । इत्तिपि जाय ममिस्सह । अम्हे  
 मि(व)नं देवानुप्पिवा । संत्तारमत्तज्जिज्जत्ता जाय भीत्ता बम्मज्जमरत्तात्तं देवानुप्पिवा-  
 (नं)जमि सुत्ता ममित्ता जाय पम्पवात्तो । तए नं म्हा अरहा से जिवत्तपुपामोक्कत्ते  
 एवं जवात्ती-(नं)अहं नं तुभ्ये संत्तार जाय मए सत्ति पम्पमह तं पम्पह नं तुभ्ये

देवाणुप्पिया ! सएहिं २ रजेहिं जे(ट्टे)ट्टुप्पे रजे ठावेह २ ता पुरिससहस्स  
वाहिणीओ सीयाओ दुरूहह(दुरूडा समाणा) २ ता मम अतिय पाटव्वमवह ।  
तए ण ते जियसत्तुपामोक्खा मत्तिस्म अरहओ एयमट्ठ पडिमुणेंति । तए ण  
मग्गी अरहा ते जियसत्तुपामो(क्खे)क्ख्वा गहाय जेणेव कुमए (राया) तेणेव  
उवागच्छइ २ ता कुमगस्स पाएसु पाडेइ । तए ण कुमए (राया) ते जियसत्तु  
पामोक्खा विठलेण असणेण ४ पुप्फवत्यगधमल्लालकारेण सव्वारेइ जाव पडिवि-  
सजेइ । तए ण ते जियसत्तुपामोग्ग्या कुमएण रत्ता विसज्जिया समाणा जेणेव  
साइ २ रज्जाइ जेणेव नगराइ तेणेव उवागच्छति २ ता सगाई [२] रज्जाई  
उवसपज्जिता[ण] विहरति । तए ण मग्गी अरहा सवच्छरावसाणे निक्खमिस्सामिति  
मण प्हारेइ ॥ ८० ॥ तेण कालेण तेण समएण सक्कस्म आसण चलइ । तए ण  
सक्के देविंदे देवराया आसण चलिय पामइ ० ता ओहिं पउजइ ० ता मल्लिं अरह  
ओहिणा आभोएइ ० ता इमेयारूवे अज्जतिथए जाव समुप्पज्जित्या-एवं खलु  
जबुद्दीवे ० भारहे वासे मिहिलाए कुमगस्स रज्जो मग्गी अरहा निक्खमिस्सामिति  
मण प्हारेइ । त जीयमेय तीयपच्चुप्पन्नमगागयाण सक्काण (३) अरहताग भगव-  
ताण निक्खममाणान इमेयारूव अत्यसपयाण द(लि)लइतए तजहा-तिण्णेव य  
कोडिसया अट्ठासीई च हु(हों)ति कोडीओ । असिइ च सयसहस्सा इदा दलयति  
अरहाण ॥ ५ ॥ एव सपेहेइ २ ता वेसमण देव सहावेइ २ ता एवं वयासी-एवं  
खलु देवाणुप्पिया । जबुद्दीवे ० भारहे वासे जाव असीई च सयसहस्साइ दलइतए,  
त गच्छह ण देवाणुप्पिया । जबुद्दीवे (क्षीवे) भारहे वासे मिहिलाए कुमगभवणंसि  
इमेयारूव अत्यसपयाण माहराहि २ ता सिप्पामेव मम एयमाणत्तिथ पच्चप्पिणाहि । तए  
ण से वेसमणे देवे सक्केण देविंदेण(०) एव वुत्ते (समाणे) ह(०)ट्टे करयल जाव पडि-  
मुणेइ २ ता जभए देवे सहावेइ ० ता एवं वयासी-गच्छह ण तुच्चे देवाणुप्पिया ! जबु-  
द्दीव २ भारह वासं मिहिल रायहाणिं कुमगस्स रज्जो भवणसि तिन्नेव य कोडिसया  
अट्ठासीयं च कोडीओ अ(सि)सीय च सयसहस्साइ अयमेयारूवं अत्यसपयाण साहरह  
२ ता मम एयमाणत्तिथ पच्चप्पिणह । तए ण ते जभगा देवा वेसमणेण जाव मुणेत्ता  
उत्तरपुरच्छिम दिसीभाग अवक्कमति जाव उत्तरवेउत्थियाइ रूवाइ वि(ह)उव्वति २ ता  
ताए उक्किट्ठाए जाव वीइवयमाणा जेणेव जबुद्दीवे २ भारहे वासे जेणेव मिहिला  
रायहाणी जेणेव कुमगस्स रज्जो भवणे तेणेव उवागच्छति २ ता कुमगस्स रज्जो  
भवणसि तिन्नि कोडिसया जाव साहरंति २ ता जेणेव वेसमणे देवे तेणेव उवागच्छति  
२ ता करयल जाव पच्चप्पिणंति । तए ण से वेसमणे देवे जेणेव सक्के ३ तेणेव

उपासकः १ ता करयस्य जाय पक्षिणः । तए न मग्नी अरहा कश्चिच्चि जाय  
 मागहो पासतो ति बहून् सभाहाय न अभाहाय न पक्षिणाय न पक्षिणाय न  
 करोडिवाय न कम्पडिवाय न एगमेयं द्विरण्णकोडिं अणु य अण्णार्हं समसहस्राहं  
 इमेकस्मं अत्तसंपपात्तं दहन्ति । तए न (ते)कुंमए (राया) मिद्धिकाए उवहाणीए  
 तत्थ २ तद्धि २ वेत्ति २ बहून् मो महापससायाम्भो करेह । तत्थ न बहून् मनुया विस्तमह  
 मग्नेयस्य निदरं अत्तर्त्तं ४ उवक्कवत्ति ( ) नै बह्वा आणवत्ति तज्जहा—पविवा वा  
 पविवा वा करोडिवा वा कम्पडिवा वा पासंवरवा वा निहत्ता वा तस्स न तज्जहा  
 आसुरस्स बीसत्तस्स छासन्नवरयस्स तं निउत्तं अत्तर्त्तं ४ परिभाएमाणा परिभै-  
 सेमाणा निदरंति । तए न मिद्धिकाए सिवाडण जाय बहुवचो अन्नमज्जस्स एवमाह  
 क्कह—एवं क्कह वेवावुप्पिवा । कुंमगस्स रत्तो मवत्ति सन्धम्मणुप्पिं किमिच्छिं  
 विपुलं अत्तर्त्तं ४ बहून् समवाय न जाय परिभैसिज्ज । वरवरिया कोटिज्ज द्विभि  
 च्छिं रिज्जए क्कुप्पिं । उरअसुरवेववायवगरिदमज्जिवाय विक्कमणे ॥ १ ॥ तए  
 न मग्नी अरहा संक्कथरेवे विधि कोडिक्का अण्णणी(ति)त्थं न होति कोटीमो  
 अ(विस्ति)टीयं न उवक्कहस्साहं इमेयास्मं अत्तसंपपात्तं दहन्ति निक्कमामिति मयं  
 एवारेह ॥ १ ॥ तेनं क्कथेनं तेनं समएवे कोटिक्का वेवा नमसोए क्कये रिद्धे  
 निग्गणपत्तये सएहिं १ निग्गवैहिं सएहिं १ पम्माववत्ति सएहिं पौनं १ वउहिं  
 कामाविकयाहन्तीहिं तिहिं परिसाहिं सण्णहिं जम्भिएहिं सण्णहिं अविद्याविबहिं  
 छोक्कहिं आमरक्कवेपमाहस्सीहिं अज्जहिं न बहूहिं कोटिएहिं वेवैहिं सदि सपरि  
 सुहा महवाहवन्तुपीयवाहून् जाय रत्तेनं सुंममाय निहत्ति तज्जहा—सारस्वक्काएवा  
 वणी वत्ता न एण्णोवा न । सुग्गिवा अम्मावाहा अम्मिवा वेव रिद्धः व ॥ १ ॥ तए  
 न वेत्ति लो(दी)मत्तिपानं वेवात्तं पत्तनं २ आसगाहं क्कडि तज्जेव जाय अरहत्तायं  
 निक्कम्ममात्तं सवोहं क्क(रि)रिणए—ति तं वक्कामो नं जम्मे मग्निस्स जज्जम्मे  
 सवोहं करे(मि)यो तिक्कट्ट एव संवेहंति २ ता उत्तरपुरप्पिं विसीमा(नं)यं  
 वेगमिक्कसुत्ताएवं समोहंति ( ) स(वि)जेज्जार्हं बीयवत्तं एवं बह्वा नमया जाय  
 केवेव मिद्धिका रक्कहाणी केवेव कुंमगस्स रत्तो मवत्ते केवेव मग्नी अरहा तेवेव  
 उपासकवत्ति २ तज्ज अत्तमिक्कपक्षिक्का सविचिन्मियाहं जाय वत्ताहं पवरपरिद्धिवा  
 करकल जाय ताहिं उज्जहिं (जाय) एवं ववाली-कुज्जाहिं यग्गं(१)त्येव त्हा । पवत्तहिं  
 यम्मतित्तं बीयायं द्विरक्कनिस्सेवक्कहं अम्भस्सह—तिक्कट्ट कोटपि तत्तपि एवं वत्ति  
 ( ) मग्नि अहं वत्ति वगत्ति वं २ तज्ज जामेव विस्ति पावक्क(जा)वा तज्जेव विस्ति  
 पविमया । तए न मग्नी अरहा तेहिं कोटिपिहिं वेवैहिं संकोटिए समाने केवेव

अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ ता करयल जाव एव वयासी-इच्छामि ण अम्म याओ ! तुब्भेहिं अब्भणुजाए मुढे भवित्ता जाव पव्वइत्तए । अहामुह देवाणुप्पिया ! मा पड्विध करे(हि)ह । तए ण कुमए राया कोहुवियपुरिसे सहावेइ २ ता एव वयासी-खिप्पामेव अट्टसहस्स सोवणियाण [कलसाण] जाव भोमेजाण (ति) अन्न च महत्थ जाव तित्थयराभिसेय उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति । तेण कालेण तेण समएण चमरे असुरिंदे जाव अच्चुयपज्जवसाणा आगया । तए ण सक्के (३) आभिओगिए देवे सहावेइ २ ता एव वयासी-खिप्पामेव अट्टसहस्स सोवणियाण (कलसाण) जाव अन्न च त विपुल उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति । तेवि कलसा ते चेव कलसे अणुपविट्ठा । तए ण से सक्के देविंदे देवराया कुमए य राया मल्लिं अरहं सीहासणसि पुरत्याभिमुह निवेसेइ अट्टसहस्सेण सोवणियाण जाव अभि सिंचति । तए ण मल्लिस्स भगवओ अभिसेए वट्टमाणे अप्पेगइया देवा मिहिल च सव्विमत(रं)रबा(हिं)हिरं जाव सव्वओ समता [स]परिधावति । तए णं कुमए राया दोच्चपि उत्तरावक्कमण जाव सव्वालकारविभूसिय करेइ २ ता कोहुवियपुरिसे सहावेइ २ ता एवं वयासी-खिप्पामेव मणोरमं सीय उवट्ठवेह ते उवट्ठवेंति । तए ण सक्के (३) आभिओगिए देवे सहावेइ २ ता एवं वयासी-खिप्पामेव अणेगसुभ जाव (मणोरमं) सीयं उवट्ठवेह जाव सावि सीया त चेव सीयं अणुप्पविट्ठा । तए ण मल्ली अरहा सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ ता जेणेव मणोरमा सीया तेणेव उवागच्छइ २ ता मणोरम सीय अणुपयाहिणीकरेमाणा मणोरम सीय दुरुहइ २ ता सीहासणवरगए पुरत्याभिमुहे सन्निसण्णे । तए ण कुमए (राया) अट्टारस सेणिप्पसेणीओ सहावेइ २ ता एव वयासी-तुब्भे ण देवाणुप्पिया । ण्हाया सव्वालकारविभूसिया मल्लिस्स सीयं परिवहह जाव परिवहंति । तए ण सक्के ३ मणोरमाए [सीयाए] दक्खिणिळ उवरिल्ल बाहं गेण्हइ । ईसाणे उत्तरिल्ल उवरिल्ल बाहं गेण्हइ । चमरे दाहिणिळ हेट्ठिल्ल बली उत्तरिल्ल हेट्ठिल्ल अवसेसा देवा जहारिह मणोरम सीय परिवहति-पुव्वि उक्खित्ता माणु(र)सेहिं (तो)सा हट्ठरोमकूवेहिं । पच्छा वहति सीय असुरिंदसुरिंदना(गें)गिंदा ॥१॥ चलचवलकुंडलधरा सच्छदविउव्वियाभरणधारी । देविंददाणविंदा वहंति सीय जिणिंदस्स ॥२॥ तए णं मल्लिस्स अरहओ मणोरम सीय दुरुहस्स इमे अट्ठमगलगा पुरओ अहाणुपु(व्वीए)व्वेण एव निग्गमो जहा जमालिस्स । तए ण मल्लिस्स अरहओ निक्खममाणस्स अप्पेगइया देवा मिहिल आसिय जाव अर्द्धिमततरवासविहिगाहा जाव परिधावंति । तए णं मल्ली अरहा जेणेव सहस्संबवणे उज्जाणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ २ ता सीयाओ पच्चोर(भ)हइ० आभरणालकारं पमावई पडिच्छइ ।





साहस्सीओ उप्पो० । सुज्जयपामोक्का(मग्गिस्स ण अरह)ओ मावयार्णं एगा मयसा-  
हस्सी चुलसीइं (च) सहस्सा (०) सुगदापामोक्का(मग्गिस्स ण अरह)ओ सावियाण  
तिणि सयमाहस्सीओ पण्णाट्टि च सहस्सा (०) छ(र)गगया चोदमपुज्जीण [सया ।]  
वी(स)स सया ओहिनाणीण वत्तीसं गया वेवल्लनाणीण पण्णीस मया वेउध्वयाण  
अट्टमया मगपज्जवनाणीणं चोदममया चाइंग वीस सया अणुणगेवयाइयाण ।  
मग्गिस्स [ण] अरहओ दुविदा अतगट्ठभूनीं होत्वा तजहा-जु(गं)गतकरभूनीं परिदा-  
यतकरभूनीं य जाव वीसइमाओ पुरिसजुगाओ जुगतकरभूनीं दुवा[ल]पपरियाए  
अतमकासी । माणी ण अरहा पण्णीस धणू (०) उट्ठ उयत्तेणं वण्णेण पियंगु(म)कमे  
समचउरंससठाणे वज्जरिगहनारायसपयणे मज्झइसे सुदमुद्रेण निहरिता जेव  
सम्मैए पव्वए तेणेव उवागच्छइ २ ता समेयसेत्तिहरे पाओयगमणुववत्ते । मणी  
ण अरहा एग वासमयं अगारवासमज्जे पणपत्त वागसाहस्साइ वाससयत्तणाइ  
केवल्लपरियाग पाउणिता पणपत्त वाससाहस्साइ मव्वाउय पालइता जे से गिम्हाग  
पढमे मासे तेथे पक्खे चं(चि)नमुद्वे तस्स ण चेतसुदस्स चउत्थीए भरणीए नक्खत्तेण  
अद्धरत्तल्लसमयसि पचहिं अज्जियासगहिं अत्तिमतारियाए परिसाए पचहिं अणगार  
सएहिं वाहिरियाए परिवाए मासिएण भत्तेण अवाणएग वग्घारियपाणी खीणे वेवणिज्जे  
आउए ना(मे)मगोए सिद्धे । एउ परिनिब्बानमहिमा भाणियव्वा जहा जयुदीवपण्णीए  
नदीसरे अट्ठाहियाओ पडिगयाओ । एय रालु जवू । समणेण ३ जाव संपत्तेण  
अट्टमस्स नायज्जयणस्स अयमट्ठे पज्जत्ते-त्तिवेमि ॥ ८५ ॥ गाहाउ-उग्गतव-  
सजमवओ पणिट्ठकलसाहगरूमवि जियस्स । धम्मविमएवि सुहुमात्रि होइ माया  
अणत्थाय ॥ १ ॥ जह मग्गिस्स महावल्लभवमि तित्थयरनामवधेइवि । तवविसय-  
थेवमाया जाया जुवइत्तहेउत्ति ॥ २ ॥ अट्टम नायज्जयण समत्त ॥

जइ ण भंते ! समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण अट्टमस्स नायज्जय-  
णस्स अयमट्ठे पज्जत्ते नवमस्स ण भते ! नायज्जयणस्स समणेण जाव सपत्तेण के  
अट्ठे पज्जत्ते । एउ सल्लु जवू ! तेण कालेण तेण समएण चपा नाम नयरी होत्था ।  
( तीसे ण चपाए नयरीए कोणिए नाम राया होत्था तत्थ ण चपाए नयरीए बहिया  
उत्तरपुरच्छिमे दीसीभाए ) पुण्णभेइ(नाम) उज्जाणे(होत्था) । तत्थ ण माकरी नाम  
सत्यवाहे परिवसइ अहे जाव अपरिभूए । तस्स ण भद्दा नाम भारिया होत्था ।  
तीसे ण भद्दाए अत्थया दुवे सत्यवाहदारया होत्था तजहा-जिणपालिए य जिगर-  
क्खिए य । तए ण तेसिं मागदियदारगाण अजया कयाइ एगयओ इमेयारूवे  
मिहोक्खासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-एव खल्लु अम्हे लवणसमुद्द पोयवहणेणं एक्कारस

वारा ओयाहा चण्डरत्न नि ब नं कण्डु कण्डवा अपहसमस्या पुनरपि निव(ब)-  
 यवरं हृष्यमागया । तं सेवं कण्डु अर्धं देवमुपिवा । बुवाकसमपि कण्डपसमुई  
 येकवहमेवं ओयाहितप-तिच्छु अक्षमवस्तस पयमहुं पठित्वेति २ ता केवैव अम्म-  
 पियरो तेवेव उवागच्छति २ ता एवं वयासी एवं कण्डु अर्धे अम्मवाओ । एकारस  
 वारा तं येव वाव निव(यं)गवरं हृष्यमागया तं हृष्यमो नं अम्मयाओ ।  
 तुम्मेहि अम्ममुवावा समाना बुवाकम(मं)अपयसमुई पोयवहमेवं ओयाहितप ।  
 तप नं ते मार्यैवहारप अम्मपियरो एवं वयासी-इये (ते) मे वावा । मज्जय  
 वज्ज परियाएतए, तं अमुहोह तत्त वावा । निपुंति मज्जुसए इहुंनिएर  
 ससुएए, हि मे सपववाएवं निरालंयमेवं कण्डवसमुहाउरेवं । एवं कण्ड पुता ।  
 बुवाकसमी वया सोयसस्या यावै मवह, तं मा नं तुम्मे बुवे पुता । बुवाकसमपि  
 अपय वज्ज ओयहोह, मा हु तुम्मे सरीरस्स वावारी भविस्सइ । तप नं [ते]  
 मा(मं)केवहारया अम्मपियरो सोवपि तत्तपि एवं वयासी-एवं कण्डु अर्धे अम्म-  
 कण्डे । एकारस वारा कण्ड वज्ज ओयाहितप । तप नं ते म(य्यै)केवहारप  
 अम्मपियरो वाहे तो संचाएति वहुंति आवववाहि न पयववाहि न (आवमिउए  
 वा वमिउए वा) ताहे अक्षमा येव एवमहुं अमु(वावि)मवित्ता । तप नं ते  
 मार्यैवहारया अम्मपियरो अम्ममुवावा समाना पयमि न वरिमे न मेजं न  
 वारिच्छेजं न वया अउहवस्तस वाव कण्डवसमुई वहुंति ओ(न)कण्डवार्ह ओयाहा  
 ॥ ८९ ॥ तप नं तेहि मार्यैवहारवावं अवेगाई पोयवसवार्ह ओयहावं सम-  
 वार्ह अवेगाई तप्पाइसवार्ह पाउम्भूवाई तंवाहा-अप्ये वज्जिमे वाव वविकसहे  
 अम्मिवाए तत्त अमुहिप । तप नं सा गावा तेवं अम्मिवाएवं आमुनिजमाणी  
 २ संवाहिजमाणी २ संखेमिजमाणी २ सक्किमिजमाणी २ अ(व)वाव(वाव)हिज-  
 माणी २ ओहिमिजि करतकाइए निव ति(ते)हुए तस्सिव २ ओयवमाणी न तप्पवमाणी  
 न तप्पवमाणी-निव वरणीयकाओ सिद्धमिजा मिजाहरकवया ओयवमाणी निव  
 वागवतकओ महुमिजा मिजाहरकवया निपकावमाणी निव महावइववमितासिवा  
 मुनकरकवया वावमाणी निव महाववराधिमसइमित्तावा उपमहु आत्तहिउरेटी  
 निपुंजमाणी निव गुह्यवमिहुवराहा ॥ ९० ॥ अउहकवया पुम्ममाणी निव वी(वी)-  
 निपहारसक्यातिना पठिवरंवा निव वागवतकाओ रोवमाणी निव सक्कि[मिज]-  
 पतिमिप्यउएव(वो)वोरुवापुहि मववहु उवरयभत्तुवा नित्तमाणी निव वरवकराहा  
 मिरोहिवा नयमइम्मकमिहुवा महापुरवटी तावमाणी निव कण्डपओम[व]उमोप-  
 सुव ओयपरिवाइवा वीच(मिवा)उममाणी निव महार्हता(मि)मिप्यवपरिस्वता

परिणयवया अम्मया सोयमणी विव तवचरणखीणपरिमोगा च(य)वणकाले देव-  
 रवहृ सत्तुण्णियकट्टवरा भग्गमेढिमोडियसहरसमाला सूलाइयनंपरिमामा फलहं  
 तरतडतडेंतफुट्तसधिवियलतलोह(की)खीलिया सव्वगवियंभिया परिसडियरज्जुवि  
 सरंतसव्वगता आमगमल्लगभूया अकयपुण्णजगमणोरहो विव चित्तिज्जमागगुहं  
 हाहारुयकण्णधारनावियवाणियगजगकम्म(गा)करुलिविया नाणाविहरयणपणियस  
 पुण्णा बहृहिं पुरिससएहिं रोयमाणेहिं कदमाणेहिं सोयमाणेहिं तिप्पमाणेहिं विल-  
 माणेहिं एग मह अंतोजलगयं गिरिसिहरमासा(य)इत्ता सभग्गकूतोरणा मोडिय(स)-  
 ज्ञयदडा वलयसयखडिया क(र)डकडस्स तत्थेव विह्व उवगया । तए ण तीए  
 नावाए भिज्जमाणीए [ते] बह्वे पुरिमा विपुलप(डि)णियभडमायाए अंतोजलमि निम-  
 ज्जावि यावि होत्था । तए ण ते माकदियदारगा छेया दक्खा पत्तट्ठा कुसला मेहावी  
 निउणसिप्पोवगया बहुसु पोयवहणसपराएसु कयकर(ण)गा लद्धविजया अमूडा  
 अमूडहत्था एग मह फलगखंड आसादेंति । ज(सिं)सि च ण पएससि से पोयवहणे  
 विवजे तसि च ण पएससि एगे मह रयण(ही)वीवे नाम वीवे होत्था अणेगाई  
 जोयणाइ आयामविकखमेग अणेगाइ जोयणाइ परिकखेवेग नाणादुमसडमडिउडेंते  
 सत्तिरीए पासाईए दरि(द)सणिजे अभिरुवे पडिरुवे । तस्स ण बहुमज्झदेसमाए  
 ए(त)त्थण मह एगे पासायवडेंसए होत्था अब्भुगगयमूति(य)ए जाव मरिपरी(भू)यरुवे  
 पासाईए ४ । तत्थ णं पासायवडेंसए रयणवीवदेवया नाम देवया परिवसइ पावा  
 चडा रुद्धा खुद्धा साहसिया । तस्स ण पासायव(डि)डेंसयस्स चउ(हिं)दिसिं चत्तारि  
 वणसंडा [पञ्चत्ता] किण्हा किण्होभासा । तए ण ते माकदियदारगा तेण फलय-  
 खंडेण उवुज्जमाणा २ रयणवीवतेण संवुढा यावि होत्था । तए ण ते माकदियदा-  
 रगा थाह लभति २ ता मुहुत्ततरं आ(स)सासति २ ता फलगखंड विसज्जति २ ता  
 रयणवीवं उत(र)रेंति २ ता फलाणं मग्गणगवेसण करेंति २ ता फलाइं (गि)गे)ण्हति  
 २ ता) आहारेंति २ ता नालि(ए)यराण मग्गणगवेसण करेंति २ ता नालियराइ  
 फोडेंति २ ता नालियरतेल्लेण अजमन्नस्स गाया(गत्ता)ई अ(ब्भ)ब्भिमंति २ ता  
 पोक्खरणीओ ओगा(हिं)हेंति २ ता जलमज्जण करेंति २ ता जाव पञ्चुत्तरंति २ ता पुढ-  
 विसिलापट्टयसि निसीयति २ ता आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया च(पा)पं नयरिं  
 अम्मापिउआपुच्छग च लवणसमुद्देता(र)रण च कालियवायस(स)मु(त्य)च्छण च  
 पोयवहणविवत्तिं च फलयखंड[य]स्स आसायण च रयणवी(वु)वोत्तारं च अणुचिते-  
 माणा २ ओहयमणसंकप्पा जाव क्षिया(यें)यति । तए ण सा रयणवीवदेवया ते मार्क-  
 दियदारए ओहिणा आभोएइ २ ता असिफलगवग्गहत्था सत्त[अ]ट्ट(ता)तलप्पमाण



साहीणो ॥ १ ॥ तत्थ य सियकुदधवलज्जोण्हो कुमुमियलोद्धवगसडमडलतलो ।  
तुसारदगधारपीवरकरो हेमनउऊससी सया साहीणो ॥ २ ॥ तत्थ णं तुब्भे  
देवाणुप्पिया ! वावीसु य जाव विहरेज्जाह । जइ ण तुब्भे तत्थ वि उव्विग्गा वा जाव  
उस्सुया वा भवेज्जाह तो ण तुब्भे अवरेल्ल वणसड गच्छेज्जाह । तत्थ णं दो उऊ  
सया साहीगा तज्जा-वसते य गिम्हे य । तत्थ उ सहकारचारुहारो किंसुयकण्णि  
यारासोगमउडो । ऊसियतिलगव(उ)कुलायवत्तो वसतउऊ-नरवई साहीणो ॥ १ ॥  
तत्थ य पाडलसिरीससलिलो म(लि)ञ्चियावासंतियधवलवेलो सीयलसुरभिअनि  
लमगरचरिओ गिम्हउऊमागरो साहीणो ॥ २ ॥ तत्थ ण वहुसु जाव विहरेज्जाह ।  
जइ ण तुब्भे देवाणुप्पिया ! तत्थ वि उव्विग्गा [वा] उस्सुया [वा उप्पुया वा] भवेज्जाह  
तओ तुब्भे जेगेव पासायवडेंसए तेणेव उवागच्छेज्जाह मम पडिवालेमागा २ चिट्ठे  
ज्जाह । मा णं तुब्भे दक्खिणिळ वणसडं गच्छेज्जाह । तत्थ ण मह एणे उग्गविसे  
चडविसे घोरविसे महाविसे अइका(य)ए महाकाए जइ तेयनिसग्गे मसिमहि(सा)-  
समूसाकालए नयणविसरोसपुण्णे अजगपुंजनियरप्पगासे रतच्छे जमलजुयलवचल-  
चलंनजीहे धरणियलवेणिभूए उक्कडफुडकुडिलजडिलकक्खडवियडफडाडोवकरण  
दच्छे लो(गाहा)हागरधम्ममाणधमधमंतघोसे अगागलियचडतिव्वरोसे समु(हिं)इ  
दुरि(य)यचवल धमध(सं)नेतदिट्ठीविसे सप्पे (य) परिवसइ । मा ण तुब्भ  
सरीर(ग)स्स वावत्ती भविस्सइ । ते माकंदियदारए शेषपि तच्चपि एव वयइ २ ता  
वेउव्वियसमुग्घाएण समोइ[ण]गइ २ ता ताए उक्किट्ठाए लवगसमुइ तिसत्तवुत्तो  
अणुपरियट्ठं पयत्ता यावि होत्ता ॥ ८८ ॥ तए ण ते माकदियदारया तओ मुहुत्त-  
तरस्स पासायवडेंसए सई वा रई वा धिइ वा अलभमाणा अन्नमज्ज एव वयासी-  
एवं खलु देवाणुप्पिया । रयगवीवदेवया अम्हे एव वयासी-एव खलु अहं सक्कवय  
णसदेसेण सुट्ठिएण लवगाहिवाणा जाव वावत्ती भविस्सइ । त सेय खलु अम्ह  
देवाणुप्पिया । पुरत्थिमि(ल्ले)ल्लं वगसडं गमिताए । अन्नमज्जस्स (एयमट्ठं) पडिपुणेंति  
२ ता जेणेव पुरत्थिमिल्ले वगसडे तेणेव उवागच्छति २ ता तत्थ णं वावीउ य जाव  
आलीघरएसु य जाव विहरंति । तए ण ते माकदियदारया तत्थ वि सई वा जाव  
अलभमाणा जेणेव उत्तरिल्ले वणसडे तेणेव उवागच्छति (२ ता) तत्थ ण वावीसु  
य जाव आलीघरएसु य विहरंति । तए ण ते माकदियदार(या)गा तत्थ वि सई वा  
जाव अलभमाणा जेणेव पञ्चत्थिमिल्ले वणसडे तेणेव उवागच्छति २ ता जाव विहरंति ।  
तए ण ते माकंदियदारया तत्थवि सइ वा जाव अलभमाणा अन्नमज्ज एव वयासी-  
एवं खलु देवाणुप्पिया । अम्हे रयगवीवदेवया एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाण-

॥ वेदायै जप्यन्त २ ता ताए अविष्टाए वाव देवगईए बी(ह)ईवमाणी २ जेनेव  
 पार्श्वेवहारए तेनेव उवाक्यछह २ ता आठता [ते] मार्कदेवहारए कएअसनिहुर  
 कय्नेहँ एवं कवाटी—हँ मो मार्कदेवहारवा । (अपत्तिवपत्तिव) । अइ वं तुम्मे  
 मए सदि मिठकाई मोयमोयाई मुंजमाणी मिहरह तो मे जरिव बीमि(क)यं  
 अह( )वं तुम्मे मए सदि मिठकाई मो मिहरह तो मे इमेवं बीपुप्पकगवकगुप्पि  
 वाव हारवारें अठिया रत्तागमेव्याई माउ(या)आई उवसोवियाई ताकफका  
 (बी)मिब सीताई एगते एवेमि । ताए वं ते मार्कदेवहारवा रत्तवरीदेववाए अंतिए  
 एममई मोवा मिठम्य बीया करयक वाव कयावेता एवं कवाटी—अहँ देवापु-  
 प्पिवा (१) अस्सह उस्व आजाउववायवमिहँ विट्ठिस्तामो । ताए वं सा रत्तवरी-  
 देवका ते मार्कदेवहारए गेवह २ ता जेनेव पासायवहँसए तेनेव उवाक्यछह  
 २ ता अहमपोम्यकवहार करेह २ ता अहमपोम्यकपकवहँ करेह २ ता [उम्मे] पक्क  
 तेहँ सदि मिठकाई मोयमोयाई मुंजमाणी मिहरह कककमि व कमवककाई  
 उववेह ॥ ८७ ॥ ताए वं सा रत्तवरीदेवका उववकवहँदेवेवं छुट्टिएवं कयाहि  
 कया कमवसहरे विसतहले अलुपिय(हि)उववें ति वं विमि तरव तवं वा पतं  
 वा कडं वा कवकरं वा अह(ह)इ पू(ति)वं इरमिपवमवोववं तं उवं अहमिव २  
 विसतहले एगवे एवेववं—तिहँ मिठका । ताए वं सा रत्तवरीदेवका ते मार्क-  
 देवहारए एवं कवाटी—एवं कहु अहँ देवापुप्पिवा । उववयवहँदेवेवं छुट्टिए(बी)व  
 कयापदिवरवा तं केव वाव निठता । तं वाव [ताव] अहँ देवापुप्पिवा । कवव  
 उमुं अहँ एवेमि ताव तुम्मे इवेव पासायवहँसए छुट्टिएवं अमिरममाव विहँ ।  
 अइ वं तुम्मे एवसि अंतंति उमिम्या वा उस्सवा वा उप्पुवा वा मवेजाह तो वं  
 तुम्मे पुर(वि)विमि ववहँ गक्केजाह । तत्व वं हो उ(क)क सवा साहीना  
 तंवा—पाउवे म वापारो व । तत्व उ कंउसिधिवहँतो मिठवरपुप्पमीवरको ।  
 उवयपुप्पमीवरमिहाओ पाउसकक—वववरो साहीनो ॥ १ ॥ तत्व व—उरगीवममि-  
 मिमिहो वुरउवरविउववरवो । वरविम(मि)वंपरविमवहँतो वातार(प)तउ  
 कयवको साहीनो ॥ २ ॥ तत्व वं तुम्मे वेवापुप्पिवा । वहुत वापीउ य वाव  
 उरवरमंतिवाउ [व] व(ह)हुत आमीवरएउ व मावीवरएउ व वाव उहमवरएउ व  
 छुट्टिएवं अमिरममावा [२] विहँ(रे)विजाह । अइ वं तुम्मे उ(ए)व वि उमिम्या वा  
 उस्सवा वा उप्पुवा वा मवेजाह तो वं तुम्मे उमिमि ववहँ गक्केजाह । उरव वं  
 हो उक सवा साहीना तंवा—वरवो व हेमंतो व । तत्व उ उवउ(प)विमवक-  
 (वे)हो बीपुप्पकवकगुप्पिहँतो । उरउव(क)वावावरमिवाहँतो उरवक—वेवई

तुब्भे [एय] वयह-अम्हे तारयाहि अम्हे पालयाहि । सेलए (भे) भो जक्खे पर  
 रयणदीवदेवयाए हत्याओ साहत्थि नित्यारेजा । अमदा भो न माणामि इमेमि  
 सरीरगाण का मजे आचडे भविस्सइ ॥ ८९ ॥ तए ण ते माकदियदारगा तस्स सुला-  
 इयस्स अतिए एयमट्ट सोवा निसम्म सिग्घ चउ चवत्त तुरिय वेइय जेणेव पुरत्थिमि-  
 वणसंडे जेणेव पोक्कारिणी तेणेव उवागच्छति २ ता पोक्कारिणि ओगाटे(गह)नि  
 २ ता जलमज्जणं करेति २ ता जाटं तत्थ उप्पलाड जाय गेण्हनि २ ता जेणेव सेलगम्म  
 जक्खास्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छति २ ता आलोए पणाम करेति २ ता मट्ठरि  
 पुप्फयणिय करेति २ ता जसुपायरटिया मुस्सग्गमाणा नमसमाणा पज्जुवासति । तए ण  
 से सेलए जक्खे आगयसमए पत्तसमए एव वयासी-५ तारयामि २ व पालयामि २।  
 तए ण ते माकदियदारगा उट्ठाए उट्ठेति करयल जाव घट्ठावेता एव वयासी-अम्हे  
 तारयाहि अम्हे पालयाहि । तए ण से सेलए जक्खे ते माकदियदारए एव वयासी-एवं  
 खलु देवाणुप्पिया । तुब्भ मए मद्धि लवणसमु(हेणं)दं मज्झमज्जेण वीईवयमा(णि)गाण  
 सा रयणदीवदेवया पावा चडा रुद्धा उद्धा साहसिया घट्ठिं रारएहि य मट्ठएहि य  
 अणुलोमेहि य पडिलोमेहि य सिंगारेहि य कट्ठेहि य उवसग्गेहि य उवसग्ग  
 करेहिइ । त जइ ण तुब्भे देवाणुप्पिया । रयणदीवदेवयाए एयमट्ट आढाह वा  
 परियाणह वा अव(ए)यक्खह वा तो मे अह पिट्ठाओ वि(धु)ट्ठणामि । अह ण तुब्भे  
 रयणदीवदेवयाए एयमट्ट नो आढाह नो परियाणह नो अवयक्खह तो मे रयण-  
 दीवदेवया[ए] हत्याओ साहत्थि नित्यारेमि । तए ण ते माकदियदारगा सेलगं जक्ख  
 एव वयासी-जं ण देवाणुप्पिया(।)वइस्संति तस्स ण उववायवयणनिहेसे चिट्ठिस्सामो ।  
 तए ण से सेलए जक्खे उत्तरपुर(च्छि)त्थिम दिसीभाग अवक्कमइ २ ता वेउब्बियसमु-  
 ग्घाएणं समोहणइ २ ता सखेज्जाइ जोयणाइ दट्ट निस्सरइ दोयपि(तथपि)वेउब्बिय-  
 समुग्घाएणं समोहणइ २ ता एग मह आसरुव वे(वि)उब्बइ २ ता ते माकदियदारए  
 एव वयासी-ह भो माकदियदारया ! आरुह ण देवाणुप्पिया । मम पिट्ठसि । तए ण ते  
 माकदियदारया हट्ठ० सेलगस्स जक्खस्स पणामं करेति २ ता सेलगस्स पि(ट्ठि)ट्ट  
 दुरुढा । तए ण से सेलए ते माकदियदारए दुरुढे जाणिता सत्त[अ]ट्ठतालप्पमाणमेत्ताई  
 उट्ठ वेहास उप्पयइ २ ता (य) ताए उक्किट्ठाए तुरियाए[चवलाए चडाए दिव्वाए]  
 देवयाए दे(दि०)वगईए लवणसमुदं मज्झमज्जेण जेणेव जवुदीवे वीवे जेणेव भारहे  
 वासे जेणेव चपा नयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ ९० ॥ तए ण सा रयणदीवदेवया  
 लवणसमुद्द तिसत्तच्छुत्तो अणुपरियट्ठइ ज तत्थ तण वा जाव एहेइ(२ ता)जेणेव पासा  
 यवहंसए तेणेव उवागच्छइ २ ता ते माकदियदारया पासायवहंसए अपासमाणी

पिना । एह(स्ते)ननसंवेसेनं सुविण्(न)नं कन्याद्विद्वत्ता जाय मा नं तुम्हं सरी-  
रस्त बावती ममिस्तह । तं ममिस्तह एव कारयेय । तं सेव कस्तु अम्हं दमिस्तह  
ननसंवे पमिता-तिष्ठु ननमस्तह एवम्हं पमिस्तह २ ता सेवेव दमिस्तह  
ननसंवे तेवेव पमारेव गमनाए । त(ए)नो नं गमे निम्हा से कदागमए  
कमिस्तह वा जाय कन्याद्विद्वत्ता(वेव) । तए नं ते ममिस्तह(वा)ना तेनं कस्त-  
मेव दमिस्तह कमिस्तह समाना एवम्हं २ उतरिमेव आसाई पिहंति २ ता सेवेव  
दमिस्तह ननसंवे तेवेव उवागवा । तए नं मम्हं एव क(वा)ननसं पमिस्तह( )  
कमिस्तहसंवेवम्हं मीमदमिस्तहम्हं एव न तए सुकस्त(त)नं पुनिसं कस्तहम्हं  
कस्तहं ममिस्तहं कस्तहम्हं पमिस्तह(२ ता)मीवा जाय संवागमना सेवेव से सुकस्त(व)-  
ए पुनिसे सेवेव उवागवांति २ ता तं सुकस्तनं पुनिसं एव कवाही-एव नं वेवस्तुपिमा ।  
कस्त बावने तुमं न नं के कस्तो वा इहं कस्तमापए केव वा इमेवम्हं जाय(ति)नं  
पमिस्तह । तए नं से सुकस्तपु पुनिसे(ते)माकद्विद्वत्ता(ए)नो एव कवाही-एव नं  
वेवस्तुपिमा । रनवीरवेववाए बावने । कस्त नं वेवस्तुपिमा । कस्तुवाको  
मीवाको मास्तहको वास्तहको क(वेवी)नंविण् आस्तहामिण् विपुलं पमिस्तहममाए  
सेवम्हंवेव कस्तहसंवेवम्हं ओवाए । तए नं कस्त पोववहमिस्तहवीए मिम्हम्हंवेव  
एव कस्तहंवेव आसाएमि । तए नं कस्त कस्तुवमामि २ रनवीरवेवसेव संवेव ।  
तए नं वा रनवीरवेववा ममि (मीवा) पावह २ ता ममिमेवह २ ता मए सवि  
मिम्हम्हं मोगमोवम्हं मुम्हमावी विहह । तए नं वा रनवीरवेववा कस्तवा  
कस्तह ममिम्हम्हंवेव कस्तहंविण् पमिस्तहमा समानी ममि एवम्हं जायनं पावह ।  
तं न नजह नं वेवस्तुपिमा । तु(म्हं)ममि पि इमेवि सरीरवायनं वा ममे बावई ममि-  
स्तह (१) । तए नं ते ममिस्तहवाए कस्त सुकस्त(व)नस्त कंतिए एवम्हं सेवा  
मिम्हम्हं दमिस्तह मीवा जाय संवागमना सुकस्तनं पुनिसं एव कवाही-कस्त नं  
वेवस्तुपिमा । अम्हे रनवीरवेववाए कस्तहमे साहविण् ममिस्तहमी । तए  
नं से सुकस्तपु पुनिसे ते ममिस्तहवाए एव कवाही-एव नं वेवस्तुपिमा । पुनिस-  
मिमेव ननसंवे सेकस्तह कस्तहस्त कस्तह(व)नमे सेकए वाम आस्तहवावी कस्तह  
पमिस्तह । तए नं से सेकए कस्तह वाव(वो)एवम्हंविण् पुम्हमातिमिम्हं जायवमए  
पमिस्तह ममि २ सेवेव एव कस्तह-कं तावामि । कं पावम्हमि । तं ममिस्तह नं तुम्हं  
वेवस्तुपिमा । पुनिसमिमेव ननसंवे सेकस्तह कस्तहस्त ममिस्तह पुम्हममिमेव करेह  
२ ता कस्तहममिमेव पमिस्तहवा विण् एव कस्तहममावा विहह(मिम्हं)ह । बावने नं से  
सेकए कस्तह जायवममए पमिस्तह एव कस्तह-कं तावामि । कं पावम्हमि । तावे



अकय(ल)नय सिद्धिलभाव निज्ज लुक्ख अकलुण जिणरक्खिय मज्झ हिययर-  
 क्ख(गा)ग ॥ ४ ॥ न हु जुज्जसि एक्किय अणाह अवधव तुज्झ चलणओवायकारिय  
 उज्झिउम(ह)धन । गुणसकर (।अ)ह तुमे विहूणा न समत्या (वि) जीवितं खणपि  
 ॥ ५ ॥ इमस्स उ अणेगल्लसमगरविविधसावयसया(उ)कलघरस्स । रयणागरस्स  
 मज्झे अप्पाण वहेमि तुज्झ पुरओ एहि नियताहि जइ सि कुविओ खमाहि  
 ए(का)कावराह मे ॥ ६ ॥ तुज्झ य विगयघणविमलससिमड(ल)लागारसस्सिरीय  
 सारयनवकमलकुमुदकुवलयविमलदलनिकरसरिसनि(भ)भनयण । वयण पिवासा  
 गयाए सद्धा मे पेच्छिउ जे अवलोएहि ता इओ मम नाह जा ते पेच्छामि वयण  
 कमल ॥ ७ ॥ एव सप्पणयसरल्लमहुराड पुणो २ कलुणाड वयणाइ जपमाणी सा  
 पावा मग्गओ समण्णेइ पावहियया ॥ ८ ॥ तए ण से जिणरक्खिए चलमणे तेणेव  
 भूसणरवेण कण्णसुहमणोहरेणं तेहि य सप्पणयसरल्लमहुरभणिएहिं सजायविठण-  
 [अणु]राए रयणदीवस्स देवयाए तीसे सुदरयणजहणवयणकरचरणनयणलावणलव  
 जोवणसिरिं च दिव्व सरभसउवगूहियाई (जाति)विन्वोयविलसियाणि य विहसियस  
 कडक्खदिट्ठिनिस्ससियमलियत्तवल्लिय(ठि)थियगमणपणयखिज्जिय(पा)पसाइयाणि य  
 सरमाणे रागमोहियमई अवसे कम्मवसगए अवयम्हइ मग्गओ सविलिय । तए ण  
 जिणरक्खिय समुप्पन्नकलुणभाव मच्चगलत्थल्लणोल्लियमइ अवयक्खत तहेव जक्खे (य)  
 उ सेलए जाणिल्लण सणिय २ उव्विहइ नियगपिट्ठा(हि)हिं विगयस(त्य)द्धे । तए ण  
 सा रयणदीवदेवया निस्ससा कलुणं जिणरक्खियं सकलुसा सेलगपिट्ठाहिं ओ(उ)व  
 यत-दास । मओसि ति जपमाणी अ(ए)पत्त सागरसलिल गेण्हिय बाहाहिं आरसत  
 उट्ठ उव्विहइ अवरतले ओवयमाण च मडलग्गेण पडिच्छिता नीलुप्पलगवल-  
 लयसिप्पगासे(ण)ण असिवरेण खडाखडिं करेइ २ ता तत्थ विलवमाण तस्स य  
 सरसवहियस्स घेत्तूण अगमगाइ सरुद्धिराई उक्खित्तवलिं चउदिसिं करेइ सा पजली  
 प(हि)हट्ठा ॥ ९१ ॥ एवामेव समणाउसो । जो अम्ह निग्गथाण वा निग्गशीण वा  
 अतिए पव्वइए समाणे पुणरवि माणुस्सए कामभोगे आसायइ पत्थयइ पीहेइ  
 अभिलसइ से ण इहमवे चेव बहूण समणाण बहूण समणीण बहूण सावयाणं बहूण  
 सावियाण जाव ससारं अणुपरियट्ठिस्सइ जहा (वा) व से जिणरक्खिए । छल्लिओ अबय  
 क्खतो निरावयक्खो गओ अविग्गेण । तम्हा पवयणसारे निरावयक्खेण भवियव्व  
 ॥ १ ॥ भोगे अवयक्खंता पडंति ससारसा(य)गरे घोरे । भोगेहिं [य] निरवयक्खा  
 तरंति संसारकतारं ॥ २ ॥ ९२ ॥ तए ण सा रयणदीवदेवया जेणेव जिणपालिए तेणेव  
 उवागच्छइ २ ता बहूहिं अणुलोमेहि य पडिलोमेहि य खरम(हुर)उयसिगारे(हिं)हि

येष्वेव पुरस्त्रिभिः वचसंते वाच सध्वमो र्मता मग्गययेवने करेइ २ ता तेसि  
 मार्कसिबहारगां वरुइ इइ वा १ अकममाणी येवैव उधरिजे (वचसंते) एवं चेव  
 वचस्त्रिभिः नि वाच अपासमाणी मोहिं पईवइ ( ) ते मार्कसिबहारए सेवएवं सदि  
 क्वपससुई मज्झिमज्जेवं श्रीवचमाणे २ पासइ १ ता आउहता अठिजेउवं रेणुइ  
 २ ता ससइ वाच उप्पवइ २ तए ताए उठिइए येवैव मार्कसिबहार(गा)वा ठवैव ववा  
 वरुइ २ ता एवं ववाली-ई मो मार्कसिबहारगा अपस्त्रियपस्त्रिवा । किण्वं तुप्पे  
 वाचइ विप्यवहाय सेवएवं अपखेणं सदि क्वपससुई मज्झिमज्जेवं श्रीवचमाणा । तं  
 ममं एवमसि यए वइ वं तुप्पे ममं अपयववइ तो मे वरिच वीमिनं वइ वं वावय-  
 वइ तो ये इमेवं नीहप्यकमवक वाच एवेमि । तए वं ते मार्कसिबहारगा रक्क-  
 वीवरेक्याए वंतिए एवमहुं सोवा निसम्म वमीवा अतत्वा अनुविम्या वचसमिवा  
 अरंता रक्कवीवरेक्याए एवमहुं भो वारंति भो परियावंति ना(वो अ)वचवचंति  
 वचवचमाणा अपस्त्रियपमाणा अपवचवचमाणा(उ)ठिउए(व)वं अपखेवं सदि  
 क्वपससुई मज्झिमज्जेवं श्रीवचंति । तए वं सा रक्कवीवरेक्या ते मार्कसि(व)हार(वा)  
 वाइ भो वंवाएइ वहुं पठिओमेहि य उवसमेहि य वाकिउए वा वेमिताए वा  
 निपरिवापिउए वा (वोनिउए वा) ताहे म्भुरे(हि)विं(व)ठियारेहि य वसुमेहि य वच  
 समेहि य उवसमेतं पवता वासि होत्थ-ई भो मार्कसिबहारगा । वइ वं तुप्पेहि  
 रेवाउमिवा । यए सदि हस्तिवासि य रनिवासि य कस्सिवासि य वीस्सिवासि य  
 हिस्सिवासि य वेहिवासि य ताहे वं तुप्पे सप्पाई अपयेमाणा ममं विप्यवहाय  
 सेवएवं सदि क्वपससुई मज्झिमज्जेवं श्रीवचवइ । तए वं सा रक्कवीवरेक्या  
 विपरमिक्कवत्त ममं वेहिवा वामोएइ २ ता एवं ववाली-निवंपि य वं वइ विप-  
 पाकिवत्त वमिइ ५ । निवंपि ममं विपपाकिए वमिइ ५ । निवंपि य वं वइ  
 विपरमिक्कवत्त इइ ५ । निवंपि य वं ममं विपरमिक्कए इइ ५ । वइ वं ममं  
 विपपकिइ रोक्का(वी)वि वंयमाणि सोममाणि तिप्पमाणि विक्कमाणि नाक्कववइ  
 किण्वं तुमं(पि)विपरमिक्कव । ममं रोक्काणि वाच नाक्कववति । तए वं—सा  
 पवररक्कवीवत्त वइवा वेहिवा (व)विपरमिक्कवत्त ममं । नाउ(व)वं वचमि-  
 धितं उम(सि)रिं मार्कसिबहारगा(व)व रोवंपि ॥ १ ॥ वोसकमिवा स(वकि)किउवं  
 वावाविउप्पवातवीतिवं विम्वं । वावामवमिभुरवइ सज्जोउवउरमिउउमहुं  
 पुंयमाणी ॥ १ ॥ वावाममिक्कवारववचंतिवाविक्किमिने(उ)वउयेइममुत्तरवेवं ।  
 विसाओ विविसाओ पुरंदली वचमिवं वेइ सा (व)उत्तसा ॥ २ ॥ होत्त वउउ  
 वोत्त नाइ वउव पिउ रमव वंग ताविव विमिक्क विक्कव । वि(कि)वउ उ(कि)

नण्णत्तो ॥ ३ ॥ तह धम्मकही भव्वाण साहए दिट्ठअविरइसहावो । सयलदुहहेउभूओ  
 विसया विरयति जीवाण ॥ ४ ॥ सत्ताण दुहत्ताण सरण चरण जिणिदपण्णत्त ।  
 आणदरूवनिव्वाणसाहण तह य देसेइ ॥ ५ ॥ जह तेसिं तरियव्वो रुइसमुहो तहेव  
 संसारो । जह तेसिं सगिहगमण निव्वाणगमो तहा एत्थ ॥ ६ ॥ जह सेलण  
 पिट्ठाओ भट्ठो देवीइ मोहियमईओ । सावयसहस्सपउरम्मि सायरे पाविओ निहण  
 ॥ ७ ॥ तह अविरईइ नडिओ चरणचुओ दुक्खसावयाइण्णे । निवडइ अपारससार  
 सायरे दाहणसरूवे ॥ ८ ॥ जह देवीए अक्खोहो पत्तो मट्ठाण जीवियमुहाइ । तह  
 चरणट्ठिओ साहू अक्खोहो जाइ निव्वाण ॥ ९ ॥ **नवमं नायज्झयणं समत्त ॥**

जइ ण भत्ते ! समणेण० नवमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते दसमस्स(०)  
 के अट्ठे पन्नत्ते ? एव खलु जवू ! तेण कालेण तेण समएण रायगिहे (नाम) नयरे  
 (हो० तत्थ ण रा० न० से० णा० रा० हो० तस्स ण रा० न० व० उ० दि०  
 एत्थ णं गु० णा० उ० हो० ते० का० ते० स० स० भ० म० पु० च० जाव  
 जे० गु० उ० ते० स० ) सामी समोसडे (प० नि० सेणिओ वि रा० नि० धम्म  
 सोच्चा प० प० तए ण)गोय(मसामी)मो(समण ३) एव वयासी-कहण्ण भंते ! जीवा  
 व्रद्धति वा हायंति वा ? गोयमा । से जहानामए बहुलपक्खस्स पडिवयाचदे पुण्णि  
 माचद पणिहाय ही(णो)णे वण्णेण हीणे सो(रु)मयाए हीणे निद्धयाए हीणे कतीए एवं  
 दित्तीए जुत्तीए छायाए पभाए ओयाए ले(रु)साए मडलेण । तयाणतर च णं बीया-  
 चदे प(पा)डिव(य)याचद पणिहाय हीणतराए वण्णेण जाव मडलेण । तयाणतर च  
 ण तइयाचदे बी(विति)याचद पणिहाय हीणतराए वण्णेण जाव मडलेण । एव खलु  
 एएण कमेण परिहायमाणे २ जाव अमाव(रु)साचदे चाउइसिचंदं पणिहाय नट्ठे वण्णेण  
 जाव नट्ठे मंडलेण । एवामेव समणाउसो ! जो अम्ह निग्गथो वा निग्गथी वा जाव  
 पव्वइए समाणे हीणे खतीए एव मुत्तीए गुत्तीए अज्जवेण मद्देवेण लाघवेण सध्वेण  
 तवेण चियाए अकिंचणयाए वमचेरवासेण । तयार्णतरं च णं हीणे हीणतराए खतीए  
 जाव हीणतराए वमचेरवासेण । एव खलु एएण कमेण परिहायमाणे २ नट्ठे खतीए  
 जाव नट्ठे वमचेरवासेण । से जहा वा सुक्कपक्खस्स पडिवयाचदे अमावसा(ए)चद  
 पणिहाय अहिए वण्णेण जाव अहिए मडलेण । तयार्णतरं च ण बीयाचंदे पडिव  
 याचंद पणिहाय अहिययराए वण्णेण जाव अहिययराए मडलेण । एव खलु एएण  
 कमेण परि(वु)वद्धमाणे २ जाव पुण्णिमाचंदे चाउइसिं चंद पणिहाय पडिपुण्णे  
 वण्णेण जाव पडिपुण्णे मडलेण । एवामेव समणाउसो ! जाव पव्वइए समाणे  
 अहिए खतीए जाव वमचेरवासेण । तयार्णतरं च णं अहिययराए खतीए जाव

न कथयेद्दि न उपसमोद्दि न जाहे नो संवाएरु वाकिणए वा खेमिणए ॥ मि( )परि  
 वाकिणए वा ताहे संता संता परितंता निमिन्ना समा(वा)णी जामेव दिशि पडम्भूवा  
 तामेव मि(सं)दि पडिगवा । तए न से सेकए कण्ठे विगपाकिणए सद्धि कण्ठसमुद  
 मय्यममेव वीरवद २ ता जेवेव नपा नयरी तेवेव उवायच्छइ वता नपाए नयरीए  
 नमुजानेति विगपाकिण्ये प(पि)दुग्धो ओवारे २ ता एवं कयासी-एव न देवाव  
 णिया । नपा-नयरी वीरवद-तिक्कु विगपाकिण्ये वापुच्छइ २ ता जामेव दिशि  
 पाडम्भूए तामेव दिशि पडिगए ॥ ९३ ॥ तए न विगपाकिण्ये नपं वजुपमिउइ  
 २ ता जेवेव सए मिहे जेवेव अम्मापिकरो तेवेव उवायच्छइ ता अम्मापिकरं  
 रोक्कामे वाव विक्कपाये विवरन्निउक्कामे विवेवेड । तए न विक्कपाकिण्ये  
 अम्मापिकरो नित्ताइ वाव परिकयेव सद्धि रोयमाणई वहुई ओइवाई मवक्किवाई  
 कुरेति २ ता कळेन निगमसोवा वावा । तए न विगपाकिण्ये नयमा कया(इ)ई  
 उइउववराव अम्मापिकरो एवं कयासी-कळेन पुता । विवरन्निउए कालम्भए ।  
 तए न से विगपाकिण्ये अम्मापिकरं कण्ठसमुदोत्तरं न कळिक्कामसमुच्छवई न  
 पेक्कववमिपति न पक्कवववज्जासाव न रवववीनुतारं न रवववीववेववा(मिहे)-  
 वेवि न मोयमिभू न रवववीववेववाअप्पाहणं न उम्माइवपुरिउपरिउव न  
 सेक्कवववज्जाअव न रवववीववेववाउक्कमं न विवरन्निउवमिपति न कण्ठ-  
 समुच्छववव न वंउवमं न सेक्कवववज्जाअप्पाहणं न अहानुवमविउहमसंदिई  
 परिक्कइ । तए न विगपाकिण्ये वाव अप्पसेमो वाव निउकाई मोवमोसाई मुंजयावे  
 निउइ ॥ ९४ ॥ तं कळेन तेव समएव समवे मगवं महावीरे (वाव जेवेव  
 नपा वं(वा)पि जेवेव पुज्जमी वज्जाने तेवेव) समोउवे (पत्तिता निमाया कृचिओ  
 मि उक्ता निम्माओ विगपाकिण्ये) वाव धम्मो सोव पक्कइए ए(उ)व्वाउरउप(कि)वी  
 माविणं मोतं वाव अत्तावे उओता सोहम्मे कपे सो उवाउरउमई ठिई प । तम्मे  
 माउववएव उइउववएव मक्कववएव नयतरं नपं वइता जेवेव महाविदेहे वाउ  
 विमिउविइ वाव वंई कळिइ । एवामेव समवाउओ । वाव माउसए कयमोपे  
 नो पुवमि वासाइ से न वाव वीरवदस्सइ जहा व से विगपाकिण्ये । एवं कळ  
 वं । समवेव मवववा महावीरेव वाव वंपतेव नयमस्स वावउक्कववस्स नयमउ  
 पक्के तिपेमि ॥ ९५ ॥ माहावी-अइ रवववीववेवी तइ एवं कळिई माहावा ।  
 अइ कळरवी वमिवा तइ उइउमा इई वीवा ॥ १ ॥ अइ तेई मीएइ दिओ  
 वावाकमंउवे पुरिओ । उताउक्कववमिवा पाउंति तहेव वम्मअइ ॥ २ ॥ अइ  
 तेव तेवि कळिउ वेवी उक्कवव वारं ओर । तत्ते विम निउताउ सेक्कवववाउवे

वायति तथा ण गच्छे दावद्वा (भय्या) पत्तिया ज्ञानं चिद्धंति । एतामेव ममगाउगो ।  
 जो अम्म पव्वइए ममाणे यएण ममगाण ४ यएण अज्जउच्चियमिहत्ताण मम्म सहइ  
 एस ण मए पुरिसे मव्वआराहण पज्जते (ममगाउगो ।) । एव गए गोयमा । जीव  
 आराहणा वा विराहणा वा भवति । एव गए जवू । ममाणेण भगवया महावीरिण  
 जाव सपत्तेण एवारसमस्य अयमट्ठे पज्जते तित्थेमि ॥ ९७ ॥ गाताओ-उद  
 दावद्वातएवामेव गए अहेर धीविना । गायता तद् ममगाइयमपक्कतागताइ दुमताइ  
 ॥ १ ॥ जइ सामुदयवाया ताहइग्गित्तिवाइकइयवयाताइ । कुमुमाइसपया जइ  
 सिवमग्गाराहणा तद् उ ॥ २ ॥ जइ कुमुमाउगिगागो सिवमग्गविराहणा नइ नेया । जइ  
 धीयवाउजोगे बहु इट्ठी ईजि य अणिट्ठी ॥ ३ ॥ ताइ गाहम्मियवयणाण मात्तागाराहणा  
 भवे बहुया । इयराणमगाहणे पुण नियमग्गविराहणा घोवा ॥ ४ ॥ जइ जलहिवा  
 उजोगे धेविट्ठी बाहुयरा यइणिट्ठी य । ताइ परपक्कतामणे आराहणमीजि बहु व  
 यर ॥ ५ ॥ जइ उभयवाउविरहे सव्वा तरसंपया विगट्ठ ति । अणिमित्तोभयमच्छ  
 ररुने विराहणा तद् य ॥ ६ ॥ जइ उभयवाउजोगे सव्वसमिगुं नगस्स संजाया ।  
 तद् उभयवयणमहणे सिवमग्गाराहणा युता ॥ ७ ॥ ता पुण्णममणभम्माराहण-  
 चित्तो सया महासत्तो । सव्वेग वि कीरंतं सट्ठेज गव्व पि पडिह्ल ॥ ८ ॥  
 पक्कारसमं नायज्जयणं समत्तं ॥

जइ ण भवे । समणेण जाव सपत्तेण एवारसमस्य नायज्जयणस्स अयमट्ठे पज्जते  
 वारसमस्स ण (०) के अट्ठे पज्जते ? एव खलु जवू । तेणं काटेण तेण समएण चंपा  
 ना(म)म नयरी । पुण्णमहे उज्जाणे । जियसत्तू [नाम] राया (होत्या) । (तस्स ण जिय  
 सत्तुस्स रण्णो) धारिणी (नाम) देवी (होत्या अही० जाव मरुवा) । (तस्स ण जि०  
 र० पुत्ते धारिणीए अत्तए) अदीणसत्तू नाम कुमारे जुवराया वि होत्या । सुसुद्धा  
 [नाम] अमच्चे जाव रज्जवुराचितए [यावि होत्या जाव] ममणोवासए (अ०) । तीसे ण  
 चपाए नयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमेण एगे फरिहोदए यावि होत्या मेयवसारुहिरम-  
 सपूय-पढलपोधडे मयगकलेवरसछजे अमणुजे [ण] वण्णेण जाव फासेण से जहानामए  
 अहिमढेइ वा गोमढेइ वा जाव मयकुहियविणट्ठकिमिणवावण्णदुरभिगधे किमिजा-  
 लाउले ससत्ते असुइविगययीमच्छदरिसणिज्जे । भवेयारुवे सिया ? नो इणट्ठे समट्ठे ।  
 एत्तो अणिट्ठतराए चेव जाव गधेणं पज्जते ॥ ९८ ॥ तए ण से जियसत्तू राया  
 अज्जया कयाइ ण्हाए अप्पमहग्गामरणालकिवसरीरे बहहिं(रा)ईसर जाव सत्य-  
 वाहपभि(ति)ईहिं सद्धि[भोयणमडवसि]भोयणवेलाए सुहासणवरगए विठल असण ४  
 जाव विहरइ जिमियभुत्तुतरागए जाव सुइभूए तसि विपुलंसि अस(ण)णसि ४ जाव

बमभेरवासेन । एवं कहु एएनं कमेनं परिकुमेयाये २ वाच पविपुम्मे बमभेरवा-  
सेन । एवं कहु जीवा वहुंति वा हवन्ति वा । एवं कहु कम् ! सममेनं मयववा  
महापीरेनं वसमस्स नावज्जसवस्स अवमहे पवतो ति मेमि ॥ १९॥ शाहाप्पो-  
वह परो तह साह पाहुपणेहो जहा तह पमाप्पो । कम्माई पुनपणो वह तहा कम्माई  
समपवम्मे ॥ १॥ पुम्मे नि परिकेनं वह हवन्तो सम्महा सत्ती नत्तं । तह  
पुनपरिकेयमि हु पुवीकसेसगिमाईहि ॥ २ ॥ वनियपमाप्पो साह हवन्तो  
परिकेनं कम्माईहि । आवह नहुपरितो सत्तो पुनवार्ह पविह ॥ ३ ॥ हीनपुम्मे  
नि हु छेठं छापुम्मेगाहवनिनसिमेयो । पुम्मेसकम्मे आवह विवकुमाणो सव  
इणेन ॥ ४ ॥ वसमं मापज्जसवणं समर्त्तं ॥

अहं भं मेते ! सममेनं वसमस्स नावज्जसवस्स अवमहे पवतो एवमसमस्स ( )  
के जहे पवतो ! एवं कहु जहं ! तेनं कमेनं तेनं समएणं उवपिहे वाच पोवम  
(सममे १) एवं ववासी-वर्धं के मेते ! जीवा आराहवा वा निराहवा वा भवन्ति !  
गोक्का ! ते वहात्तमए एवमि ससुएहन्ति वावहवा नम्मं सक्का पवता निम्ह  
वाच निज(ई)वमूळ पत्तिवा पुण्डिवा पण्डिवा इविबवरेरिक्कमाणा सिटीए अईव  
उक्कोमेमाणा १ विट्ठि । जवा के वीनिचया ईति पुरेवावा पच्छन्नावा मंहावावा  
महावावा वान्ति तथा के वहुने वावहवा सक्का पत्तिवा वाच विट्ठि । अप्पेएव  
वावहवा सक्का तुक्का छोडा परिसविक्कपत्तपुण्डपत्तया सुक्कमकम्मे निव निव  
कमाणा १ विट्ठि । एवमेव समवाउछो । (वि) जो अम्हं निम्मांओ वा १ वाच  
पम्परए समाने वहुनं समवाउ ४ समं सहर वाच अहिवासेइ वहुनं अजउन्नि-  
वाणं वहुनं मिहत्ताणं ओ समं सहर वाच नो अहिवासेइ एव के मए पुरिसे  
देसविउहए पवतो समवाउछो । जवा के सामुएवा ईति पुरेवावा पच्छन्नावा मंहा  
वावा महावावा वान्ति तथा के वहुने वावहवा सक्का तुक्का छोडा वाच निवम  
माणा १ विट्ठि । अप्पेएव वावहवा सक्का पत्तिवा पुण्डिवा वाच उक्कोमेमाणा  
१ विट्ठि । एवमेव समवाउछो । जो अम्हं निम्मांओ वा १ वाच पम्परए समाने  
वहुनं अजउन्नि(वाणं व )ममिहत्ताणं समं सहर वहुनं समवाउ ४ नो समं सहर  
एव के मए पुरिसे देसविउहए पवतो समवाउछो । जवा के नो वीनिचया नो सामु  
एवा ईति (पुरेवावा) पच्छन्नावा वाच महावावा वान्ति त(ए)वा के समं वावहवा  
सक्का तुक्का छोडा ( ) । एवमेव समवाउछो । वाच पम्परए समाने वहुनं समवाउ  
४ वहुनं अजउन्निमिहत्ताणं नो समं सहर एव के मए पुरिसे समविउहए पवतो  
समवाउछो । जवा के वीनिचया नि सामुएवा नि ईति (पुरेवावा पच्छन्नावा) वाच









मिन्दए ते बह्वे राईसर जाव एवं बवासी-बहो नं देवातुपिमा । इमे बह्वरयने  
 बच्छे जाव धम्मिबिगावपम्हायमिजे । तए नं [ते] बह्वे राईसर जाव एवं बवासी-  
 उहेव नं छापी । बह्वे दुम्मे बह्वे जाव एवं नेव पम्हायमिजे । तए नं विवसत्तु एवा  
 पाप्मियवरिं सहावे १ ता एवं बवासी-एव नं दुम्मे)ये देवातुपिमा । बह्वरयने  
 कम्मे जावए १ । तए नं से पाप्मियवरिं विवसत्तु एवं बवासी-एव नं छापी ।  
 मए उवपरयने सुवित्तु अतिवामो जावए । तए नं विवसत्तु (एवा) सुवित्तु  
 जयवं सहावे १ ता एवं बवासी-बहो नं सुवित्तु । केव करमेनं बह्वे तव अविहे  
 ५ जेवं दुम्मे मम कम्मविं योजननेवए इमं उवपरयने न उवट्टेसि । तं एव (तए)  
 नं दुम्मे देवातुपिमा । उवपरयने कम्मे उवकळे १ । तए नं सुवित्तु विवसत्तु एवं  
 बवासी-एव नं छापी । से करिहोवए । तए नं से विवसत्तु सुवित्तु एवं बवासी-  
 केव करमेनं सुवित्तु । एव से करिहोवए । तए नं सुवित्तु विवसत्तु एवं बवासी-  
 एवं कळ छापी । दुम्मे)म्मे तवा मम एवमाइवकम्मवस्स ५ एवमं नो सहाइ ।  
 तए नं मम इमेवकळे अज्जतिवए -- बहो नं विवसत्तु संते जाव मावे नो सहाइ नो  
 वट्टिद नो टेट्ट । तं सेवं कळ म(म)म विवसत्तुस्स रत्तो संतावं जाव सम्भूयवं  
 विवसत्तुवां मावावं अविममवट्टवाए एवमं तवाकमावेतए । एवं संपेहेमि १  
 ता तं नेव जाव पाप्मियवरिं सहावेमि १ ता एवं बवासी-दुम्मे नं देवातुपिमा ।  
 बह्वरयने विवसत्तुस्स रत्तो मोवववैवए उववेहि । तं एववं करमेनं छापी ।  
 एव से करिहोवए । तए नं विवसत्तु एवा सुवित्तु (ममवस्स) एवमाइवकम्मवस्स  
 ५ एवमं नो सहाइ १ अउवइमाने अपठियमावे अरो(व)एमावे अम्मिवर(उ)-  
 अमिजे पुट्टे सहावे १ ता एवं बवासी-बहो नं दुम्मे देवातुपिमा । अंतएव  
 जावो नए(ए)वए पवए न गेवइ जाव बह्वरय(हा)वारमिजेहि वन्नेहि संमारेइ ।  
 सेमि उहेव संमारेसि १ ता विवसत्तुस्स उववति । तए नं से विवसत्तु एवा  
 तं उवपरयने करकळेसि जावए जावामिजे जाव धम्मिबिगावपम्हायमिजे  
 जाविता सुवित्तु जयवं सहावे १ ता एवं बवासी-सुवित्तु । एव नं दुम्मे संता तवा  
 जाव सम्भूवा मावा कम्मे उवकळा १ । तए नं सुवित्तु विवसत्तु एवं बवासी-एव  
 नं छापी । मए संता जाव मावा विवसत्तुवां उवकळा । तए नं विवसत्तु सुवित्तु  
 एवं बवासी-तं इवममि नं देवातुपिमा । तव अतिव विवसत्तु निटा(मे)मिवाए ।  
 तए नं सुवित्तु विवसत्तुस्स विवितां केवविपवती जावज्जयं बह्वं परिहोइ उमाइ-  
 कळ बहा वीवा वज्जेसि जाव वंवातुम्माइ । तए नं विवसत्तु सुवित्तु अतिव  
 यमं सेव निवमम इह सुवित्तु जयवं एवं बवासी-सहामि नं देवातुपिमा ।

निग्गध पावयण ३ जाव मे जहेय तुब्भे वयह । त इच्छामि ण तव अतिए पचा  
 णुव्वइय सत्तसिक्खावदयं जाव उवसपज्जित्तानं विहरित्तए । अहामुहं देवाणुप्पिया ।  
 मा पडिवध (करेह) । तए ण मे जियसत्तु सुवुद्धिस्स (अमवस्स) अतिए पचाणु-  
 व्वडय जाव दुवालसविह सावयधम्म पडिवज्जइ । तए ण जियसत्तु ममणोवासए जाए  
 अ(भि)हिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ । तेणं कालेण तेण समएण  
 (थेरा जेणेव चपा नयरी जेणेव पुण्णभेइ उज्जाणे तेणेव स०) थेरागमण । जियसत्त  
 राया सुवुद्धी य निग्गच्छइ । सुवुद्धी धम्म सोया ज नवरं जियसत्तु आपुच्छामि  
 जाव पव्वयामि । अहामुह देवाणुप्पिया । । तए ण[से]सुवुद्धी जेणेव जियसत्त तेणेव  
 उवागच्छइ २ ता एव वयासी-एव खलु सामी । मए थेराण अतिए धम्मो निसवे ।  
 से(S)वि य धम्मो इच्छि(य)ए पडिच्छिइ ३ । तए ण अहं सामी ! ससारभववियगे  
 भीए जाव इच्छामि ण तुब्भेहिं अब्भणुजाए (स०) जाव पव्वइत्तए । तए ण  
 जियसत्तु सुवुद्धि एव वयासी-अ(च्छा)च्छसु ताव देवाणुप्पिया । कडवयाइ वासाइ  
 उरालाई जाव भुजमाणा । तओ पच्छा एगयओ थेराण अतिए मुढे भविता जाव  
 पव्वइस्सामो । तए ण सुवुद्धी जियसत्तुस्स रज्जो एयमट्ट पडिमुणेइ । तए ण तस्स  
 जियसत्तुस्स रज्जो सुवुद्धिणा सद्धिं विपुलाइ माणुस्सगाढं जाव पचणुब्भवमाणस्स  
 दुवालस वासाड वीइक्कताई । तेण कालेण तेण समएण थेरागमण । (तए ण) जिय  
 सत्त धम्म सोव्वा एव ज नवरं देवाणुप्पिया । सुवुद्धिं आमतेमि जेट्ठपुत्त रज्जे ठा(ठ)-  
 चेमि तए ण तुब्भ [अतिए] जाव पव्वयामि । अहामुह देवाणुप्पिया । । तए ण  
 जियसत्तु राया जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ ता सुवुद्धिं सद्दावेइ २ ता  
 एव वयासी-एव खलु मए थेराण जाव पव्व(ज्जा)यामि, तुम ण किं करेसि ? । तए  
 ण सुवुद्धी जियसत्तु एव वयासी जाव के अन्ने आ(हा)धारे वा जाव प(व्वया)व्वामि ।  
 त जइ ण देवाणुप्पिया । जाव प(व्वयह)व्वहि । गच्छह ण देवाणुप्पिया । जेट्ठपुत्त व  
 कुड्डवे ठावेहि २ ता सीर्यं दुरुहिताण मम अतिए सीया जाव पाउब्भ(वेति)वइ ।  
 (त० सु० जाव पाउब्भवइ) तए ण जियसत्तु कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ ता एव  
 वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया । अवीणसत्तुस्स कुमारस्स रायाभिसेय उव  
 ट्ठवेह जाव अभिसिंचति जाव पव्वइए । तए ण जियसत्तु एक्कारस अगाई अहिज्जइ  
 वहूणि वासाणि परियाओ(पाउणित्ता)मासियाए सलेहणाए जाव सिद्धे । तए ण सुवुद्धी  
 एक्कारस अगाई अहिज्जिता वहूणि वासाणि जाव सिद्धे । एवं खलु जवू ! समणेणं  
 भगवया महावीरेण जाव सपत्तेणं बारसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पद्दते ति  
 वेमि ॥ ९९ ॥ गाहा-मिच्छतमोहियमणा पावपसत्तावि पाणिणो विगुणा । फरिहो-  
 दग व गुणिणो हवति वरगुरुपसायाओ ॥ १ ॥ बारसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

अथ न मति ! अयमेव जाय संतोषं वारधयस्तु (वा ) अयम्भु पवते तस्य-  
 मस्तु (न मति ! मय ) के भट्टे पवते ! एवं कस्तु भट्टे । तेन कथमे तेन समएनं  
 उयमिहे नयरे (गुणसिद्धि सज्जाने (ते वा त स समये १ अउ(१)रघर्हि  
 समस्यहस्तौहि जाय सद्धि पु न जाय के गु उ ते स अ उ सं  
 त न मा मिह(र) समोसरनं परिता निमया । तेन कथमे तेन समएनं  
 सोहमे कये दुरवर्द्धि स ए निमाने समाए उहम्माह दुरति सीहाधनसि दुरे है  
 अहं समाधिकताहस्तीहि अहं अयमहितीहि उपरिगर्हि एवं अहा सु(१)रिवा-  
 (मो)मे अह रिप्याहं मोपमोगाहं मुक्ता(यो)मे मिह(र) ह्ये न न केनकक्यं अं-  
 द्यं द्यं मिहकेन अहिना जायोपमाने १ जाय नुमिहि उवर्द्धिता पतिवत् अहा  
 सतिमि । मति(सि) । ति मयं केयये समये १ अह कर्मसह १ १ एव ववासी-  
 अहो न मति ! दुरे वेवे मतिहि १ । दुरस्स व मति । वेवस्स सा रिप्या  
 रिप्या १ अहि यवा । अहि (अह)पतिवत् । केयमा । सरीर यवा सरीर अ-  
 पतिवत् दुरायाहिदुतो । दुरेव मति । वेवस्स सा रिप्या रिप्या १ रिप्या अह  
 जाय अनिसमवायमा । एवं कस्तु गेयमा । ह्येव अंशुर्हि १ अहरे कसे रावमिहे  
 गुणसिद्धि सज्जाने सेमि एवा । एव न उयमिहे नंदे वामे ममिवासेदुं परि-  
 वत् अह हिंते । एवं कथमे तेन समएनं अहं केयमा । समोउ(१)हे परिता  
 निमया सेमि मि (एवा) निमया । एव न से नदि ममिवासेदुं ह्योसे अहाए अहरे  
 समाने अहा पावकारेव अह पञ्चवाह । नदि वमं छावा समनोवातए अहा ।  
 एव न अहं उयमिहाने पतिनिज्जते अहिना अयवमिहारे मिह(र)मि । एव न से  
 न(१)ममिवासेदुं अहवा कवाह अहावर्द्धिसमैव न अपञ्चवातए न अयवमि-  
 वनाए न अहस्सुनाए न अयमपञ्चवेहिं परिहन्मयापेहिं १ रिप्यापञ्चवेहिं पति  
 अहमिहे १ रिप्यापति रिप्यापति जाए यानि होत्वा । एव न नदि ममिवासेदुं  
 अहवा (अवा) मिहकाअवमति केअमिहिं मातंति अहममयं परिनेह १ ता  
 पोहसाअए अह मिह(र) । एव न नंदस्स अहममतिं परिमममतिं ताहाए  
 अहाए न अमिभूतस्स समानस्स ह्येवाहं अहसतिपए--अह न ते जाय हैसर  
 पमिकयो वेति न उयमिहस्स अहिना अहयो वानीओ केनक(१)रिप्याओ अह सर-  
 सरपतिअओ अह न अहमो अहा य रिप्या य पमिने न सेह १ तं सेनं अह  
 अ(१)म अह (अह ) सेमिं एव अहापिहिता रावमिहस्स अहिना उहापुरमिने  
 मिदीमा(१)मे वे(१)मारअवमस्स अहममतिं अहवाअवमतिं ममिमाति(अह)  
 नं केनकरीमि एवापिहए-तिअहु एवं सपेहेह १ एव अहं जाय केयहं पारेह १ ता

ण्हाए मित्तनाइ जाव संपरिबुद्धे महत्थ जाव पाहुड रायारिह गेण्हइ २ ता जेनेव  
 सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ जाव पाहुड उवट्टवेइ २ ता एव वयासी-इच्छामि  
 ण सागी । तुब्भेहि अब्भणुजाए समाणे रायगिहस्स वहिया जाव खणावेत्ताए ।  
 अद्दामुह देवाणुप्पिया (१) । तए ण[से]नंदे सेणिएण रजा अब्भणुजाए समाणे हट्टुडे  
 रायगिह [नगरं] मज्झमज्जेण निग्गच्छइ २ ता वत्थुपाठयरोइयंति भूमिभागसि नद  
 पोक्खरणिं राणा(वि)वेउ पयसे यावि होत्था । तए ण सा नदा पोक्खरणी अणु  
 व्वेण रा(ण)म्ममाणा २ पोक्खरणी जाया यावि होत्था चाउक्कोणा समतीरा अणु  
 पु(ध्व)व्वं गुजायवप्पसीयलजला संछन्नपत्त(वि)भिसमुणाला बहु[उ]प्पलपठमकुमुद  
 नलि(णि)णमुभगसोगधियपुडरीयमहापुडरीयसयपत्तसहस्सपत्त(पफुल्ल)पुप्फफलकेस  
 रोववेया परिहत्थममतमतच्छप्पयअणेगसउणगणमिहुणवियारियस(हुल्ल)हनइयमहुरस-  
 राइया पासाइया ४ । तए ण से नंदे मणियारसेट्ठी नदाए पोक्खरिणीए चउदिमि  
 चत्तारि वणसडे रोवावेइ । तए ण ते वणसडा अणुपुव्वेण सारक्खिज्जमाणा सगो  
 पिज्जमाणा (य) सवद्धि(य)ज्जमाणा य (से) वणसडा जाया किण्हा जाव नि(कु)उरं  
 भूया पत्तिया पुप्फिया जाव उवसोभेमाणा २ चिट्ठति । तए ण नंदे पुरत्थिमिन्ने  
 वणसंढे एग मह चित्तसभं करावेइ [२] अणेगखभसयसनिविट्ठ पासाइय ४ । तत्थ  
 णं वट्ठणि किण्हाणि य जाव सुव्विलाणि य कट्ठकम्माणि य पोत्थकम्माणि य चित्त(०)-  
 ले(लि)प्प(०)गंयिमवेढिमपूरिमसघाइ(म०)माडं उवदंसिज्जमाणाइ २ चिट्ठति । तत्थ  
 णं वट्ठणि आसणाणि य सयणाणि य अत्थुयपच्चत्थुयाइं चिट्ठति । तत्थ ण बहवे नडा  
 य नट्टा य जाव दिन्नभइमत्तवेयणा तालायरकम्म करेमाणा विहरंति । रायगिहवि-  
 णिग्गओ(य) त(ज)त्थ [ण] व(ह)हुजणो तेसु पुव्वन्नत्थेसु आसणसयणेसु सनिसणो  
 म संतुयट्ठो य सुणमाणो य पेच्छमाणो य सा(सो)हेमाणो य सुहंसुहेण विहरइ । तए  
 णं नंदे दाहिणिल्ले वणसडे एग मह महाणससाल कारावेइ अणेगखभ जाव स्त्वं । तत्थ  
 णं वट्ठवे पुरिसा दिन्नभइमत्तवेयणा विउलं असण ४ उवक्खडेंति वट्ठण समणमाहण  
 अति(ही)हिकिवणवणीमगाणं परिभाएमाणा २ विहरंति । तए णं नंदे मणियारसेट्ठी  
 पच्चत्थिमिल्ले वणसडे एग मह ति(ते)गिच्छिंयसाल क(रे)रावेइ अणेगखभसय जाव  
 पट्ठिन्त्य । तत्थ णं वट्ठवे वेज्जा य वेज्जपुत्ता य जाणुया य जाणुयपुत्ता य कुसला य  
 फूसलपुत्ता य दिन्नभइमत्तवेयणा वट्ठण वाहिया(णं)ण य गिलाणाण य रोगियाण य  
 दुव्वलाण य तेइ(च्छं)च्छकम्म करेमाणा विहरंति । अन्ने य त(ए)त्थ बहवे पुरिसा  
 दिन्नभइ० तेसिं वट्ठण वाहियाण य रोगि(०)यगिला(०)णदुव्वलाण य ओसहभेस  
 ज्जभत्तपाणेण पडियारकम्म करेमाणा विहरंति । तए ण नंदे उत्तरिल्ले वणसंढे एग

मई अर्द्धशरित्तमं करोह् अथपञ्चमस्य बाध पठितम् । तत्त्वं नै बहूनि अर्द्धशरि  
व(पुरेण)यत्तुस्ता विसमम्भज(वैत)पत्ता बहूय समवाय न [माहवाय न समाहाय  
न] अवाहाय न मितावाय न रोयिवाय न पुष्पवाय न अर्द्धशरित्तमं करोमात्ता  
२ मिहर्ति । तए नै छिए नैवाए पोक्करीणीए बहूनि सवाहा न अवाहा न पयिवा  
न बहिवा न करोहिवा न (करिवा ) त(पा)नहाय पाहाय कट्टाए अप्पेय्त्वा  
न्यायंति अप्पेय्त्वा पयिमे पियेति अप्पेय्त्वा पामिन् संवाहंति अप्पेय्त्वा मिह  
विस्सेवज्जमपपरिस्समनिहृण्णिमात्ता छंछेत्तं मिहर्ति । रायणिह्(मि)मिग्गज्जे  
मि ए(व)एव बहूवचो मि तं अकरमममिनिहमज्जमकयमिममा(व)हरत्तुसमत्तर  
कममेयत्तवचन(रे)कमरिमिहत्तुमेत्त छंछेत्तं अमिरममाचो २ मिहर्त्त । तए नै  
नैवाए पोक्करीणीए बहूवचो क्कामाचो य पीकमान्णे य पामिन् य संवाहमाचो न  
अवमत्तं एत्तं बवासी-बसे नै बवालुपिवा । नैरे ममिवारेसेट्टी क्कत्ते वाय कम्म  
जीमिक्कत्ते क्कत्त नै इयेवत्तवा नैरा पोक्करीणी वात्तत्तेना वाय पठित्ता क्कत्त  
नै पुण्णिमिह्मे तं येव सत्तं वत्तु मि वचसेत्त वाय रावणिह्मिमिग्गज्जे क्कत्त बहू  
वचो वासत्तेत्त न वचनेत्त न सत्तिचत्तेत्त य संजुत्तेत्त न वेक्कमाचो न साहेमाचो न  
छंछेत्तं मिहर्त्त । तं येव क्कत्ते [क्कत्तवत्तवे] क्कत्तुत्ते क्कत्त नै कोवा(!) छत्ते  
यत्तुत्तए कम्मजीमिक्कत्ते नैवत्त ममिवारत्त । तए नै रावणिह्मे मि(सं)वात्त वाय  
बहूवचो क्कमवत्त एत्तमात्तवत्त ५-वत्ते नै बवालुपिवा । नैरे ममिवारे से येव  
क्कजो वाय छंछेत्तं मिहर्त्त । तए नै से नैरे ममिवारे बहूवज्जत्त अंतिए एव  
मत्तं छेत्त मिग्गज्जे वत्तत्ते वात्तवत्त(६)नैव(७)नै पिब समत्त(सि)मिवरोमन्ने  
परं छावात्तवत्तुत्त(८)मिमात्ते मिहर्त्त ॥ १ ॥ तए नै तत्तं नैवत्त ममिया-  
त्तेत्तत्त अवावा क्कत्त सत्तिरत्तंति छेत्तत्त रोवात्तंत्त पाठम्भूत्ता तंवा-सात्ते क्कत्ते  
करो वाहे इत्तिम्भत्ते मय्यरे । अरिषा जवीरए मि(हि)त्तुत्तवत्ते ज(पा)न्यए  
॥ १ ॥ अरिक्कत्तेत्ता क्कत्तवेत्ता कंठ वत्तरे कोत्ते ॥ तए नै से नैरे ममिवात्तेत्त  
छेत्तत्तत्त रोवात्तंत्तं अमिग्गए समाधि कोट्टमिहत्तुत्तं सत्तत्त १ तए एत्तं ववासी-  
क्कत्तत्त नै मुत्ते देवत्तुत्तत्त । रावणिह्मे नवरे मिवात्तवत्तवाक्(म )पहेत्त यत्तवा [१]  
छेत्तं वत्तत्तेत्ता १ एत्तं वत्त-एत्तं वत्त देवत्तुत्तत्त । नैवत्त ममिवारत्त(सि)त्त  
सत्तिरत्तंति छेत्तत्त रोवात्तंत्त पाठम्भूत्ता तंवा-सात्ते वाय कोत्ते । तं येव नै वत्तत्त  
देवत्तुत्तत्त । मि(वे)त्ते वा मिहत्तुत्त वा जत्तुत्तो वा १ वत्तत्ते वा २ नैवत्त  
ममिवारत्त तेत्ति नै नै छेत्तत्त रोवात्तंत्त एत्तमि रोवात्तंत्त वत्ता(मि)मिहत्त  
तत्त नै (वे ! )नैरे ममिवारे मिहत्तं वात्तत्तयात्त वत्तत्त-तिहत्तु रोवात्तंत्त तत्तंति



मिष्यन्ति । तद् यं अहं जज्ञवा क्वा(हं)र्दं मि(न्ने)महाकायसमर्पति वाय उच्यते-  
 मिष्यन्ति मिष्यन्ति-एवं अहोय मिता आपुण्यत्वा नंदापुनश्चरिणी वचसंवा सुहृन्ने तं  
 येन सन्धं वाय नंदाए (पु(वे)नका ) बहुताए उच्यते । तं अहो नं अहं जज्ञवे  
 अतुन्ने अकञ्चुन्ने मिष्यन्ति पावकणाभी नष्टे मष्टे परिष्मष्टे । तं सेमं कञ्चु मम  
 सकनेन पुण्यप्रविशदाई वंवात्तुम्बवाई ( ) उच्यतेपणितानं मिहरिताए । एवं संपेहेइ  
 १ ता पुण्यप्रविशदाई वंवात्तुम्बवाई वाय आह(हे)इइ २ ता इमेवास्मं अमिम्यई  
 अमिमिइइ-कप्प मे काक्(वी)जीवं कटुंउत्तेनं अमिमिउत्तेनं अप्पयं मायेमावस्स  
 मिहरिताए । कटुत्त मि न ये पारक्काणि कप्प मे नंदाए पोक्कचरिणीए परिपेरंतेस  
 कटुत्तं वाचोरएवं सम्य(वो)आमोकिवाहि न मिति कप्पेमावस्स मिहरिताए ।  
 इमेवास्मं अमिम्यई अमिनेइइ वाचजीवाए कटुंउत्तेनं वाय मिइइ । तेनं कप्पेनं  
 तेनं समएवं अहं पोक्का । पुनश्चिक्क सुवीउत्ते परिषा मिउक्का । तद् यं नंदाए  
 ये(पु)नश्चरिणीए बहुवत्ते वा(न ) ३ अकम्पवे (०) वाय उच्यते ३ इहेव पुनश्चि-  
 क्क उक्कावे समोत्ते । तं वण्णम्मो नं हेवात्तुप्पिमा । समवे ३ वंवायो वाय वज्जुवा-  
 साम्मे । एवं (मे) नं इइअवे परमवे न हिवाए वाय आ(अ)नुयामिन्वाए ममिस्सइ ।  
 तद् यं तस्स इहुरस्स अज्जवस्स अतिए प्ययई सोवा मिउम्म अज्जेयाऊवे अज्ज-  
 रिक्क० उप्पप्पिइइ-एवं कञ्चु समवे ३ ( ) समोत्ते । तं वण्णम्मि नं वंवा-  
 मि ( ) । एवं संपेहेइ २ ता वंवायो पुनश्चरिणीम्मे समिं १ उच(र)रेइ (१ ता)  
 केनेव उक्कम्मो तेनेव उक्कावक्कइ २ ता ताए उक्किण्णए ५ इहुरवाए मीईक्कमावे  
 केनेव ममं अतिए तेनेव पहाएव वमवाए । इमं नं येमिए उवा मि(र्व)मसारे  
 वाए उक्कमंकाटकिपुविइ इमिउक्कवक्कमए सक्के(र)रेइउक्कममेनं कप्पेनं परिज्जवा-  
 नेनं केक्कवाम(ता)रे इवगवइ मक्का मक्कवक्कमए )वाउरंमिणीए सेवाए  
 सति संपेहेइ मम उक्कवक्कए हन्ममान्णइ । तद् यं ये इहुरे येमिन्सु रक्को  
 एवेनं वाचमिउक्कएवं वमपाएवं अज्जते समवे अंतमिवाए कप्प वाणि होक्का ।  
 तद् यं ये इहुरे अ(र)क्को अक्को अजीरीए अजुरिउ(क्क)वाक्कवक्कमे अवावमिउमि-  
 डिक्क उक्कममक्कइ ( ) कक्क(परिक्कहिं विक्कतो तिरसावत्तं म० नं कटु)  
 वाय एवं वक्काटी-क्कोत्तु नं अ(क्क)उत्तानं (मपपंतानं) वाय वंवायं । कप्पोत्तु नं  
 (अक्कवस्स ३) मम कम्मजविहस्स वाय वंवामिउक्कमस्स । पुण्णिपि न नं मए  
 वमवस्स ३ अतिए वत्तए वावाइवाए पक्कवाए वाय वत्तए परिम्यहे पक्कवाए ।  
 तं इवाविपि तस्सेव अतिए सन्धं वावाइवाए पक्कवाणि वाय सन्धं परिम्यई पक्-  
 कवाणि वावजीवं सन्धं अक्कनं ४ पक्कवाणि वावजीवं केपि न इमं पट्टेरे इइ





आत्मनया पंचमे बह्वै समणमाहवा पगमि १ तद्देव ॥ ८४१ ॥ पुन अर्चवए  
 भिन्नपुत्रियाए बह्वै समणमाहवा ( बल्लित्ताण्डकावजो ) ॥ ८४२ ॥ से भिन्न  
 वा ( १ ) से चार्ड पुन पायाई चामिजा निरुमस्साई महदप्पमुमाई तंबहा-  
 अवपावामि वा तउ तंउपावामि वा सीसग-हिरण्य-उज्ज-पीरिय-हारपुन-यावामि  
 वा मणि-अम-रंउ-सेर-सिम्-रंत-येर-सेर-पावामि वा चम्मपवामि वा अण्णमएमि  
 वा तहप्पगाएई निरुमस्साई महदप्पमुमाई पायाई अण्णमुमाई चान्णो पडिमा-  
 हेजा ॥ ८४३ ॥ से भिन्न वा ( १ ) से चार्ड पुन पायाई चामिजा निरुमस्साई  
 महदप्पवर्चवार्ड तं अमवर्चवामि वा चान्ण चम्मवर्चवामि वा अण्णमएई तहप्पमा-  
 एई महदप्पवर्चवार्ड अण्णमुमाई चान्णो पडिमाहेजा इयेदमाई आवतवार्ड  
 कवाटिकम्म ॥ ८४४ ॥ अह भिन्न चामिजा चउई पडिमाई पार्व एवित्ताए,  
 तउ चउ इमा पडिमा से भिन्न वा ( १ ) उरुडिब १ पार्व चाएजा  
 तंबहा-अण्णतवपार्व वा राक्काव वा मडियापार्व वा तहप्पयार् पार्व चर्च वा नं  
 चाएजा चान्ण पडिमाहिजा ॥ पडिमा-पडिमा ॥ ८४५ ॥ अहावरय दोष्ठा  
 पडिमा से भिन्न वा ( १ ) पेहाए पार्व चाएजा तंबहा-माहावार्ड वा चान्ण  
 कम्मकरि वा से पुण्णामेव आणोएजा "आउछो ति वा महनि ति वा राडिदि मे  
 एतो अण्णयार् पार्व तंबहा-अण्णतवपार्व वा" चान्ण तहप्पयार् पार्व चर्च वा नं  
 चाएजा परो वा से हेजा चान्ण पडिमाहेजा ॥ दोष्ठा पडिमा ॥ ८४६ ॥  
 अहावरय तब्बा पडिमा ॥ से भिन्न वा ( १ ) से नं पुन पार्व चामिजा  
 संयतिव वा वैज्जयतिव वा तहप्पयार् पार्व चर्च वा चान्ण पडिमाहिजा ॥ तब्बा  
 पडिमा ॥ ८४७ ॥ अहावरय अउत्तया पडिमा ॥ से भिन्न वा ( १ )  
 उरुडिबवमिर्न पार्व चाएजा, नं चउम्मे बह्वै समणमाहवा चान्ण चर्चमया चान्ण-  
 अंति तहप्पयार् पार्व चर्च वा नं चान्ण पडिमाहिजा अउत्तया पडिमा ॥ ८४८ ॥  
 इयेदार्च चउम्मे पडिमावर् अण्णयार् पडिमा ( चहा पिडिस्साए ) ॥ ८४९ ॥ से नं  
 एताए एउणाए एउमार् पडिमा परो चएजा "आउछो समणा एजाति दुयं  
 मातेव वा चान्ण" अहा वरुणोससाए ॥ ८५० ॥ से नं परो वेवा चएजा  
 आउछो ति वा महनि ति वा आउरेव पार्व सेवेव वा चएव वा अण्णगेवा वा  
 तद्देव विजाजत्त तद्देव सीमोदयमवार्ड तद्देव ॥ ८५१ ॥ से नं परो वेवा चएजा  
 "आउछो समणा सुडुत्त १ अण्णहि चान्ण तान्ण अण्णे अउत्त वा उचउरेव उच-  
 मवरेव वा तो से चर्च आउछो तपार्व समोक्क पडिमाहव राहामो उचउए  
 पडिमाहए निम्मे समणस्स चो उहं चान्ण मव" से पुण्णामेव आणोएजा आउछो

कत जाव मा फुसतु एयपि [य] णं चरिमेहिं ऊसासेहिं वोसिरामि-त्तिकट्ठु । तए णं  
 से दहुरे कालमासे कालं किच्चा जाव सोहम्मो कप्पे दहुरवडिंसए (विमाणे) उववा  
 यसभाए 'दहुरदेवत्ताए उववन्ने । एव खलु गोयमा ! दहुरेण सा दिव्वा देखिई  
 लद्धा ३ । दहुरस्स ण भंते । देवस्स केव(ति)इयं काल ठिई पन्नत्ता १ गोयमा ।  
 चत्तारि पल्लिवोवमाइ ठिई पन्नत्ता । [दहुरे णं भंते । देवे ताओ देवलोगाओ आउ  
 क्खएण ठिइक्खएण कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ १ गोयमा !] से ण दहुरे  
 देवे (०) महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ युज्झिहिइ [मुच्चिहिइ] जाव अंत करेहिइ ।  
 एव खलु [जबू !] समणेण भगवया महावीरेण जाव संपत्तेण तेरसमस्स नायज्झ  
 यणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्ति वेमि ॥ १०१ ॥ गाहाउ-संपन्नगुणो वि जओ मुसा  
 हुसंसग्गिवज्जिओ पाय । पावइ गुणपरिहाणिं दहुरजीवोव्व मणियारो ॥ १ ॥ तित्थ-  
 युरवदणत्थ चलिओ भावेण पावए सग्ग । जह दहुरदेवेण पत्त वेमाणियसुरत्त ॥ २ ॥  
 तेरसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ ण भंते ! समणेण जाव सपत्तेण तेरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते  
 चोइसमस्स (०) के अट्ठे पन्नत्ते १ एव खलु जबू ! तेणं कालेणं तेण समएण तेय  
 लिपु(रे)रं ना(मं)म नय(रे)रं (होत्था) । (त० णं ते० ब० उ० दि० एत्थ णं)  
 पमयवणे (णाम) उज्जाणे (होत्था) । (तत्थ ण ते० णयरे) कणगरहे (णाम) राया  
 (होत्था) । तस्स ण कणगरहस्स (रण्णो) पउमावइ (णामं) देवी (होत्था) । तस्स  
 णं कणगरहस्स रओ तेयलिपुत्ते नामं अमच्चे (होत्था) साम(दाम)दड्ढमेय(दंढे)-  
 निउणे । तत्थ ण तेयलिपुरे कलादे नाम मूसियारदारए होत्था अट्ठे जाव अपरि-  
 भूए । तस्स णं भद्दा नामं भारिया (होत्था) । तस्स ण कलायस्स मूसियारदार-  
 (य)गस्स धूया भद्दाए अत्तया पोट्टिला नाम दारिया होत्था रूवेण य (जोव्वणेण य  
 ला०) जाव उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा । तए ण [सा] पोट्टिला दारिया अत्तया कयाइ  
 प्हाया सव्वालकारविभूसिया चेळियाचक्कवालसंपरिखुट्ठा उप्पि पासायवरगया आगा  
 सतलगंसि कणग(मएण)तिंदूसएण कीलमाणी २ विहरइ । इमं च ण तेयलिपुत्ते  
 अमच्चे प्हाए आसखधवरगए महया भड्चडगर[०] आसवाहणियाए निज्जायमाणे  
 कलायस्स मूसियारदारगस्स गिहस्स अदूरसामतेण वीईवयइ । तए ण से तेयलि-  
 पुत्ते [अमच्चे] मूसियारदारगगिहस्स अदूरसामतेण वीईवयमाणे २ पोट्टिलं दारियं  
 उप्पि (पासायवरगय) आगासतलगंसि कणगतिंदूसएणं कीलमाणीं पासइ २ ता  
 पोट्टिलाए दारियाए रूवे य (३) जाव अज्झोववन्ने कोडुंघियपुरिसे सद्दावेइ २ ता  
 एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! कस्स दारिया किं नामधेज्जा [वा] १ । तए णं

येन विमुत्तरेण तेन विमुत्तरेण एव ब्रह्मणो-एव न तस्मै । कस्मिन्सु मृत्तिका-  
 रसस्य भूया भूया अथवा पोष्टिना नामं दारिवा इत्येव य आह [उत्ति]सपरा ।  
 तए न ते सेवविमुत्ते आसत्ताहमियाओ पविनिवते समाने अस्मिन्तरा-  
 मिजा पुरिसे सपरा १ ता एव ब्रह्मणो-एव न तुभ्ये देवाणुपिया । कस्मा-  
 द्भूया भूया अथवा पोष्टिना दारिवा यम मारिवाए वरेह । तए न ते अस्मिन्तरा-  
 मिजा पुरिसे तेवविवा एव बुता (समाया) इह करवक ताहति जेनेव कस्मन्सु  
 १ मिहे तेनेव उवागया । तए न ते कस्माए मृत्तिका-एव ते पुरिसे एवमाओ  
 पसह १ ता इहउते आसत्ताओ अस्मिन्सु १ ता सत्तापुप्याई अनुपप्याइ १ ता आस-  
 नेव उवागिया १ ता आसत्ताओ वीरत्ताओ उवागियाए एव ब्रह्मणो-एव सपरा  
 देवाणुपिया । मितापमपप्याओव (१) । तए न ते अस्मिन्तरा-  
 मिजा (पुरिसे) एव ब्रह्मणो-एव न तुभ्ये देवाणुपिया । एव भूया भूया अथवा पोष्टिना  
 दारिवा तेवविमुत्तस्य दारिवाए वरेमो तं कइ न आसति देवाणुपिया । सुतं वा पतं वा  
 सपमहमिजां वा सपिजे वा सपिजेगो ता विजठ न पोष्टिना दारिवा तेवविमुत्तस्य  
 (ता) वा मय देवाणुपिया । इह वरमो उव (१) । तए न कस्माए १ ते अस्मिन्तरा-  
 मिजा पुरिसे एव ब्रह्मणो-एव न तुभ्ये देवाणुपिया । मय सु(वि)जं जवं तेवविमुत्ते  
 मय दारिवापिजेनेव अनुपप्याइ करेह । तं अस्मिन्सु पुरिसे विपुजेन अस(व)नेन ४  
 पुप्यवत्त आह मममंअरेव सप्यावेह सम्मापेह ( ) पविनिवजेह । तए न [तं  
 पुरिसे] कस्मन्सु १ मिहाओ पविनि(अस्मन्)वतेति १ ता जेनेव तेवविमुत्ते मममे  
 तेनेव उवागिया १ ता तेवविमुत्ते एवमाई विवे(व)तेति । तए न कस्माए १  
 कस्मा कस्मा एवमेति तिहि[कर]मककतमुकुतेति पोष्टिना दारिवा एव सप्याओ  
 कस्मिन्सु एव (पुरह) पुव(वि)हता मिताप्याइपरिपुके सवा(व)ओ मिहाओ  
 पविनिवत्तम १ ता सपिणीए [४] तेवविपुरे [वर्ग] मयमंअरेव जेनेव तेव-  
 विमुत्त मिहे तेनेव उवागिया ( ) पोष्टिना दारिवा तेवविमुत्तस्य सममेव मारिवाए  
 वरम १ तए न तेवविमुत्ते पोष्टिना दारिवा मारिवाए सप्याई पासह १ ता पोष्टिनाए  
 सपि पतं वरह १ ता सेनापी(त)एव कस्मिन्सु अस्मिन्सु मयमं १ ता अस्मि  
 होम करेह १ ता पविमहमं करेह १ ता पोष्टिनाए मारिवाए मिताप्याइ आह परि-  
 (व)मं मिहाओ असपपावकाइमसाइमेव पुप्यावत्त आह पविनिवजेह । तए न  
 ते तेवविमुत्ते पोष्टिनाए मारिवाए अनुपप्याइ अस्मिन्सु उवागिया आह मिहाइ ॥ १ २ ॥  
 तए न ते कस्माए (समा) एव य एव न बडे न बाहने न कोटे न कोट्यापारे न  
 अंतेदरे न सुविह ४ आए १ पुरे मिहयेह । अस्मिन्सु एव एवमिहाओ उवागिया

अप्पेगइयाण हत्थगुट्टए छिंदइ । एवं पायगुलियाओ पायगुट्टए वि कण्ण(सङ्ख)संङ्ख  
 (ए)याओ वि नासापुटाइ फाट्टे अ(गम)गोउगाई नियंगेइ । तए णं तीसे पठमाव  
 ईए देवीए अजया [क्याट] पुच्चरत्तायरत्ताकालसमयंति अयमेयास्वे अज्जत्तिए ४  
 ससुप्पज्जित्था-एवं खलु कणगरहे राया रज्जे य जाव पुत्ते नियंगेइ जाव अंगमगा  
 वियंगेइ । त जइ [णं] अह दारय प(या)यामि सेयं खलु म(मं)म त दारग कणगर  
 हस्स रहस्सि[य]य चेव सारक्खमाणीए संगोवेमाणीए विहरित्तए-त्तिकहु एवं सपेहे  
 २ ता तेयलिपुत्त अमर्यं सहावेइ २ ता एव वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया । क  
 गरहे राया रज्जे य जाव वियंगेइ । त जइ ण अह देवाणुप्पिया । दारगं पयामामि  
 तए ण तुम कणगरहस्स रहस्सिययं चेव अणुपुट्ठेण सारक्खमाणे संगोवेमाणे सं  
 वेहि । तए ण से दारए उमुयचालभावे [जाव] जोच्चणगमणुप्पत्ते तव य मम न  
 भिक्खाभायणे भविस्सइ । तए णं से तेयलिपुत्ते पठमावईए एयमट्ट पडिमुणेइ २  
 ता पडिगए । तए ण पठमावई (य) देवी पोट्टिला य अमची सममेव गन्धं गेह  
 (न्ति)इ सममेव (गच्छ) परिवहति (सममेव गच्छ परिवहति) । तए णं सा पठ  
 मावई नवण्हं मासाण जाव पियदसणं मुखं दारग पयाया । ज रयणिं च णं पठ  
 मावई (देवी) दारय पयाया त रयणिं च णं पोट्टिला वि अमची नवण्ह मासाण  
 विणि(हा)घायमावन्न दारिय पयाया । तए ण सा पठमावई देवी अम्मघाई सहा  
 वेइ २ ता एव वयासी-गच्छह ण तु(मे)मं अम्मो ! (तेयलि(पुत्त)गिहे) तेयलि  
 पुत्त रहस्सियय चेव सहावे(ह)हि । तए ण सा अम्मघाई तहत्ति पडिमुणेइ २ ता  
 अतेउरस्स अव(हा)दारेण निग्गच्छइ २ ता जेणेव तेयलिस्स गिहे जेणेव तेयलि  
 पुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ ता करयल जाव एव वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ।  
 पठमावई देवी सहावेइ । तए ण तेयलिपुत्ते अम्मघाईए अतिए एयमट्ट सोभा  
 (णिसम्म) हट्ठतु(ट्ट)ट्टे अम्मघाईए सद्धि सयाओ गिहाओ निग्गच्छइ २ ता अतेउ  
 रस्स अवदारेण रहस्सियय चेव अणु[प]विसइ २ ता जेणेव पठमावई (देवी) तेजेव  
 उवागच्छइ ( २ ता ) करयल जाव एव वयासी-संदिसत्तु ण देवाणुप्पिया । जं मए  
 कायव्व । तए ण पठमावई तेयलिपुत्त एव वयासी-एव खलु कणगरहे राया जाव  
 वियंगेइ । अह च ण देवाणुप्पिया । दारग पयाया । तं तु(मं)न्मे ण देवाणुप्पिया ।  
 (तं) एयं दारग गेण्हाहि जाव तव मम य भिक्खाभायणे भविस्सइ-त्तिकहु तेय  
 लिपुत्तस्स हत्थे दलयइ । तए ण तेयलिपुत्ते पठमावईए हत्थाओ दारग गेण्हाइ उत  
 रिज्जेण पिहेइ २ ता अतेउरस्स रहस्सियय अवदारेण निग्गच्छइ २ ता जेणेव  
 सए गिहे जेणेव पोट्टिला भारिया तेणेव उवागच्छइ २ ता पोट्टिल एवं वयासी-एवं

क्त्वा देवाहुर्पि(वा)ए । कथमाहो राजा रजि न जाव निर्यगेह । अयं न के हारए  
 कथमाहस्त पुते पठमावईए अतए । (तेने) तथं तुमं देवाहुपि । इमं हारयं  
 कथमाहस्त रक्षित्वयं नेव अणुपुष्पेनं सारकजाहि य संपोवैहि न संकोहि न ।  
 तए न क्व हारए अमुदवाक्यमात्रे तथ न मम य पठमावईए न जाहारे भविस्सइ-  
 तिअहु पेसिअए पाठे निमित्तवइ [१] पोडिमा(ओ)ए वासाम्भो तं निमिहाममाक-  
 भिनं हारिं देवइ १ ता क्तासिजेनं पिहइ १ ता अतेउरस्स भवहारं अणुपु-  
 ण्णइ १ ता जेनेव वटमणइ देवी तेनेव उवाचअइ १ ता पठमावईए देवीए पाठे  
 अवेइ ( ) जाव पडिनिमाए । तए नं सीसे पठमावईए अंगपडिवाहिनाओ पठ  
 मावई देवि निमिहाममावहिनी (व) हारिं पमाव पाठंति १ ता जेनेव कथमाहो  
 राजा तेनेव उवाचअंति १ ता करयक जाव एवं वयाही-एवं क्त्वा राजा । पठ  
 मावई देवी अ(इ)एत्तिं हारिं पमावा । तए नं कथमाहो राजा सीसे मएहिनाए  
 हारिवाए [महता] मीहरनं करइ बहु(भि)इ ओ(इ)गियइ मवमिअइ करइ [१]  
 क्त्वेनं निवकपोए वाए । तए नं से तेवहिपुते अ(हे)नं ओइमिअपुरिसे तएवइ १  
 ता एवं वयाही-हिण्णमेव नारकसोहने जाव डिअडिअं अम्हा नं अम्हं एव हारए  
 कथमाहस्त एवे वाए तं होउ न हारए नावेनं कथमाहए जाव अकंमोयसवत्ते  
 वाए ॥ १ १ ॥ तए नं सा पोडिमा अचरा क्त्वा तेवहिपुत्तस अमिअ ५  
 वासा वामि होत्ता देवइ (व) नं तेवहिपुत्ते पोडिअए नममो(त)मममि सवववाए  
 निपुणं स(इ)एत्तिं वा परिमोणं वा (इ) । तए नं सीसे पोडिअए अचरा क्त्वा पुण्ण  
 एत्तवरत्तअअमवसि इमेवावने अज्जरिअए ४ जाव समुप्यविस्वा-एवं क्त्वा अहं  
 तेवहिस्स तुमि इअ ५ आसि इमानि अमिअ ५ वाया । नेअइ नं तेवहिपुते  
 मम वामं जाव परिमोणं वा ओइममकंठकप्पा जाव सिअवइ । तए नं तेवहिपुते  
 पोडिं ओइममकंठकप्पा जाव सिआवमाने पासइ १ ता एवं वयाही-मा नं तुमं  
 देवाहुपि । ओइममकंठकप्पा जाव सिआहि तुमं नं मम महाअसंति निपुणं  
 वत्तं ४ अणुअइति १ ता बहुनं सयनमाहव जाव वण्णममानं देवमाणी न  
 व(इ)पामेमाणी न निहरहि । तए नं सा पोडिमा तेवहिपुतेनं [अमवेनं] एवं मुत्ता  
 सय(वा)णी इअ तेवहिपुत्तस एक्कमं पडिअइ १ ता क्त्वाअ(इ)हि महाअसंति  
 निपुणं अयं ४ जाव वयावेमाणी निहरइ ॥ १ ४ ॥ तेनं क्त्वेनं तेनं तमएनं  
 एक्कमाओ नामं अज्जामो अ(इ)रिवात्तमिअमो जाव मुत्तमं(व)वाहिणीओ बहु  
 एत्तमाओ क्त्वाहीयाओ पुण्णलपुमि [वरमाणीओ] वेवामेव तेवहिपुरे नमरे तेनेव  
 उवाचअंति १ ता अहापडिअं अण्णं ओगिअंति १ ता संजमे(व)नं तक्का

अप्पेगडयाण हत्थगुट्टए छिंदइ । एव पागगुलियाओ पायगुट्टए वि कणा(सङ्ग)संज्जे-  
 (ए)याओ वि नासापुज्जइ फाळेउ अ(गमं)गोवंगई विर्यंगेइ । तए ण तीसे पउमाव-  
 ईए देवीए अजया [कयाइ] पुच्चरत्ताचरत्ताकालसमयसि अयमेयारूवे अज्जन्थिए ४  
 समुप्पज्जित्वा-एर रालु कणगरहे राया रज्जे य जाव पुत्ते पियगेइ जाव भंगमंगर-  
 वियगेइ । त जइ [ण] अह दारयं प(या)यामि सेय रालु म(मं)म त दारग कणगर-  
 हस्स रहस्सि[य]यं चेव सारक्खमाणीए संगोवेमाणीए विहरित्तए-त्तिकहु एवं सपेहे  
 २ ता तेयलिपुत्त अमण्य सहावेइ २ ता एव वयासी-एवं रालु देवाणुप्पिया । कण-  
 गरहे राया रज्जे य जाव विर्यंगेइ । त जइ ण अहं देवाणुप्पिया ! दारगं पयायामि  
 तए ण तुम कणगरहस्स रहस्सिययं चेव अणुपुच्च्येणं सारक्खमाणे संगोवेमाणे सं-  
 ज्जेहि । तए णं से दारए उमुपचालभावे [जाव] जोव्यगगमणुप्पत्ते तव य मम य  
 भिक्खाभायणे भविस्सइ । तए ण से तेयलिपुत्ते पउमावईए एयमट्ठं पडिमुणेइ २  
 ता पडिगए । तए ण पउमावई (य) देवी पोट्टिला य अमची सनमेव गन्म गेह-  
 (न्ति)इ सममेव (गच्छं) परिवहति (सममेव गच्छं परिवहति) । तए णं सा पउ-  
 मावई नवण्ह मासाण जाव पियदमणं नुरूव दारग पयाया । ज रयणि च णं पउ-  
 मावई (देवी) दारय पयाया त रयणि च ण पोट्टिला वि अमची नवण्हं मासाण  
 विणि(हा)घायमावज्ज दारिय पयाया । तए ण सा पउमावई देवी अम्मघाई सहा-  
 वेइ २ ता एव वयासी-गच्छइ णं तु(मे)मं अम्मो ! (तेयलि(पुत्त)गिहे) तेयलि-  
 पुत्त रहस्सियय चेव सहावे(ह)हि । तए ण सा अम्मघाई तहत्ति पडिमुणेइ २ ता  
 अतेउरस्स अव(हा)दारेण निग्गच्छइ २ ता जेणेव तेयलिस्स गिहे जेणेव तेयलि-  
 पुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ ता करयल जाव एव वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ।  
 पउमावई देवी सहावेइ । तए ण तेयलिपुत्ते अम्मघाईए अतिए एयमट्ठ सोभा  
 (णिसम्म) हट्ठु(ट्ठ)हे अम्मघाईए सद्धिं सयाओ गिहाओ निग्गच्छइ २ ता अतेउ-  
 रस्स अवदारेण रहस्सियय चेव अणु[ए]पविसइ २ ता जेणेव पउमावई (देवी) तेणेव  
 उवागच्छइ (२ ता) करयल जाव एव वयासी-संदिसत्तु ण देवाणुप्पिया । जं मए  
 कायव्व । तए ण पउमावई तेयलिपुत्त एवं वयासी-एव खलु कणगरहे राया जाव  
 विर्यंगेइ । अह च ण देवाणुप्पिया ! दारग पयाया । त तु(म)न्मे ण देवाणुप्पिया !  
 (तं) एय दारग गेण्हाहि जाव तव मम य भिक्खाभायणे भविस्सइ-त्तिकहु तेय-  
 लिपुत्तस्स हत्थे दलयइ । तए ण तेयलिपुत्ते पउमावईए हत्थाओ दारग गेण्हइ उत-  
 रिज्जेण पिहेइ २ ता अतेउरस्स रहस्सियय अवदारेणं निग्गच्छइ २ ता जेणेव  
 सए गिहे जेणेव पोट्टिला भारिया तेणेव उवागच्छइ २ ता पोट्टिल एवं वयासी-एवं

कञ्च देवात्तुप्पि(सा)ए । कम्ममहे राजा रज्जि य चाव निर्ययेह । अर्यं च नं वारए  
 कम्मपण्हस्स पुणे कम्ममहीए अत्तए । (तेरं) तर्हं तुमं देवात्तुप्पिए । इमं वारमं  
 कम्मपण्हस्स रत्तिसिधयं येव अत्तुप्पिमेवं सारवत्ताहिं य णेयोवेहिं य संयोवेहिं य ।  
 तए नं एस वारए कम्मपण्हस्समावे तव य मम य पठमावहीए व अत्तारे मत्तिसिद्ध-  
 पिण्डु पोदिक्कए पासे निमिक्कवद् [१] पोदिक्का(ओ)ए पाठाओ तं निमिक्कवत्तमाव-  
 त्तिं वारियं गेम्ह १ च वत्तारिजेनं पिहेह १ च अत्तेवरस्स अववारेनं अत्तुप्प-  
 त्तवद् १ च केनेव पठमवद्दे तेरो तेनेव वत्तवत्तवद् १ ता पठमावहीए देवीए पासे  
 ठावेद ( ) चाव पठित्तिए । तए नं तीसे पठमावहीए अत्तपठित्तारिवाओ पठ-  
 मावद्दे तेने निमिक्कवत्तमावत्तिं (व) वारियं पत्तावं पाठेहि १ च केनेव कम्मपण्ह-  
 राजा तेनेव कम्मपण्हति १ च करवत्त चाव एव वत्तावी-एवं कञ्च छावी । पठ-  
 मावद्दे देवी म(ह)एत्तिं वारियं पत्तावा । तए नं कम्मपण्ह राजा तीसे मएत्तिवए  
 वारिक्कए [महना] वीहरनं करेह वत्त(वि)हं अदे(ह)त्तिवार्हं मवत्तिवार्हं करेह [२]  
 वारियं निवत्तयेव चाव । तए नं से तेवत्तिपुत्ते व(वे)हं वीत्तुत्तिवत्तिपुरिसे तएवेद १  
 च एवं वत्तावी-विप्पत्तेव वारवत्तवेनं चाव त्तिपत्तिं कम्म वं वत्तं एस वारए  
 कम्मपण्हस्स एवे चाव तं होह नं वारए नायेनं कम्मपण्हए चाव अत्तमोत्तमवत्ते  
 चाव ॥ १ १ ॥ तए नं सा पोदिक्का अत्तया क्काइ तेवत्तिपुत्तस्स अत्तिद्ध ५  
 चावा नाति होत्ता वेत्तवद् (व) नं तेवत्तिपुत्ते वेत्तिवत्तए गम्मपो(त)वम्मि सवत्तमाए  
 त्तिपुत्त व(व)त्तं वा परिमोने वा (f) । तए नं तीसे पोदिक्कए अत्तया क्काइ पुप्फ-  
 रत्तावरत्तवत्तमवत्ति इमेवावने अत्तवत्तिवए ५ चाव सत्तुप्पत्तिवत्ता-एवं वत्त अहं  
 तेवत्तिस्स पुत्ति वत्ता ५ चाति इवामि अत्तिद्ध ५ चाव । वेत्तवद् नं तेवत्तिपुत्ते  
 मम वम्मं चाव परिमोने वा ओहवत्तवत्तवत्त चाव त्तिवत्तवद् । तए नं तेवत्तिपुत्ते  
 वेत्तिं ओहवत्तवत्तवत्त चाव त्तिवत्तवार्हं वत्तवद् १ च एवं वत्तावी-वा नं तुमं  
 देवात्तुप्पिए । ओहवत्तवत्तवत्त चाव त्तिवत्ति तुमं वं मम महापठेहि त्तिपुत्ते  
 अत्तं ५ वत्तवत्तवत्तवेहि १ ता वत्तवत्त वत्तवत्तवत्त चाव वत्तवत्तवार्हं देवमाओ व  
 व(ह)वत्तवत्तवत्त वत्तवत्ति । तए नं सा वेत्तिवत्त तेवत्तिपुत्तेनं [अवत्तवत्त] एवं वत्ता  
 वत्ता(वा)ओ इह तेवत्तिपुत्तस्स एवमहं पठित्तवेद १ च वत्तवत्त(व)त्ति महापठेहि  
 त्तिपुत्ते अत्तं ५ चाव वत्तवत्तवत्त वत्तवत्ति ॥ १ ५ ॥ तेने वत्तवेनं तेने वत्तवत्त  
 वत्तवत्तवत्त नावं वत्तवत्तवत्त व(ह)वत्तवत्तवत्तवत्त चाव वत्तवत्तवत्त(वा)वत्तवत्तवत्त वत्त  
 वत्तवत्तवत्त वत्तवत्तवत्तवत्त वत्तवत्तवत्त [वत्तवत्तवत्त] वेत्तवत्तवत्त तेवत्तिपुरे मये तेनेव  
 वत्तवत्तवत्त १ च अत्तवत्तवत्तवत्त वत्तवत्त ओत्तिवत्ति १ च वत्तवत्त(व)नं वत्तवत्त



अप्पाण भावेमाणीओ विहरंति । तए णं तासिं सुव्वयाण अज्जाण एगे संघाए  
 पढमाए पोरिसीए सज्जाय करेइ जाव अडमाणीओ तेयलिस्स गिह अणुपविट्ठाओ ।  
 तए ण सा पोट्टिला ताओ अज्जाओ एज्जमाणीओ पासइ २ ता हट्ठ० आसणाओ  
 अब्भुट्ठेइ (०) वदइ नमसइ व० २ ता विपु(ल)लेण अस(णं)णेण ४ पड्डिलाभेइ २  
 ता एव वयासी-एव खल्ल अह अज्जाओ ! तेयलिपुत्तस्स पुर्व्वि इट्ठा ५ आसि इयाणि  
 अणिट्ठा ५ जाव दसण वा परिभोग वा, त तुब्भे ण अज्जाओ वहुनायाओ [बहु]णि  
 किखयाओ बहुपढियाओ बहूणि गामागर जाव आहिंइह घट्ठणं राईसर जाव गिहाइ  
 अणुपविसह, त अत्थि-याइ भे अज्जाओ ! केइ क(ह)हिंचि चुण्णजोए वा मतजोए  
 वा कम्मणजोए वा हियउट्ठावणे वा काउट्ठावणे वा आभिओगिए वा वसीकरणे वा  
 कोउयकम्मे वा भूइकम्मे वा मूळे [वा] कंदे [वा] छल्ली वल्ली सिलिया वा गुलिया  
 वा ओसहे वा भेसज्जे वा उवल्लद्धपुव्वे जेणाह तेयलिपुत्तस्स पुणरवि इट्ठा ५ भवे  
 ज्जामि [१] । तए ण ताओ अज्जाओ पोट्टिलाए एवं वुत्ताओ समाणीओ दोवि कम्मे  
 [अगुलिय] ठवें(ठाई)ति २ ता पोट्टिल एव वयासी-अम्हे ण देवाणुप्पिए ! सम  
 णीओ निग्गयीओ जाव गुत्तवभचारिणीओ । नो खल्ल कप्पइ अम्ह एयप्प(या)गारं  
 कण्णे(हि)हिं वि निसा(मे)मित्तए किमग पुण उव(दि)दसित्तए वा आयरित्तए वा (१) ।  
 अम्हे णं तव देवाणुप्पिया ! विचित्त केवलपन्नत धम्मं प(डि)रिकहिज्जामो । तए ण  
 सा पोट्टिला ताओ अज्जाओ एवं वयासी-इच्छामि ण अज्जाओ ! तु(म्ह)ब्भं अंतिए  
 केवलपन्नत धम्म निसामित्तए । तए णं ताओ अज्जाओ पोट्टिलाए विचित्त धम्मं  
 परिकहेति । तए ण सा पोट्टिला धम्म सोच्चा निसम्म हट्ठ० एव वयासी-सइहामि  
 ण अज्जाओ ! निग्गंध पावयण जाव से जहेयं तुब्भे वयह, इच्छामि ण अहं तुब्भं  
 अतिए पचाणुव्व(याइ)इयं जाव धम्म पडिवज्जित्तए । अहासुहं [देवाणुप्पिया] । तए  
 ण सा पोट्टिला तासिं अज्जाण अंतिए पचाणुव्वइय जाव धम्मं पडिवज्जइ ताओ  
 अज्जाओ वदइ नमसइ व० २ ता पडिविसज्जेइ । तए ण सा पोट्टिला समणोवासिया  
 जाया जाव पडिलाभेमाणी विहरइ ॥ १०५ ॥ तए ण तीसे पोट्टिलाए अज्जया  
 कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि कुट्टबजागरिय जागरमाणीए अयमेयारूवे अज्ज  
 त्थिए०-एव खल्ल अह तेयलिपुत्तस्स पुर्व्वि इट्ठा ५ आसि इयाणि अणिट्ठा ५ जाव  
 परिभोग वा, तं सेय खल्ल म(म)म सुव्वयाणं अज्जाण अतिए पव्वइत्तए । एव संये-  
 हेइ २ ता कल्ल (पाउ०) जेणेव तेयलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ ता करयल जाव  
 एव वयासी-एव खल्ल देवाणुप्पिया ! मए सुव्वयाणं अज्जाणं अतिए धम्मो निसंते  
 जाव अब्भणुजाया पव्वइत्तए । तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलं एवं वयासी-एवं खल्ल

तुम् देवायुषिण ! तुंहा पन्नाइया समानी कायमाये काळे निष्ठा का(ब)मंतरेह  
 देवकोष्ठ देवायुष्य सववजिह्विती तं न्हं नं तुम् देवायुषिण ! -अर्धं तावो देव-  
 को(वा)गामो वायम्भ केनविपजो बम्भे को(हि)हेहि तो ई निचजेमि न्हं नं तुम्  
 मर्म न संवेहेहि तो ते न निचजेमि । तए नं ता पोहिवा संवकिपुत्तस्य एवमई  
 पवित्रुहे । तए नं तेवकिपुत्ते निजई अर्धं ४ सववज्जवाये २ ता निज्जाय वाव  
 वायतेइ ( ) वाव सम्मायेइ २ पोहिई न्हाई स पुमिससइस्सवा(इ)विणीई सीई  
 तुस्सईया निज्जाय वाव [सं]परिजुडे सन्नि(हि)हीए वाव एवेनं तेवकिपु(रस्स)ई  
 मर्ममम्भेनं केरेव सम्भवायं वावस्यए संवेव वावमम्भइ २ ता सीवायो पयोयइ  
 २ ता पोहिई पुरजो-कडु केवेव सम्भवा अजा तेवेव उवायम्भइ २ ता कंइ मर्मसइ  
 नं २ ता एव ववाही-एव वव देवायुषि(ए)या । मय पोहिवा मरिया ह्म ५  
 एव नं संसारवज्जिग्गा वाव पन्नाइयाए, पवित्रुतु नं देवायुषिण । तिसिचमि-  
 मिमं (इकम्मि) । अहाइई मा पवित्रुई (करेइ) । तए नं ता पोहिवा सम्भवाई  
 अजाई एव तुया समानी ह्म सत्तरपुए(विज्जे)विमं विहीमा(ए)नं [अवमम २]  
 सवमेव वावमम्भवायंअरे अमुवइ २ ता सवमेव पंचमुत्तिं जीव करेइ २  
 ता केवेव सम्भवायो अजाओ तेवेव वावमम्भइ २ ता कंइ मर्मसइ नं २ ता  
 एव ववाही-वाविसे नं मंते । कोए एव अहा देवायुष्य वाव एवमम-अंयाई वहुमि  
 वासमि सामन्वपरिवारं पाज्जइ २ ता माविवाए संवेइवाए अताई तेवेवा सद्धि  
 वायई अक्ख(वा)वेव [विपुता] वावोइवविहीवा समाविपता कम्ममये कम्मं  
 निष्ठा अज्जरेह देवकोष्ठ देवायुष्य सववजा ॥ १ ९ ॥ तए नं ते कम्मपछे राजा  
 अज्जा क्काइ कावमम्भुया संजुते वावि होत्ता । तए नं [ते] एवमम वाव वीहरणं  
 करेति २ ता अक्खमं एव ववाही-एव वव देवायुषिण । कम्मपछे राजा एवे व  
 वाव पुणे निमंमिवा । अम्भे नं देवायुषिण । एवाहीया एवाविहिवा एवाहीव-  
 क्का । अर्धं न नं तेवकी मयवे कम्मपछस्स एवो सम्भवायेइ सम्भवायिवाइ  
 कम्मपच विचमिवारे सम्भवाय(इ)हाए वावि होत्ता । तं ईव वव अर्धं तं-  
 विपुत्तं अर्धं इमारं वावताए-तिज्जु अक्खमस्य एवमई पवित्रुहेति २ ता केवेव  
 तेवकिपुत्ते अम्भे तेवेव उवायम्भेति २ ता तेवकिपुत्तं एव ववाही-एव वव देवा-  
 युषिण । कम्मपछे राजा एवे व ह्म न वाव निगीह, अम्भे (व) नं देवायुषिण ।  
 एवाहीया वाव एवाहीवक्का तुम् न नं देवायुषिण । कम्मपछस्स एवो सम्भ-  
 (इ)मयेइ वाव रक्खुवमिवाए [होत्ता], तं न्हं नं देवायुषिण । अरि वइ  
 इमारं एकम्ममसंजो वाविसेवाहि ताव तुम् अर्धं इवाइ अ(वा)नं अम्भे

महया २ रायाभिसेण अभिसिंचामो । तए ण तेयलिपुत्ते तेसिं ईसर जाव इम्म  
 पडिमुणेइ २ ता कणगज्झयं कुमारं ण्हायं सव्वालंकारविभृत्तिय सस्सिरीयं करो २  
 ता तेसिं ईसर जाव उवणेइ २ ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया । कणगरहस्स  
 रत्तो पुत्ते पठमावईए देवीए अत्ताए कणगज्झए मामं कुमारे अभिसेयारिहे राक्ख  
 वत्तणसंपत्ते मए कणगरहस्स रत्तो रहस्सिययं संवट्टिए, एयं णं तुम्हे महया २  
 रायाभिसेणं अभिसिंचह । सव्वं च तेसिं उट्ठाणपरियावणिय परिकहेइ । तए ण  
 ते ईसर जाव कणगज्झयं कुमारं महया (२) रायाभिसेण अभिसिंचन्ति । तए ण  
 से कणगज्झए कुमारे राया जाए महयाहिमवन्त(मलय) वण्णओ जाव रज्जं प्फा-  
 (से)हेमाणे विहरइ । तए ण सा पठमावई देवी कणगज्झयं रायं सहावेइ २ ता  
 एव वयासी-एस णं पुत्ता । तव रज्जे जाव अंतेउरे य तुमं च तेयलिपुत्तस्स [अ-  
 भस्स] प(हा)भावेणं, तं तुम णं तेयलिपुत्तं अमन्य आढाहि परिजाणाहि सक्कारेहि  
 सम्माणेहि इंतं अब्भुट्ठेहि ठिय पज्जुवासाहि वचतं पडिससाहेहि अद्दासणेणं उक्क  
 णिमंतेहि भोग च से अणुवट्ठेहि । तए णं से कणगज्झए पठमावईए (देवीए)  
 तहत्ति [वयणं] पडिमुणेइ जाव भोगं च से [सं]वट्ठेइ ॥ १०७ ॥ तए णं से पोद्धिं  
 देवे तेयलिपुत्तं अभिक्खणं २ केवलपत्तते धम्मे संबोहेइ नो चेव णं से तेयलि-  
 पुत्ते संबुज्झइ । तए णं तस्स पोद्धिलदेवस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०-एव खलु कण  
 गज्झए राया तेयलिपुत्त आढाइ जाव भोगं च सवट्ठेइ । तए णं से तेय(ली)लि-  
 पुत्ते अभिक्खणं २ संबोहिज्जमाणे वि धम्मे नो संबुज्झइ । त सेयं खलु कणगज्झयं  
 तेयलिपुत्ताओ विप्परिणा(मि)मित्तए-त्तिकट्ठु एवं सपेहेइ २ ता कणगज्झयं तेयलिपु-  
 त्ताओ विप्परिणामेइ । तए ण तेयलिपुत्ते कल्लं ण्हाए आसखंधवरगए बहूहिं पुरिसेहिं  
 [सद्धिं] सपरिवुडे सयाओ गिहाओ निग्गच्छइ २ ता जेणेव कणगज्झए राया तेजेव  
 पहारेत्य गमणाए । तए णं तेयलिपुत्तं अमच्चं जे जहा बहवे राईसरतलवर जाव  
 पभियओ पासन्ति ते तहेव आढार्यन्ति परि(जा)याणन्ति अब्भुट्ठेन्ति २ ता अजलि  
 परिग्गहं करेन्ति इट्ठाहिं कत्ताहिं जाव वग्गूहिं आल(वे)वमाणा य सलवमाणा य  
 पुरओ य पिट्ठओ य पासओ य मग्गओ य समणुग्गच्छति । तए ण से तेयलिपुत्ते  
 जेणेव कणगज्झए तेजेव उवागच्छइ । तए णं [से] कणगज्झए तेयलिपुत्त एज  
 माणं पासइ २ ता नो आढाइ नो परियाणाइ नो अब्भुट्ठेइ अणाढायमाणे ३ पर  
 म्मुहे सच्चिइइ । तए णं [से] तेयलिपुत्ते कणगज्झयस्स रत्तो अजलिं करोइ । तए  
 ण से कणगज्झए राया अणाढायमाणे तुसिणीए परम्मुहे सच्चिइइ । तए णं तेवलि-  
 पुत्ते कणगज्झयं [रायं] विप्परिणयं जाणिता भीए जाव संजायमए एवं वयासी-एट्ठे

तुम् देवतुप्पि । तुम्हा पण्डित्य समानी काव्यापे कथं किंवा अ(ब)नेतरेण  
 देवतोएव देवताए लववमिद्विधि सं चह न तुम् देवतुप्पि । मम तावो वै-  
 को(वा)पावो वाप्यम केवकिपवते वम्मे यो(हि)देहि तो ई निसजेमि अह न तुम्  
 मम न संकोदेहि तो ते न निसजेमि । तए नं सा पोहिवा तयकिपुत्तस एवमई  
 पवित्रये । तए नं तेवकिपुत्ते विठळं अथर्न ४ वववववावे १ तव मिपताए वाव  
 वावते ( ) वाव सम्मावे २ योहिळं न्नावं स पुरिससहस्सवा(ह)हिणीं हीवं हीवं  
 तुल्लिण मिपताए वाव [सं]परिवुडे सभि(हि)हीए वाव रवेनं तयकिपु(रस्स)रं  
 मज्झिमज्जेवं जेनेव छम्भवानं सवस्सए तेनेव ववापयच्छ १ ता वीवावो एवेव  
 २ ता पोहिळं पुरवो-कडु जेनेव छम्भवा अजा तेनेव ववापयच्छ २ ता वंर वमंसह  
 वं १ तव एवं ववाची-एवं कडु देवतुप्पि(ए)वा । मम पोहिळं मारिका वुड ५  
 एव नं संतारमत्तस्सिवा वाव पण्डितए, वविच्छं वं देवतुप्पिवा । विस्सि-  
 मिन्तं (वववाणि) । अहत्तां मा वविवीवं (करेह) । तए नं सा पोहिळं छम्भवा  
 अजाई एवं तुल्लं समानी वडु ववत्तए(विन्ने)रिववं विधीमा(ए)वं [अववम १]  
 सवमेव वावपयच्छावरे जेमुव १ ता सवमेव वंरवुत्तिं जेवं करेह २  
 तव जेनेव छम्भवानो अजावो तेनेव ववापयच्छ २ ता वंर वमंसह वं १ तव  
 एवं ववाची-वाविणं वं वति । जेए एवं ववा देवार्णवा वाव एवत्तस वंवरं ववु-  
 वासामि वामवपरिवारं पत्तव २ ता मविववाए संवेहवाए अज्जवं सोपेता सद्धिं  
 मयाई ववत्त(वा)वेवं [हेएता] वावोदेवपविणीता समाहिपता काव्यापे कथं  
 किंवा अवनरेण देवतोएव देवताए लवववा ॥ १ ९ ४ तए नं ते वववजे एव  
 वववा ववव ववववमुवा संतते वावि होत्वा । तए नं [ते] एवेवर वाव वीवरवं  
 करेहि १ ता ववववं एवं ववाची-एवं कडु देवतुप्पिवा । वववजे एव रजे व  
 वाव पुंते निर्वमित्ता । अम्मे वं देवतुप्पिवा । एवाहीवा एवाहिद्विप एवाही-  
 कजा । ववं वं तेवही वमवे ववववहस्स एवो वववववेण ववववविवाह  
 ववववए विवविवारे वववववव(ह)वुवए वावि होत्वा । तं वं कडु वमई तेव-  
 किपुत्तं वमवं वुवारे वावत्तए-नीकडु वववववस्स एवमई पवित्रयेति २ ता वीवेव  
 तेवकिपुत्ते वमवे तेनेव ववापयच्छेति २ ता तेवकिपुत्तं एवं ववाची-एवं कडु देव-  
 तुप्पिवा । वववजे एव रजे व रजे व वाव विविह, अम्मे (व) वं देवतुप्पिवा ।  
 एवाहीवा वाव एवाहीवकजा तुम् वं वं देवतुप्पिवा । ववववहस्स एवो वव-  
 (ह)वववव वाव ववववविणए [होत्वा] । तं वह वं देवतुप्पिवा । अवि वेह  
 वुवारे एववववववववे वमिवेवावे एव वुव वमं वववहि वव(वा)वं वमवे

ति वा यद्वि ति वा, ये वदुः

य वदुः के वा यो वदुः वा

यत्वं एवेव वदुःवादि से वेवं वदुःवदुः करो

सपत्न्यं सपत्न्यं पतिवत्सलं वदुःवदुः वदुःवदुः

पतिवत्सलं ॥ ८५४ ॥ विना से करो

आलोचना आलोचो ति वा यद्वि ति वा ह्ये वेवं से वदुः

पतिवत्सलं ॥ ८५५ ॥ केवली वृत्ता 'आवात्मनेपदी' वदुः

वा बीवामि वा हरिवामि वा वदुः वदुः विना वदुः वदुः वदुः

वदुः वदुः वदुः वदुः वदुः वदुः ॥ ८५६ ॥ वदुःवादि वदुः

वदुः वदुः वदुः वदुः वदुः वदुः ॥ ८५७ ॥ वदुःवादि वदुः

वदुः वदुः वदुः वदुः वदुः वदुः ॥ ८५८ ॥ वदुःवादि वदुः

वदुः वदुः वदुः वदुः वदुः वदुः ॥ ८५९ ॥ वदुःवादि वदुः

वदुः वदुः वदुः वदुः वदुः वदुः ॥ ८६० ॥ वदुःवादि वदुः

से मिकव वा (१) गाहावदुः विदुःवायपदियाए पतिवत्

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

पदियाए पतिवत्सलं वदुःवादि वदुःवादि वदुःवादि

ये मम कर्मण्यस्तप रात्रा । द्विषे व मम कर्मण्यस्तप रात्रा । अकर्मण्यस्तप व कर्मण्य-  
 ण्यस्तप (रात्रा) । तं व कर्मण्य व मम कर्मण्य सुमारेण मारुहिर-तिष्ठतु धीए तत्वे  
 (व) वाच समिधं २ कर्मण्य(ति)ष्ठ २ ता तमेव आसन्नं व ह्रस्व(ति)ष्ठ २ ता तेव-  
 ण्यपुरं यज्जमज्जेवं केनेव सप विहे तेनेव पहारित्वा यम्याए । तए व तेनस्त्रिपुतं  
 के अहा रैसर वाच पाठति ते तहा नो आवाहति नो परिवारति नो अम्भुहति  
 नो अंश(ति)ष्ठि ह्रस्व(ति)ष्ठ वाच नो संवर्ति नो पुरयो व पिह्मो व पास्यो  
 (व यम्यो व) यम्युपपद्यति । तए व तेनस्त्रिपुते केनेव सप विहे तेनेव अवाच-  
 (कर्म)ए । वा नि व से तत्त्वं वाहिरिवा परिहा भवत्तं चत्त-वात्ते वा पेत्तं वा  
 यज्जमज्जे वा ता नि व के नो आवाह २ । वा नि व से अस्मिन्तरिवा परिहा भवत्तं  
 चत्त-पिवात् वा यवात् वा वाच चत्त-वा वा ता नि व के नो आवाह २ । तए  
 व से तेनस्त्रिपुते केनेव वाचवरे केनेव (सप) सवमिजे तेनेव अवाचक २ ता  
 सवमिजंति मिहीत् २ ता एव ववासी-एवं क्त्वा एवं सवामो पिह्मो निम्भकमि  
 तं येव वाच अस्मिन्तरिवा परिहा नो आवाह नो परिवारत्त नो अम्भुह २ । तं  
 त्वं क्त्वा मम अम्भानं अस्मिन्तरिवा वक्रेतिताए-तिष्ठतु एवं संपेहेत् २ ता ताकज्जं  
 त्वं वाचवति पक्किमत्त, से (व निसे) नो संवत्त । तए व से तेनस्त्रिपुते [अम्ये]  
 वीह्मण्य वाच अति वं(व)वति ओहरत्त, तत्त्वं नि व से वात्त ओक्त्वा । तए व से  
 तेनस्त्रिपुते केनेव असेन्यमिवा तेनेव अवाचक २ ता पास्यं वीवाए वंभत् २ ता  
 सत्तं ह्रस्वत् २ ता पा(स)स्यो क्त्वा वंभत् २ ता अम्भानं सुवत्, तत्त्वं नि व से  
 रज्जु विवा । तए व से तेनस्त्रिपुते मज्जमज्जे(व)त्तं विवं वीवाए वंभत् २ ता  
 अत्ताहमपाप्मयो(ति)त्तंति जवति अम्भानं सुवत्, तत्त्वं नि से वाहे वाए ।  
 तए व से तेनस्त्रिपुते त्वंति तत्त्वत्तंति अम्भानं पक्किमत्त २ ता अम्भानं सुवत्,  
 तत्त्वं नि व से अम्भानं निष्ठाए । तए व से तेनस्त्रिपुते एवं ववासी-सत्तं  
 क्त्वा मो अम्भानं कर्त्तंति सत्तं क्त्वा मो माहवा वंति, सत्तं क्त्वा मो अम्भानं  
 माहवा वंति अह एवो अत्तत्तं ववाति एवं क्त्वा अह ता पुत्तं अत्तं को  
 मेरं अहत्तत्त । अह मित्तंति अमिन्ते को मेरं अहत्तत्त २ एवं अत्येवं वारं  
 वत्तं [पेत्तं] वत्तंति । एवं क्त्वा तेनस्त्रिपुते अम्येवं कर्मण्यस्तप रात्रा अ-  
 ण्यएवं अम्येवं ताकज्जमे मिसे आचरति पक्किमत्त से नि व नो (सं)वत्त,  
 को मेरं अहत्तत्त २ तेनस्त्रिपुते वीह्मण्य वाच वंति ओहरित्, तत्त्वं नि व से  
 वात्त ओक्त्वा, को मेरं अहत्तत्त २ तेनस्त्रिपुते पास्यं वीवाए वं(व)विवा  
 अत्त रज्जु विवा, को मे(व)ं अहत्तत्त २ तेनस्त्रिपुते मज्जमज्जे(व)त्तं वाच वंति

महया २ रायाभिसेएण अभिसिंचामो । तए ण तेयलिपुत्ते तेसिं ईसर जाव एव  
 पडिस्सणेइ २ ता कणगज्झयं कुमारं ण्हाय सव्वालंकारविभूसिय सस्तिरीयं करो २  
 ता तेसिं ईसर जाव उवणेइ २ ता एवं वयासी-एस ण देवानुप्पिया । कणगरहस्स  
 रत्तो पुत्ते पउमावईए देवीए अत्तए कणगज्झए नाम कुमारे अभिसेयारिहे राक्क  
 क्खणसपन्ने मए कणगरहस्स रत्तो रहस्सियर्यं सवद्धिए, एर्यं णं तुम्मे महया १  
 रायाभिसेएणं अभिसिंचह । सव्वं च तेसिं उट्ठाणपरियावणिय परिकहेइ । तए णं  
 ते ईसर जाव कणगज्झय कुमार महया (२) रायाभिसेएण अभिसिंचन्ति । तए  
 से कणगज्झए कुमारे राया जाए महयाहिमवंत(मलय) वण्णओ जाव रज्ज कां  
 (सि)हेमाणे विहरइ । तए ण सा पउमावई देवी कणगज्झय रायं सहावेइ २ त  
 एव वयासी-एस ण पुत्ता । तव रज्जे जाव अंतेउरे य तुम च तेयलिपुत्तस्स [अ  
 धस्स] प(हा)भावेण, तं तुमं ण तेयलिपुत्त अमच आढाहि परिजाणाहि सक्कोहे  
 सम्माणेहि इंत अब्भुट्ठेहि ठिय पञ्जुवासाहि वचन्तं पडिसंसाहेहि अट्ठासणेणं उव  
 णिमतेहि भोग च से अणुवट्ठेहि । तए ण से कणगज्झए पउमावईए (देवीए)  
 तहत्ति [धयणं] पडिस्सणेइ जाव भोगं च से [सं]वट्ठेइ ॥ १०७ ॥ तए णं से पोट्टि  
 देवे तेयलिपुत्त अभिक्खणं २ केवलपन्नते धम्मे सवोहेइ नो चेव णं से तेयलि  
 पुत्ते सवुज्झइ । तए णं तस्स पोट्टिलदेवस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०-एव खलु कण  
 गज्झए राया तेयलिपुत्तं आढाइ जाव भोग च सवट्ठेइ । तए ण से तेय(वी)लि  
 पुत्ते अभिक्खण २ संवोहिज्जमाणे वि धम्मे नो सवुज्झइ । तं सेयं खलु कणगज्झयं  
 तेयलिपुत्ताओ विप्परिणा(मे)मित्तए-त्तिकडु एवं संपेहेइ २ ता कणगज्झय तेयलिपु  
 त्ताओ विप्परिणामेइ । तए णं तेयलिपुत्ते कलं ण्हाए आसखंधवरगए बहूहिं पुरिसेहे  
 [सद्धिं] सपरिवुडे सयाओ गिहाओ निगच्छइ २ ता जेणेव कणगज्झए राया तेणेव  
 पहारेत्थ गमणाए । तए णं तेयलिपुत्त अमचं जे जहा बहवे राईसरतल्लवर जाव  
 पभियओ पासति ते तहेव आढायति परि(जा)याणाति अब्भुट्ठेति २ ता अजलि  
 परिगगई करेति इट्ठाहिं कताहिं जाव वग्गूहिं आल(वे)वमाणा य संलवमाणा य  
 पुरस्सो य पिट्ठओ य पासओ य मग्गओ य समणुगच्छति । तए णं से तेयलिपुत्ते  
 जेणेव कणगज्झए तेणेव उवागच्छइ । तए णं [से] कणगज्झए तेयलिपुत्त एज  
 माणं पासइ २ ता नो आढाइ नो परियाणाइ नो अब्भुट्ठेइ अणाढायमाणे ३ पर  
 म्मुहे संचिट्ठइ । तए णं [से] तेयलिपुत्ते कणगज्झयस्स रत्तो अजलिं करेइ । तए  
 ण से कणगज्झए राया अणाढायमाणे तुसिणीए परम्मुहे संचिट्ठइ । तए णं तेयलि  
 पुत्ते कणगज्झयं [रायं] विप्परिणयं जाणिता मीए जाव संजायभए एवं वयासी-छे

पञ्चाप मुंते मन्त्रिण पञ्चाप एतं पञ्चापमि नं तेजस्विपुतं ज्ञानगारं वंदामि नमस्तस्मि  
 न १ ता एवमाहुं निगण्य मुञ्चे १ आमेमि । एवं संपेदेह १ ता पञ्चाप पाठरंमि-  
 षीप सेव्याप केवैव पमयन्ते सञ्जाये जेनेव तेजस्विपुते ज्ञानगारे सेमेव ज्ञानपञ्चाप  
 १ ता तेजस्विपुतं (ज्ञानगारं) वंदह नमस्तस्मि न २ ता एवमाहुं न [नं] निगण्य मुञ्चे  
 १ आमेमि [१] नवाप्तये ज्ञान पञ्चापायह । तप नं से तेजस्विपुते ज्ञानगारे कनपञ्चा-  
 पस्त एवो टीसे न महद्महद्मिनाप परिष्ठाप नम्यं परिक्रमेह । तप नं से कनप-  
 ञ्चाप एता तेजस्विपुतस्त केनस्विस्थ अंतिप नम्यं सोवा निरुम्म पञ्चापुञ्चाप  
 सप्तस्विञ्चापस्त सप्तपञ्चाप पञ्चिञ्चाप १ ता समनोवाप्तप चाप चाप न(हि)मि-  
 यन्वीवावीये । तप नं तेजस्विपुते केनस्वि नह्मि वासामि केनस्विपरिष्ठाप पाठमिना  
 चाप द्विदे । एवं कहु कहु । समयेनं मययया महावीरेनं चाप संपतेनं चोत्स-  
 मस्त नमपञ्चापस्त ज्ञानपञ्चे पञ्चते विवेमि ॥ ११ ॥ शाब्दा-वाच न हुन्यं  
 पञ्चाप मापञ्चमं न पञ्चिमो पञ्च । ताव न नम्यं गेवसि मापञ्चो तजस्विपुतञ्च  
 ॥ १० ॥ चोद(चतु)स्तमं ज्ञान(ज्ञ)पञ्चापनं समस्त ॥

इदं नं मति । समयेनं चोत्समस्त नमपञ्चापस्त ज्ञानपञ्चे पञ्चते पञ्चापमस्त  
 न ( ) के कहे पञ्चते । एवं कहु कहु । तेनं ज्ञानेनं तेनं समप्यं नपा ना(मं)म  
 न्वरी होत्वा पुन्यये ज्ञाने विमस्तता एता । तत्त नं नपाप न्वरीप न ( ) न  
 नामं सत्पनाहो होत्वा नह्म चाप अपरिमुप । टीसे नं नपाप न्वरीप उतरपुरस्विमे  
 नि(हि)वीनाप नह्मिञ्चाप ना(मं)म न्वरी होत्वा निरुत्पिनिचमिञ्चाप नम्यन्ते ।  
 तत्त नं नह्मिञ्चाप न्वरीप कनपञ्चेव नाम एता होत्वा (महदा) नम्यन्ते ।  
 [तप नं] तत्त न ( ) नस्त सत्पनाहस्त ज्ञानया कया पुन्यरतावरतापञ्चममंमि  
 इत्येवाह्म ज्ञानस्विप विस्तिप पञ्चिप मन्त्रोप्यं संकल्पे समुप्यजित्वा-सेनं कहु  
 म्य निरुत्पं पञ्चिपमंमनाप नह्मिञ्चाप न(नरं)नरिं नमिञ्चाप गमिताप । एवं संपे  
 देह १ ता पञ्चिप न ४ नह्मिञ्चाप नरं गेवह ( ) समनोवाप्तं सजेह १ ता  
 सप्तपञ्चापनं मरेह १ ता चोदमिचपुरिसे सप्तपिह १ ता एवं नवाप्ती-पञ्चाप नं  
 मुञ्चे वेदपुष्पिना । नपाप न्वरीप सिनाहय चाप पहे(पे)ह [एवं नवह—] एवं  
 कहु वेदपुष्पिना । नने सत्पनाहो निपु(हि)नं पञ्चि(न) न[वापान] इत्यह नहि  
 पञ्चतं न्वरिं नमिञ्चाप पमिताप । टी ज्ये नं वेदपुष्पिना । नरप वा न्वरीप वा नम्य-  
 नंतिप वा निरुत्पं वा पं(ह)नरये वा योगये वा गौन(टी)मिप वा (मिह्मिचम्ये वा)  
 निह्मिचम्यमिप वा नमिचमिचपुण्यतावरतापञ्चमिचम्यमिपुण्यतावरतये वा निह्मये  
 वा (तत्त नं) न(रे)नेनं सदि नह्मिञ्चाप न्वरिं नह्मिञ्चाप तत्त नं नने नह्मिचम्यमस्त



अत्याह जाव उदगति अप्पा[ण] मुक्के, तत्थ वि य ण थाहे जाए, को मेयं क-  
हिस्सइ ? तेयलिपुत्ते मुक्कसि तणकूडे अग्गी विज्झाए, को मेयं सव्हिस्सइ ?  
यमणसंक्रप्पे जाव झिया[य]इ । तए ण से पोट्टिले देवे पोट्टिलारुवं विउव्वइ २ त  
तेयलिपुत्तस्स अदूरसामते ठिच्चा एव वयासी-ह भो तेयलिपुत्ता । पुरओ पक्क  
पिट्ठओ हत्थिभय दुहओ अचक्खुफासे मज्जे सराणि पत(वरिसयं)ति, गामे पत्ति  
रत्ते झियाइ रत्ते पलित्ते गामे झियाइ, आउमो (।) तेयलिपुत्ता ! कओ वयामो ? त  
ण से तेयलिपुत्ते पोट्टिल एव वयासी-भीयस्स खलु भो ! पव्वज्जा सरण, उच्च(गि)-  
ट्टियस्स सदेसगमण छुहियस्स अथ तिसियस्स पाण आउरस्स मेसज्जं माइस्स  
रहस्स अभिजुत्तस्स पच्चयकरण अद्दाणपरिसत्तस्स वाहणगमण तरित्ठकामस्स प-  
ह(ण)णकिच्च पर अभिओजित्ठकामस्स सहायकिच्च, सत्तस्स दंतस्स जिइदिस्स  
एत्तो एगमवि न भवइ । तए ण से पोट्टिले देवे तेयलिपुत्त अमच्च एवं वयासी-  
सुट्ठु ण तुम तेयलिपुत्ता । एयमट्ठ आया(णि)णहि-त्तिकट्ठु दोच्चपि [तच्चपि] एवं बह  
२ ता जामेव दि(स)सिं पाठब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ १०८ ॥ तए ण तस्स  
तेयलिपुत्तस्स सुमेण परिणामेण जाईसरणे समुप्पजे । तए ण (तस्स) तेयलिपुत्तस्स  
अयमेयारुवे अज्झत्थिए ० समुप्पजे-एव खलु अह इहेव जवुदीवे २ महाविदेहे  
वासे पोक्खलावईविजए पोंढ(री)रिगिणीए रायहाणीए महापत्तमे नामं रामा  
होत्था । तए ण (अ)हं थेराण अतिए मुडे भवित्ता जाव चोइस-पुव्वाइ (०) बहूणि  
वासाणि सामण्णपरिया(ए)ग पाठणित्ता मासियाए संलेहणाए महासुक्के कप्पे देवे  
(उववन्ने) । तए ण ह ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं [भवक्खएणं ठिइक्खएण  
अणतरं चय चइत्ता] इहेव तेयलिपुरे तेयलिस्स अमच्चस्स भद्दाए भारियाए दार  
गत्ताए पच्चायाए । त सेय खलु मम पुव्वदिट्ठाई महव्वयाइ सयमेव उवसपज्जिताण  
विहरित्तए । एव सपेहेइ २ ता सयमेव महव्वयाई आरुहेइ २ ता जेणेव पम्म-  
चणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ ता असोगवरपायवस्स अहे पुढविस्सिलापट्टयसि  
सुहनिसण्णस्स अणुचितेमाणस्स पुव्वाहीयाई सामाइयमाइयाई चोइसपुव्वाई सय-  
मेव अभिसमन्नागयाइ । तए ण तस्स तेयलिपुत्तस्स अणगारस्स सुमेणं परिणा  
मेणं जाव तयावरणिजाण कम्माण खओवसमेण कम्मरयविकरणकरं अपुव्वकरं  
पविट्ठस्स केवलवरनाणदसणे समुप्पजे ॥ १०९ ॥ तए ण तेयलिपुरे नयरे अहास  
जिहिएहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं देवीहिं य देवदुंदु(भी)हीओ समाहयाओ दसद्ववन्ने  
कुसुमे निवाइए दिव्वे गीयगधव्वनिनाए कए यावि होत्था । तए ण से कणगज्जए  
राया इमीसे क्हाए लद्धे समाने एव वयासी-एव खलु तेय(लि)लिपुत्ते मए अ-

दिव्यलुपिन्वा ! मय सत्त्वमिषेयसि महत्या [२] श्रोत्रं वन्तोसेमाणा २ एवं वनह-एव  
 नं दिव्यलुपिन्वा ! ते नैदिपञ्च [कन्या] निम्हा जाय मनुष्या ज्ञानाए । तं श्रोत्रं  
 दिव्यलुपिन्वा ! एतसि नैदिपञ्चत्वं कन्यापय मूक्याणि वा कन्य ( ) सुपञ्चत्वापत्तक्यानि  
 वाय कन्याके येन बीमियायो वनरोवेह । तं मा नं तुम्हे जाय (दृष्टं दृष्टेन परिहर-  
 माणा) वीसमह मा नं कन्याके [येन] बीमियाजो वनरोमिस्तेति अनेति कन्यापय  
 मूक्यानि व जाय वीसमह-तिष्ठतु योसमं [जाय] पञ्चपिर्बन्ति । तत्त्व नं जलपेयत्वा  
 पुरिषा वचस्त सत्त्वनाहस्त एवमाहुं सार्हति जाय रोमंति एवमाहुं सार्हमाणा तेति  
 नैदिपञ्चत्वं दृष्टदृष्टं परिहरमाणा २ अनेति कन्यापय मूक्यानि व जाय वीसमंति ।  
 तेति नं ज्ञानाए नो मरुए मरुह तज्जो पञ्च परिकम्माणा २ छ(६)मस्वपाए ५  
 मुञ्चो २ परिष्मन्ति । एवानेव समस्तसो ! जो अर्म्ह निम्मजो वा २ जाय पञ्च  
 कम्पुत्वेन नो स(वि)ज्ज (नो रज्जेह) से नं क्कमपि वैव वहुनं समपायं ४ अन्व-  
 मिजे पराये नो जायपञ्च जाय वीरवस्तसह । तत्त्व नं (जे से) जपेयत्वा  
 पुरिषा वचस्त एवमाहुं नो सार्हति २ वचस्त एवमाहुं अचरमाणा २ जेनेव ते  
 नैदिपञ्च तेवैव वचस्पञ्चति २ ता तसि नैदिपञ्चत्वं मूक्यानि व जाय वीसमंति  
 तेति नं ज्ञानाए मरुए मरुह तज्जो पञ्च परिकम्माणा जाय कन्योवेति । एवानेव  
 समनाहसो । जो अर्म्ह निम्मजो वा २ पञ्चए पञ्च कम्पुत्वेन सज्ज जाय अन्व-  
 पविस्तिस्स ज्ञा व ते पुरिषा । तए नं से वनै सवसीसाणं ओवावेह २ ता  
 जेनेव मदिपञ्च नन्दी तेनेव सवायपञ्च २ ता अदिपञ्चपाए नन्दीए मदिवा  
 जन्तुजाये सत्त्वमिषं करोह २ ता सवसीसाणं मीयावेह । तए नं से वनै सत्त्व-  
 पाहे महत्वं २ एवावेह पाहुनं गेन्हा २ ता वज्जुपुरिसेहिं सदि सेपारिपुडे अदि-  
 पञ्चत्वं नव(६)रि यज्जोमज्जेनं जन्तुपमिस्स २ ता जेनेव कन्याकेह एवा तेनेव  
 सवायपञ्च २ ता करवक जाय कन्यावेह २ ता तं महत्वं २ पाहुनं उववेह । तए नं  
 से कम्पुत्वेन एवा हह(६) ३ वचस्त सत्त्वनाहस्त तं महत्वं (१) जाय पदिपञ्च  
 २ ता व(१)नं सत्त्वनाहं सवसीसाणं सम्मावेह वा २ ता उस्सहं निवरह २ ता पदि-  
 मिस्सये [२] मंदिमिममं करोह २ ता पदिमं गेन्हा २ ता सार्हत्वेन जेनेव नपा  
 नन्दी तेनेव सवायपञ्च २ ता मिस्सनाहमिसयवायप मिस्सुवां मास्सुत्तपायं जाय  
 मिहर । तेनं अदिनं तेनं सवपुनं वेरावमनं वा जम्मी सीया जेहपुत्तं ह्दुवि  
 अनेता [जाय] पञ्चए सामा[हम्या]हवाहं एवाएव अमायं क्कमि वासाणि जाय  
 पाणिवाए (४) जाय अचवरीह वैवसीपुह वैवपाए कवचवे (५) नं वैव ताजो वैव-  
 कोपाजो जावकव चयं नहता) महाविदेह वासे तिग्गिह जाय अंतं करोहि ।

छत्तगं दलाइ अणुवाहणस्स ओ(उ)वाहणा(उ)ओ दलयइ अकुंडियस्स कुंडिय दल  
यइ अपत्ययणस्स पत्ययण दलयइ अपक्खेवगस्स पक्खेव दलयइ अतरा वि य हे  
पडियस्स वा भग्गलुग्ग[स्स] साहेज्ज दलयइ सुहंसहेण य (णं) अहिच्छत्तं संपावे-  
त्तिकट्टु दोषपि तच्चपि [घोसण] घोसेह २ ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तए णं  
ते कोडुवियपुरिसा जाव एवं वयासी-हदि सुणतु भगवंतो चंपानयरीवत्यव्वा बरे  
चरगा (य) जाव पच्चप्पिणति । तए ण (से) तेसिं कोडुंविय(घोस)पुरिसाणं [अंति  
एयमट्ठ] सो(सु)च्चा चपाए नयरीए बहवे चरगा य जाव गिहत्था य जेणेव धणे सत्थ  
वाहे तेणेव उवागच्छंति । तए ण धणे [सत्यवाहे] तेसिं चरगाण य जाव गिहत्था  
य अच्छत्तगस्स छत्तं दलयइ जाव पत्ययण दलाइ-गच्छह ण तुब्भे देवाणुप्पिया ।  
चपाए नयरीए बहिया अग्गुज्जाणसि मम पडिवालेमाणा चिट्ठह । तए ण [ते] चरगा  
य० धणेण सत्यवाहेण एवं बुत्ता समाणा जाव चिट्ठंति । तए ण धणे सत्यवाहे  
सोहणसि तिहिकरणनक्खत्तंसि विउल असणं ४ उवक्खडावेइ २ ता मित्तना(ई)ह  
आमतेइ २ ता भोयणं भोयावेइ २ ता आपुच्छइ २ ता सगढीसागडं जोयावेइ २  
ता चपा[ओ] नयरीओ निग्गच्छइ (०) नाइविप्पगिट्ठेहिं अद्वाणेहिं वसमाणे २ सुहेहिं  
वसहिपायरासेहिं अग जणवय मज्झमज्झेण जेणेव देसग्ग तेणेव उवागच्छइ २  
ता सगढीसागड मोयावेइ (०) सत्यनिवेसं करेइ २ ता कोडुवियपुरिसे सदावेइ २  
ता एव वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया । मम सत्यनिवेससि महया २ सत्तेणं उघो  
सेमाणा २ एवं वयह-एव खलु देवाणुप्पिया । इमीसे आगामियाए छिन्नावायाए  
वीहमद्धाए अडवीए बहुमज्झदेसमाए [एत्थ णं] बहवे नदिफला नाम स्क्खा पक्काता  
किण्हा जाव पत्तिया पुप्फिया फलिया हरिया रेरिज्जमाणा सिरीए अईव २ उवसो  
भेमाणा चिट्ठंति मणुजा वण्णेण [४] जाव मणुजा फासेण मणुजा छायाए । त जो णं  
देवाणुप्पिया । तेसिं नंदिफलाणं स्क्खाण मूलाणि वा कंद(०)तयपत्तपुप्फफलवी-  
याणि वा हरियाणि वा आहारेइ छायाए वा वीसमड तस्स ण आवाए भइए भवइ  
तओ पच्छा परिणममाणा २ अकाले चेव जीवियाओ ववरोवे(न्ति)इ । त मा णं  
देवाणुप्पिया । केइ तेसिं नंदिफलाण मूलाणि वा जाव छायाए वा वीसमड मा णं  
से(S)वि अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जिस्सइ । तुब्भे णं देवाणुप्पिया । अत्तेसिं  
स्क्खाणं मूलाणि य जाव हरियाणि य आहारे(य)ह छायासु वीसमह ति घोसणं  
घोसेह जाव पच्चप्पिणति । तए णं धणे सत्यवाहे सगढीसागडं जोएइ २ ता जेणेव  
नंदिफला स्क्खा तेणेव उवागच्छइ २ ता तेसिं नंदिफलाणं अवूरसामंते सत्यनिवेसं  
करेइ २ ता दोषपि तच्चपि कोडुंवियपुरिसे सदावेइ २ ता एवं वयासी-तुब्भे णं

देवात्पुष्पिना । यमं सत्पनिवेष्टेति महता [१] स्त्रोत्रं कर्मोत्तमाणा २ एवं बबह-एष  
 न देवात्पुष्पिना । ते नैरिपुष्पम [अपका] निष्ठा चाव मयुषा छावाए । तं को न  
 देवात्पुष्पिना । एषति नैरिपुष्पमै कन्धानं मूकमि ना कंद ( ) सुपुष्पनापपुष्पमि  
 यम अकाके येन यौमियाभी बबरोवेह । तं मा नं हुम्मे चाव (हृदं दूरेण परिहर  
 मात्मा) यौममाह या ये अकाके [येन] यौमियाभी बबरोविस्तेति अवेति कन्धानं  
 मूकमि ३ चाव यौममाह-सिद्धं योसने [चाव] पण्यपिर्नति । तत्त्वं यं अत्येय्या  
 पुरीसा बबस्त सत्पनाहस्त एयमाहुं सार्हति चाव रोवेति एयमाहुं सार्हमाणा तेति  
 नैरिपुष्पमं सार्हदूरेण परिहरमाणा २ अवेति कन्धानं मूकमि ३ चाव यौममिति ।  
 तेति नं अकाए भो यए मबह ततो पच्छा परिचयमाणा २ सु(हं)मक्यताए ५  
 मुम्मे १ परिचमति । एवमेव सम्यक्करो । को अम्हं निम्नको वा २ चाव पंचद  
 कम्मल्लेहो नो स(वे)अ (नो रजेह) से नं इहमवे येन बहून् समपानं ४ अक-  
 मिजे परमेव भो मायच्छा चाव यौमिहस्तसह । तत्त्वं नं (वे से) अत्येय्या  
 पुरीसा बबस्त एयमाहुं नो सार्हति ३ बबस्त एयमाहुं अचहमाणा ३ जैवेव से  
 नैरिपुष्पम तेवैव क्वाप्यच्छेति २ या एति नैरिपुष्पमं मूकमि ३ चाव यौममिति  
 तेति नं अकाए मए मबह ततो पच्छा परिचयमाणा चाव बबरोवेति । एवमेव  
 सम्यक्करो । को अम्हं निम्नको वा २ यमए पंचद कम्मल्लेहो सज्ज चाव अतु-  
 परिचयित्त्वा बहा ५ ते पुरीसा । तए नं से बवे सयमीसामयं ओवावेह २ या  
 जैवेव अदिप्यत्ता नकरी तेयेव क्वाप्यच्छा २ ता अदिच्छताए बबरोए बहिवा  
 अतुज्जाने सत्पनिवेष्टं करेह २ या सयमीसामयं ओवावेह । तए नं से बवे सत्त्वं  
 बबरे महत्त्वं ३ एवादिहं पाहुं गेम्हा २ ता अतुपुरिसेहं तदि संपरेहते अदि-  
 प्यत्तं पञ्च(रं)रिं यज्जमज्जेवं अतुप्यमिह २ या जैवेव क्वाप्यच्छा एवा तेयेव  
 क्वाप्यच्छा २ या क्वाक चाव क्वावेह २ या तं महत्त्वं ३ पाहुं बबरोह । तए नं  
 से क्वाकय्य एवा हृद्वा(ह) ह्ते बबस्त सत्पनाहस्त तं महत्त्वं (३) चाव परिच्छा  
 २ या ब(रं)नं सत्पनाहं सज्जारेह सम्मानिह स २ या सज्जारेह निरह २ या बहि-  
 मिहारे [२] मंडविमिमं करेह २ या पकिमं गेम्हा २ या सार्हदूरेण जैवेव नपा  
 बबरो तेयेव क्वाप्यच्छा २ या मितवाहजमित्तमायए निपुमई मातुस्तयाई चाव  
 निहए । तेनं काकेनं तेनं समपानं यैरावमनं ३ अम्हं सेवा जैदुपुं हृदि  
 अवेता [चाव] पण्यए सामाहमयाह्वाई एकारस अय्याई बहूनि वातामि जज  
 माहिवाए (३) चाव अकदरोह देवमेपुह देवताए क्वाकवे (३) नं देवे तातो देव-  
 कोपानो आउक्का चरं बहया) बहानिदेहं वाते निजिहिह चाव मंत्तं करेह ।

छत्तमं दलाइ अणुवाहणस्स ओ(उ)पाहणा(उ)ओ दलयइ अणुंभियस्स कुंभिनं इत्थं  
यइ अपत्ययणस्स पत्ययणं दलयइ अपण्णोवगस्स पयत्तेवं दलयइ अतरा वि य हे  
पडियस्स या भग्गल्लुग्ग[स्स] साहेज्जं दलयइ गुहंघहेण य (णं) अदिच्छां संपावे-  
सिकट्टु दोषंपि तत्तपि [घोराणं] घोसेह २ ता मम एयमाणत्तिरं पञ्चप्पिणह । तए णं  
ते कोहुंभियपुरिसा जाव एवं घयासी-इदि सुणंतु भगवंतो चंपानयरीवत्थवा चरे  
चरगा (य) जाव पञ्चप्पिणंति । तए णं (से) तेसिं कोहुंभिय(घोस)पुरिसाणं [अणि  
एयमद्वं] सो(सु)वा चंपाए नयरीए यहवे चरगा य जाव गिहत्था य जेणेव धणे सत्त  
वाहे तेणेव उवागच्छंति । तए णं धणे [सत्थवाहे] तेसिं चरगाण य जाव गिहत्था  
य अच्छत्तागस्स छत्तं दलयइ जाव पत्ययणं दलाइ-गच्छइ ण तुब्भे देवाणुप्पिया ।  
चंपाए नयरीए यहिया अणुज्जाणंसि मम पट्टिवालेमाणा चिट्ठइ । तए णं [ते] चरगा  
य० धणेणं सत्थवाहेण एवं युत्ता रामाणा जाव चिट्ठंति । तए ण धणे सत्थवाहे  
सोदणसि तिहिकरणनक्खरांसि विउलं असणं ४ उपक्खलावेइ २ ता मित्तना(ई)इ  
आमंतेइ २ ता भोयणं भोयावेइ २ ता आपुच्छइ २ ता सगढीसागढं जोयातेइ २  
ता चपा[ओ] नयरीओ निग्गच्छइ (०) नाइविप्पगिद्वेहिं अस्सणेहिं वसमाणे २ गुहं  
पसहिपायरासेहिं अगं जणवय मज्झमज्जेणं जेणेव देसग्ग तेणेव उवागच्छइ २  
ता सगढीसागढं भोयावेइ (०) सत्थनिवेसं करेइ २ ता कोहुंभियपुरिसे सहावेइ २  
ता एव घयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया । मम सत्थनिवेसंसि महया २ राणं उगो  
सेमाणा २ एवं वयह-एवं खलु देवाणुप्पिया । इगीसे आगामियाए छिन्नावायाए  
वीहमद्धाए अठवीए यहुमज्झदेसभाए [एत्थ णं] यहवे नंदिफला नामं रुक्खा पत्ता  
किण्हा जाव पत्तिया पुप्फिया फलिया हरिया रेरिज्जमाणा तिरीए अईव २ उवतो  
भेमाणा चिट्ठंति मणुत्ता वण्णेण [४] जाव मणुत्ता फासेणं मणुत्ता छायाए । तं जो णं  
देवाणुप्पिया । तेसिं नदिफलाण रुक्खाण मूलाणि वा कंठ(०)तयपत्तपुप्फफली  
याणि वा हरियाणि वा आहारेइ छायाए वा वीसमइ तस्स णं आयाए अइए भवइ  
तओ पच्छा परिणममाणा २ अकाले चेव जीवियाओ वधरोवे(न्ति)इ । त मा णं  
देवाणुप्पिया । केइ तेसिं नंदिफलाणं मूलाणि वा जाव छायाए वा वीसमउ मा णं  
से(स)वि अकाले चेव जीवियाओ वधरोविज्जिस्सइ । तुब्भे णं देवाणुप्पिया । अमेसिं  
रुक्खाणं मूलाणि य जाव हरियाणि य आहारे(थ)इ छायाइ वीसमइ ति घोसणं  
घोसेह जाव पञ्चप्पिणंति । तए णं धणे सत्थवाहे सगढीसागढं जोएइ २ ता जेणेव  
नंदिफला रुक्खा तेणेव उवागच्छइ २ ता तेसिं नंदिफलाणं अपूरसामंते सत्थनिवेसं  
करेइ २ ता दोषंपि तत्तपि कोहुंभियपुरिसे सहावेइ २ ता एवं घयासी-तुब्भे णं

देहद्वयं ह्येतत् यो(वि)मित्तात् अर्धं साक्यद्वयं महु(रा)रकाजने आब मेहापयाई हव-  
 न्वा(वि)मित्तात् । एवं संयेहेइ १ ता तं साक्यद्वयं आब योवेइ [२] अर्धं साक्यद्वयं महु-  
 रकाजने उवन्वापयेइ [३] तेहिं माहनाके आयाके छात्रसचवरगवाके तं त्रिपुके मचये  
 ४ वरियेयेइ । तए नं ते माहना विमिक्कयुत्तुत्तरागम्या समाया आसंता बोक्का परम-  
 चरम्या सक्कम्मसंपदता आवा वावि होरेवा । तए नं ताओ माहणीओ आयाओ  
 एवमासंतामिदियाओ तं त्रिपुके अचने ४ आहारेति १ ता जेवेव सवाई १ यि(गि)-  
 हाई तेवेव उवापच्छंति १ ता सक्कम्मसंपदताओ आयाओ ॥ ११२ ॥ तेनं अचने  
 तेनं वनएवं वम्मचोसा ना(म)ने वेरा आब बहुपरिवाटा जेवैव नंवा (नामं) नक्की  
 जेवेव उम्मिमियागे उजावे तेवेव उवागच्छंति १ ता अहापच्छिस्वं वाव मिहरेति ।  
 वरिसा निम्बवा वम्मो व्हिओ परिचा पडिगया । तए नं तेहिं वम्मचोसाके वेराके  
 अंतेवाओ वम्मई वामे अचयारे उ(ओ)राके आब ते(उ)क्केस्से मासंमासेनं वम्म-  
 मायं मिहए । तए नं से वम्मई अचयारे मासक्कम्मवारक्कपडि पवमाए वोमिस्सीए  
 सक्कम्म करेइ १ ता बीक्कए वोमिस्सीए एवं अहा पावमसामी उहेव उम्माहेइ १ ता  
 उहेव वम्मचोसां वेरं आपुच्छइ आब नंवाए कयपीए उवन्नीक्कमिडिमहुअई वाक  
 वडम्मने जेवेव वापसिपीए माहणीए गिहे तेवेव अलुपमिडे । तए नं सा नाग-  
 सिपी माहणी वम्मई एवमाके पाछइ १ ता उस्स साक्यइस्स तिउच्छवस्स वहु-  
 ( ) मेहाक्काइस्स एउ(निधिर)वहुवाए वहुउउ [उउए] उहेइ १ ता जेवेव मचये  
 तेवेव उवापच्छइ १ ता तं साक्यद्वयं तिउच्छवं न वहुवे(ई)हावपाई वम्मइस्स  
 अचयारस्स पडिक्काईति उव्वमेव वि(वि)मिसरइ । तए नं से वम्मई अचयारे अहा-  
 पयातिडिक्क वामसिपीए माहणीए विहाओ पडिमिक्कयइ १ ता नंवाए कयपीए  
 मज्झिमस्सेव पडिनिक्कमइ १ ता जेवेव उम्मिमियागे उजावे तंवेव उवागच्छइ १  
 ता [जेवेव वम्मचोसा वेरा तेवेव उवागच्छइ १] वम्मचोसस्स अउत्तार्यत्त अच-  
 याके पडि(स्ति)जेहेइ १ ता अचयाके करवलेति पडिरेसिइ । तए नं (ते) वम्मचोसा  
 वेरा उस्स साक्यइस्स मेहाक्काइस्स वविनं अमिम्बा लयाणा उओ साक्यवाओ  
 मेहाक्काइओ एवं विहु(नं)ये माहान करयच्छंति आसा(वे)रिंति डि(उगी)ते पारं  
 कउरं अचानं वमोअं किमुअं आमिता वम्मई अचयारं एवं ववाप्पी-अइ नं तुमं  
 वेवालुप्पिमा । एवं साक्यद्वयं आब मेहाक्काइं आहारेति तो ये तुमं अचके वव अमि  
 वाओ कयरेमिअति । तं मा नं तुमं वेवालुप्पिमा । इमं साक्यद्वयं आब आहारेति मा नं  
 तुमं अचके वव अमिवाओ कयरेमिअति । तं नक्का[इ] नं तुमं वेवालुप्पिमा । इमं  
 साक्यद्वयं एउउवावाइ अ(वि)मिते वंति(के)वे परिहुवेइ १ ता अर्धं अउरं एउ-

एव खलु जवू । समणेणं जाव संपत्तेण पन्नरस[म]स्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नो  
 सिवेमि ॥ १११ ॥ गाहाओ-चपा इव मणुयगई धणो व्व भयवं जिणो दएक्कसो ।  
 अहिच्छित्तानयरिसम इह निव्वाण मुणेयव्व ॥ १ ॥ घोसणया इव तित्थकरस्स सिक्क  
 मग्गदेसणमहग्ग । चरगाइणोव्व इत्थ सिवमुहकामा जिया वहवे ॥ २ ॥ नंदिफलाइ  
 व्व इह सिवपहपडिवण्णगाण विसया उ । तव्वमक्खणाओ मरण जह तह विसए  
 ससारो ॥ ३ ॥ तव्वज्जणेण जह इट्ठपुरगमो विमयवज्जणेण तहा । परमानदनिव  
 णसिवपुरगमण मुणेयव्व ॥ ४ ॥ पन्नरसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ ण भंते ! समणेण ३ जाव संपत्तेण पन्नरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे  
 पन्नत्ते सोलसमस्स णं भते ! नायज्झयणस्स (०) के अट्ठे पन्नत्ते ? एव खलु जवू !  
 तेण कालेण तेण समएण चपा नाम नयरी होत्था । तीसे ण चपाए नयरीए बहिया  
 उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए सुभूमिभागे नाम उज्जाणे होत्था । तत्थ ण चपाए नयरीए  
 तओ माहणा भायरो परिवसंति तजहा-सोमे सोमदत्ते सोमभूई अट्ठा जाव [अपरि  
 भूया] रिउव्वेयजउव्वेयसामवेयअयव्वणवेय जाव सुपरिनिट्ठिया । ते(सि ण)सि  
 माहणाण तओ भारियाओ होत्था तजहा-नागसिरी भूयसिरी जक्खसिरी सुकुमा-  
 (ल)ला जाव तेसि ण माहणाण इट्ठाओ वि(पु)उळे माणुस्सए जाव विहरंति । तए ण  
 तेसि माहणाण अन्नया कयाइ एगयओ समुवागयाण जाव इमेयारूवे सिहोक्कहासमु  
 छावे समुप्पज्जित्था-एव खलु देवाणुप्पिया ! अम्ह इमे विउळे धणे जाव सावएजे  
 अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवसाओ पकाम दाउ पकाम भोत्तु पकाम परिभाएउ ।  
 त सेय खलु अम्ह देवाणुप्पिया ! अन्नमन्नस्स गिहेसु कल्लाकल्लि विपुल अस(णं)गपा-  
 (णं)णखाइ(म)मसाइम उवक्खडेउ (२) परिभुं(ज)जेमाणाण विहरित्तए । अन्नम  
 न्नस्स एयमट्ठं पडिच्चणेंति कल्लाकल्लि अन्नमन्नस्स गिहेसु विपुल असण ४ उवक्खडा  
 वेंति २ ता परिभुजेमाणा विहरंति । तए ण तीसे नागसिरीए माहणीए अन्नया  
 [कयाइ] भोयणवारए जाए यावि होत्था । तए ण सा नागसिरी [माहणी] विपुल  
 असण ४ उवक्ख(डे)हावेइ २ ता एग महं सालइयं ति(ता)तलाउ(अ)य बहुसमा-  
 सजुसं नेहावगाढ उवक्खडावेइ एग विवुय करयलसि आसाएइ [२] त खारं कइयं  
 अखज्ज (अभोज्ज) विस(ब)भूयं जाणित्ता एव बयासी-घिरत्थु ण मम नागसिरीए  
 अ(ह)धन्नाए अपुष्णाए दूमगाए दूमगसत्ताए दूमगनिबोलियाए जा(जी)ए णं मए  
 सालइए बहुसभारसंभिण नेहावगाढे उवक्खडाए सुवहुदव्वक्खए(णं) नेहक्खए य  
 कए । तं जइ णं मम जाउयाओ जाणिस्संति तो ण मम खिसिस्सति । त जाव-ताव  
 मम जाउयाओ न जाणति ताव मम सेय एयं सालइयं ति(ता)तलाउ[य] बहुसभार-

एवं पशु तस्य मिकच्छस मिकच्छणीए वा सममियं के सममरेई छदिए धया  
अएवसि ति वेदि ॥ ८६७ ॥ पसेसजाजसपणे बीमोइसो समतो ॥  
कहु पसेसजाजसपणं समतं ॥

समने ममिस्सामि मयमारो अणिमने अपुत्त अपत्त परवत्तमोई पावं कम्म  
नो करिस्सामि ति समुत्ताए समं मते अदिक्कादार्ण पचवत्तमि ॥ ८६८ ॥  
से अनुपमिस्सिता गामे वा वाव वेव एवं अमिं गिण्हिज्ज वेवन्नेने अदिक्कं  
पिण्हकज्ज वेवन्नेने अमिं दिव्वंतं सममुत्तावेजा । वेदिमि छदि संपन्नए  
तेसि पुब्बायेव उम्माई अनुपमिव अपठिडेहिय अपमविव नो पिण्होव वा  
पमिण्होव वा तेसि पुब्बायेव उम्माई जत्तजा अनुपमिव पठिडेहिय पमविव  
उज्जे वे अमिण्हिज्ज वा पमिण्हिज्ज वा ॥ ८६९ ॥ से आर्मतारेखु वा (४)  
अनुवीइ उम्माई जएजा के तत्त्व ईसरे के तत्त्व समद्विज्जए ते उम्माई अनु-  
पमवेजा कम्म कहु जाततो अहाअई अहापरिज्जतं कवमो जाव जातसंतसु  
उम्माई जाव सज्जमिवा एह तत्त्व उम्माई विमिस्सामो तेव परं मिहरेस्सामो  
॥ ८७० ॥ से किं पुन तत्त्वोममईति एवोप्पहिंसि ? के तत्त्व सज्जमिवा  
संमोदवा सममुत्ता उवायच्छेज्ज के तेव उयमेसितए कसणे वा (४) तेव  
से सज्जमिवा संमोदवा सममुत्ता उवमिस्सितेजा नो वेव न परवत्तिनाए उगि-  
त्तिव १ उवमिस्सितेजा ॥ ८७१ ॥ से आर्मतारेखु वा (४) जाव से किं पुन  
तत्त्वोममईति एवोप्पहिंसि के तत्त्व सज्जमिवा अज्जसंमोदवा सममुत्ता उवाय-  
च्छेज्ज के तेनं उयमेसितए पीडि वा पज्जए वा वेज्जसंवरए वा तेव से साह-  
मिनाए अज्जसंमोदए उज्जुवे उवमिस्सितेजा नो वेव न परवत्तिनाए उपिण्हव २  
उवमिस्सितेजा ॥ ८७२ ॥ से आर्मतारेखु वा (४) जाव से किं पुन तत्त्वोममईति  
एवोप्पहिंसि के तत्त्व जाह्वनईव वा जाह्वनपुत्तव वा छुई वा पिण्हए वा अज्ज-  
सोहणए वा जह्वननए वा अज्जवो रं एवसु अज्जए पाणिहारिं जत्तता नो  
अज्जमज्जसु वेव वा अनुपवेज्ज वा एवं करमिं ति कहु से उमावाए तत्त्व  
पच्छेजा पणिक्ता पुब्बायेव उतावाए इत्थे ति कहु मूणीए वा उवेता 'इमं कहु  
इमं कहु' ति जातोएज्ज नो वेव न एवं पाणिना परपाविति पचपिजेजा  
॥ ८७३ ॥ से मिकख वा (२) से नं पुन उम्माई जामिजा अर्थतरहिनाए पुववीए  
उपमिज्जाए पुववीए जाव उतावाए उज्जप्यमारो उम्माई नो उयिण्होव वा पमिण्होव  
वा ॥ ८७४ ॥ से मिकख वा (२) से नं पुन उम्माई जामिजा कूटि वा (४)  
उज्जप्यमारो अंतज्जिज्जमाए उज्जवे जाव नो उम्माई उयिण्होव वा पमिण्होव वा



णिज्जं असणं ४ पडिगाहेत्ता आहार आहारेहि । तए णं से धम्मरुहं अणगारे धम्म  
घोसेण थेरेण एवं वुत्ते समणे धम्मघोसस्स थेरस्स अतियाओ पडिनिक्खमइ २ ता  
सुभूमिमा(ग)गाओ उज्जाणाओ अदूरसामते थडिल्ल पडिलेहेइ २ ता ता(त)ओ साल-  
इयाओ एग विंदुगं ग(हेइ)हाम २ थंठि(ल)ल्लसि निसिरइ । तए ण तस्स सालइयस्स  
तित्तकडुयस्स बहुनेहावगाढस्स गंधेण वहुणि पिपीलिगासहस्साणि पाठब्भू० जा  
जहा य ण पिपीलिगा आहारेइ सा [ण] तहा अकाळे चेव जीवियाओ ववरोविज्जइ ।  
तए ण तस्स धम्मरुहस्स अणगारस्स इमेयारुवे अज्झत्थिए०-जइ ताव इमस्स  
सालइयस्स जाव एगमि विंदु(ग)यमि पक्खित्तमि अणेगाई पिपीलि(का)गासहस्साई  
ववरोविज्जंति तं जइ ण अह एयं सालइयं थडिल्लसि सव्व निसिरामि (तए) तो णं  
बहुणं पाणाण ४ वहकरण भविस्सइ । त सेयं खलु मम एयं सालइयं जाव [नेहाव]-  
गाढ सयमेव आहा(रे)रित्तए मम चेव एएण सरी(रे)एएण निज्जाठ-त्तिकट्टु एवं  
सपेहेइ २ ता मुहुपोत्तिय [२] पडिलेहेइ २ ता ससीसोवरिय काय पमज्जेइ २ ता त  
सालइय तित्तकडुय बहुनेहावगाढ विलमिव पन्नगमूएणं अप्पा(णे)णएणं सव्व सरी-  
रको(ट्ट)ट्टगसि पक्खिवइ । तए णं तस्स धम्मरुह[य]स्स त सालइयं जाव नेहावगाढं  
आहारियस्स समाणस्स मुहुत्तंतरेण परिणममाणंति सरीरगसि वैयणा पाठब्भूया  
उज्जला जाव दुरहियासा । तए ण से धम्मरु(ची)ई अणगारे अयामे अबले अवीरिए  
अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु आयारमडग एगते ठा(ठ)वेइ २ ता थंठिल्ल  
पडिलेहेइ २ ता दब्भसंधारग सथारेइ २ ता दब्भसंधारग दुल्लहइ २ ता पुरत्था-  
भिमुहे सपत्थियकनिसण्णे करयलपरिग्गहियं एव वयासी-नमोत्थु ण अरहंताणं जाव  
सपत्ताणं नमोत्थु णं धम्मघोसाण थेराण मम धम्मायरियाण [मम] धम्मोवएसगाणं  
पुज्जि पि ण मए धम्मघोसाण थेराण अतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जावजी-  
वाए जाव परिग्गहे इयाणिं पि ण अह तेसिं चेव भगवताणं अंति(य)ए सव्वं  
पाणाइवाय पच्चक्खामि जाव परिग्गह पच्चक्खामि जाव(जी)जीवाए जहा खंदओ  
जाव चरिमेहिं उस्सासेहिं वोसिरामि-त्तिकट्टु आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालगए ।  
तए णं ते धम्मघोसा थेरा धम्मरुहं अणगारं चि(रं)रगयं जाणिता समणे निगंघे  
सहावेंति २ ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया । धम्मरुइस्स अणगारस्स मास  
[क्खमणपारणगसि सालइयस्स जाव [नेहाव]गाढस्स निसिरणट्टयाए वहिया  
निग्गए चिरा[वे]इ, त गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया । धम्मरुइस्स अणगारस्स  
सव्वओ समंता मग्गणगवैसण करेहण तए णं ते समणा निग्गया जाव पडिखुणेंति २  
ता धम्मघोसाण थेराण अतियाओ पडिनिक्खमति २ ता धम्मरुइस्स अणगारस्स

शेषं एवंत यो(वि)विताए अर्धं मातृद्वयं धनु(रा)ल्लभ्यते जातं मेहावगायं वर  
 पय(वि)विताए । एवं संनेहेड २ ता तं सातृद्वयं जातं गोविद [२] अर्धं सातृद्वयं मधुर  
 लठरं उवागवेड [२] तसि मातृद्वयं ज्ञायायं लठमनवरमवायं तं त्रिपुलं मगनं  
 ४ पदेवसेड । तए वं त मातृद्वयं त्रिभिन्मुत्तुगपयया समाना ज्ञानंता योक्ता परम-  
 पयसा वरमनसंरता ज्ञाया याति होला । तए वं तातो मातृद्वयं ज्ञायायं  
 लठमनवरमविद्यातो तं त्रिपुलं अतर्धं ४ आहारोति २ ता जेवैव सयाई १ मि(ने)-  
 हई येवेव उवागवेड २ ता सयमनसंरतायं ज्ञायायं ॥ ११२ ॥ तं तयं यजेनं  
 त्रिं वमपुनं वमपुनंता मा(म)यं येरा जातं वधुरविवाता जेवेव वंता (गर्भ) मयरी  
 जेवेव नृपुमिना उवागे तवेव उवागवेड २ ता अहावविष्यं जातं विहंति ।  
 परेता निम्बया वमो वदिभो परिता वदियया । तए वं तसि वमपुनंतायं येरा  
 अंतेवही वमपुनंतायं जातं अतर्धं उ(भे)राजे जातं त(उ)वयेव मातृद्वयं वम  
 जातं विहंति । तए वं तं वमपुनंतायं अतर्धं मातृद्वयं वमपुनंतायं वमपुनंतायं  
 वमपुनंतायं २ ता योवायं योवेहीए एवं ज्ञातं वमपुनंतायं तवेव वमपुनंतायं २ ता  
 गदेव वमपुनंतायं येरा जातृवरा जातं वंताए वमपुनंतायं वमपुनंतायं वमपुनंतायं जातं  
 जातं जेवेव वमपुनंतायं मातृद्वयं पिहे तनव वमपुनंतायं । तए वं ता मातृ-  
 विरा मातृद्वयं वमपुनंतायं एवमायं ज्ञाया २ ता तस्य सातृद्वयं त्रिभिन्मुत्तुगपयसा वधु  
 ( ) मेहावगायं एव(वि)विताए वधुवायं वधुवायं [वधुवायं] वधुवायं २ ता जेवेव वमपुनंतायं  
 तयं उवागवेड २ ता तं सातृद्वयं त्रिभिन्मुत्तुगपयसा वधुवायं वधुवायं (वि)विताए वमपुनंतायं  
 वमपुनंतायं वदिमपुनंतायं तयं जेव मि(वि)विताए । तए वं तं वमपुनंतायं अतर्धं ज्ञाया  
 वमपुनंतायं वमपुनंतायं मातृद्वयं पिहायो वदिमपुनंतायं २ ता वंताए वमपुनंतायं  
 वमपुनंतायं वदिमपुनंतायं ॥ जेवेव वमपुनंतायं उवागे तवेव उवागवेड २  
 ता (जेवेव वमपुनंतायं येरा तयं उवागवेड २) वमपुनंतायं वमपुनंतायं अतर्धं  
 वमपुनंतायं वदि(वि)विताए २ ता अतर्धं वमपुनंतायं वदि(वि)विताए । तए वं (न) वमपुनंतायं  
 वमपुनंतायं वमपुनंतायं मेहावगायं वमपुनंतायं अतर्धं वमपुनंतायं ज्ञाया ततो सातृद्वयं  
 मेहावगायं एवं त्रिपु(ने)यं गहाव वरमनंतायं ज्ञाया(वि)विताए मि(गर्भ)तं यारे  
 वधुपं वमपुनंतायं त्रिभिन्मुत्तुगपयसा वमपुनंतायं अतर्धं वमपुनंतायं २ ता वंतायं वधु  
 वमपुनंतायं । एवं मातृद्वयं जातं मेहावगायं आहारोति तो वं तयं अतर्धं वमपुनंतायं  
 वमपुनंतायं वमपुनंतायं । तं मा वं तयं वमपुनंतायं । एवं मातृद्वयं जातं आहारोति मा वं  
 तयं अतर्धं वमपुनंतायं वमपुनंतायं । तं वमपुनंतायं वं तयं वमपुनंतायं । एवं  
 मातृद्वयं एव(वि)विताए वदि(वि)विताए वदि(वि)विताए २ ता अतर्धं वमपुनंतायं

णिजं असणं ४ पडिगाहेत्ता आहार आहारेहि । तए णं से धम्मरुद्धं अणगारे धम्म-  
घोसेणं धेरेणं एव वुत्ते समाणे धम्मघोसस्स थेरस्स अतियाओ पडिनिक्खमइ २ ता  
सुभूमिमा(ग)गाओ उज्जाणाओ अवुरमामते थंडिलं पडिलेहेइ २ ता ता(त)ओ साल  
इयाओ एग धिंदुग ग(हेइ)हाय २ थंडि(लं)इसि निसिरइ । तए णं तस्स सालइयस्स  
तित्तकडुयस्स धहुनेहावगाढस्स गंधेण बहूणि पिपीलिगासहस्साणि पाउब्भू० आ  
जहा य ण पिपीलिगा आहारेइ सा [णं] तहा अकाळे चेव जीवियाओ ववरोविजइ ।  
तए ण तस्स धम्मरुद्धस्स अणगारस्स इमेयारुवे अज्झरियए०-जइ ताव इमस्स  
सालइयस्स जाव एगमि धिंदु(गं)यंसि पक्खिसंसि अणेगाइं पिपीलि(का)गासहस्साइं  
ववरोविजति तं जइ ण अहं एय सालइयं थंडिलंसि सव्वं निसिरामि (तए) तो णं  
चहूणं पाणाण ४ बहुररण भविस्सइ । तं सेयं खलु मम एयं सालइय जाव [नेहाव]-  
गाढ सयमेव आहा(रे)रित्तए मम चेव एएण सरी(रे)रणं निजाढ-त्तिकट्ट एवं  
संपेहेइ २ ता मुहपोत्तिय [२] पडिलेहेइ २ ता ससीसोवरियं कार्यं पमज्जेइ २ ता तं  
सालइय तित्तकडुयं धहुनेहावगाढ विलमिव पन्नगभूएणं अप्पा(णे)णएणं सव्व सरी-  
रको(ट्ट)ट्टगसि पक्खिवइ । तए ण तस्स धम्मरुद्ध[य]स्स त सालइयं जाव नेहावगाढं  
आहारियस्स समाणस्स मुहुत्ततरेणं परिणममाणसि सरीरगंसि येयणा पाउब्भूया  
उज्जला जाव दुरहियासा । तए णं से धम्मरु(ची)इं अणगारे अयामे अचले अवीरिए  
अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमित्तिकट्ट आयारमंडग एगते ठा(ठ)वेइ २ ता थंडिल  
पडिलेहेइ २ ता दब्भसयारगं सधारेइ २ ता दब्भसयारगं दुइइइ २ ता पुरत्या-  
भिसुहे सपलियंकनिसण्णे करयलपरिगहियं एव वयासी-नमोत्थु ण अरहंताणं जाव  
सपत्ताण नमोत्थु ण धम्मघोसाण थेराण मम धम्मायरियाण [मम] धम्मोवएसगाणं  
पुल्वि पि ण मए धम्मघोसाण थेराण अंतिए सव्वे पाणाइवाए पचक्खाए जावजी-  
वाए जाव परिगहे इयारिणि पि ण अह तेसिं चेव भगवताणं अंति(यं)ए सव्व  
पाणाइवार्यं पचक्खामि जाव परिगह पचक्खामि जाव(जी)जीवाए जहा खदओ  
जाव चरिमेहि उस्सासेहिं वोसिरामि-त्तिकट्ट आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालगए ।  
तए णं ते धम्मघोसा थेरा धम्मरुद्धं अणगारं चि(रं)रगय जाणित्ता समणे निगंघे  
सदावेति २ ता एव वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया ! धम्मरुद्धस्स अणगारस्स मास  
[क्खमणपारणगसि सालइयस्स जाव [नेहाव]गाढस्स निसिरणट्टयाए बहिया  
निगगए चिरा[वे]इ, त गच्छह ण तुब्भे देवाणुप्पिया ! धम्मरुद्धस्स अणगारस्स  
सव्वओ समंता मग्गणगवेमण करेइ । तए णं ते समणा निगगाया जाव पडिमुणेंति २  
ता धम्मघोसाणं थेराण अतियाओ पडिनिक्खमंति २ ता धम्मरुद्धस्स अणगारस्स



ण्णाए (जाव) निंजोलियाए जाए णं तुमे तद्दहस्वे साह् साहुस्वे मासरमणपारणगंसि  
 सालइएणं जाव ववरोविए उच्चाव(ए)याहिं अफोसणाहिं अफोसति उच्चावयाहिं उद्धंस-  
 णाहिं उद्धसंति उच्चावयाहिं निब्भ(त्थ)च्छणाहिं निब्भ(त्थ)च्छंति उच्चावयाहिं  
 निच्छोडणाहिं निच्छोडंति तज्जेति तालंति त(जे)ज्जिता ता(ले)लित्ता सयाओ गिहाओ  
 निच्छुभति । तए णं सा नागसिरी सयाओ गिहाओ निच्छूडा समाणी चपाए नयरीए  
 सिंघाडगतियचउक्कचचरचउम्मुहमहापदपहेसु बहुजणेणं हीलिजमाणी खित्तिजमाणी  
 निदिज्जमाणी गरहिज्जमाणी तज्जिज्जमाणी पव्वहिज्जमाणी धिक्कारिज्जमाणी शुक्कारिज्ज-  
 माणी कत्थइ ठाण वा निलयं वा अलभमाणी २ दधीसडनिवसणा खडमहयसडधड-  
 गहत्यगया फुट्टहडाहडसीसा मच्छियाचडगरेण अन्निज्जमाणमग्गा नि(गे)ह(गे)नि-  
 हेणं देहवलिआए वित्तिं कप्पेमा(णी)गा विहरइ । तए ण तीसे नागसिरीए माहणीए  
 तर्भवसि चैव सोलस रोयायका पाउन्भूया तजहा—सासे कासे जोणिसूले जाव कोडे ।  
 तए ण सा नागसिरी माहणी सोलसहिं रो(या)गायकेहिं अभिभूया समाणी अट्टु-  
 हट्टवसंष्टा कालमासे काल किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्को(सेण)स वावीससागरोवम(ठि-  
 ती)ट्टिइएसु नेरइ(नर)एसु नेरइयत्ताए उववजा । सा ण तओ(S)अणतरं(सि) उव्व-  
 ट्ठिता मच्छेसु उववजा । तत्थ ण सत्यवज्जा दाहवक्कंतीए कालमासे काल किच्चा  
 अहेसत्त(मी)माए पुढवीए उक्को(साए)स(तिती०)सागरोवमट्टिइएसु [नरएसु] नेरइ-  
 एसु उववजा । सा ण तओ(S)णतरं उव्वट्ठिता दोषंपि मच्छेसु उववज्जइ । तत्थ वि य  
 णं सत्यवज्जा दाहवक्कंतीए दोषंपि अहे सत्तमाए पुढवीए उक्को(स)स(तेत्तीस)साग-  
 रोवमट्टिइएसु नेरइएसु उववज्जइ । सा ण तओहिंतो जाव उव्वट्ठिता तच्चपि मच्छेसु  
 उववजा । तत्थ वि य णं सत्यवज्जा जाव [कालमासे] कालं किच्चा दोषंपि छट्ठीए  
 पुढवीए उक्कोसेण (०) । तओणतरं उव्वट्ठिता उरएसु एवं जहा गोसाळे तद्दा नेयव्वं  
 जाव रयणप्पमा(ए)ओ [पुढवीओ उव्वट्ठिता] स(त्त)नीस उववजा । तओ उव्वट्ठिता  
 जा(व)ई इमाइ खहयरविहाणाई जाव अदुत्तरं च णं खरवायरपुढविकाइयत्ताए तेसु  
 अणेगसयसहस्ससुत्तो ॥ ११४ ॥ सा ण तओणंतरं उव्वट्ठिता इहेव जवुदीवे वीवे  
 भारहे वासे चपाए नयरीए सागरदत्तस्स सत्थवाहस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि  
 दारियत्ताए पच्चायाया । तए णं सा भद्दा सत्थवाही नवण्ह मासाण दारिय पच्चाया  
 सुकुमालकोमलियं गयताल्लयसमाण । तीसे [ण] दारियाए निव्व(त्ते)त्तवारसाहियाए  
 अम्मापियरो इम एयाह्वं गोण्ण गुणनिप्फन्न नामधेज्जं करेंति—अम्हा ण अम्ह एसा  
 दारिया सुकुमाला गयताल्लयसमाणा त होउ ण अम्ह इमीसे दारियाए नामधे(जे)जं  
 सुकुमालिया [२] । तए ण तीसे दारियाए अम्मापियरो नामधेज्जं करेंति सुमालि-



च्छइ २ ता सागरदारग सहावेइ २ ता एवं बवासी-एवं मलु पुत्ता । सागरदत्ते २  
म(म)मं एव वयासी-एवं मलु देवाणुप्पिया । सुमाळिया दारिया इहा तं चेव, तं  
जइ ण सागरदारए मम परजामाउए भवर ता[व] दल्लयामि । तए म से सागरए  
दारए जिगदत्तेण २ एवं वुत्ते समाने तुप्पिणीए । तए णं जिगदत्ते २ अन्नया कयाइ  
-मोद्धणंसि तिद्धिरुणे वि(व)पुलं असणं ४ उवस्संटावेइ २ ता मित्तना(इ)इ आमंतेइ  
जाव [सक्कारेता] सम्मा(णि)जेता सागरं दारग ण्हायं सज्वालकारविभुत्तिय करेइ २  
ता पुरिससहस्सवाहि(णि)णीय सीयं दुग्धावेइ २ ता मित्तनाइ जाव संपरिकुबे  
-सज्जिणीए सयाओ गिहाओ निगच्छइ २ ता चं(पा)प नयरि मज्जमज्जेग जेणेव  
सागरदत्तस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ ता सीयाओ पयोएइ २ ता साग(रं)रं  
दारगं सागरदत्तस्स २ उपणेइ । तए ण [से] सागरदत्ते २ विपुलं असण ६ ठ-  
क्कवावेइ २ ता जाव सम्मानेता सागरं दारग सुमाल्लियाए दारियाए गद्धि पट-  
-य[त्ति] दुग्धावेइ २ ता सेयापी(त)एहि कलसेहि मज्जावेइ २ ता [अग्नि]तोम करा-  
वेइ २ ता सागरं दारयं सुमाल्लियाए दारियाए पाणि गेह्हा(वित्ति)वेइ ॥ ११६ ॥ तए  
णं सागर(दार)ए सुमाल्लियाए दारियाए दम एयास्सं पाणिफास (पडि)संवेदेइ से जहा-  
नामए अत्तिपत्तेइ वा जाव मुम्मुरेइ वा (इतो) एतो अणिट्ठतराए चेव पाणिफास  
संवेदेइ । तए णं से सागरए अकामए अवस(व)वसे (त) मुहुत्त(मि)मेत सच्चिद्धइ ।  
तए णं (से) सागरदत्ते २ सागरस्स (दारगस्स) सम्मापियरो मित्तनाइ विपुलं असण  
४ पुप्फवत्तय जाव सम्मानेता पडिविसज्जेइ । तए णं सागरए (दारए) सुमाल्लियाए  
सद्धि जेणेव चासधरे तेणेव उवागच्छइ २ ता सुमाल्लियाए दारियाए सद्धि तल्लि-  
(गं)मंसि निवज्जइ । तए णं से सागरए दारए सुमाल्लियाए दारियाए इमं एयास्सं  
अगफासं पडिसंवेदेइ से जहानामए अत्तिपत्तेइ वा जाव अमणाम(य)तराग चेव  
अगफासं पच्चणुन्भवमाणे विहरइ । तए णं से सागरए दारए [सुमाल्लियाए दारियाए]  
अगफासं असहमाणे अवसवसे मुहुत्तमेतं सच्चिद्धइ । तए णं से सागरदारए सुमा-  
ल्लिय (दारिय) सुहपसुत्ता जाणिता सुमाल्लियाए दारियाए पासाओ उट्ठेइ २ ता जेणेव  
सए सयणिजे तेणेव उवागच्छइ २ ता सयणीयंति निवज्जइ । तए ण सुमाल्लिया  
दारिया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिमुद्धा समाणी पइवया पइमणुरत्ता पई पासे अपस्स-  
माणी तल्लिमा(उ)ओ उट्ठेइ २ ता जेणेव से सयणिजे तेणेव उवागच्छइ २ ता  
सागरस्स पासे णुवज्जइ । तए णं से सागरदारए सुमाल्लियाए दारियाए दो(डु)वपि  
इमं एयास्सं अगफासं पडिसंवेदेइ जाव अकामए अवसवसे मुहुत्तमेत सच्चिद्धइ ।  
तए णं (से) सागरदारए सुमाल्लियं दारिय सुहपसुत्ता जाणिता सयणिजाओ उट्ठेइ २





सुकुमात्रियं दारियं सहायेद् २ ता अंके निवेसेद् २ ता एव वयासी-किञ्च तत्र पुता ।  
 सागरएणं दारएणं (मुफा) ? अहं णं तुम तरस दाहामि जस्स णं तुमं इहा (जाव)  
 मगामा भविस्ससि-सि सुमालिय दारियं ताहिं इहाहिं [जाव] यगुहिं समायासेद् २  
 ता पठितिसजेद् । तए णं से सागरदत्ते २ अग्रया उप्पि आगासतत्तंगंसि सुनि-  
 सण्णे रायमग्गं ओलोएमाणे २ चिट्ठह । तए णं से सागरदत्ते एणं महं दमगपुरिसं  
 पासह दंठिगइनिवसणं रांड(ग)मागसंघटगइयगयं मच्छिंयासहस्सेहिं जाव  
 अट्ठिज्जमाणमग्गं । तए णं से सागरदत्ते [सत्यमाहे] कोडुंभियपुरिसे सहायेद् २ ता एवं  
 वयासी-तुब्बे णं देवाणुप्पिया । एयं दमगपुरिसं पिपुलेणं अस(ण)जेणं ४ प(त्ते)जि-  
 लामेद् (०) गिहं अनुप्प(वे)मिसेद् २ ता रांड(ग)माग रांडघटगं च से एणंते एहेद्  
 २ ता अलंकारियक्कम्म कारेद् २ ता ण्हायं सव्वालंकारविभूषियं करेद् २ ता मशुञ्जं  
 असणं ४ भोयावेद् (०) मम अतिय उवणेद् । तए णं [ते] कोडुंभियपुरिता जाव  
 पठिसुणेति २ ता जेणेव से दमगपुरिसे तेणेव उवागच्छंति २ ता त दम(ग)गपुरिसं  
 अस(णं)जेणं ४ उवप्पलो(भं)भंति २ ता सय निद अनुप्पवेमिति २ ता तं रांड(ग)-  
 माग रांड(ग)घटगं च तस्स दमगपुरिसस्स एणते एहेति । तए णं से दम(ग)गपुरिसे  
 त[सि] राटमत्तंगंसि राटघटगंसि य (एणते) एट्ठिज्जमाणंसि महया २ सहेण आरसद् ।  
 तए णं से सागरदत्ते तस्स दमगपुरिसस्स त महया २ आरसियतहं सोचा नितन्म  
 कोडुंभियपुरिसे एव वयासी-किञ्च देवाणुप्पिया । एयं दमगपुरिसे महया २ सहेण  
 आरसद् ? । तए ण ते कोडुंभियपुरिता एव वयासी-एयं ण सानी । तंसि संडमम  
 गसि संडघटगसि (एणते) य एट्ठिज्जमाणसि महया २ सहेण आरसद् । तए ण से  
 सागरदत्ते २ ते कोडुंभियपुरिसे एव वयासी-मा ण तुब्बे देवाणुप्पिया । एयस्स  
 दमगस्स तं रांड जाव एहेद् पासे [से] ठवेद् जहा ण पत्तिर्यं भवद् । ते(वि) तहेव  
 ठावे(ठवि)ति (तए ण ते कोडुंभियपुरिता) २ तस्म दमगस्स अलंकारियक्कम्मं करंति  
 २ ता सयपागसहस्सपागेहिं ते(ति)हेहिं अ(व्भं)म्मिगेति अम्मिगिए समाणे सु-  
 भि[णा] ग(धुव्व)धवट्ठ(णे)एण गायं उ(व्वट्ठि)घटंति २ ता उसिणोद(ग)गेण गघोद-  
 एण [ण्हाणेति] सीओदगेण ण्हाणेति (०) पम्हल्लसुकुमालगंधकासा(इं)इए गायार्हं  
 व(इं)हेति २ ता हंसलक्खण प(इ)टगसाटग परि(हं)हेति २ ता सव्वालंकारविभूषियं  
 करंति २ ता विपुल असण ४ भोयावेति २ ता सागरदत्तस्स [समीवे] उवणेति । तए  
 णं [से] सागरदत्ते [२] सुमालिय दारियं ण्हाय सव्वालंकारविभूषिय क(रि)रेता तं  
 दमगपुरिसं एवं वयासी-एयं ण देवाणुप्पिया । मम धूया इहा, एयं णं अह तत्र  
 भारियत्ताए द(ला)ल्यामि भदियाए भद्वो भ(वि)वेजासि । तए णं से दमगपुरिसे

या वासवरस्तु वारं निहाति २ ता वासुके निव वायु वायेव त्रिंति वाम्भूए तायेव  
 त्रिंति पश्चिमए ॥ ११० ॥ तद् न सुमात्रिवा वारिवा तयो सुतुर्गतरस्त पश्चिमुक्ता  
 पश्चिमा वायु नपातमाग्ने कथमिवाग्ने उक्ते वापरस्त वारस्त सभ्यमे वमेता  
 म्मावयवैतये करेमाग्ने २ वासवरस्त वारं निहातिर्न वासव २ ता एवं वराही-  
 यए [४] से वाय(रि)ए-तिक्कु ओहममवसंकप्या वायु त्रिमायए । तए न सा म्मा  
 वात्पाही कथं पन्थप्पमा[या]ए वासवे(वि)ति सहाति २ ता एवं वराही-यक्कु  
 न हयं वेवात्तुप्पि । न(हु)हवरस्त सुह(सोह)मोनमिर्न उवयैहि । तए न सा वास-  
 वेदी मयाए एवं सुता म्माग्ने एवमाहुं तहति पश्चिमेहि [९] सुहमोनमिर्न गेवह  
 २ ता वेवेव वासवरं तेवेव ववागच्छह ( ) सुमात्रिर्न वारिर्न वायु त्रिमायमात्रि  
 पन्थ २ ता एवं वराही-निहं तु(र्)मे वेवात्तुप्पि(र्)मा । ओहममवसंकप्या वायु  
 त्रिमाय(वि) । तए न सा सुमात्रिवा वारिवा त वासवे(वि)मिर्न एवं वराही-एवं  
 क्कु वेवात्तुप्पिमा । वापरए वारए व(म)मे उवहवते वायिवा म्मा पन्थाम्ने उक्ते २ ता  
 वासवरस्तु वारं निहाति वायु पश्चिमए । तए न [६] तयो (व)सुतुर्गतरस्त वायु  
 निहातिर्न पन्थामि [२] वायु न से वापरए-तिक्कु ओहममवसंकप्या वायु त्रिमा-  
 यामि । तए न सा वासवेदी सुमात्रिवाए वायिवाए एवमाहुं तेवा वेवेव वापरएते  
 [९] तेवेव ववागच्छह २ ता वापरएतस्त एवमाहुं निहं(र)वेह । तए न से वाप-  
 रएते वासवेदीए वंतिए एवमाहुं लीमा निमम वासुते [४ वायु त्रिंतिनिममवे]  
 वेवेव निममव(स्व) २ तिहे तेवेव ववागच्छह २ ता निमवर्त २ एवं वराही-निहं  
 वेवात्तुप्पिमा । ए(र्)र्न सुतं वा पत्तं वा कुम्भपुत्तं वा कुम्भसरीते वा वानं वापरए[६]  
 वारए सुमात्रिर्न वारिर्न वरिह्वे(र्)ववविर्न पश्यं निममवहव इवमाव(व)ए [३]  
 वहुहि पिमन्निवाहि न ईरनिवाहि न उवा(व)मम । तए न निमवर्ते वापरएतस्त  
 [९] एवमाहुं तेवा वेवेव वापरए (वारए) तेवेव ववागच्छह २ ता वापर(र्)र्न वारं  
 एवं वराही-उहु न पुत्ता । तुमे कयं वापरएतस्त निहातो एवं इवमाव(वि)म-  
 तेव तं गच्छह न तुमं पुत्ता । एवमाहि वापरएतस्त तिहे । तए न से वाप-  
 रए निमवर्त एवं वराही-ममि-वारं माहं तातो । निरिपवर्त वा तपवर्त वा व-  
 प्पमानं वा वचप्प(वे)वानं वा वचप्पवेवेव वा निममवर्त वा तत्तेवावर्त वा  
 नि(वि)वावर्त वा पिह(वि)पहुं वा वन्तं वा निरेवममवे वा वम्भुप(वि)म-  
 प्प(वि)मो क्कु माहं वापरएतस्त निहं न(वि)मम । तए न से वापरएते २  
 उरिपवि[वा]ए वापरएत एवमाहुं निहातेह २ ता वरिह्व नि(वि)ममिहे]वाए तिहे निम-  
 वातए [९] निहातो वरिनिममम । ता वेवेव तए तिहे तेवेव ववागच्छह २ ता

॥ ८७५ ॥ से मिकव वा (१) से

उमिषेज वा (१) ॥ ८७६ ॥ से मिकव वा (१) से

तहप्यगारे जाव वो उमिषेज वा (१) ॥

ससामिगिं ससामिगिं ससामिगिं ससामिगिं ससामिगिं

नपमेसे जाव अम्यासुयोगिताए सेव नपव

ससामिगिं ससामिगिं वो उम्यई उमिषेज वा १ ॥ ८७७ ॥

से जं पुन उम्यई जाविजा जाहपसुमस अम्यासुयोगिताए

पम्यसु-कम से एव नपव तहप्यगारे उम्यसुमस वो उम्यई

॥ ८७८ ॥ से मिकव वा (१) से जं पुन उम्यई

वा जाव कम्यसुमस वा अम्यासुयोगिताए सेव नपव

उमिषेज वा जं उम्यई जाविजा जाहपसुमस

वा (१) से जं पुन उम्यई जाविजा जाहपसुमस

तहप्यगारे उम्यसुमस वो उम्यई उमिषेज वा १ ॥

मिकवसु २ ससामिगिं ॥ ८७९ ॥ उम्यसुमस जाहपसुमस

से अम्यासुयोगिताए वा (४) अम्यासुमस उम्यई जाविजा, से

से उम्यई अम्यासुमस कम्य ससामिगिं जाहपसुमस

जाहपसुमस, जाहपसुमस उम्यई जाव साहमिगिं ताव

परं मिहिरिस्सामो ॥ ८८० ॥ से कि पुन तव उम्यईसि

सम्याज वा माह्याज वा रंजए वा उताए वा जाव कम्यसुमस

हिंतो वाहिं नीजेजा, बहिंजा वा जो अंतो पमेजेजा, जो सुतो कं

जो तेसिं किमिनि अप्पसियं पडिजीवं करेजा ॥ ८८१ ॥

अमिकंजेजा अंजवसुं उम्यासुमस वा से तव ईसरे से तव

अम्यासुमस, कम्य ससामिगिं जाव मिहिरिस्सामो ॥ ८८२ ॥

इसि एमोगहिंसि अह मिकव इच्छेजा अंजं मोताए वा से जं पुन

ससामिगिं जाव ससामिगिं तहप्यगारे अंज अम्यासुमस जाव वो

से मिकव वा (१) से जं पुन अंजं जाविजा, अप्पंडं जाव

रिच्छिज्जं अम्यासुमस अम्यासुमस जाव वो पडिगाहिजा ॥ ८८३ ॥

(१) से जं पुन अंजं जाविजा, अप्पंडं जाव ससामिगिं

अम्यासुमस जाव पडिगाहिजा ॥ ८८४ ॥ से मिकव वा (१) अमिकंजेजा

ससामिगिं वा अंजवसुं वा अंजवसुं वा अंजवसुं वा

सागरहस्तस एवमर्हं पश्चित्तेह २ ता सुसाक्षिणाए वारिवाए चर्हि वासधनं अमुपमि-  
 सइ सुसाक्षिणाए वारिवाए चर्हि वस्मिंसि निजजइ । तए नं से इमन्सुरिसे सुसाक्षि-  
 नाए इयं एयस्सं अंगकसे पश्चित्तेवेहेह सेसे जइ सागरस्त वास सममिज्जानो अम्मु-  
 हेइ २ ता वासधराओ निरपच्छइ २ ता वंडमज्जं वंडव(ई)इयं न गहाव माउसुहे  
 निज जए अमेव रि(ई)सि पाठम्पूए तामेव रिंति पश्चिगाए । तए नं सा सुसाक्षिणा  
 वास जए नं से इमन्सुरिसे-तिज्जु ओइममपत्तकप्पा वास सिजानइ ॥ ११८ ॥ तए  
 नं सा जहा वंड पाठप्पमागाए वासवेहिं सहावेह (१ एवं वयासी) वास सागरह-  
 स्तस एवमर्हं निवेहेह । तए नं से सागरहसे तहैव धर्मते समायै येमेव वास(ई)वरे  
 सेयेव वहापच्छइ २ ता सुसाक्षिणं वारिवं अंके निवेहेह २ ता एवं वयासी-अहो  
 नं दुर्मं पुता । पुतावेरुवाव [कम्मात्तं] वास पच्छुम्मावमाणी निहरति तं मा नं  
 दुर्मं पुता । ओइममपत्तकप्पा वास सिजानि, दुर्मं नं पुता । मम महाजसंति निपुळं  
 असव ४ जइ वे(उ)त्तिज्ज वास परिमाएसाणी निहरति । तए नं सा सुसाक्षिणा  
 वारिवा एवमर्हं पश्चित्तेह २ ता महाजसंति निपुळं असव ४ जइ इयमाणी निह-  
 रइ । सेवं जहेवं सेवं समएवं येवाक्षिणाओ अज्जाओ वहुसज्जाओ एवं जहेव सेव-  
 क्षिणाए जम्भवाओ तहैव समोस(हा)वाओ तहैव संघावओ वास अमुपमिहे तहैव  
 वास सुसाक्षिणा पश्चिम(मि)मेता एवं वयासी-एवं कहु अज्जाओ । जइ सागरस्त  
 जमिड्वा वास जमधामा मेवज्ज नं सागरए [वारए] मम नाम वा वास परिमोतं  
 वा जस्त जस्त नि य यं वे(हि)ज्जामि तस्त तस्त नि य नं जमिड्वा वास अज-  
 धामा नवामि तुम्मे व नं अज्जाओ । वहुमायाओ एवं जहा पोहिता जज्ज वज्जहे  
 [यं] जेवं जइ सागरस्त वारगस्त इय वंता वास मयेजामि । अज्जाओ तहैव  
 नर्नति तहैव समिवा वासा तहैव निता तहैव सागरध(तं स )तस्त माउच्छइ  
 वास येवाक्षिणावं अंति(ए)यं पम्भइया । तए नं सा सुसाक्षिणा अज्जा जया इ(ई)-  
 रिवासमिमा वास [पुत]नं ववारिणी वहुहिं वडवज्जुज्ज वास निहरइ । तए नं सा  
 सुसाक्षिणा अज्जा जज्जया जयाइ जेमेव येवाक्षिणाओ अज्जाओ सेयेव वहापच्छइ २  
 ता नंइ नर्मसइ नं २ ता एवं वयासी-इयममि नं अज्जाओ । तुम्मेहिं अम्मपु-  
 वासा समाणी नंपा(ओ)ए वाहिं अम्ममिमायस्स जज्जायस्स वहुसामते जज्जुवेरं  
 जमिनिपुतेयं तजेकम्मेयं सुतामिसुही आमावैमाणी निहरिताए । तए नं ताओ  
 येवाक्षिणाओ अज्जाओ सुसाक्षिणं एवं वयासी-अम्मे नं ज(हे)ज्जे । समपीओ  
 निम्नपीओ इ(ई)रिवासमिमाओ वास पुतर्नमवारिणीओ जे कहु अम्हं कप्पइ वडिवा  
 वामस्स [वा] वास सचिनेवस्स वा जज्जुवेरं वास निहरिताए, कप्पइ नं अम्हं वंती-

उवस्सयस्स वइपरिक्खितस्स संघाडिबद्धियाए णं समतलपइयाए आया(वि)वेत्तए ।  
तए णं सा सूमालिया गोवालियाए (अज्जाए) एयमट्ठं नो सदहइ नो पत्तियइ नो रोएइ  
एयमट्ठं असदहमा(णे)णी ३ सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अवूरसामते छट्ठंछट्ठेणं जाव  
विहरइ ॥ ११९ ॥ तत्थ ण चंपाए (न०) ललिया नाम गोट्ठा परिवसइ नरवइदिम-  
(वि)पयारा अम्मापिइनिययनिप्पिवासा वेसविहारकयनिकेया नाणाविहअविणयप्प-  
हाणा अट्ठा जाव अपरिभूया । तत्थ णं चंपाए (०) देवदत्ता नामं गणिया होत्था  
सु(सुक्कु)माला जहा अडनाए । तए ण तीसे ललियाए गोट्ठीए अनया [कयाइ] पंच  
गोट्ठिस्सगपुरिसा देवदत्ताए गणियाए सद्धिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स उज्जाणसिं  
पच्चणब्भवमाणा विहरंति । तत्थ णं एगे गोट्ठिस्सगपुरिसे देवदत्त गणिय उच्छंणे  
ध(र)रेइ एगे पिट्ठओ आयवत्तं धरेइ एगे पुप्फपूर(य)गं रएइ एगे पाए रएइ एगे  
चामक्खवेवं करेइ । तए ण सा सूमालिया अज्जा देवदत्त गणिय तेहिं पंचहिं गोट्ठि-  
स्सगपुरिसेहिं सद्धिं उरालाई माणुस्सगाई भोगभोगाइ भुंजमा(णिं)णीं पासइ २ ता  
इमेयारूवे सकप्पे समुप्पज्जित्या-अहो णं इमा इत्थिया पुरापोराणाण कम्माण  
जाव विहरइ । तं जइ णं केइ इमस्स सुचरियस्स तवनियमवंभचेरवासस्स कलणे  
फलवित्तिविसेसे अत्थि तो ण अहमवि आगमिस्सेणं भवग्गहणेणं इमेयारूवाड उरा  
लाई जाव विहरिज्जामि-सिकट्टु नियाण करेइ २ ता आयावणभू(मिओ)मीए पच्चो-  
र(ह)भइ ॥ १२० ॥ तए ण सा सूमालिया अज्जा सरीर(व)वाउसा जाया यावि  
होत्था अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ [अभिक्खण २] पाए धोवेइ सीस धोवेइ मुहं  
धोवेइ थणतराई धोवेइ कक्खतराई धोवेइ गु(गो)ज्जंतराई धोवेइ जत्थ [२] णं  
ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएइ तत्थ वि य ण पुब्बामेव उदएणं अब्भु(क्ख-  
इ)क्खेत्ता तवो पच्छा ठाण वा ३ चेएइ । तए ण ताओ गोवालियाओ अज्जाओ  
सूमालियं अज्जं एवं वयासी-एवं खलु (देवा० ! ) अज्जे ! अम्हे समणीओ निग्गथीओ  
इरियासमियाओ जाव बभचेरधारिणीओ, नो खलु कप्पइ अम्हं सरीरवाउसियाए  
होत्तए, तुमं च ण अज्जे ! सरीरवाउसिया अभिक्खण २ हत्थे धो(व)वेसि जाव  
चे(दे)एसि, त तुम ण देवाणुप्पिए । एय(त)स्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि ।  
तए ण सूमालिया गोवालियाणं अज्जाणं एयमट्ठं नो आढाइ नो परि(जाण)याणाड  
अणाढायमाणी अपरि(जा)याणमाणी विहरइ । तए ण ताओ अज्जाओ सूमालिय अज्ज  
अभिक्खणं ० (अभि)ही(लं)लेंति जाव परिभवति अभिक्खणं २ एयमट्ठ निवा-  
रंति । तए णं तीसे सूमालियाए समणीहिं निग्गथीहिं हीलिज्जमाणीए जाव वारि  
ज्जमाणीए इमेयारूवे अज्जत्थिए जाव समुप्पज्जित्या-जया णं अहं अगारवासमज्जे-

कृतामि तवा ये अहं अण्वणमा । तवा ये अहं तुं(हे)डा ममिता एण्डवा तवा ये  
 अहं परकदा । पुमि च ये अये समणीयो आतामिदि इवावि नो आ(हे)तामिदि ।  
 तं तेवं एतु मम अहं पाठपमावाए गोत्रातिवाणं अंशियाओ पतिनिक्खमिदा पाठि-  
 इह उवस्स(ये)मं उवसेपजिताये निहरितए-तिरुदु हं उपिदेह १ ता अहं(पा )  
 गोत्रातिवाणं (अजाये) अंशियाओ पतिनिक्खमद १ ता पाठिएह उवस्सये उवसे-  
 पजिताये निहरद । तए ने सा सुमाप्तिवा अजा अचोइडिया अनिवारिया उवसे-  
 महे अमिक्खये १ इत्ये चोवेद जाव चेएउ तए मि च ने पठतावा पासाएणिहा-  
 (ति)रिणी ओउवा १ कुसीया १ सेठता १ बडुमि बडुमि साम्मणपरियाय पाठ  
 म्द [१] मन्दापिकाए सेवेइवाए तस्स उवस्स अण्वण्डेय(अ)पठिहता अण्व-  
 माये काठे पिवा ईसाये अये अजवरंति निमावंति वेवपम्मिताए उवववा । तस्ये-  
 गद्वानं हवीनं म्द-पठिमेवमाई दिई पवत्त । तए ने सुमाप्तिवाए वेवीए अण्व-  
 तिमेवमाई दिई पवत्त ॥ १९१ ॥ तेवं अजेमं तेवं समएवं इहेव वंउरुंवि १  
 माउदे वाठि पंचासेठ अण्वएउ वंविउसुरे वामं नवरे होत्था वण्वओ । तए ने  
 इवए म्दने उवा होत्था वण्वओ । तस्स ने पुण्णी वेवी बडुमि इमारे उवउवा ।  
 तए ने सा सुमाप्तिवा वेवी ठाओ वेवसेमाओ जावववएवं जाव वडुता इहेव वंउ-  
 रुंवि १ माउदे वाठि पंचासेठ अण्वएउ वंविउसुरे नवरे दु(प)क्कस्स एओ पुण्णीए  
 वेवीए कुमिदि वारिवाए अवावावा । तए ने सा पुण्णी वेवी वण्वं अवाव  
 जाव वारिवं ववावा । तए ने छीसे वारिवाए निक्खण्णराहिवाए इमं एवाव ( )  
 म्दने ( )-अम्हा ने एसा वारिवा दु(व)क्कस्स एओ वूरा पुण्णीए वेवीए अजवा  
 तं हो(ठ)ऊ ने अम्ह इमंसे वारिवाए म्दने(पिडे)मिने वीवरे । तए ने छीसे अम्हा-  
 विवरो इमं एवाव वं गो(उ)मं गुणमिण्डां नायवेमं अ(रि)रिंति वीवरे । तए ने  
 सा वीवरे वारिवा पंचा(इ)पेरिग्गहिवा अण्व मिनिंहरम्यो(व)वा ॥ नेक्कवा  
 निवावनिक्खवावींति छीउदेवं परिमदुद । तए ने सा वीवरे [वेवी] उक्करकवा  
 सम्मुक्कवममावा जाव कडिउउरीए वावा वामि होत्था । तए ने तं वीवरे उक्क-  
 कवने अजवा कवाइ अंतेवरिवाओ व्दनें सम्मारकवापिमिउंति करंति १ ता  
 पुक्कस्स एओ पायवेदि(वे)मं पै(वे)मिंति । तए ने सा वीवरे १ वेवेव इवए उवा  
 वेवेव उवावण्ड १ ता पुक्कस्स एओ पायमण्डवं करे । तए ने छी इवए उवा  
 वीवरे वारिवं कडि निवेउदे १ ता वीवरे १ वीव(व) च १ नायमिण्डए वीवरे  
 १ हं ववावी-अस्स ने अहं [हमं] पुता । उवस्स वा उवउक्कस्स वा मासि-  
 कएउ सबमेव इउउत्तामि तए ने हं उहिवा वा दु(मि)हिवा वा म(मि)हि-

जाति । तए ण म(ग)म जावजीयाए हियम(न)राहे गोस्मिद । तं णं अहं तव  
 पुत्ता । अज्जयाए सयंकरं वि(रया)गराणि । अज्जयाए ण मुम रिधं गयवरा । (जे)  
 जं णं तुमं सगमेव राय गा जुपराय वा गदेहिमि से ण तव भत्तारे भविस्मिद-  
 तिक्क सारिं इट्ठाहिं जाव आसासेइ २ ता पडिगिस्सजेइ ॥ १०० ॥ तए णं से दुवए  
 राया वयं सहावेइ २ ता एव वयासी-गच्छइ णं तुम देवाणुप्पिया । चारवइ नयरि ।  
 तए ण तुमं कयं माग्गेनं समुहविजयपामोक्खे दम दमारे वल्लवगसाह-  
 स्सीओ भजे य वदये रादेसरत्तपरमा-चित्तो-पिगदम्म(गि)सेट्ठियेनावदमत्यवा-  
 पुमारयोदीओ सवपामोक्खमाओ सट्ठि उरुत्ताहस्सीओ वीरसेणापा(गु)मोक्खमाओ ए-  
 (ह)कवीसं [राय]वीरुरिस्सत्ताहस्सीओ म(ह)दासेणपामोक्खमाओ उप्पस वल्लवगसाह-  
 स्सीओ भजे य वदये रादेसरत्तपरमा-चित्तो-पिगदम्म(गि)सेट्ठियेनावदमत्यवा-  
 हपमिदओ करयलपरिगहियं दसनह सिस्सापत्ता मत्यए अज्जिं कहुं जएां पिजएणं  
 चद्धावेहि २ ता एव वयाहि-एां गलु देवाणुप्पिया । संपिण्डुरे नयरे दुवयस्स रज्जो  
 धूयाए पुलणीए (दीवीए) अत्तायाए पट्टज्जुमारस्स म(गि)दणीए दोवइए २ सयं-  
 चरे भविस्सइ । (त) तए ण तुम्मे (देवा० ।) दुवयं रा। अणुगिग्गेमाणा अवालपि-  
 णीग चेव वपिण्डुरे नयरे समोसरह । तए ण से दूए कराल जाव कहु दुवयस्स  
 रज्जो एयमट्ठं (विणएण) पडिगुणेइ २ ता जेणेव गए गिहे तेणेव उपागच्छइ २ ता  
 कोट्टुवियपुरिसे सहावेइ २ ता एां वयासी-विप्पामेव भो देवाणुप्पिया । चाउगपटं  
 आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेइ जाव उवट्ठवेति । तए ण से दूए ण्हाए अलंकार० चरीरे  
 चाउगपटं आसरह दु(क)रुइ २ ता वट्ठिं पुरिसेहिं ससत्त जाव गहिया(ड)उहपहरणेहिं  
 सट्ठिं संपरिवुटे वपिण्डुरं नयरं मज्जमज्जेण निगाच्छइ (०) पचालजगवयस्स मज्जं-  
 मज्जेण जेणेव देसप्पते तेणेव उवागच्छइ २ ता मुट्ठाजणवयस्स मज्जमज्जेण जेणेव  
 चारवइ नयरी तेणेव उवागच्छइ २ ता चारवइ नयरिं मज्जमज्जेण अणुप्पविसइ  
 २ ता जेणेव कण्हस्स वासुदेवस्स बाहिरिया उवट्ठाणत्ताला तेणेव उवागच्छइ २  
 ता चाउगपटं आसरह ठा(ठ)वेइ २ ता रहाओ पयोहइ २ ता मणुस्सवगुरापरि-  
 क्खित्ते पायचारविहा(रचा)रेण जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ ता कण्ह  
 वासुदेवं समुहविजयपा(गु)मोक्खे य दस दसारे जाव वल्लवगसाहस्सीओ करयल त  
 चेव जाव समोसरह । तए ण से कण्हे वासुदेवे तस्स वयस्स अंतिए एयमट्ठ सोभा  
 निसम्म हट्ठ[तुट्ठे] जाव हियए त दूय सफारेइ सम्माणेइ स० २ ता पडिविसजेइ । तए  
 ण से कण्हे वासुदेवे कोट्टुवियपुरि(सं)से सहावेइ २ ता एव वयासी-गच्छइ ण तुमं  
 देवाणुप्पिया । सभाए सुहम्माए सामुदाय्य भेरिं तालेहि । तए ण से कोट्टुवियपु-

रिते करकञ्च बाव कञ्चस्स वात्तरेवस्स एयमाहुं पवित्रेषु १ चा केनेव समाए सु-  
 म्माए ससुवाह्वय मेरी तेनेव ववागच्छ १ चा ससुवाह्वय मेरी मद्मा १ एवेन  
 तमेव । तए नं चाए ससुवाह्वयाए मेरीए तात्तियाए समानीए समुत्तियवपामोववा  
 वस्स वसाए बाव मद्माएवपामोववाओ छप्पनं वववगसाहस्सीओ व्वावा सम्माकेवस्स-  
 निमुत्तिया व्वावामिक्कह्मिस्सवसुवपुणं अप्पेक्कना [इवक्कना] बाव [अप्पेक्कना]  
 पाना[विहारवा] वात्तमेहारवेन केनेव कञ्चे वात्तरेवे तेनेव ववागच्छति १ चा करकञ्च  
 बाव कञ्च वात्तरेवे वपुणं निक्कणं व्वावेति । तए नं से कञ्चे वात्तरेवे ओह्वियवपुसिसे  
 सएवेह १ चा एनं ववासी-विप्पामेव मो वेवसुप्पिया । अमिसेहं इत्थिवत्तवणं पवि-  
 कप्पेह इवपव बाव पवप्पिणंति । तए नं से कञ्चे वात्तरेवे केनेव मज्जवपरे तेनेव  
 ववागच्छ १ चा समुत्तयावात्तवमिउमे बाव वववपुसिस्सवसुवपुणं वववव नरवई  
 हुत्तये । एव नं से कञ्चे वात्तरेवे समुत्तियवपामा[सु]मोववेहं ववव वसावेहं बाव व  
 व व वव सिंसेपत्तिसे सम्मिणीए बाव रवेनं वारव[ह]नं नवरि मज्जमज्जेनं निस्स-  
 मज्ज १ चा ससुवाह्वयवस्स मज्जमज्जेनं केनेव वेसप्पति तेनेव ववागच्छ १ चा  
 पंवावववववस्स मज्जमज्जेनं केनेव वेपिस्सुरे नवरि तेनेव ववावेत्त वममाए । तए  
 नं से वपुए एवा वोव [वि] वलं सएवेह १ चा एनं ववासी-गज्ज[ह] नं तुमं वेवसु-  
 प्पिया । इत्थिवत्तवणं नवरि, तए नं तुमं वेवसुपुणं वपुपुणं ववविवे नमिसेनं वज्जुणं  
 ववव वववेनं वववेहं मज्जमज्जमज्जं गगेनं सिउरं वोव ववव वव[पु]मि वीरं  
 वावववमं करकञ्च बाव कटु तहेव [वाव] समोववह । तए नं से वपु एनं (व -)  
 व्वावा वात्तरेवे नवरि मेरी गज्जि बाव केनेव वेपिस्सुरे नवरि तेनेव व्वावेत्त वम-  
 माए । एएनेव केनेव तव वलं वलं व[पा]नं नवरि, तए नं तुमं कञ्च वववव व[पु]मि  
 वववव करकञ्च तहेव बाव समोववह । ववव वलं वववव नवरि तए नं तुमं  
 सिउपुणं वममोववव पंवावाववववववव करकञ्च तहेव बाव समोववह । पंवावव  
 वलं इत्थिव[पु]मि वव व[पु]मि, तए नं तुमं वववव वलं करकञ्च (तहेव) वव  
 समोववह । वव वलं मज्जं नवरि, तए नं तुमं वरं वलं करकञ्च बाव समोववह ।  
 ववव वलं वववव नवरि, तए नं तुमं वववेनं वव[पु]मि वववव करकञ्च बाव  
 समोववह । ववव वलं वववव नवरि । तए नं तुमं ववपि मे[मि]वववव करकञ्च  
 तहेव बाव समोववह । ववव वलं वव[पु]मि वव व[पु]मि, तए नं तुमं वी[मि]वव  
 वावववववव करकञ्च बाव समोववह । ववव वलं वववेवेह (व) वममाववववेह  
 ववेवव ववववववव बाव समोववह । तए नं से वपु तहेव निस्समज्ज केनेव  
 वममाव [तहेव] बाव समोववह । तए नं ताई ववेगाई ववववववव वस्स वववव



आमि । तए ष म(म)न जायसीए मिदव(न)गं नीरियइ । मं ले अहं राव  
पुता । अन्वाए सगंरं नि(रया)रसमि । अन्वाए वं कुं दिवं मयंरग । (जे)  
जं णं तु । गमेर रां पा पुवरणं वा परेणि मं ले ता जगरे भतिस्मद-  
सिद्धु ताहि इमां जाय भासाहे २ ता पठिणिगहे ॥ १०२ ॥ तए वं से दुवए  
राया दूरां सदावे २ ता एव मयासी-गच्छ वं तुम देवापुण्या । वास्वई मयहि ।  
तए ष तुने कणं पापे मनुस्सिजवपामोत्तो इय दमारे वउदेवसा(मु)मोत्तो  
पं मदा गिरे उगमं वपामोत्तो सोत्त रावगाहमे पञ्जसा(मु)मोत्ताभो अन्वामो  
कुमारवोदीओ अयवामोत्ताभो गहि तु माहसीओ वीर्येपा(मु)मोत्ताभो ए-  
(ह)कवीरं [राय]रीखुणिगाहसीभो म(ह)हमेपा(मु)मोत्ताभो उप्पस वयवगाह-  
स्सीओ धोरे म महे रादेसरतत्तामार्देमको विगदन् (उ)उट्टिओत्तामत्ता-  
हपमिदओ वत्तलपरिमहिने दयनद विराता मत्ता अंजमि कहु जणं विजए  
यदावेहि २ ता एव मयाहि-ए। मत्ता देवापुण्या । वंविपुरे नयरे दुवदम्भ रणे  
धूयाए सुलणीए (दीवीए) आगाए पद्धगुत्तागारस म(मि)ष्णीए दोईए २ सयं-  
यरे भविस्सइ । (व) तए ष तुन्ने (दिता० ।) उवयं राव अणुगिदेमात्ता अक्कलपरि-  
णीं चैव वंविपुरे नयरे समोसरह । तए वं से दूए दत्ता जय कहु दुवदम्भ  
रणे एयमट्ट (विगण) पठिगुनेद २ ता जेनेय यए गिहे वेणेय उवागच्छ २ ता  
कोटुंभियपुरिसे सदावेद २ ता एव मयासी-गप्पामेव मो देवापुण्या । चाउरपटं  
आसरहं जुतामेव उवट्टेद जय उवट्टेयं । तए ष से दूए ण्हाए कल्लार० सरीरे  
चाउरपटं आसरहं दु(ह)म्भ २ ता मत्ता पुरिसेहि मयज जय गहिमा(३३)उदपहरणेहि  
सद्धिं संपरिगुटे कपिलपुरं नयरे मज्झमज्जेण निगच्छइ (०) पचालत्तामयस मज्झ-  
मज्जेण जेनेय देवप्पते वेणेय उवागच्छ २ ता मुरट्टाजपयस्स मज्झमज्जेण जेनेय  
वास्वई नयरी तेणेव उवागच्छ २ ता वारवत्ता नयहि मज्झमज्जेण अणुप्पविगइ  
२ ता जेनेय पण्डस्स वाउदेवस्स पाहिरिया उवट्टागाला वेणेय उवागच्छ २  
ता चाउरपटं आसरहं ठा(ठ)वेद २ ता रदाओ पचोम्भ २ ता मणुस्सयगुत्तापरि-  
विस्सते पायचारविहा(रचा)रेण जेनेय कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ ता कण्ठ  
वाउदेवं समुदविजयपा(मु)मोत्तो य दस दमारे जय वत्तवगसाहस्सीओ करवत्त स  
चैव जय समोसरह । तए ष से कण्ठे वासुदेवे तस्स दूयस्स अंतिए एयमट्ट सोवा  
निसम्म हट्ट[वट्टे] जय हियए स पूयं सपारेद सम्माणेद स० २ ता पठिविजजेद । तए  
णं से कण्ठे वासुदेवे कोटुंभियपुरि(सं)से सदावेद २ ता एव मयासी-गच्छ वं तुम  
देवापुण्या । सभाए अहम्माए सामुदाय भेरि ताळेहि । तए ष से कोटुंभियपु-

रैते करक बज कन्दसु बजरेवस एयमां पवित्रविह २ ता केवैव समाए सु-  
 म्माए ससुवाइता मेरी तेमैव कथागच्छ २ ता ससुवाइत मेरि म्मावा २ सरेण  
 तसेह । तए न ताए ससुवाइताए मेरीए तछिवाए समाणीए सुसुमिन्नपाम्मेव  
 कथ दसाए बाव महादेवपाम्मेवकाम्मेव कप्पमं बजजगत्तहसीओ न्नावा सम्माईक-  
 मिमुत्तिया बहामिन्नइत्तिउत्तरससुवाएनं जप्पेयत्ता [इयवया] बाव [जप्पेयत्ता]  
 पाय[मिहुरवा] वासमिहारेनं केवैव कम्मे वासदेवे तेमैव उवागच्छति २ ता करक  
 बाव कम्मे वासदेवेनं जप्पेनं निजप्पेनं बजाईति । तए नं से कम्मे वासदेवे कोत्तुविज्जुरिसे  
 ससुविह २ ता एनं बजाही-किप्पामेव सो देवसुप्पिवा । जमिसेहं इत्तिवरजं पवि-  
 कम्मेह इयमव बाव पवप्पिनीति । तए नं से कम्मे वासदेवे केवैव मज्जवारे तेमैव  
 बजाएच्छ २ ता सुसुत्तवज्जममिउमे बाव जंजममिउत्तससिचं पनई नरई  
 हुइत । तए नं से कम्मे वासदेवे सुसुमिन्नपाम्मेव[स]मोमेवेहं दसाई दसादेई बाव म  
 क व सद्धिं संपरिपुडे सज्जिणीए बाव रवेनं वाव[ह]ई नवरि मज्जमज्जेनं मिम-  
 च्छ २ ता सुसुत्तवज्जममस मज्जमज्जेनं केवैव देवपत्ति तेमैव उवागच्छ २ ता  
 वेवात्तवज्जममस मज्जमज्जेनं केवैव केप्पिउरे नवरि तेमैव प्पारेत्त गमवाए । तए  
 नं से हुइए उवा सोव [वि]इत ससुविह २ ता एनं बजाही-मज्ज[ह] नं हुमं देवसु-  
 प्पिवा । इत्तिवाअं नवरि, तए नं हुमं प्पुत्तं सपुत्तं इत्तिउत्तं मीमसेनं जज्जं  
 मज्जं ससुदेवे हुइएनं मज्जसकसममं गगेनं मिउरे सोव जसई सव[नी]मि कीरं  
 वासत्तमं करक बाव कटु तहेव [बाव] समोत्तर । तए नं से वए एनं (५०-)  
 बहा वासदेवे नवरि मेरी गति बाव केवैव संपिउरे नवरि तेमैव प्पारेत्त पम-  
 न्नाए । एएवैव कमेनं तनं इतं नं(पा)नं नवरि, तए नं हुमं कम्मे अंगएनं स(ठे)नं  
 नैविउमं करक तहेव बाव समोत्तर । नवरं इतं इत्तिमं नवरि, तए नं हुमं  
 सिमुत्तं वमकेसुत्तं वेवमाइसवसंपिउत्तं करक तहेव बाव समोत्तर । वेवमं  
 इतं इत्तिउत्तं(ठे)नं नवरि(री)ति, तए नं हुमं वपत्तं एनं करक (तहेव) बाव  
 समोत्तर । इतं इतं मगुरे नवरि, तए नं हुमं परं एनं करक बाव समोत्तर ।  
 ससुमं इतं ससुविहं नवरि, तए नं हुमं ससुदेवेनं जप(वि)संयसुत्तं करक बाव  
 समोत्तर । मज्जमं इतं कोटिन्नं नवरि । तए नं हुमं रणि ये(मे)ससुत्तं करक  
 तहेव बाव समोत्तर । नवरं इतं निप(ठे)नं नवरि(री)ति, तए नं हुमं को(कि)मं  
 मात्तवज्जममं करक बाव समोत्तर । वसमं इतं जज्जसेत्त (न) पाम्मापरमपौट  
 जप्पेयत्ता उवसइत्ताई बाव समोत्तर । तए नं से वए तहेव मियप्पच्छ केवैव  
 यमापर [तहेव] बाव समोत्तर । तए नं ताई जनेगाई उवसइत्ताई तस इत्त

जंति ए एवमष्ट गोवा निगम्य हृत् ० तं द्युं मन्त्रैरिति मन्त्रांति म० २ ता पवित्रा-  
 (जि)येति । तए णं ते वादेनामोक्ता सहे रायसहस्त्रा पतेन २ ज्ञाया सव-  
 त्तिनमयराया महेता ह्यायद(०)मन्त्रपन्नाएव (०) गच्छ २ नगरी-  
 अभिनिगन्ति २ ता जेनेव पन्ना ज्ञाए तेनेव पन्नाए मन्त्र ॥१२३॥ २  
 न मे दुयए राता रोऽपिपुतिसे महावेद २ ता ए वयासी-गच्छ णं तुम्हे देवा-  
 पिष्या । पवित्रपुरे नयरे योऽपि राता मन्त्राए मन्त्राहे अहमन्त्रे ता मन्त्र मन्त्रमन्त्र  
 करेऽपि जेनेव मन्त्रमन्त्राणि २ मन्त्राणि (०) मन्त्राणि (०) ज्ञाए पवित्रांति ।  
 तए णं ते दुयए राता [दोषेपि] करेऽपिपुतिसे महावेद २ ता ए वयासी-गच्छ  
 गो देवापिष्या । मागेषपा(मु)मोक्ताए वयासी रायसहस्त्रा आवासे करेह । ते वि  
 करेता पचिपिंति । तए णं [३] दुयए राता वासुदेवा(०)मोक्ताए वयासी रायस-  
 स्त्राण आग(मं)मन्त्रा जेनेता पतेन २ ह्यिपिंता ज्ञा पवित्रुदे अन्त्रे व पत्रे व  
 गच्छाव सवितृए पवित्रपुराओ निगम्य २ ता जेनेव मे वादेनामोक्ता(मु)मोक्ता वयासी  
 रायसहस्त्रा तेनेव उपागच्छ २ ता नाद वादेनामोक्ता(मु)मोक्ता अन्त्रे व पत्रे व  
 सवितरेद सन्मागेह स २ ता जेनेव वासुदेवा(०)मोक्ताए पतेन २ आवासे विरह ।  
 तए णं ते वासुदेवामोक्ता जेने सया २ आवासा तेनेव उपागच्छ २ ता ह्यिपि  
 मं(घा)पेतिं पयोधरंति २ ता पतेन [२] गंगावासीनेभेज करेति २ ता छल्लु २  
 आवासे[३] अज[४]पवित्रंति २ ता सए २ (०) आवासे[५] आवासे व मन्त्रमन्त्र  
 सवितृणा य संतुवद्य व मन्त्रे गच्छेति य नादएति य उपगमनाता य उवनधि  
 ज्ञाणा य विहरंति । तए णं ते दुयए राता पवित्रपुरे नयरे अजुप्ताए २ ता  
 विपुल असर्ग ४ उवनराजवेद २ ता रोऽपिपुतिसे महावेद २ ता ए वयासी-  
 गच्छ न तुम्हे देवापिष्या । निपु अगुणं ४ सवितृपुष्पयपमंमन्त्रांकारं व  
 वासुदेवामोक्ताण रायसहस्त्रा आवासेण सादह । ते वि सादरंति । तए णं ते  
 वासुदेवा(०)मोक्ता तं विपुल अस(णं)गपा(णं)गन्त(नं)मन्त्रां ज्ञाएमाणा ४  
 विहरंति जिमियभुत्तरागया वि य न समाणा आर्यता [चोच] जाव महासगव-  
 गया महर्हि मंधव्येहि जाव विहरंति । तए णं ते दुयए राता पुष्याएण ह्येकालमयंति  
 कोष्ठविपुतिसे महावेद २ ता एव वयासी-गच्छ णं तुम्हे देवापिष्या ।  
 कमिपुपुरे सि(सं)घाटग जाव पहे[३]वासुदेवा(मु)मोक्ताण य रायसहस्त्राण आवा-  
 सेण हत्यिखंघरगया महया २ सहेण जाव उगोसेमाणा २ एवं वयह-एवं सजु  
 देवापिष्या । कळ पाउप्पभायाए दुययस्स रजो घूयाए तुलणीए देवीए अ(त)ति-  
 याए धट्टु(०)तस्स भणिणीए दोवईए २ सयंवेरे भविस्स । त तुम्हे णं देवापि-



अतिए एयमट्ट सोया निसम्म हट्ठ० तं वूरं सक्कारेति सम्माणेति स० २ ता पणिविस-  
 (जि)जेति । तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रायसहस्सा पत्तेय २ ण्हाया सन्नदह-  
 त्थिखधवरगया महया हयगयरह(०)भटचउगरपहकर (०) सएहिं २ नगरहेतो  
 अभिनिग्गच्छति २ ता जेणेव पंचाले जणवए तेणेव पहारेत्य गमणाए ॥१२३॥ तए  
 णं से दुवए राया कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ ता एव वयासी-गच्छह णं तुमं देवाण  
 पिया । कंपिलपुरे नयरे बहिया गगाए महानइए अयूरसामंते एगं महं सयंवरमंदयं  
 करेह अणेगखंभसयसन्निविद्ध लीलट्टियसा(ल)लिभंजि(आ)यागं जाव पच्चप्पिणंति ।  
 तए णं से दुवए राया [दोचपि] कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ ता एवं वयासी-खिप्पामेव  
 भो देवाणुपिया । वासुदेवपा(सु)मोक्खाण बहण रायसहस्साणं आवासे करेह । ते वि  
 करेता पच्चप्पिणंति । तए णं [से] दुवए राया वासुदेवपा(०)मोक्खाणं बहण रायसह  
 स्साण आग(म)मणं जाणेता पत्तेयं २ हत्थिखंघ जाव परिवुटे अगं च पचं च  
 गहाय सन्विट्टीए कपिलपुराओ निग्गच्छइ २ ता जेणेव ते वासुदेवपा(सु)मोक्खा बहवे  
 रायसहस्सा तेणेव उवागच्छइ २ ता ताइ वासुदेवपा(सु)मोक्खाइ अग्घेण य पजेण य  
 सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ ता तेसिं वासुदेवपा(०)मोक्खाण पत्तेयं २ आवासे वियरइ ॥  
 तए णं ते वासुदेवपामोक्खा जेणेव सया २ आवासा तेणेव उवागच्छति २ ता हत्थि-  
 खं(घा)वेहिंतो पच्चोस्संति २ ता पत्तेयं [२] खधावारनिवेस करेति २ ता सण्णु] २  
 आवासे[सु] अणु[८]पविसति २ ता सएसु (२) आवासेसु [य] आसणेसु य सयणेसु य  
 सन्निसण्णा य संतुयट्ठा य बहहिं गधन्वेहि य नाढएहि य उवगिज्जमाणा य उवनवि  
 ज्जमाणा य विहरंति । तए णं से दुवए राया कंपिलपुरं नयरं अणुपविसइ २ ता  
 विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ ता कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ ता एवं वयासी-  
 गच्छह णं तुम्हे देवाणुपिया । विपुल असणं ४ सुवहुपुप्फवत्यगधमल्लालंकारं च  
 वासुदेवपामोक्खाण रायसहस्साणं आवासेसु साहरह । ते वि साहरंति । तए णं ते  
 वासुदेवपा(०)मोक्खा त विपुल अस(णं)णपा(णं)णखाइ(मं)मसाइमं आसाएमाणा ४  
 विहरंति जिमियमुत्तुतरागया वि य ण समाणा आर्यता [चोक्खा] जाव सुहासणवर-  
 गया बहहिं गंधव्वेहिं जाव विहरंति । तए णं से दुवए राया पुन्वावरण्हकालसमयंसि  
 कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ ता एव वयासी-गच्छह णं तु(मि)म्हे देवाणुपिया ।  
 कंपिलपुरे सि(सं)घाडग जाव पहे[सु]वासुदेवपा(सु)मोक्खाण य रायसहस्साण आवा-  
 सेसु हत्थिखंघवरगया महया २ सहेणं जाव उग्घोसेमाणा २ एवं वयह-एवं खलु  
 देवाणुपिया । कलं पाठप्पमायाए दुवयस्स रज्जो धूयाए चुलणीए देवीए अ(त्त)त्ति-  
 याए घट्टज्जु(०)णस्स भगिणीए दोवइए २ सयंवरं भविस्सइ । तं तुम्हे णं देवाण-


[illegible]

अंति ए एमदृ मोना निसम्मा दृढ० तं द्यं मबारैति सम्माणेति म० २ ता पडिभिग-  
 (वि)जैति । तए णं ते वासुदेवपामोक्ता यद्वे रायसहस्सा पतोयं २ उद्याया सप्तदह-  
 त्तिगंधवरगया महया हयगयरद(०)भट्टचग्गरपद्वर (०) सएहि २ नगरेहि तो  
 अभिनिगच्छंति २ ता जेणेव पंचाणे जावए तेणेव पहारेत्थ मग्गाए ॥१२३॥ तए  
 ण से दुवए राया कोटुंयियपुरिसे सहावेद २ ता एव वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणु-  
 पिया । कंप्पिपुरे नयरे यद्विया गगाए महानंदे अद्विसामंते एणं महं मयंवरमंथ  
 करेह अणेगसंभसयसभिपिद्ध मीलद्विरा(ल)भिभंजि(आ)याग जाव पयपिभंति ।  
 तए णं से दुवए राया [दोमपि] कोटुंयियपुरिसे सहावेद २ ता एव वयासी-निजामेव  
 भो देवाणुपिया । वासुदेवपा(मु)मोक्ताणं यद्वं रायसहस्साणं आयासे करेह । ते वि  
 करेता पयपिभंति । तए ण [से] दुवए राया वासुदेवपा(०)मोक्ता । यद्वं रायसह-  
 स्साण आग(म)मणं जाणेता पतोयं २ हत्थिपंध जाव परिदुटे अरणं च पत्रं न  
 गहाय सव्विद्वीए कंप्पिपुराओ निगच्छ २ ता जेणेव ते वासुदेवपा(मु)मोक्ता बह्वे  
 रायसहस्सा तेणेव उवागच्छ २ ता तादं वासुदेवपा(मु)मोक्तादं अणेग य पजेग य  
 सफारेद सम्माणेद स० २ ता तेहि वासुदेवपा(०)मोक्ताणं पतोयं २ आवासे विवरद ॥  
 तए णं ते वासुदेवपामोक्ता जेणेव सया २ आयासा तेणे उवागच्छति २ ता हत्थि-  
 खं(धा)धेहि तो पयोद्धंति २ ता पतोयं [०] रंधावारनिवेस करेति २ ता सए[३] २  
 आवासे[३] अणु[८]पविसति २ ता सए[२] आवासेउ[५] आसणेस य सयनेस य  
 सभिसण्णा य संतुयट्ठा य बह्विं गंधव्वेहि य नाउएहि य उवगिज्जमाणा य उववधि  
 ज्जमाणा य विहरंति । तए णं से दुवए राया कंप्पिपुरे नयरे अणुप्पमिस्स २ ता  
 विपुलं असण ४ उवस्सजवेद २ ता कोटुंयियपुरिसे सहावेद २ ता एव वयासी-  
 गच्छह णं तुम्हे देवाणुपिया । विपुल असणं ४ मवहुपुष्पवन्यगंधमालंकारं च  
 वासुदेवपामोक्ताण रायसहस्साण आवासेसु साहरद । ते वि साहरंति । तए ण ते  
 वासुदेवपा(०)मोक्ता त विपुलं अस(ण)गपा(णं)गत्ताद(मं)मसादमं आसाएमाणा ४  
 विहरंति जिमियमुत्तरागया वि य ण समाणा आर्यता [चोक्खा] जाव मुहासणवर-  
 गया बह्विं गंधव्वेहि जाव विहरंति । तए णं से दुवए राया पुच्चावरणहकालसमयसि  
 कोटुंयियपुरिसे सहावेद २ ता एव वयासी-गच्छह णं तु(मि)न्हे देवाणुपिया ।  
 कंप्पिपुरे सि(सं)घाडग जाव पहे[३]वासुदेवपा(मु)मोक्ताण य रायसहस्साण आवा-  
 सेसु हत्थिखंघवरगया महया २ सदेणं जाव उग्घोसेमाणा २ एवं वयह-एवं सल  
 देवाणुपिया । कल पाठप्पभायाए दुवयस्स रचो वूयाए चुलणीए देवीए अ(त्त)त्ति-  
 याए धट्टजु(ण)णस्स भगिणीए दोवडे २ सयंवरे भविस्सद । तं तुम्हे णं देवाणु

पिना । इत्यर्थे एवम् । अणुमिहमाणा आना सम्पार्कधारिभूतिरा हतिर्बन्धव-  
रम्या सुचो(१)रैः सेववरचामर इत्ययमह ॥ गह्वरा मन्त्र(२)रमरेकं चाव  
परिमिताया जेनेव सर्ववर्णमहमे तेनेव क्वायपच्छ ॥ १ ॥ पौर्ण्य मर्मकेतु आत्तपित्त  
मिहीनह ॥ १ ॥ सोर्ष ॥ पठित्वाभैमाणा ॥ विदुह पोषकं मोमेह [१] कम  
एवमावर्तिर्न पचयिन्त । तए न ते कोटुविवा तहेव जाव पचयिन्ति । तए न  
ते इवए एया कोटुविदुसिसे धर्षावै ॥ १ ॥ एवं ववापी-गच्छह वी पुम्मे वैराज-  
पिना । सर्ववर्णमह(२)रैः आशियसमजिभ्येवकिरी सुर्ववर्णमपिर्न पंचवर्णपु(३-  
पुत्रो)चोरवारचकिर्न क्वायपसवर्णपुत्रपुत्रह काव पंचवर्णमूर्न मंचावर्णचकिर्न  
करेह करवैह करेता करवेता वातवेवपा( )मोक्काने बहून् एवसहस्त्रार्थं पतेयं ॥  
नर्मपदं आसवाहं अस्तुव(विवा) पचयिन्तार्थं एव ॥ १ ॥ एवमावर्तिर्न पचयिन्त  
(विमि) काव पचयिन्ति । तए न ते वातवेवपा( )मोक्काने बहून् एवसहस्त्रार्थं  
(पाह ) आना सम्पार्कधारिभूतिरा हतिर्बन्धवरम्या सुचो(१)रैः सेववरचामरह  
[महका] इत्ययम काव परिपुत्रा सन्निहीए काव रवेकं जेनेव सर्ववर्ण(२)रमरेकं  
तेनेव क्वायपच्छति ॥ १ ॥ अणुमिहमाणा ॥ १ ॥ पौर्ण्य ॥ नर्मके(३)रमरेकं  
सोर्ष ॥ पठित्वाभैमाणा विदुति । तए न ते इवए एया कां आप सम्पार्कधार-  
िभूतिरा हतिर्बन्धवरम्या सुचो(१)रैः इत्ययम वंयिपुर्न मन्त्रमन्त्रैर्न निगच्छह  
( ) जेनेव सर्ववर्णमहमे जेनेव वातवेवपा( )मोक्काने बहून् एवसहस्त्रार्थं तेनेव  
क्वायपच्छ ॥ १ ॥ तेति वातवेवपा( )मोक्काने करवक काव बहवैषा कन्हस  
वातवेवस सेववरचामरं गह्वरा उवसीयमपि विदुह ॥ १२४ ॥ तए न ता सोर्ष  
॥ [कां काव] जेनेव मज्जवपरे तेनेव क्वायपच्छ ॥ १ ॥ [मज्जवपरे अणुमि-  
ह ॥ १ ॥] आना उवसीयमपि मंज्याहं वत्थाहं वरापतिदिवा मज्जवपराजै  
पठिमिनयम ॥ १ ॥ जेनेव अंतरेरै तेनेव क्वायपच्छ । तए न तं सोर्ष ॥  
अंतरेरैवाजी सम्पार्कधारिभूतिर्न करेति किं ते । वरावपराजैव काव  
पठित्वावच्छाज्ज(३)हयपविदपतिमिहया अंतरेरवाजी पठिमिनयम ॥ १ ॥  
जेनेव वाहिरीवा उवसीयमपि जेनेव वातवेवपा आसपछे तेनेव क्वायपच्छ ॥ १ ॥  
मिथारिपाए वेदिवाए सदि वातवेवपा आसपछे दुस्तह । तए न ते पट्टजुमि पुम्पारे  
सोर्षए क्वाए एवसह करेह । तए न ता सोर्ष ॥ वंयिपुर्न (नर्म) मन्त्रमन्त्रैर्न  
जेनेव सर्ववर्ण(२)रमरेकं तेनेव क्वायपच्छ ॥ १ ॥ एवं उवैर एवामे पचो(३)रह ॥  
१ ॥ मिथारिवाए वेदिवाए (३) सदि सर्ववर्णमहमे अणुमिहमाणा करवक [काव] तेति  
वातवेवपा(०)मोक्काने बहून् एवसहस्त्रार्थं वचामं करेह । तए न ता सोर्ष ॥



एणं मेहं सिरिदामगंड[०] किं ते ? पाठलमल्लियचपय जाव सतच्छयाईहिं गंधद्वानि  
 सुयंत परमसुहृत्तास दरिसणिज्ज मे(गि)ग्गइ । तए ण सा किट्ठाविया (जाव) पुस्वा  
 जाव वामहत्थेणं चिद्धगं दप्पण गहेऊण सललियं दप्पणसकनविचसदंसिए य से  
 दाहिणेण हत्थेण दरि(सि)सए पवररायसीहे फुडविसयविसुद्धरिभियगंभीरमहुरभ  
 णिया सा तेसिं सव्वेसिं पत्तिवाण अम्मापि(ऊण)उवससत्तसामत्यगोतविक्कंतिक  
 तिवहुविहआगममाहप्पह्वजोव्वणगुणलावण्णकुलसीलजाणिया कित्तण करेइ । पठमं  
 ताव वणिहपुगवाण दसदसार[वर]वीरपुरि(साणं)स(ते)तिलोफवलवगाणं सत्तुसयस-  
 हस्समाणावमद्दगाणं भवसिद्धिपवरपुढरीयाण चिद्धगाण वलवीरियह्वजोव्वणगुणला  
 वण्णकित्तिया कित्तण करेइ । तवो पु(णो)ण उग्गसेणमाईण जायवाणं भणइ(यं)-  
 सोहग्गह्वकलिए वरेहि वरपुरिसगधहत्थीण जो हु ते [लोए] होइ हिययदइओ ॥  
 तए,णं सा दोवई रायवरकज्जगा बहूण रायवरमहस्साण मज्झमज्जेणं समइच्छ  
 माणी २ पुव्वकयनियाणेणं चोइज्जमाणी २ जेणेव पच पडवा तेणेव उवागच्छइ  
 २ ता ते पच पंडवे तेणं दसद्ववण्णेण कुमुदामेण आवेदियपरिवेदि(यं)ए करेइ  
 २ ता एवं वयासी-एए ण भए पंच पडवा वरिया । तए ण (तेसिं) ताइ वासुदेव-  
 पामोक्खा(णं)इ बहूणि रायसहस्साणि महया २ सहेणं उग्घोसेमाणा[इं] २ एवं वयंति-  
 सुवरिय खलु भो ! दोव(इ)ईए रायवरकज्जाए (२) तिरुट्टु सयवरमडवाओ पडिनिक्ख  
 मति ० ता जेणेव सया २ आवासा तेणेव उवागच्छति । तए ण धट्टज्जु(ण्णे)णकुमारे  
 पच पंडवे दोवइ [च] रायवरक(ण्णं)ज्जग चाउग्घट आसरह दुरु(ह)हेइ २ ता कं पिह-  
 पुरं मज्झमज्जेण जाव सय भवण अणुपविसइ । तए ण दुवए राया पंच-पंडवे दोवइ  
 २ पट्टय दुरुहेइ २ ता सेयापी[य]एहिं कलसेहिं मज्जावेइ २ ता अग्गिहोम  
 करा(कार)वेइ पचण्ह पडवाण दोवईए य पाणिग्गहण करावेइ । तए ण से दुवए  
 राया दोवईए २ इम एयारुव पीइदाण दलय(ती)इ तजहा-अट्ट हिरण्णकोटीओ जाव  
 (अट्ट) पेसणकारीओ दासचेटीओ अन्न च विपुल घणकणग जाव दलयइ । तए  
 णं से दुवए राया ताई वासुदेवपामोक्खाइ विपुलेण असणपाणखाइमसाइमेणं  
 वत्यगंध जाव पडिविसज्जेइ ॥ १२५ ॥ तए णं से पडू राया तेसिं वासुदेवपा-  
 मोक्खाणं बहूण रायसहस्साण करयल जाव एव वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया !  
 हत्थिणाउरे नयरे पंचण्हं पडवाणं दोवईए य देवीए कल्लणकरे भविस्सइ, त  
 तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ममं अणुगिण्हमाणा अकालपरिहीणं समोसरह । तए ण  
 [ते] वासुदेवपामोक्खा पत्तेयं २ जाव पहारेत्थ गमणाए । तए णं से पंडु(इ) राया  
 कोइवियपुरिसे सहावेइ २ ता एव वयासी-गच्छह ण तुब्भे देवाणुप्पिया ! हत्थिणा-

पिवा। हुष्यं एवायं बालुविश्लेष्माया ज्ञावा सम्प्राकंभारमिमुषिया इतिबलंभक-  
 रकस्य बभौ(रै)रैरु सेयवरचामर हवणरुह महुवा भवच(र)वचरेन चाव  
 परिमिन्नाय केयेव सर्ववर्णमन्त्रे तेमेव उवाचयच्छ २ ता पोतं नार्मकेत आसवेष्ट  
 मिरीरु २ ता रोम्य २ पविवालेवाप्य निहृति पोतने चोदेह [१] मम  
 कृत्वाचतिनं पचपिन्नाह । तद् न ते कोर्द्धिनिवा तदेव वाच पचपिन्नाति । तद् न  
 से हुष्य एवा कोर्द्धिनिवुरैरे धरावेष्ट २ ता एवं ववापी-पचच्छ न हुष्ये वैराजु-  
 पिवा । सर्ववर्णमन्त्र(रै)रै आधिकार्यमिमेवमिन्तं सर्ववर्णमपिन्तं पचवन्नु(प-  
 र्द्धो)कोववाचतिनं काव्यमस्तवर्द्धुपुष्पयच्छ वाच तीव्रवर्द्धिभूतं मन्त्रार्थमपचतिनं  
 करोह करवेष्ट करोता करवेष्ट वाद्यवेष्टपा( )मोनकायं बहून् एवग्रहस्तान् पोतं २  
 नार्मक्यं वाचयच्छ बालुव(विच)वचलुवार्ह रपूह २ ता एकमाचतिनं पचपिन्नाह  
 (तेनै)वाच पचपिन्नाति । तद् न ते वाद्यवेष्टपा( )मोनकायं बहून् एवग्रहस्तान् कर्त्तं  
 (वाच) ज्ञावा सम्प्राकंभारमिमुषिया इतिबलंभकवर्णमा सचोरेह सेयवरचामरुह  
 [यहवा] हवणरुह वाच पविवालेवाप्य निहृति वाच रवेन केयेव सर्ववर्ण(रै)रैमन्त्रे  
 तेमेव उवाचयच्छ २ ता बलुप्यमिन्तं २ ता पोतं २ नार्म(के)क्यच्छ मिरीरैति  
 रोम्य २ पविवालेवाप्य निहृति । तद् न ते हुष्य एवा कर्त्तं ज्ञाप सम्प्राकंभार  
 मिमुषिया इतिबलंभकवर्णमा सचोरेह हवणरुह ईपिस्तुरं मन्त्रमन्त्रोर्ध्वं निम्पच्छ  
 ( ) केमेव सर्ववर्णमन्त्रे केमेव वाद्यवेष्टपा( )मोनकायं बहून् एवग्रहस्तान् तेमेव  
 कव्यमच्छ २ ता तेषि वाद्यवेष्टपा( )मोनकायं करवच वाच ववापेय कव्यस्त  
 वाद्यवेष्टस्त सेयवरचामरं महुवा उववीकमाये विहृष्ट ॥ १२४ ॥ तद् न ता रोम्य  
 २ [कर्त्तं वाच] केमेव मज्जनपरे तेमेव उवाचयच्छ २ ता [मज्जनपरे बलुप्यमि-  
 न्नाह २ ता] ज्ञावा उवप्यमिन्नाह मन्त्रार्थं कव्यार्थं पचपिन्नाह मन्त्रमन्त्रोर्ध्वं  
 पविमिन्नाह २ ता केयेव अंतेवरे तेमेव उवाचयच्छ । तद् न तं रोम्य २  
 अतिवर्णमन्त्रो सम्प्राकंभारमिमुषियं करोति, किं ते ? कव्यमन्त्रोर्ध्वं वाच  
 वैपिवाचनकाव्य(क)हवणरुहवर्द्धिनिवाय अतिवर्णमन्त्रो पविमिन्नाह २ ता  
 केमेव वाद्यवेष्टपा ववाचनकाया केमेव वाद्यवेष्टपा वाद्यवेष्ट तेमेव उवाचयच्छ २ ता  
 निशामिनाप केर्द्धिवाप्य पवि वाद्यवेष्टपा वाद्यवेष्ट हुष्यह । तद् न ते वाद्यवेष्टपा  
 रोम्येष्ट कव्यार्थं वाद्यवेष्ट करोह । तद् न ता रोम्य २ ईपिस्तुरं (वच) मन्त्रमन्त्रोर्ध्वं  
 केमेव सर्ववर्ण(रै)रैमन्त्रे तेमेव उवाचयच्छ २ ता एवं केमेव वाद्यवेष्टपा (ह)वाद्य २  
 ता निशामिनाप केर्द्धिवाप्य (व) पवि सर्ववर्णमन्त्रे बलुप्यमिन्नाह करवच [वाच] तेषि  
 वाद्यवेष्टपा( )मोनकायं बहून् २  वाद्यवेष्टपा करोह । तद् न ता रोम्य २

असणए समतओ कएहं सदक्खिण अणुवेसमाणे अनुमाहिंकरे दगारवरवीरपुत्ते-  
 न(ति)तेल्लोक्कबलवगणं आमतेऊण त भगव(ती)इ प(ए)इमणि गगागमनदच्छ  
 चप्पइओ गगनमिलिषयंतो गामागरनगरस्थेइक्खउमडेवओ अनुहपट्ठस(वा)राह-  
 नहस्समडिय धिमियमेइणीतल वसुइ ओलोइ(तो)ते रम्म हत्थिणाउ उवागए पउ-  
 रायभवणत्ति अइवेण समोवइए । तए णं से पइ राया कच्छुन्नारय एजमाण पासइ  
 २ ता पचहिं पटवेहिं पुतीए य देवीए सद्धिं आनणाओ अब्भुट्ठे १ ता कच्छुन्ना-  
 रय सत्तट्ठपयाइ पयुगच्छइ २ ता तिकुत्तो आयाहिणपयाहिण करेइ ३ ता वट्ट  
 नमसइ व० २ ता नहरिहेण आसणेण उवनिमतेइ । तए ण से कच्छुन्नारए उद-  
 यपरिणोत्तियाए दम्मोवरिप(य)चुत्तयाए भित्तियाए निसीयइ २ ता पडराव रज्जे  
 [य] जाव अतेउरे य कुसलोदंतं पुच्छइ । तए ण से पडराया कीर्ती [य] देवी पव  
 य पडवा कच्छुन्नात्य आउति जाव पज्जुवासति । तए ण सा दोवडे देवी कच्छु-  
 नारय अस्सज(य)यअविर(य)यअपडिहय[अ]पयस्सायपावकम्म-तिकुट्टु नो  
 आडाइ नो परियाणइ नो अब्भुट्ठे नो पज्जुवासइ ॥ १२७ ॥ तए ण तस्म कच्छु-  
 न्नारयस्स इमेयारुवे अज्झत्थिए चित्तिए पत्थिए मणोगए सक्खे समुप्पज्जित्ता-  
 अहो णं दोवडे देवी त्वे(ण) य जाव तावणेण य पंचहिं पउवेहिं अ(पुव)कयडा  
 च्चमाणी मम नो आडाइ जाव नो पज्जुवासइ । त सेय वट्ट मम दोवडे देवीए  
 विप्पिय क(रि)रेत्तए-तिकुट्टु एवं सपेहेइ २ ता पंडु(य)राय आपुच्छइ २ ता उप्प-  
 यणि विज्जं आवाहेइ २ ता ताए वकिट्ठाए जाय विजाहरगइए लवणसनुइ मज्झ-  
 मज्झेणं पुरत्थाभिमुहे वी(इ)इवइट पयसे यावि होत्था । तेण कालेण तेणं ममए  
 धायइसडे वीवे पुरत्थिमददाहिणट्ठभरहवासे अ(म)वरक्का ना(म)म रायहाणी  
 होत्था । त(ए)त्य ण अ(म)वरक्काए रायहाणीए पठमनाभे नामं राया होत्था महत्ता  
 हिमवत्त वण्णओ । तस्स ण पठमनाभस्स रत्तो सत्त देवीमवाइ ओरोट्ठे होत्था ।  
 तस्स ण पठमनाभस्स रत्तो लुनामे नाम पुत्ते जुवराया(जा)वि होत्था । तए ण से  
 पठमनाभे राया अतोअतेउरंति ओरोट्ठसपरिखडे सी(मिं)हासणवरगए विहरट्ठ ।  
 तए णं से कच्छुन्नारए लेणेव अवरक्का रायहाणी लेणेव पठमना(ह)मस्स भवणे  
 वेणेव उवागच्छइ २ ता पठमनाभस्स रत्तो भवणत्ति अ(त्ति)त्ति वेओ(णं)ण समो-  
 थइए । तए ण से पठमनाभे(राया) कच्छु(ह)न्नारय एजमाण पासइ २ ता आस-  
 णाओ अब्भुट्ठेइ २ ता अग्गेणं जाव आसणेण उवनिमतेइ । तए ण से कच्छुन्नारए  
 उदयपरिणोत्तियाए दम्मोवरिपचत्तयाए भित्तियाए निसीयइ जाव कुसलोदंतं आपु-  
 च्छइ । तए ण से पठमनाभे राया नियगओरोट्ठे जायविम्हए कच्छुन्नारयं एव

उरे पंचमं पंडवानं पंच पाधानवर्षिष्ठं चारे(ह)हि अमुमममुषिय वण्यधो बान्  
 पविह्वे । तत् न ते कोटुंमिषपुरिषा पविह्वेति बान् चारु(कटा)वैति । तत् न ते  
 पं(हुरे)इ रावा पंचमं पंडवैहिं रोमवैपु वैवीपु सति हनगवर्षिष्ठुवे वंमिषपुरिषो  
 पविमिषमम् २ ता जेयेन हरिषमातरे तेनेन सवायपु । तत् न ते पंडुराज्य सेति  
 बाधदेवपामोक्ताय बामपमं बाणिता कोटुंमिषपुरिषे सवाये २ ता एवं वयापी-  
 मन्मत्तं न मुच्ये देवातुपिमा । हरिषमातरेस्त गयरस्त बहिमा बाधदेवपामोक्ताय  
 वानं राजसहस्रार्थं आवासे चारेइ बनेष(वी)वंमसय तहेन बान् पचपिर्ति ।  
 तत् न ते बाधदेवपामोक्ता बह्वे राजसहस्रा जेयेन हरिषमातरे तेनेन उवाप  
 चंति । तत् न ते (से) पंडुराजा ते(मि) बाधदेवपामो(कताय)वये [बान्] बाग(म-  
 नं)पु बाणिता सवाये चारु कटा कु(प)नपु बाव बहामिर्ति आवासे वयन । तत् न ते  
 बाधदेवपा( )मोक्ता बह्वे राजसहस्रा जेयेन सवा(ई) २ बावासा(ई) तेनेन बवा-  
 पचंति ( ) तहेन बाव निहरेति । तत् न ते पंडुराजा हरिषमातरे नवरं मनुपविच्छ  
 २ ता कोटुंमिषपुरिसे सवाये २ ता एवं वयापी-मुच्ये न देवातुपिमा । निपुंनं असये  
 ४ तहेन बान् उवैति । तत् न ते बाधदेवपामोक्ता बह्वे रा(वा)नसहस्रा चारा  
 तं निपुंनं असये ४ तहेन बाव निहरेति । तत् न ते पंडुराजा [ते] पंचमं रोमवैपु  
 वैविं बान् हुरेइ २ ता जीवापीपुहि ककसेहि चारे(मि)इ २ ता बान्म(का)नरं करेइ  
 २ ता से बाधदेवपामोक्ते बह्वे राजसहस्रे निपुंनं अस(वा)नेन ४ पुप्यन्त्येनं  
 सवाये सम्मावेइ ( ) बान् पविमिषमम् । तत् न तार् बाधदेवपामोक्ताय वान्(हि)र्ति  
 बान् पविमिषमम् ॥ १२९ ॥ तत् न ते पंच पंडवा रोमवैपु वैवीपु (सति) अतो अंते  
 उपरिवाक) सति ककसेहि वारंवारं क(वे)राकारं मोयमोयाई बान् निहरेति ।  
 तत् न ते पंडुराजा बवासा वना(हि)र्ति पंचमं पंडवैहिं कोटीपु वैवीपु रोमवैपु (वैवीपु)  
 न सति अतोअंतेउपरिवाकसति उपरिपुवे लीहासजवरगपु बान् निहरेइ । इयं न न  
 ककुपारपु इंसनेन बहमपु निवीपु अतो(२)न ककुपविनपु मप्यत्(लो)त्पठवन्तिपु  
 य वान्पमोपिबर्षये चुरने अमहकसगकपरिहिपु बाकमिनचम्मउपराउवरहपव-  
 (त्ये)अंते इष्टकमन्महस्ये अजामउकमिषतिरपु अजोवर्षनमैतिवतुंअयेइ (क)आवा-  
 मकनरे इष्टकमककमीपु विमोवअये वरमिषेवरप्यहस्ये संवत्सावरमयेवय(मक)-  
 पुप्यन्त्येनंअपीपु न संकममि(अ)आमिजीवपवातिपमपीनं(म)मिप्येइ न व(ह)इउ  
 निवाहपेइ निवाह निरुनअये ह्ये रामस्त न कैवस्त न पनुवपवैवर्षममिष्टमि-  
 सवममुनसारवपयमुहमुहारी(न)नं आयवानं ककुपव(न)मुमपरयोयेन इवय  
 वपु पंचवप ककुपवपेताहकपिपु अंवापमिषापी बह्वे वसय(र)उचकवपपुपु

केण(ई)इ देवेण वा दाणवेण वा किंपुरिसेण वा किन्नरेण वा महोरगेण वा गंधब्बेण वा अन्नस्स र-ओ असोगवणियं साहरिय-त्तिकट्ठु ओहयमणसंकप्पा जाव सियायइ । तए ण से पउम-नामे राया ण्हाए सव्वालकारविभूसिए अतेउरपरियाल्लसपरिवुडे जेणेव असोगवणिया जेणेव दोवई देवी तेणेव उवागच्छइ २ ता दोव(तीं)ईं दे(वीं)विं ओहय(०) जाव सियायमा(णीं)णिं पासइ २ ता एवं वयासी-कि-अ तुमं देवाणुप्पि- (ए)या । ओहय जाव सियाहि २ एव खलु तुम देवाणुप्पिए । मम पुव्वसंगइएण देवेणं जयुदीवाओ २ भारद्वाओ वासाओ हत्थिणा(पु)उराओ नयराओ जुहिट्टिस्स र-ओ भवणाओ साहरिया, त मा णं तुमं देवाणुप्पि-या । ओहय-जाव सियाहि, तुम [णं] मए सद्धिं विपुलाइं भोगमोगाईं जाव विहराहि । तए णं सा दोवई (देवी) पउम-नामं एवं वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया । जयुदीवे २ भारहे वासे बारव(ति)ईए नयरीए कण्हे नाम वासुदेवे मम(प्पि)पियभाउए परिवसइ, त जइ ण से छण्ह मासाणं म(मं)म कूव नो हव्वमागच्छइ तए णं अहं देवाणुप्पिया । जं तुमं वदसि तस्स आणाओवायवयणनिदेसे चिट्ठिस्सामि । तए णं से पउ(मे)मनामे दोवईए एयमट्ठं पडिच्चणेइ २ ता दोवई देविं क-अतेउरे ठवेइ । तए ण सा दोवई देवी छट्ठछट्ठेण अणिक्खित्तेणं आर्यविलपरिग्गहिएण तवोकम्मणेण अप्पाणं भावेमाणी विहरइ ॥ १२८ ॥ तए णं से जु(हु)हिट्ठिं राया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिच्चुद्धे समाने दोवई देविं पासे अपासमा(णो)णे सयणिज्जाओ उट्ठेइ २ ता दोवईए देवीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसण करेइ २ ता दोवईए देवीए कत्थइ सुई वा खुइ वा पवर्त्ति वा अलम-माने जेणेव प ह्हराया तेणेव उवागच्छइ २ ता प-ह्हरायं एवं वयासी-एव खलु ताओ । म-म आगासतलगंसि [सुह]पसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी न नज्जइ केणइ देवेण वा दाणवेण वा [किंपुरिसेण वा] किन्नरेण वा महोरगेण वा गंधब्बेण वा हिया वा नि(णी)या वा अ(व)क्खित्ता वा (२), [तं] इच्छामि ण ताओ । दोवईए देवीए सव्वओ समता मग्गणगवेसणं क(यं)रित्तए । तए ण से प ह्हराया कोहुंबियपुरिसे सदावेइ २ ता एव वयासी-गच्छइ णं तुम्मे देवाणुप्पिया । हत्थिणाउरे नयरे सिंघा-ङ्गति(य)गचउक्कचच्चरमहापहपहेसु महया २ सहेणं उग्घोसेमाणा २ एव वयह-एवं खलु देवाणुप्पिया । जुहिट्ठिस्स र ओ आगासतलगंसि सुहपसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी न नज्जइ केणइ देवेण वा दाणवेण वा किंपुरिसेण वा किन्नरेण वा महोरगेण वा गंधब्बेण वा हिया वा नि(नी)या वा अक्खित्ता वा, त ओ णं देवाणुप्पिया । दोवईए देवीए सुई वा खुई वा पवर्त्ति वा परिकहेइ तस्स णं प ह्हराया विउल अत्यसपयार्ण (दाणं)दलयइ-त्तिकट्ठु घोसण घोसावेह २ ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तए णं ते

बवाही-तु(म्ह)मे देवातुपिना ! बहूनि नामानि जात नि(नि)हर्षं जपुमिउसि  
 तं अस्मिन्नाहं ते कश्चिन्नि देवातुपिना । एरिउए ओरोहे विदुपुम्ये जाहिरए नं मम  
 ओरोहे । । तए नं छे कपुमकारए पडमनामेनं (रवा) एवं तुते उमाये ईसि मिह-  
 सिनं करे १ ता एवं बवाही-उरिसे नं तुमं पडम-नामा । तस्य जपवहुरस ।  
 के नं देवातुपिना । छे जपवहुरे । एवं चहा मज्जिनाए । एवं कहु देवातुपिना ।  
 जंजुरीये १ मारहे नाये इस्मिनाउरे [नवरे] पुमवस्य एवो धूया तुकनीए देवीए  
 जाय्वा पंडस्य छन्हा पंचनं पंडवाने माहिमा होनई देवी उमेव न जाव उज्जि-  
 छीउ । होनईए नं देवीए छिबत्तमि पार्येण(व)स्य खरं तव ओरोहे छ(तिमं)मंनि  
 कं न जन्म-तिष्ठु पडम-नामं जापुच्छ ( ) जाव पविगए । तए नं छे  
 पडमनामे एया कपुमकारस्य अंतिए एममं सोवा विज्जम होनईए देवीए  
 स्मे व ३ सुचिन् ४ ( ) जेमेव जेतहसावा जेमेव उवापच्छ १ ता पोसहसाव  
 जाव पुमवस्यं देवं एवं बवाही-एवं कहु देवातुपिना । जंजुरीये १ मारहे  
 नाये इस्मिनाउरे जाव [उज्जि]छीउ तं इच्छामि नं देवातुपिना । होन(टी)ई  
 देवी इहमा(मि)नीयं । तए नं पुमवस्यए देवे पडमनामं एवं बवाही-ओ  
 कहु देवातुपिना । ए(वी)नं मूं वा यन् वा ममिस्व वा न-नं होनई देवी  
 पंच-पंडवे मोसु(व)नं जेमेव पुरिसेनं सज्जि क(ओ)पावई जाव मिहिरित्त । तहामि  
 व नं खरं तव पिबहु(त)नाए होनई देवि इहं इह्यमायेमि-तिष्ठु पडम-नामं  
 जापुच्छ १ ता ताए उज्जिउए जाव जवत्तसुं यस्सपज्जेनं जेमेव इस्मिनाउरे  
 नवरे तेमेव ज्जारेल्ल पमनाए । तेनं ज्ज्जेनं तेनं समएनं इस्मिनाउरे [नवरे]  
 इक्षिणि एया होनईए देवीए सज्जि कपि जापयत्त(व)अंति छह [ ]पुस्ये यमि  
 होत्वा । तए नं छे पुमवस्यए देवे जेमेव इक्षिणि एया जेमेव होनई देवी तेमेव  
 उवापच्छ १ ता होनईए देवीए जेतोममिं वचस्य १ ता होनई देवि तिष्ठ १  
 ता ताए उज्जिउए जाव जेमेव ज-वत्तस्य जेमेव पडम-नामस्य यवने तेमेव उवा-  
 पच्छ १ ता पडम-नामस्य यवत्तति जेतोममियाए होनई देवि उवेइ १ ता  
 जेतोममि जवत्त १ ता जेमेव पडमनामे तेमेव उवापच्छ १ ता एवं बवाही-  
 एव नं देवातुपिना । यए इस्मिनाउरामो होनई देवी इ(ह)ई इह्यमायीना तव  
 जेतोममिनाए तिष्ठ । जओ परं तुमं जावति-तिष्ठु जामेव तिष्ठि पावत्तए  
 यामेव तिष्ठि पविगए । तए नं ता होनई देवी तज्जे मुहुत्तस्य पविगुवा  
 यमाणी तं यमनं जेतोममिं न जापयमिआयमाणी एवं बवाही-ओ कहु जम्ह  
 एवे एए जम्हे वो कहु एया जम्हं छ(म्ह)ना जेतोममिया । तं न जम्ह नं जम्ह ,

उरगए ओरोहे जाव विहरइ । इमं च णं कच्छुए [नारए] जाव समोवइए जा  
 निसीइत्ता कण्हं वासुदेव कूसलोदंत पुच्छइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे कच्छु  
 नारयं एवं वयासी-तुमं णं देवाणुप्पिया । बहूणि गामागर जाव अणुपविससि  
 त अत्थि-याइं ते कहिं(वि)चि दोवईए देवीए सुई वा जाव उवलद्धा ? । तए णं से  
 कच्छु(लि)ए (णारए) कण्ह वासुदेव एव वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया । अण्णया  
 [क्याइं] धायइंसंढे धीवे पुरत्थिमद्ध दाहिणं भुरहवासं अवरककारायहाणि गए  
 तत्थ ण मए पठमनामस्स रत्तो भवणंसि दोवई देवी जारिसिया दिट्ठपुब्बा यावि  
 होत्था । तए णं कण्हे वासुदेवे कच्छुए एव वयासी-तुमं चैव णं देवाणुप्पिया ।  
 ए(धं)यं पुव्वकम्म । तए णं से कच्छुनारए कण्हेणं वासुदेवेणं एवं धुत्ते समाने उप्प  
 यणि विज्जं आवाहेइ २ ता जामेव दिसिं पाठब्भूए तामेव दिसिं पडिगए । तए ण से  
 कण्हे वासुदेवे दूरं सद्दावेइ २ ता एव वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया । हत्थिणाउं  
 पडुस्स रत्तो एयमट्ठं निवे(दि)एहि-एवं खलु देवाणुप्पिया । [दोवई देवी] धाय(इ)इं  
 सं(ढे)डवीवे पुर(च्छि)त्थिमद्धे अवरककाए रायहाणीए पठम नाभमवणसि [साहिया]  
 दोवईए देवीए पठत्ती उवलद्धा । तं गच्छंतु पंच पंडवा चाउरगिणीए सेणाए सद्धिं  
 सपरिवुडा पुर त्थिमवेयालीए मम पडिवालेमाणा चिट्ठंतु । तए णं से दूए जाव भणइ  
 [जाव] पडिवालेमाणा चिट्ठह । तेवि जाव चिट्ठति । तए णं से कण्हे वासुदेवे कोड-  
 वियपुरिसे सद्दावेइ २ ता एवं वयासी-गच्छह णं तुम्हे देवाणुप्पिया । सत्ताहियं भेरिं  
 ता(ढे)लेह । तेवि तालेंति । तए णं ती(से)ए स-त्ताहियाए भेरीए सइ सोच्चा समुइविज  
 यपामोक्खा दस दसारा जाव छप्प णं बलव(य)गसाहस्सीओ सज्जद्धवद्ध जाव गहि  
 याउहपहरणा अप्पेगइया हयगया [अप्पेगइया] गयगया जाव [मणुस्स]वग्गुरापरि  
 विस्वत्ता जेणेव समा सु(ध)हम्मा जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छंति २ ता  
 करयल जाव वद्धावेंति । तए ण [से] कण्हे वासुदेवे हत्थिखंधवरगए सकोरेंटमल्लदा-  
 मेणं छत्तेणं ध(घा)रिज्जमाणेणं सेयवर० हयगय(०) महया भट्ठचडगरपहकरेण  
 वारवईए नयरीए मज्झमज्झेणं निगगच्छइ (०) जेणेव पुर त्थिमवेयाली तेणेव उवा-  
 गच्छइ २ ता पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं एगयओ मि(ल)लाइ २ ता खंधावार-निवेस करेइ  
 २ ता [पोसहसालं करेइ २ ता] पोसहसालं अणु पविसइ २ ता सुट्ठियं देवं मण(सि)-  
 सीकरेमाणे २ चिट्ठइ । तए ण कण्हस्स वासुदेवस्स अट्ठममंतंसि परिणममाणंसि  
 सुट्ठिओ जाव आगओ (१) [एवं वयइ-] मण देवाणुप्पिया । जं मए कायव्व । तए णं से  
 कण्हे वासुदेवे २ खलु देवाणुप्पिया । दोवई देवी जाव  
 तुम देवाणुप्पिया । मम पचहिं पंड-

कोटुविस्तुरिता वाव पवयिर्नति । तए मे से वेद-उवा रोवोर देवीए कण्ड हई  
 वा वाव अकमममे कोटी देवी सरावेर २ ता एवं वयाही-मण्डर मे हुमे देव-पु-  
 न्निमा । बारवाई नवदि कण्डरुन बावदेवस एवमपु निवेदेदि । कण्डे मे वर वगुदेवे  
 रोवोर (देवीए) मागममविगुने करेवा अजहा न नजह रोवोर देवीए त(ली)ई वा  
 त(ली)ई वा मव(ली)ति वा पवयिर्नति । तए मे सा कोटी देवी पण(र)मा एवं  
 पुन समानी वाव पवयिर्नति २ ता न्हापा हविर्गपवरम हविर्ग(ड)पुर् नवदि  
 मज्जममोरे निगएण २ ता बुवजनवर् मज्जममोरे केवेर सु(ड)डागमए  
 केवेर बारवाई नवदि केवेर अगुवावे तदेव उवगएण २ ता हविर्गपामो  
 पवोपुह २ ता कोटुविस्तुरिता सरावेर २ ता एवं वयाही-मण्डर मे हुमे देव  
 पुनमा । केवेर (बारवाई व ) बारवाई नवदि अगुमिह २ ता कण्ड बावदेवे  
 कण्डरु ] एवं कण्ड-एवं राउ समी । हुमे पिउण्य कोटी देवी हविर्गपामो  
 नवउमे ई ई हविर्गपामो हुमे रंउने कण्ड । तए मे से कोटुविस्तुरिता वाव  
 वरी । तए मे कण्ड बावदेवे कोटुविस्तुरिता मे निए [एवम] मोवा निवम  
 [रंउ] हविर्गपवरम हवमव ] बारवाई(व) नवदि मज्जममोरे केवेर कोटी  
 देवी केवेर उवगएण २ ता हविर्गपामो पवोपुह २ ता कोटीए देवीए कवण-  
 एवं करे २ ता कोटीए देवीए तदि हविर्गपु पुह २ ता बारव(ली)ई म-  
 (गि)ई मज्जममोरे केवेर नु मिह केवेर उवगएण २ ता मव मिह अगु  
 पवयिह । तए मे से कण्ड बावदेवे को(टी)नि देवि न्हावे विविमपुनगएण अर  
 दागमममव एवं वयाही-मिमा मे पिउण्य । निवममवमवमे (१) । तए  
 मे ता कोटी देवी कण्ड वगुदेवं एवं वयाही-एवं गह पुन । हविर्गपामो नवदि  
 कोटुविस्तुरिता [मो] अगमम(मे)एण दह ] वगुमम वगामो रोवोर देवी न नजह  
 केव नवदि वाव अकमम वा मे उवगमे मे पुन । रोवोर देवीए मग-  
 ममममे कण्ड । तए मे से कण्ड बावदेवे को(टी)नि विविदि एवं वयाही-मे नवदि  
 पिउण्य (१) देवीए देवीए कण्ड हई वा वाव अकममे से मे अर वगाममे  
 वा अगममो वा अगमममो वा ममममे रोवोर [विदि] एवमे उवगमे-निह  
 को(टी)नि विविदि (१) मे उवगमे मगममे वाव पवयिर्नति । तए मे ता कोटी देवी  
 कण्डे मे वगुदेवे विविदि विविदि अगममे केवेर निमि वागमममे ममे विविदि  
 विविदि । तए मे से कण्ड बावदेवे कोटुविस्तुरिता सरावेर २ ता एवं वयाही-  
 मण्डर मे हुमे देवपुनमा । बारवाई नवदि एवं अह वर ता रोवमे केवा  
 केव वाव पवयिर्नति वगुमम । तए मे से कण्ड बावदेवे अहम मेमेमे







ज्जे निगच्छामि-त्तिकट्टु दास्य सारहिं एवं वयासी-केवलं भो । रायसरथेसु इ(य)ए  
 अवज्जे-त्तिकट्टु असफारि(य)य असम्माणि(य)य अव-दारेण निच्छुभावेइ । तए  
 ण से दासु सारही पठम-नामेणं असफारि-यं जाव निच(छ)उठे समाने जेणेव कण्हे  
 वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ ता करयल जाव कण्हं (जाव), एवं वयासी-एवं  
 खलु अहं सामी ! तुब्भं वयणेण जाव निच्छुभावेइ । तए ण से पठम-नामे बल-  
 त्राउय सहावेइ २ ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया । आभिसेक्कं हत्थि-  
 यण पडिकप्पेह । तयाणतरं च ण छेयायरियउव(दे)एम्मइविकप्पणा(विगप्पेहिं)हि  
 जाव उव(णे)णेंति । तए ण से पठमनाहे सज्जद० अभिसेयं दुरुहइ २ ता हयगय  
 जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं से कण्हे वासुदेवे पठम-  
 नाभ रायाण एज्जमाणं पासइ २ ता ते पच पंढवे एव वयासी-ह भो दारगा ।  
 किञ्चं तुब्भे पठम-नामेण सद्धिं जुज्झि(हि)हइ उयाहु पिच्छह(पेच्छहि)ह ? ।  
 तए णं ते पच पडवा कण्ह वासुदेवं एवं वयासी-अम्हे ण सामी ! जुज्झामो तुब्भे  
 पेच्छह । तए ण पच पड(वे)वा स ज्जद जाव पहरणा रहे दुरुहति २ ता जेणेव  
 पठम-नामे राया तेणेव उवागच्छति २ ता एवं वयासी-अम्हे [वा] पठम-नामे वा  
 राय-त्तिकु पठमनामेण सद्धिं सपल्लगा यावि होत्था । तए णं से पठमनामे  
 राया ते पच पडवे खिप्पामेव हयमहियपवरविवडियच्चिध(द्ध)धयपडा(गा)गे जाव  
 दिसोदिसिं पडिसेहेइ । तए ण ते पंच-पडवा पठम-नामेणं र-जा हयमहियपवरविव-  
 डिय जाव पडिसेहिया समाना अत्थामा जाव आधारणिज्ज[मि]त्तिकट्टु जेणेव कण्हे  
 वासुदेवे तेणेव उवागच्छति । तए ण से कण्हे वासुदेवे ते पच पंढवे एवं वयासी-  
 कण्हेण तुब्भे देवाणुप्पिया । पठम-नामे(ण)ण रजा सद्धिं संपल्लगा ? । तए णं ते  
 पच पडवा कण्ह वासुदेव एव वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे तुब्भेहिं  
 अब्भणुजाया समाना सज्जद० रहे दुरुहामो २ ता जेणेव पठम नाभे जाव पडि-  
 सेहेइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे ते पंच-पडवे एवं वयासी-जइ णं तुब्भे देवाणु-  
 प्पिया । एव वयंता-अम्हे नो पठम-नाभे रायत्तिकट्टु पठम-नामेणं सद्धिं सपल्लगता  
 तो ण तुब्भे नो पठम-ना भे हयमहियपवर जाव पडिसे(हत्ते)हित्या तं पेच्छह णं  
 तुब्भे देवाणुप्पिया । अहं नो पठम-नाभे रायत्तिकट्टु पठमनामेणं रजा सद्धिं जुज्झामि  
 रहं दुरुहइ २ ता जेणेव पठमनाभे राया तेणेव उवागच्छइ २ ता सेय गोली-  
 रहारधवल तणसोल्लियसिंदुवारकुदेंदुसज्जिगासं नियय[त्स] धलस्स हरिसज्जण  
 रिउसे-अविणासकरं पंचज ज संख परामुसइ २ ता मुहवायपूरिय करेइ । तए णं तस्स  
 पठम-ना(ह)भस्स तेणं संखसहेणं बलतिमाए हए जाव पडिसेहिए । तए णं से कण्हे

बाह्येदे बभू पपमुसह केतो बभू पूर २ ता यमुसह कर १ तप न तस्य  
पञ्चम-नामस्त रोषे बभूतिमाप रोषे बभूतिमाप हवमक्षिय बाव पविसेदिप ।  
तप न से पञ्चम-ग्रमे एवा तिमापवमक्षयेसे अत्यने अवसे अवीरिए अपुरि-  
सुद्धारपरह(२)मे अवतिमिज मि-तिहृदि डिपे तुरिर्व केनेव अ वरकंका तेनेव उवा-  
पपह २ ता अ-वरकं(६)अपयहानि अपुपमिह २ ता वा(हा)पाई पिह २  
ता रोहसमे विह १ तप न से कन्हे बाह्येदे केनेव अ-वरकंका तेनेव उवा-  
मपह २ ता रई ठा-वै २ ता रहाम्मे पनोह २ ता वेदमिजसुमुग्याए  
सुमोह(१)वह ( ) एवं वई नरसीहसर्ग मिजम्ह २ ता महवा २ सौर्व पा(रो)वह  
सिर्ग कर १ तप न (६) कन्हे बभूतिमाप महवा २ सौर्व पा-वहपुर्ग कर्ग  
सुमावेव अ-वरकंका रादहाभी संममपापाएपो(५)उपपुसकचरिक्तोरनपमहविन-  
पनरममविदिबटा सर(२)सरस्त वरमिजके सविहवा १ तप न से पञ्चम-ग्रमे  
रावा अ वरकंका एवहामि संमम(ग)य बाव पाविता भीप रोवई वेतिं सरन  
सविह १ तप न सा रोवई वेनी पञ्चम-ग्रमे एवं एवं ववासी-मि-नं तुम वेवह-  
पिवा । (ग) बावति कन्हेस्त बाह्येदेस्त उवापुमिहस्त मिपिर्ग कोमावे  
(मम इह हवममापिदि) १ त एवममि गप एवमह नं तुम वेवहपिवा । बाप  
उपपहचाकप ओ(अ)वपपपपमिजके अंतेउपरिवाकसंपरिपुडे अम्याई वपाई  
रवम्याई प्याय मम पुरमे-अव कर्ग बाह्येदेव करवक [बाव] पाव(५)वहिए सरन  
सवेदि, पमिहववपहवा न वेवहपिवा । उवमपुमिह १ तप न से पञ्चम-ग्रमे  
रोवईए वेनीए एवमह पविहमे २ ता बाप बाव सरन ववै २ ता करवक  
बाव एवं ववासी-मि-नं वेवहपिवा नं इति बाव वरहमे । त एवमेदि न वेव-  
हपिवा । बाव वमं तु न बाव म्याई मुमे २ एवं करवपाए-तिहृदि पंखदि(५)उडे  
पाववहिए कन्हेस्त बाह्येदेस्त रोवई वेतिं उवाहति ववमेह १ तप न से कन्हे  
बाह्येदे पञ्चम-ग्रमे एवं ववासी-ई मो पञ्चम-नामा । अ( )पविहवपिवा ४ मि-नं  
तुम (५) बावति मम ममिनि रोवई वेतिं इह हवममापममि । त एवममि गप  
ममि से ममाहियो इवापि अमममि-तिहृदि वमम-नाम वमिमिहमे ( ) रोवई  
वेतिं ने(मि)ह २ ता रई ववमेह २ ता केनेव पंच पंच-वा तेनेव ववापवह २  
ता पंचवई पंचवई रोवई वेतिं उवाहति ववमेह १ तप न से कन्हे पंचवई पंचवई  
अदि अपहडे उदि रईदि अममसमुई यज्जमज्जोय केनेव अंमुई २ केनेव  
आहो वति तेनेव प्याहोव पमपाए ॥ १२५ ॥ तैन ववमेव तैन समपं वाक-  
संते रीने पुर-मिजमे आहो वासे नय वाम ववरी होवा १ पुममो ववमे ।

तत्थ णं चपाए नयरीए कविले नामं वासुदेवे राया होत्या (महया हिमबं०)  
वण्णओ । तेण कालेण तेणं समएण मुणिसुव्वए अरहा चंपाए पुण्णमहे समोसडे ।  
-क(पि)विले वासुदेवे धम्म सुणेइ । तए ण से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयस्स  
-अरहओ [अतिए] धम्मं सुणेमाणे कण्हस्स वासुदेवस्स सखमइं सुणेइ । तए ण  
तस्स कविलस्स वासुदेवस्स इमेयारूवे अ(ब्भ)ज्झत्थिए [४] समुप्पज्जित्या-किं मण्णे  
धायइंसंढे वीवे भारहे वासे दोचे वासुदेवे समुप्पजे (१) जस्स णं अयं संखसहे मम  
पिव सुहवायपूरिए वियमइ [१] कविले वासुदे(वे)वा भ(स)दा(ति)इ (सुणेइ) मुणिसु-  
व्वए अरहा कविल वासुदेवं एवं वयासी-से नूणं (ते) कविला वासुदेवा । म(म)म  
अतिए धम्म निसामेमाणस्स सखसइ आकणित्ता इमेयारूवे अ-ज्झत्थिए-किं मण्णे  
जाव वियमइ । से नूण कविला वासुदेवा । अ(यम)ठ्ठे समठ्ठे १ हता [१] अत्थि ।  
[तं] नो खलु कविला । एवं भूयं वा भ(वइ)व्वं वा भविस(सइ)स वा जण ए(गे)-  
गखेत्ते ए-नाजुगे ए-गसमए [ण] दुवे अरहंता वा चक्खवट्ठी वा बलदेवा वा वासुदेवा  
वा उप्पज्जित्त वा उप्पज्जित्ति वा उप्पज्जिस्सति वा । एव खलु वासुदेवा । जंबुदी-  
वाओ २ भारहाओ वासाओ हत्थिणाउ(र)राओ नयराओ पडुस्स र-ओओ सुण्हा  
पचण्ह पंडवाणं भारिया दोवइं देवी तव पउम-नाभस्स र-ओओ पुव्वसंगइएण देवेण  
अ-वरकं क-नयरिं साहरिया । तए ण से कण्हे वासुदेवे पचहिं पंडवेहिं सद्धिं  
अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं अ-वरकं रायहाणि दोवइए देवीए कूवं हव्वमागए । तए णं  
तस्स कण्हस्स वासुदेवस्स पउम-नाभेण र-ओओ सद्धिं सगाम संगामेमाणस्स अय सख-  
सहे तव सुहवाया० (इव) इहे (कते) इ(हे)व वियमइ । तए ण से कविले वासुदेवे  
मुणिसुव्वयं वंदइ नमसइ वं० २ ता एव वयासी-गच्छामि ण अह मंतं । कण्ह  
वासुदेवं उत्तमपुरिस [मम] सरिसपुरिसं पासामि । तए ण मुणिसुव्वए अरहा  
कविल वासुदेव एवं वयासी-नो खलु देवाणुप्पिया । एवं भूय वा ३ जण्ण अरहंता  
वा अरहत पासति चक्खवट्ठी वा चक्खवट्ठि पासति बलदेवा वा बलदेवं पासति वासु-  
देवा वा वासुदेव पासति । तहवि य णं तुमं कण्हस्स वासुदेवस्स लवणसमुइ  
मज्झमज्जेण वी(ति)ईवयमाणस्स सेयापीयाइं धयग्गाइं पासिहिसि । तए ण से कविले  
वासुदेवे मुणिसुव्वयं वंदइ नममइ व० २ ता हत्थिखंधं दुरूहइ २ ता सिग्घं २  
जेणेव वेला(उ)कूले तेणेव उवागच्छइ २ ता कण्हस्स वासुदेवस्स लवणसमुइ  
मज्झमज्जेण वी ईवयमाणस्स सेयापीया(हिं)इं धयग्गाइं पासइ २ ता एवं धयइ-एस  
णं मम सरिसपुरिसे उत्तमपुरिसे कण्हे वासुदेवे लवणसमुइं मज्झमज्जेण वीईवयइ-  
त्तिकइ पचयन्न संखं परामुसइ [२] सुहवायपरियं करेइ । तए णं से कण्हे वासु-

हेवे कस्मिन्स्य बाहुरेवस्य संखसर्गं आसन्नेह २ ता पंचमर्षं जाय पुरिमं करिह ।  
 तए नं सेमि बाहुरेवा संखसर्ग(सो)समामारिं करिंति । तए नं से कस्मिन्स्य बाहुरेवे  
 जेयेव अ-वरकंछ तेयेव उवायच्छह २ ता अ-वरकंछ उवाहायि संमगातोरेन जाय  
 बाहुर २ ता पठम गमं एवं बवासी-किंनं देवालुपिवा । एसा अ-वरकंछ संमगा  
 जाय सन्निवया ? । तए नं से पठम-वा-मि कस्मिन्स्य बाहुरेवं एवं बवासी-एवं कहु  
 तामी । ऊतुदीवाओ १ आउहाओ बासाओ एवं ह्यम्मापम्म कइने बाहुरेवेने  
 तुप्पे परियुव अ-वरकंछ जाय सन्नि(वा)वडिवा । तए नं से कस्मिन्स्य बाहुरेवे पठम-  
 ना-मस्व अंतिए एवमट्ट सोवा पठम गम(हं)मं एवं बवासी-ईं मो पठम-गमना । अ-  
 तिथवपत्तिवा [५.] किंनं तुये (न) जायसि मम धरिषपुरिषस्स कम्हस्स बाहुरेवस्य  
 निप्पिवं करेमाये ? आउलो जाय पठम-गम-मं निप्पिस्सयं आगवेह पठम-गम-मस्व  
 पुत्तं अ-वरकंछ[६] रायहाओए महया १ उवागमिसेएवं अमिस्सिह जाय वडिमाए  
 ॥ १३ ॥ तए नं से कम्हे बाहुरेवे म्मवच्छसुं मज्झमज्जेने नी-वेववर (पंथ  
 बवायए) ते पंच-पंडवे एवं बवासी-मच्छह नं तुप्पे देवालुपिवा । मं(या)मो महा-  
 व(ति)ईं उत्तरह जाय ताव अहं छट्ठिं अ-वच्छाहिंनं वासाणि । तए नं से पंच पंडवा  
 कइने १ एवं पुत्ता समया जेयेव रंया महाजरी तेयेव उवायच्छंति २ ता  
 एवट्ठिवाए गवाए म्मवममवेसवं करिंति २ ता एवट्ठिवाए गवाए रं-यं महाज-ईं  
 उत्तरंति २ ता अ-वम-मं एवं वंछि-पहु नं देवालुपिवा । कम्हे बाहुरेवे रं-यी  
 महा-व-ईं वाहाहि उत्तरिणए उवाहु नो व(पु)ह उवातेए-पिहु एवट्ठिवाओ  
 (गवाओ) व्हेंति २ ता कम्हं बाहुरेवं पडिवायेमाया २ चिहंति । तए नं से कम्हे  
 बाहुरेवे छट्ठिं अ-वच्छाहिंनं बाहुर २ ता जेयेव रंया महा-व(री)ईं तेयेव उवायच्छह  
 २ ता एवट्ठिवाए उवाओ समंया मग्गवमवेसवं करिह २ ता एवट्ठिं अ-वच्छमाये  
 एवाए वाहाए रईं छुररीं उवाहाहिं गेवह एवाए वाहाए रं-यी महा-व-ईं वाहट्ठि  
 ओववाईं अउओववं न नि(पिठ)पिठववं उत्तरिं पयंते वापि होरया । तए नं से कम्हे  
 बाहुरेवे रंवा[९] महा-व-ईंए अमुज्झरेसमा(नी)ए रंयते समये संते संते परिउते  
 वट्ठेए वाए यापि होत्वा । तए नं [उत्त] कम्हस्स बाहुरेवस्य इमे(६)वाकने  
 अ-उत्तरिणए (जाय उमुप्पिअत्ता)-अहो नं पंच पंडवा महावज्जया वेहिं रंयामहा-  
 व ई वा(ह)वट्ठि ओववाईं अउओववं न नि-पिठववा वाहाहिं वट्ठिवा इच्छंतेएहिं  
 नं वंछंति वंडदेहिं वडम-गमे (उवा) ह्यमविव जाय नो पडिसेहिं । तए नं रंवा-  
 देरी कम्हस्स बाहुरेवस्य इमं एवाकं अ-उत्तरिणं जाय जामिणं वडं विवरह । तए  
 नं से कम्हे बाहुरेवे तुत्तुत्तरं समावा(७)वेह २ ता रं-यी महा-व-ईं वाहट्ठि जाय

उत्तरइ २ ता जेणेव पंच-पढवा तेणेव उवागच्छइ (०) पंच पढवे एव वयासी-अहो  
 ण तुब्भे देवाणुप्पिया । महाबलवणा जे[हिं] ण तुब्भेहिं गगामहा-न-ई वा-चट्ठि जाव  
 उत्तिण्णा, इच्छतएहिं [ण] तुब्भेहिं पउम[नाहे] जाव नो पडिसेहिए । तए णं  
 ते पच पढवा कण्हेण वासुदेवेण एव वुत्ता समाणा कण्ह वासुदेवं एव वयासी-  
 एवं खल्ल देवाणुप्पिया । अम्हे तुब्भेहिं विसज्जिया समाणा जेणेव गगा  
 महा-न-ई तेणेव उवागच्छामो २ ता एगट्ठियाए मग्गणगवेसण त चेव जाव णूमेमो  
 तुब्भे पडिवालेमाणा चिट्ठामो । तए णं से कण्हे वासुदेवे तेसिं पच(ण्ह)पंडवारं  
 [अतिए] एयमद्वं सोच्चा निसम्म आसुरते जाव तिवल्लिय एव वयासी-अहो ण  
 नया मए लवणसमुद्द हुवे जोयणसयसह(स्सा)स्सवि त्थिण्णं वीईवइत्ता पउम-नाम  
 ह्यमहि(य)यं जाव पडिसेहिता अवरकंका समग(ग०)गा दोवई साहत्थि उवणीवा  
 तया ण तुब्भेहिं मम माहप्प न वि-जाय इयाणिं जाणिस्सह-त्तिकट्ठु लोहदढ परा-  
 मुसइ पचण्ह पढवाण रहे सुसू(चू)रेइ २ ता निव्विसए आणवेइ २ ता तत्थ ण रह-  
 मइणे नाम कोइ निविट्ठे । तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव सए खधावारे तेणेव  
 उवागच्छइ २ ता सएणं खधावारेण सद्धिं अभिसमन्नागए यावि होत्था । तए ण से  
 कण्हे वासुदेवे जेणेव वारवई नयरी तेणेव उवागच्छइ २ ता अणु प-प्पविसइ ॥१३१॥  
 तए ण ते पच-पंडवा जेणेव हत्थिणाउरे (णयरे) तेणेव उवागच्छति २ ता जेणेव  
 पइ [राया] तेणेव उवागच्छति २ ता करयल जाव एवं वयासी-एव खल्ल तावो ।  
 अम्हे कण्हेण निव्विसया आणत्ता । तए णं प-ह्हराया ते पच-पढवे एव वयासी-कहणं  
 पुत्ता । तुब्भे कण्हेण वासुदेवेण निव्विसया आणत्ता १ । तए णं ते पंच-पढवा पं(डु)डं  
 रायं एव वयासी-एवं खल्ल तावो । अम्हे अ-वरककावो पडि-नियत्ता लवणसमुद्द दोमि  
 जोयणसयसहस्साई वीईवइ(त्ता)त्था । तए णं से कण्हे वासुदेवे अम्हे एवं व(या०)-  
 यइ-गच्छइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया । ग ग महा-न-ई उत्तरइ जाव (चिट्ठइ) ताव अहं  
 एव तहेव जाव चिट्ठामो । तए ण से कण्हे वासुदेवे उट्ठियं लवणाहिवइ दट्ठूण त चेव  
 सव्व नवरं कण्हस्स चिता न धुज्ज(जुज्ज(बुच्च)इ जाव (अम्हे) निव्विसए आणवेइ । तए  
 ण से प-ह्हराया ते पंच-पढवे एवं वयासी-दुट्ठु ण [तुमं] पुत्ता । कयं कण्हस्स वासुदे-  
 वस्स विप्पियं करेमाणेहिं । तए ण से प-ह्हराया कौत्तिं देविं सदावेइ २ ता एव  
 वयासी-गच्छ[इ] णं तुम देवाणुप्पिया । वारवई कण्हस्स वासुदेवस्स निवे-एहि-एव  
 खल्ल देवाणुप्पिया । तु(म्हे)मे पच-पढवा निव्विसया आणत्ता, तुम च णं देवाणुप्पिया ।  
 दाहिणद्धमरहस्स सामी, तं संदिसंतु णं देवाणुप्पिया । ते पंच-पंडवा कयरं(दिसिं)  
 देसं वा (वि)दिसिं वा गच्छंतु ? । तए णं सा कौत्ती पंडुणा एव वुत्ता समाणी हत्थिखंवं





उत्तरइ २ ता जेणेव पच-पढवा तेणेव उवागच्छइ (०) पच पढवे, एवं वयासी-अहो ण तुब्भे देवाणुप्पिया ! महाबलवगा जे[हिं] ण तुब्भेहिं गगामहान-ई वा-वट्ठि जाव उत्तिण्णा, इच्छतएहिं [ण] तुब्भेहिं पठम[नाहे] जाव नो पडिसेहिए । तए ण ते पच पढवा कण्हेणं वासुदेवेणं एव धुत्ता समाणा कण्हं वासुदेवं एव वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे तुब्भेहिं विसज्जिया समाणा जेणेव गगा महान-ई तेणेव उवागच्छामो २ ता एगट्ठियाए मग्गणगवेसण त चेव जाव णूमेमो तुब्भे पडिवालेमाणा चिट्ठामो । तए णं से कण्हे वासुदेवे तेसिं पच(ण्ह)पढवाण [अतिए] एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुत्ते जाव तिवल्लिय एवं वयासी-अहो णं नया मए लवणसमुद्दं बुवे जोयणसयसह(स्सा)स्सवि त्थिण्णं वीईवइत्ता पठम-नाम हयमहि(य)यं जाव पडिसेहिता अ वरकका सभग(ग०)गा दोवई साहत्थि उवणीवा तया णं तुब्भेहिं मम माहप्पं न वि-ज्जाय इयाणिं जाणिस्सह-तिकट्ठं लोहदढ परा-सुसइ पचण्ह पढवाण रहे सुसू(धू)रेइ २ ता निव्विसए आणवेइ २ ता तत्थ ण रह-मइणे नाम कोइ निविट्ठे । तए ण से कण्हे वासुदेवे जेणेव सए खधावारे तेणेव उवागच्छइ २ ता सएणं खधावारेण सद्धिं अभिसमन्नागए यावि होत्था । तए ण से कण्हे वासुदेवे जेणेव बारवई नयरी तेणेव उवागच्छइ २ ता अणु प्पविसइ ॥१३१॥ तए ण ते पच-पढवा जेणेव हत्थिणाउरे (णयरे) तेणेव उवागच्छति २ ता जेणेव पंहु [राया] तेणेव उवागच्छति २ ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु ताओ ! अम्हे कण्हेणं निव्विसया आणत्ता । तए णं प-हूराया ते पच-पढवे एव वयासी-कहण पुत्ता ! तुब्भे कण्हेणं वासुदेवेण निव्विसया आणत्ता १ । तए णं ते पंच-पंढवा पं(ड)ड रायं एव वयासी-एवं खलु ताओ ! अम्हे अ-वरककाओ पडि-नियत्ता लवणसमुद्दं दोमि जोयणसयसहस्साइ वीईवइ(त्ता)त्था । तए ण से कण्हे वासुदेवे अम्हे एवं व(या०)-यइ-गच्छइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया । ग-ग महान-ई उत्तरइ जाव (चिट्ठह) ताव अहं एवं तहेव जाव चिट्ठामो । तए ण से कण्हे वासुदेवे इट्ठियं लवणाहिचइ दहूण त चेव सव्व नवरं कण्हस्स चिंता न बुज्झ(जुज्झ(बुज्झ)इ जाव (अम्हे) निव्विसए आणवेइ । तए ण से पं-हूराया ते पंच-पंढवे एवं वयासी-बुद्धु ण [तुमं] पुत्ता ! कयं कण्हस्स वासुदे-वस्स विप्पियं करेमाणेहिं । तए णं से पंहु-राया कौत्तिं देविं सहावेइ २ ता एव वयासी-गच्छ[ह] णं तुम देवाणुप्पिया । धारवई कण्हस्स वासुदेवस्स निवे-एहि-एव खलु देवाणुप्पिया । तु(म्हे)मे पंच-पंढवा निव्विसया आणत्ता, तुमं च ण देवाणुप्पिया ! दाहिणद्धभरइस्स सामी, त संदिसत्तु णं देवाणुप्पिया । ते पच-पढवा कयरं(दिसिं) वेसं वा (वि)दिसिं वा गच्छंतु १ । तए ण सा कौत्ती पंहुणा एवं धुत्ता समाणी हात्थिखं

दुग्धर (०) कदा हेतु आह संक्षिप्तं न पिठ(त्वा)कदा । निम्नापमणयजोवर्ध- । तए  
 यं सा कोटी कम्बे वाटवेने एवं कवाली-एवं कहु तुमे पुता । पंच-पंडवा निमित्तवा  
 आचता हर्म न व दक्षिणहर्मरह[स्स] काय (नि) सि(सि) सं वा नच्छंत्तु (१) । तए न से  
 कम्बे वाटवेने कोटि रेवि एवं कवाली-अपु(हि)नकयणा न पिठ कदा । उतमपुरिषा  
 वाटवेना वलवेना कदावृष्टि । तं पच्छंत्तु न (देवात् १) पंच-पंडवा दक्षिणि(त्री)अनेपाणि  
 तत्त पंडुमाहुरे निवेसंतु म-अ दक्षिणसेवना मर्कट-तिक्कु कोटि रेवि उच्छारे  
 सम्पावेह वात्त पविमिच्छयेह । तए न सा कोटी (देवी) आह पंडुस्स एयम्हं निवे-  
 प्पु । तए न पंडु राजा पंच पंडवे सहावेह २ ता एवं कवाली-अच्छंत्तु न तुम्मे पुता ।  
 दक्षिणि(त्री) देवाणि तत्त न तुम्मे पंडुमाहुरे निवेसेह । तए न [ते] पंच-पंडवा पंडुस्स  
 एयमे आह तद्वति पविमुपेति २ ता सवक्कवत्तवा हयगा हविषाठएयमे पवि-मि-  
 क्कमंति २ ता जेवेह दक्षिणमिच्छे देवाली तेसेव उपापच्छंति २ ता पंडुमाहुरे [नात्त]  
 क्य(रि)ं निवे(से)वंति ( ) । तत्त[नि] न से मितुकमोयसमिहसम-वापय्य वाणि  
 होत्त ३१२२० तए न सा रोवई देवी अचवा कवा(ही)ह आच-असता आत्ता(वा)मि  
 होत्ता । तए न सा रोवई देवी अचव मासाव वात्त उच्छं हारप पवात्ता द्दुग्धं  
 निम्बत्तवारसाहस्स हर्म एवाच्छं-अम्हा न अम्हं एत्त वारए पंचवर्ह पंचवर्ह पुते  
 रोवईए देवीए अत्तए तं हो(उ)क्क (अम्हं) न ह्यस्स वारगस्स नामवेजं पंडुसेने[ति] ।  
 तए न तस्स वारगस्स अम्मपिबरो नायवेजं क(रि)रंति पंडुसेवति । वात्तर्हि  
 कवालो वात्त [अच्छं]मोग्गमत्तवे वाए उचरय्या वात्त निहरह । (तेने क्कळेने तेने उच-  
 एवं अम्मचोत्ता) वेत्त समोत्तवा पविषा निम्बवा । पंडवा निम्बवा अम्मे सेवा एवं  
 कवाली-अ क्वरं देवात्तुपिवा । रोवई रेवि आत्तुच्छंमो पंडुसेने न कुमारं राजे  
 अविमो उचो पच्छं देवात्तुपिवात्तं अंतिए हुंति अमिता वात्त पच्छंवामो । अहत्तई  
 देवात्तुपिमा । । तए न से पंच-पंडवा जेवेह सए मिच्छे तेसेव उपापच्छंति २ ता  
 रोवई रेवि सहावेति २ ता एवं कवाली-एवं कहु देवात्तुपिए । अम्हेहि वेत्तपे अंतिए  
 अम्मे मिच्छे वात्त पच्छंवामो हर्म [न] देवात्तुपिए । किं करोति । । तए न सा  
 रोवई (देवी) से पंच-पंडवे एवं कवाली-अह न तुम्मे देवात्तुपिवा । संसार  
 मज्झिमगा [आच] पच्छंत्तु मम के अन्ने आच्छंने वा वात्त ममिस्सह । अहं पि  
 न न संसारमज्झिमगा देवात्तुपिएहि सद्धि पच्छंत्तुसामि । तए न से पंच-पंडवा  
 पंडुसेवस्स अमिसेयमे वात्त राजा वाए वात्त रत्त पहाहेयामि निहरह । तए न से  
 पंच-पंडवा रोवई न देवी अचवा कवा-ह पंडुसेने राजानं आत्तुच्छंति । तए न से पंडु-  
 सेने राजा अहंमिदुपिसे सहावेह २ ता एवं कवाली-विष्णवेह मो [१] देवात्तुपिवा ।

उत्तरइ २ ता जेणेव पंच-पडवा तेणेव उवागच्छइ (०) पंच पटवे एव वयासी-अहो  
 ण तुब्भे देवाणुप्पिया । महापल्लमा जे[हिं] णं तुब्भेहिं गगामहान-ई चा-वट्ठि जाव  
 उत्तिण्णा, इच्छतएहिं [ण] तुब्भेहिं पउम[नाहे] जाव नो पडिसेहिए । तए ण  
 ते पंच पडवा कण्हेणं वासुदेवेण एव घुत्ता समाणा कण्ह वासुदेव एव वयासी-  
 एव खलु देवाणुप्पिया । अम्हे तुब्भेहिं विसज्जिया समाणा जेणेव गगा  
 महान-ई तेणेव उवागच्छामो २ ता एगट्ठियाए मग्गणगवेसण त चेव जाव णूमेमो  
 तुब्भे पडिवालेमाणा चिट्ठामो । तए ण से कण्हे वासुदेवे तेसिं पंच(ण्ह)पडवाण  
 [अतिए] एयमट्ठं सोचा निसम्म आसुत्ते जाव तिवलिय एव वयासी-अहो ण  
 नया मए लवणसमुद्दं दुवे जोयणसयसह(स्सा)स्सवि त्थिण्ण वीईवइत्ता पउम-नाम  
 ह्यमहि(य)यं जाव पडिसेहिता अ वरकका सभग(ग०)गा दोवई साहत्थि उवणीवा  
 तया ण तुब्भेहिं मम माहप्प न वि जाय इयारिणि जाणिस्सह-त्तिकट्ट लोहदट्ट परा-  
 मुसइ पंचण्ह पडवाण रहे सुसु(चू)रेइ २ ता निव्विसए आणवेइ २ ता तत्थ ण रह-  
 म्हाणे नाम कोट्टे निविट्ठे । तए ण से कण्हे वासुदेवे जेणेव सए राधावारे तेणेव  
 उवागच्छइ २ ता सएणं खधावारेणं सद्धिं अभिसमन्नागए यावि होत्था । तए ण से  
 कण्हे वासुदेवे जेणेव वारवई नयरी तेणेव उवागच्छइ २ ता अणु पंचवेसइ ॥१३१॥  
 तए ण ते पंच-पडवा जेणेव हत्थिणाठरे (णयरे) तेणेव उवागच्छति २ ता जेणेव  
 पड्ड [राया] तेणेव उवागच्छति २ ता करयल जाव एव वयासी-एव खलु ताओ ।  
 अम्हे कण्हेणं निव्विसया आणत्ता । तए णं प-द्धराया ते पंच-पटवे एव वयासी-कण्हण  
 पुत्ता । तुब्भे कण्हेण वासुदेवेणं निव्विसया आणत्ता ? तए ण ते पंच-पडवा प(ड्ड)डं  
 राय एव वयासी-एवं खलु ताओ । अम्हे अ-वरककाओ पडि-नियत्ता लवणसमुद्दं दोसि  
 जोयणसयसहस्साइ वीईवइ(त्ता)त्था । तए ण से कण्हे वासुदेवे अम्हे एव व(या०)-  
 यइ-गच्छइ ण तुब्भे देवाणुप्पिया । ग ग महान-ई उत्तरइ जाव (चिट्ठइ) ताव अहं  
 एवं तहेव जाव चिट्ठामो । तए ण से कण्हे वासुदेवे इट्ठिय लवणाहिंवइ दट्ठूण त चेव  
 सव्व नवरं कण्हस्स चिंता न वुज्झ(जुज्झ(वुच्च)इ जाव (अम्हे) निव्विसए आणवेइ । तए  
 ण से प-द्धराया ते पंच-पडवे एवं वयासी-दुट्ठु ण [तुम] पुत्ता । कय कण्हस्स वासुदे-  
 वस्स विप्पिय करेमाणेहिं । तए णं से पद्ध-राया कोत्तिं देविं सदावेइ २ ता एव  
 वयासी-गच्छ[ह] णं तुम देवाणुप्पिया । वारवइ कण्हस्स वासुदेवस्स निवे-एहि-एव  
 खलु देवाणुप्पिया । तु(म्हे)मे पंच-पडवा निव्विसया आणत्ता, तुमं च णं देवाणुप्पिया ।  
 दाहिणद्धमरहस्स सामी, त संदिसंतु ण देवाणुप्पिया । ते पंच-पडवा कयर(दिसिं)  
 देसं वा (वि)दिसिं वा गच्छंतु ? तए णं सा कोत्ती पड्डणा एव घुत्ता समाणी हत्थिखवं



निक्खमणाभिसेयं जाव उवट्टवेह पुरिससहस्तवा-हिणीओ सिवियाओ उवट्टवेह जाव  
 पच्चोरुहंति जेणेव थेरा [भगवतो] तेणेव उवागच्छंति जाव आलिते णं जाव समणा  
 जाया चोह[र]स पुव्वाइं अहिज्जति २ । ता बहूणि वासाणि छट्ठद्वमदसमदुवाल्सेहिं  
 मासद्धमासखमणेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १३३ ॥ तए ण सा दोवई देवी  
 सीयाओ पच्चोरुहइ जाव पव्वइया सुव्वयाए अज्जाए सिस्सि(णी)णियत्ताए दलयइ  
 ए(इ)क्कारस अगाइ अहिज्जइ (०) बहूणि वासाणि छट्ठद्वमदसमदुवाल्सेहिं जाव विह  
 रइ ॥ १३४ ॥ तए णं थेरा भगवतो अज्जाया कया(ई)इ पढुमहुराओ नयरीओ सहसंबव  
 णाओ उज्जाणाओ पडि निक्खमंति २ ता बहिया जणवयविहारं विहरंति । तेण कालेण  
 तेण समएणं अ(रि)रहा अरिट्ठनेमी जेणेव सुरट्ठाजणवए तेणेव उवागच्छइ २ ता  
 सुरट्ठाजणवयसि सज्जेण तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए ण बहुजणो अन्नम-  
 न्नस्स एवमाइक्खइ ४-एव खलु देवाणुप्पिया ! अ-रहा अरिट्ठनेमी सुरट्ठाजणवए जाव  
 विहरइ । तए ण (से) ते जुहिट्ठिल्लपामोक्खा पच अणगारा बहुजणस्स अतिए एय  
 मट्ठ सोच्चा अन्नमन्न सद्दवेंति २ ता एव वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अरहा  
 अरिट्ठनेमी पुव्वाणुपुव्वि जाव विहरइ, तं सेय खलु अम्ह थेरा आपुच्छिता अरह  
 अरिट्ठनेमिं वदणाए गमित्तए । अन्नमन्नस्स एयमट्ठ पडिमुणेंति २ ता जेणेव थेरा भग  
 वतो तेणेव उवागच्छंति २ ता थेरे भगवते वदति नमसति वं० २ ता एव वयासी-  
 इच्छामो णं तुब्भेहिं अन्नमणुत्ताया समाणा अरहं अरिट्ठनेमिं जाव गमित्तए । अहासुह  
 देवाणुप्पिया । । तए ण ते जुहिट्ठिल्लपामोक्खा पच अणगारा थेरेहिं अन्नमणुत्ताया  
 समाणा थेरे भगवते वदति नमसति वं० २ ता थेराणं अतियाओ पडि-निक्खमति  
 (०) मासमासेण अणिक्वित्तेणं तवोकम्मेण गामाणुगाम दू(ई)इज्जमाणा जाव जेणेव  
 ह(त्थि)त्थकप्पे (नयरे) तेणेव उवागच्छंति (०) हत्थकप्पस्स बहिया सहसबवणे  
 उज्जाणे जाव विहरंति । तए णं ते जुहिट्ठिल्लवज्जा चत्तारिं अणगारा मास-क्ख  
 मणपारणए पढमाए पो(र)रिसीए सज्झाय करंति बीयाए एव जहा गोयमसामी  
 नवर जुहिट्ठिल्ल आपुच्छंति जाव अढमाणा बहुजणसहं निसामेंति । एवं खलु  
 देवाणुप्पिया ! अरहा अरिट्ठनेमी उ(ज्जि)ज्जतसेलसिहरे मासिएणं भत्तेण अपाणएणं  
 पचहिं छत्तीसेहिं अणगारसएहिं सद्धिं कालगए जाव पहीणे । तए ण ते जुहि-  
 ट्ठिल्लवज्जा चत्तारिं अणगारा बहुजणस्स अतिए (एयमट्ठं) सोच्चा ह-त्थकप्पाओ  
 पडि निक्खमति २ ता जेणेव सहसबवणे उज्जाणे जेणेव जुहिट्ठिल्ले अणगारे तेणेव  
 उवागच्छंति २ ता भत्तपाण प(सुवे)क्खंति २ ता गमणागमणस्स पडिक्कमति २  
 ता एसणमणेसण आलोएति २ ता भत्तपाणं पडिदंसेति २ ता एवं वयासी-एवं खलु

देवाभिरुपिवा (१) वाच आचययः । तं तेनं कस्तु जम्ह देवाभिरुपिवा । इमं पुम्भयद्विर्व  
 मत्तपानं वरिष्ठदेवा देवतुर्ध पम्भयं सवित्रं २ इ(ह)वद्विषय संकैहय(पु)म्भयम्भ(सो)-  
 विवाचं कस्तं भन(वर्क)देवसमाचानं विद्विरिप-तिवज्जु ज-भन-वस्त एवम्भं पवि  
 लुपेति २ तत् तं पुम्भयद्विर्व मत्तपानं एयते वरिष्ठदेवि २ तत् केनैव सेतुदे एवम्भ  
 तेनैव वरायम्भेति २ तत् सेतुर्ध नम्भयं [सवित्रं २] दुराद्वि ( ) वाच कस्तं भनवर्क-  
 कम्भाना निहंति । तत् ये से इद्विद्विषामोक्ता पंच वयगादा सामाश्चमाश्चार्द  
 योरस-पुग्धार्द अद्वि(जिता)जंति वहुनि वासानि (साम्भयपरिवार्य वाउनिषा)  
 सोमाशिराप् संकैहयप् मत्तपानं सो(ति)येता वस्तद्विप की(वि)म्भ योरकम्भमावे  
 विवकम्भमावे वाच तद्विपमत्तपानेति २ तत् अर्धते वाच केवकम्भ-गापरंमै समुप्य-वे  
 वाच विव ॥ ११५ ॥ तत् ये सा रोक्दं अजा लम्भयार्द अजिवाचं अंतिप  
 सामाश्चमाश्चार्द एवार्द अद्विजम्भ २ तत् वहुनि वासानि (सा ) वासि  
 वाप् संकैहयप् आभोद्वपविहंता वासमावे कस्तं विवाचं वंमन्नेए ववववा । तत्त  
 नं अत्येव्यार्द देवाचं वस सागरोवयार्द दिद्वि पवता । तत्त नं दुर(वि)वस्त  
 [मि] देवस्त वस-तामरोवयार्द दिद्वि व-ववा । ते नं मते । दुरय देवे ता(व)मो वाच  
 म्भानिरोदे वाचे वाच जंते कद्विः । इमं कस्तु सेतु । समन्नेभं भम्भय मद्वावीरेमं  
 वाच संतोमं लोकम्भयस्त नावज्जयवस्त अजयम्भे पवते विवेमि ॥ ११६ ॥  
 वाह्वाड—दुवहुं पि उवविद्विषो निवाचरोसेन वृषिभो संतो । न विवाच देवैरे  
 वहु विव लुम्भाम्भियाम्भे ॥ १ ॥ अमपुवममयीए पते वार्धं मने अमत्तवाच । वहु  
 कद्विपुववार्धं नायतिरिममि रोवयप् ॥ २ ॥ सोकसमं नापम्भययं समर्धं ॥  
 वहु नं अति । समन्नेभं लोकम्भयस्त नावज्जयवस्त अजयम्भे व-वते धार  
 समस्त ( ) नावज्जयवस्त के कस्तु पवते । एवं कस्तु अंप् । तेनं कस्तुं तेनं सम  
 एवं हविषीसे नमं नवरे होरवा वम्भयो । तत्त नं कवपकेड नामं एया होरवा  
 वम्भयो । तत्त नं हविषीसे नवरे वहुनै संतुता-वावाचामियगा वरिष्ठदेवि वहु वाच  
 व(हो)द्ववस्त अपरिपूवा वावि होरवा । तत्त नं तेवि संतुता-वावाचामियगां अजवा  
 कम्भय एयवम्भे (सद्विवाचं) वहा वरव-वजीए वाच कवववमुर्द अवेयार्द अयेवव  
 पार्द अयेवावा वावि होरवा । तत्त नं तेवि वाच वहुनि कम्भ(वि)वववार्द वहा वा-  
 विववारपानं वाच वाविवाचप् व तत्त वं(व)मु(वि)विपिप । तत्त नं ता नावा तेनं  
 वाविवाचपानं वा(येवि)विमज्जमावी २ संवाविज्जमावी २ संवोद्विज्जमावी २  
 एत्येव वरिष्ठव । तत्त नं ये विज्जम्भय नद्विपार्द नद्विपार्द नद्विप के नद्विपानाए  
 वाप् एयै होरवा न वावाय कयरे (देव वा) विवे वा विवेसे वा योववहने [अ]व-

निकृत्तमणाभिसेयं जाव उवट्टवेह पुरिससहस्सवा-हिणीओ सिबियाओ उवट्टवेह जाव  
 पचोरुहंति जेणेव थेरा [भगवंतो] तेणेव उवागच्छंति जाव आलिते णं जाव समणा  
 जाया चोद[स्]स पुब्बाइं अहिज्जंति २ ता घट्टणि घासाणि छट्टट्टमदसमदुवाल्सेहिं  
 मासद्धमासत्तमणेहिं अप्पाण भावेमाणा विहरंति ॥ १३३ ॥ तए ण सा दोवई देवी  
 सीयाओ पचोरुहइ जाव पच्चइया मुच्चयाए अज्जाए तिसिस्(णी)णियत्ताए दलयइ  
 ए(इ)कारस अगाईं अहिज्जइ (०) घट्टणि वासाणि छट्टट्टमदसमदुवाल्सेहिं जाव विह  
 रइ ॥ १३४ ॥ तए ण थेरा भगवतो अन्नया कया(डि)इ पडुमहुराओ नयरीओ सहसवव  
 णाओ उज्जाणाओ पडि निकृत्तमति २ ता बहिया जणवमविहारं विहरति । तेण कालेण  
 तेणं समएण अ(रि)रहा अरिट्टिनेमी जेणेव सुरट्टाजणवए तेणेव उवागच्छइ २ ता  
 सुरट्टाजणवयंसि सज्जेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ । तए णं बहुजणो अन्नम  
 न्नस्स एवमाइक्खइ ४-एवं खलु देवाणुप्पिया । अ-रहा अरिट्टिनेमी सुरट्टाजणवए जाव  
 विहरइ । तए ण (से) ते जुहिट्टिण्णामोक्खा पच अणगारा बहुजणस्स अतिए एय  
 मट्ट सोचा अन्नमन्न सद्दवेंति २ ता एव वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया । अरहा  
 अरिट्टिनेमी पुब्बाणुप्पुवि जाव विहरइ, त सेय खलु अम्ह थेरा आपुच्छिता अरह  
 अरिट्टिनेमि वदणाए गमित्तए । अन्नमन्नस्स एयमट्ट पडिज्जेति २ ता जेणेव थेरा भग  
 वतो तेणेव उवागच्छति २ ता थेरे भगवते वदति नमसति व० २ ता एव वयासी-  
 इच्छामो ण तुब्भेहिं अन्नमणुन्नाया समाणा अरह अरिट्टिनेमि जाव गमित्तए । अहासुह  
 देवाणुप्पिया । । तए ण ते जुहिट्टिण्णामोक्खा पच अणगारा थेरेहिं अन्नमणुन्नाया  
 समाणा थेरे भगवते वदति नमसति व० २ ता थेराण अतियाओ पडि-निकृत्तमति  
 (०) मासंमासेण अणिक्खित्तेण तवोक्कम्मेण गामाणुगाम दू(इ)इज्जमाणा जाव जेणेव  
 ह(त्थि)त्यकप्पे (नयरे) तेणेव उवागच्छंति (०) ह त्यकप्पस्स बहिया सहसववणे  
 उज्जाणे जाव विहरंति । तए ण ते जुहिट्टिल्लवज्जा चत्तारि अणगारा मास-अ-ख  
 मणपारणए पडमाए पो(र)रिसीए सज्झायं करेंति वीयाए एव जहा गोयमसामी  
 नवरं जुहिट्टिल्ल आपुच्छंति जाव अडमाणा बहुजणसह निसामेंति । एवं खलु  
 देवाणुप्पिया । अरहा अरिट्टिनेमी उ(ज्जि)ज्जतसेलसिहरे मासिएणं भत्तेण अपाणएणं  
 पचहिं छत्तीसेहिं अणगारसएहिं सद्धिं कालगए जाव पहीणे । तए ण ते जुहि-  
 ट्टिल्लवज्जा चत्तारि अणगारा बहुजणस्स अंतिए (एयमट्ट) सोचा ह-त्यकप्पाओ  
 पडि निकृत्तमति २ ता जेणेव सहसववणे उज्जाणे जेणेव जुहिट्टिल्ले अणगारे तेणेव  
 उवागच्छति २ ता भत्तपाण प(सुवे)चक्खंति २ ता गमणागमणस्स पडिक्कमति २  
 ता एसणमणेसणं आलोएंति २ ता भत्तपाण पडिदसेंति २ ता एवं वयासी-एवं खलु





हिए-तिकहु ओहयमणसकप्पे जाव क्षियायइ । तए णं ते बहवे कुच्छिभारा य  
 कण्णधारा य ग(न्मि)ब्भेइगा य संजुता-नावावाणियगा य जेणेव से निजामए  
 तेणेव उवागच्छति २ ता एवं वयासी-किंज तुमं देवाणुप्पिया ! ओहयमणसंक-  
 (प्पा)प्पे (जाव) क्षियायसि २ । तए णं से निजामए ते बहवे कुच्छिधारा य ४ एव  
 वयासी-एवं सल्लु [अहं] देवाणुप्पिया ! नट्टमईए जाव अवहिएतिकहु तओ ओहय-  
 मणसंकप्पे (जाव क्षियामि) । तए णं ते कण्णधारा [य ४] तस्म निजामयस्संतिए  
 एयमट्ठं सोचा निसम्म भीया० ण्हाया करयल [जाव] बहूण ईदाण य स(दा)धाण य  
 जहा मल्लिनाए जाव उवायमाणा २ चिद्धति । तए ण से निजामए तओ मुहुत्ततरस्स  
 लद्धमईए ३ अमूढदिसाभाए जाए यावि होत्या । तए णं से निजामए ते बहवे  
 कुच्छिधारा य ४ एव वयासी-एव सल्लु अह देवाणुप्पिया ! लद्धमईए जाव अमूढ-  
 दिसाभाए जाए । अम्हे ण देवाणुप्पिया ! कालियदीवतेणं सं(वू)ट्ठा । एस ण  
 कालियदीवे आलोक्कइ । तए णं ते कुच्छिधारा य ४ तस्स निजामगस्स अंतिए एय-  
 मट्ठं सोचा हट्ठुट्ठा पयक्खिणाणुकूलेणं वाएण जेणेव का(ली)लियदीवे, तेणेव उवाग-  
 च्छति २ ता पोयवहण लवेंति २ ता एगट्ठियाहिं कालियदीवं उत्तरंति । तत्य ण  
 बहवे हिरण्णागरे य सुवण्णागरे य रयणागरे य वइरागरे य बहवे तत्य आसे  
 पासति किं ते ? हरिरेणुसोणिमुत्त(गा)ग आ(इं)इण्णवेढो । तए णं ते आसा(ते)ओ  
 वाणियए पासति (०) तेसिं गधं आ(अर)घायंति (०) भीया तत्या उच्चिग्गा उच्चि-  
 ग्गमणा तओ अणेगाईं जोयणाइ उच्चममति । ते णं तत्य पठरगोयरा पठरतण-  
 पाणिया निच्चया निरुच्चिग्गा सुहसहेण विहरंति । तए णं [ते] संजुता-नावावा-  
 णियगा अ-न्नम-न्नं एव वयासी-किं(ण्हं)न्न अ(म्हे)म्ह देवाणुप्पिया ! आसेहिं ? इमे ण  
 बहवे हिरण्णागरा य सुवण्णागरा य रयणागरा य व(इ)यरागरा य । त सेयं सल्लु  
 अम्ह हिरण्णस्स य सुवण्णस्स य रयणस्स य व-यरस्स य पोयवहणं भरितए-  
 तिकहु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिमुणेंति २ ता हिरण्णस्स य सुवण्णस्स य रयणस्स  
 य व-यरस्स य तणस्स य कट्ठस्स य अ-न्नस्स य पाणियस्स य पोयवहणं भरेंति  
 २ ता द(पय)क्खिणाणुकूलेणं वाएण जेणेव गभीरपोय(वहण)पट्ठे तेणेव उवाग-  
 च्छति २ ता पोयवहणं लवेंति २ ता सगढीसागढं सज्जेति २ ता तं हिरण्णं जाव  
 वइर च एगट्ठियाहिं पोयवहणाओ संचारेंति २ ता सगढीसागढं सजो(इ)एंति (०)  
 जेणेव हत्थिसी(सए)से नयरे तेणेव उवागच्छंति २ ता हत्थिसीसयस्स नयरस्स  
 बहिया अग्गुज्जाणे सत्थ-निवेस करेंति २ ता सगढीसागढं मोएति २ ता महत्थं जाव  
 पाहुं गेण्हंति २ ता हत्थिसीसं च न(ग)यरं अणु प्पविसति २ ता जेणेव [से] कण-

पक्षे (रात्रौ) तेनेव उवाच्यतेति २ ता आत्र उच्येति । तए न से कन्यकेन तेति  
 संभूता(वाचा)वाचिकया तं महत्त्वं वाच पविच्छाह [२] ते संभूता-वाचिकया एवं  
 ववाची-मुष्मे न वैवाह्यपिमा । गामायत्र वाच आर्द्धिहह स्वयंस्वसु न अभिवचनं  
 २ पोयवहर्षेण अगेगा(ह)देह, तं वाचि-या(ही)ह [त्व] केह मे कर्हिणि वल्लोप  
 मिहमुष्मे । । तए न से संभूता-वाचिकया कन्यकेन (रात्रौ) एवं ववाची-एवं कन्य  
 कन्ये वैवाह्यपिमा । इहेव हस्तिनीसे नवरे परिवसामो तं नेव वाच वाचि(न)प-  
 रीरंतेन संभूता । तए न वहुव हिरन्वायत न वाच वहुव तए आते कि ते १  
 हस्तिरेव वाच जनेवाहं जनेवाहं उच्यतेति । तए न सामी । कन्येहिं कर्हिमयीवे  
 ते आसा अष्टेरए मिहमुष्मे । तए न से कन्यकेन तेति संभूता(वाचा)वाचं कर्हि  
 एवमर्द्ध सोच ते संभूताए एवं ववाची-एवमर्द्ध न मुष्मे वैवाह्यपिमा । मम कोर्द्ध  
 विन्दुमरेहिं सदि कर्हिमयीवामो ते आसे आसेह । तए न से संभूतावाचिकया  
 कन्यकेन-एवं ववाची-एवं सामि-ति(क) आसाए विवर्ण वचनं पविच्छेति ।  
 तए न [सि] कन्यकेन-कोर्द्धविमयुरिसे स्रावेह २ ता एवं ववाची-एवमर्द्ध न मुष्मे  
 वैवाह्यपिमा । संभूताएहिं [वाचवाचिकया] सदि कर्हिमयीवामो मम आसे  
 आसेह । तेति पविच्छेति । तए न से कोर्द्धवि(व) वा सपदीसायनं सजेति २ ता  
 तए न वहुव बीमात्र न कन्येव य मायरीन न कन्यसमीन य ममाय य कन्या-  
 मरीन न विवितादीवाच न जनेसि न वहुव सो(ति)र्विदियपठम्मायं दम्मायं सय-  
 दीसायनं मरेति २ ता वहुव विव्वाय य वाच सविवाच न वहुवम्माय न ४  
 यविमाय न ४ वाच सपदीसायनं न जनेसि न वहुव यविदियपाठम्मायं दम्मायं  
 सयदीसायनं मरेति २ ता वहुव वेदुपुवाय न वेदुपुवाय न वाच जनेसि न  
 वहुव वाचिनिवाठम्मायं दम्मायं सपदीसायनं मरेति २ ता वहुव वेदुस्स  
 य पुनस्स य सवराए न मर्द्धविद्याए न पुण्णुतरपट्ठुतर जनेसि न विविमिदिय-  
 पाठम्मायं दम्मायं सपदीसायनं मरेति २ ता [नचसि न] वहुव जेव(ववा)वाच  
 न कन्याय य पा(वरा)वाचन न नवतवाय न मक्याय य मस्राय य सिक्क-  
 टाय [न] वाच इंसयम्माय न जनेमि न वासिदियपाठम्मायं दम्मायं वाच मरेति  
 २ ता सपदीसायनं को(ए)वेति २ ता जेनेव यमीए जेवद्वये तेनेव उवाच्यतेति  
 ( ) सपदीसायनं को(ए)वेति २ ता पोयवहर्षे सजेति २ ता तेति सविद्वानं सव-  
 रितसस्मायार्थं वहुव न तपस्व न पाप्मस्य य संदुम्यन न समिस्व न  
 मोरस्व न वाच जनेसि न वहुव पोयवहर्षपाठम्मायं पोयवहर्ष मरेति २ ता  
 हनिववहर्षेण वाएन जेनेव वाचिमयीवे तेनेव उवाच्यतेति २ ता पोयवहर्षे

हिए-तिकट्टु ओहयमणसकप्पे जाव सियायइ । तए णं ते बहवे कुच्छिधारा य कण्णधारा य ग(ग्भि)ग्मेत्तगा य संजुत्ता-नावावाणियगा य जेणेव से निजामए तेणेव उवागच्छति २ ता एवं वयासी-किन्न तुमं देवाणुप्पिया । ओहयमणसंक (प्पा)प्पे (जाव) सियायसि २ । तए णं से निजामए ते बहवे कुच्छिधारा य ४ एव वयासी-एवं खलु [अहं] देवाणुप्पिया । नट्टमइए जाव अवहिएतिकट्टु तवो ओहय-मणसंकप्पे (जाव) सियामि । तए णं ते कण्णधारा [य ४] तस्स निजामयस्संतिए एयमट्ठं सोचा निसम्म भीया० ण्हाया करयल [जाव] घट्ठण ईदाण य रा(दा)षाण य जहा मल्लिताए जाव उवायमाणा २ चिद्धति । तए ण से निजामए तवो मुहुत्ततरस्स लद्धमइए ३ अमूडदिसाभाए जाए यावि होत्या । तए णं से निजामए ते बहवे कुच्छिधारा य ४ एव वयासी-एव खलु अह देवाणुप्पिया । लद्धमइए जाव अमूड-दिसाभाए जाए । अम्हे ण देवाणुप्पिया । कालियदीवतेण स(वू)ट्ठडा । एस ण कालियदीवे आलोक्कइ । तए ण ते कुच्छिधारा य ४ तस्स निजामगस्स अतिए एय-मट्ठ सोचा हट्ठवुट्ठा पयक्खिणाणुकूलेण वाएण जेणेव का(ली)लियदीवे तेणेव उवाग-च्छति २ ता पोयवहण लव्वेति २ ता एगट्ठियाहिं कालियदीवं उत्तरंति । तत्थ णं बहवे हिरण्णागरे य सुवण्णागरे य रयणागरे य वड्डरागरे य बहवे तत्थ आमे पासति किं ते २ हरिरेणुसोणिवुत्त(गा)ग आ(ई)इणवेडो । तए णं ते आसा(ते)ओ वाणियए पासति (०) तेसिं गथं आ(अग)घायति (०) भीया तत्था उव्विग्गा उव्वि-ग्गमणा तवो अणेगाईं जोयणाईं उब्भमति । ते णं तत्थ पडरगोयरा पडरतण-पाणिया निब्भया निरुव्विग्गा सुहसुहेण विहरंति । तए णं [ते] संजुत्ता-नावावा-णियगा अ-न्नम-न्नं एवं वयासी-कि(ण्हं)न्नं अ(म्हे)म्हं देवाणुप्पिया । आसेहिं २ इमे ण बहवे हिरण्णागरा य सुवण्णागरा य रयणागरा य व(इ)यरागरा य । त सेय खलु अम्ह हिरण्णस्स य सुवण्णस्स य रयणस्स य व-यरस्स य पोयवहणं भरित्तए-तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठ पडिसुण्णेति २ ता हिरण्णस्स य सुवण्णस्स य रयणस्स य व-यरस्स य तणस्स य कट्ठस्स य अ-न्नस्स य पाणियस्स य पोयवहणं भरंति २ ता द(पय)क्खिणाणुकूलेण वाएण जेणेव गभीरपोय(वहण)पट्ठणे तेणेव उवाग-च्छति २ ता पोयवहणं लव्वेति २ ता सगढीसागडं सज्जेति २ ता तं हिरण्ण जाव वड्डर च एगट्ठियाहिं पोयवहणाओ संचारंति २ ता सगढीसागडं सज्जे(ई)एंति (०) जेणेव हत्थिसी(सए)से नयरे तेणेव उवागच्छति २ ता हत्थिसीसयस्स नयरस्स बहिया अग्गुजाणे सत्थ-निवेसं करंति २ ता सगढीसागडं मोएंति २ ता महत्थं जाव पाहुडं गेण्हंति २ ता हत्थिसीसं च न(ग)यरं अणु प्पविसंति २ ता जेणेव [से] कण-

पक्षेऽऽ (रप्ता) सेवेव तवागच्छति २ ता वाव ठवर्तेति । तए के से कयपक्षेऽऽ सेसि  
 संहृता(वावा)वाग्निवर्तते तं महत्वं वाव पडिच्छत्तु [२] से संहृता-वाग्निवर्त एव  
 वसती-गुप्ते न देवास्तुप्तिवा । गामागर वाव आहिंरह मन्वसमुर् व आग्निवर्त  
 २ पोयवहर्तेन ओगा(ह)हैह, तं अग्नि-वा(ह)ह [त्य] केह मे कर्हिन्ति अच्येए  
 सिद्धुम्मे । तए के से संहृता-वाग्निवर्त कयपक्षेऽऽ (राव) एवं वसती-एवं कच्छ  
 कच्छे देवास्तुप्तिवा । इहेव इतिवर्तते मन्वे परिचसाग्रे तं वेद वाव कच्छि(व)र्त-  
 र्तीवर्तेन संहृता । तए के वहुने इतिवर्तमान य वाव वहुने तए आसे किं ते ।  
 हरिरेव वाव अग्निवाहं ओमवाहं ठवर्तेति । तए के छागी । अग्नेहिं कच्छिर्तीव  
 से आसा अच्येए सिद्धुम्मे । तए के से कयपक्षेऽऽ सेसि संहृ(त्ता)ताव अग्निए  
 एवम्हं सोवा से संहृत्तए एवं वसती-गच्छत्तु के गुप्ते देवास्तुप्तिवा । मम ओहं  
 विवपुरिसेहिं सदिं कच्छिर्तीवाम्मे से आसे आसैह । तए के से संहृतावाग्निवर्त  
 कयपक्षेऽऽ-एवं वसती-एवं साग्नि-ति(कच्छ) जावाए विवएवं वदने पडिच्छतेति ।  
 तए के [सि] कयपक्षेऽऽ-ओहंविवपुरिसे एवम्हं २ ता एवं वसती-मच्छत्तु के गुप्ते  
 देवास्तुप्तिवा । संहृत्तएहिं [गावामाग्निवर्तहिं] सदिं कच्छिर्तीवाम्मे मम आसे  
 आसैह । तेनि पडिच्छतेति । तए के से ओहंवि(व)या समवेसाग्रे सज्जेति २ ता  
 तएव से वहुने वीवाय व कच्छीव व ममरीव व कच्छमीव व ममाव व सम्मा-  
 मरीव व विविपरीपाव व अग्नेसि व वहुने सो(सि)वसिपरादग्नां दग्नां सम-  
 वीसाग्रे भरेति २ ता वहुने सिद्धाव व वाव छिन्मय व कच्छम्माव व ४  
 ममिमाव व ४ वाव संवाग्माव व अग्नेसि व वहुने वसिपरादग्नां दग्नां  
 समवीसाग्रे भरेति २ ता वहुने ओहंपुडाव व कवपुडाव व वाव अग्नेसि व  
 वहुने कश्चिपरादग्नां दग्नां सगवीसाग्रे भरेति २ ता वहुत्त वहुत्त व  
 गुम्मेस व सद्धराव व मच्छंविवाए व पुण्कुत्तरवदुत्तर- अग्नेसि व विविपरी-  
 पाठम्मां दग्नां सगवीसाग्रे भरेति २ ता [अग्नेसि व] वहुने ओव(ववा)वाव  
 व ममवाव व पा(वरा)वाराव व वसतवाव व ममवाव व मद्राव व विवाव-  
 ह्मव [व] वाव इंसयग्माव व अग्नेसि व कश्चिपरादग्नां दग्नां वाव भरेति  
 २ ता सगवीसाग्रे ओ(र्)वर्ति २ ता जेवेव यमीए पवेद्धपि सेवेव तवागच्छति  
 ( ) वसवीसाग्रे ओ(र्)वर्ति २ ता पोयवहर्ते सज्जेति २ ता सेसि कच्छिद्वानं एव-  
 हिंसरसद्वानंवाव कच्छत्तु य सवत्तु व पाद्वत्तु य संदुवाय य अग्निवत्तु व  
 गोएवत्तु व वाव अग्नेसि व वहुने ओयवहर्तवाग्मां पोयवहर्ते भरेति २ ता  
 इतिवर्तमानवाव वाएवं सेवेव कच्छिर्तीव सेवेव तवागच्छति २ ता सेववहर्ते

लंबेति २ ता ताइ उक्किट्ठाइ सइफरिसरसरूवगंधाई एगट्टियाहिं कालियवीवं उता-  
 रेति २ ता जहिं जहिं च णं ते आसा आसयति वा सयति वा चिट्ठति वा तुयट्ठति  
 वा तहिं तहिं च णं ते कोडुंवियपुरिसा ताओ वीणाओ य जाव (वि)चित्तवीणाओ य  
 अन्नाणि बहूणि सो(ई)यंदियपाठग्गाणि य दब्बाणि समु(ही)धीरेमाणा ठवें(चिट्ठे)ति  
 तेसिं [च] परिपेरंतेणं पा(सए)से ठवेंति (०) निच्चला निप्फदा तुसिणीया चिट्ठति ।  
 जत्य जत्य ते आसा आसयति वा जाव तुयट्ठति वा तत्य तत्य ण ते कोडुंवि-या  
 बहूणि किण्हाणि य (५) कट्ठकम्माणि य जाव सघाइमाणि य अन्नाणि य बहूणि  
 चर्क्खिदियपाठग्गाणि य दब्बाणि ठवेंति तेसिं परिपेरंतेण पासए ठवेंति २ ता  
 निच्चला निप्फदा तुसिणीया चिट्ठति । जत्य जत्य ते आसा आसयंति (४) तत्य तत्य  
 [ते] णं (ते कोडुंवियपुरिसा) तेसिं बहूण कोट्टपुट्ठाण य अन्नेसिं च घाणिदियपाठग्गाणं  
 दब्बाण पुंजे य नियरे य करेंति २ ता तेसिं परिपेरंते जाव चिट्ठति । जत्य जत्य णं ते  
 आसा आसयति ४ तत्य तत्य गुलस्स जाव अन्नेसिं च बहूण जिंभिंदियपाठग्गाण  
 दब्बाणं पुंजे य नि(क)यरे य करेंति २ ता वियरए खणंति २ ता गुलपाणगस्स  
 खंडपाणगस्स पा(पो)रपाणगस्स अन्नेसिं च बहूण पाणगाण विय(रे)रए भरेंति २  
 ता तेसिं परिपेरंतेण पासए ठवेंति जाव चिट्ठति । जहिं जहिं च णं ते आसा  
 (आस०) तहिं तहिं च ते बहवे कोयवया (य) जाव सिलावट्टया अन्नाणि य फासिदि-  
 यपाठग्गाई अत्युपपच्चत्युयाइ ठवेंति २ ता तेसिं परिपेरंतेण जाव चिट्ठति । तए णं ते  
 आसा जेणेव (ए)ते उक्किट्ठा सइफरिसरसरूवगंधा तेणेव उवागच्छंति (०) । तत्य ण  
 अत्येगइया आसा अपुव्वा ण इमे सइफरिसरसरूवगंधा (इ)तिकट्टु तेसु उक्किट्ठेसु सइ-  
 फरिसरसरूवगंधेसु अमुच्छिंया ४ तेसिं उक्किट्ठाण सइ जाव गघाणं दूरंदूरेण अव-  
 क्कमति [२] ते णं तत्य पठरगोयरा पठरतणपाणिंया निब्भया निरुत्थिग्गा सुईस-  
 हेणं विहरंति । एवामेव समणाउसो । जो अम्ह निग्गंथो वा निग्गथी वा सइफरिस  
 (सररूवगंधा) जाव नो सज्जइ से ण इहलोए चैव बहूणं समणाण ४ अन्नणिज्जे जाव  
 वीईव(य)इस्सइ ॥ १३७ ॥ तत्य ण अत्येगइया आसा जेणेव उक्कि(ट्ट)ट्ठा सइफरि-  
 सरसरूवगंधा तेणेव उवागच्छति २ ता तेसु उक्किट्ठेसु स(इ०)देसु ५ मुच्छिंया जाव  
 अज्झोववन्ना आसेविठ पय(त्ति)ता यावि होत्था । तए णं ते आसा (एए) ते उक्किट्ठे  
 स(इ)दे ५ आसेवमाणा तेहिं बहूहिं कूबेहि य पासेहि य गलएसु य पाएसु य  
 यज्जति । तए ण ते कोडुंविया (एए) ते आसे गिण्हति २ ता एगट्टियाहिं पोयबहणे  
 सचारेति २ ता तणस्स [य] कट्ठस्स [य] जाव भरेंति । तए णं ते संजुत्ता(णावा-  
 चाणियगा) दक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव गभीर[ए] पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति

पदेन (रथा) तेनैव उवाचच्छेति १ तां वाच उवाचैति । तत् न ते कन्यकेन तेति  
 संतुता(वाचा)वाचिवान् तं गृह्यते वाच पविच्छेद [२] ते संतुता-वाचिवया एवं  
 ववाची-तुम्हे न देवतुपिवा । गमापर वाच वाहिदह कन्यसमुं न वाचिवान्  
 १ पोववहनेन कोणा(ह)देह, तं अति-वा(ह)ह [३] केह भे कश्चिन्ति अचोर  
 विपुम्ने । । तत् न ते संतुता-वाचिवया कन्यकेन (राव) एवं ववाची-एवं कश्च  
 अन्ने देवतुपिवा । इवेव हरिवतीते ववरे परिवसामो तं येव वाच कश्चि(व)न-  
 रोवतेन सं-कृता । तत् न ववरे विरम्यापर न वाच ववरे तत् न वाच किं ते ।  
 हरिरेव वाच अनेपाई कोनवाई ठम्ममैति । तत् न चागी । अन्नेहि कश्चिन्ति  
 ते वाचा अचोर विपुम्ने । तत् न ते कन्यकेन तेति संतु(रथा)तानं मति  
 एवम्ह सोवा ते संतुतए एवं ववाची-गच्छह न तुम्हे देवतुपिवा । मम कोह  
 विपुम्नेहि सति कश्चिन्तिवाचो ते अति अतिह । तत् न ते संतुतावाचिवया  
 कन्यकेन-एवं ववाची-एवं चाति-ति(कह) वाचाए विवएवं ववरे पविच्छेति ।  
 तत् न [३] कन्यकेन-कोहविपुम्नेहि सति १ ता एवं ववाची-गच्छह न तुम्हे  
 देवतुपिवा । संतुतएहि [वाचावाचिवएहि] सति कश्चिन्तिवाचो मम अति  
 अतिह । तेति पविच्छेति । तत् न ते कोहवि(व)वा सपमेसामने सजेति १ ता  
 तत् न ववरे वीवाच न कश्चिन्ति य वाचिवान् न कश्चिन्ति न ममाच न कश्चिन्ति-  
 मति न विविचिवाच न अनेति न ववरे सो(ति)विवपादवचनं दम्भाय सम-  
 वीसामने मरैति १ ता ववरे विवाच न वाच उचिन्ति य ववरे ममाच न ४  
 मविमान न ४ वाच सोवामान न अनेति न ववरे वविचिन्तिवाचममाच दम्भाय  
 सववीसामने मरैति १ ता ववरे कोहविपुम्नेहि न केवसुवाच न वाच अनेति न  
 ववरे वाचिविवाचममाच दम्भाय सववीसामने मरैति १ ता ववरे ववरे व  
 ववरे य सवराए न कश्चिन्तिवाच न पुष्पुताएवमुत्तर अनेति न विविचिन्ति-  
 वाचममाच दम्भाय सववीसामने मरैति १ ता [अनेति न] ववरे कोन(ववा)वाच  
 न ववरेच न वा(ववा)वाच न ववरेच न ववरेच न ववरेच य विवाच-  
 वच [३] वाच ईसवममाच न अनेति न कश्चिन्तिवाचममाच दम्भाय वाच मरैति  
 १ ता समवीसामने को(ह)मैति १ ता कोवैव वगीए पोववहने तेनैव उवाचच्छेति  
 ( ) सववीसामने को(ह)मैति १ ता पोववहने सजेति १ ता तेति उचिन्तिवाच  
 विवरावचनं ववरे ववरे य वाचिवस्य न ववरेच य सविपस्य न  
 ववरेच न वाच अनेति न ववरे पोववहनेवाचममाच पोववहने मरैति १ ता  
 विवरावचनं वाचने कोनैव कश्चिन्तिवाच तेनैव उवाचच्छेति १ ता पोववहने

**Abstract**

अभिहितं कथयन्ति च, कथयन्ति च कथयन्ति च

॥ ५३० ॥ श्री गणेशाय नमः ( २ ) श्री श्री गुरुभ्यो नमः

सविमिश्रम् पुनरीत् सत्त्वसत्त्वम्

तार् केतुनाह कोणकासेति वा दाससेति वा भीमपदसिद्धिर्नि

वा अण्वयति वा अण्वयति अण्वयति वा

हे मित्रवा (२) हे वं पुन वंरित वंरितवा

पुत्रा वा कन्याणि वा ज्ञानं वीर्याणि वा परिकल्पयेत् वा

वा. अण्व्ययंति वा लहज्जयंति कथिंति वा अण्व्ययंति

विषय क्र (२) से श्री सुभाष चंद्र बोस, एम. ए.

वा सायंनि वा कीदृनि वा तुम्हनि वा वापनि वा

वा अथवावाणि वा अतिरिक्त वा अतिरिक्ति वा अतिरिक्ताणि

तद्व्यगारंति वंतिंति नो उकारप्रत्ययं वीतिरेव ॥ ५११ ॥

(२) हे सं पुन वरिसे ज्ञानिका, ज्ञानोक्तिक व ज्ञानिक

निष्कलमणि वा आलुनामि वा कलदाणि वा कलदाणि वा

वा समाधि वा निवर्तमान वा सम्पन्नवादि वा सहस्रवादि

वास्तव्य केतिरेका न ९३४ न के निम्न वा (२) के सं तुल

मातुसरीयानि वा, मद्रिक्करानि वा, कसककरानि वा,

कुमुदकरनामि वा, मन्दकरनामि वा लज्जकरनामि वा,

तिष्ठिरकरनामि वा, कर्मोदकरनामि वा, कर्मिणकरनामि वा,

तद्व्यापारसि वञ्चिनसि नो उच्चारणसपत्नं नोतिरेका ॥ ५२५ ॥

(२) से अं पुन बंदिमं जामिजा, मेहानसकुनेत वा,

उपश्रुतेषु वा, मेख्यउपश्रुतेषु वा, विसमवश्रुतेषु वा,

अज्जवरंस्सि वा तहप्यगारंस्सि जो उच्चरपासव्यं बोसिरेज्ज ॥ ५३५ ॥

(२) से जं पुन बडिल जाणिजा, आरामानि वा, उद्यानानि वा,

संघानि वा, देशकुलानि वा, सभानि वा, पथानि वा, जन्ममरणानि वा  
 तस्मिन्निह ते

पञ्च उक्तिं जगत्तु ॥ १३७ ॥ स विष्णुः वा

पुनः वदन्ति चान्द्रिका, अक्षरमात्रं वा, यस्मान्न वा, इत्येव वा,  
अष्टाश्रयाणि वा तादृश्यानि वा त्विहोक्तिर्वा नञ्वाचाराणां कोटिरिति वा । ५

मिथुन वा (३) वे जं पञ्च बन्धिनं आदिना. मिथुनि वा. मन्त्रादि पञ्च.

राणि वा. अस्मद्वानि वा. अण्यवरंति वा तावद्व्यङ्गारंति अङ्गिरंति नो





लंति २ ता ताई उक्किट्ठाइ सहफरिसरसरुवगंधाई एगट्टियाहिं कालियवीवं उता-  
रेंति २ ता जहिं जहिं च णं ते आसा आमवति वा सरयति वा चिट्ठति वा तुयट्ठति  
वा तहिं तहिं च णं ते कोडुवियपुरिसा ताओ वीणाओ य जाव (वि)चित्तवीणाओ य  
अजाणि बहूणि सो(ई)यंदियपाउग्गाणि य दब्बाणि समु(ही)वीरेमाणा ठवें(चिट्ठ)ति  
तेसिं [च] परिपेरंतेण पा(सए)से ठवेंति (०) निच्चला निप्फदा तुसिणीया चिट्ठति ।  
जत्य जत्य ते आसा आसयति वा जाव तुयट्ठति वा तत्य तत्य णं ते कोडुंबि-या  
बहूणि किण्हाणि य (५) कट्टकम्माणि य जाव सघाइमाणि य अजाणि य बहूणि  
चक्खिंदियपाउग्गाणि य दब्बाणि ठवेंति तेसिं परिपेरंतेण पासए ठवेंति २ ता  
निच्चला निप्फदा तुसिणीया चिट्ठति । जत्य जत्य ते आसा आसयति (४) तत्य तत्य  
[ते] णं (ते कोडुंबियपुरिसा) तेसिं बहूण कोट्टपुढाण य अजेसिं च घाणिंदियपाउग्गाण  
दब्बाण पुंजे य नियरे य करेंति २ ता तेसिं परिपेरंते जाव चिट्ठति । जत्य जत्य णं ते  
आसा आसयति ४ तत्य तत्य गुलस्स जाव अजेसिं च बहूण जिब्बिंदियपाउग्गाण  
दब्बाण पुंजे य नि(क)यरे य करेंति २ ता वियरए खणति २ ता गुलपाणगस्स  
खड्ढपाणगस्स पा(पो)रपाणगस्स अजेसिं च बहूण पाणगाण विय(रे)रए भरेंति २  
ता तेसिं परिपेरंतेण पासए ठवेंति जाव चिट्ठति । जहिं जहिं च णं ते आसा  
(आस०) तहिं तहिं च ते बहवे कोयवया (य) जाव सिलावट्टया अ-जाणि य फासिंदि-  
यपाउग्गाइ अत्युयपच्चत्युयाई ठवेंति २ ता तेसिं परिपेरंतेण जाव चिट्ठति । तए णं ते  
आसा जेणेव (ए)ते उक्किट्ठा सहफरिसरसरुवगधा तेणेव उवागच्छंति (०) । तत्य ण  
अत्येगइया आसा अपुष्वा ण इमे सहफरिसरसरुवगधा (इ)तिकट्टु तेसु उक्किट्ठेसु सह-  
फरिसरसरुवगधेसु अमुच्छिंया ४ तेसिं उक्किट्ठाण सह जाव गधानं दूरंदूरेण अव-  
क्कमंति [२] ते णं तत्य पउरगोयरा पउरतणपाणिंया निब्भया निरुज्जिग्गा सुइस-  
हेणं विहरंति । एवामेव समणाउसो । जो अम्ह निग्गंयो वा निग्गयी वा सहफरिस  
(सररुवगंधा) जाव नो सज्जइ से ण इहलोए चेव बहूण समणाण ४ अजाणिजे जाव  
वीईव(य)इस्सइ ॥ १३७ ॥ तत्य ण अत्येगइया आसा जेणेव उक्किट्ठे(ट्ट)ट्ठा सहफरि-  
सरसरुवगधा तेणेव उवागच्छति २ ता तेसु उक्किट्ठेसु स(ह०)देसु ५ मुच्छिंया जाव  
अज्झोवव-आ आसेविउ पय(त्ते)ता यावि होत्या । तए णं ते आसा (एए) ते उक्किट्ठे  
स(ह)दे ५ आसेवमाणा तेहिं बहूहिं कूडेहिं य पासेहिं य गलएसु य पाएसु य  
बज्झति । तए णं ते कोडुंबिया (एए) ते आसे गिण्हति २ ता एगट्टियाहिं पोयबहणे  
सचारेंति २ ता तणस्स [य] कट्टस्स [य] जाव भरेंति । तए णं ते संजुत्ता(णावा-  
चाणिग्गा) दक्खिणाणुकूलेण चाएणं जेणेव गभीर[ए] पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति



थणजहणवयणकरचरणनयणगवियविलासियगईसु । रुवेसु जे न रत्ता वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १२ ॥ अगरुवरपवरधूवणउउयमज्जणुलेवणविहीसु । गघेसु जे न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १३ ॥ तित्तकडुयं कपाय-महुरं [च] बहुगज्जपेज्जलेज्जेसु । आसा(ए जे)यमि न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १४ ॥ उउभयमाणसुहेसु य सविभवहिययमण निव्युइकरेसु । फासेसु जे न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १५ ॥ सहेसु य भइयपावएसु सोयविसय उ(व)वागएसु । तुट्ठेण व रुट्ठेण व ममणेण सया न होयव्व ॥ १६ ॥ रुवेसु य भइ(ग)यपावएसु चक्कुविसय उवगएसु । तुट्ठेण व रुट्ठेण व ममणेण सया न होयव्व ॥ १७ ॥ गघेसु य भइयपावएसु घाणविस(य उ)यमु-वगएसु । तुट्ठेण व रुट्ठेण व ममणेण सया न होयव्व ॥ १८ ॥ रसेसु य भइयपाव-एसु जिब्भविस-यमुवगएसु । तुट्ठेण व रुट्ठेण व ममणेण सया न होयव्व ॥ १९ ॥ फासेसु य भइयपावएसु कायविस यमुवगएसु । तुट्ठेण व रुट्ठेण व ममणेण सया न होयव्व ॥ २० ॥ एव खलु जवू । समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण सत्तरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पज्जते तिवेमि ॥ १३८ ॥ गाहाओ—जह सो कालियवीवो अणुवममोक्खो तहेव जइधम्मो । जह आसा तह साहू वणियव्व-डणुकूलकारिजणा ॥ १ ॥ जह सदाइअगिद्धा पत्ता नो पासवधणं आसा । तह विस-एसु अगिद्धा वज्झति न कम्मणा साहू ॥ २ ॥ जह सच्छदविहारो आसाण तह य इह वरमुणीण । जरमरणाइ विवज्जिय सपत्ताणंदनिव्वार्ण ॥ ३ ॥ जह सदाइसु गिद्धा वद्धा आसा तहेव विसयरया । पावेंति कम्मवध परमासुहकारण घोरं ॥ ४ ॥ जह ते कालियवीवा णीया अज्जत्य दुहगणं पत्ता । तह धम्मपरिब्भट्ठा अधम्म-पत्ता इह जीवा ॥ ५ ॥ पावेंति कम्मनरवइवसया ससारवाहयालीए । आसप्पमइ-एहि व नेरइयाइहिं दुक्खाइं ॥ ६ ॥ सत्तरसमं नायज्झयणं समत्त ॥

जइ णं भते ! समणेण० सत्तरसमस्स (णायज्झयणस्स) अयमट्ठे प-ज्जते अट्ठार-समस्स के अट्ठे पज्जते १ एवं खलु जवू । तेण कालेण तेण समएण रायगिहे नाम नयरे होत्था वण्णओ । तत्थ ण ध(ण)णे नामं सत्यवाहे (परिवसइ) होत्था भदा भारिया । तस्स ण ध(ण)णस्स सत्यवाहस्स पुत्ता भदाए अत्तया पच सत्यवाह-दारगा होत्था तज्झा-धणे धणपाले धणदेवे धणगोवे धणरक्खिए । तस्स णं धणस्स सत्यवाहस्स धूया भदाए अत्तया पचण्हं पुत्ताण अणुमग्गजा(ती)इया सुसुमा नाम दारिया होत्था सूमालपाणिपाया । तस्स ण धणस्स सत्यवाहस्स चिलाए नाम दासचेडे होत्था अहीणपविंदियसरीरे मसोवचिए बालकीलावणकुसले यावि होत्था । तए णं से दासचेडे सुंसुमाए दारियाए बालग्गाहे जाए यावि होत्था सुसुम दारिय

अथैव विष्णुः २ तत्र बहुविं दारपुष्टिं न दारियाष्टिं न विंशपुष्टिं न विंशियाष्टिं न  
 कुमारपुष्टिं न इमारियाष्टिं न सप्तमि अमिरामाणे २ विहरः । तए न से विष्णुए  
 दासपेदे तेसि बहुनं दारयाण न ६ अप्येगइवानं क्खए अमहरः एनं वाए आलो-  
 क्खिमाणे विष्(विंशु)ए पोत्तुए साओअए, अप्येगइवानं आमरक्खाम्भक्खारं अक्-  
 हरः अप्येग(वा)ए आउ(र)ए एनं अमहरः निष्णोवेइ निष्मक्खोइ तज्जेइ अप्ये-  
 गइए ताज्जेइ । तए न से बहुविं दारया न ६ रोक्खमाणा न ५ सार्गं सार्गं अम्मापि  
 क्कनं निवेदेसि । तए न तेसि बहुनं दारयाण न ६ अम्मापिक्करो केमेव वने उत्त-  
 दाहे तेज्जेउ उवागळ्ळंति २ तत्र व( )नं २ बहुविं वि(विं)अ(वा)मियाष्टिं न कंठ  
 वाष्टिं न उ(र)वाळंमयाष्टिं न विज्जमाणा न कंठमाणा न उ(व)वाळं(मि)ममाणा न  
 वयस्स [२] एवमण्डं निवेदेसि । तए न [सि] वयै २ विज्जानं दासपेदे एवमण्डं मुज्जे  
 मुज्जे निवारि(मि)इ नो केव नं विष्णुए दासपेदे उवरमइ । तए न से विष्णुए दास-  
 पेदे तेसि बहुनं दारयाण न ६ अप्येगइवानं क्खए अमहरः वाव ताज्जेइ । तए न से  
 बहुविं दारया न ६ रोक्खमाणा न वाव अम्मापिक्कनं निवेदेसि । तए न से आसुवता ५  
 केमेव वने २ तेमेव उवागळ्ळंति २ ता बहुविं विज्जयाष्टिं (व) वाव एवमण्डं निवे  
 (मि)देसि । तए न से वने २ बहुनं दारयाणं ६ अम्मापिक्कनं अंतिए एवमण्डं सोत्ता  
 आसुवतो विज्जनं दासपेदे उवागळ्ळंति आउसयाष्टिं आउसइ उरुसइ नि(अमण्णे)  
 विमण्डं निष्णोवेइ तज्जेइ उवागळ्ळंति ताज्जेइ ताज्जेइ सार्गो मिहामो निष्णुमइ  
 ॥ १३५ ॥ तए न से विष्णुए दासपेदे सार्गो मिहामो निष्णुवे समये रावविहे  
 वयरे सिवाव(ए)ए वाव पहेउ वेवउज्जेउ न समाउ न पवाउ न वृम्वक्खण्टु न  
 वेसाव(र)एण्टु न पाववरएण्टु न उरुउरुनं परिणहइ । तए न से विष्णुए दास-  
 पेदे अलोहदिए अमियाष्टिए सक्कंमणं सइएण्णारी यज्ज-एण्णारी ओज्ज-एण्णारी  
 (मंस ) वृवप्पण्णारी वे(सा)एण्णारी परवारण्णारी चाए वानि होत्ता । तए न  
 रावविहसुत्त म-वरस्स अउउममंति वाष्टिअपुरत्तिमे वि लीमाए लीहउहा न्णम ओर  
 पणं होत्ता विउमगिरिअउमण्णे(अं)अउममिअिअ वंणीअउमममवारपरिअिअता वि-अ  
 सेअमिअमप्पवाअअिअउमण्णा एण्णुवाउ अवेण्णारी विवेत्तअअ-अिय्यम[ ] एवेसा  
 अमिअतरपाणिना सुउमममपेरेता अउउसुअमि अमिअवअस्स आययस्स पुण्णैसा  
 वानि होत्ता । तए न लीहउहाए ओरपाणीए विअए नामं ओरसेवावई परिवसइ  
 अहमिअ वाव अ(व)अममकेअ समुत्तिए बहु-अगर मिअवअसे सुरे [२] वउप्पहाटी  
 साह(टी)एण्णारी सइवेदी । से नं तए लीहउहाए ओरपाणीए वंणं ओरसवानं आहे  
 वनं वाव विहरः । तए न से विअए तज्जे (ओर)सेवावई बहुनं ओरण न पार

दारियाण य गठिमेयगाण य सधिन्हेयगाण य खत्तखणगाण य रायावगारीण य  
अणधारगाण य बालघायगाण य वीसभघायगाण य जूयकाराण य खडरक्खाण य  
अजेसिं च बहुणं छिन्नभिन्न(ब)वाहिराहयाणं कुडगे यावि होत्था । तए ण से विजए  
(तक्करे) चोरसेणावई रायगिहस्स दाहिणपुर-त्थिम जणवर्यं बहुहिं गामघाएहि य  
नगरघाएहि य गो(ग)गहणेहि य वदिग्गहणेहि य पयकुट्टणेहि य खत्तखणणेहि य  
उवीळेमाणे २ विद्धंसेमाणे २ नित्याण निद्वण करेमाणे विहरइ । तए णं से चिलाए  
दासचे(ढे)इए रायगिहे (णयरे) बहुहिं अत्थाभिसकीहि य चो(रा)ज्जाभिसकीहि  
य दाराभिसकीहि य ध(णि)णएहि य जू(इ)यकरेहि य परब्भवमाणे २ रायगिहाओ  
नग(री)राओ निग्गच्छइ २ ता जेणेव सीहगु(फा)हा चोरपल्ली तेणेव उवागच्छइ  
२ ता विजय चोरसेणावइ उवसपज्जितार्णं विहरइ । तए ण से चिलाए दासचेढे  
विजयस्स चोरसेणावइस्स अग्गे असिल(ट्ट)ट्टिग्गाहे जाए यावि होत्था । जाहे वि  
य ण से विजए चोरसेणावई गामघाय वा जाव पथकोट्ठिं वा काउ वच्चइ ताहे वि य  
णं से चिलाए दासचेढे सुवहुंपि (हु) कूवियबल हयमहिय जाव पडिसेहेइ [२] पुण  
रवि लद्धे कयकजे अणहसमग्गे सीहगुह चोरपल्लीं हव्वमागच्छइ । तए ण से  
विजए चोरसेणावई चिलाय तक्करं बहु(इ)ओ चोरविज्जाओ य चोरमते य चोरमा-  
याओ य चोरनिगढीओ य सिक्खावेइ । तए ण से विजए चोरसेणावई अन्नया  
कया(ई)इ कालधम्मणा संजुते यावि होत्था । तए ण ताई पच-चोरसयाइ विजयस्स  
चोरसेणावइस्स महया २ इद्धीसक्कारसमुदएण नीहरण करेति २ ता बहुईं लोइयाईं  
मयकिच्चाईं करे(इ)न्ति २ ता जाव विगयसोया जाया यावि होत्था । तए ण ताई पच-  
चोरसयाइ अन्नमनं सहावेति २ ता एव वयासी-एव खलु अम्हं देवाणुप्पिया ! विजए  
चोरसेणावई कालधम्मणा संजुते । अयं च णं चिलाए तक्करे विजएण चोरसेणाव-  
इणा बहु ओ चोरविज्जाओ य जाव सिक्खाविए । त सेय खलु अम्हं देवाणुप्पिया !  
चिलाय तक्करं सीहगुहाए चोरपल्लीए चोरसेणावइताए अभिसिंचितए-त्तिकट्ठ अन्न-  
मजस्स एयमट्ठं पडिमुणेति २ ता चिलायं (तीए) सीहगुहाए [चोरपल्लीए] चोरसेणा-  
वइताए अभिसिंचति । तए णं से चिलाए चोरसेणावई जाए अहम्मिए जाव विह-  
रइ । तए णं से चिलाए चोरसेणावई चोर नायगे जाव कुहंगे यावि होत्था । से ण  
तत्थ सीहगुहाए चोरपल्लीए पचण्ह चोरसयाण य एव जहा विजओ तहेव सव्वं जाव  
रायगिहस्स [नयरस्स] दाहिणपुर त्थिमिळ जणवर्यं जाव नित्याण निद्वण करेमाणे  
विहरइ ॥ १४० ॥ तए ण से चिलाए चोरसेणावई अन्नया कयाइ विपुलं असणं ४  
[उवक्खवावेइ] उवक्खवावेता ते पच चोरसए आमतेइ तओ पच्छा ण्हाए भोगण-

मंजवंति तेहि पंचहि बोरसएहि छडि निपुनं जसने ५ तरे ५ मज्जे ५ मंसे ५ सीपुं ५ पच-के ५ आगएमाने ५ निहरइ जिमिबमुत्तुगएए से पंच बोरसए निपुकेन पूरपु-  
 प्पणीयममममकारेने छडारैइ सम्मानेइ छ २ ता एवं बयासी-एवं पसु देवापुण्या ।  
 राजगिहे नबरे बने नामे छत्रवाहे जेहि ] , तसु नं बूया महरए जलवा पंचनई  
 पुताने अलुममवाइया सुंदमा नमै बारिवा (बानि) होत्वा बहिरा बाव छत्ता तं  
 पच्यत्तो नं देवापुण्या । बचस्त सत्त्ववाहस्त गिहं मिहंपामो तुम्हं निपुके बच  
 जसय बाव सिद्धमाके मर्म सुंदमा बारिवा । तए नं से पंच बोरसया विमानस्त  
 ( ) पवित्रयेति । तए नं से विमान बोरसेवावई तेहि पंचहि बोरसएहि छडि ब्रह्म-  
 नम्मं सुखइ [२] पचावरएकजसममंति पंचहि बोरसएहि छडि स-बद्ध बाव पदि-  
 बाउहधरवा माइकामेमुहि(एहि)छम्पहि मि(६)छिछहि अष्टिमट्टीहि जंममएहि  
 सीपेहि स(सी)जीवेहि बपुहि समुत्तिजेतेहि छरेहि समुत्तिज्याहि वीहाहि ओसारिवाहि  
 सत्त्वदिवाहि छिप्परेहि बजमानेहि महावा १ पटिपुटीह-बाव(बोरसकककरव) बाव  
 समुत्तरवमूर्त [विब] करेमाणा वीहप्राप्तो बोरसहीनो पवित्रिकज्जमंति २ ता जेयेव  
 राजगिहे न बरे तेयेव उवागच्छंति २ ता राजगिहस्त अलुसामेते एवं मई महमं  
 अलु-मममंति २ ता दिवसं बहिराया निहंति । तए नं से विमान बोरसेवावई बर-  
 रसककसममंति निरंतपवित्रिसेतंति पंचहि बोरसएहि छडि माइकामेमुहिएहि पच-  
 एहि जल मू(मा)बाहि सत्त्वदिवाहि जेयेव राजगिहे [नबरे] पुर विमिजे कुबारे  
 तेयेव उवागच्छइ ( ) उहग(व)वतिन परामुसइ ( ) जामति बोकके परमसुमए  
 सत्त्ववाहमिजिज बावछेइ १ ता राजगिहस्त कुबारकवाहे उहएवं अछयेहेइ २  
 ता क्वाडं निहायेइ २ ता राजगिहं अलु-वमिसइ २ ता महावा २ सीपं उगच्छे-  
 माने २ एवं बयासी-एवं पसु मई देवापुण्या । विमान नामे बोरसेवावई पंचहि  
 बोरसएहि छडि सीहप्राप्तो बोरपाहीनो इ( )हि इम्पमायए बचस्त सत्त्ववाहस्त  
 मिहं बाउछमे । तं (ओ) के नं नमिकाए माउवाए दुई पाउछमे से नं नि(ग)गच्छइ-  
 तिच्छु जेयेव बचस्त सत्त्ववाहस्त गिहे तेयेव उवागच्छइ २ ता बचस्त गिहं  
 निहायेइ । तए नं से जेये विमान बोरसेवावइता पंचहि बोरसएहि छडि  
 मिहं बाउजमान पाउइ २ ता सीए छत्ते ५ पंचहि पुतेहि छडि एतंत अचमयइ ।  
 तए नं से विमान बोरसेवावई बचस्त सत्त्ववाहस्त गिहं जाएइ २ ता एवई  
 बचकन(ग)मं बाव मयएजं सुंदमं ५ बारिने येवइ २ ता राजगिहाप्तो पवि-त्रि  
 नचमइ २ ता जेयेव वीहप्राप्ता तेयेव बहारेव पमनाए ॥ १४१ ॥ तए नं से जेये  
 सत्त्ववाहे जेयेव सए गिहे तेयेव उवागच्छइ २ ता एवई बचकन(ग) सुंदमं ५ बारिने

दारियाण य गठिभेयगाण य सधिच्छेयगाण य खत्तखणगाण य रायावगारीण य  
अणधारगाण य बालघायगाण य वीसभघायगाण य जूयकाराण य खडरक्खाण य  
अभेसिं च बहूणं छिन्नभिन्न(व)वाहिराहयाणं कुट्ठगे यावि होत्था । तए ण से विजए  
(तक्करे) चोरसेणावई रायगिहस्स दाहिणपुर-त्थिमं जणवयं बहूहिं गामघाएहि य  
नगरघाएहि य गो(र)गहणेहि य वदिग्गहणेहि य पयकुट्टणेहि य खत्तखणणेहि य  
उवीळेमाणे २ विद्धसेमाणे २ नित्याणं निद्धण करेमाणे विहरइ । तए णं से चिलाए  
दासचे(डे)इए रायगिहे (णयरे) बहूहिं अत्थाभिसकीहि य चो(रा)जाभिसकीहि  
य दाराभिसकीहि य ध(णि)णएहि य जू(इ)यकरेहि य परम्भवमाणे २ रायगिहाओ  
नग(री)राओ निग्गच्छइ २ ता जेणेव सीहगु(फा)हा चोरपल्ली तेणेव उवागच्छइ  
२ ता विजयं चोरसेणावई उवसपज्जित्तारं विहरइ । तए ण से चिलाए दासचेडे  
विजयस्स चोरसेणावइस्स अगे असिल(ट्ट)ट्टिग्गाहे जाए यावि होत्था । जाहे वि  
य ण से विजए चोरसेणावई गामघाय वा जाव पथकोट्ठिं वा काउ वच्चइ ताहे वि य  
ण से चिलाए दासचेडे सुबहुपि (हु) कूवियबल हयमहिय जाव पडिसेहेइ [२] पुण  
रवि लद्धे कयकज्जे अणहसमग्गे सीहगुह चोरपल्लीं हव्वमागच्छइ । तए णं से  
विजए चोरसेणावई चिलाय तक्करं बहू(इ)ओ चोरविज्जाओ य चोरमते य चोरमा-  
याओ य चोरनिगहीओ य सिक्खावेइ । तए ण से विजए चोरसेणावई अन्नया  
कया(इ)इ कालधम्मणा सजुत्ते यावि होत्था । तए ण ताई पंच-चोरसयाइ विजयस्स  
चोरसेणावइस्स महया २ इट्ठीसक्कारसमुदएणं नीहरण करेति २ ता बहूई लोइयाई  
मयकिच्चाइ करे(इ)न्ति २ ता जाव विगयसोया जाया यावि होत्था । तए ण ताई पंच-  
चोरसयाई अन्नमन्न सद्धान्तेति २ ता एवं वयासी-एवं खलु अम्हं देवाणुप्पिया । विजए  
चोरसेणावई कालधम्मणा सजुत्ते । अय च णं चिलाए तक्करे विजएण चोरसेणाव-  
इणा बहूओ चोरविज्जाओ य जाव सिक्खाविए । त सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया ।  
चिलाय तक्करं सीहगुहाए चोरपल्लीए चोरसेणावइत्ताए अभिसिंचित्तए-सिक्कट्ट अन्न-  
मजस्स एयमट्ट पडिमुण्णेति २ ता चिलाय (तीए) सीहगुहाए [चोरपल्लीए] चोरसेणा-  
वइत्ताए अभिसिंचति । तए ण से चिलाए चोरसेणावई जाए अहम्मिण जाव विह-  
रइ । तए णं से चिलाए चोरसेणावई चोर नायगे जाव कुट्ठगे यावि होत्था । से ण  
तत्थ सीहगुहाए चोरपल्लीए पचण्ह चोरसयाण य एव जहा विजओ तहेव सव्व जाव  
रायगिहस्स [नयरस्स] दाहिणपुर त्थिमिन्न जणवय जाव नित्याणं निद्धणं करेमाणे  
विहरइ ॥ १४० ॥ तए ण से चिलाए चोरसेणावई अन्नया कयाइ विपुल असण ४  
[उवक्खटावेइ] उवक्खटावेत्ता ते पंच चोरसए आमंतेइ तओ पच्छा ण्हाए भोयण-

पिबिहत्तप । से च ठमो पवित्रियताह २ ता जेनैव छा सुंछमा वाकि(वाग्)वा विभाएवं  
 जीविवाग्नेय वरोनि(वि)वा (सेच)सेचैव सवागच्छह २ ता सुंछमं वारिणं विभाएवं  
 जीविवाग्नेय वरोनिं वासह २ ता पण्डितिक(न्तेव)तेन्य वंषगपात्रवे[ ] । तप च  
 से वने सत्त्ववाहे (पंचवै पु ) अप्पच्छे आसत्ते वृक्षगाने कंदमगो विस्मयाने  
 महवा २ छरेनं इ(ह)इउ-इ(ह)स्त पवसे छवि(रं)रक्षयं वा(वा)इ[प्प]मोक्खं  
 करेह । तप च से वने [सत्त्ववाहे] पंचवै पुतेहि अप्पच्छे विस्मयं छीसे आ-गाभिवाए  
 सत्त्वमो छमंता परिवाहेम(वा)ने तन्हाए वृक्षाए व प(रि)रक्ष्यं(रक्षं)ते समाने छीसे  
 आगाभिवाए अइवीए सत्त्वमो छमंता उव्वगस्स मग्गज्जवेसथं करे(न्ति)ह २ ता  
 छंते छंते पत्तिंते निम्बिन्ने [समाथे] छीसे आगाभिवाए (अइवीए उव्वगस्स मग्ग-  
 ज्जवेसथं करेमाने नो वेव च उव्वं आसावेहि तप च) उव्वं अवासाएमाने जेवेव  
 सुंछमा जीविवाग्नेय वरो(एवि)मिया सेवेव सवागच्छह २ ता जेहं पुत्तं वने (छ )  
 सहावेह २ ता एवं ववासी-एवं कल्ल पुत्त । सुंछमाए वारिवाए अइए विस्मयं उव्वं  
 सत्त्वमो छमंता परिवाहेमाणा तन्हाए वृक्षाए व अमिमुवा समाथा इनांसे आगाभि-  
 वाए अइवीए उव्वगस्स मग्गज्जवेसथं करेमाणा नो वेव च उव्वं आसावेमो । तप  
 च उव्वं अवासाएमाना नो सवाएमो रायणिहं संपातिताए । तन्ने तुम्हे म्मे वेव-  
 पुप्पिवा । जीविवाग्नेय वरोवेह [मम] मंसे च सोमिं च आहारेह ( ) तेनं आहा-  
 रेनं अह(विह)वइ समाथा तम्हे पच्छा इमं आत्तमिं अइमिं निवारेहिह राय  
 मिहं च संपाति(वि)हइ मित्त-पात्र(व) अमिसमायपिउ-इह आत्तस्स च अम्मस्स च  
 पुम्भस्स च आमामी ममिस्सह । तप च से जे(इ)छे पुते वनेचं सत्त्ववाहेचं एवं  
 बुते समाने वचं २ एवं ववासी-तुम्हे च तागो ! अम्मं पिवा पु(र)न्त्यपा(या)व  
 वेववमूय ठावअ पइ(इ)उव्वज्ज उरव्वज्जया सेवेवया । तं उव्वं अम्हे तागो !  
 तुम्हे जीविवाग्नेय वरोवेमो तुम्भं च वंछं च सोमिं च आहारेमो । तं तुम्हे च  
 तागो ! ममं जीविवाग्नेय वरोवेह मंसे च सोमिं च आहारेह आपामिं अइमिं  
 निवारेहिह तं वेव तम्भं भवइ वाव आत्तस्स वाव (पुण्यस्स) आत्तणी ममि-  
 स्सह । तप च वचं सत्त्ववाहं सोमे पुते एवं ववासी-मा च तागो ! अम्हे जेहं  
 मानं पु(र)इवेवचं जीविवाग्नेय वरोवेमो तुम्हे च तागो ! ममं जीविवाग्नेय  
 वरोवेह वाव आमामी ममिस्सह । एवं वाव पंचमे पुते । तप च से वने सत्त्ववाहे  
 पंचपुत्तमं विवृत्तिचं आभिता ते पंच पुते एवं ववासी-मा च अम्हे पुता । पुण-  
 मने जीविवाग्नेय वरोवेमो । एतं च सुंछमाए वारिवाए सति(ए)रे निप्पाथे अन्न  
 जीवनिप्पमहे । तं छिं कल्ल पुत्त । अम्मं सुंछमाए वारिवाए मंसे च सोमिं च



अव(ह)हारियं जाणिता महत्थ ३ पाहुण गहाय जेणेव नगरगुत्तिया तेणेव उवाग  
 च्छइ २ ता त महत्थ पाहुण (जाव) उवणे(न्ति)इ २ ता एव वयासी-एवं स्तु  
 देवाणुप्पिया । चिलाए चोरसेणावई सीहगुहाओ चोरपटीओ इह हव्वमागम्म पचहिं  
 चोरसएहिं सद्धिं मम गिह घाएत्ता सुम्हु धणक्कणं सुसुम च दारिय गहाय जाव  
 पडिगए, त इच्छा(मो)मि णं देवाणुप्पिया । सुसुमा[ए] दारियाए कूव गमितए,  
 तु(व्भे)व्व ण देवाणुप्पिया । से विपुले धणक्कणगे मम सुंनुमा दारिया । तए ण ते  
 न(य)गरगुत्तिया धणस्स एयमट्ट पडिमुणेंति २ ता सन्नद्ध जाव गहियाउहपहरणा  
 महया २ उक्किट्ट जाव समुहरवभूय पिव करेमाणा रायगिहाओ निग्गच्छति २ ता  
 जेणेव चिलाए चोरे तेणेव उवागच्छति २ ता चिलाएण चोरसेणावइणा सद्धिं सप्-  
 लग्गा यावि होत्ता । तए ण [ते] नगरगुत्तिया चिलाय चोरसेणावई हयमहि(या)व  
 जाव पडिसेहेंति । तए ण ते पच-चोरसया नगर(गो)गुत्तिएहिं हयमहिय जाव पडिसे-  
 हिया समाणा त विपुलं धणक्कणं विच्छ(इ)इमाणा य विप्पकि(रे)रमाणा य सव्वओ  
 समंता विप्पलाइत्ता । तए ण ते न-गरगुत्तिया त विपुल धणक्कणं नेहति २ ता  
 जेणेव रायगिहे तेणेव उवागच्छति । तए ण से चिलाए त चोरसे-न्तेहिं न गर  
 गुत्तिएहिं हयमहिय (जाव) [०पवर]भीए [जाव] तत्ये सुसुम दारिय गहाय एग मह  
 आ(अ)गामिय वीहमद्ध अडविं अणु-प्पविट्ठे । तए ण घणे सत्यवाहे सुसुम दारिय  
 चिलाएण अडवीमु(हिं)ह अवहीरमाणिं पासित्ताण पचहिं पुत्तेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे  
 सन्नद्धवद्ध[०] चिलायस्स प(द)यमग्गविहिं (अभिगच्छति) अणुगच्छमाणे अभिग-  
 (ज्जेमाणे)जते हक्कारेमाणे पुक्कारेमाणे अभितज्जेमाणे अभितासेमाणे पिट्ठओ अणुग-  
 च्छइ । तए ण से चिलाए त घण सत्यवाह पचहिं पुत्तेहिं [सद्धिं] अप्पछट्ट सन्नद्धवद्धं  
 समणुगच्छमाण पासइ २ ता अत्वामे ४ जाहे नो सचाएइ सुसुम दारियं निव्वाहितए  
 ताहे सत्ते तते परि(स)तते नीलुप्प[लगव]ल असिं परामुसइ २ ता सुसुमाए दारि-  
 याए उत्तमग छिंदइ २ ता त गहाय त आ गामिय अडविं अणु-प्पविट्ठे । तए ण [से]  
 चिलाए तीसे अगामियाए अडवीए तण्हाए [छुहाए] अभिभूए समाणे पम्(हु)हट्ठदि  
 सामाए सीहगुह चोरपल्लिं असपत्ते अतरा चेव कालगए । एवामेव समणाउसो ! जाव  
 पव्वइए समाणे इमस्स ओरालियसरीरस्स वतामवस्स जाव विट्ठसणधम्मस्स वण्ण-  
 हेउ [वा] जाव आहार आहारेइ से णं इहलोए चेव वहूण समणाण ४ हीलणिजे  
 जाव अणुपरियट्ठिस्सइ जहा व से चिलाए तक्करे । तए ण से घणे सत्यवाहे पंचहिं  
 पुत्तेहिं अप्पछट्ठे चिलायं [तीसे अगामियाए सव्वओ समता] परिघाडेमाणे २  
 (तण्हाए छुहाए य) सत्ते तंते परितते नो सचाएइ चिलाय चोरसेणावइ साहत्थि

बोधिरेखा ॥ १३९ ॥ से मिक्ख वा (१) से च पुच बंदिक्कं जामिजा इंगार  
 काहेसु वा, कारकाहेसु वा मन्थकाहेसु वा मन्थयुमिवाह वा जल्लवरंति वा  
 तहप्पगारंति बंदिक्कंति वो उच्चारपासकं बोधिरेखा ॥ १४० ॥ से मिक्ख वा  
 (१) से च पुच बंदिक्कं जामिजा बदिवाकवनेसु वा पंचयमनेसु वा ओषाक-  
 यनेसु वा सेनकपंति वा जल्लवरंति वा तहप्पगारंति बंदिक्कंति वो उच्चारपा-  
 सकं बोधिरेखा ॥ १४१ ॥ से मिक्ख वा (१) से च पुच बंदिक्कं जामिजा,  
 यमिवाह वा यदिकवामिवाह यमिवाह पोप्पविसिमाह वा यवाभीसु वा खान्ति  
 वा जल्लवरंति वा तहप्पगारंति बंदिक्कंति वो उच्चारपासकं बोधिरेखा ॥ १४२ ॥  
 से मिक्ख वा (१) से च पुच बंदिक्कं जामिजा कामकंति वा सामकंति वा  
 मूलनकंति वा हत्थंकरकंति वा जल्लवरंति वा तहप्पगारंति बंदिक्कंति वो  
 उच्चारपासकं बोधिरेखा ॥ १४३ ॥ से मिक्ख वा (१) से च पुच बंदिक्कं  
 जामिजा अचककंति वा सचकंति वा वाक्ककंति वा केमदकंति वा,  
 कंनकंति वा असेगकंति वा वायकंति वा, पुन्नायकंति वा, पुन्नयकंति  
 वा जल्लवरंति वा तहप्पगारंति वा पत्थेवेएह वा, पुप्पवेएह वा, पन्नेवेएह वा  
 धम्मोवेएह वा, हम्मोवेएह वा वो उच्चारपासकं बोधिरेखा ॥ १४४ ॥ से  
 मिक्ख वा (१) सकपाकं वा परपाकं वा पहाव ऐतमनाए एतमकमेखा  
 जवाचमंति असेवेएहंति जप्पपानंति वाच म्महासंतात्तंति जह्ममंति वा  
 जह्मससंति तमे संमनाम उच्चारपासकं बोधिरेखा उच्चारपासकं बोधिरता  
 ऐतमावाए एतमकमे जमावाइति वाच म्महासंतात्तंति जह्ममंति वा  
 जह्ममंति वा, जल्लवरंति वा तहप्पगारंति बंदिक्कंति जचितंति तमे संमना-  
 मेव उच्चारपासकं बरिडुवेखा ॥ १४५ ॥ एवं जल्ल तस मिक्खसु १ वा साम-  
 म्मि वाच जप्पसि तिप्पे ॥ १४६ ॥ उच्चारपासकपससिक्खे दसम  
 मज्झपथे समत्तं ॥ सत्तिहयं समत्तं तहयं ॥

से मिक्ख वा (१) सुइयत्तहाणि वा मीयत्तहाणि वा खरीत्तहाणि वा  
 जल्लकराणि वा तहप्पगाराणि मिळवत्तहाणि मिततार्हं सार्हं कम्मसोमपडिवाए  
 वो अमिच्छावेखा पमवाए ॥ १४७ ॥ से मिक्ख वा (१) ज्जावेएहार्हं सार्हं  
 सुवेइं तंवा-वीणात्तहाणि वा निर्वणीत्तहाणि वा पिप्पिप्पत्तहाणि वा एवकत्तहाणि  
 वा वक्कत्तहाणि वा तंवावीयिक्कत्तहाणि वा वंजुवत्तहाणि वा जल्लवरंति वा  
 तहप्पगारंति मिळवत्तहाणि सहाणि मिततार्हं कम्मसोमपडिवाए वो अमिच्छावेखा  
 पमवाए ॥ १४८ ॥ से मिक्ख वा (१) ज्जावेएहार्हं सार्हं सुवेइं तंवा-

आहारेण । तए ण अम्हे तेणं आहारेण अर(र)यदा नमाना रायगिहं संभाउनि-  
 स्सामो । तए ण ते पचयुता धणेण मत्तवाहेण एणं युता गमाना एवमट्टं पडि-  
 जेति । तए ण धणे मत्तवाहे पचहिं पुत्तेहिं मदि अरणिं ठहेइ २ ता मरां (ब)  
 करेइ २ ता सरएण अरणिं महेइ २ ता अरिण पादेइ २ ता अरिणं सुंफुरेइ २ ता  
 दाह्या(नि)इं प(रि)रुत्तेवे)न्नवद २ ता शरिण पञ्जाठेइ २ ता मउनाए दारियाए  
 मसं च (पड्ढा) मोनिय न आहारे(न्ति)इ । तेण आहारेण अर धदा गमाना राय  
 निइ नय(रि)र सुपत्ता मित्त ना(इ, इगिय)० अभिममग्गागया तस्स य रिउल्लस्स  
 धणकगगरयण जाअ आमाणी जाअ(ति होत्वा) । तए ण मे एणे मत्तवाहे सुमुमाए  
 दारियाए बहूइ लोउचाइ [मयहिं गाइ] जाअ निगयगोए जाए याति होत्वा ॥ १४२ ॥  
 तेण काटेण तेण समएण ममणे भावं महारिरे गुत्ताउल्लए उज्जाणे तन्नोपदे । (स)  
 तए ण धणे सत्तवाहे सपु(उप)णे भम्मं नोचा पचइए एकारसणी मात्तियार  
 सत्तेहणाए सोहम्ममे उवव(ण्णो)ने महाविदेहे पासे निजित्तिहि । जहा वि य ण नू !  
 धणेण मत्तवाहेण नो वण्णहेउ वा नो रुवहेउ वा नो वत्तहेउ वा नो निगयहेउ  
 वा सुमुमाए दारियाए ममत्तोणिण आहारिए नमत्तए एणाए रायगिहं सपावगट्टयाए  
 एवामेव ममगाउमो । जो अम्ह निग्गप्पो वा निग्गयी वा इत्थस्स अंतस्सिन्धु-  
 रस्स वतासवस्स पित्तानवस्स नृपागवस्स मोत्तियासवस्स जाव अक्क(स)मग्गि-  
 जहियव्वस्स नो वण्णहेउ वा नो रुवहेउ वा नो वत्तहेउ वा नो निगयहेउ वा  
 आहारं आहारेइ नमत्तए एणाए विट्ठिामगसपावगट्टयाए से णं इह-भवे चेअ बहू  
 समगाग बहूण समणीण वहुण माययाण बहूण नावियाणं अगणिजे जाव वीइव  
 इत्थइ । एअ खलु जवू ! समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेगं अट्टारममस्स  
 (णायज्जयगस्स) अयमट्टे पन्ते ति वेस्मि ॥ १४३ ॥ गाहाओ—जह सो चित्त-  
 इपुत्तो सुमुमगिद्धो अक्कजपडिबद्धो । धणपारद्धो पत्तो महाउवि वसगसयकत्तिय  
 ॥ १ ॥ तह जीवो विसयवद्दे लद्धो काळग पावत्तिरियाओ । कम्मवत्तेण पावइ मवा-  
 ढवीए महादुक्ख ॥ २ ॥ धणसेट्ठी—विव गुरुगो पुत्ता इव साहवो भवो अडवी ।  
 सुयमसमिवाहारो रायगिह इह विव नेय ॥ ३ ॥ जह अउविनयरनित्यरणपावगत्यं  
 तएहिं सुयमसं । भुत्ता तहेह साह गुरुण आणाए आहारं ॥ ४ ॥ भवत्तल्लणत्तिवपाव-  
 णहेउ भुज(मुज्ज)ति ण उण नेहीए । वण्णवल्लवहेउ च भावियप्पा महासत्ता ॥ ५ ॥  
 अट्टारसमं नायज्जयणं समत्तं ॥

जइ ण भवे । समणेण० अट्टारसमस्स नायज्जयणस्स अयमट्टे पन्ते एगूणवीस-  
 श्मस्स (०) के अट्टे पज्जे ? एव खलु जवू ! तेण काटेण तेण समएणं इहेव जवुदीवे

दीये पुष्पमिदेहे दीनाए महानदीए कतरिणि कूळे नीळमंतस्स वाहिनिं उतरास्स  
 सीमासुहृत्तसंघस्स प(णि)त्तिमेवं एगसेकमस्स वनकारपम्भनस्स पुर तिमेवं  
 एव वं पुंवरिणिणी नामं राजहानी पक्का  
 नवजोयनमि-तिवन्ना पुनम्मज्जोयनावामा वाव पम्भनं देवलो(न)यभूता पासद्वेवा  
 वरिचपीवा अमिद्धा पविद्धा । सीसे वं पुंवरिणिणीए नयरीए उतरपुर तिमे  
 दि-सीमाए नळिनिवने नामं उज्जावे होत्वा (वम्भयो) । तस्स वं पुंवरिणिणीए रास-  
 हानीए महापठमे जमं राक होत्वा । तस्स वं पठमानदी नामं देवी होत्वा । तस्स  
 वं महापठमस्स एवो पुत्ता पठमावरीए देवीए कत्ता कुये कुमारा होत्वा तं बह-  
 पुंवरिए म कंवरिए व सुदमात्म्याणिपाया[ ] । पुंवरिए सुवरावा । तेवं कळेवं तेवं  
 समएवं (वम्मसेत्ता वेरा पंथिं अक्यारसएहिं सहिं स पुष्पात्तुमि भरमावा  
 वाव व उज्जावे तेवेद स ) वेरायमवं महापठमे एवा निगए वम्मं सोवा  
 पुं(पौ)वरिमे रजे ठवेता पम्भए पुंवरिए राया वाए कंवरिए सुवरावा । महापठमे  
 अक्यारे बोत्त-पुम्मां अहिज्ज । तए वं वेरा वहिवा वनवमिहारे मिहरति । तए  
 वं से महापठमे बहूनि वातामि वाव ठिडे ३ १४४ ३ तए वं वेरा वम्मया पम्भ-  
 पुनरमि पुंवरिणिणीए राजहानीए नळिनिवने उज्जावे समोसवा । पुंवरिए एवा  
 निम्माए । कंवरिए महापठमं सोवा जहा म(इ)हवलो वाव पम्भवत्त । वेरा  
 वम्मं परिकोत्ति पुंवरिए समनोवातए वाए वाव पथियए । तए वं कंवरिए बहूए  
 सहे २ १४ जाव से बहेवं तुम्मे वज्ज वं वरं पुंवरिं एवं वापुज्जामि तए वं  
 वाव पम्भयामि । जहात्तं देवात्तुपिवा । तए वं से कंवरिए वाव वेरे वज्ज म्मेवत्त  
 वं २ ता (वेरा) अंतिवावे पठिमिकमत्त २ ता तमेव वात्त[र]वेत्तं वात्त[र] वु-  
 हए वाव पम्भोत्तए वेमेव पुंवरिए एवा तेवेव वज्जवत्त ( ) कत्तवत्त वाव पुंवरि-  
 रीनं [राव] एवं ववासी-एवं कत्त (वेवा ।) मए वेरावं वंतिए (वाव) वम्मो मिहंते  
 से वम्मो अनिद्धए । तए वं (वेवा ।) वाव पम्भवत्तए । तए वं से पुंवरिए कंवरिं  
 एवं ववासी—म वं तुमं मात्त(वेवात्तुपि)मा । इ(वा)वामि तुमं वाव पम्भवाहि,  
 जहं यं तुमं म(इवा २)हारायामिसेएवं अमिदि(वा)वामि । तए वं से कंवरिए  
 पुंवरिस्स र-वो एवमत्तं नो जाहाए वाव तुमिणीए सविद्ध । तए वं पुंवरिए  
 एवा कंवरिं रोवंपि एवपि एवं ववासी वाव तुमिणीए सविद्ध । तए वं पुंवरिए  
 कंवरिं कुमारे जाहे नो वेवाएव बहूहिं वावववा(हिं)हिं य पम्भवाहि व ४ ताहे  
 वज्जमए वेव एवमत्तं वज्जमवित्ता वाव निज्जमवमिसेएवं अमिदिवत्त वाव  
 वेरावं सीवमिक्कं वज्जवत्त पम्भए वज्जवारे वाए एव्वारसंज-वी । तए वं वेरा

आहारेत्तए । तए ण अम्हे तेणं आहारेण अव(त्)थद्धा समाणा रायगिहं संपाठमि-  
 स्सामो । तए ण ते पच-पुत्ता धणेण सत्यवाहेण एवं पुत्ता समाणा एयमट्ठ पडिउ-  
 णेति । तए ण धणे सत्यवाहे पचहिं पुत्तेहिं सद्धिं अरणिं करेइ २ ता सरग (च)  
 करेइ २ ता सरएण अरणिं महेइ २ ता अरिणिं पाछेइ २ ता अरिणिं संधुक्खेइ २ ता  
 दारुया(ति)इ प(रि)क्खेवे)क्खिवइ २ ता अरिणिं पज्जालेइ २ ता सुसुमाए दारियाए  
 मस च (पइत्ता) सोणिय च आहारे(न्ति)इ । तेण आहारेण अव थद्धा समाणा राय-  
 गिह नय(रिं)रं संपत्ता मित्त ना(ई)इनियग० अभिमम-न्नागया तस्स य विउलस्स  
 धणकणगरयण जाव आभागी जाया(वि होत्ता) । तए ण से धणे सत्यवाहे सुसुमाए  
 दारियाए बहूइ लोइयाइ [मयकिच्चाइ] जाव विगयसोए जाए यावि होत्ता ॥ १४० ॥  
 तेण कालेण तेण समएण समणे भगव महावीरे गुणसिलए उज्जाणे समोसढे । (स)  
 तए ण धणे सत्यवाहे सपु(सप)त्ते धम्म सोच्चा पव्वइए एक्कारसंगवी मासियाए  
 सलेहणाए सोहम्मे उवव(ण्णो)न्ने महाविदेहे वासे तिज्झिहिइ । जहा वि य ण जवू ।  
 धणेण सत्यवाहेण नो वण्णहेउ वा नो रुवहेउ वा नो वलहेउ वा नो विसयहेउ  
 वा सुसुमाए दारियाए मंससोणिए आहारिए नन्नत्य एगाए रायगिह सपावणट्ठयाए  
 एवामेव समणाउसो । जो अम्ह निग्गयो वा निग्गथी वा इमस्स ओरालियसरी-  
 रस्स वंतासवस्स पितासवस्स सुक्कासवस्स सोणियासवस्स जाव अवस्(स)सविप्प-  
 जहियव्वस्स नो वण्णहेउ वा नो रुवहेउ वा नो वलहेउ वा नो विसयहेउ वा  
 आहारं आहारेइ नन्नत्य एगाए सिद्धिगमणसपावणट्ठयाए से ण इह-भवे चेव बहूण  
 समणाण बहूण समणीण बहूण सावयाणं बहूण सावियाण अच्चणिजे जाव वीईव  
 इस्सइ । एव खलु जवू । समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण अट्टारसमस्स  
 (णायज्झयणस्स) अयमट्ठे प-ज्जत्ते ति वेमि ॥ १४३ ॥ गाहाओ—जह सो चिला-  
 इपुत्तो सुसुमगिद्धो अकज्जपडिवद्धो । धणपारद्धो पत्तो महाडविं वसणमयकलिय  
 ॥ १ ॥ तह जीवो विसयसुहे लुद्धो काऊण पावकिरियाओ । कम्मवसेणं पावइ भवा-  
 ळवीए महाडुक्ख ॥ २ ॥ धणसेट्ठी—विव गुरुणो पुत्ता इव साहवो भवो अडवी ।  
 सुयमसमिवाहारो रायगिहं इह सिवं नेय ॥ ३ ॥ जह अडविनयरणित्यरणपावणत्यं  
 तएहिं सुयमस । भुत्त तहेह साहू गुरुण आणाए आहारं ॥ ४ ॥ भवलवणसिक्खपाव-  
 णहेउ भुज(भुज्ज)ति ण उण गेहीए । वण्णवलरुवहेउ च भावियप्पा महासत्ता ॥ ५ ॥  
 अट्टारसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ ण भत्ते । समणेणं० अट्टारसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे प ज्जत्ते एगूणवीस-  
 इमस्स (०) के अट्ठे पज्जत्ते ? एव खलु जवू । तेणं कालेण तेणं समएण इहेव जवुहीवे

दीये पुम्बमिदैदे सीवाए यहागनीए उतागिजे वृके बीज्यतस्त वाहिपेन उतागिस्त  
 सीवागुहजयदेस्त प(रि)वतिवमेन एगसीतस्त वज्रकारपम्बमस्त पुर-रिबमेन  
 एव यं पुनःकावर्दे नामे विजए प-जये । तत्त यं पुंडरिगिणी नामे रागहाणी पचता  
 गजबोयपति-रिक्का हुवाकसजोवनायाया जाव पचत्त देवलो(व)ममूय पघाईना  
 वरिसचीया जमिक्का पकिक्का । सीये यं पुंडरिगिणीए नवरीए कतरपुर रिबमे  
 दि-सीमाए नजिमिक्के नामे उजावे होत्ता (बम्बजो) । तत्त यं पुंडरिगिणीए राग-  
 हाणीए महापठमे नामे रावा होत्ता । तत्त यं पञ्चावर्दे नामे देवी होत्ता । तत्त  
 यं महापम्बमस्त एवे पुता पञ्चावर्देए देवीए भतना दुबै कुमाटा होत्ता तं बहा-  
 पुंडरीए न कंडरीए न सुव्याक्यमिपाया[ ] । पुंडरीए सुवरावा । तेन कायेन तेन  
 समएन (बम्बजोसा वेरा पंचिं बम्बगारसएहिं सदिं स पुम्बलपुमिं वरमावा  
 जाव न उजावे तेनेव स ) वेरायमनं महापठमे रावा निमए धम्म सोवा  
 पुं(पो)डरीनं एवे उवेव पम्बए पुंडरीए रावा जाए कंडरीए सुवरावा । महापठमे  
 जगगारे चोरस-पुम्बाई भविज्ज । तए यं वेरा वज्जिवा जगजगमिहारं मिहरंति । तए  
 यं से महापठमे वहुमि वासामि जाव डिदे ३ १४४ ३ तए यं वेरा जज्जा क्का-इ  
 पुक्कसि पुंडरिगिणीए रागहाणीए नजिमिक्के उजावे समोसहा । पुंडरीए रावा  
 निमाए । कंडरीए महापम्बमं सोवा जहा म(इव)हाक्के जाव पञ्चावर्दे । वेरा  
 धम्मं परिज्जेति पुंडरीए समनोवातए जाए जाव पणिगए । तए यं कंडरीए उट्टए  
 उट्टे १ ता जाव से ज्जेनं तुम्मे कवह ३ नवरं पुंडरीयं एनं जापुप्पामि तए यं  
 जाव पम्बवामि । जहाई देवानुप्पिमा । तए यं से कंडरीए जाव वेरे कवह मनेसइ  
 यं १ ता [वेरा] भविज्जामे पणिमिक्कमाइ १ ता तयेव जाव[गुंके] जावए दु-  
 हइ जाव पचोइइ वैनेव पुंडरीए रावा तेनेव उवापचइ ( ) कएपक जाव पुंड-  
 रीयं [राव] एनं कवासी-एनं कइ (देवा ) मए वेरायं वरिप (जाव) धम्मं मिघेते  
 से धम्मं जमिक्कए । तए यं (देवा ) जाव पम्बइतए । तए यं से पुंडरीए कंडरीयं  
 एनं कवासी—यं यं तुमं माइ(देवानुप्पि)मा । इ(वा)यापि पुंके जाव पम्बवामि,  
 जाई यं तुमं म(इवा २)हाउयामिसेएनं जमिधिं(ववा)वामि । तए यं से कंडरीए  
 पुंडरीवस्त (को एक्कमं को जावाइ जाव तुठिणीए धविइइ । तए यं पुंडरीए  
 रावा कंडरीयं सोवपि तवपि एनं कवासी जाव तुठिणीए धविइइ । तए यं पुंडरीए  
 कंडरीयं कुमारे जाई यो वेवाएव वहुमि जावक्का(हिं)हिं य प-जववामि य ४ ताहे  
 जज्जमए वेव एक्कमं जज्जमवित्ता जाव निक्कमणामिसेएनं जमिधिंवा जाव  
 वेरायं टीसमिक्कं इक्कए पम्बए जगगारे जाए एक्करसेयमी । तए यं वेरा

भगवतो अजया कया-इ पुट(री)रिगिणीओ नगरीओ नडि(णी)गियणाओ उज्जाणाओ  
 पडि-निक्खममति २ ता वहिया जणवयविहारं विहरंति ॥ १८५ ॥ तए ण तस्स  
 कडरीयस्स अणगारस्स तेहिं अतेहिं य पतेहिं य जहा सेलगस्स जाव दाहवणं  
 तीए यावि विहरइ । तए ण थेरा अजया कया(इ)इ जेणेव पौनरिगिणी तेणेव  
 उवागच्छ(इ)न्ति २ ता नलि(णि)णीवणे समोसठा । पु-डरीए निगए धम्म मुनेइ ।  
 तए ण पुडरीए राया धम्म सोचा जेणेव कडरीए अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ ता  
 कडरीय वंदइ नममइ वं० २ ता कडरीयस्स अणगारस्स सरीरगं गवाचाह सरो(यं)ग  
 पासइ २ ता जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ ता थेरे भगवते वंदइ नममइ  
 व० २ ता एव वयासी-अहण भते । कडरीयस्स अणगारस्स अहापवतेहिं ओसह-  
 भेसजेहिं जाव तिगि(तेइ)च्छ आ(उट्ठा)उंटामि, तं तुम्मे णं भते । मम जाणसालाए  
 समोसरइ । तए णं थेरा भगवंतो पुडरीयस्स पडिगुणेति (०) जाव उवसपञ्चिताण  
 विहरति । तए ण पुडरीए (राया) जहा महुए सेलगस्स जाव बलियसरीरे जाए ।  
 तए ण थेरा भगवतो पु डरीय राय [आ]पुच्छति २ ता वहिया जणवयविहारं विह-  
 रंति । तए णं से कडरीए ताओ रोयायकाओ विप्पमुक्के ममाणे तसि मणु-जसि अण  
 पाणसाइमसाइमसि मुच्छिए गिद्धे गडिए अज्झोवण भे नो सचाएइ पुं डरीय आपु  
 च्छिता वहिया अब्भुज्जएण (जणवयविहारं) जाव विहारेत्तए तत्थेव ओसभे जाए ।  
 तए ण से पु-डरीए इमीसे कहाए लद्धे समणे ण्हाए अतेउरपरियालसपरिखुडे  
 जेणेव कडरीए अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ ता कडरीय तिरुत्तो आयाहि(ण)ण  
 पयाहिण करेइ २ ता वदइ नमसइ वं० २ ता एव वयासी-धम्मसि ण तुमं  
 देवाणुप्पिया । कयत्थे कयपु ण्णे कयलक्खणे, मुलद्धे ण देवाणुप्पिया । तव माणु  
 स्सए जम्मजीवियफले जे ण तुम रज्ज च जाव अतेउर च [वि]छ(इइ)इता विगो  
 वइत्ता जाव पव्वइए, अहण अह-जे [अपुण्णे] अकयपु-ण्णे रज्जे [य] जाव  
 अतेउरे य माणुस्सएणु य कामभोगेसु मुच्छिए जाव अज्झोववणे नो सचाएमि  
 जाव पव्वइत्तए, त धम्मसि ण तुम देवाणुप्पिया । जाव जीवियफले । तए ण से  
 कडरीए अणगारे पुडरीयस्स एयमट्ठ नो आढाइ जाव सच्चिद्धइ । तए णं से  
 कडरीए पौडरीएण दोच्चपि तच्चपि एव वुत्ते समणे अकामए अव(र)सवसे लज्जाए  
 गारवेण य पु-डरीय (राय) आपुच्छइ २ ता थेरेहिं सद्धिं वहिया जणवयविहारं  
 विहरइ । तए णं से कडरीए थेरेहिं सद्धिं क(किं)चि काल उग्गउग्गेण विह(रति)रित्ता  
 तओ पच्छा समणत्तणपरितते समणत्तण-निब्बि(ण)णे समणत्तण-निब्भ(त्थि)च्छिए  
 समणगुणमुक्कजोगी थेराणं अतियाओ सणिय २ पच्चोसकइ २ ता जेणेव पुंडरिगिणी





भगवंतो अणया कया-इ पुंउ(री)रिगिणीओ नयरीओ नउ(णी)णिवणाओ उज्जाणाओ  
 पडि निक्खमंति २ ता बहिया जणवयविहारं विहरंति ॥ १४५ ॥ तए ण तस्स  
 कडरीयस्स अणगारस्स तेहिं अतेहिं य पतेहिं य जहा सेलगस्स जाव दाहव  
 तीए यावि विहरइ । तए ण थेरा अणया कया(इ)इ जेणेव पोंडरिगिणी तेणेव  
 उवागच्छ(इ)न्ति २ ता नलि(णि)णीवणे सनोमडा । पु-उरीए निग्गए धम्म सुणेइ ।  
 तए ण पुंउरीए राया धम्म सोचा जेणेव कडरीए अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ ता  
 कडरीय वदइ नमंसइ व० २ ता कडरीयस्स अणगारस्स मरीरगं मग्गाबाह सरो(यं)ग  
 पासइ २ ता जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ ता थेरे भगवते वंदइ नमसइ  
 व० २ ता एव वयासी-अहण्ण भते । कडरीयस्स अणगारस्स अदापवत्तेहिं ओसह-  
 भेसज्जेहिं जाव तिगि(तेइ)च्छ आ(उट्ठा)उटामि, त तुम्हे ण भते । मम जाणसालाअ  
 समोसरह । तए ण थेरा भगवतो पुउरीयस्स पडिमुणेति (०) जाय उवसपज्जिताण  
 विहरंति । तए ण पुउरीए (राया) जहा मउए सेलगस्स जाव बलियमरीरे जाए ।  
 तए ण थेरा भगवतो पुं उरीय राय [आ]पुच्छति २ ता बहिया जणवयविहारं विह-  
 रति । तए ण से कडरीए ताओ रोयायकाओ विप्पमुक्के समाने तसि मणु-असि अण  
 पाणखाइमसाइमसि सुच्छिण्ण गिद्धे गट्ठिण्ण अज्झोवव ने नो सचाएइ पुं उरीय आपु  
 च्छिता बहिया अब्बुज्जणं (जणवयविहारं) जाव विहरितए तत्थेव ओस-भे जाए ।  
 तए ण से पुं-उरीए इमीसे कहाए लद्धे समाने ण्हाए अतेउरपरियालसपरिवुडे  
 जेणेव कडरीए अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ ता कंडरीय तिक्खुत्तो आयाहि(ण)ण  
 पयाहिण करेइ २ ता वदइ नमसइ व० २ ता एव वयासी-धम्मणि ण तुम  
 देवाणुप्पिया ! कयत्थे कयपु ण्णे कयलस्सणे, सुलद्धे ण देवाणुप्पिया । तव माणु  
 स्सए जम्मजीवियफले जे ण तुम रज्ज च जाव अतेउर च [वि]छ(इ)इता विगो  
 वइता जाव पव्वइए, अहण्ण अह-भे [अपुण्णे] अरुयपु-ण्णे रज्जे [य] जाव  
 अतेउरे य माणुस्सएसु य कामभोगेसु सुच्छिण्ण जाव अज्झोववने नो सचाएमि  
 जाव पव्वइत्तए, त धम्मसि ण तुमं देवाणुप्पिया ! जाव जीवियफले । तए ण से  
 कडरीए अणगारे पुउरीयस्स एयमद्व नो आडाइ जाव सच्चिद्व । तए ण से  
 कडरीए पोंडरीएण दोचपि तच्चपि एव वुत्ते समाने अकामए अव(र)सवसे लज्जाए  
 गारवेण य पुं-उरीय (राय) आपुच्छइ २ ता थेरेहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं  
 विहरइ । तए ण से कंडरीए थेरेहिं सद्धिं क(कि)चि काल उग्गउग्गेण विह(रति)रिता  
 तओ पच्छा समणत्तणपरितंते समणत्तण-निव्वि(ण)णे समणत्तण-निव्व(त्थि)च्छिण्ण  
 समणगुणमुक्कजोगी थेराण अतियाओ सणिय २ पच्चोसकइ २ ता जेणेव पुंउरिगिणी

अथो तेनेव पुंडरीयस्स भवन्ते तेनेव उवाचच्छब्द २ ता असोमवमिमाए असोमवर  
पायवस्स अहे पुडमिस्सिअपण्णेति निसीवइ १ ता ओह्वमवसंछप्पे वाव सिवाव-  
माने संविइइ । तए नं तस्स पोंडरीवस्स अंन(अम्म)वाई तेनेव असोमवमिवा  
तेनेव उवाचच्छब्द २ ता कंडरीयं अजगारे असोमवरपायवस्स अहे पुडमिस्सिअ(व)-  
पण्णेति ओह्वमवसंछप्पे वाव सिवावमानं पासइ १ ता तेनेव पुंडरीए उवा तेनेव  
उवाचच्छब्द २ ता पुंडरीयं एयं एवं वयासी-एवं अहं देवात्तुप्पिमा । तव पि(उ)व-  
मातए कंडरीए अजगारे असोमवमिवाए असोमवरपायवस्स अहे पुडमिस्सिअ-पों  
ओह्वमवसंछप्पे वाव सिवावइ । तए नं [हे] पुंडरीए अम्मवा(इ)ईए एममं छेया  
मिस्सम तहेव संमंते समाने उड्डाप उड्डे १ ता अंतेउरपरिवाअसंपरिबुडे तेनेव  
असोमवमिवा वाव कंडरीयं टिण्णत्ते ( ) एवं वयासी-अ-वेसि नं तुमं देवात्तुप्पिमा ।  
वाव पण्णइए, अइ नं वच-वे[१] वाव [अ]पण्णइए, तं वच-वे नं तुमं देवात्तु-  
प्पिमा । वाव जीवियच्छे । तए नं कंडरीए पुंडरीएवं एवं तुते समाने तुटिणीए  
संविइइ शेषंपि तथंपि वाव विइइ । तए नं पुंडरीए कंडरीयं एवं वयासी-अहो  
मंते । भोगेहि । इता [१] अहो । तए नं से पुंडरीए उवा ओह्वमियपुरिसे सट्ठवेइ २  
ता एवं वयासी-विप्पामेव मो देवात्तुप्पिमा । कंडरीयस्स महत्त्वं वाव रायमिसे  
(अ)वं अज्जुवइ वाव रायमिसेएवं अमिस्सिअइ ॥ १४९ ॥ तए नं [हे] पुंडरीए  
सवमेव पंचसुद्धिं ओवं करेइ सवमेव वात्तज्जामं वम्मं पडिअइ १ ता कंडरी-  
यस्स संसिं अत्तावरनं(अ)वं मेवइ २ ता इमं एयास्सं अमिस्साई अमिप्पिअइ-  
अप्पइ मे येरे वंमिता नमंमिता येरावे अतिए वात्तज्जामं वम्मं सवसंपजिचारं  
तथे पच्छा जाहारे जाहारिताए-तिण्णु इमी (व) एवाअं अमिस्सं अमिगि(ओ)-  
मिअनं पुंडरीयिणी(ए)ओ पडिअिअअइ २ ता पुप्फात्तुपुप्पि वरमाणे मामात्तुवामं  
वृत्तमानं [तेनेव] वेरा मयंमंते तेनेव आरेत्तव अम्मवाए ॥ १५० ॥ तए नं  
तस्स कंडरीयस्स ए-ओ तं पणीयं पावमोवयं आहारिवस्स समावस्स अइवाव(हि)-  
एएव न अइमोअवसंछेण न से आहारे मो सम्यं परिण(अ)ए । तए नं तस्स  
कंडरीयस्स ए-ओ तंमि आहारीति अपरिणमामानंति पुप्परपावरात्तअअसमंमंति  
सपी(रे)रयंमि वेवया पाठम्मूया उज्जअ मितअ वयावा वाव वुरविवासा पितअ-  
रपरिमसपरी वइअवईए वावि निइइइ । तए नं से कंडरीए उवा एजे व रडे  
न अंतेउरे न वाव अज्जोअवसे अइइइइअसडे अज्जयए अज-सवसे अज्जयसे वाव  
मिवा अहे सत्ताए पुंडरीए तथेउअअअहिअंमि वरवंमि येरावएए सवव-वे ।  
एवामेव समवाउत्ते । अथ अप्पइए समाने पुवरवि मात्तुस्सए अममो(मे)ए आस-

(इए)एइ जाव अणुपरियट्ठिस्सइ जहा व से कंउरीए राया ॥१४८॥ तए ण से पुट्टरीए  
अणगारे जेणेव घेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ ता घेरे भगवंते षडड नमसइ  
वं० २ ता घेराग अतिए दोयपि चाउज्जामं धम्म पट्ठियज्जइ छट्ठ[क]मणपारण  
गंसि पढमाए पोरिसीए सज्जायं करेइ २ ता जाव अउमाणे सीयलुक्कण पाणभोयणं  
पडिगाहेइ २ ता अदापज्जतगितिरुट्ठु पट्ठि-निय(त्त)ताइ जेणेव घेरा भगवंतो तेणेव  
उवागच्छइ २ ता भत्तपाणं पडिदसेइ २ ता घेरेहि भगवंतेहि अभग्गुणाए समाणे  
अमुच्छिउए ४ विलमिव प-अगभूएण अप्पाणेण त फासुएगणिज्ज असण ४ सरीरको  
ट्ठगसि पक्कावड । तए णं तस्स पुट्टरीयस्स अणगारस्स तं कालाद्वर्तं अरसें गिरसें  
सीयलुक्कण पाणभोयणं आहारियस्स समाणस्स पुव्वरणावरणकालममयसि धम्म-  
जागरियं जागरमाणस्स से आहारे नो सम्म परिणमइ । तए णं तस्स पुट्टरीयस्स  
अणगारस्स सरीरगसि वेयगा पाठवभूया उज्जला जाव दुरहियासा पित्तजरपरिव  
सरीरे दाहवक्रीतीए विहरड । तए णं से पुट्टरीए अणगारं अत्यामे अबले अवीरिए  
अपुरिसफारपरक्कमे करयल जाव एव वयासी-नमो-त्सु णं अ(रि)रहताणं [भगवताण]  
जाव उपत्ताण । नमो-त्सु ण येराण भगवताणं मम धम्मायरियाण धम्मोवएसयाण ।  
पुब्बि पि य ण मए येराणं अतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जाव मिच्छादसण-  
सल्ले (ण) पच्चक्खाए जाव आलोइयपडिक्कते कालमासे काल किन्ना मच्चट्ठसिद्धे उव-  
वन्ने । तओ अणतरं उव्वट्ठिता महाविदेहे वासे सिज्जिहिइ जाव सव्वदुक्खाणमत  
काहिइ । एवामेव समणाउसो । जाव पव्वइए ममाणे माणुस्सएहिं कामभोगेहिं नो  
सज्जइ नो रज्जइ जाव नो विप्पडिधायमावज्जइ से ण इहभये चेव बहूण समगाग  
बहूणं समणीण बहूण साव(या)गाणं बहूणं सावियाण अयणिज्जे वंदणिज्जे पूयणिज्जे  
सक्कारणिज्जे सम्माणणिज्जे कल्लाण मगल देवय चेइय पज्जुवासणिज्जे-तिकट्ठु परलोए  
वि य ण नो आगच्छइ बहूणि दढणाणि य मुंडणाणि य तज्जणाणि य ता(ड)ल-  
णाणि य जाव चाउरंतं ससारकतारं जाव वीईवइस्सइ जहा व से पुं-डरीए अणगारे ।  
एवं खलु जवू । समणेण भगवया महावीरेण आ(दि)इगरेणं तित्यगरेणं [सयसवुद्धेणं]  
जाव सिद्धिगइ-नामधेज्ज ठाण संपत्तेण एगूणवीसइमस्स नायज्जयणस्स अयमट्ठे  
पन्नत्ते । एव खलु जवू । समणेण भगवया महावीरेणं जाव सिद्धिगइ-नामधेज्ज ठाणं  
संपत्तेणं छट्ठस्स अगस्स पढमस्स सुयक्खधस्स अयमट्ठे प पत्ते ति वेमि । तस्स ण  
सुयक्खधस्स एगूणवीस अज्जयणाणि ए(क्क)गासरगाणि एगूणवीसाए दिवसेसु सम-  
प्पंति ॥ १४९ ॥ गाहाउ—वाससहस्स पि जइ कारुण सज्जमं सुविउल पि ।  
अंते किलिद्धभावो न विमुज्जइ कडरीउन्व ॥ १ ॥ अप्पेण वि कालेणं केइ जहा-

नमरी तेमेव पुंडरीकस्त मयसि तेमेव उवागच्छ १ ता अतोमयमियाए अतोमगर  
पायवस्त अहे पुडमिदिवापयसि विदीयइ १ ता ओहममयसंछये वाव मिवाक-  
मानि संविहइ । तए न तस्त पौंडरीकस्त अंब(अम्म)वाइ तेमेव अतोमयमिया  
तेमेव उवागच्छ १ ता कंडरीमे अमगारे अतोमगरपायवस्त अहे पुडमिदिवा(व)-  
पयसि ओहममयसंछये वाव मिवाकमानं पातइ १ ता तेमेव पुंडरीए एवा तेमेव  
उवागच्छ १ ता पुंडरीमे एने एनं वयासी-एनं कहु देवालुपिया । तए पि(उ)म  
मातए कंडरीए अमगारे अतोमयमियाए अतोमगरपायवस्त अहे पुडमिदिवा-पौ  
ओहममयसंछये वाव मिवाक । तए न [सि] पुंडरीए अम्मवा(ह)इए एम्मइ छेवा  
मिधम्म तहेव संयते समानि पछाप छेइ १ ता अंतोठरपरिवाकसंपरिपुडे तेमेव  
अतोमयमिया वाव कंडरीमे ठिक्कतो ( ) एनं वयासी-अ-वेसि नं तुमं देवालुपिया ।  
वाव पम्पए, अहं नं अम-वे[१] वाव [अ]पम्पएतए, तं वदेसि नं तुमं देवालु-  
पिया । वाव बीमिदफळे । तए नं कंडरीए पुंडरीएनं एनं छुपे समाने द्विषीए  
संविहइ होवपि तवपि वाव विहइ । तए नं पुंडरीए कंडरीमे एनं वयासी-अहो  
मंते । मोरेइ । इता [१] अहो । तए नं से पुंडरीए एवा ओहमिदिवापुरिसे उवावेइ १  
ता एनं वयासी-विप्पामेव ओ देवालुपिया । कंडरीकस्त महरं वाव एवामिसे  
(अ)नं उवहइ वाव रावामिसेएनं अमिमिहइ ॥ १४९ ॥ तए नं [सि] पुंडरीए  
सवमेव पंचमुद्धिमं अमे करेइ सवमेव वाउजामं वम्मं पडिक्कइ १ ता कंडरी-  
कस्त संविदं आवारमं(अ)मे गेवइ १ ता इयं एवामं अमिमाइ अमिमिहइ-  
कम्म मे वेरे वंरिता नमंरिता वेरावे अदिए वाउजामं वम्मं उवसेपजितावे  
तओ पम्प आहारं आहारिणए-पिक्कइ इमे (व) एवाहं अमिम्मइ अमिमि(वो)-  
मिहामं पुंड रिगिबी(ए)ओ पडिनिक्कमइ १ ता पुम्पलुपुमि वरमाने वाम्पुल्लामं  
वड्ढमामे [तेमेव] वेरा मयकतो तेमेव पहारेण पम्पए ॥ १५० ॥ तए नं  
तस्त कंडरीकस्त ए ओ तं पनीनं पावमोयनं आहारिमस्त समानस्त अइवाम(वि)-  
एण व अइमोयनपसंमेव व से आहारे वो चम्मं परिच(मइ)ए । तए नं तस्त  
कंडरीकस्त ए-ओ तंवि आहारंवि अपरिचममानंवि पुम्परतावरपछाअममंवि  
सरी(र)रांवि वेववा सठअमूवा तज्जा निठवा पयाहा वाव दुरहिवाता पितज-  
रपरिवसरीरे वाइवकंतीए वामि निहरइ । तए नं से कंडरीए एवा रवे व रडे  
व अंतोठरे व वाव अज्जोयनं अइपुहइअउडे अज्जमए अक-उवडे कम्मामे कम्म  
विवा अहे चत्ताए पुंडरीए उहोउअअडिउवंवि नरवंति वेरएवताए उव-वे ।  
एवामेव समवाजळे । वाव पम्पए समाने पुपरानि मावुसए कम्ममो(मे)ए आसा-

तावत्सहाणि वा, संतावत्सहाणि वा, कतिवत्सहाणि वा  
 निरिक्कितसहाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराई  
 सोवपडियाए णो अभिसंघारेखा गमणाए ॥ ५४९ ॥ से भिक्खु  
 वेगइयाई सहाई सुणेति तंजहा-संतावत्सहाणि वा, कतिवत्सहाणि वा  
 सरमुहीसहाणि वा, निरिक्कितसहाणि वा अण्णयराई वा तहप्पगाराई  
 सहाई सुसिराई कण्णसोवपडियाए णो अभिसंघारेखा  
 भिक्खु वा (२) अहावेगइयाई सहाई सुणेति तंजहा-वण्णानि वा,  
 आव सरानि वा, सागरानि वा सरपत्तियानि वा,  
 तहप्पगाराई निस्सव्वाहं सहाई कण्णसोवपडियाए णो  
 ॥ ५५१ ॥ से भिक्खु वा (२) अहावेगइयाई सहाई सुणेति  
 पूमानि वा, गहणानि वा, वणानि वा, वण्डुमानि वा,  
 दुग्गानि वा, अण्णयराई वा तहप्पगाराई निस्सव्वाहं सहाई  
 अभिसंघारेखा गमणाए ॥ ५५२ ॥ से भिक्खु वा (२) अहावेगइयाई  
 तंजहा-गामानि वा, जगरानि वा, निगमानि वा,  
 वेसानि वा, अण्णयराई तहप्पगाराई सहाई णो अभिसंघारेखा  
 से भिक्खु वा (२) अहावेगइयाई सहाई सुणेति तंजहा-नारामानि वा,  
 वा, वणानि वा, वणसंजानि वा, वेवकुलानि वा समानि वा, पणानि वा,  
 वा तहप्पगाराई सहाई णो अभिसंघारेखा गमणाए ॥ ५५४ ॥ से  
 (२) अहावेगइयाई सहाई सुणेति तंजहा अट्ठानि वा, अट्ठकमानि वा,  
 वा, दारानि वा, गोपुरानि वा, अण्णयराई वा तहप्पगाराई सहाई  
 संघारेखा गमणाए ॥ ५५५ ॥ से भिक्खु वा (२) अहावेगइयाई  
 तंजहा-तियानि वा, चसकानि वा, चचराणि वा, चसमुहाणि वा,  
 तहप्पगाराई सहाई णो अभिसंघारेखा गमणाए ॥ ५५६ ॥ से भिक्खु  
 अहावेगइयाई सहाई सुणेति तंजहा-महिसट्ठाणकरणाणि वा,  
 अस्सट्ठाणकरणाणि वा, हत्थिट्ठाणकरणाणि वा आब  
 अण्णयराई वा तहप्पगाराई सहाई णो अभिसंघारेखा गमणाए ॥ ५५७  
 वा (२) अहावेगइयाई सहाई सुणेति तंजहा-महिसजुद्धानि वा,  
 अस्सजुद्धानि वा, हत्थिजुद्धानि वा आब कर्म्मज्जुद्धानि वा,  
 तहप्पगाराई णो अभिसंघारेखा गमणाए ॥ ५५८ ॥ से भिक्खु वा (२)  
 वेगइयाई सहाई सुणेति तंजहा-जुहियट्ठाणानि वा, हयजुहियट्ठाणानि

पक्षिबहीष्माम्ना । साक्षिणि नियमकम् पुंस्वीक्यहारिणिम् बहा ॥ १ ॥  
एगूषबीसहमे अज्जयणं समसं ॥ भाषायम्माकहारं पत्रमो सुप  
कसोपो समसो ॥

तये काकेनं तेनं समएणं रायणिहे मायं नयरे होराय बग्गजो । तस्स ये  
रायमिहस्स [नवरस्स] बहिवा उतापुर-रिभये वि-सीयाए तत्त ये पुण्(सी)मिम्प  
मामं उज्जाये होराय बग्गजो । तेनं काकेनं तेनं समएणं समवस्स मयवज्जो महा-  
चीरस्स अनेवासी अज्जमुग्गमा नामं वेत्ता भगवतो चाइसं-रत्ता कुम्भपक्का काय  
भो(बउ)इत्तपुम्पी बउ माभोक्कया पंचहिं अन्नगारसएहिं तदिं संपरिबुद्धा पुम्माकु-  
पुम्पिं वरमात्ता यामाउप्यमं वु(उ)उज्जमात्ता उइमुहेनं गिहरमात्ता जेयेव रायमिहे  
नयरे जेयेव पुण्-सिक्कए उज्जाये काय संजयेनं उवत्ता अण्णानं मायेमात्ता निहरंति ।  
परिण मिग्गमा बग्गये बहिंजे परिण जायेव वि(सं)हिं पाउम्मात्ता तामेव रिंति  
पडिमत्ता । तनं काकेनं तेनं समएणं अज्जसुग्गमस्स (अनवारस्स) अंतवासी  
अज्जम्बू नामं अनागारे आव पञ्चवासमाये एवं ववासी-अइ ये मंते । समयेनं (१)  
आव सपत्तेनं उट्ठस्स वंगस्स पडम[स्स] उवत्तम्बवस्स ना(यत्तु)वायं अय्यमं पवत्ते  
होवस्स ये मंते । उवत्तम्बवस्स वग्गम्मात्ताये समयेनं के अट्ठे पवत्ते । एवं अत्तु  
अत्तु । समयेनं वग्गम्मात्ताये वत्त वग्गय पवत्ता तंजहा-वमरस्स अग्गमहिंतीनं  
पडये वग्गो बहिस्स वग्गोवपिहस्स वग्गोववरज्जो अग्गमहिंतीनं वीए वग्गो अत्तु  
रिववज्जिमायं दाहिमिज्जम्बू ईवानं अग्गमहिंतीनं त(इ)ईए वग्गो, उतापिज्जम्बू अत्तु-  
रिववज्जिमायं मयववाहिंवायं अग्गमहिंतीनं वग्गये वग्गो दाहिमिज्जम्बू वाप्यं  
उताये ईवानं अग्गमहिंतीनं पंचमे वग्गो उतापिज्जम्बू वाप्यमंउताये ईवानं अग्ग  
महिंतीनं अट्ठे वग्गो वंरस्स अग्गमहिंतीनं उताये वग्गो सुउस्स अग्गमहिंतीनं  
अत्तुमे वग्गो उवत्तस्स अग्गमहिंतीनं मयमे वग्गो ईसावस्स [व] अग्गमहिंतीनं  
वत्तमे वग्गो । अइ ये मंते । समयेनं वग्गम्मात्ताये वत्त वग्गय पवत्ता पवमस्स ये  
मंते । वग्गस्स समयेनं के अट्ठे पवत्ते । एवं अत्तु अत्तु । समयेनं पवमस्स  
वग्गस्स पंच अज्जवत्ता व-वत्ता तंजहा-अग्गो राइ रक्खी सिक्क मेहा । अइ ये  
मंते । समयेनं पवमस्स वग्गस्स पंच अज्जवत्ता पवत्ता पवमस्स ये मंते ।  
अज्जवत्ताये समयेनं के अट्ठे पवत्ते । एवं अत्तु अत्तु । तेनं काकेनं तेनं समएणं  
रायणिहे नयरे पुण्-सिक्कए उज्जाये वेमिए राता ये(उ)ज्जमा वीसी सामी समोय  
(मिए)हे परिण मिग्गमा काय परिण पञ्चवासइ । तेनं काकेनं तेनं समएणं काके  
(मामं) वेत्ती वमरवत्ताए रायहावीए काक्क वेंसपमवत्ते काकेहिं वीहापयंति वग्गहिं

रामाणियसाहस्सीहिं चडाहिं मयहरियाहिं सपरिचाराहिं तिहिं परिगारिं सत्ताहिं  
 अणिएहिं सत्ताहिं अणियाहिवंहेहिं मोलगाहिं आयरक्कादेउसाहस्सीहिं अ-भे(हिं)हिं य  
 च(हुएहिं य)एहिं काल्पट्टिमयभवगवासीहिं अचुरात्तारेहिं देवेहिं देवीहिं य गदि  
 सपरिचुटा मद्याहय जाव विहरइ इमं च णं केउलकण जयुदीवं २ पिउल्लेण ओहिणा  
 आगोएमाणी २ पामउ ए(त)य गमणं भगव महावीरं जयुदीवं दीवे भारहे वासे  
 रायगिहे न-यरे गुणसिलए उज्जाणे अहापडिस्ता उग्गइ ओगि(उगिग)टिस्ता यजमे  
 तवसा अप्पाग भावेमाण पानइ २ ता इट्ठतुट्ठचित्तमाणदिया पीउमगा जाव (हय)-  
 हियया सीहासणाओ अब्भुत्तेइ २ ता पायपीडाओ पकोरुइ २ ता पाउया ओमुयइ  
 २ ता तित्थगराभिमुदी गत्तट्ठ पयाइ अणुगच्छइ २ ता वाग जाणु अचैइ २ ता  
 दाहिण जाणु धरणियलसि निहइ तिमउत्तो मुद्धान धरणियलसि निवेत्तेउ (०) इमि  
 पञ्च जमइ २ ता कउ(य)गवुट्टिययभियाओ भुयाओ गाहरइ २ ता करयल जाव कउ  
 एव वयासी-नमो ह्यु ण अरहताण (भगवताण) जाव सपत्ताणं । नमो-त्त्यु ण समास्स  
 भगवओ महावीरस्स जाव सपाविउत्तामस्स । वदामि ण भगवत्त तत्तयगयं इहग(ए)-  
 या पामउ मे समणे ३ तत्तय-गए इह-गय-तिकइ वदइ नमसइ य० २ ता सीहा-  
 सणवरसि पुरत्याभिमुहा निमग्गा । तए ण तीसे कालीए देवीए इमेयारुवे जाव  
 समुप्पजित्वा [तजहा]-सेय गल्लु मे समणं ३ वदिता जाव पञ्चुवानित्तए-तिकइ  
 एवं सपेहेइ २ ता आभिओगि(ए)या दे(वे)वा सहावेइ २ ता एव वयासी-एव खल्लु  
 देवाणुप्पिया । समणे ३ एव जहा सूरियाओ तहेव आणत्तिय देइ जाव दिव्वं नुर-  
 वराभिगमणजोग करेइ २ ता जाव पचप्पिणह । तेवि तहेव करेत्ता जाव पचप्पि-  
 णति । नवरं जोयणसहस्सवि त्थिण्ण जाण सेस तहेव । तहेव नामगोय साहेइ तहेव  
 नट्टविहिं उवदसेइ जाव पडिगया । भते त्ति भगव गोयमे समण ३ वंदइ नमसइ  
 व० २ ता एव वयासी-का(लि)लीए ण भंते । देवीए सा दिव्वा देविट्ठी ३ कहिं  
 गया ? कूडागारसालादिट्ठो । अहो ण भंते ! काली देवी महिट्ठिया [३] । का-लीए  
 ण भते ! देवीए सा दिव्वा देविट्ठी ३ कि-न्ना लद्धा कि-न्ना पत्ता कि-न्ना अभिसम भा  
 गया ? एव जहा सूरियाभस्स जाव एव खल्लु गोयमा । तेण कालेण तेण समएणं  
 इहेव जयुदीवे २ भारहे वासे आमलकप्पा ना-मं नयरी होत्या वण्णओ । अयसा-  
 लवणे उज्जाणे । जियसत्तू राया । तत्तय णं आमलकप्पाए नयरीए काळे नाम गाहा-  
 वई होत्या अञ्चे जाव अपरिभूए । तस्स ण कालस्स गाहावइस्स कालतिरी नाम  
 भारिया होत्या सुकुमाल(पाणिपाया) जाव सुरूवा । तस्स ण काल(ग)स्स गाहाव-  
 इस्स धूया कालतिरीए भारियाए अत्तया काली नाम दारिया होत्या वड्डा वड्डकुमारी

तुम्हा सुम्हासुमाटी पडिन्नुवत्तणी निम्नि-ज्जम्हा वरपरिजम्हिवा नि होस्वा । तेनं  
 क्खमेनं तेनं समएनं पासे अरुहा पुरिसादाणीए आइयरे बहा बयमावसामी ववरं  
 गवहत्तुरसेहे सोकस्सिं समनसाहस्सीहिं अट्टुणीसाए अम्भिसाहस्सीहिं धम्मिं संप  
 रिबुहे वाव अंबसाकम्भवे तमोसहे । पुरिसा निगगा वाव पज्जुमासइ । तए नं सा  
 क्खी दारिवा इनींसे बहाए क्खत्तु समाणा हट्ट वाव जियवा जेनेव अम्मापिवरो  
 तेनेव उवावच्छइ २ ता करवक वाव एनं वयाही-एनं कत्तु अम्मवाओ । पासे  
 अरुहा पुरिसादाणीए आइयरे वाव निहरइ, तं इच्छामि नं अम्मयाओ । तुम्हेहिं  
 अम्मलुवावा समानी पासस्स [नं] अरहओ पुरिसादाणीमस्स पावपंदिवा गमिगए ।  
 अहाउरं देवात्तुप्पिमा । आ पडिपेनं करेहि । तए नं सा क्ख(म्भिसा)की दारिवा  
 अम्मापिरेहिं अम्मलुवावा समानी हट्ट वाव जियवा ज्जम्हा सुउप(प)पवेसाई मंफ्हाई  
 वत्ताई पवर-परिजिवा अम्मलुवावामरवाकंमिउसरीउ वेडिवावहवाकपरिजिम्हा  
 धम्मो गिहाओ पडि-निक्खम्हा २ ता जेनेव बाहिरीवा क्खत्ताव्वाक्क जेनेव वम्मिए  
 वावप्पवरं तेनेव उवावच्छइ २ ता वम्मिअं वावप्पवरं हुस्वा । तए नं सा क्खी  
 दारिवा वम्मिअं वाव[ ]पवरं एनं बहा बोवही (वाव) तहा पज्जुमासइ । तए नं  
 पासे अरुहा पुरिसादाणीए क्खीए दारिवाए छीसे ५ महइमह(क)म्भिसाए परिचाए  
 वम्मं ओइ । तए नं सा क्खी दारिवा पासस्स अरहओ पुरिसादाणीमस्स अंतिए  
 वम्मं सोवा निउम्म हट्ट वाव जियवा पासे अरुहं पुरिसादाणीनं तिन्हाओ वंइइ  
 वम्मंसेइ नं २ ता एनं वयाही-सह्वाहि नं मति । निम्भेनं पाववपं वाव से ओहेनं  
 तुम्हे वक्क नं ववरं देवात्तुप्पिमा । अम्मापिवरो वापुक्कामि तए नं अहं देवात्तु-  
 प्पिमां अंतिए वाव पप्पयामि । अहाउरं देवात्तुप्पिमा । तए नं सा क्खी दारिवा  
 पासेनं अरुहा पुरिसादाणीएनं एनं पुवा समानी हट्ट वाव जियवा पासे अरुहं  
 वंइइ वम्मंसेइ नं २ ता तयेव वम्मिअं वावप्पवरं हु-क्खइ २ ता पासस्स अरुहओ  
 पुरिसादाणीमस्स अंतियाओ अंबसाकम्भवाओ उवावाओ पडि-निक्खम्हा २ ता  
 जेनेव वाम्मलक्कप्पा वयरी तेनेव उवावच्छइ २ ता वावक्कवपं वयरी मज्झमज्जेनं  
 जेनेव बाहिरीवा उक्खत्ताव्वाक्क तेनेव उवावच्छइ २ ता वम्मिअं वाव प्पवरं ओइ  
 २ ता वम्मिवाओ वावप्पवराओ पवोओइ २ ता जेनेव अम्मापिवरो तेनेव उवा-  
 वच्छइ २ ता करवक[परिग्गहिं] वाव एनं वयाही-एनं कत्तु अम्मवाओ । मए  
 पासस्स अरहओ अंतिए वम्मं निसेते से नि व वम्मं इच्छिए पडिच्छिए अमि  
 क्खए, तए नं अहं अम्मवाओ । उंसारमउम्भिसा ओक्क अम्मलुवावामरवाकं इच्छामि  
 नं तुम्हेहिं अम्मलुवावा समानी पासस्स अरहओ अंतिए सुवा मविता वा-पा



राओ अणगारियं पव्वडत्तए । अहासुहं देवाणुप्पिए । मा पटिबर्धं करे हि । तए णं  
 से काले गाहावड्ढे वि-उल असण ४ उचय्याउवेइ २ ता मित्त नाइ नियगसयणसंबंधि-  
 परियग आमतेड २ ता तओ पच्छा ण्हाए विपुलेण पुप्फात्तवगधमागलकारेण  
 सफारे(त्ता)इ सम्माणे इ [२] तस्सेव मित्त नाइ नियगमयणमंबधिपरियगस्य पुरओ  
 फालियं दारिय सेयापीएहिं कलसेहिं ण्हावेइ २ ता सन्वालकारविभूतिय करेइ २  
 ता पुरिससहस्यवाहि(णीय)णि सीय दु रुहेइ २ ता मित्त-नाइ-नियगरायणसंबधिपरि-  
 यणेणं सद्धिं सपरिवु(डा)डे सव्विगुणीए जाव रवेण आगलरूप नयारिं मज्झंमज्जेण  
 निग्गच्छइ २ ता जेणेव अयमालवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ ता छात्ताइए  
 तित्थगराइ(म)ए पासइ २ ता सीय ठा वेड २ ता [कालिय दारिय सीयाओ पयोहइ ।  
 तए ण त] कालिय दारिय अम्मापियरो पुरओ काउ जेणेव पासे अरहा पुरिसादा-  
 णीए तेणेव उवागच्छ(इ)न्ति २ ता वद न्ति नमस न्ति ति व० २ ता एव वयासी-  
 एव खलु देवाणुप्पिया । काली दारिया अम्ह धूया इट्ठा कता जाव किमग पुण पासण-  
 याए ? एस ण देवाणुप्पिया । समारभउच्चिग्गा इच्छइ देवाणुप्पियाण अतिए मुडा  
 भवित्ता (ण) जाव पव्वडत्तए, त एय ण देवाणुप्पियाणं सिस्सिणिभिक्ष दलयामो,  
 पडिच्छतु ण देवाणुप्पिया । सिस्सिणिभिक्षं । अहासुहं देवाणुप्पिया । मा पडिबर्धं  
 (करेह) । तए ण [मा] काली कुमारी पास अरहं वदइ नमसइ व० २ ता उत्तरपुर-  
 त्थिम दि-सीभाग अवक्कमइ २ ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओसुयइ २ ता सयमेव  
 लोय करेइ २ ता जेणेव पासे अरहा पुरिसादाणीए तेणेव उवागच्छइ २ ता पास  
 अरहं तिकखुत्तो वदइ नमसइ व० २ ता एवं वयासी-आलित्ते णं भत्ते । लोए एव  
 जहा देवाणदा जाव सयमेव पव्वा(वि)वेड । तए ण पासे अरहा पुरिसादाणीए  
 का(लिं)लिय सयमेव पुप्फचूलाए अज्जाए सिस्सिणियत्ताए दलयइ । तए ण सा पुप्फ-  
 चूला अज्जा कालिं कुमारिं सयमेव पव्वावेइ जाव उवसपब्बित्ताण विहरइ । तए ण सा  
 काली अज्जा जाया इ-रियासमिया जाव गुत्तवभयारिणी । तए ण (सा) काली अज्जा  
 पुप्फचूला[ए] अज्जाए अतिए सामाइयमाइयाइं एकारस अगाइ अहिज्जइ बहूहिं  
 चउत्थ जाव विहरइ । तए णं सा काली अज्जा अणया कया(ति)इ सरीरपाउसिया  
 जाया(या)वि होत्था, अभिक्खण २ हत्थे धो(व)वेइ पाए धो-वेइ सीस धो-वेइ मुह  
 धो-वेइ थणत्तरा(ई)णि धो-वेइ कक्खंत्तराणि धो-वेइ गुज्जंत्तरा(इ)णि धो-वेइ जत्थ जत्थ  
 वि य ण ठाण वा सेज्ज वा निसीहिय वा चेएइ त पुव्वामेव अब्भु(क्खे)क्खित्ता  
 तओ पच्छा आसयइ वा सयइ वा । तए ण सा पुप्फचूला अज्जा का-लिय अज्जं एवं  
 वयासी-नो खलु कप्पइ देवाणुप्पिए । समणीण निग्गशीणं सरीरपावसियाण होत्ताए,

दुर्म न ये देवाऽप्युपि । सदीरवावसिवा वावा नमिन्तुर्न २ ह्राये बीवति वाव  
 वासवाहि वा सवाहि वा । तं दुर्म देवाऽप्युपि । एवस्व ऊवस्व आग्नेऽपि वाव  
 पवपिच्छं पविववाहि । तए नं सा काली अगा पुण्डवृषाए अजाए एकमर्तु मो  
 आवाइ वाव दुसिपीया संविद्व । तए नं तामो पुण्डवृषाओ अजाओ वाकि अजं  
 नमिक्कवर्न २ हीवैति मिदंति कि(रं)वैति य-रवैति अवम-वैति नमिक्कवर्न २  
 एकमर्तु निवारैति । तए नं तीरे काळीए अजाए समवीहिं निम्पवीहिं नमिक्कवर्न २  
 हीमिजमापीए वाव वारिजमापीए ह्येवाकले अ-यस्यसिप वाव समुप्यजित्वा-अवा  
 नं अहं अ(आ)गारमासमज्ये वसित्वा तया नं अहं सर्ववसा । अप्यमिदं न नं अहं  
 सु(रै)वा यजिता अ-वाउओ अवयारिने पण्डवा तप्यमिदं न नं अहं परवसा  
 वावा । तं सर्वं वहु मम कां पावप्यमात्वाए रवणीए वाव वळंते पावि(कि)वर्न  
 वरस्वर्न ववसंवन्निवायं निहरेतए-तिच्छु एवं संपेहेइ २ ता वळं वाव वळंते  
 पावि(रं)वर्न वरस्वर्न ये(वि)वद ताव नं अविचारिवा नवीहसिवा सपळंदमई  
 नमिक्कवर्न २ हत्ते थोवैइ वाव वासव वा सव वा । तए नं सा काली  
 अजा पवत्वा पावत्तमिहा ओस-वा ओस-वमिहा इतीका इतीवमिहा  
 अजावरा अजावमिहा संसवा संसवमिहा वहुमि वासमि सम-अवपरिवार्य  
 पावव २ ता अजमासिवाए संवेववाए अ(ता)प्यनं वद्वेइ २ ता -तीरे  
 नप्यई नवतवाए हेइइ २ ता तस्व ऊवस्व अवाग्नेइववपिच्छं वासमाते  
 कां किवा नमरववाए उमवापीए काव्यविसए मवने सववानववाए देवसव  
 विजंवि देववृद्धरिवा अंमुक्स्व असेवे(वाइ)अमायमेताए ओवाहवाए कमीदे  
 (वी)मिवाए ववव-वा । तए नं सा काली देवी अहुवीव वा तयापी पंचमिहाए  
 वजतीए अहा सुविमो वाव मासामनवजतीए । तए नं सा काली देवी नववई  
 वासामिवाहस्तीर्न वाव अ वेति न वहुर्न काव्यवेसववववापीर्न अवा(उमा-  
 रा)नं देवान व देवीन व आह्वेवर्न वाव निहव । एवं वहु प्येवया । काळीइ  
 देवीए वा विद्या वेमिही २ कवा पया अमिहम वाववा । कमीइ नं मति ।  
 देवीए केवर्न कां ठिई पववा । प्येवया । अहुववई पविमोवमई ठिई  
 पववा । काळी नं मति । देवी तामो देवयोयाओ नवीरं अ(व)वदिव कां नमि-  
 द्विइ कां वववमिद्वि । वीवया । महावीदे वापे विमिद्वि [वाव वंरं वदिव] ।  
 एवं वहु वंरु ! वयमेनं वाव संपेतोर्न पडम[स्व] वगाए पडमवववस्व अयमो  
 प वते तिदेमि ॥ १५ ॥ ( वममकाहार्णं पडमवववपी स्वमर्तं ) ॥

वइ नं मति । समनेनं वममकाहार्णं पडमस्व वमस्व पडमववववस्व

राओ अणगारिय पव्वइत्तए । अहागुहं देवाणुप्पि ए । मा पट्टिवध करे हि । तए णं  
 से काले गाहावई वि उल असण ४ उवक्खसावेइ २ ता मित नाइ नियगगयगसवधि  
 परियग आमतेइ २ ता तओ पच्छा ण्हाए विपुलेण पुप्फवत्तयगधम्मल्लकारणं  
 सधारे(ता)इ सम्माणे इ [२] तस्सेव मित नाइ-नियगसयणसवधिपरियगस्स पुरओ  
 फालिय दारिय सेयापीएहिं कलसेहिं ण्हावेइ २ ता सव्वालकारनिभूनियं करेइ २  
 ता पुरिमसहस्सवाहि(णीय)णि सीय दु रुहेइ २ ता मित-नाइ-नियगगयगसवधिपरे  
 यणेण सद्धिं सपरिवु(डा)डे सव्विणीए जाव रवेग आमलकण नयरिं मज्झमज्जेण  
 निगगच्छइ २ ता जेणेव अवतालवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ ता छत्ताइए  
 तित्थगराइ(स)ए पासइ २ ता सीयं ठा वेइ २ ता [फालिय दारिय सीयाओ पचोरुहइ ।  
 तए ण त] कालिय दारिय अम्मापियरो पुरओ काउ जेणेव पासे अरहा पुरिसादा  
 णीए तेणेव उवागच्छ(इ)न्ति २ ता वद-न्तित्ति नमस न्ति व० २ ता एवं वयासी-  
 एव खलु देवाणुप्पिया । काली दारिया अम्ह धूया इट्ठा कना जाव किमग पुग पासण-  
 याए ? एस ण देवाणुप्पिया । ससारभउव्विग्गा इच्छइ देवाणुप्पियाण अतिए मुडा  
 भवित्ता (णं) जाव पव्वइत्तए, त एय ण देवाणुप्पियाणं सिस्सिणिभिक्ख दलयामो,  
 पडिच्छतु ण देवाणुप्पिया । सिस्सिणिभिक्ख । अहासुह देवाणुप्पिया । मा पट्टिवधं  
 (करेह) । तए ण [सा] काली कुमारी पासं अरह वदइ नमसइ व० २ ता उत्तरपुर-  
 त्थिम दि-सीभाग अवक्कमइ २ ता सयमेव आभरणमल्लालंकार ओमुयइ २ ता सयमेव  
 लोय करेइ २ ता जेणेव पासे अरहा पुरिसादाणीए तेणेव उवागच्छइ २ ता पास  
 अरह तिव्वुत्तो वदइ नमसइ व० २ ता एव वयासी-आलित्ते ण भते । लोए एव  
 जहा देवाणदा जाव सयमेव पव्वा(वि)वेउ । तए ण पासे अरहा पुरिसादाणीए  
 का(लिं)लिय सयमेव पुप्फचूलाए अज्जाए सिस्सिणियत्ताए दलयइ । तए ण सा पुप्फ-  
 चूला अज्जा कालिं कुमारिं सयमेव पव्वावेइ जाव उवसपज्जित्ताण विहरइ । तए ण सा  
 काली अज्जा जाया इ-रियासमिया जाव गुत्तवभयारिणी । तए ण (सा) काली अज्जा  
 पुप्फचूला[ए] अज्जाए अतिए सामाइयमाइयाइ एकारम अगाइ अहिज्जइ वहुहिं  
 चउत्तय जाव विहरइ । तए ण सा काली अज्जा अज्या कया(तिं)इ सरीरघाउसिया  
 जाया(या)वि होत्था, अभिक्खण २ हत्थे धो(व)वेइ पाए धो-वेइ सीस धो-वेइ मुह  
 धो-वेइ थणतरा(ई)णि धो-वेइ कक्खतराणि धो-वेइ गुज्जतरा(इ)णि धो-वेइ जत्थ जत्थ  
 वि य ण ठाण वा सेज्ज वा निसीहिय वा चेएइ त पुव्वामेव अञ्चु(क्खे)क्खित्ता  
 तओ पच्छा आसयइ वा सयइ वा । तए ण सा पुप्फचूला अज्जा का-लियं अज्ज एवं  
 वयासी-नो खलु कप्पइ देवाणुप्पिए । समणीणं निगगधीण सरीरघाउसियाण होतए,



अयमद्वे प ज्ञतो विहयस्स णं भंते । अज्झयणस्स समणेणं (१) जाव संपतेणं के  
 अद्वे प ज्ञतो ? एवं खलु जंबू । तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे न यरे गुण-  
 सिलए उज्जाणे सामी समोसदे परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ । तेणं कालेणं  
 तेणं समएणं राई देवी चमरचंचाए रायहाणीए एवं जहा काली तद्देव आगया नट-  
 विहिं उवद(से)सित्ता पढिगया । भंतेसि भगवं गोयमे पुज्वमवपुच्छा । एवं स्ख  
 गोयमा । तेणं कालेणं तेणं समएणं आमलकप्पा नयरी अबमालवणे उज्जाणे जिक्-  
 सत्तू राया राई गाहावई रा(ई)इसिरी भारिया राई दारिया पासस्स समोसरणं राई  
 दारिया जहेव काली तद्देव निक्खंता तद्देव सरीरवाउसिया तं चेव सप्पं जाव अतं  
 काहिइ । एवं खलु जंबू । वि(इ)इयज्झयणस्स निक्खेवओ ॥ जइ णं भंते । तइय-  
 ज्झयणस्स उक्खेवओ । एव खलु जंबू । रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे एवं जहेव  
 राई तद्देव रयणी वि नवरं आमलकप्पा नयरी रय(णी)णे गाहावई रयणसिरी  
 भारिया रयणी दारिया सेस तद्देव जाव अत काहिइ । एवं विज्जू वि आमलकप्पा  
 नयरी वि(ज्जू)ज्जू गाहावई विज्जुसिरी भारिया वि ज्जू दारिया सेसं तद्देव । एव मेहा  
 वि आमलकप्पाए नयरीए मेहे गाहावई मेहसिरी भारिया मेहा दारिया सेस तद्देव ।  
 एवं खलु जंबू । समणेणं जाव सपतेणं धम्मकहाण पढमस्स वग्गस्स अयमद्वे पज्ञतो  
 ॥ १५१ ॥ जइ णं भंते । समणेणं० दोयस्स वग्गस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू ।  
 समणेणं० दोयस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा पज्जता तंजहा-सुंभा निसुभा रंभा  
 निरंभा म(द)यणा । जइ णं भंते । समणेणं० धम्मकहाणं दोयस्स वग्गस्स पंच  
 अज्झयणा प ज्ञता दोयस्स णं भंते । वग्गस्स पढमज्झयणस्स के अद्वे प ज्ञतो ? एवं  
 खलु जंबू । तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुण सिलए उज्जाणे सामी  
 समोस(ढो)डे परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं सुंभा देवी  
 बलिचंचाए रायहाणीए सुंभवहंसए भवणे सुभंसि सीहासणंसि कालीगमएणं जाव  
 नटविहिं उवदसेत्ता जाव पढिगया । पुज्वमवपुच्छा । सावत्थी नयरी कोट्टए  
 उज्जाणे जियसत्तू राया सुंमे गाहावई सुंभसिरी भारिया सुंभा दारिया सेसं जहा  
 का(ळिया)ळीए नवरं अद्धुट्ठाई पलिओवमाई ठिई । एव खलु जंबू । निक्खेवओ  
 अज्झयणस्स । एव सेसावि चत्तारि अज्झयणा सावत्थीए नवरं माया पिया सरिस-  
 नामया । एव खलु जंबू । निक्खेवओ वि(ती)इयवग्गस्स ॥ १५२ ॥ उक्खे(वओ)ओ  
 तइयवग्गस्स । एव खलु जंबू । समणेणं० तइय(स्स)वग्गस्स चउप प अज्झयणा  
 प ज्ञता तंजहा-पढमे अज्झयणे जाव चउपपत्तिमे अज्झयणे । जइ णं भंते । सम-  
 णेणं० धम्मकहाणं तइय-वग्गस्स चउपप(त्ति)मं [अ]ज्झयणा पज्जता पढमस्स णं



नवरं पुव्वभवे नागपुरे नयरे सहस्रवणे उज्जाणे कमलस्स गाहावइस्स कमल-  
 सिरीए भारियाए कमला दारिया पासस्स(०) अंतिए निक्खंता कालस्स पियामकु-  
 मारिदस्स अगमहिंसी अद्वपलिओवमं ठिई । एवं सेसा वि अज्झयणा दाहिणिणां  
 घाणमंतरिदाण भ(भा)णियव्याओ (सव्वाओ) नागपुरे सहस्रवणे उज्जाणे मायापि  
 (या)यरो धूया सरिसनामया ठिई अद्वपलिओवमं । पंचमो वग्गो समत्तो ॥ १५५ ॥  
 छट्ठो वि वग्गो पंचमवग्गसरिसो नवरं महाका(लिंदा)याइण उत्तरिणां ईदार्ण अग-  
 महिंसीओ । पुव्वभवे सागे(य)ए नयरे उत्तरकुण्डज्जाणे मायापि यरो धूया सरिस-  
 नामया । सेसं त चेव । छट्ठो वग्गो समत्तो ॥ १५६ ॥ सत्तमस्स वग्गस्स उक्खे-  
 वओ । एवं खलु जंबू । जाव चत्तारि अज्झयणा प ज्ञत्ता तंजहा-सूरप्पमा आयवा  
 अधिमाली पभंकरा । पठमज्झयणस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू । तेणं कालेणं  
 तेणं समएण रायगिहे समोसरण जाव परिसा पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएण  
 सूरप्पमा देवी सूरंसि विमाणंसि सूरप्पमसि सीहासणंसि सेसं जहा कालीए तहा  
 नवरं पुव्वभवो अरक्खुरीए नयरीए सूरप्पमस्स गाहावइस्स सूरसिरीए भारियाए  
 सूरप्पमा दारिया सूरस्स अगमहिंसी ठिई अद्वपलिओवमं पंचहिं वाससएहिं अब्भ-  
 हियं सेसं जहा कालीए । एवं सेसाओ वि सव्वाओ अरक्खुरीए नयरीए । सत्तमो  
 वग्गो समत्तो ॥ १५७ ॥ अट्ठमस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू । जाव चत्तारि  
 अज्झयणा प-ज्ञत्ता तंजहा-चदप्पमा दोसि-नामा अधिमाली पभंकरा । पठम  
 (स्स अ)ज्झयणस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू । तेणं कालेणं तेणं समएण रायगिहे  
 समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएण चंदप्पमा देवी चंद-  
 प्पमंसि विमाणंसि चंदप्पमसि सीहासणंसि सेसं जहा कालीए नवरं पुव्वभ(वे)वो  
 महुराए नयरीए भडि(चंद)वडेंसए उज्जाणे चदप्पमे गाहावइ चदसिरी भारिया  
 चदप्पमा दारिया चंदस्स अगमहिंसी ठिई अद्वपलिओवमं प ज्ञा(साए)सवाससइ-  
 स्सेहिं अब्भहियं, सेसं जहा कालीए । एवं सेसाओ वि महुराए नयरीए मायापि  
 यरो(वि) धूया सरिस-नामा । अट्ठमो वग्गो समत्तो ॥ १५८ ॥ नवमस्स उक्खेवओ ।  
 एवं खलु जंबू । जाव अट्ठ अज्झयणा पज्ञत्ता तंजहा-पठमा सिवा सई अज्जू रोहिणी  
 न(व)मिया [इ य ।] अ(च)यला अच्छरा ॥ पठमज्झयणस्स उक्खेवओ । एवं खलु  
 जंबू । तेणं कालेणं तेणं समएण रायगिहे समोसरण जाव परिसा पज्जुवासइ । तेणं  
 कालेणं तेणं समएण पठमावइ देवी सोहम्मो कप्पे पठमवडेंसए विमाणे सभाए  
 सुहम्माए पठमंसि सीहासणंसि जहा कालीए एवं अट्ठ वि अज्झयणा कालीगमएणं  
 नायव्वा नवरं सावत्थीए दो-जणीओ हत्थिणाउरे दो जणीओ कंपिल्लपुरे दो जणीओ

तहप्यगाराई नो अमिसेबारेज गमनाए ॥ ९५९ ॥ से मिकख बा (१) बाब हुयेति  
तंजहा-जगनाइबहुनामि बा मलुम्माबिबहुनामि बा महाइइइयनइमिनाइव-  
रंतिरठ्ठाअनुधिपयइप्यवाइबहुनामि बा अज्यवरदाई बा तहप्यगाराई नो अमिसे-  
बारेज गमनाए ॥ ९६० ॥ से मिकख बा (१) बाब हुयेति तंजहा-कयहामि बा  
डिबामि बा डमराणि बा शोरज्जामि बा मेरराजामि बा मिस्तरज्जामि बा अज्यव-  
राई बा तहप्यगाराई सहाई नो अमिसेबारेज गमनाए ॥ ९६१ ॥ से मिकख बा (१)  
बाब सहाई हुयेइ इडिई बारीयं परिरुतमंविनाइमंमिनिमुज्जमाणि पेहाए एनं गुरैसं  
बा बहाए थोमिज्जमाणे पेहाए अज्यवरदाई बा तहप्यगाराई नो अमिसेबारेज गमनाए  
॥ ९६२ ॥ से मिकख बा (१) अज्यवरदाई मिस्तरज्जाई महासवई एनं बामिजा  
तंजहा कडुसपडामि बा बहुराणि बा बडुमित्तवणमि बा बडुज्जंठामि बा अज्य-  
वरदाई बा तहप्यगाराई मिस्तरज्जाई महासवई कम्मसेवपडिबाए नो अमिसेबारेज  
गमनाए ॥ ९६३ ॥ से मिकख बा (१) मिस्तरज्जाई महुस्सवई एनं बामिजा  
तंजहा-इत्थीमि बा, पुरिसामि बा वेरामि बा बहुराणि बा मज्झिमाणि बा आस-  
रवमिबुधिमामि बा, गामंठामि बामंठामि बा पणंठामि बा इसेंठामि बा रमेंठामि  
बा मोहंठामि बा निवळं असवपाप्मकाइमसाइये परिउंठंठामि बा परिमाईंठामि  
बा निवळंविनमापामि बा, निधोवकमापामि बा अज्यवरदाई बा तहप्यगाराई मिस्-  
वरदाई महुस्सवई कम्मसेवपडिबाए नो अमिसेबारेज गमनाए ॥ ९६४ ॥ से  
मिकख बा (१) नो इहत्तेएएई छेई नो फरत्तेएएई छेई, नो डएई छेई,  
नो अडएई छेई, नो मिठेई छेई नो अमिठेई छेई, नो फंवेई छेई चमिजा  
नो रजेजा नो गिजेजा नो मुजेजा नो अज्जेजेजा ॥ ९६५ ॥ एनं कहु  
तस्स मिकखस्स १ बा सममियं बाब अप्पामि ति वेमि ॥ ९६६ ॥ सइस-  
सिद्धयं पपात्तइममअइयणं समत्तं सइससिद्धयं अठत्तं ॥

से मिकख बा (२) महावैगइदाई रुनाई पाछइ तंजहा-तंविमामि बा वेडियामि  
बा पूरिमामि बा धंवाइमामि बा कडुअमामि बा पोत्तअमामि बा विरुअ-  
मामि बा मविअमामि बा इत्तअमामि बा पत्तअमामि बा मिनिहामि  
बा वेडिमाई बाब अज्यवरदाई बा तहप्यगाराई मिस्तरज्जाई कम्मसवपडिबाए नो  
अमिसेबारेज गमनाए ॥ ९६७ ॥ एनं वाजव्यं बहा सइसपडिबाए वज्जा वाइज्जवा  
कम्मपडिबाए ॥ ९६८ ॥ कम्मसपडिक्खं सुवाअसममअइयणं समत्तं कम्म-  
सपडिक्खं पंचमं ॥

पट्ठिरेयं अज्जतिवणं उंतेडिणं नो तं आसए नो तं मिवमे ॥ ९६९ ॥ विना







वड्ढा सद्धिं अणुरत्ता अविरत्ता इ(ट्ठा)ट्ठे सद् जाव पयविहे माणुस्सए कामभोए  
 पच्चणभवमाणी विहरइ । तस्स णं वाणियगामस्स बहिया उत्तरपुर-च्छिमे दिसीभाए  
 एत्थ णं कोल्लाए नाम सधिवेसे होत्था, रिद्धत्थिमिय जाव पासाधीए (४) । तस्य  
 णं कोल्लाए सधिवेसे आणन्दस्स गाहावइस्स बहुए मित्तनाइनियगसयणसम्बन्धि-  
 परिजणे परिवसइ, अद्धे जाव अपरिभूए । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे  
 भगवं महावीरे जाव समोसरिए । परिसा निग्गया, कूणिए राया जहा तहा  
 जियसत्तू निग्गच्छइ (२ ता) जाव पज्जुवासइ । तए णं से आणन्दे गाहावई  
 इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे 'एवं खलु समणे जाव विहरइ, तं महाफल [जाव]  
 गच्छामि ण जाव पज्जुवासामि' एव सम्पेहेइ, सम्पेहितां ण्हाए सुद्धप्पावेसाई जाव  
 अप्पमहग्घाभरणालङ्कियसरीरे सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमिता  
 सको(रे)रण्टमल्लदामेण छतेणं धरिज्जमाणेण मणुस्सवग्गुरापरिक्खिते पायविहारवा  
 रेणं वाणियगामं नयरं मज्झमज्जेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छिता जेणामेव दू(दु)इपलासे  
 उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता तिक्खुत्तो  
 आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करेत्ता वन्दइ नमसइ जाव पज्जुवासइ । तए णं समणे  
 भगव महावीरे आणन्दस्स गाहावइस्स तीसे य महइमहालियाए परिसाए जाव  
 धम्मकहा, परिसा पडिगया, राया य ग(ए)ओ ॥ ३ ॥ तए णं से आणन्दे गाहावई  
 समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठुत्तु जाव एवं  
 धयासी-‘सद्धामि णं भन्ते ! निग्गन्थं पावयणं, पत्तियामि णं भन्ते ! निग्गन्थं  
 पावयणं, रोएमि णं भन्ते ! निग्गन्थं पावयणं, एवमेयं भन्ते !, तहमेयं भन्ते !,  
 अवित्तहमेयं भन्ते !, इच्छियमेयं भन्ते !, पडिच्छियमेयं भन्ते !, इच्छियपडिच्छिय  
 मेयं भन्ते !, से जहेयं तुब्भे वयह’तिकट्ठु जहा णं देवाणुप्पियाणं अन्तिए बहवे राई-  
 सरतलवरमाडम्बियकोडुम्बियसेट्ठि[सेणावइ]सत्थवाहप्पभि(इया)ईओ मुण्(ठे)डा  
 भवित्ता अ-गाराओ अणगारियं पव्वइया नो खलु अहं तहा संचाएमि मुण्ठे जाव  
 पव्वइत्ताए, अहं णं देवाणुप्पियाणं अन्तिए पञ्चाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं  
 गिहिधम्मं पडिवज्जिस्सामि । अहासुह देवाणुप्पिया ! मा पडिवधं करे(हि)ह ॥ ४ ॥  
 तए ण से आणन्दे गाहावई समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए तप्पढमयाए  
 थूलगं पाणाइवार्यं पञ्चक्खाइ, ‘जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं न करे(इ)मि न कारवे-  
 (इ)मि मणसा वयसा कायसा’ १ । तयाणन्तरं च ण थूलगं मुसावाय पञ्चक्खाइ,  
 ‘जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं न करेमि न कारवेमि मणसा वयसा कायसा’ २ ।  
 तयाणन्तरं च ण थूलगं अ(दत्ता)दिण्णादार्यं पञ्चक्खाइ, ‘जावज्जीवाए दुविहं



रुक्धूवमादिर्हि, अवसेसं धूवणविहिं पञ्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं भोयणविहि परिमाणं करेमाणे पेज्जविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ एगाए कट्टपेज्जाए, अवसेसं पेज्जविहिं पञ्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं भक्खविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ एगेहिं घयपुण्णेहिं खण्डखज्जाएहिं वा, अवसेसं भक्खविहिं पञ्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं ओदणविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ कलमसालिओदणेणं, अवसेसं ओदणविहिं पञ्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं सूवविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ कलायस्स वेण वा सुग्गमाससूवेण वा, अवसेसं सूवविहिं पञ्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं घयविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ सारइए(ण)ण गोघयमण्डेण, अवसेसं घयविहिं पञ्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं सागविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ वत्थुसाएण वा सुत्थियसाएण वा, अवसेसं सागविहिं पञ्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं माहुरयविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ एगेणं पालङ्गामाहुरएण, अवसेसं माहुरयविहिं पञ्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं जेमणविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ सेहं(व)वदालिय(वे)वेहिं, अवसेसं जेमणविहिं पञ्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं पाणियविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ एगेण अन्तलिकखोदएण, अवसेसं पाणियविहिं पञ्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं मुहवासविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ पञ्चसोगन्धिएण तम्बोलेणं अवसेसं मुहवासविहिं पञ्चक्खामि ३' ६ । तयाणन्तरं च णं चउव्विह अणट्ठादण्डं पञ्चक्खाइ, तंजहा-अवज्झाणायरियं पमायायरिय हिंसप्पयाण पावक्कम्मोवएसे ३, ७ ॥ ५ ॥ इह खल्ल 'आणन्दा'(इ)इं समणे भगवं महावीरे आणन्दं समणोवासग एवं वयासी-“एव खल्ल आणन्दा ! समणोवासएणं अभिगयजीवा जीवेण जाव अणइक्कमणिजेण सम्मतस्स पञ्च अइयारा पेयाला जाणियव्वा न समायरियव्वा, तजहा-संका, कङ्खा, विइगिच्छा, परपासण्डपसंसा, परपासण्डसय (वो)वे । तयाणन्तरं च णं थूलगस्स पाणाइवायवेरमणस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा पेयाला जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-बन्धे, षट्ठे, छविच्छेए, अइभारे, भत्तपाणवोच्छेए १ । तयाणन्तरं च णं थूलगस्स मुसावायवेरमणस्स पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तजहा-सहसा[८]भक्खाणे, रहसा[८]भक्खाणे, सदारमन्तमेए, मोसोवएसे, कूडलेहकरणे २ । तयाणन्तरं च णं थूलगस्स अविण्णादाणवेरमणस्स पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-तेणाहठे, तक्करप्पजोगे, विरुद्धरज्जाइक्कमे, कूलतु(ल्ल)लकूडमाणे, तप्पडिरुक्खगववहारे ३ । तयाणन्तरं च णं सदारसन्तो-सिए पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-इत्तरियपरिगगहियागमणे, अपरिगगहियागमणे, अणङ्ग(किङ्का)कीडा, परविवाहकरणे,



एकधूवमादिएहिं, अवसेसं धूवणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं भोयणविहिं परिमाणं करेमाणे पेज्जविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्य एगाए कट्टपेज्जाए, अवसेसं पेज्जविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं भक्खविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्य एगेहिं घयपुण्णेहिं खण्डखज्जाएहिं वा, अवसेसं भक्खविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं ओदणविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्य कलमसालिओदणेण, अवसेसं ओदणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं सूवविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्य कलायस्स वेण वा सुग्गमाससूवेण वा, अवसेसं सूवविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं घयविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्य सारइए(ण)णं गोघयमण्डेण, अवसेसं घयविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं सागविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्य वत्थुसाएण वा सुत्थियसाएण वा, अवसेसं सागविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं माहुरयविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्य एगेण पालङ्गामाहुरएण, अवसेसं माहुरयविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं जेमणविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्य सेहं(व)-वदालियं(वे)वेहिं, अवसेसं जेमणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं पाणियविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्य एगेण अन्तलिकखोदएण, अवसेसं पाणियविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं मुहवासविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्य पच्चसोगन्धिएण तम्बोलेण अवसेसं मुहवासविहिं पच्चक्खामि ३' ६ । तयाणन्तरं च णं चउव्विह अणट्ठादण्डं पच्चक्खाइ, तंजहा-अवज्झाणायरिय पमायायरिय हिंसप्पयाण पावक्कम्मोवएसे ३, ७ ॥ ५ ॥ इह खल्ल 'आणन्दा'(इ)इं समणे भगवं महावीरे आणन्दसमणोवासगं एव वयासी-“एवं खल्ल आणन्दा ! समणोवासएण अभिगयजीवा जीवेण जाव अणइक्कमणिजेण सम्मतस्स पच्च अइयारा पेयाला जाणियव्वा न समायरियव्वा, तजहा-संका, कट्ठा, विइगिच्छा, परपासण्डपससा, परपासण्डसय (वो)वे । तयाणन्तरं च णं थूलगस्स पाणाइवायवेरमणस्स समणोवासएणं पच्च अइयारा पेयाला जाणियव्वा न समायरियव्वा, तजहा-बन्धे, वहे, छविच्छेए, अइमारे, भत्तपाणवोच्छेए १ । तयाणन्तरं च णं थूलगस्स मुसावायवेरमणस्स पच्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तजहा-सहसा[ब]भक्खाणे, रहसा[ब]भक्खाणे, सदारमन्तमेए, मोसोवएसे, कूडलेहकरणे २ । तयाणन्तरं च णं थूलगस्स अदिण्णा दाणवेरमणस्स पच्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-तेणाहडे, तक्करप्पजोगे, विरुद्धरज्जाइक्कमे, कूलतु(ल)लकूडमाणे, तप्पडिखुगववहारे ३ । तयाणन्तरं च णं सदारसन्तो-सिए पच्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-इत्तरियपरिगगहियागमणे, अपरिगगहियागमणे, अणह(किइ)कीडा, परविवाहकरणे,





एकधूवमादिएहिं, अवसेसं धूवणविहिं पच्चक्खामि ३'. । तयाणन्तरं च णं भोयणविहिं  
 परिमाणं करेमाणे पेज्जविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ एगाए कट्ठपेज्जाए, अवसेसं  
 पेज्जविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं भक्खविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ  
 एगेहिं घयपुण्णेहिं खण्डसज्जाएहिं वा, अवसेसं भक्खविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाण  
 न्तरं च ण ओदणविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ कलमसालिओदणेण, अवसेसं ओदण-  
 विहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं सूवविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ कलायसू-  
 वेण वा मुग्गमाससूवेण वा, अवसेसं सूवविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च ण  
 घयविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ सारइए(ण)णं गोघयमण्डेण, अवसेसं घयविहिं  
 पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं सागविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ वत्थुसाएण  
 वा सुत्थियसाएण वा, अवसेसं सागविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं  
 माहुरयविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ एगेणं पालज्जामाहुरएणं, अवसेसं माहुरयविहिं  
 पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं जेमणविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ सेह(व)-  
 षदालिय(वे)वेहिं, अवसेसं जेमणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च ण पाणिय  
 विहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ एगेण अन्तलिकखोदएण, अवसेसं पाणियविहिं पच्च-  
 क्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं मुहवासविहिपरिमाणं करेइ, 'नञ्जत्थ पच्चसोगन्धिएण  
 तम्बोलेणं अवसेसं मुहवासविहिं पच्चक्खामि ३' ६ । तयाणन्तरं च ण चउव्विहं  
 अणट्ठादण्डं पच्चक्खाइ, तजहा-अवज्झाणायरिय पमायायरिय हिंसप्पयाण पावक-  
 म्मोवएसे ३, ७ ॥ ५ ॥ इह खल्ल 'आणन्दा'(इ)ई समणे भगवं महावीरे आणन्द  
 समणोवासग एवं वयासी-"एवं खल्ल आणन्दा ! समणोवासएणं अभिगयजीवा  
 जीवेण जाव अणइकमणिजेण सम्मतस्स पच्च अइयारा पेयाला जाणियव्वा न समा-  
 यरियव्वा, तजहा-संका, कल्ल, विइगिच्छा, परपासण्डपसंसा, परपासण्डसय  
 (वो)वे । तयाणन्तरं च ण थूलगस्स पाणाइवायवेरमणस्स समणोवासएण पच्च अइ-  
 यारा पेयाला जाणियव्वा न समायरियव्वा, तजहा-बन्धे, वहे, छविच्छेए, अइभारे,  
 भत्तपाणवोच्छेए १ । तयाणन्तरं च ण थूलगस्स मुसावायवेरमणस्स पच्च अइयारा  
 जाणियव्वा न समायरियव्वा, तजहा-सहसा[ब]भक्खाणे, रहसा[ब]भक्खाणे,  
 सदारमन्तमेए, मोसोवएसे, कूडलेहकरणे २ । तयाणन्तरं च णं थूलगस्स अदिण्णा  
 दाणवेरमणस्स पच्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तजहा-तेणाहणे,  
 तक्करप्पओगे, विरुद्धरज्जाइकमे, कूलतु(ल)लकूडमाणे, तप्पडिरुवगववहारे ३ । तया-  
 णन्तरं च णं सदारसन्तो-सिए पच्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तजहा-  
 इत्तरियपरिगगहिंयागमणे, अपरिगगहिंयागमणे, अणभ(किट्ठा)कीट्ठा, परविवाहकरणे,

अममोपविष्ठाभिज्यते ४ । तत्रानन्तरं च ये ह्यन्वयपरिमात्रस्तु समनोवाप्तएवं  
 पञ्च अक्षराणि चाभिरुक्ता न समानपरिमात्रा तत्रहा-क्षराण्युपमाणाश्चमे विरक्त-  
 तन्त्रममाणाश्चमे पुनश्चतुष्पदपमाणाश्चमे पञ्चमपमाणाश्चमे कुम्भिकपमा-  
 नाश्चमे ५ । तत्रानन्तरं च ये विरि(०)वस्तु पञ्च अक्षराणि चाभिरुक्ता न  
 समानपरिमात्रा तत्रहा-तुर्विरिपमाणाश्चमे अहोविरिपमाणाश्चमे, विरिद्विरि-  
 ममाणाश्चमे क्षेत्रगुणी सादृश्यान्तरा ६ । तत्रानन्तरं च ये धर्मोप-  
 ययिभ्यो ह्यभिहे पश्यते तत्रहा-मोवक्तव्यो न कम्प्यो न । तत्र ये  
 मोवक्तव्यो [५] समनोवाप्तएवं पञ्च अक्षराणि चाभिरुक्ता न समानपरिमात्रा तत्रहा-  
 धर्मिकान्तरे, धर्मिकधर्मिकान्तरे, अप्यधिकोत्तमिकधर्मिकान्तरे तुप्यधिकोत्तमि-  
 मकधर्मिकान्तरे, तुप्यधिकोत्तमिकधर्मिकान्तरे । कम्प्यो ये समनोवाप्तएवं धर्मिक कम्प-  
 यान्तां चाभिरुक्तां न समानपरिमात्रां, तत्रहा-इत्यन्तरमेव कम्प्ये  
 सादृश्यान्तरमेव सादृश्यान्तरमेव मोवक्तव्ये धर्मिकान्तरे कम्प्यो कम्प्यो रसधर्मिके  
 विरिधर्मिके केवधर्मिके कम्प्योत्तमिकधर्मिके निरुक्तधर्मिके धर्मिकधर्मिकान्तरे,  
 धर्मिकधर्मिकान्तरेतत्रहा अक्षराण्युत्तमिकान्तरे ७ । तत्रानन्तरं च ये अक्षराण्युत्तमिके  
 वस्तु समनोवाप्तएवं पञ्च अक्षराणि चाभिरुक्ता न समानपरिमात्रा तत्रहा-  
 कम्प्ये । कुम्भिक[६]ए, मोविरि, क्षेत्रगुणिके धर्मोपययिभ्योवाप्तएवं ८ ।  
 तत्रानन्तरं च ये सामान्यस्तु समनोवाप्तएवं पञ्च अक्षराणि चाभिरुक्ता न  
 समानपरिमात्रा तत्रहा-अनुपपत्तिहाये अनुपपत्तिहाये अनुपपत्तिहाये  
 सामान्यस्तु सादृश्यान्तरा सामान्यस्तु अप्यधिकस्तु पश्यता ९ । तत्रानन्तरं  
 च ये रसधर्मिकान्तरे समनोवाप्तएवं पञ्च अक्षराणि चाभिरुक्ता न समानपरिमात्रा  
 तत्रहा-अनुपपत्तिहाये पश्यताप्यन्तरमेव सादृश्यान्तरा, सादृश्यान्तरा, विरिधर्मिके  
 पश्यता १० । तत्रानन्तरं च ये पौष्टिकधर्मिकान्तरे समनोवाप्तएवं पञ्च अक्षराणि  
 चाभिरुक्ता न समानपरिमात्रा तत्रहा-अप्यधिकोत्तमिकधर्मिके विरिधर्मिकान्तरे अप्य-  
 धर्मिकधर्मिकान्तरेतत्रहा अप्यधिकोत्तमिकधर्मिके विरिधर्मिकान्तरेतत्रहा अप्य-  
 धर्मिकधर्मिकान्तरेतत्रहा पौष्टिकधर्मिकान्तरे सामान्य अनुपपत्तिहाये ११ ।  
 तत्रानन्तरं च ये अक्षराणि सामान्य समनोवाप्तएवं पञ्च अक्षराणि चाभिरुक्ता न  
 समानपरिमात्रा तत्रहा-धर्मिकधर्मिकान्तरे धर्मिकधर्मिकान्तरे, अक्षराण्युत्तमिके  
 पश्यताप्यन्तरमेव १२ । तत्रानन्तरं च ये अप्यधिकोत्तमिकधर्मिके विरिधर्मिकान्तरे  
 सामान्यपश्यताप्यन्तरमेव अक्षराणि चाभिरुक्ता न समानपरिमात्रा, तत्रहा-इत्यन्तरमेव  
 पश्यताप्यन्तरमेव पौष्टिकधर्मिकान्तरे धर्मिकधर्मिकान्तरे धर्मिकधर्मिकान्तरे  
 धर्मिकधर्मिकान्तरे धर्मिकधर्मिकान्तरे धर्मिकधर्मिकान्तरे धर्मिकधर्मिकान्तरे



समनोवाचसर्प ४ । तत्रान्तरं च न इच्छापरीमाणस्तु समनोवाचसर्प  
 पञ्च अक्षरात् आभिवन्धा न समानरिक्त्वा तंवाह-क्षीतवत्पुष्पगार्हमे द्विरन्व  
 एवम्पुष्पाक्षमे दुपववत्पुष्पगार्हमे पञ्चमवपुष्पाक्षमे इतिवन्मा-  
 नाक्षमे ५ । तत्रान्तरं च न विधि(७)वस्तु पञ्च अक्षरात् आभिवन्धा न  
 समानरिक्त्वा तंवाह-वृद्धिविधिपुष्पाक्षमे अहोविधिपुष्पाक्षमे, विरिवविधि-  
 प्पुष्पाक्षमे वेत्तुही, स्रजान्तरा ६ । तत्रान्तरं च न वचमोप-  
 परिणोने इतिहे पञ्चमे तंवाह-भोरवन्तो न कम्पन्तो ७ । तत्र न  
 भोरवन्तो [८] समनोवाचसर्प पञ्च अक्षरात् आभिवन्धा न समानरिक्त्वा तंवाह-  
 घनित्याहारे, सविप्यविद्वद्वाहारे, जप्यउत्तिओसहिमवत्तना दुप्यउत्तिओसहि  
 मस्तवन्ता, दुप्योत्तिहिमवत्तना । कम्पन्तो न समनोवाचसर्प पञ्चमे कम्पा-  
 वापाई आभिवन्धाई न समानरिक्त्वाई, तंवाह-इष्टाकम्पमे वनकम्पमे  
 सान्दीकम्पमे मादीकम्पमे फोदीकम्पमे वन्तवाभित्ते कर्(का)कम्पान्तिमे रसवाभित्ते  
 निरवाभित्ते केरवाभित्ते कम्पपीकम्पमे निरकम्पमे इष्टिगर्हवन्ता  
 स्रजवत्तमवत्तवन्ता अर्धवत्तवत्तवन्ता ७ । तत्रान्तरं च न अचक्षुर्गर्हमे  
 पञ्चमे समनोवाचसर्प पञ्च अक्षरात् आभिवन्धा न समानरिक्त्वा तंवाह-  
 कम्पमे इन्द्र[८]ए, मेहरिए, उन्तुवहिगरमे वचमोपरिमोग्दरिते ८ ।  
 तत्रान्तरं च न समानवस्तु समनोवाचसर्प पञ्च अक्षरात् आभिवन्धा न  
 समानरिक्त्वा तंवाह-अक्षुप्यविद्यामे वचदुप्यविद्यामे अक्षुप्यविद्यामे  
 सामानवस्तु सङ्गकरवन्ता सामानवस्तु अक्षुप्यविस्तु करवन्ता ९ । तत्रान्तरं  
 च न वैराव्यविस्तु समनोवाचसर्प पञ्च अक्षरात् आभिवन्धा न समानरिक्त्वा  
 तंवाह-आन्ववप्यन्तो पेशववप्यन्तो स्रजुवाए, क्वाजुवाए, गहिवा पोम्बक-  
 पन्थेये १ । तत्रान्तरं च न पेशहोववस्तु समनोवाचसर्प पञ्च अक्षरात्  
 आभिवन्धा न समानरिक्त्वा तंवाह-अप्यविदेहिदुप्यविदेहिदतिजास्रहारे अप्य-  
 मजिन्तुप्यमजिन्तुजास्रहारे, अप्यविदेहिदुप्यविदेहिदवत्तवारप्यववमूयी अप्य-  
 मजिन्तुप्यमजिन्तुवारप्यववमूयी पेशहोववस्तु समनो अक्षुप्यवववन्ता ११ ।  
 तत्रान्तरं च न अक्षसंनिवावस्तु समनोवाचसर्प पञ्च अक्षरात् आभिवन्धा न  
 समानरिक्त्वा तंवाह-सविप्यविद्वद्वन्ता सविप्य(पे)विद्वन्ता अक्षवववमे  
 प(री)रववदेते मन्धरिवा १२ । तत्रान्तरं च न अपधिकममारवन्तिवसंवेष्टववव-  
 वाटववव पञ्च अक्षरात् आभिवन्धा न समानरिक्त्वा तंवाह-इष्टोवाचसर्प-  
 न्तो परावोवाचसर्पजोगे, श्रीनिवाचसर्पजोगे मरवाचसर्पजोगे कम्पवोवा-

संसर्पभोगे १३ ॥ ६ ॥ तए ण से आणन्दे गादावइ मगगस्य भगवओ महावीरस्स  
 णन्तिए पयाणुव्वदयं सत्तसिक्खावदयं दुवाल्लसविहं गावन्धम्म पडिवज्ज  
 पडिवज्जिता समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वदिता नमंसिता एवं वयासी-  
 'नो रए मे भन्ते । कप्पइ अज्जप्पभिइ अणउत्तिए वा अणउत्तिपियदेवयाणि वा  
 घन्दिताए वा नमंसिताए वा, पुत्ति अणाल्लोमं आल्लविताए वा संल्लविताए वा, वेसि  
 अणणं वा पाण वा रादम वा रादम वा दाटे वा अपुण्णदाउ वा, नकत्थ रायामि  
 ओणेणं गणाभियोगेणं यलाभिओगेणं देवयाभिओगेणं सु(रु)गनिग्गहेणं पित्तिक्कउ  
 रेण । कप्पइ मे समणे निग्गन्धे पाणएण एसत्तिजे अणणपाउरादमसइमेवं  
 घत्थनदिग्गहकम्मलपायपुत्तणे पीउगल्ल(ग)पत्तिजासंसारएणं ओगहमेसजेणं व  
 पडिल्लभेमाणस्स विहरिताए'तिक्कइ इमं एयास्सं अभिग्गइ अभिगिग्गइ, अमिनि  
 ण्हिता पत्तिजाइ पुच्छइ, पुच्छिता अट्ठाइ आदियइ, आदिइता समणं भगवं महावीरं  
 तिकुत्ततो वन्दइ, वदिता समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियाओ दूइपलासाओ  
 उज्जाणाओ पडिणिकरामइ, पडिणिकरामिता जेणेव याणियगमे नयरे जेणेव सए  
 गिहे वेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता णियनन्द भारियं एवं वयासी-'एवं खु  
 देवाणुप्पिए । मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए धम्मो निसन्ते, सेऽपि  
 य धम्मो मे इच्छिए पडिच्छिए अभिच्छिए, तं गच्छ ण तुम देवाणुप्पिए ।  
 समण भगव महावीरं वन्दाहि जाव पज्जुवासाहि, समणस्स भगवओ महा-  
 वीरस्स अन्तिए पयाणुव्वदयं सत्तसिक्खावदयं दुवाल्लसविहं गिहिधम्म पडि-  
 वज्जाहि' ॥ ७ ॥ तए ण सा सिवनन्दा भारिया आणन्देण समणोवासएण  
 एव बुत्ता समाणा हट्ठुत्ता कोडुम्भियपुरिसे सहावेइ, सहावेता एवं वयासी-'खिप्पा  
 मेव लहुकरण जाव पज्जुवासइ । तए ण समणे भगव महावीरे सिवनन्दाए सीसे  
 य महइ जाव धम्म कहेइ । तए णं सा सिवनन्दा समणस्स भगवओ महावीरस्स  
 अन्तिए धम्मं सोया निसम्म हट्ठ जाव गिहिधम्मं पडिवज्जइ ३ ता तमेव धम्मिं  
 जाणप्पवरं दुल्लइ, दुरुहिता जामेव दि(स)सिं पाउन्धूया तामेव दि ति पडिआ  
 ॥ ८ ॥ 'भन्ते'ति भगव गोयमे समण भगव महावीरं वन्दइ नमंसइ, वदिता नमं  
 सिता एव वयासी-'पहू ण भन्ते । आणन्दे समणोवासए देवाणुप्पियाण अन्तिए  
 मुण्ढे जाव पध्वइतए' नो इण्ढे समट्ठे, गोयमा । आणन्दे ण समणोवासए बहूइ  
 वासाइं समणोवासगपरियाणं पाउणिहिइ, पाउणिता जाव सोहम्मो कप्पे अरणे  
 विमाणे देवताए उववज्जाहिइ । तत्थ ण अत्थेगइयाण देवाण चत्तारि पल्लिओवमाइं  
 ठिइं पण्णता । तत्थ ण आणन्दस्स[५]वि समणोवासगस्स चत्तारि पल्लिओवमाइं ठिइं



ससप्पओगे १३ ॥ ६ ॥ तए णं से आणन्दे गाहावइं समणस्स भगवओ महावीरस्स  
अन्तिए पद्माणुव्वइयं सत्तासिक्खावइयं दुवालसविहं गावयधम्मं पडिबज्जह  
पडिबज्जिता समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसाइ, वदिता नमंसिता एवं वयासी-  
‘नो राहु मे भन्ते । कप्पइ अज्जप्पभिइं अजउत्थिए वा अजउत्थियदेवयाणि वा  
वन्दिताए वा नमंसिताए वा, पुत्ति अणालोणं आलवित्ताए वा संलवित्ताए वा, ठेसि  
असणं वा पाणं वा साइमं वा साइम वा दाउ वा अणुप्पदाउं वा, नजत्थ रायाभि-  
ओगेणं गणाभिओगेणं चलाभिओगेणं देवयाभिओगेणं गु(रु)णनिग्गणेण वित्तिक्कत्ता  
रेणं । कप्पइ मे समणे निग्गन्धे पायुएण एसणिजेण असणपाणसाइमसाइमेव  
घत्थपडिग्गहकम्मलपायपुच्छणेण पीठफल(ग)यसिज्जासंयारएण ओसहमेसजेण व  
पडिलाभेमाणस्स विहरित्ताए’तिरुइ इमं एयाख्यं अभिग्गह अभिगिण्हइ, अभिगि-  
ण्हित्ता पसिणाइ पुच्छइ, पुच्छित्ता अट्ठाइं आदियइ, आदिइत्ता समणं भगवं महावीरं  
तिक्खुत्तो वन्दइ, वदिता समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियाओ बूइपलासाओ  
उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खामित्ता जेणेव वाणियगामे नयरे जेणेव सए  
गिहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता सिवनन्दं भारियं एवं वयासी-‘एवं नलु  
देवाणुप्पिए । मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए धम्मो निसन्ते, सेऽवि  
य धम्मो मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तं गच्छ णं तुम देवाणुप्पिए ।  
समणं भगव महावीरं वन्दाहि जाव पज्जुवासाहि, समणस्स भगवओ महा-  
वीरस्स अन्तिए पद्माणुव्वइयं सत्तासिक्खावइयं दुवालसविहं गिहिधम्मं पडि-  
बज्जाहि’ ॥ ७ ॥ तए ण सा सिवनन्दा भारिया आणन्देणं समणोवासएणं  
एव वुत्ता समाणा इट्ठुट्ठा फोडुम्बियपुरिसे सहावेइ, सहावेत्ता एवं वयासी-‘स्सिप्पा  
मेव लहुकरण जाव पज्जुवासइ । तए णं समणे भगवं महावीरे सिवनन्दाए तीसे  
य महइ जाव धम्म कहेइ । तए णं सा सिवनन्दा समणस्स भगवओ महावीरस्स  
अन्तिए धम्म सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव गिहिधम्मं पडिबज्जइ २ ता तमेव धम्मियं  
जाणप्पवरं दु रुइइ, दुरुहित्ता जामेव दि(स)सिं पाउब्भूया तामेव दि-सिं पडिगया  
॥ ८ ॥ ‘भन्ते’सि भगवं गोयमे समण भगव महावीरं वन्दइ नमसइ, वदिता नमं  
सित्ता एवं वयासी-‘पहू ण भन्ते । आणन्दे समणोवासए देवाणुप्पियाण अन्तिए  
मुण्ढे जाव पव्वइत्ताए १’ नो इण्ढे समट्ठे, गोयमा । आणन्दे ण समणोवासए बहूइं  
घासाइं समणोवासगपरियाग पाउणिहिइ, पाउणिता जाव सोहम्मो कप्पे अरुणे  
विमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ । तत्थ ण अत्थेगइयाण देवाण चत्तारि पत्तिओवमाइं  
ठिइं पणत्ता । तत्थ ण आणन्दस्स[ऽ]वि समणोवासगस्स चत्तारि पत्तिओवमाइं ठिइं

एवं ववाही-‘इच्छामि न मन्ते । तुभ्येहि अम्मलुक्काए उट्टुक्कापन(त्त)राभणीति  
 वाग्विगगामे मन्ते उक्कवीममग्निमार्हं कुम्माई वरत्तमु(हा)वाचस्स मिक्कावरियाए  
 अट्ठित्ठ’ । अहाउरुं देवत्तुप्पिमा । मा पडिक्कम् करेह । तए नं भयम् पोयमे सम-  
 वेनं मयववा महावीरेणं अम्मलुक्काए उमावे समवत्तस भयवज्जे महावीरत्तस अट्ठि-  
 वान्णो वृत्तमसायो उमापायो पडिनिक्कमह, पडिनिक्कमिहा अट्ठिक्कमवत्तम-  
 सत्तमन्ते सुत्तत्तपरिक्कमणाए सिट्ठिए पुरज्जे ई(इ)तिव सोहेग्गणे जेमेव वाग्विगगामे  
 मन्ते तेवेन उमायच्छह, उमायच्छिता वाग्विगगामे मन्ते उक्कवीममग्निमार्हं कुम्माई  
 वरत्तमु वाचस्स मिक्कावरियाए अट्ठह । तए नं से भयम् पोयमे वाग्विगगामे मन्ते अहा  
 पन्नाट्ठिए एहा वाच मिक्कावरियाए अट्ठमावे अहापज्जतं मत्तपानं सत्तं पडिग्ग-  
 हेह, पडिग्गहिता वाग्विगगामान्णे पडिनिक्कच्छह पडिनिक्कच्छित्तं कोट्ठयत्तस सत्ति-  
 वेत्तस अट्ठसत्तन्तेव न(वी)वैक्कमावे बहुक्कवत्तं मिहाये । बहुक्कवे अट्ठमवत्तस  
 एवमात्तच्छ ४-‘एवं अट्ठ देवत्तुप्पिमा । समवत्तस भयवज्जे महावीरत्तस अन्तेवाही  
 आत्तदे वामं समवोत्तसए पोत्तहसात्ताए अपन्निम्म वाच भयवज्जमावे मिहह’ ।  
 तए नं तत्तस पोयमत्तस बहुक्कवत्तस अट्ठिए ए(वी)कट्ठं सोत्थ निस्सम्म भवमेमाग्गणे  
 अट्ठट्ठिए ४-‘तं पच्छामि नं आत्तन् समवोत्तासन् पासाप्पि’ एवं सम्मेहेह,  
 उपेहिता जेमेव कोट्ठए उट्ठिक्कणे जेमेव आत्तन् समवोत्तासए जेमेव पोत्तहसात्ता  
 तेवेन उमायच्छह । तए नं से आत्तन् समवोत्तासए भयम् पोयमे एवमावे पासह,  
 पट्ठिण्ड हट्ठह । वाच विवए म(न)कं पोयम् मन्ते मन्तेह, वट्ठिण्ड कम्मट्ठिण्ड  
 एवं ववाही-‘एवं अट्ठ मन्ते । अहं इमेव उट्ठिण्ड वाच वमन्तिस्सए वाह, (मे)  
 न उवाएप्पि देवत्तुप्पिमात्तस अट्ठिये पात्तप्पमिहा नं विक्कट्ठो मुत्तावेनं एए  
 अमिन्निट्ठिए, तुभ्ये नं मन्ते । इच्छाम्मरेवे अमिन्निट्ठो एवं इत्थे वेव एह, वा नं  
 देवत्तुप्पिमात्तं विक्कट्ठो मुत्तावेनं पाएत्त वन्नाप्पि कम्मट्ठिण्ड’ । तए नं से भयम्  
 पोयमे जेमेव आत्तन् समवोत्तासए तेवेन उमायच्छह ॥ १३ ॥ तए नं से आत्तन्  
 समवोत्तासए भयवज्जे पोयमत्तस विक्कट्ठो मुत्तावेनं पाएत्त वन्नेह मन्तेह, वट्ठिण्ड  
 कम्मट्ठिण्ड एवं ववाही- अट्ठिण्ड नं मन्ते । मिट्ठिणो मि(हि)इयत्तावत्तस अट्ठिण्डावे  
 (नं) समुप्पज्जह’ इत्ता वट्ठिण । अहं नं मन्ते । मिट्ठिणो वाच समुप्पज्जह, एवं अट्ठ  
 मन्ते । ममहि मिट्ठिणो मिट्ठिण्यत्तावत्तस अट्ठिण्डावे समुप्पवे-पुरट्ठियेवे  
 कम्मत्तसुरे एव कोट्ठवत्ताहं वाच कोट्ठवत्तं मन्ते अट्ठमि पासाप्पि । तए नं से  
 भयम् पोयमे आत्तन् समवोत्तासए एवं ववाही-‘अट्ठिण्ड नं आत्तन्वा । मिट्ठिणो  
 वाच समुप्पज्जह, वो जेव नं एवहाक्कए, तं नं तुयं आत्तन्वा । इत्तस अट्ठस



माओ उयसम्पत्तिता णं विहरइ । पउमं उवासगपद्मिं अहासुत्तं अहासुत्तं अहा  
मगं अहातथं सम्मं फाएणं फासेइ पाळेइ सोहेइ सीरेइ किसेइ आराहेइ । तए णं  
से आणन्दे समणोवासए दोब्बं उवासगपद्मिं, एयं तच्चं चउत्तं पवमे चउ  
सत्तमं अट्ठमं नवमे दसमे एकारसमं जाव आराहेइ ॥ ११ ॥ तए णं से आणन्दे  
समणोवासए इमेणं एयास्वेण उरात्तेणं विउत्तेणं पयत्तेणं पग्गहिणं तयोक्कमेणं  
मुणे जाव किसे धम्मसिन्ताए जाए । तए णं तस्स आणन्दस्स समणोवासगस्स  
अजया कयाइ पुव्वरत्ता जाव धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयं अज्जत्तियए ५-  
एव खलु अह इमेण जाव धम्मसिन्ताए जाए, तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बळे  
वीरिए पुरिसप्पापरवमे सद्धाधिदसवेगे, तं जाव ता मे अत्थि उट्ठाणे सद्धाधिद  
सवेगे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगव महावीरे जिणे मुदरवी  
विहरइ ताव ता मे सेय कलं जाव जल्हन्ते अपच्छिममारणन्तियसंलेहणाद्गमणा  
झसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स फालं अणवक्खमाणस्स विहरितए' एवं  
सम्पेहेइ, सपेहिता कञ्च पाठ जाव अपच्छिममारणन्तिय जाव फाल अणवक्खमाणे  
विहरइ । तए ण तस्स आणन्दस्स समणोवासगस्स अजया कयाइ मुमेणं अज्जव  
साणेणं मुमेण परिणामेणं लेसाहिं विसुज्जामाणीहिं तदावरणिज्जाण कम्माण नओ  
वसमेण ओहिनाणे समुप्पन्ने । पुरत्थिगेणं लवणममुदे पयजोयणस(याइ)इयं सेतं  
जाणइ पासइ, एव दक्खिणेणं पयत्थिगेणं य, उत्तरेण जाव जुद्धिमवन्त वायधर-  
पव्वय जाणइ पासइ, उट्ठ जाव सोहम्मं कप्प जाणइ पासइ, अट्ठे जाव इमीसे  
रयणप्पमाए पुढवीए लोळुयच्चुर्यं नरयं चउरासीदवाससहस्सद्विदय जाणइ पासइ  
॥ १२ ॥ तेण कालेणं तेण समएण समणे भगव महावीरे समोसरिए, परिसा  
निग्गया जाव पडिगया । तेणं कालेण तेण समएण समणस्स भगवओ महावीरस्स  
जेट्ठे अन्तेवासी इन्दभूई नामं अणगारे गोयमगोत्तेण सत्तुस्सेहे समचउरंससठान-  
संठिए वज्जरिसहनारायसद्दयणे कणगपुलगनिघसपम्हगोरे उरगतवे दित्तवे तत्त  
तवे घोरतवे महातवे उराळे घोरणुणे घोरतवस्सी घोरवम्मचेरवासी उच्छूडसरीरे  
संखित्तविउलतेउल्लेसे छट्ठछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोक्कमेण संजमेणं तवसा अप्पाणं  
भावेमाणे विहरइ । तए णं से भगवं गोयमे छट्ठस्खमणपारणगसि पढमाए पोरिसीए  
सज्जायं करेइ, विइयाए पोरिसीए ज्ञाण क्षियाइ, तइयाए पोरिसीए अतुरिय अचवले  
असम्भन्ते मुहपत्ति पडिलेहेइ, २ ता भायणवत्याइ पडिलेहेइ, २ ता भायणवत्याइ  
पमज्जइ, २ ता भायणाइ उरगाहेइ, उरगाहेता जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव  
उवागच्छइ, उवागच्छिता समण भगव महावीरं वन्दइ, नमंसइ, वदित्ता नमसित्ता

अथ न भण्टे । समनैव भयवता महावीरेण ज्ञान संपत्तेर्न सतमस्तु अस्तु  
 कथासंग्रहार्थं पद्यमस्तु अस्मन्मनस्तु अयमाह पण्यते शेषस्तु न भण्टे ।  
 अस्तमस्तु के अहो पण्यते । एवं यत्तु अहम् । तेन अहम् तेन समर्थं चम्पा  
 माने नमो होता । पुनर्मो नञ्जने । विष्णु(शु)गु रवा । अमरेवे माहान(इ)र ।  
 महा मरीवा । अ हिरेण्यकेशोऽहो निहानपञ्चामो अ(हि)नुविपञ्चामो अ-  
 न्वित्तरपञ्चामो । अ ववा वसमोसाहसिपूर्णं वपूर्णं । (तेन अ तेन स भगवं  
 न ) समोस(हि)रर्ष । अहा आनमो तहा निम्नमो तहेव साधयवर्म्म पवि-  
 षाह । सा चैव वचनसा ज्ञान वेदपुरा मिताह (वापुष्ज) वापुष्जिता केवेव  
 पोच्छसाम तेनैव ववावच्छा, ववावच्छिता अहा आनमो ज्ञान समस्तु अय-  
 नमो महावीरस्तु अन्तिर्न अम्मवन्ति ववसंपञ्चिता-र्ष मिहत् ॥ १६ ॥ तद् न  
 तस्तु अम्मदेवस्तु समवोवाचपस्तु पुनरनावरतकाष्ठमर्षि एगे वैव मावी मिच्छ-  
 तिर्न अन्तिर्न पाठकम् । तद् न सै वैवे पूर्णं मर्षं पितायर्षं मिहत् । तस्तु न  
 देवस्तु पितायर्षस्तु इमे एवाहमे चम्पावाते पण्यते-वीरं सै पोत्तिमस्तुसं-  
 संतिर्न सतिमस्तुसतिता सै केसा कनिकतर्षं विष्णुमाणा महावृद्धिवाचमस्तुसं-  
 वसंतिर्न मिताहं मुपुसपुंठं व तस्तु मुमगाभो पुनगपुनगाभो विष्णु(वी)मीम(त्व)-  
 वस्तुसंवाभो वीरवविमिमिममार् अहोमि विगवमीमवस्तुसंवाहं, ववा अह  
 मुपुकातं चैव विगवमीमवस्तुसंवाहं वरम्मपुवसतिमा सै नासा मुसिउ वन  
 कपुजीसंवाहंतिता रो(५)मि तस्तु नासापुवया वीरयुंठं व तस्तु मर्षं कनिक-  
 मिताहं विष्णुमीमवस्तुसंवाहं, उहो उ(५)स्तु चैव अम्मा वरम्मसतिता सै वन्ता  
 विष्णुमा अ(५)हा वस्तुकातं चैव विगवमीमवस्तुसंवाहं इहत्(वा)वावस्तुतिता सै  
 हनुवा वरम्मविमं व तस्तु अहं पुंठं अहं अहं महां मुह्याअरोवमे । अहमे  
 पुरवरम्माअरोवमे सै वच्छे अहोमासंवाहंतिता रो मि तस्तु वाहा वितामवाहं-  
 ठावसंतिता रो-मि तस्तु अगवाहा वितामोवसंठावसंतितामो हनेत्तु अहोमो  
 मिपिपुवग(संवाहं)संतिता सै नमवा व(५)हामिवापुवयो व वरंति अम्मन्ति  
 रो-५-मि तस्तु वनवा रोहं अयमोहो व व व, पापकवन्तसरेता सै नाही  
 विहवसंठावसंति(वा)ए सै वैति विष्णुव(संवाहं)संठावसंतिता रो-५-मि तस्तु  
 वनवा वनवमोहोवासंठावसंतिता रो ५-मि तस्तु अह, अहमपुंठं व तस्तु वाहं  
 मुहिवुहिवार् विष्णुमीमवस्तुसंवाहं, वनाभो व(रम्)ववावीयो अहोमि वव-  
 वाभो अहोसंठावसंतिता रो-५-मि तस्तु पावा अहोमोवसंठावसंतितामो पापु  
 अहोमो मिपिपुव(सं)संतिता सै नमवा अहमवववाहपु विगवमममुमा-  
 ५२ सुता

आलोएहि जाव तवोकम्मं पडिबज्जाहि' । तए णं से आणन्दे समणोवासए भगव गोयम एव वयासी-‘अत्थि णं भन्ते ! जिणवयणे सन्ताण तन्नाण तहियाण सब्भूयाणं भावाण आलोइज्जइ जाव पडिवज्जिजइ ?’ नो इण्ठे समट्ठे । ‘जइ णं भन्ते ! जिणवयणे सन्ताण जाव भावाण नो आलोइज्जइ जाव तवोकम्म नो पडिवज्जिजइ त णं भन्ते ! तुब्भे चेव एयस्स ठाणस्स आलोएइ जाव पडिवज्जइ’ । तए णं से भगव गोयमे आणन्देण समणोवासएणं एव वुत्ते समाणे सकिए कंखिए विइगिच्छासमावन्ने आणन्दस्स अन्तियाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमिता जेणेव दूइपलासे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूर-सामन्ते गमणागमणाए पडिक्कमइ, पडिक्कमिता एसणमणेसणं आलोएइ, आलोएत्ता भत्तपाणं पडिदंसेइ, पडिदसिता समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वंदिता नमंसिता एव वयासी-‘एवं खलु भन्ते ! अहं तुब्भेहिं अब्भणुणाए तं चेव सव्वं कहेइ जाव तए णं अहं संकिए ३ आणन्दस्स समणोवासगस्स अन्तियाओ पडिणिक्खमामि, पडिनिक्खमिता जेणेव इह तेणेव हव्वमागए, त णं भन्ते ! किं आणन्देण समणोवासएणं तस्स ठाणस्स आलोएयव्व जाव पडिवज्जेयव्वं उदाहु मए ?’ ‘गोयमा’ इ समणे भगवं महावीरे भगव गोयमं एवं वयासी-‘गोयमा ! तुमं चेव णं तस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि, आणन्दं च समणोवासयं एयमट्ठं खामेहि’ । तए ण से भगवं गोयमे समणस्स भगवओ महावीरस्स ‘तह’ति एयमट्ठं विणएण पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव पडिबज्जइ, आणन्दं च समणोवासयं एयमट्ठं खामेइ । तए णं समणे भगवं महावीरे अजया कयाइ बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ १४ ॥ तए णं से आणन्दे समणोवासए वट्ठहिं सीलव्वएहिं जाव अप्पाण भावेत्ता वीसं वासाइं समणोवासगपरियारं पाउणित्ता एक्कारस्स य उवासगपडिमाओ सम्मं काएण फासित्ता मासियाए सलेहणाए अत्ताण झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कन्ते समाहिपत्ते कालमासे काल किच्चा सोहम्मो कप्पे सोह-म्मवडिंसगस्स महाविमाणस्स उत्तरपुर-च्छिमेण अरुणे विमाणे देवत्ताए उववन्ने । तत्थ णं अत्थेगइयाण देवाण चत्तारि पल्लिवोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं आण-न्दस्सवि देवस्स चत्तारि पल्लिवोवमाइं ठिई पण्णत्ता । आणन्दे ण भन्ते ! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ अणन्तरं चर्यं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ १५ ॥ निक्खेवो ॥ सत्त-मस्स अहस्स उवासगदसाणं पढमं अज्झयणं समत्तं ॥



(भमुहे)भुमए अवदालियवयणविव(रे)रनिलालियग्गजीहे सरहकयमालियाए उन्दुर-  
मालापारेणदसुकयचिंघे नउलकयकणपूरे सप्पकयवेगच्छे अप्पोहन्ते अभिगज्जन्ते  
भीममुक्कट्टहासे नाणाविहपच्चवण्णेहिं लोमेहिं उवचिए एगं मह नीलुप्पलगवलगुत्तिय-  
अयसिक्कुम्मप्पगासं असिं खुरधारं गहाय जेणेव पोसहसाला जेणेव कामदेवे समणो-  
वासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता आसु(र)रते रुढे कुविए चण्डिक्किए मिसिमि-  
सीयमाणे कामदेव समणोवासयं एव वयासी-‘ह भो कामदेवा । समणोवासया । अप्प-  
त्तियपत्तिया दुरन्तपन्तलक्खणा हीणपुण्णचाउइसिया हिरिसिरिधिइकित्तिपरिवज्जिया  
धम्मकामया पुण्णकामया सग्गकामया मोक्खकामया धम्मकंसिया पुण्णकंसिया  
सग्गकंसिया मोक्खकंसिया धम्मपिवासिया पुण्णपिवासिया सग्गपिवासिया मोक्ख-  
पिवासिया नो खल्ल कप्पइ तव देवाणुप्पिया । ज सीलाइ वयाइ वेरमणाइ पच्चक्खा-  
णाइ पोसहोववासाइ चालित्तए वा खोभित्तए वा खण्डित्तए वा भजित्तए वा उज्जित्तए  
वा परि(ट्ठि)च्चइत्तए वा, तं जइ णं तुमं अज्ज सीलाइ जाव पोसहोववासाइ न छ(इ)-  
इत्ति न भजेसि तो ते अहं अज्ज इमेण नीलुप्पल[०] जाव असिणा खण्डाखण्डि करेमि,  
ज-हा ण तुम देवाणुप्पिया । अट्टदुहट्टवसट्ठे अकाले च्चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि’ ।  
तए ण से कामदेवे समणोवासए तेण देवेणं पिसायरूवेण एव वुत्ते समाणे अभीए  
अतत्थे अणुव्विग्गे अक्खुभिए अचल्लिए असम्मन्ते तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए  
विहरइ ॥ १७ ॥ तए णं से देवे पिसायरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव  
धम्मज्झाणोवगय विहरमाण पासइ, पासित्ता दोच्च पि तच्च पि कामदेवं (समणोवासयं)  
एवं वयासी-‘ह भो कामदेवा । समणोवासया । अपत्तियपत्ति० जइ ण तुमं अज्ज  
जाव ववरोविज्जसि’ । तए ण से कामदेवे समणोवासए तेण देवेण दोच्च-पि तच्च-पि  
एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव धम्मज्झाणोवगए विहरइ । तए णं से देवे पिसायरूवे  
कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाण पासइ, पासित्ता आसु-रते (५) तिक्-  
लियं भिउडिं निहाले साहट्टुकामदेव समणोवासयं नीलुप्पल जाव असिणा खण्डा-  
खण्डि करेइ । तए णं से कामदेवे समणोवासए त उज्जल जाव कुरहियास वेयणं सम्मं  
सहइ जाव अहियासेइ ॥ १८ ॥ तए ण से देवे पिसायरूवे कामदेवं समणोवासयं  
अभीयं जाव विहरमाण पासइ, पासित्ता जाहे नो संचाएइ कामदेव समणोवासयं  
निग्गन्थाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा ताहे सन्ते  
तन्ते परितन्ते सणिय सणिय पच्चोसकइ, पच्चोसकित्ता पोसहसालाओ पडिणिक्ख  
मइ, पडिणिक्खमित्ता दिव्वं पिसायरूवं विप्पजइइ, विप्पजहित्ता एगं महं दिव्व हत्थि  
रूवं विउव्वइ, सत्तप्पइद्विय सम्म संठियं सुजायं पुरओ उदग्गं पिट्ठओ वाराहं अया-

वरुं अन्नवरेणं सुत्तवाएणं अकिंकिज्ज वा निकिंकिज्ज वा न नो तं १। सिवा से  
 परो क्वरंति वरुं अन्न सुत्तवाएणं अकिंकिरिता वा निकिंकिरित्त वा पूरं वा सेमिं  
 वा जीहरेज्ज वा मि नो तं १। सिवा से परो क्वरंति वरुं वा अरुं वा पुक्कुरं  
 वा मणंदरुं वा अम्मजेज्ज वा पम्मजेज्ज वा नो तं छावए नो तं निवमे । सिवा से  
 परो क्वरंति वरुं वा अरुं वा पुक्कुरं वा मणंदरुं वा उपाहेज्ज वा  
 पक्किमेज्ज वा न्ये तं छावए नो तं निवमे सिवा से परो क्वरंति वरुं वा अन्न  
 मणंदरुं वा सेजेज्ज वा वपुज्ज वा मज्जेज्ज वा अम्मिगेज्ज वा नो तं छावए न्ये तं  
 निवमे । सिवा से क्वरंति वरुं वा अन्न मणंदरुं वा छेजेज्ज वा क्खेजेज्ज वा पुजेज्ज वा  
 वप्पेज्ज वा छेजेज्ज वा उक्खेजेज्ज वा नो तं छावए नो तं निवमे । सिवा से परो  
 क्वरंति वरुं वा मणंदरुं वा सीमोदपमिद्वेजेज्ज वा उस्सिमेदपमिद्वेजेज्ज वा उक्खे-  
 जेज्ज वा पयोवेज्ज वा नो तं छावए, नो तं निवमे सिवा से परो क्वरंति वरुं वा  
 अन्न मणंदरुं वा अन्नवरेणं सुत्तवाएणं अकिंकिजेज्ज निकिंकिजेज्ज वा सिवा से परो  
 अन्नवरेणं सुत्तवाएणं अकिंकिरिता वा १ पूरं वा सेमिं वा जीहरेज्ज वा नो तं  
 छावए न्ये तं निवमे ॥ १०३ ॥ सिवा से परो क्वरामो सेरं वा च्छं वा जीहरेज्ज वा  
 मिदोहेज्ज वा नो तं छावए नो तं निवमे ॥ १०४ ॥ सिवा से परो अकिंमत्तं कम्ममत्तं  
 वा इत्तमत्तं वा न्हममत्तं वा जीहरेज्ज वा मिच्छेहेज्ज वा न्ये तं छावए नो तं निवमे  
 ॥ १०५ ॥ सिवा से परो वीहाई वाकाई, वीहाई रोमाई, वीहाई भमुहाई, वीहाई कक्क-  
 रोमाई, वीहाई वत्थिरोमाई, कप्पेज्ज वा उठ्ठवेज्ज वा नो तं छावए नो तं निवमे  
 ॥ १०६ ॥ सिवा से परो वीसामो सिक्खं वा कूरं वा जीहरेज्ज वा मिच्छेहेज्ज वा नो तं  
 छावए नो तं निवमे ॥ १०७ ॥ सिवा से परो अंकिंति पक्किंरंकिंति वा तुक्कमिज्ज  
 पाहाई अम्मज्जिज्ज वा पम्मज्जिज्ज वा एवं विट्ठिमो वसो पावज्जि माप्पिक्खो  
 सिवा से परो अंकिंति वा पक्किंरंकिंति वा तुक्कमिज्जिता हारं वा कक्कहारं वा उरुं  
 वा रेवैरं वा मठरं वा पाछेरं वा उक्कमसुत्तं वा आविहिज्ज वा पिप्पहिज्ज वा  
 नो तं छावए नो तं निवमे ॥ १०८ ॥ सिवा से परो आरमंति वा उज्जमंति वा  
 जीहरेज्ज वा पमिरेज्ज वा पायाई अम्मजेज्ज वा पम्मजेज्ज वा नो तं छावए नो  
 तं निवमे ॥ १०९ ॥ एवं वेस्सणा अक्कयप्पमिद्विज्जि ॥ १० ॥ सिवा से परो  
 पुजेणं वप्पकेणं सेह्मके वाकडे सिवा से परो अउहेणं वत्थिक्केणं सेह्मके वासी,  
 सिवा से परो मिक्कवस्तु उप्पितामि कंदामि वा मूक्कमि वा उवामि वा हरिवामि  
 वा कक्किणु वा कट्ठिणु वा कट्ठमिणु वा सेह्मके जाउउमिमा नो तं छावए  
 नो तं निवमे ॥ १०९ ॥ कट्ठवेज्जना पावमूववीक्कसता वेज्जं वेहंति ॥ १०९ ॥

दोचं पि तयं पि भणइ, कामदेवो-ऽ-वि जाय विहरइ । तए ण से देवे सप्परुवे कामदेवं  
समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पातिता आमु-रुत्ते ४ कामदेवस्स ममणोवास(ग)-  
यस्स सरसरस्स काय दुरुइइ, दुरुहिता पच्छिमभाएणं तिम्भुत्तो गीय वेढे(इं)इ, वेढेता  
तिक्खाहिं विसपरिगयाहिं दाढाहिं उरंसि चेव निकुट्टेइ । तए णं से कामदेवे सम्-  
णोवासए तं उज्जल जाव अहियासेइ ॥ २० ॥ तए णं से देवे सप्परुवे कामदेवं  
समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पानिता जाहे नो संचाएइ कामदेवं ममणोवासयं  
निग्गन्थाओ पावयणाओ चालिताए वा खोभिताए वा विपरिणामिताए वा ताहे सन्ते  
३ सणिय सणियं पच्चोसफइ, पच्चोसयित्ता पोसहसालाओ पडिणिक्कमइ, पडिनिक्क-  
मिता दिव्व सप्परुवं विप्पजहइ, विप्पजहिता एगं मह दिव्व देवत्तं वि-उव्वइ,  
हारविंराइयवच्छ जाव दस-दिसाओ उज्जोवेमाण पभासेमाण पासाइय दसिणिज्ज  
अभिरुव पडिरुवं दिव्व देवत्तं विउव्वइ, विउव्विता कामदेवस्स समणोवासयस्स  
पोसहसाल अणुप्पविसइ, अणुप्पवित्तिता अन्तलिक्कपडियन्ते सग्गिसिणियाई पञ्च  
वण्णाइ वत्थाइं पवरपरिहिण कामदेवं समणोवासय एवं वयासी-‘हं भो कामदेवा!  
समणोवासया ! धन्ने सि णं तुमं देवाणुप्पिया ! स(म्)पुण्णे कयत्थे कयलक्खणे, सुल्ले  
ण तव देवाणुप्पिया ! माणुस्सए जम्मजीवियफले, जस्स णं तव निग्गन्थे पावयणे  
इमेयारुत्ता पडिबत्ती लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया । एवं खलु देवाणुप्पिया ! सक्के  
देविन्दे देवराया जाव सक्कसि सीहासणत्ति चत्तरासीईए सामानियसाहस्सीणं जाव  
अन्नेमि च वट्ठण देवाण य देवीण य मज्झगए एवमाइत्तइ ४-एव खलु देवा(०) !  
जम्बुद्वीवे द्वीवे भारहे वासे चम्पाए नयरीए कामदेवे समणोवामए पोसहसालाए  
पोसहि(ए)यवम्भ(चेरवासी)चारी जाव दब्भस(थ)थारोवगए समणस्स भगवओ  
महावीरस्स अन्ति(ए)य धम्मपण्णात्ति उवमम्पज्जित्ता-ण विहरइ, नो खलु से  
स(क्का)क्को केणइ देवेण वा दाणवेण वा जाव गन्धव्वेण वा निग्गन्थाओ पावय-  
णाओ चालित्ताए वा खोभित्ताए वा विपरिणामित्ताए वा । तए ण अहं सक्कस्स देवि-  
न्दस्स देवरण्णो एयमट्ठं असहहमाणे ३ इह हव्वमागए, त अहो ण देवाणुप्पिया !  
इह्मी ६ लद्धा ३, तं दिट्ठा णं देवाणुप्पिया ! इह्मी जाव अभिसमन्नागया, त खामेमि  
णं देवाणुप्पिया । खमन्तु मज्झ देवाणुप्पिया ! खन्नुम(रु)रुहन्ति णं देवाणुप्पिया !  
नाइं भुज्जो करणयाएत्ति-कट्ठ पायवडिण पञ्जलिउढे एयमट्ठं भुज्जो भुज्जो खामेइ,  
खामेत्ता जामेव दि(सिं)स पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए । तए णं से कामदेवे  
समणोवासए निरुवसगं (इइ) तिक्कट्ठ पडिम पारेइ ॥ २१ ॥ तेण कालेण तेणं  
समएण समणे भगवं महावीरे जाव विहरइ । तए ण से कामदेवे समणो-





देवस्म-ऽवि देवस्म चत्तारि पडिओवमाई ठिदं पण्णणा । से ण भन्ते । कामदेवे  
(देवं) ताओ देवलोगाओ आउक्काएणं भावताएण ठिदग्गएणं आन्तारं वनं  
चदत्ता कहिं गमिहिदु, कहिं उवयज्जिहिदु ? गोयमा । महाविदेहे पाथे गिम्भिहिदु  
(जाव तण्वदुक्का०) ॥ २४ ॥ निग्गेयो ॥ ससमस्स अद्गस्स उय्यसगद-  
साण वीयं अज्जयणं समत्त ॥

उक्तेयो तइयस्स अज्जयणम्मा । एणं ननु जन्तू । तेणं कालेण तेण समएण  
वाणारमी नामं नगरी(होत्या), कोट्ट(गनाम)ण उज्जाणे, जिउसत्तू रावा । तय णं  
वाणारसीए न(य)गरीए चुलणीपिया नाम गादावइ परिगद, अद्गु जाव अपरिभूए ।  
सामा भारिया । अद्गु हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, अद्गु-यु-वृत्तिपउत्ताओ, अद्गु-  
पवित्थरपउत्ताओ, अद्गु यया दग्गोसाहस्मिण्ण वण्ण, जहा आणं(दो)दे राइंग[०]  
जाव मव्वकज्जवद्वायए यावि होत्या । सामी समोम(हे)दे, परिगा निग्गमा, चुलणी  
पिया वि जहा आगन्तो तहा निग्गओ, तहए गिहिभम्मं पडियन्इ । गोयमपुन्ना  
तहए सेसं जहा कामदेवस्स जाव पोसइसालाए पोगहिए बम्भनारी समग्गम्म भा-  
वओ महावीरस्स अन्तिर्यं धम्मपण्णति उवसम्पज्जिता-णं विहरइ ॥ २५ ॥ तए णं  
तस्स चुलणीपियस्स समणोवागयस्स पुत्तरत्तायरत्तालममयसि एगे देवे अन्तिर्यं  
पाउवभूए । तए ण से देवे एणं (महं) नीलुप्पल-जाव अणिं गहाय चुलणीपिय  
समणोवासय एवं वयामी-हं भो चुलणीपिया । समणोवासया । जहा कामदे(य)वो  
जाव न भजसि तो ते अह अज्ज जेद्व पुत्त साओ गिहाओ नीगेसि, नीगेत्ता तव  
अग्गओ घाएमि, घाएत्ता तओ मससोइए करेसि, करेत्ता आदाणभरियंसि कडाइयंसि  
अइहेमि, अइहेत्ता तव गायं मसेण य सोणिण्ण य आ(इं)ययामि, जहा णं तुम अद्गु  
हइवमदे अकाले चेव जीवियाओ वयगेवि(जा)जसि ॥ २६ ॥ तए ण से चुलणीपिया  
समणोवासए तेण देवेण एव धुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ । तए णं से देवे  
चुलणीपियं समणोवासय अभीय जाव पासइ, पासित्ता दोषं-पि तथं-पि चुलणीपिय  
समणोवासय एव वयासी-हं भो चुलणीपिया । समणोवासया । तं चेव भणइ, सो  
जाव विहरइ । तए ण से देवे चुलणीपिय समणोवासयं अभीयं जाव पासित्ता  
आद्गु-रुत्ते ४ चुलणीपियस्स समणोवास-यस्स जेद्वं पुत्त गिहाओ नीगेइ, नीगेत्ता  
अग्गओ घाएइ, घाएत्ता तओ मससोइए करेइ, करेत्ता आदाणभरियंसि कडाइयंसि  
अइहेइ, अइहेत्ता चुलणीपियस्स समणोवासयस्स गायं मसेण य सो(णी)णिण्ण य  
आययइ । तए ण से चुलणीपिया समणोवासए त उज्जलं जाव अहियासेइ । तए  
ण से देवे चुलणीपियं समणोवासय अभीयं जाव पासइ, पासित्ता दोषं पि चुलणी-

वासए इमंलं बहाए क्यट्टे समाने 'एवं' खलु समाने भगवं महावीरे वाव विहरए,  
 तं केवं खलु मम समाने भगवं महावीरे बन्दिना नयंमिणा लभो पविमियत्तस्स  
 येत्तई पारित्थि कट्टे एवं सम्येइह, संपेइया सुअप्पावत्ताई कत्ताई वाव मनुस्स-  
 वग्गुत्तापत्तिअत्ते सुपाओ विहाओ पविमियत्तमाह, पविमियत्तमित्थं अयं नपरि-  
 मत्तमग्गेअं निम्मण्णए, निम्माधित्ता केयेव पुग्गमरे सत्तामि अहा संघो वाव  
 पञ्चवासइ । तए अं समाने भगवं महावीरे अयदेवम्य समनोवासवत्त लीअं व  
 वाव वम्मवहा समता ॥ २९ ॥ अयदेवा । इ समाने भगवं महावीरे अयदेवं  
 समनोवासवं एवं ववासी-से य्वं अयदेवा । मुअं पुअरत्तावत्तअमसमयंणि एगे  
 इवे अमित्थं वाडम्मए, तए अं से देवे एवं मई रिअं विआवत्तं मिउम्वइ, मिउ  
 मिअ आउ-वो ४ एवं मई नीमुप्पस-आव अति यहाय मुअं एवं ववासी-ई  
 ओ अयदेवा । वाव नीविवाओ ववरोमिअति सं मुअं सेवं देवेवं एवं मुगे समाने  
 अनीए वाव विहरति एवं वम्मपरइया मिअ-मि ववमया तदेव पविउवादेयमा  
 वाव देवे पविमये । से य्वं अयदेवा । अट्टे सम्ये । इत्ता अवि । अओ ।  
 इ समाने भगवं महावीरे वहेव समाने निम्मये व निम्मवीओ व अयग्गेणा एवं  
 ववासी-अइ तए अओ । समनोवासगा मिअिओ मिअि)अमग्गावमग्गा रिअमा-  
 गु(ए)अतिरिअग्गेयिए ववमग्गे सम्यं अहमि वाव अविवातेन्ति सहा-मुआ(इ)ई  
 अओ । समानेइ निम्मवेइ वुवाअउं यमिदिअं अविअमायेइ रिअमग्गुमति  
 रिअग्गेयिए सम्यं अहिअए वाव अविपानितए । लभो त वहेव समाना निम्मवा व  
 निम्मवीओ व अयवत्त मग्गओ महावीरत्त त(इ)इति एवमइं निमएवं पविउ-  
 वन्ति । तए अं से अयदेवे समनोवासए इ वाव ममवं मयवं महावीरे पविअई  
 पुअए, अट्टमादेवइ, समनं मयवं महावीरे रिअग्गो कन्दर नयंगइ, वीरिअ नयं-  
 गिअ अयंवि रि-मि वाडम्मए तामेव रि-मि पविअए । तए अं समाने भगवं  
 महावीरे अयवा कयाइ अयमाओ पविमियत्तमाह पविमियत्तमित्थं वइया अयव  
 विहारं विहर ॥ ३१ ॥ तए अं से अयदेवे समनोवासए वडेव ववमपरिअं उव  
 मग्गिआवं विहर, तए अं से अयदेवे समनोवासए वइइं [अयमए] वाव  
 मावेअ वीअं वावई समनोवत्तपरिअयं पाडमिअ एवत्त ववमपरिअमग्गे  
 मयं वएवं अग्गेणा मग्गिअए वीअए अयवं वइइं मग्गं मग्गमाए  
 वीरेण आओपरविअन्ते तयाइपिओ ववमग्गे वाव रिवा अग्गे वडेव वीरेण  
 वविअमग्ग महाविअग्गस्य ववपुअिअयेवं अरगाने मिअं देवए उवव ।  
 तए अं अयेपइयं देववं ववावि पविअोअमाइ रिई वग्गणा (मग्गं) वग्ग-

(त०ण) अहं तेण पुरिसेण एवं धुत्ते समाणे अभीए जाव विहरामि । तए ण से पुरिसे मम अभीय जाव विहरमाण पाण्ड, पासिता ममं दोरं-पि तथं पि एवं वयासी-हं भो चुलणीपि० मनगोवासया । तएव जाव गाय आनगइ । तए णं अहं त इअन जाव अहियासेमि । एव तहेव उपायेय्य सच्च जाव कणीयस जाव आययइ, अहं तं उज्जलं जाव अहियासेमि । तए ण से पुरिसे मम अभीय जाव पाण्ड, पासिता ममं चउत्तं पि एवं वयासी-हं भो चुलणीपि० मनगोवासया । अपत्तिय पत्तया जाव न भजति तो ते अज्ज जा इमा (तय) माया (म०) गुर[०] जाव वर रोविज्जति । तए ण अहं तेण पुरिसेण एवं धुत्ते समाणे अभीए जाव विहरामि । तए ण से पुरिसे दोरं-पि तथ-पि मम एवं वयासी-हं भो चुलणीपि० मनगोवासया । अज्ज जाव वररोविज्जति । तए ण तेण पुरिसेणं दोरं-पि तथ-पि मम एव धुत्तस्स समा णस्स इ(अय)मेयास्स अज्जत्तिए ५-अहो णं इमे पुरिसे अणारिए जाव समावरइ, जेण म-म जेट्ठ पुत्त साओ गिहाओ तहेव जाव कणीयस जाव आययइ, तु(ज्जे)ब्बे-ऽ-वि य णं इच्छइ माओ गिहाओ नीणेत्ता मम अग्गओ पाएत्तए, तं सेय सल्ल मम एवं पुरिसे गिह्तिए तिकट्टु उ-आइए, से-ऽ-वि य आगासे उप्पइए, मए-ऽ-वि य चम्मे आमाइए, महया महया सहेणं फोलाहले कए ॥ २८ ॥ तए ण सा भइ सत्यवाही चुलणीपिय समणोवासय एव वयासी-नो सल्ल के(इ)ई पुरिसे तव जाव कणीयस पुत्त साओ गिहाओ नीणेइ, नीणेत्ता तव अग्गओ पाएइ, एस(न) ण केइ पुरिसे तव उवसग्ग करेइ, एस ण तुमे विदारेसणे दिट्ठे, त ण तुम इ(दा)याणि भग्गव्यए भग्गनियमे भग्गपोम(होयवासे)हे विहरसि, त ण तुम पुत्ता ! एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि । तए ण से चुलणीपिया समणोवासए अम्मगाए भइए सत्यवाहीए तहति एयमट्ठ विणएण पडिमुणेइ, पडिमुणेत्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव पडिवज्जइ ॥ २९ ॥ तए ण से चुलणीपिया समणोवासए पठम उवासग्ग-पडिम उवसम्पज्जिता-ण विहरइ, पठम उवासग्गपडिमं अहामुत्त जहा आणन्दो जाव ए(इ)कारस-वि । तए ण से चुलणीपिया समणोवासए तेणं उरालेण जहा कामदेवो जाव सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिसग्गस्स महाविमाणस्स उत्तरपुरत्थिमेणं अरण्यप्पमे विमाणे देवताए उवव(नो)जे । चत्तारि पल्लिओवमाइ ठिई (जाव) पण्णत्ता । महाविदेहे वासे सिज्जिहिइ ५ ॥ ३० ॥ निक्खेवो (तहेव) ॥ सत्तमस्स अक्खस्स उवासग्गदसाणं तइयं अज्झयणं समत्त ॥

उक्खेवओ चउत्तस्स अज्झयणस्स । एव सल्ल जम्बू । तेणं कालेण तेण सम-एण वाणारसी नाम नयरी । कोट्टए उज्जाणे । जियस-तू राया । बुरादेवे गाहाव-ई,

पिबं समनोवाचसं एवं वयासी-ईं भो नुक्कीपिया ! समनोवाचसा ! अपरिचय-  
 प(रिचय)त्वा [१] वाच न मज्झति तो से जई अज मज्झिस्सं पुत्तं सामो पिहाओ  
 नीवेत्ति नीवेत्ता तव अम्मओ चाएमि जहा जैडुं पुत्तं तहेव भणत्तु, तहेव करेत्तु ।  
 एवं तर्हं-पि कनीयसं वाच जहिमासेत्तु ॥ १२० ॥ तए नं से हेने नुक्कीपियं  
 समनोवाचसं जमीवं वाच पासह, पासिणा बडत्तं-पि नुक्कीपियं समनोवाचसं एवं  
 वयासी-ईं भो नुक्कीपिया ! समनोवाचसा ! अपरिचय-त्वा ४ बड्ढं ये हुमं  
 वाच न मज्झति तमो जई अज वा इमा तव माया महा सत्त्वा(हिमी)ही देव-  
 पुक्कम्भणी बुद्धबुद्धरूपरिया तं से सामो पिहाओ नीवेत्ति नीवेत्ता तव अम्मओ  
 चाएमि पाएता तमो मंससेत्तए करेत्ति करेत्ता वाचानमरिर्वसि कडाहवसि मए  
 हेमि अरहेत्ता तव गायं मंसेव य सोमिएव य आययामि जहा नं हुमं अट्टुइएव  
 छे अज्झने वेव नीवेत्ताओ ववरोमिज्झति ॥ तए नं से नुक्कीपिया समनोवाचए  
 तेनं देवेवं एवं हुत्ते समाने जमीए वाच निहरत्तु । तए नं से हेने नुक्कीपियं  
 समनोवाचसं जमीवं वाच निहरमाने पासह, पासिणा नुक्कीपियं समनोवाचसं  
 रोहं-पि तर्हं-पि एवं वयासी-ईं भो नुक्कीपिया ! समनोवाचसा ! तहेव वाच  
 ववरोमिज्झति । तए ये तस्स नुक्कीपियस्स समनोवाचस्स तेवं देवेवं रोहं-पि  
 तर्हं-पि एवं हुत्तस्स समानस्स इमेवाहंवे अज्झति ५-अहो ये इमे पुरिसे अवा-  
 रिए (अवाविट्ठुनी) अवावि(वावं पावावि)यक्कमाईं समावरह, जेवं म(म)मं जैडुं  
 पुत्तं सामो पिहाओ नीवेत्तु, नीवेत्ता मम अगगओ चाएत्तु, चाएत्ता जहा कयं तहा  
 चिन्तेत्तु वाच गायं आययत्तु, जेवं म-मं मज्झिस्सं पुत्तं सामो पिहाओ वाच  
 सोमिएव य आययत्तु, जेवं ममं कनीयसं पुत्तं सामो पिहाओ तहेव वाच आययत्तु,  
 वा-ड-वि य नं इमा मम माया महा सत्त्वाही देवपुक्कम्भणी बुद्धबुद्धरूपरिया  
 तं-पि य नं इच्छत्तु सा(धया)ओ पिहाओ नीवेत्ता मम अम्मओ चा(इ)एत्तए, तं  
 विव्वं बड्ढं ममं एवं पुरिसे विविहत्तए विविहत्तु उ(ड्डा)याएत्तु, से-ड-वि य मायासे तप्प-  
 हए, तेवं य वम्मो वाचाएत्तु, महया महया छेवं बोधवहं कए, तए ये वा महा  
 सत्त्वाही तं बोधवहं सोवा मिच्छम्म जेवेव नुक्कीपिया समनोवाचए तेवेव  
 उवापच्छत्तु, उवागच्छिता नुक्कीपियं समनोवाचसं एवं वयासी-ईं भो नुक्की-  
 पि महया महया छेवं बोधवहं कए ! तए ये नुक्कीपिया समनोवाचए अम्मयं  
 मईं सत्त्वादि एवं वयासी-एवं वाच अम्मो ! न वा(वा)वादि केमि पुरिसे वाच-  
 हत्ते ५ एवं मईं नौत्तप्प-वाच अमि गहाय ममं एवं वयासी-ईं भो नुक्की-  
 पि समनोवाचसा ! अपरिचय-त्वा ४ वज्झिवा जइ ये हुमं वाच ववरोमिज्झति ।

विदेहे वासे सिज्झिहिइ ५ ॥ ३४ ॥ निक्खेवो ॥ सत्तमस्स अङ्गस्स उयास-  
गदसाण चउत्थं अज्झयण समत्त ॥

उक्खेवो पद्ममस्स । एवं मल्ल जम्बू । तेण कालेण तेण समएण आ(लं)लभिया  
नाम नयरी-। सङ्गवणे उजाणे । जियसत्तू राया । चुल्लायए गाहावई(परियमई),  
अट्टे जाव छ हिरण्णकोटीओ जाव छ यया दनगोसाहस्तिएणं वएणं । महुला भारिया ।  
सामी सनोस-० । जहा आणदो तहा (धम्म मोषा) गिहियम्म पडियवइ, सेस जहा  
कामदे-वो जाव धम्मपण्णाते उवसन्पज्जिप्पाण विहरइ ॥ ३५ ॥ तए णं तस्स चुल्लय-  
गस्स समणोवासयस्स पुच्चरत्तायरत्तकालसमयसि एगे देवे अन्तिय जाव अमि गहाय  
एव वयासी-हं भो चुल्लय-० ममणोवासया । जाव न भजसि तो ते अज्ज जेट्ट पुत्तं साओ  
गिहाओ नीणेमि, एवं जहा चुल्लणीपियं, नवरं एहेत्ते सत्त मसमोत्ता जाव कणीयं  
जाव आययामि । तए णं से चुल्लयए समणोवासए जाव विहरइ । तए णं ते देवे  
चुल्लयगं समणोवासयं चउत्थं-पि एव वयासी-हं भो चुल्लयया । समणोवासया ।  
जाव न भजसि तो ते अज्ज जाओ इमाओ छ हिरण्णकोटीओ निहाणपउत्ताओ, छ  
बुद्धिपउत्ताओ, छ पवित्थरपउत्ताओ (सव्वाओ) ताओ साओ गिहाओ नीणेमि, नीणेत्ता  
आ-लभियाए नयरीए सिद्धाडग[०]जाव पहेस सव्वओ समन्ता विप्पइरामि, ज हा  
णं तुमं अट्टुहट्टयसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि ॥ ३६ ॥ तए णं  
से चुल्लयए समणोवासए तेणं देवेण एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ । तए णं  
से देवे चुल्लयग समणोवासय अभीयं जाव पात्तिता दोयं-पि तथ-पि तहेव भणइ  
जाव ववरोविज्जसि । तए णं तस्स चुल्लयगस्स समणोवासयस्स तेण देवेण दोय-पि  
तथ-पि एव वुत्तस्स समाणस्स अयमेयारुवे अज्जत्थिए ४-‘अहो णं इमे पुरिसे  
अणारिए जहा चुल्लणीपिया तहा चिन्तेइ जाव कणीयस जाव क्षाययइ, जाओ ऽ वि  
य ण इमाओ म-मं छ हिरण्णकोटीओ निहाणपउत्ताओ छ बुद्धिपउत्ताओ छ  
पवित्थरपउत्ताओ ताओ-ऽ वि य णं इच्छइ ममं साओ गिहाओ नीणेत्ता आ-लभियाए  
नयरीए सिद्धाडग-जाव विप्पइरितए, तं सेय खल्ल ममं एय पुरिस गिह्णिए’  
सि-कट्टु उ-द्धाइए जहा सुरादे-वो तहेव भारिया पुच्छइ तहेव कहे० । सेस जहा  
चुल्लणीपियस्स जाव सोहम्मे कप्पे अरुणसिट्ठे विमाणे उववसे, चत्तारि पलिवोवमाई  
ठिई । सेस तहे(त चे)व जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ[५] ॥ ३७ ॥ निक्खेवो ॥  
सत्तमस्स अङ्गस्स उवसाणं पञ्चमं अज्झयण समत्तं ॥

॥ तेण कालेण तेण समएणं कम्पितपुरे  
राया । कुण्डकोलिए गाहावई । पूमा

अथै (आय मपरिमृष्ट) । छ द्विरभ्यन्तेदोभो आय छ बहा वसयोसाहसिपुवै वपुवै ।  
 बहा मारिवा । धायी समोचये । बहा आनन्दो तद्वैव पवित्रजड निश्चिन्मन्त्र बहा  
 कम्मवेधो आय समवस्तु मयवन्तो महावीरस्तु मम्मपण्णति ववम्पण्णिता-वै निहण्  
 ॥ ११ ॥ तए मे तस्स छुरावेवस्तु समवोवाचयस्तु पुम्बरतावरतवम्पसमवैति एवो  
 देवै अन्तिवै पाइम्पमिरवा । से देवै एवै मई मीहुप्पण-आय अस्ति म्हाव छुरावेव  
 समवोवाचयवै एवै वयासी-वै म्यो छुरावे समवोवाचयवा । अपरिचयप-त्तया ४ बह  
 मे तुमै वी(म्पम्या)म्पवै आय न मकसि ती छ वौट्ट पुत्तं साम्यो गिहाओ नीयेमि  
 नीयेता तव अमाओ वाएमि वाएता पव (मंथ)छेज्जए करेमि (१ ता) वा(वा)-  
 वयममरेवैति कडाहवैति वरहेमि वरहेता तव वयं मंथेय व छेमिएव व वा(व)-  
 पयामि बहा मे तुमै अकाले वेव नीयियाओ वपुवेमिअसि । एवं मज्झि(मं)मम  
 कणीकसं एवैके पव छेज्जण तद्वैव करेह, बहा वुक्कणीपिकस्तु नवर एवैके पव  
 छेज्जणा । तए मे से देवै छुरावेव समवोवाचयवै वडल-पि एवं वयासी-वै म्यो छुरा  
 वेवा । सम्मोवाचयवा । अपरिचयप-त्तया ४ आय न परिचय(मं)वैति (१)टा (बह)  
 ते अज (एव) सरीरिअि कम्ममसमामेव छेज्ज रोपावहै पवित्र(मि)वामि त-बहा-  
 छत्ते अस्ति वाव म्मे(वए)वै क-डा मे तुमै वासुहह[ ] आय ववरोमिअसि । तए  
 मे से छुरावेव समवोवाचयवै आय निहण् । एवं देवो छेज्ज-पि तव-पि मज्झ वाव  
 ववरोमिअसि ॥ १२ ॥ तए मे तस्स छुरावेवस्तु समवोवाचयवस्तु तेवै देवैवै छेज्ज-पि  
 तव-पि एवं वुत्तस्स वम्पनस्तु इमेवास्मि अज्जस्तिव ४ (समु )-अहो मे इमे पुरिसे  
 अज्जस्तिव आय वयावण्, वेवै ममे वौट्ट पुत्तं आय कणीकसं आय आनन्द, के-ड-मि  
 व इमे छेज्ज रोपावहा ते-ड-मि व इण्डह मम सरीरवैति पवित्रमिअए, तं तेमै वड्ड  
 ममे एवं पुरिसे निश्चितए पिण्ड क-वाइए । के-ड-मि व अजाते वप्पए, तेव न  
 कम्मो आधायए, महवा महवा छेज्ज कोवाहके कए ॥ १३ ॥ तए मे सा वया मारिवा  
 मीज्जह(कसरी)वै छेवा मिसम्म जेवैव छुरावेवै समवोवाचयवै तवैव वयावण्डह,  
 पयमिअिअ एवं वयासी-वैम्यै देवावुपिया । तुम्पेवै महवा महवा छे(व)म  
 कोवाहके कए । तए मे से छुरावेवै समवोवाचयवै वयं मारिं एवं वयासी-वै वड्ड  
 देवावुपिए । के(१)-ड-मि पुरिसे तद्वैव करेह बहा वुक्कणीपिया । वया-ड-मि पवि  
 मय-आव कणीकसं मो वड्ड देवावुपिया । तुम्मे के ड-मि पुरिसे सरीरिअि वयव-  
 सममं छेज्ज रोपावहै पवित्रमह, एत-वै के मि पुरिसे तुम्मे ववसमं करेह, तैव  
 बहा वुक्कणीपिकस्तु तहा नवर । एवं तैव बहा वुक्कणीपिकस्तु निरवसेव आय  
 छेहम(म)मै कप्ये अज्जकप्पते निमावै वपवये । अज्जस्ति पवित्रोवमार् ठिह, मह-

कोलिएण समणोवासएण एव वुत्ते समणे सकिए जाव कल्लु(स)सं समावसे नो  
 संचाएइ कुण्डकोलियस्स समणोवासयस्स किंचि पा(मु)भोक्खमाइक्खिताए, नाममुद्दयं  
 च उत्तरिज्जय च पुढविसिलापट्टए ठवेइ, ठवेत्ता जामेव दि सिं पाउब्भूए तामेव  
 दि-सिं पडिगए । तेणं कालेण तेण समएणं सामी समोसडे । तए णं से कुण्ड-  
 कोलिए समणोवासए इमीसे कहाए लद्धे हट्ठ(तुट्ठे) जहा कामदेवो तहा निग्गच्छइ  
 जाव पज्जुवासइ । धम्मकहा ॥ ४१ ॥ 'कुण्डकोलिया' इ समणे भगव महावीरे  
 कुण्डकोलिय समणोवासय एवं वयासी-से नूण कुण्डकोलिया । कल्लु तुब्(भं)म पुव्वा-  
 वरण्हकालसमयसि असोगवणियाए एगे देवे अन्तिर्यं पाउब्भवित्था । तए णं से  
 देवे नाममुद्द च तहेव जाव पडिगए । से नूण कुण्डकोलिया । अट्ठे समट्ठे १ हन्ता  
 अत्थि । तं धत्ते सि ण तुम कुण्डकोलिया । जहा कामदेवो । 'अज्जो' इ समणे  
 भगवं महावीरे समणे निग्गन्थे य निग्गन्थीओ य आमन्तिता एवं वयासी-जइ ताव  
 अज्जो । गिहिणो गि-हमज(झे)झावसन्ता ण अन्नउत्थिए अट्ठेहि य हेऊहि य पसि-  
 णेहि य कारणेहि य धागरणेहि य निप्पट्टपसिणवागरणे करेन्ति, सक्का पुणाइ  
 अज्जो । समणेहिं निग्गन्थेहिं दुवाल्सक्क गणिपिडग अहिज्जमाणेहिं अन्नउत्थिया  
 अट्ठेहि य जाव निप्पट्टपसि(णा)णवागरणा करितए । तए णं समणा निग्गन्था य  
 निग्गन्थीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडि-  
 झुणेन्ति । तए ण से कुण्डकोलिए समणोवासए समणं भगवं महावीर वदइ नम-  
 सइ, वंदित्ता नमसित्ता पसिणाई पुच्छइ, पुच्छित्ता अट्ठमादियइ, २ ता जामेव दि-सं  
 पाउब्भूए तामेव दि-सं पडिगए । सामी बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ४२ ॥  
 तए णं तस्स कुण्डकोलियस्स समणोवासयस्स बहूहिं सील[०]जाव भावेमाणस्स  
 चोइ[र]स सवच्छराइ व(वि)इक्कन्ताइ, पण्णरसमस्स संवच्छरस्स अन्तरा वट्ठमाणस्स  
 अन्नया कयाइ जहा कामदेवो तहा जेद्वपुत्तं (कुटुम्बे) ठवेत्ता तहा पोसइसालाए जाव  
 धम्मपण्णतिं उवसम्पज्जित्ता ण विहरइ । एवं एक्कारस उवासगपडिमाओ, तहेव जाव  
 सोहम्मे कप्पे अरुणज्जए विमाणे जाव अन्तं काहिइ ॥ ४३ ॥ निक्खेवो ॥ सत्त-  
 मस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं छट्ठ अज्झयणं समत्तं ॥

सत्तमस्स उक्खेवो । पोलासपु(र)रे नार्म नयरे । सहस्सम्बव(ण)णे उज्जा-णे । जिय-  
 सत्तू राया । तत्थ ण पोलासपुरे नयरे सद्दालपुत्ते नाम कुम्भकारे आजीविवोवासए  
 परिवसइ, आजीवियसमयसि लद्धे गहियट्ठे पुच्छियट्ठे विणिच्छियट्ठे अभिगयट्ठे  
 अट्ठिमिजपेमाणुरागरत्ते य, अयमाउसो । आजीवियसमए अट्ठे अय परमट्ठे सेसे  
 अणट्ठेप्पि (एव) आजीवियसमएण अप्पाण भावेमाणे विहरइ । तस्स णं सद्दालपुत्तस्स

भारिवा । उ हिरण्यकोटीभो निहाणपठण्यभो उ मुनिपठण्यभो उ पवित्रपरप  
ताम्भे उ ववा इत्येतादृशित्पुनं वपुनं । सामी समोष्ठै । अहा कम्मदेवो तहा साम-  
वपुनं पवित्रवद् । (सि) सु(म्भे)नेव वपुन्यवा वाव पडिक्कामेमाणि निहरु ॥ १८ ॥  
तए वं से कुण्डकोळिए समनोवाधए अजया कया पुण्णारण्णकसमवसि केवैव  
असोपवत्तिवा केवैव पुवविधिकपण्णए तेनेव ववापण्णइ, तवापण्णिया नाममुए  
व वतारिजयं व पुव(वी)विधिकपण्णए ठवैइ, ठवैता समनस्स मयवभो महावीरस्स  
अण्णिअं वम्मपण्णति उवसम्पज्जिता-यं निहरु ॥ १९ ॥ तए वं तस्स कुण्डकोळि-  
कस्स समनोवाधयस्स एते देवै अण्णिअं पाठव्यवित्था । तए वं ॥ देवै नाममु(एव)इ  
व उट्ठरि(वी)अं व पुवविधिकपण्णयाभो गो(मि)अइ, १ ता उवित्तिभि[ ] अन्तलि  
ववपविदये कुण्डकोळियं समनोवाधयं एवं ववासी-इं भो कुण्डकोळि-समनोवाधवा ।  
उट्ठरी वं देवसुप्पिवा । गोसाकस्स मज्झिपुत्तस्स वम्मपण्णती नत्ति उट्ठये इ वा  
कम्भे इ वा वळे इ वा वी(मि)रिए इ वा पुरिसकारपरहमे इ वा निक्खा सम्म-  
मावा म्हेउमी वं समनस्स मयवभो महावीरस्स वम्मपण्णती अत्ति उट्ठये इ  
वा कम्भे इ वा वळे इ वा वीरिए इ वा पुरिसकारपरहमे इ वा अमिक्खा  
सम्ममावा ॥ ४ ॥ तए वं से कुण्डकोळियं समनोवाधए तं देवं एवं ववासी-  
अइ वं देवा-। उट्ठरी गोसाकस्स मज्झिपुत्तस्स वम्मपण्णती-अत्ति उट्ठये इ वा  
आव निक्खा सम्ममावा म्हेउमी वं समनस्स मयवभो महावीरस्स वम्मपण्णती-  
अत्ति उट्ठये इ वा आव अमिक्खा सम्ममावा तुये वं देवा-। इमा एवास्स विप्पा  
देविही विप्पा देवमुइ विप्पे देवाल्लुगाने विप्पा कइ विप्पा पते विप्पा अमि-  
समवायए, किं उट्ठयेवं आव पुरिसकारपरहमेवं ववाहु अत्तुत्तयेवं अकम्भेवं  
आव अपुरिसकारपरहमेवं । तए वं से देवै कुण्डकोळियं समनोवाधयं एवं ववासी-  
एवं कइ देवसुप्पिवा । मए इमेवास्स विप्पा देविही १ अत्तुत्तयेवं आव अपुरि-  
सकारपरहमेवं कइ पत्ता अमितमवापवा । तए वं से कुण्डकोळियं समनोवाधए  
तं देवं एवं ववासी-अइ वं देवा-। तुमे इमा एवास्स विप्पा देविही १ अत्तुत्तयेवं  
आव अपुरिसकारपरहमेवं कइ पत्ता अमितमवापवा केति वं जीवायं नत्ति  
उट्ठये इ वा आव परहमे इ वा ते किं न देवा । अइ वं देवा-। तुये इमा एवास्स  
विप्पा देविही १ उट्ठयेवं आव परहमेवं कइ पत्ता अमितमवापवा ते वं  
वदति-उट्ठरी वं गोसाकस्स मज्झिपुत्तस्स वम्मपण्णती नत्ति उट्ठये इ वा आव  
निक्खा सम्ममावा म्हेउमी वं समनस्स मयवभो महावीरस्स वम्मपण्णती-अत्ति  
उट्ठये इ वा आव अमिक्खा सम्ममावा तं ते मिप्पठा । तए वं से देवै कुण्ड



से परो पाए आमजिज बा पमजिज बा नो तं सायए नो तं  
 पादाई संवाहेज बा पस्मिहिज बा नो तं सायए नो तं नियमे  
 पादाई फुसेज बा रएज बा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से  
 तेहेण बा घएण बा मक्खेज बा अन्मिगिज बा नो तं सायए नो तं  
 सिया से परो पादाई लोहेण बा कळेण बा चुजेण बा वणेण बा  
 उव्वलिज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई  
 जेण बा उस्सिणोदगवियडेण बा उच्छोळेज बा पधोएज बा नो तं  
 नियमे, सिया से परो पादाई अण्णयरेण विळेणजाएण आलिपेज बा  
 बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई अण्णयरेण धूवणजाएण  
 बा पधूवेज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई  
 कंटयं बा णीहरेज बा विसोहेज बा नो तं सायए नो तं नियमे । सिया  
 पादाओ पूयं बा सोयिज बा णीहरेज बा विसोहेज बा नो तं सायए  
 नियमे ॥ ९७० ॥ सिया से परो कार्य आमजेज बा पमजेज बा नो तं  
 नो तं नियमे, सिया से परो कार्य लोटेण बा संवाहिज बा पस्मिहिज बा  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्य तेहेण बा घएण बा मक्खेज  
 अन्मगेज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्य लोहेण बा  
 बा चुजेण बा वणेण बा उलोहिज बा उव्वलिज बा नो तं सायए  
 नियमे सिया से परो कार्य सीओदगवियडेण बा उस्सिणोदगवियडेण बा उच्छो-  
 लेज बा पधोएज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्य अण्णयरेण  
 विळेणजाएण आलिपेज बा, विलिपेज बा, नो तं सायए, नो तं नियमे । सिया से  
 परो कार्य अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज बा, पधूवेज बा, नो तं सायए  
 नियमे ॥ ९७१ ॥ सिया से परो कार्यसि वणं आमजेज बा पमजेज बा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं संवाहेज बा पस्मिहेज बा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं तेहेण बा घएण बा मक्खेज बा  
 अन्मजिज बा, नो तं सायए नो तं नियमे । सिया से परो कार्यसि वणं लोहेण बा  
 कळेण बा चुजेण बा वणेण बा उलोहिज बा उव्वलेज बा नो तं सायए नो तं  
 नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं सीओदगवियडेण बा उस्सिणोदगवियडेण बा उच्छो-  
 लेज बा पधोवेज बा नो तं सायए नो तं नियमे ॥ ९७२ ॥ से सिया परो कार्यसि  
 वणं अण्णयरेण विळेणजाएण आलिपेज बा विलिपेज बा नो तं २। सिया से परो  
 कार्यसि वणं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज बा ५० नो तं ० २। सिया से परो कार्यसि

आजीविभोवाचयस्व एका क्षिरपयोधौ निहाणपदता एका कुक्षिपठता एका  
पमित्वरपदता एतेषु नृप इत्यगोसाहसिपुर्न नृपः । तस्य च सहायपुत्रस्त  
आजीविभोवाच(व)गस्य अग्रिमिच्छा न्यमं भारिका होत्वा । तस्य च सहायपुत्रस्त  
आजीविभोवाचयस्त पोलाचपुरस्त नगरस्त बह्विषा एव दुग्धपायन्यसदा  
होत्वा । तत्र ये बह्वे पुरिसा क्षिप्रमहमतावेयवा कदाचि बह्वे करणं न  
वारणं य विह्वणं य बह्वं न अयुवणं य कम्पणं न अक्षिणं य अम्पुणं  
य अक्षिण्ये न करेति । बह्वे न ये बह्वे पुरिसा क्षिप्रमहमतावेयवा कदाचि  
तेहि बह्वे करणं य आच अक्षिमा(क्षि)क्षि य एवमम्येति विधि कप्येमाया  
विह्वति ॥ ४४ ॥ तए च से सहायपुते आजीविभोवाचए अचया कया पुम्मा-  
वरण्यकम्पमयंते केनेव असोगमिया तेनेव उवागच्छइ, उवागच्छिच्च पोलाचस्त  
मह्विपुतस्त अन्तिव बम्मापणति उवसम्पत्तिता-ने विहरइ । तए च तस्य सहाय-  
पुतस्त आजीविभोवाचगस्त एगे देवे अन्तिव वाउम्पत्तिता । तए च से देवे  
अन्तस्मिन्पट्टिक्के सत्तिविमिवर्न आच परिणिए सहायपुतं आजीविभोवाचयं एवं  
वदासी-एहिइ च देवाजुप्पिवा । ॥ ४५ ॥ महामाहं उप्पववाचसंनवरं तीवर-  
दुप्पववाचसंनवरं अरहा विसे केवसे उप्पवव उप्पववसे तीवेनेप्पववमविय  
पुए सुदेवमपुयापुरस को-अस्त अचमिज कन्वत्तिजे (पूर्वमिजे) सहायविजे संमाव  
विजे कम्पयं मह्वं देववं नेहं आच पम्पवाचमिजे त(वी)वक्कम्पम्यवसम्पउते  
तं च तुमं कन्वेजाहि आच पम्पवाचमिजे पाविहारिए-चं पीवक्कम्पमिजासंवारणं  
उवमिम्पत्तिजाहि होत्वं-पि तर्क-पि एवं ववइ ववता वामेव दि-सं पाउक्कए वामेव  
दि-सं पडिगए ॥ ४६ ॥ तए च तस्य सहायपुतस्त आजीविभोवाचयस्त तेचं  
देवेचं एवं पुतस्त समावस्त इमेमाहं अज्जस्सिवा ४ सत्तुप्पदे-एवं कहु व-सं  
बम्मावरीए बम्मोवएसए गोसाके मह्विपुते से च महामाहं उप्पववाचसंनवरं  
आच उ-वक्कम्पम्यवसम्पउते से च कलं इहं इक्कमागच्छिस्तइ । तए च तं अहं  
वन्निस्सामि आच पम्पवाचमिजे पाविहारिएचं आच उवमिम्पत्तिस्सामि ॥ ४७ ॥  
तए च कलं आच अज्जत्तं समये मगवं महावीरे आच समोच(डि)रिए । परिसा मिमाया  
आच पम्पवाचइ । तए च से सहायपुते आजीविभोवाचए इमीसे क्हाए क्खडे  
समारे एवं कहु समये मगवं महावीरे आच विहरइ, तं एक्कमि चं समये मगवं  
महावीरं क्खामि आच पम्पवाचमि' एवं सम्येहेह, संपेहिस्त क्हाए उप्पववसेसाई  
आच अप्पमह्मभरवाचसंमिम्पउते म्पुस्सकम्पुरापणैगए साओ पिडाओ पडिनि  
(प्पवव)क्कमाह, १ च पोलाचपुरं नगरं मग्गमज्जीने निम्पववइ, निम्पववता

जेणेव सहस्सम्वयणे उज्जाणे जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेष उवागच्छइ,  
उवागच्छिता तिस्रयुत्तो आयाहिण पयाहिण करेइ, करेता वन्दइ नमसइ, वंदिता  
नमसित्ता जाव पज्जुवासइ ॥ ४७ ॥ तए ण समणे भगव महावीरे सद्दालपुत्तस्स  
आजीविओवासगस्स तीसे य महइ जाव धम्मकहा समत्ता । 'सद्दालपुत्ता' इ समणे  
भगवं महावीरे सद्दालपुत्त आजीविओवामय एव वयासी- 'से नून सद्दालपुत्ता ।  
'कल्ल तुम पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव अमोगवणिया जाव विहरसि । तए ण  
सुव्व एगे देवे [अन्तिय] पाठम्मवित्था । तए ण से देवे अन्तलिक्खपडिवन्ने एव  
वयासी-इ भो सद्दालपुत्ता । त चेव सव्व जाव पज्जुवासिस्सामि' । से नूनं सद्दाल-  
पुत्ता ! अट्ठे समट्ठे ? हता अत्थि । (त) नो गल्लु सद्दालपुत्ता । तेण देवेणं गोसाल  
मह्वलिपुत्त पणिहाय एव युत्ते । तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासयस्स  
समणेण भगवया महावीरेण एव युत्तस्स समाणस्स इमेवाहवे अज्झत्थिए ४- 'एस  
ण समणे भगव महावीरे महासाहणे उत्पज्जणाणदसणधरे जाव त वक्कम्मसम्पया-  
सम्पउत्ते, तं सेय खल्ल ममं समण भगव महावीरं वन्दिता नमसित्ता पाडिहारिएण  
पीढफलग[०]जाव उवनिमन्तिताए' एव सम्पेहेइ, सपेहिता उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठेता  
समण भगव महावीर वन्दइ नमसइ, वन्दिता नमसित्ता एव वयासी- 'एव खल्ल  
भन्ते ! मम पोलासपुरस्स नयरस्स यहिया पव्व कुम्भकारावणसया । तत्थ णं  
तुव्वे पाडिहारियं पीढ[०]जाव सयारय ओगिण्हिता ण विहरइ' । तए ण समणे  
भगव महावीरे सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स एयमट्ठ पडिमुण्हेइ, पडिमुण्हेता  
सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स पव्वकुम्भकारावणसएसु फासुएसणिज्जं पाडिहारियं  
पीढफलग-जाव सयारय ओगिण्हि(या)त्ता णं विहरइ ॥ ४८ ॥ तए णं से सद्दालपुत्ते  
आजीविओवासए अज्जा कया(इ)इ वायाहययं कोलालभण्ड अन्तो सालाहिंतो  
वहिया नीणेइ, नीणेत्ता आयवसि दलयइ । तए ण समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तं  
आजीविओवासयं एव वयासी- 'सद्दालपुत्ता ! एस ण कोलालभण्डे कओ ?' तए ण  
से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए समण भगव महावीर एवं वयासी- एस ण  
भन्ते । पुत्विं मट्ठिया आसी, तओ पच्छा उदएण निमिज्जइ, २ ता छारेण य  
करिसेण य एगयओ मीसिज्जइ, २ ता चक्के आ(रु)रोहिज्जइ, त(तो)ओ बहवे करगा  
य जाव उट्ठियाओ य कज्जति । तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्त आजीवि-  
ओवासय एव वयासी- 'सद्दालपुत्ता ! एस ण कोलालभण्डे किं उट्ठाणेणं जाव पुरि-  
सक्कारपरक्कमेणं कज्ज(न्ति)ति, उदाहु अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं कज्ज-ति ?'  
तए ण से सद्दालपु(त्तो)से आजीविओवासए समणं भगव महावीरं एवं वयासी-

‘मन्ते । अणुपुन्येन वाच अणुरिच्छापरपदमेन (कञ्जति) नतिव उट्टाये इ वा वाच परपदमे इ वा नियया सञ्जमावा’ ॥ ४५ ॥ तए न समये भयनं महावीरे सहाक-  
पुतं आनीमिजोवाचय एवं बवासी-‘सहाकपुता । अणु न तुम्हं केइ पुरिसे बान्नाहय वा  
पणेअनं वा कोकाकमणं अणुरे (अ)जा वा मि (कञ्जति) विचारेजा वा मिने-जा वा  
अनिछरे-जा वा पारी (उ)ट्टये-जा वा अग्निमिताए वा मारिजाए सद्धि मिठ (उ)अई  
भोवभोयाई मुक्क्याये निहरे (-वा)जा तस्स नं तुम्हं पुरिसेसस किं बणं [मि]नेजाति ।’  
मन्ते । अणु नं तं पुरिसे आलोसे-जा वा हवे-जा वा नं (वीथि)वेजा वा महे-जा वा  
उजे-जा वा टाके-जा वा निम्होरे-जा वा निठ (मी)मच्छे-जा वा अण्णके चेव बीमि-  
जाओ वणो (मि)ने (-वा)जा । सहाकपुता । नो अणु तुम्हं (म)भं केइ पुरिसे वा (उ)अहय वा  
‘पणेअनं वा कोकाकमणं अणुरे (रे)ए वा वाच परिउत्तये वा अग्निमिताए वा मारिजाए  
सद्धि मिठअई भोगमागाई मुक्क्याये निहरा, नो वा तुम्हं तं पुरिसे आलोसेअति वा  
इ (मि)नेजाति वा वाच अण्णके चेव बीमिजाओ वणो-वेअति अणु (वी)नतिव उट्टाये  
इ वा वाच परपदमे इ वा नि (मि)नेवा सञ्जमावा । अणु (वी)नं के (इ)इ पुरिसे  
बावाहय वाच पारीउत्तये वा, अग्निमिताए वा वाच निहरा, तुम्हं वा तं पुरिसे  
आलोसेति वा वाच वणो (-अ)वेति तो नं वरति नतिव उट्टाये इ वा वाच निवत्त  
सञ्जमावा तं ते मिच्छा । एत नं से सहाकपुते आनीमिजोवाचय सञ्जुदे ॥ ५५ ॥  
तए नं से सहाकपुते आनीमिजोवाचय सञ्जुदे भयनं महावीरे वन्दइ नमंसइ,  
अतिता नमंसिवा एवं बवासी-‘अण्णमि ने मन्ते । तुम्हं अन्ति (वी)ए वम्हं निचा-  
येताए’ । तए नं समये भयनं महावीरे सहाकपुतस्स आनीमिजोवाचयस्स लीसे  
अ वाच वम्हं परिउत्तये । तए नं से सहाकपुते आनीमिजोवाचय सञ्जुदे मम-  
वमो महावीरस्स अन्तिए वम्हं सोका मिछम्म उट्टाअ वाच विवए अहा नाकंसे  
तहा विद्धिबम्हं पणिबजइ । नवरं एसा हिरण्णकोटी मिहावपडत्ता, एसा हिरण्ण-  
कोटी सुद्धिपडत्ता, एसा हिरण्णकोटी पणिबवपडत्ता ए (म)ने वए दसणेसाहसिदए  
वएनं वाच समने भयनं महावीरे वन्दइ नमंसइ, अतिता नमंसिता जेवैन  
पोत्तसपुरे नवरं सेवेव ववागच्छइ, ववागच्छिता पोत्तसपुरे नवरं मज्झिमज्जेन  
जेवेव तए गिडे जेवेव अग्निमिता मारिवा सेवेव ववागच्छइ, ववागच्छिता  
अग्निमिनें मारिवं एवं बवासी-‘एवं अणु वेवात्तुप्ति ।’ समये भयनं महावीरे  
वाच समोस-वे तं वण्णाहि नं तुम्हं समने भयनं महावीरे, वन् (इ)राहि वाच पञ्च-  
वा (स)वाहि समसस्स भयवमो महावीरस्स अन्तिए पण्डितुप्पदं तट्ठितकवाहयं  
मुक्क्याये मिद्धिबम्हं पणिब जाहि’ ॥ ५६ ॥ तए नं सा अग्निमिता मारिवा

सद्दालपुत्तस्स समणोवासगस्स 'त ह'ति एयमद्व विणए-णं पडिमुणेइ । तए ण से सद्दालपुत्ते समणोवासए कोडुम्बियपुरिसे सद्दवेइ, सद्दविता एवं वयासी-<sup>१</sup>'खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया । लहुकरणजुत्तजोइय समगुरवालिहागममलिहियत्तिअए(हि)हिं जम्बू णयामयकलावजोत्तपइवित्तिअएहिं रययामयघण्टमुत्तरजुगवरकवणसइयनत्यापग्गहोग-<sup>२</sup>हि(य)एहिं नीलुप्पलकयामे(ल)लएहिं पवरगोणजुवाणएहिं नाणामणिकगगघण्टिया जालपरिगय सुजायजुगजुत्तउजुगपसत्यसुविरइयनिम्मियं पवरलक्खणोववेय जुत्तामेव धम्मियं जाणप्पवरं उवट्ठवेह, उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तिय पघप्पिणह' । तए ण ते कोडुम्बियपुरिमा जाव पघप्पिणन्ति ॥ ५२ ॥ तए ण मा अग्गिमित्ता भारिया प्हाया सुद्धप्पावेमाइ जाव अप्पमहग्गघाभरणालक्खियसरीरा (जाव) चेडिया-<sup>३</sup>चक्खवालपरिक्खिणा धम्मिय जाणप्पवरं दुरुहइ, दुरुहिता पोलासपुरं नग(णय)रं मज्झ-<sup>४</sup>मज्झेण निग्गच्छइ, निग्गच्छिता जेणेव सहस्सम्बवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता धम्मियाओ जाणाओ पच्चोरुहइ, पच्चोरहिता चेडियाचक्खवालपरिवुडा जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता तिक्वुत्तो जाव वन्दइ नमंसइ, वदिता नमसित्ता नथासत्ते नाइदूरे जाव पज्जलिउडा ठिइया चैव पज्जुवासइ ॥ ५३ ॥ तए ण समणे भगव महावीरे अग्गिमित्ताए तीसे य जाव धम्म कहेइ । तए ण सा अग्गिमित्ता भारिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए धम्म सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समगं भगव महावीरं वन्दइ नमंसइ, वदिता नमसित्ता एव वयासी-<sup>५</sup>'सद्दहामि ण भन्ते । निग्गन्थ पावयण जाव से जहेय तुब्भे व(द)यह, जहा ण देवाणुप्पियाण अन्तिए बहवे उग्गा भोगा जाव पव्वइया नो खल्ल अह तहा सचाएमि देवाणुप्पियाण अन्तिए मुग्गडा भविता जाव अ(ह)ह ण देवाणुप्पियाणं अन्तिए पच्चाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइय दुवालसविह गिहि-<sup>६</sup>धम्मं पडिवज्जित्सामि' । अहासुहं देवाणुप्पिया । (म)मा पडिवन्ध करेह । तए ण सा अग्गिमित्ता भारिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए पच्चाणुव्वइय सत्त-<sup>७</sup>सिक्खावइय दुवालसविह गिहि(सावग)धम्मं पडिवज्जइ, पडिवज्जिता समण भगव महावीरं वन्दइ नमंसइ, वदिता नमसित्ता त(ता)मेव धम्मिय जा(ण)णप्पवरं दुरुहइ, दुरुहिता जामेव दि-सं पाउब्भूया तामेव दि सं पडिगया । तए ण समणे भगव महावीरे अजया कयाइ पोलासपुराओ [नयराओ] सहस्सम्बव(ण)गाओ (उज्जा-णाओ) पडि निग्गच्छइ, पडिनिग्गच्छिता बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ५४ ॥ तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ । तए ण से गोसाले मङ्गलिपुत्ते इमीसे कहाए लद्धे समाने-<sup>८</sup>'एव खल्ल सद्दालपुत्ते आजीवियसमयं वमि-

(च)य समवायं निमित्तत्वात् सिद्धिं पठित्वे तं यच्छामि न सहाकपुते आजीनिभो-  
 वामनं समवायं निमित्तत्वात् सिद्धिं वायेत्य पुनरपि आजीनिवसिद्धिं मे-  
 ति-कट्ट एव सम्येहेह, संवेक्षिता आजीनियसहसम्परिबुद्धे केचिन्नेव पोन्नसपुरे नदरे  
 केचिन्नेव आजीनिवसमा तेनेव उवागच्छह, उवागच्छित्त आजीनिवसमाप् यन्  
 (ग)निकषेवं करेह, करेता वश्यएहि आजीनिपहिं सकिं केनेव सहाकपुते समनोवाचए  
 तेनेव उवागच्छह । तए नं से सहाकपुते समनोवाचए योचानं मज्झिपुत्तं एज्जमानं  
 पासह, पसिता नो आवाह, नो परिवा(ण)नह, अनावा[न]माये अपरिजाव-  
 म्याये दुसिणीए संनिद्ध ० ५५ । तए नं से योचानं मज्झिपुत्तं सहाकपुतेनं समनो-  
 वाचएनं ववावाहज्जमाने अपरिजावज्जमाने पीडककपडिजासंवाहए समवत्स  
 मयकथे महावीरस्स पुनरिच्छेवं करे(ति)मये सहाकपुते समनोवाचवं एवं ववाची-  
 आगए नं देवालुप्पिमा । इहं महामाहणे । तए नं से सहाकपुते समनोवाचए योचानं  
 मज्झिपुत्तं एवं ववाची के नं देवालुप्पिमा । महामाहणे । तए नं से येचानं मज्झि-  
 पुत्तं सहाकपुते समनोवाचवं एवं ववाची-‘समये मयं महावीरे महामाहणे’ ‘से  
 केवट्ठेनं देवालुप्पिमा । एवं बु(व)वर-समये मयं महावीरे महामाहणे । ‘एवं कट्ट  
 सहाकपुता । समये मयं महावीरे महामाहणे उप्पववाचरंजनवरे ज्ञानं यद्धि-  
 प्पुए वाव उ-वज्जमानसम्परासंजते से तेवट्ठेनं देवालुप्पिमा । एवं बु-वर-समये  
 मयं महावीरे महामाहणे’ आगए नं देवालुप्पिमा । इहं महायोवै । के नं  
 देवालुप्पिमा । महायोवै । ‘समये मयं महावीरे महायोवै’ ‘से केवट्ठेनं देवालुप्पिमा ।  
 ज्ञानं महायोवै । ‘एवं कट्ट देवालुप्पिमा । समये मयं महावीरे संघारवणीए बहवे  
 जीवे न(त)स्समाने निवत्समाने कज्जमाने उज्जमाने मिज्जमाने भुप्पमाने मिहप्प-  
 माने वम्ममएनं वन्नेवं स(त)रक्कम्याये संयेकेमाये निष्वात्तमहापा(हे)नं साहसि  
 सम्पायेह, से तेवट्ठेनं सहाकपुता । एवं बुव-समये मयं महावीरे महायोवै’  
 ‘आगए नं देवालुप्पिमा । इहं महासत्तन्वाहे । ‘के नं देवालुप्पिमा । महासत्तन्वाहे ।  
 सहाकपुता । समये मयं महावीरे महासत्तन्वाहे’ से केवट्ठेनं (देवालु महासत्तन्वा-  
 वाहे) । ‘एवं कट्ट देवालुप्पिमा । समये मयं महावीरे संघारवणीए बहवे जीवे  
 न-स्समाने निवत्समाने वाव मिहप्पमाने (तम्ममपठित्तवै) वम्ममएनं वन्नेवं  
 सा-रक्कम्याये निष्वात्तमहापा(वति)पयिमुहे साहसि सम्पायेह, से तेवट्ठेनं सहा-  
 कपुता । एवं बुव-समये मयं महावीरे महासत्तन्वाहे’ आगए नं देवालु-  
 प्पिमा । इहं म(ह)हावम्मच्छी । ‘के नं देवालुप्पिमा । महावम्मच्छी । समये मयं  
 महावीरे महावम्मच्छी’ ‘से केवट्ठेनं समये मयं महावीरे महावम्मच्छी । ‘एवं

खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगव महावीरे महइमहालयसि ससारं(मि)ति बहवे जीवे न-स्तमाने विणस्समाने [खजमाने छिजमाने भिजमाने लुप्पमाने विलुप्पमाने] उम्मगगपडिवन्ने सप्पहविप्पणट्ठे मिच्छत्तवलाभिभूए अट्ठावेहकम्मत्तनपडलप(डि)ओ-  
 च्छन्ने बहूहिं अट्ठेहिं य जाव वागरणेहिं य चाउरन्ताओ ससारकन्ताराओ साहत्वि  
 नित्यारेइ, से तेणट्ठेण देवाणुप्पिया ! एव बुच्चइ-समणे भगव महावीरे महावम्म-  
 कही 'आगए णं देवाणुप्पिया ! इहं महानिज्जामए ?' '(सि) के ण देवाणुप्पिया !  
 महानिज्जामए ?' 'समणे भगव महावीरे महानिज्जामए' 'से केणट्ठेण (समणे०) ?' 'एवं  
 खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे संसारमहासनुदे बहवे जीवे न-स्तमाने  
 विणस्समाने [जाव विलुप्पमाने] हु(वु)इमाने नि(वु)वुइमाने उप्पियमाने धम्ममईए  
 नावाए निव्वाणवीराभिमुहे साहत्वि सम्पावेइ, से तेणट्ठेण देवाणुप्पिया ! एवं बुच्चइ-  
 समणे भगव महावीरे महानिज्जामए' ॥ ५६ ॥ तए ण से सद्दालपुत्ते समणोवासए  
 गोसाल मङ्गलिपुत्त एव वयासी-'तुब्भे ण देवाणुप्पिया ! इयच्छेया जाव इयनिडग  
 इयनयवादी इयउवएत्तल्लद्धा इयविष्णाणपत्ता, पभू णं तुब्भे मम धम्मायारिए  
 धम्मोवएसएण (समणेण) भगवया महावीरेणं सद्धिं विवाद करेत्तए ?' 'नो ति(इ)-  
 णट्ठे समट्ठे' 'से केणट्ठेण देवाणुप्पिया ! एव बुच्चइ-नो खलु पभू तुब्भे मम धम्माय-  
 रिएण जाव महावीरेण सद्धिं विवाद करेत्तए ?' 'सद्दालपुत्ता ! से जहानामए केइ पुरिसे  
 तरुणे जुगव जाव निठणत्तिप्पोवगए एगं मह अय वा एलय वा सुयरं वा कुक्कुड  
 वा तित्तिरं वा वट्ठय वा लावय वा कवोय वा कविज्जलं वा वायस वा सेणय वा  
 हत्थंति वा पायंति वा चुरंति वा पुच्छंति वा पिच्छंति वा तिज्जंति वा विसाणत्ति  
 वा रोमंति वा जाहिं जहिं णिण्डइ तहिं तहिं निब्बल निप्फन्द धरेइ, एवामेव समणे  
 भनवं महावीरे मन बहूहिं अट्ठेहिं य हेऊहिं य जाव वागरणेहिं य जहिं जहिं णिण्डइ  
 तहिं तहिं निप्पट्ठपत्तिणवागरण करेइ, से तेणट्ठेण सद्दालपुत्ता ! एव बुच्चइ-नो  
 खलु पभू अह तव धम्मायारिएण जाव महावीरेण सद्धिं विवाद करेत्तए' ॥ ५७ ॥  
 तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसाल मङ्गलिपुत्तं एव वयासी-'जम्हा ण  
 देवाणुप्पिया ! तुब्भे मम धम्मायारियस्स जाव महावीरस्स सत्तेहिं तच्चेहिं ताहिंएहिं  
 (सव्वेहिं) सव्वभूए हिं भावेहिं गुणकित्तण करेह तम्हा ण अह तुब्भे पाडिहारिए  
 पीठ-जाव संघारएण उवनिमन्तेमि, नो चेव ण धम्मो-त्ति वा तवो ति वा, तं  
 गच्छह ण तुब्भे मम कुम्भारावणेसु पाडिहारिय पीठफलन-जाव ओगिण्हि(उव-  
 संपज्जि)ताण विहरह' । तए णं से गोसाळे मङ्गलिपुत्ते सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स  
 एयमट्ठ पडिमुणेइ, पडिमुणेतता कुम्भ(भका)भारावणेसु पाडिहारियं पीठ जाव ओगि-

विद्य-नं निहरत् । तत् न से योसाके मङ्गलितुते सहाकृतं सम्योवाचनं बाहे नो  
 संवाप्य नृद्विं वाक्यवाहि न पञ्चवापाहि न सञ्चवापाहि न निञ्चवापाहि य  
 (पञ्चवाहि न) निञ्चवापाहि पाक्यवापाहि (सं)वाकिताप वा सोमिताप वा निपरीवामितप  
 वा तद्दे सन्ते सन्ते परितन्ते पोक्तसपुत्रानो नयसाधो पक्षिनिचक्ष्मन्, पक्षिनिचक्ष-  
 मिता बहिवा चक्षवबनिहारं निहरत् ॥ ५८ ॥ तत् न तत्स सहाकृतस्य समो  
 वाचयस्य नृद्विं वीर्य-वाच गायेवाचस्य नीर्य संवच्यन्त व(वी)र्यन्ता पञ्च  
 रसस्य संवच्यन्तस्य अन्तरा कृमानस्य पुनरन्तरावर्तयन्ते वाच प्रोसहसात्माप  
 सञ्चयस्य अन्तरा मङ्गलीरस्य अन्तरा वम्भपञ्चति सञ्चयस्यजिता-नं निहरत् । तत्  
 न तत्स सहाकृतस्य समयोवाचस्य (अन्तरा) पुनरन्तरावर्तयन्त(अन्तरावर्तयन्ति)के एते  
 देवै अन्तरा पाठयन्ति । तत् न से देवै एवं मई वीर्यपञ्च-वाच अन्ति मङ्गल  
 सहाकृतं समयोवाचनं एवं वचसी-वाहा पुनर्वापिक्तस्य तद्देवै नो सञ्चयन् करेत्,  
 नवरं एतेके पुते नव (१) संसञ्चयन् करेत् वाच कनीयसं वाप्य, वाह्य वाच  
 वाचयत् । तत् न से सहाकृतं समयोवाचप अमीप वाच निहरत् । तत् न से देवै  
 सहाकृतं समयोवाचनं अमीनं वाच पा(सि)विता चक्षन्-पि सहाकृतं समयोवा-  
 चनं एवं वचसी-“हं ओ सहाकृतं । समयोवाचनं । अन्तरावर्तयन्त वाच न  
 मङ्गलितुते से वा ह्या अन्तरावर्तयन्त मङ्गलीरस्य वम्भ(मे)विद्विजिता वम्भ-  
 पुनरन्तरा समसञ्चय(हं)नचक्षववाचनं तं से सञ्चो विद्वान्ते वीर्येति वीर्येता त्व अन्तरा  
 वाप्यि वाप्य नव संसञ्चयन् करेति करेत् वाचवाचनानि वंति कञ्चयन्ति नृद्विं  
 अन्तरा त्व पापं संसञ्चय न सोमिताप न वाचयामि कदा नं तुने अन्तरा ॥  
 वाच वचरोमिजति । तत् न से सहाकृतं समयोवाचप तेन देवै एवं तुते समाने  
 अमीप वाच निहरत् । तत् न से देवै सहाकृतं समयोवाचनं वचन्-पि तन्-पि एवं  
 वचसी-“हं ओ सहाकृतं । समयोवाचनं । तं नव मङ्गल । तत् न तत्स सहाकृत-  
 तस्य समयोवाचस्य तेन देवै वीर्यं वीर्य-पि तन्-पि एवं पुनरन्तरा सञ्चयस्य अन्तरा  
 अन्तरावर्तय ५ अन्तरावर्तय(विद्वान्ते)के । एवं कदा पुनर्वापिक्ता तद्देवै विद्वन्ते-“वीर्यं यमं  
 विद्वं पुते, वीर्यं यमं यन्ति-यमं पुते वीर्यं यमं कनीयसं पुते वाच वाचयत्,  
 वा-5-वि न न म-मं ह्या अन्तरावर्तयन्त मङ्गलीरस्य वम्भ(मे)विद्विजिता वम्भ-  
 पुनरन्तरा समसञ्चय(हं)नचक्षववाचनं तं-पि न  
 इच्छत् सञ्चो विद्वान्ते वीर्येता मम अन्तरा वाप्यत, तं सेनं कञ्च यमं एवं पुनरन्तरा  
 विद्वान्ते ५ वि-कञ्च स-वाप्य कदा पुनर्वापिक्ता तद्देवै सञ्चं मायिकन् नवरं  
 अन्तरावर्तय मङ्गलीरस्य वीर्येता मङ्गल, वीर्यं कदा पुनर्वापिक्ताव-  
 न्तरा नवरं मङ्गलीरस्य विद्वान्ते वच(वाचो)वच वाच मङ्गलीर(हं)दे वीर्ये विद्वान्-





समन्वयेन सत्यं सति उरुकाई गोपमोयाई मुक्कमाणी निहरत् । तए ये सा रेवई  
 पाहाकरणी मंसवेहना मंसवेह सुखिया बाब कण्ठोवराबा बहुमिहेई मंसवेह  
 छेईई न तकिण्णि न मकिण्णि न हुरं न माई न मेरां न मजं न चौं न  
 पचई न बासाएमाणी ४ निहरत् ॥ ११ ॥ तए ये रायगिहे नवरे नवरा कवाइ  
 कमा(रि)बाए कुहे नाई होत्वा । तए ये सा रेवई पाहाकरणी मंसवेहना मंसवेह  
 सुखिया ४ कोकवरिण्णि पुरिसे सहावेइ, सहावेया एवं कयासी—'मुम्मे (मी) वेवाडु-  
 ण्णिमा । म(मं)म कोकवरिण्णि तो (ये)नपण्णि तो क्काड्कि दुबे दुबे गोपयेवए उरवेइ,  
 उरवेइ मयं उरवेइ । तए ये (से) कोक-वरिया पुरिसे रेवईए पाहाकरणीए  
 तहंति एमड्ड निवएवं पडिडु(से)नमिडि पडिडुविता रेवईए पाहाकरणीए कोक-  
 रिण्णि तो नपण्णि तो क्काड्कि दुबे दुबे गोपयेवए उरवेइ बहेत्वा (त) रेवईए पाहाकरणीए  
 उरवेइ । तए ये सा रेवई पाहाकरणी तेई कोकमंसवेह छेईई य ४ हुरं न १  
 बासाएमाणी ४ निहरत् ॥ १२ ॥ तए ये तस्य महासकस्य समनोवाचस्य बहुई  
 छीक-बाब भावेमातस्त को(बड)स्य संकच्छा नवन्त्या । एवं तहेव के(ड)ड्ड पुतं  
 उवेइ बाब पोसहस्यकाए बम्मकम्मपि उचसम्मज्जित—यं निहरत् । तए ये सा रेवई  
 पाहाकरणी मण्ड कुठिया निहन्वकेणी लहरिज्जं मिडकुमाणी २ जेयेव पोसहसाका  
 केवेव महासवए समनोवाचए तेवेव उवागच्छा, उवागच्छिता मोगुम्मन्तवन्वबाई  
 विहरियाई इरिवाकाई लवसिमाणी २ महासवई समनोवाचए एवं कयासी—  
 'हं मो महासव(पा)वा । समनोवाचमा । बम्मकम्मवा पुम्बकम्मवा सम्बकम्मवा  
 मोक्ककम्मवा बम्मकम्मवा ४ बम्मपिण्णिवा ४ किण्(कि)नं तुप्पं वेवाडुण्णिमा ।  
 बम्मेष वा पुन्देव वा लगेव वा मोक्कवेव वा [१] कर्म्म तुयं मए सति उ-रुकाई  
 बाब मुक्कमाणी नो निहरति(१)' । तए ये से महासवए समनोवाचए रेवईए पाहाकर-  
 णीए एमड्ड नो बाडाइ, नो परिमाबाइ, कयाडाक्याने अपरिक्कम्मामे सुखिणीए  
 बम्मज्जाओवणए निहरत् । तए ये सा रेवई पाहाकरणी महासवई समनोवाचए  
 होन्-पि तर्ह-पि एवं कयासी—'हं मो ! (म घ ) तं केव यणइ, छे-ड-नि तहेव  
 बाब कयाडाकम्मने अपरिक्कम्मामे निहरत् । तए ये सा रेवई पाहाकरणी  
 महासवएवं समनोवाचएवं कयाडाकम्ममाणी अपरिक्कम्मामाणी कामेव सि-धि  
 पडम्मूवा तामेव सि-धि पडिमइ ॥ १४ ॥ तए ये से महासवए समनोवाचए  
 पण्डं पडासुगण्डिई उचसीवजित—यं निहरत् । पण्डं कयाडुतं बाब एका-  
 रस-ड-नि । तए ये से महासवए समनोवाचए तेवेव उरुवेव बाब किसे बाब  
 निहन्वए बाए । तए ये तस्य महासकस्य समनोवाचस्य कवा कया(र)ई

पुव्वरत्तावरत्तकाले धम्मजागरिय जागरमाणस्स (इमेयारूवे) अय अज्झत्थिए ४-  
 'एव खल्ल अह इमेण उरालेण जहा आणन्दो तहेव अपच्छिममारणन्तियसलेहणा-  
 (ए क्षो) झसियसरीरे भत्तपाणपडियाइक्खिए काल अणवकट्टमाणे विहरइ । तए ण  
 तस्स महासयगस्स समणोवासगस्स सुभेण अज्झवसाणे (परिणामे) णं जाव खओवस-  
 मेण ओहिणाणे समुप्पन्ने । पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दे जोयण (स) साह (स्स) स्सियं खे (त) ते  
 जाणइ पासइ, एव दक्खिणेणं पच्चत्थिमेण, उत्तरेण जाव चुल्लहिमवन्त वासहरपव्वयं  
 जाणइ पासइ, अहे इमीसे रयणप्पभाए पुठवीए लोल्लयच्चुय नरयं चउ (चो) रासी [इ] वा-  
 ससहस्सट्ठिइयं जाणइ पासइ ॥ ६५ ॥ तए ण सा रेवई गाहावइणी अन्नया कया-इ  
 मत्ता जाव उत्तरिजयं विकट्टमाणी २ जेणेव पोसहसाला जेणेव महासयए समणो-  
 वासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता महासययं तहेव भणइ, जाव दोच्च पि  
 तच्च पि एव वयासी- 'हं भो तहेव । तए णं से महासयए समणोवासए रेवईए  
 गाहावइणीए दोच्च-पि तच्च पि एव वुत्ते समाणे आसु स्ते ४ ओहिं पउजइ, पउजिता  
 ओहिणा आभोएइ, आभोएत्ता रेवई गाहावइणि एव वयासी- 'हं भो रेव (ई) इ ।  
 अपत्थियपत्थिए- १-४ एव खल्ल तुमं अन्तो सत्तरत्तस्स अलसएण वाहिणा अभि-  
 भूया समाणी अट्टुहट्टवसट्ठा असमाहिपत्ता कालमासे काल किच्चा अहे इमीसे रयण-  
 प्पभाए पुठवीए लोल्लयच्चुए नरए चउरासी (ई) इवाससहस्सट्ठिइएसु नेरइएसु नेरइयत्ताए  
 उववज्जिहिस्ति । तए ण सा रेवई गाहावइणी महासयएण समणोवासएण एव  
 वुत्ता समाणी (भीया) एवं वयासी- 'रुट्ठे ण म-मं महासयए समणोवासए, हीणे णं  
 म-म महासयए समणोवासए, अवज्झाया णं अहं महासयएण समणोवासएण, न  
 नजइ ण अह केणवि कुमारेण भारिज्जिस्सामि' ति-कट्टु भीया तत्था तत्थिया उव्विग्गा  
 सञ्जायमया सणियं २ पच्चोसकइ, पच्चोसकित्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ,  
 उवागच्छिता ओहय [०] जाव क्षियाइ । तए णं सा रेवई गाहावइणी अन्तो सत्तरत्तस्स  
 अलसएणं वाहिणा अभिभूया अट्टुहट्टवसट्ठा कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्प-  
 भाए पुठवीए लोल्लयच्चुए नरए चउरासी इवाससहस्सट्ठिइएसु नेरइएसु नेरइयत्ताए  
 उववत्ता ॥ ६६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएण समणे भगवं महावीरे, समोस-रण,  
 जाव परिसा पडिगया । 'गोयमा'- १-इ समणे भगव महावीरे एव वयासी- 'एव  
 खल्ल गोयमा ! इहेव रायगिहे नयरे म-म अन्तेवासी महासयए नामं समणोवासए  
 पोसहसालाए अपच्छिममारणन्तियसलेहणाए झसियसरीरे भत्तपाणपडियाइक्खिए  
 काल अणवकट्टमाणे विहरइ । तए ण तस्स महासयगस्स रेवई गाहावइणी मत्ता  
 जाव विक (इ) माणी २ जेणेव पोसहसाला जेणेव महासयए तेणेव उवागच्छइ, उवा-  
 गच्छिता ०] जाव एवं वयासी- तहेव जाव दोच्च-पि तच्च पि एवं वयासी



कालं किञ्चा सोहम्मे कप्पे अरुणवडिसए विमाणे देवताए उववञ्जे । चत्तारि पलिओवमाई ठिई । महाविदे-हे वासे सिज्झिहिइ ॥ ६८ ॥ निक्खेवो ॥ सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाण अट्ठमं अज्झयणं समत्तं ॥

नवमस्स उक्खेवो । एव खलु जम्(वु)वू । तेण कालेण तेण समएण सावत्थी नयरी । कोट्ट(ग)ए उज्जाणे । जियस-तू राया । तत्थ ण सावत्थीए नयरीए नन्दिणी-पिया नाम गाहावई परिवसइ, अट्ठे । चत्तारि हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ बु-द्धिपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थरपउत्ताओ, चत्तारि वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । अस्सिणी भारिया । सामी समोसढे । जहा आणन्दो तहेव गिहिधम्मं पडिवज्जइ । सामी बहिया (विहारं) विहरइ । तए णं से नन्दिणीपिया समणोवासए जाए जाव विहरइ । तए ण तस्स नन्दिणीपियस्स समणोवासयस्स बट्ठहिं सीलव्वयगुण[०] जाव भावेमाणस्स चोइस संवच्छराइ वइक्कन्ताइ । तहेव जेट्ठ पुत्त ठवेइ, धम्मपण्णत्तिं, वीस वासाइ परियाग, नाणत्त अरुणगवे विमाणे उववाओ । महाविदे-हे वासे सिज्झिहिइ ॥ ६९ ॥ निक्खेवो ॥

सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं नवमं अज्झयणं समत्तं ॥

दसमस्स उक्खेवो । एव खलु जम्-वू । तेण कालेण तेण समएण सावत्थी नयरी । कोट्टए उज्जाणे । जियस तू राया । तत्थ ण सावत्थीए नयरीए सालिही-पिया नाम गाहावई परिवसइ । अट्ठे दित्ते । चत्तारि हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ बु-द्धिपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थर-पउत्ताओ । चत्तारि वया दसगोसाहस्सिएणं वएण । फग्गुणी भारिया । सामी समोस ढे । जहा आणन्दो त(ह)हेव गिहिधम्म पडिवज्जइ, जहा कामदेवो तहा जेट्ठ पुत्तं ठवे(इ)त्ता पोसहसालाए समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्तिं उवसम्प-ज्जित्ताण विहरइ । नवरं निरुवसग्गाओ एक्कारस-वि उवासगपडिमाओ तहेव भाणिय-व्वाओ । एवं कामदेवगमेणं नेयव्वं जाव सोहम्मे कप्पे अरुणकीले विमाणे देवताए उववञ्जे । चत्तारि पलिओवमाई ठिई, महाविदे-हे वासे सिज्झिहिइ ॥ ७० ॥ (०) ॥

सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं दसमं अज्झयणं समत्तं ॥

दसण्ह-वि पणरसमे सवच्छरे वट्ठमाणेण चिन्ता । दसण्ह-वि वीसं वासाइं समणो-वासयपरियाओ । एव खलु जम्बू । समणेण जाव सम्पत्तेण सत्तमस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ७१ ॥ उवासगदसाओ समत्ताओ । उवासगदसाणं सत्तमस्स अङ्गस्स एगो सुयखन्धो दस अज्झयणा एक्कसरगा दससु चेव दिवसेसु उद्दिस्सिज्जति तओ सुयखन्धो समुद्दिस्सिज्जइ अणुणविज्जइ दोसु दिवसेसु, अङ्ग तहेव ॥

तए वं से महासवए समनोवासए रेवईए पाहावइणीइ दीर्य-पि उर्य-पि एवं सुते  
समाये आसु-तो ५ ओहि पदंमइ, पदंमिता ओहिवा आमोएइ, आमोएता रेवई  
पाहावइमि एवं बवाही-बाव "उववाविहिमि" । नो कसु कप्पइ मोवम । समनो-  
वासमसु अपठिम [ ] बाव इतिवसपीरसु मत्तापपविवाविनिवमसु परो सन्तेइ  
उमेहि तहिइहिं सप्पुएहिं अविहेहिं अकन्ते-हिं अपिइहिं अमलुणेहिं अमचामेहिं  
वागरेहिं वागरितए, तं यच्छ(इ)यं देवाउपिवा । तुमे महासवकं समनोवासव  
एवं बवाहि-नो कसु देवाउपिवा । कप्पइ समनोवासमसु अपठिम-बाव  
मत्तापपविवाविनिवमसु परो सन्त-हिं बाव वागरितए । तुमे वं से देवाउपिवा ।  
रेवई पाहावइणी संतेइ ५ अविहेहिं ५ वागरेहिं वागरितए तं वं तुमं एमसु  
उपसु आलोएहिं वाव अहारिं व पावकिउं पवि-आहिं । तए वं से मयं  
योवमे समसु मयमो महावीरसु तइति एमउं निवएवं पविउमेइ,  
पविउमेता तयो पविनिवमसु, पविनिवमसिवा एवमिइ न(व)वरं मज्झिमज्जेयं  
अलुपविसइ, अलुपविसिता केमेव महासवगसु समनोवाससु गिहे केमेव  
महासवए समनोवासए तेमेव उवागच्छइ । तए वं से महासवए (समनोवासए)  
मार्गं योवमे एममायं पासइ, पासिता इ(हि)उ वाव विसए मार्गं योवमे कइइ  
मर्ममइ । तए वं से मयं योवमे महासवकं समनोवासवं एवं बवाही-"एवं कसु  
देवाउपिवा । समने मयं महावीरे एममायमइ मासइ पवमेइ पवमेइ-नो  
कसु कप्पइ देवाउपिवा । समनोवासगसु अपठिम बाव वागरितए, तुमे वं  
देवाउपिवा । रेवई पाहावइणी संतेइ बाव वागरि(वा)जा तं वं तुमं देवाउ-  
पिवा । एमसु उपसु आलोएहिं वाव पवि-आहिं" । तए वं से महासवए  
समनोवासए मय(व)मो योवमसु "तइति एमउं निवएवं पविउमेइ, पविउमेता  
उसु उपसु आलोएइ वाव अहारिं व पावकिउं पवि-आहिं । तए वं से  
मयं योवमे महासवसु समनोवाससु अतिउयमं पविनिवमसु, पवि  
निवमसिवा एवमिइ नगरं मज्झिमज्जेयं निमगच्छइ, निमगच्छिता केमेव समने  
मयं महावीरे तेमेव उवागच्छइ, उवागच्छिता समनं मयं महावीरे वइइ  
मर्ममइ, वंमिता मर्मसिवा संमये(व)न तवता अप्पायं यावमाये निइइ । तए वं  
समने मयं महावीरे कववा कववा एवमिइ नगरमो पविनिवमसु, पवि  
निवमसिवा वइवा कववविहारं निइइ ॥ ६० ॥ तए वं से महासवए समनो-  
वासए वइहिं दीर्य-बाव मावैता वीरं वाताइं समनोवास-करी(व)यं पावमिता  
ए-आरसु उवागपविमाओ समं आपु-व पासिता मासिवाए उंहेइवाए अप्पयं  
इ-विता वइं मत्तायं कववनाए केरेता आलोएवपविउते समाधिपेयं एममाते

चारवईणयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्य ण रेवयए नाम पव्वए होत्या  
 तत्य ण रेवयए पव्वए नदणवणे नाम उज्जाणे होत्या वण्णओ, सुरप्पिए नाम जक्खा-  
 यतणे होत्या, असोगवरपायवे[०], तत्थ ण चारवई(ए)ण-यरीए कण्हे नाम चाउदेवे  
 राया परिवसइ महया[०] रायवण्णओ, से ण तत्य समुद्विजयपा(सु)मोक्खाग दसहं  
 दसाराण बलदेवपा-मोक्खाण पंचण्ह महावीगण पज्जुण्णपामोक्खाण अद्दुट्ठाण कुमार-  
 कोळीणं सवपामोक्खाणं सट्ठीए दुईतसाहस्सीण महसेणपामोक्खाण छप्पण्णाए बल-  
 च(र ग)यसाहस्सीण वीरसेणपामोक्खाण एगवीसाए वीरसाहस्सीण उग्गसेणपामो-  
 क्खाण सोलसण्हं रायसाहस्सीण रुप्पिणीपामोक्खाण सोलसण्ह दे(वि)वीमाहस्सीणं  
 अब्बेसि च बहूण ईसर जाव सत्थवाहाण चारवईए नयरीए अद्दभरहस्स य सम-  
 (न्त-त्त)त्यस्स आदेवच जाव विहरइ, तत्य णं वा(वा)रवईए नयरीए अधग(वि  
 ण्हू)वण्(णी)ही-नामं राया परिवसइ, महया० रायवण्णओ, तस्स ण अधगवण्हिस्स  
 रण्णो धारिणी नाम देवी होत्या वण्णओ, तए ण सा धारिणी देवी अण्णया क्याइ  
 तंति तारिसगंसि सयणिज्जसि (एवं) जहा महच्चले 'सुमिण्हसणकहणा जम्म बाल-  
 त्तण कलाओ य । जोव्वणपाणिगहण (कता) कण्णा पासायमोगा य ॥ १ ॥' नवरं  
 गोयमो नामेणं अट्ठण्ह रायवरकण्णाण एगदिवसेण पाणि गेण्हावेंति अट्ठट्ठओ दाओ,  
 तेणं कालेण तेण समएण अरहा अरिट्ठणेमी आ दिकरे जाव विहरइ चउव्विहा देवा  
 आगया कण्हे-वि निग्गए, तए ण तस्स गोयमस्स कुमारस्स[०] जहा मेहे तहा निग्गए  
 घम्म सोच्चा (णि०) ज नवरं देवाणुप्पिया । अम्मापियरो आपुच्छामि देवाणुप्पि-  
 याण० एव जहा मेहे जाव अणगारे जाए [इरिया समि-ए] जाव इणमेव निग्गय  
 पावयण पुरवो फाउं विहरइ, तए ण से गोयमे (अ०) अण्णया क्या(इ)इ अरहओ  
 अरिट्ठणेमिस्स तहारूवाण थेराण अतिए सामाइयमाइयाइं एकारस अगाइ अहि(ज)  
 ज्जेइ २ ता बहूहिं चउत्थ जाव भावेमाणे विहरइ, (तएण) ते अरिहा अरिट्ठणेमी  
 अण्णया क्या-इ चारवईओ [नयरीओ] नंदणवणाओ (उ०) पडिणिकस्समइ (२  
 ता) बहिया जणवयविहारं विहरइ, तए ण से गोयमे अणगारे अण्णया क्या-इ  
 जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ ता अरह अरिट्ठणेमिं तिव्वुत्तो आया-  
 हिणपयाहिणं करेइ २ ता वदइ नमसइ व० २ ता एव वयासी-इच्छामि ण भवे ।  
 तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मासिय भिक्खुपडिम उवसपज्जित्तान विहरेत्तए, एव  
 जहा खदओ तहा बारस भिक्खुपडिमाओ फासेइ (०) गुणरयण-पि तवोक्कम्मं तहेव  
 फासेइ निरवसेस जहा खंदओ तहा चित्तेइ तहा आपुच्छइ तहा थेरेहिं सद्धिं सेत्तुजं  
 डुरूहइ मासियाए संळेहणाए बारस वरिसाइ परियाए जाव सिद्धे (५) ॥ १ ॥ एवं

पमोऽस्य षी समथस्त भगवभो पायपुत्तमहावीरस्त

# सुत्तागमे

सत्य ण

अतगढदसाओ

[ पद्मो वगो ]

तेन काहेन तय समएव वंजा-ममं न(स)यरी (हो व तत्व वं वं न०  
व रि ए ) पुण्यमरे (वा ) वज्जाने (हो ) वण्यमो (ली वं न को  
मा ए हो म रि व ) तेन काहेन तेन समएव जज्जुम्मने (वि वाव  
वं वं वं वं पु व मा व वि वी वं वं वं वं पु व व )  
समोचमि(ति)ए परिता विग्ग(ता)मा वाव पणिय-या तेन काहेन तेन समएव  
जज्जुम्मस्त अतिवाही जज्जवंतु वाव पञ्चुवाच(माव)ए, एवं व(राति)वाही-अ  
(वि)ए वं वंते । समवेण (म म ) वा(श्म)रिद्धरेण वाव संपत्तेन तपमस्त  
अपस्त पचासपदवाचं अयमहे पञ्चत अट्टमस्त वं वंति । अपस्त अंतपडदनां  
समवेण वाव संपत्तेन के अट्ट पञ्चते । एवं पञ्च वं । समवेण वाव संपत्तेन  
अट्टमस्त अपस्त अंतगडदसानं अट्ट वग्गा पञ्चता, वर वं वंते । समवेण वाव  
संपत्तेन अट्टमस्त अपस्त अंतगडदसानं अट्ट वग्गा पञ्चता पञ्चमस्त वं वंति ।  
वमस्त अंतगडदसानं समवेण वाव संपत्तेन वर अज्जवन्त पञ्चता । एवं पञ्च  
वं । समवेण वाव संपत्तेन अट्टमस्त अपस्त अंतगडदसानं पञ्चमस्त वमस्त  
वस्त अज्जवन्ता पञ्चता तं००/गोमम-समुह-शागर-वीरिरे वीर होए विमिह व ।  
अयमे वीरिरे पञ्च अज्जोम-पसेव(ली)ए(वन्ही)मिन्नु ॥ १ ॥ वर वं वंति । सम-  
वेण वाव संपत्तेन अट्टमस्त अपस्त अंतगडदसानं पञ्चमस्त वमस्त वम अज्ज-  
वन्ता पञ्चता (तं गो वाव वि ) पञ्चमस्त वं वंति । अज्जवन्त अंतगडदसानं  
समवेण वाव संपत्तेन के अट्ट पञ्चते । एवं पञ्च वं । तय काहेन तेन समएव  
वावरे-ममं नयरी होत्या वुवाअज्जोवन्तायामा नवयो(ज)यवतिविग्गा पञ्चवन्त  
विग्गावा वावीवरवायारा नायामविग्गवन्तामिहीसुव(वरी)मंडिता वग्गा अत-  
वापुरीसंवाया वपुरियवडीयिण वववयं वैवन्तोयभूया पास(री)दिवा ५ टीने वं



वणे उज्जाणे ज(अ)हा जाव विहरइ परिमा निगया, तए ण तस्स अणीयमस्स  
 (कु०) तं (म०) जहा गोयमे तहा नवरं मानादयमादयाइ चोदम-पुव्वाड अहिउइ  
 वीस वासाइ परियाओ सेस तहेव जाव सेत्तुजे पय्यए मातियाए सलेहणाए जाव  
 सिद्धे (५) । एव सल्ल जवू ! समणेण[०] अट्टमस्स अगम्य यतगद्दमाग तयस्स  
 वगस्स पढम-अज्जयगस्स अयमट्ठे पण्णसे, एणं जहा अणीयसे एय सेसा वि अण  
 तसे(णो)णे जाव सत्तुसेणे छ-अज्जयगा ए(ग)वगमा वसीसओ दाओ वीसं यागा  
 परियाओ चोइस [पु०] सेत्तुजे (जाव) सिद्धा ॥ छट्टमज्जयणं समत्त ॥ ४ ॥ (ज०  
 ण० भ० उ० स०) तेणं कालेण तेणं समएणं वारवईए नयरीए जहा पढ(मे नव-  
 रं)मं वसुदेवे राया धारिणी देवी सीहो गुमिणे सारणे कुमारे पण्णासओ दाओ चोइस  
 पुव्वा वीस वासा परियाओ सेस जहा गोयमस्स जाव सेत्तुजे सिद्धे ॥ ५ ॥ जइ[०]  
 उक्खे[व]ओ अट्टमस्स एव सल्ल जवू ! तेणं कालेण तेणं समएण वारवईए नयरीए  
 जहा पढमे जाव अरहा अरिद्धणेमी सागी समोसडे । तेणं कालेण तेणं समएण  
 अरहओ अरिद्धणेमिस्स अतेवासी छ अणगारा भायरो महोदरा होत्या सरिसया  
 सरित्तया सरिव्वया नीलुप्पलगुलियअयत्तिकुसुमप्पगासा सिरिवच्छक्रियवच्छा पुग्गुम  
 कुंडलभहलया नलकु(व्व)च्चरसमाणा, तए ण ते छ अणगारा ज चेव दिवसं सुंडा  
 भवेत्ता अ(आ)गाराओ अणगारिय पव्वइया त चेव दिवस (अरह) अरिद्धणेमि  
 वदंति णमसंति वं० २ ता एवं वयासी-इच्छामो ण भते । तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया  
 समाणा जावज्जीवाए छट्टउट्ठेणं अणिकित्तेण तवक्कम्मसज्जेण तवसा अप्पाणं भावे-  
 माणे विहरितए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिवध करेह, तए णं (ते) छ अण  
 गारा अरहया अरिद्धणेमिणा अब्भणुण्णाया समाणा जावज्जीवाए छट्टउट्ठेणं जाव  
 विह(रं)रंति, तए ण-छ अणगारा अणया कयाइ छट्टस्समणपार(ण)णयंति पढ-  
 माए पोरिसीए सज्झाय करंति ज(ह)हा गोय(मसा०)मो जाव इच्छामो ण (भ०)  
 छट्टक्खमणस्स पार(णा)णए तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा तिहिं संघाडएहिं वार-  
 वईए नयरीए जाव अडितए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिवध करेह, तए णं-  
 छ अणगारा अरहया अरिद्धणेमिणा अब्भणुण्णाया समाणा अरह अरिद्धणेमिं वदति  
 नमसंति वं० २ ता अरहओ अरिद्धणेमिस्स अतियाओ सह(र)संववणाओ (०) पडिणि  
 क्खमंति २ ता तिहिं संघाडएहिं अतुरियं जाव अडति, तत्थ णं एगे संघाडए वार-  
 वईए नयरीए उच्चणीयमज्झमाइ कुलाइ घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमा-  
 णे (२) वसुदेवस्स रण्णे - देवीए गेहे अणुपविट्ठे, तए णं सा देवई देवी ते  
 अणगारे एज्जमाणे पाइ । दह जाव हियया आसणाओ अब्भट्ठे २



अ(ज्ज)ब्भत्थिए० एव खलु अहं पोलासपुरे नयरे अइमुत्तेगं त चेव जाव निगच्छसि ० ता जेणेव मम अतिय हव्वमागया से नूर्णं देवई । अ(त्थे)ट्ठे समहे हता अत्थि, एव खलु देवाणुप्पिए ! तेण कालेण तेण समएणं भदिलपुरे नयरे न नाम गाहावई परिवसइ अट्ठे०, तस्म ण नागस्स गाहावइस्स सुलसा-नाम भागि होत्था, सा सुलसा गाहावइणी बालत्तणे चेव ने(नि)मित्तएण वागरिया-एस दारिया णिंदू भविस्स०, तए ण तीसे सुलसाए गाहावइणीए भत्तिवहुमाणञ्जस्सए हरिणेगमेसी देवे आराहिए यावि होत्था, तए ण से हरिणेगमेसी देवे सुलसा गाहावइणीए अणुकपण(ट्ठया)ट्ठाए सुलसा गाहावइणिं तुम च (ण) दो-वि सग उयाओ करेइ, तए ण तुब्भे दो-वि सममेव गब्भे गिण्हइ सममेव गब्भे परिव सममेव दारए पयायइ, तए ण सा सुलसा गाहावइणी विणिहायमावण्णे द पया(इ)यइ, तए ण से हरिणेगमेसी देवे सुलसाए अणुकपणट्ठाए विणिहायमाव दारए करयलसपुडेण गेण्हइ ० ता तव अतिय साहरइ (२) त-समय च ण तुम् नवण्हं मासाण० सुकुमालदारए पसवसि, जे वि (अ) य ण देवाणुप्पिए ! तव ते-वि य तव अतियाओ करयलसपुडेण गेण्हइ २ ता सुलसाए गाहावइणीए अ साहरइ, त तव चेव ण देव(इ)ई । एए पुत्ता णो चेव सुलसाए गाहावइणीए, ण सा देवई देवी अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अतिए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म ह जाव हियया अरह अरिट्ठणेमिं वदइ नमंसइ व० २ ता जेणेव ते छ अणगारा ते उवागच्छइ [२ ता] ते छप्पि अणगारा वंदइ नमंसइ व० २ ता आगयपण(हु) पप्फुयलोयणा कच्चुयपडिक्खित्तया दरियवल्लवाहा धाराहयकल्लपुप्फगपिव स सियरोमकूवा ते छप्पि अणगारे अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणी २ सुचिरं निरि २ ता वंदइ नमंसइ व० २ ता जेणेव अ(रि)रहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छ ता अरहं अरिट्ठणेमिं तिक्खुत्तो आयाहि(ण)णपयाहिण करेइ २ ता वदइ न व० २ ता तमेव धम्मिय जाणं दु(र)रुहइ २ ता जेणेव बारवई नयरी तेणेव गच्छइ २ ता बारवई नयरिं अणुप्पविसइ ० ता जेणेव सए गिहे जेणेव वाहि उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पप्पोरुहइ ० जेणेव सए वासधरे जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ ता सयसि सग्गसि निसीयइ, तए ण तीसे देवईए देवीए अयं अब्भत्थिए ४ समुप्पण्णे-एवं अह सरिसए जाव नलकुब्बरसमाणे सत्त पुत्ते पयाया, नो चेव ण मए एगस्स बालत्तणए समुब्भूए, एस-वि य ण कण्हे वासुदेवे छण्ह छण्ह मासाण मम अ पायवंदए हव्वमागच्छइ, त वण्णाओ ण ताओ अम्माओ जासिं मण्णे णियगकुा

या) शिवश्रुती आवाहिकपदाह्वितं करोह २ ता वंदह नम-  
ताम(१)रए तेभ्य उवाच(२)कह २ या)वा धीहमेधराव  
। ते अथगारे पठिसामेह( ) वंदह नमस्तह व २ ता  
तर् व न रोमे संवाहए वारवईए (न ) उच[ ] वाव  
तमे संवाहए वारवईए न-गरीए वच-वाव पठिसामेह  
देवातुमिवा ! कन्हस्स वासवेवस्स इमीसे वारवईए न-  
इवकवेवकोपमूसाए समया मिमीवा उच-वाव अठमावा  
णं ताई नेव पुकाई मत्तपावाए मुजो २ अतुप्पमिंथेति ?  
देमि एवं ववासी-नो कहु देवा ! कन्हस्स वासवेवस्स  
वाव देवमेवमूसाए समया मिमीवा उच-वाव अठमावा

मातामं नो कमेति न[ ] वच वं ताई ताई इकाई रोचं-पि तचं पि मत्तपावाए  
अतुप्पमिंथेति एवं कहु देवातुमि । अन्हे मरिचपुरे न-गरे नापस्स पाप्पाकस्स  
पुठा कम्माए भातिवाए अत्तवा क मावरो सहोत्तर उरिसव[ ] वाव नल्लुम्मार  
समावा अरुजो अरिहुवेमिस्स वंतिए वम्मं सोक्क-संसारमउत्थिया मीमा वम्म-  
(व)मरवाव मुंवा वाव पण्डावा तए नं अन्हे वं नेव विवदं पण्डावा तं नेव  
विवदं अरुहं अरिहुवेमि वंतामो नमस्तमो वं २ या इमं एवास्सं अमिस्सं अमि-  
रोहामो-इण्णामो वं मति । मुम्मेहिं अम्मत्तुम्मावा समावा वाव अहत्तुं तए  
वं अन्हे अरुहो (व ) अम्मत्तुम्मावा समावा वावजीवाए अहत्तुं वाव मिह  
रमो तं अन्हे अज अत्तुमकम्मनवरवमंति पत्तमाए पेरिदिए वाव अठमावा तए वेहं  
अतुप्पमिह तं नो कहु देवातुमि । ते नेव वं अन्हे, अन्हे वं अन्ही-देव[ ] देमि एवं  
वंति २ या अन्हेव विदं पाठम्मूसा तमेव विदं पठियवा (तए वं) तीसे देवईए  
(देवीए) अजमेवास्सं अ(इम)पत्तिव ४ समुप्पणे एवं कहु इहं पेकात्तपुरे वयरे  
अत्तुपेने कम्मरसमपेनं वात्तणे वापरिवा तुयणं देवातुमि । अहु पुत्ते पवाह-  
स्समि उरिसए वाव नल्लुम्मारसमावो नो नेव वं अरुहो वसे अण्णाओ वम्मवाओ  
तारिसए पुत्ते पकास्संति तं नं मिच्छा इमं वं पक्ककपेव विस्सह अरुहो वसे  
अण्णाओ-मि अम्मवाओ (कहु) पुरिस वाव पुत्ते पयामाओ तं गण्णमि वं अरुहं  
अरिहुवेमि वंतामि (न वं ) २ ता इमं वं ववाहं वावरवं पुच्छिस्सापी-  
तिअहु एवं उपेहेह २ ता ओहिंमिअपुरिसा सहावैह २ ता एवं ववासी अत्तुवर-  
प्पव[ ] वाव उचउवेति अहु देवासीवा वाव पञ्चुवात्तह-ते अरुहो अरिहुवेमी  
देव[ ] देमि एवं ववासी-तं मूलं तव देवई । इमे क अथगारे पात्तेता अजमेवास्सं

ण तस्स दारगस्स अम्मापियरे नाम करेंति गयसुकुमा(ले)लो-त्ति सेस जहा मेहे जाव  
 (अल-) भोगसमत्ये जाए यावि होत्या । तत्थ ण चा-रवईए नयरीए सोमिले नामं  
 माहणे परिवसइ अरिउ०वे० जाव सुपरिणिट्टिए यावि होत्या, तस्म सोमिलमाहणस्स  
 सोमसिरी नाम माहणी होत्या सु-माल०, तस्स ण सोमितस्स (मा०) धूया सोमसिरीए  
 माहणीए अत्तया सोमा नाम दारिया होत्या सो(सुकु)माला जाव सुहवा रुवेण जाव  
 लावण्णेण उफिट्ठा उफिट्ठसरीरा यावि होत्या, तए ण सा सोमा दारिया अण्णया  
 कयाइ प्हाया सव्वालकारविभूसिया चहृहिं गुजाहिं जाव परिविखत्ता सयाओ  
 गिहाओ पडिणिक्खमइ २ ता जेणेव रायमग्गे तेणेव उवागच्छइ २ ता राय  
 मग्गसि कणगर्तिदूसएण कीलमाणी (२) चिट्ठइ । तेण कालेण तेण समएण अरहा  
 अरिट्ठणेमी समोसडे परिसा निग्गया, तए ण से कण्हे वासुदेवे इमीसे कहाए लद्धे  
 समाणे प्हाए सव्वालकारविभूसिए गयसुकुमालेण कुमारेण सद्धिं हत्थिखधवरणए  
 सकोरंटमल्लदामेण छत्तेण धरेजमाणेण से(य)अवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहिं बारवईए  
 नयरीए मज्झमज्झेण अरहओ अरिट्ठणेमिस्स पायवदए निग्गच्छमाणे सोम दारिम  
 पासइ २ ता सोमाए दारियाए रुवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य जाव विम्हिए, तए  
 णं (से) कण्हे[०] कोडुंनियपुरिसे सहावेइ २ ता एव वयासी-गच्छह ण तुब्भे-देवाणु-  
 प्पिया ! सोमिल माहण जायित्ता सोम दारियं गेण्हइ २ ता कण्णतेउरंसि पक्खि-  
 वह, तए णं एसा गयसुकुमालस्स कुमारस्स भारिया भविस्सइ, तए ण कोडुंनिय  
 जाव पक्खिवंति, तए ण से कण्हे वासुदेवे बारवईए नयरीए मज्झमज्झेण निग्ग-  
 च्छइ २ ता जेणेव सह-सववणे उज्जाणे जाव पज्जुवासइ, तए ण अरहा अरिट्ठणेमी  
 कण्हस्स वासुदेवस्स गयसुकुमालस्स (कुमारस्स) तीसे य धम्मकहाए कण्हे पडि-  
 गए, तए णं से गयसुकुमाले (कु०) अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अति(य)ए धम्मं सोच्चा जं  
 नवरं अम्मापियरं आपुच्छामि जहा मेहो (णवरं) महेलियावज्ज जाव वड्डियकुले, तए  
 ण से कण्हे वासुदेवे इमीसे कहाए लद्धे समाणे जेणेव गयसुकुमाले-तेणेव उवा-  
 गच्छइ २ ता गयसुकुमाल (०) आलिंगइ २ ता उच्छगे निवेसेइ २ ता एव वयासी-तुर्म  
 मम सहोदरे कणीयसे भाया त मा ण तुम देवाणुप्पिया ! इयाणि अरहओ (अ०अ०)  
 मुडे जाव पव्वयाहि, अहण्ण बारवईए नयरीए महया (२) रायाभिसेएण अभि-  
 सिंचिस्सामि, तए ण से गयसुकुमाले-कण्हेण वासुदेवेण एव बुत्ते समाणे तुत्तिणीए  
 संचिट्ठइ, तए णं से गयसुकुमाले-कण्ह वासुदेव अम्मापियरो य दोधं-पि तच्चं पि एवं  
 वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया ! माणुस्सया कामा खेलासवा जाव विप्पजहियव्वा  
 भविस्संति, तं इच्छामि ण देवाणुप्पिया ! तुब्भेहिं अब्भणुजाए (स०) अरहओ अरिट्ठणे-



से परो पाए आमजिज वा पमजिज वा नो तं सायए नो तं नियमे  
 पादाई संवाहेज वा पस्मिहिज वा नो तं सायए नो तं नियमे  
 पादाई फुसेज वा रएज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से  
 तेहेण वा घएण वा मक्खेज वा अन्मिजिज वा नो तं सायए नो तं  
 सिया से परो पादाई लोहेण वा क्खेण वा चुप्पेण वा वण्णेण वा  
 उव्वलिज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई  
 डेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोळेज वा पयोएज वा नो तं सायए  
 नियमे, सिया से परो पादाई अण्णयरेण विक्खेणजाएण आलिपेज वा  
 वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई अण्णयरेण धूवणजाएण  
 वा पधूवेज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई  
 कंटम वा णीहरेज वा विसोहेज वा नो तं सायए नो तं नियमे । सिया  
 पादाओ पूयं वा सोणियं वा णीहरेज वा विसोहेज वा नो तं  
 नियमे ॥ ९७० ॥ सिया से परो कार्यं आमजेज वा पमजेज वा नो तं  
 नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं लोटेण वा संवाहिज वा पस्मिहिज वा  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं तेहेण वा घएण वा मक्खेज  
 अन्मिजिज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं लोहेण वा  
 वा चुप्पेण वा वण्णेण वा उव्वलिज वा उव्वलिज वा नो तं सायए  
 नियमे सिया से परो कार्यं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा  
 वा पयोएज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं  
 विक्खेणजाएण आलिपेज वा, विलिपेज वा, नो तं सायए, नो तं नियमे । सिया  
 परो कार्यं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज वा, पधूवेज वा, नो तं सायए  
 नियमे ॥ ९७१ ॥ सिया से परो कार्यसि वणं आमजेज वा पमजेज वा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं संवाहेज वा पस्मिहेज वा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं तेहेण वा घएण वा मक्खेज वा  
 अन्मिजिज वा, नो तं सायए नो तं नियमे । सिया से परो कार्यसि वणं लोहेण वा  
 क्खेण वा चुप्पेण वा वण्णेण वा उव्वलिज वा उव्वलेज वा नो तं सायए नो तं  
 नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छो-  
 लेज वा पयोवेज वा नो तं सायए नो तं नियमे ॥ ९७२ ॥ से सिया परो कार्यसि  
 वणं अण्णयरेण विक्खेणजाएण आलिपेज वा विलिपेज वा नो तं २। सिया से परो  
 कार्यसि वणं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज वा प० नो तं ० २। सिया से परो कार्यसि

मिस्स अंतिप आब पम्बइत्तए, तए नं तं गयत्तुमाळे कळे वसुदेवे अम्मापिमरो  
 न बाहे नो संवाए वसुदेवे अजुमोमाळे आब आबमित्तए ताहे अकमाई नेब एव  
 ववाही-तं इच्छामो नं ते आमा । एयविचममि एयसिंरि पाठितए विचममं बहा  
 महाअम्बस आब तमाणाए तहई ] तहा आब संवमह, से गयत्तुमाळे अजगारे  
 वाएई(इ)मिया ( ) बाई ] गुणवमवाही तए नं से गयत्तुमा(रे)मि (अ ) नं नेब  
 विचं पम्बइ तस्सेव विस्सस्स पुम्मावत्तुमाळेअममंति जेनेब अरहा अरिदुमेमी  
 तेनेब उवायत्तइ २ ता अरहा अरिदुमेमि तिन्हातो आवाहिणपवाहिं वंइ  
 म्मेत्तइ ३ २ ता एव ववाही-इच्छामि नं मंते । इम्मेई अम्मापुम्माए ममाये  
 महाअम्बसि ह्वायंति एम्मेत्तइ महापमिं उवसंपजिता-वं मिह(रे)रितए,  
 अहत्तई वेवत्तुप्पिवा ! म्मा पविसेव करेइ, तए नं से वयत्तुमाळे अजगारे अरहा  
 अरिदुमेमिया अम्मापुम्माए ममाये अरई अरिदुमेमि वंइ म्मेत्तइ ३ २ ता  
 अरहा अरिदुमेमिस्स अंति सत्त-संवावाओ उवायाओ पविमिन्हाइ २ ता  
 जेनेब महाअम्बे ह्वाये तेनेब उवायए २ ता वंविं पविसेवेइ २ ता (उवाय  
 पाववपममि पविसेवेइ २ ता) ई(सि)मिपम्मारगएयं काएव आब से-मि पए सत्तई  
 एम्मेत्तइ म्मापमिं उवसंपजितां मिहत्तइ, इमे व नं सेमिमे माहये सामिबेयस्स  
 अज्जाए वा-रवईओ मजरीओ वड्डिवा पुण्यमिम्माए समिहाओ न इम्मे य कुसे य  
 पतामोई व गम्मेइ २ ता तम्मे पविमिन्हाइ २ ता म्माअम्बस्स ह्वायस्स अज्जा  
 सामिचिं वीइवममाये (२) संवाअम्बममंति पविमिन्हाइस्सि यम्मापुम्माळे अजगारे  
 वात्तइ २ ता तं वीर सत्त २ ता आत्तस्ते ५ एव ववाही-एव नं मो ! से  
 गव(इ)त्तुमाळे कुमारे अ(पे)मिन्हा आब पविमिन्हा, जे नं म्मा म्मेत्त सेमसिरीए  
 मारिवाए अज्जं सेमं वारियं अरिदुमेसपत्तं अज्जवतिं विपवहेता हुं वि आब  
 पम्बइ, तं सेव वत्त म्मेत्त वयत्तुमाळेस्स कुमारस्स वेरमिन्हाव नं करेत्तए, एव  
 संपेवेइ २ ता विहापविसेवेइ करेइ २ ता सत्तं म्मिं गेम्मेइ २ ता जेनेब गयत्तुमाळे  
 अजगारे तेनेब उवायत्तइ २ ता व(व)वत्तुमाळेस्स कुमा(अज्जा)रस्स मत्तए  
 मत्तियाए पावि वंइ २ ता अज्जंटीओ विमवाओ पुमिन्हाइस्सममाये व(व)वत्तपारे  
 क्कम्मेत्त गेम्मेइ २ ता वय-वत्तुमाळेस्स अजगारस्स मत्तए पविमिन्हाइ २ ता मीए  
 ५ तम्मे विप्यायेव अज्जम्मे २ ता आमेव सिंसं पाववम्मेत्त आमेव सिंसं पविमिन्हा, तए  
 वं (सि) तस्स वय-वत्तुमाळेस्स अजगारस्स सरीर्यंति विमवा पाठम्मेत्त वज्जत्त  
 आब इरुत्तिनासा, तए नं से वय-वत्तुमाळे अजगारे सेमिन्हा माहवस्स म्मवा-मि  
 अज्जवत्तममाये तं वज्जं आब अज्जिनासेइ, तए नं तस्स वय-वत्तुमाळेस्स अजगार-



रस्स त उज्जल जाव अहियासेमाणस्स सुमेण परिणामेण पसत्थज्जवसाणेण त(या)दा  
वरणिजाण कम्माण खाएणं कम्मरयविकिरणकरं अपुव्वकरण अणु[प]पविट्ठस्स  
अणते अणुत्तरे जाव केवलवरणाणदसणे समुप्पण्णे, तओ पच्छा सिद्धे जाव-  
प्पहीणे, तत्थ ण अहासनिहिएहिं देवेहिं सम्म आराहियतिकट्ठ दिव्वे मुरभिगघोदए  
घुट्ठे दसद्धवण्णे कुसुमे निवाडिए चेलुस्सेवे कए दिव्वे य गीयगधव्वणिणाए कए  
यावि होत्था । तए णं से कण्हे वासुदेवे कल्ल पाउप्पभायाए जाव जलंते ण्हाए  
सव्वालंकारविभूसिए हत्थिगधवरगए सको(रं)रेंटमल्लदामेण छत्तेण धरेज्जमाणेण  
सेयवरचामराहिं उद्धु(प्प)व्वमाणीहिं महया भड्चडगरपहकरवदपरिविस्सत्ते घा-रवइ  
नयारिं मज्झमज्जेण जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए ण से  
कण्हे वासुदेवे चारवईए नयरीए मज्झमज्जेण निग्गच्छमाणे ए(ग)क पुरिस पासइ  
जुण्ण जराजजरियदेह जाव (किलत) महडमहालयाओ इट्ठगरासीओ एगमेग इट्ठां  
गहाय वहिया रत्थापहाओ अतो गिह अणुप्पविसमाण पासइ, तए ण से कण्हे  
वासुदेवे तस्स पुरिसस्स अणुकपणट्ठाए हत्थिस्वधवरगए चेव एग इट्ठा गेण्हइ  
२ ता वहिया रत्थापहाओ अतो गिहं अणुप्पवेसेइ, तए ण कण्हेण वासुदेवेण एगाए  
इट्ठाए गहियाए समाणीए अणेगेहिं पुरिसमएहिं से महालए इट्ठस्स रासी  
वहिया रत्थापहाओ अतो घरंसे अणुप्पवेसिए, तए ण से कण्हे वासुदेवे चारवईए  
न-गरीए मज्झमज्जेण निग्गच्छइ २ ता जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागए  
२ ता जाव वदइ नमसइ व० २ ता गयसुक्कुमाल अणगारं अपासमाणे अरह अरिट्ठ-  
णेमिं वदइ नमसइ व० २ ता एव वयासी-कहि ण भते । से म-म सहोदरे कणीयसे  
भाया गयसुक्कुमाले अणगारे (१) जा(जण)ण अह वदामि नमसामि [१], तए ण अरहा  
अरिट्ठणेमी कण्ह वासुदेव एव वयासी-साहिए ण कण्हा । गयसुक्कुमालेण अणगारेण  
अप्पणो अट्ठे, तए ण से कण्हे वासुदेवे अरह अरिट्ठणेमिं एवं वयासी-कहण्ण  
(भंते ! ) गयसुक्कुमालेण अणगारेण साहिए अप्पणो अट्ठे १, तए ण अरहा अरिट्ठ  
णेमी कण्हं वासुदेवं एव वयासी-एव खल्ल कण्हा । गयसुक्कुमाले ण (अणगारे ण)  
मम कल्ल पुव्वावरण्हकालसमयसि वदइ नमसइ व० २ ता एव वयासी-इच्छामि  
णं जाव उवसपज्जित्ताण विहरइ, तए णं त गयसुक्कुमाल अणगारं एगे पुरिसे पासइ  
२ ता आसुस्से ५ जाव सिद्धे, तं एव खल्ल कण्हा । गयसुक्कुमालेण अणगारेण  
साहिए अप्पणो अट्ठे, तए ण से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी-  
(केस) से के ण भते । से पुरिसे अ पत्थियपत्थिए जाव परिवज्जिए (१) जे-ण मम  
सहोद(रं)रे कणीय(स)से भाय(रं)रे गयसुक्कुमा(ल)ले अणगा(रं)रे अकाले चेव

धीनिवाभो ववरोमिपु [१], तए नं अरुहा अरिद्धमेयी कण्डं वात्तरेवं एवं ववासी-  
मा (नं) कण्डा । तुमं तस्स पुरिस्सस्स पयोसग्गवज्जहि, एवं एव कण्डा । तेनं  
पुरिसेवं ववत्तुमाक्कस्स अन्नगारस्स साहिजे निब्बो कण्डं मति । तेनं पुरिसेवं  
गवत्तुमाक्कस्स नं सा(हे)हिजे निब्बो । तए नं अरुहा अरिद्धमेयी कण्डं वात्तरेवं  
एवं ववासी-से नूनं कण्डा । ममं तुमं पायवंपए हम्ममायक्कमायै वारवईए नव-  
रीए (ए) पुरिस्स पाससि जाव अणु-यमिसिपु, कण्डा नं कण्डा । तुमं तस्स पुरिस्सस्स  
साहिजे निब्बो एवमेव कण्डा । तेनं पुरिसेवं गवत्तुमाक्कस्स अन्नगारस्स अन्न-  
मवसक्कहस्ससंभियं कण्डं अरीरेमाजेवं ववत्तुमाक्कस्स साहिजे निब्बो तए नं  
से कण्डे वात्तरेवे अरुहा अरिद्धमेयी एवं ववासी-से नं मति । पुरिसे मए कण्डं  
वामियम्ये । तए नं अरुहा अरिद्धमेयी कण्डं वात्तरेवं एवं ववासी-जे नं कण्डा ।  
तुमं वारवईए नवरीए अणु-यमिसमायं पासेता ठिबए नेव ठिप्पेएवं कण्डं अरिस्सइ  
तण्णं तुमं वा(धि)मिजासि एव नं से पुरिसे तए नं से कण्डे वात्तरेवे अरुहा अरिद्ध-  
मेयी वंदइ ममंसइ नं २ ता केयेव वामिसे(वे)वं वरिवरव(वे)वं तेयेव उवायक्कइ  
२ तए हस्सि हु-स्सइ २ ता केयेव वारवई नवरी केयेव धए गिहे तेयेव पत्तारेव  
यमनाए, (तए नं) तस्स छेमिकमाक्कस्स कण्डं जाव कण्डे अयमेवास्स अ-अरिक्कए  
४ अणुप्पण्णे-एवं कण्ड कण्डे वात्तरेवे अरुहा अरिद्धमेयी वारवंपए विम्वए तं  
वायमेवं अरुहा निब्बाममेवं अरुहा एवमेवं अरुहा सि(द्ध)मेवं अरुहा  
ममिस्सइ कण्डस्स वात्तरेवस्स तं न गण्डा नं कण्डे वात्तरेवे ममं केमि हुम्पारेवं  
मावेस्सइतिक्कु भीए ४ अयाओ गिहाओ पडिमिक्कमइ, कण्डस्स वात्तरेवस्स  
वारवई नवरी अणु-यमिसमायस्स पुरब्बे सपमिक्क सपडिमिस्सि हम्मयामए, तए नं  
से छेमिके माहवै कण्डं वात्तरेवं अहसा पासेता भीए ४ ठि(ए)वए नेव ठिप्पेवं  
वावं करइ वरमि(त)तण्णं सपमिक्क वससि संविक्कपि, तए नं से कण्डे  
वात्तरेवे सोमिके माहवं पासइ २ तए एवं ववासी-एवं नं (धो) वेवजुप्पिवा । से  
सोमिके माहवं अ-अरिक्कपमिपए जाव पमिक्कए धी(नं)वं ममं उहोवरे कणीक्के  
मायरे गवत्तुमाके अन्नगारे अन्नके नेव धीनिवाभो ववरीमिपु[सि]तिक्कु सोमिकं  
माहवै पावेहिं कण्डवेइ २ ता तं भूमि पायिपुवं अम्मोक्कविइ २ तए केयेव धए  
गिहे तेयेव उवायए एवं गिहं अणु-यमिक्के, एवं कण्ड अणु । जाव अणुमस्स अणस्स  
अंतगवत्तुमं उवस्स वग्गस्स अणुमज्जवत्तुमं अणुमज्जे पण्णे ॥ १ ॥ नवमस्स  
(४) उवक्केअओ एवं कण्ड अणु । तेनं वात्तेवं तेनं समएवं वारवईए नवरीए अह  
एवमए जाव विहरइ, तए नं वारवईए-वत्तरेवे नार्म उया होत्ता वग्गओ तस्स

रस्स त उज्जलं जाव अहियासेमाणस्म सुमेण परिणामेण पसत्थज्झवसाणेण त(या)दा  
वरणिजाण कम्माण राएण कम्मरयनिकिरणकरं अपुव्वकरण अणु[र]पविट्ठस्स  
अणते अणुत्तरे जाव केवलवरणाणदमणे समुप्पण्णे, तओ पच्छा सिद्धे जाव-  
प्पहीणे, तत्थ ण अहासनिहिएहिं टेवेहिं सम्म आराहियतिकट्ठु दिव्वे सुरभिगघोदए  
बुट्ठे दसद्धवण्णे फुसुमे निवाडिए चेलुक्खेवे कए दिव्वे य गीयगधव्वणिणाए कए  
यावि होत्था । तए ण से कण्हे वासुदेवे कळ पाउप्पभायाए जाव जलते ण्हाए  
सव्वालकारविभूसिए हत्थियधवरगए सको(र)रेंटमल्लदामेण छत्तेण धरेज्जमाणेणं  
सेयवरचामराहिं उद्धु(प्प)व्वमाणीहिं महया भड्चडगरपहकरवदपरिक्खित्ते वारवइ  
नयरीं मज्झमज्जेण जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए ण से  
कण्हे वासुदेवे वारवइए नयरीए मज्झमज्जेण निग्गच्छमाणे ए(ग)क पुरिस पामइ  
जुण्ण जराजज्जरियदेह जाव (किलत्त) महइमहालयाओ इट्ठगरासीओ एगमेग इट्ठग  
गहाय बहियारत्थापहाओ अतोनिह अणुप्पविसमाण पासइ, तए ण से कण्हे  
वासुदेवे तस्स पुरिसस्स अणुकपणट्ठाए हत्थियधवरगए चेव एग इट्ठग गेण्हइ  
२ ता बहिया रत्थापहाओ अतोनिहं अणुप्पवेसेइ, तए ण कण्हेण वासुदेवेणं एगाए  
इट्ठगाए गहियाए समाणीए अणेगेहिं पुरिससएहिं से महालए इट्ठगस्स रासी  
बहिया रत्थापहाओ अतोधरंसि अणुप्पवेसिए, तए ण से कण्हे वासुदेवे वारवइए  
न-नारीए मज्झमज्जेण निग्गच्छइ २ ता जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागए  
२ ता जाव वदइ नमसइ व० २ ता गयसुकुमाल अणगारं अपासमाणे अरह अरिट्ठ  
णेमिं वदइ नमसइ व० २ ता एव वयासी-कहि ण भते ! से म-म सहोदरे कणीयसे  
भाया गयसुकुमाले अणगारे (?) जा(जण)ण अह वदामि नमसामि [?], तए ण अरहा  
अरिट्ठणेमी कण्ह वासुदेव एव वयासी-साहिए ण कण्हा । गयसुकुमालेण अणगारेण  
अप्पणो अट्ठे, तए ण से कण्हे वासुदेवे अरह अरिट्ठणेमिं एव वयासी-कहण्ण  
(भते ! ) गयसुकुमालेण अणगारेण साहिए अप्पणो अट्ठे ?, तए ण अरहा अरिट्ठ-  
णेमी कण्ह वासुदेव एव वयासी-एव खल्ल कण्हा । गयसुकुमाले ण (अणगारे ण)  
मम कळ पुव्वावरण्हकालसमयसि वदइ नमसइ व० २ ता एव वयासी-इच्छामि  
ण जाव उवसपज्जिताण विहरइ, तए णं त गयसुकुमाल अणगारं एगे पुरिसे पासइ  
२ ता आसुरस्से ५ जाव सिद्धे, त एवं खल्ल कण्हा । गयसुकुमालेण अणगारेण  
साहिए अप्पणो अट्ठे, तए ण से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एव वयासी-  
(केस) से के ण भते ! से पुरिसे अ पत्थियपत्थिए जाव परिवज्जिए (?) जे-णं मम  
सहोद(रं)रे कणीय(स)से भाय(रं)रे गयसुकुमा(ल)ले अणगा(रं)रे अकाले चेव

बीजिवालो बरुणेणिए [१], तए नं बरुणा बरिहुनेमी कण्ड बाहुदेव एवं बमासी-  
मा (५) कण्डा । हुमं तस्स पुरिघस्स परोधमागच्छहि एवं कण्ड कण्डा । तेनं  
पुरिघेनं गयल्लुमागस्स अन्धगारस्स छाहिजे विन्ने कण्डमं मते ! तेनं पुरिघेनं  
यल्लुमागस्स नं छाहिजे विन्ने ? तए नं बरुणा बरिहुनेमी कण्ड बाहुदेव  
एवं बमासी-से भूवं कण्डा । ममं हुमं पावर्णिए हन्वमागच्छमानि बारवर्णिए नय-  
रीए (एवं) पुरिसे पत्तसि बाव अलु-एपमिसिए, कण्डा नं कण्डा । हुमं तस्स पुरिघस्स  
छाहिजे विन्ने एवमेव कण्डा । तेनं पुरिघेनं गयल्लुमागस्स अन्धगारस्स जनेव-  
मवधमसइत्तसंनिवं कण्डं जरीरेमायेनं बल्लुममविजरावं छाहिजे विन्ने तए नं  
से कण्डे बाहुदेवे बरुणं बरिहुनेमि एवं बमासी-से नं मते ! पुरिसे नए कण्ड  
जालिबन्ने ! तए नं बरुणा बरिहुनेमी कण्ड बाहुदेव एवं बमासी-जे नं कण्डा ।  
हुमं बारवर्णिए नयरीए अलु-पमिसिमावे पावेता ठिगए नेव ठिग्गेएवं कण्डं करिस्सइ  
तण्णं हुमं जालिबन्ने एव नं से पुरिसे तए नं से कण्डे बाहुदेवे बरुणं बरिहु-  
नेमि वंइह कर्म्मसइ वं १ ता जेवेव जालिगे(वे)नं हतिवरय(ने)नं तेनैव उभावज्जइ  
१ ता हतिं हु-स्सइ १ ता जेवेव बारवर्णं नयरी जेवेव सए गिहं तेनैव पहारेव  
गमवाए, (तए नं) तस्स छेमिज्जमाहवस्स कण्डं बाव जण्डेते अक्खेमास्सं अ-अमरिए  
४ सुमुप्पत्ते-एवं कण्ड कण्डे बाहुदेवे बरुणं बरिहुनेमि पावर्णिए विम्वए तं  
नायमेवं बरुणा विन्वायमेवं बरुणा उयमेवं बरुणा सि(इ)हुमेवं बरुणा  
मविस्सइ कण्डस्स बाहुदेवस्स तं न जज्ज नं कण्डे बाहुदेवे मयं जेवजि हुम्भरेवं  
मारिस्सइतिअहु मीए ४ समाओ गिहाओ पविमिज्जमाह, कण्डस्स बाहुदेवस्स  
बारवर्णं नयरी अलु-पमिसिमागस्स पुराणे उपमिंअ उपविमिसि हन्वमागए, तए नं  
से छेमिजे माहने कण्डं बाहुदेवं सहसा पावेता मीए ४ सि(ए वं)नए नेव ठिग्गेवं  
कण्डं करिइ बरमि(त)तण्णं सज्जगेहिं वसति संमिबन्निए, तए नं से कण्डे  
बाहुदेवे छेमिजे माहने पात्तइ १ ता एवं बमासी-एव नं (मो) वेवाजुप्पिया । से  
छेमिजे माहने अ-अमरिवपरिवए बाव परिवन्निए जे(नं)नं ममं छण्डेवरे कपीवरे  
मात्तरे पमल्लुमागे अन्धगारे अक्खे नेव बीजिवालो बरुणेणिए[१]पिअहु छेमिजे  
माहने पावेहिं कण्डावेइ १ ता तं भूमिं पाविएवं अक्खेवज्जवेइ १ ता जेवेव सए  
गिहं तेनैव उभावए एवं गिहं अलु-पमिहे, एवं कण्ड कण्ड ! बाव अल्लुमस्स जयस्स  
अंतगइत्तणं तवस्स अन्धस्स अल्लुमज्जवस्स अक्खे पण्णते ॥ ६ ॥ अक्खमस्स  
(८) उक्खेवज्जो एवं कण्ड कण्ड ! तेनं कण्डेवं तेनं समएवं बारवर्णिए नयरीए कण्डा  
पहमए बाव गिहइ, तए नं बारवर्णिए-अक्खेवे नामे एया होत्ता वण्णो तस्स

ण वलदेवस्स रण्णो धारिणी-नाम देवी होत्था वण्णओ, तए ण सा धारिणी सीह सुमिणे जहा गोयमे नवरं सुमुहे नाम कुमारे पण्णास कण्णाओ पण्णासओ दाओ चोइम-पुव्वाइ अहिजइ वीस वामाई परियाओ सेस त चेव (जाव) सेत्तुओ सिद्धे निक्खेवओ । एव दुम्मुहे-वि कूव(दार)ए-वि, तिण्णिवि वलदेवधारिणीसुया, दारुए-वि एव चेव, नवर वा(व)सुदेवधारिणीसुए । एवं अणा(धि)दिट्ठी-वि वा-सुदेवधारिणीसुए, एव खलु जंबू । समणेण जाव सपत्तेणं अट्टमस्स अगस्स अतगडदसाणं तच्चस्स वग्गस्स तेरसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ७ ॥

### [ चउत्थो वग्गो ]

जइ ण भंते ! समणेण जाव सपत्तेण ( अ० ) तच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते चउत्थस्स ( ण भ० व० अ० स० जाव स० ) के अट्ठे पण्णत्ते ? एव खलु जंबू । समणेण जाव संपत्तेण चउत्थस्स वग्गस्स ( अ० ) दस अज्झयणा पण्णत्ता, त०-जालिमयालिउवया(लि)ली पुरिससेणे य वारिसेणे य । पज्जुणसवअणिरुद्धे सच्चणेमी य दढणेमी ( य ) ॥ १ ॥ जइ ण भते ! समणेण जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स ण ( भ० ) अज्झयणस्स ( स० जाव स० ) के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू । तेण कालेण तेण समएण वा-रवई ( णा० ) नयरी ( हो० ), तीसे जहा पढमे कण्हे वासुदेवे आहेवच्च जाव विहरइ, तत्थ णं वारवईए नगरीए वसुदेवे राया, [ तस्स ण वसुदेवस्स रण्णो ] धारिणी [ नाम देवी होत्था ] वण्णओ जहा गोयमो नवरं जालिकुमारे पण्णासओ दाओ वारसगी सोलस-वासा परियाओ सेस जहा गोयमस्स जाव सेत्तुओ सिद्धे । एव मया-ली उवया-ली पुरिससेणे य वारिसेणे य । एव पज्जुणे-वि-त्ति, नवरं कण्हे पिया रुपिणी माया । एव सवे-वि, नवरं जबवई माया । एव अणिरुद्धे-वि, नवरं पज्जुणे पिया वेदन्नी माया । एवं सच्चणेमी, नवरं समुहविजए पिया सिवा माया, ( एव ) दढणेमी-वि, सव्वे एगगमा, चउत्थ[स्स] वग्गस्स निक्खेवओ ॥ ८ ॥

### [ पचमो वग्गो ]

जइ णं भते ! समणेण जाव सपत्तेण चउत्थस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते पचमस्स ( णं भं० ) वग्गस्स अतगडदसाण समणेण जाव सपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एव खलु जंबू । समणेण जाव सपत्तेण पचमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, त०-‘पउमावई य गोरी गधारी लक्खणा सुसीमा य । जबव(ई)इसच्चभामा रुपिणिमूलसि(री)रिमूलदत्ता वि ॥ १ ॥’ जइ णं भंते ! [ समणेण जाव सपत्तेणं ] पंचमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा प० पढमस्स णं भते ! अज्झयणस्स-के

अङ्के ५ । एवं कष्टं कष्टं । तेन कष्टेन तेन समएव नारवई-नगरी-बहा पक्षमे  
 नाम कष्टे वासुदेवे आह्वयनं वाच निहरत्, तस्मै न कष्टस्व वासुदेवस्त पञ्चावई  
 म्(मी)म वेरी हो(ह)र्या कष्टयो तेन कष्टेन तेन समएव अरहा अरिष्टमेमी समेष्टे  
 वाच निहरत्, कष्टे वासुदेवे निम्नाए वाच पञ्चावई, तए न सा पञ्चाव(इ)ई  
 वेरी इमीसे कष्टाए कष्टा (समाप्ती) हत् । बहा वेरी वाच पञ्चावई, तए न अ-रहा  
 अरिष्टमेमी कष्टस्व वासुदेवस्त पञ्चावई (वे ) न कष्टाया परिता पक्षिमा  
 तए न कष्टे वासुदेवे अरहा अरिष्टमेमि नरह मनेसह न १ ता एवं कयासी-इमीसे  
 न मंते । नारवईए न-परीए-नबबोवर्ण ] वाच वेचयेगमूताए निम्नाए निभासे  
 मनिस्सह । कष्टाह । अरहा अरिष्टमेमी कष्टं वासुदेवं एवं कयासी-एवं कष्ट कष्टा ।  
 इमीसे वा-रवईए न-परीए-नबबोवर्ण-जाव ] भूताए हरमिरीवाक्यमूताए निभासे  
 मनिस्सह, (तए न) कष्टस्व वासुदेवस्त जग्यो अरिष्टमेमिस्स अंतिए ए(कम्)नं  
 सोवा निष्ठम् (न ) एवं अकमतिव ४-वर्णा न ते वाक्मिवाक्मि(उ )पुरिसेव-  
 वारिसेनपञ्चमसंभमिस्सवत्तेमिसवनेमिपमिवतो कुमारा ये न (विद्य) नष्टा  
 द्विरनं वाच वरिमा(ए)रहा जग्यो अरिष्टमेमिस्स अंतिवं हुंवा वाच पञ्चाव  
 अहन्ते अवन्ते अकमपुन्ये रजे न वाच अंतेउरे न मत्तस्सह ५ अममोनेष्ट सुष्ठिए  
 ४ नो संवापति जग्यो अरिष्टमेमिस्स वाच पञ्चावत्, कष्टाह । अरहा अरि-  
 ष्ठेमी कष्टं वासुदेवं एवं कयासी-से मूलं कष्टा । तव अवय-मतिव ४-वर्णा न  
 ते वाच पञ्चावत्, से मूलं कष्टा । अ(वय)ने सय्ते । ईता अस्ति तं नो कष्ट कष्टा ।  
 तं एवं मूर्त्तिं वा नमं वा मनिस्सह वा कष्टं वासुदेवा नष्टा द्विरनं वाच पञ्चा-  
 वत्संति से के-नं [अक्षिर्न मंते । एवं सुचर-न ए(र्व)मं मूलं वा वाच पञ्चा-  
 वत्संति । कष्टाह । अरहा अरिष्टमेमी कष्टं वासुदेवं एवं कयासी-एवं कष्ट कष्टा ।  
 सन्धि-मि न ये वासुदेवा पुन्यमये मि-वाचपडा से ए(ए)तेषादेवं कष्टा । एवं सुचर-न  
 एवं मूलं पञ्चावत्संति तए न से कष्टे वासुदेवे अरहा अरिष्टमेमि एवं कयासी-अई  
 न मंते । इ(मो)तो अममासे कष्टं विद्या कष्टं मनिस्सामि (१) कष्टं उवयमिस्सामि ।  
 तए न अ-रहा अरिष्टमेमी कष्टं वासुदेवं एवं कयासी-एवं कष्ट कष्टा । नारवईए न-परीए  
 हरमिरीवाक्य(कुमारा)देवनि(ह)रहाए अममापिइनिवयमिपुन्ये रामे(न)नं वय-  
 देवेनं सन्धि वाक्मिदेवाकि अमिमुहे ओ(रु)दिदिष्यामोवन्तं पंचवर्णं पंचपापं  
 पंचउच्युतानं पापं पंचमूर्त्तं संपत्तिव कोसंयवकमन्ये नमोहरपावकस्त आ(वे)हे  
 पुनमिस्सिअपए पीकस्तपपञ्चावत्सरीरे अ(र)रकुमारैर्न विरुकेनं कोरईमिपुन्यं  
 इत्वा वामे पा(मि)दे विडे समाये अममासे कष्टं विद्या तच्चाए वासुदेवमाए

पुढवीए उज्जलिए नरए नेरइयत्ताए उववज्जिहिसि, तए णं कण्हे वासुदेवे अरहओ  
 अरिट्ठणेमिस्स अतिए एयमट्ठ सोचा निसम्म ओहय-जाव झियाइ, कण्हाइ ।  
 अरहा अरिट्ठणेमी कण्ह वासुदेव एव वयासी-मा ण तुम देवाणुप्पिया । ओहय-नाव  
 झियाहि, एव खलु तुम देवाणुप्पिया । तच्चाओ पुढवीओ उज्जलियाओ अणंतरे  
 उव्वट्ठिता इहेव ज(वूदी)वुदीवे भारहे वासे आगमेसाए उस्सप्पिणीए पुडे(पुण्णे)सु  
 जणवएसु सयदुवारे धारसमे अममे नाम अरहा भविस्ससि, तत्य तुम वट्ठई  
 वासाइ केवलपरियाग पाउणेत्ता सिज्झिहिसि ५, तए ण से कण्हे वासुदेवे अरहओ  
 अरिट्ठणेमिस्स अतिए एयमट्ठ सोचा निसम्म हट्ठट्ठ ० अप्फोडेइ २ ता वगइ  
 २ ता तिबइ छिंदइ २ ता सीहणाय करेइ २ ता अरह अरिट्ठणेमि वदइ नमसइ  
 व० २ ता तमेव आ(अ)भिसेक्क ह(त्थिर०)त्थि दु-रुहइ २ ता जेणेव धारव-ई  
 नयरी जेणेव सए गिहे तेणेव उवागए अभिसेयहत्थिरयणाओ पचोरुहइ (०)  
 जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव सए सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ ता  
 सीहासणवरंसि पुरत्याभिमुहे निसीयइ २ ता कोडुवियपुरिसे सहावेइ २ ता  
 एव वयासी-गच्छइ ण तुम्हे देवाणुप्पिया । धारवईए नयरीए सिंघाडग[०]  
 जाव उवघोसेमाणा एवं वयह-एव खलु देवाणुप्पिया । धारवईए नयरीए-नव  
 जोयण-जाव-भूयाए सुरगिदीवायणमूलाए विणासे भविस्सइ, त जो ण देवाणु  
 प्पिया । इच्छइ वा-रवईए नयरीए राया वा जुवराया वा ईसरे तलवरे माड-  
 वियकोडुवियइन्भसेट्ठी वा देवी वा कुमारो वा कुमारी वा अरहओ अरिट्ठ  
 णेमिस्स अतिए मुंडे जाव पव्वइत्ताए त ण कण्हे वासुदेवे विसजेइ, पच्छातुर-  
 स्स-वि य से अहापवित्त विप्पि अणुजाणइ महया इ[ट्ठि]ष्टीसक्कारसमुदण य से  
 निक्खमणं करेइ, दोच्च पि तच्च पि घोसणय घोसेइ २ ता मम ए(यमाणत्ति)य  
 पच्चप्पिणइ, तए णं ते कोडुविय जाव पच्चप्पिणत्ति, तए ण सा पउमावई-देवी  
 अरहओ० अतिए धम्मं सोचा निसम्म हट्ठट्ठ[०] जाव हियया अरह अरिट्ठणेमि  
 वंदइ नमसइ व० २ ता एवं वयासी-सहहामि ण भत्ते । निग्गंथ पा(प)वयणं०  
 से जहेय तुम्हे वदइ ज नवरं देवाणुप्पिया । कण्ह वासुदेव आपुच्छामि, तए  
 ण अहं देवा० अतिए मुडा जाव पव्वयामि, अहासुह देवाणुप्पि० । मा पडि  
 बंध करे(हि)इ, तए णं सा पउमावई देवी धम्मिय जाणप्पवरं दुरुहइ २ ता जेणेव  
 धारवई-नयरी जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ ता धम्मियाओ जाणाओ  
 पचोरु(भ)हइ २ ता जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ ता करयल० अजलिं  
 कट्ठु (कण्ह वा०) एवं वयासी-इच्छामि ण देवाणुप्पिया । तुम्हेहिं अन्भणुण्णाया





जहा पउमावई तहा निग्गया धम्मकहा परिमा पडिगया, कण्हे-वि, तए गोरी जहा पउमावई तहा निम्सना जाव निद्धा ५ । एव ग(गां)धारी । लउ सुसीमा । जउवई । सचभामा । रुप्पिणी । अट्ट वि पउमाव[इ]इंगरिमाओ अज्झयणा ॥ १० ॥ ( न० ) तेणं कालेण तेण समएण वारवई[ए]रेवयए (प०) नंदणवणे (उ०) कण्हे०, तत्थ ण वारवईए नयरीए क वासुदेवस्स पु(त्तए)त्ते जववईए देवीए अत्तए सवे नाम कुमारे होत्था अह तस्म ण सवस्स कुमारस्स मूलसिरी-नाम भारिया होत्था वण्णओ, व समोसढे कण्हे निग्गए मूलसिरी-वि निग्गया जहा पउमावई ज नवर देवानुपि कण्ह वासुदेव आपुच्छामि जाव सिद्धा । एव मूलदत्ता-वि । पचमो वग्गो ॥ '

### [ छट्ठो वग्गो ]

जइ (ण भ०) छट्ठ(म)स्स उक्खेवओ नवरं सोलस अज्झयणा प०, 'म(म)काई किंक(म्)मे चेव भोग्गरपाणी य कासवे । खेमए धिइ(घ)हरे चेव वे हरिचदणे ॥ १ ॥ वारत्तसुदमणपुण्णभद्दसुमणभद्दसुपइट्ठे मेहे । अडमुत्ते अलम्बे अज्झयणाण [उ] तु सोलसय ॥ २ ॥' जइ सोलस अज्झयणा प पढमस्स अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते १ एव खलु जवू ! तेण कालेण समएण रायगिहे नगरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया (तत्थ ण) म-काई गाहावई परिवसइ अट्ठे जाव अपरिभूए, तेण कालेण तेण समएण समणे महावीरे आदिकरे गुणसिलए जाव विहरइ परिसा निग्गया, तए ण से म गाहावई इमीसे कहाए लद्धे जहा पण्णत्तीए गगदत्ते तहेव इमो(ऽ)वि जेट्ठपुत्त ठवेत्ता पुरिससहस्सवाहिणीए सीयाए निक्खत्ते जाव अणगारे जाए ईरियासमि तए ण से म-काई अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारुवाण इ अतिए सामाइयमाइयाइ एक्कारस अगाइ अहिजइ सेस जहा खदगस्स, गुण तवोक्कम्म सोलसवासाइ परियाओ तहेव वि(पु)उले सिद्धे । (दो० उ०) किंक एव चेव जाव वि-उले सिद्धे ॥ १२ ॥ (त० उ० ए० ख० ज०) तेण कालेण समएण रायगिहे (ण०) गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया चेळणा-देवी[वण्णओ], ण रायगिहे-अज्जुणए नाम मालागारे परिवमइ, अट्ठे[०] जाव अपरिभूए, तस्स अज्जुणयस्स मालायारस्स वधुमई-नाम भारिया होत्था सूमा०, तस्स ण अ यस्स मालायारस्स रायगिहस्स नयरस्स वहिया एत्थ ण मह एगे पुप्फा होत्था कि(क)ण्हे जाव नि(कु)गुउरंवभूए दसद्धवण्णकुसुमकुसुमिए पासाईए तस्स ण पुप्फारामस्स अदूरसामत्ते तत्थ ण अज्जुणयस्स माला(गा)यारस्स अ



जहा पउमावई तहा निगगया धम्मकहा परिसा पडिगया, कण्हे-वि, तए ण सा गोरी जहा पउमावई तहा निक्खता जाव सिद्धा ५ । एव गं(गां)धारी । लक्खणा । सुसीमा । जववई । सच्चमामा । रुप्पिणी । अट्ट वि पउमाव[इ]ईसरिसाओ अट्ट अज्झयणा ॥ १० ॥ ( न० ) तेण कालेण तेण समएण वारवई[ए]नयरीए रेवयए (प०) नंदणवणे (उ०) कण्हे०, तत्थ ण वारवईए नयरीए कण्हस्स वासुदेवस्स पु(तए)त्ते जववईए देवीए अत्तए सबे नाम कुमारे होत्था अहीण०, तस्स ण सबस्स कुमारस्स मूलसिरी-नाम भारिया होत्था वण्णओ, अरहा-समोसढे कण्हे निगगए मूलसिरी-वि निगगया जहा पउमावई ज नवरं देवाणुप्पिया । कण्ह वासुदेवं आपुच्छामि जाव सिद्धा । एव मूलदत्ता-वि । पचमो वग्गो ॥ ११ ॥

### [ छट्ठो वग्गो ]

जइ (ण भ०) छट्ठ(म)स्स उक्खेवओ नवरं सोलस अज्झयणा प०, त०-  
 'म(म)काई किं(म्)मे चेव मोग्गरपाणी य कासवे । खेमए धिइ(ध)हरे चेव केलासे हरिचदणे ॥ १ ॥ वारत्तसुदसणपुण्णभइसमणभइसुपइट्ठे मेहे । अइमुत्ते अ[ह] अलक्खे अज्झयणाण [उ] तु सोलसय ॥ २ ॥' जइ सोलस अज्झयणा प०[०] पढमस्स अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? एव खल्लु जबू ! तेण कालेण तेण समएणं रायगिहे नगरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया (तत्थ ण) म-काई-नाम गाहावई परिवसइ अट्ठे जाव अपरिभूए, तेण कालेण तेण समएणं समणे भगवं महावीरे आदिकरे गुणसिलए जाव विहरइ परिसा निगगया, तए णं से म-काई गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे जहा पण्णत्तीए गगदत्ते तहेव इमो(S)वि जेट्ठपुत्त कुड्डवे ठवेत्ता पुरिससहस्सवाहिणीए सीयाए निक्खंते जाव अणगारे जाए ईरियासमिए०, तए णं से म-काई अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारुव्वाणं धेराण अतिए सामाइयमाइयाई एक्कारस अगाइ अहिज्जइ सेस जहा खंदगस्स, गुणरयण तवोक्कम्म सोलसवासाइ परियाओ तहेव वि(पु)उळे सिद्धे । (दो० उ०) किंकमे-वि एव चेव जाव वि-उळे सिद्धे ॥ १२ ॥ (त० उ० ए० ख० ज०) तेण कालेण तेण समएणं रायगिहे (ण०) गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया चेल्हणा-देवी[वण्णओ], तत्थ ण रायगिहे-अज्जुणए नाम मालागारे परिवसइ, अट्ठे[०] जाव अपरिभूए, तस्स ण अज्जुणयस्स मालायारस्स बधुमई-नाम भारिया होत्था सुमा०, तस्स ण अज्जुण-यस्स मालायारस्स रायगिहस्स नयरस्स बहिया एत्थ णं मह एगे पुप्फारामे होत्था कि(क)ण्हे जाव नि(कु-गु)उरंबभूए दसद्धवण्णकुसुमकुसुमिए पासाईए ४, तस्स ण पुप्फारामस्स अदूरसामंते तत्थ ण अज्जुणयस्स माला(गा)यारस्स अज्जय-

पञ्चमपिहपञ्चमायम् अनेगपुत्रपुरिषपरिपरायम् मोमरपायिस्स अकन्हास्स अकन्हा-  
 दयमे होत्वा, तत्त्वं नं मोमरपायिस्स पविमा एयं यद् पञ्चमहस्सविष्णुर्न  
 अमोमय मोमरं यद्वा निष्ठु, तत्त्वं नं से अञ्जुपम् मात्मगारं वात्सप्यमिहं येव  
 मोमरपायिअकन्हा(स्स)मते वामि होत्वा अकन्हापि(विष्णु)वि(मा)यपिअगार्दं नेवह  
 १ ता रावगिह्मयो न-वरायो पविमिअकन्हा १ ता जेनेव पुण्डरामे तेनेव उवा-  
 यच्छ १ ता पुण्डरयं करेह १ ता अम्माई वराई पुण्डरं गहाह १ ता  
 जेनेव मोमरपायिस्स अकन्हादयमे तेनेव उवागच्छ १ ता मो(मु)मरपायिस्स  
 अकन्हास्स महर्हि पुण्डरयनं करेह १ ता अञ्जुपाय(व)पवि पचामं करेह, तन्मे  
 पञ्चा रावममोति विधि कपोमाये विहाह, तत्त्वं नं रावमिहे नवरे कविमा  
 मामं गेह्मं परिअह अहर्हि ] जाव अपरिअ-वा)ता अकन्हादय वामि होत्वा तत्त्वं  
 नं रावमिहे न-वरे अकन्हा कमाह पपो(ए)दे पुते वामि होत्वा तत्त्वं नं से अञ्जुपम्  
 मात्मगारे कर्त्तं पमूअ(ए)रेहि पुण्डेहि अकन्हापिअह पञ्चमहस्सममंति वंहु  
 मईए मारिवाए सद्धि प-रिअविअवाई नेवह १ ता रावमो विहाये पवि  
 मिकन्हा १ ता रावमिहं न-वरे अकन्हादयं निगच्छ १ ता जेनेव पुण्ड-  
 रामे तेनेव उवागच्छ १ ता वंहुमईए मारिवाए सद्धि पुण्डरयं करेह, तत्त्वं  
 नं सीसे उक्किवाए गोह्मिहं उ गोह्मिहं पुरिअ जेनेव मोमरपायिस्स अकन्हास्स  
 अकन्हादयमे तेनेव उवागया अमिअममा विह्विहि तत्त्वं नं से अञ्जुपम् मात्म  
 गारे वंहुमईए मारिवाए सद्धि पुण्डरयं करेह ( ) अम्माई वराई पुण्डरं महाम  
 जेनेव मोमरपायिस्स अकन्हास्स अकन्हादयमे तेनेव उवागच्छ, तत्त्वं नं-उ  
 योह्मिहं पुरिअ अञ्जुपम् मात्मगारं वंहुमईए मारिवाए सद्धि एजमानं पासंति  
 १ ता अकन्हायं एयं वजाही-एयं नं वेवाअुप्पिमा । अञ्जुपम् मात्मगारे वंहु-  
 मईए मारिवाए सद्धि इयं इयमाअच्छ तं सेवं अह्म वेवअुप्पिमा । अम्माई  
 अञ्जुपम् मात्मगारे अह(उ)ओह्वनं वचनं करेता वंहुमईए मारिवाए सद्धि  
 विअवाई मोयमोपाई मुक्कमानं विहरितए-तिअहु एयमं अकन्हास्स पवि-  
 ह्वेति १ ता कमाईतरेह विह्वेति निवसा निष्कया तुतिप्पिमा पच्छन्ना  
 विह्वेति तत्त्वं नं से अञ्जुपम् मात्मगारे वंहुम(ईए)इमारिवाए सद्धि जेनेव मोमर  
 पायिअकन्हादयमे तेनेव उवागच्छ ( ) आओए पचामं करेह ( ) महर्हि पुण्ड-  
 रयं करेह ( ) अञ्जुपायपवि पचामं करेह, तत्त्वं नं-उ यो(हि)हिमा पुरिअ अक-  
 न्हास्स वजाईतरेहो निगच्छति १ ता अकन्हायं मात्मगारं नेवहति १ ता  
 अकन्हा(ग)ममं वचनं करेति ( ) वंहुमईए मात्मगारिए सद्धि नि-उकम् मोयमोपाई

जहा पउमावई तहा निग्गया धम्मकहा परिसा पडिगया, कण्हे-वि, तए ण सा गोरी जहा पउमावई तहा निक्खता जाव सिद्धा ५ । एव ग(गा)धारी । लक्खणा । सुसीमा । जववई । सच्चभामा । रुप्पिणी । अट्ठ वि पउमाव[इ]ईसरिसाओ अट्ठ अज्झयणा ॥ १० ॥ ( न० ) तेण कालेण तेण समएण वारवई[ए]नयरीए रेवयए (प०) नंदणवणे (उ०) कण्हे०, तत्थ ण वारवईए नयरीए कण्हस्स वासुदेवस्स पु(तए)त्ते जववईए देवीए अत्तए संवे नाम कुमारे होत्था अहीण०, तस्स ण सवस्स कुमारस्स मूलसिरी-नाम भारिया होत्था वण्णओ, अरहा-समोसढे कण्हे निग्गए मूलसिरी-वि निग्गया जहा पउमावई ज नवरं देवाणुप्पिया । कण्ह वासुदेव आपुच्छामि जाव सिद्धा । एवं मूलदत्ता-वि । पचमो वग्गो ॥ ११ ॥

### [ छट्ठो वग्गो ]

जइ (ण भं०) छट्ठ(म)स्स उक्खेवओ नवरं सोलस अज्झयणा प०, त०-  
 'म(म)काई किं(म्)मे चेव मोग्गरपाणी य कासवे । खेमए धिइ(ध)हरे चेव केलासे हरिचंदणे ॥ १ ॥ वारत्तमुदसणपुण्णभइसुमणभइसुपइट्ठे मेहे । अइमुत्ते अ[ह] अलक्खे अज्झयणाण [उ] तु सोलसय ॥ २ ॥' जइ सोलस अज्झयणा प०[०] पढमस्स अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? एव खलु जवू ! तेण कालेण तेण समएण रायगिहे नगरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया (तत्थ ण) म-काई-नाम गाहावई परिवसइ अट्ठे जाव अपरिभूए, तेण कालेण तेण समएण समणे भगवं महावीरे आदिकरे गुणसिलए जाव विहरइ परिसा निग्गया, तए ण से म-काई गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे जहा पण्णत्तीए गगदत्ते तहेव इमो(S)वि जेट्ठपुत्त कुड्डवे ठवेत्ता पुरिससहस्सवाहिणीए सीयाए निक्खंते जाव अणगारे जाए ईरियासमिए०, तए णं से म-काई अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहाल्लाण थेराण अतिए सामाइयमाइयाई एक्कारस अगाइ अहिज्जइ सेसं जहा खदगस्स, गुणरयण तवोक्कम्म सोलसवासाइ परियाओ तहेव वि(पु)उले सिद्धे । (दो० उ०) किंके-वि एव चेव जाव वि-उले सिद्धे ॥ १२ ॥ (त० उ० ए० ख० ज०) तेण कालेण तेण समएण रायगिहे (ण०) गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया चेल्लणा-देवी[वण्णओ], तत्थ णं रायगिहे-अज्जुणए नाम मालागारे परिवसइ, अट्ठे[०] जाव अपरिभूए, तस्स ण अज्जुणयस्स मालायारस्स वधुमई-नाम भारिया होत्था सूमा०, तस्स ण अज्जुण-यस्स मालायारस्स रायगिहस्स नयरस्स वहिया एत्थ णं मह एगे पुप्फारामे होत्था कि(क)ण्हे जाव नि(कु-गु)उरंबभूए दसद्धवण्णकुसुमकुसुमिए पासाईए ४, तस्स णं पुप्फारामस्स अदूरसामत्ते तत्थ ण अज्जुणयस्स माला(गा)यारस्स अज्जय-



भुजमाणा विहरंति, तत्र णं तस्म अज्जुणयस्स मालागारस्स भयमज्जुणिण १ (१०),  
 एतं नत्त अह माउप्पमिड नेव मोग्गरपाणिस्स भगवतो कणाकं जाय सपेमां  
 विहरामि, तं जड णं मोग्गरपा(णि)णी जक्को इह भंमिडिण हाने मे व । मम  
 एगाम्मे आवडं पावत्तामाण पाप्मेते १, तं नत्ति णं मोग्गरपा णी जक्को इह भंमि  
 णिण, सुव्वत्त तं एम गट्ठे, तए णं मे मोग्गरपा णी जक्को अज्जुणयस्स मालागारस्स  
 अयमेगाम्मे अ-व्वभलिय जाय णिणा(णि)णिता अज्जुणयस्स मालागारस्स मरीत्य  
 अणु पविगइ २ ता तउत्तवत्तस्स वभाइ छिइड, [छिइता] न पणमहस्समिण्ण  
 अयोमग मोग्गरं गेण्ठ २ ता ते इत्थिमत्तमे पुरिसे पाएमाणे विहरइ, (तए णं) रायगिहे  
 मालागारे मोग्गरपाणिगा जक्केण अण्णाइहे ममाणे रायगिहस्स न-नरस्स  
 परिपेरंतेण कणाकं छ इत्थिमत्तमे पुरिसे पाएमाणे विहरइ, (तए णं) रायगिहे  
 नयरे सिंघाउग-जाव महापदपदेय बहुजणो अग्गमग्गस्स एवमाइक्खइ ४-एतं  
 गलु देवाणुप्पिया । अज्जुण मालागारे मोग्गरपाणिगा अण्णाइहे ममाणे राय-  
 गिहे नयरे बहिया छ इत्थिमत्तमे पुरिसे पा(य)एमाणे विहरइ, तए णं मे  
 सेणिए राया इमीसे क्खए ल्ळेहे ममाणे गोउविय० महावेइ २ ता एव  
 वयासी-एवं गलु देवाणुप्पिया । अज्जुण मालागारे जाव पाएमाणे जाव विह-  
 रइ तं मा ण तुब्बे केइ कट्ठस्स वा तगस्स वा पाणियस्स वा पुण्णकल्लान वा  
 अट्ठाए सइर निग्गच्छउ मा ण तस्स मरीरस्स जावथी भत्तिस्सदत्तिक्खु दोनं पि  
 तयं-पि घोसणयं घोसेह २ ता गिप्पामेव मगेयं पचण्णिणइ, तए णं ते कोउं-  
 विय[०] जाव पणप्पिणंति, तत्थ ण रायगिहे न-नरे सुदसणे नामं मेट्ठी परि-  
 वसइ अट्ठे०, तए णं से सुदसणे ममणोवागए यावि होत्या अभि(म)गय-  
 जीवाजीवे जाव विहरइ, तेण कालेण तेण समएण ममणे भगव जाव मनो-  
 सडे [०] विहरइ, तए णं रायगिहे न-नरे सिंघाउग० बहुजणो अग्गमग्गस्स  
 एवमाइक्खइ जाव किमग पुण त्रिपुलस्स अट्ठस्स गहणयाए [०] एव तस्स  
 सुदसणस्स बहुजणस्स अतिए ए-य गोवा निग्गम्म अय अ-व्वभलिय ४-एव  
 खलु समणे जाव विहरइ त गच्छामि ण [०] वदामि०, एव सपेहेइ २ ता  
 जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ ता करयल० अज्जलिं कट्ठ एवं  
 वयासी-एवं खलु अम्मयाओ । समणे जाव विहरइ त गच्छामि ण समणं  
 भगवं महावीरं वदामि नमसामि जाव पज्जुवासामि, तए णं (तं) सुदंसण सेट्ठि  
 अम्मापियरो एव वयासी-एव खलु पुत्ता । अज्जु(णे)णए मालागारे जाव पाएमाणे  
 विहरइ, तं मा ण (तुम) पुत्ता । समण भगव महावीर वंदए निग्गच्छाहि, मा णं

एव सरीरयस्स वत्तत्ती मत्तिस्सह, तुमणं इहणए नेव समणं भयणं महावीरं  
 वंहाहि वमंसाहि, तए नं छुंसये सेट्ठी अम्मापि(तरो)मरं एवं वयासी-विण्णं(तुमं)  
 अहं अम्मयाओ ! समणं मयणं महावीरं उहमागवं इह-यत्तं इह समोसवं इहणए नेव  
 वत्तिस्सामि(व) ! तं पण्डितामि नं अहं अम्मयाओ ! तुमोहं अम्मपुत्त्याए  
 समाने (स) मयणं महावीरं वं(हा वाव प)एए, तए अं-सुरंस(व)नं  
 सेट्ठी अम्मापितरो जाहे नो संचा(वी)एत्ति वहुहिं आपवणाहिं ४ जाव पस-  
 नेएए ताहे एवं वयासी-अहत्तुं तए नं से छुंसये अम्मापिहं अम्मपु-  
 त्त्याए समाने ज्हाए छुट्पावेसाई जाव सरीरे समानो पिह्माओ पठिनिक्क-  
 मइ १ ता पावनेहारवारये रजविहिं नगरं मय्जमज्जेनं निमाच्छइ १ ता  
 मोम्मरपायिस्स वत्तत्तस्स वत्तत्ताययस्स अचुरसाम्पितेवं जेयेव पुण्डितए  
 वज्जाने जेयेव समने भयणं महावीरे तेयेव प(पा)हारेत्थ वमणाए, तए नं  
 से मोम्मरपायी वक्खे छुंसवं समनोवासरं अचुरसाम्पितेवं बीहवयमारं (१)  
 पासइ १ ता आसुरते ५ तं पम्पहस्सविण्णं अयोमवं मोम्मरं उज्जहेमाये  
 १ जेयेव छुंसये समनोवासरं तेयेव पहारेत्थ वमणाए, तए नं से छुंसये  
 समनोवासरं मोम्मरपायि वक्खं एजमारं पासइ १ ता अनीए अतत्ते  
 अलुम्भिको अक्खमिए अक्खिए असेमति वत्(वए)वतिवं मुमिं पम्पइ १ ता कर  
 दक्क एवं वयासी-नमोइत्तु नं अरुंतावं जाव संपत्तावं नमोइत्तु नं सम-  
 पत्तं जाव संपत्तिक्कम्मस्स पुमिं (व) पि नं मए समवस्स भयणं महा  
 वीरस्स अंतिए मूक्कए पावाइवाए पक्कवाए जावजीवाए कूक्कए सुवावाए वल्हए  
 अविण्णादावे सदासंतेसे कए जावजीवाए इच्छापरेयावे कए जावजीवाए, तं  
 इहानि-पि नं तस्सेव अतिवं सणं पावाइवावं पक्कवामि जावजीवाए ( )  
 सुवावावं ( ) अरुतावावं ( ) मेहुवं ( ) परिमाई पक्कवामि जावजीवाए सणं  
 कोइ जाव मिक्कअरंसणसं पक्कवामि जावजीवाए सणं अचणं पानं आइसे चाइसे  
 चउमिहं-पि जाहारं पक्कवामि जावजीवाए, अइ नं एत्ते सवसमान्ने छुवि  
 स्सामि तो मे कएयेइ पारेतए अइ नो एत्ते सवसमान्ने (व) सुविस्सामि तन्ने  
 मे तहा पक्कवाए नेवपिअहु सागारं पठिमं पठियअइ । तए नं से मोम्मर  
 पा-यी वक्खे तं पम्पहस्सविण्णं अयोमवं मोम्मरं उज्जहेमाये १ जेयेव  
 छुंसये समनोवासरं तेयेव वयास(व)ए नो नेव नं संचाएइ छुंसये समनो-  
 वासरं तेक्का समपिपठितए, तए नं से मोम्मरपायी-वक्खे छुंसवं समनो-  
 वासरं सण्णं समेताओ पारेयोहेमाये १ जाहे नो [नेव नं] संचाएइ छुं



मग समगोवागय तेगया मगभिषट्ठिण्ण तादे पुग्गमस्स मगणोत्तामयस्स  
 पुरओ मपक्किं मपट्ठिदिमिं ठिप्पा पुग्गमण समणोत्तामय अणिमिमाण दिट्ठीए  
 गुचिर निरिक्खइ २ ता अज्जुणयस्स मायागारस्स मगीरं पिणज(हा)दइ २ ता  
 तं पलसहस्समणिप्पण्ण अयोमय गोमय महाग जामेय पिंभ पाठम्भूण तागेय  
 दिउ पडिगए, तए ण से अज्जुणए मायागारे गोमयपाणिग जफरेण विप्प(ज०)  
 मुक्क समाने घगत्ति धरणिमल्लि सव्वागेहिं (भं)विचट्ठिण्ण, तए ण से मुदग्गे  
 समणोवागए निग्गमग्गमित्तिकट्ट पडिम पारेइ, तए ण से अज्जुणए मालागारे  
 त(ओ)तो मुहत्ततरेण आरात्थे समाने उट्ठेइ २ ता उदग्गण समणोवागय एव  
 वयासी-तुब्भे ण देवाणुप्पिया । के कहिं या सुपत्थिया ?, तए ण से मुदग्गे  
 समणोवागए अज्जुणय मालागारं एव वयासी-एवं गलु देवाणुप्पिया । अहं  
 मुदग्गे नामं समणोवागए अभिगयजीवार्जावे गुणसिल्ल उज्जाणे समग भगव  
 महावीरं वदए सपत्तिण्ण, तए ण से अज्जुणए मालागारे उत्तरा समणो  
 वासय एव वयासी-त इच्छामि ण देवाणुप्पिया । अहमपि तुमए सद्धिं समग  
 भगव महावीर उ(दे)दिताए जाव पज्जुवा(से)त्तिण्ण, अहागुह देवाणुप्पिया ।  
 मा पडिवध करेइ, तए ण से मुदग्गे समणोवागए अज्जुणएण मालागारेण  
 सद्धिं जेणेव गुणसिल्ल उज्जाणे जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवा-  
 गच्छइ २ ता अज्जुणएण मालागारेण सद्धिं समग भगव महावीरं तिक्खुतो  
 जाव पज्जुवासइ, तए ण [से] समणे भगवं महावीरे पुग्गमस्स समणोवाग-  
 यस्स अज्जुणयस्स मालागारस्स तीसे य० धम्मरुहा०, मुदग्गे पडिगए ।  
 तए ण से अज्जुणए [मालागारे] समणस्स भगवओ महावीरस्स अति(ए)य धम्म  
 सोच्चा [निसम्म] इट्ठ० सद्धामि ण भत्ते । निग्गय पावयण जाव अब्बुट्ठेमि,  
 अहागुह०, तए ण से अज्जुणए मालागारे उत्तर० सयमेव पंचमुट्ठिय लोय  
 करेइ [करिता] जाव अणगारे जाए जाव विहरइ, तए ण से अज्जुणए अण  
 गारे ज चेव दिवस मुडे जाव पव्वइए त चेव दिवस समण भगव महावीरं  
 वदइ नमसइ व० २ ता इम एयारुवं अभिग्गहं उ(ग्गे ओगे)निग्गहइ-कप्पइ ने  
 जावजीवाए छट्ठछट्ठेण अणिकित्तेण तवोक्कमेण अप्पाण भावेमाणस्स विहरित्तए  
 त्तिकट्ट अयमेयारुव अभिग्गह ओगेण्हइ २ ता जावजीवाए जाव विहरइ,  
 तए ण से अज्जुणए अणगारे छट्ठक्खमणपारणयसि पढ(म)माए पोरिसीए सज्झाय  
 करेइ जहा गोयमसामी जाव अढ(विहर)इ, तए ण त अज्जुणय अणगारं  
 रायगिहे नयरे उक्ख<sup>१</sup> अहमाण वहवे इ(त्थिया)त्थीओ य पुरिसा य



सत्तावीस वासा परियाओ विपुले सिद्धे १३ । एव मेहे पि गाहावडे रायगिहे नयरे  
 वहुडं वासाइ परियाओ विपुले सिद्धे १४ ॥ १४ ॥ (उ० प० अ० ए० व० ए०  
 स० ज०) तेण कालेण तेणं ममएणं पोलासपुरे न-गरे सि-रिवणे उज्जाणे, तत्थ ण  
 पोलासपुरे नयरे विजये नाम राया होत्या, तस्स णं विजयस्स रण्णो सिरी  
 नाम देवी होत्या वण्णओ, तस्म ण विजयस्स रण्णो पुत्ते सिरीए देवीए  
 अत्तए अइमुत्ते नाम कुमारे होत्या सू-माले[०], तेण कालेण तेणं समए  
 समणे भगव महावीरे जाव सि-रिवणे विहरइ, तेण कालेण तेण समएणं  
 समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अतेवासी इंदभू(ई)ती जहा पण्णत्तीए जाव  
 पोलासपुरे नयरे उच्च-जाव अउइ, इम च ण अइमुत्ते कुमारे ण्हाए सव्वा  
 लकारविभूतिए चहुहिं दारए[हिं]हिं य दारिया-हिं य डिमएहिं य डिभियाहिं  
 य कुमारएहिं य कुमारियाहिं य सद्धिं सपरिवुडे स(या)ओ गिहाओ पडिणिक्ख  
 मइ २ ता जेणेव इदद्वाणे तेणेव उवागए तेहिं चहुहिं दारएहिं य ६ सपरि  
 वुडे अभिरममाणे २ विहरइ, तए णं भगव गोयमे पोलासपुरे न-यरे उच्च  
 जाव अढमाणे इंदद्वाणस्स अदूरसामतेणं वीईवयइ, तए ण से अइमुत्ते कुमारे  
 भगव गोयम अदूरसामतेण वीईवयमाण पासइ २ ता जेणेव भगव गोयमे  
 तेणेव उवागए २ ता भगवं गोयम एव वयासी-के णं भते । तुब्भे ? किं  
 वा अडह ? , तए ण भगव गोयमे अइमुत्त कुमारं एव वयासी-अम्हे णं  
 देवाणुप्पिया ! समणा निग्गंथा ईरियासमिया जाव वभयारी उच्च जाव अढामो,  
 तए णं अइमुत्ते कुमारे भगव गोयम एव वयासी-एह ण भते ! तुब्भे  
 (जेणेव) जा ण अहं तु(ह)ब्भ भिक्ख दवावेमीतिकट्ठु भगव गोयम अगु  
 लीए गेण्हइ २ ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागए, तए ण सा सि-रिदेवी  
 भगव गोयम एज्जमाण पासइ २ ता इट्ठ० आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ ता  
 जेणेव भगव गोयमे तेणेव उवागया भगव गोयमं तिक्खुत्तो आयाहि-णपयाहि०  
 वदइ० विठलेग असण० जाव पडिविसज्जेइ, तए ण से अइमुत्ते कुमारे  
 भगवं गोयम एव वयासी-कहिं णं भते ! तुब्भे परिवसह ? , तए ण  
 [से] भगवं गोयमे अइमुत्त कुमारं एवं वयासी-एव खल्ल देवाणुप्पिया ! मम  
 धम्मायरिए धम्मोवएसए भगव महावीरे आइगरे जाव सपाविउकामे इहेव  
 पोलासपुरस्स न-गरस्स वहिया सिरिवणे उज्जाणे अहापडिरुवं उगगह उगि-  
 ण्हित्ता सजमेण जाव भावेमाणे विहरइ, तत्थ ण अम्हे परिवसामो, तए ण  
 से अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयम एव वयासी-गच्छामि ण भते ! अह

बहुरा य महत्तमं न कुमाया न एवं क्वासी-इमे-न मे पिता-मा(र)सिपु [माता  
 मारि-या] भाया अगिणी मज्जा पु(त)ते पूसा कुम्हा इमेय मे अन्व-  
 परे सक्कसंबन्धिपरिवारे मारिपतिरुद्धु अप्येगइया अक्षोसंति अप्येगइया हीलंसि  
 निरंसि सिंसंति वरिंसि तन्नेंसि तांसेंसि तपु न्नेंसे अजुवपु अय्यारे तेहिं  
 वड्ढिं इत्थीहिं य पुरिसेहिं य उहरेहिं य मज्झीहिं न कुमानपुहिं न आ-तो-  
 -सिज्जमाये वाव तांसेज्जमाये तेहिं मयसा-नि अपठस्समाये सुम्मे उहइ  
 सुम्मे कमइ तिठिक्कइ अहिंवासेइ सुम्मे उहमाये राययिहे नवरं उवप्योम-  
 मन्निस्सकुम्माइ अज्जमाये अइ मत्तं उ-इह तो पार्थ न कमइ अइ पार्थ तो मत्तं न  
 कमइ, तपु न्नेंसे अजुवपु (अ) अवीये अमिमि अज्जुसे अवाएके अमिआ(इ)पी  
 अपठित्तव्येणी अउइ १ ता एवमिह्वाओ न-गराओ पठिमिक्कमइ २ ता  
 केदेव पुनसिक्कपु उज्जाने केदेव सुम्मे मयसं महावीरे अहा मयमसानी वाव  
 पठिरेहिं २ ता सुम्मेने मयसवा महावीरेने अय्यपुज्जाए अजुवपु ४  
 विठ्ठमि पण्णयमूए अय्यायेनं उमाहारं आहारेइ, तपु न्नें सुम्मे मयसं  
 महावीरे अज्जमा (क) एव पठिमिक्कमइ २ ता वहिं अय्य निहए, तपु न्नेंसे  
 अजुवपु अय्यारे तंनं ओ(उ)राकेने (मि) पवसेइ अय्यइएनं महासुमारोने तरे-  
 क्कमेने अय्याने भावेमाणि वहुपुण्णे सुम्मासे सामन्वपरिवारी पावसइ, [पाठ  
 मित्ता] अज्जमासिवाए उंकेइवाए अय्याने अ[ह]सिइ [२ ता] पीठं मत्तं अज्जमाए  
 केदेइ २ ता अस्सउए वीरइ वाव सिदे १ ३ ११ ७ (अ व अ ए ए वं )  
 तेनं अकेने तेनं सुम्मेने एवमिहे न-वरं पुनसिक्कपु उज्जाने (ताव न्नें) सेविपु  
 एवमिहे नामं गाहावई परिकसइ अहा म-अई, छेक्क वासा परिवारो  
 सिपुके सिदे ४ । एवं केमए-उ-नि गाहावई, नवरं अ(पी)यपी नदरी छेक्क  
 वासा परिवारो सिपुके पण्णए सिदे ५ । एवं विइहरे-नि गाहावई अ(मी)यपीए  
 मवरीए सोमस वासा परिवारो (वाव) सिपुके सिदे ६ । एवं केमसे-नि गाहा  
 वई नवरं उमेए नवरं वारस-वासाई परिवारो सिपुके सिदे ७ एवं इति  
 चंदने-नि गाहावई उाएए वारस-वासा परिवारो सिपुके सिदे । एवं वारताए-नि  
 पहावई नवरं राययिहे न-वरं वारस-वासा परिवारो सिपुके सिदे ९ । एवं  
 उंउने नि गाहावई नवरं वासिअ[व]यागे नवरं वहुपण्णसए उज्जाने पंच-वासा  
 परिवारो सिपुके सिदे १ । एवं पुण्णगी-नि गाहावई वासिअ-यामे नवरं पंच  
 वासा परिवारो सिपुके सिदे ११ । एवं सुम्भगी-नि गाहावई सावलीए नवरीए  
 वहुवा(स-छा)वाई परि सिदे १२ । एवं उपाठी-नि गाहावई सावलीए नवरीए

से परो पाए आमजिज बा पमजिज बा नो तं सायए नो तं नियमे  
 पादाई सबाहेज बा पस्मिहिज बा नो तं सायए नो तं नियमे  
 पादाई फुसेज बा रएज बा नो तं सायए नो तं नियमे सिवा है -  
 तेहेज बा घएज बा मक्खेज बा अन्मिगिज बा नो तं सायए नो  
 सिवा से परो पादाई छोहेज बा क्खेज बा चुजेज बा वजेज बा  
 उव्वलिज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिवा से परो पादाई  
 जेज बा उस्सिणोदगवियजेज बा उच्छोकेज बा पघोएज बा नो तं  
 नियमे, सिवा से परो पादाई अण्णबरेण विक्खेजजाएण आलिपेज बा  
 बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिवा से परो पादाई अण्णबरेण धूवणजाएण  
 बा पघूवेज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिवा से परो पादाओ  
 कंटव बा जीहरेज बा विसोहेज बा नो तं सायए नो तं नियमे ।  
 पादाओ पूय बा सोमिय बा जीहरेज बा विसोहेज बा नो तं  
 नियमे ॥ ९७० ॥ सिवा से परो कार्य आमजेज बा पमजेज बा नो तं  
 नो तं नियमे, सिवा से परो कार्य छोहेज बा सबाहेज बा पस्मिहिज बा  
 सायए नो तं नियमे, सिवा से परो कार्य तेहेज बा घएज बा मक्खेज  
 अन्मिगेज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिवा से परो कार्य छोहेज बा क्खेज  
 बा चुजेज बा वजेज बा उव्वलिज बा उव्वलेज बा नो तं सायए नो तं  
 नियमे सिवा से परो कार्य सीओदगवियजेज बा उस्सिणोदगवियजेज बा उच्छो-  
 केज बा पघोएज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिवा से परो कार्य अण्णबरेण  
 विक्खेजजाएण आलिपेज बा, विलिपेज बा, नो तं सायए, नो तं नियमे । सिवा से  
 परो कार्य अण्णबरेण धूवणजाएण धूवेज बा, पघूवेज बा, नो तं सायए नो तं  
 नियमे ॥ ९७१ ॥ सिवा से परो कार्यसि वण आमजेज बा पमजेज बा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिवा से परो कार्यसि वण सबाहेज बा पस्मिहेज बा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिवा से परो कार्यसि वण तेहेज बा घएज बा मक्खेज बा  
 अन्मिज बा, नो तं सायए नो तं नियमे । सिवा से परो कार्यसि वण छोहेज बा  
 क्खेज बा चुजेज बा वजेज बा उव्वलिज बा उव्वलेज बा नो तं सायए नो तं  
 नियमे, सिवा से परो कार्यसि वण सीओदगवियजेज बा उस्सिणोदगवियजेज बा उच्छो-  
 केज बा पघोवेज बा नो तं सायए नो तं नियमे ॥ ९७२ ॥ से सिवा परो कार्यसि  
 वण अण्णबरेण विक्खेजजाएण आलिपेज बा विलिपेज बा नो तं २। सिवा से परो  
 कार्यसि वण अण्णबरेण धूवणजाएण धूवेज बा प० नो तं ० २। सिवा से परो कार्यसि

तुम्येहिं तस्मिं समने अयम् महावीरं पाययत्तए, अहाछई तए यं से  
 अह्मुते कुमारे मग(बी)ववा गोवमेणं छडिं केवेव समने (अ) महावीरे तेवेव  
 उवायच्छइ १ ता समने मगर्ष महावीरं शिपुहारे आवाहि-अप्पाहिण करेइ  
 १ ता बंदइ वात्त पञ्चुवाछइ, तए नं अयम् गोवमे केवेव समने मगर्ष  
 महावीरे तेवेव उवायए वात्त पञ्चिसेइ १ ता संजमेणं तव निहरइ, तए  
 नं समने मगर्ष महावीरे अह्मुत्तस्स कुमारस्स तीरे य अम्मच्छा तए नं से  
 अह्मुते (इ) समन्तस्स मगवओ महावीरस्स अंतिए वम्मं छेवा निस्सम्म इह  
 नं नवरं देवापुप्पिमा ! अम्मपिबरो आपुप्पामि तए नं अहं देवापुप्पिमानं  
 अंतिए वात्त पप्पवामि अहाछई देवापुप्पिमा ! मा पञ्चिबं [करेइ], तए  
 नं से अह्मुते [कुमारे] केवेव अम्मपिबरो तेवेव उवायए वात्त पप्पइताए,  
 अह्मुत्तं कुमारे अम्मपिबरो एवं ववासी-वाळे-सि आ(ता)व तुमं पुत्ता !  
 अहंउदे-सि किं नं तुमे आ(वा)वसि वम्मं ? तए नं से अह्मुते कुमारे  
 अम्मपिबरो एवं ववासी-एवं अहं (अहं) अम्मवामो ! नं वेव आगामि तं वेव  
 न आ(वा)वामि नं वेव न आ-वामि तं वेव आगामि तए नं तं अह्मुत्तं  
 कुमारे अम्मपिबरो एवं ववासी-अहं नं तुमं पुत्ता ! नं वेव आ-वसि वात्त  
 तं वेव आ-वसि ? तए नं से अह्मुते कुमारे अम्मपिबरो एवं ववासी-  
 आगामि अहं अम्मवामो ! अहा आपणे अयस्समरेयणं न आगामि अहं  
 अम्मवामो ! अहं वा अहं वा अहं वा केविरेव वा ? न आगामि-अम्म-  
 वामो ! केहिं अम्मवामेहिं बीणा नेरह्वसिरिक्खवोमिस्सुत्तरेवेइ उववज्जति  
 आगामि नं अम्मवामो ! अहा अहं अम्मवामेहिं बीणा नेरह्व[ ] अय  
 उववज्जति एवं अहं अहं अम्मवामो ! नं वेव आगामि तं वेव न आ-वामि  
 नं वेव न आ-वामि तं वेव आगामि इच्छामि नं अम्मवामे ! तुम्येहिं  
 अह्मुत्तुणाए वात्त पप्पइताए, तए नं तं अह्मुत्तं कुमारे अम्मपिबरो आहे वो  
 संघादंति अहं आगव तं इच्छामो ते आग । एगमिवसममि रा(क)वसिदि पासेताए,  
 तए नं से अह्मुते कुमारे अम्मपिबरोअयमसुवामाणे तुषिणीए संनिट्ठ अमिसेओ  
 अहा महावज्जस्स निक्खमणं वात्त सामाहम्माहवां अहिजइ अहं वात्ताहं सामन्-  
 परिवारं सुवरणं वात्त सिपुके छिडे १५ । (६ छो अ ए अ नं )  
 तेनं अहं तेनं समएणं आ(वा)वारणीए ववणीए वम्महाणवे ठज्जावे तए  
 नं वानारणी(इ)ए अयमके नामे एवा होत्ता तेनं अहं तेनं समएणं  
 समने वात्त निहरइ चरिता निग्गवा तए नं [से] अयमके रावा इपीते अहा

लद्धट्टे (म०) हट्टुत्तु० जहा कूणिए जाव पज्जुयामइ धम्मकहा०, तए ण से अलम्भे राया समणस्स भगवओ महावीरस्स ातिए जहा उदायणे तहा निक्खत्ते नवरं जेट्ठपुत्त रजे अहिंसिंचइ एकारस अगाइ वह् वासा परियाओ जाव निपुले सिद्धे १६ । एव अबू । समणेण जाव छट्ठस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ११ ॥

### [ सत्तमो वग्गो ]

जइ णं भंते । सत्तमस्स वग्गस्स उप्पेवओ[०] जाव तेरस अज्झयणा पण्णत्ता त०—‘नदा तह नद(मती)वई न(दो)दुत्तर न(द)दिसेणिया चैव । म(हया)रुय सुमरुय महमरुय मरु(हे)देवा य अट्ठमा ॥ १ ॥ महा य द्धमहा य बुजाया सुमणा(तिया)वि य । भूयदि(त्ता)ण्णा य वो(द्ध)धव्वा सेणिय-भज्जा(ण)ण नामाई ॥ २ ॥’ जइ ण भत्ते । ० तेरस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भत्ते । अज्झयणस्स समणेण० के अट्ठे पण्णत्ते ? एव खलु जवू । तेण कालेण तेणं समएण रायगिहे नयरे गुगत्तिए उज्जाणे सेणिए राया (व०) तस्स ण सेणियस्स रण्णो नंदा नाम देवी होत्या वण्णओ, सामी सनोसुद्धे परिसा निग्गया, तए ण सा नदा देवी इमीसे कहाए लद्धट्टा (स० जाव हट्ट०) कोडुवियपुरिसे सद्दवेइ २ ता जाण जहा पउमावई जाव एकारस अगाई अहिज्जित्ता वीस वासाई परियाओ जाव सिद्धा । एव तेरस-वि देवीओ नदागमेण नेयव्वाओ (णि०) ॥ सत्तमो वग्गो ममत्तो ॥ १६ ॥

### [ अट्ठमो वग्गो ]

जइ ण भत्ते । अट्ठमस्स वग्गस्स उप्पेवओ-जाव दस अज्झयणा पण्णत्ता, त०—काली बुकाली महाकाली कण्हा सुकण्हा महाकण्हा । वीरकण्हा य वो धव्वा रामकण्हा तहेव य ॥ १ ॥ पिउसेणकण्हा नवमी दसमी महासेणकण्हा य । जइ० दस अज्झयणा[०] पढमस्स (ण भ०) अज्झयणस्स (स० जाव स०) के अट्ठे पण्णत्ते ? एव खलु जवू । तेण कालेण तेणं समएण चपा नाम न गरी होत्या पुण्णभेइ उज्जाणे, तत्थ ण चपाए नयरीए कोणिए राया वण्णओ, तत्थ ण चंपाए नयरीए सेणियस्स रण्णो भज्जा कोणियस्स रण्णो चुल्लमाउया काली नाम देवी होत्या वण्णओ जहा नदा जाव सामाइयमाइयाई एकारस अगाइ अहिज्जइ, वह्हिं चउत्थ० जाव अप्पाण भावेमाणी विहरइ, तए ण सा काली (अज्जा) अण्णया कयाइ जेणेव अज्जचदणा अज्जा तेणेव उवागया २ ता एव वयासी-इच्छामि ण अज्जाओ । तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा रयणावलिं तव उवसपज्जेताण विहरेत्तए, अहासुह०, तए ण सा काली अज्जा अज्जचदणाए अब्भणुण्णाया





उवसो-हेमाणी चिट्ठइ, तए ण तीसे कालीए अज्जाए अण्णया कयाइ पुव्वरत्ता-  
 वरत्तकाले अयम-अम्मलिए जहा गदयस्स चित्ता जहा जाव अत्थि उट्ठा० ताव  
 ता(व) मे सेय कळ जाव जलते अज्जचंदणं अज्जं आपुच्छित्ता अज्जचंदणाए  
 अज्जाए अम्मणुग्गायाए समाणीए सलेहणाद्धमणाद्धसियाए भत्तपाणपडियाइक्खियाए  
 पायोवगयाए काल अगवकखमाणीए विहरेत्तएत्तिरुद्ध एव सुपेहेइ २ ता कळ  
 जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवागच्छइ २ ता अज्जचंदण (अज्ज) वदइ नमसइ  
 वं० २ ता एव वयासी-इच्छासि ण अज्जो ! तुम्हेहिं अम्मणुग्गाया समाणी  
 सलेहणा० जाव विहरेत्तए, अहागृहं०, (तमो) काली अज्जा अज्जचंदणाए अम्मणु-  
 ग्गाया समाणी सलेहणा० जाव विहरइ, सा काली अज्जा अज्जचंदणाए अंतिए  
 सामाइयमाइयाइ एकारस अगाइ अहिज्जित्ता बहुपडिपुग्गाइ अट्ट सवच्छराइ  
 सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए सलेहणाए अ(प्पा)त्ताग द्दुसेत्ता सट्ठि भत्ताइ  
 अणसणाए छे(दे)दित्ता जस्सट्ठाए कीरइ जाव चरिमुस्सासनीसासेहिं सिद्धा ५ ॥  
 निक्खे(वो)वओ ॥ [पढम] अज्जयण [समत्त] ॥ १७ ॥ (उ० पि० अ० ए० ख० ज०)  
 तेण कालेण तेण समएणं चंपा-ना(म)मं नयरी पुण्णभेइ उज्जाणे कोणिए राया, तत्थ  
 ण सेणियस्स रण्णो भज्जा कोणियस्स रण्णो जुलमाउया सुकाली-ना-म देवी होत्था  
 जहा काली तहा सुकाली-वि निक्खता जाव वट्ठहिं चउत्थ जाव भावेमाणी  
 विहरइ, तए ण सा सुकाली अज्जा अण्णया कयाइ जेणेव अज्जचंदणा अज्जा  
 जाव इच्छासि ण अज्जो ! तुम्हेहिं अम्मणुग्गाया समाणी कणगावली-तवोक्कम्मं  
 उवसपज्जित्ताण विहरेत्तए, एव जहा रयणावली तहा कणगावली-वि, नवरं तिष्ठ  
 ठाणेस्स अट्ठमाइ करेइ जहा रयणावलीए छट्ठाइ एक्काए परिवादीए सवच्छरो पंच  
 मासा वारस य अहोरत्ता चउण्ह पंच वरिसा नव मासा अट्ठारस दिवसा  
 सेस तहेव, नव वासा परियाओ जाव सिद्धा ॥ १८ ॥ एव महाकाली-वि,  
 नवरं खुग्गा सीहनिक्कीलियं तवोक्कम्म उवसपज्जित्ताण विहरइ, तं०-चउत्थ  
 करेइ २ सव्वकामगुणिय पारेइ २ छट्ठ करेइ २ सव्वकामगुणिय पारेइ  
 २ चउत्थ करेइ २ सव्वका० २ अट्ठम करेइ २ सव्वका० २ छट्ठ०  
 २ सव्व० २ दसम० २ सव्व० २ अट्ठम० २ सव्व० २ दुवाल्-स० २ सव्व०  
 २ दसम० २ सव्व० २ चोइ-स० २ सव्व० २ (वारसम) दुवाल्-सं० २ सव्व०  
 २ सोलसमं० २ सव्व० २ चोइ-स० २ सव्व० २ अट्ठार-सं० २ सव्व०  
 २ सोलसम० २ सव्व० २ वीस० २ सव्व० २ अट्ठार० २ सव्व० २  
 वीस० २ सव्व० २ सोलसम० २ सव्व० २ अट्ठार० २ सव्व० २ चोइ-स०

१ सुभ्य १ सोऽस्य १ सुभ्य १-नुवाकस्य० १ सुभ्य १ बोह-सं०  
 १ सुभ्य १ दस्य १ सुभ्य १-नुवाकस्य १ सुभ्य १ ननुम १  
 सुभ्य १ दस्य १ सुभ्य १ कर्तु १ सुभ्य १ ननुम १ सुभ्य०  
 १ नउत्त १ सुभ्य १ कर्तु १ सुभ्य १ नउत्त १ सुभ्यस्यपुत्रि  
 पारेह-उहेव नउत्त परिवायीन्ने एकाए परिवायीए कम्मासा उता व विवसा  
 नउत्त हो वरिषा नउत्तवीसा न विवसा वाव विवसा ॥ १९ ॥ एवं कम्मा-नि  
 नवरं महात्तमं सीहन्निहन्निमं एतोऽस्य नउत्त कम्मा नवरं बोपीसुत्तमं वाव  
 विवस्य तहेव उतारेवन्ने एकाए वरिषं कम्मासा नउत्तारध व विवसा नउत्त  
 कम्मासा हो मासा वावस व नउत्तारध सेसं नउत्त कम्माए वाव विवसा ॥ २ ॥  
 एवं कम्मा-नि नवरं सतासतमिने विवस्यपुत्रिं उवसंपजित्तमं विहरह, पउये  
 सताए एवेहं मोवकस्स वति पविवाहेह एवेहं पावकस्स होये सताए हो  
 हो मोवकस्स हो हो पावकस्स पविवाहेह, उये सताए विवि नउत्तये  
 वंनये ॥ सतामे सताए सता वतीन्ने मोवकस्स पवि(ग)माहेह सता पाव-  
 कस्स एवं कम्मा एवं सतासतमिने विवस्यपुत्रिं एकाएवन्ने ए(ही)तिपिपिं एवेव  
 व कम्माएवं विवसाएवं नउत्तारता वाव नउत्तारता सेवेव नउत्तारता  
 नउत्ता सेवेव उतासा ॥ २ ॥ नउत्तारवं नउत्त वंनह वंनह वं १ उ  
 एवं ववासी-एवन्ने नं नउत्ताओ ! सुभ्येहं नउत्तपुत्रिमा सतापी नउत्तमिने  
 विवस्यपुत्रिं उवसंपजित्तमं विहराए, नउत्तारवं उए वं सा कम्मा नउत्ता  
 नउत्तारताए नउत्तपुत्रिमा सतापी नउत्तमिने विवस्यपुत्रिं उवसंपजित्तमं  
 विहरह, पउये नउत्त एवेहं मोवकस्स वति पविवाहेह एवेहं पाव(ग)कस्स  
 वाव नउत्तमे नउत्त नउत्त मोवकस्स (वति) पविवाहेह नउत्त पाव-कस्स एवं कम्मा  
 एवं नउत्तमिने विवस्यपुत्रिं नउत्तारताए ए-तिपिपिं होहि व नउत्तारताए  
 विवसाएवं नउत्तार(ती)ता वाव नउत्तमिने विवस्यपुत्रिं उवसंपजित्त-वं विह-  
 रह, पउये नउत्त एवेहं मोवकस्स वति पविवाहेह (व) एवेहं पावकस्स वाव  
 नउत्तमे नउत्त वं नउत्त वं १ मो वति--नउत्त १ पावकस्स एवं कम्मा नउत्तम-  
 मिने विवस्यपुत्रिं एकापी-हिराएहि नउत्त वंनोतरेहं विवसाएवं नउत्ता-  
 सता वाव वसवसमिने विवस्यपुत्रिं उवसंपजित्तमं विहरह, पउये वसए एवेहं  
 मोवकस्स वति पविवाहेह-एवेहं पावकस्स वाव वसमे वसए वस १ मोवकस्स  
 व(ति)वी[नो] पवि-माहेह वस १ पाव[व]कस्स एवं कम्मा एवं वसवसमिने  
 विवस्यपुत्रिं एवेहं ए(ति)वसएवं नउत्तारताएहि विवसाएवं नउत्तारता वाव

आराहेइ २ ता बहुहिं चउत्य जाव मासदमासविविहतवोक्ममेहिं अप्पाण भावेमाणी  
 विहरइ, तए ण सा मुक्कण्हा अज्जा तेण उ-राटेण जाव सिद्धा ॥ निक्खे-वओ ॥  
 पचम(अ)ज्जय(णा)णं ॥ २१ ॥ एवं महाकण्हा-वि नवरं खुग्गाग सव्वओमइ  
 पडिम उवसपज्जिताण विहरइ, (त०-) चउत्य करेइ २ सव्वकामगुणिय  
 पारेइ २ छट्ठ करेइ २ सव्व० २ अट्ठम० २ सव्व० २ दसम० २ सव्व०  
 २ दुवालसम० २ सव्व० २ अट्ठम० २ सव्व० २ दसम० २ सव्व० २  
 दुवालसम० २ सव्व० २ चउत्य० २ सव्व० २ छट्ठ० २ सव्व० २ दुवाल-स०  
 २ सव्व० २ चउत्य० २ सव्व० २ छट्ठ० २ सव्व० २ अट्ठम० २ सव्व०  
 २ दसम० २ सव्व० २ छट्ठ० २ सव्व० २ अट्ठम० २ सव्व० २ दसमं० २  
 सव्व० २ दुवाल-स० २ सव्व० २ चउत्य० २ सव्व० २ दसम० २ सव्व० २  
 दुवालसम० २ सव्व० २ चउत्य० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठम०  
 २ सव्व० एव खलु एवं खुग्गागसव्वओमइस्त तवोक्ममस्त पडम परिवाडिं  
 तिहिं मासेहिं दसहिं दिवसेहिं अहासुतं जाव आरा(हि)हिता दोच्चाए परिवाडीए  
 चउत्यं करेइ २ विगइवज्ज पारेइ २ जहा रयणावलीए तहा एत्य-वि चत्तारि  
 परिवाडीओ पारणा तहेव, चउण्ह कालो सवच्छरो मासो दस य दिवसा सेस तहेव  
 जाव सिद्धा ॥ निक्खे-वओ ॥ [छट्ठ] अज्जयण ॥ २२ ॥ एवं वीरकण्हा-वि नवर  
 महाल्यं सव्वओमइ तवोक्मम उवसपज्जिता-ण विहरइ, त०-चउत्य करेइ  
 २ सव्व० २ छट्ठ० २ सव्व० २ अट्ठम० २ सव्व० २ दसम० २ सव्व०  
 २ दुवालसम० २ सव्व० २ चोइ(चउद)स० २ सव्व० २ सोल(स)सम० २  
 सव्व० २ (प० लया) दसम० २ सव्व० २ दुवालसम० २ सव्व० २ चोइ-सं०  
 २ सव्व० २ सोल-समं० २ सव्व० २ चउत्य० २ सव्व० २ छट्ठ० २  
 सव्व० २ अट्ठम० २ सव्व० २ (वि० ल०) सोल-सम० २ सव्व० २ चउत्य० २  
 सव्व० २ छट्ठ० २ सव्व० २ अट्ठम० २ सव्व० २ दसम० २ सव्व० २ दुवाल०  
 २ सव्व० २ चोइ-स० २ सव्व० २ (ति० ल०) अट्ठम० २ सव्व० २ दसम०  
 २ सव्व० २ दुवाल-स० २ सव्व० २ चोइसम० २ सव्व० २ सोलसम० २  
 सव्व० २ चउत्य० २ सव्व० २ छट्ठ० २ सव्व० २ (च० ल०) चोइ-स० २ सव्व०  
 २ सोलसम० २ सव्व० २ चउत्यं० २ सव्व० २ छट्ठ० २ सव्व० २  
 अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवाल० २ सव्व० २ (पं० ल०) छट्ठ०  
 २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसम० २ सव्व० २ दुवाल० २ सव्व०  
 २ चोइ-सं० २ सव्व० २ सोलसम० २ सव्व० २ चउत्य० २ सव्व० २ (छ० ल०)

बुवाक १ सव्य १ बोह-सं १ सव्य १ सोकसर्ग १ सव्य १  
 बठर्ग १ सव्य १ छुं १ सव्य १ अङ्गुर्ग १ सव्य १ दसमे  
 १ सव्य (घ ण ) एकेवाए कयाए जङ्ग मासा पंथ न विवसा बठर्ग सो मासा  
 जङ्ग मासा बीस विवसा सेसं एहेव बाव सिद्धा ॥ १३ ॥ एवं एकेवाए-नि वरं  
 मरोत्तरपथिमे वरसंपजिगाथं निहरु, तं--बुवाकसर्ग करेह १ सव्य १ बोहसर्ग  
 १ सव्य १ सोकसर्ग १ सव्य १ अङ्गारसर्ग १ सव्य १ बीससर्ग १  
 सव्य १ छेकसर्ग १ सव्य १ अङ्गारसर्ग १ सव्य १ बीससर्ग १ सव्य १  
 बुवाकसर्ग १ सव्य १ बोहसर्ग १ सव्य १ बीससर्ग १ सव्य १  
 बुवाक-सं १ सव्य १ बोहसर्ग १ सव्य १ सोकसर्ग १ सव्य १  
 अङ्गार-सर्ग १ सव्य १ बोहसर्ग १ सव्य १ सोकसर्ग १ सव्य १  
 अङ्गारसर्ग १ सव्य १ बीससर्ग १ सव्य १ बुवाकसर्ग १ सव्य १  
 अङ्गारसर्ग १ सव्य १ बीससर्ग १ सव्य १ बुवाकसर्ग १ सव्य १  
 बोहसर्ग १ सव्य १ सोकसर्ग १ सव्य एकाए काको कम्मसा बीस  
 न विवसा बठर्ग काको सो वरिसा सो मासा बीस न विवसा सेसं एहेव  
 कदा काटी बाव सिद्धा ॥ १४ ॥ एवं पिठेवकमा-नि वरं सुपाकसीसोकेक्यं  
 वरसंपजिगाथं निहरु, तं--बठर्ग करेह १ सव्य १ छुं १ सव्य १  
 बठर्ग १ सव्य १ अङ्गुर्ग १ सव्य १ बठर्ग १ सव्य १ दसमे १  
 सव्य १ बठर्ग १ सव्य १ बुवाक १ सव्य १ बठर्ग १ सव्य  
 १ बोहसर्ग १ सव्य १ बठर्ग १ सव्य १ सोकसर्ग १ सव्य १  
 बठर्ग १ सव्य १ अङ्गार-सर्ग १ सव्य १ बठर्ग १ सव्य १  
 बीससर्ग १ सव्य १ बठर्ग १ सव्य १ बावीससर्ग १ सव्य १  
 बठर्ग १ सव्य १ बठर्गसर्ग १ सव्य १ बठर्ग १ सव्य १  
 कम्मसर्ग १ सव्य १ बठर्ग १ सव्य १ अङ्गुवीस १ सव्य १  
 बठर्ग १ सव्य १ बीससर्ग १ सव्य १ बठर्ग १ सव्य १ बावीससर्ग  
 १ सव्य १ बठर्ग १ सव्य १ बोतीससर्ग-[सव्य ] (१ पा न १ पा  
 घ १ पा न १ पा) एवं एहेव ओपारेह बाव (बठर्ग करेह) बठर्ग  
 करेह-इति सव्यकम्मसुविं पारेह, एकाए काको एकाए मासा एकरा  
 न विवसा बठर्ग विवि करिषा वस न मासा सेसं बाव सिद्धा ॥ १५ ॥ एवं  
 महासेवकमा-नि वरं जामविज्जबुवाथं एकोक्यं वरसंपजिगाथं निहरु,  
 तं--जामविं करेह १ बठर्ग करेह १ वि जामविज्ज करेह १ बठर्ग

करेइ २ तिणिण आयंविলাई करेइ २ चउत्थं० २ चत्तारि० २ चउत्थं० २ पंच०  
 २ चउत्थं० २ छ० २ चउत्थं० २ एव एकोत्तरियाए वट्टीए आयविলাई वट्टंति  
 चउत्थंतरियाइ जाव आयंविलसयं करेइ २ चउत्थ करेइ, तए ण सा  
 महासेणकण्हा अज्जा आयविलवट्टुमाणं तवोकम्मं चोइसहिं वासेहिं तिहि य मासेहिं  
 वीसहिं य अहोरेत्तेहिं अहासुत्त जाव सम्म काएण फासेइ जाव आराहिता  
 जेणेव अज्जचदणा अज्जा तेणेव उवा० २ ता (अ० अ०) वदइ नर्मसइ वदिता  
 नर्मसित्ता बट्टहिं चउ(त्येहिं)त्य जाव भावेमाणी विहरइ, तए ण सा महा  
 सेणकण्हा अज्जा तेण उ-रालेणं जाव उवसोभेमाणी चिट्ठइ, तए ण तीसे  
 म(ह)हासेणकण्हाए अज्जाए अण्णया कयाइ पुध्वरत्तावरत्तकाले चिंता जहा खद-  
 यस्स जाव अज्जचदण(आ)पुच्छइ जाव सलेहणा[०] काल अणवकखमाणी  
 विहरइ, तए ण सा महासेणकण्हा अज्जा अज्जचदणाए अज्जाए अतिए सामाइयाई  
 एकारस अगाई अहिज्जित्ता, बहुपडिपुण्णाई सत्तरस वासाइ परियाय पालइत्ता  
 मासियाए सलेहणाए अप्पाण झू-सित्ता सट्ठिं भत्ताइ अणसणाए छेदिता  
 जस्सट्ठाए कीरइ जाव तमट्ठं आराहेइ [आराहिता] चरिमउस्सासणीसासेहिं  
 सिद्धा बुद्धा [०] । अट्ठ य वासा आ(वी)ई एक्कोत्त(रि)रियाए जाव सत्तरस । एसो  
 खल्ल 'परियाओ सेणियमज्जा-णं नायव्वो ॥ १ ॥ एवं खल्ल ज(वु)वू ! समणेण  
 (भगवया महावीरेण आ-दिगरेण) जाव सपत्तेणं अट्ठमस्स अगस्स अतगढ  
 दसाण अयमट्ठे पण्णत्ते (०) ॥ अंग स(स)मत्त ॥ २६ ॥ अतगढदसाण अगस्स  
 एगो सुयखंधो अट्ठ-वग्गा अट्ठसु चेव दिवसेसु उद्दि[स्ति]सिज्जंति, तत्थ पढमविइय  
 वग्गे दस दस उद्देसगा तइयवग्गे तेरस उद्देसगा चउत्थपंचमवग्गे दस दस  
 उद्देस(या)गा छट्ठवग्गे सोलस उद्देसगा सत्तमवग्गे तेरस उद्देसगा अट्ठमवग्गे दस  
 उद्देसगा सेस जहा नायाधम्मकहाण ॥ २७ ॥



पमोऽस्य न समजस्त भगवधो जायपुत्रमहावीरस्त

# सुत्तागमे

तत्थ णं

अणुत्तरोववाइयदसाओ

[पहमो बग्गो]

तेनं काळेनं तेनं समएणं राजगिहे (वा ) [नवरे] (हो से ना प हो  
ये रे पु उ व से का से उ उ न ) अज्जसम्म(वा ये )स्त  
समोत्तर(रिए)एवं परिहा निगम्या जाव वंइ (जाव) पत्तुवाचइ एवं ववासी-अइ  
यं मंति । समयेनं जाव संपत्तेनं अणुत्तरोववाइयदसानं अयसस अंतपवइदसानं अयमइ पम्भते  
नवमस्त नं मंति । अयसस अणुत्तरोववाइयदसानं समयेनं जाव संपत्तेनं के अइ पम्भते । (सिं ) तए ये से छ्म्ये अयगारे वं(इ)अं अयगारे एवं ववासी-एवं  
अइ अम्भ । समयेनं जाव संपत्तेनं नवमस्त अयसस अणुत्तरोववाइयदसानं सिंमि  
वम्या पम्भता अइ नं मंति । समयेनं जाव संपत्तेनं नवमस्त अंगसस अणुत्तरो-  
ववाइयदसानं (सि ) तथे वम्या पम्भता पडमस्त नं मंति । अयसस अणुत्तरोववा-  
इयदसानं समयेनं जाव संपत्तेनं (के) अइ अज्जसम्म पम्भता । एवं अइ वंइ । सम  
येनं जाव संपत्तेनं अणुत्तरोववाइयदसानं पडमस्त अंगसस इह अज्जसम्म पम्भता  
तं—(पा—)आस्मिन्नास्मिन्ना(मा-आ-स्मि)वासी पुमिउसेये व वामिसेये व वीहरति  
व वइरति य वे(वि)इते वेहा[य]से अमए इ न दुमारे व अइ नं मंति । समयेनं जाव  
संपत्तेनं पडमस्त अयसस इह अज्जसम्म पम्भता पडमस्त नं मंति । अज्जसम्मसस  
अणुत्तरोववाइयदसानं समयेनं जाव संपत्तेनं के अइ पम्भते । एवं अइ वंइ । तेनं  
काळेनं तेनं समएणं राजगिहे नवरे रिउलिमिउसमिहे पुमसिअए पज्जये सेविए  
रावा वा(र)मिनी-वेवी वी(इ)हो सुमि(नी)ये (पा व जाव) वासी-दुमा(रिवाए)ये  
अइ मेहो (जाव) अणुत्तरोववाओ जाव तपि पात्ताव नैहए, (से का उ उ  
उ म म जाव) चायी समोसइ वीमिओ निगमो अइ मेहो तहा वावी-मि  
निगमो तहेव निउत्ते अइ मेहो एवारस अंगई अइअइ, पुगारयमे तणेअयं  
[अइ अइयसस] एवं का येव वी(व)ए[सस] वत्तम्या ता येव विउता आपुअता  
येरेहिं उदिं मि(उ)उते तहेव उ(उ)वइ, नवरे ओवस वाताई साम्भपरिवायं

पाउणिता कालमासे कालं किच्चा उद्धु चदिम० सोहम्मीसाण जाव आरणन्नुए कप्पे नव-य-गेवे(जे)ज(य)विमाणपत्थडे उद्धु दूरं वी(इ)ईवइता विजयविमाणे देवताए उववण्णे, त(या)ए ण (ते) थेरा भगवतो जालिं अणगारं कालगयं जा(णे)णिता परिणिव्वाणवत्तिय काठस्सग्ग करेति २ ता पत्तचीवराईं गेण्हंति तहेव उत्त(ओय)रत्ति जाव इमे से आयारभंढए, भते ! ति भगवं गोयमे जाव एवं वयासी-एवं खल्ल देवाणुप्पियाणं अतेवासी जा(लि)ली नामं अणगारे पगइमहए से णं जाली अणगारे कालगए कहिं गए कहिं उववण्णे ? एवं खल्ल गोयमा ! ममं अतेवासी तहेव जहा खंदयस्स जाव काल० उद्धु चदिम जाव विज(य)ए विमाणे देवताए उववण्णे । जालिस्स णं भते ! देवस्स केवइयं काल ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! बत्तीस सागरोवमाइ ठिई पण्णत्ता । से ण भंते ! ताओ देवलो(गा)याओ आउक्खएण ३ कहिं गच्छिहिइ २ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ (जाव स० अ० क०), (ता) एव [खल्ल] जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाण पढम[स्स]-वग्गस्स पढम[स्स] अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते । (इति प० प० स०) एवं सेसाण वि अट्ठ(नव)ण्हं भाणियव्वं, नवरं (सत्त) छ धा रि(णी)णिमुआ वे-हल्लवेहा-[य]सा चेळ्णाए (अ० ण०), आइल्लण पचण्हं सोलस वासाईं सामण्णपरियाओ तिण्हं वारस वासाईं दोण(इ)हं पंच वासाईं, आइल्लणं पंचण्ह आ(अ)णुपुव्वीए उववा(ओ)यो विजए वेजयंते जयंते अपराजिए सब्बट्ठसिद्धे, वीहदत्ते सब्बट्ठसिद्धे, उ(अणु)क्कमेण सेसा, अमओ विजए, सेसं जहा पढमे, अभयस्स नाणत्तं, रायगिहे नयरे सेणिए राया नदा देवी (माया) सेसं तहेव, एव खल्ल जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेण अणुत्तरोववाइयदसाणं पढमस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ १ ॥ [(इति) पढमो वग्गो समत्तो ॥]

### [दोषो वग्गो]

जइ णं भते ! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाण पढमस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते दोषस्स णं भते ! वग्गस्स अणुत्तरोववाइयदसाण समणेण जाव संपत्तेण के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खल्ल जंबू ! समणेण जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाण दोषस्स वग्गस्स तेरस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०- वीह-सेणे महासेणे लट्ठदंते य गूढदंते य सुद्धदंते [य] हल्ले दुमे दुमसेणे महादुमसेणे य आहिए ॥ सीहे य सीहसेणे य महासीहसेणे य आहिए पुण्णसेणे य ओ(द्ध)धव्वे तेरसमे होइ अज्झयणे ॥ जइ ण भते ! समणेण जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं दोषस्स वग्गस्स तेरस अज्झयणा प० दोषस्स णं भंते ! वग्गस्स

चर्च अथर्ववे सारवाएण अचिद्विज वा विचिद्विज वा प नो तं १। सिवा से  
 परो अर्चति चर्च अथ सारवाएण अचिद्विज वा विचिद्विज वा पूर्व वा सोमिर्वा  
 वा पीहरेज वा मि नो तं १। सिवा से परो अर्चति चर्च वा अर्च वा पुच्छर्च  
 वा मयर्च वा आमजेज वा पमजेज वा नो तं सावए नो तं निजमे । सिवा से  
 परो अर्चति चर्च वा अर्चर्च वा पुच्छर्च वा मयर्च वा संवाहेज वा  
 पचिमेज वा नो तं सावए नो तं निजमे सिवा से परो अर्चति चर्च वा वाच  
 अर्चर्च वा तेजेज वा चएज वा मजजेज वा अग्निमेज वा नो तं सावए नो तं  
 निजमे । सिवा से अर्चति चर्च वा वाच अर्चर्च वा ओजेज वा अजेज वा पुजेज वा  
 वजेज वा अजेज वा अजजेज वा नो तं सावए नो तं निजमे । सिवा से परो  
 अर्चति चर्च वा मयर्च वा सीमोदगमियजेज वा उमिमेदगमियजेज वा उचजे-  
 जेज वा पचोदेज वा नो तं सावए, नो तं निजमे सिवा से परो अर्चति चर्च वा  
 वाच अर्चर्च वा अज्यवरेण सारवाएण अचिद्विज विचिद्विज वा सिवा से परो  
 अज्यवरेण सारवाएण अचिद्विज वा १ पूर्व वा सोमिर्वा पीहरेज वा नो तं  
 सावए नो तं निजमे ॥१०३॥ सिवा से परो अर्चति चर्च वा चर्च वा पीहरेज वा  
 सिमोहेज वा नो तं सावए नो तं निजमे ॥१०४॥ सिवा से परो अचिद्विज अज्यमर्च  
 वा अज्यमर्च वा अर्चमर्च वा पीहरेज वा सिमोहेज वा नो तं सावए नो तं निजमे  
 ॥१०५॥ सिवा से परो पीहर्च वाकाई, पीहर्च रोमाई, पीहर्च मनुहाई, पीहर्च अज्य-  
 रोमाई, पीहर्च अज्यरोमाई, अज्येज वा अज्येज वा नो तं सावए नो तं निजमे  
 ॥१०६॥ सिवा से परो सीसाजो अज्यर्च वा पूर्व वा पीहरेज वा सिमोहेज वा नो तं  
 सावए नो तं निजमे ॥ १०७ ॥ सिवा से परो अर्चति पचिर्चति वा पुनष्टमिता  
 पाहर्च आमजिज वा पमजिज वा एण विष्टिमो एमो पावामि मामिदमो  
 सिवा से परो अर्चति वा पचिर्चति वा पुनष्टमिता हार वा अरुहार वा अरुर्च  
 वा रोचर्च वा मरुर्च वा पाचर्च वा अज्यमर्च वा अमिद्विज वा पिचिद्विज वा  
 नो तं सावए नो तं निजमे ॥ १०८ ॥ सिवा से परो अरुमर्चि वा अज्यमर्चि वा  
 पीहरेज वा पचिद्विज वा पावामि आमजेज वा पमजेज वा नो तं सावए नो  
 तं निजमे ॥ १०९ ॥ एण वैजया अज्यमर्चमिद्विज ॥ १०८ ॥ सिवा से परो  
 अर्चर्च अज्यमर्च रोचर्च वाकाई सिवा से परो अर्चर्च पचिर्चर्च रोचर्च वाकाई,  
 सिवा से परो गिजमर्च अमिद्विज चर्चमि वा मूचमि वा तमामि वा हरिमि  
 वा अमिद्विज वा अमिद्विज वा अमिद्विज वा रोचर्च वाकाईमि नो तं सावए  
 नो तं निजमे ॥ १०९ ॥ अज्यमर्च पावामिद्विज विजमि वैद्वि ॥ १०९ ॥



निग्गओ, तए ण तस्स धण्णस्स त महया (ज०) जहा जमाली तहा निग्ग-ओ,  
नवरं पाय(विहा)चारेण जाव ज नवरं अम्मयं भद् सत्यवाहिं आपुच्छामि, तए णं  
अह देवाणुप्पियाणं अतिए जाव पव्वयामि जाव जहा जमाली तहा आपुच्छइ  
मु(पु)च्छिया वुत्तपडिवुत्तया जहा म-हब्बले जाव जाहे नो सचाएइ जहा थावच्चा-  
पुत्तो जियसत्तु आपुच्छइ छत्तचामराओ० सयमेव जियसत्तु निक्खमणं करेइ  
जहा थावच्चापुत्तस्स कण्हो जाव पव्वइए (०) अणगारे जाए ई(इ)रियासमिए  
जाव [गुत्त]वमयारी, तए ण से धण्णे अणगारे जं चेव दिवस मुडे भविता  
जाव पव्वइए त चेव दिवस समण भगव महावीरं वंदइ नमसइ व० २ ता  
एवं वयासी-[एव खल्लु] इच्छामि णं भते ! तुब्भे(णं)हिं अब्भणुण्णाए समाणे  
जावजीवाए छट्ठछट्ठेण अणिक्खित्तेण आर्यविलपरिग्गहिणं तवोकम्मणेण अप्पाण  
भावेमाणे विह(रे)रित्तए छट्ठस्स-वि-य णं पारण(ग)यसि कप्(प)पेइ [मे] आर्यविलं  
पडि(ग्गहि)गाहेत्तए नो चेव ण अणायविल तं-पि-य संसट्ठ नो चेव णं असं  
सट्ठ त-पि-य ण उज्झियघम्मिय नो चेव ण अणुज्झियघम्मियं त-पि-य (णं) ज  
अण्णे बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा नावकखति, अहासइ देवाणुप्पिया !  
मा पडिबध करेइ, तए ण से धण्णे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं  
अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठ० जावजीवाए छट्ठछट्ठेण अणिक्खित्तेणं तवोकम्मणेण  
अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए ण से धण्णे अणगारे पढमछट्ठ(क्)खमणपारण-  
यंसि पढमाए पो(र)रिसीए सज्झार्यं करेइ जहा गोयमसामी तहेव आपु-  
च्छइ जाव जेणेव का(क)यंदी नयरी तेणेव उवागच्छइ २ ता का-यंदीए नयरीए  
उच्च० जाव अडमाणे आर्यविलं [नो अणायविल] जाव नावकंखति, तए ण  
से धण्णे अणगारे ताए अब्भुज्जयाए (पयययाए) पयत्ताए पग्गहियाए एसणाए  
[एसमाणे] जइ भत्त लभइ तो पाण न लभइ अह पाण (ल०णो) तो भत्तं न लभइ,  
तए ण से धण्णे अणगारे अदीणे अविमणे अक्खसे अविसा(यी)दी अपरिततजोगी  
जयणघट्ठणजोगचरित्ते अहापज्ज(त्त)त्तं समु(दा)हाण पडिगाहेइ २ ता का-यंदीओ  
नयरीओ पडिणिक्खमइ [पडिणिक्खमिता] जहा गोयमे जाव पडिदसेइ, तए  
ण से धण्णे अणगारे समणेण भगवया महावीरेण अब्भणुण्णाए समाणे अमु-  
च्छिए जाव अणज्झोववण्णे विलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेण आहारं आहा-  
रेइ २ ता सजमेण तवसा० विहरइ, [तए णं] समणे भगव महावीरे अण्णया  
कया(ई)इ का-यंदी(ए)ओ नयरीओ सहस्रवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ २  
ता वहिया जणवयविहारं विहरइ, तए णं से धण्णे अणगारे समणस्स भग-

पञ्चम-पञ्चमवत्स समवेत्तं (१) आब संपत्तेर्त्वं के अहे प । एवं कष्टं भव । तेन  
 काकेन तेन समर्पणं एवमिहे नमरे शुभसिद्धिः अत्रापि सेविए रावा वा-रिणी देवी  
 सी(हे)रो सुमिने कहा आनी तथा बम्(मर्)म वाक्यार्थ कथामो नमरे सीहते(ने)नो  
 कुमा(रे)रो ल(ने)न्येव वाक्यया कहा वाक्यिस्त आब अंतं अहिह, एवं तेरस-नि  
 रामपिहे (न ) सेमि(ए)नो(पि)पिया भारिणी माया तेरसन्-नि छेकस-वाद्य  
 परियाओ आनुपुण्यीए (स ) निवए होमिन् वैवर्ते होमिन् वर्तते होमिन्  
 अन्तर्गतिए होमिन् सेवा महाकुमसेनमाई पंच सम्पत्तिदि, एवं कष्टं भव ।  
 समवेत्तं अन्तर्गतेनवाइवदद्यात्तं दोहस्त वम्पस्त अयमहे पञ्चते आसिद्धए  
 संकेहवाए होम-नि वम्पेत्तु ॥ १ ॥ [ ति( बीओ) होमो कयो समतो । ]

[ ततो वम्पेत्तु ]

अहं न मति । समवेत्तं आब संपत्तेर्त्वं अन्तर्गतेनवाइवदद्यात्तं दोहस्त वम्पस्त  
 अयमहे पञ्चते तवस्त न मति । वम्पस्त अन्तर्गतेनवाइवदद्यात्तं समवेत्तं  
 आब संपत्तेर्त्वं के अहे प । एवं कष्टं भव । समवेत्तं आब संपत्तेर्त्वं अन्तर्गते-  
 नवाइवदद्यात्तं तवस्त वम्पस्त वत् अत्रयया पञ्चता तं—अन्ते व सुज-  
 न्यते [ व ], इतिहासे (न) व आहिह । पैरए एम्पुते व वंदिमा पि(प्र)हिमा-  
 इ(वा)व ॥ १ ॥ पैरएम्पुते अयमारे नमरे पो(प्र)हिमे (ह) नि व । वे-होइ इत्ये  
 हुते इमे(ते)न वत् (ए न ) आहि(ते)या ॥ २ ॥ अहं न मति । समवेत्तं आब  
 संपत्तेर्त्वं अन्तर्गतेनवाइवदद्यात्तं तवस्त वम्पस्त वत् अत्रयया व पञ्चस्त न मति ।  
 अत्रयवम्पस्त समवेत्तं आब संपत्तेर्त्वं के अहे पञ्चते । एवं कष्टं भव । तं काकेन  
 तेन समर्पणं का(प-क)र्त्तरी न(म)मं नमरी होत्वा निवृत्तिमिववमिद्धा एह(ह)संवरने  
 अत्रापि एह(हो)रुएवड्ड जि(अ)यस(तु)नू रावा तत्त न का-वर्त्तए नयरीए  
 महा-नामं सत्त्ववाही परिकसह अन्ना आब अपरिपु(आ)वा सीदे नं महाए  
 सत्त्ववाहीए पुते वम्पे न(मण)मं वारए होत्वा अहीन आब सुम्नि र्ववा[ह]रे  
 परिमहिह तं—औरवाही[ए] कहा म(हा)वहम्पके आब वाक्य(हि)रि कथामो  
 अ(हि)रिह आब अके-भोगसमार्थे आप वाकि होत्वा एए पं छा महा सत्त्ववाही  
 व(न)नं वारने वम्पुहवाक्यमार्थे आप भोगसमार्थे वा(वा)नि(वा)वा-नि(वा)ता  
 वत्तपं पत्तापवर्तिहए अहं अध्मुग्यवम्पुतिह आब तेति मय्ये मवनं अयेम-  
 र्वमसदसंनिदिहं आप वतीयाए इयमवरकथ्यमात्तं इयमिहतेनं पत्ति नेन्वाहीह  
 (२) वत्तित्तो वामो आप वपि वावाव पु(हि)तिहि आब निहए, तेन काकेन  
 तेन समर्पणं वम्पे समोतहि परिका निगवा रावा कहा कोमिओ तथा जिक्कनू

गुलिया-इ वा एवामेव०, धणस्स जिन्माए० से जहा० वडपत्ते-इ वा पलासपत्ते-इ  
चा (उवर०) सागपत्ते-इ वा एवामेव०, धणस्स ना(सिया)साए० से जहा०  
अवगपेसिया-इ वा अवाङ्गपेसिया-इ वा माउ(लि)लुगपेसिया-इ वा तरुनिया एवा-  
मेव०, धणस्स अच्छीण० से जहा० वीणाछि(हे)हे-इ वा व(बी)दी(पवी)सगछिहे-इ  
घा पा(प)भाइयता(रि)रगा-इ वा एवामेव०, धणस्स कण्णाण० से जहा० मू(लि)-  
लाछल्लिया-इ वा वालुक० कारेल्लय(च)छ(ल्ली)ल्लिया-इ वा एवामेव०, धणस्स (अ०)  
सीसस्स० से जहा० तरुणगलाउए-इ वा तरुणगएलालु(यति)ए-इ वा सिन्हा(लु)लए-इ  
वा तरुणए जाव चिट्ठइ, एवामेव धणस्स अणगारस्स सीस सुक्क लुक्खं निम्मसं  
अट्ठिचम्म(च्छि)छिरत्ताए पण्णायइ नो चेव ण मससोणियत्ताए, एवं सव्वत्य(मिब),  
नवरं उ(द)यरमाय(ण)ण क(ण्ण)ण्णा जीहा उट्ठा एएसिं अट्ठी न भण्णइ चम्म  
छिरत्ताए पण्णायइ-ति भण्णइ, धण्णे णं अणगारेण सुक्केण लु(भु)क्खेणं पायजघोस्सा  
विगयतद्धिकरालेण कडिकडाहेण पि-ट्टिम(व)स्सिएण उदरमायणेण जोइज्जमाणेहिं  
पा(यं)सुलि[य]क-इएहिं अक्खसुत्तमाला(ति वा)विव (गणिज्जमालाति वा) ग(णि)-  
णेज्जमा(णा)णेहिं पि-ट्टिकरंङगसधीहिं गगातरगभूएण उरकडगदेसमाएण सुक्कसप्प-  
समाणहिं वाहाहिं सि(स)डिलकडाली-विव लव(चल)तेहि यं अगगहत्थेहिं कपणवा-  
इ(ओ)एविव वेवमाणीए सीसघडीए पव्वायवयणकमले उब्भडघ(डा)डमुहे उब्बुड-  
णयणक्खेसे जीव-जीवेणं गच्छइ जीव-जीवेण चिट्ठइ भास भासिस्सा(मीति)मि ति  
गिला(य)इ ३ से जहा नामए इगालसगडिया-इ वा जहा खदओ तहा जाव हुयासणे  
इव मासरा(सी)सिपलिच्छण्णे तवेण तेएण तवतेयसिरीए (अ०) उवसोभेमाणे २  
चिट्ठइ ॥ ३ ॥ तेण कालेण तेण समएण रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए  
राया, तेणं कालेणं तेण समएण समणे भगव महावीरे समोसडे परिसा निग्गया  
सेणि(ओ)ए निग्ग-ए धम्मकहा परिसा पडिगया, तए ण से सेणिए राया समणस्सं  
भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म सोखा निसम्म समणं भगव महावीरं वदइ नम-  
सइ व० २ ता एव वयासी-इमासि ण भते ! इदभू-इपामोक्खार्ण चो(चउ)इसण्हं  
समणसाहस्सीण क(य)इरे अणगारे महादुक्करकारए चेव महाणिज्जरयराए चेव ? एव  
खल्लु सेणिया । इमासिं इदभूइपामोक्खार्ण चो-इसण्हं समणसाहस्सीणं धण्णे अण-  
गारे महादुक्करकारए चेव महाणिज्ज(रा)रयराए चेव, से केणट्ठेणं भंते ! एव वुब्बइ  
इमासिं जाव साहस्सीण धण्णे अणगारे महादुक्करकारए चेव महाणिज्ज(-कार)रय-  
राए चेव ? एवं खल्लु सेणिया ! तेणं कालेणं तेण समएण का-यदी ना-म नयरी  
होत्था [०] उप्पि पासायवडिसए विहरइ, तए ण अह अण्णया कयाइ पुव्वाणुपु-

बन्धे महावीरस्त तहावर्णनं येनार्थं भक्तिपु सामाज्यमाश्रयार्थं एकारस्य भगार्थं  
 अदिभद [अदिभित्त] संवर्मेन तवसा अण्यार्थं भावैमाने निहृष्ट, तप बं से  
 बन्धे अन्वारे सेर्ज त(को)रावेर्ज (त ) बहा ब्रह्मणे जाव विदुष्ट, बन्धस्त  
 बं अन्वारेस्त पायाथं अय(ह)मेयास्तने तवस्तवभावणे होत्वा से बहा-गमपु  
 छुट्छापी-इ वा कटुपादया-इ वा अरम्भ(उ)भोवाहवा-इ वा एवामेव बन्धस्त अन्व-  
 यारस्त पाया छुट्छा (हुनवा) निम्मेसा अङ्गिबम्भित्तराए पन्नावर्ति नो वेव  
 बं यंसोमियताए, बन्धस्त बं अन्वारेस्त पार्श्वगुक्तिवार्थं अन्वेवास्तने से  
 बहा-गमपु कटुवागुक्तिवा-इ वा सुम्भ(सं) मात्तसंगुक्तिवा-इ वा तदुमिया डिम्मा उन्हे  
 डिम्मा छुट्छा समानी मिक्कवम्भानी १ विट्ठिति एवामेव बन्धस्त (अ ) पार्श्वगुक्ति-  
 वाओ छुट्छाओ अन्व सेमियताए, बन्धस्त (बं अ ) बंवाणं अन्वेवास्तने से बहा-  
 कटुवर्वा-इ वा कंठवर्वा-इ वा हेमिवाति(व)वावर्वा-इ वा अन्व सेमियताए, बन्धस्त  
 (बं) वावर्वा अन्वेवास्तने से बहा का(ली)किपोरे-इ वा मन्वरपोरे-इ वा हेमिवाति-  
 वापोरे-इ वा एव जाव सेमियताए, बन्धस्त उरस्त बहा गमपु साम्भ(रे)तिजे-इ  
 वा बो(रे)टीकटिजे-इ वा छुट्छाकटिजे-इ वा साम्भिकटिजे-इ वा तदुमिए (ति )  
 उन्हे अन्व विदुष्ट एवामेव बन्धस्त उर जाव सेमियताए, बन्धस्त अङ्गिप(इ)त्तस्त  
 इमेवास्तने से बहा छुट्छा(ए)ने-इ वा अरम्भपाए-इ वा [मत्तिचपाए-इ वा] जाव  
 सेमियताए, बन्धस्त उरमात्तवस्त (अ)मेवास्तने से बहा छुट्छाए इ वा मज्ज-  
 (अ)वमकटिजे-इ वा कटुलोक्काए-इ वा एवामेव उररे छुट्छा[ ], बन्धस्त पा(प)ि-  
 छि(पा)वक(रे)उमाय इमेवास्तने से बहा वात्तवावर्वा-इ वा पात्तवर्वा-इ वा हुंवा-  
 वर्वा-इ वा[ ], बन्धस्त पि(ह)डिक्कटिजे-वाणं अन्वेवास्तने से बहा कन्धवर्वा-इ  
 वा पोक्कवर्वा-इ वा कटुवावर्वा-इ वा एवामेव बन्धस्त त(ह)रक-वन्धस्त अन्व-  
 मेवास्तने से बहा विठ(व)कटिरे-इ वा निक्कपत्ते-इ वा तात्तिर्यटपत्ते-इ वा एवा-  
 मेव बन्धस्त गहावर्वा से बहा-गमपु उमिसेयन्मि-इ वा प(वा)हा(व)या-  
 र्थगुक्तिवा-इ वा अन्वित्त-संगुक्तिवा-इ वा एवामेव बन्धस्त इत्थाने से बहा-  
 छुट्छावर्वा-इ वा कटुपत्ते-इ वा पक्कापत्ते-इ वा ए(व)वामेव बन्धस्त इत्थं-  
 गुक्तिवार्थं से बहा अ(अन्व)कटुगुक्तिवा-इ वा सुम्भ( ) मात्तसंगुक्तिवा-इ वा तदुमिया  
 डिम्मा जावने डिम्मा छुट्छा समानी एवामेव बन्धस्त गीवाए से बहा अर-  
 गीवा-इ वा हुंकिवापीवा-इ वा तव(त्त)हुनवाए-इ वा एवामेव , बन्धस्त बं इष्ट(वा)-  
 वाए से बहा कात्त(व)कटिरे-इ वा कटुवर्वा-इ वा अन्वगुक्तिवा-इ वा एवामेव  
 बन्धस्त-उत्तुर्वा से बहा छुट्छावर्वा-इ वा तिक्कगुक्तिवा-इ वा अन्व(प)-

समोस(द्ध)रण जहा ध-ण्णो तहा सुणक्ख(त्ते-ऽ)त्तो-वि निग्ग(ते)ओ जहा थावच्चापु-  
त्तस्स तहा निक्खमण जाव अणगारे जाए ई-रियासमिए जाव वंमयांरी, तए ण से  
सुणक्खत्ते (अणगारे) जं चेव दिवस समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुंढे  
जाव पव्वइए त चेव दिवसं अभिग्गह तहेव जाव विलमिव [०] आहारेइ सजमेण  
जाव विहरइ [०] वहिया जणवयविहारं विहरइ एक्कारस अगाइ अहिज्झइ [०] सजमेण  
तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ, तए णं से सुणक्खत्ते (अ०) तेणं ओ-रालेण [०]  
जहा खंदओ तेणं कालेण तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए  
राया सामी समोसढे परिसा निग्गया राया निग्गओ धम्मकहा राया पडिगओ परिसा  
पडिगया, तए ण तस्स सुणक्खत्तस्स अण्णया कया-इ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि  
धम्मजा० जहा खदयस्स व(हु)हु वासा परियाओ, गोयमपुच्छा तहेव कहेइ जाव  
सव्वट्ठसिद्धे विमाणे दे(वे)वत्ताए उववण्णे तेत्तीस सागरोवमाई ठिई पण्णत्ता, से णं  
भते !० महाविदे(-वासे)हे सिज्झहिइ ॥ [ (इ०) वी(वी)य अज्झयण समत्त ॥ ]  
एवं (ख० ज०) सुणक्खत्तगमेणं सेसा-वि अट्ठ भाणियव्वा, नवरं आ-णुपुव्वीए  
दोण्णि रायगिहे दोण्णि साएए दोण्णि वाणियग्गामे नवमो हत्थि(ण)णापुरे दसमो  
रायगिहे नवण्ह भद्दाओ जणणीओ नवण्ह-वि षत्तीसओ दाओ नवण्ह निक्खमणं  
थावच्चापुत्तस्स सरिस वेहल्लस्स-पिया करेइ छम्मासा वेहल्लए नव धण्णे सेसारं ब-द्ध  
वासा(इं) मास सलेहणा सव(वे)वट्ठसिद्धे महाविदे-हे सि(ज्झणा)ज्झि(हिं)स्सति [एवं  
दस अज्झयणाणि] । एव खल्ल जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेण तित्थ  
गरेण सयंसंयुद्धेण लोगणाहेणं लोगप्पदीवेण लोगपज्जोयगरेणं अभयदएणं सरण-  
दएण चक्खुदएण मग्गदएणं धम्मदएण धम्मदेसएण धम्मवरचाउरंतचक्खवट्ठिणा  
अप्पडिहयवरणाणदसणधरेणं जिणेण जाणएणं बुद्धेणं बोहएण मोक्खेणं मोयएणं  
तिण्णेणं तारएण सिवमयलमक्यमणंतमक्खयमव्वावाहमपुणरावत्तयं सिद्धिगइणाम-  
भेयं ठाणं सपत्तेग अणुत्तरोववाइयदसाण तच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ६ ॥  
अणुत्तरोववाइयदसाओ समत्ताओ ॥ (अणुत्तरोववाइयदसाणां सुत्त) नवममंग समत्तं ॥  
[अणुत्तरोववाइयदसाण एगो सुयखं० तिण्णि व० तिस्र चेव दिवसेसु उ० तत्थ  
पढमे वग्गे दस उहेस० विइ(वी)ए वग्गे तेरस उहेस० तहए वग्गे दस उहेस०  
सेसं जहा धम्मकहा ने(ना)यव(व)वा ॥ ७ ॥ ]



(मि)म्मीए नरमाने यामात्तुपारी पुन्यमाने जेविस का-नीटी नमरी जेविस सह-सं-  
 नने सज्जाने तेविस उवागए [उवागमिषा] महापडिहई लम्पई जमिन्नामि २ ता  
 संजमेने बाव निहरमि पतिषा निम्नवा तहो(तं)ने बाव पम्पइए बाव निम्नमि  
 जाव आहारए, बन्धस्त ये अयमारस्त पावारी छरीएपन्धो सज्जो बाव  
 छपछेमेमाने २ निहइ, ये तेवोहई तेमिवा । (इमी) एवं पुनर इमासि नरहरसई  
 (समन)साहस्वीय पन्थे अनबारे महाबुद्धरकारए महाभिन्नरवाए येव तए मे से  
 सेमि(ये)ए एवा समस्त अयमये महावीरस्त मति(यी)ए एकमई सोवा निम्नम  
 हइ समने यपने महावीरं निम्नवाते आयाहि(ने)नपवाहिने करो २ ता बंधइ  
 नर्मसइ मे २ ता जेविस बन्धे अयमारो तेविस उवागच्छइ २ ता बन्धे अय-  
 मारं निम्नवाते आयाहि-नपवाहिने करो २ ता न(हे)इह नर्मसइ मे २ ता एवं  
 बन्धो-बन्धे(इ)ति मे तुमे वैवात्तुपिया । सुपुन्ये( ) सज्जाने कनकनने सज्जो  
 मे वैवत्तुपिया । तव मा(म)नुस्तए बन्धनीविषयतिष्ठइ नरह नर्मसइ मे २ ता  
 जेविस सज्जो मयने म्हावीर तेविस उवागच्छइ २ ता समने मयने महावीरं  
 निम्नवाते (बाव) बंधइ नर्मसइ मे २ ता बन्धे नि(सि)ये पन्धम्पू तामेव  
 नि-सं पडियए ॥ ४ ॥ तए मे तस्त बन्धस्त अयमारस्त अन्धवा कना(ही)इ पुन्य  
 एवावरसज्ज(के)समनेति बन्धवापनने इमेवाकने अ(प)न्धमिषए एवं कहु  
 अई इमेव उ-उमेव [ ] बहा कंदने तहोच निता बापुच्छ(वा)ये वैरहि सति  
 नि(अ)उ-उई दुस्(इ)तिइह मातिया संवेष्टया नन्-मा(त)वा परियमे बाव कस-  
 याते कडं निम्न सई बन्धिम बाव नन्-यने(नि)जेव(नि) निमाधस्तवने उई इई  
 हीरइवा सज्जसिद्धे निमाने वैवताए उवबन्धे वैव तहोच उ(त)मंति बाव इमे  
 से बाववरमंडए, मतिमि मयने गोमने तहोच पुच्छइ बहा कंदकस्त मयने बापरेइ  
 बाव सज्जसिद्धे निमाने सज्जाने । बन्धस्त मे मंते । वैवस्त केवदने कडं ठिई  
 कन्धता । गोमना । सेतीसं छापरोकमाई ठिई पन्धता । से मे मंते । ता(त)मो  
 वेवकोपानो (बा ३) कडि नन्धिहि कडि उवबन्धिहि । गोमना । महाभिने(इ)हे  
 यणे तिन्धिहि ५ । त एवं पछ कं । समनेने बाव सेपतेने पन्धस्त अयम-  
 कस्त अयमंते पन्धते ॥ ५ ॥ (इ ति व ) पड(ये)मे अयमकने समने ६ कइ  
 मे मंते । [ ] उववेमयो एवं कहु अई । सेव कडने तेने समएव [क-मीरी  
 (मा ) नवरी (हो ) विवस एवा तए मे] क-मीरीए नवरीए महाभामे उत्त-  
 वाही परिकसइ अहा । तीसं मे यहाए सज्जवाहीए पुते सज्जकते नामे बारए  
 होरवा नहीन बाव उडने नववाएपरिनिबते बहा व(से)न्धो त(हे)वा नटीउमो  
 बन्धो बाव वपि पासावण(के)तिष्ठए निहरइ, तने कडने तेने समएव (सामी)

आसवदारा य संवरदारा य, पडमस्स णं भन्ते । सुयक्कंधस्स समणेण जाव सपत्तेणं  
 कइ अज्झयणा पण्णत्ता १ जम्बू । पडमस्स ण सुयक्कंधस्स समणेण जाव सपत्तेणं  
 पंच अज्झयणा पण्णत्ता, दोयस्स णं भन्ते । १० एव चेव, एएणि ण भन्ते । अण्ण्य-  
 सवराण समणेणं जाव सपत्तेण के अट्ठे पण्णत्ते १, तत्ते णं अज्जमुहम्मो धेरे जज्जामेणं  
 अणगारेण एवं चुत्ते समाणे ज० अणगारं एवं वयासी-) जवू । इणमो अण्ण्यसंवर-  
 विणिच्छय पवयणस्स निस्सद । वोच्छामि णिच्छयत्य मुहाणियत्यं महेसीहिं ॥ १ ॥  
 पचविहो पण्णत्तो जिणे[हिं]हिं इह अण्णो अणासीओ । हिंसामोसमदत्त अव्यम-  
 परिग्गहं चेव ॥ २ ॥ जारिसओ जंनामा जह य वओ जारिस फल देति । जेविय  
 करेति पावा पा(णि)णवह तं निसामेह ॥ ३ ॥ पा-णवहो नाम एस निधं जिणेहिं  
 भणिओ-पाओ चडो रुहो खुहो साहसिओ अणारिओ णिग्घिणो णिस्ससो महम्मओ  
 पइमओ १० अतिभओ वीहणओ तासणओ अणज्जो उव्वेयणओ य णिरवयक्खओ  
 णिद्धम्मो णिप्पिवासो णिक्खुणो णि-रयवासगमणनिधो २० मोहमहम्मयपयट्ठओ  
 मरणावेमणस्सो २२ ॥ पडम अधम्मदारं ॥ १ ॥ तस्स य नामाणि इमाणि  
 गोण्णाणि होंति तीस, तंजहा-पाणवहो १ उम्मूलणा सरीराओ २ अवीसभो ३  
 हिंसविहिंसा ४ तहा अकिष्णं च ५ घायणा ६ मारणा य ७ वहणा ८ उह्वणा ९  
 तिवायणा य १० आरंभरामारंभो ११ आउयकम्मस्सुवह्वो भेयणिट्ठवणगालणा य  
 संवट्ठगसखेवो १२ मच्चू १३ असजमो १४ कडगमहण १५ वोरमण १६ परभव-  
 संकामकारओ १७ दुग्गतिप्पवाओ १८ पावकोवो य १९ पावलोभो २० छविच्छेओ  
 २१ जीवियंतकरणो २२ भयकरो २३ अणकरो य २४ वज्जो २५ परितावणअण्णओ  
 २६ विणासो २७ निज्जवणा २८ लुंपणा २९ गुणाण विराहणात्ति ३० विय तस्स  
 एवमादीणि णामधेजाणि होंति तीसं पाणवहस्स कल्लसस्स कडुयफलदेसगाइ ॥ २ ॥  
 त च पुण करेति केइ पावा अ(र)सजया अविरया अणिहुयपरिणामदुप्पयोगी पाणवहं  
 भयकरं बहुविह बहुप्पगारं परदुक्खप्पायणप्पसत्ता इमेहिं तसयावरेहिं जीवेहिं पडिणि-  
 विट्ठा, किं ते १, पाठीणतिमितिमिगिलअणेगल्लसविविहजातिमदुक्खदुविहक्कच्छभणक्क-  
 मगरदुविहगाहादिलिवेडयमदुयसीमागारपुल्लयसुसुमारवहुप्पगारजलयरविहाणाकत्ते य  
 एवमादी, कुरंगरुसरभचमरसवर(हु)उरब्भससयपसयगोणरोहियहयगयखरकरभ-  
 खग्गवानरगवयविगसियालकोलमज्जारकोलसुण(का)कसिरियंदलगावत्तकोकतियगोक-  
 णमियमहिसविग्घल्लगलकीवि(य)यासाणतरच्छअच्छ(व)भल्लसहूलसीहचिल्लचउप्प-  
 यविहाणाकए य एवमा(यी)दी, अयगरगोणसवराहिमवलि(ओ)उदरदब्भपुप्फ-  
 यासालियमहोरगोरगविहाणक्कए य एवमादी, छीरलसरंघसेहसेहगगोपुं(हु)दरणउ-

नमोऽस्तु यं समनस्त भगवतो नापपुत्रमहावीरस्य

# सुत्तागमे

तस्य णं

पण्हावागरण

नमो अविर्हताय नमो विद्याय नमो आवरिवाय नमो उदयस्तमय नमो मये  
सम्पदाय । (तेन अयेन तेन समएव वंसा-नाम नयरी होत्वा पुत्रमेव उज्जये  
अखेयवरपात्रये पुत्रमिच्छिष्यपुत्र, तत्वं नं वंसाय नयरीयु बोधिए नाम उज्ज  
होत्वा, वारिदी देदी तेन अयेन तेन समएव समनस्त भगवतो महावीरस्य  
अविवाही अज्जसम्मये नाम धेरे आपसंपणे कुम्भसंपणे वत्ससंपणे वससंपणे निवस-  
संपणे नयसंपणे ईसवसंपणे अरिससंपणे लज्जासंपणे अपयससंपणे ओवसी  
तेनसी वससी वससी विवसीदे विवमये विवसाय विवमये विवमि विव-  
ईरिए विवपरीसदे जीमिवात्मनमवमिप्पमुळे तवप्पहाये पुनप्पहाये सुतिप्प-  
हाये विज्जाप्पहाये मत्तप्पहाये वमप्पहाये नयप्पहाये निवमप्पहाये  
एवप्पहाये सोवप्पहाये नावप्पहाये ईसवप्पहाये अरिसप्पहाये ओरसपुम्मी  
अडमनोवयय वंसाय अमप्पसपण्हे तदि संरिपुडे पुम्मापुम्भि वरमाये  
वमप्पुमाये पुत्रमाय विवेव वंसा न(स)यरी तेवेव उवागच्छा वाव अवापविस्सं  
सराय् अमिबिहिता संममेयं तवसा अप्पायं भाधियाये निहरति । तेन अयेन  
तेन समएव अज्जसम्मस्य अविवाही अज्जसम्म नाम अमगारे अज्जसम्मतिव  
सपुत्तेदे वाव संयित्तमिपुत्ततेमकेस्से अज्जसम्मस्य वेरस्य अज्जसम्मते वपु-  
आय वाव संममेयं तवसा अप्पायं भाधियाये निहरति । तए नं से अज्जसम्म  
अवसहे वावससए जाययेइहे अप्पवस(जे)हे १ संजायस-हे १ समुप्पवस-हे  
१ वडाए वडाए १ ता वेवेव अज्जसम्मये वेरे तेवव उवागच्छा १ ता अज्जसम्म  
म(ये)म वे(रे)म विवपुत्ते वावविववविहिं करे १ ता वरर नमनइ वं १ ता  
नवातये नाइहे विवएव वंविपुत्ते वज्जवसमाये एव ववाही-अइ वं मति । सम-  
मेयं अयववा महावीरेन वाव संरतेयं ववमस्य अंगस्य अनुपटीववाइववताय अ-  
मडे व इयमस्य वं (मं) अवस्य ववावायववायं समवयं वाव संरतेयं के अहे  
५ । अइ । इयमस्य अवस्य सममेयं वाव संरतेयं हो तववयंसा एवम-



अण्णेहि य एवमादिएहिं वहिं कारणसतेहिं हिंसन्ति ते तरुणे भणिता एवमापी  
सत्ते सत्तपरिवज्जिया उवहणन्ति दढमूढा दारुणमती कोहा माणा माया लोमा  
हस्सरती अरती सोय-वेदत्थी जीयकामत्यधम्महेउं सबसा अवसा अट्ठा अणट्ठाए  
य तसपाणे थावरे य हिंसंति (हिंसति) मंदबुद्धी सबसा हणति अवसा हणंति  
सबसा अवसा दुहओ हणंति अट्ठा हणंति अणट्ठा हणति अट्ठा अणट्ठा दुहओ  
हणति हस्सा हणति वेरा हणंति रती-य हणंति हस्सवेरारती य हणति कुद्धा हणंति  
लुद्धा हणंति मुद्धा हणंति कुद्धा लुद्धा मुद्धा हणंति अत्था हणंति धम्मा हणंति कामा  
हणंति अत्था धम्मा कामा हणंति ॥ ३ ॥ कयरे ते १, जे ते सोयरिया मच्छब्बा  
साउणिया वाहा कूरकम्मा वाउरिया धीवितवंधणप्पओगतप्पगलजालवीरल्लगायसी-  
दब्बवग्गुराकूडछेलिहत्था (धीविया) हरिएसा[सा]उणिया य वीदसगपासहत्था वण-  
चरगा लुद्धयमहुघातपोतथाया एणीयारा पण्णियारा सरदहवीहिअतलागपल्लपरि-  
गालणमलणसोत्तवंधणसलिलासयसोसगा विसगरस्स य दायगा उत्तणवत्तरदवगि-  
णिहयपलीवका कूरकम्मकारी इमे य वहवे मिलक्खुजाती, के ते १, सकजवणस[व]-  
वरब्बवरगायमुखोदमडगतिपियपक्कणियकुलक्खगोडसीहलपारसकौचधदविल(चि)  
विहल्लपुल्लिंदओरसडोबपोक्कणगघहारगबहलीयजल्लरोममासबउसमलया चुचुया य  
चूलिया कौकणगा मेतपण्हवमालवमहुरआमासियाअणक्कचीणल्हासियखसखासिया  
नेहुरमरहट्टमुट्ठि(अ)यआरवडोबिलगकुहणकेकयहूणरोमगरुमरुणा चिलायविसय  
वासी य पावमतिणो जलयरथलयरसणप्फतोरगखइचरसडासतौडजीवोव(ग)घाय-  
जीवी सण्णी य असण्णिणो य पज्जता अन्नमल्लेस्सपरिणामा एते अण्णे य  
एवमावी करेंति पाणातिवायकरण पावा पावाभिगमा पावरुई पाणवहकयरती  
पाणवहल्लाणुट्ठाणा पाणवहकहासु अभिरमता वुट्ठा पावं करेत्तु हों(हो)ति य बहु-  
प्पगारं । तस्स य पावस्स फलविवाग अयाणमाणा वहुंति महब्भयं अविस्साम-  
वेयणं धीइकालबहुदुक्खसंसकटं नरयतिरिक्खजोणिं, इओ आउक्खए चुया अन्नमक-  
म्मबहुला उववज्जंति नरएसु हुलितं महालएसु वयरामयकुट्ठदनिस्संधिदारविरहिय-  
निम्महवभूमितलखरामरिसविसमणिरयघरचारएसुं महोसिणसया[व]पतत्तदुगंधवि-  
स्सउव्वेयजणगेसु भीमच्छदरिसणिज्जेसु निब्ब हिमपडलसीयलेसु कालोभासेसु य  
भीमगंभीरलोमहरिसणेसु गिरभिरामेसु निप्पडियारवाहिरोगजरापीलिएसु अतीव-  
निब्बधकारतिमिस्सेसु पतिमएसु ववगयगहचदसूरणक्खत्तजोइसेसु मेयवसामंसपडल-  
पोच्चट्ठपूयरुहिरुक्खिण्णविलीणचिक्कणरसियावावण्णकुहियचिक्खल्लकइमेसु कुक्कूलानल-  
पलित्तजालमुम्मुरअसिक्खुरकरवत्तधारासुनिसितविच्छुयडंकनिवातोवम्मफरिसअति-



से परो पाए आमजिज वा पयजिज वा नो तं सायए नो तं नियमे  
 पादाई संवाहेज वा पस्मिदिज वा नो तं सायए नो तं नियमे  
 पादाई फुसेज वा रएज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिवा से  
 तेलेण वा घएण वा मक्खेज वा अम्भिमिज वा नो तं सायए नो तं  
 सिया से परो पादाई लोहेण वा क्खेण वा पुजेण वा वणेण वा  
 उव्वलिज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिवा से परो पादाई  
 डेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोकेज वा पघोएज वा नो तं  
 नियमे, सिवा से परो पादाई अण्णवरेण विखेणजाएण आलिपेज वा  
 वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिवा से परो पादाई अण्णवरेण धूवणजाएण  
 वा पघूवेज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिवा से परो पादाई  
 कंटवं वा जीहरेज वा विसोहेज वा नो तं सायए नो तं नियमे । सिवा  
 पादाओ पूयं वा सोमियं वा जीहरेज वा विसोहेज वा नो तं सायए  
 नियमे ॥ ९७० ॥ सिवा से परो कार्यं आमजेज वा पमजेज वा नो तं  
 नो तं नियमे, सिवा से परो कार्यं लोटेण वा संवाहिज वा पस्मिदिज वा  
 सायए नो तं नियमे, सिवा से परो कार्यं तेलेण वा घएण वा मक्खेज वा  
 अम्भिमिज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिवा से परो कार्यं लोहेण वा क्खेण  
 वा पुजेण वा वणेण वा उलोहिज वा उव्वलिज वा नो तं सायए नो तं  
 नियमे सिवा से परो कार्यं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छो-  
 केज वा पघोएज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिवा से परो कार्यं अण्णवरेण  
 विखेणजाएण आलिपेज वा, विलिपेज वा, नो तं सायए, नो तं नियमे । सिवा से  
 परो कार्यं अण्णवरेण धूवणजाएण धूवेज वा, पघूवेज वा, नो तं सायए नो तं  
 नियमे ॥ ९७१ ॥ सिवा से परो कार्यं वणं आमजेज वा पमजेज वा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिवा से परो कार्यं वणं संवाहेज वा पस्मिदिज वा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिवा से परो कार्यं वणं तेलेण वा घएण वा मक्खेज वा  
 अम्भिमिज वा, नो तं सायए नो तं नियमे । सिवा से परो कार्यं वणं लोहेण वा  
 क्खेण वा पुजेण वा वणेण वा उलोहिज वा उव्वलेज वा नो तं सायए नो तं  
 नियमे, सिवा से परो कार्यं वणं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छो-  
 केज वा पघोवेज वा नो तं सायए नो तं नियमे ॥ ९७२ ॥ से सिवा परो कार्यं  
 वणं अण्णवरेण विखेणजाएण आलिपेज वा विलिपेज वा नो तं २। सिवा से परो  
 कार्यं वणं अण्णवरेण धूवणजाएण धूवेज वा प० नो तं ० २। सिवा से परो कार्यं



ढिकरकयसत्तिहलगयमुसलचगकोनतोमरसूललउलभिडिमालस[इ]रुलपटिमबम्मेट्ट-  
 दुहणमुट्टियंअसिनेट्टगग्गाचावनारा(यं)यरुणकरुप्पणियात्तिपरमुट्टंअतिरुग्गनिम्मल-  
 षण्णेहि य ए(य)वमादिएहिं अमुभेहिं येउच्चिएहिं पहरणगतोहिं अणुवदतिव्यवेरा परो-  
 प्परवेयण उदीरेति अभिहणंता, तत्थ य मोगगरपहारजुणियमुट्टिसभग्गमहितदेहा  
 जतोवपीलणफुरंतस्सपिया केइत्थ सचम्मका विगत्ता गिम्मूल(छ)ग्गग्गोठ्ठासिका  
 छिण्णहत्थपादा अतिकरुत्थतिस्सग्गोतपरत्तुप्पहारफालियमासीसंनच्छिंमंगा कल-  
 कलमाणस्यारपरित्तगाडउज्जंतगतत्तुतग्गभिण्णजज्जरियग्गग्गदेहा विलोलंति मही-  
 तले (निग्गयग्गजीहा) विसुणियग्गमंगा, तत्थ य विग्गमुग्गगत्थियालकाकमज्जारसरमं  
 दीवियवियग्गगसइलसीहदप्पियग्गहाभिभूतेहिं णिचकालमणत्तिएहिं घोरा-SS-रसमा-  
 मीनरुवेहिं अपमिता दडदाढागाउउय रुग्गियउत्तिरुग्गनहफालियउददेहा विन्डिण्णंते  
 समंतओ विमुप्पसंधिग्गधणाविग्गमंगा करुक्कुररगिद्धघोरफट्टवायमग्गणेहि य पुणो गर-  
 यिरदठणक्कनलोहत्तुंटेहिं ओवत्तिता पग्गग्गहयत्तिक्कणग्गविक्किज्जिचभट्टियनयानि-  
 (द्ध)इओलुग्गविगतवयणा, उप्पोसता य उप्पयता निपतंता भमता पुब्बक्कम्मोदयो-  
 वग्गता पच्छाणुस[ये]एण उज्जमाणा णिर्दता पुरेकडाइं कम्मोइं पावगाड तहिं २ तारि-  
 साणि ओसन्नचिष्णोइं दुक्कुरात्ति अणुभविता ततो य आउक्करएण उव्वट्ठिया समाणा  
 वहवे उच्छति तिरियवसहिं दुक्कुरत्तरं सुदारुण जम्मणमरणजरावाहिपरियट्टारहट्ट  
 जलथलखहचरपरोप्परविहिंसणपत्रच इमं च जग्गपागउ घरा[का]गा दुक्ख पावेन्ति  
 दीहकाल, किं ते १, सीउण्हत्तण्हाउहवेयणअप्पइंकारअठविजम्मणणियमउच्चि-  
 गग्गवासजग्गणवहवधणताउगकणनिवायणअट्टिभजणनासाभेयप्पहारदूमणछविच्छेय-  
 णअभिओगपावणरुसंकुत्तारनिवायदमणाणि वाहणाणि य मायापितिविप्पयोगेसोयप-  
 रिपीलणाणि य सत्थग्गिविसाभिधायगलगवलआवलणमारणाणि य गल्लजालुच्छि-  
 पणाणि प(ओ)उलण-विकप्पणाणि य जावज्जीवि[क]ग्गवधणाणि पजरनिरोहणाणि  
 य सयूहनिद्धाडणाणि धमणाणि य दोहणाणि य कुदडगलउधणाणि वाडगपरिवार-  
 णाणि य पक्कजलनिमज्जणाणि (य) वारिप्पवेसणाणि य ओवायणिभग्गविसमणिवडणद-  
 वग्गिजालदहणाइं य, एवं ते दुक्कुरसयसपत्तिता नरगाउ आगया इहं सावसेस-  
 कम्मो तिरिक्खपचेदिएसु पारिवि पावकारी कम्मोणि पमायरागदोसवहुसंचियाइं  
 अतीव अस्सायक्कसाइ भमरमसग्गमच्छिमाइएसु य जाइकुलकोडिसयसहस्सेहिं  
 नवहिं चउरिंदियाण तहिं तहिं चेव जम्मणमरणाणि अणुभवता कालं सखेज्जक  
 भमंति नेरइ[अ]यसमाणातिव्वदुक्खा फरिसरसणघाणचक्खुसहिया तहेव तेइंदिएसु  
 कुंयुपिप्पीलिकाअवधिकादिक्केसु य जातिकुलकोडिसयसहस्सेहिं अट्टहिं अणूणएहिं



साहुगरहणिजं परपीलाकारकं परमकिण्हेस्ससहिय दुग्गइविणिवायवङ्गणं भवपुण-  
 ञ्मवकरं चिरपरिचियमणुगतं दुरन्तं किति(र्यं)तं वितितं अधम्मदारं ॥ ५ ॥ तस्स  
 य णामाणि गोण्णाणि होति तीसं, तजहा-अलियं १ सठ २ अणञ्ज ३ मायामोसो  
 ४ असंतर्कं ५ कूडकवडमवत्युगं च ६ निरत्वयमवत्ययं च ७ विहेसगरहणिजं  
 ८ अणुजुं ९ कक्कणा य १० वंचणा य ११ मिच्छापच्छाकडं च १२ साठी उ  
 १३ उच्छन्नं १४ उकूलं च १५ अट्ट १६ अब्भक्खाणं च १७ किन्विसं १८ वल्यं  
 १९ गहणं च २० मम्मणं च २१ नूर्मं २२ निय(ही)यी २३ अप्पञ्चओ २४ अस  
 मओ २५ असच्चसंधत्तणं २६ विवक्खो २७ अवही(आणाइ)यं २८ उवहिअसुद्धं  
 २९ अवलोवोत्ति ३०, अविय तस्स एयाणि एवमादीणि नामधेज्जाणि होति तीसं  
 सावज्जस्स अलियस्स वड्जोगस्स अणेगाई ॥ ६ ॥ तं च पुण वदति के[ई]इ अलियं  
 पावा असजया अविरया क्वडकुडिलकड्डयचट्टलभावा कुद्धा लुद्धा भया य इस्स  
 द्विया य सक्खी चोरचारभडा खडरक्खा जियजूईकरा य गहियगहणा कक्कुरा-  
 कारगा कुलिगी उवहिया वाणियगा य कूडतुलकूडमाणी कुडकाहावणोवजीवी  
 पडगारकलायकारुज्जा वंचणपरा चारियचाटुयारनगरगोत्तियपरिचारगा दुट्ठवायि-  
 सूयकअणवलमणिया य पुब्बकालियवयणदच्छा साहसिका लहुस्सगा असच्चा गार  
 विया असच्चट्ठावणाहिचिन्ता उच्चच्छंदा अणिग्गहा अणियता छंदेण मुक्कवाता  
 भवंति अलियाहिं जे अविरया, अवरे नत्थिकवादिणो वामलोकवादी भणंति नत्थि  
 जीवो न जाइ इह परे वा लोए न य किंचिवि फुसति पुत्तपावं नत्थि फल सुक्कय-  
 दुक्कयाण पंचमहाभूतियं सरीरं भासंति हे । वातजोगजुत्त, पंच य खवे भणति केई,  
 मण च मणजीविका वदंति, वाउजीवोत्ति एवमाहसु, सरीरं सादियं सनिधण इह-  
 भवे एगे भवे तस्स विप्पणासंमि सव्वनासोत्ति, एवं जपति मुसावादी, तम्हा  
 दाणवयपोसहारणं तवसजमवंभचेरक्कल्लणमाइयाण नत्थि फल नवि य पाणव[हि]ह-  
 अलियवयणं न चेव चोरिक्ककरणपरदारसेवणं वा सपरिग्गहपावकम्मकरणं-पि नत्थि  
 किंचि न नेरइयतिरियमणुयाण जोणी न देवलोको वा अत्थि न य अत्थि सिद्धि-  
 गमणं अम्मापियरो नत्थि नवि अत्थि पुरिसकारो पच्चक्खाणमवि नत्थि नवि अत्थि  
 कालमच्चू य अरिहंता चक्कवट्ठी बलदेवा वासुदेवा नत्थि नेवत्थि के[वि]इ रिसओ  
 धम्माधम्मफलं च नवि अत्थि किंचि बहुयं च थोवकं वा, तम्हा एव विजाणिरुण  
 जहा सुवहु ईदियाणुकूलेसु सव्वविसएसु वट्ठह णत्थि काइ किरिया वा अकिरिया  
 वा एवं भणंति नत्थिकवादिणो वामलोगवादी, इमंपि वितीय कुदसणं असब्भाववा-  
 इणो पण्णवेत्ति मूढा-संभूतो अट्ठकाओ लोको सयभुणा सयं च निम्मिओ, एवं एय.

[illegible]



नगरगोप्तियाण लल्लणनिष्ठणधमणदुहणपोसणवणणदवणवाहणादियाई साहिति  
 चहूणि गोमियाण धातुमणितिलप्पवालरयणागरे य साहिति आगरीण पुप्फविहिं  
 फलविहिं च साहिति मालियाण अग्घमहुकोसए य साहिति वणचराण जताई  
 विसाई मूलकम्म आ(हिंव्व)हेवण[आविधण]आभिओगमतोसहिप्पओगे चोरियपर-  
 दारगमणवहुपावकम्मकरुण उक्खधे गामधातियाओ वणदहणतलागभेयणाणि युद्धि-  
 विसविणासणाणि वसीकरणमादियाई भयमरणकिळेसदोसजणणाणि भाववहुसकि  
 लिट्टमलिणाणि भूतधातोवधातियाई सच्चाईपि ताई हिंमकाई वयणाई उदाहरंति  
 पुट्ठा वा अपुट्ठा वा परतत्तियवाचडा य असमिक्खियभासिणो उवदिसति सहसा  
 उट्ठा गोणा गवया दमतु परिणयवया अस्सा हत्थी गवेलगकुमुडा य किज्जु  
 किणावेध य विक्केह पयह य सयणस्स देह पियय दासिदासभयकभाइका य सिस्सा  
 य पेसकजणो कम्मकरा य किकरा य एए सयणपरिजणो य कीस अच्छति [?] भारिया  
 भे क(रित्तु)रित्तु कम्म गहणाई वणाई खेत्तयिलभूमिवत्त्राई उत्तणवणसकडाई डज्जंतु  
 सूडिज्जु य स्क्खत्ता भिज्जु जतभडाइयस्स उवहिस्स कारणाए बहुविहस्स य  
 अट्ठाए उच्छू दुज्जु पीलिज्जु य तिला पयावेह य इट्ठकाउ मम घरट्ठयाए खेताई  
 कसह कसावेह य लहुं गामआगरनगरखेडकवरडे निवेसेह अडवीदेसेसु विपुल-  
 सीमे पुप्फाणि य फलाणि य कंदमूलाई कालपत्ताइ गेण्हेह करेह सचय परिजणठ  
 याए साली वीही जवा य लुचतु मलिज्जु उप(फ)पणिज्जंतु य लहुं च पविसंतु य  
 कोट्टागार अप्पमहउक्कोसगा य हमतु पोयसत्या सेणा णिज्जाउ जाउ डमर घोरा  
 वट्तु य सगामा पवहतु य सगडवाहणाइ उवणयण चोलग विवाहो जन्नो अमु-  
 गम्मि उ होउ दिवसे सुकरणे सुमुहुत्ते सुनक्खत्ते सुतिहिस्स य अज होउ ण्हवण  
 मुदित बहुखज्जपिज्जकलिय कोतुक विण्हावणक सतिकम्माणि कुणह सत्थिरविगहोव-  
 रागविसमेसु सज्जणपरियणस्स य नियकस्स य जीवियस्स परिरक्खणट्ठयाए पडि-  
 सीसकाइ च देह देह य सीसोवहारे विविहोसहिमज्जमसभक्खत्तपाणमल्लणुलेवणपई-  
 वजलिउज्जलसुगाधिधूवावकारपुप्फफलसमिद्धे पायच्छित्ते करेह पाणाइवायकरणेणं  
 बहुविहेणं विवरीउप्पायदुस्सुमिणपावसउणअसोमग्गहचरियअमगलनिमित्तपडिघाय-  
 हेउं वित्तिच्छेयं करेह मा देह किंवि दाण सुद्धु हवो सुद्धु हवो सुद्धु छिन्नो भिन्नति  
 उवदिसता एवविह करंति अलियं मणेण वायाए कम्मुणा य अकुसला अणज्जा अलि-  
 याणा अलियधम्मणिरया अलियासु कहासु अमिरमता तुट्ठा अलियं करेत्तु हों-ति  
 य बहुप्पयारं ॥ ७ ॥ तस्स य अलियस्स फलविवारं अयाणमाणा वड्ढेति महब्भयं  
 अविस्सामवेयणं दीहकालं बहुदुक्खसंसकटं नरयतिरियजोणिं तेण य अलिण्ण समणुबद्धा



वसण २६ इच्छामुच्छा य २७ तण्हागेहि २८ नियडिक्कम्मं २९ अपरच्छति ३०  
 विय तस्स एयाणि एवमादीणि नामधेज्जाणि होति तीस अदिभादाणस्स पावकलिक्कु-  
 सकम्मवहुलस्स अपेगाइ ॥ १० ॥ त पुण करेति चोरिय तक्का परदम्बहरा हेया  
 कयकरणलद्धलक्खा साहसिया लहुस्सगा अतिमहिच्छलोभग(च्छा)त्या दहरओवी-  
 लका य गेहिया अहिमरा अणभंजकभग्गसंधिया रायदुट्टकारी य विसयनिच्छूलोक्क-  
 चज्झा उहोहकगामघाययपुरघायगर्पघायगआलीवगतित्यमेया लहुहत्तसपठता  
 जूहकरा खडरक्कत्थीचोरपुरिसचोरसंधिच्छेया य गंधिभेदगपरघणहरणलोमावहार-  
 अक्खेवी हडकारका निम्महगगूढचोरकगोचोरगअस्सचोरगदासिचोरा य एकचोरा  
 ओक्ककसंपदायकउच्छिपक्कसत्थघायकविल(चोरी)कोलीकारका य निग्गाहविप्पलुपगा  
 बहुविहत्तेणिक्कहरणयुद्धी, एते अणे य एवमादी परस्स दब्बा हि जे अविरया । विपुल-  
 बलपरिग्गहा य यहवे रायाणो परघणमि गिद्धा सए व दब्बे असत्तुट्ठा परविसए अहिह-  
 णंति ते लुद्धा परघणस्स कज्जे चउरंग(सम)विभत्तवलसमग्गा निच्छिठयवरजोहजुद्धस-  
 द्दियअहमहमितिदप्पिएहिं [सेजेहिं] सपरिवुडा पठमसगडसूचक्कसागरगरुलवूहाति  
 एहिं अणिएहिं उत्तरंता अभिभूय हरंति परघणाइं अवरे रणसीसलद्धलक्खा संगम-  
 [मि] अतिवयति सन्नद्धवदपरियरउप्पीलियचिघपट्टगहियाउहपहरणा माढि(गुड)वर-  
 वम्मगुडिया आविद्धजालिका कवयककडइया उरसिरमुहबद्धकठतोणमाइतवरफलहर-  
 चितपहकरसरहसखरचावकरकरंछियसुनिसितसरवरिसचडकरक(भंते)मुयतघणचड-  
 वेगधारानिवायमग्गे अणेगधणुमडलगसंधिताउच्छलियसत्तिकणगवामकरगहिय-  
 खेडगनिम्मलनिकिडुखग्गपहरंतकोततोमरचक्कगयापरसमुसललंगलसूललडलभिड-  
 मालासब्बलपट्टिसचम्मेदुधणमोद्वियमोगगरवरफलहजतपत्तरदुहणतोणकुवेणीपीड-  
 कलियईलीपहरणमिलिमिलिमिलितस्तिप्पतविजुज्जलविरचितसमप्पहणमतले फुडप-  
 हरणे महारणसंखभेरिवरतूरपठरपडुप(हडा)डहाहयणिणायगंभीरणदितपक्खुभिय-  
 विपुलघोसे हयगयरहजोहतुरितपसरितउद्धततमधकारबहुले कातरनरणयणहियया-  
 उलकरे विलुलियउक्कडवरमउडतिरीडकुडलोडुदामाओविय[म्मि]पागडपडागउसिय-  
 प्पञ्जयवेजयतिचामरचलतठत्तधकारगम्भीरे हयहेसियहत्थियगुलुगुलाइयरहघणघणाइ-  
 यपाइक्कहरहराइयअ(फा)फोडियसीहना[या]यछेलियविषुदुक्कुडकठगयसहमीमगज्जिए  
 सयरहहसतस्संतकलकलरवे आसणियवयणकुहे]इमीमदसणाधरोट्टगाडद[ट्टे](द)-  
 डसप्प[ह]हार(कर)णुज्जयकरे अमरिसवसतिव्वरत्तनिहारितच्छे वेरदिट्टिक्कुद्धचिद्विय-  
 तिवलीक्कुडिलभिउडिकयनिलाडे बहपरिणयनरसहस्सविक्रमवियभियबले वगंततुर-  
 गरहपहावियसमरभडा आवडियछेयलाघवपहारसाधिता समूसवियबाहुजुय(लं)ले



त्रियसुरगदरदहृदित्तरे कृत्स्नित्तपगाभगागाति पीतप्रहृतिभनंनम(य)र्ग  
 करं जनुगतिभिगर्गते पूयत्यपोगर्गं वेयास्तुद्विगनिगुद्वत्ताहिताहृतिनपीह  
 कनिरभिरामे अनितुविगभयीभन्तर्दासगिजे सुषाणवगगुणपरं नारागिर्गि-  
 परवितममावयतमागुलागु गहृति किंरिसेता श्रीतावतातिगमरीता दहृच्छी  
 निरुतिरियभाउत्तुगगमभारवेगिजाणि पारम्माणि वेगिगता सुदभरउत्त  
 पाणभोयणा पिवाधिया शुश्रिया तिलना मसुगिगिगदगूलजकिरिहयादारा उजिगता  
 उप्पुया अमरणा अदवीवासं वेति यालत्तमंरगिजे अयगगता ताग भगंरता  
 का(कम्)म हरागोति अज्ज दव्य इति मागत्य ररति गुज्जं यनुयस्य जागस  
 कज्जकरणेउ विग्घराग मातपनत्तपुगवीगत्यउत्तिहपाती यमणज्जुरणउ हरणुदी  
 विगज्व कृत्स्नमहिया परंति नरयतिमत्तायमतिताग मत्तज्जगुत्तुछिया तात्मांति  
 पावकम्मफागी अज्जभपरिणया य दुराभागी पिचात्तदुदमत्तिउदमगा इहन्तेके  
 चेव किलिस्सता परदव्यहरा नरा यमणायममावणा ॥ ११ ॥ तदेव के परस्स  
 दव्य गवेममाणा गहिता य हया य यद्धस्सा य सुरिय अणिभाटिया पुरयं सुमपिवा  
 चोरगहचारभउचाटुगण तेहि य कप्पटणहारिहयधारनित्यारफग्गयाग-  
 तज्जणगलच्छादुच्छाणाहि विमणा चारगवसहि पवेरिया निग्गवसाहिगारिस्स तत्पवि  
 गोम्मियप्पहारदूमणनिग्गमच्छणउदुयवराणभेगण(गभया)गाभिभूया अग्निातनियं-  
 सणा मलिणदउत्तिउत्तिवसणा उज्जोडालचपायनग्गपरायणेहि (दुग्गासमुदीरणेहि)  
 गोम्मियभदेहि विविहेहि यधणेहि, किं ते?, इट्ठिनिगद[या]गालरज्जुयुदद  
 गवरत्तलोहस कलहृत्तदुयवज्जपट्टदामकगिक्कोउणेहि अचेहि य एग्मादिएहि गोम्मिक-  
 भटोवकरणेहि दुक्कवसमुदीरणेहि संकोउ[ण]मोठणाहि यज्जंति मट्ठुग्गा संपुउ-  
 कवाटलोहपजरभूमिधरनिरोहवूवचारगकीलगजूचयविततयधणसाभालणउद्वलण-  
 वंधणविहम्मणाहि य विहेटयन्ता अवकोटकगाठउरसिरवद्धउत्तपूरितफुरंतवरकउग-  
 मोठणाभेडणाहि यद्धा य नीससता सीसावेड[उ]ऊदया[व]लचप्पट्टासंधिवधणतत्त-  
 सलागसुइयाकोडणाणि तच्छणविमाणणाणि य स्सारकडुयतित्तनावणजायणाकारण-  
 सयाणि बहुयाणि पावियता उरक्खोढीदिग्गगाटपेहणअट्टिक्सभग्गमुपसुलीगा गलका-  
 लक्खोहदंडउरउदरवत्ति पिट्ठि परिपीलिता म[त्त्यं]च्छतहिययसचुण्णिय(गुपं)गमंगा  
 आणसीकिंकरेहि केति अविराहियवेरिएहि जमपुरिसमधिहेहि पट्टया ते तत्त  
 मंदपुण्णा चडवेलावज्जपट्टपाराइट्ठियकसलतवरत्त[नि]वेत्तप्पहारसयतालियगमंगा  
 किवणा लंबतचम्मवणवेयणविमुहियमणा घणकोटिमनियलज्जुयलसकोडियमोडिया य  
 कीरंति निरुच्चार एया अजा य एवमादीओ वेयणाओ पावा पावेति अदन्तिदिया

धनं अन्नदरेण सत्त्वभाएण अण्डिरिज वा मिण्डिरिज वा प नो तं १। सिवा से  
 परो कर्बसि धनं अन्न सत्त्वभाएण अण्डिरिजा वा मिण्डिरिजा वा पूर्ण वा खेमिर्ण  
 वा बीहरेज वा मि नो तं २। सिवा से परो कर्बसि धनं वा अण्डं वा पुनर्धनं  
 वा मर्पदलं वा आमजेज वा पमजेज वा नो तं सावए नो तं निवमे । सिवा से  
 परो कर्बसि धनं वा अण्डं वा पुनर्धनं वा मर्पदलं वा संवाहेज वा  
 पठिमैज वा नो तं सावए नो तं निवमे सिवा से परो कर्बसि धनं वा वाय  
 मर्गदलं वा तलेन वा मएन वा मण्डजेज वा अभिगेजेज वा नो तं सावए नो तं  
 निवमे । सिवा से कर्बसि धनं वा वाय मर्गदलं वा लोहेन वा वज्रेन वा कुचेन वा  
 वन्धेन वा कम्पेजिज वा कम्पकेज वा नो तं सावए नो तं निवमे । सिवा से परो  
 कर्बसि धनं वा मर्पदलं वा सीमोदपनिबदेन वा वसिनोदपनिबदेन वा उच्छे-  
 केज वा पचोदेज वा नो तं सावए, नो तं निवमे सिवा से परो कर्बसि धनं वा  
 वाय मण्डदलं वा अन्नदरेण सत्त्वभाएण अण्डिरिज मिण्डिरिज वा सिवा से परो  
 अन्नदरेण सत्त्वभाएण अण्डिरिजा वा २ पूर्ण वा खेमिर्ण वा बीहरेज वा नो तं  
 सावए नो तं निवमे ॥ १५०३ ॥ सिवा से परो कर्बसि धनं वा कर्बं वा बीहरेज वा  
 मिण्डिरिज वा नो तं सावए नो तं निवमे ॥ १५०४ ॥ सिवा से परो अण्डिमर्णं कण्ठमर्णं  
 वा इंसमर्णं वा मण्डमर्णं वा बीहरेज वा मिण्डिरिज वा नो तं सावए नो तं निवमे  
 ॥ १५०५ ॥ सिवा से परो धीहार्दं वाक्यार्दं, धीहार्दं रोमाार्दं, धीहार्दं मनुहार्दं, धीहार्दं कनक-  
 रोमाार्दं, धीहार्दं वसिरोमाार्दं, कपेज वा संठेज वा नो तं सावए नो तं निवमे  
 ॥ १५०६ ॥ सिवा से परो सीधामो जिह्वार्धं वा पूर्णं वा बीहरेज वा मिण्डिरिज वा नो तं  
 सावए नो तं निवमे ॥ १५०७ ॥ सिवा से परो कर्बसि पश्चिर्बसि वा सुबधमित्र  
 पाहार्दं आमजिज वा पमजिज वा एणं द्विष्टिमो पमो पावाणि माविबन्धो  
 सिवा से परो कर्बसि वा पश्चिर्बसि वा सुबधमित्रा द्वारं वा अन्नद्वारं वा ठरत्तं  
 वा गेर्बेनं वा मठर्बं वा पाकंनं वा अन्नमधुरं वा आभिरिज वा विभिरिज वा  
 नो तं सावए नो तं निवमे ॥ १५०८ ॥ सिवा से परो कारुण्यसि वा उज्जार्णसि वा  
 बीहरेज वा पण्डिरिजा वा पावाार्दं आमजिज वा पमजेज वा नो तं सावए नो  
 तं निवमे ॥ १५०९ ॥ एणं वेकन्वा अन्नमन्नमिहिरिजाणि ॥ १५१० ॥ सिवा से परो  
 छेर्बं वरुकेर्बं सेहर्बं आण्डे सिवा से परो अण्डेर्बं वसिधकेर्बं सेहर्बं आण्डे,  
 सिवा से परो गिष्मवस्स सविताणि कंदानि वा मूषानि वा ठवानि वा हरेवानि  
 वा कपिण्णु वा कट्टिण्णु वा कट्टमिण्णु वा सेहर्बं आण्डमिजा नो तं सावए  
 नो तं निवमे ॥ १५११ ॥ कट्टवेकन्वा पालयूत्तमीवत्ता वेकन्वं विरेति ॥ १५१२ ॥

मउति पायो वुट्टेणं जगेण हम्ममाणा लज्जायणका य होति सयणस्तयि-य दीहरालं  
 मया संता, पुणो परलोगसमायत्ता नरए गच्छंति निरभिरागे अंगारपन्ति कुरुप-  
 अत्यसीतयेदणअस्तावदिभसयतदुक्कासयसमभि(भू)हुते ततोपि उप्पट्ठि-  
 समाणा पुणोपि प(ट्ठि)घञ्जति तिरियजोणिं तहिंपि निरयोवमं अणुहवति वेयण, ते  
 अणंतकालेण जति नाम कहिं(चि वि)पि मणुयभावं लभंति नेगेहिं निरयगतिगमगति  
 रीयभवसयसहस्सपरियट्ठेहिं तत्तयवि-य भवं[त]तिऽणारिया नीचउत्तमुप्पण्णा  
 आरियजनेवि लोगवज्जा तिरिक्काभूता य अकुसला कामभोगतिस्त्रिया जहिं नियंपंति  
 निरयवत्तणिभवप्पवंचकरणपणेहि पुणोपि संसा(र)रावतनेममूळे धम्ममुतिविवज्जिया  
 अणज्जा वूरा मिच्छतमुत्तिपयजा य होति एगतदंष्टरुणो चेत्ता कोसिकारकीटोव  
 अप्पगं अट्टकम्मतंतुपणयधणेण एव नरगतिरियनरअमरगमणपेरंतचच्चाल जम्म-  
 ज्जामरणकरणगम्मीरदुक्कापगुभियपवरमलिलं संजोगवि[यो]ओगवीचींचितापसंग-  
 पसरियवहवधमहाव्विपुलकनेलकत्तुणविलवितलोभकलकलितचोलयहुल अवमाण-  
 फेण तिक्कारिसणपुलपुलप्पभूयरोगचेयणपराभवविणिवातफरुसधरिसणसमावडियक-  
 ठिणकम्मपत्तरतरंगंतनिचमधुभयतोयपट्ठं कप्पायपायालसकुलं भवसयमहस्सजल-  
 सचयं अणंत उव्वे(व)यणय अणोरपारं महम्मय भयंकरं पइभयं अपरिमियमहिच्छ-  
 कलसमतिवाउवेगउद्धम्ममाणआसापियासपायालकामरतिरागदोसचधणयहुनिहसंक्क-  
 प्पविपुलदगरयरयंधकारं मोहमहावत्तमोगभममाणगुप्पमाणुच्छलतचहुगम्मवासपबो-  
 णियत्तपाणि[यं]यप(धाहिय)धावितवसणसमावधरुजचटमारुयसमाहयामणुजवीची-  
 चाकुलितभग्गफुट्तनिट्ठकालोलसंकुलजलं पमातवहुचटदुट्ठमावयसमाहयउद्धायमाण-  
 पूरघोरविद्धसणत्यबहुल अण्णाणभमतमच्छपरिहर्त[धं]धअनिहुतिदियमहामगरुयि-  
 चरियखोखुवमाणसंतावनि[च]धयचलतचवलचचलअत्ता(ण)णाऽसरणपुव्वकयक-  
 म्मसंचयोदिभवज्जवेइज्जमाणदुहसयविपाकधुअंतजलसमूहं इट्ठिरससायगारवोहारग-  
 हियकम्मपडिचद्धसत्तकट्ठिज्जमाणनिरयतलहुत्तसन्निविसन्नवहु[ला]लअरइभयविसा-  
 यसोगमिच्छत्तसेलसंक्र[ड]डअणातिसताणकम्मवधणकिलेसचिक्खिण्डमुत्तारं अमर-  
 नरतिरियनिरयगतिगमणकुडिलपरियत्तविपुलवेल हिंसालियअदत्तादाणमेहुणपरिग-  
 हारंभकरणकारावणाणुमोदणअट्ठविहअणिट्ठकम्मापेडितगुरुभारकृतदुग्गजलोधदूरप-  
 णोलिज्जमाणउम्(सु)मग्गनि-मग्गदुल्लभतलं सारीरमणोमयाणि दुक्खाणि उप्पियंता  
 सातस्सायपरित्तावणमय उब्बुट्ठिनिवुट्ठय करेंता चउरंतमहंतमणवयगं (संदं) रुदं ससार-  
 सागरं अट्ठि[यं]यअणालबणमपतिठाणमप्पमेयं चुलसीतिजोणिसयसहस्सगुविलं अणा-  
 लोक्कमंधकारं अणंतकालं निघ उत्तत्यसुण्णभयसण्णसपउत्ता (ससारसागरं) वसंति

वरुणं बहुमोहमोहिया परवर्णमि ह्यया अतिरिचयितव्यमिति श्रुत्या इति गम्यत इत्यु-  
 रसर्ववर्णद्वारमिदं तमोगतत्वात्स्या य वनतोद्यया पक्षिया य वै नरमया पुमनि ते  
 कम्भमुत्पन्नया वननीया रायकिकराय तेमि बहुसत्त्वगपादयार्थं निम्नलोकाद्व्यप-  
 र्णसत्त्वमोहयार्थं वृद्धकर्ममायानियदिजाकरणपक्षिर्बन्धनिसारवार्थं बहुनिहम-  
 नसत्त्वमपन्नं परलोकापरम्पुहार्थं निरपगतियमितार्थं तेहि य आयायजीवार्थं  
 ह्यरि(य)मं तन्मायिया पुरवरे सिपादयतिवत्तन्मायपरवत्पुहमहापहपहेह वैतर्क-  
 कर्तृकद्वेष्टुपत्तरपयाक्षिप्योतिपुष्टिभयापादपक्षिमाणुकोपरपहारसंभगमद्वियमत्ता  
 अन्तरासकम्भधरया आद्वय्यमया कलुषा मुहोद्वेष्टगलकलासुवीहा आर्यता पाणीर्न  
 निष्पन्नीनिवासा तन्मायिता वरणा तं पिब न कर्मसि वज्रपुरिसेहि वाकिर्वता तत्त्व  
 न कर्मसत्त्वपहवत्तिद्वेष्टुम्यहायावद्वनिसत्त्वपयसुहा वज्रकलुषिहयनियत्ता वरत-  
 कन्वीरयद्वियमिदुक्तद्वेष्टुयवज्रपूतमाभिरुमज्जया मरममुत्पन्नसैवमावतसे  
 ह्युपिबकिडिधवता पुष्पमुदियसरीररवरेषुमरियमैता ह्युर्ममोद्विष्टुवया किञ्चि-  
 निवासा कुर्वता वज्र[मा]पाण[मी]पीया शिर्षं शिर्षं वैव डिञ्जमाया सरीर-  
 निदिश्वमेहिमोहि[ता]तन्मायमिमांसां नि वाकिर्वता पाया वर[प]न्न[क]रसहै  
 ताक्षिन्मायवेहा वातिकमरमरिसंपरिपुष्टा पेक्षिर्जाया य वापरकमेव वज्रमेवनिवा-  
 पयेमैति नमरमज्जये किञ्चयम्पुष्टा अताया अतरया अवाहा अवेववा बहुमिप्यहीना  
 विपिनिवता विपिनिवि मरममुत्पिमा आवायनपक्षिद्वारसंपातिवा अयथा  
 लक्ष्मामिन्नयमिन्नवेहा ते य तत्त्व कीरति परिचर्पिर्वयमया उर्वविर्जति स्मकसाकसु-  
 केह कलुषार्थं निम्नमाया अवरे अद्वयमयमिरया कम्भवज्रगा पशुर्वति वृपात-  
 बहुविधमयत्तरसहा अवे य धनकल्पमलमवन्मिमाहिवा कीरति पावधरी अन्तरा-  
 र्णवेया य कीरति सुवपरसुहि केह उद्धतकरोदुनाया कप्याकिञ्चनमदस्यमदसया  
 वि[मि]हिर्ब[म]हि[मा]मिन्नकलुषिता पमिर्जते तिञ्जते य अतिमा निम्नसवा  
 निम्नहत्तपाया पशुर्वति आकजीवार्थमया य कीरति वैव परवत्त्वहरमलुषा धरमाक-  
 निवकलुषकला पाणा[व]प हतसाय छयनपिप्युष्टा मितवमनि[रि]मि[र]र[कि]-  
 कया मिरता बहुममिन्नारसहृष्टमिता (अकजायिका) अकजा अमुक्तद्वारपा-  
 र्णसीतन्मायवैवमदुक्तद्वारिना निवकमुहमिन्नमिया निवकमदिच्छदुक्तका डिञ्जता  
 कर्तृता वाहिया य आमागिभूतगया पशुग्राहकेर्माहोयया कयमुत्तमि विपयमि  
 ह्यत्र तप्येव मया अकमका वैविज्ज पावेत कविवा आद्वयए ह्यया तत्त्व  
 न व(व)यद्वयगतिवाक्येकमाचारवैवर्षसमर्पणपनिष्ठागमिनिहसुहसव[ध]मिहत्त-  
 मया कनमिर्हा केह विपिमे य कविर्ववेहा अमिद्वयमवेहि छयमाया ह्यु कर्षं व



तस्स एयाणि एयमादीणि नामधेज्जाणि होति तीस ॥ १४ ॥ न च पुण निसेषति  
 सुरगणा नअच्छरा मोहमोहियमती अमुरभुयगगरुल विज्जुजलगदीवउ र्हिदिसिपपा-  
 थणिया १० अणप्रप्तिपणवन्नियत्तिचादियभूयवादियकदियमहा र्हिदियत्तुपयगदेवा  
 ८ पिमायभूयज्ज वरकगसर्किनरक्किपुरिममहोरगगधव्वा ८ निरियजोइमविमाणवाति  
 मणुयगणा जलयरालयरत्तयरा य मोहपलिवद्धचिता अवितण्हा याममोगतिजिया  
 तण्हाए वलवइए महइए समभिभूया गट्ठिया य अतिमुच्छिया य अचंमे उस्सणा  
 तामसेण भावेण अणुस्सुया दमणचरित्तमोहस्स पंजरं पिव करंति अ(णमण्ण)नोऽस  
 सेवमाणा, भुजो अमुरचुरतिरियमणुअभोगरतिरोहारसपउत्ता य चयग्दी सुरनरवन्ति-  
 सक्कया सुरवरुव देवल्लोए भरहणगगरणि[य]गमजणवयपुरवरदोगमुहपेटक बउ-  
 मउवसवाहपट्ठणमहस्समडिय यिमियमेयणियं एगच्छत्त ससागर भुजिऊण वतुह नर-  
 सीहा नरवई नरिंदा नरवमभा नरुवसम रूप्पा अन्महिय रायतेयलन्टीए दिप्पमाणा  
 सोमा राययगतिलगा रविसत्तिन्नवरचयसोत्थियपडागजवमच्छुस्मरहवरभगम  
 वणविमाणतु(रंग)रयनोरणोपुरमणिरयणनदियावत्तमुमलणगलमुरइयवरकप्पवक्ख  
 मिगवतिभद्दासणमुक्खविधूभवमउउमरियपु डल्लु जरवरसमदीवमदिरगरुलद्वयइद-  
 केउदप्पणअट्ठावयचाववाणनक्कात्तमेहमेहलवीणाजुगउत्तदामदामिणि कर्मउल्लुक्कमल-  
 धंटावरपोतसुइसागरकुमुदागरमगरहारगागरनेउरणगणगरवइरक्किजरमयूरवररायइ-  
 ससारसचकोरचववागमिहुंणचामरखेउगपव्वीसगविपंचिवरतालियट्ठिरियाभिसेयमे  
 इणिखगकुसविमलल्लसभिगारवद्धमाणगपसत्थउत्तमविभत्तवरपुरिसल्लत्तणधरा य  
 तीस वररायसहस्ताणुजायमग्गा चउसट्ठिसहस्सपवरजुवतीण णयणक्ता रत्तामा पउ-  
 मपम्हकोरंटगदामचपकसुत्त(त्त)यवरकणकनिहसव ण्णा सुजायसव्वंगसुदरंगा महग्घव  
 रपट्ठणग्गयविचित्तरागएणिपेणिणिम्मियदुगुल्लवरचीणपट्ठकोसेज्जसोणीसुत्तक्कविभूतियगा  
 वरसुरभिगधवरचुण्णवासवरकुसुमभरियसिरया कप्पियट्टेयायरियसुकयरइत्त]यमाल-  
 (कु)कड(ल)गगयतुडियपवरभूसणपिणद्धदेहा एकावलिकठसुरइयवच्छा पाल्लवपल्ल  
 माणसुकयपडउत्तरिज्जमुदियापिगलंगुलिया उज्जलनेवत्थरइयचेल्लगविरायमाणा तेएण  
 दिवाकरोव्व दित्ता मारयनवत्थणियमहुरगमीरनिद्धोसा उप्पन्नसमत्तरयणचक्करय  
 णप्पहाणा नवनिहि(य)वइणो समिद्धकोसा चाउरता चाउरार्हि सेणार्हि समणुजातिज-  
 माणमग्गा तुरगवती गयवती रहवती नरवती विपुलकुलवीस्यजसा सारयसत्तिसकल-  
 सोमवयणा सुरा तेलोक्कनिग्गयपभावलद्धसद्दा समत्तभरहाहिवा नरिंदा ससेलवणकाणण  
 च हिमवतसागरत धीरा भुषूण भरहवास जियसत्तू पवररायसीहा पुव्वकडतवप्पभावा  
 निविट्ठसच्चियसुहा अणेगवाससयमायुवतो भज्जाहि य जणवयप्पहाणाहिं लालियता



गगिरिसिद्धरसंसितादि उवाठप्पातचवलजयिणसिग्गयेगादि हंसावधूयादि चेव कस्मिन्ना  
नाणामणिकणगमहरितवणिज्जुज्जलीयित्तवादि मललियादि नरवतिसिरिसमुदक-  
प्पगासणवरीदि वरपट्टुग्गयादि समिद्धरायकुलसेवियादि कालागुल्लवर कुंदुल्ल-  
ल्लधूवर्वा[र]मवासविसदगधुज्ज्याभिरामादि चिदितादि उभयोपासपि चामरादि  
उन्मिरप्पमाणादि मुहसीतलवातवीनियंगा भजिता भजितरदा हलमुसलक्कगगणा  
ससाचक्कगयसत्तिणंदगधरा पवदज्जलमुक्ताविमलस्येयूमनिरिद्धधारी पुंउलउज्जेविक्क-  
णणा पुजरीयणयणा एगावलींठरतियवच्छा सिरिपच्छुलंठगा वरजता सप्पोउय-  
सुरभिउल्लुमसुरइयपलंयमोहंतप्रियसतचित्तवगमालरतियवच्छा अट्टगयविमतलक्कस-  
पसत्यसुंदरविराड्यंगमंगा मत्तगयवरिदल्लियविक्कमविल्लियगती कडिउत्तगनील  
पीतकोलिज्जवाससा पवरदित्तयेया सारयनवयणियमगुरगभीरनिद्धपोसा नरसीहा वीह-  
विक्रमगई अत्यमि(य)या पवररायसीहा सोमा या[धा]रवडुप्पन्नंददा पुब्बकयतवप्प-  
भावा निविट्ठसच्चियमुहा अणेगवाससयमा(तु)युवंतो भज्जादि य जगवयप्पहाणादि  
लालियंता अतुलसद्धफरिसरसरूवगधे अणुभवत्ता ते-वि उवणमति मरणधम्मं अवितत्ता  
कामाण । भुज्जो मटलियनरवरेंदा सबला सठावेउरा सपरिसा सपुरोहिया[S]मबरंड-  
नायक्केणावतिमतनीतिउसला नाणामणिरयणविपुलधणधक्कसच्चयनिहीसमिद्धोसा  
रज्जसिरिं विपुलमणुभवत्ता विक्कोसता वट्टेण मत्ता तेवि उवणमति मरणधम्मं अवितत्ता  
कामाणं । भुज्जो उत्तरकुसुदेवकुल्लवणविवरपा[य]दचारिणो नरगणा भोगुत्तमा भोगल-  
क्कवणधरा भोगसत्तिरीया पसत्यसोमपडिपुण्णरूवद(र)रिमणिज्जा मुजातसब्बंग-  
सुंदरंगा रत्तुप्पलपत्तकत्तकरचरणकोमलतला मुपइद्वियकुम्मचारुचलणा अणुपुब्बद-  
(जायपीवरं)संहयं गुलीया उज्जयतणुतंवनिद्धनरा संठि(त)यमुसिलिद्धगूढगोफा एणी-  
कुल्लविदवत्तवट्टाणुपुब्बिजघा समुग्गानि(मु)सग्गगूढजाण वरवारणमत्ततुल्लविक्कमविला-  
सितगती वरतुरगसुजायगुज्जदेसा आइणहयव्व निरूवलेवा पमुइयवरतुरगसीहअति-  
रेगवट्टियकडी गगावत्तदाहिणावत्ततरंगभगुरारविकिरणवोहियविकोसायंतपम्हगंभीर-  
विगडनामी साहतसोणदमुसलदप्पणनिगरियवरक्कणगच्छस्सरिसवरवड्ढरविलियमज्जा  
उज्जुगसमसहियजयतणुसिणणिद्धआदेज्जलडहसूमालमउयरोमराई क्षसविहगसुजा-  
तपीणकुच्छी क्षसोदरा पम्हविगडनामा संनतपासा सगयपासा सुदरपासा मुजात-  
पासा मितमाइयपीणरइयपासा अकरंदुयक्कणगस्यगनिम्मलसुजायनिरूवहयदेहधारी  
क्कणगविलातलपसत्यसमतलउवइयविच्छिन्नपिडुलवच्छा जुयसंनिभपीणरइयपीवर-  
पउट्टसंठियसुसिलिद्धविसिद्धलट्टमुनिचित्तघणथिरसुबद्धसघी पुरवरवरफलिहवट्टियभुया  
भुयईसरविपुलभोगआयाणफलिउच्छेददीहवाहू रत्ततलोवतियमउयमसलसुजायल-



मउयमुविमत्तारोमरातीओ गंगावसगपदाहिणावसतरंगभंगरगिरिगानगयोधितआ-  
 कोगायनपउमगंगीरपिगटनागा अणुच्चमउपमत्यगुजानपीणउन्नी सनापाना सुजात-  
 पागा संगतपासा मियगायियपीणरनितपागा अकरंदुगकगगक्यगनिम्मलमुजाय-  
 निह्वहयगायलट्टी कचणकलसपनाणममसहियलट्ट[चू]उ[चू]नुयआगेलगजमलमुक-  
 लप्रटियपओहराओ भुयगअणुपुच्चतणुगोपुच्छवट्समगहियनमियआदेजउडहवाहा  
 तवनहा मसलग्गहट्या कोमलपीवरवरंगुलीया निद्धपाणिछेहा सत्तिसूरसनचक्र-  
 सोत्तियमिगतसुविरदयपाणिछेहा पीणुणयकम्पवत्थियप्पदेसपटिपुत्तगलकपोला चउर-  
 गुलमुप्पमाणकयुवरत्तरिसुगीवा मंसलसडियपसत्यहणुया दात्तिमुप्पप्पमासपीवरप-  
 ल्लमुचितवराधरा मुदरोत्तरोट्टा दधिदगरयकुंदचंदवासतिमउलअच्छिद्धिमलदत्तगा  
 रत्तुप्पलपउमपत्तयुक्कमालतालजीहा कणपीरमुठलडुउलडुमुन्नयउत्तुनासा साग  
 दनवकमलकुमुतकुवल्लयदलनिगरसरिसलस्सणपगत्यअजिम्हकननयणा आनामिय-  
 न्वावरुइलकिण्हम्मराइसगयमुजायतणु रुत्तिणिज्जमुमगा आणपमाणजुत्तमयणा नुस्स-  
 षणा पीणमट्टगडछेहा चउरंगुलविसाल्लममनिजाला कोमुदिरयणिकरविमलपडिपुत्त  
 सोमवदणा छत्तुयउत्तमंगा अकविल्लुत्तिणिद्वीहत्तिरया छत्तज्जयज्वयूमदामिणिक-  
 मउल्लुलसवाविसोत्तियपगगजवमच्छउम्मार[ह]ववरमकरज्जययकयालअंजुमअट्टा-  
 वयमुपइट्ट(मयू)अमरसिरियाभिसेयतोरणमेदणिउदधिवरपवरभवणगिरिवरवरायंस-  
 ललियगयउसमसीहचामरपसत्यवन्तीसलक्कराणधरीओ हम्मसरि(त्य)च्छगतीओ  
 कोइलमहुरगिराओ कता संव्वस्स अणुमयाओ ववगयवल्लिपलितयगदुच्चनवाधिरोहग  
 सोयमुक्काओ उचत्तेण य नराण योवूणमूसियाओ मिंगारांगारचारुवेमाओ सुंदरयग-  
 जहणवयणकरचरणयणा लावजल्लवजोव्वणगुणोववेया नदणवणविवरचारिणीओ-व्व  
 अच्छराओ उत्तरकुम्माणुसच्छराओ अच्छेरगपेच्छणिज्जियाओ तिन्नि य पल्लिओवमाइ  
 परमाउं पालयित्ता ताओऽवि उवणमति मरणधम्म अवितित्ता कामाण ॥ १५ ॥  
 मेहुणसज्जासपणिद्धा य मोहभरिया सत्येहिं हणंति एकमेफ विमयविन उदीरण्ण,  
 अवरे परदारोहिं हम्मति वि(मु)घुणिया धणनास सयणविप्पणासं च पाउणंति, परस्स  
 दाराओ जे अविरया मेहुणसज्जसपणिद्धा य मोहभरिया अस्सा हट्ठी गवा य  
 सहिसा मिगा य मारंति ए[क्के]कमेक्कं, मणुयगणा वानरा य पन्नी य विरुज्जंति,  
 मित्ताणि खिप्पं भवति सत्तू,समये धम्मे गणे य भिदति पारदारी, धम्मगुणरया य  
 वंसयारी खणेण उल्लोद्वए चरित्ताओ जसमन्तो सुव्वया य प्रावेति अ[य(ज)स]किंति  
 रोगत्ता वाहिया पवड्ढित्ति रोयवाही, दुवे य लोया दुआराहगा भवंति-इहलोए चेवं  
 परलोए परस्स दा(र)राओ जे अविरया, तहेव केइ परस्स दारं गेवेसमाणा गहिंया



पुन परिगर्हं ममानंति लोमपरका भवन्परिमाणवागिभो परिगर्हकने पवेम्ने  
 निविहकरणमुद्री देवीशया य अगस्त्यमगस्त्यनिभु[३]वपनवीवउद्विदिमिचन  
 वतिताभवापिपननंतिदृष्टिपापिदभूतमदमदियमहाधिरिदुर्ध्वपयगवेका विज  
 मभूजजानरयमगतिर[६]गुरिममोत्तमगवणा य निरिमजाही धंविहा मोरुमिवा  
 य देवा बहसवीचंरुष्टयमनिज्जरा राहुभूमकेमुधा य अगारका य तनव  
 तिष्ठकतायणा जे न गदा जोदममि चारं वरंति वेद य गतिरपीदा अद्वौगति  
 तिदा य मरुतादेवणा माणापंछानमंठिदाभो न तारणाभो ठिदमेसा चारिणे  
 य अतिस्वामनंत्तगती उपरिचरा उद्वौगमाही दुविहा धिमलिया य देवा मोह-  
 म्नीसाणमनंत्तुमागार्हिदंमलोमलंतकमहापुष्ट्यदरगारजागमनयभारणभपुवा  
 कप्पगरविमाणवागिभो सुएगा मेोजा अनुतरा दुविहा कप्पावीदा विमानवाही  
 महिष्ठिका उतामा एएरा एं य ते पउजिहा उपरिवापि देवा ममानंति भव  
 पाएजानविमाणसयगायति य नागाविहातवगणा पि दयवएएराणि य  
 नागागतिपंचकगिद्वि न भायगिदि नागाविदकामरुवे मेउविनभच्छरणावकाते  
 पीयसमुदे दिवाओ विदिवाओ वनपंटे पनते य कामनगगति य आरागुजान  
 कणणाणि य गृनसरतलगवापिरीदिमदेयुलमभप्यवगदिमाइमार्द बहुकई किता  
 णाणि य परिगेदिता परिगर्हं विपुलरम्बवारं देवापि चईदगा न गिति न दृष्टि  
 उपलमंति अर्बंतपिपुळ्योगागिभू[३]ताग[३]ना मासददरागुगारबटपत्वयुंर-  
 रुचगवरणागुगोत्तरफालोदधिलवणसजिलदहपतिपीकरगंजाकसेतददिमुहउपपाउ-  
 प्पायवचणपथिताविचितजमकवरगिदररुदपाटी यक्कारभकम्मभूमिष्ठ सुविभा-  
 भागदेरागु कम्मभूमिष्ठ, जेडवि-य नरा पावरंतचकवती पाउदेवा बलदेवा मंद-  
 लीया इस्सरा तलवरा सेणावती इग्गा सेट्टी रद्विया पुरोदिया कुमार दंदजायगा  
 माधविया सत्यगहा प्रेदुंयिया अगवा एए अणे य एवमाती परिगर्हं संविभंति  
 अणंतं असरणं दुरंत अनुचमगिचं अयाउवं पायकम्मनेम्नं अवकिरियत्वं विजास  
 मूलं पद्वयधपरिफिल्लेयबुलं अणंतसंभिल्लेयकारणं, ते तं धणकणगरचननिचयं विडिता  
 चेव लोमपत्या संसारं अतिवयति सप्पदुक्कसंनिलयण, परिगदरु[३]सेव य  
 अट्टाए सिप्पसय चिकराए बहुजणो कलाओ य पावतरि मुनिपुणाओ छेदाइयाओ  
 सउणस्यावसाणाओ-गणियप्पदाणाओ-चउसद्धिं च महिलागुणे रतिजणणे सिप्पसेवं  
 असिमसिकित्तिवाणिज्जं यवदारं अत्यसत्य(इय)ईसत्यच्छरप्प(या)गयं विविहाओ न  
 जोगजुजणाओ अणेषु एवमादिएण बहुसु कारणसएण जायजीवं नदिज्जए संविभंति  
 मंदमुदी परिगहस्सेव य अट्टाए करंति पाणाण घट्टकरणं अलियनियडिसाइसंपओगे

[illegible]



से परो पाए आमजिज बा पमजिज बा नो तं सायए नो तं  
 पादाई संबाहेज बा पस्मिहिज बा नो तं सायए नो तं नियमे  
 पादाई फुत्तेज बा रएज बा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से  
 तेलेण बा वएण बा मक्खेज बा अम्मिजिज बा नो तं सायए नो तं  
 सिया से परो पादाई लोहेण बा क्खेण बा चुण्णेण बा वण्णेण बा  
 उब्बलिज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई  
 जेण बा उस्सिनोदगवियडेण बा उच्छोकेज बा पधोएज बा नो तं  
 नियमे, सिया से परो पादाई अण्णवरेण विळेणजाएण आलिपेज बा  
 बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई अण्णवरेण धूवणजाएण  
 बा पधूवेज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई  
 कंटयं बा णीहरेज बा विसोहेज बा नो तं सायए नो तं नियमे । सिया से परो  
 पादाई पूय बा सोणियं बा णीहरेज बा विसोहेज बा नो तं  
 नियमे ॥ ९७० ॥ सिया से परो कार्यं आमजेज बा पमजेज बा नो तं  
 नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं लोटेण बा संबाहेज बा पस्मिहिज बा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं तेलेण बा वएण बा मक्खेज बा  
 अम्मिजेज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं लोहेण बा क्खेण  
 बा चुण्णेण बा वण्णेण बा उलोहिज बा उब्बलिज बा नो तं सायए नो तं  
 नियमे सिया से परो कार्यं सीओदगवियडेण बा उस्सिनोदगवियडेण बा उच्छोकेज  
 बा पधोएज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं अण्णवरेण  
 विळेणजाएण आलिपेज बा, विलिपेज बा, नो तं सायए, नो तं नियमे । सिया से  
 परो कार्यं अण्णवरेण धूवणजाएण धूवेज बा, पधूवेज बा, नो तं सायए नो तं  
 नियमे ॥ ९७१ ॥ सिया से परो कार्यसि वणं आमजेज बा पमजेज बा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं संबाहेज बा पस्मिहेज बा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं तेलेण बा वएण बा मक्खेज बा  
 अम्मिजिज बा, नो तं सायए नो तं नियमे । सिया से परो कार्यसि वणं लोहेण बा  
 क्खेण बा चुण्णेण बा वण्णेण बा उलोहिज बा उब्बलेज बा नो तं सायए नो तं  
 नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं सीओदगवियडेण बा उस्सिनोदगवियडेण बा उच्छो-  
 केज बा पधोवेज बा नो तं सायए नो तं नियमे ॥ ९७२ ॥ से सिया परो कार्यसि  
 वणं अण्णवरेण विळेणजाएण आलिपेज बा विलिपेज बा नो तं २। सिया से परो  
 कार्यसि वणं अण्णवरेण धूवणजाएण धूवेज बा प० नो तं ० २। सिया से परो कार्यसि

परस्वभूमिना सपुंरि]उत्तरभूमिपमवासीवयापु जायसमिपुर्न कम्हमंनवे-  
राभि व अकमावभमिमाववाजे इच्छामक्षिपुणियाससतपतिमिना लम्होहि-  
योमववा अतापा अमिम्यक्षिवा करेति कोहमावमवाज्येमे अकिचमिजे परिम्यो  
येव होति मिना सदा ईवा व पारवा व कमाता सदा व कम्हपुन-अन्वप्य व  
ईक्षिपुणियाजे सवसंमयोवा सभिपुणियागीसयाई इन्वाई अनेतकाई इच्छति  
परिनेतुं सदेवम्लुनसुहस्रमि ज्यो ज्योमपरिम्यो जिनवरेहि ममिजे वरिष इरिजे  
पाछो पविर्बनी अरिष सन्वजीवाने सन्वज्ये ॥ १९ ॥ परज्येवमि व म्हा  
तमं पविष्ठा महवानोहयोक्षिमायी सिमिर्बनभारे तसकावत्तुम्वातरेत पन्वज्य-  
पजातव इव वाव परिम्यति वीहमये बीवा ज्येवसतंमिपिष्ठा । एतो सो परिम्य-  
हस्त कम्हियाजे इहमेह्यो परज्येह्यो अन्वपुणो बहुपुनको महम्वाजे बहुवप-  
य्यो वाक्को कम्ह्यो असाको वाससहस्तेहि सुच, न-न-अवे(त)सिप्य अरिष हु  
मोकथोति एकमाहं वात्तुज्जहयी महम्वा जिनो व वीजमरम्यवेजो कोछो  
व परिम्यहस्त कम्हियाई । एतो सो परिम्यो वन्मो व निम्या न्वात्मनिम्य-  
वारकमहसिह एवं वाव इमस्त मोनकवरोधिम्यस्त कम्हियुतो वरिष अकम्य-  
हारं वमतं । वरहि एवंहि वसंवरेहि रमा[वि]मिमिपु अतुज्जमं । वरमिपु[वि]-  
ह(पञ्च)वेरं अतुपरिपति संसारं ॥ १ ॥ सन्वज्ये पन्वरे का[हि]हिनि अनेतह  
अकम्यपुष्पा । के व व सुचति वम्मे सो(हवि)कम व के पमायेति ॥ २ ॥ अतुपि-  
वि बहुमिहं मिप्यविष्टी (व के) वरा अ(हयो)कुटीवा । वरविप्यमकम्य सु(वे)-  
वेति वम्मे न व करेति ॥ ३ ॥ कि सदा कने के व मिप्यह जोछं मुहा पाव ।  
जिनवपने गुम्मा[पु]हुरि निरेवने सन्वपुनवाये ॥ ४ ॥ पंचेव य वजिहज्जने पंचेव  
व एकिचकम मावेव । कम्हयवमिप्यमुहा सिमिपरमपुतरे वति ॥ ५ ॥ (तिवेमि ॥)  
२ ॥ वंजु ]-एतो संवरायाई एवं बोधकामि अतुपुष्पीए । अह ममियामि वमकया  
सन्वपुहमिमोककपुष्पाए ॥ १ ॥ पञ्चमे होइ अहिंसा विस्तिवं सवववर्गति पवते ।  
हामपुत्राव संवरो व वंमवेरमपरिगहृते व ॥ २ ॥ तव पदमे अहिंसा तववा-  
वसन्वमूपचेमयी । सीते समालपा(ए)ज्यो किची बोधे गुणोरे ॥ ३ ॥ यामि  
व इमामि सन्व । महम्वाज्ये को[वि]पु[वि]म्यम्यवाई तवसावरवेसियाई तव-  
संजममहम्वाज्ये वीजपुनवरम्यवाई सवजवम्यवाई वरप्यदिरेकपुनरेवपतिमिज-  
काई सन्वजिपसासपयाई कम्हयवमिप्यवाई मवतयमिवातवकाई इहसवमिमोयक-  
काई सुहसवववतवकाई वपुमिपुवतवकाई वपुमिपु(वी)मिपेविवाई मिम्यापक-  
मय-सम्मा(प)व(वा)म्य[वा]काई संवरायाई एवं वज्जिवादि व मपवस ।

तत्थ पढम अहिंसा जा सा सदेवमणुयामुरस्स लोगस्स भवति धीवो ताण सरणं गती  
 पइद्वा निव्वाण १ निव्वुहे २ समाही ३ (संती) सत्ती ४ फित्ती ५ कती ६ रती ७  
 ७ विरती ८ सुयंगतिती ९-१० दया ११ विमुत्ती १२ रान्ती १३ सम्मत्तारा-  
 हणा १४ सहती १५ चोही १६ बुद्धी १७ धिती १८ समिद्धी १९ रिद्धी  
 २० विद्धी २१ ठिती २२ पुट्ठी २३ नदा २४ भद्दा २५ विमुद्धी २६ लद्धी  
 २७ विसिद्धदिद्धी २८ कट्ठाण २९ मगल ३० पमोओ ३१ विभूती ३२ रक्खा  
 ३३ सिद्धावासो ३४ अणासवो ३५ केवलीण ठाण ३६ तिवं ३७ समिहे ३८ सी[ल]ल  
 ३९ संजमोत्ति य ४० सीलपरिघरो ४१ संवरो ४२ य गुत्ती ४३ ववसाओ  
 ४४ उस्सओ ४५ जओ ४६ आयतण ४७ जतण मप्पमातो ४८-४९ अस्सासो  
 ५० वीसासो ५१ अभओ ५२ सव्वस्सवि अमाघओ ५३ चोक्खपवित्ता ५४-५५  
 सूती ५६ पूया ५७ विमल ५८ पभामा ५९ य निम्मलतर ६० ति एव  
 मादीणि निययगुणनिम्मियाइ पज्जवनामाणि होंति अहिंसाए भगवतीए ॥२१॥ एसा  
 सा भगवती अहिंसा जा सा भीयाण विव सरण पक्खीण पिव ग(ग)मण तिलियाणं  
 पिव सलिल खुहियाण पिव अमण समुद्धमज्जे व पोतवहण चउप्पयाण व आसम  
 पय दुहट्ठियाण (व) च ओसहिवल अडवीमज्जे विसत्यगमण एत्तो विसिद्धतरिक्का  
 अहिंसा जा सा पुटविजलअगणिमात्थवणस्मदवीजहरितजलचरयलचरन्वहचर-  
 तसयावरसव्वभूयखेमकरी एसा भगवती अहिंसा जा मा अपरिमियणाणदसणधरेहिं  
 सीलगुणविणयतवसयमनायकेहिं तित्यकरेहिं सव्वजगजीववच्छलेहिं तिलोगमहिएहिं  
 जिणचंदेहिं सुट्ठु दिट्ठा ओहिजिणेहिं विण्णाया उज्जुमतीहिं विदिट्ठा विपुलमतीहिं  
 विविदिता पुव्वधरेहिं अधीता वेउव्वीहिं पतिजा आभिणिधोहियनाणीहिं सुयनाणीहिं-  
 ओहिनाणीहिं-मणपज्जवनाणीहिं केवलनाणीहिं आमोसहिपत्तेहिं खेलोसहिपत्तेहिं जहो-  
 सहिपत्तेहिं विप्पोसहिपत्तेहिं सव्वोसहिपत्तेहिं बीजबुद्धीहिं उट्ठुबुद्धीहिं पदाणुसारीहिं  
 सभिन्नसोतेहिं सुयधरेहिं मणवलिएहिं वयवलिएहिं कायवलिएहिं नाणवलिएहिं दसण-  
 वलिएहिं चरित्तवलिएहिं खीरासवेहिं म(धु)हुआसवेहिं सप्पियासवेहिं अक्खीणमहाण-  
 सिएहिं चारणेहिं विज्जाहरेहिं चउत्थमत्तिएहिं एव जाव छम्मासमत्तिएहिं उक्खित्त-  
 चरएहिं निक्खित्तचरएहिं अतचरएहिं पंतचरएहिं ल्हचरएहिं समुदाणचरएहिं  
 अन्नइलाएहिं मोणचरएहिं संसट्ठकप्पिएहिं तज्जायससट्ठकप्पिएहिं उवनिहिएहिं  
 उद्धेसणिएहिं सखादत्तिएहिं दिट्ठलाभिएहिं अदिट्ठलाभिएहिं पुट्ठलाभिएहिं आर्यविलि-  
 एहिं पुरिमिष्टिएहिं एक्कासणिएहिं निव्वितिएहिं भिजपिंडवाइएहिं परिमियपिंडवाइएहिं  
 अताहारेहिं पंताहारेहिं अरसाहारेहिं विरसाहारेहिं ल्हहाहारेहिं वुच्छाहारेहिं अतजी-



सुसाह, धितीयं च मणेण पावएणं पाव[गं]क अहम्मियं दारुणं निस्संसं वहववपरि-  
 किलेसबहुल जरा(भय)मरणपरिकिलेससकिलिट्ठं न कयावि मणेण पावतेमं पावमं  
 किंचि वि स्थायव्व एवं मणसमितिजोगेण भावितो भवति अतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठ-  
 निव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए सजए सुसाह, ततिय च वतीते पावियाते पाव-  
 ख० क घईए पाविया(ओ)ए पावगं-न किंचिवि भासियव्वं एवं वतिसमितिजोगेण  
 भावितो भवति अतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसओ संजओ  
 सुसाह, चउत्तं आहारएसणाए सुद्धं उच्छं गवेसियव्वं अन्नाए अ[गदिते]कहिए अ[दु]-  
 सिट्ठे अवीणे अकल्लुणे अविसादी अपरिततजोगी जयणघटणकरणचरियविणयगुणजोग-  
 संपओगजुत्ते भिक्खू भिक्खेसणाते जुत्ते समुदाणेऊण भिक्खचरियं उच्छं घेतूण आगतो  
 गुरुजणस्स पास गमणागमणातिचारे पडिक्कमणपडिक्कते आलोयणदायणं च दाऊण  
 गुरुजणस्स गुरुसंदिट्ठस्स वा जहोवएसं निरइयारं च अप्पमतो, पुणरवि अणेसणाते  
 पयतो पडिक्कमिता पसते आसीणसुहानिसंभे मुहुत्तमेत्त च क्षाणसुहजोगनानसज्जाय  
 गोवियमणे धम्ममणे अविमणे सुहमणे अविग्गहमणे समाहियमणे सद्दासंवेगनिज्जरमभे  
 पवतणवच्छ(ल)ल्लमावियमणे उट्ठेऊण य पढट्ठुट्ठे जहारायणिय निमंतइत्ता य साहवे  
 भावओ य विइण्णे य गुरुजणेण उपविट्ठे संपमज्जिऊण ससीस काय तहा करतलं  
 अमुच्छित्ते अगिद्धे अगदिए अगरहिते अणज्जोववण्णे अणाइले अलुद्धे अणत्तट्ठित्ते  
 असुरस्सरं अचवचव अदुतमविलंधिय अपरिसाट्ठिं आलोयभायणे जयं पयत्तेण  
 चवगयसजोगमणिंगाल च विगयधूम अक्खोव्वंज-णव-णाणुलेवणभूयं संजमजायामाया-  
 निमित्त सजमभारवहणट्ठयाए भुजेज्जा पाणधारणट्ठयाए संजएण समिय एव आहार-  
 समितिजोगेण भाविओ भवति अतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए  
 अहिंसए संजए सुसाह, पचम आदा[न]णनिक्खेव[ण]णासमिई पीढफलगसिज्जा  
 संयारगवत्थपत्तकवल्लरयहरणचोलपट्टगमुहपोत्तिगपायपुच्छणादी एयपि संजमस्स  
 उववहणट्ठयाए वातातवदसमसगसीयपरिरक्खणट्ठयाए उवगरणं रागदोसरहितं  
 परिहरितव्वं संजमेणं निष्ख पडिलेहणपप्फोढणपमज्जणाए अहो य राओ य अप्पमत्तेण  
 होइ सययं निक्खियव्वं च गिण्हियव्वं च भायणमढोवहिउवगरण एवं आयाणमंड-  
 निक्खेवणासमितिजोगेण भाविओ भवति अतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वण-  
 चरित्तभावणाए अहिंसए संजते सुसाह, एवमिणं संवरस्स दारं सम्म संवरियं होति  
 सुप्पणिहियं इमेहिं पचहिवि कारणेहिं मणवयणकायपरिरक्खिएहिं णिब्बं आमरणत च  
 एस जोगो येयव्वो धितिमया मतिमया अणासवो अकल्लसो अच्छिहो-अपरिस्सावी-  
 असंकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुआतो, एवं पढम संवरदारं फासियं पालियं सोहियं



सुसाह, वितीयं च मणेण पावएण पाव[ग]क अहम्मियं दारुण निस्संस बहववपरि-  
 किलेसबहुल जरा(भय)मरणपरिकिलेससकिलिट्ठं न कयावि मणेण पावतेणं पाव-  
 किंचि-वि क्षायव्व एव मणसमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठ-  
 निव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए सजए सुसाह, ततिय च वतीते पावियाते पाव-  
 अ० क वईए पाविया(ओ)ए पावगं-न किंचिवि भासियव्वं एवं वतिसमितिजोगेण  
 भावितो भवति अंतरप्पा असबलमसकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसओ सजओ  
 सुसाह, चउत्थ आहारएसणाए सुद्ध उच्छं गवेसियव्व अजाए अ[गढिते]कहिए अ[दु]-  
 सिट्ठे अदीणे अकलुणे अविसादी अपरित्तजोगी जयणघटणकरणचरियविणयगुणजोग-  
 संपओगजुत्ते भिक्खु भिक्खेसणाते जुत्ते समुदाणेऊण भिक्खचरियं उच्छं घेतूण आगतो  
 गुरुजणस्स पास गमणागमणातिचारे पडिक्कमणपडिक्कंते आलोयणदायण च दाऊण  
 गुरुजणस्स गुरुसदिट्ठस्स वा जहोवएसं निरइयारं च अप्पमतो, पुणरवि अणेसणाते  
 पयतो पडिक्कमिता पसते आसीणसुहनिसन्ने मुहुत्तमेतं च क्षाणसुहजोगनाणसज्झाय  
 गोवियमणे धम्ममणे अविमणे सुहमणे अविग्गहमणे समाहियमणे सद्धासवेगनिज्जरमणे  
 पवतणवच्छ(ल)लभावियमणे उट्ठेऊण य पढट्ठुट्ठे जहारायणिय निमतइत्ता य साहवे  
 भावओ य विइण्णे य गुरुजणेण उपविट्ठे संपमज्जिऊण ससीस काय तहा करतलं  
 अमुच्छित्ते अगिद्धे अगढिए अगरहिते अणज्झोववण्णे अणाइले अलुद्धे अणत्तट्ठित्ते  
 असुरस्सरं अचवचव अदुतमविलवियं अपरिसादिं आलोयभायणे जयं पयत्तेष  
 ववगयसजोगमणिंगालं च विगयधूमं अक्खोवज-णव-णाणुलेवणभूय सजमजायामाया  
 निमित्त सजमभारवहणट्ठयाए भुंजेज्जा पाणधारणट्ठयाए संजएण समिय एव आहार-  
 समितिजोगेण भाविओ भवति अतरप्पा असबलमसकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए  
 अहिंसए संजए सुसाह, पचमं आदा[न]णनिक्खेव[ण]णासमिई पीढफलगसिज्जा-  
 संयारगवत्थपत्तकवलरयहरणचोलपट्टगमुहपोत्तिगपायपुच्छणादी एयंपि सजमस्स  
 उववूहणट्ठयाए वातातवर्दसमसगसीयपरिक्खणट्ठयाए उवगरणं रागदोसरहितं  
 परिहरितव्वं संजमेणं निच्च पडिलेहणपप्फोडणपमज्जणाए अहो य राओ य अप्पमत्तेण  
 होइ सयय निक्खियव्व च गिण्हियव्व च भायणभंडोवहिउवगरणं एव आयाणभंड-  
 निक्खेवणासमितिजोगेण भाविओ भवति अतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वण-  
 चरित्तभावणाए अहिंसए सजते सुसाह, एवमिण संवरस्स दारं सम्म सवरियं होति  
 सुप्पणिहियं इमेहिं पचहिवि कारणेहिं मणवयणकायपरिक्खिएहिं णिच्चं आमरणतं च  
 एस जोगो नेयव्वो धित्तिमया मतिमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्धो-अपरिस्सावी-  
 असंकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुआतो, एवं पढमं संवरदारं फासियं पालियं सोहियं

[illegible]



अह केरिसक पुणाइ सबा तु भासियव्वं ? ज त दब्बेहिं पज्जवेहिं य गुणेहिं कम्मोहिं  
 बहुविहेहिं सिप्पेहिं आगमेहिं य नामकपायनिवाउवसग्गतद्वियममागसधिपदहेउजो  
 गियउणादिकिरियाविहाणधातुसरविभत्तिवज्जुत्तं तिकल दसविहंपि सय जह भणिदं  
 तह य कम्मुणा होइ दुवालसविहा होइ भासा वयणपि-य होइ सोलसविह, एवं अर-  
 हतमणुत्ताय समिक्खिय सजएण कालमि य वत्तव्व ॥ २४ ॥ इम च अलियपिमुण  
 फरुसकडुयचवलवयणपरिरक्खणट्टयाए पावयण भगवया गुरुहिय अत्तहिय पेच्चाभा-  
 विक आगमेसिभइ सुद्ध नेयाउय अबुडिल अणुत्तरं सब्बदुक्खपावाण विओममण,  
 तस्स इमा पंच भावणाओ वितियस्स वयस्स अलियवयणस्स चैरमणपरिरक्खणट्ट-  
 याए, पढम सोऊण सवरट्ठं परमट्ट सुट्टु जाणिऊण न वेगिय न तुरिय न चवल न  
 कडुय न फरुस न साहस न य परस्स पीलाकर सावज्ज सच्चं च हिय च मियं च  
 गाहग च सुद्ध सगयमकाहल च समिक्खितं सजतेण कालमि य वत्तव्व एवं अणु-  
 वीतिसमितिजोगेण भाविओ भवति अतरप्पा संजयकरचरणनयणवयणो सूरु सच्च-  
 ज्जवसपुत्तो, वितिय कोहो ण सेवियव्वो, दुद्धो चडिक्कि[यो]ओ मणूओ अलिय भणेज्ज  
 पिमुण भणेज्ज फरुस भणेज्ज अलिय पिमुण फरुसं भणेज्ज कलह करेजा वेरं करेजा  
 विकह करेजा कलहं वेरं विकह करेजा सच्चं हणेज्ज सील हणेज्ज विणय हणेज्ज सच्चं  
 सील विणयं हणेज्ज वेसो हवेज्ज वत्थु भवेज्ज गम्मो भवेज्ज वेसो वत्थुं गम्मो भवेज्ज  
 एय अन्न च एवमादियं भणेज्ज कोहगिसपलितो तम्हा कोहो न सेवियव्वो, एवं  
 खंतीइ भाविओ भवति अतरप्पा संजयकरचरणनयणवयणो सूरु सच्चज्जवसपुत्तो,  
 ततियं लोभो न सेवियव्वो लुद्धो लोलो भणेज्ज अलिय, खेतस्स व वत्थुस्स व कतेण  
 १ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलिय किंतीए लोभस्स व कएण २ लुद्धो लोलो भणेज्ज  
 अलिय रिद्धी(ए)य व सोक्खस्स व कएण ३ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलिय भत्तस्स व  
 पाणस्स व कएण ४ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलिय पीठस्स व फलगस्म व कएण ५  
 लुद्धो लोलो भणेज्ज अलिय सेज्जाए व सयारक्खस्स व कएण ६ लुद्धो लोलो भणेज्ज  
 अलिय वत्थस्स व पत्तस्स व कएण ७ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलिय क्वलस्स व  
 पायपुच्छणस्स व कएण ८ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलिय सीसस्स व सिस्सिणीए  
 व कएण ९ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं अग्नेसु य एवमादिसु बहुसु कारणसत्तेसु,  
 लुद्धो लोलो भणेज्ज अलिय तम्हा लोभो न सेवियव्वो, एवं मुत्तीय भाविओ भवति  
 अतरप्पा संजयकरचरणनयणवयणो सूरु सच्चज्जवसपुत्तो, चउत्थ न-भाइयव्वं  
 भीतं खु भया-अइति लहुय भीतो अवितिज्जओ मणूसो भीतो भूतेहिं विप्पडं  
 भीतो अन्न पिहु भेजेज्जा भीतो तवसज्जम-पि हु मुएज्जा भीतो य भरं न नित्यरेज्जा



असविभागी असगहृती तनतेणे य घटतेणे य स्वतेणे य आयारे चेव भावतेणे व  
 सहकरे क्षत्रकरे फलदकरे चेरकरे विफदकरे असमाहिकरे सया अप्यमाणमोती  
 सततं अणुवद्वेरे य निचरोसी से तारिसए नाराहए वयमिण, अद केरिगए पुनार्  
 आराहए वयमिण, जे से उवहिभत्तपाणसंगदणदाणमुसळे अत्तनालदुन्बलमि-  
 लाणवुद्धगमके पवत्तिआयारियउयज्जाए सेहे साहम्मिके तवस्सीकुलगणसंघट्टे व  
 निजहृती वेयावच अणिसिगय दसाविहं बहुविहं करेति, न य अनियत्तस्स गिहं पविसइ  
 न य अचियत्तस्स गेण्हइ भत्तापाणं न य अचियत्तस्स सेवइ पीठफलगसेजासवारा-  
 वत्तपायकवलरयहरणनिसेजचोलपट्टयमुदपोतियपायपुंछगादभायणमंभोवहिउवगण  
 न य परिचार्य परस्स जपति न यावि दोसे परस्स गेण्हति परववएसेणवि न किंचि  
 गेण्हति न य विपरिणामेति क(किं)नि जण न यावि णासेति दिक्कमुक्क दाळण य  
 [काळण य] न होइ पच्छात्ताविए स वि-भागीले संगहोवगहकुसले से तारिसवे  
 आराहते वयमिण, इमं च परदब्बहरणवेरमणपरिरक्खाणद्वयाए पावयणं भगवन्ना  
 सुकहित अत्तहितं पेयाभावित आगमेसिभइं मुद्ध नेयाउय अकुडिल अणुत्तरं सम्बदुक्क-  
 पावाण विओ[व]समण, तस्स इमा पच भावणातो ततियस्स (वयस्स) होति परदम्ब-  
 रणवेरमणपरिरक्खाणद्वयाए, पदमं देवकुलसभप्पवाचसहदक्खगूलआरामकदराग-  
 गिरिगुहाकम्मउज्जाणजाणसालाउवितसालामंदवमुजयरसुसाणलेणआवणे अम्मि व  
 एवमादियंमि दगमद्विययीजहरिततसपाणअसंसते अदाकटे फासए विविते पसत्थे  
 उवस्सए होइ विहरियन्व, आहाकम्मबहुले य जे से आसितसंमज्जिउस्सितसोहिय-  
 छायाणदूसणलिपणअणुलिपणजलणमट्चाल[णे]ण अंतो षहिं च असजमो जत्थ  
 व[ञ्च]इती संजयाण अट्ठा वज्जेयन्वो हु उवस्सओ से तारिसए सुत्तपडियुट्टे, एवं विवित-  
 वासवसहिसमिइजोगेण भावितो भवति अतरप्पा निच अहिकरणकरणकारावण-  
 पावकम्मविरतो दत्तमणुजायओगहस्ती । वितीय आरामुज्जाणकाणवणप्पदेसभागे  
 जं किंचि इक्कं व कठिणग च जतुग च परामेरकुक्कसुदब्बमपलालमूयगवक्क-  
 तणकट्टसक्करादी गेण्हइ सेज्जोवहिस्स अट्ठा न कप्पए उग्गहे अदिक्कमि गेण्हि(गिण्हे)उ  
 जे हणि हणि उग्गह अणुवविय गेण्हियन्व एव उग्गहसमित्तजोगेण भावितो भवति  
 अतरप्पा निच अहिकरणकरणकारावणपावकम्मविरते दत्तमणुजायओगहस्ती ।  
 ततीयं जस्सेव उवस्सते वसेज्ज सेज्ज तत्थेव गवेसेज्जा न निचायपवायउस्सुगतं न  
 संसमसगेसु खुभियव्वं एवं, संजमबहुले संवरबहुले सवुदबहुले समाहिबहुले धीरे  
 काएण फासयतो सयय अज्झप्पज्झाणजुते समिए एगे चरेज धम्मं, एवं सेजास-  
 मित्तजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा निच अहिकरणकरणकारावणपावकम्मविरते





रत्नमुखावठगह्वरी । अत्रत्यं साधारणविष्वातलमे धौतम् संवत्स समिपं न  
 सावत्स्यादिर्षं न चरं न वैमिर्षं न दुरिर्वं न चरत्वं न साहसं न न प[स्व]रीक्यकर-  
 सावत्वं तह भोतत्वं बह धे ततिवर्त्तं न सीवति साधारणविष्प[स्व]त]मन्ममे धुम्  
 नवैषासाव-निरमक-वन्नियम(वेरम)नं एवं साधारणविष्वापमाने समितिभोगेन  
 मानितो मवति अंतरप्या निर्वं नविकरपकरवधरावकपावकमभिरते रत्नमुखाव-  
 ठगह्वरी । पंचमयं साहमिपु निमयो पतंजियम्मे तव[न]करपारनातु निमयो  
 पतंजियम्मे वावपपरिवृष्टातु निमयो पतंजियम्मे वावपवृत्तपुष्पातु निमयो  
 पतंजियम्मी निमयमपवैवपातु निमयो पतंजियम्मे नवैतु न पंचमार्दित वृत्त  
 करवपपुतु निमयो पतंजियम्मे, निमयोमि तयो तयोमि यम्मे तम्हा निमयो  
 पतंजियम्मे पुस्त साहसु तवस्वीतु न एवं निमयेन मानितो मव-इ अंतरप्या  
 निर्वं नविकरवकरवधरावकपावकमभिरते रत्नमुखावठगह्वरी । एवमिपं संव-  
 त्सव चरं सम्यं संवत्सवं होइ छपमिर्षिर्षं एवं चाव आनमिर्षं सुवेतिर्षं पवत्वं  
 ततिर्वं संवत्सवं समतंतिवेमि ॥ २९ ॥ नं(३)॥ एतो न वंमयेरं वत्तमवविक-  
 मयवर्दसवचरितत्तम्यतानिक्कलू न [न]ममिकम्यवपुहावतुर्षं द्विमर्तमर्दततेवर्तं  
 पवत्वंवमीउमिमितमज्जं नववपुहावचरितं मीककममं मिठवतिविदितिमिप्यं  
 सावत्सम्यववत्तमुवम्यं पवत्वं सोमं धर्मं विधमवत्तम्यववत्तं वतिवरावकिवर्तं  
 छपमिर्षं छ[माति]मादिर्षं ववति सुमिवरेइ म्हापुरिसवोरसुवमिववितिमताव  
 न तवा मिठवं मय्यं मय्यववत्तुविर्षं निस्संविर्षं निमयवं मिठुवं निरावत्वं  
 निस्सवैवं निम्मुतिवर् निमममिप्यवर्षं तवसंवत्सम्यववत्तम्यं पंचम्यववत्तुविर्षं  
 समितिपुष्टिर्षं आनवत्तमावठगह्वरमय्यवपुष्टिपुष्टिर्षं संमयोववत्तुम्यवपुष्टिर्षं छपमि-  
 प्पदेवपं न कोपुत्तं न ववमिपं पञ्चमवत्तम्यवपुष्टिर्षं म्हावपवत्तम्यवपुष्टिर्षं  
 म्हाविधिमवत्तम्यवपुष्टिर्षं म्हावपवत्तम्यवपुष्टिर्षं रज्जुपिमिठो न ईववेत्  
 मिठुवैवपुष्टिर्षं पिवर्षं वमि न मय्यमि होइ असा सम्यं संमगम्य(इ)विमपुष्टि-  
 कृतविमवत्तम्यवपुष्टिर्षं ववमिपुष्टिर्षं निमवत्तम्यवपुष्टिर्षं त वं  
 मय्यं पञ्चमवत्तम्यवपुष्टिर्षं (व) वा बहा वत्तपती ममिपुष्टिर्षं ववत्तम्यवपुष्टिर्षं  
 वापुष्टिर्षं (व) न बहा वत्तपती ववत्तम्यवपुष्टिर्षं नव बहा मयीवं बहा मवतो धेव म्हावत्तं  
 वत्तम्यं धेव व्हेमवत्तं ववत्तम्यं नव पुण्यवेत्तं वीतीवं धेव ववत्तम्यं द्विमर्तं  
 नव व्हेवत्तं वीतीरा नव निमवत्तं ववत्तम्यं बहा ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं  
 ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं  
 ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं ववत्तम्यं

जहा भवे सुहम्मा ठितिसु लवसत्तमव्व पवरा दाणाणं चेव अभयदाण किमिरा[उ]ओ  
 चेव कंबलाण सघयणे चेव वज्जरिसभे सठाणे चेव समचउरंसे ज्ञाणेसु य परम-  
 सुक्कज्झाणं णाणेसु य परमकेवल तु सिद्ध लेसासु य परमसुक्कलेस्सा तित्थकरे-जहा  
 चेव मुणीण वासेसु जहा महाविदेहे गिरिराया चेव मंदरवरे वणेसु ज[हा]ह नंदणवण  
 पवरं दुमेसु जहा जवू- सुदसणा वीसुयजसा जीय नामेण य अयं वीवो, तुरगवती  
 गयवती-रहवती नरवती जह वीसुए चेव-राया रहिए चेव जहा महारहगते,  
 एवमणेगा गुणा अहीणा भवन्ति एक्कमि वमचेरे-जमि य आराहियमि-आराहिय  
 वयमिणं सव्व, सीलं तवो य विणओ य संजमो य खंती गुप्ती मुप्ती तहेव इह-  
 लोइयपारलोइयजसे-य किप्ती य पच्चओ य, तम्हा निहुएण वमचेरं चरियव्वं  
 सव्वओ विमुद्ध जावज्जीवाए जाव सेयट्टिसजउत्ति, एव भणिय वयं भगवया, त  
 च इमं-पंचमहव्वयसुव्वयमूल, समणमणाइलसाहुसुच्चि १ वेरविरामणपज्जवसाण,  
 सव्वसमुद्धमहोदधितित्थं ॥ १ ॥ तित्थकरेहिं सुदेसियमग्ग, नरयतिरिच्छविवज्जिय-  
 मग्ग । सव्वपवितिसुनिम्मियसार, सिद्धि विमाण अवगुयदार ॥ २ ॥ देवनरिद-  
 नमसियपूय, सव्वजगुत्तममगलमग्ग । दुद्धरिसु गुणनाय[ग]कमेक्क, मोक्खपहस्स  
 वड्डिस[क]गभूय ॥ ३ ॥ जेण सुद्धचरिएण भवइ सुवभणो सुसमणो सुसाहू सइसी ससुणी  
 ससजए स एव भिक्खु जो सुद्ध चरति वमचेरं, इम च रतिरागदोसमोहपवड्डणकरं  
 किंमज्झपमायदोसपासत्थसीलकरण । अब्भंगणाणि य तेल्लमज्झणाणि य अभिक्खण  
 कक्[खा]खसीसकरचरणवदणघोवणसवाहणगायकम्मपरिमहणाणुळेवणचुल्लवासधूव-  
 णसरीरपरिमहणवाउसि(य)कहसियभणियनट्टगीयवाइयनहनट्टकजल्लमल्लेपेच्छणवेल्ब-  
 क(जा)जाणि य सिंगारागाराणि य अजाणि य एवमादियाणि तवसजमवमचेर-  
 घातोवघातियाइ अणुचरमाणेण वमचेरं वज्जेयव्वाइ सव्वकाल, भावेयव्वो भवइ  
 य अतरप्पा इमेहिं तवनियमसीलजोगेहिं निच्चकाल, किं ते ?-अण्हाणकअदंत-  
 धावणसेयमलजल्लधारण मूणवयकेसलोए य खमदमअचेलगखुप्पिवासलाघवसीतो-  
 सिणकट्टसेज्जाभूमिनिसेज्जापरघरपवेसलद्धावलद्धमाणावमाणनिंदणदसमसगफासनिय-  
 मतवगुणविणयमादिएहिं जहा से थिरतर[गं]क होइ वमचेरं इम च अवमचेरविरमण  
 परिरक्खणट्टयाए पावयण भगवया सुकहिय-अतहित-पेष्वाभाविक आगमेसिभइं सुद्धं  
 नेयाउय अकुड्डिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाण विउसवर्ण, तस्स इमा पच भावणाओ  
 चउत्थ(व)यस्स होति अवमचेरवेरमणपरिरक्खणट्टयाए, पढम सयणासणघरदुवार-  
 अगणआगासगवक्खसालअभिलोयणपच्छवत्थुकपसाहणकण्हाणिकावकासा अव-  
 कासा जे य वेसियाण अच्छति य जत्थ इत्थिकाओ अभिक्खण मोहदोसरतिराग-  
 वड्डणीओ कहिति य कहाओ बहुविहाओ तेऽवि हु वज्जणिज्जा । इत्थिसंसत्तसंकिलिद्धा





रक्खिएहिं णिच्च आमरणत्त च एसो जोगो णेयव्वो धितिम(या)ता मतिमात-  
 ,अणासवो अक्खुसो अच्चिद्धो अपरिस्सानी असकिळिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुगातो,  
 एव चउत्थ सवरदार फासिय पालित सोहित तीरितं किट्ठित आणाए अणुपालिं  
 भवति, एव नायमुणिणा भगवया पञ्चविय पस्सविय पणिद्ध सिद्धवरसासणमिण  
 आघविय मुदेसितं पसत्थं चउत्थं सवरदारं समत्ततिवेमि ॥ २७ ॥ जन् । अपरिग्गह  
 सवुडे य समणे आरभपरिग्गहातो विरत्ते विरत्ते कोहमाणमायालोभा एगे असजमे  
 दो चैव रागदोसा तिप्पि य दडगारवा य गुत्तीओ तिप्पि तिप्पि य विराहणाओ  
 चत्तारि फसाया द्वाणसन्नाविकहा तथा य हुत्ति चउरो पंच य किरियाओ समिति-  
 इदियमहव्वयाइ च छज्जीवनिक्काया छच्च लेसाओ सत्त भया अट्ठ य मया नव चैव  
 य बभचेरवयगुत्ती दसप्पकारे य समणधम्मो एफारस य उवासक्काणं चारस य  
 भिक्ख(खूण)पुपडिमा किरियठाणा य भूयगामा परमाधम्मिया गाहामौलमया  
 असजमअवभणायअसमाहिठाणा सव्वला परिसहा सूयगडज्जयणदेवभावणउद्देस-  
 गुणपक्कप्पपावसुत्तमोहणिजे सिद्धातिगुणा य जोगसगहे तिप्पिीसा आसातणा सुरिदा  
 आदिं एक्कातिय करेत्ता एक्कुत्तरियाए व[ट्ठि]ट्ठिीए तीसातो जाव उ भवे तिकाहिका  
 विरतीपणिहीसु अविरतीसु य (अ०) एवमादिषु बहुसु ठाणेषु जिणपसत्थेषु अवितहेसु  
 सासयभावेषु अवट्ठिेषु सक कख निराकरेत्ता सद्धते सासण भगवतो अणियाणे  
 अगारवे अलुद्धे अमूढमणवयणकायगुत्ते ॥ २८ ॥ जो सो वीरवरवयणविरतिपवित्थर-  
 थहुविहप्पकारो सम्मत्तविमुद्धमूलो धितिकदो विणयवेतितो निग्गततिलोक्कविपुलज्जस-  
 नि[विड]च्चियपीण[प]पीवरसुजातखधो पंचमहव्वयविसालसालो भावणतयंतज्जाण-  
 सुभजोगनाणपल्लववरंकरधरो बहुगुणकुसुमसमिद्धो सीलसुगधो अणणहव्वफलो पुणो य  
 मोक्खवरबीजसारो मदरगिरिसिहरचूलिका इव इमस्स मोक्खवरमुत्तिमग्गस्स  
 सिहरभूओ सवरवरपादपो चरिमं सवरदारं, जत्थ न कप्पह गामागरनगरखेडकव्व  
 डमडंबदोणमुहपट्ठणासमगय च किंचि अप्प व बहु व अणुं व थूल व तसधावरकाय-  
 दव्वजाय मणसावि परिघेत्तु ण हिर-ण्णसुव ण्णखेसवत्थु न दासीदासभयकपेसहय  
 गयगवेलग (च) वा न जाणजुग्गसयणा-सणा-इ ण छत्तक न कुडिया न उवाणहा न  
 पेहुणवीयणतालियट्ठका ण यावि अयतउयतवसीसककंसरयतजातल्लवमणिमुत्ताधार-  
 पुढकसंखदतमणिसिंग(लेस)सेलकायवरचेलचम्मपत्ताइ महरिहाई परस्स अज्जीव-  
 वायलोभजणणाइ परिग्गहेउ गुणवओ न यावि पुप्फफलकदमूलादिवाइ सणसत्तरसाई  
 सव्वयधच्चाई तिहिवि जोगेहिं परिघेत्तु ओसहभेसज्जभोयणट्ठयाए सजएण, किं कारणं,  
 अपरिसित्ताणदंसणघरेहिं सीलगुणविणयतवसजमनायकेहिं तित्थयरेहिं सव्वजग-







पावकाइं, किं ते ? अहिमडअस्समडहत्विमडगोमडविगमणगसियालमणुयमज्जार  
सीहदीवियमयकुहियविणट्टकिविणवहुदुरभिगघेसु अजेसु य एवमादि-ए-सु गधेसु  
अमणुजपावएसु न तेसु समणेण रुसियव्व जाव पणिहियपचिदिए चरेज्ज  
धम्म । चउत्थं जिर्विभिदिएण साइय रसाणि उ मणुनभद्काइ, किं ते ?  
उग्गाहिमविविहपाणभोयणगुलकयरांडकयतेल्लघयक्यभक्तेसु बहुविहेसु लवणरस  
सजुत्तेसु निट्ठाणगदालियवसेहवदुद्धदहिसायवहुप्पगारेसु भोयणेसु य मणुजवन्नगधरस  
फासवहुदव्वसभितेसु अजेसु य एवमादिएसु रसेसु मणुजभद्दएसु न तेसु समणेण  
सज्जियव्व जाव न सइ च मतिं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि जिर्विभिदिएण सायिय  
रसार्तिं अमणुजपावगाइ, किं ते ? अरसविरससीयल्लप्पणिजप्पपाणभोयणाइं  
दोसीणअमणुजाइ तित्तरुडुयकसायअचिलरसलिंडनीरसाइ अजेसु य एवमा(ति)उएसु  
रसेसु अमणुजपावएसु न तेसु समणेण रुसियव्वं जाव चरेज्ज धम्म । पचमग  
-परावेक्खाए-फासिदिएण फासिय फासाइ मणुजभद्काइं, किं ते ? दगमव्वहार-  
सेयचदणसीयलविमलजलविविहकुसुमसत्थरओसीरसुत्तियमुणालदोसिणापेहुणउक्खे  
वगतालियटवीयणगजणियसुहसीयले य पवणे गिम्हकाळे सुहफासाणि य बहूणि  
सयणाणि आसणाणि य पाउरणगुणे य सिसिरकाळे अगारपतावणा य आयवनिद्ध-  
मउयसीयउसिणलहुया य जे उडुसुहफासा अगसुहनिव्वुइकरा ते अजेसु य एवमादि-  
तेसु फासेसु मणुजभद्दएसु न तेसु समणेण सज्जियव्वं न रज्जियव्वं न गिज्झियव्वं  
न मुज्झियव्वं न विणिग्घाय आवज्जियव्वं न लुभियव्वं न अज्झोववज्जियव्वं न  
तूसियव्वं न हसियव्वं न सतिं च मतिं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि फासिदिएण फासिय  
फासार्तिं अमणुजपावकाइ, किं ते ? अणेगवधवधतालणकणअतिभारारोवणए अग-  
भजणसूतीनखप्पवेसगायपच्छणणलक्खारसखारतेल्लकलकलततउअसीसककाललोह-  
सिंघणहडिबघणरज्जुनिगलसकलहत्थदुयकुभिपाकदहणसीहपुच्छणउव्वघणसूलभेय  
गयचलणमलणकरचरणकजनासोट्टसीसछेयणजिन्मछणवसननयणहिय[य]यतदतभ-  
जणजोतलयकसप्पहारपादपण्हिजाणुपत्थरनिवायपीलणकविकच्छुअगणिविच्छुयडक्क-  
वायातवदंसमसकनिघाते दुट्ठणिसज्जुनिसीहियदुब्भिकक्खरुगुरुसीयउसिणलुक्खेसु  
बहुविहेसु अजेसु य एवमाइएसु फासेसु अमणुजपावकेसु न तेसु समणेण रुसियव्वं  
न हीलियव्वं न निंदियव्वं न गरहियव्वं न खिसियव्वं न छिंदियव्वं न भिंदियव्वं  
न वहेयव्वं न दुगुछावत्तिर्यं च लब्भा उप्पाएउ, एव फासिंदियभावणाभावितो  
भवति अतरप्पा मणुजामणुजसुब्भिदुब्भिरागदोसपणिहियप्पा साहू मणवयणकायगुत्ते  
संवुडे पणिहिर्तिदिए चरिज्ज धम्म । एवमिण संवरस्स दारं सम्म संवरिय होइ



से परो पाए आमजिज बा पमजिज बा नो तं सायए नो तं नियमे  
 पादाई संबाहेज बा पस्मिहिज बा नो तं सायए नो तं नियमे  
 पादाई फुसेज बा रएज बा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से  
 तेलेण बा घएण बा मक्खेज बा अरुमिज बा नो तं सायए नो तं  
 सिया से परो पादाई लोरेण बा कजेण बा चुजेण बा वजेण बा  
 उव्वलिज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई  
 रेण बा उस्सिणोदगवियडेण बा उव्वोरेण बा पधोएज बा नो तं  
 नियमे, सिया से परो पादाई अण्णयरेण विळेणजाएण आलिपेज बा  
 बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई अण्णयरेण धूवणजाएण  
 बा पधूवेज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई  
 कंटय बा जीहरेज बा विसोहेज बा नो तं सायए नो तं नियमे । सिया  
 पादाओ पूय बा सोणियं बा जीहरेज बा विसोहेज बा नो तं  
 नियमे ॥ ९७० ॥ सिया से परो कार्य आमजेज बा पमजेज बा नो तं  
 नो तं नियमे, सिया से परो कार्य लोरेण बा संबाहिज बा पस्मिहिज बा  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्य तेलेण बा घएण बा मक्खेज  
 अरुमिज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्य लोरेण  
 बा चुजेण बा वजेण बा उलोहिज बा उव्वलिज बा नो तं सायए नो तं  
 नियमे सिया से परो कार्य सीओदगवियडेण बा उस्सिणोदगवियडेण बा उव्वोरेण  
 बा पधोएज बा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्य अण्णयरेण  
 विळेणजाएण आलिपेज बा, विलिपेज बा, नो तं सायए, नो तं नियमे । सिया से  
 परो कार्य अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज बा, पधूवेज बा, नो तं सायए नो तं  
 नियमे ॥ ९७१ ॥ सिया से परो कार्यसि वण आमजेज बा पमजेज बा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यसि वण संबाहेज बा पस्मिहेज बा नो तं  
 सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यसि वण तेलेण बा घएण बा मक्खेज बा  
 अरुमिज बा, नो तं सायए नो तं नियमे । सिया से परो कार्यसि वण लोरेण बा  
 कजेण बा चुजेण बा वजेण बा उलोहिज बा उव्वलेज बा नो तं सायए नो तं  
 नियमे, सिया से परो कार्यसि वण सीओदगवियडेण बा उस्सिणोदगवियडेण बा उव्वोरेण  
 बा पधोवेज बा नो तं सायए नो तं नियमे ॥ ९७२ ॥ से सिया परो कार्यसि  
 वण अण्णयरेण विळेणजाएण आलिपेज बा विलिपेज बा नो तं २। सिया से परो  
 कार्यसि वण अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज बा प० नो तं ० २। सिया से परो कार्यसि

दुष्पमिद्विं ह्येहै पंचवि-मि कारयेहै मयववम्यपरिरमि-एहै मिर्ब आमरमेत न  
 एष बोयो नेवम्यो विदिमवा यतिमवा अवाप्तयो अकल्लस्यो अविहो अपरिस्सामी  
 अचंकिमिहो ह्यो दुष्पमिजमलुआतो एव पंचमं संवरवारं पवित्रं पावित्रं छेद्विं  
 छीरिं विद्विं अलुपावित्रं आभाए आराद्विं यमसि एव गायसुविआ मयववा  
 पचविं पचविं पचिं विं  
 संवरवारं समरंतिवेमि । एयाति ववाहं पंचमि दुष्पममहम्यमहं हेउसमविमि-  
 दुष्पमहं कविवाहं अरिहंरसासवे पंच समासेन संवरा विरारेण उ पचवीससि-  
 मिक्कहियसंकुवे सुवा अयवववममविहंरसंरसं एव अजुवरियसंजते अरमसठीरवरे  
 मविस्सठीरि ॥ १९ ॥ पचवापरमे न एवो सुवमन्त्रो एव अज्जमवा एवसरवा  
 एवसु वेव विक्केसु उविमिन्ति एवसरं आरंविमिन्ति विस्सेसु आउत्तमत्तपावएव  
 मयं अहा आमारस्स ॥ १ ॥







पमोऽत्यु न समणस्स भगवणो णापपुत्तमहावीरस्स

# सुत्तागमे

तस्य णं

विवागसुय

तर्हं क्खेमं तेनं समणं वंसा मारं मरुं होत्वा वज्जम्मे ( वं व उ-  
 दि एत्थ वं ) पुण्णमरे (वा ) उज्जाये (हो व ) ॥ १ ॥ तेनं क्खेमं तेनं समणं  
 वज्जम्मे मरुवम्मे महावीरस्स अतिवासी अज्जप्पम्मे-नामं अण्णमारे जाइसंप-वे  
 वज्जम्मे वठ(इ)इसपुम्मी वठणावोवगए पंचइ अण्णगारसएइं उइं संपरीवुडे  
 पुण्णसुपुम्मि जाव केवेव पुण्णमरे उज्जाये महापठिरुं जाव निहउ, परिवा  
 निग्गवा वम्मे सोत्ता निस्सम्म जायेव दि(उ)सि पाउम्पूवा रामेव दि-सि एडि  
 पव्व तेनं क्खेमं तेनं समणं अज्जप्पम्मे(सु)अतिवासी अज्जप्प-नामं अण्णमारे  
 सपुत्तसिडे अहा गोवमसावी तहा जाव सापकोटो(वगए) निहउ, तए नं अज्ज  
 वं-ना(मि)मं अण्णमारे जावउइं जाव केवेव अज्जप्पम्मे अण्णमारे सेवेव उवायए  
 तिक्कणो आवाहि(व)अण्णमारे करेइ १ एव वंइइ वरंउइ वं १ एव जाव  
 वटुवाउइ, [१] एव वयासी-अइ नं मति । समणेनं भगवया म्हावीरेनं जाव  
 संपतेनं इत्थमस्स भंयस्स वज्जप्पमणस्स अण्णमारे प-वतो व्हाउसमस्स नं मति ।  
 भंयस्स विवागमुयस्स समणेनं जाव संपतेनं के अट्टे प-वतो । तए नं अज्जप्पम्मे  
 अण्णमारे वं(इ)अण्णमारे एव वयासी-एव उइ वं । समणेनं जाव संपतेनं  
 एवउसमस्स भंयस्स विवागमुयस्स वो उवउरंवा प-वत्ता तं-—दुइविवागा  
 व उइविवागा य अइ नं मति । समणेनं जाव संपतेनं एवउसमस्स भंयस्स  
 विवागमुयस्स वो उवउरंवा प-वत्ता तं-—दुइविवागा य उइविवागा य पइमस्स  
 नं मति । मुयवगवस्स दुइविवागाव नमनेनं जाव संपतेनं (के) वउ अ(इ)उउववा  
 व-व(ति)एव ! तए नं अज्जप्पम्मे अण्णमारे वं-अण्णमारे एव वयासी-एव  
 उइ वं । समणेनं आइगरेनं तिक्कणरेनं जाव संपतेनं दुइविवागाव इत्थ  
 अज्जप्पवा प-वत्ता तं-—मियापुत्ते व उइउवए अमम्य उवडे व(इ)इस्सरे  
 नटी । उंवर सोमियवतो य देववत्ता य अंइ य ॥ १ ॥ अइ नं मति । समणेनं  
 आइगरेनं तिक्क(व)मरेनं जाव संपतेनं दुइविवागाव इत्थ अज्जप्पवा प-वत्ता,

त०-मियापुत्ते य जाव अजू य, पढमस्स ण भत्ते ! अज्झयणस्स दुहविवागाण  
 समणेण जाव संपत्तेण के अट्ठे प चत्ते ? , तए ण से सुहम्मि अणगारे ज-नु अण-  
 गार एव वयासी-एवं खल्ल जवू ! तेण कालेण तेणं समएण मिय[ग]गामे नामं  
 नयरे होत्था वण्णओ, तस्स णं मिय-गामस्स नयरस्स वहिया उत्तरपुर(च्छि)-  
 त्थिमे दिसीभाए चदणपायवे नाम उज्जाणे होत्था सव्वोउय वण्णओ, तत्थ णं  
 मियग्गामे नयरे विजए-नाम खत्तिए राया परिवसइ वण्णओ, तस्स ण विजयस्स  
 खत्तियस्स मिया-नाम देवी होत्था अहीण वण्णओ, तस्स ण विजयस्स खत्ति-  
 यस्स पुत्ते मियाए देवीए अत्तए मियापुत्ते-नाम दारए होत्था जाइअधे जाइमूए  
 जाइवहिरे जाइपगुले (य) हुडे य वायव्वे य, नत्थि ण तस्स दारगस्स हत्था वा  
 पाया वा कण्णा वा अच्छी वा नासा वा, केवल से तेसिं अगोवगाण आ(ग)गिई  
 आ-गिइ(मि)मेत्ते, तए ण सा मिया-देवी त मियापु(त्त)त्त दारग रहस्सियसि भूमिघरंसि  
 रहस्सिएण भत्तपाणेण पडिजागरमाणी २ विहरइ ॥ २ ॥ तत्थ ण मि(या)यग्गामे  
 नयरे एगे जाइअधे पुरिसे परिवसइ, से ण एगेणं सचक्खुएण पुरिसेण पुरओ-  
 दढएण पग(ढि)ट्ठिज्जमाणे २ फुट्टहडाहडसीसे मच्छिआचढगरपहकरेण अज्झि-  
 माणमग्गे मि-यग्गामे नयरे गे(गि)हे २ कालुणवडियाए वित्तिं कप्पेमाणे विहरइ ।  
 तेण कालेण तेण समएण समणे भगव महावीरे जाव समोसरिए जाव परिता  
 निग्गया । तए ण से विजए खत्तिए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जहा कू(को)णिए  
 तहा निग्गए जाव पज्जुवासइ, तए णं से जाइअधे पुरिसे तं म(हा)हया जणसइ जाव  
 सुणेत्ता त पुरिस एवं वयासी-किं ण देवाणुप्पिया ! अज्झ मियग्गामे नयरे इदमहे-इ  
 वा जाव निग्गच्छइ ? , तए ण से पुरिसे त जाइअधपुरिसं एव वयासी-नो खल्ल  
 देवाणुप्पिया ! इदमहे-इ वा जाव निग्गच्छइ, एव खल्ल देवाणुप्पिया ! समणे  
 जाव विहरइ, तए ण एए जाव निग्गच्छंति, तए णं से अधपुरिसे तं पुरिस एव  
 वयासी-गच्छामो ण देवाणुप्पिया ! अम्हे-वि समणं भगव जाव पज्जुवासामो, तए  
 ण से जाइअ(ध)धे पुरिसे [तेणं] पुरओ-दढएणं [पुरिसेणं] पगट्ठिज्जमाणे २ जेणेव  
 समणे भगव महावीरे तेणेव उवागए (२ ता) तिक्खुत्तो आयाहि-णपयाहिण करेइ  
 २ ता वंदइ नमंसइ वं० २ ता जाव पज्जुवासइ, तए ण समणे भगव महावीरे  
 विजयस्स खत्तियस्स तीसे य० धम्ममाइक्खइ(०) जाव परिता (जाव) पडिगया,  
 विजए वि गए ॥ ३ ॥ तेण कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे  
 अत्तेवासी इंदभू(ति)ई नाम अणगारे जाव विहरइ, तए णं से भगव (२) गोयमे तं  
 जाइअधपुरिस पासइ २ ता जायसद्धे जाव एव वयासी-अत्थि ण मंते ! के(ई)इ

पुरिसे बाह्यमि बाह्यमि बाह्यमि ! इति नरिष क[ह]मि न मति । से पुरिसे बाह्यमि  
 बाह्यमि बाह्यमि ! एवं पञ्च येनमा । इहेव मियम्यामे नगरे विजयस्त पतिमस्त  
 पुते मियादेवीए अतए मियापुते नगर् बारए बाह्यमि बाह्यमि बाह्यमि नरिष न  
 तस्त बारएस्त बाव बा-मिह-मेते तए न सा मिनादेवी बाव पञ्चिजापरमाणी २  
 निहरए, तए न से मगर् गोवमे समर्न मयर्न महावीर बह्व मर्मसह न २ ता  
 एवं बयाही-इच्छमि न मति । अहं तुभ्येहि बह्वस्तु-बाए समाने मिनापुते  
 बार(नी)म पातिपए, अहाहं देवापुमिया । तए न से मयर्न योवमे समनेर्न मय-  
 क्त महावीरैर्न बह्वस्तु-बाए समाने ह(हि)हृष्टे समपस्त मयमो महावीरस्त  
 अतिबावो पञ्चि-विजयमह २ ता अहमिर्न बाव सोहेमाने (२) जेजेव मि-बन्ग्यामे  
 नगरे तजेव तबापच्छ २ ता मि-बन्ग्याम नगरे मयर्नमज्जे(न)न जेजेव मिया(ए)-  
 देवीए मि(ने)हे तेजेव तबाग(च्छ)ए, तए न सा मिनादेवी मयर्न योवर्न एवमाने  
 पासह २ ता हृष्टा बाव एवं बयाही-संविष्टु न देवापुमिया । मिमापय-  
 [ ११(नो)नोवर्न १, तए न [छि] मयर्न योवमे मिनादेवि एवं बयाही-अहं न देवा-  
 पुमि(वा)ए । तम पुते पातिर्न हव्यमापए, तए न सा मियादेवी मियापुस्त बार  
 (नी)एस्त अतुमम्यनए अतए पुते सम्माननारमिभूतिए करेह २ ता मग(नी)वमो  
 योक्तमस्त पापह पातेह २ ता एवं बयाही-एए न मति । मम पुते पासह, तए  
 न से मगर् योवमे मि(री)वादे(वी)मि एवं बयाही-वी अहं देवा अहं एए तम  
 पुते पातिर्न हव्यमागए, तत्व न से से तम जेहे (पु ) मियापुते बारए बाह्यमि  
 बाह्यमि बाह्यमि न न तुम रहसिर्नसि भूमिर्नसि रहसिर्न अतपायैर्न पञ्चिजापर  
 माणी २ निहरति त न अहं पातिर्न हव्यमापए, तए न सा मिनादेवी मयर्न  
 योवर्न एवं बयाही-से के न योवमा ! से तहावमे नानी वा तवस्ती वा जेन  
 तव एतमहे मम ताव रह(सि)स्तीकए तुभ्य हव्यमयनए अतो न तुभ्य  
 जानह ! तए न मगर् गोवमे मिनादे-मि एवं बया(मि)ही-एवं अहं देवापु-  
 मिए । मम बम्मावमिए समने मयर्न महावीरे (बाव) अतो न अहं जानमि अर्न  
 न ये मिनादेवी मयबवा योवमेव सति एयमहुं संतमह तान न न मियापुस्त  
 बारएस्त मयर्नमा बावा बावि होत्वा तए न सा मिनादेवी मगर् गोवर्न एवं  
 बयाही-तुभ्ये न मति ! ह(ह)हं येव निद्रह वा न अहं तुभ्य मिनापुते बार-य तव-  
 र्दसिमितिह्नु जेजेव मयपयन(ए)रे तेजेव तबापच्छ २ ता बरपयिक(ही)म्य करेह  
 २ [छ] अतुमगविर्न गिह्वह २ [ता] मि(पु)वकस्त अतपयनपयमसाहमस्त मरेह  
 २ [ता] त अतुमपविर्न अतुमगमाणी २ जे(ने)नमेव मयर्न योवमे तेजेव तबापच्छ

२ ता भगव गोयम एव वयासी-एह णं तुब्भे भते ! म(म)म अणुगच्छह जा ण  
 अह तुब्भ मियापुत्तं दारग उवदसेमि, तए ण से भगव गोयमे मि-यादेविं  
 पिट्ठओ समणुगच्छइ, तए णं सा मियादेवी त कट्टसगळियं अणुकट्टमाणी २  
 जेणेव भूमिघरे तेणेव उवागच्छइ २ ता चउप्पुठेण वत्थेणं णासिगं वधेइ णासिग  
 वधमाणी भगव गोयम एव वयासी-तुब्भे(ऽ)वि णं भते ! एव करेह तए ण  
 से भगव गोयमे मियादेवीए एव वुत्ते समाणे तहेव करेइ, तए ण सा  
 मियादेवी परमुही भूमिघरस्स दुवारं विहाडेइ, त(ओ)ए ण गऽधे निग्गच्छइ  
 से जहा-नामए अहिमडे-इ वा सप्पकडेवरे इ वा जाव तओ(ऽ)वि[य]ण अणिट्ठ-  
 तराए चेव जाव गधे प-न्नते, तए ण से मियापुत्ते दारए तस्स वि-उलस्स असण  
 पाणखाइमसाइमस्स गधेण अभिभूए समाणे तसि वि-उलंसि असणपाणखाइम-  
 साइमसि मुच्छिए० त वि-उल असण ४ आसएण आहारेइ २ ता खिप्पामेव  
 विद्धसेइ २ ता तओ पच्छा पूयत्ताए य सोणियत्ताए य परिणामेइ तं पि-य ण  
 पूय च सोणिय च आहारेइ, तए ण भगवओ गोयमस्स त मियापुत्त दार-णं  
 पासित्ता अयमेयारूवे अज्झत्थिए [५] समुप्पज्जित्या-अहो ण इमे दारए पुरा-  
 पोराणाण दुच्चिण्णाण दुप्पडिक्कताण अमुभाण पावाण कडाण कम्माण पावग  
 फलवित्तिविसेस पच्चण(७)भवमाणे विहरइ, २ पच्चक्ख खलु अय पुरिसे नर-गपडिरूविय  
 वेयणं वे(एईति)यइत्तिकट्टु मिय देविं आपुच्छइ २ ता मियाए देवीए गिहाओ  
 पडिनिक्खमइ २ ता मियग्गाम नयरं मज्झमज्झेण निग्गच्छइ २ ता जेणेव  
 समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ ता समण भगव महावीरं तिकखुत्तो  
 आयाहि णपयाहिण करेइ २ ता वदइ नमसइ वं० २ ता एवं वयासी-एव खलु (भ०)  
 अह तुब्भेहिं अब्भणु-जाए समाणे मियग्गाम नयरं मज्झमज्झे-ण अणुप्पविसामि  
 [२] जेणेव मियाए देवीए गि-हे तेणेव उवागए, तए ण सा मियादेवी मम एज्ज  
 माण पासइ २ ता हट्ठा त चेव सव्व जाव पूय च सोणिय च आहारेइ, तए ण मम  
 इमे अज्झत्थिए (०) समुप्पज्जित्या-अहो ण इमे दारए पुरा जाव विहरइ ॥ ४ ॥  
 से ण भते ! पुरिसे पुव्वभवे के आ(त्ति)सी [१ किं-नामए वा किंगोए वा] कयरंति  
 गामसि वा नयरंति वा [१] किं वा दद्यां किं वा भोद्या किं वा समायरित्ता केसिं वा  
 पुरा जाव विहरइ १, गोयमाइ समणे भगव महावीरे भगव गोयम एव वयासी-एव  
 खलु गोयमा ! तेण काळेण तेण समएण इहेव जवुहीवे धीवे भारहे वासे  
 सयदुवारे नाम नयरे होत्या रिद्ध(त्य)त्थिमि(ए)य घण्णओ, तत्थ ण सयदुवारे नयरे  
 घणवइ नाम राया हो(हु)त्या वण्णओ, तस्स ण सयदुवारस्स नयरस्स अदूरसामते

वादिचपुर स्थिते सि(सि)लीमाए विजयवदमाने नामे खेडे होत्या रिउ-रिभिवसमिडे,  
 तस्य न विजयवदमानस्य खेडस्त पंच गामसयाई आभोए वासि हो-त्या तत्त्व न  
 विजयवदमाने खेडे इ(ए)काई नामं रड्डुई होत्या बहम्मिए वास पुष्पडिवान्ने, से  
 न इ-का(इवाम्)ई रड्डुई विजयवदमानस्य खेडस्त पंचगं गामसयाई आभेवर्ष वास  
 पाळैमाये मिहरइ, तए न से इ-काई (र ) विजयवदमानस्य खेडस्त पंच-गामसयाई  
 बह्मई करेडि य मरेडि य मिडीडि य लछोवाडि य पयामवैडि य दे(दि)जेडि  
 य मेजेडि य कुंतेडि य लछोपोरेडि य आलीवरीडि य पंचकोरेडि य जो(ठ)वीडे-  
 माने १ मिहम्मोमाने १ तळैमाने १ ताळैमाने १ मिहरी करैमाने १ मिहरइ ।  
 तए न से इ-काई रड्डुई विजयवदमानस्य खेडस्त बह्मं पाईसरतन्नरमाईविज-  
 योडिविदसैडिसत्त्वार्हानं कनैसि न बह्मं पाळैवपुरिसाई न(डु)डुड कळैड न  
 वारवैड न मंतेड न पुम्तेड न निच्छएड न वनहारैड य लवमाणे मचइ-न दुवैमि  
 कळण्णमाने मचइ-दुवैमि एवं पस्यमाने आसमाने पिण्डमाने बालनाये तए न से  
 इ-का(इ)ई रड्डुई एवकामे एवप्पहाणे एवमिडे एवसमावारे लव(डु)डु पलकम्म  
 कळिण्डसुं धमज्जिण्णमाने मिहरइ, तए न तस्य इ-का(इ)इवस्य रड्डुइवस्य क-ववा  
 कण्ड(इं ई)इ सरीरगंति कमगसमयमेव छेळस रोपायंका वाठम्मूवा ठं—छासे  
 का(का)से वरे पाहे इच्छिण्णे मयंदरे । अरि(सि)सा मयी(रे)रए मिड्डुइवस्य  
 क(रोव)करए ॥ १ ॥ अ(मिन्)विजयवदमाने कळवैयवा कंडू व(इ)वरे जो(डु)डे ।  
 तए न से इ-का(इ)ई रड्डुई छेळसंति रो(का)गान्नेडि अमिमू धमाने कोडुंविजयुरिसे  
 सहावैड १ ता एवं कयाली-यण्ण न तुम्मे देवापुप्पिवा । विजयवदमाने खेडे  
 सि(सं)बावपति-यववदवचरमहापहपहोड मववा १ छेपं वण्णेपैमाणा १ एवं  
 ववव—(एवं) इव कळ देवापुप्पिवा । इ-का-ई रड्डुइवस्य सरीरगंति छेळस-रोपायंका  
 पाठम्मूवा, ठं—छासे का-से वरे वाव जोडे ठं जो न इच्छइ देवापुप्पिवा । वि  
 (मि)जे वा वै-जपुत्तो वा वा(डु)वजो वा वा-वजपुत्तो वा तेगिण्ण्णी वा तेगिण्ण्णुत्तो  
 वा इ-का-ई रड्डुइवस्य तेसि छोमण्णं रोपायंकायं एवमाने रोपायंका ठवसमितए तस्य  
 न इ-का-ई रड्डुई मि-ठके अरवरोपवाणं वकण्ड, बोवंपि तवंपि तव्णेपेइ १ त  
 एवमाणेपि पचपिण्ड, तए न से कोडुंविजयुरिसा वास पचपिण्डंति तए न (सि)  
 विजयवदमा(न)ये खे(डंति)डे इव एवाकळं वण्णेपैमं खेवा मिहम्म बह्मै वि-या व १  
 सत्त्वकोसहत्त्वपवा धए(तो) १ गिहेडितो पकिमिण्णमंति १ त विजयवदमानस्य  
 खेडस्त मज्झमज्झेनं जेवैव इ-का-ई रड्डुइवस्य पिडे तेवैव उवापण्णंति १ ता  
 इ काई रड्डुइवस्य सरीर-वी परासुसंति १ ता तेसि रोपायं मि(वा)वानं पुवळंति १ त

इ-काइरुहृत्स्न वट्टहि अन्धमेहि य उव्वट्ट(णा)मेहि य निणेहपणेहि य वमगेहि य विरेयणेहि (मि०) य अवट्ट(णे)णाहि य अवट्टणेहि य अणुवामणाहि य व(व)-  
 त्यिकम्मेहि य नि(रु)हेहि य निरावेहेहि य तच्छणेहि य पच्छणेहि य नि(र)रो(व)-  
 वत्थीहि य तप्प-णाहि य पुउपागेहि य छ-हि य मूलेहि य क्केहि य पत्तेहि य पुप्फेहि य फलेहि य नीएहि य सिट्ठिणाहि य गुलियाहि य ओसहेहि य भेगजेहि  
 य इच्छति तेमि मोलमण्ड रोगायनाण एगमवि रोगायक उव(गामि)ममानितए,  
 नो चेव ण सचाएति उवमामितए । तए ण ते वट्टे वे ज्ञा य वे-ज्जपुत्ता य जाहे  
 नो सचाएति तेमि मोलमण्ड रोगायकाण एगमवि रोगायक उवसामितए ताहे सता  
 तता परितता जामेव दिमि पाउव्वभूया तामेव दिमि पटिगया, तए ण इ-का इ रट्ट-  
 वे-ज्जेहि य ६ पटियाडक्खिए परियारगपरि(च)चत्ते नि(त्वि)वि(णो)द्वेसहेसजे  
 सोलसरोगायकेहि अभिभूए समाणे रजे य रट्टे य जाव अवेउरे य मुच्छिए रज च  
 रट्ट च आमा(य) एमाणे पत्थेमाणे पीहेमाणे अभिलममाणे अट्टदुहट्टवमट्टे अट्टाज्जाड  
 वाससयाइ परमाउय पालइत्ता कालमासे काल किञ्चा इनीसे रयणप्पभाए पुढवीए  
 उक्कोसेणं सागगेवमट्टि(ती)इएत्त नेरइएत्त नेरइयत्ताए उवव जे, से ण तओ अणतरं  
 उव्वट्टिता इहेव मियग्गामे नयरे विजयस्म खत्तियस्स मियाए देवीए कुच्छिमि  
 पुत्तत्ताए उवव-जे, तए णं तीने मियाए देवीए सरिरे वेयणा पाउव्वभूया उज्जला जाव  
 (जलंता) दुरहियासा, जप्पभिइ च ण मियापु(त्त)त्ते दारए मियाए देवीए कुच्छिमि  
 गम्भत्ताए उवव-जे तप्पभिइ च ण मियादेवी विजयस्म (ख०) अणिट्टा अकना  
 अप्पिया अमणु चा अमगामा जाया यावि होत्था, तए ण तीसे मियाए देवीए अ-मया  
 कया(इ)इ पुव्वरत्तावरत्तमालसमयंसि कु(ट्ट)डुवजागरियाए जागरमाणीए इमे एयारुवे  
 अज्झत्तिए जाव समुप्प(जे)जित्था-एव खलु अह विजयस्म खत्तियस्स पुर्व्व इट्ठा  
 ६ धेज्जा वेसासिया अणुमया आसी, जप्पभिइ च ण म-म इमे गम्भे कुच्छिमि  
 गम्भत्ताए उवव-जे तप्पभिइ च ण अह विजयस्म खत्तियस्स अणिट्टा जाव अम-  
 णामा जाया यावि होत्था, नि(ने)च्छड ण विजए खत्तिए मम नाम वा गोय वा  
 गिण्हित्तए वा किमग पुण दसण वा परिभोग वा, त सेय खलु म-म एय गम्भ  
 वट्टहि गम्भसाडणाहि य पाडणाहि य गालणाहि य मारणाहि य साडित्तए वा  
 ४, एव सपेहेइ सपेहित्ता वट्टणि खाराणि य रुडयाणि य तूवरणि य गम्भसाड-  
 णाणि य ४ खायमाणी य पी(पि)यमाणी य इच्छइ त गम्भ साडित्तए वा ४ नो  
 चेव ण से गम्भे सडइ वा ४ । तए ण सा मियादेवी जाहे नो सचाएइ त गम्भ  
 सा(डे)डित्तए वा ४ ताहे सता तता परितता अकामिया अस[य]वसा तं गम्भं

पुस्तकेन परिबद्ध, तस्य च दारयस्य गम्भगमस्त नैव बहु-नालीनो अस्मिन्तर  
 पन्थातो बहु-नालीनो बाहिर्य [पन्थातो बहु-पुनपन्थातो बहु-छेपियपन्थातो  
 हुने हुने कर्मतरेय हुने हुने अ(मिन्-मिन्)छिन्नतरेय हुने हुने नर्ततरेय हुने हुने  
 वममिन्तरेय अमिन्तरेय अमिन्तरेय पूर्व न सोमिन् न परि(र)सवमापीनो २ न  
 मिन्ति तस्य च दारयस्य गम्भगमस्त नैव अमिन्तरेय-नालीनो बाहिर्य पाठम्पू नै च  
 ऐ दारय बाहारेय से च छिप्पागेय मिन्ते(र)समायच्छ ( ) पूवत्पू (य) छेपिय-  
 त्पू न परिपन्थ, त-पि-न से पूर्व न सोमिन् न बाहारेय, तए च सा मिन्तेपी  
 अत्रया कया-इ नबन्ध मात्तानं बहुपुनपुनत्तानं दारय पन्था बाहारेय बाव  
 आ-मिन्ते-मेते तए च सा मिन्तेपी त दार-न हुन् अत्रात्तानं पाठ २ ता मीना  
 ४ अम्मबाहं सहाये २ ता एवं बवासी-गच्छ[ह] च वेवत्तुप्पि(ए)न । हुने एवं  
 दारय एते छेपियत्पू उज्जाहि, तए च सा अम्मबाहं मिन्तेपी तहति  
 एवम्पू पडिपुये २ ता जेनेव मिन्ते अतिए तेनेव उवागच्छ २ [ता]  
 कयकयपरिम्यत्तिन एवं कयासी-एवं अत्त सा(मि)मी मिन्तेपी नबन्ध मात्तानं  
 बाव आ-मिन्ते-मेते, तए च सा मिन्तेपी त हुन् अत्रात्तानं पाठ २ ता मीना तत्ता  
 अमिन्त्या संजायमना मयं सहाये २ ता एवं बवासी-गच्छ[ह] च हुं(मे)न  
 वेवत्तुप्पि न । एवं दार-य एते अत्तुत्तियत्पू उज्जाहि, त संमिच्छ न धामी । त  
 दारय अहं एते उज्जाहि उवाग मा । तए च से मिन्ते अतिए तेनेव अम्मबाहं  
 अतिए एवम्पू छेप्य [मिन्तम्] तहेव संमते उज्जाह उवाग २ ता जेनेव मिन्तेपी  
 तेनेव उवागच्छ २ ता मिन्ते-वि एवं कयासी-वेवत्तुप्पि-न । हुन् पडिपुये  
 पन्थे त कइ च हु-ने एवं (वा ) एते अत्तुत्तियत्पू उज्जाहि(तो) तन्ते च  
 हुन्(ने)न पवा नो विरा मन्तिस्स, तो(ते)न तुम एवं दारय उज्जिस्सकोसि म्मिन्तरेय  
 उज्जिस्सएवं मत्तपासेच पडिवागरमापी (२) मिन्तेवि तो च हुन् पवा विरा  
 मन्तिस्स, तए च सा मिन्तेपी मिन्तरेय अतिवस्त तहति एवम्पू मिन्ते एवं पडि  
 पुये २ ता त दारय उज्जिस्स(य)नति म्मिन्तरेय उज्जिस्सएवं मत्तपासेच पडिवागर  
 मापी मिन्ते, एवं अत्तुत्तु योक्ता । मिन्ते-नै दारय पुत्त(ये)पुत्तानं बाव पन्थ-  
 मन्थाने मिन्ते ॥ ५ ॥ मिन्ते-नै नैते । दारय इत्ते अम्मपासे वत्तं  
 मिन्ते अहं पमहिइ (१) अहं उज्जिस्समिहिइ १ योयया । मिन्ते-नै दारय अम्मपासे  
 अम्मपा परमात्तं पावत्ता अम्मपासे अत्त मिन्ते इहेव अत्तरेय वेने मारहे वाते  
 वेपुपिरिपाप्पुत्ते वीहत्तमिति वीहत्ताए पन्थावाहिइ, से च दारय वीहे मन्तिस्स  
 अहम्मिए बाव साहत्तिए उज्जाहं पत्तं बाव सममिन्ते २ [ता] अम्मपासे वत्तं



इ-काइरुड्डस्म वट्टहिं अव्वमेहि य उव्वट्ट(णा)णेहिं य निणेइपाणेहिं य वमणेहिं य विरेयणेहिं (मि०) य अवट्ट(णे)णाहिं य अवण्डाणेहिं य अणुगमणाहिं य व(व)-  
 त्यिकम्मेहिं य नि(रु)ह्मेहिं य सिरावेहेहिं य तन्ठणेहिं य पन्ठणेहिं य सि(र)रो(व)-  
 वत्थीहिं य तप्प-णाहिं य पुउपाणेहिं य छणीहिं य मूलेहिं य कट्टेहिं य पत्तेहिं य पुप्फेहिं य फलेहिं य वीणहिं य तिलियाहिं य गुळियाहिं य ओसहेहिं य भेमज्जेहिं  
 य इच्छति तेसिं सोलगण्ड रोगायकाण एगमवि रोगायक उव(सामि)गमावित्तए,  
 नो चेव ण संचाएति उवगामित्तए । तए ण ते बह्वे वे-ज्जा य वे-ज्जापुत्ता य जाहे  
 नो संचाएति तेसिं सोलराण्ड रोगायकाण एगमवि रोगायक उवसामित्तए ताहे सत्ता  
 तत्ता परितत्ता जामेव दिमिं पाउव्वभूया तामेव दिमिं पडिगया, तए ण इ द्वा ई रट्टवूडे  
 वे-ज्जेहिं य ६ पडियाइक्खिए परियारगपरि(घ)चत्ते नि(त्वि)वि(णो)द्वेमहमेसज्जे  
 सोलसरोगायंकेहिं अभिभूए समाणे रज्जे य रट्टे य जाव अतेउरे य मुच्छिए रज्ज च  
 रट्ट च आसा(य) एमाणे पत्थेमाणे पीहेमाणे अभिलसमाणे अट्टदुहट्टवसट्टे अट्टाज्जाइ  
 वाससयाइ परमाउय पालइत्ता कालमासे काल किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए  
 उक्कोसेण सागरोवमट्ठि(ती)इएउ नेरइएमु नेरइयत्ताए उवव ज्ञे, से ण तओ अणतरं  
 उव्वट्ठिता डहेव मियग्गामे नयरे विजयस्स खत्तियस्स मियाए देवीए कुच्छिंति  
 पुत्तत्ताए उवव-ज्ञे, तए ण तीसे मियाए देवीए सरीरे वेयणा पाउव्वभूया उज्जला जाव  
 (जलता) दुराहियासा, जप्पभिइ च ण मियापु(त्त)त्ते दारए मियाए देवीए कुच्छिंति  
 गम्भत्ताए उवव-ज्ञे तप्पभिइ च ण मियादेवी विजयस्स (ख०) अणिट्ठा अकना  
 अप्पिया अमणु ज्ञा अमणामा जाया यावि होत्था, तए ण तीसे मियाए देवीए अ-ज्या  
 कया(इ)इ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि कु(ट्ट)दुवजागरियाए जागरमाणीए इमे एयारूवे  
 अज्झत्थिए जाव समुप्प(ज्ञे)जित्था-एव खल्ल अह विजयस्स खत्तियस्स पुर्व्व इट्ठा  
 ६ धेज्जा वेसासिया अणुमया आसी, जप्पभिइ च ण म-म इमे गम्भे कुच्छिंति  
 गम्भत्ताए उवव-ज्ञे तप्पभिइ च ण अह विजयस्स खत्तियस्स अणिट्ठा जाव अम-  
 णामा जाया यावि होत्था, नि(ने)च्छइ ण विजए खत्तिए म-म नाम वा गोय वा  
 गिण्हित्तए वा किमग पुण दसण वा परिभोग वा, त सेय खल्ल म-म एय गम्भ  
 बट्टहिं गम्भसाडणाहिं य पाडणाहिं य गालणाहिं य मारणाहिं य साडित्तए वा  
 ४, एव सपेहेइ सपेहित्ता बट्टणि खाराणि य कडुयाणि य तूवराणि य गम्भसाड-  
 णाणि य ४ खायमाणी य पी(पि)यमाणी य इच्छइ तं गम्भ साडित्तए वा ४ नो  
 चेव ण से गम्भे सडइ वा ४ । तए ण सा मियादेवी जाहे नो संचाएइ तं गम्भ  
 सा(डे)डित्तए वा ४ ताहे संता तत्ता परितत्ता अकामिणा अस[य]वसा तं गम्भं



क्रिया इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उद्योगगागरोवम(ठि)-ट्टिएसु जाव उववज्जिहिइ, से ण तओ अणतरं उव्वट्ठिता स(सि)री(सि)मवेसु उववज्जिहिइ, तत्थ ण काल क्रिया दोचाए पुढवीए उद्योसेणं तिण्णि सागरोवमाई , से ण तओ अणतरं उव्वट्ठिता पक्खीसु उववज्जिहिइ, तत्थ-वि काल क्रिया तचाए पुढवीए मत्त सागरोवमाई.. , से ण तओ सीहेसु य , तयाणतरं (च ण) चो(चउ)त्थीए (पु०) उरगो पंचमी० इत्थी० छट्ठी० मणु(आ-ओ)या० अहे-सत्त(मा)मीए, त(तोऽ)ओ अणतरं उव्वट्ठिता से जाइ इमाइ जलयरपचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मच्छक्ख(भ)ग्गाहमगर(घु)सुसु मारा(दी)ईण अ(द्ध)ट्टेरेस जाइकुल्लो(डी)डिजोणिपमुहसयसहस्साइ तत्थ ण एगमेगसि जो(णी)णिविहाणसि अणेगसयसहस्सगुत्तो उद्दाइत्ता २ तत्(येव)य भुजो २ पचायाइस्सइ, से ण तओ उव्वट्ठिता एव चउ(ए)पएसु उरपरिसप्पेसु भुयपरिसप्पेसु खहयरेसु चउरिंदिएसु तेइदिएसु चेइदिएसु वणप्फइएसु कहुयल्लक्खेसु कहुयदुद्धिएसु वा(ऊ)उ० ते उ० आ-उ० पुट(वि)वी० अणेगसयसहस्सगुत्तो , से ण तओ अणतरं उव्वट्ठिता सुपइट्टपुरे नयरे गोणत्ताए पचायाहिइ, से ण तत्थ उम्मुक्क जाव अ-न्नया कया-इ पढमपाउस(मि)सि गगाए महा-नईए खली(य)णमट्ठिय खणमाणे तढीए पेळिए ममाणे कालगाए तत्थेव सुपइ(ट्टे)ट्टपुरे नयरे सेट्टिकुल्लसि पु(त्त)मत्ताए पचायाइस्सइ, से ण तत्थ उम्मुक्कालभावे जाव जोव्वणगमणु[ए]पत्ते तहारुवाणं येराण अतिए धम्म सोच्चा निसम्म मुढे भवित्ता अ(आ)गाराओ अणगारियं पव्वइस्सइ, से ण तत्थ अणगारे भविस्सइ ई(इ)रियासमिए जाव वभयारी, से ण तत्थ बहूई वासाइ सामण्णपरियाग पाउणिक्क आलोइयपडिक्खते समाहिपत्ते कालमासे काल क्रिया सोहम्(म)मे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से ण तओ अणतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे जाइ कुलाइ भवति अट्ठाइ जहा दढपइ षे सा चेव वत्तव्वया कलाओ जाव सिज्झिहिइ [५] । एवं खल्ल जवू ! समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण दुहविवागाण पढमस्स अज्झयणस्म अयमट्ठे प-न्नत्तेत्तिवेमि ॥ ६ ॥

**पढमं अज्झयण समत्तं ॥**

जइ णं भते ! समणेण जाव सपत्तेण दुहविवागाणं पढमस्स अज्झयणस्स अय-मट्ठे प-न्नत्ते दोषस्स ण भते । अज्झयणस्स दुहविवागाण समणेण जाव सपत्तेणं के अट्ठे प-न्नत्ते ? , तए ण से सुहम्मे अणगारे ज बु अणगारं एव वयासी-एव खल्ल जवू ! तेण कालेण तेण समएण वाणियगामे नाम नयरे होत्था रि(द्धि)द्धतियमियसमिद्धे । तस्स ण वाणियगामस्स (नग०) उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए दूईपलासे नाम उज्जाणे होत्था, तत्थ ण वाणियगामे मिस्से नाम राया होत्था वण्णओ, तस्स णं मित्तस्स र-न्नो

सिटी-नामं देवी होत्वा बन्धनो तत्त्व न वाचिबगा(मय) ये कथमज्ज्ञा-भासं गमिवा  
 होत्वा अहीन वाच छत्वा वाच(सी)रिक्कत्पविना ब्रह्मसिद्धिपविनापुण्येनवेया ए(कु)-  
 ग्गुणवीसमिसेसे रम्माणी एक्कवीसरह्णुबप्पहाणा बटीसपुरिसेनयाउत्तम नर्ग-  
 छत्तपविबोद्धिया अट्टारसवेसीमासाभिधारया सिप्पारम्प(इ)रत्ताल्लैसा धीवर(व)-  
 पेवन्न-गह्णुत्ता संयमयन धुवरत्तव पवित्र(व)ज्जया सहस्सकेना विदिग्गत्त-  
 चामरत्ताअवीवपीता कन्धीरह्णुप्पयाया यावि होत्वा बहून् वम्मिमानं जाहेवर्च वाच  
 निहत्त ॥ ७ ॥ तत्त्व न वाचियम्ममे विजयमिसे नामं सत्त्ववाहे परिकट्टं ज्ञे  
 तत्त्व न विजयमित्तस्स छम्मा-नामं मारिवा होत्वा अहीन तत्त्व न विजयमित्तस्स  
 पुत्तं छम्माए मारिवाए अत्तए उच्छिन्नए वार्मं वारए होत्वा अहीन वाच छत्मे ।  
 तेनं क्कट्ठेनं तेनं समएवं समने मग्गं म्हावीरे (वाच) समोस(वि)के परिसा निम्पवा  
 एत्ता(वि) ज्जा कू-निष्ठो ज्जा निम्माओ वम्मो क्कट्ठिओ परिसा पविगया रावा न  
 म्माओ तेनं क्कट्ठेनं तंनं समएवं समन्तस्स मग्गवग्गे म्हावीरस्स केहे अठेवाटी  
 ईदम्(इ)ई म्मं अक्कमारं वाच के(इ)दि कट्ठुक्कट्ठेनं ज्जा एक्कवीए पद्म वाच  
 केनैव वाचियगामे [नवरे] तेनैव उवागच्छ २ ता उक्कनीम-अवमाने केनैव  
 एयम्मो तेनैव (व) ओगाहे तत्त्व न बह्वे हत्ती पात्तं संनद्धवद्धमिन्नपुण्ड्रि-  
 क्कप्पीत्तिम्वक्कट्ठे उच्छिन्नवक्ठि तात्ताममिरसममिनिहरे(वि)नैवउत्तरकंजुत्तमे पवि  
 क्कप्पिए अक्कपडागवरपंवामेक्कमावद्धत्वारोहे गहिवावह्णुप्पहारमे अ-वे व तत्त्व बह्वे  
 वासे पात्तं संनद्धवद्धमिन्नपुण्ड्रिए आनिहपु(वि)के ज्जेसारियनवरे उत्तरकंजुत्त-  
 म्मेक्कमुह्वंवावरचामरत्तासगपिमिन्विजवक्ठिए अत्तव(अस्)वासाएहे गहिवावह्णु-  
 प्पहारमे ज्ञे व तत्त्व बह्वे पुरिसे पात्तं संनद्धवद्धमिन्नवक्कए उप्पीत्तिम्वक्क-  
 छत्तप(ही)ट्ठिए पि(वि)क्कट्ठेनैवे विमक्कवरवद्धविचपट्टे बद्धिवावह्णुप्पहारमे तेसि व नं  
 पुरिसार्च मत्तहमं (एणं) पुरिसं पात्तं क्क(ठ)ओड(व)नंनवर्च उच्छिन्नकम्प-जासं  
 केहपुप्पियवर्तं कज्जक(रड)क्कविजहुम-निवर्चं कट्ठिग्वरत्तमज्जमं पुण्णुविज  
 (वाचं)वर्तं पुण्णुयं क्क(व)ज्जपात्त(पी)पियं सिक्कट्ठिं येव विजमानं क्क(क-वी)-  
 ममिन्तत्तार् वाचिन्तं पार्च कक्कवरत्तएणं इम्ममग्गं अयेव-वर-माटीसंपरिपुडं ववरे  
 ववरे क्कट्ठपट्टह्णुए उम्माविजमानं इमं व नं एवाक्कं उग्गेवर्चं पविउत्तेर-नो क्क  
 देवा । उच्छिन्नवत्त वारगत्त केह रावा वा रावपुत्तो वा अक्कज्ज अप्पवो से  
 एग्गई कम्माई अक्कज्जमि ॥ ८ ॥ तए नं से यमवग्गे योममत्त तं पुरिसं पाविप्प इमे  
 अज्जत्तिए ५-अवो न इमे पुरिसे वाच व(वि)रक्कपठिकमियं वै(इ)नवं वै(इ)एट्ठिक्क  
 वाचियप्पमे नवरे उक्क-नीयमग्गिमक्क(के)क्कई वाच अक्कमाने अहावज्जं धमु(या)-

दा(नं)तिं गिण्हा ० ता मागिगमा(म)ने नर(र)ने मरुतंम-भेन जाव पदि-भेद,  
 [२] गमण भगने महावीरं यदद नर्गमड यं ० ० ता एा गगामी-गा मा हि  
 भंते । तु(व्हे)न्ने(हि)हि अन्नपु गाण गगाने पाणि (मा) जाव गेहा (नि)ने-गड,  
 से न भंते । पुरिसे पुत्तमने के भाभी जाव पक्कु-भगमाने गिहगड ० एवं  
 गत्तु गोयमा । तेणं गदेणं तेणं गमएण गेहा गुरंभे ० भागहे तामे हतिता-  
 उरे नाम नगरे होगा भिद०, तत्त पं हतिगणउरे तवरे सुंदे ताम गगा गेहा  
 महया०, तत्त पं हतिगणउरे (ण(म)गरे) यदुगज्जमेभाण एा ग गड एा  
 गोमंउ(नि)गण होत्ता अणेगंभगयम तिगिहि पागाडेण २, ता प वरं  
 न(ग)गरगोत्ताणं गणादा य भागादा य नगरगा(गि)हि(-)ओ य नगरगमा य  
 ननारग(गि)हीवदा य न गरपट्टया ओ न पउरगणगिण्हा निग्गया गिण्हागमा  
 गहगणेण परिवसति, तत्त पं हतिगणउरे तवरे भीने नामं गूडग्ग(ही)हे होत्ता  
 अहम्मिण जाव दुप्पडिगणडे । तम्म प भीमम्म गूडग्गहम्म उप्पला-नामं  
 भारिया होत्ता अरीण०, तत्त पं गा उप्पला गूडग्गानिष्णी अ पदा कया(ई)द  
 आव वगता जाया चाहि होत्ता, तए ण तीमे उप्पलाए गूड[ग]गाणिष्णीए  
 तिण(ह)हं मागाण बहुपडिपुण्णाण अयमेयान्ने दोहले पाउब्भूए-भप्पा ओ ण  
 ताओ अम्मयाओ ४ जाव गुरद्वे जम्मजीणि(ए)यरडे जाओ ण वट्टा ननारगो-  
 (र)रुत्ताणं गणादाण य जाव वगमाण य ऊहेहि य थोहि य वगणेहि य छे-  
 (छ-छि)प्पाहि य फट्टहेहि य वहेहि य कण्णेहि य अ(न्ति)न्नीहि य नामाहि  
 य जिग्भाहि य ओ(उ)ट्टेहि य कण्ठेहि य तौंहि य तलिण्णि य भजिण्णि  
 य परिस्सेहि य लावणेहि य सुं च महु च मेग्ग न जाइं च सी(पुं)हुं च पग्ग  
 च आसाएमाणीओ विसाएमाणीओ परिभाएमाणीओ परिभु(ज)जेमाणीओ दोहलं  
 वि(णय)णंति, त जइ ण अहमवि घट्टण ननार जाव गिणिज्जामित्तिरुदु तत्ति दोह-  
 लसि अविणिज्जमाणसि सुप्पा भुक्कया निम्मंगा ओलग्ग ओ-लग्गनरीरा नित्तेया  
 दीणविमणवयणा पंदुल्लयमु(ही)दा ओमयियनयणवयणकमला जहोदयं पुप्फवत्थग  
 घमलालंकाराहारं अपरिभुजमाणी करयलमलिय-व्व कमलमाला ओहय जाव झिया-  
 (य)इ । इम च ण भीमे वूडग्गाहे जेणेव उप्पला वूडग्गा(ह)हिणी तेणेव उवा-  
 गच्छइ २ ता ओहय जाव पासइ ० [ता] एव वयासी-किं ण तु(मे)म देवाणु-  
 प्पि-ए । ओहय जाव झियासि १, तए ण सा उप्पला भारिया भी(म)म वूडग्गाहं  
 एवं वयासी-एव सल्ल देवाणुप्पिया । मम तिण्हं मासाण बहुपडिपुण्णाण दोह(ले)ला  
 पाउब्भू(ए)या-ध-जा ण ता० जा-ओ णं घट्टण गो० ऊ(ह०)हेहि य जाव

अथ(गपु)नेति य दूरं च १ आताप्यानी[ले] रोहकं नि(मि)नेति तपु च  
 अहं वैवालिपिमा । तंति रोहकंति अनिनिजमानेति आन प्रियामि । तपु च से  
 मी(म)मे वृद्ध्या-हे छप्पले मारिचं एवं वयासी-मा च हुमं वैवालिपिमा । अहेव  
 प्रियाहि, अहं च (४) तदा अरिस्तमि अहा न तव रोहमस्त संपत्ती भविस्तद,  
 तहि इन्द्रा ५ आन वम्पुहि समासासेत, तपु च से मी-मे वृद्ध्या-हे अदरतप-  
 कसमयंति एगे अवीपु संनह आन पहरने सवा(सा)मो पिहामो निगच्छ २ [१३]  
 इन्पियात(रं)रे नवरे मज्जमज्जोचं जेजेव गोमंजवे तेगैव उवाच(१ ता)ए  
 बहुन न-गरयो-स्मात् आन वसमाय य अज्येगइवाचं छहे छिरह आन अज्ये-  
 गइवाचं कंचे छिरह अज्येगइवाचं अ-आम आचं अज्येगइवाचं निगिह २ १३ जेजेव  
 सए मिहे तेजेव सवागच्छ १ ता छप्पकापु वृद्ध्या-हिनीए उवनेह, तपु च सा  
 छप्पका मारिया तेहिं वहुहिं गोमंसेहि य छोहे(छो)हि य दूरं च [५] आता-  
 एसा तं रोहकं निवेह, तपु च सा छप्पका वृद्ध्या(ही)-हिनी संपुज्यरोहक  
 संमानियरोहक निनीवरोहक रोमिजवरोहका संप-वरोहका तं वच्यं छरंछोहं  
 परिवहह, तपु च सा छप्पका वृद्ध्याहिनी अचना कवा(४)इ नवहं मासाचं वहु-  
 पविपुज्याचं दार-नं पवाका ३ ५ ३ तपु च तेचं दारएचं आन मेतेचं चेव महवा  
 म्मया छेचं निजुहे निचरे आरतिपु, तपु च तस्व दारयस्व आरतिवचं छेच  
 निजम्म इतिवाठरे नवरे वहुचै न-गरयो-स्मा आन वसमा य मीवा-उमिमा  
 सव्यमे समंता विप्यवइवा तपु च तस्व दारयस्व अम्मपिनरो अवमेवाकं  
 नामवेचं करंति अम्हा च अम्(हे)हं इमेचं दारएचं आनमेतेचं चेव महवा म्मया  
 विनीसीचं निजुहे निचरे आरतिपु तपु च एवस्व दारयस्व आरति(वी)वचं छेच  
 निजम्म इतिवाठरे वहुचै न-गरयो-स्मा आन मीवा ४ सव्यमे समंता विप्यव  
 इवा तम्हा च होह अम्हं दारए व्येछसए नायेचं तपु च से गोत्त(वि)सए दारए  
 वम्पुववाकमा आपु मामि होत्वा तपु च से मी-मे वृद्ध्या-हे अचना कवा-  
 (हि-४)इ अकवम्पुणा संछोते तपु च से व्येछासे दारए व(ह)हुएचं मिच-वाइ-  
 मिचमयचंछंविपरि(व)नचैचं सकि संपरिपुके रोममाचि कंचपाचि निज्यमाचि  
 मीमस्व वृद्ध्या(हि)वस्व नीहरचं करे २ [१३] वहुइ अहेवमय(अव्य)किचाई  
 करेह, तपु च से स-चदि राजा गोत्तयं दारचं अचना कवाह उवनेव वृद्ध्या-इछए  
 अ(ठ)वेह तपु च ॥ गोत्तासे दारए वृद्ध्या-हे आपु मामि होत्वा अहमिपु आन  
 वृप्पवियाचंहे, तपु च से गोत्तासे दारए वृद्ध्या(हि)हिचए अवाइहि अदर(४)ति-  
 वच्यकसमयंति एगे अवीपु संनहवसवण आन गहि(आ)यावह ॥ पहरने सवा-मो

गिहाओ नि(जा)गच्छद् [२] जेणेव गोमंउवे तेणेव उवागच्छद् २ [ता] मट्टणं  
 न-गरगो-रूपाण सणाहाण य जाव विर्यगेद् ० ता जेणेव गए गे(गि)हे तेणेव उवा-  
 ग(च्छद्)ए, तए ण से गोतासे वूडग्गाहे तेहि मट्टहि गोमसे(हिं)हि य गोवे-हि य "  
 मुरं च ६ आसाएमाणे विराएमाणे जाव विहरद्, तए णं से गोतासे वूडग्गाहे एय  
 फम्मे सुवहुं पावस्सम्म समज्जिणिता पंचवागसयारं परमाउर्यं पात्तता अश्रुदुह-  
 श्रोवगए कालमासे काल किन्ना दोवाए पुट्ठीए उणोसं तिमागरोवमठिइएस्स नेरइएस्स  
 नेरइयत्ताए उवव-जे ॥ १० ॥ तए ण सा विजयमिच्छस्स सत्यवाहस्स सुभद्दा नामं  
 भारिया जाय-निंदुया यावि होत्था जाया जाया दारगा विणिहायमावज्जति, तए ण  
 से गोतासे वूडग्गाहे दोवा(ओ)ए पुडवी(ओ)ए अणतरं उव्वट्ठिता इहेव वाणिय  
 गामे नयरे विजयमिच्छस्स सत्यवाहस्स सुभद्दाए भारियाए पुच्छिस्स पुत्तत्ताए उव  
 व-जे, तए ण सा सुभद्दा सत्यवाही अ ज्ञया कया(इं)इ नवणं मासाण बहुपडि-  
 पुण्णाणं दार-नं पयाया, तए ण सा सुभद्दा सत्यवाही त दारग जायमेत्तय चेव एगते  
 उ(कु)क्खुड्डियाए उज्झावेइ उज्झावेत्ता दोग-पि गिण्हावेइ २ ता अ(आ)णुपुब्बेण  
 सारक्(ख)खेमाणी संगोवेमाणी सवदेइ, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो  
 ठिइवडिय [च] चंदसूरदंस(णिय)ण च जागरियं [च] महया इट्ठीसधारममुदएण  
 करंति, तए ण तस्स दारगस्स अम्मापियरो ए(इ)सारममे दिवसे निव्वत्ते सपत्ते  
 चार(साहे)समे दिवसे इममेयास्स गोण्ण गुणनिप्फज्ज नामधेज्ज करंति, जम्हा णं अम्ह  
 इमे दारए जाय मेत्तए चेव एगते उक्खुड्डियाए उज्झिए तम्हा णं होठ अम्हं  
 दारए उज्झियए नामेण, तए ण से उज्झियए दारए पंचधाईपरिग(ही)हिए  
 त० खीरधाईए (१) मज्जणधाईए (२) मडणधाईए (३) कीलवणधाईए  
 (४) अकधाईए (५) जहा दढपइ जे जाव निव्वाधाए गिरिकदरमल्लीणे [वि]व  
 चप-नपायवे सुहसुहेण विहरद्, तए णं से विजयमित्ते सत्यवाहे अ ज्ञया कया-इ  
 गणिस च १ धरिम च २ मेज्ज च ३ पारिच्छेज्ज च ४ चउव्विह भंडग गहाय  
 लवणसमुद् पोयवहणे(ण)ण उवागए, तए णं से विजयमित्ते तत्थ लवणसमुद् पोय-  
 विवत्तीए नि[व]वुड्ढमडसारे अत्ताणे असरणे कालधम्मणा सजुते, तए णं त  
 विजयमित्त सत्यवाह जे जहा बहवे ईसरतलवरमाडवियकोडुंविद्यइव्वभसेट्ठिसत्यवाहा  
 लवणसमुद् पोयविवत्तीए छूढ निव्वुड्ढमडसार कालधम्मणा सजुत सुणेति ते तहा  
 हत्थ निक्खेव च बाहिरमडसारं च गहाय एगं(त)ते अवक्कमति । तए ण सा सुभद्दा  
 सत्यवाही विजयमित्त सत्यवाह लवणसमुद् पोयविवत्तीए निव्वुड्ढ० कालधम्मणा  
 संजुत सुणेइ २ ता महया पइसोएण अप्फु-जा समाणी परसु नियत्ता-विव चपगलया

ध्वज(धर)वेदि य धरं च ६ आसाप्साणी[भो] दोहं नि(नि)वेति तप न  
 अहं देवापुष्पा । तंति दोहंति अनिमित्तमार्गंति जाय प्रियामि । तप न से  
 मी(म)मे कृष्णमाहे तप्यते मारिवं एवं वयासी-मा नं दुर्म देवापुष्पा । ओहय  
 प्रियहि, अहं न (त) तदा करिस्थामि जहा नं तव दोहमस्त संपत्ती ममिस्तप,  
 तहि इहहि ५ जाय वयुहिं समासासेह, तप न से मी-मे कृष्णमाहे अदरतक-  
 क्यममंति एगे अवीए संनय जाय पहरे सया(ता)ओ गिहामो निम्नकृद् १ [ता]  
 इतिबाह(र)रे नयरे मन्त्रमयजेन जेनेव धोर्मदने तेनेव उवाग(१ ता)ए  
 बहुन न-गरगे-रुमार्ग जाय वसमाय न अप्येगइयायं छहे छिरु जाय अप्ये-  
 यन्नायं करके छिरु अप्येयइयायं न-अम-आयं अंगेयंयायं निवनिह १ ता जेनेव  
 सप गिहे तेनेव उवापकृद् १ ता उप्यकाए कृष्णमा-हिणीए उवपेह, तप नं ता  
 उप्यका मारिना तेहि बहुहि धोर्मवेदि न छेहे(एहे)हि न धरं च [५] आसा-  
 प्सा तं दोहं निवेह, तप नं सा तप्यका कृष्णमा(ही-)-हिणी संपुज्यदोहक  
 संमामिबरोहका निपीयोहक बोन्निबरोहका संप-बरोहक तं मर्म छरुछेनं  
 परिवहह, तप नं सा तप्यका कृष्णमाहिणी अकवा कवा(ई)इ नवर्न मासायं बहु-  
 पविपुज्यायं बार-यं पवाका D ५ D तप नं सेनं बारपुनं जाय-मेतेनं नेव महक  
 महया छेनं निबुडे निस्तरे आरविप, तप नं तस्स बारयस्स आरविपस्यं छेवा  
 निस्तम इतिबाहरे नयरे बहने न-गरगो-रुमा जाय वसमा न मीवा-उमिस्सा  
 सय्यक्ये धर्मता निप्यकाइत्ता तप नं तस्स बारयस्स अम्मापिवरो अयमेवाक्यं  
 नामयैजं करेति अम्मा नं अम्(हि)ई इमेनं बारपुनं जाय-मेतेनं नेव महया क्कवा  
 विवीसहेनं निबुडे निस्तरे आरविप तप नं पुवस्स बारयस्स आरवि(वी)मस्यं छेवा  
 निस्तम इतिबाहरे बहने न-गरगो-रुमा जाय मीया ४ सय्यक्ये धर्मता निप्यका-  
 इत्ता तम्मा नं होह अम्हं बारपु योत्तासप अमेनं तप नं से योत्ता(वि)सप बारपु  
 तम्मुक्कवाकमा आए यानि होत्ता, तप नं से मी-मे कृष्णमाहे अकवा कवा-  
 (ही-ही)इ काकवम्मुय संहृते तप नं से योत्तासे बारपु व(ह)इएवं मित-नाह-  
 निवगसवपुसंविपरी(व)-वनेनं सकि संपविबुडे ऐवयाने कंरमाने निक्कयाने  
 भीमस्स कृष्णमा(हि)इस्स वीहरने करेह १ [ता] बहुहि ओइकमन(कवा)किबाई  
 करेह, तप नं से स-वि रत्ता योत्तास बारयं अकवा कवाइ सयमेन कृष्णमा-इत्ताए  
 अ(ठ)नेह तप नं से योत्तासे बारपु कृष्णमाहे आए यानि होत्ता अहमिप जाय  
 बुप्येयामंरे, तप नं से योत्तासे बारपु कृष्णमा(हि)हिताए अदर(त)ति-  
 वकाक्यममंति एगे अवीए संनयकक्यए जाय पहि(जा)याजह[ ]पहरे सया-ओ



२ ता अव-ओड-यवधणं करेइ ० ता एएण विहाणेण वज्झ आणावेइ, एव खल्ल  
 गोयमा । उज्झयए दारए पुरापोराणाणं कम्माण जाव पचणु-भवमाणे विहरइ  
 ॥ १२ ॥ उज्झयए ण भते । दारए इओ कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहि०  
 कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा । उज्झयए दारए पणवीस वामाइ परमाउय  
 पालइता अजेव तिभागावसेसे दिघसे सूलीभि-ओ ऋए समाणे कालमासे काल किच्चा  
 इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणतरं उव्व-  
 ट्ठिता इहेव ज्वुहीवे वीवे भारहे वासे वेयङ्गुगिरिपायमूले वा णरकुलसि वाणरत्ताए  
 उववज्जिहिइ, से ण तत्थ उम्मुक्कवालभावे तिरियभो(ए)गेसु मुच्छिए गिद्धे गडिए  
 अज्झोवव-ओ जाए जाए वा-णरपेहए वहेइ त एयकम्मे [एयप्पहाणे एयविजे एय-  
 ससुदायारे] कालमासे काल किच्चा इहेव ज्वुहीवे वीवे भार(ह)हे वासे इदपुरे नयरे  
 गणियाकुलसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, तए ण त दार(ग)य अम्मापियरो जाय(मि)मेत्तक  
 वद्धेहिंति नपुसगकम्म सिक्खावेहिंति, तए ण तस्स दार-यस्स अम्मापियरो  
 निव्वत्तवारसाहस्स इमं एयाख्व नामधेज्ज क(रेहिं)रेंति त०-हो(ऊ)उ ण [अम्ह इमे  
 दारए] पियसेणे नामं नपुसए, तए ण से पियसेणे नपुसए उम्मुक्कवालभावे जोव्वण-  
 गमणुप्पत्ते विण(णा)णयपरिणय-मेत्ते ख्वेण य जोव्वणेण य लावणेण य उक्किट्ठे  
 उक्किट्ठसरीरे भविस्सइ, तए णं से पियसेणे नपुसए इदपुरे नयरे बहवे राईसर  
 जाव पमि(इ-य)ईओ वट्ठहि य विज्जाप[यो]ओगेहि य मतत्तुण्णेहि य हियउडावणाहि  
 य निण्हवणेहि य पण्हवणेहि य वसीकरणेहि य आभि-ओगिण्हि य अभि-ओगिता  
 उरालाई माणस्सगाई भोगभोगाइ भुंजमाणे विहरिस्सइ, तए ण से पियसेणे नपु-  
 सए एयकम्मे० सुबहु पावकम्म समज्जिणित्ता ए-क्खवीसं वाससय परमाउय पालइता  
 कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, त(ओ)-  
 त्तो सरीस(सिरिसि)वेसु सुंछमारे तहेव जहा पढमो जाव पुढवि० से ण तओ अण-  
 तरं उव्वट्ठिता इहेव ज्वुहीवे वीवे भारहे वासे चंपाए नयरीए महिसत्ताए पच्चाया-  
 हिइ, से णं तत्थ अ-अया कया-इ गोट्टिलएहिं जीवि(आ)याओ ववरोविए समाणे  
 तत्थेव चंपाए नयरीए सेट्ठिकुलसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्कवाल  
 भावे तहाख्वाण थेराण अतिए केवल वोहिं 'अणगारे सोहम्मे कप्पे जहा पढमे  
 जाव अंत करेहिइ ॥ निक्खेवो ॥ १३ ॥ विइयं अज्झयणं समत्तं ॥

तच्चस्स उक्खेवो एव खल्ल जब्बु ! तेण कालेण तेण समएणं पुरिमताले नाम  
 णगरे होत्था रिद्धं, तस्स ण पुरिमतालस्सं नयरस्स उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए  
 ॥ १४ ॥ अमोहदंसणे उज्जाणे होत्था, तत्थ ण पुरिमताले (ण०) म(हं)हाबले नामं



सियापइया सोलसमे माउ(स्ति)सियाओ सत्तरममे मा(स्ति)मियाओ अट्टारसमे अव-  
 सेस मित्त-नाइ-नियगसयणसंवंधिपरियण अगगओ घा-एति २ ता कसप्पहारेहिं  
 ताळेमाणा २ कल्लुण का-गणिमसाईं खावेंति [२] रुहिरपा-णियं च पाएति ॥ १५ ॥  
 तए ण से भगव गोयमे त पुरिसं पा(स)सेइ २ ता इमे ए(अयमे)याह्वे अज्झ ।  
 त्थिए (पत्थिए) समुप्पन्ने जाव तहेव निग्गए एवं वया-सी-एवं खल्ल अह ण भते !  
 त चेव जाव से ण भते ! पुरिसे पुव्वभवे के आसी जाव विहरइ ? एव खल्ल  
 गोयमा ! तेण कालेण तेण समएण इहेव जंघुदीवे बीवे भारहे वासे पुरिमताले-ना-  
 (म)म नयरे होत्या रिद्धं, तत्थ णं पुरिमताले नयरे उदिओदिए-नाम राया होत्या  
 महयां, तत्थ ण पुरिमताले निजए-नाम अडयवाणियए होत्या अट्ठे जाव अपरि-  
 भूए अहस्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तस्स ण नि-जयस्स (अडयवाणिय-ग-स्स) बहवे  
 पुरिसा दि-ज्जमइभत्तवेयणा कल्लकल्लिं कु(को)दालियाओ य पत्थि(या)यपिडए [य]  
 णि ग्हंति, [२] पुरिमतालस्स नयरस्स परिपेरंतेस्स बहवे काइअडए य घू(घू)इअ-  
 डए य पारेवइ० टिट्ठिभिअडए य ख[ग्गि]गि अ० मयूरि० कुक्कुडिअडए य अ ज्ञेसिं  
 च बहूण जलयरयलयरखहयरमाईणं अडाईं गेण्हंति २ ता पत्थियपिडगाइ भरेंति  
 [२] जेणेव नि-जयए अडवाणियए ते[णामे]णेव उवागच्छन्ति २ ता नि-जय(ग)स्स  
 अडवाणियस्स उवणेंति, तए ण (से) तस्स नि-जयस्स अडवाणियस्स बहवे पुरिसा  
 दि-ज्जमइ० बहवे काइअडए य जाव कुक्कुडिअडए य अ ज्ञेसिं च बहूण जलयरयल-  
 यर(खेच)खहयरमाईणं अडयए तवएसु य कवल्लीसु य कं(डु)दुएसु य भज्जणएसु य  
 इगालेसु य त(लिं)लेंति भ(ज्ज)जेंति सो(लिं)लेंति तलेंता भ(ज्जि)ज्जता सो-ल्लेंता  
 रायमग्गे अतरावणसि अडय(एहि य)पणि(ग)एण विसिं कप्पेमाणा विहरंति,  
 अप्प(णो)णा-वि य णं से नि-जयए अडवाणियए तेहिं बहूहिं काइ(य)अडएहि य  
 जाव कुक्कुडिअडएहि य सोल्लेहि य तलिएहि य भ(ज्जे)जिएहि य सुं च 'आसाएमाणे  
 विसाएमाणे विहरइ, तए णं से नि जए अडवाणियए एयकम्मे ४ सुवहुं पावकम्म  
 समज्जिणिता एगं वाससहस्सं परमाउय पालइता कालमासे काल किच्चा तच्चाए पुढ-  
 वीए उक्कोससत्तसागरोवमठि-इएसु नेरइएसु नेरइयत्ताए उवव-अ ॥ १६ ॥ से ण तओ  
 अणंतं उव्वट्ठिता इहेव सालाढवीए चोरपल्लीए विजयस्स चोरसेणावइस्स खदसिरीए  
 भारियाए कुच्छिसि पुत्तत्ताए उवव-अ, तए ण तीसे खंदसिरीए भारियाए अ ज्ञया  
 कया-इ तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं इमे एयाह्वे दोहले पाउअभूए-व ज्ञा-ओ णं  
 ताओ अम्मया० जाओ णं बहूहिं मित्त-नाइ-नियगसयणसंवंधिपरियणमहिलाहिं  
 अ-ज्जाहि य चोरमहिलाहिं सद्धिं संपरिवुढा ण्हाया सब्वालंकारविभूसिया वि-उल्लं

रुमा होत्वा तत्त्वं नं पुरिमताम्स्तु नवरस्तु ठात्तपुर-रिचये निधीमाए देसप्यते  
 अङ्गरी संठिना एत्तं नं सात्ता-मामे नङ्गरी-चोरपणी होत्वा निममपिरिङ्गरको-  
 वस-निविट्टा वंसीकठकपायारपरिनिब्रता छि-असेससिसमप्यवावपरिहोक्कावा अमिम-  
 तरपाणीवा सुसुभ्रमङ्गपेरैता अयोगवंधी-निरियवपदि-अमिगम्म[ ]पैसा ठम्पु-  
 रस्त-नि कुमिवस्तु अचस्तु हुप्पसा नाभि होत्वा तत्त्वं नं सात्ताङ्गरीए चोरपणीए  
 निमए नमं चोरसेपावई परिवसइ अहम्मिए वाव (हमसिअमिअमियए) कोदिव-  
 पाणी बहु-नगर-निम्मायवसे चुरे बङ्गप्यहारे साहसिए चङ्गैवी परिचसइ (अहम्मिए )  
 अठिअट्टिपयमम्मे से ये तत्त्वं सात्ताङ्गरीए चोरपणीए पंचमं चोरसवानं आहोवचं  
 वाव निहरइ D १४ D तत्त्वं नं से निमए चोरसेपावई नहुवं चोत्तम व पारवामि  
 वाव व धंठिनेवाव व संविचोवाव व पंडिप्पाव व अ-वेसि व नहुवं छि-अमि-अ-  
 वाडिउडिवाव कुङ्गे याभि होत्वा तत्त्वं नं से निमए चोरसेपावई पुरिमताम्स्तु  
 नवरस्तु ठात्तपुर-रिचिअं अय्यवं नहुई पामवापुडि व न-परवापुडि व बीप्पह  
 पैडि व वंदिम्पुपेडि व पंचकोडि व अत्तअवपेडि व ओ-वीपेमाये (१) निवसे-  
 माये एवेमाये ठावेमाये मित्पाये मिङ्गे मिङ्गे कप्पारं करेमाये विहरइ, महम्म-  
 कस्तु २-ओ अमित्तवणं २ कप्पारं ने-व्हइ, तत्त्वं नं विजयस्तु चोरसेवावस्तु  
 वंदि(रि)टी नामे भारिवा होत्वा अहीय तत्त्वं नं निवचनचोरसेपावस्तु पुते  
 वंदिटीए भारिवाए अत्तए अमम्पेवे नमं दारए होत्वा अहीयपुत्तपं(वे)-  
 विरियसरीरे नि(प्पा)अवपरियवमेसे कोम्पवपमपु-पते । तेनं काळेनं तेनं  
 समएवं समने मगं महावीरे पुरिमताळे नवरे (जे अ व ते ) समोसई  
 परिचा निम्पय राया निगम्मे वम्मी अहिअे परिचा राया व पडिमम्मे तेनं  
 काळेनं तेनं समएव समवस्तु मयवमो महावीरस्तु वीडे अंतेवासी मोवने अच  
 उक्कम्मं समोपाई तत्त्वं नं वहुवे हरवी पासइ वहुवे वापे पुरिसे वंप्पइअअए  
 वे(रि)सि नं पुरिसार्थं मज्झमयं एयं पुरिसे पासइ अच-ओडव वाव उम्मे(रि)सि-  
 ज्जनायं तत्त्वं नं तं पुरिसे रायपुरिसा पडमं(मि)सि अचरंति नि(रि)धीया(वि)  
 वेडि २ ए अट्ट पुर्णपिब[पिउए अगगो पारंति २ [ता] अठप्यहारेई ठावेमाय २  
 अट्टनं अ-मयिपेसाई वावेसि यावेसा अहिरपा(नी)मिअं व पा(वी)एमि ठवाचंवरं  
 व ये रोचंति अचरंति अट्ट पुअ(अट्ट)माडवाओ अगगो पा-एंति एयं एवे अचरे  
 अट्ट महापिउए अठत्ये अट्ट महामाडवाओ पंचमे पुते ठाई दम्मा एतमे अय्य-  
 वया अट्टमे धूवाओ नवमे नत्तुवा वसमे नत्तुईओ एवहारधये नत्तुवावई वारधये  
 नत्तुपपीओ वेरधमे पिडरितवप्यंवा वो(अट्ट)एधमे पिडरितवप्यंओ प-अरगमे माठ-

से परो पाए आमजिज्ज वा पमजिज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो  
पादाई संवाहेज्ज वा पल्लिमहिज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो  
पागाइ पुत्तेज्ज वा रएज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो पादाई  
तेलेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अन्भिगिज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे,  
सिया से परो पादाई लोहेण वा कप्पेण वा चुप्पेण वा वप्पेण वा उल्लोढिज्ज वा  
उव्वलिज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई सीओदगविय-  
डेण वा उरिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा नो तं सायए नो तं  
नियमे, सिया से परो पादाई अण्णयरेण विट्ठेणजाएण आलिपेज्ज वा विलिपेज्ज  
वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाई अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज  
वा पधूवेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो पादाओ राणुं वा  
कंटयं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे । सिया से परो  
पादाओ पूयं वा सोणिय वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा नो तं सायए नो तं  
नियमे ॥ ९७० ॥ सिया से परो कार्यं आमजेज्ज वा पमजेज्ज वा नो तं सायए  
नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं लोहेण वा संवाहिज्ज वा पल्लिमहिज्ज वा नो तं  
सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं तेलेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा  
अन्भिगेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं लोहेण वा कप्पेण  
वा चुप्पेण वा वप्पेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा नो तं सायए नो तं  
नियमे सिया से परो कार्यं सीओदगवियडेण वा उरिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज  
वा पधोएज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यं अण्णयरेण  
विट्ठेणजाएण आलिपेज्ज वा, विलिपेज्ज वा, नो तं सायए, नो तं नियमे । सिया से  
परो कार्यं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा, पधूवेज्ज वा, नो तं सायए नो तं  
नियमे ॥ ९७१ ॥ सिया से परो कार्यसि वणं आमजेज्ज वा पमजेज्ज वा नो तं  
सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं संवाहेज्ज वा पल्लिमहेज्ज वा नो तं  
सायए नो तं नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं तेलेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा  
अन्भिगिज्ज वा, नो तं सायए नो तं नियमे । सिया से परो कार्यसि वणं लोहेण वा  
कप्पेण वा चुप्पेण वा वप्पेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलेज्ज वा नो तं सायए नो तं  
नियमे, सिया से परो कार्यसि वणं सीओदगवियडेण वा उरिणोदगवियडेण वा उच्छो-  
लेज्ज वा पधोवेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे ॥ ९७२ ॥ से सिया परो कार्यसि  
वणं अण्णयरेण विट्ठेणजाएण आलिपेज्ज वा विलिपेज्ज वा नो तं २। सिया से परो  
कार्यसि वणं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा प० नो तं ० २। सिया से परो कार्यसि



समुदण नीदण करेइ २ ता घट्टई लोण्याई मयफिचाइ करेइ २ ता के(व)ण्ड-  
 कालेण अप्पसोए जाए यावि होत्था, तए ण ते पच चोरमयाई अजया क्या(इ)इ  
 अभग्गसेणं पुमारं सालाडवीए चोरपलीए नहया २ चोरसेणावडताए अभिसिंचति ।  
 तए ण से अभग्गसे-णे पुमारे चोरसेणावडं जाए अहम्मिणं जाव कप्पाय गिण्डा,  
 तए ण (से) ते जाणवया पुरिसा अभग्गसेणेणं चोरसेणावडणा बहुगामघायावणाहिं  
 ताविया समाणा अन्नमघ सहावेति २ ता एव वयासी-एव ण देवाणुप्पिया ।  
 अभग्गसेणे चोरसेणावडं पुरिमतालस्स नयरम्स उत्तरिण जगवय वट्ठहिं गामघाएहिं  
 जाव निदण करेमाणे विहरइ, त सेयं खलु देवाणुप्पिया । पुरिमता नयरं  
 म-हावलस्स र-न्नो एयमट्ठं वि-ज्वित्तए, तए ण ते जा(ज)णवया पुरिसा एयमट्ठं  
 अन्नमन्नेण पडिमुणेंति २ ता महत्थ महग्घ महरिह रा(य)यारिह पाहुडं  
 गि-ण(हिं)हति २ ता जेणेव पुरिमताले नयरं तेणेव उवाग० २ ता जेणेव म-हावले  
 राया तेणेव उवाग० २ ता म-हावलस्स र-न्नो त महत्थ जाव पाहुट उवणेंति [२]  
 करयल अजलिं कट्टु म-हावल राय एव वयासी-एव ण नानी । सालाडवीए  
 चोरपलीए अभग्गसेणे चोरसेणावडं अम्हे वट्ठहिं गामघाएहिं य जाव निदणे करेमाणे  
 विहरइ, त इच्छामि ण सामी । तु(ब्भ)ज्ज पाहुच्छायापरिग्गहिया निब्भया निरु-  
 चसग्गा सुहेण परिवत्तिणत्तिकट्टु पा-य-वपडिया पजत्तिडवा म-हावल राय एयमट्ठं  
 वि-ज्वेति, तए ण से म-हावले राया तेसिं जा-णवयाण पुरिसाण अनिए एयमट्ठं  
 सोचा निसम्म आसुत्ते जाव मित्तिमिसेमाणे तिबल्लिय भित्तिं निडाले माहट्टु  
 दडं सहावेइ २ ता एव वयासी-गच्छह ण तु० देवाणुप्पिया । सालाडवीं चोरपलिं  
 विलुपाहि २ ता अभग्गसेण चोरसेणावडं जीवग्गाह गि-ण्डाहि २ ता म-म उव-  
 णेहि, तए ण से दडे तहत्ति एयमट्ठं पडिमुणेइ, तए ण से दडे वट्ठहिं पुरिसेहिं  
 सनद्धवद्ध जाव पहरणेहिं सद्धिं सपरिवुडे मग्गइएहिं फलएहिं जाव छिप्पवूरेण  
 वज्जमाणेण महया जाव उक्कि(ट्ठिं)ट्ठ जाव करेमाणे पुरिमताल नयरं मज्जमज्जेण  
 निग्गच्छइ २ ता जेणेव सालाडवी(ए) चोरपली(ए) तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तएण  
 तस्स अभग्गसेणस्स चोरसेणावड(य)स्स चारपुरिसा इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा  
 जेणेव सालाडवी चोरपली जेणेव अभग्गसेणे चोरसेणावडं तेणेव उवाग(या)च्छंति  
 २ ता करयल जाव एव वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया । पुरिमताले नयरं  
 म-हावलेण र-न्ना म(हया)हामडचडगरेण द(ड)डे आणसे-गच्छह ण तु(मे)ब्भे  
 देवाणुप्पिया । सालाडवीं चोरपलिं विलुपाहि अभग्गसेण चोरसेणावडं जीव(ग)गाहं  
 णेण्डाहि २ ता म-म उवणेहि, तए ण से दडे महया मडचडगरेण जेणेव

साक्षाद्वी भोरपत्नी तेमेव पहारेत्वा यमनाए, तए न से अममसेमे भोरसेवावई  
 तेसि नमपुरिसाके अतिए एममई सोचा मिसम्भ पंच-भोरसवाई सहायेद सहा-  
 नेता एव वनासी-एव कळ देवापुण्या । पुमिताके नवरे म-हावळे जाव तेमेव  
 पहारेत्वा गमनाए (आगए, तए न से अममसेमे ताई पंच-भोरसवाई एव  
 वनासी-) त सेव कळ देवापुण्या । अमई त ईके साक्षाद्वी भोरपत्नी अंतप(र)ते  
 अंतरा चेव पडिसेहिए, तए न ताई पंच-भोरसवाई अममसेमेस भोरसेवा  
 वस्तु तहति जाव पडिसेहिए तए न से अममसेमे भोरसेवावई मि-ठके असन  
 पार्व आत्म सात्म उचककवाये २ ता पंचवई भोरसएई सदि न्हाए मोयनमंड  
 वंति त मि-ठके असन ४ छरे व ६ आत्ताएमाये ४ मिहए, मिमिसुत्तताग-  
 ए-मि (अ) व न समाये जायते जोकके परमसुभूए पंचवई भोरसएई सदि अर्ज  
 कर्म हु(क)तह २ [ता] सेनदवड जाव प्परनेई मम्यएई जाव रवेन पुन्ना  
 (पचा) वरवककसमवति साक्षाद्वीमो भोरपत्नीमे मिसगळ २ [ता] मिसम्भ-  
 म्भके टिए यद्विमतापये त ईके पडिवाळेमाये मिहए, तए न से ईके अमेव  
 अममसेमे भोरसेवावई तेमेव उवागळ २ [ता] अममसेमे भोरसेवावई  
 सदि संपळगे याते होत्वा तए न से अममसेमे भोरसेवावई त ईके छिप्पामेव  
 हसमद्विय जाव पडिसेहिए तए न से ईके अममसेमे-व भोरसेवावई हव जाव  
 पडिसेहिए समाये अ(र)वामे अवके अवीरिए अपुरिसखारपरवमे अचारमिअमि-  
 ष्टु जेमेव पुमिताके नवरे तेमेव म-हावळे राया तेमेव उचककळ २ ता  
 वरवड एव वनासी-एव कळ सागी । अममसेमे भोरसेवावई मिसमहुमावहं  
 टिए यद्विमतापये(मि)नीए नो कळ से सहा केवई हुनहुएनाये आसवळेव वा  
 वरिपवळेव वा जोहवळेव वा रजवळेव वा जातरिमि-मि-मि उरठरेन पिहिए  
 ताई सामेव व मे-एव व उचक(अ)मानेव व मि(र)(वी)संगमाये उ(प)ववए  
 याते होत्वा जे-मि (अ) से अमिमतरया रीसग(अ)मया मित-नार निवसकव-  
 र्चनविपरिचर्च व मि-उचकककवगरवसंततारासाव(इ)एवेन मिचई अममसेमेस  
 व भोरसेवावईस अमिमचर्च २ महत्वाई महत्वाई म्हाष्टिई पाहुवाई पैछे  
 [१] अ(मंग)मगासेन भोरसेवावई वी(मि)संगमाये ३ १८ ॥ तए न से म-हावळे  
 राया अ-ववा कना-इ पुमिताके नवरे एव मई महमहाकिम कृपापारसाके करे  
 अचैवकचंससवसनिमिहु पासा(इ)ईन वरवमिनी तए न से म-हावळे राया  
 अ-ववा कना-इ पुमिताके नवरे अस्तुं जाव वरवरी एमोई (अ)जेतावई  
 २ ता जोमिबपुरि(र)से सहाये २ ता एव वनासी-वचउई व हुकमे देवापुण्या ।



सालाहवीए चोरपल्लीए तत्थ ण तु[ब्भे]म्हे अभग्गसेण चोरसेणावई करयल जाव एवं व०-एवं खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले नयरे महावलस्स र-ओ उस्सुक्के जाव दसरत्ते पमो-ए उग्घोसिए त किं ण देवाणुप्पिया ! वि उल असण ४ पुप्फवत्थ-  
 (गध)मल्लालङ्का(रे य)रं ते इहं हव्वमाणिज्जउ उदाहु सयमेव गच्छि[त्या]त्ता १, तए णं [ते] कोडुवियपुरिसा म हावलस्स र-ओ करयल जाव पडिस्सुणेंति २ ता पुरिमतालाओ नयरओ पडि० नाइविकिट्ठेहिं अद्धाणेहिं सुहेहिं वस(हिं)हीपायरासेहिं जेणेव सालाहवी चोरपल्ली तेणेव उवागच्छंति [२] अभग्गसेण चोरसेणावइ करयल जाव एवं वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले नयरे म-हावलस्स र-ओ उस्सुक्के जाव उदाहु सयमेव गच्छि-त्ता १, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई ते कोडुवियपुरिसे एव वयासी-अह ण देवाणुप्पिया ! पुरिमता(ले)लनय(रे)रं सयमेव गच्छामि, ते कोडुवियपुरिसे सक्कारेइ पडिविसज्जेइ, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई बहूहिं मित्त जाव परिवुडे ण्हाए सव्वालकारविभूसिए सालाहवीओ चोरपल्लीओ पडि निक्खमइ २ ता जेणेव पुरिमताले नयरे जेणेव म(-ल)हावले राया तेणेव उवागच्छइ २ ता करयल० म(हव्व)हावलं राय जएणं विजएण वद्धावेइ २ ता महत्थं जाव पाहुई उवणेइ । तए ण से म-हावले राया अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स त महत्थ जाव पडिच्छइ, अभग्गसेण चोरसेणावई सक्कारेइ संमाणेइ पडिविसज्जेइ कूढागारसाल च से आवसइं दलयइ, तए ण [से] अभग्गसेणे चोरसेणावई म-हावलेणं र जा विसज्जिए समाणे जेणेव कूढागारसाला तेणेव उवागच्छइ, तए ण से म(-ल)हावले राया कोडुवियपुरिसे सहावेइ २ ता एव वयासी-गच्छह ण तुब्भे देवाणुप्पिया ! वि-उलं असण पाण खाइम साइम उवक्खवावेह २ ता त वि-उल असण ४ सुरं च ६ सुवहु पुप्फ[वत्थ]गधमल्लालकारं च अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स कूढागार-सा(लाए)ल उवणेह, तए णं ते कोडुवियपुरिसा करयल जाव उवणेंति, तए ण से अभग्गसेणे चोरसेणावई बहूहिं मित्त-नाइ जाव सद्धिं संपरिवुडे ण्हाए सव्वालकारविभूसिए तं वि-उल असण ४ सुरं च ६ आसाएमाणे ४ पमत्ते विहरइ, तए ण से म-हावले राया कोडुवियपुरिसे सहावेइ २ ता एव वयासी-गच्छह णं तु[ब्भे]म्हे देवाणुप्पिया ! पुरिमतालस्स नयरस्स दुवाराई पिहे० अभग्गसेणं चोरसेणावई जीव-गाहं गिण्हइ [२] ममं उवणेह, तए णं ते कोडुवियपुरिसा करयल जाव पडिस्सुणेंति २ ता पुरिमतालस्स नयरस्स दुवाराई पिहेंति अभग्गसेणं चोरसेणावइ जीवगाहं गिण्हति [२] म-हावलस्स र ओ उवणेंति, तए ण से म-हावले राया अभग्गसेणं चोरसेणा-वई एएणं विहाणेणं वज्झं आणवेइ, एवं खलु गोयमा ! अभग्गसेणे चोरसेणावई



अ ज्ञे य से वहवे पुरिसा अयाण य जाव गिहसि निरुद्धा चिद्वति, अ-ज्ञे य से वहवे पुरिसा दि-अभइभत्तवेयणा वहवे सय(अ)ए य (जाव) सहस्(महि)से य जीवियाओ ववरो-वैति [२] मंसाइ क(प्पि-णी)प्पणिकप्पियाइ करेंति [२] छ(णी)णियस्स छाग-लि-यस्स उवणेंति, अज्ञे य से वहवे पुरिसा ताइ व(ह्)हुयाइ अयमसाइ जाव महि-समसाई तवएसु य कवल्लीसु य क(द्)दुएसु य भज्जणेसु य इंगालेसु य त(ल)लेंति य भज्जेति य सो(ल्लय)लेंति य ० तओ रायमग्गसि वित्ति कप्पेमाणा विहरंति, अप्पणा-वि-य ण से छ(जिय-)णिए छाग(ली)लिए तेहिं बहुवि० मसेहिं जाव महि-समसेहिं सोल्लेहि य त(ले)लिएहि य भ(ज्जे)जिएहि य सुरं च ६ आसाएमाणे विहरइ, तए णं से छ(णी)णिए (य) छगलि-ए एयकम्मे सुबहु पावकम्म कलि-कलुस समजिणित्ता सत्त-वाससयाइ परमाउय पालइत्ता कालमासे काल किच्चा चो-त्थीए पुढवीए उक्कोसेण दससागरोवमळिएसु नेरइयत्ताए उवव-ज्ञे ॥ २० ॥ तए ण तस्स सुभइ-सत्थवाहस्स भद्दा भारिया जा(व)यनिंदुया यावि होत्था, जाया जाया दारगा विणिहायमावज्जति, तए ण से छ-णिए छाग(ले-)लिए चो-त्थीए पुढवीए अणतरं उव्वट्ठित्ता इहेव साहजणीए नयरीए सुभइस्स सत्थवाहस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिसि पुत्तत्ताए उवव-ज्ञे, तए ण सा भद्दा सत्थवाही अ-अया कया-इ नवण्ह मासाणं बहुपडिपुष्णाणं दारग पयाया, तए ण तं दारगं अम्मापियरो जायमेत्त चेव सगढस्स हे(ह्)ट्ठा[ओ] ठावेंति (०) दोच्चं-पि गिण्हावेंति (०) अणुपुव्वेणं सारक्(खं)खेंति सगोवेंति संवव्वेति जहा उज्झियए जाव जम्हा ण अम्ह इमे दारए जायमेत्ते चेव सगढस्स हेट्ठा ठाविए तम्हा ण हो-उ ण अम्ह एस दारए सगढे नामेण, सेस जहा उज्झियए, सुभदे लवणसमुदे कालगए माया-वि कालगया, से(S)वि सयाओ गिहाओ निच्छूढे, तए ण से सगढे दारए सया-ओ गिहाओ निच्छूढे समाणे सिं(स)घाढगं तहेव जाव सु-दरिसणाए गणियाए सद्धि संपलग्गे यावि होत्था, तए ण से सुसेणे अमच्चे त सगढ दारग अ-अया कया-इ सुदरिसणाए गणियाए गिहाओ निच्छुभावेइ [२] सु-दरिस(ण)णिय गणियं अब्भितरिय ठा वेइ २ ता सुदरिसणाए गणियाए सद्धि उरालाइ माणस्सगाइ भोगभोगाइ भुंजमाणे विहरइ, तए णं से सगढे दारए सुदरिसणा(ओ)ए गिहाओ निच्छूढे समाणे अ-अत्थ कत्य(इ)वि सुई वा अलम० अ-अया कया-इ रह(स्सि)सिय सुदरिसणा-गेह(सि) अणुप्पविसइ २ ता सुदरि(सि)सणाए सद्धि उरालाई भोगभोगाइ भुंजमाणे विहरइ, इमं च णं सुसेणे अमच्चे ण्हाए सव्वालकारविभूसिए मणुस्सवग्गुराए जेणेव सुदरिसणा[ए] गणियाए गेहे तेणेव उवागच्छइ २ [ता] सगढ दारयं सु-दरिसणाए

गन्धियाए सद्धिं उराकाई मोममोयाई मुंजमाके पासइ ० ता आसुवते चान  
 मि(स)सिमिसेमाणे शिवस्त्रियं मिठहिं निवाके छाहुनु सगळे दारनं पुनिसेहिं  
 गिन्हावेइ [१] जद्धि जाव मद्धियं करेइ [२] जव-ओव-जवव(नग)व करेइ १ ता  
 तेनेव महर्चि रया तेनेव उवायच्छइ उवागच्छिता करवक जाव एवं नवासी-एवं  
 कहु छापी । सपडे दारए म-मे अति-उरंति अवरडे तपु वं से महर्चि रया  
 छुटेने कमचं एवं कयासी-मुने चव न वेवालुपिया । सयवस्स दारगस्स इवं  
 (नि)नतेहि तपु वं से छुटेने अमवे गहर्चिने र-वा अम्मपु-चाए समाने सगळे दारनं  
 छवरिसनं व ममिवं एएवं निहानेये वज्जं जावहिइ, तं एवं कहु पोवमा । सयडे  
 दार-ए पु(ने)र-तेराचानं पणुमममाने निहरइ ॥ ११ ॥ सयडे नं मठे ।  
 दारए अकमए कद्धिं गच्छिहि कद्धिं उववच्छिहि । सगळे नं दारए गोममा ।  
 सताव-नं वासाई परमाउवं पाकइता अजेव विमाणावसेये विवसे एगे माई अ(ओ)-  
 वेमने त(न)तं समवेइमूयं इ(त्तौ)स्त्रियस्त्रियं जववासाविए समाने अकमासे कद्धिं  
 निवा इमीसे रयजप्यमाए पुडवीए मेरइमताए उववच्छिहि, से नं तजो जवतरे  
 उववच्छिता उवगिहे नयरे मातंयज्जंति नुग(वम)कताए पचावाहिइ, तपु नं तस्व  
 दारमस्स अम्मपिम्यौ मि[०]वतवारस(म)मस्स (मि ) इमी एवमवचं पोवने नामवेजं  
 अरिस्संति तं हो-व ये दार सयडे नामेव हो-व नं दारिया छवरिसना-नामेव  
 तपु वं से सयडे दारए अम्मुजवाकमाने बोवव-ममिस्सइ तपु नं छा छवस्ति-  
 सना-मि दारिया अम्मुजवाकमावा (मिग(या)नय) बोववगमलुप्यता कजेव य बोवव-  
 येव न अजवनेव य उच्छिइ उच्छिइउरीय यावि ममिस्सइ, तपु नं से सगळे दारए  
 छवरिसनाए कजेव य बोववयेव न अजवनेव न मुच्छिइ ५ छवरिसनाए (म ) सद्धिं  
 उराकाई (मा ) मोममोयाई मुंजमाने निहरिस्सइ, तपु वं से सगळे दारए ज-अवा  
 (क्या(इ)ई) सवमेव कूड-गा द्विती जवसंपजिताये निहरिस्सइ, तपु वं से सयडे  
 दारए कूड-गाहे ममिस्सइ जहम्मिए जाव हुण्णियानेये एवअम्मे छवहुं पानअम्मे  
 (जाव) समजिजिता अकमासे कद्धिं निवा इमीसे रयजप्यमाए पुडवीए मेरइमताए  
 उवव वे संसारो तहेव जाव पुडवीए, तं नं तजो जवतरे उववच्छिता वाचारसीए  
 नवरीए मज्जताए उववच्छिहि, से नं तस्व (नं) मज्जवन्निपुहिं वधिइ तत्तेव  
 वाचारसीए नवरीए सेडिज्जंति पुत्ताए पचायाहिइ बोहिं हु(ज्जे)ये पणव  
 छेइम्मे अये-महाविदेहे वाते तिज्जिहिइ ॥ निक्खेवो ॥ ११ ॥ बो-एव  
 अज्जपयं समसं ॥

अइ नं मठे । पंचमस्स (अज्जमवस्स) उववे(वजो)नो एवं कहु जं । तेके

अ से य मे यदये पुरिमा अगण य जाग गिहति गिरुत्त गिरुति, अ मे य से यदये  
 पुरिमा दि-मभदभातोयगा यदये मग(भ)ए य (जाग) गह(गह)ये य जीगीभा  
 यवगे-वेति [२] गंगाड व(णि जी)पपिपिपियाड करेति [२] छ(णी)पियग छाग  
 लि-यम्स उगमेति, असे य मे यदये पुरिमा ताडं व(र)दुयाड अगगताडं जाग महि  
 समंगार्द नवएउ य गगगीय य व(र)दुयुय म भवगेय य दगायेय य त(र)ये  
 य भजेति य गो(दय)ति य ० तपो रायमगगति गिति कपेमागा गिरुति,  
 अप्पणा-वि-य ण मे छ(गिप-)णिण छाग(णी)णि छेहि वदुति० गरोहि जाव गहि  
 समंगेहि गोति य त(ये)णिण य भ(जे)णिण य गुरं च ६ आगाणगो  
 विहरइ, तए णं मे छ(णी)णि (य) छगति ए एगत्तमे सुवु पागत्तम ति-  
 क्तुस समजिणिता गग-यागसयाइ परमाटा पागदता कालगो सग रिचा गो-  
 त्यीए पुउवीए उगोसेग दगगागरोवमटिण्णु नेरइयताए उग-मे ॥ २० ॥ तए ण  
 तस्स शुभइ-गगगाहस्स भहा भारिया जा(व)यिदुया गति हो-या, जाया जाया  
 दारगा विणिहायमावज्जति, तए ण मे छ णि छा(र)णि गो-गीए पुउवीए  
 अगतरं उवटिणा दहेव ताहंजणीए नयरीए शुभइस्स गगगाहस्स भहाए भारियाए  
 कुच्छिणि पुत्ताए उव-मे, तए ण सा भहा गगगाही अ-गया कया-इ नवण्ड  
 मासाणं वदुपडिपुष्णाणं दारग पयाया, तए ण तं गगग अम्मापियरो जायमेतं  
 चेव सगटस्स हे(ट्ट)टा[ओ] ठावेति (०) दोगं-पि गिण्णवेति (०) अणुपुव्वेण  
 सारव(१)मेति सगोवेति सवट्टेति जहा उज्जियण जाव जम्हा ण अम्हं इमे  
 दारए जायमेते चेव सगटस्स हेट्टा ठाविए तम्हा ण होउ ण अम्ह एस  
 दारए सगटे नामेण, सेसं जहा उज्जियए, शुभदे त्थणमसुदे कालगए माया-वि  
 कालगया, से(२)वि मयाओ गिहाओ निच्छूदे, तए ण से सगटे दारए सया-ओ  
 गिहाओ निच्छूदे समाने सिं(च)घाडग तहेव जाव सु-दरिसणाए गणियाए मद्धि  
 संपलग्गे यावि होत्वा, तए ण से सुसेणे अमये त सगड दारग अ प्रया कया-इ  
 सुदरिसणाए गणियाए गिहाओ निच्छुभावेइ [२] सु दरिन(ण)णिय गणियं अच्चित्तरेयं  
 ठा वेइ २ ता सुदरिसणाए गणियाए सद्धि उरालाइ मणुस्सगाइ भोगभोगाई भुजमाने  
 विहरइ, तए ण से सगटे दारए सुदरिसणा(ओ)ए गिहाओ निच्छूदे समाने अ-प्रत्य  
 क्त(इ)वि सुई वा अलभ० अ जया कया-इ रह(स्ति)तिय सुदरिसणा-गेह(ति)  
 अणुप्पविसइ २ ता सुदरि(ति)मणाए सद्धि उरालाइ भोगभोगाई भुजमाने विहरइ,  
 इमं च ण सुसेणे अमये ण्हाए सव्वालकारविभूतिए मणुस्सवग्गुराए जेणेव  
 सुदरिसणा[ए] गणियाए गेहे तेणेव उवागच्छइ २ [ता] सगड दारय सु-दरिसणाए

गमियात् सखि उरुमर्त्यं भोगभोगार्थं मुञ्जमानं पासद् ता आसुरते बाव  
 मि(स)सिमिसेमाने निवर्त्तय मिउडि मिडाळे साइहु सयटं पारत्यं पुरिसेहि  
 गिन्हावेर [२] अट्टि आव मखिर्न करेइ [२] अण-भोड-अणव(नर्ग)वं करेइ १ ता  
 केवेव महर्षि रावा तेवेव उवागण्डा उवायस्थिता करवळ आव एवं वमासी-एवं  
 पण्डु सानी । सगडे बारए मर्म मति-उरुसि अवरजे तप वं से महर्षि रावा  
 सुसेवं अमर्च एवं वमासी-मुमे वेव नं देवातुपिया । सगडस्य बारमस्य हं  
 (नि)वनेहि तप वं से सुसेवे अमर्चे महर्षिर्न र-वा अण्मणु-साए समाने सयई बारत्यं  
 सुदरिचवं व गमिय एप्यं निहलेवं वज्रं आचरैइ, तं एवं पण्डु पोय्या । सगडे  
 बार-ए पु(वे)र-येराचवं-पण्डुमक्यावे निहरइ ॥ २१ ॥ सगडे वं मति ।  
 बारए काकाए व्हिं पण्डिहि व्हिं उवचिहिइ । सगडे वं बारए पोय्या ।  
 सगाव-वं कासई परमाउवं पाकइता अजेव डिमागावसेहि दिवसे एवं मई अ(भो)-  
 पोमवं त(त)तं समभोरभूवं इ(त्वी)स्त्रिपत्तिं अचवात्मापि समाने कात्मासे काळ  
 निचा इपीसे रवचप्पमाए पुडवीए मेरइयताए उवचिहिइ, से वं तमो अर्चतरे  
 उवचिहि उवचिहि करे मातंपण्डुसि हुग(अम)कताए पचायाहिइ, तप वं तस्य  
 बारमस्य अण्मणियते दि(०)वचवारस(म)यस्य (मि ) इमं एवास्तं गोर्णा वामवेजं  
 करिस्तेहि तं हो-उ वं बार सगडे न्दयेवं हो-उ वं बारिवा सुदरिचवा-नामेव  
 तप वं से सगडे बारए उण्डुवचिहिआवे ओम्बव-मसिस्सइ तप वं सा सुदरि  
 चवा-मि बारिवा उण्डुवचिहिआवा (मि(वा)कव) ओम्बवगमपुपवा इवेव व ओम्ब-  
 वेव व अचववेव व वडिण्डु वडिण्डुमपीरा वासि मसिस्सइ, तप वं से सगडे बारए  
 सुदरिचवाए करेव व ओम्बवेव व अचववेव व सुपिउए व सुदरिचवाए (म ) सखि  
 वराळई (म ) भोगभोगार्थं मुञ्जमाने निहरिस्सइ, तप वं से सगडे बारए अ-ववा  
 (वमा(इ)ई) उवमेव वृह-गा-व्हिं उवचिहिआवे निहरिस्सइ, तप वं से सगडे  
 बारए वृह-गाहे मसिस्सइ अहम्मिए आव पुण्डिकारिरे एवइय्ये सुगुं पावइय्ये  
 (आव) समजिपिता कात्मासे काळ निचा इपीसे रवचप्पमाए पुडवीए मेरइयताए  
 पचव वे संमारो तहेव आव पुडवीए, से वं तमो अर्चतरे उवचिहिआ वापारसीए  
 वमपीए मरुणाए उवचिहिइ, से वं तस्य (वं) अण्डवंधिइ वडिए तत्येव  
 वापारसीए वमपीए सेडिडुईसि पुताणाए पचायाहिइ वेहिं पु(जे)दे पण्ड  
 छेइय्ये वप्ये-महाविरेहे वासे मिगिहिइ ॥ निवर्त्तनी ॥ २२ ॥ ओ-र्यं  
 अण्डपर्यं वमर्च ॥

अइ वं मति ।-अचवमस्य (अज्जयवस्य) उवचिहि(वमो)पो एवं पण्डु वं । तेवं

अ धे य से यद्वे पुरिमा अयाण य जाय गिहति गिहत्ता गिट्टति, अ-धे य से यद्वे  
 पुरिमा दि-गभइमतवेयना यद्वे मय(अ)ए १ (जाय) महम्(महि)धे य जीविवाओ  
 ववगे-वेति [२] गगाइ द(पि जी)पपिपिपियाय करेति [२] छ(णी)गिरस छाग-  
 लि-यस्स उवणेति, असे १ मे यद्वे पुरिमा नाउ य(ह)दुयाइ अयमगाइ जाय महि-  
 समसाइ तवए १ य कणीयु य य(ह)दुए १ य गजणे १ य ईगाए १ य त(ले)वेति  
 य भजेति य सो(ह्य)वेति य ० तथो रायमग्गणि गिति कप्पेमागा गिरति,  
 अप्पणा-वि-न ण से छ(सिय-)णिए छाग(ली)णिए तेहि यदुणि० भसेहि जाय महि-  
 समसेहि गोहेहि १ त(ले)णिएहि य भ(जे)जिएहि य ग्रं न ६ आमाएमाओ  
 विहरइ, तए ण से छ(नी)णिए (य) छगलि-ए एवस्सने उग्गु पावस्स कलि-  
 कलुस समज्जिणिता गत-याससयाइ परमाउय पालइता कान्नासे काल सिया चो-  
 र्थीए पुढवीए उदोसेग दसगागरोवमठिउए नेरइयत्ताए उव-अ ॥ १० ॥ तए ण  
 तस्स सुभइ-मत्यवाहस्स भदा भारिया जा(व)गनिदुया याति होन्था, जाया जाया  
 दारगा विणिहायमावज्जति, तए ण से छ-णिए छाग(ले-)णिए चो-र्यीए पुढवीए  
 अगतं उव्वट्ठिता इहेव साहजणीए नयरीए सुभइस्स मत्यवाहस्स भदाए भारियाए  
 कुच्छति पुत्ताए उव-अ, तए ण ना भदा मत्यवाही अ-नया कया-इ नव-ह  
 मासाण बहुपडिपुष्णाग दारग पयाया, तए ण त दारग अम्मापियरो जायमेत  
 चेव सगडस्स हे(ट्ट)ट्टा[ओ] ठावेति (०) दोय-पि गिण्ठावेति (०) अणुपुव्वेण  
 सारक(न)वेति सगोवेति सवट्ठेति जहा उज्जियए जाय जम्हा ण अम्ह इने  
 दारए जायमेत्ते चेव सगडस्स हेट्टा ठाविए तम्हा ण हो-उ ण अम्ह एस  
 दारए सगडे नामेण, सेस जहा उज्जियए, सुभइ लवणसमुहे कालगए माया वि  
 कालगया, से(ड)वि सयाओ गिहाओ निच्छूढे, तए ण से सगडे दारए मया-ओ  
 गिहाओ निच्छूढे समाणे मि(स)वाडग तहेव जाय सु-दरिसणाए गणियाए गद्धि  
 सपलगे यावि होत्था, तए ण से सुसेणे अमचे त सगड दारग अ-नया कया-इ  
 सुदरिसणाए गणियाए गिहाओ निच्छुभावेइ [२] सु-दरिण(ण)णिय १णियं अम्भितरिय  
 ठा-वेइ २ ता सुदरिसणाए गणियाए सद्धि उरालाइ माणुस्सगाइ भोगभोगाड भुंजमाणे  
 विहरइ, तए ण से सगडे दारए सुदरिसणा(ओ)ए गिहाओ निच्छूढे समाणे अ-नत्य  
 कत्य(इ)वि सुइ वा अलभ० अ मया कया-इ रह(स्स)सिय सुदरिसणा-गेह(ति)  
 अणुप्पविसइ २ ता सुदरि(सि)सणाए सद्धि उरालाइ भोगभोगाड भुंजमाणे विहरइ,  
 इम च ण सुसेणे अमचे ण्हाए सव्वालकारविभूसिए मणुस्सवग्गुराए जेणेव  
 सुदरिसणा[ए] गणियाए गेहे तेणेव उवागच्छइ २ [ता] सगड दारय सु-दरिसणाए





कालेण तेण समएणं कोसवी-नाम नयरी होत्या रिद्धत्थिमिय० बाहिं चदोयरणे उज्जाणे, तत्थ णं कोसवीए नयरीए सयाणीए नाम राया होत्या महया०, (त० णं स० २०) मियावई (णा०) देवी (हो० अ० जाव सु०), तस्स णं सयाणीयस्स (२०) पुत्ते मिया(वतीए)देवीए अत्तए उदायणे नाम कुमारए होत्या अहीण० जुवराया, तस्स ण उदायणस्स कुमारस्स पउमाव(इ)ई-नाम देवी होत्या, तस्स ण सयाणीयस्स सोमदत्ते नाम पुरोहिए होत्या रिउ[व]वेय०, तस्स ण सोमदत्तस्स पुरोहिस्स वसुदत्ता नाम भारिया होत्या, तस्स णं सोमदत्तस्स पुत्ते वसुदत्ताए अत्तए व(व)हस्सइदत्ते नाम दारए होत्या अहीण०, तेणं कालेण तेणं समएण समणे भगव महावीरे समोस(रिए)रण, तेण कालेण तेण समएण भगव गोयमे तहेव जाव रायमग्गमोगाढे तहेव पासइ हत्थी आसे पुरि(से)समज्जे पुरिस चिंता तहेव पुच्छइ पुव्वभव भगव वागरेइ-एव खल्ल गोयमा । तेण कालेणं तेण समएण इहेव जवुद्दीवे दीवे भारहे वासे सव्वओभेदे नाम नयरे होत्या रिद्धत्थिमियसमि० तत्थ ण सव्वओभेदे नयरे जियसत्तू (ना(णा)म) राया (हो०), तस्स णं जियसत्तुस्स र-ज्जो महेसरदत्ते नाम पुरोहिए होत्या रिउव्वेय जाव अथ-व्वणकुसले या(आ)वि होत्या, तए ण से महेसरदत्ते पुरोहिए जियसत्तुस्स र-ज्जो रजवविवद्वणअट्ठआए कल्लकल्लि एगमेग माहणदार-यं एगमेग खत्तियदार-य एगमेग वइस्सदार-य एगमेग सुददार-यं गिण्हावेइ २ ता तेसिं जीवतगाणं चेव हिय-उंडए गिण्हावेइ [२] जियसत्तुस्स र-ज्जो संतिहोम करेइ, तए ण से महेसरदत्ते पुरोहिए अट्ठमीचोइसीस दुवे २ माहणखत्तियवइस्(वे)स सुहे चउ(चो)ण्ह मासाणं चत्तारि २ छण्ह मासाणं अट्ठ २ सवच्छरस्स सोलस २ जाहे जाहे(ऽ)वि-य ण जियसत्तू राया परवलेण अभिजुजइ ताहे ताहे-वि-य णं से महेसरदत्ते पुरोहिए अट्ठसय माहणदारगाणं अट्ठसय खत्तियदारगाणं अट्ठसय वइस्सदारगाणं अट्ठसय सुददारगाणं पुरिसेहिं गिण्हावेइ गिण्हावेत्ता तेसिं जीवताणं चेव हिययउढीओ गिण्हावेइ २ ता जियसत्तुस्स र-ज्जो संतिहोम करेइ ॥ २३ ॥ तए ण से महेसरदत्ते पुरोहिए एयकम्मे० सुवहु पावकम्म समज्जिणिता तीस वाससयं परमाउय पालइता कालमासे काल किच्चा पंच(मा)मीए पुढवीए उक्कोसेण सत्तरससागरोवमट्ठिइए नर-गे उवव जे, से णं तओ अणतर उव्वट्ठिता इहेव कोसवीए नयरीए सोमदत्तस्स पुरोहि-यस्स वसुदत्ताए [भारियाए] पुत्तत्ताए उवव-जे, तए ण तस्स दारगस्स अम्मापियरो निव्वत्तवारसाहस्स इ(म)यं एयाख्व नाम(धि)धेज्ज करेंति, जम्हा ण अम्ह इमे दारए सोमदत्तस्स पुरोहिस्स पुत्ते वसुदत्ताए अत्तए तम्हा ण होउ अम्(ह)हं दारए ब-ह-

स्वस्थते गमने त्वं नैव न-हस्वद्वये वारप पंचबा(इ)परीगर्हिष बाव परि  
 वृद्ध, त्वं नैव न-हस्वद्वये सम्मुक्तबावभावे जो(सु)म्वन नि-म्वन होत्या  
 ते नैव त्वावन्वस्व इमारस्व पियवावन्वस्वत्वात् नाति होत्या सहावन्वत्वात् सहाव(वृ)-  
 त्तिवत् सहावन्वत्तिवत्, त्वं नैव ते सवाधीए राजा अ-ववा कवा-ह कावन्वम्मुवा  
 संज्ञते त्वं नैव ते सवाव(वि)प्युम्मारै व(ह)हृदि राईसर बाव सत्त्वाहप्यमि(ह)वैदि  
 सति संपरिवृद्धे रोक्मन्ने कर्ममाने निष्कमाने सवाधीवत्स ए-वो म्हुया वृद्धीवत्सर  
 समुद्वयं वीहर्षं करो, [१] वृद्धिं ज्येष्ठाई मयमिन्वाई करो, त्वं नैव ते वृद्धे  
 र्छेसर बाव सत्त्वाह सवाकर्षं पुम्मारै म्हु० एवामिस्तेष्वं वानिधिर्बति त्वं  
 नैव ते सवावन्ने पुम्मारै राजा बाप म्हुवा त्वं नैव न-हस्वद्वये वारप सवाव-  
 न्स्व ए-वो पुरोहिन्वन्ने करोमाने सत्त्वावपेत्त सत्त्वावपेत्त म्हेतरे न विज-  
 तिवाते बाप नाति होत्या त्वं नैव न-हस्व(दी)व्यते पुरोहिन्व सवावन्स्व ए-वो  
 म्हेतरे(रै)रति वेत्तत्त न अवेत्तत्त न अवेत्त न अवेत्त न एवो न विवाते न पति-  
 सम्माने अ-ववा कवा ह पञ्चमाव(इ)वैए वेणीए सति संपन्नो नाति होत्या पठमावर्षे  
 वेणीए सति उपावर्षे म्हेतरेणाई पुंममाने विहर्ष, इमं न नैव सवावन्ने राजा  
 बाप सत्त्वावन्वत्तमिन्वैए केनेव पठमावर्षे वेणी तेनेव सवावन्वत्त, [१] न-ह-  
 स्वद्वयं पुरोहिन्वं वन्मावर्षेवेणीए सति उपावर्षे म्हेतरेणाई पुंममानं वत्त [१]  
 बावद्वये-तिव(वि)विमं मिहति [नि-वाते] सहाहु न-हस्वद्वयं पुरोहिन्वं  
 पुरोहिन्वं तिवावैए बाव एवमं विहावेमं वन्तं वा एवमं वन्तं वन्मा । न-हस्वद्वये  
 पुरोहिन्व पुरोहिन्वार्थं बाव विहर्षः । न-हस्वद्वये नैव मते । वारप इमे अक्यप  
 सन्त्ये कर्हि पयिहर्षि कर्हि उवयमिहर्षः । म्हेतरे । न-हस्वद्वये नैव वारप पुरोहिन्व  
 नो-सति वावार्थं परमावर्षं पावन्वा अनेव विमावावन्नेवे विवते वृ(दी)विमनिसे  
 क्य समाने अक्यमाते कर्हि तिवा इमीये एवमप्यमाप पुवणीए संघारो तद्देव  
 पुवनी, तन्ने इतिवाठरे ननरे मि-वाप्यप पञ्चवावस्वत्त, ते नैव तत्त वाठरिपुर्हि  
 वधिप समाने एतेव इतिवाठरे ननरे सेविहर्षेति पुताप्यप वीहिं सोहम्ये क्ये  
 म्हाविदेहे वाते विविहर्षि ॥ निवन्नेवो ॥ २५ ॥ पञ्चमं अक्यप्यप्यं समर्त्त ॥

वत्त नैव मते ।-वत्तत्त तन्नेवे एवमं वत्त वत्त । तन्ने अनेवे तेनं समर्त्तं म्हुवा  
 वा(म)मे ववर्षे [होत्या], म्हेतरे सवावन्ने वि(दी)विहर्षे राजा, वत्तुविदि नारिवा  
 पुते नैविकवन्ने (वा) पुम्मारै वृद्धी वन्वावत्त वत्त (नैव) वि-रीवाम्स्व वन्म(म)-व  
 वामे वन्ने होत्या वाम्मर्त्त वत्त नैव वन्मवत्त वामवत्त (व० वा या हो  
 य नैव वृ म) वृद्धीवत्तुते वामे वारप होत्या वृद्धीवत्त वत्त नैव विरिहाम्स्व

कालेण तेणं समएणं कोसवी-नामं नयरी होत्या रिद्धत्थिमिय० वाहिं चदोयरणे  
 उज्जाणे, तत्थ णं कोसवीए नयरीए सयाणीए नाम राया होत्या महया०, (त० णं स०  
 २०) मियावइं (णा०) देवी (हो० अ० जाव सु०), तस्स णं सयाणीयस्स (२०)  
 पुत्ते मिया(वतीए)देवीए अत्तए उदायणे नाम कुमारे होत्या अहीण० जुवराया,  
 तस्स ण उदायगस्स कुमारस्स पउमाव(इ)इ-नाम देवी होत्या, तस्स णं  
 सयाणीयस्स सोमदत्ते नाम पुरोहिए होत्या रिठ[०]वेय०, तस्स ण सोमदत्तस्स  
 पुरोहियस्स वसुदत्ता नाम भारिया होत्या, तस्स ण सोमदत्तस्स पुत्ते वसुदत्ताए  
 अत्तए व(व)हस्सइदत्ते नाम दारए होत्या अहीण०, तेण कालेण तेणं समएणं  
 समणे भगव महावीरे 'समोस(रिए)रण, तेण कालेण तेण समएण भगव  
 गोयमे तहेव जाव रायमग्गमोगाढे तहेव पासइ हत्थी आसे पुरि(से)समज्जे  
 पुरिस चिंता तहेव पुच्छइ पुव्वभव भगव वागरेइ-एवं खलु गोयमा । तेण  
 कालेण तेण समएण इहेव जवुदीवे दीवे भारहे वासे सव्वओभेदे नामं नयरे होत्या  
 रिद्धत्थिमियसमि० तत्थ ण सव्वओभेदे नयरे जियसत्तू (ना(णा)मं) राया (हो०),  
 तस्स णं जियसत्तुस्स रओ महेसरदत्ते नाम पुरोहिए होत्या रिठव्वेय जाव अय  
 व्वणकुसले या(आ)वि होत्या, तए णं से महेसरदत्ते पुरोहिए जियसत्तुस्स रओ  
 रज्जवलविवद्धगअट्ठआए क्खलाकलिं एगमेग माहणदार-य एगमेग खत्तियदार-य एग  
 मेग वइस्सदार-य एगमेग सुद्धदार-यं गिण्हावेइ २ ता तेसिं जीवतगाण चेव हिय  
 उंडए गिण्हावेइ [२] जियसत्तुस्स रओ सतिहोम करेइ, तए ण से महेसरदत्ते  
 पुरोहिए अट्ठमीचोइसीसु दुवे २ माहणखत्तियवइस्(वे)स सुदे चउ(चो)ण्हं मासाणं  
 चत्तारि २ छण्ह मासाण अट्ठ २ सवच्छरस्स सोलस २ जाहे जाहे(५)वि-य णं  
 जियसत्तू राया परवलेण अभिजुंजइ ताहे ताहे-वि-य ण से महेसरदत्ते पुरोहिए  
 अट्ठसय माहणदारगाणं अट्ठसय खत्तियदारगाण अट्ठसय वइस्सदारगाणं अट्ठसय  
 सुद्धदारगाणं पुरिसेहिं गिण्हावेइ गिण्हावेत्ता तेसिं जीवताणं चेव हियउडीओ  
 गिण्हावेइ २ ता जियसत्तुस्स रओ सतिहोम करेइ ॥ २३ ॥ तए ण से महेसरदत्ते  
 पुरोहिए एयकम्मे० सुवहु पावकम्म समज्जिणित्ता तीस वाससयं परमाउय पालइत्ता  
 कालमासे काल किच्चा पच(मा)मीए पुढवीए उक्कोसेणं सत्तरससागरोवमट्ठिइए नर-ओ  
 उवव जे, से णं तओ अणतर उव्वट्ठित्ता इहेव कोसवीए नयरीए सोमदत्तस्स पुरोहि-  
 यस्स वसुदत्ताए [भारियाए] पुत्ताए उवव-जे, तए ण तस्स दारगस्स अम्मापियरो  
 निव्वत्तवारसाहस्स इ(म)यं एयाख्व नाम(धि)धेज्ज करेंति, जम्हा णं अम्ह इमे दारए  
 सोमदत्तस्स पुरोहियस्स पुत्ते वसुदत्ताए अत्तए तम्हा ण होउ अम्(ह)हं दारए व-इ-

स्वस्वते गमेन तए नं हि व-हस्वस्वते वारए पंनवा(ह)ईपरिगर्हिए वाव परि  
 वहुए, तए नं हि व-हस्वस्वते वम्मुववाकमावे जो(ह)व्वाव नि-वव होत्वा  
 से नं वराववस्त कुमारस्त पियवाकववस्तए यावि होत्वा सहवामए सहव(ही)-  
 विपए सहपंनविमियए, तए नं से सयाणीए राजा व-ववा कवा-इ काकवम्मुवा  
 वंठते तए नं से वराव(ये)नकुमारे व(ह)ह्वं राईसर वाव सत्तवाहप्पमि(ह)ईहि  
 सद्धि संपरिबुडे रोक्कमाये वंदमाये विक्कमाये सवाणीयस्त र-ओ महया इहीयमार  
 वमुवएयं वीहरये करै, [२] वहुई ओइवाई मयविवाई करै, तए नं से वहुई  
 राईसर वाव सत्तवाह सवायनं कुमारं महु रावामिसेएनं वानिस्सिंनंति, तए  
 नं से वराववे कुमारे राजा वाए महुवा तए नं से व-हस्वस्वते वारए वराव-  
 वस्त र-ओ पुरोहिन्नकम्मे करैमाने सम्पुत्तमैसु सम्पाम्मिपाड अतिठरे व विव-  
 न्कारे वाए यावि होत्वा तए नं से व-हस्व(ही)वते पुरोहिणं वराववस्त र-ओ  
 वतिठ(रै)रंति वैक्कठ व ववेक्कठ व कये व वज्जये व राज्जे व निपाठे व पणि-  
 सम्माने व-ववा कमा इ पठमाव(ह)ईए वैचीए सद्धि संफक्कमे यावि होत्वा पठमवईए  
 वैचीए सद्धि वरउकाई ओगमोपाई पुंक्कमाने निहए, इमं व नं वराववे राजा  
 वाए सम्पवत्तंकरविमूठिए वीनेव पठमावई वैची वेचेव ज्जावज्जइ, [३] व-  
 स्वस्वते पुरोहिन्नं पठमावईवैचीए सद्धि वरउकाई ओगमोपाई पुंक्कमाने पछइ [२]  
 भाउस्ते—वि(वि)विं मिठवि [नि-वाठे] चाहुहु व-हस्वस्वते पुरोहिन्नं  
 पुरिसेहिं विव्वावेइ वाव एएवे विवायेनं वज्जं वा एवं कहु मोवमा। व-हस्वस्वते  
 पुरोहिणं पुणवेउमायं वाव निहए । व-हस्वस्वते नं वति । वारए इमे वज्जयए  
 समाने वद्धि गण्ठिद्धि वद्धि जववविद्धि । मोवमा । व-हस्वस्वते नं वारए पुरोहिणं  
 ओ-सद्धि वासाई वरमाठरं पाक्कता वज्जे विमापावसेसे दिवसे छ(ही)विमविद्धे  
 वए समाने वज्जमासे कळे विव्वा इभीरी एववप्पमाए पुववीए संसाणे तहेव  
 पुववी तओ इविवाठरे नवरे मि-गताए पवावाइस्सइ, ऐ नं तव वाठरेएहिं  
 वद्धिए समाने एतेव इविवाठरे नवरे विट्ठिक्कंति पुत्तपाए वीहिं तोहमे कये  
 म्हामिरेहे वासे विगिद्धि ॥ निक्कमे ॥ २४ ॥ पंनमं वज्जयए समानं ॥  
 वए नं वति ।—वज्जस्व ज्जवेओ एवं कहु वंणु । तेनं कळेने तेनं समएनं म्हुवा  
 वा(य)मे नवरी [होत्वा], वंवीरे उज्जावे वि(पी)रिवामे राजा, वंणुधिरि मारिवा  
 पुते नविक्कवे (वा) कुमारे वही सुगणवा तस्स (नं) वि रिवायस्व वज्ज(इ)व  
 वमं वज्जे होत्वा सामवत्तं तस्स नं वज्जस्व वज्जवस्त (व वा या हो  
 व नं इ व) वहुमिपुते नारं वारए होत्वा वहीव तस्स नं विरिवायस्व

र-गो चित्ते नार्ग अर्धकारिण होत्या, निरिदामग्न र-गो चित्तं बहुविध अलकारिकम्  
करेमाणे सत्त्वद्राणेऽयं य मज्जभूमिगात्त य अर्धतरे य दि-मिगारे नावि होत्या, तेन  
काटेण तेण समएण गानी गनोम-ये पांग्या निगवा राग(गि) निगओ जाव पांया  
पडिगया, तेण काटेण तेण समएण समण० जेट्ठे जाव रायमग(ग ओ)गमोगादे  
सहेच हत्थी आसे पुरिसे, तेमि च ण पुरिमाण मज्जगयं एण पुरिसं पातट जाव  
नर-ना(गि)रीउपरियुद्ध, तए ण तं पुरिसं रागपुरिमा चमरंति तत्तंति अयोमयति सम-  
जो(इ)दभूत(गि)सीहागणति नि(गि)पेगांति, तयाणारं च णं पुरिमाण मज्जगयं  
युविद्ध अयकत्तसेहिं तत्तेहिं समजोदभूएहिं अप्पेगइया तंवभरिएहिं अप्पेगइया  
तत्तयभरिएहिं अप्पेगइया सीसगभरिएहिं अप्पेगइया पत्तउभरिएहिं अप्पेगइया  
गारतोभरिएहिं महगा ० रायाभिसेएण अभिगि०, तयाणंतंरं च णं तत्तं अयोमयं  
समजोदभूय अयोमयसहासएण गहाय हारं पिणत्तनि, तयाणंतंरं च णं अ(द)दुहारं  
जाव पट मउट चित्ता तहेण जाव वागरेद-एवं रालु गोयमा । तेण काटेण तेण  
समएण इहेव जंबुदीवे धीवे भारहे घासे सीहपुरे नाम नयरे होत्या रिद्ध०, तए  
ण सीहपुरे नयरे सीहरहे नाम राग होत्या, तरस णं सीहरहस्स र-गो दुज्जोहने  
ना(मे)म चारगपालए होत्या अहम्मिण जाव दुप्पटियागदे, तस्स णं दुज्जोहणस्स  
चारगपालगस्स इमेयारुचे चारगगढे होत्या-बहवे अयउंटीओ अप्पेगइयाओ  
तवभरियाओ अप्पेगइयाओ तत्तयभरियाओ अप्पेगइयाओ सीसगभरियाओ  
अप्पेगइयाओ कलकलभरियाओ अप्पेगइयाओ सारतोभरियाओ अगणि कार्यंति  
अहहिया(ओ) चिद्धति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे उट्टियाओ  
अप्पेगइयाओ आसमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ हत्थियुत्तभरि(आ)याओ अप्पेग  
इयाओ गोमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ महिसमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ उट्ठुत्त-  
भरियाओ अप्पेगइयाओ अयमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ एल(य)मुत्तभरियाओ  
यहुपडिपुण्णाओ चिद्धति । तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे हत्(धुं)धं(डु)डु-  
याण य पाय-दुयाण य हवीण य नियलाण य संकलाण य पुंजा (य) निगरा य संनि-  
क्खिता चिद्धति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे वेणुलयाण य वेत्तलयाण  
य चिखालयाण य छिया(णं)ण य कसाण य वायरासीण य पुजा निगरा चिद्धति,  
तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे सिलाण य लउटाण य भोगगराण य  
कणगराण य पुजा निगरा चिद्धति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे  
तंताण य वरत्ताण य वा(ग)गुर(जा)याण य वा(वा)लयमुत्तरज्जूण य पुंजा निगरा  
चिद्धति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे असिपत्ताण य करपत्ताण य

स्वस्वते नमो न तप न से व-हस्वस्वते वारप पंचवार(ह)पिपरिगर्भिए बावे परि-  
बद्ध, तप न से व-हस्वस्वते लम्पुल्लभाकमावे जो(ह)न्यन नि-बन होत्या  
से न वडाकनस्त कुमारस्त पियवाकनयस्तप याति होत्या सहवानप सहव(ही)-  
नियप सहपंक्रमिन्विए, तप न से सजाणीए राजा व-बवा कवा-ह ककचम्पुवा  
संभते तप न से वडाक(वे)नकुमारै व(ह)हृदि राईसर बाव सत्पवाहपमि(ह)वैदि  
सहि संपरिबुद्धे रोक्माने कंयमाने निष्कम्याने सजाणीयस्त र-बो महा इहीसधार  
समुदएन पीहरने करेह, [१] बहूई ओदनाई मयकिबाई करेह, तप न ते बह्वे  
रईसर बाव सत्पवाह जवाकन कुमारै म्हा रायामिसेएन वमिस्तिनंति तप  
न से वडाकनै कुमारै राजा बाए महा तप न से व-हस्वस्वते वारप सडाक-  
नस्त ह-बो पुरोक्षिन्कर्म करेमाने सत्पवाहैह सत्पमूनिवाह अतिवरे व निष्क-  
मिनारे बाए वमि होत्या तप न से व-हस्व(ली)स्वते पुरोक्षिए उदायनस्त ह-बो  
अतिव(रै)रंति वैवाह य अनेकह्य व ककै व अककै व राजो व निवाके व पमि-  
समाने व-बवा कवा ह पम्पवाव(ह)विए वेणीए सहि संस्कमो वामि होत्या पठमावैए  
वेणीए सहि उठकई ओपमोबाई मुंयमाने निहरह, इमं न न वडाकने राजा  
बाए सत्पवाकनरैमूसेए केनेव पम्पवावै वेणी तेनेव उचामप्यह, [१] व-ह-  
स्वस्वते पुरोक्षिन् पठमावैवेणीए सहि उठकई ओपमोबाई मुंयमाने पसह [१]  
वाकनते—विष(मि)मिन् मिठहि [मि-वाके] पाहहु व-हस्वस्वते पुरोक्षिन्  
पुरिसेहि निष्कम्येह बाव एएन निहावैनं कयई वा एव कहु बोक्ता। व-हस्वस्वते  
पुरोक्षिए पुठपेठवानं बाव निहरह । व-हस्वस्वते न मति । वारप इमे ककम्यए  
समाने कहि यमिहहिह कहि उचमिहहिह । गोवमा । व-हस्वस्वते न वारप पुरोक्षिए  
बो-सहि वावाई परमाजव वाकहता जनेव विमावाकसेसे निरुषि सु(ही)निनमिने  
कए समाने ककमासे ककं निवा इवीसे रकनप्यभाए पुकणीए संसारो तहेव  
पुकणी उचो इस्तिवाडरे नवरी मि-गणए पन्वावाहस्वह, से न उचन वाजरेपहि  
बहिए समाने तलेव इस्तिवाडरे नवरी सेहिमुनंति पुठपाए बोहि सोहमे कये  
महाविदेहे वासे सिणिहहि ॥ निष्कम्यो ॥ २४ ॥ पंचवर्ग वज्रवर्णं समस्त ॥  
वह न मते ।—कटुस्त वचकेयो एव कहु बंधू । सेनं ककने तेनं समएनं मधुरा  
वा(म)मं नवरी [होत्या], मंदीरे उजाने सि(री)विजाने राजा, बंधुसिरी मारिया  
पुते नमिस्वने (वा ) कुमारै बाही उचपना तस्त (नं) वि विरामस्त छन्(इ)-व  
वामे वमने होत्या सामईह तस्त न छन्नुस्त वयनस्त (व वा मा हो  
व नं पु व ) बंधुमिपुते वामं वारप होत्या बाहीव तस्त नं विरिरामस्त

देवीए पुच्छिछि पुत्ताए उववन्ने, तए णं धंघुत्तिरी नवग्दं मामाणं घटुपट्टिपुग्गार्ण  
जाव दारग पयागा, तए ण तस्स दारगस्स अम्मापियरो निज्ज(त्ता)ते चारग्गाहे इमं  
एया(णु)त्ता नामधेज्जं करेति हो-उ णं अम्हं दार० नदिसेणे नामेणं, तए ण से  
नदिसेणे कुम्भारे पचभाइपरिवुटे जाव परि(तु)वद्ध, तए णं मे नदिसेणे कुम्भारे  
उम्मुक्कालभावे जाव विहरइ जोव्व० चुराया जाए यावि होन्था, तए णं मे  
नदिसेणे कुम्भारे रज्जे य जाव अंतेउरे य मुच्छिए इच्छइ सिरिदाम रायं जीवि-  
याओ ववरोवि(त्ता)तए गयमेव रज्जसिंरिं कारेमाणे पालेमाणे विहरित्तए, तए णं से  
नदिसेणे कुम्भारे सि-रिदामस्स रज्जो यत्तणि अंतराणि य छिद्धानि य विवराणि य  
पडिजागरमाणे विहरइ, तए णं से नदिसेणे कुम्भारे सि-रिदामस्स रज्जो दारं अल-  
भमाणे अ-जया कयाद् चित्त अल्लकारियं सदावेइ २ ता एवं वया[त्ति]सी-तुम्हे ग  
देवाणुप्पिया ! ति रिदामस्स रज्जो मच्चट्टाणेसु ग सच्चभू(मिया)मीसु य अंतेउरे य  
दि-प्रवियारे सि-रिदामस्स रज्जो अभिक्खण २ अल्लकारियं कम्म कर(रे)रेमाणे विह-  
रसि तं णं तु० देवाणुप्पिया ! सि-रिदामस्स रज्जो अल्लकारियं कम्म करेमाणे जीवाए  
सुर निवेसेहि तो णं अहं तुम्ह अद्धरज्जय क(रे)रिस्सामि तुमं अम्हेहि सद्धि उरालाई  
भोगभोगाइ भुजमाणे विहरिस्ससि, तए णं से चित्ते अल्लकारिए नदिसेणस्स कुम्भ-  
रस्स (वयण) एयमट्ठं पडिमुणेइ, तए णं तस्स चित्तस्स अल्लकारियम्म इमेयारुवे  
जाव समुप्पज्जित्था-जइ णं म म सि रिदामे राया एयमट्ठं आग्मेइ तए णं म० न  
नजइ केणइ अमुमेणं पुमरणेण मारिस्सइत्तिकट्ठु मी० जेणेव नि-रिदामे राया  
तेणेव उवागच्छइ [०] सि-रिदा(म)म राय रहस्सियग करयल० एव वयासी-ए। ग्वल्ल  
सामी ! नदिसेणे कुम्भारे रज्जे य जाव मुच्छिए इच्छइ तुम्मे जीवियाओ ववरोविता  
सयमेव रज्जसिंरिं कारेमाणे पालेमाणे विहरित्तए, तए णं से सिरिदामे राया  
चित्तस्स अल्लकारियस्स (अतिए) एयमट्ठ गोद्या निमम्म आसुरते जाव साहट्ठु  
नदिसेण कुम्भारं पुरिसेहिं (सद्धिं) गिण्हावेइ, [२] एएण विहाणेण व(व)ज्ज आण-  
वेइ, त एवं खलु गोयमा ! नदिसेणे (पुत्ते) जाव विहरइ, नदिसेणे कुम्भारे इओ  
चुए कालमासे काल किच्चा कहिं-गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! नदिसेणे  
कुम्भारे सद्धिं वासाई परमाउयं पालइत्ता कालमासे काल किच्चा इमीसे रयणप्पभाए  
पुढवीए०, संसारो तहे० तओ हत्थिणा-उरे नयरे मच्छत्ताए उववज्जिहिइ, से ण  
तत्थ मच्च(छी)छिएहिं व(धि)हिए समाणे तत्थेव सेट्ठिकुले चोहिं सोहम्म  
कप्पे महाविदेहे वासे सिज्झहिइ धुज्झहिइ मुचिहिइ परिनि(व्वि)व्वाहिइ सव्व-  
उक्खणमत करेहिइ ॥ निक्खेवो ॥ २६ ॥ छट्ठमज्जयणं समत्त ॥





देवीए पुच्छिति पुताए उवव-ने, तए णं संयुतिरी नरग ममानं वपुपडिपुत्ताने  
जाव दारग पयाया, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो निव्य(त्त)ने धारणाहे र्ने  
एया(पु)त्त नामधेज्ज करेति हो-उ णं अम्ह दार० नदिसेणे नामेण, तए णं से  
नदिसेणे कुमारे पचभाइपरिबुटे जाव परि(तु)वट्ट, तए णं मे नदिसेणे कुमारे  
उम्मुक्कालभावे जाव विहरइ जोव्व० बुवराया जाइ यावि हो-या, तए णं से  
नदिसेणे कुमारे रजे य जाव अंतउरे य मुच्छिण्ण इच्छइ चिरिगम रा जीवि-  
याओ ववरोवि(त्ता)ए सयमेव रजसिंरिं तरेमाणे पालेमाणे विहरित्तए, तए णं से  
नदिसेणे कुमारे ति-रिदामस्स रजो वट्ठणि अंतराणि य छिद्धानि य विवराणि य  
पडिजागरमाणे विहरइ, तए णं से नदिसेणे कुमारे ति-रिदामस्स र-जो पारं वल-  
भमाणे अ-मया कया-इ चित्त अलंकारियं सहावेउ २ ता एव वया[ति]सी-नुम्हे १  
देवाणुप्पिया ! ति-रिदामस्स रजो सज्जट्टाणेषु य सज्जभू(मिया)नीसु य अंतउरे य  
दि-मवियारे ति-रिदामस्स रजो अभिक्कण २ अलंकारिय कम्म क(र)रेमाणे विह-  
रति तं णं तु० देवाणुप्पिया ! ति-रिदामस्स रजो अलंकारियं कम्म करेमाणे तीवाए  
खुरं निवेसेहि तो णं अइ तुम्ह अद्धरजय क(र)रेम्यामि तुमं अम्हेहि मद्धि उरालाई  
भोगभोगाइ भुजमाणे विहरिस्सति, तए णं से चित्ते अलंकारिए नदिसेणस्स उमा-  
रस्स (वयगं) एयमट्ट पडिमुगेड, तए णं तस्स चित्तस्स अलंकारियस्स इनेयास्स  
जाव समुप्पजित्ता-जइ णं न-म ति-रिदामे राया एयमट्ट आगमेइ तए णं म० न  
नजइ केणइ अनुमेण कुमरणेण मारिस्सइत्तिरुद्धु भी० लेणेव ति-रिदामे राया  
तेणेव उवागच्छइ [०] ति-रिदा(न)म राय रहस्सियग करयल० एव वयासी-ए 'वल्लु  
सानी ! नदिसेणे कुमारे रजे य जाव मुच्छिण्ण इच्छइ तुम्हे जीवियाओ ववरोविता  
सयमेव रजसिंरिं कारेमाणे पालेमाणे विहरित्तए, तए णं से चिरिदाने राया  
चित्तस्स अलंकारियस्स (अंतिए) एयमट्ट सोया नितम्म आनुस्से जाव साहइ  
नदिसेणं कुमारं पुरिसेहि (सद्धि) गिण्हावेइ, [२] एएणं विहाणेण व(व)ज्ज आण-  
वेइ, त एव खलु गोयमा ! नदिसेणे (पुत्ते) जाव विहरइ, नन्दिसेणे कुमारे इओ  
सुए कालमासे काल किंथा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! नदिसेणे  
कुमारे सद्धिं वामाई परमाउय पालइत्ता कालमासे काल किंथा इमीसे रयणप्पमाए  
पुडवीए०, ससारो तहे० तओ हत्थिणा-उरे नयरे मच्छत्ताए उववज्जिहिइ, से ण  
तत्थ मच(छी)छिएहिं व(धि)हिए समाणे तत्थेव सेट्ठिकले वोहिं सोहम्मं  
कप्पे महाविदेहे वासे सिज्जिहिइ बुज्जिहिइ मुप्पिहिइ पारेनि(त्वि)व्वाहिइ सव्व-  
इक्खणमत करेहिइ ॥ निक्खेवो ॥ २६ ॥ छट्ठमज्झयणे समत्तं ॥



एय खलु तस्स भिक्खुस्स २ सामगियं ज सव्वट्ठेहिं सहिते समिते सदा जए  
सेयमिण मण्णेज्जासि त्ति वेमि ॥ ९८३ ॥ परकिरियासत्तिकय समत्तं छट्ठ,  
तेरहममज्झयणं समत्त ॥

से भिक्खू वा ( २ ) अण्णमण्णकिरियं अज्झत्थियं संसेइय णो त सायए णो त  
नियमे ॥ ९८४ ॥ सिया से अण्णमण्ण पाए आमजेज्ज वा पमजेज्ज वा णो त  
सायए णो त नियमे ॥ ९८५ ॥ सेसं तं चेव ॥ ९८६ ॥ एय खलु तस्स भिक्खुस्स २  
वा सामगिय ॥ ९८७ ॥ अल्लुअकिरिया सत्तिकयं समत्तं सत्तम,  
चउदुसममज्झयण समत्त, वीया चूडा समत्ता ॥

तेणं कालेणं तेणं समाण समणे भगव महावीरे पचहत्थुत्तरे यावि होत्था,  
तजहा-हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भ वक्कते, हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भ साहरिए,  
हत्थुत्तराहिं जाए, हत्थुत्तराहिं मुखे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए, हत्थुत्त-  
राहिं कसिणे पडिपुण्णे अन्वाधाए निरावरणे अगते अणुत्तरे केवलवरनानदसणे  
समुप्पण्णे, साइणा परिनिब्बुए भगव ॥ ९८८ ॥ समणे भगव महावीरे, इमाए  
ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए विइक्कताए, सुसमाए समाए वीतिक्कताए, सुस-  
मदुसमाए समाए वीतिक्कताए, दुसमसुसमाए समाए बहुवीतिक्कताए, पण्णहत्तरीए  
वासेहिं मासेहिं य अद्धणवयसेसेहिं, जे से गिम्हाण चउदथे मासे अट्ठमे पक्खे,  
आसाढसुद्धे, तस्सण आसाढसुद्धस्स छट्ठीपक्खेण हत्थुत्तराहिं नक्खत्तेण जोगमुवागएण,  
महाविजयसिद्धत्यपुप्फुत्तरपवरपुढरीयदिसासोवत्थियवद्धमाणाओ महाविमाणाओ  
वीससागरोवमाइ आउयं पालइत्ता, आउक्खएण, भवक्खएण ठिइक्खएण चुए चइत्ता  
इह खलु जवुदीवे वीवे, भारहे वासे, दाहिणद्धभरहे दाहिणमाहणकुंडपुरसनिवेसमि  
उसमदत्तस्स माहणस्स कोढालसगोत्तस्स देवाणदाए माहणीए जालधरस्स गुत्ताए  
सीहुब्भभवभूएण अप्पाणेण कुच्छिसि गब्भ वक्कते, समणे भगव महावीरे तिन्नाणो-  
वगए यावि होत्था, चइस्सामिति जाणइ चुएमिति जाणइ, चयमाणे न जाणेइ,  
सुहुमे ण से काले पक्कते । तओ ण समणे भगव महावीरे हियाणुकपए ण देवेण  
जीयमेयं त्ति कट्ठ जे से वासाण तच्चे मासे पचमे पक्खे आसोयबहुले तस्स ण  
आसोयबहुलस्स तेरसीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं नक्खत्तेण जोगमुवागएण वासीहिं राइदि-  
एहिं विइक्कतेहिं तेसीइमस्स राईदियस्स परियाए वट्ठमाणे दाहिणमाहणकुंडपुरसनि-  
वेसाओ उत्तरखत्तियकुंडपुरसनिवेसंसि णायाण खत्तियाण सिद्धत्यस्स खत्तियस्स  
कासवगुत्तस्स तिसलाए खत्तियाणीए वासिठुसगुत्ताए असुभाण पुग्गलाण अवहारं  
करित्ता, सुभाण पुग्गलार्ण पक्खेव करित्ता कुच्छिसि गब्भ साहरइ, जेविय से



होत्या रिद्ध०, तत्थ ण विजयपुरे नयरे कणगरहे नाम राया होत्या, तस्स णं  
 कणगरहस्स र-प्पो धर्मंतरी-ना(मे)म वे(वि)जे होत्या अट्ठगाउव्वेयपाटए,  
 त०-कु(को)मारभिय १ सालागे २ गा(क)हत्ते ३ पायतिगिच्छा ४ जंगोले ५ मूद-  
 (वे)वि(जे)जा ६ रसायणे ७ वाजीरणे ८, तए ण से ध-मंतरी वे-जे विजयपुरे  
 नयरे कणगरहस्स र-प्पो अतेउरे य अ-ज्जेहि च बहूण राट्ठेर जाव सत्यवाहा  
 अ-ज्जेहि च बहूण दु(ध्व)च्यलाण य गिलाणाण य पाट्टियाण य रोगियाण य  
 अणाहाण य सणाहाण य माट्टणाण य गिक्(गा)ग गाण य करोडियाण य  
 कप्पडियाण य आउराण य अप्पेगइयाणं मच्छमसाई उव(दं-दि)देसेइ अप्पेग-  
 इयाणं कच्छपमसाई (उवदि०) अप्पेगइयाणं गा(हा)हम० अप्पेगइयाण मगरम०  
 अप्पेगइयाण सुसुमारम० अप्पेगइयाण अयम० एवं ए(ला)लयरोज्ज(सु)म्वरमा  
 ससयगोम(साई)समहिसमसाइ अप्पेगइयाणं ति(त्त)तिरम साइ अप्पेगइयाण  
 वट्ठरु(०)लावक्(०)क[पो]योय(०)उपुट(०)मयूरमसाइ अ जेहि च बहूण जलय  
 रयलयरखहरमा(दी)ईण मसाइ उव-देसेइ अप्पगावि-य ण से ध-मंतरी-वे-जे तहिं  
 चहूहिं मच्छमंसेहि य जाव मयूरमसेहि य अ-जेहि य बहूहिं जलयरयलयरखहर-  
 मसेहि य सोल्लेहि य त-लिएहि य (भिज्जेहिं) भज्जिएहि य मुरं च ६ आसाएमाणे  
 विसाएमाणे विहरइ । तए ण से ध-मंतरी वे-जे एयकम्मे० सुचहु पावं कम्मं  
 समज्जिणित्ता वत्तीसं वाससयाइ परमा(उं)उय पालइत्ता कालमासे काल विखा  
 छट्ठीए पुढवीए उफोसेण वावीससागरोव० उवव जे । तए ण [सा] गगदत्ता भारिया  
 जाय निंदुया यावि होत्या जाया जाया दारगा विणि(घा)हायमावज्जति, तए णं तीसे  
 गगदत्ताए सत्यवाहीए अ जया कया-इ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि दुहुंवजागरिय  
 जागरमा० अय अ-ज्जत्तिए० समुप्पजे-एव खलु अह सागरदत्तेण सत्यवाहेण  
 सद्धिं बहूईं धासाइ उरालाइ मणुस्सगाइ भोगभोगाई भुंजमाणी विहरामि, नो चैव  
 णं अह दारग वा दारियं वा पयामि, त धज्जाओ ण ताओ अम्मयाओ सपुण्णाओ  
 कयत्याओ (कयपु०) कयलक्खणाओ सुलद्धे णं तासिं अम्मयाण माणुस्सए जम्म-  
 जीवियफले जासिं म-ज्जे नियगकुच्छिसभू(य गा)याई यणदुद्धलद्ध (गा)याइ महुरस-  
 मुलावगाइ मम्म(णं)णप(य)जपियाई यणमूलक्खदेसभाग अ(ति)भिसरमाण-याई  
 सुद्ध-याइ पुणो [पुणो] य कीमलकमलोवमे हिं हत्थेहिं गिण(हे)हिउण उच्छ(ग)ग-  
 निवेसियाइ दें(दि)ति समुल्लावए सुमहुरे पुणो २ मज्जुलप्पमणिए, अहं ण अघ ज्ञा  
 अपुण्णा अकयपुण्णा एत्तो एगमवि न पत्ता, त सेयं खलु म-म कळ जाव जलते  
 सागरदत्तं सत्यवाह आपुच्छित्ता सुवहु पुप्फवत्यगंधमलालंकारं गहाय बहूमित्त-नाइ-



ओगा(हिं)हेति [२] ण्हाया तं वि-उल असण वहूहिं मित्त-नाइ जाव सद्धिं आसा(दि)-  
 ए० दोहल वि(ण्यै)णेंति, एव संपेहेइ २ ता कळ जाव जलते जेणेव सागरदत्ते  
 सत्यवाहे तेणेव उवागच्छइ २ ता सागरदत्त सत्यवाह एवं वयासी-धन्वाओ ण  
 ता-ओ जाव विणेंति त इच्छामि ण जाव विणित्तए, तए ण से सागरदत्ते सत्यवाहे  
 गगदत्ताए भारियाए एयमट्ठ अणुजा(णा)णइ, तए णं सा गगदत्ता सागरदत्तेण  
 सत्यवाहेण अब्भणु-न्नाया समाणी वि-उल असण ४ उवक्खवावेइ [२] त वि-उलं  
 असणं ४ सुर च ६ सुवहु पुप्फ० परिगिण्हावेइ [२] वहूहिं जाव ण्हाया उ० जेणेव  
 उवरदत्त(जक्ख)स्स जक्खाययणे जाव धूव ड(ह)हेइ (०) जेणेव पुक्ख(र)िणी  
 तेणेव उवागच्छइ, तए ण ताओ मित्त जाव महिलाओ गगदत्त सत्यवा(ह)हिं  
 सव्वालंकारविभूसिय करेंति, तए ण सा गगदत्ता भारिया ताहिं मित्तनाइहिं अन्नाहिं  
 वहूहिं न-गरमहिलाहिं सद्धिं त वि उलं असण ४ सुरं च ६ दोहलं विणेइ २ ता  
 जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया, तए ण सा गगदत्ता (भा०)  
 सत्यवाही त गम्भ सुहसुहेणं परिवहइ, तए ण सा गगदत्ता भारिया नवण्ह  
 मासाण बहुपडिपुण्णाणं जाव पयाया ठिइवडिया जाव जम्हा ण-अम्ह  
 इमे दारए उंवरदत्तस्स अक्खस्स ओ(उव-उ)वाइयलद्धए त हो-उ णं० दारए  
 उंवरदत्ते नामेण, तए णं से उवरदत्ते दारए पचघाईपरिगहिए परिवहइ,  
 तए ण से सागरदत्ते सत्यवाहे जहा विअयमिते जाव काल० गंगदत्ता वि ,  
 उवरदत्ते निच्छूढे जहा उज्झियए, तए ण तस्स उंवरदत्तस्स दार-गस्स अ-अया  
 कया(वि)इ सरीरगति जमगसमगमेव सोलस-रोगायका पाउब्भूया, त०-सासे का-से  
 जाव कोढे, तए णं से उंवरदत्ते दारए सोलसहिं रोगायकेहिं अभिभूए समाने०  
 जाव विहरइ, एवं खलु गोयमा ! उवरदत्ते (दा०) पुरा-पोराणाण जाव पच्चणु-  
 भवमाणे विहरइ, (तएते ण) से [णं] उवरदत्ते-कालमासे काल किञ्चा कहिं  
 गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ<sup>१</sup> गोयमा ! उंवरदत्ते दारए वावत्त(रि)रिं वासाई  
 परमाउय पा(लि)लइत्ता कालमासे काल किञ्चा इमीसे रयणप्पभाए पुठवीए नेरइय  
 ताए उवव०, ससारो तहेव जाव पुठवी, तओ हत्थिणाउरे नयरे कुकुडताए पचा-  
 याहिइ गोठ्विहिए त(हे)त्येव हत्थिणाउरे नयरे सेट्टिकुलंसि उववज्जिहिइ वोहिं \*  
 सोहम्मे कप्पे महाविदेहे वासे सिज्झहि० ॥ निक्खेवो ॥ २७ ॥ सत्तमं  
 अज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भते ! अट्ठमस्स उक्खेवो एवं खलु जंवू ! तेणं कालेणं तेण  
 समएण सोरियपुरं नयरं सोरियव(डें)डिसं उज्जाण सोरियद(त्तो)त्ते राया-

तस्स नं सोरियपुरस्स नगरस्स बह्विहा उत्तरपुर-सिन्धे सिटीमा(गि)ए एत्थ नं एगे  
मच्छंन[वा]यावए होत्था तस्स नं समुहएते-मामं मच्छंनं परिणत्तं बहम्मिण्णं वाव  
हुप्पविद्यानंते, तस्स नं समुहएतस्स समुहएता-नामं भारिया होत्था बह्विह पं-  
विदियसरीए तस्स नं समुहएतस्स (य) पुत्त समुहएता[ए]मारिवाए अत्तए  
सोरियवएते नामं एतए होत्था बह्विह तेनं बन्धेनं तेनं समएनं चामी समोस-हे  
वाव परिता पविगना तेनं बन्धेनं तेनं समए नेहे (अ) सीसे वाव सोरियपुरे  
नगरे उच्च-वीरम्मज्झि(म)माई कुम्माई बह्वापज्जतं समुदायं पञ्चाव सोरियपुराज्जे  
नक्खज्जे पवि-निक्खज्ज, [१] तस्स मच्छंन-यावगस्स अपूरुत्तायंतेनं वी(ही)इवम्मायै  
महम्महाविद्याएम् [इत्थ]उत्तरपरिवाए मज्झवर्णं पासइ एयं पुरिसं छत्ते मुत्तं विम्मंसे  
बद्धिबम्मवपत्तं निदिदि(सी)विद्यामूलं पीळ्हावप-निक्ख(व)त्तं मच्छंनएणं गळए  
अनुज्जेने बद्धं कुम्माई वी-सउई कुम्मायं नमिक्खत्तं १ पूवज्जते न बह्विहज्जते य  
विमिक्खते न व(म)म्मायं पत्तइ, [२] इमे(यज्जे) बज्जतिणए -पुए-  
पेटणानं वाव निहए, एयं सेयेहेइ [३] केनेव समये मगरं-वाव पुप्पमत्तुप्पज्ज  
वाव वापरनं-एयं बद्ध पोयमा । तेनं बन्धेनं तेनं समएनं इहेव चउरीने वीये मत्तहे  
वासे नैविपुरे-नामं नगरे होत्था मिते राय तस्स नं वित्तस्स रत्ते सिटीए नामं  
महात्तसिण्णं होत्था बहम्मिण्णं वाव हुप्पविद्यानंते, तस्स नं सिटीएतस्स महात्तसिण्णस्स  
बह्वे मच्छिवा य वएरिया य छात्तमिक्ख य वि-बमइमत्तवेववा कज्ज(अ)ति  
बह्वे सच्छंमच्छा न वाव पञ्चायावपञ्चागे न जए न वाव बह्विसे न सिटिरे न वाव  
न(पु)करे न जीमिवाज्जे ववरेवैति [१] सिटीएतस्स महात्तसिण्णस्स बह्वेति, अ-वे  
न से बह्वे सिटिरा न वाव म-करा न पंवरति सेविस्सा विट्ठेति, अ-वे न बह्वे  
पुरिया वि-बमइमत्तवेववा से बह्वे सिटिरे न वाव य-करे न जीमिवाज्जे येन  
निप[ण]मंवेति [२] सिटीएतस्स महात्तसिण्णस्स उक्खेति एए नं ॥ सिटीए महात्तसिण्ण  
बह्वं बज्जवरवम्मरवहवरणं मत्ताई कज्ज(अ)मिक्खप्पिवाई करइ, तं-सच्छंनंति  
वावि य बह्वंविद्यानि न वीहत्तंविद्यानि न रात्तसच्छंविद्यानि न हिमपत्तामि न वम्म-  
[५] (वम्म)वैय मात्तपत्तामि न कज्जमि य होत्थावि न बह्विहत्तमि य वावमत्त-  
सिवावि न सुत्तिवारसिवावि न वन्निहुरसिवावि न वाविमत्तसिवावि न मच्छरसिवावि  
न तमिवावि न मज्झिवावि न छेत्तिवावि न उवक्खवावैइ अ-वे न बह्वे मच्छरसे  
न प(वि)येज्जसे न सिटितरसे न वाव मपूरसे न अ-वे न निठं हविसाए  
उवक्खवावैइ १ ता मित्तस्स र वो मोक्खमंउवैति मोक्खवेवए उवरोइ अप्पना-त्ते  
न नं से सि(हि)एट्ठ महात्तसिण्णं से बह्वं बज्जवर( )वज्जवर( )बह्वरम-



सेहिं च र(स)सिएहि य हरियसागेहि य सोल्लेहि य त लिएहि य भजिए(भि-)हि य सुं  
 च ६ आसाएमाणे० विहरइ, तए ण (से) सि-रीए महाणसिए एयकम्मे० सुं  
 पावकम्मं समज्जिणित्ता तेत्तीसं वाससयाइ परमाउय पालइत्ता कालमासे काल किं  
 छट्ठीए पुढवीए उवव(जो)जे । तए ण सा समुद्दत्ता भारिया निंदूयावि होत्था जाया २  
 दारगा विणि-द्वायमावज्जति ज(हा)ह गंगदत्ताए चिंता आपुच्छणा ओ-वाइय दोहला  
 जाव दारग पयाया जाव जम्हा ण अम्ह इमे दारए सोरियस्स जक्खस्स ओ-वा-  
 इयलद्धे तम्हा ण होउ अम्ह दारए सोरियदत्ते नामेणं, तए ण से सोरियदत्ते दारए  
 पचधा(इ)इ जाव उम्मुक्कचालभावे वि-अयपरिणयमित्ते जोव्वण० होत्था, तए ण से  
 समुद्दत्ते अ-अया कया(इं)इ कालधम्मुणा संजुत्ते, तए ण से सोरियदत्ते (दा०) बह्वहिं  
 मित्त-नाइ० रोयमा० समुद्दत्तस्स नीहरण करेइ लोइ(य)याइ म(याइ)यकिंवाइ  
 करेइ, अ-अया कया-इ सयमेव मच्छधमहत्तरगत उवसपज्जित्ताण विहरइ, तए ण  
 से सोरिय(ए)दत्ते दारए मच्छधे जाए अहम्मिए जाव दुप्पडियाणदे, तए ण तस्स  
 सोरियदत्तमच्छधस्स बहवे पुरिसा दि-अमइ० एगट्ठियाहिं जउ(ण)णामहान(दीं)ई  
 ओगा-हेति [२] बह्वहिं दहगालणाहि य दहमलणेहि य दहमहणे(हिं)हि य दहवह-  
 णे-हि य दहपवहणेहि य अयपुलेहि य पचपुलेहि य मच्छधलेहि य मच्छपुच्छेहि  
 य जमाहि य ति[सि]सराहि य भि-सराहि य घिसराहि य वि-सराहि य हिल्लिरीहि  
 य लल्लिरीहि य झिल्लिरीहि य जालेहि य गलेहि य कूढपासेहि य वक्खवधेहि य झुत-  
 वंधणेहि य वा-लवधणेहि य बहवे सण्हमच्छे य जाव पडागाइपडागे य गिण्हति (०)  
 एगट्ठियाओ (नावा) भ(रं)रेंति (०) कूलं गा(हं-हिं)हेति (०) मच्छखलए करेंति (०)  
 आयवंसि दलयति, अ-जे य से बहवे पुरिसा दि-अमइभत्तवेयणा आयवतत्त-  
 एहिं सो(ले)लेहि य त-लिएहि य भ जिएहि य रायमग्गसि वित्तिं कप्पेमाणा विहं-  
 रेंति, अप्पणा-वि-य णं से सोरियदत्ते बह्वहिं सण्हमच्छेहि य जाव पडा० सोल्लेहि य  
 तलिएहि य भ जिएहि य सुरं च ६ आसा(य)एमाणे० विहरइ, तए ण तस्स  
 सोरियदत्तस्स मच्छधस्स अ-अया कया इ ते मच्छसोल्ले [य] त-लिए य भ जिए य  
 आहारमाणस्स मच्छकटए गलए लग्गे या-वि होत्था, तए ण से सोरियदत्तमच्छधे  
 महयाए वेयणाए अभिभूए समाणे कोहुंविद्यपुरिसे सहावेइ २ ता एव वयासी-गच्छह  
 णं तुम्हे देवाणुप्पिया । सोरियपुरे नयरे सिं-घाडग जाव पहेसु [य] महया २ सहेणं  
 उग्घोसेमाणा (२) एवं व-यह-एवं खलु देवाणुप्पिया । सोरियदत्तस्स मच्छकटए  
 ग(लए)ले लग्गे तं जो णं इच्छइ वे-ज्जो वा ६ सोरियमच्छियस्स मच्छकट-य  
 गलाओ नी(नि)हरितए तस्स णं सोरिय० वि-उल अत्यसपयाण दलयइ, त-ए ण

ते कोटुबिन्दपुरिषा जाय पम्भो(वी)रिति त-ए न ते बह्वे बे-जा य ९ इमेयार्य  
 इत्येसर्न इत्येसिज्यार्न निगामेति १ ता बेवेव सोरिब ने-हे बेवेव सोरिबमर्ण्ये  
 तेवेव प्रवाण्येति [१] बह्वे वप्यतिमा परिबममाणा कमरोहि व बह्वेहि व  
 ओ-बीबनेहि व बमबमारेहि व सधुदरनेहि व निवज्यरनेहि व इत्येति सोरिब-  
 मर्ण्ये मर्ण्येव-न यमार्थो नीहरितए नो (वेव न) वीचार्ति नीहरितए वा निचो-  
 वितए वा तए न ते बह्वे बे-जा य ९ बाहे नो वीचार्ति सोरिब मर्ण्ये-  
 टर्न यमार्थो नीहरितए नाहे संता जाय जामेव विवि पाठम्भूवा तामेव वि-वि  
 पठिगवा तए न ते सोरिब य निज पठिगारनि(वि)विन्ने तेन बुक्केन  
 बहवा जमिमए तुहे जाय निहण, एवं कल्ल गोकमा । सोरियत्ते पुणपोरुत्तार्न  
 जाय निहण, सोरिए न मति । मर्ण्ये इतो (व) काकमासि वल्लं निज्य बह्वे गच्छि-  
 त्ति (१) बह्वे उक्कजिह्वि । योयमा । सत्ति-वज्याई परमाडर्न पाठएव काकमासि  
 काकं निज्य इतोते रक्कममाए पुक्कीए संसारो तहे पुण इतिपाठरे नवरे  
 मर्ण्येव वव ते न तयो मच्छिण्णि बीमिवाओ ववरोमिए तत्तेव सेविपुत्ते-  
 ति-वो सोहम्मे कम्मे म्हाविदेहे वासि निजिह्वि ॥ निज्येवो ॥ २८ ॥  
 अहम् अजस्यप्यं समर्ण्यं ॥

अ ए मति । उक्कजिह्वो नमस्स एवं कल्ल बह्वे । तेन कल्लेन तेन समर्ण्यं  
 रोहीडए-मर्ण्यं नवरे होत्वा रिड पुण(वी)विज-विणए तज्याने वैसमबर्ण्य(वी)ते  
 रवा विवि वेवी पुण-नवी इमारो लुवरणा, तत्त न रोहीडए नवरे इते कर्म्म माहा-  
 वई परिकसइ अह्व कल्लविटी भासिया तत्त न इत्तस धूया क(व)व्हाविटीए  
 अजवा वैववता-गार्म वारिया होत्वा अहीन( ) जाय सविड्ड पविड्डसरीए तेन  
 कल्लेन तेन समर्ण्यं तामी समीस-ई जाय पसिवा तेन कल्लेन तेन समर्ण्यं वैड्डे  
 अतिवावी कल्लकमम-तहेव जाय राक्कम-मयोगाहे हरवी भासि पुरिसे  
 पाठए, तेसि पुरिमार्य मज्जमर्ण्यं पाठए एवं इत्थिर्न जय-व्हेव-मर्ण्यं पविज्यतक-  
 म-मार्ण्यं जाय सुहे मिज्यमार्ण्यं पाठए, [१] इमे व-व्हाविणए-तहेव निगए जाय  
 एवं वर्राटी-एता न मति । इत्थिना पुण्यगवे क अत्ती । एवं कल्ल गोकमा । तेन  
 कल्लेन तेन समर्ण्यं इहिव वंजुटी(व)वै वीवे मारहे वासि इपट्टे गार्म नवरे होत्वा  
 रिड म(ह)वसि-वै रवा तत्त न माहाविस्स ए-ओ वा-रिणीयामोव(व)वार्न  
 वैवीसहस्स ओरोहे वासि होत्वा तत्त न माहासेवस्स एओ पुणे वा-रिणीए  
 वैवीए अतए टीहरीवे गार्म इमारो होत्वा अहीन लुवरणा तए न तत्त  
 टीहरीवस्स इमारस्स अम्मापिबरी अ-जवा कवा-इ पव पाठाव्वविणवस्सवार्न

सेहि न र(न)त्रिणहि य हरियगगेहि य मोहि न न लिणहि य मज्जि(मि-)हि य छ  
 न ६ आसाएमाणे० विहरइ, तए णं (सं) त्रि-रीए महाणणि एवन्ने० सुह  
 पावकम्भं समज्जिगता तेषीसं नामसगाट परमाटय पालटणा नात्मासे मानं रिवा  
 छट्टीए पुट्टीए उवय(ओ)पे । तए ण सा मगुद्धता भागिया तिद याणि होत्या जावा  
 दारगा पिणि-दायमाचम्भा ज(हा)इ गंगदगाए गिता आपुनत्ता ओ-नादय मोहता  
 जाव दारग पयाया जाव जम्हा ण अम्हं इमे तारए सोरियम्भ जत्ताए ओ-ना-  
 इयल्ले तन्हा ण होउ अम्ह दारए मोरियदत्ते नामेणं, तए णं से मोरियदत्ते दारए  
 पंचथा(इ)इ जाव उम्मुगपालभावे गि-नयपरिणयनिते जोय्ता० होत्या, तए ण से  
 समुद्धत्ते अ-नया कया(इ)इ सालभम्मुणा संजुणे, तए ण से मोरियदत्ते (दा०) वट्टहि  
 मित्त-नाइ० रोयमा० मगुद्धत्तस्स नीहरणं करेइ जेठ(स)गाट म(नाठ)महिच्छाई  
 करेइ, अ-नया नया-इ सयमे मच्छेधमहारगत उासंपज्जिताय विहरइ, तए ण  
 से मोरिय(ए)दत्ते दारए मच्छधं जाए अहम्मिण जाव दुष्पट्टियाणदे, तए णं तस्स  
 मोरियदत्तमच्छयस्स बह्वे पुरिगा दि सभउ० एगट्टियाहि जउ(ण)गामदान(दी)ई  
 ओगा हेति [२] वट्टहि दहगालणाहि य दहमलणेहि य दहमहणे(हि)हि न दहपह-  
 णे-हि य दहपवहणेहि य अयपुलेहि य पनपुलेहि य मच्छघटेहि य मच्छउन्नेहि  
 य जमाहि य ति(सि)मराहि य मि-मराहि य पित्तगहि य गि सराहि य हिं-रीहि  
 य लल्लिरीहि य सिं-लीहि य जालेहि य गलेहि य इउपासेहि य वययवेहि य वृत्त-  
 वधणेहि य वा लयधणेहि य बह्वे मण्हमच्छे य जाव पढागाएपजगे न निण्हंति (०)  
 एगट्टियाओ (नावा) भ(रं)रंति (०) इल गा(इ-हि)हंति (०) मच्छगलए करंति (०)  
 आयवसि दलयति, अ-जे य से बह्वे पुरिसा दि-जगदभत्तवेयणा आयवतता-  
 एहिं सो(ले)लेहि य त-लिएहि य भ जिएहि य रायमग्गसि वित्ति कप्पेमाणा विह-  
 रंति, अप्पणा-वि-य ण से मोरियदत्ते बह्विं सण्हमच्छेहि य जाव पडा० सोलेहि य  
 तलिएहि य भ जिएहि य मुरं च ६ आसा(य)एमाणे० विहरइ, तए ण तस्स  
 मोरियदत्तस्स मच्छघस्स अ-नया कया इ ते मच्छमोहे [य] त-लिए य भ जिए य  
 आहारेमाणस्स मच्छकटए गलए लग्गे या-वि होत्या, तए ण से मोरियदत्तमच्छधे  
 महयाए वेयणाए अभिभूए समाणे कोडुवियपुरिसे सदावेइ २ ता एव वयासी-गच्छह  
 ण तु-म्हे देवाणुप्पिया । मोरियपुरे नयरे सिं-घाटग जाव पहेसु [य] महया २ सहेण  
 उग्घोसेमाणा (०) एवं च-यह-एवं खलु देवाणुप्पिया । मोरियदत्तस्स मच्छकटए  
 ग(लए)ले लग्गे तं जो ण इच्छइ वे-जो वा ६ मोरियमच्छिउयस्स मच्छकट-य  
 गलाओ नी(नि)हरितए तस्स णं मोरिय० वि-उल अत्यसंपयाण दलयइ, त-ए ण

मई कृष्णारसात् करेह अमेगवर्धमयसर्गमिनि पासा ४ करेह २ ता म-  
 एम्मापतिनं पचपिण्ड, तए नं से को-हुंविनपुरिसा करवक जाव पडिमुयेति २ ता  
 उपरुत्तनरस्स वडिवा पच-पिमे विधीमिमाए एणं मई कृष्णारसात् जाव करेति  
 अमेगवर्धम पासा ४ जेनेव छीहसेने रावा तेनेव उवागच्छति २ ता उमा-  
 चपिनं पचपिण्डति तए नं से छीहसेने रावा अ-जया कयाए एण्णमार्य पंच-  
 रेवीसवानं एण्णार्य पंचमा-धवार्य आर्यतेह, तए नं तासि एण्ण(वा)नपंचरेवीसवानं  
 एण्णपंचमाधवार्य छीहसेने २-अ आर्यतिवार्य सम्यगार्य सन्नाहंकारमिमुठियाई  
 बहामिमेवं जेनेव उपरुत्ते नवरे जेनेव छीहसेने रावा तेनेव उवागच्छति तए नं  
 से छीहसेने रावा ए-गूयपंचरेवीसवानं ए-गूययाये पंच-इ मा(ई)उसवानं  
 कृष्णारसात् आवा(ई)से वचवड, तए नं से छीहसेने रावा को-हुंविनपुरिसे  
 सएवे २ ता एणं ववाटी-गच्छड नं तु-ज्जे वैवात्तुपिया । मिठन असनं तवपेह  
 उम-हुं पुण्णत्तावावमज्जकंकारं व कृष्णारसात् साहड [न], तए नं त को-हुंविन-  
 पुरिसा सहेव जाव साहरेति तए नं तासि एण्णमार्य पंच-इ रेवीसवानं एण्ण  
 पंचमा(ई)उसवार्य सन्नाहंकारमिमुठिया तं मिठनं असनं ४ छं व १ आवा-  
 एम्मा मंजमै-दि य गउए-दि य ववणीसमावा २ मिहरेति, तए नं से छीह-  
 सेने रावा अउरतत्ताउमनंति कहुं पुरिसेहिं सदिं संपरीवुडे जेनेव कृष्ण-  
 रसात् तेनेव उवागच्छड २ ता कृष्णारसात् दुवाएई पिहेह [२] कृष्ण-  
 रसात्तए सन्मयो सुवंता अवलिकनं वचवड, तए नं तासि एण्णमार्य पंच-  
 रेवीसवानं एण्णगण्य पंच-मा-इसवार्य छीह-वा आर्यतिवार्य समाचार्य रोसनाचार्य १  
 अवाचार्य नसरण्य कउवममुवा संहताई, तए नं से छीहसेने उवा एवज्जमे ४  
 उवुं पावकम्मं समज्जिता को-टीसं वाससवार्य परमाठनं पावउता अज्जमाये  
 कम्मं विवा उट्टिए पुडपीए जणेवेवं वावीससाकोव(मई ठि)मड्डिएएड [निरु-  
 पए] वचव के से नं तयो अवतरं सज्जिता जेव रोहीवए नवरे वतस्स सव-  
 वाइस्स क-वडि-पीए भारियाए कुंठिउति वारिजताए सवव-जे तए नं सा क-व  
 सिरी नववई मासालं जाव वारियं पवावा सु(उ)ग्माव उवर्न, तए नं सीसे  
 वारिवाए अम्मापिबरी मि(मि)ज्जत्तारसादिवाए मिठनं असनं ४ जाव मित नाइ  
 नामनेवं करेति "तं हो-उ ये वारिवा वैवदता गमेवं तए नं सा वैवदता [वारिवा]  
 पंचवारिपरि[ग]पडिवा जाव परिवड्ड, तए नं सा वैवदता वारिया कम्मवत्तामावा  
 जोमपेण व उमेव न अज्जमेण य जाव माई उडिउ सविमुसरीए जाव वामि  
 होएव तए नं सा वैवदता वारिया अ-ववा कया(ई)इ ग्याया सन्नाहंकारमिमुठिया

कारेति अच्युतम् ०, तए ण तस्स सीहसेग्गे दुमारे मामाणामोत्तागि पंच(ति)ह  
सामाणोत्ताग पंचण रायवरत्तगमयाण एगारिसे पाणि निग(ति)मि पंच  
सयओ दाओ, तए ण मे सीहसेगे दुमारे मामाणामोत्तागि पंच(ति)मयह  
देवीहि नदि उप्पि जाय विहरइ, तए ण मे मन्दाणे ने गता भन्त्या पया  
कालगम्मुणा संजुओ नीहरण राया जाण मदण ०, तए ण मे सीहसेगे रात  
सामाण देवीए मुच्छिण ४ आसेसाओ देवीओ नो आटाइ नो परिजाणइ अना  
दायमाणे अपरिजाणमाणे विहरइ, तए ण तामि ग्गुणमाणे पंचण देवीगमां  
एगुण्ड पंच(धा-ड)नाइसगाइ इमीसे कहाए लद्धा गमाणाइ एव तु मानी  
सीहसेगे राया सामाण देवीए मुच्छिण ४ अम्ह धूआओ नो आटाइ नो परिजाण  
अनादायमाणे अपरिजाणमाणे विहरइ, त सेव गतु अम्ह गा(गा)म ते नि जग्गि-  
पओणेण वा विसप्पओणेण वा नत्थप्पओणेण वा जीवियाओ वनोतिताए, एवं सपे-  
एन्ति [०] सामाण देवीए अतराणि य छिदाणि य वि[वग]रुणाणि य पडिजाण  
माणीओ (०) विहरंति, तए ण सा मामा देवी इमीसे कहाए लद्धा गमाणी एवं  
पयासी-एव १० म-म पंचण्ड गवसीसयाण पंच माइसयाइ इमीसे कहाए लद्धा  
समाणाइ अ-मम-म एव वयासी-एव गल्लु सीहसेगे जाव पडिजाणरमाणीओ  
विहरंति, त न नजइ ण म-म केग-इ कुमरेणेण मारिस्संतिस्सिद्धु नीया जाव  
जेणेव कोवधरे तेणेव ट्यागच्छइ ० ता ओहय जाव क्षियाइ, तए ण से सीहसेगे  
राया इमीसे कहाए लद्धे गमाणे जेणेव कोवध-एण जेणेव मामा देवी तेणेव उवा-  
गच्छइ ० ता माम देवि ओह० जाव पासइ ० ता एवं वयासी-कि ण तुम देवाण-  
प्पि-ए ! ओह० जाव क्षियासि ?, तए ण सा मामा देवी सीहसेगे-ग रणा एवं  
वुत्ता समा-णी उप्फेण(ओ)उप्फे(णी)णिय सीहसेगे राय एव वयासी-एव  
खल्लु सामी ! म-म ए-गुणपंचसवतीमयाण ए-गुणपंच(धा)माइसयाण इमीसे कहाए  
लद्धाण समाणा० अन्नमजे सहावेति २ ता एव वयासी-एव गल्लु सीहसेगे राया  
सामाण देवीए उवरि मुच्छिण ४ अम्ह(हा ण)ह धू(आ)याओ नो आटाइ जाव  
अतराणि य छिदाणि० पडिजाणरमाणीओ विहरंति त न नजइ० भीयां जाव  
क्षियामि, तए ण से सीहसेगे राया सा-म देवि एव वयासी-मा ण तुम देवाण-  
प्पि ए ! ओह० जाव क्षिया(इसि)हि, अहं ण त(ह)हा ज(घ)त्तिहामि जहा ण तव  
नत्थि कतो-वि सरीरस्स आ(घा)वाहे (वा) पन्वाहे वा भविस्सइत्तिकट्ठु ताहिं  
इत्ताहिं ६ समासासेइ, [२] तओ पडि-निक्खमइ २ ता कोडुवियपुरिसे सहावेइ २ ता  
एव वयासी-गच्छह ण तुम्हे देवाणुप्पिया ! सुपइट्ठस्स नयरस्स वहिया एव

विवस्माए कटियाणीए कुण्डिति गम्मे तं पि य दाहिणमाहण्डुं पुरसंनिवसेति  
 उत ओ देवा चार्त्तवरायणपुताए कुण्डिति गम्मे साहरह ॥ ९८९ ॥ समये  
 मय्यं महावीरे दिव्वाभोगए वाणि होत्वा साहमेजिस्सामिति वाणह, सवरेज-  
 मयो ॥ वाणह साहरिणमिति वाणह समवाउत्ते । ॥ ९९ ॥ तेनं क्खेनें तेनं  
 समएणं विवस्माए कटियाणीए अह अन्धया क्खह वण्हं माप्पानं बहुपडिपुण्णारं  
 अहण्डुमयं राहिणियं भीतिहंतानं के से गिम्हायं पण्णे मासे देवे पक्खे विवस्महे  
 तस्सनें विवस्महस्स तरसीपक्खेनं हत्तुत्ताहं बोणमुवायएणं समनं मय्यं महावीरे  
 आरोमारेणं पत्ता ॥ ९९१ ॥ अं अं राहं विवस्मा कटियाणी समनं मय्यं महावीरे  
 आरोमारेणं पत्ता तं अं राहं अक्खवरायणमंतरबोहसिबमिमाजवासिदेवेहिं न देवी-  
 हिं न उक्खविहिं न उप्पनंतहिं न एमे माहं विव्हे देवुज्जोए देवस्सम्भिते देवस्सहहहे  
 उप्पिबक्काभूए वाणि होत्वा ॥ ९९२ ॥ के अं रवणि विवस्मा कटियाणी समनं  
 मय्यं महावीरे आरोमारेणं पत्ता तं अं रवणि वड्ढे देवा न देवीओ न एणं माहं  
 अमक्कासं न पंक्कासं न पुण्णवासं न पुण्णवासं न हिरक्कासं न रक्कवासं  
 न वासिह ॥ ९९३ ॥ अं अं रवणि विवस्मा कटियाणी समनं मय्यं महावीरे  
 आरोमारेणं पत्ता तं अं रवणि अक्खवरायणमंतरबोहसिबमिमाजवासिदेवा न  
 देवीओ न सममस्स अगवज्जो महावीरस्स सुखम्मयं विवस्मपमिसेयं न करिह  
 ॥ ९९४ ॥ अक्खे अं पमिह मय्यं महावीरे विवस्माए कटियाणीए कुण्डिति गम्मे  
 जाणए ततो अं पमिह तं कुण्डे विपुल्लेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं वज्जेणं धम्मिण्णेणं  
 मोटिएणं संखसिकप्पवाकेणं अहं १ परिबद्ध, ततो अं सममस्स मयवज्जो महावीरस्स  
 अम्मापिकरो एक्कमहं जाविस्स विवस्मपसाहंति पोहंतंति कुणिमूवंति विपुलं  
 अस्सपप्पक्कत्तमसाहं अक्खवज्जोहंति उक्खवज्जोहंति मित्ताविस्सवज्जोहंति विवज्जो  
 उक्खमिमेवेंति उक्खमिमेवेंति वड्ढे समममाहण्डुमिक्खवज्जोहंति मिहं उक्खवज्जोहंति  
 विवज्जोहंति विव्मोहेंति विस्समिहंति वातारेह अं वाणं पज्जमाहंति विवज्जोहंति विव्मो  
 मित्ता विस्समित्ता वातारेह अं वाणं पज्जमाहंति मित्ताविस्सवज्जोहंति विवज्जो  
 मुंवावेहंति मित्ताविस्सवज्जोहंति विवज्जोहंति इमेपाहंति वाणवेहंति वातारेहंति वड्ढे अं पमिह  
 इमे कुमारे विवस्माए कटियाणीए कुण्डिति गम्मे जाणए, ततो अं पमिह इमं कुण्डं  
 विवज्जोहंति हिरण्णेणं सुवण्णेणं वज्जेणं धम्मिण्णेणं मोटिएणं संखसिकप्पवाकेणं  
 अहं २ परिबद्ध तं होह अं कुमारे "वड्ढामये" ॥ ९९५ ॥ ततो अं सममे अगव  
 महावीरे पंक्कासिपसिउणि तं वड्ढा-वीरवाहं एमक्खवाहं एमक्खवाहं एमक्खवाहं  
 वाहं एमक्खवाहं अं वड्ढा अं वड्ढा साहमेज्जमायि रम्मे धम्मिणेहिमदके गिरिहं वरस-

वहहि खुज्जाहि जाव परिक्खित्ता उरिपि आगासतलगसि कणगतिंदु(सए)सेण कीलमाणी  
 विहरइ, इम च ण वेसमणदत्ते राया ण्हाए सन्वालकारविभूसिए आस दु-रुहिता  
 वहहिं पुरिसेहिं सद्धिं सपरिवुडे आसवा[हि]इ(णी)णियाए निजायमाणे दत्तस्स  
 गाहावइस्स गिहस्स अदूरसामतेण वी(वि)इवयइ, तए ण से वेसमणे राया जाव  
 वी(वि)इइवयमाणे देवदत्त दारियं उरिपि आगासतलगसि कणगतिंदूत्ते(ण य)ण कील-  
 मा-णिं पासइ, देवदत्ताए दारियाए जो-व्वणेण य रुवेण य लावणेण य जाव  
 विम्हिए कोहुवियपुरिसे सहावेइ २ ता एव वयासी-कस्म ण देवाणुप्पिया । एसा  
 दारिया किं वा नामधेज्जेण ? तए ण ते कोहुवियपुरिसा वेत्तमणराय करयल० एव  
 वयासी-एस ण सामी ! दत्तस्स सत्थवाहस्स धू-या कण्हसि(रि)रीए भारियाए  
 अत्तया देवदत्ता नाम दारिया जो-व्वणेण य रुवेण य लावणेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठ-  
 सरीरा, तए ण से वेसमणे राया आमवा-हणियाओ पडि-नियत्ते समाणे अन्भितर-  
 (ट्ठा)ठाणिज्जे पुरिसे सहावेइ २ [ता] एवं वयासी-गच्छह ण तुम्हे देवाणुप्पिया ।  
 दत्तस्स धूय कण्हसिरीए भारियाए अत्तय देवदत्त दारियं पूस(ण(दि)द)नदिस्स  
 जुवर-ओ भारियत्ताए वरेह, जइ वि सा सयरज्जसुक्का, तए ण ते अन्भितर-ठाणिज्जा  
 पुरिसा वेसमणेणं रत्ता एव वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा करयल जाव पडिमुण्णेति २ ता  
 ण्हाया सुद्धप्पावेसाइ सपरिवुडा जेणेव दत्तस्स-गिहे तेणेव उवागच्छित्था, तए  
 ण से द-त्ते सत्थवाहे ते पुरिसे एज्जमाणे पासइ २ [ता] हट्ठतुट्ठ० आसणाओ अब्भुट्ठेइ  
 २ [ता] सत्तट्ठ पयाइ पच्चुग्गए आसणेण उवनिमतेइ २ ता ते पुरिसे आसत्थे  
 वीसत्थे सुहासणवरगए एव वयासी-सदिसतु ण देवाणुप्पिया । किं आगमणप्प-  
 ओयण ? तए ण ते रायपुरिसा द-त्त सत्थवाह एव वयासी-अम्हे ण देवाणुप्पिया ।  
 तव धूय कण्हसिरीए अत्तय देवदत्त दारियं पूस-नदिस्स जुवर-ओ भारियत्ताए वर्रेमो,  
 त जइ णं जाणासि देवाणुप्पिया । जुत्त वा पत्त वा सलाहणिज्ज वा सरिसो वा  
 संजोगो दिज्जत ण देवदत्ता भारिया पूस-नदिस्स जुवर-ओ, भण देवाणुप्पिया । किं  
 दलयामो सुक्क ? तए ण से दत्ते ते अन्भितर-ठाणिज्जे पुरिसे एव वयासी-ए(व)-  
 य चेव ण देवाणुप्पिया । म-म सुक्क ज णं वेसम(णदत्ते)णे राया म म दारिया-निमित्तेण  
 अणु गिण्हइ, ते ठा(णे)णिज्जपुरिसे वि-उलेण पुप्फवत्थगधमल्लालकारेणं सक्कारेइ०  
 पडिविसज्जेइ, तए ण ते ठाणिज्जपुरिसा जेणेव वेसमणे राया तेणेव उवागच्छति २ ता  
 वेसमणस्स र-ओ एयमट्ठ निवेदेति, तए ण से दत्ते गाहावइ अ-ज्जया कया(वि)इ  
 सोमणसि तिहिकरणदिवस-नक्खत्तामुहुत्तंसि वि-उल असण ४ उवक्खडावेइ २ ता  
 मित्त-नाइ० आमतेइ ण्हाए सुहासणवरगए तेण मित्त० सद्धिं संपरिवुडे त विउलं





जागरमाणी विहरइ, तए णं सा सिरी देवी अ-अया कया इ मज्जाइया विरहियसय-  
णिज्जसि सुहपसुत्ता जाया यावि होत्था, इम च ण देवदत्ता देवी जेणेव सिरी-देवी  
तेणेव उवागच्छइ २ ता (सिरीदेवी) मज्जाइय विरहियमयणिज्जसि सुहपसुत्ता  
पासइ २ ता दिसालोय करेइ २ ता जेणेव भत्तधरे तेणेव उवागच्छइ २ ता लोहदंडं  
परामुसइ २ ता लोहदंड तावेइ [२] तत्त समजोइभूय फुल्लकिंमुयत्तमाण सटासएणं  
गहाय जेणेव सिरी देवी तेणेव उवागच्छइ २ ता सिरीए देवीए अ-वाणंसि पक्खि-  
(वे)वइ, तए ण सा सिरी-देवी महया २ सहेण आरसिता कालधम्मणा सज्जता,  
तए ण तीसे सिरीए देवीए दासचेडीओ आरसियस(इं)दे सोया निसम्म जेणेव सिरी  
देवी तेणेव उवागच्छति [२] देवदत्तं दे-विं तओ अवक्कममाणि पासति २ ता जेणेव  
सिरी देवी तेणेव उवागच्छति [२] सि-रिं दे-विं निप्पाण नि(च्चि)चेट्ठ जी(व)विय-  
विप्पजड पासति २ ता हा हा अहो अकज्जमितिकट्टु रोयमाणीओ कदमाणीओ  
विलवमाणीओ जेणेव पूस(-दि)नवी राया तेणेव उवागच्छति २ ता पूसनं(दी)दिं  
राय एव वयासी-एवं खलु सामी ! सिरी-देवी देवदत्ताए देवीए अकाळे चैव  
जीवियाओ ववरोविया, तए ण से पूस-नवी राया तासिं दासचेडीण अतिए एयमट्ठं  
सोच्चा निसम्म महया माइसोएण अप्फु-अे समाणे परसु-नियत्ते-विव चपगवरपायवे  
धस-त्ति धरणीयलसि सव्वगेहिं सनि वडिइ, तए ण से पूस-नवी राया मुहुत्ततरे(ण)ण  
आसत्थे वीसत्थे समाणे बह्महिं राईसर जाव सत्थवाहेहिं मित्त जाव परियणेण (य)  
सद्धिं रोयमाणे ३ सिरीए, देवीए महया इट्ठीए नीहरण करेइ २ ता आसुरत्ते०  
देवदत्त देविं पुरिसेहिं गिण्हावे० ते(एए)णं विहाणेणं वज्ज आणवेइ, त एव खलु  
गोयमा ! देवदत्ता देवी पुरापुराणाण विहरइ । देवदत्ता ण भते ! देवी इओ  
कालमासे काल किच्चा कहिं ग(च्छि)मिहि० कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! असीइ  
वासाइ परमाउय पालइत्ता कालमासे काल किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए  
नेरइयत्ताए उववजा संसारो वणस्सइ , तओ अणतर उव्वट्ठित्ता गगपुरे नयरे  
हंसत्ताए पष्वायाहिइ, से ण तत्थ साउणिएहिं व-हिइ समाणे तत्थेव गगपुरे नयरे  
सेट्ठिकु० बोहिं सोहम्मे महाविदेहे वासे सिज्झाहि० ॥ णिक्खेवो॥ २९ ॥  
नवमं अज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं मंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं दसमस्स उक्खे-वो एव खलु जबू ।  
तेणं कालेण तेण समएण वद्धमाणपुरे ना-म नयरे होत्था, विजयवद्धमाणे उज्जाणे,  
विजयमिते राया, तत्थ ण धणदेवे नाम सत्थवाहे होत्था अट्ठे०, पियं(गु)गू ना मं  
भारिया, अजू दारिया जाव सरीरा, समोसरणं परिसा जाव पडिगया, तेण कालेण

असर्वं च भासापमा निहरत्त निमिषमुत्तुतपण आनते १ तं मित-नाहमियव-  
मिडल्यवपुण्ड बाव अलंघरेण सदादेह देवदत्तं दारिर्वा न्नायं सव्यालंघरमिन्-  
सिक्करीरे पुरिषसहस्सवाणिनीनं सीरं दु-अदेह १ ता सुवर्णमिषा बाव सद्धिं संपरिबुद्धे  
स(व्या)मिषाणीए बाव गहवरवेण रोही(री)द्व-नं नवरं मज्झिमज्झीनं वेणेव वैसम-  
र-को गिहे केनेव विद्यम(णे)ने राया तेनेव उवागच्छ १ ता अरवक बाव वडा-  
वेह १ ता वैसममस्स रको देवदत्तं दारिर्वा उववेह, तए नं से वैसम-ने राया देवदत्तं  
दारिर्वा उव(मि)नीरं पाछ १ [ता] सुवर्णमिषा मिडलं असर्वं च उवन्नाडावेह १ ता  
मित-नाह आमेवेह बाव सदादेह पूस-नंमिडुमारं देवदत्तं च दारिर्वा पडुवं  
दु-अदेह १ ता से(सि)वापीएहिं कच्छेहिं मज्जावेह १ ता वर-नेव-न्नाहं करेह १ ता  
अमिष्योमे करेह [१] पूस-नं(री)मिडुमारं देवदत्ताए दारिवाए पामि पिण्डावेह,  
तए नं से वैसम-ने राया पूस-नंमिडुमारस्स देवदत्तं दारिर्वा स-मिषाणीए बाव रवेणं  
महप्प-इण्डिसक्करसमुदएणं पाणिमहणं करेह [१] देवदत्ताए दारिवाए अम्मा-  
पिकरो मित बाव परिवचं च मिडके-नं असर्वं वरकापमज्झांलंघरेण च  
सदादेह संमावेह बाव पडिमिस्सवेह, तए नं से पूस-नंरी-दुमारं देवदत्ताए सद्धिं  
अपि पाप्पाम पु(ई)स्सामेहिं सुवर्णमिषा(वि)वपुहिं वती उवगिज्जमाने बाव निह-  
रह, तए नं से वैसमने राया अ-वया कया(ई)ह कच्छवन्मुवा संतुते पीहरणे बाव  
राया बाए, तए नं से पूस-नंरी राया सिरीए देवीए या(व)वाम(वि-ने)तए वामि  
होत्वा, कच्छाअने केनेव सिरी देवी तेनेव उवागच्छ १ ता सिरीए देवीए पत्त  
वडवं करेह [१] उववागच्छहस्सपाणेहिं सेवेहिं अग्निपावेह अग्निहोराए मंसज्जाए  
उवज्जाए (वम्मज्जाए) रोमज्जाए वड-मिषाए संवाहवा(ह)ए संवाहावेह [१]  
सुवमिवा गंवअएणं उवज्जावेह [१] विहिं उवएहिं मज्जावेह तं-उविनोदएणं  
सीओदएणं पंओदएणं [१] मिडलं असर्वं च मोवावेह [१] सिरीए देवीए न्नाकए  
निमिषमुत्तुतपणमाए त-ए नं पच्छा न्नाह वा मुंअ वा वरान्तरं मा(म)मुत्तवार्द-  
भोपभोगार्दं मुंअमणे निहरत्त । त-ए नं तीसे देवदत्ताए देवीए अ-ववा कवाह  
पुम्परत्तावरत्ताअल्लमवन्ति दु-द्वंजवामहिं वागारामाणी-ए इमेवाकवे अ[व्य]म्यद्विषए  
५ उमुप्पवे-एवं कच्छ पूस-नंरी राया सिरीए देवीए माहमते बाव निहरत्त तं एएवं  
वक्कवेणं नो सवाएमि अहं पूस-नंमिषा र-वा सद्धिं उठअहं मुंअमानी निहरितए  
तं सेवं कच्छ मम सि(री)रिं दे-विं अग्निवपज्जेनेव वा सत्तव निध मंतप्पज्जेनेव वा  
भीविवाज्जे वस्तो(वि)मिताए १ ता पूस-नंमि[षा]रवा सद्धिं उठअहं भोपमोवाहं  
मुंअमानीए निहरितए, एवं सेवेहेह १ ता सिरीए देवीए अंतराणि च १ पडि-

अणंतरं उच्चटिता गच्छओभदे नयरे भयूरताए पनायाहिइ, से ण तत्त माडिण्हि  
 ष-हिए रामाणे तत्थेव गच्चओभदे नयरे सेट्टिकुत्ता पुताताए पनायाहिइ, से ण  
 तत्त उम्मुत्तवालभावे तत्तात्ताण धेराणं० पंत्तल वोहि युज्जितहिइ पच्चवा  
 सोहम्मे०, से ण ताओ देवलोगाओ आठक्काए० कहिं गच्छिहि० कहिं उन्नत्ति  
 हिइ? गोयमा । महाविदे-हे जहा पउमे जाव गिज्जितहिइ जाय अंतं काहिइ । एउ  
 रालु जवू । समणेण जाव संपत्तेणं दुहविवागाण दममस्स अज्जयगस्स अयमद्वे  
 प-अत्ते, सेवं भत्ते० ॥ ३० ॥ दमम अज्जयण नमत्त ॥ दुहविवागो  
 दससु अज्जयणेसु ॥ पढमो सुयक्खंधो समत्तो ॥

तेण कालेण तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणनि(ल)ए उज्जाणे सु(तो)हम्मे  
 समोस-हे जवू जाव पज्जुवासमाणे एव वयासी-जइ ण भत्ते । समणेण जाव सप  
 त्तेणं दुहविवागाण अयमद्वे प-अत्ते दुहविवागाण भत्ते । समणेण जाव सपत्तेणं के  
 अद्वे प-अत्ते?, तए ण से सु-हम्मे अणगारे जतुं अणगारं एउं वयासी-एव सल्ल  
 जंयू । समणेण जाव सपत्तेणं दुहविवागाण दस अज्जयणा प-अत्ता, त०-(गा०)  
 सुवाहू भद-नदी य सुजाए य सुवासवे । तदेव जिणदासे [य] धण(-त्ती)वई य  
 महच्चले ॥ १ ॥ भद-नदी महत्तादे वरदत्ते [तदेव य] । जइ ण भत्ते । समणेण  
 जाव सपत्तेणं दुहविवागाण दस अज्जयणा प-अत्ता पउमस्स ण भत्ते । अज्जय  
 गस्स दुहविवागाण जाव संपत्तेणं के अद्वे प-अत्ते?, तए ण से सुहम्मे अणगारे  
 जवु अणगारं एव वयासी-एवं रालु जवू । तेण कालेण तेणं समएणं ह(त्थी)त्थि-  
 सीसे-नाम नयरे होत्या रिद्ध०, त[त्थ]स्स ण हत्थिसीगस्स (नग(णय)रस्स)  
 बहिया उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए एत्थ ण पुप्फकरंदए नामं उज्जाणे होत्या सब्बो-  
 रय०, तत्थ ण हत्थिसीसे नयरे अदीणसत्तू-नाम राया होत्या महया०, तस्स ण  
 अदीणसत्तुस्स र-ओ धा-रिणीपामो० देवीसहस्स ओरोहे यावि होत्या, तए ण सा  
 धा-रिणी देवी अ-अया कयाइ तसि तारिसगत्ति वास(भवण)परंसि सीह सुमिणे  
 पासइ जहा मेहस्स जम्मण तहा भाणियव्वं जाव सुगहुकुमा० अल-भोगसम०  
 जाणति० पच्च-पासायवडिंसगसयाइ कार(करा)वेंति अब्भुगय० भवण एवं जहा  
 महावलस्स र-ओ नवरं पुप्फचूलापामोक्खानं पच्चण्ह रायवरकज्जयसयाण एगदि-  
 वसेणं पाणिं गिण्हावेंति, तहेव पंचसइओ [दाओ] जाव उप्पि पासायवरगए  
 फुट्ट[माणेहिं] जाव विहरइ, तेण कालेणं तेणं समएणं समणे भगव महावीरे समो-  
 सडे परिसा निग्गया अदीणसत्तू जहा को[कु]णि(ए)ओ निग्ग-ओ सुवाहू-वि जहा  
 जमाली तहा रहेणं निग्गए जाव धम्मो कहिओ रा(या)यपरिसा (पडि)गया, तए

तेन समर्प्य भंडे जाय अहमागो जाय निजबमिचस्त १-नो गिहस्त अछेगवमिवाए  
 अहुरसामेतेन वी(नि)इकवमाये पासइ एवं इतिनं छंछं मुकचं निम्मंसे निचिनिचिवा-  
 म्यं अतिथममायच्यं मीकसावग-निबलं कट्टाई कट्टावाई वी-सराई कूचमाये पासइ  
 मिता तहेव जाय एवं वयासी-सा नं मति । इतिवा पुण्यमये [के] का आ-पी ?  
 वागरनं-एवं कट्ट गोवमा । तेन काकेन तनं समर्प्य इहेव अंशुदीने वीने मारहे  
 बाले ईइपुरे नाने नवरे होत्वा छरव नं ईइबते एवा पुडवीसिरी ना-मं गमिवा  
 होत्वा वय्यमो एए नं सा पुड-वीसिरी गमिवा ईइपुरे नवरे बहने राईसर जाय  
 पमि[ई]वयो बहूई पुण्यप्यजोगेहि न जाय जागि-औगच्छ जउअई मासुस्तपाई  
 मोनामोपाई मुंजमा-वी मिहरइ, एए नं सा पुडवीसिरी गमिवा एवअम्य ४  
 छवहुं समजिमिच्छ पचवीसे वाससवाई परमाठवं पाळइता कळमासे काळं किवा  
 छट्टीए पुडवीए छळसेनं नेछवच्छाए उक्क-वा सा नं तमो अनंतरं उळइतिता  
 इहेव वय्यमायपुरे नवरे बबवेवस्तु सत्तावाहस्त पिबंशुमारिवाए कुळिमि वारिन-  
 चाए उक्कवा एए नं सा पिबंशुमारिवा नवचं माछापी-वारियं वयावा नानं  
 अं(व)-कुसिरी सेसं कहा देववत्ताए । एए नं से निजए एवा आछवाह कहा  
 विसमववते तहा अंशुं पासइ नवरं वय्यमो अछाए वरेइ अहा तंवडी जाय अंशुए  
 मारिवाए सखि छपि जाय मिहरइ, एए नं वीसे अंशुए देवीए अ-ववा कळ-इ  
 ओ-मिच्छे पाठअम्य जागि होत्वा एए नं [वि] निजए एवा ओळुंमिचपुरिसे छ-  
 वेइ १ एए एवं ववासी-गळअ नं देवत्तुपिया । वय्यमा(ने)नपुरे नवरे सिंवा-  
 छव जाय एवं व-वह-एवं कट्ट देवत्तुपिया । निजय अंशुए देवीए ओमिच्छे  
 पाठअम्य ओ नं इ वे-ओ वा १-जाय तमोवैति एए नं ते बहने वे-जा  
 १ इमं एवातनं छेवा नितमम केनैव निज(व)ए एवा तेवेव उवातअंति  
 छपतिवाहिं परिवामेमावा इच्छंति अंशुए देवीए ओमिच्छं ववसामिताए  
 नो संचारंति उवछामितए, एए नं ते बहने वे-जा न १ बाहे नो संचारंति  
 अंशु ओमिच्छं उवछामितए ताहे संता संता परितंता जामेव विंति पळ-  
 अम्य तामेव विंति पळियका एए नं सा अंशु-देवी ताए देवताए जमिमूवा  
 समा-वी छळ मुकवा निम्मंसा कट्टाई कट्टावाई वी-सराई निजअ, एवं कट्ट ओवमा ।  
 अंशु-देवी पुण्योपचानं जाय मिहरइ । अंशु नं मति । देवी इओ कळमासे काळं  
 किवा कळि गळिहि कळि उववमिहि १ गोवमा । अंशु नं देवी नलई वाछाई  
 परमाठवं पाळइता कळमासे काळं किवा इपीत एवयप्यमाए पुडवीए वेरअनछाए  
 वववमिहि, एवं संसारो कहा पळमे तहा नेवचं जाय ववस्तइ सा नं तमो

देवदुद्ध[भी]हीओ अतरा-वि य ण आ(का)गा(ससि)से अहो दाणमहो दाणं पु०  
 हत्थिणाउरे सिंघाढग जाव पहेसु बहुजणो अ-अम-अस्स एव आइक्खइ ४-ध-अ  
 णं देवाणुप्पि० । सुमुहे गाहाव० जाव त ध-अ ण देवाणुप्पिया ! सुमुहे गाहाव० ।  
 तए ण से सुमुहे गाहावई वहुइ वाससयाई आउय पाल[यि]इत्ता कालमासे काल  
 किच्चा इहेव हत्थिसीसे नयरे अदीणसत्तुस्स र-ज्जो धा-रिणीए देवीए कुच्छिसि  
 पुत्तत्ताए उववत्ते, तए ण सा धा-रिणी देवी सयणिज्जसि सुतजाग०  
 ओहीरमाणी २ तहेव सीह पासइ सेस त चेव जाव उप्पि पासा० विहरइ,  
 त ए[य]व खलु गोयमा । सुवाहुणा इमा एयाख्वा माणुस्सरिद्धी लद्धा पत्ता  
 अभिसम-आगया, पभू ण भत्ते । सुवाहुकुमारे देवाणुप्पियाण अतिए मुढे भविता  
 अ-गाराओ अणगारिय पव्वइत्तए ? हत्ता पभू, तए ण से भगव गोयमे समणं  
 भगव० वंदइ नमसइ व० २ त्ता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ, तए  
 ण से समणे भगव महावीरे अ-अया कयाइ हत्थिसीसाओ नयराओ पुप्फ[ग]क-  
 रंढयाओ उज्जाणाओ पडि-निक्खमइ २ त्ता वहिया जणवयविहारं विहरइ, तए ण  
 से सुवाहुकुमारे समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ ।  
 तए ण से सुवाहुकुमारे अ-अया कया(ई)इ चाउइसट्टमुद्धिपुण्णमासिणीसु जेणेव  
 पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसाल पमज्जइ २ त्ता उच्चारपासवणभूमिं  
 पडिले(ह)हेइ २ त्ता दब्भसथा(र)रग सथरइ २ त्ता दब्भसथारं दु-रुहइ २ त्ता  
 अट्टमभत्त पणिण्हइ २ त्ता पोसहसालाए पोसहिए अट्टमभ[त्त]त्तिए पोसह पडि-  
 जागरमाणे विहरइ, तए ण तस्म सुवाहुस्स कुमारस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि  
 धम्मजागरिय जागरमाणस्स इमेयाख्वे अ(ब्भ)ज्जत्थिए ५-ध-आ णं ते गामा-  
 गर-नगर जाव सनिवेसा जत्थ ण समणे भगव महावीरे जाव विहरइ, ध-आ ण  
 ते राईसरतलवर० जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुंटा जाव पव्व-  
 यंति, ध-आ णं ते राईसरतलवर० जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए  
 पचाणुव्वइय जाव गिहिधम्म पडिवज्जति, ध-आ ण ते राईसर जाव जे ण सम-  
 णस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म सुणेंति, त जइ ण समणे भगव महावीरे  
 पुव्व्याणुप्पि चरमाणे गामाणुगाम दूज्जमाणे इहमागच्छिज्जा जाव विहरिज्जा त-ए  
 णं अए समणस्स भगवओ अतिए मुढे भविता जाव पव्वएज्जा, तए ण समणे  
 भगव महावीरे सुवाहुस्स कुमारस्स इम एयाख्वं अज्जत्थिय जाव वियाणित्ता  
 पुच्चाणुप्पिय जाव दूज्जमाणे जेणेव हत्थिसीसे नयरे जेणेव पुप्फ[ग]करंढए उज्जाणे  
 तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अट्टापडिहए जग्गा गिण्हित्ता संजमेण तवसा अप्पाण

र्त्वं से सुबाहुकुमारो समनस्त भगवतो महावीरस्त अतिष् पन्मं सोबा निस्म  
 हस्तो उद्धाप् उद्धे वाव एवं वयासी-सहामि र्त्वं मति । निम्नं पात्रव बहा र्त्वं  
 देवानुपिमानं अतिष् बहवे राईसर वाव अर्त्वं र्त्वं देवानुपिमानं अतिष् र्त्वं (ब अ)-  
 बाहुकुमारं सप्तसिक्कावर्त्वं विद्विबन्मं पवि बहापुर्त्वं मा पविर्त्वं करोह, तप्  
 र्त्वं से सुबाहु समनस्त भगवतो महावीरस्त अतिष् पन्बाहुकुमारं सप्तसिक्कावर्त्वं  
 विद्विबन्मं पविबन्म १ त्वा तमेव कु-सुह [२] चाभेव तेर्त्वं कर्त्तव्यं तेर्त्वं स  
 सेते अंतेवासी ईश्वर्य वाव एवं वयासी-महो र्त्वं मति । सुबाहुकुमारो हते हस्तौ  
 र्त्वं कंते कंतेरुने पिप् विवस्मि मनु-जे १ मनाये १ सेमे समगे पिवईसवे हस्ते,  
 बाहुबस्त-नि र्त्वं र्त्वं मति । सुबाहुकुमारो हते हस्तौ ५ सोमे ४ बाहुबस्त-नि र्त्वं  
 र्त्वं मति । सुबाहुकुमारो हते हस्तौ ५ वाव हस्तौ सुबाहुवा मति । कुमारैर्त्वं इमा  
 एवास्मा उरमा मातुस्तरिही कि-वा क्वा कि-वा पत्त कि-वा कमिसम-वाप्या [१]  
 (को) के वा एव आ-वी पुष्पमवे एवं क्वा गोयमा । तेर्त्वं कर्त्तव्यं तेर्त्वं समएवं  
 इहेव अंतेवासी र्त्वं मति भारो वासे हस्तिनादरे नार्त्वं बवरे होत्वा रिह तत्त्वं र्त्वं  
 हस्तिनादरे बवरे ह्नुहे नार्त्वं याहन्वी परिकस्र अन्ते तेर्त्वं कर्त्तव्यं तेर्त्वं समएवं  
 बम्भकेसा-वर्त्वं वैर बाहसप-वा वाव पंचह् समनसपह् सप्त संपरिमुवा पुष्पा-  
 कुपुष्पि वरमाणा गामाकुगार्त्वं सुन्ममावा येमेव हस्तिनादरे नमरे येमेव हस्त-  
 वने उज्जमे तेमेव उवागपह् १ त्वा महापविकर्त्वं उरमा र्त्वं समिबहिता (बी)  
 संबमेव वक्ता अप्पाव भावेमाणा निहरमि तेर्त्वं कर्त्तव्यं तेर्त्वं समएवं बम्भके-  
 सावर्त्वं वैरार्त्वं अंतेवासी ह्नुवे नार्त्वं अनगारे उरके वाव केस्ते मासमासिर्त्वं कम-  
 मावे निहत्त, तप् र्त्वं से ह्नुवे अनगारे मासककमजपारवर्त्वं पवमाप् पोरेवीप्  
 सप्तमार्त्वं करोह बहा मोकमसायी तहेव बम्भकेसे बिरे बापुष्पह् वाव अनमार्त्वं  
 ह्नुहस्त पात्रावस्त मे(-ई)हे अनुपमिह्, तप् र्त्वं से ह्नु(ह)हे गात्रावर्त्वं ह्नु  
 अनगारे एवमार्त्वं पत्त १ त्वा ह्नुह्ते वासनावे अन्ते १ त्वा पाव[वी]मीवावे  
 पवोह् १ त्वा पात्रवावो ओमुह् १ त्वा एवसाविर्त्वं सप्तमार्त्वं करोह १ त्वा ह्नु  
 अनगारे सप्त-सर्त्वं अनुगपह् १ त्वा विवहत्ते वावाहि(ब)र्त्वं पवाहिर्त्वं करोह १ त्वा  
 र्त्वं र्त्वं वनेह् र्त्वं १ त्वा येमेव मजवरे तेमेव उवागपह् १ त्वा सवहत्तेर्त्वं  
 मिठकेर्त्वं असपपा पविष्म(मे)विस्वामीति ह्नु- , तप् र्त्वं त्स ह्नुहस्त  
 पात्रावस्त तेर्त्वं वक्तावेर्त्वं-विमिहेर्त्वं विवरनह्तेर्त्वं ह्नुवे अनगारे पविष्मामिप्  
 समार्त्वं संधारे वरिटीकप् मनुस्थावप् निवदे गेर्त्ति र्त्वं से इमा र्त्वं पंच-विष्मा र्त्वं  
 पात्रम्वार्त्वं र्त्वं-वावा हा ह्नु एववने ह्नुये विवाह् वेवनेवे क्वा वाहवावो

नयरे उसभंदत्ते गाहावई पुप्फदत्ते अणगारे पडिला० मणुस्साउए निबद्धे इह  
उप्प जे जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहि० ॥ तइयं अज्झयणं समत्तं ॥

चउत्थस्स उक्खे० विजयपुर नयरं (मणोरम) नदणवण उज्जाण वासवदत्ते  
राया कण्हा देवी सुवासवे कुमारे भद्दापामोक्खण पचस० जाव पुव्वभवो कोसवी  
नयरी धणपाळे राया वेसमणभेदे अणगारे पडिलाभिए इ(हं)ह जाव सि० ॥  
चोत्थं अज्झयणं समत्तं ॥

पंचमस्स उक्खे० सोगधिया नयरी नीलासोए उज्जाणे अप्पडिहओ राया  
सुकन्ना देवी महचदे कुमारे तस्स अरहदत्ता भारिया जिणदामो पुत्तो तित्थ(ग)य-  
रागमणं जिणदामपुव्वभवो म(ज्झि)ज्झमिया नयरी मेहरहो राया सु(ह)धम्मो  
अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥ पचमं अज्झयणं समत्तं ॥

छट्ठस्स उक्खे० कणगपुरं नयरं सेयासोय उज्जाण पियचदो राया सुभद्दा देवी  
वेसमणे कुमारे जुवराया सि-रिदेवीपामो० पचस० क० पाणिग्गहण तित्थ-यरागमण  
धणवई जुवरा(या)यपुत्ते जाव पुव्वभवो मणिवया नयरी मित्तो राया सम्भूति-  
अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥ छट्ठं अज्झयणं समत्तं ॥

सत्तमस्स उक्खे० महापुरं नयरे रत्तासोग उज्जाण घळे राया सुभद्दा देवी  
म(हा)हव्वळे कुमारे रत्तवईपामो० पचस० क० पाणिग्गहण तित्थ-यरागमण जाव  
पुव्वभवो मणिपुरं नयरं नागदत्ते गाहावई इदपुरे अणगारे पडिलाभिए जाव  
सि० ॥ सत्तमं अज्झयणं समत्तं ॥

अट्ठमस्स उक्खे० सुघोसं नयरं देवरमण उज्जाण अज्जु(ण)णो राया तत्तव-ई  
देवी भहनवी कुमारे सि-रिदेवीपामो० पचस० जाव पुव्वभवे महाघोसे नयरे  
धम्मघोसे गाहावई धम्मसीहे अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥ अट्ठमं अज्झ-  
यणं समत्तं ॥

नवमस्स उक्खे० चपा नयरी पुण्णभेदे उज्जाणे दत्ते राया द(र)त्तव-ई देवी  
महचदे कुमारे जुवराया सिरिकतापामो० पचस० क० जाव पुव्वभवो तिगिञ्छी  
नयरी जियस(त्तु)सू राया धम्मवीरिए अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥ नवम  
अज्झयणं समत्तं ॥

(जति ण) दसमस्स उक्खे-वो एव खलु जंबू । तेण कालेण तेणं समएणं  
सागेए नाम नयरे होत्था उत्तरकुडज्जाणे मित्त-नंखी राया सिरिकता देवी वर-  
द-त्ते कुमारे वरसेणापामो० पंच देवीसया तित्थ-यरागमण सावगधम्म' पुव्व-

मात्रेमाने निदर परिसा एवा निम्पवा । तप न तस्स एवाहु(य)स्स कुमार तं  
महय बहा पदमं तहा निम्पान्ने बम्मो कम्मो परिसा एवा पडिमवा तप न से  
एवाहुकुमारे समनस्स मगवन्ने महाधीरस्स अंतिपु बम्मं खेवा निमम्म इत्थं  
बहा मेहे तहा अम्मपिबरो व्यापुच्छइ निमम्मपामिसेमो तहेव वाव अचपादे  
वाए इ(हि)रिवासमिपु वाव नमवापी तप न ॥ एवाहु(हु)हु जन्मारे समनस्स  
मगवन्ने महाधीरस्स तहासमाने वेरुनं अंतिपु सामाहकमाह्वाइ एक्करस अंगाय  
अहिन्द २ ता बहूहि चउत्तउत्तुम ततो[व]निहावेहि अप्पानं भाविता बहूइ  
वासरं सामन्वपरिवापी पाठमिपु मासिवापु संकेहपापु अप्पानं इत्थिपा सद्धि  
मपाइ अचसपापु के(मि)इता वाओइवपकिंते समाहिपत्ते अम्मपासि कम्मं किवा  
सोहम्मे कम्मे वेरुतापु उववन्ने से न ता(उ)ओ देक्कोवाओ माउक्कएणं मव-  
क्कएणं डिक्कएणं अचंतरे चवं बहया मालुस्सं निम्माइ अ(मि)हिहि २ ता  
केसं योहिं बुद्धिहि २ ता तहासमाने वेरुनं अंतिपु मुंके वाव पम्पस्सइ, से  
न तरव बहूइ वासाइ धायणं चउत्तहिहि वाओइवपकिंते समाहि अक्क  
समकुमारे कम्मे वेरुतापु उववन्ने से न ताओ देक्को(वा)पाओ मालुस्सं कम्मवा  
नमकोए मालुस्सं ततो महाउओ ततो मालुस्सं वावए ॥ ततो मालुस्सं ततो  
आर(नए)वे देवे ततो मालुस्सं सम्पइयिसे, से न ततो अचंतरे[रे]र उव्वहिता  
महाविदेहे वासे वा[हि]न बहूइ बहा ववपन्ने तिग्गिहि [५], एणं  
क्क जंइ । समनेनं वाव संपत्तेणं उव्विवापाणं पडमस्स अज्जमवस्स जवमडे  
५ ॥ २१ ॥ पडमं अज्जपणं समसं ॥

शेष(विदिम)स्स (नं) जन्ने-नो एणं क्क जंइ । तेनं अक्केनं तेनं समएणं  
उसमपुरे नवरे वसकरं(व-ग)के उज्जाणे वभावहो एवा सरस्स(इ)दे देवी सुदिन  
वसंनं बहू(वा)नं अ(म)मं वासणं कम्म-ओ व ओ(हु)व्व(मि)नं पामिमहणं  
वाओ पसा ओणा न बहा एवाहु-स्स नवरं मएणं हुमारे धि-रीदेवीपा(हु)मो-  
कवाणे पंचस सावीसमोसरणं सावपवम्यं पुण्णमवपुच्छा महाविदेहे वासे  
पुंउपीकिपी नवपी विक्कए कुमारे सुपवाहु तिक्क(व)वरे पडिक्कमिपु म(पा)सु-  
स्साउए निक्के इइ कप्पन्ने सैसं बहा एवाहु-स्स वाव महाविदेहे वासे तिग्गि-  
हि ॥ विहयं अज्जपणं समसं ॥

तवस्स उक्के वीरपुरं वयरं मधोरमं उज्जाणं वीरकइयिसे एवा सिटी देवी  
समापु कुमारे वरुणिपीपाओ पंचसवक्क सावीसमोसरणं पुण्णमवपुच्छा इकुमारे



महावीरे विष्णुपयस्ये महापुण्ये संवत् ॥ ९९९ ॥ तस्मै नमः ।  
महावीरे विष्णुपयस्ये विविद्यतात्मनाये अमृतस्यै उरगस्यै  
पंचकक्षणाई कामभोगाई सहस्रसंसारसंसारबाई परिवारेण्ये नमः ॥  
॥ ९९७ ॥ समणे भगवं महावीरे कासबगोते तस्सं इमे विजि  
एवमाहिजंति, अम्मापिउसंति ए “कदमाणे,” सहसम्महए “समणे”  
उरालं अचेत्यं परिसहं सहइ ति कट्टु देवेहिं से नायं कवं “समणे नमः”  
॥ ९९८ ॥ समणस्स नं भगवओ महावीरस्स पिआ कासबगोतेणं तस्स जे  
णामवेजा एवमाहिजंति, तंजहा-सिद्धत्वे ति वा, सेज्जेतेति वा,  
॥ ९९९ ॥ समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मा वासिद्धसंगोत्त तीसेणं  
णामवेजा, एवमाहिजंति तंजहा-तिसला इ वा, विदेहदिग्जा इ वा,  
इ वा ॥ १००० ॥ समणस्स नं भगवओ महावीरस्स पितिवद् “डुत्तरे”  
गोतेणं, समणस्स नं भगवओ महावीरस्स जेट्ठे भाया नंदिक्खणे  
समणस्स नं भगवओ महावीरस्स जेट्ठे भइणी सुवंसणा कासबगोतेणं,  
नं भगवओ महावीरस्स भजा जसोया गोतेणं कोटिग्जा, समणस्स  
महावीरस्स धूया कासबगोतेणं, तीसेणं दो णाम वेजा, एवमाहिजंति,  
अणोजा इ वा, पियदंसणा इ वा, समणस्स नं भगवओ महावीरस्स  
कोसियगोतेणं तीसेणं दो णामवेजा, एव माहिजंति, तंजहा-सेसवाई इ वा, नमः  
इ वा ॥ १००१ ॥ समणस्स नं भगवओ महावीरस्स अम्मापिवरो  
समणोवासगा यावि होत्था, ते नं बहई वासाई समणोवासगपरिवारं पञ्चकक्षणाई  
छण्डं जीवनिक्खयाणं संरक्खणनिमित्तं आलोइता निदिता गरहिता पण्डितवत्ति  
अहारिहं उतरगुणपायच्छिता पण्डितजिता कुससंयारं दुरुहिता, भतं पञ्चकक्षणाई  
भतं पञ्चकक्षणाई अपच्छिमाए मारणंतियाए संकेहणाए सुखिसरीरा कासबगो  
कालं किंवा त सरीरं विप्पजहिता अणुए कप्पए देवताए उववन्ना, तमोयं नमः  
कक्षणं भवकक्षणं ठिक्कणं चुए चइता महाविदेहवासे चरिमेणं कसल्ले  
सिज्जिस्संति, दुज्जिस्संति, मुण्णिस्सति, परिणिन्नाइस्संति, सम्बुद्धाणमंति नमः  
स्संति ॥ १००२ ॥ तेणं काळेणं तेणं समणं समणे भगवं महावीरे पाय  
पायपुत्ते पायकुलजिज्जत्ते विदेहे विदेहदिग्जे विदेहजये विदेहसूमाळे तीसे  
वासाई विदेहंसिति कट्टु अगारमज्जे वसिता अम्मापिउहिं कालगएहिं देवलोमम  
पतेहिं समतपइजे विष्णा हिरणं, विष्णा सुवणं, विष्णा वलं, विष्णा वाहणं विष्णा  
अणपणकमयरयणसंतसारसावइजं, विच्छेइता, विगोविता, विस्ताविता, दावारेइ

म(रो)बुद्ध्यां सवदुषारे नन्दे विमलवाहने राजा बन्धुद(वि)र्षे वामे अक्षपां  
 एवमार्थं पाठ्य पवित्रमिष्टं धमा मनुस्तराणं निबन्धे एवं कल्प-के देवं ब्रह्मा  
 बुद्ध्या-स्थं कुम्भरस्थं विता वाच पञ्चजा कर्णतरिणो वाच सव्यदुष्टिदे तमो  
 महाविदेहे ब्रह्म ब्रह्मपश्यो वाच विज्याहि ५ । एवं यज्जु ब्रह्म । समन्तेन (मयवमा  
 महावीर्येन) वाच संपत्तेन दुर्हिवापात्रे वसमस्तं अज्जयवस्तं अज्जय ५-वत्ते  
 देवं नन्दे । ॥ ३९ ॥ वसमं अज्जयपथं समर्थं ॥ सुहृदि ० ॥ वीमो ध्रुव  
 कलीयो समन्तो ॥ विवत्तासुपं समर्थं ॥

विवत्तासुपस्तं रो अज्जयपथं बुद्धिवायो न दुर्हिवापात्रे न तत्तं बुद्धिवातो  
 वस अज्जयपथा ए(क)वत्तरया वसुधेन विवत्तेन उदितिवर्षे एवं दुर्हिवा-  
 (गो)मे-नि देवं ब्रह्मा वाचरस्तं ॥

॥ एकारसम अंगं समर्थं ॥

तत्समस्तीए

एकारस अंगाइ समत्ताइ

॥ सम्बन्धिसंगसंख्या ३५००० ॥











अन्मंगेता गंधकसाहर्णि उल्लेखेति उल्लेखिता,  
 जस्स णं मुत्तं सयसहस्सेणं तिपडोत्तित्तिणं साहिणं वीरुहं  
 अणुलिपति अणुलिपिता ईसिमिस्सत्तवातवोज्जं  
 अस्सलालापेत्तं केयायरियकणगसन्निवत्तकम्मं हंसकण्ठकम्मं, पडुत्तकम्मं-  
 मियंसावेत्ता हारं अट्टहारं उरत्तं नेवत्तं एगावत्तिं पालंजुत्तं  
 आविधावेति आविधावेत्ता गंत्तिमवेत्तिमपुरिमवपाप्मेनं मोत्तं  
 करेति २ दोषेपि महया वेत्तम्विक्कसमुत्ताएणं समोहणं, समोहणित्तं वत्तं  
 प्पमं सिक्खियं सहस्सवाहिणिं विउत्तवह

जुयलजंतजोगजुत्तं, अत्थीसहस्समाळिणीयं सुभिरुमियं  
 ईसिमिसमाणं मिम्मिसमाणं चक्कडुओयणत्तेसं,  
 पवरलंबूसगपलंबंतमुत्तदामं, हारदहारभूसणसमोज्जं अट्टिपिप्पत्तिजं  
 तिचित्तं, असोककुंदणाणालयमत्तिचित्तं विरइयं सुभं चालंजुत्तं  
 धंटापडायपरिमंडियग्गसिहरं पासावीयं वरिसणीयं सुत्तं ॥ १०११ ॥  
 जिणवरस्स जरमरणविप्पमुक्कस्स, ओसत्तमाळ्ळमा, जल्लवल्लविप्पमुक्कस्स  
 सिक्खियाइ मज्झयारे, दिव्वं वररयणस्सवत्तिचइयं, सीहासजं महहिं  
 वरस्स ॥ २ ॥ आलइयमाल्ळमउडो भासुरबोधी वरामरणवारी;  
 यत्थो, जस्स य मोत्तं सयसहस्सं ॥ ३ ॥ छट्ठेण उ भत्तेणं अज्झवत्तज्जेण  
 जिणो, केसाहिं विमुज्जंतो, आलइ उरत्तं वीर्यं ॥ ४ ॥ सीहासजे मिमिद्धो  
 साणा य दोहिं पासेहिं, वीर्यंति चामराहिं मणिरयणविचित्तदंढाहिं ॥ ५ ॥  
 उक्कित्ता माणुसेहिं साहठुरोमपुलएहिं, पच्छा व्हंति देवा,  
 ॥ ६ ॥ पुरओ सुरा व्हंती असुरा पुण दाहिणंमि पासंमि । अवरे व्हंति तत्तत्तं  
 गागा पुण उत्तरे पासे ॥ ७ ॥ वणसंढं व कुसुमियं, पडमसरो वा वहा  
 सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ८ ॥ सिद्धत्यवज व वहा, वत्तिपत्ति-  
 रवणं व चंपक्कं वा, सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ९ ॥  
 वरपडइमेरिज्जत्तरेसंत्तसयसहस्सिएहिं तुरेहिं । गगणतळे धरपितळे तुरमिप्पत्ति-  
 परमरम्मो ॥ १० ॥ तत्तवित्तं घण्णसिरं आउज्जं चउत्तिं बहुविहीयं, वार्यंति तत्तं  
 देवा, बहुहिं आणट्ठगएहिं ॥ ११ ॥ १०१२ ॥ तेणं क्खत्तेणं तेणं समएणं जे जे  
 हेमंताणं पडमे मासे पडमे पक्खे, मग्गसिरबहुत्ते, तत्तत्तं मग्गसिरबहुत्तस्स वत्त-  
 मीपक्खेणं, सुव्वएणं दिव्वेणं, विजएणं मुहुत्तेणं,  
 ओगोवगएणं

शार्धं दत्ता परिमादता संवच्छरं दत्ता ये छे हेयंतां पद्मे मासे पद्मे  
 पक्वे मग्गिरवहुके तस्सर्गं मग्गिरवहुकस्स दत्तापीपक्वेणं हत्तुत्तरेणं पक्व-  
 त्तेणं जोयमुवायएणं अमिन्निक्कम्मवामिप्पाए नाभि होत्वा ॥ १ ॥ १ ॥ संवच्छरेण  
 होत्ति अमिन्निक्कम्मर्णं ॥ विज्जवरिदार्णं तो अरिणं संपदार्णं पम्मात्तरेणं पुग्गसुत्तमो  
 ॥ १ ॥ ४ ॥ एवा विरज्जभोयी अट्टेय अण्णवा समसहस्ता सुतोदयमाईर्णं  
 रिज्जए वा पावरत्तोति ॥ १ ॥ ५ ॥ तिज्जेय य बोदिस्सवा अट्टापीई य होति  
 बोदीयो अट्टिई य तवसहस्ता एणं संवच्छरे रिज्जए ॥ १ ॥ ६ ॥ वैसमग्गुत्तक-  
 वरा वेवा खोर्गत्तिवा यद्विज्जिवा । बोत्तिस्सि य तित्थवरं, पम्मात्तरेणं कम्ममूत्ति  
 ॥ १ ॥ ७ ॥ वेमंस्सि य कप्पमि य बोद्धव्वा कम्मात्तरेणो मग्गे; बोयेत्तिवा मिमाणा  
 अट्टुत्तवा अर्धवेजा ॥ १ ॥ ८ ॥ एते वेवत्तिवाया भगवं बोत्तिस्सि विज्जवरं वीरे,  
 सम्मवयज्जेवत्तिनं अट्टं तित्थं पम्मात्तरेणं ॥ १ ॥ ९ ॥ उज्जो नं समवत्तस भगवज्जो  
 महावीरस्स अमिन्निक्कम्मवामिप्पाणं जायेता मक्कवत्तवाम्मत्तरबोद्धविज्जिमाय-  
 वात्तिनो वेवा न वेवीयो न सएणं सएणं स्सैणं, सएणं सएणं वेवत्तेणं, सएणं  
 सएणं विज्जेणं, सज्जिणीए, सम्मत्तरेणं, सम्मवत्तसुत्तएणं सवत्तं सवत्तं जालमि-  
 मान्तं दुब्बंति सवत्तं १ जालमिमान्तं दुब्बंतिता अहा वत्तएणं पोम्मात्तरेणं परं  
 सट्ठंति परिसत्तिता अहात्तुमात्तं पोम्मात्तरेणं परिवर्त्तंति परिवत्तएणं उज्जं सप्पमंति  
 कप्पत्ता ताए अज्जिण्णए सिन्हाए नवक्काए सुत्तिवाए विज्जाए वेवगाईए अहेनं उक्क-  
 ममाणा १ विरिएणं अर्धवेज्जए वीक्कसुत्तए वीत्तिक्कममाणा १ जेजेव वेज्जुपीये वीये  
 तेजेव उवायत्तंति उवायत्तिता जेजेव उत्तरवत्तिवत्तपुरसंमिसे तेजेव उवाय-  
 त्तिता तस्स उत्तरपुरत्तिवत्ते विज्जिमाए तेजेव उत्तिवेगेव उवत्तिमा ॥ १ ॥ १ ॥  
 उज्जो नं सवत्तं वेविदे वेवत्तवा सज्जिनं सज्जिनं जालमिमान्तं उवैति उवैता सज्जिनं १  
 जालमिमान्तो पयोत्तरत्ति पयोत्तरत्तिता एणंत्तमवत्तयेति एणंत्तमवत्तयेता महाक्क  
 वेवत्तिएणं समुत्तवाएणं समोदवत्ति महावा वेवत्तिएणं समुत्तवाएणं समोदवत्तिता एणं  
 माई जालामिक्कवत्तवत्तवत्तिवत्तिता उमं वावत्तवत्तं वेवत्तवत्तं विज्जवत्ति तस्सवत्तं  
 वेवत्तवत्तवत्त वज्जुमवत्तवेसमाए एणं माई सपावपीई वीहासवत्तं जालामिक्कवत्तवत्त-  
 वत्तिवत्तिता उमं वावत्तवत्तं वेवत्तवत्तं विज्जवत्तिता जेजेव समवे मग्गं महावीरे तेजेव  
 उवायत्तंति उवायत्तिता समवत्तं मग्गं महावीरे विज्जवत्तये वायात्तिनं पमात्तिनं  
 करेह, समवत्तं मग्गं महावीरे वत्ति अग्गवत्ति वत्तिता अग्गवत्तिता समवत्तं मग्गं महा-  
 वीरे ज्ञान जेजेव वेवत्तवत्तए तेजेव उवायत्तंति उवायत्तिता सज्जिनं १ पुरत्त-  
 म्मिहरे वीहासवे विज्जिवावेह विज्जिवावेता उवायत्तवत्तवत्तवत्तिता तेजेह अग्गवेति



वा मायुस्ता वा तेरिच्छिवा वा ते सन्ने उक्तान्ने कुरुन्ने  
 द्वि ए वहीनमानसे विविहजनयनयनयनयने सन्ने सन्ने सन्ने  
 ॥ १०१९ ॥ तत्रो नं समनस्त भगवतो महावीरस्य सन्ने  
 वारसबासा विह्वता, तेरसमस्त वसस्त परिवाए कुरुमानस्य वे  
 मासे चउत्थे पक्के वससाइछे, तस्तर्च वससाइछे  
 विवतेन विवएणं मुहुतेन हस्तुतराहि नयनतेन नोनोनतेन  
 वियताए पोरीषीए अमिकमानस्य नगरस्त वसिया नईए  
 कूछे, सामागस्त गाहावस्त कुरुच्छरंति देवावस्त केवस्त  
 दिवीभाए सामान्यस्त अदूरसामंते उदुदुवस्त नोनोदिकए आवावस्त  
 मानस्त छेत्तेमं अतेन अपानएणं उदुदुवस्त नोनोदिकए  
 सुदुदुज्जाणंतरीयाए वदुमानस्त निम्बाने, कसिने, पडिपुन्ने, नयनवस्त,  
 अर्चते, अणुतरे, केवलवरवावर्तसने समुप्यन्ने ॥ १०२० ॥ वे  
 जिने जाए, केवली सन्नेव्व सन्नेमाकदरिदी, सदेकमनुवावस्त  
 जाणइ, तंजहा-जागति गति ठिति वक्कं, उक्कावं भुतं पीवं  
 आवीकम्म एतोक्कं कसिं कसिं मनोमानसिं सन्नेव्वेए  
 आवाइ जाणमाने पासमाने एणं व वं विहरइ ॥ १०२१ ॥ जन्ने  
 भगवतो महावीरस्य निम्बाने कसिने जाव समुप्यन्ने, तन्ने दिवसे  
 मंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहि व देवीहि व उप्पवर्ततेहि व जाव  
 भूए यावि होत्वा ॥ १०२२ ॥ तत्रो नं समने भगवं महावीरे  
 अप्पणं व लोग व अभिसमिक्क पुब्बं देवानं धम्ममाइवकसि सन्ने  
 मणुस्ताण ॥ १०२३ ॥ तत्रो नं समने भगवं महावीरे उप्पज्जमानं ववर्तते  
 माइण समणानं निग्गंवायं पंच महम्मवाइं सभावणां कज्जीवमिक्कवाइं  
 भासइ, पुरुवेइ, तंजहा-पुठमिक्कए जाव तसकाए ॥ १०२४ ॥ वदंते ।  
 पक्कसामि, सव्वं पाणाइवायं से छुदं वा वावरं वा तवं वा वावरं वा  
 सयं पाणाइवायं करेजा ३ जावजीवाए सिन्धिं सिन्धिने मनसा वसता  
 तस्त भंते । पडिक्कामि निदामि गरिहामि अप्पणं नोदिरामि ॥ १०  
 तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०२५ ॥ तत्थिमा पडमा भावणाओ  
 इरियासमिणं से निग्गंवे, जो अणइरियासमिणं ति, केवली द्वा अणइरियासमिणं वे  
 निग्गये, पाणाइ ४ अभिहजेज वा, वतेज वा, परियावेज वा, केसेज वा, उद्वेज  
 वा, इरियासमिणं से निग्गंवे, जो अणइरियासमिणं ति पडमा भावणा ॥ १०२६ ॥

पाईनगामिणीए सायाए निद्याए पोरिणीए छठुं अतोर्न अपावएन एमसावप्मा-  
 बाए, अरप्पहाए सिमियाए सहस्सबाहिणीए सवेयमकुनसुराएपरिचाए सममिज्जानाए  
 १ कतारवतिवुंअपुरसंमिसेसस्स मज्जेमज्जेअं मिगमिज्जता केवेअ धावसंहे वज्जाए  
 तेवेअ सवायच्छह, वज्जापमिज्जता ईसिरवमिप्पमानं अज्जेअप्येअं भूमिभागेअं समिअं  
 २ अरप्पमं सिमिअं सहस्सबाहिनि ठमिह ठमिता समिअं २ अरप्पमाओ सिमियाओ  
 सहस्सबाहिणीओ पओवरह, पओवरिता समिअं २ पुरवामिमुहे सीहअये पिसीयेह,  
 जामरणाअंअरं ओमुअह, उज्जेअं मिसमये हेवे अज्जुआवपडिओ सममस्स मयमओ  
 महावीरस्स ईधअज्जवेअं पओअं आमरणाअंअरं पडिअज्जह, उज्जेअं अं समये मयमं  
 महावीरे बाहिनिअं बाहिअं वामेअं वामं पंचमुट्ठिअं ओयं करेह, उज्जेअं अं सजे रेमिरे  
 वेअपणा सममस्स मयमओ महावीरस्स अज्जुआवपडिए ववउमवेअं वाजेअं केसाई  
 पडिअज्जह, पडिअज्जता "अज्जुआवेअि मंते" ति अज्जु सीरोअसअरं साहरह, उज्जेअं अं  
 समये मयमं महावीरे बाहिनिअं बाहिअं वामेअं वामं पंचमुट्ठिअं ओयं करेता सिज्जाअं  
 मयेअरं करेह करेता "सअं ये अअरुअिअं पावअममं" ति अज्जु सअमअं  
 अरिअं पडिअज्जह, सामाअं अरिअं पडिअज्जिता वेअपरिअं मकुअपरिअं अ आमिअ-  
 अमिअममिअ मुहे ॥ १ १३ ॥ सिज्जाओ मकुअअवेओ हुरिअमिअओ अ सहअ-  
 येअ सिज्जायेअ सिज्जाओ काहे पडिअज्जह अरिअं ॥ १ ॥ पडिअज्जिअु अरिअं अरो-  
 मिअं सअपाअमममिअं; साहज्जु ओमपुअना सज्जे हेवा मिअमिअि २ ॥ १ १४ ॥  
 उज्जेअं अं सममस्स मयमओ महावीरस्स सामाअं आओअसमिअं अरिअं पडिअज्जस्स  
 मयमअज्जवाअे वामं वामे सअपुअये अज्जुअेअं सीयेअं शेअं अ सअुएअं सज्जेअं  
 पंचेअिवानं पज्जाअं मिअअमअज्जाअं मओअमममं धावाई आयेह ॥ १ १५ ॥ उज्जेअं अं  
 समये मयमं महावीरे पज्जाअे सममये मित्तयासिअज्जअंअंअंअंअं पडिमिसज्जेअं  
 पडिमिसज्जिता इअं एअअं अमिअाई अमिअिअह, "आरअवाअाई ओअठुअए अअ-  
 वेहे अे अेह सअसमया सअपुअज्जेअि तंअहअ-मिअ्या वा पालुससा वा तेमिअिअ्या  
 वा ते सज्जे अअअओ सअपुअज्जेअि सममये सममं सअिअसमिअि सअिअसमिअि अहिअ-  
 सहस्समिअि" ॥ १ १६ ॥ उज्जेअं अं समये मयमं महावीरे इमेअसं अमिअ्याई अमि-  
 पिअिता ओअठुअए अअवेहे सिअये सुअुअसेअे अमारवामं समअुअे ॥ १ १७ ॥  
 उज्जेअं अं समये मयमं महावीरे ओअठुअअवेहे अअुअरेअं आअएअं अअुअरेअं मिअ-  
 रेअं एअं अंअयेअं पममहेअं अंअरेअं तवेअं अंअयेअसंअं अंटीए, मोटीए, मुटीए,  
 सअिटीए, गुटीए, अयेअं अंअयेअं सुअरिअअमिअ्याअमुअिअमयेअं अप्याअं माअे-  
 माअे मिअह ॥ १ १८ ॥ एअं वा मिअुआअस्स अे अेह अअसमया सअपुअज्जेअि सिअ्या

वा माणुस्सा वा तेरिच्छिमा वा ते सभ्ये उक्तस्ये समुप्यजे  
 हिए बरीणमाणसे तिविहमणवक्ककाणुते सभ्ये तइह  
 ॥ १०१९ ॥ तओ ण समणस्स भगवओ महावीरस्स  
 बारसबासा विइक्कंता, तेरसमस्स बासस्स परिवाए  
 मासे चउत्थे पक्खे बइसाइसुहे, तस्सणं बइसाइसुहस्स  
 दिवसेणं विअएणं मुहुतेणं इत्थुतराहिं नक्खत्तेणं बोओमणतेणं  
 वियत्ताए पोरीसीए अंभिकगामस्स नगरस्स बहिवा बईह  
 कूळे, सामागस्स गाहावइस्स कटुकरणंति वेवावतस्स केवइस्स  
 दिसीमाए साल्लक्खस्स अबूरसामेते उज्जुवस्स गोबोहिक्काए  
 माणस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं उहुंवाणुजहोसिरस्स  
 कुब्बज्जाणंतरीयाए वट्टमाणस्स निब्बाने, कसिणे, पडिपुण्ये,  
 अणंते, अणुत्तरे, केवल्लवरणाणवंससे समुप्यजे ॥ १०२० ॥  
 जिने जाए, केवली सव्वण्णू सम्भवभावदिसी, सदेवममुमाउरस्स  
 जाणइ, तज्जहा-आगतिं गतिं ठितिं चक्कं, उक्कवायं भुतं पीयं  
 आवीक्कम्म रहोक्कम्म लवियं कहियं मणोमाणसियं सव्वत्थेए  
 आबाई जाणमाने पासमाणे एयं च णं विहरइ ॥ १०२१ ॥ जण्ये  
 भगवओ महावीरस्स निब्बाने कसिणे जाव समुप्यजे, तण्यं दिवसं  
 मंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहिं य देवीहिं य उव्ववत्तेहिं य जण्ये  
 भूए मावि होत्था ॥ १०२२ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे  
 अप्पाणं च लोगं च अमिसमिक्ख पुव्वं देवाणं धम्ममाइवज्जि  
 मणुस्साण ॥ १०२३ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे  
 माईण समणार्ण भिग्गंवाणं पंच महव्वयाई सभावणाई छज्जीवनिकमाई  
 भासइ, परुवेइ, तज्जहा-पुव्वविकाए जाव तसकाए ॥ १०२४ ॥ पक्कमं मंते !  
 पक्कस्सामि, सव्वं पाणाइवायं से सुहुमं वा वायरे वा तसं वा वावरं  
 सयं पाणाइवायं करेज्जा ३ जाक्कजीवाए तिविह तिविहोणं मणसा बवसा  
 तस्स मंते ! पडिक्कमामि निदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ १  
 तस्सिमाओ पच भावणाओ भवति ॥ १०२५ ॥ तत्थिमा पढमा  
 इरियासमिए से भिग्गये, णो अणइरियासमिए ति, केवली बूया  
 भिग्गये, पाणाई ४ अमिहणेज वा, बत्तेज वा, परियावेज वा, केसेज वा, उक्केज  
 वा, इरियासमिए से भिग्गये, णो अणइरियासमिए ति पढमा भावणा ॥ १०२६ ॥

अहावरा बोद्धा मावण्या मयं परिजानाह से विज्जिबे के न मने पावए सावज्ज  
 सकिरिए अण्णकदरे केवकदरे मेककदरे अविक्कमिए पाठसिए, परितामिए पाचाइवाइए,  
 मूजेवजइए सहप्पगारं मयं नो पचारेज्जा मयं परिजानाहि से विज्जिबे के न मने  
 अपावए ति बोद्धा मावण्या ॥ १ २८ ॥ अहावरा तथा मावणा ॥ वई वरि  
 ज्ञात्ता से विज्जिबे के न वई पाविना सावज्जा सकिरिना जाव मूजेवजइवा  
 सहप्पगारं वई नो उचारिज्जा के वई परिजानाह से विज्जिबे जाव वई अपाविज  
 ति तथा मावण्या ॥ १ २९ ॥ अहावरा अउत्था मावणा, आत्ता-  
 मंसमतमिक्खेवपासमिए से विज्जिबे के अवावावमंसमतमिक्खेवपासमिए विज्जिबे  
 केवली वृत्ता आत्तामंसमतमिक्खेवपासमिए विज्जिबे पात्ताईमूवाईजीवाई  
 सत्ताई अमिह्वेज वा जाव उव्वेज वा एम्हा आत्तामंसमतमिक्खेवपासमिए से  
 विज्जिबे के आत्तामंसमतमिक्खेवपासमिए ति अउत्था मावणा ॥ १ ३ ॥  
 अहावरा पंचमा मावणा आलोइयपायमोज्जमोई से विज्जिबे के अवालोइ-  
 यपायमोज्जमोई, केवली वृत्ता अवालोइयपायमोज्जमोई से विज्जिबे पात्ताई वा ४  
 अमिह्वेज वा जाव उव्वेज वा, एम्हा आलोइयपायमोज्जमोई से विज्जिबे के  
 अवालोइयपायमोज्जमोई ति पंचमा मावणा ॥ १ ३१ ॥ एतावता पढमे मह  
 ण्णए उम्मं अएण अउत्तिए पाप्पिए तीरिए विट्ठिए अण्डिए आत्ताए अत्ताहिए  
 वाहि अण्ड ॥ १ ३२ ॥ पढमे अंति ॥ महण्णए पात्ताइवावमो वेज्जमं ॥ १ ३३ ॥  
 अहावरा बोद्धा महण्णए पण्णसामि सण्णं सुसावत्तं अइरोपं से कोहा वा  
 कोहा वा मया वा हासा वा वैष सण्णं सुसं मातेज्जा, वैषवैणं सुसं मासावैज्जा  
 जण्णं पि सुसं मासंयं व समसुज्जवैज्जा विविहं विविहं मक्खता वावस्र कक्खता  
 उत्तु मंते पविज्जामि जाव मोत्तिरामि ॥ १ ३४ ॥ उरिउत्तमो पंच मावणा-  
 ओ मयंति ॥ १ ३५ ॥ तत्थिमा पढमा मावणा अणुवीइमाही से विज्जिबे  
 के अणुवीइमाही; केवली वृत्ता अणुवीइमाही से विज्जिबे समानजिज्ज मोसं  
 वयणाए, अणुवीइमाही से विज्जिबे के अणुवीइमाहि ति षडमा मावणा  
 ॥ १ ३६ ॥ अहावरा बोद्धा मावण्या, कोई परिजानाह से विज्जिबे के  
 कोइने सिवा केवली वृत्ता कोइपते कोइते समावरेज्जा मोसं वयणाए, कोई परि  
 ज्ञात्ता से विज्जिबे के वय कोइने सिवति बोद्धा मावणा ॥ १ ३७ ॥ अहावरा  
 तथा मावण्या, कोमं परिजानाह से विज्जिबे के न कोमवए सिक्ख केवली  
 वृत्ता कोमपते कोमी समावरेज्जा मोसं वयणाए, कोमं परिजानाह से विज्जिबे के  
 न कोमवए सिवति तथा मावणा ॥ १ ३८ ॥ अहावरा अउत्था मावणा,

वा माणुस्सा वा तेरिच्छिवा वा ते सज्जे उज्ज्वले उज्ज्वले

हिए जलीजमाणसे तिमिहमनकनकाकनगुते सज्जे उज्ज्वले

॥ १०१९ ॥ तजो नं समनस्स भगवओ महावीरस्स

बारसबासा निहंता, तेरसमस्स बासस्स परिवाए

मासे चउत्ये पक्खे बइसाहउडे, तत्तत्तं बइसाहउडस्स

दिक्खेणं विजएणं मुहुत्तेणं हत्थुत्तराहिं वक्खत्तेणं ओणोवणत्तेणं

मियाए पोखीए जंभिकणामस्स जगरस्स बहिका जईव

कूडे, सामागस्स गाहावइस्स कट्टुपरणंति केवकतस्स केवकत

विखीभाए सालम्भस्स अदूरसामंते उडुडुवस्स मोरोहिवाए

माणस्स छट्ठेणं मत्तेणं अपाणएणं उडुवाणुजहोसिरस्स

सुद्धज्जाणंतारियाए वट्टमाणस्स निम्बाने, कस्तिने, पडिपुज्जे, जण्णवइ

अणत्ते, अणुत्तरे, केवल्लवरणाणंदसने समुप्पज्जे ॥ १०२० ॥

जिणे जाए, केवली सम्भन्धू सम्भभाबइरिखी, सदेवमनुवाउरस्स

जाणइ, तंजहा-आगतिं गतिं ठितिं चक्कं, उक्कावं भुतं पीवं

आवीकम्म रहोकम्मं कवियं कहियं मयोमाणसिवं सम्भन्धेए

भावाई जाणमाने पासमाने एवं च नं मिहरइ ॥ १०२१ ॥ सज्जे

भगवओ महावीरस्स निम्बाने कस्तिने जाव समुप्पज्जे, तज्जे दिक्खं

मंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहिं च देवीहिं च उज्ज्वलंतेहिं च जण

भूए यावि होत्था ॥ १०२२ ॥ तजो नं समने भगवं महावीरे

अप्पाणं च लोग च अभिसमिक्ख पुर्यं देवानं धम्ममाइवकस्ति सज्जे

मणुस्साण ॥ १०२३ ॥ तजो नं समने भगवं महावीरे

माईण समणार्णं भिग्गंघार्णं पंच महव्वयाई सभाषणाई कज्जीवमिक्खवाई

भासइ, परुवेइ, तजहा-पुठमिकाए जाव तसकाए ॥ १०२४ ॥ बडं भंते !

पक्कसामि, सम्भं पाणाइवार्यं से सुहुमं वा वायरं वा तसं वा जवरं

सयं पाणाइवार्यं करेज्जा ३ जावजीवाए तिमिह तिमिहेणं मज्झा ववसा

तस्स भंते ! पडिक्कामाणि निंदामि गरिहामि अप्पाणं बोसिरामि ॥ १

तस्सिमाओ पंच भाषणाओ भवन्ति ॥ १०२५ ॥ तत्थिमा पडमा

इरियासमिए से भिग्गंघे, जो अणइरियासमिए ति, केवली बूवा अणइरियासमिए

भिग्गये, पाणाई ४ अभिहजेज वा, वत्तेज वा, परियावेज वा, केसेज वा, उइवेज

वा, इरियासमिए से भिग्गंघे, जो अणइरियासमिए ति पडमा भाषणा ॥ १०२७ ॥

महावर बोधा मावणा मर्ग परिवाणा से विर्मये के न मने पनए सलज  
सकिरिए अण्डकुरे केवकुरे मेककुरे अकिरिए पाठसिए, परिठानिए पावडवाइए,  
मूमेववाइए एहप्पगारं मर्ग जो पयारेज्ज मर्ग परिवाणाति से विर्मये के न मने  
अपावए ति बोधा मावणा ॥ १ २८ ॥ महावर तथा मावणा ॥ वई परि-  
वाणा से विर्मये का न वई पाविवा सावणा सकिरिया वाव मूमेववाइवा  
एहप्पगारं वई जो उचारिजा के वई परिवाणा से विर्मये काव वई अपाविज  
ति तथा मावणा ॥ १ २९ ॥ महावर अठत्था भावणा जावात्त-  
मंडमतविक्खेववासमिए से विर्मये जो अयायावमंडमतविक्खेवासमिए विर्मये  
केवली वृत्ता जावात्तमंडमतविक्खेववासमिए विर्मये पावाइमूवडवाइवा  
सगइं भमिइवेज वा चत्त उइवेज वा उम्हा जावात्तमंडमतविक्खेववासमिए से  
विर्मये जो जावात्तमंडमतविक्खेववासमिए ति अठत्था भावणा ॥ १ ३ ॥  
महावर पंचमा मावणा अज्जेइयपात्तमोक्खमोई से विर्मये जो अज्जेइ-  
यपात्तमोक्खमोई, केवली वृत्ता अज्जेइयपात्तमोक्खमोई से विर्मये पावडं वा ४  
अमिइवेज वा चत्त उइवेज वा उम्हा अज्जेइयपात्तमोक्खमोई से विर्मये जो  
अज्जेइयपात्तमोक्खमोई ति पंचमा मावणा ॥ १ ३१ ॥ एतत्तत्ता पडमे मह  
ज्जए उम्मं अएव पयसिए पाकिए छीरिए किट्टिए अचट्टिए अत्ताए काराट्टिए  
पावि मण्ड ॥ १ ३२ ॥ पडमे भंते ! मज्झए पावडवावायो वेज्जवं ॥ १ ३३ ॥  
महावर बोधा महाज्जवं पण्णवामि उम्मं सुचरणी वड्ढोसं से बोधा वा  
बोधा वा मवा वा इत्ता वा वेव एवं मुसं भासेजा वेवजेवं मुसं मासनेजा  
ज्जं पि मुसं भासं न समनुजयिजा तिस्सिं तिस्सिहेवं मक्खता वावसा अयसा  
उत्तं भंते पविइमामि वाव बोधिरामि ॥ १ ३४ ॥ तस्सिमाप्थे पंच मावणा-  
प्थे भवति ॥ १ ३५ ॥ तत्तिमा पडमा मावणा अनुवीइमाही ॥ विर्मये  
जो अनुवीइमाही; केवली वृत्ता अनुवीइमाही ॥ विर्मये समानजिज मोसं  
वचनाए, अनुवीइमाही से विर्मये जो अनुवीइमाति ति पडमा मावणा  
॥ १ ३६ ॥ महावर बोधा मावणा कोई परिवाणा से विर्मये जो  
बोहये शिया केवली वृत्ता बोहपते बोहपं समानदेजा मोसं वचनाए, कोई परि-  
वाणा से विर्मये नव बोहये शियति बोधा मावणा ॥ १ ३७ ॥ महावर  
तथा मावणा कीर्त परिवाणा से विर्मये जो न बोधवए शिया केवली  
वृत्ता स्तेमपते स्तेवी समानदेजा मोसं वचनाए, कीर्त परिवाणा से विर्मये जो  
न स्तेमवए शियति तथा मावणा ॥ १ ३८ ॥ महावर अठत्था भावणा,

वा माणुस्सा वा तेरिच्छिया वा ते सव्वे उक्कमणे कणुक्कणे  
 हिए अवीणमाणसे तिविहमणवयणकणुक्कणे तव्वे उक्क  
 ॥ १०१९ ॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स  
 बारसवासा विष्कंता, तेरसमस्स बासस्स परिवाए  
 मासे चउत्थे पक्खे वइसाहउक्खे, तस्सणं वइसाहउक्ख  
 दिवसेणं विजएणं मुहुत्तेणं इत्थुत्तराहिं नक्कत्तेणं ओमोवणत्तेणं  
 वियत्ताए पोरिसीए जंभिकगामस्स नगरस्स बहिसा नईए  
 कूळे, साम्मागस्स गाहावइस्स कटुकरणंसि वेमावत्तस्स वेदवत्त  
 दिसीमाए साल्लक्कत्तस्स अबूरसामंते उक्कुट्टवस्स  
 माणस्स छट्ठेणं मत्तेणं अपाणएणं उक्कुत्ताणुमहोसिरस्स  
 उक्कुत्ताणंतरियाए वट्टमाणस्स निब्बाने, कसिने, पडिपुब्बे,  
 अणंते, अणुत्तरे, केवलवरणाणंदसणे समुप्पण्णे ॥ १०२० ॥  
 जिणे आए, केवली सम्बण्णू सम्बभावदरिसी, सदेवमणुवाइरस्स  
 आणइ, तंजहा-आगतिं गतिं ठितिं चव्वणं, उक्कवां उतुं पीयं  
 आवीक्कमं रइक्कमं कवियं कहियं मगोमाणसियं सम्बलोए  
 माबाई आणमाने पास्तमाने एवं च णं विहरइ ॥ १०२१ ॥ कण्वं  
 भगवओ महावीरस्स निब्बाने कसिने जाव समुप्पण्णे, तव्वं दिवसं  
 मंतरजोइसियक्किमाणवासिदेवेहिं य देवीहिं म उक्कवत्तेहिं व ज्ञाव  
 भूए यावि होत्था ॥ १०२२ ॥ तओ णं समणे भगव महावीरे  
 अप्पाणं च लोग च अभिसमिक्ख पुब्बं देवानं धम्ममाइक्कत्ति  
 मणुस्साण ॥ १०२३ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे  
 माईण समणार्णं निग्गंघारणं पंच महव्वयाई सभाबणाई छज्जीवनिकमयाई  
 भासइ, परुवेइ, तजहा-पुठविकाए जाव तसकाए ॥ १०२४ ॥ पडमं मंते ।  
 पक्कत्तामि, सव्वं पाणाइवायं से सुहुमं वा वायरं वा तसं वा कव्वरं  
 सयं पाणाइवायं करेआ ३ जाक्कजीवाए तिविह तिविहेणं मणसा वयसा  
 तस्स मंते ! पडिक्कमामि निदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ १०  
 तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवति ॥ १०२५ ॥ तत्थिमा पडमा  
 इरियासमिए से निग्गवे, जो अणइरियासमिए ति, केवली ब्या अणइरियासमिए  
 निग्गंघे, पाणाई ४ अभिहजेज वा, बत्तेज वा, परियावेज वा, केसेज वा, उइवेज  
 वा, इरियासमिए से निग्गंघे, जो अणइरियासमिए ति पडमा भावणा ॥ १०२६ ॥

महावरा बोधा मावणा मर्ष परिवावाह से विम्वये के न मने पावए सावअ  
 सकिरिए अन्तरारे केमदरे मेमदरे अविहरमिए पावसिए, परितामिए पावत्तवाहए,  
 मूओववाहए तहप्पयारं मर्ष नो पवारेल्ल मर्ष परिवावाति से विम्वये के न मने  
 अपावए ति दोधा मावणा ॥ १ २८ ॥ महावरा तथा मावणा ॥ वई परि-  
 वावाह से विम्वये का न वई पामिवा सावजा सकिरिया काव मूओववाहवा  
 तहप्पयारं वई नो सवारिल्ल के वई परिवावाह से विम्वये काव वई अपामिय  
 ति तथा मावणा ॥ १ २९ ॥ महावरा चउत्तरया मावणा आवाण-  
 मंडमतमिक्केववाहसमिए से विम्वये नो अजावाणमंडमतमिक्केववाहसमिए विम्वये  
 केवळी वृवा आवाणमंडमतमिक्केववाहसमिए विम्वये पालाईमूवाइजीवाई  
 सत्तई अमिह्वेज वा काव उह्वेज वा तम्हा आवाणमंडमतमिक्केववाहसमिए से  
 विम्वये नो आवाणमंडमतमिक्केववाहसमिए ति चउत्तरया मावणा ॥ १ ३० ॥  
 महावरा पंचमा मावणा आलोहपानमोक्कमोई से विम्वये नो अवालोह-  
 पानमोक्कमोई, केवळी वृवा अवालोहपानमोक्कमोई से विम्वये पावई वा ४  
 अमिह्वेज वा काव उह्वेज वा तम्हा आलोहपानमोक्कमोई ॥ विम्वये नो  
 अवालोहपानमोक्कमोई ति पंचमा मावणा ॥ १ ३१ ॥ पुतावता पडमे मह-  
 लए सुम्भं अएम् अमिए पाविए छीरिए किहिए अचट्टिए आमाए आराट्टिए  
 वरुमि मवइ ॥ १ ३२ ॥ पडमे मंते । मल्लए पावत्तवावाओ वेय्मने ॥ १ ३३ ॥  
 महावरं दोधं महप्पयं पक्कमामि सुम्भं सुसत्तमं वसोसे से कोहा वा  
 लोहा वा मवा वा हत्ता वा वेव सुं सुं मातेजा वेववेवं सुं मासत्तैजा  
 अर्धं ति सुं मासत्तं व सुत्तुवाविजा तिभिं तिभिहेवं मक्का वामत्ता अक्का  
 उत्तं मंते पक्कमामि काव ओठिरामि ॥ १ ३४ ॥ तत्तिमन्ने पंच मावणा-  
 ओ भवति ॥ १ ३५ ॥ तत्तिममा पडमा मावणा अनुवीइमाही ॥ विम्वये  
 नो अनुवीइमाही; केवळी वृवा अनुवीइमाही ॥ विम्वये समत्तजिज्ज मोसं  
 ववणाए, अनुवीइमाही से विम्वये नो अनुवीइमाहि ति पडमा मावणा  
 ॥ १ ३६ ॥ महावरा बोधा मावणा ओई परिवावाह से विम्वये नो  
 ओहये सिया केवळी वृवा ओहपी ओहत्तं समत्तवैज्ज मोसं ववणाए, ओई परि-  
 वावाह से विम्वये काव ओहये सियति बोधा मावणा ॥ १ ३७ ॥ महावरा  
 तथा मावणा ओमं परिवावाह से विम्वये नो व ओमणए सिंघ केवळी  
 वृवा ओमणते लोमी समत्तवैज्ज मोसं ववणाए, ओमं परिवावाह से विम्वये नो  
 व ओमणए सिंघति तथा मावणा ॥ १ ३८ ॥ महावरा चउत्तरया मावणा,



भयं परिजाणाद् मे निगम्ये, णो भगवीण्णि सिया, केवली वूया, भवणं  
 समावदेज्जा मोस वयणाए, भग परिजाणत्तं से निगम्ये, णो भवणीण्णि सि  
 चउत्था भावणा ॥ १०३९ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, हासं परिजा  
 णिगम्ये, णो य हासण्णि सिया, केवली वूया, हासण्णि हासं समावदेज्जा  
 वयणाए, हास परिजाणत्तं मे निगम्ये, णो य हासण्णि सि ति पंचमा भ  
 ॥ १०४० ॥ एतावता दोषे महव्वए गम्म काएण पाणिए जाय आणाए आर  
 या मि भवति ॥ दोषे भंते महव्वए ॥ १०४१ ॥ अहावर तच्च भ  
 महव्वय पचयन्नामि गच्च अदिण्णादाय, से नामे वा, पादं वा, अण्णे  
 अण्य वा, बहु वा, अणु वा, धूल वा, चित्तना वा, अविगमन वा, पेव  
 अदिण्ण गिण्हेज्जा, जेवण्णेहि अदिण्ण गेहव्वेज्जा अणापि अदिण्ण गिरुत्त  
 समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए जाय चोत्तरामि ॥ १०४२ ॥ तत्तिग्माओ पंचमा  
 णाओ भवन्ति तत्तिग्मा पटमा भावणा, अणुवीडं मिउग्गह जाई से निगमे  
 णो अणुवीडंमिउग्गह जाई से निगम्ये केवली वूया अणुवीडंमिओग्गह जाई  
 निगम्ये अदिण्ण गिण्हेज्जा अणुवीडंमिउग्गह जाई से निगम्ये णो अणुवीडंमि  
 ओग्गहजाई ति पटमा भावणा ॥ १०४३ ॥ अहावरा दोष्ठा भावणा  
 अणुण्णवियपाणभोयणभोई से निगम्ये णो अणुण्णवियपाणभोयणभोई, केवली  
 वूया, अणुण्णवियपाणभोयणभोई से निगम्ये अदिण्ण भुजेज्जा, तम्हा अणुण्ण  
 वियपाणभोयणभोई से निगम्ये, णो अणुण्णवियपाणभोयणभोई ति दोष्ठा भावणा  
 ॥ १०४४ ॥ अहावरा तच्चा भावणा, निगम्ये णं उग्गहसि उग्गहियंसि  
 एतावताव उग्गहणसीलए सिया, केवली वूया, निगम्येण उग्गहसि अणुग्गहियंसि  
 एतावताव अणोग्गहणसीले अदिण्णं गिण्हेज्जा निगम्येण उग्गहसि उग्गहियंसि एता  
 वताव उग्गहणसीलए सियति तच्चा भावणा ॥ १०४५ ॥ अहावरा चउत्था  
 भावणा, निगम्येण उग्गहसि उग्गहियंसि अभिक्खणं ० उग्गहणसीलए सिया,  
 केवली वूया, निगम्येण उग्गहसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ अणोग्गहणसीले अदिण्णं  
 गिण्हेज्जा निगम्ये उग्गहसि उग्गहियंसि अभिक्खणं ० उग्गहणसीलए सिय ति  
 चउत्था भावणा ॥ १०४६ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, अणुवीडंमिओग्गहजाई  
 से निगम्ये साहम्मिएसु णो अणुवीडंमिउग्गहजाई, केवली वूया, अणुवीडंमिउ  
 ग्गहजाई से निगम्ये साहम्मिएसु अदिण्ण उग्गिण्हेज्जा, अणुवीडंमिओग्गहजाई से  
 निगम्ये साहम्मिएसु णो अणुवीडंमिओग्गहजाई इइ पंचमा भावणा ॥ १०४७ ॥  
 एतावताव मेव उग्गहणं गम्यं जाय आणाए आ

अहावरा दोष्ठा मावणा मर्न परिजावाह से निर्मये के न मने पावए साव-  
 सकिरिप अचवहरे केवहरे मेवहरे जचिकरमिप पाडसिप, परिठासिप पावाइवाइए,  
 भूजोवपाइए तहप्पगारं मर्न नो पवारैज्ज मर्न परिजापासि से निर्मये के न मने  
 अपावए ति दोष्ठा मावणा ॥ १ २८ ॥ अहावरा उवा मावणा ॥ वई परे  
 जावाह से निर्मये के न वई पामिवा सावणा सकिरिवा पाव भूजोवपाइवा  
 तहप्पगारं वई नो जचारिजा के वई परिजावाह से निर्मये जाव वई अपामिवा  
 ति उवा मावणा ॥ १ २९ ॥ अहावरा चउत्था मावणा, जावा-  
 मर्ममत्तमिक्खेवणासमिप से निर्मये के अपावाचमर्ममत्तमिक्खेवणासमिप निर्मये  
 केवली वृवा जावाचमर्ममत्तमिक्खेवणासमिप निर्मये पावाइमूवाइवीचाई  
 सताई अमिह्वेज वा जाव उव्वेज वा उम्हा आवाचमर्ममत्तमिक्खेवणासमिप से  
 निर्मये के जावाचमर्ममत्तमिक्खेवणासमिप ति चउत्था मावणा ॥ १ ३० ॥  
 अहावरा पंचमा मावणा जावाइवपावमोक्खमोई से निर्मये के अपावाइ-  
 वपावमोक्खमोई, केवली वृवा जावाइवपावमोक्खमोई से निर्मये पज्जई वा ४  
 अमिह्वेज वा जाव उव्वेज वा उम्हा जावाइवपावमोक्खमोई से निर्मये के  
 अपावाइवपावमोक्खमोई ति पंचमा मावणा ॥ १ ३१ ॥ सुतावरा पडमे मह-  
 वए उम्मे अद्वए पडसिप पाडिप दीरिप विडिप अचडिप जावाए अवाइए  
 वामि मव्व ॥ १ ३२ ॥ पडमे मंते । महव्वए पावाइवावाग्गे वेरमए ॥ १ ३३ ॥  
 अहावरं दोष्ठा महव्वए पक्कवाप्पि उम्मे सुतावरा वप्पोसं से कोहा वा  
 कोहा वा मवा वा इत्ता वा वेव सई मुसं मात्तेजा वेवसेणं मुसं भाचावेजा  
 अम्मे पि मुसं मात्तेजं व समुज्जावेजा तिहिं तिहिहेने मक्खा वावरा अक्खा  
 तत्त मंते पक्कमाप्पि जाव वेविराप्पि ॥ १ ३४ ॥ तत्तिअक्खे पंच मावणा-  
 ओ मव्वेति ॥ १ ३५ ॥ तत्तिअमा पडमा मावणा अजुवीइमाही से निर्मये  
 के अजजुवीइमाही; केवली वृवा अजजुवीइमाही से निर्मये समावज्जिअ ओसं  
 ववणाए, अजुवीइमाही से निर्मये के अजजुवीइमाहि ति पडमा मावणा  
 ॥ १ ३६ ॥ अहावरा दोष्ठा मावणा कोई परिजावाह से निर्मये के  
 कोहमे सिवा केवली वृवा कोहपेत्ति कोहत्ति समाववेजा ओसं ववणाए, कोई परि-  
 जावाह से निर्मये के न कोहमे सिवति दोष्ठा मावणा ॥ १ ३७ ॥ अहावरा  
 उवा मावणा, ओसं परिजावाह से निर्मये के न ओमए सिवा केवली  
 वृवा ओमएत्ते ओसी समाववेजा ओसं ववणाए, ओसं परिजावाह से निर्मये के  
 न ओमए सिवति उवा मावणा ॥ १ ३८ ॥ अहावरा चउत्था मावणा,

जाव विणिग्घायमावज्जमाणे सतिभेया सतिविभगा सतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ॥ १०५८ ॥ ण सक्का ण सोउ सदा, सोयविमयमागता, रागदोसा उ जे तत्थ ते भिक्खू परिवज्जे ॥ १०५९ ॥ सोयओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइ सदाई सुणेइ० ॥ १०६० ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाई रुवाइ पासइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रुवेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली वूया, मणुण्णामणुण्णेहिं रुवेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे सतिभेया सतिविभगा जाव भसेज्जा ॥ १०६१ ॥ ण सक्का रुवमदद्धु चक्खुविसयमागय, रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जे ॥ १०६२ ॥ चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइ रुवाई पासइ ॥ १०६३ ॥ अहावरा तच्चा भावणा, घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइ गधार्इ अग्घायइ, मणुण्णामणुण्णेहिं गधेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली वूया, मणुण्णामणुण्णेहिं गधेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे सतिमेदा सतिविभगा जाव भसेज्जा ॥ १०६४ ॥ णो सक्का गधमग्घाउ णासाविसयमागय, रागदोसा उ जे तत्थ ते भिक्खू परिवज्जे ॥ १०६५ ॥ घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइ गंधाइ अग्घायइ० ॥ १०६६ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, जिब्भाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइ रसाई अस्सादेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली वूया, णिग्गथे ण मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे सतिमेदा जाव भसेज्जा ॥ १०६७ ॥ णो सक्का रसमस्सारं, जीहाविसयमागय, रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जे ॥ १०६८ ॥ जीहाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइ रसाइ अस्सादेइ० ॥ १०६९ ॥ अहावरा पचमा भावणा, फासओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइ फासाइ पडिसवेदेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्जेज्जा, णो मुज्जेज्जा, णो अज्जोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली वूया, णिग्गथे ण मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे, सतिमेदा सतिविभगा, सतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ॥ १०७० ॥ णो सक्का फासमवेदेउं फासविसयमागय, रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जे ॥ १०७१ ॥ फासओ मणुण्णामणुण्णाई फासाई पडिसवेदेइ० ॥ १०७२ ॥ एतावताव पचमे महव्वए सम्म काएण फासिएपालिएतीरिएकिट्टिए अहिट्टिए आणाए आराहिए यावि भवइ, पचम भंते ! महव्वय ॥ १०७३ ॥ इत्थेएहिं पचमहव्वएहिं । पणवीसाहिं य भावणाहिं सपण्णे अणगारे अहासुर्यं अहाकप्प अहामग्ग सम्म काएण फासित्ता,





पाठिता धीरिता किंठिता आनाए आराहिए नाभि मण्ड ॥ १ ७४॥ भावजा-  
न्यपर्यं पण्डितं समस्तं ह्य तद्व्याख्या समस्ता ॥

अभिधमावाप्तमुदिति चंद्रयो पत्न्येयं चमिर्न जनुतर्; निरुधरे निनु अमार  
बचनं अमीठ आरंभपरिभाहं चप ॥ १ ७५ ॥ तदायनं भिन्नमनंतसंजनं  
अवेक्षितं निनु चरंतमेतनं; दुर्धरे वावाहं अभिधुं वरा धरेहं संगमगानं व  
कुंवरं ॥ १ ७६ ॥ तद्व्यापारेहं अवेक्षं द्विष्टि, सप्तद्वयसा फरसा अरिया  
तिष्ठिष्यए नाभि अदुष्टवेकसा निरिष्य बाएव व संपवेव ॥ १ ७७ ॥ तद्व्यापारे  
कुंवरं संकटे अर्धतद्व्यापारे तद्व्यापारे दुर्धरे; अद्वयं सप्तद्वये महासुधी तदा हं  
से सुस्तमने समाहिए ॥ १ ७८ ॥ निरुधरे चम्यपर्वं जनुतर्, निरुधरेतद्व्यापारे  
मुनिस्तं अनाम्ये समाधिनस्तद्व्यापारे व तेकसा तयो व पत्न्या व अयो व  
चक्र ॥ १ ७९ ॥ निरुधरेतिष्ठितं तद्व्यापारे तद्व्यापारे महासुधी अवेक्षितं  
महासुधी निरुधरे तद्व्यापारे तमेव तेकतिष्ठितं पत्न्या ॥ १ ८० ॥ तद्व्यापारे  
निरुधरेतिष्ठितं पत्न्या, अद्वयमित्यौह चपत्न्या पूज्यं; अभिधुं लोचनं तदा  
परं, अभिधुं अद्वयं पत्न्या ॥ १ ८१ ॥ तदा निरुधरेतिष्ठितं पत्न्या  
विद्विष्यो दुर्धरेतद्व्यापारे निरुधरे; निरुधरे अंति मं पुरेक्षं धर्मिणं रूपमं  
व बोधना ॥ १ ८२ ॥ से ह् पत्न्या समस्तं चक्र, निरुधरे तद्व्यापारे  
चक्रं मुनिगमे मुनिगमे अदा अदे, निरुधरे से मुनिगमे अद्वये ॥ १ ८३ ॥ अद्वये  
अदे चक्रं अपारं महासुधी व मुनिगमे अद्वये; अदे य व परिभावाहं पत्न्या, से  
ह् मुनिगमे अद्वये ति मुनिगमे ॥ १ ८४ ॥ अदा हं अद्वये ह् मापवेहं, अदा व तेसि  
ह् निरुधरेतिष्ठितं अद्वये; अदा तदा व निरुधरेतिष्ठितं अद्वये, से ह् मुनिगमे अद्वये ति  
मुनिगमे ॥ १ ८५ ॥ इति अदे परं व दोषं व निरुधरे वचनं चक्र निरुधरे;  
से ह् निरुधरेतिष्ठितं अद्वये, अद्वये मापवेहं निरुधरे ति वेति ॥ १ ८६ ॥  
सोस्तमने निरुधरेतिष्ठितं समस्तं ॥ सप्तद्वयगानं धीमो सुपपत्न्यो  
संपुत्न्यो, अद्वये अद्वये समस्ता ॥

इह आयादे



जे ते उ वाइणो एव न ते ओर्हतराऽऽहिया ॥ २० ॥ १० ॥ ते नावि संधिं नचा णं  
 न ते धम्मविऊ जणा । जे ते उ वाइणो एवं न ते सगारपारगा ॥ २१ ॥ ११ ॥  
 ते नावि संधिं नचा ण न ते धम्मविऊ जणा । जे ते उ वाइणो एवं न ते गन्मस्स  
 पारगा ॥ २२ ॥ २२ ॥ ते नावि संधिं नचा णं न ते धम्मविऊ जणा । जे ते उ  
 वाइणो एव न ते जम्मस्स पारगा ॥ २३ ॥ २३ ॥ ते नावि संधिं नचा ण न ते  
 धम्मविऊ जणा । जे ते उ वाइणो एव न ते दुक्कास्स पारगा ॥ २४ ॥ २४ ॥ ते  
 नावि संधिं नचा ण न ते धम्मविऊ जणा । जे ते उ वाइणो एवं न ते मारस्स  
 पारगा ॥ २५ ॥ २५ ॥ नाणाविहाई दुक्काद अणुणेन्ति पुणो पुणो । संगारवक्क-  
 वालम्मि मणुवाहिजराकुळे ॥ २६ ॥ २६ ॥ उवावयाणि गच्छन्ता गन्ममेस्सन्ति  
 णन्तसो । नायपुत्ते महावीरे एवमाह जिणुत्तमे ॥ २७ ॥ २७ ॥ ति वेमि ॥  
 समयज्झयणे पढमुहेसो ॥

आघाय पुण एगेसि उववणा पुढो जिया । वेदयन्ति गुह दुक्कं अदु वा लुप्पन्ति  
 ठाणओ ॥ १ ॥ २८ ॥ न त सय कडं दुक्क कओ अन्नकटं च ण । बुह वा अइ  
 वा दुक्क सेहिय वा असेहियं ॥ २ ॥ २९ ॥ सय कड न अजेहिं वेदयन्ति पुढो  
 जिया । संगइयं त तहा तेसिं इहमेगेसिमाहिय ॥ ३ ॥ ३० ॥ एवमेयाणि जम्पन्ता  
 बाला पण्डियमाणिणो । निययानिययं सन्त अयाणन्ता अबुद्धिया ॥ ४ ॥ ३१ ॥  
 एवमेगे उ पासत्या ते भुओ विप्पगन्मिया । एव उवद्विया सन्ता न ते दुक्क-  
 विमोक्खगा ॥ ५ ॥ ३२ ॥ जविगो मिगा जहा सन्ता परियाणेण वज्जिया ।  
 असद्धियाई सङ्गन्ति सद्धियाई असद्धिणो ॥ ६ ॥ ३३ ॥ परियाणियाणि सङ्गन्ता  
 पाखियाणि असद्धिणो । अजाणमयसविग्गा सपलन्ति तर्हि तर्हि ॥ ७ ॥ ३४ ॥  
 अह तं पवेज बज्ज अहे वज्जस्स वा घए । मुधेज पयपासाओ त तु मन्दे न  
 देहई ॥ ८ ॥ ३५ ॥ अहियप्पाहियपप्पाणे विसमन्तेणुवागए । स वदे पयपासेणं  
 तत्थ घायं नियच्छइ ॥ ९ ॥ ३६ ॥ एव तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया ।  
 असद्धियाई सङ्गन्ति सद्धियाई असद्धिणो ॥ १० ॥ ३७ ॥ धम्मपन्नवणा जा सा  
 त तु सङ्गन्ति मूढगा । आरम्भाई न सङ्गन्ति अवियत्ता अकोविया ॥ ११ ॥ ३८ ॥  
 सव्वप्पग विठक्कस्स सव्व नूर्म विट्ठणिया । अप्पसियं अक्कम्मंसे एयमट्ठ मिगे खुए  
 ॥ १२ ॥ ३९ ॥ जे एय नाभिजाणन्ति मिच्छदिट्ठी अणारिया । मिगा वा पास-  
 वद्धा ते घायमेस्सन्ति णन्तसो ॥ १३ ॥ ४० ॥ माहणा समणा एगे सव्वे  
 सय वए । सव्वलोगे वि जे पाणा न ते जाणन्ति चण ॥ १४ ॥ ४१ ॥ मि  
 मयिन्तस्स जहा घुत्ताणुमासए । न हेव भासियं तऽणुमासए ॥

# जमो त्पु नं समपस्स भगवसो ज्ञापुत्त महाभीरस्स सूयगदं

पढमे सुयक्कधे

समयस्सयणे पढमे

हुमिष्ठजं ति विठहिजा वज्जनं परिवायिया । निमाह वज्जनं खीरो किं वा वार्त्तं  
 तिउह ॥ १०१ ॥ विठमन्तमचित्तं वा परिमिज्ज निठममि । अर्थं वा जलुजा-  
 नत्त एव हुक्कदा न मुक्कदं ॥ २०२ ॥ सर्वं विवायपुं पदं जलुज्जोद्धिं वामपु ।  
 हुक्कदं वाजुज्जोद्धिं वेरं वीरु अण्णो ॥ ३०३ ॥ अस्तिं पुणे ससुम्भे जेहिं वा  
 सेवसे गरे । ममाह हुक्कदा वाके अर्थे अर्थेहिं सुच्छिपु ॥ ४०४ ॥ निठं खेवरिया  
 वेरं ससुम्भे न तत्तत्त । सेवसे वीरिणं वेरं वज्जुवा उ तिउह ॥ ५०५ ॥ एव  
 गन्धे निठमन्त एव समपमाहवा । अवाज्जुवा निठमिठता सता अमेहिं माज्जवा  
 ॥ ६०६ ॥ सन्ति पक्क महुम्भुवा इहमेनेहिमाहिवा । पुक्कदा आठ ठेज्ज वा पत्त  
 आवाज्जुवा ॥ ७०७ ॥ एव पक्क महुम्भुवा सेवसे एवो ति आहिवा । अह  
 सेवि निवासेन निवासे होइ वेविणो ॥ ८०८ ॥ अह न पुक्कदाधुमे एव नामाहि  
 वीरु । एवं सो कस्सिमे ओए निवु नामाहि वीरु ॥ ९०९ ॥ एवमेने ति अम्मन्ति  
 मन्वा आरम्मन्तिरिवा । एव निवा सर्वं पार्त्तं तिज्जं हुक्कदं निक्कत्त ॥ १०१० ॥  
 पत्तेरं कस्सिमे आवा के वाक्क के न पत्तिवा । सन्ति पिवा न ते सन्ति गरीव  
 सत्तेववात्ता ॥ ११०११ ॥ अस्तिं पुणे न पार्त्तं वा गरीव ओए इमेवरे । सत्ते-  
 रस्स निवासेन निवासे होइ वेविणो ॥ १२०१२ ॥ हुक्कदं न अरत्तं वेरं ससुम्भे  
 हुक्कदं न निज्जं । एवं अरत्तजो अण्णो एवं ते उ पवम्भिया ॥ १३०१३ ॥ वेरं ते  
 उ वाइवो एवं ओए सेविं कजो सिवा । तपमजी ते सर्वं सन्ति मन्वा आरम्मन्ति-  
 रिवा ॥ १४०१४ ॥ सन्ति पक्क महुम्भुवा इहमेनेहिमाहिवा । आवाज्जु पुणे  
 आहु आवा कोने य सत्तत्त ॥ १५०१५ ॥ हुक्कदो न निवस्सन्ति सो न अण्णजपु  
 अर्थ । ससुम्भे नि ससुम्भे मावा निवाटीमाज्जमागवा ॥ १६०१६ ॥ पक्क कम्भे  
 वज्जुमेने वाक्क उ वज्जुमेने । जजो अण्णो वेवाहु हेउर्यं न अहेउर्यं ॥ १७०१७ ॥  
 पुक्कदा आठ ठेज्ज न तहा वाक्क य एण्णो । अताहि वाउथो वरं एवमाहत्त आठरे  
 ॥ १८०१८ ॥ अवाज्जुवाज्जुवा नि अरत्ता वा नि पम्भवा । इमं वरत्तममाववा  
 एवमुक्कदा निमुक्कदं ॥ १९०१९ ॥ ते वाणि सेविं ववा नं न ते वज्जुमिठ ववा ।



जिए ॥ ६ ॥ ६५ ॥ सयंभुणा कढे लोए इइ धुत्त महेसिणा । मारेण सयुया माया  
 तेण लोए असासए ॥ ७ ॥ ६६ ॥ माहणा समणा एगे आह अण्डकढे जए ।  
 असो तत्तमकासी य अयाणन्ता मुसं वए ॥ ८ ॥ ६७ ॥ सएहिं परियाएहिं लोणं  
 बूया कढे ति य । तत्त ते न वियाणन्ति न विणासी कयाइ वि ॥ ९ ॥ ६८ ॥  
 अमणुजसमुप्पायं हुक्खमेव वियाणिया । समुप्पायमयाणन्ता कर्दं नायन्ति सबरं  
 ॥ १० ॥ ६९ ॥ सुद्धे अपावए आया इहमेगेसिमाहिय । पुणो किण्णपदोसेगं सो  
 तत्य अवरज्जई ॥ ११ ॥ ७० ॥ इह सबुद्धे मुणी जाए पच्छा होइ अपावए ।  
 वियडम्भु जहा भुज्जो नीरय सरय तहा ॥ १२ ॥ ७१ ॥ एयाणुवीइ मेहावी बम्भ-  
 च्चेरेण ते वसे । पुढो पावाउया सव्वे अक्खायारो सय सय ॥ १३ ॥ ७२ ॥ सए  
 सए उवट्ठाणे सिद्धिमेव न अजहा । अहे इहेव वसवती सव्वकामसमप्पिए ॥ १४ ॥  
 ॥ ७३ ॥ सिद्धा य ते अरोगे य इहमेगेसिमाहिय । सिद्धिमेव पुरो काउ सासए  
 गढिया नरा ॥ १५ ॥ ७४ ॥ असंबुद्धा अणाइय भम्मिहन्ति पुणो पुणो । कप्प-  
 कालमुवज्जन्ति ठाणा आसुरकिब्बिसिय ॥ १६ ॥ ७५ ॥ ति वेमि ॥ समय-  
 ज्झयणे तइयुद्धेसो ॥

एए जिया भो न सरण वाला पण्डियमाणिणो । हिच्चा ण पुव्वसजोयं सिया  
 किच्चोवएसगा ॥ १ ॥ ७६ ॥ त च भिक्खु परिजाय विय तेसु न मुच्छए । अणु-  
 क्खस्ते अप्पलीणे मज्जेण मुणि जावए ॥ २ ॥ ७७ ॥ सपरिग्गहा य सारम्भा  
 इहमेगेसिमाहिय । अपरिग्गहा अणारम्भा भिक्खु ताण परिव्वए ॥ ३ ॥ ७८ ॥  
 कढेसु घासमेसेज्जा विरु दत्तेसणं चरे । अगिद्धो विप्पमुक्को य ओमाण परिव्वए  
 ॥ ४ ॥ ७९ ॥ लोगवाय निसामेज्जा इहमेगेसिमाहिय । विवरीयपन्नसभूय अन्नउत्त  
 तयाणुय ॥ ५ ॥ ८० ॥ अणन्ते निइए लोए सासए न विणस्सई । अन्तव निइए  
 लोए इइ धीरोऽतिपासई ॥ ६ ॥ ८१ ॥ अपरिमाण वियाणाइ इहमेगेसिमाहिय ।  
 सव्वत्य सपरिमाण इइ धीरोऽतिपासई ॥ ७ ॥ ८२ ॥ जे केइ तसा पाणा चिट्ठन्ति  
 अदु थावरा । परियाए अत्थि से अज्जु जेण ते तसथावरा ॥ ८ ॥ ८३ ॥ उराल  
 जगओ जोग विवज्जासं पलेन्ति य । सव्वे अक्कन्तदुक्खा य अओ सव्वे अहिसिया  
 ॥ ९ ॥ ८४ ॥ एयं खु नाणिणो सारं जं न हिंसइ किंचण । अहिंसासमय चैव  
 एयावन्त वियाणिया ॥ १० ॥ ८५ ॥ बुसिए य विगयगेही आयाण सम्म रक्खए ।  
 चरियासणसेज्जासु भत्तपाणे य अन्तसो ॥ ११ ॥ ८६ ॥ एएहिं तिहि ठाणेहिं सजए  
 सययं मुणी । उक्कसं जलण नूर्म मज्झत्यं च विगिञ्चए ॥ १२ ॥ ८७ ॥ समिए उ  
 सया साहू पन्नसवरसबुद्धे । सिएहिं असिए भिक्खु आमोक्खाए परिव्वएज्जासि  
 ॥ १३ ॥ ८८ ॥ ति वेमि ॥ समयज्झयणं पढमं ॥

॥ ४२ ॥ एवमवाप्तिना ज्ञानं कथंता नि सर्वं सर्वं । निष्कर्मार्थं न वाचन्ति  
 निष्कर्मज्ञानं अथोक्षिया ॥ १९ ॥ ४३ ॥ अवाप्तिनां बीमसा अवापे न निष्कर्मज्ञ ।  
 अप्यो न परं नाहं कृतो अवाप्तुसाधितं ॥ १७ ॥ ४४ ॥ वने मूढे बहो कम्प  
 मूढे वेगलुगादिपू । सो नि एष जन्मोनिवा तिम्यं सर्वं निष्कर्मज्ञ ॥ १८ ॥ ४५ ॥  
 जन्मो जन्मं पदं मेतो वृद्धमलुगादिपू । आवजै तप्यं कम्प जनु वा पन्नाल  
 गादिपू ॥ १९ ॥ ४६ ॥ एवमेते नियायद्वी बन्धमारुह्या कर्म । जनु वा जन्म-  
 माज्जे न ते सम्पत्तुं वप ॥ २ ॥ ४७ ॥ एवमेते निष्कर्मज्ञो नो ज्ञानं पञ्च-  
 वाप्तिना । अप्यो न निष्कर्मज्ञं जन्माहू द्वि दुम्मा ॥ २१ ॥ ४८ ॥ एवं तच्छह  
 साहेन्ता बन्माबन्मे अथोनिवा । हुक्कं ते नाद्योतिष्ठि सत्तवी पकरं बहो ॥ २२ ॥  
 ॥ ४९ ॥ सर्वं सर्वं पठेत्तन्ता परात्तन्ता परं कर्म । कीत्त तत्त निवत्तन्ति संसारं ते  
 निवत्तिवत्त ॥ २३ ॥ ५० ॥ अहापरं गुरुत्तन्तां किरीवावापुहरीत्तयं । बन्मन्तिता-  
 पत्तन्तां संसारत्त पत्तन्तां ॥ २४ ॥ ५१ ॥ ज्ञानं अएवत्तन्ताहं अजुहो बं न  
 हिंसर । पुट्टो संवेत्त परं जन्मिपत्तं न सावज्जे ॥ २५ ॥ ५२ ॥ सन्तिमे तत्त  
 ज्ञानात्ता केहिं कीरत्त पाक्यं । जन्मिपत्तया न पैसा न पन्ना अलुगादिवा  
 ॥ २६ ॥ ५३ ॥ एष तत्त ज्ञानात्ता केहिं कीरत्त पाक्यं । एवं मावत्तिवोहीए  
 निवत्तान्मभिगत्तहं ॥ २७ ॥ ५४ ॥ पुत्तं पिवा समारम्भ आहारैज्ज असेवपू ।  
 सुत्तान्ता न पैसाहो जन्मुत्ता नोवत्तिपत्त ॥ २८ ॥ ५५ ॥ ममसा जे  
 पठत्तन्ति वितं तेसि न निज्ज । जन्मजन्महं तेसि ॥ ते संकुत्तन्ताहो ॥ २९ ॥  
 ॥ ५६ ॥ इवेवाहि न हिंहीहिं सावागारवत्तिस्सवा । सरत्तं हि मज्जान्ता सेवन्ती  
 पाक्यं जन्मा ॥ ३० ॥ ५७ ॥ बहो अस्सामिनि ज्ञानं वापुजन्मो हुत्तिया । इत्तहं  
 पाप्मापत्तं जन्तय न वितीवई ॥ ३१ ॥ ५८ ॥ एवं तु समया एते विस्समिद्धी  
 अवाप्तिना । संसारपावत्तवी ते संसारं अलुपरिक्कन्ति ॥ ३२ ॥ ५९ ॥ त्ति वेमि ॥  
 सामपज्जसपये बिहयुदेसो ॥

बं निनि न पुत्तहं सन्तीमापुत्तपीहिं । तहत्तन्तारिं धुवे हुक्कं जेव  
 सेवई ॥ १ ॥ ६० ॥ तमेव जन्मिवापत्ता वित्तमिहि अथोनिवा । मरत्त विताहिवा  
 जेव जहत्तपत्तमिवागमे ॥ २ ॥ ६१ ॥ बहत्तस पहावेवं ज्ञानं निम्बं तमेति ॥  
 बहेहि न बहेहि न जामिपत्तयेहिं ते हुही ॥ ३ ॥ ६२ ॥ एवं तु समया एते  
 जन्मावत्तयेतिथो । मरत्त विताहिवा जेव जामिपत्तमिवा जन्तयो ॥ ४ ॥ ६३ ॥  
 हुक्कं तु ज्ञानं इहमेतिमाहिं । जेवजो जयं जोपू जन्मजो इ ज्ञाने ॥ ५ ॥  
 ॥ ६४ ॥ इहरेव जेव जोपू ज्ञानात्त ज्ञाने । बीवाजीवत्तमावतो छत्तुक्कत्तम-

## शुभाशुभ

पञ्चमिषा ॥ २० ॥ १३८ ॥ सप्तम्य इति सप्तम्य पञ्चम्य

। पञ्चम्य वीर महाभिर्हि विदित्वा वैभवम् पुनः ॥ ११ ॥

मणवन्ता कादम्बि निजुषी । निज निज व वैभवो

चरे ॥ २२ ॥ ११० ॥ ति वैति वैभवादिपञ्चम्ये

तयसं व महादे रवं इह संजाय मुनी व मन्त्र्यै । मोगपरेण

महासेवकरी अनेति इक्षिणी ॥ १ ॥ १११ ॥ जो वरिज्यै वरं वरं

वाहै मई । अहु इक्षिणीया उ पाणिवा इह संजाय मुनी व मन्त्र्यै ॥ २ ॥ १

जे माहि अजायगे सिवा जे वि व वेतमवेसगे सिवा । जे मोगपरे

कजे समयं सवा चरे ॥ ३ ॥ ११२ ॥ सम अजयसि संजायै वरिज्यै

परिज्यै । जे आचक्या समाहि ए वनि ए अजयसि पञ्चम्य ॥ ४ ॥ १

एवं अनुपरिज्या मुनी वरिज्यै वरिज्यै तहा । पुनं वरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै

समयमि वरिज्यै ॥ ५ ॥ ११५ ॥ वरिज्यै सवा चरे

सुदुने उ सवा अजयसि नो वरिज्यै नो माहि वाहये ॥ ६ ॥ ११६ ॥

मणमि संकुडो वरिज्यै नरे अजयसि । हरए व सवा अजयसि

कासि कासवं ॥ ७ ॥ ११७ ॥ वरिज्यै पावा पुडो सिवा वरिज्यै

जे मोगपरे उवहि ए विरई तत्त्व अजयसि पञ्चम्य ॥ ८ ॥ ११८ ॥

पारगे मुनी आरम्भस्स व अन्ता ए डि ए । वरिज्यै व व मणमि नो

निज परिगई ॥ ९ ॥ ११९ ॥ इहमेवदुहाई विरिज्यै वरिज्यै व वरिज्यै

विरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै

पाणिवा जा वि व वरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै

॥ ११ ॥ १२१ ॥ एगे वर ठानमासने सवने एण समाहि ए सिवा ।

उवहाणवीरिए वरिज्यै अजयसि संकुडो ॥ १२ ॥ १२२ ॥ नो वीरि न वरिज्यै

अजयसि संकुडो । पुनं न उवाहरे वरं न समुच्छे नो संवरे तव ॥ १३ ॥ १२३ ॥

अजयसि अजाउठे सममिसमाई मुनी विवासए । वरणा अहु वा वि वरिज्यै

वा तत्त्व वरीसिवा सिवा ॥ १४ ॥ १२४ ॥ विरिज्यै मणुवा व विरिज्यै

विरिज्यै विरिज्यै । सोमावीरं न वरिज्यै मुजागारगजो महामुनी ॥ १५ ॥ १२५ ॥

नो अभिक्रमेण वीरिज्यै नो वि व वरिज्यै सिवा । अजयसि वरिज्यै

मुजागारगजस्स विरिज्यै ॥ १६ ॥ १२६ ॥ वरिज्यै वरिज्यै ताहो अजयसि

विरिज्यै । समाह्वयमाहु तस्स वं नो अजयसि अए न वरिज्यै ॥ १७ ॥ १२७ ॥

उसिजोवगततमोहो वरिज्यै वरिज्यै वरिज्यै

अजयसि राहै

## वेयालियज्जयणे विहए

एतुय्ज्ज हि न पुय्ज्ज संभोती अत्त पेव पुय्ज्ज । नो इवम्मन्ति एत्थो नो  
 छम्मं पुनरानि बीमिं ॥ १ ॥ १ ॥ अहए पुत्ता न पाचह मम्मत्ता नि नयन्ति  
 मम्मता । सेवै अह अहं हरे एवं आत्तजयमि तुहं ॥ २ ॥ १ ॥ मायाहिं पियाहिं  
 छप्पं नो पुत्ता एमां न पेववी । एवाह मवाह पेहिया आरम्मा निरयेव छम्पए  
 ॥ ३ ॥ १ ॥ अमिं अयां पुढो अगा अम्मेहिं छप्पन्ति पाणिनो । उवमेव अवेहिं  
 गाहं नो एत्त मुयेज्जपुत्तं ॥ ४ ॥ १ ॥ वेवा गम्भन्नरवत्ता अत्त भूमिअए  
 सरीणिवा । एवा नरसेट्ठिमाहवा ठावा ते नि नयन्ति पुम्भिया ॥ ५ ॥ १ ॥  
 अमेहिं न संवेहिं मिता अम्मसहा अमेव अत्तो । तां अह अम्मज्जुए एवं  
 आत्तजयमि तुहं ॥ ६ ॥ १ ॥ वे वाणि अत्तए विवा अम्मिय माहव मिक्कए  
 विवा । अम्मिन्तअवेहिं मुत्तिअए ठिन् से अमेहिं मिवां ॥ ७ ॥ १ ॥ अह  
 पाव निवेप्पुट्ठिए अविट्ठिणे इह मात्तं पुं । नाहिंति आरं अयो परं विहासे  
 अमेहिं मिवां ॥ ८ ॥ १ ॥ अह नि न नयिणे असे अरे अह नि न मुत्तिव  
 मात्तमन्तसे । वे इह मायाहिं मिवां आगम्ता गम्माव अत्तो ॥ ९ ॥ १ ॥  
 पुत्तोत्त पावअम्पुवा अत्तिअत्तं मत्तवाव बीमिं । सवा इह अम्ममुत्तिवा मोहं  
 अत्ति नए अत्तपुवा ॥ १० ॥ १ ॥ अयं अहए अयं अत्तपुवा पत्ता  
 पुत्तए । अत्तपुवाअमेव पत्ता वे वेहिं अम्मं पत्तिं ॥ ११ ॥ १ ॥ निरवा  
 वीए अत्तपुवा ओहअवरिवापत्तिवा । पावे न हवन्ति अम्मतो पावयो निरवा-  
 अविन्तिपुवा ॥ १२ ॥ १ ॥ न नि ता अहमेव छप्पए छप्पन्ती अयेति अमिणो ।  
 एवं सहिंएहिं पावए अमिणे से पुत्तेअविवात्तए ॥ १३ ॥ १ ॥ पुम्भिया पुम्भिं  
 न केवं अत्तए वेत्तमात्तवात्तं । अमिहिंममेव पत्तए अत्तवम्मो मुत्तिवा पत्तिं  
 ॥ १४ ॥ १ ॥ अहवी अह पत्तपुत्तिवा अत्तवम्मं अत्तं विं एवं । एवं  
 अमिजेवहाअं अम्मं अहव तवत्ति माहवे ॥ १५ ॥ १ ॥ अत्तिअम्मवात्तमेत्तं  
 अम्मं अत्तिं तवत्तिं । अहए पुत्ता न परवए अमि पुत्ते न व तं अमेव नो  
 ॥ १६ ॥ १ ॥ अह अत्तपुत्तिवा अत्तिवा अह रोवन्ति न पुत्तअरवा । अमिं  
 मिक्कं अत्तपुत्तिं नो अम्मन्ति न संठिणाए ॥ १७ ॥ १ ॥ अह नि न अमेहिं  
 वाणिवा अह पेवहिं न अमिणं वरं । अह बीमिव मावअत्तए नो अम्मन्ति न  
 संठिणाए ॥ १८ ॥ १ ॥ अह नि न यमाहये माव पिवा न एवा न  
 माहवा । पत्ताहिं न पावयो अम्मं अयो परं पि अत्ताहिं पत्तये ॥ १९ ॥ १ ॥  
 अवे अवेहिं मुत्तिवा मोहं अत्ति नए अत्तपुवा । अम्मं अत्तमेहिं पाहिंवा ते

नि अकह कमुई ॥ ९ ॥ १४८ ॥ मा पण्ड

। अहिं व अकह सीवई के कनई परिदेवई कहुं ॥ ७

वासहा तवई वा ससवस्त दुई । इतरकई व कुंई

मुच्छिवा ॥ ८ ॥ १५० ॥ जे इह आरम्भनितेक

मत्ता ते पाबलोकनं विरराव आहुरिं विर ॥ ९ ॥ १५१ ॥ न व

जीमिं तह मि व बाकवजो वनम्भई ॥ अनुपजेन आरिं जो दुई

॥ १० ॥ १५२ ॥ अदकह व दकहनाहिं तं सवहु अदकहसनीं ।

मुनिवसईसे मोहनिण कडेन कम्मुना ॥ ११ ॥ १५३ ॥ दुपकी

मिथिमेज तिलेगपुवन । एवं सहिए हिनासए आनहुं पावेहि संवई

॥ १५४ ॥ गारं पि व आवसे नरे अनुपुव पावेहि संवई । समक

देवानं पच्छे सस्मेगव ॥ १३ ॥ १५५ ॥ सोवा भगवानुतासने सव

कर्म । सवस्व मिनीकमच्छरे उच्छे मिक्ख विमुदमाहरे ॥ १४ ॥ १५६

मवा अहिदुए वम्मही उवहानवीरिए । गुते जुते सवा जए आनवेर

॥ १५ ॥ १५७ ॥ विर पसवो व नाहजो तं वाके सरणं ति कवई रए

वी अई नो तानं सरणं न मिजई ॥ १६ ॥ १५८ ॥ अज्जावमिनी

अहवा उक्खिए भवन्तिए । एगस्स गइं व आगई विमुग्गता ॥ १७ ॥

१५९ ॥ सव्हे सवकम्मकथिवा जमिनेन दुहेन पाणिनीं

अवाउला सवा जाइजरावरणेहिमिदुवा ॥ १८ ॥ १६० ॥

नो दुल्लमं बोहिं व आहिं । एवं सहिए हिपासए आह जिं ईवणे

॥ १९ ॥ १६१ ॥ जमविदु पुरा मि मिक्खतो आएसा मि मज्झि

एवाहं गुणहं आहु ते कसवस्त अनुवम्मचारिणो ॥ २० ॥ १६२

पाल मा इणे आनहिए अभिमान संपुडे । एवं तिहा अनन्तासे

अजागवावे ॥ २१ ॥ १६३ ॥ एवं से उवाहु अनुतरमाणी अनुतरदेही

नावदसणधरे । अरहा नावपुते भगवं वेसाकिए विवाहिए ॥ २२ ॥ १६४

वेमि ॥ वेवाकियज्जयनं विहरं ॥

### उवसगगवववे सहइ

सुरं भवइ अप्पानं नाव केव न पत्तई । सुज्जमं इहवम्मज्जं तिमुपत्तं व  
महाई ॥ १ ॥ १६५ ॥ ववावा सुरा एवहीसे संजमज्जि उवहिए । मावा पुत

वसमाही स तद्वागवस्थ नि ॥ १८ ॥ १२८ ॥ अक्षिगणन्यस्त मिकच्छो  
 वस्मागस्त पञ्चस्त दारुण । अष्टे परिहायै बहु अक्षिगणन्य न करोज पञ्चिप  
 ॥ १९ ॥ १२९ ॥ सीकोदय पति हृष्टिभो अपदिजस्त म्वाजसपिभो । सामाह-  
 वमाह तस्त न को निक्षिभोपस्तन न मुच्यै ॥ २० ॥ १३० ॥ न य संवसमाह  
 सीनिर्ग तह नि य वाक्यभो पयम्भै । वाके पावैहि मिजई इह संवाज सुभो न  
 मज्जै ॥ २१ ॥ १३१ ॥ संवेन पके इमा पना वदुमावा मोहेन पलुका । निवैव  
 पकेति माहवे सीठर्ह वरपा क्षियासप ॥ २२ ॥ १३२ ॥ इजप अपछविप अहा  
 अकवेहि हस्तकेहि सीपय । कवेव पहाज नो कर्म नो सीव नो वेव दारु  
 ॥ २३ ॥ १३३ ॥ एव कोयमि तारुणा हुरप के वम्मे अलुतरे । तं गिन्द द्विं  
 ति वरमे कवति सेवज्जहाव पविप ॥ २४ ॥ १३४ ॥ उत्तर म्वाजान आक्षिवा  
 मानवम्भ इह मे अलुस्तुव । वसी निरमा समुद्रिवा कसवस्त अलुवम्भवारिभो  
 ॥ २५ ॥ १३५ ॥ के एव वरणि आक्षिवं नाएवं म्हाका महेतिवा । से सट्ठिन ते  
 समुद्रिवा अलोवं सारेति वम्भमे ॥ २६ ॥ १३६ ॥ मा पेह पुप पनामप  
 अमिन्धे उवई सुमिप ॥ २७ ॥ १३७ ॥ के वृत्तन तेहि नो ममा ते आनन्ति समाक्षिमाक्षिवं  
 ॥ २८ ॥ १३८ ॥ नो कव्हिरे होज संवप पालमिप न व वंस्तार ॥ २९ ॥ १३९ ॥  
 अलुतरे कवकिरेप न दावि मामप ॥ ३० ॥ १४० ॥ कवे व पंसेत नो करे न  
 व कवेव पनात माहवे । तेति सुमिकवमाक्षिप पयवा केहि सुकोसिवं ह्वं ॥ ३१ ॥ १४१ ॥  
 ॥ १४२ ॥ अविरे सक्षिप सुसंभुवै वम्माहो उवत्तनवीरेप । निहरेज समाक्षिहिप  
 अलुतिवं व कुहेन वम्भइ ॥ ३२ ॥ १४३ ॥ न हि वृत्त पुप अलुस्तुवं बहु वा  
 तं तह नो समुद्रिवं । सुमिवा सामाह आक्षिवं नाएवं वगत्तम्भेतिवा ॥ ३३ ॥ १४४ ॥  
 एव मया म्भन्तरे वम्भमिन्धे तक्षिवा बहु वमा । पुक्को वंवालुवाया निरवा तिन्ध  
 म्भोवमाक्षिवं ॥ ३४ ॥ १४५ ॥ ति वेति ॥ क्षियाक्षिपस्तपपमि विहयुहेतो ॥  
 संवुवम्भस्त मिकच्छो वं हुरवं पुहं अयोहिप । तं संवम्भोपपविजई मरन  
 हेव वरन्ति पविज्वा ॥ ३५ ॥ १४६ ॥ के निववणाक्षिपेतिवा संतिन्धेहि सम निवाक्षिवा ।  
 तम्हा वई ति पासहा अरवत्त वामाह रोवर्न ॥ ३६ ॥ १४७ ॥ वम्य वमिपुहि  
 आक्षिवं वारेणो पविमिवा इह । एव पमा म्भन्तया अकवावा व सरत्तमेवमा  
 ॥ ३७ ॥ १४८ ॥ के इह वामालुवा वरा अज्जोवववा अयेहि सुमिवा । निववेन  
 सम वमिपिना न नि आनन्ति समाक्षिमाक्षिवं ॥ ३८ ॥ १४९ ॥ वाहेव वहा न  
 निवत्त अकवे होइ एवं पयोप ॥ ३९ ॥ १५० ॥ के अलुतो अलुवमाप नाएव अकवे निवीव  
 ॥ ४० ॥ १५१ ॥ एव कोयमि निव अज पुप पयोव संवर्न । वायो वम्य न



न चाप्यत्र वेदेषु परिनिष्ठाः ॥ १ ॥ १९९ ॥ एवं चेहे नि अप्युक्ते मित्रव्यावृत्ति-  
अप्येति । तर्हि यत्तु अप्यत्रात् आद्यं च वेदेषु ॥ ३ ॥ १९७ ॥ अथा हेमन्त-  
मासमि शीतं पुनरु सञ्जये । तत्त्व मन्दा मिश्रीवन्ति रज्ज्वहीना व कतिना ॥ ४ ॥  
॥ १९८ ॥ पुनरे पिम्बद्विजायैर्न मित्रेण सुपिवाशिः । तत्त्व मन्दा मिश्रीवन्ति मच्छा  
अप्येति ॥ अथा ॥ ५ ॥ १९९ ॥ अथा इत्येवम् । सुप्या आश्रया सुप्योक्तिना ।  
अप्येति सुप्यया येन इत्यर्थः पुनरीत्या ॥ ६ ॥ १७ ॥ एष चो अप्याप्यता मामेव  
नगरेषु वा । तत्त्व मन्दा मिश्रीवन्ति संवाममि व सीम्ना ॥ ७ ॥ १७१ ॥ अप्येगे  
कृषिर्न मिश्रीवन्ति सुप्री ईसद्विज्ञाप । तत्त्व मन्दा मिश्रीवन्ति तेजपुत्रा व पान्तिना  
॥ ८ ॥ १७२ ॥ अप्येगे पक्षिमासुति पक्षिपन्थिमाववा । पक्षिमाववा एष के  
एष एवमीति ॥ ९ ॥ १७३ ॥ अप्येगे चरु सुवन्ति अमिना पिम्बोद्विज्ञापना ।  
सुप्या अप्येति ॥ अथा ॥ १० ॥ १७४ ॥ एवं मित्रव्यावृत्ते  
अप्येति व अवाववा । तमावो ते तमे वन्ति मन्दा मोहेव पल्लवा ॥ ११ ॥ १७५ ॥  
पुनरे व ईसमन्तगेहि तत्त्वमन्तमन्तव्या । न मे हिंसे परे अप्ये चरु मरु मरु सिवा  
॥ १२ ॥ १७६ ॥ संतता केसकेर्न अप्येवैरप्यव्या । तत्त्व मन्दा मिश्रीवन्ति  
मच्छा सिद्ध व केवने ॥ १३ ॥ १७७ ॥ आद्यव्यवस्थावारे मिच्छासंविजममन्ता ।  
हृदिप्यव्यवस्थावारे केहि वन्ति ॥ अथा ॥ १४ ॥ १७८ ॥ अप्येगे पक्षिमाववा  
वारो अप्येति मित्रव्यावृत्ति । अप्येति मित्रव्यावृत्ति वाद्य कटावकमिहि व ॥ १५ ॥ १७९ ॥  
तत्त्व मन्दा संवोते सुप्रीना अमु फलैव वा । नार्हन् चरु वाके इत्थी वा कुम्पपा-  
श्रीवी ॥ १६ ॥ १८० ॥ एष मो कतिना पक्ष्या पक्ष्या पुरहिवाववा । इत्थी वा  
सुरहिवा कतिमास ववा मिहि ॥ १७ ॥ १८१ ॥ ति वेमि ॥ अथाप्यव्यवस्थावारे  
पक्षमुहेसे ॥

अहिमे सुप्या वेदा मित्रव्यावृत्ति के वृत्तात् । अत्त्व एगे मिश्रीवन्ति न वन्ति  
अमिना ॥ ११ ॥ १८२ ॥ अप्येगे नावयो सिद्ध रोवन्ति परिवारिवा । पोष के  
ताव पुनरे मि कस्स ताव अवाशि वै ॥ १२ ॥ १८३ ॥ पिवा ते वेरयो ताव अथा  
ते कृषिना इमा । मावरो ते अथा ताम सोवरा कि अवाशि वै ॥ १३ ॥ १८४ ॥  
मावर् पिमर् पोष एवं केवो ममिस्सह । एवं च ओह्यं ताव के पावेति व मावर्  
॥ १४ ॥ १८५ ॥ अथा मधुव्यावा पुता वे ताव अथा । भारिवा ते गवा ताव  
मा ता कर्ष वरु पये ॥ १५ ॥ १८६ ॥ एहि ताव वरु अप्यो मा व कम्मे अथा  
व्य । मिह्यं पि ताव पातामो अप्यु ताव चरु मिहि ॥ १६ ॥ १८७ ॥ पम्पु ताम पुनो  
गच्छे न तेना समये सिवा । अप्येवमं परिवर्त्तये के ते नावैवमिह ॥ १७ ॥ १८८ ॥



[illegible]

12-00000 00000 00000

इतिपरिचयस्य च कृतस्य

ये मायरं च निररं च विष्णुमहाय पुष्पकज्योत् । एते,  
यमेष्टुषो विमितेष्टु ॥ १ ॥ २४७ ॥ सुष्टुमेष्टु तं वीर्यम्य सप्तमस्तु  
उष्टुम्यं पि ताड जगन्तु अहं सिस्सन्ति भिषक्तुनो हने ॥ २ ॥  
मिषीवन्ति अभिषक्तं पोसक्तं परिहन्ति । कर्तव्यं ज्ञेयं वि वंशविः विष्टु  
कन्तमस्तुम्य ॥ ३ ॥ २४८ ॥ सप्तमस्तुमेष्टु ज्योमेष्टु इष्टुमेष्टु हने  
एवमि येन से ज्ञेये पासमि भिषक्तम्यमि ॥ ४ ॥ २४९ ॥ नो तद्व  
नो मि न साहसं सप्तमिज्ञेये । नो सप्तमं पि निहरेष्टु एकम्य  
॥ ५ ॥ २५० ॥ आसप्तम्य उष्टमम्या भिषक्तं आसप्तम्य निमन्तेष्टु । एवमि  
से ज्ञेये सप्तमि भिषक्तम्यमि ॥ ६ ॥ २५१ ॥ सप्तमस्तुमेष्टु ज्योमेष्टु सप्तमिज्ञेये  
सुष्टुमिज्ञेये । सुष्टु मनुजमेष्टु आसप्तम्य भिषक्तम्यमि ॥ ७ ॥ २५२ ॥

संयत्तममप्या उ अद्यत्वेऽ सुचिन्ता । पिच्छवान् विज्ञानस्त र्थं धारेह द्वाह न  
 ॥ १ ॥ २१२ ॥ एवं दुष्मे सरामस्त अद्यमममप्या । गुरुसप्यहसम्भावा  
 संतारस्त अप्यरागा ॥ १ ॥ २१३ ॥ अह ते परिमातेऽय मिच्छ मोक्ष-  
 मिधार ॥ १ ॥ एवं दुष्मे पमास्तन्ता दुपयर्त्त चेव धेव ॥ ११ ॥ २१४ ॥ दुष्मे  
 मुद्ध अप्य मिच्छन्ते अमिहवमि य । तं च वीमोहर्ग मोषा तमुत्तिष्ठति र्थं  
 कर्त्त ॥ १२ ॥ २१५ ॥ विद्या विद्यामिच्छन्ते उमिच्छन्त अद्यमाहिम्न । गार्हपत्यार्त्त  
 केव अस्मत्सारम्भर्त्त ॥ १३ ॥ २१६ ॥ तत्तेव अमुत्तिष्ठ ते अप्यिच्छेव  
 वाचवा । न एव निवृ मग्ने असमिच्छन्त वई तिर्त्त ॥ १४ ॥ २१७ ॥ परिचा  
 वा वई एवा अन्तर्त्तव्य करिच्छन्त । विच्छिन्नो अमिहर्त्त केव मुच्छिन्त न त मिच्छन्त  
 ॥ १५ ॥ २१८ ॥ अममममप्या वा सा सारम्भा न मिच्छेहिवा । न उ एवाहि  
 तिर्त्तहि पुन्यमाप्ति पयप्ति ॥ १६ ॥ २१९ ॥ सप्याहि अमुत्तुर्त्तहि अद्यमन्ता  
 अमित्त्त । तस्मे वार्त्त विच्छिन्ता ते मुच्छो मि पयप्ति ॥ १७ ॥ २२० ॥ राय-  
 होषामिच्छन्ता मिच्छन्तेव अमिच्छन्ता । आरम्भे सरम्भ अन्ति र्त्तन्ता इव पम्भर्त्त  
 ॥ १८ ॥ २२१ ॥ अमुत्तुर्त्तमप्याहि पुन्या अद्यमाहि ॥ १९ ॥ २२२ ॥ इमे च अमममावाव अमममम पयप्ति । पुन्या  
 मिच्छन्त विज्ञानस्त अमित्त्त सप्याहि ॥ २० ॥ २२३ ॥ संप्रदाय पयप्ति अमम  
 मिच्छन्त परिमिच्छन्ते । उद्यममे मिच्छन्ता आमोक्षन्ता परिमप्यन्ता ॥ २१ ॥ २२४ ॥  
 ति वेमि ॥ उद्यमममप्याहि सारम्भे सारम्भे ॥

अद्यत्वे महापुत्रिण पुमि तत्तमोवना । उद्यम मिच्छिमान्ता तत्त मग्ने  
 मिच्छिन्त ॥ १ ॥ २२५ ॥ अमुच्छिन्ता नमी मिच्छी रायमग्ने न मुच्छिन्ता । अमुत्तुर्त्त  
 मोषा तहा रायमग्ने रिती ॥ २ ॥ २२६ ॥ आरम्भे वेमि केव वीमोक्ष महापुत्रि ।  
 रायमग्ने र्त्त मोषा वीमोक्षि हरीवाप्ति न ॥ ३ ॥ २२७ ॥ एव पुन्य महापुत्रिवा  
 आरम्भे इह संमता । मोषा वीमोक्षि तिवा इह मयमपुत्रि ॥ ४ ॥ २२८ ॥ तत्त  
 अमम मिच्छिन्त अमुत्तुर्त्त न रायमग्ने । पिच्छो वीमोक्षन्ति पिच्छन्ती न संमते  
 ॥ ५ ॥ २२९ ॥ इहमे उ आरम्भे सारम्भे सारम्भे । ये तत्त आरम्भे मग्ने  
 र्त्त न सप्याहि ॥ ६ ॥ २३० ॥ मा हर्त्त अमममग्ने अमममग्ने सुम्यहा वृत्त ।  
 एमस्त त अमममग्ने अमममग्ने अमममग्ने ॥ ७ ॥ २३१ ॥ रायमग्ने अमम  
 मुत्तुर्त्त अद्यमग्ने । अरिवापति अममग्ने येमुने न परिमग्ने ॥ ८ ॥ २३२ ॥  
 इहमे उ अद्यमग्ने अद्यमग्ने अद्यमग्ने । अरिवापति रायमग्ने अद्यमग्ने अद्यमग्ने  
 ॥ ९ ॥ २३३ ॥ अहा अममग्ने रायमग्ने न परिमग्ने सुम्यहा । एवं अद्यमग्ने अद्यमग्ने

अथर्व वीर्यं न व कर्तुं अथवाप्य शुद्धे । शुद्धं करेह से कर्तुं

॥ २९ ॥ २७५ ॥ संतोषमिच्छन्मनसं आत्मनः

न ताह पात्रं वा अर्थं पात्रं पठित्वा ॥ ३० ॥ २७६ ॥ नीलारवेण  
इच्छे अगारमामन्तु । कदे नित्यपाठेहि कोट्यान्मन्त्रं शुद्धे मन्त्रे ॥ ३१ ॥  
सि वेमि ॥ इतिवदित्वाऽथवाप्य कदमुदेसो ॥

ओए सदा न रवेजा योगमयी शुद्धो निरवेजा । ओमे अथवाप्य  
भुवन्ति मिच्छन्तो एगे ॥ १ ॥ २७८ ॥ अह तं ह मेवमन्त्रं  
कम्मममन्त्रं । पठिमिच्छिवा न तो पञ्चा पादुङ्गु शुद्धि कल्पन्ति ॥ २ ॥  
अह केसिका न मए मिच्छु नो निहरे सह कल्पिनी । केसात्मि ई  
मए चरेजासि ॥ ३ ॥ २८० ॥ अह न से होह उच्यन्ते तो वेत्तन्ति  
अथवाप्य वेहेहि कम्पुज्जम्भं आहराहि सि ॥ ४ ॥ २८१ ॥ वाक्पि  
पञ्चोमे वा भविस्सई रान्ते । पावन्ति न मे रवाधेहि इहि ता मे  
॥ २८२ ॥ वत्थानि न मे पठिमेहेहि अर्थं पात्रं न आहराहि सि ।  
रान्तेहरणं न कसकं न मे समनुजानाहि ॥ ५ ॥ २८३ ॥ अदु कम्मि  
कुक्कवं मे पयच्छाहि । कोई न कोइडुत्तं न वेत्तुमन्ति न कुत्तं न  
॥ २८४ ॥ कुटुं तगरं न अगई संपिहं समं उदिरं । तेनं सुहमिच्छाए  
संनिहाणाए ॥ ८ ॥ २८५ ॥ नन्दीपुण्यमाई पाहराहि उतोत्तमं न  
सत्यं न सूच्येजाए आजीलं न कर्कं रवाधेहि ॥ ९ ॥ २८६ ॥  
सागपागाए आमलगाई दगाहरणं न । सिक्काकरमिच्छन्मन्त्रं मिह नै  
विजानेहि ॥ १० ॥ २८७ ॥ संडासर्गं न पठिहं न सीहमिच्छन्मं न  
आदंसगं न पयच्छाहि वन्तपक्खालं पवेसाहि ॥ ११ ॥ २८८ ॥ पूजकं  
उत्तर्गं न जानाहि । कोसं न मोक्खेहाए सुप्पुक्खसर्गं न आरनात्तं न ॥  
॥ २८९ ॥ चन्दालगं न करगं न कववरं न आठसो कणाहि ।  
आवाए गोरहर्गं न सामनेराए ॥ १३ ॥ २९० ॥ वडियं न सविम्विजं न  
गोसं कुमारभूखाए । वासं सममिआवणं आबसई न जात्त भत्तं न ॥ १४ ॥  
आसन्दिमं न नवसुतं पाठगाई संकमडाए । अदु पुत्तदोहल्लुआए जावणा  
दासा वा ॥ १५ ॥ २९२ ॥ जाए फळे समुप्पन्ते गेवसु वा न अहवा अहहि ॥  
अह पुत्तपोसिणो एगे भारवहा इवन्ति उद्ध वा ॥ १६ ॥ २९३ ॥ राजो नि  
उद्धिया सन्ता वारगं न संठवन्ति भाई वा । सुहिराम्भवा नि ते सन्ता वत्थपोस  
इवन्ति ईसा वा ॥ १७ ॥ २९४ ॥ एवं वडुहिं कम्पुजं योगत्थाए वेत्तमिच्छन्म ।

सीरं बहा व कुमिमेने निष्कमवेगवरे ति पासेने । एमिस्विवाठ वम्बन्ति संसुव  
 क्वात्समनगारं ॥ ८ ॥ २५४ ॥ अह तत्त्व पुनो नमयस्ती एहकारो व नेमि आनुप-  
 म्नीप् । बन्धो मिए व पासेने फन्धन्ते नि न सुवए ताहे ॥ ९ ॥ २५५ ॥ अह  
 सैऽसुताप्यै पच्छा मोन्वा पायसं व निरुमिस्ते । एवं विवेगमावाव संवासो न नि  
 कम्पए वनिप् ॥ १ ॥ २५६ ॥ तम्हा व वज्जए इत्थी निरुमिस्ते व कम्पं नवा ।  
 ओए कुम्भमि वसवती आवाए न से वि निगन्वे ॥ ११ ॥ २५७ ॥ वे एवं तम्हा  
 वज्जमिवा वज्जवए होमि कुसीनारं । सुतवस्तिए नि से मिकल् मो विहरे सह वमि-  
 स्तीप् ॥ १२ ॥ २५८ ॥ अमि धूरएहि सुवहहि वरहहि अमुव वासीहि । महहि वा  
 कुमारीहि संवर्णं से न कुमा वनगारे ॥ १३ ॥ २५९ ॥ अहु नात्वं व छत्तिं वा  
 मप्पिं वहु एमवा होह । मिवा सता कामेहि एववपेसवे मसुस्सोऽसि ॥ १४ ॥  
 ॥ २६ ॥ समं पि वहुवात्तीं तत्त्व नि ताव एगे कुम्पन्ति । अहु वा मोयमेहि  
 नत्पेहि इत्थीरोसं संमिओ होन्ति ॥ १५ ॥ २६१ ॥ कुम्पन्ति संवर्णं ताहि पम्पन्ना  
 समाहिबोणेहि । तम्हा समवा न समेन्ति आनद्धिवाए संमिसेवानो ॥ १६ ॥ २६२ ॥  
 अहमे विहहि अवहहु मिस्सीमारं पत्तुवा व एगे । कुम्पन्नामेव पवन्ति वावापीरिं  
 कुसीनारं ॥ १७ ॥ २६३ ॥ छत्तं एवह परिचाए अह एहस्समि हुक्कं करेन्ति ।  
 अजन्ति व वं तहासिज माग्गे महासवेऽर्धं ति ॥ १ ॥ २६४ ॥ एवं हुक्कं व  
 न वव् अहो नि पवन्त वरि । वेवात्तुपीह मा कसी बोहज्जन्तो पिताह से  
 सुज्जे ॥ १८ ॥ २६५ ॥ ओसिया नि इतिवोत्तेस पुरिषा इतिवेववेववा । पहास  
 मन्निव वैन गारीं वरं ठक्कन्ति ॥ २ ॥ २६६ ॥ अमि इन्पयासोन्नाए अहु वा  
 वम्पेसउज्जन्ते । अमि वेवसामित्तमवाणि तत्त्विय कारहिंवरार्हं व ॥ २७ ॥ २६७ ॥  
 अहु कम्पनासवेमं कठपेवमं तिहवन्ती । इह एव पायसं तता न वेन्ति पुनो  
 न काङ्क्षिन्ति ॥ २८ ॥ २६ ॥ तवमेवमममेगेहि इत्थीवेव ति हु ववनकारं । एवं  
 पि ता वरत्तमं अहु वा कम्मुणा ववकरेन्ति ॥ २९ ॥ २६९ ॥ एवं मनेव  
 विन्तन्ति वावा वरं व कम्मुणा वरं । तम्हा न सहे मिकल् वहुमायाम्मे इतिवो  
 नवा ॥ ३० ॥ २७ ॥ कुवै समं वृवा निविर्त्तवपरवपानि परिदिता ।  
 निरवा वरिस्सहि उक्कं वम्पमाएवक वे ववन्तारो ॥ ३१ ॥ २७१ ॥ अहु सानि-  
 वाप्पाएवं अहमेहि साहमिन्नी व समवार्थं । अउज्जमे अहा उज्जमेहि संवासे निज  
 निरीएवा ॥ ३२ ॥ २७२ ॥ अउज्जमे बोहठवहूरे आत्तमित्ते वसमुवपाह ।  
 एमिस्विवाहि वनपारा संवासेन वसमुवन्ति ॥ ३३ ॥ २७३ ॥ कुम्पन्ति पायसं  
 कम्पं पुद्गा वेगेवमाहिह । मोहं करेमि वरं ति अवेगात्तनी ममम ति ॥ ३४ ॥ २७४ ॥

समावेता यदि कूरुमा मितवेति कर्म । ते तत्र

मन्त्रा य जीवन्ती य जीवन्ती ॥ १३ ॥ ३१२ ॥ संतुष्टा

ते नारगा वत्स वसातुम्मा । इत्येहि पाण्डि य वन्धितान् कर्म ॥

कुदावहत्वा ॥ १४ ॥ ३१३ ॥ संहरे पुनो

पयन्ति न नेरइए फुरन्ते सवीकन्ते य वनीकन्ते ॥ १५ ॥ ३१४ ॥

तत्र महीमवन्ति न मिच्छे सिन्धमिवेयत्वा । तन्मनुमान

पुनो इह पुनवेन ॥ १६ ॥ ३१५ ॥ तदि य ते लोकावलीकन्ते कर्म

अगमि ववन्ति । न तत्र सारं सद्दं मिदुगे अरहिकाभित्ता तद्दं

॥ १७ ॥ ३१६ ॥ ते सुवई नगरवहे य सद्दं सुवोवनीयानि पयानि

उदिक्कम्मा उदिक्कम्मा पुनो पुनो ते सद्दं कुंति ॥ १८ ॥ ३१७ ॥

ये पाव विवोवन्ति तं ते पवन्तामि जहातहेन । इत्येहि तत्र

सन्नेहि इत्येहि पुरात्तुहि ॥ १९ ॥ ३१८ ॥ ते इत्यन्ताय करे

दुस्सस्स महाभित्ताये । ते तत्र विद्वन्ति पुन्यकन्ती सुमन्ति

॥ २० ॥ ३१९ ॥ सत्ता कतिनं पुन कम्मठानं नानोवनीयं सद्दुक्कम्मा

पक्कित्त्य विदु देहं वेहेन सीरं तेमितावन्ति ॥ २१ ॥ ३२० ॥

वात्सस्स चुरेन नद्दं जेट्ठे मि छिन्वन्ति दुये मि कम्मे । सिन्धं

मेतं तिक्काहि सूलाहि मितान्ति ॥ २२ ॥ ३२१ ॥ ते

राईदियं तत्र वणन्ति वात्स । गलन्ति ते लोभिकपूवर्धं पञ्चोत्त

॥ २३ ॥ ३२२ ॥ अइ ते सुवा जेहिकपूवर्धं वात्सगणी तेजज्जुल वीर्यं

महन्ताहिकोक्तीया समूसिया लोहिकपूवपुन्ना ॥ २४ ॥ ३२३ ॥

पयवन्ति वात्से अट्टस्सरे ते कलुणं रसन्ते । तन्नाइका ते तडत्तन्तरी

द्वयं रसन्ति ॥ २५ ॥ ३२४ ॥ अप्पेन अप्पं इह ववहत्ता नवइये

सहस्से । विद्वन्ति तत्रा बहुकूरुम्मा जहा कई कम्म तहासि भारे ॥ २६ ॥

समज्जित्ता कलुसं अणजा इत्थेहि कन्तेहि य विण्णुणा । ते दुग्गिपन्ने

फासे कम्मोवगा कुविमे आवसन्ति ॥ २७ ॥ ३२५ ॥ ति वेमि

ज्जवणे पडमुहेस्से ॥

अहावरं सासयदुक्कम्मायमी तं ते पवन्तामि जहातहेन । वात्ता जहा

कम्मकारी वेयन्ति कम्माई पुरेकवई ॥ १ ॥ ३२७ ॥ इत्येहि पाण्डि य वन्धितान्

उयरं विकतन्ति चुरासिएहि । विण्णु वात्सस्स विदु देहं वदं विरं पिडुठ

उदरन्ति ॥ २ ॥ ३२८ ॥ बाहू पकतन्ति न मूलजो से ज्ञेयं विवासं मुहे जाव-

दासे भिए न पेसे न पछमूए वा से न वा केई ॥ १८ ॥ २९५ ॥ एवं च पछ  
 निवर्ण संवर्ण संवासे न बजेजा । उभातिना इमे कमा बज्जका म एममकाए  
 ॥ १९ ॥ २९६ ॥ एवं मयं न सेनाए इह से अप्पणं मिद्धमिणा । नो इत्थि नो  
 पयं मिक्खु नो एवं पाणिना मिद्धिजेजा ॥ २ ॥ २९७ ॥ सुप्पिमुद्धसे मेहापी  
 परकिरियं न बज्जए वापी । मज्झा बज्जा कएणं उज्जपससहे जलमारं ॥ २१ ॥  
 ॥ २९८ ॥ इवेममाहु से वीरे सुक्खए सुक्खमोहे से मिक्खु । उभा अप्पणमिद्धसे  
 सुप्पिमुद्धे आमोक्खाए परिण्णएजाति ॥ २२ ॥ २९९ ॥ ति मेमि ॥ इत्थिपरि-  
 ण्णसुयणं वउत्थं ॥

### निरयविमप्पियब्बायणे पञ्चमे

पुण्डित्थं केवलिं महेसि कं मितावा नरणा पुराणा । अनाकमो मे मुनि  
 इहि ज्ञानं कइं तु वाका नरणा लवेन्ति ॥ १ ॥ १ ॥ एवं मए पुंहे महात्तुनाये  
 इम्मोऽज्जन्वी कसवे जाउपणे । पयैकस्सं बुद्धमिद्धुमं जाईमिं बुद्धविं पुराण  
 ॥ २ ॥ १ ॥ १ ॥ वे केइ वाका इह वीनिवट्ठी पाचाईं कम्मार्हं करेन्ति खा । ते  
 पोरस्सै तस्मिन्मयारे तिप्पामितावे नरणे पवन्ति ॥ ३ ॥ १ ॥ २ ॥ तिम्बं तसे  
 पाणियो वावरे न के हिंखई ज्ञानार्हं पण्णा । वे कए होइ अवाजापी न तिक्खई  
 सेवविस्स किंमि ॥ ४ ॥ १ ॥ १ ॥ पागम्मि पाये बहूवं तिवाईं जनिन्नुए वात्सु-  
 वेइ नाके । मिहो मिहं गच्छात्तं अत्तपके अहोसिरे कहु वधिइ कुम्भं ॥ ५ ॥ १ ॥ ४ ॥  
 इह तिक्खइ मिक्खइ नं वहेसि सोइ शुक्केता परममिम्बार्हं । ते नारयानो न्वमिन्-  
 सवा कंजन्ति कं नाम तिहं वयामो ॥ ६ ॥ १ ॥ ५ ॥ इत्थमपि अजिं सजोई  
 उत्तरेमं धूमिन्नुज्जन्ता । ते अज्जमाणा पण्णं वनन्ति अरहस्सए उत्तं विरट्ठि-  
 ईवा ॥ ७ ॥ १ ॥ ६ ॥ कइ ते सुया वैवर्णी मिहूणा मिठिजो बडा कुर इह  
 तिक्खयोवा । तरन्ति से वैवर्णि मिहूयं वट्ठोईवा सतिम्भ इम्ममाणा ॥ ८ ॥  
 ॥ १ ॥ ७ ॥ कीकैहि मिग्गन्ति अत्ताहुकम्मा ज्ञानं वधिन्ते तस्मिन्पण्णा । अजे उ  
 सुम्भहि तिन्नुमिवाहि वीहाहि मिहूण जइ करेन्ति ॥ ९ ॥ १ ॥ ८ ॥ केसि न  
 वनिवट्ठु गळे ठिकाओ वट्ठोसि बोकेन्ति महाज्जंति । कम्मवावज्जन्नुम्पुरे न  
 कोत्तपि पवन्ति य तत्तं अजे ॥ १ ॥ १ ॥ ९ ॥ आद्युत्तं नाम महामित्तं  
 अन्वत्तं बुद्धतरं महत्तं । कहु अहे नं तिस्सिं विद्यात्तं समाहिमो अत्तवणी विवाइ  
 ॥ ११ ॥ ११ ॥ १० ॥ वंसी पुत्ताए अत्तमेऽतिवो अविवाकजो वज्जत्तं हुतापवो । उवा  
 न कहुन पुनं वम्मज्जं गाडोवणीयं अत्तुक्कवम्मं ॥ १२ ॥ १११ ॥ वतादि

समारमेता यदि कूरकम्मा जितयेमि कम्मे । ते तत्त्व  
 मीणा मच्छा व जीवन्ती व जीहवता ॥ १३ ॥ ३१२ ॥ संतपन्ते  
 ते नारगा वरव असाहुकम्मा । इत्येहि पाएहि व वन्धिवन्धे कम्मे व  
 कुहाडहरता ॥ १४ ॥ ३१३ ॥ सहिरे पुणो वसतमुत्तिखन्ति विमुत्तन्ति  
 पयन्ति न नेरइए फुरम्ते सवीकम्मे व अवीकम्मे ॥ १५ ॥ ३१४ ॥  
 तत्त्व मसीमवन्ति न भिज्जई सिण्णमिद्वेयनाए । तत्त्वमुमान् अत्तुविद्वेयनाए  
 दुक्खी इह दुक्खेण ॥ १६ ॥ ३१५ ॥ तहि व ते लोकाग्गवन्ति वेदं  
 अगग्गि वयन्ति । न तत्त्व साव सइ मियुग्गे अरहिकाजिताका तह  
 ॥ १७ ॥ ३१६ ॥ से सुवई नगरवहे व से सुहोवणीवन्ति पक्कामि  
 उदिण्णकम्मा उदिण्णकम्मा पुणे पुणे ते वरई बुद्धि ॥ १८ ॥ ३१७ ॥  
 न पाव विवोवन्ति तं मे पक्कामि अहातहेन । इत्येहि तत्त्व  
 सम्भेहि इत्येहि पुरात्तपहि ॥ १९ ॥ ३१८ ॥ ते इत्थमाणा नरवे  
 दुस्सत्स महाभिताये । ते तत्त्व विद्वन्ति दुक्कमक्खी सुद्वन्ति कम्मेवन्ति  
 ॥ २० ॥ ३१९ ॥ सत्ता कसिं पुन कम्माडान् गाडोवणीये कत्तुक्काम्मे ।  
 पक्खिण्ण विद्वत्तु देहं वेहेन सीसं तेज्जितावन्ति ॥ २१ ॥ ३२० ॥  
 वात्सस्स कुरेण न्ने ओठे वि छिन्दन्ति दुबे वि कम्मे । सिण्णं  
 मेतं सिक्खाहि सूत्ताहि मित्तावन्ति ॥ २२ ॥ ३२१ ॥ ते  
 राईदियं तत्त्व वयन्ति वाक्का । गत्तन्ति ते लोमिकपूवमं वम्मेइत्थ  
 ॥ २३ ॥ ३२२ ॥ अह ते सुवा लोहिकपूवपाई वात्सगणी तेज्जुत्त वरिं  
 महन्ताहिकोक्खीया समूसिया लोहिकपूवपुण्णा ॥ २४ ॥ ३२३ ॥ पक्खिण्णं  
 पयवन्ति वाक्के अट्ठस्सरे ते कत्तुणं रसन्ते । तत्त्वाइवा ते तत्त्वत्तत्तरी  
 द्दयरं रसन्ति ॥ २५ ॥ ३२४ ॥ अप्पेग अप्पं इह वक्कता नवाइये  
 सहस्से । विद्वन्ति तत्त्वा बहुकूरकम्मा अहा कई कम्म तहासि भारे ॥ २६ ॥  
 समज्जिणिता कत्तुसं अणजा इठेहि कन्तेहि व विण्णहणा । ते बुद्धिगम्मे  
 फासे कम्मोवगा कुबिमे आवसन्ति ॥ २७ ॥ ३२५ ॥ सि वेमि  
 उज्जवणे पडमुहेसे ॥

अहावरं सासयदुक्कवम्मं तं मे पक्कामि अहातहेन । वाक्का अहा  
 कम्मकारी वेयन्ति कम्माई पुरेकडाई ॥ १ ॥ ३२७ ॥ इत्येहि पाएहि व वन्धिवन्धे  
 उयरं विकत्तन्ति कुरासिएहि । विद्वत्तु वात्सस्स विद्वत्तु देहं वरं विरं विद्वत्तु  
 उरन्ति ॥ २ ॥ ३२८ ॥ बाह पक्कामि व मूसजो से मूसं वियासं मुहे आह-





समारभेता जहि कूरकम्मा भित्तिमेति कर्म्म । ते तत्त्व  
 बीजा मज्झ व बीकस्ती व बीहवत्ता ॥ १३ ॥ ३१२ ॥ कौतुक्ये  
 ते नारत्ता वरव अत्तादुक्कम्मा । इत्येहि पाएहि व वन्निवर्त्तने कर्म्मं व  
 कुहावहरत्ता ॥ १४ ॥ ३१३ ॥ कहिरे पुणो कक्कसमुत्तिक्कम्मा भित्तुत्तम्मा  
 पयन्ति न नेरए फुरम्मे सवीकम्मा व अवीकम्मा ॥ १५ ॥ ३१४ ॥  
 तत्त्व मसीमवन्ति न मिज्झ सिम्भमिद्विक्काए । तत्त्वसुम्मानं अत्तुविक्कम्मा  
 दुक्कम्मा इह दुक्कम्मा ॥ १६ ॥ ३१५ ॥ तहि व ते कौत्तम्मावन्ति कर्म्म  
 अगमि वयन्ति । न तत्त्व सारं कर्म्म मिदुम्मे अरत्तिवित्तात्ता तहि  
 ॥ १७ ॥ ३१६ ॥ ते सुवर्म्म नगरवहे व सहे सुवोवणीवन्ति कर्म्म  
 उद्विक्कम्मा उद्विक्कम्मा पुणे पुणे ते कर्म्म कुम्मा ॥ १८ ॥ ३१७ ॥  
 न पाव विवोवन्ति तं मे कक्कम्मा जहातहेन । इत्येहि तत्त्व  
 सन्नेहि इत्येहि पुराक्कम्मा ॥ १९ ॥ ३१८ ॥ ते इत्थम्मात्ता नरमे  
 दुक्कम्मा महामित्ताये । ते तत्त्व विद्वन्ति कुक्कम्मात्ता सुम्मा कम्मावन्ति  
 ॥ २० ॥ ३१९ ॥ सत्ता कर्म्मं पुन कम्मात्ता कौत्तम्मात्ता कर्म्म  
 पक्कम्मा विद्वन्ति देह देहेन कौत्तं तेज्जम्मावन्ति ॥ २१ ॥ ३२० ॥  
 वाक्कम्मा कुरेन नर्म्म कौत्तं वि विद्वन्ति कुम्मा वि कम्मा । विद्वन्  
 मेत्तं तिक्काहि सत्ताहि मित्तावन्ति ॥ २२ ॥ ३२१ ॥ ते  
 राइदियं तत्त्व वगन्ति वाक्का । मत्तन्ति ते कौत्तम्मावन्ति कम्मावन्ति  
 ॥ २३ ॥ ३२२ ॥ जइ ते कुम्मा कौत्तम्मावन्ति वाक्कम्मात्ता तेज्जम्मा कौत्तं  
 महन्ताहिकोत्तीया समुत्तिया कौत्तम्मावन्ति पुम्मा ॥ २४ ॥ ३२३ ॥  
 पयन्ति वाक्के अट्ठस्सरे ते कर्म्म रसन्ते । तत्त्वत्ता ते तत्त्वत्तावन्ति  
 द्युरं रसन्ति ॥ २५ ॥ ३२४ ॥ अप्पेज अप्पे इह कक्कम्मा जहातहे  
 सहस्से । विद्वन्ति तत्त्वा बहुकूरकम्मा जहा कर्म्म कम्म तहाति मारे ॥ २६ ॥  
 समज्जिजित्ता कर्म्मं अणज्जा इत्येहि कन्तेहि न विप्पम्मा । ते कुम्मावन्ति  
 फासे कम्मावन्ति कुम्मावे आवसन्ति ॥ २७ ॥ ३२५ ॥ ति वेमि  
 ज्जम्मावे पडम्मावे ॥

अहावरं सासयदुक्कम्मात्ता तं मे पक्कम्मा जहातहेन । वाक्का जहा  
 कम्मकारी वेयन्ति कम्माई पुरेक्काई ॥ १ ॥ ३२७ ॥ इत्येहि पाएहि व वन्निवर्त्तने  
 उयरं विकत्तन्ति कुरासिएहि । विद्वन्ति वाक्कम्मा विद्वन्ति देह कर्म्म विरं विद्वन्  
 उद्वरन्ति ॥ २ ॥ ३२८ ॥ वाहु पक्कन्ति य मूजो से कर्म्म विवर्त्तं मुहे वाक्-

इति । एवं हि कृतं सरवन्ति बाह्वं आहस्तं विजगन्ति सुदण पिष्टे ॥ ३ ॥ ३१९ ॥  
 अथ च तत्तं वस्त्रं सज्जते तज्जगमं भूमिस्तुदमन्ता । तं वज्रसमाभा बहुयं वनन्ति  
 उमुचोदना तातुमेतं सुता ॥ ४ ॥ ३२ ॥ नाम्ना वना भूमिस्तुदमन्ता पविजगं  
 मोहयन् व तत्तं । असी भिमुगंति पवजगमाणा पेसे च वन्येहि पुन करेन्ति ॥ ५ ॥  
 ॥ ३२१ ॥ ते संपपाटंति पवजगमाणा शिखाहि हम्मन्ति मिपातिनीहि । संतावनी  
 नाम विरुद्धिवा संतप्ये जत्वा असाहुकम्मा ॥ ६ ॥ ३२२ ॥ कम्पु पविजगप्य  
 पवन्ति बाह्वं तमो वि बह्वा पुन सम्पवन्ति । ते उमुचप्येहि पवजगमाणा अनरेहि  
 सज्जन्ति सवज्जप्येहि ॥ ७ ॥ ३२३ ॥ समुचिन् नाम भिभूमज्जगं वं स्रोवता  
 कम्पु वनन्ति । अरोचिरं बहु मिपतिज्जगं अथ च सत्तेहि समोचयेन्ति ॥ ८ ॥  
 ॥ ३२४ ॥ समुचिया तत्तं मिपतिज्जगं पवन्तीहि सज्जन्ति अबोमुहेहि । संजीवनी  
 नाम विरुद्धिवा असी पवा हम्मन् पवयेवा ॥ ९ ॥ ३२५ ॥ तिक्पाहि हम्मन्ति  
 मिपतिज्जगन्ति कतीपवं सवज्जगं च ज्जगं । ते सज्जगिहा बहुयं वनन्ति पवज्जगुवन्तं  
 सुदमो गित्तमा ॥ १० ॥ ३२६ ॥ सवा अहं नम निदं महन्तं असी अज्जगो  
 अवननी अज्जगो । विदुन्ति बहा बहुदूरकम्मा अज्जगत्तरा केर विरुद्धिवा ॥ ११ ॥  
 ॥ ३२७ ॥ विवा महन्तीज समपमिता हम्मन्ति ते तं कम्पु रसन्ति । आवाहि  
 तत्तं असाहुकम्मा सप्पी अवा पविन्तं मोहयन्ती ॥ १२ ॥ ३२८ ॥ सवा अतिव  
 पुन जम्मज्जगं गामोवणीजं असाहुकम्मा । इत्तेहि पाएहि च वनिज्जगं सत्तु  
 म्मन्तीहि समारमन्ति ॥ १३ ॥ ३२९ ॥ मज्जन्ति बाह्वस्तं बहेव पुट्टी सीसं पि  
 मिपतिज्जगन्ति अबोवन्तीहि । ते मिपतिज्जगं कम्पु च सज्जगं तातहि आराहि मिबोवन्ति  
 ॥ १४ ॥ ३४ ॥ अमिहंविवा उ असाहुकम्मा उमुचोदना इतिवर्षं वहन्ति ।  
 एगं उमुचिस्तु उवै तमो वा आहस्तं विजगन्ति कज्जगमो से ॥ १५ ॥ ३४१ ॥ नाम्ना  
 वना भूमिस्तुदमन्ता पविजगं कज्जगत्तं महन्तं । मिपतिज्जगप्येहि मिपतिज्जगन्ति सवी-  
 रीवा कोदन्ति करेन्ति ॥ १६ ॥ ३४२ ॥ वैवाकिप नाम महामितावि एमावपु  
 पवज्जगमन्तिज्जगं । हम्मन्ति तत्तं बहुदूरकम्मा वरं सज्जगत्तं सुदुदमाव ॥ १७ ॥  
 ॥ ३४३ ॥ संवाहिना सुदुदियो वनन्ति असी च तमो पविज्जगमाणा । एगन्तुवै  
 वरमे महन्ते कूचैव तत्तं मिपतिज्जगं हवा स ॥ १८ ॥ ३४४ ॥ मज्जन्ति वं पुष्पमरी  
 सरोरं ससुग्गरे तं सुतके गहेव ॥ ते मिपतिज्जगं वहिरे कम्पन्ता ओमुदया वरमिपति  
 पवन्ति ॥ १९ ॥ ३४५ ॥ अवाहिना वम महामितावा पागमिप्यो तत्तं  
 सवावन्तीवा । मज्जन्ति तत्तं बहुदूरकम्मा अज्जगत्ता संवज्जग्याहि बहा ॥ २० ॥  
 ॥ ३४६ ॥ सवावज्जग नाम ज्जगं भिमुग्या पविजगं मोहयिनीवताता । असी भिमु-

अथारमेतं यदि कुर्यात्तु विस्तरेण । ते तत्र

अथारमेतं व वीर्यम् व वीर्यम् ॥ १३ ॥ ११२ ॥ अथारमेतं व  
ते नारत्ता वर वरत्तात्तुम् । हत्येहि वरत्ति व वीर्यम् व वीर्यम्  
कुदावहरत्ता ॥ १४ ॥ ११३ ॥ अथारमेतं पुनो वरत्तात्तुम् विस्तरेण  
पयन्ति न वीर्यम् पुनो वरत्तात्तुम् व वीर्यम् ॥ १५ ॥ ११४ ॥  
तर व वीर्यम् व वीर्यम् विस्तरेण व वीर्यम् । तत्रारमेतं व वीर्यम्  
पुनो व वीर्यम् पुनो व वीर्यम् ॥ १६ ॥ ११५ ॥ अथारमेतं व वीर्यम्  
अथारमेतं व वीर्यम् । न तर व वीर्यम् अथारमेतं व वीर्यम्  
॥ १७ ॥ ११६ ॥ ते वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम्  
उविस्तरेण उविस्तरेण पुनो पुनो ते वीर्यम् वीर्यम् ॥ १८ ॥ ११७ ॥  
न व वीर्यम् व वीर्यम् ते ते व वीर्यम् व वीर्यम् । अथारमेतं व वीर्यम्  
अथारमेतं व वीर्यम् पुरात्तुम् ॥ १९ ॥ ११८ ॥ ते व वीर्यम् व वीर्यम्  
व वीर्यम् व वीर्यम् । ते तत्र विस्तरेण व वीर्यम् व वीर्यम्  
॥ २० ॥ ११९ ॥ व वीर्यम् पुन व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम्  
पयन्ति व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् ॥ २१ ॥ १२० ॥  
व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् । विस्तरेण व वीर्यम्  
मेतं व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् ॥ २२ ॥ १२१ ॥ ते व वीर्यम्  
व वीर्यम् तर व वीर्यम् व वीर्यम् । व वीर्यम् ते व वीर्यम् व वीर्यम्  
॥ २३ ॥ १२२ ॥ अथ ते व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम्  
व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् ॥ २४ ॥ १२३ ॥  
पयन्ति व वीर्यम् व वीर्यम् ते व वीर्यम् व वीर्यम् । व वीर्यम् ते व वीर्यम्  
व वीर्यम् व वीर्यम् ॥ २५ ॥ १२४ ॥ अथारमेतं व वीर्यम् व वीर्यम्  
व वीर्यम् । विस्तरेण तर व वीर्यम् व वीर्यम् अथारमेतं व वीर्यम्  
व वीर्यम् व वीर्यम् ॥ २६ ॥ १२५ ॥ व वीर्यम् व वीर्यम्  
व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् ॥ २७ ॥ १२६ ॥ व वीर्यम्  
व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् ॥

अथारमेतं व वीर्यम् व वीर्यम् ते ते व वीर्यम् व वीर्यम् । व वीर्यम् व वीर्यम्  
व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् ॥ १ ॥ १२७ ॥ व वीर्यम् व वीर्यम्  
व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् । व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम्  
व वीर्यम् ॥ २ ॥ १२८ ॥ व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम् व वीर्यम्



वयमनाथा एगमतापुत्रमर्च करेन्ति ॥ २१ ॥ ३४७ ॥ एवार्ह  
 ॥ बालं निरन्तरं तत्त्व निरक्षिर्ह ॥ न ह्यमनामस्त उ होह तार्च  
 नवपुत्रोऽपुत्रं ॥ २२ ॥ ३४८ ॥ चं वारिचं पुष्पमन्त्राणि कर्त्तव्यं तमे  
 सेपराए ॥ एगन्तपुत्रं मन्त्रमन्त्रिता वैवन्ति पुत्रं तमेगन्तपुत्रं  
 ॥ ३४९ ॥ एवाणि सेवा मर्यापि वीरे न हित्वा द्विचन सन्मन्त्रे ॥  
 अपरिग्राहे उ बुजिज्ज सगेस्त वसं न मन्त्रे ॥ ३४ ॥ ३५० ॥ एवं  
 मनुवामरेसु वरन्तमन्तं तवपुत्रिचार्ग ॥ स सन्मन्त्रे इह वैवन्ता  
 पुत्रमामरेज ॥ २५ ॥ ३५१ ॥ मि वेमि ॥ निरपविमन्त्रिचार्ग

## सिरिबीरत्पुश्यन्त्रयवे छे

पुच्छिस्तु नं समन्ता माहना व अगारिनो क परतिस्त्रिस्त व ।  
 धम्ममाहु अनेखिसं साहुसमिन्त्राए ॥ १ ॥ ३५२ ॥ एवं च कर्त्त  
 सीलं एवं नावपुत्रस्त आसि । आनासि नं मिन्त्रा ज्जातहेनं अनाहरी  
 निसन्तं ॥ २ ॥ ३५३ ॥ सेवन्त्रे से कुसन्मन्त्रणे अमन्त्रमाणी व  
 जसंसिचो वक्कपणे ठियस्स आनाहि धम्मं च विई च वेहि ॥ ३ ॥  
 उहुं अहे यं सिरिचं दिसासु तत्ता व जे कम्म जे व पाणा । से  
 पणे वीवे व धम्मं समिचं उदाहु ॥ ४ ॥ ३५५ ॥ से सन्मन्त्रे  
 निरामगन्त्रे विद्मं ठियप्पा । अनुतरे सन्मन्त्रसि मिचं मन्त्रा वीरे  
 ॥ ५ ॥ ३५६ ॥ से भूषणे अविण्णवारी ओहंतरे वीरे अमन्त्रावक्क  
 तप्पह सुरिए वा बहरोयणिन्दे व तमं पगासे ॥ ६ ॥ ३५७ ॥ अनुतरे  
 जिजाणं नेवा मुणी कासव आसुपणे । इन्दे व देवान महापुमावे  
 नं विसिद्धे ॥ ७ ॥ ३५८ ॥ से पञ्चया अक्कयसागरे वा महोवसी वा मि  
 पारे । अनामिडे वा अक्काह मुके सके व देवाहिचई सुईमं ॥ ८ ॥  
 वीरिएणं पडिपुष्पवीरिए सुवंसणे वा नगसम्भसेद्धे । सुखाए वा सि  
 विरायए नेगपुणोववेए ॥ ९ ॥ ३६० ॥ सयं सहस्साण उ जोक्कणं  
 पण्डगवेजयन्ते । से जोयणे नमनवते सहस्से उदुस्सिमो हेहु सहस्समेण ॥ १० ॥  
 ॥ ३६१ ॥ पुहे नमे विद्मह भूमिचिट्टिए जं सुरिया अनुपरिचट्टयन्ति । से हेमवन्त्रे  
 बहुनन्दने व जैसी रई वेवई महिन्दा ॥ ११ ॥ ३६२ ॥ से पञ्चए सहसहप्पगाते  
 विरावई कम्ममह्वण्णे । अनुतरे निरिउ व पञ्चुमो निरीवरे से जळिए व मोमे

॥ १२ ॥ १६३ ॥ महीद मज्झमि णिए मगिन्ने पत्तावए सुखिबद्धये । एवं  
 विदीए अ स मूरिवन्ने मनेरमे बोवह अविमात्ती ॥ १३ ॥ १६४ ॥ छरंसवस्तेव  
 असो मिरिस्स प्लुवहे मइन्ने पम्बवस्स । एवोवमे समये नावपुत्ते आरिजत्तेरंसव-  
 नावपीये ॥ १४ ॥ १६५ ॥ गिरीवरे वा मिसहाववायं एवए व सेट्ठि वम्बवाववायं ।  
 उम्मेवमे से वगमूप्पे सुणीन मन्ने तमुवाणु पये ॥ १५ ॥ १६६ ॥ अनुत्तरे  
 अम्ममुदरत्ता अनुत्तरे ज्ञानवरं सिक्ख । उत्तरत्तरे अपयण्णत्तरे उक्खिन्नुपयत्तक-  
 हावत्तरे ॥ १६ ॥ १६७ ॥ अनुत्तरमी परमं महेत्ती अवेसकम्पं स सिद्धेहत्ता ।  
 विद्धि गए वाट्ठमयन्तपौ नायेव सीत्थेन व रंसयेव ॥ १७ ॥ १६८ ॥ उम्मेत्त  
 नाए अह सम्मयी वा अस्सि रई वैयर्थं उम्मा । ज्मेत्त वा नम्बवमाहु छिं नानैव  
 सीत्थेन व मूप्पे ॥ १८ ॥ १६९ ॥ वमिं व वहाव अनुत्तरे क ज्मेत्त व वाराव  
 महासुमाये । ज्मेत्त वा नम्बवमाहु सेट्ठं एवं सुणीनं अपकिम्माहु ॥ १९ ॥ १७० ॥  
 अहा सर्वम् उदहीन सेट्ठि नागेत्त वा वरमिन्वमाहु सेट्ठं । बोम्मेवए वा रस वैजकन्ते  
 तपोव्वाये सुम्भ वैजकन्ते ॥ २० ॥ १७१ ॥ इत्थीत्त एववम्माहु नाए सीत्थो मित्तं  
 सत्तिक्कव गत्ता । पक्खीत्त वा वद्वे वेत्तरेवो निम्माववापीम्हि नावपुत्ते ॥ २१ ॥  
 ॥ १७२ ॥ बोहेत्त नाए अह पीत्तये पुप्पेत्त वा अह अरमिन्वमाहु । कत्तीव सेट्ठे  
 अह वन्तन्ने इत्थीन सेट्ठे अह कम्ममि ॥ २२ ॥ १७३ ॥ वत्ताव सेट्ठं अमवप्प-  
 वायं सवेत्त वा अजवमं वमन्ति । उम्मेत्त वा वत्तमं अम्मचेरं व्हेत्तमे समये नाव-  
 पुत्ते ॥ २३ ॥ १७४ ॥ छिद्वं सेट्ठं अम्मसात्ता वा सभा उम्मा व सभाव सेट्ठ ।  
 निम्मावसेट्ठं अह उम्बवम्मा न नावपुत्ता परमस्सि नापी ॥ २४ ॥ १७५ ॥  
 पुद्गेवमे पुब्ब मियगेही व उन्निद्धि उम्मा आत्तये । उरिं व्हेत्तं व महामवोर्ष  
 अमवक्रे वीर अमन्तवक्क ॥ २५ ॥ १७६ ॥ चोदं व मत्तं व त्तेव मत्तं व्हेत्तं  
 वदत्तं अम्मतरोत्ता । एवाप्ति वन्ता अरत्ता महेत्ती न उम्मेत्तं वाव न वारयेत्त  
 ॥ २६ ॥ १७७ ॥ विरिवाविरीव विव्वावपुवायं ज्जापियायं पठिवव उयं । से  
 सम्पवायं इह वैजत्ता वपट्ठिप्पं वज्जमपीहत्तं ॥ २७ ॥ १७८ ॥ से वारिवा इत्थि  
 सत्तमत्तं वपहावर्षं वपवववपुवाए । बोयं विविता आरं परं व सव्यं पम्प वारिव  
 सम्पवारं ॥ २८ ॥ १७९ ॥ सोवा व जम्पं अरहत्तवाविर्षं सनाद्धिं वहुपरोक्-  
 सुत्तं । तं सहात्ता य ज्जा अवात्त इत्ता व देवाद्धिं वायमिस्सन्ति ॥ २९ ॥ १८० ॥  
 ति वेमि ॥ तिरिबीत्तपुहज्जवर्षं छट्ठं ॥

## दुष्कर्मपरिवातिषड्विंशत्ये तन्मते

य आक जयकी य काल तय जयकी य तया य काल

ये य कराड पाया कहेवना ये रत्नमिहाय ॥ १ ॥ १८१ ॥

पदेईयाँ एएय जयने कहेईयाँ वार्ड । एएय जयने य जयनेये एएय  
वाववन्ति ॥ २ ॥ १८२ ॥ जाईयाँ जयनेये जयनेये

ते जाई जाई जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये ॥ ३ ॥ १८३ ॥

जोए जयु वा परया जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये ॥ ४ ॥ १८४ ॥ जे जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये । जयनेये जे जेई दुष्कर्मजयनेये जयनेये जे जेई

॥ १८५ ॥ जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये ॥ १ ॥ १८६ ॥

जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये ॥ ७ ॥ १८७ ॥ जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये । जे जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

॥ ८ ॥ १८८ ॥ जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये ॥ ९ ॥

जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये ॥ १० ॥ १८९ ॥ जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

॥ ११ ॥ १९० ॥ जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये ॥ १२ ॥ १९१ ॥

जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये ॥ १३ ॥ १९२ ॥ जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये ॥ १४ ॥ १९३ ॥

जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये ॥ १५ ॥ १९४ ॥ जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

॥ १६ ॥ १९५ ॥ जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

॥ १७ ॥ १९६ ॥ जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये जयनेये

॥ १२ ॥ १६३ ॥ महीति मज्झमि ठियु गमिन्ने पञ्चावए सुरियउदये । एवं  
 सिरीए उ च मुरिबन्ने मणोरमे बोयइ अविमात्थी ॥ १३ ॥ १६४ ॥ उरुसकस्सेव  
 कसो पिरिस्स पणुवई महन्ने पण्ववस्स । पुण्णोवमे समये नावपुत्ता चाईकसोवसक-  
 नावसीके ॥ १४ ॥ १६५ ॥ पिरीवरे वा निघहावनां स्वए व सेहे वकजाम्मप्यं ।  
 उज्जोवमे से वयमूण्णके सुणीन गम्भी तमुवाहु पवे ॥ १५ ॥ १६६ ॥ अनुत्तरं  
 वम्ममुईरुत्ता अनुत्तरं ज्ञात्तवर् ज्ञिनाह । सुउत्तुत्तं अपगम्भउत्तं संखिनुएमन्तव-  
 शानउत्तं ॥ १६ ॥ १६७ ॥ अनुत्तरम्यं परमं महेत्ती कसेसकम्भं च विउहेरुत्ता ।  
 सिद्धिं गए चाइमन्तपठे नावेव सीकेव व रसजेव ॥ १७ ॥ १६८ ॥ उज्जो-  
 नाए वह साम्भे वा कस्सि रई वेकवी उज्ज्वा । वनेउ वा मन्वम्ममाहु सेहुं नावेव  
 सीकेव न मूण्णके ॥ १८ ॥ १६९ ॥ वमिर्न व सहाव अनुत्तरे उ वन्ने व ताराव  
 महाउमावे । मन्नेउ वा वन्वम्ममाहु सेहुं एवं सुणीनं अपकिम्ममाहु ॥ १९ ॥ १७० ॥  
 क्ख्वा एवमू वइहीव सेहे नागेउ वा वरमिन्वमाहु ॥ २० ॥ १७१ ॥ उज्जोवए वा रस वेवपन्ने  
 उवोवहावे सुम्भि वेववन्ते ॥ २१ ॥ १७२ ॥ इत्थीउ पुण्वम्ममाहु नाए सीहो निपाव  
 सविम्वन यहा । पक्खीउ वा वरुके वेवुवेवो निम्बाववाटीमिह नावपुत्ते ॥ २२ ॥  
 ॥ १७३ ॥ उज्जोउ नाए वह वीसजेवे पुण्णेउ वा वह वरमिन्वमाहु । वतीन सेहे  
 वह वन्वन्ने इतीन सेहे तह कदमावे ॥ २३ ॥ १७४ ॥ इत्थाव सेहुं वजवप्प-  
 वानं सवेउ वा वक्कवजं वयन्ति । तवेउ वा वतमं वम्मचेरं उरुत्तमे समने नाव-  
 पुत्ते ॥ २४ ॥ १७५ ॥ ठिरीव सिद्धा वजवत्तमा वा वमा उरुत्ता व वमाव सेहु ।  
 निम्बावसेहु वह उज्जवम्मा न नावपुत्ता परमसि नावी ॥ २५ ॥ १७६ ॥  
 पुण्णोवमे हुम्भ निम्वगेहिं न वमिहिं हुम्भह वाउपसे । तरेवं ससुई व महामवोव  
 वमवर्करे वीर वजवत्तवज ॥ २६ ॥ १७७ ॥ उज्जो व मानं व तहेव मानं उजेवं  
 वउत्तं वजवत्तवेउ । एवावि वत्ता अरुत्ता महेत्ती न उज्जवई पाल न वरवई  
 ॥ २७ ॥ १७८ ॥ निरिकाकिरिं वेवपणुमाव ववावियाव पकिन्न ठावं । से  
 उज्जवार्न इइ वेवइता उवडिए उज्जमटीहरावं ॥ २८ ॥ १७९ ॥ से वारीवा इति  
 सराइमर्त उवइवार्न हुक्कवजवत्तनाए । वीरां निविता वारं परं व उज्जं पयू वारिव  
 उज्जवारे ॥ २९ ॥ १८० ॥ उजेवा व वम्मं अरुत्तमाविं वमाविं वउत्तवेउ-  
 सुई । उं उरुत्ता न वना वनाउ इत्था व वेवाविह वागमिस्सन्ति ॥ ३० ॥ १८१ ॥  
 ति वेमि ॥ सिरीवीरावुहज्जपणं उहुं ॥



## दुष्कर्मपरिवातिवृत्तयश्चेत्तु

पुण्यं च भाग्यं जपनी च पादं तत्र कर्म बीजं च तदा च कर्म । ये  
 जे च वराह पात्रा इतिवत्तं ये रत्नमणिहारा ॥ १ ॥ ३८१ ॥  
 पवेदकाई एण्डु जने पठिहै वार्त्त । इण्डु पादुका च भाग्यद्वये पुण्यं च  
 यासुवेन्ति ॥ २ ॥ ३८२ ॥ काईकाई अनुपतिवृत्तयश्चेत्तु  
 से जाइ जाई अनुपतिवृत्तयश्चेत्तु कर्म तत्र पाद ॥ ३ ॥ ३८३ ॥  
 कोए अनु वा परत्वा सम्यक्त्वो वा तह अवहा वा । संतारमात्रं करे करे  
 विवन्ति च दुष्कर्मणि ॥ ४ ॥ ३८४ ॥ के जाकरे क विकरे च विवन्ति  
 जपनि तत्पारमिता । अहाहु ते कोए दुष्कर्मज्जने मूकाई के  
 ॥ ३८५ ॥ उज्जासज्जो वात निवाकज्ज निव्वाज्जो जपनि निव्वाज्जो  
 नेहावि समिकज्ज जम्मे च पठिहै जपनि तत्पारमिता ॥ ६ ॥ ३८६ ॥  
 जीवा भाग्य वि जीवा पात्रा च संपादय संपवन्ति । संतेवका  
 दहे जपनि तत्पारमिता ॥ ७ ॥ ३८७ ॥ इतिवत्तं मूकनि निव्वाज्जो  
 देहा च पुढो सिवाह । के विवरे भाग्यद्वये पुण्यं च कर्मणि  
 ॥ ८ ॥ ३८८ ॥ जाई च पुण्यं च निवाकज्जो बीकाह करेवका  
 अहाहु ते कोए जपज्जने बीकाह से हिंसा भाग्यद्वये ॥ ९ ॥ ३८९ ॥  
 मिज्जन्ति पुण्यमात्रा जरा करे कठिहा कुमारा । तुमात्रा  
 चवन्ति ते आठकाए कर्मणा ॥ १० ॥ ३९० ॥ संतुज्जहा जपन्तो  
 भवं वाक्किसेनं अलम्भो । एवन्तपुण्ये जरिहै च कोए कर्मपुण्य  
 ॥ ११ ॥ ३९१ ॥ इहेव मूक पवन्ति मोक्षं आहारसंपादयज्जने  
 सीओदगसेकनेण हुण्ण एमे पवन्ति मोक्षं ॥ १२ ॥ ३९२ ॥  
 नरिणि मोक्षो सारस्स लोणस्स जणासनेनं । ते मज्झमसं  
 वार्त्तं परिकल्पवन्ति ॥ १३ ॥ ३९३ ॥ उदगेण जे सिद्धिमुदाहरन्ति वार्त्तं  
 उदणं फुसन्ता । उदगस्स फासेण सिद्धं च सिद्धी सिद्धिमु पात्रा ज्जहे  
 ॥ १४ ॥ ३९४ ॥ मज्झा च कुम्मा च सिरीसिवा च मम्मू च उज्ज  
 अङ्गणमेयं कुसल्य वयन्ति उदगेण जे सिद्धिमुदाहरन्ति ॥ १५ ॥ ३९५ ॥  
 जई कम्ममलं हरेजा एव मुहं हज्जामितमेव । अन्यं च नेवारममुस्तरिता  
 चेवं विविहन्ति मन्दा ॥ १६ ॥ ३९६ ॥ पावाई कम्ममाईं पण्डित्यो हि  
 उ जइ तं हरेजा । सिद्धिमु एगे दगकत्ताई मुहं वचन्ते जलसिद्धिमाहु ॥ १७ ॥  
 ॥ ३९७ ॥ हुण्ण जे सिद्धिमुदाहरन्ति सार्त्तं च पात्रं जपनि फुसन्ता । एवं सिद्धि

विदि हवेज तम्हा अयनि पुत्रमस्तान् ब्रह्मिनि पि ॥ १८ ॥ ३९८ ॥ अपरिक्क  
 रिष्ठं न दु एव विदी एहिन्ति त वावमपुत्रमभा । मूएहि अयं पवित्रेह सार्य  
 निजं यहायं तसचावरेहि ॥ १९ ॥ ३९९ ॥ ययन्ति ह्यप्यन्ति तसन्ति कम्मी पुत्रो  
 यया परिछाव मिक्क । तम्हा निळ निरजो बामपुतो वहुं तथे वा पवित्रहरेजा  
 ॥ २० ॥ ४०० ॥ ये यम्मय्ये निमिहान् भुवे निययेव साहहु व के सिपाई । ये  
 मोवाई सुतवाई व यत्नं अहाहु ते नागनिवस्त हरे ॥ २१ ॥ ४०१ ॥ कम्मं परिचाव  
 हरेसि बीरे निक्कयेव जीयेज व अहिपोकणं । ये बीयकन्हाइ अमुक्कामे निरए  
 सिचानाहुइ इत्थिवाहु ॥ २२ ॥ ४०२ ॥ ये मावरं व पिक्कं व हिंवा यारं तहा  
 पुत्रपुत्तं यत्नं व । कुम्हाई ये वावाइ साउपाई अहाहु ये सामनिवस्त हरे ॥ २३ ॥  
 ४०३ ॥ कुम्हाई ये वावाइ साउपाई वावाइ यम्मं उवरात्तुमिडे । अहाहु ये  
 आवरिवाव सपे ये कवएजा अचवस्त हेळ ॥ २४ ॥ ४०४ ॥ निक्कम्मं बीये  
 परमोक्कम्मि मुहमक्कणीए उवरात्तुमिडे । नीवारमिडे व महावरहे अहाए पविइ  
 वाक्केव ॥ २५ ॥ ४०५ ॥ अचस्त पावसिहक्कोइस्त अलुप्पिं मासु सेवमाये ।  
 पासत्तयं येव कुसीकं व निस्तारए होइ चहा पुष्पाए ॥ २६ ॥ ४०६ ॥ अचान-  
 पिच्छेव विनाएजा मो पूजनं तवसा जावहेजा । सेहि स्नेहि अचज्जमायं सम्येहि  
 कमेहि विनीज गेहि ॥ २७ ॥ ४०७ ॥ सप्पाई संगार्हं अइव बीरे सप्पाई  
 हुक्काई तिथिक्कमाये । अरिजे अगिजे अविपयवारी अमरंकरे निक्कहु अना-  
 निक्कप्पा ॥ २८ ॥ ४०८ ॥ मारस्तं वावा सुनि मुक्कएजा कंजेव पावस्तं निवेव  
 मिक्क । हुक्कैव पुठ्ठि हुक्काइएजा संगम्मसीसे व परं दमेजा ॥ २९ ॥ ४०९ ॥  
 अवि हम्ममामे पक्कयावत्तुं समाधमे कंहाइ अन्तगस्त । विपूय कम्मं न पक्कये  
 अक्कक्कए वा संगई ति वेमि ॥ ३० ॥ ४१० ॥ कुसीकपरिमासिपज्जययं  
 सत्तमं ॥

### वीरियज्जपये अहुमे

इहा केन उक्कज्जयं वीरियं ति पनुचै । किं तु वीरस्तं वीरतं यदं येन पनुचै  
 ॥ १ ॥ ४११ ॥ कम्ममेगे पवेहेन्ति अकम्मं वा नि सुम्भवा । एएहिं होहि ठायेहि  
 येहिं रीसन्ति मन्निवा ॥ २ ॥ ४१२ ॥ पमायं कम्मयाइइ अप्पमायं तत्तवरं ।  
 तम्मावासेसम्भे वा नि वासं पवित्रयेव वा ॥ ३ ॥ ४१३ ॥ सत्तमेगे तु सिक्कन्ता  
 अइवावाव पाप्पिं । एगे मत्ते अहिज्जन्ति पाणमूजनिहेविओ ॥ ४ ॥ ४१४ ॥  
 माम्मिओ कहु मावा व अममोणे समारये । हन्ता केता पयम्मिता आवसत्तात्त-

॥ ५ ॥ ४१५ ॥ अकसा अकसा येव अकसा येव अकसो । आरुणे

वि बुहा वि न असंजया ॥ ६ ॥ ४१६ ॥ वेराई कुम्हार वेरी तणे

पावोवणा न आरुणा बुधवारसा न अकसो ॥ ७ ॥ ४१७ ॥ संजया

अतकुलद्वारिणो । रामदेसरिसया बाळ्या पाव कुम्हारित हे वई ॥ ८ ॥

सकम्मविरियं बालाणं तु पवेइवं । इत्ते अकम्मविरियं पण्डित्तं कुम्हारं

॥ ४१९ ॥ दधिणं वन्यकुम्मुळे सम्बन्धो विजयवन्धने । पण्डित्तं वन्यं

कंठाइ अन्तसो ॥ १० ॥ ४२० ॥ नेयाउर्यं सुवक्कायं उपायाव

कुम्भे बुहावासं अहुरंतं तहा तहा ॥ ११ ॥ ४२१ ॥ ठाणी

त्सन्ति न संसजो । अभिवणं अवं वासे नावण्हि सुहीहि न ॥ १२ ॥

एकमायाव मेहावी अप्णो गिद्धिमुद्धरे । आरियं उवसंपजे

॥ १३ ॥ ४२३ ॥ सहसंमहणं नचा धम्मसारं सुनेणु वा । समुत्थिदं व

पक्कवायपावण ॥ १४ ॥ ४२४ ॥ जं किंजुक्कर्मं वाजे आठवणेन

तस्सेव अन्तरा विप्यं सिक्खं सिक्खेज्ज पण्डिण ॥ १५ ॥ ४२५ ॥

सअज्ञाई सणं देहे समाहरे । एवं पावाई मेहावी अप्णप्पेण समाहरे ॥

॥ ४२६ ॥ साहरे इत्थपाणं न मर्गं पण्डित्तियाणि न । पावयं न

दोसं न तारिणं ॥ १७ ॥ ४२७ ॥ अपु माणं न मायं न तं इत्थिणं

सायागारवणिहुणं उवसन्ते निहे चरे ॥ १८ ॥ ४२८ ॥ कावे न

अदिक्कं पि न नावणं । साइयं न सुसं बूया एस धम्मो कुसीमज्जे ॥ १९ ॥

अइक्कम्मन्ति वायाणं मणसा वि न पत्थणं । सम्बन्धो संकुळे दन्ते आवाणं

॥ २० ॥ ४३० ॥ कइं न कज्जमाणं न आगमिस्सं न पावणं । सुवर्णं

जाणन्ति आयुगुत्ता जिह्मिन्दिया ॥ २१ ॥ ४३१ ॥ जे वाइकुळा

असमत्तर्दसिणो । असुद्धं तेसिं परक्कन्तं सफलं होइ सम्बसो ॥ २२ ॥ ४३२

न बुद्धा महाभागा वीरा सम्मत्तर्दसिणो । सुद्धं तेसिं परक्कन्तं अफलं होइ

॥ २३ ॥ ४३३ ॥ तेसिं पि न तवो सुद्धो निक्कन्ता जे महाकुळा । जं

वियाणन्ति न सिलोर्गं पवेज्जणं ॥ २४ ॥ ४३४ ॥ अप्पपिण्डासि पावाणि

भासेज्ज सुम्भणं । सन्ते मिनिष्कुळे दन्ते वीयगिद्धी सया जण ॥ २५ ॥

ज्ञाणजोर्गं समाहणुं कायं विठसेज्ज सम्बसो । तिसिक्खं परमं नचा

परिव्वणज्जासि ॥ २६ ॥ ४३६ ॥ ति वेणि ॥ वीरियज्जयणं अट्टमं ॥

सिद्धि हवेन तम्हा अपलि पुसन्ताण कुम्भिमने पि ॥ १८ ॥ १९८ ॥ अपरिणव  
 रिष्टं न ह एव सिद्धी एहिन्ति ते वाक्यसुखमाणा । गूणहि ज्ञानं पश्चिच्छेद सार्धं  
 निजं गह्वरं तद्यत्नवरेहि ॥ १९ ॥ २०९ ॥ वनन्ति कुप्यन्ति तसन्ति कम्पी पुढो  
 जया परिस्त्राय मिक्क । तम्हा निज निरयो आयणुते वुत्तु तसे वा पश्चिच्छेदरेखा  
 ॥ २० ॥ ४ ॥ ॥ जे वम्मकडे निमिहान मुळे नियडेण सावहु व के सिगाई । के  
 चोई वुत्तुई व वरुं बहहु ते गायमियस्स दूरे ॥ २१ ॥ ४ ॥ १ ॥ कर्म परिचाय  
 होसि बीरे नियडेण बीदेज य आदिमोक्क । से बीरकन्दाह अमुक्कमाये निरए  
 सिन्नायसु इतिवत्ता ॥ २२ ॥ ४ ॥ २ ॥ के मासं व पियं व हिंसा वारं तहा  
 पुत्तप्पुं धनं व । कुम्भई जे पावइ सातगाई अहाहु से साममिवस्स दूरे ॥ २३ ॥  
 ॥ ४ ॥ २ ॥ हुकाई जे पावइ सातगाई आचाह वम्मी वयरसुमिडे । अहाहु से  
 आवरियण सन्ति जे आवएजा अचक्कस्स हेऊ ॥ २४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ निक्कम्म धीने  
 परमोत्तमम्म सुहमव्वीए वयरसुमिडे । पीवारमिडे व महावराहे अउए एहिइ  
 वाक्कमेव ॥ २५ ॥ ४ ॥ ५ ॥ अक्कस्स पाणसिहव्वीइक्कस्स अउप्पिं मासं सेवमाये ।  
 पासत्तवं पेव कुसीकं व निस्तारए होइ जहा पुत्तप्पु ॥ २६ ॥ ४ ॥ ६ ॥ अक्कस्स  
 पिण्डेन विनासएजा भो पूर्यं तवसा जावहेजा । छेहि क्कहि अचक्कमां सन्नेहि  
 क्कमेहि निजीव तेहि ॥ २७ ॥ ४ ॥ ७ ॥ सन्वाई सेगाई अहं बीरे सन्वाई  
 हुक्काई तिसिक्कमाये । अठिजे अगिजे अमिप्पवाटी जमकंदरे मिक्क अजा-  
 निक्कप्पा ॥ २८ ॥ ४ ॥ ८ ॥ भारस्स जामा मुत्ति मुक्कएजा कंथेज पत्तस्स विदेय  
 मिक्क । हुक्केण पुट्टे हुक्काइएजा संयमसीसे व परे वमेजा ॥ २९ ॥ ४ ॥ ९ ॥  
 अग्नि इम्ममाये कलववत्तु समागमं कंदाह जन्तगत्त । निपूय कम्मं न पक्कमेइ  
 अक्कक्कए वा सगाई ति वेमि ॥ ३० ॥ ४१ ॥ कुसीकपरिमासियज्जयणं  
 सत्तमे ॥

### वीरियज्जयणे अहुमे

सुहा धेवं उक्कखानं वीरियं ति प्लुवई । किं तु वीरस्स वीरत्तं कइ येवं प्लुवई  
 ॥ १ ॥ ४११ ॥ कम्मभगे पव्वेहेन्ति अक्कमे वा नि कुम्भवा । एएहि होहि ठावेहि  
 वेहि वीसन्ति मक्खिना ॥ २ ॥ ४१२ ॥ पमां कम्ममाईस अप्पमां तहावरं ।  
 उम्मावावेसज्जे वा नि वाकं पश्चिक्कमेव वा ॥ ३ ॥ ४१३ ॥ सत्तमेगे तु सिक्कन्ता  
 अइवाकाव पालिने । एगे मग्गे अहिजन्ति पाणमूवसिहेदिपो ॥ ४ ॥ ४१४ ॥  
 मादिरो अहु माता व कम्मभोगे समारगे । इत्ता केता पयवियता आक्कन्ताज्ज-

अथार्थं तद्विधिं । अनुष्णमायुष्येति तं विधिं परित्याज्या ॥ २  
 एवं उवाच विष्णुर्वे महावीरं महामुनी । अथानामार्थं ते वक्ष्ये ॥ २४ ॥ ४६० ॥ असिमानो न भ्रातृणा वैव दक्षिणं मेधवी ॥  
 येना अनुविष्टितव विवाहरे ॥ २५ ॥ ४६१ ॥ सतिपमा  
 पुताप्यहं । यं कथं तं न वताम्य एता आत्मा विवर्धिता ॥ २६  
 होलायार्थं सहीकर्म मोमायार्थं न नो वय । सुखं सुखं वि  
 वता ॥ २७ ॥ ४६२ ॥ अनुसीते सवा विष्णुर्वेव  
 तत्पुत्रस्समा पठिषुज्जैव ते विदुः ॥ २८ ॥ ४६४ ॥ नक्षत्रं  
 न मितीवय । मातृभारिणं किं नाहवेन हसे मुनी ॥ २९ ॥  
 उरासेषु वक्ष्यामो परिव्यय । परिवाए अप्यमृतो पुष्टो तस्य  
 ॥ ४६६ ॥ इम्ममानो न कुप्येन पुष्पमानो न संजके । सुखे  
 कोमाहवे करे ॥ ३१ ॥ ४६७ ॥ जने जने न जनेन  
 आवरियाई विषयेना गुल्लं अन्तिष्ठ सवा ॥ ३२ ॥ ४६८ ॥  
 सेजा सुप्यर्षं सुतवस्ति ॥ वीरा ये अतपसेही विष्मन्ता  
 ॥ ४६९ ॥ गिहे वीरमससन्ता पुरितादाभिवा मरा । ते  
 नावर्कजन्ति जीविर्ष ॥ ३४ ॥ ४७० ॥ अगिहे सप्राप्तेषु वाप्येव  
 सव्यं तं समयातीर्षं जमेयं लविर्षं बहु ॥ ३५ ॥ ४७१ ॥ अह्यामं न  
 परिजाय पण्डि ॥ गारवाणि य सम्भाणि निम्बानं संघए मुनि ॥ ३६  
 ति वेमि ॥ धम्मज्झयणं नवमं ॥

### समाहियज्झयणे दसमे

आर्षं मईमं अनुवीह धम्मं अहू समाहिं तमिमं सुनेह । अहोवि  
 समाहिपते अणियाण भूएसु परिव्यएजा ॥ १ ॥ ४७२ ॥ उवा  
 विसासु तसा य जे वावर जे य पाणा । इत्येहि पाएहि न संवसि  
 य नो गहेजा ॥ २ ॥ ४७४ ॥ सुवक्खायधम्मो वितिगिच्छहिजे जणे  
 तुळे पयासु । आर्यं न कुजा इह जीवियट्ठी चयं न कुजा सुतवस्ति विष्णुर्वे  
 ॥ ४७५ ॥ सखिन्दियाभिनिव्वुळे पयासु जरे मुणी सव्वउ विप्पमुळे ।  
 पाणे य पुढो वि सते दुक्खेण अहे परितप्पमाणे ॥ ४ ॥ ४७६ ॥  
 पण्यमाणे आबट्ठई कम्मसु पावएसु । अहवायमो कीरह पावकम्मं  
 ॥ ५ ॥ ४७७ ॥ आशीपमिती व करोह पावं मन्ता उ  
 ॥ ६ ॥ ४७८ ॥

## धम्मज्झयथे नवमे

१ करे वप्पे अक्खप्प माह्वेय मईमवा । अणु वप्पे अक्खत्तं विनामं तं  
 एवेह मे ॥ १ ॥ ४३७ ॥ माह्वेय वसिथा वैसा अक्खत्तं अणु बोहसा । एहिवा  
 वैसिवा छा वे व आरम्मवसिथिवा ॥ २ ॥ ४३८ ॥ परिम्महमिणिवा पारं  
 सेसि पण्हई । आरम्मवसिथिवा अमा न ते पुण्णमिन्नेया ॥ ३ ॥ ४३९ ॥  
 आपावसिथिवाहेवं गम्हो मिसएहिणो । जणे हरन्ति तं विंत्तं कम्मी वप्पेहि  
 मिन्हे ॥ ४ ॥ ४४ ॥ माय्य पिवा अणु मावा मवा पुत्तं व ओरसा । वात्तं  
 ते तव तावाव ह्वप्पन्तस्स वक्कप्पुवा ॥ ५ ॥ ४४१ ॥ एम्महं उपेहाए परमह  
 सुवात्तिव । निम्ममो निहंअरो वरे मित्तं विपाहिवं ॥ ६ ॥ ४४२ ॥ विवा  
 विंत्तं व पुत्ते व नाहो व परिम्माई । विवा वं अणुत्तं खेवं निरवैक्खो परिम्माए  
 ॥ ७ ॥ ४४३ ॥ पुहवी जगवी वात्तं तवक्कं सवीवपा । अक्खवा पेवजउत्त  
 रत्तंसेवत्तमिन्ना ॥ ८ ॥ ४४४ ॥ एएहिं छहिं कपुहिं तं विजं परिवाविवा ।  
 मप्पवा अक्खत्तेवं वारम्मी न परिमाही ॥ ९ ॥ ४४५ ॥ सुखावत्तं वहिं व  
 कम्माई व अक्खत्तं । सुखावात्तं ओपेहि तं विजं परिवाविवा ॥ १० ॥ ४४६ ॥  
 पक्खिज्जवं व मक्कं व पक्खिज्जुत्तयणावि य । सुखावात्तं ओपेहि तं विजं  
 परिवाविवा ॥ ११ ॥ ४४७ ॥ बोयवं एववं केव वरवीक्कं निरेक्कं । मक्कज्ज  
 वपक्खिज्जं तं विजं परिवाविवा ॥ १२ ॥ ४४८ ॥ पक्कमक्खिज्जवं व वत्त-  
 पक्कवत्तं तवा । परिम्माहिक्किक्कं व तं विजं परिवाविवा ॥ १३ ॥ ४४९ ॥  
 ओपेहिं कीक्कवं पामिक्कं केव वाह्वं । पूवं अक्खत्तिजं व तं विजं परिवाविवा  
 ॥ १४ ॥ ४५० ॥ आहमिन्निक्कत्तं व विहुवत्तवक्कत्तं । अक्खत्तेवं व वत्तं  
 व तं विजं परिवाविवा ॥ १५ ॥ ४५१ ॥ सेवसाहि कक्कित्तेए पक्खिवाक्कत्तं  
 व । सुप्पारिक्कं व पिक्कं व तं विजं परिवाविवा ॥ १६ ॥ ४५२ ॥ अक्खत्तं व  
 विमिक्कत्तं वेह्वं व गो वए । हत्तक्कं विवत्तं व तं विजं परिवाविवा  
 ॥ १७ ॥ ४५३ ॥ पक्कहाओ य कत्तं व नाहीवं वाक्कवीवपं । पक्कित्तेवं अक्कत्तं  
 व तं विजं परिवाविवा ॥ १८ ॥ ४५४ ॥ अवारं पक्कत्तं हरिप्पं व करे सुवी ।  
 विमोक्कं वा वि चाह्वु नाक्कत्तं कप्पाहि वि ॥ १९ ॥ ४५५ ॥ परमो अक्कपारं न  
 सुवेज क्वाहि वि । परमत्तं अक्कत्तो वि तं विजं परिवाविवा ॥ २० ॥ ४५६ ॥  
 अक्कत्तो पक्खिक्कं व निविजं व निहत्तरे । सेपक्कत्तं उरवं वा तं विजं परिवा-  
 विवा ॥ २१ ॥ ४५७ ॥ वत्तं किंति विजोयं व वा व वक्कत्तवत्तं । अक्कत्तो-  
 वत्ति वे अमा तं विजं परिवाविवा ॥ २२ ॥ ४५८ ॥ ओपेहिं निम्मेहि मित्तं



सर्वं वा ९ समवायुपेही पियमपिबं कस्तं मि नो करेजा । सङ्गाव पीनो न  
 पुनो निरुणो संपूरनं चेव दिखेवकामी ॥ ७ ॥ ४७९ ॥ आहाकई चेव निरुम-  
 मीने निरुमवापी न निरुममेसी । इत्थीसु सते व पुदी न बाळे परिमई चेव  
 पुरुममावे ॥ ८ ॥ ४८० ॥ वेरानुविदे निरुमं करेइ इमो पुए से इहममुमो ।  
 तम्हा व मेहामि समिकव वम्मं करे सुमि सन्वड निरुमुवे ॥ ९ ॥ ४८१ ॥ आनं  
 न कुमा इह बीनिवट्टी वसजमानी न परिणपूजा । निरुममापी न निरुम  
 गिदि हंसति  
 निरुमकन्ते  
 मागे ॥  
 एवप्पमो  
 वा आन  
 निरुम  
 एह  
 ॥ १० ॥  
 का  
 का

करेजा ॥ १ ॥ ४८२ ॥ आहाकई वा न निरुमपूजा  
 कस्तं कस्तुवैहमावे निरुम न सोरं अथविक्क-  
 न्त्वं पमोक्कवो न मुसं ति पासं ।

४८४ ॥ इत्थीसु

निरुसंखं

उत्ताहकस्तं

अविक्कपूजा

जा । मिहं न

॥ १० ॥ वे कइ

सता गडिया न

कन्हा इह मापवा

वेहं पवहुई वेरम-

माइ से साहसकरि

॥ ११ ॥ ४८५ ॥

॥ ११ ॥ अक्कप्ये स मि न

॥ सीहं वहा कम्मिगा

अक्कव वम्मं इरेव पारं

मी पावाव अप्पाव निरु-

अवधमि ॥ १२ ॥ ४८६ ॥

अमाहि । सर्वं न कुम्भ न न

४ ॥ छेदे सिया वारे न वुज्ज-

॥ न न पूजयट्टी न सिक्कोववापी

न परिणपूजा ॥ १३ ॥ ४८७ ॥ निरुमम गहाव निरुमकंभी कर्नं निरुसंख

निरुमकंभी । नो जीमिबं नो मरणाभिदंभी करेज निरुम वक्का निरुमुवे ॥ १४ ॥

॥ ४८८ ॥ ति वेमि ॥ समाहिपयज्जययं वसमं ॥

मुपं न १२००

अरवैजा अरन्तमव १५

पूजा कस्तुविह न म अज्जोववव

न परिणपूजा ॥ १३ ॥ ४८७ ॥ निरुमम गहाव निरुमकंभी कर्नं निरुसंख

निरुमकंभी । नो जीमिबं नो मरणाभिदंभी करेज निरुम वक्का निरुमुवे ॥ १४ ॥

॥ ४८८ ॥ ति वेमि ॥ समाहिपयज्जययं वसमं ॥



## सुखाय

कर्मे मने अकस्मात् कर्माणि कर्माणि । न कर्म कर्म कर्म  
 पुनर् ॥ १ ॥ ४९० ॥ न कर्म पुनर् कर्म कर्मकर्मकर्मकर्म ।  
 महा मित्रं तं नो वृद्धिं महापुत्रं ॥ २ ॥ ४९० ॥ न कर्म के  
 अदुःख मायुता । तेहिं तु कर्म कर्म कर्मकर्म कर्मकर्म ॥ ३ ॥  
 नो केद पुत्रिजा देवा अदुःख मायुता । तेहिं कर्मकर्मकर्म कर्मकर्म  
 ॥ ४ ॥ ५०० ॥ अमुपुत्रेन महापुत्रे कर्मकर्म कर्मकर्म । कर्मकर्म  
 कर्मकर्म ॥ ५ ॥ ५०१ ॥ अतस्मिन् तस्मिन्ने तस्मिन्ने कर्मकर्म ।  
 कर्मकर्मकर्म कर्मकर्म तं कर्मकर्म ॥ ६ ॥ ५०२ ॥ पुत्रकर्मकर्म कर्म  
 कर्मकर्म । कर्मकर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म ॥ ७ ॥  
 महापुत्र तसा पात्रा एव कर्मकर्म कर्मकर्म । कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म  
 ॥ ८ ॥ ५०४ ॥ कर्मकर्म अमुपुत्रेन कर्मकर्म कर्मकर्म । कर्म  
 कर्मकर्म न कर्मकर्म ॥ ९ ॥ ५०५ ॥ कर्म कर्म कर्मकर्म कर्म कर्म  
 कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म ॥ १० ॥ ५०६ ॥ कर्म कर्म कर्म  
 कर्म तस्यकर्म । कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म ॥ ११ ॥  
 कर्म कर्म कर्मकर्म न कर्मकर्म कर्म कर्म । कर्मकर्म कर्मकर्म कर्म  
 कर्मकर्म ॥ १२ ॥ ५०८ ॥ कर्मकर्म कर्मकर्म कर्म कर्म कर्मकर्म ।  
 कर्म कर्मकर्म कर्मकर्म ॥ १३ ॥ ५०९ ॥ कर्मकर्म कर्मकर्म कर्म  
 कर्म । कर्मकर्म कर्म न कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म ॥ १४ ॥ ५१० ॥  
 कर्मकर्म कर्म कर्म कर्मकर्म । न कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म  
 ॥ ५११ ॥ कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म । कर्मकर्म कर्म  
 कर्मकर्म ॥ १५ ॥ ५१२ ॥ कर्म गिरं कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म  
 कर्मकर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्मकर्म ॥ १६ ॥ ५१३ ॥ कर्मकर्म कर्म  
 कर्मकर्म कर्मकर्म । तेहिं कर्मकर्मकर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म ॥ १७ ॥  
 कर्मकर्म तं कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म । तेहिं कर्मकर्मकर्म कर्मकर्म  
 कर्म ॥ १८ ॥ ५१५ ॥ कर्म कर्म कर्म कर्म कर्मकर्म कर्मकर्म ।  
 कर्मकर्म कर्म कर्मकर्म कर्मकर्म ॥ २० ॥ ५१६ ॥ कर्मकर्म कर्म कर्म  
 कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म ॥ २१ ॥  
 ५१७ ॥ कर्मकर्म कर्म कर्म कर्म कर्मकर्म कर्मकर्म । कर्मकर्म कर्म कर्म  
 कर्मकर्म कर्मकर्म ॥ २२ ॥ ५१८ ॥ कर्मकर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म

सत्त्वं जगत् सप्तमयापुपेही विवमपिर्म कश्च वि गो करेया । उद्धम पीनो य  
 पुनो निरुप्यो संपूरय चेव शिखेकधमी ॥ ७ ॥ ४७९ ॥ आहाड्यं चेव निरुप्य  
 मीये निरुप्यभासी य निरुप्यमेही । इत्थं सत्त्वं य पुनो य वाके परिमार्गं चेव  
 पञ्चममाये ॥ ११ ॥ ४८० ॥ वेत्तुमिहे निरुप्यं करे इतो गुप से इत्थमपुनो ।  
 सत्त्वा स मेहाणि समिक्क वम्मं करे मुनि सत्त्वा सत्त्वा ॥ १२ ॥ ४८१ ॥ आर्त्त  
 न कुञ्जा इह बीमिक्क भसजमागो य परिमपुञ्जा । निरुप्यभासी य निरुप्य  
 पिहि विवमिर् य न कर्त्त करेया ॥ १३ ॥ ४८२ ॥ आहाड्यं वा न निरुप्यपुञ्जा  
 निरुप्यकस्ते य न संकेतया । पुने ठण्ठे अणुवेहमणि विवा न सोमं अरुप्यक  
 मानो ॥ १४ ॥ ४८३ ॥ एगत्तेयं अनिस्तपुञ्जा एवं पयोक्को न मुसं ति पत्तं ।  
 एगत्तेयं अणुवे करे नि अणुवे सत्त्वा सत्त्वा ॥ १५ ॥ ४८४ ॥ इत्थं  
 या आरव मेहुवायो परिमार्गं चेव अणुपुञ्जा । उवाचपुञ्जं निरुप्य ठाई निरुप्यं  
 पिक्क समाहिपतो ॥ १६ ॥ ४८५ ॥ अर्त्तं र्त्तं य अनिस्तपुञ्जं पिक्क ठाई  
 एह टीक्कत्तं । इत्थं य र्त्तं य अनिस्तपुञ्जं सत्त्वा य सत्त्वा य विरुप्यपुञ्जा  
 ॥ १७ ॥ ४८६ ॥ पुनो र्त्तं य समाहिपतो केरं समाह्ण परिमपुञ्जा । गिहं न  
 काए न नि कायपुञ्जा संमिस्तमानं पवहे पवाह ॥ १८ ॥ ४८७ ॥ वे चे  
 कोयमि ठ अनिस्तपुञ्जा अनेन पुञ्जं पुञ्जानि सत्त्वा । आरम्भसत्ता गतिवा य  
 कोए वम्मं न कायमि निमोक्कत्ते ॥ १९ ॥ ४८८ ॥ पुनो य क्त्वा इह मानवा  
 य निरुप्यनिरुप्यं य पुनो य वम्मं । कायसत्ता वाचसत्ता पञ्च वेहं पवहुरे कैरम-  
 संवत्स ॥ २० ॥ ४८९ ॥ आरम्भकं चेव अणुपुञ्जाये मया से साहवत्तं  
 मन्दे । अणो य सत्त्वा परिमपुञ्जाये अणुपुञ्जं मूढे अणुपुञ्जाये ॥ २१ ॥ ४९० ॥  
 आहाड्यं निरुप्यं पचयो य सत्त्वं वे कम्पवा वे य पिवा य पिता । आरम्भं से नि य  
 एह मोहं अवे जवा र्त्तं इत्थं निरुप्यं ॥ २२ ॥ ४९१ ॥ र्त्तं अणुपुञ्जा  
 वरुत्तं र्त्तं वरुत्तं परिमपुञ्जा । एवं तु मेहाणि समिक्क वम्मं र्त्तं पार्त्तं  
 परिमपुञ्जा ॥ २३ ॥ ४९२ ॥ संकुञ्जमाये उ नरे र्त्तं पावाह अप्पाव विव-  
 पुञ्जा । विरुप्यवाहं पुहाहं यत्ता वेत्तुमपुञ्जाये महपुञ्जाये ॥ २४ ॥ ४९३ ॥  
 मुसं न वृत्ता मुनि अणुपुञ्जाये विवमपुञ्जाये कर्त्तं समाहि । सत्त्वं न कुञ्जा न य  
 अरुप्यका कर्त्तमाये पि य गालुवाये ॥ २५ ॥ ४९४ ॥ इहे सिवा वार्त्तं न इत्त-  
 पुञ्जा अणुपुञ्जा न य अणुपुञ्जाये । विरुप्यं विरुप्यं न य वृत्तं न विवमपुञ्जा  
 य परिमपुञ्जा ॥ २६ ॥ ४९५ ॥ विवमपुञ्जा मेहाठ विरुप्यवाहं कर्त्तं निरुप्यं  
 निरुप्यवाहं नो बीमिर् नो मरुवाभिर्त्तं करेय विवमपुञ्जा विरुप्यं ॥ २७ ॥  
 ॥ ४९६ ॥ ति वेमि ॥ समाहिपुञ्जाये वृत्तं ॥

य अवावद्वि नो किरियमाहं न किरियमाहं ॥ ४ ॥ ५३८ ॥  
निरा नहीए से पुग्गुई होइ अवावद्वि । इमं पुग्गुव

उसावयमं च कम्म ॥ ५ ॥ ५३९ ॥ ते एवमवच्छिन्ति

अकिरियमाहं । जे मावहता कहिये मंभूता नमंति

॥ ५४० ॥ नइओ उदेइ न अस्वमेइ न चन्दिमा कहुइ ।

सन्दन्ति न वन्ति वाया कम्मो मियओ कसिने दु ओइ ॥ ७

अन्ने सह जोइणा वि स्माई नो पस्सइ हीवनेत्ते । तन्ने वि

किरिं न पस्सन्ति निरुपपन्ना ॥ ८ ॥ ५४२ ॥ संवच्छरे

निमित्तदेइ च उप्पाइयं च । अट्टममेयं कहिये अहिता ओपेहि

॥ ९ ॥ ५४३ ॥ केई निमिप्ता तहिया भवन्ति केतिवि तं

विज्जमायं अवहिज्जमाणा आहंसु विज्जा परिमोक्कमेव ॥ १० ॥

समिक्क लोग तहा तहा समणा माइया व । सबैक

विज्जावरणं पमोक्कं ॥ ११ ॥ ५४५ ॥ ते अक्क

अग्गासुसासन्ति हिंयं पयानं । तहा तहा सासकमाहु ओइ

गाइ ॥ १२ ॥ ५४६ ॥ जे रक्कसा वा अममेइवा वा के

कया । अगासयामी व पुडोसिवा के पुणो पुणो

॥ ५४७ ॥ अमाहु ओई सक्किं अपारमं आणाहि न

विसग्गा विसवग्गणाहिं वुइओ वि ओमं अकुसंवरन्ति ॥ १४ ॥

कम्मणा कम्म खवेन्ति वाक्क अकम्मणा कम्म खवेन्ति ओइ ॥

अवावईया संतोसिणो नो पकुरेन्ति पावं ॥ १५ ॥ ५४९ ॥ ते

गयाई ओगस्स जाणन्ति तहागयाई । नेयारो अजेसि

कडा भवन्ति ॥ १६ ॥ ५५० ॥ ते नेव कुम्बन्ति न

सुगुच्छमाणा । समा जया विप्पजमन्ति धीरा विप्पति धीरा व

॥ १७ ॥ ५५१ ॥ ठहरे व पाणे पुणे व पाणे ते अत्तओ

उम्मेहई ओगसिगं महन्तं बुद्धेपमत्तेसु परिग्गएजा ॥ १८ ॥ ५५३ ॥

परणो वा वि नत्था अलमप्पणो होन्ति जलं परेसि । तं जोइमाई

जे पाठकुजा अनुवीइ वम्मं ॥ १९ ॥ ५५३ ॥ अत्ताण जो आणइ

गई च जो आणइ नाणई च । जो सासयं जाण असासयं च आइ

अगोववायं ॥ २० ॥ ५५४ ॥ अहो वि सत्ताण विट्ठणं च जो

संवरं च । दुक्खं च जो आणइ निज्जरं च तो आसितमरिइइ किरियवायं ॥

आवाह सप्तु तं धीं पश्येता एतुर्वा ॥ २३ ॥ ५१९ ॥ आम्भुतो सभा बन्ते  
 छिन्नोष्ण अवाप्तये । ओ वाम्यं सुप्रमवन्ता पविपुष्पमनोमिदं ॥ २४ ॥ ५२० ॥  
 तमेव अमिवागन्ता अकुप्य कुप्यमानिभ्यो । कुप्य सो ति य मवन्ता अन्त एव समा-  
 क्षिप ॥ २५ ॥ ५२१ ॥ ये व बीभीष्यन् तेव तमुद्दिष्टा य व क्वं । मोषा क्षात्रं  
 क्षिवावन्ति अवेनवाप्तमाक्षिवा ॥ २६ ॥ ५२२ ॥ अहा वंका व कंका व कुक्कम  
 मन्तुम सिद्धी । मन्वेस्यं मियायन्ति क्षात्रं ते अस्तुधावर्ग ॥ २७ ॥ ५२३ ॥ एवं  
 तु समया एते निष्कामिणी अचारिवा । निस्फुल्लं मियावन्ति कंका वा अस्तुधावर्ग  
 ॥ २८ ॥ ५२४ ॥ सुदं मयो विराक्षिता इहमेव व तुम्हर् ॥ उम्भन्तायदा तुम्हर्  
 वावमेवन्ति तं उहा ॥ २९ ॥ ५२५ ॥ अहा क्षात्राणिनि गार्ग आहमन्वो दुरक्षिवा ।  
 इच्छां परमागन्तुं अन्त एव व निरीक्ष ॥ ३० ॥ ५२६ ॥ एवं तु समया एते  
 निष्कामिणी अचारिवा । सोमं अमिवावन्ता आम्भुतारो महुम्भर्ग ॥ ३१ ॥ ५२७ ॥  
 इमं व वम्भमावाव अस्तमेव पश्येत् ॥ तरे सोमं महाभोरं अत्ताए परिष्वाए  
 ॥ ३२ ॥ ५२८ ॥ निरए पात्रमन्मिहो ओ केह अचर् अगा । वेसि अस्तुधमावाए  
 वाम्यं इमं परिष्वाए ॥ ३३ ॥ ५२९ ॥ अहमर्ग व मार्ग व तं परिष्वाव पश्येत् ।  
 सन्त्ययेवं निरमिन्ता निष्वावं सेवए सुनी ॥ ३४ ॥ ५३० ॥ सेवए सप्तुवम्भ  
 व पात्रमन्म विराहरे । सप्तुवावरीरिप निष्वा वीर्ग मार्ग व पश्येत् ॥ ३५ ॥ ५३१ ॥  
 ओ व कुप्य अमिन्ता ओ व कुप्य अवागवा । सन्ति वेसि पश्येत् मूर्वावं अमर्  
 अहा ॥ ३६ ॥ ५३२ ॥ अह वं वदमावर्ग अवाव अवाववा पुते । न वेद निमि-  
 हन्वेजा वाएव व महागिरी ॥ ३७ ॥ ५३३ ॥ सेवुवे से महापवे बीरे वरेवर्ग  
 वरे । निम्बुवे अममार्गवी एवं केवन्त्यो मर्ग ॥ ३८ ॥ ५३४ ॥ ति वेसि ॥  
 मन्मावस्यार्ग पसारहर्ग ॥

### समोसरणपञ्चमये वारहमे

अतारि समोसरणमिमाणि पत्न्यतुवा अर्हं पुते ववन्ति । निरिर्ग अमिर्गिर्ग  
 निमर्ग ति वदं अवावमार्गिषु वरुत्तमेव ॥ १ ॥ ५३५ ॥ अवामिवा ता कुप्यवा  
 नि सन्ता अस्तुवा नो निमिन्ताक्षिन्ता । अमोमिवा आम्भु अमोमिर्गिर्ग अवाव-  
 वीरिषु मुदं ववन्ति ॥ २ ॥ ५३६ ॥ सार्ग अवावर्ग इति निन्त्यन्ता अवाव ताव  
 ति वराहन्ता । वेमे अवा वेवन्त्या अमिगे पुप्य नि मार्ग निमर्गिर्ग नाम ॥ ३ ॥  
 ५३७ ॥ अमोमर्गवा इव तं वरावु अवे उ ओमावर्ग अम्ह एवं । अवावर्गवे

अथानुष्टुप् प्रमाणम् ॥ ५४ ॥ ५४८ ॥  
मिरा नदीरु व सुम्भुई होइ नदीरुम्भुई । एन दुपकन  
उज्जवर्ण व कर्म ॥ ५५ ॥ ५४९ ॥ ते एवमवर्णन  
अभिरुम्भुई । ते मावत्त कर्षे नदीरुम्भुई  
॥ ५४० ॥ नदीरु उदेइ न नदीरुम्भुई न नदीरुम्भुई  
सम्भुई न वन्ति बाया कम्भुई नदीरुम्भुई न नदीरुम्भुई  
अन्ने सह जोइया नि स्याई नो वस्तुइ हीनयेत् ।  
किरिं न वस्तुनि निरुद्धपणा ॥ ५४१ ॥ ५४९ ॥ संवत्त  
निमित्तदेइ व उपाय्य व । अनुष्ठुप् कर्षे नदीरुम्भुई  
॥ ५४२ ॥ ५४९ ॥ केई निमित्ता तहिवा भवन्ति केसिनि त  
विज्जमानं भवद्भिज्जमाना जाइसु निज्जा परिमोक्कयेव ॥ ५४३ ॥  
कम्भुई सविन कोय तहा तहा वमना माइया व । उज्जवर्ण  
जाइसु निज्जावरण पमोक्क ॥ ५४४ ॥ ५४९ ॥ ते कम्भु  
मम्भुत्तासन्ति हिं वपान । तहा तहा वासवमाहु कोय  
मावा ॥ ५४५ ॥ ५४९ ॥ ते रक्कता वा कम्भुम्भुई वा  
कावा । अनात्तकम्भु व पुडोसिवा ते पुजो पुजो  
॥ ५४६ ॥ अम्भु जोई कम्भु अचारण कावाहि व नदीरुम्भुई  
मिसन्ना मिसवत्तवाहि दुइको नि कोय अनुष्ठुप्वन्ति ॥ ५४७ ॥  
कम्भुणा कम्भु कम्भुनि कावा अकम्भुणा कम्भु कम्भुनि कोय ।  
अवावईया संतोसिगो नो पकरेन्ति कर्ष ॥ ५४८ ॥ ५४९ ॥ ते  
गयाई लोहस्स जाणन्ति तहागयाई । नेवारो अवेनि  
कडा भवन्ति ॥ ५४९ ॥ ५४९ ॥ ते नेव कुम्भुन्ति व  
दुगुम्भुमाणा । सया अया विप्वमन्ति वीरा निज्जानि वीरि  
॥ ५५० ॥ ५४९ ॥ उहरे व पाणे पुडो व पाणे ते वीरि  
उज्जवर्ण लोहमिगं महन्त पुडोपमोह परिमोक्क ॥ ५५१ ॥  
परजो वा नि नवा अकम्भुम्भुई होन्ति अक वीरि । ते वीरि  
ते पाठकुत्ता अनुष्ठुप् कर्म ॥ ५५२ ॥ ५४९ ॥ अन्तिव को कावा  
गई व जो कावा मावई व । वीरि वीरि कावा अन्तिव  
अजोववाव ॥ ५५३ ॥ ५४९ ॥  
संवर व । दुपक व वी

॥ ५५५ ॥ सोऽसु सौत असज्जमाये गम्भेऽसु रसेऽसु अनुससमाये । मो श्रीमिर्न मो  
मरणाक्षिर्नो आत्मापुतो वज्जना तिसुहे ॥ २२ ॥ ५५६ ॥ ति मेमि ॥ समो-  
सरज्जस्ययं वात्तहमे ॥

### आहचहीयन्क्षयये सेराहमे

आहचहीयं तु पवैवहस्ते भावप्यधरं पुरिसस्त आर्य । सज्जो व जम्म असज्जो  
असीलं सन्ति असन्ति करिस्तामि वारं ॥ १ ॥ ५५७ ॥ अहो व राजो व  
ससुद्धिपुंणिं एहपपुंणिं पविजम्म वम्म । समहिमावायमवोसमन्ता सत्पारमेव  
पम्मं वदन्ति ॥ २ ॥ ५५८ ॥ मिहोद्धिर्वं ते अनुकाहन्ते वे आत्मावैव निजा-  
मरेजा । अद्धमिह होह वहुपुवार्नं वे भावसंघस्य सुसं वएजा ॥ ३ ॥ ५५९ ॥  
वे वामि पुत्ता पविज्जवन्ति आवायममं अत्त वज्जया । असज्जो ते इह सज्ज-  
माधी मावन्ति एत्तन्ति अजन्तपारं ॥ ४ ॥ ५६० ॥ वे कोहवे होह अत्तमाधी  
मिमोसिर्वं वे स सरीरएजा । अज्जे व वे वज्जपई गहान् अमिमोसिह वासह  
वात्तज्जमी ॥ ५ ॥ ५६१ ॥ वे मिमहीए अज्जवमाधी व से समे होह असज्ज-  
पते । ओत्तावधरी व द्विठमवे व एमन्तमिहो व अयाहस्से ॥ ६ ॥ ५६२ ॥  
से वेससे छुमे पुरिसवाए अज्जविह वेव सुवज्जुवारे । वहुं पि अनुसातिहं वे  
एहवा समे हु से होह अज्जमपते ॥ ७ ॥ ५६३ ॥ वे वामि जप्पं वहुं पि  
मया संवाय वरं अपरिक्क जुजा । एवैव वारं वज्जिह पि मत्ता अरं वरं पत्तह  
विम्बमूर्धं ॥ ८ ॥ ५६४ ॥ एमन्तमिहो व से पजेह व विज्जई भोवपवसि पोति ।  
वे मावज्जुव निज्जसेजा वज्जवतरेव अनुज्जमाये ॥ ९ ॥ ५६५ ॥ वे मज्जवे  
अतिमवायए वा एहुमपुते एह केव्वाई वा । वे पव्वईए परत्तमोई पोते व वे  
अज्जम माववे ॥ १० ॥ ५६६ ॥ व तस्स वारं व वज्जं व एतं वज्जव निजा-  
वरं छविप्पं । मिक्कम्म से वेवज्जगारिकम्म व से पारए होह विम्बेववाए  
॥ ११ ॥ ५६७ ॥ विज्जिचवे मिक्क छज्जजीणी वे गारवं होह विम्बेवधरी ।  
आजीवमेवं तु अनुज्जमालो पुणे पुणे मिप्पसिमाहवेन्ति ॥ १२ ॥ ५६८ ॥ वे  
आसवं मिक्क एतापुवार्नं वविहाववं होह विहारए व । आगावपवे छविमाविसप्पा  
अरं वरं वज्जना पौहवेजा ॥ १३ ॥ ५६९ ॥ एवं व से होह समाहिपते वे  
पव्वं मिक्क मिज्जसेजा । अहवा मि वे अज्जमवावज्जिते वरं वरं विहार वात्त-  
पमे ॥ १४ ॥ ५७० ॥ पव्वमवं वेव एवीमवं व निजावए वीयमवं व विज्ज ।

पञ्चमस्तोत्रम् ॥ २६ ॥ ६०५ ॥ ते

तत्त्वं तत्त्वं । आद्यमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

॥ २७ ॥ ६०६ ॥ तत्त्वं तत्त्वं ॥ अन्तमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं ॥

## अन्तमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

अन्तमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं । अन्तमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

॥ १ ॥ ६०७ ॥ अन्तमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं । अन्तमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

न से होइ तहिं तहिं ॥ २ ॥ ६०८ ॥ तहिं तहिं अन्तमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

सवा सवेन सवेन मेति भूएहि कण्ठ ॥ ३ ॥ ६०९ ॥ भूएहि

बम्मे पुसीमनो । पुसीमं जयं परिचाय जस्ति जीविमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं ॥ ४ ॥

भावनाजोमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं । भावा व

इह ॥ ५ ॥ ६११ ॥ तित्तुई उ मेहावी ज्ञानं सोमंति सवर्ण ।

नर्ण कम्ममन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं ॥ ६ ॥ ६१२ ॥ अन्तमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

निजान से महावीरे जेन जाई न मिजई ॥ ७ ॥ ६१३ ॥ न मिजई

जस्स नत्ति पुरेकई । वाउ न्ना ज्ञानमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं ॥ ८ ॥

इतिमो जे न सेवन्ति ज्ञानमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं । ते ज्ञाना कम्ममन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

जीविमं ॥ ९ ॥ ६१५ ॥ जीविमं पिड्डमो किंवा जन्तं पक्कन्ति कम्ममन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

संमुहीभूया जे मग्गमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं ॥ १० ॥ ६१६ ॥ अन्तमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

पूयनासु ते । अणासए अप्प दन्ते दहे आरब्धमेतुवे ॥ ११ ॥ ६१७ ॥

व न लीएजा छिन्नसोए अणासिके । अणासिके सवा दन्ते संधि पत्ते

॥ ६१८ ॥ अनेसिस्स जेयजे न विरज्जेज केनइ । मन्त्रा वक्ता

वक्कमं ॥ १३ ॥ ६१९ ॥ से हु वक्क मन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं जे कंथाए व अनेसि

सुतो बहई वक्क अन्तेज लोठुई ॥ १४ ॥ ६२० ॥ अन्तमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

अन्तकरा इह । इह माणुस्सए ठाजे वम्ममाराहिउं नरा ॥ १५ ॥ ६२१ ॥

वद्धा व देवा वा उत्तरीए इयं सुर्य । सुर्य व मेवमेगेसि अमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

॥ ६२२ ॥ अन्तं करन्ति दुक्कणं इहमेगेसिमाहिउं । आचारं पुन एगेसि

समुत्सए ॥ १७ ॥ ६२३ ॥ इमो विद्वंसमाणस्स पुनो संवोहि कुत्ता ।

तह्वाजो जे वम्महुं विवागरे ॥ १८ ॥ ६२४ ॥ जे वम्मं सुद्धमन्त्रोऽस्यैव तत्त्वं तत्त्वं

ज्जमवेसिउं । अनेसिस्स वं ठाजं तस्स जम्मकहा कजो ॥ १९ ॥ ६२५ ॥

कवाइ मेहावी उप्पज्जन्ति तह्वाजवा । तहाज्ज अण्णविजा वक्क जेगस्सज्जारा

वापुः पञ्चदशैः वा अगारिर्न वा समस्तपुत्रिष्ठे ॥ ८ ॥ ५८० ॥ न तेसु कुत्रो न  
 न पञ्चदशैः न वापि द्विषी फलं वप्या । तदा करिस्तं वि पविस्तुमेवा किं न  
 येन न पयाम कुत्रा ॥ ९ ॥ ५८८ ॥ वनेति मूत्रस्य जहा अग्रा मय्यस्तुसासति  
 द्विं पयार्त्तं । तेनैव मर्जो हव्येन सेनं न मे तुहा समस्तुसासयन्ति ॥ १० ॥ ५८९ ॥  
 अह तेन मूत्रेण अग्रायस्तु फलं पूजा सविसेसहता । एवैवमं ताव  
 द्रवत्तु गीरे अतुल्यम् आत्वं उक्तेह सय्यं ॥ ११ ॥ ५९० ॥ मेमा जहा अन्ध  
 क्रांति राजो मर्गं न वाचाह अपस्तभाये । से सुस्तिस्त अग्रायमेनं मर्गं  
 विवाचाह पयासिर्वति ॥ १२ ॥ ५९१ ॥ एवं तु सेहे नि अतुल्यम् मर्गं न  
 वाचाह अतुल्यम् । से कोमि विवचनमेन पञ्चा हरोरप फलं वप्युमेन  
 ॥ १३ ॥ ५९२ ॥ तद्धं जहे नं विविं विवाह तदा न के वाचर के न पया ।  
 सया अप तेह पय्यप्या सवप्यजोसं अविच्यमाये ॥ १४ ॥ ५९३ ॥ अनेन  
 पुच्छे सविं पयाह आह्वयमायो वविस्तु निर्तः । से कोमि विवचनं न पुच्छे पयै  
 सेवा हं केविकेनं समाहि ॥ १५ ॥ ५९४ ॥ अस्ति छठिवा विविहं तावी  
 एतद् वा सति विरोहमाहु । से एवमस्तु विविहं न मुक्तमेवति पया-  
 र्त्तं ॥ १६ ॥ ५९५ ॥ मिसम् से मिसम् सवीहिर्न हं विवाचनं होह विवाचनं न ।  
 अनात्मजो गीरुमोने उवेन छेन वनेह योक्ते ॥ १७ ॥ ५९६ ॥ सेवाह  
 मर्गं न विवाचनं तुहा तु से अनात्मज मवति । से पारता कोह नि योवचाह  
 सेवोविर्न पय्युवाहन्ति ॥ १८ ॥ ५९७ ॥ नो छायं नो नि न अतप्या मर्गं  
 न सेवैव पय्युवेन न । न वापि पने परिहास कुत्रा न वाच्यसिवावा विवाचरेजा  
 ॥ १९ ॥ ५९८ ॥ मूत्रासिर्वहं तुग्यमाये न मिसवे मन्तपय्य सय्यं । न  
 विविमिच्छे मनुए वनाहं अतातुवममि न सेवप्या ॥ २० ॥ ५९९ ॥ हसं वि  
 वो सेवह पय्यम्ये कोए ताहिर्न फलं मियाये । नो पुच्छत नो न विर्वहन्ता  
 अनाहं वा अनाहं मिसम् ॥ २१ ॥ ६०० ॥ सेवेन वाच्यसिवावा मिसम्  
 विमज्जार्त्तं न विवाचरेजा । आतातुर्न मय्यस्तुहिर्न विवाचरेजा सयनासये  
 ॥ २२ ॥ ६०१ ॥ अतुल्यमाये विवाहं विवाये तदा तदा तातु अनाहरेन । न  
 अनाहं मात विविहन्ता मिसम् वापि न योहन्ता ॥ २३ ॥ ६०२ ॥ समस्तमेवा  
 वविपुत्रमाही विवाचिना सविवाहार्त्तं । वाचाह छेन वप्यं मिच्छे अमिसेवपु  
 पय्यम्येन मिसम् ॥ २४ ॥ ६०३ ॥ अनाहन्ताहं सविवाचप्या अनाहं नाहरेन  
 वप्या । से विविर्न विवि न अतप्या से वाचाह मातिर्न तं समाहि ॥ २५ ॥ ६०४  
 अतप्य नो पय्यववाही नो अतप्यं न करेन ताहं । सवचारमाही अतुल्यं वापं



सुखी कथितवन्ति ॥ २६ ॥ ६०५ ॥ ते

निपातं तस्य तस्य । अथवा ॥ सुखी निपातः

॥ २७ ॥ ६०६ ॥ त्रि विधि ॥ अथवा ॥ सुखी निपातः

### आपानिपद्यन्ते सुखान्ते

सुखीयं सुखीयं आपानिपद्यन्ते न सुखीयं । सुखीयं सुखीयं

॥ १ ॥ ६०७ ॥ अन्तर् निपातवन्ति ॥ सुखीयं सुखीयं ।

न ते होत तस्य तस्य ॥ २ ॥ ६०८ ॥ तस्य तस्य सुखीयं सुखीयं

सया सयेन सयेन मेति मूलं सुखीयं ॥ ३ ॥ ६०९ ॥ सुखीयं

सुखीयं सुखीयं । सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं ॥ ४ ॥

आपानिपद्यन्ते सुखीयं सुखीयं । सुखीयं सुखीयं

॥ ५ ॥ ६११ ॥ सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

॥ ६१८ ॥ सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

॥ ६२२ ॥ सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं सुखीयं

० २ ॥ १२९ ॥ अतः तरे व मने से अस्तवैव पवैहए । अं निम्न मिम्बुडा एनो  
 निहु पावमि पम्बिवा ॥ ११ ॥ १२० ॥ पम्बिपु नीतिवै कम्बु निम्बावाव पवताप  
 हुवे पुम्बकई कम्बु नी वा नि म कम्बुई ॥ १२ ॥ १२१ ॥ म कम्बुई महावीरे  
 अतुपुम्बकई रवै । एवसा पम्बुहीम्बुवा कम्बु हेवाव अं मव ॥ २३ ॥ १२२ ॥ अं  
 मव सवसाहवै तं मव सवसाववै । साहसाव तं सिम्बा देवा वा अममिष्ठ ते  
 ॥ २४ ॥ १२३ ॥ अममिष्ठ पुरा नीरा अममिस्था नि सवसा । सुविबोहस्त ममास्त  
 अतं पाठकट सिम्बे ॥ २५ ॥ १२४ ॥ ति वैमि ॥ आपाप्पियत्तुपववै पवसाहमै ॥

### गाहकयये सोम्बसमे

अहाह मयै—एवं से इन्ते इमिपु बोसहुअपु ति क्वे माहवे ति वा १ समवे  
 ति वा २ मिक्क ति वा ३ निगम्बे ति वा ४ पम्बिमाह—मन्ते क्वै तु इन्ते  
 इमिपु बोसहुअपु ति क्वे माहवे ति वा समवे ति वा मिक्क ति वा निम्बवे ति  
 वा । तं नो वुई महासुनी ॥ इति निरपु सवसावकम्बेई पिम्बोसकम्बु अम्म  
 क्वाव पेम्बु पपदिवाव अत्तरा यत्तमोस मिम्बाईवकसाविरपु समिपु  
 सविपु सवा अपु नो कम्बे नो मानी माहवे ति क्वे ॥ १ ॥ १२५ ॥ एव नि  
 समवे अमिमिष्ठ अमिवावे आवाव व अत्तवै व सुसाववै व वक्किई व कोई व  
 मावै व मव व कोई व पिम्ब व बोस व इवेव क्वे क्वे आवाव अप्पवो  
 पपेसहेक त्तो त्तो आवावावो पुम्ब पम्बिपु पावाहवाया सिम्बा इन्ते इमिपु  
 बोसहुअपु समवे ति क्वे ॥ २ ॥ १२६ ॥ एव नि मिक्क अत्तवपु मिमीपु वामपु  
 इन्ते इमिपु बोसहुअपु समिपुनीव मिक्ककम्बे पपेसाविसम्बे अम्बपुवोपम्बुवावे  
 वक्किपु ठिम्बा कम्बपु पपेसमोई मिक्क ति क्वे ॥ ३ ॥ १२७ ॥ एव नि  
 निम्बवे एनो एगमिष्ठ इवे समिक्कतोपु एववपु क्वमिपु छतामापु आवावपति  
 मैक इहवो नि सोवपम्बिम्बे नो पुम्बकसावकम्बु अम्मणी अम्ममिक्क निवाग  
 पम्बवे समिवै नरे इन्ते इमिपु बोसहुअपु निम्बवे ति क्वे ॥ ४ ॥ १२८ ॥  
 वे एवमेव आवाव अम्म मक्कसारो ॥ ति वैमि ॥ गाहकययै सोम्बसमै,  
 पढमै सुपक्कम्बे समवे ॥

### पोम्बरियत्तपये पढमे

एवं से आठवी वेव मयववा एवमकम्बे । इह क्वे पोम्बरीपु पावम्बुवै

**SECRET**

\*\*\*\*\*

10-11-1964

SECRET SECRET SECRET SECRET

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सत्यमेव जयते सत्यमेव जयते

**कर्म-कर्म कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म कर्मकर्म**

[illegible]

**संस्कृत-भाषायां शब्दाणां सूची : अक्षर-व.**

॥ अथ भक्त्युपायः ॥ भक्त्युपायः यः भक्त्युपायः भक्त्युपायः

**संस्कृत-विभाग**

प्राप्त हो सका है।

संज्ञा-विशेषः न स्यात् न च संज्ञा-विशेषः संज्ञा-विशेषः न

बाल्यं च कष्टं नरः कष्टाद्वा कष्टमपश्यति । विनाशः कष्टः ।

मम, मममाह, मममाहको वे धीरे धीरे । मममाह

ਜਾਪਦੀ ਹੈ ਤੇ ਹੋਰ ਕੁਝ । ਸਿੰਘਾਨਾਂ ਨੇ ਕੁਝ ਕੁਝ ਕਾਮ

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

इस तरह, पाईल का कर्म का कर्म का कर्म का कर्म का

अनुप्रासः अर्धः उपपन्नः । (संज्ञा-भाषितः के)

जीवानों का सम्बन्ध का रहस्य का प्रकाश

कर्मो दुष्कृता कर्म । तासि च न कर्तव्यानि एते रागाः ।

महिम्नमार्गः भवन्तामिहाराधुनिक-मार्गः

मन्त्रमहामुद्रायाः सन्निधौ भवति ॥ १ ॥

पिप, बामिकर, बामिकर, बामिकर, बामिकर  
 १. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०. ११. १२. १३. १४. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०. ३१. ३२. ३३. ३४. ३५. ३६. ३७. ३८. ३९. ४०. ४१. ४२. ४३. ४४. ४५. ४६. ४७. ४८. ४९. ५०. ५१. ५२. ५३. ५४. ५५. ५६. ५७. ५८. ५९. ६०. ६१. ६२. ६३. ६४. ६५. ६६. ६७. ६८. ६९. ७०. ७१. ७२. ७३. ७४. ७५. ७६. ७७. ७८. ७९. ८०. ८१. ८२. ८३. ८४. ८५. ८६. ८७. ८८. ८९. ९०. ९१. ९२. ९३. ९४. ९५. ९६. ९७. ९८. ९९. १००.

कठकर कठकर नरनर उररुनर उररुनर  
 कठकर कठकर कठकर कठकर

पुरिसवरगवहत्वा जहू पति पति

पडिपुण्णर्जतकोसको

संस्कृत-विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

अहादरे तथे पुरिसचाए । अह पुरिसे पचरिमाणो बिसाओ आगम्य तं पुनःचरिणि  
 तीरे पुनःचरिणीए तीरे ठिवा पासइ तं एवं मई पठमवरपोखरीं अकुमुमुष्टिं  
 जाव पखिइं । ते उत्तम दोन्नि पुरिसचाए पासइ पहीनि तीर अपठे पठमवरपोख-  
 रीं नो हन्नाए नो पाराए जाव ऐयंति निचन्नि । तए नं से पुरिसे एवं बयासी-  
 अहो नं इये पुरिसा अकेववा अकुसुका अपमिदया अनिवसा अमेहावी वाच नो  
 मगपइ नो मगमिद नो मगमस गहपरिहमभू नं नं एए पुरिसा एवं मने-अम्हे  
 एवं पठमवरपोखरीं वडिनिचस्सामो नो न कहु एवं पठमवरपोखरीं एवं  
 वडिनिचस्सामो अहा नं एए पुरिसा मने । अहमंति पुरिसे केयसै कसके पखिइ  
 निवतो मेहावी अवाके मगगु मगमिद मगमस गहपरिहमभू अहमेवं पठमवर-  
 पोखरीं वडिनिचस्सामि ति कहु इति सुवा से पुरिसे अमिदये तं पुनःचरिणि ।  
 जारं जारं न नं अमिदये तावं तावं न नं महुन्ते कए महुन्ते सेए जाव अन्तरा  
 पुनःचरिणीए सेवंति निचन्नि तथे पुरिसचाए ॥ ४ ॥ ६१५ ॥ अहादरे वडत्ते  
 पुरिसचाए । अह पुरिसे उत्तराओ बिसाओ आगम्य तं पुनःचरिणि तीरे पुनःचरिणीए  
 तीरे ठिवा पासइ तं मई एवं पठमवरपोखरीं अकुमुमुष्टिं जाव पखिइं । ते  
 उत्तम दोन्नि पुरिसचाए पासइ पहीनि तीर अपठे जाव ऐयंति निचन्नि । तए नं से  
 पुरिसे एवं बयासी-अहो नं इये पुरिसा अकेववा जाव नो मगमस गहपरिहमभू  
 नं नं एए पुरिसा एवं मने-अम्हे एवं पठमवरपोखरीं वडिनिचस्सामो नो न  
 कहु एवं पठमवरपोखरीं एवं वडिनिचस्सामो अहा नं एए पुरिसा मने । अहमंति  
 पुरिसे केयसै जाव मगमस गहपरिहमभू अहमेवं पठमवरपोखरीं एवं वडि-  
 निचस्सामि ति कहु इति सुवा से पुरिसे अमिदये तं पुनःचरिणि । जारं जारं न नं  
 अमिदये तावं तावं न नं महुन्ते कए महुन्ते सेए जाव निचन्नि वडत्ते पुरिस-  
 चाए ॥ ५ ॥ ६४ ॥ अह मिक्क कहे तीरट्टी केयसै जाव गहपरिहमभू जज-  
 रान्ते बिसाओ वा अपुरिसाओ वा आगम्य तं पुनःचरिणि तीरे पुनःचरिणीए तीरे  
 ठिवा पासइ तं मई एवं पठमवरपोखरीं जाव पखिइं । ते उत्तम अचारि पुरि-  
 सचाए पासइ पहीनि तीर अपठे जाव पठमवरपोखरीं नो हन्नाए नो पाराए  
 अन्तरा पुनःचरिणीए सेवंति निचन्नि । तए नं से मिक्क एवं बयासी-अहो नं इये  
 पुरिसा अकेववा जाव नो मगमस गहपरिहमभू नं एए पुरिसा एवं मने-अम्हे एवं  
 पठमवरपोखरीं वडिनिचस्सामो नो न कहु एवं पठमवरपोखरीं एवं वडि-  
 निचस्सामो अहा नं एए पुरिसा मने । अहमंति मिक्क कहे तीरट्टी केयसै जाव गह-  
 परिहमभू अहमेवं पठमवरपोखरीं वडिनिचस्सामि ति कहु इति सुवा से मिक्क

ਸ੍ਰੀ ਹਰਮਨੀਯੋਗੀ ਸ੍ਰੀ ਹਰਮਨੀਯੋਗੀ ਸ੍ਰੀ ਹਰਮਨੀਯੋਗੀ

[illegible]

॥ ५४॥ ॥ किट्टि माद ककमकतो, कट्टे कुम से ककित्तो ककमकतः ॥

मरणं महावीरं विजयन्त्या न विजयन्तीति

एवं ब्याप्री-किट्टि नाम सज्जनान्ते, अहं भुवः से ।

समने अपने महावीरों से न करके मिलाने न

बवासी-हस्त कलनाउरु जयनबादि विवादिनि निवेदिनि

समितिः शुभो शुभो अकारंसेति । ये वेदि ॥ ७ ॥ १४२ ॥ ॥

अप्याहः सन्नाहसो पुनरिषी पुनः । कर्मन् सन्नाहः

से उद्यम हुए । कामलोगे व मनु मनु मनु

आजकल के बहुत सारे अपराधों का जन्म है।

राजार्णवः च कुरु मया अर्प्याहर्तुः सम्यक्कृतो ये ह्ये मया

अथविनिश्चयः न कश्चिदपि नान्यथा सत्यमस्ति ते

बर्मा व बहुत मए अण्णाहु समनास्तो से विनय-द्वय ।

मए अप्पाहइ लमनाउसो से तीरे कुए । कलकल

आठसो से सहे हुए । विष्णु ने बहुत बड़ा जमाना

कुरए । एतमेवं च मए जन्माहं वसन्ताउखे-से जन्मेवं जन्म

इह लक्ष्म पाईन वा पपीन वा सरीन वा बायिन

अपुपुष्पेण तर्पेण उपवना । तंवा-भासितं येन अन्तरिक्षे

भीमयोगा वेगे क्षयमस्ता वेगे रहस्यमस्ता वेगे क्षयमस्ता वेगे

बेगो दुस्मा बेगो । तेसिं न न मनुयाथं एगो राजा नन्द नन्द

महिम्नसारे भवन्तपि सुद्वारास्तु मनीषयस्तु

अनन्यदुर्भाषपूए सन्त्युनसमिद्धे सतिप सुविप

पिए सीमंकरे सीमंकरे सेमंकरे सेमंकरे वजुरिंकरे

सेठकरे केतकरे नरपकरे पुरिसपकरे पुरिसजीहे

पुरिसवरणं बह्वर्णी नष्टे विसे विसे

**प्रबुधनसुखमयः आशोगपञ्चगव्यः**

[illegible]

बोहवकण्ठं निहवकण्ठं मण्डिवकण्ठं लक्ष्मिकण्ठं अकण्ठं  
विजयकण्ठं विजयकण्ठं विजयकण्ठं विजयकण्ठं

अस्मिन्सत् उद्विग्नसत् मिथिग्नसत् पराहस्यसत्

(एकवचनो ब्रह्मा ब्रह्मवत्तए) आन परंतुदिव्यवमरं एव पताहेमाने निहरइ । तस्य नं एवो परिता मकरं तस्या तस्यपुता भोगा मोगपुता इन्धाना इन्धाना-पुता नावा नावपुता कोरम्भा कोरम्भपुता मस्त मस्तपुता माहवा माहवपुता केच्छइ केच्छपुता फस्तवाते फस्तवपुता सेनाबई सेनावपुता । तसि नं एमए सही मकरं कर्म तं समवा वा माहवा वा सेपहारिस्तु ममावाए । तत्त अचबरेनं बम्मेनं पत्तातो नं इमेनं बम्मेनं पबवत्सामो से एवमावपह भवतातो ब्रह्म मए एव बम्मे इन्धनाए सुवत्ते भवइ । तं ब्रह्म-ठहू पायतका अहे केवम्भमपवा तिरिनं तवपरिवंते बीये एव आवापजये कसिने एव बीये बीवइ, एव मए नो बीवइ, सरीरे बरम्भे वरइ निवट्टम्मि व नो वरइ । एवं तं बीमिनं भवइ, आहवपए परोहिं निवइ, अपमिधामिए सरीरे अमोक्कवामि अट्टमि भवति आसरीपजमा पुरिया मामे पवामम्भेति, एवं असते असमिजमाये । केसि तं असते असमिजमाये सेसि तं इन्धनवत्तं भवइ-अवो मवइ बीवो अवं सरीरे, तम्हा तं एवं नो निपडिने-ईति-अक्माउछो जावा पीहे ति वा इस्से ति वा परिमण्डके ति वा केइ ति वा तसे ति वा वडरसे ति वा आवए ति वा कळसिए ति वा अट्टसे ति वा निम्हे ति वा बीके ति वा कोहिबहामिहे ति वा सुविने ति वा इम्मिनये ति वा इम्मिनये ति वा सिसे ति वा कट्टए ति वा कट्टए ति वा अम्मिहे ति वा मडुरे ति वा कम्भके ति वा मडए ति वा सुए ति वा कट्टए ति वा बीए ति वा कसिने ति वा निहे ति वा इन्धने ति वा । एवं असते असमिजमाये । केसि तं इन्धनवत्तं भवइ-अवो बीवो अवं सरीरे, तम्हा ते नो एवं कवम्भेति । से ब्रह्मवामए-केइ पुरिसे कोसीओ असि अमिमिधहिता नं ववरसिजा अक्माउछो जावा इव सरीरे । से ब्रह्मवामए केइ पुरिसे सुवाओ इतिव अमिमिधहिता नं ववरसिजा अक्माउछो सुवे इव इतिव एवमेव वरिव केइ पुरिसे ववरसिजारो अक्माउछो जावा इव सरीरे । से ब्रह्मवामए-केइ पुरिसे वंछाओ अट्टि अमिमिधहिता नं ववरसिजा अक्माउछो येसे अवं अट्टि एवमेव वरिव केइ पुरिसे ववरसिजारो अक्माउछो जावा इव सरीरे । से ब्रह्मवामए-केइ पुरिसे करकवाओ आगळं अमिमिधहिता नं ववरं सेजा अक्माउछो करकके अवं आगळए, एवमेव वरिव केइ पुरिसे ववरसिजारो अक्माउछो जावा इव सरीरे । से ब्रह्मवामए-केइ पुरिसे वहीओ नवबीव अमिमिधहिता नं ववरसिजा अक्माउछो नवबीव अवं वु वही एवमेव वरिव केइ पुरिसे जाव सरीरे । से ब्रह्मवामए-केइ पुरिसे विवेहिंतो सेव अमिमिधहिता नं ववरसिजा

सर्व विषयों में समानता है।

**THE UNIVERSITY OF CHICAGO**

**संज्ञा** संज्ञा

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

SECRET

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

समाधि विवरण, समाधि-लीड

श्री गुरुभ्यो नमः श्री गुरुभ्यो नमः श्री गुरुभ्यो नमः श्री गुरुभ्यो नमः श्री गुरुभ्यो नमः

**१. कालः । २. मासः । ३. तिथिः । ४. नक्षत्रम् ।**

[illegible]

जीवनादः । एवं हि समन्विता निरुपमा अमरी अमरी ।

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

आरक्षी एवं प्रयासि, वी अक्ष-अक्षय्य न अक्षय्य न

अथैव च पञ्चमोऽङ्गः ।

अभिज्ञान कौटिलीय प्रमाणानुसारं । प्रमाणानुसारं प्रमाणानुसारं

**आचार्य महाराज कृष्णदास विदेशी**

ह्याने मजबूत । ते जगता मजबूत बनतील

अथ हि साङ्ख्यं समाध्यासं च

अज्ञानोन्मत्ता इत्यादि शब्दोन्मत्ताः । ये चोन्मत्ताः सन्त्येव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

आचार्यजीं हकीं आचार्यजीं हीं हीं आचार्यजीं हीं

मित्रता । इति पक्षे शीतलान्तरात् । इति पक्षे ॥

क्या हमारे होते परीसराह काकाकाकाका कि काकाकाका ?

यन्मोक्षदा मन्त्राणां शक्तिः शिवस्यैव शक्तिः शिवस्यैव शक्तिः

अन्तरिक्षा को ही जाना जाता है। किन्तु यह भी सत्य है कि

येन निरुद्धोऽहं ब्रह्म विनाशकम् । मेति न हं ब्रह्मणः क्वचि

॥ माहता अ पारिषद कोणावर ॥ तसक मजबूती मजबूती मजबूती ॥

यं नाहिमा यं योऽरिहं योऽमिहं । तस्य जगत्परमं यन्ममं यन्ममोऽयं ।  
यन्ममोऽयं यन्ममोऽयं यन्ममोऽयं यन्ममोऽयं यन्ममोऽयं यन्ममोऽयं ।

अथ । एषा कथा । एषा कथा । एषा कथा । एषा कथा । एषा कथा ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

(उक्तव्यक्त्यो अथा बोधवत्तए) आद्य प्रसंगविम्बद्वयरे एव पताहेमाने निहरत् । तस्य च एवो परिधा मन्त्र इत्या इत्युक्ता मोना मोगपुता इत्युक्ता इत्युक्ता-पुता नामा ग्राह्युक्ता कोरव्या कोरव्यपुता भद्रा भद्रपुता माहवा माहवपुता केन्द्रा केन्द्रपुता पतवारो पतव्यपुता ऐनाई ऐनावपुता । तेषि च च एतदपु सही मन्त्र इमे तं समवा वा माहवा वा संपहारिह भगवापु । तत्त अन्तर्ये च इमे पञ्चतारो च इमे पञ्चवत्सलो से एवमावाह मन्तारो अथा मपु एत इमे उक्तव्यापु सुप्रवते मन्त्र । तं अथा-उक्त पावतकम अहे केसम्भ्रमत्या विरिच उक्तविरिचते बीधे एत आवापञ्चये कतिने एत बीधे बीकट, एत मपु मो बीकट, सरीरे वरमाये वरत् निवदुम्भि च वो वरत् । एवं तं बीमिच मन्त्र, आवाहवापु पतेई निवद, अमिनिवामिपु सरीरे कपोवव्यानि अष्टीमि मन्ति आसंटीपञ्चमा पुरिधा चान् पञ्चपञ्चति, एवं असेते असेमिजमाने । केसि तं असेते असेमिजमाने तेषि तं उक्तव्याम मन्त्र-अन्तो मन्त्र बीधो अर्ध सरीरे, उम्हा ते एवं मो निपडि-इति-अस्मात्तछे आवा बीधे ति वा इस्ते ति वा परिमपञ्चके ति वा व्हे ति वा लंछे ति वा चडरंछे ति वा आवापु ति वा लंछेतिपु ति वा अष्टीते ति वा निव्हे ति वा नीके ति वा कोद्विद्वामिने ति वा लंछेति ति वा सुमिगने ति वा सुमिगने ति वा सिने ति वा अष्टपु ति वा कसापु ति वा अमिचि ति वा म्पुरे ति वा कन्चके ति वा मठपु ति वा पुम्पु ति वा अष्टपु ति वा बीपु ति वा लंछेति ति वा निव्हे ति वा उम्भे ति वा । एवं असेते असेमिजमाने । केसि तं उक्तव्याम मन्त्र-अन्तो बीधो अर्ध सरीरे, उम्हा ते मो एवं चवचम्पेति । से अहाणामपु-केद पुरिसे कोसीओ अस्ति अमिनिव्यहिता च उक्तव्या अस्मात्तछे आवा अर्ध कोसी एवमेव गरिब केद पुरिसे अमिनिव्यहिता च उक्तव्या अस्मात्तछे आवा इव सरीरे । से अहाणामपु केद पुरिसे मुक्ताओ इतिच अमिनिव्यहिता च उक्तव्या अस्मात्तछे मुक्ते इव इतिच एवमेव गरिब केद पुरिसे उक्तव्या अस्मात्तछे आवा इव सरीरे । से अहाणामपु-केद पुरिसे मंताओ अष्टि अमिनिव्यहिता च उक्तव्या अस्मात्तछे मंते अर्ध अष्टि एवमेव गरिब केद पुरिसे उक्तव्या अस्मात्तछे आवा इव सरीरे । से अहाणामपु-केद पुरिसे करव्याओ आमचके अमिनिव्यहिता च उक्तव्या अस्मात्तछे करवके अर्ध आमचपु, एवमेव गरिब केद पुरिसे उक्तव्या अस्मात्तछे अस्मात्तछे आवा इव सरीरे । से अहाणामपु-केद पुरिसे वहीओ गवपीच अमिनिव्यहिता च उक्तव्या अस्मात्तछे गवपीच अर्ध ॥ वही एवमेव गरिब केद पुरिसे वत्त सरीरे । से अहाणामपु-केद पुरिसे विवेहीतो सेच अमिनिव्यहिता च उक्तव्या







॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

**THE**

[illegible]



[illegible]

सारम्मा उपरिगहा अहं अहं अपरिगहा, ये अहं पारत्वा सारम्मा  
 उपरिगहा संतेप्पमा समवा माहणा मि सारम्मा उपरिगहा एएति येव  
 निस्थाए कम्मचेरवासे वदिस्सामो । अस्स ये तं हुं १ अहा पुणं तहा अवरं  
 अहा अवरं तहा पुणं अहं एए अणुवरमा अणुवड्डिमा पुणरपि तारिउगा येव ।  
 ये अहं गारत्ता सारम्मा उपरिगहा संतेगहमा समवा माहणा मि सारम्मा  
 उपरिगहा, हुंमे पाणां हुंमेति इति संवाए वोडि मि अंतेहिं वदिस्सामो  
 इति मिक्ख टीएमा । से वेमि पाईवं वा ६ वाव एवं से परिवात्तकम्मे एवं से  
 वनिक्कम्मे, एवं से निमिक्कए मक्ख ति-मक्खणं ४ १४ ० ६४५ ०  
 तत्त अहं मयववा कम्मोवनिक्कएहेक पज्जाता । तं अहा-पुड्डीअए वात्त  
 तत्तअए । से अहावमए-मम अचारी इमेव वा सुद्धिं वा केवल्ल वा क्वालेम  
 वा आउटिक्कमावत्त वा इम्ममावत्त वा तन्निक्कमावत्त वा तात्तिक्कमा-  
 वत्त वा परिवानिक्कमावत्त वा निक्कमिक्कमावत्त वा कम्मिक्कमावत्त वा वात्त  
 केसुक्कवत्तमावत्तमि हिंसाअरमं पुणं मयं पविसेवेवेमि इमेव वाव सग्गे जीवा  
 सग्गे म्हा सग्गे पावा सग्गे सत्ता इमेव वा वाव क्वालेम वा अत्तहिक्कमा  
 वा इम्ममावा वा तन्निक्कमावा वा तात्तिक्कमावा वा परिवानिक्कमावा वा निक्क-  
 मिक्कमावा वा कम्मिक्कमावा वा वाव कोसुक्कवत्तमावत्तमि हिंसाअरमं पुणं मयं  
 पविसेवेवेमि । एवं मया सग्गे पावा वाव सत्ता न इत्तन्ना न अज्जावेक्कवा न  
 परिवेक्कवा ॥ परिवेक्कवा न कम्मिक्कवा । से वेमि ये व जईवा ये व पण्डप्पवा  
 ये व आपमिस्सा अरिहिता अमवत्ता सग्गे से एक्कमावत्तमि एवं मासेति एवं  
 पवसेति एवं कसेति सग्गे पावा वाव सत्ता न इत्तन्ना न परिवेक्कवा न अज्जा-  
 वेक्कवा न परिवेक्कवा न कम्मिक्कवा । एत्त मग्गे हुंमे वीहए सत्तए सग्गे केमं  
 वेदवेहिं वदेए । एवं से मिक्ख निरए पाणाइवावो वाव निरए परिगहाग्गे नो  
 संतपस्साकमेव इति नक्खाकेअ नो अज्जं नो कम्मं नो बुरये नो तं परिजमि  
 एमा ॥ से मिक्ख अतिरिए अष्टाए अग्गेहे जमाये जमाए अग्गेहे वससेते परि  
 मिमुहे नो आसंसे पुरमो करेजा इमेव ये रिद्धेव वा उप्प वा मएव वा निवाएव  
 वा इमेव वा सुवरितवत्तमिक्कमममचेरवासेव इमेव वा वामावावावुतिएवं मग्गेव  
 इमेव पुए पेवा वेमि शिवा काममोवाव वसवती सिद्धि वा अणुक्कमग्गे एव मि  
 शिवा एव मि नो शिवा । से मिक्ख उगेहिं अणुक्कए रुदेहिं अणुक्कए वदेहिं  
 अणुक्कए रवेहिं अणुक्कए पसेहिं अणुक्कए निरए ओहाम्मे मावावो मावावो  
 ओमावो वेवावो वीवावो कम्मवावो अक्कववावावो पेठवावो परपरिवावावो

[illegible]

से भिन्नं चम्पट्टं चम्पट्टं विवापपत्तिवत्ते से चहेवं पुद्गलं बहुधा पते पत्तमवर  
 पोण्डर्यं बहुधा अपत्त पत्तमवरपोण्डरीवं एवं से भिन्नं परिवाचकम्मे परिवाच  
 संगे परिवाचगेहवासे सबसेते समिपुं सखिए सवाचए । एवं वनमिजे तं बहा—  
 सममे ति वा माहने ति वा बंते ति वा बंते ति वा पुते ति वा मुते ति वा  
 इति ति वा मुनि ति वा च्छ ति वा मिठ ति वा मिम्व ति वा च्छे ति वा खीरडि  
 ति वा चरनकरनपाटकिं ति वेमि ॥ १५ ॥ ६५ ॥ पोण्डरियसुसमर्प  
 एहमं समर्प ॥

### किरियाठपञ्चयथे विद्ध्ये

सुं मे ओउसे ! तेनं भवन्वा एवमवकायं । इह कल्ल किरियाठये नामज्जम्मे  
 पक्के उस्स वं अक्खहे । इह कल्ल संखेवं दुवे ठावे एवमादिज्जति । तं बहा ।  
 बम्मे वेव जवम्मे वेव उवसेते वेव अनुवसेते वेव । उरव वं वे से पवमस्स  
 उरवस्स बहम्मपववस्स मिम्वे उस्स वं अक्खहे पक्के । इह कल्ल पार्वं वा ९  
 संवेगत्वा यत्तुत्वा भवति । तं बहा—आरिवा वेगे अवारिवा वेगे उन्नाम्मेवा वेगे  
 मौवाम्मेवा वेगे अन्नमंता वेगे इस्समंता वेगे उवप्पा वेगे पुवप्पा वेगे उवप्पा  
 वेगे पुवप्पा वेगे । तेसि व वं इमं प्वात्तं वण्णसमावाचं संपेहाए । तं बहा—वेउ-  
 एउ वा विरिक्खवोमिदुत्त वा मल्लसेउ वा वेउत्त वा वे यवसे तहप्पमाउ प्पवा  
 निहू वेवव वंति ॥ तेसि पि य वं इमात्ते वेउत्त किरियाठवाहं मवन्तीतिमवकायं ।  
 तं बहा—अट्टादम्मे १ अण्डादम्मे २ द्विंसादम्मे ३ अज्जहादम्मे ४ विट्ठिमिपरि  
 वासिमादम्मे ५ मोसवतिप ६ अविवावाचवतिप ७ अण्डसवतिप ८ माववतिप  
 ९ मिण्णोसवतिप १ मायलतिप ११ ओमवतिप १२ इरिवावतिप १३  
 ॥ १४ ॥ १५ पवमे वण्णसमावाचमे अट्टादम्मेवतिप ति आदिज्ज । ये बहलामए—वेउ  
 पुरिसे जावहेवं वा च्छहेवं वा अण्णहेवं वा परिवारहेवं वा विण्णहेवं वा नाणहेवं  
 वा भूपहेवं वा अण्णहेवं वा तं वण्णं तसवावरेहि पावेहिं सबमेव निविउ अवेव  
 नि निविउवेइ अवे पि निविउतें समनुवाण्ण, एवं कल्ल तस्स तण्णित्तं सावजं ति  
 आदिज्ज । नहमे वण्णसमावाचमे अट्टादम्मेवतिप ति आदिप ॥ २ ॥ ६५२ ॥  
 अहवरे वेवे वण्णसमावाचमे अण्डादम्मेवतिप ति आदिज्ज । ये बहलामए—  
 वेउ पुरिसे वे इमे उठा पावा भवति तं नो अवाए नो अविवाए नो मंवाए नो  
 सोमिअए एवं द्विंवाए पिठाए ववाए पिण्णए पुण्णए वाववए सिंयाए मिंवाए







१ अन्ने किरीयद्वाने मायावतिष्ठेति आहिए ॥

२ वस्त्रे किरीयद्वाने मायावतिष्ठेति आहिए ॥

माईहिं वा पिईहिं वा माईहिं वा माईहिं वा माईहिं वा

वा उन्हाई वा सदि सेवर्ममणि ठेसि अन्नेवतिष्ठेति

गहन दण्ड निवर्तते । तं जहा-जीवीद्वानिबर्तते वा अन्ने

उसिपोदयनिबर्तते वा अन्ने ओसिबिप्ता भवति, अगमिबर्तते अन्ने

ओसिब वा वेतेन वा वेतेन वा तवाइ वा [ कम्पेन वा किवाए वा

( अन्नेवर्तते वा इवएव ) पासाई उदाहिता भवति, दण्डेन वा अन्नेन

वा केवलेन वा कम्पेन वा अन्ने आठहिता भवति । तहप्यगारे

माणे दुम्पवा भवति, पक्षयाने दुम्पवा भवति, तहप्यगारे

दण्डगुरुए दण्डगुरुवडे अहिए इमेति ओगति अहिए परेति ओगति

विद्विर्मसी यावि भवति । एवं कहु तस्स तप्पत्तिवै सारवणं वि

किरीयद्वाने मायावतिष्ठेति आहिए ॥ ११ ॥ १११ ॥

एकारसमे किरीयद्वाने मायावतिष्ठेति आहिए ॥ १२ ॥

तमोक्खिया उल्लगपत्तलहुवा पम्पवगुप्पया ते आरिया नि सन्ना

मासाओ वि पठजन्ति, अजहासन्तं अप्पाणं अजहा भवन्ति,

वागरंति, अन्नं आइक्खियम्वं अन्नं आइक्खंति । ते जहागामए के

सन्ने तं सन्नं नो सर्वं निहरइ नो अन्नेन निहरावेइ नो पविमिइसेइ, एवमेव

अविउद्धमाणे अंतोअंतो रिवइ, एवमेव माई मावं कहु नो आओएइ नो

नो निन्दइ नो गरहइ नो विउद्ध नो विसोइइ नो अकरणाए अम्मोइइ

तवोक्कम्मं पायच्छित्तं पडिबज्जइ, माई अस्सि स्मेए पचायाइ याई परेति

पुणो पचायाइ निन्दइ गरहइ पसंसइ निचरइ न नियइइ निविरिबं

माइ असमाइइसुहजेस्से यावि भवति । एवं कहु तस्स तप्पत्तिवै

आहिए ॥ एकारसमे किरीयद्वाने मायावतिष्ठेति आहिए ॥ १२ ॥

अजहावे बारसमे किरीयद्वाने ओमवतिष्ठेति आहिए ॥ १३ ॥

जहा-आरब्धिया आबसहिंया गामन्तिया कम्पुईरइस्सिवा नो बहुसंजवा

पडिबिरिया सम्भपाजभूयजीवसतेहिं ते अप्पणो सन्नामोसाई एवं विउज्जंति ।

न हन्तम्भो अन्ने हन्तम्भा, अई न अजावेयम्भो अन्ने अजावेयम्भा, अई न

वेयम्भो अन्ने परिचेयम्भा, अई न परितावेयम्भो, अन्ने परितावेयम्भा, अई न उ

वेयम्भो अन्ने उहवेयम्भा, एवमेव ते इत्थिकमेहिं मुच्छिन्ना गिद्धा गहिंया गरहिंया



। कवने किरियहुने मायावतिए ति आहिण्ड ।

एतने किरियहुने मितदोसवतिए ति आहिण्ड । ते

पुरिसे माईहि वा बिईहि वा माईहि वा मरवीहि वा मरवीहि वा

वा उन्हाहि वा तदि संवसमानि तेहि अवसरति अहान्तुवति

मरुनं दण्डं विवोह । ते बहा-सीमोदमनिवर्ति वा कवने

उतिमोदमनिवर्ति वा कवने ओतिमिता मरु, अममिजनेन कवने

ओतिन वा वेतेन वा मैतेन वा तवाह वा [ कवनेन वा विवाह वा ]

( अवबरेण वा दवरण ) पासाई उरुकिता मरु, दण्डेन वा अहिण्ड

वा केहण वा कमाकेन वा कवने आउहिता मरु । तहण्वारे

माने दुम्भवा मरु, एकसमाने दुम्भवा मरु, तहण्वारे पुरिसेवा

दण्डगुण दण्डपुराणे अहिण्ड इमंति ओमंति अहिण्ड परंति ओमंति

विद्विमंती नाभि मरु । एवं कहु तत्स तप्यति संवसं ति

इतने किरियहुने मितदोसवतिए ति आहिण्ड ॥ ११ ॥ ५११

एकारसने किरियहुने मायावतिए ति आहिण्ड । ते इमे

तमोकसिवा उहुगपतम्भुवा पम्भगुम्भवा ते वारिवा ते सन्ना

मासाओ ति पठजन्ति, जजहासन्तं अप्पानं जजहा जजन्ति, अर्धं

वागरंति, अर्धं आइकियवम्भं अर्धं आइकियंति । ते अहान्तमरु के

सन्ने तं सार्धं नो सर्वं निहरइ नो अजेन निहरावेइ नो पडिबिंसेइ, एवमेव

अमिउम्भमाने अंतोअंतो रिखइ, एवमेव माई माई कहु नो आम्भेइ नो

नो निन्दइ नो गरहइ नो मिउइ नो मिसोइ नो अकरणाए अम्भुइ नो

तवोकम्मं पायच्छित्तं पडिबज्जइ, माई अस्सि स्मेए पचावाइ याई परंति

पुणो पचायाइ निन्दइ गरहइ पसेइ निचइ न निचइ मिठिरिं

माइ असमाइइसुहंसेस्से नाभि मरु । एवं कहु तत्स तप्यति

आहिण्ड । एकारसने किरियहुने मायावतिए ति आहिण्ड ॥ १२ ॥ ५

अहावरे वारसने किरियहुने सोमवतिए ति आहिण्ड । ते इमे

जहा-आरणिमा आवसहिमा गामन्तिमा कम्भुईरइसिमा नो वहुसंजवा

पडिबिरमा सम्भपाणभूयजीवसतेहि ते अप्पणो सञ्जामोसाई एवं मिउजंति ।

न इन्तम्भो अजे इन्तम्भा, आई न अजावेयम्भो अजे अजावेयम्भा, आई न

वेयम्भो अजे परिनेयम्भा, आई न परितावेयम्भो, अजे परितावेयम्भा, आई न उ-

वेयम्भो अजे उवेयम्भा, एवमेव ते इत्थिकामेहि युच्छिमा गिहा गहिवा गरहिवा



किरियद्वये मावावतिष्ठति वाहिणः ॥

द्वये किरियद्वये मावावतिष्ठति वाहिणः ॥

पुरिषे माहिणः वा निहिणः वा माहिणः वा कर्माणि वा  
वा कर्माणि वा सति संवत्सरेषु तेषु अन्वयेषु कर्माणां  
यस्य दण्डं निवर्तते । तं जहा-कीर्तिरन्वयवर्ति वा कर्मा  
उत्तिवोदन्वयवर्ति वा कर्मा अतिविता भवति, अन्वयवर्ति वा  
कीर्ति वा वैतन वा वैतन वा तदा वा [ कर्मा वा कर्मा वा  
( अन्वयवर्ति वा कर्मा ) पावाहि कर्मा भवति, दण्डं वा  
वा कर्मा वा कर्मा वा कर्मा आवाहिता भवति । तदावर्ति  
मावे दुष्कर्म भवति, पक्षमावे दुष्कर्म भवति, तदावर्ति  
दण्डगुणं दण्डगुणं वाहिणः दण्डं वाहिणः पक्षं वाहिणः  
विहिमं वाहिणः भवति । एवं कर्मा तदा तदावर्ति वाहिणः

किरियद्वये मावावतिष्ठति वाहिणः ॥ ११ ॥ ५५५

एकारसमे किरियद्वये मावावतिष्ठति वाहिणः । ये द्वे  
तमोक्तवा उक्तपक्षमावा कर्मावर्ति वाहिणः वाहिणः वाहिणः  
मावावे नि पक्षमावे, अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति,  
वागर्ति, अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति । ये कर्मावर्ति  
सर्वे तं सर्वं नो सर्वं निवर्तते नो अन्वयवर्ति निवर्तते नो  
अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति निवर्तते, एवमेव माहि मावे कर्मा नो  
नो निवर्तते नो गरहति नो निवर्तते नो निवर्तते नो अन्वयवर्ति  
तयोक्तं पायवर्ति पक्षमावे, माहि अन्वयवर्ति कर्मावर्ति  
पुनो पक्षमावे निवर्तते गरहति पक्षमावे निवर्तते निवर्तते  
माहि अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति वाहिणः भवति । एवं कर्मा तदा तदावर्ति  
वाहिणः । एकारसमे किरियद्वये मावावतिष्ठति वाहिणः ॥ १२ ॥

अन्वयवर्ति वाहिणः किरियद्वये मावावतिष्ठति वाहिणः । ये द्वे  
जहा-आरम्भमा आवावतिष्ठति गामन्तिवा कर्मावर्ति वाहिणः नो  
पक्षमावे अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति ते अन्वयवर्ति सन्वयवर्ति एवं  
न हन्तव्यो अन्वयवर्ति हन्तव्यो, अन्वयवर्ति न अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति, अन्वयवर्ति  
अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति पक्षमावे, अन्वयवर्ति न पक्षमावे, अन्वयवर्ति  
अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति अन्वयवर्ति, एवमेव ते इतिवर्ति मुक्तिवा गतिवा गरहति





गोवाकमार्त्तं पडिचंवाव तमेव गोवाले वा परिचमिव परिचमिव इत्ता वाव उक्-  
 कन्वाहता भवद् । से एण्हओ छेवमिवमार्त्तं पडिचंवाव तमेव सुवर्पे वा अन्नयरे  
 वा तसे पार्त्तं इत्ता वाव उक्कन्वाहता भवद् । से एण्हओ छेवमिवमिन्तिमार्त्तं  
 पडिचंवाव तमेव मज्जुस्से वा अन्नयरे वा तसे पार्त्तं इत्ता वाव आहारं आहारैह  
 इति से महया पन्नेहिं कम्मेहिं अत्तात्तं उक्कन्वाहता भवद् ॥ १६ ० १९९ ॥  
 से एण्हओ परिसम्मज्जाम्भो पडिप्पि अहमेयं हवामि पि कट्टु तिष्ठिरे वा वट्ठो वा  
 कन्नपे वा कम्मेय्ये वा कम्मिक्कं वा अन्नयरे वा तसे वा पार्त्तं इत्ता वाव उक्कन्वा-  
 हता भवद् । से एण्हओ केवद् आत्तात्तं निक्खे समाने अत्तुवा कम्मत्तमेयं अत्तुवा  
 सुत्तात्तमेयं माहावर्त्तं वा माहावत्तुत्तं वा उक्कमेव अयमिक्कमेयं उत्ताहं छामेह  
 अत्तेव वि अयमिक्कमेयं उत्ताहं छामात्तं अयमिक्कमेयं उत्ताहं छामन्तं पि अत्तं  
 समत्तुवावद्, इति से महया पावकम्मेहिं अत्तात्तं उक्कन्वाहता भवद् । से एण्हओ  
 केवद् आत्तात्तं निक्खे समाने अत्तुवा कम्मत्तमेयं अत्तुवा सुत्तात्तमेयं माहावर्त्तं वा  
 माहावत्तुत्तं वा उत्तं वा पोत्तं वा बोत्तं वा वट्ठं वा उक्कमेव उत्तात्तं  
 कम्मेह अत्तेव वि कम्मात्तं कम्पन्तं पि अत्तं समत्तुवावद्, इति से महया वाव  
 भवद् । से एण्हओ केवद् आत्तात्तं निक्खे समाने अत्तुवा कम्मत्तमेयं अत्तुवा सुत्ता-  
 त्तमेयं माहावर्त्तं वा माहावत्तुत्तं वा उत्तात्तमेयं वा पोत्तात्तमेयं वा बोत्ता-  
 त्तमेयं वा अत्तात्तमेयं वा कम्मत्तमेयं वा पडिपेहिता उक्कमेव अयमिक्कमेयं  
 छामेह अत्तेव वि छामात्तं छामन्तं पि अत्तं समत्तुवावद्, इति से महया वाव  
 भवद् । से एण्हओ केवद् आत्तात्तं निक्खे समाने अत्तुवा कम्मत्तमेयं अत्तुवा सुत्ता-  
 त्तमेयं माहावर्त्तं वा माहावत्तुत्तं वा उक्कमेयं वा मत्तिं वा म्मेत्तिं वा उक्कमेव  
 अत्तात्तं अत्तेव वि अत्तात्तं अत्तात्तं पि अत्तं समत्तुवावद् इति से महया वाव  
 भवद् ॥ से एण्हओ केवद् वि आत्तात्तं निक्खे समाने अत्तुवा कम्मत्तमेयं अत्तुवा  
 सुत्तात्तमेयं समत्तं वा माहावत्तं वा कत्तं वा वत्तं वा अत्तात्तं वा मत्तं वा  
 कट्ठिं वा मित्तिं वा वेत्तं वा विट्ठिमित्तिं वा कम्मत्तं वा वेत्तं वा कम्मत्तमे-  
 यं वा उक्कमेव अत्तात्तं वाव समत्तुवावद्, इति से महया वाव उक्कन्वाहता  
 भवद् ॥ से एण्हओ गो तिष्ठिमिक्कम् । तं जहा-माहावर्त्तं वा माहावत्तुत्तं वा  
 उक्कमेव अयमिक्कमेयं अत्तात्तं छामेह वाव अत्तं पि छामन्तं समत्तुवावद्, इति  
 से महया वाव उक्कन्वाहता भवद् । से एण्हओ गो तिष्ठिमिक्कम्, तं जहा-माहा-  
 वर्त्तं वा माहावत्तुत्तं वा उत्तं वा पोत्तं वा बोत्तं वा वट्ठं वा उक्कमेव उत्तात्तं  
 कम्मेह अत्तेव वि कम्मात्तं अत्तं पि कम्पन्तं समत्तुवावद् । से एण्हओ





पोवात्मायं पडिसेवाय तमेव पोवाकं वा परिजनिव परिजनिव हुन्ता वाव ठव-  
 न्काहता मवद् । से एण्डो सोवमियमायं पडिसेवाय तमेव तुनगे वा अचवरं  
 वा तसे पयं हुन्ता वाव उवककाहता मवद् । ॥ एण्डो सोवमियमिन्तिममायं  
 पडिसेवाय तमेव मलुसं वा अचवरं वा तसे पायं हुन्ता वाव आहारं आहारै  
 इति से महया पयैई कय्येई अतायं उवककाहता मवद् ॥ १६ ॥ १६६ ॥  
 से एण्डो परिसामग्गामो उट्टिणा अहमेयं हवामि ति कट्टु तिठिरं वा वयं वा  
 कावयं वा कयोक्कं वा कयिक्कं वा अचवरं वा तसे वा पायं हुन्ता वाव उवकका-  
 हता मवद् । से एण्डो केव्वा आवायेनं निन्दे समाये अहुवा कक्कामेयं अहुवा  
 कुट्ठाककयं पाहावईय वा पाहावपुत्ताय वा सकमेव अयमिक्कयं सस्साई हामेइ  
 ज्जेव नि अयमिक्कयं सस्साई हामावेइ अयमिक्कयं सस्साई हामन्तं पि अयं  
 सममुवाणइ, इति से महया पयैई कय्येई अतायं उवककाहता मवद् । से एण्डो  
 केव्वा आवायेनं निन्दे समाये अहुवा कक्कामेयं अहुवा कुट्ठाककयं पाहावईय वा  
 पाहावपुत्ताय वा उट्टव वा गोवाय वा बोडगाय वा गहमाय वा सकमेव वूण्डो  
 कय्येइ ज्जेव नि कय्येइ कय्यन्तं पि अयं सममुवाणइ, इति से महया वाव  
 मवद् । से एण्डो केव्वा आवायेनं निन्दे समाये अहुवा कक्कामेयं अहुवा कुट्ठा-  
 ककयं पाहावईय वा पाहावपुत्ताय वा उट्टवज्जो वा मोक्काज्जो वा बोड-  
 वज्जो वा पद्मसाज्जो वा कय्यक्योदिवाए पडिपेहिंवा सकमेव अयमिक्कयं  
 हामेइ ज्जेव नि हामावेइ हामन्तं पि अयं सममुवाणइ, इति से महया वाव  
 मवद् । से एण्डो केव्वा आवायेनं निन्दे समाये अहुवा कक्कामेयं अहुवा कुट्ठा-  
 ककयं पाहावईय वा पाहावपुत्ताय वा कुम्बकं वा मणि वा मोटिं वा सकमेव  
 अवरइ ज्जेव नि अवरइ ज्जेव अवरन्तं पि अयं सममुवाणइ इति से महया वाव  
 मवद् ॥ से एण्डो केव्वा नि आवायेनं निन्दे समाये अहुवा कक्कामेयं अहुवा  
 कुट्ठाककयं समवाय वा माहाव वा कट्ठयं वा द्धवयं वा मन्वयं वा यत्तयं वा  
 कट्ठि वा मिठियं वा चेक्कं वा निठिठिठियं वा वम्मवं वा केक्कवयं वा वम्मवो  
 तिं वा सकमेव अवरइ वाव सममुवाणइ, इति से महया वाव उवककाहता  
 मवद् ॥ से एण्डो गो निठिठिठिणइ । तं ज्जहा-पाहावईय वा पाहावपुत्ताय वा  
 सकमेव अयमिक्कयं ओउहीओ हामेइ वाव अयं पि हामन्तं सममुवाणइ, इति  
 से महया वाव उवककाहता मवद् । से एण्डो गो निठिठिठिणइ, तं ज्जहा-पाहा-  
 वईय वा पाहावपुत्ताय वा कट्टव वा गोवाय वा बोडवाय वा पद्माय वा सक-  
 मेव वूण्डो कय्येइ ज्जेव नि कय्येइ अयं पि कय्यन्तं सममुवाणइ । से एण्डो

योवाक्यमात्रं पश्चिदंवाच तमेव योवाक्यं वा परिबन्धितं परिबन्धितं इत्या वाच उच-  
 नन्वाहया मन्व । से एवाह्यो लोचनित्यमात्रं पश्चिदंवाच तमेव सुबोधं वा अचयनं  
 वा तर्कं वाच इत्या वाच उचनन्वाहया मन्व । से एवाह्यो लोचनित्यमात्रं  
 पश्चिदंवाच तमेव मनुस्ते वा अचयनं वा तर्कं वाच इत्या वाच आहारं आहारेह  
 इति से मन्वा पनेह्मि कम्पेह्मि जगत्तं उचनन्वाहया मन्व ॥ १५ ॥ १५५ ॥  
 से एवाह्यो पश्चिदंवाचतमेव उचिता अहमेव इत्यामि ति क्कु तिदिरे वा क्कु वा  
 क्कु वा क्कु वा क्कु वा अचयनं वा तर्कं वा पार्त इत्या वाच उचनन्वा-  
 हया मन्व । से एवाह्यो केवह्म आनन्तेन विद्वे समाने अहुवा कम्पत्तेन अहुवा  
 क्कुवाक्यं पाहान्द्वैय वा पाहान्द्वैय वा उचमेव अगमिवाक्यं उचसाह्मि ज्ञानेह  
 अनेव नि अगमिवाक्यं उचसाह्मि ज्ञानादेह अगमिवाक्यं उचसाह्मि ज्ञानन्तं पि अर्धं  
 समुत्तवाच, इति से मन्वा पनेह्मि जगत्तं उचनन्वाहया मन्व । से एवाह्यो  
 केवह्म आनन्तेन विद्वे समाने अहुवा कम्पत्तेन अहुवा क्कुवाक्यं पाहान्द्वैय वा  
 पाहान्द्वैय वा उचमेव वा योवाच वा योवाच वा योवाच वा उचमेव क्कुवा  
 कम्पेह्म अनेव नि कम्पत्तेन कम्पन्तं पि अर्धं समुत्तवाच, इति से मन्वा वाच  
 मन्व । से एवाह्यो केवह्म आनन्तेन विद्वे समाने अहुवा कम्पत्तेन अहुवा क्कु-  
 वाक्यं पाहान्द्वैय वा पाहान्द्वैय वा उचसाह्मि वा योवाचतमेव वा यो-  
 ववाक्यो वा पश्चिदंवाचतमेव वा कम्पत्तेनवाक्यं पश्चिदंवाच तमेव अगमिवाक्यं  
 ज्ञानेह अनेव नि ज्ञानादेह ज्ञानन्तं पि अर्धं समुत्तवाच, इति से मन्वा वाच  
 मन्व । से एवाह्यो केवह्म आनन्तेन विद्वे समाने अहुवा कम्पत्तेन अहुवा क्कु-  
 वाक्यं पाहान्द्वैय वा पाहान्द्वैय वा उचसाह्मि वा योवाचतमेव वा यो-  
 ववाक्यो वा पश्चिदंवाचतमेव वा कम्पत्तेनवाक्यं पश्चिदंवाच तमेव अगमिवाक्यं  
 ज्ञानेह अनेव नि ज्ञानादेह ज्ञानन्तं पि अर्धं समुत्तवाच, इति से मन्वा वाच  
 मन्व ॥ से एवाह्यो केवह्म आनन्तेन विद्वे समाने अहुवा कम्पत्तेन अहुवा क्कु-  
 वाक्यं समुत्तवाच वा पाहान्द्वैय वा क्कुवा वा क्कुवा वा अचयनं वा मन्तं वा  
 क्कु वा मिदिरे वा योवाच वा विदिमिदिरे वा योवाच वा योवाच वा योवाच-  
 ति वा उचमेव अहहह वाच समुत्तवाच, इति से मन्वा वाच उचनन्वाहया  
 मन्व ॥ से एवाह्यो नो विदिमिदिरे । तं वाह-पाहान्द्वैय वा पाहान्द्वैय वा  
 उचमेव अगमिवाक्यं ज्ञानेह वाच अर्धं पि ज्ञानन्तं समुत्तवाच, इति  
 से मन्वा वाच उचनन्वाहया मन्व । से एवाह्यो नो विदिमिदिरे, तं वाह-पाह-  
 द्वैय वा पाहान्द्वैय वा उचमेव वा योवाच वा योवाच वा योवाच वा उच-  
 मेव क्कुवा कम्पेह्म अनेव नि कम्पत्तेन अर्धं पि कम्पन्तं समुत्तवाच । से एवाह्यो

गोरिं गन्धारिं ओवयणिं उप्पयणिं जम्भणिं थम्मणिं लेसणिं आमयकरणिं विसल्ल-  
 करणिं पक्कमणिं अन्तद्धाणिं आयमिणिं, एवमाइयाओ विज्जाओ अन्नस्स हेउं  
 पउज्जन्ति पाणस्स हेउं पउज्जन्ति वत्थस्स हेउ पउज्जन्ति लेणस्स हेउ पउज्जन्ति  
 सयणस्स हेउं पउज्जन्ति, अजेसिं वा विरुवरुवाण कामभोगाण हेउ पउज्जन्ति ।  
 तिरिच्छं ते विज्जं सेवन्ति, ते अणारिया विप्पडिवन्ना कालमासे काल किन्ना अन्न-  
 यराइं आसुरियाइं किब्बिसयाइं ठाणाइं उववत्तारो भवन्ति । तओ वि विप्पमुच्चमाणा  
 भुज्जो एल्लमूययाए तमअन्धयाए पच्चायन्ति ॥ १५ ॥ ६६५ ॥ से एगइओ  
 आयहेउ वा नायहेउं वा सयणहेउ वा अगारहेउ वा परिवारहेउ वा नायग वा  
 सहवासियं वा निस्साए अदुवा अणुगामिए १ अदुवा उवचरए २ अदुवा पडिपहिए  
 ३ अदुवा संधिच्छेयए ४ अदुवा गण्ठिच्छेयए ५ अदुवा उरब्भिए ६ अदुवा  
 सोवरिए ७ अदुवा वागुरिए ८ अदुवा साउणिए ९ अदुवा मच्छिए १० अदुवा  
 गोघायए ११ अदुवा गोवालए १२ अदुवा सोवणिए १३ अदुवा सोवणियतिए १४ ।  
 एगइओ आणुगामियभाव पडिसंधाय तमेव अणुगामियाणुगामियं हन्ता छेत्ता भेत्ता  
 लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्वइत्ता आहारं आहारेइ, इति से महया पावेहिं कम्मोहिं  
 अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ । से एगइओ उवचरयमावं पडिसंधाय तमेव उवचरिय  
 हन्ता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्वइत्ता आहारं आहारेइ । इति से महया  
 पावेहिं कम्मोहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ । से एगइओ पाडिपहियभाव पडिसंधाय  
 तमेव पडिपहे ठिच्चा हन्ता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्वइत्ता आहारं  
 आहारेइ, इति से महया पावेहिं कम्मोहिं अत्ताण उवक्खाइत्ता भवइ । से एगइओ  
 संधिच्छेदगभाव पडिसंधाय तमेव संधिं छेत्ता भेत्ता जाव इति से महया पावेहिं  
 कम्मोहिं अत्ताण उवक्खाइत्ता भवइ । से एगइओ गण्ठिच्छेदगभावं पडिसंधाय तमेव  
 गण्ठिं छेत्ता भेत्ता जाव इति से महया पावेहिं कम्मोहिं अत्ताण उवक्खाइत्ता भवइ ।  
 से एगइओ उरब्भियमावं पडिसंधाय उरब्भ वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव  
 उवक्खाइत्ता भवइ । ( एसो अभिलावो सव्वत्थ ) से एगइओ सोयरियमावं पडि-  
 संधाय महिसं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ । से एगइओ  
 वागुरियभाव पडिसंधाय मियं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता  
 भवइ । से एगइओ सउणियमावं पडिसंधाय सउणिं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता  
 जाव उवक्खाइत्ता भवइ । से एगइओ मच्छियमावं पडिसंधाय मच्छं वा अन्नयरं  
 वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ । से एगइओ गोघायमावं पडिसंधाय  
 तमेव गोण वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ । से एगइओ



नो वितिगिञ्छइ, त जहा-गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा जाव गइमसालाओ वा कण्टकबोदियाहिं पडिपेहिता सयमेव अगणिकाएण झामेइ जाव समणुजाणइ । से एगइओ नो वितिगिञ्छइ, त जहा-गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा जाव मोत्तियं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ । से एगइओ नो वितिगि-  
 ञ्छइ त जहा-समणाण वा माहणाण वा छत्तग वा दण्डग वा जाव चम्मछेयणग वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ । इति से महया जाव उवक्खाइता भवइ । से एगइओ समण वा माहण वा दिस्सा नाणाविहेहिं पावकम्मोहिं अत्ताण उवक्खा-  
 इता भवइ, अतुवा ण अच्छराए आफालिता भवइ, अतुवा ण फरुस वदिता भवइ, कालेण वि से अणुपविट्ठस्स असणं वा पाण वा जाव नो दवावेत्ता भवइ, जे इमे भवन्ति वोणमन्ता भारक्कन्ता अलसगा वसलगा किवणगा समणगा निउज्जमा  
 वणगा पव्वयन्ति ते इणमेव जीवियं धिज्जीविय सपडिबूहेन्ति, नाइ ते परलोगस्स अट्ठाए किंचि वि सिलीसन्ति, ते दुक्खन्ति ते सोयन्ति ते जूरन्ति ते तिप्पन्ति ते पिट्ठन्ति ते परितप्पन्ति ते दुक्खणजूरणसोयणतिप्पणपिट्ठणपरितिप्पणवहबन्धणपरि-  
 किलेसाओ अप्पडिविरया भवन्ति । ते महया आरम्मेण ते महया समारम्मेण ते महया आरम्भसमारम्मेण विरुवरुवेहिं पावकम्मकिञ्चेहिं उरालाई माणुस्सगाइ भोगभोगाई भुजित्तारो भवन्ति । त जहा-अन्न अन्नकाले पाणं पाणकाले वत्थ  
 वत्थकाले लेण लेणकाले सयण सयणकाले सपुव्वावरं च णं प्हाए कण्ठेमालाकडे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियमालामउली पडिबद्धसरीरे वग्घारियसोणिउत्तगमल्लदाम-  
 कलावे अहयवत्थपरिहिए चन्दणोक्खित्तगायसरीरे महइमहालियाए कूडागार-  
 सालाए महइमहालयंसि सीहासणंसि इत्थीगुम्मसंपरिवुडे सव्वराइएण जोइणा झियायमाणेण महयाहयनट्ठीयवाइयतन्तीतलतालुडियघणमुईगपडुप्पवाइयरवेण  
 उरालाई माणुस्सगाई भोगभोगाई भुजमाणे विहरइ । तस्स णं एगमवि आणवेमाणस्स जाव चत्तारि पच्च जणा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठन्ति । भणह  
 देवाणुप्पिया किं करेमो ? किं आहरेमो ? किं उवणेमो ? किं आचिद्धामो ? किं मे हिय इच्छियं ? किं मे आसगस्स सयइ ? तमेव पासिता अणारिया एव वयन्ति-  
 देवे खलु अयं पुरिसे, देवसिणाए खलु अयं पुरिसे, देवजीवणिजे खलु अयं पुरिसे, अजे वि य णं उवजीवन्ति । तमेव पासिता आरिया वयन्ति-  
 अभिक्कन्तकूरकम्मे खलु अयं पुरिसे अइधुए अइयायरक्खे दाहिणगामिए नेरइए कण्हपक्खिए आगमिस्साणं दुल्लहवोहियाए यावि भविस्सइ । इषेयस्स ठाणस्स  
 द्विया वेगे अभिगिज्जन्ति अणुद्विया वेगे अभिगिज्जन्ति अभिभंसाउरो अभि-





नो वितिगिञ्छइ, त जहा-गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा जाव गइभसालाओ वा कण्टकबोंदियाहिं पडिपेहिता सयमेव अगणिकाएण ज्ञामेइ जाव समणुजाणइ । से एगइओ नो वितिगिञ्छइ, त जहा-गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा जाव मोत्तिर्य वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ । से एगइओ नो वितिगि-  
 ञ्छइ त जहा-समणाण वा माहणाण वा छत्ताण वा दण्डग वा जाव चम्मछेयणग वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ । इति से महया जाव उवक्खाइता भवइ । से एगइओ समण वा माहणं वा दिस्सा नाणाविहेहिं पावकम्मोहिं अत्ताण उवक्खा-  
 इता भवइ, अदुवा ण अच्छराए आफालिता भवइ, अदुवा ण फरस वदिता भवइ, कालेण वि से अणुपविट्ठस्स असणं वा पाण वा जाव नो दवावेत्ता भवइ, जे इमे भवन्ति वोणमन्ता भारकन्ता अलसगा वसलगा किवणगा समणगा निउज्जमा वणगा पव्वयन्ति ते इणमेव जीवियं धिज्जीविय संपडिबूहेन्ति, नाइ ते परलोगस्स अट्टाए किंचि वि सिलीसन्ति, ते दुक्खन्ति ते सोयन्ति ते जूरन्ति ते तिप्पन्ति ते पिट्ठन्ति ते परितप्पन्ति ते दुक्खणजूरणसोयणतिप्पणपिट्ठणपरितिप्पणवहबन्धणपरि-  
 किलेसाओ अप्पडिविरया भवन्ति । ते महया आरम्भेण ते महया समारम्भेण ते महया आरम्भसमारम्भेण विरुवरुवेहिं पावकम्मकिचेहिं उरालाई माणुस्सगाइ भोगभोगाई भुञ्जित्तारो भवन्ति । तं जहा-अन्नं अन्नकाले पाणं पाणकाले वत्थं वत्थकाले लेण लेणकाले सयणं सयणकाले सपुव्वावरं च णं ण्हाए कण्ठेमालाकडे आविद्धमाणिसुवण्णे कप्पियमालामउली पडिबद्धसरीरे वग्घारियसोणिमुत्तगमल्लदाम-  
 कलावे अहयवत्थपरिहिए चन्दणोक्खित्तगायसरीरे महइमहालियाए कूडागार-  
 सालाए महइमहालयसि सीहासणंसि इत्थीगुम्मसपरिवुडे सव्वराइएण जोइणा झियायमाणेण महयाहयनट्टगीयवाइयतन्तीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेण उरालाई माणुस्सगाई भोगभोगाई भुञ्जमाणे विहरइ । तस्स णं एगमवि आणवेमाणस्स जाव चत्तारि पच्च जणा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठन्ति । मणह देवाणुप्पिया किं करेमो ? किं आहरेमो ? किं उवणेमो ? किं आचिट्ठामो ? किं मे हिय इच्छिय ? किं मे आसगस्स सयइ ? तमेव पासित्ता अणारिया एवं वयन्ति-  
 देवे खलु अयं पुरिसे, देवसिणाए खलु अयं पुरिसे, देवजीवणिज्जे खलु अयं पुरिसे, अन्ने वि यं णं ज्वजीवन्ति । तमेव पासित्ता आरिया वयन्ति-  
 अभिक्कन्तकूरकम्मे खलु अयं पुरिसे अइधुए अइयायरक्खे दाहिणगामिए नेरइए कण्हपक्खिए आगमिस्साणं दुल्लहबोहियाए यावि भविस्सइ । इच्चयस्स ठाणस्स उट्ठिया वेगे अभिगिज्झन्ति अणुट्ठिया वेगे अभिगिज्झन्ति अभिशंज्ञाउरो अभि-



जावजीवाए सन्वाओ पयणपयावणाओ अप्पडिविरया जावजीवाए सन्वाओ  
 कुट्टणपिट्ठणतज्जणताडणवह्वन्धपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया जावजीवाए । जे  
 यावण्णे तहप्पगारा सावजा अवोहिया कम्मन्ता परपाणपरियावणकरा जे अणा-  
 रिएहिं कज्जन्ति तओ अप्पडिविरया जावजीवाए । से जहानामए केइ पुरिसे  
 कलममसूरतिलमुग्गमासनिष्कावकुलत्थआलिसन्दगपलिमन्यगमादिएहिं अयन्ते कूरे  
 मिच्छादण्ड पउज्जन्ति, एवमेव तहप्पगारे पुरिसजाए तित्तिरवट्टगलावगकवोयकविञ्ज-  
 लमियमहिंसवराहगाहगोहकुम्भसिरिसिवमादिएहिं अयन्ते कूरे मिच्छादण्ड पउज्जन्ति  
 जा वि य से वाहिरिया परिसा भवइ, त जहा-दासे इ वा पेसे इ वा भयए इ वा  
 भाइले इ वा कम्मकरए इ वा भोगपुरिसे इ वा तेसिं पि य ण अन्नयरसि अहाल-  
 हुगसि अवराहसि सयमेव गरुय दण्ड निवत्तेइ । त जहा-इम दण्डेह इम मुण्डेह इम  
 तजेह इम तालेह इम अदुयवन्धण करेह इम नियलवन्धण करेह इम हत्थिवन्धण  
 करेह इम चारगवन्धण करेह इम नियलजुयलससोचियमोडिय करेह इम हत्थिच्छिन्नयं  
 करेह इम पायच्छिन्नय करेह इम कण्णच्छिन्नय करेह इम नक्कओट्टसीसमुहच्छिन्नय करेह  
 वेयगच्छहिय अङ्गच्छहिय पक्खाफोडिय करेह इम नयणुप्पाडिय करेह इम दंसण-  
 प्पाडिय वसणुप्पाडिय जिब्भुप्पाडिय ओलम्बिय करेह घसिय करेह घोलिय करेह  
 सूलाइय करेह सूलाभिन्नय करेह खारवत्तिय करेह वज्जवत्तिय करेह सीहपुच्छियग  
 करेह वसभपुच्छियग करेह दवरिगदङ्घुयङ्ग कागणिमसखावियङ्ग भत्तपाणनिरुद्दग  
 इम जावजीव वह्वन्धण करेह इम अन्नयेरेण असुभेणं कुमारेण मारेह । जा वि य  
 से अन्निन्तरिया परिसा भवइ, त जहा-माया इ वा पिया इ वा भाया इ वा  
 भणिणी इ वा भज्जा इ वा पुत्ता इ वा धूया इ वा मुण्हा इ वा, तेसिं पि य ण  
 अन्नयरसि अहालहुगसि अवराहसि सयमेव गरुय दण्ड निवत्तेइ, सीओदगवियडसि  
 उच्छोलिता भवइ जहा मित्तदोसवत्तिए जाव अहिए परसि लोगंसि । ते दुक्खन्ति  
 सोयन्ति जूरन्ति तिप्पन्ति पिट्ठन्ति परितप्पन्ति ते दुक्खणसोयणजूरणतिप्पणपिट्ठण-  
 परितप्पणवह्वन्धणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवन्ति । एवमेव ते इत्थिकामेहिं  
 मुच्छिया गिद्धा गढिया अज्जोषवन्ना जाव वासाइं चउपखमाइं छहसमाइ वा अप्प-  
 यरो वा भुज्जयरो वा काल भुज्जित्तु भोगभोगाईं पविमुत्ता वेराययणाइ सचिणिता  
 वहईं पावाईं कम्माईं उस्सजाइ संभारकडेण कम्मुणा से जहानामए अयगोले इ वा  
 सेलगोले इ वा उदगंसि पक्खित्ते समाने उदगयलमइवइत्ता अहे धरणियलपइद्धाने  
 भवइ, एवमेव तहप्पगारे पुरिसजाए वज्जवहुले धूयवहुले पङ्कवहुले वेरवहुले अप्पत्तिय-  
 वहुले दम्भवहुले नियडियवहुले साइवहुले अयसवहुले उस्सन्नतसपाणवाईं कालमासे



कथं वि पडिवन्धे भवइ । से पडिवन्धे चउव्विहे पज्जेते । तं जहा-अण्डए इ वा  
 पोयए इ वा उग्गहे इ वा पग्गहे इ वा जं ण ज णं दिस इच्छन्ति तं ण तं णं दिस  
 अपडिवद्धा सुइभूया लहुभूया अप्पगन्था सज्जमेणं तवसा अप्पाण भावेमाणा  
 विहरन्ति ॥ तेसिं ण भगवन्ताण इमा एयाख्वा जायामायाविती होत्था । त जहा-  
 चउत्ये भत्ते छट्ठे भत्ते अट्ठमे भत्ते दसमे भत्ते दुवालसमे भत्ते चउदसमे भत्ते अद्द-  
 मासिए भत्ते मासिए भत्ते दोमासिए तिमासिए चाउम्मासिए पच्चमासिए छम्मासिए  
 अदुत्तरं च णं उक्खित्तचरया निक्खित्तचरया उक्खित्तनिक्खित्तचरया अन्तचरगा  
 पन्तचरगा ल्हचरगा समुदाणचरगा ससट्ठचरगा अससट्ठचरगा तज्जायससट्ठचरगा  
 दिट्ठलाभिया अदिट्ठलाभिया पुट्ठलाभिया अपुट्ठलाभिया भिक्खलाभिया अभिक्खला-  
 भिया अन्नायचरगा उवनिहिया सखादत्तिया परिमियपिण्डवाइया सुद्धेसणिया अन्ता-  
 हारा पन्ताहारा अरसाहारा विरसाहारा ल्ह्याहारा तुच्छाहारा अन्तजीवी पन्तजीवी  
 आयम्बिलिया पुरिमच्चिया निव्विगइया अम्मज्जमसासिणो नो नियामरसभोई ठाणाइया  
 पडिमाठाणाइया उक्कहुआसणिया नेसज्जिया वीरासणिया दण्डायइया लगडसाणो  
 अप्पाउडा अगत्तया अकण्डुया अणिट्ठुहा ( एव जहोववाइए ) धुयकेसमसुरोमनहा  
 सव्वगायपडिक्कम्मविप्पमुक्का चिट्ठन्ति । ते णं एएणं विहारेणं विहरमाणा बहूई  
 वासाई 'सामन्नपरियाग पाउणन्ति २ बहुवहु आवाहसि उप्पन्नसि वा अणुप्पन्नसि वा  
 बहूई भत्ताई पच्चक्खन्ति पच्चक्खाइत्ता बहूई भत्ताइ अणसणाए छेदेन्ति, अणसणाए  
 छेदिता जस्सट्ठाए कीरइ थेरकप्पभावे जिणकप्पभावे मुण्डभावे अण्हाणभावे  
 अदन्तवणगे अछत्तए अणोवाहणए भूमिसेज्जा फलगसेज्जा कट्ठसेज्जा फेसलोए बम्म-  
 चेरवासे परघरपवेसे लद्धावल्लहे माणावमाणणाओ हीलणाओ निन्दणाओ खिसणाओ  
 गरहणाओ तज्जणाओ तालणाओ उच्चावया गामकण्टगा बावीस परीसहोवसग्गा  
 अहियासिज्जन्ति तमट्ठ आराहेन्ति तमट्ठ आराहिता चरमेहिं उस्सासनिस्सासेहिं  
 अणन्त अणुत्तरं निव्वाघायं निरावरणं कसिण पडिपुणं केवल्लवरणाणदसणं समु-  
 प्पाखेन्ति, समुप्पाडित्ता तओ पच्छा सिज्जन्ति बुज्जन्ति मुचन्ति परिणिव्वायन्ति  
 सव्वदुक्खाणं अन्तं करन्ति । एगच्चाए पुण एगे भयन्तारो भवन्ति, अवरे पुण  
 पुव्वक्कम्मावसेसेण कालमासे काल किच्चा अज्जयेरसे देवलोएसु देवत्ताए उव्वत्तारो  
 भवन्ति । त जहा-महच्चिएसु महज्जुइएसु महापरक्खमेसु महाजसेसु महाबलेसु महाणु-  
 भावेसु महासुक्खेसु । ते णं तत्थ देवा भवन्ति महच्चिया महज्जुइया जाव महासुक्खा  
 हारविराइयवच्छा कडगतुडिययम्भियभुया अज्जयकुण्डलमट्ठगण्डयलक्कणपीठधारी  
 विचित्तहत्थाभरणा विचित्तमालामउलिमउडा कल्लाणगन्धपवरवत्थपरिहिया कल्लाणग-



कृत्य वि पडिवन्धे भवइ । से पडिवन्धे चउव्विहे पन्नते । तं जहा-अण्डए इ वा  
 पोयए इ वा उगगहे इ वा पगगहे इ वा जं ण ज णं दिस इच्छन्ति त ण तं णं दिस  
 अपडिवद्धा सुइभूया लहुभूया अप्पगगन्था सजमेणं तवसा अप्पाण भावेमाणा  
 विहरन्ति ॥ तेसि ण भगवन्ताण इमा एयालुवा जायामायाविती होत्या । त जहा-  
 चउत्थे भत्ते छट्ठे भत्ते अट्ठमे भत्ते दसमे भत्ते दुवालसमे भत्ते चउदसमे भत्ते अद्द-  
 मासिए भत्ते मासिए भत्ते दोमासिए तिमासिए चाउम्मासिए पच्चमासिए छम्मासिए  
 अदुत्तरं च णं उक्खित्तचरया निक्खित्तचरया उक्खित्तनिक्खित्तचरया अन्तचरगा  
 पन्तचरगा ल्हचरगा समुदाणचरगा ससट्ठचरगा अससट्ठचरगा तज्जायससट्ठचरगा  
 दिट्ठलाभिया अदिट्ठलाभिया पुट्ठलाभिया अपुट्ठलाभिया भिक्खलाभिया अभिक्खल-  
 भिया अन्नायचरगा उवनिहिया सखादत्तिया परिमियपिण्डवाइया सुद्वेसणिया अन्ता-  
 हारा पन्ताहारा अरसाहारा विरसाहारा ल्ह्हाहारा तुच्छाहारा अन्तजीवी पन्तजीवी  
 आयम्बिलिया पुरिमच्चिया निव्विगइया अमज्जमसासिणो नो नियामरसभोई ठाणाइया  
 पडिमाठाणाइया उक्कडुआसणिया नेसजिया वीरासणिया दण्डायइया लगडसाणो  
 अप्पाउडा अगतया अकण्डुया अणिक्कुहा ( एव जहोववाइए ) धुयकेसमसुरोमनहा  
 सव्वगायपडिकम्मविप्पमुक्का चिट्ठन्ति । ते णं एएणं विहारेण विहरमाणा बहूई  
 वासाई 'सामन्नपरियाग पाउणन्ति २ बहुवहु आवाइसि उप्पन्नसि वा अणुप्पन्नसि वा  
 बहूई भत्ताई पच्चक्खन्ति पच्चक्खइत्ता बहूई भत्ताइ अणसणाए छेदेन्ति, अणसणाए  
 छेदिता जस्सट्ठाए कीरइ थेरकप्पभावे जिणकप्पभावे मुण्डभावे अण्हाणभावे  
 अदन्तवण्णे अछत्तए अगोवाइणए भूमिसेज्जा फलगसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोए बम्भ-  
 चेरवासे परघरपवेसे लद्धावल्लेहे माणावमाणणाओ हीलणाओ निन्दणाओ खिसणाओ  
 गरहणाओ तज्जणाओ तालणाओ उच्चावया गामकण्टगा वावीस परीसहोवसग्गा  
 अहियासिज्जन्ति तमट्ठ आराहेन्ति तमट्ठ आराहिता चरमेहिं उस्सासनस्सासेहिं  
 अणन्त अणुत्तरं निव्वाघायं निरावरणं कसिण पडिपुण्ण केवल्लवरणाणदसण समु-  
 प्पाडेन्ति, समुप्पाडिता तओ पच्छा सिज्जन्ति वुज्जन्ति मुच्चन्ति - परिणिव्वायन्ति  
 सव्वदुक्खाण अन्तं करन्ति । एगच्चाए पुण एगे भयन्तारो भवन्ति, अवरे पुण  
 पुव्वकम्मावसेसेण कालमासे काल किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवताए उववतारो  
 भवन्ति । तं जहा-महक्खिएसु महज्जुइएसु महापरक्कमेसु महाजसेसु महाबलेसु महाण-  
 भावेसु महासुक्खेसु । ते ण तत्थ देवा भवन्ति महक्खिया महज्जुइया जाव महसुक्खा  
 हारविराइयवच्छा कडगुत्तिययम्भियमुया अन्नयकुण्डलमट्ठगण्डयलकण्णपीठधारी  
 विचित्तहत्थाभरणा विचित्तमालामउल्लिमउडा कल्लणगन्धपवरवत्यपरिहिया कल्लणग-



५५ ॥ १८४ ॥ अहोवरं पुरस्कृत्यं श्रेयस्या सता अज्झारोहोमिवा अज्झा-  
 रोहसंभवा चाव कम्मनिवासेनं तत्तु पुट्ठा अज्झारोहोमिवा अज्झा-  
 रोहोमिवा निगुहंति ते जीवा तसि अज्झारोहोमिवा अज्झारोहोमिवा शिमेहमाहारंति  
 ते जीवा आहारंति पुट्ठासपीरं चाव सत्तमिवाकं संतं अवरंति न नं तसि  
 अज्झारोहोमिवा अज्झारोहोमिवा सपीरं चाव सत्तमिवाकं ॥ १५ ॥ १८५ ॥  
 अहोवरं पुरस्कृत्यं श्रेयस्या सता अज्झारोहोमिवा अज्झारोहोमिवा चाव  
 कम्मनिवासेनं तत्तु पुट्ठा अज्झारोहोमिवा अज्झारोहोमिवा निगुहंति ते जीवा  
 तसि अज्झारोहोमिवा अज्झारोहोमिवा शिमेहमाहारंति तं जीवा आहारंति-  
 पुट्ठासपीरं आसपीरं चाव सत्तमिवाकं संतं अवरंति न नं तसि अज्झारोह-  
 जोमिवा अज्झारोहोमिवा सपीरं चाव सत्तमिवाकं ॥ १५ ॥ १८६ ॥ अहो-  
 वरं पुरस्कृत्यं श्रेयस्या सता अज्झारोहोमिवा अज्झारोहोमिवा चाव कम्म-  
 निवासेनं तत्तु पुट्ठा अज्झारोहोमिवा अज्झारोहोमिवा मूलयाप चाव जीवताप  
 निगुहंति तं जीवा तसि अज्झारोहोमिवा अज्झारोहोमिवा शिमेहमाहारंति चाव  
 अवरंति न नं तसि अज्झारोहोमिवा मूलयाप चाव जीवताप सपीरं चाव सत्तमिवाकं  
 चाव सत्तमिवाकं ॥ १५ ॥ १८७ ॥ अहोवरं पुरस्कृत्यं श्रेयस्या सता पुट्ठासपीरं  
 पुट्ठासपीरं चाव चावसिहोमिवा पुट्ठासपीरं तत्तु निगुहंति तं जीवा तसि  
 चावसिहोमिवा पुट्ठासपीरं शिमेहमाहारंति चाव तं जीवा कम्मनिवासेनं भवंति  
 ति मत्तमिवा-एवं पुट्ठासपीरं तत्तु तत्तु निगुहंति चाव मत्तमिवा-एवं  
 तत्तु निगुहंति तत्तु तत्तु निगुहंति तत्तु निगुहंति तत्तु निगुहंति तत्तु निगुहंति, चाव-  
 मत्तमिवा-एवं तत्तु निगुहंति तत्तु मूलयाप चाव जीवताप निगुहंति तं जीवा चाव  
 एवमत्तमिवा-एवं भोसपीरं ति चावति आसपीरं-एवं शिमेहमाहारंति चावति आसपीरं-  
 मत्तमिवा-॥ १५-१ ॥ १८८ ॥ अहोवरं पुरस्कृत्यं श्रेयस्या सता पुट्ठा-  
 जोमिवा पुट्ठासपीरं चाव कम्मनिवासेनं तत्तु पुट्ठा नावसिहोमिवा पुट्ठासपीरं  
 मत्तमिवा चावताप कम्मताप कम्मताप कम्मताप कम्मताप कम्मताप कम्मताप  
 सत्तमिवा सत्तमिवा सत्तमिवा सत्तमिवा सत्तमिवा सत्तमिवा सत्तमिवा सत्तमिवा  
 निगुहंति तं जीवा तसि चाव-  
 निगुहंति पुट्ठासपीरं शिमेहमाहारंति । ते ति जीवा आहारंति पुट्ठासपीरं  
 चाव सत्तमिवा । अवरंति न नं तसि पुट्ठासपीरं आसपीरं चाव सत्तमिवा सपीरं  
 चाव सत्तमिवा चाव मत्तमिवा । एवो चेव आसपीरं चेवा शिमेहमाहारंति । अहोवरं  
 पुरस्कृत्यं श्रेयस्या सता अज्झारोहोमिवा अज्झारोहोमिवा चाव कम्मनिवासेनं तत्तु पुट्ठा  
 नावसिहोमिवा तत्तु सत्तमिवा निगुहंति । ते जीवा तसि नावसिहोमिवा

नाणाफासा नाणासठाणसठिया नाणाविहसरीरपुग्गलविउब्बिया ते जीवा कम्मोव  
 ज्ञगा भवन्तीति मक्खाय ॥ १ ॥ ६८० ॥ अहावर पुरक्खाय इहेगइया सत्ता स्क-  
 खजोणिया स्कखसभवा स्कखवुक्कमा तज्जोणिया तस्सभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्म  
 नियाणेण तत्थवुक्कमा पुढवीजोणिएहिं स्कखेहिं स्कखत्ताए विउट्ठति । ते जीवा तेसिं  
 पुढवीजोणियाण स्कखाण सिणेहमाहारंति, ते जीवा आहारंति पुढवीसरीरं आउते  
 उवाउवणस्सइसरीर नाणाविहाण तमयावराण पाणाण सरीरं अचित्तं कुब्बति परि-  
 द्दत्य । त सरीर पुब्बाहारिय तथाहारिय विप्परिणामिय सारुवियकड सन्त । अवरे  
 वि य ण तेसिं स्कखजोणियाण स्कखार्णं सरीरा नाणावण्णा नाणागन्धा नाणारसा  
 नाणाफासा नाणासठाणसठिया नाणाविहसरीरपुग्गलविउब्बिया ते जीवा कम्मोव  
 वज्जगा भवन्तीति मक्खाय ॥ २ ॥ ६८१ ॥ अहावरं पुरक्खाय इहेगइया सत्ता  
 स्कखजोणिया स्कखसभवा स्कखवुक्कमा तज्जोणिया तस्सभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा  
 कम्मणियाणेण तत्थवुक्कमा स्कखजोणिएनु स्कखत्ताए विउट्ठति, ते जीवा तेसिं स्कख  
 जोणियाणं स्कखाण सिणेहमाहारंति ते जीवा आहारंति, पुढवीसरीरं आउतेउवा-  
 उवणस्सइसरीरं तसयावराण पाणाण सरीरं अचित्तं कुब्बति परिविद्धत्य त सरीरं  
 पुब्बाहारिय तथाहारिय विपरिणामिय सारुवियकड सत अवरेवि य ण तेसिं स्कख-  
 जोणियाण स्कखाण सरीरा नाणावण्णा जाव ते जीवा कम्मोववज्जगा भवति ति  
 मक्खाय ॥ ३ ॥ ६८२ ॥ अहावरं पुरक्खाय इहेगइया सत्ता स्कखजोणिया स्कख-  
 सभवा स्कखवुक्कमा तज्जोणिया तस्सभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मनियाणेण तत्थ  
 वुक्कमा स्कखजोणिएसु स्कखेषु मूलत्ताए कदत्ताए, खत्ताए तयत्ताए सालत्ताए पवा-  
 लत्ताए पत्तत्ताए पुप्फत्ताए फलत्ताए बीयत्ताए विउट्ठति ते जीवा तेसिं स्कखजो-  
 णियाणं स्कखाण सिणेहमाहारंति ते जीवा आहारंति पुढवीसरीर आउतेउवाउ-  
 वणस्सइ नाणाविहाण तसयावराण पाणाण सरीरं अचित्तं कुब्बति परिविद्धत्यं त  
 सरीरं जाव सारुवियकड सत अवरेवियण तेसिं स्कखजोणियाण मूलाण कदाणं  
 खंधाण तयाण सालाण पवालाण जाव बीयाण सरीरा नाणावण्णा नाणागन्धा जाव  
 नाणाविहसरीरपुग्गलविउब्बिया ते जीवा कम्मोववज्जगा भवति ति मक्खाय  
 ॥ ४ ॥ ६८३ ॥ अहावर पुरक्खाय इहेगइया सत्ता स्कखजोणिया स्कखसभवा  
 स्कखवुक्कमा तज्जोणिया तस्सभवा तदुवक्कमा कम्मोववज्जगा कम्मनियाणेण तत्थवुक्कमा  
 स्कखजोणिएहिं स्कखेहिं अज्झारोहत्ताए विउट्ठति ते जीवा तेसिं स्कखजोणियाणं  
 स्कखाण सिणेहमाहारंति ते जीवा आहारंति पुढवीसरीरं जाव सारुवियकड सत  
 अवरेवि य ण तेसिं स्कखजोणियाण अज्झारुहाण सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खाय



उदगाण सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीर जाव सन्त । अवरे  
वि य ण तेसिं उदगजोणियाण स्क्खण सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खाय । जहा  
पुढविजोणियाण स्क्खण चत्तारि गमा अज्झारोहण वि तहेव, तणाण ओसहीण  
हरियाण चत्तारि आलावगा भाणियव्वा एक्केक्के, अहावरं पुरक्खाय इहेगइया सत्ता  
उदगजोणिया उदगसम्भवा जाव कम्मनियाणेण तत्थवुक्कमा नाणाविहजोणिएसु उदएसु  
उदगत्ताए अवगत्ताए पणगत्ताए सेवालत्ताए कलम्बुगत्ताए हडत्ताए कसेरुगत्ताए  
कच्छभाणियत्ताए उप्पलत्ताए पउमत्ताए कुमुयत्ताए नलिणत्ताए सुभगत्ताए सोगन्धि-  
यत्ताए पोण्डरीयमहापोण्डरीयत्ताए सयपत्तत्ताए सहस्सपत्तत्ताए एव कल्हारकोकण-  
यत्ताए अरविन्दत्ताए तामरसत्ताए भिसभिसमुणालपुक्खलत्ताए पुक्खलच्छिभगत्ताए  
विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं नाणाविहजोणियाण उदगाण सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा  
आहारेन्ति पुढवीसरीर जाव सन्त । अवरे वि य ण तेसिं उदगजोणियाण  
उदगाण जाव पुक्खलच्छिभगाण सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खाय । एमो चेव  
आलावगो ॥ ११ ॥ ६९० ॥ अहावर पुरक्खायं इहेगइया सत्ता तेसिं चेव  
पुढवीजोणिएहिं स्क्खेहिं स्क्खजोणिएहिं स्क्खेहिं स्क्खजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं,  
स्क्खजोणिएहिं अज्झारोहेहिं अज्झारोहजोणिएहिं अज्झारोहेहिं अज्झारोहजोणिएहिं  
मूलेहिं जाव बीएहिं, पुढविजोणिएहिं तणेहिं तणजोणिएहिं तणेहिं तणजोणिएहिं  
मूलेहिं जाव बीएहिं । एव ओसहीहिं वि तिण्णि आलावगा एव हरिएहिं वि तिण्णि  
आलावगा । पुढविजोणिएहिं वि आएहिं काएहिं जाव कूरेहिं उदगजोणिएहिं स्क्खेहिं  
स्क्खजोणिएहिं स्क्खेहिं स्क्खजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं एव अज्झारोहेहिं वि  
तिण्णि । तणेहिं पि तिण्णि आलावगा । ओसहीहिं पि तिण्णि, हरिएहिं पि तिण्णि,  
उदगजोणिएहिं, उदएहिं अवएहिं जाव पुक्खलच्छिभएहिं तसपाणत्ताए विउट्टन्ति ॥  
ते जीवा तेसिं पुढवीजोणियाण उदगजोणियाण स्क्खजोणियाण अज्झारोहजोणियाण  
तणजोणियाण ओसहीजोणियाण हरियजोणियाण स्क्खण अज्झारोहण तणाण ओस-  
हीण हरियाणं मूलाण जाव बीयाण आयाण कायाण जाव कुरवाण [कूराण] उदगाण  
अवगाण जाव पुक्खलच्छिभगाण सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढवीसरीरं  
सन्त । अवरे वि य णं तेसिं स्क्खजोणियाण अज्झारोहजोणियाण तणजोणियाण  
सहिजोणियाणं हरियजोणियाण मूलजोणियाणं कन्दजोणियाणं जाव बीयजोणियाण  
॥ १५ ॥ कायजोणियाण जाव कूरजोणियाण उदगजोणियाण अवगजोणियाणं  
जोणियाण तसपाणाण सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खाय  
॥ ६९१ ॥ अहावरं पुरक्खाय नाणाविहाण मणुस्साणं । त जहा-कम्मभू-



णं अहावीएण अहावगासेण इत्थीए पुरिसस्स जाव एत्थण मेहुणे एव त चेव नाणा  
 अहं वेगइया जणयति पोय वेगइया जणयति से अहे उब्भिज्जमाणे इत्थि वेगइया  
 जणयंति पुरिसपि णपुसगपि, ते जीवा ढहरा समाणा वाउकायमाहारेंति आणु  
 व्वेण बुद्धा वणस्सइकाय तसथावरपाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव सत  
 अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाण उरपरिसप्पथलयरपच्चिंदियतिरिक्ख० अहीण जाव  
 महोरगाण सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा जावमक्खायं ॥ ६९५ ॥ अहावरं पुर  
 क्खायं णाणाविहाण भुयपरिसप्पथलयरपच्चिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तजहा—गोहाणं  
 नउलाण सिहाण सरढाण सल्लाण सरघाण खराणं घरकोइलियाण विस्सभराणं  
 मुसगाणं मगुसाण पयलाइयाणं विरालियाणं जोहाण चउप्पाइयाण तेसिं च णं  
 अहावीएण अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स य जहा उरपरिसप्पाण तहा भाणियव्वं  
 जाव सारुवियकडं सत अवरेवि य ण तेसिं णाणाविहाणं भुयपरिसप्पपच्चिंदियथलय-  
 रतिरिक्खाण त० गोहाण जावमक्खायं ॥ ६९६ ॥ अहावरं पुरक्खाय णाणाविहाण  
 खहचरपच्चिंदियतिरिक्खजोणियाण, तजहा—चम्मपक्खीणं लोमपक्खीणं समुग  
 पक्खीणं विततपक्खीणं तेसिं च णं अहावीएण अहावगासेण इत्थीए जहा  
 उरपरिसप्पाण नाणात्ते जीवा ढहरा समाणा माउगात्तसिणेहमाहारेंति आणुपुव्वेण  
 बुद्धा वणस्सइकाय तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव सत अवरे  
 वि य ण तेसिं नाणाविहाणं खहचरपच्चिंदियतिरिक्खजोणियाण चम्मपक्खीणं जाव  
 मक्खायं ॥ १३ ॥ ६९७ ॥ अहावरं पुरक्खाय इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिमा  
 नाणाविहसंभवा नाणाविहवुक्कमा तज्जोणिमा तस्सभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्म  
 नियाणेण तत्थवुक्कमा नाणाविहाण तसथावराण पोसगलाण सरीरेसु वा सच्चित्तसु वा  
 अचित्तसु वा अणुसूयत्ताए विउट्ठन्ति । ते जीवा तेसिं नाणाविहाण तसथावराणं  
 पाणाण सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे  
 वि य ण तेसिं तसथावरजोणियाणं अणुसूयगाण सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खाय ।  
 एव दुरुवसंभवत्ताए । एव खुरदुगत्ताए ॥ १४ ॥ ६९८ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहे  
 गइया सत्ता नाणाविहजोणिमा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथा  
 वराण पाणाण सरीरेसु सच्चित्तसु वा अचित्तसु वा त सरीरग वायसंसिद्धं वा वाय-  
 संगहिय वा वायपरिगहिय उक्कुवाएसु उक्कुभागी भवइ, अहेवाएसु अहेभागी भवइ,  
 तिरियवाएसु तिरियभागी भवइ । त जहा—ओसा हिमए महिया करए हरतणए  
 सुद्धोदए । ते जीवा तेसिं नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाण सिणेहमाहारेन्ति । ते  
 जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्त । अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणि-



पाणाणं सिणेहमाहारंति, ते जीवा आहारंति पुढविस्सरीरं जाव सत अवरे वि न न  
 तेसिं तसथावरजोणियाण पुढवीण जाव सूरक्ताग सरीरा णाणावण्णा जावमक्खाव,  
 सेस तिणि आलावगा जहा उदगारां ॥ ७०१ ॥ अहावरं पुरक्खाय सव्वे पाप्मा  
 सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, णाणाविहजोणिया, णाणाविहसभवा, णाणा  
 विहवुक्कमा, सरीरजोणिया, सरीरसभवा, सरीरवुक्कमा, सरीराहारा, कम्मोवणा,  
 कम्मनियाणा, कम्मगइया, कम्मठिइया, कम्मणा चेव विप्परियासमुवेति ॥ ७०२ ॥  
 सेएवमायाणह से एवमायाणिता आहारगुत्ते सहिए समिए मयाजए ति वेमि ॥ ७०३ ॥  
 आहारपरिणयज्झयण तइय ॥

### पचक्खाणकिरियज्झयणे चउत्थे

सुयं मे आउस ! तेण भगवया एवमक्खाय, इह खलु पचक्खाणकिरियाण-  
 मज्झयणे तस्सण अयमट्ठे पण्णत्ते, आया अपचक्खाणीयावि भवइ, आया अकिरिया  
 कुसलेयावि भवइ, आया मिच्छासठिएयावि भवइ, आया एगतदडेयावि भवइ, आया  
 एगतवालेयावि भवइ, आया एगतसुत्तेयावि भवइ, आया अवियारमणवयणकायवक्के-  
 यावि भवइ, आया अप्पडिहयअपचक्खायपावकम्मेयावि भवइ, एस खलु भगवया  
 अक्खाए, असंजए, अविरए, अप्पडिहयपचक्खायपावकम्मे, सकिरिए, असुवे,  
 एगतदडे, एगतवाले, एगतसुत्ते से वाले, अवियारमणवयणकायवक्के, सुविणमवि ण  
 पस्सइ पावे य से कम्मे कज्जइ ॥ ७०४ ॥ तत्थ चोयए पन्नवगं एवं वयासी, असत  
 एणं मणेण पावएण असतियाए वईए पावियाए, असतएण काएण पावएण अह-  
 णंतस्स अमणक्खस्स, अवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ पावकम्मे  
 णो कज्जइ कस्सणं त हेउ चोयए एव ववीइ अन्नयरेण मणेण पावएणं मणवत्तिए  
 पावे कम्मे कज्जइ, अन्नयरीए वईए पावियाए वत्तिवत्तिए पावे कम्मे कज्जइ, अन्न  
 यरेण काएणं पावएण कायवत्तिए पावेकम्मे कज्जइ, हणतस्स समणक्खस्स सवियार-  
 मणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि पासओ, एव गुणजाइयस्स पावेकम्मे कज्जइ, पुणरवि  
 चोयए, एव ववीइ तत्थणं जे ते एवमाहंसु असतएण मणेणं पावएणं असतियाए  
 वईए पावियाए, असतएण काएण पावएणं अहणंतस्स अमणक्खस्स अवियारमण  
 वयणकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ पावे कम्मे कज्जइ, तत्थ णं जे ते एवमाहंसु  
 मिच्छा ते एवमाहंसु ॥ ७०५ ॥ तत्थ पन्नवए चोयगं एवं वयासी-त सम्मं ज मए  
 पुव्व वुत्त असतएण मणेणं पावएण, असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएण  
 पावएणं, अहणंतस्स अमणक्खस्स अवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ



वप्यविहयपवनवन्धनयाकम्मे मवह । आम्भरिज आह-तत्त्व कम्भु मपयया उज्जैन-  
मिन्नवहेठ पवता तं वहा-पुहवीकहाया चाप तसकाहा । से वहागमिप मम  
अस्तमं इमेन वा अट्टीय वा मुट्टीय वा केळय वा क्काठिय वा आतोडियमावरस  
वा चाप उज्जैनियमावरस वा चाप कोमुकवणमगावमि हिंसाधरं इवत्तं मरं  
पविउवेवेदिमि इमेन वाप सव्वे पावा चाप सव्वे सत्त इमेन वा चाप क्काठेन वा  
आतोडियमावे वा हम्मयावि वा तणियमावे वा ताडियमावे वा उवहियमावे  
वा चाप कोमुकवणमगावमि हिंसाधरं इवत्तं मरं पविउवेवेदिमि । एवं गवा सव्वे  
पावा चाप सव्वे सत्त न इणत्था चाप न उव्वेयम्मा । एउ वम्मे पुवे निरु सत्तए  
सट्ठिअ व्वेन व्वेनवेहिं पवेए । एवं से मिक्ख निरु पापात्तावात्ते चाप मिक्खा-  
इववत्तम्माओ । से मिक्ख मो इन्तपक्खाव्वेन इन्ते पक्खावेवा मो वक्खं मो  
क्खं मो भूवमिप पि माहए । से मिक्ख अकिरिए क्काट्टए क्काट्टे वाप अक्खेने  
उववत्तं परिनिमुवे । एउ कम्भु मपयया अक्खाए उज्जयनिरवपविहयपक्खवाव-  
पक्कम्मे अकिरिए उंमुवे एण्णपमिप मवह ति वेमि ॥ ५० ७१ ॥ एव  
क्कापकिरियज्जसयव वत्तत्थं ॥

### आयारमुयन्सयपे पञ्चमे

आयान कम्मवेरं व अट्टपणे इमं वई । अस्ति वम्मे अवाधरं नावरंअ कमाह  
मि ॥ १० ७११ ॥ अवाधरं परिचाय अमववम्मे ति वा पुवो । सत्तकसत्तए  
वा इए विट्ठि न वत्तए ॥ २० ७१२ ॥ एएहिं रोहिं अवेहिं ववहतो न मिजई ।  
एएहिं रोहिं अवेहिं अवाधरं तु वावए ॥ ३० ७१३ ॥ उमुक्खिदिमिप सत्तारो  
सव्वे पावा अवेहिता । पठिया वा ममिस्समिप सत्तवं पि न मो वए ॥ ४० ॥  
॥ ७१४ ॥ एएहिं रोहिं अवेहिं ववहतो न मिजई । एएहिं रोहिं अवेहिं अवाधरं  
तु वावए ॥ ५० ७१५ ॥ वे वेह क्कापा पावा अकुवा छन्ति म्माक्का । उमिउं  
तेहिं वेरं ति ववहिउं ति न मो वए ॥ ६० ७१६ ॥ एएहिं रोहिं अवेहिं ववहतो  
न मिजई । एएहिं रोहिं अवेहिं अवाधरं तु वावए ॥ ७० ७१७ ॥ अवाधममि  
मुक्खमिप अक्कम्मे उम्मुवा । ववमिपे ति वायिजा वववमिपे ति वा पुवो  
॥ ८० ७१८ ॥ एएहिं रोहिं अवेहिं ववहतो न मिजई । एएहिं रोहिं अवेहिं  
अवाधरं तु वावए ॥ ९० ७१९ ॥ अवाधं ओउक्कमाधरं कम्मं व तहेव म ।  
उम्मतव वीरिउं वरिउं वरिउं उम्मतव वीरिउं ॥ १० ७२० ॥ एएहिं रोहिं अवेहिं  
ववहतो न मिजई । एएहिं रोहिं अवेहिं अवाधरं तु वावए ॥ ११० ७२१ ॥

काय जाव तसकाय । से एगइओ पुढवीकाएण किच्च करेइ वि कारवेइ वि । तस्स  
 ण एव भवइ-एव खलु अह पुढवीकाएण किच्च करेमि वि कारवेमि वि, नो चेव नं  
 से एव भवइ-इमेण वा इमेण वा से एएणं पुढवीकाएण किच्च करेइ वि कारवेइ वि ।  
 से ण तओ पुढवीकायाओ असजयअविरयअप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे मावि  
 भवइ । एव जाव तसकाए ति भाणियव्व । से एगइओ छजीवनिकाएहिं किच्च  
 करेइ वि कारवेइ वि । तस्स ण एव भवइ-एव खलु छजीवनिकाएहिं किच्च करेमि  
 वि कारवेमि वि । नो चेव ण से एव भवइ-इमेहिं वा २, से य तेहिं छहिं जीवनिक्का-  
 एहिं जाव कारवेइ वि । से य तेहिं छहिं जीवनिक्काएहिं असजयअविरयअप्पडिहय-  
 पच्चक्खायपावकम्मे, त जहा-पाणाइवाए जाव मिच्छादसणसल्ले । एस खलु भगवसा  
 अक्खाए असजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सुविणमवि अपस्सओ ।  
 पावे य से कम्मे कज्जइ । से त सज्जिदिट्ठन्ते ॥ से किं तं असज्जिदिट्ठन्ते ? जे इमे  
 असज्जिणो पाणा, त जहा-पुढवीकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा वेगइया तसा  
 पाणा, जेसिं नो तक्का इ वा सज्जा इ वा पज्जा इ वा मणा इ वा वई इ वा सय वा  
 करणाए अजेहिं वा कारवेत्ताए करन्त वा समणुजाणित्ताए, ते वि णं वाळे सव्वेसिं  
 पाणाण जाव सव्वेसिं सत्ताण दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्त-  
 भूया मिच्छासठिया निच्चं पसठविउवायचित्तदण्डा त० पाणाइवाए जाव मिच्छा-  
 दसणसल्ले । इच्चेव जाव नो चेव मणो नो चेव वई पाणाण जाव सत्ताण दुक्खण-  
 याए सोयणयाए जूरणयाए तिप्पणयाए पिट्ठणयाए परितप्पणयाए । ते दुक्ख-  
 णसोयण जाव परितप्पणवहवन्धणपरिकिळेसाओ अप्पडिविरया भवन्ति । इति  
 खलु से असज्जिणो वि सत्ता अहोनिंसिं पाणाइवाए उवक्खाइज्जन्ति जाव अहोनिंसिं  
 परिगहे उवक्खाइज्जन्ति जाव मिच्छादसणसल्ले उवक्खाइज्जन्ति [ एव भूयवाई ] ।  
 सव्वजोणिया वि खलु सत्ता सज्जिणो हुच्चा असज्जिणो होन्ति असज्जिणो हुच्चा सज्जिणो  
 होन्ति, होच्चा सज्जी अदुवा असज्जी, तत्थ से अविवित्तिता अविधूणिता असमुच्छित्ता  
 अणणुतावित्ता अमज्जिकायाओ वा सज्जिकाए सकमन्ति सज्जिकायाओ वा असज्जिकाय  
 सकमन्ति, सज्जिकायाओ वा सज्जिकाय सकमन्ति असज्जिकायाओ वा असज्जिकाय  
 सकमन्ति । जे एए सज्जि वा असज्जि वा सव्वे ते मिच्छायारा निच्च पसठविउवाय-  
 चित्तदण्डा । त जहा-पाणाइवाए जाव मिच्छादसणसल्ले । एवं खलु भगवसा अ-  
 क्खाए असजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंबुडे एगन्तदण्णे  
 एगन्तवाळे एगन्तसुत्ते से वाळे अवियारमणवयणकायवक्के सुविणमवि न पासइ पावे  
 य से कम्मे कज्जइ ॥ ४ ॥ ७०९ ॥ चोयए-से किं कुव्व किं कारव कइ संजयविर-

## अहर्षज्जयपये छन्दे

पुण्ड्रं नह ह्यं छन्दे मेमन्तवारी समये पुण्ड्री । से भिन्नुने बबनेता  
 मनेने आहस्वएहि पुण्ड्रे निबारेण ॥ १ ॥ ७४४ ॥ साऽऽनौमिया पुण्ड्रिवाऽऽचिरेण  
 समायज्य ययज्ये भिन्नुमन्ते । आहस्वकमानो बहुवचमस्य न संववाह् अचरेण  
 पुण्ड्रं ॥ २ ॥ ७४५ ॥ एमन्तमेव अनुवा मि एहि होऽवचमसं न समेह कम्हा ।  
 पुमि न एहि न अवाक्यं वा एमन्तमेव एहि संववाह् ॥ ३ ॥ ७४६ ॥ समिच  
 मये तस्यवाचनं केनेहरे समये माहये वा । आहस्वकमानो मि सवृत्तमन्ते एक-  
 मन्तं सारयै छन्दे ॥ ४ ॥ ७४७ ॥ यम्यं कन्तस्तस्य उ मरि होमे अन्तस्त  
 हन्तस्त विहृदिकस्त । माताव होमे न भिन्नुमन्तस्य पुने न माताव निवेगस्त  
 ॥ ५ ॥ ७४८ ॥ मरुमप पय कलुमप न तहेव पयाचय संवरे न । निरह् इह  
 स्तान्मिमिन्ति पन्ने कन्तवच्छी समये पि मेमि ॥ ६ ॥ ७४९ ॥ वीमोह्यं संवड  
 वीचक्यं आहावक्यं तह इतिवामो । एमन्तवारीतिह अम्ह भम्मे तवस्तिमो  
 नमिस्तिनेह पयै ॥ ७ ॥ ७५० ॥ वीमोह्यं वा तह वीचक्यं आहावक्यं तह  
 इतिवामो । एवाह् जयं एहिसेक्याया अमारिचो अस्तमन्त यवन्ति ॥ ८ ॥  
 ७५१ ॥ विह न वीमोह्यइतिवामो एहिसेक्याया समया अकन्तु । अमारिचो  
 मि समया अकन्तु वेवन्ति क ते पि कल्पवारी ॥ ९ ॥ ७५२ ॥ जे यमि वीमो-  
 ह्यमोह् मिन्तु मिचकं मिह् जयव् वीमिवाही । ते अहर्षज्येयमिन्तुमन्तु अवावया  
 कन्तवारी मवन्ति ॥ १० ॥ ७५३ ॥ ह्यं कयं तु तुम पयज्जयं पयाय्ये गरिहति  
 सय्य एव । पयाय्ये पुण्ड्रे भिन्नुन्त्या तयं तयं मिद्धि करेन्ति पाठ ॥ ११ ॥  
 ७५४ ॥ ते अकन्तवस्त उ परहमाया अकन्ति म्यो समया माहवा न । सम्ये  
 न अवाही अचमे न मरि मरहासु मिद्धि न मरहासु मिचि ॥ १२ ॥ ७५५ ॥ न  
 मिचि एवेवमिपारवाये सविष्टिम्यं तु करेसु पाठे । यम्मे ह्ये मिद्धिं आरेएहि  
 अनुतरे सपुमिह्मि नह् ॥ १३ ॥ ७५६ ॥ उह् अहे न विरिचं मितात तदा न  
 जे वावर जे न वाय । भूमाहिसंक्रमितुगुमन्ताया नो गरह् पुमिं मिचि कोए  
 ॥ १४ ॥ ७५७ ॥ आकन्तवारे आराम्यारे समये उ भीप् न एवेह् पयै । एन्वा  
 हु कन्ती पयै मरुस्त्य जमाहिति न अवाक्या न ॥ १५ ॥ ७५८ ॥ मेहासिनो  
 मिमिचय पुमिन्त्या ततहि आरेहि न विचयया । पुमिन्त्या मा वे अवावर अहे  
 इह वीम्याये न उह् छव ॥ १६ ॥ ७५९ ॥ न वायमिच्य न य वायमिच्य  
 एवमिचयेव कुन्ते मएव । मिवावरेज पविचं न वा मि सव्यमिचयेमिह आरिवाचं  
 ॥ १७ ॥ ७६० ॥ यन्ता न एव अरुच अन्त्या मिवावरेज समिवाह्ये ।

नत्वि लोए अलोए वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि लोए अलोए वा एव सन्न निवेसए ॥ १२ ॥ ७२२ ॥ नत्वि जीवा अजीवा वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि जीवा अजीवा वा एव सन्न निवेसए ॥ १३ ॥ ७२३ ॥ नत्वि धम्मो अधम्मो वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि धम्मो अधम्मो वा एव सन्न निवेसए ॥ १४ ॥ ७२४ ॥ नत्वि बन्धे व मोक्खे वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि बन्धे व मोक्खे वा एव सन्न निवेसए ॥ १५ ॥ ७२५ ॥ नत्वि पुण्ये व पावे वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि पुण्ये व पावे वा एव सन्न निवेसए ॥ १६ ॥ ७२६ ॥ नत्वि आसवे सवरे वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि आसवे सवरे वा एव सन्न निवेसए ॥ १७ ॥ ७२७ ॥ नत्वि वेयणा निज्जरा वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि वेयणा निज्जरा वा एव सन्न निवेसए ॥ १८ ॥ ७२८ ॥ नत्वि किरिया अकिरिया वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि किरिया अकिरिया वा एव सन्न निवेसए ॥ १९ ॥ ७२९ ॥ नत्वि कोहे व माणे वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि कोहे व माणे वा एव सन्न निवेसए ॥ २० ॥ ७३० ॥ नत्वि माया व लोभे वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि माया व लोभे वा एव सन्न निवेसए ॥ २१ ॥ ७३१ ॥ नत्वि पेजे व दोसे वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि पेजे व दोसे वा एव सन्न निवेसए ॥ २२ ॥ ७३२ ॥ नत्वि चाउरन्ते ससारे नेव सन्न निवेसए । अत्वि चाउरन्ते ससारे एव सन्न निवेसए ॥ २३ ॥ ७३३ ॥ नत्वि देवो व देवी वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि देवो व देवी वा एव सन्न निवेसए ॥ २४ ॥ ७३४ ॥ नत्वि सिद्धी असिद्धी वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि सिद्धी असिद्धी वा एव सन्न निवेसए ॥ २५ ॥ ७३५ ॥ नत्वि सिद्धी नियं ठाणं नेव सन्न निवेसए । अत्वि सिद्धी नियं ठाणं एव सन्न निवेसए ॥ २६ ॥ ७३६ ॥ नत्वि साहू असाहू वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि साहू असाहू वा एव सन्न निवेसए ॥ २७ ॥ ७३७ ॥ नत्वि कल्लण पावे वा नेव सन्न निवेसए । अत्वि कल्लण पावे वा एव सन्न निवेसए ॥ २८ ॥ ७३८ ॥ कल्लणे पावए वा वि ववहारो न विज्झइ । ज वेर त न जाणन्ति समणा वालपण्डिया ॥ २९ ॥ ७३९ ॥ असेस अस्खय वावि सव्वदुक्खे इ वा पुणो । वज्झा पाणा न वज्झा ति इइ वाय न नीसरे ॥ ३० ॥ ७४० ॥ बीसन्ति समियायारा भिक्खुणो साहुजीविणो । एए मिच्छोवजीवन्ति इइ दिट्ठिं न धारए ॥ ३१ ॥ ७४१ ॥ दक्खिणाए पडिलम्भो अत्वि वा नत्वि वा पुणो । न वियाण रेज्ज मेहावी सन्तिमग्ग च बूहए ॥ ३२ ॥ ७४२ ॥ इयेएहिं ठाणेहिं जिणदिट्ठेहिं संजए । धारयन्ते उ अप्पाण आ मोक्खाए परिव्वएजासि ॥ ३३ ॥ ७४३ ॥ ति बेमि ॥ आथारसुयज्झयण पञ्चम ॥

निम्नमार्गे परिग्रहीतेन कोए ॥ ३९ ॥ ७७९ ॥ मूर्धं जरम्भं इह मारियार्थं उद्दि-  
 यतं न पपप्पत्ता । तं कोवतेलेन सवकखडेया अपिप्पत्थीये पगरन्ति मंसं ॥ ३७४  
 ॥ ७ ॥ तं मुक्कमाणा विस्सिं पमूर्धं नो कोवत्तिप्पत्तु वरं रएणं । इत्येवमार्थं  
 अजजबम्मा अवारिवा वाक रसेत्तु मिद्ध ॥ ३८ ॥ ७८१ ॥ ते वाणि मुक्कन्ति  
 तहप्पमार्ं सेवन्ति ते पावमवाणमाणा । मर्भं न पूर्वं कुसळा करेन्ति वाया नि  
 एवा पुत्ता उ विच्छम ॥ ३९ ॥ ७ १ ॥ सम्भेति श्रीवाण दम्भुवाए धावज्जरोहं  
 परिवज्जन्ता । तस्संमिन्ने इत्थिन्ने भावपुत्ता उद्दिमर्भं परिवज्जन्ति ॥ ४ ॥  
 ॥ ७८३ ॥ मूर्धामिर्धमए दुप्पम्माणा सम्भेति पाणान विहाव दम्भं । तम्हा न  
 मुक्कन्ति तहप्पमार्ं एत्तेदुपमन्ने इह संवखनं ॥ ४१ ॥ ७८४ ॥ निम्नमवम्ममि  
 इमं समाद्धिं मरिंउ इत्थिन्ना अविहे करेया । कुहे मुक्की सीक्कमुन्नेवए अकरम्भं  
 सवर्धं विस्सेमं ॥ ४२ ॥ ७८५ ॥ विवाक्कमर्भं तु कुवे सवस्से के मोमए विवए  
 माहवार्भं । ते पुक्कखन्ने सुमहत्तमिन्ना मवन्ति देवा इह वैववायो ॥ ४३ ॥ ७८६ ॥  
 विवाक्कमर्भं तु कुवे सवस्से के मोमए विवए कुसळावार्भं । ते मन्धई कोत्तुमसं-  
 पग्गे विवामिन्नायी करवामिसेयी ॥ ४४ ॥ ७८७ ॥ दवावरं वम्म दुप्पम्माणा  
 प्पान्धं वम्म पसंतमाणा । एवं पि के मोमवई असीकं विवो विवं वाद्द कुजोत्त-  
 रीद्धिं ॥ ४५ ॥ ७ ८ ॥ इत्थे वि वम्ममि समुत्तिन्नायो अरिंउ इत्थिन्ना तह एव  
 कम्भं । आवारसीके दुएए गायी न संपरावमि विसेसमत्ति ॥ ४६ ॥ ७८९ ॥  
 अम्मात्तम्भं पुत्तिं महन्तं सवात्तम्भं अन्नावमम्भं न । सम्भेत्तु मूरु वि सम्भन्ने  
 से वम्भो न चान्दि समत्तम्भे ॥ ४७ ॥ ७९ ॥ एवं न विजन्ति न सवन्ति न  
 माह्वा अत्थिन्ने पेसा । कीडा न पक्की न सरीसिवा न गरु न सम्भे तह  
 देक्कयोया ॥ ४८ ॥ ७९१ ॥ कोयं अवाविदिह केवकेनं प्पन्ति के वम्ममवाण-  
 मणा । नावन्ति अप्पाव परं न लद्धा संसार मोरमि अपोरएरे ॥ ४९ ॥ ७९२ ॥  
 कोयं विवावन्तिह केवकेनं पुत्थेन गानेन समाद्धिद्धा । वम्मं समत्तं न प्पन्ति  
 के उ तन्ति अप्पाव परं न विव्वा ॥ ५० ॥ ७९३ ॥ के मरिंउं ठान्निहत्त-  
 सन्ति के वाणि कोए चरन्नेववेवा । उवाह्वं तं तु समं मरिंउ अवाह्वे विप्पिवा-  
 समेव ॥ ५१ ॥ ७९४ ॥ सेवक्करोवावि न एममेयं वाणेन मारेत्त म्हाग्गं तु ।  
 सेसाव जीवाव दम्भुवाए वार्धं वरं विवि पक्कप्पमायो ॥ ५२ ॥ ७९५ ॥ संवज्ज-  
 रेवावि न एममेयं पार्धं हवन्ता अविज्जरोहा । सेसाव जीवाव वहेन कम्मा  
 तिवा न वीरं विद्धिन्ने वि तम्हा ॥ ५३ ॥ ७९६ ॥ संवज्जरेवावि न एममेयं पार्धं  
 हवन्ता सम्भम्भएत्तु । आवाविह्वं से पुत्तिं अज्जे न तात्ति केवन्निन्ने मवन्ति

अणारिया दसणओ परिता इइ सक्कागो न उवेइ तत्थ ॥ १८ ॥ ७६१ ॥ पम्प  
 जहा वणिए उदयट्ठी आयस्स हेउ पगरेइ सज्ज । तयोवमे समणे नायपुत्ते इवेव  
 मे होइ मई वियक्को ॥ १९ ॥ ७६२ ॥ नव न कुञ्जा विहुणे पुराग चियाऽमइ ताइ  
 य साह एव । एयावया वम्भवइ ति बुत्ता तस्सोदयट्ठी समणे ति बेमि ॥ २० ॥  
 ॥ ७६३ ॥ समारभन्ते वणिया भूयगाम परिगहं चेव ममायमाणा । ते नाइस-  
 जोगमविप्पहाय आयस्स हेउ पगरेन्ति सज्ज ॥ २१ ॥ ७६४ ॥ वितेसिगो मेहुण-  
 सपगाढा ते भोयणट्ठा वणिया वयन्ति । वय तु कामेसु अज्झोवपणा अणारिया  
 पेमरसेसु गिद्धा ॥ २२ ॥ ७६५ ॥ आरम्भग चेव परिगहं च अविउत्तिया  
 निस्सिय आयदण्डा । तेसिं च से उदए जं वयासी चउरन्तणन्ताय दुहाय नह  
 ॥ २३ ॥ ७६६ ॥ नेगन्ति नचन्ति य ओदए सो वयन्ति ते दो वि गुणोदयम्मि ।  
 से उदए साइमणन्तपत्ते तमुदयं साहयइ ताइ नाई ॥ २४ ॥ ७६७ ॥ अहिंसव  
 सव्वपयाणुकम्पी धम्मे ठिय कम्मविवेगहेउ । तमायदण्डेहिं समायरन्ता अबोहिए  
 ते पडिरुवमेय ॥ २५ ॥ ७६८ ॥ पिण्णागपिण्डीमावे विद्ध सूले केई पएज्जा पुरिसे  
 इमे ति । अलाउय वा वि कुमारए ति स लिप्पई पाणिवहेण अम्ह ॥ २६ ॥ ७६९ ॥  
 अहवा वि विदूण मिलक्खु सूले पिण्णागबुद्धीइ नरं पएज्जा । कुमारग वा वि अला-  
 वुयं ति न लिप्पई पाणिवहेण अम्ह ॥ २७ ॥ ७७० ॥ पुरिस च विदूण कुमारं  
 वा सूलंमि केई पए जायतेए । पिण्णागपिण्ड सइमारुहेत्ता बुद्धाण त कप्पइ पारणाए  
 ॥ २८ ॥ ७७१ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नियए भिक्खुयाण ।  
 ते पुण्णखन्ध सुमह जिणिता भवन्ति आरोप्य महन्त सत्ता ॥ २९ ॥ ७७२ ॥  
 अजोगख्वं इह सजयाण पाव तु पाणा ण पसज्ज काउ । अबोहिए दोण्ह वि तं  
 असाहु वयन्ति जे यावि पडिस्सुणन्ति ॥ ३० ॥ ७७३ ॥ उट्ठ अहे यं तिरियं  
 दिसासु विज्ञाय लिङ्ग तसयावराण । भूयाभिसकाइ दुगुच्छमाणे वए करेज्जा व कुओ  
 विहइत्थि ॥ ३१ ॥ ७७४ ॥ पुरिसे ति विज्जति न एवमत्थि अणारिए से पुरिसे तहा  
 हु । को संभवो पिण्णगपिण्डियाए वाया वि एसा बुइया असच्चा ॥ ३२ ॥ ७७५ ॥  
 वायाभियोगेण जमावहेज्जा नो तारिस वायमुदाहरेज्जा । अट्ठाणमेय वयण गुणार्ण  
 नो दिक्खिए वूयसुरालमेयं ॥ ३३ ॥ ७७६ ॥ लद्धे अट्ठे अहो एव तुब्भे जीवा-  
 णुभागे सुविचिन्तिए व । पुव्व समुद् अवर च पुट्ठे ओलोइए पाणितले ठिए वा  
 ॥ ३४ ॥ ७७७ ॥ जीवाणुभाग सुविचिन्तयन्ता आहारिया अन्नविहीएँ सोहिं ।  
 न वियागरे छन्नपओपजीवी एसोऽणुधम्मो इह सजयाण ॥ ३५ ॥ ७७८ ॥ सिणा-  
 यगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नियए भिक्खुयाण । असजए लोहियपाणि से ऊ

॥ ६ १ ॥ आठस्ये गोकमा अरिषि कहु इमाएपुतिवा नाम समणा निमग्ग  
 तुम्हात्तं पक्कयं पक्कमात्ता माहावई समलोवासयं उवत्तं पक्कं एवं पक्कवायेमि ।  
 नक्कत्त अमिओएवं माहावइओरग्गइवमिओवक्कवाए उवेइं पावेइं मिहाव इव्वं ।  
 एवं वई पक्ककम्मात्तं दुप्पककम्मात्तं भवइ । एवं वई पक्कवायेमात्तात्तं दुप्पकक-  
 मात्तं भवइ । एवं ते परं पक्कवायेमात्ता अइरन्ति सर्वं पक्कं । कस्स नं तं  
 इवेत्तं संघारिवा कहु पात्ता वावरा वि पात्ता तसत्ताए पक्कायन्ति तसा वि पात्ता  
 वावराए पक्कायन्ति वावरकम्मात्ता विप्पसुक्कात्ता तसकम्मात्ति उवक्कन्ति तसक-  
 मात्ता विप्पसुक्कात्ता वावरकम्मात्ति उवक्कन्ति । तसि च नं वावरकम्मात्ति उवक्क-  
 मात्तं ठावमेव वत्तं ॥ ५ ॥ १॥ एवं वई पक्ककम्मात्तं दुप्पककम्मात्तं भवइ । एवं वई  
 पक्कवायेमात्तात्तं दुप्पककमात्तं भवइ । एवं ते परं पक्कवायेमात्ता अइरन्ति सर्वं  
 पक्कं नक्कत्त अमिओमेवं माहावइओरग्गइवमिओवक्कवाए तसमूएइं पावेइं मिहाव  
 इव्वं । एवमेव सइ माहाए पक्कमे विज्जमाने वे ते ओहा वा ओहा वा परं पक्कवा-  
 येमि वरं पि वो उवएसे गो वेयात्तए भवइ । अविवाइ आठसो गोकमा तुम्हं पि एवं  
 रोवइ । ॥ ६ ॥ ४॥ सत्तात्तं मम्मं गोक्के उव्वं पेडाक्कुत्तं एवं वयाटी-आठसन्तो  
 उव्वं गो कहु वन्हे एवं रोवइ । वे ते समणा वा माहावा वा एक्कायकन्ति आठ  
 पक्कन्ति ओ कहु ते समणा वा निमग्गवा मात्तं मासन्ति अज्जात्तिं कहु ते मात्तं  
 मासन्ति अक्कायकन्ति कहु तं समणे समलोवासए वा वेइं पि अवेइं वीवेइं  
 पावेइं मूइं उवेइं उक्कमन्ति ताव वि ते अक्कायकन्ति । कस्स नं तं इवेत्तं  
 संघारिवा कहु पात्ता तसा वि पात्ता वावराए पक्कायन्ति वावरा वि वा पात्ता  
 तसत्ताए पक्कायन्ति तसकम्मात्ता विप्पसुक्कात्ता वावरकम्मात्ति उवक्कन्ति वावर-  
 कम्मात्ता विप्पसुक्कात्ता तसकम्मात्ति उवक्कन्ति तसि च नं तसकम्मात्ति उवक्कमात्तं  
 ठावमेव वत्तं ॥ ७ ॥ ५ ॥ सत्तात्तं उव्वं पेडाक्कुत्तं मम्मं गोक्के एवं वयाटी-  
 उव्वं कहु तं आठसन्तो गोकमा तुम्हं वक्क तसा पात्ता तसा आठ अक्का ।  
 सत्तात्तं मम्मं गोक्के उव्वं पेडाक्कुत्तं एवं वयाटी-आठसन्तो उव्वं वे तुम्हं वक्क  
 तसमूवा पात्ता तसा ते वरं वक्कओ तसा पात्ता वे वरं वयाप्ते तसा पात्ता ते तुम्हं  
 वक्क तसमूवा पक्का । एए सन्ति तुवे ठावा तुम्हं एवइ । निमात्तस्ये इमे वे दुप्प-  
 वीवत्तए भवइ तसमूवा पात्ता तसा इमे वे दुप्पवीवत्तए भवइ-तसा पात्ता  
 तसा । तसो एक्कायस्ये अमिओउव्वं एवं अमिओवइ । वरं पि मेरो से गो वेवत्तए  
 भवइ । मम्मं च नं उवाहु-उन्तेयइसा मज्झसा भवन्ति तसि च नं एवं पुत्तपुत्तं  
 भवइ-गो कहु वरं उवाएस्ये तुम्हा मविता वावरात्ता अक्कायत्तिं पक्कायए ।

॥ ५४ ॥ ७९७ ॥ बुद्धस्स आणाए इम समाहिं अस्सि सुठिच्चा तिविहेण ताई ।  
तरिउ समुहं व महाभवोधं आयाणव धम्ममुदाहरेज्ज ॥ ५५ ॥ ७९८ ॥ ति बेमि ॥  
अद्दइज्जज्झयणं छट्ठं ॥

## नालन्दइज्जज्झयणे सत्तमे

तेण कालेण तेण समएण रायगिहे नाम नयरे होत्था रिद्धित्थिमियसमिद्धे  
( वण्णओ ) जाव पडिरूवे । तस्स णं रायगिहस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे  
दिसिभाए एत्थ णं नालन्दा नाम वाहिरिया होत्था अणेगभवणसयसंनिविद्धा जाव  
पडिरूवा । तत्थ णं नालन्दाए वाहिरियाए लेवे नाम गाहावई होत्था अण्णे दित्ते  
वित्ते वित्थिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइणे बहुघणवहुजायरूवरजए आओ-  
गपओगसपउत्ते विच्छइयपउरभत्तपाणे बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूए बहु-  
जणस्स अपरिभूए यावि होत्था ॥ १ ॥ ७९९ ॥ से ण लेवे नाम गाहावई समणो-  
वासए यावि होत्था अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ निग्गन्थे पावयणे निस्सक्किए  
निक्कखिए निव्विइगिच्छे लद्धट्ठे गहियट्ठे पुच्छियट्ठे विणिच्छियट्ठे अभिगहियट्ठे अट्ठि-  
मिज्जा पेमाणुरागरत्ते । अयमाउसो निग्गन्थे पावयणे, अयं अट्ठे, अयं परमट्ठे, सेसे  
अणट्ठे, उस्सियफलिहे अप्पावयदुवगरे चियत्तन्तेउरप्पवेसे चाउइसट्ठमुद्धिउप्पणमासि-  
णीसु पडिपुण्ण पोसह सम्म अणुपालेमाणे समणे निग्गन्थे तहाविहेणं एसणिज्जेणं  
असणपाणस्साइमसाइमेण पडिलामेमाणे बहुहिं सीलव्वयगुणविरमणपच्चक्खानपोसहो-  
ववासेहिं अप्पाण भावेमाणे एव च ण विहरइ ॥ २ ॥ ८०० ॥ तस्स ण लेवस्स  
गाहावइस्स नालन्दाए वाहिरियाए उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए एत्थ ण सेसदविया  
नाम उदगसाला होत्था अणेगखम्मभसयसंनिविद्धा पासावीया जाव पडिरूवा । तीसे  
ण सेसदवियाए उदगसालाए उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए एत्थ णं हत्थिजामे नामं  
वणसण्डे होत्था किण्हे ( वण्णओ वणसण्डस्स ) ॥ ३ ॥ ८०१ ॥ तस्सि च णं  
गिहपदेसम्मि भगवं गोयमे विहरइ, भगव च ण अहे आरामसि । अहे ण उदए  
पेढालपुत्ते भगव पासावच्चिज्जे निग्गण्ठे मेयज्जे गोत्तेणं जेणेव भगव गोयमे तेणेव  
उवागच्छइ, उवागच्छित्ता भगव गोयम एव वयासी-आउसतो गोयमा, अत्थि खल्ल  
मे केइ पदेसे पुच्छियव्वे, त च आउसो अहासुय अहादरिसियं मे वियागरेहिं  
सवायं । भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एव वयासी-अवियाइ आउसो, सोच्चा  
निसम्म जाणिस्सामो सवाय । उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयम एवं वयासी ॥ ४ ॥



नं आमारकन्ताए इन्हे नो निमिखते । केई न नं समजा बाब बसार्ई बरपम्माई  
 कङ्कुरम्माई अप्पसरो वा मुक्कवरो वा वेसं वुज्झिया अनारमान्तेजा । ईता-  
 वसेज्ज । तस्स नं तं याएवं वड्ढमानस्स ते पक्कञ्चामि मझे मवह । वो इन्हे  
 समझे । एवमेव समञ्जेवाउमस्स मि तसेहि पावेहि इन्हे निमिखते वावरेहि एवेहि  
 इन्हे नो निमिखते । तस्स नं तं वावरकनं वड्ढमानस्स ते पक्कञ्चामि नो मझे  
 मवह । से एवमावावह । निक्खम । एकम्मानिबन्धं ॥ मयं न नं उवाहु निवम्भ  
 एव पुच्छिक्कन्ता-वावसन्तो निक्खम इह एव माहावई वा पाहणसुणो वा  
 ताहप्पयारेहि कुवेहि आत्तम वम्मे उक्कपपत्तिवै उक्कपकमेजा । इन्ता उक्कपकमेजा ।  
 तेहि न नं ताहप्पयारं वम्मे आइमिखवम्मे । इन्ता आइमिखवम्मे । किं ते  
 ताहप्पयारं वम्मे सोवा निक्खम एव वएजा इन्मेव विमान्ते पाववर्णं उवं वत्तुमई  
 केवहिं एविपुवं संजुहं वेवाउवं उक्कपकं सिद्धिक्कं सुत्तिक्कं निज्जाक्कम्मे  
 निज्जाक्कम्मे वमिउहमसंदिहं उक्कपुक्कपप्पिक्कम्मे । एव हिंवा पीवा तिज्जन्ति  
 पुक्कन्ति सुक्कन्ति परिमिक्कन्ति उक्कपुक्कपक्कन्तं करोति । उमात्ताए ताहा  
 वक्कम्मे ताहा निक्कम्मे ताहा मिहीवाम्मे ताहा तुवहम्मे ताहा कुवाम्मे ताहा मासाग्गे  
 ताहा वत्तुम्मे ताहा उक्कपुक्कम्मे ताहा एवामं मूवावं पीवावं उतावं उववेवं  
 संक्कम्मे ताहा वएजा । इन्ता वएजा । किं ते ताहप्पयारं कप्पन्ति पक्कानितए ।  
 इन्ता कप्पन्ति । किं ते ताहप्पयारं कप्पन्ति मुक्कानितए । इन्ता कप्पन्ति । किं  
 ते ताहप्पयारं कप्पन्ति विक्कानितए । इन्ता कप्पन्ति । किं ते ताहप्पयारं  
 कप्पन्ति उक्कानितए । इन्ता कप्पन्ति । तेहि न नं ताहप्पयारं उक्कपावेहि  
 वाव उक्कपतेहि इन्हे निमिखते । इन्ता निमिखते । से नं एवमेवं निहारेवं  
 निहारेवावा वाव वसार्ई वरपम्माई कङ्कुरम्माई वा अप्पसरो वा मुक्कवरो वा वेसं  
 वुज्जेय मयई वएजा । इन्ता वएजा । तस्स नं उक्कपावेहि वाव उक्कपतेहि  
 इन्हे नो निमिखते । नो इन्हे समझे । से से से पीवे वस्स परेवं उक्कपावेहि  
 वाव उक्कपतेहि इन्हे नो निमिखते । से से से पीवे वस्स वारेवं उक्कपावेहि  
 वाव उक्कपतेहि इन्हे निमिखते । से से से पीवे वस्स इवामि उक्कपावेहि वाव उक्कपतेहि  
 इन्हे नो निमिखते मवह, परेवं वसंजए वारेवं उवए, इवामि वसंजए, वसंज-  
 वस्स नं उक्कपतेहि वाव उक्कपतेहि इन्हे नो निमिखते मवह । से एवमावावह ।  
 निवम्भ से एकम्मानिबन्धं ॥ मयं न नं उवाहु निक्खम एव पुच्छिक्कन्ता-  
 वावसन्ता निक्खम इह एव परिम्वहवा वा परिम्वहवाम्मे वा मवमरेहिं  
 तिज्जाक्कमेहिं आत्तम वम्मे उक्कपपत्तिवै उक्कपकमेजा । इन्ता उक्कपकमेजा ।

सावय ण्ढ अणुपुव्वेण गुत्तस्स लिसिस्सामो । ते एव सखवेन्ति, ते एव सख ठवयन्ति  
 ते एव सख ठावयन्ति नन्नत्थ अभिओएण गाहावइचोरगहणविमोक्खणयाए तसेहिं  
 पाणेहिं निहाय दण्ड । त पि तेसिं कुसलमेव भवइ ॥८॥८०६॥ तसा वि वुच्चन्ति  
 तसा तससभारकडेण कम्मुणा नाम च णं अब्भुवगय भवइ, तसाउय च ण पलि-  
 क्खीण भवइ, तसकायद्विइया ते तओ आउय विप्पजहन्ति । ते तओ आउयं  
 विप्पजहिता थावरत्ताए पच्चायन्ति । थावरा वि वुच्चन्ति थावरा थावरसभारकडेणं  
 कम्मुणा नाम च ण अब्भुवगय भवइ थावराउय च णं पलिक्खीण भवइ । थावर-  
 कायद्विइया ते तओ आउय विप्पजहन्ति तओ आउय विप्पजहिता भुज्जो परलो  
 इयत्ताए पच्चायन्ति । ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति, ते महाकाया ते  
 चिरद्विइया ॥ ९ ॥ ८०७ ॥ सवाय उदए पेढालपुत्ते भयव गोयम एव वयासी-  
 आउसन्तो गोयमा नत्थि ण से केइ परियाए ज ण समगोवासगस्स एगपाणाइ-  
 वायविरए वि दण्डे निक्खित्ते । कस्स ण त हेउ ? ससारिया खलु पाणा, थावरा  
 वि पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरकायाओ  
 विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायसि उववज्जन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे  
 थावरकायसि उववज्जन्ति, तेसिं च ण थावरकायसि उववन्नाग ठाणमेय घत्त ।  
 सवाय भगव गोयमे उदयं पेढालपुत्त एव वयासी—नो खलु आउसो अम्हाक वत्तव्व-  
 एणं तुब्भ चेव अणुप्पवाएण अत्थि ण से परियाए जे ण समगोवासगस्स सव्व-  
 पाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते भवइ । कस्स ण त  
 हेउ ? ससारिया खलु पाणा, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरा वि पाणा  
 तसत्ताए पच्चायन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे थावरकायसि उववज्जन्ति,  
 थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायसि उववज्जन्ति, तेसिं च ण तसकायसि  
 उववन्नाग ठाणमेय अधत्त । ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति, ते महा-  
 काया ते चिरद्विइया । ते बहुयरगा पाणा जेहिं समगोवासगस्स सुपच्चक्खायं  
 भवइ । ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समगोवासगस्स अपच्चक्खाय भवइ । से महया  
 तसकायाओ उवसन्तस्स उवद्वियस्स पडिविरयस्स ज ण तुब्भे वा अशो वा एव  
 वयइ—नत्थि ण से केइ परियाए जंसि समगोवासगस्स एगपाणाए वि दण्डे  
 निक्खित्ते । अय पि भेदे से नो नेयाउए भवइ ॥ १० ॥ ८०८ ॥ भगव च णं  
 उदाहु नियण्ठा खलु पुच्छियव्वा । आउसन्तो ि खलु सन्तेगइया मणुस्सा  
 भवन्ति । तेसिं च एव वुत्तपुव्व भवइ—जे इमे अगाराओ अणगारिय  
 पव्वइए एसिं च परणन्ताए दण्डे निक्खि



सावय ण्दं अणुपुण्वेण गुत्तस्स लिसिस्सामो । ते एव सखवेन्ति, ते एवं सखं ठवयन्ति  
 ते एव सख ठावयन्ति नन्नत्य अभिओएण गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसेहिं  
 पाणेहिं निहाय दण्ड । त पि तेसिं कुसलमेव भवइ ॥ ८॥ ८०६ ॥ तसा वि वुच्चन्ति  
 तसा तससभारकढेण कम्मुणा नाम च णं अब्भुवगयं भवइ, तसाउय च ण पलि-  
 क्खीण भवइ, तसकायद्विइया ते तओ आउय विप्पजहन्ति । ते तओ आउयं  
 विप्पजहिता थावरत्ताए पच्चायन्ति । थावरा वि वुच्चन्ति थावरा थावरसभारकढेण  
 कम्मुणा नाम च ण अब्भुवगयं भवइ थावराउय च ण पलिक्खीण भवइ । थावर  
 कायद्विइया ते तओ आउय विप्पजहन्ति तओ आउय विप्पजहिता भुज्जो परलो-  
 इयत्ताए पच्चायन्ति । ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति, ते महाकाया ते  
 चिरद्विइया ॥ ९ ॥ ८०७ ॥ सवायं उदए पेडालपुत्ते भयव गोयम एव वयासी-  
 आउसन्तो गोयमा नत्थि ण से केइ परियाए ज ण समगोवासगस्स एगपाणाइ  
 वायविरए वि दण्डे निक्खित्ते । कस्स ण त हेउ ? ससारिया खल्ल पाणा, थावरा  
 वि पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरकायाओ  
 विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायसि उववज्जन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे  
 थावरकायसि उववज्जन्ति, तेसिं च ण थावरकायसि उववज्जानं ठाणमेयं घत्त ।  
 सवाय भगवं गोयमे उदयं पेडालपुत्तं एव वयासी-नो खल्ल आउसो अम्हाक वत्तव्व  
 एण तुब्भ चेव अणुप्पवाएण अत्थि ण से परियाए जे ण समगोवासगस्स सव्व-  
 पाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते भवइ । कस्स ण तं  
 हेउ ? ससारिया खल्ल पाणा, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरा वि पाणा  
 तसत्ताए पच्चायन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे थावरकायसि उववज्जन्ति,  
 थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायसि उववज्जन्ति, तेसिं च ण तसकायसि  
 उववज्जानं ठाणमेयं अघत्त । ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति, ते महा-  
 काया ते चिरद्विइया । ते बहुयरगा पाणा जेहिं समगोवासगस्स सुपच्चक्खायं  
 भवइ । ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समगोवासगस्स अपच्चक्खायं भवइ । से महया  
 तसकायाओ उवसन्तस्स उवद्वियस्स पडिविरयस्स ज णं तुब्भे वा अज्जो वा एवं  
 वुय्ह-नत्थि ण से केइ परियाए जसि समगोवासगस्स एगपाणाए वि दण्डे  
 निक्खित्ते । अय पि भेदे से नो नेयाउए भवइ ॥ १० ॥ ८०८ ॥ भगवं च णं  
 उदाहु नियण्ठा खल्ल पुच्छियव्वा । आउसन्तो नियण्ठा इह खल्ल सन्तेगइया मणुस्सा  
 भवन्ति । तेसिं च एव वुत्तपुव्व भवइ-जे इमे मुण्डे भविता अगाराओ अणगारियं  
 पव्वइए एसिं च णं आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते । जे इमे अगारमावसन्ति एएसिं

आमरकन्ताए इहे निमिक्खते ते उम्मे आठरं निप्पज्झति उम्मे मुज्जे सग्गाराए  
 सुम्भय्यामिणो भवन्ति ते पाणा नि कुबन्ति ते तप्पा नि कुबन्ति ते महाप्पवा ते निर-  
 ण्डित्वा तं बहुवरणा आमाक्खे इति हे महाक्खे नं यत्तं तुम्मे बह्व तं चेव  
 अरंवि मेहे से वो मेक्खउए यत्तं यत्तं न नं उवाहु सन्तेय्यन्ता मत्तुस्सा भवन्ति ।  
 तं बह्व-अपारम्मा अप्पेरिग्गहा बम्मिवा बम्मालुवा पाव सग्गाम्मे परिम्पहाम्मे  
 पबिबिरवा अन्नज्झेयाए, जेहिं समभोवासमस्त आमाक्खे आमरकन्ताए इहे  
 निमिक्खते ते उम्मे आठरं निप्पज्झति ते उम्मे मुज्जे सग्गाराए सोम्भय्यामिणो  
 भवन्ति । ते पाणा नि कुबन्ति आठ वो मेक्खउए भवइ । भयं न नं उवाहु  
 सन्तेय्यन्ता मत्तुस्सा भवन्ति तं बह्व-अपिन्धव अप्पारम्मा अप्पपरिम्पहा  
 बम्मिवा बम्मालुवा पाव एक्काम्मे परिम्पहाम्मे अप्पविबिरवा जेहिं समभोवास-  
 मस्त अन्नाक्खे आमरकन्ताए इहे निमिक्खते । ते उम्मे आठरं निप्पज्झति  
 उम्मे मुज्जे सग्गाराए सोम्भय्यामिणो भवन्ति । ते पाणा नि कुबन्ति अन्न वो  
 मेक्खउए भवइ । यत्तं न नं उवाहु सन्तेय्यन्ता मत्तुस्सा भवन्ति । तं बह्व-  
 आपिन्धवा आत्तसहिंवा गग्गाल्लिन्धवा अण्डुरिण्डित्वा जेहिं समभोवासमस्त  
 आमाक्खे आमरकन्ताए इहे निमिक्खते भवइ । नो ब्भुत्तन्ना नो ब्भुत्तविरवा  
 पावभूत्तविरवा जेहिं अप्पवा सक्कमोत्ताइ एव निप्पविबेरन्ति-अहं न इत्तम्मे  
 अहे इत्तम्मा पाव अक्कमासे अक्कं निवा अक्कवराइ अक्कुरेवाइ किन्धिदिमइ  
 पाव उक्कवराइ भवन्ति उम्मे निप्पयुक्कमावा मुज्जे एक्कमुवत्तए उम्मेउत्ताए  
 प्पावन्ति । ते प्पाणा नि कुबन्ति आठ वो वेवाउए यत्तं । भयं न नं उवाहु  
 सन्तेय्यन्ता यत्ता वीहाउवा जेहिं समभोवासमस्त आमाक्खे आमरकन्ताए अन्न  
 इहे निमिक्खते भवइ । ते पुब्बामेव अक्कं करेन्ति करिता पारब्बेयत्ताए प्पाव-  
 न्ति । ते प्पाणा नि कुबन्ति ते तप्पा नि कुबन्ति । ते महाप्पवा ते निरण्डित्वा  
 तं वीहाउवा ते बहुवरणा, पाणा जेहिं समभोवासमस्त अन्नक्कमाव नं भवइ, पाव  
 नो वेवाउए भवइ । यत्तं न नं उवाहु सन्तेय्यन्ता पाणा सग्गाम्मा जेहिं समभो-  
 वासमस्त अन्नाक्खे आमरकन्ताए पाव इहे निमिक्खते भवइ । ते सबमेव अक्कं  
 करेन्ति करिता पारब्बेयत्ताए प्पावन्ति । ते पाणा नि कुबन्ति तप्पा नि कुबन्ति  
 ते महाप्पवा ते सग्गाम्मा ते बहुवरणा जेहिं समभोवासमस्त अन्नक्कमाव नं भवइ  
 पाव नो वेवाउए भवइ । भयं न नं उवाहु सन्तेय्यन्ता पाणा अप्पउत्ता जेहिं  
 समभोवासमस्त अन्नाक्खे आमरकन्ताए पाव इहे निमिक्खते भवइ । ते पुब्बामेव  
 अक्कं करेन्ति, करिता पारब्बेयत्ताए प्पावन्ति । ते प्पाणा नि कुबन्ति, तं तप्पा नि

सावय ण्हा अणुपुव्वेणं गुत्तस्स लिसिस्सामो । ते एव सखवेन्ति, ते एव सखं ठवयन्ति  
 ते एव सखं ठावयन्ति नन्नत्थं अभिओएण गाहावइचोरगहणविमोक्खणयाए तसेहं  
 पाणेहिं निहाय दण्ड । त पि तेसिं कुसलमेव भवइ ॥ ८॥ ८०६ ॥ तसा वि वुच्चन्ति  
 तसा तससभारकडेण कम्मुणा नाम च ण अब्भुवगय भवइ, तसाउयं च ण पळि-  
 क्खीण भवइ, तसकायद्विइया ते तओ आउय विप्पजहन्ति । ते तओ आउयं  
 विप्पजहिता थावरत्ताए पच्चायन्ति । थावरा वि वुच्चन्ति थावरा थावरसभारकडेण  
 कम्मुणा नाम च ण अब्भुवगय भवइ थावराउयं च णं पळिक्खीण भवइ । थावर  
 कायद्विइया ते तओ आउय विप्पजहन्ति तओ आउय विप्पजहिता भुज्जो परलो-  
 इयत्ताए पच्चायन्ति । ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति, ते महाकाया ते  
 चिरद्विइया ॥ ९ ॥ ८०७ ॥ सवाय उदए पेडालपुत्ते भयव गोयम एव वयासी-  
 आउसन्तो गोयमा नत्थि ण से केइ परियाए जं ण समगोवासगस्स एगपाणाइ  
 वायविरए वि दण्डे निक्खित्ते । कस्स ण त हेउ ? संसारिया खलु पाणा, थावरा  
 वि पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरकायाओ  
 विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायसि उव्वज्जन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे  
 थावरकायसि उव्वज्जन्ति, तेसिं च ण थावरकायसि उव्वज्जाग ठाणमेय धत्त ।  
 सवाय भगव गोयमे उदयं पेडालपुत्त एव वयासी—नो खलु आउसो अम्हाक वत्तव्व-  
 एण तुब्भं चेव अणुप्पवाएण अत्थि ण से परियाए जे ण समगोवासगस्स सव्व-  
 पाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते भवइ । कस्स ण तं  
 हेउ ? संसारिया खलु पाणा, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरा वि पाणा  
 तसत्ताए पच्चायन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे थावरकायसि उव्वज्जन्ति,  
 थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायसि उव्वज्जन्ति, तेसिं च ण तसकायसि  
 उव्वज्जागं ठाणमेय अधत्त । ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति, ते महा-  
 काया ते चिरद्विइया । ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं  
 भवइ । ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अपच्चक्खायं भवइ । से महाया  
 तसकायाओ उव्वसन्तस्स उव्वट्ठियस्स पडिविरयस्स ज ण तुब्भे वा अन्नो वा एव  
 वुयह—नत्थि णं से केइ परियाए जंसि समणोवासगस्स एगपाणाए वि दण्डे  
 निक्खित्ते । अय पि मेदे से नो नेयाउए भवइ ॥ १० ॥ ८०८ ॥ भगवं च णं  
 उदाहु नियण्ठा खलु पुच्छियव्वा । आउसन्तो नियण्ठा इह खलु सन्तेगइया मणुस्सा  
 भवन्ति । तेसिं च एव वुत्तपुव्वं भवइ—जे इमे मुण्डे भवित्ता अगाराओ अणगारियं  
 पव्वइए एसिं च णं आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते । जे इमे अगारमावसन्ति एएसिं

आमरकणाए दृष्टे निश्चितं ते तस्ये आदर्शं विप्यबुद्धिं तस्ये मुञ्जे सम्यग्ज्ञाए  
 बुद्ध्यामिषो भवति ते पाषाणि कुर्वन्ति ते सप्तानि कुर्वन्ति ते महाकथा ते विर-  
 त्तिरा ते बहुवरणा आनामन्ते इति ऐ महाकथे न भवन् तुम्हे बहव तं येन  
 अल्पि मेवे से को वेदवपु भवद्-मय्यं न नं उवाहु सन्तेपद्वा मनुस्सा भवन्ति ।  
 तं कथा-अप्पारम्मा अपरीयप्पा भम्मिना बम्मत्तुना जाव सन्धाने परीम्मासे  
 पत्तिविरावा जावन्तेपप, वेह्मि समनोवाचपस्स आनामन्ते आमरकणाए दृष्टे  
 निश्चिते ते तस्ये आदर्शं विप्यबुद्धिं ते तस्ये मुञ्जे सम्यग्ज्ञाए सोम्भवामिषो  
 भवन्ति । ते पाषाणि कुर्वन्ति जाव नो वेदावपु भवद् । मय्यं न नं उवाहु  
 सन्तेपद्वा मनुस्सा भवन्ति तं कथा-अप्पिक्कम अप्पारम्मा अप्पपरिम्मा  
 भम्मिना बम्मत्तुना जाव एक्कासो परिच्छावो अप्पविजिराव वेह्मि समनोवाच-  
 पस्स आनामन्ते आमरकणाए दृष्टे निश्चिते । ते तस्ये आदर्शं विप्यबुद्धिं  
 तस्ये मुञ्जे सम्यग्ज्ञाए सोम्भवामिषो भवन्ति । ते पाषाणि कुर्वन्ति जाव नो  
 वेदावपु भवद् । मय्यं न नं उवाहु सन्तेपद्वा मनुस्सा भवन्ति । तं कथा-  
 आण्णिका आसत्तिवा पाममिन्नित्तिवा कण्ठुवैरुत्तिवा वेह्मि समनोवाचपस्स  
 आनामन्ते आमरकणाए दृष्टे निश्चिते भवद् । नो कण्ठुवक्क म्मे क्खुपत्तिविरावा  
 पावमूकवीरुत्तेह्मि अप्पमा सन्तेपद्वा एव विप्यविदेवेति-अहं न हन्तव्यो  
 अवे हन्तव्या जाव कम्मसि क्कळं क्किल्ल अन्नराहं आत्तुवार्हं विजिजिवाहं  
 जाव उववपरो भवन्ति तस्ये विप्यमुक्काणा मुञ्जे एकमुवपप तयोक्कताए  
 पत्तावन्ति । ते पाषाणि कुर्वन्ति जाव नो वेदावपु भवद् । मय्यं न नं उवाहु  
 सन्तेपद्वा पाषा वीहाववा वेह्मि समनोवाचपस्स आनामन्ते आमरकणाए जाव  
 दृष्टे निश्चिते भवद् । ते पुब्बमेव क्कळं करेन्ति करिण पारब्बोद्वत्ताए पत्ता-  
 वन्ति । ते पाषाणि कुर्वन्ति ते तप्पाणि कुर्वन्ति । ते महाकथा ते विरत्तिर-  
 ता ते वीहाववा ते क्खुवरणा पाषा वेह्मि समनोवाचपस्स अण्णिकाव मवद्, जाव  
 नो वेदावपु भवद् । मय्यं न नं उवाहु सन्तेपद्वा पाषा समान्ता वेह्मि समनो-  
 वाचपस्स आनामन्ते आमरकणाए जाव दृष्टे निश्चिते भवद् । ते समयेव क्कळं  
 करेन्ति करिण पारब्बोद्वत्ताए पत्तावन्ति । ते पाषाणि कुर्वन्ति तप्पाणि कुर्वन्ति  
 ते महाकथा ते समान्ता ते क्खुवरणा वेह्मि समनोवाचपस्स अण्णिकाव मवद्  
 जाव नो वेदावपु भवद् । मय्यं न नं उवाहु सन्तेपद्वा पाषा अण्णिका वेह्मि  
 समनोवाचपस्स आनामन्ते आमरकणाए जाव दृष्टे निश्चिते भवद् । ते पुब्बमेव  
 क्कळं करेन्ति करेता पारब्बोद्वत्ताए पत्तावन्ति । ते पाषाणि कुर्वन्ति, तं तप्पाणि

किं तेसिं तहप्पगारेण धम्मो आशक्खित्तयव्वे<sup>२</sup> हन्ता आशक्खित्तयव्वे । त चेव उ-  
 द्धावित्तए जाव कप्पन्ति<sup>२</sup> हन्ता कप्पन्ति । किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति समुज्झितए<sup>१</sup>  
 हन्ता कप्पति । ते ण एयाह्वेण विहरेण विहरमाणा त चेव जाव अगारं वएज्जा<sup>१</sup>  
 हन्ता वएज्जा । ते ण तहप्पगारा कप्पन्ति समुज्झितए<sup>२</sup> नो इणट्ठे समट्ठे । से जे से  
 जीवे जे परेण नो कप्पन्ति समुज्झितए । से जे से जीवे आरेण कप्पन्ति समुज्झितए ।  
 से जे से जीवे जे इयाणि नो कप्पन्ति समुज्झितए । परेणं अस्समणे आरेण समणे,  
 इयाणि अस्समणे, अस्समणेणं सद्धिं नो कप्पन्ति समणानं निग्गथानं समुज्झितए ।  
 से एवमायाणह<sup>२</sup> नियण्ठा से एवमायाणियव्व ॥ ११ ॥ ८०९ ॥ भगव च पं  
 उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति । तेसिं च ण एव वुत्तपुव्व भवइ-नो खलु  
 वय सचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारेय पव्वइत्तए । वय णं चाउइयठ्ठ-  
 मुद्धिद्वपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्ण पोसह सम्म अणुपाट्टेमाणा विहरिस्सामो । थूलं  
 पाणाइवाय पच्चक्खाइस्सामो, एव थूलग मुसावाय थूलग अदिजादाग थूलग मेहुं  
 थूलग परिग्गह पच्चक्खाइस्सामो । इच्छापरिमाणं करिस्सामो, दुविहं तिविहेणं ।  
 मा खलु ममट्ठाए किंचि करेह वा करावेह वा तत्थ वि पच्चक्खाइस्सामो । ते णं  
 अभोया अपिया असिणाइत्ता आसन्धीपेठियाओ पच्चोहित्ता, ते तहा कालगया  
 किं वत्तव्व सिया-सम्म कालगय त्ति<sup>२</sup> वत्तव्व सिया । ते पाणा वि वुचन्ति ते  
 तसा वि वुचन्ति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया । ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणो-  
 वासगस्स सुपच्चक्खाय भवइ । ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अपच-  
 क्खाय भवइ । इति से महयाओ ज ण तुब्भे वयह त चेव जाव अय पि भेदे से  
 नो नेयाउए भवइ ॥ भगव च ण उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति । तेसिं  
 च ण एव वुत्तपुव्व भवइ-नो खलु वय सचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ जाव  
 पव्वइत्तए । नो खलु वय सचाएमो चाउइसट्ठमुद्धिद्वपुण्णिमासिणीसु जाव अणुपाट्टे-  
 माणे विहरित्तए । वयं ण अपच्छिममारणन्तिय सलेहणाजूसणाजूसिया भत्तपानं  
 पडियाइक्खिया जाव काल अणवकंखमाणा विहरिस्सामो । सव्वं पाणाइवाय पच्च  
 क्खाइस्सामो जाव सव्व परिग्गह पच्चक्खाइस्सामो तिविह तिविहेण मा खलु मम  
 ट्ठाए किंचि वि जाव आसन्धीपेठियाओ पच्चोहित्ता एए तहा कालगया, किं वत्तव्वं  
 सिया सम्म कालगय त्ति<sup>२</sup> वत्तव्व सिया । ते पाणा वि वुचन्ति जाव अयं पि  
 भेदे से नो नेयाउए भवइ ॥ भगव च ण उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं  
 जहा-महइच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अहम्मिया जाव दुप्पडियाणदा जाव  
 सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो



आमरकटाए इहे निनिबते ते तम्मे आतर्ग विप्पवहन्ति तम्मे मुम्मे सप्पमावाए  
 पुम्पय्यामिणो भवन्ति ते पाणा नि कुबन्ति ते तप्पा नि कुबन्ति ते महाअन्न ते विर  
 डिक्खवा ते बहुरणा आत्ताकसो इति ते मय्यम्मे भं भवन्ति तम्मे मय्यं तं येन  
 भवन्ति मेहे से नो मेय्यत्तं मय्यं-मय्यं न भं उवाहु सन्तपय्या मत्तस्सा भवन्ति ।  
 तं बह्म-अप्पय्या अप्परिणह्मा भम्मिना भम्मत्तुया चाव सप्पाम्मे परिप्पहम्मे  
 पविमिरवा चावजीवाए, वेह्मि समभोवासयस्स आवापसो आमरकटाए इहे  
 निनिबते, ते तम्मे आतर्ग विप्पवहन्ति ते तम्मे मुम्मे सप्पमावाए सोग्गय्यामिणो  
 भवन्ति । तं पाणा नि कुबन्ति चाव नो वेवात्तं मय्यं । मय्यं न भं उवाहु  
 सन्तेप्पवा मत्तस्सा भवन्ति तं बह्म-अप्पय्या अप्परिणह्मा अप्परिणह्मा  
 भम्मिना भम्मत्तुया चाव एवम्मे परिप्पहम्मे अप्परिणह्मा वेह्मि समभोवास-  
 यस्स आवापसो आमरकटाए इहे निनिबते । ते तम्मे आतर्ग विप्पवहन्ति  
 तम्मे मुम्मे सप्पमावाए सोम्पय्यामिणो भवन्ति । ते पाणा नि कुबन्ति चाव नो  
 वेवात्तं मय्यं । मय्यं न भं उवाहु सन्तेप्पवा मत्तस्सा भवन्ति । तं बह्म-  
 आत्ताकसो आत्ताकसो गाम्मत्तवन्ति च कम्पुहेरुसिक्खवा वेह्मि समभोवासयस्स  
 आवापसो आमरकटाए इहे निनिबते मय्यं । नो कम्पुहेरुवा नो बहुरणिरवा  
 यावन्तुजीवन्तेह्मि अप्पय्या सप्पाम्मेवाहं एवं विप्पविवेहेति-अहं न हन्तव्वो  
 जन्ते हन्तव्वो चाव अत्ताकसो अहं विप्पवहन्ति अत्ताकसो अत्ताकसो विप्पविवेहं  
 चाव अत्ताकसो भवन्ति तम्मे विप्पय्यावा मुम्मे एवम्पय्याए तम्मेअत्ताकसो  
 पवायन्ति । ते पाणा नि कुबन्ति चाव नो वेवात्तं मय्यं । मय्यं न भं उवाहु  
 सन्तेप्पवा पाणा वीहाडवा वेह्मि समभोवासयस्स आवापसो आमरकटाए अत्ता  
 इहे निनिबते मय्यं । ते पुम्पय्येव कम्पुहेरुवेह्मि करेति करेत्ता पारमेह्मत्ताए पवा-  
 यन्ति । ते पाणा नि कुबन्ति तं तप्पा नि कुबन्ति । तं महाअन्न ते विरडिक्खवा  
 ते वीहाडवा ते बहुरणा पाणा वेह्मि समभोवासयस्स अत्ताकसो मय्यं, चाव  
 नो वेवात्तं मय्यं । मय्यं न भं उवाहु सन्तपय्या पाणा समभोवा  
 सयस्स आवापसो आमरकटाए चाव इहे निनिबते मय्यं । ते एवमेव कम्पु  
 करेति करेत्ता पारमेह्मत्ताए पवायन्ति । ते पाणा नि कुबन्ति, तप्पा नि कुबन्ति  
 ते महाअन्न ते समभोवा ते बहुरणा वेह्मि समभोवासयस्स अत्ताकसो मय्यं  
 चाव नो वेवात्तं मय्यं । मय्यं न भं उवाहु सन्तपय्या पाणा अप्पय्यावेह्मि  
 समभोवासयस्स आवापसो आमरकटाए चाव इहे निनिबते मय्यं । ते पुम्पय्येव  
 कम्पुहेरुवेह्मि करेति करेत्ता पारमेह्मत्ताए पवायन्ति । ते पाणा नि कुबन्ति, तं तप्पा नि

किं तेसिं तहप्पगारेण धम्मो आइस्सियव्वे ? हन्ता आइस्सियव्वे । त चेव उ-  
 ट्ठावित्तए जाव कप्पन्ति ? हन्ता रुप्पन्ति । किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति सभुञ्जितए ?  
 हन्ता कप्पति । ते णं एयारूवेणं विहारेण विहरमाणा तं चेव जाव अगारं वएज्जा !  
 हन्ता वएज्जा । ते ण तहप्पगारा रुप्पन्ति सभुञ्जितए ? नो इण्ठे समठ्ठे । से जे से  
 जीवे जे परेण नो कप्पन्ति सभुञ्जितए । से जे से जीवे आरेण कप्पन्ति सभुञ्जितए ।  
 से जे से जीवे जे इयारिं नो कप्पन्ति सभुञ्जितए । परेण अस्समणे आरेण समणे,  
 इयारिं अस्समणे, अस्समणेणं सद्धिं नो कप्पन्ति समणाण निग्गयाणं सभुञ्जितए ।  
 से एवमायाणह ? नियण्ठा से एवमायाणियव्व ॥ ११ ॥ ८०९ ॥ भगव च णं  
 उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति । तेसिं च ण एव वुत्तपुव्व भवइ-नो खलु  
 वय सचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारेय पव्वइत्तए । वय णं चाउइसट्ठ-  
 मुद्धिद्वुपुण्णिमात्तिणीसु पडिपुण्ण पोसह सम्म अणुपाळेमाणा विहरिस्सामो । धूलं  
 पाणाइवायं पच्चक्खाइस्सामो, एव धूलं मुसावाय धूलं अदिज्जादाण धूलं मेहु  
 धूलं परिग्गह पच्चक्खाइस्सामो । इच्छापरिमाणं करिस्सामो, दुविह ति विहेण ।  
 मा खलु ममट्ठाए किञ्चि करेह वा करावेह वा तत्थ वि पच्चक्खाइस्सामो । ते णं  
 अभोचा अपिचा असिणाइत्ता आसन्दीपेठियाओ पचोरहिता, ते तहा कालगया  
 किं वत्तव्व सिया-सम्म कालगय ति ? वत्तव्व सिया । ते पाणा वि वुचन्ति ते  
 तसा वि वुचन्ति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया । ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणो-  
 वासगस्स सुपच्चक्खाय भवइ । ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अप-  
 चक्खाय भवइ । इति से महयाओ ज ण तुन्मे वयह त चेव जाव अय पि भेदे से  
 नो नेयाउए भवइ ॥ भगव च ण उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति । तेसिं  
 च ण एव वुत्तपुव्व भवइ-नो खलु वय सचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ जाव  
 पव्वइत्तए । नो खलु वय संचाएमो चाउइसट्ठमुद्धिद्वुपुण्णिमात्तिणीसु जाव अणुपाळे-  
 माणे विहरित्तए । वय ण अपच्छिममारणन्तिय सलेह्णाजूसणाजूसिया भत्तपाणं  
 पडियाइक्खिया जाव काल अणवकखमाणा विहरिस्सामो । सव्व पाणाइवाय पच-  
 क्खाइस्सामो जाव सव्व परिग्गह पच्चक्खाइस्सामो तिविह ति विहेण मा खलु मम  
 ट्ठाए किञ्चि वि जाव आसन्दीपेठियाओ पचोरहिता एए तहा कालगया, किं वत्तव्वं  
 सिया सम्म कालगय ति ? वत्तव्व सिया । ते पाणा वि वुचन्ति जाव अयं पि  
 भेदे से नो नेयाउए भवइ ॥ भगव च ण उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं  
 जहा-महइच्छा महारम्भा महपरिग्गहा अहम्मिया जाव दुप्पडियागदा जाव  
 सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो



युयन्ति, ते महाकाया ते अप्पाउया ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सु-  
 च्चक्खाय भवइ, जाव नो नेयाउए भवइ । भगव च ण उदाहु सन्तेगइया समणो-  
 वासगा भवन्ति । तेहिं च ण एव वुत्तपुब्ब भवइ—नो खलु वय सच्चाएमो मुण्डे  
 भविता जाव पव्वइतए । नो खलु वयं सच्चाएमो चाउइसट्ठमुद्धिपुण्णमासिणीय  
 पडिपुण्ण पोसह अणुपालितए । नो खलु वय सच्चाएमो अपच्छिम जाव विहरितए  
 वय च ण सामाइय देवावगासिय पुरत्था पाईणं वा पवीण वा दाहिगं वा उदीणं  
 वा एयावया जाव सब्बपाणेहि जाव सब्बसत्तेहि दण्डे निक्खिते सब्बपाणभूय-  
 जीवसत्तेहि खेमकरे अहमसि । तत्थ आरेण जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स  
 आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खिते । तओ आउ विप्पजहति, विप्पजहिता तत्थ  
 आरेण चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो जाव तेसु पचायन्ति,  
 जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खाय भवइ । ते पाणा वि जाव अय पि भेदे जाव नेया-  
 उए भवइ ॥ ८१० ॥ तत्थ आरेण जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आया-  
 णसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खिते ते तओ आउ विप्पजहन्ति । विप्पजहिता  
 तत्थ आरेण चेव जाव थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अनि-  
 क्खिते अणट्ठाए दण्डे निक्खिते तेसु पचायन्ति । तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे  
 अनिक्खिते अणट्ठाए दण्डे निक्खिते, ते पाणा वि वुचन्ति, ते तसा ते चिरट्ठइया  
 जाव अय पि भेदे से । तत्थ जे आरेण तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स  
 आयाणसो आमरणन्ताए तओ आउ विप्पजहन्ति विप्पजहिता तत्थ परेण  
 जे तसा थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए तेसु  
 पचायन्ति, तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खाय भवइ, ते पाणा वि जाव अयं पि  
 भेदे से । तत्थ जे आरेण थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे  
 अणिक्खिते अणट्ठाए निक्खिते ते तओ आउ विप्पजहन्ति, विप्पजहिता तत्थ  
 आरेण चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए  
 तेसु पचायन्ति, तेसु समणोवासगस्स सुपच्चक्खाय भवइ, ते पाणा वि जाव अयं  
 पि भेदे से । तत्थ जे ते आरेण जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए  
 दण्डे अणिक्खिते अणट्ठाए निक्खिते, ते तओ आउ विप्पजहन्ति विप्पजहिता  
 ते तत्थ आरेण चेव जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणि-  
 क्खिते अणट्ठाए निक्खिते तेसु पचायन्ति । तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए अणट्ठाए  
 ते पाणा वि जाव अय पि भेदे से नो । तत्थ जे ते आरेण थावरा पाणा जेहिं  
 समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खिते, अणट्ठाए निक्खिते तओ आउ विप्पज-

हन्ति । निष्पन्नहिता तत्त्वं परेण ये तत्समाचरा पाप्मा येहि समभोवाद्यमस्त आना-  
 क्खे आयरकन्ताए तेह पक्कमन्ति । तेहि समभोवाद्यमस्त उपपन्नकामं भवइ ।  
 ते पाप्मा नि जाव जवं पि भेदे से नो येवउए भवइ । तत्त्वं ये ते परेण तत्समा-  
 चरा पाप्मा येहि समभोवाद्यमस्त आनाकखे आयरकन्ताए ते तयो आठं निष्पन्न-  
 हन्ति निष्पन्नहिता तत्त्वं आरेण ये तत्ता पाप्मा येहि समभोवाद्यमस्त आनाकखो  
 आयरकन्ताए तत्त्वं पक्कमन्ति । तेहि समभोवाद्यमस्त उपपन्नकामं भवइ । ते  
 पाप्मा नि जाव जवं पि भेदे से नो येवउए भवइ । तत्त्वं ये ते परेण तत्समाचरा  
 पाप्मा येहि समभोवाद्यमस्त आनाकखे आयरकन्ताए ते तयो आठं निष्पन्नहन्ति  
 निष्पन्नहिता तत्त्वं आरेण ये वाक्का पाप्मा येहि समभोवाद्यमस्त अद्वाए इन्धे  
 जल्लिन्धते अक्कम्प निन्धिते तेह पक्कमन्ति येहि समभोवाद्यमस्त अद्वाए  
 जल्लिन्धते अक्कम्प निन्धिते जाव तं पाप्मा नि जाव जवं पि भेदे से नो ।  
 तत्त्वं ये ते परेण तत्समाचरा पाप्मा येहि समभोवाद्यमस्त आनाकखे आयरकन्ताए  
 ते तयो आठं निष्पन्नहन्ति । निष्पन्नहिता से तत्त्वं परेण येन ये तत्समाचरा पाप्मा  
 येहि समभोवाद्यमस्त आनाकखे आयरकन्ताए तेह पक्कमन्ति येहि समभोवाद्य-  
 मस्त उपपन्नकामं भवइ । ते पाप्मा नि जाव जवं पि भेदे से नो । यत्थं व नं  
 उदाहु न एवं भूतं व एवं ज्ञत्तं न एवं धम्मिस्सह जं वं तत्ता पाप्मा बोधिसिद्धिन्ति  
 चावरा पाप्मा यत्थिस्सन्ति जावरा पाप्मा नि बोधिसिद्धिन्ति तत्ता पाप्मा भन्ति-  
 स्सन्ति । अयेणियेहि तत्समाचरेहि पापेहि न नं तुप्पे वा अक्को वा एवं भवइ-  
 न्ति नं से केह परिवाए जाव भो येवउए भवइ ॥ ११ ॥ भगवं व नं उदाहु  
 जाउसन्तो उद्दमा ये अक्क समने वा माह्वं वा परिमासेह मिति मच्चन्ति आपमिद्य  
 न्त्वं आपमिता ईसवं आपमिता वरितं पापानं कम्मार्थं अकरकवाए से अक्क पर  
 कोमपमिमन्ताए विद्दइ, ये अक्क समने वा माह्वं वा नो परिमासेह मिति  
 मच्चन्ति आपमिद्य न्त्वं आपमिता ईसवं आपमिता वरितं पापानं कम्मार्थं अकर-  
 कवाए से अक्क परायेवमिच्छीए विद्दइ । तए नं से उदाह पेडाअपुत्ते भगवं गोक्मं  
 अनाडाकमानि कानेव विरिं पाउअम्पू तापेव विरिं प्पारेत्त ययवाए । यत्थं व  
 नं उदाहु जाउसन्तो उद्दमा ये अक्क तद्दम्पूवस्तं ययवस्तं वा माह्वस्तं वा  
 अन्तिए एवमिं जातिं वमिं अक्कनं छेवा निरम्म अप्पयो वेव छुमाए  
 पडिछेवाए अकुत्तरे अयेवमपनं अज्जिण्ण ययाने खे नि ताव तं जाडाह परिवायेह  
 कन्इ न्नाह उवादेह सम्मानेह जाव यज्जवं मक्कं केव न्नेव पक्कमास्इ । तए  
 नं से उदाह पेडाअपुत्ते यक्कं मोदये एवं ववाही-एवधि नं यन्ते पदानं पुधि

युचन्ति, ते महाकाया ते अप्पाउया ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सु-  
 चक्खाय भवइ, जाव नो नेयाउए भवइ । भगव च ण उदाहु सन्तेगइया समो-  
 वासगा भवन्ति । तेसिं च ण एव वुत्तपुव्व भवइ-नो खलु वय सचाएमो मुण्डे  
 भवित्ता जाव पव्वइत्तए । नो खलु वय सचाएमो चाउइगट्ठमुद्धिपुण्णमासिगीव  
 पडिपुण्ण पोमह अणुपालित्तए । नो खलु वय सचाएमो अपच्छिम जाव विहरितए  
 वय च ण सामाइय देवावगासिय पुरत्था पाईणं वा पदीण वा दाहिग वा उदीणं  
 वा एयावया जाव सव्वपाणेहि जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते सव्वपाणभूय-  
 जीवसत्तेहिं खेमकरे अहमसि । तत्थ आरेण जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स  
 आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते । तओ आउ विप्पजहति, विप्पजहिता तत्थ  
 आरेण चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो जाव तेसु पच्चायन्ति,  
 जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खाय भवइ । ते पाणा वि जाव अय पि भेदे जाव नेया-  
 उए भवइ ॥ ८१० ॥ तत्थ आरेण जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आया-  
 णसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते ते तओ आउ विप्पजहन्ति । विप्पजहिता  
 तत्थ आरेण चेव जाव थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्टाए दण्डे अनि-  
 क्खित्ते अणट्टाए दण्डे निक्खित्ते तेसु पच्चायन्ति । तेहिं समणोवासगस्स अट्टाए दण्डे  
 अनिक्खित्ते अणट्टाए दण्डे निक्खित्ते, ते पाणा वि वुचन्ति, ते तसा ते विरट्ठिइया  
 जाव अय पि भेदे से । तत्थ जे आरेण तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स  
 आयाणसो आमरणन्ताए तओ आउ विप्पजहन्ति विप्पजहिता तत्थ परेण  
 जे तसा थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए तेसु  
 पच्चायन्ति, तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खाय भवइ, ते पाणा वि जाव अय पि  
 भेदे से । तत्थ जे आरेण थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्टाए दण्डे  
 अणिक्खित्ते अणट्टाए निक्खित्ते ते तओ आउ विप्पजहन्ति, विप्पजहिता तत्थ  
 आरेण चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए  
 तेसु पच्चायन्ति, तेसु समणोवासगस्स सुपच्चक्खाय भवइ, ते पाणा वि जाव अय  
 पि भेदे से । तत्थ जे ते आरेण जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्टाए  
 दण्डे अणिक्खित्ते अणट्टाए निक्खित्ते, ते तओ आउ विप्पजहन्ति विप्पजहिता  
 ते तत्थ आरेण चेव जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्टाए दण्डे अणि-  
 क्खित्ते अणट्टाए निक्खित्ते तेसु पच्चायन्ति । तेहिं समणोवासगस्स अट्टाए अणट्टाए  
 ते पाणा वि जाव अय पि भेदे से नो । तत्थ जे ते आरेण थावरा पाणा जेहिं  
 समणोवासगस्स अट्टाए दण्डे अणिक्खित्ते, अणट्टाए निक्खित्ते तओ आउ विप्पज-

यमो त्वु पं समपस्थ मगन्मो षायपुत्त महावीरस्त

## ठाणे

पञ्चम ठाणे

१

ठने मे आनये । ठने मगन्मो एव यनन्मो एवो आनय ॥ १ ॥ एवो रंदि  
 २ ॥ एवा निमिया ॥ ३ ॥ एवो कोए ॥ ४ ॥ एवो मन्नाए ॥ ५ ॥ एवो बन्मे  
 ६ ॥ एवो महम्मे ॥ ७ ॥ एवो वंवे ॥ ८ ॥ एवो मोन्वे ॥ ९ ॥ एवो पुन्वे  
 १० ॥ एवो नावे ॥ ११ ॥ एवो आनये ॥ १२ ॥ एवो संवरे ॥ १३ ॥ एवो  
 देवना ॥ १४ ॥ एवा निमय ॥ १५ ॥ एवो जीवे पाकिहएवं सरीरएवं ॥ १६ ॥  
 एवो जीवानं अररेवाहय निरुन्मना ॥ १७ ॥ एवो मने ॥ १८ ॥ एवो वई  
 ॥ १९ ॥ एवो आयवावावे ॥ २० ॥ एवा वण्य ॥ २१ ॥ एवो निवटी ॥ २२ ॥  
 एवो निवय ॥ २३ ॥ एवा वई ॥ २४ ॥ एवा आनय ॥ २५ ॥ एवो वयवे  
 ॥ २६ ॥ एवो वनवाए ॥ २७ ॥ एवा ठवा ॥ २८ ॥ एवा सवा ॥ २९ ॥ एवो  
 मवा ॥ ३० ॥ एवा निव ॥ ३१ ॥ एवा वयवा ॥ ३२ ॥ एवो वैन्य ॥ ३३ ॥  
 एवा मेववा ॥ ३४ ॥ एवो मरवे अंमिवाटीरिवावं ॥ ३५ ॥ एवो संवरे आहामुळे  
 वरे ॥ ३६ ॥ एवो वुक्वे जीवानं ॥ ३७ ॥ एवो भूए ॥ ३८ ॥ एवो महम्मपकिमा  
 वं से आवा पकिकिवेउह ॥ ३९ ॥ एवो वयवपकिमा वं से आवा पजववाम्  
 ॥ ४० ॥ एवो मने देवापुरमनुमानं तंति तंति समवंति एवो वई देवापुरमनुमानं  
 तंति तंति समवंति एवो वयववामे देवापुरमनुमानं तंति तंति समवंति एवो  
 वयववामे देवापुरमनुमानं तंति तंति समवंति ॥ ४१ ॥  
 एवो वाव ॥ ४२ ॥ एवो वंवे ॥ ४३ ॥ एवो वरिचे ॥ ४४ ॥ एवो वमए  
 ॥ ४५ ॥ एवो वएवे ॥ ४६ ॥ एवो परमाए ॥ ४७ ॥ एवा निवटी ॥ ४८ ॥ एवो  
 विदे ॥ ४९ ॥ एवो परिमिवावे ॥ ५० ॥ एवो परिमिवाए ॥ ५१ ॥ एवो वई  
 ॥ ५२ ॥ एवो ववे ॥ ५३ ॥ एवो वंवे ॥ ५४ ॥ एवो रंदि ॥ ५५ ॥ एवो पववे  
 ॥ ५६ ॥ एवो पुमिवावे, एवो वुमिवावे ॥ ५७ ॥ एवो वंवे एवो वुक्वे ॥ ५८ ॥  
 एवो वई एवो हवे ॥ ५९ ॥ एवो वई-एवो वंवे-एवो वरिचे-एवो विवुक्वे-एवो  
 वरिचवडे ॥ ६० ॥ एवो निव-एवो वंवे-एवो वरिचे-एवो हववे-एवो पुमिवावे  
 ॥ ६१ ॥ एवो पुमिवावे-एवो वुमिवावे ॥ ६२ ॥ एवो वरिचे-एवो वरिचे-एवो वरिचे  
 एवो वरिचे-एवो मवरे ॥ ६३ ॥ एवो वरिचे-ववव एवो वरिचे ॥ ६४ ॥ एवो

अन्नाणयाए असवणयाए अबोहिए अणभिगमेण अदिट्ठाणं अमुयाण अमुयाणं  
 अविन्नायाणं अव्वोगडाणं अविगूढाण अविच्छिन्नाणं अणिसिट्ठाणं अणिवूढाण अणु  
 वहारियाण एयमट्ठ नो सद्वहिय नो पत्तियं नो रोइय । एएसिं ण भन्ते पदाण एण्हि  
 जाणयाए सवणयाए बोहिए जाव उवहारणयाए एयमट्ठ सद्वहामि पत्तियांमि रोएसिं  
 एवमेव से जह्वेय तुब्भे वदह । तए णं भगवं गोयमे उदग पेढालपुत्त एव वयासी  
 सद्वहाहि ण अज्जो पत्तियाहि ण अज्जो रोएहि णं अज्जो एवमेयं जहा ण अम्हे  
 वयामो । तए ण से उदए पेढालपुत्ते भगव गोयमं एव वयासी-इच्छामि ण भन्ते  
 तुब्भ अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पयमहव्वइय सपडिक्कमण धम्म उवसप-  
 ज्जिता ण विहरित्तए ॥ तए ण से भगव गोयमे उदग पेढालपुत्त गहाय जेणेव  
 समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता तए णं से उदए पेढालपुत्ते  
 समणं भगवं महावीर तिव्वुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, तिव्वुत्तो आयाहिणं  
 पयाहिण करिता वन्दइ नमसइ वन्दिता नमसिता एवं वयासी-इच्छामि ण भन्ते  
 तुब्भ अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पयमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्म उवसप-  
 ज्जिता ण विहरित्तए । तए ण समणे भगव महावीरे उदगं एव वयासी-अहाउई  
 देवाणुप्पिया मा पडिवन्ध करेहि । तए ण से उदए पेढालपुत्ते समणस्स भगवओ  
 महावीरस्स अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पयमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्म उव-  
 सपज्जिता णं विहरइ त्ति वेमि ॥ १४ ॥ ८१२ ॥ नालन्दइज्जज्जयणं सत्तम ॥

सूयगडं समत्तं ॥







पाणाइवाए जाव एगे परिग्गहे ॥ एगे कोहे जाव लोहे, एगे पेजे, एगे दोसे, जाव  
 एगे परपरिवाए, एगा अरइरइ, एगे मायामोसे एगे मिच्छादसणसत्ते ॥ ६५ ॥ एगे  
 पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे, एगे कोहविवेगे, जाव मिच्छादसणसत्तविवेगे  
 ॥ ६६ ॥ एगा ओसप्पिणी एगा सुसमनुसमा जाव एगा दुसमदुसमा, एगा उस्सप्पिणी,  
 एगा दुसमदुसमा जाव एगा सुसमसुसमा ॥ ६७ ॥ एगा गेरइयाण वग्गणा,  
 एगा असुरकुमारणां वग्गणा, चउवीसदंडओ जाव एगा वेमाणियाण वग्गणा  
 ॥ ६८ ॥ एगा भवसिद्धियाण वग्गणा, एगा अभवसिद्धियाण वग्गणा, एगा भव-  
 सिद्धियाणं गेरइयाण वग्गणा, एगा अभवसिद्धियाण गेरइयाण वग्गणा, एवं जाव  
 एगा भवसिद्धियाण वेमाणियाण वग्गणा एगा अभवसिद्धियाण वेमाणियाण वग्गणा  
 ॥ ६९ ॥ एगा सम्मदिट्ठियाण वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाण वग्गणा, एगा सम्म-  
 मिच्छदिट्ठियाण वग्गणा, एगा सम्मदिट्ठियाण गेरइयाण वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठि-  
 याण गेरइयाण वग्गणा, एगा सम्ममिच्छादिट्ठियाण गेरइयाण वग्गणा, एवं जाव  
 यणियकुमारणां, एगा मिच्छदिट्ठियाण पुठवीकाइयाण वग्गणा, एव जाव वणस्सइ-  
 काइयाण, एगासम्मदिट्ठियाण बेइदियाण वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं बेइदियाणं  
 वग्गणा, एव तेइदियाण चउरिंदियाण वि सेसा जहा नेरइया, जाव एगा सम्म-  
 मिच्छदिट्ठियाण वेमाणियाण वग्गणा ॥ ७० ॥ एगा कण्हपक्खियाण वग्गणा, एगा  
 सुक्कपक्खियाण वग्गणा, एगा कण्हपक्खियाण नेरइयाण वग्गणा, एगा सुक्कपक्खियाण  
 गेरइयाण वग्गणा, एव चउवीसदंडओवि भाणियव्वो ॥ ७१ ॥ एगा कण्हलेस्साणं  
 वग्गणा, एगा णील्लेस्साण वग्गणा, एव जाव सुक्कलेस्साणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं  
 नेरइयाण वग्गणा, जाव काठलेस्साणं नेरइयाण वग्गणा, एव जस्स जति लेस्साओ,  
 भवणवइवाणमतरपुठविआठवणस्सइकाइयाण च चत्तारि लेस्साओ तेउवाउवंदियते-  
 हंदिद्यचउरिंदियाण तिभिलेस्साओ पत्तिंदियतिरिक्खजोणियाण मणुस्साण छलेस्साओ,  
 जोइसियाणं एगा तेउलेस्सा, वेमाणियाण तिभित्तवविमलेस्साओ एगा कण्हलेस्साणं  
 भवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धियाण वग्गणा, एव छसु वि  
 लेस्सासु दो दो पयाणि भाणियव्वाणि, एगा कण्हलेस्साणं भवसिद्धियाण नेरइयाण  
 वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धियाणं नेरइयाण वग्गणा, एवं जस्स जति  
 लेस्साओ तस्स तति भाणियव्वाओ, जाव वेमाणियाण । एगा कण्हलेस्साणं समदिट्ठि-  
 याण वग्गणा, एगा कण्हलेस्साण मिच्छादिट्ठियाण वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं सम्म-  
 मिच्छदिट्ठियाण वग्गणा, एवं छसु वि लेस्सासु जाव वेमाणियाणं जेसिं जइ दिट्ठीओ,  
 एगा कण्हलेस्साणं कण्हपक्खियाण वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं सुक्कपक्खियाणं



किरिया चेव, अजीवकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-इरियावहियां चेव सपराइया  
 चेव ॥ ८१ ॥ दो किरियाओ ५० तजहा-काइया चेव अहिगरणिया चेव,  
 काइया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-अणुवरयकायकिरिया चेव, दुप्पउत्तकय-  
 किरिया चेव, अहिगरणियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-सजोयणाहिगरणिया  
 चेव णिवत्तणाहिगरणिया चेव ॥ ८२ ॥ दो किरियाओ ५० तजहा-पाउसिया  
 चेव पारियावणिया चेव, पाउसिया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-जीवपाउसिया  
 चेव अजीवपाउसिया चेव, पारियावणियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-सहत्थपाए-  
 यावणिया चेव, परहत्थपारियावणिया चेव ॥ ८३ ॥ दो किरियाओ ५० तजहा-  
 पाणाइवायकिरिया चेव, अपच्चक्खाणकिरिया चेव, पाणाइवायकिरिया दुविहा  
 पन्नत्ता, तजहा-सहत्थपाणाइवायकिरिया चेव, परहत्थपाणाइवायकिरिया चेव,  
 अपच्चक्खाणकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-जीवअपच्चक्खाणकिरिया चेव, अजीव-  
 अपच्चक्खाणकिरिया चेव ॥ ८४ ॥ दो किरियाओ ५० तजहा-आरभिया चेव  
 परिग्गहिया चेव, आरंभियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-जीवआरभिया चेव  
 अजीवआरभिया चेव, एवं परिग्गहियावि ॥ ८५ ॥ दो किरियाओ ५० तजहा-  
 मायावत्तिआ चेव, मिच्छादमणवत्तिआ चेव, मायावत्तिआकिरिया दुविहा पन्नत्ता,  
 तजहा-आयभाववकणया चेव परभाववकणया चेव, मिच्छादसणवत्तिआकिरिया  
 दुविहा पन्नत्ता, तजहा-ऊणाइरित्तमिच्छादसणवत्तिआ चेव तन्वइरित्तमिच्छादसण-  
 वत्तिआ चेव ॥ ८६ ॥ दो किरियाओ ५० तजहा-दिट्ठिया चेव पुट्ठिया चेव,  
 दिट्ठियाकिरिया दुविहा ५० तजहा-जीवदिट्ठिया चेव अजीवदिट्ठिया चेव, एवं  
 पुट्ठियावि ॥ ८७ ॥ दो किरियाओ ५० तजहा-पाडुच्चिया चेव सामंतोवणि-  
 वाइया चेव, पाडुच्चियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-जीवपाडुच्चिया चेव अजीव-  
 पाडुच्चिया चेव, एवं सामंतोवणिवाइयावि ॥ ८८ ॥ दो किरियाओ ५० तजहा-  
 साहत्थिया चेव, णेसत्थिया चेव, साहत्थियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-जीव-  
 साहत्थिया चेव, अजीवसाहत्थिया चेव, एवं णेसत्थियावि ॥ ८९ ॥ दो किरियाओ  
 ५० तजहा-आणवणिया चेव वेयारणिया चेव, जहेव नेसत्थिया ॥ ९० ॥ दो  
 किरियाओ ५० तजहा-अणाभोगवत्तिया चेव अणवक्खवत्तिया चेव, अणाभोग-  
 वत्तियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-अणाउत्तआइयणया चेव, अणाउत्तपमज्जणया  
 चेव, अणवक्खवत्तिया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-आयसरीरअणवक्खवत्तिया  
 चेव, परसरीरअणवक्खवत्तिया चेव ॥ ९१ ॥ दो किरियाओ ५० तजहा-पेज्ज-  
 वत्तिया चेव, दोसवत्तिया चेव, पेज्जवत्तियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तजहा-माया-



भवत्थकेवलनाणे चेव, सिद्धकेवलनाणे चेव, भवत्थकेवलनाणे दुविहे० सजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, सजोगिभवत्थकेवलनाणे दुविहे० पढमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अपढमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अहवा, चरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अचरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, एव अजोगिभवत्थकेवलनाणे वि, सिद्धकेवलनाणे दुविहे०, अणतरसिद्धकेवलनाणे चेव, परपरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणतरसिद्धकेवलनाणे दुविहे० एक्काणतरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणेक्काणतरसिद्धकेवलनाणे चेव, परंपरसिद्धकेवलनाणे दुविहे० एक्कपरंपरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणेक्कपरंपरसिद्धकेवलनाणे चेव, णो केवलनाणे दुविहे० ओहिनाणे चेव, मणपज्जवनाणे चेव, ओहिनाणे दुविहे० भक्क पच्चइए चेव, खओवसमिए चेव, दोण्ह भवपच्चइए० देवाण चेव, णेरइयाण चेव, दोण्ह खओवसमिए० मणुस्साण चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, मणपज्जवनाणे दुविहे० उज्जुमई चेव, विठलमई चेव, परोक्खणाणे दुविहे० आभिणिबोहियणाणे चेव, सुअणाणे चेव, आभिणिबोहियणाणे दुविहे० सुयनिस्सिए चेव, असुयनिस्सिए चेव, सुयनिस्सिए दुविहे० अत्थोग्गहे चेव, वजणोग्गहे चेव, असुयनिस्सिएवि एवमेव, सुयणाणे दुविहे० अगपविट्ठे चेव, अगवाहिरे चेव, अगवाहिरे दुविहे० आवस्सिए चेव आवस्सयवइरित्ते चेव, आवस्सयवइरित्ते दुविहे० कालिए चेव, उक्कालिए चेव ॥ १०३ ॥ दुविहे धम्मो० सुअधम्मो चेव, चरित्तधम्मो चेव, सुअधम्मो दुविहे० सुत्तसुअधम्मो चेव, अत्थसुअधम्मो चेव, चरित्तधम्मो दुविहे० अगारचरित्तधम्मो चेव, अणगारचरित्तधम्मो चेव, सजमे दुविहे० सरागसजमे चेव, वीयरगसजमे चेव, सरागसजमे दुविहे० सुहुमसपरायसरागसजमे चेव, बादरसपरायसरागसजमे चेव, सुहुमसपरायसरागसजमे दुविहे० पढमसमयसुहुमसपरायसरागसजमे चेव, अपढमसमयसुहुमसपरायसरागसजमे चेव, अहवा चरिमसमयसुहुमसपरायसरागसजमे चेव, अचरिमसमयसुहुमसपरायसरागसजमे चेव, अहवा सुहुमसपरायसरागसजमे दुविहे० सक्खिलेसमाणए चेव, विस्सुज्जमाणए चेव, बादरसपरायसरागसजमे दुविहे० पढमसमयबादरसपरायसरागसजमे, अपढमसमयबादरसपरायसरागसजमे, अहवा चरिमसमयबादरसपरायसरागसजमे, अचरिमसमयबादरसपरायसरागसजमे, अहवा बादरसपरायसरागसजमे दुविहे० पडिवाइए चेव, अपडिवाइए चेव, वीयरगसजमे दुविहे० उवसंतकसायवीयरगसजमे चेव, खीणकसायवीयरगसजमे चेव, उवसंतकसायवीयरगसजमे दुविहे० पढमसमयउवसंतकसायवीयरगसजमे चेव, अपढमसमयउवसंतकसायवीयरग-

बद्धं से चेतनं से अणुसूक्ष्मात् सिन्धुज्ज्वलानि मनुसुखात् वा तिरिक्कन्नोभियत्ताए  
 मा मच्छेज्जा एवं अण्वदेवा पुबुनिच्छन्ना बुग्गन्ना बुवात्तन्ना प तं—पुबुनिच्छत्तए  
 पुबुनिच्छत्तए अण्वदेवाम्मे पुबुनिच्छत्तएत्थो वा वो पुबुनिच्छत्तएत्थो वा उण्वदेवाम्मे  
 से चेतनं से पुबुनिच्छत्तत्तं सिन्धुज्ज्वलानि पुबुनिच्छत्तत्ताए वा वो पुबुनिच्छत्तत्ताए  
 वा मच्छेज्जा एवं चाव मनुसुखा ॥ ११२ ॥ हुमिहा वेरत्तन्ना प तं यवसिद्धिना  
 वेव, अमवसिद्धिना वेव चाव केमामिना हुमिहा वेरत्तन्ना प तं अन्नत्तरोक्कन्नम्मा  
 चव परेपरोक्कन्नम्मा वेव, चाव केमामिना हुमिहा वेरत्तन्ना प तं यवसमावन्नम्मा  
 वेव अमवसमावन्नम्मा वेव चाव केमामिना हुमिहा वेरत्तन्ना प तं कम्म-  
 कम्मवन्नम्मा वेव अण्वकम्मवन्नम्मा चव चाव केमामिना हुमिहा वेरत्तन्ना  
 प तं आहारत्ता वेव अण्वहारत्ता चव एवं चाव केमामिना हुमिहा वेरत्तन्ना  
 पत्तत्ता तं वत्तासत्ता वेव भोत्तसत्तासत्ता वेव चाव केमामिना हुमिहा वेरत्तन्ना  
 प तं सईत्तिना वेव अविद्धिना वेव चाव केमामिना हुमिहा वेरत्तन्ना प तं  
 पज्जत्ता वेव अण्वज्जत्ता वेव चाव केमामिना हुमिहा वेरत्तन्ना प तं सवी  
 वेव असवी वेव एवं चाव पंविद्धिना सम्वे निपत्तिरिक्कन्ना चाव वान्मत्तत्ता ।  
 हुमिहा वेरत्तन्ना प तं भात्तम्मा चव अमात्तम्मा वेव एवनेपेत्तिवक्का सम्वे  
 हुमिहा वेरत्तन्ना प तं सम्विद्धिना वेव निप्पत्तिरिद्धिना वेव एविद्धिक्कन्ना सम्वे  
 हुमिहा वेरत्तन्ना प तं परित्तसंसारिक्क वेव वणत्तसंसारिक्का वेव, चाव केमामिना  
 हुमिहा वेरत्तन्ना प तं संवेज्जकम्मवत्तिहत्ता वेव अवेज्जकम्मवत्तमवत्तिहत्ता वेव  
 एवं पंविद्धिना एविद्धिक्क निपत्तिरिक्कन्ना चाव वान्मत्तत्ता हुमिहा वेरत्तन्ना प तं  
 उज्जम्मावत्तिना व पुत्तम्मावत्तिक्क व चाव केमामिना हुमिहा वेरत्तन्ना प तं  
 कण्वपत्तिक्कन्ना वेव उज्जपत्तिक्कन्ना वेव चाव केमामिना हुमिहा वेरत्तन्ना प तं  
 वरिम्मा चव अण्वरिम्मा वेव चाव केमामिना ॥ ११३ ॥ रोहिं ठनेहिं आत्ता अहे  
 कोयं आण्ह पात्तह, तं समोहएणं चव अण्णानेनं आत्ता अहे कोयं आण्ह पात्तह,  
 असमोहएणं चव अण्णानेनं आत्ता अहे कोयं आण्ह पात्तह, आणोहिं समोहएणं  
 समोहएणं चव अण्णानेनं आत्ता अहे कोयं आण्ह पात्तह । एव तिरिक्कन्नें उहु-  
 कोयं केवककम्पं कोयं । रोहिं ठनेहिं आत्ता अहे कोयं आण्ह पात्तह, तंमहा-  
 निवत्तिहत्तं चव अण्णानेनं आत्ता अहेकोयं आण्ह पात्तह, अनिवत्तिहत्तं चव  
 अण्णानेनं आत्ता अहेकोयं आण्ह पात्तह, आणोहिं निवत्तिहत्तनिवत्तिहत्तं चव  
 अण्णानेनं आत्ता अहेकोयं आण्ह पात्तह, एवंतिरिक्कन्नें उहुकोयं केवककम्पं कोयं  
 ॥ ११४ ॥ रोहिं ठनेहिं आत्ता एण्हं ठनेव, तंमहा-वेण्वेण्वि आत्ता एण्हं ठनेव,

एव देवाण भाणियव्वं, पुडविकाइयाण दो सरीरगा० अब्भतरगे चैव, बाहिरगे चैव, अब्भतरए कम्मए, बाहिरगे उरालिए, जाव वणस्सइकाइयाणं, नेइदियाणं दोसरीरगा० अब्भतरए चैव बाहिरए चैव, अब्भतरए कम्मए, अट्ठिमससोणित वद्धे बाहिरए उरालिए, जाव चउरिंदियाण, पंचेंदियतिरिक्खजोणियाण दो सरीरगा० अब्भतरगे चैव, बाहिरगे चैव, अब्भतरगे कम्मए, अट्ठिमससोणियण्हा रुच्छिरावद्धे, बाहिरए उरालिए, मणुस्साणवि एव चैव, विग्गहगतिसमावन्नगाण णेरइयाण दो सरीरगा० तेयए चैव कम्मए चैव, निरतरं जाव वेमाणियाणं, नेरइयाण दोहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिया, त० रागेणं चैव, दोसेणं चैव, जाव वेमाणियाण, नेरइयाण दुट्ठाणनिव्वत्तिए सरीरगे० रागनिव्वत्तिए चैव दोसनिव्वत्तिए चैव, जाव वेमाणियाण ॥ १०८ ॥ दो काया० तसकाए चैव, थावरकाए चैव, तसकाए दुविहे पण्णत्ते० भवसिद्धिए चैव, अभवसिद्धिए चैव, एवं थावरकाए वि ॥ १०९ ॥ दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गथाण वा, णिग्गथीण वा, पव्वावित्तए, पाईण चैव, उदीण चैव, एव मुडावित्तए सिक्खावित्तए, उवट्ठावित्तए, समुज्जित्तए, सवसित्तए, सज्झाय उद्दित्तए, सज्झायं समुद्दित्तए, सज्झायमणुजाणित्तए, आलोइत्तए, पडिक्कमित्तए, निदित्तए, गरिहित्तए, विउट्ठित्तए, विसोहित्तए, अकरणयाए अब्भुट्ठित्तए, अहारिहं पायच्छित्त तवोरुम्म पडिवजित्तए, दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गथाणं वा णिग्गथीण वा, अपच्छिम्ममारणतिए-सलेहणा-इस्सणा इस्सियाण भत्तपाणपडियाइक्खियाण पाओवगयाण काल अणवक्खमाणाणं विहरित्तए, तजहा-पाईणं चैव उदीणं चैव ॥ ११० ॥ वीयट्ठाणस्स पढ-मोदेसो समत्तो ॥

जे देवा उच्चोववण्णगा कप्पोववण्णगा, विमाणोववण्णगा, चारोववण्णगा, चारट्ठिइया, गइरइया, गइसमावण्णगा, तेसिं देवाण सयासमिय जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयण वेयति अन्नत्थगयावि एगइया वेयण वेयंति नेरइयाण सयासमिय जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयण वेयति अन्नत्थगयावि एगइया वेयण वेयति, जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण, मणुस्साण सयासमिय जे पावे कम्मे कज्जइ, इहगयावि एगइया वेयण वेयति अन्नत्थगयावि एगइया वेयण वेयंति, मणुस्सवज्जा सेसा एक्कगमा ॥ १११ ॥ नेरइया दुगइया दुयागइया प० तं० नेरइए नेरइएसु उववज्जमाणे मणुस्सेहिंतो वा पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चैव ण से नेरइए नेरइयत्त विप्पज्जहमाणे मणुस्सत्ताए वा पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ताए वा गच्छेज्जा, एव असुरकुमारावि,





सव्वेणवि आया सद्दाइ सुणेइ, एव रूवाइ पासइ, गधाई आघायइ, रसाई आसाएइ, फासाइ पडिसवेएइ, दोहिं ठाणेहिं आया ओभासइ, तजहा-देसेणवि आया ओभासइ, सव्वेण वि आया ओभासइ, एवं पभासइ, विउव्वइ, परियारेइ, भास भासइ, आहारेइ, परिणामेइ, वेएइ, निज्जरेइ, दोहिं ठाणेहिं देवे सद्दाइ सुणेइ, तंजहा-देसेणवि देवे सद्दाइ सुणेइ, सव्वेण वि सद्दाइ सुणेइ, जाव णिज्जरेइ ॥ ११५ ॥ मरुया देवा दुविहा प० त० एगसरीरी चेव विसरीरी चेव, एव किन्नरा, किंपुरिसा, गंधव्वा, णागकुमारा, सुवन्नकुमारा अग्गि कुमारा, वाउकुमारा देवा दुविहा प० त० एगसरीरी चेव विसरीरी चेव ॥ ११६ ॥ वीयट्ठाणस्स वीओहेसो समत्तो ॥

दुविहे सदे प० त० भासासदे चेव नोभासासदे चेव । भासासदे दुविहे प० त० अक्खरसवद्धे चेव, नोअक्खरसवद्धे चेव । णोभासासदे दुविहे प० त० आउज्जसदे चेव, णोआउज्जसदे चेव, आउज्जसदे दुविहे प० त० तते चेव, वितते चेव, तते दुविहे प० त० घणे चेव झुसिरे चेव, एव विततेवि, णोआउज्जसदे दुविहे प० त० भूसणसदे चेव, णोभूसणसदे चेव, णोभूसणसदे दुविहे प० त० तालसदे चेव लत्तियासदे चेव, दोहिं ठाणेहिं सहुप्पाए सिया तजहा-साहन्नताणं चेव, पुग्गलाण सहुप्पाए सिया भिज्जंताण चेव पोग्गलाण सहुप्पाए सिया ॥ ११७ ॥ दोहिं ठाणेहिं पोग्गला साहन्नति, तजहा-सय वा पोग्गला साहन्नति परेण वा पोग्गला साहन्नति, दोहिं ठाणेहिं पोग्गला भिज्जति, तजहा-सय वा पोग्गला भिज्जति, परेण वा पोग्गला भिज्जति, दोहिं ठाणेहिं पोग्गला परिसड्ढति, सयं वा पोग्गला परिसड्ढति, परेण वा पोग्गला परिसाड्ढिज्जति, एव परिपड्ढति, विद्धंसति ॥ ११८ ॥ दुविहा पोग्गला प० त० भिन्ना चेव अभिन्ना चेव, दुविहा पोग्गला प० त० भिउरधम्मा चेव नोभिउरधम्मा चेव, दुविहा पोग्गला प० त० परमाणुपोग्गला चेव नोपरमाणुपोग्गला चेव, दुविहा पोग्गला प० त० सुहुमा चेव बायरा चेव, दुविहा पोग्गला प० त० बद्धपासपुट्ठा चेव नोबद्धपासपुट्ठा चेव, दुविहा पोग्गला प० त० परियादित्तत्थेव, अपरियादित्तत्थेव, दुविहा पोग्गला प० त० अत्ताचेव अणत्ताचेव, दुविहा पोग्गला प० त० इट्ठा चेव अणिट्ठा चेव, एव कंता, पिया, मणुजा, मणामा । दुविहा सद्दा प० त० अत्ता चेव, अणत्ता चेव एव इट्ठा जाव मणामा, दुविहा रूवा प० त० अत्ता चेव अणत्ता चेव, जाव मणामा । एव गधा, रसा, फासा, एवमिक्किं छआलावगा माणियव्वा ॥ ११९ ॥ दुविहे आयारे प० त० णागायारे चेव णो णाणायारे चेव, णोणाणायारे दुविहे प० त० दसणायारे चेव, णोदंसणायारे चेव, णोदंसणायारे दुविहे पणत्ते, चरित्तायारे चेव, णो चरित्तायारे चेव, णो चरित्तायारे दुविहे



पलिओवमठिइया परिवसति, तजहा-गरुडे चेव वेणुदेवे अणादिए चेव जंयूरीवाहिब  
 ॥ १२६ ॥ जवूमदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेण दोवासहरपव्वया, बहुसमउल्ला,  
 अविसेममणाणत्ता, अजमज नाइवट्ठति, आयामविक्खसुभुचत्तसठाणपरिणाहेण,  
 तजहा-चुल्लहिमवते चेव सिहरी चेव एव महाहिमवते चेव, रुप्पी चेव, एव निसड  
 चेव, णीलवते चेव ॥ १२७ ॥ जवूमदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेण हेमवएण  
 वएण वासेसु दोवट्ठवेयट्ठपव्वया, बहुसमउल्ला, अविसेसमणाणत्ता जाव सद्दावाइ च  
 वियडावाइ चेव, तत्थण दो देवा महिण्डिया जाव पलिओवमठिइया परिवसति,  
 तजहा-साइ चेव पभासे चेव ॥ १२८ ॥ जवूमदरस्स उत्तरदाहिणेण हरिवासरम्म  
 एसु वासेसु दोवट्ठवेयट्ठपव्वया, बहुसमउल्ला, जाव गधावाइ चेव, मालवतपरियाए  
 चेव, तत्थण दोदेवा महिण्डिया, जाव पलिओवमठिइया परिवसति, तजहा-अण्णे चव,  
 पउमे चेव ॥ १२९ ॥ जवूमदरस्स पव्वयस्स दाहिणेण देवकुराए पुव्वावरे पाते,  
 एत्थग आसक्खधगसरिमा, अद्धचदसठाणसठिया दोवस्खारपव्वया, बहुसमउल्ला  
 जाव, सोमणसे चेव विज्जुप्पमे चेव, जवूमदरस्स उत्तरेण उत्तरकुराए पुव्वावरे पाव  
 एत्थण आसक्खधगसरिसा अद्धचदसठाणसठिया दो वस्खारपव्वया प० त० बहु०  
 जाव, गधमायणे चेव, मालवते चेव ॥ जवूमदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेण  
 दोवीहवेयट्ठपव्वया, बहुसमउल्ला जाव भारहे चेव वीहवेयट्ठे एरावए चेव वीह-  
 वेयट्ठे, भारहेण वीहवेयट्ठे दोगुहाओ, बहुसमउल्लाओ अविसेसमणाणत्ताओ अजमज  
 णाइवट्ठति आयामविक्खसुभुचत्तसठाणपरिणाहेण, तजहा-तिमिसगुहा चेव, खड-  
 गप्पवायगुहा चेव, तत्थण दोदेवा महिण्डिया, जाव पलिओवमठिइया परिवसति,  
 तजहा-कयमालए चेव, णट्टमालए चेव, एरावएण वीहवेयट्ठे दोगुहा, जाव कयमाल  
 ए चेव णट्टमालए चेव ॥ १३० ॥ जवूमदरस्स पव्वयस्स दाहिणेण चुल्लहिमवते  
 वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला, जाव विक्खसुभुचत्तसठाणपरिणाहेण, तजहा-  
 चुल्लहिमवतकूडे चेव वेसमणकूडे चेव, जवूमदरस्स दाहिणेण महाहिमवते वास-  
 हरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला जाव महाहिमवतकूडे चेव, वेरुलियकूडे चेव, एव  
 निसडे वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला जाव० निसडकूडे चेव, रुयगप्पमे चेव,  
 जवूमदरस्स उत्तरेण नीलवते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला जाव० नीलवत-  
 कूडे चेव, उवर्दसणकूडे चेव, एव रुपिम्मि वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला  
 जाव० तजहा रुपिक्कूडे चेव, मणिकचणकूडे चेव, एव सिहरिम्मि वि वासहरपव्वए  
 दोकूडा, बहुसमउल्ला तजहा-सिहरिकूडे चेव, तिगिच्छिकूडे चेव ॥ १३१ ॥  
 जवूमदरस्स उत्तरदाहिणेण चुल्लहिमवतसिहरीसु वासहरपव्वएसु दो महइहा, बहुसम-



स्सति वा । एव चक्कवट्टिवा, दसारवसा, जंवुभरहेरवण्ण एगसमए दोअरिहंता  
उप्पज्जिमु वा उप्पज्जति वा उप्पज्जिस्सति वा, एवं चक्कवट्टिणो बलदेवा वासुदेवा,  
जाव उपज्जिस्सति वा ॥ १३५ ॥ जवु० दोसु कुरामु मणुया सया सुसमुत्तमुत्तम-  
मिद्धि पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तजहा-देवकुराए चेव, उत्तरकुराए चेव,  
जवुहीवे वीवे दोसु वासेसु मणुया सया सुसमुत्तममिद्धि पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरं-  
तजहा-हरिवासे चेव रम्मगवासे चेव, जंवु० दोसु वासेसु मणुया सया सुसमुत्त-  
मुत्तममिद्धि पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तजहा-हेमवए चेव एरन्नवए चेव, जवु-  
हीवे वीवे दोसु खित्तिसु मणुया सया दुसमसुसमुत्तममिद्धि पत्ता पच्चणुभवमाणा विह-  
रंति, तजहा-पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव, जवुहीवे वीवे दोसु वासेसु मणुया  
छव्विहपिकालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तजहा-भरहे चेव, एरवए चेव ॥ १३६ ॥  
जवुहीवे २ दोचदा पभासिसु वा, पभासति वा, पभासिस्सति वा, दोसूरिया तवइसु वा,  
तवति वा, तविस्सति वा, दो कत्तियाओ, दो रोहिणीओ दो मियसिराओ, दो अदाओ,  
एव भाणियव्व ॥ कत्तियरोहिणिमियसिर अदा य पुणव्वसू य पुत्तो य । ततोवि  
अस्सलेसा, महा य दो फग्गुणीओ य १ हत्थो चित्ता साई, विसाहा तह य होंति  
अणुराहा, जेठ्ठा मूलो पुव्वा य, आसाढा उत्तरा चेव २ अभिई सवण धणिठ्ठा  
सयभिसया दो य होंति भव्वया, रेवइ अस्सिणि भरणी, गेयव्वा आणुपुव्वीए ३  
एवं गाहानुसारेण णायव्व जाव दो भरणीओ, दो अग्गी दो पयावई दोसोमा दोरुहा  
दोअईई दोवहस्सई दोसप्पी दोपीई दोभगा दोअज्जमा दोसविया दोतट्ठा दोबाळ  
दोइदग्गी दोमिक्का दोइदा दोनिरई दोआळ दोविस्सा दोवद्धा दोविण्हू दोवसू दोव-  
रुणा दोअया दोविक्खी दोपुस्सा दोअस्सा दोयमा दोइगालगा दोवियालगा  
दोलोहियक्खा दोसणिधरा दोआहुणिया दोपाहुणिया दोकणा दोकणगा दोकण-  
कणगा दोकणगवियाणगा दोकणगसताणगा दोसोमा दोसहिया दोआसासणा दोकज्जे  
वगा दोकज्जडगा दोअयकरगा दोबुदुभगा दोसखा दोसखवज्जा दोसखवज्जाभा  
दोर्कसा दोर्कसवज्जा दोर्कसवज्जाभा दोरुप्पी दोरुप्पाभासा दोनीला दोनीलोभासा  
दोभासा दोभासरासी दोतिला दोतिलपुप्फवज्जा दोदगा दोदगपंचवज्जा दोकाका  
दोक्कंधा दोईदग्गीवा दोधूमकेऊ दोहरी दोपिंगला दोबुहा दोसुक्का दोबहस्सई  
दोराट्ठ दोअगत्थी दोमाणवगा दोकासा दोफासा दोधुरा दोप्पुहा दोवियडा दोविसंथी  
दोनियल्ला दोपइल्ला दोजडियाइलगा दोअरुणा दोअग्गिक्का दोकाला दोमहाकालगा  
दोसोत्थिया दोसोवत्थिया दोवद्धमाणगा दोप्पसमाणगा दोअकुसा दोपलवा दोनिक्का-  
लोगा दोनिक्खज्जोया दोसयंपभा दोओभासा दोसेयकरा दोखेमकरा दोआभकरा



च्छा दोसुक्छा दोमहाक्छा दोक्छगावई दोआवत्ता दोमगलावत्ता दोपुक्खला  
 दोपुक्खलावई दोवच्छा दोसुवच्छा दोमहावच्छा दोवच्छगावई दोरम्मा दोरम्मगा  
 दोरमणिज्जा दोमगलावई दोपम्हा दोसुपम्हा दोमहापम्हा दोपम्हागावई दोसस्सा दोण-  
 लिणा दोकुमुया दोसलिलावई दोनलिणावई दोवप्पा दोसुवप्पा दोमहावप्पा दोवप्पागा-  
 वई दोवग्गू दोसुवग्गू दोगधिला दोगधिलावई दोखेमाओ दोखेमपुरीओ दोरिष्ठाओ  
 दोरिद्धपुरीओ दोखग्गीओ दोमज्झाओ दोओसहीओ दोपुण्डरीगिणीओ दोसुसीमाओ  
 दोकुडलाओ दोअपराइआओ दोप्पभक्कराओ दोअकावईओ दोपम्हावईओ दोमुआओ  
 दोरयणसच्चयाओ दोआसपुराओ दोसीहपुराओ दोमहापुराओ दोविजयपुराओ दोअ-  
 राजियाओ दोअवराओ दोअसोयाओ दोविगयसोयाओ दोविजयाओ दोवेज्यतीओ  
 दोजयतीओ दोअपराजियाओ दोचक्कपुराओ दोखग्गपुराओ दोअवज्झाओ दोअ-  
 ओज्झाओ दोमहसालवणा दोणंदणवणा दोसोमणसवणा दोपडगवणा दोपंडुक्क-  
 लसिलाओ दोअतिपडुकवलसिलाओ दोरत्तकवलसिलाओ दोअइरत्तकवलसिलाओ  
 दोमंदरा दोमंदरचूलियाओ, धायइखडस्सण वीवस्स वेइया दोगाउयाई उच्च-  
 उच्चत्तेणं पज्जता, कालोदस्सण समुदस्स वेइया दोगाउयाई उच्च उच्चत्तेण पज्जता  
 पुक्खरवरवीवद्धपुरच्छिमद्वेण मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा ५० बहु  
 समउल्ला जाव भरहे चैव एरवए चैव जाव दोकुराओ पण्णत्ताओ देवकुरा चैव उत्तर  
 कुरा चैव । तत्थणं दोमहइमहालया महहुमा ५० तं० कूडसामली चैव, पउमस्सवे  
 चैव, देवा गरुले चैव वेणुदेवे पउमे चैव, जाव छव्विहपि काल पच्चणुब्भवमाणा  
 विहरंति, पुक्खरवरवीवद्धपच्चत्थिमद्वेण मंदरपव्वयस्स उत्तरदाहिणेण दोवासा ५० तं०  
 तहेव गाणत्त कूडसामली चैव, महापउमस्सवे चैव, देवा गरुले चैव, वेणुदेवे  
 पुडरीए चैव, पुक्खरवरवीवद्धेणं वीवे दोभरहाइ दोएरवयाइ जाव दोमंदरा दोमद-  
 रचूलाओ, पुक्खरवरस्स णं वीवस्स वेइया दोगाउयाई उच्च उच्चत्तेण ५० सन्वेसिं पि  
 ण वीवसमुद्धारणं वेइयाओ दोगाउयाई उच्च उच्चत्तेण पण्णत्ताओ ॥ १३९ ॥ दो  
 असुरकुमारिंदा ५० तं० चमरे चैव वली चैव, दोनागकुमारिंदा ५० तं० धरणे चैव  
 भूयाणंदे चैव, दोसुवण्णकुमारिंदा ५० तं० वेणुदेवे चैव वेणुदाली चैव, दोक्खि-  
 कुमारिंदा ५० तं० हरी चैव हरिस्सहे चैव, दोअग्गिकुमारिंदा ५० तं० अग्गिसिहे चैव  
 अग्गिमाणवे चैव, दोवीवकुमारिंदा ५० तं० पुण्णे चैव, विसिट्ठे चैव, दोउदधिकुमारिंदा  
 ५० तं० जलकंते चैव जलप्पमे चैव, दोविसाकुमारिंदा ५० तं० अमियगई चैव,  
 अमियवाहणे चैव, दोवाउकुमारिंदा ५० तं० वेलवे चैव पभंजणे चैव, दोयणिग्ग-  
 कुमारिंदा ५० तं० घोसे चैव महाघोसे चैव, दोपिसायईदा ५० तं० काले चैव महा-



मप्यवा म्हावीरेण समवाचं विम्ववाचं चो विचं वम्बिवाचं विम्वियाचं चो विचं  
 पुत्राचं चो विचं पतत्वाचं चो विचं अम्बुपुत्राचं मवति तं वम्बमरवे चेव,  
 वत्तमरवे चेव एवं विवाचमरवे चेव, तम्बमरवे चेव, विरिपत्रवे चेव तम्बमरवे  
 चेव जम्बपवे चेव, जम्बपवे चेव विम्वमरवे चेव सत्योवाचवे चेव  
 होमरवाचं वाच चो विचं अम्बुपुत्राचं मवति, कारवेण पुत्र अम्बुपुत्राचं तम्ब-  
 वत्तमरवे चेव विम्वपवे चेव ॥ १४५ ॥ होमरवाचं समवेचं मप्यवा म्हावीरेण  
 समवाचं विम्ववाचं विचं वम्बियाचं वाच अम्बुपुत्राचं मवति तं पात्रोवम्बवे  
 चेव मत्तपम्बवाचं चेव पात्रोवम्बवे दुमिहे प तं वीहारीवे चेव अवीहारीवे  
 चेव विम्वं अम्बुपुत्रवे मत्तपम्बवाचं दुमिहे प तं वीहारीवे चेव अवीहारी  
 रवे चेव विम्वं सम्बुपुत्रवे ॥ १५ ॥ के अवे कोए ? वीहवेव अवीहवेव के  
 अवंताकोए ? वीहवेव अवीहवेव, के सात्ता कोए ? वीहवेव अवीहवेव ॥ १५१ ॥  
 दुमिहा वीहरी वाचवेवरी चेव, वत्तमरवे चेव । दुमिहा पुत्र-वाचपुत्रा चेव वत्तम-  
 पुत्रा चेव, एवं योहे मूत्रा ॥ १५२ ॥ वाचावमिजे कम्मे दुमिहे पवते तं वेत्त-  
 वाचावमिजे चेव, सत्तवाचावमिजे चेव वत्तवाचावमिजे कम्मे एवं चेव वेत्त-  
 मिजे कम्मे दुमिहे प तं वाचावेवमिजे चेव अत्तवावेवमिजे चेव म्हेवमिजे  
 कम्मे दुमिहे प तं वत्तमोवमिजे चेव वरिचमोवमिजे चेव, वात्तकम्मे दुमिहे  
 प तं वत्तमपु चेव, म्वात्तपु चेव वात्तकम्मे दुमिहे प तं वत्तमपु चेव  
 वत्तमवाचं चेव म्हेवमिजे दुमिहे प तं वत्तावापु चेव वीहकोए चेव वत्त-  
 पत्तकम्मे दुमिहे प तं पत्तपम्बमिवाचिपु चेव विम्विवाचमिवाचं ॥ १५३ ॥  
 दुमिहा पुत्रा प तं वेत्तवतिवा चेव वीहवतिवा चेव, वेत्तवतिवापुत्रा  
 दुमिहा प तं मापु चेव कोहे चेव वीहवतिवापुत्रा दुमिहा प तं योहे  
 चेव मापु चेव ॥ १५४ ॥ दुमिहा वात्तवाचं प तं वम्बिवात्तवाचं चेव वेत्त-  
 वात्तवाचं चेव, वम्बिवात्तवाचं दुमिहा प तं वत्तमवात्तवाचं चेव वरिच-  
 मवात्तवाचं चेव वेत्तवात्तवाचं दुमिहा प तं वत्तमिवा चेव वम्बि-  
 माचोवमिवा चेव ॥ १५५ ॥ वीहवतिवा वीहपम्बमवाचं प तं दुमिपुत्रपु  
 चेव वरिपुत्रेवी चेव वीहवतिवा विम्वपुत्रमवाचं प तं म्हा चेव सत्त चेव,  
 वीहवतिवा पम्बमोवा कम्मे प तं पम्बमपु चेव वात्तपु चेव, वीहवतिवा  
 वत्तमोवा कम्मे प तं वेत्तपु चेव पुत्रपुति चेव ॥ १५६ ॥ सत्तपम्ब-  
 पुत्रपुति दुमि वत्तपु पवता पुत्रमपुत्रमवाचं पुत्रावे प वत्तमपुत्रमवाचं  
 पुत्रावे प-एवं पुत्रमपुत्रावे वत्तमपुत्रावे ॥ १५७ ॥ वीहवे म्हेवमपुत्रावे वीह

माइ वा, सवाहाइ वा, सनिवेसाइ वा, घोसाइ वा, आरामाड वा, उज्जाणाइ वा, वणाइ वा, वणखडाइ वा, वावीइ वा, पुक्खरणीइ वा, सराइ वा, सरपतीइ वा, अगडाइ वा, तडागाइ वा, दहाइ वा, णवीइ वा, पुठवीइ वा, उदहीइ वा, वात खधाइ वा, उवासतराइ वा, वल्याइ वा, विग्गहाइ वा, बीवाइ वा, समुदाइ वा, वेलाइ वा, वेइयाइ वा, दाराइ वा, तोरणाइ वा, णेरइयाइ वा, णेरइयावासाइ वा, जाव वेमाणियावासाइ वा, कप्पाइ वा, कप्पविमाणवासाइ वा, वासाइ वा, वा सहरपव्वयाइ वा, कूडाइ वा, कूडागाराइ वा, विजयाइ वा, रायहाणीइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ १४३ ॥ छायाइ वा, आतवाइ वा, जोसिणाइ वा, अधगाराइ वा, ओमाणाइ वा, पमाणाइ वा, उम्माणाइ वा, अतिताणगिहाइ वा, उज्जाणगिहाइ वा, अवलिम्वाइ वा, सणिप्पवायाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ १४४ ॥ दोरासी प० त० जीवरासी चेव, अजीवरासी चेव, दुविहे वधे प० त० पेज्जबधे चेव, दोसवधे चेव, जीवाणं दोहिं ठाणेहिं पावकम्म बयन्ति तं० रागेण चेव, दोसेण चेव, जीवाणं दोहिं ठाणेहिं पावकम्म उदीरेन्ति त० अन्मो वगमियाए चेव वेयणाए उवक्कमियाए चेव वेयणाए एव वेदंति एव णिज्जरंति अन्मो वगमियाए चेव वेयणाए उवक्कमियाए चेव वेयणाए, दोहिं ठाणेहिं आया सरीर फुसित्ताण णिज्जाति तं० देसेणवि आया सरीरं फुसित्ताण णिज्जाति सव्वेणवि आया सरीर फुसित्ताण णिज्जाति, एव फुरित्ताण एव फुडित्ताणं एव सवडित्ताण निव्वट्टित्ताणं, दोहिं ठाणेहिं आया केवलपक्कत्त धम्म लभेज्जा सवणयाए तजहा-खएण चेव उवसमेण चेव, एवं जाव मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा त० खएण चेव उवसमेण चेव ॥ १४५ ॥ दुविहे अद्धोवमिए प० त० पलिओवमे चेव सागरोवमे चेव । से किं त पलिओवमे ? पलिओवमे जं जोयणविच्छिन्न पल्ल एगाहियप्परूढाणं होज णिरं तरणिचियं भरियं वालग्गकोडीण १ वाससए वाससए एक्केक्के, अवहवंमि जो कालो, सो कालो बोद्धव्वो, उवमा एगस्स पल्लस्स २ एतेसिं पल्लान कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिया, त सागरोवमस्स उ एगस्स भवे परीमाण ३-॥ १४६ ॥ दुविहे कोहे प० तं० आयपइठिए चेव, परपइठिए चेव, एव णेरइयाण जाव वेमाणियाणं, एवं जाव मिच्छार्दसणसल्ले ॥ १४७ ॥ दुविहा ससारसमावन्नगा जीवा प० तं० तसा चेव, थावरा चेव, दुविहा सव्वजीवा प० त० सिद्धा चेव असिद्धा चेव । दुविहा सव्वजीवा प० त० सईदिया चेव, अणिदिया चेव, एव एसा गाहा फासे यव्वा जाव ससरीरी चेव असरीरी चेव, सिद्धसइदियकाए, जोगे वेए कसायल्लेसा य, णाणुवओगाहारे मासगचरिमे य ससरीरी (१) ॥ १४८ ॥ दोमरणाइ समणेण



समुदा, प० त० लवणे चेव कालोदे चेव, दोचक्कवट्ठी अपरिचित्तकामभोगा काल  
 मासे काल किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइठ्ठाणनरए नेरइयत्ताए उववन्ना त०  
 सुभूमे चेव वंभदत्ते चेव ॥ १५८ ॥ असुरिंदवज्जियाण भवणवासीण देवाणं देसू  
 णाई दोपलिओवमाइ ठिई प० सोहम्मे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दोसागरोवमाइ ठिई  
 प० ईसाणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साइरेगाई दोसागरोवमाइ ठिई प० सणकुमार  
 कप्पे देवाण जह्वेण दोसागरोवमाइ ठिई प० माहिंदे कप्पे देवाण जह्वेण  
 साइरेगाई दोसागरोवमाइ ठिई पणत्ता ॥ १५९ ॥ दोसु कप्पेसु कप्पत्थियाओ  
 पणत्ताओ तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव, दोसु कप्पेसु देवा तेउलेस्सा प० तं०  
 सोहम्मे चेव ईसाणे चेव, दोसु कप्पेसु देवा कायपरियारगा प० तं० सोहम्मे चेव  
 ईसाणे चेव, दोसु कप्पेसु देवा फासपरियारगा प० त० सणकुमार चेव, माहिंदे  
 चेव, दोसु कप्पेसु देवा ख्वपरियारगा प० तं० वभलोए चेव, लतए चेव, दोसु  
 कप्पेसु देवा सहपरियारगा प० त० महासुक्के चेव, सहस्सारे चेव, दोईदा मण  
 परियारगा, प० त० पाणए चेव, अब्बुए चेव ॥ १६० ॥ जीवाण दोठ्ठाणनिव्वत्तिए  
 पोग्गले पावक्कम्मत्ताए चिणिंसु वा चिगति वा चिणिस्सति वा तज्जहा-तसकायनिव्व  
 त्तिए चेव, थावरकायनिव्वत्तिए चेव, एव उवचिणिंसु वा, उवचिगति वा, उवचिनि  
 स्सति वा, वधिंसु वा, वधति वा, वधिस्सति वा, उदीरिंसु वा, उदीरेंति वा,  
 उदीरिस्सति वा, वेदिंसु वा, वेदिति वा, वेदिस्सति वा, णिज्जरिंसु वा, णिज्जरेंति  
 वा, णिज्जरिस्सति वा ॥ १६१ ॥ दुप्पएसिया खधा अणता प० दुपएसोगाडा  
 पोग्गला अणता प० एव जाव दुगुणलुक्खा पोग्गला अणता पणत्ता ॥ १६२ ॥  
 वीयट्ठाणस्स चउत्थोदेसो समत्तो, वीय ठाणं समत्तं ॥

### तइयट्ठाणं

तओ ईदा प० त० णामिंदे-दव्विंदे-भाविंदे ॥ तओ ईदा प० त० णाणिंदे  
 दसणिंदे-चरित्तिंदे, तओ ईदा प० त० देविंदे-असुरिंदे-मणुस्सिंदे ॥ १६३ ॥  
 तिविहा विउव्वणा प० तं० बाहिरए पोग्गलए परियाइत्ता एगा विउव्वणा, बाहिरए  
 पोग्गले अपरियाइत्ता एगाविउव्वणा, बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता वि अपरियाइत्ता वि  
 एगा विउव्वणा तिविहा विउव्वणा, प० त० अब्भतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा  
 विउव्वणा अब्भतरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगाविउव्वणा अब्भतरए पोग्गले  
 परियाइत्तावि अपरियाइत्तावि एगा विउव्वणा, तिविहा विउव्वणा प० त० बाहिर-  
 ंभतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा विउव्वणा बाहिरब्भतरए पोग्गले अपरियाइत्ता



मणुज्जेणं पीडकारणं असणपाणखाइमसाइमेण पडिलाभेत्ता भवइ, इत्थेएहिं तिहिं ठावेहिं जीवा सुहवीहाउअत्ताए कम्मं पगरंति ॥ १७० ॥ तओ गुत्तीओ पन्नत्ताओ त० मणुत्ती, वयगुत्ती, कायगुत्ती, सजयमणुस्साण तओ गुत्तीओ प० त० मण, वय, काय०। तओ अगुत्तीओ प० त० मणअगुत्ती, वयअगुत्ती, कायअगुत्ती, एव नेरइयाणं जाव० थणियकुम्भाराण पच्चिदियतिरिक्खजोणियाण असंजयमणुस्साणं वाणमंतराण जोइ सियाण वेमाणियाण । तओ दडा प० त० मणदडे, वयदडे, कायदडे, नेरइयाणं तओ दडा प० मणदडे, जाव कायदडे विगल्लिदियवज्ज जाव वेमाणियाणं ॥ १७१ ॥ तिविहा गरिहा प० तं० मणसावेगे गरहइ, वयसावेगे गरहइ, कायसावेगे गरहइ, पावाण कम्माण अकरणयाए । अहवा गरहा तिविहा प० तं० वीहवेगे अद्ध गरहइ, रहस्स वेगे अद्ध गरहइ, कायवेगे पडिसाहरइ पावाण कम्माण अकरणयाए, तिविहे पच्चक्खाणे प० त० मणसावेगे पच्चक्खाइ, वयसावेगे पच्चक्खाइ, कायसावेगे पच्चक्खाइ, एव जहा गरहा तहा पच्चक्खाणेवि दो आलावगा भाणियव्वा ॥ १७२ ॥ तओ स्वखा, प० त० पत्तोवए, फलोवए, पुप्फोवए, एवामेव तओ पुरिसजाया प० त० पत्तो वा स्वस्ससमाणे, पुप्फो वा स्वस्ससमाणे फलो वा स्वस्ससमाणे ॥ तओ पुरिसजाया प० तं० णामपुरिसे, दब्बपुरिसे, भावपुरिसे, तओ पुरिसजाया प० तं० णाणपुरिसे, दसणपुरिसे, चरित्तपुरिसे, तओ पुरिसजाया प० त० वेदपुरिसे, चिंघपुरिसे, अभिलावपुरिसे ॥ १७३ ॥ तिविहा पुरिसा प० त० उत्तमपुरिसा, मज्झिमपुरिसा जहजपुरिसा, उत्तमपुरिसा तिविहा प० त० धम्मपुरिसा, भोगपुरिसा, कम्मपुरिसा, धम्मपुरिसा अरिहता, भोगपुरिसा चक्कवट्ठी, कम्मपुरिसा वासुदेवा, मज्झिमपुरिसा तिविहा—उग्गा भोगा राइणा, जहजपुरिसा तिविहा, प० त० दासा, भयगा, भाइल्लगा ॥ १७४ ॥ तिविहा मच्छा प० त० अडया, पोयया, संमुच्छिमा, अडया मच्छा तिविहा प० त० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा; पोयया मच्छा तिविहा प० त० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा ॥ १७५ ॥ तिविहा पक्खी प० त० अडया, पोयया, समुच्छिमा, अडया पक्खी तिविहा प० त० इत्थी पुरिसा, णपुसगा, पोयया पक्खी तिविहा प० त० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा, एवमे एण अभिलावेणं उरपरिसप्पावि भाणियव्वा, भुजपरिसप्पा वि नेयव्वा, एव चेव ॥ १७६ ॥ तिविहाओ इत्थीओ पन्नत्ताओ त० तिरिक्खजोणित्थीओ, मणुस्सित्थीओ, देवित्थीओ, तिरिक्खजोणित्थीओ तिविहाओ प० त० जलचरीओ, थलचरीओ, खहचरीओ, मणुस्सित्थीओ तिविहाओ पणत्ताओ, तं० कम्मभूमियाओ, अकम्मभूमियाओ, अतरवीवियाओ ॥ १७७ ॥ तिविहा पुरिसा तिरिक्खजोणियपुरिसा,



जाव तं चेव । एवमागणाइ चळेज्जा, सीहणाय करेज्जा, चेलुम्मेव करेज्जा । तिहिं  
ठाणेहि देवाण रम्स्ता चळेज्जा त० अरिहतेहिं जायमाणेहिं, जाव त चेव । तिहिं  
ठाणेहिं लोगतिया देवा माणुस लोग हव्वमागच्छेज्जा त० अरिहतेहिं जायमाणेहिं,  
अरिहतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहताण णाणुप्पायमहिमामु ॥ १८३ ॥ तिहं दुण्णि  
यार समणाउसो तज्जा-अम्मापिउणो भट्टिस्स धम्मायरियस्स, सपाओवि य णं केइ  
पुरिसे अम्मापियर रायपागराहस्सपाणेहिं तिह्वेहिं अब्भगेत्ता, मुरभिणा गधदण्ण  
उव्वट्ठित्ता, तिहिं उदगेहिं मज्जावेत्ता, गव्वालकारविभूसिय करेत्ता, मणुअ धाणीपा-  
गसुद्ध अट्ठारसवजणाउलं भोअण भोआवेत्ता जावजीव पिठ्ठिवडिसियाए परिव-  
हेज्जा, तेणावि तस्स अम्मापिउस्स दुप्पडियार भवइ । अहेण से त अम्मापियरं  
केवलपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता पन्नवइत्ता परुवइत्ता ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स  
अम्मापिउस्स सुप्पडियार भवइ । समणाउसो केइ महचे दरिइ समुक्खेज्जा तएणं  
से दरिइ समुक्खिठ्ठे समाणे पच्छा पुरं च णं विउलभोगसमिइसमण्णागए या वि  
विहरेज्जा, तएणं से महचे अन्नया कयाइ दरिइं हए समाणे तस्स दरिइस्स अतिए  
हव्वमागच्छेज्जा तएणं से दरिइ तस्स भट्टिस्स सब्बस्समवि दलयमाणे तेणावि तस्स  
दुप्पडियार भवइ, अहेण से त भट्टिं केवलपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता पण्णवइत्ता  
परुवइत्ता ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स भट्टिस्स सुप्पडियारं भवइ । केइ तहारुवस्स  
समणस्स वा णिग्गयस्स वा अतियमेगमवि आरियं जिणभासिय धम्म नुवयण सोच्चा  
निसम्म कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उव्वन्ने, तएण से देवे  
त धम्मायरिय दुब्भिकखाओ वा देसाओ सुभिकखं देस साहरेज्जा, क्ताराओ वा  
णिक्कतारं करेज्जा, वीहकालिण वा रोआतकेण अभिभूय समाण विमोइज्जा, तेणावि  
तस्स धम्मायरियस्स दुप्पडियार भवइ, अहेण से त धम्मायरिय केवलपन्नत्ताओ  
धम्माओ भट्ठ समाण भुज्जोवि केवलपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता जाव ठावइत्ता भवइ  
तेणामेव तस्स धम्मायरियस्स सुप्पडियार भवइ ॥ १८४ ॥ तिहिं ठाणेहिं सप्पे  
अणगारे अणाइय अणवदग्ग वीहमद्ध चाउरंतसंसारकतारं वीइवएज्जा, तज्जा-  
अणियाणयाए, दिट्ठिसपन्नयाए, जोगवाहियाए ॥ १८५ ॥ तिविहा ओसप्पिणी प०  
तं० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना, एव छप्पिसमाओ भाणियव्वाओ जाव दुसमदुसमा,  
तिविहा उस्सप्पिणी प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना एवं छप्पिसमाओ भाणिय-  
व्वाओ, जाव सुसमसुसमा ॥ १८६ ॥ तिहिं ठाणेहिं अच्छिन्ने पोग्गले चळेज्जा त०  
आहारिज्जमाणे वा पोग्गले चळेज्जा, विउव्वमाणे वा पोग्गले चळेज्जा, ठाणाओ ठाण  
संकामेज्जमाणे वा पोग्गले चळेज्जा ॥ १८७ ॥ तिविहा उवही प० त० कम्मोवही



येषु मिमांसा विवक्षा पञ्चा तं मिमांसा भीष्म अक्षिवा । आनयपञ्चमारण्यपुर  
 कप्येन रक्षार्थं भवभारपिञ्जलरीत्या उद्धोत्तैर्न त्रिभि रवर्षीभ्यो तद्वं तद्वत्तेन प०  
 २ २ ॥ तस्यो पञ्चातये कप्येन अक्षिजगित तं ० कदपञ्चातं तदुपञ्चातं दीक्षापर  
 चातं ॥ २ १ ॥ तद्वद्व्याजस्तस्य पञ्चमोद्देशो समस्तो ॥

त्रिभिहे कप्ये पञ्चे तं नम्यभ्येये अक्षभ्येये अक्षभ्येये त्रिभिहे कप्ये प तं  
 तम्यभ्येये रक्षभ्येये नक्षत्रभ्येये त्रिभिहे कप्ये प तं उद्धोत्तैर्न अक्षोकोण त्रिभि-  
 ज्येये ॥ २ ५ ॥ अथरस्तनं अथुरिदस्त अथुरिदमारण्यो तस्यो परिचाभ्ये पञ्चताम्यो  
 तं समिन्ना केवा पञ्च अस्मिन्नाविवा समिन्ना मज्जसमिन्ना रक्षा बाहिराया अथा  
 अमरस्तनं न अथुरिदस्त अथुरिदमारण्यो सामानिदार्थं रक्षां तस्यो परिचाभ्ये  
 पञ्चताम्यो तं समिन्ना अथैव अथरस्तनं । पूर्वं सामांसीयपावनि अथैवपञ्चत्वं तुवा  
 पुनिवा पञ्च एवं अम्यमक्षिणीय नि । अम्यस्त नि एवं केव आन अम्यमक्षिणीय ।  
 अमरस्तनं न सामानिकताम्योपञ्चात्वं न समिन्ना केवा पञ्चा अथैवपञ्चत्वं अम्य-  
 मक्षिणीयं रक्षा तुनिवा रक्षया अथ अमरस्तनं तदा तैत्तार्थं भवभारपीनं अक्ष-  
 स्तनं पिचातुदस्त पिचातुदस्यो तस्यो परिचाभ्ये पञ्चताम्ये तं रक्षा तुनिवा रक्षया,  
 एवं सामानिकताम्यमक्षिणीयं नि एवं आन गीकतु पीकताम्यं पञ्चत्वं न अथैवपञ्चत्वं  
 अथैवपञ्चत्वं तस्यो परिचाभ्ये, तुवा तुनिवा पञ्च एवं सामानिकताम्यमक्षिणीयं  
 एवं अमरस्तनं नि अमरस्तनं न अथैवपञ्चत्वं रक्षया तस्यो परिचाभ्यो पञ्चताम्यो तं समिन्ना  
 केवा आन एवं अथ अमरस्तनं आन अम्यमक्षिणीयं एवं आन अथैवपञ्चत्वं अथैवपञ्चत्वं  
 ॥ २ ५ ॥ तस्यो आमा प तं पञ्चमे आमे मज्जिमे आमे पञ्चिमे आमे त्रिभि  
 आमेहि आमा केवमिन्नातं अम्यं अम्यं अम्यमक्षिणीयं तं पञ्चमे आमे मज्जिमे  
 आमे पञ्चिमे आमे एवं आन केवमिन्नातं अम्यमक्षिणीयं पञ्चमे आमे मज्जिमे आमे  
 पञ्चिमे आमे । तस्यो रक्षा प तं पञ्चमे अथ मज्जिमे अथ पञ्चिमे अथ, त्रिभि  
 अथैव आमा केवमिन्नातं अम्यं अम्यं अम्यमक्षिणीयं तं पञ्चमे अथ मज्जिमे अथ  
 पञ्चिमे अथ, एतो अथ अम्यो अम्यो आन केवमिन्नातं ॥ २ ६ ॥ त्रिभिहा बोही  
 प तं नाकबोही रक्षकबोही अरिपानोही त्रिभिहा बुद्धा प तं नाकबुद्धा  
 रक्षकबुद्धा अरिपानबुद्धा एवं मोहे मुद्धा ॥ २ ७ ॥ त्रिभिहा पञ्चत्वं प तं इह  
 अम्यमक्षिणीयं पञ्चमेपञ्चिणीयं बुद्धो पञ्चिणीयं त्रिभिहा पञ्चत्वं प तं पुरयो-  
 पञ्चिणीयं मायमोपञ्चिणीयं अम्यमोपञ्चिणीयं त्रिभिहा पञ्चत्वं प तं तुवापञ्चत्वं  
 पुवापञ्चत्वं तुवापञ्चत्वं त्रिभिहा पञ्चत्वं पञ्चत्वं तं अमापञ्चत्वं अम्यमक्षि-  
 पञ्चत्वं अम्यमक्षिणीयं ॥ २ ८ ॥ तस्यो अम्यं अम्यमोपञ्चत्वं प तं पुञ्चत्वं

उभु उचत्तेण तिणिपलिओवमाइ परमाउ पालइत्था एव इमीसे ओसप्पिणीए आग-  
मेस्साए उस्सप्पिणीए । जउदीवे दीवे देवकुलउत्तरकुरासु मणुया तिन्नि गाउआई उं  
उचत्तेण प० तिन्निपलिओवमाइ परमाउ पालयति । एव जाव पुक्खरवरदीवद्वपच्चत्थि-  
मद्धे ॥ १९४ ॥ जउदीवे दीवे भरहेरवणसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणिउस्सप्पिणीए  
तओ वसा उप्पज्जिसु वा उप्पज्जति वा उप्पज्जिस्सति वा त० अरिहतवसे चक्खवट्ठि-  
वसे दसारवसे । एव जाव पुक्खरवरदीवद्वपच्चत्थिमद्धे । जउदीवे दीवे भरहेरवणसु  
वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणीउस्सप्पिणीए तओ उत्तमपुरिसा उप्पज्जिसु वा उप्पज्जति  
वा उप्पज्जिस्सति वा तं० अरिहता वा चक्खवट्ठि वा बलदेववासुदेवा । एव जाव  
पुक्खरवरदीवद्वपच्चत्थिमद्धे । तओ अहाउय पालंति त० अरिहता चक्खवट्ठि बलदेव-  
वासुदेवा, तओ मज्झिममाउय पालयति त० अरिहता चक्खवट्ठि बलदेववासुदेवा  
॥ १९५ ॥ वायरतेऊकाइयाणं उक्कोसेण तिन्नि राईदियाइ ठिई प० वायरवाउकाइ  
याण उक्कोसेण तिन्निवाससहस्साइ ठिई पनत्ता ॥ १९६ ॥ अह भत्ते सालीणं वीहीणं  
गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं एणसिणं धन्नाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मचाउत्ताणं  
मालाउत्ताणं ओलित्ताणं लित्ताणं लछियाणं मुद्धियाणं पिहियाणं केवइय काल जोणी  
सच्चिट्ठइ ? गोयमा । जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण तिन्निस्वच्छराइ तेण पर जोणी  
पमिलायइ पक्खिसइ विद्धिसइ तेण परं वीए अवीए भवइ तेण परं जोणी वोच्छेदे  
प० ॥ १९७ ॥ दोच्चाएणं सक्करप्पभाए पुढवीए नेरइयाणं उक्कोसेण तिन्निसागरो  
वमाइ ठिई प० तच्चाएणं बालुयप्पभाए पुढवीए जहन्नेण नेरइयाणं तिन्निसागरोव  
माइ ठिई प० । पचमाए ण धूमप्पभाए पुढवीए तिन्निनिरयावाससयसहस्सा प०  
तिसु ण पुढवीसु नेरइया उसिणं वेयणं पच्चणुभवमाणां विहरति त० पढमाए दोच्चाए  
तच्चाए ॥ १९८ ॥ तओ लोणे समा सपक्खिं सपड्ढिदिसिं प० त० अप्पइट्ठाणे णए  
जउदीवे दीवे सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे । तओ लोणे समा सपक्खिं सपड्ढिदिसिं प०  
त० सीमतएणं णए समयक्खेत्ते ईसिपब्भारापुढवी ॥ १९९ ॥ तओ समुद्दा पगईए  
उदगरसेणं प० त० कालोदे पुक्खरोदे सयभुरमणे, तओ समुद्दा बहुमच्छकच्छभा  
इण्णा प० तं० लवणे कालोदे सयभुरमणे ॥ २०० ॥ तओ लोणे णिस्सीला णिव्वया  
णिग्गुणा णिम्मेरा णिपच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए  
पुढवीए अप्पइट्ठाणे णए नेरइयत्ताए उववज्जति त० रायाणो मडलिया जे य महा  
रंभा कोडुंवी । तओ लोए सुसीला सुव्वया सगुणा सम्मेरा सपच्चक्खाणपोसहोव-  
वासा कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववत्तारो भवंति  
त० रायाणो परिचत्तकामभोगा सेणावई पसत्थारो ॥ २०१ ॥ वमलोगलतएणु ण



णियठे सिगाए, तओ णियठा सण्णणोसण्णोवउत्ता प० त० बउसे पडिसेवणाकुसीठे  
 कसायकुसीठे ॥ २०९ ॥ तओ सेहभूमीओ प० त० उक्कोसा मज्झिमा जहम्मा  
 उक्कोसा छम्मासा मज्झिमा चउमासा, जहन्ना सत्तराद्विया ॥ २१० ॥ तओ  
 थेरभूमीओ पन्नताओ त० जाइथेरे सुयथेरे परियायथेरे । सठ्ठिवासजाए समणे  
 णिग्गथे जाइथेरे, ठाणसमवायधरे ण समणे णिग्गथे सुयथेरे, वीसवासपरियाए  
 समणे णिग्गथे परियायथेरे ॥ २११ ॥ तओ पुरिसजाया प० सुमणे दुम्मणे नो-  
 सुमणेणोदुम्मणे, तओ पुरिसजाया प० गताणामेगे सुमणे भवइ गताणामेगे  
 दुम्मणे भवइ गताणामेगे नोसुमणेगोदुम्मणे भवइ, तओ पुरिसजाया प० त०  
 जामि एगे सुमणे भवइ, जामि एगे दुम्मणे भवइ, जामि एगे नोसुमणेणोदुम्मणे  
 भवइ, एव जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ ( ३ ) तओ पुरिसजाया पण्णत्ता त०  
 अगताणामेगे सुमणे भवइ ( ३ ) तओ पुरिसजाया प० त० ण जामि एगे सुमणे  
 भवइ ( ३ ) तओ पुरिसजाया प० त० ण जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ ( ३ ) एवं  
 आगताणामेगे सुमणे भवइ ( ३ ) एमि एगे सुमणे भवइ, एस्सामि एगे सुमणे भवइ ( ३ )  
 एव एएण अभिलावेण गता य अगता य आगता खलु तहा अगागता । चिट्ठित्त-  
 चिट्ठित्ता, णिसिद्धित्ता चेव नो चेव १ हता य अहता य उड्ढित्ता खलु तहा अजिद्धित्ता,  
 वूड्ढित्ता अवूड्ढित्ता, भासित्ता चेव नो चेव २ दच्चा य अदच्चा य, भुजित्ता खलु  
 तहा अभुजित्ता, लंभित्ता अलंभित्ता, पिडित्ता चेव नो चेव ३ सुडित्ता असुडित्ता,  
 जुज्झित्ता खलु तहा अजुज्झित्ता, जइत्ता अजइत्ता य, पराजिणित्ता चेव नो  
 चेव ४ सद्दा रुवा गघा, रसा य फासा तहेव ठाणा य, निस्सीलस्स गरहिया,  
 पसत्था पुग सीलवंतस्स ५ एवमेक्केक्के तिज्जित्तिज्जित्त आलावगा भाणियन्वा । सए  
 सुणेत्ताणामेगे सुमणे भवइ ( ३ ) एव सुणेमिप्पि ( ३ ) सुणेस्सामिप्पि ३ एव अउभे  
 ताणामेगे सुमणे भवइ ( ३ ) न सुणेमिप्पि ३ न सुणेस्सामिप्पि ३ एव रुवाई गघाई  
 रसाई फासाई इक्केक्के छछ आलावगा भाणियन्वा, एव १२७ आलावगा भवति  
 ॥ २१२ ॥ तओ ठाणा निस्सीलस्स णिव्वयस्स णिग्गुगस्स णिम्मेरस्स णिण-  
 ण्णक्खानपोसहोववासस्स गरहिया भवति त० अस्सि लोगे गरहिए भवइ उववाए  
 गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ । तओ ठाणा सुसीलस्स सुव्वयस्स सगुणस्स  
 समेरस्स सपक्खानपोसहोववासस्स पसत्था भवन्ति त० अस्सि लोगे पसत्थे  
 भवइ उववाए पसत्थे भवइ आयाई पसत्था भवइ ॥ २१३ ॥ तिविहा ससारसमा-  
 वन्नगा जीवा प० त० इत्थी पुरिसा णपुसगा । तिविहा सब्वजीवा प० त० सम्मविट्ठी  
 मिच्छदिट्ठी सम्ममिच्छदिट्ठी य । अहवा तिविहा सब्वजीवा प० त० पज्जतगा



तिहिं ठाणेहिं मायी माय कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा  
त० अकिंती वा मे सिया अवजे वा मे सिया अविणए वा मे सिया, तिहिं ठाणेहिं  
मायी माय कट्टु णो आलोएज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा त० किंती वा मे परिहाइस्सइ  
जसो वा मे परिहाइस्सइ पूयासक्कारे वा मे परिहाइस्सइ, तिहिं ठाणेहिं मायी माय  
कट्टु आलोएज्जा पडिक्कमेज्जा निंदेज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तजहा मायिस्स ण अस्सि  
लोणे गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ । तिहिं ठाणेहिं  
मायी माय कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा त० अमायिस्स ण अस्सि लोणे  
पसत्थे भवइ, उववाए पसत्थे भवइ आयाई पसत्था भवइ, तिहिं ठाणेहिं मायी माय  
कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा त० णाणट्ठयाए दसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए ॥२२१॥  
तओ पुरिसज्जाया प० तं० सुत्तधरे अत्थधरे तदुभयधरे ॥२२२॥ कप्पइ निग्गथाण  
वा निग्गथीण वा तओ वत्थाई धारित्तए वा परिहरित्तए वा त० जंगिए साणिए  
खोमिए । कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गथीण वा तओ पायाई धारित्तए वा परिहरित्तए  
वा तं० लाउयपाए वा दासपाए वा मट्ठियापाए वा, तिहिं ठाणेहिं वत्थं धरेज्जा त०  
हिरिवत्तिय दुगुल्लवत्तिय परीसहवत्तियं ॥२२३॥ तओ आयरक्खा प० तं० धम्मियाए  
पडिचोयणाए पडिचोएत्ता भवइ तुसिणीए वा सिया उट्ठिता वा आयाए एगंतमन्तम  
वक्कमेज्जा ॥ २२४ ॥ निग्गथस्स णं गिलायमाणस्स कप्पंति तओ वियडदत्तीओ  
पडिगाहित्तए तं० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना ॥ २२५ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे  
निग्गथे साहम्मिय समोइयं विसमोइयं करेमाणे णाइक्कमइ त० सय वा दट्ठं सट्ठस्स  
वा निसम्म तच्च मोस आउट्ठइ चउत्थ नो आउट्ठइ ॥ २२६ ॥ तिविहा अणुज्जा प०  
त० आयरियत्ताए उवज्झायत्ताए गणित्ताए, तिविहा समणुज्जा प० त० आयरियत्ताए  
उवज्झायत्ताए गणित्ताए, एव उवसपया एव विजहण्णा ॥ २२७ ॥ तिविहे वयणे  
प० त० तव्वयणे तदन्नवयणे णो अवयणे, तिविहे अवयणे प० त० णो तव्वयणे  
णो तदन्नवयणे अवयणे, तिविहे मणे प० त० तम्मणे तयन्नमणे णो अमणे,  
तिविहे अमणे णो तंमणे णो तयन्नमणे अमणे ॥ २२८ ॥ तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिं  
काए सिया त० तस्सि च णं देससि वा पएसंसि वा णो वहवे उदगजोणिया जीवा  
य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमति विउक्कमति चयति उववज्जति पडिलोमवाळ समु  
ट्ठिय उदगपोग्गल परिणयं वासित्ठकाम अण्ण देसं साहरइ, अब्भवहल्लं च  
ण समुट्ठियं परिणयं वासित्ठकामं वाउकाए विहुणेइ इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अप्पवु  
ट्ठिकाये सिया । तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिया तं० तसि च णं देससि वा  
पएसंसि वा वहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमति विउक्क



तिहिं ठाणेहिं मायी माय कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा  
त० अकित्ती वा मे सिया अवजे वा मे सिया अविणए वा मे सिया, तिहिं ठाणेहिं  
मायी माय कट्टु णो आलोएज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा त० कित्ती वा मे परिहाइस्सइ  
जसो वा मे परिहाइस्सइ पूयासक्कारे वा मे परिहाइस्सइ, तिहिं ठाणेहिं मायी मायं  
कट्टु आलोएज्जा पडिक्कमेज्जा निंदेज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तजहा मायिस्स ण अस्सि  
लोगे गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ । तिहिं ठाणेहिं  
मायी माय कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा त० अमायिस्स ण अस्सि लोगे  
पसत्थे भवइ, उववाए पसत्थे भवइ आयाई पसत्था भवइ, तिहिं ठाणेहिं मायी मायं  
कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा त० णाणट्ठयाए दसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए ॥२२१॥  
तओ पुरिसजाया प० त० सुत्तधरे अत्थधरे तदुभयधरे ॥२२२॥ कप्पइ निग्गयाण  
वा निग्गथीण वा तओ वत्थाइ धारित्तए वा परिहरित्तए वा त० जगिए सणिए  
खोमिए । कप्पइ निग्गयाण वा निग्गथीण वा तओ पायाई धारित्तए वा परिहरित्तए  
वा त० लाउयपाए वा दारुपाए वा मट्ठियापाए वा, तिहिं ठाणेहिं वत्थं वरेज्जा तं०  
हिरिवत्तिय दुगुल्लवत्तिय परीसहवत्तिय ॥२२३॥ तओ आयरक्खा प० त० धम्मियाए  
पडिचोयणाए पडिचोएत्ता भवइ तुसिणीए वा सिया उट्ठिता वा आयाए एगंतमन्तम  
वक्कमेज्जा ॥ २२४ ॥ निग्गयस्स ण गिलायमाणस्स कप्पति तओ वियडदत्तीओ  
पडिगाहित्तए त० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना ॥ २२५ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे  
निग्गथे साहम्मिय समोइय विसमोइय करेमाणे णाइक्कमइ त० सय वा दट्ठं सट्ठस्स  
वा निसम्म तच्च मोसं आउट्ठइ चउत्थ नो आउट्ठइ ॥ २२६ ॥ तिविहा अणुज्जा प०  
तं० आयरियत्ताए उवज्झायत्ताए गणित्ताए, तिविहा समणुज्जा प० तं० आयरियत्ताए  
उवज्झायत्ताए गणित्ताए, एव उवसंपया एवं विजहण्णा ॥ २२७ ॥ तिविहे वयणे  
प० त० तव्वयणे तदन्नवयणे णो अवयणे, तिविहे अवयणे प० त० णो तव्वयणे  
णो तदन्नवयणे अवयणे, तिविहे मणे प० त० तम्मणे तयन्नमणे णो अमणे,  
तिविहे अमणे णो तमणे णो तयन्नमणे अमणे ॥ २२८ ॥ तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिं  
काए सिया तं० तस्सि च णं देसंसि वा पएससि वा णो बहवे उदगजोणिया जीवा  
य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमति विउक्कमति चयति उववज्जंति पडिलोमवारु समु  
ट्ठियं उदगपोग्गल परिणय वासिउकाम अण्ण देस साहरइ, अब्भवहल्लग च  
ण समुट्ठिय परिणय वासिउकाम वाउकाए विहुणेइ इत्थेएहिं तिहिं ठाणेहिं अप्पवु  
ट्ठिकाये सिया । तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिया तं० तसि च ण देसंसि वा  
पएससि वा बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमति विउक्क-





सुए अहीए अहो ण मए इहलोगपडिवद्वेण परलोगपरंसुहेण विसयतिसिए णो  
 वीहे सामन्नपरियाए अणुपालिए । अहो ण मए इन्द्रिरससायगरुए भोगामिसिगिद्वेण  
 णो विमुद्वे चरित्ते फासिए इच्चेएहिं० ॥ २३२ ॥ तिहिं ठाणेहिं देवे चइस्सामीति  
 जाणइ, त० विमाणाभरणाई णिप्पभाई पासित्ता, कप्पक्खग मिलायमाणं पासित्ता  
 अप्पणो तेयलेस्स परिहायमाणं जाणित्ता, इच्चेएहिं०, तिहिं ठाणेहिं देवे उव्वेगमाग  
 च्छेज्जा त०—अहो ण मए इमाओ एयारूजाओ दिव्वाओ देविन्हीओ दिव्वाओ देव  
 जुईओ, दिव्वाओ देवाणुभावाओ पत्ताओ लद्धाओ अभिसमण्णागयाओ चइस्स  
 भविस्सइ । अहो ण मए माउओय पिउमुक्क तं तवुभयससिट्ठ तप्पडमयाए आहारो  
 आहारेयव्वो भविस्सइ । अहो ण मए कलमलजवालाए असुईए उव्वेयणियाए  
 भीमाए गम्भवसहीए वसियव्वं भविस्सइ । इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं० ॥ २३३ ॥  
 तिसठिया विमाणा प० त० वट्ठा तंसा चउरसा । तत्थ ण जे ते वट्ठविमाणा ते ण  
 पुक्खरकणिया संठाणसठिया सब्बओ समता पागारपरिक्खित्ता एगदुवारा प० ।  
 तत्थ ण जे ते तसविमाणा ते सिंघाडगसठाणसंठिया दुहुओ पागारपरिक्खित्ता  
 एगओ वेइया परिक्खित्ता तिदुवारा प० । तत्थ ण जे ते चउरंसविमाणा ते ण  
 अक्खाडगसठाणसठिया सब्बओ समता वेइया परिक्खित्ता चउदुवारा प० ।  
 तिपइठिया विमाणा प० त० घणोदहिपइठिया, घणवायपइठिया, उवासतरपइठिया ।  
 तिविहा विमाणा प० त० अवठिया वेठव्विया परिजाणिया ॥ २३४ ॥ तिविहा  
 णेरइया प० त० सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी । एव विगल्लिदियक्खं  
 जाव वेमाणियाण । तओ दुग्गईओ पण्णत्ताओ त० णेरइयदुग्गई, तिरिक्खजोमिक्ख  
 दुग्गई मणुयदुग्गई । तओ सुग्गईओ प० त० सिद्धिसोग्गई देवसोग्गई मणुस्स  
 सोग्गई । तओ दुग्गया प० त० णेरइयदुग्गया तिरिक्खजोणियदुग्गया, मणुस्स-  
 दुग्गया, तओ सुग्गया प० तं० सिद्धसुग्गया देवसुग्गया मणुस्ससुग्गया ॥ २३५ ॥  
 चउत्थभत्तियस्स ण भिक्खुस्स कप्पति तओ पाणगाइ पडिगाहित्ताए त० उस्सेइमे  
 संसेइमे चाउलधोवणे । छट्ठभत्तियस्स ण भिक्खुस्स कप्पति तओ पाणगाइ पडि  
 गाहित्ताए, तजहा—तिलोदए तुसोदए जवोदए, अट्ठमभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पति  
 तओ पाणगाइ पडिगाहित्ताए तंजहा—आयामए सोवीरए सुद्धवियडे ॥ २३६ ॥  
 तिविहे उवहडे प० तं० फल्लिओवहडे सुद्धोवहडे ससट्ठोवहडे, तिविहे ओगहिए प०  
 त० जं च ओगिण्हइ जं च साहरइ ज च आसगसि पक्खिवइ ॥ २३७ ॥  
 तिविहा ओमोयरिया प० तं० उवगरणोमोयरिया, भत्तपाणोमोयरिया, भावोमोय-  
 रिया, उवगरणोमोयरिया तिविहा प० तं० एगे वत्थे, एगे पाये चियत्तोवहि

॥ १५७ ॥ त्रिभिह्य ऋतुह्य प तं वाताह्वना रंधवाताह्वना वरिधाह्वना  
 वाताह्वना त्रिभिह्य प तं उद्योता मणिमा वह्ना पूर्वं रंधवाताह्वनामि  
 वरिधाह्वनामि त्रिभिह्ये संनिधौ प तं वायव्येतिधौ रंधवसंनिधौ वरिध-  
 संनिधौ पूर्वं वसंनिधौमि पूर्वं वसंनिधौमि वसंनिधौमि वसंनिधौमि वसंनिधौमि  
 नि, त्रिभिह्यह्वनां वायोह्वना, पृथिव्यह्वना मिह्वना परहिवा वाय पृथिव्यमिमा  
 तं वाताह्वनामस्त रंधवाह्वनामस्त, वरिधाह्वनामस्त पूर्वं वसंनिधौमि वसंनिधौमि  
 अनामस्त ॥ १५८ ॥ त्रिभिह्ये पाथ्येतिधौ प तं वायोह्वनामिह्ये, पृथिव्यमि-  
 मिह्ये, त्रिभिह्ये ॥ १५९ ॥ अंशुमि धीवे मंदरस्त पन्थस्त राक्षिमेवं तयो  
 अन्धममूलीयो प तं हेमवत् इमिह्ये वेत्तुत अंशुमि धीवे मंदरस्त पन्थ-  
 वस्त उत्तरेवं तयो अन्धममूलीयो प तं उत्तरेत्तुत रम्यवत्तुते पृथवत्,  
 अंशुमि धीवे मंदरस्त पन्थस्त राक्षिमेवं तयो वाता प तं वरिधे, हेमवत्, इमे-  
 वात्, अंशुमरस्त उत्तरेवं तयो वाता प तं रम्यवत्तुते हेमवत्, वरवत्,  
 अंशुमरस्त राक्षिमेवं तयो वाताह्वनामस्त प तं अन्धममूलीयो मन्धममूलीयो  
 मिह्ये अंशुमरस्त उत्तरेवं तयो वाताह्वनामस्त प तं वरिधेति अन्ध-  
 मिह्ये अंशुमरस्त राक्षिमेवं तयो मन्धममूलीयो प तं पन्थवत्, महापन्थवत्,  
 त्रिभिह्ये, तत्तं न तयो वेत्तुतमिह्ये मन्धममूलीयो वाय पृथिव्यमिह्ये  
 वरिधेति तं मिह्ये मिह्ये मिह्ये । पूर्वं उत्तरेवं नि वरिधे वेत्तुतमिह्ये, महापन्थवत्,  
 वेत्तुतमिह्ये, वेत्तुतमिह्ये मिह्ये अन्धममूलीयो अंशुमरस्त राक्षिमेवं अन्धममूलीयो  
 वाताह्वनामस्त पन्थवत्तुते महापन्थवत्तुते तयो मन्धममूलीयो पन्थवत् तं  
 मिह्ये वेत्तुतमिह्ये । अंशुमरस्त उत्तरेवं मिह्ये वाताह्वनामस्त वेत्तुतमिह्ये  
 महापन्थवत्तुते तयो मन्धममूलीयो पन्थवत् तं अन्धममूलीयो रम्यवत्तुते । अंशुमरस्त  
 पृथिव्यमेवं वीथय महापन्थव उत्तरेवं तयो अन्धममूलीयो प तं वाताह्वे,  
 वरवत्, पन्थवत्, अंशुमरस्त पृथिव्यमेवं वीथय महापन्थव राक्षिमेवं तयो अन्ध-  
 ममूलीयो प तं उत्तरेत्तुत मन्धममूलीयो अन्धममूलीयो, अंशुमरस्त पन्थव्यमेवं  
 वीथेवा महापन्थव राक्षिमेवं तयो अन्धममूलीयो प तं वरिधे वा वरिधेना,  
 अन्धममूलीयो अंशुमरस्त पन्थव्यमेवं वीथेवा महापन्थव उत्तरेवं तयो अन्धम-  
 मूलीयो प तं वरिधेति वीथे वीथे वीथे पूर्वं वायव्येति धीवे  
 पृथिव्यमेवं अन्धममूलीयो वाताह्वना वाय अन्धममूलीयोति वरिधेति मन्ध-  
 ममूलीयो वाय पृथिव्यवत्तुते तयो वरिधेति मन्धममूलीयो ॥ १६ ॥  
 त्रिभिह्ये त्रिभिह्ये वेत्तुत पुथवत् वरिधेना तन्धममूलीयो रम्यवत्तुते पुथवत्

त० मणपओगकिरिया वडपओगकिरिया कायपओगकिरिया, समुदाणकिरिया तिविहा  
 प० त० अणतरसमुदाणकिरिया, परपरसमुदाणकिरिया तदुभयसमुदाणकिरिया,  
 अण्णाणकिरिया तिविहा प० त० मइअण्णाणकिरिया, सुयअण्णाणकिरिया, विमम-  
 अण्णाणकिरिया, अविणए तिविहे प० त० देसचाई, णिरालवणया, णाणापेत्तदेसे,  
 अण्णाणे तिविहे प० त० देसअण्णाणे, सब्बअण्णाणे, भावअण्णाणे ॥ २४९ ॥  
 तिविहे धम्मं प० त० सुयधम्मं, चरित्तधम्मं, अत्थिक्कयधम्मं, तिविहे उवक्कमे  
 प० त० धम्मिण उवक्कमे, अहम्मिण उवक्कमे, धम्मियाधम्मिण उवक्कमे, अहवा  
 तिविहे उवक्कमे प० त० आओवक्कमे, परोवक्कमे, तदुभयोवक्कमे, एव वेयावक्के,  
 अणुग्गहे, अणुसिद्धि, उवालभ, एवमिक्केके तिन्नि २ आलावगा जहेव उवक्कमे  
 ॥ २५० ॥ तिविहा कहा प० त० अत्यकहा, धम्मकहा, कामकहा, तिविहे विणिच्छए  
 प० त० अत्यविणिच्छए धम्मविणिच्छए कामविणिच्छए ॥ २५१ ॥ तहाएवं ण भते  
 समण वा णिग्गय वा सेवमाणस्स किं फला सेवणया ? सवणफला, से ण भते सवणे  
 किं फले ? णाणफले, से ण भते णाणे किं फले ? विण्णाण फले, एवमेएण अभिलावेन  
 इमा गाहा अणुगतव्वा-“सवणे णाणे य विण्णाणे, पयस्खाणे य सज्जे । अण्हए  
 तवे चेव, वोदाणे अकिरिय णिव्वाणे ( १ ) जाव से ण भते अकिरिया किं फला ?  
 णिव्वाणफला, से ण भते णिव्वाणे किं फले ? सिद्धिगइगमणपज्जवसाणफले पण्णत्ते  
 समणात्तो ! ॥ २५२ ॥ तइओदेसो समत्तो ॥

पडिमापडिवणस्स ण अणगारस्स कप्पति तओ उवस्सया पडिहेहितए त०-  
 अहे आगमणगिहसि वा, अहे वियडगिहसि वा, अहे रुक्खमूलगिहसि वा, एव-  
 मणुन्नवेत्तए, उवाइणित्तए, पडिमापडिवन्नस्स ण अणगारस्स कप्पति तओ सथारगा  
 पडिहेहितए त० पुडवीसिला, कठूसिला, अहासथडमेव, एवमणुन्नवित्तए उवाइणि-  
 त्तए ॥ २५३ ॥ तिविहे काळे प० त० तीए पडुप्पन्ने अणागए, तिविहे समए प०  
 त० तीए, पडुप्पन्ने, अणागए, एव आवलिया, आणापाणू, योवे लवे मुहुत्ते अहो-  
 रत्ते, जाव वाससयसहस्से पुब्बगे, पुब्बे, जाव ओसप्पिणी, तिविहे पोग्गलपरियट्ठे  
 प० त० तीते पडुप्पन्ने अणागए ॥ २५४ ॥ तिविहे वयणे प० त०-एगवयणे,  
 दुवयणे, बहुवयणे, अहवा तिविहे वयणे प० त० इत्थिवयणे, पुवयणे, णपुसग-  
 वयणे, अहवा तिविहे वयणे प० त० तीतवयणे, पडुप्पण्णवयणे, अणागयवयणे  
 ॥ २५५ ॥ तिविहा पन्नवणा त० णाणपण्णवणा, दंसणपण्णवणा, चरित्तपण्णवणा,  
 तिविहे सम्मे प० त० णाणसम्मे, दंसणसम्मे, चरित्तसम्मे ॥ २५६ ॥ तिविहे  
 उवघाए प० त० उग्गमोवघाए, उप्पायणोवघाए, एसणोवघाए, एव विसोही



उराला पोगगला णिवतेज्जा, तएण ते उराला पोगगला णिवयमाणा देस पुढवीए चलेज्जा । महोरए वा महिस्सिए जाव महेसक्खे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए ओ उम्मज्जणिमज्जिय करेमाणे देस पुढवीए चलेज्जा । णागसुवण्णाण वा सगामसि वट्टमाणसि देस पुढवीए चलेज्जा, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा । त० अहेण इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए गुप्पेज्जा, तएण से घणवाए गुप्पे समाणे घणोदहिमेएज्जा, तएण से घणोदही एइए समाणे केवलकप्प पुढवि चालेज्जा । देवे वा महिस्सिए जाव महेसक्खे तहारूवस्स समणस्स णिगयस्स वा इट्ठिं जुइ जस वल वीरियं पुरिसफारपरक्कम उवदसेमाणे केवलकप्प पुढवि चालेज्जा । देवासुरसगामसि वा वट्टमाणसि केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा इच्चेएहिं तिहिं० ॥ २६१ ॥

तिविहा देवा किब्बिसिया प० त० तिपलिओवमठ्ठिइया, तिसागरोवमठ्ठिइया, तेरससागरोवमठ्ठिइया, कहिं णं भते तिपलिओवमठ्ठिइया देवा किब्बिसिया परिवसति ? उप्पिं जोइसियाण हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थण तिपलिओवमठ्ठिइया देवा किब्बिसिया परिवसति, कहिं ण भते तिसागरोवमठ्ठिइया देवा किब्बिसिया परिवसति ? उप्पिं सोहम्मीसाणाण कप्पाण, हेट्ठिं सगंकुमारमाहिंद कप्पेसु एत्थ ण तिसायरोवमठ्ठिइया देवा किब्बिसिया परिवसति । कहिं ण भते तेरससागरोवमठ्ठिइया देवा किब्बिसिया परिवसति ? उप्पिं वमलोयस्स कप्पस्स हिट्ठिं लंतगे कप्पे एत्थ ण तेरससागरोवमठ्ठिइया देवा किब्बिसिया परिवसति ॥ २६२ ॥

सक्कस्स ण देविंदस्स देवरणो बाहिरपरिसाए देवाण तिप्पिपलिओवमाइं ठिई प०—सक्कस्स ण देविंदस्स देवरणो अब्बिंभतरपरिसाए देवीग तिप्पिपलिओवमाइं ठिई प० इसाणस्सण देविंदस्स देवरणो बाहिरपरिसाए देवीग तिप्पिपलिओवमाइं ठिई प० ॥ २६३ ॥

तिविहे पायच्छित्ते प० तं० णाणपायच्छित्ते, दसणपायच्छित्ते, चरित्तपायच्छित्ते । तओ अणुग्घाइमा प० त० हत्थकम्मं करेमाणे, मेहुण सेवेमाणे, राइओयण भुजमाणे, तओ पारंचिया प० त० दुठ्ठे पारंचिए, पमत्ते पारंचिए, अण्णमण्ण करेमाणे पारंचिए, तओ अणवट्टप्पा प० त० साहम्मियाण तेणं करेमाणे, अण्णधम्मियाण तेणं करेमाणे, हत्थताल दलयमाणे, तओ णो कप्पति पव्वावेत्तए, पंडए, वाइए, कीवे, एव मुंडावेत्तए, सिक्खावेत्तए, उवट्ठावेत्तए, सभुजित्तए, संवासित्तए ॥ २६४ ॥

तओ अवायणिज्जा प० तं० अविणीए, विगइपडिबद्धे, अविओसियपाहुद्धे । तओ कप्पति वाइत्तए त० विणीए अविगइपडिबद्धे विओसियपाहुद्धे ॥ २६५ ॥

तओ दुसणप्पा प० त० दुठ्ठे मूढे सुग्गाहिए, तओ सुसजप्पा प० त० अदुठ्ठे अमूढे अवुग्गाहिए ॥ २६६ ॥ तओ

रोए, तं पटीसहा अमिहंविज अमिहंविज अमिमर्षति नो से पटीसहे अमि-  
हंविज अमिहंविज अमिमर्ष, से नं हुंके मणिता आगाराग्यो अमिमर्षि पम्पहए,  
पंभहि महम्पएहि संकिए जाव अमुससमावन् पंभयहम्पहई नो सएहए जाव नो  
से पटीसहे अमिहंविज २ अमिमर्ष, से नं हुंके मणिता आगाराग्यो अमिमर्षि  
पम्पहए छई जीवनिअएहि जाव अमिमर्ष, तन्ने ठाया ववठिअस्त द्विवाए जाव  
आमुयामिवाताए मर्षति तं से नं हुंके मणिता आगाराग्यो अमिमर्षि पम्पहए  
मिहंविज पामनने मिहंविज मिहंविज जाव नो अमुससमावन् मिहंविज पापननं  
सएहए पतिअए रोए, से पटीसहे अमिहंविज २ अमिमर्ष, नो तं पटीसहा  
अमिहंविज २ अमिमर्षति से नं हुंके मणिता आगाराग्यो अमिमर्षि पम्पहए  
अमावे पंभहि महम्पएहि मिहंविज-मिहंविज जाव पटीसहे अमिहंविज २  
अमिमर्ष, नो तं पटीसहा अमिहंविज २ अमिमर्षति से नं जाव छई जीव-  
निअएहि मिहंविज जाव पटीसहे अमिहंविज २ अमिमर्ष नो तं पटीसहा  
अमिहंविज २ अमिमर्षति ॥ २८५ ॥ एपमेयानं पुडवी विहिं वतएहि सन्मयो  
समेता संपरिविजता संवहा-अमेवविजएव अमिवानवकएव तमुवावकएव  
॥ २८६ ॥ केउवाव छकोसेव विजयएव मिगहव अमवर्षति एपिदिअवर्ष जाव  
विम्वनिवाव ॥ २८७ ॥ अमिमोहसुव अउवो तन्ने अमेव त्रुपं विजति तं  
अमिवानवकएव, संवहावकएव, अंतएव ॥ २८८ ॥ अमीहंविजसे विजारे प एव  
सवने अविजनी मरवी मयविहरे एवे केउ ॥ २८९ ॥ अमिमो न अउवावो संवी  
अउवा विहिं अगरोववि विजअममार्थ पविजयेवअमएहि वीहंविज तमुप्यव ।  
समवस्त नं मयवयो महावीरस्त अज तन्नामो पुरिअहवावो अमंतवअमवी मलीनं  
अउवा विहिं पुरिअहएहि तवि तं मवेता जाव पम्पहए, एव पाटेनि समवस्त नं  
मयवयो महावीरस्त विजिअवा अउवपुअवीनं अविजार्थ विजअममार्थ समवस्त-  
एवविजार्थ विज हव अमिहवावपमावार्थ अउवेविज अउवपुअविजपवा अउव  
तन्ने विजवरा अउववी होएव तं संवी पुंन वरो ॥ २९० ॥ तन्ने गेलिअ-  
विमावपवका प तं विट्टिमगेविजविमावपवके मविजमगेविजविमावपवके  
अमिमगेविजविमावपवके विट्टिमगेविजविमावपवके विजिहरे प तं विट्टिम-  
विट्टिमगेविजविमावपवके विट्टिममविजमगेविजविमावपवके विट्टिमवविज-  
मगेविजविमावपवके मविजमगेविजविमावपवके विजिहरे प तं मविजमविट्टिम-  
मगेविजविमावपवके मविजममविजमगेविजविमावपवके मविजममविजमगेविज-  
विमावपवके अमिमगेविजविमावपवके विजिहरे प तं अमिमविट्टिमगेविज-

समागमे प० त० उद्धु अर्द निरिय, जया णं तद्वाह्वस्ता समणस्य वा णिगस्स  
 वा अदसेसे णाणदसणे समुप्पज्जइ सेण तपपउमयाए उद्धुगनिसमेइ, तओ तित्तं  
 तओ पच्छा अहे अदोलोणेणं दुरनिगमे प० समणाउगो ॥ २७२ ॥ तिविहा इह  
 प० त० देविद्धी-रादद्धी-गणिद्धी, देविद्धी तिविहा प० त० गिनागिद्धी, गिगुव्विद्धी,  
 परियारणिद्धी, अहवा देविद्धी तिविहा प० त० सच्चिता, अच्चिता, मीसिया, एइ  
 तिविहा प० तं० रण्णो अइयाणिद्धी, रण्णो णिन्नाणिद्धी, रण्णो बलवाहाघेइ-  
 कोट्टागारिद्धी, अहवा रादद्धी तिविहा प० त० सच्चिता, अच्चिता, मीसिया, गणिद्धी  
 तिविहा प० त० णाणिद्धी, दसणिद्धी, चरित्तिद्धी, अहवा गणिद्धी तिविहा प० त०  
 सच्चिता अच्चिता मीसिया ॥ २७७ ॥ तओ गारवा प० त० इद्धीगारवे, रसगारवे,  
 सायागारवे । करणे तिविहे प० त० धम्मिए करणे, अधम्मिए करणे, धम्मिवा  
 धम्मिए करणे ॥ २७८ ॥ तिविहे भगवया धम्मे प० त० सुअहिज्जिए, मुज्जाइए,  
 सुतवस्सिए जया सुअहिज्जियं भवइ, तदा मुज्जाइय भवइ, जया मुज्जाइय भवइ  
 तया सुतवस्सिय भवइ, से उअहिज्जिए, मुज्जाइए, सुतवस्सिए, सुयम्माएणं भग-  
 वया धम्मे पत्ते ॥ २७९ ॥ तिविहा वावत्ती प० त० जाणू, अजाणू, विट्ठि-  
 निच्छा, एवमज्झोववज्जणा परियावज्जणा ॥ २८० ॥ तिविहे अते प० त०  
 लोगते, वेयते, समयते ॥ २८१ ॥ तओ जिणा प० त० ओहिणाणजिणे, मण-  
 पज्जवणाणजिणे, केवलणाणजिणे, तओ केवली प० त० ओहिणाणकेवली, मण-  
 पज्जवनाणकेवली, केवलनाणकेवली, तओ अरहा प० त० ओहिणाणअरहा, मण-  
 पज्जवणाणअरहा, केवलनाणअरहा ॥ २८२ ॥ तओ छेस्साओ दुब्भिगधाओ प०  
 त० कण्हछेस्सा, नीलछेस्सा, काठछेस्सा, तओ छेस्साओ सुब्भिगधाओ प० त०  
 तेऊ पम्ह सुक्कछेस्सा । एव त्तिदुग्गइगामिणीओ, त्तिदुग्गइगामिणीओ तओ  
 सकिलिट्ठाओ, असकिलिट्ठाओ, अमणुत्ताओ, मणुत्ताओ, आविसुद्धाओ, विसुद्धाओ,  
 अप्पसत्थाओ, पसत्थाओ, सीअलुक्खाओ, णिदुण्हाओ ॥ २८३ ॥ तिविहे मरणे  
 प० त० वालमरणे, पडियमरणे, वालपडियमरणे, वालमरणे तिविहे प० त०  
 ठिअछेस्से, सकिलिठ्ठेस्से, पज्जवजायछेस्से । पडियमरणे तिविहे प० त० ठिअ-  
 छेस्से, असकिलिठ्ठेस्से, पज्जवजायछेस्से, वालपडियमरणे तिविहे प० त० ठिअ-  
 छेस्से असकिलिठ्ठेस्से अपज्जवजायछेस्से ॥ २८४ ॥ तओ ठाणा अव्ववसिअस्स  
 अहियाए, अमुआए, अयमाए, अणिस्सेसाए, अणाणुगामियत्ताए भवति त० से णं  
 मुढे भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइए णिगये पावयणे सकिए कखिए वित्ति-  
 निच्छिए भेदसमावजे कलुससमावजे णिगंथ पावयणं णो सदहइ णो पत्तियइ, णो





विमाणपत्यडे, उवरिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्यडे, उवरिमउवरिमगेविज्जविमाण-  
पत्यडे ॥ २९१ ॥ जीवाणं तिठाणणिव्वत्तिए पोगगळे पावकम्मताए चिन्ति  
वा चिणंति वा चिणिस्सति वा तजहा-इत्थिणिव्वत्तिए, पुरिसणिव्वत्तिए, णपुंस  
गणिव्वत्तिए, एव चिणउवचिणवधउवीरवेय तह णिज्जरा चेव ॥ २९२ ॥ त्तिप-  
सिया खधा अणता पण्णत्ता, एव जाव तिगुणलुक्खा पोगगला अगता पण्ण  
॥ २९३ ॥ तिठ्ठाणं समत्तं ॥

### चउत्थट्ठाणं

चत्तारि अंतकिरियाओ प० त० तत्थ खलु इमा पढमा अतकिरिया,  
अप्पकम्मपच्चायाए यावि भवइ, से ण मुंढे भवित्ता अगाराओ अणगारिअ पव्व-  
इए, सजमवहुले संवरवहुले समाहिबहुले लहे तीरट्ठी उवहाणव दुक्खक्खवे तवस्सी  
तस्स णो तहप्पगारे तवे भवइ णो तहप्पगारा वेयणा भवइ, तहप्पगारे पुरि-  
सजाए बीहेण परियाएण सिज्झइ, वुज्झइ मुच्चइ परिणिव्वाइ सव्वदुक्खाणमत्तं करेइ,  
जहा से भरहे राया चाउरंतचक्कवट्ठी पढमा अतकिरिया, अहावरा दोच्चा अत  
किरि ॥, महाकम्मपच्चायाए यावि भवइ से ण मुंढे भवित्ता अगाराओ अणगारिअ  
पव्वइए, सजमवहुले संवरवहुले जाव उवहाणव दुक्खक्खवे तवस्सी तस्स  
तहप्पगारे तवे भवइ, तहप्पगारा वेयणा भवइ तहप्पगारे पुरिसजाए निरुद्धेण  
परियाएण सिज्झइ० जाव अत करेइ जहा से गजसुमाले अणगारे, दोच्चा अत-  
किरिया, अहावरा तच्चा अतकिरिया, महाकम्मपच्चायाएयावि भवइ, से ण मुंढे  
भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइए जहा दोच्चा, णवरं बीहेणं परियाएणं  
सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमत्तं करेइ, जहा से सणकुमारे राया चाउरंतचक्कवट्ठी  
तच्चा अतकिरिया, अहावरा चउत्था अतकिरिया, अप्पकम्मपच्चायाएयावि  
भवइ, से ण मुंढे भवित्ता जाव पव्वइए संजमवहुले जाव तस्स णो तहप्पगारे तवे  
भवइ नो तहप्पगारा वेयणा भवइ तहप्पगारे पुरिसजाए निरुद्धेण परियाएणं  
सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमत्तं करेइ जहा सा मरुदेवा भगवई, चउत्था अत  
किरिया ॥ २९४ ॥ चत्तारि रुक्खा प० त० उज्जए णाममेगे उज्जए, उज्जए णाममेगे  
पणए, पणए णाममेगे उज्जए, पणए णाममेगे पणए, एवामेव चत्तारि पुरिसजावा  
प० त० उज्जए णाममेगे उज्जए, तहेव जाव पणए णाममेगे पणए । चत्तारि रुक्खा  
प० तं० उज्जए णाममेगे उज्जयपरिणए, उज्जए णाममेगे पणयपरिणए, पणए  
नाममेगे उज्जयपरिणए, पणए णाममेगे पणयपरिणए । एवामेव चत्तारि पुरिसजावा  
प० त० उज्जए णाममेगे उज्जयपरिणए, चउर्भंगो । चत्तारि रुक्खा प० तं० उज्जए

यच्छेत्तु छरीनाममेने रेवीए छदि छेवासं गच्छेत्ता छरीनाममेने उवीए छदि  
 संवापं पच्छेत्ता ॥ ११ ॥ अतारि कस्ताया प०तं कोहच्छाए मावच्छाए म्वा-  
 क्छाए कोमच्छाए, एवं वेरुवायं अथ वेमावियानं अठप्पहट्टिए कोहे प तं  
 आवपहट्टिए, परपहट्टिए, तटुमयपहट्टिए, अपहट्टिए, एवं वेरुवायं अथ वेमावि-  
 यानं एवं आव कोमे वेमावियानं अठप्पिं ठप्पिं कोपुपच्छी विवा तं सेत पटुच  
 बत्तु पटुच छरीरे पटुच उवप्पिं पटुच एवं वेरुवायं अथ वेमावियानं एवं आव  
 कोहे वेमावियानं अठप्पिं कोहे प तं अरुवत्तुवविच्छेहे, अपववत्तुवच्छेहे,  
 पववत्तुवत्तुवच्छेहे, संवत्तुवच्छेहे, एवं वेरुवायं अथ वेमावियानं एवं आव  
 कोमे वेमावियानं अठप्पिं कोहे पत्तुवत्तुवच्छेहे, अमावोत्तुवच्छेहे,  
 उवत्तुवच्छेहे एवं वेरुवायं अथ वेमावियानं एवं आव कोमे आव  
 वेमावियानं ॥ १११ ॥ जीवा वे अठप्पिं ठप्पिं अठप्पमपमममो विमिद्ध तं  
 कोहेवं मावेवं मानाए कोमेवं एवं अथ वेमावियानं एवं विमिद्धि एत इवत्तुव ।  
 एवं विमिद्धि एत इवत्तुव एवमेवं विमिद्धि इवत्तुव एवं उवविमिद्धि, उवविमिद्धि,  
 उवविमिद्धि विमिद्धि १ । छरीरि १ । वेरुव १ । मिजरेरि मिजरेरि  
 मिजरेरि एवं वेमावियानमेवमेवत्तुव पदे विमिद्धि १ इवत्तुव माविवत्तुव अथ  
 मिजरेरि ॥ ११२ ॥ अतारि पठिमत्तुव प तं उवत्तुवपठिमा उवत्तुवप-  
 ठिमत्तुव विवत्तुवपठिमा विवत्तुवपठिमा अतारि पठिमत्तुव प तं महा उवत्तुव  
 महाभरा उवत्तुवभरा अतारि पठिमत्तुव प तं उवत्तुवपठिमत्तुव महाभरा  
 मोवपठिमा अथमत्तुव अथमत्तुव ॥ ११३ ॥ अतारि अरिपत्तुव अरिपत्तुव  
 प तं अरिपत्तुव, अरिपत्तुव, अरिपत्तुव, अरिपत्तुव, अरिपत्तुव, अरिपत्तुव,  
 अरिपत्तुव अरिपत्तुव प तं अरिपत्तुव, अरिपत्तुव, अरिपत्तुव, अरिपत्तुव,  
 अरिपत्तुव ॥ ११४ ॥ अतारि पत्तुव प०तं आवेवत्तुव आवेवत्तुव आवेवत्तुव  
 आवेवत्तुव, पत्तुवत्तुव आवेवत्तुव, पत्तुवत्तुव आवेवत्तुव, पत्तुवत्तुव आवेवत्तुव,  
 पत्तुवत्तुव आवेवत्तुव प तं आवेवत्तुव आवेवत्तुव पत्तुवत्तुव (४) ॥ ११५ ॥ अठप्पिं  
 कोहे प तं अठप्पुवत्तुव माठप्पुवत्तुव अठप्पुवत्तुव, अठप्पुवत्तुव, अठप्पुवत्तुव,  
 अठप्पुवत्तुव प तं अठप्पुवत्तुव माठप्पुवत्तुव अठप्पुवत्तुव अठप्पुवत्तुव,  
 अठप्पुवत्तुव ॥ ११६ ॥ अठप्पिं पठिमा प तं अठप्पुवत्तुव अठप्पुवत्तुव  
 अठप्पुवत्तुव अठप्पुवत्तुव प तं वेरुवायं वेरुवायं अथ  
 अठप्पिं तुपविहाने प तं अठप्पुवत्तुव अथ  
 अठप्पुवत्तुव अठप्पिं तुपविहाने प तं अठप्पुवत्तुव अथ

इच्छेज्जा माणुस लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव ण संचाएइ हव्वमागच्छित्तए,  
अहुणोववन्ने णेरइए णिरयलोगसि णिरयपालेहिं भुज्जो भुज्जो अहिट्ठिज्जमाणे इच्छेज्जा  
माणुस लोग हव्वमागच्छित्तए, नो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए, अहुणोववन्ने  
णेरइए णिरयवेयणिज्जसि कम्मसि अक्खीणसि अवेइयसि अणिजिणसि इच्छेज्जा  
नो चेव ण संचाएइ, हव्वमागच्छित्तए, एव णिरयाउअसि कम्मसि अक्खीणसि,  
जाव णो संचाएइ हव्वमागच्छित्तए इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने णेरइए  
जाव णो चेव ण संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ ३०६ ॥ कप्पति णिग्गधीण चत्तारि  
सघाढीओ धारित्तए वा परिहरित्तए वा त० एग दुहत्थवित्थारं, दोतिहत्थवित्थाराओ,  
एग चउहत्थवित्थार ॥ ३०७ ॥ चत्तारि ज्ञाणा प० त० अट्टे ज्ञाणे, रोदे ज्ञाणे,  
धम्मे ज्ञाणे, सुक्के ज्ञाणे, अट्टे ज्ञाणे चउव्विहे प० तं० अमणुजसपओगसपउत्ते  
तस्स विप्पओगसतिसमण्णागए यावि भवइ, मणुजसपओगसपउत्ते तस्स अविप्प-  
ओगसतिसमण्णागए यावि भवइ, आयकसपओगसपउत्ते तस्स विप्पओगसति-  
समण्णागए यावि भवइ, परिजुसियकामभोगसपओगसपउत्ते तस्स अविप्पओगसति-  
समण्णागए यावि भवइ, अट्टस्सण ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा प० त० कंदपया,  
सोयणया, तिप्पणया परिदेवणया, रोदे ज्ञाणे चउव्विहे प० त० हिंसाणुवधि,  
मोसाणुवधि तेणाणुवधि संरक्खणाणुवंधि । रोइस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा  
प० त० ओसन्नदोसे, बहुलदोसे, अन्नाणदोसे आमरणतदोसे । धम्मे ज्ञाणे  
चउव्विहे चउपढोयारे प० त० आणाविजए, अवायविजए, विवागविजए, सठाण-  
विजए । धम्मस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा प० त० आणारुई, णिसग्गरुई,  
सुत्तरुई, ओगाडरुई । धम्मस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि आलवणा प० तं० वायणा,  
पडिपुच्छणा, परियट्ठणा, अणुप्पेहा । धम्मस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ  
प० त० एगाणुप्पेहा, अणिष्ठाणुप्पेहा, असराणाणुप्पेहा, ससाराणुप्पेहा । सुक्के  
ज्ञाणे चउव्विहे चउप्पढोयारे प० त० पुहुत्तवियक्केसवियारी, एगत्तवियक्के अवि-  
यारी, सुहुमकिरिए अणियट्ठी, समुच्छिन्नकिरिए अपडिवाइ । सुक्कस्स णं ज्ञाणस्स  
चत्तारि लक्खणा प० त० अव्वहे असम्मोहे विवेगे विउस्सग्गे, सुक्कस्स णं ज्ञाणस्स  
चत्तारि आलवणा प० त० खंती मुत्ती मइवे अज्जवे, सुक्कस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि  
अणुप्पेहाओ प० त० अणंतवत्तियाणुप्पेहा, विपरिणामाणुप्पेहा, अज्जुमाणुप्पेहा,  
अवायाणुप्पेहा ॥ ३०८ ॥ चउव्विहा देवाण ठिई प० तं० देवेणामेगे, देवसिणाए  
णामेगे, देवपुरोहिण णामेगे, देवपज्जलणे णामेगे ॥ ३०९ ॥ चउव्विहे सवासं प०  
तं० देवेणामेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा, देवेणामेगे छवीए सद्धिं सवासं

एवो यस्मिन्परिचाए देवीर्न चत्वारि पञ्चमेवमाई तिई प ॥ १११ ॥ अठमिहे  
 संसारे दम्भसंसारे जेतसंसारे अजसंसारे भावसंसारे ॥ ११४ ॥ अठमिहे  
 दिङ्मिवाए प तं परिचये सुताई पुम्भपए अजुज्ये ॥ ११५ ॥ अठमिहे  
 पायचिहारे, वाचपायचिहारे वंसनपायचिहारे अरितपायचिहारे विरागचिहारे  
 पित्रो अठमिहे पायचिहारे, पवित्रेवनापायचिहारे संयोजनापायचिहारे, आरोग्यपा-  
 यचिहारे पवित्रचयापायचिहारे ॥ ११६ ॥ अठमिहे काळे पयाचिहारे महादमि-  
 म्वतिहारे मरपचिहारे अयाचिहारे ॥ ११७ ॥ अठमिहे पोम्भपरिचामे वम्भपरि-  
 चामे रंजपरिचामे रसपरिचामे प्यसपरिचामे ॥ ११८ ॥ भट्टेरपण्ड नं चत्तेहु  
 पुरिमपण्डिमवज्ज मण्डिमवा चत्तेहु अर्द्धता मगर्द्धता अन्धजर्म जर्म पञ्चरिति  
 तं सम्भज्जे पाणाइवायाओ वैरमर्न एनं सुतावायाओ अदिवाइवायाओ सम्भाओ  
 बहिइवायाओ वैरमर्न । उज्जेहु नं म्हामिहेहेनु अर्द्धता मगर्द्धता अन्धजर्म जर्म  
 पञ्चरर्द्धति तं सम्भज्जे पाणाइवायाओ वैरमर्न जाव सम्भाओ बहिइवायाओ  
 वैरमर्न ॥ ११९ ॥ चत्वारि सुताईओ प तं वैरइयुम्भई, तिरिक्कओमिइयुम्भई,  
 म्भुस्सपुम्भई, वैरुम्भई, चत्वारि सोम्भई प तं मिइछेम्भई, वैरछेम्भई,  
 म्भुवछेम्भई, छुम्भे पञ्चवाहे, चत्वारि दुम्भया प तं वैरुम्भु जाव वैरुम्भया,  
 चत्वारि दुम्भया प तं मिइछपय जाव छुम्भपयवावा ॥ १२० ॥ पञ्चसम-  
 विक्खं नं चत्वारि कर्मता वीज्य मर्द्धि तं वातावरमिज्ज, हरिसवावरमिज्ज,  
 मोहमिज्ज अंतराह्म । उज्जवज्जमर्द्धपचारे नं अरुहा विजे केमवी चत्वारि कर्मणे  
 वैरेहि तं वैरमिज्ज आरुमं नार्म वीर्य । पञ्चसमवसिइस्स नं चत्वारि कर्मता  
 सुपरं विज्जति तं वैरमिज्ज आरुमं नार्म वीर्य ॥ १२१ ॥ अठमिहे ज्ञेहि हासु-  
 व्यसी सिपा तं पसेया भावेता ज्ञेया संभरेया ॥ १२२ ॥ अठमिहे अंतरे  
 प तं कर्तुंतरे पम्हंतरे कोइतरे पचरंतरे । एवमेव इत्थीए वा पुरिउस्स वा  
 अठमिहे अंतरे प तं कर्तुंतरस्सामे पम्हंतरस्सामे कोइतरस्सामे पचरं-  
 तरस्सामे ॥ १२३ ॥ चत्वारि मज्जा प तं विक्खमवए उज्जमवए उज्जमवए  
 कम्भमवए ॥ १२४ ॥ चत्वारि पुरिउज्जमा प तं उपायवपडिसेयी वासमेमे  
 ओ पञ्चमवपडिसेयी पञ्चमवपडिसेयी वासमेमे ओ संयमवपडिसेयी एगे संयमव  
 पडिसेयीमि पञ्चमवपडिसेयीमि एगे ओ संयाववपडिसेयी ओ पञ्चमवपडिसेयी  
 ॥ १२५ ॥ अमरस्स नं अट्टरिहस्स अट्टरुप्पाररग्गो सोमस्स म्हाएग्गो चत्वारि  
 अम्भयहिहीओ प तं कम्मया कम्मयक्का विपत्तुया च्छुवरा, एनं अजस्स वर-  
 पस्स वैरमपस्स वसिस्स नं व्होएग्गिहस्स व्होववरग्गो सोमस्स म्हाएग्गो  
 चत्वारि अम्भयहिहीओ प तं विपत्ता उमाए विमुवा अजणी एनं अमस्स वैर-

इच्छेज्जा माणुस लोग हव्वमागच्छित्तए णो चेव ण सचाएइ हव्वमागच्छित्तए,  
अहुणोववने णेरइए णिरयलोगसि णिरयपालेहिं भुज्जो भुज्जो अहिठ्ठिज्जमाणे इच्छेज्जा  
माणुस लोग हव्वमागच्छित्तए, नो चेव ण सचाएइ हव्वमागच्छित्तए, अहुणोववने  
णेरइए णिरयवेयणिज्जसि कम्मसि अक्खीणसि अवेइयसि अणिजिण्णसि इच्छेज्जा०  
नो चेव ण सचाएइ, हव्वमागच्छित्तए, एव णिरयाउअसि कम्मसि अम्मीणसि,  
जाव णो सचाएइ हव्वमागच्छित्तए इयेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववने णेरइए  
जाव णो चेव ण सचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ ३०६ ॥ कप्पति णिग्गधीण चत्तारे  
संघादीओ धारित्तए वा परिहरित्तए वा त० एग दुहत्थवित्थारं, दोतिहत्थवित्थाराओ,  
एग चउहत्थवित्थार ॥ ३०७ ॥ चत्तारे ज्ञाणा प० त० अट्ठे ज्ञाणे, रोहे ज्ञाणे,  
धम्मे ज्ञाणे, सुक्के ज्ञाणे, अट्ठे ज्ञाणे चउव्विहे प० तं० अमणुनसपओगसपउत्ते  
तस्स विप्पओगसतिसमण्णागए यावि भवइ, मणुनसपओगसपउत्ते तस्स अविप्प-  
ओगसतिसमण्णागए यावि भवइ, आयकसंपओगसपउत्ते तस्स विप्पओगसति-  
समण्णागए यावि भवइ, परिजुत्तियकामभोगसपओगसपउत्ते तस्स अविप्पओगसति-  
समण्णागए यावि भवइ, अट्ठस्सण ज्ञाणस्स चत्तारे लक्खणा प० त० कदणया,  
सोयणया, तिप्पणया परिदेवणया, रोहे ज्ञाणे चउव्विहे प० त० हिंसाणुवधि,  
मोसाणुवधि तेणाणुवधि सरक्खणाणुवधि । रोहस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारे लक्खणा  
प० त० ओसन्नदोसे, बहुलदोसे, अज्ञाणदोसे आमरणतदोसे । धम्मे ज्ञाणे  
चउव्विहे चउपडोयारे प० त० आणाविजए, अवायविजए, विवागविजए, सठाण-  
विजए । धम्मस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारे लक्खणा प० त० आणारुई, णिसग्गरुई,  
सुत्तरुई, ओगाठरुई । धम्मस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारे आलवणा प० त० वायणा,  
पडिपुच्छणा, परियट्ठणा, अणुप्पेहा । धम्मस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारे अणुप्पेहाओ  
प० त० एगाणुप्पेहा, अणिच्चाणुप्पेहा, असरणाणुप्पेहा, ससाराणुप्पेहा । सुक्के-  
ज्ञाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प० त० पुहुत्तवियक्केसवियारी, एगत्तवियक्के अवि-  
यारी, सुहुमकिरिए अणियट्ठी, समुच्छिन्नकिरिए अपडिवाइ । सुक्कस्स ण ज्ञाणस्स  
चत्तारे लक्खणा प० त० अव्वहे असम्मोहे विवेगे विउस्सग्गे, सुक्कस्स ण ज्ञाणस्स  
चत्तारे आलवणा प० त० खती मुत्ती महवे अज्जवे, सुक्कस्स ण ज्ञाणस्स चत्तारे  
अणुप्पेहाओ प० त० अणतवत्तियाणुप्पेहा, विपरिणामाणुप्पेहा, असुभाणुप्पेहा,  
अवायाणुप्पेहा ॥ ३०८ ॥ चउव्विहा देवाण ठिई प० त० देवेणामेगे, देवत्तिणाए  
णामेगे, देवपुरोहिए णामेगे, देवपज्जलणे णामेगे ॥ ३०९ ॥ चउव्विहे सवासे प०  
त० देवेणामेगे देवीए सद्धिं सवास गच्छेज्जा, देवेणामेगे छवीए सद्धिं सवास



दु० एव पचिंदियाणं जाव वेमाणियाण ॥ ३१७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं०  
 आवायभइए णाममेगे णो सवासभइए, सवासभइए णाममेगे णो आवायभइए, एगे  
 आवायभइएवि सवासभइएवि, एगे णो आवायभइए णो सवासभइए, चत्तारि  
 पुरिसजाया प० त० अप्पणो णाममेगे वज्ज पासइ णो परस्स, परस्स णाममेगे वज्ज  
 पासइ ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० अप्पणो णाममेगे वज्ज उवीरेति णो परस्स  
 ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० अप्पणो णाममेगे वज्ज उवसामेइ णो परस्स ४ ।  
 चत्तारि पुरिसजाया प० त० अब्भुट्ठेइ णाममेगे णो अब्भुट्ठावेइ ४ । एवं वंदइ णाममेगे  
 णो वदावेइ ४ । एवं सक्कारेइ, सम्माणेइ ४ । पूएइ वाएइ पडिपुच्छइ पुच्छइ वाग-  
 रेइ ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० सुत्तधरे णाममेगे णो अत्थधरे, अत्थधरे  
 णाममेगे णो सुत्तधरे, एगे सुत्तधरेवि अत्थधरेवि, एगे णो सुत्तधरे णो अत्थधरे  
 ॥ ३१८ ॥ चमरस्स ण असुरिंदस्स असुरकुमाररजो चत्तारि लोगपाला प० त०  
 सोमे जमे वरुणे वेसमणे, एव बलिस्मवि सोमे जमे वेसमणे वरुणे, धरणस्स काल-  
 वाले कोलवाले सेलवाले संखवाले । एव भूताणदस्स कालवाले कोलवाले संखवाले सेल-  
 वाले, वेणुदेवस्स चित्ते विचित्ते चित्तपक्खे विचित्तपक्खे, वेणुदालिस्स चित्ते विचित्ते  
 विचित्तपक्खे चित्तपक्खे । हरिकंतस्स पमे सुप्पभे पभकंते सुप्पभकते, हरिसहस्स पमे  
 सुप्पभे सुप्पभकंते पभकंते, अग्गिसिहस्स तेऊ तेउसिहे तेउकते तेउप्पभे, अग्गि-  
 माणवस्स तेऊ तेउसिहे तेउप्पभे तेउकते, पुष्पस्स रुए रुयसे रुयकते रुयप्पभे, विसि-  
 ठुस्स रुए रुयसे रुयप्पभे रुयकते । जलकंतस्स जळे जलरए जलकते जलप्पभे ।  
 जलप्पभस्स जळे जलरए जलप्पभे जलकंते । अमियगइस्स तुरियगई खिप्पगई  
 सीहगई सीहविक्कमगई, अमियवाहणस्स तुरियगई खिप्पगई सीहविक्कमगई सीहगई,  
 वेलवस्स काळे महाकाळे अजणे रिट्ठे । पभजणस्स काळे महाकाळे रिट्ठे अजणे ।  
 घोसस्स आवत्ते वियावत्ते णदियावत्ते महाणदियावत्ते । महाघोसस्स आवत्ते वियावत्ते  
 महाणदियावत्ते णदियावत्ते, सक्कस्स सोमे जमे वरुणे वेसमणे । ईसाणस्स सोमे जमे  
 वेसमणे वरुणे, एव एगतारिया जाव अञ्जुयस्स ॥ ३१९ ॥ चउव्विहा वाउकुमारा  
 प० त० काले महाकाले वेलबे पभजणे, चउव्विहा देवा प० त० भवणवासी  
 वाणमत्तरा जोइसिया विमाणवासी ॥ ३२० ॥ चउव्विहे पमाणे प० त० दव्वप्प-  
 माणे खेतप्पमाणे कालप्पमाणे भावप्पमाणे ॥ ३२१ ॥ चत्तारि दिसाकुमारिमहत्तरि-  
 याओ प० त० रुवा रुवसा सुरुवा रुवावई । चत्तारि विज्जुकुमारिमहत्तरियाओ प०  
 तं० चित्ता चित्तकणगा सेयसा सोयामणी ॥ ३२२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरजो  
 मज्झिमपरिसाए देवाण चत्तारि पडिओवमाई ठिई प०, ईसाणस्स णं देविंदस्स देव-





मणस्स वरुणस्स, धरणस्स ण णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० त० असोणा विमला सुप्पभा सुदसणा, एवं जाव सख-  
वालस्स । भूयाणदस्स ण णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० त० सुणदा सुभहा सुजाया सुमणा । एवं जाव सेल-  
वालस्स जहा धरणस्स, एवं सन्वेसिं दाहिणिंदलोगपालाण जाव घोसस्स जहा भूयाणदस्स एवं जाव महाघोसस्स लोगपालाण । कालस्स ण पिसाईंदस्स पिसाय-  
रण्णो चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० त० कमला कमलप्पभा उप्पला सुदसणा, एवं महाकालस्स वि । सुखस्स ण भूइदस्स भूयरण्णो चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० तं०  
रुववई बहुरुवा सुखा सुभगा । एवं पडिस्सस्स वि, पुण्णभइस्स ण जक्खिंदस्स जक्खरण्णो चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० तं० पुत्ता बहुपुत्तिया उत्तमा तारणा, एवं माणिभइस्स वि । भीमस्स ण रक्खसिंदस्स रक्खसरण्णो चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० त० पउमा वल्लभई रुग्गा रयगप्पभा । एवं महामीमस्स वि किन्नरस्स ण किन्नरिंदस्स चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० त० वडिंसा केउमई रइसेणा रइप्पभा ।  
एवं किपुरिसस्स वि सुपुरिसस्स ण किपुरिसिंदस्स चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० त० रोहिणी णवमिया हिरी पुप्फवई । एवं महापुरिसस्स वि, अइकायस्स ण महोरणिंदस्स चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० त० भुयगा भुयगवई महाकच्छा फुडा, एवं महाकायस्स वि, गीयरइस्स ण गधन्विंदस्स चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० तं० सुघोसा विमला सुस्तरा सरस्सई, एवं गीयजसस्स वि, चदस्स ण जोइसिंदस्स जोइसरण्णो चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० त० चदप्पभा दोसिनाभा अच्चिमाली पभकरा । एवं सूरस्स वि, णवरं सूरप्पभा दोसिनाभा अच्चिमाली पभकरा । इगालस्स ण महग्गहस्स चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० त० विजया वेजयती जयती अपराजिता । एवं सन्वेसिं महग्ग-  
हाणं जाव भावकेउस्स । सक्कस्स ण देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० तं० रोहिणी मयणा चित्ता सोमा, एवं जाव वेसमणस्स ईसाण-  
स्स ण देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिंसीओ प० त० पुठवी राई रयणी विज्जू, एवं जाव वरुणस्स ॥ ३३६ ॥ चत्तारि गोरसविगईओ प० तं० खीरं दहिं सप्पि णवणीअ, चत्तारि सिणेहविगईओ प० तं० तेहं घयं वसा णवणीअ, चत्तारि महाविगईओ वज्जणीयाओ त० महुं संस मज्ज णवणीय ॥ ३३७ ॥ चत्तारि कूडागारा प० तं० गुत्तेणाममेगे गुत्ते गुत्तेणाममेगे अगुत्ते अगुत्ते णाममेगे गुत्ते, अगुत्ते णाममेगे अगुत्ते । एवमेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गुत्तेणाममेगे गुत्ते ४ । चत्तारि कूडागारसालाओ प० त० गुत्ता णाममेगा गुत्तदुवारा, गुत्ताणाममेगा



जाइसपन्ने, एगे कुलसपन्नेवि जाइसपन्नेवि, एगे णो जाइसपन्ने णो कुलसपन्ने ।  
 एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० जाइसपन्ने णाममेगे णो कुलसपन्ने ४ ।  
 चत्तारि उसभा प० त० जाइसपन्ने णाममेगे णो वलसपन्ने ४ । एवामेव चत्तारि  
 पुरिसजाया प० त० जाइसपन्ने णाममेगे णो वलसपन्ने ४ । चत्तारि उसभा प० त०  
 जाइसपन्ने णाममेगे णो रुवसपन्ने ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० जाइ-  
 सपन्ने णाममेगे णो रुवसपन्ने ४ । चत्तारि उसभा प० त० कुलसपन्ने णाममेगे णो  
 वलसपन्ने ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० कुलसपन्ने णाममेगे णो  
 वलसपन्ने ४ । चत्तारि उसभा प० त० कुलसपन्ने णाममेगे णो रुवसपन्ने ४ ।  
 एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० कुलसपन्ने णाममेगे णो रुवसपन्ने ४ ।  
 चत्तारि उसभा प० त० वलसपन्ने णाममेगे णो रुवसपन्ने ४ । एवामेव चत्तारि  
 पुरिसजाया प० त० वलसपन्ने णाममेगे णो रुवसपन्ने ४ ॥ ३४४ ॥ चत्तारि  
 हत्थी प० त० भेदे मदे मिए सकिण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० भेदे  
 मदे मिए सकिण्णे, चत्तारि हत्थी प० त० भेदे णाममेगे भद्मणे, भेदे णाममेगे  
 मदमणे, भेदे णाममेगे मियमणे, भेदे णाममेगे सकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिस-  
 जाया प० त० भेदे णाममेगे भद्मणे, भेदे णाममेगे मदमणे, भेदे णाममेगे मियमणे,  
 भेदे णाममेगे सकिण्णमणे, चत्तारि हत्थी प० त० मदे णाममेगे भद्मणे, मदे  
 णाममेगे मदमणे मदे णाममेगे मियमणे, मदे णाममेगे सकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि  
 पुरिसजाया प० त० मदे णाममेगे भद्मणे, त चेव । चत्तारि हत्थी प० त० मिए  
 णाममेगे भद्मणे, मिए णाममेगे मदमणे, मिए णाममेगे मियमणे, मिए णाममेगे  
 सकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० मिए णाममेगे भद्मणे, त चेव ।  
 चत्तारि हत्थी प० त० संकिण्णे णाममेगे भद्मणे, सकिण्णे णाममेगे मदमणे,  
 सकिण्णे णाममेगे मियमणे, सकिण्णे णाममेगे सकिण्णमणे । एवामेव चत्तारि पुरि-  
 सजाया प० त० सकिण्णे णाममेगे भद्मणे, त चेव जाव सकिण्णे णाममेगे  
 संकिण्णमणे । गाथा=मधुगुलियर्पिगलक्खो, अणुपुण्वसुजायदीहलगूलो, पुरओ  
 उदग्गधीरो, सण्वगसमाहिओ भद्दो ॥ ३४५ ॥ ( १ ) चलवहलविसमचम्मो  
 थूलसिरो थूलण पेण, थूलणहदतवालो, हरिर्पिगललोयणो मंदो ॥ ३४६ ॥  
 ( २ ) तणुओ तणुयग्गीवो, तणुयतओ तणुयदतणहवालो, भीरु तत्थुच्चिग्गो,  
 तासी य भवे मिए णाम ॥ ३४७ ॥ ( ३ ) एएसिं हत्थीण, थोव थोव तु जो  
 अणुहरइ हत्थी, रुवेण व सीलेण व, सो संकिण्णो ति णायव्वो ॥ ३४८ ॥ ( ४ )  
 भद्दो मज्जइ सरए, मंदो उण मज्जए वसतम्मि, मिउ मज्जइ हेमते, संकिण्णो सव्व-



गवेसइत्ता भवइ, इधेएहिं चउहिं ठाणेहिं णिग्गथाण वा णिग्गथीण वा जाव णो  
समुप्पजेज्जा, चउहिं ठाणेहिं णिग्गथाण वा णिग्गथीण वा अइसेसे णाणदसणे  
समुप्पज्जिउत्तामे समुप्पजेज्जा त० इत्थिरुह भत्तकह देसकह रायकह णो कहेत्ता  
भवइ, विवेगेण विससणेण सम्ममप्पाणं भावेत्ता भवइ, पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि  
धम्मजागरिय जागरित्ता भवइ, फासुयम्स एसणिज्जस्स उच्छस्स सामुदाणियस्स  
सम्म गवेसइत्ता भवइ, इधेएहिं चउहिं ठाणेहिं णिग्गथाण वा णिग्गथीण वा जाव  
समुप्पजेज्जा ॥ ३५३ ॥ णो कप्पइ णिग्गथाण वा णिग्गथीण वा चउहिं महा-  
पाडिवएहिं सज्झाय करेत्तए त० आसाढपाडिवए इदमहपाडिवए कत्तियपाडिवए  
झुगिम्हपाडिवए, णो कप्पइ णिग्गथाण वा णिग्गथीण वा चउहिं सज्झाहिं सज्झाय  
करेत्तए तं० पढमाए पच्छिमाए मज्झण्हे अदरत्ते । कप्पइ णिग्गथाण वा णिग्ग-  
थीण वा चाउक्काल सज्झाय करेत्तए त० पुव्वण्हे अवरण्हे पओसे पचूसे ॥ ३५४ ॥  
चउव्विहा लोगट्ठिई प० त० आगासपइट्ठिए वाए, वायपइट्ठिए उदही, उदहिपइट्ठिया  
पुढवी, पुढविपइट्ठिया तसा यावरा पाणा ॥ ३५५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त०  
तहे णाममेगे णोतहे णाममेगे सोवत्थी णाममेगे पहाणे णाममेगे ॥ ३५६ ॥ चत्तारि  
पुरिसजाया प० त० आयतकरे णाममेगे णो परंतकरे, परंतकरे णाममेगे णो  
आयतकरे, एगे आयतकरेवि परतकरेवि, एगे णो आयतकरे णो परंतकरे, चत्तारि  
पुरिसजाया प० त० आर्यंतमे णाममेगे णो परंतमे परंतमे णाममेगे णो आर्यंतमे  
४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० आयदमे णाममेगे णो परंदमे, परदमे णाममेगे  
णो आयदमे, एगे आयदमेवि परंदमेवि, एगे णो आयदमे णो परदमे ॥ ३५७ ॥  
चउव्विहा गरहा प० त० उवसपज्जामित्ति एगा गरहा, वित्तिणिच्छामित्ति एगा  
गरहा, ज किंत्तिमिच्छामित्ति एगा गरहा, एवपि पण्णत्ते एगा गरहा ॥ ३५८ ॥  
चत्तारि पुरिसजाया प० त० अप्पणो णाममेगे अलमथू भवइ णो परस्स, परस्स णाम-  
मेगे अलमथू भवइ णो अप्पणो, एगे अप्पणोवि अलमथू भवइ परस्सवि, एगे णो  
अप्पणो अलमथू भवइ णो परस्स ॥ ३५९ ॥ चत्तारि मग्गा प० त० उज्जू णाममेगे  
उज्जू, उज्जू णाममेगे वंके, वके णाममेगे उज्जू, वंके णाममेगे वके । एवामेव चत्तारि  
पुरिसजाया प० तं० उज्जू णाममेगे उज्जू ४ । चत्तारि मग्गा प० त० खेमे णाममेगे  
खेमे, खेमे णाममेगे अखेमे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० खेमे णाममेगे  
खेमे ४ । चत्तारि मग्गा प० तं० खेमे णाममेगे खेमरूवे, खेमे णाममेगे अखेमरूवे  
४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० खेमे णाममेगे खेमरूवे ४ ॥ ३६० ॥  
चत्तारि सवुक्का प० त० वामे णाममेगे वामावत्ते, वामे णाममेगे दाहिणावत्ते,



सलयाधभसमाणे । सेलथभसमाणं माण अणुप्पविठ्ठे जीवे काल करेइ णेरइएसु उववज्जइ, एव जाव तिणिसलयाधभसमाण माण अणुप्पविठ्ठे जीवे काल करेइ देवेषु उववज्जइ ॥ ३६७ ॥ चत्तारि वत्था प० त० किमिरागरत्ते कइमरागरत्ते खजणरागरत्ते हलिद्वारागरत्ते एवामेव चउव्विहे लोभे प० त० किमिरागरत्तवत्थ समाणे कइमरागरत्तवत्थसमाणे खजणरागरत्तवत्थसमाणे हलिद्वारागरत्तवत्थसमाणे, किमिरागरत्तवत्थसमाण लोभमणुप्पविठ्ठे जीवे काल करेइ नेरइएसु उववज्जइ, तहेव जाव हलिद्वारागरत्तवत्थसमाण लोभमणुप्पविठ्ठे जीवे काल करेइ देवेषु उववज्जइ ॥ ३६८ ॥ चउव्विहे ससारे प० त० णेरइयससारे जाव देवससारे, चउव्विहे आउए प० त० णेरइयआउए जाव देवाउए, चउव्विहे भवे प० त० णेरइयभवे जाव देवभवे ॥ ३६९ ॥ चउव्विहे आहारे प० त० असणे पाणे खाइमे साइमे । चउव्विहे आहारे प० त० उवक्खरसपन्ने, उवक्खडसपन्ने, सभावसपन्ने, परिजुसियसपन्ने ॥ ३७० ॥ चउव्विहे वधे प० त० पगइवधे ठिइवधे अणुभाववधे पएसबंधे, चउव्विहे उवक्कमे प० त० वधणोवक्कमे उवीरणोवक्कमे उवसमणोवक्कमे विप्परिणामणोवक्कमे, वधणोवक्कमे चउव्विहे प० त० पगइवधणोवक्कमे ठिइवधणोवक्कमे अणुभाववधणोवक्कमे पएसवधणोवक्कमे, उवीरणोवक्कमे चउव्विहे प० त० पगइउवीरणोवक्कमे ठिइउवीरणोवक्कमे अणुभागउवीरणोवक्कमे पएसउवीरणोवक्कमे, उवसामणोवक्कमे चउव्विहे प० त० पगइउवसामणोवक्कमे ठिइअणुभावपएसउवसामणोवक्कमे । विपरिणामणोवक्कमे चउव्विहे प० त० पगइठिइअणुभावपएसविपरिणामणोवक्कमे । चउव्विहे अप्पावहुए प० त० पगइअप्पावहुए ठिइअणुभावपएसअप्पावहुए, चउव्विहे सकमे, पगइसकमे ठिइअणुभावपएससकमे । चउव्विहे निधत्ते प० त० पगइनिधत्ते, ठिइअणुभावपएसनिधत्ते । चउव्विहे निगाइए प० त० पगइनिगाइए, ठिइनिगाइए, अणुभावनिगाइए, पएसनिगाइए ॥ ३७१ ॥ चत्तारि एक्का प० त० दविए एक्कए माउएक्कए पज्जएक्कए सगहएक्कए, चत्तारि कई प० त० दवियकई माउयकई पज्जवकई सगहकई, चत्तारि सव्वा प० त० णामसव्वए ठवणसव्वए आएससव्वए निरवसेससव्वए ॥ ३७२ ॥ माणुसुत्तरस्स णं पव्वयस्स चउहिंसिं चत्तारि कूडा प० त० रयणे रयणुचए सव्वरयणए रयणसंचए ॥ ३७३ ॥ जंबुद्दीवे २ भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो होत्था, जंबुद्दीवे २ भरहेरवए इमीसे ओमप्पिणीए दुसमसुसमाए समाए जहण्णपए ण चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो होत्था । जंबुद्दीवे वीवे जाव आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए





ओभासिया वेसाणिया णगोलिया, तेसि ण वीवाण चउमु वि दिसासु लवणसमुहं  
 चत्तारि चत्तारि जोयणसयाई ओगाहेत्ता एत्थ ण चत्तारि अतरदीवा प० त० हय-  
 कण्णदीवे, गयकण्णदीवे गोकण्णदीवे सक्कुलिकण्णदीवे, तेसु ण दीवेसु चउव्विहा  
 मणुस्सा परिवसति त० हयकण्णा गयकण्णा गोकण्णा सक्कुलिकण्णा, तेसि ण दीवाण  
 चउसु विदिसासु लवणसमुहं पच पच जोयणसयाई ओगाहेत्ता एत्थ ण चत्तारि अतर-  
 दीवा प० त० आयंसमुहदीवे मँढगमुहदीवे अओमुहदीवे गोमुहदीवे । तेसु ण दीवेसु  
 चउव्विहा मणुस्सा भाणियव्वा, तेसि ण दीवाण चउसु विदिसासु लवणसमुहं छ  
 छजोयणसयाई ओगाहेत्ता एत्थ ण चत्तारि अतरदीवा प० त० आसमुहदीवे हत्थि-  
 मुहदीवे सीहमुहदीवे वग्घमुहदीवे, तेसु ण दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा तेसि ण  
 दीवाण चउसु विदिमासु लवणसमुहं सत्तसत्तजोयणसयाई ओगाहिता एत्थ ण चत्तारि  
 अतरदीवा प० त० आसकण्णदीवे हत्थिकण्णदीवे अकण्णदीवे कण्णपाउरणदीवे ।  
 तेसु ण दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा । तेसि ण दीवाण चउसु विदिसासु लवणसमुहं  
 अठ्ठ अठ्ठजोयणसयाई ओगाहिता एत्थ ण चत्तारि अतरदीवा प० त० उक्कामुहदीवे  
 मेहमुहदीवे विज्जुमुहदीवे विज्जुदतदीवे तेसु ण दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा । तेसि ण  
 दीवाण चउसु विदिसासु लवणसमुहं णव णव जोयणसयाई ओगाहिता एत्थ ण चत्तारि  
 अतरदीवा प० त० घणदतदीवे लठ्ठदतदीवे गूढदतदीवे सुद्धदतदीवे, तेसु ण दीवेसु  
 चउव्विहा मणुस्सा परिवसति त० घणदता लठ्ठदता गूढदता सुद्धदता । जवुद्दीवे  
 दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेण सिहरिस्स वासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु  
 लवणसमुहं तिण्णि तिण्णि जोयणसयाई ओगाहिता एत्थ ण चत्तारि अतरदीवा  
 प० त० एगरुयदीवे सेस तहेव निरवसेस भाणियव्व जाव सुद्धदता ॥ ३७५ ॥  
 जंबुद्दीवस्स ण वीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयताओ चउद्दिसिं लवणसमुहं पचाणउइजोयण-  
 सहस्साई ओगाहेत्ता एत्थ ण महइमहालया महालिंजरसठाणसंठिया चत्तारि महा-  
 पायाला प० त० वलयामुहे केउए जूवए ईसरे, तत्थ ण चत्तारि देवा महिन्धिया जाव  
 पलिओवमठिइया परिवसति तं० काले महाकाले वेलवे पभजणे ॥ ३७६ ॥ जवु-  
 दीवस्स ण वीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयताओ चउद्दिसिं लवणसमुहं बायालीस २ जोयण-  
 सहस्साई ओगाहिता एत्थ ण चउण्ह बेलधरणागरायाण चत्तारि आवासपव्वया  
 प० त० गोथूमे उदयभासे सखे दगसीमे, तत्थ ण चत्तारि देवा महिन्धिया जाव परि-  
 वसति त० गोथूमे सिवए जाव मणोसिलए । जवुद्दीवस्स ण वीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइय-  
 न्ताओ चउसु विदिसासु लवणसमुहं बायालीस २ जोयणसहस्साई ओगाहेत्ता एत्थ ण  
 चउण्ह अणुवेलधरणागराईणं चत्तारि आवासपव्वया प० तं० कक्कोडए विज्जुपपमे

मिवात्तं चरन्निहे तथै प तं उभयतथै चोरतथै एगनिजुह्वय विमिभिरवपि-  
 छेदित्वा ॥ ३८४ ॥ चरन्निहे संजमे प तं यवसंजमे वृक्षजमे क्षयसंजमे  
 उवसरसंजमे । चरन्निहे विजाप प तं यवविजाप वृक्षविजाप क्षयविजाप  
 उवसरविजाप, चरन्निहा भक्षित्वमया प तं यवभक्षित्वमया वृक्षभक्षित्वमया  
 क्षयभक्षित्वमया उवसरभक्षित्वमया ॥ ३८५ ॥ आहत्यहुवाचस्त श्रीमो-  
 हेसो समस्तो ॥

चत्वारि रात्रौ प तं पञ्चरात्रौ पुनरिष्टौ वास्तुरात्रौ चत्वारि । एवमेव  
 चरन्निहे च ॥ प तं पञ्चरात्रसमाम्ने पुनरिष्टसमाम्ने वास्तुरात्रसमाम्ने उव-  
 रात्रसमाम्ने । पञ्चरात्रसमाम्ने ओहमनुपमिहे जीवे कर्त्तं करो वीर्यस्य उवरात्र,  
 पुनरिष्टसमाम्ने ओहमनुपमिहे जीवे कर्त्तं करो विरिक्तयोगिष्ठ उवरात्र, वास्तु-  
 रात्रसमाम्ने ओहमनुपमिहे जीवे कर्त्तं करो मनुस्तेष्ट उवरात्र, उवरात्रसमाम्ने  
 ओहमनुपमिहे जीवे कर्त्तं करो देवेषु उवरात्र, चत्वारि रात्रा प तं क्षमोदए  
 र्ज्योदए वाह्योदए सेव्योदए, एवमेव चरन्निहे मासै प तं क्षमोदपसमाम्ने  
 र्ज्योदपसमाम्ने वाह्योदपसमाम्ने सेव्योदपसमाम्ने । क्षमोदपसमाम्ने मासनुपमिहे  
 जीवे कर्त्तं करो वीर्यस्य उवरात्र एवं मास सेव्योदपसमाम्ने मासनुपमिहे जीवे  
 कर्त्तं करो देवेषु उवरात्र ॥ ३८६ ॥ चत्वारि पक्षौ प तं स्वर्गपक्षे वासमेगे  
 नो स्वर्गपक्षे स्वर्गपक्षे वासमेगे नो स्वर्गपक्षे एगे स्वर्गपक्षे नै स्वर्गपक्षे नि  
 एगे नो स्वर्गपक्षे नो स्वर्गपक्षे एवमेव चत्वारि पुरिष्ठवाचा प तं स्वर्गपक्षे  
 वासमेगे नो स्वर्गपक्षे ४ ॥ ३ ७ ॥ चत्वारि पुरिष्ठवाचा प तं पतिर्त्तं करोमिति  
 एगे पतिर्त्तं करो, पतिर्त्तं करोमिति एगे अपतिर्त्तं करो, अपतिर्त्तं करोमिति एगे  
 पतिर्त्तं करो, अपतिर्त्तं करोमिति एगे अपतिर्त्तं करो, चत्वारि पुरिष्ठवाचा प तं  
 अप्यये वासमेगे पतिर्त्तं करो नो परस्त परस्त वासमेगे पतिर्त्तं करो नो अप्यनो  
 ४ । चत्वारि पुरिष्ठवाचा प तं पतिर्त्तं पवैवामिति एगे पतिर्त्तं पवैवे, पतिर्त्तं  
 पवैवामिति एगे अपतिर्त्तं पवैवे, अपतिर्त्तं पवैवामिति एगे पतिर्त्तं पवैवे, अ-  
 पतिर्त्तं पवैवामिति एगे अपतिर्त्तं पवैवे, चत्वारि पुरिष्ठवाचा प तं अप्यये वास-  
 मेगे पतिर्त्तं पवैवे नो परस्त ४ ॥ ३ ८ ॥ चत्वारि सप्ता प तं पत्रेव  
 पुण्येव पत्रेव क्षमेव, एवमेव चत्वारि पुरिष्ठवाचा प तं पत्रे वा सप्ता-  
 समाम्ने पुण्ये वा सप्तासमाम्ने पत्रे वा सप्तासमाम्ने क्षमा वा सप्तासमाम्ने  
 ॥ ३८९ ॥ भारं च वृक्षमावस्त चत्वारि जाघाता प तं पत्रं च वृक्षमावस्त मं  
 धारं तत्त नै च एगे जाघाते पञ्चे पत्रं नै च वृक्षं च वृक्षं च वृक्षं वा पत्रं

सहस्साइ उद्धु उच्चतेण एग जोयणसहस्समुव्वेहेण, सव्वत्यसमा पल्लगसठाणसठिया  
 दसजोयणसहस्साइ विक्खभेण एकतीस जोयणसहस्साई छच्चतेवीसजोयणसए  
 परिकखेवेण सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिह्वा । सेस जहेव अजणगपव्वयाणं  
 तहेव णिरवसेस भाणियव्वं जाव अगवग उत्तरेपासे । तत्थ ण जे से दाहिणिंले  
 अजगगपव्वए तस्सण चउड्हिसिं चत्तारि णदाओ पुक्खरणीओ प० त० भइ  
 विसाला कुमुया पोंडरीगिणी । सेस त चेव जाव दहिमुहगपव्वया जाव वणखंडा ।  
 तत्थण जे से पच्चत्थिमिल्ले अजणगपव्वए तस्स ण चउड्हिसिं चत्तारि णदाओ पोक्खर-  
 णीओ पण्णत्ताओ त० णदिसेणा अमोहा गोथूभा सुदसणा, सेस त चेव, तहेव  
 दहिमुहगपव्वया तहेव जाव वणखंडा । तत्थण जे से उत्तरिल्ले अजणगपव्वए तस्स  
 णं चउड्हिसिं चत्तारि णदाओ पोक्खरणीओ प० त० विजया वेजयती जयती अपरा-  
 जिया, तहेव दहिमुहगपव्वया, तहेव जाव वणखंडा । णवीसरवरस्स ण वीवस्स चक्क-  
 वालविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभाए चउसु विदिसासु चत्तारि रतिकरगपव्वया प० त०  
 उत्तरपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वए दाहिणपुरत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए दाहिणपच्चत्थि-  
 मिल्ले रतिकरगपव्वए उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए, ते ण रतिकरगपव्वया दस-  
 जोयगसयाइ उद्धु उच्चतेण दसगाउयसयाइ उव्वेहेण, सव्वत्यसमा झल्लरिसठाण-  
 सठिया, दसजोयणसहस्साइ विक्खभेण, एकतीसं जोयणसहस्साई छच्चतेवीसे जोयण-  
 सए परिकखेवेण, सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिह्वा । तत्थ ण जे से उत्तरपुरच्छि-  
 मिल्ल रतिकरगपव्वए तस्सण चउड्हिसिमीसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गम-  
 हिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ पण्णत्ताओ त० णदोत्तरा णदा  
 उत्तरकुरा देवकुरा । कण्हाए कण्हराईए कामाए कामरक्खियाए, तत्थ णं जे से  
 दाहिणपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सण चउड्हिसिं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो  
 चउण्हमग्गमहिसीण जंबुद्दीवप्पमाणाओ चत्तारि रायहाणीओ प० त० सुमणा सोम-  
 णसा अच्चिमाली मणोरमा । पउमाए सिवाए मईए अजूए । तत्थण जे से दाहिण-  
 पच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सण चउड्हिसिं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्ह-  
 मग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० त० भूया भूयवडिसा  
 गोथूभा सुदसणा । अमलाए अच्छराए नवमियाए रोहिणीए । तत्थ णं जे से उत्तर-  
 पच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउदिसिमीसाणस्स चउण्हमग्गमहिसीण जंबु-  
 द्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० त० रयणा रयणोच्चया सव्वरयणा  
 रयणसच्चया । वसूए वसुगुत्ताए वसुमिताए वसुधराए ॥ ३८२ ॥ चउव्विहे सच्चे  
 प० त० णामसच्चे ठवणसच्चे दव्वसच्चे भावसच्चे ॥ ३८३ ॥ आजी-

[illegible]

वा परिठावेति तत्थ वि य से एगे आसासे प० जत्थ वि य ण गागकुमारावाससि  
वा सुवनकुमारावाससि वा वास उवेउ तत्थ वि य से एगे आसासे प० जत्थ वि  
य ण आवरुहाए चिट्ठइ जाव आसासे प०, एवामेव समणोवासगस्स चत्तारि  
आसासा प० त० जत्थ वि य ण सीलव्वयगुगव्वयवेरमणपक्खजाणपोसहोववा-  
साइं पडिवज्जइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य ण सामाइय देसा-  
वगासिय सम्ममणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य ण चाउइसट्ठमु-  
द्धिट्ठपुणिमासिणीसु पडिपुण्ण पोसह सम्म अणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे  
प०, जत्थ वि य ण अपच्छिममारणतियसलेहणाजूसणाजूसिए भत्तपाणपडिया-  
इक्खिए पाओवगए कालमणवक्खमाणे विहरइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०  
॥ ३९० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० उदिओदिए णाममेगे, उदियत्यमिए  
णाममेगे, अत्यमिओदिए णाममेगे, अत्यमियत्यमिए णाममेगे । भरहे राया  
चाउरंतचक्खवट्ठी ण उदिओदिए, वभदत्ते णं राया चाउरंतचक्खवट्ठी उदियत्यमिए,  
हरिएसवलेणमणगारे अत्यमिओदिए, काले ण सोयारिए अत्यमियत्यमिए ॥ ३९१ ॥  
चत्तारि जुमा प० त० कडजुम्मे तेयोए दावरजुम्मे कलिओए, णेरइयाण चत्तारि  
जुमा प० त० कडजुमे जाव कलिओए, एवमसुरकुमाराण जाव थणियकुमाराण,  
एव पुढविकाइयाण आउतेउवाउवणस्सइवेंदियाण तेइदियाण चउरिंदियाण पच्चि-  
दियतिरिक्खजोणियाण मणुस्साण वाणमततरजोइसियाण वेमाणियाण सव्वेसि जहा  
नेरइयाण ॥ ३९२ ॥ चत्तारि सूरा प० त० खतिसूरे तवसूरे दाणसूरे जुद्धसूरे,  
खतिसूरा अरिहता तवसूरा अणगारा, दाणसूरे वेसमणे जुद्धसूरे वासुदेवे ॥ ३९३ ॥  
चत्तारि पुरिसजाया प० त० उच्चे णाममेगे उच्चच्छदे उच्चे णाममेगे णीयच्छदे णीए  
णाममेगे उच्चच्छदे णीए णाममेगे णीयच्छदे ॥ ३९४ ॥ असुरकुमाराण चत्तारि  
लेस्सा प० त० कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा तेउलेस्सा, एव जाव थणिय-  
कुमाराण एव पुढविकाइयाण आउवणस्सइकाइयाण वाणमतराण सव्वेसि जहा  
असुरकुमाराण ॥ ३९५ ॥ चत्तारि जाणा प० त० जुत्ते णाममेगे जुत्ते जुत्ते णाममेगे  
अजुत्ते अजुत्ते णाममेगे जुत्ते अजुत्ते णाममेगे अजुत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया  
प० त० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । चत्तारि जाणा प० त० जुत्ते णाममेगे जुत्तपरिणए,  
जुत्ते णाममेगे अजुत्तपरिणए ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० जुत्ते णाममेगे  
जुत्तपरिणए ४ । चत्तारि जाणा प० त० जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे जुत्ते णाममेगे  
अजुत्तरूवे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे ४ ।  
चत्तारि जाणा प० त० जुत्ते णाममेगे जुत्तसोभे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया



करेइ णाममेगे वेयावच्च णो पडिच्छइ पडिच्छइ णाममेगे वेयावच्च णो करेइ ४ ।  
 ॥ ४०० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० अठ्ठकरे णाममेगे णो माणकरे माणकरे  
 णाममेगे णो अठ्ठकरे, एगे अठ्ठकरेवि माणकरेवि एगे णो अठ्ठकरे णो माणकरे,  
 चत्तारि पुरिसजाया प० त० गणठ्ठकरे णाममेगे णो माणकरे ४, च० पु० जा०  
 प० त० गणसगहकरे णाममेगे णो माणकरे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त०  
 गणसोभकरे णाममेगे णो माणकरे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० गणसोहिकरे  
 णाममेगे णो माणकरे ४ ॥ ४०१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० रुवं णाममेगे  
 जहइ णो धम्म धम्म णाममेगे जहइ णो रुव एगे रुवपि जहइ धम्मपि जहइ,  
 एगे णो रुव जहइ णो धम्म, चत्तारि पुरिसजाया प० त० धम्म णाममेगे  
 जहइ णो गणसठ्ठिं ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० पियधम्मे णाममेगे णो  
 दढधम्मे दढधम्मे णाममेगे णो पियधम्मे, एगे पियधम्मेवि दढधम्मेवि एगे णो  
 पियधम्मे णो दढधम्मे ॥ ४०२ ॥ चत्तारि आयरिया प० त० पव्वावणायरिए  
 णाममेगे णो उवठ्ठावणायरिए उवठ्ठावणायरिए णाममेगे णो पव्वावणायरिए, एगे  
 पव्वावणायरिएवि उवठ्ठावणायरिएवि, एगे णो पव्वावणायरिए णो उवठ्ठावणा-  
 रिए, चत्तारि आयरिया प० त० उद्देसणायरिए णाममेगे णो वायणायरिए ४  
 धम्मायरिए सम्मत्तपओ णायव्वो ॥ ४०३ ॥ चत्तारि अतेवासी प० त० पव्वा-  
 वणतेवासी णाममेगे णो उवठ्ठावणतेवासी ४ जाव धम्मतेवासी, चत्तारि अतेवासी  
 प० त० उद्देसणतेवासी णाममेगे णो वायणतेवासी ४ ॥ ४०४ ॥ चत्तारि निग्गथा  
 प० त० रायणिए समणे निग्गथे महाकम्मे महाकिरिए अणायावी असमिए धम्मस्स  
 अणाराहए भवइ, रायणिए समणे निग्गथे अप्पकम्मे अप्पकिरिए आयावी समिए  
 धम्मस्स आराहए भवइ, ओमराइणिए समणे निग्गथे महाकम्मे महाकिरिए अणा-  
 यावी असमिए धम्मस्स अणाराहए भवइ, ओमराइणिए समणे निग्गथे अप्पकम्मे  
 अप्पकिरिए आयावी समिए धम्मस्स आराहए भवइ, चत्तारि निग्गथीओ प० तं०  
 राइणिया समणी निग्गथी ४ एव चेव, चत्तारि समणोवासगा प० त० रायणिए  
 समणोवासए महाकम्मे ४ तहेव, चत्तारि समणोवासियाओ प० त० रायणिया सम-  
 णोवासिया महाकम्मा तहेव चत्तारि गमा ॥ ४०५ ॥ चत्तारि समणोवासगा प०  
 तं० अम्मापिइसमाणे भाइसमाणे मित्तसमाणे सवत्तिसमाणे । चत्तारि समणोवा-  
 सगा प० त० अद्दागसमाणे पडागसमाणे खाणुसमाणे खरकटकसमाणे ॥ ४०६ ॥  
 समणस्स ण भगवओ महावीरस्स समणोवासगारणं सोहम्मे कट्पे अरुणाभे विमाणे  
 चत्तारि पलिओवमाइ ठिई प० ॥ ४०७ ॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववजे देवे देवलोगेसु





करेइ णाममेगे वेयावच्च णो पडिच्छइ पडिच्छइ णाममेगे वेयावच्च णो करेइ ४ ।  
 ॥ ४०० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० अठ्ठकरे णाममेगे णो माणकरे माणकरे  
 णाममेगे णो अठ्ठकरे, एगे अठ्ठकरेवि माणकरेवि एगे णो अठ्ठकरे णो माणकरे,  
 चत्तारि पुरिसजाया प० त० गणठ्ठकरे णाममेगे णो माणकरे ४, च० पु० जा०  
 प० त० गणसगहकरे णाममेगे णो माणकरे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त०  
 गणसोभकरे णाममेगे णो माणकरे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० गणसोहिकरे  
 णाममेगे णो माणकरे ४ ॥ ४०१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० ह्वं णाममेगे  
 जहइ णो धम्म धम्म णाममेगे जहइ णो ह्व एगे ह्वपि जहइ धम्मपि जहइ,  
 एगे णो ह्व जहइ णो धम्म, चत्तारि पुरिसजाया प० त० धम्म णाममेगे  
 जहइ णो गणसठिइ ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० पियधम्मे णाममेगे णो  
 दढधम्मे दढधम्मे णाममेगे णो पियधम्मे, एगे पियधम्मेवि दढधम्मेवि एगे णो  
 पियधम्मे णो दढधम्मे ॥ ४०२ ॥ चत्तारि आयरिया प० त० पव्वावणायरिए  
 णाममेगे णो उवठ्ठावणायरिए उवठ्ठावणायरिए णाममेगे णो पव्वावणायरिए, एगे  
 पव्वावणायरिएवि उवठ्ठावणायरिएवि, एगे णो पव्वावणायरिए णो उवठ्ठावणाय-  
 रिए, चत्तारि आयरिया प० त० उद्देसणायरिए णाममेगे णो वायणायरिए ४  
 धम्मायरिए सम्मतपओ णायवो ॥ ४०३ ॥ चत्तारि अतेवासी प० त० पव्वा-  
 वणंतेवासी णाममेगे णो उवठ्ठावणतेवासी ४ जाव धम्मंतेवासी, चत्तारि अतेवासी  
 प० त० उद्देसणंतेवासी णाममेगे णो वायणतेवासी ४ ॥ ४०४ ॥ चत्तारि णिग्गथा  
 प० त० रायणिए समणे निग्गथे महाकम्मे महाकिरिए अणायावी असमिए धम्मस्स  
 अणाराहए भवइ, रायणिए समणे निग्गथे अप्पकम्मे अप्पकिरिए आयावी समिए  
 धम्मस्स आराहए भवइ, ओमराइणिए समणे णिग्गथे महाकम्मे महाकिरिए अणा-  
 यावी असमिए धम्मस्स अणाराहए भवइ, ओमराइणिए समणे निग्गथे अप्पकम्मे  
 अप्पकिरिए आयावी समिए धम्मस्स आराहए भवइ, चत्तारि निग्गथीओ प० त०  
 राइणिया समणी निग्गथी ४ एव चेव, चत्तारि समणोवासगा प० त० रायणिए  
 समणोवासए महाकम्मे ४ तद्देव, चत्तारि समणोवासियाओ प० त० रायणिया सम-  
 णोवासिया महाकम्मा तद्देव चत्तारि गमा ॥ ४०५ ॥ चत्तारि समणोवासगा प०  
 तं० अम्मापिइसमाणे भाइसमाणे मित्तसमाणे सवत्तिसमाणे । चत्तारि समणोवा-  
 सगा प० त० अद्दागसमाणे पढागसमाणे खानुसमाणे खरकटकसमाणे ॥ ४०६ ॥  
 समणस्स ण भगवओ महावीरस्स समणोवासगाण सोहम्मे कप्पे अरुणामे विमाणे  
 चत्तारि पल्लिवोवमाइ ठिइ प० ॥ ४०७ ॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववने देवे देवलोनेषु

महावर्य कठत्वा सुहृत्सेवा ये न ह्ये गमिता वाच पञ्चए तस्य कमेत्  
 मय्य एव ताव अर्थात्ता मय्यता ह्यु आरोग्या नमिष्य कस्यपीर अक्षरार्थ  
 अरोम्यई कस्यार्थ निम्नार्थ पयत्ताई पयत्ताई महत्तुभावात् कस्यकस्यप्रकारार्थ  
 तयोऽप्यार्थ पयित्यर्थे निम्नपुत्र अर्ह अन्मोवपमिष्येकमिर्ह विषयं यो ह्यम्य  
 तहामि कमायि विविक्थेयि अविवासेमि मने न न अन्मोवपमिष्येकमिर्ह कस्यम-  
 सहाय्यस्त अन्ममयस्त अविविक्थमायस्त अन्मविवासेमायस्त निम्नमे कस्य ।  
 एवंतयो मे एते कस्ये कस्य मय्ये न न अन्मोवपमिष्ये वाच सर्म सहाय्यस्त  
 वाच अविवासेमायस्त निम्नमे कस्य । एवंतयो मे निम्नए कस्य, कठत्वा सुहृ-  
 स्तेवा ॥ ४१२ ॥ अथारि अन्मपयिष्यता प तं अमिष्ये, निम्नई पयित्ये,  
 अमिष्येसमिष्येयुई वाची अथारि वाचयिष्यता प तं निम्नई, अमिष्यई पयित्ये,  
 निम्नोपमिष्येयुई अन्मपयि ॥ ४१३ ॥ अथारि पुरिषयवा न तं अन्ममरे  
 वाचमेये वो परंमरे, परंमरे अन्ममेये वो अन्ममरे, एते अन्ममरेमि परंमरेमि  
 एते वो अन्ममरे वो परंमरे ॥ ४१४ ॥ अथारि पुरिषयवा प तं हुम्यए वाच-  
 मेये हुम्यए, हुम्यए वाचमेये हुम्यए, हुम्यए वाचमेये हुम्यए, हुम्यए वाचमेये  
 हुम्यए, अथारि पुरिषयवा प तं हुम्यए वाचमेये हुम्यए, हुम्यए वाचमेये  
 हुम्यए, हुम्यए वाचमेये हुम्यए, हुम्यए वाचमेये हुम्यए, अथारि पुरिषयवा प  
 तं हुम्यए वाचमेये हुम्यएवाचि, हुम्यए वाचमेये हुम्यएवाचि ४ । अथारि  
 पुरिषयवा प तं हुम्यए वाचमेये हुम्यएवाचि, हुम्यए वाचमेये हुम्यएवाचि ४ ।  
 अथारि पुरिषयवा प तं हुम्यए वाचमेये हुम्यई नए, हुम्यए वाचमेये हुम्यई गह  
 ॥ ४१५ ॥ अथारि पुरिषयवा प तं तमे वाचमेये तमे तमे वाचमेये जोई,  
 जोई वाचमेये तमे जोई वाचमेये जोई, अथारि पुरिषयवा प तं तमे वाचमेये  
 तमके तमे वाचमेये जोईके जोई वाचमेये तमके जोई वाचमेये जोईके अथारि  
 पुरिषयवा प तं तमे वाचमेये तमकेतमके तमे वाचमेये जोईवाचमेये  
 ४ ॥ ४१६ ॥ अथारि पुरिषयवा प तं परिण्वाककमे वाचमेये वो परिण्वाककमे  
 परिण्वाककमे वाचमेये वो परिण्वाककमे एते परिण्वाककमेमि परिण्वाककमेमि  
 एते वो परिण्वाककमे वो परिण्वाककमे अथारि पुरिषयवा प तं परिण्वाक-  
 कमे वाचमेये वो परिण्वाकयिहासाते परिण्वाकयिहासाते वाचमेये वो परिण्वाक-  
 कमे ४ । अथारि पुरिषयवा प तं परिण्वाककमे वाचमेये वो परिण्वाक-  
 यिहासाते परिण्वाकयिहासाते वाचमेये वो परिण्वाककमे ४ ॥ ४१७ ॥ अथारि  
 पुरिषयवा प तं इहामे वाचमेये वो परमे परमे वाचमेये वो इहामे ४ । अथारि

चउहिं ठाणेहिं देविंदा माणुस लोग हव्वमागच्छति, एव जहा तिठाणे जाव लोगे-  
 तिया देवा माणुस्स लोग हव्वमागच्छेज्जा तं० अरिहतेहिं जायमाणेहिं जाव अरिह-  
 ताण परिनिव्वाणमहिमासु ॥ ४१० ॥ चत्तारि दुहसेज्जाओ प० तं० तत्थ खलु  
 इमा पढमा दुहसेज्जा से ण मुढे भविता अगाराओ अणगारिय पव्वइए निग्गथे  
 पावयणे सकिए कखिए वितिगिच्छिए भेयसमावण्णे कलुससमावण्णे निग्गथं पावयणं  
 णो सदहइ णो पत्तियइ णो रोएइ, निग्गथ पावयण असदहमाणे अपत्तियमाणे अरोए-  
 माणे मण उच्चावयं नियच्छइ विणिघायमावज्जइ पढमा दुहसेज्जा, अहावरा दोच्चा  
 दुहसेज्जा से ण मुढे भविता अगाराओ अणगारियं पव्वइए सएणं लाभेणं णो  
 तुस्सइ परस्स लाभमासाएइ पीहेइ पत्थेइ अभिलसइ परस्स लाभमासाएमाणे  
 जाव अभिलसमाणे मण उच्चावय नियच्छइ विणिघायमावज्जइ दोच्चा दुहसेज्जा,  
 अहावरा तच्चा दुहसेज्जा, से ण मुढे भविता अगाराओ अणगारिय पव्वइए  
 दिव्वे माणुस्सए कामभोगे आसाएइ जाव अभिलसइ दिव्वे माणुस्सए कामभोगे  
 आसाएमाणे जाव अभिलसमाणे मण उच्चावय नियच्छइ, विणिघायमावज्जइ तच्चा  
 दुहसेज्जा, अहावरा चउत्था दुहसेज्जा से ण मुढे भविता जाव पव्वइए तस्स  
 णमेव भवइ जया ण अहमगारवासमावसामि तया णमइ सवाहणपरिमइणगायब्भग-  
 गाउच्छोलणाइं लभामि जप्पभिइं च णं अह मुढे भविता जाव पव्वइए तप्पभिइं-  
 च ण अहं सवाहण जाव गाउच्छोलणाइ णो लभामि से ण सवाहण जाव गाउ-  
 च्छोलणाइ आसाएइ जाव अभिलसइ से ण सवाहण जाव गाउच्छोलणाइ आसाए-  
 माणे जाव मणं उच्चावय नियच्छइ विणिघायमावज्जइ चउत्था दुहसेज्जा ॥ ४११ ॥  
 चत्तारि सुहसेज्जाओ प० तं० तत्थ खलु इमा पढमा सुहसेज्जा से ण मुढे  
 भविता अगाराओ अणगारिय पव्वइए निग्गथे पावयणे णिस्सकिए णिक्खिए,  
 णिव्वितिगिच्छिए, णो भेयसमावण्णे णो कलुससमावण्णे निग्गथ पावयण सदहइ  
 पत्तियइ रोएइ निग्गथ पावयण सदहमाणे पत्तियमाणे रोएमाणे णो मण उच्चावयं  
 नियच्छइ, णो विणिघायमावज्जइ पढमा सुहसेज्जा, अहावरा दोच्चा सुहसेज्जा से  
 णं मुढे भविता जाव पव्वइए सएणं लाभेण तुस्सइ, परस्स लाभ णो आसाएइ, णो  
 पीहेइ, णो पत्थेइ, णो अभिलसइ, परस्स लाभमणासाएमाणे जाव अणभिलसमाणे  
 णो मण उच्चावयं नियच्छइ, णो विणिघायमावज्जइ, दोच्चा सुहसेज्जा, अहावरा  
 तच्चा सुहसेज्जा, से णं मुढे भविता जाव पव्वइए दिव्वमाणुस्सए कामभोगे णो  
 आसाएइ जाव णो अभिलसइ, दिव्वमाणुस्सए कामभोगे अणासाएमाणे जाव अण-  
 भिलसमाणे णो मणं उच्चावयं नियच्छइ णो विणिघायमावज्जइ, तच्चा सुहसेज्जा,



चउहिं ठाणेहिं देविंदा माणुस लोग हव्वमागच्छति, एव जहा तिठाणे जाव लोग-  
 तिया देवा माणुस्स लोग हव्वमागच्छेज्जा त० अरिहतेहिं जायमाणेहिं जाव अरिहं-  
 ताण परिनिव्वाणमहिमासु ॥ ४१० ॥ चत्तारि दुहसेज्जाओ प० तं० तत्थ खलु  
 इमा पढमा दुहसेज्जा से णं मुढे भविता अगाराओ अणगारिय पव्वइए निग्गमे  
 पावयणे सकिए कखिए वितिगिच्छिए भेयसमावण्णे कलुससमावण्णे निग्गंथ पावयण  
 णो सहइ णो पत्तियइ णो रोएइ, निग्गंथ पावयणं असइहमाणे अपत्तियमाणे अरोए-  
 माणे मण उच्चावर्यं नियच्छइ विणिघायमावज्जइ पढमा दुहसेज्जा, अहावरा दोब्बा  
 दुहसेज्जा से ण मुढे भविता अगाराओ अणगारिय पव्वइए सएण लाभेणं णो  
 तुस्सइ परस्स लाभमासाएइ पीहेइ पत्थेइ अभिलसइ परस्स लाभमासाएमाणे  
 जाव अभिलसमाणे मण उच्चावर्यं नियच्छइ विणिघायमावज्जइ दोब्बा दुहसेज्जा,  
 अहावरा तच्चा दुहसेज्जा, से ण मुढे भविता अगाराओ अणगारिय पव्वइए  
 दिव्वे माणुस्सए कामभोगे आसाएइ जाव अभिलसइ दिव्वे माणुस्सए कामभोगे  
 आसाएमाणे जाव अभिलसमाणे मणं उच्चावर्यं नियच्छइ, विणिघायमावज्जइ तच्चा  
 दुहसेज्जा, अहावरा चउत्था दुहसेज्जा से ण मुढे भविता जाव पव्वइए तस्स  
 णमेवं भवइ जया ण अहमगारवासमावसामि तया णमह सवाहणपरिमहणगायब्भग-  
 गाउच्छोलणाइं लभामि जप्पभिइं च णं अह मुढे भविता जाव पव्वइए तप्पभिइं-  
 च ण अहं सवाहण जाव गाउच्छोलणाइं णो लभामि से ण सवाहण जाव गाउ-  
 च्छोलणाइं आसाएइ जाव अभिलसइ से ण सवाहण जाव गाउच्छोलणाइं आसाए-  
 माणे जाव मणं उच्चावर्यं नियच्छइ विणिघायमावज्जइ चउत्था दुहसेज्जा ॥ ४११ ॥  
 चत्तारि सुहसेज्जाओ प० तं० तत्थ खलु इमा पढमा सुहसेज्जा से ण मुढे  
 भविता अगाराओ अणगारिय पव्वइए निग्गमे पावयणे णिस्सकिए णिक्खिए,  
 णिव्वितिगिच्छिए, णो भेयसमावण्णे णो कलुससमावण्णे निग्गंथ पावयण सहइ  
 पत्तियइ रोएइ निग्गंथ पावयण सहइमाणे पत्तियमाणे रोएमाणे णो मण उच्चावर्यं  
 नियच्छइ, णो विणिघायमावज्जइ पढमा सुहसेज्जा, अहावरा दोब्बा सुहसेज्जा से  
 णं मुढे भविता जाव पव्वइए सएणं लाभेण तुस्सइ, परस्स लाभ णो आसाएइ, णो  
 पीहेइ, णो पत्थेइ, णो अभिलसइ, परस्स लाभमासाएमाणे जाव अणभिलसमाणे  
 णो मण उच्चावर्यं नियच्छइ, णो विणिघायमावज्जइ, दोब्बा सुहसेज्जा, अहावरा  
 तच्चा सुहसेज्जा, से णं मुढे भविता जाव पव्वइए दिव्वमाणुस्सए कामभोगे णो  
 आसाएइ जाव णो अभिलसइ, दिव्वमाणुस्सए कामभोगे अणासाएमाणे जाव अण-  
 भिलसमाणे णो मण उच्चावर्यं नियच्छइ णो विणिघायमावज्जइ, तच्चा सुहसेज्जा,



पुरिसजाया प० त० एगेण णाममेगे वड्डइ एगेण हायइ, एगेण णाममेगे वड्डइ  
 दोहि हायइ, दोहि णाममेगे वड्डइ एगेण हायइ, दोहि णाममेगे वड्डइ दोहि  
 हायइ ॥ ४१८ ॥ चत्तारि कथका प० त० आइजे णाममेगे आइजे, आइजे णाममेगे  
 खलुके, खलुके णाममेगे आइजे, खलुके णाममेगे खलुके, एवामेव चत्तारि पुरि-  
 सजाया प० त० आइजे णाममेगे आइजे, चउभगो । चत्तारि कथका प० त० आइजे  
 णाममेगे आइजेत्ताए विहरइ, आइजे णाममेगे खलुक्ताए विहरइ ४ । एवामेव  
 चत्तारि पुरिसजाया प० त० आइजे णाममेगे आइजेत्ताए विहरइ, चउभगो । चत्तारि  
 पकथका प० त० जाइसपन्ने णाममेगे णो कुलसपन्ने ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया  
 प० त० जाइसपन्ने णाममेगे चउभगो । चत्तारि कथगा प० त० जाइसपन्ने णाममेगे  
 णो बलसपन्ने ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० जाइसपन्ने णाममेगे नो  
 बलसपन्ने ४ । चत्तारि कथगा प० त० जाइसपन्ने णाममेगे णो रुवसपन्ने ४ ।  
 एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० जाइसपन्ने णाममेगे णो रुवसपन्ने ४ ।  
 चत्तारि कथगा प० त० जाइसपन्ने णाममेगे णो जयसपन्ने ४ । एवामेव चत्तारि  
 पुरिसजाया प० त० जाइसपन्ने ४ । एव कुलसपन्नेण य बलसपन्नेण य ४ । कुल-  
 सपन्नेण य रुवसपन्नेण य ४ । कुलसपन्नेण य जयसपन्नेण य ४ । एवं बलसपन्नेण  
 य रुवसपन्नेण य ४ । बलसपन्नेण य जयसपन्नेण य ४ । सव्वत्थ पुरिसजाया  
 पडिवक्खो, चत्तारि कथगा प० त० रुवसपन्ने णाममेगे णो जयसपन्ने ४ । एवामेव  
 चत्तारि पुरिस० ॥ ४१९ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० सीहत्ताए णाममेगे  
 णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सियालत्ताए विहरइ,  
 सियालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सियालत्ताए णाममेगे णिक्खंते  
 सियालत्ताए विहरइ ॥ ४२० ॥ चत्तारि लोगे समा प० त० अपइठ्ठणे णरए,  
 जंबुद्वीवे वीवे, पालए जाणविमाणे, सव्वठ्ठसिद्धे महाविमाणे, चत्तारि लोगे समा,  
 सपक्खि सपडिदिसिं प० त० सीमतए णरए समयक्खेत्ते उडुविमाणे ईसिपन्भारा  
 पुठवी ॥ ४२१ ॥ उड्डलोए ण चत्तारि विसरीरा प० त० पुढविकाइया आउवणस्सइका०  
 उराला तसा पाणा, अहे लोगे ण चत्तारि विसरीरा प० त० एवं चेव, एवं तिरियलो-  
 एवि ४ ॥ ४२२ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चल्सत्ते थिरसत्ते  
 ॥ ४२३ ॥ चत्तारि सेज्जपडिमाओ प० चत्तारि वत्थपडिमाओ प० चत्तारि पायपडि-  
 माओ प० चत्तारि ठाणपडिमाओ प० ॥ ४२४ ॥ चत्तारि सरीरगा जीवफुडा प० त०  
 वेउव्विए आहारगे तेयए कम्मए, चत्तारि सरीरगा कम्ममुम्मीसगा प० त० ओरोलिए  
 वेउव्विए आहारए तेयए ॥ ४२५ ॥ चउहिं अत्थिकाएहिं लोगे फुडे प० त० धम्म-





विसपरिणय विसट्टमाणिं करेत्ताए विसएसे विसट्टयाए नो चेव णं सपत्तीए करिंसु  
वा करेति वा करिस्सति वा मडुक्काइआसीविसस्स पुच्छा, पभूणं मडुक्काइआसी-  
विसे भरहप्पमाणमेत्त वोदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं त चेव जाव करिस्सति,  
उरगजाइआसीविसस्स पुच्छा, पभूण उरगजाइआसीविसे जघुहीवप्पमाणमेत्त  
वोदिं विसेण सेसं त चेव जाव करिस्संति वा । मणुस्सजाइआसीविसपुच्छा, पभूणं  
मणुस्सजाइआसीविसे समयक्खेतपमाणमेत्त वोदिं विसेण विसपरिणय विसट्टमाणिं  
करेत्ताए विसएसे विसट्टयाए नो चेव णं जाव करिस्सति वा ॥ ४३५ ॥ चउव्विहा  
वाही प० त० वाइए पित्तिए सिंभिए सन्निवाइए, चउव्विहा तिगिच्छा प० त०  
विज्जो ओसहाई आउरे परियारए, चत्तारि तिगिच्छगा प० त० आयतिगिच्छए  
णाममेगे णो परतिगिच्छए परतिगिच्छए णाममेगे णो आयतिगिच्छए जाव चउ-  
भगो ॥ ४३६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० वणकरे णाममेगे णो वणपरिमासी,  
वणपरिमासी णाममेगे णो वणकरे, एगे वणकरेवि वणपरिमासीवि, एगे णो वणकरे  
णो वणपरिमासी, चत्तारि पुरिसजाया प० त० वणकरे णाममेगे णो वणसारक्खी ४ ।  
चत्तारि पुरिसजाया प० त० वणकरे णाममेगे णो वणसरोही ४ ॥ ४३७ ॥ चत्तारि  
वणा प० त० अतो सल्ले णाममेगे णो वाहिंसल्ले ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया  
प० त० अतो सल्ले णाममेगे णो वाहिंसल्ले ४ । चत्तारि वणा प० त० अतो दुट्ठे  
णाममेगे णो वाहिंदुट्ठे, वाहिंदुट्ठे णाममेगे णो अतो दुट्ठे ४ । एवामेव चत्तारि  
पुरिसजाया प० त० अतो दुट्ठे णाममेगे णो वाहिंदुट्ठे ४ ॥ ४३८ ॥ चत्तारि पुरिस-  
जाया प० त० सेयसे णाममेगे सेयसे, सेयसे णाममेगे पावसे, पावंसे णाममेगे सेयसे,  
पावसे णाममेगे पावंसे । चत्तारि पुरिसजाया प० त० सेयसे णाममेगे सेयसेत्ति सालि-  
सए सेयसे णाममेगे पावसेत्ति सालिसए ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० सेयसेत्ति  
णाममेगे सेयसेत्ति मण्णइ, सेयसेत्ति णाममेगे पावसेत्ति मण्णइ ४ । चत्तारि पुरिसजाया  
प० त० सेयसे णाममेगे सेयसेत्ति मालिसए मज्जइ सेयसे णाममेगे पावसेत्ति सालिसए  
मज्जइ ४ ॥ ४३९ ॥ चत्तारि पु० प० त० आघवइत्ता णाममेगे णो परिभावइत्ता,  
परिभावइत्ता णाममेगे णो आघवइत्ता ४ । चत्तारि पु० प० त० आघवइत्ता णाम-  
मेगे णो उच्छजीवियासपप्पे, उच्छजीवियासपप्पे णाममेगे णो आघवइत्ता ४ ॥ ४४० ॥  
चउव्विहा स्वस्सविगुव्वणा प० त० पवालत्ताए पत्तत्ताए पुप्फत्ताए फलत्ताए  
॥ ४४१ ॥ चत्तारि वाइसमोसरणा प० त० किरियावाई अकिरियावाई अण्णाणियावाई  
वेणइयावाई, णेरइयाण चत्तारि वाइसमोसरणा प० त० किरियावाई जाव वेणइया-  
वाई, एवमसुरकुमाराणवि जाव यणियकुमाराणं, एवं विगल्लिदियवज्जं जाव वेमाणि-



मज्झचारी, एवामेव चत्तारि भिक्खागा प० त० अणुसोयचारी पडिसोयचारी जत-  
 चारी मज्झचारी ॥ ४४६ ॥ चत्तारि गोला प० तं० मधुसिथ्यगोले जउगोले  
 दाणुगोले मट्टियागोले, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मधुसिथ्यगोलसमाणे ४ ।  
 चत्तारि गोला प० त० अयगोले तउगोले तवगोले सीसगोले एवामेव चत्तारि पु०  
 प० त० अयगोलसमाणे जाव सीसगोलसमाणे ४ । चत्तारि गोला प० त०  
 हिरण्णगोले सुवण्णगोले रयणगोले वयरगोले एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त०  
 हिरण्णगोलसमाणे जाव वयरगोलसमाणे ॥ ४४७ ॥ चत्तारि पत्ता प० त० असि-  
 पत्ते करपत्ते खुरपत्ते कल्लवचीरियापत्ते, एवामेव चत्तारि पु० प० त० असिपत्त-  
 समाणे जाव कल्लवचीरियापत्तसमाणे ॥ ४४८ ॥ चत्तारि कडा प० त० सुंवकडे  
 विदलकडे चम्मकडे कवलकडे एवामेव चत्तारि पु० प० त० सुवकडसमाणे जाव  
 कवलकडसमाणे ॥ ४४९ ॥ चउव्विहा चउप्पया प० त० एगसुरा दुसुरा गंडीपदा  
 सणप्पदा, चउव्विहा पक्खी प० त० चम्मपक्खी लोमपक्खी समुग्गपक्खी वियय-  
 पक्खी । चउव्विहा खुद्दपाणा प० त० वेइदिया तेइदिया चउरिंदिया समुच्छिम-  
 पंन्दिदियतिरिक्खजोणिया ॥ ४५० ॥ चत्तारि पक्खी प० त० णिवइत्ता णाममेगे  
 णो परिवइत्ता परिवइत्ता णाममेगे णो णिवइत्ता एगे णिवइत्तावि परिवइत्तावि एगे णो  
 णिवइत्ता णो परिवइत्ता एवामेव चत्तारि भिक्खागा प० त० णिवइत्ता णाममेगे णो  
 परिवइत्ता ४ ॥ ४५१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० णिक्कट्ठे णाममेगे णिक्कट्ठे  
 णाममेगे अणिक्कट्ठे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० णिक्कट्ठे णाममेगे णिक्कट्ठप्पा  
 णिक्कट्ठे णाममेगे अणिक्कट्ठप्पा ४ । चत्तारि पु० प० त० बुहे णाममेगे बुहे बुहे  
 णाममेगे अबुहे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० बुहे णाममेगे बुहहियए ४ ।  
 चत्तारि पुरिसजाया प० त० आयाणुकपए णाममेगे णो पराणुकपए ४ ॥ ४५२ ॥  
 चउव्विहे संवासे प० तं० दिव्वे आसुरे रक्खसे माणुसे, चउव्विहे सवासे प० त०  
 देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ देवे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं  
 गच्छइ असुरे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ असुरे णाममेगे असुरीए  
 सद्धिं संवासं गच्छइ, चउव्विहे सवासे प० त० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं  
 गच्छइ, देवे णाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छइ, रक्खसे णाममेगे ४ ।  
 चउव्विहे सवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ, देवे णाममेगे  
 मणुस्सीहिं सद्धिं संवासं गच्छइ ४ । चउव्विहे सवासे प० त० असुरे णाममेगे  
 असुरीहिं सद्धिं संवासं गच्छइ, असुरे णाममेगे रक्खसीहिं सद्धिं संवासं गच्छइ ४,  
 चउव्विहे सवासे प० त० असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ, असुरे



गभीरोदए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० उताणे णाममेगे उताणहियए  
उताणे णाममेगे गभीरहियए ४ चत्तारि उदगा प० त० उताणे णाममेगे उताणोभासी  
उताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० उताणे  
णाममेगे उताणोभासी, उताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४ । चत्तारि उदही प० त०  
उताणे णाममेगे उताणोदही, उताणे णाममेगे गंभीरोदही ४ । एवामेव चत्तारि  
पुरिसजाया प० त० उताणे णाममेगे उताणहियए ४ । चत्तारि उदही प० त० उताणे  
णाममेगे उताणोभासी उताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया  
प० त० उताणे णाममेगे उताणोभासी ४ ॥ ४५८ ॥ चत्तारि तरगा प० त० ससुद्ध  
तरामित्ति एगे समुद्धं तरइ, समुद्धं तरामित्ति एगे गोप्पय तरइ, गोप्पयं तरामित्ति एगे  
४ । चत्तारि तरगा प० त० समुद्धं तरित्ता णाममेगे समुद्धे विसीयइ, समुद्धं तरित्ता  
णाममेगे गोप्पए विसीयइ ४ ॥ ४५९ ॥ चत्तारि कुंभा प० त० पुण्णे णाममेगे पुण्णे  
पुण्णे णाममेगे तुच्छे, तुच्छे णाममेगे पुण्णे तुच्छे णाममेगे तुच्छे, एवामेव चत्तारि  
पुरिसजाया प० त० पुण्णे णाममेगे पुण्णे ४ । चत्तारि कुंभा प० त० पुण्णे णाममेगे  
पुण्णोभासी, पुण्णे णाममेगे तुच्छोभासी ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० पुण्णे  
णाममेगे पुण्णोभासी ४ । चत्तारि कुंभा प० त० पुण्णे णाममेगे पुण्णरूवे पुण्णे  
णाममेगे तुच्छरूवे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० पुण्णे णाममेगे  
पुण्णरूवे ४ । चत्तारि कुंभा प० त० पुण्णेवि एगे पियट्ठे, पुण्णेवि एगे अवदळे, तुच्छेवि  
एगे पियट्ठे तुच्छेवि एगे अवदळे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० पुण्णेवि  
एगे पियट्ठे ४ । तहेव, चत्तारि कुंभा प० त० पुण्णेवि एगे विस्सदइ, पुण्णेवि एगे णो  
विस्सदइ, तुच्छेवि एगे विस्सदइ, तुच्छेवि एगे णो विस्संदइ । एवामेव चत्तारि  
पुरिसजाया प० त० पुण्णेवि एगे विस्सदइ ४ तहेव । चत्तारि कुंभा प० त० भिन्ने  
जज्जरिए परिस्साई अपरिस्साई । एवामेव चउव्विहे चरित्ते प० त० भिन्ने जाव  
अपरिस्साई । चत्तारि कुंभा प० त० महुकुंभे णाममेगे महुप्पिहाणे महुकुंभे णाममेगे  
विसपिहाणे विसकुंभे णाममेगे महुप्पिहाणे विसकुंभे णाममेगे विसपिहाणे ४  
एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४ । हिययमपावमकळुसं जीहा वि य मधुरभासिणी  
णिच्चं, जंमि पुरिसमि विज्जइ से मधुकुंभे महुपिहाणे ( १ ) हिययमपावमकळुसं,  
जीहा वि य कळुयभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से मधुकुंभे विसपिहाणे,  
( २ ) जं हिययं कळुसमयं जीहा वि य मधुरभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ,  
से विसकुंभे मधुपिहाणे ( ३ ) जं हिययं कळुसमयं, जीहा वि य कळुयभासिणी  
णिच्चं, जंमि पुरिसमि विज्जइ, से विसकुंभे विसपिहाणे ( ४ ) ॥ ४६० ॥ चउ-



सोक्खाओ अवरोवेत्ता भवइ, फासामयाओ दुक्खाओ असजोगेत्ता भवइ, वेइदिया ण जीवा समारंभमाणस्स चउव्विहे असजमे कज्जइ तं० जिब्भामयाओ सोक्खाओ ववरोविता भवइ जिब्भामएण दुक्खेण सजोगेत्ता भवइ फासामयाओ सोक्खाओ ववरोविता भवइ फासामएण दुक्खेण सजोगेत्ता भवइ ॥ ४६९ ॥ समदि-  
ट्ठियाण णेरइयाग चत्तारि किरियाओ पण्णत्ताओ तं० आरभिया, परिग्गहिआ मायाव-  
त्तिया, अपच्चक्खाणकिरिया, सम्मदिट्ठियाणमसुरकुमाराग चत्तारि किरियाओ प० एव  
चेव । एव विगल्लिदियवज्जं जाव वेमाणियाग ॥ ४७० ॥ चउहि ठाणेहिं सते गुणे णासेज्जा  
तं० कोहेण पडिनिसेवेण, अक्यण्णयाए, मिच्छत्ताहिणिवेसेण । चउहिं ठाणेहिं संते  
गुणे वीवेज्जा तं० अब्भासवत्तिर्यं, परछदाणवत्तियं, कज्जहेउ, कयपडिक्कइइ वा,  
णेरइयाग चउहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिया तं० कोहेण माणेण मायाए लोभेण, एव  
जाव वेमाणियाण, णेरइयाग चउठाणणिव्वत्तिए सरीरे तं० कोहनिव्वत्तिए जाव  
लोभनिव्वत्तिए, एव जाव वेमाणियाण । चत्तारि धम्मदारा प० तं० खती मुत्ती  
अज्जवे मइवे ॥ ४७१ ॥ चउहिं ठाणेहिं जीवा णेरइयत्ताए कम्म पगरेंति तं०  
महारंभयाए, महापरिग्गहयाए पविंदियवहेण कुणिमाहारेण, चउहिं ठाणेहिं जीवा  
तिरिक्खजोणियत्ताए कम्मं पगरेंति तं० माइल्लयाए नियडिल्लयाए अलियवयणेणं  
कूडतुलकूडमाणेण, चउहिं ठाणेहिं जीवा मणुस्सत्ताए कम्म पगरेंति तं० पगइभइयाए  
पगइविणीययाए साणुक्कोसयाए अमच्छरियाए । चउहिं ठाणेहिं जीवा देवाउयत्ताए  
कम्म पगरेंति तं० सरागसंजमेण सजमासजमेण बालतवोक्कमेण अकामणिज्जराए  
॥ ४७२ ॥ चउव्विहे वज्जे प० तं० तते वितते घणे झुसिरे, चउव्विहे णट्टे प० तं० अचिए  
रिमिए आरभइ भिसोले, चउव्विहे गेये प० तं० उक्खितए पत्ताए मदए रोविंदए,  
चउव्विहे मल्ले प० तं० गथिमे वेढिसे पूरिमे सघाइमे चउव्विहे अलंकारे प० तं०  
केसालकारे वत्थालकारे मल्लालकारे आभरणालकारे, चउव्विहे अभिणए प० तं०  
दिट्ठतिए पाडसुए सामंतोवायणिए लोगमब्भावसिए ॥ ४७३ ॥ सणकुमारमाहिंदेसु णं  
कप्पेसु विमाणा चउवण्णा प० तं० नीला लोहिया हालिवा सुक्किल्ला । महासुक्कसह-  
स्सारेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जा सरीरगा उक्कोसेण चत्तारि रयणीओ उहुं  
उच्चत्तेण पण्णत्ता ॥ ४७४ ॥ चत्तारि उदगगब्भा प० तं० उस्सा महिया सीया  
उसिणा, चत्तारि उदगगब्भा प० तं० हेमगा अब्भसयडा सीओसिणा पचरुविया  
माहे उ हेमगा गब्भा फग्गुणे अब्भसयडा, सीओसिणा उ चित्ते, वइसाहे  
पंचरुविया ( १ ) चत्तारि माणुस्सीगब्भा प० तं० इत्थित्ताए पुरिसत्ताए  
णपुंसगत्ताए विंवत्ताए अप्पं सुक्क बहूं ओय इत्थी तत्थ पजायइ, अप्पं ओय





मेहुणाओ वेरमण ( सदारसतोसे ), इच्छापरिमाणे ॥ ४८४ ॥ पंच वण्णा प० त०  
 किण्हा नीला लोहिया हालिद्दा सुफिल्ला, पंचरसा प० त० तित्ता कडुया कसाया  
 अविला महुरा, पंचकामगुणा प० त० सद्दा रुवा गंधा रसा फासा, पचहिं  
 ठाणेहिं जीवा सज्जति त० सदेहिं जाव फासेहिं, एव रज्जति मुच्छंति गिज्जति  
 अज्जोववज्जति, पचहिं ठाणेहिं जीवा विणिघायमावज्जति त० सदेहिं जाव फासेहिं,  
 पच ठाणा अपरिण्णाया जीवाण अहियाए असुभाए अखमाए अणिस्सेयसाए  
 अणाणुगामियत्ताए भवति तं० सद्दा जाव फासा, पचठाणा सुपरिण्णाया जीवाणं  
 हियाए सुभाए जाव आणुगामियत्ताए भवति त० सद्दा जाव फासा, पच ठाणा  
 अपरिण्णाया जीवाण दुग्गइगमणाए भवति त० सद्दा जाव फासा, पचठाणा  
 परिण्णाया जीवाण सुगइगमणाए भवति त० सद्दा जाव फासा ॥ ४८५ ॥ पचहिं  
 ठाणेहिं जीवा दुग्गइ गच्छति त० पाणाइवाएण जाव परिग्गहेण, पचहिं ठाणेहिं  
 जीवा सोगइ गच्छति त० पाणाइवायवेरमणेण जाव परिग्गहवेरमणेण ॥ ४८६ ॥  
 पंच पडिमाओ प० त० भद्दा सुभद्दा महाभद्दा सव्वओभद्दा भहुत्तरपडिमा  
 ॥ ४८७ ॥ पंच थावरकाया प० त० इंदे थावरकाए विंबे थावरकाए सिप्पे  
 थावरकाए समई थावरकाए पायावचे थावरकाए, पच थावरकायाहिवई प० तं०  
 इंदे थावरकायाहिवई, जाव पायावचे थावरकायाहिवई ॥ ४८८ ॥ पचहिं ठाणेहिं  
 ओहिदंसणे समुप्पज्जिउकामेवि तप्पढमयाए खंभाएज्जा त० अप्पभूय वा  
 पुढविं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, कुयुरासिभूय वा पुढविं पासित्ता तप्पढ-  
 मयाए खंभाएज्जा, महइमहालय वा महोरगसरीरं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा,  
 देव वा महिद्धियं जाव महेसक्ख पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, पुरेस वा  
 पोराणाइ महइमहालयाइ महाणिहाणाइ पहीणसामियाइ पहीणसेउयाइ पहीण-  
 गुत्तागाराइ उच्छिण्णसामियाइ उच्छिण्णसेउयाइ उच्छिण्णगुत्तागाराइ जाइ इमाइ  
 गामागरणगरखेडकब्बडमडवदोणमुहपट्ठणासमसंवाहसनिवेसेसु सिंघाडगतिगचउक्क-  
 चच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु णगरणिद्धमणेसु सुसाणसुण्णागारगिरिकंदरसंतिसेलोवट्ठा-  
 वणभवणगिहेसु सनिक्खित्ताइ चिट्ठति ताइ वा पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा,  
 इच्चेएहिं पचहिं ठाणेहिं ओहिदंसणे समुप्पज्जिउकामे तप्पढमयाए खंभाएज्जा ॥ ४८९ ॥  
 पचहिं ठाणेहिं केवलवरनाणदसणे समुप्पज्जिउकामे तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा त०  
 अप्पभूय वा पुढविं पासित्ता तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा सेस तद्देव जाव भवणगिहेसु  
 संनिक्खित्ताइ चिट्ठति ताइ वा पासित्ता तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा, सेस तद्देव,  
 इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव णो खंभाएज्जा ॥ ४९० ॥ णेरइयाणं सरीरगा पंचवण्णा

नो कप्पइ निम्मेधानं वा निम्मेधीनं वा इमानो उरिउत्तमे वणिमयो निर्वणि-  
 वाधो पंच महम्मवाओ महाण्णो ओतो मात्तस्स इच्छयो वा तिक्कयो वा उत्तरि-  
 त्तपु वा संतरित्तपु वा तं वंवा चउवा सरक पुत्तवई मही पंचहिं ठवेहिं कप्पइ तं  
 मर्वणि वा बुभिकव्वंति वा पम्बहेज व न कोई उव्वोव्वंति वा एज्जमाव्वंति महत्ता  
 वा अणारिण्हि, यो कप्पइ निम्मेधानं वा निम्मेधीनं वा पत्तमपाउसंति धम्मत्तुमार्ग  
 इच्छित्तपु, पंचहिं ठवेहिं कप्पइ तं मर्वणि वा बुभिकव्वंति वा वाध महत्ता वा  
 अणारिण्हि, वात्ताद्यसं पजोसमिमां नो कप्पइ निम्मेधानं वा निम्मेधीनं वा मात्तात्तु-  
 म्मार्ग इच्छित्तपु, पंचहिं ठवेहिं कप्पइ तं वाक्कुत्ताए एवमत्तुमाए चरित्तुमाए  
 आत्तरिकम्मज्जना वा से वीउत्तमेज्ज आत्तरिकवज्जमाव्वं वा वद्विवा वैत्ताव्वं करम-  
 न्नाए ॥ ५११ ॥ पंच अणुमघाहमा प तं इत्तकम्मं करोमहे मेवुं पविसेवमावे  
 एवमाव्वं भुक्कमावे सागारियपिं भुक्कमावे एवपिं भुक्कमावे पंचहिं ठवेहिं  
 समवे निम्मेवे एव्वेउत्तरमत्तुपनिसेज्जा वाक्कुत्ताए तं कपरे सिवा उव्वमो उव्वेता  
 एते उत्तुपारे वहेवे समवा निम्मेवा नो उंचाएत्ति मच्छए वा पावाए वा निक्क-  
 मित्तपु वा पवीरित्तपु वा तंति निम्मवत्तुमाए एव्वेउत्तरमत्तुपनिसेज्जा पाविह्मरिं  
 वा पीडपत्तमसेज्जात्तवारणं पचप्पिज्जमावे एव्वेउत्तरमत्तुपनिसेज्जा इवस्स वा यमस्स  
 वा इत्तस्स आपत्तममाव्वस्स भीपु एव्वेउत्तरमत्तुपनिसेज्जा एते वा नं उहसा वा  
 कम्मवा वा वत्ताए पत्ताए एव्वेउत्तरमत्तुपनिसेज्जा वद्विवा व नं आत्तमार्गं वा उज्जाव  
 एवं वा एव्वेउत्तरव्वो उव्वमो उव्वेता संपरिक्कमिता वं निक्किजेजा इयेएहिं पंचहिं  
 ठवेहिं समवे निम्मेवे वाव वाक्कुत्ताए ॥ ५१२ ॥ पंचहिं ठवेहिं इत्थी पुरिसेव  
 सद्धिं अस्सवसमाणी ति गम्मं वरेजा तं इत्थी इत्थिववा बुक्कित्ता एव-  
 पोम्मेके वद्विहेजा उव्वेउत्तरमत्तुपनिसेज्जा वा से कस्से अंतो ओणीए अत्तरनिसेज्जा एवं  
 वा वा उव्वेउत्तरमत्तुपनिसेज्जा एते वा से उव्वेउत्तरमत्तुपनिसेज्जा पीओव्वपिय  
 वेव वा से वात्तममाणीए उव्वेउत्तरमत्तुपनिसेज्जा इयेएहिं पंचहिं ठवेहिं वाव  
 वरेजा पंचहिं ठवेहिं इत्थी पुरिसेव सद्धिं अस्सवसमाणी ति गम्मं नो  
 वरेजा तं अप्पत्तयेववा अस्सत्तयेववा वाव्वंता गेक्कत्तुता रोमव्वंतिना इये-  
 एहिं पंचहिं ठवेहिं इत्थी पुरिसेव सद्धिं अस्सवसमाणी ति गम्मं नो वरेजा पंचहिं  
 ठवेहिं इत्थी पुरिसेव सद्धिं अस्सवसमाणी ति गम्मं नो वरेजा पंचहिं ठवेहिं इत्थी  
 पुरिसेव सद्धिं अस्सवसमाणी ति गम्मं नो वरेजा तं वद्विवा नो विपान-

किं मे धेरा करिस्सति १ पचहिं ठाणेहिं समणे निग्गये साहम्मियं पारचियं करेमाणे  
 णाइक्कमइ त० सकुले वसइ कुलस्स भेयाए अब्भुट्ठेत्ता भवइ, गणे वसइ गणस्स भेयाए  
 अब्भुट्ठेत्ता भवइ हिंसप्पेही छिइप्पेही अभिक्खण अभिक्खणं पसिणायतणाई पउजित्ता  
 भवइ, आयरियउवज्झायस्स ण गणसि पचवुग्गहट्ठाणा प० त० आयरियउवज्झाए  
 ण गणसि आणं वा धारण वा नो सम्म पउजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए ण गणसि  
 आहाराइणियाए किइक्कम्म णो सम्म पउजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए ण गणसि जे  
 सुयपज्जवजाए धारेन्ति ते काले २ णो सम्ममणुप्पवाएत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए ण  
 गणसि गिलाणसेहवेयावच्च णो सम्ममब्भुट्ठेत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणसि  
 अणापुच्छियचारी यावि भवइ, णो आपुच्छियचारी, आयरियउवज्झायस्स णं गणसि  
 पच अवुग्गहट्ठाणा प० त० आयरियउवज्झाए ण गणसि आण वा धारण वा सम्म  
 पउजित्ता भवइ एवमहाराइणियाए सम्म किइक्कम्म पउजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए  
 णं गणसि जे सुयपज्जवजाए धारेन्ति ते काले २ सम्ममणुप्पवाइत्ता एव गिलाणसेहवेया-  
 वच्च सम्म अब्भुट्ठित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए ण गणसि आपुच्छियचारी यावि भवइ,  
 णो अणापुच्छियचारी ॥ ४९७ ॥ पंच निसिज्जाओ प० त० उक्कुडुया गोदोहिया सम-  
 पायपुया पलियका अद्धपलियका ॥ ४९८ ॥ पच अज्जवट्ठाणा प० त० साहुअज्जव साहु-  
 मइवं साहुलाघव साहुखंती साहुमुत्ती ॥ ४९९ ॥ पंच विहा जोइसिया प० त० चदा सूरा  
 गहा णक्खत्ता ताराओ ॥ ५०० ॥ पंच विहा देवा प० त० भवियदब्बदेवा  
 णरदेवा धम्मदेवा देवाइदेवा भावदेवा ॥ ५०१ ॥ पचविहा परियारणा प०  
 त० कायपरियारणा फासपरियारणा रूवपरियारणा सट्ठपरियारणा मणपरियारणा  
 ॥ ५०२ ॥ चमरस्स ण असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो पच अग्गमहिंसीओ प० त०  
 काली राई रयणी विज्जू मेहा, वलिस्स ण वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो पच अग्ग-  
 महिंसीओ प० त० सुभा णिसुभा रंभा णिरभा मयणा ॥ ५०३ ॥ चमरस्स णं असुरिं-  
 दस्स असुरकुमाररण्णो पच संगामिया अणिया पच संगामिया अणियाहिंवई प०  
 त० पायत्ताणिण पीठाणिण कुजराणिण महिसाणिण रहाणिण, दुमे पायत्ताणियाहिंवई  
 सोदामे आसराया पीठाणियाहिंवई कुथू हत्थिराया कुजराणियाहिंवई लोहियक्खे  
 महिसाणियाहिंवई किण्णरे रहाणियाहिंवई, वलिस्स ण वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो  
 पंच संगामिया अणिया पच संगामिया अणियाहिंवई प० त० पायत्ताणिण जाव  
 रहाणिण, महादुमे पायत्ताणियाहिंवई महासोदामे आसराया पीठाणियाहिंवई  
 मालकारे हत्थिराया कुंजराणियाहिंवई महालोहिअक्खे महिसाणियाहिंवई किंपुरिसे  
 रहाणियाहिंवई, धरणिंदस्स णं णाणिंदस्स नागकुमाररण्णो पच संगामिया अणिया



पुरिसे अक्कोसइ वा जाव अवहरइ वा मम च ण सम्म असहमाणस्स अखममाणस्स  
 अतिक्खमाणस्स अणहियासेमाणस्स किं मन्ने कज्जइ ? एगतसो मे पावे कम्मे कज्जइ  
 मम च ण सम्म सहमाणस्स जाव अहियासेमाणस्स किं मन्ने कज्जइ ? एगतसो मे  
 निज्जरा कज्जइ इच्चैएहिं पंचहिं ठाणेहिं छउमत्ये उदिन्ने परिसहोवसग्गे सम्म सहेज्जा  
 जाव अहियासेज्जा ॥ ५०८ ॥ पंचहिं ठाणेहिं केवली उदिन्ने परिसहोवसग्गे सम्म  
 सहेज्जा जाव अहियासेज्जा त० खित्तचित्ते खलु अय पुरिसे तेण मे एस पुरिसे  
 अक्कोसइ वा तहेव जाव अवहरइ वा दित्तचित्ते खलु अय पुरिसे तेण मे एस  
 पुरिसे जाव अवहरइ वा जक्खाइठ्ठे खलु अय पुरिसे तेण मे एस पुरिसे जाव  
 अवहरइ वा मम च ण तब्भववेयणिज्जे कम्मे उदिन्ने भवइ तेण मे एस पुरिसे  
 जाव अवहरइ वा मम च ण सम्म सहमाण खममाणं तित्तिक्खमाण अहियासेमाण  
 पासित्ता बहवे अन्ने छउमत्या समणा निग्गया उदिन्ने परिसहोवसग्गे एवं सम्म  
 साहिस्सति जाव अहियासिस्संति इच्चैएहिं पंचहिं ठाणेहिं केवली उदिन्ने परिसहो-  
 वसग्गे सम्म सहेज्जा जाव अहियासेज्जा ॥ ५०९ ॥ पंच हेऊ प० त० हेउं न  
 जाणइ हेउं न पासति हेउं णं बुज्झइ हेउं नाभिगच्छइ हेउमण्णाणमरण मरइ,  
 पंच हेऊ प० त० हेउणा ण जाणइ जाव हेउणा अण्णाणमरण मरइ, पंच हेऊ  
 प० त० हेउं जाणइ जाव हेउं छउमत्यमरण मरइ, पंच हेऊ प० त० हेउणा  
 जाणइ जाव हेउणा छउमत्यमरण मरइ, पंच अहेऊ प० त० अहेउं न जाणइ जाव  
 अहेउं छउमत्यमरणं मरइ, पंच अहेऊ प० त० अहेउणा न जाणइ जाव अहेउणा  
 छउमत्यमरण मरइ, पंच अहेऊ प० त० अहेउं जाणइ जाव अहेउं केवलमरणं मरइ,  
 पंच अहेऊ प० त० अहेउणा ण जाणइ जाव अहेउणा केवलमरण मरइ ॥ ५१० ॥  
 केवलस्स णं पंच अणुत्तरा प० त० अणुत्तरे णाणे अणुत्तरे दसणे अणुत्तरे  
 चरित्ते अणुत्तरे तवे अणुत्तरे वीरिए ॥ ५११ ॥ पउमप्पहे ण अरहा पंच चित्ते  
 होत्या त० चित्ताहिं चुए चइत्ता गब्भ वक्कते चित्ताहिं जाए चित्ताहिं मुढे भविता  
 अगाराओ अणगारियं पव्वइए चित्ताहिं अणंते अणुत्तरे णिव्वाधाए निरावरणे कसिणे  
 पडिपुन्ने केवलवरनाणदसणे समुप्पन्ने चित्ताहिं परिनिव्वुए । पुप्फदंते ण अरहा पंच मूले  
 होत्या मूलेण चुए चइत्ता गब्भ वक्कते, एव चेव एएण अभिलावेण इमाओ गाहाओ  
 अणुगतव्वाओ ॥ पउमप्पमस्स चित्ता मूले पुण होइ पुप्फदतस्स, पुव्वाइं आसाढा  
 सीयलस्सुत्तर विमलस्स भइवया ( १ )- रेवइया अणतजिणो पूसो धम्मस्स संतिणो  
 भरणी, कुंथुस्स कत्तियाओ अरस्स तह रेवइओ य ( २ ) मुणिसुव्वयस्स सवणो  
 आसिणि नमिणो य नेमिणो चित्ता, पासस्स विसाहाओ पंच य हत्थुत्तरे वीसे  
 ( ३ ) सेस जहा आयारे ॥ ५१२ ॥ पंचमहाणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥

पुनश्चेज्जा तं एतेन चतुर्थं भोजनपरिणामेन विद्वत्क्षणं पुनश्चरुमेन पंचमं  
अथैवं समये विष्णवे विष्णोर्धि मिण्डमाणि वा अथर्वणमाणि वा  
वाहकमाह तं विष्णवे न नं अथर्वे पञ्चमहृ वा पञ्चमीवाहृ वा अथर्वहृ  
एतन् विष्णवे विष्णोर्धि मिण्डमाणि वा अथर्वणमाणि वा वाहकमाह विष्णवे विष्णोर्धि  
पुनर्हि वा मिण्डमि वा पञ्चमामाणि वा पञ्चमाणि वा गेष्मामाणि वा अथर्वणमाणि  
वा वाहकमाह विष्णवे विष्णोर्धि येवति वा पंचमि वा पञ्चमि वा उच्येति वा उच्य-  
स्माणि वा उच्यस्माणि वा मिण्डमाणि वा अथर्वणमाणि वा वाहकमाह विष्णवे  
विष्णोर्धि पञ्च वाहकमाणि वा अथर्वणमाणि वा पञ्चमहृ विष्णोर्धि विष्णोर्धि वाहकमाह  
एतन्मात्रपठं अथर्वणपठं साक्षिपरचं सप्तमधिकृतं आन यत्तत्पञ्चपडिवाहकमिच्छं  
अनुजयं वा विष्णवे विष्णोर्धि मिण्डमाणि वा अथर्वणमाणि वा वाहकमाह ॥ ५२८ ॥  
आनरितवज्ज्यावत्स नं पंचमि पंच अतिसेसरा प तं आनरितवज्ज्याहृ  
अंतोऽवत्सवत्स पाहृ विविदिशत वज्जोऽप्यावे वा पञ्चमामाणि वा वाहकमाह आन-  
रितवज्ज्याहृ अंतो उवत्सवत्स उचारपाद्यचं विविदिशमाणि वा विष्णोर्हिमाणि वा वाह-  
कमाह आनरितवज्ज्याहृ पञ्च अथर्वे वैश्वदेविं करेजा इष्यन् वा करेजा आपरित-  
वज्ज्याहृ अंतो उवत्सवत्स एगारु वा हुगर् वा एगारु वधमाणि वाहकमाह । आन-  
रितवज्ज्याहृ अथर्वे उवत्सवत्स एगारु वा हुगर् वा वधमाणि वाहकमाह । पंचमं  
अथैवं आनरितवज्ज्यावत्स यथावत्तमे प तं आनरितवज्ज्याहृ पंचमि  
आनं वा चारुं वा नो समं पञ्चजिता मयहृ, आनरितवज्ज्याहृ पंचमि अहाराय-  
मिवाहृ अहृमं वैश्वदेविं नो समं पञ्चजिता मयहृ आनरितवज्ज्याहृ पंचमि ये  
हृवपञ्चवज्ज्याहृ चारुति ते अथर्वे नो समं यत्तत्पञ्चजिता मयहृ, आनरितवज्ज्याहृ  
पंचमि उपमिवाहृ वा परममिवाहृ वा मिश्रवीहृ वज्जिमेतं मयहृ, मिश्र वाहपचे वा ते  
यथाभ्यो अथर्वमेज्जा तंति रीगहोक्म्यहृगृवाहृ यथावत्तमे पञ्चमो । पंचमं विहृ  
हृहिर्मता मणुस्सा प तं अर्घ्यता वदवती वदवता वासुदेवा माभिवप्याभ्यो  
अथर्वार ॥ ५२९ ॥ पंचमहृवज्ज्याहृ विहृमो खेष्टो समचो ॥

पंच अथर्ववज्ज्याहृ प तं धम्मपिवाहृ अधम्मपिवाहृ आयासपिवाहृ  
वीरपिवाहृ पोथ्यवज्ज्याहृ धम्मपिवाहृ अथर्वे अर्घ्ये अरते मयहृति अथर्वी  
अथर्वे वाहृहृ अथर्विहृ अथर्वे ये समाप्तयो पंचमिहृ प तं अथर्वो वेताभ्यो  
अथर्वो भावयो पुनश्चे अथर्वो नं धम्मपिवाहृ एवं एवं पञ्चमो धम्मपिवाहृमो  
अथर्वो न कमाह वाही न कमाह न मयहृ न कमाह न अतिस्वपि धुमि मयहृ  
य अतिस्वपि य धुमि विधिहृ वाहृहृ अथर्वहृ अथर्वहृ अथर्विहृ मिश्र वाहपतो अथर्वो

पडिसेविणी यावि भवइ, समागया वा से सुक्कपोग्गला पडिविदंसति उदिन्ने वा से पित्त-  
 सोणिए पुरा वा देवकम्मुणा पुत्तफले वा नो निदिठ्ठे भवइ इच्चेएहिं जाव णो  
 धरेज्जा ॥ ५१५ ॥ पचहिं ठाणेहिं निग्गंथा निग्गंथीओ य एगयओ ठाणं  
 वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएमाणा णाइक्कमंति त० अत्थेगइया निग्गथा  
 निग्गथीओ य एग महं अगामिय छिन्नावाय वीहमद्धं अडविमणुपविट्ठा तत्थेग-  
 यओ ठाण वा सेज्ज वा निसीहिय वा चेएमाणा णाइक्कमति अत्थेगइया निग्गंथा २  
 गामसि वा नगरंसि वा जाव रायहाणिसि वा वास उवागया एगइया जत्थ उवस्सयं  
 लभति एगइया णो लभति तत्थेगयओ ठाण वा जाव णाइक्कमति अत्थेगइया  
 निग्गथा निग्गथीओ य णागकुमारावाससि वा सुवन्नकुमारावाससि वा वासं उवा-  
 गया तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमति, आमोसगा वीसति ते इच्छति निग्गथीओ  
 चीवरपडियाए पडिगाहेत्तए तत्थेगयओ ठाण वा जाव णाइक्कमति, जुवाणा वीसति ते  
 इच्छति निग्गथीओ मेहुणपडियाए पडिगाहेत्तए तत्थेगयओ ठाण वा जाव णाइक्कमति,  
 इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव णाइक्कमति । पचहिं ठाणेहिं समणे निग्गथे अचेलए  
 सचेलियाहिं निग्गथीहिं सद्धिं सवसमाणे नाइक्कमइ त० खित्तचित्ते समणे निग्गथे  
 निग्गथेहिं अविज्जमाणेहिं अचेलओ सचेलियाहिं निग्गंथीहिं सद्धिं सवसमाणे नाइ-  
 क्कमइ एवमेएण गमएणं दित्तचित्ते जक्खाइठ्ठे उम्मायपत्ते निग्गथीपव्वावियए समणे  
 निग्गथेहिं अविज्जमाणेहिं अचेलए सचेलियाहिं निग्गथीहिं सद्धिं सवसमाणे णाइक्कमइ  
 ॥ ५१६ ॥ पंच आसवदारा प० त० मिच्छत्त अविरइ पमाओ कसाया जोगा,  
 पंच संवरदारा प० त० सम्मत्त विरइ अपमाओ अकसाइत्त पसत्थजोगित्त, पंच  
 दंडा प० त० अट्ठादडे अणट्ठादडे हिंसादडे अकम्हादडे दिट्ठिविपरियासियादंडे ।  
 पंच किरियाओ प० तं० आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया अपच्चक्खाणकिरिया  
 मिच्छादसणवत्तिया, मिच्छदिट्ठिनेरइयाण पंच किरियाओ प० त० आरभिया  
 जाव मिच्छादसणवत्तिया एव सव्वेसिं निरंतरं जाव मिच्छादिट्ठियाणं वेमाणियाण ।  
 णवर विगलेंदिया मिच्छादिट्ठी न भन्ति सेसं तहेव पंच किरियाओ प० त०  
 काइया अहिंगरणिया पाओसिया पारियावणिया पाणाइवायकिरिया, नेरइयाण पंच  
 एव चेव निरतरं जाव वेमाणियाणं, पंच किरियाओ प० त० आरभिया जाव मिच्छाद-  
 सणवत्तिया णेरइयाण पंच जाव वेमाणियाणं । पंच किरियाओ प० तं० दिट्ठिया  
 पुट्ठिया पाडुच्चिया सामतोवणिवाइया साहत्थिया एवं णेरइयाण जाव वेमाणियाणं, पंच  
 किरियाओ प० तं० णेसत्थिया आणवणिया वेयारणिया अणाभोगवत्तिया अणव-  
 कखवत्तिया, एव जाव वेमाणियाण, पंच किरियाओ प० त० पेज्जवत्तिया दोस-  
 वत्तिया पओगकिरिया समुदाणकिरिया इरियावहिया एव मणुस्साण वि सेसाण





कज्जइ त० पुढविकाइयअसजमे जाव वणस्सइकाइयअसजमे, पचिंदिया णं जीवा  
 असमारभमाणस्स पंचविहे संजमे कज्जइ त० सोइंदियसंजमे जाव फासिंदियसजमे,  
 पचिंदिया ण जीवा समारंभमाणस्स पंचविहे असजमे कज्जइ त० सोइंदियअसजमे जाव  
 फासिंदियअसजमे, सव्वपाणभूयजीवसत्ता णं असमारंभमाणस्स पंचविहे सजमे कज्जइ  
 त० एगिंदियसंजमे जाव पचिंदियसजमे, सव्वपाणभूयजीवसत्ता ण समारंभमाणस्स  
 पंचविहे असजमे कज्जइ त० एगिंदियअसजमे जाव पचिंदियअसजमे ॥५२४॥ **पंच-**  
**विहा तणवणस्सइकाइया** प० त० अग्गवीया मूलवीया पोरवीया खंधवीया  
 बीयरुहा ॥ ५२५ ॥ **पंचविहे आयारे** प० त० णाणायारे दंसणायारे चरिता-  
 यारे तवायारे वीरियायारे, **पंचविहे आयारपकप्पे** प० त० मासिए उग्घाइए  
 मासिए अणुग्घाइए चउमासिए उग्घाइए चउमासिए अणुग्घाइए आरोवणा,  
**आरोवणा पंचविहा** प० त० पठुविया ठविया कसिणा अकसिणा हाडहडा  
 ॥ ५२६ ॥ जवुदीवे वीवे मदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमे णं सीयाए महानईए उत्तरेणं  
 पंचवक्खारपव्वया प० त० मालवंते चित्तकूडे पम्हकूडे णल्लिणकूडे एगसेले, जंबू-  
 मंदरस्स पुरओ सीयाए महाणईए दाहिणेण पंचवक्खारपव्वया प० त० तिकूडे  
 वेसमणकूडे अजणे मायजणे सोमणसे, जंबूमदरपव्वयस्स पच्चत्थिमेण सीओयाए  
 महाणईए दाहिणेण पंचवक्खारपव्वया प० त० विज्जुप्पमे अकावई पम्हावई  
 आसीविसे सुहावहे, जंबूमदरस्स पच्चत्थिमेण सीओयाए महाणईए उत्तरेण पंच  
 वक्खारपव्वया प० त० चदपव्वए सूरपव्वए णागपव्वए देवपव्वए गधमायणे,  
 जंबूमदरस्स दाहिणेण देवकुराए कुराए पंचमहइहा प० त० निसहदहे देवकुरुदहे  
 सूरदहे सुलसदहे विज्जुप्पहदहे, जंबूमदरउत्तरेण उत्तरकुराए कुराए पंचमहइहा प०  
 त० नीलवंतदहे उत्तरकुरुदहे चददहे एरावणदहे सालवंतदहे, सव्वेवि ण वक्खारप-  
 व्वया सीयासीओयाओ महाणईओ मदरं वा पव्वयतेण पंचजोयणसयाई उच्च  
 उच्चत्तेण पंचगाउयसयाई उव्वेहेण, धायइसडे वीवे पुरत्थिमद्धेणं मदरस्स पव्वयस्स  
 पुरच्छिमेण सीयाए महाणईए उत्तरेण पंचवक्खारपव्वया प० त० मालवंते एव  
 जहा जवुदीवे तहा जाव पोक्खरवरवीवम्भुपच्चत्थिमद्धे वक्खारा दहा य वक्खारपव्व-  
 याण उच्चत्त भाणियव्व, समयक्खेत्ते ण पंच भरहाई पंच एरवयाई एव जहा चउठाणे  
 बिइए उद्देसे तहा एत्थवि भाणियव्व जाव पंच मदरा पंचमदरचूलियाओ णवरं  
 उडुयारा णत्थि ॥ ५२७ ॥ उसमे ण अरहा कोसलिए पंचधणुसयाई उच्च उच्चत्तेणं  
 होत्था भरहे ण राया चाउरंतचक्कवट्ठी पंचधणुसयाई उच्च उच्चत्तेण होत्था बाहुवली णं  
 अणगारे एव चेव । बभी णं अज्जा एव चेव एव सुंदरीवि, पंचहिं ठाणेहिं सुत्ते वि

सुखमिहो विषमिहो विषमिहो वचमिहो वचमिहो पंचविहो स्तोत्र प तं  
 पुत्रमिहो आरुहो पेंरुहो पेंरुहो वंमस्तेह, पंचठापाई छत्रमाये सुख-  
 मायेने प आणह प पास्तह तं वम्मस्तिपचनं वचम्मस्तिपचनं आप्यासति  
 चनं जीवं अघरीरपदिचनं परमाणुयेमसं एवमि चेष उप्पन्नाकारसवारे वरहा  
 दिने वेमसी सुखमायेने आणह पास्तह वम्मस्तिपचनं आण परमाणुयेमसं । अहो  
 म्मेने वं पंच अलुत्तरा महासहाय्या महाविरमा प तं अचो महाचको रोम्प  
 महारोम्प अण्डाण्णे सङ्खमेने वं पंच अलुत्तरा महासहाय्या महाविमाया  
 प तं निचवे वेमसंते जवंत अपराणिपु सुखमिहो ॥ ५१५ ॥ पंच पुरिस  
 आप्या प तं द्विरिचते द्विरिचवसतं वचसते विरसते उदससते पंच मच्छा  
 प तं अलुत्तेनारी पडिच्छेनारी अतचारी मच्छाचारी सुखचारी एवमेव पंच  
 निचवाया प तं अलुत्तेनारी आण सुखचोचारी पंच वणीमगा प तं  
 अतिद्विचमीमप निचवचमीमप माहवचमीमप सावचमीमप समन्वचमीमप । पंचहिं  
 ठाणेहिं अचोचप पछाये मचह तं आप्या पडिच्छेह अण्णीए पछाये सनेवसा-  
 सिपु तवे अलुत्ताप निचवं इविचमिहो पंच उदच्छा प तं उदच्छे उदच्छे  
 उदच्छे उदच्छे उदच्छे पंच सुमिहो प तं इविचमिहो भासा आण  
 पाठिअवमिचसमिहो ॥ ५१६ ॥ पंचविहा संसारसमावजगा पीया प तं  
 एमिहिया आण पंचिमिया एमिहिया पंचगहवा पंचाण्णा प तं एमिहिए एमि-  
 हिए उववज्याने एमिहिएमिहो वा आण पंचिमिएमिहो वा उववज्या ते वेव वे  
 ते एमिहिए एमिहिवतं विम्वज्याने एमिहिवतापु वा आण पंचिमिवयापु वा  
 पच्छेजा वेमिहिया पंचमज्या पंचाण्णा एवं वेव एवं आण पंचिमिया पंचगहवा  
 पंचगहवा प तं पंचिमिया आण पच्छेजा ॥ ५१७ ॥ पंचविहा सुखजीवा  
 प तं ओहकसई अण ओयकसई अण्णाई, अहवा पंचमिहा सुखजीवा प तं  
 वेरहवा आण वेवा मिह्य अह मंत । अण्णसुत्तिअसुम्ममासमिण्णसुत्तरवज्जि-  
 छंअसुत्तिअमिनेवयावं एण्णि वे वज्जानं कुत्ताज्जानं वहा सान्नेनं आण वेमसं  
 अणं जोणी उमिहो । मोय्या । अहन्नेने यंतोसुत्तं उहोसेनं पंच उवच्छाई,  
 तेव परं जोणी पमिअवह आण तेव परं जोणीओहोरे पण्णे ॥ ५१८ ॥ पंच  
 संवच्छा प तं वज्जजणंअण्णारे कुत्ताअण्णारे पमाअण्णारे उववज्ज-  
 ण्णारे उविचरअण्णारे जुगसंअण्णारे पंचविहो प तं अरि अरि अमिवहिपु  
 अरि अमिवहिपु वेव पमाअण्णारे पंचविहो प तं वचवो अरि उद  
 आहवे अमिवहिपु उववज्जण्णारे पंचविहो प तं अण्णं वज्जण्णं ओने

अगधे अरसे अफासे, गुणओ गमणगुणे य ( १ ) अधम्मत्थिकाए अवन्ने एव चेव  
नवर गुणओ ठाणगुणे ( २ ) आगासत्थिकाए अवन्ने एव चेव नवर खेत्तओ लोगा-  
लोगप्पमाणमित्ते गुणओ अवगाहणागुणे सेस त चेव ( ३ ) जीवत्थिकाए णं अवन्ने  
एव चेव नवर दब्बओ ण जीवत्थिकाए अणताइ दब्बाइ, अरूवी जीवे सासए, गुणओ  
उवओगगुणे, सेस त चेव ( ४ ) पोगगलत्थिकाए पचवन्ने पचरसे दुगधे अठ्ठफासे  
रूवी अर्जावे सासए अवट्ठिए जाव दब्बओ ण पोगगलत्थिकाए अणताइ दब्बाइ,  
खेत्तओ लोगपमाणमित्ते, कालओ ण कयाइ णासी जाव णिच्चे भावओ वण्णमते  
गधमते रसमते फासमते, गुणओ गहणगुणे ॥ ५३० ॥ पंच गईओ प० त०  
निरयगई तिरियगई मणुयगई देवगई सिद्धिगई । पच ईदियत्था प० त० सोइ  
दियत्थे जाव फासिंदियत्थे पंच मुंडा प० त०-सोइदियमुडे जाव फासिंदियमुडे,  
अहवा पंच मुंडा प० त० कोहमुडे, माणमुडे, मायामुडे, लोभमुडे, सिस्सुडे  
॥ ५३१ ॥ अहे लोणे ण पच वायरा प० त० पुढाविकाइया आउ० वाउ० वणस्सई-  
काइया उराला तसा पाणा ॥ उट्ठलोणे ण पच वायरा, एए चेव, तिरियलोणे ण  
पच वायरा प० त० एगिंदिया जाव पचिंदिया । पच विहा वादरतेउकाइया प० त०  
इंगाळे जाला मुम्मुरे अच्ची अलाए, वादरवाउकाइया पचविहा प० त० पाईण-  
वाए पडीणवाए उवीणवाए दाहिणवाए विदिसिवाए पंचविहा अचित्ता वाउ-  
काइया प० त० अकते धते पीलिए सरीराणए समुच्छिमे ॥ ५३२ ॥ पंच  
नियंठा प० त० पुलाए वउसे कुसीले नियठे सिणाए । पुलाए पंच विहे प०  
त० णाणपुलाए दसणपुलाए चरित्तपुलाए लिंगपुलाए अहासुहुमपुलाए नाम पंचमे ।  
वउसे पंचविहे प० त० आभोगवउसे अणाभोगवउसे सबुडवउसे असबुडवउसे  
अहासुहुमवउसे णाम पंचमे । कुसीले पंचविहे प० त० णाणकुसीले दसण-  
कुसीले चरित्तकुसीले लिंगकुसीले अहासुहुमकुसीले णाम पंचमे । नियठे पंचविहे  
प० त० पढमसमयनियठे अपढमसमयनियठे चरिमसमयनियठे अचरिमसमयनियंठे  
अहासुहुमनियठे णाम पंचमे । सिणाए पंच विहे प० त० अच्छवी असवले अक्क-  
म्मसे ससुद्धणागदसणवरे अरहा जिणे केवली अपरिस्सावी ॥ ५३३ ॥ कप्पइ  
निग्गथाण वा निग्गथीण वा पंचवत्थाइं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा त० जगिए  
खोमिए साणए पोत्तिए तिरीडपट्टए णाम पंचमए । कप्पइ निग्गथाण वा निग्गथीण वा  
पंच रयहरणाइ धारेत्तए वा परिहरित्तए वा, तजहा-उण्णिए उट्टिए साणए पच्चा-  
पिच्चियए मुजापिच्चिए णाम पंचमे ॥ ५३४ ॥ धम्मं चरमाणस्स पच निस्सा-  
ठाणा प० त० छक्काए गणो राया णिहवई सरीर । पंच णिही प० त०

समर्थेति तं चत्वारः सप्त वाटी बोधी मही (१) चतुर्दशस्व पादिकेन विष्णु-  
 हात्रं पंचमहावटीयो समर्थेति तं सप्त विमला निराला एतवटी चरभाया (२)  
 चतुर्दशस्व उत्तरेन रत्नायहात्रं पंचमहावटीयो समर्थेति तं विमला महाविमला  
 नील महानील महावीर (३) चतुर्दशस्व उत्तरेन रत्नाय महात्रं पंचमहा-  
 वटीयो समर्थेति तं इरा इरसेवा सुमेवा वारिसेवा महाभोवा (४) ॥ ५४२ ॥  
 पंच सितपयरा कुमारवासमज्जे वसिस्ता मुंडा जात्र पञ्चदया तं  
 वस्तुमे मही नमिहुनेयी पाठे बीरे । कमारनवाए न एतहाणीए पंच समा  
 प तं इहमासमा सप्तवायसया वसिसेनसया कर्कशारियसया वससाकसमा  
 एवमेो न इरकुमि न पंच सयायो प तं इहमासमा वात्र वससाकसमा । पंच  
 वनवाता पंच तारा व तं वसिहता रोहिणी पुष्यस्त इत्यो विमला नील के  
 पंचपुनविमलतिए ऐम्मेके चक्रममताए विमिल वा विमिलि वा विमिलिस्ति वा तं  
 सुविमिलिस्तिस्तिए वात्र पंचिविहनिमलतिए एवं विम वसविम पंच वहीर वेह पहा  
 निजरा पंच पंचपएस्तिवा कंवा कर्कता प पंचपएस्तिवा योगयस कर्कता प  
 वात्र पंच पुष्यमन्वा ऐम्मेका कर्कता पञ्चता ॥ ५४३ ॥ पंचमहापस्व तहयो  
 उहेचो समचो, पंचमहाप समचो ॥

### छहठमं

छह्णि अवेहिं संपने अनयारे वरिहह गनं वारियए तं सही पुरिसवाए, अवे  
 पुरिसवाए, महावी पुरिसवाए, वस्तुए पुरिसवाए, सचिमं वज्जहिपरमे छह्णि  
 अवेहिं निर्मवे निर्मवे निष्पमावे वा कर्कशमावे वा वस्तुमाए, तं विहविर्तं  
 विहविर्तं वक्तवाहुं, उम्मावपत्तं उक्तवयपत्तं सादियारने ॥ ५४४ ॥ छह्णि  
 अवेहिं निर्मवा निर्मवीयो व साहम्मिर्न वक्तवर्न वमाययमावा वाक्कमन्ति तं  
 अतोहिंतो वा वहिं वीमेमावा, वाहिंहिंतो वा निष्पहिं नीमेमावा उवेहमावा वा  
 व्वासमावा वा, वस्तुवमेमावा वा पुषिणीए वा संपन्वमावा ॥ ५४५ ॥ छ  
 हवाहं कम्मत्ते सम्ममावेनं व वात्रा व वासह तं वम्मन्तिवयवयवम्मन्ति-  
 वक्तवापाठं वीक्कमन्तिपरिक्कं परमापुणेम्मे सई एवावि वेव वज्जवनावर्त-  
 वपरे वरहा जिने वात्र सम्ममावेनं वात्रा पावह वम्मन्तिवयव वात्र सई ॥ ५४६ ॥  
 छह्णि अवेहिं सम्मवीयानं वरिह इहीति वा ठाहीति वा कही वा कही वा वीरिए वा  
 पुरिसवार वात्र पञ्चयेति वा तं वीने वा कवीने करववाए, ववीने वा वीने करववाए,  
 एम्माएएवं वा छ वात्रावे माविताए, एवं कइ व कवी वेएवि वा वा व वेएवि,

जोयति समग उक्त परिणमति, णचुण्हं णाडसीओ बहूदओ होइ णक्खते ( १ )  
 ससिसगलपुण्णमासी जोएइ विममचारिणक्खते कहुओ बहूदओ या तमाहु सवच्छरं  
 चद ( २ ) विसम पवालिणो परिणमति, अणुदसु देति पुप्फफल, वास ण सम्म वासइ  
 तमाहु सवच्छरं कम्म ( ३ ) पुत्रविदगाण तु रस पुप्फफलाण तु देइ आदिओ,  
 अप्पेण वि वासेण सम्म निप्फज्जए सस्सं ( ४ ) आइयतेयतविया राणलवदिवसा  
 उक्त परिणमति, पूरति रेणुधलयाइ, तमाहु अभिवट्ठिय जाण ५ ( ५३९ ) पच-  
 विहे जीवस्स निज्जाणमग्गे प० त० पाएहिं ऊरुहिं उरेण सिरेण सव्वगेहिं  
 पाएहिं निज्जाणमाणे णिरयगामी भवइ ऊरुहिं निज्जाणमाणे तिरियगामी भवइ  
 उरेण निज्जाणमाणे मणुयगामी भवइ सिरेण निज्जाणमाणे देवगामी भवइ सव्वगेहिं  
 निज्जाणमाणे सिद्धिगइपज्जवसाणे पण्णत्ते, पचविहे छेयणे प० त० उप्पायच्छेयणे  
 वियच्छेयणे वधच्छेयणे पएसच्छेयणे दोधारच्छेयणे, पंचविहे आणंतरिए  
 प० त० उप्पायगतए वियगतए पएसगतए समयागतए सामण्णागतए ।  
 पंचविहे अणत्ते प० त० णामणत्तए ठवणाणत्तए दव्वाणत्तए गणणाणत्तए पप्-  
 साणत्तए, अहवा पंचविहे अणंतए प० त० एगओऽणत्तए दुहओणत्तए देस-  
 वित्थाराणत्तए सव्ववित्थाराणत्तए सासयाणत्तए ॥ ५४० ॥ पचविहे णाणे प० त०  
 आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे मणपज्जवणाणे केवलणाणे पंचविहे  
 णाणावरणिज्जे कम्मे प० त० आभिणिबोहियणाणावरणिज्जे जाव केवलणाणा-  
 वरणिज्जे, पचविहे सज्झाए प० त० वायणा पुच्छणा परियट्ठणा अणुप्पेहा धम्मकहा,  
 पचविहे पच्चखाणे प० त० सद्धहणसुद्धे विणयसुद्धे अणुभासणासुद्धे अणुपालणा-  
 सुद्धे भावसुद्धे पचविहे पडिक्कमणे प० त० आसवदारपडिक्कमणे मिच्छतपडि-  
 क्कमणे कसायपडिक्कमणे जोगपडिक्कमणे भावपडिक्कमणे पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं  
 वाएज्जा त० सगहठुयाए उवग्गहणठुयाए निज्जरणठुयाए सुत्ते वा मे पज्जवयाए भवि-  
 स्सइ सुत्तस्स वा अवोच्छित्तिणयठुयाए पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं सिक्खिज्जा त०  
 णाणठुयाए दसणठुयाए चरित्तठुयाए वुग्गहविमोयणठुयाए अहत्ये वा भावे जाणि-  
 स्सामीति कहु, सोहम्मीसाणेसु ण कप्पेसु विमाणा पंचवण्णा प० त० किण्हा जाव  
 सुक्खिळा ( १ ) सोहम्मीसाणेसु ण कप्पेसु विमाणा पचजोयणसयाइ उच्च उच्चत्तेण प०  
 ( २ ) वभलोगलत्तएसु ण कप्पेसु देवाण भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेण पचरयणीओ  
 उच्च उच्चत्तेण प० ( ३ ) णेरइया ण पचवण्णे पचरसे पोगगळे वधेसु वा वधति वा  
 वधिस्सति वा त० किण्हे जाव सुक्खिळे, तित्ते जाव मधुरे, एव जाव वेमाणिया  
 ॥ ५४१ ॥ जउदीवे वीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेग गगामहाणइ पचमहाणइओ



जोयति समग उक्त परिणमति, णच्छुण्ढ णाडसीओ महूदओ होइ णक्खते ( १ )  
 ससिसगलपुण्णमासी जोएइ विसमचारिणक्खते कहुओ बहुदओ या तमाहु सवच्छरं  
 चद ( २ ) विसमं पवालिणो परिणमंति, अणुदुसु देति पुप्फफल, वास ण सम्म वासइ  
 तमाहु सवच्छरं कम्म ( ३ ) पुढविदगाण तु रस पुप्फफलाण तु देइ आदिओ,  
 अप्पेण वि वासेण सम्म निप्फज्जए सस्स ( ४ ) आइच्चतेयतविया खणलवदिवता  
 उक्त परिणमति, पूरिति रेणुयलयाइ, तमाहु अभिवद्धिय जाण ५ ( ५३९ ) पच-  
 विहे जीवस्स निज्जाणमग्गे प० त० पाएहिं ऊरुहिं उरेण सिरेण सब्वगेहिं  
 पाएहिं निज्जाणमाणे णिरयगामी भवइ ऊरुहिं निज्जाणमाणे तिरियगामी भवइ  
 उरेण निज्जाणमाणे मणुयगामी भवइ सिरेण निज्जाणमाणे देवगामी भवइ सब्वगेहिं  
 निज्जाणमाणे सिद्धिगइपज्जवसाणे पण्णत्ते, पंचविहे छेयणे प० त० उप्पायच्छेयणे  
 वियच्छेयणे वधच्छेयणे पएसच्छेयणे दोधारच्छेयणे, पंचविहे आणंतरिए  
 प० त० उप्पायगतरिए वियणतरिए पएसणतरिए समयाणतरिए सामण्णाणतरिए ।  
 पंचविहे अणत्ते प० त० णामणतए ठवणाणतए दव्वाणतए गणणाणतए पए-  
 साणतए, अहवा पचविहे अणंतए प० त० एगओऽणतए दुहओणतए देस-  
 वित्थाराणतए सब्ववित्थाराणतए सासयाणतए ॥ ५४० ॥ पचविहे णाणे प० त०  
 आभिणिवोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे मणपज्जवणाणे केवलणाणे पंचविहे  
 णाणावरणिज्जे कम्मे प० त० आभिणिवोहियणाणावरणिज्जे जाव केवलणाणा-  
 वरणिज्जे, पचविहे सज्झाए प० त० वायणा पुच्छणा परियट्ठणा अणुप्पेहा धम्मकहा,  
 पचविहे पच्चक्खवाणे प० त० सहहणसुद्धे विणयसुद्धे अणुभासणासुद्धे अणुपालणा-  
 सुद्धे भावसुद्धे पचविहे पडिक्कमणे प० त० आसवदारपडिक्कमणे मिच्छंतपडि-  
 क्कमणे कसायपडिक्कमणे जोगपडिक्कमणे भावपडिक्कमणे पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं  
 वाएज्जा त० संगहठुयाए उवग्गहणठुयाए निजरणठुयाए सुत्ते वा मे पज्जवयाए भवि-  
 स्सइ सुत्तस्स वा अवोच्छित्तिणयठुयाए पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं सिक्खिज्जा त०  
 णाणठुयाए दसणठुयाए चरित्तठुयाए वुग्गहविमोयणठुयाए अहत्ये वा भावे जाणि-  
 स्सामीति कहु, सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु विमाणा पंचवण्णा प० त० किण्हा जाव  
 सुक्खिळा ( १ ) सोहम्मीसाणेसु ण कप्पेसु विमाणा पंचजोयणसयाइं उद्ध उच्चत्तेणं प०  
 ( २ ) वमलोगलतएसु ण कप्पेसु देवाण भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेण पचरयणीओ  
 उद्ध उच्चत्तेण प० ( ३ ) णेरइया णं पचवण्णे पचरसे पोग्गळे वधेसु वा वधति वा  
 वधिस्सति वा त० किण्हे जाव सुक्खिले, तित्ते जाव मधुरे, एव जाव वेमाणिया  
 ॥ ५४१ ॥ जवुदीवे वीवे मदरस्स पव्वयस्स दाहिणेग गगामहाणइ पंचमहाणइओ



[illegible]

परमाणुपोगल वा छिंदितए वा भिंदितए वा, अगणिकाएण वा समोदहितए, वहिया वा लोगता गमण्याए ॥ ५४७ ॥ छज्जीवनिकाया प० त० पुढविकाइया जाव तसकाइया ॥ ५४८ ॥ छ तारगगहा प० त० सुक्के, बुहे, बहस्सई, अगारए, सणिच्चरे, केऊ ॥ ५४९ ॥ छव्विहा ससारसमावज्जगा जीवा प० त० पुढविकाइया जाव तसकाइया ॥ ५५० ॥ पुढविकाइया छगइया छआगइया प० त० पुढविकाइए पुढविकाइएस उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा जाव तसकाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा, सो चेव ण से पुढविकाइए पुढविकाइयत्त विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए वा जाव तसकाइयत्ताए वा गच्छेज्जा, आउकाइयावि छगइया छआगइया, एवं चेव जाव तसकाइया ॥ ५५१ ॥ छव्विहा सव्वजीवा प० त० आभिणिबोहियणाणी जाव केवलणाणी, अन्नाणी ॥ ५५२ ॥ अहवा छव्विहा सव्वजीवा प० त० एगिंदिया जाव पच्चिंदिया, अणिंदिया ॥ ५५३ ॥ अहवा छव्विहा सव्वजीवा प० त० ओरालियसरीरी, वेउव्वियसरीरी, आहारगसरीरी, तेयगसरीरी, कम्मगसरीरी, असरीरी ॥ ५५४ ॥ छव्विहा तणवणस्सइकाइया प० त० अगवीया मूलवीया पोरवीया खधवीया वीयरुद्धा समुच्छिमा ॥ ५५५ ॥ छठाणाई सव्वजीवाण णो सुलभाइ भवति, त० माणुस्सए भवे, आयरिए खित्ते जम्म, सुकुळे पञ्चायाती, केवलिपन्नत्तस्स धम्मस्स सवणया सुयस्स वा सद्दहण्या, सद्दहियस्स वा पत्तियस्स वा रोइयस्स वा सम्म काएण फासणया ॥ ५५६ ॥ छ ईदियत्या प० त० सोईदियत्ये जाव फासिंदियत्ये णोईदियत्ये ॥ ५५७ ॥ छव्विहे संवरे प० त० सोइदियसवरे जाव फासिंदियसवरे णोइदियसवरे ॥ ५५८ ॥ छव्विहे असवरे प० त० सोइदियअसवरे, जाव फासिदिअअसवरे, णोइदिअअसवरे ॥ ५५९ ॥ छव्विहे साए प० त० सोइदियसाए जाव नोइदियसाए ॥ ५६० ॥ छव्विहे असाए प० त० सोइदियअसाए, जाव नोइदियअसाए ॥ ५६१ ॥ छव्विहे पायच्छित्ते प० त० आलोयणारिहे, पडिक्कमणारिहे, तदुभयारिहे, विवेगारिहे, विउस्सगारिहे, तवारिहे ॥ ५६२ ॥ छव्विहा मणुस्सा प० त० जव्वीवगा, धायइखंडवीवपुरच्छिमदगा, धायइखंडवीवपच्चत्थिमदगा, पुक्खरवरवीवद्वुपुरत्थिमदगा, पुक्खरवरवीवत्थिमदगा, अतरवीवगा, अहवा छव्विहा मणुस्सा प० त० समुच्छिममणुस्सा, कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अतरवीवगा, गम्भवक्कतियमणुस्सा कम्मभूमिगा अकम्मभूमिगा अतरवीवगा ॥ ५६३ ॥ छव्विहा इन्डिमता मणुस्सा प० त० अरहता, चक्कवट्ठी, वलदेवा, वासुदेवा, चारणा, विज्जाहरा ॥ ५६४ ॥ छव्विहा अणिन्डिमता मणुस्सा प० त० हेमवतगा हेरन्नवतगा हरिवसगा रम्मगवसगा कुरु-

अभिहा कृप पात्त प तं वेईदिवा तेईदिवा बरिदिवा संसुचिमायविदिवादि-  
 क्खबोमिवा तेउकइया भात्तकइया ॥ ५९८ ॥ अभिहा गोवरावरिया प तं पेडा  
 अइपेडा नोसुपिया फरंगीदिवा संसुचिमाय यंतुपत्तमया ॥ ५९९ ॥ संसुहीने वीपे  
 संवरस्त पत्तवस्त हाक्षिबेमिगीदे रमपथमाए पुडवीए ॥ अक्कंउमहाभिरिया  
 प तं जोडे जोडेए जरेहे निहे जरेए पजरए ॥ ६०० ॥ बरावीए नं पत्तमाए  
 पुडवीए ॥ अक्कंउा महाभिरिया प तं मारे मारे मारे रोरे रोरे क्कअइ  
 ॥ ६०१ ॥ नंमकोए नं कपे ॥ मिमापत्तवा प तं जरेए मरेए मरेए मिमके  
 मिमिमेरे मिमके ॥ ६०२ ॥ नंवरस्त नं जोडिदिस्त जोडराओ ॥ अक्कंउा पुनं  
 वाया समवेया तीससुहुता प तं पुम्माभाक्का कतिवा महा पुम्माअगुणी  
 मूमे पुम्माभाक्का ॥ ६०३ ॥ नंवरस्त नं जोडिदिस्त जोडराओ ॥ अक्कंउा  
 नरत्तमाया अक्कंउेता पजरसुहुता प तं सयमित्ता मरपी जरा अस्सेसा  
 छाई केहु ॥ ६०४ ॥ नंवरस्त नं जोडिदिस्त जोडराओ ॥ अक्कंउा समवेमाया  
 विक्कंउेता पत्तवस्तसुहुता प तं रोडिपी पुम्माअ उउपअगुणी मिमहा  
 उताउसावा उताउमइया ॥ ६०५ ॥ अमिनेरे नं पुम्माअरे ॥ अक्कंउाई कंहुं उक्क-  
 तेनं हुता ॥ ६०६ ॥ मरहे नं उक्का बाउरेयवक्काही ॥ पुम्माअकइस्तछाई महाउक्का  
 हुता ॥ ६०७ ॥ पावस्त नं अक्कंउे पुत्तिवाभिमिस्त अस्तवा भाईनं सदेअत्तुमा-  
 अए पत्तिआ अत्तुअमिअनं सपमा होत्ता ॥ ६०८ ॥ अक्कंउा नं अक्का ॥ पुत्ति-  
 सपुहि सदि सुवे क्कअ पत्तए ॥ ६०९ ॥ नंवरपमे नं अक्का अम्माते अम्माते होत्ता  
 ॥ ६१० ॥ तेईदिवा नं वीपानं अक्कमारममाअस्त अभिहे संवेने क्कअ तं वात्तमाओ  
 सोक्काओ अक्करोवेता मरति वात्तामएनं पुनवेनं अक्कंउेता मरइ विक्कमाओ  
 सोक्काओ अक्करोवेता मरइ एनं केव अक्कमाओ मि ॥ ६११ ॥ तेईदिवा नं  
 वीपानं अक्कमारममाअस्त अभिहे अक्कंउेने क्कअ तं वात्तामाओ सोक्काओ  
 मरति मरइ वात्तामएनं पुनवेनं अक्कंउेता मरइ क्कअ अक्कमाएनं पुनवेनं अक्कंउेता  
 मरइ ॥ ६१२ ॥ संसुहीने वीपे ॥ अक्कंउा मूरीओ प तं हेमए हेरन्वए इति-  
 वाते रम्मपथावे वेरक्कउ उउक्कउ ॥ ६१३ ॥ संसुहीने वीपे अक्काया प तं मरहे  
 एरए हेमए हेरन्वए इतिवाते रम्मपथावे ॥ ६१४ ॥ संसुहीने वीपे अक्कायहर  
 पत्तव न तं पुम्माअमरति महाक्षिमरति मिमके मीमरति कपी तिहरी ॥ ६१५ ॥  
 नंमंदरवाक्षिने नं ॥ क्कअ प तं पुम्माअमरतुहे केरमन्ने म्माक्षिमरतुहे  
 वीरुअमन्ने मिमअमन्ने क्कअमन्ने ॥ ६१६ ॥ नंमंदरवातेनं उक्का प तं  
 मीमरतुहे अक्कंउा म्माक्षिमरति मिमके मीमरति कपी तिहरी ॥ ६१७ ॥

धम्मस्स, अवण्ण वदमाणे, आयरियत्तवज्जायाणमवन्न वदमाणे, चाउव्वस्स  
 सधस्स अवन्न वदमाणे, जम्मावेसेण चेव मोहणिजस्स चेव कम्मस्स उदण्ण  
 ॥ ५८२ ॥ छव्विहे पमाए ५० त० मज्जपमाए, णिहपमाए, वित्तयपमाए, क्साक्  
 पमाए, जूयपमाए, पडिलेहणापमाए ॥ ५८३ ॥ छव्विहा पमायपडिलेहणा ५० त०  
 आरभडा समहा, वज्जेयव्वा य मोसली तइया, पप्फोडणा चउत्थी विक्खिता  
 वेइया छट्ठी (१) छव्विहा अप्पमायपडिलेहणा ५० त० अणचाविय अवल्लि,  
 अणाणुवधिं अमोसलिं चेव छप्पुरिमा णव खोडा पाणी पाणविसोहणी (-२)  
 ॥ ५८४ ॥ छ लेसाओ ५० त० कण्हलेसा जाव मुक्कलेसा, पच्चिदियतिरिक्खजो-  
 णियाण छ लेसाओ ५० त० कण्हलेसा जाव मुक्कलेसा, एवं मणुस्सदेवाण वि  
 ॥ ५८५ ॥ सक्कस्स ण देविंदस्स देवरजो सोमस्स महारजो छ अग्गमहिंसीओ ५०  
 ॥ ५८६ ॥ सक्कस्स ण देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारजो छ अग्गमहिंसीओ ५०  
 ॥ ५८७ ॥ ईसाणस्स ण देविंदस्स मज्झिमपरिसाए देवाणं छ पल्लिओवमाई ठिई  
 ५० ॥ ५८८ ॥ छ दिसिक्कुमारिमहत्तरियाओ ५० त० रुवा रुतंसा सुलुवा रुववई  
 रुवकता रुयप्पभा, छ विज्जुमारिमहत्तरियाओ ५० त० आला सक्का सतेरा सोया-  
 मणी इदा घणविज्जुया ॥ ५८९ ॥ धरणस्स ण नागकुमारिंदस्स नागकुमाररजो  
 छ अग्गमहिंसीओ ५० त० आला सक्का सतेरा सोयामणी इदा घणविज्जुया,  
 भूयाणदस्स ण नागकुमारिंदस्स नागकुमाररण्णो छ अग्गमहिंसीओ ५० त० रुवा  
 रुवसा सुलुवा रुववई रुवकता रुयप्पभा, जहा धरणस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाण  
 जाव घोसस्स, जहा भूयाणदस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव महाघोसस्स  
 ॥ ५९० ॥ धरणस्स ण नागकुमारिंदस्स नागकुमाररजो छसामाणियसाहस्सीओ  
 पण्णत्ताओ, एव भूयाणदस्स वि जाव महाघोसस्स ॥ ५९१ ॥ छव्विहा उग्गहमई  
 ५० त० खिप्पमोगिण्हइ बहुमोगिण्हइ बहुविधमोगिण्हइ धुवमोगिण्हइ अणिस्सि-  
 यमोगिण्हइ असदिद्धमोगिण्हइ ॥ ५९२ ॥ छव्विहा ईहामई ५० त० खिप्पमी-  
 हइ, बहुमीहइ, जाव असदिद्धमीहइ ॥ ५९३ ॥ छव्विहा अवायमई ५० त०  
 खिप्पमवेइ जाव असदिद्धमवेइ छव्विहा धारणा ५० त० बहु धारेइ बहुविह धारेइ  
 पोराण धारेइ दुद्धर धारेइ अणिस्सिय धारेइ असदिद्ध धारेइ ॥ ५९४ ॥ छव्विहे  
 वाहिरए तवे ५० त० अणसर्ण ओमोयरिया मिक्खायरिया रसपरिच्चाए कायकिलेसो  
 पडिसंलीणया ॥ ५९५ ॥ छव्विहे अब्भतारिए तवे ५० त० पायच्छित्त विणओ  
 वेयावच्च तहेव सज्झाओ क्काण विउस्सग्गो ॥ ५९६ ॥ छव्विहे विवादे ५० त०  
 ओसक्कइत्ता उस्सक्कइत्ता अणुलोमइत्ता पडिलोमइत्ता भइत्ता मेलइत्ता ॥ ५९७ ॥



घन्मस्स अवण्ण वदमाणे, आयरियउवज्जायाणमवन्न वदमाणे, चाउव्वभस्स  
 सघस्स अवन्न वदमाणे, जम्मावेसेण चेव मोहणिजस्स चेव कम्मस्स उदण्ण  
 ॥ ५८२ ॥ छव्विहे पमाए प० त० मज्जपमाए, णिहपमाए, विसयपमाए, कसाय-  
 पमाए, जूयपमाए, पडिलेह्णापमाए ॥ ५८३ ॥ छव्विहा पमायपडिलेह्णा प० तं०  
 आरभडा समद्वा, वज्जेयव्वा य मोसली तइया, पप्फोडणा चउत्थी विक्किता  
 वेइया छट्ठी (१) छव्विहा अप्पमायपडिलेह्णा प० त० अण्णाविय अवल्लि,  
 अण्णुवधिं अमोसलिं चेव छप्पुरेमा णव खोडा पाणी पाणक्सोहणी (२)  
 ॥ ५८४ ॥ छ लेसाओ प० त० कण्हलेसा जाव नुक्कलेसा, पच्चिदियतिरिक्खजो-  
 णियाण छ लेसाओ प० त० कण्हलेसा जाव नुक्कलेसा, एव मणुस्सदेवाण वि  
 ॥ ५८५ ॥ सक्कस्स ण देविंदस्स देवरज्जो सोमस्स महारज्जो छ अग्गमहिंसीओ प०  
 ॥ ५८६ ॥ सक्कस्स ण देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारज्जो छ अग्गमहिंसीओ प०  
 ॥ ५८७ ॥ ईसाणस्स ण देविंदस्स मज्झिमपरिसाए देवाण छ पल्लिओवमाई ठिई  
 प० ॥ ५८८ ॥ छ दिसिक्कुमारिमहत्तरियाओ प० त० रुवा रुतंसा सुरुवा रुववई  
 रुवकता रुयप्पभा, छ विज्जुक्कुमारिमहत्तरियाओ प० तं० आला सक्का सतेरा सोया-  
 मणी इदा घणविज्जुया ॥ ५८९ ॥ धरणस्स ण नागकुमारिंदस्स नागकुमाररज्जो  
 छ अग्गमहिंसीओ प० त० आला सक्का सतेरा सोयामणी इदा घणविज्जुया,  
 भूयाणदस्स ण नागकुमारिंदस्स नागकुमाररण्णो छ अग्गमहिंसीओ प० त० रुवा  
 रुवसा सुरुवा रुववई रुवकता रुयप्पभा, जहा धरणस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं  
 जाव घोसस्स, जहा भूयाणदस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाण जाव महाघोसस्स  
 ॥ ५९० ॥ धरणस्स ण नागकुमारिंदस्स नागकुमाररज्जो छसामाणियसाहस्सीओ  
 पण्णत्ताओ, एव भूयाणदस्स वि जाव महाघोसस्स ॥ ५९१ ॥ छव्विहा उग्गहमई  
 प० त० खिप्पमोगिण्हइ बहुमोगिण्हइ बहुविधमोगिण्हइ धुवमोगिण्हइ अणिस्सि-  
 यमोगिण्हइ असदिद्धमोगिण्हइ ॥ ५९२ ॥ छव्विहा ईहामई प० त० स्तिप्पमी-  
 हइ, बहुमीहइ, जाव असदिद्धमीहइ ॥ ५९३ ॥ छव्विहा अवायमई प० त०  
 खिप्पमवेइ जाव असदिद्धमवेइ छव्विहा वारणा प० त० बहु धारेइ बहुविह धारेइ  
 पोराण धारेइ दुद्धर धारेइ अणिस्सिय धारेइ असदिद्ध धारेइ ॥ ५९४ ॥ छव्विहे  
 वाहिरए तवे प० त० अणसण ओमोयरिया भिक्खायरिया रसपरिच्चाए कायक्किलेसो  
 पडिसंलीणया ॥ ५९५ ॥ छव्विहे अब्भंतारिए तवे प० त० पायच्छित्त विणओ  
 चेयावर्षं तहेव सज्झाओ ज्ञाण विउस्सग्गो ॥ ५९६ ॥ छव्विहे विवादे प० तं०  
 ओत्सक्कइत्ता उत्सक्कइत्ता अणुलोमइत्ता पडिलोमइत्ता भइत्ता भेलइत्ता ॥ ५९७ ॥



जनुदीवे वीवे छ महद्दहा प० तं० पउमद्दहे महापउमद्दहे तिगिच्छद्दहे केसरिद्दहे  
महापोंडरीयद्दहे पुंडरीयद्दहे ॥ ६१८ ॥ तत्थ णं छ देवयाओ महक्खियाओ जाव  
पलिओवमट्ठिइयाओ परिवसति त० सिरी हिरी धिई किंती बुद्धी लच्छी ॥ ६१९ ॥  
जवूमदरदाहिणेण छ महानईओ प० त० गगा सिंधू रोहिया रोहियसा हरी हरिकता  
॥ ६२० ॥ जवूमदरस्स उत्तरे ण छ महानईओ प० तं० णरकंता णारिकंता सुवण्ण-  
कूला रुप्पकूला रत्ता रत्तवई ॥ ६२१ ॥ जवूमदरपुरच्छिमे ण सीयाए महानईए  
उभयकूले छ अतरनईओ प० त० गाहावई दहावई पंकवई तत्तजला मतजला  
उम्मत्तजला ॥ ६२२ ॥ जवूमदरपच्चत्थिमे ण सीओयाए महानईए उभयकूले छ  
अतरनईओ प० त० खीरोदा सीहसोया अतोवाहिणी उम्मिमालिणी फेणमालिणी  
गभीरमालिणी ॥ ६२३ ॥ धायइसंडवीवपुरच्छिमद्देण छ अकम्मभूमीओ प० तं०  
हेमवए एवं जहा जवुदीवे २ तहा णई जाव अतरणईओ जाव पुन्खरवरवीववृपच्चत्थि-  
मद्दे भाणियव्व ॥ ६२४ ॥ छ उऊ प० त० पाउसे वरिसारत्ते सरए हेमते वसते गिम्हे  
॥ ६२५ ॥ छ ओमरत्ता प० त० तइए पव्वे सत्तमे पव्वे एक्कारसमे पव्वे पन्नरसमे  
पव्वे एण्णवीसइमे पव्वे तेवीसइमे पव्वे ॥ ६२६ ॥ छ अइरत्ता प० त० चउत्थे  
पव्वे अठ्ठमे पव्वे दुवालसमे पव्वे सोलसमे पव्वे वीसइमे पव्वे चउवीसइमे पव्वे  
॥ ६२७ ॥ आभिणिवोहियणाणस्स ण छव्विहे अत्थोग्गहे प० त० सोइदियत्थोग्गहे  
जाव नोइदियत्थोग्गहे ॥ ६२८ ॥ छव्विहे ओहिणाणे प० त० आणुगामिए  
अणाणुगामिए वड्डमाणए हीयमाणए पडिवाई अपडिवाई ॥ ६२९ ॥ नो कप्पइ  
निग्गथाण वा निग्गथीण वा इमाइ छअवयणाई वड्ढत्तए त० अलियवयणे हीलि-  
यवयणे खिसियवयणे फरसवयणे गारत्थियवयणे विउसविय वा पुणो उवीरित्तए  
॥ ६३० ॥ छ कप्पस्स पत्थारा प० त० पाणाइवायस्स वार्य वयमाणे  
मुसावायस्स वाय वयमाणे अदिन्नादाणस्स वाय वयमाणे अविरइवाय वयमाणे  
अपुरिसवाय वयमाणे दासवाय वयमाणे इच्चेए छ कप्पस्स पत्थारे पत्थरेत्ता सम्मम-  
परिपूरेमाणे तट्ठाणपत्ते ॥ ६३१ ॥ छ कप्पस्स पलिमंथू प० त० कोकुइए सज्जमस्स  
पलिमंथू मोहरिए सच्चवयणस्स पलिमंथू चक्खुलोछए इरियावहियाए पलिमंथू  
तिंतिणिए एसणागोयरस्स पलिमंथू इच्छालोभिए मुत्तिमग्गस्स पलिमंथू भिज्जाणि-  
दाणकरणे मोक्खमग्गस्स पलिमंथू सव्वत्थ भगवया अणिदाणता पसत्था ॥ ६३२ ॥  
छव्विहा कप्पठिई प० तं० सामाइयकप्पठिई छेओवट्ठावणियकप्पठिई निव्विसमाण-  
कप्पठिई णिव्विट्ठकप्पठिई जिणकप्पठिई थिविरकप्पठिई ॥ ६३३ ॥ समणे भगवं  
महावीरे छट्ठेणं भत्तेण अपाणएण मुंढे जाव पव्वइए ॥ ६३४ ॥ समणस्स णं



निर्मगप्यायेन समुप्यज्जने दशमेव वासह् वाहिरम्भतरए येम्यअए अपरिवादिहए  
 पुडेयत्त वापत्त वाज निउम्भिता नं विड्डिहए तस्स जमेनं मअह् जस्सि वाज समु  
 प्यजे अमुह्जो जीवे संतेयइया समवा वा माह्णा वा एममाईह् सुअमे जीवे वे  
 ते एममाईह् मिच्छं तं एममाईह्, एअमे निर्मगप्याये । अहावरे छहे निर्मग  
 प्याये, जवा नं तहाइवस्स समवस्स वा माह्वस्स वा वाज समुप्यज्जति से नं  
 तेनं निर्मगप्यायेनं समुप्यजेनं वेअमेव पयह् वाहिरम्भतरए येम्यअ परिवाह्णा  
 वा अपरिवादिह्णा वा पुडेयत्त वापत्त पुडेया वाज निउम्भित्थ विड्डिहए तस्स  
 जमेनं मअह्, जस्सि नं मय अइसेसे वाजइसवे समुप्यजे छही जीवे संतेयइया समवा  
 वा माह्णा वा एममाईह् मअही जीवे अ तं एममाईह् मिच्छं ते एममाईह् छहे  
 निर्मगप्याये । अहावरे सअमे निर्मगप्याये जवा नं तहाइवस्स समवस्स  
 वा माह्वस्स वा निर्मगप्याये समुप्यज्जह्, से नं तनं निर्मगप्यायेनं समुप्यजेनं पासह्  
 छुमेनं वाउअएनं पुडे येम्यअज्जने एअंते वेअंते जइंते कुम्मंते कुंरं जइंते उरी  
 रितं तं तं मां परिकमंते तस्स जमेनं मअह् जस्सि नं मय अइसेसे वाजइसवे समु  
 प्यजे समज्जिं जीवा सउपइया समवा वा माह्णा वा एममाईह् जीवा वेव  
 अजीवा वेव वे ते एममाईह् मिच्छं ते एममाईह् तस्स जमिमे जअरि जीवनिअया  
 वो सम्मसुअया मअंति तंवाहा पुडिअइया आऊ तेऊ वाउअइया इयेएहिं जउहिं  
 जीवनिअएहिं मिअमइं पअये, सअमे निर्मगप्याये ॥ १५५ ॥ सअमिहे जोमि-  
 छंमहे प तं अइया पोअया जउअया रअया संतेयया संमुअिअमा जमिअया  
 अइया सउपइया सउपइया प तं अइगे अइगेसु उअअअयावे अउएहिंते वा  
 जेअएहिंते वा जअ जमिअएहिंते वा उअअअया से वेव नं से अइए अइमते  
 निअअइयावे अइअताए वा जेअताए वा जअ जमिअताए वा मअयेअा पोअया  
 सउपइया सउपइया एनं वेव सउपअमि गइरापई माअिअया जअ जमिअति  
 ॥ १६ ॥ आअरिअअअअअस्स नं यअंति सउपइयाअया प तं आअरिअअअ-  
 अअए यअंति जअं वा जारअं वा समं पईअिअ मअह्, एनं जहा वंअअवे यअ  
 आअरिअअअअए यअंति आपुअिअअयाटी यमि मअह्, नो अयापुअिअअयाटी यमि  
 मअह् आअरिअअअअए यअंति अमुप्यज्जइ उअअअयाई समं उअअअया मअह्,  
 आअरिअअअअए यअंति पुअुप्यज्जइ उअअअयाई समं सारअवेता सअेअता  
 मअह् नो अअमं सारअवेता सअेअिता मअह् ॥ १६१ ॥ आअरिअअअअअस्स नं  
 यअंति सउप अइअअया प तं आअरिअअअअए यअंति जअं वा जारअं वा  
 नो समं पईअिता मअह्, एनं यअ उअअअया नो समं सारअवेता सअेअता

## सत्तमट्ठाणं

सत्तविहे गणावक्कमणे प० त० सव्वधम्मा रोएमि एगइया रोएमि एगइया णो रोएमि सव्वधम्मा वितिगिच्छामि एगइया वितिगिच्छामि एगइया नो वितिगिच्छामि सव्वधम्मा जुहुणामि एगइया जुहुणामि एगइया णो जुहुणामि इच्छामिणं भते । एगल्लविहारपडिम उवसपज्जिता ण विहरितए ॥ ६५८ ॥ सत्तविहे विभगणाणे प० तं० एगदिसिलोगाभिगमे, पंचदिसिलोगाभिगमे, किरियावरणे जीवे, मुदग्गे जीवे, अमुदग्गे जीवे, रूवी जीवे, सव्वमिण जीवा, तत्थ खलु इमे पढमे विभंगणाणे जया ण तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभगणाणे समुप्पज्जइ से ण तेण विभगणाणेण समुप्पन्नेण पासइ पाईण वा पढीण वा दाहिणं वा उदीण वा उट्ठ वा जाव सोहम्मै कप्पे तस्स णमेव भवइ अत्थि ण मम अइसेसे णाणदसणे समुप्पन्ने एगदिसि लोगाभिगमे सत्तेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहसु पचदिसिं लोगाभिगमे जे ते एवमाहसु मिच्छ ते एव माहसु पढमे विभंगणाणे, अहावरे दोच्चे विभंगणाणे जया ण तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभगणाणे समुप्पज्जइ से णं तेण विभगणाणेण समुप्पन्नेण पासइ पाईण वा पढीण वा दाहिण वा उदीण वा उट्ठ जाव सोहम्मै कप्पे तस्स ण एव भवइ अत्थि ण मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने पचदिसिं लोगाभिगमे सत्तेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहसु एगदिसिं लोगाभिगमे जे ते एवमाहसु मिच्छ ते एवमाहसु दोच्चे विभंगणाणे । अहावरे तच्चे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभगणाणे समुप्पज्जइ, से ण तेणं विभगणाणेणं समुप्पन्नेण पासइ पाणे अइवाएमाणा, मुस वएमाणे अदिन्नमादितमाणे मेहुण पडिसेवमाणे परिग्गह परिणिह्माणे, राइभोयण भुजमाणे वा पार्वं च ण कम्म कीरमाण णो पासइ तस्स णमेव भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने किरियावरणे जीवे सत्तेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहसु णो किरियावरणे जीवे जे ते एवमाहसु मिच्छं ते एवमाहसु तच्चे विभंगणाणे । अहावरे चउत्थे विभंगणाणे जया ण तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा जाव समुप्पज्जइ से णं तेणं विभगणाणेण समुप्पन्नेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भंतरए योग्गळे परियाइइत्ता पुढेणत्त णाणत्त फुसिया फुरित्ता फुट्ठित्ता विकुव्वित्ता ण विकुव्वित्ता णं चिठ्ठित्तए तस्स णमेव भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदसणसमुप्पन्ने मुदग्गे जीवे सत्तेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहसु अमुदग्गे जीवे, जे ते एवमाहसु मिच्छ ते एवमाहसु चउत्थे विभंगणाणे, अहावरे पंचमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स जाव समुप्पज्जइ, से णं तेणं



भवइ ॥ ६६२ ॥ सत्त पिढेसणाओ प०-॥ ६६३ ॥ सत्तपाणेसणाओ प० ॥ ६६४ ॥  
 सत्त उगगहपडिमाओ प० ॥ ६६५ ॥ सत्त सत्तिक्कया प० ॥ ६६६ ॥ सत्त महज्ज-  
 यणा प० ॥ ६६७ ॥ सत्तसत्तमिया णं भिक्खुपडिमा एगूणपजयाए राइदिएहिं एगेण  
 य छण्णउएण भिक्खासएण अहासुत्तं ( अहा अत्थ ) जाव आराहिया यावि भवइ  
 ॥ ६६८ ॥ अहे लोणे ण सत्त पुढवीओ प० सत्त घणोदहीओ प० सत्त घणवाया  
 प० सत्त तणुवाया प० सत्त उवासतरा प० एएसु ण सत्तसु उवासतरेसु सत्ततणुवाया  
 पइठिया एएसु ण सत्तसु तणुवाएसु सत्त घणवाया पइठिया एएसु ण सत्तसु घणवा-  
 एसु सत्त घणोदही पइठिया एतेसु ण सत्तसु घणोदहीसु पिंडलगपिहुणसंठाणसंठि-  
 आओ सत्त पुढवीओ प० त० पढमा जाव सत्तमा, एयासि ण सत्तहं पुढवीण सत्त  
 णामधेज्जा प० तं० घम्मा वसा सेला अजणा रिठ्ठा मघा माघवई, एयासि ण सत्तहं  
 पुढवीणं सत्त गोत्ता प० त० रयणप्पभा सक्करप्पभा वालुअप्पभा पंकप्पभा धूमप्पभा  
 तमा तमतमा ॥ ६६९ ॥ सत्तविहा वायरवाउकाइया प० त० पाईणवाए पडीण-  
 वाए दाहिणवाए उवीणवाए उट्टुवाए अहोवाए विदिसिवाए ॥ ६७० ॥ सत्त संठाणा  
 प० त० वीहे रहस्से वेट्टे तसे चउरंसे पिहुले परिमडले ॥ ६७१ ॥ सत्त भयट्ठाणा  
 प० त० इहलोगभए परलोगभए आदाणभए अक्कम्हाभए वैयणभए मरणभए  
 असिलोगभए ॥ ६७२ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं छउमत्थ जाणेज्जा त० पाणे अइवाएत्ता  
 भवइ सुस वइत्ता भवइ अदिजमाइत्ता भवइ सहफरिसरसरूवरंघे आसाएत्ता भवइ  
 पूयासक्कारमणुवूहेत्ता भवइ इम सावज्जति पण्णवेत्ता पडिसेवेत्ता भवइ णो जहावाई  
 तहाकारी यावि भवइ ॥ ६७३ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं केवली जाणेज्जा तं० णो पाणे  
 अइवाएत्ता भवइ जाव जहावाई तहाकारी यावि भवइ ॥ ६७४ ॥ सत्त मूलगोत्ता  
 प० त० कासवा गोयमा वच्छा कोच्छा कोसिया मडवा वासिठ्ठा । जे कासवा ते  
 सत्तविहा प० त० ते कासवा ते सबेळा ते गोळा ते वाला ते मुजइणो ते पव्व-  
 पेच्छइणो ते वरिसकण्हा, जे गोयमा ते सत्त विहा प० तं० ते गोयमा ते गग्गा ते  
 भारद्वा ते अगिरसा ते सक्करामा ते भक्खरामा ते उदगत्ताभा, जे वच्छा ते सत्त  
 विहा प० त० ते वच्छा ते अग्गेया ते मित्तिया ते सामिलिणो ते सेलयया ते  
 अट्ठिसेणा ते वीयकम्हा, जे कोच्छा ते सत्तविहा प० तं० ते कोच्छा ते मोग्गलायणा  
 ते पिंगलायणा ते कोडीणा ते मडलिणो ते हारिता ते सोमया, जे कोसिया ते सत्त  
 विहा प० त० ते कोसिया ते कम्मायणा ते सालकायणा ते गोलिकायणा ते पक्खि-  
 कायणा ते अग्गिष्ठा ते लोहिता, जे मडवा ते सत्तविहा प० तं० ते मडवा ते  
 अरिठ्ठा ते समुत्ता ते तेलो ते एलावच्चा ते कंडिल्ला ते खारातणा, जे वासिठ्ठा ते



भवइ ॥ ६६२ ॥ सत्त पिडेसणाओ प० ॥ ६६३ ॥ सत्तपाणेसणाओ प० ॥ ६६४ ॥  
 सत्त उग्गहपडिमाओ प० ॥ ६६५ ॥ सत्त सत्तिक्कया प० ॥ ६६६ ॥ सत्त महज्ज-  
 यणा प० ॥ ६६७ ॥ सत्तसत्तमिया णं भिक्खुपडिमा एग्गणपजयाए राइदिणहिं एणेण  
 य छण्णउएण भिक्खामएण अहानुत्तं ( अहा अत्थ ) जाव आराहिया यावि भवइ  
 ॥ ६६८ ॥ अहे लोगेण सत्त पुडवीओ प० सत्त घणोदहीओ प० सत्त घणवाया  
 प० सत्त तणुवाया प० सत्त उवासतरा प० एएसु ण सत्तसु उवासतरेसु सत्ततणुवाया  
 पइठिया एएसु ण सत्तसु तणुवाएसु सत्त घणवाया पइठिया एएसु णं सत्तसु घणवा-  
 एसु सत्त घणोदही पइठिया एतेसु ण सत्तसु घणोदहीसु पिंडलगपिहुणसठाणसठि-  
 आओ सत्त पुडवीओ प० त० पडमा जाव सत्तमा, एयानि ण सत्तह पुडवीण सत्त  
 णामधेज्जा प० त० घम्मा वसा सेला अजणा रिठ्ठा मघा माघवई, एयासि ण सत्तह  
 पुडवीण सत्त गोत्ता प० त० रयणप्पभा सक्करप्पभा वालुअप्पभा पक्कप्पभा धूमप्पभा  
 तमा तमतमा ॥ ६६९ ॥ सत्तविहा वायरवाउकाइया प० त० पाईणवाए पडीण-  
 वाए दाहिणवाए उवीणवाए उड्डवाए अहोवाए विदिसिवाए ॥ ६७० ॥ सत्त सठाणा  
 प० त० वीहे रहस्से वेट्ठे तसे चउरसे पिहुले परिमडले ॥ ६७१ ॥ सत्त भयट्ठाणा  
 प० त० इहलोगभए परलोगभए आदाणभए अक्कम्हाभए वेयणभए मरणभए  
 असिलोगभए ॥ ६७२ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं छउमत्थ जाणेज्जा त० पाणे अइवाएत्ता  
 भवइ सुस वइत्ता भवइ अदिजमाइत्ता भवइ सहफरिसरसरुत्तगधे आसाएत्ता भवइ  
 पूयासक्कारमणुवहेत्ता भवइ इम सावज्जति पण्णवेत्ता पडिसेवेत्ता भवइ णो जहावाई  
 तहाकारी यावि भवइ ॥ ६७३ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं केवली जाणेज्जा त० णो पाणे  
 अइवाएत्ता भवइ जाव जहावाई तहाकारी यावि भवइ ॥ ६७४ ॥ सत्त मूलगोत्ता  
 प० त० कासवा गोयमा वच्छा कोच्छा कोसिया मडवा वासिठ्ठा । जे कासवा ते  
 सत्तविहा प० त० ते कासवा ते सडेल्ला ते गोल्ला ते वाला ते मुजइणो ते पव्व-  
 पेच्छइणो ते वरिसकण्हा, जे गोयमा ते सत्त विहा प० त० ते गोयमा ते गग्गा ते  
 भारद्वा ते अगिरसा ते सक्कराभा ते भक्खराभा ते उदगत्ताभा, जे वच्छा ते सत्त  
 विहा प० त० ते वच्छा ते अग्गेया ते मित्तिया ते सामेलिणो ते सेलयया ते  
 अठ्ठिसेणा ते वीयक्कम्हा, जे कोच्छा ते सत्तविहा प० त० ते कोच्छा ते मोग्गलायणा  
 ते पिंगलायणा ते कोडीणा ते मंडल्लिणो ते हारिता ते सोमया, जे कोसिया ते सत्त  
 विहा प० त० ते कोसिया ते कच्चायणा ते सालकायणा ते गोळिकायणा ते पक्खि-  
 कायणा ते अग्गिष्ठा ते लोहिता, जे मंडवा ते सत्तविहा प० त० ते मंडवा ते  
 अरिठ्ठा ते समुत्ता ते वेला ते एलावच्चा ते कंडिल्ला ते खारातणा, जे वासिठ्ठा ते

समर्थेति पञ्चत्विमिहोऽन्ते कञ्चोर्त्तं सप्तर्त्तं समर्थेति सेतं तं येन एवं पञ्चत्विमिहोऽन्ते  
 कञ्चोर्त्तं पुराणमिहोऽन्ते कञ्चोर्त्तं सप्तर्त्तं समर्थेति पञ्चत्विमिहोऽन्ते पुनःकञ्चोर्त्तं समर्थेति,  
 सम्बन्धेन वाचा वाचहरपञ्चवाचोऽन्ते य आनिवन्धाणि ॥ १८४ ॥ अमुदीये १  
 भारो वाचोऽन्तेयाए सप्तपिण्डीए सप्त कुम्भरा होत्वा तंवाह-मिताहमे ह्यामे न  
 ह्यामे य सप्तपमे; निमज्जोते ह्योते न यहाचोते न सप्तपमे ॥ १८५ ॥ अमुदीये १  
 भारो वाचो इमीये ओसपिण्डीए सप्त कुम्भरा होत्वा तं पञ्चमिह निमज्जाह्व  
 चकन्धु कसमं चकन्धुमिहो; सप्तो न पञ्चवह पुन मञ्चोरे येन भागी न (१)  
 एति न सप्तवह कुम्भराह सप्त भारियाहो ह्यत्वा तं चकन्धु चकन्धुता ह्यत्वा  
 पञ्चवह चकन्धुता य; विरिचिता मञ्चोरी कुम्भराहोत्वा नाम्नाई (१) ॥ १८६ ॥  
 अमुदीये १ भारो वाचो आगमिरसाए सप्तपिण्डीए सप्त कुम्भरा भविस्सति तं  
 मिहवाह्य ह्योमे य ह्यपमे य सप्तपमे; सप्त ह्योमे [ह्यो ह्योमे] ह्योमे य आगमे-  
 स्सिह होत्वाह ॥ १ ॥ निमज्जवाह्ये न कुम्भरे सप्तमिहो कञ्चा उवमोमताए ह्य-  
 मापमिहो तं मसमया य मिहो मिहो येन होति मिहोत्वा; ममिहो न  
 ममिहो सप्तमया कञ्चमत्वा न (१) ॥ १ ८ ॥ सप्तमिहो इवमीये य तं  
 ह्योरे यहारे विहारे पञ्चमासे मञ्चोर्त्तं वाचए कञ्चोर्त्तं ॥ १ ९ ॥ एममेमत्स  
 न रञ्चो वाचरत्तवाहविस्सिह ये सप्त पञ्चमिहोत्वा य तं चकन्धुये ह्योत्वाये  
 कञ्चमत्वाये इवमये ममिहोये ममिहोये कञ्चमिहोये ॥ १९ ॥ एममेमत्स न  
 रञ्चो वाचरत्तवाहविस्सिह सप्त पञ्चमिहोत्वा य तं सेवाकन्धुये माहाकन्धुये  
 कञ्चमिहोये पुरोहिमन्धुये ह्योत्वाये वाचरत्तये ह्योत्वाये ॥ १९१ ॥ सप्तमिहो  
 ह्योर्त्तं ह्योर्त्तं ह्योर्त्तं वाचोत्वा तं कञ्चोर्त्तं वरिहो कञ्चो न वरिहो कञ्चाए  
 पुञ्चति चाए न पुञ्चति पुञ्चति कञ्चो मिहो पञ्चमो मञ्चोत्वा कञ्चोत्वा ॥ १९२ ॥  
 सप्तमिहो ह्योर्त्तं ह्योर्त्तं ह्योर्त्तं कञ्चोत्वा तं कञ्चोर्त्तं न वरिहो कञ्चो वरिहो कञ्चाए  
 न पुञ्चति चाए पुञ्चति पुञ्चति कञ्चो मञ्चो पञ्चमो मञ्चोत्वा कञ्चोत्वा ॥ १९३ ॥  
 सप्तमिहो कञ्चोत्वा मञ्चोत्वा मञ्चोत्वा य तं मञ्चोत्वा मिहोत्वायेमिहो मिहोत्वाये-  
 मिहोये मञ्चोत्वा मञ्चोत्वाये देवा मञ्चोत्वाये ॥ १९४ ॥ सप्तमिहो वाचोमेये य  
 तं कञ्चोत्वा मञ्चोत्वा मञ्चोत्वा वाहारे, वैयवा परावाए, पञ्चो वाचोत्वा, सप्तमिहो  
 मिहोत्वा वाचो ॥ १९५ ॥ सप्तमिहो मञ्चोत्वा य तं पुञ्चमिहोत्वा वाच-  
 सेठ-वाच-मञ्चोत्वा सप्तमिहोत्वा मञ्चोत्वा वाहा सप्तमिहो मञ्चोत्वा य तं  
 कञ्चोत्वा मञ्चोत्वा मञ्चोत्वा ॥ १९६ ॥ वसवो न रञ्चो वाचरत्तवाहविस्सिह सप्त  
 वाचो न पञ्चोत्वा सप्त न वाचोत्वा पञ्चोत्वा पाञ्चोत्वा कञ्चोत्वा कञ्चोत्वा मञ्चोत्वा

आरभता, समुब्बहता य मज्झगारंभि, अवसाणे तज्जर्वितो तिन्नि य गेयस्स आगारा (२१) छद्दोसे अठ्ठगुणे तिन्नि य वित्ताई दो य भणिईओ जाणाहिंति सो गाहिइ सुसिक्खिओ रंगमज्झम्मि (२२) भीतं दुत रहस्स गायतो मा य गाहि उत्ताल, काकस्सरमणुणास च होति गेयस्स छद्दोसा (२३) पुन रत्त च अलकियं च वत्त तद्वा अविघुट्ठ, मधुरं सम सुकुमारं अठ्ठ गुणा होति गेयस्स (२४) उरकठ-सिरपसत्थ च गेज्जते मजरिभिअपदवद्धं, समतालपडुक्खेव सत्तसरसीहर गीयं (२५) निद्दोस सारवत्त च हेउजुत्तमलकिय, उवणीय सोवयारं च मिय मधुरमेव य (२६) सममद्धसम चैव सन्वत्थ विसम च ज, तिन्नि वित्तप्पयाराइ चउत्थं नोवलम्भइ (२७) सक्कया पागया चैव दुहा भणिईओ आहिया, सरमडलम्मि गिज्जंते पसत्था इत्तिभासिया (२८) केसी गायइ मधुरं केसी गायइ खर च ख्ख च, केसी गायइ चउरं केसि विल्लं दुत केसी (२९) विस्सर पुण केरिसी? सामा गायइ मधुरं काली गायइ खर च ख्ख च, गोरी गायइ चउरं, काण विल्लं दुत अधा (३०) विस्सरं पुण पिंगला, ततिसम तालसम पादसम लयसम गहसमं च, नीससिऊससि-यसम सच्चारसमा सरा सत्त (३१) सत्त सरा य तओ गामा मुच्छणा एगवीसई ताणा एगूणपण्णासा समत्त सरमडल (३२) **सरमंडलं समत्तं ॥ ६७७ ॥**

सत्तविहे कायकिलेसे प० त० ठाणाइए उक्कुडुयासणिए पडिमट्ठाई वीरासणिए णेसज्जिए दडाइए लगडसाई ॥ ६७८ ॥ जवुद्दीवे वीवे सत्तवासा प० त० भरहे एरवए हेमवए हेरजवए हरिवासे रम्मगवासे महाविदेहे ॥ ६७९ ॥ जवुद्दीवे २ सत्त वासहरपव्वया प० त० चुल्लहिमवते महाहिमवते निसहे नीलवते रुप्पी सिहरी मंदरे ॥ ६८० ॥ जवुद्दीवे २ सत्त महानईओ पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्द समप्पेति त० गंगा रोहिया हिरी सीया णरकता सुवण्णकूला रत्ता ॥ ६८१ ॥ जवुद्दीवे २ सत्त महानईओ पच्चत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्द समप्पेति त० सिंधू रोहियसा हरिकता सीतोदा णारिकता रुप्पकूला रत्तवई ॥ ६८२ ॥ धायइसड्डीवपुरच्छिमद्धे णं सत्त वासा प० त० भरहे जाव महाविदेहे, धायइसड्डीवपुरच्छिमे ण सत्त वासहर-पव्वया प० त० चुल्लहिमवते जाव मंदरे धायइसड्डीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त महानईओ पुरत्थाभिमुहीओ कालोयसमुद्द समप्पेति त० गंगा जाव रत्ता, धायइसड्डीवपुरत्थि-मद्धे ण सत्त महानईओ पच्चत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्द समप्पेति तं० सिंधू जाव रत्तवई, धायइसड्डीवे पच्चत्थिमद्धे ण सत्त वासा एव चैव णवरं पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्द समप्पेति पच्चत्थाभिमुहीओ कालोदं सेस तं चैव ॥ ६८३ ॥ पुक्खरवर-वीवट्ठपुरच्छिमद्धे णं सत्त वासा तद्देव णवरं पुरत्थाभिमुहीओ पुक्खरोदं समुद्द





सत्तमाए पुढवीए अप्पइठ्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ ६९७ ॥ मत्ती ण अरहा  
 अप्पसत्तमे मुत्ते भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वउए त० मत्ती चिदेहरायवरक-  
 ण्णगा, पडिवुद्धी इयत्तागराया, चदच्छाए अगाराया, रुप्पी दुणालाहिवद्धे, सखे  
 कासीराया, अवीणसत्तू कुदराया, जियसत्तू पचालराया ॥ ६९८ ॥ सत्तविहे दसणे  
 प० त० सम्मदराणे मिच्छदमणे सम्ममिच्छदसणे चक्कुदसणे अचक्कुदसणे  
 ओहिदसणे केवलदसणे ॥ ६९९ ॥ छउमत्थवीयरणे ण मोहणिज्जवाओ सत्त  
 कम्मपयसीओ वेएइ, त० णाणावरणिज्ज, दसणावरणिज्ज, वैयणिय, आउय, नाम,  
 गोयमतराइय ॥ ७०० ॥ सत्त ठाणाई उउमत्थे सव्वभावेण न जाणइ न पासइ,  
 तं० धम्मत्थिकाय, अधम्मत्थिकाय, आगासत्थिकाय, जाव अमरीरपडिचद्ध, पर-  
 माणुपोगल, सइ, गध ॥ ७०१ ॥ एयाणि चैव उप्पन्नणाणे जाव जाणइ पासइ,  
 त० धम्मत्थिकाय जाव गध ॥ ७०२ ॥ समणे भगव महावीरे वयरोसभगाराय-  
 सघयणे समचउरंससठाणसठिए सत्त रयणीओ उयु उच्चतेण होत्था ॥ ७०३ ॥  
 सत्तविकहाओ प० त० इत्थिकहा, भत्तकहा, देमकहा, रायकहा, मिउमालणिवा,  
 दसणभेयणी, चरित्तभेयणी ॥ ७०४ ॥ आयरियउवज्झायस्स ण गणत्ति सत्त अइसेसा  
 प० त० आयरियउवज्झाए अतो उवस्सयस्स पाए णिगिज्झाय २ पप्फोडेमाणे वा  
 पमज्जेमाणे वा णाइक्कमइ एव जहा पचठ्ठाणे जाव वाहिं उवस्सयस्स एगराय वा  
 दुराय वा वसमाणे णाइक्कमइ उवगरणाइसेसे भत्तपाणाइसेसे ॥ ७०५ ॥ सत्तविहे  
 सजमे प० त० पुढविकाइयसजमे जाव तसकाइयसजमे अजीवकायसजमे ॥ ७०६ ॥  
 सत्त विहे असजमे प० त० पुढविकाइयसजमे जाव तसकाइयसजमे, अजीवकाय-  
 असजमे ॥ ७०७ ॥ सत्तविहे आरंभे प० त० पुढविकाइयआरंभे जाव अजीवकाय-  
 आरंभे एवमणारंभेवि एव सारंभे वि एवमसारंभे वि एव समारंभेवि एव असमारंभेवि  
 जाव अजीवकायअसमारंभे ॥ ७०८ ॥ अह भते ! अयसिक्कुसुभकोइवक्कुगुरालग (वरा-  
 कोदूसगा) सणसरिसवमूलगवीयाण एएसि ण धज्जाण कोठ्ठाउत्ताण पल्लाउत्ताण जाव  
 पिहियाण केवइय काल जोणी सच्चिठ्ठइ<sup>१</sup> गोयमा ! जहजेणं अतोमुहुत्त उक्कोसेण  
 सत्त संवच्छराइ, तेण पर जोणी पमिलायइ जाव जोणीवोच्छेदे प० ॥ ७०९ ॥  
 वायरआउकाइयाणं उक्कोसेण सत्त वाससहस्साईं ठिई प० ॥ ७१० ॥ तच्चाए ण  
 वाळुयप्पभाए पुढवीए उक्कोसेण नेरइयाण सत्त सागरोवमाइ ठिती प० ॥ ७११ ॥  
 चउत्थीए णं पक्कप्पभाए पुढवीए जहण्णेण नेरइयाणं सत्तसागरोवमाइ ठिती प०  
 ॥ ७१२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरज्जो वरुणस्स महारज्जो सत्त अगमहिसीओ  
 प० ॥ ७१३ ॥ ईसाणस्स ण देविंदस्स देवरज्जो सोमस्स महारज्जो सत्त अग



सत्तमाए पुडवीए अप्पइठ्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ ६९७ ॥ मल्ली ण अरहा  
 अप्पसत्तमे मुडे भविता अगाराओ अणगारिय पव्वउए त० मल्ली विदेहराववरक-  
 ण्णगा, पडिबुद्धी इक्खानगगाया, चदच्छाए अगाराया, रुप्पी कुणालाहिवइ, सत्ते  
 कासीराया, अवीणसत्तू कुरराया, जियसत्तू पचालराया ॥ ६९८ ॥ सत्तविहे दसणे  
 प० त० सम्मदराणे मिच्छदमणे सम्ममिच्छदसणे चम्पुदसणे अचम्पुदसणे  
 ओहिदसणे केवलदसणे ॥ ६९९ ॥ छउमत्थवीयरामे ण मोह्णिजवजाओ सत्त  
 कम्मपयसीओ वेणइ, त० णाणावरणिज्ज, दसणावरणिज्ज, वेयणिय, आउय, नाम,  
 गोयमतराइय ॥ ७०० ॥ सत्त ठाणार्इ छउमत्थे सव्वभावेण न जाणइ न पासइ,  
 त० धम्मत्थिकाय, अधम्मत्थिकाय, आगासत्थिकाय, जीव जमरीरपडिवइ, पर-  
 माणुपोगल, सहं, गध ॥ ७०१ ॥ एयाणि चेव उप्पन्नणाणे जाव जाणइ पासइ,  
 त० धम्मत्थिकाय जाव गध ॥ ७०२ ॥ समणे भगव महावीरे वयरोसभणाराय-  
 सघयणे समचउरससठाणसठिए सत्त रयणीओ उट्ट उच्चत्तेण होत्था ॥ ७०३ ॥  
 सत्तविक्रहाओ प० त० इत्थिक्रहा, भत्तक्रहा, देसक्रहा, रायक्रहा, मिउकालणिगा,  
 दसणभेयणी, चरित्तभेयणी ॥ ७०४ ॥ आयरियउवज्झायस्स ण गणत्ति सत्त अइसेसा  
 प० त० आयरियउवज्झाए अतो उवस्सयस्स पाए णिगिज्झिय २ पप्फोडेमाणे वा  
 पमज्जेमाणे वा णाइक्कमइ एव जहा पचठ्ठाणे जाव बाहिं उवस्सयस्स एगराय वा  
 दुराय वा वसमाणे णाइक्कमइ उवगरणाइसेसे भत्तपाणाइसेसे ॥ ७०५ ॥ सत्तविहे  
 सजमे प० त० पुढविकाइयसजमे जाव तसकाइयसजमे अजीवकायसजमे ॥ ७०६ ॥  
 सत्त विहे असजमे प० त० पुढविकाइयअसजमे जाव तसकाइयअसजमे, अजीवकाय-  
 असजमे ॥ ७०७ ॥ सत्तविहे आरंभे प० त० पुढविकाइयआरंभे जाव अजीवकाय-  
 आरंभे एवमणारंभेवि एव सारंभे वि एवमसारंभे वि एव समारंभेवि एव असमारंभेवि  
 जाव अजीवकायअसमारंभे ॥ ७०८ ॥ अह भते ! अयसिबुबुभकोइवक्खुरालग ( वरा-  
 कोदसगा ) सणसरिसवमूलगवीयाण एएत्ति ण धन्नाण कोट्टाउत्ताण पण्डाउत्ताण जाव  
 पिहियाण केवइय काल जोणी सचिठ्ठइ<sup>१</sup> गोयमा ! जह्जेणं अतोमुहुत्त उक्कोत्तेणं  
 सत्त सवच्छराइ, तेण परं जोणी पमिलायइ जाव जोणीवोच्छेदे प० ॥ ७०९ ॥  
 वायरन्नाउकाइयाणं उक्कोसेण सत्त वाससहस्साइ ठिई प० ॥ ७१० ॥ तच्चाए ण  
 वाळ्खयप्पमाए पुडवीए उक्कोसेण नेरइयाण सत्त सागरोवमाइं ठिती प० ॥ ७११ ॥  
 चउत्थीए ण पकप्पमाए पुडवीए जह्ण्णेणं नेरइयाणं सत्तसागरोवमाइं ठिती प०  
 ॥ ७१२ ॥ सक्कस्स ण देविदस्स देवरज्जो वरुणस्स महारज्जो सत्त अग्गमहिंसीओ  
 प० ॥ ७१३ ॥ ईसाणस्स ण देविदस्स देवरज्जो सोमस्स महारज्जो सत्त अग्ग



जाव घोसमहाघोसाणं णेयव्व सक्कस्स णं देविंदस्स देवरज्जो सत्त अणिया सत्त  
 अणियाहिवई ५० त० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए हरिणेगमेसी पायत्ताणियाहिवई  
 जाव माढरे रहाणियाहिवई सेए णट्टाणियाहिवई तुवुरु गंधव्वाणियाहिवई ईसाणस्स  
 ण देविंदस्स देवरण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवइणो ५० त० पायत्ताणिए  
 जाव गंधव्वाणिए लहुपरक्कमे पायत्ताणियाहिवई जाव महासेए णट्टाणियाहिवई एए  
 गंधव्वाणियाहिवई सेस जहा पंचठ्ठाणे एवं जाव अच्चयस्स वि णेयव्वं ॥ ७३०-  
 ७३१ ॥ चमरस्स ण असुरिंदस्स असुरकुमाररज्जो दुमस्स पायत्ताणियाहिवइस्स  
 सत्त कच्छाओ ५० त० पडमा कच्छा जाव सत्तमा कच्छा, चमरस्स णं असुरिंदस्स  
 असुरकुमाररज्जो दुमस्स पायत्ताणियाहिवइस्स पडमाए कच्छाए चउसठ्ठि देवसहस्सा  
 ५० जावइया पडमा कच्छा तब्बिगुणा दोच्चा कच्छा तब्बिगुणा तच्चा कच्छा एवं  
 जाव जावइया छट्ठा कच्छा तब्बिगुणा सत्तमा कच्छा एवं वलिस्स वि णवरं महहुमे  
 सठ्ठिदेवसाहस्सिओ सेस त चेव धरणस्स एव चेव णवरं अट्ठावीस देवसहस्सा  
 सेस त चेव जहा धरणस्स एव जाव महाघोसस्स णवर पायत्ताणियाहिवई अन्ने ते  
 पुव्वभणिता ॥ ७३२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो हरिणेगमेसिस्स सत्त  
 कच्छाओ ५० त० पडमा कच्छा एवं जहा चमरस्स तहा जाव अच्चयस्स, णाणत्त  
 पायत्ताणियाहिवईण ते पुव्वभणिया देवपरिमाणमिम सक्कस्स चउरासीइ देवसहस्सा  
 ईसाणस्स असीई देवसहस्साई देवा इमाए गाहाए अणुगतव्वा, 'चउरासीइ असीइ  
 वावत्तरे सत्तरी य सट्ठीया, पन्ना चत्तालीसा तीसा वीसा दससहस्सा' ( १ ) जाव  
 अच्चयस्स लहुपरक्कमस्स दसदेवसहस्सा जाव जावइया छट्ठा कच्छा तब्बिगुणा  
 सत्तमा कच्छा ॥ ७३३ ॥ सत्तविहे वयणविकप्पे ५० त० आलावे, अणालावे,  
 उल्लावे, अणुल्लावे, सलावे, पलावे, विप्पलावे ॥ ७३४ ॥ सत्तविहे विणए ५० तं०  
 णाणविणए, दसणविणए, चरित्तविणए, मणविणए, वइविणए, कायविणए, लोगोव-  
 यारविणए ॥ ७३५ ॥ पसत्थमणविणए सत्तविहे ५० त० अपावए असावज्जे अकि-  
 रिए निस्सक्केसे अण्हकरे अच्छविकरे अभूताभिसकमणे ॥ ७३६ ॥ अप-  
 सत्थमणविणए सत्तविहे ५० त० पावए सावज्जे सकिरिए सउवक्केसे अण्हकरे  
 छविकरे भूयाभिसंकमणे ॥ ७३७ ॥ पसत्थवइविणए सत्तविहे ५० त० अपावए  
 असावज्जे जाव अभूयाभिसकमणे ॥ ७३८ ॥ अपसत्थवइविणए सत्तविहे ५० त०  
 पावए, जाव भूयाभिसकमणे ॥ ७३९ ॥ पसत्थकायविणए सत्तविहे ५० त० आउत्त  
 गमण आउत्त ठाण आउत्त निसीयणं आउत्त तुअट्ठणं आउत्त उल्लंघण आउत्त पल्ल-  
 घण आउत्त सव्विदियजोगजुजणया ॥ ७४० ॥ अपसत्थकायविणए सत्तविहे ५० तं०



## अठमद्वयं

अठ्ठहि ठाणेहि संपन्ने अणगारे अरिहति एगळविहारपडिम उवसपजिताण विह-  
रितए त० सन्धी पुरिसजाए सचे पुरिसजाए मेहावी पुरिसजाए बहुस्तुए पुरिसजाए  
सत्तिम अप्पाहिगरणे धिइम वीरियसंपन्ने ॥ ७५५ ॥ अठ्ठविहे जोणिसगहे प० त०  
अडया पोयया जाव उच्चिया उववाइया, अडया अठ्ठगइया अठ्ठागइया प० त०  
अडए अडएसु उववजमाणे अडएहिंतो वा जाव उववाइएहिंतो वा उववज्जेजा,  
से चेव ण से अडए अडगत विप्पजहमाणे अडगताए वा पोयगताए वा जाव  
उववाइयताए वा गच्छेज्जा एव पोययावि जराउयावि सेसाण गइरागइ णत्थि  
॥ ७५६ ॥ जीवा ण अठ्ठ कम्मपयडीओ चिणिंसु वा चिणति वा चिणिससति वा  
त० णाणावरणिज्ज दरिसणावरणिज्ज वेयणिज्ज मोहणिज्ज आउय नाम गोत्त अतरा-  
इय, नेरइया ण अठ्ठ कम्मपगडीओ चिणिंसु वा ३ एवं चेव, एव निरंतर जाव  
वेमाणियाण २४ जीवाणमठ्ठकम्मपगडीओ उवचिणिंसु वा ३ एव चेव एवं चिण  
उवचिण वध उवीर वेय तह णिजरा चेव, एए छ चउवीमा दडगा भाणियव्वा  
॥ ७५७ ॥ अठ्ठहि ठाणेहि माई माय कट्ठु नो आलोएज्जा नो पडिव्वेज्जा जाव नो  
पडिव्वेज्जा, त० करिंसु वाऽह करेमि वाऽह करिस्सामि वाऽह अक्किती वा मे  
सिया अवण्णे वा मे सिया अवणए वा मे सिया किती वा मे परिहाइस्सइ जसो  
वा मे परिहाइस्सइ, अठ्ठहि ठाणेहि माई माय कट्ठु आलोएज्जा जाव पडिव्वेज्जा  
त० माइस्स ण अस्सि लोए गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आज्जाई गरहिया  
भवइ एगमवि माई माय कट्ठु नो आलोएज्जा जाव नो पडिव्वेज्जा णत्थि तस्स  
आराहणा एगमवि माई माय कट्ठु आलोएज्जा जाव पडिव्वेज्जा अत्थि तस्स  
आराहणा बहुओवि माई माय कट्ठु नो आलोएज्जा जाव नो पडिव्वेज्जा नत्थि  
तस्स आराहणा बहुओवि माई माय कट्ठु आलोएज्जा जाव अत्थि तस्स आराहणा  
आयरियउवज्जायस्स वा मे अइसेसे णाणदसणे समुपज्जेजा, से तं मममालोएज्जा  
माई ण एसे माई ण माय कट्ठु से जहा नामए अयागरेइ वा तवागरेइ वा तउ-  
आगरेइ वा सीसागरेइ वा रुप्पागरेइ वा सुवन्नागरेइ वा तिलागणीइ वा तुसागणीइ  
वा वुसागणीइ वा णलागणीइ वा दलागणीइ वा सोंडियालिच्छाणिवा भडियालि-  
च्छाणि वा गोलियालिच्छाणि वा कुभारावाएइ वा कवेल्लुयावाएइ वा इट्ठावाएइ  
वा जतवाढचुल्लीइ वा लोहारंवरिसाणि वा तत्ताणि समज्जेइभूयाणि किंसुकफुल्लस-  
माणानि उक्कासहस्साई विणिम्भुयमाणाइ २ जालासहस्साई पसुंचमाणाइ इगालस-  
हस्साई परिकिरमाणाइ अतो २ झियार्यति एवामेव माई मायं कट्ठु अतो २ झिया-





## अठमहाणं

अठ्ठहि ठाणेहिं सपन्ने अणगारे अरिहति एगलविहारपडिमं उवसपज्जिताण विहरित्तए त० सन्ती पुरिसजाए सन्ने पुरिसजाए मेहावी पुरिसजाए बहुस्तए पुरिसजाए सत्तिम अप्पाहिगरणे धिइम वीरियसंपन्ने ॥ ७५५ ॥ अठ्ठविहे जोणिसंगहे प० तं० अडया पोयया जाव उच्चिमा उववाइया, अडया अठ्ठगइया अठ्ठागइया प० त० अडए अडएसु उववज्जमाणे अडएहिंतो वा जाव उववाइएहिंतो वा उववज्जेजा, से चैव ण से अडए अडगत्त विप्पजहमाणे अडगत्ताए वा पोयगत्ताए वा जाव उववाइयत्ताए वा गच्छेजा एव पोययावि जराउयावि सेसाण गइरागई णत्थि ॥ ७५६ ॥ जीवा ण अठ्ठ कम्मपयडीओ चिणिंसु वा चिणति वा चिणिस्सति वा त० णाणावरणिज्ज दरिसणावरणिज्ज वेयणिज्ज मोहणिज्ज आउयं नाम गोत्त अतरा-इय, नेरइया ण अठ्ठ कम्मपगढीओ चिणिंसु वा ३ एव चैव, एव निरतर जाव वेमाणियाण २४ जीवाणमठ्ठकम्मपगढीओ उवचिणिंसु वा ३ एव चैव एवं चिण उवचिण वध उवीर वेय तह णिज्जरा चैव, एए छ चउवीमा दडगा भाणियव्वा ॥ ७५७ ॥ अठ्ठहिं ठाणेहिं माई माय कट्ठु नो आलोएज्जा नो पडिक्कमेज्जा जाव नो पडिवज्जेज्जा, त० करिंसु वाऽह करेमि वाऽहं करिस्सामि वाऽह अकित्ती वा मे सिया अवण्णे वा मे सिया अवणए वा मे सिया कित्ती वा मे परिहाइस्सइ जसो वा मे परिहाइस्सइ, अठ्ठहिं ठाणेहिं माई माय कट्ठु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा त० माइस्स ण अस्सि लोए गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आज्जाई गरहिया भवइ एगमवि माई माय कट्ठु नो आलोएज्जा जाव नो पडिवज्जेज्जा णत्थि तस्स आराहणा एगमवि माई माय कट्ठु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा अत्थि तस्स आराहणा बहुओवि माई माय कट्ठु नो आलोएज्जा जाव नो पडिवज्जेज्जा नत्थि तस्स आराहणा बहुओवि माई माय कट्ठु आलोएज्जा जाव अत्थि तस्स आराहणा आयरियउवज्झायस्स वा मे अइसेसे णाणदसणे समुपज्जेज्जा, से तं मममालोएज्जा माई ण एसे माई ण माय कट्ठु से जहा नामए अयागरेइ वा तवागरेइ वा तउ-आगरेइ वा सीसागरेइ वा रुप्पागरेइ वा सुवन्नागरेइ वा तिलागणीइ वा तुसागणीइ वा वुसागणीइ वा णलागणीइ वा दलागणीइ वा सोंडियालिच्छाणिवा भंडियालि-च्छाणि वा गोलियालिच्छाणि वा कुमारावाएइ वा कवेल्लुयावाएइ वा इट्ठावाएइ वा जंतवाडचुल्लीइ वा लोहारवरिसाणि वा तत्ताणि समजोइभूयाणि किमुकफुल्लस-माणाणि उक्कासहस्साई विणिम्मुयमाणाइ २ जालासहस्साइ पमुंचमाणाइ इंगालस-हस्साई परिकिरमाणाइ अतो २ झियार्यति एवामेव माई मायं कट्ठु अतो २ मिया-

[illegible]

## अठमठाणं

अठुहिं ठाणेहिं सपन्ने अणगारे अरिहति एगलविहारपडिम उवसपज्जिताण विह-  
 रित्तए त० सद्धी पुरिसजाए सच्चे पुरिसजाए मेहावी पुरिसजाए बहुस्तुए पुरिसजाए  
 सत्तिम अप्पाहिगरणे धिइम वीरियसपन्ने ॥ ७५५ ॥ अठुविहे जोणिसगहे प० त०  
 अडया पोयया जाव उव्विमया उववाइया, अडया अठुगइया अठुगइया प० त०  
 अडए अडएसु उववज्जमाणे अडएहिं तो वा जाव उववाइएहिं तो वा उववज्जेजा,  
 से चैव ण से अडए अडगत्त विप्पजहमाणे अडगत्ताए वा पोयगत्ताए वा जाव  
 उववाइयत्ताए वा गच्छेजा एव पोययावि जराउयावि सेसाण गइरागई णत्थि  
 ॥ ७५६ ॥ जीवा ण अठु कम्मपयडीओ चिणिंसु वा चिणति वा चिणिस्सति वा  
 तं० णाणावरणिज्ज दरिसणावरणिज्ज वेयणिज्ज मोहणिज्ज आउय नागं गोत्त अतरा-  
 इय, नेरइया ण अठु कम्मपगढीओ चिणिंसु वा ३ एवं चैव, एव निरतरं जाव  
 वेमाणियाण २४ जीवाणमठुकम्मपगढीओ उवचिणिंसु वा ३ एव चैव एव चिण  
 उवचिण वध उदीर वेय तह णिज्जरा चैव, एए छ चउवीमा दढगा भाणियव्वा  
 ॥ ७५७ ॥ अठुहिं ठाणेहिं माई माय कट्ठु नो आलोएज्जा नो पडिवज्जेजा जाव नो  
 पडिवज्जेजा, त० करिंसु वाऽहं करेमि वाऽहं करिस्सामि वाऽहं अकित्ती वा मे  
 सिया अवण्णे वा मे सिया अवणए वा मे सिया कित्ती वा मे परिहाइस्सइ जसो  
 वा मे परिहाइस्सइ, अठुहिं ठाणेहिं माई माय कट्ठु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेजा  
 त० माइस्स ण अस्सि लोए गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आजाई गरहिया  
 भवइ एगमवि माई माय कट्ठु नो आलोएज्जा जाव नो पडिवज्जेजा णत्थि तस्स  
 आराहणा एगमवि माई माय कट्ठु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेजा अत्थि तस्स  
 आराहणा बहुओवि माई माय कट्ठु नो आलोएज्जा जाव नो पडिवज्जेजा नत्थि  
 तस्स आराहणा बहुओवि माई माय कट्ठु आलोएज्जा जाव अत्थि तस्स आराहणा  
 आयरियउवज्जायस्स वा मे अइसेसे णाणदसणे समुपज्जेजा, से तं मममालोएज्जा  
 माई ण एसे माई ण माय कट्ठु से जहा नामए अयागरेइ वा तवागरेइ वा तउ-  
 आगरेइ वा सीसागरेइ वा रुप्पागरेइ वा सुवन्नागरेइ वा तिलागणीइ वा तुसागणीइ  
 वा वुसागणीइ वा णलागणीइ वा दलागणीइ वा सोंडियालिच्छाणिवा भंडियालि-  
 च्छाणि वा गोलियालिच्छाणि वा कुभारावाएइ वा कवेल्लुयावाएइ वा इडावाएइ  
 वा जंतवाढचुल्लीइ वा लोहारवरिसाणि वा तत्ताणि समजोइभूयाणि किंसुकफुल्लस-  
 माणाणि उक्कासहस्साइ विणिम्मुयमाणाई २ जालासहस्साइ पमुचमाणाइ इगालस-  
 हस्साइ परिकिरमाणाइ अतो २ झियार्यंति एवामेव माई माय कट्ठु अतो २ झिया-

मासि च; आर्यतपो मये बहुभी उ चह हे सुभाषति ( १ ) ॥ ७७१ ॥ अतु अगार्  
 छतमत्वे न सन्मयावैर्न न चान्न न पासह तं भूम्यलिकर्षं चाव यं नान्,  
 एवापि पद उपपन्नान्नसंज्ञकदे अरुह जिमे केवली चाव पासह चाव यं  
 वाम ॥ ७७२ ॥ अतुविहे आरुवेष्ट प तं कुम्भारमिहे आरुतिगिच्छम साव्याह  
 छावता जंयेयी भूम्येजा आरुतये रसावने ॥ ७७३ ॥ सक्तस्य न हेमिदस्त  
 वेवरको अतुममहितीयो प तं पठ्या पिवा सई अंशु अयमम अच्यरा नवमि  
 रोहिणी ॥ ७७४ ॥ ईसावस्त न हेमिदस्त वेवरको अतुममहितीयो प तं  
 कन्हा कचरई सप्ता समरुकिन्वा क्त् वहुगुता वहुमिता कृत्पर ॥ ७७५ ॥  
 सक्तस्य न हेमिदस्त वेवरको सोमस्त महारको अतुगमहितीयो प ईसावस्त न  
 हेमिदस्त वेवरको वैसमस्त महारको अतुगमहितीयो प ॥ ७७६ ॥  
 अतु मह्यमा प तं नदि सरे सुहे सुहे वदस्तई अंशारु सविचरे केह ॥ ७७७ ॥  
 अतुविहा उपपन्नस्तस्य अस्या प तं मूले कंदे कचि तथा साके पवाके पते पुष्के  
 ॥ ७७८ ॥ चरतिदिवा न जीवा असमारमयावस्त अतुविहे संजमे क्जह तं  
 चन्नुमाओ छेक्याओ अक्वरोवेता मवह चक्कमपुर्न दुक्केन अंशयेष्टा मव  
 पुर्न चाव अक्वामाओ छेक्याओ अक्वरोवेता मवह अक्वामपुर्न दुक्केन अंशये-  
 ष्टा मवह ॥ ७७९ ॥ चरतिदिवा न जीवा समारमयावस्त अतुविहे अंशये  
 क्जह तं चक्कमपुर्न छेक्याओ मवरोवेता मवह चक्कमपुर्न दुक्केन अंशयेष्टा  
 मवह पुर्न चाव अक्वामाओ छेक्याओ ॥ ७८० ॥ अतु सुमा प तं पक्कपुमे  
 पक्कपुमे भीसपुम हरिपपुम पुष्कपुमे अंशतुमे केवपुमे सिनेहपुमे  
 ॥ ७८१ ॥ मवस्त न रण्यो आरुतचहवदित्त अतुपुरिचतुमाई अतुमई सिहाई  
 चाव सक्कपुक्कपुमाई तं—आरुचवसे महावसे अक्वके महावके तेवपीरि  
 तिचपीरि रंजवीरि अक्वीरि ॥ ७८२ ॥ पासस्त न अरुको पुरिवाशविकस्त  
 अतु गव्य अतु गव्यहउ होत्वा तं सुमे अज्यको वसिष्ठे नमवापि सामे विरिचरे  
 पीरि मवसे ॥ ७८३ ॥ अतुमिहै संजमे प तं समरुचवे निचरुचवे सम्य-  
 मिचरुचवे चक्कुरुचवे चाव केवकुरुचवे सुमिचरुचवे ॥ ७८४ ॥ अतुमिहै अदी-  
 वमि प तं पक्कमेवमे सावरोवमे उस्तपिन्वी भ्येष्टपिन्वी पोयाकुरिपी  
 सीतका अक्वामयका सम्यका ॥ ७८५ ॥ अरुको न अरिदुनेमिस्त वाव अतुमाओ  
 पुरिचतुमाओ उमंठकरभूमी पुवासपरीयाप अंशमच्यही ॥ ७८६ ॥ सम्येन मय-  
 वया महानीरे अतु एपाओ सुवि मवैता अक्वराओ अक्वमिर्न पन्नामिदा तं  
 पीरपम पीरको संजवप विजप न एवरीकी वेवमिहे वदावने ( तह संजे

सुरुचे सुवने सुगंधे सुरसे सुफासे इष्टे कते जाव मणामे अर्हणस्तरे जाव मणाम-  
 स्तरे आदेज्ववणे पचायाए जाडविय से तत्थ बाहिरम्भतरिया परिसा भवइ  
 सावि य ण आडाइ जाव चहुमच्चउभे । भासउ ॥ ७५८ ॥ अठुविहे सवरे  
 प० तं० सोइदियसवरे जाव फासिंदियसवरे मणसवरे वइसवरे कायसवरे, अठुविहे  
 असवरे प० तं० सोइदियअसवरे जाव कायअसवरे ॥ ७५९ ॥ अठु फासा प०  
 त० कक्कटे मउए गरुए लहुए सीए उसिणे निद्धे लुक्खे ॥ ७६० ॥ अठुविहा  
 लोगठिइ प० त० आगासपइठिए वाए वायपइठिए उदही एव जाव छठ्ठाणे जाव  
 जीवा कम्मपइठिया अजीवा जीवसगहीया जीवा कम्मसगहीया ॥ ७६१ ॥ अठुविहा  
 गणिसपया प० त० आयासपया सुयसपया सरीरसपया वयणसपया वायणासपया  
 मदसपया पयोगसपया सगहपरिणायाम अठुमा ॥ ७६२ ॥ एगमेगे ग महानिही  
 अठुचक्कवालपइठ्याणे अठुठुजोयणाई उद्धु उच्चत्तेग प० ॥ ७६३ ॥ अठुसमिईओ  
 प० त० इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभउमत्तनिकखेवणासमिई  
 उचारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिई मणसमिई वइसमिई कायसमिई  
 ॥ ७६४ ॥ अठुहिं ठाणेहि सपने अणगारे अरिहइ आलोयणा पडिच्छित्तए त०  
 आयाख आहारख ववहारख ओवीलए पकुव्वए अपरिस्ताई निज्जावए अवायदसी  
 ॥ ७६५ ॥ अठुहिं ठाणेहि सपने अणगारे अरिहइ अत्तदोसमालोइत्तए त० जाइ-  
 संपने कुलसपने विणयसपने णाणसपने दसणसपने चरित्तसपने खते दत्ते ॥ ७६६ ॥  
 अठुविहे पायच्छित्ते प० त० आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे  
 विउस्सगारिहे तवारिहे छेयारिहे मूलारिहे ॥ ७६७ ॥ अठु मयठ्ठाणा प० त०  
 जाइमए कुलमए बलमए ह्वमए तवमए सुयमए लाभमए इस्सरियमए ॥ ७६८ ॥  
 अठु अकिरियावाई प० त० एगावाई अणेगावाई मितवाई निम्मितवाई सायवाई  
 समुच्छेदवाई णियावाई ण संति परलोगवाई ॥ ७६९ ॥ अठुविहे महानिमित्ते  
 प० त० भोमे उप्पाए सुविणे अतल्लिक्खे अगे सरे लम्बवणे वजणे ॥ ७७० ॥  
 अठुविहा वयणविभत्ती प० त० निद्देसे पढमा होइ विइया उवएसणे, तइया करणमि  
 कया चउत्थी सपयावणे ( १ ) पंचमी य अवायाणे छठ्ठी सस्सामिवायणे, सत्तमी  
 सन्निहाणत्थे अठुमी आमत्तणी भवे ( २ ) तत्थ पढमा विभत्ती निद्देसे सो इमो  
 अहं वत्ति १-विइया उण उवएसे भण कुण व इम व त वत्ति ( ३ ) तइया कर-  
 णमि कया णीय च कय च तेण व मए वा, हदि णमो साहाए हवइ चउत्थी  
 पयाणमि ( ४ ) अवणे गिण्हसु तत्तो इत्तोत्ति व पचमी अवादाणे, छठ्ठी तस्स  
 इमस्स व गयस्स वा सामिसवंधे ( ५ ) हवइ पुण सत्तमीय इममि आहारकाल-



कासिवदने ) ॥ ७८८ ॥ अठुविहे आहारे प० त० मणुण्णे असणे पाणे खाइमे साइमे अमणुण्णे जाव साइमे ॥ ७८९ ॥ उप्पि सणकुमारमाहिंदाण कप्पाणं हेठ्ठि वभलोए कप्पे रिठ्ठे विमाणे पत्थडे एत्थ णमक्खाडगसमचउरससठाणसंठियाओ अठु कण्हराईओ प० त० पुरच्छिमेण दो कण्हराईओ दाहिणेणं दो कण्हराईओ पच्चच्छिमेण दो कण्हराईओ उत्तरेण दो कण्हराईओ, पुरच्छिमा अब्भतरा कण्हराई दाहिण वाहिरं कण्हराई पुट्ठा, दाहिणा अब्भितरा कण्हराई पच्चच्छिमग वाहिरं कण्हराई पुट्ठा, पच्चच्छिमा अब्भतरा कण्हराई उत्तरं वाहिरं कण्हराई पुट्ठा, उत्तरा अब्भतरा कण्हराई पुरच्छिम वाहिर कण्हराई पुट्ठा, पुरच्छिमपच्चच्छिमिल्लाओ वाहिराओ दो कण्हराईओ छलसाओ उत्तरदाहिणाओ वाहिराओ दो कण्हराईओ तंसाओ सव्वाओ वि णं अब्भतरकण्हराईओ चउरंसाओ, एयासि ण अठुण्ह कण्हराईणं अठु नामधेज्जा प० त० कण्हराईति वा मेहराईति वा मघाति वा माघवईति वा वातफलहेति वा वातपल्लिक्खोमेति वा देवपल्लिहे वा देवपल्लिक्खोमेति वा, एयासि ण अठुण्ह कण्हराईण अठुस उवासतरेस अठुलोगतियविमाणा प० तं० अच्ची अच्चिमाली वड्ढोयणे पभकरे चदाभे सूरामे सुपइठ्ठाभे अग्निच्चाभे, एएउ णं अठुस लोगतियविमाणेसु अठुविहा लोगतिया देवा प० त० सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गइतोया य, तुसिया अव्वावाहा अग्निच्चा चेव बोधव्वा ( १ ) एएसि ण अठुण्ह लोगतियदेवाण अजहण्णमणुक्कोसेण अठु सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ७९० ॥ अठु धम्मत्थिकायमज्झपएसा प० अठु अहम्मत्थिकायमज्झपएसा एवं चेव अठु आगासत्थिकायमज्झपएसा प० एवं चेव अठु जीवमज्झपएसा प० ॥ ७९१ ॥ अरहता ण महापउमे अठु रायाणो मुडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वावेस्सति त० पउमं पउमगुम्म नलिण नलिणगुम्मं पउमद्वय धणुद्वयं कणगरई भरहं ॥ ७९२ ॥ कण्हस्स णं वासदेवस्स अठु अग्गमहिंसीओ अरहओ ण अरिठ्ठं नेमिस्स अतिए मुडा भवेत्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइया सिद्धाओ जाव सव्वतुक्खप्पहीणाओ तं० पउमावई य गोरी गघारी लक्खणा सुसीमा य जववई सच्चभामा रुप्पिणी कण्हअग्गमहिंसीओ ॥ ७९३ ॥ वीरियपुव्वस्स णं अठु वत्थू अठु चूलियावत्थू प० ॥ ७९४ ॥ अठु गईओ प० त० णिरयगई तिरियगई जाव सिद्धिगई गुरुगई पणोल्लणगई पब्भारगई ॥ ७९५ ॥ गगासिंधुरत्तारत्तवइदेवीणं धीवा अठु २ जोयणाई आयामविक्खंभेणं प० ॥ ७९६ ॥ उक्कामुहमेहमुहविज्जु-मुहविज्जुदंतवीवाणं धीवा अठु २ जोयणसयाई आयामविक्खंभेणं प०-॥ ७९७ ॥ कालोदे णं समुदे अठु जोयणसयसहस्साई चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ ७९८ ॥





कासिवद्धणे ) ॥ ७८८ ॥ अठ्विहे आहारे प० त० मणुणे असणे पाणे खाइमे साइमे अमणुणे जाव साइमे ॥ ७८९ ॥ उर्पि सणकुमारमाहिंदाणं कप्पाण हेठ्ठि बभलोए कप्पे रिठ्ठे विमाणे पत्थडे एत्थ णमक्खाढगसमचउरंससठाणसठियाओ अठ्व कण्हराईओ प० त० पुरच्छिमेण दो कण्हराईओ दाहिणेण दो कण्हराईओ पच्चच्छिमेण दो कण्हराईओ उत्तरेण दो कण्हराईओ, पुरच्छिमा अब्भतरा कण्हराई दाहिण वाहिर कण्हराई पुट्ठा, दाहिणा अब्भतरा कण्हराई पच्चच्छिमग वाहिर कण्हराई पुट्ठा, पच्चच्छिमा अब्भतरा कण्हराई उत्तरं वाहिर कण्हराई पुट्ठा, उत्तरा अब्भतरा कण्हराई पुरच्छिम वाहिर कण्हराई पुट्ठा, पुरच्छिमपच्चच्छिमिळाओ वाहिराओ दो कण्हराईओ छलसाओ उत्तरदाहिणाओ वाहिराओ दो कण्हराईओ तंसाओ सव्वाओ वि णं अब्भतरकण्हराईओ चउरसाओ, एयासि ण अठ्व्ह कण्हराईणं अठ्व नामधेज्जा प० त० कण्हराईति वा मेहराईति वा मचाति वा माघवईति वा वातफलिहेति वा वातपलिव्खोभेति वा देवपलिहे वा देवपलिव्खोभेति वा, एयासि ण अठ्व्ह कण्हराईण अठ्व उवासतरेसु अठ्वलोगतियविमाणा प० तं० अन्धी अधिमाळी वइरोयणे पभकरे च्दामे सरामे सुपइठाभे अग्निच्चाभे, एएसु णं अठ्वसु लोगतियविमाणेसु अठ्वविहा लोगतिया देवा प० त० सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गइतोया-य, तुसिया अवावाहा अग्निच्चा चेव बोधव्वा ( १ ) एएसि ण अठ्व्ह लोगतियदेवाण अजहण्णमणुक्कोसेण अठ्व सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ७९० ॥ अठ्व धम्मत्थिकायमज्झपएसा प० अठ्व अहम्मत्थिकायमज्झपएसा एव चेव अठ्व आगासत्थिकायमज्झपएसा प० एवं चेव अठ्व जीवमज्झपएसा प० ॥ ७९१ ॥ अरहता ण महापउमे अठ्व रायाणो मुडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वावेस्सति त० पउम पउमगुम्म नलिण नलिणगुम्म पउमद्वय धणुद्वय कणगरहं भरहं ॥ ७९२ ॥ कण्हस्स ण वासुदेवस्स अठ्व अगमहिंसीओ अरहओ ण अरिठ्व-नेमिस्स अतिए मुडा भवेत्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइया सिद्धाओ जाव सब्बदुक्खप्पहीणाओ त० पउमावई य गोरी गंधारी लक्खणा सुसीमा य जंववई सच्चभामा रुप्पिणी कण्हअगमहिंसीओ ॥ ७९३ ॥ वीरियपुव्वस्स ण अठ्व वत्थू अठ्व चूलियावत्थू प० ॥ ७९४ ॥ अठ्व गईओ प० त० णिरयगई तिरियगई जाव सिद्धिगई गुरुगई पणोल्लणगई पब्भारगई ॥ ७९५ ॥ गगासिंधुरत्तारत्तवइदेवीण दीवा अठ्व २ जोयणार्ग आयामविक्खंभेण प० ॥ ७९६ ॥ उक्कामुहमेहमुहविज्जु-मुहविज्जुदतरीवारणं दीवा अठ्व २ जोयणसयाई आयामविक्खंभेण प० ॥ ७९७ ॥ कालोदे ण समुदे अठ्व जोयणसयसहस्साई चक्कवालविक्खंभेण प० ॥ ७९८ ॥



कासिवद्धने ) ॥ ७८८ ॥ अठुविहे आहारे प० त० मणुण्णे असणे पाणे खाइमे साइमे अमणुण्णे जाव साइमे ॥ ७८९ ॥ उप्पि सणकुमारमाहिंदाण कप्पाण हेठ्ठि वंभलोए कप्पे रिठ्ठे विमाणे पत्थडे एत्थ णमक्खाडगसमचउरंससठाणसंठियाओ अठु कण्हराईओ प० त० पुरच्छिमेण दो कण्हराईओ दाहिणेण दो कण्हराईओ पच्चच्छिमेण दो कण्हराईओ उत्तरेण दो कण्हराईओ, पुरच्छिमा अब्भतरा कण्हराई दाहिण वाहिरं कण्हराई पुट्ठा, दाहिणा अब्भतरा कण्हराई पच्चच्छिमग वाहिर कण्हराइ पुट्ठा, पच्चच्छिमा अब्भतरा कण्हराई उत्तरं वाहिरं कण्हराई पुट्ठा, उत्तरा अब्भतरा कण्हराई पुरच्छिम वाहिरं कण्हराइ पुट्ठा, पुरच्छिमपच्चच्छिमिल्लाओ वाहिराओ दो कण्हराईओ छलसाओ उत्तरदाहिणाओ वाहिराओ दो कण्हराईओ तंसाओ सव्वाओ वि ण अब्भतरकण्हराईओ चउरसाओ, एयासि णं अठुण्हं कण्हराईणं अठु नामधेज्जा प० त० कण्हराईति वा मेहराईति वा मघाति वा माघवईति वा वातफलिहेति वा वातपलिव्वोमेति वा देवपलिहे वा देवपलिव्वोमेति वा, एयासि ण अठुण्ह कण्हराईण अठुसु उवासंतरेसु अठुलोगतियविमाणा प० त० अच्ची अच्चिमाली वइरोयणे पमकरे चदाभे सराभे सुपइठ्ठाभे अग्गिच्चाभे, एण्ड णं अठुसु लोगतियविमाणेसु अठुविहा लोगतिया देवा प० तं० सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गइतोया य, तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव बोधव्वा ( १ ) एणसि णं अठुण्ह लोगतियदेवाण अजहण्णमणुक्कोसेण अठु सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ७९० ॥ अठु धम्मत्थिकायमज्झपएसा प० अठु अहम्मत्थिकायमज्झपएसा एवं चेव अठु आगासत्थिकायमज्झपएसा प० एवं चेव अठु जीवमज्झपएसा प० ॥ ७९१ ॥ अरहता ण महापउमे अठु रायाणो मुंडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वावेस्सति त० पउमं पउमगुम्म नलिणं नलिणगुम्म पउमद्वयं धणुद्वयं कणगरई भरहं ॥ ७९२ ॥ कण्हस्स णं वासुदेवस्स अठु अग्गमहिसीओ अरहओ ण अरिठ्ठ-नेमिस्स अतिए मुडा भवेत्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया सिद्धाओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणाओ त० पउमावई य गोरी गधारी लक्खणा सुसीमा य जबवई सच्चभामा रुप्पिणी कण्हअग्गमहिसीओ ॥ ७९३ ॥ वीरियपुव्वस्स णं अठु वत्थू अठु चूलियावत्थू प० ॥ ७९४ ॥ अठु गईओ प० त० णिरयगई तिरियगई जाव सिद्धिगई गुरुगई पणोल्लणगई पम्भारगई ॥ ७९५ ॥ गगासिंधुरत्तारत्तवइदेवीणं धीवा अठु २ जोयणाई आयामविवक्खभेणं प० ॥ ७९६ ॥ उक्कामुहमेहमुहविज्जु-मुहविज्जुदंतवीवाणं धीवा अठु २ जोयणसयाई आयामविवक्खभेणं प० ॥ ७९७ ॥ कालोदे णं समुदे अठु जोयणसयसहस्साई चक्कवालविवक्खभेणं प० ॥ ७९८ ॥

॥ ८५६ ॥ तेईहिवाक्यहु पाहुण्णमेवीयोचीसुहसकहस्ता प ॥ ८५७ ॥  
 पीवा पं बहुप्रबन्धिषिण्णं येमणे पावकम्मताए विविधु वा विपंति वा विमि-  
 स्संति वा तं—पडमसमन्नेहकविम्विषिण्णं वाव अपकमसमन्नेहविम्विषिण्णं एव  
 विव उपविष वाव विज्जए वव ॥ ८५८ ॥ अनुपएहिमा वंवा ववता प  
 ॥ ८५९ ॥ अहु पएणेगावा येमण्य ववता प ॥ ८६ ॥ वाव अहुण्णमुक्ता  
 येमण्य ववता प ॥ ९१ ॥ अहुमै ठाये समर्थ ॥

### नवमहायं

मज्झिं ठायेहिं समये विम्वंये संमोहं विम्वंमोहं करेमाये वाहकण्ठं तं—  
 आचारियपविणीयं उपज्झवपविणीयं येरपविणीयं कुल यव संव नाव  
 ईसव वरिष्पविणीयं ॥ ८६२ ॥ कव वंमचेउ प तं छाएरिवा ज्येपविक्खे  
 वाव उहण्णकण्ठं महापरिणा ॥ ९२ ॥ नव वंमचेउलीओ प तं विविदाई  
 वक्काउवाई ऐमिछ मवइ ओ इमिसेउवाई ओ पडवसेउवाई ओ पंडवसेउवाई १  
 ओ इलीवं कई कहेउ २ ओ इमिअवाई ऐमिछ मवइ ३ ओ इलीममिदिवाई  
 मन्नेहण्णं मन्नेरमाई अलोइता विज्झाहता मवइ ४ ओ पचीरसमोई ५ ओ  
 पावणेक्खत्त अहत्तं वाहारए ववा मवइ ६ ओ पुम्भरवं पुम्भरीज्झिं समरेता  
 मवइ ७ ओ उहण्णवाई ओ उवाउवाई ओ विज्जेपाउवाई ८ ओ छाकसेमवपविक्खे  
 वावि मवइ ९ ॥ ९४ ॥ नव वंमचेरण्णलीओ प तं ओ विविदाई वयम-  
 उवाई ऐमिता मवइ इलीसेउवाई पडुसेउवाई पंडमसेउवाई इलीवं कई कहेउ  
 मवइ इलीवं अवाई ऐमिछ मवइ इलीवं ईहिवाई वाव विज्झाहता मवइ पचीर-  
 रसमोई पावमोक्खत्त अहमाक्खत्ताहारए ववा मवइ पुम्भरवं पुम्भरीज्झिं वरिष्प  
 मवइ उहण्णवाई उवाउवाई विज्जेपाउवाई वाव छावत्तवपविक्खे वावि मवइ  
 ॥ ८६५ ॥ अनिर्वण्णओ वं अरहण्णे उमाई अरहा नवहिं छापरयेमयेविक्खत्त  
 स्सेहिं निहत्तेहिं ससुण्णो ॥ ८६६ ॥ नव वक्कावपवत्त प तं जीवा ववीव  
 पुणं पाओ वासवो ववणे विज्जए वंमो मोववी ॥ ९७ ॥ ववविहा वंमारसम-  
 ववपा पीवा प तं पुडवीअइवा वाव ववसइअइवा येईहिवा वाव पंविहि-  
 वति ॥ ८६८ ॥ पुडवीअइया नवगइता नव आपइवा प तं पुडवीअइए पुड-  
 वीवत्तए उवववमाये पुडवीअइएहिंओ वा वाव पंविहिएहिंओ वा उववमेजा से  
 चेव वं से पुडवीअइए पुडवीअवतं विपववपानि पुडविअइयाए वाव पंविहि-  
 वताए वा पण्णेजा, एव वाउववतामि वाव पंविहिवति ॥ ९९ ॥ नवविहा  
 वववीवा प तं एमिहिवा येईहिवा तेईहिवा ववविहिवा विहव पंविहिवति-

अठु रांजगप्पयायुहाओ अठु रुयमालगा देवा अठु णट्टमालगा देवा अठु गगा-  
कुडा अठु सिंधुकुडा अठु गगाओ अठु सिंधूओ अठु उसमहूडपव्वया अठु उस-  
मकूडा देवा प० जंभूमदरपुरच्छिमेण सीयाए महाणइए दाहिणेण अठु वीह्वेयणा  
एव चेव जाव अठु उसमहूडा देवा प० णवरमेत्थ रत्तात्तावईओ तासिं चेव कुंडा  
॥ ८१९ ॥ जंभूमदरपत्थिमे० सीओआए महाणइए दाहिणेण अठु वीह्वेयणा जाव  
अठु गगाकुडा अठु सिंधुकुडा अठु गगाओ अठु सिंधूओ जाव अठु उसमहूडा देवा  
प० जंभूमदरपत्थिमेगं सीओआए महाणइए उत्तरेण अठु वीह्वेयणा जाव अठु नट्ट-  
मालगा देवा अठु रत्तकुंडा अठु रत्तावइकुंडा अठु रत्ताओ जाव अठु उसमहूडा देवा  
प० ॥ ८२० ॥ मंदरचूलिया ण बहुमज्झदेवभाए अठु जोयगाइ विस्समेण प०  
॥ ८२१ ॥ धायइसड्डीवे पुरत्थिमद्वेण धायइस्सए अठु जोयगाइ उट्ठ उच्चतेणं  
प० बहुमज्झदेवभाए अठु जोयगाइ विस्समेग साइरेगाइ अठु जोयगाइ सव्वमेग  
प० एव धायइस्सलाओ आउवेता सधेव जंभूवीवत्तव्वया भाणियव्वा जाव मंदर-  
चूलियत्ति एव पयच्छिमद्वेवि महाधायइस्सलाओ आउवेता जाव मंदरचूलियत्ति  
॥ ८२२ ॥ एव पुक्कवरदीवन्तुरच्छिमद्वेवि पउमस्सलाओ आउवेता जाव मंदर-  
चूलियत्ति एवं पुक्कवरदीवन्तुरच्छिमद्वे महापउमस्सलाओ जाव मंदरचूलियत्ति  
॥ ८२३ ॥ जंभूवीवे दीवे मंदरे पव्वए भइसालवणे अठु दिसाहत्थिकूडा प० त०-  
पउमुत्तर नीलवते सुहत्थी अजगागिरी, कुमुए य पलासए वडिंसे अठुमए रोयणा-  
गिरी ॥ ८२४ ॥ जंभूवीवस्स ण वीवस्स जगई अठु जोयगाइ उट्ठ उच्चतेण बहुम-  
ज्झदेवभाए अठु जोयगाइ विस्समेण प० ॥ ८२५ ॥ जंभूवीवे दीवे मंदरपव्वयस्स  
दाहिणेण महाहिमवते वासहरपव्वए अठु कूडा प० त० सिद्धे महाहिमवते हिमवते  
रोहिता हरील्ले, हरिकुटा हरेवासे वेह्लिए चेव कूडा उ ॥ ८२६ ॥ जंभूमदरउत्ता-  
रेण रत्थिमि वासहरपव्वए अठु कूडा प० त० सिद्धे य रूपी रम्मग नरक्ता बुद्धि  
रुप्पकूडे या, हिरण्णवए मणिक्कणे य रत्थिमि कूडा उ ॥ ८२७ ॥ जंभूमदरपुर-  
च्छिमेग रुयगवरे पव्वए अठु कूडा प० त०-रिठ्ठे तवणिज्ज कच्चण रुयय दिसासोत्थिए  
पलंवे य, अजणे अजगपुलए रुयगस्स पुरच्छिमे कूडा ( १ ) तत्थ ण अठु दिसा-  
कुमारिमहत्तरियाओ महिंझियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसति त० णडुत्तरा  
य णंदा य आणदा णदिवद्धगा, विजया य वेजयंती जयती अपराजिया ॥ ८२८ ॥  
जंभूमदरदाहिणेग रुयगवरे पव्वए अठु कूडा प० त०-रुगए कच्चणे पउमे नल्लिणे ससि  
दिवायरे चेव, वेसमणे वेह्लिए रुयगस्स उ दाहिणे कूडा ( १ ) तत्थ ण अठु दिसा-  
कुमारिमहत्तरियाओ महिंझियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसति त० समाहारा

४ ८५६ ॥ तेईदिवानमहु चाहुअघोटीजोनीपुहसवसहस्ता ५ ॥ ८५७ ॥  
 पीवा नं अहुअघमिन्वतिपु जेवकळे पावळमहाछपु विमिंसु वा विमिंसि वा विमि-  
 स्तंसि वा तं—पहमसमकनेरुयमिन्वतिपु वाव अघमसमयदेवमिन्वतिपु पूर्ण  
 विन जयविन वाव मिजरा वंन ॥ ८५८ ॥ अहुपपुठिवा वंन वा अमंता ५  
 ॥ ८५९ ॥ अहु पपुठोयाहा जेवकळ अमंता ५ ॥ ८६० ॥ वाव अहुअघमहा  
 जेवकळ अमंता ५ ॥ ८६१ ॥ अहुर्म ठाणे समर्थ ॥

### नवमहाप्यं

नवई ठाणेई समर्थ विमंथे संमोहर्ष विमंथोहर्ष करेमाथे बाहुमह तं—  
 आनरेवपिनीं कसळानपिनीं वेरपिनीं पुन नव संव नव  
 हंसव नरेपपिनीं ॥ ८६२ ॥ नव वंनचेरा ५ तं सत्कपरेवा जेवमिन्वते  
 वाव जवहाजळं महापरेवा ॥ ८६३ ॥ नव वंनचेरापुठोमो ५ तं विमिताई  
 सत्कपरेवाई जेमिन्व नव नो इतिसेसछाई नो पडसंछाई नो वंनसंछाई १  
 नो इतीनं कळ कळेया १ नो इतिछावाई जेमिन्व नव १ नो इतीनमिन्वताई  
 मनेछाई मनेमाई आम्होइता विजराहया नव ४ नो पणीकरसमोई ५ नो  
 पावमोक्कलस आम्होइता आम्होइता सवा नव १ नो पुन्वरनं पुन्वरमिन्वें सनरेवा  
 नव ७ नो सपुठुवाई नो क्वाठुवाई नो विजोराठुवाई नो सत्कपरेवपिनीं  
 वावि नव १ ॥ ८४ ॥ नव वंनचेरापुठोमो ५ तं नो विमिताई सत्क-  
 परेवाई जेमिन्व नव इतीसेसछाई पडसंछाई वंनसंछाई इतीनं कळ कळेया  
 नव इतीनं जवार् जेमिन्व नव इतीनं इतिवाई वाव विजराहया नव पणीक-  
 रसमोई पावमोक्कलस आम्होइताहया सवा नव पुन्वरनं पुन्वरमिन्वें सनरेवा  
 नव सपुठुवाई क्वाठुवाई विजोराठुवाई वाव सत्कपरेवपिनीं वावि नव  
 ॥ ८५ ॥ अमिन्वतामो नं अरुणो छमई अरुण नवई सापरकमपिचकसह  
 स्तेई मिश्रतिई समुपजे ॥ ८६ ॥ नव सत्कपरेवपिनीं ५ तं जीवा अमीवा  
 पुन पावो वासवो सवरी मिजरा वंनो मोकळी ॥ ८७ ॥ नवविहा संसारसमा-  
 नकया जीवा ५ तं पुनमिन्वता वाव वपसहआम्होइता वेईदिया वाव पंमिन्वि-  
 नति ॥ ८८ ॥ पुनवीकडवा नकपडवा नव आम्होइता ५ तं पुनवीकडपु पुन-  
 वीकडपु जवजवामे पुनवीकडपुहिती वा वाव वंमिन्विहिती वा जवजवामे से  
 वेव नं से पुनवीकडपु पुनवीकडपु मिन्वताहयामे पुनमिन्वतापु वाव पंमिन्वि-  
 नतापु वा मनेज्या पूर्ण वाजवताहयामे वाव पंमिन्विनति ॥ ८९ ॥ नवमिन्वा  
 समुपजीवा ५ तं पुनमिन्वा वेईदिया तईदिया नवविन्वा नैरुय पंमिन्विनति

त० ईसीइ वा, ईसिपन्भाराइ वा, तणइ वा, तणुतणइ वा, सिद्धीति वा, सिद्धालणइ वा, मुत्तीइ वा, मुत्तालणइ वा ॥ ८४३ ॥ अठुहिं ठाणेहि सम्मं सघडियव्व जइयव्वं परक्कमियव्व अस्सि च ण अठु णो पमाएयव्व भवइ, असुयाण धम्माण सम्मं सुण-  
 णयाए अचुत्थेयव्व भवइ, सुयाण धम्माण ओगिण्हणयाए उवधारणयाए अचुत्थेयव्व  
 भवइ, पावाण कम्माण सज्जेणमकरणयाए अचुत्थेयव्व भवइ, पोराणाण कम्माणं  
 तवसा विगिंचणयाए विसोहणयाए अचुत्थेयव्व भवइ, असगिहीयपरियणस्स सगि-  
 ण्हणयाए अचुत्थेयव्व भवइ, सेहं आयारगोयरगहणयाए अचुत्थेयव्व भवइ, गिला-  
 णस्स अगिलाए वेयावचकरणयाए अचुत्थेयव्वं भवइ, साहम्मियाणमधिकरणसि  
 उप्पण्णसि तत्थ अणित्तिओवत्तिओ अपक्खत्तगार्ही मज्जत्तयभावभूए कइ णु साह-  
 म्मिया अप्पसद्दा अप्पज्ञाता अप्पतुमत्तुमा उवसामणयाए अचुत्थेयव्व भवइ  
 ॥ ८४४ ॥ महासुक्खसहस्सारेणु ण कप्पेसु विमाणा अठु जोयणसयाइ उट्ठ उच्चत्तेणं  
 प० ॥ ८४५ ॥ अरहओ ण अरेत्तुनेमिस्स अठुसया वार्इण सदेवमणुयासुराए  
 परिसाए वाए अपराजियाण उक्कोसिया वाइसपया होत्था ॥ ८४६ ॥ अठुसामइए  
 केवल्लिसमुग्घाए प० त० पठमे समए दड करेइ बीए समए कवाउ करेइ तइए  
 समए मथान करेइ चउत्थे समए लोगं पूरेइ पचमे समए लोग पडिसाहरइ छठे  
 समए मथं पडिसाहरइ सत्तमे समए कवाडं पडिसाहरइ अठुमे समए दडं पडि-  
 साहरइ ॥ ८४७ ॥ समणस्स ण भगवओ महावीरस्स अठु सया अणुत्तरोववाइ-  
 याण गइक्कलाणाण जाव आगमेसिभद्दाण उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसपया होत्था  
 ॥ ८४८ ॥ अठुविहा वाणमतरा देवा प० त०-पिसाया भूया जक्खा रक्खसा  
 किन्नरा किंपुरिसा महोरगा गधव्वा ॥ ८४९ ॥ एएसि ण अठुण्ह वाणमतरदेवाणं  
 अठुक्खसा प० तं०-कलवो अ पिसायाण वडो जक्खाणमेव य, तुलसी भूयाण  
 भवे रक्खसाण च कडओ (१) असोओ किन्नराण च किंपुरिसाण य चपओ,  
 नागरक्खओ भुयगाण गंधव्वाण य तेंदुओ (२) ॥ ८५० ॥ इमीसे रयणप्पभाए  
 पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अठुजोयणसए उट्ठवाहाए सूरविमाणे  
 चारं चरइ ॥ ८५१ ॥ अठु नक्खत्ता चदेण सद्धिं पमई जोग जोएति तं०  
 कत्तिया रोहिणी पुणव्वस्स महा चित्ता विसाहा अणुराहा जेष्ठा ॥ ८५२ ॥  
 जवुहीवस्स णं वीवस्स दारा अठुजोयणाई उच्च उच्चत्तेण प०-सन्वेसिपि वीवसु-  
 द्दाण दारा अठुजोयणाई उच्च उच्चत्तेण प० ॥ ८५३ ॥ पुरिसवेयणिज्जस्स णं कम्मस्स  
 जहण्णेण अठुसवच्छराई वधठिई प० ॥ ८५४ ॥ जसोकित्तीनामएणं कम्मस्स  
 जहण्णेण अठु मुहुताई वधठिई प० ॥ ८५५ ॥ उच्चगोयस्स णं कम्मस्स एवं चैव





रिक्त्तजोपिया मणुस्ता देवा सिद्धा ॥ ८७० ॥ अहया नवविहा सव्वजीवा प० त०  
 पढमसमयनेरइया अपढमसमयनेरइया जाव अपढमसमयदेवा सिद्धा ॥ ८७१ ॥  
 नवविहा सव्वजीवोगाहणा प० त० पुठमिद्धाजोगाहणा आउ० जाव वणस्सइकाइ-  
 ओगाहणा वेइदियोगाहणा तेइदियोगाहणा चउरिंदियोगाहणा पचिंदियोगाहणा  
 ॥ ८७२ ॥ जीवा ण नवहिं ठाणेहिं समारं वत्तिनु वा वत्तति वा वत्तिस्सति वा त०  
 पुठविद्धाइयताए जाव पचिंदियताए ॥ ८७३ ॥ नवहिं ठाणेहिं रोगुप्पत्ती सिया तं०  
 अयासणाए अहियासणाए अइणिहाए अइजागारेण उचारनिरोहेण पासवणनिगेहेण  
 अद्धाणगमणेण भोयणपडिक्कल्याए इदियत्थावेद्धोवणयाए ॥ ८७४ ॥ णवविहे  
 दरिसणावरणिज्जे कम्मे प० तं०-निहा निहानिहा पयला पयलापयला शीणगिद्धी  
 चम्पुदरिसणावरणे अचक्पुदरिमणावरणे ओहिंदरिसणावरणे केवलदरिमणावरणे  
 ॥ ८७५ ॥ अर्भाइं ण णम्हत्ते नाइरेगे नवमुहुत्ते चंदं सद्धि जोग जोएइ  
 ॥ ८७६ ॥ अभिइंआइआ ण णवनम्हत्ता ण चदस्स उत्तरेण जोग जोएति त०, अभिइं  
 सवणो धणिठ्ठा जाव भरणी ॥ ८७७ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुठवीए बहुत्तम-  
 रमणिज्जाओ भूमिभागाओ णव नोअणसयाइ उचु अवाहाए उवरिल्ले ताराल्ले चार  
 चरति ॥ ८७८ ॥ जवुद्धावे ण वीवे णवजोअणिया मच्छा पविसिंनु वा पविसति वा  
 पविसिस्सति वा ॥ ८७९ ॥ जवुद्धावे वीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णव  
 बलदेववासुदेवपियरो होत्था त० पयावइं य वभे य रोइं सोमे सिचेइया, महासीहे  
 अग्गिसीहे दसरह नवमे य वनुदेवे (१) इत्तो आउत्त जहा समवाये निरवसेस  
 जाव एगा से गम्भवसही सिज्जिस्सति आगमिस्सेण ॥ ८८० ॥ जवुद्धावे वीवे  
 भारहे वासे आगमेस्साए उस्सप्पिणीए नवबलदेववासुदेवपियरो भविस्सति नव  
 बलदेववासुदेवमायरो भविस्सति, एवं जहा समवाए निरवसेस जाव महामीमसेणे  
 य सुग्गीवे य अपच्छिमे, एए खल्लु पडिसत्तू किर्त्तापुरिसाण वासुदेवाण सव्वेवि  
 चक्कजोही हम्मेहती सचक्केहिं ॥ ८८१ ॥ एगमेगे ण महानिही नवनव जोयणाइ  
 विक्खभेण प० एगमेगस्स ण रण्णो चाउरतचक्कवट्ठिस्स णव महानिहओ प० त०  
 “णेसत्पे पडुयए पिंगलए सव्वरयण महापउमे, काले य महाकाले माणवण महा-  
 निही सखे (१) नेसप्पमि निवेसा गामागरनगरपट्टणाण च, दोणमुद्धमडवाण  
 खधारारं गिहाण च (२) गणियस्स य वीयाण माणुम्माणस्स ज पमाण च,  
 धन्नस्स य वीयाण उप्पत्ती पडुए भणिया (३) सव्वा आभरणविही पुरिसाण  
 जा य होइ महिलाण, आसाण य हत्थीण य पिंगलगनिहिम्मि सा भणिया (४)  
 रयणाइं सव्वरयणे चोइस पवराइ चक्कवट्ठिस्स, उप्पज्जति एगिंदियाइ पचिंदि-



॥ ८९५-६ ॥ णव गेवेज्जविमाणपत्थञ्च प० तं० हेठ्ठिमहेठ्ठिमगेविज्जविमाणपत्थञ्च  
हेठ्ठिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थञ्च हेठ्ठिमउचरिमगेविज्जविमाणपत्थञ्च मज्झिमहेठ्ठि-  
मगेविज्जविमाणपत्थञ्च मज्झिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थञ्च मज्झिमउचरिमगेविज्जवि-  
माणपत्थञ्च उचरिमहेठ्ठिमगेविज्जविमाणपत्थञ्च उचरिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थञ्च  
उचरिमउचरिमगेविज्जविमाणपत्थञ्च ॥ ८९७ ॥ एएसि ण नवण्हं गेविज्जविमाणपत्थ-  
टाण णव नामधिज्जा प० तं० भेदे गुभेदे सुजाए सोमणसे पियदरिसणे, उदत्तणे  
अमोहे य सुप्पवुद्धे जसोधरे ॥ ८९८ ॥ नवविहे आउपरिणामे प० तं० गइपरि-  
णामे गइअधणपरिणामे ठिइपरिणामे ठिइअधणपरिणामे उतुगारवपरिणामे अहे-  
गारवपरिणामे तिरियगारवपरिणामे दीहगारवपरिणामे रहस्सगारवपरिणामे ॥ ८९९ ॥  
नवनवमिया ण भिन्नपुडिमा एगासीए राइदिएहिं चउहिं य पंचुत्तरोहिं भिक्खा-  
सएहिं अहासुत्ता जाव आराहिया यावि भवइ ॥ ९०० ॥ नवविहे पायच्छिओ  
प० तं० आलोयणारिहे जाव मूलारिहे अणवठुप्पारिहे ॥ ९०१ ॥ जवूमदरदाहि-  
णेणं भरहे दीहवेयन्हे नव कूडा प० तं० सिद्धे भरहे खडग माणी वेयन्हु पुण्ण  
तिमिसगुहा, भरहे वेसमणे या भरहे कूडाण णामाई ॥ ९०२ ॥ जवूमदरदाहिणेणं  
निसभे वासहरपव्वए णवकूडा प० तं० सिद्धे निसहे हरिवास विदेह हरि धिइ  
अ सीओया, अवरविदेहे रयगे निसभे कूडाण नामाणि ॥ ९०३ ॥ जवूमदरपव्वए  
णदणवणे णव कूडा प० तं० णदणे मदरे चेव निसहे हेमवए रयय रयए य,  
सागरचित्ते वइरे वलकूडे चेव वोद्धव्वे ॥ ९०४ ॥ जवूमालवतवक्खारपव्वए णव  
कूडा प० तं० सिद्धे य मालवते य उत्तरकुरु कच्छ सागरे रयए, सीया तह पुण्ण-  
णामे हरिस्सहकूडे य वोद्धव्वे ॥ ९०५ ॥ जवू० कच्छे दीहवेयन्हे नव कूडा प० तं०  
सिद्धे कच्छे खडग माणी वेयन्हु पुण्ण तिमिसगुहा, कच्छे वेसमणे या कच्छे कूडाण  
णामाई ॥ ९०६ ॥ जवू० सुकच्छे दीहवेयन्हे णव कूडा प० तं० सिद्धे सुकच्छे खडग  
माणी वेयन्हु पुण्ण तिमिसगुहा, सुकच्छे वेसमणे या सुकच्छि कूडाण णामाई  
॥ ९०७ ॥ एव जाव पोक्खलावइमि दीहवेयन्हे एव वच्छे दीहवेयन्हे एव जाव  
मगलावइमि दीहवेयन्हे ॥ ९०८ ॥ जवू० विज्जुप्पभे वक्खारपव्वए नव कूडा प०  
तं०-सिद्धे अ विज्जुणामे देवकुरा पम्ह कणग सोवत्थी, सीओयाए सजले हरिकूडे  
चेव वोद्धव्वे ॥ ९०९ ॥ जवू० पम्हे दीहवेयन्हे नव कूडा प० तं०-सिद्धे पम्हे  
खडग माणी वेयन्हु एव चेव जाव सलिलावइमि दीहवेयन्हे एव वप्पे दीहवेयन्हे एव जाव  
गंधिलावइमि दीहवेयन्हे नव कूडा प० तं०-सिद्धे गंधिल खडग माणी वेयन्हु पुण्ण  
तिमिसगुहा, गंधिलावइ वेसमण कूडाण होंति णामाई (१) एव सव्वेसु दीहवेयन्हेसु

अनुत्तरेण गयेन अनुत्तरेण इत्येव अनुत्तरेण चरितेन एव आकृष्टेन विहारेण  
 अजये महे अजये अंती मुती मुती सख संख तवगुणप्रतिपत्तिरूपविग्रहपरि  
 निष्ठाचमणेन अप्ययं भावमात्रस्तु साधनविवाए कृष्णान्तस्तु अजये अनुत्तरे  
 निष्ठाचमणे वाव केवकवरपाचरंतेन सप्तपुष्पविहिति तप एं से मग्नं अरुहा विवे  
 भविस्तद् केवकी सम्पद् सम्पद्विरिती सदेवमनुमास्रस्तु ओवस्तु परिवारे वावद्  
 एतद् सम्पत्तेः सम्पत्तीवाचं आपर्हं यद् ठिर् चर्चर्च उचवाचं तर्चं मनोमाचर्चि  
 भुत्तं कर्चं पत्तिसेनैव आशीर्च्यं एतोर्च्यं अरुहा अरुहस्तु भागी तं तं कर्चं मन्त्र-  
 वसक्तद् ओये कृष्णमाचं सम्पत्तेः सम्पत्तीवाचं सम्पत्ताये कृष्णमाचं पासमाचं  
 विहृत्त, तप एं से मग्नं तेन अनुत्तरेण केवकवरपाचरंतेन सदेवमनुमास्रस्तु  
 अमिस्मिन् समवाचं विम्वंवाचं एव महम्भवात् समवाचार्चं एव अमिस्मिन् अम्यं  
 हेतेनाचं विहृत्तस्तद् से अरुहमाचं अजये । मए समवाचं विम्वंवाचं एव आरंम-  
 त्तने पन्ने एवमेव महापत्तेनि अरुहा समवाचं विम्वंवाचं एव आरंमत्तने पन्ने  
 वेद्विस्ति से अरुहमाचं अजये । मए समवाचं विम्वंवाचं दुमिहे वंचने प तं  
 वेज्जंवाचं सेवर्चंवाचं एवमेव महापत्तेनि अरुहा समवाचं विम्वंवाचं दुमिहे  
 वंचने पन्नेवेद्विस्ति तं वेज्जंवाचं च सेवर्चंवाचं च से अरुहमाचं अजये । मए  
 समवाचं विम्वंवाचं ततो वंका प तं मग्नं १ एवमेव महापत्तेनि समवाचं  
 विम्वंवाचं ततो वंके पन्नेवेद्विस्ति तं मग्नं १ से अरुहमाचं एव अमिस्मिन्  
 चत्तारि कत्तावा प तं ओहकत्तावा ४ एव अमत्तुनि च तं सदे ५ अमत्तुनि  
 प तं पुडलिकत्तावा अम तत्तत्तावा एवमेव अम तत्तत्तावा से अरुहमाचं  
 एव अमिस्मिन् एत मग्नत्तावा प तं एवमेव महापत्तेनि अरुहा समवाचं  
 विम्वंवाचं एत मग्नत्तावा पन्नेवेद्विस्ति एवमत्तु मग्नत्तावे अम वंमवेत्तुत्तुओ दस-  
 त्तिरे समवाचमे एव अम तेत्तुत्तावापत्तावति से अरुहमाचं अजये । मए सम-  
 वाचं विम्वंवाचं सेवर्चंवाचं विम्वंवाचं सुंभमाचं अमत्तुए अरंत्तने अमत्तुए  
 अनुवाहवए भूमिसेज्ज फळपत्तेजा कटुतेजा केरत्तेः वंमवेत्तावे पत्तरपत्ते  
 वाव कट्टावकट्टावत्तुओ प एवमेव महापत्तेनि अरुहा समवाचं विम्वंवाचं  
 सेवर्चंवाचं विम्वंवाचं वाव कट्टावकट्टावत्तुओ पन्नेवेद्विस्ति से अरुहमाचं अजये ।  
 मए समवाचं विम्वंवाचं अरुहमाचं वा जेतिपुह वा यीधवाए वा अमत्तुम-  
 रए वा पत्तुए पीर पत्तिने अजये अमिस्मिन् अमिस्मिन् वा वंत्तामत्तुए वा दुमि-  
 कट्टावत्तुए वा विम्वंवाचं वा विम्वंवाचं वा पाहुवमत्तुए वा म्मत्तुमत्तुए वा वं  
 फळ पीर इतिवत्तुमत्तुए वा पत्तिने एवमेव महापत्तेनि अरुहा समवाचं

महापद्मस्य रजो अभया द्याद दो णा महिद्धिमा जाय महेशयता मेणाह्म  
 दाहिनि तं पुण्यभरणं माणिभरणं तणं नं सयदुवारं नगरे बद्धो राईसरतत्परमा-  
 उभिरातो उभिरादभसंतिष्ठेणादगत्यवाहपनिदो अभय महापद्मिणि एव इदमति  
 जम्हा ण देवाणुप्पिया । अम्हं महापद्मस्स रजो दो देवा महिद्धिमा जाय महेशयता  
 सेणाह्म करंति तं पुण्यभरणं माणिभरणं तं दोउ नं अम्हं देवाणुप्पिया । महा-  
 पद्मस्य रजो दोयेति नानपेत्ते भवमेणं, तणं न तस्स महापद्मस्य तेयेति नान-  
 पेत्ते नविस्सइ देवसेणेति २ तणं न तस्स दास्यस्य रण्णो अण्णं द्याद सेयस-  
 सत्तल्लिमिलमज्झिमे चउदगे द्धिथरणे ननुणज्झिहि तणं न से दास्ये राया  
 तं सेयसगतल्लिमिलसज्झिमास चउदगे द्धिथरणे दुत्ते ममाणे सनदुवारं नगर  
 मज्झमज्झेण अगिणाणं २ अदन्नाहि न पिज्जाहि य, तणं न सयदुवारं नगरे बद्धे  
 राईसरतत्पर जाय अजमया सदापेहिहि २ एतं चरसति जम्हा ण देवाणुप्पिया ।  
 अम्हं देवसेणस्स रजो सेयसत्तल्लिमिलमज्झिमे चउदगे द्धिथरणे सनुप्पमे  
 त दोउ नं अम्हं देवाणुप्पिया । देवसेणस्स रण्णो तयोति नानपेत्ते विमलवाहणे  
 तणं न तस्स देवसेणस्स रजो तयोति नानपेत्ते नविस्सइ विमलवाहणे २ तणं न  
 से विमलवाहणे राया तीस वानाई अगारवाउमज्झे उचिता अम्मापिईहि  
 देवत्तगणहिं गुस्महत्तरणहिं अन्नमणुजाए ममाणे उदुमि सरए सयुद्धे अणुत्तरं  
 मोक्खमग्गे पुणरवि लोगतिणहिं जीयकप्पिणहिं वेहिं ताहिं इट्ठाहिं कत्ताहिं पियाहिं  
 मणुजाहिं मणामाहिं उरालाहिं कट्ठाणाहिं धत्ताहिं त्तिवाहिं मगाहिं सत्स्वरीआहिं  
 वग्गूहिं अभिणविज्जमाणे अभियुवमाणे य वहिया सुभूमिभागे उज्जाणे एव  
 देवदूतमादाय मुढे भवित्ता अगाराओ अणगातिय पच्चयाहिति तस्स नं भगवतस्स  
 साइरेगाई दुवालस वासाई निच वोसट्ठमाए चियत्तदेहे जे केदे उयनग्गा  
 उप्पज्जाति तं दिव्वा वा माणुसा वा तिरिक्खजोणिया वा ते उप्पजे सन्मं सहिस्सइ  
 समिस्सइ तितिक्खिस्सइ आहियात्तिस्सइ तणं न से भगव इरियामाए भात्तासमिए  
 जाव गुत्तवभयारी अममे अक्किचणे छिन्नगधे निस्खलेवे कसपाईव मुक्कतोए जहा  
 भावणाए जाव सुहुयहुयासणेइव तेयसा जलते, कसे सखे जीवे गगणे वाए य सारए  
 सलिले, पुक्खरण्णे कुम्मे विहगे खग्गे य भारडे ( १ ) कुजर वसहे सीहे नगराया  
 चेव सागरमक्खोभे, चदे सूरं कण्णे वसुंधरा चेव सुहुयहुए ( २ ) नत्थि न तस्स  
 भगवतस्स कथइ पडिवधे भवइ, से य पडिवधे चउव्विहे प० त०-अडए वा पोय-  
 एइ वा उग्गहेइ वा पग्गहिएइ वा जं न ज न दिस इच्छइ तं न तं न दिस अपडिवधे  
 सुइभूए लहुभूए अणप्पगधे सजमेण अप्पाण भावेमाणे विहरिस्सइ, तस्स न भगवतस्स

कामवन्निवृत्तिर वाच पश्चिमवन्निवृत्तिर एवं विषय उपनिषद् वाच निजरा नैव  
 ॥ १२४ ॥ नव पण्डिता लोका अर्चता य ॥ १२५ ॥ नव पण्डितोपाहा योग्यता  
 अर्चता य ॥ १२६ ॥ वाच नव गुणगुण्य योग्यता अर्चता य ॥ १३ ॥  
 नवमे द्वापे मयममगुण्य समस्त ॥

### वसुमहाण

इतिहा योग्यतिरै य तं अर्थं जीवा उदाहृता २ तात्वेन १ मुख्ये १ एवावर्ति,  
 एवं एया योग्यतिरै य १ अर्थं जीवावर्त सया समिधं पात्रे कम्मे कज्जइ एवं एया-  
 योग्यतिरै य १ अर्थं जीवा सया समिधं मोहनिजै पात्रे कम्मे कज्जइ एवं एया योग्य-  
 तिरे य १ न एवं मूर्तं वा अर्थं वा अस्तिस्व वा लं जीवा अजीवा अस्तिस्वति  
 अजीवा वा जीवा अस्तिस्वति एवं एया योग्यतिरै य ४ न एवं मूर्तं १ न तदा  
 प्राणा बोधिविस्तति वाचरा पाया बोधिविस्तति तदा पाया अस्तिस्वति वा एवं पि  
 एया योग्यतिरै य ५ न एवं मूर्तं वा १ न अनेगे अनेगे अस्तिस्व अनेगे वा अनेगे  
 अस्तिस्व एवं एया योग्यतिरै य ६ न एवं मूर्तं वा १ न अनेगे अनेगे अस्तिस्व  
 अनेगे वा अनेगे अस्तिस्व एवं एया योग्यतिरै य ७ वाच ताव अनेगे ताव ताव  
 जीवा वाच ताव जीवा ताव ताव अनेगे एवं एया योग्यतिरै य ८ वाच ताव जीवाव  
 न योग्यताव न यदपरिवाए ताव ताव अनेगे वाच ताव अनेगे ताव ताव जीवाव न  
 योग्यताव न यदपरिवाए एवं एया योग्यतिरै य ९ सम्यक् सि न योग्यतत्त अक-  
 त्तपुत्रा योग्यताव अकतत्ताए अकति अर्थं जीवा न योग्यताव न लो संभारति बहिमा  
 योग्यता योग्यताए एवं एया योग्यतिरै य १० ॥ इतिहादे हरे य तं  
 जीवादि विविधे अर्थे निधि अजगिह इव; यदे अस्ते पुहते न अकम्पे विवि-  
 त्तिस्वरे ॥ १३१ ॥ इति इतिस्वातीता य तं वेत्तेन सि एने सदाई अतिष्ठ  
 सम्येन सि एने सदाई अतिष्ठ अर्थेन सि एने सदाई पतिष्ठ सम्येन सि एने सदाई  
 पतिष्ठ एवं मथाई सदाई अथाई वाच सम्येन सि एने अथाई पतिष्ठमिहैत्त  
 ॥ १३२ ॥ इति इतिस्वा अकतत्ता य तं—वेत्तेन सि एने सदाई अतिष्ठ सम्येन  
 सि एने सदाई अनेति, एवं वाच अथाई, इति इतिस्वा अथापवा य तं—वेत्तेन  
 सि एने सदाई अतिष्ठति सम्येन सि एने सदाई अतिष्ठति एवं वाच सम्येन सि  
 एने अथाई पतिष्ठमिहैत्त ॥ १३४ ॥ इतिहादे अनेति अनेति योग्यते अनेति  
 तं—वाचरिजमान वा अनेति परिष्कारिजमान वा अनेति उत्तरिजमाने वा  
 अनेति निस्ततिजमाने वा अनेति वेदजमाने वा अनेति निजरिजमाने वा

आह्लात्तमिणं वा जाय हरियन्मोयणं वा पठित्सेहिस्मइ, से जहाणामए अज्जो । मए समणाण निग्गधाण पंचमहज्जइए मपडिपणणे अनेलए धम्मो प० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाण निग्गधाण पंचमहज्जइए जाय अनेत्तम धम्मो पयावेहिती, से जहाणामए अज्जो । मए पंचाणुज्जइए मत्तसिन्हाइए ज्वालन्महिदे तावगाम्मे प० एवामेव महापउमेवि अरहा पंचाणुज्जइए जाय सावगाम्मा पयावेस्सइ, से जहाणामए अज्जो । मए समणाणं निग्गधाणं सेन्नायरपिंडे वा रायपिंडे वा पठि सिद्धे एवामेव महापउमेवि अरहा समणाण निग्गधाण सेन्नायरपिंडे वा जाय पठित्सेहिस्मइ, से जहाणामए अज्जो । मम णव गणा इमारस गणहरा, एवामेव महापउमस्स मि अरहओ णव गणा इमारस गणहरा भविस्सति । से जहाणामए अज्जो । अह तीउ वासाइ अगारवासमज्जे वसित्ता मुटे भाविता जाय पव्वइए दुपा लस सवच्छगइ तेरस पक्का छउमत्थपरियाग पाउणिता तेरसहि पक्केहि कागाइ तीस वासाइ केवलपरियाग पाउणिता वायालीस वासाइ सामणपरियाग पाउणिता वावत्तरे वासाइ सन्वाउय पालइत्ता सिज्जिस्स जाय सव्वदुग्गाणमत करेस्स, एवामेव महापउमेवि अरहा तीस वासाइ अगारवासमज्जे वसित्ता जाय पव्विइति दुपालस सवच्छराइ जाय वावत्तरियासाइ सन्वाउय पालइत्ता सिज्जिहिती जाय सव्वदुग्गाणमत काहिती, "जलीलसमायारो अरहा तित्थफरो महावीरो, तस्सीलसमायारो होइ उ अरहा महापउमे ॥ ९१६ ॥ महापउमचरिअ समत्त ॥

णव गणत्ता चदस्स पच्छभागा प० त० अभिइ सवणो धणिट्ठा रेवइ अस्सिणि मग्गसिर पूसो, हत्थो चित्ता य तहा पच्छभागा णव हवति ॥ ९१७ ॥ आणयपाणयआरणुएसु कप्पेसु विमाणा णव जोगणसयाइ उगु उचत्तेण प० ॥ ९१८ ॥ विमल्वाहणे ण कुलगरे णव धणुसयाइ उगु उचत्तेण होत्था ॥ ९१९ ॥ उसभे ण अरहा कोसलिए णं इमीसे ओसप्पिणीए णवहिं सागरोवमस्सेउकोडीहिं विइक्कताहिं तित्थे पवत्तिए ॥ ९२० ॥ घणदतलठ्ठदतगूदतसुद्धदतवीवा ण वीवा णवणवजोगणसयाइ आयामविक्रमणेण प० ॥ ९२१ ॥ उक्कस्स ण महागहस्स णव वीहीओ प० तं०—हयवीही गयवीही णागवीही वसहवीही गोवीही उरगवीही अयवीही मियवीही वेसाणरवीही ॥ ९२२ ॥ नवविहे नोक्कायवेयणिज्जे कम्मे प० तं०—इत्थिवेए पुरिसवेए णुपुसगवेए हासे रइ अरइ भये सोगे दुगुठे ॥ ९२३ ॥ चउरिदियाणं णव जाइकुलकोडीजोणिपमुहसयसहस्सा प० ॥ ९२४ ॥ भुयगपरिसप्पयलयरपचिंदियतिरेक्खजोणियाण नवजाइकुलकोडीजोणिपमुहसयसहस्सा प० ॥ ९२५ ॥ जीवा णं णवठ्ठाणनिवत्तिए पोग्गळे पावक्कम्मत्ताए चिणिंसु वा ३ ॥ ९२६ ॥ पुढवि-





चलेज्जा, विउव्विज्जमाणे वा चलेज्जा, परियारिज्जमाणे वा चलेज्जा, जक्खाइठ्ठे वा चलेज्जा, वायपरिग्गहे वा चलेज्जा ॥ ९३५ ॥ दसहिं ठाणेहिं कोहुप्पत्ती सिया त० मणुजाइ मे सद्दफरिसरसरुवगधाइमवहरिंसु, अमणुजाइ मे सद्दफरिसरसरुवगंधाइ उवहरिंसु, मणुजाइ मे सद्दफरिसरसरुवगधाइ अवहरइ, अमणुजाइ मे सद्दफरिसजावगधाइ उवहरइ, मणुणाइ मे सद्द जाव अवहरिस्सइ, अमणुणाइ मे सद्द जाव उवहरिस्सइ, मणुणाइ मे सद्द जाव गधाइ अवहरिंसु वा अवहरइ अवहरिस्सइ, अमणुणाइ मे सद्द जाव उवहरिंसु वा उवहरइ उवहरिस्सइ, मणुणामणुणाइ सद्द जाव अवहरिंसु अवहरइ अवहरिस्सइ उवहरिंसु उवहरइ उवहरिस्सइ अहं च णं आयरियउवज्झायाण सम्म वट्टामि मम च ण आयरियउवज्झाया मिच्छ पडिवन्ना ॥ ९३६ ॥ दसविहे सजमे प० त० पुढविकाइयसजमे जाव वणस्सइकाइयसजमे वेइदियसजमे तेइदियसजमे चउरिंदियसजमे पचिंदियसजमे अजीवकायसजमे ॥ ९३७ ॥ दसविहे असजमे प० त० पुढविकाइयअसजमे, आउ० तेउ० वाउ० वणस्सइ० जाव अजीवकायअसजमे ॥ ९३८ ॥ दसविहे सवरे प० त०—सोइदियसवरे जाव फासिंदियसवरे मण० वय० काय० उवकरण० सूचीकुसग्गसवरे ॥ ९३९ ॥ दसविहे असवरे प० त०—सोइदियअसवरे, जाव सूचीकुसग्गअसवरे ॥ ९४० ॥ दसहिं ठाणेहिं अहमतीति थभिज्जा त०—जाइमएण वा कुलमएण वा जाव इस्सरियमएण वा णागसुवज्जा वा मे अतियं हव्वमागच्छति, पुरिसधम्माओ वा मे उत्तरिए अहोहिंए नाणदसणे समुप्पजे ॥ ९४१ ॥ दसविहा समाही प० त०—पाणाइवायचेरमणे, मुसा० अदिन्ना० मेहुण० परिग्गह० इरियासमिई भासा० एसणा० आयाण० उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिई ॥ ९४२ ॥ दसविहा असमाही प० त० पाणाइवाए जाव परिग्गहे, इरियाऽसमिई जाव उच्चार० ॥ ९४३ ॥ दसविहा पव्वज्जा प० त०—छदा रोसा परिजुजा सुविणा पडिस्सुआ चेव सारणिया रोगिणिया अणाढिया देवसन्नती वच्छाणुपधिया ॥ ९४४ ॥ दसविहे समणधम्मे प० त० खती मुत्ती अज्जे मइवे लाघवे सच्चे सजमे तवे चियाए वभचेरवासे ॥ ९४५ ॥ दसविहे वेयावच्चे प० त० आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे थेरवेयावच्चे तवस्सि० गिलाण० सेह० कुल० गण० सघवेयावच्चे साहम्मियवेयावच्चे ॥ ९४६ ॥ दसविहे जीवपरिणामे प० त० गइपरिणामे इदियपरिणामे कसग्गपरिणामे लेस्सा० जोग० उवओग० णाण० दसण० चरित्त० वेयपरिणामे ॥ ९४७ ॥ दसविहे अजीवपरिणामे प० त० वधगपरिणामे गइ० सठाण० मेद० वण्ण० रस० गंध० फास० अगुरुलहु० सद्दपरिणामे ॥ ९४८ ॥ दसविहे अतल्लिक्खिए असज्झाइए प० त०—



उन्वेहेणं प० मूले दसदसाइ ज्योणाई विक्खभेणं बहुमज्झदेसभाए एगपएसियाए  
 सेदीए दस ज्योणसयाई विक्खभेण प० उवरिं मुहमूले दसदसाइ ज्योणाइ विक्ख-  
 भेणं प० तेसि ण खुट्ठापायालाण कुट्ठा सव्ववइरामया सव्वत्य समा दस ज्योणाइ  
 वाहल्लेण प० ॥ ९६२ ॥ धायइसडगा णं मदरा दस ज्योणसयाइ उन्वेहेणं धर-  
 णितले देसूणाइ दस ज्योणसहस्ताइ विक्खभेण उवरिं दस ज्योणसयाई विक्ख-  
 भेण प० ॥ ९६३ ॥ पुक्खरवरवीवद्धगा ण मदरा दस ज्योण एवं चेव  
 ॥ ९६४ ॥ सव्वेवि ण वट्टवेयद्वपव्वया दसज्योणसयाई उट्ठ उच्चत्तेण दस गाउ  
 यसयाई उन्वेहेणं सव्वत्यसमा पल्लगसठाणसठिया दसज्योणसयाइ विक्खभेणं प०  
 ॥ ९६५ ॥ जवुहीवे धीवे दस खेत्ता प० त० भरहे एरवए हेमवए हेरत्तवए  
 हरिवस्से रम्मगवस्से पुव्वविदेहे अवरविदेहे देवकुरा उत्तरकुरा ॥ ९६६ ॥  
 माणुसुत्तरे ण पव्वए मूले दस वावीसे ज्योणसए विक्खभेण प० ॥ ९६७ ॥  
 सव्वेवि ण अजणगपव्वया दस ज्योणसयाई उन्वेहेणं मूले दस ज्योण  
 सहस्ताइ विक्खभेणं उवरिं दस ज्योणसयाई विक्खभेण प० ॥ ९६८ ॥ सव्वेवि  
 ण दहिमुहपव्वया दस ज्योणसयाई उन्वेहेण सव्वत्यसमा पल्लगसठाणसठिया  
 दस ज्योणसहस्ताइ विक्खभेणं प० ॥ ९६९ ॥ सव्वेवि ण रइकरयपव्वया  
 दस ज्योणसयाइ उट्ठ उच्चत्तेण दस गाउयसयाइ उन्वेहेण सव्वत्यसमा झल्लरिसठाण-  
 सठिया दस ज्योणसहस्ताइ विक्खभेण प० ॥ ९७० ॥ रुयगवरे ण पव्वए दस  
 ज्योणसयाई उन्वेहेणं, मूले दस ज्योणसहस्ताइ विक्खभेण उवरिं दस ज्योण-  
 सयाई विक्खभेणं प० एवं कुंडलवरेवि ॥ ९७१ ॥ दसविहे दवियाणुओगे प० तं०  
 दवियाणुओगे माउयाणुओगे एगट्ठियाणुओगे करणाणुओगे अप्पियणप्पिए भाविया-  
 भाविए बाहिराबाहिरे सासयासासए तहणाणे अतहणाणे ॥ ९७२ ॥ चमरस्स णं  
 असुरिंदस्स असुरकुमाररत्तो तिगिच्छिक्खे उप्पायपव्वए मूले दसवावीसे ज्योणसए  
 विक्खभेणं प० ॥ ९७३ ॥ चमरस्स ण असुरिंदस्स असुरकुमाररत्तो सोमस्स महा-  
 रत्तो सोमप्पमे उप्पायपव्वए दस ज्योणसयाई उट्ठ उच्चत्तेण दस गाउयसयाई  
 उन्वेहेण मूले दस ज्योणसयाई विक्खभेणं प० ॥ ९७४ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स  
 असुरकुमाररणो जमस्स महारत्तो जमप्पमे उप्पायपव्वए एवं चेव, एवं वरुणस्सवि  
 एवं वैसमणस्स वि ॥ ९७५ ॥ वलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरत्तो रुयगिंदे  
 उप्पायपव्वए मूले दसवावीसे ज्योणसए विक्खभेणं प० ॥ ९७६ ॥ वलिस्स णं  
 वइरोयणिंदस्स सोमस्स एवं चेव, जहा चमरस्स लोगपालाणं तं चेव वलिस्स वि  
 ॥ ९७७ ॥ धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररत्तो धरणप्पमे उप्पायपव्वए



प्पहीणे ॥ ९९५ ॥ णमी ण अरहा दस वाससहस्साई सन्वाउय पालइत्ता सिद्धे जाव  
 प्पहीणे ॥ ९९६ ॥ पुरिससीहे ण वासुदेवे दसवाससयसहस्साई सन्वाउय पालइत्ता  
 छट्ठीए तमाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ ९९७ ॥ णमी ण अरहा दस धण्डू  
 उच्चं उच्चतेण दस य वाससयाइ सन्वाउय पालइत्ता सिद्धे जावप्पहीणे ॥ ९९८ ॥  
 कण्हे ण वासुदेवे दस धण्डू उच्च उच्चतेण दसवाससयाइ सन्वाउय पालइत्ता तच्चाए  
 वालुयप्पमाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ ९९९ ॥ दसविहा भवणवासी देवा  
 प० त०-असुरकुमारा जाव यणियकुमारा ॥ १००० ॥ एएत्ति ण दसविहाण  
 भवणवासीणं देवाण दस रुक्खा प० त०-आसत्थ सत्तिवण्णे सामलि उंबर  
 सिरीस दहिवन्ने, वजुल पलास वप्पे तए य कणियारुक्खे ॥ १००१ ॥ दसविहे  
 सोक्खे प० त०-आरोग्ग वीहमाउं अञ्जेज्ज काम भोग सतोसे, अत्थि सुहमोग  
 निक्खम्ममेव तत्तो अणावाहे ॥ १००२ ॥ दसविहे उवघाए प० त०-उग्गमोवघाए  
 उप्पायणोवघाए जह पचमे ठाणे जाव परिहरणोवघाए णाणोवघाए दसणोवघाए  
 चरित्तोवघाए अचियत्तोवघाए सारक्खणोवघाए ॥ १००३ ॥ दसविहा विसोही प०  
 त०-उग्गमविसोही उप्पायणविसोही जाव सारक्खणविसोही ॥ १००४ ॥ दसविहे  
 संकिलेसे प० त०-उवहिसंकिलेसे उवस्सयसंकिलेसे कसायसंकिलेसे भत्ता  
 पाणसंकिलेसे मणसंकिलेसे वइसंकिलेसे कायसंकिलेसे णाणसंकिलेसे दसणसंकिलेसे  
 चरित्तसंकिलेसे ॥ १००५ ॥ दसविहे असंकिलेसे प० त० उवहिअसंकिलेसे जाव  
 चरित्तअसंकिलेसे ॥ १००६ ॥ दसविहे बळे प० त०-सोइदियवळे जाव फासिदि-  
 यवळे णाणबळे दसणबळे चरित्तबळे तववळे वीरियवळे ॥ १००७ ॥ दसविहे सन्ने  
 प० त०-जणवय सम्मय ठवणा नामे रुवे पडुच्चसन्ने य, ववहार भाव जोगे दसमे  
 ओवम्मसन्ने य ॥ १००८ ॥ दसविहे मोसे प० त०-कोहे माणे माया लोभे पिज्जे  
 तहेव दोसे य, हास भए अक्खाइय उवघायनिस्सिए दसमे ॥ १००९ ॥ दसविहे  
 सञ्चामोसे प० त० उप्पन्नमीसए विगयमीसए उप्पन्नविगयमीसए जीवमीसए अजी-  
 वमीसए जीवाजीवमीसए अणतमीसए परित्तमीसए अद्धामीसए अद्धदामीसए  
 ॥ १०१० ॥ दिट्ठिवायस्स णं दस नामधेज्जा प० त० दिट्ठिवाएइ वा हेउवाएइ वा  
 भूयवाएइ वा तच्चावाएइ वा सम्मावाएइ वा धम्मावाएइ वा भासाविजएइ वा पुब्ब-  
 गएइ वा अणुजोगएइ वा सव्वपाणभूयजीवसत्तासुहावहेइ वा ॥ १०११ ॥ दसविहे  
 सत्थे प० त०-सत्यमग्गी विसं लोणं सिणेहो खार मबिलं, दुप्पउत्तो मणो वाया काया  
 भावो य अविरइं ॥ १०१२ ॥ दसविहे दोसे प० त०-तज्जायदोसे मइसगदोसे  
 पसत्थारदोसे परिहरणदोसे, सलक्खण कारण हेउदोसे संकामणं निग्गह वत्थुदोसे



प्पहीणे ॥ ९९५ ॥ णंमी ण अरहा दस वाससहस्साई सव्वाउय पालइत्ता सिद्धे जाव  
 प्पहीणे ॥ ९९६ ॥ पुरिससीहे ण वासुदेवे दसवाससयसहस्साई सव्वाउय पालइत्ता  
 छट्ठीए तमाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ ९९७ ॥ णेमी णं अरहा दस घणूई  
 उच्चं उच्चतेण दस य वाससयाई सव्वाउय पालइत्ता सिद्धे जावप्पहीणे ॥ ९९८ ॥  
 कण्हे ण वासुदेवे दस घणूई उच्च उच्चतेण दसवाससयाई सव्वाउय पालइत्ता तच्चाए  
 वालुयप्पमाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ ९९९ ॥ दसविहा भवणवासी देवा  
 प० त०—असुरकुमारा जाव थणियकुमारा ॥ १००० ॥ एएसि ण दसविहाणं  
 भवणवासीणं देवाणं दस रुक्खा प० त०—आसत्थ सत्तिवण्णे, सामलि उंबर  
 सिरीस दहिवन्ने, वजुल पलास वप्पे तए य कणियारक्खे ॥ १००१ ॥ दसविहे  
 सोक्खे प० त०—आरोग वीहमाउं अच्चेज काम भोग सतोसे, अत्थि सुहमोग  
 निक्खम्ममेव तत्तो अणावाहे ॥ १००२ ॥ दसविहे उवघाए प० त०—उग्गमोवघाए  
 उप्पायणोवघाए जह पंचमे ठाणे जाव परिहरणोवघाए णाणोवघाए दसणोवघाए  
 चरित्तोवघाए अचियत्तोवघाए सारक्खणोवघाए ॥ १००३ ॥ दसविहा विसोही प०  
 तं०—उग्गमविसोही उप्पायणविसोही जाव सारक्खणविसोही ॥ १००४ ॥ दसविहे  
 संकिलेसे प० त०—उवहिसंकिलेसे उवस्सयसंकिलेसे कसायसंकिलेसे भत्ता  
 पाणसंकिलेसे मणसंकिलेसे वइसंकिलेसे कायसंकिलेसे णाणसंकिलेसे दंसणसंकिलेसे  
 चरित्तसंकिलेसे ॥ १००५ ॥ दसविहे असंकिलेसे प० तं० उवहिसंकिलेसे जाव  
 चरित्तसंकिलेसे ॥ १००६ ॥ दसविहे बले प० त०—सोईदियवले जाव फासिदि-  
 यवले णाणबले दसणबले चरित्तबले तववले वीरियवले ॥ १००७ ॥ दसविहे सब्बे  
 प० तं०—जणवय सम्मय ठवणा नामे रुवे पडुक्खसब्बे य, ववहार भाव जोगे दसमे  
 ओवम्मसब्बे य ॥ १००८ ॥ दसविहे मोसे प० त०—कोहे माणे माया लोभे पिजे  
 तहेव दोसे य, हास भए अक्खाइय उवघायनिस्सिए दसमे ॥ १००९ ॥ दसविहे  
 सच्चा मोसे प० त० उप्पजमीसए विगयमीसए उप्पजविगयमीसए जीवमीसए अजी-  
 वमीसए जीवाजीवमीसए अणतमीसए परित्तमीसए अद्धामीसए अद्धद्वामीसए  
 ॥ १०१० ॥ दिठ्ठिवायस्स णं दस नामघेज्जा प० तं० दिठ्ठिवाएइ वा हेउवाएइ वा  
 भूयवाएइ वा तच्चावाएइ वा सम्मावाएइ वा धम्मावाएइ वा भासाविजएइ वा पुक्क-  
 गएइ वा अणुजोगगएइ वा सव्वपाणभूयजीवसत्तसुहावहेइ वा ॥ १०११ ॥ दसविहे  
 सत्थे प० त०—सत्थमग्गी विसं लोण सिणेहो खार मविलं, दुप्पउत्तो मणो वाया काया  
 भावो य अविरई ॥ १०१२ ॥ दसविहे दोसे प० तं०—तज्जायदोसे मइसगदोसे  
 पसत्थारदोसे परिहरणदोसे, सलक्खण कारण हेउदोसे संकामणं निग्गह वल्लुदोसे





महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २ जणं समणे भगवं महावीरे एग महं वित्त-  
 विचित्तपक्खग जाव पडिबुद्धे तं ण समणे भगवं महावीरे ससमयपरसमइय वित्त-  
 विचित्त दुवालसगं गणिपिडग आघवेइ पण्णवेइ पखुवेइ दंसेइ निदंसेइ उवदंसेइ  
 तं० आयारं जाव दिठ्ठिवायं ३ जण्ण समणे भगवं महावीरे एग महं दामदुगं  
 सव्वरयणा जाव पडिबुद्धे तं ण समणे भगव महावीरे दुविह धम्म पण्णवेइ, तं०-  
 अगारधम्मं च अणगारधम्मं च ४ जं णं समणे भगव महावीरे एग महं सेमं  
 गोवगं सुमिणे जाव पडिबुद्धे तं ण समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्वण्णाइण्णे  
 सघे तं०-समणा समणीओ सावगा सावियाओ ५ जणं समणे भगव महावीरे  
 एग महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगव महावीरे चउव्विहे देवे पण्ण-  
 वेइ, तं० भवणवासी वाणमतारा जोइसवासी वेमाणवासी ६ जणं समणे भगवं  
 महावीरे एग महं उम्मीवीची जाव पडिबुद्धे तं णं समणेणं भगवया महावीरेणं  
 अणाईए अणवदग्गे धीहमद्धे चाउरंतससारकतारे तिन्ने ७ जण्ण समणे भगवं  
 महावीरे एग महं दिणकरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स  
 अणते अणुत्तरे जाव समुप्पजे ८ जणं समणे भगव महावीरे एगं महं हरिवे-  
 रुलिय जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सदेवमणुयासुरे लोणे  
 उराला कित्तिवन्नसइसिलोगा परिगुव्वति इति खल्ल समणे भगवं महावीरे इइ० ९  
 जणं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मदरचूलियाए उवरिं जाव पडिबुद्धे तं  
 णं समणे भगव महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलपन्नतं धम्मं  
 आघवेइ पण्णवेइ जाव उवदसेइ १० ॥ १०२२ ॥ दसविहे सरागसम्मइसणे प०  
 तं०-निसग्गुवएसरई आणरई सुत्तवीयरइमेव, अभिगम वित्थाररई किरिया सखेव  
 धम्मरई ॥ १०२३ ॥ दससण्णाओ प० तं०-आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा  
 परिग्गहसण्णा कोहसण्णा माणसण्णा मायासण्णा लोहसण्णा लोगसण्णा ओहसण्णा  
 नेरइयारं दस सण्णाओ एवं चेव एवं निरंतरं जाव वेमाणिआण २४ ॥ १०२४ ॥  
 नेरइया णं दसविहं वेयण पच्चणुभवमाणा विहरंति तं० सीय उसिणं ख्हं पिवासं कंई  
 परज्झं मयं सोग जरं वारिं ॥ १०२५ ॥ दस ठाणाई छउमत्थे ण सव्वभावेणं न  
 जाणइ ण पासइ तं०-धम्मत्थिगायं जाव वायं अयं जिणे भविस्सइ वा ण वा भवि-  
 स्सइ अयं सव्वदुक्खाणमंत करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ एयाणि चेव उप्पण्णाण-  
 दंसेणघरे अरहा जाणइ पासइ जाव अयं सव्वदुक्खाणमंत करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ  
 ॥ १०२६ ॥ दस दसाओ प० तं०-धम्मविवागदसाओ, उवासगदसाओ, अतगड-  
 साओ, अणुत्तरोववायदसाओ, आयारदसाओ, पण्हावानारणदसाओ, बंधदसाओ,



महावीरे मुष्णज्ज्ञाणोवगए विहरइ २ जणं समणे भगवं महावीरे एगं महं वि-  
विचित्तपक्काण जाव पडियुद्धे तं ण समणे भगव महावीरे गसमयपरममदयं वि-  
विचित्त दुवालसगं गणिपिटगं आघवेइ पण्णवेइ परूवेइ दंसेइ निरंसेइ उवदसेइ  
तं० आयार जाव विट्ठियारं ३ जण समणे भगवं महावीरे एग महं दामदुग  
सव्वरयणा जाव पडियुद्धे तं ण समणे भगव महावीरे दुविहं धम्म पण्णवेइ, तं०-  
अगारधम्मं च अणगारधम्मं च ४ जं णं समणे भगव महावीरे एग महं सेवं  
गोवग्ग नुमिणे जाव पडियुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्यण्णाइमे  
सधे तं०-समणा समणीओ सावगा सावियाओ ५ जण समणे भगवं महावीरे  
एग महं पउमसरं जाव पडियुद्धे तं ण समणे भगव महावीरे चउव्विहे देवे पण्ण-  
वेइ, तं० भवणवासी घाणमतारा जोइसवासी चेमाणवासी ६ जणं समणे भगवं  
महावीरे एग महं उम्मीवीची जाव पडियुद्धे तं ण समणेणं भगवया महावीरेणं  
अणाईए अणवदगे धीहमद्धे चाउरंतससारकतारे तिजे ७ जण समणे भगवं  
महावीरे एग मह दिणकर जाव पडियुद्धे तं ण समणस्स भगवओ महावीरस्स  
अणते अणुत्तरे जाव समुप्पजे ८ जणं समणे भगवं महावीरे एगं मह हरिवे-  
रुलिय जाव पडियुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सदेवमणुयासुरे लोणे  
उराला कित्तिवत्तसइसिलोगा परिगुव्वति इति खलु समणे भगव महावीरे इइ० ९  
जण समणे भगव महावीरे मदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं जाव पडियुद्धे तं  
णं समणे भगव महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलपन्नत्त धम्म  
आघवेइ पण्णवेइ जाव उवदसेइ १० ॥ १०२२ ॥ दसविहे सरागसम्मइसणे १०  
तं०-निसग्गुवएसइ आणइ सुत्तवीयरइमेव, अभिगम वित्थारइ किरिया सखेव  
धम्मइ ॥ १०२३ ॥ दससण्णाओ १० तं०-आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा  
परिग्गहसण्णा कोहसण्णा माणसण्णा मायासण्णा लोहसण्णा लोगसण्णा ओहसण्णा  
नेरइयाण दस सण्णाओ एवं चेव एव निरंतरं जाव वेमाणियाणं २४ ॥ १०२४ ॥  
नेरइया णं दसविहं वेयण पच्चणुभवमाणा विहरंति तं० सीय उसिण खुहं पिवास कइ  
परज्झं मयं सोग ज्जरं वार्हि ॥ १०२५ ॥ दस ठाणाई छउमत्थे णं सव्वभावेण न  
जाणइ ण पासइ तं०-धम्मत्थिगारं जाव वाय अय जिणे भविस्सइ वा ण वा भवि-  
स्सइ अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ एयाणि चेव उप्पण्णाण-  
दसेणधरे अरहा जाणइ पासइ जाव अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ  
॥ १०२६ ॥ दस दसाओ १० तं०-कम्मविवागदसाओ, उवासगदसाओ, अतगइद-  
साओ, अणुत्तरोववायदसाओ, आयारदसाओ, पण्हावागारणदसाओ, बंधदसाओ,



ठिई प० ॥ १०४१ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुडवीए उओसेण नेरइयाणं दस  
 सागरोवमाइ ठिई प० ॥ १०४२ ॥ पचमाए ण धूमप्पभाए पुडवीए जहन्नेणं  
 नेरइयाण दस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ १०४३ ॥ असुरकुमाराण जहन्नेण दस-  
 वाससहस्साइं ठिई प० ॥ १०४४ ॥ एवं जाव धणियकुमाराण वायरवणस्मदं  
 याण उओसेण दसवाससहस्साइं ठिई प० ॥ १०४५ ॥ वाणमताराण देवानं  
 जहण्णेण दस वाससहस्साइं ठिई प० ॥ १०४६ ॥ वनलोए रूपे देवानं उओसेणं  
 दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १०४७ ॥ लतए कप्पे देवानं जहण्णेण दस सागरोवमाइं  
 ठिई प० ॥ १०४८ ॥ दसहिं ठाणेहिं जीया आगमेत्तिभइत्ताए कम्म पगरति तं-  
 अणिदाणयाए, दिट्ठिसपन्नयाए, जोगवाहियत्ताए, सतिसमणयाए, जिईदिययाए, अमा-  
 इइयाए, अपासत्थयाए, सुरामण्णयाए, पवयणवच्छत्थयाए, पवयणउब्भावणयाए  
 ॥ १०४९ ॥ दसविहे आससप्पओगे प० तं-इहलोगाससप्पओगे, परलोगासस-  
 प्पओगे, दुहओलोगाससप्पओगे, जीवियाससप्पओगे, मरणाससप्पओगे, कामासस-  
 प्पओगे, भोगाससप्पओगे, लाभससप्पओगे, पूयाससप्पओगे, सङ्काराससप्पओगे  
 ॥ १०५० ॥ दसविहे धम्मे प० तं-गामधम्मे, नगरधम्मे, रठुधम्मे, पासड-  
 धम्मे, कुलधम्मे, गणधम्मे, सघधम्मे, नुयधम्मे, चरित्तधम्मे, अत्थिकायधम्मे  
 ॥ १०५१ ॥ दसधेरा प० तं गामधेरा, नगरधेरा, रठुधेरा, पसत्थारधेरा, कुलधेरा,  
 गणधेरा, सघधेरा, जाइधेरा, सुअधेरा, परियायधेरा ॥ १०५२ ॥ दसपुत्ता प०  
 तं-अत्तए खेत्तए दिज्जए विज्जए उरसे मोहरे सोंढीरे सवुद्धे उवयाइए धम्मतेवासी  
 ॥ १०५३ ॥ केवलस्स ण दस अणुत्तरा प० तं अणुत्तरे णाणे अणुत्तरे दसणे  
 अणुत्तरे चरित्ते अणुत्तरे तवे अणुत्तरे वीरिए अणुत्तरा खती अणुत्तरा मुत्ती अणुत्तरे  
 अज्जवे अणुत्तरे महवे अणुत्तरे लाघवे ॥ १०५४ ॥ समयखेत्ते ण दस कुराओ प०  
 तं-पच देवकुराओ पंच उत्तरकुराओ तत्थ ण दस महइमहालया महाडुमा प०  
 तं-जबू सुदसणा धायइस्सखे महाधायइस्सखे पउमस्सखे महापउमस्सखे पंच  
 कूडसामलीओ तत्थ णं दस देवा महिद्धिया जाव परिवसति तं अणाढिए जवुही-  
 वाहिवई सुदसणे पियदंसणे पोंडरीए महापोंडरीए पच गरुला वेणुदेवा ॥ १०५५ ॥  
 दसहिं ठाणेहिं ओगाळ हुस्सम जाणेज्जा तं-अकाले वरिसइ काले ण वरिसइ  
 २ पूइज्जति साहू ण पूइज्जति गुरुसु जणो मिच्छ पडिबन्नो अमणुण्णा सहा जाव  
 ॥ १०५६ ॥ दसहिं ठाणेहिं ओगाळ सुसमं जाणेज्जा तं-अकाले न वरिसइ  
 विवरियं जाव मणुण्णा फासा ॥ १०५७ ॥ सुसमसुसमाए ण  
 उवभोगत्ताए

इस ब्रह्मका नामस्य विदित्वा प तं मित्तिरामस्य पुस्तके विविध पुष्पाई  
 मूकमस्तेसा, इत्यो विज्ञ न तद्वा इस विदित्वाई नामस्य ॥ १ ८३ ॥ ब्रह्मपुन-  
 नम्यरपेविदित्वादिरेकत्रयोमियार्त्त इत्त आह्वय्यकोटिजोमिप्सुहसवसहस्ता प  
 उरपरिसप्पकन्यरपेविदित्वादिरेकत्रयोमियार्त्त इस आह्वय्यकोटिजोमिप्सुहसव-  
 सहस्ता प ॥ १ ८४ ॥ श्रीवा नं इसतनमिष्वातिवा येम्यके पात्रकम्मताप  
 विविध वा ३ तंवाह-पुन्यसमवर्णमिदित्वादिरेकत्रयोमिप्सु आह्वय्यकोटिजोमिप्सुहसव-  
 सहा अर्चता प ॥ १ ८५ ॥ इसपदुक्तिवा  
 अर्चता अर्चता प ॥ १ ८६ ॥ इसपदुक्तिवा येम्यक्य अर्चता प ॥ १ ८७ ॥  
 इससमवर्णमिदित्वा येम्यक्य अर्चता प इसपुन्यक्यमा येम्यक्य अर्चता प  
 ॥ १ ८८ ॥ एवं ब्रह्मेति विदित्वा रवेति अर्चते इत्युक्त्या येम्यक्य अर्चता  
 प ॥ १ ८९ ॥ वृक्षमं ठाणं समत्तं ॥ वृक्षमं अर्चयन्तं समत्तं ॥  
 प्रपत्तिव्या ॥ ३० ॥

ठाणं समत्तं



तावेइ से तं २ तमेव सह तेयसा भास पुज्जा, केइ तहाखं समण वा माहण वा  
अयासाएज्जा, से य अयासाइए समाणे परिक्खिए देवे य परिक्खिए दुह्मो पडिण्णा  
तस्स तेयं निसिरेज्जा ते तं परितारित्ति ते तं परियायेत्ता तमेव सह तेयसा भास  
पुज्जा, केइ तहाखं समण माहण वा अयासाएज्जा से य अयासाइए परिक्खिए  
तस्स तेयं निसिरेज्जा तत्थ फोडा समुच्छति ते फोडा भिज्जति ते फोडा भिजा  
समाणा तामेव सह तेयसा भास पुज्जा, केइ तहाखं समण वा माहण वा अयासाएज्जा  
से य अयासाइए देवे परिक्खिए तस्स तेयं निसिरेज्जा, तत्थ फोडा समुच्छति ते  
फोडा भिज्जति, ते फोडा भिजा समाणा तमेव सह तेयसा भास पुज्जा, केइ  
तहाखं समण वा माहण वा अयासाएज्जा से य अयासाइए परिक्खिए देवे य परि-  
क्खिए ते दुह्मो पडिण्णा ते तस्स तेयं निसिरेज्जा, तत्थ फोडा समुच्छति, सेस  
तहेव जाव भास पुज्जा, केइ तहाखं समण वा माहण वा अयासाएज्जा, से य  
अयासाइए परिक्खिए तस्स तेयं निसिरेज्जा, तत्थ फोडा समुच्छति ते फोडा  
भिज्जति तत्थ पुला समुच्छति ते पुला भिज्जति, ते पुला भिजा समाणा तामेव  
सह तेयसा भास पुज्जा, एए तिन्नि आलावगा भाणियव्वा केइ तहाखं समण वा  
माहण वा अयासाएमाणे तेयं निसिरेज्जा से य तत्थ णो कम्मइ णो पक्कम्मइ अचिये  
अचिय करेइ करेत्ता आयाहिणपयाहिणं करेइ २ ता उन्नु वेहास उप्पयइ २ से णं  
तओ पडिहए पडिणियत्तइ २ ता तमेव सरीरगमणुदहमाणे २ सह तेयसा भास  
पुज्जा जहा वा गोसालस्स मल्लिपुत्तस्स तवतेए ॥ १०७३ ॥ दस अच्छेरागा  
प० त०-उवसग्ग गम्भहरण इत्थीतित्थं अभाविआ परिसा, कण्हस्स अवरकका  
उत्तरण चदसुराणं ( १ ) हरिवसकुलुप्पत्ती चमरुप्पाओ य अट्ठसयत्तिद्धा, असजएत्त  
पूआ दसवि अणतेण कालेण २ ॥ १०७४ ॥ इमीत्ते ण रयणप्पभाए पुढवीए रयणे  
कडे दसजोयणसयाइ वाहलेण प० ॥ १०७५ ॥ इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए वयर  
कडे दस जोयणसयाइ वाहलेण प० एवं वेरलिए लोहितक्खे मसारगळे हसगम्भे  
पुलए सोगधिए जोइरसे अजणे अजणपुलए रयए जायखे अके फलिहे रिठ्ठे जहा  
रयणे तहा सोलसविहा भाणियव्वा ॥ १०७६ ॥ सव्वेवि णं वीवसमुद्धा दसजोयण-  
सयाइ उव्वेहेण प० ॥ १०७७ ॥ सव्वेवि ण महादहा दस जोयणाइ उव्वेहेणं  
प० ॥ १०७८ ॥ सव्वेवि णं सलिलकुंडा दसजोयणाइ उव्वेहेण प० ॥ १०७९ ॥  
सीआसीओया ण महानईओ मुहमूले दस दस जोयणाइ उव्वेहेणं प० ॥ १०८० ॥  
फत्तियाणक्खत्ते सव्ववाहिराओ मडलाओ दसमे मंडले चारं चरइ ॥ १०८१ ॥  
अणुराहा णक्खत्ते सव्ववर्मतराओ मडलाओ दसमे मंडले चारं चरइ ॥ १०८२ ॥





णमोऽत्यु ण समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

## समवाए

सुयं मे आउस । तेणं भगवया एवमक्काय ॥ १ ॥ [ इह पल्लु समणेण भगवया महावीरेणं आइगरेण तित्थगरेण सयंसवुद्धेणं पुरिसुत्तमेण पुरिससीहेण पुरिसवरपुडरीएण पुरिसवरगधहत्थिणा लोगुत्तमेण लोगनाहेणं लोगहिएण लोगपदेवेणं लोगपज्जोअगरेण अभयदएण चम्पुदएण मग्गदएण सरणदएण जीवदएण धम्मदएण धम्मदेसएणं धम्मनायगेण धम्मसारहिणा धम्मवरचाउरंतचक्खट्टिणा अप्पट्ठिहयवरनाणदसणधरेण वियट्ठउमेण जिणेण जावएण तिणेण तारएण बुद्धेण वोहएणं मुत्तेण मोयगेण सव्वन्नुणा सव्वदरिसिणा सिवमयलमस्यमणतमस्ययमव्वावाइमपुणरावित्तिसिद्धिगइनामधेय ठाण सपाविउक्कमेण इमे दुवालसगे गणिपिडगे पन्नत्ते, त जहा-आयारे १ स्यगडे २ ठाणे ३ समवाए ४ विवाहपन्नत्ती ५ नायाधम्मकहाओ ६ उवासगदसाओ ७ अतगडदसाओ ८ अणुत्तरोववाइयदसाओ ९ पण्हावागरण १० विवागसुए ११ दिट्ठिवाए १२ ॥ २ ॥ तत्थ ण जे से चउत्थे अगे समवाए त्ति आहिते तस्स ण अयमट्ठे पन्नत्ते-त जहा ] एगे आया, एगे अणाया, एगे दडे, एगे अदडे, एगा फिरिआ, एगा अफिरिआ, एगे लोए, एगे अलोए, एगे धम्मे, एगे अधम्मे, एगे पुण्णे, एगे पावे, एगे वधे, एगे मोक्खे, एगे आसवे, एगे सवरे, एगा वेयणा, एगा णिज्जरा ॥ ३ ॥ जवुहीवे दीवे एग जोयणसयसहस्स आया-मविक्खमेण पण्णत्ते । अप्पइट्ठाणे नरए एग जोयणसयसहस्स आयामविक्खमेण पन्नत्ते । पालए जाणविमाणे एग जोयणसयसहस्स आयामविक्खमेण पन्नत्ते । सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे एग जोयणसयसहस्स आयामविक्खमेण पन्नत्ते । अहानक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते । चित्ताणक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते । सातिनक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते ॥४॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुठवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण एग पल्लिओवम ठिई पन्नत्ता । इमीसे णं रयणप्पहाए पुठवीए नेरइआण उक्कोसेण एग सागरोवम ठिई पन्नत्ता । दोच्चाए पुठवीए नेरइयाण जह्मणेण एग सागरोवम ठिई पन्नत्ता । असुरकुमारारणं देवारणं अत्थेगइयाण एग पल्लिओवम ठिई पन्नत्ता । असुरकुमारारणं देवारणं साहिय सागरोवम ठिई पन्नत्ता । असुरकुमारिंदवज्जियाण मोमिज्जाणं देवारणं अत्थेगइयाण एग पल्लिओवमं ठिई पन्नत्ता । असखिज्जवासाउयसण्णिपविंदियतिरिक्खजोणियाणं अत्थेगइयाण एगं पल्लिओवम ठिई पन्नत्ता । असंखिज्जवासाउयगव्वभवक्कतियसण्णिमणुयाण अत्थेगइयाण एग पल्लिओवम ठिई पन्नत्ता । वाणमतारणं



जीवा जे दोहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्सति ॥ ८ ॥ तओ दढा पन्नत्ता, त जहा-मणदढे, बइदढे, कायदढे । तओ गुत्तीओ पन्नत्ताओ, त जहा-मणगुत्ती, वयगुत्ती, कायगुत्ती । तओ सल्ला पन्नत्ता, त जहा-मायासल्ले ण, नियाणसल्ले ण, मिच्छादसणसल्ले णं । तओ गारवा पन्नत्ता, तं जहा-इद्धीगारवे ण, रसगारवे णं, सायागारवे ण । तओ विराहणा पन्नत्ता, त जहा-नाणविराहणा, दसणविराहणा, चरित्तविराहणा । भिगसिरक्खत्ते तितारे पन्नत्ते । पुस्सनक्खत्ते तितारे पन्नत्ते । जेट्टानक्खत्ते तितारे पन्नत्ते । अभीइनक्खत्ते तितारे पन्नत्ते । सवणनक्खत्ते तितारे पन्नत्ते । अस्सिणिनक्खत्ते तितारे पन्नत्ते । भरणीनक्खत्ते तितारे पन्नत्ते ॥ ९ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्येगइयाण नेरइयाण तिणि पलिओवमाइं ठिइं पन्नत्ता । दोच्चाए ण पुढवीए नेरइयाण उक्कोसेणं तिणि सागरोवमाइं ठिइं पन्नत्ता । तच्चाए ण पुढवीए नेरइयाण जहण्णेण तिणि सागरोवमाइं ठिइं पन्नत्ता । असुरकुमारारणं देवाण अत्येगइयाणं तिणि पलिओवमाइं ठिइं पन्नत्ता । असखिज्जवासाउयसज्जिपच्चिदियतिरिक्खजोणियाण उक्कोसेण तिणि पलिओवमाइं ठिइं पन्नत्ता । असखिज्जवासाउयसज्जिगन्धवक्कतियमणुस्साण उक्कोसेण तिणि पलिओवमाइं ठिइं पन्नत्ता । सोहम्मीसाणेसु अत्येगइयाणं देवाणं तिणि पलिओवमाइं ठिइं पन्नत्ता । सणकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्येगइयाणं देवाणं तिणि सागरोवमाइं ठिइं पन्नत्ता । जे देवा आभकरं पभकर आभकरपमंकरं चदं चदावत्तं चदप्पमं चदकंतं चदवण्णं चंदलेसं चदज्जयं चदसिगं चदसिट्ठं चदकूडं चदुत्तरवडिसणं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेण तिणि सागरोवमाइं ठिइं पन्नत्ता ॥ १० ॥ ते ण देवा तिण्ह अद्दमासाण आणमति वा पाणमंति वा ऊससति वा नीससंति वा । तेसि ण देवाणं तिहिं वाससहस्सेहिं आहारुद्धे सनुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्सति ॥ ११ ॥ चत्तारि कसाया पन्नत्ता, त जहा-कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए । चत्तारि ज्ञाणा पन्नत्ता, त जहा-अद्वज्जाणे रुद्धज्जाणे धम्मज्जाणे सुक्खज्जाणे । चत्तारि विगहाओ ५०, त जहा-इत्थिकहा भत्तकहा रायकहा देसकहा । चत्तारि सण्णा पन्नत्ता, तं जहा-आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा । चउव्विहे बधे पन्नत्ते, तं जहा-पगइवधे ठिइवधे अणुभाववधे पएसवधे, चउंगाउए जोयणे पन्नत्ते ॥ १२ ॥ अणुराहानक्खत्ते चउतारे पन्नत्ते । पुव्वासाढानक्खत्ते चउतारे पन्नत्ते । उत्तरासाढानक्खत्ते चउतारे पन्नत्ते ॥ १३ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्ये-

समये भगवन् महावीरे सप्त रत्नवीजो जगुं उच्यतेति होत्वा । इहेव जंबुदीपे वीजै  
सप्त वासवहरम्भवा पञ्चता तं जहा-पुण्ड्रिगमिति महादिग्मन्तं निवृत्ते वीजवर्ते  
रूपी सिद्धी मेवरे । इहेव जंबुदीपे वीजै सप्त वासा पञ्चता तं जहा-भरहे हेमवए  
हरिवासे महाविदेहे रम्भए पूरम्भवए एरवए । वीजयोर्हर्षं भववना मोहनिजक-  
जाओ सप्त कम्पम्भवीजो वैपु(व)ई ॥ १४ ॥ महान्तकवते सप्ततारे पञ्चते ।  
वृत्तिभाइमा सप्त नक्तवता पुम्भवारिमा प (अभिमाइमा सप्त नक्तवता)  
महाइमा सप्त नक्तवता शशिपचारिमा प । अतुराहता सप्त नक्तवता कवर  
वारिमा प । धमिड्डाइमा सप्त नक्तवता उत्तरवारिमा प ॥ १५ ॥ इमंति  
नं रत्नम्भमाए पुडवीए अत्तेगइवानं नंउवार्त्तं सप्त पञ्चिमेवमाई ठिई प ।  
तत्तप नं पुडवीए नंउवार्त्तं उज्जोसेनं सप्त सप्तरोवमाई ठिई प । अतलीए नं  
पुडवीए नंउवार्त्तं उज्जोसेनं सप्त सप्तरोवमाई ठिई प । अतुराहताए नं देवानं अत्ते-  
गइवानं सप्त पञ्चिमेवमाई ठिई प । उज्जोसीसावेठ कप्येठ अत्तेगइवानं देवानं  
सप्त पञ्चिमेवमाई ठिई प । उज्जोसुमारे कप्ये अत्तेगइवानं देवानं उज्जोसेनं सप्त  
सप्तरोवमाई ठिई प । माहिदे कप्ये देवानं उज्जोसेनं सप्तरोवमाई सप्त सप्तरो-  
वमाई ठिई प । वंनजोए कप्ये अत्तेगइवानं देवानं सप्त सप्तरोवमाई सप्त सप्तरो-  
वमाई ठिई प । जे देव सप्त सप्तपन्नं महापन्नं पञ्चास सप्तहं निम्बं कंचवट्टं सप्त-  
कुमारपञ्चिजनं निम्बं देवताए उच्यन्ता तेति नं देवानं उज्जोसेनं सप्त सप्तरोवमाई  
ठिई प ॥ १६ ॥ तं नं देवा सप्तहं अज्जमाताए अत्तमेति वा पावमेति वा  
अवसेति वा जीवसेति वा । तेति नं देवानं सप्तहं वासवइस्सेई आहारु सप्त  
पञ्चइ । वंतेपत्ता मणसिद्धिना जीवा जे नं सप्तहं भवम्भइवेई तिग्गिइस्सेति  
वाव धम्मसुक्कावर्षं करैस्सेति ॥ १७ ॥ अज्ज यक्कुवा पञ्चता तं जहा-वालि-  
मए कुम्भमए कम्भमए कम्भमए तवमए तवमए अमममए इस्सरिकमए । अज्ज पञ्चव-  
मावाओ प तं जहा-हरिवासमिई वासावमिई एसप्पसमिई वावावमंउमता-  
निजवेवसमिई तत्तपसप्तवज्जोवज्जसिवावपारिपुण्णमिवावसमिई मन्तुटी व-  
पुटी कम्भुटी । वावमेवपुनं देवानं अज्ज अज्जोवमाई उज्जो उच्यतेनं पञ्चता ।  
अज्ज नं उज्जोवमा अज्ज अज्जोवमाई उज्जो उच्यतेनं प । अज्जसप्तमो नं पञ्चवज्ज  
अज्ज अज्जोवमाई उज्जो उच्यतेनं पञ्चता । जंबुदीपसस नं जगई अज्ज अज्जोवमाई उज्जो उच-  
त्येनं पञ्चता । अज्जसप्तमइए केवलिपुमुग्गाए पञ्चते तं जहा-पन्नमे तवए रंइ करेउ,  
वीए तवमए क्वाइ करेउ, तवए तवमए रंइ करेउ, अज्जमे तवमए मंनंतराई पूरेउ,  
वेवमे तवमए मंनंतराई पञ्चिवाहउ, उज्जो तवमए मंनं पञ्चिवाहउ, सप्तमे तवमए क्वाइ

रवडिसग सूरं सुसूर सूरवत्त सूरप्पभं सूरकत्तं सूरवण्णं सूरलेस सूरज्जय सूरसिं  
 सूरसिद्ध सूरकूड सूरुत्तरवडिसग विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाणं उक्कोसेण  
 पंच सागरोवमाई ठिई पन्नत्ता ॥ १८ ॥ ते ण देवा पचण्ह अद्धमासाण आणमति  
 वा पाणमति वा ऊससति वा नीससति वा । तेसि णं देवाण पंचहिं वाससहस्सेहिं  
 आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे पचहिं भवग्गहणेहिं सिज्जि-  
 स्सति जाव अत करिस्सति ॥ १९ ॥ छ लेसाओ पण्णत्ता, तं जहा-कण्हलेसा नील-  
 लेसा काउलेसा तेउलेसा पण्हलेसा मुक्खलेसा । छ जीवनिक्काया पन्नत्ता, त जहा-  
 पुढविकाए आउकाए वेउकाए वाउकाए वणस्मइकाए तसकाए । छविहे वाहिरे  
 तवोक्कम्मे पन्नत्ते, त जहा-अणसणे ऊणोयरेया वित्तीसखेवो रमपरियाओ कायकि-  
 लेसो सलीणया । छविहे अग्गिभतरे तवोक्कम्मे पन्नत्ते, त जहा-पायच्छित्त विणजो  
 वेयावच सज्झाओ ज्ञाण उस्सग्गो । छ छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता, त जहा-  
 वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतिअसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेयसमु-  
 ग्घाए आहारसमुग्घाए । छविहे अत्युग्गहे पन्नत्ते, त जहा-सोईदियअत्युग्गहे  
 चक्खुइदियअत्युग्गहे धाणिदिअअत्युग्गहे जिद्धिभदियअत्युग्गहे फासिदियअत्युग्गहे  
 नोइदियअत्युग्गहे ॥ २० ॥ कत्तियानक्खत्ते छतारे पन्नत्ते । असिलेमानक्खत्ते छतारे  
 पन्नत्ते ॥ २१ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्येगइयाणं नेरइयाण छ पल्लि-  
 ओवमाई ठिई पन्नत्ता । तच्चाए ण पुढवीए अत्येगइयाण नेरइयाण छ सागरोवमाई  
 ठिई पन्नत्ता । असुरकुमारण देवाण अत्येगइयाण छ पल्लिओवमाई ठिई पन्नत्ता ।  
 सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्येगइयाणं देवाण छ पल्लिओवमाई ठिई पन्नत्ता । सणंकु-  
 मारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्येगइयाण देवाणं छ सागरोवमाई ठिई पन्नत्ता । जे देवा  
 सयं वाई सयभु सयभूरमण घोस सुघोसं महाघोस किट्ठिघोस वीरं सुवीर वीरगत  
 वीरसेणियं वीरावत्त वीरप्पभं वीरकत्त वीरवण्ण वीरलेस वीरज्जयं वीरसिं वीरसिद्ध  
 वीरकूड वीरुत्तरवडिसग विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाणं उक्कोसेण छ  
 सागरोवमाई ठिई पन्नत्ता ॥ २२ ॥ ते ण देवा छण्ह अद्धमासाण आणमति वा  
 पाणमति वा ऊससति वा नीससति वा । तेसि ण देवाण छहिं वाससहस्सेहिं  
 आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे छहिं भवग्गहणेहिं सिज्जि-  
 स्सति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्सति ॥ २३ ॥ सत्त भयट्ठाणा पन्नत्ता, त जहा-  
 इहलोगभए परलोगभए आदाणभए अकम्हाभए आजीवभए मरणभए असिलोग-  
 भए । सत्त समुग्घाया पन्नत्ता, त जहा-वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंति-  
 यसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेयसमुग्घाए आहारसमुग्घाए केवलिसमुग्घाए ।



पडिसाहरइ, अट्ठमे समए दढं पडिसाहरइ, तओ पच्छा सरीरत्थे भवइ । पासस्स  
 ण अरहओ पुरिसादाणिअस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा होत्था, त जहा-सुभे य  
 सुभघोसे य, वसिट्ठे वभयारि य । सोमे सिरिधरे चेव, वीरभेइ जसे इय ॥ १ ॥  
 अट्ठ नक्खत्ता चदेण सद्धिं पमइ जोग जोएति, त जहा-कत्तिया, रोहिणी, पुणव्वस,  
 महा, चित्ता, विसाहा, अणुराहा, जेट्ठा ॥ २८ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए  
 अत्येगइयाण नेरइयाण अट्ठ पलिओवमाइ ठिई प० । चउत्थीए पुढवीए अत्ये  
 गइयाण नेरइयाण अट्ठ सागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमाराण देवाण अत्येगइ-  
 याण अट्ठ पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्येगइयाणं देवाण  
 अट्ठ पलिओवमाइ ठिई प० । वभलोए कप्पे अत्येगइयाण देवाण अट्ठ सागरो-  
 वमाइ ठिई प० । जे देवा अक्खिं अक्खिमालिं वइरोयण पभकर चदाम सूराम  
 सुपइट्ठाम अग्गिच्चाभ रिट्ठाम अरुणाभ अरुणत्तरवडिसग विमाण देवत्ताए उववणा  
 तेसि ण देवाण उक्कोसेण अट्ठ सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ३९ ॥ ते ण देवा  
 अट्ठण्ह अट्ठमासाण आणमति वा पाणमति वा कससति वा नीससति वा । तेसि  
 ण देवाण अट्ठहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सत्तेगइया भवसिद्धिया जीवा  
 जे अट्ठहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति वुज्झिस्सति जाव अत करिस्सति ॥ ३० ॥  
 नव वभचेरगुत्तीओ पन्नत्ताओ, त जहा-नो इत्थीपसुपडगससत्ताणि सिज्जासणाणि  
 सेवित्ता भवइ, नो इत्थीण कह कहित्ता भवइ, नो इत्थीण गणाइ सेवित्ता भवइ,  
 नो इत्थीण इदियाणि मणोहराई मणोरमाई आलोइत्ता निज्जाइत्ता भवइ, नो पणी-  
 यरसभोई, नो पाणभोयणस्स अइमायाए आहारइत्ता, नो इत्थीण पुव्वरयाई पुव्व  
 कीलिआई समरइत्ता भवइ, नो सहाणुवाई नो रुवाणुवाई नो गधाणुवाई नो रस-  
 णुवाई नो फासाणुवाई नो सिलोगाणुवाई, नो सायासोक्खपडिचद्धे यावि भवइ ।  
 नव वभचेरअगुत्तीओ पन्नत्ताओ त जहा-इत्थीपसुपडगससत्ताणं सिज्जासणाणं सेव  
 णया जाव सायासुक्खपडिचद्धे यावि भवइ । नव वभचेरा पन्नत्ता, त जहा-सत्थ-  
 परिणा लोगविजओ सीओसणिज्ज सम्मत्त । आर्वति धुत विमोहा [यण] उवहाण-  
 सुय महपरिणा । पासे ण अरहा पुरिसादाणीए नव रयणीओ उद्धं उच्चत्तेण होत्था  
 ॥ ३१ ॥ अभीजी नक्खत्ते साइरेगे नव मुहुत्ते चदेण सद्धिं जोग जोएइ । अभी-  
 जियाइया नव नक्खत्ता चदस्स उत्तरेण जोग जोएति, त जहा-अभीजि सवणो  
 जाव भरणी । इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ नव  
 जोयणसए उद्ध आवाहाए उवरिळे तारारुवे चारं चरइ ॥ ३२ ॥ जवुहीवे ण वीवे  
 नवजोयणिआ मच्छा पविसिंसु वा ३ । विजयस्स ण दारस्स एगमेगाए वाहाए नव



बभौ महावीरस्य एकारस्य यजहृष्ट होत्वा तं जहा-इंयधौ अग्निमयीं वायुमयीं निभते  
 स्त्रोहस्मे मंथिए मोरिबपुते जर्धपिए अवधमाए मेजणे पमासे । मूळे लज्जते एकार  
 सतारे पबते । हेतुमग्निक्रियाणं देवानं एकारसमुत्तरे गेपिणमिमांशतं मषइ ति  
 मन्पज्जने । मंदरे नं पन्नाए परमित्तज्जम्भो सिहरणके एकारसमापपरिहीने कवलेनं  
 प ॥ ३९ ॥ इमंति नं रज्जपन्माए पुठपीए जत्तेयइवानं नेरइवानं एकारस  
 यत्तिओकमाईं ठिईं प । पंथगोए पुठपीए जत्तेयइवानं नेरइवानं एकारस चाग-  
 रोत्तमाईं ठिईं प । जहउत्तमाउरनं देवानं जत्तेयइवानं एकारस पत्तिओकमाईं  
 ठिईं प । छेइन्नीसावेत्त कप्पेत्त जत्तेयइवानं देवानं एकारस पत्तिओकमाईं  
 ठिईं प । कंतए कप्पे जत्तेयइवानं देवानं एकारस चागरोत्तमाईं ठिईं प ।  
 जे देवा बभं छ्वनं बंभाबते बंजप्पनं बंमईतं बंमवणं बंमकेतं बंमज्जणं बंम-  
 सिंनं बंमसिद्धं बंमकूटं बंमुत्तरवत्तिखं निमानं देवाणाए कववप्पा तेसि नं देवानं  
 (जहोसिंनं) एकारस चागरोत्तमाईं ठिईं प ॥ ४० ॥ ते नं देवा एकारसज्जं  
 जहमात्तानं भावमंति वा पावमंति वा कवसंति वा बीसंति वा । तेसि नं देवानं  
 एकारसज्जं वात्तसइत्तानं जहमात्ते सुत्तप्पज्ज । सत्तेयइवा मषसिद्धिआ जीवा नं  
 एकारसज्जं मषमहत्तेसि सिम्भिसंति पुत्तिस्संति सुत्तिस्संति परिम्भ्याइत्तंति  
 सज्जपुत्तज्जमंति करीस्संति ॥ ४१ ॥ वाउत्त मिक्खुपत्तिमाओ पवत्तज्जो तं जहा-  
 मासिआ मिक्खुपत्तिमा बीमासिआ मिक्खुपत्तिमा विमासिआ मिक्खुपत्तिमा कउ  
 वासिआ मिक्खुपत्तिमा पंथमासिआ मिक्खुपत्तिमा ज्जमासिआ मिक्खुपत्तिमा,  
 सत्तमासिआ मिक्खुपत्तिमा पठमा सत्तज्जमंतिआ मिक्खुपत्तिमा होवा सत्तज्जमंतिआ  
 मिक्खुपत्तिमा तथा सत्तज्जमंतिआ मिक्खुपत्तिमा ज्जोत्तज्जमा मिक्खुपत्तिमा एम-  
 राइमा मिक्खुपत्तिमा । बुवाज्जसिद्धे पंथोने प तं जहा-“ज्जमंतिममत्ताने  
 ज्जज्जपगहे ति व । सत्तने य मिक्खए नं ज्जम्भुत्तमेति जावरे । त्तिज्जमत्तं व  
 करणे देवायककरणे इम । ज्जमेत्तज्जं जनिहिआ न, ज्जए नं पंथवने” । बुवाज्ज-  
 सावते त्तिज्जमत्तं पबते तं जहा-“दुत्तेज्जं ज्जामानं, त्तिज्जमत्तं वात्तावणं ।  
 जउत्तिरे सिमुत्तं व दुपवैधं एवमिक्खमत्तं” । निवणा नं उवहाणी बुवाज्ज ज्जोत्त  
 सत्तज्जमत्तं ज्जामत्तमिक्खमत्तं प । एमे नं कववेने बुवाज्ज वात्तज्जमत्तं  
 सत्तज्जमत्तं पात्तिज्ज देवतं पए । मंदरस्य नं पन्नास्य वत्तिआ मूळे बुवाज्ज  
 ज्जोत्तमाईं निम्भमेत्तं प । जंघरीपत्तं नं रीपत्तं वेत्त मूळे बुवाज्ज ज्जो-  
 त्ताईं निम्भमेत्तं प । ज्जज्जमत्तिना एईं बुवाज्जमुत्तज्जिआ प । एवं  
 विवत्तोइनि माज्जणे । ज्जज्जमत्तस्य नं ज्जामत्तमत्तस्य ज्जज्जमत्तो वत्तिज्जमत्तो

वलदेवे दस वणूइ उद्ध उच्चत्तेण होत्था । दस नक्खत्ता' नाणवुद्धिकरा प० त जहा—“मिगसिर अद्दा पुस्तो, तिणिण अ पुव्वा य मूलमस्सेसा । हत्थो चित्तो य तहा, दस बुद्धिकराइ नाणस्स” अकम्मभूमियाण मणुआण दसविहा ख्खत्ता उव-  
 भोगत्ताए उवत्थिया प० त जहा—“भत्तगया य भिंगा, तुडिअगा वीव जोइ चित्तगा । चित्तरसा मणिअगा, गेहागारा अनिगिणा य ॥ १ ॥” ३६ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण जहण्णेण दस वाससहस्साइं ठिई प० । इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाण दस पलिओ-  
 वमाइ ठिई प० । चउत्थीए पुढवीए दस निरयावाससयसहस्साइ प० । चउत्थीए पुढवीए नेरइयाण अत्थेगइयाण उक्कोसेण दस सागरोवमाइ ठिई प० । पचमीए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण जहण्णेण दस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराण देवाण अत्थेगइयाणं जहण्णेण दस वाससहस्साइं ठिई प० । असुरिदवज्जाण भोमिज्जाण देवाण अत्थेगइयाणं जहण्णेण दस वास-  
 सहस्साइं ठिई पज्जत्ता । असुरकुमाराण देवाण अत्थेगइयाण दस पलिओवमाइं ठिई प० । बायरवणस्सइकाइयाण उक्कोसेण दस वाससहस्साइं ठिई प० । वाणमताराण देवाण अत्थेगइयाण जहण्णेण दस वाससहस्साइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाण दस पलिओवमाइं ठिई प० । बमलोए कप्पे देवाण उक्कोसेण दस सागरोवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे देवाण अत्थेगइयाण जहण्णेण दस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा घोसं सुघोसं महाघोसं नंदिघोसं सुसरं मणोरमं रम्मं रम्मणं रमणिज्जं मगलावत्तं बमलो-  
 गवहंसिगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेण दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ३७ ॥ ते ण देवा दसण्हं अद्धमासाणं आणमति वा पाणमति वा ऊससति वा नीससति वा । तेसि णं देवाण दसहिं वाससहस्सेहिं आहारद्वे समुप्प-  
 ज्जइ । सतेगइआ भवसिद्धिआ जीवा जे दसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झि-  
 स्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सब्बदुक्खाणमंतं करिस्सति ॥ ३८ ॥ एक्कारसं उवासगपडिमाओ प० त जहा—दसणसावए, कयव्वयकम्मे, सामाइअकडे, पोस-  
 होववासनिरए, दिया बमयारी रत्ति परिमाणकडे, दिआ वि राओ वि बमयारी असिणाई विअडभोई मोलिकडे, सचित्तपरिण्णाए, आरंभपरिण्णाए, पेसपरिण्णाए, उद्धिद्धभत्तपरिण्णाए, समणभूए आवि भवइ समणाउसो ! लोगताओ इक्कारसएहिं एक्कारेहिं जोयणसएहिं आवाहाए जोइसते पण्णत्ते । जंबूदीवे वीवे मदरस्स पव्वयस्स एक्कारसहिं एक्कवीसेहिं जोयणसएहिं अवाहाए जोइसे चार चरइ । समणस्स ण भग-



दुवालस जोयणाई उद्ध उप्पइआ ईतिपब्भारनामपुडवी पण्णत्ता । ईतिपब्भाराए  
 ण पुडवीए दुवालस नामधेज्जा पण्णत्ता, त जहा-ईसित्ति वा ईसिपब्भाराति वा  
 तण्ह वा तण्हयत्तरि ति वा सिद्धित्ति वा सिद्धालए ति वा नुत्तीति वा मुत्तालए ति  
 वा वभे ति वा वभवडिंसए ति वा लोकपरिपूरणे ति वा लोगगचूलिआइ  
 वा ॥ ४२ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुडवीए अत्थेगइयाण नेरइयाणं वारस पळि-  
 ओवमाइ ठिई प० । पचमीए पुडवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण वारस सागरो-  
 वमाइ ठिई प० । असुरकुमाराण देवाण अत्थेगइयाण वारस पळिओवमाइ ठिई  
 प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाण वारस पळिओवमाइ ठिई  
 प० । लंतए कप्पे अत्थेगइयाण देवाण वारस सागरोवमाइ ठिई प० । जे  
 देवा महिंद महिदज्जय कधु कटुग्गीवं पुस सुपुंस महापुस पुउ सुपुउ महापुउ नरिंद  
 नरिंदकत नरिंदत्तरवडिंसग विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाणं उक्कोसेण  
 वारस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ४३ ॥ ते णं देवा वारसण्ह अद्धमात्ताण आण-  
 मति वा पाणमति वा उस्ससति वा नीमसति वा । तेसि ण देवाण वारसहिं वास-  
 सहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिआ जीवा जे वारसहिं भव-  
 ग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुचिस्सति परिनिब्बाइस्सति सब्बदुस्खाणमत  
 कारिस्सति ॥ ४४ ॥ तेरस किरियाठाणा प० त जहा-अट्ठादढे अणट्ठादढे  
 हिसादढे अक्कमादढे दिट्ठिविपरिआसिआदढे मुसावायवत्तिए अदिन्नादाणवत्तिए  
 अज्झत्थिए माणवत्तिए मित्तदोसवत्तिए मायावत्तिए लोभवत्तिए इरिआवहिए नाम  
 तेरसमे । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु तेरस विमाणपत्थडा प० । सोहम्मवडिंसगे ण  
 विमाणे ण अद्धतेरसजोयणसयसहस्साइ आयामविक्खभेणं प० । एव ईसाणव-  
 डिंसगे वि । जलयरपच्चिदिअतिरिक्खजोणिआणं अद्धतेरसजाइकुलकोडीजोणीपमुह-  
 सयसहस्साइ प० । पाणाउस्स ण पुव्वस्स तेरस वत्थू प० । गम्भवक्कि-  
 अपच्चिदिअतिरिक्खजोणिआण तेरसविहे पओगे प० त जहा-सच्चमणपओगे  
 मोसमणपओगे सच्चामोसमणपओगे असच्चामोसमणपओगे सच्चवइपओगे मोसवइप-  
 ओगे सच्चामोसवइपओगे असच्चामोसवइपओगे ओरालिअसरीरकायपओगे ओरालि-  
 अमीससरीरकायपओगे वेउव्विअसरीरकायपओगे वेउव्विअमीससरीरकायपओगे  
 कम्मसरीरकायपओगे । सूरमडल जोअणेण तेरसे ( स ) हिं एगसट्ठिभाग ( गे )  
 हिं जोयणस्स ऊण पत्त ॥ ४५ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुडवीए अत्थेगइयाण  
 नेरइयाण तेरस पळिओवमाइ ठिई प० । पचमीए पुडवीए अत्थेगइयाण नेरइ-  
 याण तेरस सागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाण अत्थेगइयाण तेरस



हरिकंता सीआ सीओदा नरकता नारिकता मुवण्णवूला रुप्पवूला रत्ता रत्तवई  
 ॥ ४८ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्येगइयाण नेरइयाण चउदस पळिओ-  
 वमाइ ठिई प० । पचमीए णं पुढवीए अत्येगइयाण नेरइयाण चउदस सागरो-  
 वमाइ ठिई प० । असुरकुमाराण देवाण अत्येगइयाण चउदस पळिओवमाइ  
 ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्येगइयाण देवाण चउदस पळिओवमाइ  
 ठिई प० । लतए कप्पे देवाण उळ्ळोसेण चउदस सागरोवमाइ ठिई प० ।  
 महानुक्के कप्पे देवाण जहण्णेण चउदस सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा सिरि-  
 क्त सिरिमहिअ सिरिसोमनसं लतय काविट्ठ माहिद माहिदकत्त माहिदुत्तरवडिंसग  
 विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उळ्ळोसेण चउदस सागरोवमाइ ठिई  
 प० ॥ ४९ ॥ ते ण देवा चउदसहिं अद्धमासेहिं आणमति वा पाणमति वा  
 उत्तससति वा नीससति वा । तेसि ण देवाण चउदसहिं वाससदस्सेहिं आहारट्ठे  
 समुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिआ जीवा जे चउदसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति  
 बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिब्बाइस्सति सव्वदुक्खाणमत करिस्सति ॥ ५० ॥  
 पन्नरस परमाहम्मिआ पन्नत्ता, त जहा—अवे अवरेसी चेव, सामे सवळे त्ति आवरे ।  
 रुदोवरुद्धकाले अ, महाकाले त्ति आवरे ॥ १ ॥ असिपत्ते धणु कुभे, वालुए वेअ-  
 णीति अ । खरस्सरे महाधोसे, एते पन्नरसाहिआ ॥ २ ॥ णमी ण अरहा पन्नरस  
 धणूइ उप्पु उच्चत्तेण होत्था । धुवराट्ठ ण बहुलपक्खस्स पडिवए पन्नरसभाग पन्नरस-  
 भागेण चदस्स लेस आवरेत्ताण चिट्ठति, त जहा—पडमाए पडम भाग वीआए  
 दुभाग तइआए विभाग चउत्थीए चउभाग पंचमीए पचभाग छट्ठीए छभाग सत्त-  
 मीए सत्तभाग अट्ठमीए अट्ठभाग नवमीए नवभाग दसमीए दसभाग एक्कारसीए  
 एक्कारसभाग वारसीए वारसभाग तेरसीए तेरसभाग चउदसीए चउदसभाग पन्न-  
 रसेसु पन्नरसभाग । त चेव सुक्कपक्खस्स य उवदसेमाणे २ चिट्ठति, त जहा—पडमाए  
 पडम भाग जाव पन्नरसेसु पन्नरसभाग । छ णक्खत्ता पन्नरसमुहुत्तसंजुत्ता पन्नत्ता,  
 तं जहा—सतभिसय भरणि अद्दा असलेसा साई तहा जेट्ठा । एते छण्णक्खत्ता पन्न-  
 रसमुहुत्तसंजुत्ता ॥ १ ॥ चेत्तासोएसु ण मासेसु पन्नरसमुहुत्तो दिवसो भवति, एवं  
 चेत्तासोएसु ण मासेसु पन्नरसमुहुत्ता राई भवति । विज्जाअणुप्पवायस्स ण पुव्वस्स  
 पन्नरस वत्थू पण्णत्ता । मणूसाण पण्णरसविहे पद्दोगे प० त जहा—सच्चमणप-  
 ओगे मोसमणपओगे सच्चमोसमणपओगे असच्चामोसमणपओगे सच्चवइपओगे मोस  
 वइपओगे सच्चमोसवइपओगे असच्चामोसवइपओगे ओरालिअसरीरकायपओगे ओरा-  
 लिअमीससरीरकायपओगे वेउव्वियसरीरकायपओगे वेउव्वियमीससरीरकायपओगे



याण देवाण सोलस पल्लिओवमाइ ठिई प० । महासुक्के कप्पे देवाणं अत्येगइयाणं  
 सोलस सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा आवत्त विआवत्त नदिआवत्त महाणदि-  
 आवत्त अकुस अकुसपलव भई सुभइ महाभई सव्वओभई भहुत्तरवडिसग विमाण  
 देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाणं उक्कोसेण सोलस सागरोवमाइ ठिई प०  
 ॥ ५५ ॥ ते ण देवा सोलसहिं अद्धमासाण आणमति वा पाणमति वा उस्ससति वा  
 नीससति वा । तेसि ण देवाण सोलसवाससहस्सेहिं आहारद्वे समुप्पज्जइ । सतेग-  
 इआ भवसिद्धिआ जीवा जे सोलसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्ससति वुज्झिस्ससति मुच्चि-  
 स्ससति परिनिव्वाइस्ससति सव्वदुक्खाणमत करिस्ससति ॥ ५६ ॥ सत्तरसविहे असजमे  
 पन्नते, त जहा-पुढविकायअसजमे आउकायअसजमे तेउकायअसजमे वाउकाय-  
 असंजमे वणस्सइकायअसजमे बेइदिअसजमे तेइदियअसजमे चउरिंदियअसजमे  
 पंचिंदियअसजमे अजीवकायअसजमे पेहाअसजमे उवेहाअसजमे अवहट्ठअसजमे  
 अप्पमज्जणाअसजमे मणअसजमे वइअसजमे कायअसजमे । सत्तरसविहे संजमे  
 पन्नते, त जहा-पुढवीकायसजमे आउकायसजमे तेउकायसजमे वाउकायसजमे  
 वणस्सइकायसजमे बेइदिअसजमे तेइदियसजमे चउरिंदिअसंजमे पंचिदिअसजमे  
 अजीवकायसजमे पेहासजमे उवेक्कासजमे अवहट्ठसजमे पमज्जणासजमे मणसजमे  
 वइसजमे कायसजमे । माणुसत्तरे ण पव्वए सत्तरस एक्कवीसे जोयणसए उट्ठ उच्चतेण  
 पन्नते । सव्वेसिं पि णं वेलंधरअणुवेलधरणागराईण आवासपव्वया सत्तरस एक्कवीसाइ  
 जोयणसयाइ उट्ठ उच्चतेण पन्नत्ता । लवणे ण समुदे सत्तरस जोयणसहस्साइ सव्व-  
 ग्गेण पन्नते । इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ  
 सातिरेगाइ सत्तरस जोयणसहस्साइ उट्ठ उप्पत्तिता ततो पच्छा चारणाण तिриआ  
 गती पवत्तति । चमरस्स ण असुरिंदस्स असुररण्णो तिगिंछिक्खे उप्पायपव्वए सत्त-  
 रस एक्कवीसाइ जोयणसयाइ उट्ठ उच्चतेण पन्नते । बलिस्स णं असुरिंदस्स रुअगिंदे  
 उप्पायपव्वए सत्तरस एक्कवीसाइ जोयणसयाइ उट्ठ उच्चतेण पन्नते । सत्तरसविहे  
 मरणे पन्नते, त जहा-आवीईमरणे ओहिमरणे आयतियमरणे वलायमरणे वसट्ठमरणे  
 अतोमल्लमरणे तब्भमरणे बालमरणे पडित्तमरणे वालपडित्तमरणे छउमत्यमरणे  
 केवलिमरणे वेहासमरणे गिद्धपिट्ठमरणे भत्तपष्वक्खाणमरणे इगिणिमरणे पाओवग-  
 मणमरणे । सुहुमसपराए ण भगव सुहुमसपरायभावे वट्ठसाणे सत्तरस कम्मपगढीओ  
 णिवधत्ति, त जहा-आभिणिवोहियणाणावरणे सुयणाणावरणे ओहिणाणावरणे मणप-  
 ज्जवणाणावरणे केवलणाणावरणे चक्खुदसणावरणे अचक्खुदसणावरणे ओहिदसणा-  
 वरणे केवलदसणावरणे सायावेयणिज्ज जसोकिस्तिनाम उच्चागोयं दाणतरायं लाभतरायं





आदसलिवी माहेसरीलिवी दामिलिवी वोलिदिलिवी । अत्थिनत्थिप्पवायस्स णं पुव्वस्स णं अट्ठारस वत्थू प० । धूमप्पभाए णं पुढवीए अट्ठारसुत्तरं जोयणसयसहस्स वाहल्लेण प० । पोसासाढेसु णं मासेसु सइ उक्कोसेण अट्ठारस मुहुत्ते दिवसे भवइ सइ उक्कोसेण अट्ठारस मुहुत्ता राती भवइ ॥ ६० ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण अट्ठारस(पलिओवमाइं ठिईं प० । छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाण अट्ठारस)सागरोवमाइं ठिईं प० । असुरकुमाराण देवाण अत्थेगइयाण अट्ठारस पलिओवमाइं ठिईं प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाण अट्ठारस पलिओवमाइं ठिईं प० । सहस्सारे कप्पे देवाग उक्कोसेण अट्ठारस सागरोवमाइं ठिईं प० । आणते कप्पे देवाण अत्थेगइयाण जहण्णेग अट्ठारस सागरोवमाइं ठिईं प० । जे देवा काल सुकाल महाकाल अजणं रिट्ठ साल समाण दुम महादुम विसाल सुसालं पउम पउमगुम्म कुमुद कुमुदगुम्म नल्लिणं नल्लिणगुम्म पुडरीअ पुडरीयगुम्म सहस्सारवडिसगं विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाण(उक्कोसेण)अट्ठारस सागरोवमाइं ठिईं प० ॥ ६१ ॥ ते ण देवा ण अट्ठारसेहिं अद्धमासेहिं आणमति वा पाणमति वा ऊससति वा नीससति वा । तेसि ण देवाण अट्ठारसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सत्तेगइया भवसिद्धिया (जीवा)जे अट्ठारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सब्बदुक्खाणमत करिस्सति ॥ ६२ ॥ एगूणवीस गायज्झयणा पन्नत्ता, त जह्वा-उक्खित्तणाए सघाढे, अढे कुम्मे अ सेलए । तुवे अ रोहिणी मल्ली, मागवी चदिमाति अ ॥ १ ॥ दावहवे उदगणाए, मड्डुक्के तेत्तली इअ । नदिफळे अवरकका, आइण्णे सुसमा इअ ॥ २ ॥ अवरं अ पोंडरीए, णाए एगूणवीसमे । जवुहीवे ण वीवे सूरिआ उक्कोसेण एगूणवीस जोयणसयाइं उद्धमहो तवयति । सुक्के ण महग्गहं अवरं ण उदिए समाणे एगूणवीस णक्खत्ताइं सम चार, चरित्ता अवरं अत्यमण उवागच्छइ । जवुहीवस्स ण वीवस्स कलाओ एगूणवीस छेअणाओ पन्नत्ता । एगूणवीसं तित्थयरा अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता ण अगाराओ अणगारिअ पव्वइआ ॥ ६३ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण एगूणवीस पलिओवमाइं ठिईं प० । छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण एगूणवीस सागरोवमाइं ठिईं प० । असुरकुमाराणं देवाण अत्थेगइयाण एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिईं प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाण एगूणवीस पलिओवमाइं ठिईं प० । आणयकप्पे[अत्थेगइयाण] देवाणं उक्कोसेण एगूणवीस सागरोवमाइं ठिईं प० । पाणए कप्पे[अत्थेगइयाण]



युजिस्सति मुचिस्सति परिणिव्वाइस्सति सव्वदुक्खाणमत करिस्सति ॥ ६८ ॥  
 एक्कवीस सवला पण्णत्ता, त जहा-हत्थकम्म करेमाणे सवले, मेहुण पडिसेवमाणे  
 सवले, राइभोअण भुजमाणे सवले, आहाकम्म भुजमाणे सवले, सागारिय पिंड  
 भुजमाणे सवले, उदेसिय कीय आहद्दु दिज्जमाण भुजमाणे सवले, अभिक्खण  
 अभिक्खण पडियाइक्खेत्ता ण भुजमाणे सवले, अतो छण्ह मामाण गणाओ गण  
 सकममाणे सवले, अतो मासस्स तओ दगलेवे करेमाणे सवले, अतो मासस्स तओ  
 माइंठाणे सेवमाणे सवले, रायपिंड भुजमाणे सवले, आउट्टिआए पाणाइवाय करे-  
 माणे सवले, आउट्टिआए मुसावाय वदमाणे सवले, आउट्टिआए अदिण्णादाण  
 गिण्हमाणे सवले, आउट्टिआए अणतरहिआए पुढवीए ठाण वा निसीहिय वा  
 चेतेमाणे सवले, एव आउट्टिआ चित्तमताए पुढवीए एव आउट्टिआ चित्तमताए  
 सिलाए कोलावाससि वा दारुए ठाण वा सिज्ज वा निसीहिय वा चेतेमाणे सवले,  
 जीवपइट्टिए सपाणे सवीए महरिए सउत्तिगे पणगदगमट्टीमक्कडासताणए तहप्पगारे  
 ठाण वा सिज्ज वा निसीहिय वा चेतेमाणे सवले, आउट्टिआए मूलभोअण वा कद-  
 भोअण वा तयाभोयण वा पवालभोयण वा पुप्फभोयण वा फलभोयण वा हरिय-  
 भोयण वा भुजमाणे सवले, अतो सवच्छरस्स दस दगलेवे करेमाणे सवले, अतो  
 सवच्छरस्स दस माइंठाणाइ सेवमाणे सवले, अभिक्खण अभिक्खण सीतोदय-  
 वियडवग्घारियपाणिणा असण वा पाण वा खाइम वा साइम वा पडिगाहिता भुज-  
 माणे सवले ॥ ६९ ॥ णिअट्टिवादरस्स ण खवियसत्तयस्स मोहणिज्जस्स कम्मस्स  
 एक्कवीस कम्मसा सतकम्मा प० त जहा-अपच्चक्खाणकसाए कोहे, अपच्चक्खा-  
 णकसाए माणे, अपच्चक्खाणकसाए माया, अपच्चक्खाणकसाए लोभे, पच्चक्खा-  
 णावरणकसाए कोहे, पच्चक्खाणावरणकसाए माणे, पच्चक्खाणावरणकसाए माया,  
 पच्चक्खाणावरणकसाए लोभे, सजलणकसाए कोहे, सजलणकसाए माणे, सज-  
 लणकसाए माया, सजलणकसाए लोभे, इत्थिवेदे, पुवेदे, णपुवेदे, हासे, अरति,  
 रति, भय, सोग, दुगुछा । एकमेक्काए ण ओसप्पिणीए पचमच्छट्ठाओ समाओ एक्क-  
 वीस एक्कवीस वाससहस्साइ कालेण प० त जहा-दूसमा दूसमदूसमा । एगमे-  
 गाए ण उस्सप्पिणीए पढमवित्तिआओ समाओ एक्कवीस एक्कवीस वाससहस्साइ  
 कालेण प० त जहा-दूसमदूसमाए दूसमाए य ॥ ७० ॥ इमीसे णं रयणप्पमाए  
 पुढवीए अत्येगइयाण नेरइयाण एक्कवीसपलिओवमाइ ठिई प० । छट्ठीए पुढवीए  
 अत्येगइयाण नेरइयाण एक्कवीससागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमारारणं देवाण  
 अत्येगइयाण एक्कवीसपलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कपेसु अत्येगइ-



रोवमाइ ठिई प० ॥ ७४ ॥ ते ण देवा वावीमाए अद्धमामएण आणमति वा पाणमति वा उस्ससति वा नीससति वा । तेसि ण देवाण वावीमवामसहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे वावीस भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सन्वदुक्खाणमत करिस्सति ॥ ७५ ॥ तेवीस सुयगडज्जयणा पन्नत्ता, त जहा-समए, वेतालिए, उवसग्गपरिणा, थीपरिणा, नरयविभत्ती, महावीरथुई, कुसीलपरिमासिए, वीरिए, धम्मै, समाही, मग्गे, समोमरणे, आहत्तहिए, गथे, जमईए, गाथा, पुंडरीए, किरियाठाणा, आहारपरिणा, [अ]प्पच्चक्खाणकिरिआ, अणगारसुर्यं, अहइज्ज, णालदइज्ज । जवुद्दीवे ण दीवे भारहे वासे इमीसे ण ओसप्पिणीए तेवीसाए जिणाणं सूळ्ळगमणसुहुत्तसि केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे । जवुद्दीवे ण दीवे इमीसे ण ओसप्पिणीए तेवीस तित्थकरा पुव्वभवे एक्कारसणिणो होत्या, त जहा-अजित सभव अभिणंदण सुमई जाव पासो वद्धमाणो य, उसभे ण अरहा कोसलिए चोइसपुव्वी होत्या । जवुद्दीवे ण दीवे इमीसे ओसप्पिणीए तेवीस तित्थकरा पुव्वभवे मडलिरायणो होत्या, त जहा-अजित सभव अभिणंदण जाव पासो वद्धमाणो य, उसभे ण अरहा कोसलिए पुव्वभवे चक्कवट्ठी होत्या ॥ ७६ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्येगइयाण नेरइयाण तेवीस पलिओवमाइ ठिई प० । अहे सत्तमाए ण पुढवीए अत्येगइयाण नेरइयाण तेवीस सागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमाराण देवाण अत्येगइयाण तेवीस पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणाण देवाण अत्येगइयाण तेवीस पलिओवमाइ ठिई प० । हेट्ठिममज्झिमग्गेविजाण देवाण जहण्णेण तेवीस सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा हेट्ठिमहेट्ठिमग्गेवेजयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेण तेवीस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ७७ ॥ ते ण देवा तेवीसाए अद्धमासाण (मासेहिं) आणमति वा पाणमति वा ऊससति वा नीससति वा । तेसि ण देवाणं तेवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तेवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सन्वदुक्खाणमत करिस्सति ॥ ७८ ॥ चउव्वीस देवाहिदेवा प० त जहा-उसभअजितसभवअभिनंदणसुमइपउमप्पहसुपासचदप्पहसुविधिसीअलसिज्जसवासुपुज्जविमलअणतवम्मसतिकुत्थुअरमल्लीमुणिउव्वयनभिनेमीपासवद्धमाणा । उळ्ळहिमवतसिहरीण वासहरपव्वयाणं जीवाओ चउव्वीस चउव्वीस जोयणसहस्ताइ णववत्तीसे जोयणसए एग अट्ठत्तीसइभाग जोयणस्स किंचि विसेसाहिआओ आयामेण प० । चउवीस देवठाणा सइदया प० सेसा अहमिद्वा अनिदा अपुरोहिआ ।



सरीरणाम कम्मणसरीरणाम हुडगसठाणनाम ओरालिअसरीरंगोवगणाम छेवट्टसक्क-  
यणनाम वण्णनाम गधणाम रसणाम फासणाम तिरेआणपुव्विनाम अगुरुलहुनाम  
उवघायनाम तसनाम वादरणाम अपज्जत्तयणाम पत्तेयसरीरणाम आथेरणाम असुभ-  
णाम दुभगणाम अणादेज्जनाम अजसोकित्तिनाम निम्माणनाम । गगासिंधूओ ण  
महाणदीओ पणवीस गाउयाणि पुहुत्तेण वुहओ घडमुहपवित्तिण मुत्तावलिहार-  
सठिण पवातेण पडति । रत्तारत्तवईओ ण महाणदीओ पणवीस गाउयाणि पुहुत्तेण  
मकर (घड) मुहपवित्तिण मुत्तावलिहारसठिण पवातेण पडति । लोगविंदुसारस्स  
णं पुव्वस्स पणवीस वत्थू प० ॥ ८२ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए  
अत्थेगइयाण नेरइयाणं पणवीस पलिओवमाइ ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए  
अत्थेगइयाण नेरइयाण पणवीस सागरोवमाइ ठिई पण्णत्ता । असुरकुमाराण देवाणं  
अत्थेगइयाण पणवीस पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणे ण देवाण अत्थेग-  
इयाण पणवीस पलिओवमाइ ठिई प० । मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जाणं देवाण जहण्णेण  
पणवीस सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा हेट्ठिमउवारिमगेवेज्जगविमाणेसु देवत्ताए  
उववण्णा तेसि णं देवाण उक्कोसेण पणवीस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ८३ ॥ ते  
ण देवा पणवीसाए अद्धमासेहिं आणमति वा पाणमति वा उस्ससति वा नीससति  
वा । तेसि ण देवाण पणवीस वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सत्तेगइया  
भवसिद्धिआ जीवा जे पणवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति वुज्झिस्सति मुच्चिस्सति  
परिनिव्वाइस्सति सव्वदुक्खाणमत करिस्सति ॥ ८४ ॥ छव्वीस दसकप्पववहारण  
उद्देसणकाला पणत्ता, त जहा-दस दसाणं छ कप्पस्स दस ववहारस्स । अमव-  
सिद्धियाण जीवाण मोहणिज्जस्स कम्मस्स छव्वीस कम्मसा सत्तकम्मा पणत्ता, तं  
जहा-मिच्छत्तमोहणिज्ज सोलस कसाया इत्थीवेदे पुरिसवेदे नपुंसकवेदे हास अरति  
रति भय सोग दुगुछा ॥ ८५ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण  
नेरइयाण छव्वीस पलिओवमाइ ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाण  
नेरइयाण छव्वीस सागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमाराण देवाणं अत्थेगइयाण  
छव्वीस पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणे ण देवाणं अत्थेगइयाण छव्वीस  
पलिओवमाइ ठिई प० । मज्झिममज्झिमगेवेज्जयाण देवाण जहण्णेणं छव्वीस  
सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववर्णा  
तेसि ण देवाण उक्कोसेणं छव्वीस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ८६ ॥ ते णं देवा  
छव्वीसाए अद्धमासाण आणमति वा पाणमति वा उस्ससति वा नीससति वा ।  
तेसि णं देवाणं छव्वीस वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सत्तेगइया भवसिद्धिआ





अत्येगइयाण मोहणिज्जस्स कम्मस्स अट्ठावीस कम्मसा सतकम्मा पन्नता त जहा-  
सम्मत्तवेअणिज्ज मिच्छत्तवेयणिज्जं सम्ममिच्छत्तवेयणिज्ज सोलस कसाया नव णोक-  
साया । आभिणिवोहियणाणे अट्ठावीसइविहे प० त० सोइदियअत्यावग्गहे, चक्खि-  
दियअत्यावग्गहे, घाणिदियअत्यावग्गहे, जिह्मिदियअत्यावग्गहे, फासिदियअत्या-  
वग्गहे, णोइदियअत्यावग्गहे, सोइदियवजणोग्गहे, घाणिदियवजणोग्गहे, जिह्मि-  
दियवजणोग्गहे, फासिदियवजणोग्गहे, सोतिदियईहा, चक्खिदियईहा, घाणिदिय-  
ईहा, जिह्मिदियईहा, फासिदियईहा, णोइदियईहा, सोतिदियावाए, चक्खिदिया-  
वाए, घाणिदियावाए, जिह्मिदियावाए, फासिदियावाए, णोइदियावाए, सोइदिय-  
धारणा, चक्खिदियधारणा, घाणिदियधारणा, जिह्मिदियधारणा, फासिदियधारणा,  
णोइदियधारणा । ईसाणे ण कप्पे अट्ठावीस विमाणावाससयसहस्सा प० । जीवे  
ण देवगइम्मि वधमाणे नामस्स कम्मस्स अट्ठावीस उत्तरपगढीओ णिवधति, त  
जहा-देवगतिनाम, पच्चिदियजातिनाम, वेतव्वियसरीरनाम, तेयगसरीरनाम,  
कम्मणसरीरनाम, समचउरंससठाणणाम, वेतव्वियसरीरगोवगणाम, वण्णणाम,  
गधणाम, रसणाम, फासणाम, देवाणुपुव्विणाम, अगुरुलहुनाम, उवघायनाम, परा-  
घायनाम, उस्सासनाम, पसत्थविहायोगइणाम, तसनाम, वायरणाम, पज्जतनाम,  
पत्तेयसरीरनाम, थिराथिराण सुभासुभाण (सुभगनाम, सुस्सरनाम), आएज्जाणाए-  
ज्जाण दोण्ह अण्णयर एग नाम णिवधइ, जसोकित्तिनाम, निम्माणनाम । एव चेव  
नेरइया वि, णाणत्त अप्पसत्थविहायोगइणाम, हुडगसठाणणाम, अधिरणाम,  
दुब्भगणाम, अस्सभनाम, दुस्सरनाम, अणादिज्जणाम, अजसोकित्तीणाम, णिम्माण-  
णाम ॥ ९१ ॥ इमीसे ण रयणप्पमाए पुढवीए अत्येगइयाण नेरइयाण अट्ठावीस  
पल्लिओवमाइ ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्येगइयाण नेरइयाण अट्ठावीस  
सागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमारारणं देवाण अत्येगइयाण अट्ठावीस पल्लिओवमाइ  
ठिई पन्नता । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्येगइयाणं अट्ठावीस पल्लिओवमाइ  
ठिई प० । उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जयाण देवाण जहण्णेण अट्ठावीस सागरोवमाइ ठिई  
प० । जे देवा मज्झिमउवरिमगेवेज्जएसु विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं  
देवाण उक्कोसेण अट्ठावीस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ९२ ॥ ते णं देवा अट्ठावी-  
साए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमति वा रुससति वा नीससति वा । तेसि ण  
देवाणं अट्ठावीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिया  
जीवा जे अट्ठावीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परि-  
णिव्वाइस्सति सब्बदुक्खाणमत करिस्संति ॥ ९३ ॥ एगूणतीसइविहे पावसुयपसगे

मन्त्रिपुत्रे तीर्थं वासाई सामन्तपरिचर्यं पात्रमिता शिखे कुये ज्ञान सम्पुष्पकान्-  
 हीनि । एषमेवे न अष्टोरत्त तीर्थमुद्धते मुद्धतलोत्तं ववती । एषमि न तीर्थाप मुद्धतान्  
 तीर्थं नामकेजा प तं वाहा-उद्रे, सरो मिते वाळ, क्षपीए, अम्पिन्दे, माझिदे,  
 पम्पि नमि सवे आनवे, मिजए, निस्सुळेने पात्रानवे सकतये ईसावे तळे,  
 भास्मिप्या मेसयने ववने सतरिसमे, यंयम्पे अम्पिदेसावने वातवे आनवे,  
 तड्डे, भूम्पे, रिधमे सम्पुष्पुठिदे, रक्कते । अरे न वाहा तीर्थं ववु(ए)ई उई  
 उवतये होत्त । अहस्यारस्त न देविहस्त देवराजो तीर्थं सामानिवाहस्तोत्रो  
 प । जसे न वाहा तीर्थं वासाई अयस्वास्मन्ने वविता अयस्वाओ अयमारि  
 पम्पए । समने मन्त्रं महावीरे तीर्थं वासाई अयस्वास्मन्ने वविता अयस्वाओ  
 अयमारि पम्पए । रक्कप्यथाप न पुढवीए तीर्थं मिरमाससकसहस्ता प  
 २ ५८ ॥ ह्योषे न रक्कप्यथाप पुढवीए अयस्वास्मन्ने देवराजो तीर्थं पम्पिओम्माई  
 ठिई प । अई सध्याप पुढवीए अयस्वास्मन्ने देवराजो तीर्थं सामरोम्माई ठिई  
 प । अयस्वास्मन्ने देवां अयस्वास्मन्ने तीर्थं पम्पिओम्माई ठिई प । सोह्म्यो-  
 सानेउ अयोष्ठ देवां अयस्वास्मन्ने तीर्थं पम्पिओम्माई ठिई प । अयस्वास्मन्ने  
 मेदेवराजो देवां अयस्वास्मन्ने तीर्थं सापरोम्माई ठिई प । न देवा अयस्वास्मन्ने  
 मेदेवराजो मिरमास देवाप अयस्वास्मन्ने तति न देवां उवतेने तीर्थं सामरोम्माई  
 ठिई प २ ५९ ॥ ते न देवा तीर्थाप अयस्वास्मन्ने अयस्मन्ति वा पम्पमन्ति वा  
 उस्ससन्ति वा नीम्ससन्ति वा । तेति न देवां तीर्थाप वाससहस्तेई आहारुडे समु  
 प्यज् । संतेपह्म मन्त्रिपुत्रा वीरा ओ तीर्थाप मन्त्रमह्वेई निम्पिहस्तेति  
 मुम्पिहस्तेति मुम्पिहस्तेति परिमिन्नाइस्तेति सम्पुष्पकान्मन्ते करिस्तेति ॥ १ ॥  
 एवतीसं सिद्धाष्टना पत्राया तं वाहा-अम्पि आम्पिनिवोक्षिप्यवात्रानवे अम्पि मु-  
 वावावरने अम्पि ओक्षिमावावरने अम्पि मन्त्रपञ्चवात्रानवे अम्पि केनकावा-  
 वरने अम्पि वचकूरुसवावरने, अम्पि अयकूरुसवावरने अम्पि ओक्षिदंवावरने  
 अम्पि केनकूरुसवावरने अम्पि मिष्ट, अम्पि मिष्टाविष्ट अम्पि पम्प, अम्पि पम्प-  
 पम्प अम्पि नीम्पि तीर्थे सामानिवात्रानवे अम्पि अयस्वास्मन्ने, अम्पि रक्क-  
 म्पिहस्तेति अम्पि नीम्पिहस्तेति, अम्पि देवराजए, अम्पि मिरमासए, अम्पि मन्-  
 स्साए, अम्पि देवाए, अम्पि ववापोए, अम्पि मिष्टाये, अम्पि मन्त्रानवे अम्पि  
 अयस्वास्मन्ने अम्पि अयस्वाए, अम्पि अयस्वाए, अम्पि अयस्वाए, अम्पि अयस्वा-  
 ए, अम्पि अयस्वाए ॥ १ १ ॥ मन्त्रं न पम्पए वरमिठे एवतीसं अयस्वा-  
 वासाई अम्पि तेतीस अयस्वाए निम्पिहस्तेति परिमन्त्रं पत्राया । अम्पि न क्षीए

णं, किंचा णं पडिवाहिर ॥ १० ॥ उवगसतं पि क्षपित्ता, पडिलोमाहिं वग्गुहिं ।  
 भोगभोगे विचारैदं, महामोहं पकुव्वइ ॥ ११-१० ॥ अकुमारभूए जे केई,  
 कुमारभूए त्ति ह वए । इत्थीहिं गिद्धे वसए, महामोहं पकुव्वइ ॥ १२-११ ॥  
 अवभयारी जे केई, वभयारी त्ति हं वए । गद्धेव्व गवा मज्झे, विस्सर नयई  
 नद ॥ १३ ॥ अप्पणो अहिए वाले, मायामोसं बहुं भसे । इत्थीविसयगेहीए,  
 महामोहं पकुव्वइ ॥ १४-१२ ॥ ज निस्मिए उव्वहइ, जससाहिगमेण वा । तस्स  
 लुब्भइ वित्तम्मि, महामोहं पकुव्वइ ॥ १५-१३ ॥ ईसरेण अदुवा गामेण, अणि-  
 सरे ईसरीए । तस्स संपयहीणस्स, सिरी अतुलमागया ॥ १६ ॥ ईसादोसेण  
 आविद्धे, कलुसाविलचेयसे । जे अतराअ चेएइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ १७-१४ ॥  
 सप्पी जहा अडडड, भत्तार जो विहिसइ । सेणावइ पसत्थार, महामोहं पकुव्वइ  
 ॥ १८-१५ ॥ जे नायग च रुद्धस्स, नेयारं निगमस्स वा । सेट्ठिं वहुरव हता,  
 महामोहं पकुव्वइ ॥ १९-१६ ॥ बहुजणस्स नेयार, वीव ताणं च प्राणिण ।  
 एयारिस नर हता, महामोहं पकुव्वइ ॥ २०-१७ ॥ उवट्ठियं पडिविरय, सज्ज  
 सुतवत्तिसय । बुक्कम्म धम्माओ भसेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २१-१८ ॥ तहेवाणतणा-  
 णीण, जिणाणं वरदत्तिण । तेसिं अवण्णव वाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ २२-१९ ॥  
 नेयाइअस्स मग्गस्स, दुट्ठे अवयरई बहुं । त तिप्पयतो भावेइ, महामोहं पकुव्वइ  
 ॥ २३-२० ॥ आयरियउवज्झाएहिं, सुय विणयं च गाहिए । ते चेव खिसई  
 वाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ २४-२१ ॥ आयरियउवज्झायाण, सम्म नो पडित-  
 प्पइ । अप्पडिपूयए थद्धे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २५-२२ ॥ अवहुत्सए य जे केई,  
 सुएण पविकत्थई । सज्जायवायं वयइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २६-२३ ॥ अतव-  
 स्सीए य जे केई, तवेण पविकत्थइ । सव्वलोयपरे तेणे, महामोहं पकुव्वइ  
 ॥ २७-२४ ॥ साहारणद्धा जे केई, गिलाणम्मि उवट्ठिए । पभू ण कुणई किंभं,  
 मज्झ पि से न कुव्वइ ॥ २८ ॥ सट्ठे नियद्धीपण्णाणे, कलुसाउलचेयसे । अप्पणो  
 य अवोहीय, महामोहं पकुव्वइ ॥ २९ २५ ॥ जे कहाहिगरणाइ, सपउंजे पुणो  
 पुणो । सव्वतित्थाण भेयाण, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३०-२६ ॥ जे अ आहम्मिए  
 जोए, संपओजे पुणो पुणो । सहाहेउं सहीहेउ, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३१-२७ ॥  
 जे अ माणुस्सए भोए, अदुवा पारलोइए । तेऽतिप्पयतो आसयइ, महामोहं पकु-  
 व्वइ ॥ ३२-२८ ॥ इद्धी जुई जसो वण्णो, देवाण वलवीरिय । तेसिं अवण्णवं  
 वाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३३-२९ ॥ अपस्समाणो पस्सामि, देवे जक्खे य  
 गुज्झगे । अण्णाणी जिणपूयट्ठी, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३४-३० ॥ ९७ ॥ येरे ण



सञ्जवाहिरिय मडल उवसकमिता चारं चरइ तथा णं इहगयस्स मणुस्सस्स एक्क-  
 तीसाए जोयणसहस्सेहिं अट्ठहिं अ एक्कतीसेहिं जोयणसएहिं तीसाए सट्ठिभागे जोय-  
 णस्स सूरिए चक्खुप्पास हव्वमागच्छइ । अभिवक्खिए णं मासे, एक्कतीसं सातिरेगाईं  
 राइदियाईं राइदियग्गेण पत्तते । आइच्चे ण मासे एक्कतीस राइदियाईं किंचि विसेस्साइ  
 राइदियग्गेण पत्तते ॥ १०२ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाण  
 एक्कतीस पलिओवमाइं ठिईं प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण  
 एक्कतीस सागरोवमाइं ठिईं प० । असुरकुमाराण देवाण अत्थेगइयाणं एक्कतीस पलि-  
 ओवमाइं ठिईं प० । सोहम्मसीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाणं एक्कतीस पलिओ-  
 वमाइं ठिईं प० । विजयवेज्यतजयतअपराजिआणं देवाण जहण्णेण एक्कतीस साग-  
 रोवमाइं ठिईं प० । जे देवा उवरिमउवरिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि  
 णं देवाण उक्कोसेण एक्कतीस सागरोवमाइं ठिईं प० ॥ १०३ ॥ ते णं देवा एक्कती-  
 साए अद्धमासेहिं आणमति वा पाणमति वा उस्ससति वा नीससति वा । तेसि णं  
 देवाण एक्कतीसं(स)वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सत्तेगइया भवसिद्धिया जीवा  
 जे एक्कतीसेहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्सति  
 सव्वदुक्खाणमत करिस्सति ॥ १०४ ॥ वत्तीसं जोगसगहा प०, त जहा-आळोयण,  
 निरवलावे, आवईंस्स दडधम्मया । अणिस्सिओवहाणे य, सिक्खा निप्पट्ठिकम्मया  
 ॥ १ ॥ अण्णायया, अलोभे य, तितिक्खा अज्जवे सुई । सम्मदिट्ठी समाही य,  
 आयारे विणओवए ॥ २ ॥ धिईंमईं य सव्वेगे, पणिही सुविहिं सव्वरे । अत्तदोसोव-  
 सहारे, सव्वकामविरतया ॥ ३ ॥ पञ्चक्खाणे विउस्सग्गे, अप्पमादे लवालवे ।  
 शाणसवरजोगे य, उदए मारणंतिए ॥ ४ ॥ सगणं च परिण्णाया, पायच्छित्तकरणे  
 वि य । आराहणा य मरणंते, बत्तीस जोगसगहा ॥ ५ ॥ १०५ ॥ वत्तीसं देविंदा  
 प०, त जहा-चमरे बली धरणे भूआणंदे जाव घोसे महाघोसे चदे सूरें सक्के ईंसाणे  
 सणंकुमारे जाव पाणए अञ्चुए । कुयुस्स णं अरहओ बत्तीसहिया बत्तीस जिणसया  
 होत्था । सोहम्मे कप्पे बत्तीस विमाणावाससयसहस्सा प० । रेवइणक्खत्ते वत्ती-  
 सइतारे पत्तते । बत्तीसतिविहे णट्ठे पत्तते ॥ १०६ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढ-  
 वीए अत्थेगइयाण नेरइयाण बत्तीस पलिओवमाइं ठिईं प० । अहे सत्तमाए पुढवीए  
 अत्थेगइयाण नेरइयाण बत्तीस सागरोवमाइं ठिईं प० । असुरकुमाराण देवाण अत्थे-  
 गइयाण बत्तीस पलिओवमाइं ठिईं प० । सोहम्मसीसाणेसु कप्पेसु देवाण अत्थेगइयाण  
 बत्तीसं पलिओवमाइं ठिईं प० । जे देवा विजयवेज्यतजयतअपराजियविमाणेसु  
 देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण अत्थेगइयाण बत्तीसं सागरोवमाइं ठिईं प० ।



सपढागो असोगवरपायवो अभिसजायइ, ईसिं पिट्ठओ मउडठाणमि तेयमडल  
 अभिसजायइ अधिकारे वि य ण दस दिसाओ पमासेइ, बहुसमरमणिजे भूमिभागे,  
 अहोसिरा कंटया जायति, उरु विवरीया सुहफासा भवति, सीयलेणं सुहफासेणं सुर-  
 भिणा मारुणं जोयणपरिमडल सव्वओ समता सपमज्जिजइ, जुत्तफुसिएणं मेहेण य  
 निहयरयरेणूयं किज्जइ, जलयलयभासुरपभूतेण बिट्ठ्ठाइणा दसद्धवणेण कुसुमेण जाणु-  
 स्सेहप्पमाणमित्ते (अचित्ते) पुप्फोवयारे किज्जइ, अमणुण्णाण सहफरिसरसरूवगधाणं  
 अवकरिसो भवइ, मणुण्णाणं सहफरिसरसरूवगधाण पाउब्भाओ भवइ, पच्चाहरओ वि  
 य णं हिययगमणीओ जोयणनीहारी सरो, भगव च णं अद्धमागहीए भासाए धम्म  
 माइक्खइ, सा वि य ण अद्धमागही भासा भासिज्जमाणी तेसिं सव्वेसिं आरियम-  
 णारियाण दुप्पयचउप्पअमियपसुपक्खिसरीसिवाण अप्पणो हियसिवसुहयभासत्ताए  
 परिणमइ, पुव्वबद्धवेरा वि य णं देवासुरनागसुवणजक्खरक्खसकिंनरकिपुरिसगर-  
 लगधव्वमहोरगा अरहओ पायमूले पसत्तित्तमाणसा धम्म निसामति, अण्णउत्थि-  
 यपावयणिया वि य णमागया वदति, आगया समाणा अरहओ पायमूले निप्पलिव-  
 यणा ह्वंति, जओ जओ वि य ण अरहंतो भगवतो विहरंति तओ तओ वि य णं  
 जोयणपणवीसाए ण ईती न भवइ, मारी न भवइ, सचक्क न भवइ, परचक्क न भवइ,  
 अइवुट्ठी न भवइ, अणावुट्ठी न भवइ, दुब्बिक्ख न भवइ, पुव्वुप्पण्णा वि य णं  
 उप्पाइया वाही खिप्पमिव उव्वसमति ॥ १११ ॥ जवुद्दीवे ण वीवे चउत्तीस चक्कवट्ठि-  
 विजया प० त जहा-वत्तीसं महाविदेहे दो भरहे एरवए । जवुद्दीवे ण वीवे चोत्तीस  
 वीहवेयद्धा प० । जवुद्दीवे णं वीवे उक्कोसपए चोत्तीस तित्थकरा समुप्पज्जति, चमरस्स  
 ण असुरिंदस्स असुररण्णो चोत्तीस भवणावाससयसहस्सा प० । पढमपचमछट्ठी-  
 सत्तमासु चउसु पुढवीसु चोत्तीस निरयावाससयसहस्सा प० ॥ ११२ ॥ पणतीस  
 सच्चवयणाइसेसा प० । कुंथू ण अरहा पणतीस धणूई उच्च उच्चत्तेणं होत्था । दत्ते णं  
 वासुदेवे पणतीस धणूइ उच्च उच्चत्तेणं होत्था । नदणे णं वलदेवे पणतीस धणूई उच्च  
 उच्चत्तेणं होत्था । वितियचउत्थीसु दोसु पुढवीसु पणतीस निरयावाससयसहस्सा प०  
 ॥ ११३ ॥ छत्तीस उत्तरज्झयणा प० तं जहा-विणयसुर्य, परीसहो, चाउरंगिज्ज, अस-  
 खय, अकाममरणिज्जं, पुरिसविज्जा, उरब्भिज्ज, काविलिय, नमिपव्वज्जा, दुमपत्तय,  
 बहुसुयपूजा, हरिएसिज्ज, चित्तसंभूयं, उसुयारिज्ज, सभिव्वसुग, समाहिठाणाइं, पावस-  
 मणिज्ज, संजइज्जं, मियचारिया, अणाहपव्वज्जा, समुद्दपालिज्जं, रहनेमिज्ज, गोयमके  
 सिज्ज, समितिओ, जणत्तिज्जं, सामायारी, खलुंकिज्जं, मोक्खमग्गगई, अप्पमाओ,  
 तवोमग्गो, चरणविही, पमायठाणाइं, कम्मपयडी, लेसज्जयण, अणगारमग्गे, जीवा-





सपडागो असोगवरपायवो अभिसजायइ, ईसिं पिट्ठो मउडठाणमि तेयमडं  
 अभिसजायइ अधकारे वि य णं दस दिसाओ पभासेइ, बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे,  
 अहोसिरा कट्ठया जायंति, उऊ विवरीया सुहफासा भवति, सीयलेणं सुहफासेण मुर-  
 भिणा मारुएण जोयणपरिमडल सव्वओ समता सपमज्जिज्जइ, जुतफुसिएण मेहेण य  
 निहयरयरेणूय किज्जइ, जलयलयभासुरपभूतेण विट्ठ्ठाइणा दसद्धवण्णेण कुमुमेण जाणु-  
 स्सेहप्पमाणमित्ते (अचित्ते) पुप्फोवयारे किज्जइ, अमणुण्णाण सहफरिसरसरुवगधारणं  
 अवकरिसो भवइ, मणुण्णाणं सहफरिसरसरुवगधाण पाउब्भाओ भवइ, पचाहरओ वि  
 य ण हिययगमणीओ जोयणनीहारी सरो, भगव च ण अद्धमागहीए भासाए धम्म-  
 माइक्खइ, सा वि य ण अद्धमागही भासा भासिज्जमाणी तेसिं सव्वेसिं आरियम-  
 णारियाणं दुप्पयचउप्पअमियपसुपक्खिसरीसिवाण अप्पणो हियसिवसुहयभासताए  
 परिणसइ, पुव्ववद्धवेरा वि य ण देवासुरनागसुवण्णजक्खरक्खसकिंनरकिंपुरिसगर-  
 लगधव्वमहोरगा अरहओ पायमूले पसतचित्तमाणसा धम्म निसामति, अण्णउत्ति-  
 यपावयणिया वि य णमागया वदति, आगया समाणा अरहओ पायमूले निप्पलिव  
 यणा हवति, जओ जओ वि य ण अरहतो भगवतो विहरंति तओ तओ वि य ण  
 जोयणपणवीसाए णं ईती न भवइ, मारी न भवइ, सचक्क न भवइ, परचक्क न भवइ,  
 अइवुट्ठी न भवइ, अणावुट्ठी न भवइ, दुब्भिक्ख न भवइ, पुव्वुप्पणा वि य णं  
 उप्पाइया वाही खिप्पमिव उवसमति ॥ १११ ॥ जवुहीवे ण बीवे चउत्तीस चक्खवि-  
 विजया प० त जहा-वतीस महाविदेहे दो भरहे एरवए । जवुहीवे ण बीवे चोत्तीसं  
 वीहवेयञ्चा प० । जवुहीवे ण बीवे उक्कोसपए चोत्तीस तित्थंकरा समुप्पज्जति, चमरस्स  
 ण अस्सरिदस्स असुररण्णो चोत्तीस भवणावाससयसहस्सा प० । पढमपच्चमल्लट्ठी-  
 सत्तमासु चउसु पुढवीसु चोत्तीस निरयावाससयसहस्सा प० ॥ ११२ ॥ पणतीस  
 सच्चवयणाइसेसा प० । कुंथू ण अरहा पणतीसं धणूई उच्च उच्चत्तेणं होत्था । दत्ते ण  
 वासुदेवे पणतीस धणूइ उच्च उच्चत्तेणं होत्था । नंदणे णं वलदेवे पणतीस धणूई उच्च  
 उच्चत्तेणं होत्था । वितियचउत्थीसु दोसु पुढवीसु पणतीस निरयावाससयसहस्सा प०  
 ॥ ११३ ॥ छत्तीस उत्तरज्जयणा प० त जहा-विणयसूर्य, परीसहो, चाउरंगिज्जं, असं-  
 खय, अकाममरणिज्जं, पुरिसविज्जा, उरब्भिज्ज, काविलिय, नमिपव्वज्जा, दुमपणयं,  
 बहुसुयपूजा, हरिएसिज्ज, चित्तसभूय, उसुयारिज्ज, सभिकखुग, समाहिठाणाई, पावस-  
 मणिज्जं, संजइज्ज, मियचारिया, अणाहपव्वज्जा, समुत्तपालिज्ज, रहनेमिज्ज, गोयमके-  
 सिज्ज, समितिओ, जन्नतिज्ज, सामायारी, खल्लुकिज्ज, मोक्खमग्गगई, अप्पमाओ,  
 तवोमग्गो, चरणविही, पमायठाणाइ, कम्मपयसी, लेसज्जयणं, अणगारमग्गो, जीवा-



वीवस्स पुरच्छिमिल्लोओ चरमताओ गोथूमस्स ण आवासपव्वयस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं वायालीस जोयणसहस्साइ अवाहातो अतरं पन्नत्त । एव चउद्दिसिं पि दओभासे सखोदयसीमे य । कालोए ण समुद्दे वायालीस चदा जोइस्स वा जोईति वा जोइस्सति वा वायालीस सूरिया पभासिंस्स वा पभासिति वा पभासिस्सति वा । संमुच्छिमभुयपरिसप्पाण उक्कोसेण वायालीस वाससहस्साइ ठिई प० । नामकम्मे वायालीसविहे पन्नत्ते, त जहा-गइनामे, जाइनामे, सरीरनामे, सरीरंगोवगनामे, सरीरबंधणनामे, सरीरसघायणनामे, सघयणनामे, सठाणनामे, वण्णनामे, गधनामे, रसनामे, फासनामे, अगुरुलहुयनामे, उवघायनामे, पराघायनामे, आणुपुव्वीनामे, उस्सासनामे, आयवनामे, उज्जोयनामे, विहगगइनामे, तसनामे, थावरनामे, सुहुमनामे, वायरनामे, पज्जत्तनामे, अपज्जत्तनामे, साहारणसरीरनामे, पत्तेयसरीरनामे, थिरनामे, अथिरनामे, सुभनामे, असुभनामे, सुभगनामे, दुब्भगनामे, सुसरनामे, दुस्सरनामे, आएज्जनामे, अणाएज्जनामे, जसोकित्तिनामे, अजसोकित्तिनामे, निम्माणनामे, तित्थकरनामे । लवणे ण समुद्दे वायालीस नागसाहस्सीओ अड्ढिभतारिय वेल धारंति । महालियाए णं विमाणपविभत्तीए वितिए वग्गे वायालीस उद्देसणकाला प० । एगमेगाए ओसप्पिणीए पंचमछट्ठीओ समाओ वायालीस वाससहस्साइ कालेण पन्नत्ताइ । एगमेगाए उस्सप्पिणीए पढमबीयाओ समाओ वायालीस वाससहस्साइ कालेण पन्नत्ताइ ॥ १२० ॥ तेयालीस कम्मविवागज्झयणा प० । पढमचउत्थपंचमासु पुढवीसु तेयालीस निरयावाससयसहस्सा प० । जवुहीवस्स णं वीवस्स पुरच्छिमिल्लोओ चरमताओ गोथूमस्स ण आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्ले चरमंते एस ण तेयालीस जोयणसहस्साइ अवाहाए अतरे प० । एव चउद्दिसिं पि दगभागे सखे दयसीमे । महालियाए ण विमाणपविभत्तीए तइए वग्गे तेयालीस उद्देसणकाला प० ॥ १२१ ॥ चोयालीस अज्झयणा इसिमासिया दियलोगचुयाभासिया प० । विमलस्स ण अरहओ ण चउआलीस पुरिसजुगाइ अणुपिट्ठिं सिद्धाइ जाव प्पहीणाई । धरणस्स ण नागिंदस्स नागरण्णो चोयालीस भवणावाससयसहस्सा प० । महालियाए ण विमाणपविभत्तीए चउत्थे वग्गे चोयालीस उद्देसणकाला प० ॥ १२२ ॥ समयखेत्ते ण पणयालीस जोयणसयसहस्साइ आयामविक्खंभेण प० । सीमतए णं नरए पणयालीस जोयणसयसहस्साइ आयामविक्खंभेण प० । एव उड्डुविमाणे वि । ईसिपब्भारा णं पुढवी एवं चेव । धम्मे ण अरहा पणयालीस घणइ उड्डु उक्कत्तेणं होत्था । मदरस्स ण पव्वयस्स चउद्दिसिं पि पणयालीस पणयालीस जोयणसहस्साइ अवाहाए अतरे प० । सग्गे वि णं दिवहुखेत्तिया नक्खत्ता पणयालीस मुहुत्ते

अतरे ५० । एवं दयमासस्त केडवस्त न संवस्त न ज्वस्त न दयसीमस्त ईस-  
 रस्त न । मस्तिस्त न अरहमे सत्तावर्षे यन्पञ्चमपमित्तया होरेण । महादिग्धत-  
 द्यपीने वासहरपञ्चवर्षे पीवर्षे पञ्चपिण्डे सत्तावर्षे सत्तावर्षे ओयमस्तहस्तार्ह  
 होषि न संवत्सर् ओयमस्तर्ह दय न एतुवपीसत्तावर्षे ओयमस्त परिषत्तवेर्षे न  
 ॥ १३५ ॥ वडमरोवर्षमासु विपु पुडवीष्ट अष्टावर्षे निरवाद्यसप्तमहस्ता ५ ।  
 नावावरमिस्तस् वैवमिवावयमममेतरावस्त एपि न पंचवर्षे कम्माकपीने  
 अष्टावर्षे उत्तरपञ्चमीमे पञ्चावर्षे । गोवृत्तस्त न आमासपञ्चमस्त पञ्चमिम्भमे  
 वरमंतामे कम्मासुहस्त म्हापायास्तस् वृत्तमस्तदसमाए एव न अष्टावर्षे ओयम-  
 स्तहस्तार्ह अवाद्याए अतरे ५ । एवं वरमिति वि मेमर्ष ॥ १३६ ॥ वरस्त न  
 संवत्सरस्त एममे उक्त एतुवसक्ति राहमिवाह राहमिममेर्ष ५ । संमवे न अरहा  
 एतुवसक्ति पुम्भसवस्तहस्तार्ह अपारमणे वलिता मुंठे वाय पञ्चए । मस्तिस्त न  
 अरहमे एतुवसक्ति ओद्विन्नमित्तया होरेण ॥ १३७ ॥ एममेरे न मंडले वरिए सक्तिम्  
 सक्तिम् सुट्टेर्ह संवत्सर् । कम्भस्त न समुहस्त सक्ति नायमस्तहस्तीमे अम्भोवर्षे  
 वारिषि । मिमके न अरहा सक्ति अचर्ह उर्ह उचतेर्षे होरेण । वस्तिस्त न वट्टेनविहस्त  
 सक्ति सत्तामिक्ताहस्तीमे पञ्चावर्षे । वमस्त न वेविहस्त वेकरम्भो सक्ति सत्तामि-  
 कताहस्तीमे पञ्चावर्षे । छेह्मिस्तावैष्ट होत कम्भे सक्ति मिमातातासवस्तहस्ता  
 ५ ॥ १३८ ॥ पंचसवस्तहस्त न तुमस्त मिममेरेर्षे मिम्भमस्तस् इमसक्ति उक्त-  
 मासा ५ । मंदरस्त न पञ्चमस्त कम्भे कंठे इमसक्ति ओयमस्तहस्तार्ह उर्ह उचतेर्षे  
 ५ । वरमंठके न एतसक्तिमापतिमाए वरमंठे ५ । एवं वरस्त मि ॥ १३९ ॥  
 वरमंठकेर्षे न सुगे वासक्ति पुमिमाओ वासक्ति अमावसाओ वचत्तमे । वासपुम्भस्त  
 न अरहमे वासक्ति गत्ता वासक्ति म्हावरा होरेण । वस्तस्वस्त न वरि वासक्ति भाये  
 विक्ते विक्ते परिषत्तु, से वेव वृत्तममे विक्ते विक्ते परिषत्तु । छेह्मिस्ता-  
 वेष्ट कम्भे पडमे पत्तवे पडमावमिमाए एममेगाए विद्याए अस्तसक्ति वासक्ति मिमाव  
 ५ । उम्भे वैमामिक्ता वासक्ति मिमावकत्ता पञ्चवर्षे ५ ॥ १४ ॥ वसमे  
 न अरहा ओयमिए तेसक्ति पुम्भसवस्तहस्तार्ह म्हावममणे वलिता मुंठे ममिवा  
 अगाएओ अवापारिर्ष पञ्चए । हाविवावरममवासेष्ट म्हावसा वेष्टिए एरिएर्ह  
 सपताओयमा मरंति । मिमके न पञ्चए तेसक्ति वरोवर्ष ५ । एवं मीमंते मि  
 ॥ १४१ ॥ अष्टावर्षिवा न मिमवापमिवा वडसट्टिए एरिएर्ह होरे न अष्टावीष्ट  
 मिमवाएर्ह अहाउर्षे वाव म्हा । वडसक्ति अष्टावर्षावस्तहस्ता ५ ।  
 वमस्त न एओ वडसक्ति सत्तामिक्ताहस्तीमे पञ्चावर्षे । उम्भे मि वनि मुहाने

तिण्हा, भिज्जा, अभिज्जा, कामासा, भोगासा, जीवियासा, मरणासा, नंदी, रागे । गोथूमस्स ण आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्लोओ चरमताओ वलयामुहस्स महापा-  
यालस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमते एस णं वावन्न जोयणसहस्साइ अवाहाए अतरे ५० ।  
एवं दगभासस्स ण केउगस्स सखस्स जूयगस्स दगसीमस्स ईसरस्स । नाणावर-  
णिजस्स नामस्स अतरायस्स एतेसि ण तिण्ह कम्मपगढीण वावन्न उत्तरपयडीओ  
पन्नताओ । सोहम्मसणकुमारमार्हिंदेसु तिसु कप्पेसु वावन्न विमाणावाससयसहस्सा ५०  
॥ १३० ॥ देवकुलउत्तरकुल्याओ ण जीवाओ तेवन्न तेवन्न जोयणसहस्साइ साइरेगाई  
आयामेणं पन्नताओ । महाहिमवतरूपीण वासहरपव्वयाण जीवाओ तेवन्न तेवन्न  
जोयणसहस्साइ नव य एगतीसे जोयणसए छच एगूणवीसइभाए जोयणस्स आया-  
मेण पन्नताओ । समणस्स ण भगवओ महावीरस्स तेवन्न अणगारा सवच्छरपरि-  
याया पचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाविमाणेसु देवत्ताए उववन्ना । समुच्छिम-  
उरपरिसप्पाण उल्लोसेण तेवन्न वाससहस्सा ठिई ५० ॥ १३१ ॥ भरहेरवएसु ण  
वासेसु एगमेगाए उस्सप्पिणीए ओसप्पिणीए चउवन्न चउवन्न उत्तमपुरिसा उप्पज्जिउ  
वा उप्पज्जति वा उप्पज्जिस्सति वा, त जहा-चउवीस तित्यकरा वारस चक्कवडी  
नव वलदेवा नव वासुदेवा । अरहा ण अरिट्टनेमी चउवन्न राइदियाई छउमत्थ-  
परियाय पाउणिता जिणे जाए केवली सव्वन्नू सव्वभावदरिसी । समणे भगव  
महावीरे एगदिवसेण एगनिसिज्जाए चउप्पन्नाइ वागरणाई वागरित्था । अणतस्स णं  
अरहओ चउपन्न गणहरा होत्था ॥ १३२ ॥ मल्लिस्स ण अरहओ [मल्ली ण अरहा]  
पणपन्न वाससहस्साइ परमाउ पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । मंदरस्स ण  
पव्वयस्स पच्चच्छिमिल्लोओ चरमताओ विजयदारस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमते एस ण  
पणपन्न जोयणसहस्साइ अवाहाए अतरे ५० । एव चउइसिं पि विजयवेजयतजयंत-  
अपराजियं ति । समणे भगव महावीरे अतिमराइयसि पणपन्न अज्झयणाइ कल्लाण-  
फलविवागाइ पणपन्न अज्झयणाइ पावफलविवागाइ वागरित्ता सिद्धे बुद्धे जाव  
प्पहीणे । पढमविइयासु दोसु पुढवीसु पणपन्न निरयावाससयसहस्सा ५० । दंसणा-  
वरणिज्जनामाउयाण तिण्ह कम्मपगढीणं पणपन्न उत्तरपगढीओ ५० ॥ १३३ ॥  
जंबुदीचे णं वीवे छप्पन्नं नक्खत्ता चंदेण सद्धिं जोगं जोईसु वा जोइति वा जोइस्सति  
वा । विमलस्स ण अरहओ छप्पन्न गणा छप्पन्न गणहरा होत्था ॥ १३४ ॥ तिण्ह  
गणिपिडगार्णं आयारचूलियावज्जाण सत्तावर्णं अज्झयणा ५० त जहा-आयारे  
सूयगढे ठाणे । गोथूमस्स णं आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्लोओ चरमताओ वलया-  
मुहस्स महापायालस्स बहुमज्झदेसभाए एस ण सत्तावर्णं जोयणसहस्साइ अवाहाए



पव्वया पल्लासठाणसठिया सव्वत्थ समा विक्खभुस्सेहेग चउसट्ठि जोयणसहस्साई  
 प० । सोहम्मीसाणेसु वभलोए य तिसु कप्पेसु चउसट्ठि विमाणावाससयसहस्सा  
 प० । सव्वस्स वि य णं रओ चाउरतचक्खवट्ठिस्स चउसट्ठिलट्ठीए महग्घे मुत्तामणि  
 (मए)हारे प० ॥ १४२ ॥ जवुद्दीवे णं वीवे पणसट्ठि सूरमडला प० । येरे ण मोरि-  
 यपुत्ते पणसट्ठिवासाइ अगारमज्जे वसित्ता मुडे भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्व  
 इए । सोहम्मवडिसयस्स णं विमाणस्स एगमेगाए वाहाए पणसट्ठि पणसट्ठि भोमा  
 प० ॥ १४३ ॥ दाहिणभ्रुमाणस्सखेत्ता ण छावट्ठि चदा पभासिसु वा पभासति वा  
 पभासिस्सति वा । छावट्ठि सूरिया तविसु वा तवति वा तविस्सति वा । उत्तरभ्रु-  
 माणस्सखेत्ता ण छावट्ठि चदा पभासिसु वा पभासति वा पभासिस्सति वा ।  
 छावट्ठि सूरिया तविसु वा तवति वा तविस्सति वा । सेज्जतस्स ण अरहओ छावट्ठि  
 गणा छावट्ठि गणहरा होत्था । आभिणिगोहियनाणस्स ण उक्कोसेण छावट्ठि साग  
 रोवमाइ ठिई प० ॥ १४४ ॥ पचसवच्छरियस्स ण जुगस्स नक्खत्तमासेण मिज्ज  
 माणस्स सत्तसट्ठि नक्खत्तमासा प० । हेमवयएरजवयाओ णं वाहाओ सत्तट्ठि सत्तट्ठि  
 जोयणसयाइ पणपन्नाइ तिणिण य भागा जोयणस्स आयामेण प० । मदरस्स ण  
 पव्वयस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमताओ गोयमवीवस्स पुरच्छिमिल्ले चरमते एस ण  
 सत्तसट्ठि जोयणसहस्साइ अवाहाए अतरे प० । सव्वेसिं पि ण नक्खत्ताणं सीमा-  
 विक्खंमे ण सत्तट्ठि भाग भइए समसे प० ॥ १४५ ॥ धायइसडे ण वीवे अडसट्ठि  
 चक्खवट्ठिविजया अडसट्ठि रायहाणीओ प० । उक्कोसपए अडसट्ठि अरहता समु-  
 प्पज्जिसु वा समुप्पज्जति वा समुप्पज्जिस्सति वा । एव चक्खवट्ठी वलदेवा वासुदेवा ।  
 पुक्खरवरवीवट्ठे ण अडसट्ठि विजया एवं चेव जाव वासुदेवा । विमलस्स ण  
 अरहओ अडसट्ठि समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसपया होत्था ॥ १४६ ॥  
 समयखित्ते ण मदरवज्जा एगूणसत्तरिं वासा वासधरपव्वया प० तं जहा-पणतीस  
 वासा तीस वासहरा चत्तारि उल्लयारा । मदरस्स पव्वयस्स पचच्छिमिल्लाओ चरम-  
 ताओ गोयमवीवस्स पचच्छिमिल्ले चरमते एस ण एगूणसत्तरिं जोयणसहस्साई  
 अवाहाए अतरे प० । मोहणिज्जवज्जाणं सत्तण्ह कम्मपगढीण एगूणसत्तरिं उत्तर-  
 पगढीओ पन्नत्ताओ ॥ १४७ ॥ समणे भगव महावीरे वासाण सवीसइराए मासे  
 वइक्कते सत्तरिंएहिं राईदिंएहिं सेसेहिं वासावास पज्जोसवेइ । पासे णं अरहा पुरि  
 सादाणीए सत्तरिं वासाई बहुपडिपुजाइ सामन्नपरियाग पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव  
 प्पहीणे । वासुपुजे णं अरहा सत्तरिं घणूइ उद्ध उच्चत्तेण होत्था । मोहणिज्जस्स णं  
 कम्मस्स सत्तरिं सागरोवमकोढाकोढीओ अवाहणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेगे प० ।



पश्चिमा एकाशीह रात्रिपुष्टिं चतुर्ष्वि न पंचुत्तरेष्टिं ( मिश्रवासपुष्टिं ) अष्टादशं वाच  
 आरुहन्ता । कुंडस्त न अरुहन्ते एकाशीति मन्वपमन्वमिच्छता होत्वा । मिश्राहपच-  
 तीए एकाशीति महाहममसता न ॥ १५५ ॥ अंशुद्वैते रीते वाचीनं मंडकनं न  
 हरिपु कुंडस्तो संक्रमिता न चारं अरुह, तं अरुह-मिच्छममाने न पश्चिमाय न ।  
 समवे मन्व महावीरे वाचीए रात्रिपुष्टिं चतुर्ष्वि मन्मात्रो गन्धं साहरिपु । महा-  
 क्षिप्रतस्त न वाचहरपमस्त चचरिपुष्टो चरुमतामो सोपचिस्त कंडस्त हेष्टिमे  
 चरुमंत एव न वाचीह ज्येष्ठाववाह अवाहाए अतरे प । एव उपिस्त नि ॥ १५६ ॥  
 समवे मन्व महावीरे वाचीह रात्रिपुष्टिं चतुर्ष्वि तेमासीमे रात्रिपुष्टिं चतुर्ष्वि  
 मन्मात्रो मन्व साहरिपु । रीयकस्त न अरुहन्ते रीचीह मन्वा रीचीह मन्वा  
 होत्वा । वेरे न मन्विपुष्टे रीचीह वाचाहं सम्वाज्य पाच्यत्वा सिद्धे वाच प्यहीमे ।  
 ठचमे न अरुह चोसमिपु रीचीह पुष्पचकसहस्ताहं चपतरम्यो वसिता सुष्टि  
 ममिता न वाच पम्यत्पु । मरुते न रात्रि वाचरीयकचतु रीचीह पुष्पचमसहस्ताहं  
 अवाचम्यो वसिता सिद्धे वाच केचनी सम्वाज्य सम्वाचरिपुष्टि ॥ १५७ ॥  
 चरुवाचीह निरवाचसकसहस्ता प । समवे न अरुह चोसमिपु चरुवाचीह  
 पुष्पचकसहस्ताहं सम्वाज्य पाच्यत्वा सिद्धे कुंडे वाच प्यहीमे । एव मरुते वाचुचमे  
 वीची सुष्टि । सिद्धि न अरुह चरुवाचीह वाचसकसहस्ताहं सम्वाज्य पाच्यत्वा  
 सिद्धे वाच प्यहीमे । सिद्धि न वाचरीये चरुवाचीह वाचसकसहस्ताहं सम्वाज्य  
 पम्यत्वा मप्यत्वा नरप वैरुचत्वाए उचम्यो । सहस्त न हेमिस्त देवचो  
 चरुवाचीह सामान्मिवाहस्तीमो पच्यन्ते । समवे नि न अरुहवा मंदरा चरुवा-  
 चीह चरुवाचीह ज्येष्ठाववाहसाहं सुष्टि उचतेन प । समवे नि न अत्रमपम्यक  
 चरुवाचीह चरुवाचीह ज्येष्ठाववाहसाहं सुष्टि उचतेन प । हरिवासम्यमवाचिवाचं  
 जीवाचं पचुरिपु चरुवाची ज्येष्ठाववाहसाहं सोध्व ज्येष्ठाहं चतारि व भावा  
 ज्येष्ठास पचिमेवै न प । पंचाङ्गकस्त न कंडस्त चरुमतामो चरुमतामो हेष्टिमे  
 चरुमते एव न चोवाचीह ज्येष्ठाववाहसाहं अवाहाए अतरे प । मिश्राहपचतीए  
 न मन्वकटीए चरुवाचीह कसहस्ता मन्मात्रं प । चोवाचीह नाममात्रवाचस-  
 सहस्ता प । चोवाचीह पचपसहस्ताहं पचताहं । चोवाचीह ज्येष्ठाववाहस-  
 सहस्ता प । पुष्पाहवाचं रीतिपुष्टिवाचकसाचानं चतुर्ष्विचरुवाचं चोवाचीए  
 पुचतारि प । उचमस्त न अरुहन्ते चोसमिस्त चरुवाचीह मन्वा चरुवाचीह  
 पच्यत्वा होत्वा उचमस्त न अरुहन्ते चोसमिस्त चरुवाचीह मन्वा चरुवाचीह  
 सहस्ताहस्तीमो होत्वा । समवे नि चरुवाचीह निमावाचसकसहस्ता

जोयणसयाइ साहियाई उत्तराहिमुही पवहिता वडरामयाए जिन्भियाए चउजोयणा  
यामाए पन्नासजोयणविक्रंभाए वडरतले कुंडे महया घडमुहपवत्तिएणं मुत्तावलि  
हारसठाणसठिएण पवाएण महया सहेण पवडइ । एव सीता वि दक्खिणाहिमुही  
भाणियव्वा । चउत्थवज्जासु छसु पुठवीसु चोवत्तरि नरयावाससयसहस्सा प०  
॥ १५२ ॥ सुविहिस्स ण पुप्फदत्तस्स अरहओ पन्नत्तरि जिणसया होत्था । सीतले  
णं अरहा पन्नत्तरि पुव्वसहस्साइ अगारवासमज्जे वसित्ता मुढे भविता जाव पव्व  
इए । सती णं अरहा पन्नत्तरिवाससहस्साइ अगारवाममज्जे वसित्ता मुढे भविता  
अगाराओ अणगारिय पव्वइए ॥ १५३ ॥ छावत्तरि विज्जुमुमारावाससयसहस्सा  
प० । एवं-वीवदिसाउदहीण, विज्जुकुमारिंदयणियमग्गीण । छण्ह पि जुगलयाण,  
छावत्तरि सयसहस्साइ ॥ १५४ ॥ भरहे राया चाउरतचक्कवट्ठी सत्तहत्तरि पुव्वसय  
सहस्साइ कुमारवासमज्जे वसित्ता महारायाभिसेयं सपत्ते । अगर्वसाओ णं सत्तहत्तरि  
रायाणो मुढे जाव पव्वइया । गद्धोयतुसियाणं देवाण सत्तहत्तरि देवसहस्सपरिवारा  
प० । एगमेगे ण मुहुत्ते सत्तहत्तरिं लवे लवग्गेण प० ॥ १५५ ॥ सक्कस्स[णं] देविंदस्स  
देवरओ वेसमणे महाराया अट्टहत्तरीए सुवन्नकुमारवीवकुमारावाससयसहस्साणं  
आहेवच्च पोरेवच्चं सामित्त भट्ठित्त महारायत्त आणाईसरसेणावच्च कारेमाणे पालेमाणे  
विहरइ । थेरे ण अकपिए अट्टहत्तरिं वासाई सव्वाउय पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे ।  
उत्तरायणनियट्ठे णं सूरिए पढमाओ मडलाओ एगूणचत्तालीसइमे मडले अट्टहत्तरिं  
एगसट्ठिभाए दिवसखेत्तस्स निवुद्धेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिनिवुद्धेत्ता णं चार चरड,  
एव दक्खिणायणनियट्ठे वि ॥ १५६ ॥ वलयामुहस्स ण पायालस्स हिट्ठिआओ चर  
मंताओ इमीसे णं रयणप्पभाए पुठवीए हेट्ठिछे चरमंते एस णं एगूणासिं जोयणस  
हस्साई अवाहाए अतरे प० । एवं केउस्स वि जूयस्स वि ईसरस्स वि । छट्ठीए  
पुठवीए बहुमज्जट्टेसभायाओ छट्ठस्स घणोदहिस्स हेट्ठिछे चरमंते एस ण एगूणा  
सीति जोयणसहस्साई अवाहाए अतरे प० । जवुद्धीवस्स ण वीवस्स वारस्स य  
वारस्स य एस ण एगूणासीई जोयणसहस्साइ साइरेगाई अवाहाए अतरे प०  
॥ १५७ ॥ सेज्जसे ण अरहा असीई धणूइ उच्चत्तेणं होत्था । तिविट्ठे ण वाउं  
देवे असीई धणूइ उच्चत्तेणं होत्था । अयले णं वलदेवे असीई धणूइ उच्च  
त्तेणं होत्था । तिविट्ठे ण वाउंदेवे असीइवामसयसहस्साई महाराया होत्था । आज-  
वहुले णं कंडे असीइ जोयणसहस्साइ वाहल्लेणं प० । ईसाणस्स देविंदस्स देवरओ  
असीई सामाणियसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । जंबुद्धीवे ण वीवे असीउत्तरं जोयणसयं ओगा-  
हेत्ता सूरिए उत्तरकट्ठोघगए पढम उदय करेइ ॥ १५८ ॥ नवनवमिया णं भिक्ख-



गत्ताणउई च महस्सा तेवीसं च विमाणा भानीति मत्तानं ॥ १६३ ॥  
 आयास्स ण भगवओ मचूळियागस्सा पंचासीइ उदेमगहात्ता प० । धायद्वउस्स  
 ण मदरा पचासीइ जोगणसहस्साई सज्जग्गेण प० । रुए ण मउत्थिपव्वाए पचा-  
 सीइ चोयणसहस्साई मज्जग्गेण प० । नदणवणस्स ण हेट्ठिओओ चरमताओ मोगधि-  
 यस्सा पंडस्स हेट्ठिओ चरमते एम ण पचासीइ जोगणसयाई अवाहाए अंतरे प०  
 ॥ १६३ ॥ गुणिहिस्स ण पुण्णदंनस्स अरहओ छलसीइ गणा छलसीइ गगहा  
 होत्था । सुपागम्म ण अरहओ छलसीइ वादमचा होत्था । दोयाए ण पुउवीए बहु-  
 मज्जदेसभागाओ दोयस्स पगेदहिस्स हेट्ठिओ चरमते एम ण छलसीइ जोगणसह-  
 स्साई अवाहाए अंतरे प० ॥ १६४ ॥ मंदरस्स ण पव्वयस्स पुरच्छिमिओओ चर-  
 मताओ गोधूभस्स आवासपव्वयस्स पवच्छिमिओ चरमते एम ण सत्तासीइ जोया  
 सहस्साइ अवाहाए अंतरे प० । मंदरस्स ण पव्वयस्स दन्तिणिओओ चरमताओ  
 दगभासस्स आवासपव्वयस्स उत्तछिओ चरमते एम ण सत्तासीइ जोयणसहस्साई  
 अवाहाए अंतरे प० । एव मदरस्स पवच्छिमिओओ चरमताओ सत्तस्स आवास  
 पव्वयस्स पुरच्छिमिओ चरमते एम ण सत्तासीइ जोयणसहस्साइ अवाहाए अंतरे  
 प० । एव चैव मदरस्स उत्तछिओओ चरमताओ दगसीमस्स आवासपव्वयस्स दाहि-  
 णिओ चरमते एम ण सत्तासीइ जोयणसहस्साई अवाहाए अंतरे प० । छण्ड कम्म  
 पगणीण आदमउवरिणवज्जाग सत्तासीइ उत्तरपगणीओ पन्नताओ । महाहिमवतकू-  
 उस्स ण उवरिमंताओ सोगधियस्स कउस्स हेट्ठिओ चरमते एम ण सत्तासीइ जोय-  
 णसयाई अवाहाए अंतरे प० । एव सप्पिउउस्स वि ॥ १६५ ॥ एगमेगस्स ण चरि-  
 मसूरियस्स अट्ठासीइ अट्ठासीइ महग्गहा परिवारो प० । दिट्ठिवायस्स ण अट्ठासीइ  
 सुताइ पन्ताई, तं जहा—उज्जुसुय परिणयापरिणय एव अट्ठासीइ सुताणि भाणिय-  
 व्वाणि जहा नवीए । मदरस्स ण पव्वयस्स पुरच्छिमिओओ चरमताओ गोधूभस्स  
 आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिओ चरमते एम ण अट्ठासीइ जोयणसहस्साई अवाहाए  
 अंतरे प० । एव चउमु वि दिसामु नेयव्व । वाहिराओ उत्तराओ ण कट्ठाओ सूरि  
 पढम छम्मास अयमाणे चोयालीसइमे मउलगते अट्ठासीति एगसट्ठिभागे सुहुत्तस्स  
 दिवसखेत्तस्स निवुद्धेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिनिवुद्धेत्ता सूरि चार चरइ । दक्खिण-  
 कट्ठाओ ण सूरि दोध छम्मास अयमाणे चोयालीसतिमे मउलगते अट्ठासीइ एग-  
 सट्ठिभागे सुहुत्तस्स रयणिखेत्तस्स निवुद्धेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिनिवुद्धेत्ता ण सूरि  
 चार चरइ ॥ १६६ ॥ उसमे ण अरहा कोसलिए इनीसे ओमप्पिणीए ततियाए सुस-  
 मद्दसमाए (समाए) पच्छिमे भागे एग्गणउत्तं सेहिं सेसेहिं कालगए जाव सव्व-

उभयेहेन प । सत्ये नि नं कंचनमपम्ववा एमयेनं ओयनसर्नं उहुं उचतेनं प  
 एमयेनं माडनसर्नं उभयेहेनं प । एमयेनं ओयनसर्नं मूळि निरुधंतेनं प ॥ १७८॥  
 बहप्यमे नं अरहा निरुधं वजुसर्नं उहुं उचतेनं होत्वा । अरहे कये निरुधं  
 निमात्वावासर्नं प । एनं अमुए नि ॥ १७९ ॥ उपाये नं अरहा हो वजुसर्नं  
 उहुं उचतेनं होत्वा । सत्ये नि नं महादिगर्भतस्पीनासहरपम्ववा हो हो ओयन-  
 सर्नार्नं उहुं उचतेनं प । हो हो याउमसर्नार्नं उभयेहेनं प । अमुहीने नं हीने हो  
 कंचनमपम्वसर्नं प ॥ १८० ॥ वजमप्यमे नं अरहा अह्माह्मार्नं वजुसर्नार्नं उहुं  
 उचतेनं होत्वा । कसुडुमारुधं देवानं पासासवडिपया अमुह्माह्मार्नं ओयनसर्नार्नं  
 उहुं उचतेनं प ॥ १८१ ॥ सुमये नं अरहा तिन्नि वजुसर्नार्नं उहुं उचतेनं  
 होत्वा । अरिहनेनी नं अरहा तिन्नि वाससर्नार्नं कुमारवासमज्जे वसिष्ठा मुडे मलित्त  
 ज्ञान एम्वह्म । विमलिनानं देवानं निमात्वापायरा तिन्नि तिन्नि ओयनसर्नार्नं उहुं  
 उचतेनं प । समसस मयमज्जे महावीरसु तिन्नि एवानि ओहसपुम्मीनं होत्वा ।  
 नं वजुसर्नसु नं अस्मिसापीरियसु तिन्निपम्वसु छातिरेणमि तिन्नि वजुसर्नानि  
 जीवन्नेहेमेमाह्म प ॥ १८२॥ पाससु नं अरहभो पुरिषात्वापीमसु अमुह्माह्मार्नं  
 ओहसपुम्मीनं संनवा होत्वा । अमिनेरये नं अरहा अमुह्माह्मार्नं वजुसर्नार्नं उहुं  
 उचतेनं होत्वा ॥ १८३ ॥ संमये नं अरहा वज्जरी वजुसर्नार्नं उहुं उचतेनं  
 होत्वा । सत्ये नि नं निरुधंतीकर्मता वासहरपम्ववा वज्जरी वज्जरी ओयनसर्नार्नं  
 उहुं उचतेनं वज्जरी वज्जरी माडनसर्नार्नं उभयेहेनं प । सत्ये नि नं वन्नाए-  
 पम्ववा निम्ववोम्ववसुहरपम्ववा नं वज्जरी वज्जरी ओयनसर्नार्नं उहुं उचतेनं  
 वज्जरी वज्जरी वासमसर्नार्नं उभयेहेनं पवौ । अत्यमपम्वसु होह कयेसु वज्जरी  
 निमात्सवा प । उअससु नं मयमज्जे महावीरसु वज्जरी उअ वार्नं सदेव-  
 श्चुमार्नमि ओयमि वाए अपराजियार्नं उओहिया वाससर्नवा होत्वा ॥ १८४ ॥  
 अजिए नं अरहा मडपंम्यार्नं वजुसर्नार्नं उहुं उचतेनं होत्वा । उमये नं उमा  
 वाडरीवज्जरी अहरेम्यार्नं वजुसर्नार्नं उहुं उचतेनं होत्वा ॥ १८५ ॥ सत्ये नि  
 नं वज्जरीपम्ववा वीमावीमोमाओ म्हावीमो वंहरपम्वमतेनं पंच पंच ओयन-  
 सर्नार्नं उहुं उचतेनं पंच पंच माडनसर्नार्नं उभयेहेनं प । सत्ये नि नं वासहरपम्ववा  
 पंच पंच ओयनसर्नार्नं उहुं उचतेनं होत्वा । मूळि पंच पंच ओयनसर्नार्नं निरुधंतेनं  
 प । उअमे नं अरहा ओहजिए पंच वजुसर्नार्नं उहुं उचतेनं होत्वा । धरहे नं  
 एवा वाडरीवज्जरी पंच वजुसर्नार्नं उहुं उचतेनं होत्वा । ओयनसर्नमवादन-  
 निमुपम्वमम्वम्वानं वज्जरीपम्ववानं वंहरपम्वम्वतेनं पंच पंच ओयनसर्नार्नं उहुं

णाओ चरमताओ गोथूमस्म ण आवासपव्वयस्म पचच्छिमिन्ने चरमते एस ण सत्ता-  
 णउइ जोगणसहस्साइ अवाहाए अतरे पज्जेते । एव चउदिसिं पि । अट्ठण्डं छम्प  
 गभीण सत्ताणउइ उत्तरपगभीओ पज्जेताओ । हरिसेणे णं राया चाउरतचपवटी देस-  
 णाई सत्ताणउइ वाससयाइ अगारमज्जे वसिता मुडे भविता ण जाव पव्वइए  
 ॥ १७५ ॥ नदणवणस्म ण उवखिणओ चरमताओ पडुयवणस्स हेट्ठिं चरमते एस  
 णं अट्ठाणउइ जोगणसहस्साई अवाहाए अतरे पज्जेते । मदरस्स णं पव्वयस्स पच-  
 च्छिमिन्नाओ चरमताओ गोथूमस्स आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिन्ने चरमते एस णं  
 अट्ठाणउइ जोगणसहस्साई अवाहाए अतरे प० । एवं चउदिसिं पि । दाहिणभर-  
 ह्वस्स ण धणुप्पिट्ठे अट्ठाणउइ जोगणसयाई किंचूणाइ आयामेणं पज्जेते । उत्तराओ  
 ण कट्ठाओ सूरिए पढम छम्मास अयमाणे एगूणपन्नासतिमे मडलगते अट्ठाणउइ  
 एकसट्ठिभागे मुहुत्तस्स दिवसखेत्तस्स निवुट्ठेता रयणिलेत्तस्स अभिनिवुट्ठिता ण  
 सूरिए चारं चरइ । दक्खिणओ णं कट्ठाओ सूरिए दोचं छम्मास अयमाणे एगूण-  
 पन्नासइमे मडलगते अट्ठाणउइ एकसट्ठिभाए मुहुत्तस्स रयणिलेत्तस्स निवुट्ठेता  
 दिवसखेत्तस्स अभिनिवुट्ठिता ण सूरिए चार चरइ । रेवइपढमजेट्ठापज्जवसाणाण  
 एगूणवीसाए नक्खत्ताण अट्ठाणउइ ताराओ तारगेण पज्जेताओ ॥ १७६ ॥ मदरे  
 ण पव्वए णवणउइ जोगणसहस्साइ उट्ठ उचत्तेण पज्जेते । नदणवणस्स ण पुरच्छि-  
 मिन्नाओ चरमताओ पचच्छिमिन्ने चरमते एस ण नवनउइ जोगणसयाई अवाहाए  
 अतरे पज्जेते । एव दक्खिणिन्नाओ चरमताओ उत्तरिं चरमते एस ण णवणउइ  
 जोगणसयाइ अवाहाए अतरे पज्जेते । उत्तरे पढमे सूरियमडले नवनउइ जोगण  
 सहस्साई साइरेगाई आयामविक्खभेणं पज्जेते । दोचे सूरियमडले नवनउइ जोगण  
 सहस्साइ साहियाई आयामविक्खभेणं पज्जेते । तइए सूरियमडले नवनउइ जोगण  
 सहस्साइ साहियाइ आयामविक्खभेण पज्जेते । इमीसे णं रयणप्पभाए पुठवीए  
 अजणस्स कडस्स हेट्ठिन्नाओ चरमताओ वाणमतरभोमेज्जविहाराण उवरिमते एस  
 ण नवनउइ जोगणसयाइ अवाहाए अतरे पज्जेते ॥ १७७ ॥ दसदसमिया ण  
 भिक्खुपडिमा एगेणं राइदियसतेण अद्धछट्ठेहिं भिक्खासतेहिं अहासुत्ता जाव आरा  
 हिया वि भवइ । सयभिसया नक्खत्ते एकसयतारे पज्जेते । सुविही पुप्फदते णं  
 अरहा एग धणूसय उट्ठ उचत्तेण होत्था । पासे ण अरहा पुरिसादाणीए एक वास  
 सय सव्वाउय पालइता सिद्धे जाव प्पहीणे । एवं थेरे वि अज्जसुहम्मे । सव्वे वि  
 णं सीहवेयङ्गपव्वया एगमेग गाउयसय उट्ठ उचत्तेण प० । सव्वे वि णं चुल्लहिम-  
 वंतसिहरीवासहरपव्वया एगमेगं जोगणसयं उट्ठ उचत्तेण प० एगमेगं गाउयसयं



उच्चतेण पंच पच गाउयसयाइ उव्वेहेण प० । सव्वे वि ण वक्खारपव्वयकूडा हरिहरिस्सहकूडवज्जा पच पच जोयणसयाइ उच्च उच्चतेण मूले पंच पच जोयणसयाइ आयामविक्खमेण प० । सव्वे वि ण नदणकूडा वलकूडवज्जा पंच पंच जोयणसयाइ उच्च उच्चतेण मूले पच पच जोयणसयाइ आयामविक्खमेण प० । सोहम्मी साणेसु कप्पेसु विमाणा पच पच जोयणसयाइ उच्च उच्चतेण प० ॥ १८६ ॥ सण-कुमारमार्हिदेसु कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाइ उच्च उच्चतेण प० । चुल्लहिमवत-कूडस्स उवरिल्लाओ चरमताओ चुल्लहिमवतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस ण छ जोयणसयाइ अवाहाए अतरे पन्नत्ते । एव सिहरीकूडस्स वि । पासस्स ण अरहओ छ सया वार्इण सदेवमणुयासुरे लोए वाए अपराजियाण उक्कोसिया वार्इस-पया होत्था । अभिचंदे ण कुलगरे छ धणुसयाइ उच्च उच्चतेण होत्था । वासुपुज्जे ण अरहा छहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंढे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १८७ ॥ वमलतएसु कप्पेसु विमाणा सत्त सत्त जोयणसयाइ उच्च उच्चतेण प० । समणस्स ण भगवओ महावीरस्स सत्त जिणसया होत्था । समणस्स भगवओ महावीरस्स सत्त वेजव्वियसया होत्था । अरिट्ठनेमी ण अरहा सत्त वाससयाइ देसूणाइ केवलपरियाग पाउणिता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । महाहिमवतकूडस्स ण उवरिल्लाओ चरमताओ महाहिमवतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस ण सत्त जोयणसयाइ अवाहाए अतरे पन्नत्ते । एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ १८८ ॥ महासुक्कसहस्सारेसु दोसु कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयणसयाइ उच्च उच्चतेण प० । इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए पढमे कढे अट्ठसु जोयणसएसु वाणमतरभोमेज्जविहारा प० । समणस्स ण भगवओ महा-वीरस्स अट्ठसया अणुत्तरोववाइयाणं देवाण गइक्कलाणाण ठिइक्कलाणाण आगमेसि-मद्धानं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठहिं जोयणसएहिं सूरिए चारं चरइ । अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स अट्ठ सयाइ वार्इण सदेवमणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाण उक्कोसिया वार्इसपया होत्था ॥ १८९ ॥ आणयपाणयआरणअच्चुएसु कप्पेसु विमाणा नव नव जोयणसयाइ उच्च उच्चतेण प० । निसडकूडस्स ण उवरिल्लाओ सिहरतलाओ णिसडस्स वासहरपव्वयस्स समे धरणितले एस ण नव जोयणसयाइ अवाहाए अतरे पन्नत्ते । एवं नीलवतकूडस्स वि । विमलवाहणे णं कुलगरे ण नव धणुसयाइ उच्च उच्चतेण होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ नवहिं जोयणसएहिं सव्वुवरिमे तारारूवे चारं चरइ । निसडस्स णं वासहरपव्वयस्स उव-रिल्लाओ सिहरतलाओ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमस्स कडस्स बहुमज्जदे-



सुखमिति, सोमास्तेष्वे सुखमिति । सुखमते न जीवाजीवसुखप्रदासकसंवादिभिरन-  
र्थवयोन्यस्यवाचा पक्षश्च सुखमिति । समानार्थे अविरत्तमस्यार्थान् कृतमयमे-  
वेत्यस्येतिनाथं संवेदवानसहजबुद्धिपरिणामसंवादायार्थं पावकमभिमताह्यनित्ये-  
वत्ये अर्थोक्तस्य निरतिवादात्मकस्य चतुर्थापि अतिरिक्तार्थं चतुर्थापि अन्ता-  
मित्यर्थं नतीयापि वेदस्यार्थं तिष्ठं चतुर्थं अन्तर्हितस्यार्थं च त्वि-  
सस्यपि अतिरिक्तं नावतिष्ठत्वनवमित्यादि सुख इति सर्वथा निविहितस्यासुखमपरम-  
सुखमाह्यनित्येति मीमांसकप्रयोगात् त्वारा अन्तावतमेवकारुण्येन वीक्ष्यया  
स्तेनाथा चेव विविक्तव्यभिचयमस्य निश्चिन्तोमनिष्कर्षा इत्यर्थः । इत्यादस्य न  
वतीता वाक्या संवेजा अनुमोपहार संवेजान्ते पठित्वातो संवेजा वेदा संवेज्य  
सिद्धेया संवेज्यतो विमुक्त्यो । स न अयमुपाय सोमे अन्ये सो इत्यनर्थं वा ठेपेते  
अज्ज्ञमथा ठेपेते ज्ञेयकदाप्य ठेपेते समुचितकदाप्य कर्तव्यं पक्षहस्ताई पक्ष-  
मोर्त्तं पक्षपादं, संवेजा अकलाप अर्त्ता ममा अर्त्ता पञ्चा परित्ता तसा अर्त्ता  
वावरा वासना कदा निश्चय विद्याया विजयवत्या भावा आपत्तिरिति पक्षमिति  
पक्षमिति इतिरिति निरतिरिति उत्तरतिरिति । से एवं आस्य एवं वाया एवं  
निश्चय्य एवं वावकदाप्यकदाप्य आपत्तिरिति पक्षमिति पक्षमिति इतिरिति  
निरतिरिति उत्तरतिरिति । सेत सुखमते ॥ ११२ ॥ से किं तं ज्ञेयं ? ज्ञेये न  
सुखमथा अतिरिक्तं, परसमवा अतिरिक्तं सुखमपरसमवा अतिरिक्तं, जीव्य  
अतिरिक्तं अजीव्य अतिरिक्तं जीवाजीव्य अतिरिक्तं, ज्ञेया अतिरिक्तं अज्ञेया  
अतिरिक्तं ज्ञेयाज्ञेया अतिरिक्तं ज्ञेयेन इत्यनुवचोत्तरावयवपरत्वात्—तेष्व  
सहितं न सुखं, सुखमवतिमिमांशमावरणीयो । निश्चिन्तो पुरिसज्ज्ञाना सप्त न  
योत्ता न ज्योतिषाद्य ॥ १ ॥ पक्षमिहवत्तमं बुद्धिं अन्य इतिहवत्तमं, जीवाव  
येत्यवयव न ज्योतिषं न न पक्षमन्त आपत्तिरिति । अतस्तु न परित्ता वावथा  
संवेजा अनुमोपहार संवेजान्ते पठित्वातो संवेजा वेदा संवेज्य सिद्धेया  
संवेज्यतो वीप्सवीयो । से न अयमुपाय त्वपि अन्ये एते इत्यनर्थं, दस अज्ज्ञ-  
मथा एवतीर्थं ज्ञेयकदाप्य ( एवतीर्थं समुचितकदाप्य ) वावपरि पक्षहस्ताई  
पक्षमोर्त्तं पक्षपादं । संवेजा अकलाप, ( अर्त्ता ममा ) अर्त्ता पञ्चा परित्ता  
तसा अर्त्ता वावरा वासना कदा निश्चय विद्याया विजयवत्या भावा आपत्ति-  
रिति पक्षमिति पक्षमिति ( इतिरिति ) निरतिरिति उत्तरतिरिति । से एवं  
आस्य एवं वाया एवं निश्चय्य एवं वावकदाप्यकदाप्य आपत्तिरिति । से तं ज्ञेये  
॥ ११३ ॥ से किं तं ज्ञेयत्वात् । समवायं न सुखमथा सुखमिति परसमवा सुखमिति

इखडे ण धीवे चत्तोरि ज्योयणसयसहस्साइ चक्कवालवैक्खभेण पन्नत्ते ॥ २०२ ॥  
 लवणस्स ण समुहस्स पुरच्छिमिल्लोओ चरमताओ पच्चच्छिमिल्ले चरमते एस ण पंच  
 ज्योयणसयसहस्साइ अवाहाए अतरे पन्नत्ते ॥ २०३ ॥ भरहे ण राया चाउरंतचक्क-  
 यट्ठी छ पुव्वसयसहस्साइ रायमज्जे वसित्ता मुडे भवित्ता अगाराओ अणगारिं  
 पव्वइए ॥ २०४ ॥ जवूबीवस्स ण धीवस्स पुरच्छिमिल्लोओ वेइयताओ धायइखड-  
 चक्कवालस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमते एस ण सत्त ज्योयणसयसहस्साइ अवाहाए अतरे  
 पन्नत्ते ॥ २०५ ॥ माहिंदे ण कप्पे अट्ठ विमाणावाससयसहस्साइ पन्नत्ताइ ॥ २०६ ॥  
 अजियस्स ण अरहओ साइरेगाई नव ओहिनाणिसहस्साइ होत्था ॥ २०७ ॥  
 पुरिससीहे ण वासुदेवे दस वाससयसहस्साइ सव्वाउय पालइत्ता पचमाए पुढवीए  
 नेरइएसु नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ २०८ ॥ समणे भगव महावीरे तित्थगरभवग्गहणाओ  
 छट्ठे पोट्टिलभवग्गहणे एग वासकोडिं सामन्नपरियाग पाउणित्ता सहस्सारे कप्पे  
 सव्वट्ठविमाणे देवत्ताए उववन्ने ॥ २०९ ॥ उसभसिरिस्स भगवओ चरिमस्स म  
 महावीरवद्धमाणस्स एगा सागरोवमकोडाकोढी अवाहाए अतरे पन्नत्ते ॥ २१० ॥  
 दुवालसगे गणिपिडगे पन्नत्ते, त जहा-आयारे, सूयगडे, ठाणे, समवाए,  
 विवाहपन्नत्ती, णायाधम्मकहाओ, उवासगदसाओ, अतगडदसाओ, अणुत्तरोव-  
 चाइयदसाओ, पण्हावागरणाई, विवागसुए, दिट्ठिवाए । से कि त आयारे ?  
 आयारे णं समणानं निग्गथानं आयारगोयरविणयवेणइयट्ठाणगमणवक्कमणपमाण-  
 जोगजुजणभासासमितिगुत्तीसेज्जोवहिभत्तपाणउग्गमउप्पायणएसणाविसोहिमुद्धाद्ध-  
 गहणवयणियमतवोवहाणसुप्पसत्थमाहिज्जइ । से समासओ पंचविहे पन्नत्ते, तं  
 जहा-णाणायारे, दंसणायारे, चरित्तायारे, तवायारे, विरियायारे । आयारस्स ण  
 परित्ता वायणा, सखेज्जा अणुओगदारा, सखेज्जाओ पडिवत्तीओ, सखेज्जा बेडा,  
 संखेज्जा सिलोगा, सखेज्जाओ निज्जुत्तीओ । से णं अगट्ठयाए पढमे अगे दो सुय-  
 वक्खधा, पणवीस अज्झयणा, पचासीई उहेसणकाला, पचासीइ समुहेसणकाला,  
 अट्ठारस पदसहस्साइ पदग्गेण, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा,  
 परित्ता तसा, अणता थावरा, सासया कडा निषट्ठा णिकाइया जिणपण्णत्ता भाषा  
 आघविज्जंति पण्णविज्जंति परुविज्जंति दसिज्जंति निदसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एव  
 णाया एव विण्णयाया । एव चरणकरणपरुवणया आघविज्जंति पण्णविज्जंति परुविज्जंति  
 दंसिज्जंति निर्दंसिज्जंति उधदंसिज्जंति । से तं आयारे ॥ २११ ॥ से किं तं सूअगडे ?  
 सूअगडे ण ससमया सूइज्जति, परसमया सूइज्जति, ससमयपरसमया सूइज्जति,  
 जीवा सूइज्जति, अजीवा सूइज्जंति, जीवाजीवा सूइज्जति, लोगो सूइज्जति, अलोगो



ससमयपरसमया सूइज्जति, जाव लोगालोगा सूइज्जति । समवाए ण एकाइयाण  
 एगट्ठाण एगुत्तरियपरिवुद्धीए, दुवालसगस्स य गणिपिडगस्स पल्लवग्गे सम-  
 णुगाइज्जइ ठाणगसयस्स, वारसविहवित्थरस्स सुयणाणस्स जगजीवहियस्स भगवओ  
 समासेण समोयारे आहिज्जति । तत्थ य णाणाविहप्पगारा जीवाजीवा य वणिण्या  
 वित्थरेण, अवरे वि अ बहुविहा विसेसा नरगतिरियमणुअसुरगणाण आद्दास्सास-  
 लेसाआवाससखआययप्पमाणउववायचवणओगाहणोवहिवेयणविहाणउवओगजोगइ-  
 दियकसाय, विविहा य जीवजोणी, विक्खभुस्सेहपरिरयप्पमाण विहिविसेसा य मद-  
 रादीण महीधराण, कुलगरतित्थगरगणहराण सम्मतभरहाहिवाण चक्रीण चेव चक-  
 हरहलहराण य, वासाण य निगमा य समाए । एए अण्णे य एवमाइ एत्थ वित्थ-  
 रेण अत्था समाहिज्जति । समवायस्स ण परिता वायणा जाव से णं अगट्ठयाए  
 चउत्थे अगे एगे अज्झयणे एगे सुयक्खधे एगे उद्देसणकाले एगे समुद्देसणकाले एगे  
 चउयाले पदसतसहस्से पदग्गेण पच्चेते । सखेज्जाणि अक्खराणि जाव चरणकरण-  
 पल्लवण्या आघविज्जंति । से त समवाए ॥ २१४ ॥ से किं त वियाहे ? वियाहेण  
 ससमया विआहिज्जंति परसमया विआहिज्जति ससमयपरसमया विआहिज्जति, जीवा  
 विआहिज्जति अजीवा विआहिज्जति जीवाजीवा विआहिज्जति, लोगे विआहिज्जइ  
 अलोगे विआहिज्जइ लोगालोगे विआहिज्जइ । वियाहेण नाणाविहसुरनरिंदरायरिसि-  
 विविहसेंसइअपुच्छियाण जिणेण वित्थरेण भासियाण दव्वगुणखेत्तकालपज्जवपदेस-  
 परिणामजहच्छियभावअणुगमनिक्खेवणयप्पमाणसुनिउणोवक्कमविविहप्पकारपगडप-  
 यासियाणं लोगालोगपयासियाणं ससारसमुद्दंदउत्तरणसमत्थारणं सुरवइसपूजियारणं  
 भवियज्जणपयहिययाभिन्दियाण तमरयविद्धंसणाणं सुदिट्ठवीवभूयईहामतिबुद्धिबद्ध-  
 णाण छत्तीससहस्समणूण्याणं वागरणाण दंसणाओ सुयत्थवहुविहप्पगारा सीस-  
 हियत्था य गुणमहत्था । वियाहस्स ण परिता वायणा सखेज्जा अणुओगदारा सखे-  
 ज्जाओ पडिवत्तीओ सखेज्जा वेढा सखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ । से णं  
 अगट्ठयाए पचमे अगे एगे सुयक्खधे एगे साइरेगे अज्झयणसते दस उद्देसगसहस्साई  
 दस समुद्देसगसहस्साई छत्तीस वागरणसहस्साई चउरासीई पयसहस्साई पयग्गेण  
 प० । सखेज्जाई अक्खराइ अणता गमा अणता पज्जवा परिता तसा अणता थावरा  
 सासया कडा णिवद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति पण्णविज्जति पल्लविज्ज-  
 ति दसिज्जति निदसिज्जति उवदसिज्जति । से एव आया से एव णाया से एवं विण्णाया  
 एव चरणकरणपल्लवण्या आघविज्जंति । से त वियाहे ॥ से किं त णायाधम्मकहाओ ?  
 णायाधम्मकहासु ण णायाण णगराई उज्जाणाइ वणखंडा रायाणो अम्मापियरो



थिरत्त मूलगुणउत्तरगुणाइयारा ठिईविसेसा य बहुविसेसा पडिमाभिग्गहग्गहणपालणा  
उवसग्गाहियासणा णिरुवसग्गा य तवा य विचित्ता सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाण  
पोसहोववासा अपच्छिममारणतिया य सळेहणाओसणाहिं अप्पाण जह य भावइत्ता  
वह्वणि भत्ताणि अणसणाए य छेअइत्ता उववण्णा कप्पवरविमाणुत्तमेसु जह अणुभ-  
वति सुरवरविमाणवरपोडरीएसु सोक्खाइ अणोवमाइ कमेण भुत्तूण उत्तमाइ तओ  
आठक्खएण जुया समाणा जह जिणमयमि वोहिं लद्धूण य सजमुत्तम तमरयोध-  
विप्पमुक्का उवेति जह अक्खय सव्वदुक्खमोक्ख । एते अन्ने य एवमाइअत्था वित्थ-  
रेण य । उवासयदसासु ण परित्ता वायणा सखेज्जा अणुओगदारा जाव सखेज्जाओ  
सगहणीओ । से ण अगट्ठयाए सत्तमे अगे एगे सुयक्खधे दस अज्झयणा दस उदे-  
सणकाला दस समुदेसणकाला सखेज्जाई पयसयसहस्साइ पयग्गेण पण्णत्ता । सखे-  
ज्जाइ अक्खराइ जाव एव चरणकरणपरूवणया आघविज्जति । से त उवासगदसाओ  
॥ २१६ ॥ से किं त अतगडदसाओ ? अतगडदसासु णं अतगडाण णगराइ उज्जाणाई  
वणाइ राया अम्मापियरो समोसरणा धम्मायरिया धम्मकहा इहलोइयपरलोइयइत्थिवि-  
सेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइ पडिमाओ बहुविहाओ खमा  
अज्जवं महवं च सोअ च सच्चसहिय सत्तरसविहो य सजमो उत्तम च वम आकिं-  
चणया तवो चियाओ समिइगुत्तीओ चेव तह अप्पमायजोगो सज्झायज्झाणेण य  
उत्तमाण दोण्ह पि लक्खणाई पत्ताण य संजमुत्तमं जियपरीसहाण चउव्विहक्कम्म-  
क्खयम्मि जह केवलस्स लभो परियाओ जत्तिओ य जह पाळिओ मुणिहि पायो  
वगओ य जो जहिं जत्तियाणि भत्ताणि छेअइत्ता अतगडो मुनिवरो तमरयोधविप्प-  
मुक्को मोक्खसुहमणुत्तर च पत्ता । एए अन्ने य एवमाइअत्था वित्थारेण परूवेई ।  
अतगडदसासु णं परित्ता वायणा सखेज्जा अणुओगदारा जाव सखेज्जाओ संगह-  
णीओ, जाव से ण अगट्ठयाए अट्ठमे अगे एगे सुयक्खधे दस अज्झयणा सत्त वग्गा  
दस उदेसणकाला दस समुदेसणकाला सखेज्जाई पयसयसहस्साइ पयग्गेण प०  
सखेज्जा अक्खरा जाव एव चरणकरणपरूवणया आघविज्जति । से त अतगड-  
दसाओ ॥ २१७ ॥ से किं तं अणुत्तरोववाइयदसाओ ? अणुत्तरोववाइयदसासु णं  
अणुत्तरोववाइयाणं नगराइ उज्जाणाइ वणखंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाई  
धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोगपरलोगइत्थिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ  
सुयपरिग्गहा तवोवहाणाई परियागो पडिमाओ सळेहणाओ भत्तपाणपच्चक्खाणाइ  
पाओवगमणाई अणुत्तरोववाओ सुकुलपञ्चायाया पुणो बोहिलाओ अतकिरियाओ य  
आघविज्जति । अणुत्तरोववाइयदसासु ण तित्थकरसमोसरणाइ परमगल्लजगहियाणि



पञ्चे, त जहा-दुहविवागे चेव सुहविवागे चेव । तत्थ ण दस दुहविवागाणि दस  
 सुहविवागाणि । से किं त दुहविवागाणि ? दुहविवागेसु ण दुहविवागाण नगराई  
 उज्जाणाइ वणखडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइ धम्मायरिया धम्मकहाओ  
 नगरगमणाइ ससारपन्थे दुहपरपराओ य आघविज्जति । से त्त दुहविवागाणि । से  
 किं त सुहविवागाइ ? सुहविवागेसु सुहविवागाण णगराइ उज्जाणाइ वणखडा रायाणो  
 अम्मापियरो समोसरणाइ धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइत्थिविसेसा  
 भोगपरिचाया पव्वज्जाओ सुयपरिगहा तवोवहाणाई परियागा पडिमाओ सत्थे  
 णाओ भत्तपच्चन्ताणाइ पाओवगमणाइ देवलोगगमणाइ सुकुलपचायाया पुण वोहि  
 लाहा अतकिरियाओ य आघविज्जति । दुहविवागेसु ण पाणाइवायअलियवयगचोरे  
 ककरणपरदारमेहुणससगयाए महतिव्वकसायइदियप्पमायपावप्पओयअनुहज्जवसा  
 णसच्चियाण कम्माग पावगाग पावअणुभागकलविवागा णिरयगतिरिक्खजोणिबहु  
 विहवसणसयपरंपरापवद्धाण मणुयते वि आगयाण जहा पावकम्मसेसेण पावगा  
 होति फलविवागा वहवसणविणासनासाकनुट्टगुट्टकरचरणनहच्छेयणजिव्वच्छेयण-  
 अजणकडग्गिदाहगयचलणमलणफालणउल्लवणसूललयालउडलट्ठिभजणतउसीसगत-  
 त्ततेल्लकलकलअहिंसिचगुभिपागकक्कपगधिरवधणवेहवज्जकत्तणपतिभयकरकपल्ली-  
 वणादिदाक्षणाणि दुक्खलाणि अगोवमाणि । बहुविहपरपराणुवद्धा ण मुच्चति पावकम्म-  
 चल्लीए, अवेयइत्ता हु णत्थि मोक्खो तवेण धिइधणियवद्धकच्छेग सोहण तस्स वावि  
 हुज्जा । एत्तो य सुहविवागेसु ण सीलसजमणियमगुणतवोवहाणेसु साहसु नुविहिएसु  
 अणुक्कपासयप्पओगतिकालमइविसुद्धभत्तपाणाइ पययमगसा हियसुहनीसेसतिव्वपरि-  
 णामनिच्छियमई पयच्छिऊग पयोगसुद्धाइ जह य निव्वत्तेति उ वोहिलाभ जह  
 य परितीकरंति नरनरयतिरियसुरगमगविपुलपरियट्ठअरतिभयविसायसोगमिच्छत्तसे-  
 लसकड अन्नाणतमधकार चिक्खिल्लसुदुत्तार जरमरणजोणिसखुभियचक्कवाल सोल-  
 सकसायसवियपयडचड अणाइअ अगवदग्ग ससारसागरमिण । जह य निववति  
 आउग सुरगणेसु जह य अणुभवति सुरगगाविमाणसोक्खलाणि अगोवमाणि ततो य  
 कालतरे सुआग इहेव नरलोगमागयाग आउवपुपु(व)ण्णल्लवजातिकुलजम्मआरोग  
 सुद्धिमेहाविसेसा मित्तजणसयणवणधणविभवसमिद्धसारसमुदयविसेसा बहुविहकाम-  
 भोगुव्वमाण सोक्खलाण सुहविवागोत्तमेसु अणुवरयपरपराणुवद्धा असुमाण सुभाण चेव  
 कम्माण भासिआ बहुविहा विवागा विवागसुयम्मि भगवया जिगवरेण सबेगकार  
 णत्था अजे वि य एवमाइया बहुविहा वित्थरेण अत्यपस्वणया आघविज्जति । विवा  
 नानुअस्स ण परिप्पा वायगा सखेज्जा अणुओगदारा जाव सखेज्जाओ सगहणीओ ।



पाहुवा संवेजा पाहुवपाहुवा संवेजाओ पाहुवियाओ संवेजाओ पाहुवपाहुवियाओ  
 संवेजामि पन्धववहस्त्वामि पयमेव पयता संवेजा अन्धरा अन्धता यमा अन्धता  
 मन्धता परित्ता तथा अन्धता बाधरा साधया कडा निवदा निवदाया निवपय्यता  
 माया आवनिर्जति पन्धनिर्जति परनिर्जति रंतिर्जति निरंतिर्जति अन्धरंतिर्जति एवं  
 वाया एवं निवदाया एवं अन्धरायपयययया आवनिर्जति से से विविपाए, से से  
 हुवाकर्मणे यमिपिडणे ॥ २२६ ॥ इवेइवं हुवाकर्मणे यमिपिडणे अन्धतन्धके अन्धता  
 जीवा आयाए निराहिता आन्धरतन्धसारक्यारं अनुपरिवर्ति, इवेइवं हुवाकर्मणे  
 यमिपिडणे यन्धपन्धे कळे परिता जीवा आयाए निराहिता आन्धरतन्धसारक्यारं  
 अनुपरिवर्ति, इवेइवं हुवाकर्मणे यमिपिडणे अन्धतन्धके अन्धता जीवा आयाए  
 निराहिता आन्धरतन्धसारक्यारं अनुपरिवर्ति इवेइवं हुवाकर्मणे यमिपिडणे  
 अन्धतन्धके अन्धता जीवा आयाए आराहिता आन्धरतन्धसारक्यारं वीरेवर्ति, एवं  
 यन्धपन्धेइमि एवं अन्धतन्धेइमि । हुवाकर्मणे नं यमिपिडणे न कयामि वरिध न  
 कयान् वरिध न कयान् न भविस्सह, भुवि न भवति न भविस्सति य (अन्धके)  
 हुवे मितिपु हासपु अन्धपु अन्धपु अन्धपु निवे से अन्ध वायपु पंन अन्धक्यवा  
 न कयान् न वाधि न कयान् वरिध न कयान् न भविस्सति, भुवि न भवति न  
 यमिस्सति य (अन्धक्य) हुवा मितिवा हासवा अन्धक्यवा अन्धक्यवा अन्धपुवा निव  
 एवमेव हुवाकर्मणे यमिपिडणे न कयान् न वाधि न कयान् वरिध न कयान् न  
 भविस्सह, भुवि न भवति न भविस्सह न (अन्धके) हुवे वाय अन्धपु निवे ।  
 एव नं हुवाकर्मणे यमिपिडणे अन्धता माया अन्धता अन्धता अन्धता हेक अन्धता  
 अन्धता अन्धता अन्धता अन्धता अन्धता जीवा अन्धता अन्धता अन्धता यन्ध  
 तिहिता अन्धता अन्धतिहिता अन्धता तिहा अन्धता अन्धता अन्धतिर्जति पन्धनि  
 र्जति परनिर्जति रंतिर्जति निरंतिर्जति अन्धरंतिर्जति । एवं हुवाकर्मणे यमिपिडणे इति  
 ॥ २२७ ॥ हुवे राधो य तं कडा-जीवरुही अन्धपराधो न । अन्धपराधो हुमिहा  
 य तं कडा-रुही अन्धपराधो अन्धो अन्धपराधो न । ये नि तं अन्धो अन्धपराधो ।  
 अन्धो अन्धपराधो वरुमिहा य तं कडा-अन्धपराधो वाय अन्धपराधो । अन्धो  
 अन्धपराधो अन्धपराधो य । वाय से नि तं अनुपरोधपराधो । अनुपरोधपराधो  
 पंनमिहा य तं कडा-मिजयवैक्यतन्धतन्धपराधितन्धपराधितन्धतिहिता ये तं अनुपरो  
 धपराधो ये तं पंनिविकस्यतन्धतन्धपराधितन्धपराधो । हुमिहा वेरुवा य तं कडा-  
 अन्धता न अन्धता न एवं वंज्जे भाविमन्धो वाय वेमामि ति । इन्दीसे नं रन्ध  
 पन्धपु पुडवीपु कन्धनं सेत ओमाहिता वेमामि मिरवाभासा य । योममा । इपीधे

पन्नत्ते, त जहा-दुहविवागे चेव सुहविवागे चेव । तत्थ ण दस दुहविवागाणि दस  
सुहविवागाणि । से किं त दुहविवागाणि ? दुहविवागेसु ण दुहविवागाण नगरां  
उज्जाणाइ वणसडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइ धम्मायरिया धम्मकहाओ  
नगरगमणाइ ससारपनधे दुहपरपराओ य आघविज्जति । से त दुहविवागाणि । से  
किं त सुहविवागाइ ? सुहविवागेसु सुहविवागाण नगराद उज्जाणाइ वणसडा रायाणो  
अम्मापियरो समोसरणाइ धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइद्विविसेसा  
भोगपरिचाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइ परियागा पडिमाओ सत्थे  
णाओ भत्तपच्चक्खाणाइ पाओवगमणाइ देवलोगगमणाइ सुकुलपचायाया पुण बोहि  
लाहा अतकिरियाओ य आघविज्जति । दुहविवागेसु ण पाणाइवायअलियवयगचोरि  
क्ककरणपरदारमेहुणससगयाए महतिव्वरुसायइदियप्पमायपावप्पओयअनुहज्जवसा  
णसंचियाग कम्माण पावगाग पावअणुभागकलविवागा णिरयगतिरिक्खजोणिबहु  
विहवसणसयपरंपरापवद्धाण मणुयत्ते वि आगयाण जहा पावक्कम्मसेसेण पावगा  
होति फलविवागा बहवसणविणासनासाकुट्टुगुट्टकरचरणनहच्छेयणजिबभच्छेअण  
अजणकडगिदाहगयचलणमलणफालणउल्लवणसूललयालउडलट्टिभजणतउसीसगत-  
त्ततेल्लकलकलअहिंसिचणकुभिपागक्कपगथिरवधणवेहवज्जकतणपतिभयकरकरपडी-  
वणादिदाराणाणि दुक्खाणि अगोवमाणि । बहुविहपरंपराणुवद्धा ण मुच्चति पावक्कम्म-  
चल्लीए, अवेयइत्ता हु णत्थि मोक्खो तवेण धिइधणियवद्धक्कच्छेग सोहग तस्स वावि  
हुज्जा । एतो य सुहविवागेसु ण सीलसजमणियमगुणतवोवहाणेषु साहुसु सुविहिंसु  
अणुरूपासयप्पओगतिकालमइविशुद्धभत्तपाणाइ पययमगसा हियसुहनीसेसतिव्वपत्ते-  
णामनिच्छियमई पयच्छिऊग पयोगसुद्धाइ जह य निव्वत्तेति उ बोहिंलाभ जह  
य परित्तीकरेति नरनरयतिरियसुरगमगविपुलपरियट्टअरतिभयविसायसोगमिच्छत्ते-  
लसकड अत्राणतमघकार चिक्खिअसुदुत्तार जरमरणजोणिसखुभियचक्कवाल सोल-  
सकसायसावयपयडचड अणाइअ अगवदग्ग ससारसागरमिण । जह य णिवधति  
आउगं सुरगणेषु जह य अणुभवति सुरगगविमाणसोक्खाणि अगोवमाणि ततो य  
कालतरे तुआग इहेव नरलोगमागयाग आउवपुपु(व)ण्णरुवत्तातिकुलजम्मआरोग-  
सुद्धिमेहाविसेसा मित्तजणसयणवणधणगविभवसमिद्धसारसमुदयविसेसा बहुविहक्काम  
भोगुब्भवाण सोक्खाण सुहविवागोत्तमेसु अणुवरयपरंपराणुवद्धा असुमाण सुमाणं चेव  
कम्माण भासिआ बहुविहा विवागा विवागनुयम्मि भगवया जिगवरेण सवेगकार  
णत्था अन्ने वि य एवमाइया बहुविहा वित्यरेण अत्यपरुत्तणया आघविज्जति । विहा  
असुअस्स ण परित्ता वायगा सखेज्जा अणुओगदारा जाव सखेज्जाओ सगहणीओ ।



अट्ठ वत्थू ५०, अट्ठ चूलियावत्थू ५० । अथिणत्थिप्पवायस्स ण पुव्वस्स अट्ठारस वत्थू ५०, दस चूलियावत्थू ५० । नाणप्पवायस्स ण पुव्वस्स वारस वत्थू ५० । सच्चप्पवायस्स ण पुव्वस्स दो वत्थू ५० । आयप्पवायस्स ण पुव्वस्स सोलस वत्थू ५० । कम्मप्पवायपुव्वस्स ण तीस वत्थू ५० । पच्चम्प्याणस्स ण पुव्वस्स वीस वत्थू ५० । विज्जाणुप्पवायस्स ण पुव्वस्स पनरस वत्थू ५० । अवज्जस्स ण पुव्वस्स वारस वत्थू ५० । पाणाउस्स ण पुव्वस्स तेरस वत्थू ५० । किरियाविसालस्स ण पुव्वस्स तीस वत्थू ५० । लोगविंदुसारस्स ण पुव्वस्स पणवीस वत्थू ५० । “दस चोदस अट्ठद्वारसे व वारस दुवे य वत्थूणि । सोलस तीसा वीसा पनरस अणुप्पवायम्मि ॥ वारस एक्कारसमे, वारसमे तेरसेव वत्थूणि । तीसा पुण तेरसमे चउदसमे पच्चवी साओ । चत्तारि दुवालस अट्ठ चेव दस चेव चूलवत्थूणि । आतिज्जण चउण्ह, सेसां चूलिया णत्थि” से त्त पुव्वगय ॥ २२३ ॥ से किं त अणुओगे ? अणुओगे दुविहे पन्नत्ते, तं जहा-मूलपढमाणुओगे य गडियाणुओगे य । से किं त मूलपढमाणुओगे ? एत्थ ण अरहताण भगवताण पुव्वभवा देवलोगगमणाणि आउ चवणाणि जम्म णाणि अ अभिसेया रायवरसिरीओ सीयाओ पुव्वज्जाओ तवा य भत्ता केवलणाणुप्पाया अ तित्थपवत्तणाणि अ सघयण सठाण उच्चत्त आउ वन्नविभागो सीसा गणा गणहरा य अज्जा पवत्तणीओ सघस्स चउव्विहस्स ज वावि परिमाण जिणमणपज्ज वओहिनाणसम्मत्तसुयनाणिणो य वाई अणुत्तरगई य जत्तिया सिद्धा पाओवगया य जे जहिं जत्तियाइ भत्ताइ छेअइत्ता अतगडा मुणिवरुत्तमा तमरओघविप्पमुक्का सिद्धिपहमणुत्तर च पत्ता, एए अन्ने य एवमाइया भावा मूलपढमाणुओगे कहिआ आघविज्जति पण्णविज्जति परुविज्जति, से त्त मूलपढमाणुओगे । से किं त गडियाणुओगे ? ( गडियाणुओगे ) अणेगविहे पन्नत्ते, त जहा-कुलगरगडियाओ तित्थगरगडियाओ गणहरगडियाओ चक्कहरगडियाओ दसारगडियाओ वलदेवगडियाओ वासुदेवगडियाओ हरिवसगडियाओ भद्वाहुगडियाओ तवोक्कम्मर्गडियाओ चित्त रगडियाओ उस्सप्पिणीगडियाओ ओसप्पिणीगडियाओ अमरनरतिरियनिरयगग मणविहपरियट्ठणाणुओगे, एवमाइयाओ गडियाओ आघविज्जति पण्णविज्जति परु विज्जति, से त्त गडियाणुओगे ॥ २२४ ॥ से किं त चूलियाओ ? जण्ण आइहाणं चउण्ह पुव्वार्णं चूलियाओ सेसाइ पुव्वाइ अचूलियाइ, से त्त चूलियाओ ॥ २२५ ॥ दिट्ठिवायस्स ण परित्ता वायणा, सखेज्जा अणुओगदारा सखेज्जाओ पडिवतीओ सखेज्जाओ निज्जुप्पीओ सखेज्जा सिलोगा सखेज्जाओ सगहणीओ, से ण अगट्ठयाए वारसमे अगे एगे सुयक्खवे चउदस पुव्वाइं सखेज्जा वत्थू सखेज्जा चूलवत्थू सखेज्जा



णं रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सवाहल्लाए उवरि एग जोयणसहस्स  
 ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्स वज्जेता मज्झे अट्ठसत्तारिं-जोयणसयसहस्से एत्थ  
 ण रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयाणं तीस णिरयावाससयसहस्सा भवतीति मक्खवावा ।  
 ते णं णिरयावासा अतो वट्ठा वाहिं चउरंसा जाव असुभा-णिरया असुभाओ णिर  
 एसुवेयणाओ, एव-सत्त वि भाणियव्वाओ जं जासु जुज्जइ-आसीयं वतीसं अट्ठ-  
 वीसं तहेव वीस च । अट्ठारस सोलसग अट्ठुत्तरमेव वाहल्लं ॥ १ ॥ तीसा व  
 पण्णवीसा पन्नरस दसेव सयसहस्साई । तिण्णेग पचूण पचेव अणुत्तरा नरगा ॥ २ ॥  
 चउसट्ठी असुराण चउरासीई च होइ नागाण । वावत्तारि सुवज्जाण वाउकुमाराण  
 छण्णउइ ॥ ३ ॥ वीवदिसाउदहीण विज्जुकुमारिंदयणियमग्गीणं । छण्ण पि जुवलयाणं  
 वावत्तरिमां य सयसहसा(स्सा) ॥ ४ ॥ वतीसट्ठावीसा वारस अड चउरो य सस-  
 सहस्सा । पण्णा चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥ ५ ॥ आणयपाणयकप्पे  
 चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिज्जि । सत्त विमाणसयाई चउसु वि एसु कप्पेसु ॥ ६ ॥  
 एक्कारसुत्तरं हेट्ठिमेसु सत्तुत्तर च मज्झिमए । सयमेगं उवरिमए पचेव अणुत्तरविमाण  
 ॥ ७ ॥ दोच्चाए ण पुढवीए तच्चाए ण पुढवीए चउत्थीए-पुढवीए पचमीए पुढवीए  
 छट्ठीए पुढवीए सत्तमीए पुढवीए-गाहाहिं भाणियव्वा । सत्तमाए पुढवीए पुच्छा,  
 गोयमा । सत्तमाए-पुढवीए अट्ठुत्तरजोयणसयसहस्साई वाहल्लाए उवरि अट्ठवेवच्चं  
 जोयणसहस्साई ओगाहेत्ता हेट्ठा वि-अट्ठवेवच्चं जोयणसहस्साई वज्जिता-मज्झे-तिष्ठ  
 जोयणसहस्सेसु एत्थ णं-सत्तमाए पुढवीए नेरइयाण पच अणुत्तरा महइमहाल्लमा  
 महानिरया प० त-जहा-काले-महाकाले रोरुए महारोरुए-अप्पइट्ठाणे नाम पंचमे ।  
 ते णं निरया वट्ठे य तसा य अहे-खुरप्पसठाणसठिया जाव असुभा नरगा असु-  
 भाओ-नरएसु वेयणाओ ॥ २२८ ॥ केवइया ण भंते-असुरकुमारावासा प० १  
 गोयमा ! इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सवाहल्लाए उवरि  
 एग जोयणसहस्स ओगाहेत्ता हेट्ठा चेग जोयणसहस्स वज्जिता मज्झे अट्ठसत्तारि  
 जोयणसयसहस्से एत्थ ण रयणप्पभाए पुढवीए चउसट्ठि-असुरकुमारावाससयसहस्सा  
 प० । ते णं भवणा वाहिं वट्ठा अतो चउरंसा अहे पोक्खरकण्णिआसठाणसठिमा  
 उक्किण्णतरविउलगमीरखायफल्लिहा अट्ठालयचरियदारगोउरकवाढतोरणपडिदुवारदेस-  
 भागा जंतमुसलमुसदिसयग्धिपरिवारिया अउज्झा अडयालकोट्टरइया अडयालक-  
 वणमाला लाउल्लोइयमहिंया गोसीससरसरसचदणदहरदिण्णपचगुलितला कालागुरु  
 पवरकुंदुस्सकुंदुस्सडज्जंतधूवमघमधेतंगुद्धुयाभिरामा सुगधवरगधिया गधवट्ठिभू-  
 अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा नीरया णिममला वित्तिमिरा विमुद्धा सप्पभा सप्पे-



नेरइयाण भते ! केवइय काल ठिई पन्ता ? गोयमा ! जहनेण दन वाससहस्साई उक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाइ ठिई प० । अपज्जत्तगाण नेरइयाणं भते ! केवइय काल ठिई प० ? गोयमा ! जहनेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण वि अतोमुहुत्त । पज्जत्तगाण जहनेण दस वाससहस्साई अतोमुहुत्तणाइ । उक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाई अतोमुहुत्तणाइ । इनीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए एव जाव विजयवेजयतजयतअप्पराजियाण देवाण केवइय काल ठिई प० ? गोयमा ! जहनेण यत्तीस सागरोवमाई उक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाई । सब्बट्ठे अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ २३३ ॥ कति णं भते सरीरा पन्ता ? गोयमा ! पच सरीरा प०, तं जहा—ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए । ओरालियसरीरे ण भते ! कइविहे पन्ते ? गोयमा ! पचविहे पन्ते, तं जहा—एगिंदियओरालियसरीरे जाव गब्भवक्कतियमणुस्सपच्चिंदियओरालियसरीरे य । ओरालियसरीरेस्स ण भते ! के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! जहनेण अशुलअसखेज्जतिभाग उक्कोसेण साइरेणं जोयणसहस्स, एव जहा ओगाहणसठाणे ओरालियपमाण तहा निरवसेस, एव जाव मणुस्से ति उक्कोसेण तिण्णि गाउयाई । कइविहे णं भते ! वेउव्वियसरीरे पन्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्ते—एगिंदियवेउव्वियसरीरे य पच्चिंदियवेउव्वियसरीरे य, एव जाव सणकुमारे आढत्त जाव अणुत्तराण भवधारणिज्जा जाव तेसिं रयणी रयणी परिहायइ । आहारयसरीरे ण भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! एगाकारे प० । जइ एगाकारे प० किं मणुस्सआहारयसरीरे अमणुस्सआहारयसरीरे ? गोयमा ! मणुस्सआहारगसरीरे णो अमणुस्सआहारगसरीरे, एव जइ मणुस्सआहारगसरीरे किं गब्भवक्कतियमणुस्सआहारगसरीरे समुच्छिममणुस्सआहारगसरीरे ? गोयमा ! गब्भवक्कतियमणुस्सआहारगसरीरे नो समुच्छिममणुस्सआहारगसरीरे । जइ गब्भवक्कतियमणुस्सआहारयसरीरे किं कम्मभूमिगा० अकम्मभूमिगा० ? गोयमा ! कम्मभूमिगा० नो अकम्मभूमिगा० । जइ कम्मभूमिगा० किं सखेज्जवासाउय० असखेज्जवासाउय० ? गोयमा ! सखेज्जवासाउय० नो असखेज्जवासाउय० । जइ सखेज्जवासाउय० किं पज्जत्तय० अपज्जत्तय० ? गोयमा ! पज्जत्तय० नो अपज्जत्तय० । जइ पज्जत्तय० किं सम्मदिट्ठी० मिच्छदिट्ठी० सम्मामिच्छदिट्ठी० ? गोयमा ! सम्मदिट्ठी० नो मिच्छदिट्ठी० नो सम्मामिच्छदिट्ठी० । जइ सम्मदिट्ठी० किं संजय० असंजय० सजया संजय० ? गोयमा ! सजय० नो असजय० नो सजयासजय० । जइ सजय० किं पमत्तसजय० अपमत्तसजय० ? गोयमा ! पमत्तसजय० नो अपमत्तसंजय० । जइ पमत्तसजय० किं इण्डिपत्त० अण्डिपत्त० ? गोयमा ! इण्डिपत्त० नो अण्डिपत्त० ।



क विदेना जहा-अष्टाष्टमारा तहा बाणमंतरा प्रोक्षितमयैमाभिना ॥ २४४ ॥  
 ते नं बाणे नं ते नं समए नं कण्यस्य समोसरणं वैयम्नं बाण यन्हाउ साकवा  
 मिरकवा बोनिक्कम्मा ॥ २४५ ॥ अंशुहीने नं वीथे भारो बाले टीवाए अत्तपिणीए  
 एए कुम्भरा होत्वा, तं जहा-मिताश्रमे उशमे न धरासे न धनपमे । मियक्कोसे  
 हलोसे न महालोसे य सत्तमे ॥ १ ॥ अंशुहीने नं वीथे भारो बाले टीवाए अत्त-  
 पिणीए इए कुम्भरा होत्वा । तं जहा-सर्वजणे सवात्त न अविजसेने धनपसेने  
 य । कज्जसेने मीमसेने महामीमसेने य सत्तमे ॥ २ ॥ इच्छो इच्छो धक-  
 रो ॥ अंशुहीने नं वीथे भारो बाले इपीसे अत्तपिणीए समए एत कुम्भरा होत्वा  
 तं जहा-यउमेत्थ मियक्कवाह्व [अत्तम अत्तम अत्तममिच्छे । ततो न एतेमहीए  
 यस्सेव पेव नामी न ॥ ३ ॥] इत्थे नं सत्तमं कुम्भराए एत मारिअ होत्वा  
 तं जहा-वैदवसा नंदकंठा [इत्थे पठिअ यन्हाकंठा य । मिरिकंठा नन्देवी कुम्भ-  
 राएपीव नामाई ॥ ४ ॥] २४६ ॥ अंशुहीने नं वीथे भारो बाले इपीसे नं अत्त-  
 पिणीए अत्तपीसे इत्तमराणं मियरो होत्वा तं जहा-यापी न विजसणु बं विवाटे  
 सन्दे इव । मेहे बरे पण्डे य यस्सेने न कतिए ॥ ५ ॥ कुम्भीने इच्छो निण्ड कत्त-  
 पुणे न कतिए । कम्मम्या सीहसेने भाव निरससेने ॥ ६ ॥ धुरे कुम्भने  
 कुम्भे कुम्भपिण्डए सुत्तपिण्डए य । एवा य वाससेने न विज्जसेविन कतिए  
 ॥ ७ ॥] उत्तितोमिच्छकम्भरा मिच्छकम्भरा एनेहि कथयेअ । इत्तपिण्डात्तात्त एए  
 विवरो विजसणु ॥ ८ ॥ अंशुहीने नं वीथे भारो बाले इपीसे अत्तपिणीए अत्त-  
 पीसे इत्तमराणं मारो होत्वा तं जहा-यस्सेवी विज्या सेवा [विज्या मेषवा  
 सुमीय न । पुहवी अत्तवा एसा नंवा निण्ड कया वासा ॥ ९ ॥ कुम्भरा कुम्भ  
 बाहए मिरिका देवी पमावई पड्या । कप्पा विवा न कप्पा विज्या देवी न विज-  
 याव ॥ १ ॥] २४७ ॥ अंशुहीने नं वीथे भारो बाले इपीसे अत्तपिणीए अत्त-  
 पीसे इत्तमराणं होत्वा तं जहा-उत्तम अविज सभय अमिनंदन कुम्भ पत्तमप्यह  
 कुम्भ नंदप्यम सुमीहि-पुत्तमत्त सीकव विज्जव वात्तपुज मियव अत्त वम्य पंति  
 कुम्भ अर मणि सुमिच्छकव अवि मेमि पाठ वहुमायो न ॥ २४ ॥ एएहि अत्तपी-  
 वाए इत्तमराणं अत्तपीसे पुम्भमप्या पामयेया होत्वा तं जहा-यउमेत्थ बाह  
 नामे मियके तह मियक्काह्वे पेव । ततो न कम्मसीहे इमिा तह कम्ममिसे न  
 ॥ ११ ॥ इंदरणाह तह वीहणाह उजणाह अत्तणाह न । दिन्ने न ईदसे इंदर  
 म्माईवरे पेव ॥ १२ ॥ सीहरो मेहरो कुम्भी न कुम्भने न बोहन्ने । ततो न  
 नंदने अत्त सीहमिरी पेव मीसहमे ॥ १३ ॥ अपीजसणु संजे कुम्भने नंदने य

भाणियव्यो उव्वणावुओ य । नेरइया ण भत्ते । जातिनामनिहताउग कति  
आगरिसेहिं पगरंति १ गोयमा । सिय १ सिय २ निय ३ सिय ४ सिय ५ सिय ६  
सिय ७ सिय अट्ठहिं, नो चेव ण नवहिं । एव सेगाण वि आउगाणि जाव  
वेमाणिय ति ॥ २४१ ॥ कइविहे ण भत्ते । सघयणे पन्नत्ते १ गोयमा । छविहे  
सघयणे पन्नत्ते, त जहा-वइरोसभनारायसघयणे रित्तभनारायसघयणे नारायसघयणे  
अद्धनारायसघयणे कीलियासघयणे छेवट्टसघयणे । नेरइया ण भत्ते । किसघयणी १  
गोयमा । छट्ठं सघयणाण असघयणी णेव अट्ठि णेव टिरा णेव प्हारु जे पोगला  
अजिट्ठा अफता अपिया अणाएजा असुभा अमणुग्गा अनणामा अमणाभिरामा ते  
तेसिं असंघयणत्ताए परिणमति । असुरकुमारण भत्ते । किसघयणा प० १ गोयमा ।  
छण्ह सघयणाण असघयणी णेवट्ठी णेव टिरा णेव प्हारु जे पोगला इट्ठा कता  
पिया मणुग्गा मणामा मणाभिरामा ते तेसिं असंघयणत्ताए परिणमति, एव जाव  
थणियकुमाराण । पुठवीकाइया ण भत्ते । किसघयणी प० १ गोयमा । छेवट्टसघयणी  
प०, एव जाव समुच्छिमपंचिदियतिरिक्खजोणिय ति । गव्वभवक्कतिया छव्विहसघ-  
यणी, समुच्छिममणुस्सा छेवट्टसघयणी, गव्वभवक्कतियमणुस्सा छव्विहे सघयणे प० ।  
जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया य ॥ २४२ ॥ कइविहे ण  
भत्ते । सठाणे पन्नत्ते १ गोयमा छव्विहे सठाणे पन्नत्ते, तं जहा-समचउरंसे १  
णिग्गोहपरिमडले २ साइए ३ वामणे ४ उज्जे ५ हुडे ६ । नेरइया ण भत्ते ।  
किसठाणी प० १ गोयमा । हुडसठाणी प० । असुरकुमारा ण भत्ते । किसठाणी  
प० १ गोयमा । समचउरससठाणसठिया प०, एव जाव थणियकुमारा । पुठवी  
मसूरसठाणा प०, आऊ यियुयसठाणा प०, तेऊ सड्कलावसेठाणा प०, वाऊ  
पडागासठाणा प०, वणस्सई नाणासंठाणसठिया प०, वेइदियतेइदियचउरिंदिय-  
समुच्छिमपंचिदियतिरिक्खा हुडसठाणा प०, गव्वभवक्कतिया छव्विहसठाणा प०,  
समुच्छिममणुस्सा हुडसठाणसंठिया प०, गव्वभवक्कतियाण मणुस्साण छव्विह  
सठाणा प० । जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया वि ॥ २४३ ॥  
कइविहे ण भत्ते । वेए पन्नत्ते १ गोयमा । तिविहे वेए प०, तं जहा-इत्थीवेए पुरि-  
सवेए नपुंसवेए । नेरइया ण भत्ते । कि इत्थीवेया पुरिसवेया णपुंसगवेया प० १  
गोयमा । णो इत्थीवेए णो पुवेए णपुंसगवेया प० । असुरकुमारा ण भत्ते । किं  
इत्थीवेया पुरिसवेया नपुंसगवेया १ गोयमा । इत्थीवेया पुरिसवेया णो णपुंसगवेया,  
जाव थणियकुमारा, पुठवी आऊ तेऊ वाऊ वणस्सई चित्तिचउरिंदियसमुच्छिमप  
चिंदियतिरिक्खसमुच्छिममणुस्सा णपुंसगवेया, गव्वभवक्कतियमणुस्सा पंचिदियतिरिया



भाणियव्यो उव्वट्टणादडओ य । नेरइया ण मते । जानिनामनिहताउग कति  
 आगस्तिहिं पगरंति १ गोयमा । सिय १ सिय २ सिय ३ सिय ४ सिय ५, सिय ६  
 सिय ७ सिय अट्टहि, नो चेंव ण नवहि । एव सेसाण वि आउगाणि जाव  
 वेमाणिय ति ॥ २४१ ॥ कडविहे ण मते ! सवयणे पन्नते १ गोयमा । छविहे  
 सवयणे पन्नते, त जहा-वइरोसभनारायसवयणे रिसभनारायसवयणे नारायसवयणे  
 अदनारायसवयणे कीलियासवयणे छेवट्टसंयणे । नेरइया ण मते ! किसवयणी १  
 गोयमा ! छह् सवयणाण असवयणी णेव अट्टि णेव टिरा णेव ज्हाह जे पोग्गला  
 अणिट्टा अकता अप्पिमा अणाएजा अनुमा अमणुगा अनगाना अनणाभिराना ते  
 तेसिं असवयणाए परिणनति । असुरकुमाराण मते ! किसवयणा प० १ गोयमा !  
 छह् सवयणाग असवयणी णेवट्टी णेव टिरा णेव ज्हाह जे पोग्गला इट्टा कता  
 पिया मणुगा नगाना मणाभिराना ते तेसिं असवयणाए परिणनति, एव जाव  
 यणियकुमाराण । पुटवीकाज्या ण मते ! किसवयणी प० १ गोयमा ! छेवट्टसवयणी  
 प०, एव जाव समुच्छिमपच्चिदियतिगिम्बजोणिय ति । गम्भवकृतिया छविहसव-  
 यणी, समुच्छिममणुस्सा छेवट्टसवयणी, गम्भवकृतियमणुस्सा छविहे सवयणे प० ।  
 एव असुरकुमार तथा वागमतरजोडसियवेणाया य ॥ २४२ ॥ कडविहे णं  
 सटाणे पन्नते ? गोयमा छविहे सटाणे पन्नते, त जहा-समचउरसे १  
 गहपरिमंडले २ साडए ३ वानो ४ कुवे ५, हुडे ६ । नेरइया ण मते !  
 सटाणी प० १ गोयमा ! हुडसटाणी प० । असुरकुमारा ण मते ! किसटाणी  
 १ गोयमा ! समचउरससटाणसठिया प०, एव जाव यणियकुमारा । पुटवी  
 मसूरसंठाना प०, आऊ यित्थसटाणा प०, तेऊ सूडकडावसेंठाना प०, वाऊ  
 पडायासंठाना प०, वगत्सइ नागासटासठिया प०, वेडदियतेडदियवउरिंदिय-  
 संमुच्छिममणुस्सा हुडसटाणा प०, गम्भवकृतिया छविहसटाणा प०,  
 समुच्छिममणुस्सा हुडसटासठिया प०, गम्भवकृतिया मणुस्साण छविह  
 सटाणा प० । अह असुरकुमार तथा वागमतरजोडसियवेणाया यि ॥ २४३ ॥  
 कडविहे ण मते ! वेए पन्नते ? गोयमा ! तिविहे वेए प०, त जहा-दुर्धवेए पुरि-  
 वेए १, पुंवेए । नेरइया ण मते ! छि दुर्धवेया पुरिसवेया १ पुंसगवेया प० १  
 पुंसगवेया । जो दुर्धवेए जो पुंवेए पुंसगवेया प० । असुरकुमार ण मते ! छि  
 पुंसगवेया पुरिसवेया नुसगवेया १ गोयमा ! दुर्धवेया पुरिसवेया जो पुंसगवेया,  
 असुरकुमार, पुटवी आऊ तेऊ वाऊ वगत्सइ वित्थउरिंदियसमुच्छिमम-  
 णुस्सा पुंसगवेया, गम्भवकृतियमणुस्सा पच्चिदियतिगिया

सिधुन पाठक भेद आसत्ये कसु तहेन बहिवन्ने । बंसीरान्ने सिधु मंयनसन्ने  
 कसोमे य ॥ १४ ॥ बंयन कसोमे य तहा बंयनसन्ने य बान्नीरान्ने । साके य  
 कसुमायस्य बंयनसन्ने विनवराण ॥ १५ ॥ बंयन वसुमाई बंयनसन्ने य  
 कसुमायस्य । विनोतगो कसोमे गो बंयनसन्ने साकसन्ने ॥ १६ ॥ सिधुने य  
 पाठकभाई बंयनसन्ने विनस्य जसमस्य । सेसाई पुन सन्ने सरीरान्ने बारसुप्य  
 ॥ १७ ॥ सन्ने सपनाया सवेदना तोरनेई जनेया । उरमाहरमस्यमहिना  
 बंयनसन्ने विनवराण ॥ १८ ॥ २५१ ॥ एपुसि बंयनीसाए सिधुगारान्ने बंयनीस  
 पन्नेनीसा होत्ता तं बहा-पन्नेस्य जसमसेने बीहए पुन होइ बीहसेने य । बाक  
 य बंयनामे बमरे तह दुम्मेन निरन्ने ॥ १९ ॥ सिधुने य बराहे पुन बान्नी  
 पोसुमे दुम्मेन य । मेवर कसे बरिसे बंयन सवेसु इमे य ॥ ४ ॥ इति इमे  
 य इमे बरसे सिधु इदम्मेन य । उरितोवित्तुम्मेन सिधुम्मेन दुम्मेन उनेई उनेया ।  
 सिधुपन्नेनान्ने पन्ने सिधु विनवराण ॥ ४१ ॥ २५२ ॥ एपुसि बंयनीसाए  
 सिधुवराण बंयनीस पन्नेसिधुनी होत्ता तं बहा-बंमी य कसु सन्ने बनिना  
 कसवीरु सेमा । दुम्मेन बान्नी दुम्मेन बारसि बरनी य बारसिबरा ॥ ४२ ॥  
 पन्ने सिधुसुपी तह अंहुय बान्नीवन्ने य रन्नी य । बंयनी पुन्नेनी बान्नी  
 बनिना य बनिना य ॥ ४३ ॥ बनिनी पुन्नेनी य बंयनसन्ने य बान्नीवन्ने ।  
 उरितोवित्तुम्मेन सिधुम्मेन दुम्मेन उनेया । सिधुपन्नेनान्ने पन्ने सिधु  
 विनवराण ॥ ४४ ॥ १ ॥ १ ॥ बंयनीने बं बीने बारहे बासे इनीसे ओसपिनीए  
 बाण बंयनसिधुनी होत्ता तं बहा-बन्ने दुम्मेन निरए ससुनीवए य बान्नी-  
 सेने य । सिधुसेने य सरे दुम्मेन कसुनीए निर ॥ ४५ ॥ पन्नेसुपरे बहाही  
 निरए राना तहेन य । बीने बारसने जो पिन्नेना बंयनसन्ने ॥ ४६ ॥ २५४ ॥  
 बंयनीने बं बीने बारहे बासे इनीसे ओसपिनीए बाण बंयनसिधुनी होत्ता तं  
 बहा-दुम्मेन कसुनी महा सहादेनी बहा सिधुनी । तारा बान्नी (बान्नी  
 तारा) मेरा बन्ने पुन्नेन अपन्नेना ॥ २५५ ॥ बंयनीने बं बीने बारहे बासे  
 इनीसे ओसपिनीए बारस बंयनी होत्ता तं बहा-बन्ने सन्ने यन्ने [बंयनसन्ने  
 य रन्नेसन्ने । बंयनी इमे य बरो इमे सन्ने य बीरन्ने ॥ ४७ ॥ बन्ने य बन्ने-  
 पन्ने इतिसेने नेव रन्नेसन्ने । बन्नेनामे य बन्ने, बारसने बंयनसन्ने य  
 ॥ ४८ ॥ एपुसि बारसने बंयनसन्ने बारस इतिरयना होत्ता तं बहा-पन्ने  
 होइ बमरा मइ इनीसा बन्ने य निरयना य । निरयिनी सुपिनी पन्नेसिधुनी बंयन  
 रेनी ॥ ४९ ॥ बनिनी इन्ने इतिरयना बान्नी ॥ २५६ ॥ बंयनीने बं बीने

धोद्धन्वे । ओसप्पिणीए एए तित्थकराण तु पुव्वभवा ॥ १४ ॥ २४९ ॥ एएसि ण  
 चउव्वीसाए तित्थगराण चउव्वीस सीयाओ होत्था, त जहा-सीया सुदसणा सुप्पभा  
 य सिद्धत्थ सुप्पसिद्धा य । विजया य वेजयती जयती अपराजिया चेव ॥ १५ ॥  
 अरुणप्पभ चदप्पभ सूरप्पह अग्गि सुप्पभा चेव । विमला य पंचवण्णा सागरदत्ता  
 य णागदत्ता य ॥ १६ ॥ अभयकर निव्वुड्ढकरा मणोरमा तह मणोहरा चेव । देव-  
 कुल्लतरकुरा विसाल चदप्पभा सीया ॥ १७ ॥ एआओ सीआओ सव्वेसिं चेव  
 जिणवरिदाण । सव्वजगवच्छलाण सव्वोलगसुभाए छायाए ॥ १८ ॥ पुर्व्वि  
 ओक्खत्ता माणसेहिं साहड्ढु(ठ्ठ) रोमकूवेहिं । पच्छा वहति सीअ अमुरिंदसुरिंदना-  
 गिंदा ॥ १९ ॥ चलचवलकुडलधरा सच्छदविउव्वियाभरणधारी । सुरअसुरवदि-  
 आणं वहति सीअ जिणदाण ॥ २० ॥ पुरओ वहति देवा नागा पुण दाहिणम्मि  
 पासम्मि । पच्चच्छिमेण अमुरा गरुला पुण उत्तरे पासे ॥ २१ ॥ उसभो अ  
 विणीयाए बारवईए अरिट्ठवरणेमी । अवसेसा तित्थयरा निक्खत्ता जम्मभूमीड्ड  
 ॥ २२ ॥ सव्वे वि एगद्वेसेण [णिग्गया जिणवरा चउव्वीस । ण य णाम अण्णलिंगे  
 ण य निहिंलिंगे कुलिंगे य ॥ २३ ॥] एक्को भगव वीरो [पासो मद्धी य तिहि  
 तिहि सएहिं । भगव पि वासुपुज्जो छहिं पुरिससएहिं निक्खत्तो ॥ २४ ॥] उग्गाण  
 भोगाण राइण्णाण [च खत्तियाण च । चउहिं सहस्सेहिं उसभो सेसा उ सहस्स-  
 परिवारा ॥ २५ ॥] सुमइत्थ णिच्चभत्तेण[णिग्गओ वासुपुज्ज चोत्थेणं । पासो मद्धी य  
 अट्ठमेण सेसा उ छट्ठेणं ॥ २६ ॥] एएसिं ण चउव्वीसाए तित्थगराण चउव्वीस  
 पढमभिक्खादायारो होत्था, त जहा-सिजस वभदत्ते सुरिंददत्ते य इंददत्ते य ।  
 पउमे य सोमदेवे माहिंदे तह सोमदत्ते य । पुस्से पुणव्वसू पुण्णणद सुणदे जये य  
 विजये य । ततो य धम्मसीहे सुमित्त तह वग्गसीहे अ ॥ २७ ॥ अपराजिय  
 विस्ससेणे वीसइमे होइ उसभसेणे य । दिण्णे वरदत्ते धणे बहुले य आणुपुव्वीए  
 ॥ २८ ॥ एए विट्ठद्वलेसा जिणवरभत्तीइ पजलिउडा उ । त काल त समय  
 पडिलाभेइं जिणवरिंदे ॥ २९ ॥ सवच्छरेण भिक्खा लद्धा उसभेण लोयणाहेण ।  
 सेसेहि वीयदिवसे लद्धाओ पढमभिक्खाओ ॥ ३० ॥ उसभस्स पढमभिक्खा  
 खोयरसो आसि लोगणाहस्स । सेसाण परमण्ण अभियरसरसोवम आसि ॥ ३१ ॥  
 सव्वेसिं पि जिणाण जहिय लद्धाउ पढमभिक्खाउ । तहिय वसुधाराओ सरीरमेत्तीओ  
 बुद्धाओ ॥ ३२ ॥ २५० ॥ एएसिं चउव्वीसाए तित्थगराण चउव्वीस चेइयद्वक्खा  
 [वद्धपीडक्खा जेसिं अहे केवलाइ उप्पण्णाइ ति] होत्था, त जहा-णग्गोह सत्तिवण्णे  
 साढे पियए पियगु छाहाहे । सिरिसे य णागस्सखे माली - गेल्लेक्खुस्सखे य ॥ ३३ ॥



भारहे वासे इमीसे ओमपिणीए नखवलदेवनववासुदेवपियरो होत्था, तं जहा-पया-  
वई य वभो [सोमो रुदो सिवो महसिवो य । अग्निसिहो य दसरहो नवमो भणिओ  
य वसुदेवो ॥ ५० ॥ ] जवुद्दीवे ण वीवे भारहे वासे इमीसे ओसपिणीए णव वासु-  
देवमायरो होत्था, तं जहा-मियावई उमा चैव पुहवी सीया य अम्मया । लच्छि-  
मई सेसमई केऊई देवई तहा ॥ ५१ ॥ जवुद्दीवे ण वीवे भारहे वासे इनीसे  
ओसपिणीए णववलदेवमायरो होत्था, त जहा-भद्दा तह तुभद्दा य सुप्पभा य  
सुदसणा । विजया वैजयंती य जयंती अपराजिया ॥ ५२ ॥ णवमीया रोहिणी य  
वलदेवाण मायरो ॥ २५७ ॥ जवुद्दीवे ण वीवे भारहे वासे इमीसे ओसपिणीए  
नव दसारमडला होत्था, त जहा-उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा ओयसी  
तेयसी वच्चसी जससी ठायसी कता सोमा सुभगा पियदसणा मुरूआ मुहसीलमुहाभि-  
गमसव्वजणणयणकता ओहवला अतिवला महावला अनिहता अपराइया सत्तुमइणा  
रिपुसहस्समागमहणा साणुक्कोसा अमच्छरा अचवला अचडा मियमज्जलपलाव-  
हसियगभीरमधुरपडिपुण्णसच्चवयणा अच्चुवगयवच्छला सरण्णा लम्बणवजणगुणो-  
ववेआ माणुम्माणपमाणपडिपुण्णसुजायसव्वगसुदरगा सत्तिसोमागारकतपियदसणा  
अमरिसणा पयडदडप्पयारा(र)गभीरदर(रि)मणिज्जा तालद्धओव्विद्धगरुलकेऊ महा-  
धणुविकट्टया महासत्तसाअरा दुद्धरा धणुद्धरा वीरपुरिसा जुद्धकित्तिपुरिसा विउलकुल-  
समुब्भवा महारयणाविहाडगा अद्धभरहसामी सोमा रायकुलवसतिलया अजिया  
अजियरहा हल्लुसल्लुगणकपाणी सखचक्कगयसत्तिनंदगधरा पवरज्जलसुक्कतविमलगो-  
त्थुभतिरीडधारी कुंडलउज्जोइयाणणा पुडरीयणयणा एकावलिकंठलइयवच्छा सिरिव-  
च्छल्लुल्लुणा वरजसा सव्वोउयसुरभिकुसुमरचितपल्लवसोभंतकतविकसतविचितवरमा-  
लरइयवच्छा अट्टसयविभत्तलक्खणपसत्थसुदरविरइयगमगा मत्तगयवरिंदल्लियविक-  
मवलिसियगई सारयनवयणियमहुरगभीरकुचानिगघोसदुदुमिसरा कडिमुत्तगनीलपीय-  
कोसेजवाससा पवरदित्ततेया नरसीहा नरवई नरिंदा नरवसहा मत्तयवसभक्कप्पा  
अव्वमहियरायतेयलच्छीए दिप्पमाणा नीलगपीयगवसणा दुवे दुवे रामकेसवा भायरो-  
होत्था, तं जहा-तिविट्ठू जाव कण्हे अयले जाव रामे यावि अपच्छिमे ॥ ५३ ॥ २५८ ॥  
एएसि ण णवण्ह वलदेववासुदेवाण पुव्वभविआ नव नामधेज्जा होत्था, त जहा-  
विस्सभूई पव्वयए धणदत्त समुद्धत्त इसिवाले । पियमित्त ललियमित्ते पुणव्वस्स  
गगदत्ते य ॥ ५४ ॥ एयाई नामाइ पुव्वभवे आसि वासुदेवाण । एत्तो वलदेवाणं  
जहक्कमं कित्तइस्सामि ॥ ५५ ॥ विसनंवी य सुवंधू सागरदत्ते असोगललिए य ।  
'वाराह धम्मसेणे अपराइय रायललिए य ॥ ५६ ॥ २५९ ॥ एएसिं नवण्ह वलदेव-





केवली । आगमिस्सेण होम्पति, धम्मतिथस्स देसगा ॥ ७६ ॥ २६७ ॥ एएसि  
 णं चउव्वीसाए तित्थकराण पुव्वभविया चउव्वीस नामधेज्जा भविस्सति, त जहा-  
 सेणिय सुपास उदए पोद्धिअ अणगार तह दढाऊ य । कत्तिय सधे य तहा नद  
 सुनंदे य सतए य ॥ ७७ ॥ वोद्धवा देवई य सचइ तह वासुदेव वलदेवे ।  
 रोहिणि सुलसा चेव तत्तो खलु रेचई चेव ॥ ७८ ॥ ततो हवइ सयाली वोद्धवे  
 खलु तहा भयाली य । बीवायणे य कण्हे तत्तो खलु नारए चेव ॥ ७९ ॥ अवड  
 दाळ्मडे य साईमुदे य होइ वोद्धवे । भावीतित्थगराण णामाई पुव्वभवियाइ  
 ॥ ८० ॥ २६८ ॥ एएसि ण चउव्वीसाए तित्थगराण चउव्वीस पियरो भवि-  
 स्सति, चउव्वीस मायरो भविस्सति, चउव्वीस पढमसीसा भविस्सति, चउव्वीस  
 पढमसिस्सणीओ भविस्सति, चउव्वीस पढमभिक्षादायगा भविस्सति, चउव्वीस  
 चेइयक्खन्हा भविस्सति ॥ २६९ ॥ जवुद्दीवे ण बीवे भारहे वासे आगमिस्साए  
 उस्सप्पिणीए वारस चक्खवट्ठिओ भविस्सति, त जहा-भरहे य बीहदते गूढदते य  
 सुद्धदते य । सिरिउत्ते सिरिभूई सिरिसोमे य सत्तमे ॥ ८१ ॥ पउमे य महापउमे  
 विमलवाहणे विपुलवाहणे चेव । वरिट्ठे वारसमे वुत्ते आगमिसा भरहाहिवा ॥ ८२ ॥  
 एएसि ण वारसण्ह चक्खवट्ठीण वारस पियरो भविस्सति वारस मायरो भविस्सति  
 वारस इत्थीरयणा भविस्सति ॥ २७० ॥ जवुद्दीवे ण बीवे भारहे वासे आगमि-  
 स्साए उस्सप्पिणीए नव वलदेववासुदेवपियरो भविस्सति, नव वासुदेवमायरो  
 भविस्सति, नव वलदेवमायरो भविस्सति, नव दसारमडला भविस्सति, त जहा-  
 उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा ओयंसी तेयसी एव सो चेव वण्णओ  
 भाणियव्वो जाव नीलगपीतगवसणा दुवे दुवे रामकेसवा भायरो भविस्सति, त  
 जहा-नंदे य नदमित्ते बीहवाहू तहा महावाहू । अइवळे महावळे वलभदे य सत्तमे  
 ॥ ८३ ॥ दुविट्ठू य तिविट्ठू य आगमिस्साण विण्हुणो । जयते विजये भदे सुप्पमे य  
 सुदसणे । आणदे नदणे पउमे सकरिसणे य अपच्छिमे ॥ ८४ ॥ २७१ ॥ एएसि  
 णं नवण्ह वलदेववासुदेवाण पुव्वभविया णव नामधेज्जा भविस्सति, नव धम्माय-  
 रिया भविस्सति, नव नियानभूमीओ भविस्सति, नव नियानकारणा भविस्सति,  
 नव पडिसत्तू भविस्सति, तं जहा-तिलए य लोहजघे वइरजघे य केसरी पहराए ।  
 अपराइए य सीमे महामीमे य सुगीवे ॥ ८५ ॥ एए खलु पडिसत्तू किंतीपुरिसाण  
 वासुदेवाण । सव्वे वि चक्खजोही हम्मिहिंति सचक्केहिं ॥ ८६ ॥ २७२ ॥ जवुद्दीवे  
 णं बीवे एरवए वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए चउव्वीस तित्थगरा भविस्सति,  
 जहा-सुमगळे अ सिद्धत्थे, निव्वाणे य महाजसे । धम्मज्झए य अरहा, आग-

तिस्सति १५ निकायसु १६ निकायंति १७ निकाइस्संति १८, सव्वेसुवि कम्मद-  
 व्ववग्गणमहिक्खि गाहा-भेइयचिया उवचिया उदीरेया वेइया य निज्झिणा । उय-  
 ट्ठणसङ्गमणनिहत्तणनिकायणे तिविह कालो ॥ १ ॥ १० ॥ नेरइयाण भते । जे  
 पोग्गले तेयाकम्मत्ताए गेण्हति ते किं तीतकालसमए गेण्हति ? पडुप्पन्नकालसमए  
 गेण्हति ? अणा० का० समए गेण्हति ? गोयमा । नो तीयकालममए गेण्हति पडु-  
 प्पन्नकालसमए गेण्हति नो अणा० समए गिण्हति १ । नेरइयाण भते । जे पोग्गला  
 तेयाकम्मत्ताए गहिए उदीरेंति ते किं तीयकालसमयगहिए पोग्गले उदीरेंति पडु-  
 प्पन्नकालसमए घेप्पमाणे पोग्गले उदीरेंति गहणसमयपुरक्खडे पोग्गले उदीरेंति ?  
 गोयमा । अतीयकालसमयगहिए पोग्गले उदीरेंति नो पडुप्पन्नकालसमए घेप्पमाणे  
 पोग्गले उदीरेंति नो गहणसमयपुरक्खडे पोग्गले उदीरेंति २, एव वेदेति ३  
 निज्जरेंति ॥ १३ ॥ नेरइयाण भते । जीवाओ किं चलियं कम्म वधति अचलिय  
 कम्म वधति ? गोयमा । नो चलिय कम्म वधति अचलिय कम्म वधति १ ।  
 नेरइयाण भते । जीवाओ किं चलिय कम्म उदीरेंति अचलिय कम्म उदीरेंति ?  
 गोयमा । नो चलिय कम्म उदीरेंति अचलिय कम्म उदीरेंति २ । एवं वेदेति ३  
 उयट्ठेति ४ सकामेंति ५ निहत्तेति ६ निकायेंति ७, सव्वेसु अचलिय नो चलियं ।  
 नेरइयाण भते । जीवाओ किं चलिय कम्म निज्जरेंति अचलिय कम्म निज्जरेंति ?  
 गोयमा । चलिय कम्म निज्जरेंति नो अचलिय कम्म निज्जरेंति ८, गाहा-वधोदय-  
 वेदोयट्ठसकमे तह निहत्तणनिकाये । अचलिय कम्म तु भवे चलिय जीवाउ निज्जरए  
 ॥ १ ॥ १४ ॥ एव ठिई आहारो य भाणियव्वो, ठिती-जहा ठितिपदे तहा  
 भाणियव्वा, सव्वजीवाण आहारोऽवि जहा पन्नवणाए पढमे आहारुदेसए तहा  
 भाणियव्वो, एत्तो आढत्तो-नेरइयाण भते । आहारट्ठी ? जाव दुक्खत्ताए भुज्जो  
 भुज्जो परिणमति, गोयमा !० । असुरकुमाराण भते । केवइय काल ठिई प० ?  
 जहन्नेण दस वाससहस्साइ उक्कोसेण सातिरेग सागरोवम, असुरकुमाराण भते ।  
 केवइय कालस्स आणमति वा पाणमति वा ? गोयमा । जहन्नेण सत्तण्ह थोवाण  
 उक्कोसेण साइरेगस्स पक्खस्स आणमति वा पाणमति वा, असुरकुमाराण भते ।  
 आहारट्ठी ? हता आहारट्ठी, असुरकुमाराण मंते । केवइकालस्स आहारट्ठे समु-  
 प्पज्जइ ? गोयमा । असुरकुमाराण दुविहे आहारं पन्नत्ते, तजहा-आभोगनिव्वत्तिए  
 य अणाभोगनिव्वत्तिए य, तत्थ णं जे से अणाभोगनिव्वत्तिए से अणुसमय अविर-  
 हिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ, तत्थ ण जे से आभोगनिव्वत्तिए से जहन्नेणं चत्थ-  
 भत्तंस्स उक्कोसेणं साइरेगस्स वाससहस्सस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ, असुरकुमाराणं

णमोऽत्यु ण समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

## भगवई-विवाहपण्णत्ती

णमो अरिहताण णमो सिद्धाण णमो आयरियाण णमो उवज्झायाण णमो लोए सव्वमाहूण ॥ १ ॥ णमो वभीयस्स ल्वीयस्स ॥ २ ॥ णमो नुयस्स ॥ ३ ॥ ते ण काले ण ते ण समए ण रायगिह्हे नाम णयरे होत्वा, वण्णओ, तस्स ण रायगे-हस्स णगरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए गुणसिलए णाम उज्जाणे होत्वा, सेणिए राया, च्चिठ्ठणा देवी ॥ ४ ॥ ते ण काले ण ते ण समए ण समणे भगव महावीरे आइगरे तित्तयगरे सहसबुद्धे पुरिसुत्तमे पुरिससीहे पुरिसवरपुडरीए पुरिस-वरगधहत्थीए लोपुत्तमे लोगनाहे लोगप्पदीचे लोगपज्जोगारे अभयदए चम्पुदए मग्गदए सरणदए [ वम्मदए ] धम्मदेसए धम्मसारहीए धम्मवरचाउरतवक्कव्ही अप्पडिहयवरनाणदसणधरे वियट्ठउमे जिणे जाणए बुद्धे गोहए मुत्ते मोयए सब्बणू सब्बदरिसी तिवमयलमयमणतमक्कयमव्वावाहमपुणरावत्तय सिद्धिगइनामधेय ठाण संपाविउक्कामे जाव समोसरण ॥ ५ ॥ परिसा निग्गया, धम्मो कहिओ, परिसा पडिगया ॥ ६ ॥ तेण कालेण तेण समएण समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अतेवासी ईदभूती नाम अणगारे गोयमसगोत्तेण सत्तुस्सेहे समचवरससठाणसठिए वज्जरिसहनारायसघयणे कणगपुलगणिघसपम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्ततवे महातवे ओराळे घोरे घोरगुणे घोरतवस्सी घोरवभचेरवासी उच्छूढसरीरे सखित्तविउलतेय-ल्लेसे चोइसपुव्वी चउनाणोवगए सब्बक्खरसज्जेवाइं समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामते उद्धजाणू अहोसिरे ज्ञाणकोट्ठोवगए सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ ॥ ७ ॥ तए ण से भगव गोयमे जायसद्धे जायससए जायकोउहल्ले उप्पन्न-सद्धे उप्पन्नसंसए उप्पन्नकोउहल्ले सजायसद्धे सजायससए सजायकोउहल्ले समुप्पन्न-सद्धे समुप्पन्नससए समुप्पन्नकोउहल्ले उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं भगव महावीरं तिक्खुत्तो आया-हिणपयाहिण करेइ १ ता वदइ नमसइ २ ता णच्चासणे णाइदूरे सुत्तसुसमाणे णमं-समाणे अभिसुहे विणएण पजलिउठे पज्जुवासमाणे एव वयासी-से नून भते ! चल-माणे चलिए १, उवीरिज्जमाणे उवीरिए २, वेइज्जमाणे वेइए ३, पहिज्जमाणे पहीणे

१ रायगिह चलण दुक्खे कखपओसे य पगइ पुढवीओ, जावते नेरइए वाले गुरुए य चलणाओ ॥ १ ॥

प्पज्जइ, सेस तहेव जाव अणतभाग आसायति, वेइदियाण भते । जे पोगगले आहारत्ताए गेण्हति ते किं सव्वे आहारेंति णो सव्वे आहारेंति १, गोयमा । बेइ-  
 दियाण दुविहे आहारे पज्जेते, तजहा-लोमाहारे पक्खेवाहारे य, जे पोगगले लोमाहारत्ताए गिण्हति ते सव्वे अपरिसेसिए आहारेंति, जे पोगगले पक्खेवाहारत्ताए गिण्हति तेषिण पोगगलाण असखिज्जभागं आहारेंति अणेगाई च णं भागसहस्साइ अणासाइज्जमाणाइ अफासिज्जमाणाई विद्धसमागच्छति, एएसि ण भते । पोगगलाण अणासाइज्जमाणाणं अफासाइज्जमाणाण य कयरे कयरे अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा १, गोयमा ! सव्वत्थोवा पुग्गला अणासाइज्जमाणा अफासाइज्ज-  
 माणा अणतगुणा, बेइदियाण भते । जे पोगगला आहारत्ताए गिण्हति ते णं तेषिं पुग्गला कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति १, गोयमा । जिम्भिदियफासिंदियवेमाय-  
 त्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमति, बेइदियाण भते । पुव्वाहारिया पुग्गला परिणया तहेव जाव चलियं कम्मं निज्जरंति । तेइंदियचउरिंदियाण णाणत्त ठिइए जाव णेगाई च णं भागसहस्साइ अणाघाइज्जमाणाइ अणासाइज्जमाणाई अफासाइज्जमाणाइ विद्धस-  
 मागच्छति, एएसिण भंते । पोगगलाण अणाघाइज्जमाणाई ३ पुच्छा, गोयमा । सव्वत्थोवा पोगगला अणाघाइज्जमाणा अणासाइज्जमाणा अणंतगुणा अफासाइज्जमाणा अणतगुणा, तेइदियाणं घाणिंदियजिम्भिदियफासिंदियवेमायाए भुज्जो २ परिणमंति, चउरिंदियाण चक्खिंदियघाणिंदियजिम्भिदियफासिंदियत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं ठिई भणिरुणं ऊसासो वेमायाए, आहारो अणाभोगनिव्व-  
 त्तिए अणुसमयं अविरहिओ, आभोगनिव्वत्तिओ जह्जेणं अतोमुहुत्तस्स उक्कोसेण अट्ठभत्तस्स, सेसं जहा चउरिंदियाण जाव चलियं कम्म निज्जरंति । एव मणुस्सा-  
 णवि, नवरं आभोगनिव्वत्तिए जह्जेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण अट्ठभत्तस्स सोईदिय-  
 वेमायत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमति सेस जहा चउरिंदियाणं, तहेव जाव निज्जरंति । चाणमंतराणं ठिईए नागत्त, परिणमति अवसेसं जहा नागकुमाराणं, एव जोइसिया-  
 णवि, नवर उस्सासो जह्जेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स उक्कोसेणवि मुहुत्तपुहुत्तस्स, आहारो जह्जेणं दिवसपुहुत्तस्स उक्कोसेणवि दिवसपुहुत्तस्स सेसं तहेव । वेमाणियाणं ठिई भाणियव्वा ओहिया, ऊसासो जह्जेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स उक्कोसेण तेत्तीसाए पक्खाण, आहारो आभोगनिव्वत्तिओ जह्जेणं दिवसपुहुत्तस्स उक्कोसेणं तेत्तीसाए वाससह-  
 साणं, सेसं चलियाइयं तहेव जाव निज्जरंति ॥ १५ ॥ जीवा ण भंते ! किं आयारंभा परारंभा तदुभयारंभा अनारम्भा १, गोयमा ! अत्थेगइया जीवा आया-  
 रंभावि परारंभावि तदुभयारंभावि नो अणारंभा अत्थेगइया जीवा नो आयारंभा



करेइ, से केणट्टेण १, गोयमा ! संवुढे अणगारे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ धणियवधणवद्धाओ सिद्धिलवधणवद्धाओ पकरेइ दीहकालठिईयाओ हस्सकालट्टिईयाओ पकरेइ तिन्वाणुभावाओ मदाणुभावाओ पकरेइ वहुप्पएसग्गाओ अप्पएसग्गाओ पकरेइ, आउय च ण कम्म न वधइ, अस्सायावेयणिज्ज च णं कम्म नो भुज्जो भुज्जो उवचिणाइ, अणाइय च ण अणवदग्गं दीहमद्ध चाउरंतससारकतारं वीइवयइ, से एणट्टेण गोयमा ! एव वुच्चइ—संवुढे अणगारे सिज्झइ जाव अत करेइ ॥ १८ ॥ जीवे ण भते ! अस्सजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे इओ चुए पेष्सा देवे सिया १, गोयमा ! अत्येगइए देवे सिया अत्येगइए नो देवे सिया । से केणट्टेणं जाव इओ चुए पेष्सा अत्येगइए देवे सिया अत्येगइए नो देवे सिया १, गोयमा ! जे इमे जीवा गामागरनगरनिगमरायहाणिखेडकब्बडमडवदोण-मुहपट्टणासमसन्निवेसेसु अकामतण्हाए अकामल्लुहाए अकामव्वंभचेरवासेण अकाम-सीतातवर्दसमसगअण्हाणगसेयजल्लमलपंकपरिदाहेणं अप्पतरं वा भुज्जतरं वा कालं अप्पाणं परिकिल्लेसंति अप्पाणं परिकिल्लेसिन्ता कालमासे काल किष्सा अन्नयरेसु वाण-मतरेसु देवलोगेसु देवताए उववत्तारो भवति ॥ केरिसाणं भंते ! तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा पण्णत्ता १, गोयमा ! से जहानामए—इह मणुस्सलोगमि असोगवणे इ वा सत्तवन्नवणे इ वा चपयवणे इ वा चूयवणे इ वा तिलगवणे इ वा लाउयवणे इ वा निग्गोहवणे इ वा छत्तोववणे इ वा असणवणे इ वा सणवणे इ वा अयसिवणे इ वा कुसुंमवणे इ वा सिद्धत्यवणे इ वा वधुजीवगवणे इ वा णिच्च कुसुमियमाइ-यलवइयथवइयगुलइयगुच्छियजमलियजुवलियविणमियपणमियसुविभत्तपिंडिमजरिवडें-सगघरे सिरीए अतीव अतीव उवसोभेमाणे उवसोभेमाणे चिट्ठइ, एवमेव तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा जहज्जेणं दसवाससहस्सट्ठितीएहिं उक्कोसेण पलिओव-मट्ठितीएहिं वट्ठहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं तोह्वीहि य आइण्णा वितिकिण्णा उवत्यडा सथडा फुडा अवगाढगाढसिरीए अतीव अतीव उवसोभेमाणा चिट्ठति, एरिसगाणं गोयमा ! तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा प०, से तेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—जीवे ण असंजए जाव देवे सिया । सेव भंते ! सेवं भंते ! स्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमसति वदइत्ता नमसइत्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावे-माणे विहरति ॥ १९ ॥ पढमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे नगरे समोसरणं, परिसा निग्गया जाव एव वयासी-जीवे णं भंते ! सर्यकड दुक्खं वेदेइ १, गोयमा ! अत्येगइयं वेएइ अत्येगइयं नो वेएइ, से केणट्टेणं भते ! एवं वुच्चइ—अत्येगइयं वेदेइ अत्येगइयं नो वेएइ १, गोयमा ! उदिन्नं वेएइ

की परारमा नो तदुभयारमा अणारमा ॥ से केनहुंनं मते । एवं सुवह-अत्ये-  
 पद्मा बीजा आमारमाणि । एवं पवित्रधारैवम् गोमया । बीजा बुद्धिहा पण्यता  
 तंवाहा-संघारसमावधया य अर्धसंघारसमावधया न तत्त्वं न के ते अर्धसंघार-  
 सप्पमवधया ते न सिद्धा सिद्धा न नो आमारमा जाय अणारमा, तत्त्वं न  
 के ते संघारसमावधया तं बुद्धिहा पण्यता तंवाहा-संघवा न अर्धववा न तत्त्वं  
 न के ते संघवा ते बुद्धिहा पण्यता तंवाहा-समत्तसंघवा न अप्पमत्तसंघवा न  
 तत्त्वं न के ते अप्पमत्तसंघवा ते न नो आमारमा नो परारमा जाय अणारमा  
 तत्त्वं न के ते समत्तसंघवा ते छ्मं भोगं पण्य नो आमारमा नो परारमा जाय  
 अणारमा अणुनं भोगं पण्य आमारमाणि जाय नो अणारमा तत्त्वं न के ते  
 अर्धववा ते अविट्ठं पण्य आमारमाणि जाय नो अणारमा से तेनहुंनं गोमया ।  
 एवं सुवह-अत्येवमा बीजा जाय अणारमा ॥ मेववाचं मते । किं आमारमा  
 परारमा तदुभयारमा अणारमा १, गोमया । मेववाचं आमारमाणि जाय नो अण-  
 रमा, से केनहुंनं मते एवं सुवह । गोमया । अविट्ठं पण्य से तेनहुंनं जाय  
 नो अणारमा एवं जाय अणुत्तयाणमि जाय पवित्रधारैवमिवा मयुत्तया  
 न्ना बीजा नवरं सिद्धिगच्छिया माभिवन्ना वाचमपठ जाय कैमापिया बह्वं मे-  
 र्वा । सकेत्ता न्ना बोद्धिया कम्मेत्तस्स नीलकेत्तस्स कम्मेत्तस्स बह्वं बोद्धिया  
 बीजा नवरं समत्तअप्पमत्ता न माभिवन्ना तेरकेत्तस्स पम्मेत्तस्स छ्मकेत्तस्स  
 न्ना बोद्धिया बीजा नवरं सिद्धा न माभिवन्ना ॥ १९ ॥ इहमणिए मते । यथे  
 परमणिए नाथे तदुभयमणिए नाथे । गोमया । इहमणिए यथे परमणिए यथे  
 तदुभयमणिए नाथे । वत्तवपि एकमेव । इहमणिए मते । चरिते परमणिए चरिते  
 तदुभयमणिए चरिते । गोमया । इहमणिए चरिते नो परमणिए चरिते नो तदुभय-  
 मणिए चरिते । एवं तथे संभवे ॥ १० ॥ अर्धकुट्टे नं मते । अणारं किं सिज्जत्त  
 सुज्जत्त सुवह परिमिन्ना, तन्मत्तुगत्तामर्तं करे । गोमया । नो इयं सय्ये ।  
 से केनहुंनं जाय नो अर्तं करे । गोमया । अर्धकुट्टे अणारं जायववाचो सत्त  
 कम्मपपवीणो सिद्धिजनवक्कत्ताओ वणियवक्कत्ताओ पकरे, इत्तस्सकम्मिद्विद्वान्मो  
 वीहकम्मिद्विद्वान्मो पकरे, वेवात्तुमावन्मो सिन्नात्तुमावन्मो पकरे, अप्पपत्तम्माओ  
 मत्तुपपत्तम्माओ पकरे, आत्तं न नं कम्मं सिज्जं वंवाह सिज्जं नो वंवाह अत्तावा-  
 धिवत्तं न नं कम्मं मुज्जे मुज्जे तवविवाह अवाहं न नं अयवद्वं वीहमं  
 वावरं संघारकटारं अणुपरिवह, से एण्हिं गोमया । अर्धकुट्टे अणारं वो  
 सिज्जत्त ५ । संकुट्टे नं मते । अणारं सिज्जत्त ५ १, इत्ता सिज्जत्त जाय अर्तं



सव्वे समकिरिया ? , गोयमा ! नो इण्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण ? , गोयमा ! नेरइया  
 तिविहा ५०, तजहा—सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, तत्थ ण जे ते  
 सम्मदिट्ठी तेसि ण चत्तारि किरियाओ पण्णत्ताओ, तजहा—आरभिया १ परि०  
 २ माया० ३ अप्पच्च० ४, तत्थ ण जे ते मिच्छादिट्ठी तेसि णं पच्च किरियाओ  
 कज्जति—आरंभिया जाव मिच्छादसणवत्तिया, एव सम्मामिच्छादिट्ठीणपि, से तेण  
 ट्ठेण गोयमा ! ० ॥ नेरइया ण भते ! सव्वे समाउया सव्वे समोववन्नगा ? , गोयमा !  
 नो इण्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण ? , गोयमा ! नेरइया चउव्विहा ५०, तजहा—अत्थेग-  
 इया समाउया समोववन्नगा १ अत्थेगइया समाउया विसमोववन्नगा २ अत्थेगइया  
 विममाउया समोववन्नगा ३ अत्थेगइया विसमाउया विसमोववन्नगा ४ से तेणट्ठेण  
 गोयमा ! ० ॥ असुरकुमारा ण भते ! सव्वे समाहारा सव्वे समसरीरा, जहा नेरइया  
 तहा भाणियव्वा, नवर कम्मवन्नलेस्साओ परिवण्णयव्वाओ, पुव्वोववन्नगा महा  
 कम्मतरागा अविमुद्धवन्नतरागा अविमुद्धलेसतरागा, पच्छोववन्नगा पमत्था, सेस  
 तहेव, एव जाव थणियकुमाराण । पुढविकाइयाण आहारकम्मवन्नलेस्सा जहा  
 नेरइयाणं ॥ पुढविकाइया ण भते ! सव्वे समवेयणा ? , हता समवेयणा, से केण-  
 ट्ठेण भंते ! समवेयणा ? , गोयमा ! पुढविकाइया सव्वे असन्नी असन्निभूया अणि-  
 दाए वेयणं वेदंति से तेणट्ठेणं ॥ पुढविकाइया ण भते ! सव्वे समकिरिया ?  
 हता समकिरिया, से केणट्ठेण ? , गोयमा ! पुढविकाइया सव्वे माई मिच्छादिट्ठी  
 ताण णिययाओ पच्च किरियाओ कज्जति, तजहा—आरंभिया जाव मिच्छादसण-  
 वत्तिया, से तेणट्ठेणं समाउया समोववन्नगा, जहा नेरइया तहा भाणियव्वा, जहा  
 पुढविकाइया तहा जाव चउरिंदिया । पच्चिदियतिरिक्खजोणिया जहा नेरइया नाणत्तं  
 किरियासु, पच्चिदियतिरिक्खजोणिया ण भते ! सव्वे समकिरिया ? , गो०, णो ति०,  
 से केणट्ठेण ? गो० पच्चिदियतिरिक्खजोणिया तिविहा ५०, तजहा—सम्मदिट्ठी मिच्छा-  
 दिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, तत्थ ण जे ते सम्मदिट्ठी ते दुविहा ५०, तजहा—अस्स  
 जया य संजयासजया य, तत्थ णं जे ते संजयासजया तेसिण तिज्जि किरियाओ  
 कज्जति, तजहा—आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया, असजयाणं चत्तारि, मिच्छा-  
 दिट्ठीण पंच, सम्मामिच्छादिट्ठीण पंच, मणुस्सा जहा नेरइया नाणत्तं जे महासरीरा  
 ते बहुतराए पोग्गले आहारंति आहृच्च आहारंति जे अप्पसरीरा ते अप्पतराए  
 आहारंति अभिक्खण आहारंति सेस जहा नेरइयाण जाव वेयणा । मणुस्सा ण  
 भंते ! सव्वे समकिरिया ? , गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण ? , गोयमा !  
 मणुस्सा तिविहा ५०, तजहा—सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, तत्थ ण

अनुविर्त्तं नो वेदः, से तेजोऽर्थं एवं तुल्य-आत्येयत्वं वेदः आत्येयत्विर्त्तं नो वेदः,  
 एवं अद्वयीसर्ववृत्त्यं चात्र वेदमिदं ॥ अथा च मते । सर्ववर्त्तं तुल्यं वेदमिदं ।  
 योममा । आत्येयत्वं वेदमिदं आत्येयत्वं ओ वेदमिदं से तेजोऽर्थं । योममा । तद्विर्त्तं  
 वेदमिदं नो अनुविर्त्तं विवमिदं से तेजोऽर्थं, एवं चात्र वेदमिदं ॥ अथा च मते ।  
 सर्ववर्त्तं आदर्श वेदः । योममा । आत्येयत्वं वेदः आत्येयत्वं नो वेदः अथा तुल्यवर्त्तं  
 हो ईदृश्या तदा आत्राप्यसि हो ईदृश्या एवाप्युत्तिम्या एवैवं चात्र वेदमिदं  
 सुसुप्तसामि तदेव ॥ १ ॥ वेदः च मते । सम्ये समाहारं सम्ये समसपीठं सम्ये  
 समुत्सासमिदं ॥ योममा । नो इच्छे सम्ये । से तेजोऽर्थं मते । एवं तुल्य  
 वेदः च नो सम्ये समाहारं नो सम्ये समसपीठं नो सम्ये समुत्सासमिदं ॥  
 योममा । वेदः च इच्छे पञ्चा तं ब्रह्म-महासपीठं च अप्यसपीठं च तत्त्वं च वे  
 ते महासपीठं से ब्रुतराप योममे अत्रारैति ब्रुतराप योममे परिचामैति ब्रुत  
 राप योममे तत्त्वसंति ब्रुतराप योममे मीसंति अमिदं च अत्रारैति अमि  
 दं च परिचामैति अमिदं च तत्त्वसंति अमिदं च मी तत्त्वं च वे ते अप्यस-  
 पीठं से च अप्यसपीठं पुममे अत्रारैति अप्यसपीठं पुममे परिचामैति अप्यसपीठं  
 योममे तत्त्वसंति अप्यसपीठं योममे मीसंति अत्रारैति अत्रारैति अत्रारैति परिचामैति  
 अत्रारैति तत्त्वसंति अत्रारैति मीसंति से तेजोऽर्थं योममा । एवं तुल्य-वेदः च नो  
 सम्ये समुत्सासमिदं चात्र नो सम्ये समुत्सासमिदं ॥ वेदः च मते । सम्ये सम-  
 योममा । योममा । नो इच्छे सम्ये, से तेजोऽर्थं । योममा । वेदः च इच्छे पञ्चा  
 तं ब्रह्म-पुण्योपपन्नं च पुण्योपपन्नं च तत्त्वं च वे ते पुण्योपपन्नं से च  
 अप्यसपीठं तत्त्वं च वे ते पुण्योपपन्नं से च महासपीठं से तेजोऽर्थं  
 योममा । ॥ वेदः च मते । सम्ये समयज्ञः । योममा । नो इच्छे सम्ये, से  
 तेजोऽर्थं तदेव । योममा । वे ते पुण्योपपन्नं से च मिदं ब्रह्मसपीठं तत्त्वं च वे  
 ते पुण्योपपन्नं से च अमिदं ब्रह्मसपीठं तदेव से तेजोऽर्थं एवं ॥ वेदः च मते ।  
 सम्ये समयज्ञः । योममा । नो इच्छे सम्ये, से तेजोऽर्थं चात्र नो सम्ये समयज्ञः ।  
 योममा । वेदः च इच्छे पञ्चा तं ब्रह्म-पुण्योपपन्नं च पुण्योपपन्नं च तत्त्वं  
 च वे ते पुण्योपपन्नं से च मिदं ब्रह्मसपीठं तत्त्वं च वे ते पुण्योपपन्नं  
 से च अमिदं ब्रह्मसपीठं से तेजोऽर्थं ॥ वेदः च मते । सम्ये समयज्ञः ।  
 योममा । नो इच्छे सम्ये, से तेजोऽर्थं । योममा । वेदः च इच्छे पञ्चा तं ब्रह्म-  
 सपीठं च असपीठं च तत्त्वं च वे ते सपीठं से च महासपीठं तत्त्वं च  
 वे ते असपीठं से च अप्यसपीठं से तेजोऽर्थं योममा । ॥ वेदः च

मणुस्सदेवाण य जहा नेरइयाण ॥ एयस्स ण भंते ! नेरइयस्स संसारसच्चिट्ठणका-  
लस्स जाव देवसंसारसच्चिट्ठण जाव विसेसाहिंए वा ? गोयमा ! सब्बत्योवे मणुस्ससं-  
सारसच्चिट्ठणकाले, नेरइयसंसारसच्चिट्ठणकाले असखेज्जगुणे, देवसंसारसच्चिट्ठणकाले  
असंखेज्जगुणे, तिरिक्खजोणिंए अणतगुणे ॥ २३ ॥ जीवे णं भंते ! अतकिरिंयं  
करेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगतिया करेज्जा अत्थेगतिया नो करेज्जा, अतकिरियापयं  
नेयव्व ॥ २४ ॥ अह भंते ! असजयभवियदव्वदेवाण १ अविराहियसजमाण २  
विराहियसं० ३ अविराहियसंजमासंज० ४ विराहियसंजमास० ५ असञ्चीण ६  
तावसाण ७ कदप्पियाण ८ चरगपरिव्वायगाणं ९ किव्विसियाण १० तेरिच्छि-  
याण ११ आजीवियाण १२ आभिओगियाणं १३ सल्लिगीण दसणवावन्नगाणं १४  
एएसि ण देवलोगेस्स उववज्जमाणाण कस्स कहिं उववाए पण्णत्ते ? गोयमा ! अस्सं-  
जयभवियदव्वदेवाण जह्जेणं भवणवासीस्स उक्कोसेणं उवरिमगेविज्जएसु १, अविरा-  
हियसंजमाणं जह्जेणं सोहम्मे कप्पे उक्कोसेण सव्वट्ठसिद्धे विमाणे २, विराहियसंज-  
माण जह्जेण भवणवासीस्स उक्कोसेण सोहम्मे कप्पे ३, अविराहियसंजमा० २ ण  
जह० सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं अब्बुए कप्पे ४, विराहियसजमासं० जह्जेण भवण  
वासीस्स उक्कोसेण जोतिसिएसु ५, असञ्चीण जह्जेण भवणवासीस्स उक्कोसेणं वाणमत-  
रेसु ६, अवसेसा सव्वे जह० भवणवा० उक्कोसग वोच्छामि-तावसाण जोतिसिएसु,  
कदप्पियाण सोहम्मे, चरगपरिव्वायगाण वमलोए कप्पे, किव्विसियाण लंतगे कप्पे,  
तेरिच्छियाण सहस्सारे कप्पे, आजीवियाण अब्बुए कप्पे, आभिओगियाण अब्बुए  
कप्पे, सल्लिगीणं दसणवावन्नगाणं उवरिमगेविज्जएसु १४ ॥ २५ ॥ कतिविद्दे णं भंते !  
असञ्जिआउए पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विद्दे असञ्जिआउए पण्णत्ते, तंजहा-नेरइय-  
असञ्जिआउए तिरिक्ख० मणुस्स० देव० । असञ्ची णं भंते ! जीवे किं नेरइयाउयं  
पकरेइ तिरि० मणु० देवाउय पकरेइ ? इंता गोयमा ! नेरइयाउयपि पकरेइ तिरि०  
मणु० देवाउयपि पकरेइ, नेरइयाउय पकरेमाणे जह्जेणं दसवाससहस्साइ उक्कोसेणं  
पलिओवमस्स असखेज्जइभाग पकरेति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे जह्जेणं  
अंतोमुहुत्त उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ, मणुस्साउएवि एव चेव,  
देवाउयं जहा नेरइया ॥ एयस्स णं भंते ! नेरइयअसञ्जिआउयस्स तिरि० मणु०  
देवअसञ्जिआउयस्स कयरे कयरे जाव विसेसाहिंए वा ? गोयमा ! सब्बत्योवे देव-  
असञ्जिआउए, मणुस्स० असखेज्जगुणे, तिरिय० असखेज्जगुणे, नेरइए० असंखेज्ज-  
गुणे । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २६ ॥ बित्तिओ उद्देसओ समत्तो ॥

जीवाणं भंते ! कखामोहणिजे कम्मे कळे ? इंता कळे ॥ से भंते ! किं देसेणं

-जे ते सम्मतिही ते तिनिहा प तंवहा-संबया अस्पंदया संबयासंबया य तत्त्व  
 -जे ते संबया ते पुनिहा प तंवहा-सरापसंबया व बीयरापसंबया य तत्त्व  
 -जे ते बीयरापसंबया ते नं अतिरिवा तत्त्व नं जे ते सरापसंबया ते पुनिहा  
 प तंवहा-पमतसंबया व अपमतसंबया य तत्त्व नं जे ते अपमतसंबया तेतिर्न  
 एया मावावतिमा निरिया कज्जह, तत्त्व नं जे ते पमतसंबया तेतिर्न हो निरियाओ  
 कज्जहि तं -आरंभिया य मावावतिवा व तत्त्व नं जे ते संबयासंबया तति नं  
 आत्तुत्तये तिनि निरियाओ कज्जहि तंवहा-आरंभिया १ परिस्यहिवा २ मावावतिवा  
 ३, अस्पंदयाव नराते निरियाओ कज्जहि-आरं १ परि २ मावावतिवा ३ अप-  
 म ४ तिच्छान्तिहीनं पं-आरंभि १ परि २ मावा ३ अपम ४ तिच्छान-  
 रंभन ५, सम्मतिच्छान्तिहीनं पं- ५, वाय्मेटरओतिचकेमागिया जहा अत्तु-  
 माए नवरं वैजवाए नावते-मायिमिच्छान्तिहीनकज्जया य अपपेदनत्तु अमानि-  
 सम्मतिहीनकज्जया व अहावैक्यत्तुया मायिम्या ओतिचकेमागिया ७ सकेस्सा  
 नं भति । नेछया सय्ये सयाहारया । ओहिवा नं सकेस्सा नं सकेस्सायं एएति नं  
 तिर्न एहो पयो कज्जहेस्सा नं बीछहेस्सा नं पि एहो पयो नवरं वैजवाए मायिमि-  
 च्छान्तिहीनकज्जया व अमानिसम्मतिहीनकज्जया मायिम्या । मत्तुस्सा निरियाओ  
 सरापसंबयापमतपमतया व मायिम्या । अत्तुस्साएति एहेव पयो नवरं नेछए  
 जहा ओहिए ईवए तहा मायिम्या तेठकेस्सा पम्हकेस्सा अस्स अति जहा ओहिओ  
 ईवजे तहा मायिम्या नवरं मत्तुस्सा सराप बीयराप व न मायिम्या जहा-  
 पुनत्तुए एहेवे आहारे कज्जककेस्सा व । समपेक्यत्तुमायिवा साराप नं  
 बोद्धया ॥ १११, ११४ पं भंते । केस्साओ पत्तपयो । योक्का । छेसाओ पत्तप  
 तंवहा-केसायं बीक्का ओहस्ये मायिम्या आव इही ॥ १२ ॥ बीयस्स नं भंते ।  
 तीतत्तए आतिहस्स अतिहे संसारसंनिहुक्काके पम्हते । योक्का । अत्तुस्सा संसार-  
 संनिहुक्काके पम्हते तंवहा-बीयसंसारसंनिहुक्काके तिनिक्का मत्तुस्सा वैज-  
 सारसंनिहुक्काके व पम्हते ॥ नैत्तवसंसारसंनिहुक्काके नं भति । अतिहिहे पम्हते ।  
 योक्का । तिनिहे पम्हते तंवहा-अत्तुस्साके अत्तुक्काके तिस्सक्काके ॥ तिनिक्काओति  
 अत्तुसार पुक्का योक्का । इतिहे पम्हते तंप्पा-अत्तुक्काके य तिस्सक्काके व मत्तु-  
 स्साव व वेवाय व जहा वेत्तुयायं ॥ एवस्स नं भति । नेत्तवसंसारसंनिहुक्का-  
 कस्स अत्तुक्काकस्स अत्तुक्काकस्स बीयत्तुस्स व अतिरिहीतौ जप्प वा बहुए वा  
 तुने वा तिसेसाहिए वा । योक्का । सय्य अत्तुक्काके तिस्सक्काके अत्तुत्तुये तत्त्व-  
 काके अत्तुत्तुये ॥ तिनि ओ भंते । सय्य अत्तुक्काके तिस्सक्काके अत्तुत्तुये

जोगनिमित्त च ॥ से ण भते ! पमाए किंपवहे ? , गोयमा ! जोगप्पवहे । से ण भते !  
जोए किंपवहे ? , गोयमा ! वीरियप्पवहे । से ण भते वीरिए किंपवहे ? , गोयमा !  
सरीरप्पवहे । से ण भते ! सरीरे किंपवहे ? , गोयमा ! जीवप्पवहे । एव सति अत्थि  
उट्ठाणे ति वा कम्मे ति वा वळे इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा ॥ ३४ ॥  
से णूण भते ! अप्पणा चेव उदीरेइ अप्पणा चेव गरहइ अप्पणा चेव सवरइ ? ,  
हता ! गोयमा ! अप्पणा चेव त चेव उच्चारयेयव्व ३ ॥ ज त भते ! अप्पणा चेव  
उदीरेइ अप्पणा चेव गरहेइ अप्पणा चेव सवरेइ त किं उदिन्न उदीरेइ १ अणु  
दिन्न उदीरेइ २ अणुदिन्न उदीरणाभविय कम्म उदीरेइ ३ उदयाणतरपच्छाकड  
कम्म उदीरेइ ४ ? , गोयमा ! नो उदिण्ण उदीरेइ १ नो अणुदिन्न उदीरेइ २ अणु  
दिन्न उदीरणाभविय कम्म उदीरेइ ३ णो उदयाणतरपच्छाकड कम्म उदीरेइ ४ ॥  
ज त भते ! अणुदिन्न उदीरणाभविय कम्म उदीरेइ त किं उट्ठाणेण कम्मेण वळे  
वीरिएण पुरिसक्कारपरक्कमेण अणुदिन्न उदीरणाभविय क० उदी० ? उदाहु तं  
अणुट्ठाणेण अकम्मेण अवलेण अवीरिएण अपुरिसक्कारपरक्कमेण अणुदिन्न उदीरणा  
भविय कम्म उदी० ? , गोयमा ! तं० उट्ठाणेणवि कम्मे० वळे० वीरिए० पुरि-  
सक्कारपरक्कमेणवि अणुदिन्न उदीरणाभविय कम्म उदीरेइ, णो त अणुट्ठाणेण अक-  
म्मेण अवलेण अवीरिएण अपुरिसक्कार० अणुदिन्न उदी० भ० क० उदी०, एव  
सति अत्थि उट्ठाणे इ वा कम्मे इ वा वळे इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ  
वा ॥ से नूणं भते ! अप्पणा चेव उवसामेइ अप्पणा चेव गरहइ अप्पणा चेव  
सवरइ ? , हता गोयमा ! एत्थ वि तहेव भाणियव्व, नवर अणुदिन्न उवसामेइ सेसा  
पडिसेहेयव्वा तिज्झि ॥ जं त भते ! अणुदिन्न उवसामेइ त किं उट्ठाणेण जाव पुरि  
सक्कारपरक्कमेति वा, से नूण भते ! अप्पणा चेव वेदेइ अप्पणा चेव गरहइ ? ,  
एत्थवि सच्चेव परिवाढी, नवर उदिन्न वेएइ नो अणुदिन्न वेएइ, एव जाव पुरि  
सक्कारपरिक्कमे इ वा । से नूण भते ! अप्पणा चेव निज्जरेति अप्पणा चेव गरहइ,  
एत्थवि सच्चेव परिवाढी नवरं उदयाणतरपच्छाकड कम्मं निज्जरेइ एव जाव परिक्क-  
मेइ वा ॥ ३५ ॥ नेरइयाण भते ! क्खामोहणिज्ज कम्मं वेएन्ति ? , जहा ओहिवा  
जीवा तहा नेरइया, जाव थणियकुमारा ॥ पुढविकाइयाण भते ! क्खामोहणिज्जं  
कम्म वेइति, हता वेइति, कहण्ण भते ! पुढविका० क्खामोहणिज्जं कम्म वेइति ? ,  
गोयमा ! तेसिणं जीवाण णो एवं तक्का इ वा सण्णा इ वा पण्णा इ वा मणे इ वा  
वइ ति वा—अम्हे ण क्खामोहणिज्ज कम्म वेएमो, वेएति पुण ते । से णूण भते !  
नमेव सच्च नीसक ज जिणेहिं पवेइय, सेस त चेव, जाव पुरिसक्कारपरिक्कमेइ वा ।

हेते कृते । १ हेतेन सन्धे कृते । २ सन्धेन हेते कृते । ३ सन्धेन सन्धे कृते ।  
 ४ नोक्त्वा । नो हेतेन हेते कृते । नो हेतेन सन्धे कृते । नो सन्धेन हेते कृते  
 १ सन्धेन सन्धे कृते ४ ॥ नेरुप्या न मते । कंठामोहमिज्जं कम्मे कृते । इता कृते  
 वाच सन्धेन सन्धे कृते ४ । एवं वाच वैमामिवायं इदञ्चो भागियम्भो ॥ १७ ॥  
 बीवा न मते । कंठामोहमिज्जं कम्मे करिणु । इता करिणु । तं मते । किं हेतेन  
 हेते करिणु । एतन् नमिवायेन इदञ्चो भागियम्भो वाच वैमामिवायं एवं करेति  
 पूरयति इदञ्चो वाच वैमामिवायं एवं करेत्संति एतन्मि इदञ्चो वाच वैमामिवायं ॥  
 एवं निप निमिद निमिदं निमिदं निमिदं निमिदं निमिदं निमिदं निमिदं निमिदं  
 स्तंति, उरीरु उरीरु उरीरु स्तंति वेति स्तंति वेति स्तंति निज्जं निज्जं निज्जं  
 निज्जं स्तंति याहा—कवविना कवविना उरीरु वेतिना य निज्जिना । नाविपि  
 कवनेहा सिक्केहा पक्किमा तिपि ॥ १ ॥ २८ ॥ बीवा न मते । कंठामोहमिज्जं  
 कम्मे वेति १, इता वेति । कव्वं मते । बीवा कंठामोहमिज्जं कम्मे वेति १  
 नोक्त्वा । तेहि तेहि कववेहि उक्किना कवविना विविदिक्किना भेदकमाववा कव्व-  
 उमाववा एवं कव्व बीवा कंठामोहमिज्जं कम्मे वेति ॥ १९ ॥ से नूनं मते ।  
 तमेव एवं बीरुं नं विवेहि पवेत्तं । इता नोक्त्वा । तमेव एवं बीरुं नं  
 विवेहि पवेत्तं ॥ ३ ॥ से नूनं मते । एवं मन् वारेमात्तै एवं पवरेमात्तै एवं  
 निज्जमात्तै एवं उवरेमात्तै आवापु आउउपु मवति । इता नोक्त्वा । एवं मन् वारे  
 मात्तै वाच मवत् ॥ २१ ॥ से नूनं मते । अरिपत्तं अरिपत्तं परिक्कम्ह मवितं मरिपत्तं  
 परिक्कम्ह । इता नोक्त्वा । वाच परिक्कम्ह ॥ अण्ये मते । अरिपत्तं अरिपत्तं परिक्क-  
 म्ह मरिपत्तं मरिपत्तं परिक्कम्ह तं किं पवोमत्ता बीरुत्ता १, पवेक्त्वा । पवोमत्तात्तै तं  
 बीरुत्तात्तै तं क्वा ते मते । अरिपत्तं अरिपत्तं परिक्कम्ह त्वा ते मरिपत्तं मरिपत्तं  
 परिक्कम्ह । क्वा ते मरिपत्तं मरिपत्तं परिक्कम्ह त्वा ते मरिपत्तं मरिपत्तं परिक्कम्ह ।  
 इता नोक्त्वा । क्वा ये मरिपत्तं मरिपत्तं परिक्कम्ह त्वा ये मरिपत्तं मरिपत्तं परिक्क-  
 म्ह, क्वा ये मरिपत्तं मरिपत्तं परिक्कम्ह त्वा ये मरिपत्तं मरिपत्तं परिक्कम्ह ॥ से  
 नूनं मते । मरिपत्तं मरिपत्तं पममिज्जं क्वा परिक्कम्ह वो आकम्पना त्वा ये इह  
 पममिज्जंमत्तै वो आकम्पना भागियम्भो वाच क्वा ये मरिपत्तं मरिपत्तं पममिज्जं  
 ॥ २२ ॥ क्वा ते मते । एतन् पममिज्जं त्वा ते इह पममिज्जं क्वा ते इह पममिज्जं  
 त्वा ते एतन् पममिज्जं १, इता । नोक्त्वा । क्वा ये एतन् पममिज्जं वाच त्वा  
 ये एतन् (इह) पममिज्जं ॥ २३ ॥ बीवाने मते । कंठामोहमिज्जं कम्मे वेति । इता ।  
 वेति । क्वं न मते । बीवा कंठामोहमिज्जं कम्मे वेति १ । नोक्त्वा । पमापमवत्

तत्थ णं ज त पएसकम्म त नियमा वेएइ, तत्थ ण ज त अणुभागकम्मं त अत्ये  
 गइय वेएइ अत्येगइय नो वेएइ । णायमेय अरहया सुयमेय अरहया विज्ञायमेय  
 अरहया इम कम्म अय जीवे अज्झोवगमियाए वेयणाए वेदिस्सइ इमं कम्म अय  
 जीवे उवक्कमियाए वेदणाए वेदिस्सइ, अहाकम्म अहानिकरण जहा जहा त भा  
 वया दिट्ठ तहा तहा त विप्परिणमिस्सतीति, से तेणट्ठेण गोयमा ! नेरइयस्स वा  
 ४ जाव मोक्खो ॥ ४० ॥ एस ण भंते ! पोग्गले तीतमणत सासयं समयं भुवीति  
 वत्तव्व सिया ? , हता गोयमा ! एस ण पोग्गले अतीतमणत सासयं समयं भुवीति  
 वत्तव्व सिया । एस ण भते ! पोग्गले पडुप्पन्नसासयं समयं भवतीति वत्तव्वं  
 सिया ? , हता गोयमा ! त चेव उच्चारयेव्वं । एस ण भते ! पोग्गले अणागयमणत  
 सासयं समयं भविस्सतीति वत्तव्वं सिया ? , हन्ता गोयमा ! त चेव उच्चारयेव्व ।  
 एव खघेणवि तिन्नि आलावगा, एव जीवेणवि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा ॥ ४१ ॥  
 छउमत्थे ण भंते ! मणूसे अतीतमणत सासयं समयं भुवीति केवलेण संजमेणं केवलेण  
 सवरेण केवलेणं वभचेरवासेण केवलाहिं पवयणमाईहिं सिज्झिस्सु बुज्झिस्सु जाव सव्व-  
 दुक्खाणमत करेस्सु ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भते ! एव बुच्चइ त चेव  
 जाव अत करेस्सु ? गोयमा ! जे केइ अतकरा वा अतिमसरीरिया वा सव्वदुक्खाण-  
 मत करेस्सु वा करेति वा करिस्सति वा सव्वे ते उप्पन्ननाणदंसणधरा अरहा जिणे  
 केवली भवित्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झति मुच्चति परिनिव्वायति सव्वदुक्खाण-  
 मंत करेस्सु वा करेति वा करिस्सति वा, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव सव्वदुक्खाण-  
 मंतं करेस्सु, पडुप्पन्नेऽवि एव चेव नवरं सिज्झति भाणियव्व, अणागएवि एव चेव,  
 नवरं सिज्झिस्संति भाणियव्वं, जहा छउमत्थो तहा आहोहिओवि तहा परमाहोहि-  
 ओऽवि तिन्नि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा । केवली ण भंते ! मणूसे तीतमणतं  
 सासयं समयं जाव अत करेस्सु ? हता सिज्झिस्सु जाव अत करेस्सु, एते तिन्नि आला-  
 वगा भाणियव्वा छउमत्थस्स जहा नवरं सिज्झिस्सु सिज्झति सिज्झिस्सति । से णूण  
 भते ! तीतमणत सासयं समयं पडुप्पन्न वा सासयं समयं अणागयमणत वा सासयं  
 समयं जे केइ अतकरा वा अतिमसरीरिया वा सव्वदुक्खाणमत करेस्सु वा करेति वा  
 करिस्सति वा सव्वे ते उप्पन्ननाणदंसणधरा अरहा जिणे केवली भवित्ता तओ पच्छा  
 सिज्झंति जाव अत करेस्सति वा ? हता गोयमा ! तीतमणत सासयं समयं जाव  
 अतं करेस्संति वा । से णूण भंते ! उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अलम-  
 त्युत्ति वत्तव्व सिया ? हता गोयमा ! उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अलम-  
 त्युत्ति वत्तव्वं सिया । सेव भते ! सेव भंते ! ति ॥ ४२ ॥ चउत्थो उद्देशो समत्तो ॥





एवं सत्तावीस भंगा णेयव्वा ॥ इमीसे णं भत्ते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए  
 निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगसि निरयावाससि समयाहियाए जहन्नद्वितीए वट्ठ-  
 माणा नेरइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता ? गोयमा !  
 कोहोवउत्ते य माणोवउत्ते य मायोवउत्ते य लोभोवउत्ते य, कोहोवउत्ता य माणो  
 वउत्ता य मायोवउत्ता य लोभोवउत्ता य, अहवा कोहोवउत्ते य माणोवउत्ते य,  
 अहवा कोहोवउत्ते य माणोवउत्ता य एव असीति भंगा नेयव्वा, एव जाव सखिज्ज-  
 समयाहिया ठिई असखेज्जसमयाहियाए ठिईए तप्पाउग्गुक्कोसियाए ठिईए सत्तावीस  
 भगा भाणियव्वा ॥ ४४ ॥ इमीसे ण भत्ते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावा-  
 ससयसहस्सेसु एगमेगसि निरयावाससि नेरइयाण केवइया ओगाहणाठाणा पन्नता ?  
 गोयमा ! असखेज्जा ओगाहणाठाणा पन्नत्ता, तजहा—जहन्निया ओगाहणा अगुल्लस-  
 असखेज्जइभाग जहणिया ओगाहणा एगपदेसाहिया जहन्निया ओगाहणा, दुप्प-  
 साहिया जहन्निया ओगाहणा, जाव असखिज्जपएसाहिया जहन्निया ओगाहणा,  
 तप्पाउग्गुक्कोसिया ओगाहणा ॥ इमीसे ण भत्ते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए  
 निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगसि निरयावाससि जहन्नियाए ओगाहणाए वट्ठमाणा  
 नेरइया किं कोहोवउत्ता ? असीइभंगा भाणियव्वा जाव सखिज्जपएसाहिया जह-  
 न्निया ओगाहणा, असखेज्जपएसाहियाए जहन्नियाए ओगाहणाए वट्ठमाणं तप्पा-  
 उग्गुक्कोसियाए ओगाहणाए वट्ठमाणेण नेरइयाण दोसुवि सत्तावीस भगा ॥ इमीसे  
 ण भत्ते ! रयण० जाव एगमेगसि निरयावाससि नेरइयाण कइ सरीरया पण्णत्ता ?  
 गोयमा ! तिज्जि सरीरया पण्णत्ता, तजहा—वेउव्विए तेयए कम्मए ॥ इमीसे ण भत्ते !  
 जाव वेउव्वियसरीरे वट्ठमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीस भगा भाणियव्वा,  
 एएण गमएणं तिज्जि सरीरा भाणियव्वा ॥ इमीसे ण भत्ते ! रयणप्पभाए पुढवीए  
 जाव नेरइयाण सरीरया किं संघयणी पन्नत्ता ? गोयमा ! छण्ह संघयणाण अस्सं-  
 घयणी, नेवट्ठी नेव छिरा नेव ण्हारुणि जे पोग्गला अणिट्ठा अक्ता अप्पिया अन्नहा  
 अमणुक्का अमणामा, एतेसिं सरीरसघायत्ताए परिणमति ॥ इमीसे ण भत्ते ! जाव  
 छण्ह संघयणाण असघयणे वट्ठमाणेण नेरइया किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीस भंगा ॥  
 इमीसे ण भत्ते ! रयणप्पभा जाव सरीरिया किंसठिया पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा  
 पन्नत्ता, तजहा—भवधारणिज्जा य उत्तरविउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा  
 ते हुडसंठिया पण्णत्ता, तत्थ ण जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुडसंठिया पण्णत्ता ।  
 इमीसे णं जाव हुडसठाणे वट्ठमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीस भगा ॥  
 इमीसे ण भत्ते ! रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयाण कति छेस्साओ पन्नत्ता ? गोयमा !

कति च मति । पुत्रवीजो पञ्चपाथो । योगमा । सप्त पुत्रवीजो पञ्चपाथो तंबहा-  
 रणप्यमा वाच दमत्ता ॥ इतीति च मति । रणप्यमाए पुत्रवीए कति निरवा-  
 वाससमसहस्रा प । योगमा । तीर्थ निरवावाससमसहस्रा प याहा—तीर्था  
 म पुत्रवीसा पञ्चरा इतेष या सयसहस्रा । तिर्था पञ्च पञ्चिब अतुतरा निरमा  
 ॥ १ ॥ केन्द्रमा च मति । अष्टरुमापञ्चाससमसहस्रा प । एवं—अष्टरु  
 अष्टरु च अष्टरुतीर्था न होत नापाने । नाचरि पुत्रवाच वाञ्छुमापञ्चास  
 ॥ १ ॥ तीर्थनिर्वाहतीर्थे निरुत्तुमारिबनमियमगीच । अष्टपि पुत्रवाच अष्टरु-  
 रिमो सयसहस्रा ॥ २ ॥ केन्द्रमा च मति । पुत्रनिर्वाहवाचसमसहस्रा प ।  
 योगमा । अष्टवेज पुत्रनिर्वाहवाचसमसहस्रा प योगमा । वाच अष्टवेजा  
 अष्टिनिबन्धितावाचसमसहस्रा प । योगमा च मति । अष्टवेजा निरवा-  
 वाससमसहस्रा प । योगमा । वतीर्थ निरवावाससमसहस्रा प एवं—वती-  
 सप्तवीसा वाच अष्ट अष्टरु सयसहस्रा । पञ्चा अष्टवेजा अष्ट सहस्रा सह  
 स्रा ॥ १ ॥ नाचपञ्चासकल्पे अष्टारि सयाऽऽरकमुए तिथि । सप्त निरवाचसमाई  
 अष्टरु एष्ट कल्पे ॥ २ ॥ एष्टरुतरं हेतिमेष्ट सप्तारं चर्च न मयिमए ।  
 सयमेष्ट अष्टरुए पञ्च अतुतरनिमाया ॥ ३ ॥ ४३ ॥ पुनरि किति मीयाहय  
 सतीरसंभवमेष्ट संताये । केस्ता मीठी नायि योगुचयोगे न इष्ट ताया ॥ १ ॥  
 इतीति च मति । रणप्यमाए पुत्रवीए तीर्थाए निरवावाससमसहस्राए एममेष्टि  
 निरवावाससंति केन्द्रमा केन्द्रा तिथिदया ॥ योगमा । अष्टवेजा तिथिदया  
 प तंबहा—अष्टवेजा तिथी समयाक्षिना अष्टवेजा तिथि इष्टमनाक्षिना वाच  
 अष्टवेजसमनाक्षिना अष्टवेजा तिथि तप्याऽऽगुकोषिया तिथी ॥ इतीति च मति  
 रणप्यमाए पुत्रवीए तीर्थाए निरवावाससमसहस्राए एममेष्टि निरवावाससंति  
 अष्टवेजा तिथीए अष्टमाय वेष्टमा नि केन्द्रोचकता मायोचकता मायोचकता  
 योगोचकता । योगमा । समेति ताव होमा योगोचकता १ अष्टा योगोचकता न  
 मायोचकते न २ अष्टा योगोचकता न मायोचकता न ३, अष्टा योगोचकता न  
 मायोचकते न ४ अष्टा योगोचकता न मायोचकता न ५ अष्टा योगोचकता न  
 योगोचकते न ६ अष्टा योगोचकता न योगोचकता न ७ । अष्टा योगोचकता  
 न मायोचकते न मायोचकते न १ योगोचकता न मायोचकते न मायोचकता न  
 २, योगोचकता न मायोचकता न मायोचकते न ३ योगोचकता न मायोचकता न  
 मायोचकता न ४ एवं योगमायोगोचकति अष्ट ४ एवं योगमायोगोचकति अष्ट ४  
 एवं १२, पञ्चा नाचय मावाए योगिच न योगो अष्टयथा ते कीर्त अष्टयथा ८

तिरिक्खजोणिया जहा नेरइया तहा भाणियव्वा, नवरं जेहिं सत्तावीस भंगा तेहिं  
अमगय कायव्व जत्थ असीति तत्थ असीतिं चेव ॥ मणुस्साणवि जेहिं ठाणेहिं  
नेरइयाण असीतिभगा तेहिं ठाणेहिं मणुस्साणवि असीतिभगा भाणियव्वा, जेव  
ठाणेसु सत्तावीसा तेसु अभंगयं, नवरं मणुस्साणं अब्भहिय जहन्निया ठिई आहारए  
य असीति भगा ॥ वाणमतरजोइसवेमाणिया जहा भवणवासी, नवरं णाणत्त  
जाणियव्व जं जस्स, जाव अणुत्तरा, सेवं भते ! सेवं भते ! त्ति ॥ ४९ ॥  
**पढमसयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

जावइयाओ य ण भते ! उवासतराओ उदयते सूरिए चक्खुप्फास हव्वमाग  
च्छति अत्थमतेविय ण सूरिए तावइयाओ चेव उवासंतराओ चक्खुप्फास हव्व-  
मागच्छति ? , हता ! गोयमा ! जावइयाओ णं उवासतराओ उदयते सूरिए चक्खु  
प्फासं हव्वमागच्छति अत्थमतेवि सूरिए जाव हव्वमागच्छति । जावइयणं भते !  
खित्त उदयंते सूरिए आतावेण सव्वओ समता ओभासेइ उज्जोएइ तवेइ पभासेइ,  
अत्थमतेविय ण सूरिए तावइय चेव खित्त आयावेण सव्वओ समता ओभासेइ  
उज्जोएइ तवेइ पभासेइ ? , हता गोयमा ! जावतियण्ण खेत्त जाव पभासेइ ॥ तं  
भते ! किं पुट्ठं ओभासेइ अपुट्ठं ओभासेइ ? , जाव छद्दिसिं ओभासेति, एव उज्जोवेइ  
तवेइ पभासेइ जाव नियमा छद्दिसिं ॥ से नूण भते ! सव्वति सव्वावति फुसमाण-  
कालसमयसि जावतिय खेत्त फुसइ तावतिर्यं फुसमाणे पुट्ठेत्ति वत्तव्व सिया ? , हता !  
गोयमा ! सव्वंति जाव वत्तव्व सिया ॥ त भते ! किं पुट्ठ फुसइ अपुट्ठ फुसइ ?  
जाव नियमा छद्दिसिं ॥ ५० ॥ लोयंते भते ! अलोयंत फुसइ अलोयतेवि लोयंतं  
फुसइ ? , हता गोयमा ! लोयते अलोयंत फुसइ अलोयतेवि लोयत फुसइ ३ । तं  
भते ! किं पुट्ठ फुसइ अपुट्ठ फुसइ ? जाव नियमा छद्दिसिं फुसइ । वीवंते भते !  
सागरंत फुसइ सागरतेवि वीवत्त फुसइ ? , हता जाव नियमा छद्दिसिं फुसइ, एव  
एण अभिलावेण उदयते पोयत फुसइ छिइते दूसत्त छांयते आयवंत जाव नियमा  
छद्दिसिं फुसइ ॥ ५१ ॥ अत्थि ण भते ! जीवाण पाणाइवाएण किरिया कज्जइ ? ,  
हता अत्थि । सा भते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? , जाव निव्वाघाएणं छद्दिसिं  
वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं । सा भते ! किं कडा  
कज्जइ अकडा कज्जइ ? , गोयमा ! कडा कज्जइ नो अकडा कज्जइ । सा भते ! किं  
अत्तकडा कज्जइ परकडा कज्जइ तदुभयकडा कज्जइ ? , गोयमा ! अत्तकडा कज्जइ  
णो परकडा कज्जइ णो तदुभयकडा कज्जइ । सा भते ! किं आणुपुर्व्वि कडा कज्जइ  
अणाणुपुर्व्वि कडा कज्जइ ? , गोयमा ! आणुपुर्व्वि कडा कज्जइ नो अणाणुपुर्व्वि कडा



सत्तमे उवासतरे पच्छा सत्तमे तणुवाए १, एव सत्तम उवासतरं गव्वेहिं सम संजोएयव्वं जाव सव्वद्धाए । पुब्बि भते । सत्तमे तणुवाए पच्छा सत्तमे घणवाए १, एयपि तहेव नेयव्वं जाव सव्वद्धा, एव उयरिद्ध एण्णं सजोयतेण जो जो हिट्ठिओ त त छट्ठंतेणं नेयव्वं जाव अतीयअणागयद्धा पच्छा सव्वद्धा जाव अणाणुपुब्बी एसा रोहा । सेव भते । सेव भंतेत्ति । जाव विहरद् ॥ ५३ ॥ भंतेत्ति भगव गोयमे समण जाव एव धयासी-रुतिविहा ण भंते । लोयट्ठिती ५० १, गोयमा । अट्ठविहा लोयट्ठिती ५०, तंजहा-आगासपइट्ठिए वाए १ वायपइट्ठिए उदही २ उदहीपइट्ठिया पुडवी ३ पुडविपइट्ठिया तसा यावरा पाणा ४ अजीवा जीवपइट्ठिया ५ जीवा कम्मपइट्ठिया ६ अजीवा जीवसगहिया ७ जीवा कम्मसगहिया ८ । से केणट्ठेणं भते । एव बुचइ १-अट्ठविहा जाव जीवा कम्मसगहिया १, गोयमा । से जहानामए-केइ पुरिसे वत्थिमाडोवेइ वत्थिमाडोवित्ता उप्पि त्तित वधइ २ मज्झेणं गठि वधइ २ उवरिद्ध गठि मुयइ २ उवरिद्ध देस वामेइ २ उवरिद्ध देस वामेत्ता उवरिद्ध देसं आउयायस्स पूरेइ २ उप्पिसि त वधइ २ मज्झिद्ध गठि मुयइ । से नूण गोयमा । से आउयाए तस्स वाउयायस्स उप्पि उवरितले चिट्ठइ १, हता चिट्ठइ, से तेणट्ठेणं जाव जीवा कम्मसगहिया, से जहा वा केइ पुरिसे वत्थिमाडोवेइ २ कवीए वधइ २ अत्याहमतारमपोरसियसि उदगंसि ओगाहेज्जा, से नूण गोयमा । से पुरिसे तस्स आउयायस्स उवरितले चिट्ठइ १, हता चिट्ठइ, एव वा अट्ठविहा लोयट्ठिई पण्णात्ता जाव जीवा कम्मसगहिया ॥ ५४ ॥ अत्थि ण भते । जीवा य पोगगला य अन्नमन्न वद्धा अन्नमन्नपुट्ठा अन्नमन्नमोगाढा अन्नमन्नसिणेहपडिवद्धा अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठति १, हंता । अत्थि । से केणट्ठेणं भते । जाव चिट्ठति १, गोयमा । से जहानामए-हरदे सिया पुण्णे पुण्णप्पमाणे वोल्हमाणे वोसट्ठमाणे समभरघडत्ताए चिट्ठइ, अहे ण केइ पुरिसे तसि हरदंसि एग मह नाव सयासव सयछिद्ध ओगाहेज्जा, से नूण गोयमा । सा णावा तेहिं आसवदारेहिं आपूरमाणी २ पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोल्हमाणा वोसट्ठमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठइ १, हता चिट्ठइ, से तेणट्ठेण गोयमा । अत्थि ण जीवा य जाव चिट्ठंति ॥ ५५ ॥ अत्थि णं भते । सया समिय सुहुमे सिणेहकाए पवडइ १, हंता अत्थि । से भंते । किं उट्ठे पवडइ अहे पवडइ तिरिए पवडइ १, गोयमा । उट्ठेवि पवडइ अहे पवडइ तिरिएवि पवडइ, जहा से वादरे आउयाए अन्नमन्नसमाउत्ते चिरंपि धीहकाल चिट्ठइ तहा णं सेवि १, नो इण्ठे समट्ठे, से ण खिप्पामेव विद्धस-मागच्छइ । सेव भते । सेव भंतेत्ति । ॥ १ ॥ ५६ ॥ छट्ठो उडेसो समत्तो ॥

नेरइए णं भंते । नेरइएसु उववज्जमाणे किं देसेण देस उववज्जइ देसेणं सर्वं

कज्ज, वा न कज्ज वा न कज्ज वा न कज्जिस्सु सग्गं सा अल्लसुम्भि कज्ज भो  
अल्लसुम्भि कज्जति वचनं सिद्धा । अतिथिं न मते । मेच्छुवाचं पाणाद्वानकिरिवा  
कज्ज । इत्था अतिथि । सा मते । किं पुञ्च कज्ज अल्लसुम्भि कज्ज वचनं नियमा  
कज्जिस्सि कज्ज, सा मते । किं कज्ज कज्ज अल्लसुम्भि कज्ज । तं नैव वचनं नो अल्ल-  
सुम्भि कज्जति वचनं सिद्धा अथा वेरदया तथा एवमित्यवगा माभियग्गं वाच  
विमाथिया एतिसिद्धा अथा जीवा तथा माभियग्गं अथा पाणाद्वानाप तथा सुसावाए  
तथा अविवादाने मेच्छुने परियग्गे कोहे वाच निच्छावसवत्तरे, एवं एए अल्लरस  
कज्जरीत्तं इदया माभियग्गं सर्वं मते । सर्वं मते । ति मयत्तं धोयमे समत्तं मयत्तं  
वाच निहुरि ॥ ५२ ॥ तेनं च्छावेनं तेनं सधएनं समवत्तं मयत्तं महाजीरत्त  
अत्तेवाही रोहे वज्जं अज्जयारे पत्तमए पत्तमए पत्तमिणीए पत्तमवत्तं पत्त-  
मत्तमोत्तमत्तमत्तमे विस्मत्तवत्तं अज्जिने मए निजीए समवत्तं मयत्तं  
महाजीरत्तं अल्लसुम्भि कज्जिस्सु अलोहिरे सावरोत्तमए सज्जमेनं तवसा अप्पत्तं  
मावेमावे निहुर, तए नं छे रोहे नाम अज्जयारे अज्जिस्सु वाच पत्तमत्तमत्तमे एवं  
वराही-पुम्भि मते । अए पत्तम अलोए पुम्भि अलोए पत्तम अलो । रोहा । अए  
न अलोए न पुम्भिपेत्ते पत्तमपेत्ते रोहि एए सत्तमा भावा अल्लसुम्भि एसा  
रोहा । पुम्भि मते । जीवा पत्तम अजीवा पुम्भि अजीवा पत्तम जीवा । अहेव  
अलो न अलोए न तहेव जीवा न अजीवा न एवं सवत्तिद्धिवा न अमम-  
सिद्धिवा न सिद्धी अविद्धी सिद्धा अविद्धा पुम्भि मते । अज्जए पत्तम इद्धुवी पुम्भि  
इद्धुवी पत्तम अज्जए । रोहा । से नं अज्जए कज्ज । मयत्तं । इद्धुवीये सा न  
इद्धुवी कज्ज । मते । अज्जवाचो एवामेव रोहा । से नं अज्जए सा न इद्धुवी  
पुम्भिपेत्ते पत्तमपेत्ते इवत्तं सासवा भावा अल्लसुम्भि एसा रोहा । पुम्भि मते ।  
अज्जते पत्तम अज्जतेनं पुम्भि अज्जतेनं पत्तम अज्जते । रोहा । अज्जते न अज्ज-  
तेनं न वाच अल्लसुम्भि एसा रोहा । पुम्भि मते । अज्जते पत्तम सत्तमे वरा-  
सत्तरे पत्तम रोहा । अज्जते न सत्तमे वरासत्तरे पुम्भिपि रोहि एते वाच अल्ल-  
सुम्भि एसा रोहा । एवं अज्जते न सत्तमे न सत्तमाए, एवं वराए पत्तमही सत्तमा  
पुम्भि एवं अज्जते एवेनं सज्जोएवमे इमेहि अवेहि-तवसा-अवाधवापत्तमत्तमहि  
पुम्भि एसा न सामए वाचा । मेच्छुवाचं अतिथि वसवा कम्मत्तं वेत्तमाजे ॥ १ ॥  
निद्धी नैव व वाचा सज्ज सरीए न योग वज्जोणे । वज्जपएसा वज्ज अज्ज किं  
पुम्भि अज्जते । ॥ २ ॥ पुम्भि मते । अज्जते पत्तम सत्तमा । अथा अज्जतेनं  
सज्जोवा सज्जे अथा एते एवं अज्जतेनमि सज्जोएवगा सज्जे । पुम्भि मते ।

जाव मणुस्साउयं वा ॥६०॥ जीवे ण भते गब्भ वक्कममाणे किं सइदिए वक्कमइ अणि-  
 दिए वक्कमइ ? गोयमा ! सिय सइदिए वक्कमइ सिय अणिदिए वक्कमइ, से केणट्ठेण ?  
 गोयमा ! दब्बिदियाइ पडुच्च अणिदिए वक्कमइ भाविदियाइ पडुच्च सइदिए वक्कमइ,  
 से तेणट्ठेण० । जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे किं ससरीरी वक्कमइ असरीरी  
 वक्कमइ ? गोयमा ! सिय ससरीरी व० सिय असरीरी वक्कमइ, से केणट्ठेण ?  
 गोयमा ! ओरालियवेउव्वियआहारयाइ पडुच्च असरीरी व० तेयाकम्मा० प० सस०  
 वक्क० से तेणट्ठेण गोयमा !० । जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे तप्पठमयाए  
 किमाहारमाहारेइ ? गोयमा ! माउओयं पिउसुक्क तं तदुभयससिद्ध कलुस किब्बिं  
 तप्पठमयाए आहारमाहारेइ । जीवे ण भते ! गब्भगए समाणे किमाहारमाहारेइ ?  
 गोयमा ! जं से माया नाणाविहाओ रसविगईओ आहारमाहारेइ तदेक्कदेसेणं ओय  
 माहारेइ । जीवस्स ण भते ! गब्भगयस्स समाणस्स अत्थि उच्चारैइ वा पासवणेइ  
 वा खेलेइ वा सिंघाणेइ वा वंतेइ वा पित्तेइ वा ? , णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण ?  
 गोयमा ! जीवे ण गब्भगए समाणे जमाहारेइ त चिणाइ त सोइदियत्ताए जाव  
 फासिदियत्ताए अट्ठिअट्ठिमिजकेसमसुरोमनहत्ताए, से तेणट्ठेण० । जीवे णं भंते !  
 गब्भगए समाणे पभू मुहेण कावलिय आहारं आहारित्तए ? , गोयमा ! णो इणट्ठे  
 समट्ठे, से केणट्ठेण ? , गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे सव्वओ आहारेइ सव्वओ  
 परिणामेइ सव्वओ उस्ससइ सव्वओ निस्ससइ अभिक्खणं आहारेइ अभिक्खण  
 परिणामेइ अभिक्खण उस्ससइ अभिक्खण निस्ससइ आहच्च आहारेइ आहच्च  
 परिणामेइ आहच्च उस्ससइ आहच्च नीससइ ॥ माउजीवरसहरणी पुत्तजीवरसहरणी  
 माउजीवपडिबद्धा पुत्तजीव फुढा तम्हा आहारेइ तम्हा परिणामेइ, अवरावि य णं  
 पुत्तजीवपडिबद्धा माउजीवफुढा तम्हा चिणाइ तम्हा उवचिणाइ से तेणट्ठेण० जाव  
 नो पभू मुहेण कावलिय आहारं आहारित्तए ॥ कइ णं भते ! माइंगगा प० ? ,  
 गोयमा ! तओ माइयगा प०, तंजहा-मसे सोणिए मत्थुल्लुंगे । कइ णं भंते ! पिइ  
 यंगगा प० ? , गोयमा ! तओ पिइयगा प०, तंजहा-अट्ठि अट्ठिमिजा केसमसुरोमनहे ।  
 अम्मापिइए णं भते ! सरीरए केवइय कालं संचिद्धइ ? , गोयमा ! जावइयं से काल  
 भवधारणिज्जे सरीरए अब्बावजे भवइ एवतिर्यं कालं संचिद्धइ, अहे ण समए समए  
 वोक्कसिज्जमाणे २ चरमकालसमयसि वोच्छिजे भवइ ॥ ६१ ॥ जीवे णं भते !  
 गब्भगए समाणे नेरइएस उववजेज्जा ? , गोयमा ! अत्थेगइए उववजेज्जा अत्थेगइए  
 नो उववजेज्जा, से केणट्ठेण ? , गोयमा ! से णं सत्ती पंचिदिए सव्वाहिं पज्जतीहिं  
 पत्ताए वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए पराणीएणं आगय सोच्चा निसम्म पएसे





लोएसु उववज्जइ ? गोयमा । एगतपाळे णं मणुरसे नेरडयाउयपि पम्मेइ तिरिं०  
मणु० देवाउयपि पम्मेइ, नेरडयाउयपि किञ्चा नेरटएसु उव० तिरिं० मणु० देवा  
उयं किञ्चा तिरिं० मणु० देवलोएसु उववज्जइ ॥ ६३ ॥ एगतपडिए ण भते । मणुस्से  
किं नेर० पम्मेइ जाव देवाउय किञ्चा देवलोएसु उवव० ? गोयमा । एगतपडिए  
ण मणुस्से आउय सिय पम्मेइ सिय नो पम्मेइ, जइ पम्मेइ नो नेरडया० पम्मेइ  
नो तिरिं० नो मणु० देवाउय पम्मेइ, नो नेरडयाउयं किञ्चा नेर० उव० नो तिरिं०  
णो मणुस्स० देवाउयं किञ्चा देवेसु उव०, से केणट्टेण जाव देवा० किञ्चा देवेसु  
उववज्जइ ? गोयमा । एगतपडियस्स ण मणुस्सस्स केवलमेव दो गईओ पत्तायंति,  
तज्जहा-अतकिरिया चेव कप्पोववत्तिया चेव, से तेणट्टेण गोयमा ! जाव देवाउयं  
किञ्चा देवेसु उववज्जइ ॥ बालपडिए ण भते । मणुस्से किं नेरडयाउय पम्मेइ जाव  
देवाउय किञ्चा देवेसु उववज्जइ ? गोयमा । नो नेरडयाउय पम्मेइ जाव देवाउय किञ्चा  
देवेसु उववज्जइ, से केणट्टेण जाव देवाउय किञ्चा देवेसु उववज्जइ ? गोयमा । बाल-  
पडिए ण मणुस्से तहारुवस्स ममणस्स वा माहणस्स वा अत्तिए एमवि आयरिय  
धम्मिय सुवयण सोच्चा निसम्म देस उवरमड देस नो उवरमड देस पच्चक्खाड देस नो  
पच्चक्खाड, से तेणट्टेण देसोवरमदेसपच्चक्खाणेण नो नेरडयाउयं पम्मेइ जाव देवाउय  
किञ्चा देवेसु उववज्जइ, से तेणट्टेण जाव देवेसु उववज्जइ ॥ ६४ ॥ पुरिसे ण भते !  
क्कच्छति वा १ दहसि वा २ उदगसि वा ३ दवियंसि वा ४ वल्लयसि वा ५ नूमसि  
वा ६ गहणसि वा ७ गहणविदुग्गसि वा ८ पच्चयसि ९ पच्चयविदुग्गसि वा १०  
वणसि वा ११ वणविदुग्गसि वा १२ मियवित्तीए मियसकप्पे मियपणिहाणे मिय  
वहाए गता एए मिएत्तिकारु अन्नयरस्स मियस्स वहाए कूडपास उद्दाइ, ततो ण  
भते ! से पुरिसे कतिकिरिए पण्णत्ते ? गोयमा ! जाव च ण से पुरिसे कच्छसि वा  
१० ( १२ ) जाव कूडपास उद्दाइ ताव च ण से पुरिसे सिय तिकि० सिय चउ०  
सिय पच०, से केणट्टेण सिय ति० सिय च० सिय पं० ? गोयमा ! जे भविए  
उद्दवणयाए णो वधणयाए णो मारणयाए ताव च ण से पुरिसे काइयाए अहिगर-  
णियाए पाउसियाए तिहिं किरियाहिं पुट्ठे, जे भविए उद्दवणयाएवि वधणयाएवि णो  
मारणयाए ताव च ण से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए पारियावणि  
याए चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जे भविए उद्दवणयाएवि वधणयाएवि मारणयाएवि  
ताव च ण से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए जाव पचहिं पुट्ठे, से  
तेणट्टेण जाव पंचकिरिए ॥ ६५ ॥ पुरिसे ण भते ! कच्छसि वा जाव वणविदुग्गंसि  
वा तणाइ ऊसविय २ अगणिकार्यं निस्सरइ ताव च ण से भते ! से पुरिसे कति-



नो अभिगमजागयाद् नो उदिताद् उवसताद् भवति से णं पराङ्गण, जस्स ण वीरे  
 यवज्जाडं कम्माडं यद्दाडं जाव उदिताद् नो उवसताद् भवति से ण पुग्गिसे पराङ्ग  
 ज्जड, से तेणट्ठेण गोयमा । एव चुयद्-सवीरिए पराङ्गण अवीरिए पराङ्गवद् ॥ ७० ॥  
 जीवा णं भते ! किं सवीरिया अवीरिया ?, गोयमा । सवीरियावि अवीरियावि, से  
 केणट्ठेण ?, गोयमा । जीवा दुविद्दा पज्जता, तजद्दा-संसारममावज्जगा य असंसार  
 समावज्जगा य, तत्थ ण ने ते असंसारसमावज्जगा ते ण सिद्धा, सिद्धा ण अवीरिया,  
 तत्थ ण जे ते संसारसमावज्जगा ते दुविद्दा पज्जता, तजद्दा-सेलेसिपडिवज्जगा य  
 असेलेसिपडिवज्जगा य, तत्थ ण जे ते सेलेसिपडिवज्जगा ते ण लद्धिवीरिए सवी  
 रिया करणवीरिएण अवीरिया, तत्थ ण जे ते असेलेसिपडिवज्जगा ते ण लद्धिवीरि-  
 एण सवीरिया करणवीरिएण सवीरियावि अवीरियावि, से तेणट्ठेण गोयमा । एव  
 चुयद्-जीवा दुविद्दा पज्जता, तजद्दा-सवीरियावि अवीरियावि । नेरइया ण भते !  
 किं सवीरिया अवीरिया ?, गोयमा । नेरइया लद्धिवीरिएण सवीरिया करणवीरिएण  
 सवीरियावि अवीरियावि, से केणट्ठेण ?, गोयमा । जेमि ण नेरइयाण अत्थि उट्ठाणे  
 कम्मे वळे वीरिए पुग्गिस्कारपरपमे ते ण नेरइया लद्धिवीरिएणावि सवीरिया करण  
 वीरिएणावि सवीरिया, जेत्ति ण नेरइयाण नत्थि उट्ठाणे जाव परपमे ते ण नेरइया  
 लद्धिवीरिएण सवीरिया करणवीरिएण अवीरिया, से तेणट्ठेण०, जद्दा नेरइया एवं  
 जाव पंचिदियतिरिक्खज्जोणिया, मणुस्सा जद्दा ओहिया जीवा, नवर सिद्धवज्जा  
 भाणियव्वा, वाणमंतरजोइसवेमाणिया जद्दा नेरइया, सेव भंते ! सेव भते ! ति  
 ॥ ७१ ॥ पढमसए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

कहन्न भते ! जीवा गस्यत्त हव्वमागच्छन्ति ?, गोयमा । पाणाइवाएण मुसा  
 वाएण अदिक्का० मेहुण० परि० कोह० माण० माया० लोभ० पे० दोस० कलह०  
 अब्भक्खाण० पेसुज्ज० रतिअरति० परपरिवाय० मायामोसमिच्छादसणसल्लेण, एवं  
 खलु गोयमा ! जीवा गस्यत्त हव्वमागच्छति । कहन्न भते ! जीवा लहुयत्त हव्व  
 मागच्छति ?, गोयमा । पाणाइवायवेरमणेण जाव मिच्छादसणसल्लवेरमणेण एवं  
 खलु गोयमा ! जीवा लहुयत्त हव्वमागच्छन्ति, एव ससारं आउलीकरेंति एव परि-  
 त्तीकरेंति धीहीकरेंति हस्सीकरेंति एव अणुपरियट्ठंति एव वीइवयति-पसत्था चत्तारि  
 अप्सत्था चत्तारि ॥ ७२ ॥ सत्तमे णं भते ओवासतरे किं गुरुए लहुए गुरुयलहुए  
 अगुरुयलहुए ?, गोयमा । नो गुरुए नो लहुए नो गुरुयलहुए अगुरुयलहुए । सत्तमे  
 णं भते ! तणुवाए किं गुरुए लहुए गुरुयलहुए अगुरुयलहुए ?, गोयमा । नो गुरुए  
 गस्यलहुए नो अगुरुयलहुए । एवं सत्तमे घणवाए सत्तमे घणोदही सत्तमा



पकरेति, तं०-इहभविद्याउयं च परभविद्याउय च, से कहमेव भते ! एवं ? सउ  
 गोयमा । जणं ते अण्णउथिया एवमाइस्सति जाव परभविद्याउय च, जे ते  
 एवमाइसु मिच्छ ते एवमाइंसु, अह पुण गोयमा । एवमाइस्सगामि जाव पल्लवेमि-  
 एव राट्ट एगे जीवे एगेण समएण एग आउय पकरेति, तं०-इहभविद्याउयं वा  
 परभविद्याउय वा, ज समय इहभविद्याउय पकरेति णो त समय परभविद्याउयं  
 पकरेति, जं समयं परभविद्याउय पकरेइ णो त समयं इहभविद्याउय पकरेइ, इह-  
 भविद्याउयस्स पकरणताए णो परभविद्याउय पकरेति, परभविद्याउयस्स पकरणताए  
 णो इहभविद्याउय पकरेति, एव राट्ट एगे जीवे एगेणं समएण एग आउयं पकरेति,  
 तं०-इहभविद्याउय वा परभविद्याउयं वा, सेव भते ! सेव भते ! त्ति भगव गोयमे  
 जाव विहरति ॥ ७५ ॥ तेण काटेण तेण समएण पासावधिजे कालासवेसियपुत्ते  
 णाम अणगारे जेणेव थेरा भगवतो तेणेव उवागच्छति २ ता थेरे भगवते एव  
 वयासी-थेरा सामाइय ण जाणति थेरा सामाइयस्स अट्ठ ण याणति थेरा पच्चक्खाणं  
 ण याणति थेरा पच्चक्खाणस्स अट्ठ ण याणति थेरा सज्जम ण याणति थेरा सज-  
 मस्स अट्ठ ण याणति थेरा सवर ण याणति थेरा सवरस्स अट्ठ ण याणति थेरा  
 विवेगं ण याणति थेरा विवेगस्स अट्ठ ण याणति थेरा विउस्सग्ग ण याणति थेरा  
 विउस्सग्गस्स अट्ठ ण याणति ६ । तए ण ते थेरा भगवतो कालासवेसियपुत्त  
 अणगार एव वयासी-जाणामो ण अज्जो ! सामाइय जाणामो ण अज्जो ! सामाइ-  
 यस्स अट्ठ जाव जाणामो णं अज्जो ! विउस्सग्गस्स अट्ठ । तए ण से कालासवेसि-  
 यपुत्ते अणगारे थेरे भगवते एव वयासी-जति ण अज्जो ! तुब्भे जाणह सामाइयं  
 जाणह सामाइयस्स अट्ठ जाव जाणह विउस्सग्गस्स अट्ठ किं भे अज्जो ! सामाइए  
 किं भे अज्जो सामाइयस्स अट्ठे ? जाव किं भे विउस्सग्गस्स अट्ठे ? तए ण ते  
 थेरा भगवतो कालासवेसियपुत्त अणगारं एव वयासी-आया णे अज्जो ! सामाइए  
 आया णे अज्जो ! सामाइयस्स अट्ठे जाव विउस्सग्गस्स अट्ठे । तए णं से कालासवे-  
 सियपुत्ते अणगारे थेरे भगवते एव वयासी-जति भे अज्जो ! आया सामाइए  
 आया सामाइयस्स अट्ठे एव जाव आया विउस्सग्गस्स अट्ठे अवहट्ठु कोहमाणमाया-  
 लोभे किमट्ठ अज्जो ! गरहह ? कालास० सज्जमट्ठयाए, से भते ! किं गरहा सज्जमे  
 अगरहा संजमे ? कालास० गरहा सज्जमे नो अगरहासज्जमे, गरहावि य ण सव्व  
 दोस पविणेति सव्वं बालियं परिण्णाए, एव खु णे आया सज्जमे उवहिए भवति,  
 णे आया सज्जमे उवहि एव खु णे आया सज्जमे उवट्ठिए भवति,  
 कालासवेसियपुत्ते १ बुद्धे थेरे भगवते वदति णमंसति २ एवं

पुढवी उवांसंताई सव्वाई बहा सतमे ओवांसंतरे (छिंसा) बहा तनुवाए, एन-  
 ओवांसवायकवठइहि पुढवी वीवा न सामरा बासा । नेरण्या न मति । किं गुस्ता  
 बाव अणुस्मभुवा । पोयसा । नो गुस्ता नो अणुवा गुस्मअणुवाणि अणुस्मभुवाणि  
 से केवळैर्न । पोयसा । वेत्तविवतेवाई पणुव नो गुस्ता ना अणुवा गुस्मअणुवा  
 नो अणुस्मभुवा जीवं न कम्मवं न पणुव नो गुस्ता नो अणुवा नो गुस्मअणुवा  
 अणुस्मअणुवा से तेवळैर्न बाव वेमाविमा ज्वरं पावर्त वापिसव्वं सरीरेहि ।  
 वम्मतिवज्जए बाव ओवांसिअए वठत्तपएवं । पोयसव्विअए न मति । किं गुस्म  
 अणुए गुस्मअणुए अणुस्मअणुए । पोयसा । नो गुस्म नो अणुए गुस्मअणुएणि अणुस्म-  
 अणुएणि से केवळैर्न । पोयसा । गुस्मअणुवदव्वाई पणुव नो गुस्म नो अणुए  
 गुस्मअणुए नो अणुस्मअणुए, अणुस्मअणुवदव्वाई पणुव नो गुस्म नो अणुए नो गुस्म-  
 अणुए अणुस्मअणुए, समसा कम्मामि न वठत्तपएवं । कम्महेसा न मति । किं  
 गुस्ता बाव अणुस्मअणुवा । पोयसा । नो गुस्ता नो अणुवा गुस्मअणुवाणि अणु-  
 स्मअणुवाणि से केवळैर्न । पोयसा । वम्मवेवं पणुव उतिवपरेवं माववेवं पणुव  
 वठत्तपएवं एनं बाव उव्वहेसा विट्ठैर्नसण्णापज्जावसण्णा वठत्तपएवं भिय-  
 ष्वाओ ईत्तिम वत्तरे सरीरा मावव्वा उतिवपरेवं कम्मं न वठत्तपएवं मत्त-  
 ओये वट्ठोये वठत्तपएवं पदेवं कव्वओयो उतिएवं पदेवं सामारोक्कओये  
 अजामारोक्कओयो वठत्तपएवं सम्वपरेसा सम्वएव्वा सम्वपज्जा बहा पोयस-  
 विअओ सीत्तव्व अजामव्वव्व सम्वव्व वठत्तपएवं पदेवं ॥ ७३ ॥ से मूर्धं मति ।  
 अजमिदं अपिअणु अणुअणु अणोही अणुविअणुवा सम्वार्थं निम्मेअणं कत्तवं ।  
 इता पोयसा । अजमिदं बाव कत्तवं ॥ से मूर्धं मति । अणोअणं अमावर्तं अमावर्तं  
 अलोमर्तं सम्वार्थं निम्मेअणं कत्तवं । इता पोयसा । अणोअणं अमावर्तं बाव  
 कत्तवं ॥ से मूर्धं मति । कंठापरोसे जीवे सम्वे निम्मेअणं अणुअणं मवति अतिम-  
 सारीए वा वडुओहेणि न न पुणि निहसिता बह पण्णम संसुवे कळं करोति ततो  
 पण्ठा विज्जति १ बाव अणं करी । इता पोयसा । कंठापरोसे जीवे बाव अणं  
 करोति ॥ ७४ ॥ अण्णअणिका न मति । एवमाण्णंणि एनं माणंणि एनं पण्णंणि  
 एनं पण्णंणि-एनं कळ एणे जीवे एणेनं सम्वएवं सो जाडयत्तं पण्णंणि तं बहा-  
 इहममिवाडवं न परममिवाडवं न न सम्वं इहममिवाडवं पण्णंणि तं सम्वं  
 परममिवाडवं पण्णंणि न सम्वं परममिवाडवं पण्णंणि तं सम्वं इहममिवाडवं  
 पण्णंणि इहममिवाडवत्त पण्णववाए परममिवाडवं पण्णंणि, परममिवाडवत्त  
 पण्णववाए इहममिवाडवं पण्णंणि एनं कळ एणे जीवे एणेनं सम्वएवं सो जाडयत्तं

पश्येति, १०-इहमवियाडयं न परमवियाडयं च, से कद्मेयं भवेति ! एव, एव  
 गोमन्ता ! एव ते भगवन्निपया एवनादयस्त्विति जाव परमवियाडयं च, से ते  
 एवनादयस्त्विति ते एवनादयस्त्विति, अहं पुनः गोमन्ता ! एवनादयस्त्विति जाव परमवित्ते-  
 एव एव एव जाव एव गमना एव जाव पश्येति, ३०-इहमवियाडयं वा  
 परमवियाडयं वा, ज समय इहमवियाडयं पश्येति गो त समय परमवियाडयं  
 पश्येति, न समय परमवियाडयं पश्येति गो त समय इहमवियाडयं पश्येति, इह  
 भवियाडयस्त्विति पश्येति गो परमवियाडयं पश्येति, परमवियाडयस्त्विति पश्येति  
 गो इहमवियाडयं पश्येति, एव गत एव जाव एव गमना एव जाव पश्येति,  
 त०-इहमवियाडयं वा परमवियाडयं वा, से भवेति ' से भवेति ' ति भगवन्निपये  
 जाव विद्वति ॥ ७५ ॥ तेन काले तेन नमएव पानावयित्ते कालाववेत्तिपुत्ते  
 पानाव अणगारे जेतेय धेरा भगवतो तेनेय उवागच्छति २ ता धेरा भावते एव  
 वयासी-धेरा सामादयं न जाणति धेरा सामादयस्त्विति अहं न जाणति धेरा पश्येति  
 न जाणति धेरा पश्येति सामादयस्त्विति अहं न जाणति धेरा सज्ज न जाणति धेरा सज्ज  
 मस्त्विति अहं न जाणति धेरा सज्ज न जाणति धेरा संवरस्त्विति अहं न जाणति धेरा  
 विवेक न जाणति धेरा विवेकस्त्विति अहं न जाणति धेरा विद्वत्सग्न न जाणति धेरा  
 विद्वत्सग्नस्त्विति अहं न जाणति ६ । तए न ते धेरा भगवतो कालाववेत्तिपुत्ते  
 अणगारं एव वयासी-जागामो न अज्जो, सामादयं जागामो न अज्जो ! सामादय-  
 यस्त्विति अहं जाव जागामो न अज्जो ! विद्वत्सग्नस्त्विति अहं । तए न से कालाववेत्ति-  
 पुत्ते अणगारे धेरे भगवते एव वयासी-जति न अज्जो ! तुल्ये जाणह सामादय-  
 जाणह सामादयस्त्विति अहं जाव जाणह विद्वत्सग्नस्त्विति अहं किं मे अज्जो ! सामादय-  
 किं मे अज्जो सामादयस्त्विति अहं ? जाव किं मे विद्वत्सग्नस्त्विति अहं ? तए न ते  
 धेरा भगवतो कालाववेत्तिपुत्ते अणगार एव वयासी-आया ने अज्जो ! सामादय-  
 आया ने अज्जो ! सामादयस्त्विति अहं जाव विद्वत्सग्नस्त्विति अहं । तए न से कालाववे-  
 त्तिपुत्ते अणगारे धेरे भगवते एव वयासी-जति मे अज्जो ! आया सामादय-  
 आया सामादयस्त्विति अहं एव जाव आया विद्वत्सग्नस्त्विति अहं अवहद्दु कोहनाणमादा-  
 लोमे किमहं अज्जो ! गरहह ? कालास० सज्जमह्याए, से भवेति ! किं गरहा सज्जमे  
 अगरहा सज्जमे ? कालास० गरहा सज्जमे नो अगरहासज्जमे, गरहावे च न सर्वं  
 दोस पविणेति सज्ज वालिय परिणाए, एव तु ने आया सज्जमे उवहिए भवति,  
 एव तु ने आया सज्जमे उवचिए भवति, एव तु ने आया सज्जमे उवहिए भवति,  
 एव न से कालाववेत्तिपुत्ते अणगारे सज्जमे धेरे भगवते वदति ज्ञानसति २ एवं

वराही-एरुति न मते । पयानं पुमि अण्वाणवाए अठवणवाए अचोहिनाए अच-  
 भिगमेने अरिष्टानं अस्तुवानं अष्टुयानं अमिण्णामानं अण्णोपपत्तानं अण्णोपिण्णानं  
 अमिण्णानं अण्णवारीवानं एवमदं नो उरुहिण् नो पत्तिण् नो रोए इवानि  
 मते । एतेहि पयानं अण्णववाए अण्णववाए बोहीए अमिण्णमेव विष्टानं उवानं सुयानं  
 मिण्णानं भोगवानं बोहिण्णानं मिण्णानं उववारिवानं एवमदं उरुहामि पत्ति-  
 यामि रोएमि एवमेव से अहेवं तुम्ये वरुह, तए न से वेरा मयकंठो अममसवेहि-  
 न्णुते अमयार एव वराही-उरुहामि अजे । पत्तिवाहि अजे । रोएहि अजे । से  
 अहेवं अजे वरामो । तए न से अममसवेहिण्णुते अचगारे वेरे मयकंठो वरुह  
 मयसह १ एवं वराही-उरुहामि न मते । तुम्ये अरिष्टिण् वाकजाम्माओ वम्ममो  
 पंचमहम्मदं उपविहम्मं वम्मं उवसंपज्जिता नं निहरितए, अहाय्यं वेवाण्णिमा ।  
 म्म पविर्चनं । तए न से अममसवेहिण्णुते अचगारे वेरे मयकंठे वरुह मयसह वरुह  
 मयसिण् वाकजाम्माओ वम्ममो पंचमहम्मदं उपविहम्मं वम्मं उवसंपज्जिता नं  
 निहरइ । तए न से अममसवेहिण्णुते अचगारे वहुमि वासामि दामम्मपरियापे  
 पयानं अस्तुवाए वरुह वेरकण्णमाणि विण्णकण्णमाणि मुंभमाणि अण्णवणं अरुह-  
 वणं अण्णकण्णं अण्णोवाहणं अमिण्णोवा अण्णोवा अण्णोवा वेरकण्णो वंमवेर  
 वासो परवरपवेखे अण्णवण्णो उवाववा गाम्मकया वासीसे परिसोमसमा अहि-  
 वासिजंति उमदं आराहेइ १ अरिवेहिं उस्तुवासीसतिहिं मिये पुदे मुवे परिणिण्णुते  
 उवसुण्णप्यीणि ॥ ५९ ॥ मतेति मयं योम्ये उमयं ययं म्मावीरे वेरुति मं  
 वरि १ एवं वराही-से मूचं मते । सेट्ठिवस्स व लल्लवस्स व विमवस्स व वाटि-  
 वस्स व उमं नैव अण्णकण्णवण्णिरिवा कज्जइ । इत्ता योमया । सेट्ठिवस्स व अण्ण  
 अण्णकण्णवण्णिरिवा कज्जइ, से केवहेवं मति । योमया । अतैरति पण्ण से  
 सेव योमया । एवं वरुह-सेट्ठिवस्स व लल्ल वार कज्ज ॥ ५० ॥ अण्णकण्णं  
 मुंभमाणि उमयं निज्जमे हि वंवरु हि वरुह हि विवाह हि उवपिवाह । योमया ।  
 अण्णकण्णं नं मुंभमाणि वाकजाम्माओ सता कम्मपण्णमो विविज्जं वण्णवण्णो  
 अण्णवण्णवण्णवण्णो पवेरु वार अणुपरिवरु, से केवहेवं वार अणुपरिवरु ।  
 योमया । अण्णकण्णं नं मुंभमाणि वावाए वम्मं अण्णकण्णं वावाए वम्मं अण्णक-  
 ण्णं पुवण्णानं वावण्णं वार उवसुण्णं वावण्णं, वेरिपि न नं योवानं उरि-  
 एइ अण्णकण्णोरे तेमि यीमि वावण्णं, से सेवहेवं योमया । एवं वरुह-अण्ण-  
 कण्णं नं मुंभमाणि वाकजाम्माओ सता कम्मपण्णमो वार अणुपरिवरु ॥ पयान-  
 वण्णं मति । मुंभमाणि हि वंवरु वार उवपिवाह । योमया । पयानवण्णं नं



भुंजमाणे आउयत्ताओ सत्त कम्मपयणीओ धणियवधणवद्धाओ सिद्धिलवधणवद्धाओ पकरेड जहा सुणुदे ण नवरं आउयं च ण कम्म सिय बंधड सिय नो बंधड, सेवं तहेव जाव वीईवयड, से केणट्टेणं जाव वीईवयड ? गोयमा । फासुएसणिज्जं भुजमाणे समणे निग्गथे आयाए धम्म नो अइक्कमड, आयाए धम्म अणइक्कममाणे पुढ विक्काइय अवक्खति जाव तसकाय अवक्खड, जेसिपि य ण जीवाण सरीराई आहा रेड तेऽवि जीवे अवक्खति से तेणट्टेण जाव वीईवयड ॥ ७८ ॥ से नूण भंते ! अयिरे पलोट्टइ नो यिरे पलोट्टति अयिरे भज्जइ नो यिरे भज्जइ सासए बालए वालियत्त असासय सासए पडिए पंडियत्त असासयं ? हता गोयमा । अयिरे पलोट्टइ जाव पंडियत्त असासयं सेव भते । सेव भतेत्ति जाव विहरति ॥ ७९ ॥ पढमसए, नवमो उद्देसो समत्तो ॥

अन्नउत्थिया ण भते । एवमाइक्खति जाव एव परुवेत्ति-एव खलु चलमाणे अचलिए जाव निज्जरिज्जमाणे अणिज्जिणे, दो परमाणुपोग्गला एगयओ न साहणति, कम्हा दो परमाणुपोग्गला एगततो न साहणति ? दोण्ह परमाणुपोग्गलाणं नत्थि सिणेहकाए, तम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ न साहणति, तिप्पि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणति, कम्हा ? तिप्पि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति, तिण्ह परमाणुपोग्गलाण अत्थि सिणेहकाए, तम्हा तिप्पि परमाणुपोग्गला एगयओ सा०, ते भिज्जमाणा दुहावि तिहावि कज्जंति, दुहा कज्जमाणा एगयओ दिवद्धे परमाणुपोग्गले भवति एगयओवि दिवद्धे पर० पो० भवति, तिहा कज्जमाणा तिप्पि परमाणुपोग्गला भवति, एवं जाव चत्तारि पच्चपरमाणुपो० एगयओ साहणति, एगयओ साहणित्ता दुक्खत्ताए कज्जति, दुक्खेवि य ण से सासए सया समिय उवचिज्जइ य अवचिज्जइ य पुब्बि भासा भासा भासिज्जमाणी भासा अभासा भासासमयवीति क्तं च ण भासिया भासा, जा सा पुब्बि भासा भासा भासिज्जमाणी भासा अभासा भासासमयवीतिक्तं च ण भासिया भासा सा किं भासओ भासा अभासओ भासा ? अभासओ णं सा भासा नो खलु सा भासओ भासा । पुब्बि किरिया दुक्खा कज्जमाणी किरिया अदुक्खा किरियासमयवीतिक्तं च ण कडा किरिया दुक्खा, जा सा पुब्बि किरिया दुक्खा कज्जमाणी किरिया अदुक्खा किरियासमयवीतिक्तं च णं कडा किरिया दुक्खा सा किं करणओ दुक्खा अकरणओ दुक्खा ? अकरणओ णं सा दुक्खा णो खलु सा करणओ दुक्खा, सेव वत्तव्व सिया-अकिञ्च दुक्खं अफुत्त दुक्ख अकज्ज माणकडं दुक्ख अकट्ठ अकट्ठ पाणभूयजीवसत्ता वेदण वेदतीति वत्तव्व सिया ॥ से कहमेय भते ! एवं ? गोयमा । जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमातिक्खति जाव वेदण

मैरिति, वत्स्यं विवा ये ते एवमाहं तु मिच्छा ते एवमाहं, अहं पुत्र योग्या ।  
 एवमादिष्वामि एवं क्लृप्तं वत्स्यमै वदितुं ज्ञान मित्ररिज्यामे विजिज्ञे दो  
 परमात्तुयोग्या एवमो साहमेति कम्हा । दो परमात्तुयोग्या एवमो साह  
 मति । दोहं परमात्तुयोग्यामै वदितुं विवेहकाए, तम्हा दो परमात्तुयोग्या  
 एवमो सा ते मित्रमाणा दुहा कर्मति दुहा कर्ममाणि एवमो पर योग्या  
 एवमो न योग्यामे मरति विम्वि परमा एवमो साह कम्हा । विम्वि परमा-  
 त्तुयोग्या एव सा । दोहं परमात्तुयोग्यामै वदितुं विवेहकाए, तम्हा विम्वि  
 परमात्तुयोग्या एवमो साहमेति ते मित्रमाणा दुहामि तिहामि कर्मति, दुहा  
 कर्ममाणा एवमो परमात्तुयोग्या एवमो दुपरेति एधि मरति तिहा कर्ममाणा  
 विम्वि परमात्तुयोग्यामै मरति एवं वाच जतारिणपरमात्तुवे एवमो साहमिया  
 १ जेवताए कर्मति वदितुं न ये ते असाहए स्या समिनं उवविज्ज न अयवि-  
 ज्ज न । पुम्वि मासा अमासा वाविज्यामपी मासा १ मासासममयीतिहंत न ये  
 मासिया मासा अमासा वा सा पुम्वि मासा अमासा मासिज्यामपी मासा १  
 मासासममयीतिहंत न ये मासिया मासा अमासा सा किं मासमो मासा अमा-  
 सयो मासा । मासमो न मासा नो क्लृप्तं सा अमासमो मासा । पुम्वि किरिया  
 अदुक्का जहा मासा तहा मासिकमा किरियामि वाच करमो न सा दुक्का नो  
 क्लृप्तं सा अकरमो दुक्का सेवं वत्स्यं विवा-किमे पुम्वि दुक्कं कर्ममायमं कदु  
 १ पावमूक्यमवता केवमे मैवेतीति वत्स्यं विवा ॥ ८ ॥ अज्जठरिया न मंत ।  
 एवमाहंति वाच-एवं क्लृप्तं एगे बीमे एगेमे समएव दो किरियामो पकरेइ,  
 तंजहा-हरियावद्विनं न संपराहं न [नं समवं हरियावद्विनं पकरेइ तं समवं संप-  
 राहं पकरेइ, नं समवं संपराहं पकरेइ तं समवं हरियावद्विनं पकरेइ, हरियावद्वि-  
 नाए अकरमताए संपराहं पकरेइ संपराहं अकरमताए हरियावद्विनं पकरेइ, एवं  
 क्लृप्तं एगे बीमे एगेमे समएव दो किरियामो पकरेइ तंजहा-हरियावद्विनं न  
 संपराहं न । से क्लृप्तेमं मति एवं । योग्या ! नं नं ते अज्जठरिया एवमाह-  
 कर्मति तं येन वाच ये ते एवमाहं तु मिच्छा ते एवमाहं, अहं पुत्र योग्या ।  
 एवमादिष्वामि ४-एवं क्लृप्तं एगे बीमे एवमए एव किरियं पकरेइ परठरिय  
 वत्स्यं केवमे ससममवाचमाए विम्वे वाच हरियावद्विनं संपराहं वा ॥ ८१ ॥  
 किरियाहं न मति । केवदियं क्लृप्तं किरिया उववाएवं प । योग्या ! अहमेनं  
 क्लृप्तं समवं सक्केवेनं वाच सुहाह एवं वदंतीपवं मासिकमं किरियं सेवं मति ।  
 सेवं मति ति वाच निहत्त ॥ ८२ ॥ यत्तमो उहेसमो ॥ पद्धमं सयं समसं ॥

गाहा—ऊगागदए वि य १ समुग्घाय २ पुट्ठि ३ दिग ४ अमरवन्धिभास  
 ५ य । देवा य ६ नमरचचा ७ गमग ८ गित ९ विराव १० चीयमए ॥ १॥ ८३ ॥  
 तेण कालेण तेण गमएण रायगिठे नाम नगरं होया, वग्गओ, सामी ममोसं  
 परिणा निग्गया धम्मो कहिओ पट्ठिग्गया परिणा । तेण कालेण २ जेट्ठे अतेवार्त्त  
 जाव पञ्चवागमाणे एव वयासी—जे इमे भते ! त्रेडदिया तेडदिया चउरिदिय  
 पंचेदिया जीवा एएसि ण आणाम वा पाणाम वा उस्सास वा नीमास वा जागामो  
 पासामो, जे इमे पुट्ठिक्काइया जाव वणस्सइकाइया एगिदिया जावा एएसि ण  
 आणाम वा पाणाम वा उस्सास वा निस्सास वा ण वागामो ण पानामो, एएसि ण  
 भते ! जीवा आणमति वा पाणमति वा उस्ससति वा नीमसति वा ? हता गोयमा !  
 एएवि य ण जीवा आणमति वा पाणमति वा उस्ससति वा नीमसति वा ॥ ८४ ॥  
 क्किण्ण भंते ! जीवा आग० पा० उ० नी० ? गोयमा ! दब्बओ ण अगनए  
 सियाइ दब्बाइ जेतोओ ण असत्तएसोगाडाइ कालओ अनयरट्ठितीयाइ भावओ  
 वण्णमताइ गधमताइ रसमताइ फासमताइ आणमति वा पाणमति वा ऊससति  
 वा नीससति वा, जाइ भावओ वण्णमताइ आण० पाण० ऊस० नीस० ताइ किं  
 एगवण्णाइ आणमति पाणमति ऊस० नीस० ? आहारगमो नेयव्वो जाव तिचउ  
 पचदिसिं । क्किण्ण भते ! नेइया आ० पा० उ० नी० त चेव जाव नियमा  
 छदिसिं आ० पा० उ० नी० जीवा एगिदिया वाघाया य निव्वाघाया य भाणियव्वा,  
 सेसा नियमा छदिसिं ॥ वाउयाए ण भते ! वाउयाए चेव आणमति वा पाणमति  
 वा ऊमसति वा नीमसति वा ? हता गोयमा ! वाउयाए ण जाव नीससति वा  
 ॥ ८५ ॥ वाउयाए ण भते ! वाउयाए चेव अणेगसयसहस्सत्तुतो उद्दाइत्ता २  
 तत्थेव भुज्जो भुज्जो पघायाति ? हता गोयमा ! जाव पघायाति । से भते किं पुट्ठे  
 उद्दाति अपुट्ठे उद्दाति ? गोयमा ! पुट्ठे उद्दाइ नो अपुट्ठे उद्दाइ । से भते ! किं सस  
 रीरी निक्खमइ असरीरी निक्खमइ ? गोयमा ! सिय ससरीरी निक्खमइ सिय  
 असरीरी निक्खमइ । से केगट्ठेणं भंते ! एव वुचइ सिय ससरीरी निक्खमइ सिय  
 असरीरी निक्खमइ ? गोयमा ! वाउकायस्स ण चतारि सरीरया पजत्ता, तंजहा-  
 ओरालिए वेउव्विए तेयए कम्मए, ओरालियवेउव्वियाइ विप्पजहाय तेयकम्मएहिं  
 निक्खमति, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुचइ—सिय ससरीरी सिय असरीरी निक्ख  
 मइ ॥ ८६ ॥ मडाइ ण भते ! नियठे नो निरुद्धमवे नो निरुद्धमवपवचे णो पहीण  
 ससारं णो पहीणससारवेयणिज्जे णो वोच्छिग्गससारं णो वोच्छिग्गससारवेयणिज्जे  
 नो निट्ठियट्ठे नो निट्ठियट्ठकरणिज्जे पुणरवि इत्यत हव्वमागच्छति ? हता गोयमा !



नंदए कयायणस्सगोत्ते तेणेव उवागच्छइ २ रांदणं कयायणस्सगोत्तं इणमक्खेवं  
 पुच्छे-मागहा ! किं गअते लोए अणते लोए १ सअते जीवे अणते जीवे २ मज्जा  
 सिद्धी अणता सिद्धा ३ मअते सिद्धे अणते सिद्धे ४ वेग वा मरणेणं मरमाणे जीवे  
 वट्ठति वा ह्यति वा ५, एतावं ताव आयकखाहि धुगमाणे एव, तए ण से खदए  
 कया० गोत्ते पिगलएण नियंठेणं वेसालीणावएण इणमक्खेवं पुच्छिए गमाणे सकिए  
 कसिए वित्तिगिच्छिए भेदसमावणे कलुसगमावणे णो संचाएइ पिगलयस्स नियठस्स  
 वेसालियरावयस्स किंचिवि पमोक्खमक्खाइउ, तुसिणीए सच्चिट्ठइ, तए णं से  
 पिगळे नियंठे वेसालीसावए उदयं कयायणस्सगोत्तं दोषपि तच्चपि इणमक्खेवं  
 पुच्छे-मागहा ! किं सअते लोए जाव केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वट्ठइ वा  
 ह्यति वा १ एताव ताव आइस्खाहि धुचमाणे एयं, तते ण से खदए कया० गोत्ते  
 पिगलएणं नियंठेणं वेसालीसावएण दोषपि तच्चपि इणमक्खेवं पुच्छिए गमाणे सकिए  
 कसिए वित्तिगिच्छिए भेदसमावणे कलुसमावणे णो संचाएइ पिगलयस्स नियठस्स  
 वेसालीसावयस्स किंचिवि पमोक्खमक्खाइउ तुसिणीए सच्चिट्ठइ । तए ण सावत्थीए  
 नयरीए सिंघाडग जावं महापद्देसु महया जणसमहेइ १ वा जेणवूहे इ वा परिसा  
 निगच्छइ । तए ण तस्स रांदयस्स कयायणस्सगोत्तस्स धहुजणस्स अंतिए एयमट्ठ  
 सोचा निसम्म इमेयारूत्ते अब्भत्थिए वित्तिए पत्थिए मणोगए सक्खे समुप्पज्जिन्या-  
 एव खलु समणे भगव महावीरे कयगलाए नयरीए धहिया छत्तपलासए उज्जाणे  
 सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ, त गच्छामि ण समण भगव महावीरं  
 वदामि नमंसामि, सेय खलु मे समण भगव महावीरं वदिता णमंसिता सव्वारेत्ता  
 सम्माणित्ता कल्लाण भगल देवय चेइय पज्जुगसित्ता इमाइ च ण एयारूवाइ अट्ठाइ  
 हेऊइ पसिणाइ कारणाइ पुच्छित्तएत्ति कट्ट एव संपेहेइ २ जेणेव परिव्वायावसहे  
 तेणेव उवागच्छइ २ ता तिदंढ च कुंडियं च कचणियं च करोडियं च भिसिय च  
 केसरियं च छन्नालय च अकुसय च पवित्तय च गणेतिय च छत्तय च वाहणाओ  
 य पाउयाओ य धाउरत्ताओ य गेण्हइ गेण्हइत्ता परिव्वायावसहीओ पडिनिक्खमइ  
 पडिनिक्खमइत्ता तिदंढकुंडियकचणियकरोडियभिसियकेसरियछन्नालयअकुसयपवित्त-  
 गणेतियहत्थगए छत्तोवाहणसजुत्ते धाउरत्तवत्थपरिहिए सावत्थीए नगरीए मज्झ-  
 मज्झेण निगच्छइ निगच्छइत्ता जेणेव कयगला नगरी जेणेव छत्तपलासए उज्जाणे  
 जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पद्दारेत्थ गमणाए । गोयमाइ समणे भगवं  
 महावीरे भगव गोयमं एवं वयासी-दच्छिसि ण गोयमा । पुव्वसंगतिय, कह भते !,  
 खंदयं नाम, से काई वा किह वा केवधिरेण वा १, एवं खलु गोयमा ! तेण काळेणं



समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छ २ ता समणं भगव महावीरं तिक्रमुतो  
 आयाहिणप्पयाहिण करेइ जाव पज्जुवागइ । रांदयाति गमणे भगवं महावीरे रंदयं  
 कयाय० एव वयासी-से नूनं तुमं रांदया । सावत्थीए नयरीए पिंगलएणं निवठेणं  
 वेसालियसावएणं श्णमय्थेय पुच्छिए मागहा । किं सअते लोए अणंते लोए एव त  
 जेणेव मम अतिए तेणेव हव्वमागए, से नूनं रादया । अयमट्ठे ममट्ठे १, हता  
 अत्थि, जेविय ते रादया । अयमेयारूवे अचमत्थिए चित्तिए पत्थिए मग्गेणए संकूपे  
 समुप्पज्जित्या-किं सअते लोए अणंते लोए ? तस्सवि च णं अयमट्ठे-एव नल मए  
 खदया । चउव्विहे लोए पन्नो, तंजहा-दव्वओ येत्तओ कालओ भावओ । दव्वओ  
 ण एगे लोए सअते १, येत्तओ ण लोए असंगेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयाम  
 विक्खभेण असखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिकखेवेण प० अत्थि पुण सअते २,  
 कालओ ण लोए ३ कयावि न आसी न कयावि न भवति न कयावि न भविस्सति  
 भविस्सु य भवति य भविस्सइ य धुवे णित्तिए सासते अक्काए अव्वए अवट्ठिए  
 णिच्चे, णत्थि पुण से अते ३, भावओ ण लोए अणता वण्णपज्जवा गध० रस०  
 फासपज्जवा अणता सठाणपज्जवा अणता गरुलहुयपज्जवा अणता अगरुलहुयप-  
 पज्जवा, नत्थि पुण से अते ४, सेत्त खदया । दव्वओ लोए सअते खेत्तओ लोए  
 सअते कालओ लोए अणते भावओ लोए अणते । जेवि य ते रादया । जाव सअते  
 जीवे अणते जीवे, तस्सवि य णं अयमट्ठे-एव खलु जाव दव्वओ ण एगे जीवे  
 सअते, येत्तओ णं जीवे असखेज्जपएत्तिए असखेज्जपदेसोगाढे अत्थि पुण से अते,  
 कालओ ण जीवे न कयावि न आसि जाव निच्चे नत्थि पुण से अते, भावओ णं  
 जीवे अणता णाणपज्जवा अणता दसणप० अणता चरित्तप० अणता अगुरुलहुयप०  
 नत्थि पुण से अते, सेत्त दव्वओ जीवे सअते खेत्तओ जीवे सअते कालओ जीवे  
 अणंते भावओ जीवे अणंते । जेवि य ते खदया पुच्छा [इमेयारूवे चित्तिए जाव  
 सअता सिद्धी अणता सिद्धी, तस्सवि य ण अयमट्ठे खदया !-मए एव खलु चउ  
 व्विहा सिद्धी प०, त०-दव्वओ ४, दव्वओ णं एगा सिद्धी सअता खेत्तओ णं  
 सिद्धी पणयालीस जोयणसयसहस्साई आयामविक्खभेण एगा जोयणकोडी वायालीस  
 च जोयणसयसहस्साइ तीस च जोयणसहस्साई दोन्नि य अउणापन्नजोयणसए  
 किंचि विसेसाहिए परिकखेवेण अत्थि पुण से अते, कालओ ण सिद्धी न कयावि न  
 आसि० भावओ य जहा लोयस्स तहा भाणियव्वा, तत्थि दव्वओ सिद्धी सअता  
 खे० सिद्धी सअता का० सिद्धी अणता भावओ सिद्धी अणता । जेवि य ते खदया ।  
 जाव किं अणते सिद्धे त चेव जाव दव्वओ ण एगे सिद्धे सअते, खे० सिद्धे अं

येनपएधिप नतंकेनपदेष्टोयाहे नरिण पुन से अंते कज्जते नं सिद्धे साहए  
 अपज्जवधिप नरिण पुन से अंते मा सिद्धे नर्यता नागपज्जवा अर्यता रंछपज्जवा  
 चान अर्यता अयुस्समुत्तप नरिण पुन ॥ अंते सेतु इत्थम्ये सिद्धे सवति सेतम्ये  
 सिद्धे सवति च सिद्धे नर्यते मा सिद्धे नर्यते । येनि न ते कंदा । इमेकस्ते  
 अम्मरिप विधिप चाप समुप्पज्जिता-केन वा मरयेण मरमाने जीवे बह्वति वा  
 हवति वा । तस्सनि य ये अयमहे एनं कज्ज कंदा । मए दुमिहे मरने पण्णते  
 तंवा-वात्तमारने य पंथिक्कमारने न से ॥ तं वात्तमारने । १ दुवाक्कसिद्धे प  
 तं वात्तमारने वत्तमारने अतोसत्तमारने तत्तमारने विरिपपथि तत्तमारने कम्मपदे  
 अत्तपप विरिपपथि सत्तोवात्तने वहाणसे सिद्धे । इमेतेनं कंदा । दुवाक्क-  
 सविहेनं वात्तमारने मरमाने जीवे नर्यते ॥ वेरइयमवगहने ॥ अप्पानं संवोए  
 विरिपपथि अयमहे न न अयमहे वीहमहे वात्तमारने सत्तमारने अत्तप-  
 वत्त, सेत मरमाने बह्व २ सेत वात्तमारने । से ॥ तं पंथिक्कमारने । १  
 दुमिहे प तं पात्तोवगमने न अत्तपपथि सत्तोवात्तने न । से ॥ तं पात्तोवगमने ।  
 १ दुमिहे प तं -वीहामने न अवीहामने न विरिपपथि सत्तोवात्तने सेत  
 पात्तोवगमने । से ॥ तं अत्तपपथि सत्तोवात्तने । १ दुमिहे प तं -वीहामने  
 न अवीहामने न विरिपपथि सत्तोवात्तने सेत अत्तपपथि सत्तोवात्तने । इमेते कंदा । दुमि-  
 हेनं पंथिक्कमारने मरमाने जीवे नर्यते ॥ वेरइयमवगहने ॥ अप्पानं संवोए  
 वाप वीहवति सेत मरमाने इत्त, सेत पंथिक्कमारने । इमेएनं कंदा ।  
 दुमिहेनं मरने मरमाने जीवे बह्व वा इत्त वा ॥ १ ॥ ए एनं नं से  
 कंदा क्कवावत्तस गोते संवुहे सयनं मगलं महावीरं वंदा मयंस २ एनं  
 वरासी-इत्तमि नं मंत । दुमि अंतिप केवत्तिपत्तं वम्मं निदायेतए, अत्तमं  
 वेवत्तिपत्तं । मा पत्तिवत्तं । तए नं सयने भगलं महावीरं कंदा क्कवाव-  
 वत्तसयनेत्तस सीसे महत्तिमत्तमत्तप परिचाप वम्मं परिक्कहेइ, वम्मत्तमा मत्ति-  
 क्कवा । तए से कंदा क्कवावत्तसयनेत्त सयनत्त मयत्तमो महावीरत्त अंतिप  
 वम्मं सोवा मत्तिमत्त इत्त वा विय एत्तपत्त उत्त २ सयनं मयत्तं महावीरं  
 विरिपपथि वात्तमत्तिप पत्तिवत्तं करे २ एनं वरासी-इत्तमि नं मंत । विरिपपथि  
 पावत्तं पत्तिवत्ति नं मंत । विरिपपथि पावत्तं रोएमि नं मंत । विरिपपथि पावत्तं  
 वत्तमत्तिप नं मंत । विरिपपथि पावत्तं मंत । तहमेनं मंत । अत्तमत्तिप मंत ।  
 अत्तमत्तिप मंत । इत्तमत्तिप मंत । पत्तिवत्तिप मंत । इत्तमत्तिप मंत ।  
 मंत । से कहेनं दुमि वरावत्ति कहु सयनं मयत्तं महावीरं वंदा मयंस २ अत्त



पुरच्छिन्नं दिसीभाय अत्रपमद् ० निर्दुष्टं च दुष्टिं च जाय धाउरताओ न एतं  
 एतेइ ० जेणेव ममणे भगां महावीरे तेणेव उवागच्छइ ० ममग भगव महावीरे  
 तिक्रुत्तो आयाहिण पमाहिण करेट करेटता जाव नमगिता एव वदासी-आडिजे  
 न भते । लोए पलिते न भते । लोए आ० प० भ० लो० जरामरणेण य, से  
 जहानामए-नेइ गाहायती आगारंसि गिनायनाणि जे से तत्थ भटे भइ अप्पगारे  
 मोत्तरए त गहाय आयाए तगतनत अवग्गसि, एग ने निचागिए ममाने पच्छा  
 पुग हियाए सुहाए रामाए निस्सेताए अणुगामित्ताण भगिग्गइ, एवामेव देवाणु-  
 प्पिया । मज्जावि आया एगे भटे इट्ठे कंते पिए मणुने मणामे धेजे नेगाजिए संमए  
 बहुमए अणुमए भउकरंउगामाणे ना ण सीय मा ण उण्ह मा णं रुद्धा मा णं पिवासा  
 मा ण चोरा मा ण वाला मा ण दमा मा ण मग्गता मा ण वाट्यपित्तियसभियस  
 निवाडयविमिहा रोगायका परिसहोवनग्गा पुत्तनुत्ति कइ एग ने नित्थारिए उमाणे  
 परलोयस्स हियाए सुहाए उमाए नीसेगाए अणुगामियत्ताए भगिस्सइ, त इच्छामि  
 ण देवाणुप्पिया । मयमेव पव्वाविय मयमेव मुटाविय मयमेव सेहाविय मयमेव  
 सिक्खताविय मयमेव आचारगोयर विणयवेणइयचरणकरणजायामायावत्तिय धम्म  
 माइक्खिअ । तए ण ममणे भगव महावीरे नंदय कयायणस्सगोत्त मयमेव पव्वा  
 वेइ जाव धम्ममातिक्रुइ, एव देवाणुप्पिया । गतव्व एवं चिट्ठियव्व एव निसीति-  
 यव्व एवं तुयट्ठियव्व एव भुजियव्व एव भानियव्व एवं उट्ठाए पाणेहिं भूएहिं  
 जीवेहिं सत्तेहिं सजमेणं सजमियव्व, अस्ति च ण अट्ठे णो किंचिवि पमाइयव्वं ।  
 तए ण से खदए कयायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स इमं एयाह्वं  
 धम्मियं उवएस मम्म सपटिवज्जति तमाणाए तह गच्छइ तह चिट्ठइ तह निसीयति  
 तह तुयट्ठइ तह भुजइ तह भामइ तह उट्ठाए ० पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं  
 सजमेण सजमियव्वमिति, अस्ति च ण अट्ठे णो पमाइइ । तए ण से खदए कयाय०  
 अणगारे जाते इरियानमिए भासासमिए एसणासमिए आयाणभडमत्तनिक्खेवगा-  
 समिए उच्चारपासवणखेलसिंघाणजह्णपारिट्ठावणियासमिए मणसमिए वयसमिए काय-  
 समिए मणगुत्ते वइगुत्ते कायगुत्ते गुत्ते गुत्तिदिए गुत्तभयारी चाई लज्जू धण्णे सति  
 खमे जिईदिए सोहिए अणियाणे अप्पुस्सुए अवहिंसेस्से सुसामण्णरए दत्ते इणमेव  
 णिग्गयं पावयण पुरओ काउं विहरइ ॥ ९१ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे  
 कर्यंगलाओ नयरीओ छत्तपलासयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ ० वहिया जणव-  
 यविहारं विहरति । तए ण से खंदए अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहा-  
 रुवाण थेराणं अतिए सामाइयमाइयाइ एक्कारस अगाइ अहिज्जइ, जेणेव समणे



पुरच्छिम दिसीभावं अवागमइ २ तिदउं च हुंडियं च जान धावरत्ताओ च एणंते  
एडेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उयागच्छइ २ समण भगव महावीरे  
तिक्खुतो आयाहिण पयाहिण करेइ करेइत्ता जाव नमगिप्ता एव वदासी-आलिते  
णं भते ! लोए पलिते ण भते ! लोए आ० प० भ० लो० जरामरणेण य, से  
जहानामए-क्रेइ गाहावती आगारंसि त्रियायमाणंसि जे से तत्थ भटे भवइ अप्पभारे  
मोत्तगरुए त गहाय आयाए एगतमंत अववमइत्ति, एम मे नित्यारिए गमाणे पच्छा  
पुरा हियाए मुहाए गमाए निस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ, एवमेव देवाणु  
प्पिया ! मज्झति आया एगे भटे इट्ठे कत्ते पिए मणुणे मणामे धेजे वेगातिए संमए  
वहुमए अणुमए भडकरंडगरमाणे मा ण सीय मा ण उण्ह मा ण गुहा मा णं पिवासा  
मा णं चोरा मा णं वाला मा णं दसा मा ण मय्गगा मा ण वाडयपित्तियसभियसं  
निवाइयविविहा रोगायंका परीराहोवसग्गा फुसतुत्ति कट्ठु एस मे नित्यारिए समणे  
परलोयस्स हियाए मुहाए रामाए नीसेसाए अणुगामियत्ताए भविस्सइ, तं इच्छामि  
ण देवाणुप्पिया ! सयमेव पव्वावियं सयमेव मुहावियं सयमेव सेहाविय सयमेव  
सिक्खाविय सयमेव आयारगोयरं विणयवेणइयचरणकरणजायामायावत्तिय धम्म  
माइक्खिअ । तए ण समणे भगव महावीरे रांदय कचायणस्सगोत्त सयमेव पव्वा  
वेइ जाव धम्ममातिक्खइ, एव देवाणुप्पिया ! गंतव्व एवं चिट्ठियव्वं एव निसीयि-  
यव्वं एवं तुयट्ठियव्वं एवं भुजियव्वं एव भासियव्वं एव उट्ठाए पाणेहिं भूएहिं  
जीवेहिं सत्तेहिं सजमेणं सजमियव्वं, अस्सि च ण अट्ठे णो किंचिवि पमाइयव्व ।  
तए ण से खदए कचायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स इमं एयाह्वं  
धम्मियं उवएस सम्म सपडिवज्जति तमाणाए तह गच्छइ तह चिट्ठइ तह निसीयति  
तह तुयट्ठइ तह भुजइ तह भासइ तह उट्ठाए २ पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं  
सजमेण सजमियव्वमिति, अस्सि च ण अट्ठे णो पमायइ । तए ण से खदए कचाय०  
अणगारे जाते इरियासमिए भासासमिए एसणासमिए आयाणभडमत्तनिक्खेवणा-  
समिए उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिद्धावणियासमिए मणसमिए वयसमिए काय-  
समिए मणगुत्ते वइगुत्ते कायगुत्ते गुत्ते गुत्तिदिए गुत्तवंभयारी चाई लज्जू धण्णे संति  
खमे जिईदिए सोहिए अणियाणे अप्पुस्सुए अवहिंस्से सुसामण्णरए दंते इणमेव  
णिग्गंथं पावयण पुरओ काउं विहरइ ॥ ९१ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे  
कयगलाओ नयरीओ छत्तपलासयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ वहिया जणव-  
यविहारं विहरति । तए ण से खंदए अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहा-  
रूवाण थेराणं अतिए सामाइयमाइयाइ एकारस अगाइ अहिज्जइ, जेणेव समणे



पुरच्छिन्नं द्वितीयां आपमद् ० निर्द्वं च मुंदिर्गं च अणु भाउरतायो न एतं  
 एते ० जेनेव समणे भगव महावीरे तेनेव उवागच्छद् ० तन्ना नत्ता महावीरे  
 तिरुत्तो आवाहिणं पयाति करेद् करेस्ता जात नगणिण एव वदारी-पाणि  
 न भते ! लोए पडिसे न भते ! लोए भा० प० भं० लो० जगमरणे य, से  
 जहानानए-येद् तादावती आगारेणि गियातनागति जे से तत्त भते भवत् अप्पगारे  
 मोत्तरए त गदाय आयाए एगंनत अवडमःति, एम मे गित्यारिए समणे पछ  
 पुग हियाए सुहाए गमाए गिस्नेगाए आणुगामियणा भविम्व, एवमेव देवा  
 पिया ! मज्जाणि आया एगे भटे ड्टे तं पिण मणुजे मज्जामे देजे वेगणिए समए  
 बहुमए अणुमए भउकरंडगममाणे मा न सीयं मा न उर मा न गुहा मा न पिवासा  
 मा न चोरा मा न घाला मा न दगा मा न मज्जगा मा न वाटपित्तियसीयस  
 निवाडयमिहा रोगायका परीसहोचरगा पुसुत्ति नट्ट एम मे गित्यारिए समणे  
 परलोयस्स हियाए सुहाए गमाए नीसेगाए अणुगामियणाए भविम्व, तं इच्छामि  
 न देवाणुपिया ! तयमेव पव्वाविय गयमेव मुणवियं सयमेव सेटामियं सयमेव  
 सिक्खाविय नयमेव आचारगोयरं पिणयवेणदयचरणकरणजायामायावत्तिय धम्म  
 माइक्खिअ । तए न समणे भगव महावीरे रादय क्क्यायणस्सगोत्त सयमेव पव्व-  
 वेइ जाव धम्ममातिस्सन्द्, एव देवाणुपिया ! गतव्व एव चिट्ठियव्व एव निसीनि-  
 यव्व एव तुयट्ठियव्व एव भुजियव्व एव भासियव्व एवं उट्टाए पाणेहिं भूएहिं  
 जीवेहिं मत्तेहिं संजमेणं संजमियव्व, अस्सि च न अट्टे णो किंचिवि पमाइयव्व ।  
 तए न से खदए क्क्यायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स इम एयाहं  
 धम्मिय उवएस मम्म सपटिवज्जति तमाणाए तह गच्छत्त तह चिट्ठत्त तह निसीयति  
 तह तुयट्ठत्त तह भुजत्त तह भासत्त तह उट्टाए ० पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं मत्तेहिं  
 संजमेण संजमियव्वमिति, अस्मि च न अट्टे णो पमाइय । तए न से खदए क्क्याय०  
 अणगारे जाते इरियागमिए भासासमिए एसणासमिए आयाणभउमत्तनिक्खेवणा-  
 समिए उच्चारपासवणखेलसिंघाणजप्पारिट्ठावणियासमिए मणममिए वयसमिए काय-  
 समिए मणगुत्ते वडगुत्ते कायगुत्ते गुत्ते गुत्तिदिए गुत्तवभयारी चाई लज्जू धण्णे स्वति  
 खमे जिईदिए सोहिए अणियाणे अप्पुस्सुए अवहिहेस्से तुमाम्भरए दते इणमेव  
 णिग्गर्थं पावयणं पुरओ काठं विहरइ ॥ ९१ ॥ तए न समणे भगवं महावीरे  
 कयगलाओ नयरीओ छत्तपलासयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमद् २ वहिया जणव-  
 यविहारं विहरति । तए न से खदए अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहा-  
 रुवाण थेराण अतिए सामाइयमाइयाइ एकारम अगाइ अहिज्जइ, जेनेव समणे

ममर्षं महावीरं तथैव उवाचच्छब्द १ समर्षं ममर्षं महावीरं वैरश्च नमस्तद् १ एवं  
 ववासी-दृष्टामि न भवेति । तुभ्योऽहं अन्मनुष्याए समार्षं मासिर्षं भिक्षुपदिमं  
 उवर्षपजिता न निहरितपु, अहाह्यं देवापुमिया । मा पविर्षं । तपु न से र्वाए  
 अत्रगारे समर्षेयं ममववा महावीरेण अन्मनुष्याए समार्षे ॥ वाच नमस्तित्ता  
 मासिर्षं भिक्षुपदिमं उवर्षपजिता न निहरितपु, तपु न से र्वाए अत्रगारे मासिर्ष-  
 भिक्षुपदिमं अहाह्यं अहाह्यं अहाह्यं अहाह्यं अहाह्यं वाएव असेति  
 पावेति सोमेति तीरेति प्रेति विदेति अनुपादेय आचापु आउहेय तं वाएव अत्रिग  
 वाच अत्राहेता जेपेव समर्षे ममर्षं महावीरं तथैव उवाचच्छब्द १ समर्षं ममर्षं  
 वाच नमस्तित्ता एवं ववासी-दृष्टामि न भवेति । तुभ्योऽहं अन्मनुष्याए समार्षे होमा-  
 तिर्षं भिक्षुपदिमं उवर्षपजिता न निहरितपु अहाह्यं देवापुमिया । मा पविर्षं  
 तं नव एवं तेमस्त्रियं आन्ममासिर्षं पञ्चमत्तमा पदमं सतापुमिर्षं होर्षं सता-  
 पुमिर्षं तर्षं सतापुमिर्षं अहोपुमिर्षं एगपु तपु न से र्वाए अत्रगारे एम-  
 राह्यं भिक्षुपदिमं अहाह्यं वाच आउहेय जेपेव समर्षे तथैव उवाचच्छब्द  
 १ समर्षं ममर्षं म वाच नमस्तित्ता एवं ववासी-दृष्टामि न भवेति । तुभ्योऽहं  
 अन्मनुष्याए समार्षे सुवरमर्षं वच्छरं तथोक्त्यं उवर्षपजिता न निहरितपु, अहा-  
 ह्यं देवापुमिया । मा पविर्षं । तपु न से र्वाए अत्रगारे समर्षेयं ममववा  
 महावीरेण अन्मनुष्याए समार्षे वाच नमस्तित्ता सुवरवर्षं वच्छरं तथोक्त्यं उवर्ष-  
 पजिता न निहरति, तं--पदमं मासं अत्रमर्षं वच्छरं अनिच्छित्तं तथोक्त्येयं  
 विवा अत्रुद्धपु एगमिद्धे आवाचममीए आवाचमये रति वीरुतमेयं अवाह-  
 वैच व । एवं होर्षं मासं अत्रुद्धेयं एवं तर्षं मासं अत्रुद्धेयं वच्छरं मासं  
 वच्छरं वच्छरं पञ्चमं मासं वारसमं वारसमेयं अत्रुद्धेयं वच्छरं मासं वच्छरं  
 मासं वच्छरं १ अत्रुद्धेयं मासं अत्रुद्धेयं १ ममर्षं मासं वीरुतिर्षं १ वच्छरं मासं  
 वासीर्षं एवमर्षं मासं वच्छरं वच्छरं १ वारसमं मासं वच्छरं वच्छरं १ वच्छरं  
 मासं अत्रुद्धेयं १ वच्छरं मासं वीरुतिर्षं १ वच्छरं मासं वीरुतिर्षं १  
 वच्छरं मासं वीरुतिर्षं १ अनिच्छित्तं तथोक्त्येयं विवा अत्रुद्धपु एगमिद्धे  
 आवाचममीए आवाचमये रति वीरुतमेयं अवाहवैच तपु न से र्वाए अत्रगारे  
 सुवरमर्षं वच्छरं तथोक्त्यं अहाह्यं अहाह्यं वाच आउहेय जेपेव समर्षे ममर्षं  
 महावीरं तथैव उवाचच्छब्द १ समर्षं ममर्षं महावीरं वैरश्च नमस्तद् १ अत्रुद्धेयं  
 वच्छरं वच्छरं वच्छरं मासं वच्छरं वच्छरं विविधं तथोक्त्येयं अत्रुद्धेयं मासं  
 मासं निहरति । तपु न से र्वाए अत्रगारे तथैव वीरुतिर्षं वीरुतिर्षं पञ्चमं मम-

हिएण कल्लाणेण सिवेण धजेणं भगळेण सस्सिरिएण उदग्गेण उदत्तेणं उत्तमेणं उदग्गेण महाणुभागेण तवोक्कमेण सुक्के लुक्खे निम्मसे अट्टिचम्मावणदे किडिक्किडिया भूए किसे धमणिसतए जाते यावि होत्था, -जीवजीवेण गच्छइ जीवजीवेण चिट्ठि भासं भासित्तावि गिलाइ भास भासमाणे गिलाति भास भासिस्सामीति गिलायति, से जहा नामए-कट्टसगडिया इ वा पत्तसगडिया इ वा पत्ततिलभडगसगडिया इ वा एरंडकट्टसगडिया इ वा इगालसगडिया इ वा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी ससइ गच्छइ ससइ चिट्ठइ एवामेव खंदएवि अणगारे ससइ गच्छइ ससइ चिट्ठइ उवचिते तवेण अवचिए मससोणिएण हुयात्तणेवि व भासरासिपडिच्छन्ने तवेण तेएण तववे यस्सिरिए अतीव २ उवसोभेमाणे ० चिट्ठइ ॥ ९२ ॥ तेण कालेण ० रायगिहे नगरे जाव समोसरणं जाव परिसा पडिगया, तए ण तस्स खदयस्स अण० अणया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि धम्मजागरिय जागरमाणस्स इमेयारुवे अब्भत्थिए चित्तिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं इमेणं एयारुवेणं ओराळेण जाव किसे धमणिसतए जाते जीवजीवेण गच्छामि जीवजीवेणं चिट्ठामि जाव गिलामि जाव एवामेव अहपि ससइ गच्छामि ससइ चिट्ठामि त अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे त जाव ता मे अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे जाव य मे धम्मागरिए धम्मोवदेसए समणे भगव महावीरे जिणे बुद्धयी विहरइ ताव ता मे सेय कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पलकमलकोमलुम्मिहियमि अट्ठापांडुरे पभाए रत्तासोयप्पकासकिंसुयसुयमुहगुजद्धरागसरिसे कमलागरसंड-वोहए उट्ठिरियमि सूरु सइस्सरस्सिमि दिणयरे तेयसा जलते समण भगव महावीरं वदिता जाव पज्जुवासित्ता समणेण भगवया महावीरेण अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पच महव्वयाणि आरोवेत्ता समणा य समणीओ य खामेत्ता तहारुवेहिं धेरोहिं कडाईहिं सद्धिं विपुल पव्वयं सणियं २ दुरुहिता मेघघणसन्निगास देवसन्निवात पुढवीसिलावट्ठय पडिलेहिता दब्भसथारयं सथरित्ता दब्भसथारोवगयस्स सट्ठेहणा जोसणाजूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स काल अणवकंखमाणस्स विहरित्तएत्ति कट्टु एव सपेहेइ २ ता कल्ल पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलते जेणेव समणे भग० जाव पज्जुवासति, खंदयाइ समणे भगवं महावीरे खंदय अणगारं एव वयासी-से नूनं तव खंदया ! पुव्वरत्तावरत्तकालस० जाव जागरमाणस्स इमेयारुवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं इमेणं एयारुवेणं तवेणं ओराळेणं विपुळेणं तं चेव जाव काल अणवकंखमाणस्स विहरित्तएत्ति कट्टु एव सपेहेइति २ कल्लं पाउप्पभाए जाव जलंते जेणेव मम अतिए तेणेव इव्वमागए, से नून खंदया !

नष्टे समष्टे । इति अत्रि महात्मा देवायुषिमा । मा धिक्कृतं ॥ १३ ॥ तए न  
 से खंडए अजयारे समयेनं ममयवा महावीरेयं अज्मलुग्याए समाये हनुपुड जाव  
 हवदियए पट्टाए ठहुइ २ सयने मगलं महा शिवहृत्तो आवाहियं पवाहिनं करेइ  
 २ जाव नर्मसिता सययेव पंच महाभयवाहं आठोइ २ ता समये न समधीनो न  
 कामेइ २ ता ट्ठाहयेहं केरेहं कवाहंहिं सतिं त्रिपुलं पम्बनं तमियं २ हुइहोइ  
 मेहवसवधियासं देवसज्जितानं पुहमिदिआवहनं पविहोइ २ उबारपासवममूमि  
 पविहोइ २ वज्रमसंभारयं संपरह २ ता पुरतयमिमुहो संपविनंजनीसने करवज्र-  
 परिगाहिनं वज्रहं विरसाजतं मत्तए अजकिं कहु एवं ववाही—ममोऽस्तु नं अरहं  
 तानं मज्जंताथं जाव संपाद्यं ममोऽस्तु नं समवस्त मज्जंजो न जाव संपा-  
 जितवमस्त वंदमि नं मगलं तत्त मने इयते पाठठ ये मज्जं तत्तमए इह  
 धनंति कहु वदइ नर्मसति २ एवं ववाही—पुम्बियि मए समवस्त मज्जंजो महा-  
 वीरस्त अतिए सम्ये पायाइवाए पम्बन्दाए जावजीवाए जाव निज्जमरंसमस्तो  
 पम्बन्दाए जावजीवाए इवाधियि न नं समवस्त म म अतिए सम्यं पत्ताह  
 वानं पम्बन्नामि जावजीवाए जाव निज्जमरंसमस्तं पम्बन्नामि एवं सम्यं असनं  
 पम्बं वा सा वठम्बियि आहारं पम्बन्नामि जावजीवाए, नपि न इमं सरीरं  
 इहं कंतं पितं जाव पुंसंउत्तिष्ठ एवंपि नं वरियेहं वस्सासवीसासेहं मोसिउ-  
 म्भित्तु सवैवाज्जवाइसिए मत्तपावपडियाइसिए पम्बोवमए वज्रं अज्मलं-  
 माये निहरति । तए नं से खंडए अज समवस्त म म त्ठाहवायं वैरयं  
 अतिए सामाइममाइस्यं इवारस अंयाइ अहिजिया वहुपविपुम्बार् हुवाकउवावाइ  
 सज्जवपरिवारं पावमिता मासिनाए सवेइवाए अतायं इविता सतिं मताइ अज-  
 सनाए सेवेता आलोइवपविहोते समाहियतो मातुपुण्णीए अज्मगए ॥ १४ ॥ तए  
 नं से वैरा मगलं तो एइव अज आत्मयं वासित्ठ परिदिग्गामवतिनं अठस्सयं  
 करेति २ पातवीरमि पिहंति २ त्रिपुण्णयो पम्बन्नामो समियं २ पचोव्हंति २  
 जेजेव समये मगलं म तमिह क्वा समयं मज्जं म वंदति नर्मसति २ एवं  
 ववाही—एवं कहु देवायुषियानं अतिवाही खंडए नागं अजयारे पण्डमए पयति-  
 विजीए पवसिउवसंते पयतिअज्मलुग्याएमानावागमि मिठमएवसंते वज्जिने मए  
 निधीए, से नं देवायुषियं अज्मलुग्याए सयाये सजयेव पंच महाभयवाहि आठो-  
 विता समये न समधीनो न कामेय अमहेहं सतिं त्रिपुलं पम्बनं तं येव निरव-  
 सेसं जाव मातुपुण्णीए अज्मगए इमे य से आमारयेव । संते ति मज्जं योमने  
 समयं मगलं म वंदति नर्मसति २ एवं ववाही—एवं कहु देवायुषियानं अठेवाही



हिण्ण कल्लण्णं सिवेण धत्तेण मंगलेण सस्तिरीणं उदग्गेण उदत्तेण उत्तमेण उद-  
 रेण महाणुभागेण तवोक्कम्मेण सुक्खे लुक्खे निम्मसे अट्ठिचम्मावणद्धे किडिकिडिया  
 भूए किसे धमणिसतए जाते यावि होत्था, जीवजीवेण गच्छइ जीवजीवेण चिट्ठ  
 भासं भासित्तावि गिलाइ भास भासमाणे गिलाति भासं भासिस्सामीति गिलायति,  
 से जहा नामए-कट्टसगडिया इ वा पत्तसगडिया इ वा पत्तर्तिलभङ्गसगडिया इ वा  
 एरुङ्कट्टसगडिया इ वा इंगालसगडिया इ वा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी ससइ  
 गच्छइ ससइ चिट्ठइ एवामेव खदएवि अणगारे ससइ गच्छइ ससइ चिट्ठइ उवविते  
 तवेण अवविए मससोणिण हुयासणेविव भासरासिपडिच्छले तवेण तेण तवते  
 यसिरीए अतीव २ उवसोभमाणे २ चिट्ठइ ॥ ९२ ॥ तेण कालेण २ रायगिहे नगरे  
 जाव समोसरणं जाव परिसा पडिगया, तए ण तस्स खदयस्स अण० अण्णया  
 कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि धम्मजागरिय जागरमाणस्स इमेयारूवे अब्भत्थिए  
 चित्तिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अह इमेण एयारूवेण ओरालेण जाव किसे  
 धमणिसतए जाते जीवजीवेण गच्छामि जीवजीवेण चिट्ठामि जाव गिलामि जाव  
 एवामेव अहंपि ससइ गच्छामि ससइ चिट्ठामि तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले  
 वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे त जाव ता मे अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कार  
 परक्कमे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवदेसए समणे भगव महावीरे जिणे सुहत्थी  
 विहरइ ताव ता मे सेय कल्ल पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पलकमलकोमलुम्मिहि  
 यंमि अहापांडुरे पभाए रत्तासोयप्पकासकिंसुयसुयमुहगुजद्धरागसरिसे कम्मलागरसड-  
 वोहए उट्ठियमि सूरे सहस्सरस्सिमि दिणयरे तेयसा जलते समण भगव महावीरं  
 वंदित्ता जाव पञ्जुवासित्ता समणेण भगवया महावीरेण अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव  
 पच्च महव्वयाणि आरोवेत्ता समणा य समणीओ य खामेत्ता तहारूवेहिं थेरेहिं  
 कडाईहिं सद्धिं विपुल पव्वय सणिय २ दुरुहिता मेघघणसन्निगास देवसज्जिवात  
 पुढवीसिलावट्ठयं पडिलेहिता दब्भसंचारयं सयरित्ता दब्भसयारोवगयस्स सलेहणा  
 जोसणाजूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स काल अणवकखमाणस्स  
 विहरित्तएत्ति कट्ठु एव संपेहेइ २ ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलते जेणेव  
 समणे भग० जाव पञ्जुवासति, खंदयाइ समणे भगवं महावीरे खंदय अणगारं एव  
 वयासी-से नूनं तव खंदया ! पुव्वरत्तावरत्तकालस० जाव जागरमाणस्स इमेयारूवे  
 अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अह इमेण एयारूवेण तवेण ओरालेण  
 विपुलेण त चेव जाव काल अणवकखमाणस्स विहरित्तएत्ति कट्ठु एव संपेहेति २  
 कल्लं पाउप्पभाए जाव जलते जेणेव मम अतिए तेणेव हव्वमांगए, से नून खंदया !

महे समहे । इटा अस्मि अहाहर्द देवापुण्या । मा पठिर्वर्ष ॥ ५१ ॥ तए मे  
 ते अहए अजयारे सममेव मगलवा महावीरेण अजयपुण्याए समामे अहए अज  
 हयहिए एहए एहेइ २ सममे मगलं महा । तिमहृती आवाहिने पमाहिने करेइ  
 २ आज नमस्सिता सममेव पंच महुव्वय्यई आयेइ २ ता सममे म समणीओ न  
 आमेइ २ ता तहास्मेहि येरेहि कवाहिहि सकिं निपुलं पम्बवं समिवं २ दुस्सेइ  
 मेहएअसविगासं देवसविगारं पुहमिदिअवहए पठिहैइ २ उचारपासवभूमि  
 पठिहेइ २ अजयसवारवं सवार २ ता पुएत्तपिमिहरे संपत्तिवंपत्तिसे करवक-  
 पतिम्पद्वियं वसन्तं सिरसावतं मत्तए अजमि कहु एवं वदासी—नमोअल्ल मे अहई  
 तावं अजयंतानं आज संपत्तानं नमोअल्ल नं सममस्स अजयओ म आज संपा-  
 त्तिअमस्स वंदामि मे अजयंतं तत्त मरं इहपते पासठ मे अजवं तत्तपए इह  
 मयंति कहु मरेइ ममेवति २ एवं वदासी—पुम्पिपि मए सममस्स अजयओ महा-  
 वीरस्स अटिए सन्ने पायावाए पक्कयाए आजजीवाए अज निच्छातंसवसने  
 पक्कयाए आजजीवाए इवत्तिपि न नं सममस्स म म अटिए सन्नं पायाइ-  
 वारं पक्कयामि आजजीवाए आज निच्छातंसवसने पक्कयामि एवं सन्नं असमं  
 वरं वा हा अटम्मिहि आहारं पक्कयामि आजजीवाए, जंपि न इमं सरीरं  
 इहं केतं पिने आज पुएत्तपिअहु एवंपि नं जरियेहि उस्सामवीसासेहि वोसिर-  
 मितिअहु संवेवाअसवाअटिए मत्तपावपठिमाइमिअए पाओवमए अज अजयवज्ज-  
 मावे विहरति । तए मे ते अहए अज सममस्स म म तहावधानं वेरावं  
 अटिए सामाअमहाअहं इकारस अयाई अहिजिता बहुपडिपुण्णई बुवाअठवासाई  
 सामअपरिवारं पाउमिता माविवाए संवेइवाए अत्तवं अहिता सद्धिं मत्ताई अज-  
 सवाए तेरेया आलोअवपठिंते समाहिपते आलुपुम्पीए अजयए ॥ ५४ ॥ तए  
 नं ते वेरा मगदंनो एववं अज अजयवं आमिता परेनिम्माअवटियं वाटस्समं  
 करेहि २ वत्तवीवराणि पिअंति २ निपुण्णओ पन्थवाओ समिवं २ पओयंति २  
 वेवेइ सममे ममं म तेणिव ववा सममे मणवं म वंदेति ममेसिंति २ एवं  
 वदासी—एवं एहु देवापुण्यां अतिवासी अहए नारं अजयारे पद्ममए पाणि-  
 निगीए पमसिउवसेते वयतिपवकुहमाअमावाओमे मितमएवसंते अटिये मएए  
 निवीए, से मे देवापुण्याई अजयपुण्याए समामे सममेव पंच महुव्वय्यमि अटो-  
 मिता सममे व समणीओ व पायेया अम्हेहि सकिं निपुलं पम्बवं तं अज निरव-  
 सेसे आज आलुपुम्पीए अजयए इमे म से आयारंअए । मंते ति ममवं मोवमे  
 समदं ममं म वंदति ममेसिंति २ एवं वदासी—एवं एहु देवापुण्यां अतवासी

खदए नाम अण० कालमामे काल किञ्चा कहिं गए ? कहिं उववण्णे ? गोयमा  
समणे भगव महा० भगव गोयम एवं वयासी-एव खलु गोयमा । मम अतेवार्  
खदए नाम अणगारे पगतिभ० जाव से ण मए अब्भणुणाए समाणे सयमेव न  
महव्वयाड आरहेत्ता तं चेव सव्व अविमेलिय नेयव्व जाव आलोइयपडिहं  
समाहिपत्ते कालमामे काल किञ्चा अञ्चुए कप्पे देवताए उववण्णे, तत्थ ण अत्थे  
इयाण देवाण वाणीस सागरोवमाइ ठिती प०, तस्स णं खदयस्मवि देवस्स बावा  
सागरोवमाइ ठिती प० । से ण भत्ते ' खदए देवे ताओ देवलोगाओ आठक्काए  
भवक्काएण ठिइक्काएण अगतं चर्यं चउत्ता कहिं गच्छिहिति ? कहिं उववज्जिहिति ?  
गोयमा । महाविदेहे वामे सिज्जिहिति बुज्जिहिति मुच्चिहिति परिनिव्वाहिति सव्व  
दुक्खाणमत करेहिति ॥ ९५ ॥ खदयो समत्तो ॥ वितीयसयस्स पढमो ॥

कति ण भत्ते ! समुग्घाया पणत्ता ? गोयमा । नत्त समुग्घाया पणत्ता, तजहा-  
वेदणासमुग्घाए एव समुग्घायपद छाउमत्थियमसुग्घायवज्ज भाणियव्व, जाव वेम-  
णियाण कमायमसुग्घाया अप्पावहुय । अणगारस्स ण भत्ते ! भावियप्पणो केवळि  
समुग्घाय जाव मायमणागयद्ध चिट्ठति, समुग्घायपद नेयव्व ॥ ९६ ॥ वितीय  
सए वितीयोद्देसो भाणियव्वो ॥

कति ण भत्ते ! पुढवीओ पत्तत्ताओ ? जीवाभिगमे नेरइयाण जो वितिओ उद्देसो  
सो नेयव्वो, पुढवि ओगाहिता निरया सठाणमेव बाहल्लं । [विक्खवभपरिक्खेवो  
वण्णो गधो य फासो य ॥ १ ॥] जाव किं सव्वपाणा उववण्णपुव्वा ? हत्ता  
गोयमा ! असत्ति अदुवा अणत्तगुत्तो ॥ ९७ ॥ पुढवी उद्देसो तइओ ॥

कति ण भत्ते ! इंदिया पत्तत्ता ? गोयमा । पचिंदिया पत्तत्ता, तजहा-पढमिल्लो  
इंदियउद्देसो नेयव्वो, सठाणं बाहल्ल पोहत्त जाव अलोगो ॥ ९८ ॥ इंदियउद्देसो ॥

अण्णउत्थिया ण भत्ते ! एवमाइक्खंति भासति पज्ज्वंति परुव्वंति, तजहा-एव  
खलु नियठे कालगए समाणे देवब्भूएणं अप्पाणेण से ण तत्थ णो अन्ने देवे नो  
अन्नेसिं देवाण देवीओ अहिजुजिय २ परियारेइ १ णो अप्पणच्चियाओ देवीओ  
अभिजुजिय २ परियारेइ २ अप्पणामेव अप्पाण विउव्विय २ परियारेइ ३ एगेवि  
य ण जीवे एगेण समएण दो वेदे वेदेइ, तजहा-इत्थिवेद च पुरिसवेद च, एवं परउ  
त्थियवत्तव्वया नेयव्वा जाव इत्थिवेदं च पुरिसवेदं च । से कहमेय भत्ते ! एवं,  
गोयमा । जण्ण ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव इत्थिवेदं च पुरिसवेदं च, जे  
ते एवमाइसु मिच्छ ते एवमाइसु, अह पुण गोयमा । एवमातिक्खामि भा० प०  
परु०-एव खलु नियठे कालगए समाणे अन्नयरेसु देवलोएसु देवताए उववत्ताओ



खटए नाम अण० कालमासे काल णिचा कहिं गए ? कहिं उववण्णे ? गोयमा  
समणे भगव महा० भगव गोयम एव वयासी-एव खलु गोयमा ! मम अतवा  
खटए नाम अणगारे पगतिम० जाव से ण मए अब्भणुण्णाए गमाणे सयमेव प  
महव्वयाड आस्हेता त चेव गव्व अविसेसिय नेयव्व जाव आलोडयपडिं  
समाहिपत्ते कालमासे काल णिचा अणुए कप्पे देवताए उववण्णे, तत्थ ण अत्य  
इयाण देवाण वार्वाच मागरोवमाइ ठिती प०, तस्स ण गदयम्मवि देवस्स वार्  
सागरोवमाइ ठिती प० । से ण भत्ते ' गदए देवं ताओ देवलोगाओ आउक्ख,  
भवत्तएण ठिडक्खएण अगतर चयं चडत्ता कहिं गण्टिहिति ? कहिं उववज्जिहिति ।  
गोयमा ! महाविंदहे वानं सिज्जिहिति बुज्जिहिति मुच्चिहिति परिनिव्वाहिति मव  
दुक्खाणमत ररेहिति ॥ ९५ ॥ खंड्यो समत्तो ॥ वितीयसयस्स पदमो ।

कति ण भत्ते ! समुग्घाया पणत्ता ? गोयमा ! नत्त समुग्घाया पणत्ता, तज्जहा-  
वेदणासमुग्घाए एउ समुग्घायपद छाउमत्थियसमुग्घायवज्ज भाणियव्व, जाव वेम  
णियाण कमायसमुग्घाया अप्पावहुय । अणगारस्स णं भत्ते ! भावियप्पणो केवटि  
समुग्घाय जाव मागयमगागउद चिट्ठति, समुग्घायपद नेयव्व ॥ ९६ ॥ वितीय  
सए वितीयोद्देसो भाणियव्वो ॥

कति ण भत्ते ! पुढवीओ पज्जताओ ? जीवामिगमे नेरइयाण जो वित्तिओ उद्देस  
सो नेयव्वो, पुटविं ओगाहिता निरया सठाणमेव वाहल्ल । [विक्खमपरिक्खेव  
वण्णो गधो य फामो य ॥ १ ॥] जाव किं सव्वपाणा उववण्णपुव्वा ? हत्ता  
गोयमा ! असत्ति अटुवा अणतवुत्तो ॥ ९७ ॥ पुढवी उद्देसो तइयो ॥

कति ण भत्ते ! इदिया पज्जता ? गोयमा ! परिदिया पज्जता, तज्जहा-पडमिं  
इदियउद्देसो नेयव्वो, सठाण वाहल्ल पोहत्त जाव अलोगो ॥ ९८ ॥ इदियउद्देसो ॥

अण्णउत्थिया ण भत्ते ! एवमाइक्खति भासति पक्खेति परुव्वेति, तज्जहा-एव  
खलु नियटे कालगए समाणे देवब्भूएण अप्पाणेग से ण तत्थ णो अत्ते देव नो  
अत्तेमिं देवाण देवीओ अहिजुजिय २ परियारेड १ णो अप्पणच्चियाओ देवीओ  
अभिजुजिय २ परियारेड २ अप्पणामेव अप्पाण विउत्थिय २ परियारेड ३ एगेवि  
य ण जीवे एगेण समएण दो वेदे वेदेइ, तज्जहा-इत्थिवेद च पुरिसवेद च, एव पट  
त्थियवत्तव्वया नेयव्वा जाव इत्थिवेदं च पुरिसवेदं च । से कहमेय भत्ते ! एवं,  
गोयमा ! जण्ण ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खति जाव इत्थिवेदं च पुरिसवेदं च, जे  
ते एवमाइसु मिच्छ ते एवमाइसु, अह पुण गोयमा ! एवमातिक्खामि मा० प०  
पढ०-एव खलु नियटे कालगए समाणे अन्नयरेसु देवलोएसु देवताए उववतारो



समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ नगराओ गुणसिलाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ  
 चहिया जणवयविहार विहरति । तेण कालेण २ तुगिया नाम नगरी होत्था वण्ण  
 सीसे ण तुगियाए नगरीए यहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए पुप्फवतीए नाम उज्जा  
 होत्था, वण्णओ, तत्थ ण तुगियाए नयरीए वहवे समणोवामया परिवसति अ  
 दित्ता विच्छिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णा बहुघणयहुजायरुवरय  
 आओगपओगसपउत्ता विच्छट्ठियविपुलभत्तपाणा बहुदासीदासगोमहिंसगवेलयण  
 भूया बहुजणस्स अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा आसवसवरनि  
 रकिरियाहिंकरणवधमोक्खकुमला असहेजदेवासुरनागसुवण्णजक्खरक्खसकिंनर  
 पुरिसगल्लगध्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं निग्गयाओ पावयणाओ अणतिकमणि  
 णिग्गथे पावयणे निस्सक्रिया निक्कखिया निव्वितिगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छिय  
 अभिगयट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिजपेम्माणुरागरत्ता अयमाउसो ! निग्गथे पावय  
 अट्ठे अय परमट्ठे सेसे अणट्ठे ऊसियफलिहा अवगुयदुवारा चियत्ततेउरधरप्पवेसा बह  
 सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खानपोसहोववासेहिं, चाउदसट्ठमुट्ठिपुण्णमासिणीसु पडिपु  
 पोसह सम्म अणुपालेमाणा समणे निग्गथे फासुएसणिज्जेण असणपाणखाइमसाइमे  
 चत्थपडिग्गहकवलपायपुच्छणेण पीठफलगसेज्जासथारएण ओसहभेसज्जेण य पडि  
 लभेमाणा अहापडिग्गहिएहिं तवोक्कमेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १०६ ।  
 तेण कालेण २ पासावच्चिज्जा थेरा भगवतो जातिसपन्ना कुलसपन्ना वलसपन्ना  
 रुवसपन्ना विणयसपन्ना णाणसपन्ना दसणसपन्ना चरित्तसपन्ना लज्जासपन्ना लाव  
 सपन्ना ओयसी तेयसी वच्चसी जससी जियकोहा जियमाणा जियलोभा जियनिहा  
 जितिदिया जियपरीसहा जीवियासमरणभयविप्पमुक्का जाव कुत्तियावणभूता बहु  
 स्सया बहुपरिवारा पंचहिं अणगारसएहिं सद्धि सपरिवुद्धा अहाणुपुव्वि चरमाणा  
 गामाणुगामं दूइज्जमाणा सुहस्रहेण विहरमाणा जेणेव तुगिया नगरी जेणेव पुप्फ  
 वतीए उज्जाणे तेणेव उवागच्छति २ अहापडिख्व उग्गह उगिणिहत्ता ण सजमेण  
 तवसा अप्पाण भावेमाणा विहरंति ॥ १०७ ॥ तए ण तुगियाए नगरीए सिंघा  
 गतिगच्चउक्कचरमहापहपहेसु जाव एगदिसाभिमुहा णिज्जायति, तए ण ते समणो  
 वासया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठुट्ठा जाव सहावेति २ एवं वदासी-एव  
 खलु देवाणुप्पिया ! पासावच्चिज्जा थेरा भगवतो जातिसपन्ना जाव अहापडिख्व  
 उग्गह उगिणिहत्ता ण सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणा विहरंति, तं महाफल  
 खलु देवाणुप्पिया ! तहारूवाण थेराणं भगवताण णामगोयस्सवि सवणयाए किम  
 पुण अभिगमणवंदनमसणपडिपुच्छणपज्जुवासणयाए २ जाव गहणयाए १, तं

नञ्जामो च देवाभ्युपिवा । येरे भयवति वंदामो कर्मसामो वाच पञ्चुवासामो एमं  
 च इह मवे वा परमवे वा वाच नञ्जामिमिताए मभिससतीतिष्ठु नञ्जमवत्तु अंतिए  
 एममाहुं पठित्तमैति १ केवेव सभाई १ विद्याई तेवेव उवागच्छंति १ नञ्जवा  
 सुसुप्पवेसाई मञ्जुवाई वाचवाई पञ्चराई परिह्विता नञ्जमवत्तुमभिससतीरा  
 सएहि १ गोहेहिती पठित्तिन्वमंति १ वा एममजो मेममवति १ वायविहारचारेव  
 तुमियए नजरीए मञ्जुमञ्जोव मिममच्छंति १ केवेव पुञ्जमहीए उवावे तेवेव  
 उवागच्छंति १ येरे भयवति पंचमिहेव नमिममेव नमिममच्छंति, तंवा-सविचमं  
 इम्वारं मिन्तरणयाए १ नमिचामं इम्वारं नमिउतरणयाए १ एमसविहएव  
 वातरुवमवरेव १ नञ्जमवत्तुव वंजमिन्वमहेव ४ मञ्जो एमतीकरमेव ५ केवेव  
 वेरा भयवतो तेवेव उवागच्छंति १ विनञ्जतो वावाहिचं पवाहिचं करंति १ वाच  
 तिन्वियाए पञ्चुवासयाए पञ्चुवासंति ॥ १ ८ ॥ तए चं ते वेरा ममवतो तेहिं  
 समनोवासवाचं तीरे व महत्तिम्वान्मियाए वासजामं कम्मं परिन्हेति नञ्ज केहि-  
 चामित्तु वाच सचमोवसिजयाए वावाए वावाहो वरति वाच पम्मो कम्मो ।  
 तए चं ते समनोवासवा वेराव भयवतां अंतिए पम्मं सोवा मिन्मम इह दुह  
 वाच इयहिचय विनञ्जतो वावाहिचपवाहिचं करंति १ वाच तिन्वियाए पञ्चुवास-  
 याए पञ्चुवासंति १ एवं वराही-संजमे वं मंत ! निपफे ! तवे वं मंत ! निपफे !  
 तए चं ते वेरा ममवतो ते समनोवासए एवं वराही-संजमे वं मञ्जो ! नञ्जव-  
 फे तवे वोज्जमफे तए चं ते समनोवासवा येरे ममवत एवं वराही-वति वं  
 मंत ! संजमे नञ्जवफे तवे वोज्जमफे निपचित्तं वं मंत ! देवा देवजोएत  
 उववजंति तत्त वं कम्मिपुत्ते नमं येरे ते समनोवासए एवं वराही-पुञ्जतवेव  
 मञ्जो । देवा देवजोएत उववजंति तत्त वं मेहिंके नमं येरे ते समनोवासए एवं  
 वराही-पुञ्जसंजमेव मञ्जो । देवा देवजोएत उववजंति तत्त वं आर्यवरिन्वाए  
 नमं येरे ते समनोवासए एवं वराही-कम्मिवाए मञ्जो । देवा देवजोएत उव-  
 वजंति तत्त वं वाचवे नमं येरे ते समनोवासए एवं वराही-संमिपाए मञ्जो ।  
 देवा देवजोएत उववजंति पुञ्जतवेव पुञ्जसंजमेव कम्मिवाए संमिवाए मञ्जो ।  
 देवा देवजोएत उववजंति सुवे वं एत मञ्जो गो वेव वं नञ्जमावपम्वयाए,  
 तए चं ते समनोवासमा येरेहिं ममवतिहिं इममां एवाकमाई वातरवाई वाच-  
 रिया समावा इह्वाव येरे ममवति वंति नमंति १ पठिजाई पुञ्जंति १ वावाई  
 उवागच्छंति १ उवाव उवांति १ येरे ममवति विनञ्जतो वंति नमंति १ वेराव  
 ममं नमिमानो पुञ्जमतिवाञ्जो उवावाञ्जो पठित्तिनकमंति १ वावेव विहिं



पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ तए णं ते थेरा अन्नया कयाइ तुगियाओ  
 पुप्फवतिउज्जाणाओ पडिनिगच्छन्ति २ वहिया जणवयविहार विहरन्ति ॥ १०९ ॥  
 तेण कालेणं २ रायगिहे नाम नगरे जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेण २ स  
 णस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अतेवासी इदभूतीनाम अणगारे जाव सखित्ति  
 उलतेयलेस्से छट्ठछट्ठेण अनिक्खित्तेण तवोक्कम्मेण सजमेण तवसा अप्पाण भावे  
 माणे जाव विहरति । तए ण से भगव गोयमे छट्ठक्खमणपारणगसि पढमाए पोरे  
 सीए सज्झाय करेइ वीयाए पोरिसीए ज्ञाण झियायइ तइयाए पोरिसीए अतुरियम  
 चवल्मसभंते मुहपोत्तिय पडिलेहेइ २ भायणाइ वत्थाई पडिलेहेइ २ भायणा  
 पमज्जइ २ भायणाइ उग्गाहेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ  
 २ समण भगव महावीरं वदइ नमसइ २ एव वदासी-इच्छामि ण भते ! तुब्भेहिं  
 अब्भणुजाए छट्ठक्खमणपारणगसि रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झिमाई कुलाई घरस  
 मुदाणस्स भिक्खायरियाए अडित्ठए, अहासुह देवाणुप्पिया ! मा पडिवधं, तए ण  
 भगवं गोयमे संमणेग भगवया महावीरेणं अब्भणुजाए समाणे समणस्स भगवओ  
 महावीरस्स अतियाओ गुणसिलाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ अतुरियमचवल  
 मसभते जुगतरपलोयणाए दिट्ठीए पुरओ रिय सोहेमाणे २ जेणेव रायगिहे नगरे  
 वेणेव उवागच्छइ २ रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झिमाइ कुलाई घरसमुदाणस्स  
 भिक्खायरिय अडइ । तए ण से भगव गोयमे रायगिहे न० जाव अडमाणे बहु  
 जणसइ निसामेइ-एव खलु देवाणुप्पिया ! तुक्कियाए नगरीए वहिया पुप्फवतीए  
 उज्जाणे पासावच्चिज्जा थेरा भगवतो समणोवासएहिं इमाई एयालवाइ वागरणाइ  
 पुच्छिया-संजमे ण भते ! किंफले ? तवे णं भते ! किंफले ? तए ण ते थेरा भग  
 वतो ते समणोवासए एव वदासी-सजमे ण अज्जो ! अणण्हयफले तवे वोदाणफले  
 त चेव जाव पुव्वतवेण पुव्वसजमेण कम्मियाए सगियाए अज्जो ! देवा देवलोएव  
 उववज्जंति, सच्चे ण एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ॥ से क्हमेयं मज्जे  
 एव ? तए ण समणे० गोयमे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जायसट्ठे जाव समुप्प  
 णकोउहल्ले अहापज्जत्त समुदाण गेण्हइ २ रायगिहाओ नगराओ पडिनिक्खमइ २  
 अतुरिय जाव सोहेमाणे जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगव महावीरे  
 तेणेव उवा० सम० भ० महावीरस्स अदूरसामते गमणागमणए पडिक्कमइ एसण  
 मणेसण आलोएइ ० भत्तपाण पडिदंसेइ २ समण भ० महावीरं जाव एवं वयासी-  
 एव खलु भते ! अह तुब्भेहिं अब्भणुज्जाए समाणे रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झि-  
 माणि कुलाणि घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे बहुजणसइ निसामेति(मि),

एवं कञ्च देवा तुंगिवाए प्पापीए बहिजा पुण्ड्रवैए उज्जाने पोसावविजा वेरा मयकेतो  
समणीवाएएहि इमाई एवास्माई वागएणाई पुण्ड्रिजा—संयमे भं मति । किण्ठे ।  
तवे किण्ठे । ते वेव जाव सवे भं एसमडे वो वेव भं आपमाववतत्त्वयाए, तं  
पम् भं मति । ते वेरा मयकेतो तेहि समणीवाएणाई इमाई एवास्माई वागएणाई  
वागएणाए उवाहु अप्पम् । समिया भं मति । ते वेरा मयकेतो तेहि समणीवाए-  
णाई इमाई एवास्माई वागएणाई वागएणाए उवाहु असमिया । नाठजिवा भं मति ।  
ते वेरा मयकेतो तेहि समणीवाएणाई इमाई एवास्माई वागएणाई वागएणाए ।  
उवाहु अजाठजिवा । पण्डितजिवा भं मति । ते वेरा मयकेतो तेहि समणीवाएणाई  
इमाई एवास्माई वागएणाई वागएणाए उवाहु अपण्डितजिवा । पुण्डितवेव कज्जे ।  
देवा देवकोएण्ड उववज्जति पुण्डितवेव कम्मियाए संगिवाए कज्जे । देवा देव  
कोएण्ड उववज्जति सवे भं एसमडे वो वेव भं आपमाववतत्त्वयाए, पम् भं मति ।  
ते वेरा मयकेतो तेहि समणीवाएणाई इमाई एवास्माई वागएणाई वागएणाए, वो  
वेव भं अप्पम्, तह वेव नेवन् अपवेसिन् वाव पम् समिन् आठजिवा पण्डि-  
जिवा वाव सवे भं एसमडे वो वेव भं आपमाववतत्त्वयाए, अहिपि भं पोक्का ।  
एवमाइस्सामि मासेमि पण्णवेमि पस्सेमि पुण्डितवेव देवा देवकोएण्ड उववज्जति  
पुण्डितवेव देवा देवकोएण्ड उववज्जति कम्मियाए देवा देवकोएण्ड उववज्जति सं-  
गिवाए देवा देवकोएण्ड उववज्जति पुण्डितवेव पुण्डितवेव कम्मियाए संगिवाए कज्जे ।  
देवा देवकोएण्ड उववज्जति एवे भं एसमडे वो वेव भं आपमाववतत्त्वयाए ॥ ११ ॥  
उवाहव मति । समणं वा माहणं वा पञ्चुवासमागस्य किण्ठका पञ्चुवासवा ।  
पोक्का । उववज्जति, से भं मति । उववने किण्ठे । वावज्जते से भं मति । वावे  
किण्ठे । विण्णापज्जते से भं मति । विण्णाने किण्ठे । एवकवावज्जते से भं मति ।  
एवकवावने किण्ठे । संयमज्जते से भं मति । संयमे किण्ठे । अयण्डयज्जते एवं  
अयण्डए एवज्जते तवे कोवावज्जते कोवावे अकिरियाज्जते से भं मति । अकिरिवा  
किण्ठका । सिद्धिपण्णवज्जति पण्णवता गीयमा । गाहा—सवने नावे य विण्णाने  
पण्णवाने य संयमे । अयण्डए तवे वेव कोवाने अकिरिवा किण्ठे ॥ ११ ॥ ११ ॥  
अयण्डविया भं मति । एवयातिवज्जति भासति पण्णवति पण्डिते—एवं कञ्च एव-  
मिहस्स मयरेस्स बहिजा वेधारेस्स पण्णवस्स अहे एव भं मति एव हरए अवे  
पवते अवेगाई ओवणाई आपमाववतत्त्वयाई नापाहुयसंयमवित्तरीसे सविधरीए  
वाव पण्डिते एव भं मति ओवणा पण्णवया संसेमति सम्मुत्तिमि वासति  
एवमिहस्सि ते य भं सया समिओ वतिने २ नाठवाए अमिहस्सव । से मति



एवं धनु देवा-भूमिमाप् असीत् बहिर्वा पुण्यवर्षेऽपि उन्मेषी पोतावधिजा वेरा मयकैतो  
समनोवाचपृष्टिं ह्याई एवाकृताई वागरणाई पुष्टिर्वा—संजमे न मंत ! किंजळे !  
तवे किंजळे ! तं चेव वाच-सवे न एतमङ्गे जो चेव न आवमाववत्तववाए, तं  
पम् न मति । ते वेरा मयकैतो तसि समनोवाचवाचै ह्याई एवाकृताई वागरणाई  
वागरिताए उवाहु अप्पम् । समिया न मति । ते वेरा मयकैतो तसि समनोवाच-  
वाचै ह्याई एवाकृताई वागरणाई वागरिताए उवाहु असमिया । वाठमिया न मति ।  
ते वेरा मयकैतो तसि समनोवाचवाचै ह्याई एवाकृताई वागरणाई वागरिताए ।  
उवाहु अवाठमिया । पठिठमिया न मति । ते वेरा मयकैतो तसि समनोवाचवाचै  
ह्याई एवाकृताई वागरणाई वागरिताए उवाहु अपठिठमिया । पुण्यतवैव अज्जे ।  
देवा देवकोएत्त उववज्जति पुण्यसंजमेव कम्मिवाए संगिवाए अज्जे । देवा देव-  
कोएत्त उववज्जति उवे न एतमङ्गे जो चेव न आवमाववत्तववाए, पम् न वीवमा ।  
ते वेरा मयकैतो तसि समनोवाचवाचै ह्याई एवाकृताई वागरणाई वागरेत्तए, जो  
चेव न अप्पम्, तह चेव देवज्जं अकतेसिर्वा वाच पम् समिर्वा आवमिया पठिठ-  
मिया वाच उवे न एतमङ्गे जो चेव न आवमाववत्तववाए, अहपि न गोस्सा ।  
एवमाववत्तवमि मासेमि पम्पवैमि पस्सेमि पुण्यतवैव देवा देवकोएत्त उववज्जति  
पुण्यसंजमेव देवा देवकोएत्त उववज्जति कम्मिवाए देवा देवकोएत्त उववज्जति संगि-  
वाए देवा देवकोएत्त उववज्जति पुण्यतवैव पुण्यसंजमेव कम्मिवाए संगिवाए अज्जे ।  
देवा देवकोएत्त उववज्जति उवे न एतमङ्गे जो चेव न आवमाववत्तववाए ॥ ११ ॥  
तहास्वै मति । समनं वा माह्वं वा पञ्चुवाचमाणस्स किंजळा पञ्चुवाचमा ।  
पोस्सा ! उववपम्प से न मति । उववे किंजळे ! वाचज्जे से न मति । नावे  
किंजळे ! मिन्नालज्जे से न मति । मिन्नावे किंजळे ! एववत्तवपम्प ॥ न मति ।  
एववत्तवमि किंजळे ! संजमज्जे से न मति । संजमे किंजळे ! अमवत्तवज्जे एवं  
अववत्तए उवज्जे तवे कोवाणज्जे कोवावे अकिरियाज्जे से न मति । अकिरिवा  
किंजळा ! सिद्धिपज्जणालज्जा पम्पवा पोस्सा । माहा-सुवदि पावे न विन्नावे  
पम्पवावे न उवमे । अववत्तए तवे चेव कोवावे अकिरिवा ठिडी ॥ १० १११ ॥  
अववत्तवमि न मति । एवमाववत्तवमि मासेमि पम्पवैमि पस्सेमि—एवं अह राव-  
मिहस्स मारस्स बहिवा वैमारस्स पम्पवत्तव अहै एत्तव न मई एगे हरए अवे  
एवते अवेगाई जीवणाई जामावमिपम्पमेव वाणहुपसंजमेवित्तमेवे सरिपटीए  
वाच पठिठमि तएव न अहै श्रीरुक्म ववाहवा संवेवति सम्मुष्टिंति वासति  
तम्पतिरेवे व न अया समिज्जे उठिने २ वाठमियाए वमिमिस्साव । ते अज्जेवे

नत्थि जाव निचे, भावओ अवण्णे अगंधे अरसे अफामे, गुणओ गमणगुणे ।  
 अहम्मत्थिकाएवि एव चेव, नवरं गुणओ ठाणगुणे, आगासत्थिकाएवि एवं चेव,  
 नवरं खेतओ ण आगासत्थिकाए लोयालोयप्पमाणमेत्ते अणंते चेव जाव गुणओ  
 अवगाहणागुणे । जीवत्थिकाए ण भंते । कतिवग्गे कतिधि कतिरसे कइफासे<sup>१</sup>,  
 गोयमा ! अवण्णे जाव अरुवी जीवे सासए अवट्टिए लोगदब्बे, से समानओ पंच  
 विहे पण्णत्ते, तजहा-दब्बओ जाव गुणओ, दब्बओ ण जीवत्थिकाए अणंताइ जीव-  
 दब्बाइ, खेतओ लोगप्पमागमेत्ते कालओ न कयाइ न आसि जाव निचे, भावओ  
 पुण अवण्णे अगंधे अरसे अफासे, गुणओ उवओगगुणे । पोग्गलत्थिकाए ण भंते ।  
 कतिवग्गे कतिगंधे<sup>२</sup> रसे<sup>३</sup> फासे<sup>४</sup>, गोयमा ! पंचवग्गे पंचरसे दुगंधे अट्टफासे हत्ती  
 अजीवे सामए अवट्टिए लोगदब्बे, से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा-दब्बओ  
 खेतओ कालओ भावओ गुणओ, दब्बओ ण पोग्गलत्थिकाए अणंताइ दब्बाइ,  
 खेतओ लोयप्पमाणमेत्ते, कालओ न कयाइ न आसि जाव निचे, भावओ वण्णत्ते  
 गंध<sup>५</sup> रस<sup>६</sup> फासमंते, गुणओ गहणगुणे ॥ ११७ ॥ एगे भंते । धम्मत्थिकायपदेसे  
 धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्व सिया<sup>७</sup>, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, एवं दोन्निवि तिन्निवि  
 चत्तारि पंच छ सत्त अट्ठ नव दस सखेज्जा, असखेज्जा भंते ! धम्मत्थिकायपएसा  
 धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्व सिया<sup>८</sup>, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, एगपदेसूणेवि य ण  
 भंते । धम्मत्थिकाए<sup>९</sup> ति वत्तव्व सिया<sup>१०</sup> णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण भंते ।  
 एवं बुच्चइ<sup>११</sup> एगे धम्मत्थिकायपदेसे नो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्व सिया जाव एग-  
 पदेसूणेवि य ण धम्मत्थिकाए नो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्व सिया<sup>१२</sup>, से नून गोयमा !  
 खंडे चक्के सगळे चक्के<sup>१३</sup>, भगव । नो खंडे चक्के सकळे चक्के, एवं छत्ते चम्मे दंडे  
 दूसे आठ पहे मोयए, से तेणट्ठेण गोयमा ! एवं बुच्चइ-एगे धम्मत्थिकायपदेसे नो  
 धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्व सिया जाव एगपदेसूणेवि य ण धम्मत्थिकाए नो धम्मत्थि-  
 काएत्ति वत्तव्व सिया ॥ से किंछातिए ण भंते । धम्मत्थिकाए ति वत्तव्व  
 सिया<sup>१४</sup>, गोयमा ! असखेज्जा धम्मत्थिकायपएसा ते सव्वे कसिणा पडिपुण्णा  
 निरवसेसा एगगहणगहिया एस ण गोयमा ! धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्व सिया, एवं  
 अहम्मत्थिकाएवि, आगासत्थिकाएवि, जीवत्थिकायपोग्गलत्थिकायावि एव चेव,  
 नवरं तिण्हंपि पदेसा अणता भाणियव्वा, सेस त चेव ॥ ११८ ॥ जीवे  
 ण भंते । सउट्ठाणे सकम्मे सव्वे सवीरिए सपुरिसक्कारपरक्कमे आयभावेण जीव-  
 भाव उवदंसेतीति वत्तव्व सिया<sup>१५</sup>, इता गोयमा ! जीवे ण सउट्ठाणे जाव उव-  
 दंसेतीति वत्तव्व सिया । से केणट्ठेण जाव वत्तव्व सिया<sup>१६</sup>, गोयमा । जीवे ण अणं



नो असंखेजे० नो मघ्न पुमइ, उवासंतराई सख्याई जहा रयणपभाए पुडवीए  
चतव्यया भणिया, एव जाव अहेमत्तमाए, जंघुहीवाइया बीवा लखणसमुदाइया  
समुदा, एवं सोहम्मे कप्पे जाव ईसिपम्भारापुडवीए, एते मव्वेऽवि असंखेजतिभागं  
फुराति, सेमा पडिसेहेयव्वा । एवं अधम्मत्थिकाए, एव लोयागासेवि, गाहा—  
पुडवोदहीघणतणुक्का गेवेज्जणुत्तरा निदी । सगेज्जतिभागं अतरेसु सेसा असंखेजा  
॥ १ ॥ १२४ ॥ दसमो उद्देशो, वितिय सय समत्त ॥

गाहा—केरिसविउव्वणा चमर किरिय जाणित्थि नगर पाला य । अहिंइ  
इदियपरिसा ततियम्मि सए दसुहेमा ॥ १ ॥ तेण कालेण तेण समएण मोया नामं  
नगरी होत्या, वण्णओ, तीसे णं मोयाए नगरीए महिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभागे नं  
नदणे नामं उज्जाणे होत्या, वण्णओ, तेणं कालेण २ सामी समोसडे, परिसा निग-  
च्छइ पडिगया परिसा, तेण कालेण तेण समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स  
दोचे अतेवासी अग्निभूती नाम अणगारे गोयमगोत्तेण सत्तुस्सेहे जाव पञ्चवासमाने  
एवं वदासी—चमरे ण भते ! असुरिंदे असुरराया केमहिंइए ? केमहज्जुईए ? केम  
हावले ? केमहायसे ? केमहासोक्खे ? केमहाणुभागे ? केवइय च ण पभू विउव्वितए ?  
गोयमा ! चमरे ण असुरिंदे असुरराया महिंइए जाव महाणुभागे से ण तत्थ चोती  
साए भवणावाससयसहस्साण चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीण तायतीसाए तायती  
सगार्णं जाव विहरइ, एवमहिंइए जाव महाणुभागे, एवतियं च णं पभू विउव्वित  
ए से जहानामए—जुवइ जुवाणे हत्थेण हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा नामी अरगाउता  
सिया, एवामेव गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया वैउव्वियसमुग्घाएण समोहणइ २  
सखेज्जाई जोयणाइ उट्टु दहं निसिरइ, तजहा—रयणाण जाव रिट्ठाण अहापायरे पोगगळे  
परिसाडेइ २ अहासुहुमे पोगगळे परियाएति २ दोचपि वैउव्वियसमुग्घाएण समोहणति  
२, पभूणं गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया केवलकप्प जंघुहीवं २ बहूहिं असुर  
कुम्भारेहिं देवेहिं देवीहिं य आइणं वितिकिण्णं उवत्थडं सथडं फुड अवगाढाऽवगाढं  
करेतए । अदुत्तरं च णं गोयमा ! पभू चमरे असुरिंदे असुरराया तिरियमसखेजे बीव  
समुद बहूहिं असुरकुम्भारेहिं देवेहिं देवीहिं य आइणो वितिकिण्णे उवत्थडे सथडे फुडे  
अवगाढावगाढे करेतए, एस ण गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररणो अय  
मेयारूवे विसए विसयमेत्ते युइए णो चेव णं सपत्तीए विकुव्विस्स वा विकुव्वति वा  
विकुव्विस्सति वा ॥ १२५ ॥ जति ण भते ! चमरे असुरिंदे असुरराया एमहिंइए  
जाव एवइय च ण पभू विकुव्वितए, चमरस्स ण भते ! असुरिंदस्स असुररओ





रस्त एवमादिक्रामाणस्त भा० प० परु० एयमट्ट नो सहइ नो पत्तियद नो रोम  
 एयमट्ट अगइमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे उट्ठाए उट्ठेइ ० जेणेव समणे भगवं  
 महावीरे तेणेव उवागच्छइ जाव पञ्जुवागमाणे एवं वयासी-एवं सल्ल भंते । दोषे  
 गोयमे अग्निभूतिअणगारे मम एवमातिक्रइ भागइ पञ्चवेइ परवेइ-एवं मल्ल  
 गोयमा । चमरे असुरिंदे असुरराया महिद्विए जाव महाणुभावे से णं तत्थ चोर्णि-  
 साए भवणावामसयसहस्साणं एव तं चैव सत्त्वं अपरितेस भाणियत्वं जाव अग-  
 महिसीण वत्तव्वया समत्ता, से कइमेयं भते ।, एव १ गोयमादि समणे भगवं महा-  
 चीरे तच्च गोयमं वाउभूतिं अणगारं एव वदासी-जण्ण गोयमा । दोषे गो० अग्नि-  
 भूइअणगारे तय एवमातिक्रइ ४-एव खल्ल गोयमा । चमरे ३ महिद्विए एव व  
 चैव सत्त्वं जाव अगमहिसीण वत्तव्वया समत्ता, सत्थे णं एसमट्ठे, अहपि णं  
 गोयमा । एवमातिक्रामि भा० प० परु०, एव सल्ल गोयमा ।-चमरे ३ जाव  
 महिद्विए सो चैव यित्तिओ गमो भाणियच्चो जाव अगमहिसीओ, सत्थे णं एसमट्ठे  
 सेव भते ०, तत्थे गोयमे । वायुभूती अणगारे समणं भगव महावीर वदइ नमसइ  
 २ जेणेव दोषे गोयमे अग्निभूती अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ दोष गो० अग्नि  
 भूतिं अणगार वदइ नमसति ० एयमट्ट मम्म विणएणं भुज्जो ० रामेति ॥ १२७ ॥  
 तए ण से तत्थे गोयमे वाउभूती अणगारे दोषेण गोयमेणं अग्निभूतीगामेण अण-  
 गारेणं सद्धिं जेणेव समणे भगव महावीरे जाव पञ्जुवासमाणे एवं वयासी-इति  
 ण भते । चमरे असुरिंदे असुरराया एवमहिद्विए जाव एवतियं च णं पभू विकुब्बि-  
 त्तए बली ण भते । वइरोयणिंदे वइरोयणराया केमहिद्विए जाव केवइय च णं पभू  
 विकुब्बित्तए १, गोयमा । बली ण वइरोयणिंदे वइरोयणराया महिद्विए जाव महाणु-  
 भागे, से णं तत्थ तीसाए भवणावामसयसहस्साणं सट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं सेसं  
 जहा चमरस्स तहा बलियस्सवि णेयव्व, णवरं सातिरेग केवलकप्प जंघुदीवति  
 भाणियव्व, सेस त चैव णिरवसेस णेयव्व, णवरं णाणत्त जाणियव्व भवणेहिं सामा-  
 णिएहिं, सेव भंते २ त्ति तत्थे गोयमे वायुभूती जाव विहरति । भंते त्ति भगव दोषे  
 गोयमे अग्निभूती अणगारे समण भगवं महावीरं वदइ २ एव वदासी-जइ णं  
 भंते । बली वइरोयणिंदे वइरोयणराया एमहिद्विए जाव एवइय च ण पभू विकु-  
 ब्वित्तए धरणे णं भते । नागकुमारिंदे नागकुमारराया केमहिद्विए जाव केवतियं च  
 णं पभू विकुब्बित्तए १, गोयमा । धरणे णं नागकुमारिंदे नागकुमारराया एमहिद्विए  
 जाव से ण तत्थ चोयालीसाए भवणावासयसहस्साणं छण्हं सामाणियसाहस्सीणं  
 तायत्तीसाए तायत्तीसगणं चउण्हं लोगपालाण छण्ह अगमहिसीणं सपरिवाराण

सामानिवा देवा केमहिषिवा जाय केमतिर्न च न पम् मिश्रमिवात् । गोक्मा ।  
 चमरस्त अहुरिदस्त अहुररओ सामानिवा देवा महिषिवा जाय महाकुमाया ते  
 न तरव सार्च २ मयचार्च सार्च २ सामानिवाय सार्च २ अगमहितीर्च जाय  
 हिवाय स्मेयमेगाय भुङ्गमाय मिहरीति पूर्वमहिषिवा जाय एवर्च न च पम्  
 मिश्रमिवात्, ते महात्माय-सुवति सुवाये हत्वेन हत्वे मेहेया अहस्त वा भगी  
 अवाभता मिवा एवमेव योक्मा । चमरस्त अहुरिदस्त अहुररओ एवमेवे सामा  
 निव देवे वैदमिचमुत्पाएने सयोग्य २ जाय सोचपि मिठमिमसमुत्पाएने  
 समोह्यति १ पम् न योक्मा । चमरस्त अहुरिदस्त अहुररओ एवमेवे सामानि  
 व देवे केमचकर्म-कुपुर्न १ बहुहि अहुरकुमारेहि देवेहि देवीहि व आदर्च मितिनि  
 क्तवर्च सवर्च पुन अवाभतागार्च करेत्तए, अहुरर्च च न योक्मा । पम् चमरस्त  
 अहुरिदस्त अहुररओ एवमेवे सामानिवदेवे तिरिक्मसेवेन वीवसुदे बहुहि अहुर  
 कुमारेहि देवेहि देवीहि व अवाभे मितिनिक्मे सवर्च सवर्च पुन अवाभतागार्च  
 करेत्तए, एव न योक्मा । चमरस्त अहुरिदस्त अहुररओ एवमेवस्त सामानिय-  
 वेस्त अकोवाभवे मिषए मितवमेते कुए नो चव न सेपटीए मिश्रमिवा वा  
 मिश्रमिति वा मिश्रमिस्वति वा । जति न मति । चमरस्त अहुरिदस्त अहुररओ  
 सामानिवा देवा पूर्वमहिषिवा जाय एवर्च न च पम् मिश्रमिवात् चमरस्त न  
 मति । अहुरिदस्त अहुररओ तावतीमिवा देवा केमहिषिवा, ताम्हीमिवा देवा  
 अहा सामानिवा तहा येक्मा । अवाभता तहेव मर सवेया वीवसुहा मति  
 बन्वा बहुहि अहुरकुमारेहि १ आदर्चे जाय मिठमिस्वति वा । जति न मति ।  
 चमरस्त अहुरिदस्त अहुररओ स्मेयपाय देवा पूर्वमहिषिवा जाय एवर्च न च  
 पम् मिश्रमिवात् चमरस्त न मति । अहुरिदस्त अहुररओ अगमहितीओ देवीओ  
 केमहिषिवाओ जाय केमतिर्न च न पम् मिश्रमिवात् । योक्मा । चमरस्त न  
 अहुरिदस्त अहुररओ अगमहितीओ महिषिवाओ जाय महाकुमायाओ ताम्ही न  
 तरव सार्च २ मयचार्च सार्च २ सामानिमहास्तीर्च सार्च २ महापरिवर्च सार्च  
 २ परिसार्च जाय समहिषिवाओ नर्च अहा स्मेयपायान् अपरितेष्ट । सेव मति ।  
 २ ति त १२९ ॥ मयर्च सेवे नीयमे समर्च मयर्च महावीर वरु मयर्च २ सेवेव  
 तवे गोमये वाहुभुतिवचगरी सेवेव अवाभता २ मयर्च गोमये वाहुभुति अवाभार्  
 एवं वहाती-एवं अह भोवया । चमरे अहुरिदे अहुररवा पूर्वमहिषिवा त वेव  
 एवं सार्च अहुरवाभर्च सेवर्च अपरितेष्टिर्च जाय अगमहितीर्च ताम्हीवा समस्त ।  
 तए न से तवे सेवमे वाहुपुटी अवागरी सेवस्त गावस्त अमिष्पुस्त अवाग-

देवाणुष्पिर्हि दिव्या देविष्ठी दिव्या देवजुर्हि दिव्यं देवाणुभावे लब्धे पते अभि  
समजागते तारिसिया णं सक्केणं देविदेणं देवरणा दिव्या देविष्ठी जाव अभिसमजा  
गया, जारिसिया णं ( सक्केणं देविदेणं देवरणा दिव्या देविष्ठी जाव अभिसमजा  
गया तारिसिया णं ) देवाणुष्पिर्हि दिव्या देविष्ठी जाव अभिसमजागया । से ५  
भते । तीसए देवे केमहिष्टिए जाव केवतियं च ण पभू विउव्वित्तए ? गोयमा ।  
महिष्टिए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ सयस्म विमाणस्म चउण्ह सामाणियराह  
स्सीण चउण्ह अगमहिस्सीणं सपरियाराणं तिण्ह परिमाण सत्तग्हं अणियाण सत्त  
अणियाहिचईणं सोलसण्हं आयरय्मदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूण वेमाजियां  
देवाण य देवीण य जाव विहरति, एणंमहिष्टिए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए,  
से जहाणामए जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा जहेव सक्कस्म तहेव जाव एस णं  
गोयमा । तीसयस्स देवस्स अयमेयारुवे विसए विसयमेत्ते गुदए नो चेव ण संपत्तीए  
विउव्विसु वा ३ । जति ण भते । तीसए देवे महिष्टिए जाव एवइयं च ण पभू विउ  
व्वित्तए सक्कस्स ण भते । देविदस्स देवरणो अवसेसा सामाणिया देवा केमहिष्टिया  
तहेव सव्व जाव एम ण गोयमा । सक्कस्म देविदस्स देवरणो एगमेगस्म सामाणियस्स  
देवस्स इमेयारुवे विसए विसयमेत्ते गुदए नो चेव ण संपत्तीए विउव्विसु वा विउव्विति  
वा विउव्विस्संति वा तायत्तीसा य लोगपालअगमहिस्सीणं जहेव चमरस्स नवरं दो  
केवलकप्पे जवुदीवे २ अण्णं त चेव, सेवं भते २ त्ति दोवे गोयमे जाव विहरति  
॥ १२९ ॥ भतेत्ति भगव तथे गोयमे वाउभूती अणगारे ममण भगव जाव एव  
वदासी—जति णं भते ! सक्के देविदे देवराया एमहिष्टिए जाव एवइयं च णं पभू  
विउव्वित्तए ईसाणे णं भते ! देविदे देवराया केमहिष्टिए ? एव तहेव, नवरं साहिए  
दो केवलकप्पे जवुदीवे २ अवसेसं तहेव ॥ १३० ॥ जति णं भते ! ईसाणे देविदे देव  
राया एमहिष्टिए जाव एवतियं च ण पभू विउव्वित्तए ॥ एव खलु देवाणुष्पियाणं अते  
वासी कुरुदत्तपुत्ते नामं प्रगतिभदए जाव विणीए अट्टमंअट्टमेणं अणिक्खित्तेण पारणए  
आयविलपरिगगहिण्ण तवोकम्मेण उट्ठ वाहाथो पणिज्झिय २ सूराभिमुहे आया-  
वणभूमीए आयावेमाणे बहुपडिपुजे छम्मासे सामण्णपरियाग पाउणित्ता अट्टमासि  
याए सल्लेहणाए अत्ताण क्षोसित्ता तीस भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता आलोइयपडिक्कंते  
समाहिपत्ते काल्मासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे सयंसि विमाणसि जा चेव तीसए  
वत्तव्वया ता सव्वेव अपरिसेसा कुरुदत्तपुत्तेवि, नवरं सातिरेगे दो केवलकप्पे  
जवुदीवे २, अवसेसं तं चेव, एव सामाणियतायत्तीसलोगपालअगमहिस्सीणं जाव  
एस णं गोयमा ! ईसाणस्स देविदस्स देवरणो एव एगमेगाए अगमहिस्सीए देवीए

तिष्ठन् परिचयं सप्तमं अभिमानं सप्तमं अभिवादिबर्हिं वरुणीयाए आवरणखरे  
वराहस्थीनं अथेति च आष मीहत्त, एवमिदं च यं पम् मिठमिणाए से बहाम्-  
मए—सुवति सुवति आष वम् केमककण्ठं अंशुदीर्घं २ आष विरिचं संवेजे वीवसमुरे  
वह्निं अमकुम्भारेण २ आष मिठमिस्सति वा सामामिका तावन्तुकोपपाङ्गा मदि-  
सीमे च तदेव बहा अवरस्त एव वररी यं नागकुम्भाररावा मदिहिण्ण वाव एवमिदं  
बहा अमरे तदा वरयेवमि, नमरे संवेजे वीवसमुरे आमिदम्यं एव आष वमि-  
कुम्भाए वावमसुए ओइसिवाणि नमरे वदिमिदं सन्धे अमिमूटी पुच्छति ठामि  
सन्धे वाडमूटी पुच्छत्, संतेति मय्यं सोधे गोवमे अमिमूटी अमनारे सन्धे  
मय्यं म वरसि मय्यं २ एव वरासी—असि नं मंत । ओइसिरे ओनिसुप्या  
एवमदिहिण्ण वाव एवमिदं च यं पम् मिठमिणाए सुदे नं मंत । देविरे देवप्या  
केमदिहिण्ण वाव केमिदं च यं पम् मिठमिणाए । गोवमा । सुदे नं देविरे देव-  
प्या मदिहिण्ण वाव वहासुयाने, से नं तत्त वटीमाए मिमावासाससवसइम्भानं  
वराहसीए सामामिकसाहसीनं वाव वरुणं वराहसीनं आवरणख (देव) सहा  
स्थीनं अथेति च आष मीहत्त, एवमदिहिण्ण वाव एवमिदं च यं पम् मिठमिणाए,  
एव वदेव अवरस्त तदेव आमिम्यं नमरे सो वरसकण्ठे अंशुदीर्घं २ अवरसं तं  
पीए, एव नं गोवमा । सहास देविस्स देवरण्णो इममास्ये मिमए मिममेत नं  
सुरए गो वेष नं वरासीए मिठमिन् वा मिठम्यं वा मिठमिस्सति वा ॥ ११० ॥  
अरु नं मंत । सहे देविरे देवप्या एवमदिहिण्ण वाव एवमिदं च यं पम् मिठमि-  
णाए ॥ एव सत्त देवपुणिवानं अतेवाही तीसए वामे अमनारे पपनिमए वाव  
मिचीए उण्डुव अमिमिपतीनं तपोअमेने अम्याने आमिमावे वदुपडिपुम्भार् अट्ट  
संवत्तरार् सामम्यदरवाम पाडमिता मासिवाए संवेइमाण अट्टमं सुदेत्ता मदि  
अट्टार् अमनवाए ऐदेत्ता आलोइकपडिईत्त सामाहिणे पाडम्यसे वानं निचा  
ओइम्मे कयै सुवति मिमावन्ति उवकावसमाए देवपवमिज्जंति देवपुर्नगिण्ण अंशु-  
कस्त अरुकेअरुमागंणए अमनहणाए सहास देविस्स देवरण्ण सामानियदं-  
णाए उववन्ने ताए नं तीसए देवै अदुणोववममते समाने वंविहाए पमतीए  
पमतिवार् पच्छत्, तंहा—आहाएवमतीए सपीर इरिच आनुपाट्टरमतीए  
आमामपमतीए, ताए नं तीसवर् देव वंविहाए पमतीए पमतिवार् सव  
समाने सामामियपरीमववमया देवा वरवपडिण्णद्विं इतमर्द विरमावने मन्वर  
अंशुमि अदु अर्ण मिठपुं वहाविंति २ एव वरासी अर्ण नं देवपुणिण्ण । रिम्भा  
देविही रिम्भा एवपुर् दिवसे देवपुण्णामे लये वत्त अमिपवममत्त वरिणिया नं

होत्था, अहे दित्ते जाव बहुजणस्स अपरिभूए यावि होत्था, तए ण तस्स मोरि-  
 पुत्तस्स तामलित्तस्स गाहावइयस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि कुट्टं  
 बजागरिय जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-अत्थि ता मे  
 पुरा पोराणाण सुचिन्नाण सुपरिक्कताण सुभाण कल्लाणार्ण कट्ठाण कम्माण कल्लाणफल्-  
 वित्तिविसेसो जेणाह् द्दिरण्णेण वड्ढामि सुवज्जेण वड्ढामि धणेण वड्ढामि धन्नेण वड्ढामि  
 पुत्तेहिं वड्ढामि पसूहिं वड्ढामि विउलधणकणगरयणमणिमोत्तियसखसिलप्पवालत्ता-  
 यणसंतसारसावएजेण अतीव २ अभिवड्ढामि, त किण्ण अहं पुण पोराणाण सुचि-  
 न्नाण जाव कट्ठाण कम्माण एगतसोक्खय उवेहेमाणे विहरामि ? त जाव ताव अहं  
 द्दिरण्णेणं वड्ढामि जाव अतीव २ अभिवड्ढामि जाव च ण मे मित्तनातिनियगसं-  
 धिपरियणो आढाति परियाणाइ सक्कारेइ सम्माणेइ कल्लाण मगल देवयं चेइयं विणए  
 पज्जुवासइ ताव ता मे सेयं, कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलत्ते सयमेव दा-  
 र्मयं पडिग्गहिय करेत्ता विउल असण पाण खातिम सातिम उवक्खवावेत्ता मित्त-  
 तिनियगसयणसंवधिपरियणं आमंतेत्ता तं मित्तनाइनियगसवधिपरियणं विउले  
 असणपाणखातिमसातिमेण वत्थगधमल्लालकारेण य सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता तस्से  
 मित्तणाइनियगसवधिपरियणस्स पुरतो जेट्ठपुत्त कुट्टंवे ठावेत्ता त मित्तणातिनिय-  
 गसंवधिपरियण जेट्ठपुत्त च आपुच्छित्ता सयमेव दारुमय पडिग्गहं गहाय मुढे भवित-  
 पाणाभाए पव्वज्जाए पव्वइत्तए, पव्वइएऽवि य ण समाणे इम एयारूव अभिग्गा  
 अभिगिण्हिस्सामि-कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठछट्ठेण अणिकिक्खत्तेण तवोक्खमेण उ-  
 वाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स विहरितए  
 छट्ठस्सवि य णं पारणयसि आयावणभूमीतो पच्चोरुभित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्ग-  
 हय गहाय तामलितीए नगरीए उच्चनीयमज्झिमाइ कुलाइ घरसमुदाणस्स भिक्खा  
 यरियाए अट्ठित्ता सुद्धोदण पडिग्गाहेत्ता तं तिसत्तखत्तो उदएणं पक्खालेत्ता त-  
 पच्छा आहारं आहारितएत्तिकहुं एव सपेहेइ २ कल्ल पाउप्पभायाए जाव जलत्ते  
 सयमेव दारुमय पडिग्गहय करेइ २ विउल असण पाण खाइम साइम उवक्खवावेइ  
 २ तओ पच्छा ण्हाए सुद्धप्पावेसाइ मंगल्लाइ वत्थाइ पवरपरिहिए अप्पमहग्घाभरण-  
 लकियसरीरे भोयणवेलाए भोयणमहवसि सुहासणवरगए तए णं मित्तणाइनियगस-  
 यणसंवधिपरिज्जेणं सद्धिं त विउल असण पाण खातिम साइम आसादेमाणे  
 वीसाएमाणे परिभाएमाणे परिभुजेमाणे विहरइ । जिमियमुत्तुत्तरागएऽवि य ण  
 समाणे आर्यंते चोक्खे परमसुइभूए तं मित्त जाव परियणं विउलेणं असणपाण  
 ४-पुप्फवत्थगधमल्लालकारेण य सक्कारेइ २ तस्सेव मित्तणाइ जाव परियणस्स पुरओ



सदावेति २ एव वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! बलिचच्चा रायहाणी अणिदा अपुरोहिया अम्हे ण देवाणुप्पिया ! ईदाहीणा इदाधिद्विया इदाहीणकज्जा अय च णं देवाणुप्पिया ! तामली बालतवस्सी तामलितीए नगरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए नियत्तणियमडलं आलिहिता संलेहणाझसणाझसिए भत्तपाणपडियाइन्निखए पाओवगमण निवन्ने, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्ह तामलिं बालतवस्सिं बलिचच्चाए रायहाणीए ठितिपकप्पं पकरावेत्तएत्तिकड्डु अन्नमन्नस्स अतिए एयमट्ट पडि सुणेंति २ बलिचच्चाए रायहाणीए मज्झमज्जेण निग्गच्छन्ति २ जेणेव रुयगिंदे उप्पायपव्वए तेणेव उवागच्छन्ति २ वेउव्वियसमुग्घाएण समोहणति जाव उत्तर वेउव्वियाइं रूवाइं विकुव्वति, ताए उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए चढाए जइणाए छेयाए सीहाए सिग्घाए दिव्वाए उड्डुयाए देवगतीए तिरियमसखेज्जाणं दीवसमुद्दणं मज्झमज्जेण जेणेव जंबुद्वीवे २ जेणेव भारद्दे वासे जेणेव तामलिती[ए]नगरी[ए]जेणेव तामलिती मोरियपुत्ते तेणेव उवागच्छति २ ता तामलिस्स बालतवस्सिस्स उप्पि सपक्खि सपडिदिसिं ठिष्ठा दिव्व देविहिं दिव्वं देवज्जुइं दिव्व देवाणुभाभ दिव्वं बत्तीसविह नट्टविहिं उवदसति २ तामलिं बालतवस्सिं तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिण करेंति वदंति नमसति २ एव वदासी-एव खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे बलिचच्चारायहाणिवत्यव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य देवाणुप्पिया वदामो नमसामो जाव पज्जुवासामो, अम्हाण देवाणुप्पिया ! बलिचच्चा रायहाणी अणिदा अपुरोहिया अम्हेऽवि य ण देवाणुप्पिया ! ईदाहीणा इदाहिद्विया इदा हीणकज्जा त तुब्भे ण देवाणुप्पिया ! बलिचच्चारायहाणिं आढाह परियागह सुमारह अट्ट बधह निदान पकरेह ठितिपकप्प पकरेह, तते ण तुब्भे कालमासे काल किच्चा बलिचच्चारायहाणीए उववजिस्सह, तते ण तुब्भे अम्हं ईदा भविस्सह, तए णं तुब्भे अम्हेहिं सद्धिं दिव्वाइ भोगभोगाइ भुजमाणा विहरिस्सह । तए णं से तामली बालतवस्सी तेहिं बलिचच्चारायहाणिवत्यव्वेहिं बह्वहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य एव पुत्ते समाणे एयमट्ट नो आढाइ नो परियाणेइ तुसिणीए संचिट्ठइ, तए ण ते बलिचच्चारायहाणिवत्यव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं मोरियपुत्त दोच्चपि तच्चपि तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिण करेंति २ जाव अम्ह च ण देवाणुप्पिया ! बलिचच्चारायहाणी अणिदा जाव ठितिपकप्पं पकरेह जाव दोच्चपि तच्चपि, एव पुत्ते समाणे जाव तुसिणीए संचिट्ठइ, तए ण ते बलिचच्चारायहाणिवत्यव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिणा बालतवस्मिणा अणाढाइज्जमाणा अपरियाणिज्जमाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव





सदावैति २ एव वयासी-एव मलु देवाणुप्पिया ! वल्लिचचा रायहाणी अणिदा अपुरोहिया अम्हे ण देवाणुप्पिया ! इंदारीणा इंदोधिद्विया इंदोहीणकजा अयं च णं देवाणुप्पिया ! तामली बालतवस्सी तामलितीए नगरीए बहिया उत्तरपुगच्छिने दिसीभाए नियत्तणियमडल आलिहिता सटेहणाप्पसणाप्पतिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओउगमण नियत्ते, तं सेय मलु देवाणुप्पिया ! अम्ह तामलि बालतवस्सि बलिचं चाए रायहाणीए ठितिपकप्पं पकरावेत्तएत्तिरुहु अन्नमग्गस्स अणिए एयमट्ट पडि मुणेंति ० बलिचंचाए रायहाणीए मज्झमज्जेण निगगच्छन्ति ० जेणेव ह्यगिद उप्पायपव्वए तेणेव उवागच्छन्ति ० वेउव्वियसमुग्घाएण ममोहणति जाव उत्तर वेउव्वियाइ रुवाइं विक्खवति, ताए उक्किट्टाए तुरियाए चवलाए चंडाए जइणाए छेयाए सीहाए सिग्घाए दिव्वाए उदुयाए देवगतीए तिरियमसंत्थेज्जाणं वीवग्गमुहं मज्झमज्जेण जेणेव जयुहीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव तामलिती[ए]नगरी[ए]ने णेव तामलिती मोरियपुत्ते तेणेव उवागच्छति ० ता तामलिस्स बालतवस्सिस्स उप्पि मपक्खि मपडिदिसिं ठिष्ठा दिव्व देविहं दिव्व देवज्जुड दिव्वं देवाणुभावं दिव्वं वत्तीमविह नट्टविहिं उवदसति ० तामलि बालतवस्सि तिक्खुत्तो आयाहिप्प पयाहिग करेंति वदति नममति ० एउ वदासी-एवं मलु देवाणुप्पिया ! अम्हे बलिचचारायहाणिवत्थव्वया बहवे अन्नकुमारा देवा य देवीओ य देवाणुप्पिय वदामो नममामो जाव पज्जुवामामो, अम्हाणं देवाणुप्पिया ! बलिचचा रायहाणी अणिदा अपुरोहिया अम्हेऽवि य ण देवाणुप्पिया ! इंदारीणा इंदोधिद्विया इंदो हीणकजा त तुब्भे ण देवाणुप्पिया ! बलिचचारायहाणिं आढाह परियागह सुमरह अट्ट बधह निदान पकरेह ठितिपकप्प पकरेह, तते ण तुब्भे कालमासे काल किच्चा बलिचचारायहाणीए उववजिस्सह, तते ण तुब्भे अम्हं इदा भविस्सह, तए ण तुब्भे अम्हेहिं सद्धि दिव्वाइ भोगभोगाइ भुजमाणा विहरिस्सह । तए ण से तामली बालतवस्सी तेहिं बलिचचारायहाणिवत्थव्वेहिं बहहिं अन्न कुमारेहिं देवेहिं देवीहि य एव युत्ते समाणे एयमट्ट नो आढाइ नो परियाणेइ तुसिणीए संचिट्टइ, तए ण ते बलिचचारायहाणिवत्थव्वया बहवे अन्नकुमारा देवा य देवीओ य तामलि मोरियपुत्त दोषपि तच्चपि तिक्खुत्तो आयाहिप्पयाहिग करेंति २ जाव अम्ह च णं देवाणुप्पिया ! बलिचचारायहाणी अणिदा जाव ठितिप कप्पं पकरेह जाव दोषपि तच्चपि, एव युत्ते समाणे जाव तुसिणीए संचिट्टइ, तए ण ते बलिचचारायहाणिवत्थव्वया बहवे अन्नकुमारा देवा य देवीओ य तामलि बालतवस्सिणा अणाढाइज्जमाणा अपरियाणिज्जमाणा जामेव दिसिं पाउव्वभूया तामेव

मैति पञ्चिमा ॥ १३४ ॥ तेन कर्मिण २ ईशाने कप्ये जमिद अणुपेक्षिणं नानि  
 दोषा तदे न से ताम्बन् वाक्यतस्वी बहूपविपुलाई सङ्गि वासतसहस्यार् पतिवार्  
 पाङ्गिता रोमासिवाए संकेहवाए अत्यन्तं अतिता सपिर्बं मतसर्बं अन्तसाए केरिणं  
 वाक्यमासे कर्मिण ईशाने कप्ये ईशानवर्षितए मिम्यन्ते क्वाज्जमाए देवस्य-  
 मिज्जंति देवस्युत्तरिणं अणुपेक्षं असेवेजयापयेताए ओणाहवाए। ईशानदेवि-  
 निरुद्धकर्म्यमिति ईशानदेविताए तन्वन्ते तए न से ईशाने देविदे देवताया  
 अणुपेक्षने पंचमिहाए पञ्चमीए पञ्चमिवात्तं पञ्चमि तंवाहा-आहारव+ वाव  
 मात्तमपञ्चमीए, तए न से वणिर्वाणवहामिदकम्बया बह्वै अणुपेक्षमाए देवा  
 न देवीमो न ताम्बन् वाक्यतस्वि क्वाक्यमं वाकिता ईशाने न कप्ये देविदेताए  
 क्वाक्यमं पाकिता आणुपेक्ष क्वाक्यमं वाकिता मिमिदिमाया वणिर्वाणवहा  
 अणुपेक्षमोर्बं मिम्यमिति १ ताए उणिह्वाए वाव केवेव माट्ठे वापि केवेव ताम  
 मिति [ए] नवपी [ए] केवेव ताममिस्व वाक्यतस्विस्व सरीरए-तेमेव उवापम्यंति  
 १ वाने पाए ईशाने वंजंति २ तिकव्वाते सुहे वहुंति १ नाममिटीए नवपीए  
 विवाडमतिमवज्जववरवज्जमुहमहावपेक्ष वाक्यमिदं करेन्त्या महा १  
 एवैवं वन्तेमेवना २ एवं ववाटी-केव न मो से ताम्बन् वाक्यतस्व सर्वमविवर्जिणे  
 पाभासाए पञ्चमाए पञ्चमए १ केव न मते (मो) । ईशाने कप्ये ईशाने देविदे  
 देवतावत्सुत्तरिणं ताममिस्व वाक्यतस्व सरीरं हीनेति निरुति विरुति मरेति  
 अकर्मवति तर्जंति तर्जंति पतिवर्ति पञ्चमि वाक्यमिदं करेति हीनेता वाव  
 वाक्यमिदं करेता एवेते एवेति १ वायेव मिति पाङ्गम्या तामेव मिति वति  
 मवा ॥ १३५ ॥ तए न से ईशानकप्यवासी बह्वै देवामिवा देवा न देवीमो न  
 वणिर्वाणवहामिदकम्बया अणुपेक्षमादेवि देवेवि देवीवि न ताममिस्व वाक्यतस्व  
 मिस्व सरीरं ईतिज्जमानं निमिज्जमानं वाव वाक्यमिदं करेता एवेते एवेति १  
 आणुपेक्ष वाव मिमिदिमाया केवेव ईशाने देविदे देवताया तेमेव उवापम्यंति  
 २ कर्मकर्मिणमिदं वज्जमं विरचता मत्तप जंजमि कट्ट अणुपेक्षं वज्जमं ववाटीति  
 २ एवं ववाटी-एवं कट्ट देवतापिवा । वणिर्वाणवहामिदकम्बया बह्वै अणु  
 पुमाए देवा न देवीमो न देवतापिण वाक्यमं वाकिता ईशाने कप्ये ईशानाए  
 उवापे पाकिता आणुपेक्ष वाव एवेते एवेति १ वायेव मिति पाङ्गम्या तामेव  
 मिति वतिमवा । तए न से ईशाने देविदे देवताया तेति ईशानवत्पवाटीर्बं बह्वै  
 देवामिवात्तं देवान न देवीव न अतिपु एवमं लोका मिम्यन्त आणुपेक्ष वाव  
 मिमिदिमाये तामेव वज्जमिज्जवराए विरज्जिर्बं मिमिदि विरज्जि विरज्जि वज्जमिज्ज-

रायहाणि अहे सपकिंग गपडिदिमिं समभिलोएइ, तए णं या बलिचचारायहाणी  
 ईसाणेण देविंदेग देवरक्षा अहे सपकिंग गपडिदिमिं समभिलोइया समानी तं  
 दिव्वप्पभावेणं ईगालब्भूया मुम्भुरभूया छारियम्भूया तत्तकनेप्पम्भूया तत्ता सम-  
 जोइभूया जाया यावि होत्या, तए णं ते बलिचचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुर-  
 कुमारा देवा य देवीओ य त बलिचचं रायहाणि ईगालब्भूयं जाव समजोतिम्भूयं  
 पासंति २ मीया तत्ता तसिया उच्चिग्गा संजायमया मव्वओ समंता आघावेति परे  
 धावेति २ अक्षमन्सस काय समतुरंगेमाणा २ चिट्ठति, तए णं ते बलिचचारायहाणि-  
 वत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य ईसाणं देविंद देवरायं परिकुर्विं  
 जाणित्ता ईसाणस्स देविंदस्स देवरक्षो तं दिव्वं देविट्ठि दिव्वं देवज्जुइ दिव्वं देवा  
 पुमाग दिव्वं तेयलेस्स असहमाणा सब्बे सपकिंग गपडिदिमिं ठिथा करयलप-  
 ग्गहिय दसनहे सिरसावत्ता मत्तए अजलिं रुद्धु जएणं विजएण वद्धाविति २ एव  
 वयासी-अहो ण देवाणुप्पिण्हि दिव्वा देविट्ठि जाव अभिसमन्नागता तं दिव्वा णं  
 देवाणुप्पियाण दिव्वा देविट्ठि जाव लद्धा पत्ता अभिममन्नागया त खामेमि णं देवा  
 णुप्पिया ! खमतु ण देवाणुप्पिया ! [ समतु ] मरिहतु णं देवाणुप्पिया ! णाइ भुजो  
 २ एव करणयाएत्तिकद्धु एयमट्ठ सम्म विणएणं भुजो २ खामेति, तते णं से ईसाणे  
 देविंदे देवराया तेहिं बलिचचारायहाणिवत्थव्वेहिं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं  
 देवीहिं य एयमट्ठ सम्म विणएण भुजो २ खामिए समाणे त दिव्वं देविट्ठि जाव  
 तेयलेस्स पडिमाहरइ, तप्पमिति च णं गोयमा !, ते बलिचचारायहाणिवत्थव्वया  
 बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य ईसाण देविंदं देवरायं आडति जाव पज्जुवा  
 संति, ईसाणस्स देविंदस्स देवरक्षो आणाउववायवयणनिहेसे चिट्ठति, एव खलु  
 गोयमा ! ईसाणेण देविंदेणं देवरक्षा मा दिव्वा देविट्ठि जाव अभिसमन्नागया !  
 ईसाणस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरक्षो केवतिय काल ठिनी पण्णत्ता २, गोयमा !  
 सातिरेगाइ दो सागरोवमाइ ठिती पण्णत्ता ईसाणे णं भंते ! देविंदे देवराया  
 ताओ देवलोगाओ आउक्खएण जाव कहिं गच्छिहिति २ कहिं उववजि-  
 हिति २, गो० ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिति जाव अतं काहेति ॥ १३६ ॥  
 सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरक्षो विमाणेहिंतो ईसाणस्स देविंदस्स देवरक्षो  
 विमाणा ईसिं उच्चयरा चेव ईसिं उच्चयतरा चेव ईसाणस्स वा देविंदस्स देवरक्षो  
 विमाणेहिंतो सक्कस्स देविंदस्स देवरक्षो विमाणा णीययरा चेव ईसिं निच्चयरा चेव २,  
 हंता ! गोयमा ! सक्कस्स त चेव सब्ब नेयव्व । से केणट्ठेणं २, गोयमा ! से जहा-  
 नामए-करयले सिया देसे उच्चे देसे उच्चए देसे णीए देसे निजे, से तेणट्ठेण

योमया । सद्यस्म देविदस्म देवरयो अतिरि मिण्यतरा येव ॥ १३० ॥ यम् ये  
 मते । सद्ये देविदे देवरया ईसायस्म देविदस्म देवरयो अतिरि पाठम्मवित्तप ।  
 इता यम्, ये ये मते । मि आतायमाने यम् अजाहावमाने यम्, येवमा ।  
 आजायमाने यम् नो अजाहावमाने यम् यम् न मते । ईसाये देविदे देवरया  
 सद्यस्म देविदस्म देवरयो अतिरि पाठम्मवित्तप । इता यम्, ये मते । मि  
 आजायमाने यम् अजाहावमाने यम् । योवमा । आजायमाने यम् अजाहाव  
 माने यम् । यम् ये मते । सद्ये देविदे देवरया ईसाय वतिरि वराय सद्यस्म  
 सपदिमिदि सममिदोत्ताप महा ययुम्मवता तथा रोमि आतायमा येवमा । यम्  
 न मते । सद्ये देविदे देवरया ईसाय देविदे देवरया सदि आम्मन वा  
 सद्यस्म वा करोत्ताप । इता । यम् महा ययुम्मवता । अन्वि न मते । ऐति  
 सद्येसायान् देविदा देवरया देविदा अन्विअम् समुप्पज्जति । इता । अन्वि से  
 कम्मिदामि पकरोत्ति । योवमा । ताहे येव न । सद्ये देविदे देवरया ईसायस्म  
 देविदस्म देवरयो अतिरि पाठम्मवति ईसाये ये देविदे देवरया सद्यस्म देविदस्म  
 देवरयास्म अतिरि पाठम्मवत्, इति मी । सद्ये देविदा देवरया दक्षिणयुत्तम्यादि  
 वत्, इति मी । ईसाया देविदा देवरया उत्तरयुत्तम्यादि वत्, इति मी । इति मी ति  
 से अन्विअस्म देविदा अन्विअम् पञ्चुप्पवमया विहरति ॥ १३० ॥ अन्वि ये  
 मते । ऐति सद्येसायान् देविदा देवरया देविदा समुप्पज्जति । इता ।  
 अन्वि । ये कम्मिदामि पकरोत्ति । योवमा । ताहे येव न से सद्येसाया देविदा  
 देवरया नो मन्तुमार वतिरि देवरया मन्तुमारोत्ति ताप न से सद्येसाया देविदे  
 देवरया ऐति सद्येसाया देविदे देवरया मन्तुमार समाने विप्पामेव  
 सद्येसायान् देविदा देवरया अतिरि पाठम्मवति न से वदत्त तस्म आताय-  
 मायमववमिदिसे विट्ठमि ॥ १३१ ॥ सद्येसाया ये मते । देविदे देवरया मि  
 मन्तुमारि मन्तुमारि सम्मदिदी मिच्छमिच्छी परिच्छंकारए अन्तच्छंकारए  
 सद्यमोदिए सुत्तमोदिए आराहए विराहए परिमे अन्तरेमे । योवमा । सद्येसाया  
 न देविदे देवरया मन्तुमारि नो मन्तुमारि, एवं सम्मदिदी परिच्छंकारए  
 सद्यमोदिए आराहए परिमे वत्तत्त येवम् । से केवदेव मते । योवमा ।  
 सद्येसाया देविदे देवरया वदत्त समाने वदत्त समाने वदत्त सद्यमोदि वदत्त  
 सद्यमोदि विक्कामए सद्यमए पत्तमामए आनुत्तपिए मिच्छेवतिए विपक्कमिच्छे-  
 वामए, ॥ सेवदेव योवमा । सद्येसाया न मन्तुमारि नो मन्तुमारि । सद्ये-  
 सायास्म न मते । देविदस्म देवरयो अतिरि अन्वि मिदी पक्कत्त । योवमा ।

सत्त सागरोवमाणि ठिती, पन्नत्ता । से ण भते । ताओ देवलोगाओ आउक्खएण  
जाव कहिं उववज्जिहिति ? गोयमा । महाविदेहे वासे सिज्झिहिति जाव अंतं  
करेहिति, सेव भते । सेव भते । २ । गाहाओ-छट्ठममासो अद्धमासो वासां  
अट्ठ छम्मासा । तीसगकुरुदत्ताण तवभत्तपरिण्णपरियाओ ॥ १ ॥ उच्चत्तविमाणार्ण  
पाउब्भव पेच्छणा य सलावे । किंचि विवादुप्पत्ती सणकुमारे य भवियव्व (ती)  
॥ २ ॥ १४० ॥ मोया समत्ता । तईयसए पढमो उहेसो समत्तो ॥

तेण कालेण तेण समएण रायगिहे नाम नगरे होत्या जाव परिसा पज्जुमासए,  
तेण कालेण तेण समएण चमरे असुरिंदे असुरराया चमरचंचाए रायहाणीए  
सभाए सुहम्माए चमरंखि सीहासणंखि चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव नद्ध  
खिहिं उवदंसेत्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए-तामेव दिसिं पडिगए । भंतेति भगवं गोबने  
समण भगवं महावीरं वंदति-नर्मसति २ एव वदासी-अत्थि ण भंते । इमीसे  
रयणप्पमाए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवां परिवसति ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे  
जाव अहेसत्तमाए पुढवीए, सोहम्मस्स कप्पस्स अहे जाव अत्थि ण भंते । ईस्सि-  
पब्भाराए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवां परिवसति ?, गो इणट्ठे समट्ठे । से कहिं  
खाइ ण भंते ! असुरकुमारा देवां परिवसति ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्पमाए  
पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए, एव असुरकुमारदेववत्तव्वया जाव  
दिव्वाइ भोगभोगाई भुजमाणा विहरति । अत्थि ण भंते । असुरकुमाराण देवाण  
अहे गतिविसए ?, हुंता अत्थि, केवतियं च ण पभू ! ते असुरकुमाराणं देवाणं अहे  
गतिविसए पन्नत्ते ?, गोयमा ! जाव अहेसत्तमाए पुढवीए तच्च पुण पुढविं गया य गमि  
स्संति य । किं पत्तियन्नं भंते ! असुरकुमारा देवा तच्च पुढविं गया य गमिस्संति  
य ?, गोयमा ! पुव्ववेरियस्स वा वेदणउदीरणयाए पुव्वसंगइयस्स वा वेदणउवसा  
सणयाए, एव खल्ल असुरकुमारा देवा तच्च पुढविं गया य गमिस्सति य । अत्थि ण  
भंते ! असुरकुमाराणं देवाण तिरिय गतिविसए पन्नत्ते ?, हुंता अत्थि, केवतियं च  
ण भंते ! असुरकुमाराण देवाण तिरिय गइविसए पन्नत्ते ?, गोयमा ! जाव असंखेज्जा  
दीवसमुद्धा नदिस्सरवरं पुण दीवं गया य गमिस्सति य । किं पत्तियन्नं भंते ! अद्ध-  
रकुमारा देवा नंदीसरवरदीवं गया य गमिस्सति य ?, गोयमा जे इमे अरिहता  
भगवता एसिं णं जम्मणमहेसु वा निक्खमणमहेसु वा णाणुप्पायमहिमासु वा परि  
निव्वाणमहिमासु वा, एव खल्ल असुरकुमारा देवा नंदीसरवरदीवं गया य गमिस्सति  
य । अत्थि ण भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं उद्ध गतिविसए ?, हुंता ! अत्थि ।  
केवतियं च ण भंते ! असुरकुमाराण देवाणं उद्ध गतिविसए ?, गोयमा ! जावऽपुण

कप्ये सोहृन्म कप्यं यथा य यमिस्तेति च । किं पतिपत्न्यं मृत । अतस्तुभ्याम्  
 देवा सोहृन्म कप्यं यथा य यमिस्तेति च । योक्त्वा । तति न देवाय मयपत्न्य  
 वेरात्तुर्नये ते न देवा विदुष्वेवाणा परिवारेमाणा वा आयरक्ये देवै मितातेति  
 जहात्तुस्तपार्द रवर्णा यहाम आयाए एवमर्तं अवर्तमिति । अति न मति ।  
 तेमि ॥ १४९ ॥ अतस्तपार्द रवर्णा । इत्ता यति । ते यमिवापि पकरोति ।

॥ १५० ॥ पमू न मति । त अतस्तुभ्याम् देवा तत्त गवा

॥ १५१ ॥ विदुष्वेव मोगमोयाई मुक्त्वाणा विदुरितए ।

पतिनिवर्तति २ ता इहमायवर्तति २ जति न

॥ १५२ ॥ परिवारति । पमू न ते अतस्तुभ्याम् देवा ताहि

अर्त्तं मोक्त्वाणाई मुक्त्वाणा विदुरितए अर्त्तं ताजो यच्छताजो

॥ १५३ ॥ त्रिवापति यो न पमू ते अतस्तुभ्याम् देवा ताहि यच्छताहि

॥ १५४ ॥ पामोनाई मुक्त्वाणा विदुरितए, एव अत गोक्त्वा । अतस्तुभ्याम्

देवा सोहृन्म कप्यं यथा य यमिस्तेति च ॥ १५५ ॥ अतस्तुभ्याम् न मति ।

अतस्तुभ्याम् देवा अर्त्तं कप्यंति याव सोहृन्म कप्यं यथा य यमिस्तेति च ।

योक्त्वा । अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि

॥ १५६ ॥ एव एव मोक्त्वाणाई मुक्त्वाणा विदुरितए अर्त्तं ताजो यच्छताजो

॥ १५७ ॥ त्रिवापति यो न पमू ते अतस्तुभ्याम् देवा ताहि यच्छताहि

॥ १५८ ॥ पामोनाई मुक्त्वाणा विदुरितए, एव अत गोक्त्वा । अतस्तुभ्याम्

देवा सोहृन्म कप्यं यथा य यमिस्तेति च ॥ १५९ ॥ अतस्तुभ्याम् न मति ।

अतस्तुभ्याम् देवा अर्त्तं कप्यंति याव सोहृन्म कप्यं यथा य यमिस्तेति च ।

योक्त्वा । अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि

॥ १६० ॥ एव एव मोक्त्वाणाई मुक्त्वाणा विदुरितए अर्त्तं ताजो यच्छताजो

॥ १६१ ॥ त्रिवापति यो न पमू ते अतस्तुभ्याम् देवा ताहि यच्छताहि

॥ १६२ ॥ पामोनाई मुक्त्वाणा विदुरितए, एव अत गोक्त्वा । अतस्तुभ्याम्

देवा सोहृन्म कप्यं यथा य यमिस्तेति च ॥ १६३ ॥ अतस्तुभ्याम् न मति ।

अतस्तुभ्याम् देवा अर्त्तं कप्यंति याव सोहृन्म कप्यं यथा य यमिस्तेति च ।

योक्त्वा । अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि अर्त्ताहि

॥ १६४ ॥ एव एव मोक्त्वाणाई मुक्त्वाणा विदुरितए अर्त्तं ताजो यच्छताजो

॥ १६५ ॥ त्रिवापति यो न पमू ते अतस्तुभ्याम् देवा ताहि यच्छताहि

॥ १६६ ॥ पामोनाई मुक्त्वाणा विदुरितए, एव अत गोक्त्वा । अतस्तुभ्याम्

देवा सोहृन्म कप्यं यथा य यमिस्तेति च ॥ १६७ ॥ अतस्तुभ्याम् न मति ।

सत्त सागरोवमाणि ठिती पन्नत्ता । से णं भते । ताओ देवलोगाओ आउक्खएण  
 जाव कहिं उववज्जिहिनि ? गोयमा । महाविदेहे वासे विज्जित्तिहिनि जाव अंतं  
 करेहिति, सेव भते । सेव भते । २ । गद्दाओ-छट्ठममासो अट्ठमासो वासाए  
 अट्ठ छम्मासा । तीमगगुरुदत्ताग तवभत्तपरिण्णपरियाओ ॥ १ ॥ उच्चत्तविमाणं  
 पाउवभव पेच्छणा य संलावे । किंवि विवादुप्पत्ती सगकुमारे य भवियव्वं (त्तं)  
 ॥ २ ॥ १४० ॥ मोया समत्ता । तईयसए पढमो उहेसो समत्तो ॥

तेण काळेण तेण समएण रायगिहे नाम नगरे होत्या जाव परिसा पज्जुवात्त,  
 तेण काळेण तेण समएण चमरे असुरिंदे असुरराया चमरचचाए रायहाणीए  
 सभाए नुहम्माए चमरंसि सीहामणत्ति चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव नट्ठ  
 विहिं उवदसेत्ता जामेव दिसिं पाउवभूए तामेव दिसिं पडिगए । भतेत्ति भगव गोबसे  
 समण भगव महावीरं वदति नर्मसति २ एवं वदासी-अत्थि ण भंते । इमीसे  
 रयणप्पभाए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसति १, गोयमा । नो इणट्ठे समट्ठे  
 जाव अहेसत्तमाए पुढवीए, सोहम्मस्स कप्पस्स अहे जाव अत्थि ण भंते । ईस्सि-  
 पब्भाराए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसति १, णो इणट्ठे समट्ठे । से कहिं  
 खाइ ण भते ! असुरकुमारा देवा परिवसति १, गोयमा । इमीसे रयणप्पभाए  
 पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सवाहल्लए, एव असुरकुमारदेववत्तव्वया जाव  
 दिव्वाइ भोगभोगाई भुजमाणा विहरंति । अत्थि णं भते ! असुरकुमाराण देवाण  
 अहे गतिविसए १, हंता अत्थि, केवतिय च ण पभू । ते असुरकुमाराण देवाणं अहे  
 गतिविसए पन्नत्ते १, गोयमा । जाव अहेसत्तमाए पुढवीए तच्च पुण पुढविं गया य गमि-  
 स्सति य । किं पत्तियन्नं भते ! असुरकुमारा देवा तच्च पुढविं गया य गमिस्संति  
 य १, गोयमा । पुव्ववेरियस्स वा वेदणउवीरणयाए पुव्वसगइयस्स वा वेदणउवसा  
 मणयाए, एव खल्ल असुरकुमारा देवा तच्च पुढविं गया य गमिस्सति य । अत्थि ण  
 भते ! असुरकुमाराण देवाण तिरिय गतिविसए पन्नत्ते १, हंता अत्थि, केवतिय च  
 ण भते ! असुरकुमाराण देवाण तिरिय गइविसए पन्नत्ते १, गोयमा । जाव असंखेज्जा  
 धीवसमुद्दा नदिस्सरवर पुण दीवं गया य गमिस्सति य । किं पत्तियन्नं भंते ! अ-  
 सुरकुमारा देवा नदीसरवरदीव गया य गमिस्सति य १, गोयमा जे इमे अरिहता  
 भगवता एएसि ण जम्मणमहेसु वा निक्खमणमहेसु वा णाणुप्पायमहिमासु वा परि-  
 निव्वाणमहिमासु वा, एव खल्ल असुरकुमारा देवा नदीसरवरदीवं गया य गमिस्सति  
 य । अत्थि ण भंते ! असुरकुमाराण देवाणं उट्ठ गतिविसए १, हंता । अत्थि ।  
 केवतियं च णं भते ! असुरकुमाराण देवाणं उट्ठ गतिविसए १, गोयमा । जावऽपुए

कप्ये सोहम्मे कप्यं गवा न यमिस्संति य । किं पतिवन्त्वं मते । अट्टकुमार  
 देवा सोहम्मे कप्यं गवा न यमिस्संति य । गोममा । तेहि नं देवान् मवप्पन्त्वं  
 वैराजुर्वि ते ये देवा निज्जम्बेमाणा परिपारेमाणा वा आनरक्खे देवे वितासेति  
 महात्तुस्सपाई रयपाई ग्हाव आवाए एतामसं जज्जमसि । अस्मि नं मति ।  
 तेहि ग्हाव ज्जम्बेमाणा रयपाई । इता अस्मि । से कम्मिवाणि पकरेति ।

अति । पम् नं मते । ते अट्टकुमारा देवा तत्त पवा

अति विम्बाई मायमागई मुजमाणा निहरितए ।

अ पकिमिवाति २ ता ह्मागम्भेति २ अति नं

परिवात्ति । पम् नं ते अट्टकुमारा देवा ताहि

ज्जाई मोगमोवाई मुजमाणा निहरितए अहं तामो जज्जमामो

प्रिवात्ति नो नं पम् ते अट्टकुमारा देवा ताहि जज्जमामो

अति विम्बाई मायमागई मुजमाणा निहरितए, एवं अह गोममा । अट्टकुमारा

देवा सोहम्मे कप्यं गवा न यमिस्संति य ॥ १४१ ॥ केवल्मस्स नं मति ।

अट्टकुमारा देवा अहं कप्यमिति आब सोहम्मे कप्यं गवा न यमिस्संति य ।

गोममा । अन्ताहि अस्सपिणीहि अन्ताहि अस्सपिणीहि अन्ताहि, अस्मि

नं एव माये अन्ताहेरम्मए ससुप्पम्भ ज्जं अट्टकुमारा देवा अहं कप्यमिति आब

सोहम्मे कप्यो किं निस्साए नं मते । अट्टकुमारा देवा अहं कप्यमिति आब

सोहम्मे कप्यो । गोममा । से ज्जानामए-इह एवरा इ वा वप्परा इ वा टंक्का इ

वा मुत्तुवा इ वा पम्भवा इ वा पुम्भवा इ वा एव ज्जं पम्भ वा ज्जं वा पुम्भ

वा हरि वा निज्जं वा पम्भं वा यीसाए उम्भम्भमि वास्सकं वा इस्सिकं वा

अस्सकं वा वज्जकं वा आनकेति एवमेव अट्टकुमारानि देवा, जज्जम अस्मि

वा अज्जपारे वा माज्जिपणो निस्साए अहं कप्यमिति अह सोहम्मे कप्यो ।

अस्मि नं मते । अट्टकुमारा देवा अहं कप्यमिति आब सोहम्मे कप्यो । गोममा ।

नो इपट्ठे सम्भे, अहिहिवा नं अट्टकुमारा देवा अहं कप्यमिति आब सोहम्मे

कप्यो । एवमि नं मति । जमरे अट्टरिं अट्टकुमारएवा अहं उप्पस्सपुम्भि वास्स

सोहम्मे कप्यो । इता गोममा । २ । अहो नं मति । जमरे अट्टरिं अट्टकुमार

राया महिहिए महभुरैए आब कहिं पम्भ । इज्जणारसाम्भित्तो माज्जिक्खो

॥ १४२ ॥ जमरे नं मति । अट्टरिं अट्टरणा वा विम्बा हेमिन्ही तं चर आब

जिवा क्का वता अम्मिसम्भपवा, एवं अह गोममा । तेनं कप्येनं तंनं समएनं

इहेव अट्टरि २ भारो वासे विस्सपिरिपाक्कू वैमेके ज्जाई अस्मिने होत्वा जज्जो



तत्थ ण वेमेले सन्निवेसे पूरणे नाम गाहावई परिवयति अन्हे रिक्ते जहा तामन्त्सि  
 वत्तव्वया तहा नेयव्वा, नवर चउप्पुडय दास्मय पडिग्गहय करेता जाव विपु  
 असण पाण साडम साडम जाव सयमेव चउप्पुडय दास्मय पडिग्गहय गहाय मु  
 भवेत्ता दाणामाए पव्वजाए पव्वइत्ताए पव्वइएऽवि य णं समाणे त चैव, जाव  
 आयावणभूमीओ पव्वोरुभइ २ ता सयमेव चउप्पुडय दास्मय पडिग्गहिय गहाय  
 वेमेले सन्निवेसे उयनीयमज्झिमाइ कुलाइं घरममुदाणस्स भियन्वायरियाए अडेता  
 ज मे पढमे पुटए पडइ कप्पइ मे त पंथे पहियाण दलइत्ताए ज मे दोन्ने पुटए  
 पडइ कप्पइ मे त कागमुणयाण दलइत्ताए ज मे तये पुटए पडइ कप्पइ मे त  
 मच्छकच्छभाण दलइत्ताए ज मे चउत्थे पुटए पडइ कप्पइ मे त अप्पणा आहारि  
 तएत्तिकट्ठु एव सपेहेइ २ ऋत्तं पाउप्पमायाए रयणीए त चैव निरवसेस जाव वं  
 मे (से) चउत्थे पुटए पडइ त अप्पणा आहार'आहारेइ, तए ण से पूरणे दालत  
 वस्सी तेण ओराळेणं विउळेण पयत्तेणं पग्गहिण्ण दालतवोक्कमेण त चैव जाव  
 वेमेलस्स सन्निवेसस्स मज्झंमज्झेण निग्गच्छति २ पाउयं कुडियमादीयं उवगरण  
 चउप्पुडय च दास्मय पडिग्गहिय एगतमते एहेइ २ वेमेलस्स सन्निवेसस्स दाहि  
 णपुरच्छिमे दिसीभागे अद्धनियत्तणियमडल आलिहिता सलेहणाइस्सणाइत्तिए भत्त  
 पाणपडियाइक्खिए पाओवगमण निवण्णे । तेण कालेण तेणं समएण अह गौयमा !  
 छउमत्थकालियाए एकारसवासपरियाए छट्ठछट्ठेण अनिक्खित्तेण तवोक्कमेणं सज  
 मेण तवसा अप्पण भावेमाणे पुव्वाणुपुव्वि चरमाणे गामाणुगाम दूइजमाणे जेणेव  
 सुंसमारपुरे नगरे जेणेव असोयवणसडे उज्जाणे जेणेव असोयवरपायवे जेणेव  
 पुढविसिलापट्टए तेणेव उवागच्छामि २ असोगवरपायवस्स हेट्ठा पुढविसिलापट्ट  
 यसि अट्टमभत्त परिणिण्हामि, दोवि पाए साहट्ठु वग्घारियपाणी एगपोग्गलनिविट्ठदिट्ठी  
 अणिमिसनयणे ईसिपन्भारगएण काएण अहापणिहिएहिं गत्तेहिं सव्विदिएहिं गुत्तेहिं  
 एगराइय महापडिम उवसपज्जिता ण विहरामि । तेण कालेण तेण समएणं चमर  
 चचारायहाणी अणिदा अपुरोहिया यावि होत्था, तए णं से पूरणे दालतवस्सी  
 बहुपडिपुजाइ दुवालसवासाइ परियाग पाउणिता मासियाए सलेहणाए अत्ताण इस्सेता  
 सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता कालमासे काल किम्मा चमरचचाए रायहाणीए  
 उववायसभाए जाव इदत्ताए उववन्ने, तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया अहुणो  
 ववन्ने पचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तजहा-आहारपज्जत्तीए जाव भासा  
 मणपज्जत्तीए, तए ण से चमरे असुरिंदे असुरराया पचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं  
 गए समाणे उक्कु वीससाए ओहिणा आभोएइ जाव सोहम्मो कप्पो, पासइ य तत्थ

मर्क देविर् देवराजं मयं पाकसाधनं सकलं सहस्तकं ब्रह्मपतिं पुरंदरं वाव  
 दन विद्याम्बे लब्धेनैवार्थं पमासैर्मात्रं सोहृन्मै कप्ये सोहृन्मयैर्दत्तं विनामि सङ्गति  
 र्गृह्णामहेति वाव दिव्यार्थं भागमोगार्थं मुंक्मानं पादह १ इमेवाक्ये अज्युषिण  
 विद्विषु परिषु मयोग्यं संकप्ये समुप्यजिह्वा-केश न एव अपतिवपत्तव्यं दुरंत-  
 र्पतक्यकपि द्विरिति परिषु विषु वीजपुत्रावाहये कर्णं मयं इमां एमाक्यां दिव्यां  
 देविद्विषु वाव दिव्ये देवाकुमारि कश्चि पते अमिसमवागप कपि अप्युत्तुं दिव्यार्थं  
 मोमयोग्यं मुंक्मानं निहत्तु, एवं संपेदेह २ सामाग्न्यपरिषोक्कवप एवै सहावेह  
 २ एवं क्वाची-केश न एव देवाकुपिवा अपतिवपत्तव्यं वाव मुंक्मानं निहत्तु ।  
 तपु न ते सामाग्न्यपरिषोक्कवपया देवा नमरेयं अक्षरिदिनं अक्षररवा एवं पुत्र  
 समाना ददुत्तु वाव द्वाविषया कयकपरिम्यक्षिर्न दसन्तं विरसावर्तं मत्तव्यं  
 अजकिं बहु कर्णं विषुर्नं क्वाची-केश २ एवं क्वाची-केश न देवाकुपिवा । सङ्गे  
 देविर् देवराजा वाव निहत्तु, तपु न ते नमरे अक्षरिदि अक्षररवा तेषि सामाग्न्य-  
 वपरिषोक्कवपयर्न देवानं अक्षिण एवम्बुं छेद्य निरुम्भ आह्वस्ते स्ते इति एव वि-  
 क्षिणुं निरुम्भितेमानि ते सामाग्न्यपरिषोक्कवप्य देवे एवं क्वाची-केशे क्वा मो ।  
 (सं) सङ्गे देविर् देवराजा केशे क्वा मो । से नमरे अक्षरिदि अक्षररवा मक्षिणु  
 र्वा मो । से सङ्गे देविर् देवराजा अप्यक्षिणु र्वा मो । से नमरे अक्षरिदि अक्षररवा  
 तं इच्छामि न देवाकुपिवा । सङ्गे देविर् देवराजं सबमेव अन्धसादेतपुतिक्कु रक्षिणे  
 रक्षिणम्पु वाप यामि होत्वा तपु न ते नमरे अक्षरिदि अक्षररवा ओह्वं पर्वत्त  
 २ मयं ओह्विना आमोद १ इमेवाक्ये अज्युषिण वाव समुप्यजिह्वा-एवं र्वा  
 समये मयं महात्मीरे क्वाची-केश २ मारहे वासि सुसम्पत्तुरे नमरे अक्षोक्कवपयै सत्राने  
 अक्षोक्कवपयवत्त अहे पुत्रविषिवापयमिति अक्षुममर्तं बकिगिह्विद्य एवपुत्रं महा-  
 पदिमं क्वसंघमिद्य न निहत्ति, तं संपे क्वा न सयमं मयं क्वाची-केशा एव सङ्गे  
 देविर् देवराजं सबमेव अन्धसादेतपुतिक्कु एवं संपेदेह २ सबमिद्यम्ये अज्युदेह  
 २ ता देवपुत्रं परिदेह २ एववावसमा एव पुत्रविषिर्न दारैर्न विम्यच्छु, केनेव  
 समा सुहृन्मा केनेव कोप्याके एवपुत्रयैते केनेव उवापक्य २ ता पक्षिहरकं  
 परमुत्तु २ एवै क्वाची पक्षिहरकमना एव महावा अमरीसं बहमाये नमरर्नवा ए  
 रावहाजी एव मयंमज्जेतं विम्यच्छु २ केनेव विगिह्विद्वे कप्यावपम्य एव सत्रामेव  
 उवापक्य २ ता वेदमिन्नसमुत्तु एवै समोहक्य २ ता सत्रंजार्थं कोयनार्थं वाव  
 क्वाचैव विम्यच्छु २ ता ता एव सत्रिद्विषु वाव केनेव पुत्रविषिवापु एवैव  
 मय अक्षिणु तेनेव उवापक्य २ मय विम्यच्छु आवाक्षिर्न एवविनं करेति वाव

नमसित्ता एव वयासी-इच्छामि ण भंते ! तुभं नीसाए सक्क देविंद देवराय सयमेव  
अच्चासादित्तएतिकट्टु उत्तरपुरच्छिमे दिसीभागे अवक्कमइ २ वेउव्वियसमुग्गाएण  
समोहणइ २ जाव दोचपि वेउव्वियसमुग्गाएणं समोहणइ २ एग मह घोरं घोरागर  
भीमं भीमागार भासुरं भयाणीयं गभीर उत्तासणय कालद्धुरत्तमासरासिसकास जेय  
णसयसाहस्सीयं मद्दावोदिं विउव्वइ २ अप्पोडेइ २ वग्गइ २ गज्जइ २ ह्यहेसियं  
करेइ २ हत्थिगुलगुलाइयं करेइ २ रहघणघणाइय करेइ २ पायदहरग करेइ २  
भूमिचवेडय दलयइ २ सीहणाद नदइ २ उच्छोलेइ २ पच्छोलेइ २ तिपइ छिंदइ  
२ वाम भुय ऊसवेइ २ दाहिणहत्थपदेसिणीए य अगुट्ठणहेण य वित्तिरिच्छमुहं  
विडवेइ २ महया २ सहेण कलकलरव करेइ, एगे अबीए फलिहरयणमायाए  
उद्ध वेहास उप्पइए, खोभते चैव अहेलोय कपेमाणे च मेयणितलं आकट्ठं (साकइ)  
तेव तिरियलोय फोडेमाणेव अवरतल कत्थइ गज्जतो कत्थइ विजुयायते कत्थइ वारं  
वासमाणे कत्थइ रउग्गाय पकरेमाणे कत्थइ तमुक्कायं पकरेमाणे वाणमंतरदेवे विता-  
सेमाणे जोइसिए देवे दुहा विभयमाणे २ आयरक्खे देवे विपलायमाणे २ फलिहर-  
यणं अवरतलसि वियट्ठमाणे २ विउज्झाएमाणे २ ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमस  
खेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झमज्झेण वीइवयमाणे २ जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव  
सोहम्मवडेंसए विमाणे जेणेव सभा सुधम्मा तेणेव उवागच्छइ २ एगं पायं पउम  
वरवेइयाए करेइ एग पाय सभाए सुहम्माए करेइ फलिहरयणेणं महया २ सहेण  
तिक्खुत्तो ईदकील आउडेइ २ एव वयासी-कहि ण भो ! सक्के देविंदे देवराया ?  
कहि ण ताओ चउरासीइ सामाणियसाहस्सीओ ? जाव कहि ण ताओ चत्तारि चउ-  
रासीओ आयरक्खदेवसाहस्सीओ ? कहि ण ताओ अणेगाओ अच्छराकोडीओ ?  
अज्ज ह्णामि अज्ज महेमि अज्ज वहेमि अज्ज ममं अवसाओ अच्छराओ वसमुवण-  
मतुत्तिकट्टु त अणिट्ठ अक्क अप्पियं असुभ अमणुण्णं अमणांम फरुसं गिर निसिरइ,  
तए ण से सक्के देविंदे देवराया त अणिट्ठ जाव अमणांम अस्सुयपुव्व फरुस गिर  
सोच्चा निसम्म आसुरो जाव मिसिमिसेमाणे तिवलिय भिउळिं निडाले साहट्टु चमरं  
असुरिंद असुरराय एव वदासी-हं भो चमरा ! असुरिंदा ! असुरराया ! अपत्थिय-  
पत्थया ! जाव हीणपुज्जाउइसा ! अज्ज न भवसि नाहि ते सुहमत्थीतिकट्टु तयेव  
सीहासणवरगए वज्ज परामुसइ २ त जलंत फुडत तडतडतं उक्कासहस्साइ विणि-  
म्मुयमाण जालासहस्साइ पमुंचमाण ईगालसहस्साइ पविक्खिरमाण २ फुलिं  
जालामालासहस्सेहिं चक्खुविकखेवदिट्ठिपडिघायं पकरेमाण हुयवहअइरेगतेयदिपंत  
जइणवेग फुल्लिंसुयसमाण महब्भयं भयंकरं चमरस्स असुरिंदस्स असुररज्जो वहाए



नमसित्ता एव वयासी-इच्छामि णं भंते । तुब्भं नीसाए सक्क देविंद देवराय सयमेव  
 अच्चासादित्तएत्तिकहु उत्तरपुरच्छिमे दिसीभागे अवक्कमइ २ वेउव्वियसमुग्घाएण  
 समोहणइ २ जाव दोच्चपि वेउव्वियसमुग्घाएण समोहणइ २ एग मह घोर घोरागार  
 भीम भीमागारं भासुरं भयाणीय गभीरं उत्तासणय कालद्धुरत्तमासरासिसंकास जोय-  
 णसयसाहस्सीय महावोदिं विउव्वइ २ अप्फोडेइ २ वग्गइ २ गज्जइ २ हयहेसिय  
 करेइ २ हत्थिगुलगुलाइय करेइ २ रहघणघणाइय करेइ २ पायदहरग करेइ २  
 भूमिचवेडय दलयइ २ सीहणाद नदइ २ उच्छोलेइ २ पच्छोलेइ २ तिपइ छिंदइ  
 २ वाम भुय ऊसवेइ २ दाहिणहत्थपदेसिणीए य अगुट्टणहेण य वितिरिच्छमुह  
 विडवेइ २ महया २ सहेण कलकलरव करेइ, एगे अवीए फलिहरयणमायाए  
 उट्ट वेहासं उप्पइए, खोभते चेव अहेलोय कपेमाणे च मेयणितलं आकटं (साकट्ट)  
 तेव तिरियलोयं फोडेमाणेव अबरतल कत्थइ गजंतो कत्थइ विज्जुययंतं कत्थइ वास  
 वासमाणे कत्थइ रउग्घाय पकरेमाणे कत्थइ तमुक्काय पकरेमाणे वाणमंतरदेवे वित्ता-  
 सेमाणे जोइसिए देवे दुहा विमयमाणे २ आयरक्खे देवे विपलायमाणे २ फलिहर-  
 यण अबरतलसि वियट्टमाणे २ विउज्जाएमाणे २ ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमस-  
 खेज्जाणं वीवसमुद्दणं मज्झमज्जेण वीइवयमाणे २ जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव  
 सोहम्मवडेंसए विमाणे जेणेव समा सुधम्मा तेणेव उवागच्छइ २ एग पायं पउम-  
 वरवेइयाए करेइ एग पाय समाए सुहम्माए करेइ फलिहरयणेणं महया २ सहेण  
 तिव्वुत्तो इदकील आउडेइ २ एव वयासी-कहि ण भो ! सक्के देविंदे देवराया ?  
 कहि ण ताओ चउरासीइ सामाणियसाहस्सीओ ? जाव कहि ण ताओ चत्तारि चउ-  
 रासीओ आयरक्खदेवसाहस्सीओ ? कहि णं ताओ अणेगाओ अच्छराकोडीओ ?  
 अज्ज ह्णामि अज्ज महेमि अज्ज वहेमि अज्ज ममं अवसाओ अच्छराओ वसमुवण-  
 मतुत्तिकहु तं अणिट्ठ अकत्त अप्पियं असुमं अमणुणं अमणाम फत्सं गिरं निसिरइ,  
 तए ण से सक्के देविंदे देवराया त अणिट्ठ जाव अमणाम अस्सुयपुव्व फत्सं गिरं  
 सोच्चा निसम्म आसुरत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तिवलिय भिउडिं निडाले साहइ चमरं  
 असुरिंद असुरराय एव वदासी-हं भो चमरा ! असुरिंदा ! असुरराया ! अपत्थिय-  
 पत्थया ! जाव हीणपुल्लाउइसा ! अज्ज न भवसि नाहि ते सुहमत्थीतिकहु तत्थेव  
 सीहासणवरगए वज्जं परामुसइ २ त जलंत फुडत तडतडत उक्कासहस्साइं विणि-  
 म्मुयमाण जालासहस्साइं पमुचमाणं ईंगालसहस्साइं पविक्खिरमाण २ फुलिग-  
 जालामालासहस्सेहिं चक्खविवक्खेवदिट्ठिपडिघायं पकरेमाण हुयवहअइरेगतेयदिप्पंत  
 जइणवेग फुल्लिंमुयसमाण महब्भयं भयकरं चमरस्स असुरिंदस्स असुररओ वहाए

ब्रह्म निमित्तम् । ततो च ये चमरे अक्षरिणि अक्षरराया तं ब्रह्मं ज्ञान मयंकरं ब्रह्म-  
 मभिमुखं आचमनात् पादश्च पादश्चा विनाति पिहाह विनाहता पिहाहया तद्देव  
 संभग्यवतहमिदम् चालम्बहत्यामरत्ने कर्तुंपाए अक्षेतिरे कक्षाम्बसेवपि न निमि-  
 म्युक्ताये १ ताए अक्षिद्राए ज्ञान विरिक्मसंभोजान् वीकसमुदाये मज्जमप्येन  
 दोहवन्माये १ जेयेव कर्तुंदि १ जाह ज्ञेयेव ज्ञोम्वरपान्मे जेयेव मम अक्षिपु  
 त्तेयेव उवाचप्यद्र १ ता मीए मक्षम्वरसरे भयं सरत्तमिति दुयमाने मम दोह्वनि  
 पावान् अंतर्दि छटिवेगेन ततोवक्षि ॥ १४३० ॥ एष न तस्त सक्षस्त केनिस्त सं-  
 रक्षी इवेवाहै अक्षतिप एष ससुप्यजिवा-नो क्तु यम् चमरे अक्षरिणि  
 अक्षुरावा नो एतु समस्ये चमरे अक्षरिणि अक्षुरावा नो क्तु निष्ठए चमरस्त  
 अक्षरिस्त अक्षुरावे भयभो निस्तए कर्तुं उप्पहता जाह सोह्वमो कप्यो मक्षम्व-  
 अक्षिपि वा भयमरे वा भानिभययो वीताए कर्तुं उप्पमति ज्ञान सोह्वम्य कप्यो  
 नं ब्रह्मकुम्मे तत्त उहम्वान् अक्षरान् भागंतान् अचगायन न अचक्षत्यवाह-  
 तिबहु जेहे पठति १ मम अक्षिवा ज्ञामोएति १ हा हा ज्ञो हतोह्वमितिबहु  
 ताए अक्षिद्राए जाह निम्वाए देवपतीए अक्षस्त वीहे अक्षुप्यमाने १ विरिक्म-  
 मंभोजान् वीकसमुदाये मज्जमप्येन जाह जेयेव अक्षेयवरपान्मे जेयेव मम अक्षिपु  
 त्तेयेव उवाचप्यद्र १ मम अक्षरुक्मसंभो ब्रह्म पविवाहद्र ॥ १४४ ॥ अक्षिवाह  
 नं मोमया । सुक्षिवाएन केसरो वीरत्या तए च ये एते केनिरे देवावा ब्रह्म  
 पविह्वरेय मम विरुतो आवाक्षिं पवाक्षिं करे कंद म्भसद्र १ एष  
 बवाही-एष एतु भवे । ज्ञे ह्यमं वीताए चमरेच अक्षरिणि अक्षुरावा सकमेव  
 अचक्षाम्पु, तए च मए पविपुनिपेन सभाषेच चमरस्म सक्षरिस्त अक्षुरावो  
 बहाए ब्रह्म निमित्तम्, तए च जे इवेवाहै अक्षतिप एष ससुप्यजिवा-नो क्तु यम् चमरे अक्षरिणि  
 अक्षुरावा तद्देव जाह अक्षे पठे ज्ञामोएति हा हा ज्ञो हतोह्वमितिबहु ताए अक्षिद्राए जाह  
 उवाचप्यमि देवापुपिकान् अक्षरुक्मसंभो ब्रह्म  
 कर्तुंपाए न इहमाय इह समेतहे इह संतो इहैव ज्ञान  
 तं धाम्नि च देवापुपिका । धमेतु ये देवापुपिका ।  
 जिम्वा । वाह्म्यो वरं पचरभवालीतिबहु मम कंद म्भसद्र १  
 मागे अचक्षम १ वार्येच वीर्येच विरुतो भूमि ब्रह्म १  
 एष बवाही-मुहोति नं भो चमरा । अक्षरिवा । अक्षुरावा  
 महावीरत्न वभाषेच नदि से शानि म्भायो अक्षरुक्मसंभो



ऋभूए तामेव दिमि पडिगए ॥ १८५ ॥ भंतेति भगवं गोयमे ममण भगवं महावीरं  
 वदति २ एव वदासी-देवे ण भते ! महिष्टिए महज्जुतीए जाव महाणुभागे पुच्चा-  
 मेव पोग्गलं खिवित्ता पभू तमेव अणुपरियट्ठित्ता णं गिण्हित्तए ? , हता पभू ॥ से  
 केणट्टेण भते ! जाव गिण्हित्तए ? , गोयमा ! पोग्गले निक्खित्ते समाणे पुच्चामेव  
 सिग्घगती भवित्ता ततो पच्छा मंदगती भवति, देवे ण महिष्टिए पुव्विपिय पच्छावि  
 सीहे सीहगती चेव तुरिए तुरियगती चेव, से तेणट्टेण जाव पभू गेण्हित्तए । जति  
 णं भते ! देवे महिष्टिए जाव अणुपरियट्ठित्ता ण गेण्हित्तए कम्हा ण भते ! सक्के-  
 ण देविंदेण देवरत्ता ( राया ) चमरे अस्सरिंदे अस्सरराया नो संचाएति साहत्थि  
 गेण्हित्तए ? , गोयमा ! अस्सरकुमारारणं देवारणं अहे गतिविसए सीहे २ चेव तुरिए  
 २ चेव उट्ठ गतिविसए अप्पे २ चेव मंदे मंदे चेव वेमाणियाण देवारण उट्ठ गति-  
 विसए सीहे २ चेव तुरिए २ चेव अहे गतिविसए अप्पे २ चेव मटे २ चेव,  
 जावतिय खेत्तं सक्के देविंदे देवरत्ता उट्ठ उप्पयति एक्केणं समएण त वज्जे दोहिं, ज  
 वज्जे दोहिं त चमरे तिहिं, सव्वत्थोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरत्तो उट्ठलोकडए  
 अहेलोकडए सखेज्जगुणे, जावतियं खेत्तं चमरे अस्सरिंदे अस्सरराया अहे ओवयति  
 एक्केण समएणं त सक्के दोहिं ज सक्के दोहिं त वज्जे तिहिं, सव्वत्थोवे चमरस्स  
 अस्सरिंदस्स अस्सररत्तो अहेलोकडए उट्ठलोकडए सखेज्जगुणे । एवं खलु गोयमा !  
 सक्केण देविंदेण देवरत्ता चमरे अस्सरिंदे अस्सरराया नो संचाएति साहत्थि गेण्हि-  
 त्तए ॥ सक्कस्स णं भते ! देविंदस्स देवरत्तो उट्ठ अहे तिरिय च गतिविसयस्स  
 कयरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ? , गोयमा ! सव्वत्थोव  
 खेत्तं सक्के देविंदे देवरत्ता अहे ओवयइ एक्केण समएण तिरिय सखेजे भागे गच्छइ  
 उट्ठ सखेजे भागे गच्छइ । चमरस्स ण भते ! अस्सरिंदस्स अस्सररत्तो उट्ठ अहे  
 तिरिय च गतिविसयस्स कयरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए  
 वा ? , गोयमा ! सव्वत्थोव खेत्तं चमरे अस्सरिंदे अस्सरराया उट्ठ उप्पयति एक्केण  
 समएणं तिरियं सखेजे भागे गच्छइ अहे सखेजे भागे गच्छइ, वज्ज जहा सक्कस्स  
 देविंदस्स तहेव नवरं विसेसाहिय कायव्व ॥ सक्कस्स णं भते ! देविंदस्स देवरत्तो  
 ओवयणकालस्स य उप्पयणकालस्स य कयरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा  
 विसेसाहिए वा ? , गोयमा ! सव्वत्थोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरत्तो उट्ठ उप्पयणकाले  
 ओवयणकाले सखेज्जगुणे ॥ चमरस्सवि जहा सक्कस्स नवरं सव्वत्थोवे ओवयणकाले  
 उप्पयणकाले सखेज्जगुणे ॥ वज्जस्स पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवे उप्पयणकाले  
 ओवयणकाले विसेसाहिए ॥ एयस्स ण भते ! वज्जस्स वज्जाहिवइस्स चमरस्स य





ण सक्केण देविंदेण देवरत्ता जाव अभिसमजागया तारिसियां ण अम्हेहिवि जाव  
अभिसमजागया त गच्छामो ण मयस्स देविंदस्स देवरत्तो अतिय पाउच्चवामो  
पासामो ताव मयस्स देविंदस्स देवरत्तो दिव्व देविंदिं जाव अभिसमजागयं पासु  
ताव अम्हवि सक्के देविंदे देवराया दिव्व देविंदिं जाव अभिसमज्जागयं, त जाणामो  
ताव सक्कस्स देविंदस्स देवरत्तो दिव्व देविंदिं जाव अभिसमजागयं जाणउ ताव  
अम्हवि सक्के देविंदे देवराया दिव्व देविंदिं जाव अभिसमज्जागय, एव सल्ल गोयमा ।  
असुरकुम्मारा देवा उट्ठ उप्पयति जाव सोहम्मो कप्पो । सेव भते ! सेव भते ! ति  
॥ १४८ ॥ चमरो समत्तो ॥ तद्वयसए धीओ उद्देसओ समत्तो ॥

तेण कालेण तेण समएण रायगिहे नार्म नगरे होत्था जाव परिसा पडिगया ।  
तेण कालेण तेण समएण जाव अतेवासी मडियपुत्ते णाम् अणगारे पगतिभट्टए  
जाव पज्जुवासमाणे एवं वदासी-कति ण भंते ! किरियाओ पण्णत्ताओ ? मडिय-  
पुत्ता ! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ, तजहा-काइयाअ हिगरणिया पाओसिया पारिया-  
वणिया पाणाइवायकिरिया । काइया ण भते ! किरिया कतिविहा पण्णत्ता ? मडिय-  
पुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तजहा-अणुवरयकायकिरिया य दुप्पउत्तकायकिरिया य ।  
अहिगरणिया ण भंते ! किरिया कतिविहा पण्णत्ता ? मडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता,  
तजहा-संजोयणाहिगरणकिरिया य निव्वत्तणाहिगरणकिरिया य । पाओसिया ण  
भंते ! किरिया कतिविहा पण्णत्ता ? मडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तजहा-जीवपा-  
ओसिया य अजीवपाओसिया य । पारियावणिया ण भते ! किरिया कइविहा प० ?  
मडियपुत्ता ! दुविहा प०, तजहा-सहत्थपारियावणिया य । परहत्थपारियावणिया  
य । पाणाइवायकिरिया ण भते ! पुच्छा, पाणाइवायकिरिया कइविहा प० ? मडिय-  
पुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तजहा-सहत्थपा० परहत्थपा० किरिया य ॥ १४९ ॥  
पुव्वि भते ! किरिया पच्छा वेदणा पुव्वि वेदणा पच्छा किरिया ? मडियपुत्ता !  
पुव्वि किरिया पच्छा वेदणा, णो पुव्वि वेदणा पच्छा किरिया ॥ १५० ॥ अत्थि  
ण भंते ! समणाण निगंथाण किरिया कज्जइ ? हता ! अत्थि । कइ ण भंते !  
समणार्ण निगंथाण किरिया कज्जइ ? मडियपुत्ता ! पमायपच्चया जोगनिमित्तं च,  
एवं खल्ल समणार्ण निगंथाण किरिया कज्जति ॥ १५१ ॥ जीवे ण भंते ! सया  
समिय एयति वेयति चलति फंदइ घट्टइ खुब्भइ उरीरइ त तं भाव परिणमति ?  
हन्ता ! मडियपुत्ता ! जीवे ण सया समिय एयति जाव त तं भाव परिणमइ । जावं  
च ण भते ! से जीवे सया समितं जाव परिणमइ तावं च ण तस्स जीवस्स अते  
अतकिरिया भवति ? णो तिण्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण भंते ! एव बुचइ-जावं च ण

से जीवे -सवा समितं जाव अते अंतर्द्विजा न भवति १, मंडिमुत्ता ।  
 जावं न ने से जीवे सवा -समितं जाव परिभमति तावं न ने से जीवे  
 भारंमद् भारंमद् समारंमद् भारंमे वद्ध भारंमे वद्ध समारंमे वद्ध भारंममावे  
 सारंममावे समारंममावे भारंमे वद्धमावे सारंमे वद्धमावे समारंमे वद्धमावे वद्ध  
 पात्तान् मूत्रान् वीर्यान् सद्यन्ते शुक्लान्नमयाप् सोमान्नमयाप् पशुन्नमयाप् सिन्धुन्नम-  
 नाप् पिष्टान्नमयाप् परिमात्रमयाप् वद्ध, से सेवद्धेयं मंडिमुत्ता । एवं पुनर्-जावं  
 न ने से जीवे सवा समितं एवति जाव परिभमति तावं न ने तस्य जीवस्त अते  
 अंतर्द्विजा न भवद् २ जीवे ने मरेते । सवा समितं नो एवद् जाव नो तं तं भारं  
 परिभमद् । इता मंडिमुत्ता । जीवं न सवा समितं जाव नो परिभमति । जावं न  
 ने मति । से जीवे नो एवति जाव नो तं तं भारं परिभमति तावं न ने तस्य  
 जीवस्त अते अंतर्द्विजा न भवद् । इता । जाव भवति । से सेवद्धेयं मरेते । जाव  
 भवति १, मंडिमुत्ता । जावं न ने से जीवे सवा समितं नो एवति जाव नो परि-  
 भमद्-तावं न ने से जीवे नो भारंमद् नो सारंमद् नो समारंमद् नो भारंमे वद्ध  
 नो सारंमे वद्ध नो समारंमे वद्ध अचारंममावे असारंममावे अक्षमारंममावे  
 भारंमे अक्षमावे सारंमे अक्षमावे समारंमे अक्षमावे वद्धने पात्तान् ४ अनुस्वा  
 वचनाप् जाव अपरितन्त्रमयाप् वद्ध । से वद्धान्नमयाप् केद् पुरिसे छद् तवहृत्वं  
 जावतेवंति पनै-वद्धेया से मूत्रं मंडिमुत्ता । से छद् तवहृत्वाप् जावतेवंति पनै-वद्धे  
 समाप्ति क्षिप्यामेव मद्यमसावैजह । इता । मद्यमसावैजह, से वद्धान्नमयाप्-केद् पुरिसे  
 तदंति अयकजंति वद्धयविद् पनै-वद्धेया से मूत्रं मंडिमुत्ता । से वद्धयविद्  
 तदंति अयकजंति पनै-वद्धेयं समाप्ति क्षिप्यामेव मद्यं समाप्यह । इता । मद्यं  
 माप्यह, से वद्धान्नमयाप् हरप् सिया पुन्य पुन्यप्यमावे योक्तमावे योक्तमावे सम-  
 मरकचयाप् निवृत्ति । इता । निवृत्ति अद् न ने पुरिसे तंति हरजंति एवं मद्  
 जावं सदासवं समचित्त्वं योगाद्देवा से मूत्रं मंडिमुत्ता । सा वावा तंति जावक-  
 शारेणं जापूरेमानी २ पुन्य पुन्यप्यमावा योक्तमावा योक्तमावा सममरकचयाप्  
 निवृत्ति । इता । निवृत्ति अद् न ने पुरिसे तीसे गजाप् सप्यतो र्धता जावद्  
 हार्यं पिह्ये २ वावावतिष्ठनमयाप् वद्धं तंति-वद्धेया से मूत्रं मंडिमुत्ता । सा वावा  
 तंति सवति तंति-वद्धेयं समाप्ति क्षिप्यामेव तंति वद्धा । इता । वद्धा  
 पुन्यमेव मंडिमुत्ता । अततात्तुवस्त अगमारस्त हरिश्चप्रमिदस्त जाव पुन्यम-  
 मारिस्त जावतं पन्यमयावस्त विद्यमानस्त मितीवमानस्त वृद्धमानस्त जावतं  
 वरवपदिम्यहृत्कचयपुन्यं गेव्यावस्त विनिवृत्तमानस्त जाव वन्यमयावतिवाव-

ण सक्केण देविंदेण देवरत्ता जाव अभिसमन्नागया तारिनिया ण अम्हेहिंवि जाव  
अभिसमन्नागया त गच्छामो णं सप्पस्म देविंदस्स देवरत्तो अतिय पाउच्चभवामो  
पामामो ताव सप्पस्स देविंदस्स देवरत्तो दिव्व देविंदिं जाव अभिसमन्नागय पात्तु  
ताव अम्हवि सप्पे देविंदे देवराया दिव्व देविंदिं जाव अभिसमन्नागय, त जाणामो  
ताव सप्पस्म देविंदस्स देवरत्तो दिव्व देविंदिं जाव अभिसमन्नागय जाणउ ताव  
अम्हवि सप्पे देविंदे देवराया दिव्व देविंदिं जाव अभिसमन्नागय, एव राहू गोयमा ।  
असुरकुमारा देवा उद्ध उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो । सेव भते ! सेव भते ! ति  
॥ १४८ ॥ चमरो समत्तो ॥ तइयसए यीओ उद्देसओ समत्तो ॥

तेण कालेण तेण समएण रायणिहे नाम नगरे होत्था जाव परिखा पडिआया ।  
तेण कालेण तेण समएण जाव अतेवासी मडियपुत्ते णाम् अणगारे पगतिभइए  
जाव पज्जुवांसमाणे एव वदासी-कति ण भंते ! किरियाओ पण्णत्ताओ ? मडिय-  
पुत्ता ! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-याइयाअ हिगरणिया पाओसिया पारिया  
वणिया पाणाइवायकिरिया । काइया णं भंते ! किरिया कतिविहा पण्णत्ता ? मडिय-  
पुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-अणुवरयकायकिरिया य दुप्पउत्तकायकिरिया य ।  
अहिगरणिया णं भंते ! किरिया कतिविहा पण्णत्ता ? मडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता,  
तजहा-सजोयणाहिगरणकिरिया य निव्वत्तणाहिगरणकिरिया य । पाओसिया ण  
भंते ! किरिया कतिविहा पण्णत्ता ? मडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तजहा-जीवपा-  
ओसिया य अजीवपाओसिया य । पारियावणिया णं भंते ! किरिया कइविहा प० ?  
मडियपुत्ता ! दुविहा प०, तंजहा-सहत्थपारियावणिया य । परहत्थपारियावणिया  
य । पाणाइवायकिरिया णं भंते ! पुच्छा, पाणाइवायकिरिया कइविहा प० ? मडिय-  
पुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तजहा-सहत्थपा० परहत्थपा० किरिया य ॥ १४९ ॥  
पुंवि भंते ! किरिया पच्छा वेदणा पुंवि वेदणा पच्छा किरिया ? मडियपुत्ता !  
पुंवि किरिया पच्छा वेदणा, णो पुंवि वेदणा पच्छा किरिया ॥ १५० ॥ अत्थि  
ण भंते ! समणार्ण निग्गयाण किरिया कज्जइ ? हत्ता ! अत्थि । कह ण भंते !  
समणार्ण निग्गयाण किरिया कज्जइ ? मडियपुत्ता ! पमायपच्चया जोगनिमित्त च,  
एव खल्लु समणाण निग्गयाण किरिया कज्जति ॥ १५१ ॥ जीवे णं भंते ! सया  
समिय एयति वेयति चलति फंदइ घट्टइ खुब्भइ उदीरइ तं तं भाव परिणमति ?  
हन्ता ! मडियपुत्ता । जीवे णं सया समिय एयति जाव तं तं भाव परिणमइ । जार्ध  
च ण भंते ! से जीवे सया समितं जाव परिणमइ तावं च ण तस्स जीवस्स अते  
अतकिरिया भवति ? णो तिण्ठे समठ्ठे, से केण्ठेण भंते ! एव बुक्खइ-जाव च ण



मवि चेमाया मुहुमा इरियावहिया मिरिया वज्जइ, मा पटमसमयवद्धपुट्टा वितियस  
मयनेडया तइयसमयनिज्जरिया सा यद्धा पुट्टा उदीरिया चेदिया निज्जिण्णा सेय  
फाले अरुम्म वावि भवति, से तेणट्टेणं मडियपुत्ता ! एव युयति-जाव च ण से जीवे  
मया समियं नो एयति जाव अते अतकिरिया भवति ॥ १५२ ॥ पमत्तसजयस्स ण  
भंते ! पमत्तसजमे वट्टमाणस्स मव्वावि य ण पमत्तद्धा कालओ केवचिरं होइ<sup>१</sup>,  
मंडियपुत्ता ! एगजीव पडुय जहमेणं एक्कं समयं उक्कोसेण देसूणा पुव्वकोढी, णाणा-  
जीवे पडुय सव्वद्धा ॥ अप्पमत्तसजयस्स ण भंते ! अप्पमत्तसंजमे वट्टमाणस्स  
मव्वावि य ण अप्पमत्तद्धा कालओ केवचिरं होइ<sup>२</sup>, मडियपुत्ता ! एगजीवं पडुय  
जहमेण अतोमुहुत्त उक्को० पुव्वकोढी देसूणा, णाणाजीवे पडुय सव्वद्ध, सेव भंते !  
२ ति भयव मडियपुत्ते अणगारे समणं भगव महावीर वंदइ नमनइ २ सजमेणं  
तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ ॥ १५३ ॥ भंते ! ति भगवं गोयमे समणं भगवं  
महावीरं वंदइ नमसइ २ ता एव वयासी-कम्हा ण भंते ! लवणसमुद्दे चाउइसट्ट-  
मुद्धिपुत्तमासिणीसु अतिरेयं वट्ठति वा हायति वा<sup>३</sup>, जहा जीवाभिगमे लवणसमु-  
द्वत्तव्वया नेयव्वा जाव लोयट्ठिती, जण लवणसमुद्दे जउदीव २ णो उप्पीलेति णो  
चेव ण एगोदगं करेइ (लोयट्ठिई) लोयाणुभावे । सेव भंते ! २ ति-जाव विहरति ॥  
किरिया समत्ता ॥ १५४ ॥ तइयस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥  
अणगारे ण भंते ! भावियप्पा देव वेउव्वियसमुग्घाएण समोहय जाणरूवेण जाय-  
माण जाणइ पासइ<sup>१</sup> गोयमा ! अत्थेगइए देव पासइ णो जाण पासइ १ अत्थेगइए  
जाण पासइ नो देव पासइ २ अत्थेगइए देवपि पासइ जाणपि पासइ ३ अत्थेगइए  
नो देव पासइ नो जाण पासइ ४ ॥ अणगारे ण भंते ! भावियप्पा देवि वेउव्वियस-  
मुग्घाएण समोहय जाणरूवेण जायमाण जाणइ पासइ<sup>२</sup>, गोयमा ! एव चेव ॥ अण-  
गारे ण भंते ! भावियप्पा देवं सदेवीयं वेउव्वियसमुग्घाएण समोहय जाणरूवेण  
जायमाण जाणइ पासइ<sup>३</sup>, गोयमा ! अत्थेगइए देव सदेवीयं पासइ नो जाण पासइ,  
एएण अभिलावेण चत्तारि भगा ॥ अणगारे ण भंते ! भावियप्पा रुक्खस्स किं  
अतो पासइ वार्हि पासइ<sup>४</sup> चउभगो । एव किं मूलं पासइ कंदं पा०<sup>१</sup>, चउभगो, मूल  
पा० खघ पा०<sup>२</sup> चउभगो, एवं मूलेणं बीज संजोएयव्वं, एवं कदेणवि सम सजोएयव्वं  
जाव बीय, एव जाव पुप्फेण सम बीय संजोएयव्व ॥ अणगारे ण भंते ! भावियप्पा  
रुक्खस्स किं फल पा०वीयं पा०<sup>३</sup>, चउभगो ॥ १५५ ॥ पभू ण भंते ! वाउकाए एग मह  
इत्थिस्स वा पुरिसरूवं वा हत्थिरूवं वा जाणरूव वा एव जुग्गगिळ्ळिथिळ्ळिसीयसदमा-  
णियरूव वा विउव्वित्तए<sup>४</sup>, गोयमा ! णो तिणट्टे समट्टे, वाउकाए णं विकुव्वमाणे एणं

से जीवे स्या समितं जाव अंते अंतधिरिया न भवति । मंडिवपुता ।  
 जावं न न से जीवे स्या समितं जाव परिष्मति तावं न न से जीवे  
 आरंभद् आरंभद् समारंभद् आरंभे बहद् आरंभे बहद् समारंभे बहद् आरंभमात्रे  
 आरंभमात्रे समारंभमात्रे आरंभे बह्मात्रे आरंभे बह्मात्रे समारंभे बह्मात्रे बह्मत्  
 पात्रात् भूत्वात् वीत्रात् सतात् पुनश्चान्वयात् सोमावन्वात् अत्रान्वयात् सिप्यन्वा-  
 त्वात् पिष्टवन्वात् परित्रावन्वात् बहद्, से तेपट्टीयं मंडिवपुता । एवं पुनश्च-जावं  
 न न से जीवे स्या समितं एवति जावं परिष्मति तावं न न तस्त जीवस्त अंते  
 अंतधिरिया न भवद् त जीवे न मेते । स्या समितं यो एवद् जाव न तं तं मावं  
 परिष्मद् । इता मंडिवपुता । जीवे न स्या समितं जाव नो परिष्मति । जावं न  
 न मेते । से जीवे यो एवति जाव नो तं तं मावं परिष्मति तावं न न तस्त  
 जीवस्त अंते अंतधिरिया भवद् । इता । जाव भवति । से केवट्टेयं मेते । जाव  
 भवति ।, मंडिवपुता । जावं न न से जीवे स्या समितं यो एवति जाव यो परि-  
 ष्मद्-तावं न न से जीवे नो आरंभद् यो आरंभद् नो समारंभद् नो आरंभे बहद्  
 यो आरंभे बहद् यो समारंभे बहद् अकारंभमात्रे अकारंभमात्रे अकारंभमात्रे  
 आरंभे अकारंभमात्रे आरंभे अकारंभमात्रे समारंभे अकारंभमात्रे बह्मत् पात्रात् ४ अत्रुन्वा  
 वन्वात् जाव अपरित्रावन्वात् बहद् । से बह्मात्रमात् केव पुरिसे त्र्यं एवहत्वात्  
 जावतेवंति पत्तिवन्वा से मूलं मंडिवपुता । से इमे एवहत्वात् जावतेवंति पत्तिवन्ते  
 समात्रे सिप्यमात्रे मत्तमहात्रिज्य । इता । मत्तमहात्रिज्य, से बह्मात्रमात्-केव पुरिसे  
 त्र्यं अत्रिज्यंति बह्वन्वि पत्तिवन्वा से मूलं मंडिवपुता । से बह्वन्वि  
 त्र्यंति बह्वन्वि पत्तिवन्ते समात्रे सिप्यमात्रे त्रिज्यमात्रमात् । इता । त्रिज्य-  
 मात्रमात्, से बह्मात्रमात् हरत् सिता पुन्य पुन्यप्यमात्रे बह्मात्रे कोसमात्रे सम-  
 मरवन्वात् त्रिज्यति । इता । त्रिज्यति बह्वं न केव पुरिसे त्र्यं हरवन्ति एवं मूलं  
 जावं सतात्रं सवन्वित्रं कोसहोत्र से मूलं मंडिवपुता । सा भावा तेहं जाव-  
 वारेहं आपूरेमात्री १ पुन्या पुन्यप्यमात्रा कोसमात्रा कोसमात्रा सममरवन्वात्  
 त्रिज्यति । इता । त्रिज्यति बह्वं न केव पुरिसे त्र्यं गत्वात् सन्तो समता जाव  
 बह्मात् पिष्टे १ अत्रावन्विज्यत्वात् बह्वं त्रिज्यमात्रा से मूलं मंडिवपुता । सा गत्वा  
 त्र्यं बह्वंति त्रिज्यमात्रंति समान्ति सिप्यमात्रे बह्वं बह्मात् । इता । बह्वं  
 एवमेव मंडिवपुता । अत्रावन्विज्यत्वात् अत्रावन्विज्यत्वात् अत्रावन्विज्यत्वात् अत्रावन्विज्यत्वात्  
 अत्रावन्विज्यत्वात् अत्रावन्विज्यत्वात् अत्रावन्विज्यत्वात् अत्रावन्विज्यत्वात् अत्रावन्विज्यत्वात्

मवि वेमाया सुहुमा इरियावहिया किरिया कज्जइ, मा पटमगमयवद्धपुट्टा विनियस  
मयवेइया तइयसमयनिज्जरिया सा घद्धा पुट्टा उदीरिया वेदिया निज्जिण्णा सेय  
फाले अक्कम्मं यावि भवति, से तेणट्ठेण मडियपुत्ता ! एव वुयति-जाव च ण से जीवे  
सया समियं नो एयति जाव अते अतकिरिया भवति ॥ १५२ ॥ पमतसजयस्स ण  
भंते ! पमतसजमे वट्टमाणस्स सव्वावि य ण पमतद्धा कालओ केवच्चिरं होइ<sup>१</sup>,  
मंडियपुत्ता ! एगजीव पडुच्च जहन्नेण एक्कं समयं उट्ठोमेणं देसूणा पुव्वकोटी, णाणा-  
जीवे पडुच्च सव्वद्धा ॥ अप्पमतसजयस्स ण भते ! अप्पमतसजमे वट्टमाणस्स  
सव्वावि य ण अप्पमतद्धा कालओ केवच्चिरं होइ<sup>२</sup>, मंडियपुत्ता ! एगजीव पडुच्च  
जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्को ० पुव्वकोटी देसूणा, णाणाजीवे पडुच्च सव्वद्ध, सेव भंते !  
० ति भयव मडियपुत्ते अणगारे समणं भगव महावीरं वदइ नमसइ २ सजमेणं  
तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ ॥ १५३ ॥ भते ! ति भगवं गोयमे समणं भगव  
महावीर वदइ नमसइ २ ता एव वयासी-कम्हा णं भंते ! लवणसमुद्दे चाउद्दमट्ट-  
मुद्दिट्ठपुत्तमासिणीमु अतिरेय वड्ढति वा हायति वा<sup>१</sup>, जहा जीवाभिगमे लवणसमु-  
द्दवत्तव्वया नेयव्वा जाव लोयट्ठिती, जण्ण लवणसमुद्दे जउदीव २ णो उप्पीलेति णो  
चेव णं एगोदगं करेइ (लोयट्ठिई) लोयाणुभावे । सेव भंते ! २ ति-जाव विहरति ॥  
किरिया समत्ता ॥ १५४ ॥ तइयस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥

अणगारे ण भते ! भावियप्पा देवं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहय जाणरूवेण जाय-  
माण जाणइ पासइ<sup>१</sup> गोयमा ! अत्थेगइए देव पासइ णो जाण पासइ १ अत्थेगइए  
जाण पासइ नो देवं पासइ २ अत्थेगइए देवपि पासइ जाणपि पासइ ३ अत्थेगइए  
नो देव पासइ नो जाणं पासइ ४ ॥ अणगारे ण भंते ! भावियप्पा देविं वेउव्वियस-  
मुग्घाएणं समोहय जाणरूवेण जायमाण जाणइ पासइ<sup>२</sup>, गोयमा ! एवं चेव ॥ अण-  
गारे णं भते ! भावियप्पा देव सदेवीय वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहय जाणरूवेणं  
जायमाण जाणइ पासइ<sup>३</sup>, गोयमा ! अत्थेगइए देवं सदेवीयं पासइ नो जाण पासइ,  
एएण अभिलावेण चत्तारि भंगा ॥ अणगारे ण भंते ! भावियप्पा रुक्खस्स किं  
अतो पासइ बाहिं पासइ<sup>४</sup> चउभगो । एव किं मूल पासइ कद पा०<sup>१</sup>, चउभगो, मूल  
पा० खव पा०<sup>२</sup> चउभगो, एव मूलेणं बीजं सजोएयव्व, एव कंदेणवि सम संजोएयव्व  
जाव बीय, एव जाव पुप्फेण समं बीय सजोएयव्व ॥ अणगारे ण भते ! भावियप्पा  
रुक्खस्स किं फल पा० बीयं पा०<sup>३</sup>, चउभगो ॥ १५५ ॥ पभूणं भते ! वाउक्काए एग मह  
इत्थिरूव वा पुरिसरूवं वा हत्थिरूवं वा जाणरूव वा एव जुग्गगिल्लिथिल्लिसीयसदमा-  
णियरूवं वा विउव्वित्तए<sup>४</sup>, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, वाउक्काए ण विउव्वमाणे एगं

महं पञ्चासत्तिर्यं स्वं सिद्धम् । यम् न भंते । बाठपाए एव महं पञ्चासत्तिर्यं  
स्वं सिद्धिमा भवेयम् । योयम् । गमिताए । ईता । यम् । से भंते । किं आनन्दीए  
गच्छइ परिहीए गच्छइ ? गोममा । आनन्दीए य वो परिहीए य बहा आनन्दीए  
एवं येव आनन्दिमुत्तमा आनन्दिमेवमि आनन्दिम् । से भंते । किं अतिमेवम्  
गच्छइ पयोत्तं य । गोममा । अतिमेवमपि य पयोत्तं य से भंते ।  
किं एवमेवम् गच्छइ सुहमेवम् गच्छइ । गोममा । एवमेवम् गच्छइ नो  
सुहमेवम् गच्छइ, से न भंते । किं बाठपाए पञ्चास । गोममा । बाठपाए न  
से नो बह सा पञ्चास ॥ १५९॥ यम् न भंते । बहाहये एव य इतिस्वं वा यम्  
सहमाविस्वं वा परिचयेताए । ईता । यम् । यम् न भंते । बहाहये एव महं  
इतिस्वं परिचयेता भवेयम् । योयम् । गमिताए । ईता । यम् । से भंते । किं  
आनन्दीए गच्छइ परिहीए गच्छइ । गोममा । नो आनन्दीए गच्छइ परिहीए य  
एवं नो आनन्दिमुत्तमा परम्पुत्तमा नो आनन्दिमेवम् परम्पुत्तमेवम् अतिमेवम् वा  
गच्छइ पयोत्तं वा गच्छइ से भंते । किं बहाहये इति । गोममा । बहाहये न  
से नो बह सा इति एव पुनरेव आते इति ॥ यम् न भंते । बहाहये एव महं  
आनन्दी परिचयेता भवेयम् । योयम् । गमिताए । बहा इतिस्वं तथा आनन्दिम्  
नवरं एवमेवम् गच्छइ सुहमेवम् गच्छइ (ति) आनन्दिम् सुम्पिदि-  
निम्पिदिवास्वमाविस्वं तद्देव ॥ १५७ ॥ यीये न भंते । ये मन्तिरेव देवपुत्र उच-  
चजितए से न भंते । किमेवेत उचचजति । गोममा । अनेताइ दम्माइ परिचयेता  
यम् करेइ तमेवेत उचचजति, तं -कम्पेवेत वा यीयेवेत वा यत्तमेवेत वा  
एवं अत्त वा अत्ता वा अत्त आनन्दिमा वा यीये न भंते । ये मन्तिरेव  
येतिनिपुत्र उचचजितए । सुम्पि गोममा । अनेताइ दम्माइ परिचयेता  
यम् करेइ तमेवेत उचचजति, तं -तेवमेवेत । यीये न भंते । ये मन्तिरेव वेमा-  
पुत्र उचचजितए से न भंते । किमेवेत उचचजति । गोममा । अनेताइ दम्माइ  
परिचयेता यम् करेइ तमेवेत उचचजति, तं -तेवमेवेत वा यम्पेवेत वा यत्त  
वेवेत वा ॥ १५८ ॥ अजगारे न भंते । आनन्दिमा बाहिरए योयमेव अपरिचयेता  
यम् वेमारे पम्पं उचचजितए वा पम्पितए वा । योममा । नो तिष्ठे सय्ते । अज-  
गारे न भंते । आनन्दिमा बाहिरए योयमेव परिचयेता यम् वेमारे पम्पं उचचजितए  
वा पम्पितए न । ईता । यम् । अजगारे न भंते । आनन्दिमा बाहिरए योयमेव  
अपरिचयेता आनन्दीइ राजविदे नवरे उचच पम्पयम् सिद्धिमा वेमारे पम्पं  
भंती अजुप्पमिता यम् सयं वा सिद्धं करेताए नित्यं वा सयं करेताए । गोममा ।



णो इणट्टे समट्टे, एव चेव वित्तिओऽवि आलावगो णवरं परियाइता पभू ॥ से भते । किं माईं विउच्चवति अमाईं विउच्चवइ ? गोयमा । माईं विउच्चवइ नो अमाईं विउच्चवति, से केणट्टेणं भते । एवं वुयड जाव नो अमाईं विउच्चवइ ? गोयमा । माइए पणीयं पाणभोयण भोया ० वामेति तस्स णं तेण पणीएण पाणभोयणे अट्ठि अट्ठिमिंजा बहलीभवति पयणुए मममोणिए भवति, जेविय से अहावायता पोग्गला तेविय से परिणमति, त जहा-सोतिंदियत्ताए जाव फामिंदियत्ताए अट्ठि अट्ठिमिंजकेसममुगेसनहत्ताए सुपत्ताए सोणियत्ताए, अमाईं ण ल्ह पाणभोयणं भोया ० णो वामेइ, तस्स ण तेणं ल्हेणं पाणभोयणेणं अट्ठि अट्ठिमिंजा ० पयणु भवति बहले मससोणिए, जेविय से अहावादरा पोग्गला तेविय से परिणमति, तजहा-उच्चारत्ताए पासवणत्ताए जाव सोणियत्ताए, से तेणट्टेणं जाव नो अमाईं विउच्चवइ ॥ माईं ण तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कते काल करेइ नत्थि तस्स आराहणा । अमाईं ण तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कते काल करेइ अत्थि तस्स आराहणा । सेव भते ! सेवं भते ! ति ॥ १५९ ॥ तइयसए चउत्थो उइसो समत्तो ॥

अणगारे ण भते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइता पभू एगं मह इत्थिरुव वा जाव सदमाणिरुव वा विउच्चित्तए ? णो ति०, अणगारे ण भते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइता पभू एगं मह इत्थिरुव वा जाव सदमाणिरुव वा विउच्चित्तए ?, हता ! पभू, अणगारे ण भते ! भावि० केवतियाइ पभू इत्थिरुवाइ विउच्चित्तए ?, गोयमा । से जहानामए जुवइ जुवाणे हत्थेण हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा नाभी अरगावत्ता सिया एवामेव अणगारेवि भावियप्पा वेउ-व्वियसमुग्घाएण समोहणइ जाव पभू णं गोयमा । अणगारे ण भावियप्पा केवल-कप्प जवुदीव बहूहिं इत्थिरुवेहिं आइणं वित्तिकिज जाव एस ण गोयमा । अणगा-रस्स भावि० अयमेयारुवे विसए विसयमेत्ते जुवइ नो चेव ण सपत्तीए विउच्चित्तु वा ३, एव परिवादीए नेयव्व जाव संदमाणिआ । से जहानामए केइ पुरिसे अत्ति-चम्मपाय गहाय गच्छेज्जा एवामेव भावियप्पा अणगारेवि असिचम्मपायहत्थिकिच्च-गएण अप्पाणेण उड्डं वेहासं उप्पइज्जा ? हता ! उप्पइज्जा, अणगारे ण भते ! भावि यप्पा केवतियाइ पभू असिचम्मपायहत्थिकिच्चगयाइ रुवाइं विउच्चित्तए ?, गोयमा । से जहानामए-जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा त चेव जाव विउच्चित्तु वा ३ । से जहानामए केइ पुरिसे एगओपढाग काउ गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावि-यप्पा एगओपढागाहत्थिकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्डं वेहासं उप्पइज्जा ? हता गोयमा । उप्पइज्जा, अणगारे ण भते ! भावियप्पा केवतियाइ पभू एगओपढागाहत्थिकिच्चग-

मई पञ्चमासंठिर्न स्वं सिद्धम् । नमू नं मंते । वातश्च ए पूर्णं मई पञ्चमासंठिर्न  
 स्वं सिद्धम् । अनेकाई जोनवाई पणितए । ईता । पम् । से मंते । कि आनङ्गीए  
 मच्छर परिङ्गीए मच्छर । गोममा । आनङ्गीए न नो परिङ्गीए न कडा आनङ्गीए  
 एवं वेव आनङ्गमुवाणि आनङ्गमुवाणि मासिबम् । से मंते । कि अतिशोर्ष  
 मच्छर पमोर्ष न । गोममा । अतिशोर्षपि न पमोर्षपि न । से मंते ।  
 कि एतमोपहारं मच्छर दुह्योपहारं मच्छर । गोममा । एतमोपहारं मच्छर नो  
 दुह्योपहारं मच्छर, से नं मंते । कि वातश्च ए पञ्चमा । गोममा । वातश्च ए नं  
 से नो कडा सा पञ्चमा ७१५५७ पम् नं मंते । कडाहो एमं मइ इतिस्व न वाव  
 तहमासिबम् वा परिचामेताए । ईता । पम् । पम् नं मंते । बलाहए एमं मई  
 इतिस्व पतिचामेता अनेवाई जोनवाई पणितए । ईता । पम् । से मंते । कि  
 आनङ्गीए मच्छर परिङ्गीए मच्छर । गोममा । नो आनङ्गीए मच्छरि परिङ्गीए न  
 एवं नो आनङ्गमुवा परङ्गमुवा नो आनङ्गमुवा परङ्गमुवा अतिशोर्ष वा  
 मच्छर पमोर्ष वा मच्छर, से मंते । कि कडाहए इती १, गोममा । कडाहए नं  
 से नो कडा सा इती एवं पुरिसे आते इती ॥ पम् नं मंते । बलाहए एमं मई  
 कडाह पतिचामेता अनेवाई जोनवाई पणितए । कडा इतिस्व तहा मासिबम्  
 कडा एतमोपहारंपि दुह्योपहारंपि मच्छर (ति) मासिबम् सुमपिभि-  
 मिच्छिनीवास्तहमासिबम् तहमे ॥ १५० ॥ जीवे नं मंते । से मसिप मेरुपुड क-  
 वजितए से नं मंते । किमेरेतु कवजित । गोममा । अनेवाई इन्वाई परिवारता  
 कवज करे तमेरेतु उवजज, तं--कमेरेतु वा नीलमेरेतु वा कवजमेरेतु वा  
 एवं कवज वा केस्ता सा तस्य मासिबम् वाव जीवे नं मंते । से मसिप  
 जोतिशिपुड कवजितए । पुच्छा गोममा । अनेवाई इन्वाई परिवारतप  
 कवज करे तमेरेतु उवजज, तं--तेरुकेरेतु । जीवे नं मंते । से मसिप केमापि-  
 एतु उवजितए से नं मंते । किमेरेतु कवजज १, गोममा । अनेवाई इन्वाई  
 परिवारता कवज करे तमेरेतु उवजज, तं--तेरुकेरेतु वा कमेरेतु वा क-  
 केरेतु वा ॥ १५४ ॥ कवजारे नं मंते । मासिबम् बाहिरए योगके कवजितए  
 पम् केमार पम्बन उवजितए वा कवितए वा १, गोममा । नो विपडे समुडे । कव-  
 जारे नं मंते । बासिबम् बाहिरए योगके परिवारता पम् केमार पम्बन कवजितए  
 वा पतिचामेता । ईता । पम् । कवजारे नं मंते । मासिबम् बाहिरए योगके  
 अपतिचामेता बावइयई रायपिहे कवरे कवई पुवइयई सिद्धिमा केमार पम्बन  
 अती कवजितए पम् कव न वा विपडे करेताए विपडे वा कव करेताए १, गोममा ।

जाव रायगिहे नगरे समोहए समोहणित्ता वाणारसीए नगरीए रुवाइ जाणइ पासइ<sup>१</sup>,  
 हता ! जाणइ पासइ, त चेव जाव तस्म ण एवं होइ-एवं गलु अह वाणारसीए नगरीए  
 समोहए २ रायगिहे नगरे रुवाइ जाणामि पासामि, से से दमणे विवच्चासे भवति,  
 से तेणट्ठेणं जाव अन्नहाभावं जाणइ पामइ ॥ अणगारे ण भते ! भावियप्पा माइ  
 मिच्छदिट्ठी वीरियल्ल्हीए वेउब्बियल्ल्हीए विभगणाणल्ल्हीए वाणारसिं नगरिं रायगिह  
 च नगरं अतरा एगं मह जणवयवग्ग समोहए २ वाणारसिं नगरिं रायगिह च नगरं  
 अतरा एगं मह जणवयवग्ग जाणति पासति ? हता ! जाणइ पामइ, से भते ! किं  
 तद्वाभावं जाणइ पासइ अन्नहाभावं जाणइ पा० ? गोयमा ! णो तद्वाभावं जाणति  
 पासइ अन्नहाभावं जाणइ पासइ, से केणट्ठेण जाव पामइ ? गोयमा ! तस्स खलु एव  
 भवति एस खलु वाणारसी [ ए ] नगरी एस खलु रायगिहे नगरे एस खलु अतरा  
 एगे मह जणवयवग्गे नो खलु एस मह वीरियल्ल्ही वेउब्बियल्ल्ही विभगणाणल्ल्ही  
 इट्ठी जुई जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमज्जागए, से से दसणे  
 विवच्चासे भवति, से तेणट्ठेणं जाव पासति ॥ अणगारे ण भते ! भावियप्पा अमाई  
 सम्मदिट्ठी वीरियल्ल्हीए वेउब्बियल्ल्हीए ओहिनाणल्ल्हीए रायगिहे नगरे समोहए  
 २ वाणारसीए नगरीए रुवाइ जाणइ पासइ<sup>१</sup>, हता !, से भते ! किं तद्वाभावं जाणइ  
 पासइ अन्नहाभाव जाणति पासति ? गोयमा ! तद्वाभाव जाणति पासति नो  
 अन्नहाभावं जाणति पासति, से केणट्ठेणं भते ! एवं बुच्चइ ? गोयमा ! तस्म ण  
 एव भवति-एव खलु अह रायगिहे नगरे समोहणित्ता वाणारसीए नगरीए रुवाइ  
 जाणामि पासामि, से से दमणे अविवच्चासे भवति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एव बुच्चति,  
 वीओ आलावगो एव चेव नवरं वाणारसीए नगरीए समोहणा नेयव्वा रायगिहे  
 नगरे रुवाइ जाणइ पासइ । अणगारे ण भते ! भावियप्पा अमाई सम्मदिट्ठी  
 वीरियल्ल्हीए वेउब्बियल्ल्हीए ओहिनाणल्ल्हीए रायगिह नगरं वाणारसिं नगरिं च  
 अतरा एगं मह जणवयवग्ग समोहए २ रायगिह नगरं वाणारसिं च नगरिं त च  
 अतरा एगं मह जणवयवग्ग जाणइ पासइ<sup>१</sup>, हता ! जा० पा०, से भते ! किं तद्वा  
 भाव जाणइ पासइ अन्नहाभाव जाणइ पासइ<sup>१</sup>, गोयमा ! तद्वाभाव जाणइ पा०,  
 णो अन्नहाभाव जा० पा०, से केणट्ठेणं ? गोयमा ! तस्स ण एव भवति-नो खलु  
 एस रायगिहे नगरे णो खलु एस वाणारसी नगरी नो खलु एस अतरा एगे जण-  
 वयवग्गे एस खलु मम वीरियल्ल्ही वेउब्बियल्ल्ही ओहिनाणल्ल्ही इट्ठी जुई जसे  
 बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमज्जागए से से दसणे अविवच्चासे  
 भवति से तेणट्ठेणं गोयमा ! एव बुच्चति तद्वाभावं जाणति पासति नो अन्नहाभावं



वागीओ नेयव्वाओ, सेसा नत्थि । सक्कस्स ण देविंदस्स देवरत्तो गोमस्स महारत्तो  
 इमे देवा आणाउववायवयणनिहेसे चिट्ठति, तज्झा-मोमकाइयाइ वा सोमदेवकाइ-  
 याइ वा विज्जुमारो विज्जुमारीओ अग्गिमारो अग्गिमारीओ वाउकुमारो  
 वाउकुमारीओ चदा सूर गहा णक्खत्ता ताराव्वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते  
 तव्वभत्तिया तप्पक्खिया तव्वभारिया सक्कस्स देविंदस्स देवरत्तो सोमस्स महारत्तो  
 आणाउववायवयणनिहेसे चिट्ठति । जवुहीवे १ मदरस्स पव्वयस्स दाहिणेण जाइ  
 इमाई समुप्पज्जति, तं जहा-गहर्दंटाइ वा गहमुसलाइ वा गहगज्जियाइ वा, एव  
 गहजुद्धाइ वा गहमिंघाडगाड वा गहावसव्वाइ वा अव्वाइ वा अव्वरक्खत्ताइ  
 वा संझाइ वा गधव्वनगराइ वा उक्कापायाइ वा दिसीदाहाइ वा गज्जियाइ वा  
 विज्जुयाइ वा पसुवुट्ठीइ वा जूवेत्ति वा जक्खालित्तयत्ति वा धूमियाइ वा महियाइ वा  
 रउगघायाइ वा चदोवरागाइ वा सूरुवरागाइ वा चंदपरिवेसाइ वा सूरपरिवेसाइ  
 वा पटिचदाइ वा पडिसूराइ वा इदधणूइ वा उदगमच्छकपिहसियअमोहापाईण-  
 वायाइ वा पहीणवाताइ वा जाव संवट्ठयवाताइ वा गामदाहाइ वा जाव सन्निवे-  
 सदाहाइ वा पाणक्खया जणक्खया धणक्खया कुलक्खया वसणव्वया अणारिया  
 जे यावन्ने तहप्पगारा ण ते सक्कस्स देविंदस्स देवरत्तो सोमस्स महारत्तो अणगाया  
 अदिट्ठा अमुया अमुया अविण्णाया तेसिं वा सोमकाइयाण देवाण, सक्कस्स ण  
 देविंदस्स देवरत्तो सोमस्स महारत्तो इमे अहावच्चा देवा अभिजाया होत्था, तं जहा-  
 इगालए वियालए लोहियक्खे सणिच्चरे चंदे सूरु सुक्के वुहे वहस्सती राहू ॥ सक्कस्स  
 ण देविंदस्स देवरत्तो सोमस्स महारत्तो सत्तिभाग पलिओवम ठिती पण्णत्ता, अहा-  
 वच्चाभिजायाण देवाण एग पलिओवम ठिई पण्णत्ता, एवमहिट्ठिए जाव महाणुभागे  
 मोमे महाराया ॥ १६३ ॥ कहिं ण भते । सक्कस्स देविंदस्स देवरत्तो जमस्स महा-  
 रत्तो वरसिट्ठे णाम महाविमाणे पण्णत्ते १, गोयमा । सोहम्मवडिसयस्स महाविमा-  
 णस्स दाहिणेण सोहम्मे कप्पे असखेज्जाइ जोयणसहस्साइ वीइवइत्ता एत्थ ण  
 सक्कस्स देविंदस्स देवरत्तो जमस्स महारत्तो वरसिट्ठे णाम महाविमाणे पण्णत्ते अद्ध-  
 तेरस जोयणसयसहस्साइ जहा सोमस्स विमाणे तहा जाव अभिसेओ रायहाणी  
 तहेव जाव पासायपंतीओ ॥ सक्कस्स ण देविंदस्स देवरत्तो जमस्स महारत्तो इमे  
 देवा आणा० जाव चिट्ठति, तं जहा-जमकाइयाइ वा जमदेवकाइयाइ वा पेयकाइया-  
 इ वा पेयदेवकाइयाइ वा असुरकुमारो असुरकुमारीओ कदप्पा निरयवाला आभि-  
 ओगा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते तव्वभत्तिगा तप्पक्खिया तव्वभारिया सक्कस्स  
 देविंदस्स देवरत्तो जमस्स महारत्तो आणाए जाव चिट्ठति ॥ जवुहीवे २ मदरस्स

जायति पायति । अथगारं न भति । मायिकया बाहिरा पोगके अपरिवाहता  
 पम् एयं मई गायक्यं वा नगरक्यं वा बाव । अथिषेधक्यं वा मिश्रमिषात् । नो  
 सिष्ये समो, एवं निशिक्षेति बावक्यो नगरं बाहिरा पोगके परिवाहता पम् ।  
 अथगारं न भति । मायिकया केवतिवात् पम् यामरवात् मिश्रमिषात् । नोस्मा ।  
 से अहमाम्प सुवति शुभाथे इत्येनं इत्ये नेप्पेया तं नेव बाव मिश्रमिषात् वा १  
 एवं बाव अथिषेधक्यं वा ॥ १५१ ॥ अमरस्त न भति । अहिरिपस्त अहररञ्जो  
 कति आवरक्यदेवताहस्तीभो पण्यता । नोस्मा । अतारि अरुष्टोभो अमरक-  
 देवताहस्तीभो पण्यताम्ने ते नं आवरक्या वण्यन्ते अहं रावप्येधरजे एवं  
 सन्नेसि ईदत्तं अस्त अतिथि आवरक्या मायिकया । सेनं भति २ ति ॥ १५२ ॥  
 अहमप्यत् अहो अदेसो न्यमसो ॥

एवमिहे नपरे बाव पञ्चमसयामे एवं क्वासी-सहस्त न भति । देविहस्त  
 देवरञ्जो कति अगेपक्य पण्यता । नोस्मा । अतारि लोपपत्ता पण्यता तंवाहा-  
 सोमे अमे बल्ले केसमने । एण्डि न भति । अरुष्टं अगेपक्यं कति मिमाया  
 पण्यता । नोस्मा । अतारि मिमाया प तंवाहा-सहप्यमे अरुष्टे सर्वक्ये वम् ।  
 कति न भति । सहस्त देविहस्त देवरञ्जो सोमस्त महारञ्जो सहप्यमे नाम म्हा-  
 मिमाये पण्यते । नोस्मा । अंजुदीये १ मरस्त पण्यस्त बाह्येनं इपीसे एवप-  
 प्पनाय पुष्टीय वृक्षमरयमिषाभ्यो मृषिमायाभ्यो तं वं अरिष्टारिपगाहमननक-  
 तान्नक्यं नह्यं नोस्मात् बाव नं वरिचवा पण्यता तंवाहा-असोयवसेत्  
 सतवक्यमिषत् ननक्यमिषत् ननक्यमिषत् मजी सोहम्मवतिषत्, तस्त नं सोहम्म-  
 वरिस्तस्त महामिमायस्त पुष्टिमनं सोहम्मो कप्ये असंकेजात् सोमवात् वीज-  
 ह्या एव नं सहस्त देविहस्त देवरञ्जो सोमस्त महारञ्जो सहप्यमे अमं महामि-  
 माये पण्यते अहरेरस लोपपत्ताहस्ताई आत्मात्मिकनभेयं अरुष्टीत् ओमक-  
 कसहस्ताई वाव नं न सहस्ताई अहं व कसयाके ओमकसत् मिमिषेसाहिए  
 परिककेनैव प वा सुरिमागमिमायस्त वतन्नाया सा अपरिसेसा मायिकया बाव  
 अगिष्ये नगरं सोमे ईव ॥ सहप्यमस्त नं महामिमायस्त अहं सपनि-य सपदि  
 मिति असंकेजात् ओमकसकसहस्ताई ओगाहिया एव नं सहस्त देविहस्त देव-  
 रञ्जो सोमस्त महारञ्जो सोमा नाम रावहाणी वण्यता एवं ओमकसकसहस्तं आत्मा-  
 मित्त्वभेयं अंजुदीयपमाथे (अ) केमामिमायं पमायस्त अहं मिक्यं बाव अरि-  
 केनं ओमक ओमकसहस्ताई आत्मात्मिकनभेयं पमायं ओमकसहस्ताई पं व  
 सप्यवत् ओमकसते मिमिषेसुमे परिककेनैव पण्यते, पासाक्यं अतारि परि

मोएजाए दहिमुहे अयपुने कायारिए । मात्स्य णं देविंदस्स देवरत्तो चरणस्स महारत्तो  
 देवणाए दो पलिओवमाः ठिई पण्णत्ता, अहावच्चाभिष्ठायाः देवा एगं पलिओ  
 चम ठिई पण्णत्ता, एमहिस्सिए जाव चण्णे महाराया ३ ॥ १६६ ॥ कहि ण भंते ।  
 गणस्स देविंदस्स देवरत्तो वेसमणस्स महारत्तो चण्णाम महारिमाणे पण्णत्ते,  
 गोयमा । तस्स ण गोहम्मवत्तिंसयस्स महारिमाणस्स उत्तरेणं जहा गोमस्स निमा  
 णरायहाणिवत्तव्वया ताहा नेयव्वा जाव पासायवत्तिंसया । गणस्स णं देविंदस्स  
 देवरत्तो वेसमणस्स महारत्तो इने देवा आणाउयवात्तयवण्णिदेसे चिट्ठति, तजहा-  
 वेसमणकाइयाइ वा वेसमणदेवकाइयाइ वा सुजज्जुमारा सुजज्जुमारीओ खीव-  
 माग खीवजुमारीओ दिग्गाजुमारा दिग्गाजुमारीओ घाणमंनरा घाणमनरीओ जे यावजे  
 तहप्पगारा सव्वे ते तव्वभत्तिया जाव चिट्ठति ॥ जवूदीचे २ मंदरस्स पव्वयस्स  
 दाहिणेण जाः इमाः समुप्पज्जति, तजहा-अयागराइ वा तट्टयागराइ वा तंबयाग  
 राइ वा एगं सीतागराइ वा हिरण्ण० सुवण्ण० रयण० वयरागराइ वा वज्जुहाराइ  
 वा हिरण्णवाराइ वा सुवज्जवाराइ वा रयण० षडर० आभरण० पा० पुष्प०  
 फल० वीय० मा० वण्ण० चुज्ज० गध० वत्थवासाइ वा हिरण्णवुट्ठीइ वा सु० रं०  
 व० आ० प० पु० फ० पी० व० चुज्ज० गधवुट्ठी० वत्थवुट्ठीइ वा भायणवुट्ठीइ  
 वा खीखुट्ठीइ वा सुयालाइ वा दुयालाइ वा अप्पग्घाइ वा मग्घ्याइ वा सुभिक्षाइ  
 वा दुभिक्षाइ वा कयविष्साइ वा सत्तिहियाइ वा सनिच्चयाइ वा निहीइ वा  
 णिहाणाइ वा चिरपोराणाइ पहीणसामियाइ वा पहीणसेउयाइ वा [ पहीणगग्गाणि  
 वा ] पहीणगोत्तागाराइ वा उच्छिन्नसामियाइ वा उच्छिन्नसेउयाइ वा उच्छिन्नगोत्ता  
 गाराइ वा मिंघाडगतिगचउक्कचत्तरचउम्मुहमहापहपहेसु नगरनिद्धमणेशु वा सुमाण-  
 गिरिकंदरसंतिसेलोवट्ठाणभवणगिहेसु सनिक्खित्ताइ चिट्ठति, एयाइ सक्कस्स देविंदस्स  
 देवरत्तो वेसमणस्स महारत्तो ण अण्णायाइ अदिट्ठाइ असुयाइ अविज्जायाइ तेसिं वा  
 वेसमणकाइयाण देवाण, सक्कस्स णं देविंदस्स देवरत्तो वेसमणस्स महारत्तो इमे  
 देवा अहावच्चाभिष्ठाया होत्था, तंजहा-पुन्नभदे माणिभदे सालिभदे सुमणभदे चक्के  
 रक्खे पुन्नरक्खे सव्व्वाणे [ पव्व्वाणे ] सव्वजसे सव्वमामे समिद्धे अमोहे असणे,  
 सक्कस्स णं देविंदस्स देवरत्तो वेसमणस्स महारत्तो दो पलिओवमाणि ठिई पण्णत्ता,  
 अहावच्चाभिष्ठायाणं देवाण एग पलिओवम ठिई पण्णत्ता, एमहिस्सिए जाव वेसमणे  
 महाराया सेव भंते । २ ति ॥ १६७ ॥ तइए सए सत्तमो उद्देसओ समत्तो ॥  
 रायगिहे नगरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वदासी-असुरकुमाराण भते । देवाण  
 कइ देवा आहेवच्च जाव विहरंति १, गोयमा । दस देवा आहेवच्च जाव विहरंति,





चत्तारि विमाणेहिं चत्तारि य होति रायहाणीहिं । नेरइए लेस्ताहि य दम उहेसा  
चउत्थसए ॥ १ ॥ रायगिहे नगरे जाव एवं वयासी-ईसाणस्स ण भंते । देविदस्स  
देवरण्णो कइ लोगपाला प० १, गोयमा । चत्तारि लोगपाला प०, तंजहा-सोमे  
जमे वेसमणे वरुणे । एएसि णं भंते । लोगपालाणं कइ विमाणे प० १, गोयमा ।  
चत्तारि विमाणे प०, तंजहा-सुमणे सव्वओभेदे वग्गू सुवग्गू । कहि णं भंते ।  
ईसाणस्स देविदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो सुमणे नामं महाविमाणे पण्णत्ते १,  
गोयमा । जंबूदीवे २ मदरस्स पव्वयस्स उत्तरैणं इमीसे रयणप्पभाए पुट्टीए जाव  
ईसाणे णाम कप्पे पण्णत्ते, तत्थ णं जाव पचवडेंसया प०, तंजहा-अकवडेंसए  
फुलिहवडेंसए रयणवडेंसए जायवडेंसए मज्जे य तत्थ ईसाणवडेंसए, तस्स  
णं ईसाणवडेंसयस्स महाविमाणस्स पुरच्छिमेण तिरियमसखेज्जाइं जोयणसह-  
स्साइं वीइवइत्ता एत्थ णं ईसाणस्स ३ सोमस्स २ सुमणे नामं महाविमाणे  
पण्णत्ते अद्धतेरसजोयण जहा सक्कस्स वत्तव्वया तदयसए तद्वा ईसाणस्सवि ।  
चउत्थवि लोगपालाणं विमाणे २ उहेसओ, चउत्थ विमाणेसु चत्तारि उहेसा  
अपरिसेसा, नवरं ठिइए नाणत्तं-आदिदुय तिभागूणा पलिया धणयस्स होति  
दो चेव । दो सतिभागा वरुणे पलियमहावच्चदेवाणं १ ॥ १७१ ॥ चउत्थे सए  
पढमविइयतइयचउत्था उहेसा समत्ता ॥

१ रायहाणीसुवि चत्तारि उहेसा भाणियव्वा जाव एवंमहिहिण जाव वरुणे महाराया  
॥ १७२ ॥ चउत्थे सए पंचमछट्टसत्तमट्टमा उहेसा समत्ता ॥

नेरइए णं भंते । नेरइएसु उववज्जइ अनेरइए नेरइएसु उववज्जइ १ पञ्चवणाए  
लेस्तापए तइओ उहेसओ भाणियव्वो जाव नाणाइं ॥ १७३ ॥ चउत्थसए  
नवमो उहेसो समत्तो ॥

१ से नूणं भंते । कण्हलेस्ता नीललेस्सं पप्प ताव्वत्ताए तावण्णत्ताए एव चउत्थो  
उहेसओ पञ्चवणाए चेव लेस्तापदे नेयव्वो जाव-परिणामवण्णरसगधसुद्धअपसत्थ  
संकिलिहुण्हा । गइपरिणामपदेसोगाहणवग्गणाठाणमप्पवहु ॥ १ ॥ सेवं भंते । २ ति  
॥ १७४ ॥ चउत्थसए दसमो उहेसो समत्तो ॥ चउत्थ सयं समत्तं ॥

१ चप(चंपाए)रवि १ अनिल २ गंठिय ३ सहे ४ छउमाउ ५-६ एयण ७ णियंठे ८ ।  
रायगिहं ९ चंपाचंदिमा १० य दस पचमंमि सए ॥ ११ ॥ तेणं कालेग २ चपा नामं  
नगरी होत्था, वण्णओ, तीसे ण चंपाए नगरीए पुण्णभेदे नामं उज्जाणे होत्था, वण्णओ,  
सामी संमोसडे जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महा-  
वीरस्स जेट्ठे अतेवासी इंदभूइं णाम अणगारे गोयमगोत्तेण जाव एवं वदासी-जंबू-



दिवसे सोलसमुहुता राई चोदसमुहुताणतरे दिवसे सातिरेगा सोलसमुहुता राई तेरसमुहुते दिवसे सत्तरसमुहुता राई तेरसमुहुताणतरे दिवसे सातिरेगा सत्तरसमुहुता राई । जया ण जवू० दाहिण्हे जहण्णए दुवाल्समुहुते दिवसे भवइ तथा ण उत्तरहेवि, जया ण उत्तरहे तथा ण जवूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेण उक्कोसिया अट्टारसमुहुता राई भवइ?, हता गोयमा । एव चेव उच्चारे यव्व जाव राई भवइ । जया ण भंते ! जवू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेण जहण्णए दुवाल्समुहुते दिवसे भवइ तथा ण पच्चत्थिमेणवि० तथा ण जवू० मंदरस्स उत्तरदाहिणेण उक्कोसिया अट्टारसमुहुता राई भवइ?, हता गोयमा । जाव राई भवइ ॥ १७६ ॥ जया ण भंते ! जवू० दाहिण्हे वामाण पढमे समए पडि-वज्जइ तथा ण उत्तरहेवि वासाण पढमे समए पडिवज्जइ जया ण उत्तरहेवि वासाण पढमे समए पडिवज्जइ तथा ण जवूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेण अणतरपुरक्खडसमयसि वासाण प० स० प०?, हता गोयमा । जया ण जवू० २ दाहिण्हे वासाण प० स० पडिवज्जइ तह चेव जाव पडिवज्जइ । जया ण भंते ! जवू० मंदरस्स० पुरच्छिमेण वासाण पढमे स० पडिवज्जइ तथा ण पच्चत्थिमेणवि वासाण पढमे समए पडिवज्जइ, जया ण पच्चत्थिमेणवि वासाण पढमे समए पडिवज्जइ तथा ण जाव मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेण अणतरपच्छाकडसमयसि वासाण प० स० पडिवज्जे भवइ?, हता गोयमा । जया ण जवू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेण, एव चेव उच्चारेयव्वं जाव पडिवज्जे भवइ ॥ एव जहा समएणं अभिलावो भणिओ वासाण तहा आवलियाएवि २ भाणियव्वो, आणापाणुणवि ३ थोवेणवि ४ लवेणवि ५ मुहुत्तेणवि ६ अहोरत्तेणवि ७ पक्खेणवि ८ मासेणवि ९ उठणावि १०, एएसि सव्वेसि जहा समयस्स अभिलावो तहा भाणियव्वो । जया ण भंते ! जवू० दाहिण्हे हेमताण पढमे समए पडिवज्जइ जहेव वासाण अभिलावो तहेव हेमताणवि २० गिम्हाणवि ३० भाणियव्वो जाव उऊ, एव एए तिन्निवि, एएसि तीस आलावगा भाणियव्वा । जया ण भंते ! जवू० मंदरस्स पव्वयस्स दाहिण्हे पढमे अयणे पडिवज्जइ तथा ण उत्तरहेवि पढमे अयणे पडिवज्जइ, जहा समएण अभिलावो तहेव अयणेणवि भाणियव्वो जाव अणतरपच्छाकडसमयसि पढमे अयणे पडिवज्जे भवइ, जहा अयणेण अभिलावो तहा सवच्छरेणवि भाणियव्वो जुएणवि वाससएणवि वाससहस्सेणवि वाससयसहस्सेणवि पुव्वगेणवि पुव्वेणवि तुडियगेणवि तुडिणवि, एवं पुव्वे २ तुडिए २ अड्डे २ अववे २ हूहए २ चप्पले २ पउमे २ नल्लिणे २ अच्छ(अत्थि)णितरे २ अउए २ णउए २ पउए २ चूलिया

दीये न मते । दीये धरिया लवीनपाईसमुत्पन्न पाईनदादिभमागच्छति, पाईन-  
दादिभमुत्पन्न दादिनपदीनमागच्छति दादिनपदीनमुत्पन्न पदीनदवीनमागच्छति  
पदीनदवीन सत्पन्न दवीनपाईनमागच्छति ॥, ईता । धीयमा । -क्यूदीये न  
दीये धरिया लवीनपाईसमुत्पन्न ज्ञान दवीनपाईनमागच्छति ॥ १५५ ॥  
जवा न मते । क्यूदीये २ दादिनहे निवसे मवइ तथा न कटारहे निवसे मवइ  
जवा न कटारहे निवसे मवइ तथा न क्यूदीये २ मंदरस्य पम्बवत्स पुरच्छिम-  
पम्बवत्सयेन दाई मवइ । ईता थोयमा । जवा न क्यूदीये २ दादिनहे निवसे  
ज्ञान दाई मवइ । जवा न मते । क्यू मंदरस्य पम्बवत्स पुरच्छिमेन निवसे  
मवइ तथा न पम्बवत्सयेन निवसे मवइ जवा न पम्बवत्सयेन निवसे मवइ तथा  
न क्यूदीये २ मंदरस्य पम्बवत्स कटारदादिवेन दाई मवइ, ईता थोयमा ।  
जवा न क्यू मंदरपुरच्छिमेन निवसे ज्ञान दाई मवइ, जवा न मते । क्यूदीये  
२ दादिनहे कटोसए अट्टारसमुत्पणे निवसे मवइ तथा न कटारहे निवसे कटोसए अट्टा-  
रसमुत्पणे निवसे मवइ जवा न कटारहे कटोसए अट्टारसमुत्पणे निवसे मवइ तथा  
न क्यूदीये २ मंदरस्य पुरच्छिमपम्बवत्सयेन दादिन हे पम्बवत्समुत्पण दाई मवइ ।  
ईता थोयमा । जवा न क्यू ज्ञान दुवाकम्बसमुत्पण दाई मवइ । जवा न क्यू  
मंदरस्य पुरच्छिममेन कटोसए अट्टारस ज्ञान तथा न क्यूदीये २ पम्बवत्सयेन  
कटो अट्टारसमुत्पणे निवसे मवइ जवा न पम्बवत्सयेन कटोसए अट्टारसमुत्पणे  
निवसे मवइ तथा न मते । क्यूदीये २ कटार दुवाकम्बसमुत्पण ज्ञान दाई मवइ ।  
ईता थोयमा । ज्ञान मवइ । जवा न मते । क्यू दादिनहे अट्टारसमुत्पणानंतरे  
निवसे मवइ तथा न कटारे अट्टारसमुत्पणानंतरे निवसे मवइ जवा न कटारे अट्टा-  
रसमुत्पणानंतरे निवसे मवइ तथा न क्यू मंदरस्य पम्बवत्स पुरच्छिमपम्बवत्सयेन  
दादिनस्य दुवाकम्बसमुत्पण दाई मवइ । ईता थोयमा । जवा न क्यू ज्ञान दाई  
मवइ । जवा न मते । क्यूदीये २ पुरच्छिमेन अट्टारसमुत्पणानंतरे निवसे मवइ  
तथा न पम्बवत्सयेन अट्टारसमुत्पणानंतरे निवसे मवइ जवा न पम्बवत्सयेन अट्टार-  
समुत्पणानंतरे निवसे मवइ जवा न क्यू २ मंदरस्य पम्बवत्स दादिनयेन धार-  
रेया दुवाकम्बसमुत्पण दाई मवइ, ईता थोयमा । - ज्ञान मवइ ॥ एवं एवं कमेन  
कटारकमेन धारसमुत्पणे निवसे धारसमुत्पण दाई मवइ धारसमुत्पणानंतरे निवसे  
दादिनस्य धारसमुत्पण दाई थोयसमुत्पणे निवसे धारसमुत्पण दाई थोयसमुत्पणान-  
तरे निवसे । दादिनस्येवधारसमुत्पण दाई । पट्टारसमुत्पणे निवसे मवइसमुत्पण दाई  
मवइ पट्टारसमुत्पणानंतरे निवसे दादिनस्य धारसमुत्पण दाई थोयसमुत्पणे

दिवसे सोलसमुहुता राई चोदसमुहुताणंतरे दिवसे सातिरेगा सोलसमुहुता राई तेरसमुहुते दिवसे सत्तरसमुहुता राई तेरसमुहुताणंतरे दिवसे सातिरेगा सत्तरसमुहुता राई । जयाणं जवू० दाहिण्हे जहण्णए दुवाल्समुहुते दिवसे भवइ तथा ण उत्तरहेवि, जया ण उत्तरहे तथा ण जवूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं उक्कोसिया अट्टारसमुहुता राई भवइ?, हता गोयमा । एवं चेव उच्चारं यव्वं जाव राई भवइ । जया णं भंते ! जवू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं जहण्णए दुवाल्समुहुते दिवसे भवइ तथा ण पच्चत्थिमेणवि० तथा ण जवू० मंदरस्स उत्तरदाहिणेण उक्कोसिया अट्टारसमुहुता राई भवइ?, हता गोयमा । जाव राई भवइ ॥ १७६ ॥ जया णं भंते ! जवू० दाहिण्हे वासाण पढमे समए पडिबज्जइ तथा णं उत्तरहेवि वासाण पढमे समए पडिबज्जइ जया ण उत्तरहेवि वासाण पढमे समए पडिबज्जइ तथा णं जवूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं अणंतरपुरक्खडसमयसि वासाणं प० स० प०?, हता गोयमा । जया णं जवू० दाहिण्हे वासाण प० स० पडिबज्जइ तह चेव जाव पडिबज्जइ । जया णं भंते ! जवू० मंदरस्स पुरच्छिमेणं वासाण पढमे स० पडिबज्जइ तथा णं पच्चत्थिमेणवि वासाण पढमे समए पडिबज्जइ, जया ण पच्चत्थिमेणवि वासाण पढमे समए पडिबज्जइ तथा ण जाव मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं अणंतरपच्छाक्खडसमयसि वासाणं प० स० पडिबज्जे भवइ?, हता गोयमा । जया णं जवू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं, एवं चेव उच्चारं यव्वं जाव पडिबज्जे भवइ ॥ एव जहा समएणं अभिलावो भणिवो वासाण तहा आवलियाएवि २ भाणियव्वो, आणापाणुणवि ३ थोवेणवि ४ लवेणवि ५ मुहुत्तेणवि ६ अहोरेत्तेणवि ७ पक्खेणवि ८ मासेणवि ९ उच्छाणवि १०, एएसिं सव्वेसिं जहा समयस्स अभिलावो तहा भाणियव्वो । जया णं भंते ! जवू० दाहिण्हे हेमंताणं पढमे समए पडिबज्जइ जहेव वासाण अभिलावो तहेव हेमंताणवि २० गिम्हाणवि ३० भाणियव्वो जाव उक्क, एवं एए तिज्जिवि, एएसिं तीस आलावगा भाणियव्वो । जया णं भंते ! जवू० मंदरस्स पव्वयस्स दाहिण्हे पढमे अयणे पडिबज्जइ तथा णं उत्तरहेवि पढमे अयणे पडिबज्जइ, जहा समएण अभिलावो तहेव अयणेणवि भाणियव्वो जाव अणंतरपच्छाक्खडसमयसि पढमे अयणे पडिबज्जे भवइ, जहा अयणेणं अभिलावो तहा सवच्छरेणवि भाणियव्वो जुएणवि वाससएणवि वाससहस्सेणवि वाससयसहस्सेणवि पुव्वेणवि पुव्वेणवि तुट्ठियंणेणवि तुट्ठिणवि, एव पुव्वे २ तुट्ठि २ अट्ठे २ अववे २ वृद्धए २ उप्पले २ पउमे २ नलिणे २ अच्छ(अत्थि)णितरे २ अउए २ णउए २ पउए २ चूलिया

१ शीतपदेभ्यः २ पश्चिमोपदेशेन वायव्यमथवि भाग्यमथो । जया नं भेते ।  
 केरुद्वी २ दक्षिणे पश्चा ओत्तपिनी पश्चिमात् तथा नं उत्तरेणै पश्चा ओत्तपिनी  
 पश्चिमात्, जया नं उत्तरेणै पश्चिमात् तथा नं केरुद्वी २ मंदरात् पश्चिमस्त  
 पुरास्त्रिमपश्चिममेव नैवति ओत्तपिनी नैवति उत्तरपिनी अत्रिपु ये ताव  
 चाके पक्षे । समवाहते । इत्ता शेषमा । तं नैव उत्तरेणै वायव्यमथो ।  
 अत्रा ओत्तपिनीयै वायव्यमथो मथिओ एवं उत्तरपिनीयै मायिवायो ॥ १०७ ॥  
 अत्रा नं भेते । उत्तरे श्रिया उदीविपार्श्वमुगच्छ जहेव केरुद्वीयस्य वायव्या  
 मथिवा सवेव च्या अष्टिपेक्षिवा मथनसमुद्रस्तमि मायिवाया नवरं अमिवायो  
 इत्ये वेदव्यो-जया नं भेते । अत्रा उत्तरे दक्षिणे विवते मथः तं नैव वाय  
 तथा नं अत्रा उत्तरे पुरास्त्रिमपश्चिममेव एव मथः, एव अमिवायै नैवमं ।  
 अत्रा नं भेते । अत्रा उत्तरे दक्षिणे पश्चा ओत्तपिनी पश्चिमात् तथा नं उत्तरेणै  
 पश्चा ओत्तपिनी पश्चिमात्, जया नं उत्तरे पश्चा ओत्तपिनी पश्चिमात् तथा नं  
 अत्रा उत्तरे पुरास्त्रिमपश्चिममेव वेवति ओत्तपिनी २ समवाहते । इत्ता गोयमा ।  
 वायव्यमथो । ॥ वायव्ये नं भेते । श्रिया उत्तरे उदीविपार्श्वमुगच्छ जहेव  
 केरुद्वीयस्य वायव्या मथिवा सवेव वायव्ये उत्तरमि मायिवाया नवरं इत्ये अमि-  
 वायै सवेव वायव्या मायिवाया । जया नं भेते । वायव्ये श्रिया दक्षिणे  
 विवते मथः तथा नं उत्तरेणै जया नं उत्तरेणै तथा नं वायव्ये श्रिया मंदरात्  
 पश्चिमार्थं पुरास्त्रिमपश्चिममेव एव मथः । इत्ता शेषमा । एवं नैव वायव्ये  
 मथः । अत्रा नं भेते । वायव्ये श्रिया मंदरात् पश्चिमार्थं पुरास्त्रिम  
 पश्चिममेव विवते मथः तथा नं पश्चिममेव अत्रा नं पश्चिममेव तथा नं वायव्ये श्रिया मंद-  
 रात् पश्चिमार्थं उत्तरेणै दक्षिणेण एव मथः । इत्ता शेषमा । वायव्ये मथः, एवं  
 एव अमिवायै मेवमं वायव्ये जया नं भेते । दक्षिणे पश्चा ओत्त तथा नं  
 उत्तरेणै जया नं उत्तरेणै तथा नं वायव्ये श्रिया मंदरात् पश्चिमार्थं पुरास्त्रिम  
 पश्चिममेव मथि ओत्त वायव्यमथो । इत्ता शेषमा । वायव्यमथो ।  
 अत्रा अत्रा उत्तरे वायव्या तथा वायव्ये उत्तरमि मायिवाया, नवरं वायव्ये  
 मथि मायिवाया । अमिवायुक्तादे नं भेते । श्रिया उदीविपार्श्वमुगच्छ जहेव  
 वायव्ये उत्तर वायव्या उत्तरे अमिवायुक्तादे उत्तरमि मायिवाया नवरं अमिवायो  
 वायव्ये वायव्ये च्या तथा नं अमिवायुक्तादे मंदरात् पुरास्त्रिमपश्चिममेव  
 वेवति ओत्त वेवति उत्तरपिनी अत्रिपु ये ताव चाके पक्षे समवाहते । तं  
 भेते । १ ति ॥ १०८ ॥ वायव्यमथ पश्चा ओत्तसो समवाहते ॥

रायगिहे नगरे जाव एव वदासी-अत्थि णं भते । ईसिं पुरेवाया पत्यावाया मदावाया महावाया वायति ? हंता । अत्थि, अत्थि ण भंते । पुरच्छिमेण ईसिं पुरेवाया पत्यावाया मदावाया महावाया वायति ? हता । अत्थि । एव पञ्चत्थिमेण दाहिणेन उत्तरेण उत्तरपुरच्छिमेण पुरच्छिमदाहिणेण दाहिणपञ्चत्थिमेण पच्छिमउत्तरेण ॥ जया णं भते । पुरच्छिमेण ईसिं पुरेवाया पत्यावाया मदावाया महावाया वायति तया णं पञ्चत्थिमेणवि ईसिं पुरेवाया जया णं पञ्चत्थिमेण ईसिं पुरेवाया तया णं पुरच्छिमेणवि ? हंता गोयमा । जया ण पुरच्छिमेण तया ण पञ्चत्थिमेणवि ईसिं जया ण पञ्चत्थिमेणवि ईसिं तया ण पुरच्छिमेणवि ईसिं, एवं दिसासु विदिसासु ॥ अत्थि ण भंते । वीविच्चया ईसिं ? हंता । अत्थि । अत्थि णं भंते । सामुद्दया ईसिं ? हता । अत्थि । जया णं भंते । वीविच्चया ईसिं तया ण सामुद्दयावि ईसिं जया णं सामुद्दया ईसिं तया ण वीविच्चयावि ईसिं ? णो इण्ठे समठ्ठे । से केण्ठेणं भंते । एव बुच्चइ जया ण वीविच्चया ईसिं णो ण तया सामुद्दया ईसिं जया णं सामुद्दया ईसिं णो ण तया वीविच्चया ईसिं ? गोयमा । तेसि ण वायाणं अन्नमन्नस्स विवन्नासेण लवणे समुद्दे वेल नाइक्कमइ से तेण्ठेणं जाव वाया वायति ॥ अत्थि ण भते । ईसिं पुरेवाया पत्यावाया मदावाया महावाया वायति ? हता । अत्थि । कया ण भते । ईसिं जाव वायति ? गोयमा । जया ण वाउयाए अहारियं रियति तया णं ईसिं जाव वायति । अत्थि ण भते । ईसिं ? हता । अत्थि, कया ण भंते । ईसिं पुरेवाया पत्या० ? गोयमा । जया ण वाउयाए उत्तरकिरियं रियइ तया णं ईसिं जाव वायति । अत्थि ण भंते । ईसिं ? हंता । अत्थि, कया ण भते । ईसिं पुरेवाया पत्या० ? गोयमा । जया णं वाउकुमारा वाउकुमारीओ वा अप्पणो वा परस्स वा तट्ठभयस्स वा अट्ठाए वाउकाय उदीरेंति तया ण ईसिं पुरेवाया जाव वायति ॥ वाउकाए ण भंते । वाउकाय चेव आणमति पाण० जहा खंदए तहा चत्तारि आलावगा नेयन्वा अणेगसयसइस्स० पुट्ठे उद्दाइ वा, ससरीरी निक्खमइ ॥ १७९ ॥ अह भंते । ओदणे कुम्मासे सुरा एए ण किंसरीराति वत्तन्वं सिया ? गोयमा । ओदणे कुम्मासे सुराए य जे घणे दव्वे एए ण पुव्वभावपन्नवर्णं पडुच्च वणस्सइजीवसरीरा तओ पच्छा सत्यातीया सत्थपरिणामिआ अगणिज्झामिया अंगणिज्झसिया अगणिसेविया अगणिपरिणामिया अगणिजीवसरीराति वत्तन्वं सिया, सुराए य जे दवे दव्वे एए ण पुव्वभावपन्नवर्णं पडुच्च आउजीवसरीरा, तओ पच्छा सत्यातीया जाव अगणिकायसरीराति वत्तन्वं सिया । अह भंते । अए तवे तउए सीसए उवळे कसट्ठिया एए णं किंसरीराइ वत्तन्वं सिया ? गोयमा । अए तवे तउए





गोयमा ! साउए सकमइ नो निराउए सकमइ । से णं भते ! आउए कहिं कडे  
 कहिं समाइण्णे ? गोयमा ! पुरिमे भवे कडे पुरिमे भवे समाइण्णे, एव जाव  
 वेमाणियाणं दइओ । से नूणं भंते ! जे जभविए जोणिं उववज्जितए से तमाउय  
 पकरेइ, तजहा-नेरइयाउय वा जाव देवाउय वा ? हता गोयमा ! जे जंभविए  
 जोणिं उववज्जितए से तमाउय पकरेइ, तजहा-नेरइयाउय वा तिरि० मणु० देवा-  
 उयं वा, नेरइयाउय पकरेमाणे सत्तविहं पकरेइ, तजहा-रयणप्पमापुठविनेरइयाउयं  
 वा जाव अहेसत्तमापुठविनेरइयाउय वा, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे पच्चविहं  
 पकरेइ, तजहा-एगिदियतिरिक्खजोणियाउयं वा, भेदो सव्वो भाणियव्वो, मणुस्सा  
 उयं दुविहं, देवाउयं चउव्विहं, सेव भते ! सेवं भंते ! सि ॥ १८३ ॥ पचमे सए  
 तइओ उहेसो समत्तो ॥

छउमत्थे णं भते ! मणुस्से आउडिज्जमाणाइ सद्दाइं सुणेइ, तजहा-सखसद्दाणि  
 वा सिंगस० सखियस० खरमुहिस० पोयाम० परिपिरियास० पणवस० पडहस०  
 भंभास० होरंभस० भेरिसद्दाणि वा झल्लरिस० दुदुहिस० तयाणि वा वित्तयाणि वा  
 घणाणि वा झुसिराणि वा ? हंता गोयमा ! छउमत्थे ण मणुस्से आउडिज्जमाणाइं  
 सद्दाइं सुणेइ, तजहा-सखसद्दाणि वा जाव झुसिराणि वा । ताइं भते ! किं पुट्ठाइं  
 सुणेइ अपुट्ठाइं सुणेइ ? गोयमा ! पुट्ठाइं सुणेइ नो अपुट्ठाइं सुणेइ, जाव नियमा  
 छहिसिं सुणेइ । छउमत्थे ण मणुस्से किं आरगयाइ सद्दाइं सुणेइ पारगयाइं सद्दाइं  
 सुणेइ ? गोयमा ! आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ नो पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ । जहा णं  
 भंते ! छउमत्थे मणुस्से आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ नो पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ तहा  
 णं भते ! केवली मणुस्से किं आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ ?  
 गोयमा ! केवली णं आरगयं वा पारगय वा सव्वदूरमूलम्मणंतियं सद्दा जाणेइ पोसेइ,  
 से केणट्ठेण तं चेव केवली णं आरगय वा पारगयं वा जाव पासइ ? गोयमा !  
 केवली णं पुरच्छिमेण मियपि जाणइ अमियपि जा० एव दाहिणेण पच्चत्थिमेण  
 उत्तरेणं उरुं अहे मियपि जाणइ अमियपि जा० सव्व जाणइ केवली सव्वं पासइ  
 केवली सव्वओ जाणइ पासइ सव्वकालं जा० पा० सव्वभावे जाणइ केवली  
 सव्वभावे पासइ केवली ॥ अणंते नाणे केवलिस्स अणंते दसणे केवलिस्स  
 निव्वुद्धे नाणे केवलिस्स निव्वुद्धे दसणे केवलिस्स से तेणट्ठेण जाव पासइ ॥ १८४ ॥  
 छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा ? हता ! हसेज्ज वा उस्सुया  
 एज्ज वा, जहा णं भंते ! छउमत्थे मणुस्से हसेज्ज जाव उस्सु० तहा णं केवलीवि  
 हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण भते ! जाव

सीसए वषडे अस्तित्वा एए के पुम्बमावपम्बवर्न पट्टव पुम्बमिबीवसरीए तम्बे  
पम्बम सत्तासीवा काव अगमिबीवसरीएति वत्तम्ब सिवा । अहम्ब मंते । अही  
अहिग्गामे अम्मे अम्मज्जाये रोमे २ सिगे २ कुरे २ नन्ने २ एए के सिंसरीएति  
वत्तम्ब सिवा । गोक्का । अही अम्मे रोमे सिगे कुरे नहे एए के तत्तपामबीवसरीए  
अहिग्गामे अम्मज्जाये रोम्मज्जाये सिग सुए अहम्बाम एए के पुम्बमावपम्ब-  
वर्न पट्टव तत्तपामबीवसरीए तम्बे पम्बम सत्तासीवा काव अगमिबीव  
सि  
वत्तम्ब सिवा । अह मंते । ईवाके क्कारिए मुठे गोमए एए के सिंसरीएति वत्तम्ब  
सिवा । ओवमा । ईवाके क्कारिए मुठे गोमए एए के पुम्बमावपम्बवर्न पट्टव  
एम्बिन्निबीवसरीएपम्बोपरिवागिवागि काव पेम्बिन्निबीवसरीएपम्बोपरिवागिवागि  
तम्बे पम्बम सत्तासीवा काव अगमिबीवसरीएति वत्तम्ब सिवा ॥ १८ ॥  
अम्बे के मंते । समुदे केवइव वड्ढाअम्बिन्निवर्मेके पम्बो । एवं मैवम्ब काव  
ओम्बहिई ओम्बजुमावे हिई मंति । २ ति मगई काव मिहए ॥ १८१ ॥  
पम्बम सए बीम्बो उहेसो समसो ॥

अम्बवत्तिवा के मंति । एम्बवत्तिवा मा प एवं प से अहम्बामए काव-  
गट्टिवा सिवा अहम्बामिपट्टिवा अम्बतरमट्टिवा परंपरमट्टिवा अम्बमवट्टिवा अम्ब-  
मवट्टिवापम्बामए अम्बमवट्टिवापम्बामए अम्बमवट्टिवापम्बामए अम्बमवट्टिवापम्बामए  
विट्ठि, एवमेव वड्ढे बीवार्न अहम्ब आवाइवसत्तसत्त वड्ढे आवाइवसत्तसत्त  
अहम्बामिपट्टिवा काव विट्ठि एवमेव के बीवे एगेव समएवं से आवाइव  
पट्टिसेवेइ, तम्बम-इहममिवाइव के परममिवाइव के के समवे इहममिवाइव  
पट्टिसेवेइ तं समवे परममिवाइव पट्टिसेवेइ काव से अम्बेवं मंति । एवं ?  
गोमया । अम्ब से अम्बवत्तिवा तं केव काव परममिवाइव के के से एम्बवत्त तं  
मिपट्टा कई पुम भोक्का । एम्बवत्तकाभि काव परममि काव अम्बमवट्टिवापम्बामए विट्ठि  
एवमेव एवमेवस बीवस वड्ढे आवाइवसत्तसत्त वड्ढे आवाइवसत्तसत्त अहम्ब-  
मिपट्टिवा काव विट्ठि, एवमेव के बीवे एगेव समएवं एवं आवाइव पट्टि-  
सेवेइ, तम्बम-इहममिवाइव वा परममिवाइव वा के समवे इहममिवाइव पट्टि-  
सेवेइ नो तं समवे पर पट्टिसेवेइ के समवे प नो तं समवे इहममिवाइव  
प इहममिवाइवस पट्टिसेवेइकाए नो परममिवाइव पट्टिसेवेइ परममिवा-  
सत्तस पट्टिसेवेइकाए नो इहममिवाइव पट्टिसेवेइ, एवं कम्ब इमे बीवे एगेव  
समएवं एवं आवाइव प तम्बम-इहम वा परम वा ॥ १८२ ॥ बीवे के मंते ।  
ओ ममिए मेइएण वषजिवाए से के मंते । सिं पाटए वंअम्ब निरावए वंअम्बइ,

अइमुत्ते कुमारसमणे कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिहिइ जाव अत करेहिइ ? अज्जोति  
समणे भगवं महावीरे ते थेरे एव वयासी-एवं खलु अज्जो । मम अतेवासी अइमुत्ते  
णाम कुमारसमणे पगइभइए जाव विणीए से ण अइमुत्ते कुमारसमणे इमेणं चेव  
भवग्गहणेणं सिज्झिहिइ जाव अत करेहिइ, त मा ण अज्जो ।-तुब्भे अइमुत्तं  
कुमारसमणं हीळेइ निदइ खिसइ गरइइ अवमजइ, तुब्भे ण देवाणुप्पिया ! अइ-  
मुत्त कुमारसमण अगिलाए संगिण्हइ अगिलाए उवगिण्हइ अगिलाए भतेणं पाणेण  
विणएण चैयावडिय करेइ, अइमुत्ते ण कुमारसमणे अतकरे चेव अतिमसरीए  
चेव, तए ण ते थेरा भगवंतो समणेण भगवया म० एव वुत्ता समाणा समणं भगवं  
महावीरं वदति नमसति अइमुत्त कुमारसमण अगिलाए संगिण्हंति जाव वेयाव  
डिय करेति ॥ १८७ ॥ तेणं कालेणं २ महासुक्काओ कप्पाओ महासग्गाओ महावि-  
मागाओ दो देवा महिद्धिया जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिय  
पाउब्भूया, तए ण ते देवा समण भगव महावीरं मणसा चेव वंदति नमसति मणसा  
चेव इम एयारूव वागरणं पुच्छति-कइ ण भते ! देवाणुप्पियाण अतेवासिसयाई  
सिज्झिहिंति जाव अत करेहिंति ? तए णं समणे भगव महावीरे तेहिं देवेहिं मणसा  
पुट्ठे त्रेसिं देवाण मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरेइ-एव खलु देवाणुप्पिया !  
मम सत्त अतेवासिसयाई सिज्झिहिंति जाव अत करेहिंति, तए ण ते देवा समणेणं  
भगवया महावीरेण मणसा पुट्ठेणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरण वागरिया  
समाणा हट्ठवुट्ठा जाव हयहियया समण भगवं महावीरं वंदति णमंसंति २ ता मणसा  
चेव सुस्ससमाणा णमंसमाणा अभिमुहा जाव पज्जुवासंति । तेण कालेणं २ सम  
णस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अतेवासी इदभूई णाम अणगारे जाव अदूरसा-  
मते उट्ठुजाणू जाव विहरइ, तए ण तस्स भगवओ गोयमस्स क्षाणंतरियाए वट्ठ-  
माणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था, एव खलु दो देवा महिद्धिया  
जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अतियं पाउब्भूया तं नो खलु  
अहं ते देवे जाणामि कयराओ कप्पाओ वा सग्गाओ वा विमाणाओ वा कस्स वा  
अत्थस्स अट्ठाए इह हव्वमागया ? त गच्छामि ण भगव महावीरं वंदामि णमसामि  
जाव पज्जुवासामि इमाइ च णं एयारूवाइ वागरणाइ पुच्छिस्सामिति कट्ठु एवं संपे  
खेइ २ उट्ठाए उट्ठेइ २ जेणेव समणे भगवं महा० जाव पज्जुवासइ, गोयमादि  
समणे भगवं म० भगवं गोयम एव वदासी-से णूण तवे गोयमा ! क्षाणतरियाए  
चट्ठमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव जेणेव मम अतिए तेणेव हव्वमागए से णूणं  
गोयमा ! अत्ये समत्ये ? हता ! अत्थि, त गच्छाहि ण गोयमा ! एए चेव देवा

नो नं तद्वा केवली हसेज वा काव उत्तवापूज वा । योक्ता । कर्म जीवा नरि  
 त्तोहमिजस्त कर्मस्तं वषण्णै हसंति वा वस्तुवावति वा ये नं केवलिस्त मत्ति  
 से तेवण्णै वाव नो नं तद्वा केवली हसेज वा वस्तुवापूज वा । योक्ता । योक्ता । सतमिहववण्ण वा  
 हसमावै वा उत्तुममावै वा कद् कम्मपक्खीओ ववण्णै । योक्ता । सतमिहववण्ण वा  
 अत्तमिहववण्ण वा । वेरुण्णै मंते । हसमावै वा उत्तुममावै वा कद् कम्मपक्खीओ  
 ववण्णै । योक्ता । सतमिहववण्ण वा अत्तमिहववण्ण वा । योक्ता । हसमावै वा  
 उत्तुममावै वा कद् कम्मपक्खीओ ववण्णै । योक्ता । सतमिहववण्ण वा अत्तमिह  
 ववण्ण वा वेरुण्णै पुच्छा योक्ता । सत्ते मि ताव होत्ता सतमिहववण्ण वा कद्वा  
 सतमिहववण्णै अत्तमिहववण्णै अद्वा सतमिहववण्ण वा अत्तमिहववण्ण वा ।  
 एवं वाव केवलिपु, येवण्णै वीथेयिनिवकओ तिक्कमंते ॥ १८५ ॥  
 म्मत्ते निहण्ण वा पक्कमपूज वा । हंता । निहण्ण वा पक्कमपूज वा कद्वा  
 हसेज वा तद्वा तवरे वरेत्तवावतिजस्त कर्मस्त वषण्णै निहण्णै वा पक्कमंति  
 वा ये नं केवलिस्त मत्ति अहं तं वेव । योक्ता । योक्ता । निहण्णै वा  
 पक्कमपूज वा कद् कम्मपक्खीओ ववण्णै । योक्ता । सतमिहववण्ण वा अत्तमिहव  
 वण्ण वा एवं वाव केवलिपु, येवण्णै वीथेयिनिवकओ तिक्कमंते ॥ १८५ ॥  
 हति नं मंते । हतिवेयमेती चत्तवा इत्थीगम्मं चत्तवमावै किं मम्मामो  
 कम्मं चाहर १ । मम्मामो योक्ता चाहर २ योक्ताओ कम्मं चाहर ३  
 योक्ताओ योक्ता चाहर ४ । योक्ता । नो मम्मामो कम्मं चाहर नो  
 मम्मामो योक्ता चाहर नो योक्ताओ योक्ता चाहर पत्तुमिन् २ अम्मा  
 वाहेनं अम्माओ योक्ताओ कम्मं चाहर ॥ १८५ ॥ मंते । हतिवेयमेती चत्तव  
 नं वद्वा इत्थीगम्मं वदित्तेति वा ऐमहंति वा चाहरिपु वा वीहरिपु वा ।  
 हंता । पद्वा नो वेव नं तस्स कम्मस्त किंमिनि आवाहं वा विवाहं वा सप्पाएवा  
 कम्मिण्णै पुव वरेत्ता पद्वा नं नं चाहरिज वा वीहरिज वा ॥ १८५ ॥  
 येनं क्कमेनं येनं क्कमेनं क्कमेनं अगवओ महावीरस्स भंतेवाही अश्रुते वामे  
 कुमारसमने पद्वापूज वाव निधीपु, तद्वा नं से अश्रुते कुमारसमने क्कमेनं  
 क्कमेनं महाकुट्टिगम्मं निवकमंति क्कमेनं विम्वरववण्णै वदित्ता संपत्तिपु  
 निहण्णै, तद्वा नं से अश्रुते कुमारसमने वदित्ता वदित्ता पत्तु २ यदित्ता पत्ति  
 ववण्णै २ वाविया मे २ वावियाओक्ता वावमं यदित्ता वदित्ति कद्वा पक्कममावै २  
 अम्मिण्णै, तं नं वेव वदित्ता, वेवैव समने अगवं तेवैव ववापत्तेति २ एवं  
 ववाही-व्वं कद्वा वेवपत्तिमावै वतिवाही अश्रुते वामे कुमारसमने से नं मंते ।

अपुञ्जोदारे तद्वा पेय्यं पमाण जाव तेण परं नो अत्तागमे नो अणेतरागमे परं-  
 परागमे ॥ १९० ॥ केवली ण भते । चरिमक्कम्म वा चरिमणिज्जरं वा जाव  
 पासइ ? हता गोयमा ! जाणइ पासइ । जद्वा ण भते । केवली चरिमक्कम्म वा  
 जद्वा ण अतरणेण आलायगो तद्वा चरिमक्कम्मेणि अपरिसेसिओ पेय्यी ॥ १९१ ॥  
 केवली ण भते ! पणीयं मण वा घइ वा धारेज्जा ? हता ! धारेज्जा, जद्वा ण भते !  
 केवली पणीयं मण वा घइ वा धारेज्जा ते णं वेमाणिया देवा जाणंति पासति ?  
 गोयमा ! अत्थेगइया जाणति पा० अत्थेगइया न जाणति न पा०, से केणट्ठेण  
 जाव ण जाणति ण पासति ? गोयमा ! वेमाणिया देवा दुविहा पण्णत्ता, तज्जहा-  
 माइमिच्छादिट्ठिउववग्गा य अमाइमिच्छादिट्ठिउववग्गा य, तत्थ ण जे ते माइमि-  
 च्छादिट्ठिउववग्गा ते न जाणंति न पासति, तत्थ ण जे ते अमाइमिच्छादिट्ठिउव-  
 वग्गा ते णं जाणंति पासति, से केणट्ठेण एयं धु० अमाइमिच्छादिट्ठि जाव पा० ?  
 गोयमा ! अमाइमिच्छादिट्ठि दुविहा पण्णत्ता-अणत्तरोववग्गा य परंपरोववग्गा य,  
 तत्थ अणत्तरोववग्गा न जा० परंपरोववग्गा जाणति, से केणट्ठेण भते । एवं  
 परंपरोववग्गा जाव जाणति ? गोयमा ! परंपरोववग्गा दुविहा पण्णत्ता-पज्जत्ता  
 य अपज्जत्ता य, पज्जत्ता जा० अपज्जत्ता न जा०, एव अणत्तपरंपरपज्जत्ताअप-  
 ज्जत्ता य उवउत्ता अणुवउत्ता, तत्थ ण जे ते उवउत्ता ते जा० पा० से तेणट्ठेण  
 त चेव ॥ १९२ ॥ पभू ण भते ! अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा  
 इहगए केवलीणा सद्धि आलाय वा सत्ताय वा करेत्तए ? हता ! पभू, से केवली  
 जाव पभू ण अणुत्तरोववाइया देवा जाव करेत्तए ? गोयमा ! जण्णं अणुत्तरोववा-  
 इया देवा तत्थगया चेव समाणा अट्ठ वा हेटं वा पसिण वा वागरणं वा कारणं  
 वा पुच्छति तण्णं इहगए केवली अट्ठ वा जाव वागरणं वा वागरेइ से तेणट्ठेण ।  
 जन्म भते ! इहगए चेव केवली अट्ठ वा जाव वागरेइ तण्णं अणुत्तरोववाइया देवा  
 तत्थगया चेव समाणा जा० पा० ? हता ! जाणति पासति, से केणट्ठेण जाव  
 पासति ? गोयमा ! तेषि णं देवाण अणत्ताओ मणोदब्बवग्गाओ लद्धाओ पत्ताओ  
 अभिसमन्नागयाओ भवति से तेणट्ठेण जण्णं इहगए केवली जाव पा० ॥ १९५ ॥  
 अणुत्तरोववाइया ण भते ! देवा किं उदिन्नमोहा उवसंतमोहा खीणमोहा ? गोयमा !  
 नो उदिन्नमोहा उवसंतमोहा णो खीणमोहा ॥ १९६ ॥ केवली ण भते ! आया-  
 नेहिं जा० पा० ? गोयमा ! णो तिणट्ठे स०, से केणट्ठेण जाव केवली ण आया-  
 नेहिं न जाणइ न पासइ ? गोयमा ! केवली ण पुरच्छिमेणं मियंपि जाणइ  
 अमियंपि जा० जाव निब्बुडे दम्णे केवलिस्स से तेण० ॥ १९७ ॥ केवली ण



॥ २०१ ॥ जघुदीवे णं भंते ! भारहे वासे इमीसे ओस० कइ कुलगरा होत्वा ?  
 गोयमा ! सत्त एव तित्थयरा तित्थयरमायरो पियरो पढमा सिस्सिणीओ चक्खवट्ठी-  
 मायरो पियरो इत्थिरयणं बलदेवा वासुदेवा वासुदेवमायरो पियरो, एएसिं पडिसा-  
 जहा समवाए णामपरिवादी तहा गेयन्वा, सेव भंते ! २ ति जाव विहरइ ॥ २०२ ॥  
 पंचमसए पंचमो उद्देसओ समत्तो ॥

कहणं भंते ! जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं,  
 तजहा-पाणे अइवाइत्ता मुसं वइत्ता तहारुव समण वा माहण वा अफासुणं अणे  
 सणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेण पडिलाभेत्ता, एव खलु जीवा अप्पाउयत्ताए  
 कम्मं पकरेंति ॥ कहणं भंते ! जीवा वीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! तिहिं  
 ठाणेहिं-नो पाणे अइवाइत्ता नो मुसं वइत्ता तहारुव समणं वा माहणं वा फासु-  
 सणिज्जेण असणपाणखाइमसाइमेण पडिलाभेत्ता एव खलु जीवा वीहाउयत्ताए कम्मं  
 पकरेंति ॥ कहणं भंते ! जीवा असुभवीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! पाणे  
 अइवाइत्ता मुसं वइत्ता तहारुव समण वा माहण वा हीलित्ता निंदित्ता खिसित्ता  
 गरहित्ता अवमज्जित्ता अन्नयरेण अमणुज्जेणं अपीइकारएण असणपाणखाइमसाइमेण  
 पडिलाभेत्ता एव खलु जीवा असुभवीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ॥ कहणं भंते !  
 जीवा सुभवीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! नो पाणे अइवाइत्ता नो मुसं  
 वइत्ता तहारुव समण वा माहणं वा वंदित्ता नमसित्ता जाव पज्जुवासित्ता अन्नयरेण  
 मणुज्जेणं पीइकारएण असणपाणखाइमसाइमेण पडिलाभेत्ता एव खलु जीवा सुभ-  
 वीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ॥ २०३ ॥ गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विकिणमाणस्स  
 केइ भंडं अवहरेज्जा तस्स णं भंते ! तं भंडं अणुगवेसमाणस्स किं आरंभिया  
 किरिया कज्जइ परिग्गहिया० माया० अप० मिच्छा० ? गोयमा ! आरंभिया  
 किरिया कज्जइ परि० माया० अप० मिच्छादसणकिरिया सिय कज्जइ सिय नो  
 कज्जइ ॥ अहं से भंडे अभिसमनागए भवइ, ताओ से पच्छा सव्वाओ ताओ  
 पयणुईभवति ॥ गाहावइस्स णं भंते ! तं भंडं विकिणमाणस्स कइए भंडं साइ  
 ज्जेज्जा भंडे य से अणुवणीए सिया, गाहावइस्स णं भंते ! ताओ भंडाओ किं  
 आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादसणकिरिया कज्जइ ? कइयस्स वा ताओ  
 भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादसणकिरिया कज्जइ ? गोयमा !  
 गाहावइस्स ताओ भंडाओ आरंभिया किरिया कज्जइ जाव अपचक्खणिगिया मिच्छा-  
 दसणवत्तिया किरिया सिय कज्जइ सिय नो कज्जइ, कइयस्स णं ताओ सव्वाओ  
 पयणुईभवति । गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विकिणमाणस्स जाव भंडे से उवणीए

मृते । अस्ति समर्थसि मेतु आगासपरीतेतु इत्थं वा पात्रं वा बाहुं वा कर्णं वा  
 श्लोकश्रित्वा न विद्वत् पम् न मेत । केनही सेनकर्मसि वि तेषु पञ्च आगास  
 परेतेतु इत्थं वा पात्रं श्लोकश्रित्वा न विद्वत् पम् १, गोकमा । नो हि न से केनकेन  
 मते । जात्र केनही ये अस्ति समर्थसि मेतु आगासपरीतेतु इत्थं वा पात्रं विद्वत्  
 मो न दम् केनही सेनकर्मसि तसु येन आगासपरीतेतु इत्थं वा जात्र विद्वत् पम् १  
 नो । केनमिस्त्वं न शीतसमोन्मत्तवापु नकारं उवगराजं मयंति वात्सेयम-  
 रण्डमापु न न केनही अस्ति समर्थसि मेतु आगासपरीतेतु इत्थं वा जात्र विद्वत्  
 मो न पम् केनही सेनकर्मसि तसु येन जात्र विद्वत् पम्, से तेनकेन जात्र पुन्य-  
 केनही ये अस्ति समर्थसि जात्र विद्वत् पम् १९८ ॥ पम् न मेते । शौरसुपुम्ही  
 ब्रह्मणे ब्रह्महस्ते ब्रह्मणे पञ्चहस्ते कर्माभी २ रक्षाभी २ अताभी अतसहस्ते  
 ईदाम्ही ईदसहस्ते अमिनिम्येता कवसितपम् १, इत्थम् । पम्, से केनकेन पम्  
 शौरसुपुम्ही जात्र अस्ति पम् । गोकमा । अतसुपुम्हीस्त्वं न अन्तर्गतं दम्पतं न  
 त्रियामेर्ण मित्रमात्रं कर्मात् पत्तम् अमिनिम्येता कवसितपम्, से तेनकेन जात्र  
 कवसितपम् । से न मेते । से न मेते । वि ॥ १९९ ॥ पञ्चमे सप अतस्यो ब्रह्मणे ॥

अन्तर्गतं न मेते । अन्ते लोकात्तं सात्तं समं केनकेन अन्तर्गतं अन्त पञ्च  
 यत्तु अन्तर्गते आकाशपा तद्वा केनका जात्र अन्तर्गते वत्तम् त्रिया ॥ २ ॥  
 अन्तर्गते न मेते । एकमात्रकर्मसि जात्र पञ्चमेति सन्ने पात्रा सन्ने मूत्रा सन्ने  
 जीवा सन्ने सत्ता एवम्भूतं विद्वत् विद्वेति से कर्मसि मेते । एवं १, गोकमा । अन्त  
 से अन्तर्गते एकमात्रकर्मसि जात्र विद्वेति से से एकमात्रसु मित्रमा से एकमा-  
 इत्तु, नई पुत्र गोकमा । एकमात्रकर्मसि जात्र पञ्चमेति अन्तेयत्तु पात्रा मूत्रा  
 जीवा सत्ता एवम्भूतं विद्वत् विद्वेति अन्तेयत्तु पात्रा मूत्रा जीवा सत्ता अन्तेयत्तु  
 विद्वत् विद्वेति, से केनकेन अन्तेयत्तु । तं येन सत्तारम्भं गोकमा । से न पात्रा  
 मूत्रा जीवा सत्ता अन्त कर्मा कर्मा तद्वा केनकेन विद्वेति से न पात्रा मूत्रा जीवा सत्ता  
 एवम्भूतं विद्वत् विद्वेति से न पात्रा मूत्रा जीवा सत्ता अन्त कर्मा कर्मा नो तद्वा  
 केनकेन विद्वेति से न पात्रा मूत्रा जीवा सत्ता अन्तेयत्तु विद्वत् विद्वेति से तेनकेन सन्ने ।  
 केनका न मेते । किं एवम्भूतं विद्वत् विद्वेति अन्तेयत्तु विद्वत् विद्वेति १, गोकमा । विर-  
 द्वा न एवम्भूतं विद्वत् विद्वेति अन्तेयत्तु विद्वत् विद्वेति । से केनकेन तं येन  
 गोकमा । से न केनका अन्त कर्मा कर्मा तद्वा केनकेन विद्वेति से न केनका एवम्भूतं  
 विद्वत् विद्वेति से न केनका अन्त कर्मा कर्मा नो तद्वा केनकेन विद्वेति से न केनका  
 अन्तेयत्तु विद्वत् विद्वेति, से तेनकेन एवं जात्र पैमानिका सत्तारम्भं केनकेन



चक्रस्स वा नामी अरगाउत्ता सिया एवामेव जाव चत्तारि पच जोयणसयाई बहु-  
 समाइन्ने मणुयलोए मणुस्सेहिं, से कहमेयं भते ! एव १, गोयमा ! जणं ते अण-  
 उत्थिया जाव मणुस्सेहिं जे ते एवमाइसु मिच्छा०, अह पुण गोयमा ! एवमाइ  
 क्खामि जाव एवामेव चत्तारि पच जोयणसयाइ बहुसमाइण्णे निरयलोए नेरइएहिं  
 ॥ २०७ ॥ नेरइया णं भते ! किं एगत्तं पभू विउव्वित्तए पुहुत्त पभू विउव्वित्तए १,  
 जिहा जीवाभिगमे आलावगो तहा नेयव्वो जाव बुरहियासे ॥ २०८ ॥ आहाकम्मं  
 अणवजेत्ति मण पहारेत्ता भवइ, से ण तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कते कालं  
 करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से ण तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कते कालं करेइ  
 अत्थि तस्स आराहणा, एएणं गमेण नेयव्वं-कीयगडं ठवियं रइयं कतारभत्तं  
 दुब्भिकखभत्तं वइलियाभत्तं गिलाणभत्तं सेजायरपिंडं रायपिंडं । आहाकम्मं अण-  
 वजेत्ति बहुजणमज्झे भासित्ता सयमेव परिभुजित्ता भवइ से णं तस्स ठाणस्स  
 जाव अत्थि तस्स आराहणा, एयंपि तह चेव जाव रायपिंडं । आहाकम्मं अणव-  
 जेत्ति सयं अन्नमज्जस्स अणुप्पदावेत्ता भवइ, से ण तस्स एय तह चेव जाव  
 रायपिंडं । आहाकम्मं ण अणवजेत्ति बहुजणमज्झे पन्नवइत्ता भवइ से णं तस्स  
 जाव अत्थि आराहणा जाव रायपिंडं ॥ २०९ ॥ आयरियउवज्जाए ण भंते !  
 सविसयंसि गण अगिलाए सगिण्हमाणे अगिलाए उवगिण्हमाणे कइहिं भवग्गह-  
 णेहिं सिज्झइ जाव अत्तं करेइ १, गोयमा ! अत्थेगइए तेंणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ  
 अत्थेगइए दोषेण भवग्गहणेण सिज्झइ तच्चं पुण भवग्गहणं णाइक्कमइ ॥ २१० ॥ जे  
 णं भंते ! परं अलिएणं असम्भूएणं अन्मक्खाणेणं अन्मक्खाइ तस्स ण कहप्पगारा  
 कम्मा कज्जति १, गोयमा ! जे णं परं अलिएणं असंत(एणं)वयणेणं अन्मक्खाणेणं  
 अन्मक्खाइ तस्स णं तहप्पगारा चेव कम्मा कज्जति, जत्थेव ण अभिसमा  
 गच्छति तत्थेव णं पडिसवेदंति तओ से पच्छा वेदंति सेवं भते ! २ ति ॥ २११ ॥  
 पंचमसए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

परमाणुपोगगले णं भंते ! एयइ वेयइ जाव तं तं भावं परिणमइ १, गोयमा !  
 सिय एयइ वेयइ जाव परिणमइ सिय णो एयइ जाव णो परिणमइ । दुपदेसिए  
 णं भंते ! खंधे एयइ जाव परिणमइ १, गोयमा ! सिय एयइ जाव परिणमइ सिय  
 णो एयइ जाव णो परिणमइ, सिय देसे एयइ देसे नो एयइ । तिपएसिए णं  
 भंते ! खंधे एयइ ० १, गोयमा ! सिय एयइ सिय नो एयइ, सिय देसे एयइ नो  
 देसे एयइ सिय देसे एयइ नो देसा एयंति सिय देसा एयंति नो देसे एयइ । चउप्प  
 एसिए णं भंते ! खंधे एयइ ० १, गोयमा ! सिय एयइ सिय नो एयइ सिय देसे

[illegible]

दुपदेसिओ तिपदेसियं फुसमाणो आदिहएहि य पच्छिहएहि य तिहिं फुसइ, मज्झि  
मएहिं तिहिं विपडिसेहेयव्वं, दुपदेसिओ जहा तिपदेसियं फुसाविओ एवं फुसावेयव्वो  
जाव अणतपएसियं । तिपएसिए ण भंते । खंधे परमाणुपोग्गलं फुसमाणे पुच्छा,  
तइयच्छट्ठणवमेहिं फुसइ, तिपएसिओ दुपएसियं फुसमाणो पढमएणं तइएणं अउ  
त्यच्छट्ठमत्तमणवमेहिं फुसइ, तिपएसिओ तिपएसियं फुसमाणो सन्वेसुवि ठाणेसु  
फुसइ, जहा तिपएसिओ तिपदेसियं फुसाविओ एवं तिपदेसिओ जाव अणतपएसि  
एण सजोएयव्वो, जहा तिपएसिओ एव जाव अणतपएसिओ भाणियव्वो ॥ २१५ ॥  
परमाणुपोग्गले ण भते । कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा । जहजेण एगं समयं  
उक्कोसेणं असंखेज्ज कालं, एव जाव अणतपएसिओ । एगपदेसोगाढे ण भंते ।  
पोग्गले सेए तम्मि वा ठाणे अन्नमि वा ठाणे कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ।  
जह० एग समयं उक्को० आवलियाए असंखेज्जइभागं, एव जाव असंखेज्जपदेसो  
गाढे । एगपदेसोगाढे ण भते । पोग्गले निरेए कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ।  
जहजेण एग समयं उक्कोसेण असंखेज्जं कालं, एवं जाव असंखेज्जपदेसोगाढे । एग  
गुणकालए णं भंते । पोग्गले कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा । जह० एग समयं  
उ० असंखेज्ज कालं एवं जाव अणंतगुणकालए, एव वन्नगंधरसफास० जाव अणंत-  
गुणलुक्खे, एवं सुहुमपरिणए पोग्गले एव धायरपरिणए पोग्गले । सइपरिणए णं  
भते । पोग्गले कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा । ज० एगं समयं उ० आवलियाए  
असंखेज्जइभागं, असइपरिणए जहा एगगुणकालए ॥ परमाणुपोग्गलस्स ण भते ।  
अतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा । जहजेण एग समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं  
कालं, दुपएसियस्स णं भते । खघस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ।  
जहजेण एग समयं उक्कोसेण अणंत कालं, एव जाव अणंतपएसिओ । एगपएसो-  
गाढस्स ण भते । पोग्गलस्स सेयस्स अतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ।  
जहजेण एग समयं उक्कोसेण असंखेज्ज कालं, एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे । एग  
पएसोगाढस्स ण भते । पोग्गलस्स निरेयस्स अतरं कालओ केवच्चिरं होइ ?  
गोयमा । जहजेण एग समयं उक्कोसेण आवलियाए असंखेज्जइभागं, एव जाव अं  
खेज्जपएसोगाढे । वन्नगंधरसफाससुहुमपरिणयधायरपरिणयागं एएसिं जं चेव संवि  
ट्ठणा तं चेव अतरं पि भाणियव्वं । सइपरिणयस्स णं भते । पोग्गलस्स अतरं  
कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा । जहजेण एग समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ।  
असइपरिणयस्स णं भते । पोग्गलस्स अतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ।  
जहजेण एग समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं ॥ २१६ ॥ एयस्स णं



भाणियच्चा, चाणमतरजोइसवेमाणिया जहा भवणवासी तहा नेयट्वा ॥ २१८ ॥  
 पंच हेऊ पण्णत्ता, तंजहा-हेउं जाणइ हेउं पासइ हेउं युज्जइ हेउं अभिसमाग-  
 च्छइ हेउ छउमत्यमरण मरइ ॥ पंच हेऊ प०, तजहा-हेउणा जाणइ जाव  
 हेउणा छउमत्यमरण मरइ ॥ पंच हेऊ पण्णत्ता, तंजहा-हेउ न जाणइ जाव हेउं  
 अजाणमरण मरइ ॥ पंच हेऊ पनत्ता, तंजहा-हेउणा न जाणइ जाव हेउणा अण्णाण  
 मरणं मरइ ॥ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तंजहा-अहेउं जाणइ जाव अहेउं केवलिमरणं  
 मरइ ॥ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तंजहा-अहेउणा जाणइ जाव अहेउणा केवलिमरणं  
 मरइ ॥ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तजहा-अहेउं न जाणइ जाव अहेउ छउमत्यमरणं  
 मरइ ॥ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तजहा-अहेउणा न जाणइ जाव अहेउणा छउमत्यमरणं  
 मरइ । सेव भंते ! २ ति ॥ २१९ ॥ पंचमे सए सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं २ जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं २ समणस्स ३ जाव अते-  
 वासी नारयपुत्ते नाम अणगारे पगइभइए जाव विहरइ, तेण कालेणं २ समणस्स  
 ३ जाव अतेवासी नियठिपुत्ते नाम अण० पगइभइए जाव विहरइ, तए णं से  
 नियठिपुत्ते अण० जेणामेव नारयपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ नारयपुत्तं  
 अण० एव वयासी-सव्वा पोग्गला ते अज्जो ! किं सअट्ठा समज्झा सपएसा उदाहु  
 अणट्ठा अमज्झा अपएसा ? अज्जोति नारयपुत्ते अणगारे नियठिपुत्त अणगारं एवं  
 वयासी-सव्वपोग्गला मे अज्जो ! सअट्ठा समज्झा सपदेसा नो अणट्ठा अमज्झा  
 अपएसा, तए ण से नियठिपुत्ते अणगारे नारयपुत्त अ० एव वदासी-जइ णं  
 ते अज्जो ! सव्वपोग्गला सअट्ठा समज्झा सपदेसा नो अणट्ठा अमज्झा अपदेसा  
 किं दव्वादेसेण अज्जो ! सव्वपोग्गला सअट्ठा समज्झा सपदेसा नो अणट्ठा अमज्झा  
 अपदेसा ? खेत्तादेसेण अज्जो ! सव्वपोग्गला सअट्ठा समज्झा सपएसा तहेव चेव,  
 कालादेसेण तं चेव, भावादेसेण अज्जो ! तं चेव, तए ण से नारयपुत्ते अणगारे  
 नियठिपुत्त अणगारं एव वदासी-दव्वादेसेणवि मे अज्जो ! सव्वपोग्गला सअट्ठा  
 समज्झा सपदेसा नो अणट्ठा अमज्झा अपदेसा खेत्ताएसेणवि सव्वे पोग्गला  
 सअट्ठा तह चेव कालादेसेणवि, तं चेव भावादेसेण वि । तए णं से नियठिपुत्ते  
 अण० नारयपुत्त अणगारं एवं वयासी-जइ णं अज्जो ! दव्वादेसेणं - सव्वपोग्गला  
 सअट्ठा समज्झा सपएसा नो अणट्ठा अमज्झा अपएसा, एवं ते परमाणुपोग्गलेवि  
 सअट्ठे समज्झे सपएसे णो अणट्ठे अमज्झे अपएसे, जइ ण अज्जो ! खेत्तादेसेणवि  
 सव्वपोग्गला सअ० ३ जाव एवं ते एगपएसोगाढेवि पोग्गले सअट्ठे समज्झे सप  
 एसे, जइ णं अज्जो ! कालादेसेण सव्वपोग्गला सअट्ठा समज्झा सपएसा, एवं



गोयमा ! जहणेण एगं समय उक्को० चउव्वीसं मुहुत्ता, एव सत्तमुवि पुठवी  
 वट्ठति हायति भाणियव्व, नवर अवट्ठिएसु इम नाणत्त, तजहा-रणप्पभाए पुठ  
 वीए अउतालीसं मुहुत्ता सक्कर० चोइस राइदियाई वालु० मास पक्क० दो मास  
 धूम० चत्तारि मासा तमाए अट्ठ मासा तमतमाए घारस मासा । अमुरकुमारारि  
 वट्ठति हायति जहा नेरइया, अवट्ठिया जह० एगं समय उक्को० अट्ठचत्तालीस  
 मुहुत्ता, एव दमविहावि, एगिंदिया वट्ठतिवि हायतिवि अवट्ठियावि, एएहिं तिहिंवि  
 जहणेण एक समय उक्को० आवलियाए असंखेज्जइभाग, वेडदिया वट्ठति हायति  
 तहेव, अवट्ठिया ज० एक समय उक्को० दो अतोमुहुत्ता, एव जाव चउरिंदिया,  
 अवसेसा सव्वे वट्ठति हायति तहेव, अवट्ठियाण णाणत्त इम, तं०-समुच्छिमपवि  
 दियतिरिक्खजोणियाण दो अतोमुहुत्ता, गम्भवक्कतियाण चउव्वीसं मुहुत्ता, समु  
 च्छिममणुस्साणं अट्ठचत्तालीस मुहुत्ता, गम्भवक्कतियमणुस्साण चउव्वीस मुहुत्ता,  
 वाणमतरजोइससोहम्मीसाणेसु अट्ठचत्तालीस मुहुत्ता, सणकुमारे अट्ठारन राइ  
 दियाइ चत्तालीस य मुहुत्ता, माहिंदे चउवीस राइदियाइ वीस य मु०, बंभलेए  
 पंचचत्तालीस राइदियाइ, लंतए नउइ राइंदियाइ, महासुक्के सट्ठि राइदियसय,  
 सहस्सारे दो राइदियसयाई, आणयपाणयाण संखेज्जा मामा, आरण्णुयार्ण संखे  
 ज्जाई वासाई, एव गेवेज्जदेवाण विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियाण असंखेज्जाई वास-  
 सहस्साइ, सव्वट्ठसिद्धे य पलिओवमस्स असंखेज्जइभागो, एवं भाणियव्वं, वट्ठति  
 हायति जह० एक समय उ० आवलियाए असंखेज्जइभाग, अवट्ठियाणं जं भणिं ।  
 सिद्धा ण भते ! केवइय काल वट्ठति ?, गोयमा ! जह० एक समय उक्को० अट्ठ  
 समया, केवइय काल अवट्ठिया ?, गोयमा ! जह० एक समय उक्को० छम्मासा ॥  
 जीवा ण भते ! किं सोवचया सावचया सोवचयसावचया निरुवचयनिरवचया ?,  
 गोयमा ! जीवा णो सोवचया नो सावचया णो सोवचयसावचया निरुवचयनिर-  
 वचया । एगिंदिया तइयपए, सेसा जीवा चउहिंवि पएहिंवि भाणियव्वा, सिद्धा ण  
 भते ! पुच्छा, गोयमा ! सिद्धा सोवचया णो सावचया णो सोवचयसावचया निरु-  
 वचयनिरवचया । जीवा णं भते ! केवइय काल निरुवचयनिरवचया ?, गोयमा !  
 सव्वदं, नेरइया णं भते ! केवइय काल सोवचया ?, गोयमा ! जह० एक समय  
 उ० आवलियाए असंखेज्जइभाग । केवइय कालं सावचया ? एवं चेव । केवइय  
 काल सोवचयसावचया ?, एव चेव । केवइय कालं निरुवचयनिरवचया ?, गोयमा !  
 ज० एक समय उक्को० घारसमु० एगिंदिया सव्वे सोवचयसावचया सव्वदं सेसा  
 सव्वे सोवचयावि सावचयावि सोवचयसावचयावि निरुवचयनिरवचयावि जहणेण





गोयमा । जहमेण एग समय उओ० चउव्वीस मुहुत्ता, एवं सत्तमुवि पुठवीर  
 वट्ठति हायति भाणियव्व, नयर अवट्ठिएसु उमे नागरं, तंजहा-रयणप्पमाए पुठ  
 वीए अउतालीस मुहुत्ता मफर० चोदम राडदियाई यानु० मास पंक० दो मासा  
 धूम० चत्तारि मासा तमाए अट्ठ मासा तमतमाए चारस मासा । अनुसुम्मारवि  
 वट्ठति हायति जहा नेरइया, अवट्ठिया जह० एग समय उओ० अट्ठचत्तालीस  
 मुहुत्ता, एव दमपिहावि, एगिदिया वट्ठनिवि हायतिवि अवट्ठियावि, एएहिं निहिंति  
 जहमेण एक्कं समय उओ० आवलियाए असंखेज्जभागं, वेइदिरा वट्ठति हायति  
 तहेव, अवट्ठिया ज० एक्क समय उओ० दो अंतोमुहुत्ता, एव जाव चउरिदिया,  
 अवमेसा मव्वे वट्ठति हायति तहेव, अवट्ठियाग णाणत्त दम, त०-समुच्छिम्पंणि  
 दियतिरिक्खजोगियाण दो अंतोमुहुत्ता, गम्भवक्कंतियाणं चउव्वीस मुहुत्ता, समु  
 च्छिममणुस्साग अट्ठचत्तालीस मुहुत्ता, गम्भवक्कंतियमणुस्साण चउव्वीस मुहुत्ता,  
 वाणमनरजोडमनोहम्मीमाणेसु अट्ठचत्तालीस मुहुत्ता, सणकुम्भारे अट्ठारम राइ  
 दियाड चत्तालीस य मुहुत्ता, माहिंटे चउवीस राइदियाड वीस य मु०, बंभलोए  
 पंचचत्तालीस राइदियाड, लतए नउड राइदियाड, महाउक्के सट्ठि राइदियसय,  
 सहस्सारे दो राइदियमयाई, आणयपाणयाणं संजेज्जा मासा, आरण्हुयाणं सखे-  
 ज्जाई वासाई, एवं तेवेज्जदेवाणं विजयवेजयतजयतअपराजियाण असंखेज्जाई वास-  
 सहस्साड, सब्बट्ठसिद्धे य पत्तिओवमस्स असंखेज्जभागो, एव भाणियव्व, वट्ठति  
 हायति जह० एक्कं समय उ० आवलियाए असंखेज्जभाग, अवट्ठियाणं जं भणिवं ।  
 सिद्धा ण भंते ! केवइय कालं वट्ठति ? गोयमा ! जह० एक्क समय उओ० अट्ठ  
 समया, केवइय काल अवट्ठिया ? गोयमा ! जह० एक्कसमय उओ० छम्मासा ॥  
 जीवा ण भते ! किं सोवचया सावचया सोवचयसावचया निस्वचयनिरवचया ?  
 गोयमा ! जीवा णो सोवचया नो सावचया णो सोवचयसावचया निस्वचयनिर  
 वचया । एगिदिया तउयपए, सेसा जीवा चउहिंवि पएहिंवि भाणियव्वा, सिद्धा ण  
 भते ! पुच्छा, गोयमा ! सिद्धा सोवचया णो सावचया णो सोवचयमावचया निर-  
 वचयनिरवचया । जीवा ण भते ! केवइय काल निस्वचयनिरवचया ? गोयमा !  
 सब्बद, नेरइया ण भते ! केवइय काल सोवचया ? गोयमा ! जह० एक्क समय  
 उ० आवलियाए असंखेज्जभाग । केवइय कालं सावचया ? एवं चेव । केवइय  
 काल सोवचयसावचया ? एवं चेव । केवइय काल निस्वचयनिरवचया ? गोयमा !  
 ज० एक्कं समय उओ० बारसमु० एगिदिया सव्वे सोवचयसावचया सब्बदं सेसा  
 सव्वे सोवचयावि सावचयावि सोवचयसावचयावि निस्वचयनिरवचयावि जहमेणं



इह तेसिं माण इह चेव तेसिं एवं पण्णायइ, तंजहा—समंयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा से तेण० वाणमंतरजोइसवेमाणियाण जहा नेरइयाणं ॥ २२४ ॥ तेणं कालेण २ पासावच्चिजा [ते] थेरा भगवतो जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छति २ समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिथा एव वदासी—से नूण भंते ! असखेजे लोए अणंता राईदिया उप्पज्जिं सु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्सति वा विगच्छिं सु वा विगच्छंति वा विगच्छिस्सति वा परिता राईदिया उप्पज्जिं सु वा ३ विगच्छिं सु वा ३ १, हुता अज्जो ! असखेजे लोए अणता राईदिया वं चेव, से केणट्ठेण जाव विगच्छिस्सति वा १, से नूण भंते ! अज्जो ! पासेणं अरहया पुरिसादाणिण ससए लोए युइए अणाइए अणवदग्गे परित्ते परिवुड्ढे हेट्ठा विच्छिण्णे मज्झे सखित्ते उप्पि विसाले अहे पलियकसठिए मज्झे वरवइरविग्गहिए उप्पि उद्धमुइगाकारसठिए तेसिं च णं सासरंति लोगसि अणादियसि अणवदग्गसि परित्तसि परिवुड्सि हेट्ठा विच्छिज्जसि मज्झे सखित्तसि उप्पि विसालसि अहे पलियं कसठियसि मज्झे वरवइरविग्गहियसि उप्पि उद्धमुइगाकारसठियंसि अणता जीव घणा उप्पज्जिता २ निलीयंति परित्ता जीवघणा उप्पज्जिता २ निलीयति से नूण भूए उप्पजे विगए परिणए अजीवेहिं लोकइ पलोकइ, जे लोकइ से लोए १, हुता भगवं [ ते ] !, से तेणट्ठेण अज्जो ! एव घुचइ असखेजे त चेव । तप्पभिइ च णं ते पासावच्चिजा थेरा भगवतो समण भगवं महावीरं पच्चभिजाणति सव्वहुं सव्वदारिसिं तए णं ते थेरा भगवतो समण भगव महावीरं वंदति नमसंति २ एवं वदासी—इच्छामि णं भते ! तुब्भं अतिए चाउज्जामाओ धम्मओ पंचमहव्वइय सप्पडिक्कमणं धम्मं उवसपज्जिता णं विहरित्तए, अहाइइ देवाणुप्पिया । मा पडिर्वध करेह, तए ण ते पासावच्चिजा थेरा भगवतो जाव चरिमेहिं उस्सासनस्सासेहिं सिद्धा जाव सव्वदुक्खप्पहीणा अत्थेगइया देवा देवलोए सु उववजा ॥ २२५ ॥ कइविहा णं भंते ! देवलोगा पण्णत्ता १, गोयमा । चउव्विहा देवलोगा पण्णत्ता, तंजहा—भवण चासिवाणमंतरजोइसियवेमाणियभेएण, भवणवासी दसविहा वाणमंतरा अट्ठविहा जोइसिया पचविहा वेमाणिया दुविहा । गाहा—किमियं रायगिहति य उज्जोए अब यार समए य । पासंतिवासि पुच्छा राईदिय देवलोगा य ॥ १ ॥ सेवं भते ! २ ति ॥ २२६ ॥ पंचमे सए नवमो उदेसो समत्तो ॥

तेण कालेण तेण समएण चपा नामं नयरी जहा पढमिल्लो उदेसओ तहा नेयव्वो एसोवि, नवरं चदिमा भाणियव्वा ॥ २२७ ॥ पंचमे सए दसमो उदेसो समत्तो ॥ पचमं सरं समत्त ॥

वाह्य—विषय १ आहार २ महासुखे च ३ सपुष्ट ४ समुप ५ मनिह ।  
 ६ सली ७ पुत्री ८ कम्प ९ अजडस्थि १० दस छद्ममि सप ११ ॥ ये वृत्त  
 मते । ये महावैद्ये ये महानिजरे ये महानिजरे ये महावैद्ये महावैद्यस्य च  
 अप्यवैद्यस्य च ये येष्टे ये पञ्चत्वनिजराए । ईता गोकमा । ये महावैद्ये एवं  
 वैद्य । छद्मसमाप्त ये मते । पुत्रवत्त मेरुवा महावैद्यवा । ईता । महावैद्यवा ये  
 ये मते । छद्मवैद्यो निम्नवैद्यो महानिजराए । गोकमा । वो विभेष्टे छद्मे,  
 ये वैद्ये मते । एवं पुष्ट ये महावैद्ये वाच पञ्चत्वनिजराए । गोकमा । ॥  
 अहानामपु—दुषे कत्ता विवा एते वत्ते कम्परापरते एते वत्ते अजडरापरते एष्टि  
 ये गोकमा । येष्टे वत्तत्त कवरे कवरे दुषोक्तराए येष्टे दुषत्वराए येष्टे दुषरिक्त-  
 म्पराए येष्टे कवरे वा वत्ते दुषोक्तराए येष्टे अहानामपु येष्टे दुषरिक्त-  
 म्पराए येष्टे, ये वा ये वत्ते कम्परापरते ये वा ये वत्ते अजडरापरते । मत्त । छद्म  
 न ये ये वत्ते कम्परापरते ये ये वत्ते दुषोक्तराए येष्टे अहानामपु येष्टे दुषरिक्त-  
 म्पराए येष्टे एष्टमेव गोकमा । वैद्यवाच पावर्त्त कम्माई गाहीकमाई विद्यवा-  
 कमाई (अ) विद्यवाकमाई विद्यवाकमाई सर्वति संपदाईपि च न ते वैद्यं वैद्यमात्रा  
 वो महाविजरा वो महापञ्चराणा सर्वति ये अहा वा केष्टे पुरिष्टे अक्षिपरस  
 आहवैद्यमे महान २ छेने महावा २ कोतेने महावा २ परंपरावाएने वो सेवाए  
 तोष्टे अक्षिपरणीपु महावाकमे योग्येष्टे परंपरावाए एष्टमेव गोकमा । वैद्य-  
 वाच पावर्त्त कम्माई गाहीकमाई वाच वो महापञ्चराणा सर्वति मत्त । तत्त  
 ये ये वत्ते अजडरापरते ये ये वत्ते दुषोक्तराए येष्टे अहानामपु येष्टे दुषरिक्त-  
 म्पराए येष्टे एष्टमेव गोकमा । अहानामपु निम्नवाच अहानामपुई कम्माई विद्य-  
 वाकमाई विद्यवाकमाई कमाई विद्यवाकमाई विद्यवाकमाई सर्वति वाचवत्त  
 वाचवत्तपि न ते वैद्यं वैद्यमात्रा महानिजरा महापञ्चराणा सर्वति ये अहाना-  
 मपु—केष्टे पुरिष्टे अहानामपु सर्वति अहानामपु पञ्चत्वनिजरा ये पूर्व गोकमा । ये छे  
 तत्तत्तत्त वाचवत्तपि पञ्चत्वनिजरा समावे विद्यवाकमे मत्तमवाविजरा । ईता । मत्तम-  
 वाविजरा, एष्टमेव गोकमा । समवाच निम्नवाच अहानामपुई कम्माई वाच महा-  
 पञ्चराणा सर्वति, ये अहानामपु केष्टे पुरिष्टे तोष्टे अहानामपु तत्तत्तत्त वाच  
 ईता । विद्यवाकमाई, एष्टमेव गोकमा । समवाच निम्नवाच वाच महापञ्चराणा  
 सर्वति ये तत्तत्तत्त ये महावैद्ये ये महानिजरे वाच निजराए ॥ १२८ ॥ क-  
 मिष्टे ये मते । कवरे पद्यते । गोकमा । अजडस्थि कवरे कवरे तजहा—मन्त्रमे  
 मन्त्रमे कम्परापरते कम्परापरते । वैद्यवाच मते । अजडस्थि कवरे पद्यते, गोकमा ।

चउव्विहे पञ्चत्ते, तज्जहा—मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे ४ [ चउ० ],  
 एव पंचिंदियाण सव्वेसिं चउव्विहे करणे. पञ्चत्ते । एगिंदियाणं दुविहे—कायकरणे व  
 कम्मकरणे य, विगलेंदियाण, ३—वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे । नेरइयाणं भते ।  
 किं करणओ असाय वेयणं वेयति अकरणओ असाय वेयण वेदेति १, गोयमा ।  
 नेरइयाण करणओ असाय वेयण वेयति नो अकरणओ असाय वेयण वेयति, से  
 केणट्ठेण०, १ गोयमा । नेरइयाण चउव्विहे करणे पञ्चत्ते, तज्जहा—मणकरणे वइकरणे  
 कायकरणे कम्मकरणे, इच्चएणं चउव्विहेण असुमेण करणेण नेरइया करणओ असाय  
 वेयणं वेयति नो अकरणओ, से तेणट्ठेणं० । असुरकुमाराण किं करणओ अकर  
 णओ १, गोयमा । करणओ नो अकरणओ, से केणट्ठेणं० १, गोयमा । असुरकुमाराण  
 चउव्विहे करणे पञ्चत्ते, तज्जहा—मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे, इच्चएणं  
 सुमेण करणेण असुरकुमाराण करणओ साय वेयणं वेयति नो अकरणओ, एवं जाव  
 थणियकुमाराण । पुढविकाइयाण एवामेव पुच्छा, नवरं इच्चएणं सुभासुमेण करणेण  
 पुढविकाइया करणओ वेमायाए वेयण वेयति नो अकरणओ, ओराळियसरीण सव्वे  
 सुभासुमेण वेमायाए । देवा सुमेण साय वेयण वेयन्ति ॥ २२९ ॥ जीवा ण भंते ।  
 किं महावेयणा महानिज्जरा १ महावेदणा अप्पनिज्जरा २ अप्पवेदणा महानिज्जरा  
 ३ अप्पवेदणा अप्पनिज्जरा ४ १, गोयमा । अत्थेगइया जीवा महावेदणा महानिज्जरा  
 १ अत्थेगइया जीवा महावेयणा अप्पनिज्जरा २ अत्थेगइया जीवा अप्पवेदणा  
 महानिज्जरा ३ अत्थेगइया जीवा अप्पवेदणा अप्पनिज्जरा ४ । से केणट्ठेणं० १,  
 गोयमा । पडिमापडिवज्जए अणगारे महावेदणे महानिज्जरे छट्ठसत्तमासु पुढवीड  
 नेरइया महावेदणा अप्पनिज्जरा सेलेसिं पडिवज्जए अणगारे अप्पवेदणे महानिज्जरे  
 अणुत्तरोववाइया देवा अप्पवेदणा अप्पनिज्जरा, सेव भंते । २ ति ॥—महावेदणे य वत्थे  
 कइमस्सज्जणमए य अहिगरणी । तणहत्थे य कवळे करण महावेदणा जीवा ॥ १ ॥  
 ॥ २३० ॥ सेव भंते । सेव भंते । ति ॥ छट्ठसयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥  
 रायगिह नगरं जाव एव वयासी—आहारुद्देसो जो पञ्चवणाए सो सव्वो निरवसेसो  
 नेयव्वो । सेव भते । सेव भते । ति ॥ २३१ ॥ छट्ठे सए वीओ उद्देसो समत्तो ॥  
 बहुकम्मवत्थपोगगलपयोगसावीससा य सार्इए । कम्मट्ठिईत्थिसंजय सम्महिट्ठी  
 य सन्धी य ॥ १ ॥ भविए दसण पञ्चत्ते भासअपरित नाणजोगे य । उवओगा  
 हारगसुहुमचरिमवधी य अप्पवहु ॥ २ ॥ से नूण भते । महाकम्मस्स महाकिरि  
 यस्स महासवस्स महावेदणस्स सव्वओ पोगगला वज्जति सव्वओ पोगगला  
 चिज्जति सव्वओ पोगगला उवचिज्जति सया समियं च-णं पोगगला वज्जति सया



ज्ववसिए नो चैव णं जीवाणं कम्मोवचए साइए अप० । मे केण०?, गोयमा!  
 इरियावहियावधयस्स कम्मोवचए गाडए मप० भवनिदियस्स कम्मोवचए अणा  
 इए सपज्ववसिए अभवसिदियस्स कम्मोवचए अणाइए अपज्ववसिए, से तेणट्ठे  
 गोयमा! एवं घुण्ड अत्ये० जीवाणं कम्मोवचए गाडए नो चैव ण जीवाणं  
 कम्मोवचए साडए अपज्ववसिए, वत्ये ण भंते! किं साडए सपज्ववसिए चट  
 भंगो?, गोयमा! वत्ये साडए सपज्ववसिए अउसेमा तिभिवि पडिसेहेयव्वा । जहा  
 ण भते! वत्ये साडए सपज्ववसिए नो साइए अपज० नो अणाइए मप० नो  
 अणाइए अपज्ववसिए तहा णं जीवाणं किं साइया सपज्ववसिया? चटभंगो पुच्छा,  
 गोयमा! अत्येगडया साडया मपज्ववसिया चत्तारिवि भाणियव्वा । मे केणट्ठे०?,  
 गोयमा! नेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा गइरागइ पडुच साइया सप-  
 ज्ववसिया सिद्धि (द्धा) गइं पडुच साडया अपज्ववसिया, भवसिदिया लद्धि पडुच  
 अणाइया सपज्ववसिया अभवसिदिया संसारं पडुच अणाइया अपज्ववसिया, से  
 तेणट्ठेण० ॥ २३४ ॥ कइ ण भंते! कम्मप्पगढीओ पण्णात्ताओ?, गोयमा! अट्ठ  
 कम्मप्पगढीओ प०, तंजहा-णाणावरणिज्जं दरिमणावरणिज्ज जाव अंतराइव ।  
 नाणावरणिज्जस्स ण भंते! कम्मस्स केवइय काल वंधठिई प०?, गोयमा! जह०  
 अतोमुहुत्तं उक्को० तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ तिज्जि य वासगहस्साई अवाहा  
 अवाहणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेओ, एवं दरिसणावरणिज्जपि, वेदणिज्ज जह० दो  
 समया उक्को० जहा नाणावरणिज्जं, मोहणिज्जं जह० अतोमुहुत्तं उक्को० मत्तरि साग-  
 रोवमकोडाकोडीओ, सत्त य वासगहस्साणि अवाहा, अवाहणिया कम्मट्ठिई कम्मनि  
 सेओ, आउगं जहजेण अतोमुहुत्तं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाणि पुव्वकोडितिमाग  
 मन्महियाणि, (पुव्वकोडितिभागो अवाहा, अवाहणिया) कम्मट्ठिई कम्मनिसेओ,  
 नामगोयाण जह० अट्ठ मुहुत्ता उक्को० वीस सागरोवमकोडाकोडीओ दोगिण य वास-  
 सहस्साणि अवाहा, अवाहणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेओ, अतराइयं जहा नाणा  
 वरणिज्ज ॥ २३५ ॥ नाणावरणिज्जं ण भंते! कम्मं किं इत्थी वंधइ पुरिसो वधइ  
 नपुंसओ वंधइ? णोइत्थी नोपुरिसो नोनपुसओ वधइ? गोयमा! इत्थीवि वंधइ  
 पुरिसोवि वंधइ नपुसओवि वधइ नोइत्थी नोपुरिसो नोनपुसओ सिय वंधइ सिय  
 नो वधइ एव आउगवज्जाओ सत्त कम्मप्पगढीओ ॥ आउग णं भंते! कम्मं किं  
 इत्थी वधइ पुरिसो वधइ नपुसओ वधइ०? पुच्छा, गोयमा! इत्थी सिय वधइ  
 सिय नो वधइ, एवं तिभिवि भाणियव्वा, नोइत्थी नोपुरिसो नोनपुंसओ न वंधइ ॥  
 नाणावरणिज्जं ण भते! कम्मं किं संजए वंधइ असजए० एवं सजयासंजए वंधइ

समिन् प्रेम्यका विजति सदा समिन् प्रेम्यका वचविजति सदा समिन् अ यं तस्य  
 जन्मा दुःखताप दुःखताप दुःखताप दुःखताप दुःखताप दुःखताप दुःखताप दुःखताप  
 जन्मा जन्मा जन्मा जन्मा जन्मा जन्मा जन्मा जन्मा जन्मा जन्मा जन्मा जन्मा जन्मा जन्मा  
 ताप मो दुःखताप दुःखताप मो दुःखताप मुञ्जे १ परिचर्येति । इहा मोक्षमा ।  
 महाप्रम्यस्स तं मोक्ष १ ये केनहेन १ मोक्षमा । हे ज्ञानात्मन्-वत्सस्स माह्वस्स  
 वा मोक्षस्स वा तदुपमस्स वा ज्ञानुपवीप परिमुज्जमानस्स सम्मज्जे प्रेम्यका  
 वर्यति सम्मज्जे प्रेम्यका विजति वाव परिचर्येति ये तेवहेन । ये मुञ्जे मति ।  
 जप्पासवस्स जप्पासवस्स जप्पासवस्स जप्पासवस्स जप्पासवस्स जप्पासवस्स जप्पासवस्स  
 सम्मज्जे प्रेम्यका विजति सम्मज्जे प्रेम्यका विजति सम्मज्जे प्रेम्यका परिचर्येति  
 सदा समिन् प्रेम्यका विजति सम्मज्जे प्रेम्यका विजति विजति परिचर्येति  
 सदा समिन् अ यं तस्य जन्मा दुःखताप पत्तत्वं मेवम् वाव दुःखताप मो दुःख-  
 ताप मुञ्जे १ परिचर्येति । इहा मोक्षमा । वाव परिचर्येति १ ये केनहेन १  
 मोक्षमा । हे ज्ञानात्मन्-वत्सस्स वत्सस्स वा परिचर्येति वा मज्जिन्स्स वा उज्जि-  
 वस्स वा ज्ञानुपवीप परिचर्येति ज्ञानात्मन्स्स हतेनं वरिवा मोक्षानस्स प्रेम्यका  
 विजति वाव परिचर्येति ये तेवहेन ॥ १३१ ॥ वत्सस्स अ मति । प्रेम्यकोवचप  
 किं पञ्चोपसा वीससा । मोक्षमा । पञ्चोपसा वीससामि । इहा अ मति । वत्सस्स  
 अ प्रेम्यकोवचप पञ्चोपसामि वीससामि इहा अ वीससामि पञ्चोवचप किं पञ्चोपसा  
 वीससा । मोक्षमा । पञ्चोपसा मो वीससा ये केनहेन १ मोक्षमा । वीससामि  
 विजति पञ्चोपसा वीससा तं महा-अप्यमोगे वत्स अ इवेत्यं विजति पञ्चोपसा  
 वीससामि पञ्चोपसा वीससा मो वीससा एवं सम्मति पञ्चोपसामि विजति पञ्चोपसा  
 यादिकम् पुनर्विजति वीससामि पञ्चोपसामि एवं वाव वत्सस्स इहा वत्सस्स विज-  
 ति वीससामि पुनर्विजति पञ्चोपसा वीससा तं महा-अप्यमोगे वत्स अ इवेत्यं  
 पुनर्विजति पञ्चोपसा वीससामि पञ्चोपसा मो वीससा ये केनहेन वाव मो वीससा  
 एवं वत्सस्स मो पञ्चोपसा वाव वीससामि ॥ १३३ ॥ वत्सस्स अ मति । प्रेम्यको-  
 वचप किं सादप सपञ्चवतिप १ सादप सपञ्चवतिप २ जनादप सपञ्च ३  
 जना अप ४ । मोक्षमा । वत्सस्स अ प्रेम्यकोवचप सादप सपञ्चवतिप मो  
 सादप अप मो जना स मो जना अप १ जना अ मति । वत्सस्स  
 प्रेम्यकोवचप सादप सपञ्च मो सादप अप मो जना सप मो जना  
 अप इहा अ वीससामि पञ्चोवचप पुनर्विजति मोक्षमा । अत्येगमाय वीससामि पञ्चो-  
 वचप सादप सपञ्चवतिप अत्ये जनादप सपञ्चवतिप अत्ये जनादप अप



वज्जाओ, वेदणिज्ज हेट्ठिण्ण वधंति अजोगी न वधइ ॥ णाणावरणिज्ज किं सत्तारो-  
 वउत्ते वधइ अणागारोवउत्ते वधइ १, गोयमा ! अट्ठसुवि भयणाए ॥ णाणावरणिज्ज  
 किं आहारए वधइ अणाहारए वधइ १, गोयमा ! दोवि भयणाए, एव वेदणिज्जा-  
 उगवज्जाणं छण्ह, वेदणिज्ज आहारए वधइ अणाहारए भयणाए, आउए आहा-  
 रए भयणाए, अणाहारए न वधइ ॥ णाणावरणिज्ज किं सुहुमे, वधइ वायरे वधइ  
 नोसुहुमेनोवादरे वधइ १, गोयमा ! सुहुमे वधइ वायरे भयणाए नोसुहुमेनोवादरे न  
 वधइ, एव आउगवज्जाओ सत्तवि, आउए सुहुमे वायरे भयणाए नोसुहुमेनोवायरे न  
 वधइ ॥ णाणावरणिज्ज किं चरिमे अचरिमे व० १, गोयमा ! अट्ठवि, भयणाए ॥ २३६ ॥  
 एएसि ण भंते ! जीवाण इत्थिवेदगाणं पुरिसवेदगाणं नपुंसगवेदगाणं अवयगाणं  
 य कयरे २ अप्पा वा ४ १, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पुरिसवेदगां इत्थिवेदगा  
 सखेज्जगुणा अवेदगा अणतगुणा नपुंसगवेदगा अणंतगुणा ॥ एएसि सव्वेसि पदानं  
 अप्पवहुगाइ उच्चारयेव्वाइ जाव सव्वत्थोवा जीवा अचरिमा चरिमा अणंतगुणा ।  
 सेव भंते ! सेवं भंते ! ति ॥ २३७ ॥ छट्ठसए तइओ उइसो समत्तो ॥

जीवे ण भंते ! कालाएसेण किं सपदेसे अपदेसे १, गोयमा ! नियमा सपदेसे ।  
 नेरइए णं भंते ! कालादेसेण किं सपदेसे अपदेसे १, गोयमा ! सिय सपदेसे सिय  
 अपदेसे, एव जाव सिद्धे । जीवा णं भंते ! कालादेसेण किं सपदेसा अपदेसा १,  
 गोयमा ! नियमा सपदेसा । नेरइया णं भंते ! कालादेसेण किं सपदेसा अपदेसा १,  
 गोयमा ! सव्वेवि ताव होज्जा सपदेसा १ अहवा सपदेसा य अपदेसे य २ अहवा  
 सपदेसा य अपदेसा य ३, एवं जाव थणियकुमारो ॥ पुढविकाइया णं भंते ! किं  
 सपदेसा अपदेसा १, गोयमा ! सपदेसावि अपदेसावि, एवं जाव वणप्फइकाइया,  
 सेसा जहा नेरइया तहा जाव सिद्धा ॥ आहारगाणं जीवेगंदियवज्जा तियभंगो,  
 अणाहारगाणं जीवेगंदियवज्जा छब्भंगा एवं भाणियव्वा-सपदेसा वा १ अपदेसा  
 वा २ अहवा सपदेसे य अपदेसे य ३ अहवा सपदेसे य अपदेसा य ४ अहवा  
 सपदेसा य अपदेसे य ५ अहवा सपदेसा य अपदेसा य ६, सिद्धेहिं तियभंगो,  
 भवसिद्धिया अभवसिद्धिया [ भवसिद्धिया ] जहा ओहिया, नोभवसिद्धियनोअम  
 वसिद्धिया जीवसिद्धेहिं तियभंगो, सण्णीहिं जीवादिओ तियभंगो, असण्णीहिं एगि-  
 दियवज्जा तियभंगो, नेरइयदेवमणुएहिं छब्भंगो, नोसन्निनोअसन्निजीवमणुयसिद्धेहिं  
 तियभंगो सलेसा जहा ओहिया ॥ कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा जहा आहारओ  
 नवरं जस्स अत्थि एयाओ, तेउलेस्साए जीवादिओ तियभंगो, नवरं पुढविकाइएउ  
 आउवणप्फइसु छब्भंगा, पम्हलेससुक्कलेस्साए जीवादिओ तियभंगो, अलेसीहिं



कुव्वतिं<sup>१</sup>, जहा ओहिया तहा कुव्वणा ॥ जीवा ण भते ! कि पच्चक्खाणनिव्वत्ति याउया अपच्चक्खाणणि० पच्चक्खाणापच्चक्खाणनि०<sup>२</sup>, गोयमा ! जीवा य वेमाणिया य पच्चक्खाणनिव्वत्तियाउया तिञ्चिवि अवसेसा अपच्चक्खाणनिव्वत्तियाउया ॥ पच्चक्खाण १ जाणइ २ कुव्वति ३ तिने(तेणे)व आउनिव्वत्ती ४ । सपदेसुहेसमि य एमेए दडगा चउरो ॥ १ ॥ २३९ ॥ सेवं भते ! सेव भते ! ति ॥ छट्ठे सए चउत्थो उहेसो समत्तो ॥

किमिय भते ! तमुक्काएत्ति पवुच्चइ कि पुढवी तमुक्काएत्ति पवुच्चइ आरु तमुक्काएत्ति पवुच्चइ<sup>१</sup> गोयमा ! नो पुढवी तमुक्काएत्ति पवुच्चइ आरु तमुक्काएत्ति पवुच्चइ । से केणट्ठेग<sup>२</sup>, गोयमा ! पुढविकाए ण अत्थेगइए सुभे देस पकासेइ अत्थेगइए देसं नो पकासेइ, से तेणट्ठेग० । तमुक्काए ण भते ! रुहिं समुट्ठिए कहिं सनिट्ठिए<sup>३</sup>, गोयमा ! जवुद्दीवस्स २ वहिया तिरियमसखेज्जे वीवसमुद्दे वीईवइत्ता अरुणवरस्स वीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयन्ताओ अरुणोदय समुद्द वायालीस जोयणसहस्साणि ओगाहिता उवरिल्लाओ जलताओ एगपदेसियाए सेदीए इत्थ ण तमुक्काए समुट्ठिए, मत्तरस एकवीसे जोयणसए उट्ठु उप्पइत्ता तओ पच्छा तिरियं पवित्थरमाणे २ सोहं म्मीसाणसणकुमारमाहिंदे चत्तारिवि कप्पे आवरित्ता णं उट्ठुपि य ण जाव वमलोणे कप्पे रिद्धविमाणपत्थड सपत्ते एत्थ ण तमुक्काए ण संनिट्ठिए ॥ तमुक्काए णं भंते ! किंसंठिए पज्जते<sup>४</sup>, गोयमा ! अहे मल्लगमूलसठिए उप्पि कुक्कडगपजरगसठिए पण्णत्ते ॥ तमुक्काए णं भंते ! केवइयं विक्खभेण केवइयं परिक्खेवेण पण्णत्ते<sup>५</sup>, गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तजहा-सखेज्जवित्थडे य असखेज्जवित्थडे य, तत्थ णं जे से सखेज्जवित्थडे से ण संखेज्जाइ जोयणसहस्साइ विक्खभेण असखेज्जाइ जोयण सहस्साइ परिक्खेवेण प०, तत्थ ण जे से असंखेज्जवित्थडे से ण असखेज्जाइ जोयण सहस्साइ विक्खभेण असंखेज्जाइ जोयणसहस्साइ परिक्खेवेण प० । तमुक्काए ण भते ! केमहालए प०<sup>६</sup>, गोयमा ! अय णं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाण सव्व वमतराए जाव परिक्खेवेणं पण्णत्ते ॥ देवे ण महिच्छिए जाव महाणुभावे इणामेव २ तिकट्ठु केवलकप्प जंबुद्दीव २ तिहिं अच्छरानिवाएहिं तिसत्तखत्तो अणुपरियट्ठिता ण हव्वमागच्छिज्जा से णं देवे ताए उक्किट्ठाए तुरियाए जाव देवगईए वीईवयमाणे २ जाव एगाहं वा दुयाह वा तियाह वा उक्कोसेण छम्मासे वीईवएज्जा अत्थेगइए(थं) तमुक्काय वीईवएज्जा अत्थेगइए नो तमुक्काय वीईवएज्जा, एमहालए ण गोयमा ! तमुक्काए पज्जते । अत्थि ण भंते ! तमुक्काए गेहाइ वा गेहावणाइ वा<sup>७</sup>, णो तिणट्ठे समट्ठे, अत्थि ण भंते ! तमुक्काए गामाइ वा जाव सनिवेसाइ वा<sup>८</sup>, णो तिणट्ठे



पुत्र्यति<sup>१</sup>, जहा ओहिया तदा पुत्र्यगा ॥ जीवा ण भते ! किं पक्कमागनिव्वति  
याउया अपगक्खाणणि० पक्कमाणापक्कमाणानि० १, गोयमा । जीवा य वेमाणि  
य पक्कमाणनिव्वत्तियाउया तिन्निमि अवसेमा अपगक्खाणनिव्वत्तियाउया ॥ पक्-  
क्खाण १ जाणइ २ पुत्र्यति ३ तिप्पे(तंणे)४ आउनिव्वत्ता ५ । सपदेमुद्देसनि ६  
एमेण दडगा चउगे ॥ १ ॥ २३९ ॥ सब भते ! सेव भते<sup>१</sup> सि ॥ छट्ठे सण  
चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

किसिय भते ! तमुक्काएत्ति पवुण्ड कि पुडवी तमुक्काएत्ति पवुण्ड आऊ तमुक्काएत्ति  
पवुण्ड<sup>१</sup> गोयमा । नो पुडवी तमुक्काएत्ति पवुण्ड आऊ तमुक्काएत्ति पवुण्ड । से  
केणट्टेग<sup>२</sup>, गोयमा । पुडविकाए ण अत्थेगइए सुभे देसं पक्कासेइ अत्थेगइए देसं  
नो पक्कासेइ, मे तंणट्टेग० । तमुक्काए ण भते ! इहिं समुट्टिए इहिं सनिट्टिए<sup>३</sup>,  
गोयमा ! जवुदीवस्स २ बहिया तिरियमसम्भेजे वीइवइत्ता अरुणवस्स  
वीवस्स बाहिरिणाओ वेडयन्ताओ अरुणोदय तमुइ बायालीस जोयणसहस्साणि  
ओगाहिता उवरिणाओ जलताओ एगपदेसियाए सेदीए इत्थ ण तमुक्काए समुट्टिए,  
मत्तरस एकवीसे जोयणसए उड्डु उप्पइत्ता तओ पन्था तिरिय पवित्थरमाणे २ सोइ  
म्मीमाणसणकुमारमाहिं दे चत्तारिवि कप्पे आवरित्ता णं उट्ठपि य ण जाव यमलोणे  
कप्पे रिट्ठविमाणपत्तयउ सपत्ते एत्थ ण तमुक्काए णं सनिट्टिए ॥ तमुक्काए ण भते !  
किसिठिए पणत्ते<sup>४</sup>, गोयमा ! अहे मलगमूलसठिए उप्पि कुक्कडगपंजरगसठिए  
पण्णत्ते ॥ तमुक्काए ण भते ! केवइयं विक्खभेणं केवइयं परिक्खेवेण पण्णत्ते<sup>५</sup>,  
गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तजहा-सखेज्जवित्थडे य असखेज्जवित्थडे य, तत्थ ण जे  
से सखेज्जवित्थडे से ण सखेज्जाइ जोयणसहस्साइ विक्खभेण असखेज्जाइ जोयण  
सहस्साइ परिक्खेवेण प०, तत्थ ण जे से असखेज्जवित्थडे से ण असखेज्जाइ जोय-  
णसहस्साइ विक्खभेण असखेज्जाइ जोयणसहस्साइ परिक्खेवेण प० । तमुक्काए  
ण भते ! केमहालए प० १, गोयमा ! अय ण जंजुदीवे २ सव्वदीवसमुद्दाण सव्व  
वमत्तराए जाव परिक्खेवेण पण्णत्ते ॥ देवे ण महिंष्टिए जाव महाणुभावे इणामेव २  
तिकहु केवलकप्प जवुदीव २ तिहिं अच्छरानिवाएहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्ठिता ण  
हव्वमागच्छिज्जा से ण देवे ताए उक्किट्ठाए तुरियाए जाव देवगइए वीइवयमाणे २  
जाव एगाह वा दुयाह वा तियाह वा उक्कोसेणं छम्मासे वीइवएज्जा अत्थेगइए(यी)  
तमुक्कायं वीइवएज्जा अत्थेगइए नो तमुक्काय वीइवएज्जा, एमहालए ण गोयमा !  
तमुक्काए पणत्ते । अत्थि ण भते । तमुक्काए गेहाइ वा गेहावणाइ वा<sup>१</sup>, णो तिणट्टे  
समट्टे, अत्थि ण भते । तमुक्काए गामाइ वा जाव सनिवेसाइ वा<sup>२</sup>, णो तिणट्टे

धमहे । अस्मि न मते । तमुवाच नीलका वनमहया संसेवति संतुष्टमिति वारं वारंति  
 वा । इति । अस्मि न मते । किं देवो पश्येत् अश्वरो पश्येत् वापो पश्येत् ।  
 मोक्षमा । देवोति पश्येत् अश्वरोति पश्येत् वापोति पश्येत् । अस्मि न मते ।  
 तमुवाच वादरे वसिष्ठो वादरे विष्णुः । इति । अस्मि न मते । किं देवो पश्येत् ।  
 त्रिभिर्नि पश्येत् अस्मि न मते । तमुवाच वादरे पुत्रविद्याय वादरे अगति-  
 काय । नो विदुः समष्टिं वान्मत्त विद्यायस्तमावसायम् । अस्मि न मते । तमु-  
 वाच वेदिस्युरिन्द्रमयजन्मन्त्राणां । नो विदुः समष्टिं, पश्चिमस्थो पुत्र  
 अस्मि । अस्मि न मते । तमुवाच वेदामाह वा एवमाह वा । नो विदुः समष्टिं,  
 कश्चिन्मिवा पुत्र सा । तमुवाच न मते । केसिद्यं वक्ष्ये पश्यते । मोक्षमा । कश्चिं  
 नाकत्वभासे र्मनीरत्नोन्महिरिन्द्रमन्त्रे मीमे कतास्तथा परमस्मिन्ने वक्ष्ये पश्यते  
 देवैरिति न अत्येवम् । के के तप्पन्नमवाय पाणिना न कुमापन्ना वहे न अमिस्मन्ना-  
 गच्छेत्ता तन्ने पश्यन् वीह २ तुरियं २ विष्णवेन वीहपन्ना ॥ तमुवाच न मते ।  
 क्व नामवेत्ता पश्यता । मोक्षमा । तेरुत नामवेत्ता पश्यता तन्महा-  
 तन्ने वा तमुवाच वा अथवादेह वा महावदेह वा कोयवदेह वा कोयत-  
 मिस्तेह वा देववदेह वा देवतमिस्तेह वा देवतदेह वा देवतदेह वा देवत-  
 मिस्तेह वा देवतमिस्तेह वा अन्तोदेह वा तमुदे ५ तमुवाच न मते । किं  
 पुत्रविद्याय वा अश्वविद्याय वा वीहविद्याय वा योगविद्याय । मोक्षमा । नो पुत्रवि-  
 द्याय वा अश्वविद्याय वा वीहविद्याय वा योगविद्याय । तमुवाच न मते ।  
 सम्ये वावा भूवा धीवा जता पुत्रविद्याय वा अश्वविद्याय वा वीहविद्याय वा योगविद्याय ।  
 इति मोक्षमा । अथैव अमुका जन्तुस्तुते नो नैव न वाह्यपुत्रविद्याय वा वाह्यवस-  
 विद्याय वा वा ॥ २४ ॥ क्व न मते । कश्चरुदेवो पश्यताम् । मोक्षमा क्व  
 कश्चरुदेवो पश्यताम् । वक्षि न मते । एवावो अहं कश्चरुदेवो पश्यताम् ।  
 मोक्षमा । अपि समुद्रमागच्छेद्वानं कर्णार्थं विद्धि वंमन्ने ए कर्णे विद्धि विद्याय पश्यते  
 एव न अन्तोदेहमन्त्राणां वीहविद्याय वा अहं कश्चरुदेवो पश्यताम् । तन्महा-  
 पुत्रविद्याय वा अश्वविद्याय वा वीहविद्याय वा योगविद्याय । कश्चरुदेवो पश्यताम्  
 वाह्ये वाह्ये कश्चरुदेवो पुत्र विद्याय वा अश्वविद्याय वा वीहविद्याय वा योगविद्याय  
 पश्यताम् कश्चरुदेवो वाह्ये वाह्ये कश्चरुदेवो पुत्र विद्याय वा अश्वविद्याय वा वीहविद्याय  
 वा योगविद्याय । कश्चरुदेवो पुत्र विद्याय वा अश्वविद्याय वा वीहविद्याय वा योगविद्याय  
 वाह्ये वाह्ये कश्चरुदेवो पुत्र विद्याय वा अश्वविद्याय वा वीहविद्याय वा योगविद्याय  
 वाह्ये वाह्ये कश्चरुदेवो पुत्र विद्याय वा अश्वविद्याय वा वीहविद्याय वा योगविद्याय  
 वाह्ये वाह्ये कश्चरुदेवो पुत्र विद्याय वा अश्वविद्याय वा वीहविद्याय वा योगविद्याय

इओ चउरंसाओ 'पुव्वावरा छत्ता तसा पुण दादिणुतरा चज्जा । अब्भतर  
(अवसेरा)चउरंसा राव्वावि य कण्हराइओ ॥ १ ॥' ऋण्हराइओ ण भते ! वेवडा  
आयामेण केवइय विक्खभेण केवइय परिस्सेवेण पण्णत्ता २ गोयमा ! असखेज्जा  
जोयणसहस्साइ आयामेण असखेज्जाज्ज जोयणसहस्साइ विक्खभेण असखेज्जा  
जोयणसहस्साइ परिस्सेवेण पण्णत्ताओ । कण्हराइओ ण भते ! केमहालियाओ  
पण्णत्ता २ गोयमा ! अयण्ण जवुहीवे २ जाव अ(ट्ठ)दमासं वीईवएज्जा अत्येगइय  
कण्हराइ वीईवएज्जा अत्येगइय कण्हराइ णो वीईवएज्जा, एमहालियाओ ण गोयमा !  
कण्हराइओ पण्णत्ताओ । अत्थि ण भते ! कण्हराइसु गेहाड वा गेहावणाइ वा १, नो  
तिणट्ठे समट्ठे । अत्थि ण भते ! कण्हराइसु गामाइ वा ० २, णो तिणट्ठे समट्ठे ।  
अत्थि ण भते ! कण्ह० ओराला बलाहया समुच्छति ३ १, हता ! अत्थि, त भते !  
किं देवो प० ३ १, गो० देवो पकरेइ नो सुरो नो नागो य । अत्थि ण भते !  
कण्हराइसु वादरे थणियसदे जहा ओराला तहा । अत्थि ण भते ! कण्हराइए वादरे  
आउकाए वादरे अगणिकाए वायरे वणप्फइकाए १, णो तिणट्ठे समट्ठे, णण्णत्त  
विग्गहगइसमावत्तण । अत्थि ण० चदिमसूरिय ४ प० १, णो तिण० । अत्थि ण  
कण्ह० चदाभाइ वा २ १, णो तिणट्ठे समट्ठे । कण्हराइओ ण भते ! केरित्तियाओ  
वत्तेण पण्णत्ताओ १, गोयमा ! कालाओ जाव सिप्पामेव वीईवएज्जा । कण्हराइओ  
ण भते ! कइ नामधेज्जा पण्णत्ता १ गोयमा ! अट्ठ नामधेज्जा पण्णत्ता, तजहा-  
कण्हराइत्ति वा मेहराईइ वा मघावई(घे)इ वा माघवईड वा वायफलिहेइ वा  
वायपलिव्खोभेइ वा देवफलिहेइ वा देवपलिव्खोभेइ वा, कण्हराइओ ण भते !  
किं पुढविपरिणामाओ आउपरिणामाओ जीवपरिणामाओ पोग्गलपरिणामाओ १,  
गोयमा ! पुढविपरिणामाओ नो आउपरिणामाओ जीवपरिणामाओवि पोग्गलपरि-  
णामाओवि । कण्हराइसु ण भंते ! सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता उववत्तपुव्वा १,  
इंता गोयमा ! असइ अदुवा अणत्तखुत्तो नो चेव ण वादरआउकाइयत्ताए वादरअ  
गणिकाइयत्ताए वा वादरवणप्फइकाइयत्ताए वा ॥ २४१ ॥ एएसि णं अट्ठहं कण्ह  
राइण अट्ठसु उवासतरेसु अट्ठ लोगतियविमाणा पण्णत्ता, तजहा-१ अच्ची २ अच्चिमाली  
३ वइरोयणे-४ पर्मकरे ५ चदाभे ६ सूरामे ७ सुक्कामे ८ सुपइट्ठामे ९ मज्जे रिट्ठामे ।  
कहि णं भंते ! अच्चिविमाणे प० १, गोयमा ! उत्तरपुरच्छिमेण, कहि णं भते ! अच्चि  
मालिविमाणे प० १, गोयमा ! पुरच्छिमेण, एवं पग्गिवाहीए नेयव्व जाव कहि णं  
भंते ! रिट्ठे विमाणे पण्णत्ते १, गोयमा ! बहुमज्जदेसमाणे । एसु णं अट्ठसु लोगति-  
माणेसु अट्ठविहा लोगतियदेवा परिवसति, तजहा-सारस्सयमाइच्चा वण्णी वरुणा

समष्टे । अतिव न मते । तमुक्ताए नोराका नमोहना संसिर्गति संमुखंति नार्थं वातेति  
 वा । ईता । अतिव तं मते । किं हेतो पकरेह अतुरो पकरेह न्ययो पकरेह ।  
 गोयमा । हेतोमि पकरेह अतुरोमि पकरेह नाथेमि पकरेह । अतिव न मते ।  
 तमुक्ताए वादरे नविकसे नानरे निरुप । ईता । अतिव तं मते । किं हेतो पकरेह १ ।  
 तिथिनि पकरेति अतिव न मते । तमुक्ताए नानरे पुनमिच्छाए वादरे अगमि-  
 क्षाए । नो तिबहे समष्टे नमस्तव निगाहपदसमावधाने । अतिव न मते । तमु-  
 क्ताए नविकसुरियवदपनननकाछाराकमा । नो तिबहे समष्टे, पस्मिस्सतो पुन  
 अतिव । अतिव न मते । तमुक्ताए नैवामाह वा चुरामाह वा । नो तिबहे समष्टे,  
 कन्धसमिवा पुन सा । तमुक्ताए न मते । केरिछाए वक्षिणं पन्नाते । गोयमा । अने  
 वादरनमते गोमोरखेमहरिचञ्चले जीमे तत्तामसए परमस्मिन्ने वक्षिणं पन्नाते  
 हेतमि न वतयेत्ताए वे मे तप्पन्नमसाए पाणिता न क्कमाएम्मा अहे न अमिस्सम-  
 गन्नेया तमो पक्कम सीई २ सुरिबं २ क्षिप्पमेव बीईवएमा ॥ तमुक्तावस्त न  
 मते । कइ कम्मवेजा पन्नाता । गोयमा । तेरस पम्मवेजा पन्नाता तंका-  
 तमेह वा तमुक्ताए वा अंबकारेह वा अईवकारेह वा अनेवकारेह वा अमस्त-  
 मिस्तेह वा वेववकारेह वा वैवसिमिन्नेह वा वैवारिह वा वैवज्जेह वा वेवज्ज-  
 मिन्नेह वा वैवपत्तिमकोमेह वा अक्कोवएह वा उठ्ठे ॥ तमुक्ताए न मते । किं  
 पुनविपरिणामे अस्तपरिणामे बीवपरिणामे गोम्यकपरिणामे । गोयमा । नो पुनवि-  
 परिणामे अस्तपरिणामेमि बीवपरिणामेमि केम्यकपरिणाममि । तमुक्ताए न मते ।  
 सम्यै पाप्मा भूया बीवा सत्ता पुनविच्छेदमताए नाव तत्तावद्वताए वक्कवपुम्मा ।  
 ईता गोयमा । अतई ननुवा नर्णज्जतो नो वेव न वादरपुनविच्छेदमताए वादरवक्क-  
 विमद्वताए वा ॥ १४ ॥ कइ न मते । कम्हराईमो पन्नातामो । गोयमा अहु  
 कम्हराईमो पन्नातामो । वडि न मते । एयामो अहु कम्हराईमो पन्नातामो ।  
 गोयमा । वडि सक्कमुरामाईवणं कप्पानं द्विद्धि नंनयेए कप्पे तिठ्ठे विमाले पात्थे  
 एव न अक्कवावमस्तमनरंउसंअकपठिवामो अहु कम्हराईमो पन्नातामो तंका-  
 पुण्डिममेव हो वक्कविमेव हो वाडिमेव हो उतारेय हो, पुण्डिमममेवतए कम्हराई  
 दाडिणं वाडिं कम्हराई पुट्टा वाडिणममेवतए कम्हराई वक्कविमवाडिं कम्हराई पुट्टा  
 वक्कविमममेवतए कम्हराई उतरवाडिं कम्हराई पुट्टा उतरमममेवतए कम्हराई पु-  
 ण्डिमवाडिं कम्हराई पुट्टा हो पुण्डिमवक्कविमामो वाडिणमो कम्हराईमो  
 उतंवाभे हो उतरवाडिणवाडिणमो कम्हराईमो तंतामो हो पुण्डिमवक्कविमामो  
 अमिमतमो कम्हराईमो वडरंतामो हो उतरवाडिणमो अमिमतमो कम्हरा-



रकुमारत्ताए उववज्जित्तए जहा नेरइया तहा भाणियव्वा जाव थणियकुमारा । जीवे  
 ण भंते ! मारणतियसमुग्घाएण समोहए २ जे भविए असखेजेसु पुढविकाइयावा-  
 ससयसहस्सेसु अण्णयरंसि पुढविकाइयावाससि पुढविकाइयात्ताए उववज्जित्तए से णं  
 भते ! मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेण केवइय गच्छेज्जा केवइय पाउणेज्जा १,  
 गोयमा ! लोयत गच्छेज्जा लोयंत पाउणिज्जा, से ण भते ! तत्थगए चेव आहारेज्ज  
 वा परिणामेज्ज वा सरीर वा वधेज्जा १, गोयमा ! अत्थेगइए तत्थगए चेव आहारेज्ज  
 वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा वधेज्जा अत्थेगइए तओ पडिणियत्तइ २ ता इह  
 हव्वमागच्छइ २ ता दोच्चपि मारणतियसमुग्घाएण समोहणइ २ ता मंदरस्स  
 पव्वयस्स पुरच्छिमेण अगुलस्स असखेज्जभागमेत्त वा सखेज्जभागमेत्त वा वालग  
 वा वालगपुहुत्तं वा एवं लिक्खं जूर्यं जवं अगुल जाव जोयणकोडिं वा जोयणकोडा  
 कोडिं वा सखेजेसु वा असखेजेसु वा जोयणसहस्सेसु लोगते वा एगपदेसिय सेडिं  
 मोत्तूण असखेजेसु पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि पुढविकाइयावाससि  
 पुढविकाइयात्ताए उववज्जेत्ता तओ पच्छा आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा  
 वधेज्जा, जहा पुरच्छिमेण मंदरस्स पव्वयस्स आलावओ भणिओ एवं दाहिणेणं  
 पच्चत्थिमेण उत्तरेणं उट्ठे अहे, जहा पुढविकाइया तहा एगिंदियाण सव्वेसिं, एक्के-  
 कस्स छ आलावया भाणियव्वा । जीवे ण भते ! मारणतियसमुग्घाएणं समोहए  
 २ ता जे भविए असखेजेसु वेदियावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि वेदियावासंसि  
 वेइंदियात्ताए उववज्जित्तए से णं भते ! तत्थगए चेव जहा नेरइया, एव जाव अणु  
 त्तरोववाइया । जीवे णं भंते ! मारणतियसमुग्घाएण समोहए २ जे भविए एव  
 पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाविमाणेसु अन्नयरंसि अणुत्तरविमाणसि अणुत्त-  
 रोववाइयदेवत्ताए उववज्जित्तए, से ण भंते ! तत्थगए चेव जाव आहारेज्ज वा  
 परिणामेज्ज वा सरीरं वा वधेज्जा २० । सेव भते ! सेव भते ! त्ति ॥ २४४ ॥ पुढवि-  
 उहेसो समत्तो । छट्ठसए छट्ठो उहेसो समत्तो ॥

अह ण भंते ! सालीणं वीहीणं गोधूमाण जवारणं जवजवारणं एएसि ण घन्नाणं  
 कोट्ठाउत्ताण पल्लाउत्ताणं मचाउत्ताण मालाउत्ताणं उल्लित्ताणं लिताणं पिहियाण मुद्दि-  
 याण लंछियाण केवइय काल जोणी संचिट्ठइ १, गोयमा ! जहज्जेण अतोमुहुत्त  
 उक्कोसेण तिणि सवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायइ तेण परं जोणी पविद्धसइ  
 तेण परं वीए अभीए भवइ, जोणीवोच्छेदे पक्कसे समणात्तसो ! । अह भंते !  
 फलायमसु

॥ लिखदं ॥ २४४ ॥ एएसि ण

॥ अह

व गच्छतोऽयं न । दृष्टिमा जन्मजाता अभिगच्छा नैव रिद्धा य ॥ १० ॥ अहि नं मते ।  
 धारस्त्वया देवा परिवर्तन्ति । गोयमा । अभिनिमाभि परिवर्तन्ति अहि नं मते ।  
 आहवा देवा परिवर्तन्ति । गोयमा । अभिनिमाभिमाभे एवं मेवम् ब्रह्मपुम्बीए  
 नान् अहि नं मते । रिद्धा देवा परिवर्तन्ति । गोयमा । रिद्धिनिमाभि ॥ धारस्त्वया  
 इवायं मते । देवानं नद् देवा नद् देवसदा पम्पता । गोयमा । धरा देवा धरा  
 देवसदा परिवारो पम्पते । बन्धीयन्मानं देवानं बन्धुस देवा नम्पस देवसहस्ता  
 परिवारो पम्पते । पत्तोन्तुविमानं देवानं धरा देवा धरा देवसहस्ता पम्पता । बन्-  
 धीयानं नद् देवा नद् देवसदा पम्पता—“पम्पसहस्त्रिधरा धरा उ दयानि धीयन्ति  
 न्देवसहस्ता । दहए धरासहस्ता नद् नैव दयानि सिधेष्ट ॥ १० ॥ त्तेयन्तिभि-  
 माभा नं मते । सिध्दुष्टिन् पम्पता । गोयमा । बन्धुसहस्त्रिधरा धरापम्पसहस्त्रिधरा प  
 एवं मेवम्—“विनाशार्थं पद्भ्यां ब्रह्मपुम्पमेव संठानं ।” नम्पसहस्त्रिधरा देवम्मा  
 [ब्रह्म धीयानिमे देवुरेधए] नान् इहा गोयमा । असई ब्रह्मा नम्पसहस्त्रिधरा । नो  
 नैव नं विनिताए । त्तेयन्तिभिमाभिध नं मते । देवम्प नान् ठिई पम्पता । गोयमा ।  
 ब्रह्म सागरोदनाई ठिई पम्पता । त्तेयन्तिभिमाभिधितो नं मते । देवम्प नान् ब्रह्माए  
 त्तेयन्ते पम्पते । गोयमा । नम्पसहस्त्रिधरा नान् ब्रह्माए त्तेयन्ते पम्पते ;  
 त्तेयं मते । त्तेयं मते । ति ॥ १४९ ॥ ब्रह्मसए देवमो ब्रह्मेस्त्वमो धामनी ॥

अह नं मते । पुत्रवीजो पम्पतामो । गोयमा । धरा पुत्रवीजो पम्पतामो  
 तन्वा—रन्मपभा नान् तमत्ता रन्मपभाई नं नानाभा मानिन्वा (बाध)  
 न्देवतामाए, एवं नै धतिवा नानाभा ते मानिन्वा बाध नद् नं मते । ब्रह्म-  
 रन्मिमा पम्पता । गोयमा । देव ब्रह्मरन्मिमा पम्पता तन्वा—निधए बाध  
 सन्मपुम्पते ॥ १४९ ॥ धीयि नं मते । नम्पसहस्त्रिधरापुम्पतामो धामनी  
 नै धतिए इपीदे रन्मपभापुम्पतामो पुत्रवीए धीसाए निरवातासहस्त्रिधरा नम्पसहस्त्रिधरा  
 निरवातासहस्त्रिधरा देवतामाए सन्मपुम्पतामो तं नं मते । तन्वापुम्प नैव नान्वारेण वा  
 परिनामेण वा धरीरे वा नैवा । गोयमा । नान्वापुम्पतामो तन्वापुम्प नैव नान्वारेण  
 वा परिनामेण वा धरीरे वा नैवा नान्वापुम्पतामो तन्वापुम्प नैव नान्वारेण  
 धामनीपुम्पतामो इहमागन्तु १ धीयि नै धतिवा धारन्तिनसमुम्पापुम्पतामो धामनीपुम्पतामो  
 रन्मपभापुम्पतामो पुत्रवीए धीसाए निरवातासहस्त्रिधरा नम्पसहस्त्रिधरा निरवातासहस्त्रिधरा  
 देवतामाए तन्मपुम्पतामो, तन्वा पम्पता नान्वापुम्पतामो परिनामेण वा धरीरे वा नैवा  
 एवं नान् नान्वापुम्पतामो पुत्रवी । धीयि नं मते । धारन्तिनसमुम्पापुम्पतामो धामनीपुम्पतामो  
 धामनीपुम्पतामो नान्वापुम्पतामो तन्वापुम्पतामो नान्वापुम्पतामो नान्वापुम्पतामो नान्वापुम्पतामो

विक्रमेण जोयण उट्ठ उच्चतेण तं तिउण सविसेसं परिरएण, से णं एगाहियवेया-  
हियतेयाहिय उक्कोस सत्तरत्तप्परूढाण समट्ठे सनिचिए भरिए वालगगकोडीण [ते],  
से ण वालगगे नो अग्गी दहेज्जा तो वाळु हरेज्जा नो कुत्थेज्जा नो परिविद्धंसेज्जा  
नो पूडत्ताए हव्वमागच्छेज्जा, तओ ण वामसए २ एगमेगं वालगग अवहाय जाव-  
इएण कालेण से पळे खीणे नीरए निम्मले निट्टिए निलेवे अवहडे विसुद्धे भवइ,  
से त पलिओवमे । गाहा-एएसिं पळाण कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिया । त साग-  
रोवमस्स उ एक्कस्स भवे परिमाणं ॥ १ ॥ एएण सागरोवमपमाणेण चत्तारि साग-  
रोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमसुसमा १ तिञ्चि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो  
सुसमा २ दो सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमदुसमा ३ एगा सागरोवमकोडा-  
कोडी चायालीसाए वाससहस्सेहिं ऊणिया कालो दुसमसुसमा ४ एक्कवीस वाससह-  
स्साइं कालो दुसमा ५ एक्कवीस वाससहस्साइं कालो दुसमदुसमा ६ । पुणरवि  
ओसप्पिणीए एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुसमदुसमा १ एक्कवीस वाससहस्साइं  
जाव चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमसुसमा, दस सागरोवमकोडा  
कोडीओ कालो ओसप्पिणी दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो उस्सप्पिणी वीस  
सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणी य उस्सप्पिणी य ॥ २४६ ॥ जवुईवे णं  
भते ! वीवे इमीसे ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए उत्तमद्वपत्ताए भरहस्स  
वासस्स केरिसए आगारमावपड्यारे होत्था १, गोयमा ! बहुसमरमणिजे भूमिमागे  
होत्था, से जहानामए-आलिंगपुक्खरेड वा एव उत्तरकुट्टवत्तव्वया नेयव्वा जाव  
आसयति सयंति, तीसे ण समाए भारहे वासे तत्थ २ देसे २ तहिं २ वहेवे  
ओराला कुडाला जाव कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूला जाव छव्विहा मणुस्सा अणुसजित्था  
प०, तं०-पम्हगघा १ मियगघा २ अममा ३ तेयली ४ सहा ५ सर्णिचारी ६ ।  
सेवं भंते ! सेव भंते ! ति ॥ २४७ ॥ छट्ठसए सत्तमो उद्देसओ समत्तो ॥

कइ ण भंते ! पुढवीओ पन्नत्ताओ १, गोयमा ! अट्ठ पुढवीओ पण्णत्ताओ,  
तज्जहा-रयणप्पमा जाव ईसिप्पम्भारा । अत्थि ण भंते ! इमीसे रयणप्पमाए पुढवीए  
अहे गेहाइ वा गेहावणाइ वा १, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे । अत्थि ण भंते !  
इमीसे रयणप्पमाए अहे गामाइ वा जाव सनिवेसाइ वा १ नो तिणट्ठे समट्ठे । अत्थि  
ण भंते ! इमीसे रयणप्पमाए पुढवीए अहे उराला बलाहया ससेयति संमुच्छति  
वास वासति १, हंता ! अत्थि, तिञ्चिवि पकरंति देवोवि पकरेइ असुरोवि प० नागोवि  
प० । अत्थि ण भंते ! इमीसे रयण० बादरे थणियसदे १, हंता ! अत्थि, तिञ्चिवि  
पकरेन्ति । अत्थि ण भंते ! इमीसे रयण० अहे बादरे अगणिकाए १, गोयमा ! नो



मियजले ? , गोयमा ! लवणे ण समुदे ऊसिओदए नो पत्यडोदए खुभियजले नो  
अखुभियजले एत्तो आढत्त जहा जीवाभिगमे जाव से तेण० गोयमा ! बाहिरया ण  
धीवसमुद्दा पुञ्जा पुञ्जप्पमाणा वोलट्ठमाणा वोसट्ठमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठति सठा  
णओ एगविहिविहाणा वित्थारओ अणेगविहिविहाणा दुग्गुणादुग्गुणप्पमाणओ जाव  
अस्सि तिरियलोए असंखेज्जा धीवसमुद्दा सयभुरमणपज्जवसाणा पज्जता समणाउसो ।।  
धीवसमुद्दा ण भते । केवइया नामधेजेहिं पज्जता ? , गोयमा ! जावइया लोए  
सुभा नामा सुभा रूवा सुभा गघा सुभा रसा सुभा फासा एवइया ण धीवसमुद्दा  
नामधेजेहिं पज्जता, एव नेयव्वा सुभा नामा उद्धारो परिणामो सव्वजीवाण । सेव  
भते । सेव भंते । त्ति ॥ २५० ॥ छट्ठसयस्स अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

जीवे ण भते । णाणावरणिज्जं कम्म वधमाणे , कइ कम्मप्पगढीओ वधइ ? ,  
गोयमा ! सत्तविहवधए वा अट्ठविहवधए वा छव्विहवधए वा, वधुद्देसो पन्नवणाए  
नेयव्वो ॥ २५१ ॥ देवे ण भते । महिद्धिए जाव महाणुभागे बाहिरए पोग्गले  
अपरियाइत्ता पभू एगवन्न एगरूव विउव्वित्तए ? , गोयमा ! नो तिणट्ठे० । देवे ण  
भते । बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू ? हंता ! पभू, से ण भंते । किं इहगए पोग्गले  
परियाइत्ता विउव्वइ तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ अन्नत्थगए पोग्गले परि-  
याइत्ता विउव्वइ ? , गोयमा ! नो इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, तत्थगए  
पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, नो अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, एवं  
एएण गमेण जाव एगवन्न एगरूव १ एगवण्ण अणेगरूव २ अणेगवन्न एगरूव ३  
अणेगवन्न अणेगरूव ४ चउभगो । देवे ण भते । महिद्धिए जाव महाणुभागे बाहिं  
रए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू कालय पोग्गल नीलगपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए नीलगं  
पोग्गल वा कालगपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए ? , गोयमा ! नो तिणट्ठे समट्ठे, परिया-  
इत्ता पभू । से ण भते । किं इहगए पोग्गले त चेव नवरं परिणामेइत्ति भाणियव्व,  
एव कालगपोग्गल लोहियपोग्गलत्ताए, एव कालएणं जाव सुक्किल, एव णीलएणं  
जाव सुक्किल, एव लोहियपोग्गल जाव सुक्किलत्ताए, एवं हाल्लिइएण जाव सुक्किल,  
तंजहा-एवं एयाए परिवाडीए गंधरसफास ० क्वक्खडफासपोग्गल मउयफासपोग्गल-  
त्ताए २ एव दो दो गळ्यलहुय २ सीयउत्तिण २ णिद्धलुक्ख २, वप्पाइ सव्वत्थ परि-  
णामेइ, आलावगा य दो दो पोग्गले अपरियाइत्ता परियाइत्ता ॥ २५२ ॥ अविमुद्धत्तेसे  
णं भंते । देवे असमोहएण अप्पाणएणं अविमुद्धत्तेसं देव देविं अन्नयरं जाणइ  
पासइ १ ? णो तिणट्ठे समट्ठे, एव अविमुद्धत्तेसे देवे असमोहएण अप्पाणेण विमुद्धत्तेसं  
देव ३, २ । अविमुद्धत्तेसे समोहएण अप्पाणेण अविमुद्धत्तेसं देव ३, ३ । अवि



भियजले?, गोयमा ! लवणे ण समुद्दे ऊसिओदए नो पथडोदए खुभियजले नो  
अखुभियजले एत्तो आढत्त जहा जीवाभिगमे जाव से तेण० गोयमा ! बाहिरया ण  
दीवसमुद्दा पुत्ता पुत्तप्पमाणा वोल्हमाणा वोसट्टमाणा समभरघट्ताए चिट्ठति सठा  
णओ एगविहिविहाणा वित्थारओ अणेगविहिविहाणा दुगुणादुगुणप्पमाणओ जाव  
अस्सि तिरियलोए असंखेज्जा दीवसमुद्दा सयभुरमणपज्जवसाणा पञ्चत्ता समणाउसो ।।  
दीवसमुद्दा ण भते ! केवइया नामधेज्जेहिं पञ्चत्ता?, गोयमा ! जावइया लोए  
सुभा नामा सुभा रूवा सुभा गघा सुमा रसा सुमा फासा एवइया ण दीवसमुद्दा  
नामधेज्जेहिं पञ्चत्ता, एव नेयव्वा सुभा नामा उद्धारो परिणामो सब्बजीवाण । सेव  
भते ! सेव भते ! ति ॥ २५० ॥ छट्ठसयस्स अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

जीवे ण भंते ! णाणावरणिज्ज कम्म वधमाणे कइ कम्मप्पगद्दीओ वधइ?,  
गोयमा ! सत्तविहवधए वा अट्ठविहवधए वा छव्विहवधए वा, वधुद्देसो पञ्चवणाए  
नेयव्वो ॥ २५१ ॥ देवे ण भंते ! महिङ्गिए जाव महाणुभागे बाहिरए पोग्गले  
अपरियाइत्ता पभू एगवन्नं एगरूव विउव्वित्ताए?, गोयमा ! नो तिणट्ठे० । देवे ण  
भते ! बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू? हंता ! पभू, से ण भंते ! किं इहगए पोग्गले  
परियाइत्ता विउव्वइ तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, अन्नत्थगए पोग्गले परि-  
विउव्वइ?, गोयमा ! नो इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, तत्थगए

परियाइत्ता विउव्वइ, नो अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, एवं  
गरेणं जाव एगयन्न एगरूवं १ एगवण्ण अणेगरूव २ अणेगवन्न एगरूव ३  
अणेगवन्न अणेगरूवं ४ चउभगो । देवे, ण भते ! महिङ्गिए जाव महाणुभागे बाहि-  
रए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू कालयं पोग्गल नीलगपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए नीलग  
पोग्गलं वा कालगपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए?, गोयमा ! नो तिणट्ठे समट्ठे, परिया-  
इत्ता पभू । से ण भंते ! किं इहगए पोग्गले त चेव नवर परिणामेइत्ति माणियव्व,  
एवं कालगपोग्गलं लोहियपोग्गलत्ताए, एव कालएणं जाव सुक्किल, एव णीलएण  
जाव सुक्किल, एवं लोहियपोग्गल जाव सुक्किलत्ताए, एव हाल्लिइएण जाव सुक्किल,  
तंजहा-एवं एगाए परिवाडीए गंधरसफास० कक्खडफासपोग्गलं मउयफासपोग्गल-  
त्ताए २ एवं दो दो मल्ललहुय २ सीयउत्तिण २ णिद्धलुक्ख २, वज्जाइ सव्वत्थ परि-  
णामेइ, आलावगा य दो दो पोग्गले अपरियाइत्ता परियाइत्ता ॥ २५० ॥ अविमुद्धत्से  
ण भंते ! देवे असमोहएणं अप्पाणएणं अविमुद्धत्सें देव देविं अन्नयरं जाणइ  
पाराइ १? णो तिणट्ठे समट्ठे, एव अविमुद्धत्से देवे असमोहएण अप्पाणेण विमुद्धत्सें  
देवं ३, २ । अविमुद्धत्से समोहएण अप्पाणेण अविमुद्धत्से देवं ३, ३ । अवि





चाए गदपरिणाभेग अत्तम्मस्स गदे पत्ताय ॥ गदहं भंते ! बंधणत्तेयणयाए अरु-  
 म्मस्स गदे प० २, गोयमा । से जहानामए-वत्तमिबलियाइ वा गुग्गमिबलियाइ वा  
 मामसिबलियाइ वा गिबलिवलियाइ वा गग्गमिबलियाइ वा उण्हे दिन्ना गुग्ग-  
 ममाणी फुटिता णं एगन्तमं गच्छ, एतं गत्तु गोयमा । ० । गदहं भंते ! निर-  
 धणयाए अवम्मस्स गदे प० २, गोयमा । ने जहानामए-धूमस्स दधणीणमुग्गस्स  
 उट्टु वीगगाए निव्वापाएणं गद पवत्ता, एतं गत्तु गोयमा । ० । गदहं भंते !  
 पुच्चप्पभोगेण अकम्मस्स गदे प० २, गोयमा । से जहानामए कंठस्स कोदटविप्प  
 गुग्गस्स लक्खणागिमुत्ती निव्वापाएण गदे पवत्ता, एवं गत्तु गोयमा । नीसंगयाए  
 निरंगणयाए जाव पुच्चप्पभोगेण अरुम्मस्स गदे प० ॥ २६४ ॥ दुक्खी भंते !  
 दुक्खेण फुटे अदुक्खी दुक्खेण फुटे १, गोयमा । दुक्खी दुक्खेण फुटे नो अदुक्खी  
 दुक्खेण फुटे । दुक्खी ण भंते ! नेरउए दुक्खेण फुटे अदुक्खी नेरउए दुक्खेण  
 फुटे १, गोयमा । दुक्खी नेरउए दुग्गेण फुटे नो अदुक्खी नेरउए दुग्गेण फुटे,  
 एव दउओ जाव वेमाणियाण, एव पच दउगा नेयव्वा-दुक्खी दुक्खेण फुटे १  
 दुक्खी दुक्खं परियायइ २ दुक्खी दुक्खं उदीरेइ ३ दुक्खी दुक्खं वेदेइ ४ दुक्खी  
 दुक्खं निजरेइ ५ ॥ २६५ ॥ अणगारस्स ण भंते ! अणाउत्त गच्छमाणस्स वा  
 चिट्ठमाणस्स वा निसीयमाणस्स ( वा ) तुयट्ठमाणस्स वा अणाउत्त वत्थं पडिग्गह  
 कज्ज पायपुच्छण गेण्हमाणस्स वा निक्खियमाणस्स वा तस्स ण भंते ! किं इरिया-  
 वहिया किरिया कज्जइ ? सपराइया किरिया कज्जइ १, गो० नो इरियावहिया किरिया  
 कज्जइ सपराइया किरिया कज्जइ । से केणट्ठेण० २, गोयमा । जस्स ण कोहमाण  
 मायालोभा वोच्छिन्ना भवति तस्स ण इरियावहिया किरिया कज्जइ नो सपराइया  
 किरिया कज्जइ, जस्स ण कोहमाणमायालोभा अवोच्छिन्ना भवति तस्स ण सपराइया  
 किरिया कज्जइ नो इरियावहिया, अहानुत्त रीयमाणस्स इरियावहिया किरिया कज्जइ  
 उस्तुत्त रीयमाणस्स सपराइया किरिया कज्जइ, से ण उस्तुत्तमेव रियइ, से तेण-  
 ट्ठेण० ॥ २६६ ॥ अहं भंते ! सइगालस्स सधूमस्स संजोयणादोसदुट्ठस्स पाण-  
 भोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते १, गोयमा । जे ण निग्गथे वा निग्गथी वा फासुएसणिज्जं  
 असणपाण ४ पडिगाहिता मुच्छिणं गिद्धे गट्ठिणं अज्झोववच्चे आहारं आहारेइ  
 एमं ण गोयमा । सइगाले पाणभोयणे, जे ण निग्गथे वा निग्गथी वा फासुएसणिज्जं  
 असणपाण ४ पडिगाहिता महया २ अप्पत्तियकोहकिलामं करेमाणे आहारमाहारेइ  
 एसं ण गोयमा । सधूमे पाणभोयणे, जे ण निग्गथे वा २ जाव पडिगाहिता गुण-  
 पाप्यणहेउ अन्नदन्वेण सद्धिं सजोएत्ता आहारमाहारेइ एसं ण गोयमा । संजोयणा-

उत्तरेमे देवे समोहएणं अप्पावेनं मिच्छकेसं देवं १ ४ । अमिच्छकेसे समोहवा-  
समोहएणं अप्पावेनं अमिच्छकेसं देवं १ ५ । अमिच्छकेसे समोहवा मिच्छकेसं  
देवं १, १ ६ मिच्छकेसे अममो अमिच्छकेसं देवं १, १ । मिच्छकेसे अममोहएणं  
मिच्छकेसं देवं १, १ । मिच्छकेसे न मते । देवे समोहएणं अमिच्छकेसं देवं १  
आण्ड १ । इता आण्ड एणं मिच्छ समो मिच्छकेसं देवं १ आण्ड १ । इता ।  
आण्ड ४ । मिच्छकेसे समोहवासमोहएणं अमिच्छकेसं देवं १ ५ । मिच्छकेसे  
समोहवासमोहएणं मिच्छकेसं देवं १ ६ । एवं हेडिणएणं अण्डेण न आण्ड न  
पाण्ड उवसिणएणं अण्डेण आण्ड पाण्ड । सेवं मते । सेवं मते । पि ॥ १५३ ॥  
उत्तरेण सवमो उदेसो समलो ॥

अवतरिक्का न मते । एक्काइक्कंति वाव पक्कंति वाववा एवमिहे नवरे  
वीवा एववाव जीवाव नो वक्किना केव छई वा हुई वा वाव कोवडिगमाकमि  
निप्पक्कमाकमि कक्कमाकमि मांसमाकमि सुप्पमाकमि वृक्कमाकमि सिक्कमा-  
माकमि अमिक्किण उवसिणए, से केवमेवं मते । एवं । गोक्का । क्वं से  
अवतरिक्का एक्काइक्कंति वाव मिच्छं से एक्काइस, अई पुव येवमा । एक्काइ-  
क्कामि वाव पक्कंति सुप्पकोएणि य न सुप्पवीवाव नो वक्किना कोई छई वा तं  
केव वाव उवसिणए । से केवमेवं । गोक्का । अक्कं कुंहुईवे १ वाव मिसेवाहिण  
परिक्केवेवं पक्को देवे न मडिहिण वाव अहलुमालो एवं मई समिक्केवं मंभसुप्पमा  
गण्डाव तं अक्काइ तं अक्काइक्का वाव एवमेव कहु केवक्कं कुंहुईवं १ सिद्धि  
अक्कपनिवाएणं सिद्धिउत्तरे अलुपरिवाहिता न इक्कमागण्डेवा ॥ नृवं येवमा । से  
केवक्कं कुंहुईवे १ तेहि वावपोम्यकेहि कुंहुई, इता । कुंहुई वक्किना ये गोक्का ।  
केव तेसि वावपोम्यकाव कोवडिगमाकमि वाव उवसिणए । नो सिद्धे समडे,  
से सेक्केवं वाव उवसिणए ॥ १५४ ॥ जीवे न मते । जीवे १ जीवे । गोक्का ।  
जीवे ताव मिक्का जीवे जीवे मिक्का जीवे । जीवे न मते । मेरए मेरए जीवे १,  
गोक्का । मेरए ताव मिक्का जीवे जीवे पुव सिव मेरए सिव अनेरए, जीवे न  
मते । अहुरुमारं अहुरुमारं जीवे । गोक्का । अहुरुमारं ताव मिक्का जीवे जीवे  
पुव सिव अहुरुमारं सिव नो अहुरुमारं एवं ईक्कं माभियम्भो वाव वेयामिवाव ।  
जीव मते । जीवे जीवे जीव । गोक्का । जीव ताव मिक्का जीवे जीवे पुव  
सिव जीव सिव नो जीव, जीव मते । मेरए १ जीव । गोक्का । मेरए  
ताव मिक्का जीव १ पुव सिव मेरए सिव अनेरए, एवं ईक्कं मेवम्भो वाव  
वेयामिवाव । मवसिणए न मते । मेरए १ मवसिणए । गोक्का । मवसिणए

सिय नेरइए सिय अनेरइए नेरइएऽविय सिय भवसिद्धिए सिय अभवसिद्धिए, एवं दडओ जाव वेमाणियाणं ॥ २५५ ॥ अन्नउत्थिया ण भते ! एवमाइक्खति जाव परूवेति एव खलु सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतदुक्ख वेयण वेयंति, से कहमेय भंते ! एव १, गोयमा ! जन्न ते अन्नउत्थिया जाव मिच्छ ते एवमाहसु, अह पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतदुक्ख वेयण वेयति आहच्च साय, अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एगंत सायं वेयणं वेयंति आहच्च असाय, अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता वेमायाए वेयण वेयति आहच्च सायमसाय । से केणट्ठेण० १, गोयमा ! नेरइया एगंतदुक्ख वेयण वेयति [आहच्च सायमसाय] आहच्च साय, भवणवइवाणमंतरजोइसवेमाणिया एगंतसाय वेयण वेयंति आहच्च असाय, पुठविकाइया जाव मणुस्ता वेमायाए वेयण वेयति आहच्च सायमसाय, से तेणट्ठेण० ॥ २५६ ॥ नेरइया णं भते ! जे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति ते किं आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति अणतरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति परंपरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति १, गोयमा ! आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति नो अणतरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति नो परंपरखेत्तोगाढे, जहा नेरइया तहा जाव वेमाणियाणं दडओ ॥ २५७ ॥ केवली णं भंते ! आया णेहिं जाणइ पासइ १, गोयमा ! नो तिणट्ठे० । से केणट्ठेण १, गोयमा ! केवली णं पुरच्छिमेण सिर्यपि जाणइ अमियपि जाणइ जाव निव्वुडे दसणे केवलस्स से तेणट्ठेण० । गाहा—जीवाणं सुह दुक्ख जीवे जीवइ तहेव भविया य । एगंतदुक्खवेयण अत्तमाया य केवली ॥१॥ सेवं भते ! सेव भते ! ति ॥ २५८ ॥ छट्ठं सयं समत्त ॥

**गाहा**—आहार १ विरड २ थावर ३ जीवा ४ पक्खी य ५ आउ ६ अणगारे ७ । छठमत्थ ८ असवुड ९ अन्नउत्थि १० दस सत्तममि सए ॥ १ ॥ तेणं कालेण तेण समएण जाव एव वयासी—जीवे णं भते ! क समयमणाहारए भवइ १, गोयमा ! पढमे समए सिय आहारए सिय अणाहारए विइए समए सिय आहारए सिय अणाहारए तइए समए सिय आहारए सिय अणाहारए चउत्थे समए नियमा आहारए, एवं दडओ, जीवा य एगिंदिया य चउत्थे समए सेसा तइए समए ॥ जीवे णं भते ! क समय सव्वप्पाहारए भवइ १, गोयमा ! पढमसमयोववन्नए वा चरमसमए भवत्थे वा एत्थ ण जीवे ण सव्वप्पाहारए भवइ, दडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं ॥ २५९ ॥ किंसठिए णं भते ! लोए पन्नते १, गोयमा ! सुपइट्ठगसठिएलोए पन्नते, हेट्ठा विच्छिजे जाव उप्पि उट्ठमुईगागारसठिए, तेसिं च ण



याए गइपरिणामेण अकम्मस्स गई पजायइ । कहन्नं भते । वधणछेयणयाए अक-  
 म्मस्स गई प० १, गोयमा । से जहानामए-कलसिंवलियाइ वा मुग्गसिंवलियाइ वा  
 माससिंवलियाइ वा सिंवलिसिंवलियाइ वा एरडमिजियाइ वा उण्हे दिन्ना सुक्का  
 समाणी फुडित्ता णं एगतमत गच्छइ, एवं खलु गोयमा । ० । कहन्नं भते । निरं-  
 धणयाए अकम्मस्स गई प० १, गोयमा । से जहानामए-वूमस्स ईधणविप्पमुक्कस्स  
 उट्ठ वीससाए निव्वाघाएणं गई पवत्तइ, एवं खलु गोयमा । ० । कहन्नं भते ।  
 पुव्वप्पओगेण अकम्मस्स गई प० १, गोयमा । से जहानामए कडस्स कोदडविप्प-  
 मुक्कस्स लक्खामिमुही निव्वाघाएण गई पवत्तइ, एवं खलु गोयमा । नीसंगयाए  
 निरगणयाए जाव पुव्वप्पओगेण अकम्मस्स गई प० ॥ २६४ ॥ दुक्खी भते ।  
 दुक्खेण फुडे अदुक्खी दुक्खेण फुडे १, गोयमा । दुक्खी दुक्खेण फुडे नो अदुक्खी  
 दुक्खेण फुडे । दुक्खी ण भते । नेरइए दुक्खेणं फुडे अदुक्खी नेरइए दुक्खेण  
 फुडे १, गोयमा । दुक्खी नेरइए दुक्खेण फुडे नो अदुक्खी नेरइए दुक्खेण फुडे,  
 एव दडओ जाव वेमाणियाण, एव पंच दडगा नेयव्वा-दुक्खी दुक्खेण फुडे १  
 दुक्खी दुक्खं परियायइ २ दुक्खी दुक्ख उदीरेइ ३ दुक्खी दुक्ख वेदेइ ४ दुक्खी  
 दुक्ख निज्जेरेइ ५ ॥ २६५ ॥ अणगारस्स ण भते । अणाउत्त गच्छमाणस्स वा  
 चिट्ठमाणस्स वा निसीयमाणस्स ( वा ) तुयट्ठमाणस्स वा अणाउत्त वत्थं पडिग्गह  
 ऋल पायपुंछण गेण्हमाणस्स वा निक्खिवमाणस्स वा तस्स ण भते । किं इरिया-  
 वहिया किरिया कज्जइ १ सपराइया किरिया कज्जइ १, गो० नो इरियावहिया किरिया  
 कज्जइ सपराइया किरिया कज्जइ । से केणट्ठेणं १, गोयमा । जस्स ण कोहमाण  
 मायालोभा वोच्छिन्ना भवति तस्स ण इरियावहिया किरिया कज्जइ नो सपराइया  
 किरिया कज्जइ, जस्स ण कोहमाणमायालोभा अवोच्छिन्ना भवति तस्स ण संपराइया  
 किरिया कज्जइ नो इरियावहिया, अहासुत्त रीयमाणस्स इरियावहिया किरिया कज्जइ  
 उस्सुत्त रीयमाणस्स सपराइया किरिया कज्जइ, से ण उस्सुत्तमेव रियइ, से तेण-  
 ट्ठेण ० ॥ २६६ ॥ अह भते । सइगालस्स सधूमस्स सजोयणादोसदुट्ठस्स पाण-  
 भोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते १, गोयमा । जे ण निग्गथे वा निग्गथी वा फासुएसणिज्जं  
 असणपाण ४ पडिगाहिता मुच्छिए गिद्धे गडिए अज्झोववत्ते आहारं आहारेइ  
 एस णं गोयमा । सइगाले पाणभोयणे, जे ण निग्गथे वा निग्गथी वा फासुएसणिज्जं  
 असणपाण ४ पडिगाहिता महया २ अप्पत्तियकोहकिलाम करेमाणे आहारमाहारेइ  
 एस णं गोयमा । सधूमे पाणभोयणे, जे ण निग्गथे वा २ जाव पडिगाहेत्ता गुण-  
 पाप्यणहेटं अन्नदन्वेण सद्धिं सजोएत्ता आहारमाहारेइ एस ण गोयमा । सजोयणा-

सात्तनसि जोगंसि हेतु निमित्तसि बाब तपि तत्पुत्र्ययाचारसंसिर्नसि तप्यबान-  
 र्त्तवचरे अरुता शिवे केवली जीवसि बाबत् पासह अजीवसि बाबत् पासह तमो  
 पच्छा सिज्जह बाब बर्त्त करेह ॥ २५ ॥ समनोवात्तयस्स न मते । सामाह-  
 कस्स समनोवात्तए अज्जमात्तस्स तत्त न मते । णि इरिवावड्ढिवा निरिमा  
 कज्जह संपराह्मा निरिमा कज्जह । गोक्कमा । समनोवात्तयस्स न सामाहकस्स  
 समनोवात्तए अज्जमात्तस्स आमा अहियरभीमव्वा आमाहियरभमविर्न न मं तत्त  
 नो इरिवावड्ढिवा निरिमा कज्जह संपराह्मा निरिमा कज्जह, से तेवट्ठेयं बाब संपरा-  
 ह्मा ॥ २५१ ॥ समनोवात्तयस्स न मति । पुब्बामेव तत्तपात्तममारने पक्कसाए  
 मव्वह पुब्बसिममरने अज्जमात्तए मव्वह से न पुब्बसि कम्मामेवज्जवरं तत्त पाव  
 निविजेजा से न मते । तं कं अह्वरह । वो सिन्हे समट्ठे, नो वज्ज से तस्स  
 अह्वान्नाए आठह । समनोवात्तयस्स न मते । पुब्बामेव वत्तस्सइममारने पक्क-  
 क्काए से न पुब्बसि कम्मामे अज्जवरस्स वत्तस्स सुत्तं निविजेजा से न मते । तं  
 कं अह्वरह । वो सिन्हे समट्ठे, नो वज्ज तस्स अह्वान्नाए आठह ॥ २५२ ॥  
 समनोवात्तए न मते । तत्तज्जं समने वा माहव वा पक्कस्सत्तमेव वत्तवपात्त-  
 काम्मसात्तमेव पक्कामेमाणे णि कज्जह । ओक्कमा । समनोवात्तए न तत्तज्जं समने  
 वा बाब पक्कामेमाणे तत्तज्जस्स अज्जवत्त वा माहवत्त वा समानि सप्पाएह,  
 समानिअरएव तमेव समानि पक्कमह । समनोवात्तए न मति । तत्तज्जं समने  
 वा बाब पक्कामेमाणे णि वव्वह । ओक्कमा । जीमिने वव्वह पुब्बं वव्वह पुब्बं  
 करेह पुब्बं अह्वरहोहि पुब्बह तमो पच्छा सिज्जह बाब बर्त्त करेह ॥ २५३ ॥  
 अरिं न मते । अज्जमत्तस्स गहि पक्कमह । इत्ता । अरिं ॥ वव्वह मति । अज्ज-  
 मत्तस्स गहि पक्कमह । ओक्कमा । निस्संमवाए निरंजवाए म्परिणामेन वंजक-  
 ठेवववाए निरंजववाए पुब्बप्पयोगेन अज्जमत्तस्स गहि प ॥ वव्वह मति । निस्संम-  
 वाए निरंजववाए म्परिणामेन वंजकठेवववाए निरंजववाए पुब्बप्पयोगेन अज्ज-  
 मत्तस्स गहि पक्कमह । से अह्वानामए-केह पुरिंसे सुत्तं तुवं निमित्तं निरंजवव्वं  
 अत्तुपुब्बीए परिक्कमेमाणे १ वज्जेहि य इत्थेहि य वंजह १ अज्जहि मत्तिवाजेवेहि  
 त्तिपर १ उब्बे वज्जह मत्ति २ सुत्तं समानं अत्तवत्तमारमपेरसिरेहि उब्बंसे  
 पक्कमहेजा से सुत्तं ओक्कमा । से तुंने तेसि अज्जहि मत्तिवाजेवेनं पुब्बपाए मारिय-  
 ताए पुब्बंमारियताए सत्तिवत्तवत्तवत्तवा अहे वरमित्तवत्तवत्तवत्तव मव्वह । इत्ता ।  
 मव्वह, अहे न से तुंने अज्जहि मत्तिवाजेवेनं परिक्कएव वरमित्तवत्तवत्तवत्तवत्तव  
 सत्तिवत्तवत्तवत्तव मव्वह । इत्ता । वव्वह, एवं वज्ज ओक्कमा । निस्संमवाए निरंजव-

अचवचव अदुयमविलविय अपरिसाहिं अक्खोवजणवणाणुलेवणभूय सजमजायामा  
यावत्तियं सजमभारवहणट्टयाए विलमिव पन्नगभूएण अप्पाणेणं आहारमाहारेइ एस  
ण गोयमा ! सत्थाईयस्स सत्थपरिणामियस्स जाव पाणभोयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते ।  
सेव भते ! सेव भते ! त्ति ॥ २६९ ॥ सत्तमसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

से नूण भते ! सव्वपाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिदि  
वयमाणस्स सुपच्चक्खाय भवइ दुपच्चक्खाय भवइ ?, गोयमा ! सव्वपाणेहिं जाव  
सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स सिय सुपच्चक्खायं भवइ सिय दुपच्चक्खायं  
भवइ, से केणट्ठेण भते ! एवं वुच्चइ सव्वपाणेहिं जाव सिय दुपच्चक्खाय भवइ ?,  
गोयमा ! जस्स ण सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स णो  
एव अभिसमन्नागय भवइ इमे जीवा इमे अजीवा इमे तसा इमे थावरा तस्स ण  
सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स नो सुपच्चक्खाय भवइ  
दुपच्चक्खाय भवइ, एव खलु से दुपच्चक्खाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्च  
क्खायमिति वयमाणो नो सच्च भास भासइ मोस भास भासइ, एव खलु से मुसा  
चाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं तिविह तिविहेण असजयविरयपडिहयपच्चक्खा-  
यपावक्कम्मे सकिरिए असंवुडे एगतदडे एगंतवाले यावि भवइ, जस्स णं सव्वपा-  
णेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स एव अभिसमन्नागय भवइ-इमे  
जीवा इमे अजीवा इमे तसा इमे थावरा, तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं  
पच्चक्खायमिति वयमाणस्स सुपच्चक्खाय भवइ नो दुपच्चक्खाय भवइ, एव खलु  
से सुपच्चक्खाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणे सच्च भास  
भासइ नो मोस भास भासइ, एव खलु से सच्चवाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं  
तिविहं तिविहेण सजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावक्कम्मे अकिरिए सवुडे एगतप  
डिए यावि भवइ, से तेणट्ठेण गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव सिय दुपच्चक्खायं भवइ  
॥ २७० ॥ कइविहे ण भते ! पच्चक्खाणे पन्नत्ते ?, गोयमा ! दुविहे पच्चक्खाणे  
पन्नत्ते, तजहा-मूलगुणपच्चक्खाणे य उत्तरगुणपच्चक्खाणे य । मूलगुणपच्चक्खाणे ण  
भंते ! कइविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते, तजहा-सव्वमूलगुणपच्चक्खाणे य  
देसमूलगुणपच्चक्खाणे य, सव्वमूलगुणपच्चक्खाणे ण भते ! कइविहे पन्नत्ते ?,  
गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते, तजहा-सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमण जाव सव्वाओ  
परिग्गहाओ वेरमण । देसमूलगुणपच्चक्खाणे ण भते ! कइविहे पन्नत्ते ?, गोयमा !  
पचविहे पन्नत्ते, तजहा-थूलाओ पाणाइवायाओ वेरमण जाव थूलाओ परिग्गहाओ  
वेरमण । उत्तरगुणपच्चक्खाणे णं भते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते,





असखेज्जगुणा । जीवा ण भंते ! किं सच्चुत्तरगुणपच्चक्खाणी देसुत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी ? , गोयमा ! जीवा सच्चुत्तरगुणपच्चक्खाणीवि तिज्जिवि, पंचिदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य एव चेव, सेसा अपच्चक्खाणी जाव वेमाणिया । एएसि ण भंते ! जीवाण सच्चुत्तरगुणपच्चक्खाणीण० अप्पावहुगाणि, तिज्जिणि जहा पढमे दइए जाव मणूमाण ॥ जीवा ण भंते ! किं सजया असजया सजयासजया ? गोयमा ! जीवा सजयावि असजयावि संजयासजयावि, एव जहेव पन्नवणाए तहेव भाणियव्व जाव वेमाणिया, अप्पावहुग तहेव तिण्हवि भाणियव्व ॥ जीवा ण भंते ! किं पच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी ? , गोयमा ! जीवा पच्चक्खाणीवि एव तिज्जिवि, एवं मणुस्सावि तिज्जिवि, पंचिदियतिरिक्खजोणिया आइहविरहिया सेसा सव्वे अपच्चक्खाणी जाव वेमाणिया । एएसि ण भंते ! जीवाण पच्चक्खाणीण जाव विसेसाहिया वा ? , गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी असखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अणत्तगुणा, पंचिदियतिरिक्खजोणिया सव्वत्थोवा पच्चक्खाणापच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी असखेज्जगुणा, मणुस्सा सव्वत्थोवा पच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी सव्वेज्जगुणा अपच्चक्खाणी असखेज्जगुणा ॥ २७२ ॥ जीवा ण भंते ! किं सासया असासया ? , गोयमा ! जीवा सिय सासया सिय असासया । से केणट्ठेण भंते ! एव बुच्चइ-जीवा सिय सासया सिय असासया ? , गोयमा ! दव्वट्ठयाए सासया भावट्ठयाए असासया, से तेणट्ठेण गोयमा ! एवं बुच्चइ-जाव सिय असासया । नेरइया ण भंते ! किं सासया असासया ? , एव जहा जीवा तहा नेरइयावि, एव जाव वेमाणिया जाव सिय सासया सिय असासया । सेव भंते ! सेव भंते ! ति ॥ २७३ ॥ सत्तमस्स चिइओ उइसो समत्तो ॥

वणस्सइकाइया ण भंते ! किंकाल सव्वप्पाहारगा वा सव्वमहाहारगा वा भवन्ति ? , गोयमा ! पाउसवरिसारत्तेसु ण एत्थ ण वणस्सइकाइया सव्वमहाहारगा भवति तयाणतरं च ण सरए, तयाणतरं च ण हेमते, तयाणतरं च ण वसते, तयाणतरं च ण गिम्हे, गिम्हासु ण वणस्सइकाइया सव्वप्पाहारगा भवति, जइ ण भंते ! गिम्हासु वणस्सइकाइया सव्वप्पाहारगा भवति, कम्हा ण भंते ! गिम्हासु बहवे वणस्सइकाइया पत्तिया पुप्फिया फलिया हरियगरेरिज्जमाणा सिरीए अइव अइव उवसोभेमाणा उवसोभेमाणा चिट्ठति ? , गोयमा ! गिम्हासु ण बहवे उप्पिणजोभिया जीवा य पोग्गला य वणस्सइकाइयत्ताए वक्कमति विउक्कमति चर्यन्ति उववज्जन्ति, एव खल्ल गोयमा ! गिम्हासु बहवे वणस्सइकाइया पत्तिया पुप्फिया जाव चिट्ठति ॥ २७४ ॥ से नून भंते ! मूला मूलजीवफुडा कंदा कदजीवफुडा जाव बीया बीय

तंमहा-सम्बुजगुणपञ्चकानि य मेतुतगुणपञ्चकानि य सम्बुजगुणपञ्चकानि  
 नं भेते । अस्मिहे पञ्चते । गोमया । एतस्मिहे पञ्चते, तंमहा-अवापय १ मन्त्रोत्  
 २ वीमतिविदं ३ विमतिविदं ४ चव । आचार ५ मन्त्रागारे ६ परिमाणकं ७ निर  
 क्तेयं ८ १ १ ५ छा(र)केयं ९ येव अवापय १ पञ्चकानि अये इत्तहा । देस  
 तगुणपञ्चकानि तं भेते । अस्मिहे पञ्चते । गोमया । एतस्मिहे पञ्चते तंमहा-  
 निविद्वदं १ तदमोगपरिमोगपरिमयं २ अवापयकमेरमयं ३ समाधुनं ४ देसज  
 यातिनं ५ येतहाववाये ६ अतिविद्वद्विमायो ७ अपञ्चिममार्गतिमन्त्रेनाप्रभा  
 राह्यवा ८ १ ० १ ६ बीवा नं भेते । किं मूलगुणपञ्चकानि उतगुणपञ्चकानि  
 अपञ्चकानि । गोमया । बीवा मूलगुणपञ्चकानि उतगुणपञ्चकानि अप  
 ञ्चकानि । नेरस्या नं भेते । किं मूलगुणपञ्चकानि पुच्छा गोमया । नेरस्या  
 नो मूलगुणपञ्चकानि नो उतगुणपञ्चकानि अपञ्चकानि एवं वाच वररि  
 विवा । पवित्रितिरिक्कयोमिवा मूलगुणपञ्चकानि अवापयकमेरमयिक्क अवा  
 मेरस्या ॥ एतस्मि नं भेते । बीवानं मूलगुणपञ्चकानि उतगुणपञ्चकानि  
 अपञ्चकानि नं क्वरे १ इति वाच निवेसाद्विवा वा । गोमया । सम्बुजोवा  
 बीवा मूलगुणपञ्चकानि उतगुणपञ्चकानि असंख्येयुना अपञ्चकानि असंख्य  
 युना । एतस्मि नं भेते । पवित्रितिरिक्कयोमिवा पुच्छा गोमया । सम्बुजोवा  
 बीवा पवित्रितिरिक्कयोमिवा मूलगुणपञ्चकानि उतगुणपञ्चकानि असंख्येयुना  
 अपञ्चकानि असंख्येयुना । एतस्मि नं भेते । मूलगुणपञ्चकानि  
 पुच्छा, गोमया । सम्बुजोवा मूलगुणपञ्चकानि उतगुणपञ्चकानि संख्ये  
 युना अपञ्चकानि असंख्येयुना । बीवा नं भेते । किं सम्बुजगुणपञ्चकानि  
 देसमूलगुणपञ्चकानि अपञ्चकानि । गोमया । बीवा सम्बुजगुणपञ्चकानि  
 देसमूलगुणपञ्चकानि अपञ्चकानि । नेरस्या पुच्छा गोमया । नेरस्या नो  
 सम्बुजगुणपञ्चकानि नो देसमूलगुणपञ्चकानि अपञ्चकानि एवं वाच वररि  
 विवा । पवित्रितिरिक्क पुच्छा गोमया । पवित्रितिरिक्क नो सम्बुजगुणप  
 ञ्चकानि देसमूलगुणपञ्चकानि अपञ्चकानि मूलगुणपञ्चकानि अवापयकमेरमयिक्क अवा  
 मेरस्या । एतस्मि नं भेते । बीवानं सम्बुजगुणपञ्चकानि  
 देसमूलगुणपञ्चकानि अपञ्चकानि य क्वरे १ इति वाच निवेसाद्विवा वा ।  
 गोमया । सम्बुजोवा बीवा सम्बुजगुणपञ्चकानि देसमूलगुणपञ्चकानि असंख्ये  
 युना अपञ्चकानि असंख्येयुना । एवं अप्पावहामि तिथिनि वाहा वररिक्क देव  
 न्तरं सम्बुजोवा पवित्रितिरिक्कयोमिवा देसमूलगुणपञ्चकानि अपञ्चकानि

ज वेदेंसु त निज्जरिंसु ? एवं नेरइयावि एव जाव वेमाणिया । से नूण भते ! ज वेदेंति त निज्जरेंति ज निज्जरिति त वेदेंति ? गोयमा ! णो तिण्ठे समट्ठे, से केण ट्ठेण भते ! एव बुच्चइ जाव नो तं वेदेंति ? गोयमा ! कम्म वेदेंति नोकम्म निज्जरेंति, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव नो तं वेदेंति, एव नेरइयावि जाव वेमाणिया । से नूण भते ! ज वेदिस्सति तं निज्जरिस्सति ज निज्जरिस्सति त वेदिस्सति ? गोयमा ! णो तिण्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण जाव णो त वेदिस्संति ? गोयमा ! कम्म वेदिस्सति नोकम्म निज्जरिस्सति, से तेणट्ठेण जाव नो त निज्जरिस्सति, एवं नेरइयावि जाव वेमाणिया । से णूणं भते ! जे वेयणासमए से निज्जरासमए जे निज्जरासमए से वेयणासमए ? नो तिण्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण भते ! एव बुच्चइ जे वेयणासमए न से निज्जरासमए जे निज्जरासमए न से वेयणासमए ? गोयमा ! ज समयं वेदेंति नो तं समयं निज्जरेंति जं समयं निज्जरेंति नो तं समयं वेदेंति, अन्नम्मि समए वेदेंति अन्नम्मि समए निज्जरेंति अन्ने से वेयणासमए अन्ने से निज्जरासमए, से तेणट्ठेण जाव न से वेयणासमए न से निज्जरासमए । नेरइयाण भंते ! जे वेयणासमए से निज्जरासमए जे निज्जरासमए से वेयणासमए ? गोयमा ! णो तिण्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण भंते ! एव बुच्चइ नेरइयाण जे वेयणासमए न से निज्जरासमए जे निज्जरासमए न से वेयणासमए ? गोयमा ! नेरइया ण जं समयं वेदेंति णो तं समयं निज्जरेंति जं समयं निज्जरेंति नो तं समयं वेदेंति अन्नम्मि समए वेदेंति अन्नम्मि समए निज्जरेंति अन्ने से वेयणासमए अन्ने से निज्जरासमए, से तेणट्ठेण जाव न से वेयणासमए एव जाव वेमाणिया ॥ २७८ ॥ नेरइया ण भते ! किं सासया असासया ? गोयमा ! सिय सासया सिय असासया, से केणट्ठेण भंते ! एव बुच्चइ नेरइया सिय सासया सिय असासया ? गोयमा ! अब्बोच्छित्तिणयट्ठयाए सासया वोच्छित्तिणयट्ठयाए असासया, से तेणट्ठेण जाव सिय सासया सिय असासया, एव जाव वेमाणिया जाव सिय असासया । सेव भते ! सेवं भंते ! ति ॥ २७९ ॥

**सत्तमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे नगरे जाव एव वयासी-कइविहा ण भते ! संसारसमावन्नगा जीवा पन्नत्ता ? गोयमा ! छव्विहा संसारसमावन्नगा जीवा पन्नत्ता, तजहा—पुढविकाइया एव जहा जीवाभिगमे जाव सम्मत्तकिरिय वा सिच्छत्तकिरिय वा ॥ जीवा छव्विहा पुढवी जीवाण ठिई भवट्ठिई काए । निळेवण अणगारे किरिया सम्मत्तमिच्छत्ता ॥ १ ॥ सेव भते ! सेव भंते ! ति ॥ २८० ॥ **सत्तमे सए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी-सहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाण भते ! कइविहे

भीषकुडा ! ईता गोयमा ! मूक्य मूक्यीवकुडा जाव भीया भीयभीषकुडा । अइ  
 न मंते ! मूक्य मूक्यीवकुडा जाव भीया भीयभीषकुडा कम्हा न मंत ! कयस्मर  
 कयस्मा आहारैति कम्हा परिणामेति ! गोयमा ! मूक्य मूक्यीवकुडा पुअमिजीव  
 पविक्कहा तम्हा आहारैति तम्हा परिणामेति कय कयभीषकुडा मूक्यीवपविक्कहा  
 तम्हा आहारैति तम्हा परिणामेति एव जाव भीया भीयभीषकुडा कम्हापविक्कहा  
 तम्हा आहारैति तम्हा परिणामेति ॥ १७५ ॥ अइ मंत ! अत्तए मूकए सिमबेरे  
 सिरेकी सिरेकी सिरेकी सिरेकी सिरेकी सिरेकी सिरेकी सिरेकी सिरेकी सिरेकी  
 एरुअरि केअरे अइए यत्तुत्ता पिअहम्मि ओही भीइ भीइ विअगा सुम्माअही  
 अत्तकमी हीहकम्पी सुअही जे जाको तहप्पयारा सन्ने ते अरुतयीवा सिमिहसत्ता ?  
 ईता गोयमा ! अत्तए मूकए जाव अरुतयीवा सिमिहसत्ता ॥ १७६ ॥ सिव भंते !  
 कम्हाकेसे नेरए अण्णकम्मतरए भीअकेसे नेरए महाकम्मतरए ! ईता ! सिवा से  
 केअट्टेनं मंते ! एवं तुअर-कम्हाकेसे नेरए अण्णकम्मतरए भीअकेसे नेरए महा-  
 कम्मतरए ! गोयमा ! ठिअं पण्ण से तेअट्टेनं योयमा ! जाव महाकम्मतरए ! सिव  
 भंते ! भीअकेसे नेरए अण्णकम्मतरए कम्हाकेसे नेरए महाकम्मतरए ! ईता !  
 सिवा से केअट्टेनं मंत ! एवं तुअर-भीअकेसे नेरए अण्णकम्मतरए कम्हाकेसे नेरए  
 महाकम्मतरए ! गोयमा ! ठिअं पण्ण से तेअट्टेनं योयमा ! जाव महाकम्म-  
 तरए ! एवं अत्तएअट्टेनं ननं तेअट्टेनं अम्महिवा एवं जाव केमाप्पिया अत्त  
 अइ केवाओ तत्त तत्तिवा माप्पियन्नाओ ओरियत्त न यअर, यअ सिम भंते !  
 कम्हाकेसे केमाप्पिए अण्णकम्मतरए कम्हाकेसे केमाप्पिए महाकम्मतरए ! ईता ! सिवा  
 से केअट्टेनं ! सेतं अइ नेरएअत्त जाव महाकम्मतरए ॥ १७७ ॥ से कुलं मंते !  
 वा वेअण्ण चा निअरा वा निअरा वा वेअणा ! गोयमा ! ओ तिअट्टे सट्टे, से  
 केअट्टेनं मंते ! एवं तुअर वा वेअणा न चा निअरा वा निअरा न चा वेअणा !  
 गोयमा ! कम्म वेअणा ओअम्म निअरा से तेअट्टेनं गोयमा ! जाव न चा वेअणा !  
 नेरएअनं मंते ! वा वेअण्ण चा निअरा वा निअरा वा वेअणा ! गोयमा ! ओ  
 तिअट्टे सट्टे, से केअट्टेनं मंते ! एवं तुअर नेरएअनं वा वेअणा न चा निअरा वा  
 निअरा न चा वेअणा ! गोयमा ! नेरएअनं कम्म वेअणा ओअम्म निअरा से  
 तेअट्टेनं गोयमा ! जाव न चा वेअणा एवं जाव केमाप्पियण । से मूर्धं मंत ! अं  
 अरैअ तं निअरिअ अं निअरिअ तं वेरैअ ! ओ तिअट्टे सट्टे, से केअट्टेनं मंते !  
 एवं तुअर अं वेरैअ ओ तं निअरैअ अं निअरैअ ओ तं वेरैअ ! गोयमा ! कम्म  
 वेरैअ ओअम्म निअरिअ, से तेअट्टेनं योयमा ! जाव ओ तं वेरैअ, नेरएअनं मंते !

कम्मा कज्जति ? , हन्ता ! अत्थि, कहन्न भंते ! जीवाण अकक्खसवेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! पाणाइवायवेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेण कोहविवेगेणं जाव मिच्छादसणसल्लविवेगेण, एव खलु गोयमा ! जीवाणं अकक्खसवेयणिज्जा कम्मा कज्जति ! अत्थि ण भंते ! नेरइयाण अकक्खसवेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! णो तिण्ठे समट्ठे, एव जाव वेमाणिया, नवर मणुस्साण जहा जीवाणं ॥ २८४ ॥ अत्थि णं भते ! जीवाण सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , हता ! अत्थि, कहन्न भते ! जीवाण सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! पाणाणुकपाए भूयाणुकपाए जीवाणुकपाए सत्ताणुकपाए वहूण पाणाणं जाव सत्ताण अदुक्खणयाए असोयणयाए अजूरणयाए अतिप्पणयाए अपिट्ठणयाए अपरियावणयाए एव खलु गोयमा ! जीवाण सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति, एव नेरइयाणवि, एव जाव वेमाणियाण । अत्थि णं भते ! जीवाण असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , हता ! अत्थि । कहन्न भते ! जीवाणं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! परदुक्खणयाए परसोयणयाए परजूरणयाए परतिप्पणयाए परपिट्ठणयाए परपरियावणयाए वहूण पाणाण जाव सत्ताण दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए एवं खलु गोयमा ! जीवाण असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति, एव नेरइयाणवि, एवं जाव वेमाणियाण ॥ २८५ ॥ जवुहीवे ण भंते ! वीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए दुसमदुसमाए समाए उत्तमकट्ठपत्ताए भारहस्स वासस्स केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ ? , गोयमा ! कालो भविस्सइ हाहाभूए भभाभूए कोलाहलभूए समयणुभावेण य ण खरफल्सधूलिमइला दुब्बिसहा वाउला भयंकरा वाया सवट्ठगा य चाहिति, इह अभिक्ख २ धूमाहिंति य दिसा सब्बओ समता रउस्सला रेणुकलुसत्तमपडलनिरालोगा समयलुक्खवाए य ण अहिय च्छा सीयं मोच्छति अहियं सूरिया तवइस्सति अदुत्तरं च ण अभिक्खण बहवे अरसमेहा विरसमेहा खारमेहा खट्ठमेहा अग्निमेहा विज्जुमेहा विसमेहा असणि मेहा अप्पवणिज्जोदगा ( अजवणिज्जोदया ) बाहिरोगवेयणोदीरणापरिणामसलिला अमणुजपाणियगा च्छानिलपहयतिक्खधारानिवायपउरवास वासिहिंति । जे ण भारहे वासे गामागरनगरखेडकब्बडमडवदोणमुहपट्ठणासमगर्य अणवय च्छप्पयगवेलणए खहयरे य पक्खिससवे गामारजपयारनिरए तसे य पाणे घट्टप्पगारे स्खस्वगुच्छगुम्मल्लयवल्लितणपव्वगहरियोसहिपवाल्कुरमाइए य तणवणस्सइकाइए विद्धसेहिंति, पव्वयगिरिडोंगरउच्छ(त्थ)लमट्ठिमाइए य वेयङ्गगिरिवज्जे विराचेहिंति सलिलविलगइदुग्गविसम निण्णुजयाई च गगासिधुवज्जाई समीकरेहिंति ॥ तीसे ण भते ! समाए भरहवासस्स भूमीए केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ ? , गोयमा ! भूमी भविस्सइ



कम्मा कज्जति ? , हन्ता ! अत्थि, कहन्न भते ! जीवाण अकक्खसवेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! पाणाइवायवेरमणेण जाव परिग्गह्वेरमणेण कोहविवेगेण जाव मिच्छादसणसल्लविवेगेण, एव खलु गोयमा ! जीवाणं अकक्खसवेयणिज्जा कम्मा कज्जति । अत्थि ण भंते ! नेरइयाण अकक्खसवेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! णो तिण्ठे समट्ठे, एव जाव वेमाणिया, नवर मणुस्माण जहा जीवाण ॥ २८४ ॥ अत्थि ण भते ! जीवाण सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , हता ! अत्थि, कहन्न भते ! जीवाण सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! पाणाणुकपाए भूयाणुकपाए जीवाणुकपाए सत्ताणुकपाए वहूण पाणाणं जाव सत्ताण अदुक्खणयाए असोयणयाए अजूरणयाए अतिप्पणयाए अपिट्ठणयाए अपरियावणयाए एव खलु गोयमा ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति, एव नेरइयाणवि, एव जाव वेमाणियाण । अत्थि ण भते ! जीवाण असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , हता ! अत्थि । कहन्न भंते ! जीवाण असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! परदुक्खणयाए परसोयणयाए परजूरणयाए परतिप्पणयाए परपिट्ठणयाए परपरियावणयाए वहूण पाणाण जाव सत्ताण दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए एवं खलु गोयमा ! जीवाणं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति, एवं नेरइयाणवि, एव जाव वेमाणियाणं ॥ २८५ ॥ जुहुईवे ण भते ! वीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए दुसमदुसमाए समाए उत्तमकट्टपत्ताए भारहस्स वासस्स केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ ? , गोयमा ! कालो भविस्सइ हाहाभूए भमाभूए कोलाहलभूए समयाणुभावेण य ण खरफस्सधूलिमइला दुव्विसहा वाउला भयंकरा वाया सवट्ठगा य वाहिंति, इह अभिक्ख २ धूमाहिंति य दिसा सव्वओ समंता रउस्सला रेणुकलुसतमपडलनिरालोगा समयलुक्खयाए य ण अहिय च्छा सीयं मोच्छति अहियं सूरिया तवइस्सति अदुत्तरं च ण अभिक्खणं बहवे अरसमेहा विरसमेहा खारमेहा खट्टमेहा अठ्ठिगेहा विज्जुमेहा विसमेहा असणि मेहा अप्पवणिज्जोदगा ( अजवणिज्जोदया ) वाहिरोगवेयणोदीरणापरिणामसलिला अमणुज्जपाणियगा च्छानिलपहयतिक्खधारानिवायपउरवासं वासिंहिति । जे णं भारहे वासे गामागरनगरखेडकब्बडमडबदोणमुहुपट्ठणासमगय जणवर्यं चउप्पयगवेलगए खहयरे य पक्खिस्सघे गामारणपयारनिरए तसे य पाणे बहुप्पगारे स्खलुगुच्छगुम्मल्ल यवद्धितणपव्वगहरियोसहिपवाल्लुरमाइए य तणवणस्सइकाइए विद्धसेहिंति, पव्वयगिरिडोंगरउच्छ(त्थ)लभट्टिमाइए य वेयङ्गगिरिवज्जे विरावेहिंति सलिलबिलगइदुग्ग विसम निण्णुज्जयाई च गगासिंधुवज्जाई समीकरेहिंति ॥ तीसे णं भंते ! समाए भरह वासस्स भूमीए केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ ? , गोयमा ! भूमी भविस्सइ





कम्मा कज्जति ? , हन्ता ! अत्थि, कहन्न भते ! जीवाणं अकक्खसवेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! पाणाइवायवेरमणेण जाव परिग्गहवेरमणेण कोहविवेणेण जाव मिच्छादसणसल्लविवेणेण, एव खलु गोयमा ! जीवाणं अकक्खसवेयणिज्जा कम्मा कज्जति । अत्थि ण भंते ! नेरइयाण अकक्खसवेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, एव जाव वेमाणिया, नवरं मणुस्साण जहा जीवाण ॥ २८४ ॥ अत्थि ण भते ! जीवाण सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , हता ! अत्थि, कहन्न भते ! जीवाण सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! पाणाणुकपाए भूयाणुकपाए जीवाणुकपाए सत्ताणुकपाए वहूण पाणाणं जाव सत्ताण अदुक्खणयाए असोयणयाए अजूरणयाए अतिप्पणयाए अपिट्ठणयाए अपरियावणयाए एव खलु गोयमा ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति, एवं नेरइयाणवि, एव जाव वेमाणियाणं । अत्थि ण भते ! जीवाण असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , हता ! अत्थि । कहन्न भंते ! जीवाण असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति ? , गोयमा ! परदुक्खणयाए परसोयणयाए परजूरणयाए परतिप्पणयाए परपिट्ठणयाए परपरियावणयाए वहूण पाणाण जाव सत्ताण दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए एवं खलु गोयमा ! जीवाण असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जति, एवं नेरइयाणवि, एव जाव वेमाणियाण ॥ २८५ ॥ जवुइवी ण भते ! वीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए दुसमदुसमाए समाए उत्तमकट्ठपत्ताए भारहस्स वासस्स केरिसए आगारभावपढोयारे भविस्सइ ? , गोयमा ! कालो भविस्सइ हाहाभूए भभामूए कोलाहलभूए समयाणुभावेण य णं खरफस्सधूलिमइला दुव्विसहा वाठला भयकरा वाया सवट्ठगा य वाहिंति, इह अभिक्ख २ धूमाहिंति य दिसा सब्बओ समता रउस्सला रेणुकलुसतमपढलनिरालोगा समयलुक्खयाए य णं अहिय च्छा सीय मोच्छति अहिय सूरिया तवइस्सति अदुत्तर च ण अभिक्खणं बहवे अरसमेहा विरसमेहा खारमेहा खट्टमेहा अट्ठिगेहेहा विज्जुमेहा विसमेहा असणिमेहा अप्पवणिज्जोदगा (अजवणिज्जोदया) वाहिरोगवेयणोवीरणापरिणामसलिला अमणुक्कपाणियगा च्छानिलपहयतिक्खधारानिवायपउरवासं वासिहिंति । जे णं भारहे वासे गामागरनगरखेडकब्बडमडवदोणमुहुपट्ठणासमगर्यं जणवर्यं चउप्पयगवेलगए खहयरे य पक्खिस्सधे गामारन्नपयारनिरए तसे य पाणे बहुप्पगारे स्क्खगुच्छगुम्मल्लयवल्लितणपव्वगहरियोसहिपवाल्लुरमाइए य तणवणस्सइकाइए विद्धसेहिंति, पव्वयगिरिडोंगरउच्छ(त्थ)लमट्ठिमाइए य वेयङ्गगिरिवज्जे विरावेहिंति सलिलविलगड्डुगग विसमं निण्णुक्कयाई च गगासिंधुवज्जाई समीकरेहिंति ॥ तीसे ण भते ! समाए भरह वासस्स भूमीए केरिसए आगारभावपढोयारे भविस्सइ ? , गोयमा ! भूमी भविस्सइ



सवुडस्स ण भते ! अणगारस्स आउत्त गच्छमाणस्स जाव आउत्त तुयट्ठमा-  
णस्स आउत्त वत्थ पडिग्गह कवल पायपुंछण गेण्हमाणस्स वा निक्खिरावमाणस्स वा  
तस्स ण भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ ?  
गोयमा ! सवुडस्स ण अणगारस्स जाव तस्स ण इरियावहिया किरिया कज्जइ णो  
मपराइया किरिया कज्जइ । से केणट्ठेण भते ! एवं बुच्चइ-सवुडस्स ण जाव संप  
राइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! जस्स ण कोहमाणमायालोभा वोच्छिन्ना भवति  
तस्स ण इरियावहिया किरिया कज्जइ, तहेव जाव उस्सुत्त रीयमाणस्स संपराइया  
किरिया कज्जइ, से ण अहानुत्तमेव रीयइ, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव नो संपराइया  
किरिया कज्जइ ॥ २८८ ॥ हवी भते ! कामा अरुणी कामा ? गोयमा ! हवी कामा  
समणाउत्तो ! नो अरुणी कामा । सच्चित्ता भंते ! कामा अचित्ता कामा ? गोयमा !  
सच्चित्तावि कामा अचित्तावि कामा । जीवा भंते ! कामा अजीवा कामा ? गोयमा !  
जीवावि कामा अजीवावि कामा । जीवाण भंते ! कामा अजीवाण कामा ? गोयमा !  
जीवाण कामा नो अजीवाण कामा, कइविहा ण भते ! कामा पन्नत्ता ? गोयमा !  
दुविहा कामा पन्नत्ता, तंजहा-सद्दा य ह्वा य, हवी भते ! भोगा अरुणी भोगा ?  
गोयमा ! हवी भोगा नो अरुणी भोगा, सच्चित्ता भते ! भोगा अचित्ता भोगा ?  
गोयमा ! सच्चित्तावि भोगा अचित्तावि भोगा, जीवा भते ! भोगा अजीवा भोगा ?  
गोयमा ! जीवावि भोगा अजीवावि भोगा, जीवाण भते ! भोगा अजीवाण भोगा ?  
गोयमा ! जीवाण भोगा नो अजीवाण भोगा, कइविहा ण भंते ! भोगा पन्नत्ता ?  
गोयमा ! तिविहा भोगा पन्नत्ता तजहा-गधा रसा फासा । कइविहा ण भते !  
कामभोगा पन्नत्ता ? गोयमा ! पचविहा कामभोगा पन्नत्ता, तजहा-सद्दा ह्वा गधा  
रसा फासा । जीवा ण भते ! किं कामी भोगी ? गोयमा ! जीवा कामीवि भोगीवि ।  
से केणट्ठेण भंते ! एव बुच्चइ जीवा कामीवि भोगीवि ? गोयमा ! सोईदियच्चक्खि  
दियाइ पडुच्च कामी घाणिदियजिब्भदियफासिंदियाइ पडुच्च भोगी, से तेणट्ठेण  
गोयमा ! जाव भोगीवि । नेरइया ण भते ! किं कामी भोगी ? एव चेव एव जाव  
थणियकुमार । पुढविकाइयाण पुच्छा, गोयमा ! पुढविकाइया नो कामी भोगी, से  
केणट्ठेण जाव भोगी ? गोयमा ! फासिंदियं पडुच्च से तेणट्ठेण जाव भोगी, एवं जाव  
वणस्सइकाइया, बेइदिया एव चेव नवरं जिब्भदियफासिंदियाइ पडुच्च भोगी,  
तेइदियावि एव चेव नवरं घाणिदियजिब्भदियफासिंदियाइ पडुच्च भोगी चउरिदि-  
याण पुच्छा, गोयमा ! चउरिदिया कामीवि भोगीवि, से केणट्ठेण जाव भोगीवि ?  
गोयमा ! चक्खिदिय पडुच्च कामी घाणिदियजिब्भदियफासिंदियाइ पडुच्च भोगी,

ईगाभूता सुन्दरभूता क्षरियभूता तत्तत्कर्मभूता तत्तत्तमभोदभूता धूमिलभूता रेसु-  
 बाभूता पञ्चभूता पण्यभूता भक्तभूता भूतं चरमिगोत्रार्थं धर्मात् भुविभूता  
 नाभि भविस्तद् ॥ १८५ ॥ सीते च मते । समाप्तं भार्यै वापि मनुजाने केरिस्तद्  
 आतामगावप्येवमै भविस्तद् ॥ गोमया ! मनुजा भविस्तति दुस्सा दुस्सा दुर्पया  
 दुरता दुष्मता जलिता कर्षता नाव जमनामा हीनस्तथा वीर्यस्तथा भविस्तथा  
 नाव जमनामस्तथा जगदेज्जगदपनामा ना निजमा कुम्भजदण्डजद्वर्धनवैरिवा  
 यन्नावाहकमप्यहावा जकजलिचुम्बया पुष्पिभोमणिपराक्षिवा न निज्यस्ता पठ  
 न्द्वेष्टमैरुमेता कस्तम करदस्तथाभवता कुक्षिरा करिचपान्त्रिकेता बहुधा [मि]-  
 र्दपिचद्वर्धनमिज्जता संवित्कवित्तरपतिवैद्विर्धनया वरापतिनयन केरगल  
 पतिरज्ज्वरिचविर्द्वेष्टेष्टी जम्भजवज्जुहा नितयमनवा नैक्यता वंगवतिमिज-  
 मेतप्युहा कम्पुक्षराभिभूता करतिचन्द्रार्कद्वयमिज्जकम्पु बहुकिमिद्वि-  
 कुविचक्रस्तच्छयी वितर्कया त्येक्यमिज्जयसिचिर्बचनकुक्षुद्विभिमिज्जकम्पु-  
 र्धनवज्जम्भजकम्पुतिता दुस्सा दुष्तावाचक्योक्त्युमेष्टी नक्षत्रा न केनावाहि-  
 परिपीडिर्धर्मगा कर्षकमिज्जकम्पु विरज्जता तत्परिवर्जिता निजवर्जिता मनुतेना  
 भविज्जकम्पु सीवज्ज्वरकस्तथावमिज्जविता मणिचक्रयपुष्पिर्धनया बहुधेह  
 यावमावा बहुधेमा कम्पुचक्रयपुष्पिर्धनया ज्येष्ठं जम्भजकम्पुमत्परिज्जम्पु ज्येष्ठे  
 रविज्जम्भजमेता सोमस्तवीसृष्टातप्यतामो पुष्पपुपरिवर्जकपन्यपुष्प मया  
 सिध्मे महान्दीपो वैज्जु न पण्यव मिस्ताप वावतारि निज्येष्टा वीर्य वीर्यमेत  
 विज्जयाविभो भविस्तति ॥ ते च मते । मनुजा किमाहारमाहरेति । गोमया ! ते  
 च वाके च ते च तमप च यथासिध्मे महान्दीपो राहपहमिवरायो जम्भज्येष्ठ  
 यावमेत कर्ष योमिद्विष्टि सेति न च वाके बहुमयककम्पुमात्रे चो चैव न आनन्दुके  
 भविस्तद्, तप च ते मनुजा सूरगममनुजुतेति न सूरगममनुजुतेति न विद्वेत्तो  
 विद्याति मित्राण मन्त्रकम्पुमे कर्षा पादेति सीवत्यवतप्ये मन्त्रकम्पु-  
 एष्टि एष्टीष्ट पसद्वस्तार्थेति कप्येमाया विद्वेत्ति ॥ ते च मते । मनुज  
 निस्तीका मिनुता मिमेरा मिप्यननावापौसहोक्ताया ज्येष्ठं ज्येष्ठारा मन्त्र-  
 हाव चोहावरा इमिमाहाव वावमासि कर्ष निज्य कर्ष गन्धिर्ति कर्ष तवजि-  
 ति । गोमया ! जोषर्ष मरुतिरिक्कयोमिष्ट जवजिर्ति ते च मते । सीहा  
 यन्ना यपा वीरिवा जम्भज तरप्य परस्तथा निस्तीका तदेव नाव कर्ष तवजि-  
 ति । गोमया ! जोषर्ष मरुतिरिक्कयोमिष्ट जवजिर्ति ते च मते । ईश  
 चन्द्र निज्य मनुया सिद्धि निस्तीका तदेव नाव जोषर्ष मरुतिरिक्कयोमिष्ट जव-  
 ज्जिर्ति । ते च मते । ते च मते । ॥ १८७ ॥ सप्तमस्त छन्दो बदेसभो ॥

छउमत्ये ण भते । मणूसे तीयमणत सामय समय केवलेण सजमेण एव जहा पढमसए चउत्थे उद्देसए तहा भाणियव्व जाव अलमत्थु० ॥२९२॥ से णूण भते । हत्थिस्स य कुत्थुस्स य समे चेव जीवे ? , हता गोयमा ! हत्थिस्स य कुत्थुस्स य एव जहा रायप्पसेणइज्जे जाव खुद्धियं वा महालिय वा से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव समे चेव जीवे ॥ २९३ ॥ नेरइयाण भते । पावे कम्मे जे य ऋडे जे य कज्जइ जे य कज्जिस्सइ सव्वे से दुक्खे जे निज्जिजे से झुहे ? , हता गोयमा ! नेरइयाणं पावे कम्मे जाव झुहे, एव जाव वेमाणियाण ॥ २९४ ॥ कइ ण भते । सच्चाओ पज्जाओ ? , गोयमा । दस सच्चाओ पज्जाओ, तजहा—आहारसच्चा १ भयसच्चा २ मेहुणसच्चा ३ परिगहसच्चा ४ कोहसच्चा ५ माणसच्चा ६ मायासच्चा ७ लोमसच्चा ८ लोगसच्चा ९ ओहसच्चा १०, एव जाव वेमाणियाण ॥ नेरइया दसविह वेयणिज्जं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तजहा—सीय उतिण खुह पिवास कंहु परज्झ जर दाह भय सोर्ग ॥२९५॥ से नूण भते । हत्थिस्स य कुत्थुस्स य समा चेव अपच्चक्खणकिरिया कज्जइ ? , हता गोयमा ! हत्थिस्स य कुत्थुस्स य जाव कज्जइ । से केणट्ठेणं भते । एवं चुच्चइ जाव कज्जइ ? , गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेण जाव कज्जइ ॥ २९६ ॥ आहा-कम्मण भते ! भुंजमाणे किं बघइ ? किं पकरेइ ? किं चिणाइ ? किं उवचिणाइ ? एव जहा पढमे सए नवमे उद्देसए तहा भाणियव्व जाव सासए पडिए पंडियत्त असासय, सेवं भंते । सेव भते । त्ति ॥२९७॥ सत्तमसयस्स अट्ठमो उद्देसो ॥

असवुडे ण भते । अणगारे बाहिरए पोगगले अपरियाइत्ता पभू एगवन्न एगल्लव विउव्वित्तए ? , णो तिणट्ठे समट्ठे । असवुडे ण भते । अणगारे बाहिरए पोगगले परियाइत्ता पभू एगवन्न एगल्लवं जाव हता । पभू । से भंते । किं इहगए पोगगले परि याइत्ता विउव्वइ तत्थगए पोगगले परियाइत्ता विउव्वइ अन्नत्थगए पोगगले परिया इत्ता विउव्वइ ? , गोयमा ! इहगए पोगगले परियाइत्ता विउव्वइ नो तत्थगए पोगगले परियाइत्ता विउव्वइ नो अन्नत्थगए पोगगले जाव विउव्वइ, एवं एगवन्न अणेगल्लव चउमगो जहा छट्ठसए नवमे उद्देसए तहा इहावि भाणियव्व, नवरं अणगारे इहगए चेव पोगगले परियाइत्ता विउव्वइ, सेस तं चेव जाव लुक्खपोगगल निद्धपोगगलत्ताए परिणामेत्तए ? , हता । पभू, से भते ! किं इहगए पोगगले परियाइत्ता जाव नो अन्नत्थगए पोगगले परियाइत्ता विउव्वइ ॥ २९८ ॥ गायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विंशायमेयं अरहया महासिलकट्टए संगामे ॥ महासिलकट्टए ण भंते । संगामे वट्ठमाणे के जइत्था के पराजइत्था ? , गोयमा ! वज्जी विदेहपुत्ते जइत्था, नवमल्लई नवलेच्छई कासीकोसलगा अट्टारसवि गणरायाणो पराजइत्था ॥

हे तबहुनी जाव भोगीनि अवसोना जहा जीवा जाव वैमानिका । एण्ठि वं भंत ।  
 जंवाये कयवज्जिने भोग्यभीने भोग्यभीने भोग्य व कयरे कयरेई तो जाव भिं  
 लाहिया वा । भोग्या । गव्यत्वेना जीवा कयमभीनी भोग्यभीनीभोगी अर्जतगुण  
 भोगी अर्जतगुण ॥ १८९ ॥ छउमरये वं भंत । मरुते के भनिए अहवरेण देव-  
 नागु देवताए उवराजिताए, के मूर्ध भंत । हे लीनभोगी नी वम् बुद्धावेनं कर्मनं  
 बनेनं बीरेएवं पुनिमवारपरबमनं रिउत्तई भोग्यभोगाई भुंजमाये निहिरिणए, से  
 मूर्ध भंत । एयमई एव बयइ ? भोग्या । नो इयं सगुणे ॥ केनहुनं भंत । एव  
 बुद्ध । भोग्या । वम् वं से बुद्धावेनं कर्मनं बनेनं बीरेएवं पुनिमवारपर  
 बमनं अहवराई रिउत्तई भोग्यभोगाई भुंजमाये निहिरिणए, तग्हा भोगी भोगे  
 कर्मनं कर्माने महाविजरे महापञ्चवत्तये भवइ । जाहोईए वं भंत । मरुते के भनिए  
 अहवरेण देवदेणु एवं पंच कहा छउमरये जाव महापञ्चवत्तये भवइ । परमाहोदिए  
 वं भंत । मरुते के भनिए सवेव भवगहयेवं निगिताए जाव भं करिणए, से  
 मूर्ध भंत । ॥ लीनभोगी सेवं कहा छउमरवरस । केवठी वं भंत । मरुते के भनिए  
 तयं भवमहगमे एवं कहा परमाहोदिए जाव महापञ्चवत्तये भवइ ॥ १९ ॥  
 ॥ हे भं भंत । अन्तरिने पाया संवहा-बुद्धिधरवा जाव वनस्पधरवा छउ व  
 एयमय तया ए वं भंवा मुता लम्बिण्ड तमवदन्तोद्वात्तपडिण्डावा भवम-  
 निहरवं वैववं वैरेटीति वत्तये रिमा । इता भोग्या । के इयं अन्तरिने पाया  
 पुनिमवारवा जाव वनस्पधरवा छउ व जाव वैववं वैरेटीति वत्तये रिमा ॥ अति  
 वं भंत । वमूनि अक्षमनिहरवं वैववं वैरे । इता भोग्या । अति वरुवं भंत ।  
 वमूनि अक्षमनिहरवं वैववं वैरे ॥ भोग्या । के वं नो वम् रिवा हीवेवं जं  
 करंति क्वाई वाणिणए के वं नो वम् वुरभो क्वाई अविग्गहाइ वं वाणिणए के वं  
 नो वम् अन्तयो क्वाई अक्षमनिहरवं वं पाणिणए [के वं नो वम् वासभो क्वाई  
 अक्षमनिहरवं वं पाणिणए के वं नो वम् क्वाई अक्षमनिहरवं वं पाणिणए के वं  
 नो वम् क्वाई अक्षमनिहरवं वं पाणिणए] एत वं भोग्या । वमूनि अक्षम-  
 निहरवं वैववं वैरे ॥ अति वं भंत । वमूनि अक्षमनिहरवं वैववं वैरे ॥  
 इता । अति वरुवं भंत । वमूनि अक्षमनिहरवं वैववं वैरे ॥ भोग्या । के वं  
 ना वम् तमुइस वरं वणिणए के वं नो वम् तमुइस पारवकाई क्वाई वाणिणए  
 के वं नो वम् वैववं वणिणए के वं नो वम् वैववं वणिणए क्वाई वाणिणए एत  
 वं भोग्या । वमूनि अक्षमनिहरवं वैववं वैरे । वं भंते । वं भंते । ति  
 ॥ १९१ ॥ सत्तमस्स सयस्स सत्तमो जहेसमो समत्तो ॥

ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिणु उववन्ना ॥ २९९ ॥ णायमेयं अरहया सुयमेय  
 अरहया विजायमेय अरहया रहमुसले सगामे, रहमुसले णं भंते । संगामे वट्टमाणे  
 के जइत्था के पराजइत्था ? गोयमा ! वज्जी विदेहपुत्ते चमरे असुरिंदे असुरकुमार-  
 राया जइत्था नव मल्लई नव लेच्छई पराजइत्था, तए णं से कूणिए राया रहमुसल  
 सगाम उवट्ठिय सेस जहा महासिलारुए नवरं भूयणंदे हत्थिराया जाव रहमुसल  
 संगामं ओयाए, पुरओ य से सक्के देविंदे देवराया, एव तहेव जाव चिट्ठति, मग्गओ य  
 से चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया एग मह आयस किट्ठिणपडिह्वग विउव्वित्ता णं  
 चिट्ठइ, एव खलु तओ ईदा संगाम संगामेति, तंजहा-देविंदे य मणुईदे य असुरिंदे  
 य, एगहत्थिणावि ण पभू कूणिए राया जइत्तए तहेव जाव दिसो दिसिं पडिसे-  
 हित्था । से केगट्ठेण भंते । एवं वुच्चइ रहमुसले सगामे ? गोयमा ! रहमुसले ण  
 सगामे वट्टमाणे एगे रहे अणासए असारहिए अणारोहए समुसले महया जगक्खय  
 जणवह जणप्पमइ जणसवट्ठकप्पं रुहिरकहमं करेमाणे सव्वओ समता परिधावित्था  
 से तेणट्ठेण जाव रहमुसले सगामे । रहमुसले णं भते । सगामे वट्टमाणे कड जण-  
 सयसाहस्सीओ वहियाओ ? गोयमा ! छन्नउइ जणसयसाहस्सीओ वहियाओ । ते  
 ण भंते ! मणुया निस्सीला जाव उववन्ना ? गोयमा ! तत्थ णं दस साहस्सीओ  
 एगाए मच्छीए कुच्छिसि उववन्नाओ, एगे देवलोगेसु उववन्ने, एगे मुकुले पच्चायाए,  
 अवसेसा ओसन्न नरगतिरिक्खजोणिणु उववन्ना ॥ ३०० ॥ कम्हा ण भते ! सक्के  
 देविंदे देवराया चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया कूणियस्स रत्तो साहेज्ज दलइत्था ?  
 गोयमा ! सक्के देविंदे देवराया पुव्वसगइए चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया परि-  
 यायसगइए, एव खलु गोयमा ! सक्के देविंदे देवराया चमरे य असुरिंदे असुरकु-  
 मारराया कूणियस्स रत्तो साहिज्ज दलइत्था ॥ ३०१ ॥ बहुजणे णं भते ! अन्नमजस्स  
 एवमाइक्खइ जाव परुवेइ एवं खलु बहवे मणुस्सा अन्नयरेस्स उच्चावएस्स सगामेस्स  
 अभिमुहा चैव पइया समाणा कालमासे काल किच्चा अन्नयरेस्स देवलोएस्स देवत्ताए  
 उववत्तारो भवति, से कहमेय भंते ! एव ? गोयमा ! जण्ण से बहुजणो अन्नमजस्स  
 एव आइक्खइ जाव उववत्तारो भवति जे ते एवमाइस्स मिच्छ ते एवमाइस्स, अहं  
 पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परुवेमि-एवं खलु गोयमा ! तेण कालेणं तेण  
 समएण वेसाली नामं नगरी होत्था, वण्णओ, तत्थ ण वेसालीए नगरीए वरुणे नामं  
 णागनत्तुए परिवसइ अक्खे जाव अपरिभूए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव  
 पडिलाभेमाणे छट्ठंछट्ठेण अनिक्खित्तेण तवोकम्मेण अप्पाण भावेमाणे विहरइ  
 तए णं से वरुणे णागनत्तुए अज्या कयाइ रायाभिओगेणं गणाभिओगेण बलाभि-





तुरए मोएत्ता तुरए विसज्जेइ २ ता दब्भसंशारग सयरइ २ ता [ पुरच्छा  
 भिमुहे दुरुहइ दब्भस० २ ] पुरच्छाभिमुहे सपलियकनिसन्ने करयल जाव कट्ठु  
 एव वयासी-नमोत्थु ण अरिहत्ताणं जाव सपत्ताण नमोऽत्थु ण समणस्स भगवओ  
 महावीरस्स आइगरस्स जाव सपाविउकामस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स  
 वंदामि ण भगवन्त तत्थगय इहगए पासठ मे से भगव तत्थगए जाव वदइ नमसइ २  
 एव वयासी-पुब्बिपि ण मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए थूलए पाणाइवाए  
 पच्चक्खाए जावज्जीवाए एव जाव थूलए परिग्गहे पच्चक्खाए जावज्जीवाए, इयाणिपि ण  
 अह तस्सेव अरिहतस्स भगवओ महावीरस्स अतिय सव्वं पाणाइवाय पच्चक्खामि  
 जावज्जीवाए एव जहा खदओ जाव एयंपि णं चरमेहिं ऊसासनीसासेहिं वोसिरामिति  
 कट्ठु सन्नाहपट्ठं मुयइ सन्नाहपट्ठं मुइत्ता सल्लुद्धरणं करेइ सल्लुद्धरणं करेत्ता आलोइय-  
 पडिक्कते समाहिपत्ते आणुपुब्बीए कालगए, तए ण तस्स वरुणस्स णागनत्तुयस्स  
 एगे पियवालवयसए रहमुसल सगाम सगामेमाणे एगेण पुरिसेण गाढप्पहारीकए  
 समाणे अत्थामे अवले जाव अधारणिज्जमितिकट्ठु वरुण णागनत्तुय रहमुसलाओ  
 सगामाओ पडिनिक्खममाण पासइ पासित्ता तुरए निगेण्हइ तुरए निगेण्हित्ता जहा  
 वरुणे जाव तुरए विसज्जेइ पडिसयारग दुरुहइ पडिसयारगं दुरुहित्ता पुरत्थाभिमुहे  
 जाव अजलिं कट्ठु एव वयासी-जाइ ण मम पियवालवयस्सस्स वरुणस्स  
 नागनत्तुयस्स सीलाइ वयाइ गुणाइ वेरमणाइ पच्चक्खाणपोसहोववासाइ ताइ णं  
 ममंपि भवंतुत्तिकट्ठु सन्नाहपट्ठं मुयइ २ सल्लुद्धरणं करेइ सल्लुद्धरणं करेत्ता आणुपु-  
 ब्बीए कालगए, तए ण त वरुणं णागणत्तुयं कालगय जाणित्ता अहासन्निहिएहिं  
 वाणमतरेहिं देवेहिं दिव्वे सुरभिगधोदगवासे बुट्ठे दसद्धवन्ने कुसुमे निवाडिए दिव्वे  
 य गीयगधव्वनिनाए कए यावि होत्था, तए ण तस्स वरुणस्स णागनत्तुयस्स त  
 दिव्व देविं दिव्व देवज्जुइ दिव्वं देवाणुभाग सुणित्ता य पासित्ता य बहुजणो  
 अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव पल्लवेइ-एव खलु देवाणुप्पिया ! वहवे मणुस्सा  
 जाव उववत्तारो भवति ॥ ३०२ ॥ वरुणे ण भंते ! नागनत्तुए कालमासे काल  
 किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने ?, गोयमा ! सोहम्ममे कप्पे अरुणामे विमाणे देवत्ताए  
 उववन्ने, तत्थ ण अत्थेगइयाणं देवाण चत्तारि पल्लिओवमाणि ठिई पन्नत्ता, तत्थ  
 ण वरुणस्सवि देवस्स चत्तारि पल्लिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । से णं भते ! वरुणे देवे  
 ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएण ठिइक्खएण जाव महाविदेहे वासे  
 सिज्झिहिइ जाव अत करेहिइ । वरुणस्स ण भते ! नागणत्तुयस्स पियवालवय-  
 सए कालमासे काल किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने ?, गोयमा ! सुकुले पच्चायाए ।



अत्थित्ति वयामो, अम्हे ण देवाणुप्पिया ! सव्व अत्थिभाव अत्थित्ति वयामो सव्वं  
 नत्थिभाव नत्थित्ति वयामो, त चेयसा खलु तुम्हे देवाणुप्पिया ! एयमट्ठ सयमेव  
 पच्चुवेक्खत्तिकट्ठु ते अन्नउत्थिए एव वयासी-एव २, जेणेव गुणसिलए उज्जाणे  
 जेणेव समणे भगव महावीरे एव जहा नियउद्देसए जाव भत्तपाण पडिदसेइ भत्त  
 पाण पडिदसेत्ता समण भगव महावीर वदइ नमसइ २ नमामहे जाव पच्चुवासइ ।  
 तेण कालेणं तेण समएण समणे भगव महावीरे महाक्खापडिवन्ने यावि होत्था,  
 कालोदाई य त देस हव्वमागए, कालोदाईति समणे भगव महावीरे कालोदाइ  
 एव वयासी-से नूण कालोदाई ! अन्नया कयाइ एगयओ सहियाण ममुवाग  
 याण सन्निविट्ठाण तहेव जाव से कहमेय मन्ने एव ? , से नूण कालोदाई ! अट्ठे  
 समट्ठे ? , हंता ! अत्थि, त सच्चे ण एसमट्ठे कालोदाई ! अह पचत्थिकाय पन्नवेमि,  
 तजहा-वम्मत्थिकाय जाव पोग्गलत्थिकाय, तत्थ ण अह चत्तारि अत्थिकाए अर्जा  
 वत्थिकाए अजीवत्ताए पण्णवेमि तहेव जाव एग च ण अह पोग्गलत्थिकाय रुविकाय  
 पण्णवेमि, तए ण से कालोदाई समण भगव महावीर एव वयासी-एयत्ति ण भंते !  
 वम्मत्थिकायसि अधम्मत्थिकायसि आगासत्थिकायसि अरुविकायसि अजीवकायसि  
 चक्किया केइ आसइत्तए वा १ सइत्तए वा २ चिट्ठइत्तए वा ३ निसीइत्तए वा ४  
 तुयट्ठित्तए वा ५ ? , णो तिणट्ठे ०, कालोदाई ! एगसि ण पोग्गलत्थिकायसि रुविकायसि  
 अजीवकायसि चक्किया केइ आसइत्तए वा सइत्तए वा जाव तुयट्ठित्तए वा, एयत्ति  
 ण भंते ! पोग्गलत्थिकायसि रुविकायसि अजीवकायसि जीवाण पावा कम्मा पाव  
 कम्मफलविवागसजुत्ता कज्जति ? , णो इणट्ठे समट्ठे कालोदाई ! , एयत्ति ण जीवत्थि-  
 कायसि अरुविकायसि जीवाण पावा कम्मा पावफलविवागसजुत्ता कज्जति ? , हता !  
 कज्जति, एत्थ ण से कालोदाई सवुद्धे समण भगव महावीरं वदइ नमसइ वदिता  
 नमसित्ता एव वयासी-इच्छामि ण भंते ! तुब्भ अत्थिय धम्म निसामेत्तए एव  
 जहा खदए तहेव पव्वइए तहेव एक्कारस अगाइ जाव विहरइ ॥ ३०४ ॥ तए ण  
 समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ रायगिहाओ नगराओ गुणसिलयाओ उज्जाणाओ  
 पडिनिक्खमइ २ वहिया जणवयविहारं विहरइ, तेण कालेण तेण समएण रायगिहे  
 नामं नगरे गुणसिलए णाम उज्जाणे होत्था, तए ण समणे भगव महावीरे अन्नया  
 कयाइ जाव समोसडे ० परिसा पडिगया, तए ण से कालोदाई अणगारे अन्नया कयाइ  
 जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समण भगवं महावीरं वदइ नमं  
 सइ वदिता नमसित्ता एव वयासी अत्थि ण भंते ! जीवाण पावा कम्मा पावफल-  
 विवागसजुत्ता कज्जति ? , हता ! अत्थि । कहण्ण भंते ! जीवाण पावा कम्मा पावफ-

ते न मते । तत्रोद्दिष्टो अर्पणं उन्मत्तिता कर्त्तुं पश्चिद्विद् बह्वि उवचिद्विद् ।  
 येनमा । महाविरेहे वाते सिद्धिद्विद् वाच कर्त्तुं करेद्विद् । तेन मते । तेन मते ।  
 ति ० १ १ ॥ सुत्तमस्स सयस्स जजमो ठहसो समत्तो ॥

तेन कर्त्तुं तेन समप्यं उवचिद्विद् नाम नगरे द्वीत्वा वज्रमो मुपसिद्धप  
 वज्राये वज्रमो, अत्र पुनर्विचिदाप्यए वज्रमो तस्य न मुपसिद्धस्स ठमापस्स  
 अहुरसामते बह्वे जजद्विवा परिवर्त्ति तजहा-कजीवाहे सेतोडाहे ठिवाओडाहे  
 वरए वासुए मयए अजवाअए सेव्वाअए सेव्वाअए ॥ अतो भावमहे, तए  
 न तेति अजठत्तिअने अजवा कर्त्ताई एवमो समुवायमानं सविस्तिअनं सवि-  
 सवायं अजमंवास्ते म्मिओ क्हासमुअने समुप्यज्जिवा एनं क्खु समने नाय-  
 पुते पंच अविअए पक्खेह, तजहा-वम्मत्तिअनं वाच भावात्तत्तिअनं तस्य न  
 समने नायपुते वतामि अविअए अजीवकाए पक्खेह, तजहा-वम्मत्तिअनं अज  
 म्मत्तिअनं वायात्तत्तिअनं पोम्मत्तिअनं एनं व न समने वायपुते जीवत्तिअनं  
 अजत्तिअनं जीवअनं पक्खेह, तस्य न समने नायपुते वतामि अविअए अज्जि-  
 अए पक्खेह, तजहा-वम्मत्तिअनं अजम्मत्तिअनं वायात्तत्तिअनं जीवत्तिअनं  
 एनं व न समने वायपुते पोम्मत्तिअनं क्कित्तिअनं अजीवअनं पक्खेह, से बहमेनं  
 मने एनं । तेन कर्त्तुं तेन समप्यं समने मयनं महावीरे वाच मुवत्तिअए उजाये  
 सरोठहं वाच परिवेदा पविपया तनं कर्त्तुं तेन समप्यं समस्स मयमो म्हा  
 नीरस्स वेह्ति अतिवाही ईहमूने कामे अजगारे पोक्कमपेत्तिनं एनं अहा विअअए  
 निवद्धेहए वाच मिअज्जविकाए अजमाये अहापज्जती मत्तपानं पविगाहिता उय-  
 मिहामो वाच अल्लिअमवज्जमत्तमेनं वाच रिनं छोहेमाये छोहेमाये तेति अजठ-  
 तिअनं अहुरसामतनं वीरअए, तए न ते अजठत्तिवा मयनं गोवमं अहुर  
 सामतेयं वीरअमत्तं पाठेति पाठेत्त अजमनं सहावेति अजमनं सहावेता एनं  
 ववाही-एनं क्खु देवाअुप्पिअ । अम्हं इमा क्हा अविअज्जहा अजं व न गोयमे  
 अम्हं अहुरसामतेयं वीरअए तं तेनं क्खु देवाअुप्पिअ । अम्हं पोवयं एवमहुं  
 पुत्तिअपुत्तिअए अजमजस्स वेतिए एवमहुं पविअनेति १ त्वा जेवेव मयनं गोयमे  
 तेवेव उवाअमत्तं तेवेव अजमज्जिअ ते मयनं गोवमं एनं ववाही-एनं क्खु  
 गोयमा । तव वम्माअरिए वप्पीअएए समने वायपुते पंच अविअए पक्खेह,  
 तजहा-वम्मत्तिअनं वाच वायात्तत्तिअनं तं वेव वाच अजत्तिअनं अजीवअने  
 पक्खेह से बहमेनं मते । वीक्का । एनं । तए न से मयनं गोयमे से अजठत्तिअए  
 एनं ववाही-नो क्खु वनं देवाअुप्पिअ । अविअमत्तं अविअति ववामो अविअमत्तं

से तेणहेण कालोदाई ! जाय अप्पवेयणतराए चेव ॥ ३०६ ॥ अत्थि णं भंते ! अचित्तावि पोग्गला ओभासति उज्जोवेनि तवंति पभासंति ? , हुंता ! अत्थि । कयरे णं भते ! अचित्तावि पोग्गला ओभासति जाव पभासंति ? , कालोदाई ! कुद्धस्स अप्पगारस्स तेयळेस्सा निस्सट्ठा समाणी दूरं गंता दूरं निवयइ देसं गता देस निवयइ जहिं जहिं च ण मा निवयइ तर्हिं तर्हिं च ण ते अचित्तावि पोग्गला ओभासंति जाव पभासति, एएण कालोदाई ! ते अचित्तावि पोग्गला ओभासति जाव पभासंति, तए णं से कालोदाई अणगारे समण भगव महागीरं पंदइ नमंसइ ० बहूहे चउत्तयल्लट्ठम जाव अप्पाण भावेमाणे जहा पढममए कालासवेसियपुत्ते जाव सन्न दुक्खप्पहीणे । सेवं भते ! सेवं भंते ! ति ॥ ३०७ ॥ सत्तमं सयं समत्त ॥

गाहा—पोग्गल १ आसीविस २ रुक्ख ३ किरिय ४ आजीव ५ फासुग ६ मदत्ते ७ । पडिणीय ८ चध ९ आराहणा य १० दस अट्ठममि सए ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-कइविहा ण भते ! पोग्गला पज्जत्ता ? , गोयमा ! तिविहा पोग्गला पज्जत्ता, तंजहा-पओगपरिणया मीससापरिणया वीससापरिणया ॥ ३०८ ॥ पओगपरिणया ण भंते ! पोग्गला कइविहा पज्जत्ता ? , गोयमा ! पचविहा पज्जत्ता, तंजहा-एगिंदियपओगपरिणया वेइदियपओगपरिणया जाव पंचिंदियपओगपरिणया । एगिंदियपओगपरिणया ण भंते ! पोग्गला कइविहा पज्जत्ता ? , गोयमा ! पंचविहा पओगपरिणया । पुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया जाव वणस्सइकाइयएगिंदियपओगपरिणया । पुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया णं भते ! पोग्गला कइविहा पज्जत्ता ? , गोयमा ! दुविहा पज्जत्ता, तजहा-सुहुमपुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया वायएपुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया, आउकाइयएगिंदियपओगपरिणया एव चेव, एवं दुयओ भेओ जाव वणस्सइकाइयएगिंदियपओगपरिणया । वेइंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा ! अणेगविहा पज्जत्ता, एव तेइंदियचउरिंदियपओगपरिणयावि । पंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा । चउव्विहा पज्जत्ता, तजहा-नेरइयपंचिंदियपओगपरिणया तिरिक्ख ० एव मणुस्स ० देवपंचिंदिय ०, नेरइयपंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा ! सत्ताविहा पज्जत्ता, तंजहा-रयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियपओगपरिणया य जाव अहेसत्तमपुढविनेरइयपंचिंदियपओगपरिणया-य, तिरिक्खजोणियपंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा ! तिविहा पज्जत्ता, तजहा-जलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदिय ० थलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदिय ० खहयरतिरिक्खजोणियपंचिंदिय ०, जलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा । दुविहा पओ, तजहा-समुच्छिमजलयर ०. गम्भवक्कतियजलयर ०. थलयरतिरिक्ख ०-पुच्छा. गोयमा । दुविहा पओ,

सन्निवागर्हणाय कर्मणि । कर्मोदाह । ये ज्ञानात्मन् केच पुनरिषे मनुष्यं वाहीपायस्यै  
 अङ्गारसर्पज्वातर्हं निरुद्धमिच्छे मोक्षार्थं भुञ्जेत् । तत्त न मोक्षस्तु आवाप मरु  
 मन्त्रं, तन्नो पन्था परिश्रममात्रे परी दुस्वताप दुर्गवताप बद्ध महास्रवण बाध  
 मुञ्चो १ परिश्रमम्, एवमेव कर्मोदाह । जीवान् पापाद्वाप बाध निष्कार्त्तसकल  
 तत्त न आवाप मरु मन्त्रं तन्नो पन्था परिश्रममात्रे १ दुस्वताप बाध मुञ्चो  
 १ परिश्रमम्, एवं बद्ध कर्मोदाह । जीवान् पापा कम्मा बाधप्रसन्निवागर्हणाय  
 कर्मणि । अस्ति न भेदे । जीवान् कम्मा कम्मा कम्माप्रसन्निवागर्हणाय कर्मणि ।  
 इति । अस्ति कर्म न भेदे । जीवान् कम्मा कम्मा बाध कर्मणि । कर्मोदाह । ये  
 ज्ञानात्मन् केच पुनरिषे मनुष्यं वाहीपायस्यै अङ्गारसर्पज्वातर्हं मोक्षमिच्छे मोक्षार्थं  
 भुञ्जेत् । तत्त न मोक्षस्तु आवाप मो मरु मन्त्रं, तन्नो पन्था परिश्रममात्रे १  
 दुस्वताप दुर्गवताप बाध इत्याप यो दुस्वताप मुञ्चो १ परिश्रमम्, एवमेव  
 कर्मोदाह । जीवान् पापाद्वापवैरमने बाध परिश्रमवैरमने कोटिमेवो बाध निष्कार-  
 र्त्तसकलमिच्छे तत्त न आवाप यो मरु मन्त्रं तन्नो पन्था परिश्रममात्रे १ दुस्-  
 वताप बाध यो दुस्वताप मुञ्चो १ परिश्रमम्, एवं बद्ध कर्मोदाह । जीवान् कम्मा  
 कम्मा बाध कर्मणि ४ १ ५ ४ यो भेदे । पुनरिषा सन्निवा बाध सन्निवर्तनमप्येव-  
 कर्त्तवा ज्ञानमिच्छे सन्निवर्त्तनमिच्छे तत्त न एवे पुनरिषे ज्ञानमिच्छे ज्ञान-  
 केच एवे पुनरिषे ज्ञानमिच्छे निष्कार्त्त, एवमि न मति । कोच पुनरिषा कर्म  
 पुनरिषे महाकर्मवताप येन महाकर्मवताप येन महास्रवणराप येन महावेग-  
 तप्येन येन कर्मरे वा पुनरिषे अप्यकर्मवताप येन बाध अप्यवेगवताप येन  
 न वा ये पुनरिषे ज्ञानमिच्छे सन्निवर्त्तन ये वा ये पुनरिषे ज्ञानमिच्छे निष्कार्त्त ।  
 कर्मोदाह । तत्त न ये ये पुनरिषे ज्ञानमिच्छे ज्ञानकेच ये न पुनरिषे महाकर्म-  
 तप्येन येन बाध महावेगवताप येन तत्त न ये ये पुनरिषे ज्ञानमिच्छे निष्कार्त्त ये  
 ये पुनरिषे अप्यकर्मवताप येन बाध अप्यवेगवताप येन । ये कर्मरे न भेदे ।  
 एवं पुनरिष-तत्त न ये ये पुनरिषे बाध अप्यवेगवताप येन ४, कर्मोदाह । तत्त  
 न ये ये पुनरिषे ज्ञानमिच्छे ज्ञानकेच ये न पुनरिषे बहुतराये पुनरिषा सन्निवर्त्तन  
 बहुतराये ज्ञानमिच्छे सन्निवर्त्तन अप्यतराये तेजमिच्छे सन्निवर्त्तन बहुतराये बाधमिच्छे  
 सन्निवर्त्तन बहुतराये वनस्तद्वर्त्तन सन्निवर्त्तन बहुतराये तत्तमिच्छे सन्निवर्त्तन, तत्त  
 न ये ये पुनरिषे ज्ञानमिच्छे निष्कार्त्त ये न पुनरिषे अप्यतराये पुनरिषा सन्निवर्त्तन  
 मन्त्र अप्यतराये ज्ञानमिच्छे सन्निवर्त्तन बहुतराये तेजमिच्छे सन्निवर्त्तन अप्यतराये वन-  
 स्तद्वर्त्तन सन्निवर्त्तन अप्यतराये तत्तमिच्छे सन्निवर्त्तन,

अपज्जत्तग० चेव । गम्भवक्कतियमणुस्सपच्चिदिय० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा ५०,  
तज्जहा-पज्जत्तगगम्भवक्कतिय० अपज्जत्तगगम्भवक्कतिय० । असुरकुमारभवणवासिदेव०  
पुच्छा, गोयमा ! दुविहा ५०, तज्जहा-पज्जत्तगअसुरकुमार० अपज्जत्तगअसुर०, एवं  
जाव पज्जत्तगणियकुमार० एवं अपज्जत्तग० य, एवं एएण अभिलावेण दुयएण भेएण  
पिसाय० य जाव गंधव्व०, चंद० जाव ताराविमाण०, सोहम्मकप्पोववण्णग० जाव  
अच्चुअ०, हिट्ठिमहिट्ठिमगेविज्जकप्पाईय० जाव उवरिमउवरिमगेविज्ज०, एव विजय-  
अणुत्तरो० जाव अपराजिय०, सब्बद्वसिद्धकप्पाईय० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा ५०,  
तज्जहा-पज्जत्तगसब्बद्वसिद्धअणुत्तरो० अपज्जत्तगसब्बद्व जाव परिणया य, २ दढगा ॥  
जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया ते । ओरालियतेयाकम्मासरीर  
प्पओगपरिणया जे पज्जत्ता सुहुम० जाव परिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीर  
प्पओगपरिणया एव जाव पज्जत्तगचउरिंदिय०, नवरं जे पज्जत्तवायरवातकाइयएगिं  
दियपओगपरिणया ते ओरालियवेउव्वियतेयाकम्मासरीरपओगपरिणया, सेस तं  
चेव, जे अपज्जत्तरयणप्पमापुढविनेरइयपंचिंदियपओगपरिणया ते वेउव्वियतेयाक-  
म्मासरीरप्पओगपरिणया, एव पज्जत्तय० वि, एव जाव अहेसत्तम० । जे अपज्जत्तगसंमु-  
च्छिमजलयर जाव परिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया एव पज्जत्त-  
ग० वि, अपज्जत्तगगम्भवक्कतिय० वि एव चेव, पज्जत्तय० वि एव चेव नवरं सरीरगणि  
चत्तारि जहा वायरवातकाइयाण पज्जत्तगाण, एवं जहा जलयरेसु चत्तारि आलावगा  
भाणिया एव चउप्पयउरपरिसप्पभुयपरिसप्पखइयरेसुवि चत्तारि आलावगा भाणि  
यव्वा । जे समुच्छिममणुस्सपच्चिदियपओगपरिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीर-  
प्पओगपरिणया, एव गम्भवक्कतियावि अपज्जत्तगा, पज्जत्तगावि एव चेव, नवरं सरी-  
रगणि पच्च भाणियव्वाणि, जे अपज्जत्ता असुरकुमारभवणवासि० जहा नेरइय० तहेव,  
एव पज्जत्तगावि, एव दुयएण भेएण जाव यणियकुमार०, एवं पिसाय० जाव गंधव्व०,  
चंद० जाव ताराविमाण०, एव सोहम्मकप्पो० जाव अच्चुअ०, हेट्ठिम २ गेवेज्ज० जाव  
उवरिम २ गेवेज्ज०, विजयअणुत्तरोववाइय० जाव सब्बद्वसिद्धअणु०, एक्केक्केण दुयओ भेओ  
भाणियव्वो जाव जे पज्जत्तसब्बद्वसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते वेउव्विय-  
तेयाकम्मासरीरपओगपरिणया, दढगा ३ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदिय  
पओगपरिणया ते फासिंदियपओगपरिणया जे पज्जत्ता सुहुमपुढविकाइय० एवं चेव,  
जे अपज्जत्ता बादरपुढविकाइय० एवं चेव, एव पज्जत्तगावि, एवं चउक्कएण भेएण जाव  
वणस्सइकाइय०, जे अपज्जत्ता वेइंदियपओगपरिणया ते जिर्णिभदियफासिंदियपओगप-  
रिणया जे पज्जत्ता वेइंदिय० एवं चेव, एव जाव चउरिंदिय० नवरं एक्केक्के इंदिय वहुं





णपरिणयावि, एवं एए नव दडगा ९ ॥ ३०९ ॥ मीसापरिणया णं भते । पोगगला कइविहा पण्णत्ता १, गोयमा । पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा-एगिंदियमीसापरिणया जाव पचिंदियमीसापरिणया, एगिंदियमीसापरिणया णं भते । पोगगला कइविहा पण्णत्ता १, एव जहा पओगपरिणएहिं नव दडगा भणिया एव मीसापरिणएहिं नव दडगा भाणियव्वा, तहेव सव्व निरवसेस, नवरं अभिलावो मीसापरिणया भाणियव्वो, सेसं त चेव, जाव जे पज्जत्ता सव्वद्वसिद्धअणुत्तरो जाव आययसंठाणपरिणयावि ॥ ३१० ॥ वीससापरिणया ण भंते । पोगगला कइविहा पज्जत्ता १, गोयमा । पंचविहा पज्जत्ता, तजहा-वज्जपरिणया गंधपरिणया रसपरिणया फासपरिणया सठाणपरिणया, जे वज्जपरिणया ते पंचविहा पज्जत्ता, तंजहा-कालवज्जपरिणया जाव सुद्धि-वज्जपरिणया, जे गधपरिणया ते दुविहा पज्जत्ता, तजहा-सुद्धिमगधपरिणयावि दुद्धिमगधपरिणयावि, एवं जहा पज्जवणापए तहेव निरवसेस जाव जे संठाणओ आययसंठाणपरिणया ते वज्जओ कालवज्जपरिणयावि जाव लुक्खफासपरिणयावि ॥ ३११ ॥ एगे भंते । दव्वे किं पओगपरिणए मीसापरिणए वीससापरिणए १, गोयमा । पओगपरिणए वा मीसापरिणए वा वीससापरिणए वा । जइ पओगपरिणए किं मणप्पओगपरिणए वइप्पओगपरिणए कायप्पओगपरिणए १, गोयमा । मणप्पओगपरिणए वा वइप्पओगपरिणए वा कायप्पओगपरिणए वा, जइ मणप्पओगपरिणए किं सच्चमणप्पओगपरिणए मोसमणप्पओग ० सच्चामोसमणप्पओ ० असच्चामोसमणप्पओ ० १, गोयमा । सच्चमणप्पओगपरिणए वा मोसमणप्पओग ० सच्चामोसमणप्प ० असच्चामोसमणप्प ०, जइ सच्चमणप्पओगप ० किं आरंभसच्चमणप्पओ ० अणारंभसच्चमणप्पओगपरि ० सारंभसच्चमणप्पओग ० असारंभसच्चमण ० समारंभसच्चमणप्पओगपरि ० अवमारंभसच्चमणप्पओगपरिणए १, गोयमा । आरंभसच्चमणप्पओगपरिणए वा जाव असमारंभसच्चमणप्पओगपरिणए वा, जइ मोसमणप्पओगपरिणए किं आरंभमोसमणप्पओगपरिणए ० १ एवं जहा सच्चेण तहा मोसेणवि, एवं सच्चामोसमणप्पओगपरिणएवि, एव असच्चामोसमणप्पओगेणवि । जइ वइपओगपरिणए किं सच्चवइप्पओगपरिणए मोसवइप्पओगपरिणए १ एव जहा मणप्पओगपरिणए तहा वइप्पओगपरिणएवि जाव असमारंभवइप्पओगपरिणए वा । जइ कायप्पओगपरिणए किं ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए ओरालियमीसासरीरकायप्पओ ० वेडवियसरीरकायप्प ० वेडवियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए आहारगसरीरकायप्पओगपरिणए १, गोयमा । ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए वा जाव कम्मसरीरकायप्पओगपरिणए वा, जइ

[illegible]

जाव परिणए कि वाठफाड्यएगिंदिय जाव परिणए अवाठफाड्यएगिंदिय जाव परिणए १, गोयमा । वाठफाड्यएगिंदिय जाव परिणए नो अवाठफाड्य जाव परिणए, एव एएण अभिलायेण जहा ओगाहणसठाणे वेउव्वियसरीरं भाणियं तहा इहावि भाणियव्व जाव पज्जत्तसव्वट्टसिद्धअणुत्तरोववाड्यकप्पाईयवेमाणियदेवपंचिंदियवेउ व्वियसरीरकायप्पओगपरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्टसिद्ध०कायप्पओगपरिणए वा ३ । जइ वेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए कि एगिंदियमीमासरीरकायप्पओगपरिणए जाव पंचिंदियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए १, एव जहा वेउव्विय तहा वेउव्विय मीसगंपि, नवर देवनेरइयाण अपज्जत्तगाण सेसाण पज्जत्तगाण तहेव जाव नो पज्जत्तसव्वट्टसिद्धअणुत्तरो० जाव पओग० अपज्जत्तसव्वट्टसिद्धअणुत्तरोववाड्यदेवपंचिंदियवेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए ४ । जइ आहारगसरीरकायप्पओगपरिणए कि मणुस्साहारगसरीरकायप्पओगपरिणए अमणुस्साहारग जाव प० १, एव जहा ओगाहणसठाणे जाव इट्ठिपत्तपमत्तसजयसम्मादिट्ठिपज्जत्तगसखेजवासाउय जाव परिणए नो अणिट्ठिपत्तपमत्तसजयसम्मादिट्ठिपज्जत्तगसखेजवासाउय जाव प० ५ । जइ आहारगमीसासरीरकायप्पओगप० किं मणुस्साहारगमीसासरीर० ? एवं जहा आहारग तहेव मीसगंपि निरवसेस भाणियव्वं ६ । जइ कम्मासरीरकायप्पओगप० किं एगिंदियकम्मासरीरकायप्पओगप० जाव पंचिंदियकम्मासरीर जाव प० १, गोयमा । एगिंदियकम्मासरीरकायप्पओ० एवं जहा ओगाहणसठाणे कम्मगस्स भेओ तहेव इहावि जाव पज्जत्तसव्वट्टसिद्धअणुत्तरोववाड्य जाव देवपंचिंदियकम्मासरीरकायप्पओगपरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्टसिद्धअणु० जाव परिणए वा ७ ॥ जइ मीसा परिणए कि मणमीसापरिणए वइमीसापरिणए कायमीसापरिणए १, गोयमा । मण मीसापरिणए वा वइमीसा० वा कायमीसापरिणए-वा, जइ मणमीसापरिणए किं सच्चमणमीसापरिणए मोसमणमीसापरिणए १ जहा पओगपरिणए तहा मीसापरिणएवि भाणियव्व निरवसेसं जाव पज्जत्तसव्वट्टसिद्धअणुत्तरोववाड्य जाव देवपंचिंदियकम्मासरीरमीसापरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्टसिद्धअणु० जाव कम्मासरीरमीसापरिणए वा । जइ वीससापरिणए कि वज्रपरिणए गंधपरिणए रसपरिणए फासपरिणए संठाणपरिणए १, गोयमा । वज्रपरिणए वा गंधपरिणए वा रसपरिणए वा फासपरिणए वा संठाणपरिणए वा, जइ वज्रपरिणए किं कालवज्रपरिणए नील जाव सुक्खिलवज्रपरिणए १, गोयमा । कालवज्रपरिणए वा जाव सुक्खिलवज्रपरिणए वा, जइ गंधपरिणए किं सुन्निर्गंधपरिणए दुब्धिगंधपरिणए १, गोयमा । सुन्निर्गंधपरिणए वा दुब्धिगंधपरिणए वा, जइ रसपरिणए किं तिस्सरसपरिणए ५, पुच्छा, गोयमा । तिस्सरसपरिणए वा जाव मरु-

ओरास्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् किं एगिद्विज्योरास्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् एवं  
 चात्र पेरिद्विज्योरास्मिन् चात्र परि ? योक्त्वा । एगिद्विज्योरास्मिन्सरीरकावप्य-  
 भोगपरिणम् वा वैद्विज्योरास्मिन् चात्र परिणम् वा चात्र पेरिद्विज्योरास्मिन् चात्र परिणम् वा, अत्र एगि-  
 दिज्योरास्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् किं पुनर्मिच्छाम्येगिद्विज्योरास्मिन् चात्र परिणम् चात्र  
 वनस्तद्विज्योरास्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् । योक्त्वा । पुनर्मिच्छाम्य-  
 एगिद्विज्योरास्मिन् चात्र परिणम् वा चात्र वनस्तद्विज्योरास्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् वा, अत्र  
 पुनर्मिच्छाम्येगिद्विज्योरास्मिन्सरीर चात्र परिणम् किं ह्युत्पुनर्मिच्छाम्य चात्र परि-  
 णम् अत्रपुनर्मिच्छाम्येगिद्विज्योरास्मिन् चात्र परिणम् । योक्त्वा । ह्युत्पुनर्मिच्छाम्येगिद्विज्यो-  
 रास्मिन् चात्र परिणम् वा चात्रपुनर्मिच्छाम्य चात्र परिणम् वा अत्र ह्युत्पुनर्मिच्छाम्य चात्र  
 परिणम् किं पञ्चतत्पुनर्मिच्छाम्य चात्र परिणम् अपञ्चतत्पुनर्मिच्छाम्य चात्र परिणम् ।  
 योक्त्वा । पञ्चतत्पुनर्मिच्छाम्य चात्र परिणम् वा अपञ्चतत्पुनर्मिच्छाम्य चात्र  
 परिणम् वा एवं वातरास्मिन्, एवं चात्र वनस्तद्विज्योरास्मिन् वनस्तद्विज्योरास्मिन्  
 तद्विज्योरास्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् किं विरिक्तबोधिनिर्गणितोरास्मिन्सरीरकावप्यभोग-  
 परिणम् मनुस्सर्पविरिक्त चात्र परिणम् ? योक्त्वा । विरिक्तबोधिनि चात्र परिणम्  
 वा मनुस्सर्पविरिक्त चात्र परिणम् वा अत्र विरिक्तबोधिनि चात्र परिणम् किं अत्र-  
 सरीरकावप्यभोगपरिणम् चात्र परिणम् अत्रपरिणम् ? एवं अत्रमो मेमो चात्र  
 अत्रपरिणम् । अत्र मनुस्सर्पविरिक्त चात्र परिणम् किं समुच्छिन्नतत्पुनर्मिच्छाम्य चात्र  
 परिणम् अत्रमनुस्सर्पविरिक्त चात्र परिणम् ? योक्त्वा । समुच्छिन्न तत्पुनर्मिच्छाम्य  
 मनुस्स चात्र परिणम् किं नञ्चतत्पुनर्मिच्छाम्य चात्र परिणम् अपञ्चतत्पुनर्मिच्छाम्य  
 मनुस्सर्पविरिक्तबोधिनिर्गणितोरास्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् ? योक्त्वा । पञ्चतत्पुनर्मिच्छाम्य  
 चात्र परिणम् वा अपञ्चतत्पुनर्मिच्छाम्य चात्र परिणम् वा १ । अत्र ओरास्मिन्सरीर-  
 कावप्यभोगपरिणम् किं एगिद्विज्योरास्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् वैद्विज्यो-  
 रास्मिन् चात्र परिणम् चात्र पेरिद्विज्योरास्मिन् चात्र परिणम् ? योक्त्वा । एगिद्विज्योरास्मिन् चात्र  
 परिणम् एवं अत्र ओरास्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् एवं चात्रमो मेमो तदा ओरा-  
 स्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् किं आत्मनो आत्मिकनो नवर वातरास्मिन्सरीर-  
 कावप्यभोगपरिणम् किं विरिक्तबोधिनिर्गणितमनुस्सर्पविरिक्त चात्र परिणम् एगिद्विज्यो-  
 रास्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् किं एगिद्विज्योरास्मिन्सरीरकावप्यभोगपरिणम् चात्र पेरिद्विज्योरास्मिन्सरीर-  
 कावप्यभोगपरिणम् किं एगिद्विज्योरास्मिन् चात्र परिणम् वा अत्र एगिद्विज्योरास्मिन्

यच्चो, जइ मणप्पओगपरि० किं सच्चमणप्पओगपरिणयां ४ ? गोयमा । सच्चमणप्प-  
 ओगपरिणया वा जाव अनच्चाओसमणप्पओगपरिणया वा ४, अहवा एगे सच्चमण-  
 प्पओगपरिणए दो मोसमणप्पओगपरिणया, एवं दुयासजोगो तियासजोगो नाभि  
 यच्चो, एत्थवि तहेव जाव अहवा एगे तससठाणपरिणए वा एगे चउरमसठाण-  
 परिणए वा एगे आययसठाणपरिणए वा ॥ चत्तारि भंते । दव्वा किं पओगपरिणया  
 ३ ? गोयमा । पओगपरिणया वा मीसापरिणया वा वीससापरिणया वा, अहवा एगे  
 पओगपरिणए तिज्जि मीसापरिणया १ अहवा एगे पओगपरिणए तिज्जि वीससापरि-  
 णया २ अहवा दो पओगपरिणया दो मीसापरिणया ३ अहवा दो पओगपरिणया  
 दो वीससापरिणया ४ अहवा तिज्जि पओगपरिणया एगे मीसापरिणए ५ अहवा  
 तिज्जि पओगपरिणया एगे वीससापरिणए ६ अहवा एगे मीसापरिणए तिज्जि वीस-  
 सापरिणया ७ अहवा दो मीसापरिणया दो वीससापरिणया ८ अहवा तिज्जि मीसा-  
 परिणया एगे वीससापरिणए ९ अहवा एगे पओगपरिणए दो वीससापरिणया  
 ( एगे मीसापरिणए ) १ अहवा एगे पओगपरिणए दो मीसापरिणया एगे वीससा-  
 परिणए २ अहवा दो पओगपरिणया एगे मीसापरिणए एगे वीससापरिणए ३ । जइ  
 पओगपरिणया किं मणप्पओगपरिणया ३ ? ॥ एव एएणं कमेणं पच्च छ सत्ता जाव  
 दस सखेज्जा असखेज्जा अणता य दव्वा भाणियव्वा ( एक्कसजोगेण ) दुयासजो-  
 एणं तियासजोएण जाव दससजोएण वारससजोएण उवज्जुज्जिक्क जत्थ जत्थिया  
 सजोगा उट्ठेति ते सब्बे भाणियव्वा, एए पुणं जहा नवमसए पवेसणए भणिहामि  
 तहा उवज्जुज्जिक्क भाणियव्वा जाव असखेज्जा अणतो एवं चेवं, नवरं एए पयं  
 अब्भहिंयं, जाव अहवा अणता परिमडलसठाणपरिणया जाव अणता आययसठा-  
 णपरिणया ॥ ३१३ ॥ एएसि ण भंते ! पोग्गलाण पओगपरिणयाण मीसापरिणयाणं  
 वीससापरिणयाण य कयरे २ हितो जाव विसेसाहियां वा ? गोयमा । सब्बत्योवा  
 पोग्गला पओगपरिणया मीसापरिणया अणतगुणा वीससापरिणया अणन्तगुणा ।  
 सेव भंते ! सेव भंते ! ति ॥ ३१४ ॥ अट्ठमसयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥

कइविहा ण भंते ! आसीविसा पज्जता ? गोयमा । दुविहा आसीविसा पज्जता,  
 तज्जहा-जाइआसीविसा य कम्मआसीविसा य, जाइआसीविसा ण भंते । कइविहो  
 प० ? गोयमा । चउव्विहा प०, तज्जहा-विच्छुयजाइआसीविसे मडुक्कजाइआसीविसे  
 उरगजाइआसीविसे मणुस्सजाइआसीविसे, विच्छुयजाइआसीविसेस्स ण भंते । केव-  
 इए विसए पज्जेते ? गोयमा । पभू णं विच्छुयजाइआसीविसे अट्ठमरहप्पमाणमेत्तं  
 नोदिं विसेणं विसेणं सट्ठमाणं पकरे । से विसट्ठयाए नो चेव णं



माणियदेवकम्मासीविसे किं सोहम्मकप्पोव० जाव कम्मासीविसे जाव-अब्भयकप्पोवग  
जाव कम्मासीविसे १, गोयमा । सोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणियदेवकम्मासीविसेवि जाव  
सहस्सारकप्पोववण्णगवेमाणियदेवकम्मासीविसेवि, नो आणयकप्पोववण्णग० जाव  
नो, अब्भयकप्पोववण्णगवेमाणियदेव०, जइ-सोहम्मकप्पोववण्णग जाव कम्मासी  
विसे किं पज्जत्तसोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणिय० अपज्जत्तगसोहम्मक० १, गोयमा ।  
नो पज्जत्तसोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणिय० अपज्जत्तसोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणिय  
देवकम्मासीविसे, एव जाव नो पज्जत्तसहस्सारकप्पोववण्णगवेमाणियदेवकम्मा-  
सीविसे, अपज्जत्तसहस्सारकप्पोववण्णग जाव कम्मासीविसे ॥ ३१५ ॥ दस  
ठाणाइ-छउमत्थे सव्वभावेण न जाणइ न पासइ, तंजहा-धम्मत्थिकाय १ अध  
म्मत्थिकाय २ आगासत्थिकायं, ३ जीव असरीरपट्ठिवद्ध, ४ परमाणुपोगलं ५ सई  
६-गध ७ वायं ८ अय जिणे भविस्सइ ण वा भविस्सइ ९ अय सव्वदुक्खाणं  
अतं करिस्सइ न वा करेस्सइ, १० ॥ एयाणि चेव उप्पन्नानाणदसणधरे अरहा  
जिणे केवली सव्वभावेण जाणइ पासइ, तंजहा-धम्मत्थिकायं जाव करेस्सइ  
न वा करेस्सइ ॥ ३१६ ॥ कइविहे णं भंते । नाणे पण्णत्ते १, गोयमा । पचविहे  
नाणे पण्णत्ते, तंजहा-आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे ओहिनाणे मणपज्जवनाणे केवल  
नाणे, से किं तं-आभिणिबोहियनाणे १, आभिणिबोहियनाणे-चउव्विहे पण्णत्ते,  
तजहा-उग्गहो ईहा अवाओ धारणा, एवं जहा रायप्पसेणीए णाणाण मेओ तहेव  
इहवि भाणियव्वो जाव-सेत्त केवलनाणे ॥ अच्चाणे ण-भंते । कइविहे पण्णत्ते १,  
गोयमा । तिविहे पण्णत्ते, तजहा-मइअच्चाणे सुयअच्चाणे विमगणाणे । से किं तं मइ-  
अच्चाणे १, २ चउव्विहे पण्णत्ते, तजहा-उग्गहो जाव धारणा । से किं तं उग्गहो १,  
२ दुविहे पण्णत्ते, तजहा-अत्थोग्गहो य वज्जणोग्गहो य, एव जहेव आभिणिबोहिय-  
नाणं तहेव, नवर एगट्ठियवज्ज जाव नोइदियधारणा, सेत्त धारणा, सेत्त मइअच्चाणे ।  
से किं तं सुयअच्चाणे १, २ जं इमं अच्चाणिएहिं मिच्छद्विद्विएहिं जहा नवीए जाव  
चत्तारि वेया संगोवंगा, सेत्त सुयअच्चाणे । से किं तं विमगणाणे १, २ अणेगविहे  
पण्णत्ते, तजहा-गामसंठिए नगरसंठिए जाव संनिवेससंठिए दीवसंठिए समुइसंठिए  
वाससंठिए वासहरसंठिए पव्वयसंठिए रुक्खसंठिए थूमसंठिए हयसंठिए गयसंठिए  
नरसंठिए किनरसंठिए विमिससंठिए महोरगसंठिए गंधव्वसंठिए उसमसंठिए पसु-  
सयविहगवानरणाणं १ पण्णत्ते ॥ जीवा ण, म १, २ णी अच्चाणी १,  
गोयमा । जीवा ना १, २ णी, जे नाणी ते अ १, २ णी अत्थेगइमा  
तिच्चाणी अत्थेगइ अत्थेगइया एगनाणी १, २ ते आभिणि





जाव वणस्सइकाइया नो नाणी अन्नाणी नियमा दुअन्नाणी, तंजहा-मइअन्नाणी य  
 सुयअन्नाणी य, तसकाइया जहा सकाइया । अकाइया णं भंते । जीवा किं नाणी० १,  
 जहा सिद्धा ३ ॥ सुहुमा ण भंते । जीवा किं नाणी० २ जहा पुढविकाइया । बायरा  
 ण भंते । जीवा किं नाणी० २ जहा सकाइया । नोसुहुमानोबायरा णं भंते । जीवा०  
 जहा सिद्धा ४ ॥ पज्जत्ता णं भंते । जीवा किं नाणी० १, जहा सकाइया । पज्जत्ता  
 णं भंते । नेरइया किं नाणी० २, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा नियमा जहा नेरइया  
 एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइया जहा एगिंदिया, एव जाव चउरिंदिया ।  
 पज्जत्ता ण भंते । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं नाणी अन्नाणी १, तिन्नि नाणा तिन्नि  
 अन्नाणा भयणाए । मणुस्सा जहा सकाइया । वाणमतरा जोइसिया वेमाणिया जहा  
 नेरइया । अपज्जत्ता णं भंते । जीवा किं नाणी० २, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा  
 भयणाए । अपज्जत्ता ण भंते । नेरइया किं नाणी अन्नाणी १, तिन्नि नाणा नियमा  
 तिन्नि अन्नाणा भयणाए, एव जाव थणियकुमारा । पुढविकाइया जाव वणस्सइका  
 इया जहा एगिंदिया । वेदियाण पुच्छा, दो नाणा दो अन्नाणा नियमा, एवं जाव  
 पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं । अपज्जत्ता ण भंते । मणुस्सा किं नाणी अन्नाणी १,  
 तिन्नि नाणाइ भयणाए दो अन्नाणाइ नियमा, वाणमतरा जहा नेरइया, अपज्जत्ता  
 जोइसियवेमाणियाणं तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा नियमा । नोपज्जत्ता नोअप-  
 ज्जत्ता ण भंते । जीवा किं नाणी० २, जहा सिद्धा ५ ॥ निरयमवत्या ण भंते ।  
 जीवा किं नाणी अन्नाणी १, जहा निरयगइया । तिरियमवत्या णं भंते । जीवा किं  
 नाणी अन्नाणी १, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए । मणुस्समवत्या णं जहा  
 सकाइया । देवमवत्या ण भंते । जहा निरयमवत्या । अमवत्या जहा सिद्धा ६ ॥  
 भवसिद्धिया णं भंते । जीवा किं नाणी० २, जहा सकाइया, अमवसिद्धियाणं  
 पुच्छा, गोयमा । नो नाणी अन्नाणी तिन्नि अन्नाणाइ भयणाए । नो भवसिद्धिया  
 नोअभवसिद्धिया ण भंते । जीवा० जहा सिद्धा ७ ॥ सक्कीणं पुच्छा जहा  
 सइदिया, असक्की जहा बेइंदिया, नोसक्कीनोअसक्की जहा सिद्धा ८ ॥ ३१८ ॥  
 कइविहा ण भंते । लद्धी पण्णत्ता १, गोयमा । दसविहा लद्धी ५०, तंजहा-नाण  
 लद्धी १ दसणलद्धी २ चरित्तलद्धी ३ चरित्तचरित्तलद्धी ४ दाणलद्धी ५ लामलद्धी  
 ६ भोगलद्धी ७ उवभोगलद्धी ८ वीरियलद्धी ९ इदियलद्धी १० । णाणलद्धी णं  
 भंते । कइविहा ५० १, गोयमा । पंचविहा ५०, तंजहा-आभिणिबोहियणाणलद्धी  
 जाव केवलणाणलद्धी ॥ अन्नाणलद्धी णं भंते । कइविहा ५० १, गोयमा । तिंविहा  
 ५०, तंजहा-मइअन्नाणलद्धी सुयअन्नाणलद्धी विभंगनाणलद्धी ॥ दसणलद्धी णं भंते ।

मोक्षिनामी य सुखनामी य के तिवाणी ते आमिमिबोक्षिनामी सुखनामी मोक्षि-  
नामी अह्वा 'आमिमिबोक्षिनामी सुखनामी मयपज्जनामी के वठनामी ते  
आमिमिबोक्षिनामी सुम्मामी मोक्षिनामी मयपज्जनामी । के सुम्मामी ते मियमा  
केवचनामी के अजाणी ते अत्थेयइहा सुम्माणी अत्थेयइहा तिअजाणी के सुम्-  
माणी ते मयपजाणी य सुयमजाणी य के तिअमजाणी ते मयमजाणी सुयमजाणी  
मियमजाणी । मेरुवा के मंते । कि नाणी अजाणी । योयमा । नाणीमि अजाणीमि  
के नाणी ते मियमा तिवाणी संवहा-आमिमिबोक्षि सुखनामी मोक्षिनामी । के  
अजाणी ते अत्थेयइहा सुम्माणी अत्थेयइहा तिअजाणी एवं तिअि अजाणामि  
भवनाए । अउउमारा के मंते । कि नाणी अजाणी । अहेव मेरुवा उहेव तिअि  
आणामि मियमा तिअि अजाणामि भवनाए, एवं वाव वमियुमार । पुडमिवाइवा  
के मंते । कि नाणी अजाणी । योयमा । नो नाणी अजाणी के अजाणी ते मियमा  
सुम्माणी-मयमजाणी य सुयमजाणी य एवं वाव वमियुमार । मेरुवा के पुच्छा  
योयमा । नाणीमि अजाणीमि के नाणी ते मियमा सुम्माणी संवहा-आमिमि-  
बोक्षिनामी य सुखनामी य के अजाणी ते मियमा सुम्माणी त आमिमिबोक्षि-  
नामी सुयमजाणी एवं तेरुविबवउरिदियामे पविरेवउरिदियामे पुच्छा  
योयमा । नाणीमि अजाणीमि के नाणी ते अत्थे सुम्माणी अत्थे तिवाणी  
एवं तिअि आणामि तिअि अजाणामि य भवनाए । यमुत्ता अहा जीवा  
उहेव पंच आणामि तिअि अजाणामि भवनाए । वाकर्मतरा अहा के मोक्षि-  
नामीमिवाइवा तिअि अजाणी तिअि अजाणीमि मियमा । तिअा के मंते ।  
पुच्छा योयमा । नाणी नो अजाणी मियमा सुम्माणी केवचनामी त ३१०-८  
मिरमइवा के मंते । जीवा कि नाणी अजाणी । योयमा । नाणीमि अजाणीमि  
तिअि अजाणी मियमा तिअि अजाणीमि भवनाए । तिअिबवउरिदियामे के मंते । जीवा के  
नाणी अजाणी । योयमा । नो नाणीमि अजाणीमि मियमा । यमुत्ताअइवा के मंते ।  
जीवा कि नाणी अजाणी । योयमा । तिअि नाणीमि भवनाए ना अजाणीमि मियमा  
इवमइवा अहा मिरमइवा । तिअाअइवा के मंते । अहा तिअा य सउरिवा के  
मंते । जीवा कि नाणी अजाणी । योयमा । नाणीमि नाणीमि तिअि अजाणीमि भव-  
नाए । एमिरेवा के मंते । जीवा कि नाणी । अहा पुडमिवाइवा मेरुविबवउरि-  
दियामे वउरिदियामे नो अजाणीमि अजाणीमि मियमा । पविरेवा अहा सउरिवा । अवि-  
दिवा के मंते । जीवा कि नाणी । अहा तिअा य सउरिवा के मंते । जीवा कि  
नाणी अजाणी । योयमा । पंच आणामि तिअि अजाणीमि भवनाए । पुडमिअइवा

अज्ञानी, पंच नाणाइं भयणाए जहा अज्ञाणस्स लद्धिया अलद्धिया यं भणिया एव  
 मइअज्ञाणस्स सुयअज्ञाणस्स । यं लद्धिया अलद्धिया यं भाणियन्वा ॥ विभगनाण  
 लद्धियाणं तिन्नि अज्ञाणाइं नियमा, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए दो  
 अज्ञाणाइं नियमा ॥ दंसणलद्धिया ण भते ॥ जीवा किं नाणी अज्ञानी ? गोयमा ।  
 नाणीवि अज्ञानीवि, पंच नाणाइं तिन्नि अज्ञाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धिया ण भते ।  
 जीवा किं नाणी अज्ञानी ? गोयमा । तस्स अलद्धिया नत्थि । सम्मईसणलद्धियाणं पंच  
 नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं तिन्नि अज्ञाणाइं भयणाए, मिच्छादंसणलद्धिया  
 ण भते । पुच्छा, णो नाणी अज्ञानी, तिन्नि अज्ञाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं  
 पंच नाणाइं तिन्नि यं अज्ञाणाइं भयणाए, सम्मामिच्छादंसणलद्धिया अलद्धिया यं  
 जहा मिच्छादंसणलद्धिया अलद्धिया तद्देव भाणियन्वा ॥ चरित्तलद्धिया ण भते । जीवा  
 किं नाणी अज्ञानी ? गोयमा । नाणी नो अज्ञानी पंच नाणाइं भयणाए, तस्स अल-  
 द्धियाणं मणपज्जवणाणवज्जाइ चत्तारि नाणाइं तिन्नि यं अज्ञाणाइं भयणाए, सामाइय  
 चरित्तलद्धिया ण भते । जीवा किं नाणी अज्ञानी ? गोयमा । नाणी० केवलवज्जाइं  
 चत्तारि नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि यं अज्ञाणाइं भयणाए, एव  
 जहा सामाइयचरित्तलद्धिया अलद्धिया यं भणिया एवं जाव अहक्खायचरित्तलद्धिया  
 अलद्धिया यं भाणियन्वा, नवर अहक्खायचरित्तलद्धियाणं पंच नाणाइं भ०, चरित्ता-  
 चरित्तलद्धिया ण भते । जीवा किं नाणी अज्ञानी ? गोयमा । नाणी नो अज्ञानी,  
 अत्येगइया दुष्णाणी अत्येगइया तिन्नाणी, जे दुष्णाणी ते आभिणिबोहियनाणी यं  
 सुयनाणी यं, जे तिन्नाणी ते आभि० सुयनाणी ओहिनाणी, तस्स अलद्धियाणं पंच  
 नाणाइं तिन्नि अज्ञाणाइं भयणाए ४ ॥ दाणलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि अज्ञाणाइं  
 भयणाए, तस्स अ० पुच्छा, गोयमा । नाणी नो अज्ञानी, नियमा एगनाणी केवल-  
 नाणी । एव जाव वीरियलद्धिया अलद्धिया यं भाणियन्वा ॥ बालवीरियलद्धियाणं  
 तिन्नि नाणाइं तिन्नि अज्ञाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए ।  
 पंडियवीरियलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं मणपज्जवणाणव  
 ज्जाइ नाणाइं अज्ञाणाणि तिन्नि यं भयणाए । बालपडियवीरियलद्धिया ण भते ।  
 जीवा० तिन्नि नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि अज्ञाणाइं  
 भयणाए ॥ ईदियलद्धिया ण भते । जीवा किं नाणी अज्ञानी ? गोयमा । चत्तारि  
 नाणाइं तिन्नि यं अज्ञाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा । नाणी  
 नो अज्ञानी नियमा एगनाणी केवलनाणी, सोईदियलद्धियाणं जहा ईदियलद्धिया,  
 तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा । नाणीवि अज्ञानीवि, जे नाणी ते अत्ये

कश्चिद्वा प । योयमा । शिमेहा प । तंजहा-सम्मासुपकञ्ची शिमेहासुपकञ्ची  
सम्मासुपकञ्ची ॥ कश्चिद्वा प-१ योयमा । पंचमिहा प  
तंजहा-सामासुपकञ्ची शिमेहासुपकञ्ची-पञ्चमिहासुपकञ्ची सुमुसुप-  
कञ्ची अहमसुपकञ्ची ॥ कश्चिद्वा प १ योयमा ।  
योयमा । एयायरा प । एवं वाच कश्चिद्वा प १ योयमा ।  
कश्चिद्वा प । योयमा । शिमेहा प । तंजहा-वाचकश्चिद्वा पञ्चमिहा-  
कञ्ची वाचकश्चिद्वा पञ्चमिहा । कश्चिद्वा प १ योयमा ।  
पंचमिहा प । तंजहा-पञ्चमिहा-पञ्चमिहा । कश्चिद्वा प १ योयमा ।  
वीवा कि नाची अचाची । योयमा । वाची नो अचाची, अत्येय्वा पुचाची एवं  
एवं नाचाई मय्याप । तस्व अचिद्वा प १ योयमा ।  
योयमा । नो वाची अचाची अत्येय्वा पुचाची शिमे अचाचाणि मय्याप ।  
आचिमेचिद्वापञ्चमिहा प १ योयमा । वाची नो अचाची, अत्येय्वा पुचाची  
शिमे अचाचाणि मय्याप । तस्व अचिद्वा प १ योयमा ।  
वीवा कि नाची अचाची १ योयमा । नाचीणि अचाचीणि, वे वाची ते  
निम्मा एवनाची केवळनाची वे अचाची ते अत्येय्वा पुचाची शिमे अचा-  
चाई मय्याप । एवं एवनाचिद्वापञ्चमिहा, तस्व अचिद्वापञ्चमिहा अहमिचिद्वा-  
वाचस्व अचिद्वा । अहमिचिद्वापञ्चमिहा पुच्छ योयमा । वाची नो अचाची  
अत्येय्वा शिमे अत्येय्वा अचाची वे शिमे वाची ते आचिमेचिद्वापञ्चमिहा  
एवनाची अहमिचिद्वा, वे अचाची त आचिमेचिद्वापञ्चमिहा पुच्छ अहमि  
पञ्चमिहा । तस्व अचिद्वा प १ योयमा । वाचीणि अचाचीणि  
अचाचीणि । एवं अहमिचिद्वापञ्चमिहा अहमिचिद्वापञ्चमिहा मय्याप । अह-  
मिचिद्वापञ्चमिहा पुच्छ योयमा । वाची नो अचाची, अत्येय्वा शिमे  
अत्येय्वा अचाची वे शिमे वाची ते आचिमेचिद्वापञ्चमिहा एवनाची मय्याप-  
मिहा, वे अचाची ते आचिमेचिद्वापञ्चमिहा पुच्छमिहा मय्याप  
तस्व अचिद्वापञ्चमिहा पुच्छ योयमा । वाचीणि अचाचीणि मय्यापञ्चमिहापञ्चमिहा  
अहमिचिद्वापञ्चमिहा, शिमे अचाचाई मय्याप । केवळनाचिद्वा प १ योयमा ।  
वीवा कि नाची अचाची । योयमा । नाची नो अचाची निम्मा एवनाची केवळनाची  
तस्व अचिद्वापञ्चमिहा पुच्छ योयमा । नाचीणि अचाचीणि केवळनाचिद्वापञ्चमिहा  
अहमिचिद्वापञ्चमिहा मय्याप ॥ अहमिचिद्वापञ्चमिहा पुच्छ, योयमा ।  
वीवा कि नाची अचाची शिमे अचाचाई मय्याप, तस्व अचिद्वापञ्चमिहा पुच्छ, योयमा । वाची नो

કાલઓ ભાવઓ, દવ્વઓ ણ આભિણિવોહિયનાળી આએસેણ સંવ્વદવ્વાઈ જાણઈ  
 પાસઈ, છેત્તઓ ણ આભિણિવોહિયનાળી આએસેણ સંવ્વચેત્ત જાણઈ પાસઈ, એવં કાલ-  
 ધોવિ, એવં ભાવઓવિ । સુચનાણસ્સ ણ મતે ! કેવઈએ વિસએ પળ્લત્તે ? ગોચમા ! સે  
 સમાસઓ ચ્ઠવ્વિહે પળ્લત્તે, તજહા-દવ્વઓ ૪, દવ્વઓ ણ સુચનાળી ઉવત્તે  
 સંવ્વદવ્વાઈ જાણઈ પાસઈ, એવં છેત્તઓવિ કાલઓવિ, ભાવઓ ણ સુચનાળી ઉવત્તે  
 સંવ્વભાવે જાણઈ પાસઈ । ઓહિનાણસ્સ ણં મંતે ! કેવઈએ વિસએ પળ્લત્તે ? ગોચમા !  
 સે સમાસઓ ચ્ઠવ્વિહે પળ્લત્તે, તજહા-દવ્વઓ ૪, દવ્વઓ ણ ઓહિનાળી રૂવિદ  
 વ્વાઈ જાણઈ પાસઈ જહા નંદીએ જાવ ભાવઓ । મળપજ્જવનાણસ્સ ણ મતે ! કેવ  
 ઈએ વિસએ પળ્લત્તે ? ગોચમા ! સે સમાસઓ ચ્ઠવ્વિહે પળ્લત્તે, તજહા-દવ્વઓ ૪,  
 દવ્વઓ ણં ઉજ્જમઈ અળંતે અળતપણિએ જહા નંદીએ જાવ ભાવઓ । કેવલનાણસ્સ  
 ણં મંતે ! કેવઈએ વિસએ પળ્લત્તે ? ગોચમા ! સે સમાસઓ ચ્ઠવ્વિહે પળ્લત્તે, તજહા-  
 દવ્વઓ છેત્તઓ કાલઓ ભાવઓ, દવ્વઓ ણ કેવલનાળી સંવ્વદવ્વાઈ જાણઈ  
 પાસઈ એવં જાવ ભાવઓ ॥ મઙ્ગલનાણસ્સ ણ મતે ! કેવઈએ વિસએ પળ્લત્તે ? ગોચમા !  
 સે સમાસઓ ચ્ઠવ્વિહે પળ્લત્તે, તજહા-દવ્વઓ છેત્તઓ કાલઓ ભાવઓ, દવ્વઓ ણ  
 મઙ્ગલનાળી મઙ્ગલનાણપરિગયાઈ દવ્વાઈ જાણઈ પાસઈ, એવં જાવ ભાવઓ મઙ્ગલનાળી  
 મઙ્ગલનાણપરિગાએ ભાવે જાણઈ પાસઈ । સુચઅન્નાણસ્સ ણ મતે ! કેવઈએ વિસએ  
 પળ્લત્તે ? ગોચમા ! સે સમાસઓ ચ્ઠવ્વિહે પળ્લત્તે, તજહા-દવ્વઓ ૪, દવ્વઓ  
 ણં સુચઅન્નાળી સુચઅન્નાણપરિગયાઈ દવ્વાઈ આઘવેઈ પળ્લવેઈ પરુવેઈ, એવં છેત્તઓ  
 કાલઓ, ભાવઓ ણ સુચઅન્નાળી સુચઅન્નાણપરિગાએ ભાવે આઘવેઈ તં ચેવ । વિમંગ-  
 નાણસ્સ ણ મતે ! કેવઈએ વિસએ પળ્લત્તે ? ગોચમા ! સે સમાસઓ ચ્ઠવ્વિહે પળ્લત્તે,  
 તંજહા-દવ્વઓ ૪, દવ્વઓ ણં વિમંગનાળી વિમંગનાણપરિગયાઈ દવ્વાઈ જાણઈ  
 પાસઈ, એવં જાવ ભાવઓ ણ વિમંગનાળી વિમંગનાણપરિગાએ ભાવે જાણઈ પાસઈ  
 ॥ ૩૨૧ ॥ ણાળી ણ મતે ! ણાળીતિ કાલઓ કેવલિરં હોઈ ? ગોચમા ! નાળી  
 હુવિહે પળ્લત્તે, તંજહા-સાઈએ વા અપજ્જવસિએ સાઈએ વા સપજ્જવસિએ, તત્થ ણં જે  
 સે સાઈએ સપજ્જવસિએ સે જહ્વેણં અતોમુહુતં ઉક્કોસેણં છાવટ્ઠિં સાગરોવમાઈ સાઈ-  
 રેગાઈ । આભિણિવોહિયનાળી ણ મંતે ! આભિણિવોહિયં એવં નાળી આભિણિવો-  
 હિયનાળી જાવ કેવલનાળી । અન્નાળી મઙ્ગલનાળી સુચઅન્નાળી વિમંગનાળી, એણિ  
 દસળ્લહિ સચ્ચિટ્ઠણા જહા કાયઠિઈએ ॥ અતરં સંવ્વ જહા જીવાભિગમે ॥ અપ્પાબ-  
 હુગાણિ તિમ્મિં જહા વહુવસંવ્વયાએ ॥ કેવઈયા ણ મંતે ! આભિણિવોહિયનાણપજ્જવા  
 પળ્લત્તા ? ગોચમા ! અળંતા આભિણિવોહિયનાણપજ્જવા પળ્લત્તા । કેવઈયા ણં મંતે !

गत्या दुष्टाणी अत्येयस्या द्युताणी के दुष्टाणी ते आभिमिबोद्धिद्वयाणी सुखगानी  
 के द्युताणी ते केवलजानी, के अद्याणी ते निम्मा दुष्टाणी तंवहा-महमद्याणी य  
 सुखजानी य अस्मिन्नद्वयपिद्वयकद्वयार्थ अकद्वयत्वं य अहेय । ओहिन-  
 कद्विवा अकद्विवा य विमिद्वयकद्विवात्वं अद्यानि नापाई तिथि य अद्यानामि मय-  
 नाए, उत्त अकद्विवात्वं पुच्छा योय्या । नाणीमि अद्याणीमि के नाणी ते निम्मा  
 द्युताणी केवलजानी के अद्याणी ते निम्मा दुष्टाणी तंवहा-महमद्याणी य  
 सुखजानी य, अस्मिन्नद्वयपिद्वयार्थ अकद्विवात्वं अद्या इतिवकद्विवा य अकद्विवा  
 य ॥ ३१५ ॥ साप्यरोवठत्वं मंते । जीवा कि नाणी अद्याणी ? एवं नापाई  
 तिथि अद्यापाई मयनाए य आभिमिबोद्धिद्वयपिद्वयपिद्वयत्वं मंते । अद्यानि  
 नापाई मयनाए । एवं सुखजानायाप्यरोवठत्वं । ओहिनद्वयपिद्वयपिद्वयत्वं अद्या  
 ओहिनद्वयपिद्वयत्वं, मयपजजनायाप्यरोवठत्वं अद्या मयपजजनायाप्यरोवठत्वं केवल-  
 नापायाप्यरोवठत्वं अद्या केवलजानायाप्यरोवठत्वं महमद्यायाप्यरोवठत्वं तिथि अद्या-  
 नाई मयनाए, एवं सुखजानायाप्यरोवठत्वं निर्वपनायाप्यरोवठत्वं तिथि  
 अद्यापाई निम्मा ॥ अद्यापाप्यरोवठत्वं मंते । जीवा कि नाणी अद्याणी ? एवं  
 नापाई तिथि अद्यापाई मयनाए । एवं अकद्वयकद्वयपिद्वयपिद्वयत्वं अद्यापाप्यरोवठत्वं  
 अकद्वयत्वं अद्यानि नापाई तिथि अद्यापाई मयनाए, ओहिनद्वयपिद्वयपिद्वयत्वं  
 पुच्छा योय्या । नाणीमि अद्याणीमि, के नाणी ते अत्येयस्या द्युताणी अत्येय-  
 ज्ञाणी के द्युताणी ते आभिमिबोद्धिद्वयाणी सुखगानी ओहिनानी के अद्याणी  
 ते आभिमिबोद्धिद्वयाणी अद्य मयपजजनाणी के अद्याणी ते निम्मा अद्याणी  
 तंवहा-महमद्याणी सुखजानी निर्वपनाणी केवलजानायाप्यरोवठत्वं अद्या केवल-  
 नापायाप्यरोवठत्वं ॥ अद्याणी मंते । जीवा कि नाणी ? अद्या अद्याना एव मयप्योपी  
 अद्याणी अत्येयपि अद्याणी अद्या ॥ अद्याना मंते । जीवा कि नाणी ?  
 अद्या अद्याना अद्याना मंते । अद्या अद्याना अद्याना एव मयप्योपी, अद्या-  
 नापा अद्याना, अद्याना अद्या ॥ अद्याना मंते । अद्या अद्याना एव  
 अद्य ओहिनानी, अद्याना मंते । ॥ एवं नापाई मयनाए ॥ अद्याना मंते ।  
 मंते । अद्या अद्याना, एवं अद्यानामि एवं अद्यानामि एवं अद्यानामि अद्याना  
 अद्या अद्याना ॥ अद्याना मंते । जीवा ? अद्या अद्याना मंते केवल-  
 नापायाप्यरोवठत्वं मंते । जीवा कि नाणी अद्याणी ? मयपजजनायाप्यरोवठत्वं  
 नापाई अद्यानामि य तिथि मयनाए ॥ ३१५ ॥ आभिमिबोद्धिद्वयपिद्वयत्वं मंते ।  
 केवलत्वं निवृत्त पते । योय्या । ते अद्यानामि अद्यानामि ॥ तंवहा-महमद्याणी के अद्या

हमाणे तेसिं जीवपएसणं किंचि आवाहं वा विवाहं वा उप्पायइ छविच्छेदं वा करेइ ? णो तिण्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं संकमइ ॥ ३२४ ॥ कइ णं भते । पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा । अट्ठ पुढवीओ पञ्जत्ताओ, तंजहा-रचणप्पभा जाव अहे सत्तमा पुढविईसिपब्भारा । इमा ण भंते । रयणप्पभापुढवी किं चरिमा अचरिमा ? चरिमपयं निरवसेसं भाणियव्व जाव वेमाणिया ण भते । फासचरि मेणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा । चरिमावि अचरिमावि । सेवं भते । २ ति भगव गो० ॥ ३२५ ॥ अट्ठमसए तइओ उहेसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ ण भते । किरियाओ पञ्जत्ताओ ? गोयमा । पंच किरियाओ पञ्जत्ताओ, तंजहा-काइया अहिगरणिया, एवं किरियापयं निरवसेसं भाणियव्व जाव मायावत्तियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ, सेवं भते । सेवं भंते । ति भगवं गोयमे० ॥ ३२६ ॥ अट्ठमसए चउत्थो उहेसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-आजीविया णं भंते । थेरे भगवंते एव वयासी-समणोवासगस्स णं भते । सामाइयकढस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ भंढं अवहरेज्जा से ण भते । त भढ अणुगवेसमाणे किं सयं भढं अणुगवेसइ परायणं भंढं अणुगवेसइ ? गोयमा । सय भढ अणुगवेसइ नो परायणं भढ अणुगवेसइ, तस्स णं भते । तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं से भढं अमंढं भवइ ? हंता ! भवइ ॥ से केणं खाइ णं अट्ठेणं भते । एव बुच्चइ सयं भंढं अणुग वेसइ नो परायणं भंढं अणुगवेसइ ? गोयमा । तस्स ण एव भवइ-णो मे हिरंजे नो मे सुवजे नो मे कसें नो मे दूसे नो मे विउलघणकणगरयणमणिमोत्तियसख-सिलप्पवालरत्तरयणमाइए संतसारसावएजे, ममत्तभावे पुण से अपरिण्णाए भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा । एव बुच्चइ-सयं भंढं अणुगवेसइ नो परायणं भंढं अणुगवेसइ ॥ समणोवासगस्स ण भंते । सामाइयकढस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ जायं चरेज्जा से णं भंते । किं जाय चरइ अजायं चरइ ? गोयमा । जाय चरइ नो अजाय चरइ, तस्स ण भंते । तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं सा जाया अजाया भवइ ? हंता ! भवइ, से केण खाइ णं अट्ठेणं भंते । एवं बुच्चइ-जायं चरइ नो अजाय चरइ ? गोयमा । तस्स ण एवं भवइ-णो मे माया णो मे पिया णो मे भाया णो मे भगिणी णो मे भज्जा णो मे पुत्ता णो मे धूया नो मे सुण्हा, पेज्जवंधणे पुण से अवोच्छिजे भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा । जाव नो अजायं चरइ ॥ ३२७ ॥ समणोवासगस्स ण भते । पुव्वामेव थूलए पाणाइवाए अपब क्खाए भवइ से ण भंते । पच्छा पच्चाइक्खमाणे किं करेइ ? गोयमा । तीयं पडिक्क-

सुतागमपञ्चक ५ । एवं चैव एवं वाच केवलाचरस्य । एवं सदाचरस्य सु-  
 कलाचरस्य केवला च मेते । निर्मेगलाचरस्य ५ । मोक्षमा । जनेता निर्मेग  
 नाचरस्य ५ एरति च मेते । आभिमिबोद्धिनाचरस्याने सुकलाच आदि  
 नाच मन्पञ्चकनाच केवलाचरस्यान च चरे २ वाच सिधेसाहिना वा ।  
 योग्या । सुकलाचरस्य मन्पञ्चकनाचरस्य बोद्धिनाचरस्य जनेतानुना सुकलाचर-  
 स्य जनेतानुना आभिमिबोद्धिनाचरस्य जनेतानुना केवलाचरस्य जनेत-  
 नुना ५ एरति च मेते । सदाचरस्याने सुकलाच निर्मेगलाचरस्य च चरे  
 २ वाच सिधेसाहिना वा । योग्या । सुकलाच निर्मेगलाचरस्य सुकलाचरस्य  
 जनेतानुना सदाचरस्य जनेतानुना ५ एरति च मेते । आभिमिबोद्धि-  
 नाचरस्याने च केवलाचरस्य सदाचरस्य सुकलाचरस्य निर्मेगलाचर-  
 स्य जनेतानुना बोद्धिनाचरस्य जनेतानुना सुकलाचरस्य जनेतानुना  
 सुकलाचरस्य सिधेसाहिना सदाचरस्य जनेतानुना आभिमिबोद्धिनाचरस्य  
 सिधेसाहिना केवलाचरस्य जनेतानुना । एवं मेते । ॥ ३ ॥ मेते । वि ॥ १९९ ॥  
 मन्मसस्त सुपसस्त विद्वधो उदेसो समसो ॥

सुतागमे मेते । इत्या पञ्चक । योग्या । सिधेसा रस्य ५ संज्ञा-  
 संज्ञेजयीमिया असंज्ञेजयीमिया जनेतयीमिया । ॥ ३ ॥ संज्ञेजयीमिया । संज्ञेज-  
 जनेतमिया ५ संज्ञा-संज्ञे जमाके लटकि सेतकि जहा पञ्चकपाए वाच जकि-  
 एरि के वाचके सदाचरस्य सेत संज्ञेजयीमिया । से ॥ संज्ञेजयीमिया ।  
 असंज्ञेजयीमिया सुमिया ५ संज्ञा-एरतिना च सुधीयया च । से ॥ संज्ञेज-  
 युना । २ जनेतमिया ५ संज्ञा-निबंधरस्य एवं जहा पञ्चकपाए वाच पञ्च-  
 सुधीयया सेत सुधीयया सेत असंज्ञेजयीमिया । से ॥ संज्ञेजयीमिया ।  
 असंज्ञेजयीमिया जनेतमिया ५ संज्ञा-जहाए मन्मस्य मियवेरे, एवं जहा सदाचर-  
 वाच सीतमे सिधेसा सुपसो के वाचके ५ सेत असंज्ञेजयीमिया ॥ १९३ ॥ अह-  
 मेते । कुम्मे कुम्माचकिना योग्ये सीहाचकिना नेमि बोधाचकिना मन्मस्य मन्मस्य-  
 चकिना मन्मसे मन्मिसाचकिना एरति च सुता वा सिधेसा वा संज्ञेजहा वा सिधेसा  
 मेतरा सेमि च सेमि बोधाचकिना कुता । ईया । कुता । पुरिसे च मेते । (३ जनेत)  
 से मेतरे इत्येव वा वाएव वा जनेतमिया वा सदाचरस्य वा सदाचर वा जनेतमेव  
 वा वासुसमाने वा संमुसमाने वा आभिमिबोद्धिना वा सिधेसाचि वा जनेतमेव वा  
 सिधेसाचि सदाचरस्य आभिमिबोद्धिना वा सिधेसाचि वा जनेतमेव वा सदाचर



वयसा कायसा ४०, एण्विहं एण्विहेणं पडिक्खमाणे न करेइ मणसा ४१, अहवा न करेइ वयसा ४२, अहवा न करेइ कायसा ४३, अहवा न कारवेइ मणसा ४४, अहवा न कारवेइ वयसा ४५, अहवा न कारवेइ कायसा ४६, अहवा करेतं नाणुजाणइ मणसा ४७, अहवा करेतं नाणुजाणइ वयसा ४८, अहवा करेतं नाणुजाणइ कायसा ४९ । पटुप्पन्न सवरेमाणे किं तिविह तिविहेणं सवरेइ ? एव जहा पडिक्खमाणेण एगूणपन्न भगा भणिया एव सवरमाणेणवि एगूणपन्न भगा भाणियव्वा । अणागय पच्चक्खमाणे किं तिविह तिविहेण पच्चक्खाइ ? एव ते चेव भगा एगूणपण्ण भाणियव्वा जाव अहवा करेतं नाणुजाणइ कायसा ॥ समणोवासागस्स भं भते ! पुव्वामेव थूलएमुसावाए अपच्चक्खाए भवउ से ण भते ! पच्छा पञ्चाइक्खमाणे एव जहा पाणाइवायस्स सीयालं भंगमय भणिय तहा मुसावायस्सवि भाणियव्व । एव अदिघादाणस्मवि, एव थूलगस्स मेहुणस्मवि थूलगस्स परिग्गहस्सवि जाव अहवा करेतं नाणुजाणइ कायसा ॥ एए खलु एरिसगा समणोवासगा भवति, नो खलु एरिसगा आजीवियोवासगा भवति ॥ ३२८ ॥ आजीवियसमयस्स भं अयमट्ठे पण्णत्ते अक्खीणपडिभोइणो सव्वे सत्ता से हता छेत्ता भेत्ता लुपित्ता किं पित्ता उद्दवत्ता आहारमाहारंति, तत्थ खलु इमे दुवालस आजीवियोवासगा भवन्ति, तजहा-ताळे, १ तालपलवे, २ उव्विहे, ३ सव्विहे, ४ अव्विहे, ५ उदए, ६ नामुदए, ७ णमुदए, ८ अणुवालए, ९ संखवालए, १० अयपुळे, ११ कायरिए, १२, इच्चेएदुवालस आजीवियोवासगा अरिहतदेवयागा अम्मापित्तस्सुसुसगा पंचफल्ल पडिक्कता तंजहा उव्वरेहिं, वडेहिं, वोरेहिं, सतरेहिं, पिल्लव्वहिं, पल्लंडुल्लस(उ)णकंद मूलविवज्जगा अणिल्लछिएहिं अणक्कभिजेहिं गोणेहिं तसपाणविवज्जिएहिं वि(वि)त्तेहिं वित्तिं कप्पेमाणा विहरति एएवि ताव एवं इच्छति, किमग पुण जे इमे समणोवासगा भवति जेसिं नो कप्पति इमाइ पन्नरस कम्मादाणाइं सयं करेत्तए वा कारवेत्तए वा करेतं वा अन्न समणुजाणेत्तए तजहा-इगालकम्मे, वणकम्मे, साहीकम्मे, भाहीकम्मे, फोहीकम्मे, दत्तवाणिज्जे, लक्खवाणिज्जे, केसवाणिज्जे, रसवाणिज्जे, विसवाणिज्जे, जंतपीलणकम्मे, निल्लछणकम्मे, दवरिगदावणया, सरदहतलायपरिसोसणया, असई पोसणया, इच्चेए समणोवासगा सुक्का सुक्काभिजाइया भविया भविता काल्मासे काल किञ्चा अन्नयरेस्स देवल्लोएस्स देवत्ताए उव्वत्तारो भवति ॥ ३२९ ॥ कइविहा भं भते ! [देवा] देवल्लोगा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा देवल्लोगा ५०, तंजहा-भवनवासिवाणमतरजोइसवेमाणिया, सेवं भंते ! २ ति ॥ ३३० ॥ अट्ठमसयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

म् पञ्चम्यं दमरेण अनात्मं पञ्चम्यं ॥ टीकं पञ्चम्यमामि हि तिभिर्हि तिभिरेण  
 पञ्चम्यं १ तिभिर्हि दुभिरेण पञ्चम्यं २ तिभिर्हि एयमिरेण पञ्चम्यं ३ दुभिर्हि  
 तिभिरेण पञ्चम्यं ४ दुभिर्हि दुभिरेण पञ्चम्यं ५ दुभिर्हि एयमिरेण पञ्चम्यं ६  
 एयमिर्हि तिभिरेण पञ्चम्यं ७ एयमिर्हि दुभिरेण पञ्चम्यं ८ एयमिर्हि एयमिरेण  
 पञ्चम्यं ९ योन्मा । तिभिर्हि तिभिरेण पञ्चम्यं तिभिर्हि दुभिरेण वा पञ्चम्यं  
 तं येन चाय एयमिर्हि वा एयमिरेण पञ्चम्यं, तिभिर्हि तिभिरेण पञ्चम्यमामि  
 न करोह न करोह करोतं गलुवाण्य मन्था वन्था वन्था १ तिभिर्हि दुभिरेण  
 पञ्चि न क न क करोतं गलुवाण्य मन्था वन्था २, अहवा न करोह न  
 क करोतं गलुवाण्य मन्था वन्था ३, अहवा न करोह ३ वन्था वन्था ४  
 तिभिर्हि एयमिरेण पञ्चि न करोह ३ वन्था ५, अहवा न करोह ३ वन्था ६,  
 अहवा न करोह ३ वन्था ७ दुभिर्हि ति प न करोह न क मन्था वन्था  
 वन्था ८ अहवा न करोह करोतं गलुवाण्य मन्था वन्था वन्था ९ अहवा न  
 करोह करोतं गलुवाण्य मन्था वन्था वन्था १० हु हु प न क न क  
 म व ११ अहवा न क न क म वन्था १२, अहवा न क न क  
 वन्था वन्था १३, अहवा न करोह करोतं गलुवाण्य मन्था वन्था १४ अहवा  
 न करोह करोतं गलुवाण्य मन्था वन्था १५, अहवा न करोह करोतं गलुवाण्य  
 वन्था वन्था १६, अहवा न करोह करोतं गलुवाण्य मन्था वन्था १७  
 अहवा न करोह करोतं गलुवाण्य मन्था वन्था १८ अहवा न करोह करोतं  
 गलुवाण्य वन्था वन्था १९ दुभिर्हि एयमिरेण पञ्चम्यमामि न करोह न करोह  
 मन्था २ अहवा न करोह न करोह वन्था २१ अहवा न करोह न करोह  
 वन्था २२ अहवा न करोह करोतं गलुवाण्य मन्था २३ अहवा न करोह करोतं  
 गलुवाण्य वन्था २४ अहवा न करोह करोतं गलुवाण्य वन्था २५, अहवा न  
 करोह करोतं गलुवाण्य मन्था २६, अहवा न करोह करोतं गलुवाण्य वन्था  
 २७ अहवा न करोह करोतं गलुवाण्य वन्था २८ एयमिर्हि तिभिरेण पञ्चि  
 न करोह मन्था वन्था वन्था २९ अहवा न करोह वन्था वन्था वन्था ३  
 अहवा करोतं गलुवाण्य मन्था ३११ एयमिर्हि दुभिरेण पञ्चम्यमामि न करोह  
 मन्था वन्था ३२, अहवा न करोह मन्था वन्था ३३ अहवा न करोह वन्था  
 वन्था ३४ अहवा न करोह मन्था वन्था ३५, अहवा न करोह मन्था  
 वन्था ३६ अहवा न करोह मन्था वन्था ३७ अहवा करोतं गलुवाण्य मन्था  
 वन्था ३८ अहवा करोतं गलुवाण्य मन्था वन्था ३९, अहवा करोतं गलुवाण्य

वयसा कायसा ४०, एकविहं एगविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ मणसा ४१, अहवा न करेइ वयसा ४२, अहवा न करेइ कायसा ४३, अहवा न कारवेइ मणसा ४४, अहवा न कारवेइ वयसा ४५, अहवा न कारवेइ कायसा ४६, अहवा करेतं नाणु जाणइ मणसा ४७, अहवा करेतं नाणुजाणइ वयसा ४८, अहवा करेतं नाणुजाणइ कायसा ४९ । पडुप्पण सवरेमाणे किं तिविहं तिविहेणं सवरेइ ? एव जहा पडिक्कममाणेण एगूणपन्नं भंगा भणिया एव सवरमाणेणवि एगूणपन्नं भंगा भाणियव्वा । अणाराय पच्चक्खमाणे किं तिविहं तिविहेण पच्चक्खाइ ? एवं ते चेव भगा एगूण पण्ण भाणियव्वा जाव अहवा करेतं नाणुजाणइ कायसा ॥ समणोवासगस्स णं भते ! पुव्वामेव थूलए मुसावाए अपच्चक्खाए भवइ से ण भते । पच्छा पच्चाइमाणे एव जहा पाणाइवायस्स सीयाल भगसय भणिय तद्वा मुसावायस्सवि यव्वं । एवं अदिजादाणस्सवि, एव थूलगस्स मेहुणस्सवि थूलगस्सं पणं जाव अहवा करेतं नाणुजाणइ कायसा ॥ एए खलु एरिसगा समणो नो खलु एरिसगा आजीवियोवासगा भवंति ॥ ३२८ ॥ आत्तं अयमट्ठे पण्णत्ते अक्खीणपडिभोइणो सव्वे सत्ता से हता छेत्ता पिप्पा उइवइत्ता आहारमाहारंति, तत्थ खलु इमे दुवालस आत्तं तजहा-ताळे, १ तालपलंबे, २ उव्विहे, ३ सविहे, ४ ६ नामुदए, ७ णमुदए, ८ अणुवालए, ९ सख्खवालए, १० १२, इधेए दुवालस आजीवियोवासगा अरिहतदेवयागा अम्मं पडिक्कंता तंजहा उंवरेहिं, बडेहिं, बोरेहिं, सतरेहिं, पिल्लं भूलविवज्जगा अणिल्लिहिएहिं अणक्कभिजेहिं गोणेहिं तसपा विप्पिं कप्पेमाणा विहरंति एएवि ताव एवं इच्छति, किं भवति जेसिं नो कप्पंति इमाइ पन्नरस कम्मादाणाइं करेतं वा अन्न समणुजाणेत्तए तंजहा-इगालकम्मे, वण्ण फोडीकम्मे, दंतवाणिज्जे, लक्खवाणिज्जे, केसवाणिज्जे जंतपीलणकम्मे, निल्लंछणकम्मे, दवग्गिदावणया, सर पोसणया, इधेए समणोवासगा सुक्का सुक्काभिजाइया किंवा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भंते ! [देवा] देवलोगा पण्णत्ता ? गोयमा ! च भवणवासिवाणमंतरजोइसवेमाणिया, सेवें भंते ! पंचमो उद्देशो समत्तो ॥



हए १ । से य सपट्टिए असपत्ते अप्पणा य पुच्वामेव अमुहे सिया से ण भते । कि आराहए विराहए ? गोयमा ! आराहए नो विराहए २, से य सपट्टिए असपत्ते घेरा य काल करेज्जा से ण भते । कि आराहए विराहए ? गोयमा ! आराहए नो विराहए ३, से य सपट्टिए असपत्ते अप्पणा य पुच्वामेव काल करेज्जा से ण भते । कि आराहए विराहए ? गोयमा ! आराहए नो विराहए ४, से य सपट्टिए सपत्त घेरा य अमुहा सिया से ण भते । कि आराहए विराहए ? गोयमा ! आराहए नो विराहए, से य सपट्टिए सपत्ते अप्पणा य० एवं सपत्तेणवि चत्तारि आलावगा भाणियन्वा जहेव असपत्तेण । निग्गयेण य बहिया वियारभूमि वा विहारभूमि वा निम्सतेणं अजयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स एव भवइ-इहेव ताव अह० एवं एत्यवि एए चेव अट्ठ आलावगा भाणियन्वा जाव नो विराहए । निग्गयेण य गामाणुगाम दडज्जमाणेण अजयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स ण एव भवइ इहेव ताव अह० एत्यवि ते चेव अट्ठ आलावगा भाणियन्वा जाव नो विराहए ॥ निग्गथीए य गाहावइकुल पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठाए अजयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तीसे ण एव भवइ इहेव ताव अह एयस्स ठाणस्स आलोएमि जाव तवोकम्म पडिवज्जामि तओ पच्छा पवत्तिणीए अतिय आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि, सा य सपट्टिया असपत्ता पवत्तिणी य अमुहा सिया सा ण भते । कि आराहिया विराहिया ? गोयमा ! आराहिया नो विराहिया, सा य सपट्टिया जहा निग्गयस्स तिन्निगमा भणिया एव निग्गथीएवि तिन्नि आलावगा भाणियन्वा जाव आराहिया नो विराहिया ॥ से केणट्ठेण भते ! एव बुच्चइ-आराहए नो विराहए ? गोयमा ! से जहा नामए-केइ पुरिसे एग मह उन्नालोम वा गयलोम वा सणलोम वा कप्पासलोम वा तणसूर्य वा दुहा वा तिहा वा सखेज्जा वा छिंदित्ता अगणिकायसि पक्खिवेज्जा से नूण गोयमा ! छिज्जमाणे छिन्ने पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते दज्जमाणे दहेत्ति वत्तव्व सिया ? हता भगव ! छिज्जमाणे छिन्ने जाव दहेत्ति वत्तव्व सिया, से जहा वा केइ पुरिसे वत्थं अहर्यं वा धोर्यं वा तंतुगार्यं वा मज्झिदोणीए पक्खिवेज्जा से नूण गोयमा ! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते रज्जमाणे रत्तेत्ति वत्तव्व सिया ? हता भगव ! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते जाव रत्तेत्ति वत्तव्व सिया, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव बुच्चइ-आराहए नो विराहए ॥ ३३३ ॥ पईवस्स ण भते । झियायमाणस्स किं पईवे झियाइ लट्ठी झियाइ वत्ती झियाइ तेळे झियाइ पईवचंपए झियाइ जोई झियाइ ? गोयमा ! नो पईवे झियाइ जाव नो पईवचंपए झियाइ, जोई झियाइ ॥ अगारस्स णं भंते । झियाय-

मत्स्यस्य हि अन्तरे क्षियात् इहा क्षिनात् कथया मि चारणा मि वच्छरये  
मि कथा यत्न मि वग्ना क्षिनात् क्षिपरा क्षियात् कथे क्षिनात् कोरे क्षिनात् ।  
योयमा । नो अन्तरे क्षिनात् नो इहा क्षिनात् वाच नो कथे क्षियात्, कोरे क्षिनात्  
॥ ३१४ ॥ जीवे न मति । ओरुत्थिस्सरीरुत्थो क्खिरेए । योयमा । सिव  
तिक्किरेए सिव चउत्तिरेए सिव पंचत्तिरेए सिव अत्तिरेए ॥ वेउए न मति ।  
ओरुत्थिस्सरीरुत्थो क्खिरेए । योयमा । सिव तिक्किरेए सिव चउत्तिरेए  
सिव पंचत्तिरेए । चउएउमारे न मति । ओरुत्थिस्सरीरुत्थो क्खिरेए । एवं च  
एवं वाच केयाप्पि, नवरं मत्तुस्से च्छा जीवे । जीवे न मति । ओरुत्थिस्सरीरुत्थो  
क्खिरेए । योयमा । सिव तिक्किरेए वाच सिव अत्तिरेए । वेउए न मति ।  
ओरुत्थिस्सरीरुत्थो क्खिरेए । एवं एवो च्छा पक्खो ईदब्बो च्छा इमोमि अपरीसेसो  
माप्पियब्बो वाच केयाप्पि, नवरं मत्तुस्से च्छा जीवे । जीवे न मति । ओरुत्थिस्स  
रीरुत्थो क्खिरेए । योयमा । सिव तिक्किरेए वाच सिव अत्तिरेए वेउए न  
मति । ओरुत्थिस्सरीरुत्थो क्खिरेए । एवं एवोमि च्छा पक्खो ईदब्बो च्छा माप्पि-  
यब्बो वाच केयाप्पि, नवरं मत्तुस्से च्छा जीवे । जीवे न मति । ओरुत्थिस्सरी-  
रुत्थो क्खिरेए । योयमा । तिक्किरेवामि चउत्तिरेवामि पंचत्तिरेवामि अत्तिरे-  
वामि, वेउए न मति । ओरुत्थिस्सरीरुत्थो क्खिरेए । योयमा । तिक्किरेवामि  
चउत्तिरेवामि पंचत्तिरेवामि एवं वाच केयाप्पि, नवरं मत्तुस्से च्छा जीवे ॥ जीवे  
न मति । वेउत्थिस्सरीरुत्थो क्खिरेए । योयमा । सिव तिक्किरेए सिव चउत्तिरेए  
सिव अत्तिरेए, वेउए न मति । वेउत्थिस्सरीरुत्थो क्खिरेए । योयमा । सिव  
तिक्किरेए सिव चउत्तिरेए एवं वाच केयाप्पि, नवरं मत्तुस्से च्छा जीवे एवं च्छा  
ओरुत्थिस्सरीरेणं वच्चारि ईदब्बा तद्वा वेउत्थिस्सरीरेणमि अत्तादि ईदब्बा माप्पियब्बा  
नवरं पंचमत्तिरेए न मत्तु, छिंरं ती वेव एवं च्छा वेउत्थिस्सरीरे च्छा वाहात्तपेपि  
तेयपेपि कम्मपेपि माप्पियब्बं एवेवे अत्तादि ईदब्बा माप्पियब्बा वाच केयाप्पि न  
मति । कम्मवत्तरीरेत्थो क्खिरेए । योयमा । तिक्किरेवामि चउत्तिरेवामि । ईवं  
मति । ईवं मति । पि ॥ ३१५ ॥ अत्तुमासमस्स क्खुणे उहेसब्बो समत्तो ॥

तेवं क्खिरेवं १ एवमिहे नगरे वक्खब्बो पुणत्थिक्खं उज्जायै वक्खब्बो वाच पुत्तमि-  
त्थिक्खपए, एत्तं न पुणत्थिक्खमस्स उज्जायस्स क्खुत्तपमंते नहये अक्खत्तिवया परि  
वत्तंति तेवं क्खिरेवं १ समये मत्तवं म्हात्तीरे वाहपरे वाच उम्मेसडे वाच परिच्छा  
पडिपवा तेवं क्खिरेवं १ समवत्तं मगक्खो म्हात्तीरेस्स नहये अत्तेवाटी वेउ  
मपमंते वाहत्तपवा क्खत्तिववा च्छा विहमत्तए वाच जीवित्तात्तामत्तमवत्तिप्पुत्ता

हए १ । से य सपट्टिए असपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव अमुहे सिया से ण भंते । किं आराहए विराहए ? गोयमा । आराहए नो विराहए २, से य सपट्टिए असपत्ते थेरा य काल करेज्जा से ण भंते । किं आराहए विराहए ? गोयमा । आराहए नो विराहए ३, से य सपट्टिए असपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव काल करेज्जा से ण भंते । किं आराहए विराहए ? गोयमा । आराहए नो विराहए ४, से य संपट्टिए सपत्ते थेरा य अमुहा सिया से ण भंते । किं आराहए विराहए ? गोयमा । आराहए नो विराहए, से य संपट्टिए सपत्ते अप्पणा य० एवं संपत्तेणवि चत्तारि आलावगा भाणियव्वा जहेव असपत्तेण । निग्गथेण य बहिंसा वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खतेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स एवं भवइ-इहेव ताव अह० एवं एत्थवि एए चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव नो विराहए । निग्गथेण य गामाणुगाम दूज्जमाणेण अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स ण एव भवइ इहेव ताव अह० एत्थवि ते चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव नो विराहए ॥ निग्गथीए य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठाए अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तीसे ण एवं भवइ इहेव ताव अह एयस्स ठापस्स आलोएमि जाव तवोकम्म पडिवज्जामि तवो पच्छा पवत्तिणीए अतिय आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि, सा य संपट्टिया असपत्ता पवत्तिणी य अमुहा सिया सा ण भंते । किं आराहिया विराहिया ? गोयमा । आराहिया नो विराहिया, सा य संपट्टिया जहा निग्गथस्स तिभिगमा भणिया एव निग्गथीएवि तिभि आलावगा भाणियव्वा जाव आराहिया नो विराहिया ॥ से केणट्ठेण भंते । एवं बुच्चइ-आराहए नो विराहए ? गोयमा । से जहा नामए-केइ पुरिसे एग मह उच्चालोम वा गयलोम वा सणलोम वा कप्पासलोम वा तणसूर्य वा दुहा वा तिहा वा सखेज्जहा वा छिंदित्ता अगणिकार्यंसि पक्खिवेज्जा से नूण गोयमा । छिज्जमाणे छिन्ने पक्खिस्समाणे पक्खित्ते दज्जमाणे दट्ठेति वत्तव्वं सिया ? हंता भगवं ! छिज्जमाणे छिन्ने जाव दट्ठेति वत्तव्व सिया, से जहा वा केइ पुरिसे वत्थं अहय वा घोयं वा तंतुगर्भं वा मज्झिमादोणीए पक्खिवेज्जा से नूण गोयमा । उक्खिस्समाणे उक्खित्ते पक्खिस्समाणे पक्खित्ते रज्जमाणे रत्तेति वत्तव्वं सिया ? हता भगवं ! उक्खिस्समाणे उक्खित्ते जाव रत्तेति वत्तव्व सिया, से तेणट्ठेणं गोयमा । एवं बुच्चइ-आराहए नो विराहए ॥ ३३३ ॥ पईवस्स ण भंते । झियायमाणस्स किं पईवे झियाइ लट्ठी झियाइ वत्ती झियाइ तेल्ले झियाइ पईवचपए झियाइ जोई झियाइ ? गोयमा । नो पईवे झियाइ जाव नो पईवचपए झियाइ, जोई झियाइ ॥ अगारस्स णं भंते । झियाय

भाषस्त कि अगरे सिवाइ वृद्धा सिवाइ कवचा सि भाषा सि कवचासि  
 सि कंता यथा सि यथा सिवाइ सिताय सिवाइ छात्रे सिवाइ जोई सिवाइ ।  
 यथमा । नो अगरे सिवाइ नो वृद्धा सिवाइ भाष नो छात्रे सिवाइ, जोई सिवाइ  
 ॥ ११४ ॥ जीवै न मति । ओरास्मिन्सटीराओ क्यारिए । योक्मा । सिव  
 सिमिरिए सिव चउमिरिए सिव पंचमिरिए सिव अमिरिए ॥ वेरए न मति ।  
 ओरास्मिन्सटीराओ क्यारिए । योक्मा । सिव सिमिरिए सिव चउमिरिए  
 सिव पंचमिरिए । अउउमारे न मते । ओरास्मिन्सटीराओ क्यारिए । एवं येव  
 एवं पाव कैयामिए, नवर मनुस्ते कहा जीवै । जीवै न मते । ओरास्मिन्सटीरेहो  
 क्यारिए । योक्मा । सिव सिमिरिए काव सिव अमिरिए । वेरए न मते ।  
 ओरास्मिन्सटीरेहो क्यारिए । एवं एखे कहा पडमो रंडमो तहा इमोमे अपरिसेवो  
 नासिवयो काव कैयामिए, नवर मनुस्ते कहा जीवै । पाव न मते । ओरास्मिन्-  
 सटीराओ क्यारिया । योक्मा । सिव सिमिरिया काव सिव अमिरिया वेरया न  
 मते । ओरास्मिन्सटीराओ क्यारिया । एवं एखेमे कहा पडमो रंडमो तहा नासि-  
 वयो काव कैयामिया नवर मनुस्ते कहा जीवै । जीवै न मते । ओरास्मिन्सटी-  
 रेहो क्यारिया । योक्मा । सिमिरियासि चउमिरियासि पंचमिरियासि अमि-  
 रियासि वेरया न मते । ओरास्मिन्सटीरेहो क्यारिया । योक्मा । सिमिरियासि  
 चउमिरियासि पंचमिरियासि एवं काव कैयामिया नवर मनुस्ते कहा जीवै ॥ जीवै  
 न मति । वेरमिन्सटीराओ क्यारिए । योक्मा । सिव सिमिरिए सिव चउमिरिए  
 सिव अमिरिए, वेरए न मति । वेरमिन्सटीराओ क्यारिए । योक्मा । सिव  
 सिमिरिए सिव चउमिरिए एवं काव कैयामिए, नवर मनुस्ते कहा जीवै, एवं कहा  
 ओरास्मिन्सटीरेव अगरे रंडया तहा वेरमिन्सटीरेवसि अगरे रंडया नासिवयो  
 नवर पंचमिरिया न मच्छ, रंड तं येव एवं कहा वेरमिन्स तहा नाहाम्यपि  
 सेवम्यपि कमम्यपि नासिवयो एखेमे अगरे रंडया नासिवयो काव कैयामिया न  
 मते । कममसटीरेहो क्यारिया । योक्मा । सिमिरियासि चउमिरियासि । एवं  
 मते । एवं मते । वि ॥ ११५ ॥ अहमस्तयस्त छट्टो तहेसयो समथो ॥

तेमं काकेमं १ रावगिहे नवर पडमो गुणसिधए वज्जनि वज्जमो काव पुडसि-  
 सिमपसए, तल न गुणसिधकस्त पज्जावस्त अहमस्तयसि वद्वे अजउमिया परि  
 वसंति तेमं काकेमं १ छमये अगरे महावीरि अहमारे काव समोसडे काव परिछ  
 चडिन्वा तेमं काकेमं १ समस्तस भगवओ महावीरस्त वद्वे अंतेवाही वेर  
 थगको अहमस्तय इहमस्तया कहा विद्वसए काव बीरिवास्तमरभमवनिप्पुहा



समणस्स भगवओ महावीरस्स अद्दरसामते उट्ठुजाणू अहोसिरा ध्वाणमेट्ठोवगया  
 संजगेणं तवगा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति, तए ण ते अन्नउत्थिया जेणेव  
 येरा भगवतो तेणेव उवागच्छंति २ ता ते थेरे भगवते एव वयासी-तुम्हे ण  
 अज्जो । तिविह तिविहेण असंजयअविरयअप्पडिहय जहा रातमसए विडए उदेसए  
 जाव एगंतवाला यावि भवह, तए ण ते थेरा भगवतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-  
 केण कारणेण अज्जो । अम्हे तिविह तिविहेण असंजयअविरय जाव एगंतवाला यावि  
 भवामो १, तए णं तं अन्नउत्थिया ते थेरे भगवते एवं वयासी-तुम्हे ण अज्जो ।  
 अदिन्न गेण्हह अदिन्नं भुंजह अदिन्नं साइज्जह, तए ण ते तुम्हे अदिन्नं गेण्हमाण  
 अदिन्नं भुजमाणा अदिन्नं साइज्जमाणा तिविह तिविहेण असंजयअविरय जाव एगंत  
 वाला यावि भवह, तए णं ते थेरा भगवतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-केण कार  
 णेण अज्जो । अम्हे अदिन्नं गेण्हामो अदिन्नं भुजामो अदिन्नं साइज्जामो, जएण  
 अम्हे अदिन्नं गेण्हमाणा जाव अदिन्नं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेण असंजय जाव  
 एगंतवाला यावि भवामो २, तए ण ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवते एवं वयासी-  
 तुम्हे ण अज्जो । दिज्जमाणे अदिस्से पडिग्गाहेज्जमाणे अपडिग्गाहिए निस्तिरिज्जमाणे  
 अणित्तिट्ठे, तुम्हे ण अज्जो । दिज्जमाणं पडिग्गाहणं असपत्त एत्थं णं अतरा केइ अव-  
 हरिज्जा, गाहावइस्स ण त भवते । नो खलु त तुम्हं तए णं तुज्जे अदिन्नं गेण्हह  
 जाव अदिन्नं साइज्जह, तए ण तुज्जे अदिन्नं गेण्हमाणा जाव एगंतवाला यावि भवह,  
 तए ण ते थेरा भगवतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-नो खलु अज्जो । अम्हे अदिन्नं  
 गिण्हामो अदिन्नं भुजामो अदिन्नं साइज्जामो अम्हे ण अज्जो । दिन्नं गेण्हामो दिन्नं  
 भुंजामो दिन्नं साइज्जामो, तएणं अम्हे दिन्नं गेण्हमाणा दिन्नं भुंजमाणा दिन्नं साइ  
 ज्जमाणा तिविह तिविहेण संजयविरयअप्पडिहय जहा रातमसए जाव एगंतपंडिया यावि  
 भवामो, तएण ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवते एव वयासी-केण कारणेण अज्जो ।  
 तुम्हे दिन्नं गेण्हह जाव दिन्नं साइज्जह, जएणं तुज्जे दिन्नं गेण्हमाणा जाव एगंत-  
 पंडिया यावि भवह १, तएण ते थेरा भगवतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-अम्हे  
 ण अज्जो । दिज्जमाणे दिन्ने पडिग्गाहेज्जमाणे पडिग्गाहिए निस्तिरिज्जमाणे निस्तिट्ठे ।  
 अम्हे ण अज्जो । दिज्जमाणं पडिग्गाहणं असपत्त एत्थं णं अतरा केइ अवहरिज्जा  
 अम्हाणं तं णो खलु त गाहावइस्स, जएण अम्हे दिन्नं गेण्हामो दिन्नं भुंजामो दिन्नं  
 साइज्जामो तएणं अम्हे दिन्नं गेण्हमाणा जाव दिन्नं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेण  
 संजय जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तुज्जे ण अज्जो । अप्पणा चेव तिविहं  
 तिविहेण असंजय जाव एगंतवाला यावि भवह, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे



समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामते उट्ठुजाणू अहोसिरा ज्ञाणकोट्टोवगया  
 सजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणो विहरंति, तए ण ते अन्नउत्थिया जेणेव  
 थेरा भगवतो तेणेव उवागच्छंति, ता ते, थेरे भगवते एवं वयासी-तुब्भे ण  
 अज्जो ! तिविह तिविहेण असजयअविरयअप्पडिहय जहा सत्तमसए विइए उइए  
 जाव एगतवाला यावि भवह, तए ण ते थेरा भगवतो ते अन्नउत्थिए एव वयासी-  
 केण कारणेण अज्जो ! अम्हे तिविह तिविहेण असजयअविरय जाव एगतवाला यावि  
 भवामो ?, तए ण ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवते एव वयासी-तुब्भे ण अज्जो !  
 अदिन्न गेण्हह अदिन्न भुजह अदिन्न साइज्जह, तए ण ते तुब्भे अदिन्नं गेण्हमाणा  
 अदिन्न भुजमाणा अदिन्न साइज्जमाणा तिविह तिविहेण असजयअविरय जाव एगत-  
 वाला यावि भवह, तए ण ते थेरा भगवतो ते अन्नउत्थिए एव वयासी-केण कार-  
 णेण अज्जो ! अम्हे अदिन्नं गेण्हामो अदिन्नं भुजामो अदिन्नं साइज्जामो, जएण  
 अम्हे अदिन्नं गेण्हमाणा जाव, अदिन्नं साइज्जमाणा तिविह तिविहेण असजय जाव  
 एगतवाला यावि भवामो ?, तए ण ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवते एवं वयासी-  
 तुब्भे ण अज्जो ! दिज्जमाणे अदिन्ने पडिग्गाहेज्जमाणे अपडिग्गहिए नित्सिरिज्जमाणे  
 अणिसिद्धे, तुब्भे ण अज्जो ! दिज्जमाणं पडिग्गहणं असंपत्त एत्थ ण अतरा केइ अव-  
 हुरिज्जा, गाहावइस्सं तं भंते ! नो खलु तं तुब्भे ! तए ण तुज्जे अदिन्नं गेण्हह  
 जाव अदिन्नं साइज्जह, तए ण तुज्जे अदिन्नं गेण्हमाणा जाव एगतवाला यावि भवह,  
 तए ण ते थेरा भगवतो ते अन्नउत्थिए एव वयासी-नो खलु अज्जो ! अम्हे अदिन्नं  
 गेण्हामो अदिन्नं भुजामो अदिन्नं साइज्जामो अम्हे ण अज्जो ! दिन्नं गेण्हामो दिन्नं  
 भुजामो, तएण अम्हे दिन्नं गेण्हमाणा दिन्नं भुजमाणा दिन्नं साइ-  
 ज्जामो, तएण ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवते एवं वयासी-केण कारणेण अज्जो !  
 अम्हे दिन्नं गेण्हह जाव दिन्नं साइज्जह, जएणं तुज्जे दिन्नं गेण्हमाणा जाव एगत-  
 वाला यावि भवह ?, तएण ते थेरा भगवतो ते अन्नउत्थिए एव वयासी-अम्हे  
 ण अज्जो ! दिज्जमाणे दिन्ने पडिग्गाहेज्जमाणे पडिग्गहिए नित्सिरिज्जमाणे निसिद्धे !  
 ण अज्जो ! दिज्जमाणं पडिग्गहणं असंपत्त एत्थ ण अतरा केइ अवहुरेजा  
 गाहावइस्सं तं नो खलु तं गाहावइस्सं, जएण अम्हे दिन्नं गेण्हामो दिन्नं भुजामो दिन्नं  
 साइज्जामो तएणं अम्हे दिन्नं गेण्हमाणा जाव दिन्नं साइज्जमाणा तिविह तिविहेण  
 असजय जाव एगतपडिया यावि भवामो, तुज्जे ण अज्जो ! अप्पणा चेव तिविहं  
 असजय जाव एगतवाला यावि भवह, तए ण ते अन्नउत्थिया ते थेरे



ण ते धेरा भगवतो अज्जैत्थिए एव पडिहणेन्ति पडिहणित्ता गइप्पवायनामं अज्ज-  
यग पन्नवइस्सु ॥ ३३६ ॥ कइविहे ण भते । गइप्पवाए पण्णत्ते ? गोयमा । पंचविहे  
गइप्पवाए पण्णत्ते, तजहा-पओगगई, ततगई, वधणछेयणगई, उववायगई, विहाय-  
गई, एत्तो आरब्भ पओगपयं निरवसेस भाणियव्व, जाव सेत्त विहायगई । सेवं  
भते । सेव भते । ति ॥ ३३७ ॥ अट्टमसयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे नयरे जाव एव वयासी-गुरुणं भते । पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ?  
गोयमा । तओ पडिणीया पण्णत्ता, तजहा-आयरियपडिणीए, उवज्जायपडिणीए,  
धेरपडिणीए ॥ गइ ण भंते । पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा । तओ पडिणीया  
पण्णत्ता, तजहा-इहलोगपडिणीए, परलोगपडिणीए, दुहओलोगपडिणीए ॥ समूहण  
भते । पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा । तओ पडिणीया पण्णत्ता, तजहा-कुल-  
पडिणीए, गणपडिणीए, सघपडिणीए ॥ अणुकपं भते । पडुच्च पुच्छा, गोयमा ।  
तओ पडिणीया पण्णत्ता, तजहा-तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए ॥  
सुयण्णं भते । पडुच्च पुच्छा, गोयमा । तओ पडिणीया पण्णत्ता, तजहा-सुत्तपडिणीए,  
अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए । भावं ण भते । पडुच्च पुच्छा, गोयमा । तओ  
पडिणीया पण्णत्ता, तजहा-नाणपडिणीए, दसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए ॥ ३३८ ॥  
कइविहे ण भते । ववहारे पण्णत्ते ? गोयमा । पंचविहे ववहारे पण्णत्ते, तजहा-  
आगमे, सुए, आणा, धारणा, जीए, जहा से तत्थ आगमे सिया आगमेणं ववहारं  
पट्टवेज्जा, णो य से तत्थ आगमे सिया जहा से तत्थ सुए सिया सुएण ववहारं  
पट्टवेज्जा, णो य से तत्थ सुए सिया जहा से तत्थ आणा सिया आणाए ववहारं  
पट्टवेज्जा, णो य से तत्थ आणा सिया जहा से तत्थ धारणा सिया धारणाए  
ववहारं पट्टवेज्जा, णो य से तत्थ धारणा सिया जहा से तत्थ जीए सिया जीएणं  
ववहारं पट्टवेज्जा, इत्थेएहिं पंचविहे पट्टवेज्जा, तजहा-आगमेण, सुए  
आणा धारणा जीए तहा  
समणा निग्गंथा इत्थेय पंच  
सिय सम्म ववहरमाणे  
णं भंते । वधे  
सपराइयवधे य ।  
वधइ तिरिक्खज्ज  
इ ? गोयमा । नो  
३३३

मणुस्सो ५  
नो तिरि

मगर्भते एवं बवाही-केव कारयेन भज्यो । अम्हे तिभिर्ह जाव एतवाका यावि  
 भवामो । तए न ते वेरा भगर्भतो ते अजउत्तिए एवं बवाही-तुज्जे न भज्यो ।  
 अरिचं गेव्हह १ तए न तु भज्यो । तुज्जे अरिचं ये जाव एतए तए न ते  
 अजउत्तिव ते वेरे भगर्भते एवं बवाही-केव कारयेन भज्यो । अम्हे अरिचं  
 गेव्हाम्हे जाव एतवा १ तए न ते वेरा भगर्भतो ते अजउत्तिए एवं बवाही-तुज्जे  
 न भज्यो । तिज्जमाने अरिचि तं येव जाव पाहाअस्स नं वो कसु तं तुज्जे तए न  
 तुज्जे अरिचं गेव्हह, तं येव जाव एतवाका यावि भवह, तए न ते अजउत्तिव  
 तं वेरे न एवं न-तुज्जे न भज्यो । तिभिर्ह तिभिहेनं अउंजन जाव एतवा  
 भवह, तए न ते वेरा न ते अजउत्तिए एवं बवाही-केव कारयेन अम्हे तिभिर्ह  
 तिभिहेनं जाव एतवाम्भ यावि भवाम्हे । तए न ते अजउत्तिव ते वेरे भगर्भते  
 एवं बवाही-तुज्जे न भज्यो । टीनं टीममाणा पुडवि पैवेह अमिहवह भतेह कैतेह  
 संवाएह संवेह परिवावेह निज्जयेह उअवेह तएनं तुज्जे पुडवि पैवेमणा जाव  
 उअवेमणा तिभिर्ह तिभिहेनं अउंजनअरिच जाव एतवाम्भ यावि भवह, तए न  
 ते वेरा भगर्भतो ते अजउत्तिए एवं बवाही-भो कसु भज्यो । अम्हे टीनं टीममाणा  
 पुडवि पैवेमो अमिहवामो जाव उअवेमो अम्हे नं भज्यो । टीनं टीममाणा कार्य  
 वा बोयं वा टीनं वा पण्ण वेसं वेसेने वमाम्हे पएणं पएणं वमाम्हे तेषं अम्हे  
 वेसं वेसेने वमामा पएणं पएणं वमामा वो पुडवि पैवेमो अमिहवामो जाव  
 उअवेमो तएनं अम्हे पुडवि अवेमामा अमिहवामा जाव अउमवेमामा  
 तिभिर्ह तिभिहेनं अउंजन जाव एतवाम्भ यावि भवामो तुज्जे न भज्यो । अएण  
 येव तिभिर्ह तिभिहेनं अउंजन जाव एतवाका यावि भवह, तए न ते अजउत्तिव  
 वेरे भगर्भते एवं बवाही-केव कारयेन भज्यो । अम्हे तिभिर्ह तिभिहेनं  
 तवाका यावि भवामो । तए न ते वेरा भगर्भतो ते अजउत्तिव  
 तुज्जे न भज्यो । टीनं टीममाणा पुडवि पैवेह जाव उअवेह, तए  
 पैवमाणा जाव उअवेमामा तिभिर्ह तिभिहेनं जाव एतवाम्भ या  
 ते अजउत्तिव ते वेरे भगर्भते एवं बवाही-तुज्जे नं भज्यो ।  
 श्रीश्रमिज्जमाने अवीरुंते राजविहं नगरं संघानिअअमे अउंपते  
 भवाम्हे तं अजउत्तिए एवं बवाही-भो कसु भज्यो । अम्हे  
 अमिज्जमाने अवीरुंते राजविहं नगरं जाव अउंपते, अम्हे नं  
 यए श्रीश्रमिज्जमाने श्रीरुंते राजविहं नगरं संघानिअअमे अउंपते,  
 येव वमामा अयए श्रीश्रमिज्जमाने अवीरुंते राजविहं नगरं जाव

वधः अगाइयं सपञ्चवत्तिं वधइ अगाइयं अपञ्चवत्तिं वधइ ? गोयना ! नाइय  
 सपञ्चवत्तिं वधइ नो साइय अपञ्चवत्तिं वधइ नो अगाइय सपञ्चवत्तिं वधइ  
 नो अगाइय अपञ्चवत्तिं वधइ ॥ त भते ! किं देसें देस वधइ देसें नव्वं  
 वधइ नव्वे देस वधइ सव्वे सव्वं वधइ ? गोयना ! नो देसें देस वधइ नो  
 देसें नव्वं वधइ नो नव्वे देस वधइ नव्वे सव्वं वधइ ॥ ३४० ॥  
 सज्जाइय भते ! कम्म किं नेरइओ वधइ तिरिक्खजेनिओ वधइ जब देवी  
 वधइ ? गोयना ! नेरइओवि वधइ तिरिक्खजेनिओवि वधइ तिरिक्खजेनिओवि  
 वधइ नउत्तोवि वधइ नउत्तीवि वधइ देवीवि वधइ देवीवि वधइ ॥ त भते !  
 किं इय्यां वधइ पुरिसो वधइ तहेव जाव मोइय्यांनोपुरिसो नोनउत्तओ वधइ ?  
 गोयना ! इय्यांवि वधइ पुरिसोवि वधइ जाव नउत्तागवि वधन्ति अहवेए य अवय-  
 वेओ य वधइ अहवेए य अवयवेओ य वधन्ति । उइ भते ! अवयवेओ य वधइ  
 अवयवेओ य वधन्ति त भते ! किं इय्यापच्छाकडो वधइ पुरिसपच्छाकडो वधइ ?  
 एव जहेव इय्यावहियावधगत्त तहेव निरवनेस जाव अहवा इय्यापच्छाकडो य  
 पुरिसपच्छाकडो य [वधइ] नपुत्तापच्छाकडो य वधन्ति ॥ त भते ! किं वंधी वधइ  
 वधित्तइ १ वंधी वधइ न वधित्तइ २ वंधी न वधइ वधित्तइ ३ वंधी न वंधइ  
 न वधित्तइ ४ ? गोयना ! अत्येइए वंधी वधइ वधित्तइ १ अत्येइए वंधी  
 वधइ न वधित्तइ २ अत्येइए वंधी न वंधइ वधित्तइ ३ अत्येइए वंधी न  
 वधइ न वधित्तइ ॥ तं भते ! किं साइय सपञ्चवत्तिं वधइ ? पुच्छा तहेव,  
 गोयना ! साइय वा सपञ्चवत्तिं वधइ अगाइय वा सपञ्चवत्तिं वधइ अगाइय वा  
 अपञ्चवत्तिं वधइ नो चेव न साइय अपञ्चवत्तिं वधइ । त भते ! किं देसें देस  
 वधइ ० एव जहेव इय्यावहियावधगत्त जाव सव्वे सव्वं वधइ ॥ ३४१ ॥ कइ न  
 भते ! कम्मपयडीओ पत्ताओ ? गोयना ! अट्ट कम्मपयडीओ पत्ताओ ? तजहा-  
 पागावरणिजे जाव अट्टराइय ॥ कइ न भते ! परीसहा पत्ता ? गोयना ! बावीच  
 परीसहा प०, तजहा-दिगिछापरीसहे, पिवासापरीसहे, जाव दत्तापरीसहे । एए न  
 भते ! बावीच परीसहा कडु कम्मपयडीओ सनोयरति ? गोयना ! चट्ट कम्मपयडीओ  
 सनोयरति, तजहा-पागावरणिजे, वेयिज्जे, मोहज्जे, अट्टराइए । पागावरणिजे  
 न भते ! कम्मे कइ परीसहा सनोयरति ? गोयना ! दो परीसहा सनोयरति, त०-  
 पत्तापरीसहे अज्जाणपरीसहे य, वेयिज्जे न भते ! कम्मे कइ परीसहा सनोयरति ६  
 गोयना ! एकारस परीसहा सनोयरति, तजहा-पचेव आउपुन्वी चरिया सेज्जा वहे  
 य रो य । तणस जम्मेव य एकारस वेयिज्जि ॥ १ ॥ दत्तगोहज्जे न





भंते ! जंबुद्वीवे २ सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि य मज्झतिय० अत्यमणमुहुत्तंसि मूले जाव उच्चत्तेणं से केण खाइण अट्टेण भंते ! एव वुच्चइ जंबुद्वीवे ण द्वीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य वीसति जाव अत्यमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य वीसति ? गोयमा ! लेसापडिघाएण उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य वीसति लेसाभितावेणं मज्झतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य वीसति लेसापडिघाएण अत्यमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य वीसति, से तेणट्टेण गोयमा ! एव वुच्चइ—जंबुद्वीवे ण द्वीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य वीसन्ति जाव अत्यमण जाव वीसति । जंबुद्वीवे ण भंते ! द्वीवे सूरिया किं तीय खेत्त गच्छति पडुप्पन्न खेत्त गच्छति अणा गय खेत्त गच्छति ? गोयमा ! णो तीय खेत्त गच्छति पडुप्पन्न खेत्त गच्छति णो अणागय खेत्त गच्छति, जंबुद्वीवे ण द्वीवे सूरिया किं तीयं खेत्त ओभासति पडुप्पन्न खेत्त ओभासति अणागय खेत्त ओभासति ? गोयमा ! नो तीय खेत्त ओभासति पडुप्पन्न खेत्त ओभासति नो अणागय खेत्त ओभासति, त भते ! किं पुट्ठ ओभा सति अपुट्ठ ओभासति ? गोयमा ! पुट्ठ ओभासति नो अपुट्ठ ओभासति जाव नियमा छद्दिसिं । जंबुद्वीवे ण भते ! द्वीवे सूरिया किं तीयं खेत्त उज्जोव्वेति एव चेव जाव नियमा छद्दिसिं, एव तवेति एव भासति जाव नियमा छद्दिसिं ॥ जंबुद्वीवे ण भंते ! द्वीवे सूरिया किं तीए खेत्ते किरिया कज्जइ पडुप्पन्ने खेत्ते किरिया कज्जइ अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ ? गोयमा ! नो तीए खेत्ते किरिया कज्जइ पडुप्पन्ने खेत्ते किरिया कज्जइ णो अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ सा भते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? गोयमा ! पुट्ठा कज्जइ नो अपुट्ठा कज्जइ जाव नियमा छद्दिसिं । जंबुद्वीवे ण भंते ! द्वीवे सूरिया केवइयं खेत्त उट्ठं तवेति केवइयं खेत्त अहे तवेति केवइयं खेत्त तिरियं तवेति ? गोयमा ! एगं जोयणसयं उट्ठं तवेति अट्ठारस जोयणसयं अहे तवेति सीयालीसं जोयणसहस्साइ दोच्चि य तेवट्ठे जोयणसए एकवीस च सट्ठिभाए जोयणस्स तिरियं तवेति ॥ अतो ण भंते ! माणुसुत्तरस्स पच्चयस्स जे चदिमंसूरियगहगणण क्वत्ततारात्त्वा ते ण भते ! देवा किं उट्ठोव्वन्नगा जहा जीवाभिगमे तहेव निरव सेस जाव उक्कोसेणं छम्मासा । बहिया ण भते ! माणुसुत्तरस्स जहा जीवाभिगमे जाव इंदट्ठाणे ण भंते ! केवइयं काल उववाएण विरहिए पन्नते ? गोयमा ! जह-  
त्तेण एक समय उक्कोसेणं छम्मासा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! ति ॥ ३४३ ॥ अट्ठ-  
मसए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

कइविहे ण भंते ! बधे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे बधे पण्णत्ते, तजहा—पओग-  
बधे य वीससावधे य ॥ ३४४ ॥ वीससावधे ण भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा !

मंते । कर्म्ये कद् परीसहा समोमरति । गोममा । एगे रसिपपतिहो समोमरति,  
 नरितमोहमिजे न मंते । कर्म्ये कद् परीसहा समोमरति । गोममा । सत परीसहा  
 समोमरति, तंनहा-मरुं ननेक इत्थी मितीहिवा नानया न नानेते । छद्मपुर  
 हारे नरितम्येहि सतोए ॥ १ ॥ अंतपराए न मंते । कर्म्ये कद् परीसहा समोम-  
 ति । गोममा । एगे नलामपरीसहे समोमरति ॥ सतमिहर्बवपस्त न मंते । हारे  
 परीसहा पन्मता । गोममा । बावीस परीसहा पन्मता बीस पुन वैदेह, न सम्यं  
 सीनपरीसह वैदेह नो तं सम्यं उरिपपरीसह वैदेह न सम्यं उरिपपरीसह वैदेह  
 नो तं सम्यं सीनपरीसह वैदेह, न सम्यं नरिवापरीसह वैदेह नो तं सम्यं मिती-  
 हिवापरीसह वैदेह न सम्यं मितीहिवापरीसह वैदेह नो तं सम्यं नरिवापरीसह  
 वैदेह । अन्मिहर्बवपस्त न मंते । कद् परीसहा पन्मता । गोममा । बावीस परी-  
 सहा पन्मता तंनहा-मुवापरीसहे, पिवासापरीसहे, सीनप इत्तमस्यप नान  
 नानामप एव अन्मिहर्बवपस्तनि सतमिहर्बवपस्तनि । अन्मिहर्बवपस्त न  
 मंते । सतमिहर्बवपस्त कद् परीसहा पन्मता । गोममा । नोत्स परीसहा पन्मता  
 बारस पुन वैदेह, न सम्यं सीनपरीसह वैदेह नो तं सम्यं उरिपपरीसह वैदेह न  
 सम्यं उरिपपरीसह वैदेह नो तं सम्यं सीनपरीसह वैदेह, न सम्यं नरिवापरीसह  
 वैदेह नो तं सम्यं सेजापरीसह वैदेह न सम्यं सेजापरीसह वैदेह नो तं सम्यं  
 नरिवापरीसह वैदेह । अन्मिहर्बवपस्त न मंते । सीनपपन्मस्यपस्त कद् परीसहा  
 पन्मता । गोममा । एव नैव अन्मिहर्बवपस्त । एवमिहर्बवपस्त न मंते ।  
 सवोगियनकनेकमिहर्ब कद् परीसहा पन्मता । गोममा । एवमस परीसहा पन्मता  
 नन पुन वैदेह, सेस नाना अन्मिहर्बवपस्त । अर्बवपस्त न मंते । अन्मिहर्बवप-  
 स्त कद् परीसहा पन्मता । गोममा । एवमस परीसहा पन्मता नन पुन वैदेह  
 न सम्यं सीनपरीसह वैदेह नो तं सम्यं उरिपपरीसह वैदेह न सम्यं उरिपपरीसह  
 वैदेह नो तं सम्यं सीनपरीसह वैदेह न सम्यं नरिवापरीसह वैदेह नो तं सम्यं सेजा-  
 परीसह वैदेह न सम्यं सेजापरीसह वैदेह नो तं सम्यं नरिवापरीसह वैदेह ॥ १४९०  
 अंतुदीवे न मंते । सीवे सूरिवा तम्मममसुहृत्ति नूरे न मूके य वीसंति मन्मसि  
 सुहृत्ति मूके न नूरे न वीसंति नलकममसुहृत्ति नूरे न मूके न वीसंति । इत्ता  
 गोममा । अंतुदीवे न सीवे सूरिवा तम्मममसुहृत्ति नूरे न तं नैव नान नलकमम-  
 सुहृत्ति नूरे न मूके न वीसंति अंतुदीवे न, मंते । सीवे सूरिवा तम्ममम  
 सुहृत्ति मन्मसिसुहृत्ति न नलकममसुहृत्ति न तन्मस्य समा अन्तोर्ब ।  
 इत्ता गोममा । अंतुदीवे न सीवे सूरिवा तम्ममम नान अन्तोर्ब । नद् न

भते । जवुद्दीवे २ सूरिया उग्गमणमुहुत्तसि य मज्झंतिय० अत्यमणमुहुत्तसि मूले जाव उप्पत्तेणं से केणं ग्वाइण अट्टेण भंते । एवं वुचइ जवुद्दीवे ण दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तसि दूरे य मूले य दीसति जाव अत्यमणमुहुत्तसि दूरे य मूले य दीसति ? गोयमा । लेसापडिघाएण उग्गमणमुहुत्तसि दूरे य मूले य दीसति लेसाभितावेण मज्झंतियमुहुत्तसि मूले य दूरे य दीसति लेसापडिघाएण अत्यमण मुहुत्तसि दूरे य मूले य दीसति, से तेणट्टेण गोयमा । एव वुचइ-जवुद्दीवे ण दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तसि दूरे य मूले य दीसन्ति जाव अत्यमण जाव दीसति । जवुद्दीवे ण भते । दीवे सूरिया किं तीर्यं खेत्त गच्छति पडुप्पन्नं खेत्त गच्छति अणा गयं खेत्त गच्छति ? गोयमा । णो तीर्यं खेत्त गच्छति पडुप्पन्नं खेत्त गच्छति णो अणागयं खेत्त गच्छति, जवुद्दीवे णं दीवे सूरिया किं तीर्यं खेत्तं ओभासंति पडुप्पन्नं खेत्त ओभासति अणागयं खेत्त ओभासति ? गोयमा । नो तीर्यं खेत्त ओभासति पडुप्पन्नं खेत्तं ओभासति नो अणागयं खेत्त ओभासति, त भते । किं पुट्ठं ओभासति अपुट्ठं ओभासंति ? गोयमा । पुट्ठं ओभासति नो अपुट्ठं ओभासंति जाव नियमा छद्दिसि । जवुद्दीवे ण भते । दीवे सूरिया किं तीर्यं खेत्तं उज्जोवेंति एव चेव जाव नियमा छद्दिसि, एव तवेंति एव भासंति जाव नियमा छद्दिसि ॥ जवुद्दीवे ण भंते । दीवे सूरियाणं किं तीए खेत्ते किरिया कज्जइ पडुप्पन्ने खेत्ते किरिया कज्जइ अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ ? गोयमा । नो तीए खेत्ते किरिया कज्जइ पडुप्पन्ने खेत्ते किरिया कज्जइ णो अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ, सा भते । किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? गोयमा । पुट्ठा कज्जइ नो अपुट्ठा कज्जइ जाव नियमा छद्दिसि । जवुद्दीवे ण भते । दीवे सूरिया केवइयं खेत्तं उज्जोवेंति केवइयं खेत्तं अहे तवेंति केवइयं खेत्तं तिरियं तवेंति ? गोयमा । एग जोयणसयं उट्ठं तवेंति अट्ठारस जोयणसयाई अहे तवेंति सीयालीस जोयणसहस्साइ दोक्षि य तेवट्ठे जोयणंसए एक्खीस च सट्ठिमाए जोयणस्स तिरियं तवेंति ॥ अतो णं भंते । माणुसुत्तरस्स पच्चयस्स जे चदिमंसूरियगहगणणं क्खत्तताराख्खा ते णं भते । देवा किं उट्ठोववघगा जहा जीवाभिगमे तहेव निरव सेसं जाव उक्कोसेणं छम्मासा । वहिया णं भते । माणुसुत्तरस्स जहा जीवाभिगमे जाव ईदट्ठाणे ण भंते । केवइयं काल उववाएण विरहिए पन्नते ? गोयमा । जह-क्षेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा । सेव भंते । सेव भते । सि ॥ ३४३ ॥ अट्ठ-मसए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

कइविहे ण भते । वधे पण्णत्ते ? गोयमा । दुविहे वधे पण्णत्ते, तंजहा-पओग-वधे य वीससावधे य ॥ ३४४ ॥ वीससावधे ण भंते । कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ।



वधे समुप्पज्जइ जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण सखेज्ज कालं, सेत्त लेसणावधे, से किं  
 त उचयवधे ? उचयवधे जज्ज तणरासीण वा कट्टरासीण वा पत्तरासीण वा तुस-  
 रासीण वा भुसरसीण वा गोमयरसीण वा अवगरसीण वा उचएण वधे समु-  
 प्पज्जइ जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण संखेज्ज कालं, सेत्त उचयवधे, से किं त समु-  
 चयवधे ? समुचयवधे जज्ज अगउतवागनईदहवावीपुत्तरारिणीवीहियाण गुंजालि  
 याण सराण सरपंतिआण सरसरपंतियाण विलपतियाण देववुलसभापव्वयूभराइयाण  
 फरिहाणं पागारहालगचरियदारगोपुरतोरणाण पासायधरसरणटेणआवणाण सिघाड-  
 गतियचउक्कचयरचउम्मुहमहापहमाईण ह्रुहाचिक्खिक्खलिसेसमुचएण वधे  
 समुप्पज्जइ जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण संखेज्ज कालं, सेत्त समुचयवधे, से  
 किं त साहणणावधे ? साहणणावधे दुविहे पणत्ते, तंजहा-देससाहणणावधे य  
 सव्वसाहणणावधे य, से किं त देससाहणणावधे ? देससाहणणावधे जज्ज सगडरह-  
 जाणजुगगिद्धिद्धिसीयसदमाणियलोहीलोहकडाहकडुच्छुयआसणसयणसभमउम-  
 तोवगरणमाईण देससाहणणावधे समुप्पज्जइ जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण सखेज्ज  
 कालं, सेत्त देससाहणणावधे, से किं त सव्वसाहणणावधे ? सव्वसाहणणावधे से  
 ण खीरोदगमाईण, सेत्त सव्वसाहणणावधे, सेत्त साहणणावधे, सेत्त अड्डियावण-  
 वधे ॥३४६॥ से किं तं सरीरवधे ? सरीरवधे दुविहे पणत्ते, तजहा-पुव्वप्पओग-  
 पच्चइए य पडुप्पन्नपओगपच्चइए य, से किं त पुव्वप्पओगपच्चइए ? पुव्वपओगपच्चइए  
 जज्ज नेरइयाणं ससारत्त्याण सव्वजीवाण तत्त २ तेसु २ कारणेसु समोहणमाणाण  
 जीवप्पएसाण वधे समुप्पज्जइ सेत्त पुव्वप्पओगपच्चइए, से किं त पडुप्पन्नप्पओग-  
 पच्चइए ? २ जज्ज केवलनाणिस्स अणगारस्म केवलिसमुग्घाएण समोहयस्स ताओ  
 समुग्घायाओ पडिनियत्तेमाणस्स अतरा मथे वट्ठमाणस्स तेयाकम्माण वधे समुप्प-  
 ज्जइ, किं कारण ? ताहे से पएसा एगत्तीगया भवतित्ति, सेत्त पडुप्पन्नप्पओग-  
 पच्चइए, सेत्त सरीरवधे ॥ से किं तं सरीरप्पओगवधे ? सरीरप्पओगवधे पचविहे  
 पणत्ते, तजहा-ओरालियसरीरप्पओगवधे, वेउव्वियसरीरप्पओगवधे, आहारगसरीर-  
 प्पओगवधे, तेयासरीरप्पओगवधे, कम्मासरीरप्पओगवधे । ओरालियसरीरप्पओगवधे  
 णं भते ! कइविहे पणत्ते ? गोयमा ! पचविहे पणत्ते, तजहा-एगिंदियओरालिय-  
 सरीरप्पओगवधे वेदियओ० जाव पंचिंदियओरालियसरीरप्पओगवधे । एगिंदिय-  
 ओरालियसरीरप्पओगवधे ण भते ! कइविहे पणत्ते ? गोयमा ! पचविहे पणत्ते,  
 तजहा-पुढविक्काइयएगिंदिय० एव एएण अभिलावेण मेओ जहा ओगाहणसंठाणे  
 ओरालियसरीरस्स तहा भाणियव्वो जाव पज्जतगम्भवक्कतियमणुस्सपंचिंदियओरा-

क्रियसटीरप्यभोगर्भे य अपभ्रमस्यमर्भतिमपुस्त भाष भवे य ॥ ओरास्त्रि-  
 सटीरप्यभोगर्भे य भति । कस्त कम्मस्त उदएणं । योक्मा । श्रीरिक्तमोपसएण-  
 बाए पमदपयवा कम्मं य भोगं य भर्भं य भाउरं य पडुच ओरास्त्रिसटीरप्य-  
 भोगमाए कम्मस्त उदएणं ओरास्त्रिसटीरप्यभोगर्भे ॥ एविस्त्रियमोरास्त्रिसटीर-  
 प्यभोगर्भे य भति । कस्त कम्मस्त उदएणं । एणं येव पुडमिदएणपुमिदिवमो-  
 त्रिसटीरप्यभोगर्भेयि एणं येव एणं भाव नमस्तइअइया एणं वैरिवा एणं तेरिवा  
 एणं चठरिवा त्रिस्त्रिभोगिर्भतिमोरास्त्रिसटीरप्यभोगर्भे य भति । कस्त  
 कम्मस्त उदएणं । एणं येव मपुस्तएविस्त्रियमोरास्त्रिसटीरप्यभोगर्भे य भति ।  
 कस्त कम्मस्त उदएणं । योक्मा । श्रीरिक्तमोपसएणबाए पमदपयवा भाव  
 भाउरं य पडुच मपुस्तएविस्त्रियमोरास्त्रिसटीरप्यभोगमाए कम्मस्त उदएणं ॥  
 ओरास्त्रिसटीरप्यभोगर्भे य भति । कि देसर्भे सप्पर्भे । योक्मा । देमर्भेयि  
 सप्पर्भेयि एविस्त्रियमोरास्त्रिसटीरप्यभोगर्भे य भति । कि देसर्भे सप्पर्भे ।  
 एणं यव एणं पुडमिदएण एणं भाव मपुस्तएविस्त्रियमोरास्त्रिसटीरप्यभोगर्भे य  
 भति । कि देसर्भे सप्पर्भे । योक्मा । देसर्भेयि सप्पर्भेयि ॥ ओरास्त्रिसटीर-  
 प्यभोगर्भे य भति । कस्त कम्मस्त उदएणं । योक्मा । सप्पर्भे एणं समं  
 देसर्भे अइयेणं एणं समं उओसेणं त्रिस्त्रिभोगिर्भति मपुस्तइअइया एणं समं  
 ओरास्त्रिसटीरप्यभोगर्भे य भति । कस्त कम्मस्त उदएणं । योक्मा । सप्पर्भे एणं  
 समं देसर्भे अइयेणं एणं समं उओसेणं वापीरं वाससइस्ताई समकडमाई, पुटमि-  
 दएणपुमिदिवपुण्णा गोक्मा । सप्पर्भे एणं समं देसर्भे अइयेणं उओसेणं मपुस्तइअइया  
 त्रिस्त्रिभोगिर्भति उओसेणं वापीरं वाससइस्ताई समकडमाई, एणं सप्पेसि सप्पर्भो  
 एणं समं देसर्भो भेसि नलि भेठमिक्तसीरं तेसि अइयेणं उओसेणं मपुस्तइअइया  
 त्रिस्त्रिभोगिर्भति उओसेणं वा अस्त उओसेवा ठिई वा समकडमा अइया भेसि पुव  
 नलि भेठमिक्तसीरं तेसि देसर्भो अइयेणं एणं समं उओसेणं वा अस्त ठिई वा  
 समकडमा अइया वाव मपुस्तएणं देसर्भे अइयेणं एणं समं उओसेणं त्रिस्त्रिभोगि-  
 र्भति मपुस्तइअइया ॥ ओरास्त्रिसटीरप्यभोगर्भे य भति । कस्त कम्मस्त उदएणं ।  
 योक्मा । सप्पर्भे अइयेणं उओसेणं मपुस्तइअइया त्रिस्त्रिभोगिर्भति उओसेणं वापीरं  
 वाससइस्ताई समकडमाई, देसर्भे अइयेणं एणं समं उओसेणं तेसीरं  
 वाससइस्ताई त्रिस्त्रिभोगिर्भति, एविस्त्रियमोरास्त्रिसटीरप्यभोगर्भे य भति । कस्त  
 कम्मस्त उदएणं । योक्मा । सप्पर्भे अइयेणं उओसेणं वापीरं वाससइस्ताई समकडमाई,  
 देसर्भे अइयेणं एणं समं उओसेणं मपुस्तइअइया पुडमिदएणपुमिदिवपुण्णा

वधे समुप्पज्जइ जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण सखेज्ज काल, सेत्त लेसणावधे, से किं त उच्चयवधे ? उच्चयवधे जन्न तणरासीण वा ऋट्ठरासीण वा पत्तरासीण वा तुस-  
रासीण वा भुसरासीण वा गोमयरासीण वा अवगररासीण वा उचएण वधे समु-  
प्पज्जइ जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण सखेज्ज काल, सेत्त उच्चयवधे, से किं त समु-  
च्चयवधे ? समुच्चयवधे जन्न अगउतटागनईदहवावीपुक्खरिणीदीहियाण गुंजालि-  
याण सराण सरपतिआणं सरसरपतियाण विलपतियाण देवकुलसभापव्वयूभजाइयाण  
फरिहाणं पागारट्ठालगचरियदारगोपुरतोरणाणं पासायघरसरणलेणआवणाण सिंघाड-  
गतियचउक्कचचरचउम्मुहमहापहमाईण छुहाचिक्खिण्णल्लिलेससमुच्चएण वधे  
समुप्पज्जइ जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण सखेज्ज काल, सेत्त समुच्चयवधे, से  
किं त साहणणावधे ? साहणणावधे दुविहे पणत्ते, तजहा-देससाहणणावधे य  
सव्वसाहणणावधे य, से किं त देससाहणणावधे ? देससाहणणावधे जन्न सगडरह-  
जाणजुगगिण्णिथिल्लिसीयसदमाणियलोहीलोहकडाहकडुच्छ्रुयासणसयणखमभडम-  
त्तोवगरणमाईण देससाहणणावधे समुप्पज्जइ जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण सखेज्ज  
कालं, सेत्त देससाहणणावधे, से किं त सव्वसाहणणावधे ? सव्वसाहणणावधे से  
ण खीरोदगमाईणं, सेत्त सव्वसाहणणावधे, सेत्त साहणणावधे, सेत्त अट्ठियावण-  
वधे ॥३४६॥ से किं त सरीरवधे ? सरीरवधे दुविहे पणत्ते, तजहा-पुव्वप्पओग-  
पच्चइए य पडुप्पन्नपओगपच्चइए य, से किं त पुव्वप्पओगपच्चइए ? पुव्वपओगपच्चइए  
जन्न नेरइयाणं ससारत्त्याण सव्वजीवाणं तत्थ २ तेसु २ कारणेसु समोहणमाणाण  
जीवप्पएसाण वंधे समुप्पज्जइ सेत्त पुव्वप्पओगपच्चइए, से किं त पडुप्पन्नपओग-  
पच्चइए ? २ जन्न केवलनाणिस्स अणगारस्स केवलिसमुग्घाएण समोहयस्स ताओ  
समुग्घायाओ पडिनियत्तेमाणस्स अतरा मथे वट्ठमाणस्स तेयाक्खमाण वधे समुप्प-  
ज्जइ, किं कारण ? ताहे से एसा एगत्तीगया भवतित्ति, सेत्त पडुप्पन्नपओग-  
पच्चइए, सेत्त सरीरवंधे ॥ से किं त सरीरप्पओगवधे ? सरीरप्पओगवंधे पच्चविहे  
पणत्ते, तजहा-ओरालियसरीरप्पओगवधे, वेउव्वियसरीरप्पओगवंधे, आहारगसरीर-  
प्पओगवधे, तेयासरीरप्पओगवधे, कम्मासरीरप्पओगवधे । ओरालियसरीरप्पओगवंधे  
णं भत्ते ! कइविहे पणत्ते ? गोयमा ! पच्चविहे पणत्ते, तजहा-एग्गिदियओरालिय-  
सरीरप्पओगवधे नैदियओ० जाव पंचिदियओरालियसरीरप्पओगवधे । एग्गिदिय-  
ओरालियसरीरप्पओगवधे ण भत्ते ! कइविहे पणत्ते ? गोयमा ! पच्चविहे पणत्ते,  
तजहा-पुडविकाइयएग्गिदिय० एवं एएण अभिलावेण भेओ जहा ओगाहणसठाणे  
ओरालियसरीरस्स तहा भाणियव्वो जाव पज्जतगम्भवक्कतियमणुस्सपंचिदियओरा-

स्मिन्सरीरप्यभोगर्भे च कपजापयम्वर्तस्तिवमस्तु जाय भवे च ॥ ओरास्मिन्-  
सरीरप्यभोगर्भे च भवे । अस्त कम्मस्त उदएण । भवेमा । वीरिक्कभोगसहस्य-  
वाए पमादप्यवा कम्म च भोगं च मर्गं च आहर्गं च एह्वं ओरास्मिन्सरीरप्य-  
भोगपमाए कम्मस्त उदएण ओरास्मिन्सरीरप्यभोगर्भे ॥ एविद्विज्जोरास्मिन्सरी-  
रप्यभोगर्भे च भवे । अस्त कम्मस्त उदएण । एवं चेव पुडकिद्ववएपिद्विज्जोरा-  
स्मिन्सरीरप्यभोगर्भे एव एवं एवं वाव वपस्तहवएवा एवं वेईद्विया एवं तेईद्विया  
एवं चउरिद्विया विरिक्कभोगिक्कविद्विज्जोरास्मिन्सरीरप्यभोगर्भे च भवे । अस्त  
कम्मस्त उदएण । एवं चेव मनुस्सर्पविद्विज्जोरास्मिन्सरीरप्यभोगर्भे च भवे ।  
अस्त कम्मस्त उदएण । भवेमा । वीरिक्कभोगसहस्यवाए पमादप्यवा वाव  
आहर्गं च एह्वं मनुस्सर्पविद्विज्जोरास्मिन्सरीरप्यभोगपमाए कम्मस्त उदएण ॥  
ओरास्मिन्सरीरप्यभोगर्भे च भवे । कि देसर्भे च उप्पर्भे । भवेमा । देसर्भेचि  
उप्पर्भेचि एविद्विज्जोरास्मिन्सरीरप्यभोगर्भे च भवे । कि देसर्भे च उप्पर्भे ।  
एवं चेव एवं पुडकिद्ववएवा एवं वाव मनुस्सर्पविद्विज्जोरास्मिन्सरीरप्यभोगर्भे च  
भवे । कि देसर्भे च उप्पर्भे । भवेमा । देसर्भेचि उप्पर्भेचि ॥ ओरास्मिन्सरी-  
रप्यभोगर्भे च भवे । कम्मो केमविरं होह । भवेमा । उप्पर्भे एवं समं  
देसर्भे चउहोएण एवं समं उहोएणं विवि पक्किम्मोक्कमाई समवक्कमाई, एविद्विज्ज  
ओरास्मिन्सरीरप्यभोगर्भे च भवे । कम्मो केमविरं होह । भवेमा । उप्पर्भे एवं  
समं देसर्भे चउहोएण एवं समं उहोएणं वावीसं वासउहसुताई समवक्कमाई, पुडकि-  
द्ववएपिद्विज्जोरा भवेमा । उप्पर्भे एवं समं देसर्भे चउहोएणं चउहोएणं चउहोएणं  
विचममक्कमं उहोएणं वावीसं वासउहसुताई समवक्कमाई, एवं उप्पेसि उप्पर्भो  
एवं समं देसर्भो वेसि मवि वेउम्मिक्कसरीरं तेसि चउहोएणं चउहोएणं मक्कमाई  
विचममक्कमं उहोएणं वा अस्त उहोएणं डिई वा समवक्कमा चउहोएणं वेसि पुव  
मवि वेउम्मिक्कसरीरं तेसि देसर्भो चउहोएणं एवं समं उहोएणं वा अस्त डिई वा  
समवक्कमा चउहोएणं वाव मनुस्सर्प देसर्भे चउहोएणं एवं समं उहोएणं विवि पक्कि-  
म्मोक्कमाई समवक्कमाई ॥ ओरास्मिन्सरीरप्यभोगर्भंतरे च भवे । कम्मो केमविरं  
होह । भवेमा । उप्पर्भंतरे चउहोएणं चउहोएणं मक्कमाई विचममक्कमं उहोएणं वेसि  
सागरोक्कमाई पुप्फोक्किचममक्कमाई, देसर्भंतरे चउहोएणं एवं समं उहोएणं वेसि  
सागरोक्कमाई विचममक्कमाई, एविद्विज्जोरास्मिन्सरीरप्यभोगर्भंतरे चउहोएणं  
वेसि चउहोएणं मक्कमाई विचममक्कमं उहोएणं वावीसं वासउहसुताई समवक्कमाई,  
देसर्भंतरे चउहोएणं एवं समं उहोएणं वेसिपुप्फं पुडकिद्ववएपिद्विज्जोरा



गोयमा । सव्वबंधतरं जहेव एगिंदियस्स तहेव भाणियव्वं, देसबधंतरं जहजेण एक-  
 समयं, उक्कोसेणं तिभि समया, जहा पुढविकाइयाण एवं जाव चचरिंदियाण वाउक्काइय-  
 वज्जाण, नवरं सव्वबंधतरं उक्कोसेण जा जस्स ठिई सा समयाहिया कायव्वा, वाउ  
 क्काइयाणं सव्वबंधतरं जहजेणं खुट्ठागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेण तिभि वाससह-  
 स्साई समयाहियाई, देसबधंतरं जहजेणं एक समय, उक्कोसेण अतोमुहुत्तं, पचिंदिय-  
 तिरिक्खजोणियओरालियपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधतरं जहजेण खुट्ठागभवग्गहण तिस-  
 मयऊण, उक्कोसेणं पुव्वकोढी समयाहिया, देसबंधतरं जहा एगिंदियाणं तहा पचिंदिय  
 तिरिक्खजोणियाणं, एव मणुस्साणवि निरवसेस भाणियव्व जाव उक्कोसेणं अतोमुहुत्तं ॥  
 जीवस्स ण भंते । एगिंदियत्ते णोएगिंदियत्ते पुणरवि एगिंदियत्ते एगिंदियओरालियस-  
 रीरप्पओगवधंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधतरं जहजेण दो खुट्ठा  
 गभवग्गहणाइ तिसमयऊणाइ, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइ सखेज्जवासमम्भहि-  
 याइ, देसबंधतरं जहजेण खुट्ठाग भवग्गहणं समयाहियं, उक्कोसेण दो सागरोवमसह-  
 स्साइ सखेज्जवासमम्भहियाइ, जीवस्स ण भंते । पुढविकाइयत्ते नोपुढविकाइयत्ते पुण-  
 रवि पुढविकाइयत्ते पुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीरप्पओगवधंतरं कालओ केवच्चिरं  
 होइ ? गोयमा ! सव्वबंधतरं जहजेण दो खुट्ठागभवग्गहणाइ तिसमयऊणाइ, उक्कोसेण  
 अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणता लोगा  
 असखेज्जा पोग्गलपरियट्ठा ते णं पोग्गलपरियट्ठा आवलियाए असखेज्जइभागो, देस-  
 बंधतरं जहजेणं खुट्ठागभवग्गहणं समयाहियं, उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव आवलियाए  
 असखेज्जइभागो, जहा पुढविकाइयाण एव वणस्सइकाइयवज्जाणं जाव मणुस्साण,  
 वणस्सइकाइयाण दोन्नि खुट्ठाइ, एव चेव उक्कोसेण असखेज्जं कालं असखेज्जाओ उस्स-  
 प्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असखेज्जा लोगा, एव देसबंधतरपि उक्कोसेण  
 पुढविकालो ॥ एएसि णं भंते । जीवाणं ओरालियसरीरस्स देसबंधगाण सव्वबंध-  
 गाण अवधगाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा ओरा-  
 लियसरीरस्स सव्वबंधगा, अवंधगा विसेसाहिया, देसबंधगा असखेज्जगुणा ॥ ३४॥  
 वेउव्वियसरीरप्पओगबधे ण भंते । कइविहे पत्तत्ते ? गोयमा ! दुविहे पत्तत्ते, तजहा-  
 एगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबधे य पचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबधे य । जइ  
 एगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबधे किं वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबधे  
 अवाउक्काइयएगिंदिय० एव एएणं अभिलावेण जहा ओगाहणसठाणे वेउव्वियसरीर-  
 ओ तहा भाणियव्वो जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पाईयवेमाणियदेव-  
 दियवेउव्वियसरीरप्पओगबधे य अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव पओ-

निवसतीरप्यभोगर्भे यः अपभ्रान्तमभ्यवर्त्तितमनुस्रजं वाचं वने व ॥ ओष्ठमि-  
 त्तरीरप्यभोगर्भे न मतिः । अस्तु कम्मस्तु उदएणं । गोमया । वीरिजसभोगत्तरप्य-  
 क्कप्प पमादण्णवा कम्म न ज्योते न भवे न जाड्यं न बहुव ओष्ठमिस्तरीर-  
 प्यभोगमाप्प कम्मस्तु उदएणं ओष्ठमिस्तरीरप्यभोगर्भे ॥ एमिद्विजओष्ठमिस्तरी-  
 प्यभोगर्भे न मते । अस्तु कम्मस्तु उदएणं । एवं चेव पुत्रविद्यावएमिद्विजभेरा-  
 त्तिमनरीरप्यभोगर्भेति एवं चेव एवं वाच वनस्तु उदएणं एवं वेदित्वा एवं तेदित्वा  
 एवं वठित्तिवा तिरिक्कभोगिजवित्तिवओष्ठमिस्तरीरप्यभोगर्भे न मतिः । अस्तु  
 कम्मस्तु उदएणं । एवं चेव मनुस्तुपविद्विजओष्ठमिस्तरीरप्यभोगर्भे न मतिः ।  
 अस्तु कम्मस्तु उदएणं । गोमया । वीरिजसभोगत्तरप्यभोगमाप्प पमादण्णवा वाच  
 जाड्यं न पञ्च मनुस्तुपविद्विजओष्ठमिस्तरीरप्यभोगमाप्प कम्मस्तु उदएणं ॥  
 ओष्ठमिस्तरीरप्यभोगर्भे न मतिः । णि देसवने सम्भवने । गोमया । देसवनेति  
 सम्भवनेति एमिद्विजओष्ठमिस्तरीरप्यभोगर्भे न मतिः । णि देसवने सम्भवने ।  
 एवं चेव एवं पुत्रविद्याव एवं वाच मनुस्तुपविद्विजओष्ठमिस्तरीरप्यभोगर्भे न  
 मते । णि देसवने सम्भवने । गोमया । देसवनेति सम्भवनेति ॥ ओष्ठमिस्तरी-  
 प्यभोगर्भे न मतिः । अस्तु केवचित् होत्तु । गोमया । सम्भवने एतं सम-  
 देसवने अहनेन एतं सम- उदोत्तेन तिष्ठि पञ्चिजोत्तमां समवज्जमां, एमिद्वि-  
 जओष्ठमिस्तरीरप्यभोगर्भे न मतिः । वाक्यो केवचित् होत्तु । गोमया । सम्भवने एतं  
 सम- देसवने अहनेन एतं सम- उदोत्तेन वापीते वाससहस्सां समवज्जमां, पुत्रवि-  
 द्यावएमिद्विजपुच्छ गोमया । सम्भवने एतं सम- देसवने अहनेन उदोत्तेन समवज्ज-  
 मवज्जमां उदोत्तेन वापीते वाससहस्सां समवज्जमां, एवं सम्भवेति सम्भव-  
 एतं सम- देसवने केसि गच्छि वेतम्मिस्तरीरे तेसि अहनेन उदोत्तेन मवागएव  
 तिसमवज्जमां उदोत्तेन वा अस्तु उदोत्तेन ठिई वा समवज्जमा अहनेन केसि पुत्र  
 अस्ति वेतम्मिस्तरीरे तेसि देसवने अहनेन एतं सम- उदोत्तेन वा अस्तु ठिई वा  
 समवज्जमा अहनेन वाच मनुस्तुपविद्विजओष्ठमिस्तरीरप्यभोगर्भे न मतिः । वाक्यो केवचित्  
 होत्तु । गोमया । सम्भवने अहनेन उदोत्तेन मवागएव तिसमवज्जमां उदोत्तेन वेत-  
 मागएवमां पुत्रविद्यावसमाह्वित्तिव, देसवने अहनेन एतं सम- उदोत्तेन वेत-  
 मागएवमां तिसमवज्जमां, एमिद्विजओष्ठमिस्तरीरप्यभोगर्भे न मतिः । सम्भवने अह-  
 नेन उदोत्तेन मवागएव तिसमवज्जमां उदोत्तेन वापीते वाससहस्सां समवज्जमां,  
 देसवने अहनेन एतं सम- उदोत्तेन वेतमागएवमां पुत्रविद्यावएमिद्विजपुच्छ

अतोमुहुत्त, उक्कोसेण पुव्वकोटिपुहुत्त, एवं देसवंधंतरं पि, एव मणुस्सस्सवि ॥ जीवस्स  
ण भते ! वाउकाइयत्ते नोवाउकाइयत्ते पुणरवि वाउकाइयत्ते वाउकाइयएगिंदियवेउ  
व्वियपुच्छा, गोयमा ! सव्ववंधंतरं जहणेण अतोमुहुत्त, उक्कोसेण अणतं काल वण  
स्सइकालो, एव देसवधतरपि ॥ जीवस्स ण भते ! रयणप्पमापुढविनेरइयत्ते गोरय  
णप्पमापुढवि० पुच्छा, गोयमा ! सव्ववंधंतरं जहणेण दस वाससहस्साइ अतोमु  
हुत्तमब्भहियाइ, उक्कोसेण वणस्सइकालो, देसवधतर जहणेण अतोमुहुत्त, उक्कोसेण  
अणतं काल वणस्सइकालो, एव जाव अहेसत्तमाए, नवरं जा जस्स ठिई जहन्निया  
सा सव्ववधतरं जहणेण अतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेस त चेव, पच्चिंदियति  
रिक्खजोणियमणुस्साण य जहा वाउक्काइयाणं । असुरकुमारनागकुमार जाव सहस्सा  
रदेवाण एएसिं जहा रयणप्पमापुढविनेरइयाणं नवरं सव्ववधतर जस्स जा ठिई  
जहन्निया सा अतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेस तं चेव ॥ जीवस्स ण भते ! आण  
यदेवत्ते नोआणयदेवत्तेपुच्छा, गोयमा ! सव्ववंधंतरं जहणेण अद्वारस सागरोवमाइ  
वासपुहुत्तमब्भहियाइ, उक्कोसेण अणत काल वणस्सइकालो, देसवंधंतरं जहणेण  
वासपुहुत्त उक्कोसेण अणत काल वणस्सइकालो, एवं जाव अक्खए नवरं जस्स जा  
ठिई सा सव्ववधतरं जहणेण वासपुहुत्तमब्भहिया कायव्वा सेस त चेव । गेवेज्ज  
कप्पातीयपुच्छा, गोयमा ! सव्ववधतरं जहणेण वावीसं सागरोवमाइ वासपुहुत्त-  
मब्भहियाइ, उक्कोसेण अणत काल वणस्सइकालो, देसवधतरं जहणेण वासपुहुत्त  
उक्कोसेण वणस्सइकालो ॥ जीवस्स ण भते ! अणुत्तरोववाइयपुच्छा, गोयमा !  
सव्ववधतरं जहणेण एकतीस सागरोवमाइ वासपुहुत्तमब्भहियाइ, उक्कोसेण  
संखेज्जाइ सागरोवमाइ, देसवंधंतरं जहणेण वासपुहुत्त, उक्कोसेण संखेज्जाइ सागरो  
वमाइ ॥ एएसि ण भते ! जीवाण वेउव्वियसरीरस्स देसवधगाण सव्ववधगाण  
अवधगाण य कयरेरहितो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा  
वेउव्वियसरीरस्स सव्ववधगा, देसबंधगा असखेज्जगुणा, अवधगा अणतगुणा ॥  
आहारगसरीरप्पओगवधे ण भते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! एगागारे पण्णत्ते ।  
जइ एगागारे पण्णत्ते किं मणुस्साहारगसरीरप्पओगवधे अमणुस्साहारगसरीरप्प-  
ओगवधे ? गोयमा ! मणुस्साहारगसरीरप्पओगवधे नो अमणुस्साहारगसरीरप्प  
ओगवधे, एव एएण अभिलावेण जहा ओगाहणसठाणे जाव इट्ठिपत्तपमत्तसजयस-  
म्मइट्ठिपज्जत्तसखेज्जवासाठयकम्मभूमियगम्भवक्कंतियमणुस्साहारगसरीरप्पओगवधे,  
णो अणिट्ठिपत्तपमत्त जाव आहारगसरीरप्पओगबंधे । आहारगसरीरप्पओगवधे णं  
भते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! वीरियसजोगसइव्वयाए जाव लद्धिं वा



म्मासरीरप्पभोगवधे णं भते । कस्स कम्मस्स उदएण २ गोयमा ! दसणपडिणीय  
 याए एव जहा णाणावरणिज्ज नवरं दंसणनाम धेतव्व जाव दसणविसवायणाजोगेण  
 दरिसेणावरणिज्जकम्मासरीरप्पभोगनामाए कम्मस्स उदएण जाव पओगवधे । साया  
 वेयणिज्जकम्मासरीरप्पभोगवधे ण भते । कस्स कम्मस्स उदएण २ गोयमा ! पाणा  
 णुरुपयाए भूयाणुरुपयाए एव जहा सत्तमसए दसमोहेसए जाव अपरियावणयाए  
 सायावेयणिज्जकम्मासरीरप्पभोगनामाए कम्मस्स उदएण सायावेयणिज्जकम्मा जाव  
 वधे । असायावेयणिज्जपुच्छा, गोयमा ! परदुन्ववणयाए परमोयणयाए जहा सत्तमसए  
 दसमोहेसए जाव परियावणयाए असायावेयणिज्जकम्मा जाव पओगवधे । मोहणिज्ज  
 कम्मासरीरप्पभोगपुच्छा, गोयमा ! तिब्बकोहयाए, तिब्बमाणयाए, तिब्बमाययाए,  
 तिब्बलोहयाए, तिब्बदसणमोहणिज्जयाए, तिब्बचरितमोहणिज्जयाए, मोहणिज्जकम्मास-  
 रीरप्पभोग जाव पओगवधे । नेरइयाउयकम्मासरीरप्पभोगवधे ण भते । पुच्छा,  
 गोयमा ! महारभयाए, महापरिग्गहयाए, कुणिमाहारेण, पच्चिदियवहेण, नेरइयाउय  
 कम्मासरीरप्पभोगनामाए कम्मस्स उदएण नेरइयाउयकम्मासरीर जाव पओगवधे ।  
 तिरिक्खजोणियाउयकम्मासरीरप्पभोगपुच्छा, गोयमा ! माइइयाए, नियडिइयाए,  
 अलियवयणेण, कूडतुलकूडमाणेण, तिरिक्खजोणियाउयकम्मासरीर जाव पओगवधे ।  
 मणुस्सआउयकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! पगइभइयाए, पगइविणीययाए, साणुक्को-  
 सयाए, अमच्छरियाए, मणुस्साउयकम्मा जाव पओगवधे । देवाउयकम्मासरीर-  
 पुच्छा, गोयमा ! सरागसजमेण, सजमासजमेण, बालतवोकम्मगेण, अकामनिज्जराए,  
 देवाउयकम्मासरीर जाव पओगवधे ॥ सुभनामकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! काय-  
 उज्जुययाए, भावुज्जुययाए, भासुज्जुययाए, अविसवायणाजोगेण, सुभनामकम्मासरीर  
 जाव पओगवधे ॥ असुभनामकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! कायअणुज्जुययाए, भाव  
 अणुज्जुययाए, भासअणुज्जुययाए, विसवायणाजोगेण, असुभनामकम्मा जाव पओग-  
 वधे । उच्चागोयकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! जाइअमएण, कुलअमएण, धलअमएण,  
 रुवअमएण, तवअमएण, सुयअमएण, लाभअमएण, इस्सरियअमएण, उच्चागोय  
 कम्मासरीर जाव पओगवधे, नीयागोयकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! जाइमएण,  
 कुलमएण, चल्मएण, जाव इस्सरियमएण, नीयागोयकम्मासरीर जाव पओगवधे ।  
 अतराइयकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! दाणंतराएण, लाभतराएण, भोगतराएण,  
 उवभोगतराएण, वीरियतराएण, अतराइयकम्मासरीरप्पभोगनामाए कम्मस्स  
 उदएण अतराइयकम्मासरीरप्पभोगवधे ॥ णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पभोगवधे ण  
 भते ! किं देसवधे, सव्ववधे २ गोयमा ! देसवधे णो सव्ववधे, एव जाव



अवधए ? गोयमा ! वधए नो अवधए, जइ वधए किं देसवधए । सव्ववधए ? गोयमा ! देसवधए नो सव्ववधए । जस्स ण भंते ! कम्मगसरीरस्स देसवधे से ण भंते ! ओरालियत्तरीरस्स जहा तेयगस्स वत्तव्वया भणिया तहा कम्मगस्सवि भाणियव्वा जाव तेयासरीरस्स जाव देसवधए नो सव्ववधए ॥ ३५१ ॥ एएति ण भंते ! सव्वजीवाण ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मासरीरगण देसवधगण सव्ववधगण अवधगण य कयरे, जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्योवा जीवा आहारगसरीरस्स सव्ववधगा १ तस्स चेव देसवधगा सखेज्जगुणा २ वेउ व्वियसरीरस्स सव्ववधगा असखेज्जगुणा ३ तस्स चेव देसवधगा असखेज्जगुणा ४ तेयाकम्मगाणं दुण्हवि तुल्ल अवधगा अणंतगुणा ५ ओरालियसरीरस्स सव्ववधगा अणंतगुणा ६ तस्स चेव अवधगा विसेसाहिया ७ तस्स चेव देसवधगा असखेज्जगुणा ८ तेयाकम्मगाण देसवधगा विसेसाहिया ९ वेउव्वियसरीरस्स अवधगा विसेसाहिया १० आहारगसरीरस्स अवधगा विसेसाहिया ११ । सेव भंते ! ७ त्ति ॥ ३५२ ॥ अट्ठमसयस्स नवमो उद्देसओ समत्तो ॥

रायगिहे नगरे जाव एव वयासी-अन्नउत्थिया ण भंते ! एवमाइक्खंति जाव एव पल्लवेति-एव खल्ल सील सेय, सुय सेय, सुय सेय सील, सेय, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जन्न ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव जे ते एवमाहसु मिच्छा ते एवमाहसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव पल्लवेमि, एवं खल्ल मए चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तंजहा-सीलसपन्ने णाम एगे णो सुयसपन्ने १ सुयसपन्ने नामं एगे नो सीलसपन्ने २ एगे सीलसपन्नेवि सुयसपन्नेवि ३ एगे णो सीलसपन्ने नो सुयसपन्ने ४, तत्थ ण जे से पढमे पुरिसजाए से ण पुरिसे सीलव असुयव, उवरए अविज्जायधम्मे, एस ण गोयमा ! मए पुरिसे देसाराहए पण्णत्ते, तत्थ ण जे से दोव्वे पुरिसजाए से ण पुरिसे असीलव सुयवं, अणुवरए विज्जायधम्मे, एस ण गोयमा ! मए पुरिसे देसविराहए पण्णत्ते, तत्थ ण जे से तव्वे पुरिसजाए से ण पुरिसे सीलवं सुयव, उवरए विज्जायधम्मे, एस ण गोयमा ! मए पुरिसे सव्वाराहए पण्णत्ते, तत्थ ण जे से चउत्थे पुरिसजाए से ण पुरिसे असीलव असुयवं, अणुवरए अविज्जायधम्मे, एस ण गोयमा ! मए पुरिसे सव्वविराहए पण्णत्ते ॥ ३५३ ॥ कइविहा णं भंते ! आराहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा आराहणा पण्णत्ता, तंजहा-नाणा राहणा दंसणाराहणा चरित्ताराहणा । णाणाराहणा ण भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता, तंजहा-उक्कोसिया भज्जिमा जह्वा । दसणाराहणा णं भंते ! कइविहा ५० ? एव चेव तिविहावि । एव चरित्ताराहणावि ॥ जस्स णं भंते !

अंतःपश्यन्मा । आत्मावरमिज्जम्मासरीरप्यजोपर्वणे न मति । अतश्चे केवचिरं  
होइ ? गोक्का ! आत्मा दुमिहे पप्पत्ते, तंमहा-अवाइए । सपज्जसिए अवाइए  
अपज्जसिए, एवं अहा तेवपस्स संविट्ठुवा तहेव एवं आत्मा अंतःपश्यन्मास्स ।  
आत्मावरमिज्जम्मासरीरप्यजोपर्वणंतरे न मति । अतश्चे केवचिरं होइ ? गोक्का !  
अवाइएस्स एवं अहा तेवपस्सरीरस्स अंतरे तहेव एवं आत्मा अंतःपश्यन्मास्स ।  
एएति न मति । अतीवर्णं आत्मावरमिज्जस्स कम्मस्स देसवर्णपार्णं अर्चवमाणं य अन्तरे  
आत्मा अवाइएस्स अहा तेवपस्स एवं आत्मावरमिज्जं आत्मा अंतःपश्यन्मा ४ आत्मावरस्स पुब्बा  
येक्का ! सप्पत्तोय जीव आत्मावरस्स कम्मस्स देसवर्णगा अर्चवगा संवेज्जुवा ५  
॥३५॥ ४ अस्स न मति । ओपत्तिस्सरीरस्स सप्पवर्णे से न मति । वेड्ढिस्सरीरस्स  
किं वंचए अर्चवए ? गोक्का ! गो वंचए अर्चवए, आहारपस्सरीरस्स किं वंचए  
अर्चवए ? गोक्का ! गो वंचए अर्चवए, तेवास्सरीरस्स किं वंचए अर्चवए ? गोक्का !  
वंचए ये अर्चवए, अइ वंचए किं देसवर्णए सप्पवर्णए ? गोक्का ! देसवर्णए गो  
सप्पवर्णए, कम्मस्सरीरस्स किं वंचए अर्चवए ? अहेव तेवपस्स आत्मा देसवर्णए गो  
सप्पवर्णए ४ अस्स न मति । ओपत्तिस्सरीरस्स देसवर्णे से न मति । वेड्ढिस्सरीरस्स  
किं वंचए अर्चवए ? गोक्का ! गो वंचए अर्चवए, एवं अहेव सप्पवर्णं  
मत्तिं तहेव देसवर्णवत्ति मात्तिवर्णं आत्मा कम्मपस्स । अस्स न मति । वेड्ढि-  
स्सरीरस्स सप्पवर्णे से न मति । ओपत्तिस्सरीरस्स किं वंचए अर्चवए ?  
गोक्का ! गो वंचए अर्चवए, आहारपस्सरीरस्स एवं चेव तेवपस्स कम्मपस्स न  
अहेव ओपत्तिएवं सप्प मत्तिं तहेव मात्तिवर्णं आत्मा देसवर्णए गो सप्पवर्णए ।  
अस्स न मति । वेड्ढिस्सरीरस्स देसवर्णे से न मति । ओपत्तिस्सरीरस्स किं  
वंचए अर्चवए ? गोक्का ! गो वंचए अर्चवए, एवं अहा सप्पवर्णं मत्तिं तहेव  
देसवर्णवत्ति मात्तिवर्णं आत्मा कम्मपस्स । अस्स न मति । आहारपस्सरीरस्स सप्प-  
वर्णे से न मति । ओपत्तिस्सरीरस्स किं वंचए अर्चवए ? गोक्का ! गो वंचए  
अर्चवए, एवं वेड्ढिस्सरीरस्स तेवाकम्मार्णं अहेव ओपत्तिएवं सप्प मत्तिं तहेव  
मात्तिवर्णं । अस्स न मति । आहारपस्सरीरस्स देसवर्णे से न मति । ओपत्ति-  
स्सरीरस्स एवं अहा आहारपस्सरीरस्स सप्पवर्णं मत्तिं तहा देसवर्णवत्ति मात्ति-  
वर्णं आत्मा कम्मपस्स । अस्स न मति । तेवास्सरीरस्स देसवर्णे से न मति । ओप-  
त्तिस्सरीरस्स किं वंचए अर्चवए ? गोक्का ! वंचए वा अर्चवए वा अइ वंचए किं  
देसवर्णए सप्पवर्णए ? गोक्का ! देसवर्णए वा सप्पवर्णए वा वेड्ढिस्सरीरस्स  
किं वंचए अर्चवए ? एवं चेव, एवं आहारपस्सरीरस्स कम्मपस्सरीरस्स किं वंचए



अवधए १ गोयमा । अवधए नो अवधए, जइ वधए किं देसवधए सव्ववधए १ गोयमा । देसवधए नो सव्ववधए जस्स ण भंते । कम्मगसरीरस्स देसवधे से ण भंते । ओरालियसरीरस्स जहा तेयगस्स वत्तव्वया भणियो तहा कम्मगस्सवि भाणियव्वा जाव तेयासरीरस्स जाव देसवधए नो सव्ववधए ॥ ३५१ ॥ एएणि ण भंते । सव्वजीवाण ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मासरीरगण देसवधगणं सव्ववधगणं अवधगणं य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा १ गोयमा । सव्वत्योवा जीवा आहारगसरीरस्स सव्ववधगा १ तस्स चेव देसवधगा सखेज्जगुणा २ वेउ व्वियसरीरस्स सव्ववधगा असखेज्जगुणा ३ तस्स चेव देसवधगा असखेज्जगुणा ४ तेयाकम्मगणं दुण्हवि तुल्ला अवधगा अणतगुणा ५ ओरालियसरीरस्स सव्ववधगा अणतगुणा ६ तस्स चेव अवधगा विसेसाहिया ७ तस्स चेव देसवधगा असखेज्जगुणा ८ तेयाकम्मगणं देसवधगा विसेसाहिया ९ वेउव्वियसरीरस्स अवधगा विसेसाहिया १० आहारगसरीरस्स अवधगा विसेसाहिया ११ । सेव भंते । २ त्ति ॥ ३५२ ॥ अट्टमसयस्स नवमो उद्देसओ समत्तो ॥

रायगिहे नगरे जाव एव वयासी-अन्नउत्थिया ण भंते । एवमाइक्खति जाव एव पळ्वेति-एव खलु सील सेयं, सुयं सेय, सुय सेय सील, सेय, से कहमेयं भंते । एवं १ गोयमा । जज्ज ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव जे ते एवमाइसु मिच्छा ते एवमाइसु, अह पुण गोयमा । एवमाइक्खामि जाव पळ्वेमि, एव खलु मए चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तजहा-सीलसपत्ते णामं एगे णो सुयसपत्ते १ सुयसपत्ते नाम एगे नो सीलसपत्ते २ एगे सीलसपत्तेवि सुयसपत्तेवि ३ एगे णो सीलसपत्ते नो सुयसपत्ते ४, तत्थ ण जे से पढमे पुरिसजाए से ण पुरिसे सीलव असुयवं, उवरए अविज्ञायधम्मे, एस ण गोयमा । मए पुरिसे देसाराहए पण्णत्ते, तत्थ ण जे से दोधे पुरिसजाए से ण पुरिसे असीलवं सुयवं, अणुवरए विज्ञायधम्मे, एस ण गोयमा । मए पुरिसे देसविराहए पण्णत्ते, तत्थ ण जे से तच्चे पुरिसजाए से ण पुरिसे सीलवं सुयवं, उवरए विज्ञायधम्मे, एस ण गोयमा । मए पुरिसे सव्वाराहए पण्णत्ते, तत्थ ण जे से चउत्थे पुरिसजाए से ण पुरिसे असीलव असुयवं, अणुवरए अविज्ञायधम्मे, एस ण गोयमा । मए पुरिसे सव्वविराहए पण्णत्ते ॥ ३५३ ॥ कइविहा ण भंते । आराहणा पण्णत्ता १ गोयमा । तिविहा आराहणा पण्णत्ता, तजहा-नाणा राहणा दसणाराहणा चरित्तराहणा । १ णाणाराहणा ण भंते । कइविहा पण्णत्ता १ गोयमा । तिविहा पण्णत्ता, तजहा-उक्कोसिया मज्झिमा जहन्ता । १ दंसणाराहणा ण भंते । कइविहा ५० २ एव चेव तिविहावि । एव चरित्तराहणावि ॥ जस्स ण भंते ।

उज्जोसिवा नापाउह्या तस्स उज्जोसिवा ईसवाराह्या अस्स उज्जोसिवा ईसवाउह्या  
तस्स उज्जोसिवा नापाउह्या । योक्कमा । अस्स उज्जोसिवा नापाउह्या तस्स ईस  
वाराह्या उज्जोसिवा वा अज्जह्मउज्जोसिवा वा । अस्स पुण उज्जोसिवा ईसवाउह्या  
तस्स नापाउह्या उज्जोसिवा वा अह्या वा अज्जह्मउज्जोसिवा वा । अस्स न मंते !  
उज्जोसिवा नापाउह्या तस्स उज्जोसिवा अरिताउह्या अस्सउज्जोसिवा अरिताउह्या  
तस्सउज्जोसिवा नापाउह्या । अहा उज्जोसिवा नापाउह्या न ईसवाराह्या न मभिया  
तहा उज्जोसिवा नापाउह्या न अरिताउह्या न भास्सिक्कमा ॥ अस्स यं मंते !  
उज्जोसिवा ईसवाउह्या तस्सउज्जोसिवा अरिताउह्या अस्सउज्जोसिवा अरिताउह्या  
तस्सउज्जोसिवा ईसवाउह्या । योक्कमा । अस्स उज्जोसिवा ईसवाराह्या तस्स अरि-  
ताउह्या उज्जोसिवा वा अह्या वा अज्जह्मउज्जोसिवा वा अस्स पुण उज्जोसिवा अरि-  
ताउह्या तस्स ईसवाउह्या निवया उज्जोसिवा ॥ उज्जोसिवा न मंते ! नापाउह्यं  
आउहेत्त कइहि मक्कम्पह्वेहि सिक्खइ जाव अंतं करेइ । योक्कमा । अत्थेणइ  
तेवैव मक्कम्पह्वेन सिक्खइ जाव अंतं करेइ अत्थेणइ तेवैव मक्कम्पह्वेन सिक्खइ  
जाव अंतं करेइ, अत्थेणइ कप्पोवण्णु वा कप्पाटीवण्णु वा उक्कज्जइ, उज्जोसिवा न  
मंते । ईसवाराह्यं आउहेत्ता कइहि मक्कम्पह्वेहि एवैव उज्जोसिक्कं मंते ।  
अरिताउह्यं आउहेत्त एवैव नवरं अत्थेणइ कप्पाटीवण्णु उक्कज्जइ । मज्झि-  
मिं न मंते । नापाउह्यं आउहेत्ता कइहि मक्कम्पह्वेहि सिक्खइ जाव अंतं करेइ ।  
योक्कमा । अत्थेणइ तेवैव मक्कम्पह्वेन सिक्खइ जाव अंतं करेइ एवं पुण मक्कम्प-  
ह्वं नाक्कमइ, मज्झिमिं न मंते । ईसवाउह्यं आउहेत्त एवैव एव मज्झि-  
मिं अरिताउह्यंवि । अहस्सियं मंते । नापाउह्यं आउहेत्त कइहि मक्कम्पह्वेहि  
सिक्खइ जाव अंतं करेइ । योक्कमा । अत्थेणइ तेवैव मक्कम्पह्वेन सिक्खइ जाव  
अंतं करेइ सत्तमक्कम्पह्वं पुण नाक्कमइ एवं ईसवाराह्यंवि एवं अरिताउह्यंवि  
॥ १५४ ॥ कइमिहे न मंतं । पोम्पकपरिचामे पण्णो । योक्कमा । पंचमिहे पोम्पकपरि-  
चामे पण्णो तंउहा-वचपरिचामे १ यंचप २ रसप ३ अचप ४ पंडाचप ५  
वचपरिचामे न मंते । कइमिहे पण्णो । योक्कमा । पंचमिहे पण्णो तंउहा-अचवचपरि-  
चामे जाव उचिचवचपरिचामे एवं पुएवं अमिचवैर्यं यंचपरिचामे इमिहे, रसपपरिचामे  
पंचमिहे, अचपपरिचामे अइमिहे, पंडाचपपरिचामे न मंते । कइमिहे पण्णो । योक्कमा ।  
पंचमिहे पण्णो, तंउहा-परिमैककठंठाचपपरिचामे जाव जावपंडाचपपरिचामे ॥ १५५ ॥  
एवो मंते । पोम्पकपरिचानपण्णो ॥ १ ॥ वण्णो १ वण्णोदेसो २ वण्णोइ ३ वण्णोदेसा ४  
उवण्णु वण्णो ५ वण्णोदेसो ५ ५ उवण्णु वण्णो ५ वण्णोदेसा ५ ५ उवण्णु वण्णो ५

दव्वदेसे य ७ उदाहु दव्वाइ च दव्वदेसा य ८ ? गोयमा ! सिय दव्वं सिय दव्वदेसे नो दव्वाइ नो दव्वदेसा नो दव्वं, च दव्वदेसे य जाव नो दव्वाइ च दव्वदेसा य ॥ दो भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं दव्वदेसे ? पुच्छा तहेव, गोयमा ! सिय दव्व १ सिय दव्वदेसे २ सिय दव्वाइ ३ सिय दव्वदेसा ४ सिय दव्व च दव्वदेसे य ५ नो दव्वं च दव्वदेसा य ६ सेसा पडिसेहेयन्वा ॥ तिन्नि भते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं दव्वदेसे ० ? पुच्छा, गोयमा ! सिय दव्व १ सिय दव्वदेसे २ एव सत्त भगा भाणियन्वा जाव सिय दव्वाइ च दव्वदेसे य नो दव्वाइ च दव्वदेसा य । चत्तारि भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं ० ? पुच्छा, गोयमा ! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ अट्ठवि भगा भाणियन्वा जाव सिय दव्वाइ च दव्वदेसा य ८ । जहा चत्तारि भणिया एव पच छ सत्त जाव सखेज्जा असखेज्जा । अणत्ता भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं ० ? एवं चेव जाव सिय दव्वाइ च दव्व देसा य ॥ ३५६ ॥ केवइया णं भते ! लोयागासपएसा प० ? गोयमा ! असखेज्जा लोयागासपएसा प० ॥ एगमेगस्स णं भते ! जीवस्स केवइया जीवपएसा प० ? गोयमा ! जावइया लोयागासपएसा एगमेगस्स ण जीवस्स एवइया जीवपएसा पण्णत्ता ॥ ३५७ ॥ कइ ण भते ! कम्मपगढीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपगढीओ पण्णत्ताओ, तजहा—नाणावरणिज्ज जाव अतराइय, नेरइयाण भंते ! कइ कम्मपगढीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ, एवं सव्वजीवाण अट्ठ कम्मपगढीओ ठावेयव्वाओ जाव वेमाणियाण । नाणावरणिज्जस्स ण भते ! कम्मस्स केवइया अविभागपलिच्छेया प० ? गोयमा ! अणत्ता अविभागपलिच्छेया प०, नेरइयाण भते ! नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइया अविभागपलिच्छेया प० ? गोयमा ! अणत्ता अविभागपलिच्छेया प०, एव सव्वजीवाण जाव वेमाणियाण पुच्छा, गोयमा ! अणत्ता अविभागपलिच्छेया प०, एव जहा नाणावरणिज्जस्स अविभागपलिच्छेया भणिया तहा अट्ठण्हवि कम्मपगढीण भाणियन्वा जाव वेमाणियाण अतराइयस्स । एगमेगस्स ण भते ! जीवस्स एगमेगे जीवपएसे नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेएहिं आवेडिए परिवेडिए ? गोयमा ! सिय आवेडियपरिवेडिए सिय नो आवेडियपरिवेडिए, जइ आवेडियपरिवेडिए नियमा अणत्तेहिं, एगमेगस्स णं भते ! नेरइयस्स एगमेगे जीवपएसे नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेएहिं आवेडिए परिवेडिए ? गोयमा ! नियमा अणत्तेहिं, जहा नेरइयस्स एवं जाव वेमाणियस्स, नवरं मणूसस्स जहा जीवस्स । एगमेगस्स णं भंते ! जीवस्स एगमेगे जीवपएसे दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं ० एव जहेव नाणावरणिज्जस्स

तद्देव ईडपो भागिकम्भो जाय वैभागियस्य एवं जाय अंतप्राप्तस्य भागियस्य मन्त्रं  
 वैदिकस्य जात्रस्य नामस्य गोवस्य एवमि जात्रस्य नामाने मन्त्रस्य अथा  
 मेरुस्य तदा भागिकम्भो रोषं तं वेद ॥ १५८ ॥ अस्तु नं मति । भागिकम्भो  
 तस्य द्रिष्टपात्रस्य अस्तु ईष्टपात्रस्य तस्य भागिकम्भो । गोयमा ।  
 अस्तु भागिकम्भो तस्य ईष्टपात्रस्य निकम्भ अस्ति अस्तु द्रिष्टपात्रस्य  
 तस्यमि मन्त्रस्य नियमा अस्ति । अस्तु नं मति । भागिकम्भो तस्य वैदिकम्भो  
 अस्तु वैदिकम्भो तस्य भागिकम्भो । गोयमा । अस्तु भागिकम्भो तस्य वैदिक-  
 म्भो नियमा अस्ति अस्तु पुन वैदिकम्भो तस्य भागिकम्भो सिद्ध अस्ति सिद्ध  
 अस्ति । अस्तु नं मति । भागिकम्भो तस्य मोहिकम्भो अस्तु मोहिकम्भो तस्य  
 भागिकम्भो । गोयमा । अस्तु भागिकम्भो तस्य मोहिकम्भो सिद्ध अस्ति सिद्ध  
 अस्ति अस्तु पुन मोहिकम्भो तस्य भागिकम्भो नियमा अस्ति । अस्तु नं मति ।  
 भागिकम्भो तस्य जात्रम् । एवं अथा वैदिकम्भो समं मन्त्रं तदा जात्रस्यमि  
 समं भागिकम्भो एवं नामेवमि एवं गोयमि समं अंतप्राप्तस्य समं अथा द्रिष्टपा-  
 त्रस्यमि समं तद्देव निकम्भो परोप्यं भागिकम्भो १ ॥ अस्तु नं मति । द्रि-  
 ष्टपात्रस्य तस्य वैदिकम्भो अस्तु वैदिकम्भो तस्य द्रिष्टपात्रस्य । अथा भाग-  
 कम्भो तद्विमेहं सप्तमि कम्भेहं समं मन्त्रं तदा द्रिष्टपात्रस्यमि तद्विमेहं  
 कम्भेहं कम्भेहं समं भागिकम्भो जाय अंतप्राप्तम् १ । अस्तु नं मति । वैदिकम्भो  
 तस्य मोहिकम्भो अस्तु मोहिकम्भो तस्य वैदिकम्भो । गोयमा । अस्तु वैदिकम्भो तस्य  
 मोहिकम्भो सिद्ध अस्ति सिद्ध अस्ति । अस्तु पुन मोहिकम्भो तस्य वैदिकम्भो नियमा  
 अस्ति । अस्तु नं मति । वैदिकम्भो तस्य जात्रम् । एवं एवमि परोप्यं नियमा  
 अथा जात्रस्य समं एवं नामेवमि गोयमि समं भागिकम्भो । अस्तु नं मति । वैद-  
 कम्भो तस्य अंतप्राप्तम् । पुच्छा गोयमा । अस्तु वैदिकम्भो तस्य अंतप्राप्तं सिद्ध  
 अस्ति सिद्ध अस्ति अस्तु पुन अंतप्राप्तं तस्य वैदिकम्भो नियमा अस्ति १ । अस्तु  
 नं मति । मोहिकम्भो तस्य जात्रम् अस्तु जात्रम् तस्य मोहिकम्भो । गोयमा । अस्तु  
 मोहिकम्भो तस्य जात्रम् निकम्भो अस्ति अस्तु पुन जात्रम् तस्य मोहिकम्भो सिद्ध  
 अस्ति सिद्ध अस्ति एवं नम्यं गोयं अंतप्राप्तं न भागिकम्भो ४ अस्तु नं मति ।  
 जात्रम् तस्य नाम । पुच्छा गोयमा । गोमि परोप्यं नियमा एवं गोयमि समं  
 भागिकम्भो अस्तु नं मति । जात्रम् तस्य अंतप्राप्तम् । पुच्छा गोयमा । अस्तु  
 जात्रम् तस्य अंतप्राप्तं सिद्ध अस्ति सिद्ध अस्ति अस्तु पुन अंतप्राप्तं तस्य जात्रम्  
 नियमा अस्ति ५ । अस्तु नं मति । नामं तस्य गोयं अस्तु गोयं तस्य नामं ।

गोयमा ! जस्स णाम तस्स नियमा गोय, जस्स गोय तस्स नियमा नाम, गोयमा ! दोवि एए परोप्परं नियमा, जस्स ण भते ! णामं तस्म अतराइयं ० १ पुच्छा, गोयमा ! जस्स नाम तस्स अतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अतराइयं तस्स नाम नियमा अत्थि ६ । जस्स ण भते ! गोयं तस्स अतराइयं ० १ पुच्छा, गोयमा ! जस्स गोय तस्स अतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अतराइयं तस्स गोय नियमा अत्थि ७ ॥ ३५९ ॥ जीवे ण भते ! किं पोग्गली पोग्गले ? गोयमा ! जीवे पोग्गलीवि पोग्गलेवि, से केणट्ठेणं भंते ! एव वुच्चइ जीवे पोग्गलीवि पोग्गलेवि ? गोयमा ! से जहानामए छत्तेण छत्ती, दहेण दही, घडेणं घही, पडेणं पडी, करेण करी, एवामेव गोयमा ! जीवेवि सोइदियचक्खिदियघाणिदियजिब्भि दियकासिंदियाइ पडुच्च पोग्गली, जीवं पडुच्च पोग्गले, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ जीवे पोग्गलीवि पोग्गलेवि । नेरइए ण भते ! किं पोग्गली ० १ एव चेव, एवं जाव वेमाणिए नवरं जस्स जइ इदियाइ तस्स तइ भाणियव्वाइ । सिद्धे ण भते ! किं पोग्गली पोग्गले ? गोयमा ! नो पोग्गली पोग्गले, से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ जाव पोग्गले ? गोयमा ! जीव पडुच्च, से तेणट्ठेण गोयमा ! एवं वुच्चइ सिद्धे नो पोग्गली पोग्गले । सेव भंते ! सेवं भते ! ति ॥ ३६० ॥ अट्टमसए दसमो उद्देसो समत्तो, अट्टम सय समत्तं ॥

जबुद्दीवे १ जोइस २ अतरदीवा ३० असोच्च ३१ गंगेय ३२ । कुंडरगामे ३३ पुरिसे ३४ नवममि सए चउत्तीसा ॥ १ ॥ तेण कालेण तेणं समएणं मिहिला नाम नगरी होत्था वन्नओ, माणिभहे उज्जाणे वन्नओ, सामी समोसडे परिसा निग्गया जाव भगव गोयमे पज्जुवासमाणे एव वयासी-कहि ण भते ! जबुद्दीवे दीवे ? किंसठिए ण भते ! जबुद्दीवे वीवे ? एव जंबुद्दीवपन्नत्ती भाणियव्वा जाव एवामेव सपुव्वावरेण जबुद्दीवे २ चोइस सलिला सयसहस्सा छप्पन्न च सहस्सा भवतीतिमक्खाया । सेवं भते ! सेवं भते ! ति ॥ ३६१ ॥ नवमसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एव वयासी-जम्बुद्दीवे ण भंते ! वीवे केवइया चदा पभासिंसु वा पभासेंति वा पभासिस्सति वा ? एव जहा जीवाभिगमे जाव-‘एग च सयसहस्स तेत्तीस खल्ल भवे सहस्साइ । नव य सया पचासा तारागणकोटिकोटीण ॥ १ ॥’ सोम सोभिंसु सोभिति सोभिस्सति ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे केवइया चदा पभासिंसु वा पभासेंति वा पभासिस्सति वा ३ एव जहा जीवाभिगमे जाव ताराओ ॥ धायइ सडे कालोदे पुक्खरवरे अब्भितरपुक्खरखे मणुस्सखेत्ते, एएसु सव्वेसु जहा जीवाभिगमे जाव-‘एगससीपरिवारो तारागणकोटि(कोटि)कोटीण ।’ पुक्खरखे णं भते !



रणिज्जाण कम्माण खओवसमे कडे भवइ से णं असोचा केवलिस्स वा जाव केवल  
 वोहिं बुज्जेज्जा, जस्स णं दारिगणावरणिज्जाण कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ  
 से ण असोचा केवलिस्स वा जाव केवल वोहिं णो बुज्जेज्जा, से तेणट्ठेण जाव णो  
 बुज्जेज्जा ॥ अगोचा ण भते । केवलिस्स वा जाव तप्पफिणियउवासियाए वा केवल  
 मुटे भविता अगाराओ अणगारिय पव्वएज्जा ? गोयमा । अगोचा णं केवलिस्स  
 वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवल मुटे भविता अगाराओ अणगारिय  
 पव्वइज्जा, अत्थेगइए केवल मुटे भविता अगाराओ अणगारिय नो पव्वएज्जा, से  
 केणट्ठेण जाव नो पव्वएज्जा ? गोयमा । जस्स ण धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओव  
 समे कडे भवइ से ण असोचा केवलिस्स वा जाव केवल मुटे भविता अगाराओ  
 अणगारिय पव्वएज्जा, जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ  
 से ण असोचा केवलिस्स वा जाव मुटे भविता जाव णो पव्वएज्जा, से तेणट्ठेण  
 गोयमा । जाव नो पव्वएज्जा । असोचा ण भते । केवलिस्स वा जाव उवासियाए  
 वा केवल वभचेरवास आवसेज्जा ? गोयमा । असोचा ण केवलिस्स वा जाव उवा  
 सियाए वा अत्थेगइए केवल वभचेरवास आवसेज्जा, अत्थेगइए केवल वभचेरवास  
 नो आवसेज्जा, से केणट्ठेण भते । एव बुयइ जाव नो आवसेज्जा ? गोयमा । जस्स  
 णं चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से ण असोचा केवलिस्स वा  
 जाव केवल वभचेरवास आवसेज्जा, जस्स ण चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओव  
 समे नो कडे भवइ से ण असोचा केवलिस्स वा जाव नो आवसेज्जा, से तेणट्ठेण  
 जाव नो आवसेज्जा । असोचा णं भते । केवलिस्स वा जाव केवलेण सजमेण सज  
 मेज्जा ? गोयमा । असोचा ण केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा जाव अत्थेगइए  
 केवलेण सजमेण सजमेज्जा, अत्थेगइए केवलेण सजमेण नो सजमेज्जा, से केणट्ठेण  
 जाव नो सजमेज्जा ? गोयमा । जस्स ण जयणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे  
 भवइ से ण असोचा ण केवलिस्स वा जाव केवलेण सजमेण सजमेज्जा, जस्स णं  
 जयणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से ण असोचा केवलिस्स वा  
 जाव नो सजमेज्जा, से तेणट्ठेण गोयमा । जाव अत्थेगइए नो संजमेज्जा । असोचा  
 णं भते । केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलेण सवरेण सवरेज्जा ? गोयमा ।  
 असोचा ण केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलेण सवरेण सवरेज्जा, अत्थेगइए केवलेण  
 जाव नो सवरेज्जा, से केणट्ठेण जाव नो सवरेज्जा ? गोयमा । जस्स णं अज्झवसा  
 णावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से ण असोचा केवलिस्स वा जाव  
 केवलेण सवरेण सवरेज्जा जस्स णं अज्झवसाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे





केवलनाग नो टप्पाहेजा ? गोयमा । अस्स ण नागावरणिज्जाण कम्माण खओवसने  
 नो कडे भवइ १ जस्स ण दरिसगावरणिज्जाण कम्माण खओवसने नो कडे भवइ ?  
 जस्स ण धम्मतराइया कम्माण खओवसने नो कडे भवइ ३ एव चरितावरणिज्जाण  
 ४ जयगावरणिज्जाण ५ अज्झवसाणावरणिज्जाण ६ आभिनिवोहियनागावरणिज्जाण  
 ७ जाव मापजवनागावरणिज्जाण कम्माण खओवसने नो कडे भवइ १० जस्स ण  
 केवलनागावरणिज्जाण जाव खए नो कडे भवइ ११ से ण असोखा केवलस्स वा  
 जाव केवलपन्न धम्म नो लमेज सवायाए केवल वोहिं नो बुझेजा जाव केवल  
 नाग नो टप्पाहेजा, जस्स ण नागावरणिजां कम्माण खओवसने कडे भवइ जस्स  
 ण दरिसगावरणिज्जाण कम्माण खओवसने कडे भवइ जस्स ण धम्मतराइया एव  
 जाव जस्स ण केवलनागावरणिजां कम्माण खए कडे भवइ से ण असोखा केवलस्स  
 वा जाव केवलपन्न धम्म लमेज सवायाए केवल वोहिं बुझेजा जाव केवल  
 नाग टप्पाहेजा ॥ ३६४ ॥ तस्स ण मते । छट्ठहेण अनिक्खित्तेण तवोक्कमेण  
 उट्ठं वाहाओ पणिज्झि पणिज्झिव स्रामिनुहस्स आयावगभूनीए आयावेनास्स  
 पगइमइयाए पगडलवसतयाए पगइपयणुकोहमाणमायलोमयाए मिडमइवसपनयाए  
 अर्हीवगमाए मइयाए विणीययाए अज्झया कयाइ सुमे अज्झवसाणे । दुमेण  
 परिणामेण ऐस्साहिं विज्झमाणीहिं २ तयावरणिज्जाण कम्माण खओवसनेण  
 डंढापोहमगावेसणं करेमाणस्स विमो नाम अज्ञाणे समुप्पज्जइ, से ण तेण  
 विमगनाणेण समुप्पजेण जहजेण अगुलस्स असखेजडमा टक्कोसेण असखेज्जाइ  
 जोयणसइस्साइ जागइ पासइ, से ण तेण विमगनाणेण समुप्पजेण जीवेवि जाणइ  
 अजीवेवि जाणइ पासइत्ये सारमे सपरिगहे चकिलिस्समाणेवि जाणइ विज्झ-  
 माणेवि जाणइ से ण पुब्बामेव सम्मतं पडिवज्जइ सम्मत पडिवज्जिता समगधम्म  
 रोएइ समणधम्म रोएता चरेत्त पडिवज्जइ चरेत्त पडिवज्जिता लिं पडिवज्जइ  
 तस्स ण सेहिं सिच्छतपज्जवेहिं परिहायमाणेहिं २ सम्मद्वयपज्जवेहिं परिवट्ठमाणेहिं  
 २ से विमो अज्ञाणे सम्मतपरिगहिए खिप्पामेव ओही परावतइ ॥ ३६५ ॥ से  
 ण मते । कइनु ऐस्साइ होजा ? गोयमा । तिस्र विट्ठलेस्साइ होजा, तज्जहात्तेट्ठे-  
 स्साए पम्हेस्साए दुक्खेस्साए । से ण मते । कइनु पाणेषु होजा ? गोयमा ।  
 तिस्र आभिनिवोहियनासुयनाणओहिनाणेषु होजा । से ण मते । किं सजोगी  
 होजा अजोगी होजा ? गोयमा । सजोगी होजा नो अजोगी होजा, जइ सजोगी  
 होजा किं मगजोगी होजा वइजोगी होजा कायजोगी होजा ? गोयमा । मणजोगी  
 वा होजा वइजोगी वा होजा कायजोगी वा होजा । से ण मते । किं सागारोवउते



णसवणे वा पंडगवणे वा होज्जा, अहे होज्जमाणे गद्दाए वा दरीए वा होज्जा, साह-  
रण पडुच्च पायाले वा भवणे वा होज्जा, 'तिरिय होज्जमाणे' पन्नरससु कम्मभूमीसु  
होज्जा, साहरण पडुच्च अट्टाईजे दीवसमुद्दे तदेक्कदेसमाए होज्जा, ते ण भंते ! एग-  
समएण केवइया होज्जा ? गोयमा ! जहजेणं एक्को वा दो वा तिप्पि वा उक्कोसेण दस,  
से तेणट्ठेण गोयमा ! एवं वुच्चइ असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलि-  
पन्नत्त धम्म लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए असोच्चा ण केवलिस्स वा जावं नो लभेज्ज  
सवणयाए जाव अत्थेगइए केवलनाण उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलनाण नो उप्पाडेज्जा  
॥ ३६८ ॥ सोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्त  
धम्मं लभेज्ज सवणयाए ? गोयमा ! सोच्चा ण केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलि-  
पन्नत्त धम्मं एव जा चेव असोच्चाए वत्तव्वया सा चेव सोच्चाएवि भाणियव्वा, नवरं  
अभिलावो सोच्चत्ति, सेस त चेव निरवसेस जाव जस्स ण मणपज्जवणाणावरणिज्जाणं  
कम्माण खओवसमे कडे भवइ जस्स णं केवलनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे  
भवइ से ण सोच्चा केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलिपन्नत्त धम्म लभेज्ज  
सवणयाए केवलं बोहिं वुज्जेज्जा जाव केवलनाणं उप्पाडेज्जा, तस्स णं अट्टमअट्टमेणं  
अनिक्खित्तेण तवोक्कमेण अप्पाणं भावेमाणस्स पगइभइयाए तहेव जाव गवेसणं  
करेमाणस्स ओहिणाणे समुप्पज्जइ, से ण तेणं ओहिनाणेण समुप्पजेणं जहजेणं  
अगुलस्स असंखेज्जभाग उक्कोसेणं असंखेज्जाइ अलोए लोयप्पमाणमेत्ताइ खण्डाई  
जाणइ पासइ ॥ से णं भंते ! कइसु छेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! छसु छेस्सासु होज्जा,  
तंजहा-कण्हछेसाए जाव सुक्कछेसाए । से ण भंते ! कइसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा !  
तिसु वा चउसु वा होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहि-  
नाणेसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे आभि० सुय० ओहि० मणपज्जवणाणेसु होज्जा । से  
ण भंते ! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा ? एवं जोगोवओगो सघयण सठाणं उच्चत्तं  
आउयं च, एयाणि सव्वाणि जहा असोच्चाए तहेव भाणियव्वाणि । से णं भंते !  
किं सवेदए० ? पुच्छा, गोयमा ! सवेदए वा होज्जा अवेदए वा होज्जा, जइ अवेदए  
होज्जा किं उवसतवेयए होज्जा खीणवेयए होज्जा ? गोयमा ! नो उवसतवेदए  
होज्जा खीणवेदए होज्जा, जइ सवेदए होज्जा किं इत्थिवेदए होज्जा पुरिसवेदए  
होज्जा नपुंसगवेदए होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए होज्जा ? पुच्छा, गोयमा ! इत्थि-  
वेदए वा होज्जा पुरिसवेदए वा होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए वा होज्जा । से ण भंते !  
किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई वा होज्जा अकसाई वा  
होज्जा, जइ अकसाई होज्जा किं उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा ? गोयमा !

होवा अवापारोमठो होवा । योममा । सापारोमठो-वा होवा अवापारोमठो  
वा होवा । से न मंते । कनरमि संवन्नि होवा । योममा । कनरोसममापकसवमे  
होवा । से न मंते । कनरमि संठाने होवा । योममा । कनर संठाने अकनरे  
संठाने होवा । से न मंते । कनरमि सवते होवा । योममा । कनरसं सव एवयो  
अकोसेने पंचवन्नुसए होवा । से न मंते । कनरमि वाउए होवा । योममा ।  
कनरसं वाउरेयुवावाउए अकोसेने पुप्फकोविताए होवा । से न मंते । कि  
कनरए होवा अकनरए होवा । योममा । कनरए होवा नो अकनरए होवा अ  
कनरए होवा कि इतिअकनरए होवा पुरिसकनरए होवा नपुंसकनरए होवा पुरिस-  
नपुंसकनरए होवा । योममा । नो इतिअकनरए होवा पुरिसकनरए वा होवा नो  
नपुंसकनरए होवा पुरिसनपुंसकनरए वा होवा । से न मंते । कि सकनराई होवा  
अकनराई होवा । योममा । सकनराई होवा नो अकनराई होवा अ सकनराई  
होवा से न मंते । ककन कनराए होवा । योममा । अकन संकनकोहमाकमा-  
कोहमा होवा । तसु न मंते । केकनवा अकनकनवा प । योममा । अकनकोहमा  
अकनकनवा प । से न मंते । कि पकनवा अकनकनवा । योममा । पकनवा नो अकन-  
कनवा से न मंते । सेई पकनवेई अकनकनवावेई कनुमावेई अकनवेई केकनकन-  
मावेईतो अप्पान् निंसकोए अकनवेई इतिअकनकोविता अकन निंसकोए अकनवेई  
मकुसुमवापकनवेईतो अप्पान् निंसकोए अकनवेई केकनकनमावेईतो अप्पान्  
निंसकोए, वाकोवि व से इमाओ नेकनइतिअकनकोवितासुसकेकनकनमाओ वापारि  
उतारपनकोओ वापारि व न अकनकोवि अकनवाउरेनी कोहमाकमावाकोओ अकन अ  
१ ता अकनकनवाकनराए कोहमाकमावाकोओ अकन अ १ ता पकनकनवाउरकोओ-  
माकमावाकोओ अकन अ १ ता संकनकोहमाकमावाकोओ अकन सं १ ता पंचनिई  
अवावरमिअं नकनिई इतिअवावरमिअं पंचनिईसंवाउरेनी ताकनकनअं व न कोहमाओ  
कनु कमरवाकनकनअं अकनकनअं अकनकनअं अकन अकनवेई निन्वापाए निन्वा-  
वरमि अकन पतिपुने केकनकनवाकनअं सके सपुप्फमा ॥ १९९० से न मंते । केकन-  
पकन अकन आकन वा पकन वा पकन वा । नो तिपुने समुओ, अकन ए-  
वाए वा एवापरमि वा से न मंते । एवाकन वा सुवाकन वा । नो तिपुने  
समुओ, अकन पुन करवा से न मंते । कि सिअकन अकन अकन । इता सिअकन  
अकन अकन कर ॥ १९९० से न मंते । कि अकन होवा अकन होवा इतिअ होवा ।  
योममा । अकन वा होवा अकन वा होवा इतिअ वा होवा अकन होवा सपुप्फ-  
मिअवावरमिअमाकनवाउरेनीवाए अकनवाउरपनए होवा वाउरक पकन को-

काइया, वेडंदिआ जाव वेमाणिआ एए जहा नेरइया ॥ ३७० ॥ संतरं भंते ! नेरइया उववइति निरंतरं नेरइया उववइति ? गगेया । सतरंपि नेरइया उववइति निरंतरंपि नेरइया उववइति, एवं जाव यणियजुमारा, संतरं भते ! पुठविआइया उववइति ० ? पुच्छा, गगेया । णो संतर पुठविआइया उववइति निरंतरं पुठविआइया उववइति, एवं जाव यणस्सइकाइया नो संतरं निरंतरं उववइति, सतर भते ! वेडंदिआ उववइति निरंतरं वेडंदिआ उववइति ? गगेया । सतरंपि वेडंदिआ उववइति निरंतरंपि वेडंदिआ उववइति, एव जाव वाणमतारा, संतरं भंते ! जोइसिया चयंति ० ? पुच्छा, गगेया । सतरंपि जोइसिया चयंति निरंतरंपि जोइसिया चयति, एव जाव वेमाणिआ ॥ ३७१ ॥ कडविहे ण भते ! पवेसणए प० ? गगेया । चडव्विहे पवेसणए पक्कते तजहा—नेरइयपवेसणए, तिरिक्खजोणियपवेसणए, मणुस्सपवेसणए, देवपवेसणए । नेरइयपवेसणए ण भते ! कडविहे पक्कते ? गगेया । सत्ताविहे पक्कते, तंजहा—रयणप्पमापुठविनेरइयपवेसणए जाव अहेसत्तमापुठविनेरइयपवेसणए ॥ एगे ण भते ! नेरइए नेरइयपवेसणएण पविसमाणे किं रयणप्पमाए होज्जा नप्परप्पमाए होज्जा एव जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गगेया । रयणप्पमाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा । दो भते ! नेरइया नेरइयपवेसणएण पविसमाणा किं रयणप्पमाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गगेया । रयणप्पमाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा, अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्करप्पमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पमाए एगे वालुयप्पमाए होज्जा जाव एगे रयणप्पमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे सक्करप्पमाए एगे वालुयप्पमाए होज्जा जाव अहवा एगे सक्करप्पमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे वालुयप्पमाए एगे पक्कप्पमाए होज्जा एव जाव अहवा एगे वालुयप्पमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, एवं एक्केक्का पुठवी छेयव्वा जाव अहवा एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ॥ तिणि भते ! नेरइया नेरइयपवेसणएण पविसमाणा किं रयणप्पमाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गगेया । रयणप्पमाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा, अहवा एगे रयणप्पमाए दो सक्करप्पमाए होज्जा जाव अहवा एगे रयणप्पमाए दो अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा दो रयणप्पमाए एगे सक्करप्पमाए होज्जा जाव अहवा दो रयणप्पमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा एगे सक्करप्पमाए दो वालुयप्पमाए होज्जा जाव अहवा एगे सक्करप्पमाए दो अहेसत्तमाए होज्जा १७ अहवा दो सक्करप्पमाए एगे वालुयप्पमाए होज्जा जाव अहवा दो सक्करप्पमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २२ एव जहा सक्करप्पमाए वत्तव्वया भणिया तहा सव्वपुठवीण भाणियव्वा जाव अहवा दो



अहवा तिभि रयणप्पमाए एगे सक्करप्पमाए होज्जा, एवं जाव अहवा तिभि रयण-  
 प्पमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८, अहवा एगे सक्करप्पमाए तिभि वालुयप्पमाए  
 होज्जा, एव जहेव रयणप्पमाए उवरिमाहिं समं सन्चारिय तहा सक्करप्पमाएवि उव  
 रिमाहिं सम सन्चारेयव्व ५, एव एषेयाए सम सन्चारियव्व जाव अहवा तिभि तमाए  
 एगे अहेसत्तमाए होज्जा १७-६-३-( ६३ ) अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्कर  
 प्पमाए दो वालुयप्पमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्कर० दो पक०  
 होज्जा एव जाव अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्कर० दो अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा  
 एगे रयण० दो सक्कर० एगे वालुयप्पमाए होज्जा एव जाव अहवा एगे रयण० दो  
 सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा दो रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय  
 प्पमाए होज्जा, एव जाव अहवा दो रयण० एगे सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा  
 १५ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० दो पक्कप्पमाए होज्जा एव जाव अहवा एगे  
 रयणप्पमाए एगे वालुय० दो अहेसत्तमाए होज्जा ४ एव एण गमण जहा तिज्ज  
 तियसजोगे तहा भाणियव्वो जाव अहवा दो धूमप्पमाए एगे तमाए एगे अहेसत्त  
 माए होज्जा १०५ अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्करप्पमाए एगे वालुयप्पमाए  
 एगे पक्कप्पमाए होज्जा १ अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे  
 धूमप्पमाए होज्जा २ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे तमाए  
 होज्जा ३ अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्करप्पमाए एगे वालुयप्पमाए एगे अहेसत्त-  
 माए होज्जा ४ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पक० एगे धूमप्पमाए होज्जा ५  
 अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पक्कप्पमाए एगे तमाए होज्जा ६ अहवा एगे  
 रयण० एगे सक्कर० एगे पक० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ७ अहवा एगे रयणप्पमाए  
 एगे सक्कर० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा ८ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे  
 धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९ अहवा एगे रयण० एगे सक्करप्पमाए एगे तमाए  
 एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पक० एगे  
 धूमप्पमाए होज्जा ११ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पक० एगे तमाए  
 होज्जा १२ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पक० एगे अहेसत्तमाए होज्जा  
 १३ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा १४ अहवा  
 एगे रयणप्पमाए एगे वालुय० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे  
 रयण० एगे वालुय० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १६ अहवा एगे रयण०  
 एगे पक० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा १७ अहवा एगे रयण० एगे पक० एगे  
 धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८ अहवा एगे रयण० एगे पक० एगे तमाए एगे

तमाए एणे अहेसत्ताए होजा ४-४-३-३-३-३-३-३ (४९) अहवा एणे  
 रक्कप्यमाए एणे सहरप्यमाए एणे बाहुवप्यमाए होजा १ अहवा एणे रक्कप्यमाए  
 एणे सहरप्यमाए एणे पंकप्यमाए होजा २ अहवा एणे रक्कप्यमाए एणे  
 सहरप्यमाए एणे अहेसत्ताए होजा ५ अहवा एणे रक्कप्यमाए एणे बाहुवप्यमाए  
 एणे पंकप्यमाए होजा ६ अहवा एणे रक्कप्यमाए एणे बाहुवप्यमाए एणे घूमप्य-  
 माए होजा ७ एवं अहवा एणे रक्कप्यमाए एणे बाहुवप्यमाए एणे अहेसत्ताए  
 होजा ९, अहवा एणे रक्कप्यमाए एणे पंकप्यमाए एणे घूमप्यमाए होजा १  
 अहवा एणे रक्कप्यमाए एणे पंकप्यमाए एणे अहेसत्ताए होजा १२ अहवा एणे  
 रक्कप्यमाए एणे घूमप्यमाए एणे तमाए होजा १३ अहवा एणे रक्कप्यमाए एणे  
 घूमप्यमाए एणे अहेसत्ताए होजा १४ अहवा एणे रक्कप्यमाए एणे तमाए एणे  
 अहेसत्ताए होजा १५ अहवा एणे सहरप्यमाए एणे बाहुवप्यमाए एणे पंकप्यमाए  
 होजा १६ अहवा एणे सहरप्यमाए एणे बाहुवप्यमाए एणे घूमप्यमाए होजा १७  
 अहवा एणे सहरप्यमाए एणे बाहुवप्यमाए एणे अहेसत्ताए होजा १८ अहवा  
 एणे सहरप्यमाए एणे पंकप्यमाए एणे घूमप्यमाए होजा २ अहवा एणे सहर-  
 एणे पंक एणे अहेसत्ताए होजा २२ अहवा एणे सहरप्यमाए एणे घूमप्यमाए  
 एणे तमाए होजा २३ अहवा एणे सहरप्यमाए एणे घूमप्यमाए एणे अहेसत्ताए होजा  
 २४ अहवा एणे सहरप्यमाए एणे तमाए एणे अहेसत्ताए होजा २ अहवा एणे  
 बाहुवप्यमाए एणे पंकप्यमाए एणे घूमप्यमाए होजा २६ अहवा एणे बाहुवप्यमाए  
 एणे पंकप्यमाए एणे तमाए होजा २७ अहवा एणे बाहुवप्यमाए एणे पंकप्यमाए एणे  
 अहेसत्ताए होजा २८ अहवा एणे बाहुवप्यमाए एणे घूमप्यमाए एणे तमाए होजा  
 २९ अहवा एणे बाहुवप्यमाए एणे घूमप्यमाए एणे अहेसत्ताए होजा ३ अहवा  
 एणे बाहुवप्यमाए एणे तमाए एणे अहेसत्ताए होजा ३१ अहवा एणे पंकप्यमाए  
 एणे घूमप्यमाए एणे तमाए होजा ३२ अहवा एणे पंकप्यमाए एणे घूमप्यमाए एणे  
 अहेसत्ताए होजा ३३ अहवा एणे पंकप्यमाए एणे तमाए एणे अहेसत्ताए होजा  
 ३४ अहवा एणे घूमप्यमाए एणे तमाए एणे अहेसत्ताए होजा ३५ व तामि मते !  
 मैत्र्या मैत्र्यपदेशनार्थं पक्षिमाणा किं रक्कप्यमाए होजा ! पुण्या पीण्या !  
 रक्कप्यमाए वा होजा अहवा अहेसत्ताए वा होजा ७ अहवा एणे रक्कप्यमाए तिथि  
 सहरप्यमाए होजा अहवा एणे रक्कप्यमाए तिथि बाहुवप्यमाए होजा एवं अहवा  
 एणे रक्कप्यमाए तिथि अहेसत्ताए होजा ६ अहवा एणे रक्कप्यमाए हो  
 सहरप्यमाए होजा एवं अहवा एणे रक्कप्यमाए हो अहेसत्ताए होजा १२



अहवा तिभि रयणप्पमाए एगे सक्करप्पमाए होज्जा, एवं जाव अहवा तिभि रयण-  
 प्पमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८, अहवा एगे सक्करप्पमाए तिभि वालुयप्पमाए  
 होज्जा, एव जहेव रयणप्पमाए उवरिमाहिं सम संचारिय तहा सक्करप्पमाएवि उव  
 रिमाहिं सम संचारेयव्व ५, एव एकेफाए सम संचारियव्व जाव अहवा तिभि तमाए  
 एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२-६-३-( ६३ ) अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्कर-  
 प्पमाए दो वालुयप्पमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पमाए एगे मक्कर० दो पक०  
 होज्जा एतं जाव अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्कर० दो अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा  
 एगे रयण० दो सक्कर० एगे वालुयप्पमाए होज्जा एव जाव अहवा एगे रयण० दो  
 सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा दो रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय  
 प्पमाए होज्जा, एव जाव अहवा दो रयण० एगे सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा  
 १५ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० दो पक्कप्पमाए होज्जा एव जाव अहवा एगे  
 रयणप्पमाए एगे वालुय० दो अहेसत्तमाए होज्जा ४ एव एएण गमएण जहा तिण्हं  
 तियसजोगे तहा भाणियव्वो जाव अहवा दो धूमप्पमाए एगे तमाए एगे अहेसत्त  
 माए होज्जा १०५ अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्करप्पमाए एगे वालुयप्पमाए  
 एगे पक्कप्पमाए होज्जा १ अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे  
 धूमप्पमाए होज्जा २ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे तमाए  
 होज्जा ३ अहवा एगे रयणप्पमाए एगे सक्करप्पमाए एगे वालुयप्पमाए एगे अहेसत्त  
 माए होज्जा ४ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पक्क० एगे धूमप्पमाए होज्जा ५  
 अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पक्कप्पमाए एगे तमाए होज्जा ६ अहवा एगे  
 रयण० एगे सक्कर० एगे पक्क० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ७ अहवा एगे रयणप्पमाए  
 एगे सक्कर० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा ८ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे  
 धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९ अहवा एगे रयण० एगे सक्करप्पमाए एगे तमाए  
 एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पक्क० एगे  
 धूमप्पमाए होज्जा ११ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पक्क० एगे तमाए  
 होज्जा १२ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पक्क० एगे अहेसत्तमाए होज्जा  
 १३ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा १४ अहवा  
 एगे रयणप्पमाए एगे वालुय० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे  
 रयण० एगे वालुय० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १६ अहवा एगे रयण०  
 एगे पक्क० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा १७ अहवा एगे रयण० एगे पक्क० एगे  
 धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८ अहवा एगे रयण० एगे पक्क० एगे तमाए एगे

अहेसत्माए होजा १५ अहवा एगे रवण एगे-बूम एगे तमाए एगे अहेसत्माए होजा १ अहवा एगे सहर एगे बह्मन एगे पंक एगे बूमप्पमाए होजा ११ एवं अहवा रवणप्पमाए उभरिमाओ पुववीओ संचारिमाओ तहा सहरप्पमाएणि उभरिमाओ वा(उवा)रिमन्माओ नाव अहवा एगे सहर एगं बूम एगे तमाए एगे अहेसत्माए होजा १ अहवा एगे बह्मन एगे पंक एगं बूम एगे तमाए होजा ३१ अहवा एगे बह्मन एगं पंक एगे बूमप्पमाए एगे अहेसत्माए होजा १२ अहवा एगे बह्मन एगे पंक एगे तमाए एगे अहेसत्माए होजा १३ अहवा एगे बह्मन एगे बूम एगे तमाए एगे अहेसत्माए होजा १४ अहवा एगे पंक एगे बूम एगे तमाए एगे अहेसत्माए होजा १५ ॥ पंक मंत ! कैट्ठवा कैट्ठमन्वे-  
 सनएवं अहेसत्मा कि रवणप्पमाए होजा ! पुच्छा नमिा ! रवणप्पमाए वा होजा नाव अहेसत्माए वा होजा अहवा एगे रवण अत्तारि सहरप्पमाए होजा नाव अहवा एगे रवण अत्तारि अहेसत्माए होजा अहवा हो रवण तिथि सहर-  
 रप्पमाए होजा एवं नाव अहवा हो रवणप्पमाए तिथि अहेसत्माए होजा अहवा तिथि रवण हो सहरप्पमाए होजा एवं नाव अहवा तिथि रवणप्पमाए होमि अहेसत्माए होजा अहवा अत्तारि रवण एगे सहरप्पमाए होजा एवं नाव अहवा अत्तारि रवण एगे अहेसत्माए होजा अहवा एगे सहर अत्तारि बह्मनप्पमाए होजा एवं अहवा रवणप्पमाए समं उभरिमपुववीओ संचारिमाओ तहा सहरप्पमाएणि समं वा(उवा)रिमन्माओ नाव अहवा अत्तारि सहरप्पमाए एगे अहेसत्माए होजा एवं एहेत्ताए समं वा(उवा)रिमन्माओ नाव अहवा अत्तारि तमाए एगे अहेसत्माए होजा अहवा एगे रवण एगं सहर तिथि बह्मनप्पमाए होजा एवं नाव अहवा एगे रवण एगे सहर तिथि अहेसत्माए होजा अहवा एगे रवण हो सहर हो बह्मनप्पमाए होजा एवं नाव अहवा एगे रवण हो सहर हो अहेसत्माए होजा अहवा हो रवणप्पमाए एगे सहरप्पमाए हो बह्मनप्पमाए होजा एवं नाव अहवा हो रवणप्पमाए एगे सहरप्पमाए हो अहेसत्माए होजा अहवा एगे रवण तिथि सहर एगे बह्मनप्पमाए होजा एवं नाव अहवा एगे रवण तिथि सहर एगे अहेसत्माए होजा अहवा हो रवण हो सहर एगे बह्मनप्पमाए होजा एवं नाव हो रवण हो सहर एगे अहेसत्माए होजा अहवा तिथि रवण एगे सहर एगे बह्मनप्पमाए होजा एवं नाव अहवा तिथि रवण एगे सहर एगे अहेस-  
 त्माए होजा अहवा एगे रवण एगे बह्मन तिथि रवणप्पमाए होजा एवं एएवं अहेवं अहवा अठ्ठं तिवासंओपो जमिओ तहा पंचजमि तिवासंओपो भानिजओ

नवरं तथ एगो संन्यासिष्ठ इह शेषं तं चैव तत्र अहवा त्रिभि धूमपभाए  
 एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होजा अहवा एगे रयण० एगे मगर० एगे बाल्य०  
 दो पंकपभाए होजा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे मगर० एगे बाल्य० दो  
 अहेसत्तमाए होजा ४ अहवा एगे रयण० एगे मगर० दो बाल्य० एगे पंकपभाए  
 होजा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे मगर० दो बाल्य० एगे अहेसत्तमाए  
 होजा ८, अहवा एगे रयण० दो मगरपभाए एगे बाल्य० एगे पंकपभाए होजा  
 एवं जाव अहवा एगे रयण० दो मगर० एगे बाल्य० एगे अहेसत्तमाए होजा  
 १० अहवा दो रयण० एगे मगर० एगे बाल्य० एगे पंकपभाए होजा एग जा  
 अहवा दो रयण० एगे मगर० एगे बाल्य० एगे अहेसत्तमाए होजा १६ अहवा  
 एगे रयण० एगे मगर० एगे पंक० दो धूमपभाए होजा एग जहा नउणह बढ  
 पसंजोगो गणिओ तहा पंचण्डवि चउसजोगो भाणियव्यो, नवरं अम्महिं एं  
 सचारेयव्यो, एं जाव अहवा दो पंक० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए  
 होजा अहवा एगे रयण० एगे मगर० एगे बाल्य० एगे पंक० एगे धूमपभाए  
 होजा १ अहवा एगे रयण० एगे मगर० एगे बाल्य० एगे पंक० एगे तमाए  
 होजा २ अहवा एगे रयण० जाव एगे पंक० एगे अहेसत्तमाए होजा ३ अहवा  
 एगे रयण० एगे मगर० एगे बाल्यपभाए एगे धूमपभाए एगे तमाए होजा ४  
 अहवा एगे रयण० एगे मगर० एगे बाल्य० एगे धूमाए एगे अहेसत्तमाए होजा  
 ५ अहवा एगे रयण० एगे मगर० एगे बाल्य० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए  
 होजा ६ अहवा एगे रयण० एगे मगर० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए होजा  
 ७ अहवा एगे रयण० एगे मगर० एगे पंक० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होजा  
 ८ अहवा एगे रयण० एगे मगर० एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होजा  
 ९ अहवा एगे रयण० एगे मगर० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होजा  
 १० अहवा एगे रयण० एगे बाल्य० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए होजा ११  
 अहवा एगे रयण० एगे बाल्य० एगे पंक० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होजा १२  
 अहवा एगे रयण० एगे बाल्य० एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होजा १३  
 अहवा एगे रयण० एगे बाल्य० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होजा १४  
 अहवा एगे रयण० एगे पंक० जाव एगे अहेसत्तमाए होजा १५ अहवा एगे मगर०  
 एगे बाल्य० जाव एगे तमाए होजा १६ अहवा एगे मगर० जाव एगे पंक० एगे  
 धूम० एगे अहेसत्तमाए होजा १७ अहवा एगे मगर० जाव एगे पंक० एगे  
 तमाए एगे अहेसत्तमाए होजा १८ अहवा एगे मगर० एगे बाल्य० एगे धूम०

अहेसत्तमाए होजा १५ अहवा एगे रयव एगे भूस एगे तमाए एगे अहेसत्त-  
माए होजा २ अहवा एगे सहर एगे बालुव एगे वंड एगे भूसप्पमाए होजा  
११ एवं बहा रयवप्पमाए सवरीमाओ पुडवीओ संचारिमाओ तहा सहरप्पमाएणि  
सवरीमाओ वा(उवा)रियप्पमाओ जाव अहवा एगे सहर = एगे भूस एगे तमाए एगे  
अहेसत्तमाए होजा ३ अहवा एगे बालुव एगे वंड एगे भूस एगे तमाए होजा  
११ अहवा एगे बालुव एगे वंड एगे भूसप्पमाए एगे अहेसत्तमाए होजा ११  
अहवा एगे बालुव एगे वंड एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होजा ११ अहवा एगे  
बालुव एगे भूस एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होजा १४ अहवा एगे वंड एगे  
भूस एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होजा १५ त एवं मंते । वेत्तवा वैत्तवप्पवे-  
त्तवर्णं वविच्चयमा णि रयवप्पमाए होजा । पुच्छा पत्तिवा । रयवप्पमाए वा  
होजा जाव अहेसत्तमाए वा होजा अहवा एगे रयव अत्थारि सहरप्पमाए होजा  
जाव अहवा एगे रयव अत्थारि अहेसत्तमाए होजा अहवा हो रयव तिष्ठि सहर-  
प्पमाए होजा एवं जाव अहवा हो रयवप्पमाए तिष्ठि अहेसत्तमाए होजा अहवा  
तिष्ठि रयव हो सहरप्पमाए होजा एवं जाव अहवा तिष्ठि रयवप्पमाए होजा  
अहेसत्तमाए होजा अहवा अत्थारि रयव एगे सहरप्पमाए होजा एवं जाव अहवा  
अत्थारि रयव एगे अहेसत्तमाए होजा अहवा एगे सहर अत्थारि बालुवप्पमाए  
होजा एवं बहा रयवप्पमाए सवरीमाओ पुडवीओ संचारिमाओ तहा सहरप्पमाएणि  
सवरीमाओ वा(उवा)रियप्पमाओ जाव अहवा अत्थारि सहरप्पमाए एगे अहेसत्तमाए होजा  
एवं एत्थिअए सवरी वा(उवा)रियप्पमाओ जाव अहवा अत्थारि तमाए एगे अहेसत्तमाए  
होजा अहवा एगे रयव एगे सहर तिष्ठि बालुवप्पमाए होजा एवं जाव अहवा  
एगे रयव एगे सहर तिष्ठि अहेसत्तमाए होजा अहवा एगे रयव हो सहर  
हो बालुवप्पमाए होजा एवं जाव अहवा एगे रयव हो सहर हो अहेसत्तमाए  
होजा अहवा हो रयवप्पमाए एगे सहरप्पमाए हो बालुवप्पमाए होजा एवं जाव  
अहवा हो रयवप्पमाए एगे सहरप्पमाए एवं अहेसत्तमाए होजा अहवा एगे रयव  
तिष्ठि सहर एगे बालुवप्पमाए होजा एवं जाव अहवा एगे रयव तिष्ठि सहर  
एगे अहेसत्तमाए होजा अहवा हो रयव हो सहर एगे बालुवप्पमाए होजा एवं  
जाव हो रयव हो सहर एगे अहेसत्तमाए होजा अहवा तिष्ठि रयव एगे सहर  
एगे बालुवप्पमाए होजा एवं जाव अहवा तिष्ठि रयव एगे सहर एगे अहेस-  
त्तमाए होजा अहवा एगे रयव एगे बालुव तिष्ठि वंडप्पमाए होजा एवं एएवं  
उमेवं बहा अउवं विवाचोओ मयिओ तहा वंडवदि विवाचोओ मयिओ

वा होजा जाव अहेसत्तमाए वा होजा अहवा एगे रयण० सत्त सप्परप्पमाए होजा  
 एव दुयासजोगो जाव छप्पसजोगो य जहा मत्तगं भणि(यं)ओ तहा अट्ठह्वि भाणि-  
 यव्व नवरं एण्णो अब्भहिओ संचारेयव्वो सेस तं चेव जाव छप्पसजोगस्स अहवा  
 तिणि मफर० एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होजा अहवा एगे रयण० जाव एगे  
 तमाए दो अहेसत्तमाए होजा अहवा एगे रयण० जाव दो तमाए एगे अहेसत्तमाए  
 होजा एव संचारेयव्व जाव अहवा दो रयण० एगे सफर० जाव एगे अहेसत्तमाए  
 होजा ॥ नव भते ! नेरइया नेरइयपवेसणएण पविसमाणा कि रयणप्पमाए होजा० !  
 पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पमाए वा होजा जाव अहेसत्तमाए वा होजा अहवा एगे  
 रयण० अट्ठ सप्परप्पमाए होजा एव दुयासजोगो जाव मत्तगसंजोगो य जहा अट्ठह्वि  
 भणिय तहा नयण्पि भाणियव्व नवरं एण्णो अब्भहिओ संचारेयव्वो, सेस तं च  
 पच्छिमो आलावगो अहवा तिणि रयण० एगे सप्पर० एगे वालुय० जाव एगे अहेस-  
 त्तमाए होजा ॥ दस भते ! नेरइया नेरइयपवेसणएण पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया !  
 रयणप्पमाए वा होजा जाव अहेसत्तमाए वा होजा ७ अहवा एगे रयणप्पमाए नव  
 सप्परप्पमाए होजा एव दुयासजोगो जाव सत्तसजोगो य जहा नवण्ह नवरं एण्णो  
 अब्भहिओ संचारेयव्वो सेस तं चेव पच्छिमो आलावगो अहवा चत्तारि रयण०  
 एगे सप्परप्पमाए जाव एगे अहेसत्तमाए होजा ॥ संखेजा भंते ! नेरइया नेरइयप-  
 वेसणएण पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पमाए वा होजा जाव अहेसत्तमाए  
 वा होजा ७ अहवा एगे रयण० संखेजा मफरप्पमाए होजा एवं जाव अहवा एगे  
 रयण० संखेजा अहेसत्तमाए होजा अहवा दो रयण० संखेजा सप्परप्पमाए होजा  
 एव जाव अहवा दो रयण० संखेजा अहेसत्तमाए होजा अहवा तिणि रयण०  
 संखेजा सफरप्पमाए होजा एव एण कमेण एण्णो संचारेयव्वो जाव अहवा दस  
 रयण० संखेजा सफरप्पमाए होजा एव जाव अहवा दस रयण० संखेजा अहेसत्त-  
 माए होजा अहवा संखेजा रयण० संखेजा सफरप्पमाए होजा जाव अहवा संखेजा  
 रयणप्पमाए संखेजा अहेसत्तमाए होजा अहवा एगे सफर० संखेजा वालुयप्पमाए  
 होजा एव जहा रयणप्पमा उवरिमपुडवी(ए)हिं समं चारिया एवं सफरप्पमा  
 (ए)वि उवरिमपुडवीहिं समं चारेयव्वा, एव एण्णो पुडवी उवरिमपुडवी(ए)हिं समं  
 चारेयव्वा जाव अहवा संखेजा तमाए संखेजा अहेसत्तमाए होजा अहवा  
 एगे रयण० एगे सफर० संखेजा वालुयप्पमाए होजा अहवा एगे रयण० एगे  
 सफर० संखेजा पक्कप्पमाए होजा जाव अहवा एगे रयण० एगे सफर० संखेजा  
 अहेसत्तमाए होजा अहवा एगे रयण० दो सफर० संखेजा वालुयप्पमाए होजा

एते समाए एते अहेसत्तमाए होजा ११ अहवा एते सक्क एते फेक 'बाव एते  
 अहेसत्तमाए होजा १ अहवा एते वात्तव बाव एते अहे सत्तमाए होजा ११ ॥  
 उम्मेत । वेरइया वेरइयपपैसत्तपूर्ण पमिसमात्ता किं रत्तप्यमाए होजा । पुच्छा  
 मीत्ता । रत्तप्यमाए ना होजा बाव अहेसत्तमाए ना होजा ७ अहवा एते रत्त  
 रत्त सत्तरत्तमाए होजा अहवा एते रत्त रत्त वात्तप्यमाए होजा एवं जाव अहवा  
 एते रत्त रत्त अहेसत्तमाए होजा अहवा हो रत्त 'वत्तादि सत्तरत्तमाए होजा  
 एवं बाव अहवा हो रत्त 'वत्तादि अहेसत्तमाए होजा अहवा तिथि रत्त तिथि सत्त-  
 रत्तमाए होजा एवं एएवं कमेवं अहा रत्त रत्त दुयासंयोतो तहा अहमि मात्तिवन्तो  
 नवर एते अहमिन्तो संचारैवन्तो जाव अहवा रत्त समाए एते अहेसत्तमाए  
 होजा अहवा एते रत्त एते सत्तर 'वत्तादि वात्तप्यमाए होजा अहवा एते  
 रत्त एते सत्तर 'वत्तादि फेकत्तमाए होजा एवं बाव अहवा एते रत्त एते  
 सत्तर 'वत्तादि अहेसत्तमाए होजा अहवा एते रत्त हो सत्तर तिथि वात्त-  
 प्यमाए होजा एवं एएवं कमेवं अहा रत्त रत्त तिवासंयोतो मत्तिवन्तो तहा अहमि  
 मात्तिवन्तो नवर एते अहमिन्तो संचारैवन्तो एते तं वेव १४ वात्तसंयोतो  
 सत्तर रत्तसंयोतो तहोव नवर एते अहमिन्तो संचारैवन्तो जाव पत्तिवन्तो  
 मत्ते अहवा हो वात्तव एते फेक एते मू एते त्ताए एते अहेसत्तमाए होजा  
 अहवा एते रत्त एते सत्तर बाव एते त्ताए होजा १ अहवा एते रत्त  
 बाव एते मू एते अहेसत्तमाए होजा २ अहवा एते रत्त बाव एते फेक  
 एते त्ताए एते अहेसत्तमाए होजा ३ अहवा एते रत्त बाव एते वात्तव एते  
 मू जाव एते अहेसत्तमाए होजा ४ अहवा एते रत्त एते सत्तर एते फेक  
 बाव एते अहेसत्तमाए होजा ५ अहवा एते रत्त एते वात्तव बाव एते अहे-  
 सत्तमाए होजा ६ अहवा एते सत्तरत्तमाए एते वात्तवत्तमाए जाव एते अहेसत्तमाए  
 होजा ७ ॥ सत्त मति । वेरइया वेरइयपपैसत्तपूर्ण पमिसमात्ता पुच्छा मीत्ता ।  
 रत्तप्यमाए ना होजा बाव अहे सत्तमाए ना होजा ७ अहवा एते रत्तप्यमाए क  
 सत्तरत्तमाए होजा एवं एएवं कमेवं अहा अहमि दुयासंयोतो तहा सत्तमि मात्ति-  
 वन्तो नवर एते अहमिन्तो संचारैवन्तो एते तं वेव तिवासंयोतो वात्तसंयोतो  
 रत्तसंयोतो अहमिन्तो न अहमि अहा तहा सत्तमि मात्तिवन्तो, नवर एते  
 अहमिन्तो संचारैवन्तो जाव अहमिन्तो अहवा हो सत्तर एते वात्तव जाव एते  
 अहेसत्तमाए होजा अहवा एते रत्त एते सत्तर बाव एते अहेसत्तमाए होजा ८  
 अहमि मति । वेरइया वेरइयपपैसत्तपूर्ण पमिसमात्ता पुच्छा मीत्ता । रत्तप्यमाए

होज्जा ४ अहवा रयण० य सक्कर० य पक० य धूमप्पभाए य होज्जा एव रयणप्पमं  
अमुयतेसु जहा चउण्हं चउक्कसजोगो तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयण० य धूम०  
य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयण० य सक्कर० य वालुय० य पक०  
य धूमप्पभाए य होज्जा १ अहवा रयणप्पमाए य जाव पक० य तमाए य होज्जा २  
अहवा रयण० य जाव पकप्पभाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ३ अहवा रयण० य सक्कर०  
य वालुय० य धूम० य तमाए य होज्जा ४ एव रयणप्पमं अमुयतेसु जहा प्चण्हं  
पम्भगसजोगो तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयण० य पकप्पभाए य जाव अहेसत्तमाए य  
होज्जा अहवा रयण० य सक्कर० य जाव धूमप्पभाए य तमाए य होज्जा १ अहवा  
रयण० य जाव धूम० य अहेसत्तमाए य होज्जा २ अहवा रयण० य सक्कर० य जाव  
पक० य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ३ अहवा रयण० य सक्कर० य वालुय०  
य धूमप्पभाए य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ४ अहवा रयण० य सक्कर० य  
पक० य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ५ अहवा रयण० य वालुय० य जाव अहे  
सत्तमाए य होज्जा ६ अहवा रयणप्पमाए य सक्कर० य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा  
७ ॥ एयस्स ण भंते ! रयणप्पमापुढविनेरइयपवेसणगस्स सक्करप्पमापुढवि० जाव  
अहेसत्तमापुढविनेरइयपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गगेया !  
सव्वत्थोवे अहेसत्तमापुढविनेरइयपवेसणए, तमापुढविनेरइयपवेसणए असखेज्जगुणे,  
एव पडिलोमग जाव रयणप्पमापुढविनेरइयपवेसणए असखेज्जगुणे ॥ ३७२ ॥  
तिरिक्खजोणियपवेसणए ण भंते ! कइविहे पन्नते ? गगेया ! पंचविहे पन्नते,  
तजहा-एगिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणए जाव पचेंदियतिरिक्खजोणियपवेसणए ।  
एगे भते ! तिरिक्खजोणिए तिरिक्खजोणियपवेसणएण पविसमाणे किं एगिंदिएसु  
होज्जा जाव पचिंदिएसु होज्जा ? गगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव पचिंदिएसु वा  
होज्जा । दो भंते ! तिरिक्खजोणिया० पुच्छा, गगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव  
पचिंदिएसु वा होज्जा, अहवा एगे एगिंदिएसु होज्जा एगे वेइंदिएसु होज्जा एवं जहा  
नेरइयपवेसणए तहा तिरिक्खजोणियपवेसणएवि भाणियव्वे जाव असखेज्जा ।  
उक्कोसा भते ! तिरिक्खजोणिया० पुच्छा, गगेया ! सव्वेवि ताव एगिंदिएसु होज्जा  
अहवा एगिंदिएसु य वेइंदिएसु य होज्जा, एव जहा नेरइया सचारिया तहा तिरिक्ख  
जोणियावि संचारेयव्वा, एगिंदिया अमुयतेसु दुयासजोगो तियासजोगो चउक्कसजोगो  
पंचसजोगो उव(उज्जि)उज्जिऊण भाणियव्वो जाव अहवा एगिंदिएसु य वेइंदिएसु  
य जाव पचिंदिएसु य होज्जा ॥ एयस्स ण भंते ! एगिंदियतिरिक्खजोणियपवेसण-  
गस्स जाव पचिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणयस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा !

आव अहवा एते रयव सो सहर संवेजा अहेसत्तमाए होजा अहवा एते  
 रयव तिनि सहर संवेजा बाहुवप्यमाए होजा एवं एएवं कमेवं एकेको संवत्-  
 रैयवो आव अहवा एते रयव संवेजा सहर संवेजा बाहुवप्यमाए होजा आव  
 अहवा एते रयव संवेजा सहर संवेजा अहेसत्तमाए होजा अहवा सो रयव  
 संवेजा सहर संवेजा बाहुवप्यमाए होजा आव अहवा सो रयव संवेजा सहर-  
 संवेजा अहेसत्तमाए होजा अहवा तिनि रयव संवेजा सहर संवेजा बाहुव-  
 प्यमाए होजा एवं एएवं कमेवं एकेको रयवप्यमाए संवत्तरेयवो आव अहवा  
 संवेजा रयव संवेजा सहर संवेजा बाहुवप्यमाए होजा आव अहवा  
 संवेजा रयव संवेजा सहर संवेजा अहेसत्तमाए होजा अहवा एते रयव  
 एते बाहुव संवेजा रयवमाए होजा आव अहवा एते रयव एते बाहुव  
 संवेजा अहेसत्तमाए होजा अहवा एते रयव सो बाहुव संवेजा रयवमाए  
 होजा एवं एएवं कमेवं तिनि संवेजो वत्तसंवेजो आव सत्तसंवेजो व वहा  
 वत्तसं वेह माविजवो पत्तिमो जावजवो सत्तसंवेजो अहवा संवेजा रयव  
 संवेजा सहर आव संवेजा अहेसत्तमाए होजा ॥ अहवेजा मते । नेरत्ता  
 नेरत्तपत्तिमपत्ति पत्तिमावा पुष्का रिया । रयवप्यमाए व होजा आव अहे  
 सत्तमाए व होजा अहवा एते रयव अहवेजा सहरप्यमाए होजा एवं हुमास-  
 वेजे आव सत्तसंवेजो व वहा संवेजा व मत्तिमो वहा अहवेजा व मत्ति-  
 मवो वहा अहवेजा व मत्तिमो मत्तिमवो वेह सं व व आव सत्तसंवे-  
 जस पत्तिमो जावजवो अहवा अहवेजा रयव अहवेजा सहर आव अह-  
 वेजा अहेसत्तमाए होजा ॥ अहवेजा मते । नेरत्ता नेरत्तपत्तिमपत्ति पुष्का  
 रिया । मत्तिमो वहा रयवप्यमाए होजा अहवा रयवप्यमाए व सहरप्यमाए व  
 होजा अहवा रयवप्यमाए व बाहुवप्यमाए व होजा आव अहवा रयवप्यमाए व  
 अहेसत्तमाए व होजा अहवा रयवप्यमाए व सहरप्यमाए व बाहुवप्यमाए व होजा  
 एवं आव अहवा रयव व सहरप्यमाए व अहेसत्तमाए व होजा ५ अहवा रयव  
 व बाहुव व रयवमाए व होजा आव अहवा रयव व बाहुव व अहेसत्तमाए  
 व होजा ४ अहवा रयव व रयवमाए व हुमाए व होजा एवं रयवप्यमं अमुने-  
 वेह वहा तिनि तिनासंवेजो मत्तिमो वहा माविजवो आव अहवा रयव व तमाए  
 व अहेसत्तमाए व होजा १५ अहवा रयवप्यमाए व सहरप्यमाए व बाहुव व  
 रयवमाए व होजा अहवा रयवप्यमाए व सहरप्यमाए व बाहुव व हुमाए  
 व होजा आव अहवा रयवप्यमाए व सहरप्यमाए व बाहुव व अहेसत्तमाए व



वणवासीसु य होज्जा अहवा जोइसियवाणमतरेसु य होज्जा अहवा जोइसियवेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वाणमतरेसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य वाणमतरेसु य वेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वाणमतरेसु य वेमाणिएसु य होज्जा । एयस्स ण भते ! भवणवासिदेवपवेसणगस्स वाणमतरदेवपवेसणगस्स जोइसियदेवपवेसणगस्स वेमाणियदेवपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गगेया ! सव्वत्थोवे वेमाणियदेवपवेसणए, भवणवासिदेवपवेसणए असखेज्जगुणे, वाणमतरदेवपवेसणए असखेज्जगुणे, जोइसियदेवपवेसणए सखेज्जगुणे ॥ ३७५ ॥ एयस्स ण भते ! नेरइयपवेसणगस्स तिरेक्ख ० मणुस्स ० देवपवेसणगस्स कयरे कयरे जाव विसेसाहिया वा ? गगेया ! सव्वत्थोवे मणुस्सपवेसणए, नेरइयपवेसणए असखेज्जगुणे, देवपवेसणए असखेज्जगुणे, तिरेक्खजोणियपवेसणए असखेज्जगुणे ॥ ३७६ ॥ सतरं भते ! नेरइया उववज्जति निरंतरं नेरइया उववज्जति सतरं असुरकुमारा उववज्जति निरतरं असुरकुमारा उववज्जति जाव सतरं वेमाणिया उववज्जति निरंतरं वेमाणिया उववज्जति सतरं नेरइया उववज्जति निरंतरं नेरइया उववज्जति जाव सतरं वाणमतारा उववज्जति निरंतरं वाणमतारा उववज्जति सतरं जोइसिया चयति निरंतरं जोइसिया चयति सतरं वेमाणिया चयति निरंतरं वेमाणिया चयति ? गगेया ! सतरं पि नेरइया उववज्जति निरंतरं पि नेरइया उववज्जति जाव सतरं पि थणियकुमारा उववज्जति निरंतरं पि थणियकुमारा उववज्जति नो सतरं पुढविकाइया उववज्जति निरंतरं पुढविकाइया उववज्जति एव जाव वणस्सइकाइया सेसा जहा नेरइया जाव सतरं पि वेमाणिया उववज्जति निरंतरं पि वेमाणिया उववज्जति, सतरं पि नेरइया उववज्जति निरंतरं पि नेरइया उववज्जति एव जाव थणियकुमारा नो सतरं पुढविकाइया उववज्जति निरतरं पुढविकाइया उववज्जति एव जाव वणस्सइकाइया सेसा जहा नेरइया, नवरं जोइसियवेमाणिया चयति अभिलावो, जाव सतरं पि वेमाणिया चयति निरंतरं पि वेमाणिया चयति ॥ सओ भते ! नेरइया उववज्जति असओ भते ! नेरइया उववज्जति ? गगेया ! सओ नेरइया उववज्जति नो असओ नेरइया उववज्जति, एवं जाव वेमाणिया, सओ भते ! नेरइया उववज्जति असओ नेरइया उववज्जति ? गगेया ! सओ नेरइया उववज्जति नो असओ नेरइया उववज्जति, एवं जाव वेमाणिया, नवरं जोइसियवेमाणिएसु चयति भाणियन्व । सओ भते ! नेरइया उववज्जति असओ भते ! नेरइया उववज्जति सओ असुरकुमारा उववज्जति जाव सओ वेमाणिया उववज्जति असओ वेमाणिया उववज्जति सओ नेरइया उववज्जति असओ नेरइया उववज्जति

मगेवा । सम्प्रतीये पश्चिद्विषयिनिवृत्तयोऽपि पवैतन्मप, - अतस्त्रिदिवसिदिवसयोऽपि  
 निवेद्यादिए, तेद्विद निवेद्यादिए, त्रैदिव निवेद्यादिए, एतद्विदिवसिदिवस  
 निवेद्यादिए ॥ १७१ ॥ मनुस्त्वपवैतन्मप न मते । अस्मिन्ने पवते । मगेवा । सुनिहे  
 पवते, तंवाह-संमुच्छिन्नमनुस्त्वपवैतन्मप न गम्भवत्सिक्कमनुस्त्वपवैतन्मप न । एगे  
 मते । मनुस्ते मनुस्त्वपवैतन्मप पविद्यमानं किं संमुच्छिन्नमनुस्तेह होजा गम्भ-  
 वत्सिक्कमनुस्तेह होजा । मगेवा । संमुच्छिन्नमनुस्तेह वा होजा गम्भवत्सिक्कमनु-  
 स्तेह वा होजा । हो मते । मनुस्सा पुच्छा, मगेवा । संमुच्छिन्नमनुस्तेह वा होजा  
 गम्भवत्सिक्कमनुस्तेह वा होजा अहवा एगे संमुच्छिन्नमनुस्तेह होजा एगे गम्भ-  
 वत्सिक्कमनुस्तेह होजा एवं एवमं अनेयं अहवा मेधवपवैतन्मप तहा मनुस्त्वपवैतन्म-  
 पविद्यामिदमं एव वाप हस ॥ संवेजा मते । मनुस्सा पुच्छा मगेवा ।  
 संमुच्छिन्नमनुस्तेह वा होजा गम्भवत्सिक्कमनुस्तेह वा होजा अहवा एगे संमुच्छि-  
 न्मनुस्तेह होजा संवेजा गम्भवत्सिक्कमनुस्तेह होजा अहवा हो संमुच्छिन्नमनु-  
 स्तेह होजा संवेजा गम्भवत्सिक्कमनुस्तेह होजा एवं एवेमं कस्सारिते(मिण्णु) वाप  
 अहवा संवेजा संमुच्छिन्नमनुस्तेह होजा संवेजा गम्भवत्सिक्कमनुस्तेह होजा ॥  
 अहवेजा मते । मनुस्सा पुच्छा मगेवा । सम्भेवि ताव संमुच्छिन्नमनुस्तेह होजा  
 अहवा अहवेजा संमुच्छिन्नमनुस्तेह एगे गम्भवत्सिक्कमनुस्तेह होजा अहवा अह-  
 वेजा संमुच्छिन्नमनुस्तेह वा गम्भवत्सिक्कमनुस्तेह होजा एवं वाप अहवेजा  
 संमुच्छिन्नमनुस्तेह होजा संवेजा गम्भवत्सिक्कमनुस्तेह होजा ॥ उज्जंघ मते ।  
 मनुस्सा पुच्छा मगेवा । सम्भेवि ताव संमुच्छिन्नमनुस्तेह होजा अहवा संमुच्छि-  
 न्मनुस्तेह न गम्भवत्सिक्कमनुस्तेह न होजा । एकस्व न मते । संमुच्छिन्नमनुस्त्व  
 नवेधमत्तस्व गम्भवत्सिक्कमनुस्त्वपवैतन्मपस्व न अहरे १ वाप निवेद्यादिया ॥  
 मगेवा । सम्प्रतीये गम्भवत्सिक्कमनुस्त्वपवैतन्मप, संमुच्छिन्नमनुस्त्वपवैतन्मप अह-  
 वेजापुवे ॥ १७४ ॥ वेदपवैतन्मप न मते । अस्मिन्ने पवते । मगेवा । अतस्त्रिहे  
 पवते तंवाह-अवववादिदेवपवैतन्मप वाप वैद्यामिवेदपवैतन्मप । एगे मते । वैवे  
 वेदपवैतन्मप पविद्यमानं किं अवववादीह होजा वाचमंतरादोश्चिन्नवैद्यामिण्णु  
 होजा । मगेवा । अवववादीह वा होजा वाचमंतरादोश्चिन्नवैद्यामिण्णु वा होजा ।  
 हो मते । वैवा वैदपवैतन्मप पुच्छा मगेवा । अवववादीह वा होजा वाचमंतर  
 ओश्चिन्नवैद्यामिण्णु वा होजा अहवा एगे अवववादीह एगे वाचमंतराह होजा एवं  
 अहवा त्रिदिवसयोऽपि पवैतन्मप तहा वेदपवैतन्मपुमि व्यामिदमं वाप अहवेजापि ।  
 अहवेजा मते । पुच्छा मगेवा । सम्भेवि ताव ओश्चिन्न होजा अहवा ओश्चिन्न-

उववज्जति नो असयं जाव उववज्जति, से केणट्ठेणं भते ! एव बुध्दं जाव उववज्जति ? गगेया ! कम्मोदएण कम्मगुल्यत्ताए कम्मभारियत्ताए कम्मगुल्यसभारियत्ताए सुभा-  
सुभाण कम्माण उदएण सुभासुभाणं कम्माण विवागेण सुभासुभाण कम्माण फल-  
विवागेण सय पुढविकाइया जाव उववज्जति नो असय पुढविकाइया जाव उववज्जति,  
से तेणट्ठेण जाव उववज्जति, एवं जाव मणुस्सा, वाणमतरजोइसियवेमाणिया  
जहा असुरकुमारा, से तेणट्ठेण गंगेया ! एव बुध्दं सय वेमाणिया जाव उववज्जति  
नो असय वेमाणिया जाव उववज्जति ॥ ३७७ ॥ तप्पभिह च ण से गगेए अणगारे  
समण भगव महावीरं पच्चभिजाणइ सव्वणू सव्वदरिसी, तए णं से गगेए अणगारे  
समण भगव महावीरं तिक्खुतो आयाहिण पयाहिण करेइ करेता वदइ नमसइ  
वदिता नमस्सिता एव वयासी-इच्छामि णं भते ! तुज्झ अतिय चाउज्जामाओ  
धम्मामो पचमहव्वइय एवं जहा कालासवेसियपुत्ते अणगारे तहेव भाणियव्व जाव  
सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ सेव भते ! सेव भंते ! त्ति ॥ ३७८ ॥ गंगेयो समत्तो ॥ ११३२ ॥

तेण कालेण तेणं समएण माहणकुडग्गामे णाम नयरे होत्या वज्जओ, बहुसालए  
उज्जाणे वज्जओ, तत्थ ण माहणकुडग्गामे नयरे उसमदत्ते नाम माहणे परिवसइ अहे  
दिस्से वित्ते जाव अपरिभूए रिउव्वेयजजुव्वेयसामवेयअयव्वणवेय जहा खन्दओ जाव  
अच्चेसु य बहुस वभजएसु नएसु सुपरिनिट्ठिए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे उव  
लद्धपुण्णपावे जाव अप्पाण भावेमाणे विहरइ, तस्स ण उसमदत्तस्स माहणस्स देवा-  
णदा नाम माहणी होत्या, सुकुमालपाणिपाया जाव पियदसणा ब्रुत्वा समणोवासिया  
अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा जाव विहरइ । तेण कालेण तेण समएण सानी  
समोमढे, परिसा जाव पज्जुवासइ, तए ण से उसमदत्ते माहणे इमीसे कहाए लद्धे  
समाणे हट्ठ जाव हियए जेणेव देवाणंदा माहणी तेणेव उवागच्छइ २ ता देवाणद  
माहणि एव वयासी-एव खलु देवाणुप्पिए ! समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव  
सव्वन्न सव्वदरिसी आगासगएण चक्केण जाव सुहसुहेण विहरमाणे बहुसालए उज्जाणे  
अहापडिस्वं उग्गह जाव विहरइ, त महाफल खलु देवाणुप्पिए ! जाव तहास्वाण  
अरिहताण भगवत्ताण नामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अभिगमणवंदणनमसण-  
पडिपुच्छणपज्जुवासणयाए, एगस्सवि आ(य)रियस्स धम्मियस्स सुवयणस्स सवण  
याए किमंग पुण विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए, त गच्छामो णं देवाणुप्पिए ! समणं  
भगव महावीरं वदामो नमसामो जाव पज्जुवासामो, एयण्ण इहभवे य परभवे य  
हियाए सुहाए खमाए निस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ । तए ण सा देवाणंदा  
माहणी उसमदत्तेणं माहणेण एवं बुद्धा समाणी हट्ठ जाव हियया करयल जाव कट्ठ



दव्वाणं विउसरणयाए एवं जहा विइयसए जाव विनिहाए पञ्जुवागणयाए पञ्जुवासइ,  
तए णं मा देवाणदा माहणी धम्मियाओ जाणण्यराओ पणोहइ धम्मियाओ जाण-  
ण्यराओ पणोहइत्ता यहुहिं गुज्जाहिं जाव महत्तरगवंदपमिस्सित्ता समणं भगव  
महावीरं पचविहेणं अभिगगेणं अभिगच्छइ, गंहा-सचित्ताण दव्वाण विउसरण-  
याए, अचित्ताण दव्वाण अविमोयणयाए, विणयोणयाए गायलट्टीए, चक्रुण्णत्ते  
अजलिपग्गहेण, मणस्स एगसीभाचकण्णे॥ जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उव-  
गच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समण भगव महावीरं तिस्सुत्तो आयाहिण पयाहिण  
करेइ २ ता वदइ नमसइ वंदित्ता नमसित्ता उत्तभदत्त माहण पुरओ कट्ट ठिवा चैव  
सपरिवारा सुस्मृगमाणी नमममाणी अभिगुहा पिणएण पंजलिउटा जाव पञ्जुवासइ  
॥३७९॥ तए णं सा देवाणदा माहणी आगयपण्हया पण्णुयलोयणा सवगियवलयवाहा  
क्कुयपरिस्सित्तिया धाराहयकल्लयपुप्फापिव स(मुस्सखिण)नृगनियरोमहूवा समणं  
भगव महावीरं अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ ॥ गंते ! ति भगव गोयमे समं  
भगव महावीरं वंदइ नमसइ वंदित्ता नमसित्ता एव वयासी-णिण भते । एता देवाणदा  
माहणी आगयपण्हया तं चैव जाव रोमकूवा देवाणुप्पिए अणिमिसाए दिट्ठीए देह  
माणी २ चिट्ठइ १ गोयमाइ समणे भगव महावीरे भगवं गोयम एव वयासी-एव खल्ल  
गोयमा ! देवाणदा माहणी मम अम्मगा, अहं देवाणदाए माहणीए अत्तए, तए  
ण सा देवाणदा माहणी तेण पुव्वपुत्तमिणेहाणुराएण आगयपण्हया जाव सममवि  
यरोमकूवा मम अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ ॥ ३८० ॥ तए ण समणे  
भगव महावीरे उत्तभदत्तस्स माहणस्स देवाणदाए माहणीए तीसे य महइमहालि  
याए इत्तिपरिसाए जाव परिसा पडिगया । तए ण से उत्तभदत्ते माहणे समणस्स भग-  
वओ महावीरस्स अतिय धम्म सोया निसम्म हट्ठउट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता समणं  
भगव महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमसित्ता एवं वयासी-एवमेय भते । तहमेय भंते ! जहा  
खदओ जाव से जहेय तुब्भे वदहत्ति कट्ठ उत्तरपुरच्छिम दिसीभाग अवक्कमइ उत्तर-  
पु० २ ता सयमेव आभरणमल्लालकार ओमुयइ सयमे० २ ता सयमेव पचमुट्ठियं  
लोय करेइ सयमे० २ ता जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ ता समण  
भगव महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिण जाव नमसित्ता एवं वयासी-आलित्ते  
ण भते ! लोए, पलित्ते ण भते ! लोए, आलित्तपलित्ते ण भते ! लोए जराए  
मरणेण य, एव एएण कमेणं जहा खदओ तहेव पव्वइओ जाव सामाइयमाइयाई  
एकारस अगाइ अहिजइ जाव बहूहिं चउत्थउट्ठमदसम जाव विचित्तेहिं तवोक्कमेहिं  
अप्पाण भावेमाणे बहूइ वासाई सामन्नपरियाग पाउणइ २ ता मासियाए सलेहणाए



दव्याणं विउसरणयाए एवं जहा विउयसए जाव तिविहाए पञ्चुवासणयाए पञ्चुवासइ,  
तए ण सा देवाणंदा माहणी धम्मियाओ जाणप्पवराओ पयोदहइ धम्मियाओ जाण-  
प्पवराओ पयोदहिता वहुहिं गुत्ताहिं जाव महात्तरगाइपरिक्किणा गमणं भगव  
महावीरं पचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, सज्जा-सच्चित्ताणं दव्याणं मिउसर-  
याए, अचित्ताणं दव्याणं अविमोयगयाए, विणयोणयाए गायलट्टीए, चक्रुण्णसे  
अजतिपरगणे, मणस्स एगसीभावकण्णे॥ जेणेव गमणे भगवं महावीरं तेणेव उवा-  
गच्छइ तेणेव उवागच्छिता समणं भगवं महावीरं तिसुत्तो आयाहिणं पयाहिणं  
करेइ २ ता उदइ ममराइ वदित्ता नमंमिन्ता उसभदत्त माहणं पुरओ कट्टं ठिया चं-  
सपरिवारा सुस्सग्गमाणी गमंममाणी अभिमुहा विणएण पञ्जलिउत्ता जाव पञ्चुवाउइ  
॥३७९॥ तए णं सा देवाणंदा माहणी आगयपण्डया पण्णुयलोयणा सुवरियवत्त्यवाहा  
कंचुयपरिक्कितात्तिया धाराहयकलंयपुण्णपिव ग(मुस्सणिण)मूमवियगेमत्तया समणं  
भगव महावीरं अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ ॥ भंते । ति भगव गोयमे तमां  
भगव महावीर वदइ नमंसइ वदित्ता नमंमिन्ता एवं वयासी-णिण भते । एसा देवाणदा  
माहणी आगयपण्डया तं चं व जाव रोमवूवा देवाणुप्पिए अणिमिसाए दिट्ठीए देह  
माणी २ चिट्ठइ ? गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयम एव वयासी-एवं सउ  
गोयमा ! देवाणदा माहणी मम अम्मगा, अहण देवाणदाए माहणीए अत्तए, तए  
ण सा देवाणदा माहणी तेण पुच्चपुत्तसिणेहाणुराएणं आगयपण्डया जाव ममूमवि  
यरोमवूवा मम अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ ॥ ३८० ॥ तए ण समणे  
भगव महावीरे उसभदत्तस्स माहणस्स देवाणदाए माहणीए तीसे य महउमहाणि  
याए इसिपरिसाए जाव परिसा पडिगया । तए ण से उसभदत्ते माहणे समणस्स भग-  
वओ महावीरस्स अतिय धम्म सोचा निसम्म हट्टुट्ठे उट्ठाए उट्ठेउ उट्ठाए उट्ठेता समण  
भगवं महावीरं तिसुत्तो जाव नमसित्ता एवं वयासी-एवमेय भते । तहमेय भते । जहा  
खदओ जाव से जहेय तुच्चे वदहति कट्टं उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ उत्तर  
पु० २ ता सयमेव आभरणमल्लालकार ओमुयइ सयमे० २ ता सयमेव पचमुट्ठियं  
लोयं करेइ सयमे० २ ता जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ ता समण  
भगव महावीरं तिसुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव नमसित्ता एव वयासी-आलिते  
ण भंते ! लोए, पलिते ण भते ! लोए, आलितपलिते ण भते ! लोए जराए  
मरणेण य, एव एएण कमेण जहा खदओ तहेव पठ्वइओ जाव सामाइयमाइयाई  
एकारस अगाई अहिज्जइ जाव वहुहिं चउत्थल्लट्ठमदसम जाव विचित्तेहिं तवोक्कमेहिं  
अप्पाणं भावेमाणे वहुइ वासाई सामजपरियागं पाउणइ २ ता मासियाए सलेहणाए

अतएव इति मासि १ त्वं सति मेताई अन्वयमायुः केवेइ सति २ त्वं अस्त्वया  
 कोरइ शिखण्ड्यमायै वैरकण्ड्यमायै चाय तमाई आराहेइ तमाई आराहेण तए  
 भं सो चाय सन्वत्सराय्यहीये । तए नं सा देवान्देवा माह्वी समन्वसं भनमन्वे  
 महावीरस्स अंतिनं वेम्मे सोचा मिसम्म इत्थत्थ समन् भनवं महावीरे शिखण्ड्यो  
 आयाहिं पयाहिं चाय नमंतिता एव वमासी-एवमेव भंते । तहमेव येत । एवं  
 अहा उत्तमवतो तहोच चाय वम्ममाइ(वन्व)मिन्व । तए नं समन् भनवं महावीरे  
 देवान्दे माह्वी समन्वे पम्मावेइ सय २ त्वं समन्वे अन्वयमायुः अजाए  
 सीतिमिताए इन्वइ ४ तए नं सा अन्वयमायुः अजा देवान्दे माह्वी समन्वे  
 सुहावेइ समन्वे सेहावेइ एवं अहेव उत्तमवतो तहोच अन्वयमायुः अजाए इमे  
 एवात्तं वम्मिन्व त्वहसं सम्यं संपत्तिवन्व तयायाए तह वन्व चाय समन्वे  
 सज्जेइ, तए नं सा देवान्दे अजा अन्वयमायुः अजाए अंतिनं सप्ताद्वमा-  
 इमाई एवारस अंयाई अहिजइ सेपं तं येव चाय सन्वत्सराय्यहीया ॥ ३८१ ॥  
 एस्स नं महापुंइम्यामस्स ववरस्स पत्तिमिमेव एव नं अतिवुंइम्यामे वरं  
 नगरे होत्वा ववओ तत्त नं अतिवुंइम्यामे नगरे वमायै नमं अतिवुंइम्यारे  
 परिकसइ जहे विंति चाय अपरीमए सपि पासाववरयए पुत्तमायै सुईमत्तएहि  
 वत्तइम्वहेहि पावइहि आयाविहवरतपमीसेपत्तेहि ववविज्जमायै ववविज्जमायै  
 ववविज्जमायै १ उववविज्जमायै २ पावसवसारत्तवहीमंतसिहिरवसेतमिहपवसे  
 सपिज्ज अहा विमवैयं यानमायै १ वरं पावेमायै इहे वरवसेतसकमवि मेव  
 तिहे मालुस्सए वममयेने पम्पुम्पममायै विहरइ । तए नं अतिवुंइम्यामे नगरे  
 सिवावपतिवववववर चाय वववववव वा अहा ववववव चाय एवं पववेइ एवं  
 पववेइ-एवं अत्त देवमुप्पिमा । समन् भनवं महावीरे आह्वारे चाय सन्वत्सराय्य-  
 वहीवी माह्वत्सराय्यमस्स ववरस्स वहिंवा ववुचावए अजायै अहापविह्वं अत्त  
 विहरइ, तं महापुंइ वम्म देवमुप्पिमा । तहावमायै अरुंतायै भनवैयायै अहा वव-  
 ववए चाय एवाप्पिमुहे अतिवुंइम्यामे नगरे वववववव विगववव विग-  
 पिता येवैव माह्वत्सराय्यमे नगरे येवैव ववुचावए वजायै एवं अहा ववववव  
 चाय तिहिवाए पम्पुववववए पम्पुववव । तए नं तस्स वमाविस्स अतिवुंइम्यास्स  
 तं महा वववव वा चाय वववववव वा वववववव वा पववववव वा वव-  
 वेवववव वववववव चाय वववववव-विह्वं अत्त अतिवुंइम्यामे नगरे होत्वा-  
 हेइ वा ववववव वा सुईवववव वा वववववव वा वववववव वा वववववव वा  
 वववववव वा वववववव वा वववववव वा वववववव वा वववववव वा वववववव वा



भूमदेष्ट वा जणं एए बहवे उग्गा भोगा राड्मा इक्खागा णाया कोरखा खत्तिवा  
 खत्तियपुत्ता भडा भट्टपुत्ता० जहा उववाडए जाव सत्तयादप्पभिइ(य)ओ ष्हाया  
 जहा उववाडए जाव निग्गच्छति ? एवं संपेहेइ एवं संपेहिता कच्चुइज्जपुरिसे सदावेइ  
 कंचु० २ ता एव वयासी-फिण्णं देवाणुप्पिया ! अज्ज खत्तियकुडग्गामे नगरे इंदमहेइ  
 वा जाव निग्गच्छति ? तए ण से कंचुइज्जपुरिसे जमाळिणा खत्तियकुमारेण एवं युतो  
 समाणे हट्टनुट्टे समणस्स भगवओ महावीरस्स आगमणगहियणिच्छिए करयत्त०  
 जमालि खत्तियकुमारं जएण भिजएण वदानेइ वदानेत्ता एवं वयासी-णो मल्लु देवा-  
 णुप्पिया ! अज्ज खत्तियकुडग्गामे नगरे इंदमहेइ वा जाव निग्गच्छन्ति, एवं मल्लु  
 देवाणुप्पिया ! अज्ज समणे भगव महावीरे जाव सव्वज्जु सव्वदारेसी माहणकुडग्गा-  
 मस्स नगरस्स बहिया बहुसालए उज्जाणे अहापटिरूव उग्गाह जाव विहरइ, तए णं  
 एए बहवे उग्गा भोगा जाव अप्पेगइया वंदणवत्तियं जाव निग्गच्छति । तए णं से  
 जमाली खत्तियकुमारे कच्चुइज्जपुरिमस्स अतिए एयमट्ठं सोया निग्गम्म हट्टनुट्ट०  
 कोडुवियपुरिसे सदावेइ कोडुवियपुरिसे सदावइत्ता एवं वयासी-त्तिप्पामेव भो देवाणु-  
 प्पिया ! चाठग्घटं आसरह जुत्तामेव उवट्टवेइ उवट्टवेत्ता मम एयमाणत्तिय पच्चप्पि-  
 णह, तए ण ते कोडुवियपुरिसा जमालिणा खत्तियकुमारेण एव युत्ता समाणा जाव  
 पच्चप्पिणंति, तए णं से जमाली खत्तियकुमारे जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ  
 तेणेव उवागच्छिता ष्हाए जहा उववाडए परिसावज्जओ तहा भाणियव्व जाव चद(उ-  
 क्खित्त)णाकिज्जगायसरीरे सव्वालकारविभूसिए मज्जणघराओ पडिनिक्खत्तमइ मज्जणघ-  
 राओ पडिनिक्खत्तमिता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाठग्घटे आसरहे तेणेव  
 उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता चाठग्घट आसरह दुरूहेइ चाठ० १ ता सक्केरं  
 मल्लदामेणं छत्तेण धरिज्जमाणेणं महया भडचडगरपहकरवंदपरिक्खित्तो खत्तियकुड-  
 ग्गामं नगरं मज्जमंज्जेणं निग्गच्छइ निग्गच्छिता जेणेव माहणकुडग्गामे नगरे  
 जेणेव बहुसालए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता तुरए निग्गिण्हेइ ?  
 ता रहं ठवेइ रह ठवेत्ता रहाओ पच्चोरुहइ रहा० २ ता पुप्फत्तचोलाउहमाइय  
 वा(णहा)हणाओ य विसज्जेइ २ ता एगसाडिय उत्तरासंगं करेइ उत्तरासंगं करेत्ता  
 आर्यते चोक्खे परमसुइब्भूए अजलिमउल्लियहत्थे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव  
 उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पया-  
 हिण करेइ २ ता जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ । तए णं समणे  
 भगव महावीरे जमालिस्स खत्तियकुमारस्स तीसे य महइमहालियाए इति० जाव  
 धम्मकहा जाव परिसा पडिगया, तए ण से जमाली खत्तियकुमारे समणस्स भग



क्षियधवलवलयपद्मद्वयशरिणा मुच्छावसणद्वयेयगु(ग)रुदं सुवुमालविक्रिञ्जकेसहत्या  
 परसुणियत्तय्य चपगलया निव्वत्तमहे व्व इदल्लट्ठी विमुयसधिवंधणा षोड्ढिमतल्लि  
 धसत्ति सव्वगेहिं संनिवडिया, तए ण मा जमालिस्स रात्तियकुमारस्स माया ससम-  
 मोयत्तियाए तुरियं कचणभिगारमुहविणिग्गयसीयलविमलजलधारपरिसिंचमाणनि-  
 व्वावियगायलट्ठी उक्खेवयतालियंटवीयणगजणियवाएण सफुसिएण अतेउरपरिजणेणं  
 आमासिया समाणी रोयमाणी वदमाणी गोयमाणी विल्वमाणी जमालिं वत्तिम्-  
 कुमारं एवं वयासी—तुमेसि ण जाया ! अम्ह एगे पुत्ते इट्ठे कते पिए मणुत्ते मणामे  
 वेजे वेसात्तिए समए बहुमए अणुमए भउऊरंडगसमाणे रयणे रयणम्भूए जीविउस-  
 विए हिययानंदिजणणे उचरपुप्फमिव दुद्धे सवणयाए तिमग पुण पासणयाए, त  
 नो खल्ल जाया ! अम्हे इच्छामो तुज्ज राणमवि विप्पओग, त अच्छाहि ताव  
 जाया ! जाव ताव अम्हे जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहिं समाणेहिं  
 परिणयवए वड्ढियकुलवसततुकज्जमि निरवयक्खे गमणस्स भगवओ महावीरस्स  
 अतिए मुढे भविता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिसि । तए ण से जमाली वत्तिम्-  
 कुमारं अम्मापियरो एव वयासी—तहावि ण त अम्म ! ताओ ! जणं तुब्भे मम  
 एव वदह तुमसि ण जाया ! अम्ह एगे पुत्ते इट्ठे कते त चेव जाव पव्वइहिसि,  
 एव खल्ल अम्म ! ताओ ! माणुस्सए भवे अणेगजाइजराभरणरोगसारीरमाणसप  
 कामदुक्खवेयणवसणसओवद्वाभिभूए अधुवे अणिइए असासए सल्लभरागसरिसे  
 जलबुब्बुयसमाणे कुसग्गजलविंदुसज्जिमे सुविणगदंसणोवमे विज्जुलयाचचळे अणिवे  
 सडणपडणविद्धसणधम्मे पुत्विं वा पच्छा वा अवस्स विप्पजहियव्वे भविस्सइ, से  
 केस णं जाणइ अम्म ! ताओ ! के पुत्विं गमणयाए के पच्छा गमणयाए, त  
 इच्छामि ण अम्मताओ ! तुब्भेहिं अब्भणुजाए समाणे समणस्स भगवओ महा  
 वीरस्स जाव पव्वइत्तए । तए णं त जमालिं खत्तियकुमार अम्मापियरो एवं  
 वयासी—इम च ण ते जाया ! सरीरग पविसिट्ठरूवलक्खणवज्जणगुणोववेय उत्तम  
 वलवीरियसत्तजुत्त विण्णाणवियक्खण ससोहग्गगुणसमुत्तिय अभिजायमहक्खमं  
 विविहवाहिरोगरहिय निरुवहयउदत्तल्ल पंचिंदियपडुपडमजोव्वणत्थं अणेगउत्तम-  
 गुणेहिं सजुत्त त अणुहोहि ताव जाव जाया ! नियगसरीररूवसोहग्गजोव्वणगुणे,  
 तओ पच्छा अणुभूयनियगसरीररूवसोहग्गजोव्वणगुणे अम्हेहिं कालगएहिं समाणेहिं  
 परिणयवए वड्ढियकुलवसततुकज्जमि निरययक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स  
 अतियं मुढे भविता अगाराओ अणगारिय पव्वइहिसि, तए ण से जमाली खत्तिय-  
 कुमारं अम्मापियरो एव वयासी—तहावि ण त अम्मताओ ! जन्न तुब्भे मम एवं

बभौ महावीरस्य अंतिवं बभौ शोभा निरुद्धं दृष्ट्वा भाव द्विपुं कदापुं तद्वै कदापुं  
 कदापुं सम्यं भवति महावीरं विवक्ष्यते भाव नमसिता एवं वयाही-पुत्राणि न  
 मते । विमर्षं पावयन् पतियामि न मते । विमर्षं पावयन् रोपमि न मते ।  
 निमर्षं पावयन् अस्मद्विमि न मते । निमर्षं पावयन् एकमेव मते । तद्वै मते ।  
 अतिवृद्धमेव मते । अतिवृद्धमेव मते । भाव ये बह्वेव तुम्ये वदन्, न नवरे वदन्-  
 विवक्ष्य । अस्मापिबरो आपुच्छामि । तप ये बह्वे वदन्पुत्रिण्यारं अंतिवं सुखे ममिष्य  
 अवाप्यो अवाप्यारं पश्यामि अवाप्यं विवक्ष्यामि । मा पश्यन् ॥ १८९ ॥  
 तप ये ये अमाप्ये अतिवृद्धमारे सम्यक् मग्नवत् महावीरं एवं भूत सम्यक् दृष्ट्वा  
 दृष्ट्वा दृष्ट्वा सम्यक् मग्नवत् महावीरस्य अंतिव्यामो बहुसाधनं सजायामा  
 पतिविवक्ष्यन् पतिविवक्ष्यन्ता वयोदं भाव वरिजमायेन मया मग्नवत्पर भाव  
 पतिविवक्षते केवैव अतिवृद्धमयाये नवरे तेवैव उवाचकः तेवैव उवाचकः  
 अतिवृद्धमयाये नवरे मग्नवत्मेव केवैव तप विवक्षे केवैव बाहिरिवा कदापुत्रसत्ता  
 तेवैव उवाचकः तेवैव उवाचकः तप विवक्ष्यन् तप विवक्ष्यन्ता रं म्यै  
 रं म्यैता रं म्यैता पयोद्वै मयाये पयोद्वै मयाये केवैव अतिवृद्धमयाये उवाचकः  
 केवैव अस्मापिबरो तेवैव उवाचकः तेवैव उवाचकः अस्मापिबरो अपुत्रं  
 विवक्ष्यन् वदन् वदन्ता एवं वयाही-एवं कदा अस्मदाजो । तप सम्यक् मग-  
 न्नवो महावीरस्य अंतिवं बभौ विवक्षते तेन य मे बभौ इति पतिविवक्ष्य  
 अमिष्य, तप ये ते अमाप्ये अतिवृद्धमारे अस्मापिबरो एवं वयाही-वदन्ति न  
 तुमं जाना । अमत्येति न तुमं जाना । अमपुत्रेति न तुमं जाना । अमककमेति  
 न तुमं जाना । अत्र तुमं सम्यक् मग्नवत् महावीरस्य अंतिवं बभौ विवक्षते एति  
 न बभौ इति पतिविवक्ष्य अमिष्य, तप ये ये अमाप्ये अतिवृद्धमारे अस्मापिबरो  
 वदन्ति एति एवं वयाही-एवं कदा मप अस्मदाजो । सम्यक् मग्नवत् महावीरस्य  
 अंतिवं बभौ विवक्षते भाव अमिष्य, तप ये बह्वे अस्मदाजो । संसारमग्नवत्  
 मीप अमग्नवत्परवैव तं दृष्ट्वा मीप अमग्न । ताजो । तुम्यैव अमपुत्राए सजाये  
 सम्यक् मग्नवत् महावीरस्य अंतिवं सुखे ममिष्य अमाप्यो अवाप्यारं पश्यामि ।  
 तप ये सा अमाप्ये अतिवृद्धमारे भावा तं अमिष्य अमिष्य अमिष्य अमपुत्रं  
 अमाप्यं अमपुत्रं विरे शोभा निरुद्धं वेदागवरोमग्नवत्परवत्पतिविवक्षते शोभर  
 पतिविवक्षते विरे शोभा निरुद्धं वेदागवरोमग्नवत्परवत्पतिविवक्षते शोभर  
 पुत्रवत्परवत्पतिविवक्षते शोभा निरुद्धं वेदागवरोमग्नवत्परवत्पतिविवक्षते शोभर

च ते जाया ! अज्जयपज्जय जाव पव्वइहिसि, एव खलु अम्मताओ ! हिरन्ने य सुक्खे  
य जाव सावएज्जे अग्गिसाहिण्ण चोरसाहिण्ण रायसाहिण्ण मच्चुसाहिण्ण दाइयसाहिण्ण  
अग्गिसामन्ने जाव दाइयसामन्ने अधुवे अणिएण असासए पुब्बि वा पच्छा वा  
अवस्सं विप्पजहियन्वे भविस्सइ, से केस ण जाणइ त चेव जाव पव्वइतए । तए  
णं त जमालिं खत्तियकुमारं अम्मताओ जाहे नो संचाएन्ति विसयाणुलोमाहिं बहूहिं  
आघवणाहिं य पन्नवणाहिं य सन्नवणाहिं य विन्नवणाहिं य आघवेत्तए वा पन्नवेत्तए  
वा सन्नवेत्तए वा विन्नवेत्तए वा ताहे विसयपडिकूलाहिं सजमभयउन्वेयणकराहिं  
पन्नवणाहिं पन्नवेमाणा एवं वयासी—एवं खलु जाया ! निग्गधे पावयणे सन्ने अणु-  
त्तरे केवळे जहा आवस्सए जाव सव्वदुक्खान्णमंतं करेति अहीव एगतदिट्ठीए खुो  
इव एगतधाराए लोहमया जवा चावेयन्वा वालुयाकवळे इव निस्सा(रे)ए गगा वा  
महानई पडिसोयगमण्याए महासमुदोव्व भुयाहिं दुत्तरो तिक्खं कमियव्वं ग(गु)ल्लं  
लवेयव्वं असिधारणं वयं चरियव्वं, नो खलु कप्पइ जाया ! समणाणं निग्गंधाणं  
आहाकम्मिएइ वा उहेसिएइ वा मिस्सजाएइ वा अज्झोयरएइ वा पूइएइ वा कीएइ  
वा पामिच्चेइ वा अच्छेज्जेइ वा अणिसिट्ठेइ वा अभिहट्ठेइ वा कतारभत्तेइ वा दुब्बिक्ख  
भत्तेइ वा गिलाणभत्तेइ वा वदलियामत्तेइ वा पाहुणगभत्तेइ वा सेज्जायरपिंढेइ वा  
रायपिंढेइ वा मूलभोयणेइ वा कदभोयणेइ वा फलभोयणेइ वा वीयभोयणेइ वा हरिय-  
भोयणेइ वा भुत्तए वा पायए वा, तुम च णं जाया ! सुहसमुच्चिए णो चेव ण दुह  
समुच्चिए नाल सीयं नाल उण्हं नाल खुहा नाल पिवासा नाल चोरा नालं वाला नालं  
दंसा नाल मसगा नाल वाइयपित्तियसेंभियसन्निवाइए विविहे रोगायके परीसहोवसणे  
उदिन्ने अहियासेत्तए, तं नो खलु जाया ! अम्हे इच्छामो तुज्झं खणमवि विप्पज्जोमं  
तं अच्छाहिं ताव जाया ! जाव ताव अम्हे जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहिं  
जाव पव्वइहिसि । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एव वयासी-  
तहावि णं त अम्म ! ताओ ! जन्न तुज्झे मम एव वयह—एव खलु जाया ! निग्गधे  
पावयणे सन्ने अणुत्तरे केवळे तं चेव जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्मताओ ! निग्गधे  
पावयणे कीवाण कायरारणं कापुरिसाण इहलोगपडिवद्धान्ण परलोगपरंमुहाण विसय-  
तिसियाण दुरणुचरे पागयजणस्स, धीरस्स निच्छियस्स ववसियस्स नो खलु एत्थं  
किंचिवि दुक्करं करणयाए, तं इच्छामि ण अम्म ! ताओ ! तुब्भेहिं अब्भणुत्ताए समणे  
समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइतए । तए ण तं जमालिं खत्तियकुमारं  
अम्मापियरो जाहे नो संचाएन्ति विसयाणुलोमाहिं य विसयपडिकूलाहिं य बहूहिं  
आघवणाहिं य पन्नवणाहिं य ४ आघवेत्तए वा जाव विन्नवेत्तए वा ताहे अकामए



रंगुलचले निरुगमगपओगे अग्गकेसे रप्पेऽ । तए ण मा जमालिस्स रात्तियकुमारस्स  
 रस्स माया हंमलक्कणेजं पडसाडए अग्गकेसे पडिच्छइ अग्गकेसे पडिच्छइ  
 सुरभिणा गंधोदएणं पक्खाटेइ गुरभिणा गंधोदएणं पक्खाटेइ अग्गोहिं वरोहिं तवहिं  
 मोहिं अगेड २ ता गय्यत्थेण बंधेइ गय्यत्थेणं घघिप्ता रयणवरंगति पम्मिक्क  
 २ ता हारवारिधारमिंदुवारछिन्नमुक्तावत्तिप्पगामाइ भुयविओगत्तहाइ अंठं  
 विणिम्मयमाणी २ एव वयासी-एम ण अम्ह जमालिस्स रात्तियकुमारस्स बहु  
 तिहीसु य पच्चणीसु य उम्भवेसु य जप्पेसु य छणेसु य अण्णच्छिमे दरिसणे भविस्स  
 तीतिकइ ओसीसगमूले ठवेइ, तए ण तस्स जमालिस्स रात्तियकुमारस्स अम्मापि  
 यरो दोयपि उत्तरावयमण सीहासण रयावंति २ ता दोयपि जमालि रात्तियकुमार  
 सीयापीयएहिं कलसेहिं ण्हाणेति सीयापीयएहिं कलसेहिं ण्हावेत्ता पम्हल्लुम्मात्ता  
 नुरभिणं गंधकासाइए गायड छंति नुरभिणं गंधकासाइए गायड छंति  
 सरसेण गोसीसचदणेणं गायड अणुत्तिपन्ति गायड अणुत्तिपिता नासानिस्सत्तव  
 यवोज्ज चक्खुहरं वज्जफरिमज्जत्त हयल्लापेल्लावाइरेण घवल कणमगवियत्तम्भं  
 महरिह हंसलक्कणपडसाडग परिहिति २ ता हारं पिण्ढेति २ ता अद्धहार पिण्ढेति  
 २ ता० एव जहा सूरियाभस्स अल्लारो तहेव जाव चित्त रयणसककुदड मउं  
 पिण्ढेति, किं बहुणा गथिमवेढिमपूरिमसघादमेण चउव्विहेण महेण कप्परत्तगं पिव  
 अलक्कियविभूतिय करंति । तए ण से जमालिस्स रात्तियकुमारस्स पिया कोडुबिय  
 पुरिसे सद्दवेइ सद्दवेत्ता एवं वयासी-रिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अणेगखभत्तय  
 सज्जिविद्ध लीलद्वियसालिभंजियाग जहा रायप्पसेणडजे विमाणवन्नओ जाव मगिरक्क  
 णघंठियाजालपारेक्खित्तं पुरिससहस्सवाहिणीय सीय उवट्टवेह उवट्टवेत्ता मम एयमा  
 णत्तिय पच्चप्पिणह, तए ण ते कोडुनियपुरिसा जाव पच्चप्पिगति । तए ण से जमाली  
 रात्तियकुमारे केसाल्लकारेण वत्थाल्लकारेण मल्लाल्लकारेण आभरणाल्लकारेण चउव्वि  
 हेण अल्लकारेण अल्लकारिण समाणे पडिपुञ्जाल्लकारे सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ सीहास  
 णाओ अब्भुट्ठेत्ता सीय अणुप्पयाहिणीकरेमाणे सीयं दुरुहइ २ ता सीहासणवरंति  
 पुरत्थाभिमुहे सज्जिसण्णे । तए ण तस्स जमालिस्स रात्तियकुमारस्स माया ण्हाया  
 जाव सरीरा हसलक्कणं पडसाडग गहाय सीय अणुप्पयाहिणीकरेमाणी सीयं  
 दुरुहइ सीय दुरुहित्ता जमालिस्स रात्तियकुमारस्स दाहिणे पासे भद्दासणवरंति सनि  
 सज्जा, तए ण तस्स जमालिस्स रात्तियकुमारस्स अम्माधाइ ण्हाया जाव सरीरा  
 रयहरणं च पडिग्गह च गहाय सीय अणुप्पयाहिणी करेमाणी सीय दुरुहइ सीय  
 दुरुहित्ता जमालिस्स रात्तियकुमारस्स वामे पासे भद्दासणवरंति सनिसज्जा । तए णं

येन कमाक्षिस्त्व कतिक्कुमारस्त्व निक्कमयं ककुमभिरा ॥ ३८१ ॥ तए नं तस्स  
 कमाक्षिस्त्व कतिक्कुमारस्त्व पिवा कोट्टुमियपुरिसे सहावेह सहावेद्य एवं ववासी-  
 क्षिप्पमेव मो वेत्तुप्पिमा । कतिक्कुम्भम्मामं नगरं सम्भितरणाहिरेवं वासिक्क-  
 संमभिमोवक्षितं वहा वक्कमए वाव पवप्पिजति तए नं से कमाक्षिस्त्व कतिक्कु-  
 मारस्त्व पिवा कोट्टुमियपुरिसे सहावेह सहावहा एवं ववासी-क्षिप्पामेव मो  
 वेत्तुप्पिमा । कम्मक्षिस्त्व कतिक्कुमारस्त्व महत्तं महत्तं महत्तं त्रिपुलं निक्कमय-  
 मिरेवं सक्कुवेह, तए नं से कोट्टुमियपुरिसा सहेव वाव पवप्पिजति तए नं तं कमाक्षि  
 कतिक्कुमारं कम्मपिबरो सीहमववरेति पुरत्तामिमुहं मितीवारिसे मितीववेत्त  
 ककुवएवं छेदवित्तावं कम्मसावं एवं वहा राजपप्पेत्तए वाव ककुवएवं भोमेत्तावं  
 कम्मसावं सम्भिमिप्प वाव रवेवं महत्ता महत्ता निक्कमयवामिसेगेवं कम्मिप्पिन्ति  
 निक्कमयवमिसेगेवं अविठिठिठा करवक वाव कएवं निक्कएवं वववेत्ति कएवं  
 निक्कएवं ववावेत्ता एवं ववासी-मय वाना । किं वेमो किं पयव्वामो विवा वा  
 ते ककु । तए नं से कमाक्षि कतिक्कुमारं कम्मपिबरो एवं ववासी-इक्कमि नं  
 कम्म । तामो । इट्ठिक्कवामो रवहरवं न पडिमहं न जामिहं कसवणं न सत्ता-  
 विहं तए नं से कमाक्षिस्त्व कतिक्कुमारस्त्व पिवा कोट्टुमियपुरिसे सहावेह सहावेद्य  
 एवं ववासी-क्षिप्पामेव मो वेत्तुप्पिमा । विरिपउमो विवि सक्कहस्साई महत्त  
 कोट्टु सक्कहस्सेह इट्ठिक्कवामो रवहरवं न पडिमहं न जामिहं सक्कहस्सेवं  
 कसवणं न सहावेह, तए नं से कोट्टुमियपुरिसा कमाक्षिस्त्व कतिक्कुमारस्त्व पिक्क  
 एवं कुत्ता कमावा हट्टुत्ता करक वाव पडिठ्ठेत्ता क्षिप्पामेव विरिपउमो विवि  
 सक्कहस्साई सहेव वाव कसवणं सहावेत्ति । तए नं से कसवणं कमाक्षिस्त्व  
 कतिक्कुमारस्त्व पिक्का कोट्टुमियपुरिसेह सहामिप्प वमावं हट्टे हट्टे वहा वाव  
 सरीरे विवैव कम्मक्षिस्त्व कतिक्कुमारस्त्व पिवा सवणं कमापक्कह तेयेव ववा-  
 यविठ्ठा करक कमाक्षिस्त्व कतिक्कुमारस्त्व पिबरे कएवं निक्कएवं ववावेह कएवं  
 निक्कएवं ववामिप्प एवं ववासी-सीविसेत्तु नं वेत्तुप्पिमा । नं मए करमिप्प, तए  
 नं से कमाक्षिस्त्व कतिक्कुमारस्त्व पिवा तं कसवणं एवं ववासी-दुमं वेत्तुप्पिमा ।  
 कमाक्षिस्त्व कतिक्कुमारस्त्व परेवं कोट्टुं नट्टपुक्कमे निक्कमयवमोगेवं कम्मवेत्ते  
 (कम्मवेह) पडिक्कयेहि, तए नं से कसवणं कमाक्षिस्त्व कतिक्कुमारस्त्व पिक्का एवं  
 कुत्ता कम्मवे हट्टुत्ता करक वाव एवं वामी । तहति जामाए निक्कएवं ववणं पडिठ्ठेत्त  
 १ तए हट्टमिप्प ववोदएवं हट्टपाए पक्कवहि सट्टमिप्प २ तए हट्टाए ककुपक्कए  
 पोत्तीए मुहं ववह हट्टं वविप्प कमाक्षिस्त्व कतिक्कुमारस्त्व परेवं कोट्टुं नट्ट-



रस्त पिआ ष्ठाए जाव विभूतिए एतिगधवरणए सफोरेंटमदामेनं छतेनं परिज-  
 मानेणं सेयवरचामराहिं उज्ज्वमाणे २ हयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरंणिणए  
 सेणाए सद्धिं सपरिवुडे महया भटचटगर जाव परिमितासे जमालिस्स सत्तियकुमार-  
 रस्त पिट्ठओ २ अणुगच्छइ । तए ण तस्म जमालिस्स सत्तियकुमारस्स पुरओ महं  
 आसा आसवरा उभओ पामि णागा णागवरा पिट्ठओ रहा रहसंगेही । तए णं से  
 जमाली सत्तियकुमारे अचुगगयभिगारे परिगगहियतालियटे कम्मवियसेयउणे  
 पवीइयसेयचामरयालवीयणीए सच्चिर्णए जाव णाइयरवेण । तयाणंतरं च ण बहवे  
 लट्ठिग्गाहा पुंतग्गाहा जाव पुत्ययग्गाहा जाव वीणग्गाहा, तयाणतरं च णं अट्ठसं  
 गयाण अट्ठराय तुरयाण अट्ठमय रहाण, तयाणतरं च ण लठ्ठअसिक्कंतइत्थाण बह्वं  
 पायत्ताणीण पुरओ सपट्ठियं, तयाणतरं च ण बहवे राडे ररतत्वर जाव सत्पवाहप्पमि  
 इओ पुरओ सपट्ठिया जाव णाइयरवेण सत्तियकुडग्गान नगरं मज्जमज्जेणं जेव  
 माहणकुडग्गामे नयरे जेणेव बहुसालए उज्जाणे जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव  
 पहारेत्थ गमणाए । तए ण तस्म जमालिस्स सत्तियकुमारस्स सत्तियकुडग्गान नगरं  
 मज्जमज्जेणं निग्गच्छमाणम्म सिंघाडगतियचटण जाव पहेसु बहवे अत्थत्थिया जहा  
 उववाइए जाव अभिनदता य अभित्थुणता य एव वयसी-जय जय णदा धम्मेण,  
 जय जय णदा तवेणं, जय जय णदा । भइ ते अभग्गेहिं णाणदसणचरित्तमुत्तमेहिं  
 अजियाइ जिणाहि इट्ठियाइ जिय च पालेहि समगधम्मं जियविग्गोऽवि य वसाहि त  
 देव ! सिद्धिमज्जे णिहणाहि य रागदोमते तवेण धिदधणिययदकच्छे मदाहि अट्ठ  
 कम्मसत्तू क्षाणेण उत्तमेण सुक्केण अप्पनत्तो हराहि आराहणपडाग च धार ! सेल्ले-  
 वरगमज्जे पावय वित्तिमिरमणुत्तरं च केवलणाण गच्छय मोक्ख परं परं जिणव  
 रोवइट्ठेण सिद्धिमग्गेण अकुट्टिलेण हता परीसहचमू अभिभविय सामकट्ठोवमग्गाण  
 धम्मे ते अविग्गमत्तुत्तिकट्ठु अभिनदति य अभिथुणंति य । तए ण से जमाली सत्ति  
 यकुमारे नयणमालासहस्सेहिं पिच्छिजमाणे २ एव जहा उववाइए कूणिओ जाव  
 णिग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुडग्गामे नयरे जेणेव बहुसालए उज्जाणे तेणेव  
 उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता छताइए तित्थगराइसए पासइ पासित्ता पुरिससह  
 स्सवाहिणिं सीय ठवेइ २ ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ पचोरुइइ, तए णं तं  
 जमालिं सत्तियकुमारं अम्मापियरो पुरओ काउ जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव  
 उवागच्छति तेणेव उवागच्छित्ता समण भगव महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमसित्ता एव  
 चयासी-एव खलु भते ! जमाली सत्तियकुमारे अम्ह एगे पुत्ते इट्ठे कते जाव किमंग  
 पुण पासण्याए, से जहानामए-उप्पलेइ वा पठमेइ वा जाव सहस्सपत्तेइ वा पके



जणवयविहारं विहरइ, तेण कालेणं तेण समएण सावत्थी नाम नयरी होत्था वन्नओ, कोट्टए उज्जाणे वन्नओ जाव वणसडस्स, तेण कालेणं तेणं समएण चंपा नाम नयरी होत्था वन्नओ, पुन्नभेइ उज्जाणे वन्नओ जाव पुढविसिलापट्टए । तए ण से जमाली अणगारे अन्नया कयाइ पचहि अणगारसएहिं मद्धि सपरिवुडे पुव्वाणुपुब्बि चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव कोट्टए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता अहापडिस्स उग्गह उग्गिण्हइ अहापडिस्स उग्गह उग्गिण्हिता सजमेणं तवमा अप्पाण भावेमाणे विहरइ । तए ण समणे भगव महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुब्बि चरमाणे जाव सुहसुहेण विहरमाणे जेणेव चपानगरी जेणेव पुन्नभेइ उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता अहापडिस्स उग्गह उग्गिण्हइ अहा० २ ता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ ॥ तए ण तस्स जमालिस्स अणगारस्स तेहिं अरसेहि य विरसेहि य अत्तेहि य पत्तेहि य लहेहि य तुच्छेहि य कालाइक्कनेहि य पमाणाइक्कतेहि य सीयएहि य पाणभोयणेहिं अन्नया कयाइ सरीरगसि विउळे रोगायके पाठब्भूए उज्जळे विउळे पगाडे कक्कसे कडुए चंडे दुक्खे दुग्गे तिन्वे दुरहियासे पित्तजरपरिगयमरीरे दाहवक्कतिए यावि विहरइ । तए णं से जमाली अणगारे वेयणाए अभिभूए समाणे समणे निग्गथे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एव वयासी-तुब्भे ण देवाणुप्पिया । मम सेज्जासथारग सथरेह, तए ण ते समणा निग्गथा । जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठ विणएण पडिमुणेति पडिमुणेतता जमालिस्स अणगारस्स सेज्जासथारग सथरेंति, तए ण से जमाली अणगारे बलिय तरं वेयणाए अभिभूए समाणे दोच्चपि समणे निग्गथे सद्दावेइ २ ता दोच्चपि एवं वयासी-ममण्ण देवाणुप्पिया । सेज्जासथारए किं कडे कज्जइ ? ( एव वुत्ते समाणे समणा निग्गथा विति-भो सामी ! कीरइ ) तए ण ते समणा निग्गथा जमालिं अणगारं एव वयासी-णो खलु देवाणुप्पियाण सेज्जासथारए कडे कज्जइ, तए ण तस्स जमालिस्स अणगारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-जन्न समणे भगव महावीरे एव आइक्खइ जाव एव परूवेइ-एव खलु चलमाणे चलिए उदीरिज्जमाणे उदीरिए जाव निज्जरिज्जमाणे णिज्जिन्ने तं ण मिच्छा इम च ण पक्खक्खमेव वीसइ सेज्जासंथारए कज्जमाणे अकडे संथरिज्जमाणे असथरिए जम्हा ण सेज्जासथारए कज्जमाणे अकडे संथरिज्जमाणे असंथरिए तम्हा चलमाणेवि, अचलिए जाव निज्जरिज्जमाणेवि अणिज्जिन्ने, एव सपेहेइ एव सपेहेत्ता समणे निग्गथे सद्दावेइ समणे निग्गथे सद्दावेत्ता एवं वयासी-जन्नं देवाणुप्पिया । समणे भगव महावीरे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-एव खलु चलमाणे चलिए त चेव सव्व जाव णिज्जरिज्जमाणे अणिज्जिन्ने । तए

चाप कले सेमुहे नोवतिप्पह पंकरएणं नोवतिप्पह चंकरएणं एवामेव चमत्तरेणि चति-  
 य्कुमारं कामेहि चाप मोहीहि सेमुहे नोवतिप्पह चंकरएणं नोवतिप्पह मोगरएणं  
 नोवतिप्पह मितावाहमियमचननचोवंधिपरिजनेन एव न वेवापुमिया । संसारभवड  
 निम्नो मीए चम्मवउमरवेणं इच्छा देवापुमियाणं अतिए सुखे भविता अमारान्ने  
 अचवारिणं पम्पइत्तए, तं एवमं देवापुमियाणं अम्मे सीसमिक्कं इत्तमामो पडिच्छं  
 नं देवापुमिया । सीसमिक्कं तए नं समये ३ तं अमाहि चतिक्कुमारं एणं  
 कवाही-महात्तं देवापुमिया । या पडिक्कं । तए नं से अमाहि चतिक्कुमारं समयेणं  
 मयवसा महावीरेणं एणं तुत समये वड्डात्तं समयं मयवं महावीरं तिक्कत्तं ज्ञा  
 अमंतिता उचरपुत्तं विहीवायं अचमइ २ ता सवमेव अमारएणं चंकरं अम्मे  
 वड्ड, तए नं सा अमाहिस्स चतिक्कुमारस्स माया ईसक्कंवेणं पड्डात्तं एणं आय  
 एणं चंकरं पडिच्छा पडिच्छिता हारवारि चाप निम्मित्तममाहि २ अमाहि  
 चतिक्कुमारं एणं कवाही-वडिक्कं चापा । चड्डक्कं चापा । परड्डमिवक्कं अमा ।  
 अमिक्कं च नं अम्मे वो अमायेवज्जंति वड्ड अमाहिस्स चतिक्कुमारस्स अम्मपन्निरो  
 अमनं मयवं महावीरं वड्डमिक्कं अमंतिता वडिक्कं अमंतिता चापेव विस्ति पाठम्मूपा  
 तामेव विस्ति पडिक्कं । तए नं से अमाहि चतिक्कुमारं सवमेव पंक्कुमिक्कं अमेव  
 चरेत्त २ ता अमेव समये मयवं महावीरं तेवैव उपागच्छात्तं तेवैव उपागच्छिता एणं  
 अमा उचमवत्तं तहेव पम्पइत्तो ज्ञारं पंक्कं पुरित्तपएहि चडि तहेव ज्ञा सयं  
 तामाह्वनाह्वानं एवत्तं अमाइ अडिक्कं अडिक्कं वड्डात्तं अमारएणं चाप  
 मात्तअमात्तअमवेहि निमित्तेहि उचोअम्मेहि अज्जायं मायिमायि विहत्तं ३ १८४ ३  
 तए नं से अमाहि अज्जायं अज्जाया अमाइ अमेव समये मयवं महावीरं तेवैव उच-  
 मवत्तं तेवैव उपागच्छिता समयं मयवं महावीरं वड्ड मयंसइ वडिक्कं अमंतिता एणं  
 कवाही-इच्छामि नं मंते । तुम्मेहि अम्मपुत्ताए सयाने पंक्कं अज्जायत्तपएहि  
 चडि वडिक्कं अज्जायत्तपएहि विहत्तपए, तए नं समये मयवं महावीरं अमाहिस्स  
 अज्जायत्त एवमंत्तं वो अज्जात्तं वो परिजापात्तं तुत्तिणीए संमिक्कं । तए नं से  
 अमाहि अज्जायत्तं समयं मयवं महावीरं सेवपि तवपि एणं कवाही-इच्छामि नं  
 मंते । तुम्मेहि अम्मपुत्ताए समये पंक्कं अज्जायत्तपएहि चडि ज्ञा विहत्तपए,  
 तए नं समये मयवं महावीरं अमाहिस्स अज्जायत्त सयपि तवपि एवमंत्तं वो  
 अज्जात्तं ज्ञा तुत्तिणीए संमिक्कं । तए नं से अमाहि अज्जायत्तं समयं मयवं महावीरं  
 वड्ड मयंसइ वडिक्कं अमंतिता अज्जायत्त अज्जायत्त महावीरस्स अतिक्कं वो वड्डा-  
 अम्मे अज्जायत्तो पडिक्कं अज्जायत्त पडिक्कं अज्जायत्त पंक्कं अज्जायत्तपएहि चडि वडिक्कं

ओमपिणी भविता उम्यपिणी भयइ उम्यपिणी भविता ओमपिणी भय  
 नाए जीरे जगता ! च न यथाइ नाति जाए तिरे, अगमगर्जाति जमानी । ज  
 नेइए भविता तिरियजोतिए भाइ तिरियजोतिए भविता मनुस्से भवइ मनु  
 भविता येवे नाइ । ताए ण से जमानी अणगारे ममगस्स भगवओ महावीर  
 तममात्रात्माणस्स जाए ए । पहरमात्रास्स एयमट्ट णो मरइ णो परिणइ णो रं  
 तमट्ट पगइहमाणे अपत्तिगमाणे भरोएणो लेखपि ममास्स भगवओ महावीर  
 अनियाओ आयाए अवज्जमइ दोयपि आयाए अवज्जमिता वट्ठिं भगवत्तापुब्बापाहिं  
 भिन्नुत्ताभित्तिदेहेहि य अप्पाणं च परं च तदुभयं च युग्गाहमाणे पुण्णामाणि बह  
 वानाहं सामगपरिणा पाटणइ २ ता अदमात्तियाण मंछेदपाए अण्ण गयेइ ५०२ ए  
 तीसं भताइ अण्ण गयेइ २ ता सस्स ठाणस्स अण्णोदापट्ठिते कालमासे क  
 णिया लंतए कप्पे तेरससागरोवमट्ठिइया देवकिव्वित्तियाणुं चैव देवकिव्वित्तिया  
 उववत्ते ॥ ३८६ ॥ ताए ण से भगव गोयमे जमानि अणगारे कालमासे जातिता जेवे  
 ममणे भगवं महावीरे तेणेव उयागच्छइ ते ० २ ता समण भगव महावीरे मंदइ न्मइ  
 २ ता एव वयासी-ए गउ वेणुपियाण अत्तेवासी कुत्तिस्से जमानी पान भगारे वे  
 ण भते ! जमानी अणगारे कालमासे काल क्रिया परिं गाए कए उववत्ते ? गोयमा  
 ममणे भगवं महावीरे भावं गोयमे एवं वयासी-एव गल गोयमा । मम अत्तेवासी  
 कुत्तिस्से जमानी नाम अणगारे से ण तथा मम एवं आइयमाणास्स ४ एयमट्ट णो स  
 हइ ३ एयमट्ट असइहमाणे ३ दोयपि मम अनियाओ आयाए अवज्जमइ २ ता वट्ठिं  
 असब्बायुब्बावगाहिं त चैव जाव देवकिव्वित्तियाए उववत्ते ॥ ३८७ ॥ इद्विहा  
 ण भते ! देवकिव्वित्तिया ५०२ गोयमा । तिनिहा देवकिव्वित्तिया ५०, तंजहा-  
 तिपलिओवमट्ठिइया तिसागरोवमट्ठिइया तेरससागरोवमट्ठिइया, कहि ण भते !  
 तिपलिओवमट्ठिइया देवकिव्वित्तिया परिवसति ? गोयमा । उप्पि जोइत्तियाण हिट्ठिं  
 सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्य ण तिपलिओवमट्ठिइया देवकिव्वित्तिया परिवसति ।  
 कहि ण भते ! तिसागरोवमट्ठिइया देवकिव्वित्तिया परिवसति ? गोयमा । उप्पि  
 सोहम्मीसाणाण कप्पाणं हिट्ठिं सणकुमारमाहिंसेसु कप्पेसु एत्य ण तिसागरोवमट्ठि  
 इया देवकिव्वित्तिया परिवसति, कहि ण भते ! तेरससागरोवमट्ठिइया देवकिव्वि  
 त्तिया देवा परिवसति ? गोयमा । उप्पि चमलोस्स कप्पस्स हिट्ठिं लंतए कप्पे  
 एत्य ण तेरससागरोवमट्ठिइया देवकिव्वित्तिया देवा परिवसति । देवकिव्वित्तिया  
 ण भते ! केसु कम्मादाणेसु देवकिव्वित्तियाए उववत्तारो भवति ? गोयमा । जे  
 इमे जीवा आयरियपडिणीया उवज्जायपडिणीया कुलपडिणीया गणपडिणीया संघ



लग । पुरिसे णं भंते । अजयरं तसपाण हणमाणे किं अजयरं तसपाणं हणइ नोअ  
 जयरे तसपाणे हणइ ? गोयमा । अजयरंपि तसपाण हणइ नोअजयरेवि तसे पा  
 हणइ, से केणट्टेण भते । एव बुचइ अजयरंपि तस पाण हणइ नोअजयरेवि तसे पा  
 हणइ ? गोयमा । तस्स ण एवं भवइ एव सलु अहं एग अजयर तस पाण हणामि  
 से ण एग अजयर तसं पाण हणमाणे अणेगे जीवे हणइ, से तेणट्टेण गोयमा । तं  
 चेव, एए सव्वेवि एक्कमा । पुरिसे ण भते । इसिं हणमाणे किं इसिं हणइ नोइसिं  
 हणइ ? गोयमा । इसिंपि हणइ नोइसिंपि हणइ, से केणट्टेणं भते । एव बुचइ जाव  
 नोइसिंपि हणइ ? गोयमा । तस्स ण एव भवइ एव सलु अहं एगं इसिं हणामि, तं  
 णं एग इसिं हणमाणे अणते जीवे हणइ, से तेणट्टेण निम्मेवओ । पुरिसे ण भंते । पुत्तं  
 हणमाणे किं पुरिमवेरेण पुट्टे नोपुरिसवेरेण पुट्टे ? गोयमा । नियमा ताव पुरिसवेरेण  
 पुट्टे, अहवा पुरिसवेरेण य नोपुरिसवेरेण य पुट्टे अहवा पुरिसवेरेण य नोपुरिसवेरेण  
 य पुट्टे, एव आस एव जाव चित्तलग जाव अहवा चित्तलगवेरेण य नोचित्तलगवेरेण  
 पुट्टे, पुरिसे ण भते । इसिं हणमाणे किं इसिवेरेण पुट्टे नोइसिवेरेण पुट्टे ? गोयमा ।  
 नियमा इसिवेरेण य नोइसिवेरेण य पुट्टे ॥ ३९० ॥ पुढविकाइया ण भंते । पुढविकाइय  
 चेव आणमति वा पाणमति वा ऊससति वा नीससति वा ? हता गोयमा । पुढवि  
 काइया पुढविकाइय चेव आणमति वा जाव नीससति वा । पुढविकाइया ण भते ।  
 आउक्काइय आणमति वा जाव नीससति वा ? हता गोयमा । पुढविकाइया आउक्काइय  
 आणमति वा जाव नीससति वा, एवं तेउक्काइय वाउक्काइय एवं वणस्सइक्काइय ।  
 आउक्काइया ण भंते । पुढविकाइयं आणमति वा पाणमति वा० ? एव चेव, आउ  
 क्काइया ण भते । आउक्काइय चेव आणमति वा० ? एव चेव, एव तेउवाउवणस्सइ  
 काइय । तेउक्काइया ण भते । पुढविकाइय आणमति वा० ? एव जाव वणस्सइक्काइया  
 ण भते । वणस्सइक्काइय चेव आणमति वा० ? तहेव । पुढविकाइए ण भते । पुढविका  
 इय चेव आणममाणे वा पाणममाणे वा ऊससमाणे वा नीससमाणे वा कइकिरिए ?  
 गोयमा । सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, पुढविकाइए णं भंते । आउ  
 क्काइय आणममाणे वा० ? एवं चेव, एव जाव वणस्सइक्काइय, एव आउक्काइएणवि सन्वे  
 भाणियव्वा, एवं तेउक्काइएणवि, एव वाउक्काइएणवि, जाव वणस्सइक्काइए ण भत ।  
 वणस्सइक्काइय चेव आणममाणे वा० ? पुच्छा, गोयमा । सिय तिकिरिए सिय चउ  
 किरिए सिय पंचकिरिए ॥ ३९१ ॥ वाउक्काइए णं भंते । स्वस्स मूल पंचालेमाणे वा  
 पंचालेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा । सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकि  
 रिए । एव कद एव जाव मूल, बीय पंचालेमाणे वा० पुच्छा, गोयमा । सिय तिकिरिए

पवित्रीया आवरियज्वग्नायां अवसक्य अवसक्य अक्षितिपुत्र बह्विं भव-  
 म्माप्नुम्याववाहिं मिच्छतामिनिवेष्टेहि य अयां व ३ पुण्याहेमाणा पुण्याएमाणा  
 बह्विं वासाईं धामनपरिवामे पाठयेति १ ता तस्स ठानस्स अवालोद्वपविद्धता  
 अज्जमासे क्खं विवा अज्जवरोत्तु देवकिम्बिदिपुत्तु देवकिम्बिदिमिच्छाए उववपापो  
 भवति संवहा-विपत्तिमोक्कमिद्धिपुत्तु वा तिसापरोक्कमिद्धिपुत्तु वा तेरससागरोक्क-  
 मिद्धिपुत्तु वा । देवकिम्बिदिपुत्तु वे भति । तामो देवलोमाओ आठक्कएणं मववक्कएणं  
 ठिक्कक्कएणं कवत्तरं वरं वइया कहिं गम्भंति कहिं वववज्जति ? गोमया । आठ  
 वताति पंच मेरुवतिरिक्कवोमिक्कममुत्तुदेवमक्कगह्वाइं संसारं अनुपरियडिता  
 तमो पण्ण विज्जंति पुज्जंति आठ वरं वरंति अतैयइवा अयाइं अज्जवत्तं  
 वीहमं आठरंउववत्तंउववत्तं अनुपरिवइति ॥ अमाळी वे भति । अज्जवारे अरसाहारे  
 मिरसाहारे वंताहारे वंताहारे क्खहाहारे पुण्णहारे अरसवीवी मिरसवीवी आठ पुण्ण-  
 वीवी अज्जंतवीवी पंतवीवी विजितवीवी । इता गोमया । अमाळी वे अज्जवारे  
 अरसाहारे मिरसाहारे आठ विजितवीवी । अइ वे भति । अमाळी अज्जवारे अरसा-  
 हारे मिरसाहारे आठ विजितवीवी क्खहा वे भति । अमाळी अज्जवारे अज्जमासे  
 क्खं विवा कंतए कप्पे तेरससागरोक्कमिद्धिपुत्तु देवकिम्बिदिपुत्तु देवकिम्बि-  
 दिमिच्छाए उववक्के । गोमया । अमाळी वे अज्जवारे आवरियपविधीए उववज्जाम-  
 पविधीए आवरियवज्जज्जाम्भं अवसक्यए आठ पुण्याएमाणे बह्विं वासाईं धामन-  
 परिवामे पाठयिता अज्जसतिवाए संवेइवाए टीसे मयाइं अज्जवत्तए केरेइ टीसे  
 १ ता तस्स ठानस्स अवालोद्वपविद्धते अज्जमासे क्खं विवा कंतए कप्पे आठ  
 उववक्के ॥ ३८८ ॥ अमाळी वे भति । देवे तामो देवलोमाओ आठक्कएणं आठ  
 कहिं उववज्जिइ ? गोमया । आठति पंच विरिक्कवोमिक्कममुत्तुदेवमक्कगह्वाइं  
 संसारं अनुपरियडिता तमो पण्ण विज्जंति आठ वरं वरंति । इति भति ।  
 २ ति ॥ ३८९ ॥ अमाळी समत्तो ॥ अज्जमसए ३३ इमो वहेसो समत्तो ॥  
 तेवं काळेवं तेवं समएवं रावणिहे आठ एवं ववासी-पुरिसे वे भति । पुरिसे  
 इक्कमाये किं पुरिसें इण्ह नोपुरिसें इण्ह ? गोमया । पुरिसेपि इण्ह नोपुरिसेपि  
 इण्ह से केवट्ठेवं भति । एवं इण्ह पुरिसेपि इण्ह नोपुरिसेपि इण्ह ? गोमया ।  
 तस्स वे एवं मवइ एवं उव्व अहं एव पुरिसें इण्हपि वे वे एवं पुरिसें इक्कमाये अने  
 गजीवा इण्ह, से सेवट्ठेवं गोमया । एवं इण्ह पुरिसेपि इण्ह नोपुरिसेपि इण्ह ।  
 पुरिसे वे भति । आठ इक्कमाये किं आठ इण्ह नोमासे इण्ह ? गोमया । आठपि  
 इण्ह नोमासेपि इण्ह, से केवट्ठेवं अट्ठे उहेव एवं इति टीहं वरं आठ विज-



पन्नत्ता, तजहा—खधा जाव परमाणुपोगला ४, जे अरुवी अजीवा ते सत्तविहा  
 पन्नत्ता, तजहा—नोधम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे धम्मत्थिकायस्स पएसा ए  
 अधम्मत्थिकायस्सवि जाव आगासत्थिकायस्स पएसा अद्धासमए । विदिसासु नत्थि  
 जीवा देसे भगो य होइ सव्वत्थ । जमा णं भते ! दिसा किं जीवा ० ? जहा इदा तहेव  
 निरवसेसा, नेरइ य जहा अग्गेइ, वारुणी जहा इदा, वायव्वा जहा अग्गेइ, सोमा  
 जहा इदा, ईसाणी जहा अग्गेइ, विमलाए जीवा जहा अग्गेइ, अजीवा जहा इदा,  
 एवं तमाएवि, नवरं अरुवी छव्विहा अद्धासमओ न भजइ ॥ ३९३ ॥ कइ णं भंते !  
 सरीरा पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरा पन्नत्ता, तजहा—ओरालिए जाव कम्मए  
 ओरालियसरीरे ण भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? एवं ओगाहणसठाण निरवसेस भाणि  
 यव्वं जाव अप्पाबहुगति । सेव भते ! सेव भंते ! त्ति ॥ ३९४ ॥ दसमे सए  
 पढमो उद्देशो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एव वयासी—सवुडस्स ण भते ! अणगारस्स वीइपथे ठिच्चा पुरओ  
 रुवाइं निज्झायमाणस्स मग्गओ रुवाइ अवयक्खमाणस्स पासओ रुवाइ अवलोए  
 माणस्स उट्ठ रुवाइ ओलोएमाणस्स अहे रुवाइ आलोएमाणस्स तस्स ण भंते !  
 किं इरियावहिया किरिया कज्जइ सपराइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! सवुडस्स णं  
 अणगारस्स वीइपथे ठिच्चा जाव तस्स ण णो इरियावहिया किरिया कज्जइ सपरा-  
 इया किरिया कज्जइ, से केणट्ठेणं भते ! एव बुच्चइ सवुडस्स जाव सपराइया किरिया  
 कज्जइ ? गोयमा ! जस्स णं कोहमाणमायालोभा एव जहा सत्तमसए पढमोद्देशए  
 जाव से ण उस्सुत्तमेव रीयइ, से तेणट्ठेणं जाव सपराइया किरिया कज्जइ । सवुडस्स  
 णं भते ! अणगारस्स अवीइपथे ठिच्चा पुरओ रुवाइ निज्झायमाणस्स जाव तस्स  
 ण भते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ ० ? पुच्छा, गोयमा ! सवुड ० जाव तस्स  
 णं इरियावहिया किरिया कज्जइ नो सपराइया किरिया कज्जइ, से केणट्ठेणं भंते !  
 एवं बुच्चइ जहा सत्तमे सए पढमोद्देशए जाव से ण अहासुत्तमेव रीयइ से तेणट्ठेणं  
 जाव नो सपराइया किरिया कज्जइ ॥ ३९५ ॥ कइविहा ण भते ! जोणी प ० ?  
 गोयमा ! तिविहा जोणी प ०, तजहा—सीया उसिणा सीओसिणा, एवं जोणीपर्यं  
 निरवसेसं भाणियव्व ॥ ३९६ ॥ कइविहा ण भते ! वेयणा प ० ? गोयमा ! तिविहा  
 वेयणा प ०, तजहा—सीया उसिणा सीओसिणा, एवं वेयणापर्यं निरवसेसं भाणियव्वं  
 जाव नेरइया णं भते ! किं दुक्खं वेयणं वेदंति सुहं वेयणं वेयंति अदुक्खमसुहं  
 वेयणं वेयति ? गोयमा ! दुक्खपि वेयणं वेयति सुहपि वेयणं वेयति अदुक्खमसुहंपि  
 वेयणं वेयंति ॥ ३९७ ॥ मासियणं भंते ! भिक्खुपडिम पडिवन्नस्स अणगारस्स

सिध बठकिरिए सिध पंथकिरिए । छेवं मंते । छेवं मंते । सिध १५९ b मयम  
सय बठसीसइमो उहेसो समचो ॥ मयम सय समच ॥

माहा—सिधि १ छुड्गजकमार १ बावही १ धामहसि ४ रेमि ५ समा ६ ।  
हत्तरजतरहीवा १४ दसमसि छंमि जोटीसा ॥ १४॥ छवमिहे बाव एवं बवासी—  
किमिदं मंते । पाईवति प्लुवद् १ गोक्मा । जीवा नव अजीवा नव किमिदं मंते ।  
परीवति प्लुवद् १ योक्मा । एवं नेव एवं बाहिवा एवं सरीस एवं ठहा एवं  
जरोमि । यद् वं मंते । सिधमो पण्णाओ १ योक्मा । दस सिधमो पण्णाओ  
तंजहा—पुण्णिक्मा १ पुरकिम्यबाहिवा १ बाहिवा १ बाहिपण्णमिमा ४ पण्णमिमा  
५ पण्णिसुपण ९ छतण ७ छतपुरकिम्य ८ क्हा ९ ज्हा १ । एयसि वं  
मंते । दसव्द सिधमं ३३ नामवेज्जा पण्णा १ योक्मा । दस नामवेज्जा पण्णा  
तंज्हा—ईवा १ ज्मोई १ ज्मा व १ येरई ४ बावनी व ५ बाम्मा ६, छेया ७  
ईसावी व ८ विम्व ९ ९ त्मा व १ योद्व्वा । ईवा वं मंते । सिध कि जीवा  
जीवदेसा जीवपप्सा अजीवा अजीवदेसा अजीवपप्सा १ योक्मा । जीवामि १ छं  
नेव बाव अजीवपप्सामि के जीवा ते निक्का एयिदिवा बैइदिवा ज्वा पंनिदिवा  
अभिदिवा, के जीवदेसा ते निक्का एयिदिवदेसा बाव अयिदिवदेसा के जीवपप्सा  
ते निक्का एयिदिवपप्सा बैइदिवपप्सा बाव अयिदिवपप्सा के अजीवा छं हुमिहा  
पण्णा तंज्हा—ऊदी अजीवा व अरवी अजीवा व के हवी अजीवा ते बड्णिहा  
पण्णा, तंज्हा—जंवा १ जंवदेसा १ जंवपप्सा १ वरमल्लुयेम्व ४ के अऊई  
अजीवा ते छंणिहा पण्णा तंज्हा—नोवम्वतिक्काए वम्मतिक्कावत्त देसे वम्म-  
तिक्कावत्त पप्सा नोवम्वतिक्काए वम्मतिक्कावत्त देसे वम्मतिक्कावत्त  
पप्सा नोवम्वतिक्काए बावम्वतिक्कावत्त देसे बावम्वतिक्कावत्त पप्सा अद्या-  
समए ॥ ज्मोई वं मंते । सिध कि जीवा जीवदेसा जीवपप्सा १ पुण्णा, योक्मा ।  
नोजीवा जीवदेसामि १ जीवपप्सामि १ अजीवामि १ अजीवदेसामि १ अजीवप-  
प्सामि १, के जीवदेसा ते निक्का एयिदिवदेसा अद्या एयिदिवदेसा व बैइदि-  
वत्त देसे १ अद्या एयिदिवदेसा व बैइदिवत्त देसा १ अद्या एयिदिवदेसा व  
बैइदिवाव व देसा १ अद्या एयिदिवदेसा तेइदिवत्त देसे एवं नेव सिधमंयो  
मायिम्वो एवं बाव अयिदिवाव सिधमंयो के जीवपप्सा ते निक्का एयिदि-  
वत्त अद्या एयिदिवपप्सा व बैइदिवत्त पप्सा अद्या एयिदिवपप्सा व  
बैइदिवाव व पप्सा एवं बावम्वतिक्काओ ज्वा अयिदिवाव के अजीवा ते हुमिहा  
पण्णा तंज्हा—ऊदी अजीवा व अरवी अजीवा व के हवी अजीवा ते बड्णिहा

एव चेव । अप्पिद्धिए ण भंते । देवे महिद्धियाए देवीए मज्झमज्झेण वीइवएज्जा<sup>१</sup> णो इण्ठे समट्ठे, समिद्धिए णं भंते । देवे समिद्धियाए देवीए मज्झमज्झेण<sup>०</sup>, एवं तहेव देवेण य देवी(ण)ए य दढओ भाणियव्वो जाव वेमाणि(था)ए । अप्पिद्धिया ण भंते । देवी महिद्धियस्स देवस्स मज्झमज्झेण एव एसोवि तइओ दढओ भाणियव्वो जाव महिद्धिया वेमाणिणी अप्पिद्धियस्स वेमाणियस्स मज्झमज्झेण वीइवएज्जा<sup>२</sup> हंता वीइवएज्जा । अप्पिद्धिया णं भंते । देवी महिद्धियाए देवीए मज्झमज्झेण वीइवएज्जा<sup>१</sup> णो इण्ठे समट्ठे, एव समिद्धिया देवी समिद्धियाए देवीए तहेव, महिद्धियावि देवी अप्पिद्धियाए देवीए तहेव, एव एक्केक्के तिमि २ आलावगा भाणियव्वा जाव महिद्धिया णं भंते । वेमाणिणी अप्पिद्धियाए वेमाणिणीए मज्झमज्झेण वीइवएज्जा<sup>२</sup> हंता वीइवएज्जा, सा भंते । किं विमोहिता पभू तहेव जाव पुव्वि वा वीइवइता पच्छा विमोहेज्जा एए चत्तारि दंडगा ॥ ४०० ॥ आसस्स ण भंते । धावमाणस्स किं खुलुत्ति करेइ<sup>३</sup> गोयमा ! आसस्स ण धावमाणस्स हिययस्स य जगयस्स य अतरा एत्थ ण क(क्क)व्वडए नाम धाए समुच्छइ जे ण आसस्स धावमाणस्स खुलुत्ति करेइ ॥ ४०१ ॥ अह भंते ! आसइस्सामो सइस्सामो चिद्धिस्सामो निसीइस्सामो तुयद्धिस्सामो, आमंतणि आणवणी जायणी तह पुच्छणी य पणवणी । पच्चक्खाणी भासा भासा इच्छाणुलोमा य ॥ १ ॥ अणभिग्गहिंया भासा भासा य अभिग्गहमि बोद्धव्वा । ससयकरणी भासा वोयडमव्वोयडा चेव ॥ २ ॥ पच्चवणी णं एसा भासा न एसा भासा मोसा<sup>४</sup> हंता गोयमा ! आसइस्सामो तं चेव जाव न एसा भासा मोसा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! ति ॥ ४०२ ॥ दसमे सए तइओ उहेसो समत्तो ॥

तेण कालेण तेण समएण वाणियगामे नाम नयरे होत्था वल्लओ, दूइपलासए उज्जाणे, सामी समोसडे जाव परिसा पडिगया । तेण कालेण तेण समएणं सम णस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अतेवासी इदभूर्इ नाम अणगारे जाव उट्ठजाणू जाव विहरइ । तेण कालेण तेणं समएण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतेवासी सामहत्थी नाम अणगारे पगइभइए जहा रोहे जाव उट्ठजाणू जाव विहरइ, तए णं से सामहत्थी अणगारे जायसट्ठे जाव उट्ठाए उट्ठेता जेणेव भगव गोयमे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता भगव गोयम तिव्वुत्तो जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी-अत्थि ण भंते । चमरस्स अस्सरिंदस्स अस्सरकुमाररणो तायत्तीसगा देवा<sup>५</sup> हंता अत्थि, से केणट्ठेण भंते । एव वुच्चइ चमरस्स अस्सरिंदस्स अस्सरकुमाररणो तायत्तीसगा देवा २<sup>६</sup> एव खलु सामहत्थी ! तेण कालेण तेण समएणं इहेव जयुदीवे २. भारहे वासे कायथी नामं नयरी होत्था वल्लओ, तत्थ णं कायथीए नय-

मिबं मोसङ्गपु मिवातेहे, एवं मातेवा मिक्कपहिमा मिरसेसा मामिकम्मा  
 [ बहा एसहिं ] एव आउहिवा मण्ड ॥ ३९८ ॥ मिक्क न अन्नरं अन्निकम्मा  
 पडिसेमिवा से न तस्स ठगस्स अण्णोद्वपडिङ्गते कळं करेइ नत्ति तस्स आउ  
 हवा से न तस्स ठगस्स अण्णोद्वपडिङ्गते कळं करेइ अत्ति तस्स आउहवा  
 मिक्क न अन्नरं अन्निकम्मा पडिसेमिवा तस्स न एवं मण्ड पण्णामि न अहं  
 न(मि)रमकाससम्वधि एवस्स ठगस्स अण्णोद्वपडिङ्गते कळं करेइ अत्ति तस्स आउहवा  
 से न तस्स ठगस्स अण्णोद्वपडिङ्गते कळं करेइ अत्ति तस्स आउहवा से न तस्स ठगस्स  
 अण्णोद्वपडिङ्गते कळं करेइ अत्ति तस्स आउहवा मिक्क न अन्नरं अन्निकम्मा  
 पडिसेमिवा तस्स न एवं मण्ड-अइ ताव सयमोवासयामि अण्णमासे कळं निवा  
 अन्नपरेइ देवकोप्प देवताए कववत्तारो मण्ठि निरंग पुव अहं अन्नपन्नदेवताए  
 नो अन्निस्सामिदि कडु से न तस्स ठगस्स अण्णोद्वपडिङ्गते कळं करेइ अत्ति तस्स  
 आउहवा से न तस्स ठगस्स अण्णोद्वपडिङ्गते कळं करेइ अत्ति तस्स आउहवा ।  
 सेवं मते । सेवं मते । ति ॥ ३९९ ॥ वसमसयस्स वीणो वड्ढेसो समसो ॥  
 एवमिहे वाव एवं कववी-आउहीए न मते । देवे वाव वत्तादि एव देवता  
 संतएवं वड्ढेसंठ तेव परं पत्तिहीए । ईता योक्का । आउहीए न तं नेव एवं अउर  
 कुमारेमि नवरं अउरकुमारासंतएवं सेव तं नेव एवं एएवं कमेवं वाव वन्नि-  
 कुमारे, एवं वावमंतएवोद्विक्कमामिए वाव तेव परं पत्तिहीए । अप्पिहिए न मते ।  
 देवे से वड्ढिहिस्स देवस्स मण्णमण्णोवं वीरपण्णा । योक्का । नो इण्ठे सम्भे ।  
 सम्भिहिए न मते । देवे सम्भिहिस्स देवस्स मण्णमण्णोवं वीरपण्णा । योक्का । नो इण्ठे  
 सम्भे, पमतं पुव वीरपण्णा से न मते । कि निमोहेत्ता पम् अन्निमोहेत्ता पम् ।  
 योक्का । निमोहेत्ता पम् नो अन्निमोहेत्ता पम् । से मते । कि पुम् निमोहेत्ता  
 पण्ण वीरपण्णा पुम् वीरपण्णा पण्ण निमोहेत्ता । योक्का । पुम् निमोहेत्ता  
 पण्ण वीरपण्णा नो पुम् वीरपण्णा पण्ण निमोहेत्ता । वड्ढिहिए न मते । देवे  
 अप्पिहिस्स देवस्स मण्णमण्णोवं वीरपण्णा । ईता वीरपण्णा से न मते । कि  
 निमोहेत्ता पम् अन्निमोहेत्ता पम् । योक्का । निमोहेत्तामि पम् अन्निमोहेत्तामि पम्,  
 से मते । कि पुम् निमोहेत्ता पण्ण वीरपण्णा पुम् वीरपण्णा पण्ण निमोहेत्ता ।  
 योक्का । पुम् वा निमोहेत्ता पण्ण वीरपण्णा पुम् वा वीरपण्णा पण्ण निमो-  
 हेत्ता । अप्पिहिए न मते । अउरकुमारे वड्ढिहिस्स अउरकुमारेस्स मण्णमण्णोवं  
 वीरपण्णा । नो इण्ठे सम्भे, एवं अउरकुमारेमि तिदि आवावणा मामिकम्मा बहा  
 मोद्धिएवं देवेवं मत्तिवा एवं वाव वन्निमुमा(ए)एवं वावमंतएवोद्विक्कमामिएवं

एव जाव महाघोसस्स । अत्थि ण भते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरत्तो० पुच्छा, हता  
 अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! जाव तायत्तीसगा देवा २ ? एव खलु गोयमा ! तेणं काले  
 तेणं समएण इहेव जवुद्दीवे वीवे भारहे वासे पालासए (वालाए) नाम सनिवेसे होत्वा  
 वन्नओ, तत्थ ण पालासए सन्निवेसे तायत्तीस सहाया गाहावई समणोवासगा जहा  
 चमरस्स जाव विहरति, तए ण ते तायत्तीस सहाया गाहावई समणोवासगा पुर्व्वि  
 पच्छावि उग्गा उग्गविहारी सविग्गा सविग्गविहारी बहूइ वासाइ समणोवासगपरि  
 याग पाउणति पाउणित्ता मासियाए सलेहणाए अत्ताण इस्सेन्ति इस्सित्ता सट्ठि भत्ताइ  
 अणसणाए छेदेति २ ता आलोइयपडिक्कता समाहिपत्ता कालमासे काल किच्चा जाव  
 उववन्ना, जप्पभिई च ण भंते ! पालासिगा तायत्तीस सहाया गाहावई समणोवासगा  
 सेस जहा चमरस्स जाव अण्णे उववज्जति । अत्थि ण भते ! ईसाणस्स ३ एव जहा  
 सक्कस्स नवरं चंपाए नयरीए जाव उववन्ना, जप्पभिइ च ण भते ! चपिज्जा ताय-  
 तीसं सहाया० सेस त चेव जाव अच्चे उववज्जति । अत्थि ण भते ! सणकुमारस्स  
 देविंदस्स देवरत्तो० पुच्छा, हता अत्थि, से केणट्ठेण जहा धरणस्स तहेव एव जाव  
 पाणयस्स एव अञ्जुयस्स जाव अच्चे उववज्जति । सेवं भते ! सेवं भते ! ति ॥४०३॥  
**दसमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसओ समत्तो ॥**

तेण कालेण तेण समएण रायगिहे नाम नगरे गुणसिलए उज्जाणे जाव परिसा  
 पडिगया, तेणं कालेण तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे अतेवासी  
 थेरा भगवंतो जाइसपप्पा जहा अट्टमे सए सत्तमुद्देसए जाव विहरति । तए ण ते  
 थेरा भगवतो जायसद्धा जाव, ससया जहा गोयमसामी जाव पज्जुवासमाणा एवं  
 वयासी-चमरस्स ण भते ! असुरिंदस्स असुरकुमाररत्तो कइ अगगमहिसीओ पन्न  
 ताओ ? अज्जो ! पच अगगमहिसीओ पन्नताओ, तजहा-काली राई रयणी विज्जू मेहा,  
 तत्थ ण एगमेगाए देवीए अट्ठट्ठ देविसहस्सा परिवारो पन्नतो, पभू ण भंते ! ताओ  
 एगमेगा देवी अच्चाई अट्ठट्ठदेवीसहस्साई परि(या)वारं विउव्वित्तए ? एवामेव सपुव्वा  
 वरेणं चत्तालीस देवीसहस्सा, से त तुडिए, पभू ण भते ! चमरे असुरिंदे असुरकुमा  
 रराया चमरचचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि तुडिएणं सट्ठि  
 दिव्वाई भोगभोगाई भुजमाणे विहरित्तए ? नो इण्ठे समट्ठे । पभू णं अज्जो ! चमरे  
 असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहास  
 णंसि चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं तायत्तीसाए जाव अच्चेहिं च बहूहिं असुरकुमारोहिं  
 देवेहि य देवीहि य सद्धिं सपरिखुब्बे महयाहय जाव भुंजमाणे विहरित्तए० केवल परि  
 यारिद्धीए नो चेव णं मेहुणवत्तिय ॥ ४०४ ॥ चमरस्स ण भते ! असुरिंदस्स असुर

रीए तावटीसं सहाया गहाहई समनोवाधया परिवसन्ति अहा वाज अपरिभूया  
अमिगवशीवाशीवा सबन्धपुण्यपाया वाज निहन्ति तए नं से तावटीसं सहाया  
गहाहई समनोवाधया पुमि सगा अमिहारी संमिमा संमिमिहारी भविष्य  
उम्ये पण्ड्य पागरवा पाधरबमिहारी ओसवा ओसबमिहारी कुटीमा कुटीममिहारी  
अहाजेय अहाजेमिहारी अहाई वाधाई समनोवाधयापरिभूया पाठ्यन्ति २ उ अह  
मात्रियाए संमिहयाए अतामं इयेति अतामं इयेता टीसं मताई अमसवाए छेयेति  
२ ता तस्य अमस्य अमस्योपपदिहता कायमासे वमं निमा अमरस्य अहुरिहस्य  
अहुरकुमाररओ तावटीसयवेवाए उववा अण्मिई न नं मति । अमरमा  
तावटीसं सहाया गहाहई समनोवाधया अमरस्य अहुरिहस्य अहुरकुमाररओ ताव-  
टीसयवेवाए उववा अण्मिई न नं मति । एवं पुनर अमरस्य अहुरिहस्य अह-  
ुरकुमाररओ तावटीसया देवा २ । (तत्त्व)तए नं अमरं येवये सममिहया अमयारेनं  
एवं पुनं समने संमिह संमिह निमिहियिहिय अहाए उहेय अहाए उहेय सममि-  
हिया अमयारेनं सति येविय समने अमरं महावीरे येविय उवामन्ध येविय  
उवामन्धिया समने अमरं महावीरे वरु नमस्य वरिता नमसिता एवं ववाटी-  
अति नं मति । अमरस्य अहुरिहस्य अहुररन्त्ये तावटीसया देवा २ । इता  
अति से केवटुनं मति । एवं पुनर । एवं तं येव सत्यं ममिहयनं वाज अण्मिई  
न नं एवं पुनर अमरस्य अहुरिहस्य अहुरकुमाररओ तावटीसया देवा २ । वो  
इयेते समने, एवं अह बोक्मा । अमरस्य नं अहुरिहस्य अहुरकुमाररओ तावटीसयानं  
देवानं साधए नमयेजे पन्तो, नं न कमाइ नाधी न कमाइ न मवाइ न कमाइ न  
ममिहसइ वाज निमे अमोन्धितिनमकुनाए अने वर्यति अने उववज्यति । अति नं  
मति । अमिह अहुरेवमिहस्य अहुरेवमरओ तावटीसया देवा २ । इता अति  
इ केवटुनं मति । एवं पुनर अमिह अहुरेवमिहस्य वाज तावटीसया देवा २ ।  
एवं अह बोक्मा । तेनं अमनेनं तेनं समएनं इयेव अहुरीये २ मार्ये वमि विमिह  
वामं संमिहये इयेता वमओ तत्त्व नं विमिह संमिहये अहा अमरस्य वाज उव-  
वा अण्मिई न नं मति । से विमिहया तावटीसं सहाया गहाहई समनोवा-  
धया अमिह अहुरेवमिहस्य येनं तं येव वाज निमे अमोन्धितिनमकुनाए अने  
वर्यति अने उववज्यति । अति नं मति । अमरस्य अमकुमारिहस्य अमकुमाररओ  
तावटीसया देवा २ । इता अति से केवटुनं वाज तावटीसया देवा २ । बोक्मा ।  
अमन्ध अमकुमारिहस्य अमकुमाररओ तावटीसयानं देवानं साधए नमयेजे  
पन्तो नं न कमाइ नाधी वाज अने वर्यति अने उववज्यति एवं मयानं वसति

देवीए अवसेस जहा चमरलोगपालाणं एव सेसाण तिण्हवि लोगपालाण, जे दाहिणि  
 छाणिदा तेसिं जहा धरणिंदस्स, लोगपालाणपि तेसिं जहा धरणस्स लोगपालाण,  
 उत्तरिछाण इदाण जहा भूयाणदस्स, लोगपालाणवि तेसिं जहा भूयाणदस्स लोगपा  
 लाण, नवर इदाण सव्वेसिं रायहाणीओ सीहासणाणि य सरिसणांमगाणि, परिवारो  
 जहा तइयसए पढमे उद्देसए, लोगपालाण सव्वेसिं रायहाणीओ सीहामणाणि य सारि  
 सनामगाणि, परिवारो जहा चमरस्स लोगपालाण । कालस्स ण भते ! पिसाइदस्स  
 पिसायरज्जो कइ अग्गमहिंसीओ पन्नताओ ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पन्न  
 ताओ, तंजहा—कमला कमलप्पभा उप्पला सुदसणा, तत्थ ण एगमेगाए देवीए एग-  
 मेग देविसहस्स सेस जहा चमरलोगपालाण, परिवारो तहेव, नवरं कालाए राय  
 हाणीए कालसि सीहासणासि, सेस त चेव, एव महाकालस्सवि । सुखस्स ण भते !  
 भूइदस्स भूयरज्जो पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पन्नताओ, तंजहा-  
 खवई बहुख्वा सुखा सुभगा, तत्थ ण एगमेगा(ए) सेस जहा कालस्स, एवं पठि  
 खस्सवि । पुन्नभइस्स ण भते ! जक्खिंदस्स पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ  
 पन्नताओ, तजहा—पुन्ना बहुपुत्तिया उत्तमा तारया, तत्थ ण एगमेगाए सेस जहा  
 कालस्स, एव माणिभइस्सवि । भीमस्स ण भंते ! रक्खसिंदस्स पुच्छा, अज्जो !  
 चत्तारि अग्गमहिंसीओ पन्नताओ, तंजहा—पठमा पठमावई कणगा रयणप्पभा, तत्थ  
 ण एगमेगा देवी सेस जहा कालस्स । एव महाभीमस्सवि । किन्नरस्स ण भते ! पुच्छा,  
 अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पन्नताओ, तजहा—वड्ढेसा केउमई रइसेणा रइप्पिया,  
 तत्थ ण सेस त चेव, एवं किंपुरिसस्सवि । स(सु)प्पुरिसस्स ण पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि  
 अग्गमहिंसीओ पन्नताओ, तजहा—रोहिणी नवमिया हिंरी पुप्फवई, तत्थ ण एग-  
 मेगा देवी सेस तं चेव, एव महापुरिसस्सवि । अइकायस्स ण पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि  
 अग्गमहिंसीओ प०, तजहा—भु(य)यगा भुयंगवई महाक्च्छा फुडा, तत्थ ण०, सेस त  
 चेव, एवं महाकायस्सवि । गीयरइस्स ण भंते ! पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिं-  
 सीओ प०, तंजहा—सुघोसा विमला सुस्सरा सरस्सई, तत्थ ण०, सेस त चेव, एव  
 गीयजसस्सवि, सव्वेसिं एएसिं जहा कालस्स, नवरं सरिसना(मगा)मियाओ रायहा  
 णीओ सीहासणाणि य, सेस तं चेव । चदस्स ण भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरज्जो पुच्छा,  
 अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पन्नताओ, तजहा—चंदप्पभा द्रोणिगामा अचिमाली  
 पमंकरा, एवं जहा जीवाभिगमे जोइसियउद्देसए तहेव, सूरस्सवि सूरप्पभा आ(इच्चा)-  
 यवाभा अचिमाली पमंकरा, सेस त चेव, जाव नो चेव ण मेहुणवत्तिर्यं । इंगालस्स  
 ण भंते ! महग्गहस्स कइ अग्गमहिंसीओ पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ





जाव विहरइ, एगहिद्विए जाव महागोकुले गो छेडिने गेगया । तेन भंते । हां भते । सि ॥ ४०६ ॥ दसमसए छहो उहेनो समत्तो ॥

कहिण भंते । उतरिण एगोद्यमपुस्साण एगोद्यदीये नाम कीवे पन्ते । ए जहा जीवाभिगमे तहेव निरनयेस जाव मुद्धदमसीवोति, एए अट्टावीस उहेनो गाणियव्वा । तेन भंते । गो भंते । सि जाव विहरइ ॥ ४०७ ॥ दसमसए चउत्तीसइमो उहेनो समत्तो ॥ दसमं सयं समत्तं ॥

उप्पल १ सालु २ पलामे ३ कुंसी ४ नाली य ५ पटम ६ कर्नी ७ य । नत्ति ८ सिव ९ लोग १० माला ११ लंगिय १२ दग दो य एगारे ॥ १ ॥ उववाओ १ परिमाण २ अत्रहाक ३ णा ४ य ५ वेए ६ य । उदए ७ उदीरणा ८ टेमा ९ दिट्ठी १० य नाणे ११ य ॥ १ ॥ जोगु १२ वओगे १३ य १४ रसमार १५ ऊमागमे १६ य आहारे १७ । विरइ १८ किरिया १९ बधे २० मज २१ कमाधि २२ त्थि २३ घणे २४ य ॥ २ ॥ सग्नि २५ दिय २६ अणुबंधे २७ संवेहा २८ हार २९ ठिइ ३० समुग्घाए ३१ । चयणं ३२ मूलाइंसु य उववाओ ३३ सब्वजीवाण ॥ ३ ॥ तेण कालेण तेण समएण रायणिहे जाव पज्जुवाममाणे एव वयासी-उप्पले ण भते । एगपत्तए कि एगजीवे अणेगजीवे ? गोयमा । एगजीवे नो अणेगजीवे, तेण परं जे अले जीवा उववज्जति ते णं णो एगजीवा अणेगजीवा । ते ण भते । जीवा कओहिंतो उववज्जति किं नेरइएहिंतो उववज्जति तिरिक्कमपुस्स-देवेहिंतो उववज्जति ? गोयमा । नो नेरइएहिंतो उववज्जति तिरिक्काजोणिएहिंतोवि उववज्जन्ति मणुस्सेहिंतोवि उववज्जति देवेहिंतोवि उववज्जति, एव उववाओ भाणियव्वो जहा वक्कतीए वणस्सइकाइयाण जाव उंमाणेति १ । ते ण भते । जीवा एगसम एग केवइया उववज्जति ? गोयमा । जहसेण एको वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सप्पेज्जा वा असप्पेज्जा वा उववज्जति २ । ते ण भंते । जीवा समए २ अवहीरमाण २ केवइयकालेण अवहीरति ? गोयमा । ते ण असप्पेज्जा समए २ अवहीरमाण २ असप्पेज्जाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरति नो चेव ण अवहिया सिया ३ । तेति ण भंते । जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा । जहसेण अगुलस्स असप्पेज्जइभाग उक्कोसेण साइरेग जोयणसहस्स ४ । ते ण भते । जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स कि वधगा अवधगा ? गोयमा । नो अवधगा वधए वा वधगा वा एव जाव अतराइयस्स, नवर आउयस्स पुच्छा, गोयमा । वधए वा अवधए वा वधगा वा अवधगा वा अहवा वधए य अवधए य अहवा वधए य अवधगा य ८ एए अह

पञ्चत्वारो तंजहा-निबन्धा विमर्शोती कर्त्तव्यो अपरपञ्चिका तत्त्व न एवमेवाप्य हेनोप  
 सेतं तं येन ब्रह्मा ब्रह्मस्व नवर ईयात्तवर्द्धेसप्य निम्नानि ईयात्तवर्द्धेसि सीहासर्द्धेसि सेतं  
 तं येन एवं मियात्तवर्द्धेसि एवं ब्रह्मसी(ई)एभि महागहर्द्धे मयात्तवर्द्धे ब्रह्म  
 मयात्तवर्द्धेसि नवर ब्रह्मसगा सीहासर्द्धेसि न सरित्तवर्द्धेसि सेतं तं येन । छद्मस्व  
 न मते । हेनिरस्व हेनरजो पुष्पा ब्रह्मो । ब्रह्म ब्रह्ममहितीओ पञ्चत्वारो तंजहा-  
 पञ्चत्वारो सिवा से(वा)ना नन्व ब्रह्म ब्रह्मस्व नवमिवा रोहिणी तत्त्व न एवमेवाप्य  
 हेनोप छेम्भ छेम्भ हेनिरहस्व परिपारो पञ्चत्वारो पम् न ताओ एवमेवाप्य हेनो  
 ब्रह्मर्द्धे छेम्भ २ हेनिरहस्वपरिवारं निम्नित्तप्य, एवमेव सपुष्पावरेयं ब्रह्मसीपुत्तरं  
 हेनिरहस्वपरिवारं परिवारं निम्नित्तप्य, सेतं तुष्टिप्य । पम् न मते । सहे हेनिरि  
 हेनरजो सीहम्भे कप्ये छेम्भमब्रह्मसप्य निम्नानि समाप्य छद्ममाप्य छद्मसि सीहास-  
 र्द्धेसि तुष्टिप्ये सति सेतं ब्रह्मा नवरस्व नवरं परिवारो ब्रह्मा मयेवैसप्य । छद्मस्व  
 न मते । हेनिरस्व हेनरजो छेम्भस्व महारजो ब्रह्म ब्रह्ममहितीओ पुष्पा ब्रह्मो ।  
 नवमिवा ब्रह्ममहितीओ पञ्चत्वारो तंजहा-रोहिणी मन्वा विद्या सोमा तत्त्व न एव-  
 मेवाप्य सेतं ब्रह्मा नवरजोपञ्चत्वारो नवरं छद्मपमे निम्नानि समाप्य छद्ममाप्य छेम्भेसि  
 सीहासर्द्धेसि सेतं तं येन एवं ब्रह्म हेनिरहस्व नवरं निम्नानि ब्रह्मा छद्मस्वप्य ।  
 ईयात्तवर्द्धे न मते । पुष्पा ब्रह्मो । ब्रह्म ब्रह्ममहितीओ ५ तंजहा-ब्रह्मा ब्रह्म  
 राई रमा रमरनिबन्धा ब्रह्म ब्रह्मस्व नवमिवा नवमिवा तत्त्व न एवमेवाप्य सेतं  
 ब्रह्मा छद्मस्व । ईयात्तवर्द्धे न मते । हेनिरहस्व हेनरजो छेम्भस्व महारजो ॥  
 ब्रह्ममहितीओ पुष्पा ब्रह्मो । नवमिवा ब्रह्ममहितीओ ५ तंजहा-पुष्पा राई  
 रमासी निम्न, तत्त्व न सेतं ब्रह्मा छद्मस्व छेम्भपञ्चत्वारो एवं ब्रह्म ब्रह्मस्व नवरं  
 निम्नानि ब्रह्मा ब्रह्मस्वप्य, सेतं तं येन ब्रह्म नो येन न मेहुन्नतिर्द्धे । ईयं मते ।  
 ईयं मते । ति ब्रह्म निहस्व ५३ ५४ ब्रह्मसर्द्धेसप्य पञ्चत्वारो ब्रह्मसी समाप्यो ॥  
 ब्रह्म न मते । छद्मस्व हेनिरहस्व हेनरजो समाप्यो पञ्चत्वारो । गोम्मा ।  
 ब्रह्मसी २ महरस्व पञ्चत्वारो ब्रह्मसी २ इमीसे रमरप्यमाप्य पुष्पाप्य एवं ब्रह्मा  
 रायप्पसेवर्द्धे ब्रह्म नव ब्रह्मसगा ब्रह्मा तंजहा ब्रह्ममहितीओ ब्रह्म नवमिवा सीह  
 मयात्तवर्द्धेसप्य, से न छेम्भमब्रह्मसप्य महाविमाने ब्रह्मसीसे ब्रह्ममहितीओ ब्रह्मा-  
 निबन्धमेवं-एवं ब्रह्म सीहमिवा सीहमेव मयात्तवर्द्धे ब्रह्ममहितीओ । छद्मस्व न ब्रह्ममहितीओ  
 सीहमेव ब्रह्म सीहमिवा ॥ १ ॥ ब्रह्मसीसे सीहमेव ब्रह्म ब्रह्ममहितीओ सीहमेव  
 ब्रह्मसी ॥ १ ॥ । सहे न मते । हेनिरि हेनरजो निम्नित्तप्य ब्रह्म हेनिरि(ह)सीहमेव ।  
 गोम्मा । महितीओ ब्रह्म महापञ्चत्वारो से न तत्त्व ब्रह्मसीप्य निम्नानि ब्रह्ममहितीओ

ण भंते । जीवा किं आहारमजोवत्ता भयमजोवत्ता मेरुणमजोवत्ता परिगहगमा-  
घत्ता ? गोयमा । आहारसजोवत्(से)ता वा असीड भगा २१ । ते ण भंते । जीव  
किं कोहकमाई माणकमाई मायाकमाई लोभकमाई ? गोयमा । कोहकमाई वा  
असीड भगा २२ । ते ण भंते । जीवा किं इत्थिवेदगा पुरिसवेदगा नपुसगवेदगा ?  
गोयमा । नो इत्थिवेदगा नो पुरिसवेदगा नपुसगवेदए वा नपुसगवेदगा वा २३ ।  
ते ण भते । जीवा किं इत्थिवेदवधगा पुरिसवेदवधगा नपुसगवेदवधगा ? गोयमा ।  
इत्थिवेदवधए वा पुरिसवेदवधए वा नपुसगवेदवधए वा, छत्वीस भगा २४ । ते  
ण भते । जीवा किं सज्जी असज्जी ? गोयमा । नो सज्जी असज्जी वा अमग्निणो वा  
२५ । ते ण भते । जीवा किं सइदिया अणिदिया ? गोयमा । नो अणिदिया न  
दिए वा सइदिया वा २६ । से ण भते । उप्पलजीवेति कालओ केवच्चिरं होरं  
गोयमा । जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण असग्गेज्ज काल २७ । से ण भते । उप्पल  
जीवे पुढविजीवे पुणरवि उप्पलजीवेति केवइय काल सेवेज्जा केवइय कालं गइ  
रागइ करेज्जा ? गोयमा । भवादेसेणं जहन्नेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेण असग्गेज्ज  
भवग्गहणाइ, कालादेसेण जहन्नेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण असग्गेज्ज काल, एवइयं  
काल सेवेज्जा एवइयं काल गइरागइ करेज्जा, से ण भते । उप्पलजीवे आउज्जावे  
एव चैव एव जहा पुढविजीवे भणिए तहा जाव वाउजीवे भाणियव्वे, से ण भते ।  
उप्पलजीवे से वणस्सइजीवे से पुणरवि उप्पलजीवेति केवइय काल सेवेज्जा केवइय  
कालं गइरागइ करेज्जा ? गोयमा । भवादेसेणं जहन्नेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेम  
अणताइ भवग्गहणाइ, कालादेसेण जहन्नेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण अणतं कालं  
तत्तकाल एवइय काल सेवेज्जा एवइय काल गइरागइ करेज्जा, से ण भते । उप्पल  
जीवे वैइदियजीवे पुणरवि उप्पलजीवेति केवइय काल सेवेज्जा केवइय काल गइ  
रागइ करेज्जा ? गोयमा । भवादेसेण जहन्नेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेण सखेज्जाइ  
भवग्गहणाइ, कालादेसेण जहन्नेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण सखेज्ज कालं एवइयं  
काल सेवेज्जा एवइय काल गइरागइ करेज्जा, एव तेइदियजीवे, एव चउरिदियजीवे, <sup>१</sup>  
से ण भते । उप्पलजीवे पच्चैदियतिरिक्खज्जोणियजीवे पुणरवि उप्पलजीवेति पुच्छा,  
गोयमा । भवादेसेण जहन्नेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइ काला  
देसेण जहन्नेण दो अतोमुहुत्ताइ उक्कोसेण पुव्वकोटिपुहुत्ताइ एवइय कालं सेवेज्जा  
एवइय कालं गइरागइ करेज्जा, एवं मणुस्सेणवि सम जाव एवइय काल गइरागइ  
करेज्जा २८ । ते ण भते । जीवा किमाहारमाहारंति ? गोयमा । दव्वओ अणत  
पएसियाइ दव्वाइ एवं जहा आहारुहसए वणस्सइकाइयाण आहारो तहेव जाव

मंगा ५ । ते न मंते । जीवा व्यापारमिजस्व कम्मस्स किं वैजया अवेय्या ।  
 पोक्कमा । नो अवेजया वैजए वा वैजया वा एवं चाव अंतराहस्स ते न मंते ।  
 जीवा किं सायावेजया असावावैजया । गोममा । सायावेजए वा असावावेजए वा  
 अहु मंगा ६ । ते न मंते । जीवा व्यापारमिजस्व कम्मस्स किं वरई अनुवरई ।  
 पाम्मा । नो अनुवरई उवरई वा उवरणी वा एवं चाव अंतराहस्स ७ । ते न  
 मंते । जीवा व्यापारमिजस्व कम्मस्स किं उरीरया । गोममा । नो अनुरीरया  
 उरीरए वा उरीरया वा एवं चाव अंतराहस्स नवरं वैजमिजाउएहु अहु मंगा  
 ८ । ते न मंते । जीवा किं कण्हेसा नीळकेसा काळकेसा ठेठकेसा । गोममा ।  
 कण्हेसे वा चाव ठेठकेसे वा कण्हेसेसा वा नीळकेसेसा वा काळकेसेसा वा ठेठकेसा  
 वा अहवा कण्हेसे व नीळकेसे व एवं एए दुवाउवोण्णिउउवोमवउउवोण्णिउउवोण्णि  
 अरीइ मंगा मरंदि ९ । ते न मंते । जीवा किं सम्मणिट्ठी मिच्छमणिट्ठी सम्मा-  
 मिच्छमणिट्ठी । गोममा । वा सम्मणिट्ठी वा सम्मामिच्छमणिट्ठी मिच्छमणिट्ठी वा मिच्छम-  
 णिट्ठिये वा १ । ते न मंते । जीवा किं न्हाणी अन्हाणी । गोममा । नो न्हाणी  
 अन्हाणी वा अन्हाणियो वा ११ । ते न मंते । जीवा किं मयवोपी व्हवोपी  
 कयवोपी । गोममा । नो मयवोपी ये व्हवोपी अयवोपी वा अयवोपियो वा  
 १२ । ते न मंते । जीवा किं सागारोवठता अन्हागारोवठता । गोममा । साय-  
 रोवठते वा अन्हायरोवठते वा अहु मंगा १३ । ते न मंते । जीवा किं सरीरया  
 न्दववा व्दववा व्दरसा व्दवसा १ । गोममा । वंनववा वंनरसा दुर्गवा अहु-  
 कसा २ । ते पुन सप्पन्ना नववा अरीवा अरसा अकसा ३ । १४-१५ । ते  
 न मंते । जीवा किं उस्सासा निस्सासा नो उस्सासनिस्सासा । गोममा । उस्सासए  
 वा १ निस्सासए वा १ नो उस्सासनिस्सासए वा ३ उस्सासया वा ४ निस्सासया  
 वा ५ नो उस्सासनीयासमा वा ६ अहवा उस्सासए व निस्सासए व ४ अहवा  
 उस्सासए व नो उस्सासनिस्सासए व ४ अहवा निस्सासए व नो उस्सासनीयासए  
 व ४ अहवा उस्सासए व बीयासए व नो उस्सासनिस्सासए व अहु मंगा एए  
 उम्होरी मंगा मरंदि ११६ । ते न मंते । जीवा किं अन्हारया अन्हारया । गोममा ।  
 नो अन्हारया अन्हारए वा अन्हारया एवं अहु मंगा १७ । ते न मंते । जीवा  
 किं निरवा अनिरवा निरवानिरवा । गोममा । नो निरवा नो निरयानिरवा अनिरए  
 वा अनिरवा वा १ । ते न मंते । जीवा किं सन्निरीवा अन्निरीवा । गोममा । ओ  
 अन्निरीवा सन्निरीए वा सन्निरीवा वा १८ । ते न मंते । जीवा किं सयन्निर्ववया  
 अनुनिर्ववया । गोममा । सयन्निर्ववए वा अनुनिर्ववए वा अहु मंगा २ । ते

तेषां पाठेन तेऽ गमयन् हविष्णापुरे नाम नयरे होत्वा यज्ञो, तस्मै  
हविष्णापुरम् नयरेण यज्ञिना उपायुगन्तिमे दिक्षीमामे एतथ न गदत्तम्  
नाम उजाणे होत्वा मयसोऽयमुष्कात्तमभिर्दस्मै नश्यन्वाभिगाये मुहसीदन्तु  
मणोरने गाउपटे अमृष्ट पागाईए जाव पटिस्ते, तत्थ न हविष्णापुरे नार नि  
नाम राया होत्वा मययाहिमय ० यज्ञो, तस्मै न यिचम् रसो धारिणी नाम न  
होत्वा मुनुमालपाणिपाया यज्ञो, तस्मै न यिचम् रसो पुते धारणीए अतए नि  
भदए नाम पुमार होत्वा मुनुमाल ० जहा मुरियरने जाव पशुपेकामामे पशुपेकाम  
विहरइ, तए न तस्मै यिचम् रसो अजया कयाड पुत्तरताम्ता तत्तममयंति गजु  
चित्तमाणस्य अयमेयाह्वे अन्भत्थिण जाव ममुप्पजित्था-अपि ता मे पुरा पोरा  
जहा तामलिन्त जाव पुत्तेरि वट्टामि पट्टि वट्टामि रज्जंग वट्टामि एवं ख्हेण व  
वाहणेन कोसेण कोट्टागारेण पुरेण जत्तेठरेण वट्टामि त्रिपुल्लणसगगया जा  
संतमारमावएजे ० अद्वे ० अभिवट्टामि, तं निज्ज अहं पुरा पोराणां जाव ए  
सोस्सयं उव्वेहमाणे विहरामि १ तं जाव ताव अहं हिम्मेण वट्टामि तं चेव जा  
अभिवट्टामि जाव मे सामतरायाणोवि वसे वट्टंति ताव ता मे सेयं कल पाउप्पभाए  
जाव जलंतं उरहु लोहीलोहकडादकुच्चुय तंयि तावसभंलग घटावेत्ता सिवमा  
कुमार रजे ठापेत्ता तं उरहु लोहीलोहकडादकुच्चुयं तयि तावसभंलग गहाव  
जे इमे गगावूले वागपत्ता तावसा भवति, त०-होत्तिया पोत्तिया को(सो)त्तिया जम्भ  
मपुई थालई हुवउट्टा दत्तुस्सलिया उम्मजगा समजगा निम्मजगा सपक्काल  
उद्वज्जयगा अहोक्कयगा दाहिणकूलगा उत्तरकूलगा सन्धमगा कूलधमगा निमट  
त्ता हयितायमा जलाभिसेयक(कि)ट्ठिणगाया अयुवाणिणो वाउवाणिणो जलवाणि  
वे(चं)त्ताणिणो अयुभक्खिणो वाउभक्खिणो सेवालभक्खिणो मूलाहारा पदाहारा  
पन्हारा तवाहारा पुष्पाहारा फलाहारा बीयाहारा परिमट्टियन्द्मूलतयपंडुपत्तपुष्प  
हारा उड्डगा छत्तमूलिया विलवाणिणो वष(ल)वाणिणो दिसापोकन्निणो आयाक  
एहि पचगितावेहि इगालमोत्थियपिव कदुसोत्थियपिव कट्टमोत्थियपिव जाव अप्पा  
वरणा विहरंति ॥ तत्थ न जे ते दिसापोकन्निन्यतावसा तेमि अत्थि मुडे भविता  
दिसापेक्कियतावसाए पव्वउत्ताए, पव्व  
हन्निणिहस्तामि-कप्पइ मे जावजीव  
-उत्तेण उद्गं वाहाइ

समाणे अयमेयाह्वे अ

अनिक्खित्तेग दिसा

॥ ८. एवं सपेहेइ



तेण काटेण तेग समएग हत्थिणापुरे नामं नयरे होत्वा वज्रओ, तस्म  
हत्थिणापुरस्स नयरस्स घहिया उत्तरपुरच्छिमे सिंसीभागे एत्थ णं महसम्म  
णामं उज्जाणे होत्वा सच्चोउयपुष्पकलसमिद्धे रम्मे णदणवगसनिगासे सुहसीयत्तज्ज  
मणोरगे माठफले अकट्टए पासाईए जाव पडिस्सुवे, तत्थ ण हत्थिणापुरे नयरे सि  
नाम राया होत्वा मदयाहिमवत० वज्रओ, तस्म ण निवस्म रज्जो धारिणी नाम देह  
होत्वा सुकुमालपाणिपाया वज्रओ, तस्म ण सिंयस्स रज्जो पुत्ते धारणीए अत्तए सि  
अद्दए नाम कुमारे होत्वा सुकुमाल० जहा सूरियकंते जाव पशुवेक्खसामाणे पशुवेक्खसामा  
विहरद्द, तए णं तस्स सिंयस्म रज्जो अनया कयाइ पुच्चरत्तावरत्तकालसमयसि रज्जु  
चित्तेमाणस्स अयमेयारुवे अन्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-अत्थि ता मे पुरा पोत्ता  
जहा तामलिस्स जाव पुत्तेहिं वट्ठामि पसहिं वट्ठामि रज्जेग वट्ठामि एवं रुद्धेण बत्ते  
वाहणेगे कोसेण कोट्टागारेण पुरेण अत्तेउरेण वट्ठामि विपुलधणम्मगरया जाव  
सतसारत्तावएजेण अईव २ अभिवट्ठामि, त म्मि अह पुरा पोराणाग जाव एण  
सोक्खय उव्वेहमाणे विहरामि २ त जाव ताव अह हिरन्नेण वट्ठामि तं चेव जाव  
अभिवट्ठामि जाव मे सामतरायाणोपि वसे वट्ठति ताव ता मे सेय क्क पाउप्पभाया  
जाव जलते सुवहु लोहीलोहकडाहकडुच्छुय तंयिय तावसभडग घटावेत्ता सिंयभा  
कुमारं रज्जे ठावेत्ता त सुवहु लोहीलोहकडाहकडुच्छुय तंयिय तावसभडग गहाय  
जे इमे गगाकूले वाणपत्ता तावमा भवति, त०-होत्तिया पोत्तिया को(सो)त्तिया जज्ज  
समृद्धं थालई हुवउट्टा दत्तुम्बलिया उम्भज्जगा समज्जगा निम्भज्जगा सपक्कवा  
उद्धरंइयगा अहोवइयगा दाहिणकूलगा उत्तरकूलगा सखधमगा कूलधमगा मियड  
द्धया हत्थितावसा जलाभिसेयक(कि)ट्ठिणगाया अयुवासिणो वाउवासिणो जलवासिणो  
वे(चे)लवासिणो अयुभक्खिणो वाउभक्खिणो सेवालभक्खिणो मूलाहारा रुदाहाए  
पत्ताहारा तयाहारा पुष्पाहारा फलाहारा थीयाहारा परिसडियकंदमूलतयपडुपत्तपुष्प  
फलाहारा उद्धगा सखमूलिया विलवासिणो वक्क(ल)वासिणो दिसापोक्खिणो आयाक्  
णाहिं पचग्गितावेहिं इगालसोल्लियपिव कटुसोल्लियपिव कटुसोल्लियपिव जाव अप्पा  
करेमाणा विहरंति ॥ तत्थ ण जे ते दिसापोक्खियतावसा तेसि अत्थि मुडे भवि  
दिसापोक्खियतावसत्ताए पव्वइत्ताए, पव्वइएवे य ण समाणे अयमेयारुव अभिग  
अभिगिण्हिस्सामि-कप्पइ मे जावजीवाए छट्ठलट्ठेण अनिक्खित्तेग दिसाचक्खाल्ले  
तवोक्कम्मेण उद्ध वाहाओ पगिज्झिय २ जाव विहरित्तएत्तिकट्ठु, एव संपेहेइ सपेहेता  
क्क जाव जलते सुवहु लोहीलोह जाव घटावेत्ता कोडुभियपुरिसे सहावेइ सहावेत्ता  
एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! हत्थिणाउरं नयरं सच्चिभतरवाहिरियं

आसिन्वा वाच उत्तरादिभिः पञ्चभिः ॥ तद् न से सिधे राजा रोनेपि कोट्टुविश्वपुरिसे  
 सहाये २ तद् एवं कवासी विष्णुमेव ओ देवत्वपुत्रा ॥ सिन्वाहस्स कुमारस्स म्हात्तं  
 ३ निठने राजासिन्वे बन्धुमेव, तद् न से कोट्टुविश्वपुरिखा लोच वाच बन्धुमेति तद्  
 न से सिधे राजा अन्नेगमलप्राप्त्यर्थमात्रा वाच संविदाय यदि संपरितुके सिन्वा  
 कुमारे विहासकवरति पुराणामिमुहं निवीनामि(न्ति)इत्था बन्धुमएवं छेवविमानं कम्प-  
 सानं वाच बन्धुमएवं भोमेजावं कम्पसानं सन्निहिए वाच रत्नें म्हात्तं राजासिन्वेएवं  
 जामिन्तिव(न्ति)इ २ तद् पम्हम्मल्लमाणाए धरमिए भंभकसाहिए ग्वाहं च्छा(न्ति)इ  
 पम्ह २ तद् सरसेवं गोदीसेवं एवं अहेव बग्गस्सिस्स कर्ककरो तद्देव वाच कम्पक-  
 योपि अर्ककिमनिनुतिरं करोति २ तद् करयत्त वाच कट्टु सिन्वा कुमारे वएवं निवएवं  
 बन्धुवति वएवं निवएवं बन्धुमेता ताहि च्छाहि कंठाहि पिवाहि एवं बन्धु क्कवाए  
 लोमिक्कस्स वाच वरमांठ पाळ्माहि सुक्कवसंपरितुके इतिवत्तापुरस्स कम्पस्स अन्नेसि  
 न् कट्टुने मासावरत्तपर वाच निहएदिपिक्कु कवकवत्तं पठंति तद् न से सिन्वे  
 कुमारे राजा भाए म्हात्ता हिम्वत्त वक्कओ वाच निहए, तद् न से सिधे राजा अन्ना  
 म्हात्तं छेहंति तिक्किरत्तमिक्कसत्तुत्तल्लकपंति सिन्वं अन्नं पानं चाह्मे छाह्मे  
 उवक्कवाहेइ उवक्कवाहेइ मित्तपाह्मियय वाच परिक्कं राजाओ वत्तिए व आह्मे  
 चेइ आह्मेवेता उओ पप्पळ भाए वाच उठैरे भोयक्कस्समए मोक्कक्कवत्ति च्छात्तव  
 वरजए तेवं मित्तपाह्मिक्कवक्क वाच परिक्कमेवं एएहि व वत्तिएहि व वत्ति सिन्वं  
 अन्नं पानं चाह्मे छाह्मे एवं बन्धु तम्मक्के वाच सहाहेइ सम्माहेइ उवत्तेता सम्म-  
 वेत्ता तं मित्तपाह्मिक्का वाच परिक्कं राजाओ व वत्तिए व सिन्वा व राजावं वात्तु  
 वक्कइ वात्तुप्पिक्का सुवहुं कोहीक्काह्मक्काह्मक्कवत्तं वाच मेहमे ग्हाह वे इमे गंया  
 वृक्का वाचक्कत्ता तत्तत्ता अर्कति तं येव वाच तेसि अंतिवं सुंवे मत्तिता मितायेनि-  
 वत्ताक्कत्ताए पप्पळए, पप्पळएइतिव नं ताम्मे अक्केवात्तं अमिम्हं अमिप्पिक्क-  
 कप्पळ ये वाचजीणाए कट्टु तं अन्न वाच अमिम्हं अमिप्पिक्क २ तद् पवमं उवक्क-  
 ममं वक्कसंपत्तिता वं निहए ॥ तद् न से सिधे राजासिन्वे पवमं उवक्कवक्कवत्तपावपंति  
 आक्कक्कमूनीए पप्पळइ आक्कक्कमूनीए पप्पळइत्ता वाक्कक्कवत्तक्कवे वेवेव तद्  
 तद्देव तेवं वक्कवक्कइ तेवेव उवक्कवत्तिता तिक्किक्कवत्तवत्तं पिक्कइ पिक्कइत्त पुर  
 मिठमं तिठि वेक्कवेइ पुरप्पिक्काए विहाए छेमे ग्हात्तमा अक्कावे पत्तिवं अमि-  
 क्कवत्त सिन्वा उठैरिति अमि २ आमि व तत्त कंठामि व मूक्कमि व तत्तामि व  
 पत्तामि व पुप्पळमि व पक्कमि व वीयामि व इतिवत्तामि व तामि अनुवाचइति कट्टु  
 पुरप्पिक्कं तिठं पक्कइ पुर २ तद् आमि व तत्त कंठामि व वाच इतिवत्तामि व तत्त



गेण्डेइ ० ता किडिगसकाडयं भरेइ किडि० ० ता दम्मे य पुसे य ममिहाओ य पत्तानो  
 च गेण्डेइ ० ता जेणेव सए उडाए तेणेव उवागच्छइ ० ता किडिगसकाडयं ठके  
 किडि० ० ता वेइ धट्टेइ ० ता उयलेवगसमज्ज करेइ उ० ० ता दम्भसगम्भक  
 माहत्थगए जेणेव गंगा महानई तेणेव उवागच्छइ गंगामहानई ओगाहेइ ० ता व  
 मज्ज करेइ ० ता जल्कीउ करेइ ० ता जल्गमिसेय करेइ ० ता आयते चोक्से  
 मसुभूए देवयपिडस्यरुजे दम्भसगम्भकमाहत्थगए गंगाओ महानईओ पञ्च  
 ० ता जेणेव सए उडाए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता दम्भेहि य पुसेहि  
 वाट्याए य वेइ रएउ वेइ रएत्ता सरएण अरणि महेइ सर० ० ता अरिग पाडेइ  
 ता अरिग संघुडेइ ० ता ममिहाकट्टाड पन्निवइ समिहाकट्टाड पन्निवित्ता अरि  
 उज्जालेइ अरिग उज्जालेत्ता-‘अरिस्स दाहिणे पासे, नत्ताई समादहे । त०-च  
 वक्कल ठाण, सिज्जाभटं कम्मटलं ॥१॥ दट्टदारु त(हप्पा)हा पाण अहेताड नमादहे  
 महुणा य घएण य तडुलेहि य अरिग हुणइ, अरिग हुणित्ता चरु साहेइ, चरु साहे  
 बलिं वइस्सदेव करेइ बलिं वइस्सदेव करेत्ता अनिहिपूर्य करेइ अतिहिपूर्य करेत्ता त  
 पच्छा अप्पणा आहारमाहारेइ, तए ण से सिवे रायरिसी दोये छट्ठक्खमणं उवस  
 जित्ताण विहरइ, तए ण मे सिवे रायरिसी दोये छट्ठक्खमणपारणगंसि आमावण  
 मीओ पचोरुइ आयावग० ० ता एवं जहा पडमपारणग नवरं दाहिण दिस पोक्खेइ  
 ० ता दाहिणाए दिसाए जमे महाराया पत्थाणे पत्थिय सेस त चेव जाव आहार  
 माहारेइ, तए ण से सिवरायरिसी तथं छट्ठक्खमण उवसपजित्ता ण विहरइ, तए  
 ण से सिवे रायरिसी सेस त चेव नवरं पचत्थिम दिसि पोक्खेइ पचत्थिमाए  
 दिसाए वरुणे महाराया पत्थाणे पत्थिय सेस त चेव जाव आहारमाहारेइ, तए  
 ण से सिवे रायरिसी चउत्थ्य छट्ठक्खमण उवसपजित्ता ण विहरइ, तए ण से सि  
 रायरिसी चउत्थ्यछट्ठक्खमण एवं त चेव नवरं उत्तर दिस पोक्खेइ उत्तराए दिसाए  
 वेसमणे महाराया पत्थाणे पत्थिय अभिरक्खवट्ठ सिव० सेस त चेव जाव तओ पच्छा  
 अप्पणा आहारमाहारेइ ॥ ४१६ ॥ तए ण तस्स सिवस्स रायरिसिस्स छट्ठेउद्वे  
 अनिक्खित्तेणं दिसाचक्कवालेग जाव आयावेमाणस्स पगइमइयाए जाव विणीययाए  
 अन्नया कयाइ तयावरणिज्जाण कम्माण खओवसमेण ईहापोहमगगणवेसण करेमा  
 णस्स विमगे नाम अन्नाणे समुप्पजे, से ण तेण विमगनाणेण समुप्पजेण पासइ  
 अस्ति लोए सत्त धीवे सत्त समुदे तेण पर न जाणइ न पासइ, तए ण तस्स  
 सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयाहवे अब्भत्थिए जाव समुप्पजित्ता-अत्थि णं म  
 अइसेसे नाणदसणे समुप्पजे एव खल्ल अस्ति लोए सत्त धीवा सत्त समुदा तेण पर

आदिष्व आद्य उपायविधिं पश्यन्ति। तत् न हे तिने एवा दोषेति कोट्टियपुरिसे  
 सप्तमि १ ता एव वयासी-विष्णुमेव सो वेनालुपिवा । शिवमरुत कुमारस्व माहर्त्त  
 २ मित्रं राजामिसेव वदन्ति, तत् न हे कोट्टियपुरिसा तद्देव वाव वदन्ति। तत्  
 न हे तिने एवा अनेयपत्न्यगर्भगनायम आद्य संविदात् सद्धिं संपरीपुत्रे शिवमर्  
 कुमारं तीहन्वन्वर्ति पुत्रव्यभिमुहं मिथी-मवे(न्ति)इ १ ता अद्भुतपूर्णं खेवविवात् कम्-  
 सार्त्त वाव अद्भुतपूर्णं मोमंमार्त्तं कम्पत्तं सम्मिहीए वाव रवेत्तं मद्भुत २ उपायिसेव  
 अमिषिन्(न्ति)इ १ ता पम्हवत्तुमाअए सुमिपु शीवकासाईए गाम्भ्यं सद्धि(न्ति)इ  
 पम्ह १ ता सरसेव श्योरीसेव एव जद्देव उपायिस्व अर्द्धादो तद्देव वाव कम्पत्त-  
 वपिन् अर्द्धादिवमिमुविर्त्तं करेति १ ता करवत्त वाव वदु शिवमर्त्त कुमारं वदुत्तं मित्रवत्तं  
 वदुत्तेति वदुत्तं मित्रवत्तं वदुत्तेत्य ताद्धिं सद्धिं कंताद्धिं पित्राद्धिं एव जद्दा वदुत्तए  
 मोमिक्त्त आद्य परमांर्त्तं पावन्वद्धिं सुवत्तवत्तपुत्रिपुत्रे इतिवत्तपुरस्व मरुत्तस्व अवेति  
 न वदुत्तं यामायत्तवत्त वाव मिहत्तवत्तिवत्तु वदुत्तवत्तं पठन्ति तत् न हे तिने एवा  
 कुमारं एवा वाए मद्भुत इमिषत्त वदुत्तं वाव मिहत्त, तत् न हे तिने एवा अद्भुत  
 मद्भुतं खेवर्त्तं तिद्धिचरमविक्त्तसप्तपुत्रवत्तवत्तति मिपुत्तं अत्तत्तं पावत्तं वावत्तं सद्धिं  
 वदुत्तवत्तवत्तं वदुत्तवत्तवत्तं मिपत्तवत्तवत्तं वाव परिक्त्तं एवावो वत्तिपु य अवे-  
 तेइ अर्द्धादेता तद्देव पम्हवत्त वाए वाव सपरी मोमवत्तवत्तु मीवमर्त्तवत्तं सद्धिचर-  
 मरुत्तु तत्तं मिपत्तवत्तवत्तवत्तं वाव परिक्त्तं एवहि न वत्तिपुत्तं न सद्धिं मिपुत्तं  
 अत्तत्तं पावत्तं वावत्तं सद्धिं एव जद्दा सद्धिं वाव सद्धिरेइ सम्भवेइ सद्धिरेता सम्भ-  
 वेता तं मिपत्तवत्तवत्तं वाव परिक्त्तं एवावो न वत्तिपु य शिवमर्त्तं न एवावत्तं वाव-  
 वत्तु वावत्तवत्तं वदुत्तु कोर्द्धावत्तवत्तवत्तवत्तु वदुत्तं वाव मीवमर्त्तं मद्भुत वे इमे वेव-  
 वत्तु वाववत्तं तत्तं मर्त्तं तं नव वाव तेति अतिर्यं मुने नवेत्य विद्यामिक्त्त-  
 वत्तवत्तवत्तु पम्हवत्त, पम्हवत्तवत्तं न उपायि अवेवत्तवत्तं अमिषत्तं अमिषिन्-  
 कम्पत्तं ये वावजीवाए सद्धिं तं नव वाव अमिषत्तं अमिषिन्वद्भु १ ता पठन्ति वदुत्तवत्त-  
 मर्त्तं वदुत्तवत्तवत्तं न मिहत्त । तत् न हे तिने राजासी पठन्वत्तवत्तवत्तवत्तवत्तं  
 आद्यवत्तवत्तु पम्हवत्त आद्यवत्तवत्तु पम्हवत्तवत्तं वाववत्तवत्तवत्तं वेवत्तं तत्  
 वदुत्तं तद्देव वदुत्तवत्तु तद्देव वदुत्तवत्तवत्तं मिहिनत्तवत्तवत्तं मिहत्तं मिहत्तं पुर  
 मिहत्तं मिहत्तं वेवत्तं पुरमिहत्तं मिहत्तं वेवत्तं मद्भुतवत्तं पत्तवत्तं पत्तवत्तं अमि-  
 वत्तवत्तं शिव राजसीति अमि १ वावत्तं वत्तं वेवत्तं वत्तं मीवमर्त्तं वत्तवत्तं वत्तवत्तं  
 वत्तवत्तं य पुत्रवत्तं य वत्तवत्तं य मीवमर्त्तं य इतिवत्तं य वावत्तं वत्तवत्तवत्तं वदु-  
 पुरमिहत्तं मिहत्तं पत्तवत्तं पुर १ ता वावत्तं वत्तं वेवत्तं वत्तं वाव इतिवत्तं वत्तं

अजमन्नवद्वाइं अक्षमन्नपुट्ठाइं जाव घडताए चिट्ठति ? हुता अत्थि । अत्थि न भते । धायउसुटे सीवे दब्बाइं मवज्जाडपि० एवं चेव, एव जाव सयंभूरमणसुं जाव हुता अत्थि । तए ण सा महइमहालिया महणपरिगा समणस्स भगवणे महावीरस्स अत्थि एयमट्ठ गोया निसम्म हट्ठनुट्ठा मण भगव महावीरं वदामि नममइ वदित्ता नमसित्ता जामेय दिमि पाउब्भूया तामेय दिमि पडिगया, तए ण हत्थिणापुरे नयरे सिंघाउग जाव पहेसु बहुजणो अणमघस्स एवमाडक्खइ जाव पहेइ-जणं देवाणुणिया । सिवे रायरिसी एवमाइक्खइ जाव पहेइ-अत्थि दे देवाणुणिया । मम अइसेसे नाणदंसणे जाव समुदा य, त नो इण्ठे ममट्ठे, समणे भगव महावीरे एवमाइक्खइ जाव पहेइ-एवं खलु एयस्स निवस्स रायरिसिस्स छट्ठंछट्ठं त चेव जाव भंडनिकुप्पेव करेइ भंडनिकुप्पेव करेत्ता हत्थिणापुरे नयरे सिंघाउग जाव समुदा य, तए ण तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अतिथं एयमट्ठ सोच्चा निसम्म जाव समुदा य, तण्ण मिच्छा, समणे भगवं महावीरे एवमाडक्खइ-एवं खलु जवुद्दीवाईया दीया लवणाईया समुदा त चेव जाव असलेज्जा दीवसमुदा पत्थि समणाउमो । । तए ण से सिवे रायरिसी बहुजणस्स अतिथं एयमट्ठ सोच्चा निमम्म सकिए ऋन्विए वित्तिगिच्छिए भेदममावन्ने कलुससमावन्ने जाए यावि होत्था, तए ण तस्स सिवस्स रायरिसिस्स संकियस्स कखियस्स जाव कलुससमावन्ने से विभगे अन्नाणे खिप्पामेव परिवडिए, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयाह्वे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे भगव महावीरे आङ्गरे नित्थारे जाव सब्वन्नू सब्वदरिसी आगासगएण चक्केण जाव सहसववणे उज्जाणे अहापडि रूव जाव विहरइ, त महाफल खलु तहारूवाणं अरहताण भगवंताणं नामगोयस्स जहा उववाइए जाव गहणयाए, त गच्छामि ण समण भगवं महावीरं वदामि जाव पज्जुवासामि, एय णे इहभवे य परभवे य जाव भविस्सडत्तिकहु एव सपेहेइ एवं सपेहिता जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तावसावसहं अणुप्पविसइ २ ता सुवहु लोहीलोहकडाह जाव किडिणसकाइं च गेण्हइ गेण्हित्ता तावसावसहाओ पडिनिक्खमइ ताव० २ ता परिवडियंविभगे हत्थिणापुरं नयरे मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव सहसववणे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समण भगवं महावीरं विक्खुत्तो आयाहिण पयाहिण करेइ वंदइ नमसइ वदित्ता नमसित्ता नच्चासन्ने नाइदरे जाव पंजलिउडे पज्जुवासइ, तए ण समणे भगवं महावीरे सिवस्स रायरिसिस्स तीसे य महइमहालियाए जाव आणाए आराहए भवइ, तए णं से सिवे रायरिसी समणस्स



अन्नमन्नवद्दाई अन्नमन्नपुट्टाई जाव घडत्ताए चिट्ठति ? हुता अत्थि । अत्थि भते । धायइसडे दीवे दब्बाई सवन्नाइपि० एव चेव, एव जाव मयभूरमणसमुद्दे जाव हंता अत्थि । तए ण सा महइमहालिया महच्चपरिमा समणस्स भगवओ महावीरस्स अत्थि एयमट्ठ सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समण भगव महावीरं वंदइ नमसइ वदित्ता नमसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया, तए ण हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडग जाव पहेसु घहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परुवेइ-जन्नं देवाणुप्पिया । सिवे रायरिसी एवमाइक्खइ जाव परुवेइ-अत्थि ण देवाणुप्पिया । मम अइसेसे नाणदसणे जाव समुद्दा यं, त नो इणट्ठे समट्ठे, समणे भगव महावीरे एवमाइक्खइ जाव परुवेइ-एवं खलु एयस्म सिवस्स रायरिसिस्स छट्ठछट्ठेण त चेव जाव भंडनिकखेव करेइ भंडनिकखेव करेत्ता हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडग जाव समुद्दा यं, तए ण तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अत्थि एयमट्ठ सोच्चा निसम्म जाव समुद्दा यं, तण्ण मिच्छा, समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ०-एवं खलु जवुद्दीवाईया दीवा लवणाईया समुद्दा तं चेव जाव असखेज्जा दीवसमुद्दा पन्नत्ता समणाउसो । तए ण से सिवे रायरिसी बहुजणस्स अत्थि एयमट्ठ सोच्चा निसम्म सकिए कखिए वित्तिगिच्छिए भेदसमावन्ने कल्लसमावन्ने जाए यावि होत्था, तए ण तस्स सिवस्स रायरिसिस्स सकियस्स कखियस्स जाव कल्लससमावन्ने से विभगे अजाणे खिप्पामेव परिवडिए, तए ण तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयारूवे अन्नमत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एव खलु समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थिगरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्खेणं जाव सहसंववणे उज्जाणे अहापडि-रूव जाव विहरइ, त महाफल खलु तहारूवाणं अरहताण भगवंताणं नामगोयस्स जहा उववाइए जाव गहणयाए, त गच्छामि ण समण भगव महावीर वंदामि जाव पज्जुवासामि, एय णे इहभवे यं परभवे यं जाव भविस्सइत्तिकट्ठु एव सपेहेइ एव संपेहिता जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तावसावसह अणुप्पविसइ २ ता सुवहुं लोहीलोहकडाह जाव किठिणसकाइं च गेण्हइ गेण्हित्ता तावसावसहाओ पडिनिक्खमइ ताव० २ ता परिवडियंविभगे हत्थिणापुरं नयरं मज्झमज्जेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव सहसववणे उज्जाणे जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समण भगव महावीर तिव्वुत्तो आयाहिण पयाहिणं करेइ वदइ नमसइ वदित्ता नमसित्ता नच्चासजे नाइदूरे जाव पज्जुवासइ, तए ण समणे भगव महावीरे सिवस्स रायरिसिस्स तीसें य लियाए जाव आणाए आराहए भवइ, तए ण से सिवे रायरिसी समणस्स









निवृत्तिः सत्ता पाटेनाणे अहाउनिवृत्तिराटे । से किं सं मरणकाटे ? जीवो वा  
 मरीगओ मरीर या जीवाओ, सेत मरणकाटे ॥ से किं त अदाकाटे ? अदाकाटे  
 क्षणेगविहे पन्नो, तं० समगट्टयाए आपणियट्टयाए जाव टम्मण्णिणीट्टयाए । एस नं  
 मुदंसणा । अदा दोहाराच्छेगणेणं टिज्जमाणी जाहे विभागं नो हव्वमागच्छइ सेतं  
 समए, समगट्टयाए असंगेजाण मगगाण समुदयसमिसमागमेण ता एना आवलि-  
 मति पवुगइ, सन्नेजाओ आवलियाओ जहा मालिउंदेतए जाव त सागरोवमस उ  
 एगस्म भवे परिमाण । एएहि ण भंते । पत्तिओवमसागरोवमेहिं किं पओयणं ?  
 मुदंसणा ! एएहिं पत्तिओवमसागरोवमेहिं नेरइयतिरियराजोणियमणुस्सदेवाण आव-  
 याई माविज्जति ॥ ४२५ ॥ नेरइयाण भंते । पेवइयं कालं ठिई पज्जता ? एव ठिइय  
 निरवसेस भाणियच्च जान अजइमणुओसेण तोणीस सागरोवमाईं ठिई पज्जता  
 ॥ ४२६ ॥ अत्थि ण भंते । एएहिं पत्तिओवमसागरोवमाणं राएइ वा अवचएइ  
 वा ? इता अत्थि, से कण्ठेण भंते । एणं चुनइ अत्थि ण एएहिं ण पत्तिओवमसा-  
 गरोवमाण जाव अवचएइ वा ? । एण राहु मुदंसणा ! तेण कालेण तेणं समएण  
 हत्थिणापुरे नाम नयरे होत्था वलओ, महसवणे उज्जाणे वलओ, तत्थ ण हत्थि-  
 णापुरे नयरे वले नाम राया होत्था वलओ, तस्य णं वलस्म रजो पभावई नामं  
 देवी होत्था सुकुमाल० वलओ जाव विहरइ । तए णं सा पभावई देवी अजया  
 कयाइ तसि तारिसगंसि घासघरंसि अट्ठिभतरओ सच्चित्तम्मो बाहिरओ दूमियघट्ट-  
 मट्टे विचित्तउओगचिच्छित्ततले मणिरयणपणासियंधयारे बहुसमसुविभत्तदेसभाए पच-  
 वलसरससरभिमुफ्फपुप्फपुजोवयारकलिए कालागुरुपवरकुदुखसुखधूवमधमधतगधुदु  
 याभिरामे सुगधिवरगंधिए गंधवट्ठिभूए तसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगणवट्टिए  
 उभओ विव्वोयणे दुहओ उज्जए मज्जेणयगभीरे गगापुलिणवालुयउहालसालिसए  
 उवचियखोमियदुगुलपट्टपट्टिच्छायणे सुविरइययत्ताणे रत्तसुयसवुडे सरम्मो आइणगस्स-  
 यवूरणवणीयतूलफासे सुगधवरसुसुमचुनसयणोवयारकलिए अद्धरत्तकालसमयसि सुत-  
 जागरा ओहीरमाणी २ अयमेयास्स ओराल कल्लाण सिव धज मगल सत्तिरीयं महा-  
 सुविण पासित्ता णं पडिमुद्धा त० हाररययखीरसागरससककिरणदगरयययमहासेलपं-  
 डुरतरोरुमणिज्जपेच्छणिज्ज थिरलट्टपउट्टवट्टपीवरसुसिलिद्विविसिट्टितिक्खदाढाविडवि-  
 यमुह परिकम्मियजच्चकमलकोमलमाइयसोहतलट्टउट्ट रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालता-  
 लुजीह मूसागयपवरकगगतावियआवत्तार्यतवट्टतट्टिविमलसरिसनयण विसालपीवरोरु-  
 पडिपुणविउलखंधं मिउविसयसुहुमलक्खणपसत्थविच्छिन्नकेसरसडोवसोहिय ऊसिय-  
 सुनिम्मियसुजायअप्फोडियलगूल सोम सोमाकारं लीलायत जभायत नहयलाओ

बद्धिबामिमुहे पन्निबदेजा -पम् नं योयमा । तन्नो एयमगे देवे ते वतामि बद्धिपिडे  
 वरमित्तममसंपत्तिं विप्यामेव पन्निबदेजा, ते नं योयमा । देवा ताए बद्धिपिडे वाज  
 देवताए एगे देवे पुराणमिमुहे वयाए एवं बद्धिबामिमुहे एवं पन्निबामिमुहे एवं  
 तत्तमिमुहे एवं पन्निबामिमुहे एगे देवे बद्धिपिडे पन्नाए, तेनं काकेनं तेनं समएनं  
 वाचसवस्तुताए वारए वयाए, तए नं तस्स वारयस्स अम्मापियरो पहीना भवति  
 नो येव नं ते देवा बोधेनं संपादयति तए नं तस्स वारयस्स वातए पहीने मव्व  
 नो येव नं वाज संपादयति तए नं तस्स वारयस्स अम्मापियरो पहीना भवति नो  
 येव नं ते देवा बोधेनं संपादयति ॥॥ नं तस्स वारयस्स वातएमेवि वृद्धयति  
 पहीने मव्व नो येव नं ते देवा बोधेनं संपादयति तए नं तस्स वारयस्स अम्मापियरो  
 पहीने मव्व नो येव नं ते देवा बोधेनं संपादयति तेति नं मते । देवानं हि यए  
 वहुए अयए वहुए । गोयमा । यए वहुए ना अयए वहुए, वया(नो)उ से अयए असे-  
 वयागो अयवत्त से यए अयवत्तएने बोए नं गोयमा । एमव्वमए पन्ने । अयोए  
 नं मते । एमव्वमए पन्ने । योयमा । अयवत्त एमव्वमते पन्नामिदे अयवत्तवत्त-  
 स्साई वावामिन्नमिन्नं अवा कंए वाज पन्निबदेजेनं तेनं काकेनं तेनं समएनं  
 वस देवा बद्धिपिडे ताहेव वाज संपादयित्तानं संपादयिता अहे नं अद्द विचत्तमा-  
 रीवो मव्ववत्तवत्तं अद्द बद्धिपिडे यहाव मात्तुत्तएस्स एमव्वमस्स वत्तवत्तं विचत्त  
 वत्तवत्तं विचत्तवत्तं बद्धिबामिमुहीमो विव्व अद्द बद्धिपिडे अयवत्तमगे बद्धिबामिमु  
 हीमो पन्निबदेजा पम् नं योयमा । तन्नो एयमगे देवे ते अद्द बद्धिपिडे वरमित्त-  
 ममसंपत्तिं विप्यामेव पन्निबदेजा, ते नं योयमा । देवा ताए बद्धिपिडे वाज देव  
 ताए बोधेनं विव्व अयवत्तममवत्तवत्तए एगे देव पुराणमिमुहे पन्नाए एगे देवे  
 बद्धिपुण्यमिमुहे पन्नाए एवं वाज तत्तपुराणमिमुहे पन्नाए एगे देवे पन्निबामिमुहे  
 एगे देवे बद्धिपिडे पन्नाए, तेनं काकेनं तेनं समएनं वाचसवस्तुताए वारए  
 पन्नाए, तए नं तस्स वारयस्स अम्मापियरो पहीना भवति नो येव नं ते देवा बोधेनं  
 संपादयति तं येव वाज तेति नं मते । देवानं हि यए वहुए अयए वहुए । गोयमा ।  
 नो यए वहुए अयए वहुए, वयाउ से अयए अयवत्तएने अयवत्त से यए अयवत्तमगे  
 अयोए नं योयमा । एमव्वमए पन्ने ॥॥ ॥ अयवत्त ये मते । एमव्वम अयवत्त-  
 एते वे एमव्वमपन्ना वाज एमव्वमपन्ना अयवत्तवत्तवत्त अयवत्तवत्त  
 वाज अयवत्तवत्तममवत्तवत्तए विव्वि विव्वि नं मते । अयवत्तवत्त विव्वि वावाई वा  
 वावाई वा अयवत्त विव्वि विव्वि वा करोति । नो इव्वे समे, ते केव्वेनं मते ।  
 एवं वुव्व एयवत्त नं एमव्वि वागावपन्ने वे एमव्वमपन्ना वाज विव्वि विव्वि

न सा पद्मादे देवी यत्तस्म रत्नो अतिर्य एयमर्द्धं सोऽग निमग्म दृष्टवृत्तं करयल  
 जाव एत चयासी-एयमेव देवाणुप्पिया । तद्देव्यं देवाणुप्पिया । अविहमेयं देवाणु-  
 प्पिया । असदितमेय देवाणुप्पिया । इच्छियमेय देवाणुप्पिया । पडिच्छियमेयं  
 देवाणुप्पिया । उच्छियपडिच्छियमेय देवाणुप्पिया । से जहेय तुज्जे वदहत्तिवृत्तं त  
 सुतिण मम्म पडिच्छइ पडिच्छिता यत्ते ग रत्ता अन्मणुत्ताया समाणी णाणामणिरयण  
 भत्तिनित्ताओ भद्दागणाओ अन्मुट्ठेइ अन्मुट्ठेत्ता अनुरियमन्वल जाव गईए जेणेव तए  
 सयणिजे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता सयणिज्जंति निसीयइ निसीइत्ता एवं  
 चयासी-मा मे से उत्तमे पद्माणे मग्गत्ते सुतिणे अजोहिं पानमुमिणेहिं पडिहम्मिस्सइत्तिवृत्तं  
 देवगुरुजणमग्गत्ताहिं पत्तत्ताहिं मग्गत्ताहिं धम्मियाहिं पद्दाहिं सुविणज्जागरियं पडिजा  
 गरमाणी २ विहरइ । तए ण से यत्ते राया कोट्टियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं  
 चयासी-रिप्पामेव भो देवाणुप्पिया । अज्ज सवित्तेस वाहिरिय उवट्ठाणमालं गधो  
 दयत्तिवृत्तं सयसमज्जिओवलित्तं गुग्गधपवरपचवत्तपुप्फोवयारकलियं कालागुरुपवरसुदुरक्क  
 जाव गधवट्ठिभूय करेइ य करावेइ य करेत्ता करावेत्ता सीद्दागण रयावेइ सीद्दासणं  
 रयावेत्ता ममेयं जाव पग्गप्पिणह, तए ण ते कोट्टियपुरिसे जाव पडिखुणेत्ता खिप्पा  
 मेव सवित्तेस वाहिरिय उवट्ठाणमाल जाव पग्गप्पिणति, तए ण से यत्ते राया पक्ख-  
 कालसमयसि सयणिज्जाओ अन्मुट्ठेइ सयणिज्जाओ अन्मुट्ठेत्ता पायपीटाओ पयोऋहइ  
 पायपीटाओ पयोऋहिता जेणेव अट्ठणसाला तेणेव उवागच्छइ २ ता अट्ठणसाल अणु-  
 पविसइ जहा उववाइए तहेव अट्ठणसाला तहेव मज्जगघरे जाव सत्तिव्व पियदसणे  
 नरवई मज्जगघराओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमिता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला  
 तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता सीद्दासणवरंति पुरच्छाभिमुहे निसीयइ निसी-  
 इत्ता अप्पणो उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए अट्ठ भद्दासणाइ सेयवत्थपच्चुत्थुयाइ तिद्धत्यग-  
 कयमगलोवयाराइ रयावेइ रयावेत्ता अप्पणो अदूरसामते णाणामणिरयणमडिय  
 अहियपेच्छणिज्जं महग्गधवरपट्ठणुग्गयं सण्हपट्ठवहुभत्तिसयचित्तताणं ईहामियउसम  
 जाव भत्तिचित्तं अर्द्धिभतरिय जवणिय अछावेइ अछावेत्ता णाणामणिरयणभत्तिचित्तं  
 अत्यरयमउयमसूरगोच्छग सेयवत्थपच्चुत्थुय अगसुहफासयं सुमउय पभावईए देवीए  
 भद्दासण रयावेइ रयावेत्ता कोट्टियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं चयासी-खिप्पामेव  
 भो देवाणुप्पिया । अट्ठगमहानिमित्तसुत्तत्थधारए विविहसत्थकुसले सुविणलक्खणपाठए  
 सद्दावेइ, तए ण ते कोट्टियपुरिसे जाव पडिखुणेत्ता वलस्स रत्नो अंतियाओ पडि-  
 निक्खमन्ति पडिनिक्खमिता सिग्घं तुरिय चवल चड वेइय हत्थिणापुरं नयरं मज्झं-  
 मज्झेण निग्गच्छति २ ता जेणेव तेसिं सुविणलक्खणपाठगाणं गिहाइं तेणेव उवाग-



पिया । पभावई देवी नवण्हं मामाण बहुपडिपुत्राणं जाव वीइकंताणं तुम्हं कुलकेउं  
जाव दारण पयाहिइ, सेउविय णं दारण उम्मुक्कबालभावे जाव रज्जवई राया भविस्सइ  
अणगारे वा भावियप्पा, तं ओराळे णं देवाणुपिया । पभावईए देवीए सुविणे दिट्ठे  
जाव ओरोग्गतुट्ठिदीहाउयकल्लण जाव दिट्ठे । तए णं से बले राया सुविणलक्खण  
पाढगाण अतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ करयल जाव कट्ठु ते सुविण  
लक्खणपाढगे एव वयासी-एवमेयं देवाणुपिया । जाव से जहेय तुम्हे वदहत्तिकट्ठु  
त सुविणं सम्म पडिच्छइ तं ० २ ता सुविणलक्खणपाढए विउलेणं, असणपाणखाइम  
साइमपुप्फवत्यगंधमल्लालंकारेण सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारेता सम्माणेता विउल जीवि  
यारिह पीइदाण दलयइ २ ता पडिविसजेइ पडिविसजेता सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ  
अब्भुट्ठेता जेणेव पभावई देवी तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता पभावई देवि  
ताहिं इट्ठाहिं कताहिं जाव सलवमाणे सलवमाणे एवं वयासी-एवं खलु देवाणुपिए ।  
सुविणसत्थंसि वायालीसं सुविणा तीसं महासुविणा वावत्तरिं सव्वसुविणा दिट्ठा, तत्थ  
ण देवाणुपिए । तित्थगरमायरो वा चक्कवट्ठिमायरो वा त चेव जाव अन्नयरं एण  
महासुविण पासित्ता ण पडिबुज्जति, इमे य ण तुमे देवाणुपिए । एगे महासुविणे  
दिट्ठे, तं ओराळे ण तुमे देवी । सुविणे दिट्ठे जाव रज्जवई राया भविस्सइ अणगारे  
वा भावियप्पा, त ओराळे ण तुमे देवी । सुविणे दिट्ठे जाव दिट्ठेत्तिकट्ठु पभावई देवि  
ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव दोषपि तच्चंपि अणुबूहइ, तए ण सा पभावई देवी बलस्स  
रत्तो अतिय एयमट्ठ सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठं करयल जाव एवं वयासी-एवमेयं देवाणु  
पिया । जाव तं सुविणं सम्म पडिच्छइ तं सुविणं सम्म पडिच्छिता बलेण रत्ता  
अब्भणुत्ताया समाणी नाणामणिरयणभत्तिचित्त जाव अब्भुट्ठेइ अतुरियमचवल जाव  
गईए जेणेव सए भवणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता सय भवणमणुपविट्ठा ।  
तए ण सा पभावई देवी ण्हाया सव्वालक्कारविभूसिया त गव्वं णाइसीएहिं नाइ-  
उण्हेहिं नाइतित्तेहिं नाइकट्ठएहिं नाइकसाएहिं नाइअविलेहिं नाइमहुरेहिं उउब्भय  
माणसुहेहिं भोयणच्छायणगंधमल्लेहिं ज तस्स गव्वस्स हिय मिय पत्थ गव्वभोसण  
त देसे य काले य आहारमाहारेमाणी विवित्तमउएहिं सयणासणेहिं पइरिक्कसुहाए  
मणाणुकूलाए विहारभूमीए पसत्थदोहला सपुज्जदोहला सम्माणियदोहला अवमाणिय-  
दोहला वोच्छिज्जदोहला विणीयदोहला ववगयरोगसोगमोहभयपरित्तासा त गव्वं  
सुहंसुहेण परिवहइ । तए ण सा पभावई देवी नवण्हं मासागं बहुपडिपुत्राणं अट्ठ-  
माण राईदियाण वीइकताण सुकुमालपाणिपाय अहीणपडिपुत्रपंचिदियसरीरं लक्खण-  
वज्जणगुणोववेय जाव सत्तिसोमाकारं कंतं पियदंसणं सुख दारयं पयाया । तए णं

अहन्ति तेभ्यः कथापच्छिन्ना तं हनिष्यन्त्यपराधाय सदावेति । तत् न ते हनिष्य-  
न्त्यपराधाय कथं रक्षो भोज्यमिषपुरिसेति सहायिया समाधा दृष्टुं नाना-  
सौत विद्यायाहिरवादिवाक्यमन्त्रमुखाया सपुत्रि १ पित्रेति ते निम्नार्थेति स १  
ता हस्तिनापुरं नगरं मज्जिमज्जोत्तं केनेव बन्धस्त रक्षो मन्त्रवरवर्धेतत् तमेव कथा-  
पच्छिन्ति तेनेव कथापच्छिन्ना मन्त्रवरवर्धेतत्पवित्रुर्वाति द्वाभ्यो निर्वर्ति एवमो  
मिक्षिता केनेव वाहिरिया उपश्रुन्ताम् केनेव बन्धे राजा तेनेव कथापच्छिन्ति तेनेव  
कथापच्छिन्ना कथं कथं तन्म कथं विवर्णं नदार्थेति । तत् न ते हनिष्यन्त्यपरा-  
धाय कथं रक्षा वंशिनः कथापच्छिन्नायसम्माक्षिन्ना समाधा पतेव १ पुष्पवर्धेत  
मन्त्रवेत्ति मिषीवेति तत् न ते बन्धे राजा पमावर्धं बन्धे कथमिदंनरैरे मन्त्रे ठविता  
पुष्पवर्धेतपुष्पवर्धेत परेन निम्नार्थे ते हनिष्यन्त्यपराधाय एव कथापच्छिन्ना-एव कथं  
वेत्तुपिम्ना । पमावर्धं वेत्ती अत्र तंति तारितुमंति वासवर्धंति वाव चीर्द हनिष्ये  
पातिता न पवित्रुर्वा तन्म वेत्तुपिम्ना । एवस्त ओपच्छिन्ना वाव के मन्त्रे कथं  
पच्छिन्तिवेत्ते मन्त्रिस्तत् । तत् न ते हनिष्यन्त्यपराधाय कथं रक्षो मन्त्रिं एव-  
मन्त्रं छेवा निम्नम् दृष्टुं तं हनिष्यं ओपच्छिन्ति १ ता ईर्द कथुपिच्छिन्ति कथुपि-  
मिक्षिता तस्स हनिष्यत्त अतोमन्त्रं करंति तस्स १ ता अन्नमन्त्रं तद्वि वंशार्थेति  
१ ता तस्स हनिष्यत्त कथं पवित्रुर्वा पुच्छिन्ना निम्नार्थेति अमिगन्तु कथं  
रक्षो पुरतो हनिष्यत्तार्थं कथारेमाला १ एव कथापच्छिन्ना-एव कथं वेत्तुपिम्ना । कथं  
हनिष्यत्तार्थं कथापच्छिन्ना हनिष्यत्तार्थं महाहनिष्यत्तार्थं वावर्धंति तन्महनिष्यत्तार्थं  
वेत्तुपिम्ना । तिरस्करमानरो वा कथमिदंनरैरे वा तिरस्कारंति वा कथमिदंति वा  
मन्त्रं कथममार्थंति एवमिदं तौताए महाहनिष्यत्तार्थं इमे नोत्त महाहनिष्यत्तार्थं पातिता न  
पवित्रुर्वाति तंनद्वि-गन्त्रवर्धेततद्विहन्मिदंनरैरेमन्त्रमिदंनरैरे मन्त्रं हन्म । पञ्चमत्त-  
रापच्छिन्नामन्त्रवरवर्धेतपुष्पवर्धेतत् न १४ ॥ १ ॥ वावर्धेतमानरो वा वावर्धेत  
मन्त्रं कथममार्थंति एवमिदं नोत्तार्थं महाहनिष्यत्तार्थं कथमिदं सत् महाहनिष्यत्तार्थं  
न पवित्रुर्वाति कथमिदंनरैरे वा कथमिदंति मन्त्रं कथममार्थंति एवमिदं नोत्तार्थं  
महाहनिष्यत्तार्थं कथमिदं नोत्तार्थं महाहनिष्यत्तार्थं पातिता न पवित्रुर्वाति मन्त्रमिदंनरैरे  
वा मन्त्रमिदंति मन्त्रं कथममार्थंति एवमिदं नोत्तार्थं महाहनिष्यत्तार्थं कथमिदं एव  
महाहनिष्यत्तार्थं पातिता न पवित्रुर्वाति इमे न न वेत्तुपिम्ना । पमावर्धं वेत्ती एव  
महाहनिष्यत्तार्थं वेत्ती, तं ओपच्छिन्ना न वेत्तुपिम्ना । पमावर्धं वेत्ती हनिष्यत्तार्थं वेत्ती  
आरोमन्त्रमिदं वाव मन्त्रमिदंनरैरे न वेत्तुपिम्ना । पमावर्धं वेत्ती हनिष्यत्तार्थं वेत्ती  
अत्तकामो वेत्तुपिम्ना । मन्त्रं पुत्र रक्षकमो वेत्तुपिम्ना । एव कथं वेत्तु-

रणो पुते पभापदेण देवीए अताए तं होउ णं अम्हं एयस्स दारगम्म नामभेज्ज  
महच्चले, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामभेज्जं करेति महच्चलेति । तए  
ण से महच्चले दारए पंचभाईपरिगगहिए, तजहा-ग्रीरधादेण एं जहा दउपदेमे  
जाव निवायनिव्वाघायंति मुहंशुदेण परिगद्ध । तए णं तस्म महच्चलस्स दारगस्स  
अम्मापियरो अणुपुब्बेण ठिइत्थियं वा नइसूरदंभाणियं वा जागगिय वा नामकरं  
वा पंगगमण वा पयचरामण वा जेमा(म)वण वा पिउयइण वा पंगगाण वा पंग-  
वेहण वा सौत्तरपट्टिदेहण वा नीलोयण वा उयगयणं वा शग्गाणि य वट्ठि  
गम्भाहाणजम्मणमाइयाई फोउयाई करेति । तए ण त महच्चलं कुमारं अम्मापियरो  
साइरेगट्ठरामण जाणित्ता गोभणसि निहिक्करणमुहुत्तति एवं जहा दउपदेमे जाव  
अल भोगगमत्ये जाए यायि होत्वा । तए ण त महच्चलं कुमारं उम्मुवात्तभावं  
जाव अल भोगगमत्यं निजाणित्ता अम्मापियरो अट्ट पानायवट्टंमए करेति  
अब्भुग्गयमूसियपहसिए इव वन्नओ जहा रायप्पसेणइज्जे जाव पटिरुवे, तेति णं  
पासायवट्टंसगाण बहुमज्जदेगभाए एत्य ण महेग भवण करेति अणेगगमगयमूनि  
विट्ठ वन्नओ जहा रायप्पसेणइज्जे पेच्छापरमंउवति जाव पटिरुवे ॥ ६०८ ॥ तए  
ण त महच्चल कुमार अम्मापियरो अन्नया कयाइ गोभणसि निहिक्करणदिचननकम-  
त्तमुहुत्तसि ण्हाय सव्वालकारविभूतियं पमक्काणगण्ढाणगीयवाइयपमाहणट्टगनित्ग-  
करणअविहववहुउवणीय मगलमुजपिएहि य वरकोउयमगलोयारकयसतिस्म मरि-  
सियाणं सरित्तयाण मरिक्कयाण सरिमलावत्तवजोव्वणगुगोव्वेयाण विणीयाण सरि-  
सएहिं रायइलेहिंतो आणित्तियाण अट्टण्ह रायवरक्काण एगदिवसेग पाणिं गिण्हा-  
विंसु । तए ण तस्स महावलस्स कुमारस्स अम्मापियरो अयमेयारुत्त पीइदाणं  
दलयति त०-अट्ट हिरज्जोडीओ अट्ट सुवन्नोडीओ अट्ट मउटे मउडप्पवरे अट्ट  
कुंडलजोए कुंडलजोयप्पवरे अट्ट हारे हारप्पवरे अट्ट अद्धहारे अद्धहारप्पवरे अट्ट  
एगावलीओ एगावलिप्पवराओ एव मुक्तावलीओ एवं कणगावलीओ एव रयणावलीओ  
अट्ट कडगजोए कडगजोयप्पवरे एवं तुडियजोए अट्ट सोमजुयलाइ सोमजुयल्प्पव-  
राइ एव वडगजुयलाइ एव पट्टजुयलाइ एव दुग्गुजुयलाइ अट्ट सिरीओ अट्ट हिरीओ  
एव धिईओ किंतीओ युद्धीओ लच्छीओ अट्ट नदाइ अट्ट भद्दाइ अट्ट तले तलप्पवरे  
सव्वरयणामए णियगवरभवणकेळ अट्ट झए झयप्पवरे अट्ट वए वयप्पवरे दसगो-  
साहस्सिएण वएणं अट्ट नाडगाइ नाडगप्पवराइ वत्तीमवद्धेण नाडएण अट्ट आसे  
आसप्पवरे सव्वरयणामए सिरिधरपडिरुवए अट्ट हत्थी हत्थियप्पवरे सव्वरयणामए  
सिरिधरपडिरुवए अट्ट जाणाइ जाणप्पवराइ अट्ट जुग्गाइ जुग्गप्पवराइ एवं सिविवाओ





पञ्चओ जहा केमिसामिस्स जाव पचाहि अणगारमाएहिं मदिं सपरिवुडे पुच्चाणुपुत्ति  
 चरमाणे गामाणुगामं दृढजमाणे जेणेव हत्थिणापुरे नयरे जेणेव सहस्रववणे उज्जाणे  
 तेणेव उवागच्छइ २ ता अहापडिस्सं उग्गह ओगिण्हइ २ ता सजमेग तवसा  
 अप्पाण भावेमाणे विहरइ । तए ण हत्थिणापुरे नयरे मिंघाउगनिय जाव परिता  
 पज्जुवासइ । तए ण तस्स महव्वलस्स कुमारस्स त महया जणगह वा जगवूह वा  
 एव जहा जमाली तहेव चिंता तहेव कचुइज्जपुरिस्स सदावेइ, कचुइज्जपुरिसोमि तहेव  
 अयखाइ, नवर धम्मघोसस्स अणगारस्स आगमणगहियविणिच्छए करयल जाव  
 निग्गच्छइ, एवं रालु देवाणुप्पिया । विमलस्स अरहओ पउप्पए धम्मघोसे नाम  
 अणगारे सेसं त चेव जाव सोवि तहेव रहवरेण निग्गच्छइ, धम्मकहा जहा  
 केसिसामिस्स, सोवि तहेव अम्मापियरो आपुच्छइ, नयरं धम्मघोसस्स अणगारस्स  
 अतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइत्तए तहेव उतपडियुत्तया नवरं  
 इमाओ य ते जाया विउलरायवुलगालियाओ कला० सेसं त चेव जाव ताहे  
 अकामाइ चेव महव्वलकुमार एव वयासी-त इच्छामो ते जाया । एगदिवसमवि  
 रज्जसिंरिं पासित्तए, तए ण से महव्वले कुमारे अम्मापियराण वयणमणुयत्तमाणे  
 तुत्तिणीए सचिद्धइ । तए ण से वले राया कोडुवियपुरिसे सदावेइ एव जहा सिव-  
 भइस्स तहेव रायाभिसेओ भाणियव्यो जाव अभिमिंचइ २ ता करयलपरिग्गहिय  
 महव्वल कुमार जएण विजएण वद्धावेति जएण विजएण वद्धाविता एव वयासी-  
 भण जाया । किं देमो किं पयच्छामो सेस जहा जमालिस्स तहेव जाव तए ण से  
 महव्वले अणगारे धम्मघोसस्स अणगारस्स अतिय सामाड्यमाइयाइ चोइस्स पुच्चाइं  
 अहिज्जइ २ ता बहहिं चउत्तय जाव विचित्तेहिं तवोक्कमेहिं अप्पाण भावेमाणे  
 बहुपडिपुज्जाइं दुवालस वासाइ सामजपरियाग पाउणइ २ ता मात्थियाए सलेहणाए  
 सट्ठिं भत्ताइ अणसणाए छेदेइ २ ता आलोइयपडिक्खते समाहिपत्ते कालमासे काल किंचा  
 उभू चदिमसूरिय जहा अम्मडो जाव वमलोए कप्पे देवत्ताए उववत्ते, तत्थ ण अत्थे-  
 गइयाग देवाण दस सागरोवमाइ ठिई पण्णत्ता, तत्थ ण महव्वलस्सवि देवस्स दस  
 सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, से ण तुम सुदसणा । वमलोए कप्पे दस सागरोवमाइं  
 दिव्वाइ भोगभोगाई भुजमाणे विहरित्ता ताओ चेव देवलोगाओ आउक्खएण ३  
 अणतरं चय चइत्ता इहेव वाणियगामे नयरे सेट्ठिकुलसि पुत्तत्ताए पचायाए ॥४३०॥  
 तए ण तुमे सुदसणा । उम्मुक्खवालभावेण विज्ञायपरिणयमेत्तेण जोव्वणगमणुप्पत्तेणं  
 तद्धारुवाग थेराण अतिर्यं केवलपन्नते धम्मे निसत्ते, सेऽविय धम्मे इच्छिए पडि-  
 च्छिए अभिरुइए त सुट्ठं ण तुम सुदसणा । इदाणिं पकरेसि । से तेणट्ठेण सुदसणा ।



अम्ह एव आइक्खइ जाव परूवेइ-देवलोएसु ण अज्जो ! देवाणं जहन्नेण दस वासस  
हस्साइ ठिई पत्ता तेण परं समयाहिया जाव तेण पर वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा  
य, से कहमेय भते ! एव ? अज्जोत्ति समणे भगव महावीरे ते समणोवासए एवं  
वयासी-जन्म अज्जो ! इसिभद्दुत्ते समणोवासए तुब्भ एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-  
देवलोगेसु ण अज्जो ! देवाणं जहन्नेण दस वाससहस्साइ ठिई पत्ता तेण पर सम  
याहिया जाव तेण पर वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, सच्चे ण एसमट्ठे, अह पुण  
अज्जो ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-देवलोगेसु ण अज्जो ! देवाणं जहन्नेण दस  
वाससहस्साइ त चेव जाव तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, सच्चे ण एसमट्ठे ।  
तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय एयमट्ठ सोच्चा  
निसम्म समणं भगव महावीरं वंदन्ति नमसन्ति व० १ ता जेणेव इसिभद्दुत्ते समणो-  
वासए तेणेव उवागच्छन्ति २ ता इसिभद्दुत्त समणोवासग वदति नमंसति व० २ ता  
एयमट्ठ सम्म विणएण भुज्जो २ खामेति । तए णं ते समणोवासगा पत्तिणाइ पुच्छंति  
२ ता अट्ठाइ परियादियनि अ० २ ता समण भगव महावीरं वदन्ति नमसति व०  
२ ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ ४३३ ॥ भतेत्ति भगवं  
गोयमे समण भगव महावीरं वंदइ णमंसइ व० २ ता एव वयासी-पभू णं भंते !  
इसिभद्दुत्ते समणोवासए देवाणुप्पियाणं अतिय मुंडे भविता अगाराओ अणगारिय  
पव्वइत्तए ? गोयमा । णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा । इसिभद्दुत्ते ण समणोवासए वट्ठहिं  
सीलव्वयगुणवयवेरमणपक्खत्ताणपोसहोववासेहिं अहापरिग्गहिणहिं तवोक्कमेहिं  
अप्पाण भावेमाणे बट्ठइ वासाइ समणोवासगपरियागं पाउणिहिइ व० २ ता मासि-  
याए सलेहणाए अत्ताण झुसेहिइ मा० २ ता सट्ठि भत्ताइ अणसणाए छेदेहिइ २ ता  
आलोइयपडिक्कते समाहिपत्ते कालमासे काल किच्चा सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे  
देवताए उववज्जिहिइ, तत्थ णं अत्येगइयाण देवाणं चत्तारि पल्लिओवमाइ ठिई प०,  
तत्थ ण इसिभद्दुत्तस्सवि देवस्स चत्तारि पल्लिओवमाइ ठिई भविस्सइ । से ण भते !  
इसिभद्दुत्ते देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएण भवक्खएणं ठिइक्खएण जाव कहिं  
उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्जिहिइ जाव अत काहिइ । सेव भते !  
सेवं भंते ! ति भगवं गोयमे जाव अप्पाण भावेमाणे विहरइ ॥ ४३४ ॥ तए ण समणे  
भगवं महावीरे अज्जया कयाइ आलंभियाओ नयरीओ संखवणाओ उज्जाणाओ पडि-  
निक्खमइ पडिनिक्खमिता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेण तेणं समएण  
आलभिया नाम नयरी होत्था वज्जओ, तत्थ णं संखवणे णाम उज्जाणे होत्था वज्जओ,  
त्तस्स ण संखवणस्स उज्जाणस्स अबूरसामते पोग्गले नाम परिव्वायए परिवसइ रिउ-

एवं बुद्ध-जति ये एतसि पक्षिभोऽसमसागरोऽस्यार्थं कथं वा कथयन्तु वा तएवं  
 तस्य चरित्तस्य संहितस्य समस्तस्य मगधो महावीरस्य अतिर्य एवमर्हं सोऽन्वा  
 मिसम्पद्यते अन्वयवर्तमाने तुमेन परिणामेन ईसाहि निष्पन्नमाणीहि तयावरमि-  
 आनं कम्मत्तं कम्मोत्तमेनै ईहापोऽसमसागरोऽस्यार्थं करिमाणस्य सन्निपुण्यवर्तमाने  
 समुप्यये एवमर्हं कम्मं अभिसमेष्ट, तएवं से चरित्तमे सेष्टी सममेनं मगधवा  
 महावीर्यं समारिपुण्यमने बुद्धाणीयसुसंमिगे आनर्हत्तुपुण्यमने समनं मय्यं  
 महावीरं विष्णुतो वा १ बंदरु नर्मसंत्तं २ ता एवं वयासी-एवमेवं मते । आन से  
 जहेवं तुप्ये बरहतिष्ठु जतपुत्तियमे विहीमार्गं जनकमर्हं सेवं जहा उचमइत्तस्य  
 आन समुत्तुक्कप्यहिंसे नरं बोहं पुण्णार्हं जहिज्ज, बुद्धपत्तिपुण्णार्हं बुद्धात्त  
 वात्ताई चामत्तपरिवायं पाठकः सेवं सं चेव । सेवं मते । सेवं मते । पि ४२११७  
 महम्मसो समत्तो ॥ एगारसमे सए एगारसमो जहेसो समत्तो ॥

तेनं कथमेवं तेनं समएवं कथमिहा नाम नवरी होत्वा नवमे संकल्पे तज्जाये  
 वज्जहे तस्य नं कथमिहा नवरीए वज्जहे इतिमत्तुत्तपुत्तियमे समन्तोत्तमया  
 परिचरति अन्वा वात्त अपरिचरति अभियन्तरीवार्त्ता वात्त विहरति । तएवं सेति  
 समन्तोत्तमया वात्त कथाए एवमेवं सज्जियार्थं समुत्तमया चंति(समु)विह्वलं  
 सज्जिचत्तार्थं अवमेवज्जहे विह्वो कथासुत्तमया समुत्तमया-वज्जमेगेत्तु नं अज्जो ।  
 विवाचं वेवज्जं कथं विह्वं पण्णत्ता । तएवं से इतिमत्तुत्तये समन्तोत्तमया देवविह्वलं  
 से समन्तोत्तमया एवं वयासी-देवमेवेत्तु नं अज्जो । विवाचं कथात्तं वज्जवात्तहत्तार्थं  
 विह्वं पण्णत्ता तेन परं समवाहिवा बुद्धमवाहिवा वात्त वज्जमवाहिवा संवेज्जम-  
 वाहिवा असेवेज्जमवाहिवा सज्जमेवेवं सेत्तसं सागरोत्तमया विह्वं पण्णत्ता तेन परं  
 बोधित्ता विवाचं वेवज्जमेवा न । तएवं से समन्तोत्तमया इतिमत्तुत्तस्य समन्तो-  
 त्तमया एवमर्हं कथमस्य वात्त एवं पण्णत्तास्य एवमर्हं नो संहति नो पति-  
 वति नो रोवति एवमर्हं अण्णत्तमया अपत्तिमया अरोत्तमया कथमेवं विह्वं  
 पाठकमया तामेव विह्वं पण्णत्ता ॥ ४३२ ॥ तेनं कथमेवं तेनं समएवं सममे  
 मय्यं महावीरं वात्त सयोचहे वात्त परिचा पण्णत्तास्य । तएवं से समन्तोत्तमया  
 इमीसे कथाए कथं समाणा इत्तमया एवं जहा तुमिलैसए वात्त पण्णत्तं । तएवं  
 नं सममे मय्यं महावीरं सेति समन्तोत्तमया तौरी न महं कम्मत्तं वात्त  
 आनाए आण्णत्तं मय्यं । तएवं से समन्तोत्तमया समस्तस्य मगधो महावीरस्य  
 अतिर्यं कम्मं सोऽन्वा मिसम्पद्यते अन्वयवर्तमाने बुद्धाणीयसुसंमिगे आनर्हत्तुपुण्यमने  
 बंदन्ति नर्मसंत्तं २ ता एवं वयासी-एवं कथं मते । इतिमत्तुत्तये समन्तोत्तमया

सखे १ जग्रति २ पुढवी ३ पोग्गल ४ अहवाय ५ राहु ६ लोणे य ७ । नागे  
य ८ देव ९ आया १० वारसमसए दंसुदेसा ॥ १ ॥ तेण कालेण तेण समएण  
सावत्थी नाम नयरी होत्था वज्जओ, कोट्टए उज्जाणे वज्जओ, तत्थ ण सावत्थीए  
नयरीए वहवे सखप्पामोक्त्वा समणोवासगा परिवसति, अङ्गा जाव अपरिभूया  
अभिगयजीवाजीवा जाव विहरंति, तस्स ण सखस्स समणोवासगस्स उप्पला नामं  
भारिया होत्था, सुकुमाल जाव सुखा समणोवासिया अभिगयजीवाजीवा जाव विह-  
रइ, तत्थ ण सावत्थीए नयरीए पोक्खली नाम समणोवासए परिवसइ अङ्गे अभि-  
गय जाव विहरइ, तेण कालेण तेण समएण सामी समोसडे परिसा निग्गया जाव  
पज्जुवासइ, तए ण ते समणोवासगा इमीसे कहाए जहा आलंभियाए जाव पज्जु-  
वासन्ति, तए णं समणे भगव महावीरं तेसिं 'समणोवासगाण तीसे य महइ०  
धम्मकहा जाव परिसा पडिगया, तए ण ते समणोवासगा समणस्स भगवओ  
महावीरस्स अतिय धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वदति  
नमसति व० २ ता पसिणाइ पुच्छति २ ता अट्ठाई परियादियति अ० २ ता उट्ठाए  
उट्ठेति उ० २ ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अतियाओ कोट्टयाओ उज्जाणाओ  
पडिनिक्खमन्ति २ ता जेणेव सावत्थी नयरी तेणेव पहारेत्थं गमणाए ॥ ४३६ ॥  
तए णं से सखे समणोवासए ते समणोवासए एव वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया ।  
विउलं असण पाण खाइम साइम उवक्खडावेह, तए ण अम्हे तं विपुलं असण  
पाण खाइम साइम आसाएमाणा विस्साएमाणा परिभुंजेमाणा परिभाएमाणा पक्खिय  
पोसह पडिजागरमाणा विहरिस्सामो, तए ण ते समणोवासगा सखस्स समणोवा-  
सगस्स एयमट्ठ विणएण पडिमुणति, तए ण तस्स संखस्स समणोवासगस्स अग्रमे-  
याहवे अवभत्थिए जाव समुप्पज्जित्या-नो खलु मे सेय तं विउल असण जाव  
साइम आसाएमाणस्स ४ पक्खिय पोसह पडिजागरमाणस्स विहरित्तए, सेय खलु  
मे पोसहसालाए पोसहियस्स बभयारिस्स उम्मुक्कमणिमुवज्जस्स ववगयमालावज्जग-  
विलेवणस्स निक्खित्तसत्थमुसलस्स एगस्स अविइयस्स दब्भसंथारोवगयस्स पक्खियं  
पोसह पडिजागरमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्ठु एवं सपेहेइ २ ता जेणेव सावत्थी नयरी  
जेणेव सए मिं उप्पला समणोवा-  
समणोवासि, ता जेणेव पोस-  
२५ ॥ ४३७ ॥ पमज्ज-  
सथरइ दब्भ-  
१ उवागच्छइ २ ता उप्पलं  
१ उवागच्छइ २ ता पोस-  
उच्चारपासवणभूमि पडि-  
१५५१५ दुरुहइ २ ता

स्वैरजसुमेय आच नपुत्र उपरिनिष्ठिपु लठुंजनेन अमिनिशोलेन तन्नेष्टमेन तर्ह  
 बाह्यो आच आचामेमाये निहर । तपु च तस्त येमयस्तस लठुंजनेन आच  
 आचामेमायस्त पयमहापु जहा विवस्त आच निमि नाम अचाने समुप्यने से  
 ने तेन निमिने अचानेने समुप्यनेने नमयेपु कप्ये देवान् दिई आच कसह । तपु  
 च तस्त येमयस्तस परिमयस्तस अचामेमाये अचमिवापु आच समुप्यमिता-  
 अचि च ममे अष्टेसे नापरंसेने समुप्यने देवकोपुत च देवान् अचनेन वसवास  
 चहस्तार् दिई प तेन परं सममाहिवा इयममाहिवा आच अचनेनसममाहिवा  
 अचनेने वसवातरोनार् दिई प तेन परं बोधिवा देवा च देवकोपा च एवं  
 सेपेहे १ ता आचकनभूमीने पचोयह आ २ ता तिईडुंजिया आच  
 वातरतामे च मेवह १ ता केमेव आचमिवा अचरी केमेव परिमयस्तसह  
 सेमेव उवापकह १ ता मंडमिक्नेने करोह म १ ता आचमिवापु अचरीपु  
 सिवाडग आच पहेड अचमयस्तस एवमाहकह आच फसेह-अचि च देवापुमिवा ।  
 ममे अष्टेसे नापरंसेने समुप्यने देवकोपुत च देवान् अचनेन वसवासचहस्तार्  
 तहेव आच बोधिवा देवा च देवकोपा च । तपु च आचमिवापु अचरीपु एवम  
 अमिनिनेन जहा विवस्त तं केव आच से अचनेन ममे एवं । चामी समोखे आच  
 परेसा पविमय मयन गोत्रमे तहेव मिक्पावरिवापु तहेव अचमयस्तस निमनेह  
 तहेव अचमयस्तस निमनेता तहेन अचने ममिक्नेन आच अहं पुच बोक्मा । एवं  
 अचमयस्तस एवं मममि आच फसेमि-देवकोपुत च देवान् अचनेने वस-वास  
 चहस्तार् दिई पचता तेन परं सममाहिवा इयममाहिवा आच अचनेने सेतीत  
 वाकरोक्नार् दिई कचता तेन परं बोधिवा देवा च देवकोपा च । अचि च  
 मेते । अष्टमे कप्ये इमार् वचनार्पि अचनार्पि तहेव आच इता अचि एवं  
 ईचानेने एवं आच अचपु, एवं मेवेअमिवावेनु अचुतारमिवावेनु ईतिपम्यारपुमि  
 आच इता अचि तपु च सा महाइमाहिवा आच पविमया तपु च अचमिवापु  
 अचरीपु सिवाडपुतिव अचनेने जहा विवस्त आच अचमयस्तसहने नवरं तिईड  
 इडिने आच वातरतावरपुतिपु परिमयमिमेने आचमिने नवरं मयमयसेने  
 निमयस्तस आच उचरपुतिपुमि ईसीमार् अचमय १ ता तिईड इडिने च जहा  
 अचने आच पचमये सेने जहा विवस्त आच अचमयार् चोक्नं अचमयति तासय  
 मिया । एवं मेते । १ ति ॥ ४१५ ॥ एवमरसमे तपु वाचामो अष्टेसो  
 समतो एवमरसमे सयं समते ॥

दृव्यमागच्छइ । तए णं ते समणोवासगा तं विटल अण ४ आगाएमाणा जाव  
 विहरति । तए णं तस्य सन्नस्य नमणोवासगस्स पुब्बरत्तावरत्तादाल्लमयत्ति  
 धम्मजागरिय जागरमाणस्स अयमेयास्वे जाव समुप्पज्जित्वा-सेय नल्ल मे क्ख  
 जाव जलते नमग भाव महावीरं वदित्ता नमज्जित्ता जाव पज्जुवात्तिता तओ  
 पडिनियत्तस्स पक्किय पोगह पारित्तएत्तिकहु एव संपेहेइ २ ता क्ख जाव जलते  
 पोसह्नालाओ पडिनिक्कामइ २ ता सुद्धप्पावेमाइ भगगाइ वत्थाइ पवरपरिहिण  
 सयाओ गिहाओ पडिनिक्कामइ सयाओ गिहाओ पडिनिक्कामित्ता पाचविहारचारेण  
 तावत्थि नयरिं मज्जमज्जेण जाव पज्जुवामइ, अभिगमो नत्थि । तए ण ते समणो-  
 वासगा क्ख पाटप्पभायाए जाव जलते प्हाया जाव सरिंरा सएहिं सएहिं नेहेहिंतो  
 पडिनिक्कवमत्ति २ ता एयओ मिलयंति २ ता सेस जहा पढन जाव पज्जुवात्ति ।  
 तए ण समणे भगव महावीरे तेसिं नमणोवासगाण तीने च धम्मम्हा जाव आणाए  
 आराहए भवइ । तए ण ते समणोवान्ता सनगस्स भावओ महावीरस्स अतिर्यं  
 धम्म नोया निसम्म हट्ठुट्ठा उट्ठाए उट्ठेति २ ता समण भगव महावीर वदति  
 नमसति व० २ ता जेणेव सखे नमणोवासए तेणेव उवागच्छन्ति २ ता सख  
 समणोवासग एवं वयासी-तुम देवाणुप्पिया ! हिज्जो अम्हे अप्पणा चेव एव वयासी-  
 तुम्हे णं देवाणुप्पिया ! विटल असणं जाव विहरिस्सामो, तए ण तुम पोमहसालाए  
 जाव विहरिण त सुट्ठु ण तुम देवाणुप्पिया ! अम्ह हीलनि, अज्जोत्ति समणे भगवं  
 महावीरे ते समणोवासए एव वयासी-मा ण अज्जे ! तुम्हे सख समणोवासग हीलह  
 निंदह विसह गरहह अवमन्नह, सखे णं समणोवासए पियधम्मे चेव ददधम्मे चेव  
 सुदक्खुजागरिय जागरिण ॥४३७॥ भतेत्ति भगव नोयमे समण भगव महावीर वदइ  
 नमसइ व० २ ता एव वयासी-कइविहा ण मते । जागरिया प० १ गोयमा ! निविहा  
 जागरिया प०, तजहा-बुद्धजागरिया, अबुद्धजागरिया, सुदक्खुजागरिया, से केणट्ठेण  
 भते ! एवं बुच्चइ ति विहा जागरिया प० तजहा-बुद्धजागरिया १ अबुद्धजागरिया २  
 सुदक्खुजागरिया ३ १ गोयमा । जे इमे अरिहता भगवतो उप्पन्नणाणदसणधरा जहा  
 स्रदए जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी एए ण बुद्धा बुद्धजागरिय जागरंति, जे इमे अणगारा  
 भगवंतो इरियासमिया भासासमिया जाव गुत्तवमयारी एए ण अबुद्धा अबुद्धजागरियं  
 जागरति, जे इमे समणोवासगा अभिगयजीवाजीवा जाव विहरन्ति एए ण सुदक्खु-  
 जागरिय जागरंति, से तेणट्ठेण गोयमा । एव बुच्चइ ति विहा जागरिया जाव सुदक्खु-  
 जागरिया ॥४३८॥ तए ण से सखे समणोवासए समण भगव महावीरं वदइ नमसइ  
 व० २ ता एव वयासी-कोहवसट्ठे ण भते ! जीवे किं वधइ किं पकरेइ किं विणाइ

न ते समनोवासाया धीमेव साधनीं नवरी धीमेव साई २ गिराई तेमेव उवागच्छति  
 २ ता विपुलं अचने पाथे काह्यं साह्यं उवकच्छावति २ ता मयमेव सहावति  
 न २ ता एवं वयासी-एवं यत्तु वैवालिपिया । अम्हेहिं ऐ निउठे अचनपापका  
 इमसाह्ये उवकच्छामिए, संखे व न समनोवासाए नो इयमामच्छा, तं सेव यत्तु  
 वैवालिपिया । अम्हं संखं समनोवासाय सहाविए । तए नं ऐ पोक्कली समनो-  
 वासाए ते समनोवासाए एवं वयासी-अच्छा नं तुय्मे वैवालिपिया । इयिन्नुवा  
 वीसत्ता अहं संखं समनोवासाय सहाविएतिपिच्छु तेहिं समनोवासायाय अंतिवाओ  
 पविनिक्कम्मइ २ ता सावनीए नमरीए मय्ममय्मोयं धीमेव संखस्स समनोवासा-  
 एस्स मिहे तेमेव उवागच्छा २ ता संखस्स समनोवासायस्स मिहं नजुगिहे । तए  
 नं सा उप्पमा समनोवासाया पोक्कलिं समनोवासायं एवमां पत्तइ २ तए  
 इत्तुत्तु आसणामो अप्पुत्तइ २ ता सत्तुम्माहं नजुगच्छा २ ता पोक्कलिं  
 समनोवासायं वंदइ मंसइ नं २ ता आसणेनं उवनिर्मसइ वा २ तए एवं वयासी-  
 संखिच्छु नं वैवालिपिया । निमागमपप्पमेव नं । तए नं ऐ पोक्कली समनो-  
 वासाए सप्पलं समनोवासायं एवं वयासी-अच्छं वैवालिपिए । संखे समनोवासाए ।  
 तए नं सा उप्पमा समनोवासाया पोक्कलिं समनोवासायं एवं वयासी-एवं यत्तु  
 वैवालिपिया । संखे समनोवासाए पोत्तइसाअए पोत्तइए वमवती वाव निहरइ ।  
 तए नं ऐ पोक्कली समनोवासाए धीमेव पोत्तइसाअ धीमेव संखे समनोवासाए  
 तेमेव उवागच्छा २ ता समनोवासाए पविदम्मइ व २ ता संखं समनोवासायं  
 वंदइ मंसइ नं २ ता एवं वयासी-एवं यत्तु वैवालिपिया । अम्हेहिं ऐ निउठे  
 अचन वाव साह्ये उवकच्छामिए तं गच्छाम्यो व वैवालिपिया । तं निउठं  
 अचने वाव साह्ये आसाएमात्ता वाव पविजागरमात्ता निहरामो तए नं ऐ  
 संखे समनोवासाए पोक्कलिं समनोवासायं एवं वयासी-नो यत्तु अप्पं मे वैवालि-  
 पिया । तं निउठं अचने पाथे काह्यं साह्ये आसाएमात्ता वाव पविजागरमा-  
 तस्स निहरिए, अप्पं मे पोत्तइसाअए पोत्तइवस्स वाव निहरिए, तं धीमेव  
 वैवालिपिया । तुय्मे तं निउठं अचने पाथे काह्यं साह्ये आसाएमात्ता वाव  
 निहरइ, तए नं ऐ पोक्कली समनोवासायं संखस्स समनोवासायस्स अंतिवाओ  
 पोत्तइसाअमो पविनिक्कम्मइ २ ता सावरीव नवरी मय्ममय्मोयं धीमेव ते समनो-  
 वासाया तेमेव उवागच्छा २ ता ते समनोवासाए एवं वयासी-एवं यत्तु वैवालिपिया ।  
 संखे समनोवासाए पोत्तइसाअए पोत्तइए वाव निहरइ, तं धीमेव वैवालिपिया ।  
 तुय्मे निउठं अचनपापकाह्यसाह्यं वाव निहरइ, संखे नं समनोवासाए नो



जयतीए समणोवासियाए उद्धि ण्हाया जाव सरीरा बहहिं पुज्जाहिं जाव अंतंडराओ  
 निगगच्छ २ ता जेणेव बाहिरिया उवट्टाणत्ताला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव  
 उवागच्छ २ ता जाव दुस्सडा । तए ण मा मियावडे देवी जयतीए समणोवासियाए मद्धि  
 धम्मिए जाणप्पवर दुस्सडा समाणी नियगपरियात्ता जहा उमभदत्तो जाव धम्मि  
 याओ जाणप्पवराओ पचोस्सह । तए ण सा मियावडे देवी जयतीए समणोवानियाए  
 सद्धि बहहिं पुज्जाहिं जहा उवाणदा जाव वदइ नममड उदायण रात्र पुरओ कट्टु  
 ठिडया चेव जाव पञ्चुवामइ । तए ण ममणे भगव महावीरे उदायणस्स रओ मिया  
 वडे देवीए जयतीए समणोवासियाए तीसे च महड ० जाव धम्म परिक्खेड जाव परित्ता  
 पटिया उदायणे पटिगए मियावडे देवीवि पटिगया ॥ ४४१ ॥ तए ण मा जयंती  
 समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अनिय धम्म गोया निसम्म हट्टुट्ठा  
 समण भगव महावीर वदइ नमसइव ० २ ता एव वयासी-कहन भते ! जीवा गच्छत्त  
 हव्वमाच्छन्ति ? जयती ! पाणाइवाएण जाव निच्छादंनणसत्तेण, एव गल जीवा  
 गरुत्त हव्वमागच्छति एव जहा पढमसए जाव वीईवयति । भवसिद्धियत्तण भते !  
 जीवाणे कि सभावओ परिणामओ ? जयती ! सभावओ नो परिणामओ । सव्वेवि ण  
 भते ! भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति ? हता जयती ! सव्वेवि ण भवसिद्धिया जीवा  
 सिज्झिस्सति । जइ ण भते ! सव्वेवि भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति नम्हा ण  
 भवनिद्धियविरहिए लोए भविस्सड ? णो इण्टे समट्ठे, से केण त्ताडएण अट्ठेण भते !  
 एव बुच्चड सव्वेवि ण भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति नो चेव ण भवसिद्धियविर-  
 हिए लोए भविस्सड ? जयती ! से जहानामए सव्वागानसेदी सिया अणाइया  
 अणवदग्गा परित्ता परिवुडा मा णं परमाणुपोगलमेत्तेहिं न्खडेहिं समए २ अवहीर-  
 माणी २ अणताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरड नो चेव ण अवहिया  
 सिया, से तेणट्ठेण जयती ! एव बुच्चइ सव्वेवि ण भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति  
 नो चेव ण भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सड ॥ नुत्तत भते ! साहू जागरियत्त  
 साहू ? जयती ! अत्येगइयाण जीवाण सुत्तत साहू अत्येगइयाण जीवाण जागरियत्त  
 साहू, से केणट्ठेण भते ! एव बुच्चइ अत्येगइयाण जाव साहू ? जयती ! जे इमे  
 जीवा अहम्मिया अहम्माणया अहम्मिद्धा अहम्मक्खाइ अहम्मपलोडे अहम्मपल्-  
 जमाणा अहम्मसमुदायारा अहम्मेण चेव वित्ति कप्पेमाणा विहरंति एएत्ति ण  
 जीवाण सुत्तत साहू, एए ण जीवा सुत्ता समाणा नो बहूण पाणभूयजीवसत्ताण  
 दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए वट्ठति, एए ण जीवा सुत्ता समाणा  
 अप्पाण वा परं वा तदुभय वा नो बहूहिं अहम्मियाहिं सजोयणाहिं सजोएतारो

ति वचनिकाः । संया । बोद्धव्यं च जीवे आत्मनश्चात्मा सत्त कम्मपयसीओ  
 तिहिकर्त्तव्यपमकदाओ एवं जहा पदमसुए अर्धमुहस्त अमपारस्त जाव अनुपरियद्द ।  
 माववसुहे नं जति । जीवे एवं येव । एवं मावावसीणि एवं बोमवसीणि वाव अनु  
 परियद्द । तए नं ते समभोवासणा समपस्त भगवन्ने महावीरस्त अतिनं कम्म  
 सोवा मिसम्म मीया तत्ता तसिया संसारमदम्मिया समर्थ भगवं महावीरं वेदंति नय-  
 संति वं १ ता केवेव संखे समभोवासए तेवेव उवायच्छंति १ ता संखं समभोवासवं  
 वेदंति नयसंति वं १ ता एवमं समं निमएवं मुज्जे १ कामंति । तए नं ते  
 समभोवासया हेवं जहा अम्मं निमए वाव पडिमवा भति । ति भयवं गोममे समवं  
 भयवं महावीरं वेदं नयसं वं १ ता एवं ववासी-यमू नं जेते । संखे समभोवासए  
 वेवावुप्पियावं अतिनं हेवं जहा इविमएउत्तस वाव अंतं वद्वि । हेवं भति । हेवं  
 भति । ति वाव विहर ॥ ४२९ ॥ वारहमे सए पडमो जहेसो समत्तो ॥

तेवं वजेवं तेवं समएवं कोसंवी नामं वयरी होत्वा वचमो वंछे(उपव)क्तरवै  
 जजामे वचमो तए नं कोसंवीए वयरीए सहस्वाचीयस्स एवो मोत्ते ववाचीयस्स  
 एवो पुत्ते वजयस्स एवो नत्तए मिगवईए देवीए अत्तए जयंटीए समभोवातिवाए  
 मतिजए उवायव नामं राया होत्वा वचमो तए नं कोसंवीए वयरीए सहस्वाचीयस्स  
 एवो पुत्ता ववाचीयस्स एवो मजा वजयस्स एवो पूवा उवायवस्स एवो मावा जयंटीए  
 समभोवातिवाए आदजा मिवावी नामं देवी होत्वा वचमो पुमाव वाव पुवा  
 समभोवातिव वाव विहर, तए नं कोसंवीए वयरीए सहस्वाचीयस्स एवो पूवा  
 ववाचीयस्स एवो ममिची उवायवस्स एवो विहरता मिगवईए देवीए नयंवा  
 वेवावीवाववाचं अरंटावं पुज्जमिज्जायपी जयंटी नामं समभोवातिव होत्वा पु-  
 माव वाव पुवा अभिमय वाव विहर ॥ ४३० ॥ तेवं वजेवं तेवं समएवं छात्री  
 समोसई वाव वरिता वज्जवात्त । तए नं ते उवायवै राया इमंते वहाए नयंते  
 समाने इहपुत्ते कोट्टुविमपुरिसे उवावै १ ता एवं ववासी विज्जमेव ओ वेवावुप्पिया ।  
 कोट्टुवि नवरि तम्मिगरवाहिरीवं एवं जहा वृजिओ तदेव वचं वाव वज्जवात्त । तए  
 नं ता जयंटी समभोवातिवा इवीसे वहाए वज्जु समानी इहपुत्त केवेव मिगवई देवी  
 उवाव उवायवत्त १ ता मिगवई देवि एवं ववासी-एवं जहा नयमत्त वचमहात्ते  
 वाव अरिस्स । तए नं ता मिगवई देवी जयंटीए समभोवातिवाए जहा देवावरा  
 वाव वरिउमेव । तए नं ता मिगवई देवी कोट्टुविमपुरिसे उवावै १ ता एवं  
 ववासी मिगवव ओ वेवावुप्पिया । अनुवरणवृणाओइए वाव अभिमय वावववई  
 उवावव वज्जुवै वव वज्जुवेदंति वाव ववपिबंति । तए नं ता मिगवई देवी

जयतीए समणोवासियाए सद्धि ण्हाया जाव सरीरा बहूहिं गुज्जाहिं जाव अतेउराओ  
 निग्गच्छइ २ ता जेणेव धाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव  
 उवागच्छइ २ ता जाव दुरुडा । तए ण सा मियावई देवी जयतीए समणोवासियाए सद्धि  
 धम्मिय जाणप्पवर दुरुडा समाणी नियगपरियालगा जहा उसमदत्तो जाव धम्मि-  
 याओ जाणप्पवराओ पचोरुहइ । तए ण सा मियावई देवी जयतीए समणोवासियाए  
 सद्धि बहूहिं गुज्जाहिं जहा देवाणदा जाव वदइ नमसइ उदायण राय पुरओ कट्ठ  
 ठिइया चेव जाव पज्जुवासइ । तए ण समणे भगव महावीरे उदायणस्स रओ मिया  
 वईए देवीए जयतीए समणोवासियाए तीसे य महइ ० जाव धम्म परिकहेइ जाव परित्ता  
 पटिगया उदायणे पडिगए मियावई देवीवि पडिगया ॥ ४४१ ॥ तए ण सा जयती  
 समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय धम्म सोचा निसम्म हट्ठुट्ठा  
 समण भगव महावीरं वदइ नमसइ व ० २ ता एउ वयासी—कहन्न भंते ! जीवा गइयत्त  
 हव्वमागच्छन्ति ? जयती ! प्राणाइवाएण जाव मिच्छादसणसत्तेण, एव खलु जीवा  
 गइयत्त हव्वमागच्छति एव जहा पढमसए जाव वीईवयति । भवसिद्धियत्तण भते !  
 जीवाणे किं सभावओ परिणामओ ? जयती ! सभावओ नो परिणामओ । सव्वेवि णं  
 भते ! भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति ? हता जयती ! सव्वेवि ण भवसिद्धिया जीवा  
 सिज्झिस्सति । जइ णं भते ! सव्वेवि भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति तम्हा ण  
 भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केण खाइएण अट्ठेण भते !  
 एव बुच्चइ सव्वेवि ण भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति नो चेव ण भवसिद्धियवि-  
 रहिए लोए भविस्सइ ? जयती ! से जहानामए सव्वागाससेढी सिया अणाइया  
 अणवदग्गा परित्ता परिवुडा सा ण परमाणुपोगलमेत्तेहिं खंडेहिं समए २ अवहीर-  
 माणी २ अणताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरइ नो चेव ण अवहिया  
 सिया, से तेणट्ठेणं जयती ! एव बुच्चइ सव्वेवि ण भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति  
 नो चेव ण भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ॥ सुत्त भते ! साहू जागरियत्त  
 साहू ? जयती ! अत्थेगइयाणं जीवाण सुत्त साहू अत्थेगइयाण जीवाण जागरियत्त  
 साहू, से केणट्ठेण भते ! एव बुच्चइ अत्थेगइयाणं जाव साहू ? जयती ! जे इमे  
 जीवा अहम्मिया अहम्माणुया अहम्मिट्ठा अहम्मक्खाई अहम्मपलोई अहम्मपल-  
 जमाणा अहम्मसमुदायारा अहम्मेण चेव विप्पिं कप्पेमाणा विहरंति एएस्ति ण  
 जीवाण सुत्त साहू, एए ण जीवा सुत्ता समाणा नो बहूणं पाणभूयजीवसत्ताण  
 दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए वईति, एए ण जीवा सुत्ता समाणा  
 अप्पाणं वा पर वा तदुभय वा नो बहूहिं अहम्मियाहिं सजोयणाहिं संजोएत्तारो

मर्षति एषु जीवान् इतरं साहू ज्वरी । के इमे जीवा जम्मिवा जम्माजुमा  
 जाव जम्मेन नेव मिति कप्पेमाणा विहरंति एषु न जीवान् जावरिवत् साहू, एषु  
 न जीवा जागरा समाणा बहून् पावान् जाव सत्तावे जज्जुक्कवाए जाव अपरि  
 मावन्नाए वडंति, ते न जीवा जागरमाणा अप्पान् वा परं वा तज्जुम्वं वा बहून्  
 जम्मिवाहिं संज्जेवणाहिं संजोएत्तरो मर्षति, एषु न जीवा जागरमाणा जम्मजाय  
 रियाए अप्पान् जायइत्तारो मर्षति एषु न जीवान् जावरिवत् साहू, से तेज्जेव  
 ज्वरी । एवं पुनरु अत्थेयइवान् जीवान् इतरं साहू अत्थेयइवान् जीवान् जाव-  
 रिजत्तं साहू ॥ वज्जिवत्तं मते । साहू दुब्बज्जिवत्तं साहू । ज्वरी । अत्थेयइवान्  
 जीवान् वज्जिवत्तं साहू अत्थेयइवान् जीवान् दुब्बज्जिवत्तं साहू से तेज्जेव  
 मते । एवं पुनरु जाव साहू । ज्वरी । के इमे जीवा जहम्मिज्ज जाव विहरंति एषु न  
 जीवान् दुब्बज्जिवत्तं साहू, एषु न जीवा एवं जहा इत्तस्स तहा दुब्बज्जिवत्तं वत्त-  
 त्त्वा माजिस्सवा वज्जिवत्तं जहा जागरस्स तहा माजिस्सवा जाव संजोएत्तरो  
 मर्षति एषु न जीवान् वज्जिवत्तं साहू से तेज्जेव ज्वरी । एवं पुनरु तं नेव  
 जाव साहू ॥ वज्जिवत्तं मते । साहू जावज्जिवत्तं साहू । ज्वरी । अत्थेयइवान्  
 जीवान् वज्जिवत्तं साहू अत्थेयइवान् जीवान् जावज्जिवत्तं साहू से तेज्जेव  
 मते । एवं पुनरु तं नेव जाव साहू । ज्वरी । के इमे जीवा जहम्मिज्ज जाव विहरंति  
 एषु न जीवान् जावज्जिवत्तं साहू एषु न जीवा जावसा समाणा नो बहून् जहा  
 इत्तं तहा जावसा माजिस्सवा जहा जागरा तहा वज्जवा माजिस्सवा जाव संजो-  
 एत्तरो मर्षति एषु न जीवा वज्जवा समाणा बहून् जावरिवत्तं जावज्जिवत्तं  
 जेव तदस्सि गिक्कवत्तं ज्जिवत्तं सेहवियावत्तं पुक्कवत्तं वावत्तं यवत्तं वावत्तं  
 संजवत्तं साहम्मिज्जवावत्तं जत्तावं संजोएत्तरो मर्षति एषु न जीवान्  
 वज्जिवत्तं साहू से तेज्जेव तं नेव जाव साहू ॥ सोईविस्सत्ते न मते । जीवे पि  
 वंभइ । एवं जहा कोइवत्तं तहेव जाव अनुपरिवत्तइ । एवं जम्मिज्जिवत्तं एव  
 जाव जम्मिज्जिवत्तं जाव अनुपरिवत्तइ । तए न सा ज्वरी समनोपासिवा  
 समन्त्तं मगक्को महुवीरस्स जत्तिवं एवमाहं जीवा निजम्म हाइत्तं सेव जहा  
 वेवान्नाए तहेव पम्पइया जाव जम्पुक्कवाणीणा । ईवं मते । २ पि ॥ ४४९ ॥  
 बारहमे सए जीवो ज्जेसो समत्तो ॥

एवमिहे जाव एवं वयाही-इह न मते । पुडवीवो पक्कवत्तो । योवमा । एता  
 पुडवीवो पक्कवत्तो तेषा-पक्का रोवा जाव सत्तामा । पक्का न मते । पुडवी  
 त्तिमा त्तिमा पक्का । योवमा । जम्मा जम्मेन वज्जवत्तं योवमे एवं जहा

जयतीए समणोवासियाए सद्धि ण्हाया जाय सरीरा वट्ठहिं गुज्जाहिं जाव अतेउराओ  
 निग्गच्छइ २ ता जेणेष बाहिरिया उवट्ठाणमाला जेणेष धम्मिए जाणप्पवरे तेणेष  
 उवागच्छइ २ ता जाव दुरुडा । तए ण सा मियावई देवी जयतीए समणोवासियाए सद्धि  
 धम्मिय जाणप्पवर दुरुडा समाणी नियगपरियालगा जहा उसभदत्तो जाव धम्मि  
 याओ जाणप्पवराओ पन्नोरुहइ । तए ण सा मियावई देवी जयतीए समणोवासियाए  
 सद्धि वट्ठहिं सुज्जाहिं जहा देवाणदा जाव वदइ नमसइ उदायण राय पुरओ कट्ठ  
 ठिइया चेव जाव पज्जुवासइ । तए ण ममणे भगव महावीरे उदायणस्स रत्तो मिया  
 वईए देवीए जयतीए समणोवासियाए तीसे य महइ ० जाव धम्म परिकहेइ जाव परिसा  
 पटिगया उदायणे पटिगए मियावई देवीवि पडिआया ॥ ४४१ ॥ तए ण मा जयती  
 समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय धम्म सोया निसम्म हट्ठुट्ठा  
 समण भगव महावीरं वदइ नमसइ व ० २ ता एव वयासी-कहन् भते । जीवा गरुयत्त  
 हव्वमागच्छन्ति ? जयती । पाणाइवाएण जाव मिच्छादंसणसत्तेण, एव खलु जीवा  
 गरुयत्त हव्वमागच्छति एव जहा पढमसए जाव वीईवयति । भवसिद्धियत्तण भवे ।  
 जीवाणे किं सभावओ परिणामओ ? जयती । सभावओ नो परिणामओ । सव्वेवि ण  
 भंते । भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति ? हुंता जयती । सव्वेवि ण भवसिद्धिया जीवा  
 सिज्झिस्सति । जइ ण भते । सव्वेवि भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति तम्हा ण  
 भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केण खाइएण अट्ठेण भते !  
 एव बुच्चइ सव्वेवि ण भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सन्ति नो चेव ण भवसिद्धियविर-  
 हिए लोए भविस्सइ ? जयती । से जहानामए सव्वागाससेदी सिया अणाइया  
 अणवदग्गा परित्ता परिवुडा सा ण परमाणुपोगगल्मेसेहि खडेहिं समए २ अवहीर-  
 माणी २ अणताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरइ नो चेव ण अवहिया  
 सिया, से तेणट्ठेण जयती । एव बुच्चइ सव्वेवि ण भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सन्ति  
 नो चेव ण भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ॥ सुत्तं भते ! साहू जागरियत्त  
 साहू ? जयती । अत्थेगइयाण जीवाण सुत्तं साहू अत्थेगइयाण जीवाण जागरियत्त  
 साहू, से केणट्ठेण भते । एव बुच्चइ अत्थेगइयाण जाव साहू ? जयती । जे इमे  
 जीवा अहम्मिया अहम्माणया अहम्मिद्धा अहम्मक्खाई अहम्मपलोई अहम्मपल-  
 ज्जमाणा अहम्मसमुदायारा अहम्मेण चेव विप्पिं कप्पेमाणा विहरन्ति एएत्ति ण  
 जीवाण सुत्तं साहू, एए ण जीवा सुत्ता समाणा नो वट्ठण पाणभूयजीवसत्ताण  
 हुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए वट्ठति, एए ण जीवा सुत्ता समाणा  
 अप्पाणं वा पर वा तदुभय वा नो वट्ठहिं अहम्मियाहिं सज्जोयणाहिं संजोएत्तारो

अथेति एषि जीवायं सुततं छाह् अयंती । अं इमे जीवा अम्मिया अम्मिया  
 आब अम्मियं येव निति कप्पेमाणा निहरंति एषि न जीवायं आगरियतं छाह्, ए  
 न जीवा अपरा समाप्ता नहुं पाणां आब सुत्ताये अनुसन्धमाए आब अपरि  
 आबवाए वडंति ये न जीवा आगरमाणा अप्पायं ना परं वा तदुमयं वा नहुं  
 अम्मियायं संजायमायं संजोएत्तरो मवंति, एष न जीवा आगरमाणा अम्मिया-  
 रिवाए अप्पायं आगरमाणा मवंति एषि न जीवायं आगरियतं छाह्, से सेचट्ठेयं  
 अयंती । एवं पुनर अत्येयमायं जीवायं सुततं छाह् अत्येयमायं जीवायं आग-  
 रिवायं छाह् ॥ वडिन्तं मते । छाह् पुण्डियतं छाह् ॥ अयंती । अत्येयमायं  
 वडिन्तं वडिन्तं छाह् अत्येयमायं जीवायं पुण्डियतं छाह् से केवट्ठेयं मते ।  
 एवं पुनर आब छाह् ॥ अयंती । अं इमे जीवा अम्मिया आब निहरंति एषि न  
 जीवायं पुण्डियतं छाह्, एष न जीवा एवं जहा सुतसु तहा पुण्डियसु वा-  
 अवा भावित्वा वडिन्तं जहा आगरसु तहा भावित्वा आब संजोएत्तरो  
 मवंति एषि न जीवायं वडिन्तं छाह् से सेचट्ठेयं अयंती । एवं पुनर तं येव  
 आब छाह् ॥ वडिन्तं मते । छाह् आरुधियतं छाह् ॥ अयंती । अत्येयमायं  
 जीवायं वडिन्तं छाह् अत्येयमायं जीवायं आरुधियतं छाह् से केवट्ठेयं मते ।  
 एवं पुनर तं येव आब छाह् ॥ अयंती । अं इमे जीवा अम्मिया आब निहरंति  
 एषि न जीवायं आरुधियतं छाह् एष न जीवा अम्मिया समाप्ता नो नहुं जहा  
 सुत्ता तहा आरुध्या भावित्वा जहा आगरा तहा वडिन्तं भावित्वा आब संजो-  
 एत्तरो मवंति एष न जीवा वडिन्तं समाप्ता नहुं आवरियवैयामयेयं वडिन्तं  
 येव तवसि विज्जमयेवमयेयं सेववैयामयेयं सुखवैयामयेयं मयवैयामयेयं  
 संचवेवैयामयेयं आहम्मिकवैयामयेयं अत्तं संजोएत्तरो मवंति एषि न जीवायं  
 वडिन्तं छाह् से सेचट्ठेयं तं येव आब छाह् ॥ सेववैयामयेयं न मते । जीवे नि-  
 र्वचरं । एवं जहा कोहपछे तहेव आब अनुपरिवहं । एवं चरिन्तवियवछेयं एवं  
 आब अरिन्तवियवछेयं आब अनुपरिवहं । तए नं छा अयंती समजोवाधिया  
 समजसु समजजो महावीरसु अत्तं पक्कमां खेवा विज्जम हट्ठुत्ता सेव जहा  
 वेवान्वाए तहेव पक्कमा आब अम्मियायणीया । सेव मते । १ ति ॥ ५४९ ॥  
 आरुधमे सए बीमो तहेसो समजो ॥

एवमिहे आब एवं वनाली-अहं नं मति । सुखवीमो पक्कमां । येवमा । सत  
 पुडवीमो पक्कमां संवहा-पक्कमां शेवा आब सत्ता । पक्कमां नं मति । पुडवी  
 निमाणा निमोता पक्कमां । गोयमा । अम्मिया नायिके एवमपक्कमां गोतोयं एवं जहा

जयतीए समणोवासियाए सद्धि ण्हाया जाव सरीरा बहूहिं गुज्जाहिं जाव अतेउराओ  
 निग्गच्छड २ ता जेणेव घाहिरिया उवट्टाणमाला जेणेव धम्मिए जाणप्परे तेणेव  
 उवागच्छड २ ता जाव दुरुडा । तए ण मा मियावडं देवी जयतीए ममणोवासियाए सद्धि  
 धम्मिय जाणप्पवर दुरुडा समाणी नियगपरियात्ता जहा उममदत्तो जाव धम्मि  
 याओ जाणप्पवराओ पयोद्धइ । तए ण सा मियावडं देवी जयतीए समणोवासियाए  
 सद्धि बहूहिं गुज्जाहिं जहा देवाणदा जाव वदइ नममइ उदायण राय पुरओ कट्टु  
 ठिइया चेव जाव पज्जुवासइ । तए ण ममणे भगव महावीरे उदायणस्स रत्तो मिया  
 वडं देवीए जयतीए ममणोवासियाए तीसे य महइ जाव धम्म परिकहेइ जाव परिसा  
 पडिगया उदायणे पडिगए मियावडं देवीवि पडिगया ॥ ४४१ ॥ तए ण ता जयती  
 समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय धम्म सोया निसम्म हट्टुट्टा  
 समण भगव महावीर वदइ नमसइ व २ ता एव वयासी-कहन्न भंते ! जीवा गरुत्त  
 हव्वमागच्छन्ति ? जयती ! पाणाइवाएण जाव मिच्छादमणसत्तेण, एव खलु जीवा  
 गरुत्तं हव्वमागच्छति एव जहा पढमसए जाव वीहंवर्यति । भवसिद्धियत्तण भते !  
 जीवाणे किं सभावओ परिणामओ ? जयती ! सभावओ नो परिणामओ । सव्वेवि ण  
 भंते ! भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति ? हता जयती ! सव्वेवि ण भवनिद्धिया जीवा  
 सिज्झिस्सति । जइ ण भते ! सव्वेवि भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्सति तम्हा णं  
 भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केण खाइएण अट्ठेण भते !  
 एव बुच्चइ सव्वेवि ण भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति नो चेव ण भवसिद्धियविर-  
 हिए लोए भविस्सइ ? जयती ! से जहानामए सव्वागाससेढी सिया अणाइया  
 धणवदग्गा परित्ता परिवुढा सा ण परमाणुपोग्गल्मेत्तेहि खडेहिं समए २ अवहीर-  
 माणी २ अणताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरइ नो चेव ण अवहिया  
 सिया, से तेणट्ठेण जयती ! एव बुच्चइ सव्वेवि ण भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति  
 नो चेव णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ॥ सुत्त भंते ! साहू जागरियत्त  
 साहू ? जयती ! अत्थेगइयाण जीवाण सुत्त साहू अत्थेगइयाणं जीवाण जागरियत्त  
 साहू, से केणट्ठेण भते ! एव बुच्चइ अत्थेगइयाण जाव साहू ? जयती ! जे इमे  
 जीवा अहम्मिया अहम्माणया अहम्मिद्धा अहम्मक्खाइं अहम्मपलोइं अहम्मपल्-  
 ज्जमाणा अहम्मसमुदायारा अहम्मेण चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएत्ति ण  
 जीवाण सुत्त साहू, एए ण जीवा सुत्ता समाणा नो बहूण पाणभूयजीवसत्ताण  
 दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए वइत्ति, एए ण जीवा सुत्ता समाणा  
 अप्पाण वा परं वा तदुभय वा नो बहूहिं अहम्मियाहिं सजोयणाहिं सजोएत्तारो





जीवाभिगमे पढमो नेरइयउहेसओ सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो जाव अप्पावहु-  
गति । सेवं भते । सेव भते । त्ति ॥४४३॥ वारहमे सए तइओ उहेसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एव वयासी-दो भते । परमाणुपोग्गला एगयओ साहजति एग-  
यओ साहणित्ता किं भवइ ? गोयमा । दुप्पएसिए खधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहा  
कज्जइ एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ परमाणुपोग्गले भवइ । तिज्जि भते । परमा-  
णुपोग्गला एगयओ साहजति ० ता कि भवइ ? गोयमा ! तिपएसिए खधे भवइ, से  
भिज्जमाणे दुहावि तिहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ  
दुपएसिए खधे भवइ, तिहा कज्जमाणे तिण्णि परमाणुपोग्गला भवति । चत्तारि भते ।  
परमाणुपोग्गला एगयओ साहजति ० पुच्छा, गोयमा ! चउपएसिए खधे भवइ,  
से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणु-  
पोग्गले एगयओ तिपएसिए खधे भवइ, अहवा दो दुपएसिया खधा भवति, तिहा  
कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खधे भवइ, चउहा कज्ज-  
माणे चत्तारि परमाणुपोग्गला भवति । पच भते । परमाणुपोग्गला ० पुच्छा, गोयमा !  
पंचपएसिए खधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि पचहावि कज्जइ,  
दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चउपएसिए खधे भवइ अहवा  
एगयओ दुपएसिए खधे भवइ एगयओ तिपएसिए खधे भवइ, तिहा कज्जमाणे  
एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ परमा-  
णुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खधा भवति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिज्जि  
परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खधे भवइ, पचहा कज्जमाणे पच परमाणुपो-  
ग्गला भवति । छब्भते ! परमाणुपोग्गला ० पुच्छा, गोयमा ! छप्पएसिए खधे भवइ,  
से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि जाव छव्विहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ पर-  
माणुपोग्गले एगयओ पंचपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ दुप्पएसिए खधे एग-  
यओ चउपएसिए खधे भवइ अहवा दो तिपएसिया खधा भवन्ति, तिहा कज्जमाणे  
एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ चउपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ पर-  
माणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खधे एगयओ तिपएसिए खधे भवइ अहवा तिज्जि  
दुपएसिया खधा भवन्ति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिज्जि परमाणुपोग्गला एगयओ  
तिपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला भवति एगयओ दो दुप्प-  
एसिया खधा भवन्ति, पचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ  
दुपएसिए खधे भवइ, छहा कज्जमाणे छ परमाणुपोग्गला भवति । सत्त भते ! पर-  
माणुपोग्गला ० पुच्छा, गोयमा ! सत्तपएसिए खधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि जाव



जीवाभिगमे पढमो नेरइयउहेसओ सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो जाव अप्पावहु-  
गति । सेव भंते । सेव भंते । ति ॥४४३॥ वारहमे सए तइओ उहेसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एव वयासी—दो भते । परमाणुपोग्गला एगयओ साहजति एग-  
यओ साहणित्ता किं भवइ ? गोयमा ! दुप्पएसिए खधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहा  
कज्जइ एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ परमाणुपोग्गले भवइ । तिणि भते । परमा-  
णुपोग्गला एगयओ साहजति २ ता कि भवइ ? गोयमा ! तिपएसिए खधे भवइ, से  
भिज्जमाणे दुहावि तिहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ  
दुपएसिए खधे भवइ, तिहा कज्जमाणे तिणि परमाणुपोग्गला भवति । चत्तारि भते ।  
परमाणुपोग्गला एगयओ साहजति० पुच्छा, गोयमा ! चउपएसिए खधे भवइ,  
से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणु-  
पोग्गले एगयओ तिपएसिए खधे भवइ, अहवा दो दुपएसिया खधा भवति, तिहा  
कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खधे भवइ, चउहा कज्ज-  
माणे चत्तारि परमाणुपोग्गला भवति । पच्च भते । परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा !  
पच्चपएसिए खधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि पच्चहावि कज्जइ,  
दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चउपएसिए खधे भवइ अहवा  
एगयओ दुपएसिए खधे भवइ एगयओ तिपएसिए खधे भवइ, तिहा कज्जमाणे  
एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ परमा-  
णुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खधा भवति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिणि  
परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खधे भवइ, पच्चहा कज्जमाणे पंच परमाणुपौ-  
ग्गला भवति । छवभते । परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा ! छप्पएसिए खधे भवइ,  
से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि जाव छव्विहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ पर-  
माणुपोग्गले एगयओ पंचपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ दुप्पएसिए खधे एग-  
यओ चउपएसिए खधे भवइ अहवा दो तिपएसिया खधा भवन्ति, तिहा कज्जमाणे  
एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ चउपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ पर-  
माणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खधे एगयओ तिपएसिए खधे भवइ अहवा तिणि  
दुपएसिया खधा भवन्ति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिणि परमाणुपोग्गला एगयओ  
तिपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला भवति एगयओ दो दुप्प-  
एसिया खधा भवन्ति, पच्चहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ  
दुपएसिए खधे भवइ, छहा कज्जमाणे छ परमाणुपोग्गला भवति । सत्त भंते ! पर-  
माणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा ! सत्तपएसिए खधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि जाव



जीवाभिगमे पढमो नेरइयउद्देसओ सो चेव निरवसेमो भाणिघव्वो जाव अप्पाबहु-  
गति । सेवं भंते । सेव भंते । ति ॥४४३॥ वारहमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एव वयासी-दो भते । परमाणुपोगगला एगयओ साहस्रंति एग-  
यओ साहस्रिगता किं भवइ ? गोयमा ! दुप्पएसिए खधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहा  
कज्जइ एगयओ परमाणुपोगगले एगयओ परमाणुपोगगले भवइ । तिणि भंते । परमा-  
णुपोगगला एगयओ साहस्रति ० ता किं भवइ ? गोयमा ! तिपएसिए खधे भवइ, से  
भिज्जमाणे दुहावि तिहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोगगले एगयओ  
दुपएसिए खधे भवइ, तिहा कज्जमाणे तिणि परमाणुपोगगला भवति । चत्तारि भते ।  
परमाणुपोगगला एगयओ साहस्रति ० पुच्छा, गोयमा ! चउपएसिए खधे भवइ,  
से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणु-  
पोगगले एगयओ तिपएसिए खधे भवइ, अहवा दो दुपएसिया खधा भवति, तिहा  
कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोगगला एगयओ दुप्पएसिए खधे भवइ, चउहा कज्ज-  
माणे चत्तारि परमाणुपोगगला भवति । पच भंते । परमाणुपोगगला ० पुच्छा, गोयमा !  
पचपएसिए खधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि पचहावि कज्जइ,  
दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोगगले एगयओ चउपएसिए खधे भवइ अहवा  
एगयओ दुपएसिए खधे भवइ एगयओ तिपएसिए खधे भवइ, तिहा कज्जमाणे  
एगयओ दो परमाणुपोगगला एगयओ तिप्पएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ परमा-  
णुपोगगले एगयओ दो दुपएसिया खधा भवति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिणि  
परमाणुपोगगला एगयओ दुप्पएसिए खधे भवइ, पचहा कज्जमाणे पच परमाणुपो-  
गगला भवति । छभंते । परमाणुपोगगला ० पुच्छा, गोयमा ! छप्पएसिए खधे भवइ,  
से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि जाव छव्विहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ पर-  
माणुपोगगले एगयओ पंचपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ दुप्पएसिए खधे एग-  
यओ चउपएसिए खधे भवइ अहवा दो तिपएसिया खधा भवन्ति, तिहा कज्जमाणे  
एगयओ दो परमाणुपोगगला एगयओ चउपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ पर-  
माणुपोगगले एगयओ दुपएसिए खधे एगयओ तिपएसिए खधे भवइ अहवा तिणि  
दुपएसिया खधा भवन्ति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिणि परमाणुपोगगला एगयओ  
तिपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोगगला भवति एगयओ दो दुप्प-  
एसिया खधा भवति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोगगला एगयओ  
दुपएसिए खधे भवइ, छहा कज्जमाणे छ परमाणुपोगगला भवति । सत्त भते । पर-  
माणुपोगगला ० पुच्छा, गोयमा ! सत्तपएसिए खधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि जाव



सिए रंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोगगला एगयओ दो दुपएसिया राधा भवन्ति, सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोगगला एगयओ दुपएसिए रंधे भवइ अट्टहा कज्जमाणे अट्ट परमाणुपोगगला भवति ॥ नव भत्ते ! परमाणुपोगगला० पुच्छा, गोयमा । जाव नवविहा कज्जति, दुहा ऋज्जमाणे एगयओ परमाणुपोगगले एगयओ अट्ट-पएसिए रंधे भवइ, एवं एक्केर सचा(रिए)रैत्तेहि जाव अहवा एगयओ चउप्पएसिए रंधे एगयओ पचपएसिए रंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोगगला एगयओ सत्तपएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोगगले एगयओ दुपएसिए रंधे एगयओ छप्पएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोगगले एगयओ तिपएसिए रंधे एगयओ पचपएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोगगले एगयओ दो चउप्पएसिया राधा भवति अहवा एगयओ दुपएसिए रंधे एगयओ तिपएसिए रंधे एगयओ चउपएसिए रंधे भवइ अहवा तिभि तिपएसिया राधा भवति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिभि परमाणुपोगगला एगयओ छप्पएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोगगला एगयओ दुपएसिए रंधे एगयओ पचपएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोगगला एगयओ तिपएसिए रंधे एगयओ चउप्पएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोगगले एगयओ दो दुपएसिया राधा एगयओ चउप्पएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोगगले एगयओ दुपएसिए रंधे एगयओ दो तिपएसिया राधा भवति अहवा एगयओ तिभि दुप्पएसिया राधा एगयओ तिपएसिए रंधे भवइ, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोगगला एगयओ पचपएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ तिभि परमाणुपोगगला एगयओ दुपएसिए रंधे एगयओ चउप्पएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ तिभि परमाणुपोगगला एगयओ दो तिपएसिया राधा भवति अहवा एगयओ दो परमाणुपोगगला एगयओ दो दुपएसिया राधा एगयओ तिपएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोगगले एगयओ चत्तारि दुपएसिया राधा भवन्ति, छहा कज्जमाणे एगयओ पच परमाणुपोगगला एगयओ चउप्पएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोगगला एगयओ दुप्पएसिए रंधे एगयओ तिपएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ तिभि परमाणुपोगगला एगयओ तिभि दुप्पएसिया राधा भवति, सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोगगला एगयओ तिप्पएसिए रंधे भवइ अहवा एगयओ पच परमाणुपोगगला एगयओ दो दुपएसिया राधा भवन्ति, अट्टहा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोगगला एगयओ दुपएसिए रंधे भवइ, नवहा कज्जमाणे नव परमाणुपोगगला भवन्ति ॥ दस भत्ते ! परमाणुपोगगला० पुच्छा, गोयमा । जाव दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोगगले एगयओ





एगयओ तिपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोगला एगयओ तिभि दुपएसिया खधा भवति, अट्टहा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोगला एगयओ तिपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ छ परमाणुपोगला एगयओ दो दुप एसिया खधा भवति, नवहा कज्जमाणे एगयओ अट्ट परमाणुपोगला एगयओ दुप एसिए खधे भवइ दसहा कज्जमाणे दस परमाणुपोगला भवति । सखेज्जा ण भंते । परमाणुपोगला एगयओ साहजति एगयओ साहणित्ता किं भवइ ? गोयमा । सखेज्जपएसिए खधे भवइ से भिज्जमाणे दुहावि जाव दसहावि सखेज्जहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोगले एगयओ सखेज्जपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खधे एगयओ सखेज्जपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ तिप एसिए खधे एगयओ सखेज्जपएसिए खधे भवइ एव जाव अहवा एगयओ दसप एसिए खधे एगयओ सखेज्जपएसिए खधे भवइ अहवा दो सखेज्जपएसिया खधा भवति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोगला एगयओ सखेज्जपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोगले एगयओ दुपएसिए खधे एगयओ सखेज्जपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोगले एगयओ तिपएसिए खधे एगयओ सखेज्जपएसिए खधे भवइ एव जाव अहवा एगयओ परमाणुपोगले एगयओ दसपएसिए खधे एगयओ सखेज्जपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोगले एगयओ दो सखेज्जपएसिया खधा भवति अहवा एगयओ दुपएसिए खधे एगयओ दो सखेज्जपएसिया खधा भवति, एव जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खधे एगयओ दो सखेज्जपएसिया खधा भवति अहवा तिभि सखेज्जपएसिया खधा भवति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिभि परमाणुपोगला एगयओ सखेज्जपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोगला एगयओ दुपएसिए खधे एगयओ सखेज्जपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोगला एगयओ तिप्पएसिए० एगयओ सखेज्ज पएसिए खधे भवइ एव जाव अहवा एगयओ दो परमाणुपोगला एगयओ दसपएसिए० एगयओ सखेज्जपएसिए खधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोगला एगयओ दो सखेज्जपएसिया खधा भवति अहवा एगयओ परमाणुपोगले एगयओ दुपएसिए खधे एगयओ दो सखेज्जपएसिया खधा भवति एव जाव अहवा एगयओ परमाणुपोगले एगयओ दसपएसिए खधे एगयओ दो सखेज्जपएसिया खधा भवति अहवा एगयओ परमाणुपोगले एगयओ तिभि सखेज्जपएसिया खधा भवति अहवा एगयओ दुपएसिए खधे एगयओ तिभि सखेज्जपएसिया खधा भवति एव जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खधे एगयओ तिभि सखेज्जपएसिया खधा भवति अहवा

मवपएतिए च्चि मवइ अइवा एगवओ बुपएतिए च्चि एगयओ अडुपएतिए च्चि  
मवइ एण एकेअ संचारेयन्ति आन अइवा ओ पवपएतिवा च्चि भवति तिहा  
कम्मामे एगवओ ओ परमाणुपेम्मका एगवओ अडुपएतिए च्चि मवइ अइवा एग-  
वओ परमाणुपेम्मके एगवओ बुपएतिए च्चि एगवओ चत्तपएतिए च्चि मवइ  
अइवा एगवओ परमाणुपेम्मके एगवओ तिपएतिए च्चि मवइ एगवओ छप्पएतिए  
च्चि मवइ अइवा एगवओ परमाणुपेम्मके एगवओ वठप्पएतिए एगवओ पवपए-  
तिए च्चि मवइ अइवा एगवओ बुपएतिए च्चि एगवओ तिपएतिए च्चि एगवओ पव-  
पएतिए च्चि मवइ अइवा एगवओ बुपएतिए च्चि एगवओ ओ वठप्पएतिवा च्चि  
भवति अइवा एगवओ ओ तिपएतिवा च्चि एगवओ वठप्पएतिए च्चि मवइ,  
अइवा कम्मामे एगवओ तिहि परमाणुपेम्मका एगवओ चत्तपएतिए च्चि मवइ  
अइवा एगवओ ओ परमाणुपेम्मका एगवओ बुपएतिए एगवओ छप्पएतिए च्चि मवइ  
अइवा एगवओ ओ परमाणुपेम्मका एगवओ तिप्पएतिए च्चि एगवओ पवपएतिए  
च्चि मवइ अइवा एगवओ ओ परमाणुपेम्मका एगवओ ओ वठप्पएतिवा च्चि भवति  
अइवा एगवओ परमाणुपेम्मके एगवओ बुपएतिए एगवओ तिपएतिए एगवओ  
वठप्पएतिए च्चि मवइ अइवा एगवओ परमाणुपेम्मके एगवओ तिहि तिपएतिवा  
च्चि भवति अइवा एगवओ तिहि बुपएतिवा च्चि एगवओ वठपएतिए च्चि मवइ  
अइवा एगवओ ओ बुपएतिवा च्चि एगवओ ओ तिपएतिवा च्चि भवति पवहा  
कम्मामे एगवओ वट्ठारि परमाणुपेम्मका एगवओ छप्पएतिए च्चि मवइ अइवा एग-  
वओ तिहि परमाणुपेम्मका एगवओ बुपएतिए च्चि एगवओ पवपएतिए च्चि मवइ  
अइवा एगवओ तिहि परमाणुपेम्मका एगवओ तिपएतिए च्चि एगवओ वठपएतिए  
च्चि मवइ अइवा एगवओ ओ परमाणु एग ओ बुपएतिवा च्चि एग वठप्पए-  
तिए च्चि मवइ अइवा एगवओ ओ परमाणुपेम्मका एगवओ बुपएतिए च्चि  
एगवओ ओ तिपएतिवा च्चि भवति अइवा एगवओ परमाणुपेम्मके एगवओ  
तिहि बुपएतिवा एगवओ तिपएतिए च्चि मवइ अइवा पव बुपएतिवा च्चि  
भवति अइवा कम्मामे एगवओ पव परमाणुपेम्मका एगवओ पवपएतिए च्चि मवइ  
अइवा एगवओ वट्ठारि परमाणुपेम्मका एगवओ बुपएतिए एगवओ वठपएतिए  
च्चि मवइ अइवा एगवओ वट्ठारि परमाणुपेम्मका एगवओ ओ तिपएतिवा च्चि  
भवति अइवा एगवओ तिहि परमाणुपेम्मका एगवओ ओ बुपएतिवा च्चि  
एगवओ तिपएतिए च्चि मवइ अइवा एगवओ ओ परमाणुपेम्मका एगवओ वट्ठारि  
बुपएतिवा च्चि भवति, अइवा कम्मामे एगवओ छ परमाणुपेम्मका एगवओ  
वठप्पएतिए च्चि मवइ अइवा एगवओ पव परमाणुपेम्मका एगवओ बुपएतिए

दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ अणंतपएसिए सधे भवइ एवं जाव अहवा दो अणंतपएसिया सधा भवति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गल एगयओ अणंतपएसिए स्वधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए० एगयओ अणतपएसिए स्वधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ असखेज्जपएसिए० एगयओ अणतपएसिए स्वधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो अणतपएसिया सधा भवति अहवा एगयओ दुपएसिए० एगयओ दो अणंतपएसिया सधा भवति एव जाव अहवा एगयओ दसपएसिए० एगयओ दो अणंतपएसिया सधा भवति अहवा एगयओ सग्गेज्जपएसिए० एगयओ दो अणतपएसिया सधा भवति अहवा एगयओ असखेज्जपएसिए स्वधे एगयओ दो अणतपएसिया सधा भवति अहवा तिन्नि अणतपएसिया सधा भवति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ अणंतपएसिए स्वधे भवइ एवं चउवसंजोगो जाव असखेज्जगसंजोगो, एए सव्वे जहेव असखेज्जाणं भाणिया तेहेव अणताणवि भाणियव्वा नवरं एक्कं अणतग अब्भहियं भाणियव्व जाव अहवा एगयओ संखेज्जा सखेज्जपएसिया सधा एगयओ अणतपएसिए स्वधे भवइ अहवा एगयओ सखेज्जा असखेज्जपएसिया सधा एगयओ अणतपएसिए स्वधे भवइ अहवा सखेज्जा अणतपएसिया सधा भवति, असखेज्जहा कज्जमाणे एगयओ असखेज्जा परमाणुपोग्गला एगयओ अणंतपएसिए स्वधे भवइ अहवा एगयओ असखेज्जा दुपएसिया सधा एगयओ अणतपएसिए स्वधे भवइ जाव अहवा एगयओ असखेज्जा सखेज्जपएसिया सधा एगयओ अणतपएसिए स्वधे भवइ अहवा एगयओ असखेज्जा असखेज्जपएसिया सधा एगयओ अणंतपएसिए स्वधे भवइ अहवा असखेज्जा अणंतपएसिया सधा भवति, अणंतहा कज्जमाणे अणता परमाणुपोग्गला भवति ॥ ४४४ ॥ एएसि ण भंते ! परमाणुपोग्गलाणं साहणणाभेदाणुवाएणं अणतारणं पोग्गलपरियट्ठाण अणतारणता पोग्गलपरियट्ठा समणुगतव्वा भवतीति मक्खाया ? हता गोयमा ! एएसि ण परमाणुपोग्गलाण साहणणाभेदाणु जाव मक्खाया ॥ कइविहे णं भंते ! पोग्गलपरियट्ठे पण्णत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे पोग्गलपरियट्ठे पण्णत्ते, तंजहा-ओरालियपोग्गलपरियट्ठे वेउव्विय० तेयापोग्गलपरियट्ठे कम्मापोग्गलपरियट्ठे मणपोग्गलपरियट्ठे वइपोग्गलपरियट्ठे आणापाणुपोग्गलपरियट्ठे । नेरइयाणं भंते ! कइविहे पोग्गलपरियट्ठे पण्णत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे पोग्गलपरियट्ठे पण्णत्ते, तंजहा-ओरालियपोग्गलपरियट्ठे वेउव्वियपोग्गलपरियट्ठे जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्ठे, एव जाव वेमाणियाण ॥ एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्ठा अतीया ? गोयमा ! अणता, केवइया पुरक्खहा ?

न्यायि संशेजपण्डिता कथा भवति एवं एवम् कमेव पक्षगच्छोपोनि भाषिकम्भो  
 नाथ नवागच्छेयो इच्छा कज्जमाने एवम्भो नव परमात्तुपेम्भन्न एवम्भो संशेज-  
 पण्डि एवम्भो मवद् अहवा एवम्भो मवद् -परमात्तुपेम्भन्न एवम्भो हुपण्डिपु-  
 एवम्भो संशेजपण्डि एवम्भो मवद् -एवं एवम्भो कमेव एवम्भो पूरेकम्भे नाथ अहवा  
 एवम्भो इच्छपण्डि एवम्भो -एवम्भो नव संशेजपण्डिना कथा भवति अहवा -इच्छ  
 संशेजपण्डिना कथा भवति -संशेजहा कज्जमाने संशेजहा परमात्तुपेम्भन्न भवति ।  
 अस्मिन्ना न भवति । परमात्तुपेम्भन्न एवम्भो छाह्वति एवम्भो छाह्विता न  
 भवति । न्येम्मा ! अस्मिन्ना एवम्भो मवद्, से मिज्जमाने हुह्वानि नाथ इच्छानि  
 संशेजहानि अस्मिन्ना कज्जमाने एवम्भो परमात्तुपेम्भन्न एवम्भो अस्मिन्ना  
 संशेजपण्डि एवम्भो मवद् एवं नाथ अहवा एवम्भो इच्छपण्डि एवम्भो अस्मिन्ना  
 पण्डि एवम्भो मवद् अहवा एवम्भो संशेजपण्डि एवम्भो एवम्भो अस्मिन्ना पण्डि एवम्भो  
 मवद् अहवा हो अस्मिन्ना पण्डिना कथा भवति इच्छा कज्जमाने एवम्भो हो परमा-  
 त्तुपेम्भन्न एवम्भो अस्मिन्ना पण्डि एवम्भो मवद् अहवा एवम्भो परमात्तुपेम्भन्न एव-  
 म्भो हुपण्डि एवम्भो अस्मिन्ना पण्डि एवम्भो मवद् नाथ अहवा एवम्भो परमा-  
 त्तुपेम्भन्न एवम्भो इच्छपण्डि एवम्भो अस्मिन्ना पण्डि एवम्भो मवद् अहवा एवम्भो  
 परमात्तुपेम्भन्न एवम्भो संशेजपण्डि एवम्भो अस्मिन्ना पण्डि एवम्भो मवद्  
 अहवा एवम्भो परमात्तुपेम्भन्न एवम्भो हो अस्मिन्ना पण्डिना कथा भवति अहवा  
 एवम्भो हुपण्डि एवम्भो हो अस्मिन्ना पण्डिना कथा भवति एवं नाथ अहवा एवम्भो  
 संशेजपण्डि एवम्भो मवद् एवम्भो हो अस्मिन्ना पण्डिना कथा भवति अहवा  
 इच्छा अस्मिन्ना पण्डिना कथा भवति नाथ कज्जमाने एवम्भो इच्छा परमात्तुपेम्भन्न  
 एवम्भो अस्मिन्ना पण्डि एवम्भो मवद् एवं नाथ अहवा एवम्भो इच्छपण्डि एवम्भो  
 अहवा संशेजपण्डिपु मवद् अहवा एवम्भो एवं अहवा नाथ अहवा इच्छ  
 अस्मिन्ना पण्डिना कथा भवति संशेजहा कज्जमाने एवम्भो संशेजहा परमात्तुपेम्भन्न  
 एवम्भो अस्मिन्ना पण्डि एवम्भो मवद् अहवा एवम्भो संशेजहा हुपण्डिना कथा  
 एवम्भो अस्मिन्ना पण्डि एवम्भो मवद् एवं नाथ अहवा एवम्भो संशेजहा इच्छपण्डि-  
 ना कथा एवम्भो अस्मिन्ना पण्डि एवम्भो मवद् अहवा एवम्भो संशेजहा संशेज-  
 पण्डिना कथा एवम्भो अस्मिन्ना पण्डि एवम्भो मवद् अहवा संशेजहा अस्मिन्ना पण्डि-  
 ना कथा भवति अस्मिन्ना कज्जमाने अस्मिन्ना परमात्तुपेम्भन्न भवति । अस्मिन्ना  
 न भवति । परमात्तुपेम्भन्न नाथ न भवति । न्येम्मा ! अस्मिन्ना पण्डि एवम्भो मवद्, से  
 मिज्जमाने हुह्वानि इच्छानि नाथ इच्छानि संशेजहा अस्मिन्ना अस्मिन्ना कज्जमाने

यकुमारत्ते, पुढविकाइयत्ते पुच्छा, गोयमा ! अणंता, केवइया पुरक्खडा ? अणंता, एवं जाव मणुस्सत्ते, वाणमंतरजोइसियवेमाणियत्ते जहा नेरइयत्ते एव जाव वेमाणियत्ते, एव सत्तवि पोग्गलपरियट्ठा भाणियच्चा, जत्थ अत्थि तत्थ अतीयावि पुरक्खडावि अणंता भाणियच्चा, जत्थ नत्थि तत्थ दोवि नत्थि भाणियच्चा जाव वेमाणियाण वेमाणियत्ते केवइया आणापाणुपोग्गलपरियट्ठा अतीया ? अणंता, केवइया पुरक्खडा ? अणता ॥ ४४५ ॥ से केणट्ठेण भंते ! एवं बुच्चइ-ओरालिय-पोग्गलपरियट्ठे २ ? गोयमा ! जण्णं जीवेण ओरालियसरीरे वट्ठमाणेण ओरालिय-सरीरपाउग्गाइं दब्बाइं ओरालियसरीरत्ताए गहियाइ वट्ठाइ पुट्ठाइ कट्ठाइ पट्ठवियाइ निविट्ठाइं अभिनिविट्ठाइं अभिसमजागयाइं परिया(ग)इयाइ परिणामियाइं निज्झिन्नाइं निसिरियाइ निसिट्ठाइ भवति, से तेणट्ठेण गोयमा ! एवं बुच्चइ-ओरालियपोग्गलपरियट्ठे २, एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्ठेवि, नवरं वेउव्वियसरीरे वट्ठमाणेण वेउव्विय-सरीरप्पाउग्गाइं सेस त चेव सव्व एन जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्ठे, नवरं आणापाणुपाउग्गाइं सव्वदब्बाइ आणापाणुत्ताए सेसं त चेव ॥ ओरालियपोग्गलपरियट्ठे णं भंते ! केवइकालस्स निव्वत्तिज्झइ ? गोयमा ! अणंताहिं उस्सप्पिणिओच्चप्पिणीहिं एवइकालस्स निव्वत्तिज्झइ, एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्ठेवि, एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्ठेवि ॥ एयस्स ण भंते ! ओरालियपोग्गलपरियट्ठनिव्वत्तणाकालस्स वेउव्वियपोग्गल० जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्ठनिव्वत्तणाकालस्स कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे कम्मगपोग्गलपरियट्ठनिव्वत्तणाकाले, तेयापोग्गलपरियट्ठनिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे, ओरालियपोग्गलपरियट्ठ० अणंतगुणे, आणापाणुपोग्गल० अणंतगुणे, मणपोग्गल० अणंतगुणे, वइपोग्गल० अणंतगुणे, वेउव्वियपोग्गलपरियट्ठनिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे ॥ ४४६ ॥ एएसि ण भंते ! ओरालियपोग्गलपरियट्ठाणं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्ठाण य कयरे ० हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वेउव्वियपोग्गलपरियट्ठा, वइपोग्गलपरियट्ठा अणंतगुणा, मणपोग्गलपरियट्ठा अणंतगुणा, आणापाणुपोग्गल० अणंतगुणा, ओरालियपोग्गल० अणंतगुणा, तेयापोग्गल० अणंतगुणा, कम्मगपोग्गल० अणंतगुणा । सेव भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं जाव विहरइ ॥ ४४७ ॥ वररहमे सए चउत्थो उहेसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एव वयासी-अह भंते ! पाणाइवाए मुसावाए अदिण्णादाणे मेहुणे परिगह्हे, एस ण कइवन्ने कइगंधे कइरसे कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! पचवन्ने पंचरसे दुग्ंधे चउफासे पण्णत्ते ॥ अह भंते ! कोहे १ कोवे २ रोसे ३ दोसे ४ अख(मा)मे ५ सजलणे ६ कलहे ७ चंडिक्के ८ मंडणे ९ विवाए १०, एस ण कइवन्ने जाव कइफासे



जंहा नेरइया, धम्मत्थिकाए जाव पोग्गलत्थिकाए। एए सव्वे अवन्ना जाव अफासा,  
 नवरं पोग्गलत्थिकाए पंचवन्ने पंचरसे दुग्धे अट्ठफासे पण्णसे, णाणावरणिज्जे जाव  
 अतराइए एयाणि जाव चउफासाणि, कण्हलेमा ण भंते । कइवन्ना ४ प० १ गोयमा ।  
 दव्वलेस पडुच्च पचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, भावलेस पडुच्च अवन्ना ४, एव  
 जाव सुक्कलेस्सा, सम्मदिट्ठी ३ चक्खुदसणे ४ आभिणिबोहियणाणे ५ जाव विभंगणाणे  
 आहारसन्ना जाव परिग्गहसन्ना एयाणि अवन्नाणि ४, ओरालियसरीरे जाव तेयग-  
 सरीरे एयाणि अट्ठफासाणि, कम्मगसरीरे चउफासे, मणजोगे य वइजोगे य चउफासे,  
 कायजोगे अट्ठफासे, सागारोवओगे य अणागारोवओगे य अवन्ना ७ सव्वदव्वा  
 ण भंते । कइवन्ना ० पुच्छा, गोयमा । अत्थेगइया सव्वदव्वा पचवन्ना जाव अट्ठ-  
 फासा पण्णत्ता, अत्थेगइया सव्वदव्वा पचवन्ना जाव चउफासा पण्णत्ता, अत्थेगइया  
 सव्वदव्वा एगगधा एगवण्णा एगरसा दुफासा पण्णत्ता, अत्थेगइया सव्वदव्वा  
 अवन्ना जाव अफासा पण्णत्ता, एव सव्वपएसवि सव्वपज्जवावि, तीयद्धा अवन्ना  
 जाव अफासा पण्णत्ता, एवं जाव अणागयद्धावि, एव सव्वद्धावि ॥ ४४९ ॥ जीवे णं  
 भंते ! गब्भ वक्कममाणे कइवन्नं कइगंध कइरसं कइफासं परिणाम परिणमइ ?  
 गोयमा । पचवन्न पचरस दुग्ध अट्ठफास परिणाम परिणमइ ॥ ४५० ॥ कम्मओ  
 ण भंते ! जीवे नो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ कम्मओ ण जए नो अकम्मओ  
 विभत्तिभाव परिणमइ ? हंता गोयमा । कम्मओ ण त चेव जाव परिणमइ नो  
 अकम्मओ विभत्तिभाव परिणमइ, सेव भंते ! सेवं भंते ! ति ॥ ४५१ ॥ वारहमे  
 सय पञ्चमो उद्देशो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एव वयासी-बहुजणे णं भंते ! अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव  
 एवं परूवेइ-एव खलु राहु चद गेण्हइ एव २, से कहमेयं भंते । एवं ? गोयमा !  
 जन्न से बहुजणे ण अन्नमन्नस्स जाव मिच्छ ते एव माहंसु, अहं पुण गोयमा !  
 एवमाइक्खामि जाव एव परूवेमि-एव खलु राहु देवे महिद्धिए जाव महेसक्खे  
 वरवत्थधरे वरमल्लधरे वरगंधधरे वराभरणधारी, राहुस्स ण देवस्स नव नामधेज्जा  
 प०, तजहा-सिंघाडए १ जडिलए २ खंभए [ खत्तए ] ३ खरए ४ दहुरे ५ मगरे  
 ६ मच्छे ७ कच्छमे ८ कण्हसप्पे ९, राहुस्स ण देवस्स विमाणा पचवन्ना पण्णत्ता,  
 तजहा-किण्हा नीला लोहिया हालिहा सुक्खिहा, अत्थि कालए राहुविमाणे खजण-  
 वन्नामे पण्णत्ते, अत्थि नीलए राहुविमाणे लाउयवन्नामे प०, अत्थि लोहिए राहुवि-  
 माणे मंजिट्ठवन्नामे प०, अत्थि पीयए राहुविमाणे हालिद्वन्नामे पण्णत्ते, अत्थि सुक्खिहए  
 राहुविमाणे भासरासिवन्नामे पण्णत्ते ॥ जया ण राहु आगच्छमाणे वा गच्छमाणे





भन्ते ! जोइसिदस्स जोइसरज्जो कइ अगमहिंसीओ पण्णात्ताओ ? जहा दममए जाव  
 णो चेव णं मेहुणवत्तिथ । सूरस्सवि तदेव । चंदिमसूरिया णं भन्ते ! जोइसिदा जोइ-  
 सरायाणो केरिसए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणा, विहरन्ति ? गोयमा ! से जहानामए  
 केइ पुरिसे पठमजोव्वणुट्ठाणवलत्थे पठमजोव्वणुट्ठाणवलत्थाए भारियाए माद्धि अन्वि-  
 रवत्तविवाहकजे अत्यगवेसणयाए सोलसवासविप्पवानिए से ण तओ लद्धट्ठे कयकजे  
 अणहमम(ए)गे पुणरवि नियगगिहं हव्वमागए ण्हाए सव्वालकारविभूसिए मणुर्भ  
 थालीपागमुद्धं अट्टारसवजणाउल भोयण भुत्ते समाणे तंसि तारिमगसि वासघरेत्ति  
 वज्जओ महव्वले जाव सयणोवयारकलिए ताए तारिसियाए भारियाए सिंगा  
 रागारचारवेसाए जाव कलियाए अणुरत्ताए अविरत्ताए मणाणुत्ताए सद्धि इट्ठे म्हे  
 फरिसे जाव पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणे विहरइ, ता से ण गोयमा !  
 पुरिसे विउममणकालसमयसि केरिसय मायानोक्ख पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ?  
 ओराल समणाउसो !, तस्स ण गोयमा ! पुरिमस्स कामभोगेहिंतो वागमंतराण  
 देवाण एत्तो अणतगुणविसिद्धतरा चेव कामभोगा, वाणमंतराण देवाण कामभोगेहिंतो  
 असुरिंदवजियाणं भवणवासीण देवाण एत्तो अणतगुणविसिद्धतरा चेव कामभोगा,  
 असुरिंदवजियाण भवणवासियाणं देवाण कामभोगेहिंतो असुरकुमाराण देवाण  
 एत्तो अणतगुणविसिद्धतरा चेव कामभोगा, असुरकुमाराण देवाण कामभोगेहिंतो  
 गहगणनक्खत्ततारावुवाण जोइसियाणं देवाण एत्तो अणतगुणविसिद्धतरा चेव  
 कामभोगा, गहगणनक्खत्त० जाव कामभोगेहिंतो चदिमसूरियाण जोइसियाण जोइ-  
 सराईग एत्तो अणतगुणविसिद्धतरा चेव कामभोगा, चंदिमसूरिया णं गोयमा ! जोइ-  
 सिदा जोइसरायाणो एरिसए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणा विहरन्ति । सेव भन्ते ! सेव  
 भन्ते ! त्ति भगव गोयमे समणं भगव महावीरं जाव विहरइ ॥ ४५५ ॥ बारहमे  
 सए छट्ठो उद्देशो समत्तो ॥

तेणं कालेण तेण समएग जाव एवं वयासी-कैमहालए ण भन्ते ! लोए पन्ते २  
 गोयमा ! महइमहालए लोए पन्ते, पुरच्छिमेण असखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ  
 दाहिणेण असखेज्जाओ एव चेव, एवं पच्चच्छिमेणवि, एवं उत्तरेणवि, एव उट्ठपि, अहे  
 असखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविक्खभेण । एयंसि ण भन्ते ! एमहालयंसि  
 लोगसि अत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ ण अय जीवे न जाए वा न  
 मए वावि ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भन्ते ! एव वुच्चइ एयंसि णं  
 एमहालयंसि लोगंसि नत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ ण अय जीवे ण  
 जाए वा न मए वावि ? गोयमा ! से जहानामए-केइ पुरिसे अयासयस्स एग महं



धावि णं एव चेव, एव जाय मणुस्सेसु, नवरं तेइदिएसु जाव वणस्सइकाइयत्ताए तेइदियत्ताए चउरिदिएसु चउरिदियत्ताए पंनिदियतिरिस्सजोणिएसु पंनिदियतिरिस्सजोणियत्ताए मणुस्सेसु मणुस्सत्ताए सेसं जहा वेंदियाण, चाणमंतरजोइसियसोह्मीसाणेसु य जहा असुरकुमाराण, अयण भंते ! जीवे सणकुमारे कप्पे बारससु विमाणावासरसयसहस्सेसु एगमेगंसि वेमाणियावाससि पुढविकाइयत्ताए सेसं जहा असुरकुमाराण जाव अणतरुत्तो, नो चेव ण देवित्ताए, एवं मव्वजीवावि, एवं जाव आणयपाणएसु, एव आरणगुएसुवि, अयण भंते ! जीवे तिसुवि अट्टारुत्तरेसु गेक्खिज्जविमाणावामसएसु एव चेव, अयण भंते ! जीवे पंचसु अणुत्तरविमाणेसु एगमेगंसि अणुत्तरविमाणसि पुढवि तहेव जाव अणतरुत्तो, नो चेव णं देवत्ताए वा देवित्ताए वा एव सव्वजीवावि । अयण भंते ! जीवे मव्वजीवाण माइत्ताए पियत्ताए भाइत्ताए भणिणित्ताए भज्जत्ताए पुत्तत्ताए धूयत्ताए सुहत्ताए उववन्नपुव्वे ? हता गोयमा ! असइ अदुवा अणतरुत्तो, सव्वजीवावि ण भते ! इमस्स जीवस्स माइत्ताए जाव उववन्नपुव्वे ? हता गोयमा ! जाव अणतरुत्तो, अयण भंते ! जीवे सव्वजीवाण अरित्ताए वेरियत्ताए घायगत्ताए वहगत्ताए पडिणीयत्ताए पयामित्तत्ताए उववन्नपुव्वे ? हता गोयमा ! जाव अणतरुत्तो, सव्वजीवावि ण भते ! एव चेव, अयण भंते ! जीवे सव्वजीवाण रायत्ताए जुवरायत्ताए जाव सत्यवाहत्ताए उववन्नपुव्वे ? हता गोयमा ! असइ जाव अणतरुत्तो, सव्वजीवाण एव चेव । अयण भंते ! जीवे सव्वजीवाण दासत्ताए पेसत्ताए भयगत्ताए भाइल्लगत्ताए भोगपुरिसत्ताए सीसत्ताए वेसत्ताए उववन्नपुव्वे ? हता गोयमा ! जाव अणतरुत्तो, एव सव्वजीवावि जाव अणतरुत्तो । सेव भंते ! सेव भंते ! सि जाव विहरइ ॥ ४५७ ॥ धारहमे सए सत्तमो उहेसो समत्तो ॥

तेण कालेण तेणं समएणं जाव एव वयासी-देवे णं भते ! महिद्धिए जाव महे-सक्खे अणतरं चयं चइत्ता विसरीरेसु नागेसु उववज्जेज्जा ? हता गोयमा ! उववज्जेज्जा, से ण तत्थ अच्चियवंदियपूइयसक्कारियसम्माणिए दिव्वे सधे, सधोवाए संनिहियपाडिहेरे यावि भवेज्जा ? हता भवेज्जा, से ण भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता सिज्जेज्जा बुज्जेज्जा जाव अत करेज्जा ? हता सिज्जेज्जा जाव अत करेज्जा, देवे णं भंते ! महिद्धिए एव चेव जाव विसरीरेसु मणीसु उववज्जेज्जा, एवं चेव जहा नागाण, देवे ण भंते ! महिद्धिए जाव विसरीरेसु स्क्खेसु उववज्जेज्जा ? हता उववज्जेज्जा, एव चेव, नवरं इम नाणत्त जाव सन्निहियपाडिहेरे लाउल्लोइयमहिए यावि भवेज्जा ? हता भवेज्जा, सेस त चेव जाव अत करेज्जा ॥ ४५८ ॥ अह



गोयमा ! रयगण्पभापुढविनेरइएहिंतो उववज्जति नो सक्कर जाव नो अहेसत्तमा-  
 पुढविनेरइएहिंतो उववज्जति, जइ देवेहिंतो उववज्जति किं भवणवासिदेवेहिंतो उव-  
 वज्जति वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! भवण-  
 वासिदेवेहिंतोवि उववज्जति वाणमंतर एव सव्वदेवेसु उववाएयव्वा वक्कतीभेएण जाव  
 सव्वट्ठसिद्धति, धम्मदेवा ण भते ! कओहिंतो उववज्जति किं नेरइएहिंतो० ? एव  
 वक्कतीभेएण सव्वेसु उववाएयव्वा जाव सव्वट्ठसिद्धति, नवर तमा अहेसत्तमाए  
 तेउवाउअसखेज्जासाउयअक्कमभूमियअतरदीवगवजेसु, देवाहिदेवा ण भते !  
 कओहिंतो उववज्जति किं नेरइएहिंतो उववज्जति पुच्छा, गोयमा ! नेरइएहिंतो  
 उववज्जति नो तिरि० नो मणु० देवेहिंतोवि उववज्जति, जइ नेरइएहिंतो एव तिसु  
 पुढवीसु उववज्जति सेसाओ खोडेयव्वाओ, जइ देवेहिंतो० वेमाणिएसु-सव्वेसु  
 उववज्जति जाव सव्वट्ठसिद्धति, सेसा खोडेयव्वा, भावदेवा ण भते ! कओहिंतो  
 उववज्जति ? एव जहा वक्कतीए भवणवासीण उववाओ तहा भाणियव्व ॥ ४६१ ॥  
 भवियदव्वदेवाण भते ! केवइय काल ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेण अतोमुहुत्त  
 उक्कोसेण तिग्गि पलिओवमाइ, नरदेवाण पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेण सत्त वाससयाई  
 उक्कोसेण चउरासीइ पुव्वसयसहस्साइ, धम्मदेवाण भते ! पुच्छा, गोयमा ! जह-  
 न्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण देसूणा पुव्वकोही, देवाहिदेवाण पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेण  
 चावत्तरिं वासाइ उक्कोसेण चउरासीइ पुव्वसयसहस्साइ, भावदेवाण पुच्छा, गोयमा !  
 जहन्नेण दस वाससहस्साइ उक्कोसेण तेत्तीस, सागरोवमाइ ॥ ४६२ ॥ भवियदव्व  
 देवा ण भते ! किं एगत्त पभू विउव्वित्तए पुहुत्त पभू विउव्वित्तए ? गोयमा ! एग-  
 त्तपि पभू विउव्वित्तए पुहुत्तपि पभू विउव्वित्तए, एगत्त विउव्वमाणे एगिदियरूव वा  
 जाव पंचिदियरूव वा पुहुत्त विउव्वमाणे एगिदियरूवाणि वा जाव पंचिदियरूवाणि  
 वा ताइ सखेज्जाणि वा असखेज्जाणि वा सवद्धाणि वा असवद्धाणि वा सरिसाणि  
 वा असरिसाणि वा विउव्वति विउव्वित्ता तओ पच्छा अप्पणो जहिच्छियाइ कज्जाइ  
 करेति, एव नरदेवावि, एवं धम्मदेवावि, देवाहिदेवाण पुच्छा, गोयमा ! एगत्तपि  
 पभू विउव्वित्तए पुहुत्तपि पभू विउव्वित्तए, नो चेव ण सपत्तीए विउव्वित्तु वा विउ-  
 व्विति वा विउव्विस्सति वा । भावदेवाण पुच्छा, जहा भवियदव्वदेवा ॥ ४६३ ॥  
 भवियदव्वदेवाण भते ! अणतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छति कहिं उववज्जति किं  
 नेरइएसु उववज्जति जाव देवेसु उववज्जति ? गोयमा ! नो नेरइएसु उववज्जति नो  
 तिरि० नो मणु० देवेसु उववज्जति, जइ देवेसु उववज्जति सव्वदेवेसु उववज्जति  
 जाव सव्वट्ठसिद्धति । नरदेवा ण भते ! अणतर उव्वट्ठित्ता पुच्छा, गोयमा ! नेरइ-



जस्म णं भंते ! दविद्याया तस्म कसायाया जस्स कमायाया तस्स दविद्याया ?  
 गोयमा ! जस्म दविद्याया तस्म कयायाया सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण  
 कमायाया तस्म दविद्याया नियम अत्थि । जस्स णं भंते ! दविद्याया तस्स  
 जोगाया ? एव जहा दविद्याया कमायाया भणिया तहा दविद्याया जोगायावि भाणि-  
 यव्वा । जस्स णं भंते ! दविद्याया तस्स उवओगाया एवं मव्वत्थ पुच्छा भाणि  
 यव्वा, गोयमा ! जस्म दविद्याया तस्म उवओगाया नियम अत्थि, जस्सपि उवओ  
 गाया तस्सपि दविद्याया नियम अत्थि, जस्स दविद्याया तस्स णाणाया भयणाए,  
 जस्म पुण णाणाया तस्म दविद्याया नियमं अत्थि, जस्म दविद्याया तस्म दमणाया  
 नियम अत्थि, जस्सपि दमणाया तस्स दविद्याया नियमं अत्थि, जस्म दविद्याया  
 तस्स चरित्ताया भयणाए, जस्स पुण चरित्ताया तस्म दविद्याया नियम अत्थि, एवं  
 वीरियायाएवि सम । जस्स णं भंते ! कमायाया तस्स जोगाया पुच्छा, गोयमा !  
 जस्स कसायाया तस्स जोगाया नियम अत्थि, जस्स पुण जोगाया तस्स कसायाया  
 सिय अत्थि सिय नत्थि, एव उवओगायाएवि सम कमायाया नेयव्वा, कसायाया  
 य णाणाया य परोप्परं दोवि भइयव्वाओ, जहा कसायाया य उवओगाया य तहा  
 कमायाया य दंसणाया य कमायाया य चरित्ताया य दोवि परोप्पर भइयव्वाओ,  
 जहा कसायाया य जोगाया य तहा कसायाया य वीरियाया य भाणियव्वाओ,  
 एव जहा कमायायाए वत्तव्वया भणिया तहा जोगायाएवि उवरिमाहिं समं भाणि-  
 यव्वा । जहा दविद्यायाए वत्तव्वया भणिया तहा उवओगायाएवि उवरिमाहिं  
 समं भाणियव्वा । जस्स नाणाया तस्स दसणाया नियम अत्थि, जस्स पुण दमणाया  
 तस्स णाणाया भयणाए, जस्म नाणाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय नत्थि,  
 जस्स पुण चरित्ताया तस्स नाणाया नियम अत्थि, णाणाया वीरियाया दोवि  
 परोप्परं भयणाए । जस्स दसणाया तस्स उवरिमाओ दोवि भयणाए, जस्स पुण  
 ताओ तस्स दसणाया नियमं अत्थि । जस्स चरित्ताया तस्म वीरियाया नियम  
 अत्थि, जस्स पुण वीरियाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय नत्थि ॥ एयासि णं  
 भंते ! दविद्यायाण कसायायाग जाव वीरियायाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?  
 गोयमा ! सव्वत्थोवाओ चरित्तायाओ, नाणायाओ अणतगुणाओ, कसायायाओ  
 अणतगुणाओ, जोगायाओ विसेसाहियाओ, वीरियायाओ विसेसाहियाओ, उवओगद-  
 वियदसणायाओ तिज्जिवि तुल्लाओ विसेसाहियाओ ॥ ४६६ ॥ आया भंते ! नाणे  
 अज्जाणे ? गोयमा ! आया सिय नाणे सिय अज्जाणे, णाणे पुण नियमं आया ॥  
 आया भंते ! नेरइयाण नाणे अज्जे नेरइयाणं नाणे ? गोयमा ! आया नेरइयाण





नो आया य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य ६, से तेणट्टेण त चेव जाव नो आयाइ य ॥ आया भंते । तिपएसिए खंधे अत्ते तिपएसिए खंधे १ गोयमा । तिप एसिए खंधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय आया य नो आयाओ य ५, सिय आयाओ य नो आया य ६ सिय आया य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य ७ सिय आया य अवत्तत्वाइ आया(इ)ओ य नो आयाओ य ८ सिय आयाओ य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य ९ सिय नो आया य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य १० सिय(नो) आया य अवत्तत्वाइ आयाओ य नो आयाओ य ११ सिय नो आयाओ य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य १२ सिय आया य नो आया य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य १३, से केणट्टेण भंते । एव वुच्चइ तिपएसिए खंधे सिय आया एव चेव उच्चारयन्व जाव सिय आया य नो आया य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य १ गोयमा । अप्पणो आइट्टे आया १ परस्म आइट्टे नो आया २ तदुभयस्म आइट्टे अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य ३ देसे आइट्टे सन्भावपज्जवे देसे आइट्टे असन्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य नो आया य ४ देसे आइट्टे सन्भावपज्जवे देसा आइट्टा असन्भावपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य नो आयाओ य ५ देसा आइट्टा सन्भावपज्जवा देसे आइट्टे असन्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य नो आया य ६ देसे आइट्टे सन्भावपज्जवे देसे आइट्टे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य ७ देसे आइट्टे सन्भावपज्जवे देसा आइट्टा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य अवत्तत्वाइ आयाओ य नो आयाओ य ८ देसा आइट्टा सन्भावपज्जवा देसे आइट्टे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य ९, एए तिज्जि भंगा, देसे आइट्टे असन्भावपज्जवे देसे आइट्टे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे नो आया य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य १० देसे आइट्टे असन्भावपज्जवे देसा आइट्टा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे नो आया य अवत्तत्वाइ आयाओ य नो आयाओ य ११ देसा आइट्टा असन्भावपज्जवा देसे आइट्टे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे नो आयाओ य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य १२ देसे आइट्टे सन्भावपज्जवे देसे आइट्टे असन्भावपज्जवे देसे आइट्टे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य नो आया य अवत्तत्वं आयाइ य नो आयाइ य १३, से तेणट्टेण गोयमा । एव वुच्चइ तिपएसिए खंधे सिय आया त चेव जाव नो आयाइ य ॥ आया भते । चउप्पएसिए खंधे अत्ते० पुच्छा, गोयमा । चउप्पएसिए खंधे सिय



फम्म ८ अगगारे केयापटिया ९ समुग्गाए १० ॥ गयगिहे जाव एवं वयासी-  
 ण भत्ते । पुढवीओ पज्जाओ ? गोयमा । सत्त पुढवीओ पज्जाओ, नजटा-रयण  
 प्पभा जाव अहेमत्तामा । इमीसे णं भंते । रयणप्पभाए पुढवीए केइया निरया  
 वाससयसहस्सा पण्णाता ? गोयमा । तीस निरयावाससयसहस्सा पज्जाता, तं  
 भत्ते । किं सखेज्जवित्थं अस्सखेज्जवित्थं ? गोयमा । सखेज्जवित्थं अस्सखेज्ज  
 वित्थं, इमीसे ण भंते । रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्से  
 सखेज्जवित्थं नरएण एगममण केइया नेइया उववज्जति १ ? केइया काव  
 लेस्सा उववज्जति २ ? केइया कण्हपक्खिया उववज्जति ३ ? केइया सुअपक्खिया  
 उववज्जति ४ ? केइया सन्नी उववज्जति ५ ? केइया असन्नी उववज्जति ६ ? केइया  
 भवसिद्धिया जीवा उववज्जति ७ ? केइया अभवसिद्धिया जीवा उववज्जति ८ ?  
 केइया आभिणियोहिनाणी उववज्जति ९ ? केइया सुयनाणी उववज्जति १० ?  
 केइया ओहिनाणी उववज्जति ११ ? केइया मइअन्नाणी उववज्जति १२ ? केइया  
 सुयअन्नाणी उववज्जति १३ ? केइया विभंगनाणी उववज्जति १४ ? केइया  
 चक्खुदसणी उववज्जति १५ ? केइया अचक्खुदसणी उववज्जति १६ ? केइया  
 ओहिदसणी उववज्जति १७ ? केइया आहारसन्नोवत्ता उववज्जति १८ ? केइया  
 भयसन्नोवत्ता उववज्जति १९ ? केइया मेहुणसन्नोवत्ता उववज्जति २० ? केइया  
 परिगहसन्नोवत्ता उववज्जति २१ ? केइया इत्थिवेयगा उववज्जति २२ ? केइया  
 पुरिसवेयगा उववज्जति २३ ? केइया नपुसगवेयगा उववज्जति २४ ? केइया  
 कोहस्ताई उववज्जति २५ जाव केइया लोभकमाई उववज्जति २६ ? केइया  
 सोइदियवत्ता उववज्जति २७ जाव केइया फासिदियोवत्ता उववज्जति २८ ?  
 केइया नोइदियोवत्ता उववज्जति २९ ? केइया मणजोगी उववज्जति ३० ? केइया  
 वइजोगी उववज्जति ३१ ? केइया कायजोगी उववज्जति ३२ ? केइया सागा-  
 रोवत्ता उववज्जति ३३ ? केइया अणागारोवत्ता उववज्जति ३४ ? गोयमा ।  
 इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थं  
 नरएण जहणेण एक्को वा दो वा तिप्पि वा उक्कोसेण सखेज्जा नेइया उववज्जति,  
 जहणेण एक्को वा दो वा तिप्पि वा उक्कोसेण सखेज्जा काउलेस्सा उववज्जति, जहणेण  
 एक्को वा दो वा तिप्पि वा उक्कोसेण सखेज्जा कण्हपक्खिया उववज्जति, एव सुअपक्खि-  
 यावि, एव सन्नीवि एव असन्नीवि, एव भवसिद्धिया एव अभवसिद्धिया, आभिणियोहि-  
 नाणी सुयनाणी ओहिनाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी एव चेव, चक्खु-  
 दसणी ण उववज्जति, जहणेण एक्को वा दो वा तिप्पि वा उक्कोसेण सखेज्जा अचक्खु-

आत्ता १ सिंय नो आत्ता २ सिंय अवत्तम्भं आत्ताइ व नो आत्ताइ य ३ सिंय  
आत्ता व नो आत्ता व ४ सिंय आत्ता व अवत्तम्भं ४ सिंय नो आत्ता व अवत्तम्भं  
४ सिंय आत्ता व नो आत्ता व अवत्तम्भं आत्ताइ य नो आत्ताइ य १९ सिंय आत्ता  
व नो आत्ता य अवत्तम्भाई आत्ताओ व नो आत्ताओ य १० सिंय आत्ता व नो  
आत्ताओ व अवत्तम्भं आत्ताइ व नो आत्ताइ य १८ सिंय आत्ताओ व नो आत्ता  
य अवत्तम्भं आत्ताइ य नो आत्ताइ य १९ । से केवट्ठेयं मति । एवं पुनरु वत्तम्भ-  
एत्थि एत्थि सिंय आत्ता व नो आत्ता व अवत्तम्भं तं चेव वट्ठ पठित्तारोवम्भं  
पोवमा । अप्पमो आत्ते आत्ता १ परस्स आत्ते नो आत्ता २ तटुमयस्स आत्ते  
अवत्तम्भं आत्ताइ व नो आत्ताइ य ३ देसे आत्ते सत्त्मात्तपज्जे देसे आत्ते अस-  
त्त्मात्तपज्जे वत्तमंये सत्त्मात्तपज्जेयं तटुमएव य वत्तमंये असत्त्मात्तमं तटु-  
मएव य वत्तमंये देसे आत्ते सत्त्मात्तपज्जे देसे आत्ते असत्त्मात्तपज्जे देसे  
आत्ते तटुमत्तपज्जे वत्तम्भएत्थि एत्थि आत्ता व नो आत्ता य अवत्तम्भं आत्ताइ व  
नो आत्ताइ व देसे आत्ते सत्त्मात्तपज्जे देसे आत्ते असत्त्मात्तपज्जे देसा आत्ता  
तटुमत्तपज्जा वत्तम्भएत्थि एत्थि आत्ता य नो आत्ता व अवत्तम्भाई आत्ताओ  
व नो आत्ताओ य १० देसे आत्ते सत्त्मात्तपज्जे देसा आत्ता असत्त्मात्तपज्जा  
देसे आत्ते तटुमत्तपज्जे वत्तम्भएत्थि एत्थि आत्ता व नो आत्ताओ व अवत्तम्भं  
आत्ताइ व नो आत्ताइ व १८ देसा आत्ता सत्त्मात्तपज्जा देसे आत्ते असत्त्मात्तपज्जे  
देसे आत्ते तटुमत्तपज्जे वत्तम्भएत्थि एत्थि आत्ताओ व नो आत्ता य अवत्तम्भं  
आत्ताइ य नो आत्ताइ व १९, से केवट्ठेयं पोवमा । एवं पुनरु वत्तम्भएत्थि एत्थि सिंय  
आत्ता सिंय नो आत्ता सिंय अवत्तम्भं निक्खेदे से वत्त मंगा सत्तारोवम्भा वाव नो  
आत्ताइ य ॥ आत्ता मति । पंचपएत्थि एत्थि अन्ने पंचपएत्थि एत्थि । गोस्समा ।  
पंचपएत्थि एत्थि सिंय आत्ता १ सिंय नो आत्ता २ सिंय अवत्तम्भं आत्ताइ य नो  
आत्ताइ व ३ सिंय आत्ता व नो आत्ता व ४ सिंय अवत्तम्भं (४) आत्ता व नो आत्ता व  
४ (नो आत्ता व अवत्तम्भं व ४) सिंयमसंयोगे एत्थे व पक्क, से केवट्ठेयं मति ।  
तं चेव पठित्तारोवम्भं । पोवमा । अप्पमो आत्ते आत्ता १ परस्स आत्ते नो आत्ता  
२ तटुमयस्स आत्ते अवत्तम्भं ३ देसे आत्ते सत्त्मात्तपज्जे देसे आत्ते असत्त्मात्त-  
पज्जे एवं पुनरुमसंयोगे सन्ने पईंति तिग्गसंयोगे एत्थे व पक्क । अप्पएत्थिस्स  
सन्ने पईंति अत्ता अप्पएत्थि एवं वाव वत्तपएत्थि । सेयं मते । तिं मते । ति  
वाव निहरइ ॥ ४९८ ॥ वत्तमो उद्देशो समत्तो वारत्तमं सयं समत्तं ॥  
पुड्ढी १ देव २ मर्जतर ३ पुड्ढी ४ आहारोय ५ वत्तमाए ६ । मासा ७

कम्म ८ अणगारे केयापटिया  
 ण भवे । पुढवीओ पण्णाओ ?  
 प्पभा जाय अहेसत्तमा । इमीसे  
 वासरयसहस्ता पण्णा २ गोद  
 भते । किं संगेज्जवित्थण असग्गे  
 वित्थणवि, इमीसे ण भंते । रय  
 सखेज्जवित्थणेषु नरएसु एगगमएण  
 छेस्सा उववज्जति ७ ? केवइया ण  
 उववज्जति ४ ? केवइया राजी उवव  
 भवसिद्धिया जीवा उववज्जति ७ ?  
 केवइया आभिणिबोहियनाणी उववज्ज  
 केवइया ओहिनाणी उववज्जति ११ ? १  
 सुयभन्नाणी उववज्जति १३ ? केवइय  
 चय्त्तुदंसणी उववज्जति १५ ? केवइया  
 ओहिदसणी उववज्जति १७ ? केवइया १  
 भयसन्नोवउत्ता उववज्जति १९ ? केवइय  
 परिग्गहसन्नोवउत्ता उववज्जति २१ ? के  
 पुरिसवेयगा उववज्जति २३ ? केवइया  
 कोहक्साई उववज्जति २५ जाव केवइ  
 सोइदियउवउत्ता उववज्जति २९ जाव  
 केवइया नोइदियोवउत्ता उववज्जति ३१  
 इया वइजोगी उववज्जति ३३ ? केवइया  
 रोवउत्ता उववज्जति ३५ ? केवइया ४  
 इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए तीसा  
 नरएसु जहणेण एक्को वा दो वा तिणि  
 जहणेण एक्को वा दो वा तिणि वा उक्को  
 एक्को वा दो वा तिणि वा उक्कोसेण संखे  
 यावि, एव सच्चीवि एव असच्चीवि, एवं म  
 यनाणी सुयनाणी ओहिनाणी मइअन्ना  
 वंसणी ण उववज्जति, जहणेण एक्को वा



ईवि, माणकसाई जहा असन्नी, एव जाव लोभकसाई, सखेज्जा सोइदियोवउत्ता प०, एव जाव फासिंदियोवउत्ता, नोईदियोवउत्ता जहा असन्नी, सखेज्जा मणजोगी प०, एव जाव अणागारोवउत्ता, अणतरोववन्नगा सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जहा असन्नी, संखेज्जा परपरोववन्नगा प०, एव जहा अणतरोववन्नगा तहा अणतरोगाढगा अणंतरा-  
हारगा अणंतरपज्जत्तागा चरिमा, परंपरोगाढगा जाव अचरिमा जहा परंपरोववन्नगा ॥  
इमीसे ण भते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु असखेज्ज  
वित्थडेसु नरएसु एगसमएण केवइया नेरइया उववज्जति जाव केवइया अणागारोवउत्ता  
उववज्जति ? गोयमा ! इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु  
असखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएणं जहण्णेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण  
असखेज्जा नेरइया उववज्जति, एव जहेव संखेज्जवित्थडेसु तिन्नि गमगा तहा  
असखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा, नवरं असखेज्जा भाणियव्वा सेस त चेव जाव  
असखेज्जा अचरिमा प०, नाणत्तं लेस्सासु लेसाओ जहा पढमसए नवरं सखेज्जवित्थडेसुवि  
असंखेज्जवित्थडेसुवि ओहिनाणी ओहिदंसणी य सखेज्जा उव्वट्ठवेयव्वा, सेस त चेव ॥  
सक्करप्पभाए ण भंते ! पुढवीए केवइया निरयावास० पुच्छा, गोयमा ! पणवीस  
निरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते ण भते ! किं सखेज्जवित्थडा असखेज्जवित्थडा ?  
एव जहा रयणप्पभाए तहा सक्करप्पभाएवि, नवरं असन्नी तिसुवि गमएसु न भन्नइ,  
सेसं तं चेव । वालुयप्पभाए ण पुच्छा, गोयमा ! पन्नरस निरयावाससयसहस्सा  
प०, सेस जहा सक्करप्पभाए णाणत्तं लेसासु लेसाओ जहा पढमसए ॥ पकप्पभाए ण  
पुच्छा, गोयमा ! दस निरयावाससयसहस्सा प०, एवं जहा सक्करप्पभाए नवरं ओहि-  
नाणी ओहिदंसणी य न उव्वट्ठति, सेस तं चेव ॥ धूमप्पभाए ण पुच्छा, गोयमा !  
तिन्नि निरयावाससयसहस्सा एव जहा पकप्पभाए ॥ तमाए ण भंते ! पुढवीए केवइया  
निरयावास० पुच्छा, गोयमा ! एगे पचूणे निरयावाससयसहस्से पण्णत्ते, सेस जहा  
पंकप्पभाए ॥ अहेसत्तमाए ण भंते ! पुढवीए कइ अणुत्तरा महइमहालया महानि  
रया पज्जता ? गोयमा ! पच अणुत्तरा जाव अपइट्ठाने, ते ण भते ! किं सखेज्ज  
वित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! सखेज्जवित्थडे य असखेज्जवित्थडा य, अहे-  
सत्तमाए ण भंते ! पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालया जाव महानिरएसु सखे  
ज्जवित्थडे नरए एगसमएण केवइया उववज्जति ? एव जहा पंकप्पभाए नवरं तिसु  
नाणेसु न उववज्जति न उव्वट्ठति, पन्नतएसु तहेव अत्थि, एव असखेज्जवित्थडेसुवि  
नवरं असखेज्जा भाणियव्वा ॥ ४६९ ॥ इमीसे ण भते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए  
निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु किं सम्महिट्ठी नेरइया उववज्जति मिच्छ-

ईसमी तत्त्वमस्ति एवं मोक्षिर्द्वयमीति एवं आहारसञ्चोदयतामि वाय परिरग्यसञ्चोद-  
यतामि इत्युच्यते न तत्त्वमस्ति पुरिसवैय्यामि न तत्त्वमस्ति अहमेवं एको वा सो वा  
तिथि वा लङ्घ्येवं संज्ञेया नृपुंसवैय्या तत्त्वमस्ति एवं मोक्षसाई वाय ओमप्रसाद,  
सोईविवोदयता न तत्त्वमस्ति एवं वाय अतिदिवोदयता न तत्त्वमस्ति, अहमेवं एको  
वा सो वा तिथि वा लङ्घ्येवं संज्ञेया मोईविवोदयता तत्त्वमस्ति मन्त्रोपी  
न तत्त्वमस्ति एवं कर्मोपीति अहमेवं एको वा सो वा तिथि वा लङ्घ्येवं संज्ञेया  
अयमोपी तत्त्वमस्ति एवं साधारोदयतामि एवं अयाधारोदयतामि ॥ इमीते न  
मते । रत्नपद्माय पुढवीए टीसाए निरवावाचसकसहस्तेष्ट संज्ञेयमित्यनेष्ट नरएष्ट  
एष्टमएष्ट केन्द्रा मेरवा तत्त्वमस्ति केन्द्रा अठकेस्ता तत्त्वमस्ति वाय  
केन्द्रा अयाधारोदयता तत्त्वमस्ति ? योक्ता । इमीते न रत्नपद्माय पुढवीए  
टीसाए निरवावाचसकसहस्तेष्ट संज्ञेयमित्यनेष्ट नरएष्ट एष्टमएष्ट अहमेवं एको  
वा सो वा तिथि वा लङ्घ्येवं संज्ञेया मेरवा तत्त्वमस्ति एवं वाय सवी अवावी  
न तत्त्वमस्ति, अहमेवं एको वा सो वा तिथि वा लङ्घ्येवं संज्ञेया मवतिथिवा  
तत्त्वमस्ति एवं वाय अयमवावी निमगनापी न तत्त्वमस्ति अचकृत्समी न तत्त्वमस्ति,  
अहमेवं एको वा सो वा तिथि वा लङ्घ्येवं संज्ञेया अचकृत्समी तत्त्वमस्ति एवं  
वाय ओमप्रसाद, सोईविवोदयता न तत्त्वमस्ति एवं वाय अतिदिवोदयता न  
तत्त्वमस्ति अहमेवं एको वा सो वा तिथि वा लङ्घ्येवं संज्ञेया मोईविवोदयता  
तत्त्वमस्ति मन्त्रोपी न तत्त्वमस्ति एवं कर्मोपीति अहमेवं एको वा सो वा तिथि वा  
लङ्घ्येवं संज्ञेया अयमोपी तत्त्वमस्ति एवं साधारोदयतामि अयाधारोदयतामि ॥ इमीते  
न मते । रत्नपद्माय पुढवीए टीसाए निरवावाचसकसहस्तेष्ट संज्ञेयमित्यनेष्ट नरएष्ट  
केन्द्रा मेरवा पञ्चा । केन्द्रा अठकेस्ता ५ वाय केन्द्रा अयाधारोदयता  
पञ्चा । केन्द्रा अचकृत्समी पञ्चा १ । केन्द्रा परंपरोदयता पञ्चा १ ।  
केन्द्रा अचकृत्समी पञ्चा १ । केन्द्रा परंपरोदयता १ । केन्द्रा अचकृत्समी  
राष्ट्र ५ ५ । केन्द्रा परंपराष्ट्र ५ ५ । केन्द्रा अचकृत्समी  
इया परंपरपञ्चा पञ्चा ८ । केन्द्रा अचकृत्समी ५ ५ । केन्द्रा अचकृत्समी ५  
१ । योक्ता । इमीते रत्नपद्माय पुढवीए टीसाए निरवावाचसकसहस्तेष्ट संज्ञेय-  
मित्यनेष्ट नरएष्ट संज्ञेया मेरवा ५ संज्ञेया अठकेस्ता ५ एवं वाय संज्ञेया सवी  
५ अवावी तिथि अतिथि तिथि अतिथि अहमेवं एको वा सो वा तिथि वा  
लङ्घ्येवं संज्ञेया ५ संज्ञेया मवतिथिवा ५ एवं वाय संज्ञेया परिरग्यसञ्चोदयता  
५ इतिवैय्या अतिथि पुरिसवैय्या अतिथि संज्ञेया नृपुंसवैय्या ५ एवं मोक्षसा-



असंखेजवित्यडावि, चोसट्टीए ण भते । असुरकुमारावाससयसहस्सेसु संखेजवित्यडेसु  
 असुरकुमारावासेसु एगसमएण केवइया असुरकुमारा उववज्जति केवइया तेउलेसा  
 उववज्जति केवइया कण्हपक्खिया उववज्जति एव जहा रयणप्पभाए तहेव पुच्छा,  
 तहेव वागरण, नवरं दोहिं वेदेहिं उववज्जति, नपुंसगवेयगा न उववज्जति, सेस त चेव,  
 उव्वट्ठंतगावि तहेव नवरं असजी उव्वट्ठति, ओहिनाणी ओहिदंसणी य ण उव्व-  
 ट्ठति, सेस त चेव, पक्कतएसु तहेव नवरं सखेजगा इत्यिवेदगा पण्णत्ता, एव पुरिस-  
 वेदगावि, नपुसगवेदगा नत्थि, कोहकसाई सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जह-  
 ण्णेण एक्को वा दो वा तिज्जि वा उक्कोसेण सखेज्जा पण्णत्ता, एव माण माया सखेज्जा  
 लोभकसाई पण्णत्ता, सेस त चेव तिसुवि गमएसु सखेजवित्यडेसु चत्तारि लेस्ताओ  
 भाणियव्वाओ, एव असखेजवित्यडेसुवि नवरं तिसुवि गमएसु असखेज्जा भाणियव्वा  
 जाव असखेज्जा अचरिमा पण्णत्ता । केवइया ण भते । नागकुमारावास० एव जाव  
 थणियकुमारावास नवर जत्य जत्थिया भवणा ॥ केवइया ण भते । वाणमंतरावास-  
 सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा । असंखेज्जा वाणमतरावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते ण  
 भते । किं सखेजवित्यडा असखेजवित्यडा ? गोयमा । सखेजवित्यडा नो असखे-  
 जवित्यडा, संखेजेसु ण भते । वाणमंतरावाससयसहस्सेसु एगसमएण केवइया  
 वाणमतरा उववज्जति ? एव जहा असुरकुमाराण, सखेजवित्यडेसु तिज्जि गमगा तहेव  
 भाणियव्वा वाणमतराणवि तिज्जि गमगा । केवइया ण भते । जोइसियविमाणा-  
 वाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा । असखेज्जा जोइसियविमाणावाससयसहस्सा  
 पण्णत्ता ते ण भते । किं सखेजवित्यडा० ? एव जहा वाणमतराण तहा  
 जोइसियविमाणा वि तिज्जि गमगा भाणियव्वा नवर एगा तेउलेस्ता, उववज्जतेसु पण्णत्तेसु  
 य असखेज्जा, सेस त चेव ॥ सोहम्मे ण भते । कप्पे केवइया विमाणावास  
 सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा । बत्तीस विमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते ण भते ।  
 किं सखेजवित्यडा असखेजवित्यडा ? गोयमा । सखेजवित्यडावि असखेजवित्य-  
 डावि, सोहम्मे, असखेजवित्यडा ? गोयमा । सखेजवित्यडावि असखेजवित्य-  
 विमाणेसु एगसमएण भते । कप्पे वत्तीसाए विमाणावाससयसहस्सेसु सखेजवित्यडेसु  
 उववज्जति ? एव जहा केवइया सोहम्मगा देवा उववज्जति केवइया तेउलेसा  
 नत्तं तिसुवि गमगा जोइसियाण तिज्जि गमगा तहेव तिज्जि गमगा भाणियव्वा  
 नत्तं तिसुवि गमगा जोइसियाण, ओहिनाणी ओहिदंसणी य चयावेयव्वा, सेसं तं



नेरइया ण भते । अणतराहारा नओ निव्वत्तणया एवं परियारणापय निरव  
सेस भाणियव्व । सेव भते । सेव भंते । त्ति ॥ ४७३ ॥ तेरहमे सण तइओ  
उद्देसो समत्तो ॥

कइ ण भंते । पुढवीओ पञ्चत्ताओ २ गोयमा । सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ,  
तज्जहा-रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा, अहेसत्तमाए ण भते । पुढवीए पच अणुत्ता  
महइमहालया जाव अपरट्ठाणे, ते ण नरगा छट्ठीए तमाए पुढवीए नरएहिंतो  
महततरा चेव १ महाविच्छिन्नतरा चेव २ महावासतरा चेव ३ महापइरिक्खतरा  
चेव ४, णो तहा महापवेराणतरा चेव १ नो आइअतरा चेव २ नो आउलतरा  
चेव ३ नो अणो(मा)यणतरा चेव ४, तेसु ण नरएसु नेरइया छट्ठीए तमाए पुढवीए  
नेरइएहिंतो महाकम्मतरा चेव १ महाकिरियतरा चेव २ महासवतरा चेव ३  
महावेयणतरा चेव ४ नो तहा अप्पकम्मतरा चेव १ नो अप्पकिरियतरा चेव २  
नो अप्पासवतरा चेव ३ नो अप्पवेयणतरा चेव ४ अप्पिद्धियतरा चेव १ अप्प  
जुइयतरा चेव २ नो तहा महिद्धियतरा चेव १ नो महाजुइयतरा चेव २ । छट्ठीए  
ण तमाए पुढवीए एगे पचूणे निरयावाससयसहस्से पण्णत्ते, ते णं नरगा अहेसत्त-  
माए पुढवीए नरएहिंतो नो तहा महत्तरा चेव महाविच्छिन्नतरा चेव ४, महप्पवेम  
णतरा चेव आइअतरा चेव ४, तेसु ण नरएसु नेरइया अहेसत्तमाए पुढवीए नेर  
इएहिंतो अप्पकम्मतरा चेव अप्पकिरियतरा चेव ४ नो तहा महाकम्मतरा चेव  
महाकिरियतरा चेव ४ महिद्धियतरा चेव महाजुइयतरा चेव, नो तहा अप्पिद्धियतरा  
चेव अप्पजुइयतरा चेव । छट्ठीए ण तमाए पुढवीए नरगा पचमाए धूमप्पभाए पुढ-  
वीए नरएहिंतो महत्तरा चेव ४ नो तहा महप्पवेसणतरा चेव ४, तेसु ण नरएसु  
नेरइया पचमाए धूमप्पभाए पुढवीए नेरइएहिंतो महाकम्मतरा चेव ४ नो तहा  
अप्पकम्मतरा चेव ४ अप्पिद्धियतरा चेव २ नो तहा महिद्धियतरा चेव २, पच  
माए ण धूमप्पभाए पुढवीए तिणि निरयावाससयसहस्सा पञ्चत्ता, एव जहा छट्ठीए  
भणिया एव सत्तवि पुढवीओ परोप्परं भण्णति जाव रयणप्पभत्ति जाव नो तहा  
महिद्धियतरा चेव अप्पजुइयतरा चेव ॥ ४७४ ॥ रयणप्पभापुढविनेरइया ण भते !  
केरिसय पुढविफास पच्चणुव्वभवमाणा विहरंति २ गोयमा । अणिट्ठ जाव अमणाम, एव  
जाव अहेसत्तमापुढविनेरइया, एवं आउफास एव जाव वणस्सइफासं ॥ ४७५ ॥ इमा  
णं भंते ! रयणप्पभापुढवी दोच्चं सक्करप्पमं पुढविं पणिहाय सव्वमहंतिया वाहहेणं  
सव्वखुट्ठिया सव्वतेसु एव जहा जीवाभिगमे विइए नेरइयउद्देसए ॥ ४७६ ॥ इमीसे  
ण भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए णिरयपरिसामतेसु जे पुढविकाइया एव जहा नेरइ-



अहम्मत्तिकाएण जीवाण ठाणनिसीयणतुयट्ठण मणस्स य एगत्तीभावकरणया जे यावमे  
तहप्पगारा थिरा भावा सन्वे ते अहम्मत्तिकाए पवत्तति, ठाणलक्खणे ण अहम्म-  
त्तिकाए ॥ आगासत्तिकाएण भते । जीवाण अजीवाण य किं पवत्तइ ? गोयमा !  
आगासत्तिकाएण जीवदब्बाण य अजीवदब्बाण य भायणभूए-एगेणवि से पुत्ते दोहिवि  
पुत्ते सर्यपि माएज्जा । कोडिसएणवि पुत्ते कोडिसहस्सपि माएज्जा ॥ १॥ अवगाहणा-  
लक्खणे ण आगासत्तिकाए ॥ जीवत्तिकाएण भते । जीवाण किं पवत्तइ ? गोयमा !  
जीवत्तिकाएण जीवे अणताण आभिणिबोहियनाणपज्जवाण अणताण झुयनाणपज-  
वाण एव जहा विइयसए अत्तिकायउद्देसए जाव उवओग गच्छइ, उवओगलक्खणे  
ण जीवे ॥ पोग्गलत्तिकाए णं पुच्छा, गोयमा ! पोग्गलत्तिकाएण जीवाण ओरालि-  
यवेउच्चियआहारगतेयाक्कम्मा मोडदियचक्खिदियघाणिदियजिद्धिभदियफासिंदियम  
णजोगवइजोगकायजोगआणापाणूण च गहण पवत्तइ, गहणलक्खणे णं पोग्गलत्ति-  
काए ॥ ४८० ॥ एगे भते । धम्मत्तिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्तिकायपएसेहिं पुट्ठे ?  
गोयमा ! जहन्नपए तिहिं उक्कोसपए छहिं । केवइएहिं अहम्मत्तिकायपएसेहिं पुट्ठे ?  
गोयमा ! जहन्नपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं । केवइएहिं आगासत्तिकायपएसेहिं  
पुट्ठे ? गोयमा ! सत्तहिं । केवइएहिं जीवत्तिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! अणतेहिं ।  
केवइएहिं पोग्गलत्तिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! अणतेहिं । केवइएहिं अद्दासम  
एहिं पुट्ठे ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे जइ पुट्ठे नियम अणतेहिं ॥ एगे भते ! अहम्म-  
त्तिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्तिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए चउहिं उक्को  
सपए सत्तहिं । केवइएहिं अहम्मत्तिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए तिहिं  
उक्कोसपए छहिं, सेस जहा धम्मत्तिकायस्स ॥ एगे भते । आगासत्तिकायपएसे केव-  
इएहिं धम्मत्तिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे, जइ पुट्ठे जहन्नपए  
एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा चउहिं वा उक्कोसपए सत्तहिं, एव अहम्मत्तिकायपएसे-  
हिवि । केवइएहिं आगासत्तिकाय० ? गोयमा ! छहिं, केवइएहिं जीवत्तिकायपएसेहिं  
पुट्ठे ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे, जइ पुट्ठे नियम अणतेहिं । एव पोग्गलत्तिकायपएसेहिवि  
अद्दासमएहिवि ॥ ४८१ ॥ एगे भते । जीवत्तिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्तिकाय०  
पुच्छा, जहन्नपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं, एव अहम्मत्तिकायपएसेहिवि । केवइएहिं  
आगासत्तिकाय० ? सत्तहिं । केवइएहिं जीवत्ति० ? सेस जहा धम्मत्तिकायस्स ॥  
एगे भते ! पोग्गलत्तिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्तिकायपएसेहिं ? एव जहेव जीव-  
त्तिकायस्स ॥ दो भते ! पोग्गलत्तिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्तिकायपएसेहिं पुट्ठा ?  
जहन्नपए छहिं उक्कोसपए वारसहिं, एव अहम्मत्तिकायपएसेहिवि । केवइएहिं आगा-



एक्केणवि ॥ जत्थ ण भंते । एगे धम्मत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकायपपएसा ओगाढा २ नत्थि एक्कोवि, केवइया अहम्मत्थिकायपपएसा ओगाढा २ एक्को, केवइया आगासत्थिकाय ० २ एक्को, केवइया जीवत्थिकाय ० २ अणता, केवइया पोग्गलत्थिकाय ० २ अणता, केवइया अद्दासमया २ सिय ओगाढा सिय नो ओगाढा जइ ओगाढा अणता । जत्थ ण भंते । एगे अहम्मत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ० २ एक्को, केवइया अहम्मत्थि ० २ नत्थि एक्कोवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । जत्थ ण भंते । एगे आगासत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ० २ सिय ओगाढा सिय नो ओगाढा, जइ ओगाढा एक्को, एव अहम्मत्थिकायपएसावि, केवइया आगासत्थिकाय ० २ नत्थि एक्कोवि, केवइया जीवत्थि ० २ सिय ओगाढा सिय नो ओगाढा, जइ ओगाढा अणता, एव जाव अद्दासमया । जत्थ ण भंते । एगे जीवत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ० २ एक्को, एव अहम्मत्थिकायपएसावि, एव आगासत्थिकायपएसावि, केवइया जीवत्थिकाय ० २ अणता, सेस जहा धम्मत्थिकायस्स । जत्थ ण भंते । एगे पोग्गलत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ० २ एव जहा जीवत्थिकायपएसे तहेव निरवसेसं । जत्थ ण भंते । दो पोग्गलत्थिकायपएसा ओगाढा तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ० २ सिय एक्को सिय दोन्नि, एव अहम्मत्थिकायस्सवि, एवं आगासत्थिकायस्सवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । जत्थ ण भंते । तिन्नि पोग्गलत्थिकायपएसा ओगाढा तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ० २ सिय एक्को सिय दोन्नि सिय तिन्नि, एव अहम्मत्थिकायस्सवि, एव आगासत्थिकायस्सवि, सेस जहेव दोण्ह, एव एक्केक्को वड्डियन्वो पएसो आइलएहिं तिहिं अत्थिकाएहिं, सेसं जहेव दोण्ह जाव दसण्ह सिय एक्को सिय दोन्नि सिय तिन्नि जाव सिय दस, सखेज्जाण सिय एक्को सिय दोन्नि जाव सिय दस सिय सखेज्जा, असखेज्जाण सिय एक्को जाव सिय संखेज्जा सिय असखेज्जा, जहा असखेज्जा एव अणतावि । जत्थ ण भंते । एगे अद्दासमए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ० २ एक्को, केवइया अहम्मत्थिकाय ० २ एक्को, केवइया आगासत्थिकाय ० २ एक्को, केवइया जीवत्थि ० २ अणता, एव जाव अद्दासमया । जत्थ ण भंते । धम्मत्थिकाए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकायपएसा ओगाढा २ नत्थि एक्कोवि, केवइया अहम्मत्थिकाय ० २ असखेज्जा, केवइया आगासत्थि ० २ असखेज्जा, केवइया जीवत्थिकाय ० २ अणता, एवं जाव अद्दासमया । जत्थ ण भंते । अहम्मत्थिकाए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ० २ असखेज्जा, केवइया अहम्मत्थिकाय ० २ नत्थि एक्कोवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स, एवं सन्वे सट्ठाणे नत्थि एक्कोवि





भगव महावीरं तिवृत्तो जाव नमसित्ता एव वयासी-एवमेयं भते । तहमेय भंते । जाव से जहेय तुम्हे वदहत्तिकट्टु जे नवरं देवाणुप्पिया । अभीइकुमारं रजे ठावेमि, तए ण अह देवाणुप्पियाण अतिए मुढे भवित्ता जाव पव्वयामि, अहासुहं देवाणुप्पिया । मा पड्विधं । तए ण से उदायणे राया समणेण भगवया महावीरेण एवं चुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगव महावीरं वदइ नमसइ व० २ ता तमेव आभिसेक्क हत्थि वुरुहइ २ ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ मियवणाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ ता जेणेव वीइभए नयरे तेणेव पहारेत्य गमणाए । तए णं तस्स उदायणस्स रजो अयमेयारुवे अज्झत्थिए जाव समुप्पजित्था-एव खलु अभीइकुमारं मम एगे पुत्ते इट्ठे कते जाव किमग पुण पासण्याए, त जइ ण अह अभीइकुमारं रजे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय मुढे भवित्ता जाव पव्वयामि तो ण अभीइकुमारं रजे य रट्ठे य जाव जणवए य माणुस्सएसु य कामभो गेसु मुच्छिए गिद्धे गडिए अज्झोववजे अणाइयं अणवदग्ग वीहमद्धं चाउरंतससारकत्तारं अणपरियट्ठिस्सइ, त नो खलु मे सेय अभीइकुमारं रजे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए, सेय खलु मे नियगं भाइणेज्जं केसिकुमारं रजे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए, एवं सपेहेइ २ ता जेणेव वीइभए नयरे तेणेव उवागच्छइ २ ता वीइभय नयरं मज्झमज्जेण जेणेव सए गेहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ ता आभिसेक्क हत्थि ठवेइ आभि० २ ता आभिसेक्काओ हत्थीओ पष्शोरुहइ २ ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे निसीयइ २ ता कोडुवियपुरिसे सहावेइ २ ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया । वीइभय नयरं सन्भितरबाहिरियं जाव पच्चप्पिणति, तए ण से उदायणे राया दोक्षपि कोडुवियपुरिसे सहावेइ २ ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया । केसिस्स कुमारस्स महत्थं ३ एवं रायामि सेओ जहा सिवभइस्स कुमारस्स तहेव भाणियव्वो जाव परमाउ पालयाहि इट्ठजणसंपरिवुढे सिंधुसोवीरपामोक्खाण सोलसण्ह जणवयाण, वीइभयपामोक्खाण तिण्णि तेसट्ठीण नगरागरसयार्ण, महसेणपामोक्खाण दसण्ह राईण अत्तेसिं च बहूण राईसर जाव कारेमाणे पालेमाणे विहराहित्तिकट्टु जयजयसह पडंजंति । तए ण से केसीकुमारं राया जाए महया जाव विहरइ । तए ण से उदायणे राया केसिं रायाण आपुच्छइ, तए ण से केसीराया कोडुवियपुरिसे सहावेइ एवं जहा जर्माळिस्स तहेव सन्भितरबाहिरिय तहेव जाव निक्खमणाभिसेय उवट्ठवेइ, तए ण से केसीराया अणेगगणायग जाव संपरिवुढे उदायण राय सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे निसी-



ताओ देवलोगाओ आउक्खएण ३ अणतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उवव  
ज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्जिहिइ जाव अत काहिइ, सेव भते ! सेव  
भते ! ति ॥ ४९१ ॥ तेरहमे सए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एव वयासी-आया भते ! भासा अन्ना भासा ? गोयमा ! नो  
आया भासा अन्ना भासा, रु(वि)वी भते ! भासा अरूवी भासा ? गोयमा ! रूवी  
भासा नो अरूवी भासा, सचित्ता भते ! भासा अचित्ता भासा ? गोयमा !  
नो सचित्ता भासा अचित्ता भासा, जीवा भते ! भासा अजीवा भासा ?  
गोयमा ! नो जीवा भासा अजीवा भासा । जीवाण भंते ! भासा अजी  
वाण भासा ? गोयमा ! जीवाण भासा नो अजीवाण भासा, पुर्व्वि भते !  
भासा भासिज्जमाणी भासा भासासमयवीडक्कता भासा ? गोयमा ! नो पुर्व्वि  
भासा भासिज्जमाणी भासा णो भासासमयवीडक्कता भासा, पुर्व्वि भते ! भासा  
भिज्जइ, भासिज्जमाणी भासा भिज्जइ, भासासमयवीडक्कता भासा भिज्जइ ? गोयमा !  
नो पुर्व्वि भासा भिज्जइ, भासिज्जमाणी भासा भिज्जइ, नो भासासमयवीडक्कता भासा  
भिज्जइ । कइविहे ण भंते ! भासा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा भासा पण्णत्ता,  
तजहा-सच्चा, मोसा, सच्चा मोसा, असच्चा मोसा ॥ ४९२ ॥ आया भंते ! मणे अणे  
मणे ? गोयमा ! नो आया मणे अणे मणे, जहा भासा तहा मणेवि जाव नो अजी  
वाण मणे, पुर्व्वि भंते ! मणे मणिज्जमाणे मणे ० ? एव जहेव भासा, पुर्व्वि भंते !  
मणे भिज्जइ, मणिज्जमाणे मणे भिज्जइ, मणसमयवीडक्कते मणे भिज्जइ ? एव जहेव  
भासा । कइविहे ण भते ! मणे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे मणे पन्नत्ते, तंजहा-  
सच्चे जाव असच्चा मोसे ॥ ४९३ ॥ आया भते ! काए अणे काए ? गोयमा ! आयावि  
काए अणेवि काए, रूवी भते ! काए अरूवी काए ? गोयमा ! रूवीवि काए  
अरूवीवि काए, एव एक्केक्के पुच्छा, गोयमा ! सचित्तेवि काए अचित्तेवि काए, जीवेवि  
काए अजीवेवि काए, जीवाणवि काए अजीवाणवि काए, पुर्व्वि भते ! काए पुच्छा,  
गोयमा ! पुर्व्विपि काए काइज्जमाणेवि काए कायसमयवीडक्कतेवि काए, पुर्व्वि भते !  
काए भिज्जइ पुच्छा, गोयमा ! पुर्व्विपि काए भिज्जइ काइज्जमाणेवि काए भिज्जइ, काय-  
समयवीडक्कतेविकाए भिज्जइ ॥ कइविहे ण भते ! काए पन्नत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे काए  
पन्नत्ते, तंजहा-ओरालिए ओरालियमीसए वेउव्विए वेउव्वियमीसए आहारए आहार-  
गमीसए कम्मए ॥ ४९४ ॥ कइविहे ण भते ! मरणे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे मरणे  
पण्णत्ते, तजहा-आवीचियमरणे ओहिमरणे आईतियमरणे वालमरणे पडियमरणे ।  
आवीचियमरणे ण भते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तजहा-दब्बा-



प०, त०-नीहारेनेच अनीहारेनेच जाव न्दियनं अगडि(हने)अन्ने । मन्त्रकडने  
 ० मने ' अन्निहे प० ? एवं तं चैव न्वरं न्दियनं उपदिअन्ने । सेवं न्वे । ० ति  
 ॥ ४९५ ॥ तेरहमे नप सत्तमो उहेसो समत्तो ॥

अन्ने न मने अन्नादीओ पण्णाओ ? गोयमा ! अन्ने कन्नादीओ पण्णा  
 आओ, एवं ववट्टिउत्तेओ मात्तिअन्ना निरवसेओ जहा पण्णाए । सेवं न्वे ! से  
 न्वे ' ति ॥ ४९६ ॥ तेरहमे नप अट्टमो उहेसो समत्तो ॥

रायगिहे चव एव वदाओ-से जहानामए-केड पुत्तसे केयगडिय गहाय गच्छेज,  
 एवामेव अगारेते मात्तिअन्ना केयगडियात्तिअहन्त्याए, अप्पणेनं उहुं वेहसं  
 उप्पआ ? हुंदा गोयमा ' जाव समुप्पआ, अगारे ० मने । मात्तिअन्ना केव  
 आट पनू केयगडियात्तिअहन्त्याए त्वाड तिउत्तिअ ? गोयमा ! से जहानाम-  
 उवड उवणे हन्तेणं हत्थेणं जहा तड्यअ, ज्वमुत्तेए जाव नो चैव नं सुत्तं,  
 तिउत्तिअ वा तिउत्तिअ वा तिउत्तिअ वा, से जहानामए-केड पुत्तसे हिर  
 पे(डि)उ गहाय गच्छेज, एवामेव अगारेते मात्तिअन्ना तिरपेलहन्त्याए  
 अयाओ सेसुत चैव, एवं उवउपेत्तं, एव रमणेत्तं वड(य)पेत्तं वन्नेपेल आनर पेत्तं,  
 एवं तिउत्तिअ(डि)उ उवट्टिउ वन्नेउत्तं केवउत्तं, एव अन्नां उवमां उवन्ना  
 सेसामार हिरामार उवन्ना वडमां, से जहानामए-वन्नुओ तिया येति पाए  
 उवन्नि २ उवन्नाया जहेत्तिउ तिउत्तज, एवामेव अगारेते मात्तिअन्ना वरुत्तं  
 आओ अप्पणेनं उहुं वेहसं एवं जहेवउवन्नाया मात्तिअन्ना चव तिउत्तिअ  
 वा, से जहानामए-उत्तेओ तिया उट्ठात्ति कयं उव्विहिय २ गच्छेज, एवामेव  
 सेस जहा वरुत्तं, से जहा गमए-वीरवीयसत्तेओ तिया येति पाए समुत्तं  
 ० गच्छेज, एवामेव अगारे सेस तं चैव, से जहा गमए-पत्तिउत्तं तिया  
 त्ताओ कन्ने डेवनागे गच्छेज, एवामेव अगारे सेस तं चैव, से जहानामए-  
 जेववासात्तेओ तिया येति पाए समुत्तं २ गच्छेज, एवामेव अगारे  
 सेस तं चैव, से जहानामए-हत्ति तिया तीरओ तीर अन्निअन्नाओ २ गच्छेज,  
 एवामेव अगारे हत्तिअन्ना अप्पणेनं सेस तं चैव, से जहानामए-सुत्तं  
 वात्तए तिया वीडेओ वीड डेवनागे गच्छेज, एवामेव जहेव, से जहानामए-केड  
 पुत्तसे चड गहाय गच्छेज, एवामेव अगारेते मात्तिअन्ना वडकेअहन्त्याए  
 अप्पणेनं सेस जहा केयगडियाए, एवं उव, एव वान, से जहानामए-केड पुत्तसे  
 उव गहाय गच्छेज, एव चैव, एव वट्ट वट्टियं जाव तिउं, एव उवउहत्ता  
 पट्टहत्ता इत्तुहत्ता, एव जाव से जहानामए-केड पुत्तसे सहत्तपमां

वीथिकमरने खेतावीथिकमरने चक्रवावीथिकमरने भाषावीथिकमरने भाषावीथिय  
मरने दम्भावीथियमरने वं मंते । कश्मिहे पण्यते । योयमा । अठमिहे पण्यते  
तंवाहा-मेरुदम्भावीथिकमरने तिरिक्खमोयियदम्भावीथिकमरने मनुस्सदम्भा-  
वीथियमरने देवदम्भावीथिकमरने से केण्ठुं मंते । एवं पुण्ण मेरुदम्भावीथिक-  
मरने नेरुदम्भावीथिकमरने । योयमा । अण्ण मेरुदम्भा वेरुदम्भा वड्ढाणा जाई  
दम्भाई नेरुदम्भाडयत्ताए णड्डियाई वड्ढाई पुड्डाई वड्ढाई पड्डुवियाई निविड्डाई अमि-  
निविड्डाई अमिसमपान्णयाई मरंति ताई दम्भाई माणी(वि)वी मनुसममं निरंतरं  
मरंतिपिण्डु से सेण्ठुं वं योयमा । एवं पुण्ण मेरुदम्भावीथिकमरने एवं जाव देव-  
दम्भावीथियमरने । खेतावीथिकमरने वं मंते । कश्मिहे पण्यते । योयमा । अठमिहे  
पण्यते तंवाहा-मेरुदम्भावीथिकमरने जाव देवखेतावीथिकमरने से केण्ठुं मंते ।  
एवं पुण्ण मेरुदम्भावीथिकमरने २ । योयमा । अण्ण मेरुदम्भा नेरुदम्भा से वड्ढाणा  
जाई दम्भाई मेरुदम्भाडयत्ताए एवं अहेव दम्भावीथिकमरने तहेव खेतावीथिक-  
मरनेणि एवं जाव भाषावीथिकमरने । अठमिहे वं मंते । कश्मिहे पण्यते ।  
योयमा । पंचमिहे पण्यते, तंवाहा-दम्भोद्धिमरने खेताद्धिमरने जाव भाषोद्धिमरने ।  
दम्भोद्धिमरने वं मंते । कश्मिहे पण्यते । योयमा । अठमिहे पण्यते, तंवाहा-मेरु-  
दम्भोद्धिमरने जाव देवदम्भोद्धिमरने से केण्ठुं मंते । एवं पुण्ण मेरुदम्भोद्धि-  
मरने २ । योयमा । अण्ण मेरुदम्भा मेरुदम्भा वड्ढाणा जाई दम्भाई धंपं मरंति  
अण्ण मेरुदम्भा ताई दम्भाई अण्णाय कश्मि पुण्येणि मरिस्संति से सेण्ठुं वं योयमा ।  
जाव दम्भोद्धिमरने एवं तिरिक्खमोयिय मनुस्स देवदम्भोद्धिमरनेणि एवं एण्णं  
मनेनं येत्तोद्धिमरनेणि अठोद्धिमरनेणि मठोद्धिमरनेणि भाषोद्धिमरनेणि । जाईतिक्-  
मरने वं मंते । पुण्ण योयमा । पंचमिहे पण्यते तं—दम्भाईतिक्मरने खेताईतिक्-  
मरने जाव भाषाईतिक्मरने दम्भाईतिक्मरने वं मंते । कश्मिहे प । योयमा ।  
अठमिहे प तं—नेरुदम्भाईतिक्मरने जाव देवदम्भाईतिक्मरने से केण्ठुं मंते ।  
एवं पुण्ण मेरुदम्भाईतियमरने २ । योयमा । अण्ण मेरुदम्भा वेरुदम्भा  
वड्ढाणा जाई दम्भाई धंपं मरंति से वं मेरुदम्भा ताई दम्भाई अण्णाय कश्मि तो  
पुणोणि मरिस्संति से सेण्ठुं वं जाव मरने एवं तिरिक्ख मनुस्स देवाईतिक्मरने  
एवं खेताईतिक्मरनेणि एवं जाव भाषाईतिक्मरनेणि । जावमरने वं मंते । कश्मिहे  
प । योयमा । इष्टावधिहे प तं —कम्ममरने वडा वरंए जाव विड्डिण्डु ।  
पंडिकमरने वं मंते । कश्मिहे पण्यते । योयमा । पुमिहे पण्यते, तंवाहा-पामोव-  
मने व मण्णवण्णाय व । पायोवण्णाय वं मंते । कश्मिहे प । योयमा । इमिहे

समष्टे, नेरइया ण एगममएण वा दुगमएण वा तिसमएण वा निगहएण उवज्जति,  
 नेरइयाग गोयमा । तद्वा सीद्वा गद्दे तद्वा सीद्दे गद्दविगए पग्गत्ते, एवं जाव वेमाणि-  
 याण, न्मरं एगिदियाण चउममइए निगहए भाणियग्गे, मेसं त चेव ॥ ५०० ॥  
 नेरइया णं भते । किं अणतरोववज्जगा परंपरोववज्जगा अणतरपरंपरअणुववज्जगा ?  
 गोयमा । नेरइया ण अणतरोववज्जगावि परंपरोववज्जगानि अणतरपरंपरअणुववज्जगानि,  
 से केणट्ठेण भते । एव पुनइ जाव अणतरपरंपरअणुववज्जगावि ? गोयमा । जे णं  
 नेरइया पुढमममोववज्जगा ते ण नेरइया अणतरोववज्जगा, जे णं नेरइया अपटम  
 समयोववज्जगा ते ण नेरइया परंपरोववज्जगा, जे ण नेरइया निगहगइसमावज्जगा ते  
 ण नेरइया अणंतरपरंपरअणुववज्जगा, से तेणट्ठेण जाव अणुववज्जगावि, एवं निरतरं  
 जाव वेमाणिया १ । अणतरोववज्जगा ण भते । नेरइया किं नेरइयाउय पकरंति,  
 तिरिक्खं मणुस्सं देवाउयं पकरंति ? गोयमा । नो नेरइयाउय पकरंति जाव नो  
 देवाउय पकरंति । परंपरोववज्जगा ण भते । नेरइया किं नेरइयाउयं पकरंति जाव  
 देवाउय पकरंति ? गोयमा । नो नेरइयाउयं पकरंति, तिरिक्खज्जोणियाउय पकरंति,  
 मणुस्साउयपि पकरंति, नो देवाउयं पकरंति । अणतरपरंपरअणुववज्जगा ण भते ।  
 नेरइया किं नेरइयाउय पकरंति पुच्छा, गोयमा । नो नेरइयाउयं पकरंति जाव नो  
 देवाउय पकरेन्ति, एव जाव वेमाणियाण, नवर पच्चिदियतिरिक्खज्जोणिया मणुस्सा य  
 परंपरोववज्जगा चत्तारिवि आठयाइ पकरंति (बध)ति, सेसं त चेव ॥ नेरइया ण भते । किं  
 अणतरनिगगया परंपरनिगगया अणतरपरंपरअणिगगया ? गोयमा । नेरइया ण अणंतर-  
 निगगयावि जाव अणतरपरंपरअणिगगयावि, से केणट्ठेण भते । जाव अणिगगयावि ?  
 गोयमा । जेण नेरइया पढमममयणिगगया ते ण नेरइया अणतरनिगगया, जे ण नेरइया  
 अपढमसमयणिगगया ते ण नेरइया परंपरनिगगया, जे ण नेरइया निगहगइसमा  
 वज्जगा ते ण नेरइया अणतरपरंपरअणिगगया, से तेणट्ठेण गोयमा । जाव अणिगग-  
 यावि, एव जाव वेमाणिया ३ ॥ अणतरनिगगया ण भते । नेरइया किं नेरइया  
 उय पकरंति जाव देवाउय पकरंति ? गोयमा । नो नेरइयाउय पकरंति जाव नो  
 देवाउयं पकरंति । परंपरनिगगया ण भते । नेरइया किं नेरइयाउयं पुच्छा,  
 गोयमा । नेरइयाउयपि पकरंति जाव देवाउयपि पकरंति । अणतरपरंपरअणिगगया  
 ण भते । नेरइया पुच्छा, गोयमा । नो नेरइयाउयं पकरंति जाव नो देवाउय  
 पकरंति, एव निरवसेस जाव वेमाणिया ४ ॥ नेरइया ण भते । किं अणतर-  
 खेदोववज्जगा परंपरखेदोववज्जगा अणतरपरंपरखेदाणुववज्जगा ? गोयमा । नेरइया  
 एव एएण अभिल्लवेण त चेव चत्तारि दइगा भाणियन्वा । सेवं भते । सेव  
 भते । ति जाव विहरइ ॥ ५०१ ॥ चौदसमसयस्स पढमो उद्देशो समत्तो ॥

पहाव पच्छेज्जा, एवं चेव, से बहानामए—केह पुरिसे मिसं बबहाजिब २ पच्छेज्जा,  
एवामेव अजगारेमि मिसंजिबगएवं अण्णामेवं तं चेव से बहानामए—मुवाज्जिवा  
जिवा उदमंति क्खनं उम्मज्जिब २ विट्ठिज्जा एवामेव सेसं बहा वम्भुमीए, ३ बहा-  
वामए—वज(ज)रीसे सिया जिन्हे जिन्होमाठी जाल मिज्जुवमए पयसीए ४ एवामेव  
जजगारेमि मासिबप्या बजसंजिबगएवं अण्णामेवं उहुं वेहासं उप्पएज्जा सेसं तं  
चेव से बहानामए—पुक्खरिणी सिवा बज्जोवा उमतीरा अल्लुप्पाम्माज्जान बावउहु  
ज्जम्महुरसरवाप्ता पासाईवा ५ एवामेव अजगारेमि मासिबप्या पोक्खरिणीजिब-  
वएवं अण्णामेवं उहुं वेहासं उप्पएज्जा ॥ इत्तां उप्पएज्जा, अजगारे वं मंते ।  
मासिबप्या केव्वइवई वम्भु पोक्खरिणीजिबववाइ ववाइ मिउज्जितए, सेसं तं चेव  
जाव मिउज्जित्तेति वा । से मंते । किं माई मिउज्जइ अमाई मिउज्जइ । गोक्खमा ।  
मार्गं मिउज्जइ नो अमाई मिउज्जइ, माई वं तस्स ठावस्स अजज्जोस्स एव—बहा  
उदवसए वदत्तुस्सए वाव अरिब तस्स माउहणा । ॥॥ मंते । ॥॥ मंते । ति जाव  
मिहए ॥ ४९७ ॥ तेरहमे सए वज्जमो उहेसो समसो ॥

वज्ज वं मंते । जज्जमसिबसमुत्ताया पवत्ता ॥ वीक्खमा । ॥ जज्जमसिवा उमु-  
त्ताया पवत्ता, उवज्ज—वैज्जामसुत्ताए एवं जज्जमसिबसमुत्ताया वैक्खमा बहा  
पवत्ताए जाव अज्जामसमुत्ताएति । सेवं मंते । सेवं मंते । ति जाव मिहए  
॥ ४९८ ॥ तेरहमे सए वज्जमो उहेसो समसो तेरसमे सए समसं ॥

—जर १ उम्माम २ उरीरे ३ पोमाज ४ अयनी ५ उहा जिम्माहारे ६ । उंविहु  
७ मंतरे जहु ८ अजगारे ९ केव्वी चेव १ ॥ १ ॥ उवपिहे जाव एवं ववासी-  
अजगारे वं मंते । मासिबप्या जरमं वेवासासं वीरुंते परमं वेववासासं पते एव  
वं वंतरा क्खनं करेज्जा तस्स वं मंते । क्खिं पयं क्खिं उक्खाए पवत्ते । वीयमा । सेसं  
तत्थ पारि(म)स्सयो लोका वैवमासा तस्मिं तस्स पयं तस्मिं तस्म उक्खाए पवत्ते से व  
तत्थाए विराहेज्जा कम्मवेस्सायेव पारि(म)वज्जइ, से व तत्थ मए नो विराहेज्जा तामेव  
केरुं उक्खपजित्तव मिहए ॥ अजगारे वं मंते । मासिबप्या जरमं अउत्तमार-  
वासं वीरुंते परमं अउत्तमार एव चेव एवं जाव वसिबुत्तमारवासं वेरसिया-  
वासं एवं वैमासिवात्तरी जाव मिहए ॥ ४९९ ॥ येरइवव मंते । क्खं वीहा पई  
क्खं सीहे पयसिउए पण्णते । वीयमा । ॥ बहानामए—केह पुरिसे तस्म वत्तं  
हुववं जाल मिउज्जित्तेतिपयए जाउंतिव वई पयारीज्जा पयारीवं वा वई जाउंतिज्जा  
मिउज्जित्तं वा मुत्तिं पयारीज्जा पयारीवं, वा मुत्तिं मिउज्जित्तेज्जा उम्मज्जित्तं वा  
अरिउ मिउज्जित्तेज्जा मिमिउतिवं वा अरिउ उम्मिउज्जा, मने एवस्मिं । नो इपेहे



कहमियाणि पकरेइ ? गोयमा ! ताहे चेव ण से ईसाणे देविदे देवराया अम्भित  
रपरियए देवे गहावेइ, तए ण ते अम्भितरपरितगा देवा सहागिया गमाणा एवं  
जहेव सपस्स जाव तए ण ते आभिओगिया देवा सहागिया गमाणा तमुपाइए  
देवे सहावेति, तए ण ते तमुपाइया देवा सहागिया गमाणा तमुपायं पकरेति,  
एव गल्लु गोयमा ! ईसाणे देविदे देवराया तमुपाय पकरेइ ॥ अत्थि ण भंते !  
असुरकुमारावि देवा तमुपाय पकरेति ? हता अत्थि । किं पत्तिपन्न भंते ! असुर-  
कुमारा देवा तमुपायं पकरेति ? गोयमा ! हिंदारदपत्तिं वा पटिणीयविमोहणट्टयाए  
वा गुत्तीसरकणहेइ वा अप्पगो वा गरीरपच्छायणट्टयाए, एव गल्लु गोयमा !  
असुरकुमारावि देवा तमुपाय पकरेति, एवं जाव वेमाणिया । सेव भंते । २ ति  
जाव विहरइ ॥ ५०४ ॥ चोहसमसयस्स वीओ उहेसो समत्तो ॥

देवे ण भंते ! महाकाए महासरीरे अणगारस्स भावियप्पणो मज्झमज्जेण  
वीईवएज्जा ? गोयमा ! अत्येगइए वीईवएज्जा अत्येगइए नो वीईवएज्जा, से केणट्ठेण  
भंते ! एव बुयइ अत्येगइए वीईवएज्जा अत्येगइए नो वीईवएज्जा ? गोयमा ! देवा  
दुविहा पण्णत्ता, तजहा—माइमिच्छादिट्ठिउववन्नगा य अमाइगम्मदिट्ठिउववन्नगा य,  
तत्थ ण जे से माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए देवे से ण अणगारं भावियप्पाण पासइ ?  
त्ता नो वदइ नो नमसइ नो सपारेइ नो गम्माणेइ नो कणाण भगल देवय जाव पज्जु  
वासइ, से ण अणगारस्स भावियप्पणो मज्झमज्जेण वीईवएज्जा, तत्थ ण जे से अमाइ  
सम्मदिट्ठिउववन्नए देवे से ण अणगारं भावियप्पाण पासइ पासित्ता वंदइ नमसइ  
जाव पज्जुवासइ, से ण अणगारस्स भावियप्पणो मज्झमज्जेण नो वीईवएज्जा, से  
तेणट्ठेण गोयमा ! एव बुयइ जाव नो वीईवएज्जा । असुरकुमारे ण भंते ! महाकाए  
महासरीरे एव चेव, एव देवदढओ भाणियव्वो जाव वेमाणिए ॥ ५०५ ॥ अत्थि  
ण भंते ! नेरइयाण सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा किङ्कम्मेइ वा अब्भुट्ठाणेइ वा अज-  
लिपगगहेइ वा आसणाभिगगहेइ वा आसणाणुप्पदाणेइ वा इतस्स पञ्चुगच्छगया  
ठियस्स पज्जुवासणया गच्छतस्स पडिससाहणया ? नो इणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं  
भंते ! असुरकुमाराण सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा जाव पडिससाहणया ? हता  
अत्थि, एव जाव थणियकुमाराण, पुढविकाइयाण जाव चउरिंदियाणं एएसिं जहा  
नेरइयाणं, अत्थि ण भंते ! पचिंदियतिरिक्खजोणियाण सक्कारेइ वा जाव पडिस-  
साहणया ? हता अत्थि, नो चेव ण आसणाभिगगहेइ वा आसणाणुप्पदाणेइ वा,  
मणुस्साण जाव वेमाणियाण जहा असुरकुमाराण ॥ ५०६ ॥ अप्पिद्धिए ण भंते !  
देवे महिद्धियस्स देवस्स मज्झमज्जेण वीईवएज्जा ? नो इणट्ठे समट्ठे, समिद्धिए

बुद्धिहे भं मते । अम्माए पण्णते । गोवमा । बुद्धिहे अम्माए पण्णते । तंबहा-  
 बककावेसे न मोहमिजस्स न अम्मस्स उवएणं । तत्त नं जे से बककावेसे से न  
 उववियत्तवराए पेव उवमिमेयवत्तवराए पेव तत्त नं जे से मोहमिजस्स अम्मस्स  
 उवएणं से नं उववियत्तवराए पेव उवमिमोयवत्तवराए पेव ॥ वेएस्सने मते ।  
 अम्माए पण्णते । गोवमा । बुद्धिहे अम्माए पण्णते, तंबहा-बककावेसे न  
 मोहमिजस्स न अम्मस्स उवएणं से केवट्टियं मते । एवं सुवद मेरइवाणं बुद्धिहे  
 अम्माए पण्णते । तंबहा-बककावेसे न मोहमिजस्स अम्मस्स उवएणं । गोवमा ।  
 देवे वा से अत्तमे पोम्मके पमिजवेजा से नं तेसि अत्तमाणं सेमगाणं पमिजवक-  
 वाए बककावेसे अम्माणं पाठवेजा मोहमिजस्स वा अम्मस्स उवएणं मोहमिज  
 अम्माणं पाठवेजा से तेणट्ठेणं वाव उवएणं । अत्तउम्माणं मते । अम्माए  
 अम्माए पण्णते । एवं अत्तेव मरइयाणं नवरे देवे वा ॥ मज्झिमवराए पेव अत्तमे  
 पोम्मके पमिजवेजा से नं तेसि अत्तमाणं पोम्मकाणं पमिजवकवाए बकका(ए)वेसे  
 अम्माणं पाठवेजा मोहमिजस्स वा सेउं तं नद, से तेणट्ठेणं वाव उवएणं  
 एवं वाव वमिजउम्माणं उवमिजइवाणं वाव मत्तुस्साणं एएति सहा मेरइवाणं  
 वायमत्तवरेउडिवायमिवाणं अहा अत्तउम्माणं ॥ ५, १ ॥ अत्ति नं मते ।  
 पण्णे अम्माणी । बुद्धिअणं पकरे । इत्ता अत्ति ॥ वाहे नं मते । सत्ते देविदे  
 देवरत्ता बुद्धिअणं अत्तअमे मवद से अम्मियाणि पकरे । गोवमा । तत्ते वव नं  
 से सत्ते देविदे देवरत्ता अम्मिअरपरि(हा)ए देवे उववेर, तए नं ते अम्मिअरपरि  
 सव्व देवा सहामिवा अमाणा मज्झिमपरिअए देवे सहावेति तए नं से मज्झिमप-  
 रिअव्व देवा सहामिवा अमाणा बाहिरपरिअए देवे सहावेति तए नं से बाहिरपरि  
 सव्व देवा सहामिवा अमाणा बाहिरबाहिरपा देवा सहावेति तए नं से बाहिरबाहिर-  
 पा देवा सहामिवा अमाणा आमिओमिपु देवे सहावेति तए नं से वाव सहामिवा  
 अमाणा बुद्धिअए देवे सहावेति तए नं से बुद्धिअइवा देवा सहामिवा अमाणा  
 बुद्धिअणं पकरेति एवं अत्त गोवमा । सत्ते देविदे देवरत्ता बुद्धिअणं पकरे ॥  
 अत्ति नं मते । अत्तउम्माणं देवा बुद्धिअणं पकरेति । इत्ता अत्ति ॥ पत्तिअणं  
 मति । अत्तउम्माणं देवा बुद्धिअणं पकरेति । गोवमा । ये इमे अरइत्ता मत्तवत्ता  
 एएति नं अम्मअम्मइमाह वा निअअम्मअम्मइमाह वा अत्तप्याअम्मइमाह वा  
 पत्तिअम्मअम्मइमाह वा एवं अत्त गोवमा । अत्तउम्माणं देवा बुद्धिअणं पकरेति  
 एवं नापउम्माणं एवं वाव वमिजउम्माणं वायमत्तवरेउडिवायमिवा एवं पेव  
 ॥ ५, १ ॥ वाहे नं मते । इत्ताये देविदे देवरत्ता अत्तउम्माणं अत्तअमे मवद से

नेरइए ण भंते । अगणिकायस्स मज्झमज्जेण वीईवएज्जा २ गोयमा । अत्थेगइए  
 वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, से केणट्ठेण भंते । एवं दुग्घइ अत्थेगइए  
 वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा २ गोयमा । नेरइया दुविहा पण्णत्ता, तजहा-  
 विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य, 'तत्थ णं जे से विग्गहग-  
 समावन्नए नेरइए से णं अगणिकायस्स मज्झमज्जेण वीईवएज्जा, से णं तत्थ  
 झियाएज्जा २ णो इणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, तत्थ ण जे से  
 अविग्गहगइसमावन्नए नेरइए से ण अगणिकायस्स मज्झमज्जेण णो वीईवएज्जा, से  
 तेणट्ठेण जाव नो वीईवएज्जा ॥ असुरकुमारे ण भंते । अगणिकायस्स० पुच्छा,  
 गोयमा । अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा से केणट्ठेण जाव नो  
 वीईवएज्जा २ गोयमा । असुरकुमारा दुविहा पण्णत्ता, तजहा-विग्गहगइसमावन्नगा  
 य अविग्गहगइसमावन्नगा य, तत्थ ण जे से विग्गहगइसमावन्नए असुरकुमारे से  
 ण एव जहेव नेरइए जाव कमइ, तत्थ ण जे से अविग्गहगइसमावन्नए असुर-  
 कुमारे से ण अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झमज्जेण वीईवएज्जा, अत्थेगइए नो  
 वीईवएज्जा, जे ण वीईवएज्जा से ण तत्थ झियाएज्जा २ नो इणट्ठे समट्ठे, नो खलु  
 तत्थ सत्थं कमइ, से तेणट्ठेण एव जाव थणियकुमारे, एगिदिया जहा नेरइया ।  
 वेइदिए ण भंते । अगणिकायस्स मज्झमज्जेण जहा असुरकुमारे तहा वेइदिएवि,  
 नवरं जे ण वीईवएज्जा से ण तत्थ झियाएज्जा २ हता झियाएज्जा, सेस त चेव  
 एव जाव चउरिदिए ॥ पच्चिदियतिरिक्खजोणिए ण भंते । अगणिकाय० पुच्छा,  
 गोयमा । अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, से केणट्ठेण० २ गोयमा ।  
 पच्चिदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पण्णत्ता, तजहा-विग्गहगइसमावन्नगा य  
 अविग्गहगइसमावन्नगा य, विग्गहगइसमावन्नए जहेव नेरइए जाव नो खलु तत्थ  
 सत्थं कमइ, 'अविग्गहगइसमावन्नगा पच्चिदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पण्णत्ता,  
 तजहा-इण्डिप्पत्ता य अणिण्डिप्पत्ता य, तत्थ ण जे से इण्डिप्पत्ते पच्चिदियतिरिक्ख  
 जोणिए से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झमज्जेण वीईवएज्जा अत्थेगइए नो  
 वीईवएज्जा, जे ण वीईवएज्जा से ण तत्थ झियाएज्जा २ नो इणट्ठे समट्ठे, नो खलु  
 तत्थ सत्थं कमइ, तत्थ ण जे से अणिण्डिप्पत्ते पच्चिदियतिरिक्खजोणिए से ण  
 अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झमज्जेण वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, जे ण  
 वीईवएज्जा से ण तत्थ झियाएज्जा २ हता झियाएज्जा, से तेणट्ठेण जाव नो वीईव-  
 (झिया)एज्जा, एव मणुस्सेवि, वाणमतरजोइसियवेमाणिए जहा असुरकुमारे ॥५१४॥  
 नेरइया दस ठाणाइ पण्णत्ताभवमाणा विहरंति, तजहा-अणिट्ठा सहा अणिट्ठा हंवा

ને મેટે ! જેણે સમિધિવસ્ત્ર રેવસ્ત્ર મગ્ધોમગ્ધેન ધીરૈવદ્યા ! જો રુદ્રે સમદે, પચ્છે  
 પુન ધીરૈવદ્યા છે ને મેટે ! કિં સત્ત્વેન અદમિતા પમ્ અદમિતા પમ્ !  
 ગોચમા ! અદમિતા પમ્ જો અદમિતા પમ્, છે ને મેટે ! કિં પુનિ સત્ત્વેન  
 અદમિતા પચ્છ ધીરૈવદ્યા પુનિ ધીરૈવદ્યા પચ્છા સત્ત્વેન અદમેચા ! એનં એનં  
 અમિત્ત્વેન અદા રસમસપ અદ્વિત્ત્વેસપ તદ્વેન નિરવશેષં જાત્રી રિદગા માનિવદ્યા  
 જાત્ર મદ્વિદ્યા વૈમાનિજી અપિદ્વિદ્યા વૈમાનિજી ॥ ૫ ॥ ૭ ॥ રવમપ્પમાપુહમિનેર  
 રુદા નં મટે ! કેરિસર્વં પોચ્છપરિણામં પચ્છુમ્મકમાત્તા મિહરંતિ ! ગોચમા !  
 અમિદ્વં જાત્ર અમત્ત્વં એનં જાત્ર અદ્વેસત્ત્માપુહમિનેરુદા એનં વેદનાપરિણામં એનં  
 અદા જીવદમિત્ત્વે મિરુ નેરુદ્વેસપ જાત્ર મદ્વેસત્ત્માપુહમિનેરુદા નં મટે ! કેરિસર્વં  
 પરિચ્છદ્વસાપરિણામં પચ્છુમ્મકમાત્તા મિહરંતિ ! ગોચમા ! અમિદ્વં જાત્ર અમત્ત્વં ।  
 છેનં મટે ! ૨ પિ ॥ ૫ ॥ ૮ ॥ જોરુસમસપસ્ત તદ્વચ્છો ડહેસો સમત્તો ॥  
 એસ નં મટે ! પોચ્છે ધીતમર્નં સાસર્વં સમર્વં કુલ્લની સમર્વં અકુલ્લની સમર્વં  
 કુલ્લની વા અકુલ્લની વા પુનિ જ નં કર્ણેનં અબેવદર્ણં અબેવદર્ણં પરિણામં  
 પરિચ્છદ્, અદ્ છે પરિણામે મિત્તિએ મદ્વ તત્ત્વો પચ્છા એવચ્છે એવચ્છે ધિયા !  
 રૂતા પોચ્છમા ! એસ નં પોચ્છાએ ધીતં તં જેવ જાત્ર એવચ્છે ધિયા ॥ એસ નં મટે !  
 પોચ્છાએ પદ્ધપ્પર્ણં સાસર્વં સમર્વં । એનં જેવ એનં અજાપચ્છમર્નંતપિ ॥ એસ નં મટે !  
 અબે ધીતમર્નં । એનં જેવ અબેચ્છે અદા પોચ્છાએ ॥ ૫ ॥ ૯ ॥ એન નં મટે ! જીવે  
 ધીતમર્નં સાસર્વં સમર્વં કુલ્લની સમર્વં અકુલ્લની સમર્વં કુલ્લની વા અકુલ્લની વા પુનિ  
 જ નં કર્ણેનં અબેવદર્ણં અબેવદર્ણં પરિણામં પરિચ્છદ્, અદ્ છે વેદમિત્તે મિત્તિએ મદ્વ  
 તત્ત્વો પચ્છા એવચ્છે એવચ્છે ધિયા ! રૂતા પોચ્છમા ! એસ નં જીવે જાત્ર એવચ્છે  
 ધિયા એનં પદ્ધપ્પર્ણં સાસર્વં સમર્વં એનં અજાપચ્છમર્નંત સાસર્વં સમર્વં ॥ ૫ ॥ ૧૦ ॥  
 પરમાત્તુપોચ્છાએ નં મટે ! કિં સાસર્વં અસાસર્વં ? પોચ્છમા ! સિત્ત સાસર્વં સિત્ત  
 અસાસર્વં, છે કિંચ્છેનં મટે ! એનં કુલ્લં સિત્ત સાસર્વં સિત્ત અસાસર્વં ? પોચ્છમા !  
 રુદ્વપ્પમાર્વ સાસર્વં, અજાપચ્છાએ જાત્ર પચ્છપચ્છાએ જાસાસર્વં, છે તેજ્જીવં જાત્ર  
 ધિય સાસર્વં સિત્ત અસાસર્વં ॥ ૫ ॥ ૧૧ ॥ પરમાત્તુપોચ્છાએ નં મટે ! કિં જારીમે  
 અજારીમે ! પોચ્છમા ! રુદ્વાદેસેનં જો જારીમે અજારીમે જોતાદેસેનં સિત્ત જારીમે  
 ધિય અજારીમે અજારીમે સિત્ત જારીમે સિત્ત અજારીમે અજારીમે સિત્ત જારીમે  
 સિત્ત અજારીમે ॥ ૫ ॥ ૧૨ ॥ અદ્વિદ્વે નં મટે ! પરિણામે પચ્છતે ! પોચ્છમા ! કુલ્લે  
 પરિણામે પચ્છતે રૂત્તજા-જીવપરિણામે ન અજીવપરિણામે જ એનં પરિણામત્ત્વં  
 નિરવશેષં માનિવદર્ણં । છેનં મટે ! ૨ પિ જાત્ર મિહરં ॥ ૫ ॥ ૧૩ ॥ જોરુસમસ-  
 વસ્ત્ર અડત્ત્વો ડહેસો સમત્તો ॥

नेरइए ण भते । अगणिकायस्स मज्झमज्जेण वीईवएज्जा ? गोयमा । अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, से केणट्टेण भते । एव धुचट्ठ अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा ? गोयमा । नेरइया दुविहा पण्णत्ता, तजहा-विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य, तत्थ ण जे से विग्गहगइसमावन्नए नेरइए से णं अगणिकायस्स मज्झमज्जेण वीईवएज्जा, से ण तत्थ झियाएज्जा ? णो इणट्टे समट्टे, नो ण तु तत्थ सत्थं कमइ, तत्थ ण जे से अविग्गहगइसमावन्नए नेरइए ने ण अगणिकायस्स मज्झमज्जेण णो वीईवएज्जा, से तेणट्टेण जाव नो वीईवएज्जा ॥ असुरकुमारे ण भते । अगणिकायस्स० पुच्छा, गोयमा । अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा से केणट्टेण जाव नो वीईवएज्जा ? गोयमा । असुरकुमारा दुविहा पण्णत्ता, तजहा-विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य, तत्थ णं जे से विग्गहगइसमावन्नए असुरकुमारे से ण एव जहेव नेरइए जाव कमइ, तत्थ ण जे से अविग्गहगइसमावन्नए असुरकुमारे से ण अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झमज्जेण वीईवएज्जा, अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, जे ण वीईवएज्जा से ण तत्थ झियाएज्जा ? नो इणट्टे समट्टे, नो ण तु तत्थ सत्थं कमइ, से तेणट्टेण एव जाव थणियकुमारे, एगिंदिया जहा नेरइया । वेइदिए ण भते । अगणिकायस्स मज्झमज्जेण जहा असुरकुमारे तहा वेइदिएवि, नवरं जे ण वीईवएज्जा से ण तत्थ झियाएज्जा ? हता झियाएज्जा, सेस त चेव एव जाव चउरिंदिए ॥ पचिंदियतिरिक्खजोणिए ण भते । अगणिकाय० पुच्छा, गोयमा । अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, से केणट्टेण० ? गोयमा । पचिंदियतिरिक्खजोणिआ दुविहा पण्णत्ता, तजहा-विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य, विग्गहगइसमावन्नए जहेव नेरइए जाव नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, अविग्गहगइसमावन्नगा पचिंदियतिरिक्खजोणिआ दुविहा पण्णत्ता, तजहा-इद्धिप्पत्ता य अणिद्धिप्पत्ता य, तत्थ ण जे से इद्धिप्पत्ते पचिंदियतिरिक्खजोणिए से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झमज्जेण वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, जे ण वीईवएज्जा से ण तत्थ झियाएज्जा ? नो इणट्टे समट्टे, नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, तत्थ ण जे से अणिद्धिप्पत्ते पचिंदियतिरिक्खजोणिए से ण अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झमज्जेण वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, जे ण वीईवएज्जा से ण तत्थ झियाएज्जा ? हता झियाएज्जा, से तेणट्टेण जाव नो वीईव-  
(झिया)एज्जा, एव मणुस्सेवि, वाणमतर्जोडसियवेमाणिए जहा असुरकुमारे ॥५१४॥ नेरइया दस ठाणाइ पच्चणवभवमाणा विहरति, तजहा-अणिट्ठा सहा अणिट्ठा रुवा

अभिष्टा गवा अभिष्टा रसा अभिष्टा कक्षा अभिष्टा यई अभिष्टा डिई अभिष्टा क्यवे  
 अभिष्टा वयोमिटी अभिष्टा चक्राभ्यम्भकमीरिबपुरिचकारपरकमे । अमुत्तमात्ता  
 सच अत्रार्थं पञ्चभुम्भकमाणा निहरंति तंवाहा-रुद्रा सहा रुद्रा रुद्रा रुद्रा रुद्रा रुद्रा  
 रुद्राभ्यम्भकमीरिबपुरिचकारपरकमे एवं वाच-अभिष्टात्तात्ता ॥ पुत्राभिष्टात्ता  
 रुद्राभाई पञ्चभुम्भकमाणा निहरंति तं-रुद्राभिष्टा फरा रुद्राभिष्टा यई एवं वाच  
 परकमे एवं वाच वयस्सहस्रकम् । येईदिना रात्राभाई पञ्चभुम्भकमाणा निहरंति  
 तंवाहा-रुद्राभिष्टा रसा सेधे वाहा पृथिविवाचं तेईदिना वं अरुद्राभाई पञ्चभुम्भक-  
 माणा निहरंति तं-रुद्राभिष्टा गवा सेधे वाहा येईदिनाचं अरिदिनाचं न गवाभाई  
 पञ्चभुम्भकमाणा निहरंति तं-रुद्राभिष्टा रुद्रा सेधे वाहा तेईदिनाचं पंथिविवाचिरी  
 क्यवेयिया सच अत्रार्थं पञ्चभुम्भकमाणा निहरंति तंवाहा-रुद्राभिष्टा सहा वाच  
 परकमे एवं स्तुत्तामि वाचमंतरयोविचयेमाविवा वाहा अमुत्तमात्ता ॥ ५१५ ॥  
 हेवे वं मंत । मक्षिष्टि ए वाच महेसकळे बाहिर ए पेरगळे अपरिवात्ता पम्  
 विरिपपम्भवं वा विरिवासिपि वा अविपप वा अविपप वा । गोक्मा । वो इष्टे  
 समुद्रे । हेवे वं मंते । मक्षिष्टि ए वाच महेसकळे बाहिर ए येम्भके परियवत्ता  
 पम् विरिप वाच अविपप वा । इष्टा पम् । एवं मंते । एवं मंते । ति ॥ ५१६ ॥  
 ओहृष्टमे सच पञ्चमो सहेसो समुद्रो ॥

रुद्राभिष्टे वाच एवं क्यष्टी-वेष्टा वं मंते । निमाहात्ता निपरिवात्ता निवे-  
 विवा निष्टिईवा पञ्चत्ता । गोक्मा । वेष्टा वं पेरगळाहात्ता येम्भकपरिवात्ता  
 येम्भकयोविवा येम्भकमिष्टीवा क्यमोवता क्यमविवात्ता क्यमिष्टीवा क्यमुवा(वे)मेव  
 निपरिवात्तामंति एवं वाच वेमाविवा ॥ ५१७ ॥ वेष्टा वं मंते । नि निविष्टाभाई  
 आहारंति अदीविष्टाभाई आहारंति । गोक्मा । वेष्टा निविष्टाभाईपि आहारंति  
 अदीविष्टाभाईपि आहारंति से केपटुवं मंते । एवं मुक्क वेष्टा नीवि तं येव  
 वाच आहारंति । गोक्मा । से वं वेष्टा पयपयत्ताभाईपि रप्पाई आहारंति तं वं  
 वेष्टा निविष्टाभाई आहारंति से वं वेष्टा पयिपुत्ताभाई रप्पाई आहारंति से वं  
 वेष्टा अदीविष्टाभाई आहारंति से तेनटुवं गोक्मा । एवं मुक्क वाच आहारंति  
 एवं वाच वेमाविवा आहारंति ॥ ५१८ ॥ आहे वं मंत । सहे रेविरे वैरात्ता  
 रिप्पाई भोयमोवाई मुष्टिकंभमे मक्क से क्यमिवाचि पकर । गोक्मा । ताहे  
 येव वं से सहे रेविरे वैरात्ता एव म्हा येमिपिकुमं मित्राप्प, एवं ओक्कसक-  
 सहस्रं वाचाम्भिनचमिचं तिनि ओक्कसकसहस्राई वाच अदीपुवं व निविष्टे  
 ताहिचं परियवेवेवं सस वं निविष्टिवात्ता अरिं अमुत्तमात्तामिने मुमिमागे पञ्चे

जाव मणीण फासे, तस्स ण नेमिपडिरूवगस्स बहुमज्झदेसभागे तत्थ णं महं एग पासायवडिंमग विउव्वड पंच जोयणसयाइ उट्ठ उच्चतेण, अट्ठाइजाइ जोयणगयाइं विक्खभेण, अब्भुगगयमूसियवजओ जाव पडिरूव, तस्स ण पासायवडिंमगस्स उओए पडमलयभत्तिचित्ते जाव पडिरूवे, तस्म ण पासायवडिंमगस्स अतो बहुसमरमणिजे भूमिभाए जाव मणीण फासो, मणिपेडिया अट्ठजोयणिया जहा वेमाणियाण, तीसे ण मणिपेडियाए उवरिं मह एगे देवसयणिजे विउव्वड सयणिज्वजओ जाव पडिरूवे, तत्थ ण से मङ्गे देविंदे देवराया अट्ठहिं अग्गमहिंसीहिं सपरिवाराहिं दोहि य अणिएहिं त०—नट्ठाणिण य गधन्वाणिण य सद्धिं महयाहयनट्ठ जाव दिव्वाइं भो भोगाड भुजमाणे विहरइ ॥ जाहे णं ईसाणे देविंदे देवराया दिव्वाइ जहा सक्के तहा ईसाणेवि निरवसेस, एव मणकुम्भारेवि, नवरं पासायवडिंसओ छ जोयणसयाइ उट्ठ उच्चतेण तिनि जोयणसयाइं विक्खभेण, मणिपेडिया तहेव अट्ठजोयणिया, तीसे णं मणिपेडियाए उवरिं एत्थ ण महेग सीहामण विउव्वड सपरिवारं भाणियव्व, तत्थ ण सणकुम्भारे देविंदे देवराया यावत्तरीए मामाणियसाहस्सीहिं जाव चउहिं यावत्तरीहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं य वट्ठहिं सणकुम्भारकप्पवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहिं य देवीहिं य सद्धिं सपरिवुडे महया जाव विहरइ । एवं जहा सणकुम्भारे तहा जाव पाणओ अञ्चओ, नवर जो जस्स परिवारो सो तस्स भाणियव्वो, पासा यउच्चत्त ज सएसु २ कप्पेसु विमाणण उच्चत्त अद्धद्व वित्थारो जाव अञ्चुयस्स नवजोयणसयाइ उट्ठ उच्चतेण अद्धपंचमाइ जोयणसयाइ विक्खभेण, तत्थ ण गोयमा ! अञ्चुए देविंदे देवराया दसहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव विहरइ, सेव भत्ते । २ ति ॥ ५१९ ॥ चोदसमे सए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव परिसा पडिगया, गोयमाइ समणे भगव महावीरे भगव गोयमं आमतेत्ता एव वयासी-चिरससिट्ठोऽति मे गोयमा । चिरसथुओऽति मे गोयमा । चिरपरिचिओऽति मे गोयमा । चिरजुसिओऽति मे गोयमा । चिराणुगओऽति मे गोयमा । चिराणुवत्तीसि मे गोयमा । अणतर देवलोए अणतर माणुस्सए भवे किं परं मरणा कायस्स भेदा हओ चुया दोवि तुल्ल एगट्ठा अविसेसमणाणत्ता भवि स्सामो ॥ ५२० ॥ जहा ण भत्ते ! वय एयमट्ठ जाणामो पासामो तहा ण अणुत्तरो ववाइया देवावि एयमट्ठ जाणति पासति ? हता गोयमा । जहा णं वय एयमट्ठ जाणामो पासामो तहा ण अणुत्तरोववाइया देवावि एयमट्ठ जाणति पासति, से केणट्ठेण जाव पासति ? गोयमा । अणुत्तरोववाइयाण अणताओ मणोदव्ववग्गणाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमन्नागयाओ भवति, से तेणट्ठेण गोयमा । एवं वुच्चइ जाव

अभिष्टु रंवा अभिष्टु रसा अभिष्टु फरा अभिष्टु रंई अभिष्टु ठिई अभिष्टु मन्वे  
अभिष्टु चसोभिटी अभिष्टु इष्टुअकम्मवज्जीरिबपुरित्तापरत्तमे । अष्टुअसा  
रस ठावां पत्तुअममाणा निहरंति तंवा-इष्टु चहा इष्टा रसा वाव र्हे  
इष्टुअकम्मवज्जीरिबपुरित्तापरत्तमे एवं वाव अभिष्टुमाउ ॥ पुष्टिअइया  
इष्टुवां पत्तुअममाणा निहरंति तं -इष्टुअिष्टु फरा इष्टुअिष्टु रंई एवं वाव  
परत्तमे एवं वाव वनत्तइष्टुवा । वेईरिया धात्तुवां पत्तुअममाणा निहरंति  
तंवा-इष्टुअिष्टु रसा सेच वहा एविमिवायं तंईरिया रं अष्टुअवां पत्तुअममा-  
णा निहरंति तं -इष्टुअिष्टु रंवा सेच वहा वेईरिया रं वरिंरिया रं मत्तुअवां  
पत्तुअममाणा निहरंति तं-इष्टुअिष्टु रसा सेच वहा वेईरिया रं पंविमिवायं  
वज्जीरिवा इव ठावां पत्तुअममाणा निहरंति तंवा-इष्टुअिष्टु चहा वाव  
परत्तमे एवं मत्तुअमि वावमत्तरवोत्तिवमेमिवा वहा अष्टुअमाउ ॥ ५१५ ॥  
वेई रं मंते । महेत्तिप वाव महेत्तुवे वाहिरप वेम्मेके अपरिअइया पम्  
तिरियपम्मे व तिरीयमिति वा वविताप वा पविताप वा । योम्मा । जो इवत्ते  
समत्ते । वेई रं मंते । महेत्तिप वाव महेत्तुवे वाहिरप वेम्मेके परिवाहता  
पम् तिरीव वाव पविताप वा । इत्ता पम् । वेई मंते । वेई मंते । ति ॥ ५१६ ॥  
वोइसमे सव पत्तुअमे व्हेसो समत्तो ॥

एवमिहे वाव एवं वज्जी-मत्तुआ रं मंते । मिमाहारा विपरिपामा विन्ने-  
विज्ज विट्ठिवा पत्तुआ । योम्मा । नेत्तुआ रं वेम्मेअहाउ वेम्मेअपरिपामा  
वेम्मेअवोमिवा वेम्मेअट्ठिवा कम्मोवपा कम्मनिवाणा कम्मट्ठिवा कम्मुवा(वे)मेव  
विपरिपाममंति एवं वाव वैमाविवा ॥ ५१७ ॥ वेत्तुआ रं मंते । वि विविद्व्वां  
आहारंति वजीविद्व्वां आहारंति । योम्मा । वेत्तुआ वीविद्व्वांपि आहारंति  
वजीविद्व्वांपि आहारंति से वेम्मेवे रं मंते । एवं पुत्त वेत्तुआ वीवि तं वेव  
वाव आहारंति । योम्मा । वि रं वेत्तुआ एवपत्तुवार्पि व्वां आहारंति से रं  
वेत्तुआ वीविद्व्वां आहारंति, वे रं वेत्तुआ पत्तिपुत्तार् व्वां आहारंति से रं  
वेत्तुआ वजीविद्व्वां आहारंति से वेम्मेवे योम्मा । एवं पुत्त वाव आहारंति  
एवं वाव वेम्मेविज्ज आहारंति ॥ ५१८ ॥ वाहे रं मंते । एत्ते वेविरे वेवत्तुआ  
विद्व्वां भोमभोगां मुत्तिवेनामे गत्त से वज्जीवावि पत्तुइ । योम्मा । ताहे  
वेव रं से एत्ते वेविरे वेवत्तुआ एवं मत्त वेम्मेविज्जमं विजम्मे, एवं वीववत्तु-  
त्तइत्तं वायाम्मिक्कमिने तिथि वीववत्तुत्तइत्तं वाव वत्तुत्तं रं विविमिसे-  
छाहिं परिकवेने तत्त रं वेम्मेविज्जत्त वज्जी वज्जुत्तमममिने म्मिमाने पत्तु



चउरंसस्स सठाणस्स सठाणओ तुत्ते, समचउरसे संठाणे समचउरससंठाणवइरितस्स  
 सठाणस्स सठाणओ नो तुत्ते, एव परिमडले, एव जाव हुडे, से तेणट्ठेणं जाव सठा  
 णतुट्ठए २ ॥ ५२२ ॥ भत्तपच्चक्खायए ण भत्ते ! अणगारे मुत्तिट्ठए जाव अज्झो-  
 ववन्ने आहारमाहारेइ अहे ण वीससाए काल करेइ तओ पच्छा अमुत्तिट्ठए अगिदे  
 जाव अणज्झोववन्ने आहारमाहारेइ २ हता गोयमा ! भत्तपच्चक्खायए ण अणगारे  
 त चेव, से केणट्ठेण भन्ते ! एव बुच्चइ भत्तपच्चक्खायए ण त चेव, गोयमा ! भत्त  
 पच्चक्खायए ण अणगारे मुत्तिट्ठए जाव अज्झोववन्ने आहारे भवइ, अहे ण वीससाए  
 काल करेइ तओ पच्छा अमुत्तिट्ठए जाव आहारे भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव  
 आहारमाहारेइ ॥ ५२३ ॥ अत्थि ण भत्ते ! लवसत्तमा देवा २ २ हता अत्थि, से  
 केणट्ठेणं भन्ते ! एव बुच्चइ लवसत्तमा देवा २ २ गोयमा ! से जहानामए-केइ पुरिसे  
 तरुणे जाव निउणसिप्पोवगए सालीण वा वीहीण वा गोवूमाण वा जवाण वा  
 जवजवाण वा प(पि)क्काण परियाताण हरियाण हरियकडाण तिक्खेण णवपज्जणएण  
 असिअएण पडिसाहरिया २ पडिसखिविया २ जाव इणामेव (२) तिकट्ठु सत्तल्वए  
 लुएज्जा, जड ण गोयमा ! तेसिं देवाण एवइय काल आउए पहुप्पए तो णं ते देवा  
 तेण चेव भवग्गहणेण तिज्झ(ता)ति जाव अत करेति, से तेणट्ठेणं जाव लवसत्तमा देवा  
 लवसत्तमा देवा ॥ ५२४ ॥ अत्थि ण भत्ते ! अणुत्तरोववाइया देवा २ २ हता अत्थि,  
 से केणट्ठेण भत्ते ! एवं बुच्चइ अणुत्तरोववाइया देवा २ २ गोयमा ! अणुत्तरोववाइ-  
 याण देवाण अणुत्तरा सद्दा अणुत्तरा रुवा जाव अणुत्तरा फामा, से तेणट्ठेणं गोयमा !  
 एव बुच्चइ जाव अणुत्तरोववाइया देवा २ । अणुत्तरोववाइया ण भत्ते ! देवा केवइएण  
 कम्मावनेसेण अणुत्तरोववाइयदेवत्ताए उववन्ना २ गोयमा ! जावइय छट्ठभत्तिए समणे  
 निग्गये कम्म निजरेइ एवइएण कम्मावनेसेण अणुत्तरोववाइया देवा देवत्ताए उव  
 वन्ना । सेव भत्ते ! २ ति ॥ ५२५ ॥ चोहसमे सए सत्तमो उहेसो समत्तो ॥

इमीसे ण भत्ते ! रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए य पुढवीए केवइय अवाहाए  
 अतरे पण्णत्ते २ गोयमा ! असखेज्जाइ जोयणसहस्साइ अवाहाए अतरे पण्णत्ते,  
 सक्करप्पभाए ण भत्ते ! पुढवीए वालुयप्पभाए य पुढवीए केवइय ० २ एव चेव, एव  
 जाव तमाए अहेसत्तमाए य, अहेसत्तमाए णं भत्ते ! पुढवीए अलोगस्स य केवइय  
 अवाहाए अतरे पण्णत्ते २ गोयमा ! असखेज्जाइ जोयणसहस्साइ अवाहाए अतरे  
 पण्णत्ते । इमीसे ण भत्ते ! रयणप्पभाए पुढवीए जोइत्थियस्स य केवइय पुच्छा,  
 गोयमा ! सत्तनडए जोयणसए अवाहाए अतरे पण्णत्ते, जोइत्थियस्स ण भत्ते !  
 सोहम्मीसाणाण य कप्पाण केवइयं पुच्छा, गोयमा ! असखेज्जाइ जोयण जाव

पाठसि ॥ ५९१ ॥ अथैवे नं गते । तुभ्यं पश्यते । गोमया । छन्निहे तुभ्यं  
 पश्यते । तंजहा-रम्भतुभ्यं, चेततुभ्यं, अकतुभ्यं, मकतुभ्यं, माकतुभ्यं, संकतुभ्यं,  
 से केवदुर्नं मते । एवं तुभ्यं रम्भतुभ्यं २ । गोमया । परमातुभ्येभ्यो परमातुभ्येभ्यस्तस्य  
 रम्भो भो तुभ्यं, परमातुभ्येभ्यो परमातुभ्येभ्यस्तस्य रम्भो भो तुभ्यं, उपपत्ति  
 र्भवे उपपत्तिस्तस्य र्भस्तस्य रम्भो तुभ्यं, उपपत्ति र्भवे उपपत्तिस्तस्य र्भस्तस्य  
 रम्भो भो तुभ्यं, एवं जाय दसपत्ति, तुभ्यं र्भवे उपपत्ति र्भवे तुभ्यं र्भवे उपपत्तिस्तस्य  
 र्भस्तस्य रम्भो तुभ्यं, तुभ्यं र्भवे उपपत्ति र्भवे तुभ्यं र्भवे उपपत्तिस्तस्य र्भस्तस्य  
 रम्भो भो तुभ्यं, एवं तुभ्यं र्भवे उपपत्ति र्भवे एवं तुभ्यं र्भवे उपपत्ति र्भवे से तेजदुर्नं  
 गोमया । एवं तुभ्यं रम्भतुभ्यं । से केवदुर्नं मते । एवं तुभ्यं चेततुभ्यं २ । गोमया ।  
 एतपत्तिपाठे येमके एतपत्तिपाठस्तस्य येमस्तस्य चेततो भो तुभ्यं, एतपत्तिपाठे  
 येमके एतपत्तिपाठस्तस्य येमस्तस्य चेततो भो तुभ्यं, एवं जाय दसपत्ति-  
 सोगाहे तुभ्यं र्भवे उपपत्ति र्भवे एवं वेद एवं तुभ्यं र्भवे उपपत्ति र्भवे से तेजदुर्नं  
 जाय चेततुभ्यं । से केवदुर्नं मते । एवं तुभ्यं अकतुभ्यं २ । गोमया । एतसममति-  
 ईय येमके एतसममतिईयस्तस्य येमस्तस्य अकतो भो तुभ्यं, एतसममतिईय येमके  
 एतसममतिईयस्तस्य येमस्तस्य अकतो भो तुभ्यं, एवं जाय दससममतिईय,  
 तुभ्यं र्भवे उपपत्ति र्भवे एवं जाय एवं तुभ्यं र्भवे उपपत्ति र्भवे से तेजदुर्नं जाय अक-  
 तुभ्यं । से केवदुर्नं मते । एवं तुभ्यं मकतुभ्यं २ । गोमया । नेत्रप नेत्रस्तस्य मकतुभ्यं  
 तुभ्यं नेत्रप नेत्रस्तस्य मकतुभ्यं भो तुभ्यं, शिरिककरोमि एवं वेद, एवं मनु-  
 स्तेवि एवं वेद, से तेजदुर्नं जाय मकतुभ्यं । से केवदुर्नं मते । एवं तुभ्यं माकतुभ्यं  
 माकतुभ्यं । गोमया । एतपुनककय येमके एतपुनककयस्तस्य येमस्तस्य माकतो  
 तुभ्यं, एतपुनककय येमके एतपुनककयस्तस्य येमस्तस्य माकतो भो तुभ्यं, एवं  
 जाय दसपुनककय, एवं तुभ्यं र्भवे उपपत्ति र्भवे येमके एवं तुभ्यं र्भवे उपपत्ति र्भवे  
 एवं तुभ्यं र्भवे उपपत्ति र्भवे जाय अकतुभ्यं एवं मीकतुभ्यं हामिदुभ्यं हामिदुभ्यं,  
 एवं हामिदुभ्यं एवं हामिदुभ्यं एवं शिरि जाय मकतुभ्यं, एवं कनकके जाय हामि-  
 उदरप मायै उदरस्तस्य मायस्तस्य मायतो तुभ्यं, उदरप मायै उदरस्तस्य मायस्तस्य  
 मायस्तस्य मायतो भो तुभ्यं, एवं उदरस्तस्य मायस्तस्य से तेजदुर्नं गोमया । एवं तुभ्यं माकतुभ्यं  
 २ । से केवदुर्नं मते । एवं तुभ्यं संकतुभ्यं २ । गोमया । परिमंडके संकतुभ्यं  
 परिमंडके संकतुभ्यं संकतुभ्यं तुभ्यं, परिमंडके संकतुभ्यं परिमंडके संकतुभ्यं  
 संकतुभ्यं संकतुभ्यं भो तुभ्यं, एवं नैवे संकतुभ्यं जाय, संकतुभ्यं संकतुभ्यं संकतुभ्यं

देविर्हि दिव्यं देवजुइं दिव्य देवाणुभा(व)गं दिव्यं यत्तीमद्विह नष्टविहि उवदंसेतए,  
 णो चेव णं तस्स पुरिसस्स किंचि आवाहं वा वावाह वा उप्पाएइ छविच्छेद  
 वा करेइ, एसुहुम, च णं उवसेज्जा, से तेणट्ठेण जाव अन्वावाहा देवा २ ॥ ५३० ॥  
 पभू णं भते ! सक्के देविदे देवराया पुरिसस्स सीसं सपाणिणा अत्तिणा छिदिता  
 कमडलुमि पक्खिवित्तए ? हता पभू, से कदमिदाणि पकरेइ ? गोयमा ! छिदिया  
 छिदिया च णं वा पक्खिवेज्जा, भिदिया भिदिया च णं वा पक्खिवेज्जा, कुट्टिया कुट्टिया  
 च णं वा पक्खिवेज्जा, चुभिया चुभिया च णं वा पक्खिवेज्जा, तओ पच्छा खिप्पामेव  
 पडिसपाएज्जा, नो चेव णं तस्स पुरिमस्स किंचिवि आवाह वा वावाह वा उप्पाएज्जा,  
 छविच्छेद पुण करेइ, एसुहुम च णं पक्खिवेज्जा ॥ ५३१ ॥ अत्थि णं भंते ! जमया  
 देवा जमया देवा ? हता अत्थि, से केणट्ठेण भते ! एवं बुचइ जमया देवा  
 जमया देवा ? गोयमा ! जमगा ण देवा निच्च पमुइयपक्कीलिया कंदप्परइमोहण  
 सीला जे णं ते, देवे कुट्ठे पासेज्जा से ण पुरिसे महत्त अयस पाउणिज्जा, जे णं ते  
 देवे तुट्ठे पासेज्जा से ण महत्त जस पाउणेज्जा, से तेणट्ठेण गोयमा ! जमगा देवा  
 २ ॥ कइविहा ण भते ! जमगा देवा पण्णत्ता ? गोयमा ! दमविहा पण्णत्ता,  
 तज्जहा-अन्नजमगा पाणजमगा वत्थजमगा लेणजमगा सयणजमगा पुप्फजमगा  
 फलजमगा पुप्फफलजमगा विज्जाजमगा अवियत्तजमगा, जमगा णं भते ! देवा  
 कहिं वसहिं उवेंति ? गोयमा ! सव्वेसु चेव धीहवेयुहेसु चित्तविचित्तजमगपव्वएसु  
 कंचणपव्वएसु य एत्थि ण जमगा देवा वसहिं उवेंति ! जमगाण-भते ! देवाणं  
 केवइय काल ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! एग पलिओवम ठिई पण्णत्ता । सेव भंते ! सेव  
 भंते ! ति जाव विहरइ ॥ ५३२ ॥ चोहसमे सए अट्ठमो उहेसो समत्तो ॥

अणगारे ण भंते ! भावियप्पा अप्पणो कम्मलेस्सं न जाणइ न पासइ तं पुण  
 जीव सरूविं सकम्मलेस्सं जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! अणगारे णं भावियप्पा  
 अप्पणो जाव पासइ ॥ अत्थि ण भते ! सरू(वी)विं सकम्मलेस्सा पोग्गला ओभासंति  
 ४ ? हता अत्थि ॥ कयरे ण भते ! सरूवी सकम्मलेस्सा पोग्गला ओभासति जाव  
 पभासंति ? गोयमा ! जाओ इमाओ चदिमसुरियाणं देवाण विमाणेहिं तो लेस्साओ  
 बहिया अभिनिस्सडाओ ताओ ओभासंति जाव पभासंति, एव एएण गोयमा ! ते  
 सरूवी सकम्मलेस्सा-पोग्गला ओभासंति ४ ॥ ५३३ ॥ नेरइयाण भंते ! किं अत्ता  
 पोग्गला अणत्ता पोग्गला ? गोयमा ! नो अत्ता पोग्गला अणत्ता पोग्गला, असुरकुमाराणं  
 भंते ! किं अत्ता पोग्गला अणत्ता पोग्गला ? गोयमा ! अत्ता पोग्गला णो अणत्ता  
 पोग्गला, एवं जाव थणियकुमाराण, पुढविकाइयाग पुच्छा, गोयमा ! अत्तावि पोग्गला



चागरेज वा ? हुंता भासेज वा चागरेज वा, जहा णं भंते । केवली भासेज वा चागरेज वा, तहा णं सिद्धेवि भासेज वा चागरेज वा ? णो इण्ठे समट्ठे, से केण-ट्ठेण भंते । एव बुच्चइ जहा ण केवली भासेज वा चागरेज वा णो तहा ण सिद्धे भासेज वा चागरेज वा ? गोयमा ! केवली णं सउट्ठाणे सकम्मे सबले सवीरिए सपुरिसक्कारपरक्कमे, सिद्धे ण अणुट्ठाणे जाव अपुरिसक्कारपरक्कमे, से तेणट्ठेण जाव नो चागरेज वा, केवली ण भंते । उम्मिसेज वा निम्मिसेज वा ? हुंता गोयमा ! उम्मिसेज वा निम्मिसेज वा एवं चेव, एव आउट्ठेज वा पसारज वा, एवं ठाणं वा सेज वा निसीहिय वा चेएज्जा, केवली णं भंते । इमे रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? हुता गोयमा ! जाणइ पासइ, जहा ण भंते । केवली इमे रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीति जाणइ पासइ तहा ण सिद्धेवि इम रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? हुता जाणइ पासइ, केवली ण भंते । सक्करप्पभ पुढविं सक्करप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? एवं चेव, एव जाव अहेसत्तम, केवली ण भंते । सोहम्म कप्प सोहम्मकप्पेति जाणइ पासइ ? हुता जाणइ पासइ, एवं ईसाण एव जाव अनुय, केवली ण भंते । गेवेज्जविमाणं गेवेज्जविमाणेति जाणइ पासइ ? एवं चेव, एवं अणुत्तरविमाणेवि, केवली णं भंते । ईसिप्पब्भारं पुढविं ईसिप्पब्भारपुढवीति जाणइ पासइ ? एव चेव, केवली णं भंते । परमाणुपोगल परमाणुपोगलेति जाणइ पासइ ? एव चेव, एवं दुपएसिय ख्वं एवं जाव जहा ण भंते । केवली अणतपएसिय ख्वं अणतपएसिए खवेति जाणइ पासइ तहा ण सिद्धेवि अणतपएसियं ख्वं जाव पासइ ? हुता जाणइ पासइ । सेवं भंते । सेवं भंते । ति ॥ ५३७ ॥

चोइसमे सए दसमो उहेसो समत्तो ॥ चोइसमं सयं समत्तं ॥

नमो सुयदेवयाए भगवईए । तेणं कालेणं तेणं समएण सावत्थी नाम नयरी होत्था वज्जओ, तीसे णं सावत्थीए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीमाए तत्थ ण कोट्टए नाम उज्जाणे होत्था वज्जओ, तत्थ ण सावत्थीए नयरीए हालाहला नाम कुंभकारी आजीवियोवासिया परिवसइ, अट्ठा जाव अपरिभूया आजीविय समयंसि लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिजपेम्माणुरागरत्ता अय माउसो । आजीवियसमए अट्ठे अय परमट्ठे सेसे अणट्ठेति आजीवियसमएण अप्पाण भावेमाणी विहरइ । तेणं कालेण तेणं समएण गोसाले मखलिपुत्ते चउव्वीसवास परियाए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणसि आजीवियसघसंपरिवुडे आजी वियसमएण अप्पाण भावेमाणे विहरइ, तए णं तस्स गोसालस्स मखलिपुत्तस्स अजया कयाइ इमे छ दिसाचरा अतिर्य पाठम्मवित्था, तजहा=साणे क(णं)लदे ।



भावेमाणे पुव्वाणुपुब्बि चरमाणे गामाणुगाम दूइज्जमाणे जेणेव सरवणे सञ्चिवेसे  
जेणेव गोबहुलस्स माहणस्स गोसाला तेणेव उवागच्छइ २ ता गोबहुलस्स माहणस्स  
गोसालाए एगदेससि भट्टनिकखेव करेइ भंड० २ ता सरवणे सञ्चिवेसे उच्चनीय  
मज्झिमाई कुलाइ घरसमुदानस्स भिक्खायरियाए अट्टमाणे वमहीए सव्वओ  
समता मग्गणगवेसण करेइ, वसहीए मव्वओ समता मग्गणगवेसण करेमाणे अन्नत्य  
वसहि अलभमाणे तस्सेव गोबहुलस्स माहणस्स गोसालाए एगदेससि वासावास  
उवागए, तए ण सा भद्दा भारिया नवण्ह मासाण बहुपडिपुञ्जाण अट्टेट्टमाण  
राइदियाण वीइकताण सुकुमाल जाव पडिस्स दारग पयाया, तए ण तस्स दारगस्स  
अम्मापियरो एकारममे दिवसे वीइकते जाव वारमाहे दिवसे अयमेयारुव गोणं गुण  
निष्फल नामधेज्ज करेति-जम्हा णं अम्ह इमे दारए गोबहुलस्स माहणस्स गोसालाए  
जाए, त होउ ण अम्ह इमस्स दारगस्स नामधेज्ज गोसाले गोसालेति, तए ण तस्स  
दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्ज करेति गोसालेति, तए ण से गोसाले दारए  
उम्मुक्कवालभावे विण्णायपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सयमेव पाडिएच्च चित्तफलं  
करेइ २ ता चित्तफलगहत्थगए मखत्तणेणं अप्पाण भावेमाणे विहरइ ॥ ५३९ ॥  
तेण कालेण तेण समएण अह गोयमा ! तीस वासाइ अगारवासमज्झे वसिता  
अम्मापिईहिं देवत्तगएहिं एवं जहा भावणाए जाव एग देवदममादाय मुढे भवित्ता  
अगाराओ अणगारिय पव्वइत्तए, तए णं अह गोयमा ! पढम वास अट्टमास  
अट्टमासेण खममाणे अट्ठियगाम निस्साए पढम अतरावास वासावास उवागए,  
दोच्च वास मासमासेण खममाणे पुव्वाणुपुब्बि चरमाणे गामाणुगाम दूइज्जमाणे  
जेणेव रायगिहे नयरे जेणेव नालिंदा वाहिरिया जेणेव ततुवायसाला तेणेव उवा  
गच्छामि ते० २ ता अहापडिरुवं उग्गह ओगिण्हामि अहा० २ ता तंतुवायसालाए  
एगदेससि वासावास उवागए, तए ण अह गोयमा ! पढम मासक्खमणं उवसप  
ज्जित्ताण विहरामि । तए ण से गोसाले मखलिपुत्ते चित्तफलगहत्थगए मखत्तणेण  
अप्पाणं भावेमाणे पुव्वाणुपुब्बि चरमाणे जाव दूइज्जमाणे जेणेव रायगिहे नयरे  
जेणेव नालिंदा वाहिरिया जेणेव ततुवायसाला तेणेव उवागच्छइ ते० २ ता  
तंतुवायसालाए एगदेससि भट्टनिकखेव करेइ भ० २ ता रायगिहे नयरे उच्चनीय  
जाव अन्नत्य कत्यवि वसहिं अलभमाणे तीसे य ततुवायसालाए एगदेससि वासा-  
वास उवागए जत्थेव णं अह गोयमा !, तए ण अह गोयमा ! पढममासक्ख-  
मणपारणगंसि ततुवायसालाओ पडिनिक्खमामि तंतु० २ ता नालिंदावाहिरियं  
मज्झमज्जेणं जेणेव रायगिहे नयरे तेणेव उवागच्छामि २ ता रायगिहे नयरे





ततुवायसालाओ पडिनिक्खमामि त० २ ता नालंद बाहिरिय मज्झमज्जेण जेणेव  
 रायगिहे नयरे जाव अडमाणे आणदस्स गाहावइस्स गिह अणुप्पविट्ठे, तए णं से  
 आणदे गाहावई मम एजमाण पासइ २ ता एव जहेव विजयस्स, नवरं मम विडलाए  
 खज्जगविहीए पडिलाभेस्सामीति तट्ठे सेस तं चेव जाव तच्च मासक्खमणं उवसप-  
 ज्जित्तारं विहरामि, तए ण अहं गोयमा । तच्च मासक्खमणपारणगसि ततुवायसालाओ  
 पडिनिक्खमामि त० ३ ता तहेव जाव अडमाणे सुणदस्स गाहावइस्स गिह अणुप्प  
 विट्ठे, तए ण से सु(दसणे)णंटे गाहावई एव जहेव विजयगाहावई, नवरं मम सक्ख  
 कामगुणिण भोयणेण पडिलाभेइ सेस तं चेव जाव चउत्थं मासक्खमण उवसपज्जि-  
 त्ताण विहरामि, तीसे णं नालदाए बाहिरियाए अदूरसामते एत्थ ण कोलाए नाम  
 सन्निवेसे होत्था सन्निवेस० वत्तओ, तत्थ ण कोलाए सन्निवेसे बहुले नाम माहणे  
 परिवसइ, अट्ठे जाव अपरिभूए रिउन्वेय जाव सुपरिनिट्ठिए यावि होत्था, तए णं  
 से बहुले माहणे कत्तियचाउम्मासियपाडिबयसि विडलेण महुघयसजुत्तेण परमज्जेण  
 माहणे आयामेत्था, तए ण अहं गोयमा । चउत्थमासक्खमणपारणगंसि तंतुवाय-  
 सालाओ पडिनिक्खमामि ३ ता णालद बाहिरिय मज्झमज्जेण निग्गच्छामि २  
 ता जेणेव कोलाए सन्निवेसे तेणेव उवागच्छामि, ३ ता कोलाए सन्निवेसे उच्चनीय  
 जाव अडमाणे बहुलस्स माहणस्स गिह अणुप्पविट्ठे, तए ण से बहुले माहणे मम  
 एजमाणं तहेव जाव मम विडलेणं-महुघयसजुत्तेणं परमज्जेण पडिलाभेस्सामीति  
 तट्ठे सेसं जहा विजयस्स जाव बहुले माहणे बहु० २ । तए ण से गोसाले मखलिपुत्ते  
 मम ततुवायसालाए अपाममाणे रायगिहे नयरे सव्विंतरबाहिरियाए मम सव्वओ  
 समता मग्गणगवेसण करेइ, मम कत्थवि सुइ वा खुई वा पवित्ति वा अलममाणे  
 जेणेव ततुवायसाला तेणेव उवागच्छइ २ ता साडियाओ य पाडियाओ य कुडियाओ  
 य पाहणा(वाणहा)ओ य चित्तफलंग च माहणे आयामेइ आयामेता सउत्तरोट्ठ मुहं  
 करेइ स० ३ ता ततुवायसालाओ पडिनिक्खमइ त० २ ता नालंद बाहिरियं  
 मज्झमज्जेण निग्गच्छइ निग्गच्छिता जेणेव कोलागसन्निवेसे तेणेव उवागच्छइ,  
 तए णं तस्स कोलागस्स सन्निवेसस्स बाहिया बहुजणो अन्नमज्जस्स एवमाइक्खइ  
 जाव परुवेइ-धज्जे ण देवाणुप्पिया । बहुले माहणे तं चेव जाव जीवियफले बहु-  
 लस्स माहणस्स व० २, तए णं तस्स गोसालस्स मखलिपुत्तस्स बहुजणस्स  
 अतिय एयमट्ठ सोच्चा निसम्म अयमेयारुवे अज्झात्थिए जाव समुप्पज्जित्था-जारी  
 सिया ण मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स इत्थी  
 जु(त्ती)ई जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए, नो खलु अत्थि

तत्रपीव वाय अङ्गाने निववस्त गाहावस्त मिहं अणुपपिडि, तए नं से निवए  
 गाहावई मर्म एम्माभं पासह १ ता हङ्गुडु विप्यायेव आसवाओ अम्मुट्टए पि  
 १ ता पावपीडण्डे कण्ठेम्माह १ ता पठवओ ओमुक्क पा १ ता एक्काहिमं  
 सत्तपणे करेह १ ता अङ्गिमिठमिहत्थे मर्म सत्तपण्डाई अणुपपिडि १ ता मर्म  
 टिक्कट्टो आवाहिमं पवाहिमं करेह १ ता मर्म वंरह मर्मसह वं १ ता मर्म मिठकेव  
 अत्तपण्डावस्तपमेव पठिक्कामिस्सामित्थिक्क टुडे पठिक्कामेमावेमि टुडे पठिक्क  
 मिपमि टुडे, तए नं तस्स निववस्त गाहावस्त तेवं इक्कट्टेवं वायपट्टेवं  
 [ तवस्सिमिठकेव टिक्कवट्टेवं ] पठिक्कामिस्सामिहत्थे निमिहत्थे टिक्कवट्टेवं दानेव  
 मए पठिक्कामिप सुमावे देवावए निव्वे उंसारे परिणीक मिहत्थि व से इमाई पंव  
 दिम्माई पाठम्माई, तंवहा-वट्टाप कुट्ट १ इक्कवणे इत्थे विवाए १ वेत्त-  
 कणेव कर १ अङ्गवाओ देवतुम्माओ ४ अत्तपमि य नं आपणे अहो दाने १ ति  
 कुट्ट ५, तए नं रावमिहे म्मेरे सिवावव वाव पहेव वट्टवओ अम्ममस्त एम्मा-  
 इक्कव वाव एव पवेह-वणे वं देवापुप्पिमा । निवए गाहावई, क्कत्थे वं देवापु-  
 प्पिमा । निवए गाहावई, क्कपुप्पे वं देवापुप्पिमा । निवए गाहावई, क्कवक्कपुप्पे  
 वं देवापुप्पिमा । निवए गाहावई, क्कवा वं क्कवा देवापुप्पिमा । निववस्त पाठव-  
 वस्त कुट्टे वं देवापुप्पिमा । मत्तुस्तए क्कम्माविवक्कडे निववस्त गाहावस्त  
 वस्त वं मिहत्थि तवमवे एव सत्तपमि पठिक्कामिप सुमावे इमाई पंव दिम्माई पाठ  
 म्माई, तंवहा-वट्टाप कुट्ट वाव अही दाने १ कुट्ट, वं वणेव क्कत्थे क्कपुप्पे  
 क्कवक्कपुप्पे क्कवा वं क्कवा कुट्टे मत्तुस्तए क्कम्माविवक्कडे निववस्त गाहाव-  
 वस्त निवव १ । तए नं से म्मेराओ म्मेरिपुत्ते वट्टववस्त अत्तिप एवमई क्कवा  
 मित्तम्म सत्तपण्डेव सत्तपण्डोवहि केवेव निववस्त गाहावस्त मिहं तमेव  
 उवायक्कह १ ता पासह निववस्त गाहावस्त मिहत्थि वट्टाप कुट्ट इक्कवणे  
 कुट्टमं निवविमं मर्म व नं निववस्त गाहावस्त मिहाओ पठिक्कामिमाव पासह  
 १ ता हङ्गुडु केवेव मर्म अत्तिप तमेव उवायक्कह १ ता मर्म टिक्कट्टो आवा-  
 हिमं पवाहिमं करेह १ ता मर्म वंरह मर्मसह वं १ ता मर्म एव वक्कटी-मुक्क वं  
 वंत्त । मर्म अम्मावविवा अहवं कुट्टमं मर्मतेवाही तए नं अहं गोम्मा । पोता-  
 वस्त म्मेरिपुत्तम एवमई गो आवामि गो पठिक्कामि तुत्तिणीए संविट्टमि तए  
 नं अहं गोम्मा । रावमिहाओ वक्कपुप्पे पठिक्कामिमा १ ता वात्थं वाहिमं  
 म्मेरिपुत्तमेव केवेव तंतुवाक्कवत्त तेवेव उवायक्कहि १ ता दोव मत्तवक्कपुप्पे  
 वक्कपुप्पिमाव मिहत्थि तए नं अहं गोम्मा । दोवे मत्तवक्कवक्कवक्कपुप्पिमा





अह गोयमा । गोसालेण भगवलिपुत्तेण सद्धि जेणेव धुंङ्गामे नयरे तेणेव उवा  
गच्छामि, तए ण तस्स धुंङ्गामस्स नयरस्स वहिया वेसियायणे नामं बालतवस्सी  
छट्ठंछट्ठेण अण्हिस्सित्तेण तवोस्समेणं उट्ठ वाहाओ पणिज्झिय २ सूरामिमुहे  
आयावणभूमीए आयावेमाणे विहरइ, आदयतेयतवियाओ य से छप्पदीओ मव्वओ  
समता अभिनिस्सवति पाणभूयजीवमत्तदयट्ठयाए च ण पडियाओ २ तत्थेव २  
भुजो २ पचोरुहेइ, तए णं से गोसाले भगवलिपुत्ते वेसियायण बालतवस्सि पासइ  
२ ता मम अतियाओ सणिय २ पचोसक्कइ मम० २ ता जेणेव वेसियायणे बालत  
वस्सी तेणेव उवागच्छइ २ ता वेसियायण बालतवस्सि एवं वयासी-किं भव  
मुणी मुणिए उदाहु जूयासेज्जायरए?, तए ण से वेसियायणे बालतवस्सी गोसालस्स  
मखलिपुत्तस्स एयमट्ठ णो आढाइ नो परिजाणाइ तुसिणीए सच्चिद्धइ, तए णं से  
गोसाले मखलिपुत्ते वेसियायण बालतवस्सि नेयपि तच्चपि एवं वयासी-किं भव  
मुणी मुणिए जाव सेज्जायरए?, तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी गोसालेणं मखलि-  
पुत्तेण दोच्चपि तच्चपि एव वुत्ते समाणे आसुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमीओ  
पचोरुहेइ आ० २ ता वेयासमुग्घाएण समोहणइ वेयासमुग्घाएण समोहणित्ता  
सत्तट्ठपयाइ पचोसक्कइ स० २ ता गोसालस्स भगवलिपुत्तस्स वहाए सरीरगसि तेय  
नितिरइ, तए ण अह गोयमा । गोसालस्स मखलिपुत्तस्स अणुक्कपणट्ठयाए वेसियायणस्स  
बालतवस्सिस्स सीओसिणतेयलेस्सा-(तेय)पडिसाहरणट्ठयाए एत्थ ण अतरा अह  
सीयलिय तेयलेस्स नितिरामि, जाए सा मम सीयलियाए तेयलेस्साए वेसियायणस्स  
बालतवस्सिस्स सीओ(सा-उ)सिणा तेयलेस्सा पडिहया, तए णं से वेसियायणे बालत-  
वस्सी ममं सीयलियाए तेयलेस्साए सीओसिण तेयलेस्स पडिहय जाणित्ता गोसालस्स  
य मखलिपुत्तस्स सरीरगस्स किंचि आवाह वा वावाह वा छविच्छेद वा अकीरमाण  
पासित्ता सीओसिण तेयलेस्स पडिसाहरइ सीओ० २ ता मम एव वयासी-से  
गयमेय भगव । गयगयमेयं भगव !, तए ण से गोसाले मखलिपुत्ते मम एवं वयासी-  
किण्ण भते ! एस जूयासिज्जायरए तुम्हे एव वयासी-से गयमेय भगव । गयगयमेयं  
भगवं !, तए ण अह गोयमा । गोसाल मखलिपुत्त एव वयासी-तुमं ण गोसाला ।  
वेसियायण बालतवस्सि पास(इ)सि पासित्ता मम अतियाओ सणियं २ पचोसक्कसि  
जेणेव वेसियायणे बालतवस्सी तेणेव उवागच्छसि ते० २ ता वेसियायण बालत-  
वस्सि एवं वयासी-किं भव मुणी मुणिए उदाहु जूयासेज्जायरए?, तए ण से  
वेसियायणे बालतवस्सी तव एयमट्ठ नो आढाइ नो परिजाणाइ तुसिणीए सच्चिद्धइ,  
तए ण तुम गोसाला ! वेसियायण बालतवस्सि दोच्चपि तच्चपि एव वयासी-किं भव



तए णं से गोमाले मंगलिपुत्ते मम एवमाइग्गमाणस्स जाव पक्खेमाणस्स एयमट्ठं  
 नो गइइ ३ एयमट्ठं अमइमाणे जाव अगेण्माणे जेणेव मे निउथभए तेणेव उवा  
 गच्छइ २ ता नाओ तिल्लभेयथाओ त निळमंगत्थिं एउइ एउत्तिता वरमत्थि मत्त  
 तिले पप्फोउइ, तए ण तस्स गोमालस्स मंगलिपुत्तस्स ते मत्त तिले गणमानस्स  
 अयमेयान्ने अज्जत्थिए जाव ममुप्पजित्था-एव नत्तु नन्वर्जात्तापि पट्टपरिहारं  
 परिहरंति, एत णं गोयमा । गोमालस्स मंगलिपुत्तस्स पट्ठं, एत ण गोयमा ।  
 गोमालस्स मंगलिपुत्तस्स मम अग्गाओ आगा(ओ)ए अवागणे प० ॥ ५८३ ॥  
 तए ण से गोमाले मंगलिपुत्ते एगाए सगहाए गुम्मागग्गिदिगाए एगेग ग विगडा-  
 सएण छट्ठंछट्ठेण अणिक्खित्तेण तवोकम्मेणं टट्ट बादाओ पणिज्जिग २ जाव विहरइ,  
 तए ण से गोमाले मंगलिपुत्ते अतो छट्ठं गासाणं मंगित्तविउत्तंयत्तेस्से जाए  
 ॥ ५४४ ॥ तए ण तस्स गोमालस्स मंगलिपुत्तस्स अज्या कयाइ इमे छट्ठिसावरा  
 अतिय पाउच्चमत्तिया त०-साणे त चैव सत्थ जाव अजिणे जिणगइ पगासेमाणे  
 विहरइ, त नो गल्लु गोयमा । गोमाले मंगलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव जिणगइ  
 पगासेमाणे विहरइ, गोमाले ण मंगलिपुत्ते अजिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे  
 विहरइ, तए ण सा मइइमदाळिया मइइगपरिमा जहा तिवे जाव पडिगया । तए ण  
 सावत्थीए नयरीए सिंघाटग जाव बहुजणो अन्नमज्जस्स जाव पक्खेड-जज देवाणु-  
 प्पिया । गोमाले मंगलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ तं ण मिच्छा, समणे  
 भगवं महावीरे एव आइक्खइ जाव पक्खेइ-एव गल्लु तस्स गोमालस्स मंगलि-  
 पुत्तस्स मखली नाम मणे पिया होत्था, तए ण तस्स मन्गिस्स एव त चैव गल्लु  
 भाणियव्व जाव अजिणे जिणप्पलावी जिणगइ पगासेमाणे विहरइ, त नो गल्लु  
 गोमाले मंगलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, गोमाले ण मंगलिपुत्ते अजिणे  
 जिणप्पलावी जाव विहरइ, समणे भगव महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणगइ  
 पगासेमाणे विहरइ, तए ण से गोमाले मंगलिपुत्ते बहुजणस्स अतिय एयमट्ठं गोचा  
 निसम्म आमुत्ते जाव मित्तिमिसेमाणे आयावणभूमीओ पचोइइ आयावणभूमीओ  
 पचोइइइत्ता सावत्थि नयरीं मज्झमज्जेण जेणेव हालाहलाए कुभकारीए कुभकारावणे  
 तेणेव उवागच्छइ उवागच्छिता हालाहलाए कुभकारीए कुभकारावणं आजीविय-  
 सघसंपरियुद्धे महया अमारिं वइमाणे एवं वावि विहरइ ॥ ५४५ ॥ तेण काटेण तेणं  
 समएण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतेवासी आणदे नाम धेरे पगइभइए जाव  
 विणीए छट्ठंछट्ठेण अणिक्खित्तेण तवोकम्मेण सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे  
 विहरइ, तए णं से आणदे धेरे छट्ठक्खमणपारणगति पढमाए पोरिसीए एव जहा

मुनी मुनिषां चारुं ब्रूयतेऽन्तरम् १, तप न से वेतिवाक्ये वाक्यवत्त्वात् तुम् एवंपि  
 त्वंपि एवं कृते समाये आह्वयौ वाच पञ्चोपपन्न २ ता तप ब्रूय सरीरम् (शि)  
 तेवकेस्ते विरिण्डा तप न ब्रूय गोसात्मा । तप अन्तर्गणपञ्चवाप वेतिवाक्यवत्त्वात्  
 वाक्यवत्त्वात्स्वस्व हीनतेयकेस्सापत्तिग्राहणपञ्चवाप पूष न अन्तरा हीनत्वेयं तेवकेस्ते  
 निरिरामि वाच पत्तिर्ब्रूय वाचिता तप न सरीरवत्स्व किंचि आवाह्यं वा वावाह्यं वा  
 क्कनैवकेस्ते वा क्कनीरमायं पाणिता हीनोतिचं तेवकेस्ते पत्तिग्राहण ही २ ता मम  
 एवं ब्रूयसी-से यन्मेवं मयम् । यन्मयमेवं मयम् । तप न से गोसात्मे मयम्किपुते  
 मम अन्तिवायो एवमहुं खेच निरुत्तम मीए वाच संजावमप मम ब्रूय ममसह  
 मम न २ ता एवं ब्रूयसी-ब्रूय मते । खेचित्तमिच्छकतयकेस्ते मयम् । तप न ब्रूय  
 गोसात्मा । गोसात्मे मयम्किपुते एवं ब्रूयसी खे न गोसात्मा । एवाप सवहाप कुम्भस-  
 पिबिवाप एगेव न विमवापएवं लुण्ठितेवं अन्तिनिच्छतेवं तपोव्यमेवं उहुं वाहानो  
 पत्तिविज्व २ वाच निरुत्त, से न अतो क्कनै मासायं खेचित्तमिच्छकतयकेस्ते मयम्,  
 तप न से गोसात्मे मयम्किपुते ममे एवमहुं सन्म निरुत्तं पत्तिव्येद ॥ ५४२ ॥  
 तप न ब्रूय गोसात्मा । अथवा ब्रूय गोसात्मे मयम्किपुतेवं सन्म कुम्भनामाजो  
 मयव्यमे विच्छकनामं नमरं खेचित्तं निरुत्तं, वाहे न ममे तं ब्रूय इत्यमपवा  
 क्त्वा न से विच्छकमप, तप न से गोसात्मे मयम्किपुते ममे एवं ब्रूयसी-ब्रूय (मे)मे न  
 मयम् । तना मम एवं ब्रूयन्मह वाच एवं पत्तिव्येद-गोसात्मा । एव न विच्छकमप  
 निरुत्तव्येद नो नो निरुत्तव्येद तं नैव वाच पञ्चावत्स्वस्ति तज्य मिच्छा इमं  
 न न पञ्चव्यमेव हीनइ एव न से विच्छकमप नो निरुत्तमे अनिरुत्तमेव से न  
 सत्त विच्छकपञ्चीना उदाहरण २ नो एवस्व नैव विच्छकमपस्व एवाप विच्छकगति-  
 वाप सत्त विच्छा पञ्चावामा तप न ब्रूय गोसात्मा । गोसात्मे मयम्किपुते एवं ब्रूयसी-  
 तुम् न से गोसात्मा । तना ममे एवं ब्रूयन्मपमस्व वाच एवं पत्तिव्यमेव एवमहुं  
 नो ब्रूयति नो पत्तिव्येद नो पत्तिव्येद एवमहुं अन्तिव्यमेव अपत्तिव्यमेव अपत्तिव्यमेव  
 मम पत्तिव्येद (ए)म अन्ति विच्छकवाह्यं अन्तिव्यमेव ममे अन्तिवायो सन्मि २ पञ्चो-  
 पपत्ति २ ता खेचित्तं से विच्छकमप तेनैव उदाहरणस्ति २ ता वाच एवंतमेते एवेति  
 तपव्यमेव गोसात्मा । विच्छे अन्तिव्यमेव पाञ्चव्ये, तप न से विच्छे अन्तिव्यमेव  
 विच्छेमेव तं नैव वाच तस्व नैव विच्छकमपस्व एवाप विच्छकगतिवाप सत्त विच्छ  
 पञ्चावामा तं एव न से गोसात्मा । से विच्छकमप निरुत्तमे नो अनिरुत्तमेव से न  
 सत्त विच्छकपञ्चीना उदाहरण २ एवस्व नैव विच्छकमपस्व एवाप विच्छकगतिवाप  
 सत्त विच्छा पञ्चावामा एवं क्कनै गोसात्मा । नन्मपञ्चावामा नन्मपञ्चावामा पत्तिव्येद



वम्भीयस्म पठ्यं वप्ति भिदति, ते णं तत्तय अन्ध पत्थ जय नपुयं पाण्डियवक्त्रमं  
उराल उदगरयण आगार्दति, तए णं ते वणिवा इट्टुट्टा पाणियं पियति २ ता  
वाटणाइ पज्जति या० २ ता भायगाडं भरंति भा० २ ता दोसपि अजममं  
एवं वयासी-एव गलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमस्म वम्भीयस्म पठमाए वप्पाए  
भिन्नाए ओराळे उदगरयणे अस्मादिए, तं सेयं गलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्म  
वम्भीयस्म दोसपि वप्ति भिदिणए, अवि याइ एतय ओगल सुदगरयण अस्मादे-  
स्सामो, तए णं ते वणिवा अजममस्म अनिय एयमट्ट पडिगुणंति थ० २ ता  
तस्स वम्भीयस्म दोसपि वप्ति भिदति, ते ण तत्तय अन्ध जय तावज्जि महत्थं  
महग्घं महरिहं ओराल सुवग्गरयण अस्मादंति, तए ण ते वणिवा इट्टुट्टा भाय-  
णाडं भरंति २ ता पवहणाइ भरंति २ ता तच्चापि अजममं एवं वयासी-एव गलु  
देवाणुप्पिया ! अम्हे इमस्म वम्भीयस्म पठमाए वप्पाए भिन्नाए ओराळे उदगरयणे  
अस्मादिए, दोसाए वप्पाए भिन्नाए ओराळे सुवग्गरयणे अस्मादिए, तं सेयं गलु  
देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्म वम्भीयस्म तगपि व(प्प)प्ति भिदितए, अवि याइ एथं  
ओराल मणिरयण अस्सादेस्सामो, तए ण ते वणिवा अजममस्म अनिय एयमट्ट  
पडिगुणंति थ० २ ता तस्स वम्भीयस्स तगपि वप्ति भिदति, ते ण तत्तय विमल  
निम्मल नित्तल निक्कल महत्थं महग्घं महरिह ओराल मणिरयणं अस्मादंति, तए  
णं ते वणिवा इट्टुट्टा भायणाडं भरंति भा० २ ता पवहणाडं भरंति २ ता  
चउत्थपि अजममं एवं वयासी-एव गलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमस्म वम्भीयस्स  
पठमाए वप्पाए भिन्नाए ओराळे उदगरयणे अस्मादिए, दोसाए वप्पाए भिन्नाए  
ओराळे सुवग्गरयणे अस्मादिए, तच्चाए वप्पाए भिन्नाए ओराळे मणिरयणे अस्मादिए,  
तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्म वम्भीयस्स चउत्थपि वप्ति भिदितए, अवि  
याइ इत्थं उत्तम महग्घं महत्थं महरिह ओरालं वदरयणं अस्मादेस्सामो, तए ण  
तेमि वणिवाण एगे वणिए हियकामए सुहकामए पत्थकामए आणुक्कपि नित्सेयसिए  
हियसुहानित्सेसकामए ते वणिए एव वयासी-एव गलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमस्म  
वम्भीयस्स पठमाए वप्पाए भिन्नाए ओराळे उदगरयणे जाव तच्चाए वप्पाए  
भिन्नाए ओराळे मणिरयणे अस्मादिए, तं होउ अलाहि पज्जत णे एसा चउत्थी वप्पा  
मा भिज्जउ, चउत्थी णं वप्पा सउवसग्गा यावि हो(त्था)ज्जा, तए ण ते वणिवा तस्स  
वणियस्स हियकामगस्स सुहकामगस्स जाव हियसुहानित्सेसकामगस्स एवमाइक्खेमा-  
णस्स जाव पख्वेमाणस्स एयमट्टं नो सदहति जाव नो रोयंति, एयमट्ट असदहमाणा  
जाव अरोएमाणा तस्म वम्भीयस्स चउत्थपि वप्ति भिदति, ते णं तत्तय उग्गविस-



मखलिपुत्ते मम एव वयासी-एवं खलु आणंदा । इओ चिराईयाए अद्दाए केइ उषावया  
 वणिया एव त चेव सर्व्व निरवसेसं भाणियध्व जाव नियग नयर साहिण त गच्छ  
 णं तुमं आणंदा । तव धम्मवारियस्स धम्मोवएसगस्स जाव परिकहेहि ॥ ५४६ ॥  
 तं पभू णं भंते । गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं तेएणं एगाह्व कूटाह्व भासरसि  
 करेत्तए, विसए ण भंते । गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स जाव करेत्तए; समत्थे णं भंते ।  
 गोसाले मखलिपुत्ते तवेण जाव करेत्तए ? पभू ण आणदा । गोसाले मखलिपुत्ते तवेण  
 जाव करेत्तए, विसए ण आणदा । गोसाले जाव करेत्तए, समत्थे णं आणंदा । गोसाले  
 जाव करेत्तए, नो चेव ण अरिहते भगवते, परियावणिय पुण करेज्जा, जावइएण  
 आणदा । गोसालस्स मखलिपुत्तस्स तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिद्धतराए चेव तवतेए  
 अणगाराण भगवताण, खतिखमा पुण अणगारा भगवतो, जावइएणं आणंदा ।  
 अणगाराण भगवताण तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिद्धतराए चेव तवतेए थेराणं  
 भगवताण, खतिखमा पुण थेरा भगवतो, जावइएणं आणंदा । थेराणं भगवताण  
 तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिद्धतराए चेव तवतेए अरिहताण भगवताण, खति-  
 खमा पुण अरहता भगवतो, त पभू ण आणदा । गोसाले मंखलिपुत्ते तवेण  
 तेएण जाव करेत्तए, विसए ण आणदा । जाव करेत्तए, समत्थे ण आणदा । जाव  
 करेत्तए, नो चेव ण अरिहते भगवते, पारियावणिय पुण करेज्जा ॥ ५४७ ॥ त  
 गच्छ ण तुम आणंदा । गोयमाईण समणाणं निग्गथाण एयमट्ठ परिकहेहि-मा णं  
 अज्जो । तुब्भ केइ गोसाल मंखलिपुत्त धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ,  
 धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेउ, धम्मिएणं पडोयारेण पडोयारेउ, गोसाले ण  
 मखलिपुत्ते समणेहिं निग्गथेहिं सिच्छ विप्पडिवज्जे, तए ण से आणदे थेरे समणेणं  
 भगवया महावीरेण एव वुत्ते समाणे समण भगवे महावीरं वदइ नमसइ व० २ ता  
 जेणेव गोयमाइसमणा निग्गथा तेणेव उवागच्छइ २ ता गोयमाइसमणे निग्गथे  
 आमतेइ २ ता एव वयासी-एव खलु अज्जो ! छट्ठक्खमणपारणगसि समणेणं भगवया  
 महावीरेण अब्भणुज्जाए समाणे सावन्थीए नयरीए उचनीय त चेव सर्व्व जाव  
 णायपुत्तस्स एयमट्ठ परिकहेहि, त मा ण अज्जो ! तुब्भ केइ गोसाल मखलिपुत्त  
 धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ जाव सिच्छ विप्पडिवज्जे ॥ ५४८ ॥ जाव  
 च ण आणदे थेरे गोयमाईण समणाण निग्गथाण एयमट्ठ परिकहेइ ताव च णं से  
 गोसाले मखलिपुत्ते ह्वालाहलाए कुभकारीए कुभकारावणाओ पडिनिक्खमइ पडिनि-  
 क्खमिता आजीवियसंधसपरिवुडे महया धमरिस वहुमाणे सिग्घ तुरिय जाव सावत्थि  
 नयरिं मज्झमज्झेणं निग्गच्छइ २ ता जेणेव कोट्टए उज्जाणे जेणेव समणे भगव



दिव्वाइ जाव चइता तच्चे सन्निगन्मे जीवे पञ्चायाइ, से णं तओर्हितो जाव उव्व-  
 ट्ठिता उव्वरिल्ले माणुसुत्तरे सज्जे देवे उव्वज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइ भोग जाव  
 चइता चउत्ये सन्निगन्मे जीवे पञ्चायाइ, से णं तओर्हितो अणंतरं उव्वट्ठिता  
 मज्झिल्ले माणुसुत्तरे सज्जे देवे उव्वज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइ भोग जाव चइता  
 पचमे सन्निगन्मे जीवे पञ्चायाइ, से णं तओर्हितो अणंतरं उव्वट्ठिता हिट्ठिल्ले माणु-  
 सुत्तरे सज्जे देवे उव्वज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइ भोग जाव चइता छट्ठे सन्निगन्मे  
 जीवे पञ्चायाइ, से णं तओर्हितो अणंतरं उव्वट्ठिता यमेलोगे नाम से कप्पे पन्नते,  
 पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिन्ने जहा ठाणपए जाव पंच वड्डेसगा प०,  
 तजहा-असोगवड्डेसए जाव पडिरूवा, से णं तत्थ देवे उव्वज्जइ, से णं तत्थ दस  
 सागरोवमाई दिव्वाइ भोग जाव चइता सत्तमे सन्निगन्मे जीवे पञ्चायाइ, से णं  
 तत्थ नवण्ह मासाणं बहुपडिपुज्जाणं, अदट्ठमाण जाव वीइक्कताणं सुकुमालगमइलए  
 मिउकुडलकुचियकेसए मट्ठगडतलकअपीढए देवकुमारस(म)प्पमए दारए पया(ए)-  
 यइ, से णं अह कासवा । ते (तए)ण अह आउसो । कासवा । कोमारियाए पव्वजाए  
 कोमारएण वमचेरवासेणं अविद्वकजए चैव सखाणं पडिलभामि स० २ ता इमे सत्त  
 पउट्टपरिहारे परिहरामि, तजहा-एणेज्जगस्स, मल्लरामस्स, मडियस्स, रोहस्स, भार-  
 दाइस्स, अज्जुणस्स गोयमपुत्तस्स, गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स, तत्थ णं जे से पढमे  
 पउट्टपरिहारे से ण रायगिहस्स नयरीस्स वहिया मडियकुच्छिसि उज्जाणंसि उदा(यण)-  
 इस्स कुडियायणस्स सरीरं विप्पजहामि उदा० २ ता एणेज्जगस्स सरीरं अणुप्प-  
 विसामि एणे० २ ता वावीस वासाइ पढम पउट्टपरिहार परिहरामि, तत्थ णं जे  
 से दोच्चे पउट्टपरिहारे से ण उड्डपुरस्स नयरीस्स वहिया चंदोयरणंसि उज्जाणंसि  
 एणेज्जगस्स सरीरं विप्पजहामि २ ता मल्लरामस्स सरीरं अणुप्पविसामि  
 मल्ल० २ ता एगवीस वासाइ दोच्चे पउट्टपरिहार परिहरामि, तत्थ णं जे से तच्चे  
 पउट्टपरिहारे से ण चपाए नयरीए वहिया अगमदिरंसि उज्जाणंसि मल्लरामस्स  
 सरीरं विप्पजहामि मल्ल० २ ता मडियस्स सरीरं अणुप्पविसामि मंडि० २ ता  
 वीस वासाइ तच्चे पउट्टपरिहार परिहरामि, तत्थ णं जे से चउत्ये पउट्टपरिहारे से  
 ण वाणारसीए नयरीए वहिया काममहावणंसि उज्जाणंसि मंडियस्स सरीरं विप्प-  
 जहामि मंडि० २ ता रोहस्स सरीरं अणुप्पविसामि रोह० २ ता एगूणवीसं  
 वासाइ चउत्य पउट्टपरिहार परिहरामि, तत्थ णं जे से पचमे पउट्टपरिहारे से  
 ण आलभियाए नयरीए वहिया पत्तकालगंसि उज्जाणंसि रोहस्स सरीरं विप्पज-  
 हामि रोह० २ ता भारदाइस्स सरीरं अणुप्पविसामि भा० २ ता अद्वारस

[illegible]

वदइ नर्मसइ जाव कडाण मगल देवय चेश्य पञ्जुवासइ, किमग पुण तुम गोसाला ।  
 भगवया चेव पव्वाविए, भगवया चेव मुंठाविए, भगवया चेव सेहाविए, भगवया  
 चेव सिम्ताविए, भगवया चेव बहुस्सईकण, भगवओ चेव मिच्छ विप्पडिवजे, तं  
 मा एवं गोसाला । नारिहसि गोसाला । सयेव ते सा छाया नो अन्ना, तए ण से  
 गोसाले मखलिपुत्ते सव्वाणुभूङ्गामेण अणगारेण एव वुत्ते समणे आसुरते  
 ५ सव्वाणुभूङ्गं अणगारं तवेण तेएण एगाहस्य वूडाहस्य जाव भासरासिं करेइ, तए  
 ण से गोसाले मखलिपुत्ते सव्वाणुभूङ्गं अणगारं तवेण तेएण एगाहस्य वूडाहस्य जाव  
 भासरासिं करेत्ता दोयंपि समणं भगव महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउमइ  
 जाव सुह नत्थि । तेण कालेण तेण समएण समणस्स भगवओ महावीरस्स  
 अतेवासी कोसलजाणवए मुणक्खत्ते णाम अणगारे पगइभइए जाव विणीए धम्मयारि-  
 याणुरागेणं जहा सव्वाणुभूङ्गं तहेव जाव सयेव ते सा छाया नो अन्ना । तए ण से  
 गोसाले मखलिपुत्ते मुणक्खत्तेणं अणगारेण एव वुत्ते समणे आसुरते ५ मुनक्खत्तं  
 अणगारं तवेणं तेएण परितावेइ, तए णं से मुनक्खत्ते अणगारे गोसालेण मखलि  
 पुत्तेण तवेण तेएण परिताविए समणे जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ  
 २ ता समणं भगव महावीरं तिकवुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ ता वदइ  
 नर्मसइ व० २ ता सयमेव पंच महव्वयाइ आरुहेइ स० २ ता समणा य समणीओ य  
 खामेइ सम० २ ता आलोइयपडिक्कते समाहिपत्ते आणुपुब्बीए कालगए । तए ण से  
 गोसाले मखलिपुत्ते मुनक्खत्तं अणगारं तवेण तेएण परितावेत्ता तच्चपि समण  
 भगव महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ सव्व त चेव जाव सुहं नत्थि ।  
 तए ण समणे भगवं महावीरे गोसाल मखलिपुत्तं एव वयासी-जेवि ताव गोसाला ।  
 तहारुवस्स समणस्स वा माहणस्स वा त चेव जाव पञ्जुवासइ, किमग पुण  
 गोसाला । तुम मए चेव पव्वाविए जाव मए चेव बहुस्सईकए मम चेव मिच्छ  
 विप्पडिवजे, त मा एवं गोसाला । जाव नो अन्ना, तए ण से गोसाले मखलिपुत्ते  
 समणेण भगवया महावीरेणं एव वुत्ते समणे आसुरते ५ तेयासमुग्घाएण समोहणइ  
 तेया० २ ता सत्तट्ठपयाइ पच्चोसकइ २ ता समणस्स भगवओ महावीरस्स वहाए  
 सरीरगसि तेयं निसिरइ, से जहानामए वाउकलियाइ वा घायमडलियाइ वा सेलसि  
 वा कुहंसि वा थमसि वा थूमंसि वा आवरिज्जमा(णा)णी वा निवारिज्जमाणी वा  
 सा ण तत्थ णो कमइ नो पक्कमइ, एवामेव गोसालस्सवि मखलिपुत्तस्स तवे तेए  
 समणस्स भगवओ महावीरस्स वहाए सरीरगसि निसिद्धे समणे से णं तत्थ नो  
 कमइ नो पक्कमइ, अचियंविं करेइ अचि० २ ता आयाहिणं पयाहिणं करेइ आ०

भाषार्थं पंचमं पठ्यपरिहारं परिहरामि तत्त्वं न के से षष्ठे पठ्यपरिहारे से न  
 वेद्यत्वीए नवरीए बह्निवा को(के)विवात्मनसि पञ्चावसि भाष्यस्स सरीरणं विप्यज-  
 हामि मा १ ता अज्जुवपस्स भोक्कमुत्तस्स सरीरणं अज्जुवपिचामि अ १ ता  
 सत्तस्य वासव्हां षष्ठे पठ्यपरिहारं परिहरामि तत्त्वं न के से सप्तमे पठ्यपरिहारे से  
 मे इहेव चावत्वीए नवरीए हाक्काहत्ताए कुंमच्छरीए पुंमकारावत्तसि अज्जुवपस्स  
 भोक्कमुत्तस्स सरीरणं विप्यजहामि अज्जुवपस्स १ ता गोसावस्स मध्यमिमुत्तस्स  
 सरीरणं अवं दिरे कुं नारविजं धीमसहं उव्वसहं वव्वसहं विविहंसवस्स-  
 प्परीसहोमवस्सहं विरसेववत्तसिअहु तं अज्जुवपिचामि १ ता तं खेव्वस  
 भाषार्थं इमं सप्तमं पठ्यपरिहारं परिहरामि एवामेव आठस्ये । आठस्य ।  
 एतेनं-तेरातेनं वासवपुनं सप्त पठ्यपरिहारं परिहरामि अर्थस्येति मन्त्रावा  
 तं अहु नं आठस्ये । आठस्य । मम एवं ववाही सहु नं आठस्ये । आठस्य ।  
 मम एवं ववाही-योसाके मंजस्सिपुते मम मममतेवासिदि मोसाके १ ३ ५४५ ३  
 सप् नं सप्तमे मगगं महावीरे योसाके मंजस्सिपुते एवं ववाही-योसाव्व । ये वव्व-  
 भावए वेवए तेवा पायेव्वए परम्म(व)भावे १ अत्त(मि)इ पा(ती)इ वा इति वा कुम्मे  
 वा मिजं वा पम्पये वा निजये वा अत्तस्सावेमये एतेन ममं उवासीमेव वा सप्तमेमेव  
 वा कप्पासपम्पेव वा उव्वसपुन वा अत्तनं अत्तरेत्तानं विहेत्ता ये व अवावरीए  
 अवावरीवमिदि अप्पाणं मव्व, अप्पाणमि व पव्वज्जमिदि अप्पाणं मव्व, अ(न)मि-  
 तुके विव्वज्जमिदि अप्पाणं मव्व, अप्पाणवए पव्वज्जमिदि अप्पाणं मव्व, एवामेव कुम्पे  
 योसाव्व । अत्तने सते अत्तमिदि अप्पाणं उव्वज्जमसि तं वा एवं योसावा । अत्तइति  
 योसाव्व । सत्तेव ते सा अवा नो अवा ३ ५५ ३ सप् नं ये योसाके मंजस्सिपुते  
 सप्तमेव मगगं महावीरे एवं तुते सप्तमे वासवपुते ५ सप्तमं मगगं महावीरे  
 ववाववाहिं आठसवाहिं आठसह उवा १ ता उवाववाहिं उव्वसवाहिं उव्वसेव  
 उव्वसेता उव्वज्जवाहिं निम्मज्जवाहिं निम्मज्जेइ उ १ ता उवाववाहिं निम्मज्जवाहिं  
 निम्मज्जेइ उ २ ता एवं ववाही-यहेति ववाह, निव्वहेति ववाह, यहेति ववाह,  
 म्हुनिव्वयहेति ववाह, अज्ज न मव्वसि अहिं से मममिंते उव्वमरेव ३ ५५५ ३  
 तेनं वाकेनं तेनं सप्तमं सप्तमस्स मपव्वज्जो महावीरस्स अंतेवासी पाईववावए  
 उव्वज्जमुत्तं वामे अत्तमारे पव्वज्जए वाव विवीए वम्म्यावरीवात्तुरमोव एवमत्तं  
 अवाव्वमये उव्वए उहेइ उ १ ता वेव्वेव योसाके मंजस्सिपुते वेव्वेव उवावव्वइ १  
 ता योसाके मंजस्सिपुते एवं ववाही-येमि ताव योसाव्व । उवावव्वस्स सप्तमस्य वा  
 माव्वस्स वा अंतिने एवममे वा(व)मिने वमिमे उव्ववने मिसमेइ तेमि ताव तं



मिसिमिसेमाणे नो सचाएह समणण निग्गयाणं सरीरगस्स किञ्चि आवाह वा-  
चावाह वा उप्पाएत्तए छविच्छेद वा करेत्तए, तए ण ते आजीविया थेरा गोसालं  
मंखलिपुत्त समणेहिं निग्गयेहिं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएजमाण धम्मियाए  
पडिसारणाए पडिसारिजमाण धम्मिएणं पढोयारेण पढोयारिजमाणं अट्टेहि य  
हेऊहि य जाव कीरमाणं आसुरत्त जाव मिसिमिसेमाण समणण, निग्गयाण सरीर-  
गस्स किञ्चि आवाह वा वावाह वा छविच्छेद वा, अकरेमाण पासति २ ता गोसा-  
लस्स मंखलिपुत्तस्स अतियाओ आयाए अवक्कमति-आयाए अवक्कमिता जेणेव  
समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छति ते ० २ ता समण भगव महावीरं तिव्खुत्तो  
आयाहिणं पयाहिणं वदंति नमसति वं ० २ ता समण भगव महावीरं उवसपज्जित्ताणं  
विहरति, अत्थेगइया आजीविया थेरा गोसाल चैव मंखलिपुत्तं उवसपज्जित्ताणं  
विहरंति । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते जस्सट्ठाए हव्वमागए तमट्ठ असाहेमाणे  
रुदाइ पलोएमाणे वीहुण्हाइ नी(स)सासमाणे दाढियाए लोमा(इ)ए लुंचमाणे अवई  
कंहुयमाणे पुयलिं पप्फोडेमाणे हत्थे विणिज्जुणमाणे दोहिवि पाएहिं भूमिं कोट्टेमाणे  
हाहा अहो ! हओऽहमस्सीतिकट्ठु समणस्स भगवओ महावीरस्स अतियाओ  
कोट्टयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ ता जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव हालाहलाए  
कुमकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ ते ० २ ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभ-  
कारावणसि अवक्कूणगहत्थगए मज्जपाणरां पि अमिक्खणं गायमाणे अमि-  
क्खण नच्चमाणे अमिक्खणं हालाहलाए एण मट्ठियापाणएणं आर्यचणिउदएण-य  
अज्जोत्ति समणे भगव महावीरे समणे अज्जो ! गोस-  
पज्जते सोल-मम वा-  
अ(च्छा)त्य, त-  
या पाठार्ण,

करेमाणे सीयल-

णे विहरइ ॥ ५५२

एवं वयासी-जाव

तेए निसट्टे से ण अ-

मलयाण

सोलीण कासीण

१ ता वहुं वेदायं कप्पइए, से नं तज्जे पडिहए पडिनिवोत्तं समामे त(स्ते)मेव  
 गोसाक्खस्स मंखळिपुत्तस्स सरीरं बहुवहमाये २ अतो २ अनुप्पमिहे, तए नं से  
 पेसाके मंखळिपुत्ते सएवं तेएवं अवाहोत्तं समामे समं मयं महावीरं एवं ववाली-  
 तुमं नं जाउत्ते ! अउवा । ममं तवेवं तेएवं अवाहोत्तं समामे अतो अण्णं मातालं  
 पित्तज्जरपरिक्खसरीरे बहवहोत्तं कम्मत्ते येव क्खं करेस्ससि तए नं अयमे  
 मयं महावीरे गोसाके मंखळिपुत्तं एवं ववाली-ओ क्खु भाई गोसाक्ख ! तव तवेवं  
 तेएवं अवाहोत्तं समामे अतो अण्णं मातालं जाव क्खं करिस्सामि अहं अवाहोत्तं सो-  
 सवसाए जिने उरुवी निवुरिस्सामि, तुमं नं गोसाक्ख ! अउवा येव सएवं तवेवं तेएवं  
 अवाहोत्तं समामे अतो सत्तरात्तस्स पित्तज्जरपरिक्खसरीरे जाव कम्मत्ते येव क्खं  
 करेस्ससि तए नं सत्तत्तीए कयपीए सिंवात्तग जाव पवेहं बहुज्जो अक्खमवस्स  
 एवमात्तकइ जाव एवं पक्खेइ-एवं क्खु वेवत्तुप्पिमा । साकरीए मयपीए बहिमा  
 कोट्टए उज्जाये हुवे जिना संकमंति एो एवं वंति-तुमं पुत्ति क्खं करेस्ससि एो  
 एवं वंति तुमं पुत्ति क्खं करेस्ससि तव नं के पुत्र सम्मावाहं के पुत्र मिच्छावाहं ।  
 तव नं से से अहप्पमाये कये से वइ-सममे मयं महावीरे सम्मावाहं गोसाके  
 मंखळिपुत्ते मिच्छावाहं, अज्जेति सममे मयं महावीरे सममे विमंभे अमंवेत्त  
 एवं ववाली-अज्जे ! से अहाक्खमए तज्जउत्तीइ वा क्खुउत्तीइ वा पत्तउत्तीइ वा  
 उवाउत्तीइ वा सुउत्तीइ वा सुसरात्तीइ वा गोमवउत्तीइ वा अक्खरउत्तीइ वा  
 अयमिच्छामि अयमिच्छाति अयमिपरिणामि हवतेए अवतेए अट्टेए अट्टवए  
 सुत्ततेए निक्खुत्तेए जाव एवमेव पेसाके मंखळिपुत्ते मयं वहाए सरीरंति तेवं  
 निधिरिता हवतेए अवतेए जाव निक्खुत्तेए जाए, तं उरैवं अज्जे ! तुममे पेसाके  
 मंखळिपुत्ते वम्मिवाए पडिओमवाए पडिओएइ वम्मि १ ता वम्मिवाए पडिहा  
 रणाए पडिहारइ वम्मि २ ता वम्मिए-पडोवारैवं पडोवारइ वम्मि ३ ता  
 अट्टेइ य हेअइ य पडिओइ य अवरणेइ य अवरणेइ य निप्पुवतिववावरं  
 करइ, तए नं ते अमवा विमंभा समयेवं अयक्खमा महावीरेवं एवं तुता अमावा  
 समं मयं महावीरे वंति अमंवेति वंति अमंविता येवेव पेसाके मंखळिपुत्ते  
 तेमि तवाक्खंति तेमि ववाक्खंति गोसाके मंखळिपुत्तं वम्मिवाए पडिओमवाए  
 पडिओएंति य २ ता वम्मिवाए वडिहा(इ)रणाए पडिहारंति य २ ता  
 वम्मिएवं पडोवारैवं पडोवारंति य २ ता अट्टेइ य हेअइ य अवरणेइ य अवर  
 अवरं क(वान)रंति । तए नं से गोसाके मंखळिपुत्ते समामे विमंभे वम्मिवाए  
 पडिओमवाए पडिओएअमामे जाव निप्पुवतिववावरं ओरामे आहुरते जाव

मिसिमिसेमाणे नो चचाएइ समणाण निग्गयाण सरीरगस्स किंचि आवाह वा  
चावाह वा उप्पाएत्तए छविच्छेदं वा करेत्तए, तए ण ते आजीविया घेरा गोसाल  
मंखलिपुत्त समणेहिं निग्गधेहिं धम्मियाए पढिचोयणाए पढिचोएजमाण धम्मियाए  
पढिसारणाए पढिसारिजमाण धम्मिएणं पढोयारेण पढोयारिजमाण अट्टेहि य  
हेऊहि य जाव कीरमाण आसुरत्त जाव मिसिमिसेमाण समणाण निग्गयाणं सरीर-  
गस्स किंचि आवाह वा चावाह वा छविच्छेदं वा अक्रेमाण पासति २ ता गोसा-  
लस्स मंखलिपुत्तस्स अतियाओ आयाए अवकमति आयाए अवदमिता जेणेव  
समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छंति ते० २ ता समणं भगव महावीरं तिक्कुरातो  
आयाहिण पयाहिण० वदति नमसति वं० २ ता समण भगव महावीरं उवसपज्जिताणं  
विहरंति, अत्थेगइया आजीविया घेरा गोसाल चैव मंखलिपुत्त उवसपज्जिताण  
विहरति । तए ण से गोसाले मखलिपुत्ते जस्सट्ठाए हव्वमाणए तमट्ट असाहेमाणे  
रुदाइ पलोएमाणे बीहुण्हाइ नी(स)साममाणे दाढियाए लोमा(इ)ए लुचमाणे अवई  
कइयमाणे पुयलिं पप्फोढेमाणे हत्थे विणिद्धुणमाणे दोहिवि पाएहिं भूमिं कोट्टेमाणे  
हाहा अहो ! हओऽहमस्सीतिकट्टु समणस्स भगवओ महावीरस्स अतियाओ  
कोट्टयाओ उज्जाणाओ पडिनिस्समइ २ ता जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव हालाहलाए  
कुंभकारीए कुभकारावणे तेणेव उवागच्छइ ते० २ ता हालाहलाए कुभकारीए कुंभ-  
कारावणसि अवकूणगहत्थगए मज्जपाणग पियमाणे अभिक्खणं गायमाणे अभि-  
क्खण नद्यमाणे अभिक्खण हालाहलाए कुभकारीए अजलिकम्म करेमाणे सीयल  
एण मट्ठियापाणएणं आयचणिउदएण गयाइ परिमिच्चमाणे विहरइ ॥ ५५२ ॥  
अज्जोत्ति समणे भगव महावीरे समणे निग्गधे आमंतेत्ता एवं वयासी-जावइएणं  
अज्जो । गोसालेणं मखलिपुत्तेण मम वहाए सरीरगसि तेए निसट्टे से ण अलाहिं  
फज्जंते सोलसण्ह जणवयाण, त०-अगाण वगाण मगहाण मलयाण मालवगाणं  
अ(च्छा)त्याण वत्थाण कोत्थाण पाढाणं लाढाण वजीण मोठीणं कासीण कोसलगाण  
अवाहाण सुभुत्तराण घायाए वहाए उच्छादणट्टयाए भासीकरणयाए, जपि य अज्जो ।  
गोसाले मखलिपुत्ते हालाहलाए कुभकारीए कुभकारावणसि अवकूणगहत्थगए  
मज्जपाण पियमाणे अभिक्खण जाव अजलिकम्म करेमाणे विहरइ, तस्सवि य णं  
वज्जस्स पच्छादणट्टयाए इमाइ अट्ट चरिमाइ पन्नवेइ, तजहा-चरिमे पाणे, चरिमे  
गेए, चरिमे नट्टे, चरिमे अजलिकम्मे, चरिमे पोक्खलसवट्टए महामेहे, चरिमे सेयणए  
गंधहत्थी, चरिमे महासिलार्कटए सगामे, अहं च ण इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए-  
तित्यंकराण चरिमे तित्यंकरे सिज्जिस्स जाव अतं करेस्स ति, जपि य अज्जो ।



अप्पमहग्घाभरणालंक्रियसरीरे माओ गिहाओ पडिनिक्कामद सा० २ ता पाय-  
विहारचारेणं सावरिं नयरिं मज्झिमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारा-  
वणे तेणेव उवागच्छइ २ ता पानइ गोसालं भगलिपुत्त हालाहलाए कुंभकारीए  
कुंभकारावणति अवकूणगहत्थगयं जाव अजलिं करमाणं सीयलयाएणं मट्ठिया  
जाव गायाइ परिसिन्माणं पासइ २ ता लज्जिए पिडिए पिडे सारियं २ पन्नोमइ,  
तए ण ते आजीविया थेरा अयंपुलं आजीवियोवागणं लज्जिणं जाव पन्नोमइमाणं  
पासेति २ ता एव वयासी-एहि ताव अयंपुला ! एता(इ)ओ, तए ण से अयंपुले  
आजीवियोवासए आजीवियेयेरेहि एव वुत्ते समाणे जेणेव आजीविया थेरा तेणेव  
उवागच्छइ उवागच्छिता आजीविए येरे वंदइ नमंसइ व० २ ता नयासमे जाव  
पञ्जुवासइ, अयंपुलाइ आजीविया थेरा अयंपुल आजीवियोवागण एव वयासी-से  
नूण ते(मे) अयंपुला ! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि जाव किंसठिया द्वा पग्गता ?,  
तए ण तव अयंपुला ! दोयपि अयमेया० त चेव सव्वं भाणियव्वं जाव सावरिं  
नयरिं मज्झिमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव इइ तेणेव  
हव्वमागए, से नूण ते अयंपुला ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अथि, जपि य अयंपुला !  
तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए  
कुंभकारावणति अवकूणगहत्थगए जाव अजलिं करमाणे विहरइ, तत्थवि ण भगव  
इमाइ अट्ठ चरिमाइ पन्नवेइ, त०-चरिमे पाणे जाव अत्त करेस्सइ, जेवि य  
अयंपुला ! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मखलिपुत्ते सीयलयाएण मट्ठिया  
जाव विहरइ, तत्थवि ण भगव इमाइ चत्तारि पाणगाइ चत्तारि अपाणगाइ पन्नवेइ, से  
किं त पाणए ? पाणए जाव तओ पच्छा सिज्ज(न्ति)इ जाव अत्त करे(न्ति)इ, त गच्छ-  
ह ण तुम अयंपुला ! एस चेव तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मखलिपुत्ते इमं  
एयाहव वागरणं वाग(रेही)रित्तएत्ति, तए ण से अयंपुले आजीवियोवासए आजीविएहि  
येरेहि एव वुत्ते समाणे हट्ठुट्ठ० उट्ठाए उट्ठे उ० २ ता जेणेव गोसाले मखलिपुत्ते  
तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए ण ते आजीविया थेरा गोमालस्स मंखलिपुत्तस्स  
अवकूणगप(ए)डावणट्ठयाए एगत्तमते सगारं कुव्वति, तए णं से गोसाले मखलिपुत्ते  
आजीवियाणं थेराणं सगारं पडिच्छइ २ ता अवकूणग एगत्तमते एडेइ, तए ण से  
अयंपुले आजीवियोवासए जेणेव गोसाले मखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ उवागच्छि-  
ता गोसालं मखलिपुत्त तिक्खुत्तो जाव पञ्जुवासइ, अयंपुलाइ गोमाले मखलिपुत्ते  
अयंपुल आजीवियोवासणं एवं वयासी-से नूण अयंपुला ! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि  
जाव जेणेव ममं अतिर्यं तेणेव हव्वमागए, से नूण अयंपुला ! अट्ठे समट्ठे ? हंता

अति-तं नो कल-एत अन्वयम् अन्वयम् न एते किञ्चित्वा ह्य पञ्च ।  
 वहीम्बरेष्ठिया ह्य पञ्चत्वा वीर्यं वाएहि रे वीर्या वी २ एत नं से अन्वयम्  
 आनीमिपोवात्तम् गोसाकेनं यैवधिपुतेनं इमं एवाकनं वायरनं अमारि ए समाने  
 ह्यत्तु वाव हिम ए गोसाके मंखलिपुतेनं वरह मर्मसह नं २ ता पतिनार्त्तं पुच्छ २ ता  
 कलार्त्तं परिवादिवाह न २ ता कलार्त्तं उद्वेह न २ ता नोत्तार्त्तं मंखलिपुते वरह  
 मर्मसह नं २ ता वाव पतिगए । एत नं से गोसाके मंखलिपुते अप्यनो मर्मनं आनीम्  
 २ ता आनीमि ए केरे सहावैह वा २ ता एनं वयावी-पुष्पे नं देवाभुपिवा ।  
 मर्मनं अकन्यनं आनिता सुमिता वीर्यम् अवाहि ह २ ता पञ्चकलसुम्माताए  
 मंखलसार्त्तं एतावार्त्तं उद्वेह वा २ ता सत्तयेनं वीर्यसहस्रियेनं वायार्त्तं अन्वयिह  
 स २ ता महावैह ईसलन्यनं पावसाहये निधिह मह २ ता सम्भारत्तं अर  
 निपुतिनं करेह स २ ता पुमैसहस्रसत्तहिनि वीर्यं कुस्त्रेह पुमि २ ता  
 सत्तवीए नवरीए सिवाहय वाव प्येह महना महना खीनं उग्वेष्टेमावा २ एनं  
 वरह-एनं कल देवाभुपिवा । गोसाके मंखलिपुते जिने जिनपञ्चमी वाव  
 जिक्कत्तं पदासेमावे निह्रिता इमीसे वीर्यपिणीए नवरीसाए सित्त्वरात्तं वरिमे  
 सित्त्वरी विदे वाव सन्तुक्कनप्येहि इहीसत्तारत्तं एनं मने सरीरमत्तं जीह्वरत्तं  
 करेह, एत नं से आनीमिवा केर गोसाकत्तं मंखलिपुत्तं एकमत्तं निपुत्तं  
 पतिवर्त्तं ॥ ५५३ ॥ एत नं एतन् गोसाकत्तं मंखलिपुत्तं सत्तारत्तं परिवा  
 वार्त्तं पतिवर्त्तं अकन्यनं अकन्यनं अकन्यनं वाव समुप्यज्जिवा-मे कल  
 वार्त्तं जिने जिनपञ्चमी वाव जिनत्तं पगात्तं के निह्रत्तं, अहं नं मोत्तके केन  
 मंखलिपुते समनवावए समनमारए समनपतिनीए वावरेकवज्जत्तानं अकन्य  
 कए अकन्यकए अकन्यकए वहुत्तं अकन्यकुम्मात्तं निरत्तानिमिदेष्टेहि  
 व अन्वयं वा परं वा वहुमनं वा सुम्माहेमावे पुप्पाएमावे निह्रिता एत नं से एनं  
 अकन्यत्तं समाने वीर्यो सत्तारत्तं पित्तारपरिगम्यसरीरे वाहवर्त्तं एतन् एतन् केन  
 कनं करेत्तं समाने मर्गं महावीरे जिने जिनपञ्चमी वाव जिक्कत्तं पदासेमावे  
 निह्रत्तं, एनं सेपेहेह एनं सेपेहिता आनीमि ए केरे सहावैह वा २ ता कलवज-  
 सत्तवीए करेह कल २ ता एनं वयावी-मे कल अहं जिने जिनपञ्चमी  
 वाव पदासेमावे निह्रत्तं, अहं गोसाके मंखलिपुते समनवावए वाव उम्मात्तं  
 केन वानं करेत्तं, समाने मर्गं महावीरे जिने जिनपञ्चमी वाव जिक्कत्तं पगा-  
 त्तं निह्रत्तं, तं पुष्पे नं देवाभुपिवा । मर्मनं अकन्यनं आनिता वावे कए पुष्पेनं  
 वरह वा २ ता सित्त्वरी सुदे कलुह हि २ ता सत्तवीए नवरीए सिवाहय

जाव पहेसु आकड्विकडि करेमाणा महया २ सहेण उग्घोसेमाणा २ एवं वदह-नो  
 खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ)रिए, एस  
 ण गोसाले चेव मखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, समणे  
 भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, अणिट्ठीअसक्कारसेमुदएण मम  
 सरीरगस्स नीहरण करेज्जाह, एव वदित्ता कालगए ॥५५४॥ तए ण ते आजीविया  
 थेरा गोसाल मखलिपुत्त कालगयं जाणित्ता हालाहलाए कुभकारीए कुभकारावणस्स  
 दुवाराइ पिहेति दु० २ ता हालाहलाए कुभकारीए कुभकारावणस्स बहुमज्झसे-  
 भाए सावत्थि नयरीं आलिहति सा० २ ता गोसालस्स मखलिपुत्तस्स सरीरगं  
 वामे पाए सुवेण बंधति वा० २ ता तिक्खुतो मुहे उट्ठुमंति २ ता सावत्थीए  
 नयरीए सिंघाढग जाव पहेसु आकड्विकडि करेमाणा णीयं २ सहेण उग्घोसेमाणा  
 २ एव वयासी-नो खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी  
 जाव विहरिए, एस ण गोसाले चेव मखलिपुत्ते समणघायए जावं छउमत्थे चेव  
 कालगए, समणे भगव महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, सवहपडिमोक्ख-  
 णग करेति स० २ ता दोच्चपि पूयासक्कारथिरीकरणट्ठयाए गोसालस्स मखलिपुत्तस्स  
 वामाओ पायाओ सुव मुयंति सु० २ ता हालाहलाए कुभकारीए कुभकारावणस्स  
 दुवारवयणाइ अवगुणति २ ता गोसालस्स मखलिपुत्तस्स सरीरगं सुरभिणा  
 गधोदएण ण्हणेंति त चेव जाव महया २ इट्ठीसक्कारसेमुदएण गोसालस्स मखलिपु-  
 त्तस्स सरीरगस्स नीहरण करेति ॥ ५५५ ॥ तए ण समणे भगव महावीरे अज्झया  
 कयाइ सावत्थीओ नयरीओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ ता बहिया  
 जणवयविहारं विहरइ । तेण कालेण तेण समएण मेंढियगामे नामं नयरे होत्था  
 चञ्चओ, तस्स ण मेंढियगामस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ ण  
 सालकोट्टए नाम उज्जाणे होत्था वज्जओ जाव पुढविसिलापट्ठओ, तस्स ण सालको-  
 ट्ठगस्स उज्जाणस्स अदूरसामते एत्थ ण महेगे मालुयाकच्छए यावि होत्था  
 किण्हे किण्होभासे जाव निकुलंबभूए पत्तिए पुप्फिए फलिए हरियगरेरिज्जमाणे  
 सिरीए अईव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ, तत्थ ण मेंढियगामे नयरे रेवई नामं  
 गाहावइणी परिवसइ अट्ठा जाव अपरिभूया, तए ण समणे भगवं महावीरे अज्झया  
 कयाइ पुब्बाणुपुब्बि चरमाणे जाव जेणेव मेंढियगामे नयरे जेणेव साण(ल)कोट्टए  
 उज्जाणे जावं परिसां पडिगया । तए ण समणस्स भगवओ महावीरस्स सरीरगं  
 विउले रोगायंके पाउब्भूए उज्जले जावं दुरहियासे पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्क-  
 तीए यावि विहरइ, अविंयाइ लोहियवच्चाइपि पकरइ, चाउव्वञ्च वागरेइ-एवं खलु





नमंसिता अतुरियमचयलमसंभत मुहपोत्तियं पठित्तेहेइ सु० २ ता जहा गोयमसामी  
जाव जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छड २ ता समण भगवं महावीरं  
वदइ नमसइ वं० २ ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अनियाओ माल्लोठ्ठयाओ  
उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ ता अतुरिय जाव जेणेव म्हेडियगामे नयरं तेणेव  
उवागच्छड २ ता म्हेडियगाम नयरं मज्झमज्जेण जेणेव रेवईए गाहावडणीए गिहे  
तेणेव उवागच्छड २ ता रेवईए गाहावडणीए गिह अणुप्पमिट्ठे, ता ण सा रेवई  
गाहावडणी सीह अणगारं एज्जमाग पामड २ ता हट्ठतुट्ठं पिप्पामेव आसणाओ  
अब्भुट्ठेइ २ ता सीहं अणगारं नत्तट्ठपयाइं अगुगच्छड म० २ ता तिक्खुत्तो  
आयाहिण पयाहिण० वदइ नमसइ वं० २ ता एवं वयासी—सट्ठिन्तु णं देवाणुप्पिया ।  
किमागमणप्पओयणं ? तए ण से सीहे अणगारे रेवइ गाहावडणि एव वयासी—एवं  
खलु तुमे देवाणुप्पिए ! समणस्स भगवओ महावीरस्स अट्ठाए दुवं [कोहटफला] उव-  
क्खडिया तेहिं नो अट्ठो, अन्यि ते अञ्जे पारियात्तिए (फानुए घीयऊरए) तमाहराहि  
तेण अट्ठो, तए ण मा रेवई गाहावडणी सीह अणगारं एवं वयासी—केस ण  
सीहा ! से णाणी वा तवस्सी वा जेण तव एन अट्ठे मम ताव रहस्सक्कडे  
हव्वमक्खाए जओ ण तुम जाणासि ? एव जहा नदए जाव जओ णं  
अह जाणामि, तए ण सा रेवई गाहावडणी सीहस्स अणगारस्स अतिर्यं एयमट्ठ  
सोचा निसम्म हट्ठतुट्ठा जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छड २ ता पत्तग मोएइ  
पत्तग मोएत्ता जेणेव सीहे अणगारे तेणेव उवागच्छड २ ता सीहस्स अणगारस्स  
पडिग्गहगसि त सव्व मम्म निस्मिरइ, तए ण तीए रेवईए गाहावडणीए तेण दव्व-  
मुद्रेण जाव दाणेण सीहे अणगारे पडिलाभिए समाणे देवाटए निवद्धे जहा विजयस्स  
जाव जम्मजीवियफळे रेवईए गाहावडणीए रेवईए गाहावणीए, तए ण से सीहे  
अणगारे रेवईए गाहावडणीए गिहाओ पडिनिक्खमइ २ ता म्हेडियगामं नयरं  
मज्झमज्जेणं निग्गच्छइ निग्गच्छइत्ता जहा गोयमसामी जाव भत्तपाणं पडिदसेइ  
२ ता समणस्स भगवओ महावीरस्स पाणिसि त सव्व मम्म निस्मिरइ, तए णं  
समणे भगव महावीरे अमुच्छिए जाव अणज्झोववन्ने विलमिव पन्नगभूएण  
अप्पाणेण तमाहारं सरीरकोट्ठगसि पक्खिवइ, तए ण समणस्स भगवओ महा-  
वीरस्स तमाहार आहारियस्स समाणस्स से विउले रोगायके खिप्पामेव उवसम पत्ते  
हट्ठे जाए आरोगे वलियसरीरे तुट्ठा समणा तुट्ठाओ समणीओ तुट्ठा सावया तुट्ठाओ  
सावियाओ तुट्ठा देवा तुट्ठाओ देवीओ सदेवमणुयासुरे लोए तुट्ठे हट्ठे जाए  
समणे भगवं महावीरे हट्ठे० २ ॥ ५५६ ॥ भंतैत्ति भगव गोयमे समण भगव

सममे मयत्तं महावीरे श्येताक्षस्तु मयत्तपुत्रस्तु तथैव तेषां अन्तरात् समामि  
 मतो छन्दं याचामि पिचवरपरिमयसरीरे वाह्वर्गशीए कन्धमत्ये च वर्य करि-  
 स्तुह । तेन कथेनं चयं समपुनं समस्तस्य मयवभ्यो महावीरस्तु अन्तेवासी सीहे  
 नाम अन्तगारे पयश्महाए वाव निवीए माहुवाककगस्तु अन्तगारमते कन्धकन्धेन  
 अन्तिमेकतेन तनोक्कम्भेन सहुं वाह्वानो वाव निहस्त, तए वं तस्य सीहस्त अन्तगारस्तु  
 छान्तरीवापु वर्यमास्तु अन्तमेवास्मि वाव समुप्यज्जिवा-एवं कन्ध मम वम्माव-  
 तीवस्तु वम्मोवपुस्तु समस्तस्य मयवभ्यो महावीरस्तु छरीरगति निवडे रोममंके  
 पाठप्पुए वर्यके वाव छन्दमत्ये च वर्य करिस्तुह, वरिस्तुति य वं अन्तगारिवा  
 कन्धमत्ये च वर्य कन्धपुए, इमेनं एवास्मिन् महाया मन्तोवावतिपुनं वर्यकेनं अन्तिमए  
 समामि आन्तगारमन्तोवो एवोवह्वा वावा १ ता केनेव माहुवाककए तेनेव  
 ववागकक १ ता माहुवाकककं मतो १ अन्तुप्यज्जिवा मन्तुवा १ ता म्हावा १  
 सीरेनं कन्धकन्धस्तु पन्थे । अजोति सममे मयत्तं महावीरे सममे निम्मि आन्तदेह  
 १ ता एनं ववासी-एवं कन्ध अन्ते । मम अन्तेवासी सीहे वर्य अन्तगारे पयश्महाए  
 तं च वर्य चयं माविम्वं वाव पन्थे तं गन्धक वं अन्ते । इमेनं सीहे अन्तगारे  
 सहुं, तए वं ते समामि निम्मा सममेनं मयवभ्यो महावीरेनं एनं शुद्ध समामा  
 समम् मयत्तं महावीरे वर्येति मन्तेति व १ ता समस्तस्य मयवभ्यो महावीरस्तु  
 अन्तिवाओ साक्कोट्टाओ सज्जानाओ पविनिक्कमंति ता १ ता केनेव  
 माहुवाककए केनेव सीहे अन्तगारे तेनेव ववागकक १ ता सीहे अन्तगारे  
 एनं ववासी-सीहा । तव वम्मावतिवा सहुंवेति तए वं से सीहे अन्तगारे सममेनं  
 निम्मवेहिं सदि माहुवाकककमाओ पविनिक्कमस्तु १ ता केनेव साक्कोट्टाए  
 उज्जामि केनेव सममे मयत्तं महावीरे तेनेव ववागकक १ ता समम् मयत्तं महा-  
 वीरे विचक्ये वावविचं १ वाव पन्थासहुं, सीहाति सममे मयत्तं महावीरे सीहे  
 अन्तगारे एनं ववासी-से एनं तं सीहा । छान्तरीवापु वर्यमास्तु अन्तमेवास्मि वाव  
 पन्थे से मूने ते सीहा । कन्धे सममे ? इहा अन्ति तं नो कन्ध अहं सीहा । श्येता-  
 कस्तु मयत्तपुत्रस्तु तथैव तेषां अन्तरात् समामि अन्ते छन्दं याचामि वाव कथं  
 करेस्तु अहं अन्तगारे अन्तमेवास्मि अन्तिमेकतेन तनोक्कम्भेन सहुं वाह्वानो वाव निहस्त  
 तं गन्धक वं इमं सीहा । मन्तिमयामि मयत्तं एवह्वा वाह्वर्गशीए मिहे, तस्य वं रीवाए वाह्वर्गशीए  
 मम अन्तगारे वर्ये (वर्यकक) अन्तगारिवा तेहिं नो अन्तो अन्ति से अन्ति पान्तिवातिए  
 [पयश्महा वर्यकक] उमाहस्तुति तेनं अन्ते, तए वं से सीहे अन्तगारे सममेनं मयवभ्यो म-  
 हावीरेनं एनं शुद्ध समामि कन्धकन्ध वाव जियए समम् मयत्तं महावीरे वर्य मन्तेति वरिस्तु





सुम महापुत्रो राया, सुमणं इओ तन्ने भयमहणे गोमाते नाम मगन्निपुते होत्ता,  
 समणायए जाव छउमत्थे चैव कालगए, तं जइ ते तया सव्याणुभूद्गा अणगारेण  
 पभुणावि होऊण सम्मं सहिय गमियं नितिङ्गिय अहियासिय, जइ ते तया सुमण-  
 तेणं अणगारेणं पभुणावि होऊण जाव अहियासिय, जइ ते तया समणेणं भगवया महा  
 वीरेण पभुणावि जाव अहियासिय, त नो गल्ल अहं ने तदा सम्मं महिस्सं जाव अहिया-  
 तिस्स, अहं ते नवरं सहयं सरह ससारहियं तवेण तेएणं एगाहय कूडाहय भास  
 रासिं करेजामि, तए णं से विमलवाहणे गया सुमगलेण अणगारेण एव सुते समाने  
 आसुत्ते जाव मित्तिमिसेमाणे सुमगल अणगारं तच्चपि रहतिरेण णोदावेहिइ, तए  
 ण से सुमगले अणगारे विमलवाहणेण रण्णा तच्चपि रहतिरेण णोदायिए समाने  
 आसुत्ते जाव मित्तिमिसेमाणे आयावणभूमीओ पच्चोद्ध आ० २ ता तयासमु-  
 न्धाएण समोहणिहिइ तेया० २ ता सत्तट्टपयाइ पथोसज्जिहिइ सत्तट्ट० २ ता  
 विमलवाहण राय सहय सरह ससारहिय तवेण तेएण जाव भासरामिं करेहिइ ।  
 सुमगले ण भंते । अणगारे विमलवाहणं रायं सहयं जाव भासरामिं करेता कहिं  
 गच्छिहिइ कहिं उव्वज्जिहिइ ? गोयमा । सुमगले ण अणगारे विमलवाहण रायं  
 सहयं जाव भासरामिं करेता बहहिं चउत्थल्लट्टमदसमदुवालस जाव विचित्तेहिं  
 तवोरुम्मेहिं अप्पाण भावेमाणे बहइ वायाइ सामन्नपरियागं पाठणिहिइ बह० २ ता  
 मासियाए सलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए जाव छेदेता आलोइयपडिक्कंते समाहि-  
 पत्ते उट्ट चदिमसूरिय जाव गेविज्जविमाणावाससयं वीइयइत्ता सव्वट्टसिद्धे महायिमाणे  
 देवत्ताए उव्वज्जिहिइ, तत्थ णं देवाण अजहजमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइ ठिई  
 प०, तत्थ णं सुमगलस्सवि देवस्स अजहजमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइ ठिई  
 प० । से ण भते । सुमगले देवे ताओ देवलोगाओ जाव महाविदेहे वासे सिज्जिहिइ  
 जाव अत करेहिइ ॥ ५५८ ॥ विमलवाहणे णं भंते । राया सुमगलेणं अणगारेण सहए  
 जाव भासरासीकए समाने कहिं गच्छिहिइ कहिं उव्वज्जिहिइ ? गोयमा । विमलवाहणे  
 ण राया सुमगलेण अणगारेण सहए जाव भासरासीकए समाने अहे सत्तमाए पुठवीए  
 उक्कोसकालट्टिइयसि नरयंसि नेरइयत्ताए उव्वज्जिहिइ, से ण तओ अणतरं उव्वट्ठिता  
 मच्छेसु उव्वज्जिहिइ, तत्थवि ण सत्यवज्जे दाहवक्कतीए कालमासे कालं किच्चा  
 दोषपि अहे सत्तमाए पुठवीए उक्कोसकालट्टिइयसि नरयंसि नेरइयत्ताए उव्वज्जिहिइ,  
 से णं तओ अणतरं उव्वट्ठिता दोषपि मच्छेसु उव्वज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्यवज्जे  
 जाव किच्चा छट्ठीए तमाए पुठवीए उक्कोसकालट्टिइयसि नरयंसि नेरइयत्ताए उव्व-  
 ज्जिहिइ, से ण तओहिंतो जाव उव्वट्ठिता इत्थियासु उव्वज्जिहिइ, तत्थवि णं

मिथिचए करेहि(मि)र, तए न सखुवारो नवरो बहने राईसर जाव नहिहिंति-एवं  
 कहुं देवाकुपिया ! मिमकाहने राजा समयेहिं निमयेहिं मिमळं निपपिबने, अप्येकरए  
 आइसर जाव मिथिचए करेइ, तं नो कहु देवाकुपिया ! एवं अम्हें छिं नो  
 कहु एवं मिमकाहनेरस राई छेवं नो कहु एवं एकरस वा रुसर वा बरस वा  
 बरस वा पुरस वा बंतेउरस वा जनकस वा छेवं कम्हें मिमकाहने  
 राजा समयेहिं निमयेहिं मिमळं निपपिबने तं छेवं कहु देवाकुपिया ! अम्हें  
 मिमकाहने राजा एकाहुं निमनितणीतहु जनकस अतिवं एकाहुं पवित्रयेति  
 अ १ ता केवेव मिमकाहने राजा तेवेव उवाचकति १ ता करकभरिगाहिं  
 मिमकाहने राजा कएवं मिमएवं बजावैति अ २ ता एवं बजावी-एवं कहु  
 देवाकुपिया ! समयेहिं निमयेहिं मिमळं निपपिबने अप्येकरए जातसंति जाव  
 अप्येकरए मिथिचए करेति, तं नो कहु एवं देवाकुपिया तं छेवं नो कहु एवं  
 अम्हें छेवं, नो कहु एवं एकरस वा जाव जनकस वा छेवं नं नं देवाकुपिया !  
 समयेहिं निमयेहिं मिमळं निपपिबने तं निरयं व देवाकुपिया ! एकरस आइसर  
 ककरकवाए, तए नं छे मिमकाहने राजा तंहि कहुं राईसर जाव सरकवाइ-  
 मिहिं एकाहुं निमो समये नो बन्तोति नो सरोति मिमकाहने एकाहुं  
 पवित्रयेति, तस नं सखुवारस नवरस बहिवा बगएउठिमे विहीमाए  
 एव नं सुमिमामगे कम्हें कजावे मनिस्व सन्मोदय बचनो । छेवं कहेवं छेवं  
 समएवं मिमकाहने अइजे पउपए छुमगे नाम कबपारे आइसपने जहा बम्ह-  
 नेउरस बन्मो जाव संकितमिडकतेवेसे सिधानोवपए सुमिमामस कजावस  
 अइउरामते कहुंछेवं जनिमिबने जाव आवावेमावे निहरेसहु । तए नं छे  
 मिमकाहने राजा कबवा कमाइ एकरिं कहुं मिमाहिइ, तए नं छे मिमका-  
 हाहने राजा सुमिमामस उजावस अइउरामते एकरिं करेमावे छुमकं  
 कबपारे कहुंछेवं जाव आवावेमावे पाछिहिइ १ ता आइसते जाव मिमिमिमावे  
 छुमकं कबपारे एकरिं बोझवेहिइ, तए नं छे छुमकं कबपारे मिमकाहने  
 राजा एकरिं बोझमि एकावे सविं १ कहुंहिइ १ ता केवेपि छुं बजावी  
 पवित्रिब १ जाव आवावेमावे निहरेसहु, तए नं छे मिमकाहने राजा छुमकं  
 कबपारे केवेपि एकरिं बोझवेहिइ, तए नं छे छुमकं कबपारे मिमकाहने  
 राजा केवेपि एकरिं बोझमि एकावे सविं १ कहुंहिइ १ ता केवेपि कहुं  
 १ ता मिमकाहनेरस रणो तीउरं बहिवा जाभीएहिइ १ ता मिमकाहने राजा  
 एवं बहिहिइ-नो कहु छुं मिमकाहने राजा नो कहु छुं देवसे राजा नो कहु

तेषु अनेगसय जाव पनायाइस्सइ, उस्सण च णं सुगमस्येण सुगमस्येण गच्छ-  
 त्यपि णं सत्यवज्जे जाव क्रिया जाइ इमाइ पाठणाइविहाणाइ भवति, तत्रहा-  
 पाइणवायाणं जाव सुद्धयायाण, तेषु अनेगमयमहम्म जाव क्रिया जाइ इमाइ  
 तेउवाइयविहाणाइ भवति, तं०-इगालाण जाव मूरियंननणिनिस्सिपाण, तेषु अने-  
 गसयमहम्म जाव क्रिया जाइ इमाइ आउणाइयविहाणाइ भवति, तं०-उस्ताण  
 जाव ग्गतोदगाण, तेषु अनेगमयमहम्म जाव पनायाइस्सइ, उस्सण च णं  
 रागेदणु ग्गतोदणु, सत्त्वत्यपि णं सत्यवज्जे जाव क्रिया जाइ इमाइ पुउविहा-  
 इयविहाणाइ भवति, तं०-पुउवीण रागराण जाव सूरसंठाण, तेषु अनेगसय जाव  
 पनायाहिइ, उस्सण च णं गरयायरपुटविहाणु, सत्त्वत्यपि णं सत्यवज्जे जाव  
 क्रिया रायगिहे नयरे वाहिं गरियत्ताए उववज्जिहिइ, तत्त्वपि णं सत्यवज्जे जाव  
 क्रिया दोयपि रायगिहे नयरे अतो गरियत्ताए उववज्जिहिइ, तत्त्वपि णं सत्य-  
 वज्जे जाव क्रिया इहेव जघुदीवे दीरे भारे वासे निशगिरिपायनूरे विभले  
 सानिवेसे माहणकुलति दारियत्ताए पनायाहिइ । तए ण त दारिय अम्मापियरो  
 उम्मुण्णालभाव जोव्वगमणुपत्त पडिरुवण सुत्तेण पडिरुवणं विगएण पडि-  
 रुवियस्स भत्तारस्स भारियत्ताए दल्लस्संति, ना ण तस्स भारिया भविस्सइ इहा  
 कना जाव अणुमया भटकरउगसमाणा तेत्तैला इव सुसगोविया चेलपे(ला)इ इव  
 सुसपरिगहिया रयगरउओविव सुमारक्रिया सुसगोविया मा ण सीयं मा ण उण्ह  
 जाव परिस्सहोवमग्गा फुसतु । तए ण ना दारिया अनया कयाइ गुव्विणी ससुण-  
 लाओ कुलघरं निजमाणी अतरा दवग्गिजालाभिदया कालमासे काल क्रिया दाहिणि  
 हेसु अग्गिकुमारेसु देवेषु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से ण तओहिंतो अणतर उव्वट्ठिता  
 माणुस्स विग्गह लभिहिइ माणुस्स० २ ता केवल वोहिं धुज्जिहिइ के० २ ता केवल  
 मुडे भविता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिइ, तत्त्वपि ण विराहियसामने कालमासे  
 काल क्रिया दाहिणिहेसु असुरकुमारेसु देवेषु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से ण तओहिंतो  
 जाव उव्वट्ठिता माणुस्स विग्गह तं चेव जाव तत्त्वपि ण विराहियसामने कालमासे  
 काल क्रिया दाहिणिहेसु नागकुमारेसु देवेषु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से ण तओहिंतो  
 अणतरं उव्वट्ठिता एव एएण अभिलावेण दाहिणिहेसु सुवलकुमारेसु एव विज्जुकुमारेसु  
 एव अग्गिकुमारवज्ज जाव दाहिणिहेसु पणियकुमारेसु से ण तओ जाव उव्वट्ठिता  
 माणुस्स विग्गह लभिहिइ जाव विराहियसामने जोडसिएसु देवेषु उववज्जिहिइ, से  
 ण तओ अणतरं चय चइता माणुस्स विग्गह लभिहिइ जाव अविराहियसामने  
 कालमासे काल क्रिया सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से ण तओहिंतो अणतरं

उत्पन्नजो बह्म जाय दोषेपि छद्मिण्युत्पन्नं पुनरीय उक्तोसद्यश्च जाय उन्मत्तिता  
 दोषेपि इतिवाच्य उच्यतेऽपि, तत्त्वमि न सत्त्वज्जो जाय किञ्चा पंचमाय दूमप्य-  
 माय पुनरीय उक्तोसद्यश्चद्विस्मयेति जाय उन्मत्तिता उच्यते उच्यतेऽपि, तत्त्वमि न  
 उत्पन्नजो जाय किञ्चा दोषेपि पंचमाय जाय उन्मत्तिता दोषेपि उच्यते उच्यतेऽपि  
 जाय किञ्चा अठवीय पंचमपमाय पुनरीय उक्तोसद्यश्चद्विस्मयेति जाय उन्मत्तिता सीहेय  
 उच्यतेऽपि, तत्त्वमि न सत्त्वज्जो तद्वेव जाय कथं किञ्चा दोषेपि अठवीय पंच-  
 मपमाय जाय उन्मत्तिता दोषेपि सीहेय उच्यतेऽपि जाय किञ्चा तथाय वस्तुमपमाय  
 पुनरीय उक्तोसद्यश्च जाय उन्मत्तिता पञ्चवीय उच्यतेऽपि, तत्त्वमि न सत्त्वज्जो जाय  
 किञ्चा दोषेपि तथाय वस्तुम जाय उन्मत्तिता दोषेपि पञ्चवीय उच्यतेऽपि जाय  
 किञ्चा दोषेपि सत्त्वपमाय जाय उन्मत्तिता सिरीसवीय उच्यतेऽपि, तत्त्वमि न  
 सत्त्वज्जो जाय किञ्चा दोषेपि दोषेपि सत्त्वपमाय जाय उन्मत्तिता दोषेपि सिरीसवीय  
 उच्यतेऽपि जाय किञ्चा इमीते रत्नपमाय पुनरीय उक्तोसद्यश्चद्विस्मयेति करयति  
 वेदव्याप्ताय उच्यतेऽपि जाय उन्मत्तिता सन्मत्तिता उच्यतेऽपि, तत्त्वमि न सत्त्वज्जो  
 जाय किञ्चा असन्मत्तिता उच्यतेऽपि, तत्त्वमि न सत्त्वज्जो जाय किञ्चा दोषेपि इमीते  
 रत्नपमाय पुनरीय पञ्चवीयपत्तय अष्टवेज्जमागद्विस्मयेति करयति वेदव्याप्ताय  
 उच्यतेऽपि, ते न तजो जाय उन्मत्तिता जाई इमाई अष्टवर्गिहात्माई भवति तं—  
 चम्मपञ्चवीयं ज्योमपञ्चवीयं सप्तमपञ्चवीयं विमपञ्चवीयं तेषु ज्योमपञ्चवीयं  
 सुतो ज्ञाता १ तत्त्वमि १ धुम्मे १ पञ्चावाहि, उन्मत्तमि न सत्त्वज्जो बह्मज्जो  
 कथमस्ति कथं किञ्चा जाई इमाई भुवनेरिष्यविहात्माई भवति तं ब्रह्मा-योहानं  
 मन्मथं ब्रह्मा पञ्चवर्गपय जाय आह्वानं तेषु ज्योमपञ्चवीयं सुतो तेषु ब्रह्मा  
 अष्टवर्गपय जाय किञ्चा जाई इमाई अष्टवर्गपयविहात्माई भवति तं—अहीनं ज्यो-  
 मपञ्चवीयं आद्यात्मिकार्थं महोरथार्थं तेषु ज्योमपञ्चवीयं जाय किञ्चा जाई इमाई  
 अष्टवर्गपयविहात्माई भवति तं—एगपञ्चवीयं भुवनेरिष्यविहात्माई भवति तं—मन्मथं  
 ज्योमपञ्चवीयं जाय किञ्चा जाई इमाई अष्टवर्गपयविहात्माई भवति तं—मन्मथं  
 कथमार्थं जाय धुम्मेपञ्चवीयं तेषु ज्योमपञ्चवीयं जाय किञ्चा जाई इमाई अष्टवर्ग-  
 पयविहात्माई भवति तं—अभिवाचं ज्योमपञ्चवीयं ब्रह्मा पञ्चवर्गपय जाय ज्योम-  
 कीडार्थं तेषु ज्योमपञ्चवीयं जाय किञ्चा जाई इमाई अष्टवर्गपयविहात्माई भवति  
 तं—अष्टवर्गपयिवाचं जाय अष्टवर्गपयिवाचं तेषु ज्योमपञ्चवीयं जाय किञ्चा जाई इमाई वेद-  
 विहात्माई भवति तं—भुवनेरिष्यविहात्माई जाय सप्तवर्गपयिवाचं तेषु ज्योमपञ्चवीयं जाय  
 किञ्चा जाई इमाई अष्टवर्गपयविहात्माई भवति तं—अष्टवर्गपयिवाचं जाय अष्टवर्गपयिवाचं



अज्ञेवि तत्तय वाउयाए वक्कमइ, न विणा वाउयाएणं अगणिकाए उज्जलइ ॥ ५६१ ॥  
 पुरिसे णं भते ! अय अयकोट्टसि अयोमएण सढासएण उव्विहमाणे वा पव्विहमाणे  
 वा कइकिरिए ? गोयमा ! जाव च ण से पुरिसे अयं अयकोट्टसि अयोमएण सढा-  
 सएण उव्विहिइ वा पव्विहिइ वा ताव च ण से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवाय  
 किरियाए पचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिपिय णं जीवाण सरीरेहिंतो अए निव्वत्तिए  
 अयकोट्टे निव्वत्तिए सढासए निव्वत्तिए इगाला निव्वत्तिया इगालकट्ठिणी निव्व-  
 त्तिया भत्त्या निव्वत्तिया तेवि णं जीवा काइयाए जाव पचहिं किरियाहिं पुट्ठा ।  
 पुरिसे णं भते ! अय अयकोट्ठाओ अयोमएण सढासएण गहाय अहिगरणिसि  
 उक्खिक्खमाणे वा निक्खिक्खमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे  
 अयं अयकोट्ठाओ जाव निक्खिक्खइ वा ताव च ण से पुरिसे काइयाए जाव  
 पाणाइवायकिरियाए पचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिपिय ण जीवाण सरीरेहिंतो अए  
 निव्वत्तिए सढासए निव्वत्तिए चम्मेट्ठे निव्वत्तिए मुट्ठिए निव्वत्तिए अहिगरणी  
 निव्वत्ति(ए)या अहिगरणिसोही णिव्वत्तिया उदगदोणी णिव्वत्तिया अहिगरणसाला  
 निव्वत्तिया तेविय ण जीवा काइयाए जाव पचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ ५६२ ॥ जीवे  
 णं भते ! किं अहिगरणी अहिगरण ? गोयमा ! जीवे अहिगरणीवि अहिगरणपि,  
 से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ जीवे अहिगरणीवि अहिगरणपि ? गोयमा ! अविरइं  
 पड्डच्च, से तेणट्ठेणं जाव अहिगरणपि ॥ नेरइए ण भते ! किं अधिगरणी अधिग-  
 रणं ? गोयमा ! अहिगरणीवि अहिगरणपि, एवं जहेव जीवे तहेव नेरइएवि, एवं  
 निरंतर जाव वेमाणिए ॥ जीवे ण भते ! किं साहिगरणी निरहिगरणी ? गोयमा !  
 साहिगरणी नो निरहिगरणी, से केणट्ठेणं पुच्छा, गोयमा ! अविरइं पड्डच्च, से  
 तेणट्ठेणं जाव नो निरहिगरणी एव जाव वेमाणिए ॥ जीवे णं भते ! किं आया-  
 हिगरणी पराहिगरणी न तदुभयाहिगरणीवि, ते । एव वुच्चइ, हिगरणीवि ?  
 गोयमा ! अविरइ पड्डच्च जाव तदुभयाहि जाव वेमा-



जाव नामग गावेता पञ्चवागइ, धम्मकइ जाव परिमा पडिगया, तए ण से सक्के देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय धम्म सोशा निसम्म हट्ठ तुह० नमण भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ ता एं वयासी-ऊअहे ण भते । उग्गहे पभत्ते ? सक्का ! पचविहे उग्गहे पणत्ते, तजहा-देविंदोगहे, रात्रोगहे, गाहावइउग्गहे, गागारियउग्गहे, साहम्मियउग्गहे ॥ जे उमे भते । अज्जत्ताए नमणा निगया विहरंति, एएति ण अहं उग्गह अणुजाणामीतिरुहु नमण भगव महावीर वदइ नमंसइ वं० २ ता तमेव दिव्य जाणयिमाण दुरुहइ २ ता जामेय दिमि पाउअए तामेव दिसि पडिगए । भते । ति भगव गोयमे नमण भगव महावीर वदइ नमंसइ वं० २ ता एन वयासी-ज ण भते । सक्के देविंदे देवराया तुग्गे एव वदइ सये ण एसमट्ठे ? हता सक्के ॥ ५६६ ॥ सक्के ण भते । देविंदे देवराया किं सम्मावाइ मिच्छावाइ ? गोयमा । सम्मावाइ नो मिच्छावाइ ॥ सक्के ण भते । देविंदे देवराया किं मच्च भास भासइ, मोसं भासं भासइ, मच्चामोसं भास भासइ, असच्चामोस भास भासइ ? गोयमा । सच्चपि भास भासइ जाव असच्चामोसपि भास भासइ ॥ सक्के ण भते । देविंदे देवराया किं सावज्ज भास भासइ अणवज्ज भास भासइ ? गोयमा । सावज्जपि भास भासइ अणवज्जपि भास भासइ, से केणट्ठेण भते । एव बुचइ-सावज्जपि जाव अणवज्जपि भास भासइ ? गोयमा । जाहे ण सक्के देविंदे देवराया सुहुमकाय अणिजुहिताण भास भासइ ताहे ण सक्के देविंदे देवराया सावज्ज भास भासइ, जाहे ण सक्के देविंदे देवराया सुहुमकाय निजुहिताण भास भासइ ताहे ण सक्के देविंदे देवराया अणवज्ज भास भासइ, से तेणट्ठेण जाव भासइ, सक्के ण भते । देविंदे देवराया किं भवसिद्धिए अभवमिद्धिए सम्मदिट्ठिए मिच्छादिट्ठिए एव जहा मोउइसए सणकुमारे जाव नो अचरिमे ॥ ५६७ ॥ जीवाण भते । किं चेयकडा कम्मा कज्जति अचेयकडा कम्मा कज्जति ? गोयमा । जीवाण चेयकडा कम्मा कज्जति नो अचेयकडा कम्मा कज्जति, से केणट्ठेण भते । एव बुचइ जाव कज्जति ? गोयमा । जीवाण आहारोवचिया पोगगला, वोदिचिया पोगगला, क(डे)लेवर-चिया पोगगला तहा २ ण ते पोगगला परिणमति नत्थि अचेयकडा कम्मा समणा-उसो !, दुट्ठाणेसु दुसेज्जासु दुजिसीहियासु तहा २ ण ते पोगगला परिणमति नत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो !, आयके से वहाए होइ संकप्पे से वहाए होइ मर-णंते से वहाए होइ तहा २ ण ते पोगगला परिणमति नत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो !, से तेणट्ठेण जाव कम्मा कज्जति, एव नेरइयाणवि एव जाव वेमाणि याणं । सेव भंते । सेव भंते । ति जाव विहरइ ॥ ५६८ ॥ सोलसमस्स संयस्स वीओ उइसो समत्तो ॥

तं ब्रह्म-छेदित्वं वाच्यं प्राप्तिरिति, कश्चिदेवं भवेत् । ओए पञ्चमो १ मोक्षमा । त्रिभिहे  
 ओए पञ्चमो तं ब्रह्म-अवबोधे वद्व्योए वापबोधे ॥ जीवे न भवेत् । ओएअस्मिन्सरीरं  
 निम्बतेमाये हि अद्विगारणी अद्विगारणं ॥ मोक्षमा । अद्विगारणीणि अद्विगारणंणि से  
 केनट्टेनं भवेत् । एवं पुनरु अद्विगारणीणि अद्विगारणंणि ॥ मोक्षमा । अतैरु पञ्च  
 से तेनट्टेनं वाच्यं अद्विगारणंणि पुनरुअद्व्योए न भवेत् । ओएअस्मिन्सरीरं निम्बतेमाये  
 हि अद्विगारणी अद्विगारणं ॥ एवं चेत्, एवं वाच्यं नमुत्ते । एवं वैठम्मियसरीरंणि  
 नवरं अस्स अस्मि । जीवे न भवेत् । अद्वारपत्तरीरं निम्बतेमाये हि अद्विगारणी  
 पुनरु मोक्षमा । अद्विगारणीणि अद्विगारणंणि से केनट्टेनं वाच्यं अद्विगारणंणि ।  
 मोक्षमा । अतैरु पञ्च, से तेनट्टेनं वाच्यं अद्विगारणंणि एवं नमुत्तेनि तेनट्टेनं  
 अहं ओएअस्मिन् नवरं सत्त्वजीवानं वाच्यमनं, एवं अस्मयसरीरंणि । जीवे न  
 भवेत् । ओएअस्मिन् निम्बतेमाये हि अद्विगारणी अद्विगारणं ॥ एवं अहं ओएअस्मिन्-  
 सरीरं तहं ओएअस्मिन्नि वाच्यमनं नवरं अस्स अस्मि ओएअस्मिन् एवं वरिअस्मिन्  
 प्राप्तिरितिअस्मिन्निअस्मिन्निअस्मिन्निअस्मिन्नि नवरं वाच्यमनं अस्स न भवेत् । जीवे न  
 भवेत् । सत्त्वजीवे निम्बतेमाये हि अद्विगारणी अद्विगारणं ॥ एवं अहं ओएअस्मिन् तहं  
 अद्विगारणं वद्व्योयो एवं चेत्, नवरं एविअस्मिन्निअस्मिन् एवं अद्विगारणी नवरं  
 सत्त्वजीवानं वाच्यं विद्यानि । एवं भवेत् । १ ति ॥ ५६४ ॥ ओएअस्मिन्सत्त्व-  
 सत्त्वसत्त्व पदमो तहं सत्त्वो सत्त्वो ॥

एवमिहे वाच्यं एवं वद्व्यो-जीवानं भवेत् । हि अहं ओए ॥ मोक्षमा । जीवानं  
 वद्व्योनि ओएनि से केनट्टेनं भवेत् । एवं पुनरु वाच्यं ओएनि ॥ मोक्षमा । से न जीवा  
 सरीरं वैवर्ण्यं वैवर्ण्यं तेहि वं जीवानं अहं से न जीवा मावर्ण्यं वैवर्ण्यं वैवर्ण्यं तेहि  
 न जीवानं ओए से तेनट्टेनं वाच्यं ओएनि एवं विद्व्योअस्मिन् एवं वाच्यं वद्व्योअस्मिन्-  
 एनं पुनरुअद्व्योअस्मिन् भवेत् । हि अहं ओए ॥ मोक्षमा । पुनरुअद्व्योअस्मिन् अहं ओ  
 ओए से केनट्टेनं वाच्यं ओएनि ॥ मोक्षमा । पुनरुअद्व्योअस्मिन् वं सरीरं वैवर्ण्यं वैवर्ण्यं  
 न । मावर्ण्यं वैवर्ण्यं वैवर्ण्यं से तेनट्टेनं वाच्यं ओएनि एवं वाच्यं वद्व्योअस्मिन् ओएनि  
 अहं जीवानं वाच्यं वैवर्ण्यमनं ओएनि भवेत् । १ ति वाच्यं वद्व्योअस्मिन् ॥ ५६५ ॥  
 एवं वाच्यं तेन सत्त्वजीवे अहं वैवर्ण्यं वैवर्ण्यं वैवर्ण्यं वैवर्ण्यं वैवर्ण्यं वैवर्ण्यं वैवर्ण्यं  
 विद्व्यो, इमं वं न वैवर्ण्यमनं वद्व्योनि १ विद्व्योनि ओएनि अहं वाच्यं १ वाच्यं  
 वद्व्योनि अहं वाच्यं वैवर्ण्यं वद्व्योनि ओएनि एवं अहं वाच्यं वद्व्योनि तहं वद्व्योनि नवरं  
 अद्विगारणी व वद्व्योनि इति वाच्यमिद्विगारणी, तहं वाच्यं वद्व्योनि, वाच्यं निम्बतेमाये  
 वाच्यं निम्बतेमाये अहं निम्बतेमाये वाच्यं वद्व्योनि अद्विगारणी वद्व्योनि वद्व्योनि वद्व्योनि

इण्टे समट्ठे, जावइयं भंते । दसमभत्तिए समणे निग्गये कम्म निज्जरेइ एवइयं कम्म नरएणु नेरइया वासकोटीए वा वासकोटीहिं वा वासकोटाकोटीए वा गव यंति ? नो इण्टे समट्ठे, से केणट्ठेण भते । एव चुगइ जावइयं अण(इ)गिलायए समणे निग्गये कम्म निज्जरेइ एवइयं कम्म नरएणु नेरइया वासेण वा वासेहिं वा वासास- एण वा (जाव) वास-(सय) सहस्सेण वा नो गवयति, जावइयं चउत्थभत्तिए एव त चेव पुव्वभणिय उणारेयव्व जाव वासकोटाकोटीए वा नो गवयति ? गोयमा ! से जहानामए-केइ पुरिसे जुने जराजज्जरियडेहे सिढिलतयावलितरंगसपिणद्धगंत पविरलपरिसडियदतसेढी उण्हाभिहए तण्हाभिहए आउरे पुत्तिण पिवासिए दुव्वळे किलते एग महं कोसवगंडियं सुक्क जडिल गठिअ चिफ्फण वाइद्ध अपत्तिय मुठेण परमुणा अक्कमेज्जा, तए ण से पुरिसे महताइ ० सदाइ करेइ नो महताइ ० दलाइ अवद्दालेइ, एवामेव गोयमा ! नेरइयाण पावाइ कम्माइ गादीक्याइ चिक्क- णीक्याइ एव जहा छट्ठसए जाव नो महापज्जवसाणा भवति, से जहानामए-केइ पुरिसे अहिगरणि आउडेमाणे महया जाव नो महापज्जवसाणा भवति, से जहा नामए-केइ पुरिसे तरुणे वलव जाव मेहावी निठणसिप्पोवगए एग मह सामलिगडियं उल्ल अजडिल अगठिअ अचिफ्फणं अवाइद्ध सपत्तिय अदित्तिक्खेण परमुणा अक्क- मेज्जा, तए ण से पुरिसे नो महताइ २ सदाइ करेइ, महताइ ० दलाइ अवद्दालेइ, एवामेव गोयमा ! समणाण निग्गयाण अहावायराइ कम्माइ सिढिलीक्याइ णिट्ठियाइ कयाइ जाव खिप्पामेव परिविद्धत्याइ भवंति, जावइयं तावइयं जाव महा- पज्जवसाणा भवति, से जहा वा केइ पुरिसे सुक्कतणहत्यग जायतेयसि पक्खिवेज्जा, एव जहा छट्ठसए तहा अयोक्कवलेवि जाव महापज्जवसाणा भवति, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव चुचइ जावइयं अणगिलायए समणे निग्गये कम्मं निज्जरेइ त चेव जाव वासकोटाकोटीए वा नो खवयति ॥ सेव भते ! सेव भते ! ति जाव विहरइ ॥ ५७१ ॥ सोलसमस्स सयस्स चउत्थो उहेसो समत्तो ॥

तेण कालेण तेण समएण उल्लुयातीरे नाम नयरे होत्या वज्जओ, एगज्जुए उज्जाणे वज्जओ, तेण कालेण तेण समएण सामी समोसडे जाव परिसा पज्जवानइ, तेण कालेण तेण समएण सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी एव जहेव विइए उहेसए तहेव दिव्वेण जाणविमाणेण आगओ जाव जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ ता जाव नमसित्ता एवं वयासी—देवे ण भते ! महिद्धिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गळे अपरियाइत्ता पभू आगमित्तए ? नो इण्टे समट्ठे, देवे ण भंते ! महिद्धिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गळे परियाइत्ता पभू आग-

उपनिहो जाव एवं बवाली-कह न मति । कम्मपयसीओ पणत्ताओ । योयमा ।  
 जट्ट कम्मपयसीओ पणत्ताओ तंभहा-आवावरमिअं जाव भंत्तराहं एवं जाव  
 कैमाविम्याये । योव वे मति । गापावरमिअं कम्मं वैवयावे कह कम्मपयसीओ  
 वेदेह । येवमा । जट्ट कम्मपयसीओ एवं जहा पणत्ताप वैवावेत्तुसओ सो नेव  
 निरवसेत्ते माविम्यो निरावबोत्ति तहेव वंधावेत्तोत्ति तहेव, वंधावबोत्ति तहेव  
 माविम्यो जाव कैमाविवापेत्ति । सेव मति । १ ति जाव निहरह ॥ ५६९ ॥  
 तए नं समये मपय महावीरे अववा कमाइ उवविहामो नकरओ पुपत्तिमओ  
 उववाओ पत्तिमिअम्यह १ ता बह्निवा जणकविहारं निहरह, तेव कत्तेव तेव  
 समएव जट्टवापीरे नमं नवरे होत्ता ववओ तस्स वं उप्पाटीस्स नयरस्स  
 बह्निवा उतापुरविहारे वैसीयाए एत्थ वं एगंभुए नमं उवामि हेत्ता ववओ  
 तए वे समये मपय महावीरे अववा कमाइ पुप्पात्तुपुत्तिं चरमाये जाव एगंभुए  
 समोसहे जाव परिछा पणिगवा मति । ति मपय योवये समयं मपयं महावीरे वंदह  
 कम्मसइ वंदिता न्यसित्त एवं बवाली-अववास्स वं मति । माविम्यो कम्म-  
 जेव जमिन्निज्जेव जाव जाववेमाअस्स तस्स वं पुत्तिमेव अववुं दिवसं नो  
 कप्पइ इत्थं वा पारं वा बाहं वा ऊरं वा जारंवापेत्ताए वा पसारेत्ताए वा पणत्ति-  
 जेव से अववुं दिवसे कप्पइ इत्थं वा पारं वा जाव ऊरं वा जारंवापेत्ताए वा  
 पसारेत्ताए वा तस्स वं जसिवाओ कम्मं तं व वैवे अवववइ (इ)त्ति पावेइ २ ता  
 जसिवाओ विदेजा से गूव मति । वे विंदइ तस्स विरेवा कम्मइ, वस्स जिजइ  
 नो तस्स विरेवा कम्मइ वण्णत्तेवेव वम्मंउत्तएव । इत्ता पोवमा । वे विंदइ  
 जाव वम्मंउत्तएव । सेव मति । सेव मति । ति ॥ ५७ ॥ सोस्ससमस्स सपस्स  
 तइओ उहेत्तो समत्ता ॥

उपनिहो जाव एवं बवाली-आवइव मति । अवविवावए समये निम्मंवे कम्मं  
 निजरेइ एवमं कम्मं नरएव वेत्तमानं वसेव वा वसेहि वा वासएव(व)हि वा  
 जमिंति । नो इण्ठे समो, जावइव मति । वतत्तमतिए समये निम्मंवे कम्मं  
 निजरेइ एवमं कम्मं नरएव वैत्तवा वासएव वा वासएवहि वा वासएवस्से(व)हि  
 वा वासवववस्से(व)हि वा कम्मंति । नो इण्ठे समो, जावइव मति ।  
 कट्टमतिए समये निम्मंवे कम्मं निजरेइ एवमं कम्मं नरएव वेत्तवा वासएवस्सेव  
 वा वासएवस्सेहि वा वासवववस्से(हि)व वा कम्मंति । नो इण्ठे समो,  
 जावइव मति । कट्टममतिए समये निम्मंवे कम्मं निजरेइ एवमं कम्मं नरएव  
 वेत्तवा वासवववस्सेव वा वासवववस्सेहि वा वासवोटीए वा कम्मंति । नो

नमसइ व० २ ता एव वयासी-एव गलु भंते । महानुरे कप्पे महासामाणे विमाणे एणे माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए देवे मम एवं वयासी-परिणममाणा पोग्गला नो परिणया अपरिणया, परिणमतीति पोग्गला नो परिणया अपरिणया, तए ण अहं तं माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए देव एव वयासी-परिणममाणा पोग्गला परिणया नो अपरिणया, परिणमतीति पोग्गला परिणया णो अपरिणया, से षड्मेव भंते । एव १ गगदत्तादि समणे भगव महावीरे गगदत्त देवं एवं वयासी-अहंपि ण गगदत्ता । एव माइक्खामि ४-परिणममाणा पोग्गला जाव नो अपरिणया नयमेसे अट्ठे, तए णं से गगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय एयमट्ठ नोचा निगम्म हट्ठुट्ठ० समण भगव महावीरे वट्ठ नमसइ व० २ ता नयासजे जाव पज्जुवासइ, तए ण समणे भगव महावीरे गगदत्तस्स देवस्स तीसे य जाव धम्म परिवहेइ जाव आराहए भवइ, तए ण से गगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म सोचा निसम्म हट्ठुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ ता समण भगव महावीरं वट्ठ नमसइ व० २ ता एव वयासी-अहण्णं भते । गगदत्ते देवे किं भवत्तिद्धिए अभवत्तिद्धिए १ एव जहा सूरियाओ जाव वतीमइविह नट्ठविह उवट्ठेइ २ ता जाव तामेव दिमिं पडिगए ॥ ५७४ ॥ भंते । त्ति भगव गोयमे समणं भगव महावीरं जाव एव वयासी-गगदत्तस्स ण भंते । टेयस्स सा दिव्वा देविट्ठी दिव्वा देवजुइ जाव अणुप्पविट्ठा १ गोयमा । सरीरं गया सरीरं अणुप्पविट्ठा कूटागारसालादिट्ठतो जाव सरीरं अणुप्पविट्ठा । अहो ण भंते । गगदत्ते देवे महिण्टिए जाव महेसक्खे, गगदत्तेण भते । देवेण सा दिव्वा देविट्ठी दिव्वा देवजुइ किण्णा लद्धा जाव ज ण गगदत्तेण देवेण सा दिव्वा देविट्ठी जाव अभिसमजागया १ गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगव गोयम एव वयासी-एव खलु गोयमा । तेण कालेण तेण समएण इहेव जुहुवीवे २ भारहे वासे हत्थिणापुरे नाम नयरे होत्था वज्जओ, सहस्रववणे उज्जाणे वज्जओ, तत्थ ण हत्थिणापुरे नयरे गगदत्ते नाम गाहावई परिवसइ अट्ठे जाव अपरिभूए, तेण कालेण तेण समएण मुणिसुव्वए अरहा आइ-गरे जाव सव्वभू सव्वदरिसी आगासगएण चक्खेण जाव पकच्चिज्जमाणेण २ सीसगण-संपरिवुट्ठे पुव्वाणपुव्वि चरमाणे गामाणुगाम जाव जेणेव सहस्रववणे उज्जाणे जाव विहरइ, परिसा निगगया जाव पज्जुवासइ, तए ण से गगदत्ते गाहावई इमीसे कहाए लद्धे समाणे हट्ठुट्ठ जाव सरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ ता पायविहारचारेण हत्थिणाउर नयरं मज्झमज्जेण निगगच्छइ २ ता जेणेव सहस्रववणे उज्जाणे जेणेव मुणिसुव्वए अरहा तेणेव उवागच्छइ २ ता मुणिसुव्वय अरह तिव्वुत्तो

मिताए ? इता पम्, देवे न मति । मदिहिण् एवं एएवं अमिआवर्णं पमिताए  
 २, एवं मदिताए वा वा(मिया)मदिताए वा १ उम्मिसावेताए वा मिम्मिसावेताए वा ४  
 आउंटावेताए वा पउारेताए वा ५, ठावं वा सेजं वा मिरीदिवं वा चेइताए वा ६ एवं  
 मिउमिताए वा ७ एवं परिवारावेताए वा ८ आण इता पम्, इमाई अहु उमिअ-  
 तापठिवावापरण्णं पुण्णं इमाई १ ता उंमैतिवर्णवण्णं वंदइ उंमैतिव १ ता  
 उमेव दिव्वं आणमिमावं वुहइ १ ता आमेव विंति पाउअण्णं उमेव विंति पठियाए  
 ३५५१० मते । ति मण्णं योयमे समणं मण्णं महावीरे वंदइ ममंउइ वं २ ता एवं  
 वयाही-अववा वं मते । उणे देविदे देवउवा देवाणुपियं वंदइ ममंउइ उवादेइ  
 आण पउाउइ, दिव्वं मते । अज उणे वंदिदे देवउवा देवाणुपियं अहु उमिअ-  
 तापठिवावापरण्णं पुण्णं १ ता उंमैतिवर्णवण्णं वंदइ ममंउइ वं १ ता आण  
 पठियाए । योवमादि उमणे मण्णं महावीरे मण्णं योवमं एवं वयाही-एवं उहु  
 योवमा । तेवं आउंटां तेवं उमण्णं महाउणे उणे महाउामाणे मिमावं दो देवा  
 मदिहिण्वा आण महेउक्का एवमिमावंधि वेवताए अवववा, तं-माइमिअरिदि  
 उवववण्णं व अमाउसम्मदिहिउवववण्णं ४, ताए वं से माइमिअमदिहिउवववण्णं देवे तं  
 अमाउसम्मदिहिउवववण्णं देवं एवं वयाही-परिअममाणा योममम नो परिअवा अ-  
 रिअवा परिअमंटीति योममम नो परिअवा अपरिअवा ताए वं से अमाउसम्मदिहि-  
 उवववण्णं देवे तं माइमिअरिदिहिउवववण्णं देवं एवं वयाही-परिअममाणा योममम  
 योममम नो अपरिअवा परिअमंटीति योममम परिअवा नो अपरिअवा तं माइमि  
 अरिदिहिउवववण्णं देवं एवं वदिहवण्णं १ ता ओइ पउंअण्णं २ ता ममं ओहिवा आओए  
 ममं १ ता अवमेवाउंटे आण उणुप्यमिस्वा-एवं उहु उमणे मण्णं महावीरे  
 वंदुएवं १ जेनेव मउदे वासे जेनेव उणुवातीरे नवरे जेनेव एण्णंउए उजाये अवा-  
 पठिउं आण विहउ, तं जेवं उहु ये समणं मण्णं महावीरे वंदिता आण पउाउ-  
 हिता इमं एवाउंटां वापरण्णं पुण्णितएण्णं एवं वंदिदे एवं वंदिहिता वउदिमि  
 उमामिकाउसीइ परिवारो अवा उरिवाअसु आण निअोसवाउरवेवं जेनेव  
 वंदुएवं १ जेनेव मउदे वासे जेनेव उणुवातीरे नवरे जेनेव एण्णंउए उजाये  
 जेनेव ममं मंदिए तेनेव पउारेउव ममणाए, ताए वं से उणे देविदे देवउवा उसु  
 देवसु तं दिव्वं देविदि दिव्वं देवाउंटां दिव्वं देवाणुजा(वं)मं दिव्वं तेअमैसु अउहउणे  
 ममं अहु उमिअतापठिवावापरण्णं पुण्णं १ ता उंमैतिव आण पठियाए ३५५१० आण  
 व वं उमणे मण्णं महावीरे मण्णं योवममम एममं पठिउदे ताए व वं से  
 देवे तं देइ हउमपाए, ताए वं से देवे समणं मण्णं महावीरे उिअउणे वंदइ



नो जागरे सुविणं पासइ, सुत्तजागरे सुविण पासइ ॥ जीवा णं भंते । किं सुत्ता जागरा  
सुत्तजागरा ? गोयमा । जीवा सुत्तावि जागरावि सुत्तजागरावि, नेरइया ण भंते । किं  
सुत्ता० पुच्छा, गोयमा । नेरइया सुत्ता नो जागरा नो सुत्तजागरा, एव जाव चउ-  
रिंदिया, पंदिदियतिरिक्कराजोणिया ण भंते । किं सुत्ता० पुच्छा, गोयमा । सुत्ता नो  
जागग सुत्तजागरावि, मणुस्सा जहा जीवा, चाणमतरजोदमियवेमाणिया जहा नेरइया  
॥ ५७६ ॥ सवुढे ण, भंते । सुविण पासइ, असंवुढे सुविण पासइ, संवुडासवुढे सुविण  
पासइ ? गोयमा । संवुढेवि सुविण पासइ, असंवुढेवि सुविण पासइ, संवुडासवुढेवि सुविण  
पासइ, सवुढे सुविण पासइ अहातन पासइ, असंवुढे सुविण पासइ तहा वा त होज्जा  
अनहा वा तं होज्जा, सवुडासवुढे सुविण पासइ एव चैव ॥ जीवा ण भंते । किं  
सवुडा असंवुडा सवुडासवुडा ? गोयमा । जीवा संवुडावि असंवुडावि सवुडासवु  
डावि, एव जहेव सुत्ताण दडओ तहेव भाणियव्वो ॥ कइ ण भंते । सुविणा पण्णत्ता ?  
गोयमा । बायालीस सुविणा पण्णत्ता, कइ णं भंते । महासुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ।  
तीस महासुविणा पण्णत्ता, कइ ण भंते । सव्वसुविणा पण्णत्ता ? गोयमा । वावत्तरिं  
सव्वसुविणा पण्णत्ता । तित्थगरमायरो ण भंते । तित्थगरंति गव्वं वक्कममाणसि  
कइ महासुविणे पासित्ताण पडिवुज्जति ? गोयमा । तित्थगरमायरो ण तित्थगरंति  
गव्वं वक्कममाणसि एएसिं तीसाए महासुविणाण इमे चोइस महासुविणे पासित्ताण  
पडिवुज्जति, त०—गयउसमसीहअभिसेय जाव सिहिं च । चक्कवट्ठिमायरो ण भंते ।  
चक्कवट्ठिसि गव्वं वक्कममाणसि कइ महासुमिणे पासित्ताण पडिवुज्जति ? गोयमा ।  
चक्कवट्ठिमायरो चक्कवट्ठिसि जाव वक्कममाणसि एएसिं तीसाए महासुविणाण एवं  
जहा तित्थगरमायरो जाव सिहिं च । वासुदेवमायरो ण पुच्छा, गोयमा । वासुदेव-  
मायरो जाव वक्कममाणसि एएसिं चोइसण्ह महासुविणाण अन्नयरे सत्त महासुविणे  
पासित्ताण पडिवुज्जति । बलदेवमायरो ण पुच्छा, गोयमा । बलदेवमायरो  
जाव एएसिं चोइसण्ह महासुविणाण अन्नयरे चत्तारि महासुविणे पासित्ताणं पडि  
वुज्जति । मडलियमायरो ण भंते । पुच्छा, गोयमा । मडलियमायरो जाव  
एएसिं चोइसण्ह महासुविणाणं अन्नयरं एग महासुविण जाव पडिवुज्जति ॥ ५७७ ॥  
समणे भगव महावीरे छउमत्यकालियाए अतिमराइयसि इमे दस महासुविणे  
पासित्ताणं पडिवुद्धे, त०—एग च ण मह घोररूवदित्तधरं तालपिसाय सुविणे  
पराजिय पासित्ताण पडिवुद्धे १, एग च ण मह सुक्खिलपक्खग पुंसकोइल सुविणे  
पासित्ताण पडिवुद्धे २, एग च ण मह चित्तविचित्तपक्खग पुंसकोइल सुविणे  
पासित्ताण पडिवुद्धे ३, एगं च ण मह दामदुग सव्वरयणाभयं सुविणे पासित्ताणं

आवाहिने पवादिने वाच शिभिहाए पञ्चवाचपाए पञ्चवासाह, तए नं सुमिउम्भए  
 अरहा गंगदत्तस गाहादत्तस सीधे न महइ वाच परिसा पडियवा तए नं से गंगदत्ते  
 गाहावई सुमिउम्भवस्त अरहजो अंतिवै पम्म सोवा मिउम्म हट्टुउ उट्टाए उट्टेइ १  
 ता सुमिउम्भव अरहं वंदइ गमेउइ वंदिता कर्मसिता एवं वयासी-उट्टामि नं मंते ।  
 निम्भवं पाववने वाच से बहेने सुम्भे वरह, जं नवरं वेवाउपिवा । केट्टुता इट्टे  
 अमिमि तए नं अहं वेवाउपिकाव अंतिमं सुंटे वाच पम्भवापि अहाउहं वेवाउ-  
 पिवा । मा पडिबवं तए नं से गंगदत्ते गाहावई सुमिउम्भएवं अरहवा एवं सुंटे  
 सत्तावे हट्टुउ सुमिउम्भवं अरहं वंदइ गमेउइ नं १ ता सुमिउम्भवस्त अरहजो  
 अंतिवियजो उट्टएवववाजो उज्जावजो अडिमिउम्भए १ ता केनेव हस्तिवापुरे नवरं  
 केनेव तए सिहे तमेव उवायच्छइ १ ता मिउठं जरावं पावं वाच उवउउडावई  
 १ ता मिउउउमिवा अज आरंउइ अमेवेता उम्भे पच्छा अए अहा इमे वाच  
 केट्टुपुत्त इट्टे अवेइ, तं मिगवाइ वाच केट्टुपुत्तं न आउच्छइ १ ता पुरिससहस्त-  
 वादिमि सीवं इउइ पुरिससह १ ता मिगवाइमिवा अज परिकमेवं केट्टुपुत्तेव  
 न उवउउमममाकमजो उमिहोए वाच वाइवरवेवं हस्तिवापुरं नवरं मज्झमज्झवं  
 निम्भच्छइ १ ता केनेव उट्टएववने उजावे तेनेव उवायच्छइ १ ता उट्टाए  
 इरिक्कपउसए पासइ एवं अहा उवायव वाच उवमेव आमारवं उमुवइ उ १ ता  
 उवमेव वंनमुट्टिवं ओवं करोइ उ १ ता उवमेव सुमिउम्भए अरहा एवं अदेव  
 उवावने तदेव वप्पइ, तदेव एवारउ जंमाई अडिअइ वाच मासिवाए उंवेइवाए  
 उट्टि मताई अक्कवाए (वाच) केनेव उट्टि मताई १ ता आत्तेइवपडिउंउ  
 उमादिनतं अक्कमासे वाचं किवा यहाउउ कप्पे महाउमावे सिमावे उववासायाए  
 वेवउउमिउंमि वाच पंमहावेवाउए उववने तए नं से धम्मसं वेवे अमुभोवव-  
 मेतए उम्भवे पंमहाए पञ्चणीए वज्जिगाभावं वच्छइ, तंअहा आहारवज्जणीए वाच  
 आगामवपञ्चणीए, एवं उउा ओक्का । वेयउतेगे वेवेयं वा दिग्वा उमिहो अज  
 अमिउज्जापवा । गंगदत्तस नं मंत । वेवस्त वेवरवं वाचं डिई पच्छा ।  
 ओक्का । ताउ उवायउेवावां डिई न गंगदत्ते नं मंते । वेवे ताजा वेवउमाओ  
 आउवगएवं वाच यहामिहेदे वाचं मिगिदिइ वाच वंनं अदिइ ॥ वेवं भंते । १  
 ति ॥ ५५५ ॥ सोउउमस्त सयस्त पञ्चमो उइसो समसो ॥

इदिदे नं मंते । उरिवरंनवे वप्पवे । ओक्का । पंमहिइ उरिवरंउवे पम्भते  
 तंअहा-अहागवे पवावे विताउमिगे ताविउपीए उववतंउवे ॥ सुते नं मंत । सुमिं  
 एवइ, वागरे सुमिं पावइ, तुनवागरे उरिवं वावइ । ओक्का । ओ सुते उरिवं पावइ,



पञ्चिदशे ४ एवं च न मई द्विं योक्तव्यं द्विनि पाठितार्थं पञ्चिदशे ५, एतं च न मई  
 पञ्चमसं सम्प्रभो समंता कुमुदिनं द्विनि पाठितार्थं पञ्चिदशे ६, एवं च न मई  
 सागरं उन्मीलीहसहस्रकठिनं भुयाहि द्विनि पाठितार्थं पञ्चिदशे ७ एवं च  
 न मई विजयं तेकसा नमस्तं द्विनि पाठितार्थं पञ्चिदशे ८ एवं च न मई हरी  
 वैद्यमन्त्राद्येभं विद्योत्तं अतिथं मन्त्रुत्तारं पञ्चमं सम्प्रभो समंता जावेद्विं  
 परिवेष्टिं द्विनि पाठितार्थं पञ्चिदशे ९ एवं च न मई मंदरे पञ्चए मंदरभूमिप्राए  
 क्वरिं वीहस्रनवरमं कप्यात् द्विनि पाठितार्थं पञ्चिदशे १ । जन्मं समने  
 मयं महावीरे एवं मई भोरकमितावरं तामपिचार्थं द्विनि परास्त्रिं पाठितार्थं पञ्चि  
 दशे, तन्मं समनेभं भगवता महावीरेभं मोक्षमिदं कर्म मूममो सम्पाद १ जन्मं  
 समने मयं महावीरे एवं मई द्विनि जाव पञ्चिदशे तन्मं समने मगं महावीरे  
 क्कप्याभावाय पञ्चिदशे २ जन्मं समने मगं महावीरे एवं मई विचपिचित जाव  
 पञ्चिदशे, तन्मं समने मयं महावीरे विचिष्टं सप्तमपरसमं हं कुवाकर्मो मपिपि-  
 चार्थं जावपि पञ्चिदशे पञ्चिदशे इति द्विदशे उच्यते, तं जन्मं—जावार्थं सूक्तं जाव  
 विद्विष्यं । जन्मं समने मगं महावीरे एवं मई सामुप्यं सम्प्रभवात्मं द्विनि  
 पाठितार्थं पञ्चिदशे, तन्मं समने मयं महावीरे द्विदशे कर्म पञ्चिदशे, तं—जाव-  
 र्थं वा अथागारम्यं वा ४ जन्मं समने मयं महावीरे एवं मई सेमगोक्तं  
 जाव पञ्चिदशे, तन्मं समनस्तं मगमं महावीरस्तं जावमन्त्रादे समनसं प  
 तं—समना समनीतो सावता चाविनामो ५, जन्मं समने मयं महावीरे एवं  
 मई पञ्चमसं जाव पञ्चिदशे, तन्मं समने मगं महावीरे पञ्चमिदं देवे पञ्चिदशे,  
 तं—मयववादी वाचमंते कोद्विष्टिं केयमिष्टि ६ जन्मं समने मयं महावीरे एवं  
 मई सागरं जाव पञ्चिदशे, तन्मं समनेभं मयवता महावीरेभं अवादीए अयवमो  
 जाव संसारंते द्विदशे ७ जन्मं समने मयं महावीरे एवं मई विजयं जाव पञ्चि-  
 दशे, तन्मं समनस्तं मयवतो महावीरस्तं जन्मं पञ्चुतारं विष्वाप्राए निरावने कठिने  
 पञ्चिदशे केवकनरग्नार्थं समुप्यते जन्मं समने जाव वीरे एवं मई हरीवेष्टिज  
 जाव पञ्चिदशे, तन्मं समनस्तं मयवतो महावीरस्तं जोत्तं किंतिवचस्येष्टिमेया सदे-  
 क्तुवाद्देवे कोगे परिमार्थंमेति—इति क्तु समने मयं महावीरे इति क्तु समने मगं  
 महावीरे ९ जन्मं समने मगं महावीरे मंदरे पञ्चए मंदरभूमिप्राए जाव पञ्चिदशे, तन्मं  
 समने मयं महावीरे सवैक्यमुतात्तए परिमार्थं मयवता केवमपिचार्थं कर्म जाव-  
 पिचार्थं जाव उच्यते ॥१७॥ इति वा पुरिसे वा द्विनिमेते एवं मई हरीवेष्टि वा गवपि  
 वा जाव उच्यते वा वाचमने पाच्य, दुष्टमपि दुष्टदश, दुष्टमपि कप्यात् पाच्य,

आदाविरहिओ सव्वेमि जहा पुरच्छिमिहे चरिमते तहेण, अजीवा जहे उवासे  
 चरिमते तहेण ॥ इमीमे णं भंते । रयणप्पभाए पुट्ठीए पुरच्छिमिं चरिमते किं  
 जीवा० पुच्छा, गोयमा ! नो जीवा एं जहेण लोगस्स तहेव चत्तागि चरिमता  
 जाव उतरिसे, उतरिसे तहेव जहा दग्गमण निमला रिमा महेव निरवमंमं, हेट्ठिं  
 चरिमते जहेव लोगस्स हेट्ठिं चरिमते तहेव, नवरं देसे पन्तिदिग्गु तिगभगोति येसं  
 त चेव, एं जहा रयणप्पभाए चत्तारि चरिमता भजिया एं गग्गप्पनाएणि उरि-  
 महेट्ठिण जहा रयणप्पभाए हेट्ठिं, एं जाव अहे गग्गमाए, एण मोहम्मस्सा  
 जाव असुयस्स, गेविज्जनिमाणाण एं चेव, नारं उपरिमहेट्ठिं चरिमतेद्व देनेउ  
 पंचिदिगाणि गज्झाविरहिओ सेसं तहेव, एव जहा गेविज्जनिमाणा नहा अणुत्तरि-  
 माणावि, इतिप्पच्चारानि ॥५८०॥ परमाणुपोग्गले ण भंते । लोगस्स पुरच्छिमिगो  
 चरिमताओ पनच्छिमिं चरिमते एगमएण गच्छइ, पनच्छिमिगो चरिमताओ  
 पुरच्छिमिं चरिमते एगमएण गच्छइ, दाहिणिगो चरिमताओ उतरिं जाव  
 गच्छइ, उत्तरिगो चरिमताओ दाहिणिं चरिमते जाव गच्छइ, उवगिगो चरिम-  
 ताओ हेट्ठिं चरिमते जाव गच्छइ, हेट्ठिगो चरिमताओ उतरिं चरिमते एगमएण  
 गच्छइ ? इता गोयमा ! परमाणुपोग्गले णं लोगस्स पुरच्छिमिं तं चेव जाव उवगि  
 चरिमते गच्छइ ॥ ५८१ ॥ पुरिसे ण भंते । वासं वाग्ग नो वाग्गति हत्यं वा  
 पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा आउटावेमाणे वा पसारमाणे वा कइकिरि ? गोयमा !  
 जावं च ण से पुरिसे वासं वाग्ग वासं नो वाग्गतीति हत्यं वा जाव ऊरुं वा  
 आउटावेइ वा पसारिइ वा ताव च ण से पुरिसे काउवाए जाव पचाहिं किरियाहिं  
 पुट्ठे ॥५८४॥ देवै णं भंते । महिणिए जाव महेसक्खे लोगते ठिच्चा पभू अलोगंति  
 हत्यं वा जाव ऊरुं वा आउटावेतए वा पसारेतए वा ? णो इण्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण  
 भंते । एवं बुच्चइ देवे ण महिणिए जाव महेसक्खे लोगते ठिच्चा णो पभू अलोगंति  
 हत्यं वा जाव पसारेतए वा ? गोयमा ! जीवाण आहारोचचिया पोग्गला वोंदिचिया  
 पोग्गला कलेवरचिया पोग्गला पोग्गला(चे)मेव पप्प जीवाण य अजीवाण य गइपरि-  
 याए आहिज्जइ, अलोए ण नेवत्थि जीवा नेवत्थि पोग्गला से तेणट्ठेण जाव पसारेतए  
 वा ॥ सेव भंते । २ ति ॥५८५॥ सोलसमे सए अट्ठमो उहेसो समत्तो ॥  
 कहिन्न भंते । वलिस्स वइरोयणिदस्स वइरोयणरओ सभा मुहम्म ५० ? गोयमा !  
 इहेव जवुदीवे दीवे मदरस्स पन्वयस्स उत्तरेण तिरियमसखेजे जहेव चमरस्स  
 जाव बायालीस जोयणसहस्साइ ओगाहिता एत्य ण वलिस्स वइरोयणिदस्स वइ-  
 रोयणरओ स्वगिन्हे नाम उप्पायपव्वए पज्जते, सत्तरम एणवीसे जोयणसए एव

सुनिर्मते एव मई विमार्ग सप्तरत्नामर्ग पाठगते पाठः, दुस्सहमात्र दुस्सह, दुस्सह  
मिति अप्पाणं मर्गः, सप्तरत्नामेव पुण्यः, तेमेव वाच-मर्गं वदेह ॥ ५७५ ॥ अह  
मति । कोट्टपुडान वा वाच केवईपुडान वा अनुवाचसि उच्चिज्जमावाच वा वाच  
अपामो वा अर्धं संचरमिज्जमावाचं किं कोट्टि वाह वाच केवई वाह ? गोममा । नो  
कोट्टि वाह वाच नो केवई वाह, वाचसहगया पोगाया वाह । ऐवं मते । ९ ति  
॥ ५८ ॥ सोळसमस्स सयस्स सद्धो उहेसो सप्तमो ॥

अवसिहे मं मते । उवबोणे पण्णे । गोममा । सुविहे उवबोणे पण्णे एवं अहा  
उवबोमेवर्ष पण्णवाए उहेव निरवसेसं भागिज्जं पण्णवाएवं व निरवसेसं  
वेय्यं । सेवं मते । ऐवं मते । ति ॥ ५८१ ॥ सोळसमस्स सयस्स सप्तमो  
उहेसो सप्तमो ॥

केमहाक्क मं मते । कोए पण्णे । गोममा । म्हास्सहाक्क अहा वारसमत्तए  
उहेव वाच अउचेज्जाम्हे वोवण्णोउत्तमोओमो एविज्जवेणं कोएस्स मं मते । पुर  
च्छिज्जि जरेमते किं जीवा जीवदेसा जीवप्पेसा अजीवा अजीवदेसा अजीव-  
प्पेसा ? गोममा । नो जीवा जीवदेसानि जीवप्पेसानि अजीवानि अजीवदेसानि  
अजीवप्पेसानि ॥ १ ॥ जीवदेसा ते निज्जं एविज्जवेसा अहवा एविज्जवेसा य  
वेइदियस्स य देसो एवं अहा वचमत्तए अज्जेईमिहा उहेव त्वरं देसं अविदिवार्णं  
आक्कविद्विओ । के अज्जेई अजीवा ते अज्जिहा अज्जसमो अति सेसं तं वच  
सं निरवसेसं । कोएस्स मं मते । वाहिज्जि जरेमते किं जीवा । एवं केव  
एवं पण्णच्छिज्जि एवं उवबोणे नि कोएस्स मं मते । उवबोणे जरेमते किं जीवा  
पुण्य गोममा । नो जीवा जीवदेसानि जीवप्पेसानि वाच अजीवप्पेसानि । के  
जीवदेसा ते निज्जं एविज्जवेसा व अविज्जवेसा य अहवा एविज्जवेसा य  
अविज्जवेसा य वेइदियस्स-य देसो अहवा एविज्जवेसा य अविज्जवेसा य  
वेइदिवार्णं व देसा एवं अज्जिहाविद्विओ वाच पविदिवार्णं के जीवप्पेसा ते  
निज्जं एविज्जवेसा व अविज्जवेसा व अहवा एविज्जवेसा व अविज्ज-  
प्पेसा व वेइदियस्स पप्सा व अहवा एविज्जवेसा व अविज्जवेसा व वेइ-  
दिवार्णं व पप्सा एवं अज्जिहाविद्विओ वाच पविदिवार्णं अजीवा अहा वचमत्तए  
उमाए उहेव निरवसेसं भागिज्जं ॥ कोएस्स मं मते । वेहिज्जि जरेमते किं जीवा  
पुण्य गोममा । नो जीवा जीवदेसानि जीवप्पेसानि वाच अजीवप्पेसानि के  
जीवदेसा ते निज्जं एविज्जवेसा अहवा एविज्जवेसा य वेइदियस्स देसो अहवा  
एविज्जवेसा वेइदिवार्णं व देसा एवं अज्जिहाविद्विओ वाच अविदिवार्णं पप्सा

यत्ताए उववजे, उदाई ण भते । हत्थिराया कालमासे काल किंवा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा । उमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसमागरोवमट्ठि इयसि निरयावाससि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से ण भते । तओहिंतो अणतरं उव्वट्ठिता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा । महाविदेहे वासे सिज्जिहिइ जाव अत काहिइ ॥ भूयाणठे ण भते । हत्थिराया वओहिंतो अणतरं उव्वट्ठिता भूयाणदे हत्थिरायत्ताए एव जहेव उदाई जाव अत काहिइ ॥ ५८९ ॥ पुरिसे ण भते । तालमारुहइ ता० २ ता तालाओ तालफल पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा । जाव च णं से पुरिसे तालमारुहइ तालमारुहिता तालाओ तालफल पचालेइ वा पवाडेइ वा ताव च ण से पुरिसे काइयाए जाव पचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिपिय ण जीवाण सरीरेहिंतो तले निव्वत्तिए तालफले निव्वत्तिए तेवि ण जीवा काइयाए जाव पचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ अहे ण भंते । से तालफले अप्पणो गइयत्ताए जाव पचोवयमाणे जाइ तत्थ पाणाइ जाव जीवियाओ ववरोवेइ तए ण भते । से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा । जाव च ण से पुरिसे तालफले अप्पणो ग(ग)इयत्ताए जाव जीवियाओ ववरोवेइ ताव च ण से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिपिय ण जीवाण सरीरेहिंतो तले निव्वत्तिए तेवि ण जीवा काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेसिपिय ण जीवाण सरीरेहिंतो तालफले निव्वत्तिए तेवि ण जीवा काइयाए जाव पचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेविय से जीवा अहे वीससाए पचोवयमाणस्स उवग्गहे वट्ठति तेविय ण जीवा काइयाए जाव पचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ पुरिसे ण भते । रुक्खस्स मूल पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा । जाव च ण से पुरिसे रुक्खस्स मूल पचालेइ वा पवाडेइ वा ताव च ण से पुरिसे काइयाए जाव पचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिपिय ण जीवाण सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेविय ण जीवा काइयाए जाव पचहिं किरियाहिं पुट्ठा, अहे ण भते । से मूले अप्पणो गुइयत्ताए जाव जीवियाओ ववरोवेइ तओ ण भते । से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा । जाव च ण से मूले अप्पणो जाव ववरोवेइ ताव च ण से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिपिय ण जीवाण सरीरेहिंतो कदे निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेवि ण जीवा काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेसिपिय ण जीवाण सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए तेवि ण जीवा काइयाए जाव पचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेविय ण से जीवा अहे वीससाए पचोवयमाणस्स उवग्गहे वट्ठति तेवि ण जीवा काइयाए जाव पचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ पुरिसे ण भंते । रुक्खस्स

परिमाणं बह्वेन विनिष्कृत्यस्त पाद्यावबन्धितगस्थानि तं चैव प्रमाणं सीद्वात्तर्न उप-  
 रिहारं बन्धितं परि(दा)शरीरं अष्टौ तद्देव नवरं क्यगिरिप्यमर्त्त ३ सेतं तं च न बाव  
 बन्धितं बापु रायहाणीय जनेसि च बाव (निधे) कर्मादस्तु नं उपायपन्थमस्तु सत्तरेन  
 कर्मादित्यु तद्देव बाव बापुकीर्तं बोनकसहस्तार्त्तं ओगाहिता एत न बन्धितं  
 बद्रोवर्नितस्तु बद्रोव्यरत्नो बन्धितं बा मासी रामहाणी प एव बोनकसहस्तार्त्तं  
 प्रमाणं तद्देव सन्वाद्ये बाव बावरनका सन्तं तद्देव निरवसेतं नवरं साहरेण  
 घामरोत्तमं ठिर् प सेतं तं चैव बाव बली बद्रोवर्नितं बली १० सेतं मते । १  
 ति बाव निहत्त ८५८६॥ सोलसमस्तु सयस्तु नममो तद्देसो समस्तो ॥

बन्धितं न मते । ओही पन्थे ? गोवमा । इति बा बोसी व तं - ओहीप्यं निर-  
 सेतं मायिबन्धं ॥ सेतं मते । सेतं मते । ति बाव निहत्त ८५८७ ॥ सोल  
 सयस्तु सयस्तु वसमो तद्देसो समस्तो ॥

वीर्यमाप न मते । सम्ये समस्तारा सम्ये समुत्साधनित्साधा । ओ इवते  
 सम्ये, एवं बहा पन्थमपु निहत्तवैतपु वीर्यमापनं बत्तम्या तद्देव बाव समस्तबा  
 समुत्साधनित्साधा । एवं नावानि वीर्यमापनं मते । कइ केस्तावो पन्थानो ।  
 बोनमा । बत्तारि केस्तावो पन्थानो तं बत्ता-कन्धकेस्ता बाव तेजकेस्ता । एपसि  
 नं मते । वीर्यमापनं कन्धकेस्ताय बाव तेजकेस्ताय न कन्धरे कन्धरेहिंतो बाव  
 निसेवाहिना ना । गोवमा । सम्येबोवा वीर्यमाप तेजकेस्ता कन्धकेस्ता नसंवे-  
 गुना नीलकेस्ता निसेवाहिना कन्धकेस्ता निसेवाहिना । एपसि नं मते । वीर्यमापनं  
 कन्धकेस्ताय बाव तेजकेस्ताय न कन्धरे कन्धरेहिंतो नपिन्धिना ना महिधिना ना ।  
 येकम् । कन्धकेस्ताहिंतो नीलकेस्ता महिधिना बाव सम्येमहिधिना तेजकेस्ता ।  
 सेतं मते । सेतं मते । ति बाव निहत्त ८५८८ ॥ ११ ॥ वरविज्जमाप न मते ।  
 सम्ये समस्तारा एवं चैव सेतं मते । १ ति ८५८९ ॥ १२ ॥ एवं विपलमापनि  
 सेतं मते । १ ति ८५९० ॥ १३ ॥ एवं बन्धितमापनि सेतं मते । सेतं मते । ति  
 बाव निहत्त ८५९१ ॥ सोलसमस्तु सयस्तु बत्तइसमो तद्देसो  
 समस्तो ॥ सोलसमं सयं समस्तं ॥

नमो समवेचनाए भगवईपु ॥ इति १ संभव २ सेकेसि ३ निरिव ४ ईषाव  
 ५ सुप्रसंगे ६-७ दग ८-९ बन्ध १ -११ । एगिरिव १२ नाय १३ उपव १४  
 निमु १५ नाड १६ इति १७ सत्तरे १८ १९ उवमिहे बाव एवं बत्ताही-  
 वरत्तं नं मते । इतिरत्ता कन्धरेहिंतो नपन्तरं उवमिहिता उवमिहितावत्ताए  
 वरत्तं । गोवमा । वरत्तमापहिंतो देवेहिंतो नपन्तरं उवमिहिता वरत्तमिहिता-  
 ४८ सुप्र



गोयमा ! जीवा धम्मेवि ठिया अहम्मेवि ठिया धम्माधम्मेवि ठिया, नेरइयाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! नेरइया णो धम्मे ठिया, अहम्मे ठिया, णो धम्माधम्मे ठिया, एव जाव चउरिंदियाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियति-रिक्खजोणिया नो धम्मे ठिया, अहम्मे ठिया, धम्माधम्मेवि ठिया, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ५९३ ॥ अन्नउत्थिया ण भते ! एवमाइक्खंति जाव पट्वेति-एव खलु समणा पडिया समणोवासगा वाल पडिया, जस्स ण एगपाणाएवि दढे अणिक्वित्ते से णं एगतवालेत्ति वत्तव्व सिया, से कहमेय भते ! एव<sup>२</sup> गोयमा ! जण्ण ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खति जाव वत्तव्वं सिया, जे ते एवमाइसु मिच्छ ते एवमाइसु, अह पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एव खलु समणा पडिया, समणोवासगा वालपडिया, जस्स ण एग पाणाएवि दढे निक्खित्ते से ण नो एगतवालेत्ति वत्तव्व सिया ॥ जीवा णं भते ! किं वाला पडिया वालपडिया ? गोयमा ! जीवा वालावि पडियावि वालपडियावि, नेरइयाण पुच्छा, गोयमा ! नेरइया वाला नो पडिया नो वालपडिया, एव जाव चउरिंदियाण । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्ख जोणिया वाला नो पडिया वालपडियावि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमतरजोइसिय-वेमाणिया जहा नेरइया ॥ ५९४ ॥ अन्नउत्थिया णं भते ! एवमाइक्खति जाव पट्वेति-एव खलु पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादसणसल्ले वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे कोहविवेगे जाव मिच्छादसणसल्लविवेगे वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, उप्पत्तियाए जाव पारिणामियाए वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, उग्गहे ईहा अवाए धारणाए वट्टमाणस्स जाव जीवाया, उट्ठाणे जाव परक्कमे वट्टमाणस्स जाव जीवाया, नेरइयते तिरिक्खमणुस्सदेवत्ते वट्टमाणस्स जाव जीवाया, नाणावरणिज्जे जाव अत राइए वट्टमाणस्स जाव जीवाया, एव कण्हलेस्साए जाव सुक्खलेस्साए, सम्मादिट्ठीए ३, एव चक्खुर्दसणे ४, आभिणिबोहियनाणे ५, मइअन्नाणे ३, आहारसन्नाए ४, एवं ओरालियसरीरे ५, एव मणजोए ३, सागारोवओगे अणागारोवओगे वट्टमाणस्स अण्णे जीवे अन्ने जीवाया, से कहमेयं भते ! एवं<sup>२</sup> गोयमा ! जण्ण ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव मिच्छ ते एवमाइसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु पाणाइवाए जाव मिच्छादसणसल्ले वट्टमाणस्स-सच्चेव जीवे सच्चेव जीवाया जाव अणागारोवओगे वट्टमाणस्स सच्चेव जीवे सच्चेव जीवाया-॥ ५९५ ॥ देवे ण भते ! महिञ्चिए जाव महेसक्खे पुव्वामेव ख्वी भवित्ता पभू अरुविं विट्ठ-







वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणतियसमुग्घाए, मारणतियसमुग्घाएण समो  
हणमाणे देसेण वा समोहणइ सन्वेण वा समोहणइ, देसेण समोहणमाणे पुर्वि  
सपाउणित्ता पच्छा उववज्जिजा, सन्वेण समोहणमाणे पुर्वि उववज्जिता पच्छा  
सपाउणेज्जा, से तेणट्टेण जाव उववजेज्जा । पुढविकाइए ण भते । इमीसे रयणप्प-  
भाए पुढवीए जाव समोहए २ ता जे भविए ईसाणे कप्पे पुढवि० एव चेव ईसाणेवि,  
एव जाव अच्चुयगेविज्जविमाणे, अणुत्तरविमाणे ईसिप्पन्भाराए य एव चेव । पुढविकाइए  
ण भते । सक्करप्पभाए पुढवीए समोहए २ ता जे भविए सोहम्मो कप्पे पुढवि० एवं  
जहा रयणप्पभाए पुढविकाइओ उववाइओ एव सक्करप्पभाएवि पुढविकाइओ उववा-  
एयव्वो जाव ईसिप्पन्भाराए, एव जहा रयणप्पभाए वत्तव्वया भणिया एव जाव अहे  
सत्तमाए समोहए ईसिप्पन्भाराए उववाएयव्वो । सेव भंते । २ ति (१७-६) ॥६०३॥  
पुढविकाइए ण भते । सोहम्मो कप्पे समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयण  
प्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्ताए से ण भते । कि पुर्वि सेस त चेव  
जहा रयणप्पभाए पुढविकाइओ सव्वकप्पेसु जाव ईसिप्पन्भाराए ताव उववाइओ एवं  
सोहम्मपुढविकाइओवि सत्तसुवि पुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहे सत्तमाए, एव जहा  
सोहम्मपुढविकाइओ सव्वपुढवीसु उववाइओ एव जाव ईसिप्पन्भारापुढविकाइओ  
सव्वपुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहे सत्तमाए, सेव भते । २ ति (१७-७) ॥६०४॥  
आउक्काइए ण भते । इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए समोहए २ ता जे भविए सोहम्मो  
कप्पे आउक्काइयत्ताए उववज्जित्ताए एव जहा पुढविकाइओ तहा आउक्काइओवि  
सव्वकप्पेसु जाव ईसिप्पन्भाराए तहेव उववाएयव्वो, एव जहा रयणप्पभाआउ-  
क्काइओ उववाइओ तहा जाव अहेसत्तमापुढविआउक्काइओ उववाएयव्वो जाव ईसिप्प-  
न्भाराए, सेव भते । २ ति (१७-८) ॥६०५॥ आउक्काइए ण भंते । सोहम्मो कप्पे  
समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहिवलएसु आउ-  
क्काइयत्ताए उववज्जित्ताए से ण भते । सेस त चेव एव जाव अहे सत्तमाए जहा सोहम्म-  
आउक्काइओ एव जाव ईसिप्पन्भाराआउक्काइओ जाव अहे सत्तमाए उववाएयव्वो,  
सेव भते । २ ति (१७-९) ॥६०६॥ वाउक्काइए ण भते । इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए  
जाव जे भविए सोहम्मो कप्पे वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्ताए से ण जहा पुढविकाइओ  
तहा वाउक्काइओवि नवरं वाउक्काइयाण चत्तारि समुग्घाया प०, तं०-वेयणासमु-  
ग्घाए जाव वेठव्वियसमुग्घाए, मारणतियसमुग्घाएण समोहणमाणे देसेण वा समो०  
सेस तं चेव जाव अहे सत्तमाए समोहओ ईसिप्पन्भाराए उववाएयव्वो, सेव भते ।  
२ ति (१७-१०) ॥ ६०७ ॥ वाउक्काइए ण भते । सोहम्मो कप्पे समोहए २ ता जे



पुच्छा, गोयमा । पढमावि अपढमावि, नेरडया जाव वेमाणिया णो पढमा अपढमा, सिद्धा पढमा नो अपढमा, एक्केक्के पुच्छा भाणियन्वा २ ॥ भवसिद्धिए एगत्तपुहुत्तेण जहा आहारए, एव अभवसिद्धिएवि, नोभवसिद्धियनोअभवसिद्धिए ण भते । जीवे नोभव० पुच्छा, गोयमा । पढमे नो अपढमे, णोभवसिद्धिय नोअभवसिद्धिया ण भते । सिद्धा नोभ० अभव०, एव चेव पुहुत्तेणवि दोण्हवि ॥ सन्नी ण भते । जीवे सण्णिभावेण किं पढमे पुच्छा, गोयमा । नो पढमे अपढमे, एव विगल्लिदियवज्ज जाव वेमाणिए, एव पुहुत्तेणवि ३ ॥ असन्नी एव चेव एगत्तपुहुत्तेण नवरं जाव वाणमतारा, नोसन्नीनोअसन्नी जीवे मणुस्से सिद्धे पढमे नो अपढमे, एव पुहुत्तेणवि ४ ॥ सत्तेस्से णं भते । पुच्छा, गोयमा । जहा आहारए एव पुहुत्तेणवि, कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा एव चेव नवरं जस्स जा लेस्सा अत्थि । अत्तेस्से ण जीवमणुस्ससिद्धे जहा नोसन्नीनोअसन्नी ५ ॥ सम्मदिट्ठिए ण भते । जीवे सम्मदिट्ठिभावेण किं पढमे पुच्छा, गोयमा । सिय पढमे सिय अपढमे, एव एगिदियवज्ज जाव वेमाणिए, सिद्धे पढमे नो अपढमे, पुहुत्तिया जीवा पढमावि अपढमावि, एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा पढमा नो अपढमा, मिच्छादिट्ठिए एगत्तपुहुत्तेण जहा आहारगा, सम्मामिच्छादिट्ठिए एगत्तपुहुत्तेण जहा सम्मदिट्ठी, नवर जस्स अत्थि सम्मामिच्छत्त ६ ॥ सजए जीवे मणुस्से य एगत्तपुहुत्तेण जहा सम्मदिट्ठी, असजए जहा आहारए, सजयासजए जीवे पच्चिदियतिरिक्खजोणियमणुस्सा एगत्तपुहुत्तेण जहा सम्मदिट्ठी, नोसजएनोअसजएनोसंजयासजए जीवे सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेण पढमे नो अपढमे ७ ॥ सक्साई कोहकसाई जाव लोभकसाई एए एगत्तपुहुत्तेण जहा आहारए, अकसाई जीवे सिय पढमे सिय अपढमे, एव मणुस्सेवि, सिद्धे पढमे नो अपढमे, पुहुत्तेण जीवा मणुस्सा पढमावि अपढमावि, सिद्धा पढमा नो अपढमा ८ ॥ णाणी एगत्तपुहुत्तेण जहा सम्मदिट्ठी, आभिणिवोहियनाणी जाव मणपज्जव नाणी एगत्तपुहुत्तेण एवं चेव, नवरं जस्स ज अत्थि, केवलनाणी जीवे मणुस्से सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेण पढमा नो अपढमा । अजाणी मइअजाणी सुयअजाणी विमंगनाणी एगत्तपुहुत्तेण जहा आहारए ९ ॥ सजोगी मणजोगी वइजोगी कायजोगी एगत्तपुहुत्तेण जहा आहारए, नवरं जस्स जो जोगो अत्थि, अजोगी जीवमणुस्ससिद्धा एगत्तपुहुत्तेण पढमा नो अपढमा १० ॥ सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता एगत्तपुहुत्तेण जहा अणाहारए ११ ॥ सवेदगो जाव नपुसगवेदगो एगत्तपुहुत्तेण जहा आहारए नवरं जस्स जो वेदो अत्थि, अवेदओ एगत्तपुहुत्तेणं तिसुवि पएसु जहा अकसाई १२ ॥ ससरीरी जहा आहारए, एवं जाव कम्मगसरीरी जस्स ज अत्थि

ममिपु इतीषे रयनप्यमाप पुढवीप वनवाप तमुवाप वनवावपपुष्ट तमुवावपपुष्ट  
 वाग्मवाग्मताप सपवजितपु सै वं मति । सेषं तं येन एवं बह्व सोहम्मावपवाग्मवाग्मो  
 सतापुमि पुढवीप वनवाग्मो एवं वाग ईतिप्यम्माप वाग्मवाग्मो बह्वे सतापु वाग  
 वनवाग्मो सेषं मति । २ ति (१७-११) ॥ ९ ८ ॥ एमिदिवा न मति । सन्ने  
 समाहार सन्ने (समसरीर) समुत्सासणीसासा एवं बह्व पढमसपु विश्वजेसपु  
 पुढवीपवाग्मव वनवाग्म ममिवा सा येन एमिदिवाग्म इह माविबम्मा वाग समातवा  
 समेववपवा । एमिदिवाग्म मति । ७३ केस्साभा प । योयमा । वतामि केस्साभा प  
 तं - ७३ केस्सा वाग तेतकेस्सा । एपुमि न मति । एमिदिवाग्म ७३ केस्साग्म वाग  
 मिसेवाहिवा वा । गेक्मा । सम्पत्तोवा एमिदिवाग्म तेतकेस्सा वातकेस्सा अगंत्तुवा  
 बीसकेस्सा मिसेवाहिवा ७३ केस्सा मिसेवाहिवा । एपुमि वं मति । एमिदिवाग्म  
 ७३ केस्सा इहो बह्वे वीत्तुमाग्मवं सेषं मति । २ ति (१७-१२) ॥ ९ ९ ॥  
 वाग्ममाग्मवं मति । सन्ने समाहार बह्व सोहम्मावप वीत्तुमाग्मेवप वहेव निरपसेषं  
 माविक्मवं वाग इहोति सेषं मति । २ ति वाग विरह (१७-१३) ॥ ९१ ॥  
 वनवाग्ममाग्मवं मति । सन्ने समाहार एवं येन सेषं मति । २ ति (१७-१४)  
 ॥ ९११ ॥ विमुत्तुमाग्मवं मति । सन्ने समाहार एवं येन सेषं मति । २ ति  
 (१७-१५) ॥ ९१२ ॥ वाग्ममाग्मवं मति । सन्ने समाहार एवं येन सेषं  
 मति । २ ति (१७-१६) ॥ ९१३ ॥ अमिदिवाग्मवं मति । सन्ने समाहार  
 एवं येन सेषं मति । २ ति ॥ ९१४ ॥ सत्तरसमस्त सयस्त सत्तरसमो  
 वहेसो समसो ॥ सत्तरसमं सयं समसं ॥

पढमे १ मिताह २ मार्मिपु व ३ पावाग्माव ४ अहरे व ५ । पुढ ६ केमकि  
 ७ अजपारे ८ ममिपु ९ तह सोमिक्कट्टारसे १ ॥ १० ॥ सर्वं कर्त्तव्यं सर्वं सम-  
 एवं सममिहे वाग एवं वयाली-जीवि वं मति । जीवमाविर्ग कि पढमे अपढमे ।  
 गेक्मा । नो पढमे अपढमे एवं वेरहए वाग वेमापिपु । सिद्धे वं मति । सिद्ध-  
 माविर्ग कि पढमे अपढमे । योयमा । पढमे नो अपढमे जीवा न मति । जीवमाविर्ग  
 कि पढमा अपढमा । गेक्मा । नो पढमा अपढमा एवं वाग वेमापिपु १ ॥  
 सिद्धार्थं पुच्छ गेक्मा । पढमा नो अपढमा ॥ आहारए वं मति । जीवि आहार  
 भावेवं कि पढमे अपढमे । योयमा । नो पढमे अपढमे एवं वाग वेमापिपु  
 पोहितपुमि एवं येन । अवाहारए वं मति । जीवे अवाहारमाविर्ग पुच्छ गेक्मा ।  
 सिव पढमे सिव अपढमे । वेरहए वं मति । एवं वेरहए वाग वेमापिपु नो पढमे  
 अपढमे सिद्धे पढमे नो अपढमे । अवाहारमा वं मति । जीवा अवाहारमाविर्ग



अपज्जतीहिं जहा आहारओ सव्वत्थ एगत्तपुहुत्तेण दडगा भाणियव्वा १४ ॥ इमा लक्खणगाहा—जो ज पाविहिइ पुणो भाव सो तेण अचरिमो होइ । अच्चतविओगो जस्स जेण भावेण सो चरिमो ॥ १ ॥ सेव भते । २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६१५ ॥  
**अट्टारसमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेण कालेण तेण समएण विसाहा नाम नयरी होत्था वन्नओ, बहुपुत्तिए उज्जाणे वन्नओ, सामी समोसढे जाव पज्जुवासइ, तेण कालेण तेण समएण सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे एव जहा सोलसमसए निइयउद्देसए तहेव दिव्वेण जाणविमाणेण आगओ नवरं एत्थ आभिओगा(वि)इ अत्थि जाव वत्तीसइविह नट्टविहिं उवदसेइ २ ता जाव पडिगए । भते । त्ति भगव गोयमे समण भगव महावीर जाव एव वयासी—जहा तइयसए ईसाणस्स तहेव कूडागारसालादिट्ठतो तहेव पुव्वभव-पुच्छा जाव अभिसमन्नागया १ गोयमादि समणे भगव महावीरे भगव गोयमं एवं वयासी—एव खलु गोयमा । तेण कालेण तेण समएण इहेव जवुदीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे नाम नयरे होत्था वन्नओ, सहसववणे उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं हत्थिणाउरे नयरे कत्तिए नामं सेट्ठी परिवसइ अट्ठे जाव अपरिभूए नेगमपढमा-सणिए नेगमट्ठसहस्सस्स बहुसु कजेसु य कारणेसु य कोडुवेसु य एव जहा राय-प्पसेणइजे चित्ते जाव चक्खुभूए नेगमट्ठसहस्सस्स स(सी)यस्स य कुडुंवस्स आहेवच्चं जाव कारेमाणे पालेमाणे य समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ । तेण कालेण तेण समएणं मुणिसुव्वए अरहा आइगरे जहा सोलसमसए तहेव जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तए णं से कत्तिए सेट्ठी इमीसे कहाए लब्धेइ समाणे हट्ठतुट्ठं एव जहा एकारसमसए सुदसणे तहेव निग्गओ जाव पज्जुवासइ, तए ण मुणिसुव्वए अरहा कत्तियस्स सेट्ठिस्स धम्मकहा जाव परिमा पडिगया, तए ण से कत्तिए सेट्ठी मुणिसुव्वयस्स जाव निसम्म हट्ठतुट्ठं उट्ठाए उट्ठेइ च० २ ता मुणि सुव्वयं जाव एव वयासी—एवमेय भते । जाव से जहेय तुज्जे वदह, ज नवरं देवाणु-प्पिया । नेगमट्ठसहस्सं आपुच्छामि जेट्ठपुत्त च कुडुवे ठावेमि, तए ण अह देवाणु-प्पियाण अतिय पव्वयामि, अहासुह जाव मा पडिबध, तए ण से कत्तिए सेट्ठी जाव पडिनिक्खमइ २ ता जेणेव हत्थिणापुरे नयरे जेणेव सए गोहे तेणेव उवागच्छइ २ ता नेगमट्ठसहस्सं सदावेइ २ ता एव वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया । -मए मुणिसुव्वयस्स अरहओ अतिय धम्मे निसन्ते सेविय मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिस्सइए, तए ण अहं देवाणुप्पिया । ससारभयउव्विग्गे जाव पव्वयामि, त तुब्भे ण देवाणुप्पिया । किं करेह किं ववसह किं भे हियइच्छिए किं भे सामत्ये १, तए णं

उपरी, नवरं अक्षरागच्छरी एयात्पुहुत्तं बहा सम्मरिद्धी जघरीटी जीवो सिद्धो  
 एयात्पुहुत्तं पदयो नो अपठमो १३ ॥ पंचरं पञ्चरं पंचरं अपञ्चरं पञ्च-  
 रं पुहुत्तं बहा आहारए, नवरं अस्त वा अस्ति वाव वैमास्ति नो पदमा अपठमा  
 १४ ॥ इमा अक्षरागच्छा—नो येन पत्तुम्नो भावो सो तेन अपठमो इत्ये ।  
 सेतेन होइ पदमो अपत्तुम्नो भावेन ॥ १ ॥ जीवे न भति । जीवमावेन किं  
 चरिमे अचरिमे ? गोममा । नो चरिमे अचरिम । मत्तए न भति । मत्तममावेन  
 पुच्छा गोममा । तिय चरिमे तिव अचरिमे एवं वाव वैमास्ति, सिद्धे बहा  
 जीवे । जीवावेन पुच्छा गोममा । जीवा नो चरिमा अचरिमा नेच्छा चरिमाणि  
 अचरिमाणि एवं वाव वैमास्ति सिद्धा बहा जीवा १ ॥ आहारए सम्पत्त एपत्तेन  
 तिव चरिमे तिव अचरिमे पुहुत्तेन चरिमाणि अचरिमाणि अचाहरमो जीवो सिद्धो  
 व एपत्तेन पुहुत्तमि नो चरिमो अचरिमा सेचट्टमिण एयात्पुहुत्तेन बहा आहा-  
 रमो २ ॥ नवरं अक्षरागच्छरी जीवप एयात्पुहुत्तं चरिमे नो अचरिम सेचट्टमिण बहा  
 आहारमो । अमरं अक्षरागच्छरी सम्पत्त एयात्पुहुत्तेन नो चरिमे अचरिम नोमरं-  
 जीवमोमरं अक्षरागच्छरी जीवा सिद्धा व एयात्पुहुत्तं बहा अमरं अक्षरागच्छरी ३ ॥ उचरी  
 बहा आहारमो एवं अक्षरीणि नोगच्छीनोअक्षरी जीवप मित्तए व अचरिमो  
 मत्तुस्तपए चरिमो एयात्पुहुत्तेन ४ ॥ सत्तेस्से वाव उरंसेस्से बहा आहारमो नवरं  
 अस्त वा अस्ति असेस्से बहा नोमच्छीनोअक्षरी ५ ॥ सम्मरिद्धी बहा अचा-  
 हारमो मिच्छासिद्धी बहा आहारमो सम्मरिच्छासिद्धी एमिच्छासिद्धिस्सिद्धि  
 तिव चरिम तिव अचरिमे पुहुत्तेन चरिमाणि अचरिममि ६ ॥ संजओ जीवो  
 मत्तुस्सो व बहा आहारमो असेजओमि तदेव सजयासजयानि तदेव नवरं अस्त  
 व अस्ति नोमंजयनाअसेजयनाअसेजयना बहा नोमच्छीनोअक्षरी ७ ॥ उचगाई वाव नोमच्छाई एयात्पुहुत्तेन बहा आहारमो अचगाई जीवप  
 सिद्धए व नो चरिमा अचरिमो मत्तुस्तपए तिव चरिमो तिव अचरिमो ८ ॥ पायी  
 बहा सम्मरिद्धी सम्पत्त आभिरिवाहियमाणी वाव मत्तपत्तमाणी बहा आहारमो  
 नवरं अस्त व अस्ति केवत्तमाणी बहा नोमच्छीनोअक्षरी अत्ताणी वाव मत्तपत्तमाणी  
 बहा आहारमो ९ ॥ उचोणी वाव अजयोणी बहा आहारमो अस्त नो नोमो  
 अस्ति अजयोणी बहा नोमच्छीनोअक्षरी १ ॥ सायारीवउचो अचागाटोवउचो व  
 बहा अचाहारमो ११ ॥ सवेइमो वाव नुंगमवेइमो बहा आहारमो अवेइमो  
 बहा अचताई १२ ॥ उचरीटी वाव सम्मगगरीटी बहा आहारमो नवरं अस्त व  
 अस्ति अचरीटी बहा नोमच्छीनोअक्षरी १३ ॥ पंचरं पञ्चरं पंचरं

मा० २ ता संहिं भत्ताइ अणसणाए छेदेइ स० २ ता आलोइयपडिक्कते जाव काल किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिसए विमाणे उववायसभाए देवसयणिजसि जाव सक्के देविंदत्ताए उववणे, तए ण से सक्के देविंदे देवराया अहुणोववण्णे सेस जहा गगदत्तस्स जाव अत काहिइ, नवर ठिई दो सागरोवमाइ प० सेस त चेव । सेव भते ! २ ति ॥ ६१६ ॥ अट्टारसमस्स सयस्स वीओ उद्देसो समत्तो ॥

तेण कालेण तेण समएण रायगिहे नाम नयरे होत्था वन्नओ, गुणसिलए उज्जाणे वन्नओ जाव परिसा पडिगया, तेण कालेण तेण समएण समणस्स भगवओ महा वीरस्स जाव अतेवासी मागदियपुत्ते नाम अणगारे पगइमहए जहा मडियपुत्ते जाव पज्जुवासमाणे एव वयासी-से नूण भते ! काउलेस्से पुढविकाइए काउलेस्से-हिंतो पुढविकाइएहिंतो अणतर उव्वट्ठित्ता माणुस विग्गह लभइ मा० २ ता केवल बोहिं वुज्झइ के० २ ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अत करेइ ? हंता मागदिय पुत्ता ! काउलेस्से पुढविकाइए जाव अत करेइ । से नूण भते ! काउलेस्से आउकाइए काउलेस्सेहिंतो आउकाइएहिंतो अणतरं उव्वट्ठित्ता माणुस विग्गह लभइ मा० २ ता केवल बोहिं वुज्झइ जाव अत करेइ ? हता मागदियपुत्ता ! जाव अत करेइ । से नूण भते ! काउलेस्से वणस्सइकाइए एव चेव जाव अत करेइ, सेव भते ! २ ति मागदियपुत्ते अणगारे समण भगव महावीरं जाव नमसित्ता जेणेव समणे निग्गथे तेणेव उवागच्छइ २ ता समणे निग्गथे एव वयासी-एव खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविकाइए तहेव जाव अत करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउकाइए जाव अंत करेइ, एव खलु अज्जो ! काउलेस्से वणस्सइकाइए जाव अंत करेइ, तए ण ते समणा निग्गथा मा(क)गदियपुत्तस्स अणगारस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एव परूवे-माणस्स एयमट्ठ नो सदहति ३ एयमट्ठे असदहमाणा ३ जेणेव समणे भगव महा-वीरे तेणेव उवागच्छति २ ता समणं भगव महावीरं वदति नमंसति व० २ ता एव वयासी-एव खलु भते ! मागदियपुत्ते अणगारे अम्ह एवमाइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविकाइए जाव अत करेइ, एव खलु अज्जो ! काउलेस्से आउकाइए जाव अत करेइ, एव खलु० वणस्सइकाइएवि जाव अंत करेइ, से क्ह-मेय भते ! एव ? अज्जोसि समणे भगव महावीरे ते समणे निग्गथे आमतेत्ता एव वयासी-जण्ण अज्जो ! मागदियपुत्ते अणगारे तुज्झे एवं आइक्खंइ जाव परूवेइ-एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढवीकाइए जाव अत करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउ-लेस्से आउकाइए जाव अत करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से वणस्सइकाइएवि जाव अंत करेइ, सक्के ण एसमट्ठे, अहपि णं अज्जो ! एवमाइक्खामि ४-एवं खलु

तं वेद्यमनुसहस्रं च तं कतिपयं सेद्वि एव ब्रवाही—अहं च वेदात्तुष्मिन् । संसारमन-  
 तन्मिम्या यीमा आब पन्महस्तेति अहं वेदात्तुष्मिन् । नि अने आरब्धमे वा आहारे  
 वा पचिर्बिमे वा ? अहमेति च वेदात्तुष्मिन् । संसारमनतन्मिम्या भीमा अम्मममरुधाम्  
 वेदात्तुष्मिण् सति सुमित्तम्भयस्स अरुहणो अतिर्यं शु(हे)वा भविता अमारुहो  
 आब पन्मयसो तए च से कतिए सेद्वि तं वेद्यमनुसहस्रं एव ब्रवाही—अहं च वेदात्तु-  
 ष्मिन् । संसारमनतन्मिम्या भीमा अम्मममरुधाम् मए सति सुमित्तम्भय आब पन्मह  
 तं पन्महं च दुम्मे वेदात्तुष्मिन् । सए २ पिण्डे विवरे असने आब उपपञ्चावेह  
 मित्ताह आब पुरणे वेदुपुते कुहमे ठावेह वेदु २ ता तं मित्ताह आब वेदुपुते  
 आउच्छेद २ ता पुरिषसहस्रसत्ताविणीम्मे सीयाम्मे दुस्सह पु २ ता मित्ताह आब  
 परिज्वेये वेदुपुतेहि य समुत्पन्ममात्ममया सन्निहीए आब रवेये अन्नतन्मिणीये  
 येव मयं अतिर्यं पाठम्मवह, तए च से वेद्यमनुसहस्रं च कतिपयस्स सेद्विस्स एव-  
 महुं निवपन् पविश्वेति २ ता वेवेव सार्हं सार्हं गिहार्हं सेवेव चवापच्छेति २ ता  
 निपुणं असने आब उवपञ्चावेति २ ता मित्ताह आब तस्सेव मित्ताह आब  
 पुरणे वेदुपुते कुहमे ठावेति वेदुपुते २ ता तं मित्ताह आब वेदुपुते च  
 आउच्छेति वेदु २ ता पुरिषसहस्रसत्ताविणीम्मे सीयाम्मे दुस्सहति २ ता मित्ताह  
 आब परिज्वेये वेदुपुतेहि य समुत्पन्ममात्ममया सन्निहीए आब रवेये अन्नत-  
 न्मिणीये येव कतिपयस्स सेद्विस्स अतिर्यं पाठम्मवति तए च से कतिए सेद्वि निपुणं  
 असने च अहा पंयहत्ते आब मित्ताह आब परिज्वेये वेदुपुतेच वेद्यमनुसहस्तेव  
 च समुत्पन्ममात्ममयो सन्निहीए आब रवेये इरिक्कापुरे कवरे मय्मेमज्जेयं अहा  
 पंयहत्ते आब आत्तिरे चं मंते । ओए पत्तिरे च मंते । ओए आत्तिपत्तिरे च मंते ।  
 ओए आब आउगामिक्काए यमिस्सह, तं इच्छामि चं मंते । वेद्यमनुसहस्तेच सति  
 सक्केव पन्मातिर्यं सक्केव सुहातिर्यं आब अम्ममादमित्तावं तए च सुमित्तम्भए अरुह  
 कतिपयं सेद्वि वेद्यमनुसहस्तेच सति सक्केव पन्मावेह आब अम्ममादमकह, एव वेदात्तु-  
 ष्मिन् । गीतम्भ एव विद्विजम्भ आब संजयियम्भं तए च से कतिए सेद्वि वेद्यमनुसह-  
 स्तेच सति सुमित्तम्भयस्स अरुहणो इयं एवाहं अम्मियं सक्केव सन्मं संपविककह,  
 समाभाहं तहा अक्कह आब संजमेह, तए च से कतिए सेद्वि वेद्यमनुसहस्तेच सति  
 अजगारे आह इरिक्कापुरे आब गुत्तमंमवाही तए च से कतिए अजगारे सुमि-  
 त्तम्भयस्स अरुहणो उहाकवानं वेरावं अतिर्यं समाहम्ममाहवार्हं बोहम पुम्माहं  
 अहिक्कहा २ ता बहुहि कवरेवउत्तुम्भ आब अप्पानं माप्पेमाप्पे वतुपत्तिपुवार्हं  
 हुवाक्कसत्ताहं सामवपारिवार्हं कवरेव २ ता मात्तिक्काए संजमेक्काए कतावे मोयेह

इसम्मदिट्ठिउववज्जगा य, तत्थ णं जे ते माडमिच्छदिट्ठिउववज्जगा ते णं न जाणति  
 न पासति आहारंति, तत्थ ण जे ते अमाइसम्मदिट्ठिउववज्जगा ते दुविहा प०, तं०-  
 अणतरोववज्जगा य परपरोववज्जगा य, तत्थ ण जे ते अणतरोववज्जगा ते ण न  
 जाणति न पासति आहारंति, तत्थ णं जे ते परंपरोववज्जगा ते दुविहा प०, तं०-  
 पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ ण जे ते अपज्जत्तगा ते ण न जाणति न पासति  
 आहारंति, तत्थ ण जे ते पज्जत्तगा ते दुविहा प०, तं०-उवउत्ता य अणुवउत्ता  
 य, तत्थ ण जे ते अणुवउत्ता ते ण न जाणति २ आहारंति ॥६१८॥ कइविहे ण  
 भन्ते । वधे प० २ मागदियपुत्ता । दुविहे वधे प०, तं०-दव्ववधे य भाववधे य,  
 दव्ववधे ण भते । कइविहे प० २ मागदियपुत्ता । दुविहे प०, तं०-पओगवधे य  
 वीससावधे य, वीमसावधे ण भते । कइविहे प० २ मागदियपुत्ता । दुविहे प०,  
 तं०-साईयवीससावधे य अणाईयवीससावधे य, पओगवधे ण भते । कइविहे प० २  
 मागदियपुत्ता । दुविहे प०, तं०-सिढिलवंधणवन्धे य धणियवधणवन्धे य, भाव  
 वधे ण भते । कइविहे प० २ मागदियपुत्ता । दुविहे प०, तं०-मूलपगडिवधे य  
 उत्तरपगडिवधे य, नेरइयाण भते । कइविहे भाववधे प० २ मागदियपुत्ता । दुविहे  
 भाववधे प०, तं०-मूलपगडिवधे य उत्तरपगडिवधे य, एव जाव वेमाणियाण,  
 नाणावरणिजस्स णं भते । कम्मस्स कइविहे भाववधे प० २ मागदियपुत्ता । दुविहे  
 भाववधे प०, तं०-मूलपगडिवधे य उत्तरपगडिवधे य, नेरइयाण भते । नाणावर-  
 णिजस्स कम्मस्स कइविहे भाववधे प० २ मागदियपुत्ता । दुविहे भाववधे प०, तं०-  
 मूलपगडिवधे य उत्तरपगडिवधे य, एव जाव वेमाणियाणं, जहा नाणावरणिज्जेणं  
 दडओ भणिओ एव जाव अतराइएण भाणियव्वो ॥ ६१९ ॥ जीवाण भते । पावे  
 कम्मे जे य कडे जाव जे य कजिस्सइ अत्थि याइ तस्स केइ णाणते २ हता अत्थि,  
 से केगट्ठेण भते । एव वुचइ जीवाण पावे कम्मे जे य कडे जाव जे य कजिस्सइ  
 अत्थि याइ तस्स णाणते २ मागदियपुत्ता । से जहानामए-केइ पुरिसे धणु परामुसइ  
 २ ता उसु परामुसइ २ ता ठाण ठाइ २ ता आययकजायर्य उसु करेइ आ० २ ता  
 उहुं वेहास उव्विहइ से नूण मागदियपुत्ता । तस्स उहुं वेहास उव्विहइ  
 समाणस्स एयइ २ जाव त त भ २ णाणत्त २ हता भगव ।



याणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नपए कडजुम्मा, उक्कोसपए दावरजुम्मा, अजहन्नमणु-  
 क्कोमपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, एव जाव चउरिंदिया, सेसा एणि-  
 दिया जहा वेइदिया, पचिंदियतिरिक्खजोणिया जाव चेमाणिया जहा नेरइया, सिद्धा  
 जहा वणस्सडकाइया । इत्थीओ णं भते ! किं कडजुम्माओ० पुच्छा, गोयमा !  
 जहन्नपए कडजुम्माओ, उक्कोसपए कडजुम्माओ, अजहन्नमणुक्कोसपए सिय कडजु-  
 म्माओ जाव सिय कलिओगाओ, एव असुरकुमारइत्थीओवि जाव थणियकुमारइ-  
 त्थीओवि, एव तिरिक्खजोणियइत्थीओवि, एव मणुस्सइत्थीओवि, एव वाणम-  
 तरजोइसियवेमाणियदेवइत्थीओवि ॥ ६०३ ॥ जावइयाण भते ! वरा अघगवण्हिणो  
 जीवा तावइया परा अघगवण्हिणो जीवा ? हंता गोयमा ! जावइया वरा अघग-  
 वण्हिणो जीवा तावइया परा अघगवण्हिणो जीवा । सेव भते ! ० त्ति ॥ ६०४ ॥  
 अट्टारसमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

दो भते ! असुरकुमारा एगसि असुरकुमारावाससि असुरकुमारदेवताए उववन्ना,  
 तत्थ ण एगे असुरकुमारे देवे पासादीए दरिसणिजे अभिरुवे पडिरुवे, एगे असुर-  
 कुमारे देवे से ण नो पासादीए नो दरिसणिजे नो अभिरुवे नो पडिरुवे, से कहमेय  
 भते ! एव ? गोयमा ! असुरकुमारा देवा दुविहा प०, त०-वेउव्वियसरीरा य अवे  
 उव्वियसरीरा य, तत्थ ण जे से वेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से ण पासादीए  
 जाव पडिरुवे, तत्थ ण जे से अवेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से ण नो पासादीए  
 जाव नो पडिरुवे, से केणट्ठेण भते ! एव बुच्चइ-तत्थ ण जे से वेउव्वियसरीरे तं  
 चेव जाव णो पडिरुवे ? गोयमा ! से जहानामए-इह मणुस्सलोगसि दुवे पुरिसा  
 भवति, एगे पुरिसे अलकियविभूसिए, एगे पुरिसे अगलकियविभूसिए, एएति णं  
 गोयमा ! दोण्ह पुरिसाण कयरे पुरिसे पासादीए जाव पडिरुवे, कयरे पुरिसे नो  
 पासादीए जाव नो पडिरुवे, जे वा से पुरिसे अलकियविभूसिए जे वा से पुरिसे  
 अगलकियविभूसिए ? भगव ! तत्थ जे से पुरिसे अलकियविभूसिए से णं पुरिसे  
 पासादीए जाव पडिरुवे, तत्थ ण जे से पुरिसे अणलकियविभूसिए से ण पुरिसे नो  
 पासादीए जाव नो पडिरुवे, से तेणट्ठेणं जाव नो पडिरुवे । दो भंते ! नागकुमारा  
 देवा एगसि नागकुमारावाससि एवं चेव, एव जाव थणियकुमारा, वाणमतरजोइसिय-  
 वेमाणिया एव चेव ॥ ६०५ ॥ दो भंते ! नेरइया एगसि नेरइयावाससि नेरइयात्ताए  
 उववन्ना, तत्थ ण एगे नेरइए महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव, एगे  
 नेरइए अप्पकम्मतराए चेव जाव अणतराए चेव, से कहमेय भते ! एवं ?  
 १ दुविहा प०, २ उववन्ना य अमाइस्सम्मदिट्ठि-





नीलए सुयपिच्छे, नेच्छइयनयस्स पचवण्णे सेस त चेव, एव एएण अभिलावेणं लोहिं-  
 (ति)या मज्झिमा, पीतिया हालिदा, सुक्खिए सखे, सुब्भिगधे कोट्टे, दुब्भिगधे मियग  
 सरीरे, तित्ते निवे, कहुया सुठी, कसाए कविट्ठे, अवा अविलिया, महुरे खढे, कक्खडे  
 वइरे, मउए नवणीए, गुरुए अए, लहुए उलयपत्ते, सीए हिमे, उसिणे अगणिकाए,  
 णिद्धे तेहे । छारिया ण भते ! पुच्छा, गोयमा ! एत्थ ण दो नया भवति, त०-निच्छ  
 इयनए य वावहारियनए य, वावहारियनयस्स लुक्खा छारिया, नेच्छइयनयस्स पच  
 वजा जाव अट्ठफासा प० ॥ ६२९ ॥ परमाणुपोग्गळे ण भते ! कइवन्ने जाव कइ-  
 फासे पन्नत्ते ? गोयमा ! एगवन्ने एगगधे एगरसे दुफासे पन्नत्ते ॥ दुपएसिए ण भंते !  
 खधे कइवन्ने० पुच्छा, गोयमा ! सिय एगवन्ने सिय दुवन्ने, सिय एगगधे सिय दुगधे,  
 सिय एगरसे सिय दुरसे, सिय दुफासे सिय तिफासे सिय चउफासे पन्नत्ते, एव तिप-  
 एसिएवि, नवर सिय एगवन्ने सिय दुवन्ने सिय तिवन्ने, एव रसेसुवि, सेसं जहा  
 दुपएसियस्स, एव चउप्पएसिएवि, नवर सिय एगवन्ने जाव सिय चउवन्ने, एव रसे-  
 सुवि, सेस त चेव, एव पचपएसिएवि, नवर सिय एगवन्ने जाव सिय पंचवन्ने, एवं  
 रसेसुवि, गधफासा तहेव, जहा पचपएसिओ एव जाव असखेज्जपएसिओ ॥ सुहुम-  
 परिणए ण भते ! अणंतपएसिए खधे कइवन्ने० ? जहा पचपएसिए तहेव निरवसेसं,  
 बायरपरिणए ण भते ! अणंतपएसिए खधे कइवन्ने० पुच्छा, गोयमा ! सिय एगवन्ने  
 जाव सिय पचवन्ने, सिय एगगधे सिय दुगधे, सिय एगरसे जाव सिय पचरसे, सिय  
 चउफासे जाव सिय अट्ठफासे प० ॥ सेव भते ! सेव भते ! त्ति ॥ ६३० ॥  
 अट्ठारसमस्स सयस्स छट्ठो उइसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एव वयासी-अन्नउत्थिया ण भते ! एवमाइक्खति जाव परु-  
 वैति-एव खलु केवली जक्खाएसेण आइस्सइ, एव खलु केवली जक्खाएसेण आइट्ठे  
 समाणे आहच्च दो भासाओ भासइ, त०-मोस वा सच्चा मोस वा, से कहमेय भंते !  
 एव ? गोयमा ! जण्ण ते अन्नउत्थिया जाव जे ते एवमाहसु मिच्छं ते एवमाहसु,  
 अह पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि ४-नो खलु केवली जक्खाएसेण आइस्सइ, नो  
 खलु केवली जक्खाएसेण आइट्ठे समाणे आहच्च दो भासाओ भासइ, त०-मोस  
 वा सच्चा मोस वा, केवली ण असावज्जाओ अपरोवघाइयाओ आहच्च दो भासाओ  
 भासइ, त०-सच्च वा असच्चा मोस वा ॥ ६३१ ॥ कइविहे ण भंते ! उवही  
 पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे उवही प०, त०-कम्मोवही, सरीरोवही, बाहिरभट्टमतो-  
 वगरणोवही, नेरइयाण भते ! पुच्छा, गोयमा ! दुविहे उवही प०, त०-कम्मोवही य  
 सरीरोवही य, सेसारं तिविहे उवही एगिदियवज्जाणं जाव वेमाणियाण, एगिदियाणं



एयमट्ठं पडिमुणेंति अन्नमन्नस्स० २ ता जेणेव महुए समणोवासए तेणेव उवा-  
 गच्छति २ ता महुय समणोवासगं एव वयासी-एवं खल्ल महु(मड्ड)या ! तव धम्मायरीए  
 घम्मोवएसए समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाए पच्चवेइ जहा सत्तमे सए अन्नउत्थिय  
 उद्देसए जाव से कहमेय महुया ! एव ? तए ण से महुए समणोवासए ते अन्नउत्थिए  
 एवं वयासी-जइ कज्ज कज्जइ जाणामो पासामो, अह कज्जं न कज्जइ न जाणामो न  
 पासामो, तए णं ते अन्नउत्थिया महुय समणोवासयं एव वयासी-केस ण तुम  
 महुया ! समणोवासगाणं भवसि, जे णं तुम एयमट्ठ न जाणसि न पाससि ? तए णं  
 से महुए समणोवासए ते अन्नउत्थिए एव वयासी-अत्थि ण आउसो ! वाउयाए  
 वाइ ? हंता महुया ! वाइ, तु(ज्जे)ब्भे ण आउसो ! वाउयायस्स वायमाणस्स ह्वं  
 पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! घाणसहगया पोगगला ? हता अत्थि,  
 तुब्भे ण आउसो ! घाणसहगयाणं पोगगलाण ह्वं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि  
 णं आउसो ! अरणिसहगए अगणिकाए ? हता अत्थि, तुब्भे ण आउसो !  
 अरणिसहगयस्स अगणिकायस्स ह्वं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि ण आउसो !  
 समुद्दस्स पारगयाइ रुवाइ ? हंता अत्थि, तुब्भे ण आउसो ! समुद्दस्स पारगयाइ  
 रुवाइ पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि ण आउसो ! देवलोगगयाइ रुवाइ ?  
 हता अत्थि, तुब्भे ण आउसो ! देवलोगगयाइ रुवाइ पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे,  
 एवामेव आउसो ! अह वा तुब्भे वा अन्नो वा छउमत्थो जइ जो ज न जाणइ न  
 पासइ त सव्वं न भवइ एवं मे सुवहुए लोए ण भविस्सतीतिकट्ठ ते अन्नउत्थिए  
 एव पडिहणइ एव पडिहणित्ता जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगव महावीरे  
 तेणेव उवागच्छइ २ ता समण भगव महावीरं पंचविहेण अभिगमेणं अभि० जाव  
 पज्जुवासइ । महुयादि । समणे भगवं महावीरे महुयं समणोवासयं एवं वयासी-सुट्ठु णं  
 महुया ! तुम ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, साहु ण महुया ! तुम ते अन्नउत्थिए एव  
 वयासी, जे णं महुया ! अट्ठ, वा हेउ वा पसिणं वा वागरण वा अन्नायं अदिट्ठ  
 अस्सुय अमय अविण्णायं बहुजणमज्जे आघवेइ पच्चवेइ जाव उवदंसेइ, से णं  
 अरिहंताणं आसायणाए वट्ठइ, अरिहंतपन्नत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्ठइ, केवलीणं  
 आसायणाए वट्ठइ, केवल्लिपन्नत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्ठइ, त सुट्ठु ण तुम महुया !  
 ते अन्नउत्थिए एव वयासी, साहु णं तुम महुया ! जाव एव वयासी, तए णं महुए  
 समणोवासए समणेण भगवया महावीरेण एवं पुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं  
 महावीरं वंदइ नमंसइ व० २ ता णच्चासच्चे जाव पज्जुवासइ, तए णं समणे भगव  
 महावीरे महुयस्स समणोवासगस्स तीसे य जाव परिसा पडिगया, तए णं महुए

बुद्धिहे उवाही प तंजहा-अम्मोवाही न सरीरोवाही न अविहे वं मंते । उवाही  
 प । गोयमा । तिभिहे उवाही प तंजहा-सन्निते अनिते भीसए, एवं नेछवाचमि  
 एवं निरवसे(दा)सं जाव वैमाविमार्थ । अविहे वं मंते । परिग्गहे प । गोयमा ।  
 तिभिहे परिग्गहे प तं -अम्मपरिग्गहे, सरीरपरिग्गहे, बाहिरमंजमत्तेवयरम-  
 परिग्गहे, मेरुवाचं मंते । एवं जहा उवाहीया तौ वंजगा मन्निमा तद्देव परिग्गहेवमि  
 त्तो वंजगा माविमन्मा अविहे वं मंते । पविहाये प । गोयमा । तिभिहे  
 पविहाये प , तं -अन्नपविहाये वज्रपविहाये अन्नपविहाये नेरइमार्थ मंते । अविहे  
 पविहाये प । एवं केव एवं जाव वमिअमुमात्तं पुडमिअमार्थ पुच्छा गोयमा ।  
 एगे वायपविहाये प एवं जाव वमस्सइवाइमार्थ वेइविमार्थ पुच्छा गोयमा ।  
 बुद्धिहे पविहाये प तं -वज्रपविहाये न अन्नपविहाये न एवं जाव वज्रपिहिवार्थ  
 सेत्तार्थ तिभिहेवि जाव वैमाविमार्थ । अविहे वं मंते । दुप्पविहाये प । गोयमा ।  
 तिभिहे दुप्पविहाये प तं -अन्नदुप्पविहाये वज्रदुप्पविहाये अन्नदुप्पविहाये  
 वद्देव पविहाये वंजयो मन्निमो तद्देव दुप्पविहायेवमि मन्निमन्तो । अविहे वं  
 मंते । दुप्पविहाये प । गोयमा । तिभिहे दुप्पविहाये प तंजहा-अन्नदुप्प-  
 विहाये वज्रदुप्पविहाये अन्नदुप्पविहाये मनुस्सार्थ मंते । अविहे दुप्पविहाये  
 प । एवं केव जाव वैमाविमार्थ एवं मंते । २ ति जाव विहर ॥ तए वं  
 सममि अगार्थ महावीरे जाव वज्रिया अन्नमन्निहारं विहर ॥ ६१९ ॥ तेषं अत्तेनं  
 तेषं समएवं एवमिहे नामे मन्ने गुणसिअए वज्राये वज्रजे जाव पुडमिअम  
 पद्मो तस्स वं गुणसिअमस्स वज्रावस्स अज्जुसार्मते वज्रजे अन्नतत्तिवा परिवसेति  
 तं -अन्नोवाही वेत्तोवाही एवं जहा सममसए अन्नतत्तिवत्तेसए जाव से अज्जेनं मन्ने  
 एवं । तए वं राजमिहे मन्ने महुए नामे सममोवाचए परिवसइ, जहे जाव अपस्ति-  
 म्भूए अमिपवजीवाजीये जाव विहरइ, तए वं सममि मयवं महावीरे अन्नमा अयाइ  
 पुच्छात्तुपुम्भि वरमाये जाव समोसई परैसा जाव एज्जुवाचइ, तए वं म(३)-  
 हुए सममोवाचए इमीसे अयाए अज्जेत्ते सममि इज्जुत्त जाव विनए जहाए जाव  
 सरीरे सन्नामी मिहात्तो पविमिअमस्स ॥ २ ता पावमिहारवार्थं रायविई वजरे  
 जाव निम्मज्ज २ ता सेसि अन्नतत्तिवत्तं अज्जुसार्मते वं वीइववइ, तए वं से  
 अन्नतत्तिवना महुए सममोवाचए अज्जुसार्मते वं वीइवमार्थ पावसि २ ता अज्जमं  
 सहायेति २ ता एवं वजावी-एवं जहा वेवात्तुपिवा । अम्ह इमा अहा अमिअप्पज्जा  
 इमं न न महुए सममोवाचए अम्ह अज्जुसार्मते वं वीइववइ, तं ॥ ३ ॥ वेवात्त-  
 पिवा । अम्ह महुए सममोवाचए एवमई पुत्तिजत्तएत्तिअहु अन्नतत्तस्स अस्ति





एयमट्ठ पडिस्सुणेति अन्नमन्नस्स० २ ता जेणेव महुए समणोवासए तेणेव उवा-  
गच्छति २ ता महुय समणोवासग एव वयासी-एव खल्ल महु(महु)या ! तव धम्मायरिए  
धम्मोवएसए समणे णायपुत्ते पच्च अत्थिकाए पच्चवेइ जहा सत्तमे सए अन्नउत्थिय-  
उद्देसए जाव से कहमेय महुया ! एव ? तए ण से महुए समणोवासए ते अन्नउत्थिए  
एव वयासी-जइ कज्ज कज्जइ जाणामो पासामो, अह कज्ज न कज्जइ न जाणामो न  
पासामो, तए ण ते अन्नउत्थिया महुय समणोवासय एव वयासी-केस णं तुम  
महुया ! समणोवासगाण भवसि, जे ण तुम एयमट्ठ न जाणसि न पाससि ? तए णं  
से महुए समणोवासए ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-अत्थि ण आउसो ! वाउयाए  
वाइ ? हंता महुया ! वाइ, तु(ज्जे)ब्भे ण आउसो ! वाउयायस्स वायमाणस्स रुव  
पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! घाणसहगया पोगगला ? हता अत्थि,  
तुब्भे ण आउसो ! घाणसहगयाणं पोगगलाण रुवं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि  
णं आउसो ! अरणिसहगए अगणिकाए ? हंता अत्थि, तुब्भे ण आउसो !  
अरणिसहगयस्स अगणिकायस्स रुव पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि ण आउसो !  
समुद्दस्स पारगयाइ रुवाइ ? हंता अत्थि, तुब्भे ण आउसो ! समुद्दस्स पारगयाइ  
रुवाइ पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि ण आउसो ! देवलोगगयाइ रुवाइ ?  
हता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! देवलोगगयाइ रुवाइ पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे,  
एवामेव आउसो ! अह वा तुब्भे वा असो वा छउमत्थो जइ जो जं न जाणइ न  
पासइ त सब्ब न भवइ एवं मे सुवहुए लोए ण भविस्सतीतिकट्ठ ते अन्नउत्थिए  
एवं पडिहणइ एवं पडिहणित्ता जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगव महावीरे  
तेणेव उवागच्छइ २ ता समण भगव महावीरं पच्चविहेणं अभिगमेण अभि० जाव  
पज्जुवासइ । महुयादि ! समणे भगव महावीरे महुय समणोवासय एवं वयासी-सुट्ठु ण  
महुया ! तुमं ते अन्नउत्थिए एव वयासी, साहु ण महुया ! तुमं ते अन्नउत्थिए एवं  
वयासी, जे ण महुया ! अट्ठ, वा हेउ वा पसिण वा वागरणं वा अन्नाय अदिट्ठ  
अस्सुय अमय अविण्णायं बहुजणमज्झे आघवेइ पच्चवेइ जाव उवदेसेइ, से ण  
अरिहंताणं आसायणाए वट्ठइ, अरिहंतपन्नत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्ठइ, केवलीण  
आसायणाए वट्ठइ, केवलिपन्नत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्ठइ, त सुट्ठु ण तुम महुया !  
ते अन्नउत्थिए एव वयासी, साहु णं तुम महुया ! जाव एवं वयासी, तए णं महुए  
समणोवासए समणेण भगवया महावीरेण एव वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समण भगवं  
महावीरं वदइ नमसइ वं० २ ता णञ्चासणे जाव पज्जुवासइ, तए णं समणे भगव  
महावीरे महुयस्स समणोवासगस्स तीसे य जाव परिसा पडिगया, तए णं महुए





देवा अणते कम्मसे चउहिं वास जाव खवयति, चदिमसूरिया जोइमिंदा जोइसरा-  
 याणो अणते कम्मसे पचहिं वाससएहिं खवयति, सोहम्मीमाणगा देवा अणते  
 कम्मसे एणेण वाससहस्सेण (जाव) खवयति, सणकुमारमाहिंदगा देवा अणते कम्मसे  
 दोहिं वाससहस्सेहिं खवयति, एव एएण अभिलावेणं वंभलोगलनगा देवा अणते  
 कम्मसे तिहिं वाससहस्सेहिं खवयति, महासुक्कसहस्सारगा देवा अणते कम्मसे चउहिं  
 वाससहस्सेहिं खवयति, आणयपाणयआरणअसुयगा देवा अणते कम्मसे पचहिं वाम-  
 सहस्सेहिं खवयति, हेट्ठिमगेवेज्जगा देवा अणते कम्मसे एणेण वाससयसहस्सेण खव-  
 यति, मज्झिमगेवेज्जगा देवा अणते कम्मसे दोहिं वाससयसहस्सेहिं खवयति, उववि-  
 मगेवेज्जगा देवा अणते कम्मसे तिहिं वाससयसहस्सेहिं खवयति, विजयवेज्जयतजय-  
 तअपराजियगा देवा अणते कम्मसे चउहिं वाससयसहस्सेहिं खवयति, सव्वट्ठसिद्धगा  
 देवा अणते कम्मसे पचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयति, एएण गोयमा ! ते देवा जे  
 अणते कम्मसे जह्मेण एकेण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेण पचहिं वामसएहिं खवयति,  
 एएण गोयमा ! ते देवा जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयति, एएणट्ठेण गोयमा ! ते  
 देवा जाव पचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयति । सेव भते ! सेव भते ! ति ॥ ६३७ ॥

**अट्टारसमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायणिहे जाव एवं वयासी-अणगारस्स ण भते ! भावियप्पणो पुरओ दुहओ  
 जुगमायाए पेहाए रीयं रीयमाणस्स पायस्स अहे कुकुडपोए वा वट्ठापोए वा कुलिं  
 गच्छाए वा परियावज्जेजा, तस्स ण भते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ, सय-  
 राइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! अणगारस्स ण भावियप्पणो जाव तस्स ण इरि-  
 यावहिया किरिया कज्जइ, नो सपराइया किरिया कज्जइ, से केगट्ठेण भते ! एव  
 वुचइ ? जहा सत्तमसए सव्वुद्धेसए जाव अट्ठो निक्खित्तो । सेव भते ! सेव भते !  
 ति जाव विहरइ ॥ तए ण समणे भगवं महावीरे वहिया जाव विहरइ ॥ ६३८ ॥  
 तेण काळेण तेण समएण रायणिहे जाव पुटवित्थिलापट्टए, तस्स ण गुणत्थिलयस्स  
 उज्जाणस्स अदूरमामते बहवे अलट्ठित्थिया परिवसति, तए ण समणे भगव महावीरे  
 जाव समोसडे जाव परिसा पडिगया, तेण काळेण तेण समएण समणस्स भगवओ  
 महावीरस्स जेट्ठे अतेवासी इदमूई नाम अणगारे जाव उट्ठु जाणू जाव विहरइ, तए  
 ण ते अलट्ठित्थिया जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छन्ति उवागच्छइता भगव  
 गोयम एव वयासी-सुत्थे णं अज्जो । तिविह तिविहेण असजय जाव एगतवाला यावि  
 भवह, तए ण भगव गोयमे ते अलट्ठित्थिए एव वयासी-से केण कारणेणं अज्जो !  
 अम्हे तिविह तिविहेण असजय जाव एगतवाला यावि भवामो ? तए ण ते अल-

समन्तोबासए समपस्य मयमभो म्हाभीरस्य बाव निरुग्म हउठे पठिवाई (बापर  
 बाई) पुण्डर ५ १ ता अउरई परिकरिवाइ १ ताउठपु वउइ १ ता समर्न मयम  
 म्हाभीरं वंइर मयसइ वं १ ता बाव पठिगए । अति । ति मयमं बोममे समर्न मयमं  
 म्हाभीरं वंइर मयसइ वं १ ता एवंबकापी-पगू वं मते । मयुए समन्तोबासए देवातु-  
 प्तिमार्नं जतिव जाव पम्पवृत्तए । नो इण्डे समडे, एवं जहेव सेवे तहेव अकामे  
 बाव अंत करे(अ)दिइ ॥ १३३ ॥ हेवै वं मते । महिणिए बाव महेसकवे समघइसई  
 मिठमिणा पमू अचमवैव सदि संयामे संयामेताए । ईता पमू । तामो वं मते ।  
 बोपीओ कि एगजीवकुडामो अवेगजीवकुडामो । वीयया । एमजीवकुडामो नो  
 अवेवजीवकुडामो तेति वं मते । बोपीन अंतर कि एवजीवकुडा अवेवजीव  
 कुडा । नोकमा । एमजीवकुडा नो अवेगजीवकुडा । पुरिसे वं मते । अंतरेव  
 हल्लेव वा एवं वया अउमसए तइए जेसए बाव नो कउ उत्त वतं कमइ  
 ॥ १३४ ॥ अति वं मते । देवाउराव संयामे २ । ईता अति देवाउरेव वं  
 मते । संयामेव वउमावैव किसे तेति देवावं पहरवरवताए परिकमइ । मोकमा ।  
 कवं ते देवा तवं वा कउं वा पतं वा सहरं वा परमुसंति वं (न) तं तेति देवावं  
 पहरवरवताए परिकमइ, जहेव देवावं तहेव अउरउमाराव । नो इण्डे समडे,  
 अउरउमाराव देवावं निव मिठमिया पहरवरवता ५ ॥ १३५ ॥ हेवै वं मते ।  
 महिणिए बाव महेसकवे पमू कमकसुई अउपरियहितावं इम्कामपकिताए ।  
 ईता पमू, हेवै वं मते । महिणिए एवं बायसई वीवं बाव ईता पमू, एवं बाव  
 कमवरं वीवं बाव ईता पमू, ते वं परं वीवपुजा नो वेव वं अउपरियेव  
 ॥ १३६ ॥ अति वं मते । देवा वं अमते कमसे बाहेवं एवेव वा रोहि वा  
 तिहि वा अमतेवं वंइ वससपुई कमवति । ईता अति अति वं मते ।  
 देवा वं अमते कमसे बाहेवं एवेव वा रोहि वा तिहि वा अमतेवं वंइ वस  
 ससपुई कमवति । ईता अति अति वं मते । ते देवा वं अमते कमसे बाहेवं  
 एवेव वा रोहि वा तिहि वा अमतेवं वंइ वसससपुइसई कमवति । ईता अति  
 कमरे वं मते । ते देवा वं अमते कमसे बाहेवं एवेव वा रोहि वा तिहि वा बाव  
 वंइ वससपुई कमवति कमरे वं मते । ते देवा बाव वंइ वसससपुइसई  
 कमवति कमरे वं मते । ते देवा बाव वंइ वसससपुइसई कमवति ।  
 योम्या । बावमंतए देवा अमते कमसे एवेवं वाससपुवं कमवति अउरिद-  
 जिवा वं मयमवापी देवा अमते कमसे रोहि वाससपुई कमवति अउरिद-  
 देवा अमते कमसे ति(टी)ई वाससपुई कमवति अउरमयमवातापुजा बोइय

माणुपोगल ज समय जाणइ नो त समय पासइ, ज समय पासइ नो त समय जाणइ ? गोयमा ! सागारे से नाणे भवइ, अणागारे से दसणे भवइ, से तेणट्टेण जाव नो त समय जाणइ, एव जाव अणतपएत्तियं । केवली ण भते ! मणुस्से परमाणुपोगल जहा परमाहोहिए तहा केवलीवि जाव अणतपएत्तिय ॥ सेव भते ! सेव भते ! ति ॥ ६४० ॥ अट्टारसमस्स सयस्स अट्टमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एव वयासी-अत्थि ण भते ! भवियदव्वनेरइया ० ? हता अत्थि, से केणट्टेण भते ! एव बुचइ भवियदव्वनेरइया ० ? गोयमा ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा नेरइएणु उववज्जितए से तेणट्टेण, एव जाव थणियकुमारा, अत्थि ण भते ! भवियदव्वपुढविकाइया ० ? हता अत्थि, से केणट्टेण भते ! एव ० ? गोयमा ! जे भविए तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवे वा पुढविकाइएणु उववज्जितए से तेणट्टेण, आउक्काइयवणस्सडकाइयाण एव चेव उववाओ, तेउवाउवेइदियतेइदियचउरिंदियाण य जे भविए तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण जे भविए नेरइए वा तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवे वा पंचिंदियतिरिक्खजोणिए(वा)णु उववज्जितए एव मणुस्सावि, वाणमतरजोइत्तियवेमाणियाण जहा नेरइयाण ॥ भवियदव्वनेरइयस्स ण भते ! केवइय काल ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोत्तेण पुव्वकोढी, भवियदव्वअन्नुरकुमारस्स ण भते ! केवइय काल ठिइ प० ? गोयमा ! जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोत्तेण तिन्नि पलिओवमाइ, एव जाव थणियकुमारस्स । भवियदव्वपुढविकाइयस्स ण पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोत्तेण साइरेगाई दो सागरोवमाइ, एव आउक्काइयस्सवि, तेउवाळ जहा नेरइयस्स, वणस्मइकाइयस्स जहा पुढविकाइयस्स, वेइदियस्स तेइदियस्स चउरिंदियस्स जहा नेरइयस्स, पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोत्तेण तेत्तीस सागरोवमाइ, एव मणुस्सावि, वाणमतरजोइत्तियवेमाणियस्स जहा अन्नुरकुमारस्स ॥ सेव भते ! सेव भते ! ति ॥ ६४१ ॥ अट्टारसमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-अणगारे ण भते ! भवियप्पा अत्तिधार वा उरुधार वा ओगाहेज्जा ? हता ओगाहेज्जा, से ण तत्थि छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ? णो इणट्टे समट्टे, णो खलु तत्थि सत्थि कमइ, एव जहा पचममए परमाणुपोगलवत्तवया जाव अणगारे ण भते ! भवियप्पा उदावत्त वा जाव नो खलु तत्थि सत्थि कमइ ॥ ६४२ ॥ परमाणुपोगले ण भते ! वाउयाएण फुडे वाउयाए वा परमाणुपोगलेण फुडे ? गोयमा ! परमाणुपोगले वाउयाएणं फुडे नो वाउयाए परमाणुपोगलेण

सत्त्विका मयस्य योग्ये एवं ब्रह्माणी-तुष्मे न अज्यो ! रीर्य रीर्यमाणा पाणि पेक्षेह  
अभिहन्तु वात स(व)द्वैह, तए न तुष्मे पाणि पेक्षेमाणा वात उर्ध्वेमाणा तिमिह  
तिमिहेन वात एतत्वाका वाति मयस्य, तए न मयस्य योग्ये ते अज्योतिष्य एवं  
ब्रह्माणी-नो यज्य अज्यो ! अज्ये रीर्य रीर्यमाणा पाणि पेक्षेमो वात उर्ध्वेयो अज्ये  
न अज्यो ! रीर्य रीर्यमाणा वात न वात न रीर्य न पटुण दिस्सा २ पटिस्सा २  
मयस्यो तए न अज्ये दिस्सा दिस्सा ब्रह्माणा पटिस्सा पटिस्सा ब्रह्माणा नो पाणि  
पेक्षेमो वात नो उर्ध्वेयो तए न अज्ये पाणि अपेक्षेमाणा वात अज्योर्ध्वमाणा तिमिह  
तिमिहेन वात एतत्पटिवा वाति मयस्यो तुष्मे न अज्यो ! अप्यमा न अज्यो  
तिमिहेन वात एतत्वाका वाति मयस्य, तए न ते अज्योतिष्य मयस्य योग्ये एवं  
ब्रह्माणी-नो अज्ये अज्यो ! अज्ये तिमिह तिमिहेन वात मयस्यो ! तए न मयस्य  
योग्ये ते अज्योतिष्य एवं ब्रह्माणी-तुष्मे न अज्यो ! रीर्य रीर्यमाणा पाणि पेक्षेह  
वात उर्ध्वेह, तए न तुष्मे पाणि पेक्षेमाणा वात उर्ध्वेमाणा तिमिह वात एतत्-  
वाका वाति मयस्य, तए न मयस्य योग्ये ते अज्योतिष्य एवं पटिहन्तु एवं पटिहन्तिता  
जेनेव समस्य मयस्य महावीरे समस्य उवायज्य २ ता समस्य मयस्य महावीरे वद  
ममस्य वदित्ता ममस्य वाताका वात पटुवाचह, योग्याणि । समस्य मयस्य महा-  
वीरे मयस्य योग्ये एवं ब्रह्माणी-तुष्मे न तुष्मे योग्ये ! ते अज्योतिष्य एवं ब्रह्माणी  
साहु न तुष्मे योग्ये ! ते अज्योतिष्य एवं ब्रह्माणी वाति न योग्ये ! मम बह्वे  
अवेवाणी समस्य तिग्माका छत्रमत्वा नो नो नो पटु एवं वायव्यं वागरेतए अज्यो  
न तुष्मे तं तुष्मे न तुष्मे योग्ये ! ते अज्योतिष्य एवं ब्रह्माणी साहु न तुष्मे योग्ये !  
ते अज्योतिष्य एवं ब्रह्माणी ॥ ११९ ॥ तए न मयस्य योग्ये समस्येन मयस्यो मयस्य-  
वीरेन एवं तुष्मे समस्ये हज्युह्य समस्य मयस्य महावीरे वद ममस्य न २ तए एवं  
ब्रह्माणी-छत्रमत्वा न मते ! मयस्ये परमात्मयोग्ये किं वायव्यं वागरेतए अज्यो  
न वागरेतए मयस्य ! अत्येयए वायव्यं वागरेतए अज्यो न वागरेतए अज्यो न वागरेतए अज्यो  
मयस्य न मते ! मयस्ये तुष्मेति नो किं वायव्यं वागरेतए एवं येन, एवं वात अज्यो-  
तिष्यमयस्येन छत्रमत्वा न मते ! मयस्ये अत्येयएति नो किं तुष्मे योग्ये !  
अत्येयए वायव्यं वागरेतए १ अत्येयए वायव्यं न वागरेतए २ अत्येयए न वायव्यं  
वागरेतए ३ अत्येयए न वायव्यं न वागरेतए ४ आहोतिष्य न मते ! मयस्ये परमात्म-  
योग्ये अज्यो छत्रमत्वा एवं आहोतिष्ये वात अत्येयएति परमाहोतिष्य न मते !  
मयस्ये परमात्मयोग्ये न समस्ये वायव्यं तं समस्ये वागरेतए, न समस्ये वागरेतए तं समस्ये  
वायव्यं । नो वदते समस्ये, ते केनहेन मते ! एवं तुष्मे परमाहोतिष्य न मयस्ये पर

માણુપોગલ જ સમય જાણડ નો ત સમય પામડ, જ સમય પાસડ નો ત સમય જાણડ ? ગોયમા ! સાગારે સે નાળે ભવડ, અળાગારે સે દમળે ભવડ, સે તેળટેળ જાવ નો ત સમય જાણડ, એવ જાવ અળતપણસિયં । કેવલી ણ મતે ! મણુસે પર-માણુપોગલ જહા પરમાહોદિએ તહા કેવલીવિ જાવ અળતપણસિય ॥ સેવં મતે ! મેવં મતે ! તિ ॥ ૬૪૦ ॥ અટ્ટારસમસ્સ સયસ્સ અટ્ટમો ઉદેસો સમત્તો ॥

રાયગિહે જાવ એવ વયાસી-અત્થિ ણ મતે ! ભવિયદવ્વનેરડયા > ? હતા અત્થિ, સે કેળટેળ મતે ! એવ લુચડ ભવિયદવ્વનેરડયા > ? ગોયમા ! જે ભવિએ પચ્ચિદિયતિરિક્કજોણિએ વા મણુસે વા નેરડણુ ઉવવજ્જિતએ સે તેળટેળ, એવ જાવ થણિયકુમારા, અત્થિ ણ મતે ! ભવિયદવ્વપુઢવિકાડયા > ? હતા અત્થિ, સે કેળટેળ મતે ! એવ > ? ગોયમા ! જે ભવિએ તિરિક્કજોણિએ વા મણુસે વા દેવે વા પુઢવિકાડણુ ઉવવજ્જિતએ સે તેળટેળ, આડકાડયવળસ્સડકાડયાળ એવ ચેવ ઉવવાઓ, તેડવાડવેડિદિયતેડિદિ-યવરિદિયાળ ય જે ભવિએ તિરિક્કજોણિએ વા મણુસે વા પચ્ચિદિયતિરિક્કજોણિ-યાળ જે ભવિએ નેરડણુ વા તિરિક્કજોણિએ વા મણુસે વા દેવે વા પચ્ચિદિયતિરિક્કજોણિએ(વા)ણુ ઉવવજ્જિતએ એવ મણુસાવિ, વાળમતરજોડિયિયવેમાણિયાળં જહા નેરડયાળ ॥ ભવિયદવ્વનેરડયસ્સ ણ મતે ! કેવડય કાલ ઠિડં પ > ? ગોયમા ! જહનેગ અતોમુહુત ડકોસેળ પુવ્વકોઢી, ભવિયદવ્વઅમુરકુમારસ્સ ણ મતે ! કેવડય કાલ ઠિડં પ > ? ગોયમા ! જહનેગ અતોમુહુત ડકોસેળં તિણિ પલિઓવમાડ, એવ જાવ થણિય-કુમારસ્સ । ભવિયદવ્વપુઢવિકાડયસ્સ ણ પુચ્છા, ગોયમા ! જહનેગ અતોમુહુત ડકોસેળ સાડેરેગાડ દો સાગરોવમાડ, એવ આડકાડયસ્સવિ, તેડવાડુ જહા નેરડયસ્સ, વળસ્સડકાડયસ્સ જહા પુઢવિકાડયસ્સ, વેડિદિયસ્સ તેડિદિયસ્સ ચરિદિ-યસ્સ જહા નેરડયસ્સ, પચ્ચિદિયતિરિક્કજોણિયસ્સ જહનેગ અતોમુહુત ડકોસેળ તેત્તીસ સાગરોવમાડ, એવ મણુસાવિ, વાળમતરજોડિયિયવેમાણિયસ્સ જહા અમુર-કુમારસ્સ ॥ સેવ મતે ! સેવ મતે ! તિ ॥ ૬૪૧ ॥ અટ્ટારસમસ્સ સયસ્સ નવમો ઉદેસો સમત્તો ॥

રાયગિહે જાવ એવ વયાસી-અળગારે ણ મતે ! ભાવિયપ્પા અસિધાર વા સુર-ધારં વા ઓગાહેજ્ઞા ? હતા ઓગાહેજ્ઞા, સે ણ તત્થ છિજ્ઞેજ્ઞ વા મિજ્ઞેજ્ઞ વા ? ણો ણટે સમટ્ટે, ણો સલ્લ તત્થ સત્થં કમડ, એવ જહા પચમસણે પરમાણુપોગલવત્તવ્વયા જાવ અળગારે ણ મતે ! ભાવિયપ્પા ઉદાવત્ત વા જાવ નો સલ્લ તત્થ સત્થં કમડ ॥ ૬૪૨ ॥ પરમાણુપોગલે ણ મતે ! વાડયાણ ફુઢે વાડયાણ વા પરમાણુપોગલે ણ ફુઢે ? ગોયમા ! પરમાણુપોગલે વાડયાણ ફુઢે નો વાડયાણ પરમાણુપોગલે



भते ! जवणिज १ सोमिला ! जणुणिजे दुविहे प०, त०-इदियजवणिजे य नोइदिय-  
जवणिजे य, मे कि त इदियजवणिजे १ इदियजवणिजे ज ने मोइदियचक्किन्दिचणि-  
दियजिदिभदियफागिदियाड निस्वहयाड वने वट्ठति सेत्त इंदियजवणिजे, मे कि त  
नोइदियजवणिजे १ २ ज मे कोहमाणमायालोभा वोन्टिजा नो उरीरेंति सेत्त नोइदिय-  
जवणिजे, सेत्त जवणिजे, से कि ते भते ! अवावाह १ सोमिला १ ज मे राइयपित्ति-  
यसिंभियमज्जिवाइया विविहा गेतायरा मरीरगया दोसा उवसना नो उरीरति सेत्त  
अवावाह, कि ते भते ! फासुयविहार १ सोमिला ! जज आरामेसु उजाणेषु डेयडुलेसु  
सभासु पवासु इत्थीपसुपडगविवज्जियासु वमहीसु फासुएमणिज पीडरुगसेजासया-  
रग उवसपज्जिताण विहरामि सेत्त फासुयविहार ॥ सरिसवा ते भते ! कि भक्खेया  
अभक्खेया १ सोमिला ! सरिसवा भक्खेयावि अभक्खेयावि, से केगट्टेण भते !  
एवं वुच्चइ सरिसवा भक्खेयावि अभक्खेयावि १ से नूण ते सोमिला ! वमन्नएसु  
नएसु दुविहा सरिमवा पज्जता, तजहा-मित्तसरिसवा य धम्मसरिमवा य, तत्थ ण  
जे ते मित्तसरिमवा ते तिविहा प०, त०-सहजायया सहवट्ठि(य)या महपमुट्ठि-  
(य)या, ते ण समणाण निग्गयाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते धम्मसरिमवा ते  
दुविहा प०, त०-सत्यपरिणया य असत्यपरिणया य, तत्थ ण जे ते अनत्यपरि-  
णया ते ण समणाण निग्गयाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते सत्यपरिणया ते  
दुविहा प०, त०-एसणिजा य अणेसणिजा य, तत्थ ण जे ते अणेमणिजा ते  
समणाण निग्गयाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते एसणिजा ते दुविहा प०, त०-  
जाइया य अजाइया य, तत्थ ण जे ते अजाइया ते ण समणाण निग्गयाण अभ-  
क्खेया, तत्थ ण जे ते जाइया ते दुविहा प०, त०-लद्धा य अलद्धा य, तत्थ  
ण जे ते अलद्धा ते ण समणाण निग्गयाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते लद्धा ते  
ण समणाण निग्गयाण अभक्खेया, से तेणट्टेण सोमिला ! एव वुच्चइ जाव अभक्खे-  
यावि । मासा ते भते ! किं भक्खेया अभक्खेया १ सोमिला ! मासा ने भक्खेयावि  
अभक्खेयावि, से केणट्टेण भते ! जाव अभक्खेयावि १ से नूण ते सोमिला !  
वमन्नएसु नएसु दुविहा मासा प०, त०-दव्वमासा य कालमासा य, तत्थ ण जे ते  
कालमासा ते ण सावणादीया आसाठपज्जवसाणा दुवालस प०, त०-सावणे भव्वए  
आसोए कत्तिए मग्गसिरे पोसे माहे फागुणे चेतो वइसाहे जेठामूले आमाडे, ते ण  
समणाण निग्गयाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते दव्वमामा ते दुविहा प०, त०-  
अत्यमासा य धण्णमासा य, तत्थ ण जे ते अत्यमासा ते दुविहा प०, त०-  
सुवन्नमासा य रुप्पमासा य, ते ण समणाण निग्गयाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते





भते । जवणिज्ज १ सोमिला । जवणिज्जे दुविहे प०, त०-इदियजवणिजे य नोइदिय-  
जवणिजे य, से कि त इदियजवणिजे १ इदियजवणिजे ज मे सोइदियचकिंखदियघाणि-  
दियजिब्भदियफासिंदियाड निरुवहयाइ वसे वट्ठति सेत्त इदियजवणिजे, से किं तं  
नोइदियजवणिजे १ २ ज मे कोहमाणमायालोभा वोच्छिन्ना नो उदीरंति सेत्त नोइदिय-  
जवणिजे, सेत्त जवणिजे, से किं ते भते । अवावाह १ सोमिला । ज मे वाडयपित्ति-  
यसिंभियसन्निवाइया विविहा रोगायका सरीरगया दोसा उवसता नो उदीरंति सेत्त  
अवावाह, किं ते भते । फासुयविहार १ सोमिला । जन्न आरामेसु उज्जाणेषु ठेवउलेसु  
सभासु पवासु इत्थीपसुपद्दगविवज्जियासु वसहीसु फासुएसणिज्ज पीडफलगसेजासथा-  
रग उवसपज्जिताण विहरामि सेत्त फासुयविहार ॥ सरिसवा ते भते । किं भक्खेया  
अभक्खेया १ सोमिला । सरिसवा भक्खेयावि अभक्खेयावि, से केणट्ठेण भते ।  
एवं बुच्चइ सरिसवा भक्खेयावि अभक्खेयावि १ से नून ते सोमिला । वभन्नएसु  
नएसु दुविहा सरिसवा पन्नत्ता, तजहा-मित्तसरिसवा य धन्नसरिसवा य, तत्थ ण  
जे ते मित्तसरिसवा ते ति विहा प०, त०-सहजायया सहवट्ठि(य)या सहपंपुकीलि-  
(य)या, ते ण समणाण निग्गथाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते धन्नसरिसवा ते  
दुविहा प०, त०-सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य, तत्थ ण जे ते अमत्थपरि-  
णया ते ण समणाण निग्गथाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते सत्थपरिणया ते  
दुविहा प०, त०-एसणिज्जा य अणेसणिज्जा य, तत्थ ण जे ते अणेसणिज्जा ते  
समणाण निग्गथाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते एसणिज्जा ते दुविहा प०, त०-  
जाइया य अजाइया य, तत्थ ण जे ते अजाइया ते ण समणाण निग्गथाण अभ-  
क्खेया, तत्थ ण जे ते जाइया ते दुविहा प०, त०-लद्धा य अलद्धा य, तत्थ  
ण जे ते अलद्धा ते ण समणाण निग्गथाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते लद्धा ते  
ण समणाण निग्गथाण भक्खेया, से तेणट्ठेण सोमिला । एव बुच्चइ जाव अभक्खे-  
यावि । मासा ते भते । किं भक्खेया अभक्खेया १ सोमिला । मासा मे भक्खेयावि  
अभक्खेयावि, से केणट्ठेण भते । जाव अभक्खेयावि १ से नून ते सोमिला ।  
चमन्नएसु नएसु दुविहा मासा प०, त०-दव्वमासा य कालमासा य, तत्थ ण जे ते  
कालमासा ते ण सावणावीया आसाढपज्जवसाणा दुवालस प०, त०-सावणे भव्वए  
आसोए कप्पिए मग्गसिरे पोसे माहे फाणुणे चेत्ते वइसाहे जेट्ठामूले आसाढे, ते ण  
समणाण निग्गथाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते दव्वमासा ते दुविहा प०, त०-  
अत्यमासा य धण्णमासा य, तत्थ ण जे ते अत्यमासा ते दुविहा प०, त०-  
सुवन्नमासा य रुप्पमासा य, ते ण समणाण निग्गथाण अभक्खेया, तत्थ ण जे ते

वचसात्ता तं दुमिहा प तं—सत्त्वपरिमया व असत्त्वपरिमया य एवं जहा पञ्च-  
 सत्त्विका जाव से तेभ्योऽर्थं जाव अमकसेयाणि । कुम्भत्वा से मते । किं मकसेया  
 अमकसेया ? छेमिन् । कुम्भत्वा मे मकसेयाणि अमकसेयाणि, से केयुद्धेन जाव  
 अमकसेयाणि । से पूर्व ते छेमिका । नमकपुष्ट पपुष्ट दुमिहा कुम्भत्वा प तं—  
 इतिपुष्टत्वा य वचपुष्टत्वा य तत्त्व वं मे से इतिपुष्टत्वा से तिमिहा प तं जहा—  
 कुम्भज्जमाह वा कुम्भहृ(धू)याह वा कुम्भमात्रयाह वा से वं समन्तार्थ निर्मा-  
 नार्थ अमकसेया तत्त्व वं मे से वचपुष्टत्वा एवं जहा वचसत्त्विका से तेभ्योऽर्थं  
 जाव अमकसेयाणि ॥ १४५ ॥ एगे मर्षं कुर्वे मर्षं अकटाए मर्षं अन्वाए मर्षं अह  
 क्षिण् मर्षं अयेमभूवमावमणिए मर्षं । छेमिका । एगेमि जाह जाव अन्वैपमूवमान-  
 मणिएमि जाह, से केयुद्धेन मते । एवं कुम्भह जाव मणिएमि जाह । छेमिका । वच-  
 ह्वाए एगे जाह, मानदत्तपुष्टत्वाए दुमिहे जाह, पपुष्टत्वाए अकटाएमि जाह अन्वाएमि  
 जाह अहक्षिण्मि जाह, सक्थेगह्वाए अयेमभूवमावमणिएमि जाह, से तेभ्योऽर्थं जाव  
 मणिएमि जाह, एर ४ वं से छेमिके माहमे छेदुहि, तए वं से समर्थ समर्थ महावीरं जहा  
 वंद्यो जाव से जहेनं दुम्मे वदह जहा वं देवत्तुप्पिमानं अतिर्यं जहेनं राहिर  
 एवं जहा रायप्पसेवज्जे विद्यो जाव कुम्भान्ममिहं सत्त्वगधर्मं पवित्रज्जं पवित्रज्जिणा  
 सत्त्वमं मत्तां महावीरं वंदह मर्मसह वं २ ता जाव पवित्रए, तए वं से छेमिके माहमे  
 समन्तोवात्ताए जाए अमिममवीणा जाव मिहए । मति । ति भगवं योग्यं सत्त्वमे ममर्थं  
 महावीरं वंदह मर्मसह वं २ ता एवं ववासी—एव वं मते । छेमिके माहमे  
 देवत्तुप्पिमानं अतिर्यं सुंवे ममिता जहेव धंवे तहेव विरक्थेछं जाव मंतं जह्ति ।  
 हितं मते । २ ति जाव मिहए ॥ १४६ ॥ अङ्गारसमस्स सपस्स वत्तमो  
 जहेसो समत्तो ॥ अङ्गारसमं सत्त्वं समत्तं ॥

केस्ता व १ पम्प २ पुडवी ३ महात्ता ४ वरम ५ वीर ६ मन्ना ७ व ।  
 निम्बदि ८ करम ९ वचपुष्टत्वा व १ एवमपुष्टत्वा ॥ १ ॥ रायपिहे जाव एवं  
 ववासी—वद वं मते । केस्ताभो पञ्चाभो । गोमया । केस्ताभो पञ्चाभो तं जहा—  
 एवं जहा पञ्चपाए वद्वत्तो केयुद्धेसभो गामिकण्णो निरक्थेयो । सेवं मते । २ ति  
 ॥ १४७ ॥ एयूणावीसहमस्स सपस्स पद्धमो जहेसो समत्तो ॥

वद वं मते । केस्ताभो प । एवं जहा पञ्चपाए एयूणेपो छो येव निरक्थेछो  
 गामिकण्णो । सेवं मते । हितं मते । ति (१९-२) ॥ १४८ ॥ रायपिहे जाव एवं  
 ववासी—सिध मते । जाव जतादि पंच पुडलिकट्टया एगवभो साहारमसीरं वं वंति  
 एव २ ता तम्मे पञ्च आहारैदि वा परिणामेति वा सरीरं वा वं वंति । नो वं वंति



वचमासा ते बुविहा प तं—हरकपरिमया न असरकपरिमया य एवं जहा मन्-  
 सरिचवा जाव से तेजद्वेर्ण जाव अमकसेयाणि । कुम्भत्वा तं मते । हि मन्सेना  
 अमन्सेना । सेमिमा । कुम्भत्वा मे मन्सेयाणि अमन्सेयाणि से केमद्वेर्ण जाव  
 अमन्सेयाणि । से मूर्ध ते सेमिमा । नमन्पण्ड नपुंस् बुविहा कुम्भत्वा प तं—  
 इतिपुम्भत्वा न वचमुम्भत्वा य उत्प नंके ते इतिपुम्भत्वा से विविहा प तंजहा-  
 कुम्भत्वायाह वा कुम्भत्वा(पु)वाह वा इत्थमात्वाह वा ते व समन्तात् विम्भ-  
 ताव अमन्सेना उत्प नं के ते वचमुम्भत्वा एवं जहा मन्सरिचवा से तेजद्वेर्ण  
 जाव अमन्सेयाणि ॥ ६४५ ॥ एगे मर्ष बुवे मर्ष अकपए मर्ष अन्वए मर्ष अक-  
 द्विए मर्ष असेपमूवनावमनिए मर्ष । सेमिमा । एगेमि अह जाव अन्वेगमूवमाव-  
 मनिएमि अह, से केमद्वेर्ण मते । एवं पुम्भ जाव मनिएमि अह । सेमिमा । वच-  
 कुवाए एगे अह, नामरंसवकुवाए बुविहे अह, पण्डकुवाए अककएमि अह अन्वएमि  
 अह अकद्विएमि अह, उक्थेगकुवाए अन्वेगमूवमावमनिएमि अह, से तेजद्वेर्ण जाव  
 मनिएमि अह, एव नं से सेमिमे माहमे संकुडे, तए नं से समर्ष मयर्ष महावीर जहा  
 कंदयो जाव से जहेयं तुम्मे वएह जहा नं देवापुमिनाम अंतिव नहवे एहैवर  
 एवं जहा रायप्पसेमएके विचो जाव कुवाकसाहि सत्यपवर्म्म पविजग्ग पविजजिवा  
 सत्यर्ष नगर्ष महावीर वंइ नमेसइ नं १ ता जाव पवियए, तए नं से सेमिमे माहमे  
 समन्तोवापए जाए अमियकसीवा जाव विहरइ । मते । ति मयर्ष गोम्म समर्ष मयर्ष  
 महावीर वंइ नमेसइ नं १ ता एवं वजासी—पमू नं मते । सेमिमे माहमे  
 देवापुमिनाम अंतिए सुंठे मनिमा जहेव संके तहेव निरक्सेर जाव मर्ष अहिइ ।  
 सेर्ष मते । २ ति जाव विहरइ ॥ ६४६ ॥ अनुसरसमस्स सयस्स जसमो  
 जहेसो समत्तो ॥ अनुसरसमं सयं समत्तं ॥

केस्ता य १ मम्म २ पुजवी ३ महाउवा ४ वरम ५ वीव ६ भवणा ७ य ।  
 निम्बति वरम १ वचवत्ताय न १ एण्णवीउरमे ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं  
 वजासी—कइ नं मते । केस्ताओ पत्ताओ १ गोम्मा । जनेताओ पत्ताओ तंजहा-  
 एवं जहा पक्कणाए वज्जवी केडुहसो माविकवो निरक्सेर । सेर्ष मते । २ ति  
 ॥ ६४७ ॥ एण्णवीउरमस्स सयस्स पडमो उहेसो समत्तो ॥

कइ नं मते । केस्ताओ य १ एवं जहा पक्कणाए पम्पुरेयो सो येव निरक्सेर  
 माविकवो । सेर्ष मते । सेर्ष मते । ति (१९-२) ॥ ६४८ ॥ रायगिहे जाव एवं  
 वजासी—तिव मते । जाव वतामि पंथ पुजमिच्छया एगवओ साहारवसरीर वंभंति  
 एव १ ता उभे पक्क माहारंति वा परिणामंति वा सरीर वा वंभंति । मो इण्ठे-



ये येव माभियन्तो जाव उन्वईति नवरं डिई सपमाससहस्रार्थं लोकेषुं सेरं तं  
 येव । शिव मंते । जाव अत्तारि पंच संतडाइया एव येव नवरं उवसाओ डिई  
 उन्वत्ता व बहा पञ्चवाए सेरं तं येव । वाउअइयाव एव येव नवरं नवरं  
 अत्तारि सुमुत्तावा । शिव मंते । जाव अत्तारि पंच नवस्तहस्रार्थं पुच्छ, गोवमा ।  
 ना इन्द्रे समे, मनेता नवस्तहस्रार्थं एगमओ साहारमपरैरं वंरंति एव २  
 ता तयो पञ्च आहारंति वा परिचामेति वा सेरं जहा वेउअइयाव जाव उन्व-  
 ईति, नवरं अहारो निर्ययं करिंति डिई अइवेरं अंतोमुहुतं लोकेषुं मंतेमुहुतं,  
 सेरं तं येव ॥ १५५ ॥ एएति वं मंते । पुडमिअइयाव आउतेउवाउववस्तह-  
 स्रार्थं सुमाए वाउउये पञ्चत्तारं अपञ्चत्तारं जाव अइमुहंतिवाए ओमाइ  
 वाए क्वरे २ जाव निसेसाइिया वा । योक्सा । उन्वत्तेवा सुमनिपोवस्त अज-  
 तास्त अइविवा ओगाइया १ सुमवाउवाइवस्त अपञ्चत्तारस्त अइविवा ओया  
 इया अउंवेउत्तुवा २ सुमवेउवाउववस्त अइविवा ओगाइया अउंवेउत्तुवा ३,  
 सुमवाउववस्त अइविवा ओयाइया अउंवेउत्तुवा ४ सुमपुडमिअपञ्च-  
 त्तारस्त अइविवा ओमाइया अउंवेउत्तुवा ५ वाउवाउवाइवस्त अपञ्चत्तारस्त अइ-  
 विवा ओगाइया अउंवेउत्तुवा ६, वाउवउववस्त अइविवा ओयाइया अउंवेउत्तुवा ७  
 वाउपुडमिअवववस्त अइविवा ओगाइया अउंवेउत्तुवा ८ वाउवववस्त अइविवा  
 ओमाइया अउंवेउत्तुवा ९ वाउवववस्त एएति वं पञ्चत्तारं एएति वं अपञ्च-  
 त्तारं अइविवा ओमाइया ओवमि तुम अउंवेउत्तुवा १ - ११ सुमनिपोवस्त  
 पञ्चत्तारस्त अइविवा ओयाइया अउंवेउत्तुवा १२ तस्त येव अपञ्चत्तारस्त लो-  
 केषुं ओयाइया निसेसाइिया १३ तस्त येव पञ्चत्तारस्त लोकेषुं ओयाइया  
 निसेसाइिया १४ सुमवाउवाइवस्त पञ्चत्तारस्त अइविवा ओमाइया अउंवेउ-  
 त्तुवा १५, तस्त येव अपञ्चत्तारस्त लोकेषुं ओमाइया निसेसाइिया १६, तस्त  
 येव पञ्चत्तारस्त लोकेषुं ओमाइया निसेसाइिया १७ एव सुमवेउवाइवस्त  
 मंते १८१९२० । एव सुमवाउवाइवस्त २१२२२३ । एव सुमपुडमि-  
 अइवस्त निसेसाइिया २४२५२६ । एव वाउवाउवाइवस्त निसेसाइिया २७२८  
 २९ । एव वाउवेउवाइवस्त निसेसाइिया ३ ३१३२ । एव वाउवाउवाइवस्त  
 निसेसाइिया ३३३४३५ । एव वाउपुडमिअववस्त निसेसाइिया ३६३७३८  
 उन्वैति शिवेवं यमेवं माभियन्तं वाउमिपोवस्त पञ्चत्तारस्त अइविवा ओया-  
 इया अउंवेउत्तुवा ३९ तस्त येव अपञ्चत्तारस्त लोकेषुं ओमाइया निसेसा-